

हिन्दे घर

कलचर पर हर तरह की कितावें मिलने का एक बड़ा केन्द्र---पाठक हिन्दी, उदू, अंग्रेज़ी की अपनी मन-पसन्द किताबों के लिये हमें लिखें।

हमारी नई किताबें

महात्मा गाँन्धी की वसीयत

(हिन्दी और उद्दं में) लेखक-गान्धीबाद के माने जाने विद्वान : स्वर्थ श्री मंजर श्रली सास्ता सके 225, क्रीमत दो रूपया

गोंन्धी बाबा

(बच्चों के लिये बहुत दिलचस्प किताब) लेखिका-कुदसिया जैदी भूमिका-पन्डित जवाहरलाल नेहरू मोटा काराज, मोटा टाइप, बहुत-सी रंगीन तसवीरें दाम दो रुपया

> पंडित सुन्दरलाल जी की लिखी किताबें गीता और करान 275 सके, दाम ढाई रूपया

-:0:-

हिन्दू मुसलिम एकता 100 सफ़े, दाम बारह आने

महात्मा गाँन्धी के बलिदान से सबक्र

क्रीमत बारह आने

पंजाब हमें क्या सिखाता है

क्रीमत चार श्राने

बंगाल और उससे सबक्र क्रीमत दो आने

हिन्दुस्तानी कलचर सोसायटी

5 मटोगंज इलहबद

هندی گهر

کلیجر پر هر طرح کی کتابیں ملنے کا ایک برا کیندر_باتهک هندی اُردر' انگریزی کی من پسند کتابوں کے الم همبس لكهيس.

ههاری نئی کتابیں

مهاتها کاندهی کی وصیت

(عندی اور آردر میں) لیکھک۔۔۔ گائدھ واد کے مائے جائے ودوان: سوركيه شرى منظر على سوخته مفتح 225 فيمت دو رويه -:0:-

كندهي بابا

(سچاں کے الم بہت داموسپ کتاب) ليكهكا ويدي بهوم كالسينذت جواعر لال نهرو موقا كاعد موتا تائب بهت سي رتيين نصويوين دام دو روپیه

پندت سندرلال جي کي لکھي نتابيس گیمها اور قران ۱۹۶۶ صفحهٔ دام تعالی رویه

هندو مسلم ايكتا (100 منحد دام باره آنے

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

پنجاب همیں کیا سکھاتا ہے قيست چار آلے بنگال اور اُس سے سبق تیب در آنے .

هندستاني كليجر سوسائتي

141 منهى كنير العآباد

सां छातक साहित्य

سانسكوتك ساهتيه

हजरत मोहम्मद और इसलाम

लेखक—परिडत धुन्दरलाल, मृ्त्य—तीन रुपया इसलाम के पैग्म्बर के सम्बन्ध में भारतीय माधाओं में इस से युन्दर कोई दूसरी पुस्तक नहीं

हजरत ईसा चौर ईसाई धर्म लेखक-पन्डित सुन्दरलाल, मूल्य-डेद रुपया

महात्मा जरथुत्र झौर ईरानी संस्कृति लेखक-विश्वम्भरनाथ पांडे, क्रीमत-दो रुपया

यहूदी धर्म झौर सामी संकृति लेखक—विश्वनभरनाथ पांडे, क़ीमत -दो रूपया

प्राचीन मिस्र की सभ्यता और संकृति लेखक---विश्वनमरनाथ पांडे, क्रीमत--दो मृतया

सुमेर बाबुल ऋौर ऋसुरिया की ।चीन संकृति

लेखक--विश्वमभरनाथ पांडे, क्रीमत--दा रुपया प्रचीन यूननी सभ्यत श्रोर संकृतिः

लेखक--विश्वमभरनाथ पांडे, क्रीमत-दा रुपया

गंगा से गोमती तक

(प्रगतिशील कहानी संप्रह) लेखक--श्री मुजीब रिजवी, क्रीमत-दा रूपया

अ।ग और आँस

(भावपूने सामाजिक कहानियाँ)

क्ति-डाक्टर अस्तर हुसेन रायपुरी, क्रीमत-डेढ़ रुपया

कुरान और धर्मिक मतभेद

खिक-मीलाना अनुलकलाम आजाद, क्रीमत-डेढ़ रूपया

संकर

(प्रगतिशील कविताओं का संप्रह) लेखक-रंपुपति सहाय फिराक्त, कीमत - तीन रुपया حضوت محمد اور إعلام

مولیه—تین روپیه اسلم کے پینمو کے سمبندہ میں بھارتیہ بھاشاؤں میں اِس سے سندر کوئی دوسری پستک نهیر

حضرت عيسي اور عيسائى دهرم ليك بنت سندر الله مولية دربية

مهادها زر تهستر اور ایرانی سنسکردی اینک - رشوبه نانه بانده نست در رویه

یهوده دهوم اور سامی سنسکوتی لیمهک رشومبهر ناته باندے نیست در رویه

پراچین مصر کی سبهیتا اور سنسکرتی اینک رویه اینک درویه

سمير عابل اور أسوريا كي براجين سنسكرتي ليكهك -- وشومبهر ثاته بانذے الله على الله

پراچین یونانی سبعیتا اور سنسکرتی اینک درویه

گنگا سے گومتی تک

(پرگتی شیل کہانی سناوہ) لیکهک - شری منجیب رضوی

اک اور انسو

(بهاوپورن سمآجک کهانیان) لهم عند المعر حسون رائه بورى و تبيت - تيوه رويه

قرأن اور دهارمک مع بهید اینهک سرون ابرکلم آزاد نست قریم

جهنكار

(درگتی شهل کویتاؤں کا سفکرہ) لهکهک-رگهوپتی سائه فراق ، مهست تین روپهه

मिलने का पता रू ४ सं

हिन्दुस्तानी कलचर सोसायटी ^{ुराम्}रूप उपस्थान

145 मुट्टीगंज, इसहबद المآباد 145 विकास منهى كلنج المآباد

·			
0			
•	•		

नए-नए रास्ते खुलने की आशा है. आकाश के दूसरे गोलों के साथ हमारा सम्बन्ध मानव उन्नति के मार्ग पर एक बहुत बड़ा सीमा चिन्ह है. मानव समाज की इससे बहुत बड़ी आर्थिक और नैतिक काया पलट हो सकती है.

एक खास मजाक की बात इस बनावनी चाँद के सम्बन्ध में यह हुई कि दीरोशिमा और नागासाकी के बमों द्वारा इन्सानी बरबादी से जिन लोगों के अतःकरन (जमीरों) को चोट नहीं लगी थी, जो लाखों बन्दरों सौर सुकरों को हर साल अपने साइन्सी तजरबों के लिए तड़पा-तद्गा कर मारते रहने हैं, रूसी सैटिलाइट की एक कुतिया की मीत का ख्याल करके ही उनके दिल पिघल गए और उनकी छातियों से दूध टपक पड़ा !

इम सोवियत रूस को , दुनिया को और दुनिया की जनता का इस नई ईजाद के लिए दिल से बधाई देते हैं.

الله الله المال كولل كي ألها هـ أكلس ك دوسرت الواس ك ساته ھمارا سمیدھ مائر آلتی کے مارک پر ایک بہت ہوا سما چنو ہے . ما نو سماج کی اِس سے بہت اُڑی آرتیک اور نینک کایابات هو سکتے ہے .

ایک خاص مناق کی بات اِس بناوئی چاند کے سمبلدھ میں یہ ہوئی کہ مهروشما اور ناکا ساکی کے بموں دوارا انسانی ہربادی سے جن لوگیں کے اُنته کرن (ضمیروں) کو چوت نہیں لکی تھی' جو لائھوں ہندروں اور سوروں کو هر سال اپنے سائنسی تعجربیں کے لئے تریا کر مارتے رہتے ہیں اروسی سیٹیلائٹ کی ایک کٹھا کی موت کا خیال کر کے ھی اُن کے دل بکیل گئے اور ان کی چھانوں سے دودہ ٹیک پڑا ۔

هم سرویت روس کوا دنیا کو اور دنیا کی جفتا کو اِس نئی ایجاد کے ائے دل سے بدھائے دیتے دیں .

15-11-57

-سندر لال .

सुन्दरवाल

15. 11. 57

में यह कहीं अधिक सहायक है, उस रास्ते में और गाँधी जी के बताए हुए रास्ते में समन्वय भी हो सकता है और हमारे और दुनियाँ दोनों के लिए हिसकर हो सकता है. पर हमारे लिए इस समय सबसे बड़ी जरूरत यही है कि हम राजनैतिक, नैतिक, आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक सब मामलों में पहले अपने अन्दर निगाह डालें और देश की करोड़ों रारीब जनता, उसकी आवश्यकताओं और अपने आदर्शों को निगाह में रखते हुए अपने आगे का रास्ता तय करें और विश्वास के साथ उस पर चलें.

रूस का बनावटी चाँद

पिश्रले कुछ सप्राह से दुनिया भर के लागों की निगाहें स्वावियत रूस के दोनों सेटिलाइट की तरफ जा रही हैं जिन्हें लोग बनावटी चाँद भी कहते हैं. दुनिया भर के अखबारों में जितनी चरचा इन बनाबटी चांदों की हुई है उतनी शायद ही कभी किसीधौर चीज की हुई हो. इस घटना के हमें दा खास नतीजे मालुम होते हैं. पहला यह कि दुनिया को यद से बचाने और शानित कायम रखने में इससे बहुत बड़ी मदद मिल सकती है. दुनिया ने देख लिया कि साइन्सी उन्नति की दौड़ में रूस दूसरे सब देशों से कहीं आगे निकल गया. रूस की इस ईजाद ने साबित कर दिया कि यह जमाना जनता का जमाना है और साइन्सी और दिमारी दौड़ में भी कोई साम्राज्य बादी देश साम्यवादी या समाज-बादी देशों से अन्त में बाजी नहीं ले जा सकता. दूसरे देशों के अन्दरूती मामलों में बार-बार दखल देने वाले साम्राज्य बादी देशों के रालत मनसूबों को भी इससे काफी धक्का पहुँचा है. यह भी जाहिर है कि इस तरह के ग़लत मनसुबे अभी खत्म नहीं हुए हैं, हाल में अमरीका और इंगलैंन्ड की तरफ से जो खबर निकर्ला है कि वह पचास श्रीर छं।टे बड़े राष्ट्रों को अपने साथ मिलाकर कम्युनिस्ट देशों और खासकर रूस के खिलाफ एक नया मोर्चा खड़ा करना चाहते हैं, वह खासी अफसोसनाक है. जहिर है कि दनिया के दोनों प्रधान अखाड़ों में एक दूसरे की मिटाने की बातक इच्छा अभी मिटी नहीं है. पर हमें विश्वास है कि दुनिया के छोटे-छोटे और विखड़े हुए देश इस बात को सममते जा रहे हैं और समभेंगे कि इस तरह की गुट्टों में शाभिल होना बनके अपने लिए कितना घातक और दुनिया के लिए कितना खतरनाक है. कुल मिलाकर हमें विश्वास है कि रूस की इस नई ईजाद का असर--जिसका युद्ध विद्या के साथ भी गहरा सम्बन्ध है-दुनिया की शान्ति के लिए व्यव्हा ही होगा.

दूसरा बढ़ा नवीजा रुझ की इस नई ईबाद का पह होगा कि तुनिया की जनता, उसकी खार्थिक उन्नति, उसके स्वास्थ्य, उसके फैलाव और उसकी खुराहाली के लिए शक منیں وہ کہیں بہتر اور عام جاتا کے لئے کہیں ادھکے متکو قد موشو شائٹی کے قایم کرتے میں بھی امریکی واستے کے مقابلے میں وہ کہیں ادھک سہاٹک ہے اس واستے میں اور کائٹ ھی جی کے بتائے ہوئے واستے میں سمانے یہی ہو سکتا ہے اور هناوے اور دائیا دونوں کے لئے هتکو ہو سکتا ہے ۔ یو هنادے لئے اِس سے سپ سے بڑی فرورت یہی ہے کہ ہم واجنیتک نیتک آرتهک ادبورگ اور ساساجک سپ معاملوں میں پہلے اپنے اندو نگاہ قالیں اور دیش کی کوروں غریب جاتا کی کی اوشکتاؤں اور اپنے آدرشوں کو نگاہ میں رکھتے ہوئے اپنے آگے کا واستہ طے کویں اور وشواس کے ساتھ اُس پر چاہیں ،

وس کا مناوقی چاند

بجبلے کیے سیناہ سے دنیا بہر کے لوگس کی تکامیں سوریت روس کے دونوں سیٹولائٹ کی طرف جا رھی ھیں جاموں لوگ بلاوئي چاند بهي كها، هين. دنيا بهر كراخبارون مين جللي چرچا ان بقاوئی چاندوں کی ہوئی ہے ادنی شاید ھی کبھے کسی اور چهر کی عربی عو . اِس گهنا کے عمیں دو خاص نایدے معلوم هرت هیں . بلا یہ که دنیا کو بده سے بحجائے اور شانتی قایم رکینے میں اِس سے بہت بڑی مدد مل سکتی ہے . دنیا لے دیکھ لها که سائنسی اُلای کی درو میں روس دوسرے سب دیشوں سے امیں آگے نکل گیا . روس کی ایجاد نے یہ ثابت کر دیا که یہ زمانہ جنتا کا زمانہ کے اور ساڈنسی اور دماغی دور میں بھی کرئی سامراج وادمی دیش سامهموادی یا سماج واری دیشوں سے آئیت میں ہازی نہیں لے جا سکتا ، دوسرے دیشوں کے اندوروني معاملون مين بار بأر دخل دياعوالے سامواج وادى ديشون كے غلط منصوبوں كو بھى اِس سے كانى دعكا پہنچا هے . يه بھى ظاهر هے که اِس طاح کے غلط منصوبے ابھی ختم نہیں ہوئے میں دان میں امریکہ اور انکلینڈ کی طارف سے جو خبر نعلى هے كه ولا پنجاس أور جهوئے ، بزے والشقروں كو أينے ساته ما کر کیونسٹ دیشوں اور خاص کر روس کے خلاف ایک تھا مرجه كهرا كرنا جاعتم هين وة خاصى انسوسناك ها، ظاعر ھے کہ دنیا کے دونوں پردھان الهاروں میں ایک دوسرے کو مِنْ لِيْرِي كَهَاتِكَ لِجِهَا آبِهِي مِنْيَ فَهِينَ هِي دِر همين وشواسَ هَ كَهُ دنیا کے چہرائے جہرائے اور پھھڑے مواء دیش اِس بات کو سنجہائے جا رہے میں اور سمجییں گے که اِس طرح کی گُرِّس میں شامل مرت اُن کے لئے کتنا کہانک اور دنیا نے لئے دننا خطرناک ھے ، عل ملا کو هميں وشواس هے که روس کی ایس قائی أیجاد کا اثرسجس کا یدھ ،ودیا کے ساتھ ہیں گہرا سمبادہ ہے۔دنیا کی شانئی کے لئے اچھا ھی ھوگا ۔

دوسرا ہوا تتیجہ روس کی اِس نئی ایجاد کا یہ عوا که رنیا کی جنتاء اُس کی آرتوک آنتی' اُس کے سواستہ' اُس کے پیلٹو اور اُس کی خوشحالی کے لئے آب

सदा कर विया. हाल में रूस से मदद के सममीते की खबरे' इपी हैं. इसारी राय इस बारे में साफ, है. सबसे पहले यह कि न हम यह चाहते हैं और न इसकी जरूरत मानते हैं कि भारत किसी भी दूसरे देश के सामने इस बात के लिए हाथ पसारे, या किसी-से-किसी रूप में करजा ले. दूसरे यह कि जगर किसी से मदद लेनी ही हो तो वह बजाय दान या नक्षद करचे के केवल माल के आदान प्रदान के रूप में होनी चाहिए और वह भी अपनी हैसियत और अपनी विसात देखकर. चीन की आर्थिक कठिनाइयाँ आज से दस बरस पहले हमारी आजकल की कठिनाहयों से कम नहीं थीं. पर चीन ने किसी साम्राज्यवादी देश के सामने हाथ नहीं पसारा, अपनी औद्योगिक (सनअती) उन्नति के लिए चीन ने केवल रूस से थोड़ी बहुत मदद ली है, और बह मदद भी, जहाँ तक हमें मालूम हैं केवल इस रूप में थी कि तीन अरब अमरीकी डालर की क़ीमत का माल, मशीने इत्यादि, जिसकी चीन को जरूरत थी और रूस दे सकता या, रूस चीन को पाँच बरस के अन्दर पाँच किस्तों में दे, और उतनी ही कीमत का माल, ऐसा जिसकी रूख को परूरत है और चीन दे सकता है, कच्चा माल इत्यादि, चीन रूस को दस साल के अन्दर दस किस्तों में दे, और इस लेन देन में रूस का जो उपया कुछ दिनों अटका रहे चसके लिए एक कीसदी सालाना सूद के हिसाब से उतना ही र्थाधक माल चीन अपने यहाँ से रूस जाने वाले माल में बढ़ा दे, और बस. तीसरे हमारी साफ राय यह भी है कि इस तरह की अगर कोई मदद जेनी ही हो ता हमें साम्राज्यवादी देशों के बजाय जहाँ तक हो सके कम्युनिस्ट या रीर साम्राज्यवादी देशों की मदद का अधिक स्वागत करना चाहिए. इस निगाह से यदि रूस से भारत का इस तरह का समस्तीता हमें अमरीका या इंगलैन्ड की मरद से बेनिजाफ कर सके तो उस दरजे तक हम उसे रानीमत सममते हैं.

मसबी इलाज

लेकिन अन्त में इम फिर दुइरा देना चाइते हैं कि देश के जिन दुखों की ऊपर के ख़त में चरचा की गयी है उनका असली इलाज इमारा इन सब बातों में महात्मा गाँधी के बसाय हुए दास्ते को ठीक-ठीक सममना और उस पर अमल करना ही हो सकता है, इंगलैन्ड और अमरीका के पूँजी-बादी रास्तों की नकल, जो हम इस समय कर रहे हैं, इमारे इन दुखों को और अधिक बढ़ा देगी. इस और चीन का इम्युनिस्ट रास्ता भी एक रास्ता हो सकता है और है. इमेजी या अमरीकी रास्ते हे मुकाबले में बह कहीं बेहतर 'और आम जनता के लिए कहीं आधिक हितकर है. विश्व-शान्ति के क्रायम करने में भी अमरीकी रास्ते के मुकाबले

عُولًا كرديا ، حال ميں روس سے مدد كے ستھيون كى غيرين جیری میں ، مداری رائم ایس بارے میں ماف ہے ، سب سے پہلے یہ که ندهم ید جاهتے هیں اور ندارس کی فرورس مانتے ھیں کہ بھارت کسی بھی دوسرے دیش کے ساملے اِس بات کے لیٹے ھاتھ پسارے یاکسی سے کسی روپ میں قرضہ لے ، دوسرے په که اگر کسی سه سده لینی هی هو تو ره بنجاثه دأن یانتد قرفیے کے کیول مال کے آدان پردان کے روپ میں ہوئی چاہدہ أور ولا بھی اپنی هیٹیت اور اُپنی بساط دیکھ کر . چین کی أرتبك كلينائيان أي عدس بس بله ماري أجمل كي كلينائهين سے کم نہیں نہیں ۔ پر چھن لے کسی سامراج وادی دیش کے ساملے هاتھ نهيں پسارا ايلى اربوكك (صفرى) أنتى كے لیلے چین نے کیول روس سے تهوزی بہت مدد کی ہے ، اور وہ مدد بھی ' جہاں تک ملیں معلوم ہے' کیول اِس روپ میں تھی که نین ارب امریعی دالر کی قیمت کا مال ، مشینیں أتهادي ، جس كى چين كو شرورت تهى أور روس دے سكتا تها ، روس چین کو یانے برس کے اندر پانچ قسطوں میں دے' اور اتنی هی قیمت کا مال؛ ایسا جس کی روس کو ضرورت هے اور چهن دیم سکتا هه کچا سال انیادی چهن روس کو دس سال کے انہر دس قسطوں میں دے' اور اِس لین دین میں روس کا جو روپید دنوں انکارہے اس کے لیٹے ایک فیصدی سالانه سود کے حساب سے انقامی ادھک مال چھن اپنے بہاں سے روس جانے والے مال میں بوهادیم، اور بس ، تیسرم همانی ماف رائم یه بهی هے که اِس طرح کی اگر کوئی سدد لینی هی ھو تو دمیں سامراہے وادی دیشوں کے بجائے جہاں تک ھوسکے کمپرنست یا فیر سامراج رادی دیشوں کی مدد کا ادھک سواكت كرنا چاهيئه . إس نكاه سه يدى روس سه بهارت كا إس طرح کا سنجہوت عمیں امریکه یا الکلفید کی مدد سے نیاز کوسکے تو أس درج ك هم أله غليدت سمجها هين .

آصلی علج

لیکن انت میں هم پهر دوهرا دینا چاهتے هیں که دیش کے جن دنهیں ئی اوپر کے خط میں چرچا کی گئی ہے اُن کا اصلی علی علیہ میں انہا کاندهی کے بتائی هوئے راستے کو ٹھیک تھیک سمجھنا اور آس پر عمل کرنا هی هو سکتا ہے انکلینڈ اور امریک کے پوہجی وادمی راستیں کی نقل چو هم اِس سے کو رہے هیں' همارے اِن دنهیں کو اور لوهک بڑها دیکی ، روس اور چھن کا نمیونسسٹ راستہ بھی ایک راستہ هو سکتا ہے اور ہے انکریزی یا امریکی راستے کے مقابلے

تجررين أور يتكرن مين جنع هين سچى سهاتا ولا التدارية أس حالت سے كرتا چاھئے جس ميں ديھ كے سب سے نیمیے کے لوگ سب سے غریب لوگ رعلے میں . پرنجی یٹی کے ارب نیتی کی کسوٹی اِس کے ٹھیک التی ہے۔ ھمارے آبے کل کے شامک جیسے ہی موسکے دیش کی کل ادبرگک (صلعتی) أيم اور ديش كاكل دهن بوهالے كى چلتا ميں ھیں ۔ دیھر کے لاکھوں اور کروروں غریبوں مودوروں کسانوں اور دستکاروں کو اوپر آٹھاٹا اُن کے لئے اِتنے ادھک مہتو کی اور اِتنی جلدی کی چیز نہیں ہے . یه غلط اُرتیک نیائی هی ھبارے اِس سے کے ادھک تر دنہیں کا کارن ہے ۔ ھبھی پیرا بشواس هے که اگر اِس معاملے میں هم کاندهی جی کے بتائے راساتے یو چلے عوتے یا آب بھی چلیں تو همیں باهر کے کسی ویعی سے ایک پیست بھی بھیک یا قرض مانانے کی ضرورت نهیں ہے . اِس بارے میں کاندھی جی کا رچار اور کمیونسٹ وچار کئی بالاں میں الگ آلگ هوتے هوئے بھی بہت درجے تک مُلِتَّمَ هُولُمْ هَيْسَ . ير رونا يهي هے كه هماري آج كى ارتبك نيتى نه كاندهي وادبي هے اور نه ماركس وادبي "هماري أجال ئي ارتهک نبتی شده پرنجی روادی هے؛ جو انت میں سامراجیه وأد كي طرف له جائه بغير نهيس رة سكتى . أبهي سے جب كه برانت برانت میں همارے لاکوں بنکر بھوکے مررهے هیں اور انوں کاؤں کے کولھو ہمت بڑے ہوئے ہیں ، ہمیں اُپنی ملوں کے الور ملون کی چینی بینچنے کے لئے دیش کے باعر مندیس کی عص رمتی ہے ، اھم ہار ہار کیہ چکے که دیش کی جنتا کے مت ہیں یہ نیتی غلط ارر برہادکری ہے .

لیک دوسری پیچیدگی هماری اِس قلط چال نے یه پیدا ردی که اُس نے همیں مدد دینے والوں میں روساور امریکه کو اور ایک یار پهر پرتی امپردھی (رقیبوں) کے روپ میں لکر

तिजोरियों और पंकों में जमा है, सच्ची सफलता का बन्दाजा उस हालत से करना चाहिये जिसमें देश के सब से नीचे के लोग. सब से रारीय लोग रहते हैं'. पूँजीपित की अर्थनीति की कसौटी इसके ठीक उल्टी है. हमारे आजकत के शासक जैसे भी हो सके देश की कल श्रीद्योगिक (सनम्रती) उपज भौर देश का कुल धन बढाने की चिंता में हैं. देश के लाखों और करोड़ों रारीबों. मजदरों. किसानों और दस्तकारों को ऊपर उठाना उनके जिये इतने अधिक महत्व की और इतनी जल्दी की चीज नहीं है. यह रालत आर्थिक नीति ही हमारे इस समय के अधिकतर दुक्खों का कारण है. हमें पूरा विश्वास है कि अगर इस मामले में हम गांधी जी के बताए रास्ते पर चले हाते या खब भी चलें तो हमें बाहर के किसी देश से एक पैसा भी भीख या कर्ज माँगने की जरूरत नहीं है, इस बारे में गांधी जी के विचार और कम्युनिस्ट विचार, कई बातों में अलग चलग होते हुए भी, बहुत दूरजे तक मिलते हुए हैं'. पर रोना यही है कि हमारो आज की आर्थिक नीति न गांधी बादी है और न मार्क्सवादी. हमारी आजकल की आर्थिक नीति शुद्ध पूँजीवादी है, जो अन्त में साम्राज्यवाद की तरफ ले जाए बरौर नहीं रह सकती. अभी से जब कि प्रान्त प्रान्त में इमारे लाखों बुनकर भूखे मर रहे हैं और गांव गांव के कोल्हू पट पड़े हुए हैं, हमें अपनी मिलों के कपड़े और मिलों भी चीनी बेचने के लिये देश के बाहर मन्डियों की तलाश रहती है. हम बार बार कह चुके हैं कि देश की जनता के हित में यह नीति रालत श्रीर बरबादकन है.

अपनी इस ग्रलत आर्थिक नीति के कारण दसरे देशों के सामने हाथ पसारने ने हमारे अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में भी पेचीदगियां पैदा कर दी हैं. श्री के के कुष्णम-चारी ने अमरीका में और दूसरे साम्राज्यवादी, देशों में जिस तरह की गिरी हुई बात कहीं उन पर देश और पार्लिमेंट के अन्दर काफी ले दे मच चुकी है. भी कृष्णम-चारी ने भारत की अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति को अमरीका में रालत चित्रित किया और अपने देश को लजाया इसमें कोई सन्देह नहीं हो सकता. "न्युयार्क टाइम्स" के सम्वाद्वाता ने श्री कृष्णमचारी की सरदीद की. जिस तरह तरदीद की है बह कृष्णमचारी को इस विषय में गुनहगार ठहराने के लिये काफी है. हमारे प्रधान मन्त्री का उनका बचाव इस्रालये करना पढ़ता है कि बद्किस्मती से प्रधान मन्त्री की राय में देश के बढ़ने के लिये बाहर से पैसा आना जरूरी है कीर श्री कृष्णमचारी ने जैसे भी बन पड़े पैसा लाने की कोशिश में कसर नहीं उठा रखी.

एक दूसरी पेचीदगी इसारी इस ग्रलत चाल ने यह पैदा इर दी कि उसने इसें मदद देने वालों में रूस और अस-रीका को फिर एकबार प्रतिस्पर्धी (रक्षीबों) के रूप में लाकर तरफ अन्दर की यह पिछ-घसीट और बरबादकुन शिक्षां दोनों के बीच से देस की नाव को सफतता पूर्वक खेंकर लेना सकने वाला आदमी हमें अभी दूसरा दिक्साई नहीं देता, जवाहरलाल जी की देशशिक, सचाई और बहादुरी में भी किसी को सन्देह नहीं हो सकता.

देश के दुखां का मूल कारण

देश के इस समय के उन दुखों का जिनकी उपर के ख़त में चरचा है मूल कारण हमें यह दिखाई देता है के देश के और कांग्रेंस के अनेक चड़े बड़े नेताओं का शायद कभी भी महात्मा गांधों के आर्थिक (माली), औद्यांगिक (मनअती), और एक दरजे तक नैतिक (इखजाकी) सिद्धान्तों में विश्वास नहीं हुआ. देश के इस समय के अधिकतर नेता अंगरेजी तालीम की उपज हैं, और अनेक अच्छाइयां रखते हुए भी और वरसों महात्मा गांधी के मजदांक रहते हुए भी, पच्छमी तालीम के ग्रजत असर से उपर नहीं उठ सके.

बाहर से पैसे की मदद और हमारी आर्थिक नीति

विज्ञले अगस्त के महीने में तोक्यां के कन्द्र हम एक दिन एक अमरीकी दास्त से बातें कर रहे थे. हम उनसे कह रहे थे कि एशियाई देशों की इच्छा और उनके हित के विक्क अमरीका का एशियाई देशों के उद्याग धन्धों में अपनी पूँजी लगाना और इस तरह उन देशों के अन्द्र के मामलों में जाबरदस्ती दखल देना बड़ी ग़लत चीज और आर्थिक साम्राज्यवाद (इकानामिक इम्पीरियलीचम) की जड़ है, इत्यादि. हमारे अमरीकी दोस्त ने तुरन्त उलट कर हमें जबाब दिया, उनके शब्द हमें अब तक याद हैं— "you cannot say that. Your own......has been going on his knees requesting U.S.A. to invest money in India and promising them all sorts of concessions, no nationalisation or socialisation for fifty years and so forth."

अर्थात्—"आप यह नहीं कह सकते. आपका अपना
...... धुटनों के बल अमरीका से प्रार्थना करता रहा है कि
अमरीका भारत में अपनी पूँजी लगावे, और इसके बदले
में अमरीका से हर तरह की रिआयतों का वादा करता
रहा है, जैसे यह कि भारत सरकार पचास साल तक
ऐसे उद्योगों को जिनमें अमरीका की पूँजी लगी होगी
राष्ट्र की या समाज की सम्पत्ति नहीं बनाएगी, इत्यादि."

महारमा गांधी का उसूल था और हमें विश्वास है कि बह सोलह काने ठीक था कि किसी भी देश की आर्थिक सफलता का अन्दाजा उन धनराशियों से नहीं करना न्याहिये जो वहां के बढ़े बढ़े लोगों और अभीरों की مارک الی کی یہ پھی گیسیدی اور یروادگی هکایاں عالی کو سیانا پرروکت کا کو سیانا پرروکت کی کا کو سیانا پرروکت کی کو لیے جا سکلے والا آدمی عمیں ابھی دوسوا داوائی الیوں دیکی سیانی آلیوں دیکی سیانی سیانی آلور بهادرس میں بھی کسی کو سادیہ نہ س ھو سکتا ہ

ديھي کے دلهبر کا مبل کارن

ادیش کے اِس سمے کے آن دائوں کا جن کی اُرپر کے خطا میں چرچا ہے مول کارن ہمیں یہ داغائی دینا ہے کہ دیش کے کالگریس کے انیک بڑے بڑے نیتاؤں کو شاید کبھی بھی مہاتما گالدھی کے آرتیک (مالی) اددیوکک (صنعقی) اور ایک درچے تک نیتک (اخلاقی) سدعائتوں میں وشواس نمیں ہوا۔ دیش کے اِس سمے کے ادعائر نیتا اناربوی تعلیم کی آریے ہیں اور برسوں مہاتما ہور انیک اچھاٹیاں رائیتے ہوئے بھی اور برسوں مہاتما گار سے گائیس کے نزدیک رہتے ہوئی بھی پیچھی تعلیم کے غلط اگر سے آویر ٹیچھی تعلیم کے غلط اگر سے آویر ٹیچھی تعلیم کے غلط اگر سے

باهر صه بیسے کی مدد اور هماری ارتیک نیتی

ارتها نیس" آپ یه نهیں که ساتے آپ کا آینا...گهندل کے پل آسریکه سے پرارتها کوتا رہا ہے کہ اسریکه بیارت میں آپنی پرنعجی لگارہ اور آس کے بدلے میں اسریکه سے در طرح کی رائیلی کا وعدہ کرتا رہا ہے ، جیسے یه که بیارت سرکار دچاس سال تک ایسے ادبوگوں کو جن میں اسریکه کی پوننجی لگی موگی رائیلر کی یا سماج کی سمپنی نبھی بنائے گی، المادی مال کا تعلق بنائے گی، المادی مال

میانیا کاندهی کا امرل تیا اور همیں وشواس چے که وہ سوله آنے ٹھیک نیا که کسی بھی دیش کی آرتیک سیمانا کا اندازہ اُن دھن راشھوں سے نبیعی کرنا چاھیم جو وہاں کے بڑے بڑتے لوگوں اُور اُسھورں کی

देश की पिछ पसीट शक्तियाँ

दूसरी कोर देश में कभी तक इस तरह की पीछे वसीटने वाडी शक्तियों का भी जोर सत्म नहीं हुचा है जो अगर क़ाबू पाजाएं तो देश को रसातल में पहुँचाए बिना नहीं रह सकतीं इन्हीं शक्तियों ने महात्मा गांधी की जान ली. पंजाब के ''हिन्दी रह्या आन्दोलन'' पर हम अपने विचार प्रगट कर चुके हैं. यह ग्रलत आन्दोलन अधिकतर इसी तरह की शक्तियों का कारनामा है.

हाल में पंजाब हिन्दी रक्षा आन्दोलन के दो मुख्य कार्यकर्ता दिस्ली में हमारे एक प्रतिष्ठित मिन्न से मिलने आए. हमारे मिन्न ने उनसे इस आन्दोलन की निरर्थकता पर बातें की. इस पर उन दोनों में से एक ने बड़ी संजीदगी के साथ कहा—"मुख्य प्रश्न हमारे सामने हिन्दी का नहीं है, मुख्य प्रश्न जवाहरलाल और जवाहरलाल की सरकार को गिराना है." यह भी एक खुली बात है कि इस आन्दोलन में पंजाब भर के अन्दर और कहीं कहीं पंजाब से बाहर भी पंडित जवाहरलाल नेहरू को हिन्दुओं का विरोधी दशी कर जनता की नजरों में गिराने की काफी कोशिश की गई है.

देश को पीछें घसीटने वाली और बरबादी के ,गड्डे में भिराने वाली ये शक्तियां जगह जगह और भी तरह तरह के इप घारण करती रहती हैं.

पंजाब के इस राजत हिन्दी आन्दोलन से देश को और आसकर हिन्दी को कितना जिल्लान पहुंचा है इसका कुछ अन्दाजा इस एक बात से लगाया जा सकता है कि हमारी पार्लिमेंट के अठासी मेन्बरों ने सरकार को यह नाटिस दे दिया है कि सन् 1990 से पहले हिन्दी को अप्रेजी का स्थान देने की बात न की जावे. श्री राजगोपालाचारी जैसे अनेक नेताओं ने तो यह साफ कह दिया है कि अगरेजी की जगह हिन्दी को अगर कभी भी सरकारी अन्तर्भादेशीय भाषा बनाने की कोशिश की गई तो बलकान को तरह देश के दुकदे दुकदे हो जावेगे. पंजाब के नावान हिन्दी प्रेमियों और उनके मददगारों ने राष्ट्र भाषा की हैसियत से हिन्दी को अस कर देने में अपनी तरफ से कोई काशिश एठा नहीं रखी.

पं॰ जवाहरलाल नेहरू और उनकी सरकार

इन नाजुक हालात में वर्तमान शासन के अन्दर अनेक दोशों के होते हुए भी—और वह दोष बढ़ें गहरे दोष हैं— हमें पंडित जवाहरलाल नेहक का अस्तित्व और देश के शासन की बाग का उनके हाथों में होना बहुत ही सनीमत मालूम होता है. कई वालों में हमारा उनका गहरा मतमेद है. पर एक तरक नाजुक अन्तर्राष्ट्रीय स्थित और दूसरी

دیش کی رحم گیسیت دعتیاں

دوسری اور دیش میں آبھی تک اِس طرح کے پیچھے گھسیٹنے والی شکٹیس کا زور بھی حکم نہیں ھیا ہے جو اگر تابو با جائیں تو دیش کو رسائل میں پہنچائے بنا نہیں رہ سکتیں * اِنھیں شکٹیس نے مہانا کاندھی کی جان لی . پنجاب کے اُنھندی رکھا آندولی' پر هم وچار پرگٹ کر چکے هیں ، یہ ناط آندولی ادھکٹر اِسی طرح کی شکٹیس کا کارنامہ ہے .

حال میں پنجاب هدی رکھا آندولن کے دو مکھھ کاریکرتا۔
الی میں همارے ایک پرتشتهت متو سے ملئے آئے ، همارے متر نے

ی سے اِس آندولن کی نورتیکٹا پو باتیں کیں، اُس پر اُن دونوں

یں سے ایک نے بڑی سنجیدگی کے سانھ کیا۔ ''مکھی پرشن
ممارے سامنے هندی کا نہیں ہے مکھی پرشن جواهر الل اُور
جواهر الل کی سرکار کو گرانا ہے ۔'' یہ بھی ایک کیلی بات ہے
ایس آندولی میں پنجاب بھر کے اُمدر اور کھیں کھی پنجاب
ا اِس آندولی میں پنجاب بھر کے اُمدر اور کھیں کھی پنجاب
م باهر بھی پندت جواهر الل نہرد کو هندؤں کا ویرودهی درشا
م جنتا کی نظروں میں گرانے کی کئی کوشش کی

دیش کو پنچه گسیتنے والی اور بریادی کے گڑھ میں گرائے لیے یہ شکتیاں جکہہ جکہہ اور بھی طرح طرح کے روپ دھاری بی رھتی ھیں ۔

پنجاب کے اِس غلط آندوان سے دیش کو اور خاص کر ندی کو کتنا نقصان پہنچا ہے اِس کا کچھ اندازہ اِس ایک سے اگایا جا سکتا ہے کہ هماری پاریلیدائٹ کے اقباسی معبروں سرکار کو یہ نوٹس دے دیا ہے کہ سن 1990 ہے پہلے هندی انتریزی کا استبان دینے کی بات نہ کی جارے ، شری رأج بالا آچاری جیسے انیک نیتاؤں نے تو یہ مان کہ دیا ہے انکریزی کی جکہہ هندی کو اگر کبھی بھی سرکاری آنٹر ادیشیہ بیاشا بنانے کی کوشش کی گئی تو بنتان کی طرح دیش تمرے هو جاریں گے ، پنجاب کے نادان هندی پریمیوں اور دیتے میں اپنی طرف سے کوئی کوشش آنها نہیں رکبی ، دیتے میں اپنی طرف سے کوئی کوشش آنها نہیں رکبی ، دیتے میں اپنی طرف سے کوئی کوشش آنها نہیں رکبی ،

है, न कि एस का .सयास करना और अपने दिस पर .सराव नक्श (असर) डासना और दिल को मैला करना."

देख के दिल की आवाज

आहिर है जपर की हर बात हर अंश में ठीक नहीं कही जा सकती. कहीं कहीं अत्युक्ति (सुबालगा) की मात्रा भी साफ है. लेकिन इस में भी शक नहीं कि जिन मित्र ने यह अत लिखा है चनके यह दिल की जावाज है. एक वह ही नहीं, लगभग ये ही या इसी तरह की बातें आज लाखों देश बासियों की जशन पर हैं. इसमें कोई शक नहीं कि यह आवाज इस समय देश के दिल की आवाज है.

विस्ली में हमने भारत सरकार के एक कें चे और जिम्मे-दार कमें चार का पह खत पढ़कर सुनाया. उन्होंने बड़े ध्यान के खाय सुना. उनका चेंदरा कुछ गम्भीर मालूम हुआ. हमने सम्मा शायद उन्हें यह बातें अच्छी नहीं लगीं, हमने फिफ-कते हुए कहा:—"इन बातों में कुछ सचाई तो अवश्य है." उन्होंने तुरन्त बसी गम्भीरता के साथ जवाब दिया:—''जी नहीं! कुछ सवाई नहीं, पूरी सवाई है, इसमें जो लिखा है बह बिलकुल सच है." हमारी उनकी इस पर देर तक बातें होती रहीं.

अंग्रेजी की एक कहावत है—'जनता की आवाज मग-बान की आवाज होती है.' इसी से मिलती हुई उद्दें की एक कहाबत है—'आवाज -ए-. खल्क को नक्षकारए . खुदा समस्तो.' इसमें कोई शक नहीं कि ऊपर के खत की बातों में एक बहुत बड़ा औरा सचाई का है.

माज की कांगरेस

वयातीस वरस इमने अपने नाची आ हैंग से कांगरेस की सेवा की है और काफी नअदीक से तन्मय होकर की है, कांगरेस का देश पर बहुत बढ़ा आइ-सान है. इमारे दिल में अब भी कांगरेस का बढ़ा आदर है. कांगरेस और कांगरेस सरकार दोनों में इस समय भी काफी ऐसे लोग हैं जिनसे बढ़कर आदमी देश में मिलना कठिन है. पर इसमें भी सन्देह नहीं कि कांगरेस संस्था आआदी मिलने के बाद से तेजी के साथ नीच को जा रही है, काँगरेसो नेवाओं, धारा सभाओं और पार्त्तिमेंट के कांगरेसी मेन्यरों और कांगरेसी मिनस्ट्रों में बाज काफी वाराद ऐसे लोगों की है जो देश की बाजादी के संप्राय के दिनों में शायद कहीं दिखाई मी न देते थे. काफी मिनस्टर ऐसे हैं जिन्हें इसारे जैसे लोग पहचानते भी नहीं, जो बानू 1947 के बाद कांगरेसी बने हैं, और बाज कांगरेस के बढ़े से बढ़े मशबिरों में सनकी आवाज सनो जाती है.

ها تعادد أس كا خيال كرنا أور أنني دل يو غراب القوص { التر التقالنا أور دال كو ميلا كرنا ."

دیمی کے دل کی آواز

ظاهر بھے آرپر کی هر بات هر آنش میں ٹیمک ٹیمن کی ماتر ہے سف میں تیمی کی ماتر ہی سف میں گیں ہے کہ ماتر ہی سف کے ایکن ایس میں بھی شک ٹیمن که جن متر نے یہ خط ایما ہے آراز ہے ایک وہ می ٹیمن لگ مگ یہ می یا اِسی مارے کی باتیں آج لاہیں دیمن واسمیں کی باتیں آج لاہیں دیمن واسمیں کی باتیں تیم میں کی تیمن کی یہ آواز اِس سب یہ کی دل کی آواز ہے ۔

دلی میں هم لے بهارت سرکار کے ایک اُولیجے اور زمعدار ارمعدار المعجاری کو یہ خط پڑھ کر سایا ، اُنھوں لے بڑے دھائی کے باتھ اُن کا چہرہ کچے گمبھر معلم هوا ، هم لے سسجا اللہ اُنھوں یہ باتیں اُجھی تمہیں لکھیں ، هم لے جھجپکتے هوئ لہاء۔ اور باتوں میں کچے سچائی تو اُوشهہ ہے ،'' اُنھوں نے نہیں ا کچے سجائی تمہدں' پرری سچائی ہے' اِنس میں جو لکھا ہے رہ باتکل سے ہے ،'' هماری اُن کی اِس پر دھور تک باتیں هوئی بھیں ،

التوریوی کی ایک کہارت ہے۔ 'جنتا کی آواز بھکوان کی اُواز بھکوان کی اُواز معرفی کے اُواز معرفی ہے۔ اُواز موتی ہے۔ 'آواؤ خلق کو نتازہ خدا سمجھو' اِس مھں کوئی شک میں کہ آویر کے خط کی باتوں میں ایک بہت ہوا انھی سجھائی کا ہے۔

أے کی کانکریس

بھالیس برس مر نے اپنے ناچیز تھنگ سے کانگریس کی سے اور کانی نودیک سے تلبے دو کر کی ہے ۔ کانگریس کی کا دیش پر بہت ہوا احسان ہے . همارے دل میں اب بھی کانگریس کا دیش پر بہت ہوا آدر ہے ۔ کانگریس اور کانگریس سکار دوئوں میں اس سے بھی کانی ایسے نوگ میں جن سے بوہ کو آدمی دیش میں ملنا نتین ہے ، پر اس میں بھی سلدیج نہیں کہ کانگریس سکستھا آزادی ملنے کے بعد سے تیزی کے ساتھ نیچے کو جا رہی ہے ، کانگریسی ممبروں اور کانگریسی منسٹروں میں آج کانی تعداد ایسے اوگوں کی ہے جو دیش کی آزادی کے سنگرام کے دئوں میں شاید کیس دیائی بھی نے دیتے تھے ۔ کانی مسٹر ایسے میں جابیں ممارے جیسے لوگ پہنچانگے بھی تیش میں جو سے بہتے میں جابیں ممارے جیسے لوگ پہنچانگے بھی تیش میں جو سے بڑے میں جابیں ممارے جیسے لوگ پہنچانگے بھی تیش میں جو برے مشروں میں آن کی آزار شنی جابی ہے ۔

के चलाने के पहले उसके लिये बुनियाद मशबूत क्यानी थी. यानी हाशियार, काबिल, मातविर (विश्वसनीय) लाग जिम्मेदार बनाने थे. और इकुमत का दर होना चाहि-ये था, न कि इस . कदर आजादी दे दी कि हर शख्स अपने फरायख (कतव्यों) को भूल बैठा और मन माना जो बाहा सो कर रहा है. कोई पुरसाँ हाल नहीं. दुभ्तरों की अजीको .गरीब हालत है. किसी के काम करने से मतलब नहीं. समा खराशी (कान खाना) और गोलवाजी (पार्टीवन्दी), फिरकायन्दी से ,फुरसत नहीं, सालस नहीं यह हकूमत इस तरह कब तक और कैसे चलेगी. लोगों के दिलों में दर, तहजीब, भ्रेम, आजजी (नम्रता) जैसी घों जें रह नहीं गई हैं. नई रोशनी के लाग और लड़के सिक इसी धन में रहते हैं कि किस'तरह दूसरे की आँखों में धूल मोंके और जियादह से जियादह फायदा उठावें. विवास इसके इस नहीं कहा जाता-.खुदा हाफिज ! बाहर चाहे हिन्द-स्वान की कुछ भी कह ही या नाम हा, चन्द्रूनी हाबत ता अवतर'ही नजर आती है. ऐसा मालुम होता है कि हिन्दु-स्तान मग्ररबी (पच्छमी) बका चीध में श्रा गया है और चसका दिलदादा (प्रेमी) हा गया, जो कि निशान बर-बादी और जवाल (पतन) का है, हमारे देश में भी कार-स्तानेजात बकसरत खुलते जा रहे हैं जिसकी बजह से इस्तकारी का ज्वाल और वेरोजगारी बढ़ती जा रही है. एजुकेशन का बुरा हाल है. वह दिन बदिन एक्सपेन्सिव (.सरचीली) और वेसूद (निरर्थक) सी हा गई है. जमाने के बदलने से या रविश (गति) से इर चीज और तौर तरीक में बेहतरी की सूरत पैदा करनी थी. इस नए पैसे ने जिन्दगी श्रतग तल्ख (कड़वी) करदी. बाजारों में जस्द कोई जीज मिलती नहीं, इसका बदल पुराने पैसे में अनपढ और रारीब दुकानदार जानते नहीं, और होशियार लोगों ने अपनी कमाई की सुरत निकाल ली. चाहिये तो यह था कि जिन्दगी की रविश (चाल) विलक्कल सादा और पाक हा, दिलों में नेकी, इमदर्वी, सेवा का माव पैदा हो, न कि सिनेमा और तरीक तालीम व कायदे कानून उलमन पैदा करने बाले बनाकर लोगों को और नई जेनरेशन (नसल) के आदर्श को गिरा दिया. क्या यही इमारी चुनीदृह (चुनी हुई ; इकुमत का शेवा (तरीका) है ऐसी हेमाकेसी से तो .गुलामी बदरजहाँ बेहतर था ! सरे. कहाँ तक कहा जावे, और आप पर तो सब रोशन है, मेरा कहना सरज को चिराग दिखाना है. लेकिन सिफ यही है कि आप से दिल का बाम कुछ इलका करने को जी चाह एठता है. फिर भी सांचता हूँ कि जो अब हां रहा है मालिक (ईरवर) की मौज (इच्छा) से ही है. इसमें आगे चलकर कुछ कायदा मकसूद (बहिच्ट) होगा. शिकवा शिकायत करना बेकार है, खराब चीज की तरक से आँख हटा जेना ही बेहतर

کسے اسکیر کے چلانے سے پہلے آس کے لئے بنیان مقبیط بناتی تهی ، یعلی هوشیار ٔ قابل ، سعتبر (رشراستید) لوگ وسعدار بنائے تھے ، أور حكوست كا در هونا جاهئے تها كه كه إس قدر آوادی دیم دی که هر شغهر اینے فرائش (کرتہیں) کو بهرل بیلها أور مم مانا جو چاعا بسو كر رها هـ ، كوثى پرسان حال لهين ۽ دفتون کي عجيب و غويب حالت هے ، کسے کو کلم کوئے سے مطلب قہیں . سمع خواشی (کل کیانا) اور غرل یازی (پارٹی بازی) درقه بندی سے فرصت نہیں ، نه معلوم یہ حکیمت اِس طور کی تک اور کیسے چلے گی ، لوگوں کے دلس میں قرا فیذیب پریم عاجزی (امرانا) جیسی چیزیل رہ نہیں کئی میں ، نئی روشنی کے لوگ اور اوکے صرف اِسی دھی میں رہتے ھیں کہ کس طرح دوسرے کی آنہوں میں وعبل جهونمين أور زيادة سم زيادة فاندة أقهاوين . سوائم أس کے کچے نہیں کہا جانا ۔ خدا حافظ إ باعر چاھ علىسال كى كجه بهي قدر هو يا قام هو أندروني حالت تو بدنو هي نظر آئی ہے . ایسا معلوم عوقا ہے دہ مقدستان مغربی (پنجیمی) حِكَاجِرْنِيهِ مِينِ آزِكِيا هِ أَبِنِ أَسِ لا دادادة (يريمي) هو كيا هـ، چۇ لھان بربادى اور دوال (يان) كا ھے ، همار ديھى ميں سے کارخانے جات بکترت کیاتہ جا رہے دیں جس کی وجه سے دستکاری کا دوال اور پروزگاری بزهتی جا رهی هے ، ایجونیشن کا برا حال هم وه دن بدن ایکسهیاسو (خرچهلی) اور به سود (فررتیک) سی در گئی ہے . زمانت کے بدلنے سے روش (گئی) سے مرحین اور طورقے میں بہتری کی صورت پیدا کرنی تهی ، اِس تئے پیسے نے رندگی الگ نلخ (کوری) کر دی ، بازاروں میں جلد کوئی چیو ملتی نہیں ، اِس کا بدل پرائے پیسے میں اس بوء اور پرائے دوکاندار جانتے نہیں' اور ، وشیار لوگیں لے آپنی کمائی کی صورت فکال لی ، چانگہ لو یہ تھا که روهی (چال) بااعل ساده اور پاک هوا دارس مهن نهكي؛ مدردي، سووا كا يوري پيدا هو . نه نه ستيما اور طريق تعليم قامد قانين أنجين يهدا كرن وال بنا و لوگور كو أود نكى جهریشن (نسل) کے آدرهی کو گرا دیا ، کیایہی هداری چلیدہ (چنی هرای) حکومت کا شهرا (طریقه) فی . ایسی دیمو كريسي سع أو ظلمي بدرجها بهتر تبي إخير كهال تك كها جارے . اور آپ يو تو سپ روشن هے . ميرا کہنا سورے کو چراغ ديان هے ، ليكن مرف يهي هے كه آپ سے دار كا يوجه كھے ملکا کرتے کو بھی چاد اُٹیٹا ہے ، پھر بھی سرچٹا ھوں که جو کیچے هو رعا فے مالک (ایشور) کی میچ (آچها) سے هی ف. اِس میں آگے چل کر ضرور کچم فائدہ مقصود (اددوعت) هوگا ، هکوہ شكليت بيكار هي خواب جيو كي طرف ص أنه مثا لينا هي بيتو



देश की हालत पर एक खत

देश और सरकार के एक सच्चे हितचिन्तक, नेक, ईमा-नदार, सममदार, ग्रेर जानिबदार, और तजरबेकार मित्र का हमारे पास एक ख़क आया है. "नया हिन्द" के भी बह ग्रुह्म से प्रेमी रहे हैं. उस खत का एक हिस्सा, उन्हीं शब्दों में हम नीचे दे रहे हैं. कमानों के अन्दर के शब्द हमारे हैं. बह लिखते हैं —

"जमाना कुछ ऐसा .खराव आगया है कि इतसान .खुद्गारज होता जा रहा है. सेवा भाव और प्रेम भाव बिलकुल नेस्त नाब्द होते जा रहे हैं. हरेक अपने कारबार में मश.गूल और परेशान है. महगाई और टैक्स बढ़ते जा रहे हैं जिसकी बजह से जिन्दगी बबाले जान बन गई है, अगर कोई ईमानदारी, नेकनीयती से रहना चाहे भी तो हजार मुशकिलों और मुसीबतों का सामना करना पड़ता है. बेईमानी, रिश्वतस्त्रोरी, दग्नाबाजी और मूट का बोल बाला है, जिसकी'जिम्मेदार हमारी मौजूदा हकूमत और कारकुनों का गिरा हुआ कैरेक्टर है. पब्लिक पर इस फ़दर टैक्स लगा दिये हैं कि जिनका असर बेचारी मिहिल क्लास पर पड़ रहा है और वह पिसी जा रही है, और पूँजी वाले या धन्धा करने वाले अपनी चालाकी और ऐयारी से .खुश और मालामाल हैं और बेईमानी का मौका मिल रहा है, जो कपया इक्रमत इकट्टा कर रही है या आमदनी बढ़ा रही है वह विलक्कल बेतरतीं की और बेहदा तीर से बरबाद हो रहा है. या यह कहा कि चन्द चालाक और ग्रहार लोगों की जेवों में जा रहा है. यह फर्स्ट और सेकेएड फाइव इयर ध्लैन्स सिर्फ काराजी घोड़े हैं या दुनिया की आँखों में धूल मोंकी जा रही है. देखना तो यह है कि जिस ,कदर वपया ्रमुर्क हो रहा है क्या काक्षर् हुआ भी है और काम भी उसके एक्च हुआ है ? लेकिन इसकी गरच किसकी है ? यह सर क्ष मोल कौन ले ? जो हो रहा है होने वो ! किसी स्कीम

ویش کی حالت پر ایک خط

ویس اور سرکار کے ایک سچے هت چنتک نیک ایماندار سبجهدار غیر جانب دار اور تجوبهکار متر کا همارے پلیس ایک خط آیا ہے ۔ ''نی اهند'' کے بھی وہ شروع سے پریسی رہے ہیں ، آس خط کا ایک حصه اُنھیں کے شدوں میں هم نیجے دے رہے ہیں ، کمانوں کے آندر کے شود همارے هیں ، وہ ٹاہلے هیں ۔۔۔

الرمالة كتيم ايسا خراب هو كيا هـ كه إنسان خود فرض هوتا چه رهه هـ . سيوا بهاو اور پريم بهاؤ بالكل نيست ناورد هوتے جا رہے میں . هر ایک اید کاربار میں مشغول اور پریشان ہے . ميلكائي أور تيكس بوهتي جا رف هين جس كي وجهه سے وندگی وبال جان هو کئی هے۔ اگر کوئی ایمانداری نیک لیتی سے رہنا چاہے ہی تو ہزار مشکلوں اور مصیبتوں کا سامنا كرنا پرتا هے ، برأيداني ، رشوت خورس دفاباؤي أور جوت كا بول بالا في جس كي زمندار هداري موجودة حكومت اور کارکنوں کا گوا ہوا کیریکو ھے ، پبلنے ہو اِس قدر ٹیکس لگا دیٹے میں کہ جسے کا اثر ہےچارے مذل کلس پر پر رہا ہے ارر وہ پسی جا رہی ہے؛ اور پونجی والے یا صفندا کرنے والے اینی جالانی اور عیاری صد خوص اور مالا مال هین اور برایمانی کا موقع مل رها هي جو رويه، حكومت أنتها كر رهي هي يا أمادي بجما رهي هه وه بالكل رترتيبي أور بهبوده طور سه برياد هو رها ھے۔ یا یہ کہر که چند چالاک اور غدار لوگوں کی جیبس میں جا رها ہے ، یه فرست أور سيمند فانوايو يلين صرف كافتى كهرو هيں يا دنيا کی آنتين دين دهول جهونتي جا رهي في . دیکینا تو یه هے کمجس قدر رزیه خرج هو رها هادیا وأقعی هوایهی ہے اور کام بھی اُس کے عیوض ہوا ہے ؟ لیکن نہ اِس کی غرض کسی کو ہے ؟ یه سردرد کون مول لے ؟ چو هو رها هے هولے دو ا

18 خصیں میں تنسیم کر دیا گیا تھ تاکہ مضمون آسائی سے سمجھ میں آسکیں۔ اِن جلدیں میں گائدھی جو کی زندگی اُن کے جیوں درشن کی جہانکی ھمیں دیکھنے کو ملتی ہے۔ اِن سے ھمیں سبق ملکا ہے کہ جس راستے ہر چل کر آج پنچھم زندگی اور موت کا کہیل کہیل رہا ہے اُس سے سندستان کو دیسے بنچایا جا سکتا ہے اور خود اِس خودکشی سے دیسے اپنے کو بنچا سکتا ہے اور خود اِس خودکشی سے دیسے اپنے کو بنچا سکتا

پہلی جات کے پہلے حصہ میں سبراے سماج واد اور سامیه واد کی چرچا ہے کہ دوسرے میں اِس بات کی چرچا ہے کہ جو شرم کرے وہی کہائے کا حقدار ہے ، نیسرے میں آرتیک برابری کا سدھانت پیش کیا گیا ہے ، چراہے میں پردائشی امیروں کو بتایا گیا ہے ته اُن کی جائیداد اُن نے پاس محص تہائی یا دھروھر کی شکل میں ہے وے اُس کے مالک نہیں ھیں ۔

دوسرہ جاد کے پہلے حصے میں مشیزی اور ادیوگ واد کی چوچا ھے اس میں یہ دنھایا گیا ھے کہ زندگی میں مشینوں کی مناسب جکہ کیا ھے ، دوسرے میں سودیشی کی ویوپیچنا کی گئی ھے ، تیسرے میں اُبھادن کے سوروپ پر تغصیل میں بعدث کی گئی ھے ، چونے میں گؤں کے اُدیوگ دھندوں کی ماک کے اُرتھک نظام میں مناسب جکہ، آنکی گئی ھے ، پانچویں میں آبھدی کے بنیادس پہلو اور ولیندوت ادیوگ واد میں اُس کی مہتنا کو دنھایا گیا ھے ، چٹھویں میں دوسرے ھاتھ کے دھندھوں کا ذکر کیا گیا ھے اور ساتویں میں نہائشوں کو کس تعلگ سے کرنا چاھئے اِس پر وچار کیا گیا ھے اور

تیسری جاد کے پہلے حصے میں کام اور مودوری کی چوچا کے کہ کس طرح مودور کی شوش کو ختم کیا جا سکتا ہے ؟ دوسوے میں مودوری نے در پر بعدت کی گئی ہے کہ کم سے کم مودوری کتابی ہوتی چاہئے اتنی کہ جس سے پیٹ بھوا جا سکے اور انسان از سان کی طرح رہ سکے میسرے میں کسائوں سکے اور انسان از سان کی طرح رہ سکے میسرے میں کسائوں آور مودوروں کے ساکتھیں پر پرکاھی ڈالی گئی ہے جس کے قیتا احدایاد کی مشہور ہوتال پر روشنی ڈالی گئی ہے جس کے قیتا خود لاسمی جی بھی تھے ، پانچویں میں وتال اور پیمیٹنگ خود لاسمی جرچا ہے ، چوچا ہے میں کی چوچا ہے ساتھیایا کی چوچا ہے ساتھیایا ہے اس کے آسول سمجھانے گئے ہیں ۔

ھری بہور نے بڑی محنت کے ساتھ اُن جادوں کا سمهادن کیا تھے ، هم اوجیوں اُبلتھائگ عاؤس کو اِناء اُپیوگی پرکاشن کے لئے بدھائی دیتے میں ، مداری درخواست تھ که رأے تیتی اور مؤدوروں کی تحریک میں دلچسپی لیلے والے هر کاریکرنا اور دیش بہات دیشواسیوں کو اِن جادوںکا گمییور اددهیں کونا جادئے نے جیوائی صفائی سب بہت عمدہ تھے ،

سسوى نار يائتىم .

18 हिस्सों में तक्कसीम कर दिया गया है ताकि मचमून आसानी से समक में भा सकें. इन जिल्हों में गान्धी जी की जिन्दगी की फ़िलासकी, उनके जीवन दर्शन की माँकी हमें देखने का मिलती है. इनसे हमें सबक्क मिलता है कि जिस रास्ते चलकर आज पिछ्छम जिन्दगी और मीत का खेल खेल रहा है उससे हिन्दुस्तान का कसे बचाया जा सकता है और खुद पिछ्छम इस खुशकुशी से कैसे अपने का बचा सकता है ?

पहली जिल्द के पहले हिस्से में स्वराज, समाजवाद

पहली जिल्द के पहले हिस्से में स्वराज, समाजवाद जीर साम्यवाद की चर्चा है. दूसरे में इस बात की चर्चा है कि जो अम करे वही खाने का हक़दार है. तीसरे में आर्थिक बराबरी का सिद्धान्त पेश किया गया है, चौथे में पैदायशी अमीरों को बताया गया है कि उनकी जायदाद उनके पास महजू थाती या अरोहर की शक्ल में है, वे

उसके मालिक नहीं हैं.

दूसरी जिल्ब के पहले हिस्से में मशीनरी और उद्योग-बाद की चरच। है. इसमें यह विखाया गया है कि जिन्दगी में मशीनों की मुनासिब जगह क्या है. तूसरे में स्बदेशी की विवेचना की गई है. तीसरे में उत्पादन के स्बह्प पर तफ्-सील में बहस की गई है. चौथे में गाँव के उद्योग धन्धों की मुल्क के आर्थिक निजाम में मुनासिब जगह आँकी गई है. पाँचवें में खादी के बुनियादी पहलू और विकेन्द्रित उद्योग-वाद में उसकी महत्ता को दिखाया गया है. छठवें में दूसरे हाथ के धन्धों का जिक्क किया गया है और सातवें में नुमा-इशों को किस ढंग से करना चाहिये इस पर विचार किया है.

तीसरी जिल्द के पहले हिस्से में काम और मजदूरी की चरचा है कि किस तरह मजदूर के शोषण को खतम किया जा सकता है ? दूसरे में मजदूरी की दर पर वहस की गई है कि कम-से-कम मजदूरी कितनी होनी चाहिये खतनी कि जिससे पेट भरा जा सके और इनसान-इनसान की तरह रह सके, तीसरे में किसानों और मजदूरों के संगठन पर प्रकाश डाला गया है. चीथे में अहमदाबाद की मशहूर हड़ताल पर रोशनी डाली गई है जिसके नेता खद गान्धी जी थे. पाँचवें में हड़ताल और पिकेटिंग की चरचा है. खाँठवें में किसानों और जमींदारों की चरचा है. खाँठवें में किसानों और जमींदारों की चरचा है. खाँतवें में खीधांगिक विवादों को किस तरह शान्ति से सुलकाया जा सकता है इसके उसल समसाये गये हैं.

श्री खेर ने बड़ी मेहनत के साथ इन जिल्हों का सम्पादन किया है. इस नवजीवन पिलाशिंग हाउस को इतने उपयोगी प्रकाशन के लिये बचाई देते हैं. इसारी दरकास्त है कि राजनीति और मजदूरों की तहरीक में दिलचस्पी लेने बाले हर कार्यकर्षा और देश मक्त देशवासियों को इन जिल्हों का गम्भीर अध्ययन करना चाहिए. अपाई सफाई सब बहुत सम्बाह है.



ECONOMIC AND INDUSTIAL LIFE AND RELATIONS, VOLS. (i), (ii) AND (iii)

जिन्दगी के आर्थिक (इस्त्यादी) और औद्योगिक पहलुओं और कारखाने के मालिकों और मजदूरों के आपसी सम्बन्धों पर महात्मा गान्धी के लेखों, खतों, तक रीरों, खपदेशों और बातचीतों का संग्रह (मजमुआ). संग्रह-कार और सम्पादक—वी॰ बी० खेर; शाया करने वाले नवजीवन पञ्लिशिंग हाचस अहमदाबाद; तीनों जिल्हों के बाम आठ उपया.

महात्सा गान्धी न सिर्फ मुल्क के सियासी नेता थे बल्कि नई बुनियादों पर दुनिया की तामीर करने की तालीम देने वाले भी थे, पच्छिम ने युरोप और अमरीका के मुल्कों भीर रियासतों में इस दरजे कारखाने बनाये और इन कार-स्वानों की पैदाबार को इस क़दर यकजाई (केन्द्रित) कर दिया कि मुल्कों की दौलत चन्द पूँजीपतियों के हाथों में इकट्टा हो गई और अमीरों और गरीबों के बीच की खाई इतनी गहरी और चौड़ी हो गई और वह नफुरत और श्रापसी कशमकश से इतनी भर गई कि उसने पिछसी सभ्यता और तहजीब की बुनियादों को ही जब से खोखला कर दिया, अमीर बेहद अमीर हो गये और रारीव बेहद ग्रश्य हो गये, ग्रश्यों के पेट खाली हो गये और अमीरों की पेटियाँ भर गई, पिछम ने उसका एक ही हल निकाला और वह हिंसात्मक समाजवाद, गान्धी जी ने तजवीज की कि इस इल के नतीजे में हम दो खौफनाक जग देख चके हैं और तीसरे जंग की जिस पैमाने पर तैयारियाँ हो रही हैं उससे मर्ज और मरीज दोनों ही खत्म हो जायेंगे. मर्ज को ठीक करने के लिए गान्धी जी का नुसला था-अहिसारमक शोसलीयम. इसे कैसे दुनियाँ में कायम किया जाय, समाज को कैसे इस तरफ लाया जाय, बालच की हैसे त्याग में बदला जाय, नफरत के दरिया को कैसे महत्वत के सरचश्मे में बदला जाय. किन बुनियादों पर सजवरों का संगठन किया जाय, अमीरों और रारीकों के फुर्क को मिटाकर कैसे समाज में बरावरी के कतने को क्रायम किया जाय, उत्पादन का किस तरह विकेन्द्रीकरण किया जाय और दुनिया की तहखीब को किस तरह हिंसा ं की श्वनियादों से इटाकर खहिंसा की बुनियादों पर कायम क्या जाय-इसकी तफ्सील आपको इन तीन जिल्दों के करीय साठ सी सफों में देखने को मिलेगी. इन जिस्तों को ECONOMIC AND INDUSTRIAL LIFE AND RELATIONS, Vols. (i) (ii) AND (iii)

وندگی کے ارتبک (اقتصادی) اور آردیوکک پہلوؤں آورکارخانے لے مالئوں اور مودوروں کے آپسے سمبندہ وں پر مہاتما گاندھی لے لعکوں اور خطوں تقریروں آپدیشوں اور بات چیتوں کا ملکوہ (مجموعہ) ، منکوہ کار اور سمهادگ وی ، وی ، کوار کانام کرنے والے نوجیوں ببلشنگ ھاؤس احداداد کا تعلوں علاوں کے دام الیہ رویاہ ،

مهاتما کاندهی نه صرف ملک کے سیاسی نیتا تھے بلکہ لئے بٹھادوں یو دنیا کی تعمیر کرتے کی تعلیم دینے والے ابھی تعے م بجوم نے بورب اور امویکہ کے ملکوں اور ریاستوں میں اِس درجہ كارخالي بنائد أور إور كارخانون كي يبداوار كو اس فدر يعجائي اکیندرت) کردیا که ملکس کی دولت چند پرنجی بتیس کے ما تھوں میں الاکھا ہو گئی اور اسیوس اور غریبوں کے بھینے کی نهائی اتنی گهری اور چوری هوگئی اور وه نفرت اور آیسی کشبعش سے اتنی بہر کئی که اُس نے پنچیسی سبھیتا اور نہدیب کی بنیادوں کو ھی جو سے نہوکھا کو دیا ، أمير يے حد امهر هو گئے اور غریب ہے حد غریب هو گئے ، غریبوں کے یہت خالی هو کثیر آور آمیروں کی پیتیاں بھر گئیں ، بعجم لے إس كا أيك هي حل نكالا أور ولا «نساتمك سماجوأد ، كاندهي جی لے تجویو کی که اِس حال کے لتیجے میں هم دو کوئناک جنگ دیم چکے هیں اور تیسرے جنگ کی جس پیمانے پر تهاریان هو رعی هیں اُس سے مرض اور مریض دونوں هی ختم هو جانیں گے ، مرض کو تہیک فرنے کے لئے کاندھی جی کا السخه نها-اداسانمك سوشازم . أعد نيسم دنيا مين قايم كيا جاني سماج كو كيسم إس طرف لايا جانه الله كو ليسم تياك مھی بدلا جائے انفرت کے دریا کو کیسے صحبت کے سرچشمے میں بدلا جائے' کی بلیادوں پر مزدورں کا سنکٹھی کیا جائے' أمهروں اور فریدوں کے فرق کو مقا کر کیسے سمایے میں برابری کے رتبے کو ناہم کیا جائے اُدادن کا کس طوح کیندریکوں کیا جائے اور دنیا کی نہذیب کو کس طرح عاسا کی بلیادوں سے متا کر اهنسا نی بنهادرس در قایم کیا جائے۔۔۔ اِس کی تعصیل آپ کو اِن تین جادوں کے قریب آٹھ سو معدوں میں دیکھتے کو املے کی ، اُن جادوں کو

इन टोपिबों के इस्तेमाल का भी कजीव हाल होता है. कोई इनको किसी के ख़ौक से लगाना है तो कोई इनका क्योग जाती लोभ से करता है. कोई किसी पालिसी से लगाता है तो कोई रयाकारी से. लिहाजा सियासी टोपी एक ग्रुबहे की चीज हो कर रह गई है और "अविश्वास" की काप क्यपर लग गई है इस्रलिये क्सकी पोजीशन किसी हाल में साफ नहीं रही.

यह टोपियाँ और मन्द्रियाँ प्रचार तो अपना अधिक रसती हैं समाचार से भी अधिक, परन्तु सर रहते हुए भी अगर इक्कत न पा सकें तो 'अवरज'.

लाखों मतुष्य रंग विरंगे लेकित लगाये हुये हैं अपने धरों पर, लेकिन हमारी नजर और अनुमार में कितने ही वह सर है कि ओ वे लेकित हैं और स्यादा आनरेकित. اِن تُوپِیس کے استعمال کا بھی معجیب حال ہوتا تھ ، کرتی اِن کو کسی کے خرف کاتا تھ تو کرئی اِن کا ایبوک ڈائی لوبھ سے کرتا تھ ، کوئی کسی پالیسی سے لگاتا تھ تو کرئی ریاکلری سے ر لہذا سیاسی ٹوپی ایک شبه کی چیز ہوکر ریاکئی ہے اور الرشواس کسی حال میں چہاپ اُس پر لگ کئی تھ اِس لئے اُس کی پوزیشن کسی حال میں صاف نہیں رہی ،

یه تربیاں اور جهندیاں پرچار تو آینا ادعک رکھتی هیں سماچار سے بھی ادھک' پرنتو سر پر رہتے ہوئے بھی اگر عوت لے پاسکیں تو 'اچرج' .

لاکیوں منتهدہ رنگ برنگ لبیل لگائے ہوئے میں آپنے سروں پر کا لیکن هاری انظر آور انوبو میں کتنے میں ولا سر که جو پر لیکن میں وہادہ آنرا ایبل میں م

700 PAGES, 42 ILLUSTRATIONS 2 COLOUBED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 7. 50.

A vivid narration of the glorisus and wounderful schievements of New China...A ricture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China in the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...s book which deserve to be widely known.

—Leader, Allahabad.

Encyclopsedic...characterized by soute observation of detail as well as by, instinctive grasp of thes fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

— Blitz Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it —Bharat Jyoti, Bombay.

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madras.

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to the lighty mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations or a tomorrow which is theirs.

—Vigil, Deihi

दिमारों के अन्दर सियासी सियदी पकती रहती है और सरवोश हँका रहता है स्वापकी की देगनी पर—नाज मूले और नदीदे अधगली ही स्वा जाते हैं ढकनी स्वोतकर, और बाज जजी भी नहीं झोड़ते वे सबेर होकर, जिसके नधीजे में या वो उनके पेट में द्व किने सगता है या बद्ध्यमी हो जाती है, यह सियासी बद्ध्यमी समाजी जिन्दगी के लिये निहायत स्वृतरनाक है जिसका स्मयाजा सुरी तरह मुगतना पड़ता है न केवल उस एक व्यक्ति को बल्कि सारी देगनी को.

यह 'सरपोश' क्रीम-कृरोश भी साबित होते हैं बाज-बाज समय. क्रीम-कृरोशी का सीवा स्वमन्द साबित होता है इनके लिये. इसलिये वह टोपियाँ अपनी रंगीन कमाई से आलीशान काठियाँ बनाती हैं बक्रीया अपनी जिन्दगी ऐश आराम से गुजारने के लिये——आज हमारी नजर में बहुत सी ऐसी टोपियाँ भी हैं और इनकी बनाई हुई कोठियाँ भी.

यह रंग-बिरंग की टोपियाँ जैसे किशतियाँ हों रंगीन बादबान वाली और चल रही हों जीवन के समुन्दर पर बिचार भाराओं के सहारे सहारे.

या जैसे यह टोपियाँ साइज में जैसे कमरशियन निकारों, पर रंग में गोया सियासी इशारे.

यह टोपियाँ अपने-अपने रंग में सन्देश लिये फिरती हैं इधर से इधर.

हर टोपी नीति रखती है अपनी-अपनी और पैताम अपना अपना इसलिये यह कहना ठीक है कि हर दोपी अचारक भी है और प्रकाशक भी, मगर क्योंकि इनके रंग पक्के और बचन सबे नहीं इसलिये मार खा जाती हैं सियासत के मैदान में और आ गिरती हैं अन्त में सत्य के करणों में.

दिमारी भावनाओं का अबर टोपियों पर अवस्य पहला है, इसी का यह कारण होता है कि वाज टोपियों काली, बाज पीली और बाज लाल या मुफेद नजर आती हैं. ऊपर से जो भी उनके रग हों पर भीतर से अकसर काजी होती हैं और सास्मुब के उन पर जाले हाते हैं. इसलिये जा कुछ वह देखती हैं जालेदार आखों से.

अब किसी पार्टी का पार्टी से और नीति का नीति से बिरोध होता है तो उसका आप से लाजमी तौर पर विचार बदलता है— ख्याल पलटता है. विचार और स्वाल बदलता है तो मार्ग भी बदलता है और मार्क भी. ऐसी ही हालत में सर हापियाँ बदलते हैं और टोपियाँ सर बदलती हैं. बाज टोपियाँ "फ़िट सिर" न मिलने के कारण उड़ती फिरती हैं ह्या में सा अटकी रह जाती हैं स्मत्ल फ़िजा में.

خمائیں کے آتھر سیاسی کیوری یکٹی رمتی ہے اور سروری کے گفتا رمتا ہے کیوری کی دیکھی یرب بعض بھو کے اور قدیدت آتھ گئی رمتی ہوں کے اور قدیدت کیوں کرا اور بعض جلی بھی کیوں دورا آتھے میں یا تو آن کے کیوں میں دورا آتھے اکتا ہے یا بدھتسی موجائی کے - یہ سیاسی معتقدی مداجی زندگی کے لئے تہایت خطرتاک ہے جس کا خصیلوہ بری طرح بیکٹنا پرتا ہے تھ کیول اُس ایک ویکٹی کو بیکٹنا پرتا ہے تھ کیول اُس ایک ویکٹی کو بیکٹنا پرتا ہے تھ کیول اُس ایک ویکٹی کو بیکٹنا پرتا ہے۔

یہ سربوس کو فروش بھی قابت ہوتے میں بدش بعض بعض مسلم ، قوم فروشی کا سودا سردماد قابت ہوتا ہے اِن کے لئے اِس لئم وہ توبیداں اپنی رنگین کو تابیداں کو تبدال بنانی میں بنتے اپنی رندگی عیش آرام سے گزارنے کے ایک آیے میاری نظر میں بہت سی ایسی توبیداں بھی میں اور آن کی بنتی ہوئی کوئیداں بھی ہ

یہ رنگ برنگ کی ٹوپیلی جیسے کھتیاں ہوں رنگیں بادیان والی اور چلرمی موں جنون کے سندر پر وچار دماراؤں کے سیارے سیارے ،

یا جیسے یہ ٹریناں سائز میں جیسے کموشل لنانے؛ پر رنگ میں گریا سیاسی آشارے ،

یه ٹوپیاں اپنے اپنے رنگ میں سادیع*ی نانے پورتی هیں* ۔ ادھر سے آدھر ،

ھر ٹرپی ٹیتی رکھتی ہے آپنی اپنی اور پھنام آپتا آپتا ۔

اسٹے یہ کہنا ٹیبک ہے کہ ھر ٹرپی پرچارک بھی ہے اور

پرکاشک بھی' مکو کیونکہ اِن کے رفک پکیاور رچن سچےٹیس اس

لٹے سار کیلجاتی ھیں سیاست کے میدان میں اور آ گوتی ھیں

الحت میں سایہ کے چرتیں میں ،

ومانی بھاؤناؤں کا آثر گرپنوں پر ارشیہ پرتا ہے سی کا یہ کاری ھونا ہے کہ ہمنی آئریاں کالی' ہمنی پیلی اور بعض قل یا سفید تطرآنی ھیں، ارپر سے جو بھی اُن کے رنگ ھیں پر بھنتر بھے اکثر کالی ھوتی ھیں اور تصب کے اُن پر جالہ ھوتے ھیں ، اِس لُہ جو کھیے وہ دیکھتی ھیں جالہ دار آنکھیں سے ،

جہائسی پارٹی کا پارٹی سے اور فیٹیکا فیٹی سے ورودہ ہوتاھے ۔ ٹو امکی اور سی الوسی طور پر وجار بدلکا ہے ۔ خیال پاٹٹا ہے ۔ وجارزاور خیال بدلتا ہے تو مارک بھی اور مارک بھی ۔ ایسی ہی حالت میں سر توپیاں بدلتے ہیں اور ٹویٹاں سر بدلتی ہیں ۔ جھی ۔ بعض ٹویٹاں او فی سرک نت مانے کے کارن اوتی پہرتی خیں ہوتی ہوتی ہیں ساول فاما میں ۔ इन्सिल्लाम का भाष यह रखली हैं अपने पाप में.
सलावार की काट यह रखली हैं अपनी घार में.
जिवाल कृताल में जून की नव्यों यह बहाती हैं.
अमन आशाती में सुलह के करहरे यह उदाती हैं.
बरगाह की कलसी पर हिलाल का परचम यह लहराती हैं.
बजरंगविल की खतर पर हलुमान का निशान यह उदाती हैं.
शासन के मनन पर इठला इठला के यह चलती हैं.
जासंघ के संगठन से अखन्ड अखन्ड यह पुकारती हैं.
इलित के मन मन से दमन दमन यह चिल्लाती हैं.
धुल की क मो ने से नारा इंकलाब का यह लगाती हैं.
धुल की क संगम पे गङ्गा जमनी राग यह आलापती हैं.
प्रेम के मन्दर पे आर्सिक भाव यह जगाती हैं.
पीपल के दरकत पे इन्दू मुसलिम किसाद यह कराती हैं,
यदि 'विश्व शान्ति' के अन्दोलन इनके दम से चलते

है तो 'विश्व युद्ध' के ह'गामों में माडे इनके लहराते हैं.

यह सब कुछ सही; इनकी तमाम रंगीनियाँ, दिलपरिपयाँ और खूबसूर्रातयाँ अपनी जगह गर, लेकिन इसतक्षलाल नहीं होता इनके मिजाज में. धैय नहीं होता इनके
स्वाभाव में—हवा का उस देलकर यह अपना उस केरती हैं.

जीर किजा का रक्ष भांप कर यह अपना रंग बदलती हैं.
जितनी तलव्यन मिजाज होती हैं यह और कितनी हवा

परसर्व !

ऋंडियों और टोपियों का एक तूसरे से ऐसा ही सम्बन्ध
है जैसे हर रंग को रंग से निसवत, लेकिन जब हवा
साथ नहीं देती समय का तो हम देखते हैं रंग दिरंग की
टोपमाँ चढ़ती फिरती हैं पवन में या जलती नजर आती हैं
करिन में.

असे किसी राज का सिक्का चालू रहता है राज भर में, इसी प्रकार राज-रंग की टोपियाँ परझाई होती हैं राज-चलन की. जैसे किसी खोट के कारण या किसी नीति के खालुसार सिक्का टकसाल बाहर हो जाता है, वैसे ही टोपियाँ भी यकायक एक जाती हैं सरों से और दूसरी आ बैठती हैं उनकी जगह.

टोपियाँ हक्कन का काम भी देती हैं. इसिलये इनको सरपोरा भी कहा जा सकता है. सरपारा बनकर यह बहुत से बड़े-बड़े बेवक फों की ऐव पोशी भी करती हैं और बहुत से शासकों को नई-नई आफतों से बचाती हैं उनके पाप सांककर.

यह रंगीन सरपोरा कितने जूबसूरत ऐव पोरा होते हैं सच्छुच. लेकिन इनके नीचे कितना गन्दा मादा परवरिश पाता रहता है कभी-कभी. आख़िर यह कि अन्दर ही अन्दर पुक्षते-फूलते किसी भी वक्त वह फूड निकलता है और सारा भेष सुल जाता है बदबू केलकर. اِنْكُمّام كا بھاؤ يه ركيتي هيں اپنے جاؤ ميں ، طوار كى كاف يه ركيتي هيں اپنى دهار ميں ، جدال قدال ميں خون كى قدياں يه بهاتى هيں ، امن أشتى ميں صاح كے پوربرہ يه آزاتى هيں ، درگاہ كى كانى ير هلال كا پرچم يه لهرائى هيں ، بجورنگ بلى كى چهترى ير هنرمان كا نهان يه آزاتى هيں ، شاسن كے بهرن ير إلها آئي كے يه چلتى هيں ، جن سنته كے سكتين سے آنهات انهات يه پكارتى هيں ، دات كے من من سے دمن دمن يه چاتى هيں ، دات كے من من سے دمن دمن يه چاتى هيں ، سخ فرح كے مورجے سے نعرہ إنتلاب كا يه لكانى هيں ، ابتا كے ساتم يه كما جملى راگ يه الابتى هيں ، پريم كے مادر يه دهارمك بهاؤ يه جكاتى هيں ، پريم كے مادر يه دهارمك بهاؤ يه جكاتى هيں ، پريم كے مادر يه دهارمك بهاؤ يه جكاتى هيں .

یدی 'رشو شائٹی' کے آلدولن اِن کے دم سے چلتے ہیں ، تو 'رشو یدھ' کے مظامر میں جہاتے اِن کے لیرائے ہیں .

یه سب نبچه سهی ای ای کی تمام راتینیاں دلچسهیاں اور خوبصورتیاں اپنے جکه ہوا این کے ساتھال نہیں ہوتا اِن کے موال میں موالے میں . دهیویه نہیں ہوتا اِن کے سوبیاؤ میں سے ہوا کا رمد دیم کر یہ اپنا رم پہیرتی هیں اور فضا کا رنگ بھانپ کریہ اُپنا رنگ بدلتی هیں ، کتنی تلون مزاج ہوتی هیں یہ اور کتنی ہوا پرست اِ

جہاتیوں اور ٹوپئوں کا ہیک دوسرے سے ایسا ھی سمبندھ ہے جیسے رنگ کو رنگ سے نسبت لیکن جب ہوا ساتھ نہیں دیتی سے کا تو هم دیکھتے ھیں رنگ برفگ کی ٹوپئاں اوتی پوری میں یا جلتی نظر اُ تی ھیں آئی میں .

جیسے کسی رأج کا سکت چالو رہتا ہے راچ بیر میں اُسی پرکار رأج رنگ کی د چیسے کسی کی د جیسے کسی کی د جیسےکسی کورٹ کی اُلیسےکسی کورٹ کے کا رن یاکسی تعین کے انہمار سکت قسال باعد ہو جاتا ہے ویسے ہی توریاں بھی یکایک اُز جاتی ہیں سروں سے اور دوسری آ بیتھتی ہیں اُن کی جکہتے ۔

گریدلی تھکن کا کام بھی دیکی ھیں ۔ اِس لٹے اِن کو سرپوھی بھی کہا جا سکتا ہے ۔ سرپوھی بین کو یہ پہت سے بڑے برتوشر کی عیب پوشی کرتی ھیں اُرر بہت سے شاسکوں کو لٹی ٹیلی آفتوں سے بھھاتی ھیں اُن کے پاپ تھاتک کو ۔

یه رنگین سرپوش کتلے خوبصورت عیب پوش هوتے هیں سے میے دلیکن ان نے نیجھے کتا گندہ مادہ پرورش باتا رهتا ہے کہ کہی گندہ مادہ پورٹش پاتا رهتا ہے کہ الدر هی الدر پورلتے پیولتے کسی بھی وقت وہ پہرت نکلتا ہے اور سارا بھید کیل جانا ہے بعدو پھیل کر ۔

मंडियाँ बेजवान होती हैं लेकिन आवाज रखती हैं अपनी हरकत में. अपनी हरकत से वह अपना मतलब मगट करती हैं जीर अपने रक्ष से अपना संदेश देती हैं. इनके रंग में पलान होता है जंग का भी, पैग्राम होता है अमन का भी, इनके साथे में तहरीक होती है इनक़लाव की, इनकी सरपर-स्ती में तहरीब होती है बग्रावत की, मूख के मारे इनके गहवारे में पलते हैं और खून के घारे इनकी लहरों में रहते हैं. इनसानी खून से यह अपना कपड़ा रंगतीं हैं और खून का अपता इनक़ा इनक़ाव का न्यांता देता है. इनकी मचलती लहरें हवा को अपना इमनवा बनाती हैं और किजा पे आते जाते रक्ष इनको अपना इमरक़ करते हैं.

मंबी के रक्त से शासन का रहोबदल हाता है. चीर टोपी की बदला बदली से नीति में तबदीली आती है (जैसी नीति वैसी टोपी) जब विचार बदलता और क्याल पत्तटता है तो उसका असर खोपड़ी पर पड़ता है. खोपड़ी से क्या क्या गुल खिलते और मेद निकलते हैं वह सब इन टोपिवों का ही असर होता है, क्योंकि टोपियों को दिमारा से पका हुआ माहा तैयार मिलता है.

पार्टी की नीति का—मंहियाँ अपने उँचे स्थान से हुक्स चक्राती और करमान जारी करती हैं. खलाम करने वाले मुक मुक जाते हैं चनके सम्मुख. नमस्कार करने वाले कमान हो जाते हैं इनके सामने दरबार में.

अलम-बरदार उनकी बकादारी का इलक उठाते और प्रमा (पहरू) करते हैं इताधात गुजारी का—बह उन सब को अपनी सरपरस्ती में लेकर उनके पश्च में अपनी राय जताती हैं.

अंडिया कभी हरकत करती हैं कभी साकित (जामोरा) रहती हैं. जब हरकत करती हैं तो जैसे साँप बहराते और बल खाते हैं. अपनी हरकत से वह हरकत लाती हैं समाज में और हवायं लाती हैं एहसास की अवाम में. जब लामोरा रहती हैं तो जैसे फिजा खामोरा, जब बलती हैं ता बलती ही बली जाती हैं पूरब से पिच्छम, फिर पलंद कर दिस्सत से चलर तक. जब चुप रहती हैं तो वला तक दम साथ जाता है उनकी एक चुप पर, लेकिन इनकी चुप में भी मस-लहत होती है. वह अपनी चुप के बक्के में बहुत कुछ काम कर खेती हैं चुपके चुपके.

सलामती कौं सिल में लहरा कर यह अमन शान्ति की नुमाइन्दर्भी करती हैं मगर क्रान्ति से भी साजवाज रखती हैं.

पीस कान फ्रेंस में एक कर हवा अमन की यह बांबती

हैं पीस-मेकर बनकर.

(UNO) यूनो की फ़ौजें नेकर यह आगे आगे जाती हैं , चीक्-आफ़ री आर्मी होकर, समाज-सभा की स्थापना करके संबंता चीर धर्म के पाठ पढ़ाती हैं.

جہندی کے رنگ سے شاسن کا رد و بدل مرنا ہے ، اور ٹوپی کی بدلا بدلی سے تریتی میں تبدیلی آتی ہے (جیسی ٹیٹی ویسی ٹرپی) ، جب رچار بدلنا اور خیال پلٹتا ہے تو آس کا اثر کورٹوی پر پڑنا ہے ، کورٹوی سے کیا کیا گل کہاتے اور بیود تملتے ہیں وہ سب این ٹرپیوں کا می اثر مرتا ہے ، کیونکہ ٹوپیوں کو دمائے سے یکا موا مادہ نیار ملتا ہے ،

پارٹی کی نریٹی کا جہانتیاں اپنے ارتجی استہاں سے حکم چلائی اور فرمان جاری کرتی ہیں ، سلم کرنے والے جہاب جہاب جاتے ہیں اِن کے سلماء ، ''نمسکار کرنے والے کمان ہو جاتے ہیں اِن کے سلماء ، ''نمسکار کرنے والے کمان ہو جاتے ہیں اِن کے سلماء دربار میں ،

علمبردار اِن کی وفاداری کا حلف اُٹھاتے اور پرن (عهد) کرتے هیں اطابت گذاری کا حلف اُن سپ کو اپنی سوپرستی میں اینی رائے جاتاتی هیں ،

جهندیاں کبوی حرکت کرتی هیں کبھی ساکت (خاموش)
رهتی هیں ، چپ حرکت کرتی هیں تو جیسے سانپ لہراتے
اور بل کھاتے هیں ، اپنی حرکت سے وہ حرکت اتنی هیں' سماج
میں اور هوائیں اتنی هیں احساس کی عوام میں ، جب
خاموش رهتی هیں تو جیسے فقا خاموش ، جب چلتی هیں
تو چلتی هی چای جاتی هیں پورب سے بحجهم تک اور پھر پلٹ
کو دکھی سے افر تک ،

جب چپ رهتی دیں تو یتا ک دم سادھ جاتا ہے آن کی آیک چپ پر' لیکن آن کی چپ میں بھی مصلحت موتی ہے ، وہ آیائی چپ کے وقائے میں بہت کچھ کام کر لیکی هیں چھکے چھک ،

ملامتی کولسل میں۔ اہرا کو یہ اُس شانتی کی تبایندگی کرتی ھیں مکر کرائتی سے بھی سازبار رکھتی ھیں ،

پیس کانمونسوں میں او کر هوا آس کی یه باندهتی هیں --

پيس ميکر بن کو .

(UNO) یو نو کی نوجیں لے کر یہ آگے آگے جاتی هیں چیف آف دی۔ آرمی هو کر ، ساج سیا کی استبادنا کو کے پاٹھ پرمانی هیں ،

टोपियाँ और मंडियाँ

श्री अब्दुल हलीम अंसारी

दोनों तरजुमान होते हैं अपने अपने लक्ष और मत के. दोनों पैराम होते हैं अपने अपने संघ और मन के.

टोपियाँ जब सरपर होती हैं तो कुछ लेती हैं दिमारा से और कुछ देती भी हैं दिमारा को.

दिमारा बनके प्रभाव से बहुत सी चीजें स्वीकार करते हैं और टापयाँ कुछ प्रभाव अपनी भरती भी हैं दिमारों के भीतर, टोपियाँ पार्टी परिचय का काम करती हैं अपने ऊँचे स्थान से. टोपियाँ नीतियाँ रखती हैं अपनी अपनी वर्ज और रगत में जैसे मंडियाँ क्रांतियाँ रखती हैं अपनी अपनी लहर और हरकत में. विशेष रङ्ग और विशेष रङ्ग की टोपियाँ और मंडियाँ निशानियाँ होती हैं जो अपनी अपनी संस्थाओं की नुमायन्दगी करती हैं, जिनके प्लान और प्रोप्राम वैसे ही अलग अलग होते हैं जैसे छूत छात के स्थान अलग अलग काता होते हैं जैसे छूत छात के स्थान अलग अलग तिसरा नहीं आ सकता. वृसरे की सीमा में तीसरा नहीं आ सकता. जो क्रीमी सुधारकों के ''ज़फ़जी एकता'' के मरकज (कन्द्र) होते हैं वहीं मूल में सियासी छुआछूत के संगठन होते हैं.

मिंडियों प्रेम और एकता का पैतास देती हैं मिली-जुली सभा में—कितनी ठन्डी और शान्त पूर्ण होती हैं, उनकी बह शीतल झाया और प्रेम सभा—जाहिर में कितनी अच्छी होती हैं बह प्रेम भरी मंडियाँ और दिलकश उनकी रंगी-नियाँ.

यह एकता का संगठन रचाती हैं और मेल मिलाप का संगम बनाती हैं. यही अपने ताने बाने से क्रीमी जामे तैयार करती हैं. लेकिन क्रीम का शीराजा भी यही बिखेरती हैं और एकता का वामन भी यही नो वाती हैं. फिरकेवारी की आग भी यही बुकाती हैं लेकिन अपने दामन से हवा देकर उस आग को भड़काती मी यही हैं. मुखालिफ हवा को भाप यह रोकती हैं लेकिन काट भी यही करती हैं हवा का, औरी इसभी उसका यही फेरती हैं. यह दबी आग पर फूंक मारत-हैं लेकिन मुलगी आग पर खाक भी यह डालती हैं. संगठन यह बनाती और बिगाइती हैं. हलचल यह मनाती और द्वाती हैं. इसचल यह मनाती और द्वाती हैं. इसचल यह मनाती और द्वाती हैं संगठन यह बनाती और बिगाइती हैं. इसचल यह मनाती और द्वाती हैं संगठन यह बनाती और बिगाइती हैं. इसचल यह मनाती और द्वाति होती है और दोतरफा इनका उस, इभर कुछ तो चपर कुछ, कभी कहा तो कभी कहा.

ترپیاں اور جھنڌیاں

شرى عبدالحليم أنصارى

حونوں ترجمان ہوتے میں اپنے اپنے اکھی اور ست کے . حونوں پینام ہوتے میں اپنے اپنے سنام اور من کے . ٹہیاں جب سر پر ہوتی میں تو کچھ لیتی ہیں دماغ سے اور کچھ دیتی بھی میں دماغ کو .

دماغ أن کے ہربهاؤ سے بہت سی چیزیں سوٹیکار کرتے ہیں اور تربیاں کچھ پربھاؤ آپنے بھرتی بھی ہیں دماغرں کے بھیتر ، لربیاں پریچے کا کام کرتی ہیں آپنے ارنتچے استہاں سے تربیاں نیتیاں رکھتی ہیں آپنی اپنی طرؤ آور رنگ میں جھسے چھتیاں کرانتیاں رکھتی ہیں آپنی اپنی آپنی لہر آور حرکت میں وشیعی رنگ اور وشیعی تھنگ کی تربیاں آور جھنتیاں نشانیاں ہوتی ہیں جو آپنی آپنی سنستہاؤں کی نمایندگی کرتی ہیں ، جن کے پلان آور پروگرام ویسے ہی الگ آلگ آلگ ہوتے ہیں جیسے چھوت چھات کے آستیان آلگ آلگ آلگ آلگ میں میسے پھوت چھات کے آستیان آلگ آلگ آلگ آلگ گیا استیار نہیں آ سکتا ، جو قومی سدھارکوں کے "الفظی آیکتا" کے مرکز (کیندر) ہوتے ہیں وہی مول میں سیاسی چھوا چھرت کے سکتابی ہوتے ہیں وہی مول میں سیاسی چھوا چھرت کے سکتابی ہوتے ہیں وہی مول میں سیاسی چھوا چھرت کے سنگٹین ہوتے ہیں وہی مول میں سیاسی چھوا چھرت

جهاقیال پریم اور ایکتا کا پینام دیتی هیل ملی جلی سبها میل و شکل میل و شکل میل و شکل میل و شکل جها اور پریم سبها سبطاهر میل کننی اچهی هوتی هیل و پریم بهری جهندیال اور داکش آن کی رنگینیال .

یه ایمکا کا سلکتهن رچاتی هیں اور میل سال کا سلکم بناتی هیں ، یہی اپنے تانے بانے سے قومی جامع تیار درتی هیں ، لیمی قوم کا شیرازہ بھی یہی بمهیرنی هیں اور ایمکا کا دامن بھی یہی نوچاتی هیں ، فرقه واری کی آگ بھی یہی بحجاتی هیں لیمی اپنے دامن سے هوا دیگر آگ کو بهزگاتی بھی یہی هیں ، مخاف هوا کی بهاپ یه رونتی هیں لیمن کا بھی یہی هدی دربی آگ پر حاک بھی یم تالتی پونک مارتی هیں ایمن سلکی آگ پر حاک بھی یم تالتی بونک مارتی یم بناتی اور باگارتی هیں ، هلچل یم محجاتی اور دیاتی هیں ۔ سالتی اور باتی هیں ، هلچل یم محجاتی اور دیاتی هیں ، سلکی آلی پر حاک بھی یم تواندی دورجی ای کی پالیسی هوتی هے اور دیاتی هیں ۔ کھی کچھ تو دو طرفه این کا رح ادیاتی ادور کیو تو آدھر کچھ کو دو طرفه این کا رح ادیاتی دورجی ایکی پالیسی هوتی هے کھی کچھ کو

भनेकता में एकता वानी क्सरत में वहदत

की देवी मानी जाती है. शिव का विवाह गीरी काली से हुआ, गीरी का अर्थ है सफेद और काली का अर्थ है काली. गीरी प्रेम को .जाहिर करती है और काली नफरत की. इन दोनों की किया और प्रतिक्रिया से ही सृष्टि का अन्त होता है. इस तरह भारत के पुराखों में इस विश्व के सारे फैलाव को कहानियों के रूप में समकाया गया है, ताकि कम समक आदमी भी आसानी से समक सके. इस ढंग से इसमें ऐसी बातें भी कह दी गई हैं जिन्हें ठीक ठीक समकने के लिये वही ज्याख्या की .जरूरत है.

इसी तरह शरीर विद्या (फिजियालोजी) का हाल है जिसमें वैद्यक विद्या (इस्मेतिब), इस्मे सेहत, दिन और रात का बनना, मौसमों का बनना, नसलों की पैदाइश, कफ, बात और पित्त सब अपनी अपनी जगह आ जाते हैं.

इसी तरह रोगों (पैथालोजी) का हाल है. रोग भी तीन तरह के होते हैं—शरीर के रोग, मन के रोग और जीवनी शक्ति के रोग. इसमें भी शक नहीं कि यह सब अलग अलग जीजें एक दूसरे में रली मिली हुई हैं. हम कह चुके हैं कि . कुदरत में कोई ऐसी जकीरें या दीवारें हैं ही नहीं जो एक जीज को दूसरी जीज से या एक किस्म की जीजों को दूसरी किस्म की जीजों से अलग करती हों. हक्तिकृत एक अधाह और वेपायां, वे किनार समन्दर हैं जिसमें हम सब बुल- खुलों की तरह बनते और विगइते और किर जनते और विगइते रहते हैं. कई से कई रोग . कृवने इरादों से, मन की अवस्थाओं से अच्छे किये जा सकते हैं और सूक्ष्म से सूक्ष्म मानसिक विचार जड़ भीषियों द्वारा बदले जा सकते हैं.

इनसाइक्लोपीडिया ब्रीटेनिका में प्राण्शिसत्त्र (जुओलो-जी) पर निबन्ध इस सम्बन्ध में पढ़ने योग्य है. सब जगह बही तीन के जोड़े और बही अनेकता में एकता यानी कस-रक्ष में बहदत.

الهائلا مون لهالا يعلى كارتها مون وخويف

کی دوری کا اراق کے سابق کی کا وہواتا گوری کائی سے ہوا ۔
گوری کا اراق کے سابق اور کالی کا آراق کالی ۔ گوری پردم کو طاعر
کوئی کے اور کالی تفریع کی ۔ اِن دونیس کی کریا اور
پرامکریا سے می سرشتی کا انت مرتا ہے ۔ اِسی طاح
بھارت کے پرائرس میں اِس شو کے سارے پھیلا کو کیائیوں کے
بھارت کے پرائرس میں اِس شو کے سارے پھیلا کو کیائیوں کے
بردی میں سیجھایا گیا ہے، ناکہ کم سیجھ آدمی بھی آسائی سے
سیجھ سکے ۔ اِس تمنگ سے اُس میں ایسی بانیں بھی کہا
دی گئیں ھیں جنہیں ٹھیک شہیک سیجھانے کے اٹے بڑی
ویائیدا کی ضرورت تھی ۔

اِسی طرح شریر ردیا (فزیالہجی) کا حال ہے جس میں ویدگ ودیا (علم طب) علم صححت دن اور رات کا بقتا مرسموں کا بققا السلوں کی پیداٹھی کف وات اور پت سب اپلی ابنی جگیہ آ جاتے ہیں ۔

اسی طرح روگوں (پیتھااوجی) کا حال ہے، روگ بھی کیوں طرح کے ہوتے ہیں۔ شریع کے روگ اور جھوں کے روگ اور جھوں شکتی کے روگ ، اِس میں بھی شک تبھیں کہ یہ سب الگ الگ چھویں ایک دوسرے میں رلی ملی ہوئی ھیں ، ھم کہہ چکے ھیںکہ قدرت میں کوئی ایسی تکھویں یا دیواریں ھیں ھی فہیں جو ایک قدرت میں کوئی ایسی تکھویں یا دیواریں ھیں کی دوسری چھوڑ سے الگ قیم کی چھوڑ سے الگ قیم کی چھوڑ سے الگ تھا کی جھوڑ اور پہاور سمندر ہے جس میں ھم سب بلبلی کی اور پہایاں کی خود سے خود ورگ قوت آرادی سے من کی اوستھاؤں سے اچھے کئے جا سکتے ھیں اور سوکشم سے سوکشم مانسک وچار جبر اوشدھیوں دوارا ویلے جا سکتے ھیں ،

انسایکلہپیڈیا برتینیکا میں ورائی شاستو (زوالاجی) پر نبندہ اِس سمبندہ میں پڑھئے یوگئے ہے ۔ سب جگہ وہی تین تین کیون کے جرز اور وہی اِنیکٹنا میں ایکٹا یعنی کثرت میں وہدت .

और कारण शरीर कहा जाता है और जिन्हें ईसाई सन्त सेन्ट पाल ने 'बाडी, सोल एएड स्पिरिट' के नाम से पुकारा है, इन तीनों का एक दूसरे से नाता एक अलग और दूसरा विषय है.

मन्दन्तर विद्या यानी पेन्थापालोजी के अन्दर इम चित्त विद्या (साइकालोजी), देह विद्या (फिजियालोजी) और समाज शास्त्र (साशियालोजी) तीनों को शामिल कर सकते हैं. यही तीन आत्मा, गैर आत्मा और इन दानों का मेल है. यही माइन्ड, मैटर और लाइफ यानी चेतन, अचेतन और प्राण हैं.

इस तरह चक्कर पूरा करके हम फिर चन्हीं उस्लों पर आजाते हैं. हमारा झान (इल्म) और हमारा अनुभव (तजरबा) जितना बढ़ता जाता है और हमारी अन्दर की शक्तियाँ जितनी जितनी खुलती जाती हैं उतना उतना ही जिन चीजों को हम दूर और निकम्मा समकते थे उन्हें नजदीक और काम का समक्षने लगते हैं. निजी स्वार्थ और .खुद्रारजी की निगाह से यही चीजें हमारे दुनियाबी सुख सीस्य को बढ़ाने वाजी साबित हाती हैं और त्याग और हफ़ीकी शान्ति की निगाह से यही चीजें हमें सबके साथ इसारी एकता दिखलाकर लाक संग्रह यानी खिद्मते खल्क में जियावह से जियावह मदद देने वाली बन जाती हैं.

इतिहास (तारीस) में तीन चीजें .सास होती हैं. एक विधिवार हालात जिसे कानालोजी कहते हैं जिसका सम्बन्ध काल यानी समय से हैं. दूसरे भुगोल यानी जियोमेफी जिसका सम्बन्ध देश और जगह से हैं. तीसरे घटनाओं का बयान यानी नैरेटिव जो इतिहास का मुख्य अंग है, जिसका सम्बन्ध गति यानी हरकत से हैं. यह तीनों भी उसी शिक के कारनामे हैं जो अकेली ही, सब कुछ कर सकती है और निसके बिना कहीं कुछ किया ही नहीं जा सकता. इन्ही अधों में ईश्वर अल्लाह को सर्व शिक्तमान कृषिरे मुतलक या 'आलमाइटी' कहा जाता है.

यदि हम इतिहास को ध्यान से देखें तो इतिहास के यही तीन रूप गौरी, काली, और शक्ति के रूप में दिखाई देते हैं. इन्हों के .जिरये दुनिया के सब पदार्थ, सब जानदार सब राष्ट्र, .कीमें नसलें और सभ्यताएँ पैदा होती हैं, बदतीं हैं और गिर कर खत्म हो जाती हैं. इन्हों तीनों ताक़तों को बद्दाा, विष्णु और शिव या बद्र नामों से पुकारा गया है. यही तीनों नाम तीनों गुणों रजस, सत्व और तमस को .जाहिर करते हैं. इन्हां का विवाह 'सरस्वित' से हुआ जो झान की देवी मानी जाती है, क्योंकि कर्म बिना झान के निष्फल है और झान बिना कर्म के .खतरनाक. विष्णु का विवाह लक्ष्मी से हुआ जो घन और सुख और स

ملولتر ردیا یعنی ابنتهراپالوجی کے اندر هم چت ودیا (ساتیکالوجی) دیه ددیا (نزیالوجی) اور سماج شاستر (سوشیالوحی) تیلوں کو شامل کرسکتے هیں ۔ یہی تین آتما فهر اور انقا اور اِن دونوں کا میل ہے ۔ یہی مائلت میڈر اور انقا یعلی جہتی اُور پراُن هیں ۔

اسی طاح چکر پورا کرکے ما پھر انہیں اصوابی پر آجائے عدی ، حمارا گران (علم) اور حمارا انبھر (نبجربه) جکنا ہوسکا جاتا ہے اور هماری اندر کی شکتیاں جکنی جکنی کیلئی جاتی ہیں افغا اتفاعی جن چیزرں کو هم دور اور نکما سمجھتے تھے انہیں نزدیک اور کام کا سمجھنے لکتے ہیں ن نجی سوارتھ اور خود غرضی کی نگاہ سے یہی چیزیں دنیاری سکو سوکھت کو برهائے والی تابت ہوتی هیں اور تیاگ اور حقیقی شائتی کی نگاہ سے یہی چیزیں هیں سب کے ساتھ هماری ایکٹا دکیا کو لوگ سنگرہ یعلی خدست خلق میں زیادہ سے زیادہ صد دیئے والی بن جاتی هیں .

اتهاس (تاریخ) میں تین چیزیں خاص هوتی هیں .
ایک تتهی وار حالات جسے کرآنالوجی کہتے هیں جس کا
سمبلده کال یعنی سمے سے ، دوسرے بهوگول یعنی جهوگریفی
جس کا سمبلده دیش اور جکہ سے ہے ،تیسرے گهتنائل کا بیان
یعنی نریتو جو اتہاس کا مکھیک آنگ ہے، جس کا سمبلده گتی
یعنی درکت سے ہے ، یہ تینیں بیی اُسی شکتی کے کارنامے هیں
جو اکیلی هی سب کچھ کو سکتی ہے اور جس کے بنا کھیں
جو اکیلی هی سب کچھ کو سکتی ہے اور جس کے بنا کھیں
جو اکیلی هی نہیں جا سکتا ، اِنھیں ارتھوں میں ایشور
الله کو سروشکتیمان قادر مطابق یا قالمائیٹی کہا

یدی هم اِنهاس نو دهیان سے دیکھیں تو انهاس کے یہی تین روپ گوری کالی، اور شکتی کے روپ میں دکھائی دیتے میں اِنهیں کے ذریعے دنیا کے سب پدارنی سب جاندار سب راشتر قومیں نسلیں اور سبهیائیں پیدا هوتی هیں، بوهتی هیں اور گر کو ختم هو جاتی هیں ، انهیں تدنیں طاقتیں کو برهما وشنو اور شو یا رودرنامیں سے پکارا کیا ہے ، بھی تین نام تینوں گنوں رحس' ستو اور تمس نو ظامر کرتے هیں برهماکا ویوان اسرسوتی، سے هوا جو گیاں کی دیری مانی جاتی ہے کوئکت کرم بنا تیاں نے نشهیل ہے اور گیاں بنا کرم کے خطرناک ، وہونو کا ویوات اکشمی سے هوا جو دهن اور سکھ سوکھیت

भारत के "इतिहास" में मानव इतिहास के खास सास युगों का वर्णन है.

4.50 8.50

यूरोपियन विद्वान बर्गसन ने जिसे 'टापर, इन्सर्टिक्ट भीर इनटैलीजेन्स' कहा है उसी को भारत के पुराक्षों में 'तमस, रजस भीर सत्व' कहा गया है. देवी भागवत में इसे बड़े विस्तार के साथ बयान किया गया है.

इस ऊपर कह चुके हैं कि आजकत की सान्इस के अनुसार कदरत की सारी ताक़तें एक तरह विजली की शाक्रत के अन्दर आ जाती हैं. यह विश्वास बढ़े वह साइन्स-दानों का विश्वास है. हो सकता है कि अगला कदम साइन्स यह ले कि वह बिजली की ताक़त की विश्वव्यापी प्राया यानी सबकी जान के साथ मिलाकर एक कर दे. इसी विज्ञान को श्रारेजी में पेनीमामुन्ही या वाइटैलिटी कहते हैं. इसी प्राया या जान को माइन्ड फोर्स भी कहा जाता है. यही बह इच्छा शक्ति, वह कृवते इरादी यानी रूडे कुल की जहूर में आने की वह इच्छा है जिसकी बाबत उपनिषदों में कहा गया है---'में एक हूँ और बहुत हो जाऊँ', इसलाम में इसी को अस्ताह के मुंह से 'हा जा' कहना बताया गया है. यह व्यापक इच्छा शक्ति ही ज्ञान शक्ति, बुद्धि शक्ति या संकल्प शक्ति के जरिये काम करती है, यही विश्व की क्रिया शक्ति है. क्रव्रत की सारी शांक थाँ इसी के अन्द्र समाई हुई हैं और इसी से काम कर रही हैं.

मामुली नल से निकला हुआ पानी का फौबारा बहुत बड़े दबाब के अन्दर फीलाद की खड़ से जियादा सकत हो जाता है, हवा का एक जबरदस्त मोंका अपनी हरकत की तेजी की बजह से समन्दर के ऊपर पानी की उलटी मीनार या सहारा के रेगिस्तान में रेत की भीनार बन जाता है. ठांस चीर्जे तरल हो जाती हैं, तरल गैस यानी हवा बन जाती हैं. गैसें और अधिक लतीक होकर ईथर बन जाती हैं, वरीरह बरीरह, इसी तरह इनकी तेजी को कम करने और बहाब को बढ़ाने से तरह तरह की लहरें पैदा हो जाती हैं जिन्हें साइम्सदी 'बेठज' कहते हैं. अन्त में जाकर ये सब गात, हरकत और लहरें बाहे पिन्ड के अन्दर और बाहे ब्रह्मान्ड के अन्दर इसी दिश्वारमा की गति है जो अपनी माया (बीजा) के जरिये एक से अनेक माजूम हाने लगता है. इसी से अनगिनत नाम और रूप पैदा होते हैं. बात्मा के इसी अपने बारों तरक के जुत्य की पुराखों में शिव का तान्डव ज्ञत्य कहा गया है.

जी शांक आत्मा बीर ग्रीर आत्मा में नाता जोड़ती है उसी को योगभाष्य में 'चित्त वत्न' और महामारत और 'पुरायों में 'काम संकल्प शांक' कहा गया है. इसी से मुस्त्या के वह तीन शरीर बनते हैं जिन्हें स्थूब शरीर, بھارت کے ''انہائن'' میں ماتو انہاس کے خاص خاص اکون اورنس کے .

المجردیتین ودوار برکسی لے جسے تاریرا انستلامت اور انستلامت اور انستانسی کی جانبی کی برانیں میں انسی اسکی رجس اررستوا کیا گیا ہے ، دیری بیاگوت میں اسے بڑے رستار کے ساتھ بیان کیا گیا ہے .

هم آوپر کہت چکے هیں که آجکل کی سائلس کے انہمار قدرت کی ساری طاقت کے اندر ایک طرح بجای کی طاقت کے اندر اجاتی هیں ، به وشواس برحے برحے سائلسدانوں کا وشواس فے ، هوسکا فے که اگلا قدم سائلس به لے که وہ بجلی کی طاقت کو وهزیایی پران یعلی سب کی جان کے ساتھ سلا کر ایک کر دیے ، ایسی وگیاں کو انگریزی میں ابلیما موتذی یا وائٹیللی کہتے هیں ، اِسی پران یاجان کو مائنڈ فورس بھی کیا جاتا فی ، بھی وہ اچھا شکتی وہ اچھا شخص کی بابت اینشدوں میں کیا گیا ہے۔ اُسلم میں ایک هوں اور بہت هوجاؤں ، اُلے اِسلام میں اُسی کی الله کے منب سے امرانی مجاؤں ، اُلے اِسلام میں اُسی شکتی می گیاں شکتی کے ذریعے شکتی می گیاں اِسی کے اندر سمائی هوئی هیں اور اِسی سے کا دریعی شکتی عیں اور اِسی سے کا دریعی شکتی میں اس کے کریعے شکتی اس اس کے اندر سمائی هوئی هیں اور اِسی سے کا دریعی

مممولی نل سے نکا ہوا پانی کا فوارہ بہت بڑے دہاؤ کے المدر فوالان کی چھڑ سے زبادہ سخت ہو جاتا ہے ۔ ہوا کا ایک وہدست جہونکا اپنی حرکت کی تیزی کی وجه سے سمادر کے آوپر بانی کی اللّٰی مینار یا صحارا کے ریکستان میں ریحت کی مینار میں جانا ہے ۔ ٹھوس چھڑیں قول ہو جاتی میں تول مور اپنی مین قول کو کیس یعنی ہوا ہی جاتی میں ' رضورہ وفیرہ ، اِسی طرح اِن کی گیس یعنی ہو کم کرنے اور بہاؤ کو بڑھانے سے طرح طرح کی ابریس پیدا ہوجاتی میں جنیس سائنسداں 'ویپز' کہتے میں ، اثب میں جائر یہ سب گئی حدکت اور لہریں' چھے پند کے اندر' اُسی وشواننا کی ' گئی ہے چو ایر حیالے میاں (ارالا) کے ڈربعے ایک سے انیک معلوم ہونے لکا ہی ایک سے انیک معلوم ہونے لکا ہی ایک ایس سے انگری میں شوان انکا کے اِسی سے انگری میں شوان انکا کے اِسی اینے جاروں طرف کے تونیہ کو پرائیس میں شوان انتخار تونیہ کیا ہی۔

جو شکئی آنما اور غیر آنما میں ثانا جووئی ہے آسی کو پوگ بیاشیہ میں 'چسبل' اور مہابیارت اور پرانیں میں ' کام سندلپ شکئی' کیا گیا ہے۔ اِسی سے مشفید کے وقد تین ہرپر بلتیہ عیں جنیس استجال شریر'

一門的時間的關係

एक दूसरे के साथ खिल्त मिल्त कोती रही हैं. सच्ची चात यह है और हम शब्दशः यह कह सकते हैं कि हम सच शारीरिक निगाह से और आत्मा की निगाह से दोनों निगाहों से एक दूसरे का अंग हैं और एक हैं, किर भी हर एक अपना अलग सापेक्ष वजूद भी रखता है. इसी का नाम एकता में अनेकता और अनेकता में एकता, यानी बहदत में कसरत और कसरत में बहदत है.

इंजील में लिखा है:—"ईश्वरीय कानून के अनुसार सब जीज़ें एक दूसरे के वजूद में मिल जाती हैं." कारण साफ है क्योंकि सब एक ही जेतन की फल्पना से पैदा हुई हैं और उसी एक कल्पना के अंग हैं. वह सब जगह हाजिर नाजिर, सर्व व्यापक, सर्व राक्तिमान, रूढेकुल, सबको सबके अन्दर एक किये हुए है. यूरांप के मशहूर साइन्सदां" इाक्टर ऐलेक्सिस कैरल ने अपनी पुस्तक "मैन दि अजोन में इसी सचाई को साइन्स के शब्दों और साइन्स के तरीक़े से बड़ी सुन्दरता के साथ बयान किया और समझाया है.

यही कारण है कि बादमी के दिल में इस बात की खबरदस्त और गहरी लगन है कि वह इस भिन्नता में एकता को देख सके. इसीलिये साइन्स प्रकृति की सब राक्तियों को अपने अधिकार में लाने की कोशिशों में लगी रहती है. इसीलिये मानव समाज भीरे भीरे इसी एकता को साक्षात करने की तरफ क़दम बढ़ा रहा है. सबके साथ अपनी एकता को साक्षात करने में ही सब राक्तिमत्ता का रहस्य यानी क़ुद्रते कामिल का राख खिपा हुआ है.

ज्योतिष विद्या यानी इल्मेनजूम (ऐस्ट्रानोमी) के अन्दर भूगोल विद्या (जियामिकी) और भूगमें विद्या (जियालाजी) दोनों शामिल हैं. पुराणों के अनुसार हमारी इस घरती की रचना में सात आवरण हैं. इन्हीं को मिट्टी,पानी, आग, हवा करोरह नामों से पुकारा जाता है. इसी ज्यातिष के अन्दर भूवल विद्या (फिजियोमाफी) और इसी में वंश विद्या (बायो-लाजी) शामिल हैं. वंश विद्या में मिण विद्या (मिनरालोजी) दुख विद्या (बाटेनी), प्राणी विद्या (जूबालोजी), आ जाती हैं. प्राशी विद्या का ही एक क्रंप मन्बन्तर विद्या यानी ऐन्धा-पालोजी है.

भारत के पुराशों में पाँच खास जीजों का बयान जाता है:—एक सर्ग यानी दुनिया कैसे बनी, दूसरे प्रति सर्ग यानी दुनिया कैसे खत्म होती है, तीसरे बंश यानी जानदार कैसे पैदा हाते हैं, जीबे मन्द्रन्तर यानी मनुष्य की पैदाइश का इतिहास और, पाँचने वंशानुचरित यानी मनुष्य की नसलों का इतिहास. इन्हीं पांचों के साथ साथ पुराखों में अवतारों का जिक है. अवतार का मतलब है ''हुजूल' के जरिये छस सस्ताह की कुद्रत और इसकी राक्ति का सास खास जीजों या आदमियों में जहूर.

یک دوسرے کے ساتھ خات مات جوتی رھی جین ۔ سچی بات یہ ہے اور جم شہرشہ یہ کہم اسکتے جین کہ جم سب شاریرک نگاہ سے اور آنما کی نگاہ سے دونوں نگامیں سے ایک دوسرے کا انگ حین اور آیک جین پہر بھی جر آیک اپنا انگ ساپیکش وجید بھی رکھتا ہے ۔ اِسی کا نام آیکنا میں انبکتا یعنی وجدت میں کثرت اور کثرت میں وجدت ہے ۔

النجیل میں کھا ہے۔۔۔۔"ایشرویہ قانوں کے انوسار سب چیزیں ایک دسرے کے وجود میں سل جاتی ہیں ۔" کاری صاف ہے کیونکہ سب ایک ہی چیئی کی کلینا سے پیدا ہوئی ہیں اور اُسی ایک کارنا ہیں ،وہ سبجکہ حاظر ناظر ' سرویارگ 'سرو شکتیمان' روح کل' سب کو سب کے اندر ایک کئے ہوئے ہے . یورپ کے مشہور سابلسدان ڈاکٹر ایلیمس تبرل کے اینی پستک ''میں دی اندون'' میں اِس سچائی کو سائنس کے شدون اور سائنس کے طریقے سے بڑی سندرتا کے ساتھ سائنس کے شدون اور سائنس کے طریقے سے بڑی سندرتا کے ساتھ ہیاں کیا اور سعجهایا ہے ۔

یہی کارن ہے که آدمی کے دل میں اِس بات کی زبردست اور گہری لکن ہے که وہ اِس بهلنکا میں ایکٹا کو دیکھ سکے ، اِسی لئے سائنس پرکرتی کی سب شکتیوں کو اپنے آدھیکار میں لائے کی کوششوں میں لکی رہتی ہے ، اِسی لئے مانو سماج دھیرے نی کوششوں میں ایکٹا فو ساکشات کرئے کی طرف قدم بڑھا رہا ہے ۔ سب کے ساتھ اپنی آیکٹا کو ساکشات کرئے میں ھی سرو دیکٹی مٹا کا رہسیہ یعنی قدرت کامل کا راز چیہا ہوا ہے ۔

جیرتش ودیا بعنی علم نجرم (ایسارانوسی) کے اندر یہوگول ودیا (جھواکینی) اور بهوگوی ودیا (جھوالجی) دونوں شامل هھیں ، پرانوں کے انوسار هماری اس دعرتی کی رچنا میں ساعت آورن هیں ، انهیں کرمانی اگٹ هوا وغیرہ ناموں سے پکارا جاتا ہے ، اِسی جھوتش کے اندر بھوتل ودیا (فزیوگرانی) اور اِسی میں ونھی ودیا (بالبوالجی) شامل ہے ، اِنھی ودیا میں منی ودیا (منوالوجی) ورکشی ردیا(بائینی) پرانی ودیا (ذوالوجی) آجاتی هھی ، پرانی ودیا کا هی ایک پروپ منوفاتر ودیا بعنی اینتھرا پالمجی ہے ،

بوارت کے پرانیں میں پانچ خاص چیزوں کا بھای آتا ہے:

ایک سرگ یعلی ذنیا کیسے یلی درسرے پرتی سرگ یعلی

دنیا کیسے ختم هرتی ہے، نیسرے وقص یعلی جاندار کیسے پھدا

مرتے ہیں، چرتے منونٹر یعلی منشیه کی پھدائش کا انہاس

پانچیوں رشانو چرت یعلی منشیه کی تسلیں کا انہاس آلیس

بانچیوں کے سانو ساتھ پرانیں میں ارتاروں کا ذار ہے ۔ ارتار کا

سلاب ہے ''حاول'' نے ذریعے اُس الله کی قدرت اور اُس

کی شکتی کا خاص خاص چیزوں یا آدمیں میں طہور ۔

· 中华的 17 不要是一定,这种重要的一个。

اِس بنهادی ستجائی کے هوتے هوئے بھی هم چیزوں کو اُنگ اُلگ نام دے لیتے هیں۔ یہ نامهم هو چیز کے کسی ته کسی الگ نام کی اُس کی کسی ته کسی خاص صفت کے کارو دے کو اُپنا کام چلاتے هیں ، نیائے شاستر هن' یوگ واسشت میں اُور برهم سوتروں میں اِس بات کو بہت اچھی طرح کھول کر اُرد وسئلر کے ساتو بیان کیا گیا ہے ،

دلها کے سب تام روپ آدمی نے اپنی اسانی کے لئے گڑھے هیں ، اِن قام روپوں پر هی سب سائنسوں کی بایادیں هیں . فہیں تر قدرت میں سب ایک هیں ، سب روشنیوں کی کولیں ایک درسرے میں ملی مرئی ہیں ، شینم (ارس) کی ہوئد کے الدر آفتاب (سبریہ) موجود فے اور شیام کی ہوند انتاب کے ددھکتے ہوئے گہلے کے اندر موجود ہے . میں جب اتری دهرو اور دکینی دهرو یعنی قصب شمالی اور قطب چنوبی کی بات كرتا هول تو ولا مهرم من كے ألند هوتے هيل أور غدا من أن مين موجود هونا هي يه انتت آكف اور أس كے اندر اربين کھوپیں اور شاکھوں ستارے اورسیارے سب میری چھوٹی سی آنکو کے الدر هون اور إلى سب مهريهي سباد ديمهنم واون كي أنجهين موجود هیں ، برتار کے ربقیو فے یہ ثابت کر دیا ہے الم سپ آواويي مب جاله سے الينے والي سب جاله سنی جا ساتی هیں اور سے چکھ موجود عیں ، جو ساتارہ اور سیارہ ایک فوسرے کے کروزوں اور اربین مهل کی دوری پر ههن آن سب پو روشنی کی ارتوں کے دوارا برابر ایک دوسرے کا عاس بوتا رهتا ھے مدارے شریر کے سب نفتو همارے خون کے ذریعے ایک هوسرسه ملي رهام هين، هر چهول سه چهول أيام كي هر حتوكت رهو بهر كى الناس حركتون الا تنايجه مرتى الله أور ولا خوداليد دوارا العاس حركاس كو جنم ديتي. جرمنشية أتكنت دركيوس كي اولاد هوتا ها اور،أسي طرح انكنت منهيونكا درتها هونا ها، يحقهم ونها کے منشیس کےسب پنچھلے رشتوں کا پاته لگا سکیں تو هدیں مطوم ہوگا کہ عرمنشیہ دنیا بہر کے بانی سب منشیوں کے ساتھ خیبی کے رفتے سے جوا ہوا ہے ۔ اِنسان کی ساری تسلیں ہرابر

मागवत में और योग वासिष्ट में लिखा है कि:—"सब चीजों, हर जगह, हर तरह से और हर समय मीजूत हैं." योग भाष्य में लिखा है:—"सब में सब की आत्मा हैं. सब में सब के सब गुण मौजूद हैं." मशहूर साइन्सदों जीन्स लिखता है:—"हर इलेक्ट्रान सारे बिश्व भर में फैला हुआ है." एक दूसरा साइन्सदों ह. ऐलेक्स्स केरब लिखता है:—'मनुष्य का आपा सब जगह यानी सारे विश्व में फैला है." योग वासिष्ट में लिखा है:— 'आगु दुनियाओं में हैं और दुनियाएँ आगुओं में हैं."

इस बुनियादी सचाई के होते हुए भी हम चीजों को अलग अलग नाम दे लेते हैं. यह नाम हम हर चीज के किसी न किसी अलग गुए या उसकी किसी न किसी खास सिफ्त के कारण देकर अपना काम चलाते हैं. न्याय शास्त्र में, योग वासिष्ट में और ब्रह्म सूत्रों में इस बात को बहुत अच्छी तरह स्रोल कर और विस्तार के साथ बयान किया गया है.

दुनिया के सब नाम रूप आदमी ने अपनी आसानी के तिये गढे हैं. इन नाम रूपों पर ही सब साइन्सों की बुनियादें हैं, नहीं तो फ़द्रत में सब एक है, सब रोशनियों की किरने' एक दूसरे में मिली हुई हैं. शवनम (श्रोस) की बूँद के अन्दर आफताब (सूर्य) मौजूद है और शबनम की वूँद आफताब के धधकते हुए गाले के अन्दर मौजूद है मैं जब उत्तरी ध्रुव और दाक्खनी ध्रुव यानी कुतुव ग्रुमाली और कुतुम जन्त्री की बात करता हूँ तो वह मेरे मन के अन्दर होते हैं और मेरा मन उनमें मौजूद होता है, यह अनन्त श्राकाश और उसके अन्दर अरबों खरवों और शंखों सितारे और सैयारे सब मेरी ह्यांटी सी आँख के अन्दर हैं श्रीर इन सब में भी सब का देखन वालों की श्रांखे मौजूद हैं. बेतार के रेडिया ने साबित कर दिया है कि सब बावाजें, सब जगह से उठन वाली सब जगह सुनी जा सकती हैं चौर सब जगह मौजूद हैं. जो सितारे और सैयारे एक दूसरे से कंगड़ों और अरबो मील की दूरी पर हैं उन सब पर रोशनी की किरनों के द्वारा बरावर एक दूसरे का श्रावस पढ़ता रहता है, हमारे शरीर के सब तन्तु हमारे खन के जारिए एक दूसरें से मिले रहते हैं. हर छोटे से छाटे ऐटम की हर हरकत विश्व भर की अनिगनत हरकतों का नतीजा होती है और वह ख़ुद अपने द्वारा अनिगनत हरकतों को जन्म देती है. हर मनुष्य अनिगनत पुरस्तों की भौलाद हाता है और इसी तरह अनगिनत मनुष्यों का पुरस्ता दाता है. यदि इम दुनिया के मनुष्यों के सब पिछले रिश्तों का पता लगा सकें तो हमें मालूम होगा कि हर मृतुन्य, दुनिया भर के बाक़ी सब मनुष्यों के साथ स्तृत के रिस्से से जुड़ा हुआ है. इनसान की सारी नसलें वैरावर

يعلى ساولة ووشلى يعلى لائت كرمي يعلى هيمت ہملی (ایلیکٹریسٹی) اور طرح طرح کی کوٹیوں (ريز) أور إن سه سمياده ركينه والى وديائين ألجاتي هيں ، ألت ميں جا كو إن سب كا سباده ودوت يعلى بعملي سے بدايا جاتا هے ، ألو يعنى أيثم كي بابت أبهى تك یورپ کے ودوانیں میں انگ الگ وچار میں ، کوئی اِسے ایک چھوٹی سی چبولی مآدمی یعلی قبوس چیز سنجیتے میں اور كرئى كيول ايك لهر (ويو) يا شكتى (انرجى) بتاتے هيں ، ایسے هی دو وچار روشلی کے بارے میں بھی را چکے هیں . تهسرے حصے میں جیرتش شاستر فے جسے انگریزی میں ایسارا نومی کیا میں . اِس تیسر حصه میں بھی آرور کے دونوں آگار آیک طرح سے مل جاتے میں اس میں سب پراهمالقوں یعلی آکھی عے گولس انت سوریوں سکاروں سیاروں سوریه جکتوں اسمانوں کا بلنا چمر کائفا کی آیس کے رہتے اور ایک دو در عر اُن کے اثر عماری وسیں کے رہنے والوں پر اُن کے اگرا سب آ جاتے میں .

اِس نگاہ سے جوتش کے دوبھاک ہو گئے میں ، ایک گنجت يعلى معمولي ايسترانومي اور دوسرا يهلت يعذي الهسترالاجي أنهين دونوں كو نجرم بھى كہتم ھيں . ان كا سبندھ ھارى دھرتی کی بناوے ماری سے کے وبھاگوں مارے من کی حالتوں اور هماری دهرتی کے اندر کی دعاتیں، همارے موسموں، همارے جوار بھائیں' همارے سموم و طونائیں جنھیں انکریزی میں Simooms and Typhoons, میں هماري زلزلين' طرح طرح کے جا وزون' ونسيتيون اور اِنساني قوموں کي پيدائشون رفورة وغيرة سه بهي بالكل صاف هے إس ير هماره . جوتشى يانج سال ساك سال المان سال چيتيس سال سو سال بارة سو سال و چهديس سو سال چار هزار ديبي سو بيس سال وفدرہ کے یگ بنا لیتے هیں ، اِن سب کا سبد دھ ان اربرن کھربوں دانیاؤں سے فے جہ جوتص کا وشیئے ھے ۔

يه بات يهي حاف سمجه مين أسكتي هاكه يه سب چيدين اور سب سائلسیں ایک دوسرے میں مل جاتی هیں، اگر ایٹموں سے دنیائیں بنی دیں تو هو ایٹم کے اندر سب دنیائیں موجود ایں، برکے درخت میں بیم اور بیجمیں درسرا درخت مردردف رم سے ہوا اور چھوٹے سے چھوٹا دونوں بےانت میں ، جعیه سے أور حوكت يعلى إسهيس تائم أور مهشي سب درشقا يعنى أنما کے من کی حالتیں میں ۔ اِن سب کا استتو سایدکش بعلی ایک دوسرے کے سمبندہ سے الے ، دوربین کو اگر عم دھیاں ا ديكهين جلتي ريل كو ياس سے كهرم هو كو أور يهر دور الرسم كورم هو كر ديكيين تو يه بات صاف سنجه مين أجاتي اه هم اینے سینرن اور گہری تیند پر نکاہ ڈالیں تب بھی هم اسے

यानी सावन्ड, रोशनी यानी लाइट, गरनी यानी हीट, विजली(इलेक्ट्रीसिटी), और तरह तरह की किरनें (रेफ) भीर इतसे सम्बन्ध रखने बाली विद्याएँ भाजाती हैं. भनत में जाकर इन सब का सम्बन्ध बिद्य त यानी विजली से बताया जाता है. ऋतु यानी पेटम की बाबत कामा तक मुरोप के विद्वानों में अलग अलग विचार हैं. कोई उसे एक बादी से बोदी मादी यानी ठोस चीज सममते हैं और कोई केवल एक लहर (वेव) या शक्ति (इनरजी) बताते हैं. ऐसे ही हो विचार रोशनी के बारे में भी रह चुके हैं. तीसरे हिस्से मैं ज्योतिष शास्त्र है जिसे अंगरेजी में ऐस्ट्रानोमी कहते हैं, इस तीसरे हिस्से में भी जपर के दोनों आकार एक तरह से मिल जाते हैं, इसमें सब ब्रह्मान्हों यानी आकाश के गोलों, अनन्त सूर्यों, सितारों, सैयारों, सीर्य जगतों, भासमानों का बनना, चक्कर काटना, उनके आपस के रिश्ते और एक दूसरे पर उनके असर, हमारी जमीन के रहने बालों पर उनके असर, सब आजाबे हैं.

इस निगाह से ज्योतिष के दी भाग हो गए हैं. एक गियात बानी मामूली ऐस्ट्रानोमी और दूसरा फलित यानी ऐस्ट्रालोजी. इन्हीं दोनों को नजूम भी कहते हैं. इनका सम्बन्ध हमारी धरती की बनाबट, हमारे समय के विभागों, इमारे मन की दालतों और इमारी धरती के अन्दर की षातों, इमारे मौसमों, इमारे ज्वार भाटों, इमारे सम्मूम व तुमानां जिन्हें अंगरेजी में Simooms and Typhoons कहते हैं, हमारे, जलजलां, तरह तरह के जानवरां, बनस्यतियों और इनसानी क्रीमों की पैदायशों वरीरह बरीरह से भी बिलकल साक है. इसी पर हमारे ज्यातिको पाँच साल, सात साल, बारह साल, इत्तीस साल, सी साल, बारहसी साल, अत्तास सी साल, चार हजार तान सी बास साल बरीरह के युग बना लेते हैं. इन सबका सम्बन्ध उन भरवीं खरवां द्वानयाना से है जा ज्यातिष का विषय है.

यह बात भी साफ समम में आ सकता है कि ये सब बीजें और सब साइन्सें एक दूसरे में मिल जाती हैं. अगर पेटमों से दुनियाएँ बनी हैं तो हर ऐटम के अन्द्र सब दुनियाएँ मीजूद हैं. बढ़ के दरस्त में बीज सीर बीज में पूरा ब्रस्त मीज्द हैं. बढ़े से बढ़ा और छोटे से छोटा बोनों बेअन्त हैं. जगह, समय और हरकत यानी त्येस. टाइम और मोरान सब द्रष्टा यानी आत्मा के मन की हालतें हैं. इन सबका अस्तित्व सापेक्ष बानी केवत एक बूसरे के सम्बन्ध से है. दूरबीन की अगर हम ज्यान से देखें, चलती रेल को पास से लड़े होकर और फिर दूर पहाड़ से खड़े होकर देखें तो यह बात साफ समक्ष में था जाती है, इस अपने सपनों और गहरी सींबू पर विगाइ डाजें तब भी इस इसे समक सकते हैं.

पर केवल इस मादी दुनिया, इस अवेतन जनत की निगाह से भी अगर इम जरा ध्यान से देखें तो इमारे सब आदि और अन्तर, आगाज और अंजाम, सब एक दूसरे में मिल जाते हैं. मानव समाज के अन्दर न कोई अलग मस्त है और न कोई अलग राष्ट्र या क्रीम. साइन्स भी इस बीज को मानती है कि इनसान की सब नसतों एक दूसरे में मिली दुई हैं. सब में सब का खून है. कोई किसी से जुदा नहीं. आजकल की राजनीति भी इस बीज को सममती जा रही है और इसे जल्दी से जल्दी साक्षात कर लेना बाहती है कि दुनिया में कोई अलग राष्ट्र नहीं, कोई अलग की मानती है कि दुनिया में कोई अलग राष्ट्र नहीं, कोई अलग की महीं. सब सब में हैं और सब एक हैं. इसे समम लेना ही असकी बहबूदी के रास्ते पर बलना है. यही ईश्वर अस्ताह को सममते का जीना है.

अगरेज कवि टेनिसन ने लिखा है: "हर आद्मी के छोटे से बजूद के दोनों तरफ एक समाह गहरा समन्दर है जिसमें से एक तरफ से निकल कर वह उसी में दूसरी तरफ जा मिलता है". गीता में लिखा है :-- "सब भूत यानी प्राची ग्रुह में भव्यक्त यानी हैर जाहिर मिले हुए थे, बीच में यह सब अलग अलगव्यक्त यानी जहर पिजीर हुए और भासीर में फिर यह सब भन्यक यानी एक दूसरे में मिल जावेंगे". हम सब रौब (अज्ञात) से आये हैं और रौब ही की तरक जा रहे हैं. हमारी जा यह बीच की हालत है यही हमारी सारी इनसानी तारी ख़ है. संस्कृत में इसी को इति-हास-पुराण कहते हैं. सब इतिहास-पुराण इसी बीच की हालत को बयान करते हैं. इसमें हमारी सर्ग यानी जिल-कत, इसारा विकास यानी इतेका (प्लोलुशन), और प्रलय यानी क्यामत (डिजोल्शन), सब आ जाते हैं. इसी में महाभूतों यानी ऐटम्स और जीव शाम यानी सब जानदारों का हाल शामिल है.

इरबर्ट स्पेन्सर ने इस सचाई को अपनी पुस्तक "वि सिन्थेटिक फिलासोफी" में बड़ी सुन्दरता से दर्शाया है. रूसी सन्त विद्षी मैडम ब्लेवैट्सकी ने अपनी पुस्तक "वि सीकेंट डाकट्रिन" की तीन बड़ी बड़ी जिस्दों में इसे और भी अधिक सुन्दरता के साथ बयान किया है. यह दोनों पुस्तकें इस मामले में भारत के इतिहास-पुराग्य का ही नया रूप हैं.

विश्व के इस इतिहास को चाँर हमारी सारी साइन्सों जीर विद्याचों को तीन हिस्सों में बाँटा जा सकता है. एक पंचमूत-शास्त्र जिसमें जाजकल की सब के मिस्ट्री, फिजिन्स, उन चाणुओं जोर परमाणुओं का हाल, जिन्हें न्यूट्रान मोटान, इलेक्ट्रान वर्षो रह नामों से पुकारा जाता है, सब गैसे, धारों, तरल पदार्थ, ठोस पदार्थ सब इसी में चा जाते हैं. दुसरें भूतराक्ति-शास्त्र, जिसमें कुछ फिजिन्स, कुछ डाय-विमित्रस शासिल है. इसमें शक्त, इनरजी, फोर्स, चाबाज,

انعرب کوی الیفیسن نے لیا ہے، الام آدمی کے چھوالے

اللہ وجرن کے دونوں طرف ایک اتهاہ گھڑا سمندر ہے جس میں

ایک طرف سے نکل کو وہ اسی میں دوسری طرف جا ملکا

نے ، اگیکا میں لیا ہے: اللہ ہوت یعلی پرائی شروع میں

اویکٹی یعلی غیر طاہر ملے ہوئے تھے، بھی میں یہ سب انگ

الگ ویکٹ یعلی ظہور پذیر ہوئے اور آخیر میں پھر یہ سب

الگ ویکٹ یعلی آیک دوسرے میں مل جاریں کے ، هم سب غیب

اویکٹ یعلی آیک دوسرے میں مل جاریں کے ، هم سب غیب

هماری یہ جو بھی کی حالت ہے یہی هماری ساری اِنسانی

تاریخ ہے سنسکرت میں اِسی کو اِنہاس پوران کہتے ہیں ، سب

تاریخ ہے سنسکرت میں اِسی کو اِنہاس پوران کہتے ہیں ، اِسی

التہاس پوران اِسی بینے کی حالت کو بیان کرتے ہیں ، اِسی

میں ہماری سرگ یعلی خالت کو بیان کرتے ہیں ، اِسی

میں ہماری سرگ یعلی خالت کو بیان کرتے ہیں ، اِسی

میں ہماری سرگ یعلی خالت و بیان کرتے ہیں ، اِسی

آ جاتے ہیں ، اِسی میں مہابہوترں یعلی ایٹمس اور جھو گرام

آ جاتے ہیں ، اِسی میں مہابہوترں یعلی ایٹمس اور جھو گرام

یعلی سب جانداروں کا حال شامل ہے ،

هربری اسیلسر نے اِس سجائی کو اپنی ستک "دبی سنتیهنگ فلسنی اسی سرا بری سندرنا سے درشایا هے درسی سات ودرشی میڈم بدلے ویاسکی "دبی سیکریٹ قائڈرن اُلی پستک "دبی سیکریٹ قائڈرن اُلی تین بری بری جادرن میں اِسے اور بھی ادھک سندرتا کے ساتھ بیان بیا ہے ، یہ درنوں پستکیں اِس معاملے میں بھارت کے انہاس پران کا هی نیا روپ هیں ،

وشو کے اِس اِنہاس کو اور هماری سائلسوں اور ودیاؤں کو تین حصوں میں بانٹا جا سکتا ہے ، ایک پنج ودیاؤں کو تین حصوں میں بانٹا جا سکتا ہے ، ایک پنج بیوت هاستر جس میں آجال کی سب کیسٹری وزائن ایایکٹران انوں اور پرمانوؤں کا حال ، جانیا ہے، سب کیسیں، دھانیں وہیرہ ناموں ، سے پکارا جانا ہے، سب کیسیں، دھانیں نرل پدارنہ گیوس پدارتہ سب اِسی میں آجاتے ہیں ، دوسرے بیوت شکئی شاسٹر، جس میں کچھ فؤمس کچھ قائد دوسرے بیوت شکئی شاسٹر، جس میں کچھ فؤمس کچھ قائد دوسرے بیوت شکئی شاسٹر، جس میں کچھ فؤمس کچھ قائد دوسرے اوران فرمی اوران ورمی ورمی اوران

(283)

5

श्रनेकता में एकता यानी कसरत में वहदत

डाक्टर भगवानदास

पिछले लेखों में हम आत्मा और अनात्मा की चरचा कर चुके हैं, और आत्मा यानी रूह को ही अस्त वजूद और अनात्मा यानी बाहर की सारी दुनिया को एक तरह से फरेब, माया या धोखा दिखा चुके हैं. हम यह भी बता चुके हैं कि आत्मा या रूह यानी अस्त वजूद एक ही है. इस एकता में अनेकता यानी बहदत में कसरत भी एक धोखा है. वही अल्लाह है. वही हम सब का "में" है. वही है, और कुछ है ही नहीं. इस लेख में हम यह दिखाना चाहते हैं कि इस दुनिया में अनात्मा की सारो साइन्सें, सब जड़ विद्याएँ, इस दिखाई देने वाले विश्व आतमे जहूर से ही सम्बन्ध रखती हैं और इसी का इतिहास हैं.

दन साइन्सों में से एक एक के लिये हमें एक एक विषय यानी एक एक महदूद दुनिया, परिमित सृष्टि गढ़नी पड़ती है. हमें कोई ऐसा मजमून लेना पड़ता है जिसका शुरू भी हां और आखीर भी, जबिक असल वजूद में कहीं कोई अलहदगी, कोई सिरा, कोई शुरू या कोई आखीर, है ही नहीं. सारा वजूद, सारा आस्तित्व, अस्ल हक्षीकृत एक बे-अन्त समन्दर है, एक द्रियाए बेकिनार है जिसका न कोई ओर है और न कोई छोर. पर हमारे लिए इस दुनिया को सममने के सिवाय इस तरह के फरजी दुकके कर करके देखने के और कोई तरीक़ा भी नहीं है.

मिसाल के तौर पर हमने अपना एक सौर्य जगत, एक निजामे शम्सी कर्ज कर रखा है. उसी के अन्दर हमारी धरती का यह गोला है, इनकी हमने एक एक इकाई बना रखी है, तब हम इनकी अलग अलग साइन्सें बना पाते हैं और उनमें अलग अलग सोज कर सकते हैं.

ऐसे ही मानव इतिहास की सममने के लिये हमें जलग जलग नसलें, जातियाँ और राष्ट्र यानी कीमें कर्ज कर लेनी पढ़ती हैं. हर जावि या कीम का हम एक प्रारम्भ यानी आसाज और एक अन्त यानी आंजाम मान लेते हैं. फिर इस तरह के एक ही फ़रजी राष्ट्र की आयु के भी हम जलग जलग फ़रजी टुकड़े कर लेते हैं और टुकड़ों को राष्ट्र के इतिहास के जलग अलग युग (जमाने) मान लेते हैं. यही हमारी दिमागी दौड़ के लिये अलग अलग मैदान हो आते हैं.

انبكتا ميل ايكتا يعنى كثوت

(تائتر بيعران داس)

پیچیئے ایکیں میں هم آتا اور آثاتا کی چوچا کو چکے هیں' اور آتا یعلی درج کو هی اصل وجود اور آثاتا یعلی باهر کی ساری دنیا کو ایک طرح سے فریب مایا یا دهوکا دکیا چکے هیں ، هم یہ بھی بتا چکے هیں که آتا یا روح یعلی اصل رجود آیک هی هے ، اس آیکنا میں آئیکنا یعلی وحدت میں کثرت بھی ایک دهوکا ہے ، وهی الله ہے ، وهی هم سب کا درمین' ہے ، وهی ہے اور کچے ہے' هی تبھی ، اس لیکا میں هم یہ دکھانا چاهتے هیں که اِس دنیا میں آتا تما کی ساری سائلس' سب جو ردیائیں' اِس دنیائی دینے والے وشو ساری سائلس' سب جو ردیائیں' اِس دکھائی دینے والے وشو ساری سائلس' سب جو ردیائیں' اِس دکھائی دینے والے وشو

ان سائنسوں میں سے ایک ایک کے لئے همیں ایک ویک ویئے ویمت سرشتی ایک ویک ویک ویئے ویمت سرشتی گوهئی پوتی ہے ، همیں کوئی ایسا مضمون لینا پوتا ہے جس کا شروع بھی هو اور اخیر بھی، جب که اصل وجود میں کہیں کوئی علیحدگی، کوئی سرا کوئی شروع یا کوئی اخیر، ہے هی نہیں ، سارا وجود، سارا آستتو، اصل حقیقت ایک پرانت ساندر ہے ایک دریائے ہے کنار ہے جس کا تنه کوئی اور ہے اور نمی تنوی کوئی جھور ، پر همارے نئے اِس دنیا کو سمجھنے کے سوائے اِس طرح کے درضی تنویہ کو کر کے دیکھنے کے اور کوئی طریقہ بھی نہیں ہے ،

مثال کے طور پر ہم نے اپنا ایک سوریہ جائے ایک نظام شیسی فرض کر رکھا ہے۔ اُسی کے اُندر ہماری دھرائی کا یہ گراہے اور کی ہم نے ایک ایک اکائی بنا رکھی ہے۔ تب ہم اِن کی انگ الگ سائنسیں بنا پاتے ہیں اور اُن میں الگ انگ نہیے ہیں اور اُن میں الگ

ایسے هی مائو اِنهاس کو سبجھنے کے لئے همیں الک الک نسلیں جانیاں اور راشتر یعنی قومیں فرض کر ایفی پڑتی هیں . هر جانی یا قوم کا ایک هی نرضی راشتر کی رابع کے بھی هم الگ الگ نرضی تکرے کر لیتے هیں اور تکروں کو راشتر کے اتہاس کے ایک پوارمیہ یعنی آغاز اور ایک المت یعنی انتجام مان لیتے هیں ، پھر اِسطانے کے هم الگ الگ یک رزمانے) مان لیتے هیں ، بھی هماری دمانی دور کے لئے الگ الگ میدانی هو جائے هیں ، بھی هماری دمانی دور کے لئے الگ الگ میدانی هو جائے هیں ،

ं विषाद्यात सहिव

अनाजील—बाइबिल (ईजील का बहु बचन)
सालिक—ईश्वर-प्रमी, आसार—लक्ष्मण (असर का
बहुवचन) नजात—मोक्ष हालिक—मीत
तरदीद—संडन हक्त—ईश्वर
मा अन्त्रिला मिन कब्लिक—''यही बाते इमने पहली
धर्म पुस्तकों में कही हैं".

पे ईश्वर प्रेमी तू गीठा और बाइबिल को मी पढ़ और यह मालूम कर कि मोश्च के लक्ष्या और मीत का कारण क्या है. पे 'मुहिब' ईश्वर की किताबों का खंडन नहीं करना चाहिये. क़ुरबान में भी लिखा है कि "यही गातें इमने पहली धर्म पुस्तकों में कही हैं".

(29)

करते हैं मसाजिद में यह अस्ताह को बन्द, अमेदिर को सममते हैं समाँ से वह बुलंद, हिन्दू-स्रो-मुसलमाँ हैं यह दोनों जाहित, लड़ते हैं मजाहिब पे कहीं दानिशमंद ? मसाजिद—(मसजिद का बहु बचन) समाँ—स्राकाश (ईश्वर से मतलब है) बुलंद—ऊँचा जाहिल—मूर्ल मजाहिब—धर्म (मजहब का बहु-

मुसलमान मसजिदों में चल्लाह को बंद किये हुए हैं. हिन्दू मंदिर को ईश्वर से भी ऊँचा सममते हैं. यह दोनों ही मूर्ख हैं. सममदार लोग कहीं धर्म के पीछे लड़ाई करते हैं ?

द्यानिशमंद--सममदार

वचन)

فأعيات منص

آملجول سوائیل (التعمیل کا بوروچن) سالک سائیمور پریمی آثارستاکشن (اگر کا بهر وچن) نجات سوکش، حالک سمرت تردید سائیتن حق سایشور (ماأتول من قبائی، سوریمی بات هم نے پہلی دهرم پستیوں میں کہی هیں .

لم آیشور پریسی تو گیتا آور بائیبل کو بھی پروا آور یہ معلوم کو که مرکش کے اکشن آور موت کا کابن کیا ہے ۔ آنے محب آیشور کی کتابوں کا کینڈن نہیں کرتا چاھیے ، قرآن میں بھی ایھا ہے کن^{ور} بھی بانیں ہم نے پہلی دھرم پستکوں میں کھی ھیں'' ،

(29)

کرتے هیں مسلجد میں یہ اللہ کو بند؟ مندرکو سنجھتے هیں سنان سے وہ بلند؟ هندو ومسامان هیں یہ دوتین جاهل؟ لڑتے هیں مذاہب یعنہیں دانص مند؟

مساجد (مدجد کا بهر وچن) سمال آکش (ایمور ساجد ها) بلغد اونجا باعل مورنها مذاهب دهرم (مذعب کا بهر وچن) دانش منی سمجدار

مسلمان مسجدوں میں الله کو بند نئے ھوئے میں سمندو مندر کو ایشور سے بھی اُونچا سمجھتے ھیں ، یه دونوں ھی موری ھیں ، سمجھدار لوگ کہیں دھرم کے بیچھے لوائی کرتے میں ؟

शाही—बादशाहत गृम—रंज ध्यः—शंकार्यं नजातं—छुटकारा हक्त-र्देश्वर कागाही—परिचय

जब तक शराब नहीं होती, मझली और मुरगी बेकार होती है. जब तक फक़ीरी न हो बादशाही दुनिया के लिए मुसीबत हो जाती है. ऐ 'मुहिब' हम जबतक ईश्वर का न समम्मेंगे तब तक दुनिया की चिन्ताओं और दुखों से छुट-कारा नहीं मिल सकता.

(26)

जिस दिल में न हो उस बुते दिलदार की याद, होती नहीं उस कृत्व को दिस्से बेदाद, आक्रिल है तो भाग अहले दुई से सी कोस, इस नप्तस की यारी का है अंजाम फ्साद. बुते दिलदार—प्रियतम (ईश्वर) कृत्व मन, अंतर । दिस्से बेदाद—अन्याय की अनुभूति आकृत—सममत्रार अहले दुई—ईश्वर का संसार से अलग सममने वाले नप्तस—मन अंजाम—नतीजा फिसाद—अगदा

जिस दिल में ईश्वर की याद नहीं है वह अन्याय करता है तो उसे दुख नहीं होता. अगर तू सममदार है तो ईश्वर को संसार से अलग सममने वालों से अलग रह. अपने मन की बात मानने का नतीजा हमेशा मगड़ा ही होता है.

(27)

इस जाते अहद के हैं अजब रंग हजार, बुत्तबुल है कहीं और कहीं है गुल्जार, इस आलमें अश्काल से खूटेगा वही, रखेगा जो हर बक्त ख़्याले दिलदार.

जाते भहद — ईश्वर गुल्जार — वाग् भालम — दुनिया, भश्काल — रूप (शक्ल का बहु बचन) दिलदार — प्रियतम (ईश्वर)

वस एक परमेश्वर के हजार रंग हैं. कहीं वह बुलबुल है और कहीं बाग. जो आदमी हमेशा ईश्वर का ध्यान खेगा बसीको इस रूपों के संसार से मुक्ति मिलेगी.

(28)

गीता को, अनाजील को ऐ सालिक पढ़, आसारे नजातो सबबे हालिक पढ़, तरदीद न कर इक की किताबों की 'सुहिब' कुरकान में "मा अजब मिन क्रब्लिक" पढ़, فقرسفتیری فمسرنی وهرسشفگایی المحاسبچهاگلرا حق الهر آگاهی سپریچی محیلارا حق الهر آگاهی سپریچی اور مرفی بیکار هرتی ها در می نیا کے لئے مصیب المرحاتی ها اله امحسا هم جب تک ایشور کو نه محیایک تب نک دئیا کے چناکوں اور دکیس سے چھاکرا نہیں تب نک دئیا کے چناکوں اور دکیس سے چھاکرا نہیں

(26)

مِل سكتا .

جسول میں ته ہو آسیت دادارکی یاد هوتی نہیں اُس تلب کو حس ہے داد ' عاقل ہے نوبھاک اہل دوئی سے سو کوس ' اِس نفس کی یارہی کا ہے انتجام نساد

جس دل میں ایشور کی باد نہیں ہے وہ انبیائے کرتا ہے تو آسے دکھ نہیں ہوتا ۔ اگر تو سمجھدار ہے تو ایشور کو سنسار سے الگ سمجھنے وانوں سے الگ رہ ۔ اپنے میں کی بات مانئے کا تعجمہ عمیشہ جہارا ہی ہوتا ہے ۔

(27)

أس ذات احد كے هيں عجب رنگ هزار؟
ينبل هے كہيں اور كہيں هے گلزار؟
اِس عالم اشكال سے چهوئيكا وهى؟
ركھے كا جو هروقت خهال دلدار .
ذات احد ايشور گازار سياغ عالم دنيا اشكال سروپ ذات اجر وجن) دلدار سيريتم (ايشور)

اُس ایک پرمیشور کے هزار رنگ هیں . کہیں وہ بلمل هے اور کہیں باغ ، جو آدمی همیشه ایشور کا دهیان رکھنگا اُسی کو اِس روپس کے سنسار سے مکتی ملے گی .

(28)

گیتا کو آللجیل کو کے سالک یوت اُ آثار نجانت و سبب حالک یوت ت ترید نه کر حق کی کتابس کی محص ا قرآنی میں ''ساانول می قبلق'' پوتا 19

जाहित-पूर्क राफिल-वेंक्वर बस्लाह-र्वरवर की सीगंद आफ़िल-योग्य वीवाना-पागल

मैंने माना कि तू इस समय बढ़ा विद्वान माना जाता है और तुके विद्वानों के कपड़े पहनने का अधिकार है लेकिन अगर तुके अपनी और खुदा की खुबर नहीं है तो ईश्वर की स्रोगन्द तू विद्वान नहीं, पागल है.

(23)

हिन्दू-घो-मुसलमाँ में धगर्चे दिल है, भाई का मगर भाई 'मुहिब' क्रांतिल है, हो जाए धगर तकरिक-ए-वहमी दूर, धक्रवाम का इत्तिहाद क्या मुश्किल है ? क्रांतिल—हत्यारा तकरिक-ए-वहमी—बेकार का मतभेद धक्रवाम—जातियाँ (क्रोम का बहुवचन) 'इत्तिहाद —एकता

अगर्चे हिन्दू और मुसलमान दोनों के सीने में दिल है मगर फिर भी भाई भाई का .खून वहा रहा है, अगर दोनों का बेकार का मत भेद दूर हो जाए तो इन दोनों जातियों का मिलना क्या मुरकिल है ?

(24)

है वोस्तीप शहले-बतन रौर पै शाक, लेकिन है बिरादर का विरादर मुश्ताक, साँपों से नहीं कम हैं 'मुहिब' वह इंसाँ, जो हिन्दु-को-मुस्तिम में बदाते हैं निकाक. शहलेवतन—देशवासी शाक—असहा मुश्ताक—प्रेमी निकाक—दुश्मनी देशवासियों में आपस का प्रेम दूसरे लोग नहीं देख सकते. लेकिन भाई को भाई से प्यार तो होता ही है. ऐ 'मुहिब' वह लोग जो हिन्दुकों और मुसलमानों में मगड़ा बढाते हैं साँपों से कम नहीं हैं.

(25)

बे मैं के हैं बेलुत्क यह मुरगो माही, बे फ़ुक़ के ध्रवारे जहाँ है शाही, दुनिया से गुमो बद्दा से न पायेंगे नजात, जब तक न हक से हो 'मुह्दि' आगाही.

मे-शराय मुर्गो मादी-महाती चीर (मुर्गी का गारत) कुक्-फारी ददबार-दुर्भीग्य بعامل سمرور فالل ساير غيرا والعسايهروكي سوكان عاقل سايري موالعسياكل .

میں نے مانا کی تو اِس سے بڑا ونولی مانا جاتا ہے اُور تعجمے اُدنی تعجمے دوائوں کے کہڑے پیلنے کا ادھیکار ہے لیکن اگر تعجمے اُدنی اور خدا کی خبر نہیں ہے تو ایشور کی سوگند تو ودوان نہیں یاگل ہے ۔

(23)

هلدو و مسلمان میں اگرچه دل هے؛ بھائی کا مکر بھائی 'محب قاتل هے؛ هو جائے اگر تفرقهٔ وهمی دور؛ آلولم کا انتحاد کیا مشکل هے آ

قاتل-عنهارا تفرقهٔ همی-بیکار کا ست بهید؛ اقوام ب چاتیان (قوم کا بهو وچن)؛ اتحاد- ایکنا ـ

اگرچہ ھندو اور مسلمان دونوں کے سینے میں دل ہے مکر پیر بھی بیائی بیائی کا خون بہا رہا ہے اگر دونوں کا بیکار کا متبھید دور ہو جانے تو اِن دونوں جاتیوں کا ملنا کیا مسئل ہے ؟

(24)

ھ درستگی آهل وطن غیر پے شاق' لیکن ہے برادر کا برادر سشتاق' سائیوں سے نہیںکم ہے 'سحت' وہ اِنساں' جو علدو و مسلم میں بڑھاتے ہیں نفاق ۔

امل وطن-ديف ولسي شاق-آسهه، مشتق-پريمي، لفاق-دشمني .

دیھی واسیس میں آپس کا پریم دوسرے اوک نہیں دیکھ سکتے ایکن بہائی کو بہائی سے پریم دو هوتا هی هے اُلے اُلے مصب و لا لوگ جوا هادوں اور مسلمانوں میں جھکوا بوها تے میں سانہوں سے کم نہیں هیں ۔

(25)

پے مئے کے قد پر لطف یہ مرغ و ماھی' یے فقر کے ادبار جہاں قد شاھی' دنیا کے تم و رھم سے نہ پائیںگے نجات جب نگ نہ حق سہ ھو'متعب'آگا ھی۔

مگرستشراب مرخ و ماهی سمههایی آور موغی (کا گرهمت) ادبارسدریهاکه दीद—दर्शन खुदाबंदे जलील—महान देरवर खुलील—हजरत इमाहीम का नाम जात—व्यक्तित्व दलील—सबूत, तर्क झंदील—बढ़ा लैम्प यदि तू देरवर को देखना चाहता है तो इबाहीम की माँति अपने को संसार की हर चीज में समक. ऐ 'मुहिव' हर आदमी खुद ही इस बात'का सबूत है कि वह देरवर से एका-कार है. सूरज के दिखाने के लिये सूरज ही 'झंदील हो सकता

(20)

है, इसी तरह रेश्वर से एकाकार होना स्वयं सिद्धि है.

क्या दुंदता है काबे की गिल में उसकी, मेहराब में या फर्श की सिल में उसकी, बर्बाद न कर उस्त्र अहाँगर्दी में, घर बैठ के देख अपने ही दिल में उसकी. काबा—मक्का में मुसलमानों का तीर्थ गिल— मिट्टी, जहाँगदी — दुनिया में घूमना.

ईश्वर तुमे न काबे की मिडी में मिलेगा न वहाँ की मेह-राव में और न फर्श के पत्थर में. दुनिया में घूम कर उम्र बर्बाद न कर. ईश्वर को अपने दिल में देख.

(21)

क्या रूहे जुदा क्रब्ले मजाहिर में है नेस्त? क्या रूहे जानो मर्द मक्ताबिर में है नेस्त? देख अपने खयाल को मुका कर गर्दन, बातिन में तो इस्त और जाहिर में है नेस्त.

क्रल्य—मन,अंतर मजाहिर—प्रकट वस्तुएँ खनोमर्थ—स्त्री पुरुष मक्राबिर—(क्रब का बहु बचन) नेस्त—नहीं है बादिन—मन, अंतर.

क्या भगवान की आत्मा प्रकट वस्तुओं के अंदर नहीं है ? बह ऐसे ही उनके अन्दर है जैसे क़ओं में मनुष्यों की आत्माप. तू गर्दन मुका कर भगवान का व्यान कर तो उसे देखेगा. वह दिल के अन्दर है, बाहर कहीं नहीं.

(22)

माना कि तू इस क्क का अल्लामा है बर में भी फजीलित का तेरे जामा है, जाहिल जो रहे खुद से खुदा से गाफिल, बल्लाह तू आकिल नहीं दीवाना है.

भस्तामा—विद्वानं वर—शरीर कंजीलत—योग्यता जामा—पोशाक ويدسورهون خداوند جليل سمهاي ايهور خليل سماري المهرو خليل سموت ابراهيم كا قام فات ويمتتو دليل تبويه ترك

بدی تو ایشور کو دیکہنا چاھٹا ہے تو آبراھیم کے بہائٹی آپنے کو سلسلر کی هر چیز میں سنجھ اللہ استب مراضی خود هی آسی بات کا گرفت ہیں ایکا کر ہے ، سورج کے دکھائے کے لئے سورج هی قندیل هو سکتا ہے، اسی طرح ایشور سے ایکائر هونا سورم سدھی ہے ۔

(20)

کیا ڈھونڈٹا ہے گئیہ کی گل میں آس کو[۔] محراب میںیا فر*ھی کی سل میں آس کو^ہ* پرباد نے کر عمر جہاںگردی میں^ہ گھر بفاہ کے دیکو اپنے ھے دل میں آس کو۔

کمبه---منع میں مسامانہ*ی* کا تیرتھ' کل---ماتی' جہا*ںگردی*--دنیا میں گہرما ₋

ایھور تنجیے نہ کنیکی مٹی میں ملیکا نہ رہاں کی محراب میں اور نے فرض کے پنجر میں ۔ دنیا میں گہرم کر عمر برباد نہ کرنا ۔ ایشور کو آپنے دل ھی میں دیکے ۔

(21)

کیا روح خدا قلب مظاهر میں فے نیست آل کیا روح زن و مود مقابر میں فے نیست آل دیکھ آپنے خیال کو جبکا کو گردن' باطن میں توست آورظاهر میں فے نیست

قلب سمن أنتر طاهر سيركت وسترئين و مرد منتري يرهي مقابر (قبر كا مهروجن) نيست سنيين هـ، ياطن سمن أنتر .

کیا بیٹواں کی آتما پرکٹ وسٹروں کے اندر نہیں ہے ؟ وہ ایس میٹروں کے اندر ہے جیسے قبروں میں ملشیوںکی آنمائیں۔ نو گردیں جیکا کر بھٹواں کا دھیاں کو تو اسے دیکھے کا م وہ دل کے اندر ہے باہر کہیں نہیں م

(22)

مانا که تو اِس رقت کا طعه ها برؤمیں بھی فقیلت کا تیرے جامه ها جاهل جو رهه خود عد خدا عد فائل ا ولاء تو عائل تهیں دیواند هد ،

عاسه سودوان برسشرير نفهاسه سيركتا جامع سيوشاك

रुवाइयात मुहिब

श्री 'मुहिब'

(17)

सब एक हैं हिन्दू-ओ-मुसलमाँ जंगी, करती है जलग इनको दिलों की तंगी, हर रंग हुआ दूब के जिस खुम में साफ, बह खुम है मुहम्मद की 'मुहिब' बेरंगी.

षंगी-काला (यहाँ मतलब पापी से है) खुम-शराब का मटका

बेरंगी—(यहां तात्त्रय निस्पृह्ता से है) हिन्दू और मुसलमान दोनों एक से पापी हैं. इन दोनों को दिलों की तंगी अलग करती है. ऐ 'मुह्ब' मुहम्मद साहब

की निरपृहता हर एक पाप को थो देती है.

(18)

बातिन है वही हक, वही जाहिर है, फाइल है वही और वही कादिर है, हिन्दू-ओ-मुसलमाँ पे नहीं कुछ मौकूफ, जो मुनिकरे वहदत है वही काफिर है. बातिन—छिपा हुआ जाहिर—खुला फाइल—करने वाला कादिर—शक्तिमान मौकूफ—निर्भर

मुनाकिरे बहदत—ईश्वर की एक रूपवा को न मानने बाला.

वही इंश्वर खुला भी है, छिपा भी है, वही सब छछ करता है और वही सब शक्तिमान है. चाहे हिन्दू हो चाहे मुसलमान, ईश्वर की एक रूपता जो भी न मानेगा वह काफ़िर कहा जायगा.

(19)

गर बाहता है दीवे खु.वावंदे जलील, देख आप को हर बीख में मानिन्दे खुलील, तू जात पे अपने हैं 'मुहिब' आप दलील, " सरज के दिखाने को है सूरज झंदील. رباعيات محب

شرى لمحب

(17)

سب ایک میں هنورومسان زنگی کونی ها ایک این کو دلیں کی تاکی کی مرزنگ ہوا توب آگے جس خم میں صاف کو تحب بیرنگی ہ

ولکی کالا (یہلی مطلب پاپی سے ہے) خم شراب کا ملک بیرنکی ۔ (یہلی تاتیریہ نس پرمتا سے ہے) .

هندو اور مسلمان دوتین ایک سے پاپی هیں ۔ ان دوتین کو داری کی تنکی الک کرتی ہے ۔ اے 'متحب' متحمد صلحب کی تھی پرهنا هر ایک پاپ کو دھو دیتی ہے ۔

(18)

باطن هے وہی حق' وهی طاحو هے' فاعل هے وهی آور وهی تادر هے' هلدودوسامان په تبهن کعجه موقوف چو ماکر وهدت هے وهی کاتر هے۔

باطنی سیجیها هواهٔ طاهر سیلاه فاعل سیرنے والا قادر سیکھی مان موتوف سیروپر متدر وحدت سیلیمبر کی ایک رویتا کو نه مالیا والا ۔

وهی ایشور کیلا بھی ہے چیپا بھی ہے، وهی سب کھی کرتا ہے اور وهی سرو شکتیمان ہے ۔ چاھے هندو هو چاھے مسلمان آیشور کی ایک روپتا جو بھی ته مانے کا وہ کانر کہا جائیلا ۔

(19)

اگر چاهٹا ہے دید خدارقد جاهل ا دیکھ آیکو ہم چیز میں مائند خلیل ا تو ذات یہ اپنے ہے امصب آپ دلیل ا سررے کے دکھانے کو شے سررے قدیل ۔ क्से जरूर दे दो; क्योंकि विकाशक वसने जाग की गरमी बरदास्त करके खाना तैयार किया है और वसका सारा प्रदन्ध किया है."

-शबुदुरैरह, बुखारी: शबुदाऊद: तिरमिषी.

गुहन्मद साहब ने कहा:—"एक दूसरे के साथ हाथ मिलाओं, तो एक दूसरे के खिलाफ तुम्हारें सब बुरज यानी द्वेष तुम्हारें दिलों से मिट जावेंगे; एक दूसरें को हदीये षानी मेंट दिया करों, इससे तुम में एक दूसरें के साथ गुहन्बत बढ़ेगी, और इससे तुम्हारें दिलों की गहरी से गहरी नफुरतें भी मिट जावेंगी."

—चरा-चल-.खुरासानी, मुसब्रिम.

सुहम्मद साहब ने कहा कि —"धपनी पारसाई (बार्मिकता) का जरा सा भी मजाहरा (दिखावा) करना 'शिक' है, यानी बल्लाह के सिवा दूसरे की इवादत करने के बाराबर है."

> -- उमर बिन खल ख़ताब, मुखाज बिन जबल से, इन्न माजह: बेहकी.

> > —श्रनुवादक—श्री मुजीब रिजाबी.

اس خرور دیے دوا کیونکہ بلا شک اس نے آگ کی گرمی برداشت کر کے کیانا تیار کیا ہے اور اس کا سارا پربندیہ کیا ہے ۔''

-- أبوهريره يضاري: أبردأعود: تومذي .

متعدد صاحب نے کہا:۔۔۔''ایک دوسوے کے ساتھ ھا او مالو' تو ایک دوسوے کے خلاف تموارے سب یفش یعلی دویش تموارے داوں سے محک جاویں کے؛ ایک دوسوے کو ھدیے یعلی یہنائے؛ دیا کرو' اِس سے تم میں ایک دوسوے کے ساتھ متعبت بڑھے گی' اور اِس سے تموارے دارس کی گہری تفرتیں بھی محت جاویں گی ۔''

-عطاألفواساني مسلم

متحد المحد المحب نے کہا کہ اللہ اللہ کے اللہ کے سوا فراسائی (دھارمکنا) کا فرا سا بھی مظاہرہ (دکھارا) کرتا اشرک کے بدقی اللہ کے سوا دوسرے کی عبادت کرنے کے برابر ہے ،''

-عمر بن الخطاب معاد بن جبل سه أبن ملجه: بهيقي .

انوادک-شری مجیب رضوی .

مصد ملحي في فيه حنولين

पैराज्यर ने बहा कि:—"तुम में से कोई ईमान बाला नहीं है जब तक कि बसने उस वालीम के चरिये जो मैंने साकर दी दे अपनी शहबठों पर क्राबू हासिल म कर लिया हो."

-- अब्दुल्लाइ विन अमरू नवावी.

पैराम्बर ने कहा :—"ऐ धाबुजर ! इनसानों की तंजीम बानी संगठन से बदकर कोई अक्रलमन्दी का काम नहीं है, अपनी नपस पर कृष्यू रखने से बदकर कोई तक्रवा बानी परहेजगारी नहीं है और सबके साथ अच्छा बरताब करने से बदकर कोई तारीक की बात नहीं है."

—अबुजर, बेहकी.

आबिर कहता है कि :—"रसूल से एक आदमी की खरवा की गई जो बहुत इवादत करता था खीर उसी में सगा रहता था, फिर रसूल से एक ऐसे आदमी की वरचा की गई जो अपने को गुनाह से बचाता रहता था. इस पर रसूल ने कहा—'इवादत करने बाला उसके बराबर नहीं हो सकता जो गुनाह से अपने को बचाता है."

-जाबिर, तिरमिणी.

मुहम्मद साहब ने कहा कि:-

"तम्हारे खिन्मतगार तुम्हारे माई हैं और तुम्हारे जान माल की रक्षा करते हैं; बल्लाह ने उन्हें तम्हारे हाथों में खींपा है; जिस किसी के हाथों में उसका भाई हो उसे बाहिये कि उसे बही खाना खिलावे जो ,सुद खाता है और बही कपड़े पहनावे जो ,सुद पहनता है. उनसे कोई ऐसा काम न लो जो उनकी ताकृत से बाहर हो और अगर तुम उनसे कोई ऐसा काम लो तो उन्हें उस काम के करने में

—मारूर विन सुवैद, बुखारी: मुसलिम: बाबुदाऊदः विरमिजी. وفلمبر کے کیا کدرستاہم میں سے کرتی آیدان والا کیوں ہے۔ حب کا کہ آئن نے آس تعلیم کے ذریعہ جر میں نے فکر دی ہے ایکی شیرتیں پر کابو حاصل تع کو لیا ہو ۔''

مسعيدالله بن عمروا لواري .

پینمبر لےکہاہ۔۔۔۔ ابیدر ا انسانوںکی تنظیم یعلی سلکتین اسے بوہ کر کرئی عقلمانی کا کام نہیں ہے، اپنے نفس پر قابو وکہا سے بود کر کرئی تقریل یعلی پرهبوائری نہیں ہے اور سب کے ساتھ اچھا برتای کرئے سے بود کر کوئی تعریف کی بات الجھیں ہے۔''

---أبوذر عهيقي ه

جاہر کہتا ہے کہ:۔۔۔''رسول سے ایک آدمی کی چرچا کی گلی جو بہت عبادت کرتا تھا اور آسی میں لگا رہاا تھا' پور رسول سے ایک ایسے آدمی کی چرچا کی گئی جو اپنے کو گلاہ سے بچھانا رختا تھا ۔ اِس پر رسول نے کہا۔۔'عبادت کرنے والا اُس کے برابر نہیں ہو سکتا جو گناہ سے اپنے کو بحچاتا ہے ۔''

—جاير⁾ ترمنى .

محس ماحب لے کہا کا: ۔۔

الانمهارے خدمتگار تمهارے بھائی ھیں اور تمهارے جان مال کی رکھا کرتے ھیں ۔ اللہ لے آنہیں تمهارے مانہوں میں سوٹھا ہے جس کسی کے مانہ ہے آنہیں تمهارے مانہوں میں سوٹھا ہے جس کسی کے مانہوں میں آس کا بھائی ہو آسے چاہئے کہ آسے وھی کھانا کھارے جو خود کہانا ہے اور وھی کھڑے پہنارے جو خود پینا ہے اس سادرتی ایسا کام نے او جو آن کی طاقت سے باہر ھو اور اگر تم آبی سے کوئی ایسا کام لو تو آنہیں آس کام کے کوئے میں ہورہ مدد دو ،4

مسمورور بن سويد بخارى: مسلم: أيوداعون درمشي .

मुह्म्सद् साह्य ने कहा :—''जब कमी तुम में से किसी का खिद्मतगार तुम में से किसी के पास खाना लेकर धावे, तो अगर तुम बसे अपने साथ बिठाकर खाना मिलाका, तो कम से कम बस खाने में से दो बार लुक्ने

محمد صحب نے کہا۔۔۔"جب کبھی تم میں سے کسی کا خدمتگار تم میں سے کسی کے پاس کہانا لے کر آرد؛ تو اگر تم اسے اپنے ساتھ بالہاکر کہانا نے اوال توکم سے کم آس کہانے میں سے دو چاراتیے

मुद्रमाद साह्य ने कहा कि:—"हर बादमी को चाह्ये कि अपने घर में घुसते वक्त अपनी बीबी और कडवों को सलाम करे."

-- अनस्, तिरमिकीः

अनस कहता है कि :--"अहम्भद साहब जब कभी बच्चों के पास से निकतते थे तो उन्हें 'सलाम' ! करते थे.''

—अनस, बुखारी: मुसलिम.

जरीर चौर धनस दोनों का बयान है कि :—
''पैगृन्बरे ,खुदा जब कभी चौरतों के पास से निकलते
ये तो उन्हें 'सलाम' ! करते थे.''

-- जरीर, घहमद; चनस; बुखारी.

मुहम्मद साहब ने कहा कि :— "जो आदमी सवारी के ऊपर चला जा रहा हा उसका फूर्ज है कि उस आदमी को सलाम करे जा पैदल चला जा रहा है; जो आदमी पैदल चला जा रहा हो उसका फूर्ज है कि उस आदमी को सलाम करे जो बैठा हो, और जो लाग थोड़ी तादाद में हां उनका फूर्ज है कि अपने से बड़ी तादाद वालों को सलाम करें."

-- अबु हुरैरह, बुखारी: मुसलिम: तिरमिकी: अबुदाअद.

अनस कहता है: - "पैग्नम्बर साहब ग्रुमसे कहा करते थे-- 'ऐ मेरे बच्चे! जब तू अपने बाल बच्चों में बाय ता उन्हें सलाम कर, यह चीज तेरे लिथे और तेरे चर बालों के लिये दोनों के लिये बरकत साबित होगी.'"

-अनस, तिरमिजी.

मुहम्मद साहब ने कहा:— "जब तुम लोग अपने घरों के अन्दर जाओ तो घर के लोगों का सलाम करो और जब बाहर निकला तो घर के लोगों से सलाम करके बिदा गलों."

--कतादह, बेहकी.

लोगों ने पैराम्बर से पूछा:—"नजात क्या है १" पैराम्बर ने जबाब दिया—"अपनी खनान पर काबू रखों और घर में बैठकर गुनाहों पर रोखो."

--- उक्षद बिन आमिर, विरमिजी.

ممتعد صاحب کے کہا کہ --- هر آدمی کو جاملے کہ آپتے گھر میں گیستے رقت آپنی بیوی آور بنچوں کو سام کرتے ۔'' --- آئس' ترمذی ۔

ائس کہتا ہے کہ:— ''لمحدد حلصہ جب کبھی بچوں کے پاس سے ٹکلتے تھے تو آنہیں 'سلام' اِ کرتے تھے ۔''

ـــانس بضاري: مسلم .

جریر اور الس دولوں کا بیان ہے کہ:--
''پینمبر خدا جب کبھی عورتوں کے پاس سے تکلتے تھے تو
اُٹھیں 'سلم' اِ کرتے تھے ۔''

سجریر' احمدۂ انس، بخاری ۔

معدد صاحب نے کہا کہ: ۔۔۔''جو آدسی سواری کے اُوپر چلا جا رہا ہو اُس کا فرض ہے کہ اُس آدسی کو سلام کرے جو پیدل چلا جا رہا ہو اُس کا فرض پیدل چلا جا رہا ہو اُس کا فرض ہے کہ اُس آدسی کو سلام کرے جو بیٹھا ہو' اور جو لوگ تھوڑی تعداد میں ہوں اُن کا فرض ہے کہ اپنے سے بڑی تعداد والوں کو سلام کویں ۔''

--- ابو هريره⁶ بخارى: مسلم: قرمذى: ابوداعود .

انس کہتا ہے۔۔۔ 'پھنمبر صاحب مجھسے کیا کرتے تھے۔۔۔ 'اے مھرے بچچے ! جب تو اپنے بال بچوں میں جائےتو اُنھیں سلم کو اُنے چھڑ تھرے اُنے اور تیرے گھر والوں کے لئے دونوں کے لئے برکت ثابت ہوگی ،''

ـــانس ترمایی .

محمد صاحب نے کہا۔۔۔ انجب تم لوگ آپنے گھروں کے آنجر جاؤ تو گھر کے جاؤ تو گھر کے اور جب باہر تعلو تو گھر کے لوگس سے سالم کر کے بدأ او ''

....قتاره^ا بههقی .

لوگوں نے پینمبور سے ہوچیا:۔۔۔'نجات کیا نے ؟ '' پینمبو نے جواب دیا۔۔۔'ایکی وہلی پر قابو رکبو اور گیر میں بیٹھ کر اپنے کناموں پر روڈ ۔''

مسعقبه بن عامر، ترمذی .

एक बद धरब पैग्नियर के पास आया और कहने लगा:—"मुमें कोई ऐसा काम बता दीजिये जिससे में जसत में जा सकूँ." पैग्नियर ने जनाब दिया—"तुमने बात थोड़ी कही पर सवाल बहुत बड़ा किया. अगर कोई जानदार तुम्हारे पास हैं तो उन्हें आजाद कर दो, अगर कोई गुलाम तुम्हारे पास हैं तो उन्हें आजाद कर दो, अगर कोई गुलाम तुम्हारे पास हैं तो उन्हें भी आजादी दे दो. तुम्हारा कोई नातेदार अगर तुम्हारे साथ गुराई करे तो तुम उससे प्यार करो; और अगर तुम यह न कर सको तो भूखों को खाना खिलाओं और प्यासों को पानी पिलाओं, और लोगों से नेक काम करने के लिये कहा और बुरे काम करने से उन्हें मना करो; अगर तुम यह भी न कर सको तो अपनी जवान बन्द रखों जब तक कि उससे कोई अच्छी बात न निकले."

—बराबिन छाजिब, बेहकी.

महम्मद साहब ने कहा कि :---

'क्रयामत के दिन सात तरह के आद्मियों को अल्लाह अपने साद में ले लेगा, और इस दिन सिवाय अल्लाह के श्रीर किसी का साया काम न देगा: एक वह श्रादमी जो जोगों के ऊपर सग्दार है और सबके साथ इन्साफ का बरताब करता है: दूसरे वह जत्रान श्रादमी जिसने अपनी जबानी को अहाह की खिद्मत में बिताया हो: तीसरे वह आदमी जो जब भी दुश्रा माँगने की जगह से निकलता है तो जब तक फिर उसी जगह वापिस न श्रा जावे उसका दिल इसी जगह इंग्टका रहता है: चौथे वह अस्ताह के लिये एक दूसरे में प्यार करते हैं; उसी के लिये मिलते हैं और उसी के लिये अलग हाते हैं; पाँचवे बह चादमी जो श्रल्ताह को याद करता रहता है और जब भी याद करता है तो उसकी आँखों से आँसू गिरते रहते हैं; छटे वह आद्मी जिसके दिल को अगर कोई ऊँचे स्नानदान की और खूबसूरत औरत मां अपनी तरफ खाँचती है तो वह कहता है,--'सबमुच, में श्रत्लाह से डरता हूँ;' श्रीर सातवें वह आदमी जो .सैरात देता है और उस छिपाता है, यहाँ तक कि उसका दाँया हाथ जो कुत्र देता है उसकी इसके बाँप हाथ तक को खबर नहीं होती."

—अबु हुरैरह, बुखारी: मुसलिम.

सुहन्मद साहब ने कहा कि:—"श्रादिमयों में सब से ज़ियादह लायक वह है जो दूसरों का उनसे पहले सलाम करता है."

--शबु बमामइ, अबु दाऊदः तिरमिषी.

--برابن عازب، بهيتي .

متحدد ماحب تے کہا کہ:۔۔۔

القیامت کے دن سات طرح کے آدمیوں کو الله اپنے سائے
میں لے ایکا اور اُس دن سوائے اللہ کے کسی کا سابہ کام تہ دیہ
کا ایک وہ ادمی جو لوگوں کے اُوپر سرد رہے اور سب کے
ساتھ انصاف کا برناؤ درتا ہے اور دوسرے وہ جوان آدمی جس
فے اپنی جوانی کو اللہ کی خدمت میں بتا یا ہوا تیسرے
وہ آدمی جو جب بھی دعا مانکنے کی جکہہ سے نکلتا ہے تو
جب تک پھراسی جکہہ رایس نماجاوے اُس کا دل اُسی جکہہ
الکا رهتا ہے چوتھے وہ دو آدمی جو اللہ کے لئے ایک دوسرے سے
پیار کرتے سیں اُسی کے لئے ملتے میں اُسی کے لئے انگ ہوئے
بھی یاد درتا ہے تو اُسی اُنہوں سے آنسو گرتے رہتے میں چہتے
وہ آدمی جس کے دل کو اگر کوئی اونچے خاندان کی اور
وہ آدمی جس کے دل کو اگر کوئی اونچے خاندان کی اور
سیح میے میں اللہ سے ترتا عوری اور ساتویں وہ آدمی جو
خدرات دیتا ہے اور اُس کے بائیں مانے کہ اُس کا دایاں
میں میے میں اللہ سے ترتا عوری اور ساتویں وہ آدمی جو
خدرات دیتا ہے اور اُس جیہان ہے بیاں تک کہ اُس کا دایاں
مانے میں میں میں اللہ سے ترتا ہی اُس کے بائیں مانے تک کو خبر

سايو هريرة يضاري: مسلم .

معدد ماحب نے کیا کہ:۔۔"آنمیوں میں سب سے زیادہ التی رہ شے جو دوسروں کو اُن سے پہلے سلم کوتا ہے ۔''

-- ابو اسامه عبدالله بمعنى

मुहम्मद साहब की कुछ हदीसें

डाक्टर मिरजा अबुल कजल

मुहम्मद साहब ने कहा :---

"क्रयामत के दिन हर आदमी से 'पाँच बातों की बाबत सवाल किया जावेगाः उसकी जिन्दगी की बाबत यह कि तूने अपनी जिन्दगी कैसे बसर की, उसकी जवानी की बाबत यह कि तुम जवान से बुढ़े कैसे हो गए, उसकी दौलत की बाबत यह कि तुमने दौलत कैसे कमाई और यह कि बह दौलत किस किस काम में खर्च की; और उसके इसम की बाबत यह कि तुमने अपने इसम का क्या उपयोग किया."

--इच्न मसऊद्, तिरमिजी.

धनु मूसा कहता है कि :—''मैं अपने दो भतीजों को लेकर रस्ल के पास गया. मेरे भतीजों में से एक ने कहा,—'ऐ अस्लाह के रस्ल ! अस्लाह ने जो मुस्क आपको हुकूमत करने के लिये दिया है उसके किसी हिस्से पर हम दोनों को गबरनर मुक्तरर कर दीजिये.' मेरे दूसरे भतीजे ने भी यही बात कही. इस पर पैराम्बर ने जवाब दिया,—'अस्लाह की कसम ! मैं किसी ऐसे आदमी को कहां अ इसर मुक्ररर नहीं करता जो खुद मुक्त से मुक्तरर किये जाने के लिये कहता है, या जो अफ्सर होने की इच्छा रखता है.'

-- अबू मूसा, बुखारी: मुसलिमः अबु दाऊदः नसाई.

धनस कहता है:—'मैंने यह देखा कि जब कभी पैराम्बर के सामने कोई ऐसा मामला लाया गया जिसमें किसी ने किसी का कोई तुकसान पहुँचाया हा और जिसे मुकसान पहुँचा है वह बदला लेना बाहता हा तो पैराम्बर ने हमेशा यही हुकुम दिया कि माफ कर दां."

-- अनस, अबु दाऊदः नसाई.

मुहम्मद साहब ने कहा:—"अस्लाह नेक है और बह लोगों से सिवाय नेक कामों के और कोई काम कु बूल नहीं करता."

-- अबु हुरैरह, मुसलिम : तिरमिजी.

مصد صاحب کی کچھ حدیثیں

قاكتر مرزا ابوالنضل

محدد ماھے نے کہا:۔۔۔

"تهاست کے دُی ہو آدمی سے پانچ داتوں کی پایت سوال کا جائیگا : اُس کی زندگی کی بایت یہ کہ تو نے اپنی زندگی کی بایت یہ کہ تو نے اپنی زندگی کیسے بسو کی اُس کی جوانی کی بایت یہ کہ تم جوان سے بروق کی اُس کی دولت کی بایت یہ کہ تم نے دولت کیسے کمائی اُور یہ کہ وہ دولت کس کس کام میں خرچ کی اور اُس کے علم کی بایت نہ تم نے اپنے علم کا کیا اُپھوگ کیا گیا گیا

ــابن مسعود، ترمذی .

ابو موسئ کہنا ہے کہ:۔ ''میں اپنے دو بہتیجوں 'کو لے کو رسول کے پاس گیا ، میرے بہتیجوں میں سے ایک نے کہا۔ 'الے اللہ کے رسول ! اللہ نے جو ملک آپ کو حکومت کونے کے لئے دیا ہے اس کے کسی حصے پر ہم دونیں کو 'گورتر مقرر کو دیجیئے ،' میرے دوسرے بہتیجے نے بھی یہی بات کہی ۔ اِس دیجیئے ،' میرے دواب دیا۔ 'اللہ کی قسم! میں کسی ایسے پر پہنمجر نے جواب دیا۔ 'اللہ کی قسم! میں کسی ایسے آدسی کو کہیں انسر مقرر تبھی کرتا جو خود مجھسے مقرر کئے جانے کے لئے کہنا ہے یا جو انسر ہوئے کی اِچھا رکھا جے ہا

-ابن موسئ بخارى؛ مسلم: ابوداعود: فساءى .

آلس کہتا ہے:۔۔۔ اسیں نے یہ دیکھا کہ جب کبھی پینمبر کے سامنے کوئی ایسا معاملہ لایا گیا جس میں کسی نے کسی کو کوئی نقصان بہنچایا ہو اور جسے نقصان پہنچا ہو وہ بداله لینا چاهتا ہو تو پینمبر نے ہمهشہ یہی حکم دیا کہ معانمہ کو دو ۔ **

ـــانس ابرداءرد: تساعى .

سوائے نیک کاموں کے اورکوئی کام قبول نبھی کرتا ۔" سوائے نیک کاموں کے اورکوئی کام قبول نبھی کرتا ۔"

ســــأبو هريرة مسلم : ترم<u>تى .</u>

سي 1905 لا سرديمي الدولي...

बराबर पैदल ही आया जाया करते थे. मेरे दिल पर चिन्ता-मिया जी का, डनकी सादगी और सच्चरित्रता का बहुत असर पड़ा. हालाँकि मेरे विचार उनसे नहीं मिलते थे लेकिन किर भी उस समय से लेकर आख़ीर तक मेरे ऊपर हमेशा डनकी मेहरवानी बनी रही.

चिन्तामिं जी को स्वदेशी आन्दोलन के बद्ते हुए सैलाव को रोकने के लिये इलाहाबाद लाया गया था. खास तौर पर युनिवर्सिटी के अन्दर विद्यार्थियों पर गरम दब के बढ़ते हुए असर को रोकने का काम चिन्ताम/ण जी के सपूर्व किया गया. चिन्तामणि जी बहुत अच्छे बक्ता थे. धनकी दलीलों की काट आसान न थी. उनके प्रोपेगेन्डा का . भीगरोश जहाँ तक मुक्ते याद है, आक्सफोर्ड केंग्जिजबोडिंग हाउस से हुआ था, जो अब गालिबन हालेन्ड हाल के नाम से प्रसिद्ध है, उनके पहले लैक्बर में मैं भी मौजूद था. हाल ठसा ठस भरा हुआ था. प्रोफ्रेसर भी मौजूद थे. चिन्तामणि जी ने स्व-देशी और बायकाट के रिवलाफ बड़ी तर्क पूर्ण तकरीर की. ज्योंही उन्होंने बोलकर खत्म किया विद्यार्थियों ने आवाजें लगाई' - "सुन्दरलाल जी भी बोलें," दोनों तरफ के रू याल विचार्थियों ने सुने और जब बोट लिये गये तो कुल इने गिने चार बोट चिन्तामणि जी को मिले और क्रीय चार सी **इनके रिवलाफ.** चिन्तामिए जी ने प्रेम से आकर मुक्तसे हाथ मिलाया और कहा-"वधाई !" उस पहली मीटिंग का तजरवा इतना मँहगा पड़ा कि फिर बायकाट के विराधियों को युनिवर्सिटी के किसी होस्टल में दूसरी मीटिंग करने का साहस न हुआ.

[बाक़ी कागले नस्बर में]

یرابر پیدل هی آیا جایاکرتے تھے ، میرے دل پر جانالہلی چی که اُن کی سادگی اور ، مجرترا کا بہت اگر ہوا ، خالاتکه میرے وچار اُن سے تبین ملتے تھے لیکن پور بھی اُس سے سے لے کر آخر تک میرے اوپر همیشه اُن کی مہربائی بلی رهی ،

چنتامنی جی کو سردیشی آندولن کے بوعتے هوئے سیائب کو روکلے کے اللہ العالمان لایا گیا تیا . خاص طور یہ یوندورستی کے اندر ودیارتھوں پر گرم دل کے بوھتے ھوٹے اثر کو روکنے کا کام چنگاملی جی کے سپرد کیا گیا ، چنگاملی جی بہت أچهے وكتا نهم أن كي دليلوں كى كاشآسان نع تبي. ان كے پروپيكيلدا كا شرى كليهي عبال تك مجه ياد ها أكسفورة كيبري بورةنگ هاؤس عدوا تها جو أب غالباً هالينة هال كے قامع يرسده ہے۔ اُن کے پہلے لکھور میں میں بھی موجود تھا ۔ ھال تہسا تھس بهرا هوا تها ، پرونه سر بهی موجود تهے ، چاناءلی جی لے سودیھی اور بائیکات کے خالف بڑی ترک پیرن تقریر کی . جير هي أنهن لے بول كر ختم كيا وديارتهيوں لے أوازين لگائیں۔ ''سلدر لال جی ہمی بولیں'' دونیں طرف کے خیال ودیارتھ و کے سلم اور جب ووٹ لئے گئے تو کل اِنے گئے چار ووق چذامنی جی کو ملے اور قریب چار سو ان کے خاف ، چنتامنی جی نے پریم سے آئر مجم سے عاتب مالیا اور کیا۔۔ 29 دهائی الله ایس بهای میتنگ کا تجوبه أننا مهنگا یوا که بهر پائیکات کے ورودھیوں کو یوٹیورسٹی کے کسی ھوسٹل میں دوسری میٹنگ کرنے کا سامس تہ موا ،

[باقى اكلے نمبر ميں]

[बाकी सफा 264 का]

बहुत सी बातें के कर की जो हिन्दुओं को विदेशी लगती थीं. अपनी इस कुरबानी से उन्होंने हिन्दोस्तान की मिली-जुली कलचर की वह शानदार कहानी लिखी कि जिसकी माँकी हमें मँसले जमाने में बनी हुई हर किताब और हर तस्बीर में, हर किले और हर महल में, हर शेर और हर नक्स में मिलती है.

[बांग्रेजी से अनुवादक—वि० ना० पांडे]

[بانىمنحه 264 كا]

بہت سی بالیں ترک کردیں جو ہلدؤں کو ردیشی اکتی تھیں ۔ آپلی اسی اسی آنیوں نے مندستان کی ملی جلی کلچر کی کھور کی وہ شاندار کہانی انہی که جس کی جہالتی میں منجیلے زمانہ میں یئی ہوئی ہرکتاب اورہر تصویر میں عرقانے اور محل میں امرانہ میں امرانہ میں منز قلع اور محل میں امرانہ میں امرانہ میں ملتی ہے ۔

[انگریزی سے انوادک سے ری ۔ نا ، یانڈسے]

मजबूर होकर घर लीट जाऊँ तो इलाहाबाद में आन्दोलन ठन्डा पढ़ जायगा. मकान मालिक बेबारा बढ़ा परेशान हुआ. पुलिस के सामने उसने इक्रारनामा रक्खा. सरकारी बकील से भी सलाह मशविरा लिया गया, मगर मुक्ते निकालने की कोई कानूनी स्रत न निकली. जाब्ते से अब हमारी पार्टी का खड़ा 56 चौक गंगादास में क्रायम हो गया.

इसी बीच कुछ ऐसे वाक़े यात पेश आये जिनसे गरम दल के हिन्दुस्तान के नक्ष्रों में इलाहाबाद की एक ख़ास जगह हो गई.

जो बुजुर्ग इमें मदद श्रीर सलाह मशांवरा दिया करते थे चनके ख़िलाफ सरकार ने क़द्म उठाने :शुरू किये. सबसे पहला हमला पंडित श्रीकृष्ण जोशी पर हुआ, वह सरकारी अफ़सर थे और डिप्टी कलेक्टरी के ओहदे पर थे, उन्हें बरखास्त कर दिया गया. बाबू शिष भूषण चटर्जी का इलाहाबाद से ग्राजीपुर तबादला कर दिया गया. पंडित बालकृष्ण भट्ट को कायस्य पाठशाला की मैनेजिंग कमेटी पर ज़ार डालकर नौकरी से बरखास्त करा दिया गया और बन्त में कायस्य पाठशाला की मैनेजिंग कमेटी के जरिये बाबू रामानन्द चटर्जी की प्रिंसपल के पद से इस्तीफा देने को मजबूर कर दिया गया. त्रिन्सिपल के पद से हटकर बाबू रामानन्द ने इलाहाबाद में ही इन्हियन प्रस से, 'प्रवासी' नामक बंगला मासिक पत्र और 'Modern Review' नामक अंग्रेजी मासिक-पत्र निकालना शुरू किया. बाद् में शमानन्द षाबू कलकत्ते चले गये और अपने दोनों पत्र भी कलकत्ते से जाकर निकालने लगे.

सर तेजबहादुर सम्म को, जो उस समय डाक्टर सम्म थे, मुम्मसे बेहद दिली मोहन्यत थी हालाँकि राय उनकी माल-बीय जी से मिलती थी. यही क्रींक्यत डाक्टर सच्चि-दानन्द सिन्हा और मुंशी ईश्वर शरण की थी.

इलाहाबाद से उस जमाने में 'नीम सरकारी' दैनिक 'पायोनियर' और नरम दल का दैनिक 'इन्डियन पीपुल' निकलते थे. 'इन्डियन पीपुल' का सम्पादन काली बाबू करते थे किन्तु काली बाबू भी नरम दल के नेताओं की नज़रों में उतने नरम न थे जितना कि वे उम्मीद करते थ. पुनानचे मालवीय जी, पंडित मोतीलाल जी और दूसरे नरम दली नेताओं ने मिल कर 'लीडर' का प्रकाशन शुरू किया. 'इन्डियन पीपुल' भी 'लीडर' में ही मिला लिया गया. 'लीडर' के सम्पादन में मदद देने और गरम दल के नीजवानों से मोर्चा लेने के लिये स्वर्गीय सी० वाई० चिन्ता-मिश्रा को इलाह्शवाद बुलाया गया. यह ता याद नहीं रहा कि चिन्तामिश्रा जी उस समय कहाँ रहते थे सेकिन इतना ममें याद है कि वे साउथ रोड में 'लीडर' के दूमतर में معیور هوکر گیر لوت هاؤی تو الفآیان میں آندولی لیندا او پر جائیگا مکان مانک بے چارہ برا پریشان هوا ، پرلیس کے سامنے اس نے اورار نامہ رکیا ، سرکاری وکیل سے بھی صلاح و مشورہ لیا گیا مکر معید نکالنے کی کرئی قاتوئی صورت نہ نکلی ، ضابطہ سے آب هماری پارٹی کا اتا 56 چوک گنگا دائس میں قایم موگیا ،

اِسی بیچ کچھ ایسے واتعات پیش آئے جن سے گرم دل کے هندستان کے نقشے میں الدآباد کی ایک خاص جکم هر گئی .

جو بزرگ همیں مدد اور صلاح مشورہ دیا کرتے تھے ان کے خلاف سرکار نے تدم اُتھانا شروع کیئے سب سے پہلا حمله پنتس شری کوشن جوشی پر ہوا ، وہ سرگلی انسر تھے اور دیتھی کامٹری کے عہدے پر تھے ، اُنہیں برخاست کردیا گیا ، بابو شسشی بہوشن چٹرجی کا اُلکآباد سے غازی پور تباداء کر دیا گیا ، پنتس بال کوشن بہست کو کائستم پائی شالا کی ملیجنگ کمیٹی پر زور تال کو نوکری سے برخاست کرا دیا گیا اور انت میں کائستم پائی شالا کی ملیجنگ کمیٹی کے ذریعے باہو راماند چٹرجی کو متجبور انت میں کائستم پر برنسیل کے پد سے استعفی دیتے کو متجبور کو دیا گیا ۔ پرنسیل کے پد سے استعفی دیتے کو متجبور میں میں می اندین پریس سے اورواسی نامک بنتلا ماسک پتر کالل میرد کیا ، بعد میں راماند باہو کاکتے چلے گئے اور اپنے دونوں شروع کیا ، بعد میں راماند باہو کاکتے چلے گئے اور اپنے دونوں شورع کیا ، بعد میں راماند باہو کاکتے چلے گئے اور اپنے دونوں شورع کیا ، بعد میں راماند باہو کاکتے چلے گئے اور اپنے دونوں شورع کیا ، بعد میں راماند کیا۔

سرتیج بہادر سپرر کو جو اُس سے قاکار سپرر تھے معھسے ہے حد دای محبت تھی حالانکہ رائے اُن کی مالیہ جی سے ملتی تھی ۔ یہی کینیت قائلر سچدا نند سنیا اور منھی ایشرر شرن کی تھی ۔

العاباد سے اُس زمانے میں انہم سرکاری' دینک پایرنیو' اور فرم دل کا دینک انتہیں پیپل' کا فرم دل کا دینک انتہیں پیپل' نکلتے آھے ، 'انتہیں پیپل' کا سیادی کالی باہو بھی ارم دل کے نیکاؤں کی فطروں میں آدنے نرم نم نم نمے جانا که وہ امید کرتے تھے ، چانا که وہ مالایہ جی' پنتہ موتی قال جی اور دوسرے نرم دای نیکاؤں نے مل کر 'ایڈر' کا پرکاشی شروع کیا ۔ 'انتہیں پیپل' بھی 'لیڈر' میں می مقالیا کیا ، 'لیڈر' کے سیادی میں مدد دینے اور گرم دل کے نوجوانوں سے مورچہ لینے کے نئے سورگیہ سی ۔ وائی ، چنکامنی کو العاباد بالیا گیا ۔ یہ آئی سیے کہاں وہاتہ تھے لیکی آئی سیے کہاں وہاتہ تھے

पिता जी क्या खयाल करेंगे. मगर सब कुछ सोवने के बाद में आखरी निश्वय पर पहुँच गया.

वाइस चान्सलर ने वृद्धा-"क्या .फैसला किया ?"

मैंने जवाब दिया—"आपकी सलाह न मानने का मुक्ते बढ़ा अफ़्सांस है. मेरी गुस्ताख़ी माफ़ हो, मैं बहुत मजबूर हूँ."

दूसरे दिन मैं बाइस चान्सलर के हुक्स से बूनि-बर्सिटी से अलग कर दया गया. इस तरह मेरे विद्यार्थी जीवन का अन्त हो गया.

मेरे युनिवर्सिटी और हिन्दू बोर्डिंग हाउस से निकाले जाने के बाद साथियों के दिल गुस्से से भर गये. नित्या-नन्द चटर्जी मेरे साथ द्वी एल-एल० बो० में पढ़ते थे. युनिवर्सिटी से मेरे निकाले जाने क बाद उन्हें एक दिन भी युनिवर्सिटी में रहना गवारा न हुआ. उन्होंने वाइस चांस-लर का मेरे साथ किये गये अन्याय के ख़िलाफ एक सस्त ख़त लिखा और उस ख़त के साथ साथ एल एल॰ बी० के दुर्जे से अपना इस्तीफा भी भेज दिया.

बार्डिंग हाउस से निकलने के बाद मैंने दोस्तों के साथ मकान की तलारा शुरु की, आगे-आगे हम लोग पहुँचते थे और पीछे-पंछे तीन-चार पुलिस के दराता और आधे दर्जन सिपाही. मकान मालिक यदि अपना मकान किराये पर देने को राजी भी हो जाता था तो पुलिस बाले उसे बाद में इसना डराते-अमकाते थे कि वह अपनी बात से फिर जाता था. कई घन्टे सर्भ किये, कई साली माकानों को देखा मगर पुलिस के डर के मारे सभी मकान मालिक अपने बादे से फिर गये. आखिर में वह रात मुक्ते नित्यानन्द के यहाँ वितानी पडी.

दूसरे दिन कुछ और दोस्त, जिनसे पिलस वाले पूरी तरह वाकिफ न थे, मकान की तलाश में निकले. आख़ीर में चिक गंगावास में 56 नम्बर का मकान किराये पर लेने का बन्होंने कैसला किया, होशियार दोस्तों ने, जिनमें एक या वो बकील भी थे, मकान मालिक से यह इक्रार-नामा लिखवाया—"बाहे कैसी ही आफ़्ते इनसानां, आफ़्ते सुलवानी और आफ़्ते नागहानी आये साल भर तक न किरायेदार मकान खाली करेगा और न मकान मालिक ही किरायेदार को हटायेगा." जब इक्रारनामा जिख लिया गया और मकान मालिक के उसपर दस्तकृत हां गये तो एक दोस्त उसे मेरे दस्तकृत के लिये मेरे पास लाये. फ़ौरन ही हम लोग अपना सामान लिये दिये माकान में दाख़िल हां गये. हस्य मामूल पुलस भी हमारे पीछे पीछे पहुँची. मकान मालिक से उसने जोर दिया कि वह मुके मकान से जलग करें. लस का ख़याल या कि अगर में इलाहावाद से

سى 1905 ¥ سويقى ألولى...

ا کے علاق کوں کے معر سب کچھ سوچنے کے بعد عین آخری تھنچے پر پہنچ کیا ۔

وأنس چانستر لے پوچھاسے" کیا نیصاء کیا 🖁 😘

ا میں کے جواب دیا^{۔۔۔۔۔۔۔۔۔} کی مالے ته مانانے کا معجمے ہوا ۔ اور مدری گسانحی معاقب ھوا میں بہت معجمور موں ہ²۔

دوسرے دوں میں وائس چانسلر کے حکم سے یونیورسلی میں اللہ کو دیا گیا ، اِس طرح سیرے ودیار لیے جھوں کا آئت هو گیا ،

مدرے یونیورسٹی اور هدو بورڈنگ هائیس سے تکالے جائے بعد ساتھیوں کے دل ضمے سے بھر گئے ، تنیا ندد چٹر جی معرب ساتھ ہی ایل ایل ہی میں پڑھتے تھے، یونیورسٹی میں رها تکالے جائے کے بعد اُنچوں ایک دن بھی یونیورسٹی میں رها گوارا نہ هوا ، اُنھوں نے وائس چانسلر کو معرب ساتھ کئے اُنھاں نے خلاف ایک سخت خط لکھا اور اُس خط کے ساتھ ساتھ ساتھ ایل ایل ہی کے درجے سے اپنا استیفی بھی ساتھ ساتھ ایل ایل ہی کے درجے سے اپنا استیفی بھی

بوردنگ هاؤس سے نالنے کے بعد میں نے دوستوں کے ساتھ مکان کی تلاقی شووع کی۔ آگرآگے هم لوگ پینچاہ تھے اور پیچھے بعض چار پولیس کے دروغه اور آدھے درجن سیاهی مالک بدی اینا مکان کرایہ پر دینے کو رافی بھی هو جاتا تھا تو پولیس والے آسے بعد میں اتنا تراتے دھمکاتے تھے که وہ اپنی بات سے پھر جاتا تھا ، کئی گینٹے سرف کیڈے کئی خالی مکان کائی کو دیکھا مکر پولیس کے قر کے مارے سبھی مکان مالک اپنے وعدے سے پھر گئے ، آخیر میں وہ رات مجھے تعیاند

دوسرے دی کچھ اور دوست جن سے پولیس والے پاری طوح وانف نه تھ' مکان کی تلاق میں قابلے اخر میں چوک گنگاداس میں 55 قمبر کا مکان کرائے پر لینے کا انہوں نے فیصله کیا ، هوشیار دوسترں نے' جن میں ایک'یا دو وکیا ہیں تھے' مکان مالک سے یہ اقرارنامہ انہوایا۔۔''چاہے کیسی هی آئے سال بھو آئے اللہ انہوں نہ مکان مالک هی تک نه کرایددار مکان خالی کرے گا اور نه مکان مالک هی کرایہ دار کو هائے گا ہا ہے۔ بنا گیا اور مکان مالک هی مالک کے اِس پر دستخط هرگئے تو ایک دوست آسے میرے مالک کے اِس پر دستخط هرگئے تو ایک دوست آسے میرے اپنا سامان لگے دیا ہے مکان میں داخل هوگئے ، حسب میدول پرلیس بھی المارے پہنچھے پینچھے پہنچھے ، مکان سے الگ مالک سے آلگ مالک سے الگ مالک سے آلگ مالک سے الگ مالک سے آلگ مالک سے آلگ مالک سے آلگ مالک سے آس نے زور دیا که وہ مجھے مکان سے الگ

وليد ذكيي جيسے ليعهي كي كتابين أنهين نے دهيان سے يومين ." إِنَّانِي أَدِي كِي سِوَلِنُواتِنَا سَلَكُوامِ كَا النَّاسِ بِهِي أَنْهِينِ فِي يَرْهَا . ٹھیک اُس سے ایک چھوٹی سے گھٹنا ہوئی جس نے منظو علی کی زندگی یر گہرا اثر تالا ، مهررسندرل خالبے کے یرنسیل جے ، جی جينكو أن دنون ايم . أه كو انكريزي يزهايا كرت ته . جينكو له منظر علی سے بھارت کے آئے دین کے دشکالین اور ان کے کارٹین یو ایک نبنده لاینے کو کیا ہو کتابیں کورس میں پوهائی جائی تهیں أن میں إن دشكاتوں يا تحطوں كى وجه ہارہی کی کمی ہتایا گیا تھا ، لیکن نئی کتابیں یومی ہوتے منظر علی لے اُس کے وجہ اُپنے نبلدہ میں انگریزوں کی شوشن تیایی کو بالیا ، پرنسهل جینک کو نبنده یوه در غصه آگیا ، اُنہوں نے منظر علی کو ڈانٹا ڈیٹا اور سمجھا کر تبندھ بدللے کو لها - منظر علی فے أيلي رائے ته بدلي . إس ير ولا أيم . أنه الس سم نكال ديئم كثم . سن 1908 مين أنهون في ایل ، ایل ، بی یاس کرلیا ، اِس سب کا تتیجه یه هوا که م ظر علی همارے دل میں جی ، جان اور جوش حروش کے ساته شامل هوگئے .

ودیاربھیوں کے اندر گرم دل نے بوستے ہونے پربھاؤ نو دیکھ کر یوں پھی مئی سرکار چوہنے ہو گئی ، یونیورسٹی نے واٹس چانسلر کے ساتھ مل کو اُنھوں نے مم نوگوں کے حالف قدم اُنھانے کا نیصلہ دیا۔ میں بھی پریش بھا اِس پٹے میرے ہی حالف پہلے قدم اُنھانے کی سات سوچی گئی ،

سب سے یہلے مجھ یہ ھندر بیرڈنگ ھاؤس سے نکلنے کا نولس بعمیل در دیا کیے ماچ 1907 - سندن وروب بها رداست د دربيدل . مندان مهيم مر ي عد عوب کو تھا ، میرا سامان ہورقانگ ھاؤسے کے سرے کے اعراد در دیا گھا ، مالویہ بھی بعدور ہو قانگ ساؤس کے دروا دیدا تھے اور مجھے موسال سے آلگ کاتے دونے انہیں بےحد ۱۰، و بوا جباع سانهی یه نجویزین بنا رهے نهے ته میں نہاں رہ در اسی پڑھائی جاری ربھوں کے یوندورسقی ادھیکاریوں نے یاس سے یہ پروانه آیا که مجهه آیل، ایل، بی، کلس سے رستی دیت دیا جاتا هے وائس چانسار دی اور سے یہ بھی کیا گیا تم یدی میں رعدہ کر لوں کہ استحان ختم ہوئے تک راج ٹیٹی میں میں کوئی بھاگ نہیں لونگا تو مہرے نکالے جالے کا حکم رد کیا جا سکتا ہے، یہ بھی کہا گیا که آیسی صورت میں هدر بورزنگ ھاؤس سے بھی مجھے انگ کرنے کا حکم بھی واپس لے لیا جائیگا ، میں نے تهروی دیر تک سرچا ، وندنی بهارت مانا کی تصویر میرے سامنے آئی ، آیٹی زندگی کی مور پر میں کھڑا تھا ، میرے اِس واست کے فیصلے پر میری آگے کی رُندگی کا دارہ مدار تھا ۔ میں نے یہ بھی سوچا که میرے ہورہے

बिलियम डिग्बी जैसे लेखकों की किताबे' चन्होंने ज्यान से पर्डी, इटली चादि के स्वतंत्रता संयाम का इतिहास भी बन्होंने पड़ा. ठीक उस समय एक क्रोटी सी घटना हुई जिसने मं अर चली की जिल्हाी पर गहरा चासर हाला. न्योर सेंद्रत कालेज के पिंसिपल जे० जी॰ जेनिंग्य वन दिनों एम॰ए० को अंगरेजी पढ़ाया करते थे. जेनिंग्ज ने मंजर अली से भारत के आए दिन के बुष्कालों और उनके कारणों पर एक निबन्ध लिखने को कहा, जो किताबें कोर्स में पढाई जाती थीं उनमें इन दुष्कालों .या कहतों की बजह बारिश की कमी षताया गया था. लेकिन नई कितावें पढ़े हुये मंजर पती ने इसकी वजह अपने निवन्ध में अंगरेजों की शोषण नीति को बताया. प्रिंसिपल जैनि'ग्ज को निबन्ध पदकर गुस्सा भा गया. चन्होंने म'जर भली का खाँटा ढपटा और समका कर नियन्ध बदलने की कहा, मंजर अली ने अपनी राय न बद्ती. इस पर बह पम० ए० क्लास से निकाल विये गये. सन् 1908 में उन्होंने एल• एल० बी० पास कर लिया. इस सबका नतीया यह दुवा कि मंजर चली हमारे दल में जी-जान और जोश .खरांश के साथ शामिल हो गये.

विश्विश्यों के अन्दर गरम दल के बढ़ते हुये प्रभाव को देखकर यू० पी० की सरकार चौकन्ना हो गई. यूनिव सेंटा के बाइस चान्सलर के साथ मिलकर उन्होंने हम लागों के खिलाफ .कद्म उठाने का .फैसला किया. मैं हा पेश पेश था इसलिये मेरे खिलाफ पहले .कदम उठाने की बात सोची गई.

सबसे पहले मुक्त पर िन्द् बांबिंग हाउस से निकलने 'का नोटिस सामान कर दिया गया. माचे 1907 का महीना या. इम्महान ,कशंच था. बहुतन हा ,कहारत उन्। न अक्षा १ १ १ थार । ११ में अभी व हिंचे हाउस में राज्य है । पूर्व प्रवृत्त का सिन्दू क्तिहार हार्रात्र र एक्ट. का थे 🔻 ुर्मे अन्द्रत सं अन्तरी करते हुये १६ कहदूतुः। हुला या । बाक साथ यह राजिया चना रहे थे के में कहा रहकर अने में बढ़ जारी रखे, यःनवःसंटी आधकारिया के पास से यह परवाना आया कि मुक्ते एल० एल० बी० क्लास से रस्टीकेट किया जाता है. बाइस चांसलर की जोर से यह भी कहा गया कि यदि मैं बादा कर लूँ कि इन्तहान .सत्म होने तक राजनीति में काई भाग न जूँ गा तो मेरे निकाले जाने का हुक्म रह किया जा सकता है, यह भी कहा गया कि ऐसी सूरत में दिन्दू बोर्ख ग से भी मुक्ते बालग करने का हुक्म भी बापस ले लिया जायगा, मैंने थोड़ी देर तक सोना. वन्दिनी भारत माता की सरबीर मेरे सामने चाई. अपनी जिन्दगी की मोद पर मैं अबा था. मेर उस बक्त के ,फैसले पर मेरी आगे की चिन्दगी का दार मदार था. मैंने बह भी सोचा कि मेरे बूढे

أور المجمس أيل ، أيل ، هي كم وديارتهى ته ، الله جمالته كهذا في الله بعد ميں المدن جاكر المجينيونگ يزهى أور بى ، بى ، سى أنى ، وبلوم كران جوائل المجينيون هوكئى ، سوركيته وأم پرسان سنته هندى كى كويترى سوبهدر أكبارى جوهان كى بزم بهائى ته ، پوليس ميس دارونه ته ، أستيني درم كر كرانت كارى بهائر الله بهائر الله يوائل ميس شامل هوكئى ، لمجين بوساد كى يتا وأئم بهادر الله يوائل داس سيشن جم ته أور الجهن بوساد بهى بعد ميس يوائل دام وبيائل هائى ، جب تك جيئه تهادى هى بهنته سيشن جمجى وبائل هوئى ، جب تك جيئه تهادى هى بهنته وها ور إس كى ترقى وكى وهى .

بھائی منظر علی سیختہ کے ساتھ میرا پریم آنتا ہوما کہ هم عولوں الیک جان دو قالب کی طرح بن گلے ، ملظر علی کا جلم بدن 1884 میں بدایوں میں عوا تھا ، اُن کے پتا شیح میارک علی نواب بدایوں کے چھیرے بھائیوں میں سے تھے . ایک پرانے مونی ساسلے سے اُن کے گورانے کا سمادہ تھا ، اُسی سے خاندانی کی آل، سوخته، یعنی اداده، یا، چا هوا، پوکلی . 1857 میں اِن کے خاندان نے انقلاب میں حصہ لیا' اور فترجع میں خاندان کے بہت سے لوگ لزائی کے میدان میں مارسے گئے ، بہترس کو پھائسی لکی ارر خاندان کی تمام جائدات ضیما ہو گئی ، شیخ مبارک علی فارسی کے ودوان تھے ، نوکری کی ناهی میں العآباد آئر یندت موتی قل نہرو کے یہاں منشی هوكئيد موتى لال جي لے هديشه أن كے ساتھ دوست اور يهائي كا سا برتاؤ كيا ، منظر على كا خاندان أثنديهون مين هي رها انها ، منظر على رهيل رة كر برت هوئه ، نهرو خاندان ك سانه أن كا أخير تك يريم سمبلده قايم رها، سب أنهين عام طور یو منا بہائی کہہ کر یکار نے تھے ،

بنگ بھاگ کے زمانے میں منظر علی مہرے ساتھ ھی مہرسنالرل کاام میں ایم اے اور ایل ایل ہی ساتھ ساتھ ساتھ رقے تھے ایل ایل ایل میں ایم ایل ہی کے اور ودیارٹھمرں میں بھائی پروشوتم داس ٹائٹ سورگیہ رما کانت مالویہ مدھیہ پردیش کے معہد منتری سورگیہ رمی شائر شکل قاکتر کیائس ناتھ کاتجوہ اور شری درا شاکر مہنا ہی تھے ، ایجے کے درجوں میں پنتت گروند وابع پنت سروگیہ اجاریہ لریندردیو، سورگیہ گنیش شاکر ودیارتھی وثیاتیش نواین تیواری اور سورگیہ کرشا کانت مالویہ بھی تھے ، حالات یہ یارٹی کے ممہر نہیں تھے انہیں پوری هدردی تھی ممہر نہیں تھے انہیں پوری هدردی تھی بعد میں آئی میں اگر کی اور بوی بیتی سے آنہیں پوری هدردی تھی بعد میں آئی کی اور بوی ہدردی تھی بعد میں آئی کو اور بوی بوی قربانیاں اِن لوگوں نے لائی میں اگر کی اور بوی بوی قربانیاں اِن لوگوں نے لیں ۔

بنگ بہنگ کے آندولی کا منظر علی پر گہرا اثر ہڑا۔ ویص کی ارتبک ارر راج نیٹک کیفیت کو انہوں نے سنجھنا شروع کیا ، دادا بہائی نرورجی' رمیش چلدر دے'

जीर सक्मण पल-पल. थी. के विद्यार्थी थे. लाला जगम्नाथ खरना ने बाद में खन्दन जाकर इंजीनियरिंग पढ़ी जीर थी. थी. थी. थाइ. रेलवे के दिवीजनल इंजीनियर होगये. स्व-गींय रामप्रसाद सिंह हिन्दी की कवियित्रो सुमद्रा कुमारी चौहान के बढ़े भाई थे. पुलिस में दारोगा थे. स्तीका देकर क्रान्तिकारी पार्टी में शामिल हो गये. सक्मण प्रसाद के पिता रायबहादुर लाला प्रागदास सेशन्स जज वे जीर लक्ष्मण प्रसाद भी बाद में सेशन्स जजी से ही रिटायर हुये, जब तक जिये खादी ही पहनते रहे और इसके लिये कई साल उनकी सरका दुनी रही.

भाई मंजरबाली सोक ता के साथ मेरा प्रेम इतना बढ़ा कि हम दोनों 'एक जान दो क्रालिब' की तरह बन गये. मंजर-मली का जनम सन् 1884 में बदायूँ में हुआ था. उनके पिता शेख मुबारक अली नवाब बदायूँ के चचेरे भाइयों में से थे. एक पुराने सूकी सिलसिले से उनके घराने का सम्बन्ध था. उसी से खानदान की घरल 'सोस्ता' यानी 'ब्रथ' या 'जला हुआ' पड़ गई. 1857 में इनके जानदान ने इन्कलाब में हिस्सा लिया, और नतीजे में सानदान के बहुत से लोग लड़ाई के मैदान में मारे गये. बहुतों को फॉसी लगी और .स्वानदान की तमाम जायदाद जब्त हो गई. शेख स्वारिक अली फारसी के विद्वान थे. नौकरी की तलाश में इलाहाबाद आकर पंडित मोतीलाल नेहरू के यहाँ मुन्शी हो गये. मातीलाल जी ने इमेशा उनके साथ दोस्त और भाई का सा बतीव किया. मंजर अली का सानदान आनन्द भवन में ही रहता था. मंजर अली वहीं रहकर बढे हुये. नेहरू .खानदान के साथ उनका आस्त्रीर तक प्रेम सम्बन्ध कायम रहा. सब उन्हें आम तौर पर मन्ना भाई कह कर प्रकारते थे.

बंग भंग के जमाने में मंजर अली मेरे साथ ही स्योर सेंट्रल कालेज में एम० ए॰ और एल-एल॰ बं॰ साथ साथ पढ़ रहे थे. एल-एल॰ बं० के और विद्यार्थियों में भाई पुरुषासमदास टएडन, स्वर्गीय रमाकान्त मालवीय, मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री स्वर्गीय रविशंकर शुक्ल, डाक्टर केला-सनाथ काटजू, और श्री दुर्गाशकूर मेहता भी थे. नीचे के दरजों में पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त, स्वर्गीय आचार्य नरेन्द्र देव, स्वर्गीय गयो श शहूर विद्यार्थी, वेंकटेश नारायन तिवारी और स्व० कृष्णाकान्त मालवीय भी थे. हालाँकि ये लोग पार्टी के मेम्बर नहीं ये लेकिन राजनीति से इन्हें पूरी इमद्दीं थी. बाद में उसी इमद्दीं ने इन्हें आजावी को लड़ाई में आगे की लाइन में लाकर खड़ा कर दिया और बड़ी बढ़ी

. अरबानियाँ इन लीगों ने कीं.

वंगम ग के आन्दोलन का मंजर अली पर गहरा असर पढ़ा, देश की आर्थिक और राजनैतिक क्रैफ़ियत को उन्होंने अस्माना शुरू किया, दादाभाई नीरोजी, रमेश अन्द्र दत्त और अद्धा पैदा हो गई और एन्हें भी अकसे दिली भेम हो गया. हालाँ कि मेरे विचार उनसे नहीं भिलते ये लेकिन जब जब मैं पूना जाता था ठहरता लोकमान्य के यहाँ या मगर पूज्य गोखल से मिलने जकर जाता था. श्री गोखले के साथ मेरा यह प्रेम सम्बन्ध उनकी मौत के समय तक बराबर बदता ही गया और आज भी मैं उन्हें प्रेम और बादर से याद करता हैं.

गोखले जी की इलाहाबाद यात्रा से यहाँ की राजनैतिक हालत पर कोई खास अधर नहीं पड़ा. नरमदली नेताओं ने फिर आपस में सलाह करके 1907 में ही यू. पी. पोलिटिकल कान्ग्रेंस का इजलास यहाँ करने का कैसला किया. मेया हाल में पंडित मातीलाल नेहरू की सदारत में सम्मेलन हुआ. पार्टी की हिद्दायत पर में भी इस कान्ग्रेंस में दर्शक की हैसि-यत से शामिल हुआ. मुके मोवीलाल जी के वे फिकरे बाद रह गये हैं जो उनहोंने सदर की हैसियत से कहे थे. उनके लक्ख हैं:—

"For Indians to talk of Swaraja and ofturning out the British is like a pygmy witha broom in his hand trying to fight the giant."

यानी—''हिन्दुस्तानियों के लिये स्वराज्य की और अंग्रेंजों को निकालने की बात करना वैसा ही है जैसे कोई नाचीज आदमी बड़े भारी जिन्न से काड़ू लेकर लड़ने की काशिश करे.''

मोतीलाल जी के इस फ़िक़रें को सुनकर दर्शकों ने इतना हो हस्ला मचाया कि मालूम हुआ कान्म्रेंस दूट जायगी, मगर बढ़ी कोशिशों के बाद लोग जामोश हए.

मोतीलाल जी उस जमाने मैं नरमदल वालों के सरताज सममे जाते थे. एक बार वे प्रसिद्ध इतिहासकार मेजर बामनदास बसु से एक दावत में इलाहाबाद में मिले. मेजर बसु धोती पहनकर उस सरकारी अफूसरों की दावत में गये थे. मोतीलाल जी ने इनकी धोती की आर इशारा करके उन्हें दोका :—

"Major Basu! you appear to have got Swaraja."

थानी—"मेजर बसु, मासूम होता है कि आपको तो स्वराज्य मिल गया."

रारज यह कि यू. पी. पोलिटिकल कान्फ्रोंस का इजलास भी बढ़ती हुई खाजारी की चाह को कम न कर सका. हमारे काम का दायरा बढ़ा और नये नये साथी पार्टी में भरती होने लगे. इन नये साथियों में स्वर्गीय मंखरचली सोख्ता, स्वर्गीय बाबू लक्ष्मयां प्रसाद, स्वर्गीय लाला जगनाथ सना और स्वर्गीय ठाकुर रामप्रसाद सिंह मुख्य थे. इनमें मंजर اور شردها بیدا هو گئی اور آنهیں بھی صحیحت دلی پریم هو گیا۔ حالات میرے وچار آن سے تهیں ملتے تھے لیکن جب جب میں پولیا جاتا تھا تہرتا لوکنائیہ کے بہاں تها مکر پرجیم گوئیلے سملئے ضورر جاتا تھا ، شری گوئیلے کے ساتھ میرا یہ پریم سمیندھ آن کی موت کے سمی نک برابر بڑھٹا ھی گیا اور آج بھی میں آنہیں پریم اور آدر سے یاد کرتا ھوں ۔

گوکیلے جی کی الدآباد باترا سے یہاں کی راجایتک حالت ور کوئی خاص اثر نہمں ہوا ، نرم دلی نیٹاؤں نے پھر آپس میں صلاح کو کے 1907 میں ھی یور پی، پولیٹکل کانفرنس کا اجالس بہاں کرنے کا نیصلے کیا ، میو ھال میں پنڈت موتی لال نہو کی مدارت میں سمیلی ھوا ، پارٹی کی حدایت پر میں بھی اِس کانفرنس میں درشک کی حرفیت سے شامل ھوا ، مجھے موتی لال جی کے وجہ نقرے یاد رہ گئے ھیں جو آاہرں نے صدر کی حیثیت سے کہے تھے ، اُن کے لفظ جو آاہرں نے صدر کی حیثیت سے کہے تھے ، اُن کے لفظ جی ہے ۔

'For Indians to talk of Swaraja and of turning out the British is like a pygmy with a broom in his hand trying to fight the giant."

یعنی سے "هندستانیوں کے لئے سوراجیمکی اور انگریزوں کے نکانیہ کی بات کرنا ریسا می ہے جیسے دوئی ناچین آدمی بڑے بہاری جور سے جہارو لیے کر لوئے کی کوشش کرے ۔''

موتی لال جی کے اِس فقرے کو سن کو درشکوں نے اُننا ھو ھلے متجایا کہ معلوم ھوا کانفرنس ۔ ترت جائیگی مگر ہڑی کوشھوں کے بعد لوگ خاصوص ھوٹے ۔

"Major Basu! You appear to have got Swaraja."

يعلى سدوام رحور يسوا معلوم هوتا هے آنها كو تو سورلجية مل كيا ا

غرض یه که یو ، پی ، پرایة کل کاتفراس کا لمجالس بهی برهایی موئی آزادی کی چاه کو کم نه کرسکا ، هماری کام کا دایره برها آور مئی لیان مین بهرتی هوئی لکیه این لیان ساتهی مین سورگیه منظر علی سوخکه سورگیه بایو لحجیس پرسات سورگیه لاله جمانه کها اور سورگیه ته ، این مین منظر مانور سورگیه ته ، این مین منظر

सन् 1905 का स्वदेशी आन्दोलन और मेरा राजनैतिक जीवन

पंडित सुन्दरलाल

मुल्क के सियासी नक्षशे में इलाहाबाद की एक खास जगह वन गई. जुदीराम बास, मुजफकरपुर वम दुर्घटना से दो महीने पहले इलाहाबाद आये. उनके बाद रासिवहारी बास, अर्थवन्द बायू के भाई बारीन्द्र कुमार घाष, सूफी अन्वा असाद, अगतसिंह के चचा सरदार अजीतसिंह और लाला हर द्याल आदि नेता बारी-बारी से इलाहाबाद आए. गुप्त सभाओं में उन्होंने हम लोगों से बातें कीं, कार्य-कम बनाया और चलें गये. हम लोगों की यह गुप्त सभायें चौक गंगादास के 56 नम्बर के मकान में हुआ करती थीं. यह मकान मैंन किराये पर ले लिया था. उस जमाने के चौक गंगादास के लड़कों में बड़ी देश भक्ति और निहरता थी. हमारी मीर्टिगों के बक्त वह ऐसा चौकस पहरा बैठा देते कि खुकिया पुलिस की बहाँ पर-छाई तक न फटक पाती.

इजाहाबाद की यह कैंकियत देखकर नरम दली नेताओं की परेशानी बहुत बढ़ गई. मालत्रीय जी ने स्वर्गीय गोखले को निमंत्रमा देकर इलाहाबाद बुलाया. लाल-पाल-बाल (लाला लाजपत राय, बिपिनचन्द्र पाल और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की त्रिमृति को लाग इसी नाम से पुकारतेथे) के व्याख्यानों के असर को वे काटना चाहते थे. बिन्तु खुर्ब मैदान में श्री गोखले का व्याख्यान कराने की हिम्मत नहीं पड़ी. पुराने कायस्थ पाठशाला के हाल में श्री गोखले की मीटिंग हुई. क्रगेब दो सौ आदमी व्याख्यात सुनने के लिये मौजूद थे. मैं भी कीतृहत वश उस मीटिंग में चला गया. मेरी तरफ इशारा करके लोगों ने शिकायत की कि इसी लड़के ने इलाहाबाद में आग सुलगा रक्खी है. गांखले ने मुक्ते अपने पास बुलाया और मुक्तसे वादा लिया कि मैं दूसरे दिन वनसे जरूर मिलूँ. दूसरे दिन डाक्टर सिच्चिदानन्द सिनहा के यहाँ गोखले जी की दावत थी. वहीं मैं पहुँच गया. इसला होने पर श्री गांखले न मुक्ते वहीं बुलाया. मुक्ते देखते ही सब ने एक साथ मेरी शिकायतें शुरू कर दीं. मगर गोखले जी बहुत प्रेम से मुक्तसे मिले. मुक्तसे उन्होंने कहा—"मैं ता तुम्हारे जैस नौबजवानों की तलाश में हूँ. मुक्ते तो तुम्हारे - जैसे ही युवक चाहियें." श्री गोखले से मेरी जो बातें उस अवसर पर हुई उससे मेरे दिल में उनके लिये बेहद इज्जत

سی 1905 کا دیشی آندولی اور میرا راجنیتک جیون

ينتحت سندر ال

ملک کے سیساسی قبقت میں الفآباد کی ایک خاص جکہہ بن گئی ، خوص رام ہوس مطاورور ہم درگھٹنا سے دو مہینے پہلے الفآباد آئئے آن کے بعد راس بہاری ہوس ورفن اروند باہو کے بھائی باریندرکمار گھرھی صونی امیا پرساد بہاس سنکھ کے چچا سردار اجھت سنکھ اور الله عد دیال آدی نیتا باری باری سے الفاباد آئے کہت سبباؤی میں آنھوں نے عم لوگوں سے باتھی کیں کاریہ کوم بنایا اور چلے گئے ، هم لوگوں کی یہ گہت سببائیں چوک گنگا داس کے آئا نسبر کے مکان میں عوا درتی تھیں ، یہ مکان مینے کرایہ پر نے لیا تھا ، اس زمانے کے چوک گنگاداس کے لوگوں میں بڑی دیھی بھائی کو رتت میں بڑی دیھی بھائی اور نذرانا تھی ، عماری میئنگوں کے وقت میں بڑی دیھی بہرہ ببتھا دیتے کہ خفیہ ہواس کی وہاں بہرچانیں تک نہ پھٹک بانی ،

الداران كى يه كيفيت ديكه كر نرم دلى نيتاؤں كى يريشانى بہت بوھ كئى . مااوية جى نے سورگية گوديلے كو نمترن دے كو الدآباد باليا . الل بال-بال-بل (الله راجهت رائه وين جنور يال اور لوکیائیہ بال گنگا دغر نلک کی ترمی مورتی کو لوگ اِسی نام سے یکارتے تھے کے ویاکھیانوں کے اثر کو وسے کاٹناچاھتے تھے۔ گفتو کیلے میدان میں شرمی گوئیلے کا ویاکھیاں کرائے کی هدت نہیں یتی، برانے کئستہ ہائہ شالا کے حال میں شرقی گوکیلے کی میٹنگ هوائے ، قربب دو سو آدسی ویائیدان سلنے کے لئے موجود تھے . مهن به کرهاره اس میتنگ مین چلا گیا ، موری طرف شارہ کر کے لرگوں نے شکایت کی که اِسی لڑکے نے الدایاد میں أى سلكا ركه في كوكيل في معجم أين ياس ياليا أور معجم المعددة لها كم سين دوسرت دن أن سه ضرور ملون ، درسرت دن واکٹر سعدانند سنہا کے بہاں گرکھلے جی کی دورت تھی . وهيں ميں يہنے گيا ، اطلاع هونے پر شرق گوئيلے لے منجھ وهیں بلوایا ، منجهے دیکھتے هی سب نے ایک ساتھ مهری مائيتين شروع د دين ، معر گرگيلے جي بہت پريم سے مجھسے ملے ، معجسے أنهبر لے كهاستورمين تو تمهارے جيسے نوجوانوں کے تالف میں ہوں ، منجھے تو تمہارے جیسے ھی یووک چاھٹیں 😘 شری کرکرلے سے میری حو باتیں اُس اوسر یر ہوئیں اُس سے میرے دل میں اُن کے الیے وحد عوس

A CONTRACTOR

सियासी पद्धति के ऐसे ज़रूरी और लाञ्चमी जुज बन गये थे कि जब 1857 की पहली आजादी को जंग छिड़ी तो इसमें आजाद फीजों ने मुराल बादशाह बहादुर शाह को ही अपना कौमी नेता बनाया, हालाँ कि मुराल बादशाह के पास न तो खजाना ही था और न कीज ही.

भाषा (ज्वान), साहित्य (श्रद्व), विज्ञान (साइंस), दर्शन (फलस फा), कला (श्राट, श्रीर धर्म सम्बन्धी बातों के श्राधार पर हमें यह मानना पड़ेगा कि मुसलमानों और हिन्दुओं ने सिद्यों एक साथ रह कर एक मानना (जज्बा), एक से रहन सहन श्रीर एक सी मिली जुली तहजीब श्रीर कलचर को तरक्की दी. एक से माली (श्राथक ढांचे की बुनियाद पर उन्हों ने मिली-जुली शानदार हिन्दोस्तानी कलचर का महल खड़ा किया. चाहे मुगल बादशाह के मातहत लोगों को देखा जाय या किसी सूबे के नीम श्राजाद सूबेदार के मातहत रहने बालों को, ये लोग रीति-नीति में, सदाचार में, मज़हबी उस्तों में, सियासत श्रीर हुकूमत की बातों में, कला और श्रार्ट में तथा जिन्द्गी के नुक्रते नद्भर में मरोठों, राजपूतों, सिक्खों श्रीर जाटों या दूसरे

हिन्दोस्तानियों से जुदा न थे. ु पुराने जमाने का अगर हम ग़ैर जानिबदारी से अध्य-यन करें तो इम इसी नतीजे पर पहुँचते हैं कि मध्य युग में हिन्दू मुसलमानों के आपसी सम्बन्धों के इतिहास में ऐसी कोई बात हमें नहीं मिलती जिससे बटबारे से पहले के हिन्दास्तान के फिरकेवाराना दगों श्रीर कगड़े-फि साद की जहें हम उनमें खोज सकें, इसके बरखि लाफ उस जमाने की तारीख (इतिहास) सं यह जाहिर होता है कि मध्य युग के मुसलमान शासक बिना भेद्माव के हुकूमत करते थे. वह हिन्दू और मुसलमानों दोनों के साथ एक सा करताव करते थे. हकूमत के मामलों में, आटे और कलवर के मामलों में, अदब और शायरी के मामलों में वह कोई भेद भाव नहीं करते थे. वह हिन्दुओं का, हिन्दू मजहब का, हिन्दू रहन-सहन और आचार-विचारों का, हिन्दू दर्शन श्रीर श्रध्यात्म को बारीकी से देखते और सममते थे और चस पर अमल करने की काशिश करते थे. मसलमान बादशाहीं, सुलतानों श्रीर सूबेदारों के इस रवैये का देख-कर हिन्दोस्तान का आम मुसलमान भी हिन्दुस्ता/नयत की दावदार बन गया. वह हिन्दुस्तान का दम भरने लगा. मुसलिम जनता ने हिन्दू रीति-रिवाजों को अपना लिया. दूसरी तरफ हिन्दुकों की प्राचीन और सच्ची बर्दाश्त या सहन शीलता और विभिन्नता में भी एकता खोज निकालने की जबरद्स्त स्वाहिश ने माहब्बत से बढ़ाये हुए मुसलमा-नों क हाथ को बसी मोहब्बत के साथ क़ुबूल किया. इसका असर यह हुआ कि मुसलमानों ने अपना कलचर स ऐसी

سیاسی پدھٹی کے آیسے ضروری اور الزمی چڑ بن گئے تھے که جب 7-18 ئی بہلی آزادی کی جنگ چہڑی تو آس میں آزاد فرجوں نے منل بادشاہ بہادر شاہ کو ھی اپنا قرمی قاتا بنایا حالانکہ منل بادشاہ کے پاس ته تو خزانه ھی تھا اور ته فرج ھی .

بهاشا (زبان) ساهتیه (ادب) ، وگیان (سائنس) ، درشن (نلسنه) ، کالا (آرت) ، اور دهرم سبندهی باتوں کے درشن (نلسنه) ، کالا (آرت) ، اور دهرم سبندهی باتوں کے ادهار پر همیں یه ماننا پریگا که مسلمانی اور هندوں نے صدیوں ایک ساته رقانو ایک بهاؤنا (جذبه) ، ایک سره رهن مهن اور ایک سی ملی جلی قبذیب اور دلنچر کو ترقی دی ، ایک سے مالی (ارتبک) تمانتی کی بنیاد پر اُنهوں نے ، لمی جلی شانداو هندستانی کلچرکا محل که اِکها، چاهیمنل بادشانه کمانتحت لوگوں کو دیکھاجائے یا کسی صوبے کے نیم آزاد صو بیدار کے ماتحت رہنے والوں کو، یعلوک رفانی ۔ نیمتی، میں سدا چار میں، مذہبی اُصولوں میں، سیاست اور حکومت کی باتوں میں، کلا اور آرت میں نتها زندگی کے نقطه نظر میں مراتهوں، راجهوتون سکھوں اور جاتوں یا دوسرے هندستانیوں سے جدا نه تھے ،

برالے زمانے کا اگر مم غیر جانب داری سے انعین کریں تو هم سی نتاجے پر پہنچتے هیں که مرهبه یک میں هندر مسلمانیں کے آیسی سمبادھوں کے اتہاس میں ایسی کوئی بات ھمیں نہیں ملتی جس سے بٹوارے سے بہلے کے هندومتان کے فرفیہ وأرائه دنگه اور جهارت نسان می جزین هم أن میں تهوج سکیں ا اِس کے بردالف اُس زمالہ کی تاریخ (اِنہاس) سے یہ ظامر ہودا ہے کہ سرھیہ یک کے سسمان شاسک بنا بھید بھاؤ کے حکومت کرتے تھے ۔ وہ ھندو اور مسلمانوں دونوں کے ساتھ ایک سا ہوائی کرتے تھے۔ حکوست کے معاملیں میں اُرات اور المجر کے معاملوں میں ادب اور شاعری کے معاملوں میں ولا كوئى بهيد بهاؤ نهيل كرتے تھے ، ولا هندوں كو مدو مذهب كوا هندو رهي سين اور اچار ، وچارون دوا هندو درشي اور ادھیام کو بازیکی سے دیکھتے اور سمجیتے تھے اور اُسی پر عمل كرنے كى دوشكى كرتے نهے ، مسلمان بالشاعوں سلطانوں أور صوبهداروں کے اِس رویے کو دیکھ کر هندوستان کا عام مسلمان به منستانیت کا دعریدار بن کیا . وه عندستان کا دم بهرنے لگا، مسلم جنتا لے هندو ریت رواجوں کو اینا لیا ، دوسری طرف هندوں کی براچھن اور سچی برداشت یاسون شیلتا اور وبهنتا میں بھی ایکا کھوے ٹکاللے کی زبردست خواعش نے محبت سے بوعائے ہونے مسلمانوں نے ہاتھ کو اُسی محصبت کے ساتھ قبول کیا ، اِس کا اثر یہ ہوا کہ صداماتین نے اپنی کلچر سے ایسی [باقى منحه 271 ير]

[बाक्रो सफा 271 पर]

में हमें सिफ कुछ शासकों की हुकूमत में बोड़ी बहुत कहृरता या ज्यादती की मिसालें मिलती हैं. और इन शासकों के बारे में भी यह साबित किया जा सकता है कि उनकी ज्यादतियों की वजह कुछ और ही थी और उनका बार भी थोड़े से लोगों को ही सहना पड़ा.

कई घटनाओं से यह सावित होता है कि धार्मिक मत-भेद का ज्यादा असर नथा. मिसाल के तौर पर आगर ब्योहदों की ही बात ले ली जाय तो यह साफ है कि मुसल-मान बादशाहों के यहाँ हिन्दू ऊँचे से ऊँचे श्रोहदों पर मुकरेर किये जाते थे. बग्नैर हिन्दुकों की सलाह के मुसल-मान हाकिम एक कृदम भी न चलते थे. श्रीरंगजे व ऐसे बादशाह के बड़े से बड़े जनग्ल भी राजपूत राजा थे, मह-मूद ग्रजनबी ने ख़रासान जीतने के लिये अपने जिस जनरत को भेजा वह तिलक नाम का एक त्राद्याण था. हम देखते हैं कि उस समय की आपसी लढ़ाई में हिन्दुओं और मुसलमानों की अलग अलग मजहबी हैसियत से कभी लढ़ाई नहीं हुई. मुसलमान सुलतानों के हिन्दू सेना-पति और हिन्दू राजाओं के मुसलमान सेनापित अपने ही मजहब बाजों से लड़ते हुए नजर आते हैं, इतिहास में ऐसे हिन्द और मुसलमानों के सैकड़ों क्रिस्से भरे पड़े हैं जहाँ दोनों ने अपने मालिकों की तरफ वफादार रहकर अपने ही मजहब बालों के साथ भंयकर तदाई लड़ी. ऐसी भी मिसालें हैं कि जहाँ हिन्दुओं के साथ हिन्दुओं ने द्रााबाजी की है और मुसलमानों ने मुसलमानों के साथ. असली बात सा यह है कि उस समय जाती अहसानों का ही सबसे क्यादा असर पदता था, न कि कौम, मजहब या मुल्क का. पस जमाने की बकादारी की भावना (जजवा) सिर्फ दो शब्दों में जाहिर होती है- 'नमक हलाल' और 'नमक हरास'.

यह भी याद रखना चाहिये कि हिन्दोस्तान के मुसल-मान हाकिमों ने, बाहे वह जहाँ से आये हों, दर अस्त हिन्दोस्तान को ही अपना घर बना लिया था. बाबर कर-राना से आया और वह कभी कभी समरक़न्द लौटने के मीठे सपने भी देखता था. लेकिन बाबर और उसकी श्रीलाद इसी मुस्क में रहीं. क्रिसमत उन्हें यहाँ खींच लाई और हिन्दोस्तान के बाहर से सारे नाते-रिश्ते उन्होंने तोड़ लिये. उनके अपने बतन में उनके खानदान के अनिगनत दुश्मन थे जो मौका पाते ही उनका सब कुछ छीन लेने पर उनक् थे. ऐसी हालत में उन्हों ने हिन्दोस्तान की जनता की जिन्दगी में अपने आपको मिला-खा दिया. हिन्दुस्तान की जनता की जिन्दगी के साथ उन्होंने हमदर्शे दिखाई और उनके मुख दुख में सक्चे साथी बने. यह काई छाटी बात नहीं है. मुगल बादशाह हिन्दोस्तान की समाजी और میں میں مرف کھی فاسمی کی معرضی میں تیوری یہت گلوتا یا زیادتی کی مثالیں ملتی ہیں ، آور اِن شاسکوں کے بارے میں بھی یہ ڈیت کھا جا سکتا ہے کہ ان کی زیادتیوں کی وجه کچھ آور هی تھی آور آن کا وار بھی تھوڑے سے لوگوں کو هی سہنا ہوا ،

کئی گیتناوں سے یہ ثابت ہوتا ہے کہ دھارمک مت بھد ا زیادہ اثرتہ تھا ، مثال کے طہر پر اگر عہدوں کی ھی بات لے لی جائے تو یہ صاف ہے کہ مسلمان بادشاہوں کے یہاں ہندو أونج سے اوندی عهدوں پر مقرر کاے جاتے تھے ، بنیر هندوں کی صالح کے مسلمان حائم آیک قدم بھی ته چلتے تھے ، اورنگزیب ایسے بادشاہ کے بڑے سے بڑے جنرل بھی راجیوت راجا تھے۔ محمود فزلری نے خواسان جیتنے کے اللے اپنے جس جنول کو بهیجها و ا تلک نام کا ایک براهدن تها ، هم دینیت هیس که اُس سبے کی آیسی لوائی میں ہندوں اور مساماتوں کی آنگ آنگ مذهبي حيثيت سے كبھى لوائى نہيں ھوئى ، مسلمان سلطالوں کے هندو سینایتی اور هندو راجاؤں کے مسلمان سینایتی اپنے ہی من من من والول سے اوتے عوالے نظر آتے هيں . اِنهاس ميں ايسے مادو أور مسلمانوں نے ساعتوں قصم بھرے بڑے میں جہاں دونوں نے اپنے مالکیں کی طرف وفادار رہ کر آپنے ھی مذھب والس کے ساتھ بھیلکر ترائی لڑی ، ایسی بھی مثالیں ھیں که جہاں 'ھلدؤں کے ساتھ ھلدؤں نے دغابازی کی کے اور مسلمانیوں نے مسلمانوں کے سابھ ۔ اصلی بات تو یہ ہے کہ اُس سے ڈانی احسائس کا هی سب سے زیادہ اثر پڑتا تھا' نہ کی قرم' مذهب یا ملک کا ، اُس ومالے کی واداری کی بھاؤٹا (جذبہ) صرف دو شبدول میں طاهر هوتی هے۔ انیک حال اور انیک حرام م

بہ بھی یاد رکھنا چاھٹے تھ ھندستان کے مسلمان حاکموں نے واقع و جہاں سے آئے ھوں دراصل ھندسان کو ھی اپنا گہر بنا لیا تھا ، یاہر فرغانہ سے آیا ارر وہ نبھی کبھی سموقند لوڈنے کے میٹھے سیلے بھی درعیتا تھا ، لیکن باہر ارر اس کی اولاد اِسی ملک میں رھیں ، قسمت اُنھیں یہاں گہنچ لائی اور هندستان کے باعر سے سارے ناتے رشتہ آنھیں لے توڑ لئے ، اُن کے هندستان کے حاندان کے انگانت دشمن تھے جو موقع پاتے ھی اُن کا سب کچھ چھین لیاہ پر آنارو نھے ، ایسی حالت میں اُنھیں نے عدستان کی جنتا کی زندگی میں اید آپ کو میں اید آپ کو میں انہوں نے معدودی دکھائی اور اُن کے سات دی میں حجے ساتھی بلے ، یہ معدودی دکھائی اور اُن کے سات دی میں حجے ساتھی بلے ، یہ قوئی جھیور اور

रामायगा के मशहूर लेखक गोस्वामी तुंलसीवास जी ने

जित देखीं तित तोय। काँकर, पाथर,ठीकरी सब में देखूँ तोय।।

अल्लाह कहाँ नहीं है ? वह हर जगह है और कहीं भी नहीं है! वही मुरत में है और वहीं पुजारी में भी है. वही इक्क़ में भी है और वहीं इसलाम में भी है! वहीं हिन्दुओं में भी है और वहीं मुसलमानों में भी है! इनसान ने अपनी कम अल्ली की वजह से दुई का परदा डाल रक्खा है इसीलिये वह अपने गुरूर में यह सममने लगा है कि अल्लाह यहाँ है और वहाँ नहीं है, वह इसलाम में है और इक्क़ में नहीं है.

पेसी बहुत सी मिसाले आसानी से दी जा सकती हैं कि हिन्दुस्तान में इसलाम ने हिन्दुओं की पूजा के तरीक़ों से बहुत सी बातें अपने अन्दर शामिल कर ली हैं. माला, प्राणायाम, योगाभ्यास, वेदान्त, फ्लसफ़ा—सब इसलाम में शामिल हो गये. हिन्दू मजहब और इसलाम के संगम को ही 'त्रेम धर्म' या 'मजहबे इश्क ' के नाम से पुकारा गया. यहाँ उसकी तकसील में जाने की जरूरत नहीं है. इतना ही कह देना काफी है कि बिना .खास कोशिश के ही यह दानों मजहब आसानी से एक दूसरे से मिल जुल गये. कबीर, नानक, दादू, पैतन्य, तुकाराम, शाह कर्लंदर, बाबा फरीद, चिश्ती और दूसरे सूफी सन्तों ने कामयाबी के साथ हिन्दोस्तान की जनता में एक ऐसा धर्म फैला देने की कोशिश की जिसमें हिन्दू-मुसलमानों, दोनों की मजहबी खिबयाँ शामित थाँ.

मध्य युग के धार्मिक साहित्य (अदव) से, चाहे वह मुसलमानों का हो या हिन्दुओं का, पढ़ने वाला उसके आजादाना तक्षते नजर और उदार दृष्टि से जरूर प्रभावित हो जावेगा . हिन्दुकों और मुसलमानों क्षेनों ने यह महस्रस कर लिया था कि ऊपरी रीति रिवाजों, रुद्वियों और कर्म-कांडों और पूजा और परिस्तिश के बाहरी ढँगों में बाहे जो .फर्क हों, मजहबी जिन्दगी की भीतरी और बुनियादी सचाई दोनों में एक सी थी. इसीलिये मध्य युग के सुफी सन्तों ने हिन्द धर्म और इसलाम के बाहरी तरीक़ों को शहमियत न देकर उनकी भीतर की सुन्दरसा पर ही जोर दिया, यही वज्ञह है कि उस जमाने के हिन्दू और मुसलमान दास्ती चौर माहब्बत के साँचे में ढल गये. दोनों के लिये एक ही मुल्क, एक ही राज, एक ही शहर, एक ही मोहल्ले, और और एक ही गली में मित्रता और शांति से रहना सुनिकन हो सका. दोनों मजहबी तास्युव को कम करने में कामयाब हुए, पूरे एक हुजार वर्ष के मुश्तरका (सम्मिलित) इतिहास

رامائی کے مشہور لیکھک گرسوامی تلسی داس جی لے اکھا ہے:--

جعت دیکھوں اتت توٹے گائکر کیاتور گھیکری سے میں دیکھوں توٹے۔

الله كہاں نہيں ہے آ وہ هو جكہہ ہے اور كہيں بھى نہيں ۔
ہے آ وهى مورت ميں ہے اور وهى يوجارى ميں بھى ہے ، وهى كنو ميں بھى ہے اور وهى آسلم ميں بھى ہے آ وهى هندوں ميں بھى ہے آ انسان نے آپنى ميں بھى ہے آ انسان نے آپنى كم عقلىكى وجه سے دوئى كا يوده قال ركها ہے آور وهاں نہيں ہے وہ ميں به سمجينے لكا ہے كه الله يہاں ہے آور وهاں نہيں ہے، وہ آسلم ميں ہے اور كنر ميں نہيں ہے .

ایسی بہت سی مثالیں آسائی سے دبی جا سکتی ھیں کہ ھندستان میں اِسلام نے ھندوں کی پوچا کے طریقوں سے بہت سی ہاتیں آپنے آندر شامل کو لی ھیں۔ مالا پرانا یام پوکا بھندو ہیں ویدانت فلسنہ سب اسلام میں شامل ھو گئے۔ ھندو مذھب اور اِسلام کے سنکم کو ھی 'پریم دھرم' یا 'مذھب عشی' کے نام سے پکارا گیا ، یہاں اُس کی تفصیل میں جانے کی فرورت نہیں ھے ، اِتنا ھی کہہ دینا کافی ھے کہ بلا خاص کوشش کے ھی یہ دونیں مذھب آسائی سے ایک دوسرے سے مل چل گئے ، کبھر' قانک' دادو' چیتن' تکارام' شاہ تلندر' 'بایا فرید' گئے ، کبھر' قانک' دادو' چیتن' تکارام' شاہ تلندر' 'بایا فرید' چشکی اور دوسرے صوفی سنتوں نے کامیابی کے ساتھ ھندستان کی جنتا میں ایک ایسا دھرم پھلا دینے کی کوشش کی جس میں ھیدو مسلمائوں' دونوں کی مذہبی خوبھاں شامل

مدھیہ یک کے دھارمک ساھتیہ (ادب) سے چاتے وہ مسلمانوں کا عبا ما ھندوں کا پڑھنے والا اُس کے اُزادانہ نقطے نظر اور اُدار درشتی سے ضرور پربھارت ھو جارے گا ، ھندوں اور مسلمانوں دونوں نے یہ محسوس کر لیا تیا دہ اُوپری سریے رداجوں ، ردرھیوں اور اور کرم کانقوں، اور پوجا کے اور پرستھی کے باھری تھنگوں میں چاتے جو فرق ھوں ' منھیی زئدگی کی بھیتری اور بلیادی سچائی دونوں میں ایک سی تھی ، کی بھیتری اور بلیادی سچائی دونوں میں ایک سی تھی ، کے باھری طریقوں کو اھیت نے درے کر اُن کی بھیتر کی سادرتا اِس لئے مدھیوں کو اھیت نے درے کر اُن کی بھیتر کی سادرتا پر ھی زور دیا ، یہی وجہہ ہے کہ اُس زمانے کے ھندو اور مسلمان پر ھی زور دیا ، یہی وجہہ ہے کہ اُس زمانے کے ھندو اور مسلمان بر مسلمان اور مسلمان اور مسلمان اور شانتی سے رہنا میکن ھی مسلم اور ایک ھی شہر ایک ھی مصلے اور ایک ھی کی میں متونا اور شانتی سے رہنا میکن ھو سکا ، دونوں منھی تعصب کو کم کرلے میں کامیاب عوثے ، سکا ، دونوں منھی تعصب کو کم کرلے میں کامیاب عوثے ،

चन्होंने .करीब-.करीब सभी मशहूर हिन्दू पंथों का .कारसी में तरजुमा कर बाला. उपनिषद, महाभारत, रामायन, मगबदगीता, धर्मशास्त्र, पुराग्ण, योगबशिष्ट, योगसूत्र, वेदान्त-शास्त्र आदि सभी पंथों के .कारसी में तरजुमें किये गये.

इनके बाद के लेखकों में शेख बहमद .फारूकी (1563-1624 जोकि मुजा(इद-अलीक-ए-सानी के समान ही मश-हूर है और मिर्जा जान जानान मजहर (1699) के नाम लिये जा सकते हैं. मजहर साहब ने हिन्दु पां का मूर्ति पूजा के बारे में लिखा है —

"मूर्ति पूजा—मुसलमान सूफियों की ज्यान और साधना यानी 'जिक ' के समान ही है. इसलाम के पहले अरब के बाशिन्दों के विश्वास से इस मूर्ति पूजा की कोई समानता नहीं है, अरब के बाशिन्दे सममते थे कि मूर्तियों ही में .खुद शांक और असर भरा हुआ है. वे महज परमारमा को पाने का ज़रिया मात्र नहीं हैं, जबकि हिन्दुस्तान के मूर्ति पूजक मूर्ति यों को अस्लाह तक पहुँचने का सिर्फ एक जरिया मानते हैं."

इतना ही न था. एक ओर मुसलमान आलिम अपनी छान-बीन और दलीलों के जरिये दिन्दू अध्यारम और फलसफे का समझने की काशिश करते थे ता दूसरी और उसे फलसके की अपनी जिन्दगी में उतार कर उसका अध्यास करते थे. 'गुलशने राज' के मशहूर लेखक महमूद शिक्सारी (1317) ने बुतपरस्ती के बारे में लिखते हुये इसलाम से उसका मेल और उसकी बराबरी इस तरह समझ ई है:—

"मूर्ति इस दुनिया में मोहब्बत और एके की तस्बीर स्वींचकर रख देता है. जुन्नार या जने अ पहनने का क्या मतलब है ? जनेक पहनन का मनलब यह है कि जनेक पहनने बाला तान तरह का खिदमता (सेश) का अहद लेवा है-(1) अपने माँ बाप और खानदान की खिद्र-मत (2) जनता की खिद्मत और (3) अल्लाह की खिद्मत, जनेक के तीन तागे इन्ही तीन तरह का से अश्रों का याइ दिलाते हैं. 'कुफ़' हो चाहे 'दीन' दानों का मकसद शब्लाह तक पहुँचना है, मूर्ति पूजा कहती है कि ईश्वर एक है अगर मुसलमान यह समभ ले कि मृति क्या है ता वह यह भी समम जायगा कि मृति पूजा भी अल्लाह तक पहुँचन का जरिया है: और यदि मृति पूजक जान ले कि मृति क्या है तो वह ईश्वर के रास्ते से कभी न भटकेगा. मृति के पुजारी ने मूर्वि को सिर्फ बाहर से देखा इसीलिये वह 'काफूर' हा गया और मुसलमान ने भी मृति को छि.फ बाहर से देखा इसीलिये वह भी मृति के राज (रहस्य) को न समक सका और इन्साफ, की के से अपने मजहब से €ट गया.

ان کے بعد کے ایم کہ میں شیم احمد فاررتی (1624-1563) جو که مجادد الیف الم ، ثانی کے سدان هی مشہور ہے اور مرزأ جان جانان مشہر (1699) کے نام نام جا سکتے هیں ، مظہر صاحب نے هادؤں کی مورتی پوجا کے بارے میں لتھا ہے ۔۔۔

المورتی پوجاسسسلمان صوندوں کی دھیان اور سادھنا یعنی الفکو کے سمان ھی ھے ۔ اِسلام کے پہلے عرب کے باشندوں کے وشواس سے اِس مورتی پوجا کی کوئی سمانتا نہیں ھے ، عرب کے باشادے سمجہتے نہے کہ مورانیوں ھی میں خود شکتی اور اثر بھوا ھوا ھوا ھوا ھو اید کا ذریعہ ماتر نہیں ھے جبکہ ھادستان کے مورتی پوجک مورتیوں کو اللہ تک پہنچنے کا صوب آیک ذریعہ ماتتے ھیں ۔''

ائلا ھی تم تھا ۔ ایک اور مسلمان عالم اپنی چھان بھن اور دایلوں کے ذریعہ ھادو ادھیاتم اور ذاسفے کو سمجیلے کی کوشش کرتے تھے تو دوسری اور اس ناسفے کو اپنی زندگی میں انار کو اس کا ابہماس کرتے تھے ۔ 'گلشن راؤ' کے مشہور لیکھک محتصود شیستاری (1317) لے بحث پرستی کے بارے میں لکھنے ھوئے اسلم سے اس کا میل اور اس کی برابری اِس طرح محجہانی ہے :---

"مورنی اِس دنیا میں محبت اور ایکے نی نصوبر پینیے کو رکھ دیتی ہے ، زنار یا جن و پہنیے کا کیا مطلب ہے آ جنیؤ پہنیے کا مطلب ہے آ جنیؤ پہنیے کا مطلب ہے آ جنیؤ (میوا) کا عبد لیتا ہے ۔ (1) اپنے ماں باپ اور خاندان کی خدمت ، جنیؤ خدمت (2) جنتا کی خدمت آور(3) الله کی خدمت ، جنیؤ کو نین بائے اِنھیں تین طرح کی معواؤں نی باد دلاتے عیں "کمونی ہو جائے گئی ہے تہ ایشور ایک ہے ، اگر مسلمان یہ سمجھ لے کہ مورتی کیا ہے تہ ایشور ایک ہے ، اگر مسلمان یہ سمجھ لے کہ مورتی کیا ہے تو وہ یہ بھی سمجھ جائے گ کہ مورتی پہنا بھی الله تک پہنچنا کا ذریعہ ہے اور بدی مورتی پوجا بھی کہ مورتی پوجا بھی کہ مورتی کو جان لیے کہ مورتی کی جان لیے کہ مورتی کیا ہے تو وہ آیشور کے راستے سے کبھی تم بیٹکے گا ، مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اِسی لئے وہ 'کفر' ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اِسی لئے وہ 'کفر' ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اِسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اِسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اُسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اُسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اُسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اُسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اُسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے دیکھا اُسی لئے رہ ہو گیا اور مسلمان نے بھی مورتی کو صرف باہر سے اُلی رہ سے اپنے مذہب سے ہو گیا اور اسلمان نے بھی مورتی کو رہ سے اپنے مذہب سے ہو گیا اور اسلمان نے بھی مورتی کو رہ سے اپنے مذہب سے ہو گیا اور ایک اُلی دیا ہو سے اپنے مذہب سے ہو ہو سے اُلی دیا ہو سے اُلی مؤلی دیا ہو سے اُلی د

हिन्दुस्तान भीर इसलाम

डाक्टर सयब महमूद

इसलाम के दुश्मनों ने, जिनमें .सास तौर पर यूरोप के इतिहास लेखक हैं, इसलाम को बदनाम करने की भरसक कोशिश की है. उन्होंने इसलाम के खिलाफ हर तरह का मूठा प्रचार किया है. इस प्रचार का नतीजा यह है कि रौर मुसलिम दुंनया का .करीय-करीब इस बात का यकान हो गया है कि इसलाम कठमुल्लापन, तास्सुव, मारकाट श्रीर .कलेकाम का प्रचार करने वाला मजहब है, हाँलाकि सचाई इसके बिलकुल ख़िलाफ है, यह सही है कि मौलवियों का एक तबका ऐसा या जो इसलाम को सबसे ऊँचा मजहब मानता था, लेकिन ऐसे मुमलमानों की भी कोई कमी न थी जो सब मजहबों में सचाई ढूदने की बराबर कोशिश करते रहते थे. ऐसे मुखलमानों की भी कभी न थी जो सब मजह-बों में बुनियादी सबाई केदर्श न करते थे और चाहते थे कि सब मजहब मिल जुल कर रहें. ऐसे भी बेशुमार मुसलमान फ्कीर भीर सुफी थे जो अल्लाह के रास्ते पर सिफ् सचाई का ही सहारा लेकर चलते थे. ये .फक़ीर और सूफी कहते थे कि अलग अलग मजहब अल्लाह तक पहुँचने के महज अलग भलग रास्ते की तरह हैं जिनका मक्सद एक उसी अल्लाह सक वहुँचना है. ऐसे बहुत से मुसलमान दरवेश और उपा-सक थे जो बिना किसी भे द माथ के हिन्दु श्रों और मुसलमानों, श्रमीरों और रारी कों सबको परमात्मा के एक ही रास्ते पर. यानी नेकी और संचाई के रास्ते पर चलने का उपदेश देते थे.

मूरोप वालों ने तो बहुत बाद में आजादी के साथ मुख्-निलफ कर के किन्नान कर के विद्या जारी की और बहुत से आलम हुए हैं जिन्हान अपना कताबां में खालस महत्व को कसीटी मानकर ग्रेर जानिबदारी (निष्पक्षता) के साथ मुख्तलिफ मजहबों के एक से बुनियादी उस्लों पर रोशनी डाली है, इनमें सबसे मशहूर विद्वान और आलिम मबू रेहान धलबेखनी थे. उन्होंने ग्यारहवी सदी म तफनील के साथ हिन्दू मजहब, हिन्दू फलसफे, और हिन्दू शास्त्रों पर लिखा है.

्नदुरान के में ले समाने में जिमे 'मध्ययुव' कहा जाता है, दिनदुओं के धार्मिक सादस्य का पढ़ने आर सम-मने के लिये मुसलमान विद्वानों ने बड़ी मेहनत का है.

هندستان اور إسلام

قاكثر سيد محصود

اِسلام کے دشمنوں کے جن میں خاص طور پر بورتھ کے اِتهاس لهکهک هیں؛ اِسلام کو بدنام کرنے کی بهرسک کشش الى هـ ، أنهور في إسلام كي خلف عر عارج كا جهوتا پرچار كيا ربب إس بات كأ يقين هو كيا هـ ته إ الم كله مالين تعصب مار کات اور قتل عام کا پرچار کرنے والا سنھب ھے ، حالانکه سجائي إس كے بالكل دلاف هے يه صحيم هے كه مواويس كا ایک طابقه ایسا نها جو اسلم کو سب سے اُرنسچا مذهب مانتا ھا' ليکن أيسے مسلمانوں کی بھی کوئی کمی ته تھی جو سب مذهبوں میں سچائی ڈھرندھیے کی برابر لوشش کرتے رہتے نهے ، ایسے مسلمانی کی بھی کسی نے تھی جو سب مذهبوں سیں بنیاسی سچائی کے درشن کرتے تھے اور چاھٹے تھے که سب ستمب مل جل كر رهين . أيسم بهي يرشمار مسلمان فقهر أبر موفی نہے جو اللہ کے راستے ہر صرف سجائی کا هی سہارا لے کر چلتے تھے ، یہ فقیر اور صونی کہتے تھے که آلگ آلگ مذھب لله تک بہنچنے کے مصض الگ انگ راستے کی طرح میں بن كا متصد ايك أسى الله تك يهندنا ه . أيس بهت عه سلمان دردیش اور آواسک تیے جو بنا کسی بھید بھاؤ کے نلدون أور مسلمانون اميرون أور غريبون سڀكو يرماتما كے ايك عی راستے پر ایمنی نیکی اور سچائی کے راستے پر چلنے کا اُپدیش ن پلے تھے ۔

پورپ والوں نے تو بہت بعد میں آزادی کے ماتھ منعتلف دھرموں کی چھان بھن قرنے کی ودیا جاری کی اور وہ بھی سرف اِنے گئے لئے لئے ایکی مسلمانوں میں ایسے بہت سے عالم ہوئے ھیں جنھوں نے اپنی کتابوں میں خالص عقل کو لسوئی مان کر غیر جانبداری (نشهکشانا) کے ساتھ مختلف مذھبوں کے ایک سے بنیادی اصواوں پر روشنی تألی ہے ، اِن میں سب سے مشہور ودوان اور عالم آبوریتان البھرونی تھے ، اِن انہوں نے گیارہوں صدی میں تفصیل کے ساتھ هندو مذھب اُنھوں نے گیارہوں صدی میں تفصیل کے ساتھ هندو مذھب اُنھوں نظمور ودوان پر لکھا ہے .

هندستان کے منتهلے زمالے میں جسے اسمیدیک، کیا جانا ہے، عادوں کے معارفک ساعتیہ دو پڑھیے اور سیجھنے کے لئے معانت کی ہے۔

عرب کی کلیورا سیدا اور اسلم

लिये चाज तक 'दिश्व बाटि हा' या बारो दुनिया' (Garden of the world) के नाम से मराहूर है. इतिहास लेखक सर विलियम न्यार के सुताबिक :--

'भैसोपोटामिया का यह कुल दोश्राव सदा से अरव बद्भों से ही आवाद रहा है और काल्डिया और दिक्सनी शाम दर अस्ल अरव के ही हिस्से हैं. इस प्रदेश में रहने वाले क्रबीले, जिनमें उस समय कुछ प्रचीन मृतिं पूजक वे और अधिकतर कम से कम कहने के लिये ईसाई थे, अरव जाति के मजबूती से जुड़े हुये अंग थे और इस हैसियत से नए अरव धमें यानी इसलाम के दायरे में शामिल थे." %

अरब के ये दोनों प्रान्त शाम और इराक सांद्यों से पिन्तम की रोमी हुकूमत और पृरव की ईरानी शहनशाहि-यत के मातहत के जाते थे, इसी प्रदेश में इन दोनों विशाल बादशाहतों की सरहदें एक दूसरे से मिलती थीं. सन 527 ई० के बाद से इन दोनों बादशहतों में पूरे सौ बरस तक लगातार जंग दोवी रही जिनमें कभी ईरानी विजेवा यूरोपीय महाद्वीप के अन्दर तक अपनी सस्तनत बढ़ा ले जाते थे और कभी रोमी सेना फिरात के किनारे तक आ पहुँचती थी. सरहद के इन प्रदेशों की क़िस्मत बार बार बद-ज़ती रहती थी. ठीक इस समय पूरा शाम और इराक का इस्तर-पच्छिमी भाग रोम के मातहत या और बाक़ी इराक ईरान के अधीन जबकि दक्खिन के रेगिस्तानी अरब क्रबीलों ने मोहम्मद साहब ही के वक्त में अपना नाता मदीने की नई कौसी सरकार के साथ जोड़ लिया था शाम और इराक का चरखेज अरब इलाका बिदेशियों के कुन्जे में था और वहां की करव प्रजा गुलामी के दिन काट रही थी.

ऐसी सियासी कैफियत में धरब की नई क़ौमी सरकार के नेताओं की विदेशियों की गुलामी में आहें भरते हुए इस धरब इलाके, को गुलामी से छुड़ाकर मदीने के साथ मिलाने की खाहिश एक कुद्रती और जायज खाहिश थी. लेकिन इससे भी ज्यादा गहरे सबब थे जिन्होंने अनुबक और इस के सलाहकारों का इराक्त और शाम की राजनीति में दखल देने और ईरान कीर शाम की जबरदस्त और ताक्रतवर बाद-शाह्सों से लोहा लेने पर मजबूर कर दिया.

[बाक्री अगले नम्बरों में]

الله أي نك 'رهو باليكا' يا 'باغ دنيا' Garden of the) الله الله مهرو كل world) كا نام من مهرو ها إنهاس ليكك سرولهم مهرو كل مطابق :—

"مهسو پرتامیا کا یہ کل در آپ مدا سے عرب بدوں سے هی آب رها شے اور کالیدیا اور دکھنی شام دراصل عرب کے هی حصیہ هیں واسی پردیش میں رهنہ والے تبدئے جن میں اس سمیہ پراچین مورتی پوچک تھے اور ادھکٹر کم سے کم کہنے کے ائے عیسائی تھے عرب جاتی کے مقبوطی سے جرے ہوئے انگ تھے اور اس حدثیمت سے نئے عرب دھرم یعنی اِسلام کے دائرے میں شامل تھے ." ع

مرب کے یہ دوئوں پرانت شام اور امراق صدیوں سے پچھم ماتھ رومی حکومت اور پورب کی ایرانی شہنشاهیت کے ماتھت چلے آتے تھے، اِسی پردیش میں اِن دوئوں وشال بادشاهتوں کی سرحدیں ایک دوسرے سے ملتی تیوں، سن بورے سو بوس تک لگانار جنگ ہوتی رهی جن میں کبھی ایرانی بوری مہاںیپ کے اندر تک اپنی سلطنت بڑھا لے جاتے اور کبھی اوسی کے اندر تک اپنی سلطنت بڑھا لے جاتے اور کبھی اوسی مردیشوں کی قسمت بار بار بدلتی رهتی تھی ، شرحد کے اِن پردیشوں کی قسمت بار بار بدلتی رهتی تھی ، قولک اوس سے پررا شام اور اعراق کا ازر پچھمی بھاگ روم کے ماتھت تھا اور باقی اعراق ایران کے ادمیں ، جب که دنین ماتھت تھا اور باقی اعراق ایران کے ادمیں ، جب که دنین ایکا ناتا مدینے کی نشی قومی سرکار کے ساتھ جوڑ لیا تھا شام اور اعراق کا زرخیؤ عرب عاقه ودیشیوں کے قبضے میں تھا اور وہاں اوراقی کا زرخیؤ عرب عاقه ودیشیوں کے قبضے میں تھا اور وہاں کی عرب پرجا غالمی کے دن کات رهی تھی .

ایسی سهاسی کیفیت میں عرب کی نئی قومی سوکار کے فیڈاؤں کی ودیشهوں کی فلامی میں آهیں بهرتے هوئے اِس عرب علاقے کو فلامی سے جهزا کو مدیئے کے ساتھ ملئے کی خواهش آیک قدرتی اور جائز خواسش تھی ، لیکن اِس سے بھی زیادہ گہرے سبب تھے جانوں نے ابوبکر اور اُس کے صلاح کاروں کو اعراق اور شام کی رابے نیکی میں دخل ہینے اور ایران اور روم کی وبودست اور طاقتور بادشاہتوں سے لوہ ایشے پر مجبور فردیا ،

[باقى الله نسيروس ميس]

फिर से धुरासन कायम किया. ग्रंज बह कि बारह महीने के अन्दर राज भर में फिर से शान्ति, अमन और व्यवस्था कायम होगई. जिन बागियों ने खुद अधीनता स्वीकार कर ली अबुवक ने उनको माफ कर दिया.

[6]

श्रव हम श्ररव के भूगोल (जुगराफिया) की श्रोर एक नजर डालना चाहते हैं. अगर अरब में वह सब इलाका शामिल किया जाबे जो भौगोलिक लिहाज से साफ साफ श्चरब के जजीर में शामिल है, जिसमें श्चरब जाति के लोग बसते हैं और जहाँ अरबी भाषा बोली जाती है, तो अभी तक अरब का एक बहुत बड़ा और जरखेज इलाका मदीने की क्रीमी सरकार से बाहर और विदेशियों के क्रब्जे में था. व्यगर हम व्यरव की भौगोलिक सरहर्वे मुक्तर्रर करना चाहें तो ईरान की खाडी से लेकर हिन्द महासागर. लाल समद. स्वीज नहर तक तीनों श्रोर का समुद्र तट, उसके बाद एसर में लेबेनान पर्वत में मिला हुआ रूम सागर का किनारा श्रीर उपर जाकर होटी होटी पहाड़ियों का वह सिलसिजा जो पशिया कोचक से शाम की अलग करता है और दजला और फिरात नाम की बड़ी निदयाँ जो इन पर्वतों से निकल कर एक दूसरे के बराबर बगबर बहती हुई, गंगा और जसूना की तरह एक दूसरे में मिलकर ईरान की खाड़ी में जा गिरती हैं, या दजले से पूरव की वे पहाड़ियाँ जो आजकल इराक्ष-अरबी को इराक्त-अजभी से अलग करती हैं, अरब की कुद-रती भौगोलिक सरहदें हैं. इसके सिवाय अरब की कोई दसरी सरहदें मुक़र्रर की ही नहीं जा सकतीं. ईरान की खाड़ी के पच्छिम के प्रदेश बहरैन को बसरा के मैदान से अलग करना जबकि दोनों के बीच कोई भौगोलिक रेखा नहीं है और दोनों में सिद्यों से एक ही क़बीलों के लोग आबाद चले चाते हैं, या शाम के रेगिस्तान को नच्द के रेगिस्तान से अलग सममना क़दरती हद बन्दी के उसलों के खिलाफ एक बेडन्साफी होगी.

द्जला और फिरात का दो आब 'मैसोपोटामिया' या 'इराक्त' के नाम से मशहूर हैं. पुराने इतिहास में इसी इलाक़े को सुमेर या वैवीलोनिया (बाबुल, कहा गया है. इस का अधिक दिक्खनी माग 'काल्डिया' या 'अल्द कहलाता है. का-ल्डियाके उत्तर में बाधुल औरअसुरिया के बहुत पुराने देश हैं. दजला और फिरात की नहरों का हजारों वरस पुराना सिल-सिला इस समय तक केवल अपने अवशेषों द्वारा संसार के निर्माण कला-विशारदों को चिकत करता रहा है. उत्तर में शाम (सुरिया) संसार की सम्यता का लगमग उतना ही प्राचीन और उतना ही मशहूर केन्द्र रह चुका है. काल्डिया का प्रदेशक पने विल को लुभाने वाले नजारों और सरसक्जी के پہر سے سوشانس قایمگیا، فرض یہ کہ بارہ مہیلے کے الدر رأے بھر میں پھر سے شائلی' امن اور ویوستیا تایم مو کئی ۔ جن باتیون نے خود ادھینتا سویکار کو لی ابوبکر نے اُن کو معاف کو دیا ۔

[6]

اب م عرب کے بھوگول (جنرانیه) کے اور ایک نظر قالنا چاها، هين . أكر عرب مين وه سب علقه شامل كيا جارم جو بھوگلک لحاظ سے ماف ماف عرب کے جزیرے میں شامل ھے کہس میں عرب جاتی کے لوگ بستے میں اور جہاں عربی بهاشا بولی جانی هے؛ تو آبھی تک عرب کا آیک بہت برا اور ورخیر ماقد مدینے کی قرمی سرکار سے باہر اور ودیشیوں کے قبضے میں تھا۔ اگر ھم عرب کی بھوگراک سرحدیں مقرر کرنا چاھیں تو آیران کی کیاتی سے لے کو هذد میاساگر، قل سمدر سویو نہر تک تینوں اور کا سمدر سے؛ اُس کے بعد اتر میں لبنان پروت سے ملا ہوا روم ساگر کا کاارہ اور آوپر جاکر چھوٹی چھوٹی يهاريون كا ولا ملسله جو أيشها كوچك سه شام كو ألك كرتا في اور دجله اور نوات نام کی بڑی ندیاں جو اِن پروتوں سے نکل کر ایک دوسرے کے برابر برابر بہتی سرئی کنکا اور جمناکی طرح ایک دوسرے میں مل کر ایران کی کہاتی میں جا گرتی هين يا دجلے سے پررب كى وسے بهازياں جو آجكل اعراق عربی کو اعراق عظمی سے آلگ کرتی ملیں عرب کی قدرتی بہرگراک سرحدیں دیں ۔ اِس کے سوائے عرب کی کوئی دوسرمی سرحدیس مقرر کی هی نهیس جا سکتیس . ایران کی کھاڑی کے پنچھم کے پردیش بحرین کو بصرہ کے میدان سے الگ کرنا جب که دونوں کے بدیج کوئی بھوگولک ریکھا نہیں ہے اور دونوں میں صدیوں سے ایک ھی قبیلوں کے اوگ آباد چلے آتے میں' یا شام کے ریکستان کو نود کے ریکستان سے الگ سمجهنا قدرتم حدبندی کے اُصوارس کے خلاف ایک بے اُنصافی هو گی .

دجله اور فرات کا درآب امیسو پرتامیا یا اعراق کے نام سے مشہور پرانے انہاس میں اِسی علانے کو سرمیر یا بیبیلوئیا (بابل) کیا گیا ہے اس کا ادھک دکھنی بھاگ اکالیتیا یا اخطت کہلتا ہے کالیتیا کے آفر میں بابل اور اسریا کے بہت پرانے دیش میں منجله اور فرات کی تہروں کا ہزاروں برسی پرانا سلسله کسسے تک کیول اپنے اوشیشوں دوارا سلسار کے ترمان کا وشاردوں کوچکت کرتا رہا ہے اتر میں شام (سوریا) سلسار کی سینا کا پردیش اناھی پراچین اور اتنا هی مشہور کیلدر رہ چکا سینا کا پردیش اپنے دائے دیائے والے نظاروں اور سرمیوں کے

अरब स्नातिद की जोर मारे गए. बनी इनीफा के जिन लोगों ने बराबत में हिस्सा न लिया था उनका एक प्रतिनिधि मयडल अबुक्क से मिलने मदीने गया. अबुक्क ने उनके साथ प्रेम और इज्जत का बताब क्या. इन अरबों ने भी अब अरब ख़लीफा की मातहती और इसलाम बोनों को क़ुबुल कर लिया. जिस तरह ख़ालिद ने उत्तर और मध्य अरब की बराबतों को शान्त किया उसी तरह दूसरी टोलियों ने दूसरे सेनापतियों के अधीन पूरब और दक्खिन के प्रान्तों में फिर से सुशासन कायम किया.

बहरैन प्रान्त के ईसाई सरदार मोजेर ने मोहस्मद साहब के समय में इसलाम कुबुल कर जिया था. मोजेर के उत्तरा-धिकारी ने अबुबक के खिलाफ बराबत खड़ी कर दी और अपने को फिर से ईसाई जाहिर किया. बहरैन के मुसलमान रेजिडेएट अला ने उसे एक दिन शराब के नशे में चूर पाकर गिरफ्तार कर लिया और उस प्रान्त को अपने काबू में कर लिया. होजैफ के मातहत एक सैन्यदल ने उमान प्रान्त में फिर से सुशासन क्रायम किया.

तिहामा में कुछ बद् डाकुकों ने मौका पाकर अपनी पुरानी आदत के मुताबिक काफिलों को लूटना गुरू कर दिया और थोड़े दिनों के लिये उस इलाक़ में राह चलना नामुमिकन कर दिया. इनके एक सरदार कुजाध ने खुलीफा के पास आकर यह कहकर कि मैं आस पास के वारियों को शान्त करना चाहता हूँ. कुछ अस्त्र-शस्त्र हासिन कर लिये और फिर इन्हीं हथियारों की मदद से उस संकट के समय में तिजारती तथा दूसरे काफिलों की लूट मार जारी कर दी. अबुवक ने कुजाध्य को पकड़वा मंगाया और इस द्रााबाजी की सजा में मदीने के कबरिस्तान के पास जिन्दा जलवा दिया.

आम तौर पर अबुबक अपने फैसलों में नरम दिल था और शरण में आये श्रुष्ठ के साथ उदारता का वर्ताव करता था.† फु जाझ की सजा की आर इशारा करते हुये अबुबक अपने अन्त के दिनों में अकसर कहा करता था—''यह काम मेरी जिन्दगी के उन तीन कामों में से हैं जिनकी बाबत में सोवा करता हूँ कि अगर मैंने ये न किये होते तो अच्छा था." लेकिन फुजाश की यह सजा दूसरों के लिये एक नसीहत हो गई. अरब की उस समय की हालत पर इसका हराबना असर पड़ा.

यमन में अबुबक ने एक ईरानी सरदार फीरोज को हाकिम मुक्तरर करके भेजा. वहां के कुछ अरबों ने फीरोज के ख़िलाफ बग्राबत की लेकिन बग्रावत शान्त कर दी गई. इसी प्रकार मुहाजिर और अकरमा ने हजमीत के सूबे में فرت خالف کی اورمارے گلے بئی حالیہ کے جن لوگوں کے بدارہ سے ملے مدید میں حصد ند لیا تیا ان کا ایک پرتیندہ مندل ابوبار سے ملے مدید گیا ، ابوبار لے اُن کے ساتھ پریم اُور عزت کا برناؤ قیا ، ابوبار نے بھی اب عرب خلیفہ کی مانحتی اور اسلم دونوں کو قبول کولیا ، جس طرح خالف نے اتر اور مدھیم عرب کی بناوتوں کو شانت کیا اُسی طرح دوسری تولیوں نے دوسرے بناوتوں کو شانت کیا اُسی طرح دوسری تولیوں نے دوسرے سینا پتیوں کے اُدھین پورو اُور داون کے پرائتوں میں پہر سے سوشاسی قایم کیا ،

بحدویں پرانت کے عیسائی سردار موزیر نے محمد صاحب کے سمے میں اِسلم قبول کر لیا تھا ۔ موزیر کے اُترادهیکاری نے ابوبکر کے خلاف بغارت کھڑی کر دسی اور اپنے کو پہر سے عیسائی طاهر کیا ، بحدویں کے مسلماں ریڈیڈنیٹ آلے نے اُسے ایک دس شراب کے نشے میں چور پا کر گرفتار کرلیا اور اُس پرانٹ کو اپنے قابو میں کر لیا ، هوزیف کے ماتحت ایک سینیء دل نے عوماں یوانٹ میں پھر سے سوشاس قابم کیا ،

تصاما میں کچھ بدو قانوں فے موقع پاکر اپنی پرائی عادت کے مطابق قانلوں کو ارتبا شروع کر دیا اور تھوڑے دنوں کے لئے اُس پرائت میں راہ چلنا ناممکن کر دیا ۔ اُن کے ایک سردار نوچاء نے خلیفہ کے پاس اَ کو یہ کہہ کو کہ میں اُس یاس کے باعوں کو شائت اونا چاہتا ہوں اچھ اُستر شستر حاصل کر لئے اور پور اُنھیں ھاھیاروں کی مدد سے اُس سنکت کے سمے میں تجارتی تھا دوسہ انیہ قانلوں کی لوق مار جاری کی سوا میں دینے کو پہتوا منگلیا اور اِس دغایاری کی سوا میں مدینے کے قبرستان کے پاس زندہ جلوا

عام طور پر آبو یکر اپنے فیصلوں میں نوم دل تھا آور شرن میں آلے شکرو کے ساتھ آدارتا کا برتاؤ کرتا نہا ۔ † فوجاع کے سوا کی آور اِشارہ کرتے ہوئے ایوبکر اپنے انت کے دنوں میں انثر کہا کرتا تھا۔۔۔"یہ کام میری زندگی کے اُن تین کاموں میں سے بھے جن کی بابت میں سوچتا ہوں کہ اگو میں نے یہ نہ کئے ہوتے تو اچھا تھا۔'' لیکن فوجاع کی یہ سزا دوسروں کے لئے ایک نصیحت ہو گئی ۔ عرب کی اُس سمے کی حالت یو اِس کا دراونا اگر پڑا ۔

یمن میں اوبکر نے ایک ایرانی سردار نیروز کو ہاسک مقرر کر کے بینجا ، وہاں کے کھچے عربوں نے نیروز کے خالف بناوت کی لیکن بناوت شانت کو دی گئی ، اِس پرکار متعاجر اور اکرما نے حضوموت کےصوبہ میں

[†] Sir William Muir.

and the second of the second of the second of

इनकार कर दिया. सजाह अपनी सेना सहित यमामा स्वे की भोर बढ़ी.

यमामा का सूबा अरब के ठीक बीच में थोड़ा सा पूरव की ओर है. यहाँ पर बनी इनीका नाम का एक बड़ा ईसाई कवीला आवाद था. इन लोगों ने मोहम्मद साहब के समय में मदीने की सरकार को अपनी सरकार मान लिया था. लेकिन अब वे चालीस हजार की तादाद में अपने एक सर-दार मुसैलमा के अधीन बरावत पर आमादा थे. मुसैलमा कुछ पहले से पैराम्बरी का दावा कर रहा था और बनी हनीका के ज्यादातर लोग उसे अपना शासक मानते थे. मुमिकन है अनेक विश्वासी ईसाइयों के दिलों में इस समय यह ख्याल पैदा हो रहा हो कि अगर अरब के क्रदीम बुत परस्तों में एक महान पैराम्बर पैदा हो सकता है तो ईसाइयों में क्यों नहीं ?

सजाइ अपनी सेना के साथ मुसैलमा से जाकर मिल गई. दोनों में बात बीत हुई और उनके दिल इस क़दर मिल गए कि यमामा के पैग्निबर ने इराक़ की पैग्निबरा के साथ शादी करली. यमामा सूबे की आधी मालगुजारी सजाह का सदा के लिए दहेज (मेहर) में देरी गई. बन्द राज के बाद ही अपनी ज्यादातर कीज मुसैलमा के सुपुद करके सजाह उत्तर की ओर अरब की सरहद का फिर से पार कर इराक़ लौट गई. इसके बाद उसकी कोई खबर नहीं मिली. अलबत्ता इस बेहन्तजामी के बक्त में कुझ दिनों तक थांड़े से इराक़ी घुड़सवार उसके नाम पर यमामा और उसके आस पास थांड़ी बहुत मालगुजारी वस्न करते रहे.

अबुबक ने इकरीमा और शोरह बिल के मातहत एक फीजी दुकड़ी मुसैलमा का परास्त करने के लिये पहले ही से यमामा भेज दी थी. इस फीज ने मुसैलमा को विशाल सेना से बुरी तरह हार खाई. रामी साजिशों का सबसे क्यादह असर इसी सेना पर था. इसी पर उन्होंने सबसे क्यादह धन हरबे-हथियार और अपनी कार्बालयत सर्फ की थी. स्त्रालिद् अब यमाभा की आर बढ़ा. अकरवा नामक मुक्ताम पर दोनों श्रोर की सेनाओं में बढ़ी घमासान लड़ाई हुई, दोनों और के सेनानियों ने खूब वीरता के जीहर दिखाए. आखीर में बारियों को पीछे इटेना पड़ा. मुसैतमा अपने बचे हुए आदमियों के साथ पीछे इटकर एक बाग्र में दाखिल हका और उसका दरवाजा भीतर से बन्द कर लिया, बारा के बाहर एक ऊंत्री चहार दीवारी थी. खालिद की अरब सेना ने बारा को घेर लिया. दरवाजा खुला. मुसैलमा और इसके सब साथी मैदान में काम आए. यह बारा मुस्लिम इतिहास में "मौत के बारा" के नाम से मशहूर है. विजय खालिए की ओर रही, लेकिन अनेक जिक्कमयों के अलावा 360 मुहाजिर, क्ररीव 300 अनसार और क्ररीव 500 दसरे

الكار كر ديا . سنجالا أيلى سهلا سيت (يماما صوبه كي أور يوهى .

یماما صوبة عرب کے الههک بینے میں تهوراً سا پورب کی اور هے . یہاں پر بنی حنیفا نام کا ایک برا عیسائی قبیله آباد تها . ان لوگوں نے محمد صاحب کے سے میں مدینے کی سرکار کو اپنی سرکار مان لیا تها . لیکن آب وے چالیس خوار کی تعداد میں اپنے ایک سردار ، وسیلما کے ادعین بخارت پر آمادہ تھے . موسیلما کچہ پہلے سے پینمبری کا دعری کر رما تها اور بنی حنیفا کے زیادہ تو لوگ آسے اپنا شاسک مانتے تھے . ممکن هے اندیک وشواسی عیسائیوں کے دارں میں اس سے یہ خیال پیدا ہو رہا ہو که اگر عرب کے قدیم پت پرستوں میں ایک مہاں پینمبر پیدا ہوسکتا هے تو عیسائیوں میں کیس نیمیں ؟

سجاۃ اپنی سینا کے سانہ مہسیلما سے جاکر -ل گئی ، دونوں میں بات چیمت ھوئی اور آن کے دل اِس قدر مل گئے که یماما کے پیغمبر نے اعراق کی پیغمبرا کے ساتھ شادی کولی ، یماما صوبه کی آدھی مال گذاری سجاد کو سدا کے لئے دھیز (مہر) میں دے دی گئی ، چند روز کے بعد ھی اپنی زیادہ تر نوج موسیلما کے سہرد کو کے سجاۃ اتر نی اور عرب کی سرحد کو پھر سے ہار کو اعراق اوت گئی ، اِس کے بعد اُسکی کوئی خدر نہیں ملی ، البتہ ہانتیابی کے وقت میں کچھ دنوں تک تھوڑے سے اعراقی گھوڑ سہار اُس کے نام پر یماما اور اُس نے اُس پاس تھوڑی بہت مال گذاری وصول کرتے رہے ،

ابوہکر نے اکریما اور شورہ بل کے ماتحت ایک فوجی گاڑی مرسلهما و براست کرنے کے لئے برلے دی سے بھرج دی تھی ، اس فہے لے مہملیما کی وشال سیفا سے بوٹی طرح ھار کیائی ۔ رومی سارشوں کا سب سے زیادہ اثر زسی سینا پر ٹھا ، اِسی پر انہوں نے سب سے زیادہ دھور حربه علما اور اپنی فابلیت صرف کی تھی۔ خالد أب يماما كي أور بؤها . أدبا نا-ك أمقام ير دولول ارر ای سیناؤں میں بڑی کیماسان لڑائی هوئی ، دونوں اور کے سیناندوں نے خرب ویرتا کے جوہر دایائے ، آخیر میں باغیوں کو پيجه ها يرا ، مرسياما اين بنج هوا آدمون ساته بيمجه هد كر ايك باغ مين داخل هوا اور أسركا دروازه بهيتر · سے بند کرایا ، باغ کے باعر ایک اُرنجی چہاردیواری تھی » خالد کی عرب سینا نے باغ کو گھیر لیا . دروازہ کھا موسیلا . اور أس كے سب ساتھى ميدان ميں كام أنّه ، يه باغ مسلم الهاس میں 11موت کے باغ" کے تام سے مشہور ھے ، وجے خالد کی اور رھی' لیکن آنیک زخمیوں کے علوہ 360 معاجر، قريب 300 انصار أور تريب 500 دوسرم

الوائی میں قریض کی طرف سے لوگو ایک بار محمد صاحب کو پراست کیا تھا اور جس نے محمد صاحب کی موت سے تھورے می دفوں پہنے متاع کی لوائی میں رومن سینا کے هاتیوں سے کیوئی ہوئی جبت چھائی تھی ، خالد کو اِس سے سب سے پہلے مدینے سے آتر کی اُور پہنیوی کے ایک نئے دعویدار طولیہا کو ویو ویو کوئے کے ایک نئے دعویدار طولیہا

طولیها بنی أسد نام کے باغی قبولے کا سردار تھا شام کی سرحد پر بنی گتمان نام کا ایک دوسرا برانا عیسائے فبیله تھا ، بلم گتفان کا ایک مردار آئینہ سائٹسو سیاھیوں کے ساتھ طواهها سے جا ملا ، ہوزاخاں کی ازائی میں خالد نے دوتیں دفی قبیارں کی مشتر که ذوبے کو شکست دسی ، طولیها نے أیلی بیری سیات بهای ترشام مین روسی حکوست کی سرحد کے لدر یااہ لے ، أثبته گرفتار کر کے جنگ کے دوسرے قیدیوں کے ساتھ خلیف کے پاس سریاء بھیم دیا گیا ، خلیفہ نے آئینہ اور اس کے سب ساتھیں کو معاف کرتیا اور اُنھیں آزاد کورا دیا . طولها کو بھی معاف کردیا گیا . أمه اطلاع بهرم دی گئی ، اس کے دل پر اِس لا اثر عرا ، اُس نے فوراً شام سے عرب نواف کر اِسلام سو کار کر لھا اور اُس کے بعد أيران كي ساته عربون كي الزائيون مين أس في خيب ویولا کے عالی دائیا۔ بئی اس اور بنی گلفان دونوں قبیلیں کے لوگوں نے ابوبکر کو محمد صاحب کا وارث اور اینا حاكم مان لها . خالد لے اِس كے بعد ایک مهيند بوزا خاں میں رہ کر آس یاس کے صوبوں میں بھر سے امن اور أمان تاہم کیا ، خااد کے اِتنی جلدی فتم حاصل کرنے کے ایک خاص وجهه یه نهی که جب که طولیها الینه اور آن کی تھرزے سے ساتھی رومی شاسعوں کے ھانھوں میں کھیل رائے اله والدة تر مرب مدينه كي تئي قومي سوكار كو أيني سركار سمعیت تھے ، باغیرں کی اور اپویکر کی مہربانی نے بھی اِس مدن بوت بوا كلم ديا .

خالد آپ پردپ کی اور موا ، آسی آور آبران کی کهاری کے پلس بنی تمیم نام کا ایک بہت ہوا عیسائی قبیلہ تھا جسکی انیک شاخیں اتر میں اعراق کے آندز فرات ندی نک پیلی هوئی تھیں ، اِس فیلے نی ایک شاخ کا نام بنی پردوا تھا ، بنی پردوا کی ایک عیسائی بھری سجالا نے جو بہت دوں سے اعراق میں رعمتی تھی اِس سے خون پھیمبری کا دعول کیا اور کئی عیسائی قبیلوں سے ایک بہت ہوی سنیا نے کر مدینے کو زیر فرنے کے لئے عرب کی سرحد میں داخل ہوئی ، سرحد کے اس پار بنی بردوا کے لوگوں نے سجالا کا ساتھ دیا ، لیکن بیٹی تمیم کے زیادہ تر لوگوں نے سجالا کا ساتھ دیا ، لیکن بیٹی تمیم کے زیادہ تر لوگوں نے سجالا کا ساتھ دیا ہے سے

खड़ाई में क़ुरैश की तरफ से लड़कर एक बार मोहम्मद् साइव को परास्त किया था चौर जिसने मोहम्मद् साइव की मौत से योदे ही दिनों पहले सुता की लड़ाई में रोमन सेना के हाथों से खोई हुई जीत झीनी थी. खालिद की इस समय सबसे पहले मदीने से उत्तर की चोर पैराम्बरी के एक नए दावेदार तोलैहा को जेर करने के लिये मे जा गया.

तोलहा बनी असद नाम के बारी कबीले का सरदार था. शाम की सरहद पर बनी ग़तफान नाम का एक दसरा प्राम ईसाई कबीला था. बनी रात.फान का एक सरदार ख्येना सात सौ सिपाहियों के साथ तोलैंहा से जा मिला. बोजाखाँ की लड़ाई में सालिद ने दोनों बारी कबीलों की मुस्तरका .फीज को शिकस्त दी. तोलैहा ने अपनी बीबी समेत भाग कर शाम में रोसी हकूमत की सरहद के अन्दर पनाह ली. खयेना ग्रिरक्तार करके जंग के दूसरे क्रैंदियों . के साथ . खलीका के पास मदीने भेज दिया गया-.खलीका ने उपेना और उसके सब साथियों का माफ कर दिया और उन्हें बाजाद करवा दिया. तोलैंहा को भी माफ कर दिया गया. उसे इराला भे ज दी गई. उसके दिल पर इसका असर हुआ, उसने .फौरन शाम से अरब लौटकर इसलाम छुबूल कर लिया और इसके बाद ईरान के साथ अरबों की लड़ाइयों में उसने खुब बीरता के हाथ दिखाए बनी असद और बनी रातफान दोनों कबीलों के लोगों ने अबुबक को मोहम्मव साहब का वारिस और अपना हाकिम मान श्विया. खालिद ने इसके बाद एक महीना बोजासाँ में रहकर आस पास के सूबों में फिर से अमन और आमान .कायम किया. स्।लिद के इतनी जल्दी .फतह हासिल करने की एक स्तास वजह यह भी कि जबकि तोलैहा, उयेना और उनके थों हे से साथी रोमी शासकों के हाथों में खेल रहे थे. ज्या-बातर अरब मदीने की नई कौमी सरकार को अपनी सरकार समसते थे. बारियों की और अबुबक की मेहरबानी ने भी इस समय बहुत बड़ा काम दिया.

खालिद अब पूरव की ओर मुझा. इस ओर ईरान की खादी के पास बनी तमीम नाम का एक बहुत बड़ा ईसाई कि पास बनी तमीम नाम का एक बहुत बड़ा ईसाई कि बात विसकी अनेक शाखें उत्तर में इशक के अन्दर फिरात नदी तक फैली हुई थीं. इस . कबीले की एक शाख का नाम बनी यरबोधा था. बनी यरबोधा की एक ईसाई औरत सजाह ने, जो बहुत दिनों से इराक में रहती थीं, इस समय .खुद पैराम्बरी का दावा किया, कई ईसाई .कबीलों से एक बहुत बड़ी सेना जेकर, मदीने को जेर करने के लिये, वह अरब की सरहद में दाखिल हुई. सरहद के इस पार बनी यरबोधा के लोगों ने सजाह का साथ दिया. लेकिन कनी तमीम के क्यादातर लोगों ने सजाह का साथ देने से

बोसामा की फीज शाम तक बढ़ी चली गई. रोमी सेना पीड़े हट चुकी थी. घोसामा शाम की सरहद पर के कुछ सरकश ईसाई क्रवीलों को सजायें देकर जुरमाने के धन चौर बारियों के जरूत गुदा माल के साथ दो महीने के बाद मदीने लीट घाया. शहर की हिफाजत की फिक बाब जाती रही. घाषुवक्र ने फिर थोड़ी सी सेना लेकर मदीने पर हमला करने वाले बारियों को, जो ख्दजा के मैदान में फिर से इकट्ठा हो रहे थे, खाख़री शिक्स्त दी. इसके बाद खाबु-षक्र फिर कभी मदीने से बाहर जंग के लिये नहीं निकला.

अब सिक् मदीने से बाहर की बरा।वतों को ख्तम करने का मसला बाकी था. अबुक्त ने कुल बकादार अरब सरदारों को जमा किया और जितनी कीज जमा की जा सकी उसकी अलग अलग दुकढ़ियाँ बनाकर उन्हें अलग अलग दिशाओं में रवाना कर दिया. इन सब बरा।वतों को शान्त करके अरब को फिर से एक राष्ट्रीय शासन के अधीन लाने में अबुक्त को पूरा एक साल लग गया.इन कीजी दलों में जो स्गालिद इन्न बलीद के मातहत भेजा गया उसने बरा।वत को द्वाने में बहुत तारीफ के कृतिल काम किया. खंगलिद के बरित्र को बयान करते हुए इतिहास लेखक सर विलियम न्योर लिखता है —

"इसमें कोई शुबहा नहीं कि इसलाम के शुक्ष के दिनों में अबुबक और उमर के बाद सबसे अधिक महान व्यक्ति बलीद का बेटा खालिद था, इस बात का सेहरा सबसे अधिक उसी के सर बाँधना चाहिये कि इसलाम ने इतनी जल्दी अपनी हालत को फिर से मजबूत कर लिया और इसके बाद वह इतना अधिक तेजी के साथ फैलता चला गया. खालिद एक जाँबाज सिपाही था. उसकी बहादुरी जल्दबाजी की हद को पहुँची हुई थी, लेकिन बहादुरी के साथ साथ उसमें ठरहे दिल से और तुरन्त फैसले तक पहुँचने की भी काबिलयत थी.

'जिन जंग के मैदानों में ईरान की बादशाहत और शाम की रोमी शहनशाहियत दोनों की किसमत का फू सला हो गया उनमें खालिद ने जो अमली होशियारी दिखलाई उसके सबव उसे दुनिया के बड़े से बड़े सिपहसालारों में गिना जाता है. बार बार लेकिन हमेशा अजीबो रारीव होशियारी और जाँबाजी के साथ उसने ऐसी मुसीबतों के बक्त पांसा फेंक दिया जिनमें अगर वह हार जाता तो उसकी हार का मतलब इसलाम का खारमा होता."

स्नालिद की रौर मामूली बहादुरी केसबब इसलाम के इति-हास में उसे 'सैफ-ग्रल्लाह यानी 'अस्लाह की तलवार' के नाम से पुकारा जाता है. यह वही ,स्नालिद था जिसने कोहर की أوساما كى قوچ شام تك بوهى چلى گئى ، رومى سهاا پهنچه هما چكى تهى ، أوساما شام كى سرحد پر كه كنچه سركس عيسائى قبهاول كو سؤائيس درم كر جومائے كے دهن أور بالهوں كے ضبط شدة سال كے ساته دومهيائے كے بعد مديائے لوگ أيا ، شهر كى حفاظات كى فكر أب جاتى رهى ، أبوبكر لے پهر تهورى سى سينا لے كر مدينے پر حمله كرئے والے بالهيس كو جوخوا كے ميدان ميں پهر سے أكتها هورهے تهے' آخوى شكست دى ، إس كے بعد أبوبكر پهر كبهى مدينے سے باهر شكست دى ، إس كے بعد أبوبكر پهر كبهى مدينے سے باهر جنگ كے اهائے نہيں نكالا ،

اب صوف مدینے سے یاھر کی بناوتوں کو ختم کرنے کا مسئلہ باقی تھا ، ابوبکر نے کل وفادار عرب سرداروں کو جمع کھا اور جتنی فوج جمع کی جاسکی اُس کی الگ انگ تحزیاں بنا کر اُنھیں الگ الگ دشاؤں میں روانہ کردیا ، اِن سب بنارتوں کو شانت کر کے عرب کو پھر سے ایک رائٹریہ شاسن کے ادھیں لانے میں ابوبکر کو پورا ایک سال لگ گیا ، اِن فوجی دلیں میں جو خالد اُن ولید کے ماتحت بھیجا گیا اُس فوجی دلیں میں جو خالد اُن ولید کے ماتحت بھیجا گیا اُس فی بنارت و بیان کام کیا ، خان کے بنارت کو بیان درتے ہوئے انہاس ایک سروایم میور کہتا ہے۔

' اِس میں کوئی شبہ نہیں کہ اِسلم کے شروع کے دنوں میں ابوبگر اور عمر کے بعد سب سے ادھک مہاں رہنتی واید کا بیٹا خالد تھا ۔ اِس بات کا سہرا سب سے ادھک اُسی کے سر بائدہ منا چاھئے کہ اِسلام نے اِنٹی جلدی اُپٹی حالت کو پور سے مضبوط کرلیا اور اِس کے بعد وہ اِنٹی ادھک تھڑی کے ساتھ بھلنا چلا گیا ۔ خالد ایک جانبلز سپاھی تھا اُس کی بہادری جادبازی کی حد کو پہنچی ھوئی تھی' لیکن بہادری کے ساتھ ساتھ اُس میں ٹینڈے دل سے اور تونت بہادری کے ساتھ ساتھ اُس میں ٹینڈے دل سے اور تونت نیکے نکے بیکن ہیں ہیں ہیں ہیں ہیں ہیں ہیں ہیں۔

البص جنگ کے میدائیں میں ایران کی بادشاعت اور شام کی رومی شہلشاعیت دوئیں کی دست کا فیصله هوگیا اُسین خالد لے جو عملی هوشیاری دکھائی اُس کے سبب آے دنیا کے بوے سے بوے سیه سالروں میں گنا جاتا ہے۔ بار بار بلاکن همیشه عجیب و خریب هوشیاری اور جانبازی کے سالم اُس لے ایسی مصیبتوں کے وقت پائسه پھینک دیا جن میں اگر وہ هار جانا تو اِس کی هار کا مطلب اِسلام کا خاتمه هوتا ہے۔

خالد کی غیر معمولی بهادری کے سبب اِسلام کے اِتھاس میں اُسے اُسوف اللہ و یعنی الله کی طوار کے تمام سے پکارا جاتا تھے ، یه وهی خالد تھا جس نے اُحد کی

भरव की कर्लर, सम्बता और इसलाम

चाबुवक्र ने थीरज के साथ उसर की जवाब दिया-

"यदि राहर के चारों तरफ .खूंख्वार भेड़ियों के मुग्ड के मुग्ड फिर रहे हों और मैं शहर के अन्दर अबेला रह गया हूँ तब भी सेना जायगी. मेरे मालिक (माहम्मद साहब) के मुँह से निकला हुआ एक लक्ष्य भी साली नहीं जा सकता."

सुमिकिन है दूरन्देश अबुबक की निगाहें इस समय इस बात की आर भी रही हों कि इन तमाम बसावतों का ससली सरचरमा कहाँ है. सेना गई. अबुबक कुछ दूर तक पैदल आसामा के साथ साथ गया. बिदाई के बक्तत अबुबक ने आसामा को इन लक्ष्मों में आदेश दिया—

"देखना वेबफाई से खबरदार रहना, अदल और इन्साफ़ (न्याय) के रास्ते से जर्रा भर भी इधर उधर न होना. किसी को अंग-भंग की खजा न देना. निकसी बालक, या बूढ़े या औरत को कृत्ल करना. खजूर के दरस्तों का आग न लगाना न उन्हें किसी तरह का नुकसान पहुँ बाना, न किसी ऐसे दरकृत को काटना जिससे आदिमयों या जानवरों को खाना मिलता हा. सिशाय जोवन निर्वाह की जहूरत के किसी पशु-पश्ची या ऊँट को न भारना. उस मुक्त के लोग जो खाना तुम्हारे खाने के लिये अपने बतनों में लाएँ उसे अल्लाह का नाम लेकर खा लेना. सिर मुँखाय साधू अगर तुम्हारी मुखालफ़त न करें तो उन्हें किसी तरह की तक़लीफ न पहुँ बाना अब अल्लाह के नाम पर आगे बढ़ा. अस्लाह तलनारों और ववाओं से तुम्हारी हिकाजत करें!"

कोसामा के जाने के बाद अरब की जो हालत हुई उसे एक लेखक ने इन लक्ष्यों में बयान किया है—

"श्रद्ध में चारों कोर बग्रावत होने लगी. लोग इसलाम कोइने लगे. नई क्रीमी सरकार के खिलाफ ईसाई खीर यहूदी गरदन सभारने लगे. विश्वासी मुसलमानों की हालत ऐसी हा गई जैसे बिना गड़िरये की मेड़े ! उनका रसूल जा खुका था, उनकी तादाद घट रही थी ओर उनके दुश्मन बढ़ रहे थे. "

मौका पाकर कुछ बारियों ने फ़ौरन मदीने पर चढ़ाई कर दी. मुख्य सेना खासामा के साथ रवाना हो चुकी थी. खबुशक ने हर बालिस आदमी को हथियारवन्द हाने और शहर की हिफाजत करने के लिये सबको जमा हाने का हुकम दिया. खुद फ़ौज की कमान्दारी की. लड़ाई हुई. बासी परास्त होकर तितर-बितर हो गए. इस छोटी सी जीत का आम अरबों के दिलों पर बहुत अच्छा असर पड़ा. नतीजा यह हुआ कि आस पास के क्रवीलों से खिराज मदीने आने खगा.

مرب کی کیوردسینا اور لنام

PROPERTY OF THE PROPERTY OF TH

ابربکر نے دھیرے کے ساتھ عمر کو جواب دیا۔

ایدی شہر کے 'جاروں طرف خوتخوار بینویوں کے جہات بین بین بین سینا جائیگی ، میرے مالک (محمد صاحب) کے منہ سے نما ہوا ایک اخط بھی خالی تہیں جاسکتا ،"

معکن ہے دور اندیھی ابوبکر کی تکامین اِس سبلے اِس ا یات کی اُور بھی رھی ھوں کہ اِن تمام بناوتوں کا اصلی سرچشمہ کہاں ہے سیلا کئی ، ابوبکر کچھ دورتک پیدل اُوساما کے ساتھ ساتھ گیا ، بدائی کے وقت ابوبکر نے اُوساما کو اِن اخطوں میں آدیھی دیا۔۔۔

الدیکها به وائی سے خبردار رهنا عدل اور اِنصاف (نهائم) کے راستہ سے زرہ بھر بھی ادھر اُدھر ته ونا ، کسی کو انگ بھنگ کی سوا نہ دینا ، نہ کسی بالک یابورہ یاعوں کو قتل کرتا ، کھجور کے درخترں نر آگ نہ لگانا نہ اُنہیں کسی طرح کا نقصان پہنچانا نه نسی ایسے درخت کو کاٹنا جس سے آدمیوں نیا جانبورں کونھانا ملتا ھو، سوائے جھون ترواہ کی ضوورسکے نسی پھو پکشی یا اُونٹ کو نے مارنا ، اُس ملک کے لیگ جو کھانا تمارے کیائے کے لئیے اپنے برتنوں میں لانیں اُسے اللہ کا نام الے کو کھانے ، سر ماڈائے سادھو اگر تمهاری متعالفت نہ کویں تو آنہیں کسی طرح کی تمایف نہ پہمچانا ، آپ انه کے نام تو آنہیں کسی طرح کی تمایف نہ پہمچانا ، آپ انه کے نام بھر آگے بوجو ، آل نالواری اور وہاؤں سے تمہاری حفاظت کویہ پر آگے بوجو ، آل نالواری اور وہاؤں سے تمہاری حفاظت کویہ ہو آگے بوجو ، آل نالواری اور وہاؤں سے تمہاری حفاظت کویہ یا

. اوساما کے جالے کے بعد عرب کی جو حالت ہوائی آسے ایک ایک ایک کے اِن اعظوں میں بھان کیا ہے۔

عرب میں چاروں أور بناوت ہوئے آگی۔ لوگ آسالم چھورٹے لگے۔ نئی قوسی سرکار کے خالف عیسائی اور یھودی گردین آبھارئے لئے ۔ وشولسی مسلمانوں کی حالت آیسی ہوگئی جیسے بنا گذریے کی بھوریں 1 اُن کا رسول جاچکا تھا' اُن کی تعداد گیت رہی تھی اور اُن کے دشمین ہوتا رہے تھے ۔''

موقع پاکر کتی باغیوں نے نوراً مدینے پر چوھائی کودو. میہ سینا اوساما کے ساتھ روات ھو چکی تھی ، ابوبکر نے عر بااغ آدمی کو هتیار بلد هوئے اور شہر کی حفاظت کے کرنے لئے سب کو جمع هوئے کا حکم دیا ۔ خود نہے کی کمائداری تی ، لوائی هوئی ، بافی پراست هوکر تتر باتر هوگئے، اِس چہوٹی سی جیت کا عام عربوں کے داس پر بہت اُچیا اثر پرا ۔ تتیجہ یہ هوا کہ آس مربوں کے قبیلوں سے خراج مدینے آئے لگا ۔

The Caliphate, its Rise; Decline and Fall, by William Muir, pp. 10-11.

भरव की कल्चर, सभ्यता और इसलाम

विश्वन्भरनाथ पांडे

[4]

बरांबत की पहली खबर चत्तर में शाम की सरहद पर के उन सूबों से आई जो मोहन्मद साहव के समय में भी रोमी साजिशों का मरक्रज (केन्द्र) रह चुके थे. धीरे भीरे दूसरे अनेक सूबों से भी इसी तरह की खबरें मदीने पहुँचने लगीं. लेकिन ये सब बतावतें उत्तर, पृव और दक्खिन के सिर्फ उन प्रान्तों में हुई जो रोम या ईरान दोनों में से किसी के मातहत रह चुके थैं. इन बताबतों में हिस्सा लेने बाले सिर्फ या तां कुछ ईसाई अरब क़बीले से और या वह क्रवीके थे जो हाल में ईसाई से मुसलमान हुये थे क़दरती तौर पर इन्हों में रोभी लोगों की साजिशे सबसे र्ज्यादह कामयाव ही सकती थीं. रोम और ईरान की सरहद से ही यह सब बगाबत हारू हुई'. इन बगावतों का सबसे बड़ा केन्द्र अरब की सरहद से भी दूर इराक़ के उत्तर में था जहाँ से सजाह नाम की एक ईसाई स्त्री ने निकलकर अरब पर भाषा किया और मोहन्मद साहब के बाद खुद पैरान्बर होने का दावा किया.

पक बार मालूम दोता था कि 23 बरस की सारी कोशिशों बेकार गईं.

भोसामा के कूच से पहले ही इस जमाने के दूसरे सब से बढ़े अरब नीतक उमर ने आकर अनुबक्त को इन बसा-बतों की अफ्वाहों की खबर दी. उसने इसला दी कि कई आर से मवीने पर इमले की तच्यारियाँ हो रही हैं और यह सलाह दी कि सेना को शाम जाने से रोककर मदीने की हिफाजत के लिये रखा जाए.

धबुषक के नाजुक और अनभ्यस्त कन्धों पर इस समय बड़ी गहरी जिम्मेवारी थी. केवल समकी सच्चाई, उसके धीरज, उसके साहस, उसकी न्यावहारिक बुद्धि और इन सब से बढ़कर एक अल्लाइ और उसके रसूल मोहम्मद पर उस की गहरी अद्धा ने इस संकट के समय उसका साथ दिया. इसलाम और धबुषक की खुशिकिस्मती से मदीना, मक्का और तायफ जैसे खास-खास अरव शहरों और बीच के बह सब अरब क्रबीले जा सियासी नुक्ते नजर से कभी दूसरों के मातहत न हुये थे अपने ईमान और नई क्रीमी सरकार की और अपनी बकावारी में एक्के रहे.

عرب کی کلچر 'سبهیتا اور اِسلام

وهومههر ناته بانتس

[4]

بغاوت کی پہلی خور اتر میں شام کی سوحد پر کے اُن صوبوں سے آئی جو محصد صاحب کے سے میں بھی روسی ساز شوں کا مرکز (کیندر) رہ چکے تھے . دعورے دهیرے دوسرے آئیک صوبوں سے بھی اِسی طح کی خبریں مدیئے پہنچہالکیں . لیکن یہ سب بغاوتیں آئر ' پورو اور دکھن کے صرف اُن پراستوں میں ہوئیں جو روم یا آبران دونوں میں حصہ لیا۔ سے کسی کے مانتحت رہ چکے تھے . اُن بغاوتوں میں حصہ لیا۔ والے صرف یا تو کچھ عیسائی عرب قبیلے تھے یا وہ قبیلے تھے انہیں میں عیسائی سے مسلما ، ہوئے تھے ۔ قدرتی طور پر جو حال میں عیسائی سے مسلما ، ہوئے تھے ۔ قدرتی طور پر ہوسکتی تھیں ۔ روم اور ایران کی سرحد سے بی اعدر کامیاب بغاوتیں شروع ہوئیں ، اُن بغاوتوں کا سب سے بڑا کیندر عرب بناوتیں شروع ہوئیں ، اُن بغاوتوں کا سب سے بڑا کیندر عرب نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا اور نام کی ایک عیسائی استری نے نکل کر عرب پر دیعاوا کیا ا

آیک ہار معلوم ہوتا تھا تھ 23 برس کی ساری کوششیں ہے۔ بےکار گئیں ۔

ارساما کے کوچ سے پہلے ھی اُس زمانے کے دوسرے سب سے بڑے عرب نیککیہ عمر نے آکر آبوبکر کو اِن بناوتوں کی آفواھوں کی خبردی ، اُس نے اطلاع دی که نگی آور سے مدینے پر حملے کی تیاریاں ھورھی ھیں آور یہ صلاح دمی که سیفا کو شام جائے سے روگ کو مدینے کی حفاظت کے لئے رکیاجائے ،

ابوبكر كے نازك اور ان ابهيست كندهوں پر اِس سميہ برّى كہرى زمكرارى تهى ، كيول اُس كى سچائى اُس كے دهيرے اُس كے دهيرے اُس كے ساهس اُس كى وياوهارك بدهى اور ان سب سے برة كر ایك الله اور اُس كے رسول محمد پر اُس كى گہرى شردها نے اِس سلكت كے سبيے اُس كا ساتھ ديا ۔ اِسلام اور اُبوبكر اُس خوس قسدتى ہے مدينت مكاور طايف جيسے خاص حاص عرب شہورں اور بينے كے وہ سب عرب تبيلے جو سياسى شعود نظر سے كيهى دوسروں كے ماتحمت نه هونے تھے اپنے ايمان بو تكى قومى سركار كى اُور اپنى وفادارى ميں يكے راه ،

श्री सचादत 'नजीर' एम.ए.

कई इन्क्रलाब 1 देखे, सूने कितने ही फुसाने 2! मुमे क्या फरेब 3 देंगे तेरे बादे या बहाने ! मेरे तजरवां ने आखिर किया राज आशकारा4. कि हैं जालसाजियों 5 के यह तमाम कारखाने. न वह बलबते6 हैं बाक्री, न बुलन्द हीसले7 हैं, उन्हें आखें ढूँदती हैं, जो गुजर गये जमाने, मेरी कमनसीवियों ने मेरी आस8 को न तोड़ा. मेरी जिन्दगी ने दुकरा दिये मर्ग9 के बहाने. कहीं अन10 बन के बरसे, कहीं मिस्त राव11गरजे, बने इन्क्लाब आवर12 मेरे इश्क्13 के तराने. मैं मिटा के चैन लूँगा तेरे नाइरी चलन को, में लुटा ही के रहूँगा तरे जौर14 के खजाने. मुके! वर्क 15 देखना है !तू जलाएगी कहाँ तक? में नये-नये बनाता ही रहेंगा आशियाने16. मेरी कोशिशों यही हैं कि बहार ऐसी आये, कि जबाँ से बुलबुलों की सुने गुल17 नये तराने. मेरा इरक एक मोश्रन्मा,18 मेरीजीस्त19 एक बोकदा20, जो है जीशकर 21 समके, जो है दर्दमन्द, जाने तेरी क्यम22 में पलट कर मैं अब आऊँ या न आऊँ, न भुला सकेगी दुनिया मेरे दर्द के कसाने बह 'नजीर' ! रंज23 कैसा १ वही किर बना ले माला ! कि फक्कत समेटना हैं, जो बिखर गये हैं दाने.

1. क्रान्ति 2. कहानी 3. घोखा 4. मेद का खुल जाना 5. घोखेबाजियाँ 6. जोश 7. इरादे 8. पर-मीद 9. मृत्यु 10. बादल 11. बिजली 12. क्रान्ति लानेबाले 13. मेम 14. फ्रत्याचार 15. बिजली 16. घोंसले, घर 17. फूल 18. समस्या 19. जीवन 20. मेद 21. बुद्धिमान 22. समा 23. दुख.

شرى سعادت انظيرا أيم. أ.م.

كثى أنقلاب 1 ديمي سني كتني هي نساني 1 ا مجهم کیا فریب 3 دیلکم ترم وعدم یا بهانے! مهرے تجربیں نے آخر کیا راز آشکارا4' که هیں جعل سازیوں 5 کے یہ تمام کارخالے ، نه ولا ولولي 6 هيں باقي نه بلند حوصلي7 هيں ا أنهين أنتهين قدوندهاي هين جو گزر گئے زمالے . مهری کم نصیبوں نے میری اُس 8 کو نم تورا^ا میری زندگی نے ٹھٹوا دیٹے سرک 9 کے بھائے ، کہیں اہر 10 ہی کے ہر سائییں مثل رعد 11 گرچے' بنے انتلاب آور 12 میرے عشق 13 کے ارائے . میں ملا کے چین لونگا ترے ٹادری چلن کوا میں لٹا می کے رمرنگا ترب جور 14 کے خزالے ، معهدا برق (15 ديمينا هـ أ تو جلائنكي كيان تك. ا میں نئے نئے بنانا هی رهوں کا آشهائے 16. مهری کوششیں بہی هیں که بہار ایسی آئے' که وہاں سے بلیلوں کی سلیس کل 17 نگہ ترائے ، مراعهق اك معمد 18 ميري زيست 19 ايك عقد 20 جو ها في شعور 21 سنجها جوها درد ماد عالم، تهري بزم22 ميں بلتعر ميں آب آؤں يا تت آؤں' تع بيلا سكو كي دنيا ميرے درد كے قسالے . يه الطايرا إرتام 23 كيسا ؟ رهي بهر يقالے ١٤٠٠ كه فقط سمهتنا عني حو يعهر كثب هين دأله .

1. كرانتى: 2. كهانى: 3. دهوكا: 4. بهدكا ئيل جانا: 5 دهرك بازبان: 6، جوهن: 7. إراديه: 8. أميد: 9. مرتبو: 10. بادل: 11. بعجلى: 12. كرانتى قن رائي: 13. يربم: 14. انهاجار: 15. بعجلى: 16. كبرنسائ، كبر 17. يهول: 18. سمسها: 18. بدهيمان: 22. سبها: 23. سبها: 23.

विसम्बर 1957

47	ग किस से		सका	450kg	کها ک <i>س</i> ت
1	गुजल —श्री संचादत 'नश्रीर' एम∙ ए॰	***	251	•••	1. غزل ـــشرى معادت النظهرا أيم أحه
2.	अरव की कल्चर, सम्यता और इसलाविश्वम्भरनाथ पांडे		252	•••	 عوب سبهها اور إسلام سسوشومهور ناح پانتسم
3.	हिन्दुस्तान और इसलाम - डाक्टर सैयद महमूद—अंग्रेजी से ड कि. ना. पांडे	ा <u>नु</u> दाद्क	260	ب	 هندستان اور إسلام ستاکلر سید محمود—انگریزی سے انوادا
4	सन् 1905 का स्वदेशी आन्दोखन और राजनैतिक जीवन — पंडित सुन्दरलाल		265	•••	ہی. نا. یانتے 4۔ سن 1905 کا سودیشی آندولن اور میرا راجنیتک جھ ن
5.	मुहम्मद साहब की कुछ हदीसेंडाबटर मिरजा अबुल फजलअनुवादक भी मुजीब रिजवी	***	272		پلات سندر ال 5. محمد صاحب کی کچھ حدیثیں داکٹر موزاأبولفشل
6.	रुवाह्यात सहिव —शी 'सहिव'	***	277	***	ــــــالوادک شاری مجهب رضوی 6ء - رباعیات منتب حـــشری ^و متب ⁴
7.	अनेकता में एकता यानी कसरत में वह —डाक्टर मध्यानदास	दत	282	***	7ء انهای میں ایکتا یعنی کثرت میں رحدت ۔۔۔۔۔تاکار بهاران داس
8.	टोपियाँ और संडियाँ —श्री चन्दुल इसीम चंसारी		290	•••	8. توپیال اور جهلقیال نبشری عبداد ایم انصاری
7.	इस कितावें	•••	295 297	•••	9. وچه کتابیس
	—देश की हालत पर एक खत-पंडित सु			***	10. هماری واقعد

जिल्द 24 de नम्बर 6 अं

दिसम्बर 1957 ***

हिन्दुरानि कलचर नीसायटी जंगानि अध्या । 145 मुद्दीगंज, इबाहाबाद

NAYA HIND

Monthly Journal of the Hindustani Culture Society

Editorial Board

Dr. Tara Chand M.A., D. Phil. (Oxon)
Mahatma Bhagwan Din
Dr. Syed Mahmud, M.A., Ph.D., Bar-at-Law
Pandit Sundarlal
Bishambhar Nath Pande

Editor-in-Charge

Bishambhar Nath Pande

Asst. Editor

Suresh Ramabhai

Annual Subscription

Inland Rs. 6/Foreign Rs. 10/Single Copy As. /10/- only or 62 N. F.

Can be had from -

Manager, NAYA HIND

145, MUTTHIGANJ, ALLAHABAD-3;

इस नम्बर के खास लेख क्या क्रिके के खास लेख

مرب کی طبیع از انظم المجان المجان المجان अरब की कल्बर, सम्यता और इसलाय कि أزا المجان المجان المجان المجان المجان

-- विरवन्भरनाथ पांडे

हिन्दुस्तान और इसलाम

—डाक्टर सैयद महसूद

अंग्रेजी से अनुवादक - वि॰ ना॰ पांडे॰

सन् 1905 का स्वदेशी आंन्दोलन भौर मेरा राजनैतिक जीवन

—पंदित सुन्दरतात अनेकता में एकता यानी कसरत में वहदत

- डाक्टर भगवानदास

इमारी राव देश की हालत एक पर खत -पंडित सुन्दर लाल.

عندستان أور إسلم

انگریزی سے انٹراکیت م بى ئاء پائدے.

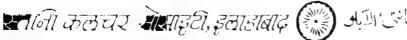
سن 1905 کا سودیشی آفتولن اور مهرا راجنیتک جمون

ـــينةت سادر ال

اليكنا مين أيكنا يعلى كثرت مين وهدت

عماري رأثه

دیش کی حالت پر لیک خط سيندت سندر الل ه





कराचा पर इर तरह की किताने जिलाने बहा केन्द्र-पाठक हिन्दी, उर्

हमार्थित किताबें

महास्मा गाँन्धी की वसीयत

(हिन्दी और उद् में) लेखक-गान्धीवाद के माने जाने विद्वान : २४० भी मंत्रर अली सास्ता सके 225, क्रीमत दो रुपया

गोंन्धी बाबा

(बनचों के लिये बहुत दिलचस्य किताव) लेखिका-कृद्सिया जैदी मूमिका-पन्डित जबाहरलाल नेहरू मोडा काराज, बांडा टाइप, बहुत-सी रंगीन तसवीरें शम दा रुपया

> --:0:--पंडित मुन्दरलाल जी की लिखी कितावें

गीता और करान 275 सके, दाम ढाई रुपया

हिन्दू मुसलिम एकता

🗝। 🎮 के. वाम बारह जाने

महारमा गाँन्धी के बलिदान से सबक

क्रीसर करह जान

पंजाब हमें बचा सिखाता है

त्रीमत चार वाने

वंगास और उससे समूह

श्रीमत के चाने

S WELLS LABOR.

هر طرے کی کتابیہ मन-पसन्द किताबी क्रिंग के क्रिक्टिंग क्रिक्टिंग الله المانين لكهيس

هماری تئی کتابیں

مهانها کاندهی کی وص

(هندی اور اردو میں) لهکهک الرهی وال کے سالے جالے وقبوان: سوركية شرق منظر على سوخته منحے 225 تیمیت در روید،

كاندهي بابا

(بحرن کے لئے بہت دلجسپ کتاب) . ليكهكا--قرسيه زيدي

ج، بهره كاسيندت جوابعر لال نهرو

موقًا كَافَدُ مُوتًا ثَانُبُ ، بهت سي رئكين نصويرين

دأم دو رويه

پلانت سندرلال جي کي لکھي نتابيس

ليتا اور قران

175 منصم دأم تعالى رويه

هغدو مسام ایکتا 100 منحد دام باره آند

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبو قيست بارد أني

ب هيي کيا سکهانا هي

क्रिकरत मोहम्मद और इसकाम विमेक-परिस्त सुन्दरलाल, भूल्य-तीन रूपमा इसकाम है काम्बर के सम्बन्ध में भारत में भाषाओं में इस से सन्दर कोई सुकरी पुस्तक नहीं

हजरत ईसा और ईसाई धर्म
लेखक-पन्डित सुन्दरलाल, मुस्क-देर रुपया
महात्मा जरशुत्र और ईरानी संस्कृति
लेखक-विश्वन्मरनाथ पांडे, क्रीमत-दो रुपया
यहूदी धर्म और सामी संकृति
लेखक-विश्वन्मरनाथ पांडे, क्रीमत-दो रुपया
आचीन मिस्र की सभ्यता और संकृति
लेखक-विश्वन्मरनाथ पांडे, क्रीमत-दो रुपया
सुमेर बाबुल और असुरिया की प्राचीन संकृति
लेखक-विश्वन्मरनाथ पांडे, क्रीमत-दो रुपया
प्रचीन यूननी सभ्यत और संकृति
लेखक-विश्वन्मरनाथ पांडे, क्रीमत-दो रुपया

गंगा से गोमती तक

(प्रगतिशील कहानी संग्रह) लेखक-श्री मुजीब रिजवी, क्रीमत-वो रुपया

माग भीर भाँस

(भाषपूने सामाजिक कहानियाँ) लेक ६—डाक्टर जरुतर हुसेन रायपुरी, क्रीमत—डेद रुपया

कुराम भीर धर्मिक मतमेद त्रेमक भीताना भवुलकलाम भाजार, क्रीमत—डेढ़ रुपवा

भंकर

्रिमतिशील कविताओं का संप्रह) विकास रचुपति सहाब फिराक, कीमत—तीन रुपया

ه نصید در مین بیازیه بیانگان مین اس می مینورین نوسری بستک نییان

مارو عیسائی دهرم بینک بنده سام ال مرابع درجه

اللها زر تهستو اور ایرانی سنسکوتی ایرانی سنسکوتی ایرانی سنسکوتی ایرانی ایرانی سنسکوتی

مهودی دهرم اور سامی سنسکوتی آنهک رومهر ناته بانته ا

پراچین مصر کی سبهیتا اور سنسکرتی ایک سبورینه الله بالد، الله بالد،

منبو" بادل اور اسوریا کی بر اچین سنسکرتی ایک سرشرمبر نام بانده " قست در ردیه

ا المحمد يوناني سبهيتا اور سنسكرتي المحكورية المحكس وشمير لاته بالقاء المستحدد وربيه

گنگا سے گومقی قک (پرکلی شیل نہائی سائوہ)

لهمک - شری مجیب رفوی فیست - د رویه

اک اور انسو

(بهاوپورن ساجک کهانیان) ویک ستراکار اختر حسین رأنه پوری ٔ قیمت - تیزه رویه

قرآن اور مهارمک معیهید نمیک مهالا ابرکلم آزاده میست تیزه رویده

جهنكار

(پرگتیشهل کیبتاؤں کا سنکرہ) ایکیک سرگهریتی سائے دراق ' قیست سنین رہمہ

मिलने का पता

ملقم كا يك

करंदनां करुचर सेदाएय उँगीन करुचर बंदन करानी कराने क

कालों से समा है कि कार्क सामने अस्तरी अस्य मार्थ का महीं पासती प्रश्न पं नवाहर वाक नेहरू की उनकी सरकार को गिराने का है, देश की इस समय की स्थिति में बह जानकर कि इस तरह के नासमक और जतरनाक लोग भी भाशी तक देश में मीजूद हैं हमारा दिल काँप पठता है. कुछ सिक्स भाइयों, सिक्स अफसरों, बरीग के पश्चपात पूर्ण न्य क द्वार और कुपरित्र तक की शिकायतें सनने में आई हैं. यदि पैसा है तो जिन्हें पेसी शिकायतें हैं बनका फर्य है कि बन्हें त्रेम के साथ मास्टर वारासिंह और शिरोमिण गुरुद्वारा अवन्यक कमेटी के नोटिस में लावें. और मास्टर ताराधिह कीर शिरोमिया गुरुद्वारा प्रवन्धक कमेटी का धर्म हैं कि इस तरई की शिकायतों भी पूरी जाँच करके पंजाब के अन्दर सिलों के परित्र को ऊँचा, निष्पक्ष और सबके लिये प्रेम भरा बनाने की पूरी कोशिश करें. कम से कम इस तरह के रोग का यह इलाज नहीं है कि देश भर में या प्रान्त भर में बैमन-स्य सी जान भरकारी जाने.

माण्यं और लिपियाँ सदा बदलती रही हैं, और बदलती रहेंगी. हिन्दी माणा के प्रेमियों से इमारी बिनम्न प्रार्थना है कि वे देश की सब दूसरी भाषाओं से प्रेम दर्शाकर और उनकी उन्नति चाह कर ही राष्ट्रभाषा हिन्दी का सच्चा भला कर सकते हैं. तूसरों भाषाों के के रा वैदा करके कदापि नहीं कर सकते. पंजाब की जनता और पंजाब के सब देश सेवकों से हमारी प्रार्थना है कि वे जिल तरह सी और जितनी जस्दी हो सके इस मगदे को खतम करें और सिक्सों, हिन्दुओं और सब पंजाब निवासियों में प्रेम और नेल मिलाप को बदाने, मजबूत करने और बनाप रक्षने का हर तरह त्रयस्न करें. इसी में उनका मला है, इसी में देश का भला है, इसके विपरीत रास्ता बरवादी का रास्ता है.

بهاهائیں اور ابھاں سدا بدلتی رهی هیں اور بدلتی

میں گی ، هادی بهاها کے پریبوں سے هاری وثبر ہزارتها

ه که وسے دیش کی سب دوسوی بهاشاؤں سے پریم
رشا کو اور اُن کی اُنٹی چاہ کو هی راهتر بهاها هندی کا
سچا بہلا کو سکتے هیں دوسوی بهاشاؤں سے دو بھی پیدا کو کے
دایی نہیں کو سکتے ، پنتجاب کی جنتا اور پنجاب کے سب
یش سیوکوں سے هاری پراتها کے کہ وسے جسی طرح بھی اور
میش سیوکوں سے هاری پراتها ہے کہ وسے جسی طرح بھی اور
میش میں ور سب پنجاب تواسیوں سیس پریم اور میل مانپ کو
خوانی مقبوط کونے اور بنائے رکہنے کا هر طرح ہربتی کویں

ودائے مقبوط کونے اور بنائے رکہنے کا هر طرح ہربتی کویں

می میں اُن کا بہلا ہے ، اُس کے وہریت راسته بربادی
هی میں اُن کا بہلا ہے ، اُس کے وہریت راسته بربادی

12-10-57

—गुन्दरलाल

سينادر ال

12, 10, 57

وائل کے بین گرامہ کیاں کی جوبا جوبول کیں ا کاموں د

رَهُ إِنَّ وَاللَّهُ مِنْ عَلَى مُعَلِّمُ عَلَى مُعَلِّمُ اللَّهُ مَعْلَى عَلَى مَعْلَ عَوْ هَمْ ال ار بھی اچرے مرتا ہے ۔ پنجاب کے الدر عادی کیاں عمارے میں ہے ؟ کین ھادی پر حمله کو رہا ہے ؟ کین کس کو هلدی پوملے ہو مالے سے روک رما ہے او حال کے بانجاب کے دوره میں مم سیکویں سک بھائیوں سے باتیں گر چکے تھی۔ کیٹی بھی سکم هندی پوهنے سے انکار تہیں کر رہا شے ، آنکار کیول کی مدول کو پلجانی یا گرمتی پرهال سے فد ، اب پور اِس أَلْتُولِي كَا نَامِ هَلَدِي وَكُمَّا أَلْدُولِي كَي جِكُهُ يِلْجَابِي وَدُوفِي أمنوس شايد زياده لهيك هرتا علي بالكل ماف فه ، دو هي ایالی هو سعتے هیں . یا تو یه که جن عقوں کی یول بچال کی وہاں مندی ہے اُن کا ایک مندی صوبه دو اُلگ الگ صوبے ایباتحاری کے ساتھ بناادئے جاریں ، اور یا اگر سارے ینجاب كا اللك الموادة يا الك إلى أراب وقال في تو فروري في كه ينجابي علائه میں ادهکتر کام پنجابی میں جو آور دادی علائم میں هلاني مين اور سكم اور هادو اور سب اوك يلجابي بولله والم أور هندي بولنم وألم سب يريم سم ساته دونس بهاشائيس أور عرقوں لهاں أچھي مارے سيكهين جس سے سارے يلجاب كے سب کلیں میں سب کو آسائی هو . فوورت اِس بات کی ه ا دلوں میں بعوائے ندرتوں قورن اور دشدنیوں کے مدیم وہواس اور بھائی جارے کے بہاؤ ھوں ،

کہیں کہیں یہ بھی سننے میں آیا ہے کہ ہدی پرپمی چاہتے ہیں کہ پلتجابی پرها اُن کے لہ الامی نہیں ، اُن کی بات کو چھر کو ہم اِسے بھی بالکل نہیں سمجھ سکتے ، اِستوارس یہ بات میں کون کون کون رشہ الامی ہوں اور کون کون احتیارے یہ بات بہت چھوائی اور شکھا وبھائٹ کے جلے کرنے کی ہے ، همیں بھوگراً کے اور شکھا وبھائٹ کے جلے کرنے کی ہے ، همیں بھوگراً کے اور شکھا وبھائٹ انگریؤئی کے ازمی ہوئے میں کرنے اعتراض نہیں ، همیں اعتراض کے ازمی ہوئے میں اور ولا بھی پنجاب میں رہ کر ، آخر پنجابی کے اور کر پرانت بھر کی نوکریائ کام نے جانے سے ہندی وائوں کر پرانت بھر کی نوکریائ کام کے اور وبو یار میں جو نصابی رہ کا وہ جاتھ ھی ہے ۔

مم لے اپنے پنعواب کے دورے میں اور بھی کئی طرح کی پائیں سابی میں ، کھ جاتا ہے کہ یہ سارا جہاوا کچھ لوگیں کی مشیقیوں اور مماریوں کا جہاوا ہے ، اگر یہ سے ہے تو جاتا اور آئی گئیسے سیوکرں کو اس وہو بجھے جانجال سے جانی جادی مور بجھے جانجال سے جانی جادی میں اپنے میں اپنے میں اپنے میں اپنے میں اپنے

ल्या पर प्रका कर रहा है ? कीन किसकी है की कार पहार के पहार है ? हाल के पंजाब के तीरे में इसकी कार्य में बात कर चुके हैं, कोई मी. बिस दिन्दी अपने से अन्याद नहीं कर रहा है , इन्हार देशक क्षा दिन्दु की पहाड़ी या गुदगुली पहने से है . तक निक्का का नाम दिन्दी रक्षा सान्दोकन की जम्म प्रकृति कार्यालन कायर ज्यादा ठीक होता. इसके क्षित्रक सके हैं, वो ही ब्याय हो सकते हैं. मा मा भारत कि विकास कार्यों की बोल बाल की प्रशान प्रमाणिक कर्म प्रमाणिक प्रमाणिक जीर जिन में बोल श्राक की अक्षत हैं जी है बनका देश हिन्दी स्वा, दो जलग क्षान सके के सम्बारी के साथ बना दिये जावे और या अग्रं सार्रे प्रकृष्टिका एकं 'स्वा' वा एक 'राज' रखना है तो करेरी है कि पंजाबी इलाके में अधिकतर काम पंजाबी में हो और दिन्दी इलाके में दिन्दी में, और सिख और हिन्द भीर भीर सब लोग, पंजाबी शोलने बाले और हिन्दी बोलने बाले' सब प्रेम के साथ दोनों भाषाएँ और होनों लिपियां भन्छी तरह सीखें जिस से सारे पंजान के सन कामो में सबको आसानी हो जरूरत इस बात की है कि दिलों में बजाय नकरतों, ढरों और हुशमनियों के प्रेम, विश्वास और अर्थ चारे के भाव हों .

कहीं, कहीं यह भी सुनने में बाया है कि हिन्दी के प्रेमी आहते हैं कि पंजाबी, पढ़ना इनके लिये लाखमी न हो. जान की बात को छोड़कर हम इसे भी बिल्कुल नहीं समक सकते. स्कूलों में कीन कीन बिलव लाखमी हों और खीन कीन बाय करने की है. हमें मुगाल के लाखमी होने में कोई एतराज नहीं, शायद की नरीं के लाखमी होने में कोई एतराज नहीं, शायद की नरीं के लाखमी होने में कोई पतराज नहीं, शायद की नरें की लाखमी होने में मी कोई पतराज नहीं, शायद की नरें के लाखमी होने में मी कोई पतराज नहीं, शायद की नरें के लाखमी होने में मी कोई पतराज नहीं, हमें पतराज है केवल पंजाबी के लाखमी होने में मीर वह भी पंजाब में रहकर ! धालिर पंजाबी नेवारी से इतनी नाराखगी-क्यों ? पंजाबी न जानने से हिन्दी बालों को प्रान्य भर की नौकरियों, काम काज बीर ज्यापार में जो सुकसान रहेगा वह खहर ही है.

इसमें अपने पंजाब के दौरे में और भी कई तरह की बॉर्से सुनी हैं. कहा जाता है कि यह सारा मगदा इक बोगा की मिनिस्टरियों और मेंग्बरियों का मगदा हैं. अगर यह सब है तो जनता और उसके सक्त सेवकों को इस पहर हुने जीतान से जितनी अस्त्री हैं। निकस आना पाहिसे इसने स्वाहती किसे आदियों के मह कहते भी अपने

157. XY

an W لى جدد دند كل بسويا بر تصلد كرد يك الدالسايا كا رس في المواثل كو الله كو ديه أذهر عد يعي معاملت رف كيا ا ہر ترکی کو مدہ درے کر سیریا پڑ حمله کرنے کے لئے تیار کیا گیا" درکی میں ودروهی امویکی درویهگاندا اس سال زور در هے، روس نے پور ٹوکی کو بھی چٹاوٹی دیں ۔ معاملہ اِس سمے بیدن پر الكا موا هـ ، داعا يهر كي الله جس طرح كي خطرت كا مقام أبي سهريا بنا هوا ف أسى عارج كي شعارت كي مقام ايك درجون ار چاروں طرف کا خاص کر ابھارت کے چاروں طرف امیلے ہوئے هين ' نهين مين سه ايک مقام همارت تيبک اتر پنجيمي سرحد پر بھی فی ان حالتیں میں آجال کی کبٹی اوائی ساری دنیا کو اپنے گھورے میں لیکے بنا نہیں رہ سکتی ۔ کسی کے بھی بھول ا فلطی یا بہرواھی سے کل کہاں کیا ہو جارے كونم لميون كهد سكا، هدين أين ديه كي حالت أور سابلدهنان کا بھی بته هے ، أيسى پرستهتى ميں بنجاب جهسى سردن کے اُویر دیکی واسروں کے ایک گروہ کو دوسرے گروہ کے ورده ببرکا دینے سے بوم کر دیش کی نئی آزادی کو خطرے میں قال دينها دوسوا كلم تبهيل دو سكتا أور وه أِس الله كه ديهي كي دو یهاری بهاشاؤن یاحجایی اور مندی میں سے شرکاری کافق ایک میں لاتھ جاریو یا درسری میں یا دولوں میں یا اِس لله كه باره كهرى كي اكشهر أيك طرح المه جارين يا دوسری طرح ،

ہم اپنے مادی رکشا ساتی کے بھائیرں سے یہ کہے بنا بھی نہیں رہ سکتے که اپنے اِس غلط آور سے کے آندولی سے آنہوں لے سب سے ادمک نقصان راشار بهاشا هندی کو پهنجهایا هے م لے پنچاسبرس مادی کی سیواکی کے همیں یہ دیکھ کر دکھ مرتاف که انگال کے اور خاص کر داہوں نے وہ بھائی جو پہلے بھی حمارے اِس اندھ بن اور هماری کونا کے کارن هندی سے کچھ بدکے بدك رهيد ته أور الكريزي دو أس كي أجال كي جاء سه مانانا نہیں چاہتے کے اُن کی شکائیں پنجاب کے اِس مندی شکشا آندران سے بےچد بڑھ گئی میں ، پررپ اور دکھن کے مندی ورودهی آندوان کو بهصد بل مل گیا هے ، مندی شکشا سبیتی کے ٹیتاؤں کے بیان بھی خوب چہاہے جا رہے میں ۔ اُن لا کہنا ہے کہ اگر ینجاب کے پنجابی بولنے والے مذبی پریسی پنجابی کو ٹیوں سیٹ سکٹے تو اِس طرح کے ھندی پریدوں سے تمل اور تیلکو کے بیلے کی کیا آھا ہو سکتی ہے ا اِن کے کہنے میں بہت کچے سچائی ہیں دکیائی دیائی ہے ، اِس میں ڈرا نہی سندیہ تہیں که بدی یہ مندی عقما آندوان اسی طرح بعدہ دنیں اور چلتا رہ، تو بھارت کی پارلیمات کے أندر راعقر بهاها هندي كو التريزي كا استهان ديا جاسكنا پیومیں مرز چلا جارے گا، دیعن کے کئی کئی گیریں

की सदय देकर सीरिया पर हसला करने के किए क्कसाबा गया, रूस ने इजरेल को आगाह कर विया, क्यर से भी मामला दक गया फिर टरकी को सदद देकर सीरिया पर इसला करने के निये तैयार किया गया, टरकी में रूम विरोधी अमरीकी प्रोपैरीन्डा इस समय पूरे जोर पर है, कस ने किर दरकी को भी चेताबनी ही. मामला इस समय यहीं पर भदका हुआ है, दनिया भर के लिये जिस तरह के सन्दे का मुकाम आज सीरिया बना हुआ है उसी तरह के सतरे के मुकाम एक दरजन और चारा तरक. खासकर भारत के चारों तरफ, फैले हुए हैं, इन्हों में से एक मुकास हमारी ठीक **उत्तर-पच्छमी सरहद पर भी है. इन हालतों में बाजकल** की कोई लड़ाई सारी दुनिया को अपने घेरे में लपेटे बिना नहीं रह सकती. किसी की भी मूल, रालती या बेपरवाही से कल कहां क्या होजावे काई नहीं कह सकता. हमें अपने देश की हालत और अपने सम्बन्धों का भी पता है. ऐसी परिस्थित में पजाब जैसी सरहद के कपर देशवासियों के एक गिरोह को दूसरे गिरोह के विद्य भड़का देने से बढ़कर देश की नई आजादी को खतरे में डाल देने का दूसरा काम नहीं हो सकता, और बर इसलिये कि देश की दोप्यारी भाषाओं. पंजाबी और हिन्दी में से सरकारी काराज एक में लिखे जावे' या दूसरी में या दांनो में, या इसलिये कि बारह-खडी के पक्षर एक तरह लिखे जावें या दसरी तरह.

हम अपने हिन्दी रक्षा समिति के भाइयों से यह कहे विना भी नहीं रह सकते कि अपने इस रालत और क्रममय के भान्दोलन से उन्होंने सबसे अधिक नुक्रसान राष्ट्र भाषा हिन्दी को पहँचाया है . हमने पचास बरस हिन्दी की सेवा की है, हमें यह देखकर दख होता है कि बंगाल के और जासकर दक्षिण के वह भाई जो पहले भी हमारे इसी अधे-पन और हमारी कट्टरता के कारण हिन्दी से कुछ बिद्के बिदके रहते थे और अंगरेजी को उसकी आजकल की जगह से हटाना नहीं चाहते थे उनकी आशंकाएं पंगव के इस हिन्दी ग्रष्टा आन्दोलन से बेहद बढ़ गई हैं. पूरव श्रीर दक्किन के हिन्दी विरोधी आन्दोलन को बेहद बन मिल गया है . हिन्ही रक्षा समिति के नेताओं के बयान दक्षिए में ख़ब छापे जा रहे हैं . उनका कहना है कि कागर पंजाब के पंजाबी बोलने वाले हिन्दी-प्रेमी पंजाबी को नहीं सह सकते तो इस तरह हिन्दी प्रेमियों से तमिल और तेलग् के मले की क्या आशा हो सकती है! उनके कहने में बहत कुछ सच्चाई भी दिखाई देवी है . इसमें जारा भी सन्देह नहीं कि याद यह हिन्दी रक्षा आन्दोलन उसी तरह कह दिनों और बलता रहा तो भारत की वार्जिमेन्ड के अन्दर राष्ट्र माथा हिन्दी का अगरेजी का स्थान दिया जा सकना पीदियों दूर बला आवेगा . देश के कई कई दुकड़ों

أور الناعي أيديش دار . سانه هي يلتجاني مين كلنسه الله كادسم كالي يهي سيكون الله المرتسر كِن كُليس مين كُنَّه جارهے هيں اور أبج نك كلنے جاتے جيس . سيم يه ف اله دنيا كي الرئي بهاشا باك ها ته ناياك . الم سنسكوت عربي هم زياده ياك أور ثم عربي سنسكوت هم زياده پاک اور نه اِن دونوں میں سے کوئی چینی جایانی اورسی الاطیلی و فرانسیسی یا دنیا کی کسی اور بهاشا سے پاک ہے۔ یا بول کھے کہ دنیا کے سب بھاشائیں ایک برابر یاک اور ایک برابر تایاک هیں . ته توثی بهاشا دیوناؤں کی بهاشا هے اور قم کوئی بولی فرشتوں کی ہولی ہے ، بھاشائیں اور ہواماں سب آدمین کی بولیاں هیں . کم یا ادمک سب میں اچھی چیزیں بھی مایں گی اور برس چورس بھی ، بھاشا کھول ایک سادھوں ہے وجاروں کے آدان پردان کا، بھاشا کوئی دیری یا دروتا نہیں ۔ جو بهاها جس سم جيان جس حالت مين منين سب س*ه* اجها كام درم وهي أس سمه كے لئے سب سے آدامك أجت هـ . ایس طرح کے اندھ رشواس یا مر گراہ نسی بھی دبھی یا قوم کو منا سکتے هیں اور میں بہرت دال سکتے هیں انهیں برباد کر سعد مدن پر آن کی اُنندی یا وکس میں سیایک نهیں هو سعتے ، به الگ بات هے که کسی دو کسی بہاتا میں آپنے دھرم گرنتھ عدنے کے کارن یا اُس کے اپنی ماتر بھاشا ھونے کے کارن اس سے وشرهی دریم یا ، لحصهی کسی دوسری بهاتنا سے دوش کا کارن تبین ہوتی چاہئے ، اِس طرح کی سب یاتی میں یہ النے دل یر جما اینا چاہئے که سب کی اثنتی اور سب کے بالے مين هي هر ايک کا بهلا هـ .

دنیا کی انتر راشتری اِستیتی سے چو آدمی کچھ بھی
پریجھت ہے وہ دیتھ سکتا ہے کہ دنیا اِس وقت ایک بہت بڑے
سننٹ میں سے نکل رھی ہے ، جکہہ جگہ، وہ خطراناک مسالے
چہا ھو رہے ھیں ، اور بھینکر استیتیاں پھڈا ھو رھی ھیں جو
کسی سمہ بھی کہیں بھی بھڑک کر ساری دنیا کی آزادی،
خوشجالی اور اُس کے وجود تک کو خطرے میں دال سکتی
ہے کیول ایک مثال کئی ھو گی ، حال میں سیریا یعنی
شام کی سرکار کو ہتھیاروں کی ضورت پچی آئیوں نے امریکہ سے
متعیار خریدیا چاھ، امریکہ نے ہےتکی شرطیں پیش کو دیں ،
میریا نے روس سے باددگی روس نے بنا شرط سیریا کے هابه هتھیار
بیجھنا منظور در لیا، ھتھیار خرید لئے گئے، امریکہ نے سیریا کو
بیجھنا منظور در لیا، ھتھیار خرید لئے گئے، امریکہ نے سیریا کو
بیجھنا منظور در لیا، ھتھیار خرید لئے گئے، امریکہ نے سیریا کو
بیجھنا منظور در لیا، ھتھیار خرید لئے گئے، امریکہ نے سیریا کو
بیجھنا منظور در لیا، ھتھیار خرید لئے گئے، امریکہ نے سیریا کو
بیجھنا منظور در لیا، میں درسی جہازی بیزا بھی رہانی آئید

कीर क्रीमती उपरेश दिये. साथ ही पंजांत्री में गंदे-से-गंदे गाने भी सैकड़ों बरस से लाहीर और असूतसर की गतियों में गाए जाते रहे हैं. भीर भाज तक गाए जाते हैं. सच यह है कि दुनिया की कोई भाषा न पाक है और न नापाक. न संस्कृत अरबी से जियादह पाक और न अरबी संस्कृत से जियादह पाक, और न इन दोनों में से कोई चीनी, जापा-नी, रूसी, लातीनी फांसीसी या दुनिया की किसी और भाषा से जियादह पाक है. या यूँ कहिये कि दुनिया की सब भाषाएँ प्रश्न बराबर पाक और पक बराबर नापाक हैं. न कोई भाषा दवताओं की भाषा है श्रीर न कोई बोली फ़रिश-तों की बोली है, अव एँ और बोलियाँ सब आद्मियों की बोलियों हैं. इस या श्रविक सब में श्रव्छी चीजे भी मिलें-गी और बरी चीजें भी. भाषा केवल एक साधन है विचारों के आदान प्रदान का. भाषा कं है देवी या दवता नहीं. जो भाषा जिस समय जहाँ जिन हालान में हमें सब से अच्छा काम दे वही उस समय के लिये सब से श्रधिक उचित है. इस तरह के अधिवश्वास, या मृद्याह किसी भी देश या क्रीम का मिटा सकते हैं, उनमें फूट डाल सकते हैं, उन्हें बरबाद कर सकते हैं, पर उनका उकति या विकास में सहायक नहीं हो सकते. यह अलग बात है कि किसी को किसी भाषा में अपने धर्म प्रंथ होने के कारण या उसके अपनी माल भाषा होने के कारण उससे विशेष प्रेम या दिलचस्पी हो. पर यह दिनचर्या किसा दसरी भाषा से हें प क करण नहीं होनी चाहिये. हमें इस तरह की सब बातों में यह अपने दिलपर जमा लेना चाहिये कि सब की उन्नति में ही हर एक की उन्नात और सब के भले में ही हर एक का भला है.

दुनिया की अन्तर राष्ट्रीय स्थिति स जो आदर्मः कुछ भी परिचित है वह देख सकता है कि दुनिया इस वक्त एक बहुत बढ़े सकट में से निकल रहा है, जगह जगह वह कतरनाक मसाले जमा हा रहे हैं और अयंकर स्थितियाँ पैदा हो रही है जो किसा समय भी कहा भी भड़क कर सारी दुनिया की श्राजादी, खराहाली और उसके बजूद तक का खतरे में डाल सकता हैं. कवल एक मिसांल काकी होगी. हाल में सीरिया यानी शाम की सरकार को हथियारों की जहरत पड़ी, उन्होंने अमरीका से हथियार खरीदना चाहा, अमरीका ने बेतुकी शरते पेश करदीं. सीरिया ने रूस से बात की, रूस ने विना शर्ते सीरिया के हाथ हथियार बेचना मंजूर कर लिया, हथियार खरीद लिये गए, अमरीका ने सीरिया को घमकी दी, अमरीकी जहाजी बेड़ा सीरिया के किनरे पर आ धमका, सीरिया चनराया. कि इतने में रूसी जहाजी बेड़ा भी वहीं आ पहुँ चा, अमरीकी नंसवे कहा देर के लिये ठंडे होगए. अब इजरेल को हथियारों

बार दुहराना पड़ता था और सुनने बालों के जानन्द प्रद्र-रान से हाल बार बार गूँज उठता था, इसी तरह का राजरबा हमें और भी अनेक बार हुआ है और हमें विश्वास है कि पंजाब के जन्दर और भी हजार और लाखों को हुआ होगा. पंजाबी एक जीवित भाषा है और बड़ी सुन्दर, प्यारी और धनाड्य भाषा है.

पंजाब में आजकल एक "हिन्दी रक्षा समिति" है. सुना है उसकी ओर से कहा जाता है और प्रचार किया जाता है कि हिन्दुओं की भाषा हिन्दी है. यह कहना भी बहुत ही सलत और खतरनाक है. अगर हिन्दुओं की भाषा हिन्दी है तो यह तय करना पड़ेगा कि श्री राजगंगालाचारी हिन्दू कहे जा सकते हैं या नहीं. और स्वयं हिन्दू सभा के पिछले सदर श्री एन० सी० चैटरजी हिन्दू हैं या नहीं. कोई बड़े से बड़ा हिन्दु को श्रपनी सातृ आषा मानने को तैयार नहीं होगा. वह हिन्दी को श्रारत की राजभाषा या राष्ट्र भाषा मानने को तैयार हो सकता है पर अपनी मातृ भाषा पूरे गवे के साथ चसी साथा को कहेगा जो वह अपनी मां बहनों के साथ घर में बोजता है. भाषाएँ घर्मों की नहीं हथा करतीं, भाषाएँ इलाक़ों और देशों की होती हैं.

इस तरह की रालत फहमियों की जब में एक खास विचार यह काम करता हुआ मालूम होता है कि काई भाषा पाक है और बोई नापाक. यह विवार भी बहत ही रालत विचार है. हमारे एक मित्र जिन्हें उर्द से कुछ नाराज्या है और जो संस्कृत के बढ़े भक्त हैं एक बार इससे कहने लगे कि उर्दे साहित्य और खास कर उरद शायरी में कशलीलवा बहुद होती है. पर जब हमने इस विषय में संस्कृत साहित्य का उन्हें हाल बताया तो वह क्रम्र साचने लगे. चाज से चन्द्रन बरस पहले हम बी • ए० में संक्षत पढते थे. महाकवि कालिदास रचित कुमार-सम्भव पढ़ाते पढ़ाते जगह जगह वह प्रसंग आ जाते थे. जहाँ हमारं महाराष्ट्र प्राफ्रेसर श्री रामचन्द्र हरि हरलिकर कुछ मे पते हुए और कुछ मुसकराते हुए विच थियां से कह देते थे;- 'इसे आप अपने मन ही मन में पढ़ लीजिये, ' शायद कांड्रे (पता अपनी पुत्री के सामने उन श्लोकों कां पढकर व्यक्त अर्थ नहीं कर सकता. हम नाम लेना नहीं चाहते. पर इससे भी कहीं अधिक अशलील साहित्य भी संरक्षत में भरा पड़ा है, इसी के साथ-साथ स स्कृत में वह साहित्य भी है जो दुनिया के ऊँचे-से-ऊँचे साहित्य में स्थान पा सकता है और पाता है, अरबी क्रुरान की भाषा है साथ हा अरबी के अंदर मुहम्मद साहवें से पहले की और चनके बाद की अशलीज यें अशलील कविताएँ भी मिलेंगी. पंजाबी वह भाषा है जिसमें गुरू नानक ने अपने प्रेम भरे

بار دوهرالیا پوتا تها اور سننے والیں کے آتند پردرشن سے هال بار بار گرنیج ألبا تها ۔ اِسی طرح کا تجربه همیں اور بھی انیک بار هوا هے اور همیں وشواس کے که پنجاب کے اور بھی هزاروں اور لائیس کو هوا هو کا ۔ پنجابی ایک جھوت بهاشا هے اور بری سندر پهاری ار دهماذیه بهاشا هے

پنجوب میں آجائل ایک "اعدی شاک سیتی الله که سنا هے اس کی اور سے دیا جاتا هے اور پرچار کیا جاتا هے که الملدوں کی بہاشا هندی هے یہ کہنا بھی بہت قلط اور خطراناک هے ، اگر ماڈوں کی بہاشا هن تو یہ طبے کوتا پڑے گا که شرق راج گرالا اُچاریہ مادو کہا جا سکتے دیں یا نہیں اور سریم هندو سیبا کے پنچیلے صدر شرق این سی، چار جی هندو دیں یا نہیں کوئی بڑے سے برا دندتو پیسی مدراسی یا بخائی یا گہوائی یا مہاراشار سائنا مادا بہاشا مائنے کو نیار شہیں ہوگا ، وہ هندی کو بہارت کی راج بہاشا یا راشار بہاشا مائنے کو نیار آسی بہاشا کو کہا تا چو وہ اپنی مائر بہاشا ہورے گرو کے ساتھ آسی بہاشا کو کہا چو وہ اپنی مائر بہاشا ہورے گرو کے ساتھ اسی بہاشا کو کہا تھی بہاشا کو کہا ہو میں بہاشائیں دھرموں کی نہیں ہوا کرتیں ، بہاشائیں مائر ہیا کہا کرتیں ، بہاشائیں عادری ہوتی ہوتا کو بہات

رس طرح کی غلط فہمیوں کی جو میں ایک خاص مجار ته كام كرتا هوا معلوم هوتا شد كه كوئي بهاشا ياك في أور كوئي اپاک ، یه وچار مهی مهت غلط وچار هے ، همارے ایک متو جنہیں اردو سے دچھ فارافکی ہے اور جو سنسکرت کے بڑے بوعت هدر ایک بار هم سے کهکے لاے نه اردو ساهت اور خاص در اُردو شعرى ميں اللطياتا بہت هوتى هے يرجب هم لے إس وشه مين سلسمرت ساستيه كا أنهين حال بتايا تو وا كجه سوچنے لکے . أب عد چوں برس پہلے هم بی، أب ميں سنسكوت يوعاء له مهانوي كالمداس رجت كمار سمبهر يوع تے بوعاتے جکیء جگید و پرسنگ آ جائے نہے جہاں ممارے مهاراشڈر يروفيسر شرمي رام چندر هربي هرايهر كعجه چبهتم هوتم أور كعجه مسعراتے هوئے ودايرتهيوں سے كها ديتے تھے:--"ارے آپ اپنے من عي من ميں يڑھ ليجئي ٥٠٠ شايد كوئي يتا أيني يتوى كے سامنے أن شلوكون كو يوه كو أن كا أرته لهين در سكتا . هم مان لينا نہیں چاہتے کر اِس سے بھی کہیں ادمک اشلیل ساھتھ سنسارت میں بهرا پڑا ہے ، اِسی کے ساتھ ساتھ سنسارت میں وة ساهدته بهي هے جو دنيا كے ارتجے سے أولجے ساھاليه مين استهان يا سعد هي عربي قرأن كي بهاها هي ساته هي عربی کے اندر محمد صاحب سے بہلے کی اور اُن کے بعد ني أهليل سے اهليل كويتائين بھى ملين كر . ينجابي رة بهاها هے جس میں گروناتک لے اُسے پریم بھوے

(246)

257 mgs

رائي

हन्दू को नहीं समक सकते जो अस्तसर या जाललन्धर में जन्म लेकर अपनी मां बहनों के साथ पंजाबी बोलता है जोर अपनी मातृभाषा हिन्दी बताता है, मातृभाषा उस जीर केवल उस भाषा को कहते हैं जिसमें हमारी मां सब से पहले प्यार के साथ हमें तुतलाना सिखाती है. हम यह कहे बिना नहीं रह सकते कि जो अपनी मातृ भाषा से प्रेम नहीं रखता उसका किसी भी दूसरी भाषा के साथ प्रेम टिकाक या विश्वास की चीज़ नहीं हो सकता. हरियाना जैसे इलाके के लोग जो सचमुच हिन्दी बोलते हैं अगर हिन्दी में ही अपनी वालीम और अपना दफतरी कारबर धाहते हैं तो उनकी बात समक में आ सकतीहै.

यह कहना भी कि पंजाबी कोई भाषा नहीं, बल्कि केवल खड़ी बोली हिन्दी की ही एक डाइलेक्ट यानी 'उप भाषा, है, बिलकुल ग़लत और वेमानी है. डाइलेक्ट वा उपभाषा की परिभाषा हम किसी भी कोष या भाषा विज्ञान की किसी भी प्रमाणिक पुस्तक में देख संकते हैं. भारत के विधान में देश की चौदह मुख्य भाषाएँ गिनाई गई हैं जिनमें से एक पंजाबी है. उप माषाएँ भारत भर में डाई सी के लगभग हैं, जो आदमी पंजाब से कुछ भी परिचित हो वह जानता है कि पंजाबी की अपनी अनेक उपभाषाएँ हैं जो सब साफ साफ एक ही माषा की अलग अलग शैलियाँ विज्ञाई देती हैं.

यह दलील कि पंजाबी का अपना कोई साहित्य नहीं और भी अधिक लचर दलील है, मंथ साहब से बढ़कर ऊँवा और उपयोगी साहित्य और क्या हो सकता है ? और अगर अगार रस की वीजों ही साहित्य मानी जाती हों तो ''हीर रांका'' दुनिया के साहित्य में कम कीमत की बीज नहीं है. हमें मालूम है कि जरमनी के कई विश्व विद्यालयों में ''हीर रांका'' ऊँ ची से ऊँ वी डिगरी के कोसी में पढ़ाया जाता था, और दुनिया के विश्वविद्यालयों में उसे आदर का स्थान मिला हुआ है.

भाजादी से कुछ बरस पहले की बात है कि लाहीर के में बला हाल में एक बहुत वड़ा कि सम्मेलन और मुशायरा हो रहा था. हम भी मौजूद थे. अनेक कियों ने हिन्दी में अपनी रचनाएँ पढ़कर सुनाई और अनेक शायरों ने वहूँ में अपनी नजमें सुनाई. में बला हाल मोताओं से उसाउस भरा हुआ था. वहूँ और हिन्दी दोनों वरह की किवताएँ फीकी पढ़ रहीं थी. उनमें से काइ भी सुनने वालों के दिलों का अभरी हुई माजूम नहीं होती थीं, इतने में अभेड़ उसर के एक मुसलभान कि ने, जिनका तखरुलुसहमें आज तक बाद है '११के इलाही' था, पंजाबी में अपनी किवता नदीं और सारा हाल कड़क वठा. एक एक शेर को उन्हें बार الم المراق الم المال الله المراق المالون المراق ال

یه کہنا ہو که پنجابی کوئی بهاشا نہیں' بلکه کیول کوتی بولی هندی کی هی ایک ڈائی لیکٹ یعنی 'آپ بهاشا' ها' بالکل ظما اور پرایمائی هے ۔ ڈائی لیکٹ یا آپ بهاشا کی کسی بهی پرامائک پستند میں دیکھ سکتے هیں ، بهارت کے ردھان میں دیھی کی چودہ منهیت بهاشا گلائی گئیں هیں' جن میں سے ایک پنجابی هے ، آپ بهاشا ہیں بهارت بهر میں ڈھائی سو کے رج آدمی پنجاب سے نجھ ، بهی پرچت اور کی بہک میں جو آدمی پنجاب سے نجھ ، بهی پرچت اور میں دیکائی وہ جانتا هے نه پنجابی کی آپلی آدیک آپ بهاشائیں هیں جو سب صاف ایک هی بهاشا کی آلگ آلگ شهایاں دیکائی سب صاف ایک هی بهاشا کی آلگ آلگ شهایاں دیکائی دیتی هیں .

یه دلیل که پنجابی کا کرئی آینا ساعتیه نهیں آور بھی ادھک نجر دلیل ہے۔ گرنتم صاحب سے بودہ کر آونچا آور آئیوکی سامتیه اور کیا ہو سکتا ہے ؟ آور آگر شرنگار رس کی چیزیں ھی ساھتیه مائی جاتی ھوں تو ''ھیر رانجہا'' دنیا کے ساھتیه میں کم قیمت کی چیز نہیں ہے ، ھمیں معلوم ہے کہ جرمنی کے کئی وشودیالیں میں ''عیررانجہا'' آونچی سے آونچی سے آونجی تاری کے کورسوں میں پرھایا جاتا تیا' آور آج بھی دنیا نے وشودیالی میں آسے آدر کا استہاں مقدوا ہے ،

آزادی سے نتھے ہوس پہلے کی بات کے کہ العور کے بولا عال میں ایک بہت بڑا کہی سمیان اور معامرہ ھو رھا تیا ، ھم بھی موجود تھی ایک کوئیوں نے ھندی میں اپنی رچنائوں پڑھ کو سنائیں اور امیک شاعروں نے اردو میں اپنی نظمیں سنائیں ، برلا ھال شروناوں سے ٹیسائیس بورا ھوا تیا ، اردو اور ھندی دونیں طرح کی کویتائیں پیکی پڑ رھی تھیں ، اُن میں سے کوئی بھی سنانے والوں نے دارس کو چھیٹی ھبئی معلوم نہیں دیٹی لی و اِنٹی میں ادعیز عمر نے ایک مسلمان کوی نے نک یاد ہے مشتی الہول نہا ہمیں اپنی درینائیں پڑھی اور مشتی الہول نہا ہمیں اپنی درینائیں پڑھی اور مشتی الہول نہا ہمیک ایک میں اینی درینائیں پڑھی اور مشتی الہول نہا ہمیک ایک میں اینی درینائیں پڑھی اور

सीय अनिवार्य हैं. महाई और बुराई भी अब में होती है. पर कोई इन्कार नहीं कर सकता कि आर्थ समाज का इस देश के ऊपर बहुत बड़ा एहसान है. अनेक क्षेत्रों में उसके प्रचार और काम की देश को अब भी बड़ी जरूरत है. आई अनस्याम सिंह गुप्त, जो आर्य सार्वदेशिक सभा के अध्यक्ष की हैं[स्वत से पंजाब के इस हिन्दी आन्दोलन को जला रहे हैं, इमारे पचास बरस से ऊपर के धनिष्ट मित्रों में से हैं. उनकी नेकी और संवाई का हमारे दिल में बहुत बड़ा मान है,

हिन्दू सभा के नेता भाई परमानन्द के साथ बरसों हमारा गहरा सन्दन्ध रहा है. भाई सावर कर के साथ हमारा पत्र व्यवहार लोकमान्यतिलक की माफत सन् 1907 में उस समय हुआ था जब वह इंगलैन्ड में पढ़ रहे थे और वही बैठे बैठे देश की आजादी के सपने देल रहे थे. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक, गुरू गोलवलकर के गुड, डक्टर हिडगेवार के साथ नागपुर में हमने बरसों गांधी जी के आन्दोलन में मिलकर काम किया है. उन दिनों के असहयोग आन्दोलन में डाक्टर हिडगेवार के शरीर का पुलिस की लाठियों से बुर चूर किया जाना हमें आज तक प्रेम और दह के साथ याद है.

जहाँ तक सिख धर्म का सम्बन्ध है इसने प्रम्थ साहब को ज्वान और श्रद्धा के साथ पढ़ा है. इस अनेक बार कह चुके हैं और इसारे दिल में यह विश्वास जमा हुआ है कि षदि पंजाब ने गुढ नानक ही की शिक्षा पर अमल किया होता तो पंजाब में हिन्दू. मुस्तिम, हिन्दू-सिख वा किसी वरह के भी साम्प्रदायिक मगड़ों का हो सकना असम्भव होता और पंजाब आज साम्प्रदायिक मेल मिलाप की निगाह से सारे भारत का सर्थाज दिखाई देता.

इमारा दिल इरगिज यह मानने को तयार नहीं है कि किसी भी धर्म, दल या सन्त्रदाय का कोई भी भारतवासी जान बुककर देश में फूट बालना चाहता है या देश के टुकड़े करना चाहता है, दांच दिलों का नहीं है, दांच के उल समम. का या देश की समस्याओं पर सोचने और उन्हें सममने के उन तरीक़ों का है जो आज़ादी से पहले के दा सी बरस तक विदेशी शासक अपने तुष्क स्वार्थ के लिये हमें सिखा ते पहाते रहे,

इस तरह के कागड़ों में आम तीर पर कुछ न कुछ जिम्मेदारी दोनों तरफ की होती है. कुछ न कुछ सर्व भी दोनों तरफ होता ही है फिर भी माटे तौर पर हम इस सिख को समक सकते हैं जो अमृतसर या आलन्बर में रहकर अपनी मां बहनों के साथ पंजाबी बाजता है, पंजाबी को अपनी मातृभाषा, कहता है और चाहता है कि पंजाबी में ही रक्के कुछवों की तालीम हो और पंजाबी में منعه اتنهار کے بیاتی آور؟ برائی نہی سب میں خوتی کے اورد انگار کوئی ٹیب میں کو سکتا کہ آریہ سانے کا اِس دیکس کے آورد بہت ہوا اُحسان کے آلیک چھیکروں میں اِس کے پرچار آور کام کی دیکس کو آب بھی بوس ضرورت کے بہائے گینھیام ستک گہت جو آریہ سردیشک سبھا کے ادعیکس کی حیثیت سے پنجاب کے اِس ہندی آندولی کو چلا رہے میں' مبارے پنجاب برس سے آریو کے گینگلام متروں میں سے میں ، اُن کی تھی اور سنجائی کا مبارے دل میں بہت برا مان ہے ،

ھندو سبھا کے قینا بھائی پرمافند کے ساتھ برسوں ھارا گہرا سندھ رہا ہے۔ بھائی ساور کر کے ساتھ ھارا پٹر وبوھار لوکانیء تاکہ کی معرفت سن 1907 میں آسسے ھوا تیا جب وہ انگلفتہ میں پڑھ رہے تھے اور وہیں بیٹھے بیٹھے دیھی کی آزادی کے مہنے دیع رہے تھے ، راشٹریم سویم سیوک سنٹھ کے ساسلیاپک گرو گیل واکو کے گرو کا اکثر ھت کوار کے ساتھ ناگیور میں ھم نے برسوں گاندھی جی کے آندوائی میں مل کر کم کیا ہے ۔ اُن دنوں کے آسیوگ آدوائی میں تا انثر ھذکوار کے شوہر کا پولیس کی آلیوں سے چور چور کیا جاتا ھمیں آج تک پریم اور درد کے ساتھ یاد ہے ۔

جہاں تک ساتھ دھرم کا سمبندہ کے ہم آئیک بار آپا چاہے ہیں دھیاں اور شردھا کے ساتھ پڑھا گے ۔ ہم آئیک بار آپا چاہے ہیں ارر همارے دل میں یہ رشواس جما ہوا گا کہ یدی پنجاب نے گردانک ھی کی شکشا پر عمل کیا ہوتا تو پنجاب میں هندو مسلم فندو ساتھ یا کسی طرح کے بھی ساتھردائک جھاڑوں کا ہو سکنا اسمبھر ہوتا اور پنجاب آئے سامہردائک میل ملاپ کی فو سکنا اسمبھر ہوتا اور پنجاب آئے سامہردائک میل ملاپ کی فاتا ہو ساتھ بارت کا سرفانے دکھائی دیتا ،

ھمارا کا مرکو یہ ماننے کو تیار نہیں ہے کہ کسی یہے دعرم دال یا سامہردائے کا کوئی بھی بھارتواسی جان بوجھ کو دیھی میں پھوٹ ڈاننا چاہتا ہے یا دیھی کے ٹائوے کرنا چاہتا ہے یا دیھی کی سسجھ کا یا دیھی کی سسجھ کی سسجھ کا یا دیھی کی سسبھاؤں پر سوچنے اور آنہیں سمجھنے، کے اُن طریقوں کا ہے جو آزادی سے پہلے کے دو سو برس تک ودیشی شامک اپنے تجھ صوارت کے لئے همیں سامائے پوھاتے رہے ،

اِس طرح کے جھاتوں میں عام طور پر کھچھ کمچھ ڈمکداری دونوں طرف کی دونوں گے ، کھچھ نہ کھچھ سلیہ بھی دونوں طرف عورتا ھی گے ، پھر بھی دوئے طور پر دم اُس سکھ کو سمجھے سکتے میں جو امراسر یا جابلدمر میں رہ کر آپلی ماں بہلوں کے ساتھ پنجابی دولتا گے ، پنجابی کو ایلی ماتر بھاتا کہا گے اور جامتا گے کہ پنجابی میں م

هندی اور بنجابی کا جهکرا

हिन्दी और पंजाबीका सन्हा

पंजाब में हिन्दी और पंजाबी का मराड़ा काफी जोरों के साथ चल रहा है. थाम तौर पर वहाँ के हिन्दू हिन्दी के तरफदार हैं और सिख पंजाबी के. इस तरह इस मगड़े ने दिन्दू मिल वैभनस्य का रूप ले लिय। है, मामल। यहाँ तक बद चुका है कि कहीं, कहीं शहरों में दोनों दलों के जुलून निकलने हैं जिनमें मिखां के तरक से ''टोनी धोनी जमना पार," श्रीर हिन्दु श्रीं की तरफ से "क्रैंबी उस्तरा है तै गर." के नारे तक बुजन्द किये जाते हैं. कहीं कहीं इससे भी अधिक शर्मनाक और दर्दनाक घटनाएँ हो चु की हैं. जिन्हें इतिहास जितनी जल्दी जल्दी भूल जाने उतना ही अच्छा है, यद हालत इसी तरह जारी रहा श्रीर वैमनस्य बदना गया ता हर है कि देश के और अबिक दुकड़े करने पड़ जावें और आवादी के तकाद जे. .खून खरावा और तरह तरह के पापों के वही दृश्य फिर देखेंन पड़े जा सन् 47 में देखने पड़े थे. आज कत की अन्तर राष्ट्राय सिंथति में देश इष्यत की, स्वाधीनता श्रीर सुरक्षा पर इपका कितना बुरा भासर पड़ सकता है यह साचने की चीज है. कुछ नेक लोंगों की तरफ से मेल और सममीते की काशिशे' भी जारी है.

इन सारे घरेलू का हे में कुछ संस्थाओं और दतों के नाम खास तौर पर सामने छा रहे हैं, जैसे छाउँ समाज, हिन्दू महासभा और जनसंघ, राष्ट्रीय स्थय सेवक संघ, भकाली दल, कुछ छसन्तुष्ट छथवा साम्प्रदायक हाष्ट-कोण बाते कामसी इत्नाद. खबर है कि कुछ बिदेशी साम्राज्य प्रेमी भी कुछ देशों पूँजी पतियों की मारकत, हमारे इस घरेलू कगड़े में दिल बस्पी ले रहे हैं.

विवारों या आद्रशां का मतम द एक अलग चीज है. रालत विवारों या रालत आद्रशां पर चलने की काशिश कर के कीमें मिट भी मकती हैं और मिट चुकी हैं पर हम यह नहीं मानते कि देश का काई भी दत्त या कोई भी व्यक्ति जान बूककर देश में कूट डाजने और देशवासियों को एक दूसरे से लड़ाने की काशिश करेगा. आर्य समाज के साथ हमारा साठ बरस का गहरा सम्बन्ध है. बरसों हमने लाहीर के द्यानन्द ऐंगलों वै.दक कालिज में शिक्षा पाई है. वहीं से हमने सन् 19.5 में बी० ए० किया था. महात्मा हंसराज के बरयों में बैठकर हम पढ़े हैं. लाला लाजपत राय के साथ हमारा घनिष्ट सम्बन्ध रहा है स्वामी अद्धा नन्द का भी हमें प्रम प्राप्त रहा है. देश भक्ति और देश-सेवा के सबसे पहले पाठ हमन आर्य समाज हो की गाद में पढ़े हैं. व्यक्तियों की तरह संस्थाओं और सोसाइटियों की सिल्वारें हांती हैं, उनका भी जन्म, जवानी, बुदापा और

پلتجائي ميں هادي أور پلتجا بي لا جيارا گاي زوروں سے نچل رھا ہے ، عام طور پر وہاں کے علدہ علدی کے طرفدار ھیں اور سکو بنجامی کے ، اِس طرب اِس جیکرے کے هادو سکو ولمنسيه كا روب لي ليا هي معامله بهال نك بوه چكا ها كه كهين کہوں شہریں میں دوئرں داہی کے جلیس تکلتے ہیں جی میں سکیں کی طرف سے "ثربی دعوتی جمنا پار" اور مندوں کی طرف سے 'الینچی اُسترا ہے تیار !'' کے نارے تک بلند کھ جاتے میں ، کہدں کہدں اِس سے بھی ادعک شرمدک اور لرداناک گهندائیں هو چکی هیں؛ جنهیں آلهاس جننی جال المول جاوے أنذا هي أجها هے ، بدي يه حالت إسى طابع جاري رھی اور ویسنسیہ بوعا کیا تور رہے کہ دیھی کے اور ادھک الكوم كرائي يو جاويل أور أبادي كے تبادلے يبي حواب أور طارح طرح کے پاپس کے رهی درهی بهر دیکھتے پریں جو سی عام میں دیکھلے پڑے تھے۔ آج کل کی انترراشارید استعلی میں دیکھلے پڑے اسوادھولنا اور سورکھا اس کا کتنا برا اثر پڑ سکتا الله يه سوچال كى چهز الله . كحيه نهك لوگين فى طرف سه ميل أور سمجهوتے كى كوشھى بھى جارى ھيں .

اِس سارے گھرباو جرائزے میں کنچھ ساستھاؤں اور داہی کے نام خاص طور پر سامنے آرہے ھیں جیسے آریہ سماۓ ھندو مہاستھا اور جن سنکھ راشڈریه سیوک سنکھ اکالی دال کنچریسی اسلاھک انہوا سامہردائک درشلی کوررں والے کانکریسی آنھائی ، خبر ہے که کنچھ ودیشی سامہ اُنے پریمی بھی کنچھ دیشی پرلنجی پائیوں کے موانت ممارے اِس گوریلو جھکوے میں داھیسیے لے رہے ھیں ۔

وچاروں یا ادرشوں کا ست بھید ایک انگ چیز ہے . غلط وچاروں یا فلط آدرشلوں پر چلنے کی کوشش کر کے تو میں ممف بھی سکتیں ہیں اور مت چکی ہیں . پر ہم یہ نہیں مائٹے کہ دیھی کا کوئی بھی ویکئی جان بوجه کو دیھی میں پہوت ڈالنے اور دیھی واسیوں کو ایک دسرے سے لوالے کی کوشش کرے گا . آریہ سماج کے ساتھ همارا ساتھ بوس کا گہرا سمبندہ ہے ، برسوں ہم لے الامور کے دیانند اینکلو ویدک کارا سمبندہ ہی شمطا پائی ہے ، وہیں سے ہم نے سن 1907 میں کالیے میں شکھا پائی ہے ، وہیں سے ہم نے سن 1907 میں بوجہ ہیں . اللہ الجہت رائے کے ساتھ همارا گہنشت سمبندہ رما پوجے ہیں ، اللہ الجہت رائے کے ساتھ همارا گہنشت سمبندہ رما ہے . دیھی پوجے ہیں ، ادر کا بھی ہمیں پریم پرایت رہا ہے . دیھی بھی اور دیش موا کے سبسے بہنے پائے ہائے ہم نے آریہ سماج ہی کی کود میں پڑھ میں ، ویکٹور کی طرح منستہاؤں اور سوسائٹیوں گرد میں پڑھ میں ، ویکٹور کی طرح منستہاؤں اور سوسائٹیوں گی بھی عمویں ہوئی میں ، ویکٹور کی طرح منستہاؤں اور سوسائٹیوں گی بھی عمویں ہوئی میں ، ان کا بھی جنم ، جوانی ، بومایا اور

वस सीरिया के हाथ बिना शर्त हथियार बेचने को तैसार हो गया. हथियार उस से खरीद लिये गए. इस पर अम-रीका ने तरह तरह से पतराज किया. सीरिया एक आजाद देश है. उसने जो कुछ किया उसका उसे पूरा अधिकार था. किसी बाहर की ताक़त को उसमें दखल देने का हक नहीं पहुँचता. फिर भी अमरीका का है नम्बर फौजी जहाजी बेढ़ा सीरिया के किनारे पर आ धमका, सीरिया को खतरा हुआ, बेजा शरतें सीरिया की सरकार के सामने पेश की जाने लगी जिन्हें मानने से सीरिया ने फिर इन-कार कर दिया. इस को ख्वर लगी. सीरिया की इजाजत से एक इसी बेड़ा भी इसी जगह पहुँच गया. इन पंक्तियों को लिखते समय मामला शायद यहीं पर घटका हुआ है. यू पन. था. में भी सीरिया के मामले पर बहस हो रही है. सीरिया इस समय दुनिया के नाजुक से नाजुक स्थानों में से है. पर स्रीरिया के लोग बहादुर हैं , देश-मक्त हैं और सचाई और इनसाफ उनका तरफ है. सार अरब देशों बीर घरव क्रीम की उनके साथ इमदुर्व है. अन्त में इस मामले में सीरिया का सर ऊँचा रहेगा इसमें इम कोई शक नहीं हो सकता.

इमारा अनुभव यह है कि दुनया के सब देश अन्त में सममदारी से काम लेगे और दुनिया बरवादी से बची रहेगी. यह इमारी और दुनिया की जनता की हार्दिक इच्छा भी है. किन्दु इमारे अनुमानों के विकद्ध कब कहाँ क्या हो जावे यह शायद काई नहीं कह सकता अच्छो से-अच्छी आशा करते हुए भी और दिस से सब का मला बाहते हुए भी हमें हर आजमायश के लिये तै गर रहना चाहिये.

हमें पूर विश्व स है कि यदि कम के बाई र करोड़ लोग, चीक का साठ कराड़ जनता, जारत की चाली न करोड़ कर संच्या और एए। या होर जिस्से के खार र तर देशा. रजनके सब का जाद पृथ्वी के खात आबाद के खार के खा

3-10-57

—सुन्दरलाज

روس سنریا کے ماتھ بنا عرط عتبار بہنچانے کے لله تهار هوگها ، علهار ووس عه خوید الله گنی ایس یو . امریکہ لے طرح طرح سے اعتراض کیا ، سیریا ایک آزاد ديعل هـ ، أسى نے جو كيچ كيا أسى كا أمني پورا ادهيكار تها . کسی باعر کی طاقت کہ اُس میں دخل دینے کا حق ٹیھی بہنچتا ، پھر بھی امریکہ کا چھ تعبر نوجی جہانی ہیڑا سھریا کے گناریم یو آدهمکار . سهریا کو خطره هوا ، بینجا شرطهی سریا کی سرکار کے سلمنے پیش کی جانے اکیں جنہیں ماننے سے سیریه فی یهر انکار کردیا ، روس کو خبر لکی ، سیریا کی آجازت سے ایک روسی بهزا بھی اُسی جاته پہنیم گیا ، اِن بلکتهوں کو لكهتم سمم سمامله شايد يههن ير أنكا هواهم . يو. اين. أو مين يهي سيريا كي معامله يو بحث هو رهي هي سيريا إس ساس دلیا کے تازک اسفہانوں میں سے ہے ، پور سیریا کے لوگ بہادر هين ديف بهدت هين اور سچائي اور انصاف أي كي طرب ھے مارے عرب د بشہل اور عرب دوم کی اُن کے سابھ عمدردی هے ، انت میں اِس بماء لم میں سیریا کا سر اُونچا رقع کا ، اِس مين همهن كوثي تدكب تنهين هوسكقان

همارا انوبہو یہ ہے کہ دنیا کے سب دیک انت سیں سحجہداری سے کام لیں گے اور دنیا بربادی سے بچی رہے گی ۔ یہ هماری اور دنیا نی جنتا کی هاردک اچھ بھی ہے ۔ دائر سمارے انومانوں نے وردہ دب بہاں بھا او بنا ہے یہ شاید کوئی نہیں کہہ سکتا ، اچھ سے اچھی آشا فرتے وئے بھی اور دن سے سب کا بھلا چا کے عوثے بھی عمدی ء ازمادی نے نئے نیار زها چا کھے ۔

همیں پررا وشائس کے ان یدبی نے روایس بائس اردار اول جین دی سلگی دروا بادال ایا سال چا یا اس رواز جی سلکی اور اشیا آزر اریکاہ نے ادالت الیس جنی سب ان اداری پردواوی دی دل آبادی نے آدے سے بودن ادادت ہوئی ہے ایا تا اور پردواوی دی دل آبادی نے بلاہ مادر کورتے وی آور مان دراور مردفی تو سامرانے وادا یدہ واد اور پردیجی واد سے یہ کانے کانے یادی چھیے بنیور نہیں رہ سلمنے ایش ارد جھیے بنیور نہیں کے مادی اور مردوای کانے بادی ماکدروجی بموں نے امبار پائی ہوتے ہوئے دایائی دیں گے دائیا کا بہرسیم ممارے اس آبک کی سے کی سے کی سے بوی مانگ ہے ۔

سسندر لال .

8. .10 57

ایشیا کے سب سے گوپر روس اس کے نیسے اور آس سے ماہ ایسی وہ ساتا کے ایشیا کے سب سے گوپر روس اس سے کے نیسے اور آس سے ماہ ہوا بیارت اور اِن کے اُلاہم اُدھر اُدھر اور سب چھرتے ہوئے دیش ھیں ۔ یہ سب خطرتاک اُمیار اُدھکر کیا جانا ہے کہ روس کے خلاف جمع کا جا رہے ھیں ، پر بدی کبھی اک بہرکی یا کبھی یہ بھلیا کسا تو بھارت اِس کا سبح شکار هو سکتا ہے ، یہ بھی ماتی هوئی بات ہے کہ اِن گھاتک متھیاروں کا اثر بہت دور دور تک جاتا ہے اور پرائو کئی بھی دیش اِن کے خطرت سے نہیں بچ سکتا ، چو پرائو کئی بھی دیش اِن کے خطرت سے نہیں بچ سکتا ، چو پرائو کئی بھی دیش اِن کے خطرت سے نہیں بچ سکتا ، چو برائو کئی بھی کیا جاتا ہے

بھارت تھ روسی گت میں ہ اور تہ امہی میں ، وہ اساتداری کے ساتھ اِس گت بندی سے انگ تنست اور غیر جانب دار ہے اور غیر جانبدار میں رمنا چامتا ہ ، وہ امریکے انگینڈ نرائس' روس' چین جاپان اور دنیا کے سب دیشوں کے ساتھ دوستی تبھانا چامتا ہ ، پر اوپرکا چتر یہ صاف درشا دیکا ہے کہ روس' چین' بھارت اور ایر ایشیا کے لگ بھگ سب دیشن بھی ایک دیشن بھی ایک کھتی کے الدر میں ، معلوم ہوتا ہ کہ سب تیرینگر ساتھ کے دیشن بھی ایک گورین کے الدر میں ، معلوم ہوتا ہ کہ سب تیرینگر تو ساتھ ، اور دوبیوں کے تو ساتھ ،

که اُن کا زھر بلا مادی دو گینٹے کے اندر سازی دھرتی کا چکر لگا

هم یہ بھی نہیں بھول سکتے کہ سویز نہر کے آوپر سے
اآنکلینڈ اور فرانس کی نوجیں اُس سے هٹیں جب روسی
سرگر نے حملہ کرتے والیں کو یہ صاف ماف آگاہ کر دیا کہ بدی
ور اُدھک دیرتک حملہ کرتے والے پیعجے نہ هئے قوروس مصر
پربزیڈنٹ ناصر کو عین سنست کے سبے سب سے بڑا سہارا
رسی هی کا مالا ، کشمیر کے آوپر اگر آبھی تک آگ بہوکئے سے
رسی هی کا مالا ، کشمیر کے آوپر اگر آبھی تک آگ بہوکئے سے
کہ ،وسی نیٹا خرشچیو جب کشمیر گئے تھے تو آنہیں نے
کہ ،وسی نیٹا خرشچیو جب کشمیر گئے تھے تو آنہیں نے
کشمیریہں سے نیا تیا ته بدی کوئی آجانک آپئی آجارے
تو پاس کی بہاری پر کوڑے ہوار همیں آواز درے لینا هم آجائیں
کے ، روس کے لیئے یہ قدرتی آور الاوسی بھی تھے ، روس کے کنچے
بوے سے بڑے گرفی یہ تورتی ہوں

حال میں مرب دیش سیریا نے جیسے اشام بھی کہتے ۔
عیرہ کچھ متھار خریدنا چاما ، سیریا کی سرکار نے امریکہ سے ۔
یات کی ، امریکی سرکار نے متھار بینچنے کے لئیے بینچا اور شرارت بیری شرطین لگائیں ، میدیا کی سرکار نے مائے سے انکار کیا ، انہوں نے روس سے بات کی ،

इसारा ज्यान इस तरफ जी जाए किंगा नहीं रह सकता कि एशिया के सब से ऊपर रूस, उसके नीचे और उससे मिला हुआ जीन, उसके नीचे और उससे मिला हुआ भारत, और इनके इघर-उधर और सब छोटे बढ़े देश हैं. यह सब ख़तरनाफ अम्बार अधिकतर कहा जाता है कि रूस के ख़िलाफ जमा किये जा रहे हैं. पर यदि कभी यह आग भड़की, या कभी यह फन्दा कसा, तो भारत इसका सहज शिकार हो सकता है. यह भी मानी हुई बात है कि इन धातक हथियारों का असर बहुत दूर-दूर तक जाता है और मायः कोई भी देश इनके ख़तरे से नहीं बच सकता. जो तजरने आजकल किये जा रहे हैं उनकी बाबत भी कहा जाता है कि उनका अहरीला मादा दो घंटे के अंदर सारी घरती का चक्कर लगा जाता है.

भारत न इसी गुट में है और न अमरीकी में. वह हैमानदारी के साथ इस गुटबन्दी से अलग, तटस्य और ग्रीर जानिबदार है और ग्रीर जानिबदार ही रहना बाहता है. वह अमरीका, इंगलैंड, फ्रांस, इस, चीन, जॉपान और दुनिया के सब देशों के साथ दोस्ती निवाहना चाहता है. पर ऊपर का चित्र यह साफ़ दरशा देता है कि इस, चीन, भारत और पशिया के लगभग सब देश, यहाँ तक कि पूरव और उत्तर अफ़रीका के देश भी एक कशती के अन्दर हैं. मालूम होता है कि ये सब तरंगे तो साथ और इस्मेंगे वो साथ.

इम यह भी नहीं भूल सकते कि स्वेज नहर के अवर से इंगलैंड और फ़ांस की कीज उम समय हटीं जब रूसी सरकार ने हमला करने वालों को यह साफ़-साफ़ आगाह कर दिया कि यदि और अधिक देर तक हमला करने वाले पीछे न हटे तो रूस मिस्न की रक्षा के लिये कदम बढ़ाने पर अजबूर हो जायगा. बहादुर प्रेजीडेन्ट नासिर को एन संकट के समय सबसे बड़ा सहारा रूस ही का मिला. कशामीर के उपर आगर अभी तक आग अड़कने से ठको हुई है तो इसका कम-से-कम एक कारण यह भी जरूर है कि रूसी नेता खुकशचेव जब कशामीर गये थे तो उन्हों ने कशामीरियों से कहा था कि यदि काई अचानक आगत्ति आ जावे तो पास की पहाड़ी पर से खड़े होकर हमें आवाज दे देना हम आ बाएँगे. रूस के लिये यह क्रुवरती और लाजमी भी है. रूस के कुछ बढ़े-से-बड़े कारख़ाने कशामीर की सरहद से थोड़ी ही दूर पर हैं.

हाल में घरन देश सीरिया ने जिसे 'शाम' भी कहते हैं, कुछ हिल्यार खंशदना चाहा, सीरिया की सरकार ने घमरीका से बात की. घमरीकी सरकार ने हिथ्यार नेचने के लिये बेजा और शरारत भरी शरतें लगाई, सीरिया की सरकार ने मानने से इंकार किया. उन्होंने रूस से बात की, इस मीके पर हम अमरीका के उन बहादुर सत्यामहियों की आर अपनी श्रद्धा और अपना मेम फिर से मगढ किये विना नहीं रह सकते जो अपनी ही सरकार के इस तरह के तजरबों के विक्तु सत्यामह करके आए दिन गिरफ्तार किये जा रहे हैं और अपनी जाने तक जासम में खाल रहे हैं. इंगलैन्ड के अन्दर भी बहुत से लोग अपनी सरकार के इस तरह के तजरबों के खिजाफ तरह तरह से आन्दोलन कर के सच्ची बहादुरी, सत्य निष्ठा और मानव प्रम का सबूत वे रहे हैं.

एशिया महाद्वीप के उत्तर में अनन्त और अगम्य बरफ के पहाब हैं, बाक्रो तीन तरफ समन्दर है या योरप की सर-हद. इन तानों तरफ अमरीका की तरफ से जगह जगह पेटम और हाइडोजिन बमों के अन्वार लगाए जा रहे हैं. आंकी नावा जापान का एक बड़ा टापू है जिसके आस पास इसी सिलसिले के कुछ और छाटे छाटे टापू हैं. श्रीकीनावा पर शुद्ध अमरीकी क्रवजा और अमरीकी हुकूमत है. ओकी-नावा में अमरोका की तरफ से पेटम और हाइडोजिन बमों. का अन्बार जमा है और बढ़ाया जारहा है, आकीनाता सं जरा हटकर दक्किन कं।रिया में अमरीका की तरफ से इसी तरह के दिसक हथियारों का दूसरा अम्बार जमा है. कुछ और नीचे उतर कर ताइवान यानी फारमीसा के टापू मं भी - जहाँ देश घातक च्याँग-कई-शेक अमरीकी संगानी के बल अप्रीतक नए जनवादी चान की छाती पर तीर की तरह डटा हुआ है - अमरीका की तरफ से पेटम और हाइड्रोजन बर्मो का एक बहुत बड़ा अम्बार जमा है, और नाचे उतर कर इमी तरह का एक अमरीकी अम्बार दिक्खन बीतनाम में जमा है, श्रीर श्राधक दक्षित्रन के उन श्रम्बारों को ह्यांद कर जो उन देशों में हैं जो अमरीका और इंगलैंन्ड के साथयां में गिने जाते हैं, पाकिस्तान में भी, भारत की ठीक उत्तर-पण्छमी सरहद पर श्रमरीका के टैकनिकन न्यक्ली-यर हाथयारों का अम्बार जमा है. श्रीर अधिक पांच्छम भीर फिर उत्तर की तरफ चलते हुए इसी तरह के अम्बार इसराइल, पिछम-जरमनी बरीरह में जमा किये जा रहे हैं,

यदि इम दुनिया के नक़शे की तरफ़ निगाह डालें तो यह सब अम्बार पशिया के तीनों तरफ़ पशिया के गले में एक जबरदस्त और घातक फ'दे की तरह हैं. हा सकता है और बाशा की जाती है कि दुनिया के साम्राज्य प्रेमी देशों की सरकारों को अब भी हाश आ जावे और वे दुनिया का सर्वनाश करने से बचे रहें. पर हद दरजे ब्रन्टनाक मसाला सब तरफ़ जमा है, कीन कह सकता है कि कब कहाँ किसी एक की छाटी सी भूल या शरारत से इस मसाले में किसी तरह विगारी न पड़ जावे जा सारो दुनिया को और स्वस्वर सारे पशिया का अपने लपेटे में ले ले ?

اُس موقع ہو ہم آمریکہ کے آن بھادر سٹھاہ گرھیوں کی آور اپنی شردھا اور آپنا پریم پھر سے پرگٹ کئے بنا نبھیں رہ سکتے جو آپنی شردھا اور آپنا پریم پھر سے پرگٹ کئے بنا نبھیں رہ سکتاگرہ کو کے آئے دن گرفتار کئے جا رہے ھیں اور آپنی جانییں تک جوکیم میں ڈال رہے ھیں ، آنکلینڈ کے آندر بھی بہت سے لوگ آپنی سرکار کے اِس طرح کے تجربوں کے خلف طرح سے اُپنی سرکار کے اِس طرح کے تجربوں کے خلف طرح سے آندولی کو کے سجھی بہادری' ستیدنشٹ اُور مانو پریم کا تعرب دیے رہے ھیں ،

ایشیا مہادیپ کے آتر میں اثنت اور اگبھ برف کے پہار هیں ۔ باقی تین طرف سمادر ہے یا یورپ کی سرحد ۔ اِن تیلوں طرف أمريكه مي طرف سے جگهه جگهه أيتم أور هائتروجن بمولك امبار لگائے جارہ میں۔ اُوکی ناوا جایاں کا ایک ہزا تاہو ہے جس کے اُس یاس اُسی سلسلے کے کچھ اور چھوٹے چھوٹے ثابو ھیں ۔ اوکی فاوا پر شده آمریکی قبضه اور امریکی حکومت هی ، اُوکی تاوا میں امریکه کی طرف سے ایٹم اور ہائڈروجن یموں کا امیار جمع هے اور يوهايا جا رها هے . أوكى تاوا سے ذرا هم كر دكين کوریا میں امریکه کی طرف سے اِمی طرح کے منسک متهیار کا دوسوا إمهار جمع هم ، بچه اور نريج ادر كو تانووان يعلى فارموسا کے ٹاپو میں بھی سجہاں درھی گیانگ چوانگ کائی ھیک امریکی سینگنوں کے بل ابھی تک نئے جن وادی چین کی جہاتی پر تیر کی طرح آئیا ہوا ہے۔۔امریکہ کی طرف سے ایتم اور مانڈروجن ہموں کا ایک بہت ہوا امیار جمع ہے . اور نیجے اتر کر اِسی طرح کا ایک امریکی امبار دکھن ویتنام میں جمع ہے . اور ادھک دکھن کے اُن امیارون کو چہور کڑ جو أن ديشوں ميں هيں جو امريك اور انكليند كے سابهيوں میں گئے جاتے ھیں' یائستان میں بھی' بھارت نی ٹبیک اتر پنجام سرحد پر آمریکه کے تیمپیکل نهوکلیر هتهباروں کا امیار جمع هـ ، اور أَدُهك يجهم أور يهر أثر كي طرف چلته هريُّه اِسی طرح کے امیار اسرائل پیچیدی جرمنی وفیرہ میں جدم کئے جا رہے میں ،

یدی هم دنیا کے نقشہ کی طرف نگاہ ڈالیں تو یہ سب امیار ایشیا کے تینیں طرف ایشیا کے گلے مرس ایک وہردست اور گھاتک پہندے کی طرح ہے ، هو سکتا ہے اور آشا کی جاتی ہے کہ دنیا کے سامراج پریمی دیشرں کی سرکاروں کو آب بھی هرش آجارے اور وے دنیا کا سرونلش کرلے سے بچچے رهیں ، پر حد درجے خطرناک مصالحہ سب طرف جمع ہے کون کیم سکتا ہے کہ کب کہاں کسی ایک کی چھوٹی سی بھول یا شوارس سے ایس مصالحہ میں کسی طرح چھگاری نے پر جاوے جو ساری نے اور خاص کو ساری نے کو اینے لیسٹ میں لے لے گ



ایشیا کے گلے میں بھندا

لک بیک سارے سنسار کی جنتا میں بالجوں مهادیہیں اور سب دیشوں کے اوک شامل میں ایک آواز سے یہ مانگ کر چکی ہے؛ کرتی رہی ہے اور کو رہی ہے کہ تیوکلور اور تیا مونیو کلیو هاتیار یعنی ایام اور هائدروجن بدس کے تجزیے بند کئے جاریں، دنباکے سیکروں بڑے سے بڑے سائنسدانوں کو میں امریعہ کے بچے سے بچے سائنسدان شامل هیں امان مان مان کہم رہے میں که اُن تجربوں سے مانو جاتی کی تادرسالی کو سطعت تقصان بهليم رها ها الظرنوا أور دوسرى أسى طرح كى مهاماریاں جو آجکل جگه، جگه، پهیل رهی هدن اِن تجربین هي کا نتيجه ها اور اگر يه تجريه کچه دنوي اور جاري ره گله تو این کا سب سے خطراناک دربھاؤ سارمی مانو جانی کی جلبلدریں پر بڑے گا جس کے نتیجے کی شکل میں مو سکتا ہے که سیکورں برس تک بہت سے اِنسانی بدیے معیب عجیب شکارں کے عجیب عجیب اور طارح طارح کی انگوں والے بہاں نک که آدهے اِنسان اور آدهے جانبرا پیدا هوں ۔ پهر بهی امریکه روس اور الکلینک تینوں کی طرف سے ھانگروجوں ہموں کے نت نئے تجربے آئے دن هوتے رهتے هيں .

روس کے شاسک بار بار بدکیہ چیمیں که اگر امریدہ اورانکلینڈ اِس طرح کے تجربے بند کر دیں تو روس بیسی اِنہیں فوراً بند کرنے کو تیار ہے ، روسی سرکار کی طرف سے یہ پرسکاؤ بھی بو۔ ایبی، اور کے سامنے پیش ہے ، پر امریکہ کسی طرح حاسی کرنے دو تیار نہیں ، یو، ایبی، اور یا اُس کی کمیٹیوں کے سامنے جب کبھی اوس طرح کے پرسٹاؤ آتے ہیں امریکہ اور انکلینڈ ہزار طرح سے اونکے لگا کر اُنہیں ٹالتے میں ، اِسی طرح کے پرسٹاؤ اِس سے اوری ایبی، اور کے سامنے پیش میں ،

पशिया के गले में फंदा

लगभग सारे संसार की जनता, जिसमें पाँचों महा द्वीपों और सब देशों के लोग शामिल हैं, एक ज्याबाज से यद मांग कर चुकी है, करती रही है और कर रही हैं कि न्युक्लीयर और थर्मी न्युक्लीयर इधियारों यानी ऐटम श्रीर हाइड्रोजिन बमों के तजरबे बन्द किये जावें. दुनिया के सैकड़ों बढ़े से बड़े साइन्सदा, जिनमें अमरीका के बड़े से बढ़े साइन्सदाँ शामिल हैं, साफ साफ कह रहे हैं कि इन वजरबां से मानब जाति की तन्द्रकस्ती का बहुत सरुत नुक्रसान पहुँच रहा है, इनश्लुएंजा और दूसरी इसी तरह की महामारियां जो चाजकल जगह जगह फैस रही हैं इन तजरबों ही का नतीजा हैं, श्रीर श्रगर यह तजरबे **5**इ दिनों भीर जारी रह गए ता इनका सबसे खतरनाक प्रभाव सारी मानवजाति का जनने न्द्रयां पर पहेगा. जिसके नतीजे की राकल में हो सकता है कि सैकड़ों बरस तक बहुत से इनसानी बच्चे अजीव अजीव शक्तों के अजीव-मजीब और तरह-तरह के अंगों वाले, यहाँ तक कि आधे इनसान और आधे जानवर पैरा हा. फिर भी अमरीका, रूस और इंगलैन्ड वीनों की वरक से हाइड्रोजिन बमों के नित नए तजरने आए दिन हाते रहते हैं, जिनकी खनरें दुनिया भर के अल्बारों में अपती रहती हैं.

स्त के शासक बार बार यह कह चुके हैं कि अगर अमरोका और इंगलैंड इस तरह के तजरने बन्द करदें तो सम भी इन्हें फीरन बन्द करने को तैयार है. रूस. सरकार कीतरफ से यह प्रस्ताव भी यू० एन० काठ के सामने पेश है, पर अमरीका किसी तरह हामो भरने को तैयार नहीं. यू० एन॰ बाठ या उसकी कमेटियों के सामने जब कमा इस तरह के प्रस्ताव बाते हैं अमरीका और इंगलियड हजार तरह से अवंगे लगाकर उन्हें टालत रहते हैं, इस तरह के प्रस्ताव इस समय भी यू॰ एन॰ आ॰ के सामने पेश हैं.

नाक और ददनाक इचहार नोकाक्षाली और विहार के करने आम में दिलाई दिये . गान्धी जी ने अबेले पैदल नोबासाली की जात्रा शरू की . दरं और सहसे हवे हिन्दकों को दिवासा और तसक्ली थी. राजनीत में जिससे 'करा या मरी' के उसूल का उन्होंने चालू किया था उस का फिरके-बाराना जंग का खत्म करने में भी अमल ग्रुक्त किया. उन्होंने मुसलमाना के दिल को जीता और नकरत का बुमाने में कामयाब हए. फिर वह बिहार आये वहाँ मजलम ससलमानों के थांस पोंछे और हिन्दुओं के दिलों में अपनी बहरिएयना हरकतों के लिये शम पैदा की सारी किताब में सैकड़ों घटनायें दर्ज हैं जिनसे गान्धी जी की एस बक्त की दिमारी कैंकियत का पता चलता है . किताब क्या है एक अनमाल प्रनथ है. मुल्क की राजनीति, इतिहास, समाज शास्त्र और जन आन्दोल न के वद्यार्थियों को न सिक इस किताब की पढ़ना आकरी है बल्क इसका अध्ययन करना जरूरी है. आज भी इमारे दिलों से वह फिरके-बाराना जहर कल नहीं हुआ है बाल्क तरह-तरह की शक्लों में वह मुल्क की आवी हवा को खहरीला बना रहा है. यह किताब हमें उस खहर की अपने दिलों से निकाल फ कने में मदद देगी.

-- वि० ना० पांडे

सरदार बस्तम माई पटेल (जिल्द दूसरी अंगरेजी)— मृत गुजराती के लेखक नरहरि डी • परीख; प्रकाशक ऊपर के; सके 492; क्रीमत 5 इपया.

इस किताब के हिन्दी पढीशन की आली जना हम अक्तु-बर' 57 के नया हिन्द में कर चुके हैं. किताब की छपाई सफाई बहुत उन्दा है. दिन्दी और मुजराती न जानने वालों के लिए सरदार पटेल की । खन्दगी और उनके महान् कामों के सममने में यह अंगरेबी ऐडीशन मदद दंगा.

वि० ना० पांडे.

शाहकार ; माहाना रिसाला; क्रीमत १); निकालने वाले मकतवा-शाहकार-इलाहावाद.

इलाहाबाद की अदबी फिजा में कितने ही रिसालों ने जन्म लिया और मीठी नीद सा गये . इस वक्त कोई राज-नामा यहाँ से नहीं निकल रहा है. रिसालों में किसी को मयारी नहीं कहा जा सकता.

शाइकार का पहला नम्बर मेज पर है, पढ़ने के बाद यक गूना आस्वगी हुई. हुनर साहब की मेहनत और तज-स्मुस की दाद देनी ही पढ़ेगी. बाक़ई इसके देखने के बाद साबित होता है कि इस रिसाले में अदब बरावे अदब से लेकर अदब बरावे जिन्दगी छभी छुछ, बिला तक्सीस मीजूद है. यानी मुमताज शीरी के 'नया जहम्मुम' से लेकर

[बाकी सफा 236 पर]

ارر دردناک اظهار نواتیائی اور بیار کے تکل علم دکیائی دیئے ، کاندھی جی نے اکیلے بعدل توانیانی کی باترا شروع کی . قربے اور سیس دوئے هادوں کو دلاشا اور کسلی دی ، راہے ٹیٹی میں جس ^ودرہ یا مرو^ء کے اُمول کو أنهن له جال كيا تها أس ير فرقه وأرائه جنگ دو ختم دراء میں بھی عمل شروع کیا ۔ اُنھوں نے مسلمانیں نے کو جیکا اور تنرت کو بجهائے میں کامیاب ہوئے ۔ پھر وہ بہار آئے وہاں سالوم مسلمانیں کے آنسو یونجھے اور مندوں کے دارو میں اینی ہدیانہ حرکتیں کے لئے شرم پیدا کی مارمی کتاب میں سيكون كيتنائين درج هين جن سے كاسمى جى كى أس وتت کی دماغی کیدیت کا یکه چلتا هے ، کتاب نیا هے انسول گرنته ه ملكم إلى رأج ليعي النهاس سماج شاستر أور جن أندولن کے ودیارتھیوں کو نہ مرف اِس کتاب کو پڑھنا ضروری ہے . آج يهي هماريد دلول سے ولا فرق وارانه زهر ختم نهاس هوا هے بلکه طرے طرح کی شکاوں میں وہ سلک کی اب وہوا کو زھریا بنا رما هے یا یه کتاب همیں اس زهر کو اپنے داس سے نکال پهیکلے سهي مدد ديكي .

سوي نا يانده .

سردار رلبع بھائی پٹیل (جاد دوسری انکریزی) موال گنورانی لیکیک ترههر دی . پاردی ، برکاشک اوپر والیهٔ صفحے 492 ؛ قیمت 5 رویه .

اِس کاب کے مندی ایڈیشن کی الوچنا مم اکٹوبر 57 کے لیاملد میں کو چکے میں کتاب کی چھائی سفائی بہت عمدہ ہے ملدی اور گجراتی تا جانانے والی کے لئے سردار پقیل کی زندگی ارر اُن کے مہان کامیں کے سمجھنے میں یہ انکریزی ایدیشن مدد دے گا ہ

-ری ناء پانتسم

شن مكارً ماهانه رساله و قيمت ايك رويه ؛ نكالله واله قيمت أيك رويه عند مالك واله أباد .

التآباد کی نام میں کتنے هی رسالے اور اخبارات نے جنم ایا اور میٹیی نید سو گئے ، اِس وقت کوئی روزنامہ یہاں سے نہیں نکل رہا ہے ، رسالوں میں کسی کو معیاری نہیں کیا جا سکتا ،

شاہکار کا پہلا تہور میز پر ہے ، پڑھنے کے بعد ایک گوتت آسودگی ہوئی ، ہنر صاحب کی محصنت اور تجس نی داد دینی پڑےگی ، وادمی اس کےدیکھانے کے بعد تابت ہوتا ہےتہ اِس رسالے میں اور پرانے ادب سے لیکر ادب برائے زندگی سبھی سجے یلا تحصیص مرجود ہیں ، یعنی مستاز شیریں کے نیا جینم' کے لیکر

[ہاتی منحد 236 پر]



MAHATMA GANDHI, The Last Phase; लेखक प्यारेलाल; जिल्द पहली; प्रकाशक-नवजीवन प्रेस, ग्रह-सदाबाद-14; सके 750, क्रीमत 20 हपया; चवालीस सकों में सी से ज्यादा तसवीरें, काराज मोटा और उग्दा, छपाई सुन्दर और साक; सादी की जिल्द और स्नृश्सूरत हस्ट कदर.

कताव, जैसा कि बहुत मुनासिय था, श्री महादेव देखाई को समर्पित है. छुरू की योजना यही थी कि गान्धी जी की बाटोबायोमाफी के सिलसिले को महादेव भाई पूरा करेंगे. इसके लिये उनके पास बेहद सामग्री थी लेकिन मीत ने उन्हें छीन लिया और वह जिम्मेवारी प्यारे-लालजी के कन्धों पर पढ़ी. पुस्तक की भूमिका 10 सफ़ों में डाक्टर राजेन्द्रप्रसाद ने लिखी है.

जैसा कि पुस्तक के नाम से साफ है इसमें गान्धी जी की जिन्दगी के आकरी पहलू को दर्ज किया गया है. पुस्तक उस दिन के बयान से शुरू होती है जब भारत छोड़ों आन्दोलन के बाद आगा खाँ के महल से गान्धी जी की नजरबन्दी की कैंद से रिहाई होती है. और खरम होती है उस बक्क जब गान्धी जी फ्रांबरी 1947 में नंग्याखाली से लीटकर बिहार आते हैं. पुस्तक को पाँच हिस्सों में बाँटा गया है। पहले हिसे में छै, दूसरे में छै, तीसरे में छै, चौथे में पाँच और पाँचवें में पाँच अध्याय हैं. आखरी हिस्से में गान्धी जी के खास लेखों का संग्रह है. पुस्तक के आखीर में नोट, ग्लासरी और इन्डेक्स जोड़कर पुस्तक के बाखर ही काम की चीज बना दिया गया है.

किताब की इस पहली जिल्त में गान्धी जी की उन अजी सुरशान को शिशों का जिल है जिस में उन्होंने फिरके-बाराना तहरीक के खिलाफ, जबर्दस्त लड़ाई लड़ी. यह वह जमाना था जब जिटिश कूटनीत ने हिन्दुस्तान के हिन्दू और सुसलमानों के दिसों का कामधाबी के साथ फाड़ दिया था और सुरक के बटबारे की दागुबेल डाल दी थी. जारों उन्दर्फ हिन्दू सुसलमानों के खुनी देंगे हो रहे थे जिनके खीफ MAHATMA GANDHI, The Last Phase;

جاد پہلی؛ پرکافک نوجیوں پرلیس احددآباد 14 اصنحے 750 اور تحد وہادہ تحدول میں سوسے وہادہ تصویریں کاند موٹ اور عددا چھائی سندر آور صاف، کادی کی جلد آور خوبصورت ڈسٹ کور ،

کتاب جیسا کہ بہت مناسب تھا' شری مہادیو دیسائی کو سمریت ہے ۔ شروع کی یوجنا یہی تھی که گاندھی جی کی آئو بابو گرانی کے سلسلے کو مہادیو بھائی پورا کویں گے ۔ اِس کے لئے اُن کے پاس پرحد ، ساسکوی تھی لکیں موت نے اُنھیں جھیں لیا اور زمعداری پارے الل جی کے کندھوں پر پڑی ، پستک کی بھومیکا 10 صفحوں میں ناکٹر راجیادر پرساد نے لیھی ہے ،

جیسیا کہ پسکک کے الم سے صاف ہے کہ اِس میں گاندھی ہی کی زندگی کے آخری پہلو کو درج کیا گیا ہے۔ پستک اُس دن کے میان سے شاوع ہوتی ہے جب بھارت چھوڑو آفدوانی کے بعد آغا گان کے متحل سے گاندھی جی کو نظربلدی کے قید سے رھائی ھوٹو ہے ۔ اور ختم ھوٹی ہے اُس وقت جب گاندھی جی ذروری 1947 میں تواکیائی سے لوت کر بہار آتے ھیں ، ہستک کو پانچ حصوں میں بادا گیا ہے ۔ پہلے حصے میں چھا دوسوے میں چا چوتھ میں پانچ اور دوسوے میں پانچ آور بھیں کے خاص لیکھوں کا سنکرہ ہے ، پستک کے آخیر میں نہوے کے خاص لیکھوں کا سنکرہ ہے ، پستک کے آخیر میں نہوے کیو بھا دیا گیا ہے ،

کتاب کی اِس پہلی جلد میں گندھی جی کی غظیم الشان اُن کوششوں کا ذکر کر ہے جس میں اُنھوں نے فرقت وارائم تصویک کے خلاف زبردست الوائی لڑو ۔ یہ وہ زمانہ تیا جب پرلش کوٹ نیٹی نے مندستان نے مدیو اور مسلمانوں نے دلیں کو کامیابی کے سابھ یہار دیا بھا اور سنگ کے بالوارے کی دائے بیل قال دی تھی ۔ چاروں طرف هندو مسلمانوں کے کوئی دائے ہو رہے تھے جون کے خوقالک مسلمانوں کے کوئی دائے ہو رہے تھے جون کے خوقالک

"आवभी को त्राहिए कि अपने मन पर सक्ती करें और उसे संग्रम से रखे. अपने दिल की आँख खोलना जरूरी है. अगर बाहरी आँखों में ईश्वर को देखने की ताकृत होती तो जानवर भी ईश्वर को देख लेते."

[16]

चौंकें तो 'मुहिव' ख्वाबे परीशाँ से कभी, बाज आएँ तो खूरेजी-ए-इन्साँ से कभी, सूफी की मए साफ जो चक्के यारोप, हो बादा-परस्ती भी न शैंसाँ से कभी!

स्त्रावे परीशाँ—दुःस्वप्न, खूंरेजी—खून वहाना, सूफी—वेदांती, मए साफ़—साफ़ शराव (यहाँ तास्वयं प्रेम से है), बादा परस्ती—शराव पीना (जो इस्लाम में पाप है), शैतान—ईश्वर का विरोधी फरिश्ता,

"ऐ 'मुहिब,' काश दुनिया के लोग इस (लड़ाई के) दुःस्वप्न से चौंकते और आद्भी का खून न बहाते. अगर योरोप वाले सूफी के प्रेम का अनुभव करें तो वनकी कौन कहें शैतान तक से पाप न हो सके."

(, 16)

چوکیں تو صحب خواب پریشاں سے کیے ' ہاز آئیں۔ تو خونریوٹی اِنساں سے کیے ' صوئی کی ملے صاف جو چھے یورپ ہو بادہ پرستی ہیی تے شیطان سے کیے 1

خوأب پریشاں سدائی سویں' خوں ریزی سخون بہانا' سونی سویدانتی' مئے صاف سماف شراب (یہاں تاپ پر آیہ ریم سے شے) بادہ پرستی سشراب پینا (جو اِسلام میں پاپ اے)' شیطاں ساآشور کا وردوعی فرشته .

''ائے است کاهی دنیا کے لوگ اِس (لوائی کے) دکھی موپی سے چولکتے اور آدمی کا خون نه بہاتے ، اگر ہورپ والے مونی کے پریم کا انوبھو کریں تو اُن کی کون کہے شیطان تک سے اپ نه هو سکے ۔''

[सन्ता 238 से आगे]

खुवैजा मस्तूर के 'डोजी' तक इस रिसाले में शिककु रह-मान और कशमीरी लाल जाकिर भी दोश-बदोश हैं लेकिन मंखिलें अलग-अलग.

'यह रिसाला उन लोगों के लिये तो एक नेमत साबित होगा जिनके पास न इसने पैसे हैं कि सारे रिसालों को स्नृरीह कर पढ़ सकें और न इतना बक्क जो इनके सलाश करने में सर्थ हो.

राजलों का इन्तकाब अच्छा और नजमों का रानीमत है, बेहतर होता कि शाहकार में इलमी और तकीदी मजा-मीन भी शामिल किये जायें. फिराक साहब का आर्टिकल सलक्ता कुछ इस किस्म का है. रिसाले की खपाई और साइज का हमारे एडिटर साहब ने, खास क्याल रखा है. और क्रीमत के लिहाज से 144 सफहों का रिसाला सस्ता ही कहा जायेगा,

[منعة 238 م أك]

خدہ مستور کے قولی تک ، اِس رسالے میں شفیق انرھان اور کشدیری الدال ڈاکر بہنی درش بدرہ میں ، لیکن منولیں الگ الگ ،

یہ رسالہ اُن لوگوں کے لئے تو ایک نمنت ثابت ہوتا جوں کے پاس نہ اِنلے پیسے میں که سارے رسالوں کو خوید کر پوہ سکیں اور نہ اندا وقت جو اِن کے نقص کرنے میں صوف ہو ۔

فزلس کا انتخاب اچها اور قطموں کا غلیمت فی مہتر هوتا که شامکار میں علمی اور تلقیدی مقامهن بھی شامل کئے جاتے ، اول صاحب کا آر ٹکل البته نجها اِس قسم کا فی ، وساله کی چهائی اور رسائز کا همارے انتہار صاحب نے خاص خهال رکیا فی اور تیبت کی لحاظ سے 144 صفحوں کا رساله مستاهی کیا جائیگا ،

ـــمني يهائي .

चनाइयात शहिन

"कोई देश सिर्फ इसकिए हानि नहीं उठाता कि इसमें कई घर्म हैं. न धार्मिक मेदभाव की धाग किसी को जला सकती है. कोई चाहे हिन्दू हो जाए चाहे मुसलमान, धर्म के स्वलने से देश नहीं बवलता."

[13]

हिन्दुचो-मुसलमाँ में तद्मस्युव जो नहीं, तो कसरते मजहब से नहीं हर्ज कहीं, है नाम मुसलमाँ का 'मुहिब' स्वयव्यलाल चौर नाम है हिन्दू का यहाँ गंगादीन!

तबस्युव-धार्मिक मेद्रभाव, कसरत-स्थिक होना,

"धगर हिन्दु घों धौर मुसलमानों में भेदभाव न हो तो धर्मों की संख्या में अधिकता होने से कोई हुजे नहीं है.हमारे यहाँ तो मुसलमान का नाम सैयय्दलाल होता है भीर हिन्दू का गंगादीन

[14]

इनसान में कमाल है दुई से बचना, हैवां को नहीं दानिरो सीहीदे खुदा, हैवाँ से भी करजल है 'मुहिब' वह इनसान, जो खुरुक को भीर हक को सममता है जुदा!

कमाल —पूर्णता, दुई—दो होने की भावना, हैवाँ (हैवान)—पश्च, वानिश—समम, तोहीद—एक होना, अरजल—पतित,गिरा हुआ, खुरुक—दुनियाँ, हक्र—ईश्वर,

"आदमी की पूर्णता इसी बात में है कि बह ईश्वर और उसकी सुन्द की अजग-श्रलग न सममे. जानवर का भग-बान के एक हाने की समम नहीं है, लेकिन ऐ 'मुह्बि' बह आदमी तो जानवरों से भी बुरा है जो ईश्वर और उसकी दुनिया को एक दूसरे से अलग सममता है,

[15]

कुछ नमस पे अपने तो जका की होती, कुछ परमे बसीरत भी तो वा की होती, इन आँखों में गर नूरं खुदा-वीं होता ! देवाँ का भी मारिकृत खुदा की होती !

नप्रस--मन, जफा-सस्ती परमे बसीरत-दिल की माँख, बा-खुली, द्र-राशनी, खुदाबी-खुदा का देखन बाला देवाँ-जानबर, मारिफ्त-ईरवर के पास होना,

فعیٹی خوش مرقب اِس اللہ جانی لہدن آلیا فاکدانی میں کی دور میں کو جلا کی آگ کسی کو جلا مکٹی کی جلا میں کی ایک کسی کو جلا مکٹی کی دورم کے مکٹی کے دورم کے بدائے کا دورم کے بدائے کا دورم کے بدائے کا دیک کی دورم کی دورم کے بدائے کا دیک کی دورم کے بدائے کی دورم کی دورم کے بدائے کا دیک کی دورم کی دو

(13)

هدوو مسلبان میں تعصب جو لیمن' او کثرت مذہب سے نہمن هرچ کہمن' اف قام مسلم کا 'محصب' سید الل اُور قام اللہ هذو کا یہاں گلکا دیون!

تعصب سيدارمك بورد بهاؤه كثرت سأدعك دونا .

الله هندو أو مسلمان میں بیبد بہاؤ ته تو دهرموں کی سنکییا میں ادعک هوئے سے کوئی عرچ تہدی ہے ، همارے پہلی تو مسلمان کا تام سید لال هوتا ہے اور هندو کا گلکا آدیدی ،''

(14)

انسان میں کال ہے دوئی سے بیچنا' حیواں کو نہیں دانس توحید خدا' حیواںسے بھی ارزل ہے'محب'وہ انساں جو خاتی کو اور حتی کو سنجیتا ہے جدا ا

کمال به پورنته دولی سدو هونه کی بهاونه حیوال سرحدوان) بهراه دانش سسمجها توحید سایک هونه ارزل سیست، گرا بهای خلق سدنها حق سایشور .

موالمی کی بورقتا آسی بات میں شکہ وہ ایشور اور آس کی سرھائی کو ایک الک الک الک الک میں شکہ وہ ایشور کو بھاواں کے ایک مورق کی سمجھ نہیں شد ایکن لم استحب وہ آدمی تو ہمائیوں سے بھی برا شد جو ایشور اور آس کی دفیا کو ایک شوسورے سے انگ سمجھتا شد ۔"

(15)

کچھ نفس په لیے تو جانا کی هوتی ا کچھ چھم بصورت کھی تو وا کی هوتی ا اِن آنهوں میں کو نیر خداییں هوتا حیواں کو یہی سرنت خدا کا هوتا اِ

المسرسمن جفاسسطالی جشم بصورت دل کی آنکو واسطهای فررسرودالی خدا بین خدا کو دیکھال والا حیوان سیالرو معرفت ایشور کے پاس دونا .

सबते हैं यह किस बार्ट ने हिन्दू गुरितम क्या इनका ज़ुदा और है और क्लका और !

तक्रतीव्-अंधानुकरण, मेविया बसान

"दुनिया में भेड़िया धसान का बोलवाला है, ऐ युद्दिय इस्ट्रेजोग मजहब पर इक्ष भी सौर नहीं करते. घस्तिर यह हिन्दू सुसलमान किस बात पर लड़ते हैं १ क्या होनों के ईश्वर धलग धलग हैं."

(10)

हिन्दू भो- मुसंतमाँ के नहीं दो हैं .खुदा, दोनों में हैं इक शान खुदाबन्दे बता, जब इनका बतन एक है और शक्तें एक क्यों त.फरिका-ए-दीं से हैं दोनों यह जुदा!

.खुदाबदे उला—महान ईश्वर, वतन—देशत करिका— भेद भाव, दीं (दीन)—धर्म

'हिन्दू और मुसलमान के खुदा जलग-जलग नहीं हैं दोनों में एक ही भगवान की महानता के दश न होते हैं. जब हिन्दू मुसलमान दोनों का देश और बनकी शक्ते' एक ही हैं तो केवल वर्ष जलग होने से यह दोनों जलग-जलग क्यों हैं ?"

(11)

कहने से रक्ती वों के 'मुहिव' हैं महके, मिल जायेंगे फिर इस्मी हुनर में पड़के, हिन्दू-बो-मुखलमां में तनाफर, क्यों है, हैं मादरे हिंद के यह दोनों लड़के!

रक्रीच-दुरमन, इस्मो हुनर-विद्या वनाफुर-नफरव, भावरे हिंद-भारत माता

"पे 'मुद्दिन' यह (हिन्तू और मुसलमान) दुश्मनों के कहने पर भड़के हुए हैं (और आपस में लड़ते हैं) विद्या और समक आने पर यह एक हो जायेंगे. इन दोनों को एक इसरे से नफ़रत क्यों है ? दोनों ही भारत माता के पुत्र हैं."

(12)

कसरव से मणाहित के पिषसता नहीं मुस्क, भातिश से कमस्सुत के भी मलता नहीं मुस्क, हिन्दू हो जाय या मुसलमान हों जाय स्वत्य के बदलने से क्यूलता नहीं मुस्क.

क्सरत—श्रविक होशा, मजाहिकवर्म (मजहव का बहुवचन), ाविश-व्याग, राजसहुव-धार्मिक मेदमाब, ۔ آوڑے میں یہ کس بات سے ملدو مسلم ۔ کیا اِن کا خدا ہے اور ہے اور آن کا اور اِ

تقليد-اندها نوكرن بهيريا دهسان .

''دنیا میں بھیرہا دھسان کا بول بالا ہے۔ لے محصب م لوگ مذہب پر کچھ بھی فور نہیں کرتے۔ آخر یہ هندو مسلمان کس بات پر لوتے هیں 9 کھا دونیں کے 'یشور آلگ آلگ ھیں 9 گ

(10.)

هندو و مسلمان کے نہیں هیں دو خدا⁴ دونوں میں کے ایک شان خداوند عالا⁴ جب آن وطن ایک کے اور شکلیں ایک کیوں نفریکڈ دیں سے هیں دونوں یہ جدا آ

خداولن علامهان ایشور وطنده هی تغریفه بهد بهای دیر — (دین) دهرم ،

والمندو اور مسلمانوں کے خدا الگ الگ تہیں ہیں ، دونوں میں ایک ہی ایک ہیں ایک ہیں ایک میں ایک میں ایک جب ہندو مسلمان دونوں کا دیھے اور اُن کی شکلیں ایک ہی هیں تو کیول دفرم الگ ہوتے سے یہ دونوں انگ انگ کیوں ہیں 8 49

(11)

کہتے سے رقیبرں کے تمصیب میں بھرک مل جائیں گے بھر علم و هنر میں پر کے ملدوں مسلمان میں تنافر کیرں ہے ۔ میں مادر هند کے یہ دیتیں لڑکے !

رقهبسدشمن علم و هنزسودیا تنافرستفرت مادر هندسبهارت ماتا .

''لے 'متحب' یہ (ہندو اور مسلمان) دشملوں کے کہنے پر بہترکے مہنے ہیں (اور آپس میں لڑتے ہیں) ردیا اور سمعها پانے پر یہ ایک ہورے پانے پر یہ ایک دوسرے سے نبرت کیوں ہے ؟ دونوں ہی بیارت مانا کے پتر ہیں۔''

(12)

کثرت سے مذاهب کے پکھلتا تہمیں ملک اُ آدھی سے تصب کے بھی جلتا تہیں ملک اُ هندو همچانے یا مسلمان هو جائے مذهب کے بدلنے سے بدلتا تہیں ملک اِ

کثرت لندک دونا مناهب دور (منعب کا بیو (بچن اُنفی سالک تیمیسیدارمک مت بهدر

यह तेरी समंग्र भीर है. जॉकों का कंत्र बुत भी है वही भीर खुदा भी है वही !

जुरा-मलग, गुल-फूल, बुत-मृति

"वह (ईश्वर) सुमते मिला भी है और चलग भी. वही बुलबुल है, वही फ्ल और हवा भी वही है । मूर्ति और खुदा एक ही हैं. अगर तृ इसे न समम् पाए तो यह तेरी समम् और आँखों का कस्र है।"

(7)

दिल बोलता हर दम है 'मुहिब' अल्लाह्, दो देखने की एक को मुतलक नहीं .खू, वह सबको सममता है वही जाते अहद सूती को बरावर है मुसलमाँ हिन्दू!

अस्ताहु.—ईश्वर का नाम, मुतलक—विस्कुल खू—आदत, जाते अहद—एक ईश्वर, सू.फी—मुसलमानों में देदांत जैसा एक मार्ग.

पे 'मुहिब' इमारा दिल तो हर समय ईश्वर का नाम लिया करता है. इम जिसे (ईश्वर और शृष्टि को) एक सममते हैं उसे दी समऋने की हमें बिलकुल आदत नहीं है. सू.की के लिए हिन्दू मुसलमान बराबर हैं क्योंकि उसे तो सभी लोग उसी ईश्वर के रूप दिखाई देते हैं."

(8)

है तफ़।रिक्वा-ए जातो सि.फत बहरात में, भशिया-ए-जहाँ एक है सब बहदत में, जर में है, न तोपों में, न वह लश्कर में, जो जोरे .खुशई है 'मुहिब! उलफ़त में!

तिकरका भेव, लड़ाई, जातो सिफ त न्यक्तित्व और गुख्य बहरात - जंगलीपन धारिया-चीजें (री का बहुबचन) खर-धन, बहदत - ईरवर का एक होना जोरे खुदाई - ईरवरीय ताज्ञत, उलफ त-प्रम

"(ईश्वर के) ज्यक्तित्व और गुयो पर कागदा जंगलीपन के कारण उठता है. सारी जीखें उदी एक भगवान का रूप हैं इसलिए एक हैं. ऐ 'मुहिष' को ईश्वरीय ताकत प्रेम में पाई जाती है वह धन शीलत, तोप, तश्कर किसी में नहीं."

(9)

तकतीव का दुनिया में मचा है क्या शोर, करडे नहीं मश्रह्य ये 'मुह्दि' इस कुछ सौर,

چداسالک کل سپهول بت سمورتی .

(7)
دل بولتا هر دم هے استب الله هوا دو دیکھلےکی ایک کو مطلق لیپن خوا والد سب کو سمجھا ہے وهی ڈات احد صفر کے دو ہوارو ہے مسلمان هادر ا

الله هوسايشهر كا تام مطاقسيالتل خوسعادت ذات الجدسالتك والت جيسا ايك مراك .

اله المحیب همارا دل تو هر سم ایشور کا نام لها کرتا هم جید (ایشور اور سوشتی کو) ایک سمجهتم هیں آک جو محجهتم کی ایک سمجهتم هیں آک جو محجهتم کی همدو مسلمان درنوں برابر عیں کیپنک آک تو سبهی لوگ آسی آیشور کے روپ دکھائی دیتم هیں یا

(8)

ه باریقه دادسات وحشت میس؟ . الشیاد جهان ایک هیں سب وحدت میں؟ زرمیں ها؟ له توہی میں له ولا لشکر میں اجاز زور خدائی ها (محب؟ اللات میں!

المرينة المرينة الراثي أرفات دو صفت ويكللون أور كن المرينة وحتمات ويكللون أور كن المرينة وحتمات المرينة وحتمال المرينة المرينة المرينة وحدث المرينة وحدث المرينة وحدث المرينة المحتمال المحتمال

''(ایشور کے) ریکنتو آور گنوں پر جھکڑا جنگلی پن کے گرن آٹھنا ہے ، ساری چیزیں آسی ایک بھکوان کا روپ ھیں ، ایم استب جو ایشوری طانت پریم میں پانی جاتی ہے وہ دھن دولت توپ؟ لشکر کسی میں نہیں ،''

, (9),

برتفلید کردنیا میں معها ها کیا شوراً را دین کرتے قیدی مذہب پدرابنسبا هرکچے غوراً

''संसार की प्रत्येक विचा देशवर को हमसे जिपाती है. हम किताबों को पढ़ वर के (ईशवर के बारे में) शंकाएँ करने लगते हैं. यह (किताबी) योग्यता तो दर अस्ल अंधापन है, ऐ 'मुहिब' दुनिया के लिए जो गोशियारी है वह सबसे बड़ी नींद है।"

(4)

है कुंक्र 'मुहिब' ग़ैर गर उसको माना, हमने वो बुतों को भी खुदा ही जाना, तरबीह से ग्रफलत का नतीजा यह हुवा, मुसा ने जो देखा भी तो क्या पहचाना!

कुम्- श्रघार्मिकता, तश्वीह—जपमा, राफ्लत-वेपरवाही, सुत्त-मृतिं.

"मूसा—एक नबी, हजरत मूसा ने ईश्वर से प्रार्थना कीयों कि तू मुक्ते अपना मुख दिखा. ईश्वर ने उनके बहुत कहने सुनने पर अपना चेहरा तो नहीं सिर्फ जस्वा (दीप्ति) दिखाया. लेकिन हजरत मूसा इसे भी देखने की ताब न ला सके. वे बेहोश हो गए और जिस तूर पहाड़ पर वे खड़े थे वह जल गया)."

"पे 'मुहिब' ईरवर से किसी को अलग समकता अधार्मिकता है. हम तो मूर्तियों में भी ईश्वर को देखते हैं. ईश्वर के उपनामों पर ध्यान न देने का फल यह हुआ कि मूसा ईश्वर को देखकर भी नपहचान सके "

(5)

पदें में हैं मखलूक के वह जाते खुदा, बेपवां नजर छाए यह इमकान हैं क्या, तश्वीह का होता जो 'मुहिब' कुछ मी मजाक सुनते न राजर से लनतरानी मुसा!

मखलूक—दुनिया, इमकान—संमावना, तश्बीह—उपमा, मजाक्र—क्रि.

शजर-पेद, जनतरानी:-ईश्वर का रहस्य (इजरत मुक्ता को एक पेद ने ईइवर का रहस्य बताया था).

"ईरवर संखार के ही पर्दे में छिपा है, वह बेपर्दा (बानी दुनिया से अलग) नहीं दिखाई दे सकता. ऐ 'मुहिब' मूखा में अगर ईश्वर का उपनामों के लिए कुछ कि होती तो (हर एक बीज में ईश्वर को न देखकर) वे पेड़ से क्यों उपदेश जैते।"

(6)

बह मुमसे मिला और जुदा भी है वही, बुलबुल भी है गुल भी है, हवा भी है वही,

واسلسار کی پرتنگ دو یا آبھور کو همت جهاتی ہے۔ ام کتابوں کتابوں پڑھ کو کے (آبھور کے بارے میں) شکائیں رئے لکتے هیں ، یہ (کتابی) یوگٹا تو دراسل اندهایی ہے ، است کی دنیا کے لئے جو هوشیاری ہے رہ سب سے بڑی بند ہے ،''

(.4)

هے کفر ''محب' غیر گر اُس کو مانا' هم نے تر بتیں کر بھی خدا هی جانا' تشییه سے غلات کا نتیجه یہ هوا موسول نے جو دیکھا بھی توکیا پہچانا!

کنردادهارمختهٔ تشبیتایان فظمت میروانی سسمررتی

موسی ایک نبی (خضرت موسی نے ایشور سے پرارتھناکی تھی کہ تو محجم اپنا منع درتھا ۔ ایشور نے آن کے بہت کہلے سائے پر اپنا چہرہ تو نبیس جلوہ (دیہتی) دنھایا ، ایکن حضرت موجی آت بھی دیکھلے کی تاب نے لاسکے ، وے بے موسی هو گئے اور اور جس طور پہار پر وے کرتے تھے وہ جل گیا) ، ''

"الم "محب" ایشور سے کسی کو الگ سمجھنا ادھارسکتا فی ، هم تو مورتیوں میں بھی آیشور کو دیکھتے هیں ، آیشور کے آپ ناموں پر دھھان نے دینے کا پیل یہ ہوا کہ موسی آیشور کو دیکھ کو بھی نہ پہنچان سکد ،"

(5)

پردیم میں ہے منظلوں کے وہ ذات خدا ا پہردہ نظر آئے یہ امکان ہے کیا ا تشبیعکا عرتا جرامحب کیچہ بھی مذاتی سنتے نہ شجر سے لنترانی موسیل !

منظوق ـــدنيا؛ أمكان حسمبهاؤنا؛ تشبيه ـــأيماً مذأق ـــدرجي شتور ـــيو.

لنترانی ایشور کا رهسیه (حضرت کو ایک پیٹر نے آیشور کا رهسیه بنایا تیا).

''ایشور سنسار کے هی پردسہ میں چھھا گھ ، وہ پہروہ (یعنی دنیا سے اگ) نہیں دکھائی دسے سکتا ، اسے ٹمعصبہ مرسی میں اگر ایشور کی آپ ناموں نے لیے کچھ دوچی ہوتی تو (مر ایک چیز میں ایشور کو ته دیکہ کر) وسے پھڑ کھوں ایدیھی لیتے ۔''

(6)

رہ معهد عہ ملا اور جدا۔ بھی ہے وھی' پلیل پن_{یں} آھ' کل بھی ہے' جوا بھی ہے وھی'

रुवाइयात मुहिब

श्री 'मुहिब'

(1)

अल्लाह कहो, राम कहो, गाष्ट कि रब, 2 : हर नाम उसी का है "शुहिब'' कर न अजब' हिन्दू-आ-मुसलमाँ-आ-नसारा-ओ-यहूद सबका है वही एक उसूले मजहब!

गाड—ईश्वर (्रे, रब-भगवान, चजव—चाश्चर्य), नसारा—ईसाई, उसूल—सिद्धांत,

"चाहे उसे अस्लाह कहां, चाहे राम कहां, चाहे गाड कहां चाहे रब— यह सब उसी एक ईश्वर के नाम हैं। ऐ 'मुहिब'' तू इस बात पर आश्चर्य न करं. हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, यहूदी सब के धर्मों के सिद्धांत एक ही हैं।''

(2)

भरकाज पे लड़ते हैं, धजन है इदनार, मानी को जो सममें तो नहीं कुछ तकरार, जो देखते हैं हक को "मुहिन" भाँखों से सुम उनको पयम्बर कहो चाहे धवतार.

खल्फाज—शब्द (लपन का बहुवचन), इदबार—दुर्भाग्य इक्क—पर मात्मा. पयम्बर—देशवरीय संदेश लाने वाला,

"यह इमारा दुर्भाग्य है कि हम शब्दों पर ही कगड़ने लगते हैं. यदि शब्दों के अर्थ पर ग़ौर करें तो कगड़ा ही न रहे. 'ऐ' 'मुहिब' जो लोग ईश्वर को अपनी आंखों से देखते हैं बाहे उन्हें पयम्बर कह लो चाहे अवतार कहो।"

(3)

पर्वा है करते जात पे हर इस्मे जहाँ, पढ़ पढ़ के किवाबों को बढ़ा बहमो गुमाँ, यह दानिशों बीनश भी ता है कोरिचश्म, बेदारीए दुनिया है 'मुहब' स्त्राबेगराँ.

दक्षेपात—ईश्वर का चेहरा, वहमो गुर्मां—शंकारं रानिश—योग्यता, विद्वता, बीनश—देखने की शतकत कोर—मंधापन, चरम—माँख, बेहारी—जागना, हाशियारी स्त्राचे गराँ—गहरी नाव

رباعياسمصب

شرى لمتحب

(1)

النسائيور (God)، ربسبهاوان، عجبساشجريه، نصاراسعيسائي، امول سيدهانت.

"چاہے آسے آللہ کہر" چاہے رآم کہر" چاہے گان کہر چاہے رہے۔ یہ سب آسی ایک ایشور کے نام میں ۔ آئے "مجب" نو آیس بات میں آشچریہ نہ کر ۔ ہندر" مسلمان عیسائی" یہودی مب کے دھرموں کے سدھانت آیک ہے میں ۔"

(2)

ألفاظ په اوتے هیں عجب هے اِدبارا معلی او جو سمجھیں تونییں شاکھے تکرارا جو دیکھلے هیں حق اوالمنتب اُانکھرں سے تم اُن کو پیمبر کھو چاہے اوتبر 1

انفاظات شود (لفظ کا بہو بحون) ادبار سدربهاگه، حق برمانما، پهمور - ایشوری سلدیش الله والا

' یہ همارا دربہاگیہ ہے کہ شہدری پر هی جهکونے لکتے هیں ۔ یدی شہدری کے ارتب پر غیر کریں تو جهکوا هی نام رہے ، اے 'محب' جو لوگ' ایشرر کو دیلی آفتھیں سے دیکھتے هیں چاہے ' آنھیں پیمبر کہا لو چاھے آرتار کہو ۔''

(3)

یدی ہے رخ ذات پہ ہر علم جہاں' پوہ پوہ کے کتابوں کو بڑھا رہم وگناں' یہ دانھی بینھی بھی تو ہےکوری چشم برداری دنیا ہے ''استعب'' خواب گراں'

رم ذات—ایشور کا جهره وهم کیان سشنکائین دانش—
یوگنا ودنا بیلش دیکهنی کی طاقت ،کوری—آندهارین چهرسآنکه بیداری—جاگنا هوشیاری خواب گران سگهری نیدد

چهاکلی ، مار کو میں آپنے آپک رشتےدار شربی گروند پرسان کے پاس بہنچا، وم دائی نورے کے ایک اچے ایدوایت ام ارر أب جہاں انبكار بنكالى انڈرسيڌيت كالب هـ، وهيں أن كا بنکله تها . هم نے ان سے برارتهنا کی کہه رے اپنے بنکلے کے ٹینس الن پر لوکمانیه کی سبها کرنے کی اجازت دے ویں ، گوند پرسادہ جی ترنت رائی هوگئے اب همارے انساه کا ٹیکانه تعرها م هم نے جاسے کا نہائس نکالا جس پر میرے ' ایم این دعرما کے اور کے بی مشرا کے دستخط تھے ۔ سارا انتظام تین چار گینڈیں کے اندر کرنا ہوا۔ شام کو چھ بجے لوکمانیہ تلک کا اُسی لان کے اویر ویاکھیاں ہوا ، وشہ تھا ورنامان رأج قینک استتھی ، سوال تها سبها کا سبهایتی کیسے بنایا جائے لا بڑے بڑے لرگوں میں سب أدكار كرچكے تھے ۔ قب هم نے أنيكلوبنكائي هائي اسکول کے هیت ماسٹر باہو نیهال چندر رأم کو پکڑا ، نیهال باہو ہرے ھی نیک طبیعت اور پرکٹی شیل وچاروں کے آدمی نهے ، سبها میں قریب دو هزار آدسی اکتبا هوئے ، لوکمانیته جوشیلے وہتا نہیں تھے ۔ لیکن أن كا ایك أیك شبد دل كى گہرائی سے ٹکلتا معلوم ہوتا تھا۔ چلشے میں ایک سمان سا بندها هوا تها. الدآباد مين لوكمانية كا وه يها راج نهتك وياههان تھا ، اُس نے نہ صرف الدآباد کے شہر میں می تہوں بلکه سارے موبي میں ایک نثر واج نیتک جیون کی بنیادیں قال دیں ، اگلے دس پورے پیچ کا هیڈنگ دے دو اخباروں لے چھایا۔۔۔ ا "الداباد ميں نئے وچاروں كا پهنديو" ، "اندين پهويل لے جو" ليدرا سے يہلے أس وقت الداباك سے نكلتا نها كها والمي أنساة يورن وياكهيان ."

اِس کے ہمد تو ریاکھیائوں کا سلسلم ھی شروع ھوگیا ، مارچ 1907 میں باہو وہن چندر پال الدآباد آنے ، الدآباد میں میں اُن کے تین ویاکھیان ھوٹے ، اُن کے ویاکھیائوں کے لئے اسٹینلی رزڈ پرستیاچرن باہو وئیل کے بنکلے کا احاطه ٹھیک کیا ، ھر ویاکییان میں قریب تین چار ھڑار لوگوں کی بھیر ھوٹی تھی ، اوریل سی 1907 میں لالہ الجیت رائے الدآباد آئے ، کولمائید تلک کی میٹنگ رام آیڈ گراؤنٹ میں ند ھو سکی تھی اُس کے لئے رام لیلا کمیٹی کے ممبر بہت شرمندہ تھے ، سکریڈری سے آئیوں نے استعفی لے لیا تھا اور لالد جی کی میٹنگ رام لیلا گراؤنٹ میں لاند جی کی میٹنگ رام لیلا گراؤنٹ میں کرنے کا وعدہ کر لیا تھا ، وھیں لاند جی کا ویاکھان گراؤنٹ میں مقرار سے زیادہ آئمی آئیوں سفنے کے لئے اکتہادوئے ، جنتا کے ادیش اور انساہ کا کوئی آئیانہ نہ تھا ،

[باقى أكلم نمبر مين]

का गई. हारकर में अपने एक रिश्तेदार श्री गोबिन्द प्रसाद के पास पहुँचा। वे शहकोट के एक अध्छे पडवोकेट थे और आज जहां एंग्लोंबंगाली इंटरमिजिएट कालेज है. वहीं चनका चंगला था. हमने चनसे प्रार्थना की कि वे अपने बंगले के टेनिस लान पर लाकमान्य की सभा करने की इजाजत दे दें. गोबिन्द प्रसाद जी तरंत राजी हो गए। अब हमारे इत्साह का ठिकाना न रहा. इसने जलसे का नोटिस निकाला जिस पर मेरे, एन० एम० घरमा के और के॰ पी० निश्र के द्रवस्त्रत थे, सारा इंतजाम हमें तीन चार घंटे के संदर करना पड़ा, शाम को छै बजे लोक मान्य तिलक का उसी लान के ऊपर ज्याख्यान हवा. विषय था वर्तमांन राजनैतिक स्थिति . सवाल था, सभा का सभापति किसे धनाया जाय ? बढ़े बढ़े लोगों में सब इन्कार कर चुके थे. तब हमने एंग्लो बंगाली हाई स्कूल के हेडमास्टर बाबू नैयाल चन्द्र राय को पकड़ा. नैपाल बाबू बड़ी ही नेक तिबयत और प्रगतिशील विचारों के आदमी थे. सभा में क़रीब दो हजार आदमी इकट्टा हए, लाकमान्य जोशीलें बक्ता नहीं थे लेकिन धनका एक एक शब्द दिल का गहराई से निकलता मालम होता था। जलसे में एक समासा बँधा हुआ था. इलाहाबाद में लोकमान्य का वह पहला राजनैतिक व्याख्यान था। उसने सिर्फ इलाहाबाद के शहर में ही नहीं बल्कि सारे सुबे में एक नए राजनैतिक जीवन की दुनियादें बाल हीं. अगले दिन पूरे पेज का है डिंग देकर अखबारों ने हापा-- "इलाहाबाद में नए विचारों का पैराम्बर।" ।ईडियन पीपुल ने जो 'लीडर' से पहले उस बक्त इलाहाबाद ते निकलता था, लिखा-"बड़ा ही उत्साद पूर्ण द्वास्यान"

इसके बाद तो व्याख्यानों का सिलसिला ही गुरू हो तथा. मार्च 1907 में बाद विधिन चन्द्र पाल इलाहाबाद माप. इलाहाबाद में उनके तीन व्याख्यान हुए. उनके व्याख्यानों के लिये स्टेनली रोड पर सत्याचरण बादू इकील के बंगले का खाहाता ठीक किया. हर व्याख्यान में हरीब तीन-चार हजार लोगों की भीड़ हाती थी. धप्रैल सन् 1907 में लाला लाजपत राय इलाहाबाद खाए. लोकमान्य तलक की मीटिंग रामलीला प्राव'ड में न हो सकी यी सके लिए रामलीला कमेटी के मेन्बर बहुत शरमिन्दा थे. सेक्रेटरी से उन्होंने स्तीफा ले लिया था और लाला ती की मीटिंग रामलीला प्राव'ड में करने का वादा कर केया था. वहीं लाला जी का व्याख्यान हुआ. इस हजार ते ज्यादा धादमी उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए। जनता हे और खीर उत्थाह का कोई ठिकाना न था.

(बाक़ी अगले नम्बर में)

کوہ نه کانکریس کے دو آبن دن بعد وسے کلکتے سے الداباد هوتے
ہوئے ہوئا جانیں گے ۔ اگر الداباد میں اُن کے وکھیاں کا پربند هو
سکا تو وسم اُس کے لائم اُبھی تیار رهیں گے ، انہوں نے یہ بھی
وسرہ کیا کہ اپنے الداباد پہنچنے کی وسے عدیں پیلے سے سوچنا دسے

س 1005 المرابعين المرابيسية

هیں گے ،

چہاں تک مجہد یاد ہے جارری سن 1907 کی 6 تاریخ

تھی ، سبح کی کسی کاری سے تلک مہراج الدآباد پہنچے ،

پہٹ سے ودپارٹھی اور شہر کے لوگ اُن کے سواگت کے لھائے

اسٹیشن پہنچے ، و مداراکنج میں اپنے داماد شری مالے نے

پہٹ ٹہر م ، اسٹیشن پر ھی ھم نے اُن سے اُن نے وکھان کی

ہاتیں چھڑیں ، اُنھوں نے کہا کہ ، و مدد ایک گھنٹے کے بعد

ہنٹس میں سوھن مااویہ سے ملنے کے اہائے رہ آن کے مکان پر

پہنچیں گے اور وھاں اگر طے ھوا تو وکھنان دیں گے ،

هم بھی بھارتی بھوں مالویہ جی کے مکان پر پہنچ گئہ
وهاں اسی سسلہ پلڈت مدن سوھن مالویہ کے علاوہ کانکریس کے
بڑی بڑے بڑے نیٹا تلک مہراج سے ملنہ کے لئے جمع تھے،
هم نے تلک مہراج سے اُن کے وکھان کی چرچا کی وے خوشی
سے راضی تھے، پروهاں بیٹیھے ہوئے اُدھک تر ٹیٹا اُن کے
وکھیاں کے خلاف تھے اور چاہیتے تھے کہ اگر تلک مہراج الدآباد
میں بولیں ھی تو' ویدگ سامتیہ ''پر بولھں'' راج نیٹی''
پو نہیں ، میں نے تلک مہراج سے پرچھا کہ اگر میں اور میزے
ساتھی ودپارتھی اُن نے وکھان کا پر بلد یا کر میں تو وکھان
دیں گے یا نہیں ، وے راضی ہوگئے ، میں نے یہ بھی کیا الدآباد
کی جنتا آپ کو ویدگ سانھیہ پر سنا نہیں چاہئی' 'راج ٹیٹک
کی جنتا آپ کو ویدگ سانھیہ پر سنا نہیں چاہئی' 'راج ٹیٹک

یا رکھیاں کرانے کی زمیداری تو مام نے اپنے اوپر لیاں الیکن بسب سے بوی وقت عمیں جگا کی پڑی ، جہاں جاتے نوم دل کے نیکارں کے دوت عمیں جگا کی بیٹیے جاتے اور رھاں سے عمیں الکار عوجاتا ، هم نے سوچا تھا کہہ رام لیلا گراونڈ میں سبھا کرلیں مگر اُس کے منتری کو ایسا سبق پڑھا دیاگیا کہہ اُس نے صاف انکار کر دیا ، هم سب کی بعتوں میں بیحد مایوسی

कलकता कांग्रेस के समय पहली बार हमें तिलक महा-राज से देर तक क बक बैठकर बातें करने का सीमाग्य प्राप्त हुआ. व बस समय श्री पद्मराज जैन के यहाँ ठहरे हुये थे. हमने तिलक महराज से कहा कि यू० पी० और खासकर हजाहाबाद में इनके व्याख्यान होने चाहिएँ. उन्होंने हमारी बात का समर्थन किया. वे चाहते थे कि यू० पी० के कोई नेता उन्हें बुलावें. बंगाल, पंजाब और महाराष्ट्र में उन दिनों गरम दल का ओर था. यू० पी०, वम्बई और महास नरम दल के गढ़ थे. तिलक महराज ने हमसे बादा किया कि कांम्रेस के दो तीन दिन बाद वें कलकत्ते से इलाहाबाद होते हुए पूना जायेंगे और अगर इलाहाबाद में उनके व्याख्यान का मबन्ध हो सका तो वे इसके लिये भी तैयार रहेंगे. उन्होंने यह भी बादा किया कि अपने इलाहाबाद पहुँचने की वें हमें पहले से सूचना दे देंगे.

जहाँ तक मुक्ते याद है जनवरी सन् 1907 की 6 तारीख़ थी. सुबह की किसी गाड़ी से तिलक महाराज इलाहाबाद पहुँचे. बहुत से विद्यार्थी और शहर के लोग उनके स्वागत के लिए स्टेशन पहुँचे. वे दारागंज में अपने दामाद श्री साने के यहाँ ठहरे. स्टेशन पर ही हमने उनसे उनके व्याख्यान की बातें छेड़ी. उन्होंने कहा कि वे दो एक घंटे के बाद पंडित महन मोहन मालवीय से मिलने के लिये उनके मकान पर पहुँचेंगे और वहाँ अगर तय हुआ तो व्याख्यान देंगे.

हम भी भारती भवन मालवीय जी के मकान पर पहुँच गए. वहाँ उस समय पंडित मदन मोहन मालवीय के अलावा कांग्रेस के कई बढ़े नेता तिलक महराज से मिलने के लिए जमा थे. हमने तिलक महराज से उनके व्याख्यान की बर्चा की. वे .खुशी से राजी थे. पर वहाँ बैठे हुए अधिकतर नेता उनके व्याख्यान के खिलाफ थे और चाहते थे कि अगर सिलक महाराज इलाहाबाद में बोलें ही तो "वैदिक साहत्य" पर बोलें, "राजनीति" पर नहीं. मैंने तिलक महराज से पूछा कि अगर मैं और मेरे साथी विद्यार्थ उनके व्याख्यान का प्रवन्ध कर सकें तो वे व्याख्यान देंगे या नहीं. वे राजी हो गए. मैंने यह भी कहा कि इलाहाबाद की जनता आपको वैदिक साहित्य पर सुनना नहीं चहती, 'राजनीतिक स्थिति' पर सुनना चाहती है. तिलक महराज ने खोकार कर लिया.

व्याख्यान कराने की जिम्मेदारी तो हमने अपने उपर ते ली, लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत हमें जगह की पड़ी. जहाँ जाते नरम दल के नेताओं के दूत हमसे पहले पहुंच जाते और बहीं से हमें इन्कार, हो जाता. हमने सोचा या कि रामलीला प्राउंड में समा कर लें मगर उसके संत्री को ऐसा सबक पढ़ा दिया गया कि उसने साफ इन्कार कर दिया। हम सब की तवियतों में बेहद मायूसी भा जिसमें 60 करोड़ रुपया सालाना का सिर्फ कपड़ा था.देश के कारीगर मूखे मर रहे थे, देश गरीव होता जा रहा था, 'स्व-देशी' का मतलब था कि हम अपने देश के बद्दोग-वंधों को किर से चमकाएँ और अपने रोजमर्श के इस्तेमाल में जहाँ तक हो सके, देश की बनी हुई चीज़ें ही काम में लाएँ. दूसरा था 'बायकाट' यानी यह कि हम अंग्रेजों के अन्याय के जवाब में इंगलैंगड़ के बने हुथे हर तरह के माल का साध तौर से बहिष्कार करें. इस 'बायकाट'में सरकारी नौकरियाँ और खिलाब भी शामिल थे. तीसरा था 'राष्टीय शिक्षा' यानी अंग्रेजों के बनाये स्कूलों और कालेजों को छोड़कर राष्ट्रीय ढंग की शिक्षा हासिल करें. इस सिलसिले में मुल्क मर में जगह-जगह नेशनल कालेज और स्कूल कृप्यम किय गये. चौथा था 'स्वराज' यानी देश को आजाद करना. हमारी टोली के प्रसिद्ध राष्ट्र किय पंडित माधव शुक्ल ने इस चौमुखी कार्यक्रम पर नीचे लिखी कियता लिखी:—

"जय-जय श्री तिलक देव! मारत हितकारी!
स्वदेशी अह बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा प्रसार,
हिन्द में स्वराज—चारि पन्थ के पुजारी!"
नरम दल के नेता लोकमान्य तिलक के नये चतुर्मु सी
कार्य-क्रम के खिलाफ थे. कांग्रेस के ज्यादातर पुराने नेता
इसी नरम दल में थे. लेकिन देश भर में जनता के अन्दर
गरम दल का असर तेजी के साथ बढता जा रहा था.

खंप्रेज शासकों ने नये दल को दबाने और बंग भंग के मक्तसद को पूरा करने के लिये जोंरदार कोशिश की. ढाका के नवाब सलीमुल्ला खाँ को चौदह लाख रिश्वत देकर मुसलिम लीग कायम कराई गई और उसी साल लाहीर में हिन्दू सभा की स्थापना हुई. लाहीर के जिस जल्से में हिन्दू सभा का स्थापना हुई. लाहीर के जिस जल्से में हिन्दू सभा कावम हुई उसमें में भी इत्तफाक से मौजूद था. में पंजाब यूनिवर्सिटी के कानवोकेशन में अपनी डिगरी लेने गया था.

दिसम्बर सन् 1906 में कलकत्ते में कांग्रेस का बाईसवाँ इजलास हुआ. मैं, धर्मा और दूसरे साथी कलकत्ते की कांग्रेस में भी वालंटियरों की है सियत से शामिल हुए. जनता का जोश हद को पहुँच चुका था. सरकार की चालों का एल्टा असर हो रहा था. सलीमुल्ला खाँ और उनकी मुसलिम लीग के ज़वाब में उनके माई अतीक उल्ला खाँ ने कांग्रेस में खूब खुलकर हिस्सा लिया. गरम दल के सौभाग्य से देखा माई नौरोजी, जो तीस साल के राजनीतिक उजरबे के बाद बसी साल इंगलेंड से भारत आये थे, कांग्रेस के सभापति थे. दादा भाई नौरोजी ने समापति के आसन से गरम दल वालों का खुलकर साथ दिया और कांग्रेस के मैंन सं इतिहास में पहली बार 'स्वराज' शब्द का उपयोग किया. गरम दल के सब प्रस्ताव थों बहुत अदल बदल के साथ पास हो गये. देश में जोश बदता चला गया.

تها ، جس میں 60 کرور روپید سااند کا صرف کہوا تھا ، دیھی کے کاربکر بھرکے مر رہے ہے کہ دیھی ریب ہوتا جا رہا ہما شہر شودیھی کا مطالب تھا کہ ہم لینے دیھی کے اُدیوگ دھادی دھندوں کو پھر سے چمکائیں اور اپنے روزمرہ کے استعمال میں جہاں تک ہو سکے دیش کی بلی ہوئی چیدیں کم میں لائیں ، دوسرا تھا بائیکات عملی یہ کہ ہم انکریوں کے انسانے کے جواب میں انکلیلات کے بنے ہوئے ہو طرح کے مال کا انسانے کے جواب میں انکلیلات کے بنے ہوئے ہو طرح کے مال کا کوکریاں اور خطابات بھی شامل تھے ، تیسرا تھا 'راشتری شمعا انکیریورں کے بنائے اسمولوں اور کانجوں کو جھوز کر شمید شمیل کالے اور اسکول قایم کئے گئے ، راشتری تھا کی شمشها حاصل کریں ، اِس سلسلے میں ملک بھر میں جکہہ جکہہ نیشنل کالے اور اسکول قایم کئے گئے ، راشتر کوی پندت مادھو شکل نے اُس چوسمی کاریہ کرم پر راشتر کوی پندت مادھو شکل نے اُس چوسمی کاریہ کرم پر راشتر کوی پندت مادھو شکل نے اُس چوسمی کاریہ کرم پر

"جے جے شری تلک دیو ! بھارت هت کاری ! سودیشی اور بہشکار' راشڈری شکشها پر سار هند میں سوراً جاری پنتھ کے بجاری !''

نوم دل کے نیتا لوکمانیہ تلک کے نئے چترستھی کاریہ کرم کے خلاف تھے ۔ کانکریس کے زیادہ تر پرائے نیتا اِسی نوم دل میں تھے ، لیکن دیکس بھر میں جنتا کے اندر گرم دل کا اثر تیزی کے ساتھ بڑھتا جا رہا تھا ۔

انگریزی شاسکوں نے نئے دال کو دبائے اور بنگ بھنگ کے مقصد کو پیرا کرنے کے لئے زوردار کوشش کی ، تھاکا کے نرای سلیماللہ خال کو چودہ لاکھ رشوت دیے کو مسلم لیگ قایم کرائی گئی اور آسی سال الفور میں ہندو سبھا کی استھاپنا ہوئی ، لاھور کے جس جلسے میں ہندو سبھا قایم ہوئی آس میں میں بھی انفاق سے موجود تھا ، میں ینجاب یوفیورسائی کے کانووکیشن میں یہ تگری لینے گیا تھا ،

 इस चाइ हैं कि इलाहाबाद की टोली भी हमारे साथ मिलकर काम करे. में सबसे नहीं कि लूँगा, गुप्त रहकर ही अरिकर बाबू और तुम्हारे बीच में सन्देश वाहक (क्वासिद) का काम करूँगा." उसके बाद से ज्यातिन बास हमारे और अरिकर बाबू के बीच में कई बरस तक गास्ट आक्रिस का काम करते रहे.

इस हालत में दिसम्बर सन् 1905 में बनारस में कांग्रेस का इक्कीसवाँ अधिवेशन हुआ, श्री गापाल कृप्ण गांखले सभापति थे. देश में काफी जांश था. इलाहाबाद से साथियों को लेकर में बनारस पहुँचा, हम लाग स्वय सेवक की हैसियत से क्षांमेस में शामिल हुए थे. उस समय कांग्रेस की अजब कैकियत थी. उसके हर इजलास में सबसे पहला प्रस्ताव इंगलैंड के बावशाह की तरफ वफादारी का हाता था. उस साल भी सबसे पहले यही प्रस्ताव आया. पहली बार देश के कुछ नेताओं ने उसका विरोध किया. उनके अगुआ थे लाकमान्य तिलक और लाला लाजपत राय. मुके लाकमान्य केयह लक्ष्य आज तक याद हैं:—

"We have been over loyal up to this time let us decrease our loyalty."

लाकमान्य का समर्थन क≀ते हुए लाला लाजपत राय ने कहाः—

"Let the prince go and tell his father that there is no welcome for him in the Indian heart."

मैं नाम भूल गया लेकिन एक वक्ता के मुक्ते ये शब्द अव तक याद हैं:---

"कांग्रेस खभी तक नावालिता थी. उसे शासकों की देख-रेख की अहरत थी, अब वह 21साल की यानी वालिता हो, चुकी. अब उसे अपना काम खुद सँभालना चाहिए."

सगर फिर भी कांग्रेस में पुराने नेताओं का जोर था और कफ़ाबारी का प्रस्ताव किसी तरह पास हो ही गया.

इस समय देश में दो राजनीतिक दल साफ दिखाई देने तारे. एक जिस एक्स्ट्रीमिस्ट, राष्ट्रीय, या गरम दल कहा जाता था, जिसके खास नेता तिलक महाराज, लाला लाज-पत राय, श्री विपिन चन्द्र पाल और श्री अरिवन्द घोष थे. और दूसरा जो माडरेट, लिबरल या नरम दल कहलाता या, जिसके मुख्य नेता धर कीरोजशाह मेहता, श्री दिनशा हें दुलजी बाचा, पंडित मदन मोहन मालवीय और श्री गोपाल कृष्णा गोखले थे.बनारस कांग्रेस के बाद मी बंग मंग के जवाब में तिलक महराज ने चौमुखी प्रोग्राम देश के सामने रखा. इनमें पहला स्वदेशी है. देश के खोग बन्धे उस समय बेहद दबे हुये थे. धरबों इपयो का माल योरोप से आता

س. 1305 \$ سينفي البران....

تھاملے ھیں اُلفایادگی گوئی ہیں همارے سان مل کو کام کوس ، بی سب عملیدر ملولگا، گیات رہ کو عی اروٹدو باہو اور تمہارے بی میں سادیش وادیمک (قاعد) کا کام کروٹگا ،'' اُس کے بعد ، جیوٹی بوس همارے اور اروٹد باہو کے بیچ میں نئی ہوس سا بوسک آدس کا کام کرتے رہے ،

اس خانت میں دسمبر سن 1905 میں بنارس میں نگربس کا انہسواں ادھیریشن ہوا ۔ شری گربال کرشن گرایلے نگربس کا انہسواں ادھیریشن ہوا ۔ شری گربال کرشن گرایلے بیا یہ کو میں بنارس پہنچا، ہم لوگ سویم سیوک کی حیثیت سے انگریس میں شامل ہوئے تھے ۔ اُس سے کانکریس کی عجیب لیفیت تھی اُس کے ہواجلس میں سب سے پہلا ہرسٹاؤ انگلیلڈ کے لیفیت تھی اُس خانداری کا ہوتا تھا اُس سال بھی سب سے پہلے ہرسٹاؤ آیا۔ پہلی یار دیش کے کچھ نیٹاؤں نے اس کا ورودہ کہا ۔ اُن کے اگوا تھے لوکانیہ تلک اور لالہ للجہات رائے معجیلے لوکانیہ کے یہ نظ آبے تک یاد میں :۔۔

"We have been over loyal up to this time, let us decrease our loyalty."

لوكمانية كاسمرتهن كرتے هوئے الله الجوت رأئے لے كها :--

"Let the prince go and tell his father that there is no welcome for him in the Indian heart."

میں نام بھول گیا۔ لیکن آیک وقت کے یہ شہد آب تک یاد هیں: —

د کانکریس أبهی تک نابالغ تهی ، أسه شاسکرں کی دیکھ ربک کی فرورت تهی اب وہ 21 سال کی یعنی بالغ هو چکی ، اب أب أب أب أب إبالة علم خرد سلبهالنا چاهئے ..."

مکو پھر بھی کانکریس میں پرائے تیتاوں کا زور تھا اور وناداری کا پرستاؤ کسی طرح پاس ہو ھی گیا ۔

أس سم دیش میں دو رأے نیتک دل صاف دکیائی دیاہ لگے ، ایک جسے اکسٹریسٹ راشٹری گرم دل کیا جاتا تھا کسے جس کے خاص نیکا ناک مہارائے بہت رأئے لااء الجہت رأئے شری وہن چندر یال اور شری اروندگورش تھے اور درسرے جو ماتویت البسرل یا نرم دل کہاتا تھا جس کے ماہمہ نیکا سرفیروز شاہ مہنا شہی دنشا ایدولجی اچا پندت مدن مرهن مالویہ اور شری گوبال کرشن گونیلے تھے ، بنارس کا کریس کے بعد بھی بلک بھلگ کے چواب میں للک مہرائے لے چوممی پروگرام دیش کے سامنے رکھا ای میں بہا سردیشی ہے دیش کے آدیوک دھندے آس سے بہت میں دیش کے مال یورپ سے آتا

सदारत में यह जबसा हुआ. जलसे में गिने चुने करीब दो सी आदमी थे, जिसमें खुफिया पुलिस के आदमियों का भी एक जत्था था. आज तो जलसों में लाखों की भीड़ होती है मगर उस समय जलसे में जाना भी बड़ी हिम्मत का काम सममा जाता था. बहुत घुंधली सी याद रह गई है उस जलसे की, क्योंकि उसे बीते ठीक ५१ बरस हो चुके हैं. लेकिन इतना सुमे साफ साफ याद है कि जब पंडित बालकृष्ण भट्ट बहुत गरमा गरम तक्षरीर कर रहे थे तो किसी ने पीछे से उनके खाँगरसे का पस्ला खाँचा. भट्ट जी इस पर बिगढ़ पड़े. कहने लगे—

"हमारे अंगरसे का पत्ला खींचत है, चाहत है हम बोली न. हिए में तो लागी है आग, कही काहे न."

हम नीजवान शहर में घूमते और लोगों से स्वदेशी वत की प्रतिका जैने को कहते, बंगाल का उस समय का नारा

' भाई भाई एक ठाँई' भेद नाई भेद नाई!

कोगों से बावा लेते कि जब तक इमारा मुलक आजाद न हो जाए इम आपस के सब भेद भाव भुला हैंगे.

रोज रोज तो जाम जलसे हो नहीं सकते ये लिहाजा हम नीजवान बोर्डिंग हाउस से एक स्टूल लेकर शाम को घंटाघर पहुँचते ये और वारी बारी से स्टूल पर खड़े हाकर ज्याख्यान देते ये. हममें से जो किव या शायर थे, वह किव ताएँ या नजमें पढ़ते. रोज रोज की मीटिंगों का यह अखंड सिलिसला उसी वक्त दूटता जर्वाक काई दूसरी बड़ी आम समा होती या हम सब के सब शहर के बाहर होते. एक मुसलमान नीजवान दोस्त की तक्तरीर का एक एक करा यब तक प्रमे याद रह गया है, हालांकि खुद उनका नाम मुमे याद नहा रहा, वह कहा करते—"हिन्दू और मुसलमाना! तुम दोनों बने की दाल की तरह हो १ जब तक इत्तफाक यानी एकता का खिलका तुम दोनों के कपर रहेगा तब तक तुम सलामत रहोंगे, बरना मिट जाडांगे."

दिसम्बर १९०५ की बात है, एक दिन मैं बोहिंग हाऊस में अपने कमरे में बैठा हुआ था कि एक नीजवान इस्तक देकर भीतर आया. २६-२७ बरस की उन्ह हागी, गठीला बदन, चेहरे से कूबत और हिम्मत प्रगट होती बी, आकर पूछा—"तुन्ही सुन्दरलाल हो १"

र्भेने कहा--"हाँ"

"मेरा नाम क्योतिन बोस दे, यहाँ मैं कीडगंज में डदरा हूँ. अरिबन्द बाबू ने मुक्ते तुमसे मिलने भेजा है. مدارت میں یہ جلسہ ہوا ، جلسه میں گئے چہے قربب دو سو آدمی تھا جس میں ختا پرلیس کے دمیوں کا بھی ایک جتها تھا ، آج تو جلسوں میں لائیوں کی بیرج هرتی همت بیرج هم مکر اس سے جلسه میں جاتا بھی بڑی همت کا کلم سمتھا جاتا تھا ، بہت دهندلی سی یاد رہ گئی ہے اُس جلسه کی کیولکم آسے بیتے تبیک 15 برس ہو چہے ہیں ، لیکن مجھے ماف صاف یاد ہے کہ جب پندت بال کرشن بیٹ بہت سو گرم تقربر کو رہے تھے تو کسی نے پینچھے سے اُن کے اُن کے اُن کے اُن کے اِن کہ کو بڑے کا پله کو نچا ، بہت جی اُس پر بکو پڑے ، کہنے

''اهمارے انگرکے کا پلم کہیمجت هیں، چاهت هیں هم بولی نا ، هئر میںتو لاکی ہے آگے' کہی کاف نا ،''

ھم نوچوان شہر میں گھومتے اور لوگوں سے سودیشی ورت کی پرتکیاں لینے کو کہتے ، بلکال کا اُس سب کا نمزہ تھا۔۔۔

> 'نهائی بهائی آیک ٹپائیں بهید نائیں بهید نائیں !''

کوگوں سے وعدہ نیتے که جب تک همارا ملک آزاد نے هو جائیگا هم آیس کے سب بهید بهاؤ بها دیں گے ،

روز روز تو عام جلسے هو نهیں سکتے ہے لهذا هم نوجوان بوردنگ هاؤس سے ایک اسٹول لے کو شام کو ٹھنٹھ گھر پہنچتے ہم اور باری باری سے آسٹول پر کھڑے هو کو ریانههاں دیتےتہے، هم میں سے جو کوی یا شاعر نہے وہ کویٹا یا نظم پڑھتے ، روز روز کی میٹنگرں کا یہ انہنڈ سلسلم اُسی وقت ٹوٹٹا جب که کوئی دوسری بڑی عام سبها هوتی یا هم سب کے سب شهر باهر هوتے ، ایک مسلسان نوجوان دوست کی تقریر کا ایک ٹکوا اب نک مجھے یاد رہ گیا ہے دیادہ اور مسلمانو اِ تم دونوں چلے ئی رہا ہی طرح هو ، جب تک اتماتی کی یکٹا کا چھلکا تم دونوں چلے ئی دائر کی طرح هو ، جب تک اتماتی کی یکٹا کا چھلکا تم دونوں کے اوپر رہے گا تب تک تم دونوں سلمت رهو گے ، ورنہ مت کے اوپر رہے گا تب تک تم دونوں سلمت رهو گے ، ورنہ مت جاؤ گے ،"

دسمبر 1905 کی بات ہے' ایک دن میں بررتنگ ہاؤس میں اپنے کبرے میں بیٹھا ہرا تیا کہ ایک نوجران دستک دے کر بیٹر آ گیا ۔ 27-26 برس کی عمر ہوگی' گلیلا بدن' چہرے سے کونت اور ہست ہرگت ہوئی تھی ۔ آخر پرچیا۔۔۔ ''تم ہی سندر ال ہو ہ''

میں نے کیا ۔ اتھاں ۔4

والميرا نام جيوتي يوس ها يهال ميں کيد گئيے ميں ٿيرا هوں ۔ اروند بايو نے سجھے تم سے مانے بهيجا هے ،

यह नहीं कि इस गरम मंडली में साली नौजवान ही थे. बरिक इब बुकुर्ग भी संदर हो संदर हमारी मदद करते और इसारे साथ पूरी इमददीं रखते थे इन बुजुर्गों में (मार्डन रिव्यू' और 'प्रवासी' के मशहूर संपादक वाबू रामामन्द चटर्जी, दिन्दी के मशहूर लेखक पंडित बालकुट्या भद्र डिप्टी कतक्टर और मशहूर विद्वान पंडित श्रीकृष्ण जाशी और इनके अलावा गवर्नमेंट कालेंज के साइन्स के अध्यापक बाबू शशि भूषण चटर्जी थे. रामानम्द बाबू कायस्थ पाठशाला कालेज के जिल्लियल थे पंहित बाल-क्रम्स मद्र इसी कालेज में संस्कृत और हिन्दी के प्रोफेसर बे. पंडित श्री कुम्पा जोशी थे तो हिप्टी कलक्टर और सरकारी अफुसर लेकिन उनके दिल में अपने मुल्क की आजादी के लिए एक तहुन थी. शशि बाबू उन बुज्यों में थे जिनकी काबलियत और चरित्र ने उन्हें लोगों की नवरों में बहुत ऊँचा बठा दिया था. शशि बाबू को संगीत भीर कान चरचा का बेहद शीक आ. यह बुजर्ग मंडली अव्स्तर उतके यहाँ इकट्ठा होती थी. कभी कभी इस मंडली में उर्दू के मशहूर शायर अकबर हुसेन और पंडित मदन मोहन मालवीय भी शामिल हो जाते थे.

नौजवान दोस्तों में पंडित बाल कृष्ण भट्ट के पुत्र महादेव भट्ट, और शशि बाबू के सबसे बढ़े बेटे नित्यानन्द चटरजी थे. रास बिहारी शुक्ल को हम सब लोग प्रेम से 'राशी' कहकर पुकारते थे. बाद में जमाने ने पलटा खाया, राशी को मजबूर होकर सरकारी नौकरी करनी पड़ी. अपनी क्राबलियत के लिए वह रायसाहब भी बने और सेक्रेटेरि-यट में हेल्थ डिपार्टमेंट के सुपरिन्टेन्डेन्ट के पद से रिटा-यर हुए. टीकाराम त्रिपाठी डिस्ट्रिक्ट बोर्ड के स्कूल के अध्यापक थे लेकिन बाद में उन्हें अपनी अध्यापकी से स्तिफा देना पड़ा. टीकाराम को खोड़कर और सभी साथियों को मौत ने अपनी गोद में समेट लिया है, और जब में यह लाइनें लिख रहा हूँ, मेरी आँखों के सामने इन देश प्रेमी साथियों के बेहरे घूम रहे हैं.

इलाहाबाद में अभी हमारी टोली को संगठित हुए दो महीने भी न बीत पाए ये कि बंगाल में एक ऐसी घटना घटी जिसने सारे मुरुक की निगाहें अपनी तरफ कर लीं. 16 अक्टूबर सन् 1905 को बंगाल के दो दुकड़े कर दिए गर्ये. बंग-भंग ने एक आन्दोलन की शकत ले ली. बंगाल के दो दुकड़े हो हुए मगर बंग-भंग के आन्दोलन ने बिछड़े हुए दिलों को मिला दिया.

इलाहाबाद में हम नौजवानों की टोली अगला क़दम कुटाने की तजवीचें करने लगी. हम लोगों ने फैसला किया ३१ अक्तूबर को जमना के किनारे बलुआधाट पर पहला आस संसद्धा किया जाए. पंडित बालकृष्ण महु की الله المان عن إلى الرم منذاي مين المالي الوجولي هي الدرهي الدرهي الدرهي الدرهي الدرهي ميد كرج أور هار سانه پوری طمورس رکھتے تھے . اِن بورکس میں مارنگ معاور اور پرولسی کے مشہر سمیادک بابو راماندہ چار جی ا ھادی کے مشہور لیکھک پاتھ بال کرشن بہت کہاتی کاعاثر ار مشہور ودوان یاقت شری کرشن جوشی اور اُن کے علوہ گورنمائٹ کالیم کے سائنس کے ادھیا یک باہر ششی بھوشاتر چالو جور تھے، رأمانند باہو كائسته يائه شالا كاليم كے يرنسيل تھے . یاتید بل کرشن بہت اُسی کانچ میں سنسکرت اور ہندی کے پرونهسر تھے ، بلدت شربی کرشن جرشی تھے تو ڈیٹی کلکٹر اور سوکاری انسر لیکن أن كے دل ميں اپنے ملك كى أزادى كے للنے أیک توپ نہی . شھی باہو أن بزركن ميں سے تھے جن كى قابلیت اور چرتو نے آنہیں لوگوں کی نظورں میں بہت اونیا ألها دیا تها . ششی بابو کو سنگیت أور گیان چرچا کا بےجد شرق تھا ، یہ بورگ منڈلی آئٹر اُن کے یہاں اکٹھا ہوتی تھی ۔ کبھی کبھی اُس منڈلی میں اردو کے مشہور شاعر اکبر حسیق أور يلقعه مدن موهن مالويه بهي شامل هوجاتے آهے .

لوجولی دوستوں میں پندت ہال کرشن بہت کے پتر مہادیو ایست اور ششی باہو کے سب سے بڑے بیتے نیتا قلد چڑ جی تھے ، راسی بہاری شل کو هم سب پریم سے 'راشی' کہت کر پکارتے تھے ، بین میں زمانت نے باتا کھایا' راشی کر مجبور عو کر سرکاری توکری کرتی پڑی ، آپلی قابلیت کے انے وہ رائے صاحب بھی بلے اور سکریائریت میں ہیلتھ تانیارشیات کے سپریلڈینٹی کے پدسے ریٹائر ہوئے ، ٹیکا رام ٹرپائی تسٹرکت بورڈ کے ابکوا کے انھیاپک تھے لیکن بعد میں آبھیں آپلی انتہاپتی سے اسٹینی دینا پڑا ، ٹیکا رام کو جوز کر اور سبھی ساتھیوں کو موت نے آپئی گود میں شدرت لیا ہے اور جب میں یہ لانیں لیہ رہا ہوں میری آنتہوں کے جارے گوم آنتہوں کے جارے گوم

العالمان میں ابھی هماری تولی کو سنکتیت هوئے دو مهیئے بھی تم بیمت پائے تھے که باکال میں ایکہ ایسی گیتنا گیتی جس نے سارے ملک کی تگامیں اپنی طرف کر لیں 17 اکتوبر سن 1905 کو بنگل کے دو تکڑے کر بنگ بینگ نے ایک آندوان کی شکل لے لی ، بنگال کے دو تکڑے تو هوئے مار بلگ بینگ کے آندوان کی شکل لے لی ، بنگال کے دو تکڑے تو هوئے دارس کو مار بلگ بینگ کے آندوان نے بچھڑے هوئے دارس کو مار دیا ،

اِلمَایات میں ہم نوجوانوں کی ٹولی اگلا قدم لھائے کی تعجیریں کرنے لکی ، ہم لوگوں نے نیصلہ کیا کہ 12 اکترام کیا 31 کا 13 اکترام کو جملا کے کنارے بلوا گیات پر پہلا عام جائے ، پنڈت بال کرشن بہت کی

बह समाना ही ऐसा था जब सियासत और बकालत एक ही तसवीर के दो पहलू थे. उन्ही की सजाह से मैंने इजाहाबाद पहुँ कर ला काले ज में नाम लिखाने का फैसजा किया. इत्तफाक से मेरे पित जी को भी यही मशबिरा पसंद आया. मगर एक दूसरे नुक्रतेन जर से. वह चाहते थे कि मैं मुंसिफ बनूँ क्योंकि उस जमाने में मुंसिफो से हाई कोर्ट का जजी तक एक खुला सीधा राम्ता था और मुंसिफी के लिये वकालत पढ़ना जहरी था. नतीजा यह दुमा कि सन् 1905 में यूनि- बर्सिटी खुलने पर में इलाहाबाद पहुं च गया और हिन्दू बाहिंग हाउस में दाखिल हो गया.

सर सुन्दरलाल श्रीर उनके भाई पंडित कन्हैयालाल, जो बाद में हाईकोट के जज बने, मेरे पिता जी के दोस्तों में से थैं. पिता जी के हुक्म के सुताबिक इलाहाबाद पहुँचते ही मैं उनसे भी मिलने गया. उन्होंने सुने सलाह दो कि मैं एम॰ ए० श्रीर लॉ दोनों में ही अपना नाम लिखा खूँ. खुनांचे एम॰ ए० में फिलासकी और एल-एल० बी० में बैंने अपना नाम जिस्सा लिया.

पंजाब में उस जमाने में कालेजों और सूनिवर्सिटी के विदार्थी ज्ञाम तौर पर पगड़ी बाँधा करते थे. बाद में पगड़ी की जगह टोपी ने ले ली और अब तो टोपी की जगह नंगा सर ही लोग पसंद करने क्षणे. मगर उस जमाने में सर खुला रखना तहजीब के खिजाफ, बात समभी जाती थी. मालवीय जी पक निराली किस्म की पगड़ी बाँधते थे. बह तरीका मुमे हतना पसंद आया कि लाहीर ही से मैंने मालवीय जी की तरह पगड़ी बाँधनी शुरू कर दी. इतनी अच्छी पगड़ी में बाँध लेता था कि मेरे साथी, मालवीय जी के बड़े पुत्र पंडित रमाकान्त माजवीय को भी मुकसे ईवा होती थी. किन्तु इस पगड़ी का यह असर पड़ा कि लोग मुमे निहायत नरम बिचारों का समम्मने लगे, लेकिन धीरे-धीरे लोगों की यह रालतक हमी दूर हो गई, और लोग यह जान गये कि माल-बीय छाप पगड़ी के नीचे एक गरम सिर है.

यूनीवर्सिटी के विद्यार्थियों में गरम ख्रयाल के दो विद्यार्थियों की तरफ मेरी नजर गई, एक बुग्हानपुर के के शिव िश्व थे और दूसरे नागपुर निवासी एन • एम० घरमा. दोनों ही मेरे साथ एल एल० बी • में पढ़ते थे. कुछ महीनों के बाद ही गरम विचार के नीजवानों की मंडली काफी ताक़त पकड़ने लगी और धीरे घीरे इलाहाबाद गरम दल का एक खास खड़ा बन गया. नए साथियों में बाबू नित्यानन्त चटजी, महादेव मह. रास विदारी गुक्ल, टीका-राम ज्ञपाठी और नामा गुक्त थे. माथा गुक्ल बड़ी लय के साथ खपनी देश पेम से भरो कि विनाए पढ़ते और नीज गनों के दिलों को अपनी झार कर लेते थे.

وہ زمانہ می آیساتھا جب سیاست اور وکالت ایک می قصوبو کے دو پہاو تھے ۔ آلھیں کی صلاح سے میں نے المآباد پہاچ لا کالج میں نام لکھانےکا نیصلہ کیا اتفاق سے میرے یا جی کو بھی میں مشہرہ پستد آیا ۔ مگر ایک دوسرے نقطہ نظر سے وہ چاعلے تھے کہ میں ملصفی بنوں کیونکہ اُس زمانہ میں ملصفی سے مائی کورت کی جعبی تک ایک کہلا سیدھا راستہ تھا اور منصفی کے اگھ وکالت پرعنا ضوروی تھا ، نتیجہ یہ ہوا کہ سی منصفی کے اگھ وکالت پرعنا ضوروی تھا ، نتیجہ یہ ہوا کہ سی بردنگ عاوس میں داخل ہوگیا .

سر سادر ال اور أن كے بهائى پنتس كيهيا الل جو بعد هى هائى كورف كے جمع بنے مهرب پتا جى كے دوستوں مهں سے تهى بتا جى كے دوستوں مهں سے تهى بتا جى كے دوستوں مهں أن سے تهى بتا جى كے دعم كے مطابق أاء آباد پهنچتيے هى مهر أن الله دونوں ملئے گيا . انهوں نے مجہد صلاح دى كه أيماء أور لا دونوں هى ميں أينا نام لهالوں ، چنائجت ايم أد مهى فلاسفى أور أيل أيل أيل أيل أيل الله ا

پنجاب میں اُس زمانے میں کالجوں اور یونیورسٹی کے ورپارتھی عام طور پر پکری بائدھا کرتے تھے ، بعد میں پکڑی کی جگه تبکا سر ھی اور اب تو ڈوپی کی جگه تبکا سر ھی اول اب بسند کرنے لئے ، مگر اُس زمانے میں سر کھلا رکھنا تہذیب کے خلاف بات سمجھی جاتی تھی ، مانویہ جی ایک نوالی تمم کی پکڑی بائدھتے تھے ، اور وہ طریقہ مجھے اتنا پسند آگیا کہ لادور ھی سے میں نے مالویہ جی کی طرح پکڑی بائدھتی شروع کردھی ، اتنی اچھی پکڑی میں بائدہ یتا تھا کہ مہرے سابھی مالویہ جی کے برے پتر پنتت راماکانت مالویہ کو بھی مجھے نہایت نوم وچاروں کا سمجھنے لگے ، ایکن دھیرے مجھے نہایت نوم وچاروں کا سمجھنے لگے ، ایکن دھیرے دھیرے لوگوں کی یہ غلط نہدی دور جو گی اور ارگ یہ جان دھیرے دھیرے لوگوں کی یہ غلط نہدی دور جو گی اور ارگ یہ جان

یونیورسٹی کے ودیارتھیوں میں گرم خیال کے 'راوو ودبارتھیوں کی طرف میری تھرتئی ایک برهان یور کے قابی مشر تھے اور درسرے تاکیور نواسی ایل ایم، دهرما درونوں میں میرے ساتھ ایل ایل، ایل، ایل، بی میں یومند تھے و کتھ مهینوں کے بعد هی گرم وجار کے نوجوانوں کی مختلی لائی طاقت پکڑنے لائی اور دھیرے دھیرے اندآباد گرم دل کا ایک خاص اذا یں گیا ، نئے ساتھیوں میں بابو نیٹانند چار جو' مہاھیو بھٹ راس بہاری شکل اور لیکا رام تر بائیی اور مادھو شکل تھے مادھو شکل بوی لیکی دیش پریم سے بھری اپنی کوبتائیں بوتم سے بھری اپنی کوبتائیں بوتم اور فرایتے تھے و

- 157 لومير

सन् 1905 का स्वदेशी आन्दोलन और मेरा राजनैतिक जीवन

परिडत सुन्द्रलाल

सन् 1905 की बात है!

डी० ए० बी० कालेज लाहौर से बी० ए० पास करने के बाद सेरे सामने आगे की पंदाई का सवाल था.

लाहीर में लाला लाजपतराय के साथ बहुत नजदीकी वास्तुकात पैदा हो चुके थे. उनके क़दमों के पास बैठकर मैंने राजनीति के पहल पाठ पढ़े थे. मैं उन्हें अपने पिता की तरह पूज्य मानता था और उन्हें मुक्तसे सगे बेटे से भी ज्यादा मुद्दबत थी. उन्हों की हिदाबत के मुताबिक सन् 1904 में बू॰ पी० के पूर्वी जिलों में अकाल पीड़ितों की सेवा सार्व-जनिक जीवन में मेरा पहला क़दम था.

मेरे सामने सवाल था कि मैं एम॰ ए० पास करके रिश्चिक वर्ने वा वकात्रत पास करके राजनीति में गहराई से हिस्सा सूँ. लाला जी से मैंने मशिवरा किया. उनकी रास की कि सियासी जिन्हांगे के लिए बकालत पढ़ना ही ठीक है.

[पिछले सफे से आगे]

धकलातून ने ईश्वर को एक बड़े गिण्तिक के रूप में ही देखा था. यही बात नेदान्त और नेदांगों में कही गई है. डक्लैंदम के सूत्रों की पहली शकल बिलकुल भारत के 'श्री यन्त्र' से मिलती है जिसमें एक धनन्त अनादि ब्रह्म चक के रूप में दिखाया जाता है और उसके अन्दर जड़ और चेतन सृष्टि दो एक दूसरे का काटते हुये त्रिकायों के रूप में. यह चक कभी-कभी एक साँप की शकल में भी दिखाया जाता है जिसका मुँह खुड़ अपनी दुम को खाने की कोशिश कर रहा है.

यही संसार यानी जगत है. यही माया यानी भ्रम है.

इस तरह यूनानी गियातझ उक्तैदस विश्वारमा, प्रकृति भीर उन दोनों के मेल से पैदा होने बाली सारी सृष्टि की नमस्कार करता हुआ अपनी पुस्तक को प्रारम्भ करता है. द्भुष्तियां की सारी साइन्सें इन्हीं वोनों के स्थारे कृत्यम है.

سن 1905 کا سودیشی اُندولی ارر میرا راج نیتک جیون

بنتت سندر لال

سي 1905 کي بات ھے إ

قبی، لیم ، وی ، کالج الامور سے میں ، لیم ، پاس کولیے کے بعد میں یہ سامنے آگے کی پڑمائی کا سوال تھا ،

العور میں الله الجهت رأئے کے ساتھ بہت هی تونیکی تعلقات پیدا هوچکے نهے۔ أن کے قدموں کے پاس بیٹھ کر میں نے رائے ٹیت کے پہلے پاٹھ پوقے نهے۔ میں آنهیں آپنے پتائی طرح پوجیہ مانتا تیا اور آنہیں مجھ سکے سے بیٹے سے بہی زیادہ محبت تهی ۔ آنهیں کی هدایت کے مطابق سن 1914 میں یوپی کے پروری فلوں میں اکال پیوٹوں کی سیوا ساروجنگ جھوں میں میوا فلوں میں اکال پیوٹوں کی سیوا ساروجنگ جھوں میں میوا بیا قدم تیا ،

مهرم سامند سوأل تها كه مهن أهم، أمه، پاس كو كه شكك، بنبن يا وكالت پاس كو كه راج نيتي مهن كه أثى سه حصه لون الله حى سه مين له مشورة كها، أن كي رائد تهى كه سهاسي زندگي كه لئم وكالت يوهذا هي تهيك هه.

[بجلے منحہ سے آگے]

افلاطوں نے آیشور کو آیک، بڑے گنودگیہ کے روپ میں جی دیایا تھا ، یہی بات ویدانت اور ویدانگیں میں کہی گئی میں اقلیدس کے سوتروں کی پہلی شکل بالکل بھارت کے آشری ینٹرا سے ملکی ہے جس میں ایک انشت انادی برهم چار کے روپ میں دایایا جالا ہے اور آس کے اندر چار آور چیان شرشسا دو ایک دوسرے کو کائٹے آس کے اندر چار آور چیان شرشسا دو ایک دوسرے کو کائٹے موئے تریکوں کے روپ میں ، یہ چار کبھی کبھی آیک سائٹ کی شاکل میں بھی دانھایا جاتا ہے جس کا مان خود آپنی دم کو کی شاکلے کی گہشی در رہا ہے ۔

. يهي سنسار يمني جات هه ، يهي مايا يعني يهرم هه .

اِس ط م یرفادی گنونکه افلیدس دشو آنما پوگرتی لور آن درفوں کے مدل سے پیدا هوئے والی ساری سرشتی کو فسسکار کونا هوا اپنی پستک کو پرارمیه کرتا ہے ۔

جلهائی سابق سانگس انہیں تیارس کے سپارے قایم هیں •

देश, काल और इरकत उन्हीं ठीन से सारी दुनिया समक्री जा सकती है, इसं लिये गणित सब साइन्सों की जब है, इसी लिये असल ज्ञान को संस्कृत में 'सम्यक-ख्यानम्' कहा गया है, इसी से 'संख्या' बना है जिसका कर्य गिनती है, इसी से मांख्य शास्त्र का नाम 'सांख्य' पड़ा, जब गीता ि खी गई थी उस समय वेदान्त सांख्य में शामिल था,

सर जे॰ जीन्स अपनी पुस्तक 'दि निस्टिरियस यूनीवसें' के आखीर में लिखता है:--

"चेतन श्रीर जड़ यानी रूह श्रीर माहा के बीच की पुरानी दुई (देत श्रव मिटती हुई मालूम होती है......क्योंकि जिसे हम ठास माहा कहते हैं वह श्रव चेतन की हो रचना श्रीर इसका ही एक जहूर मालूम होने लगा है. यह चेतन एक ऐसी कल्पना शक्ति श्रीर नियन्त्रण शक्ति है जो उसी तरोक्षे से सोचने की श्रादी है जिस तरीक्षे को हम गणित का तरीका कहते हैं."

जोड अपनी पुस्तक 'गाइड दु मार्डन थाट' में खिखता

"यदि इस यह प्रश्न करें कि इस सारे वजूद की असल इक्षीक़त क्या हो सकती है तो इसके जवाब में सर जे० जीन्स की राय है, कि वह असल इक्षीकृत एक बहुत बड़े गांधातक (ईश्बर, का मस्तिष्क है, प्राक्तिसर एडि गंटन के अनुसार असल इक्षीकृत एक सर्वेच्यापक मस्तिष्क है, प्राक्षिसर बाइटहेड के अनुसार अस्ल इक्षीक़त एक तरह की शारीरिक इकाई है जो एक व्यक्ति या मनुष्य सी है, और बर्गसन के अनुसार अस्ल इक्षीक़त जीवन की धारा या शक्ति है."

वेदान्त के खड़ैतवाद यानी 'सं। ऽहम्' में यह सब । सखान्त सभा जाते हैं. योरप का वैज्ञानिक विचार तरह-तरह से घूम फिर कर वेदान्त के ठीक दरवाजे, तक ५ हुँच जाता है, लेकिन वहां जाकर एक जाता है, चन्दर जाने की उसे खभी हिम्मत नहां हो रही है जहाँ जाकर वह यह देख सके कि एक ही खात्मा विश्वात्मा यानी उदेकुल सबमें रमी हुई है और वही सब है.

मराहूर यूनानी गांग्रतहा उकतेदस ने अपनी रेखा गांग्रित के सूत्रों में पहली शकल त्रिकाय को ही क्यों रखा इसकी कोई खास बजह नहीं बताई जाती. इतिहासकारों का कहना है कि रेखागांग्रित की बिधा मिस्र से यूनान गई थी जहाँ उक्लैदस ने अपनी किताब ईसा से तीन सो बरस पहले लिखी. इतिहासकारों की यह भी राय है कि यह रेखागांग्रित मिस्त्र में भारत से गया बा. कुझ की यह भी राय है कि मिस्र के पहले राजकुल का कायम करने बाला 'मैनी' आये जाति के आदि-मनुआं में से था. इसते मासूम होता है कि उक्लैदस के दिमाग में गियात और दश न शास्त्र (फज्र-सके) में गहरा सम्बन्ध था.पाइथागारस और प्लेटो (अकला-सके) में गहरा सम्बन्ध था.पाइथागारस और प्लेटो (अकला-सके) में गियात और दश न शास्त्र को एक ही मानते थे.

دیمی کال آور حرکت آنهیں تین سے ساری دلیا سنجی جا سکتی ہے اس لئے گلوت سب سائلسوں کی جو آھی آسی لئے اصلی گیان کو سلسکرت میں 'سمیک—کهیائم' کیا گیا ہے ۔ اِس سے سائکویہ اِسی سے 'سنکییا' بنا ہے جس کا اُرت کنتی ہے ، اِس سے سائکویہ شاستر کا نام 'سانکھیہ' ہوا ، جب کینا لکھی گئی تھی آس سے میں شاسل تھا ،

سر ج جلس أبنى بستك دى مسيتريس يونيورس ك ك أخير مين لكيتا في:--

واچیتن اور جو یعنی روح اور صادہ کے دیج کی پرانی دوئی (دویت) اب متنی ہوئی معاوم ہوتی ہے...کونت جسے ہم نہرس مادہ کہتے ہیں وہ اب چیتن کی ہی رچنا اور اس کا ہی ایک ظہور معلوم ہوئے لکا ہے ، یہ چیتن ایک ایسی کلینا شکتی اور نینترن شکتی ہے جو اُسی طریقے سے سرچنے کی عادی ہے جس طریقے کو ہم گنوت کا طریقہ کہتے ہیں ،''

جرق يعلى يستك اللقر قر مارن تهاك ميس لكهما هـ :-

الیدی هم یه پرشن کریں که اِس سارے وجود کی خاصا حقیقت کیا هوسکتی هے تو اِس کے جراب میں سرچے ، جینس کی رائے هے که رہ اصل حقیقت ایک بہت ہوے گنونکیه (ایشور) کا مستشک هے، پرونیسر ایدنکٹن نے اترسار اصل حقیقت ایک سرو ویایک مستشک هے، پرونیسو وائت هید کے انوسار اصل حقیقت ایک حقیقت ایک حقیقت ایک طرح کی شاریرک آکائی هے جو ایک ریکتی امنشیه سی هے، اور برگسن کے انوسار اصل حقیقت جمین کی دعارا یا شکتی هے ،"

ویدانت کے ادویت واد یعنی سوؤم سیں یہ سب سدھانت سما جاتے ہے ۔ یورپ کا وگیانک وچار طرح طرح سے گورم پور کر ویدانت کے تهیک دروازے تک بہنچ جاتا ہے ۔ لیکن وہاں جا کر رک جانا ہے اندر جاتے کی آسے ابھی همت تبھی ہو رہی ہے جہاں جاکر وہ یہ دیکھ سکے نہ ایک ہی آتا وشو آتما یعنی روح نل سب میں رسی ہرئی ہے اور وہی سب ہے ۔

مشہور یونائی گنت گید اقلیدس نے اپنی ریکھا گرت کے سوتورں میں پہلی شکل تریکوں کو علی کیس رکیا اِس کی کہئی خص رحت نہیں بکائی شکل تریکوں کو علی ایسالاروں کا کہنا ھے کہ ریکھا گلوت نی ودیا صصر سے پونان گئی تھی جہاں اقلیدس نے اپنی کتاب اِسی سے نیوں سو برس پہلے ایمی ، انہاسکاروں کی یہ بھی رائم ہے ته ریکھا گلوت مصر میں بھارت سے گیا تھا ۔ کچھ کی یہ بھی رائم ہے کہ مصر کے بہلے رائے کل کا قایم کولے والا 'مینی' آریہ جاتی کے آدی منوں میں سے تھا اِس سے معلوم حوتا ہے کہ جاتی کے آدی منوں میں سے تھا اِس سے معلوم حوتا ہے کہ المیس کے دماغ میں گنوت اور درشق شا۔ اور فلسفی) المیس کیوا سمبندہ تھا ، پائیتھاگورس اور پلیڈو (اطاحوں) میں گہرا سمبندہ تھا ، پائیتھاگورس اور پلیڈو (اطاحوں)

أمل حليات كنول أيك ف أور وه دروار. ها الزوهومي مرا يوفانت ها يوري ها وهي النا ها وهي اسريم سدة النا عمود أدلا برمان ه . سابي دنيا أس ك اندر ه . وهي الرهيكهن أيملي أيسوارك هي أور سب ساهيكهن يعلي ا ریلیلو کے ، هر هم کر یہی انستان کا سدهانت کے اور یہی ویدانت کا امران ہے ، ویدانت کا امران ہے ، مسلم صرفیوں کے انوسار ہی وحدة اوجود ہے ،

الجكل كے بوء بوء سائنسدانوں كا بيان ويدانت كے المولوس سے بہت جاتا ہے مثال کے لئے سرچے ، جینس کی ادبی امستریاس بوتی ورس؛ اور اتاطر الیکسس کیرل کی آ میں دی اُن دوں ' بوھلے ہوگ تابیں ھیں ۔ سرچے ، جهاس لهنا ه که :- " اجال کی سائنس اِسی تاریحے پر پہنچ رهی ه کهه دلیاکی سب چیزوں کا وجود ایک آنادی اور اثبات اتما کے من کے اندر ہے اور درانیا کی گھنائیں گہت نہیں هوتين؛ كيول هم أنهين كيةت هوتي هوئد ديكهت هين . يليتو (أطلطون) كهتا هـ كه: ـــهم وكهه هيل ، أور "هوكا" كهتم هيل كه ليكن سطوائي به في كه همين كيول عين هي كينا چاههه، "اويو کے سب واليه سو جے ، جينس کے کتب سے

قاتلو اليسكسكيول نے اتبها ہے كه: --- 29هم ايهے تك أيسے سنسار میں دویے دوئے میں جسے بےجان مادے کی سائنسوں نے يهدا كيا هي. يه سنسار هماري سمعجه في غلطي سے بيدا هوا هم اللي اصلى أنما كو نهيل جان بائد اس الله يه دائيا ردا موثی ، اجکل کے شہروں کے شور و شر کے اندر بھی جو أيني انقر أنما في شانتي أو فايم رئيتم هون ولا طرح طرح كي دمائی اور دوسری بیمارین سے بچے رہتے ہیں ، جو آنما ایشور کے اندر دویب جانی ہے اسی نی روشنی کے سامنے موت بھے مسکرا کو رہ جانی ہے ۔ 4

ليعن آجعل کي سائنس اُبھي يه کپنے کو تيار نبيس هے که ولا انادیی اور انشت آنیا و هماری سنچی آتیا هماری انتر انما ایشرو وهی ایک آسا سب کے اندر کے اور وهی سب هے تترسی الم برهماسی الاستی جیسی سنجائیاں ابھی تک سانس کے سمج کے دانرے سے دور عیں ، اِسی لئے اُبھی سائنس کو اصلیت مک پہنچنے میں بقت پر رهی هے ،

سم کا گلوت انک گنوت ہے جس میں جور' باقی اور هرنيه (صغر) سب هماري كلهنائين هين . ديش كا گنزت ريكها كنوس هي جس مين بائنت يعلى نقطه الن سطم كونلو تريعوا دائره سمانا نتر سب دارشنک کلهنائهن هيي ۽ آن مين سے کوئی کہیں اُصلی شکل میں دیکھی نہیں جا سکتی ہ

असल हक्तीकृत केवल एक है और वह 'निर्विकार' है 'निर्विशेष' है, 'प्रशान्त' है, 'पूर्या' है वही 'बात्मा' है, वही 'स्वयं-सिद्ध' यानी सुद् अपना प्रमाण है, सारी दुनिया रसके अन्दर है, वही 'निरपेश्व' बानी ऐवसोलूट है, और सब 'सापेक्ष' यानी 'रैलेटिव' है, हिर फिर कर यही आइन्स्टाइन का सिद्धान्त है और यही बेशन्त का उसूल. यही असली 'विज्ञान' है, यही प्राचीन 'प्रज्ञान' है, सुसजिम सुकियों

के अनुसार यही बहदतुलवजूद है.

श्राजकल के बढ़े-बढ़े साइन्सदानों का बयान बेदान्त के असूलों से बेहद मिल जाता है. मिसाल के लिये सर जे. जी-स की 'दि मिस्टीरियस यूनीवर्स', श्रीर डाक्टर एलैकसिस कैरल की 'मैन दि अन्नोन' पढ़ने योग्य कितावें हैं. सर जेंंग्जीन्स लिखता है कि:- "प्राजकल की साइन्स इसी नतीजे पर पहुँच रही है कि दुनिया की सब चीजों का वजूद एक अनादि और अनन्त आत्मा के मन के अन्दर है." "दुनिया की घटनाएँ घटित नहीं होतीं, केवल हम उन्हें ,घटित होते हुए देखते हैं. प्लैटा (श्रफलानून) कहता था कि:--''हम 'था' 'हैं', और 'हांगा' कहते हैं लेकिन सचाई यह है कि हमें केबल 'है' ही कहना चाहिये." ऊपर के सब बाक्य सर जेव जीन्स की किताब से लिये गये हैं.

डाक्टर एलेकसिस करेल ने लिखा है कि:- "हम अभी तक पेसे संसार में डबे हुये हैं जिसे बेजान माह की साइन्सों ने पैदा किया है. यह संसार हमारी समझ की रालती से पैदा हुआ है. इम अपनी असली आत्मा को नहीं जान पाये इसीलिये यह दुनिया पैदा हुई, आनकल के शहरों के शोर शर के बान्दर भी जो व्यपनी व्यन्तरात्मा की शान्ति का कायम रखते हैं वह तरह-तरह की दिमाग्री और दूसरी बीमारियों से बचे रहते हैं. जा श्रात्मा ईश्वर के अन्दर हा जाती है उसकी राशनी के सामने मीत भी मुसकराकर रह जाती है."

लेकिन आजकल की साइन्स अभी यह कहने कार्त यार नहीं है कि वह अनादि और अनन्त आत्मा, वह हमारी सच्ची आत्मा, हमारी अन्तरात्मा, ईश्वर, वही एक आत्मा सब के अन्दर है. श्रीर वही सब है. तत्त्रमसि, भहम नदाा-स्मि, अनलः क जेसी सच्याइयाँ अभी तक साइन्स की समम के दायरे से दूर हैं. इस लिये अभी साइन्स की अस-लियत तक पहुँचने में दिक्कत पड़ रही है.

समय का गणित अंकर्गाणत है जिसमें जोड़, बाक़ी भीर शन्य (सिफर) सब हमारी कल्पनाएँ हैं. देश का गणित रेखार खित है, जिसमें पांचर यानी नुकृता, लाइन, सतह, कांग, त्रिकांग, दायरा, समानान्तर सत्र दाशानिक कल्य-साएँ हैं, इनमें से काई कहीं असली शकल में देखी नहीं जा सकती.

अपनी उस है . हर एक का जन्म है , हर एक की मीत है और हर एक का बीच का जमाना है , और यह सब भी दिखावा ही दिखावा है क्योंकि एक दूसरे से अलहदिगी और परिवर्तन की कल्पना ही अन्त में धोखा है, सपना है, माया है .

प्रकृति यानी कुद्रत के दो पहलू हैं. मूल प्रकृति और देवी प्रकृति. मूल प्रकृति मादा है और देवी प्रकृति शक्ति है, यह शक्ति बरावर जन्म, मरण, अमल, रहे अमल के उप में काम करती रहती है. इसका चलाने वाला ब्रह्मा कहा जाता है. वही विश्व की आत्मा है. जब एक रचना खिलकत खत्म हां जाती है तो उसकी जगह दूसरी जन्म ले लेती है. ठीक जिस तरह कुछ आदमी मरते हैं तो दूसरे पैदा हांते रहते हैं. जो हालत छोटे से छोटे की है वही हालत बड़े से बड़े की भी है. जो छोटे से छोटे पिन्ड में है वही बड़े से बड़े बड़ान्ड में भी है. यह सब सदा बदलती हुई सूरतें आत्मा यानी असल बजूद का केवल एक सपना है.

आशा है कि आइन्स्टाइन की ध्योरी आफ रैलेटिविटि और वेदान्त अन्त में एक दूसरे के बहुत निकट दिखाई देंगे. आइन्स्टाइन के सिद्धान्त के अपर नए-नए विचारकों की जो किसावें निकल रही हैं उनसे यह बात और भी साफ दिखाई दे जाती है.

बास्तव में कोई दो समानान्तर रेखाएँ हो ही नहीं सकती, हैं ही नहीं, सब चीजें बकर काट रही हैं या पेच की चुदियों की तरह हरकत कर रही हैं. देश, काल और संसार सब नाशमान हैं, सुषुप्ति या प्रलय में जाकर इन सब का अन्त हो जाता है, पाश्वात्य गणित जो सब से पकी साइन्स गिनी जाती है, सब से करची अधिक कल्पनाओं के आधार पर चल रहा है. बढ़े से बढ़े साइन्सदानों में मतभेद हैं, बहसें हैं. एडिंगटन कहता है कि आधे बड़े से बड़े साइन्सदानों का कहना है कि ईश्वर' नाम की धीज का वजूद है; और बाक़ी काधे बढ़े से बढ़े साइन्सदानों का कहना है कि 'ईश्बर' का कोई वजूद ही नहीं. इसपर एक और जिद्वान जोड लिखता है कि इन दोनों का मतजब एक ही है केवल शब्दा का मगदा है. सर विलियम बेग कहता है कि:-"इम इर सामवार; बुधवार और शुक्रवार को एक सिद्धान्त से काम लेते हैं श्रीर हर मंगलवार, बीरवार श्रीर शनिवार को दूसरे शिद्धान्त से काम जैते हैं."

आइन्स्टाइन के सिद्धान्त के वैज्ञानिक नतीजे कुछ भी निकलें वह सिद्धान्त वेदान्त के विलक्कल निकट और उसके अन्दर शामिल हैं. यह सब जो कुछ हम देखते हैं सापेछ है वानी कवल एक दूसरे की मुनासबत से बजूद रखता है. اپنی مبر ہے۔ ہر ایک کا جنہ ہے ہر آیک کی مرت ہے اور ہر آیک کی مرت ہے اور ہر آیک کا بیچ کا رمانہ ہے اور یہ سب بھی دنیاوا ہی دنیاوا ہی کیونا ہی ہے کیونکہ آیک دوسرے سے علیحدگی اور پراور ان کی کارنا ہی انت میں دھوکا ہے سنیا ہے مایا ہے۔

پرکرتی یعنی قدرت کے دو پہلو ھیں ، مول پرکرتی اور دیوی پر کرتی ، مول پرکرتی مادہ ہے اور دیوی پر کرتی ، مول پرکرتی مادہ ہے اور دیوی پرکرتی شکلی ہے ، یہ شکتی برابر جنم' مرن علل ردعمل کے روپ میں کام کرتی رھتی ہے ، اِس کا چلانے والا برھما کیا جاتا ہے ، وھی وشو کی اُتما ہے ، جب ایک رچنا (خنقت) ختم ہو جاتی ہے تو اُس کی جکہ دوسری جنم لے لیتی ہے ، تھیک جس طرح نجی آدمی مرتے ھیں نو دوسرے پیدا ہوتے رہتے ہیں ، جو حالت برے سے برے کی ہے وہی حالت برے سے برے کی ہوساتی میں بھی ہے ، یہ سب سنا بدائتی ہوئی صورتیں بھی ہے ، یہ سب سنا بدائتی ہوئی صورتیں اُتما یعنی اصل وجود کا کیول ایک سینا ہے ،

اشا ہے کہ آئنسٹائن کی تھیوری آف ربلیٹیوٹی اور ویدانت انت میں ایک دوسرے کے بہت ٹمٹ دکھائی دیں گے ۔ آسائسٹائن کے سدھانت کے اوپر نانے نانے وچارکوں کی جوکتابیں نکل رھی ھیں اُن سے یہ بات اور بیی صاف دکھائی دے جاتی ہے ۔

وأستو مين كوئي دو سمانانتر ويتهائين هو هي نهين سکتیں میں می نہیں ، سپ چیزیں چکر لات رہی میں یا پیچ کی چرزیس کی طرح حرکت کر رهی هیں . دیھی كال أور سنسار سب قاشماني هين ، سوشويتي يا پرائي میں جادر اِن سب کا انت عوجاتا ہے . یاشج ت کوت جو سب سے یکی سائنس کنی جاتی ہے؛ سب سے ادھک لیناؤں کے ادھار پر چل رھی ہے ، بڑے سے بڑے سائنسدانیں میں ست بهيد هير، بحثين عين ، أيدنكش كها هـ كه أده بي س برد ساكنسدانين كا كهلا ها كه ايشر نام کی چیز کا وجود ہے؛ اور باقی اُدھے ہوے سے ہوے سائنسدانین کا کینا هے که ایشور کا دو ئی وجود هی تهین ، اِس ير آيک اور ودوان جوڌ لهينا هے که اِن دونين کا مطلب ایک هی هے کیرل شبدوں کا جهکوا هے . سرولیم بویگ کہتا هے كناسان هم هو سوموار بده وار أور شكروار كو أيك سدهانت سے کام لیتے هیں اور هر منکل وار ویر وار اور شنیوار کو هوسرے سدسانت سے کام لیتے میں " ا

آنگستائی کے سدھانت کے ویکیالک فترحیے کچھ بھی نکیں وہ سدھانٹ ویدانت کے بااعل نکٹ اور آسی کے اندر شامل ہے یہ سب جو کچھ ہم دیکہتے میں ساپتھی ہے یمنی کیول ایک دوسرے کی مطابقت سے وجود رکھتا ہے ،

·167 -

बाजकल योवप में आइंस्टाइन की 'ध्योरी आफ रैलेटिविटी' की बहुत चरचा है. माटे तौर पर इसका कर्य यह
लिया जाता है कि दुनिया की सब बीजों का वजूद जिनमें
देश, काल कीर किया भी शामिल हैं, केवल सापेक्ष यानी
दूसरी बीजों की मुनासिबत से ही है इनका अपना असल
वज्द कुछ नहीं. आइंस्टाइन के इस सिद्धान्त का लेकर
योरप मे तरह-तरह की करवाएँ हो रही हैं और बहुत सी
कितावें लिखी जा चुकी हैं. कुछ का कहना है कि समय कोई
भीज नहीं, केवल चीकाई, लम्बाई और गहराई की तरह
समय भी एक करज़ी दिशा है. कुछ का कहना है कि देश यानी
जगह करना में जाकर मुद जाती है यानी गोल हा जाती है. कुछ
का कहना है कि समानान्तर यानी मुतवाजी लकारें अगर
काफी दूर तक बढ़ाई जावें तो आखार में मिल जावेंगी. कुछ
कहते हैं कि देश, काल और विश्व सब सान्तक यानी फानी
और महदूद हैं. कुछ यह भी कहते हैं कि यह विश्व कहीं बढ़

रहा है, कहीं सिकुद रहा है और हर सूरत में इसकी शक्ति के

श्रीण होने के साथ साथ यह एक दिन नष्ट हो जावेगा, इत्यादि

इत्यादि, कुछ का यह भी कहना है कि विशव की असलीयत

को सिवाय बदे गहरे साइन्सदानों के भीर कोई समम ही

नहीं सकता .

इस देश का पुराना दर्शन शास्त्र हमेशा से मानता चला आया है कि देश, काल और क्रिया तीनों तीन हैं. फिर भी इनमें से किसी का एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता और तीनों एक बराबर माया यानी फरेब हैं. इनका बज़्द आदमी के सपने से जियादह हैं सयत नहीं रसता , जो दुनियाएँ, चाँद, सूरत वरौरा हमें दिखाई देते हैं इनके बीच बीच में और इनमें को निकलती हुई और भी दुनियाप हैं जो बिलकुल दूसरी ही तरह के माहे से बनी हैं. इन दुनियाओं में देश, काल और इरकत के भी और ही भर्य होते हैं, यह दुनियाएं हमारे जागते समय की दुनियाएँ भी हैं आर सपने के समय की दुनियाएँ भी हैं. हमारे नीचे भी हैं और अपर भी हैं. यूरांपियन विद्वान फूरनियर शी. एलाई ने इस विषय पर एक बहुत अन्झी किताब 'टू न्यु वर इस' यानी दां नई दुनियाएं लिखी है, उसके अनुमार इनमें से एक दुनिया वह है जा बिना सुर्वेशन के नहीं देखी जा सकती. वह भी करांद्र इंग्ड्स संखहा संख जन्तुओं कां दुनिया है, भीर दूसरी वह दुनिया है जो विना दूरबीनों के नहीं देखी जा सकती जिस में अरबों छाटे, बढ़े सितारे, सैयार, चाँद, सूरज और सूरजों के सूरज शामिल हैं.

योरव का विश्वान प्राइन्सट इन के बाद वेदान्त की इस कल्पना की तरफसाक बढ़ रहा है कि धन्त में जाकर सब किया यु हरकत गालाकार चका में रह जाती है. इस संसार चक्र का न काई आदि है और न काई धन्त, यूँ हर चीज की الساكي السيانية إو وبدائنوا

المجال يبرب منهن النسكائي كي "الهيري ألف رياياليوالي" عي أُلْبِيْكَ جَرِجا هُ ، مَرِّكُ عَلَم ير أِسَ كَا أَرْتِه بِدَ لِهَا جَامًا فَ كَدَ مِثْمِهَا کی سب چهزوں کا وجود[؛] جن میں دیعی، کال اور کویا یہی هادل اهدن کیل سایدهی یعلی دوسری چیزوںکی مثلبیت سے ہی کے اُن کا اُپنا اُمل وجرد کچھ نہیں ۔ آڈنسٹائن کے اِس حدهالمت کو لے کر یورپ میں طرح طرح کی چرچائیں ہو رہی عين أور بهت سي كتابين لكهي جا چكي هين . كيه كا كهنا هي که سم کوئی چهز قهیں' کیول چوزائی' لمبائی اور گهرائی کی طرح سم يهي أيك فرض دفا هي، كنيم كا كبنا هي كه ديس يعلى جكية أنت مين جاكر وجوائي ها يعلى كول هو جاتي ه ، كجه كا كينا ه كا سماءانتر يعلى متوازي العيرين الر كاني . هور تک بوهائی جاوین تو اخر مین مل جاوین کی . کچه كہتے هيں كه ديھن كال أور وشو سب سانتك يعلى فائم أور معطول هيں . کچھ يه يوي کپاتے هيں که يه وشو كيين بوء رما هه كيدن سكو رما هم أور هر صورت مين إس کی شکتی کے چھوں ہونے کے ماتو ساتو یہ ایک دور نشٹ مو جارم کا آنیادی آنیادی ، کنچه کا یه بهی کهذا هم که وشو کی اصلیمت کو سوائد ہوے گہرے سائنسدانوں کے اور کوئی سمجھ هي انهن سکتا .

إس ديش كا يرانا دردر شاستر هبرشه سه مانتا جلا أيا فه که دیش کل آور کوباتینوں تین میں پہر بھی اِن میں سے ایک درسرے سے الگ نہیں کیا جا سکتا اور تینوں ایک برابر مایا یعلی فریب دوں ، ان کا وجود آدمی کے سیلے س وبادة حيثيت نهيس رايكا ، جو دنيائيس چاند سورج وفيرة همیں دنیائی دیتے میں اِن کے بیج بیج میں اور اِن میں اور المائي هولي أور بھي دنھائيں ھين جو بالكل دوسرے ھي طرح كے ماديم سے بنی هيں ، أن دنياؤں ميں ديعن کال اور حركت کے بھی اُود ھی اُراہ ھرتے ھوں ، بعددنیائیں ھمارے جاگئے مدہ ای دمیانوں بھی ہوں اور سپنے کے سمے کی دنیائیں بھی هوں ، فعارمه الرحج بهی هوں اور اوپر بهی ههو ، بوريدور ودوان فورائو دُور الله عد إس ارشم پرایک بهت اچهی الله الو نيو ورادس يملى در دائي دنيانين ليهي هي أس كي الومار این میں سے ایک دنوا وہ ہے جو بنا حوردیوں کے نہیں دیکھی حا سکتی ، وہ اوی کروردا کروز سنکھ جنٹوں کی دنیا ہے ، لرر دوسوی وہ دنیا ہے جو بنا دور بینوں کے تہیں دیکھی جا سکتی جس ویں اربوں جھوٹہ ہوے سکارے سیارے کالدا سررے ارز سررجوں کے سررے شامل میں .

یورپ کا وگیان آنسگانی کے بعد ویدالت کی اِس ناپنا نی طرف صاف بوده رها هے که آنکت میں جا کو سب کویا یا عرفت کولا کار چکورں میں رہ جاتی میں ، اِس سفسار چکر کا نمه کوئی آدی۔ اُور نم کوئی انتظار این هو جھو کی

आईस्टाइन का सिद्धान्त और वेदान्त

सक्टर भगवानसास

यह दुनिया क्या है ?

भारता, रूह यानी 'मैं' क्या हूँ भीर भनात्मा यानी मादा यानी यह सब जो दिखाई देता है यह क्या है, भीर इन दोनों में क्या सम्बन्ध है ? यही सवात दर्शन शास्त्र (फ़्लसके) का मुख्य सबात है भीर यही सवात. तेवी के साथ साइन्स का मुख्य सबात होता जा रहा है.

आत्मा और अनात्मा के मेल के दो पहलू हैं. एक पहलू है जिसे हम देश, काल, और किया, यानी मकान, जमान और हरकत कहकर बयान करते हैं, और दूसरा पहलू शक्ति के रूप में दिखाई देता है, जिसे हम क्रिया, प्रतिक्रिया और कार्यकारण सम्बन्ध यानी अमल, रहे अमल और इस्लत और मासूल का रिश्ता कह सकते हैं. दुनिया में हमारे सारे अनुश्रम इन्हों में आ जाते हैं.

जब हमें चीजें दक दूसरे के बाद होती मालूम होती हैं तो काल (समय) की कल्पना पैदा होती है. बहुत सी चीजों के एक साथ वजूद से देश (जगह) की कल्पना पैदा होती है. चीजों के अदलने बहुतने से क्रिया (हरकत) की कल्पना पैदा होती है. इन तीनों काल, देश और क्रिया का एक दूसरे के साथ अट्ट सम्बन्ध है.

काल (समय) के तीन क्रम हैं भूत, भविष्य और दोनों को भिलाने बाला वर्षभान. देश (जगह) के तीन पाद (क्रद्म) हैं. ऊपर, नीचे और दोनों को मिलाने बाला बीच. 'बहाँ' भी कह सकते हैं. इन्हों के रूप लम्बाई, चीड़ाई और गहराई हैं.

क्रिया (इरकत) की तीन विशाएँ (तीन सिन्त) हैं. इन्हीं को तीन 'प्रकार' मी कह सकते हैं,—आगे, पिछे और गोल चक्कर, दूसरे शब्दों में बदना, सिकुदना और सुरीलापन. या वह शक्ति जो सब बीजों को मरकत की तरफ सींचती है, वह जो सबको मरकत से दूर फें कती है, और वह जा बीजों को गोलाकार घुमाती है.

यह सब केवल करपनाएँ हैं, तसन्तुर हैं, सब बाम कवाली हैं, इनका रूप जब बनता है जब इनके आब किसी इच्च, किसी रह्म, किसी तरह के ठोस भारे का सम्बन्ध होता है, तब यह सब करपनाएँ हमारी जिन्दगी के तजरने बन जाती हैं.

أئنستائن كاسدهانت اور ويدائت

ةاكلر يهكولن داس

يه دنيا کيا 🚣 🕈

آنما اور آن آنما کے میل کے دو پہلو طیں ۔ آیک پہلو ہے جسم هم دیھی' کال' اور کویا' یعلی مکان' زمان اور حوکت کہے کو هم بیان کرتے هیں' اور دوسرا پبلو شکتی کے روپ میں داہائی دیتا ہے' جسے هم کریا' پرتی کریا اور کاریکارن سمنبدہ یعنی عمل' رد عمل ارر عامت اور معاول کا رشتہ کہتے هیں ۔ دنیا میں همارے سارے انوبھو اِنبھی میں آجاتے هیں ۔

جاب همیں چیزیں ایک دوسرے کے بعد ہوتی معاوم ہوتی ہیں تو کال (سمے) کی کابنا پیدا ہوتی ہے ، بہت سی چیزیں کے ایک ساتھ وجود سے دیش (جکه) کی کلینا پیدا ہوتی ہے ، چیزوں کے ادلئے بدلنے سے کریا (حرکت) کی کلینا پیدا ہوتی ہے اور کریا کا ایک دوسرے کے ساتھ اثرت سبندھ ہے ،

کال (سمه) کے تین کرم هیں بهرت بهرشیم اور دونوں کو ملاقے والا ورتمان ، دیفس (جکه) کے نیبی یاد (قدم) هیں ، اوهرا نینچے اور دونوں کو طالے والا بینچ ، اِفْهوں کو پینچے آگے اور ملانے والا 'بیاں' بعی کہہ سکتے هیں ، اِنْهوں کے روپ امیائی' چوزائی اور کھرانی هیں ،

کربا ر حرکت) کی نین دشائیں (تین سمت هیں ۔
انهیں کو تین 'پرکار' بھی کہ سکتے هیں'۔۔۔آگے' پیچھے اور گول
چکر دوسرے شہدوں میں بوعفا' سکوٹا اور سریلا پن، یا وہ شکتی
جو سب چھورں کو مرکز کی طرف کھنیچتی ہے' وہ جو سب
کو موکر سے دور پھیلکتی ہے' اور وہ جو چھورں کو گولا کار
گیانی ہے ،

یہ سب لیول لھنائیں ھیں' تصرر ھیں' سب خام خیالی ھیں ۔ اِن کا روپ جب بنتا ہے جب اِن کے سانھ کسی دوریہ' کسی تتوا کسی تتوا کسی تتوا کسی تتوا کسی تتوا کسی اللہ اُن کا کسی اُندائی کے تتھوریے بین جاتی ہیں ۔

خار کا اورایزانی اور پستا ایشیا کی چارکا کو ۱۸ کو ایک بیت عی خوبصورت چتر کا کے نئے تھنگ کو جنم دیا گیا ۔ ایرانی أور مدهده أيشيا كے چتيروں نے بهارنيه چتير كاروں كے ياس بيتو کر بھارتیہ چارکا کے سامر آدرشوں کو اپنی کلینا کی اوان سے أور زيادة ماتعجها أور سلير بنايا . دوتون مندو أور مسلمان کلکاروں نے اِس نگی شہانی کو یعساں اینایا . اُس سمے کے کسی چار کر دیکم کر یه کیم سکا ناممکور کے کہ امک چار کا بنائے والا عادر چترکار ہے یا مسلمان چارکار . جانه جانه اِس مُثْمَى كُلُ كِي كَيْدُونِ يَا مَرِئِ بَايِمِ كَيْثُمْ كُنُم ، راجه بتاته كي راجهوت راجاؤں 'کانکوا کی ریاستوں اور مدھیت بھارت کے شاسکوں نے اس فئی چدرکلا کو برهاوا دیا ، اِس کے علاوہ سختلف صوبوں میں خیاں میل صوبیدار رہتے تھے یا آزاد مسلمان راجاؤں نے اللَّهِ اللَّهِ درباروں میں اِس الله کو بےحد بوهاوا دیا ، الگ ائی صوروں میں اور الک الگ درباروں میں مقامی حالت کے وجم سے تهروا تهروا فرق اِن چارکاروں کی تلا میں دکھائی دیتا ہے لیکن اصلی رہے ایک هی هے وهی سادرتا رهی چنک دوک و وهی رومانی انداز و وهی رهسواد اس قای کلاکے ووجہ رویوں میں دکہائی دیتا 📤 اور اس کلا کی أيكا كو قايم ركيتا هـ.

سنكهث الأ

کلا میں ساکیت دی آیک خاص جکہ ہے ۔ یہ ہو شخص جانتا ہے کہ مساسان سنکیت کا اور گویئے جس ساکیت کا اینیاس کرتے ہیں وہ بالکل ہدوں کا ہی سنگیت ہے ۔ یہی آتر آور اینیاری کی سنگیت میں شیلی آورہی فرق ہے یا آیک شیلی آور دیسروی شیلی میں ایورا بہت انتر ہے لیکن یہ انتر مذہب کی وجہ صرف مقامی ہے ۔ آسکی وجہ صرف مقامی ہے ۔ آسکی وجہ صرف مقامی ہے ۔ آسکی وجہ صرف مقامی ہے ۔ نئے باجرں نے نئیر اگرن نئی شیلیوں سے سنگیت کے دائرے کو برها ۔ هدوں اور نئی راگ برها ۔ هداور مسلم استادوں کے مسلم شاگرد راگندوں کو کیلے دل سے سیکیا ۔ هندو استادوں کے مسلم شاگرد اور مسلم استادوں کے مشلم شاگرد دیک دام بات تھی ، استاد آور مسلم استادوں کے مشام شاگرد دیک دام بات تھی ، استاد آور مسلم استادی کے میں نئی برق قدوندها چامیں تہ تھرتھا فاممکی ہے ۔ سنکیت آور ناج کی میں نئا بری کامابی کے مسلم مانک دونوں کا اور ناج کی میں نئا بری کامابی کے مسام مانک دونوں کا میابی کے میاب میں بھی گیا ۔

لیکن کلحچری میل جول کا کوئی بیان اُس سمیه تک پورا نهید هوسکتا جب دک هم اِس بات کو نه جان لین نه منده داگری میں هندو مذهب نے اِسلام پر کیا نیا اثرات قاله ، مم آگه کیبی اِس مذهبی امیل جول کو اور اِسلام پر هادو دعوم کے اثر کو بیان کریں گے ،

[أفكريزي سے ترجمع---وشومهور قاتم ياتـدـــ]

चित्रकता और ईरानी और बस्त परिाया की चित्रकला की मिलाकर एक बहुत ही .खूबसूरत चित्रकला के नये दंग को जनम दिया गया. ईरानी और मध्य पशिया के चितेरों ने भारतीय चित्रकारों के पास बैठकर भारतीय कला के सन्दर भारशों को अपनी करपना की उड़ान से और दयादा माँका श्रीर सुरद्दर बनाया. दोनों, हिन्दू श्रीर गुसलमान, कला-कारों ने इस नई रौली को यकसाँ अपनाया, उस समय के किसी चित्र को देखकर यह कह सकना नामुमिकन है कि अमुक चित्र का बनाने वाला हिन्दू चित्र कार है या मुसल-मान चित्रकार, जगह जगह इस नई कला के केन्द्र या मरकज क्रायम किये गये. राजपुताना के राजपुत राजाओं. कांगड़ा की रिवासतों और मध्य भारत के शासकों ने इस नई वित्रकता की बढ़ावा दिया, इसके अलावा मुख्तलिफ सवों में जहाँ मुरात सूबेरार रहते थे या आजाद मुसलमान राज। को ने अपने अपने दरवारों में इस कला को बेहद बढ़ाबा दिया, अलग अलग सुवां में और अलग अलग दरवारों में मुकामी हालत की बजह से थोड़ा थोड़ा फर्क़ इन चित्र-कारों की कता में दिलाई देता है लेकिन असलो अह एक ही है. वहो सुन्दरता, वहा चमक द्वक, वहो रूपाना अन्दाज, वही रहस्यवाद-इस नई कला के विविध रूपों में दिखाई देता है और इस कला की पकता को कायम रखता है.

संगीत कला

कता में संगीत की एक खास जगह है. यह हर शहस जानता है कि मुसलमान संगीतकार और गत्रइये जिस संगीत का अभ्यास करते हैं वह बिलकुल हिन्दुओं का ही संगीत है. यूँ उत्तर और भारत की संगीत शैजी में ऊपरी फ़र्क हैं; या एक शैली और दूसरी शैली और थोड़ा बहुत अन्तर हे लेकिन यह अन्तर मजहब की बजह से नहीं है. इसकी बजह सिर्फ मुकामी है. मुसलमानों ने हिन्दू संगीत की महारत हासिल की और नये नये बाजों, नये नये रागां आरे नई शैलियों से संगीत के दायरे का बढ़ाया. हिन्दुओं ने भी इन नये बाजों और नई राग-रागितयों को खुल दिल से सीखा, हिन्दू उस्तादों के मुसलिम शागिद और मुसलिम इस्तादों के हिन्दू शागिद एक आम बात थी. उस्ताद और शागिदों में अगर हम कोई फ़र्क ढ दूना चाहें तो ढूँदना नामुमिकन है. संगीत और नाच की कला में बड़ी दामयाया के साथ दोनों कलाओं का मेल जोल बैठाया गया.

लेकिन क रूपरी मेल जोल का कोई यान उस समय तक पूरा नहीं हो सकता जक तब हम इस बात को न जान लें कि मजहबी दायरे में हिन्दू मजहब ने इसलाम पर क्या क्या असरात डाले. इस आगे कभी इस मजहबी मेल जोल को और इसलाम पर हिन्दू धर्म के असर को बयान करेंगे. [अंगरेजी से तुर्जु मा—विश्वन्थरनाथ पांडे] हुये थे, यहीं पले थे छीर यहीं बड़े हुये थे. उनकी रग रग में हिंदुस्तानियत पे बस्त थी फिर उनकी कला पर हिंदुस्तान का असर क्यां न पड़ता. हालाँ कि उनके रास्ते में इ कावटें थी छीर वे चोटी के कारीगर भी न थे फिर भी उनकी छेनी छीर हथोड़ी ने उन इमारतों पर हिन्दुस्तान की कला की साफ छाप छोड़ी है. इस तरह उस जमाने की मुसलिम इमारतों पर हिन्दुस्तानों कलवर का गहरा असर दिखाई देता है. हर डिजाइन में हिन्दू तज ढूँढ लीजिये. यह खारदार लप्तजों में कहा जा सकता है कि मुसलमानों का हिन्दुस्तान में रहते रहते उथों-उयों प्यादा दिन बतीते गये, स्यों देन की कला पर हिन्दुस्तानियत का गहरा पुट चढ़ता गया."

मुगलों की तामीरी कला

मुगलों की तामीरी कला के मुतास्तिक यहाँ कुछ कहने की जरूरत नहीं. मुग्न कला का निखार अकदर के जमाने में हुआ. अकदर ने ऊँचे दरजे के एक खास हिन्दुस्तानी आर्ट को जनम दिया. शाहजहाँ का मुकाव ईराना आर्ट की तरक था. लेकिन शाहजहाँ भी अकदर के आर्ट की रूह को न बदल सका. तामारी कला के जानने आलों का बयान है कि शाहजहाँ की इमारतों का बाहरो हिस्सा ईरानी तर्ज का है लेकिन इमारतों के भातर खालिस हिन्दुस्तानी कला के ठोस नमून नजर आते हैं.

धागर हम इस उस्त को मान लें कि कला के ही जरिये किसी मुल्क या क्रीम की चारमा का पता चलता है तो यह एक बेकाट सच ई है कि मँमले जमाने के भारत की तामीरी फलामें एक हो अध्या और एक ही कल्बर के दशीन मिलते हैं, पन्द्रहवीं सदी के बाद से हिन्दू या मुसलमानों की बनवाई हुई एक भी इमारत ऐसी न मिलेगी, चाहे वह किला हो या महल, मन्दिर हो या मसजिद जिस पर मिली जुली हिन्दुस्तानी कला की छाप न पड़ी हो-ऐसी कला जिसे मुसलमान हुक्मरानों के साथे में हिन्दू शिल्पी श्रीर संगतराशों ने तरकक्षी दी. पन्द्रहवीं सदी में ग्वालियर में राजा मानसिंह के बनवाये हुये महल इस भारतीय मुसलिम कला के सबसे पहले नमूने हैं. जिस तरह मुसलमान शासकों के बनवाये हुये मक्तवरां, महलां और मसजिदां पर भार-सीय हिन्दू कला की छाप है उसी तरह वृत्दावन के वैध्याव मन्दिरों, हिन्दू राजाश्रों श्रीर साधुश्रों की समाधियों श्रीर इत्तरियां पर और भारत में फैतो हुई बेशुनार हिन्द इमारतों पर भारताय ग्रुसिजम कला की यानी निला-जुता भारतीय कला की छाप है.

चित्रकता

वित्र कला यानी तसवीर साजी के दायरे में भी इसी मिली दुखी कला के इमें दश न भिज़ते हैं, इन्दोम भारतीय هرئے تھے پہن پلے تھے او یہیں بروقے مؤٹر تھے۔ اُن کی رگ رگ رگ میں هندستانیت پہرست تھی پر اُن کی رگ رگ رگ میں هندستانیت پہرست تھی راستے میں روگارئیں تہدں اُور وے چرقی کے نایکر بھی تت تعی پہر بھی اُن کی چھیلی اور هام رتبی نے اُن عمارتوں پر هندستان کی کلا کی صاف چھاپ چھرتی ہے اُس طرح اُس مندستان کی کلا کی صاف چھاپ چھرتی ہے اُس طرح اُس دیتا ہے ، هر توانی میں هندو طرز تعوندہ لیعیت ، یه زوردار لنظوں میں دیا جا سکتا ہے کہ مسلمانوں کو هندستان میں رہا جاری دی بیٹھ کھی مسلمانوں کو هندستان میں رہا جا سکتا ہے کہ مسلمانوں کو هندستان میں رہا جا سکتا ہے کہ مسلمانوں کو هندستان میں میں جھری جوری دن بینتے گئے تیوں تھرں اُن کی کلا پو هندستان میں میں جوری دن بینتے گئے تیوں تھرں اُن کی کلا پو

مناس کی تعمیری کا

میلوں کی تعمیری تلا کے متعلق یہاں کچے کہتے کی ضرورت نہیں ، میل کلا کا تھار اکبر نے زمانے میں ہوا ، اکبر نے اوتجے درجے کے ایک خاص ہاں متانی آرت دو جغم دیا ، شاہجہاں کا جھلاڑ ایرائی آرت کی طرف تھا ، لیکن شاہجہاں بھی انبر کے آرت ہی ررح کو نم بدل سکا ، تعمیری الا کے جانبے والوں کا بیان ہے تا شاہجہاں کی عمارتوں کا باعری حصہ آیرائی طرز کا ہے لیکن ممارتوں کے بھیتر حاص شفرستانی دلا کے تھوس نمونے نظر آتے ہیں ،

اگر هم اِس أمول كو جان ادن كه الله على فريعه كسى منک یا قوم کی آنما کا پته چلت ش تو یه اید، بے کاش سچانی ہے که منجولے ومانے کے بہارت کی نمیری کا میں ایک هی أتما اور ایک می نامچر کے درشن ماتے میں ، پادرہویں صدی کے ہیں سے ہنرو یا مسلمانوں کی بلوائی ہوئی ایک بھی عمارت ايسى الله مليكي الجاف وه تلعه هو يامتحل مندر هو يامستجد جس یر ملی جلی هندستانی کلا کی چهاپ نه پری هو-ایسی تلاجسے مسلمان حکمراتوں کے سابع میں ہادو شابی اور ستکتراشو لیں نرقی دی ، یندرهرین صدی میں گوانور کے راجم مان سنکھ کے بنوائے ہوئے محل اِس بھارنیه مسلم کلا ج سب سے پہلے نمولے میں ، جس طرح مسلمان شاسکوں کے بنوائے هوئے مقبروں محدلوں اور مستجدوں پر بھارتیہ هندو کلا کی چھاپ کے اُسی طرح ورابداوں کے ویشاہ مادروں" مندو راجاؤں اور سادہوں کی سمادسدرں اور چھتریوں پر اور بهارت مهی پیپلی هوئی بے شمار مندو عمارتان پر بهارنیه مسلم للا كى يعلى ملى جلى بهارنيه كلا كى چهاپ هه .

چتر کا

چار کا یعلی تصویر سازی کے دائرے میں بھی اِسی طی جلی کا کے همیں درشن ملتے هیں ، قدیم بھارتیم

हिन्दुस्तान की बहबर और इसलाम

हिंग्दुस्तान के पुरातस्य यानी आकियालाजी डिपार मेंट के साविक डाइरेक्टर जनरल सर जान मार्शल ने काम्ब्रज हिस्ट्री आफ इ।एडया' के भाग तीन के 'गुंसलिम जमाने की इमारतें' नामक अध्याय में लिखा है:—

"जब हिन्दू और मुसलिम ताभारी कला यानी इमारत साची का समन्वय (मेत्र) हुआ तो मुसलिम तामारी कला ने हिन्दू तामारो कला स बहुत कुछ साखा. हिन्दू फलसफे को चाहिर करन वाला हिन्दू शक्लें,बेज बूटे चार नक्काशी किसी न किसी शक्ल में मुसालम इमारता में शामिल कर ली गई. इस तरह जो हिन्दू चीजे मुसलिम इमारतों में ली गई डनकी तादाद बेशुमार है. मुसालम आर्ट के ऊपर हिन्दू शैजा का यह करवा ता ठांस आर अपर दिखाई देता है काकन हिन्दुस्तानी मुसलिम आर्ट पर हिन्दू कला की दो बातों ने सबम ज्यादा असर डाला और वे दा बातें है—इमारतों का मजबूती और मजबूतो के साथ साथ चनका आलीशान हाना. दूसरे मुल्का म मुसलिम तामीरा कला की कब दूसरी खुसुरसयत है. यहसलम म हरे और सुनहले पत्थरों के स्लैब (बाक) फश पर या कमरा का दावारों पर क्षगाये जाते है. इरान म मकानां के टाइल बांद्या स ब द्या रंगा म रंग जाते हैं. स्पंत की मुस लम ताभीरा कला न अजीवा रारीब तजे पेदा किये लोकन किसी भी मुरुक में मुसलिम तामीरा कला म इमारता का मजबूना आर .खूब-सूरता का उससे बद्दर मेज नहीं बैठाया गया जितना हिन्दुस्तान म. ये दाना ख्रासयते हिन्दुस्तान की अपना है मीर य ऐसी खासियत है जिनकी ताभारी कला म और दूसरी खासियता स ज्यादा ऋहामयत है.''

हिन्दुस्तान मं पहला मुस्तिम इमारत सन 1911 में तामीर हुइ, यह 'कुड्वतुल इसलाम' नाम का एक मस्तिव है जिसे कुतुबुद्दान ऐश्वक न तामीर कराया. इस मस्तिव के मुसाल्लिक सर जान भाशल लिखते हैं:—

"इस मसंजिद का चाहे भीतर से देखिये चाहे बाहर से, यही मालूम होता है कि यह काई हिन्दू इमारत है. सिर्फ पीछ दावार के पाँच मेहराबों को छोड़कर इस इमारत में एक भी चिह्न ऐसा नहीं है जिससे इसका मुसलमानी होना जाहिर होता हो."

. कुतुबुद्दीन के दो सी बरस बाद फीरोजशाह तुरालक को भी इमारतें बनाने का बेहद शीक हुआ, इतिहास लेखक इसके बनवाये हुये शहरां, किलां, न लों, मसजिदां और मक्करां आदि की एक लम्बा फेडिरिस्त पेरा करते हैं. सुरालक खमाने के फुने तामीर के मुतारिजक कहा जाता है कि इस पर से हिन्दू असर कम दो गया था. ताहम—

 "जिन संगतराशो' और मेमारो' ने इन तुरालकी इसारखो' का तामीर किया ने सब के सब हिन्दुस्तान में पैदा عليال المرازات

گانوگلر سر خان کے فرانٹو یعلی آرایالاجی ڈیھارلمات کے سابق گانوگلر سر خان مارشل نے انبیرے ہستری آف انڈیا کے بھاک الاین کے اسلم زمانے کی عبارتین نامک ادھیائے میں لھا ھانس

الهجب هادر اور مسلم تعدیری کلا یعلی عدارت سازی کا سنمارے (میل) عوا تو مسلم نعمیری الله علدو تعمیری کا سے مهت كجه سكها . هدو ناسن كوظاهر كرني وألى هدو شكلين بیل بولی اور تقاشی کسی نه کسی شکل میں مسلم عمارتوں میں مثامل ار ای گئیں . اِس طرح جو هندو چیزیں مسلم عمارتوں مَهُنَ لَي الْمُينِ أَن كي تعدآن بِرشمار هـ ، مسلم أرت كي أوبر هلای شیلی تا یع فرف تو تهرس ارد اردر دنیائی دیتاً ہے لیوں منستانی مسلم آرے پر مندو کلا کی دو باتوں نے سپ میں ویادہ اثر ذالا اور وے دو باتیں میں-عمارتوں کی مضبوطی أور مقبهوطی کے ساتھ ساتھ اُن کا عالیشان ہوتا ، دوسرے ملعوں میں اسلم تعمیری ظ کی تجه درسری حصوصیتیں هیں ، يرو شام میں عربے اور سلیلے یتہوں کے سلیب (چوبے) فرش یو یا کمروں کی دیواروں پر لگام جاتے میں، ایران میں مکانوں کے ڈنل برهها سے برمیا رنکی میں رنگے جاتے هیں ، اِسپین دی مسلم تعمورتی الا نے عجیب و غریب طرز پھدا بھے لیکن کسی بھی ملک میں مسلم عمدری کا میں عبارتوں کی مضبوطی اور خوبصرطی کا اِس سے بہار میل نہیں بیٹھایا گیا جننا هندستان میں . یه دونین خاصیتین هندستان کی اینی هیں اور یه ایسی خاصیتیں میں جن کی تعدوری کا میں اور دوسری خاصیتوں الله زيانة أعميت هـ 34

ھائیستان میں پہلی مسلم عمارت سن 1191 میں تعمیر ورئی ، یہ افرہ اسلام نام کی ایک مسجد ہے جسے قطب الدین ایبک نے تعمیر کرایا ، اِس مسجد کے متعلق سر جان مارشل لکھتے ہیں: —

والس مسجد کو چاہ بھیتر سے دیکھیٹے چاہے باہو سے یہی معلوم ہوتا ہے کہ یہ کرئی ہندو عبارت ہے ، صرف پینچھے دیوار کے پانچ متعرابیں کو چھوڑ کو اِس عبارت میں آیک بھی چاہ آیسا تبھی ہے ۔ اِس کا مسلمانی ہوتا ظاہر ہوتا ہوتا

قطب الدین کے دو سو پرس بعد فهروز شاہ تفاق کو بھی عنارتیں بنانے کا بےحد شرق ہوا ۔ انہاس لیکیک بس کے بنائے ہوئے شہروں انہوں متعلوں مسجدوں اور مقبروں انہانی ایک لینی دہرست پدھی ترتے میں ، تفلق زمانے کے فن عمیو کے متعلق نیا جاتا ہے تہ اس پر سے هندو اثر کم ہو گیا تھا ، تاهم بیست

و المجن ستکتراہوں اور مصاروں <u>اران</u> قباقی عمارتوں۔ کومرتفلیز کیا، وہ سب کے سب علائمائی میں، پیما

سلمان أبر صوبائي وباقين

يهاں اُس کا ذکر کر دينا ضروري هے که مسلماتوں لے هندستان کی دوسرمی صوبائی زبانوس کو توقی دینے میں کوئی کسر باقی نیس اثبا رکبی ، پلجایی اهندی اور بنکلا کی ترقی کا لیک بہت ہوا سبب یہ ہے کد مسلمان نوابین امراؤں اور مسلمان مصنفیل اور شاعروں نے اُن زبانوں کو ترفی دیلے اور مالا مال کرنے میں بہت ہزا حصه لیا . آب اگر اِن زبانوں کو اینی تولی یو ناز مے تو اُس کے لئے ہدوی اور مسلمانیوں دونیوں کو مدهائی دینی چاهئے، یہ بھی اپنےکی ضرورت نہیں که هندو اور مسلمان دولين اطرز ادب أررط و سخن يمسان تها، اوگون كي لله ية بنا سنا تامين ه كه أمك نظم نسى مسلمان في لكهي ه يا عندو کی . ینجابی اور دانلا کے مندو اور مسلمان لیکه وی کا لكيني كا طرؤ بالكل أيكسه هي أس مين كسي طرح كا فرق نهين يايا جارا ، دودون مين كلحير كي أيك هي دهارا دكهائي ديكي ھے ، بلک اگر ھندستان کے -سلمان لیکہکرں اور شاعروں کی رچناؤں اور ایران کرئی اور مصر کے شاعروں اور الیکھوں کی رجناؤل کا مقابله کیا جائه تو صاف فرق قطر آئیکا . هندستان کے مسلمانیں اور باہر کے مسلمانیں کی نامچر اسوچنے کے طریقوں اور المهلم کے طرز میں بہت فرق ہے . انگریزوں کے آنے سے پہلے معناف صوبوں کے رہنے رائے -سلمانوں نے اپنے اپنے صوبوں کی وبالين اينا أي باين ، ولا أنهين حفي بوناء لعه الهابي مون لکھنے تھے اور اُنہیں میں سوچتے بھے ۔

مسلم تعميري كلا

کلچری یا سائسکونک میل جول کی یه دهارا صوف زبان اور ادب تک هی محدود نبیس رهی اس کا اثر فاسفه سائنس اور آرت پر بهی پرا کنوت جهونش بهوگول حکمت دهرم شاسکو وغیره سبهی برس میں ایک دوسرے کی اچهی باتوں کو ایک دوسرے سے سیکھا گیا ، لیکن دونوں طبچووں کا عظیمانشان سلکم آرت کے دائرے میں ہوا ،

مسلمانوں نے عندستان میں آنے سے بہتے کا کے دائرے میں ایک نئی طرح کی کا یعلی آرت کو جلم دیا تیا ، ایکن جب وہ اس ملک میں آ کر بسے ' اثبوں نے عندستان کی تا کی خاص حاص بانوں کو آبنی کا میں شامل کرنا شروع کو دیا ، تیرھویں صدی تک مسلمانوں نے جو عبارتیں' فلمے اور متورے بنائے ان میں اِسی ایکنا اور میل جول کی تصویر دکیائی دیتی ہے ، دوتوں کاؤں کا سنام صاف چمکنا عوا نظر آتا ہے ،

मसलमान और सवाई जवाने

यहाँ इसका किक कर देना जरूरी है कि मुसलमानों ने हिन्दुस्तान की दूसरी सूबाई ज्वानों की तरका देने में कार कसर बाकी नहीं उठा रखी पंजाबी, हिन्दी और बंगला की तरकों का एक बहुत बढ़ा सबब यह है कि मुसलमान नवाबों, उमराश्रों, श्रीर मसलमान मुसन्निफों चीर शायरों ने इन जुवानों को तरकी देने और माला-माक्ष करने में बहुत बढ़ा हिस्सा लिया. आज अगर इन .जुबानों को अपनी सरकी पर नाज है तो उसके लिये हिन्द और मुसलमान दानों को बधाई देनी चाहिये। यह भी कहने की जरूरत नहीं कि हिन्दू और मुसलमान बानों का तर्जे अदब और तर्जे सखुन यक्साँ या. लागों के लिये यह बता सकता नामुमकिन है कि अमुक नज्म किसी मुसलमान की लिखी है या हिन्दू की। पंजाबी धीर बगला के हिन्दू और मुसलमान लेखकों का लिखने का तज विस्कुल एक साहै. उसमें किसी तरह का फ्ल नहीं पाया जाता. दोनों में करूवर की एक ही धारा दिखाई देती है, बल्क अगर हिन्दुस्तान के मुसलमान लेखकों और शायरों की रचनाओं और ईरान, तुर्श और मिस्र के शायरों और केखकों की रचनाओं की मुक्ताबला किया जाय तो साफ फक्ने नजर श्रायेगा. हिन्दुस्तान के मुसल-मानों और बाहर के मुनलमानों की कहवर, सोचने के तरीक्रों भीर लिखने के तर्ज में बहुत फ्के है, अंगरेजों के माने से पहले मुख्तिक सूत्रों के रहने वाले मुसलमानों ने अपने अपने सुबों की जुबानें अपना ली थीं. वे उन्हीं में बालते थे, उन्हां में लिखते थे और उन्हीं में सोवते थे.

असिलिम तामीरी कला

करवरी या सांस्कृतिक मे त-जो ज की यह धारा सिफ् खबान और अव्ह तक हो महतूद नहीं रहो. उसका असर फ्ज़सका, साइ स, और आर्ट पर भी पड़ा. गियात, ज्यो-तिय, भूगाल, हिकमत, धर्म शास्त्र वरीरह सभी बातों में एक दूसरी की अच्छी बातों का एक दूसरे से सीखा गया. लेकिन दानों करवरों का अजीमुश्शान संगम आटे के दायरे में हुआ.

मुसलमानों ने हिन्दुस्तान में आने से पहले कता के दायरे में एक नई तरह की कला यानी आहे को जनम दिया था. लेकिन जब ने इस मुल्क में आकर बसे, उन्होंने हिन्दुस्तान की कता का खास खास बातों का अपनी कला में शामिल करना गुरू कर दिया. तेरहवीं धदी से लेकर उभीसवीं सदी वक मुसलमानों ने जो इमारतें, किले और मक्त दे बनाये इनमें इसा एकता और मेज-जाल की वसवार दिखाई देती है. दोनों कलाओं का संगम साफ पमकता हुआ नजर आता है.

श्रसखमान और हिन्दुस्तान की जवानें

धगर हम बाहरी बातों को छोड़कर तहजीव, तमहन भीर करूवर (संस्कृत) पर ग्रीर करें, तो इस देखें ग कि यहाँ भी उसी तरह का मेज़-मिलाप का संगम हुआ 🕻 जरा इस बात पर ग़ौर किया जाय कि सभी हिन्दुस्तानी करूपर की तामीर में मुसलमानों ने कितनी क्रमीनी की है. जबान (भाषा) की ही मिसाल को लीजिये. किसी कीम के जजबातों और उसके खयालों को खाहिर करने का सबसे अहम खरिया खवान ही है. इसलाम की पाक जवान अरबी है। जो हमलावर मसल-मान सबसे पहले सिन्ध में आये अरबी उनकी मादरी भीर क्तनी खवान थी । हालाँ कि पढे लिखे लोग ही अरबो की तालीम लेते थे ताहम अरबी हिन्दस्तान के हर हिस्से में रायज हो गई. मध्य ऐशिया से जो हमलावर यहाँ बाये उनकी माद्री ज्वान तुर्की थी. हिन्दुस्तान में मसलमानों की हुकूमत के अग्राज और खात्में के बक्त तक सरकारी जवान कारसी थी। आज हिन्दुस्तानी मुसलमान इन तीनों ,जुबानों में से एक भो ,जुबान नहीं बालते और न हमलावरों ने ही हारे हुओं पर इन जुवानों को लावा.

इसके बरधक्स मुसलमानों ने ।हन्दुस्तान की सुशई जुबानों को अपना लिया और अपनी भाषाओं के शब्दों और महाविरों से उन्हें सजाया और सँवारा. पँजाव के मुसलमान पंजाबी बालते हैं, बंगाल के मुसलमान बंगला बालते हैं, गुजरात के मुसलमान गुजराती और महाशष्ट के मुसलमान मराठी बालते हैं, रारज यह कि मुसलमान जिस सुबे में रहते हैं उसी सूबे की जुबान बालते हैं. इस सूबे के हिन्दू और मुसलमान एक ही जुवान में अपने खयालातों का इजहार करते हैं. सिर्फ एक ही ज़ुबान रह जाती है कीर वह है चदू. लेकिन उद् मुसलमानों की ज़ुबान है ही नहीं. वह हिन्दुस्तान से बाहर किसी भी मुसलिम मुल्क में नहीं बोली जाती. इसे कोई मुस्तिम विजेता बाहर से यहाँ नहीं लाया. खब[°] हिन्दी भाषा की ही एक रूप है, उसके ज्यादातर धनकाज, इसका ब्याकरण सब यहीं से लिया गया. दर अस्त सर्द का मूल रूप वह भाषा है जो दिस्ली के आस-पास बोली जाती है श्रीर जिसे खड़ी बोली कहते हैं. जब मुसलमान दिल्ली और उसके आस पाम के इलाके में बस गये ता वे भी खड़ी बोती ही बालने लगे. वही बाद में अदबी जवान बन गई. हिन्दू अार मुसलमान दानों ने इसके अदब का बढ़ाया और सजाया. सब पूत्रा जाय 🗻 धो अंग्रेजी के प्रचार के पहले वर्द हिन्दुस्तान की बोल बाल की पावान थी

الماگر هم باهری باترس کو چهرز کر "بذیب" تمدن اور کلعیر (سلسکرتی) پر غور کویں تو هم دیکھیں گے که بھاں بھی اُسی طرح کا میل ملاب کا سائم موا هے درا اِس بات در غور کیا جائے که سطور القدر اللہ اللہ کی تعدیر میں مسلمانوں نے كللي قربائي كي هي زبان (يهاها) كي هي مثال كو ليجأي کس قوم کے جدہاتوں اور اُس کے خیالوں کو ظاہر کرلے کا سب سے اُھم ڈریعہ زبان ھی ہے ۔ اِسلام کی پاک زبان عربی ہے ، جو حمله اور مسلمان سب سے بہلے سندہ میں آئے عربی اُن کی مادری أور وطلی زبان تھی ، حالانکه پڑھے اکھے اوک عی عربی کے تعلیم لیتے تھے ناہم عربی هندستان کے هر حصم میں رائم هو کئی ، مدهیه ایشیا سے جو حمادآور بہاں آئے اُن کی مادری زیان ترکی تھی ، علاستان میں مسلمانیں کی حکومت کے آغاد اور خاتمے کے وقت تک سرکاری زبان فارسی تھی . آپے ھندستانی مسلمان اِن تیاس زباتیں میں سے ایک بھی زبان الہوں بولتے ارز تم حمله آورن نے هی هارے هوؤں پر اِن زبانوں کو تدا .

اُس کے پرعیس مسلمانوں نے هندسان کی صوبائی زبانوں کی اپنا لیا اور اینی بہاشاوں کے شبدوں اور محاوروں سے انہیں سجایا اور سفوارا منجاب کے مسلمان بنجابی بولقے ہیں ا ینگال کے مسلمان بدگا مراتے ہیں کنجرات کے مسلمان گنجراتی اور مہاراشتر کے مسلمان مواقعی بریقے ہیں ، غرض یہ که مسلمان جس صوبے میں رہتے ہیں اُس صوبے کی زبان ہواتے ہیں ۔ إس صريم كيهندو أور مسلمان أيك هي زبان ميس أيني حيالانون کا اظیار کرتے میں ، صرف ایک می زبان رہ جاتی ہے اور ولا في أردو ، ليكن أردو مسلمانون كي زبان هي هي تهين ، ولا بعلدستان کے باہر کسی ملک میں نہیں بولی جاتی ، أسے كرثى مسلم وجيمًا باهر سے بہاں نہيں لايا ، أورد هندي بهاشا كا هی ایک روپ هے . اُس کے زیادہ در العاظ اُس کا ویادوں سب بہیں سے لیا گیا . د اصل اردو کا مول روپ وہ بہاتا ہے جو دلی ي أس ياس براي جادي هے اور جسے بوري براي کوٽے دين ، جب مسلمان دلی اور اُس کے اُس دس کے علاقے میں ہس گئے تو رہے بھی اوری برلی هی برائے لئے ، وهی بعد سان أدبى دیاں بن نائی ، هندر اور مسلمان دونیں لے اس کے ادب کو ہودایا اور معیایا . سے بوچھا جانے نو انگریری کے برچار کے بہلے أرديو هندستان كي يول چال كي زبان تهي .

वेद मंत्रों की धुन के साथ सात भावरे बालते हैं, मुसल-मानों में काखी .कुरान की आयत पड़कर निकाह करा देता है. कोटी कम में सड़कियों की शादी, विधवा विवाह की रोक, औरतों के अपर मदों का कतई हक और परदा वे सब बाते हिन्दू और मुसलमानों दोनों में एक सी हैं.

यह सही है कि मफहबी त्यौहार, श्रव, उपवास और रो.जे दोनों के अलग-अलग हैं लेकिन उनके मनाने का दंग बहुत कुछ एक सा है. मोहर्रम और दशहरा एक दरह से मनाया जाने लगा. शबे बरात श्रीर शिवरात्रि, रमजान भीर नवरात्रि, दिवाली भीर ईद के स्तसव एक ही तरह से होने लगे. इसके अलावा और बहुत से मेले, तीज और स्यौद्दार पहते ये जिनमें हिन्दू और मुसलमान दोनों मिल जुलकर हिस्सा लेते थे. इजारों मुसलमान होली खेजते थे भीर कासों हिन्दू मुहरम मनाते थे. मुसलमानों ने मरने के बाद के क्रिया-करम में बहुत से हिन्दू रिवाज अपना लिये, जैसे तीजा, इसवाँ वरा रह. इसके अलावा हामला औरत का प्यमाँसा, सतमासा, श्रीर बच्चे की पैदायश की छठ. बच्चे की खीर चटाई, सालगिरह, मुगडन, कनछेदन, हिन्दू-मुसल-मान दोनों एक ही तरह से मनाने लगे. ऐसे रस्म-रिवाज, जो खालिस हिन्दू थे, जैसे सती और जौहर का रिवाज, वे भी मुसलमान औरते अपने खाविन्द के मरने पर करने ज्ञगीं. इब्न बत्ता मोहस्मद विन तुरालक और ऐनुलमुल्क की लड़ाई का हाल लिखता है, जिसमें ऐनुलमुस्क के हारने पर इसकी बेगम ने जीहर जत करके अपने की जिन्दा जला दिया था. 'जाफ्र नामा' में लिखा है कि भटनैर के स्वेदार कमालुद्दीन की बेगम ने अपने शीहर तैमूर के खिलाफ लढ़ाई में जाते समय जीहर बत करके अपने को जला डाला था. चमीर खसरो ने इस पर लिखा था:-

"जूँ जुने हिन्दी कसे दर आशिकी दीवाना अस्त, सोख्तन वर शमा शौहर कारे को परवाना अस्त!"

लिबास और पहनावा

किसी भी समाज के अन्दल्ती जजबात की सबसे
तुमायाँ मिसाल उस समाज के लोगों की पोशाक है, इस
तुक्कते नजर से अगर हम देखें तो हमें पता चलेगा कि किस
तरह हिन्दुस्तान के मुसलमानों ने अरब, ईंगन और मध्य
पशियाई मुस्कों के लिबास और पंशाकों को छाड़कर
हिन्दुस्तान के लिबास और पहनावे का कुतून किया. अरबो
अमामा, मध्या, रजा, तहमद; तस्ता, मध्य पेशिया का छुता,
निमा, मोजा सब यहाँ आकर सायब हा गये और उनकी
अगह हिन्दू पगदी, चिरा, छुरता, अंगरसा, पटका, दुपहु,।
पाञामा और जुते ने ले ली.

وید مناورس کی دھن کے ساتھ ساتھ بیاتوریں ڈاٹھ ھیں' مسلمانوں میں قاضی قرآر، کی آیت پڑھ کو تکام کوا دیکا ھی چھوٹی عمر میں لوئیس کی شادعی' ودھوا ودالا کی روک' عورتوں کے آرپر سردوسکا قطعی حتی آور پردلا یہ سب باتیں هادو اور مسلمانوں دونوں میں ایک سی ھیں ۔

يه مصيم فحكم من هي تيوهار ورده أيولس أور روزه دونس کے الگ الگ عیں لیکن أن کے منانے کا دَعنگ بہت كنچه ایک سا فی محصرم أور دغهرة أیک طرح سے منایا جاتے الا . شبيرات ابر شموراتري، رمضان أبر نورانري، ديوالي أبر عيد کے آنسو ایک می طرح سے مرنے لکے ، اِس کے علاوہ اور بہت سے میلے تیم اور تیوهار ہتتے تھے جس میں مقدو اور مسلمان دولين مل جل كر حصم ليترنه هوارون مسلمان هولي كهبلته تھے اور لائھوں ھان محصرم مناتے تھے ، مسلمانوں نے مولے کے بعد کے دریا کرم میں بہت سے هندو رواج اپنا لئے جیسے تیجا دسوال رغيرة . أس كے عقرة حامله عورت كا بنج ماسا ست ماساً اور بجے کی پیدانش کی چھٹ بجے کی آمیر چٹائی سال گره موندن کن چهیدی علی مسلمان دولوں ایک عی طرح سے منالے لکے ، ایسے رسم رواج جو خالص مندو تھے جیسے ستى اور جومر كا رواج يه بهى مسلمان عورتين الني خاوند كے مرنے پرکرنے لکیں . آبی بطوطه محصد بن تناق اور عین الملک ئی اوائی کا حال انجا ہے، جس سیں عهن المائ کے هارنے ہو أَسَ لَى بَيِكُم لِي جَوِهِ الرَّب كَرِ كِي أَلِيْهِ كُو رَنْدَة جَلَّا دِيا اتَّهَا . المعفر قامه میں لکھا ہے که بہائیر کے صوبیدار کا ادبن کی بیکم لے اپنے شوہر تیمور کے خالف اوائی میں جاتے سے جوہر برت کر کے الينے كو جلا ذالا تھا ۔ أمير خسرو نے ايس ير لكھا تھا:-

> "چوں زن هندی کسے در عاشقی دیرانے است' سرختی بر شمع شرهر کار اُر پررانے است ا''

لباس أور پهناوا

کسی بھی ساچ کے آئدروئی جذبات کی سب سے نمایاں مثال اُس ساچ کے لوگوں کی پرشاک ہے ، اِس تقطع نظو سے اگر ام دیکھیں تو همیں پته چلیکا که کس طرح هندستان کے مسلمنیں نے عرب ایران اور مدیدہ ایشیائی ماکوں کے لباس اور پہاارے کو قبول کیا ، عربی عمامہ جہبت رضا تہدد تسمت مدیدہ ایشیا کا طفا نیما مرزہ سب یہلی آ کو قبیب هو گئے اور اُن کی جگیم هندو پکڑی چرا کرتا انگرکیا پٹکا قریائی یا جا، اور جوتے نے پکڑی چرا کرتا انگرکیا پٹکا قریائی یا جا، اور جوتے نے لیے لی

ماسعى في العجر أور إسام

पशिया की जिन और दूसरी मुसलमान क्रीमों ने हिन्दु-स्तान पर हमला करके यहाँ राज क्रायम किया और जिनकी धीतादों ने करोब पाँच सी बरस यहाँ हुकूमत की उन संबक्ता आज पता तक नहीं चलता. मुनलमान दुक्मरानी ने न तो अपने कीमी गुरूर की परवाह की और न अपने खुन को पाक बनाये रखने की. उन्हांने दिन्दुस्तान के क्रीमी समुन्दर में अपने आप ने निला दिया, मुनलिम हुकूमत के जमाने में जिन क्र'मां, फिएकां, क्रवालां त्रीर खानदानों की धूम थी आज न उनका चर्चा है और न कंई उन्हें जानता है. वे सब रल-मिलकर एक हा गये. यह काम काई एक दा िना में नहीं हुआ, सैकड़ों बरसों तक माथ साथ रहन का यह नदीजा है. इसी मुल्क में हमेशा हमेशा के जिये बस जाने की खाहिश, आपसा शादः-ज्याह, म तहत म तब्दाली, धपने बतन से किसी तरह का बाई ताल्लुक न रखना, बरौरह एसी बाते था, िनका कजह सं मुसलगान कीमी निहाज से विलक्षत हिन्दुस्तानी बन गय, हिन्दू और मसलमानों का मजहब बंशक जुदा जुदा है मगर रङ्ग एक है, रूप एक है, शक्त एक है और क्रीम एक है.

हिन्दुस्तान के मुसलमानों ने अपने हिन्दू भाइयों ही की तरह अपना समाजी निजाम कायम किया. बाहर के मुसलमानों में जात-पाँत नहीं मगर यहाँ के मुमलमानों ने हिन्दु औं ही की तरह अपनी अलग-अलग विराद्दियाँ बना ही हैं. सम्यदों का दतवा विरह्मनों की तरह, मुराज और पठानों का श्वत्रियों या राजपूनों की तरह, रोज बनियों की तरह और बुनकर और द गर पेशे वाला का श्रूरों की तरह समक्षा जान लगा. ये फूक न सिर्क काम धन्यां और दपये- पैसे की वजह से हो गये विस्क हिन्दु औं की तरह मुसज- यानों की ये विराद्दियाँ पैदाइशी हो गई. ऊँ वी विराद्दी है मुसलमानों में एक गुकर पैदा हो गया.

ब्लचरी मेल जोल का संगम

हर समाज के संगठन में श्रीरत की एक खास जगह है. इस मामले में शरबां, तुकों और हिन्दुश्रों में बहुत फ़र्क है. लेकिन हिन्दुस्तान के मुसलमानों ने श्रायों श्रीर तुकों के वरीके. को नहीं बरता. मुसलमान श्रीरतों ने श्रपनी हिन्दू बहिनों का ही चलन श्रपनाथा. साज-सिंगार, पहनावा. गहने और खेबर, मिलने-जुजने श्रीर राजमर्श के बरताब की बातों में जन्होंने हिन्दू बहिनों का तरोका बरतना छुह क्या, मुसलमानों के शादी-व्याह बिल्कुल हिन्दुश्रों की तरह री होने लगे. निसबत, हल्दी, मेंहदो, तेल, मंडवा, बरात, जलवा, कंगन वर्ष रह की रस्में मुसलमानों ने ज्यों की त्यों हिन्दुश्रों से ले लीं. शादी की रस्म में हिन्दुश्रों और मुसल-गानों में सिर्फ एक फ़र्क रह गया और वह यह कि हिन्दुश्रों में हवन कुंड के चारों तर फ दुल्हा श्रीर दुल्हन

المسال خين أور دوسري مسلمان قومهن في هلاستان يو عصاء كر ك حالوست كي أن سب كا أبع ياء تك نهين چانا . مسلمان عکمرالیں لے نام تو اپنے توسی فرور کی درواد کی اور ٹام اپنے خون کو ہاک بلانے راہلے کی ۔ اُنہیں نے هندستان کے قومی سفدر میں اپنے آپ کو ملا دیا . مسلم حکوست کے زائے میں جن قوموں فرقوں قبیلوں أور خاندانوں كى دھوم تھى آب نه أن كا چرچا ف اور نه کوئی اُنہیں جانتا ہے وسے سب رل اُل کو ایک هو گئے ، یه کام کوئی آیک دو دوئیں میں تہیں ہوا ، جہوں يُرْسبن لک ساتم ساتم بعد كا يه تنايجه هـ ، إسى حلك سين مبهه مرشه کے لئے بس جانے کی خوامس آیسی شادی بياه منهب ميں تبديلي أنني وطن سے كسى طرح كا تعلق نا راهنا وغيره أيسى بانين تهين جن كي وجه سے مسامان قوسي لحاظ م بالتل هندستاني بن كله . هندو أور مسلمانين كا منعب ہشک، جدا جدا کے مگر رنگ ایک کے روپ ایک کے ھکل ایک ہے اور ترم ایک ہے ،

هندستان کے اسلمانوں نے اپنے هندو بھائیوں عی کی طرح اپنا سماجی نظام قایم کھا، باهر کے مسلمانوں میں جات پانت نبھی مگو پہلی کے مسلمانوں نے هندؤں هی کی طرح اپنی الگ الگ بوادریاں بنا لی هیں ، سردوں کا رتبہ برہمنوں کی طرح' مثل اور پنہاوں کا چہتریوںیا راجھودوں کی طرح شدخ بنیوں کی طرح اور پنکر اور دیکر پیشہ وائوں کو شودوں کی طرح سنجھا جانے گا، یہ نرق نہ صرف کام دهادوں اور رویعہ پیسے کی وجہ سے هو گئے بلکہ هندؤں کی طرح مسلمانوں میں ایک غرور پیدا عو گئے ،

المعجري ميل جول كا سنام

A. 18. 16

ھر سماج کے سائٹین میں عورت کی ایک خاص جائیہ فی ایس معادلے میں عربوں ترکوں اور هلدؤں میں بہت فرق فی ایس معادلے میں عربوں ترکوں اور هلدؤں میں بہت فرق فی ایس معادلے میں مادیت کو آپیں ہلات اور زیرہ ملتے جائے اور روزمرہ اپنایا ، ساج سلگار پیناوا گہتے اور زیرہ ملتے جائے اور روزمرہ کے مرائز دی بانوں میں انہوں نے هلدؤں بہلوں کا طریقت برتا شروع نیا ، مسامانوں کے شادی بیاہ بالتل هندوں کی هی طرح مول کیا، نسبت هادی مہلدی تیل منتوا برات جاوا کنائی وفرہ کی رسم مہل هلدؤں اور مسلمانوں کے جاوں میں هلدؤں اور مسلمانوں میں صوف ایک فرق رق گیا اور وہ یہ کہ علدؤں میں میں صوف ایک فرق رق گیا اور وہ یہ کہ علدؤں میں میں صوف ایک فرق رق گیا اور وہ یہ کہ عدوں میں میں صوف ایک فرق رق گیا اور وہ یہ کہ عدوں ایک میں میں صوف ایک فرق رق گیا اور وہ یہ کہ عدوں میں میں صوف ایک فرق رق گیا اور وہ یہ کہ حدولیا اور دولیا اور دولیا

गाड़ी अनके सामने से तेजी के साथ निकल गई और नजर से गुम हो गई.

बरफ अब और ज्यावह तेजी के साथ गिर रहा था. उस बरफ में से ही कड़नों के सवाल का जवाब आता हुआ। मालूम पढ़ता था. यह बरफ, यह हवा और यह जवाब पश्चिम की तरफ से लड़ाई के उस मैदान से आ रहा था जहाँ पिरद नाम के गाँव के क़रीब, अंगूर की टट्टियों में, यही बरफ स्रोयान की कृत्र के जपर जमा होता जा रहा था! گلوی اُن کے ساملے سے تیوی کے ساتھ تکل گلی اُور تھو سے گم سو گلی ۔

برف اب اُور ایادہ تیوی کے ساتھ گر رہا تیا ۔ اُس برف میں سے ھی بچھرں کے سوال کا جواب آتا ھوا میلیم ہوتا تھا ۔

یہ برف اُ یہ ھوا اور یہ جواب بچھیم کی طرف سے لوائی کے اُس میدان سے آ رہا تھا جہاں پرت نام کے گلوں کے قریب اُنا کو کہوں میں کہی برف استویاں کی قبر کے آویر جما انا ا

हिन्दुस्तान की कल्चर और इसलाम

डाक्टर सच्यद महमूद

मुसलमानों पर एक इलजाम यह लगाया जाता है कि

कुँ कि वे इसलावर विदेशियों की दैसियत से इस मुल्क में

काये इसलिये वे इस मुल्क के लोगों से विलकुल अलगभलग रहें. यह भी इलजाम लगाया जाता है कि हिन्दू और
मुसलमानों के बीव काई बात मेल की नहीं है इसलिये इस
मुस्क की भलाई बुगई के साथ मुसलमानों का काई मरोकार नहीं है. यह भी कहा जाता है कि हिन्दुस्नान के
मुसलमानों भीर बाहर के मुसलमानों में मब बाते निलती
जुलती और मेन की हैं इस लयं बाहर के मुसलमानों के
साथ यहाँ के मुसलमानों का .खूब निम सकती है, अब
इम देखना चाहिये कि इस मामले में इतिहास क्या रोशनी
कालता है ?

क्रीमां की मिलावट

यह बात सभी कुबूल करेंगे कि थोड़े से लोगों को छोड़-कर कीम के लिहाज से हिन्दुकों और मुसलमानों में कोई, मेद या फर्क नहीं है. शेनों की जिस्मानी बनाबद, गठन, रंग, रूप, चेहरा-मोहरा बिलकुल बकसों है. पुराने इसलावार अरबों तुन्हीं, और ईशनियों का आज हिन्दुस्तान में कहीं पता तक नहीं चलता जिन अरब फीजियों ने मोहम्मद बिन कासिम की जनरैली में सिन्ध के सूबे पर हमला किया था या जिन अरब खानदानों ने सिन्ध पर सैकड़ों बरसों तक हुकूमत की भी, चनका आज नामानिशान तक नहीं मिलता. राजनबी, सोरी, सुराज, तुक और अह सानों के खलाबा बस्त (मध्य)

هندستان کی کلچر اور اِسلام

ن اکثر سود محمود

مسامانہی پر ایک الزام یہ لگایا جاتا ہے کہ چونکہ وہے حمله اور ودیشیوں کی حیثیت ہے اِس ملک میں آئے اِس اِئے وہے ہملک کے لوگوں سے بالکل انگ تیلگ رہے یہ بھی الزام لگایا جاتا ہے کہ مندو اور مسلمانہی کے بیچے کوئی بات میل کی نیس ہے اِس لئے ملک کی بھلائی بوائی کے ساتھ مسلمانہی کا کوئی سروکار نہیں ہے ، یہ بھی کیا جاتا ہے کہ مندستان کے مسلمانوں اور باعر کے مسلمانہی میں سب باتیں ملتی جلتی اور میل کی میں اِس لئے باعر کے مسلمانوں کے ساتھ بھاں کے اسلمانوں کی خوب نبھ سکتی ہے ، آب مییں دیکھنا چامئے کہ مسلمانوں کی خوب نبھ سکتی ہے ، آب مییں دیکھنا چامئے کہ نس معاملے میں اِنہاس کیا روشنی دالتا ہے ؟

اِوموں کی ملاحظ

یه بات سبهی تمول کریں گے که تمورت سے لوگوں کو چمور کو مرکزی بعدہ یا فرق میں کے لتحاظ سے هندوں اورمسلمانوں میں کوئی بعدہ یا فرق بعد ہے۔ دولوں کی جسمانی بنارت گھوں' رنگ' روپ' چموہ برا بانکل یکساں ہے ، برائے حمله آور عربوں ٹرکوں' اور ایرائیوں کا ج هندستان میں پته تک نہیں چلتار جن عرب فوجیوں استحد بی قاسم کی جنوبلی میں ساتھ کے صوبے پر حمله کیا تھا یا بی تھی' اُن کا آج نام و نشان تک نہیں ملتا ہ فولوں؛ روٹ منان' ترک اور انجانستان کے علوہ وسط ر مدمیه)

आफ़सर दक गये और हैरान होकर लड़की की तरफ़ देखने लगे.

ं डनमें से एक अफ़सर ने पूछा:--"तुम्हारा भाई कीन है ?"

रादुलचा ने भवराये हुये जवाब दिया — ',स्तोबान मैया ! हमारा भाई स्तोबान !' रादुलचो को इस बात पर अचरज माजूम होता था कि फीजो बरदी पहने हुये कप्तान यह न जानता हो कि स्तोयान चनका भाई है.

अफ़्सर ने फिर हैरान होकर पूछा:—"कौन स्तोबान १" कीना ने बड़ी हड़ता के साथ जबाब दिया;—"वेतरेन गाँव का रहने बाला स्तोबान !"

अफसर ने अपने साथी से कुछ कहा और फिर कड़े व्यार के साथ कीना से पूछा:—

"क्या तुम्हारा भाई घुड़सवार कीज में है ?"

बेबारी कीना ने बिना इक्क सममे जवाब दे दिया:-

अफ़सर ने कहा: — "बेटी ! वह हमारे साथ नहीं है." दूसरे अफ़सर ने बच्चों से कहा: — "गाँव को लीट जायां, नहीं ता तुम यहीं सरदी में जम जाआंगे."

यह कहकर दोनों अफ़सर आने घोड़े को हरटर लगाते हुये बाक्री सवारों के पीछ-पीछे चल दिये.

कीना अब चिल्ला रही थी. रादुत्त थे। के टपाटप आंस् गिर रहे थे. दोनां के हाथ और पैर सरदी से ठिदुर रहे थे. उनके गाल नीले पड़ गये थे. सामने गाँव का रास्ता साफ़ दिखाई दे रहा था. पर उस पर अब कोई आदमी या आदम-जाद न था. सब अपने-अपने घर चले गये थे. शाम हो गई थी. अँघेरा बढ़ रहा था. ठन्डी हवा और ज्यादह काटसी हुई मालून होती थीं. केवल दूर फासले पर घुइसवारों का बह गिराह एक काले बादल की तरह चला जाता हुआ और गुम होता हुआ नजर आता था. ठन्डी हवा के साथ सवारों के गाने की आवाज भी बच्चों के कानों में पड़ रही थी. कीना और रादुलचे। ने अब अपने गाँव की तरफ लीटना शक्त किया.

रात होती जा रही थी. दोनों ने अपने-अपने हाथ अपने उपहों में छिपा रखे थे. दोनों भीरे-भीरे रोते हुये चन्ने जा रहे थे. उन्हें बार-बार यह खबाल था रहा था कि माँ दरवाजे पर सादी हुई भैया की बाट जोह रही होगी.

पहाड़ी के पीछे की तरफ से एक और गाड़ी आती हुई दिखाई दी जिसमें तीन यांड़े जुते हुये दे.

्र कीना ने फिर चिल्लाकर पृद्धाः—"जनाव ! क्या फीअ के कुछ और सिपाही सभी पीछे सा रहे हैं १" TAN IN OUT

السر رک کله اور حدران هو کر اوکی کی طرف جیهه

أن ميں سے ايک "انسر نے پوچها :--"تمهارا بهائی کون ہے ؟"

رادل چو نے گھرائے هوئے جواب دیا:—"استوبان بھا آ! همارا بھائی استوبان آ'' رادل چو کو اِس بات پر اُچوج معلوم هوتا تها که فوجی وردی بہنے هوئے کپتان یہ تھ جانتا هو که استوبان آن کا بھائی ہے .

افسر نے پھر حیران ہو کر پرچھا۔۔"کرن آسٹویان ؟ " کسھنا نے بڑی درزھٹا کے ساتھ جوآب دیا۔۔۔"ویٹرین گؤں کا رہتے والا آسٹریان !"

انسر نے اپنے ساتھی سے کمچھ کیا اور پھر بڑے پھار کے ساتھ کینا سے پرچھا:--

انسر نے کہا:۔۔۔'بیتی ا رہ ہمارے ساتھ تھیں ہے ،'' دوسرے انسر نے بنچرں سے کہا:۔۔''گؤں کو لوٹ جاؤ' تہیں تو تم یہاں سردی میں جم جاؤ گے ،''

یہ کہہ کر دونوں أفسر أپنے گھوڑوں کو هنڈر لگاتے هوئے باقی سواروں کے یفچے یفچے چال دیئے ،

کینا آب چلا رهی تھی ، رادل چو کے تیاتپ آفسو گو رہے تھے ، دونوں کے هاتم آور پیر سردی سے تھتم رہے تھے ، آبی کے کل نہلے پر گئے تھے ، سامنے گؤں کا راسته صاف دکیائی دیے رہا یہ راس پر آس پر آب کوئی آدمی یا ادم زاد تیا ، سب آبنے آبنے کہر چلے گئے تھے ، شام هو گئی تھی ، آندهیرا بوھ رہا تھا، تھندی موال روزیادہ کتنی هوئی سعلوم هوئی تھی ، کیول دور ناملے پر کورو سازوں کا رہ گروہ ایک کلے بادل کی طوح چلا جاتا ہوا اور گم موتا ہوا دیار آتا تیا ، تینڈی ہوا کے ساتھ سواروں کا رہ گروہ ایک کلے بادل کی طوح چلا جاتا ہوا اور گم موتا ہوا نہی بحورں کے کانوں میں یہ رهی تھی ، کینا اور گاچو نے آب آبنے گئوں کی طرف لوڈنا شروع کیا ،

رات مرتی جا رهی تھی ، درنہں نے اپنے اپنے ہاتے اپنے کھڑوں میں جھیا رکھے تھے ، درنیں دھیں۔ دھیں۔ دھیں ہوئے جا دھی جھیا رکھے تھے ، آنہیں بار بار یہ خیال آرہا تھا کہ ماں دروازے پر کھی ، مرکی بھیا کی بات جوہ رھی ہوگی ،

پہاری کے پیچھے کی طرف سے آیک اور گاری آئی ہوئی دکھائے دی جن میں تین گہرے جائے ہوئے تھے ۔

کینا نے پار جالا کر پوچھائ۔۔"جناب ! کیا نوج کے کچھ آور سیامی آبھی پیجھے آ رہے میں !'' हुई थी. दो सिपाही उन्हें मोड़ पर चाते दिम्बाई दिये. दोनों के ऊपर काफी बरफ जमा हुआ था. बचनों ने उन्हें देखा. स्तायान उनमें नहीं था.

कीना ने उन सिपाहियों से पूझाः—"क्यों जी ! क्या कीन इधर की का रही है ?"

उनमें से एक ने जवाब दिया—"ऐ लड़की, हमें नहीं मालूम. तुम किसके इन्तजार में खड़ी हो ?"

रादुलचो ने जवाब दिया•—"अपने भाई के इन्तजार में !" सिपाही थके हुये थे. वे श्रागे बढ़ गये.

कीना ने फिर दूर तक देखने की कोशिश की. दोनों को सरदी लगने लगी. कीना लड़खड़ाने लगी. रादुलचा को करक्षि लग गई. पर उनके स्तायान मैया आन वाले थे, इसिल्ये वह दोनों मैया का इन्तजार करते रहे. उन्हें यह भी स्थाल था कि अगर वह भैया को अपने साथ घर न ले गये तो माँ उन्हें खाँटेगी और रावेगी.

सामने से एक गाड़ी ऋ। इ. उसमें दो मुसाकिर बैठे हुये थे. दोनां भेड़ की खाल के लम्बे गरम काट पहने हुये थे. उनके सरों पर ऊँकी गरम टोपियाँ थीं. गाड़ी जब दोनों बच्चों के बरावर में ऋ। ई तो कीना घोड़ों के सामने आकर खड़ी हो गई,

उसने गाड़ी में बैठे हुये मुसाकिरों से पूजा:—"जनाव ! क्या उधर से काई कीन आ रही है ?"

मुमाकिरों में से एक ने जनाव दिया:—'ध्यारी लड़की! हमें नहीं मालूम '' मुसाकिर ने ऋपनी दोधी को कुछ ऊँचा करके हैरानी के साथ लड़की को देखा. लड़की सरदी से लाल और नीली हो रही थी.

गाड़ी आगे बढ़ी चली गई.

दोनों बच्चे उसी जगह डटे खड़े रहे, घंटों बीत गये. ठंडी पहाड़ी हवा और जियादह तेज हो गयी और उनके चेहरों पर थपेड़े देने लगी. उनके कादे हवा में उड़ने लगे. घरफ भी नेजी के साथ गिरता रहा. लेकिन दोनों बच्चे वहाँ से न हटे. उनकी आँखें मड़क के मोड़ पर लगी हुई थीं. वह इन्तजार में थे कि काई और आदमी उघर से आता हुआ दिखाई दे.

यकायक कीना का दिल आशा से उन्नलने लगा. कुछ पुक्सवार मोइपर दिखाई दिये जो उन्हीं की तरफ आ रहे थे. सवार बहुत से थे. कीना ने सोचा हो सकता है श्रीया भी इन्हीं में हा. वह टकटकी लगाये उनकी तरफ देखती रही. सवार आगे बदते गए और दोनों बच्चों के सामने से आने लगे. उनके पीछे-पीछे दो अकसर मालूस होते थे. कीना ने हाथ उठाकर उन अफसरों की तरफ इशारा करके रोते हुये कहा:—"कप्तान साहब ! क्या मेरा मैया आ रहा है ?"

ھوٹی تھی دنو سھاھی اُنھیں مور پر آتے دکھاٹی دیئے ۔ دوئوں کے اوپر کانی برف جمع ہوا تھا ۔ بچوں نے انہیں دیکھا ، استویان اُن میں نہیں تھا ۔

کیفا نے اُن مہاھیں اسے پہچھا: ۔۔۔کیوں جی اِ کیا قوج اِنھر کو آرھی ہے 9 ''

اُن میں سے ایک نے جواب دیا۔۔''اے لوکی ہمیں تہیں مطور تم کس کے انتظار میں نہری ہو ؟ ''

رادل چو لے جراب دیا: - ''آینے بھائی کے انتظار میں!'' سھاھی تھنے ھوٹے تھے ۔ وہ آگہ بچھ گئے ۔

کینا نے پھر دور نک دیکھنے کی کوشش کی . دونوں کو سردی لگنے لگی . کینا لوکھوانے لگی . رادلچو کو کھکی لگ گئی . پر اُن کے اسٹویان بھیا آنے والے تھے' اِس لئے وہ دونوں بھیا کا انتظار کرتے رہے ۔ آنھیں یہ بھی خیال تھا کہ آگر وہ بھا کو اپنے ساتھ کیر نہ لے گئے دو میں آنھیں تائیس تائیس تائیس درئے گی .

سامانے سے ایک گاری آئی ، آس میں دو مسافر بیٹھے ہوئے تھے ، تھ ، دونوں پینوز کی کیال کے سبے گرم کوئ پہتے ہوئے تھے ، آن کے سروں پر آونجی گرم قریداں تیدں ، گاری جب دونوں بچوں کے برابر میں آئی تو کینا گھرورں کے سامنے آ کر کھڑی ہو کئی ،

مسائروں میں سے آیگ نے جواب دیا: "رپیاری لڑکی! میں نہیں معارم " مسائر نے آپنی ڈوپی کو کچھ ارتیجا کو کے حیرائی کے سابھ لڑکی او دیکھا ۔ لڑکی سردی سے لال اور نبیلی مورشی تھی ۔

کازی آگے بڑھی چلی گئی .

دونس بچے اُسی جگد دَتم اَہم ہے گیلتوں بیت گئے۔

ٹہادی پہاری ہوا اور زیادہ امر ہو گئی اور آن کے چہروں پو

ٹہادی دیا۔ اگی ۔ اُن کے کہرے ہوا میں اُرٹے لگے ، برف بھی

نیزی کے سانہ کرنا رہا ۔ لیمی دوئوں بچے وہاں سے نہ مقہ ۔

اُن کی آنمیس سرک کے مور پر اگی ہوئی تیس ، وہ انتظار
میں تھے کہ کوئی اور آدمی اُدھر سے آنا ہوا دکھائی دے ،

یکایک کینا کا دل آشا سے آچہانے لگا ۔ کچھ گھورسوار مور پر داھائی دیئے جو انہیں دی طرف آ رھے تھے ۔ سوار بہت سے اھے ۔ کینا نے سوچا ھو سکتا ھے بینا بھی انہیں میں ھوں ۔ وہ نکتی لگائے اُن کی طرف دیکہتی رھی ۔ سوار آگے برھتے نکہ اُور دوئوں بچوں کے سامنے سے جانے لگے ۔ اُن کے پیچھے بینچھے دو افسر ، معارم ھوتے تھے۔ کینا نے ھاتھ اُٹیا کو اُن انسورں بینچھے دو افسر ، معارم ھوتے تھے۔ کینا نے ھاتھ اُٹیا کو اُن انسورں بینچے دو افسر ، معارم ھوتے تھے۔ کینا نے ھاتھ اُٹیا کو اُن انسورں उससे उसने मोम बतियाँ खरीवीं और उन्हें निरके में सब मृतियों के सापने जला-जला कर रख दी.खुरी-खुरी। वह घर लीटी.

रास्ते में वह अपने मन ही मन में बड़बड़ावी जाती थी;—"अच्छा, अच्छा, आज का दिन यह है, कल बड़ा दिन है.....अभी भी वक्त है. ऐ प्रभु ईसा की माँ! मेरा फ़र्र-श्ते जैसा लाल मुक्त तक पहुँचा दो.....ऐ प्रभु ईसा मसीह! मेरे मुरमाए हुए दिल का ज़शी अता करो."

कीना दौड़ती हुई घर में आई और माँ से कहने लगी:— "माँ ! गाँव के कुछ और नौजवान लड़ाई के मैदान से लौट आप हैं."

यूदी तसेना को कुछ गुस्सा सा भा गया. उसने भनमने दिल से जवाब दिया:—"मुक्ते दूसरों के संदेशे ही ला ला कर मत दो, बिक जिस तरह और दूसरी लड़ांकयाँ अपने माहयों से मिलने जा रही हैं तुम'मी जाकर अपने भैया का स्वागत करा."

बालक राबुलचा ने बीच में दख्य दंकर कहा,—',माँ! मैं भी कीना बहन के साथ जाऊँगा."

दोनों बच्चे दौड़ते हुए बरफ से ढ़ भी हुई गली की पार कर गये. वह गाँव के वाहर की बड़ी सड़क तक पहुँच गये और सड़क के उस पार खेतों में जाकर खड़े हो गए.

बूदी तसेना श्रपने दरवाजे के बाहर खड़ी हुई बेटे का इन्तजार करने लगी.

पहाड़ की तरफ़ से ठन्डी सनसनाती हुई हवा चली आ रही थी. पहाडों की चोटियाँ., घाटियाँ और मैदान सब बरफी से सफेद हो रहे थे. बादल चिरे चले आ रहे थे. काले कीवे सड्क के ऊपर पर फड्फड़ा रहेथे या दरक्तों की नंगी शाखों पर बैठे हुए थे. वह सड़क इख़तिमान घाटी तक जाती थी. सङ्क पर जगह-जगह नौजवान लड्कियों, बच्चों और बूढ़ी औरतों के मुन्ह जमा थे. हर मुन्ड किसी न किसी के इन्तजार में था.....सिपाही अभी तक घर लौट रहे थे. काई अकेले-अकेले आ रहे थे और काई कई कई के गिरोह में. कीना और रादुलचो पहले एक गिराह की तरक गए, फिर दूसरे की तरफ, और फिर तीसरे की तरफ और फिर और भागे बद गये, वे चाहते थे कि वे ही स्तीयान को सबसे पहले देखें श्रीर उससे मिलें उन्हें विश्वास था कि वे उसे हुरन्त ही पहचान लेंगे. बरक पड़ना इक्त हैं। गया था और भक्त के गिरते हुए गाले उनकी आँखों के सामने बार-वार पदा सा डाल देते थे.

सड़क पहले ऊपर को जाती थी और फिर पहाड़ी के पीछे एक ही जाती थी. कीना और रादुलची उस पहाड़ा चाटी के अपर पहुंच गए. हवा वहाँ औरभी जियादह तेज और काटती اس سے آس نے مورمتیاں خویدیں اور انہیں کوچے میں سب مررتیوں کے ساملے جلا جلا کو رکو دیں ، خوشی خوشی وہ

كهر لوثي

کینا دورتی ہوئی گھر میں آئی اور ماں سے کہنے کی:-"املی ! گلوں کے کچھ اور نوجوان اوائی کے میدان سے لوگ آئے
ہیں ۔''

ہورہی تسینا کو کچھ عصہ سا آگیا ۔ اُس نے ان منے دل سے جواب دیا: - 'مسجھے دوسروں نے سدیھی می لا لا کو مت مو باکہ جس طرح اور دوسری لوبدان اپنے بہائیوں سے ملنے جا رہی ہوا کا سواگت کوہ '''

بالک رادل چو لے بیپے میں دخل دے کر کھا:--ماں ! میں بھی کینا بین کے ماہ باؤنگا ماہ

دونرں بنچے دورتے ہوئے برف سے تھکی ہوئی گلی دو یار کر گئے ، وہ گاؤں کے باعرتی بڑی سڑک تک پہنچ کئے اور سرک کے ایس بار جہتوں میں جا در کوتے ہو گئے ،

بروعی نسیدا اپنے دررازے کے باہر کوری ہوئی بیٹے کا انتظار کرنے لگی ،

پہاڑ کی طرف سے ٹھندی سندانی ہوا چلی آ رعی تھی ۔
پہاڑوں کی چوٹیاں' گھاٹیاں اور میدان سب برف سے سفید بھو
رھے تھے ، بادل گھرے چلے آ رہے تھے ۔ کالے کوٹے سڑک کے اوپر
پر پھڑ بہڑا رہے تھے یا درختین کی ٹنگی شاخوں پر بیٹھے ہوئے
تھے ، وہ سڑک اختیماں گھاٹی تک جاتی تھی ۔ سڑک پر جگہا
تھے ، وہ سڑک اختیماں گھاٹی تک جاتی تھی ۔ سڑک پر جگہا
تھے ، مو جھنڈ کسی نہ کسی کے انتظار میں تھا۔۔۔سیاھی ابھی
تک گھر اوٹ رہے تھے ، کوٹی اکیلے آئیلے آرھےتھ اور کوٹی نگی دگی
کے گورہ میں ، کینا اور رادل چو پہلے ایک گورہ کی طرف کھا
کے گورہ میں ، کینا اور رادل چو پہلے ایک گورہ کی طرف کھا
کے گورہ میں ، کینا اور رادل چو پہلے ایک گورہ کی طرف کھا
اور اس سے میں انہیں وشواس تھا کہ وہ سب سے پہلے دیکھیں
اور اس سے میں ، انہیں وشواس تھا کہ وہ سب سے دیلے دیکھیں
اور اس سے میں ، انہیں وشواس تھا کہ وہ اسے شرفت ھی پہنچاں
اور اس سے میں ، انہیں وشواس تھا کہ وہ اسے شرفت ھی پہنچاں
اور کی انہوں کے سامنے بار بار پردہ سا قال دیتے نہے ۔

سڑک پہلے اوپر او جاتی تھی اور پھر پہاڑی کے پہچھے کم ھو جانی تھی ۔ ادما اور رادلچو آس پہاڑی کی چرائی پھر پہلچے گئے ، ھوا وھاں اور بھی زیادہ تیز اور کاٹٹی

25

पर विभित्तर को भी स्तोवात की कोई ख़बर नहीं की. इसने जवाब दिया:—"शायद इसे विद्नि की तरफ़ भेजा गया है." माँ की निन्ता देख कर दिभित्तर को भी दुख हुआ. इसने फिर कहा:—"शायद वह कहीं से किसी दूसरे रास्ते से आता होगा." यह कहकर दिभित्तर कुछ सोचने सा लगा.

तसेना ने ठन्डी साँस भरकर कहाः--''दे ईश्वर ! दे प्रभू ! मेरा लाल इस समय कहाँ होगा !''

बहाँ से वह स्तायानका के घर गई. दरताची पर पहुँ-घते ही उसका दिल काँपने लगा. वह सांचने लगी कि शायंद स्तायानका से उसे अपने बेटे का कुछ समाचार मिल सके और यह मालूम हो जाय कि स्तायानका बढ़े दिन के त्योदार तक घर आ जायगा या नहीं. वह स्तायानका से इब्ह खुशख्या सुनना चाहती थी. पर स्तायानका चुप रही. कबल उसकी आँखें लाल दिखाई दीं.

[4]

षाज सारे गाँव में चहल-पहल है. ल है के मैदान से पहली पलटन वापिस का रही है. गाँव वाले उसके स्वागत की तैयारियाँ कर रहे हैं. गली के बीच में तसेना के घर के पास एक दूसरे के कामने सामने दो बिस्त्यां गाड़ी गई. उन होंनों के कपर मेहराब के तौर पर एक हरी शाख मोड़कर बाँध दी गई. इस तरह पलटन के स्वागत के लिए एक फाटक बना दिया गया. लोगों ने चीड़ के दरख़ तों की .खुराबूदार टहनियाँ पहाडों पर से लाकर दोनों बिस्त्यों की गई. राव के कपर लपेट दीं. पास के शहर पाइएशिक से एक तस्ता लाकर उस महराब पर लटका दिया गया. तस्ते पर लिखा हुआ था: — बहादुर सिगाहियों ! स्वागत ! चारों सरफ़ तिरंगे राष्ट्रीय मन्छे लगा दिए गए.

विजया पलटन आई और चली गई.

बेचारी भाँ संाचने लगीः-

"हो सकता है कि मेरा बेटा पीछे आ रहा हो. शायद बह त्यौहार से ठीक एक दिन पहले पहुँचना चाहता है. उसे परदेस में बढ़ा दिन बिताने की क्या जरूरत! अभी तो सिपाही आ ही रहे हैं. एक-एक कर चले आ रहे हैं. शाम कि उसके आने के लिए काफी समय है. उसे मालूम है कि यहाँ घर पर इतने आदनी बेचैनी के साथ उसकी तरफ आँख लगाए बैठे हैं."

[5]

सुबह के वक्त बूढ़ी तसेना बहुत जलदी गिरजा गई. स्नो-बान ने जो जेव बसके पास भेजा था बसे बसने मुना बाला. ور دیمدار کو بھی استریان کی کوئی خبر نمیں تھی ۔ اُس نے جواب دبا:— اشاید اُسه ودن کی طرف بھیں ا گیا ہے ، اُس ماں کی چلتا دیکھ کو دیمیار کو بھی دکھ ہوا ۔ اُس نے بھر کھا ۔ الشاید وہ کہوں سے کسی درسرے راستے سے آدا ہوا ۔ اُس به کر دیمیار تجھ سوچنے سالگا ،

المسينة في المستور المائي المائي

وہاں سے وہ استویانکا کے گور گئی ، دروازے در پہنچتے ہو۔ اس کا دل کانہنے لگا ، وہ سوچئے اکی شاید استویانکا سے آسے آپنے بہتے کا کنچھ سماچار مل سکے آور یہ معلوم ہو جائے که استویانکا برتے دل کے تھودار نک گھر آ جائے گا یا تھیں ، وہ استویانکا سے نتچھ خرص خبری سننا جامای نهیں ، پر استویانکا چپ رہی ، کھول آس کی آنکبیں لال دکھائی دیں ۔

[4]

آج سار۔ گاؤں میں چہل پہل ہے، لوائی کے محال سے پہلی ہاتی واپس آرھی ہے ۔ گاؤں والے اُس کے سواکت کی تھاییاں کو رہے عوں ، گای کے بینچ میں نسینا کے گھر کے پاس ایک موسرہ کے آماء ما اللہ دو اللہ گڑی گئیں ، اُن درفین کے اوپر محراب کے طور پر ایک ھبی شاخ مرو کر بائدہ دی گئی ، اِس طرح ، پئتی کے سواکت کے لئے ایک ، ہاٹک بنا دیا گیا ۔ لوگیں نے چوتر کے درختیں کی حرشبودار نہنیاں بہاؤری پر سے لا کو دونیں بلیوں اور محراب کے آدیر انہنیاں بہاؤری پر سے لا کو بازرجک سے ایک نشتی گئی ، پاس کے شہر بازارجک سے ایک نشتی لاکر اُس صدراب پر لٹکا دیا گیا ، تختے پر لنها ہوا نہ ہے۔ بہادر سہادؤر اسواکت اِ چاروں طرف ٹرنگے رائٹریہ جھتے۔ لگا دیاء گئے ،

وجنی باتن آئی اور جلی گئی . بینچاری دان سوچنه ای:-

[.5]

صمے کے رقت بروھی تسینا بہت جلدی گرجا گئی۔ استریان نے جو لیو اس کے پاس بینجا تیا اسے اُس نے بینا ڈلا۔

7.0.1 Make

फिर एसने वन कैंदियों को मुखाविब करके कहा:— "बेटो । एक मिनट ठहरो."

यह कहकर वह अपने घर दौड़ी हुई गई और एक मिनट के अन्दर एक पीपा राकिया हाथ में लिए हुए लीट आई. उसने सर्विया के उन क़ैदी सिपाहियों से कहा:—"अरा ठहरा, थोड़ा थोड़ा राकिया पी लो." उसने उन्हें राकिया पीने का दी. युलग़ारिया का जो सिपाही उन क़ैदियों को लिये जा रहा था उसने मुसकरा कर सबको उकने की इजाजत दे दी. यके हुये क़ैदी निपाहियों ने राकिया पी और नसेना का बहुत-त्रहुन शुक्तिया अदा किया. राकिया पीकर उनकी सरदी कुछ कम हुई.

चुलरारिया के सिपाही ने यह देग्वकर कि पीपे में कुत्र राकिया बच गई है बड़ी ख़ुशी के साथ उसे अपने मुँह में डाल लिया और बूढ़ी माँ को बहुत-बहुत सलाम किया.

तसेना ने फर हैरान होकरकहाः—''यह सब ईसाई हैं, सब एक ही ईरबर के बन्द हैं.....बह एक दूसरे से लड़ते क्यों हैं ?....."

उसके देखते-देखते बहु जोग बले गए.

[3]

जंग रक गई. मुलह की बात चीत शुरू हो गई.

बड़े दिन का खोहार नजदीक आने लगा. सिपाही लोग छुट्टी ले लेकर घर आने लगे. बेतरेन से गए हुये बहुत से सिपाही भी लौट आये. पर स्तायान अभी नहीं आया. न उसका कोई सन्देश आया. बृदी तसेना को चिन्ता होने लगी. वह घबराने लगी. उसके दिल में दुरे-बुरे ख्याल आने लगे......दिन गुजरते चले गए. तसेना की आँख बराबर द्रवाजे की तरफ लगी रहतीं. न जाने कब स्तायान आवे और दरवाजा खोले.

रंगल स्तोयानांव लड़ाई से लौटकर उससे मिलने आया. दिनकों का बेटा पीटर भी उससे मिलने आया. दोनों भाई स्तामेतली उससे मिलने आये. वह उठकर बाहर जाकर लोगों से पूछती. पर स्तोयान की किसी से कोई ख़बर न मिलती. उन सब ने कुछ दिन पहले स्तायान को देखा था. लेकिन उसके बाद की उन्हें खबर न थी.

बुढ़ी माँ का दिल घत्रराने लगा. उसकी श्राँखों के सामने बार-बार छाँचेरा आ जाता. वह घर के आस-गस चक्कर काटती और बार-बार स्तःयान को बाद करती.

उसकी बेटी कीना द्रावाचे से दौड़ती हुई आई और चिल्ला कर कहने लगाः—''मां! दिमितर चाचा लड़ई से आ गए।"

माँ तुरन्त उठी श्रीर दिमितर के यहाँ गई. दिमितर के यहाँ पहुँचकर उसने कहा:— "दिमितर ! स्वागत ! स्तोयान को तुमने कहाँ छ। दा ?"

پھر اس نے آن قیدیوں کو مغاطب کر کے کیا: ۔ سیٹو آ! ایک مات تھیری''

یه کهه کو وه اپنے گهر دوری هوئی گئی اور ایک مقت کے اندور ایک بینها رائیا هامه میں لئے هوئے لوت آئی ، اُس لے سرویا کے آن قدری میاندوں سے دیا۔ "ذرانجورہ' نهروا اورا اورا یہ لوہ' اُس نے معامی اُن اُس نے معامی اُن کے دی ، بلغاریه کا جو میانی اُن کیدوں کوئئے جا رہا تھا اس نے مسکراکر سب کو رکنے کی لجازت دی ، ته کے هوئے قودی میاندوں نے را کیا پی اُور تسینا کا دیے دی ، ته کے هوئے قودی میاندوں نے را کیا پی اُور تسینا کا یہت بہت شکریم اورا کھا ، رائیا پی کر اُن کی سردی کچھ کے موئی د

باغاریہ کے سواھی نے یہ دیکھ کر تہ یہے میں کنچے راکیا بھے کئی ہے بچی خوشی کے ساتھ اُس نے آپنے منہ میں قال لیا آور پروھی ماں کو بہت بھ سام دیا ،

تسینا نے پور حیران ہو در کہا:۔۔۔ تب عیسائی ہیں' سب ایک ہی ایشور کے بند ۔ ہیں۔۔۔۔یتھ ایک دوسرے سے لوتے کیوں ہیں ؟ ۔۔۔۔''

اُس کے دیکھتے دیکھتے وہ لوگ چلے گے ،

[3]

جلگ رک گئی ، صلح کی بات چیت شروع هو گئی ، برت دن کا نهرمار نزدیک آلے لگا ، سپانی لوگ چیآی لے کو گہر آلے بکے ، بیترین سے گئے موئے بہت سے سپاہی بھی لوگ آئے ، پر ستویان آبھی نہیں آیا ، نه اس کاوئی سندیش آیا ، پوڑھی تسینا کو چیتا ہونے اکی ، وہ گھبرائے اگی ، آس کے دل میں برے برے حیال آنے لگے بس گزرتے چلے گئے ، تسینا کی آنکھیں برابر دروازے می صرف اگی رہتیں ۔ ته جانے کیا استریان آرے اور دروازہ کیائے ۔

رفکل استویانوور ازائی سے اوت کو اس سے ملنے آیا ، دنکو کا بیٹا پیٹر بھی اُسن سے ملنے آیا ، دنکو کا بیٹا پیٹر بھی اُسن سے ملنے آیا ، دونہں بھائی استنا مینائی اُسی سے ملنے آنے ، وہ آئ کو باعر جا کو لوگوں سے پوچھٹی ، پر اُستویان کی دسی سے کرئی خبر نہ ملتی ، اُن سب نے دھچے دن پہلے استویان کو دیکھا تھا ، بیکن اُس کے بعد کی آنھیں خبر نہ تھے ،

ہورہی ماں کا دل گہورائے گا ۔ اُس کی آنکھوں کے ساسئے ہار ہار اندہ فرا آجاتا ، وہ گھر کے اُس پاس چکر کائٹی اُور بار ہار اُسٹونان کو یاد کرتی ۔ ہار اُسٹونان کو یاد کرتی ۔

ماں نرنت اٹھی اور دیمیٹر کے یہاں گئی ، دیمیٹر کے یہاں پہلچ کر اس نے کہا: —''دیمیٹر! سواگت! استویاں کو تم نے کہاں جھرڑا ؟''

त जा रहा था. तसेना उस सत को पदवाने के लिये दौड़कर इसे अपने पुरोहित के पास ले गई.

चिट्ठी यह थी:---

"माँ! में यह चिट्ठी तुन्हें यह बताने के लिये लिख रहा हूँ कि मैं जिन्दा और ख़ैरियत से हूँ. हमने सरिया के लोगों को हरा दिया है. बुलगारिया जिन्दाबाद! मैं अच्छी तरह हूँ. रंगल स्तोयानाव भी अच्छी तरह से हैं. चना दिमितर भी अच्छी तरह से हैं और अपनी माँ का सलाम भेजते हैं. सरिवया के लोग हमेशा एक साथ अपनी बन्दूकें छोड़ते हैं. पर जब हम जवाब में 'हुर्रा!' कहकर बढ़ते हैं तो वे डर जाते हैं. में अपना नया विस्तरवन्द स्त्वेताम के यहाँ भूल आया था, वह वहाँ से मंगा लेना. बच्चे उसे कहीं खराब न कर दें. कल हम डागोमान की घाटियों में से तेजी के साथ निकल जाएँगे. मैं जब घर लौदूँगा तो कीना के लिये निशा शहर से कोई अच्छी सी चीज लेता आऊ गा. तुम्हारे ख़र्च के लिये मैं एक लेव (बुलगारिया का एक सिक्का) भेज रहा हूँ. जब घर आऊ गा तो रादुलचो को बताऊँगा कि तोप के गोले किस तरह आवाज करते हैं.

स्तोयान दोन्ने व

"बूढ़े पीटर को मेरा बहुत बहुत सलाम कहना. मैं उन्हें धरिवया की एक वन्दूक मेजना बाहता था पर इन्तजाम नहीं कर सका. वह लोग बन्दूक तो बहुत दूर से चढाते हैं पर उनका निशाना ठीक नहीं बैटता. माँ! स्तोय!नका को भी मेरा सलाम कहना."

तसेना का दुखी हृदय खिल चठा. चपने बूढ़े हाथों में चिट्ठी लिये वह स्तायानका के घर गई. सब की बड़ी खुशी हुई. पर सबसे जियादह खुशी रादुलची की हुई. वह खुश होकर यह सोचने लगा कि मेरा बड़ा मैया जब घर लीटेगा को युक्ते पक नया गाना सिखायगा.

गली में पहुँचते ही तसेना को लड़ाई के क्रैदियों का एक नया गिराह मिल गया. बुलगारिया का एक स्तियाही उनके पीछे-पीछे था. उस सिपाही की शकल स्तायान से इतनी मिलती हुई थी कि बार-बार तसेना को शक हुआ कि वह स्वायान ही है. पर वह कोई और निकला. तसेना ने फट से बढ़कर उससे पूछना चाहा कि उसे स्तायान की भी कुछ ख़बर है या नहीं. पर मुँह खोलने से पहले उसका ध्यान सरविया के क्रैदियों की तरफ गया. जंग के क्रैदी उसने जीवन में पहली बार देखे थे.

तसेना न उन कै.दयों की तरक देखकर कहा:—'ऐ ईश्वर! क्या यही सर्विया के लोग हैं? खासे ब्रन्छे आदमी हैं......इन बेचारों की माएँ कहाँ होंगी, क्या कहती होंगी? ... उन्हें क्या पता उनके बेटे कहाँ हैं ?" لے جا رہا تیا ۔ تسینا اُس خط کو پوھوالے کے لئے دور کر اُسے اُنے پروھٹ کے پاس لے گئی ۔

چابى يە تېر :--

المس المس یہ چھٹی تمہیں یہ بکائے کے لئے لکھ رہا ہوںکہ میں زندہ اور خدریت سے ہوں ۔ ہم نے سرریا کے لوگوں کو ہرا دیا ہے بلغاریہ زندہ باد! میں اچھی طرح ہوں ۔ رنکل استویائور بھی اچھی طرح سے ہے ہیں اچھی طرح سے ہیں اور اپنی ماں کو سام بھینجتے ہیں ، مرویا کے لوگ ممیشہ ایک مائے اپنی بندوتیں چھرتے ہیں ، پر جب ہم جواب میں ابنا المائی بندوتیں چھرتے ہیں ، پر جب ہم جواب میں ابنا بھرا ا کہہ کر بڑھتے ہیں تو وہ تر جاتے ہیں ، میں ابنا بستر بند تسویکان کے یہاں بھول آیا تھا وہ وہاں سے منکا لینا ، بچے اسے کہیں خواب نه کر دیں ۔ کل ہم تراکومان کی بھے اسے کہیں خواب نه کر دیں ۔ کل ہم تراکومان کی اورٹونکا تو نینا کے لئے نہی شہر سکوئی اچھی سی چھڑ لیتا اونکا ، لوٹونکا تو نینا کے لئے نہی شہر سکوئی اچھی سی چھڑ لیتا اونکا ، نہارے خرچ کے لئے میں ایک لیو (بلغاریه کا ایک سکه) بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنکا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنکا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنکا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنکا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنکا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنگا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنگا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنگا کہ توپ کے بھیجے رہا ہیں ، جب گور آؤنگا تو رادل چو کو بتاؤنگا کہ توپ کے

أستويان دوبريو .

"بروهے پیٹر کو میرا بہت بہت سلم کہفا۔ میں انہمں سرویا کی ایک بلدرق بہیجنا چاہتا تھا یہ انتظام نہیں کر سکا ۔ وہ لوگ بلدرق تو بہت دور سے چلاتے ہیں پر اُن کا نشائم تہیک نہیں بیٹھتا ۔ ماں اِ اُسٹویائکا کو بھی میرا سلم کہنا ۔''

تسیفا کا دکھی هردئے کہل آئیا ۔ آپنے بورھے عاتوں میں چٹھی اللے وہ استریانکا کے گھر گئی ، سب کو بڑی خوشی عوثی ، پر سب سے زیادہ خوشی راداں چو کر عوثی ، وہ خوش هو کو یہ سرچنے لگا که میرا بڑا بیها جب گھر لوئے کا تو معجمے آیک نها گانا سکھادیکا ،

گلی میں پہونچتے ھی تسینا کو لڑائی کے قیدبوں کا ایک نیا گروہ مل کیا ۔ بلغاریہ کا ایک سہاعی اُن کے پھچھے پیچھے نیا گروہ مل کیا ۔ بلغاریہ کا ایک سہاعی اُن کے پھچھے پیچھے بار بار تسینا کو شک ہوا کہ وہ استویان ھی ھے ۔ پر وہ کوئی اُر نالا ، تسینا نے حبت سے بڑھ کو اُس سے پوچپنا جاعا کہ اُس استویان کی بای اُنچہ خبر ھے یا نہیں ۔ پر ملم اپولنے سے پہلے اُس کا دعیان سروا کے دیدروں کی طرف گیا ، جنگ کے بلدی اُس کے جہوں میں بہلے بار دیکھے تھے ۔

تسینا نے ان قیدیوں کی طرف دیکھکر کہا:۔۔۔''لے ایشور ا کیا بھی سرویا کے اوگ ہیں آ خاصہ آجھے ادمی ہیں۔۔۔۔۔ اُن بچاروں کی مائیں کہاں ہوتکی گیا کہتی ہوتکی آ ۔۔۔۔۔۔ آٹھیں کیا پتد اُن کے بیٹے کہاں ہیں آ कपढ़े डठाए. उनके नीचे से उसने एक मामक्सी निकाली भीर घर के छोटे से उपासनाघर के सामने उस बत्ती की जलाकर दुआ माँगनी शुरू की.

ठीक उस समय डूग्गःमान के मैदान में तोपें गोले उगल रही थीं. नवस्वर 1885 की चौथी तारीख़ थी.

[2]

मुद्धिया तसेना ने उस रात को एक सपना देखा:— एक बहुत बड़ा बावल है, और एक फ़ीज उस बादल के अन्दर घुसी चली जा रही है. स्तायान भी उसी फीज में है. तसेना ने सपने ही के अन्दर डरकर कड़ा:—''ऐ माता

मेरी ! पे प्रभु ईसा की माँ ! मेरा जी डरता है !"

बादल गरजा, श्रासमान में बिजली कड़की, धरती हिल गई—जंग की सी हालत मालून हुई. उसी बादल में स्तोयान गुम हो गया. कहाँ चला गया! श्रव क्या होगा!

माँ काँपकर जाग चठी. काठरी में घुर अँधेरा था, बाहर ठन्ढी हवा सन-सन कर रही थी. लड़ाई का नकृशा माँ की आँखों के सामने से फिर रहा था.

माँ ने कहाः—"ऐ ईश्वर ! ऐ प्रभु ! ऐ ईसा मसीह ! उसकी रक्षा करता.....प्रभु ईसा की मां मेरी ! स्तायान पर द्या करना !"

डस के बाद सुबद तक बुढ़िया तमेना को मींद न आहै. सुबह होते ही बह गाँउ क सयाने बूढ़े पीटर के पास गई. डसने पीटर से पूजा — 'चचा पीटर ! सपन में बादल दिखाई देने का क्या मतलब होता है ?"

पीटर ने जवाब दिया:— "बादन दं। तरह के हाते हैं. इक्क बादल वह हाते हैं जो बरसते है और कुछ बादन वह हाते हैं जो बारिश को इधर-उधर छिटका देते हैं. तसेना! तमने सपने में किस तरह का बादल देखा था १'

तसेना ने अपना सपना बयान कर दिया. बूढ़ा पीटर कुछ देर साचता रहा. उसे याद नहीं आ रहा था कि उसकी पाथों में उस तरह के बादन का जिक है या नहीं. पर जब उतन तसेना के चेहर पर उर आर घरराइट देखी और यह देखा को तसेना टिकटिका जगाए उसका आर देख रही है, तो उसने तसेना पर द्या करके कहा:—"त्सेना! फिक मत करा, तुम्हारा सपना अच्छा सपना है. बादल का मतलब यहाँ सन्देश स है. तुम्हें स्तोयान का निष्टा मिलगी."

मुद्रिया का चेर्रा चमक उठा.

हैं दिन के बाद एक वालिन्टियर ने जो स्तीयान का दोस्त या, स्तायान की माँ को स्तायान की एक चिट्ठी लाकर दी-स्तीयान उस समय सरावया के कुछ युद्ध के कैंदियों को کورے الفاق و ان کے تعدید سے آس نے ایک میم بھی اتعالی اور گار کے چھوال سے ایاسا کور کے سامنے اس بھی کو جا کر دعا مانکالی شورع کی ۔

تھیک اس سے ڈراگومان کے میدان میں توہیں گولے اگل پھی نہیں ، نومبر 1885 کی چرتی تاریخ تھی ،

[2]

بروهها تسينا نے اُس رات کو ایک سهنا دیکھا:--

ایک بہت ہوا بادل ہے؛ اور ایک فوج اس بادل کے اتدر گسی چلی جا رہی ہے ، استویان بھی آسی فوج میں ہے ،

قسینا نے سوالے می کے اندر در کر کہا:سدائے مانا مہری ! لے پربھو عیسی کی ماں ! مرزا چی درنا ہے!''

بادل گرجا' آسدان میں بجلی کر کی' دھرتی عل گئی۔۔۔ جاگ کی سی حالت معلوم ھوئی ، آسی بادل میں آستویان گم ھو گیا ، کہیں جلا گیا ! آب کیا ھو گا !

ماں کانپ کر جاگ اثبی، کرتوری میں گیپ اندھیراتھا ۔ باہر ٹیلڈھی ہوا سن سن کر رہی تھی ، لڑائی کا نقشہ ماں کی آٹھوں کے ساماے سے پور رہا تھا ۔

مَان نے کے: ۔۔۔۔''داے ایشور اِ آے پربھوا آے عیسی مسیمے اِ اُس کی رکھا در ا۔۔۔۔۔ پربھو عیسی دی مان میدی اِ اُسٹویان یو دیا کرنا اِ''

أس كے بعد صبح الك اوعيا تسيدًا كو تياد ته أئى .

صمع هوتے سی وہ گؤں کے سدانے بورھے پیڈر کے پاس گئی ، ' اُس نے پیڈر سے دوچہائے۔''چچا ہیڈر! سہنے میں بادل دکیائی دینے کا کیا حطلب هوتا ہے ؟''

پیٹر نے جراب دیا: "ابادل دو طرح کے دوتے میں ۔ کنچھ ادل رہ مرتے میں ۔ کنچھ ادل رہ مرتے میں جو ادار درجہ در اردور ادھر چھٹکا دیتے میں اسلاما اسلام نے سیلے میں کس طرح کا بادل دیکھا تھا لاہ''

تسلیائے آپا سہنا بیان کو دیا۔ بورھا پوٹرکچھ دبرتک سوچتا رہا آھ یاد نہیں آ رہا تھا تھ اس کی پرٹین میں اُس طرح کے دل کا ڈاکر فے یا نہیں ، پر جب اُس نے نسینا کے چھرے پر قر اور گیبراہت دیکھی اور یہ دیکھا کہ تسیدا تحقی لگائے اس کی آور دیکھ رہی ہے نو اُس نے تسینا پر دیا کر کے کا ا

''نسرنا فکر مت کرد' تبهارا سهنا الجها سهنا هے ، بادل کا کا مطلب یہاں سندیش سے هے ، تمهیں استریان کی چتھی ملے گر ۔''ا

بروهها کا چهرا چمک اته .

جُهُ دُن کے بعد ایک والمقیقر نے جو ستویان کا فوسمت تھا استوبان کی ماں دو استوبان کی ایک چھٹی لا کو دیں ، استوبان اس سے سرویا کے کیچہ یدھ کے قیدیوں کو

इनके साथ एक पलटन थी जो हरमानली से आ रही थी. हरमानली में वह तुरकों से लड़ने गई थी. अब वह सो।फया के मैदान पर जा रही थी जहाँ उसे सर विया बालों से लड़ना था.

रँगरूटों को देखकर गाँव बालों की भीड़ में से एक ने कडा:—"बह देखा, जारजी का बेटा स्वेतको जा रहा है! स्वेतको ! ख़ुदा दाफ़िज !"

दूसरे ने कहा:—"वह देखों, रंगल जा रहा है!' तीसरे ने कहा:—"और वह नदलका का बेटा आइवन जा रहा है. आइवन! देखों तुम्हारों माँ खड़ी है!'

जल्दी जल्दी में भीड़ में से कुछ ने कुछ रंगरुटों को फूल दिये. गालों के ऊपर से झाँसू टपकते जाते थे. शब्द आधे मूं इ से निकलते थे और आधे भन्दर ही अन्दर घुटकर रह जाते थे. रंगरुट फीज के साथ आगे बद्ते जाते थे.

इतने में एक लड़की ने चिरुलाकर कहा:—"माँ! यह वेस्रो, भाई जा रहा है!"

भाठ बरस के एक लड़के ने जो चसी लड़की के पास खड़ा था अपने हाब रंगरूटों की तरफ़ बढ़ा कर चिल्लाकर कहा:—"स्तोयान भैया!"

माँ ने रोते रोते कहा : - "मेरे बेटे ! मेरे लाल !"

काली आँखों वाला एक सुन्दर तन्दु दस्त नौ जवान कतार में से बाहर निकल पड़ा. उसने अपनी माँ का हाथ चूमा, अपनी बहन और अपने भाई का माथा चूमा, उनसे लेकर कुछ फूल उसने अपनी छाती में लगा लिये एक और नौ जवान लड़की ने भी उसे कुछ फूल दिये. उन्हें उसने अपने कानी पर रख लिया. फिर जल्दी से दौड़कर बह कतार में जा मिला और सब के साथ गाता हुआ चला गया.

माँ ने दूर से चिल्लाकर कहाः—'मेरे लाल ! खुदा डाफिज !"

यहन ने क़रीव-क़रीब बेहोश होते हुये चीख़कर फहा:—''स्तायान !''

डन सब की आवार्जे गूँज कर रह गई. स्तोयान बाकी सिपाहियों के अंदर नजर से आक्तत हो गया, रँगरूट गहरे कुहरे में दिखाई देने बन्द हो गर.

माँ कुछ देर तक आँखें फाड़ फाड़कर उसी तरफ देखती रही पर अब देखनें को कुछ न था.

नीजवान लड़की ने घपनी चुंदरी का धारीदार पस्ला घपने सर पर डाल लिया.

घर लौटकर स्तायान की माँ बैठी रोती रही. उसने एक पुराना दूटा हुआ सन्दूक खाला. उसमें से कुद्र क्रमीचें और ان کے ساتھ ایک پلان تھی جو ھرمائلی سے آرھی تھی ۔ سرمائلی میں وہ ترنوں سے لولے گئی تھی ۔ آب وہ صوفیا کے میدائی پر جا رھی تھی جہاں اساسرویا والوں سے لوفا تھا ۔

رنگروٹوں کو دیکھ کو گؤٹ والوں کی بھیچ میں سے ایک نے کہائے۔ کہائے۔ دیکھو' جارجی کا برقا سوئیتکو جا رہا گے 1 سوئیتکو ا خدا حانظ 14

دوسرے نے کہا:--"رہ دیکھو" راکل جا رہا ہے ! ا

تیسرے نے کہا: ۔۔۔''آور وہ نداکا کا بیٹا آئیوں جا رہا ہے۔ آئیوں اِ دیکھو تمھاری ماں توزی ہے اِ''

جلدی جلدی میں بھیڑ میں سے اجھ نے نجھ رنکاروٹوں کو پھول دیئے ۔ گاہل کے اوپر سے آنسو ٹیعتہ جاتے تھی ۔ شبد آدھ منه سے نعلنے سے اور آدھے اندر بھی اندر کہت اور وہ چاتے تھے ۔ رنگاروت فوج کے ساتھ آگے بڑھتے جاتے تھے ۔

اِتلے میں ایک لوکی نے چلاکر کہا:۔۔۔ دماں اید دیکھو بہائی ہا رہا ہے اِ¹

آٹھ برس کے ایک لوکے نے جو اسی لڑکی کے پاس کھڑا تھا اپنے ھانھ رتاروائوں کی طرف بڑھا کو چلا کو فہا: --- استویال بھیا ل⁴³

ماں نے روتے روتے کہاہ۔۔۔''مدرے بیٹے ! میرے لال !''
کالی آنکھوں والا ایک سندر تدرست نوجوان قطار میں سے
پاہر نکل پڑا۔ اُس نے اپنی ماں کا ہانھ چوما' اپنی بھی اور اپنے
بہائی کا مانیا چوما' اُن سے لے کر کجھ پھول اُس نے اپنی
چھائی میں لگائے ، ایک اور نوجوان اُڑکی نے بھی اُسے کچھ بھول
دیٹے ، انہیں اُس نے اپنے کانوں پر راہ لیا ، پھر جلدی سے دور
کو وہ قطار میں جا ۔ لا اُور سب کے سانہ گانا ہوا چلا گیا ،

ماں نے دور سے چلا کر کھا۔۔۔''مھرے لال ! خدا ھافظ إ''

بہن لے فریب قریب بھورش ھوتے ھوٹے چھنے کر کہا:—
الستویان ! ''

اُن سب کی آوازیں گونیج کر رہ کئیں ۔ استویاں بادی سیاھیوں کے اندر نظر سے اوجہل ہو گیا ، رنگروٹ گھرے گھرے میں دکیاتی دیتے بند ہو گئے ،

ماں کچھ دیر تک آنکھیں بھاتے بہار کر اُسی طرف دیکھتی رهی پر آب دیکھلے کو کچھ تھ تھا ۔

نوجواں لوکی نے اپنی چندری کا دھاریداریاء اپنے سر پر قال لیا ۔

گھر اونٹ تر اسٹویان کی ماں بیٹھی روٹی ُرھی۔ اُس نے ایک پرانا ٹوٹا ہوا صندوق کھوٹی اس میں سے کچھ ُ تمیفیں اور

क्या वह घर आ रहा है ?

भी आइवन वाजीव

[1]

सन् 1885 की बात है, नवण्डर की जीधी तारीख़ थी. इंग जारी थी. डागोमान के मैदान में तापें गाले उगल रही थीं.

बस्पारिया के बेतरेन गाँव में कुहरा छाया हुचा था. बारों तरफ नमी थी, हल्की-हल्की बारिश हो रही थी, गाँव के को पड़े, अलूम होताथा, दबे जा रहे हैं. गलियों में की वड़ थी. फिर भी लाग जगह-जगह जमा थे और कुझ विन्ता के साथ बातें कर रहे थे.

गाँव के अन्दर दो छोटी छोटी सराएँ एक दूसरे के आमने सामने थीं. दोनों के बीच की सड़क पर से बैलों के इकड़े और देहाती घोड़ेगाड़ियाँ कीजी रसर के सामान से जदी हुई चूँ चूँ करती चली जा रही थीं.

डन्हीं छकड़ों और गाड़ियों के बीच बीच से नए .फौजी रंगक्ट जा रहे थे. उनमें से कुछ लम्बे-लम्बे फौजी श्रोवरकाट पहने हुए थे. कुछ भेड़ की खाल के काट पहने हुए थे. बहुत से अपने मोटे मोटे कम्बलों की पिछौरियाँ बनाकर उनसे अपनी सरकी दूर कर रहे थे. पैरों मे ऊँचे ऊँचे जूते थे. कम्धों पर बन्दूके रखी थीं, जिनके नीचे कारतूसे लटक रही थीं. बन्दूकों के पीछे बाले सिरे से थैले लटक रहे थे. थैलों में काफी सामान था. सड़क पर खुटनों घुटनों कीचड़ थी. सरदी काफी थी. बीच बीच मे श्रोले भी पढ़ रहे थे. किर मी यह सब रंगक्ट हाँ सते गाते चले जा रहे थे.

एक सराय के दरवाजें पर कुछ किसान, कुछ मुमाकिर भीर कुछ फीजी अफ़सर खड़े हुए इन नीजवान रंगरूटों को स्थान से देख रहे थे.

एक तरफ गाँव की कुछ औरतें, कुछ लड़कियां भीर कुछ बच्चे भी खड़े थे. इनमें से अधिकतर चीयड़े खपेटे इय सरदी, से ठिठुर रहे थे. उनके चेहरों पर खून की लाली कलक रही थी.

यह लोग इसिजिये खड़े थे कि जो नी जवान रंगरूट उनके गाँव से भरती होकर जा रहे थे उन्हें आख़री विदाई दें.

यह सब रॅंगरूट सोकिया आ रहे थे.

کیا وہ گھر آ رھا ھے ?

شرى أئيون وأزود

[1]

سن 1885 کی بات ہے . تومبر کی چوٹھی تاریخے تھی ، جنگ جاری تھی . تراگومان کے میدان میں توپیس گواء آگل رہے تھیں ،

بلغاریہ کے ریٹریری گؤں میں کہرا چھایا ہوا تھا ، چاروں طرف ٹمی تھی ، گؤں کے جھوٹی کے جھوٹی کے جھوٹی کے جھوٹی کے حقوق مقلوں میں کیچچ تھی ، پھر بھی لوگ جکہہ جکہ جمع تھے اور کچھ چنکا کے ساتھ باتیں کر رہے تھے ،

گاؤں کے اُتدر دو چھوٹی چھوٹی سرائیں ایک دوسرے کے آمنے سامنے تھیں ، دونیں کے بدیج کی سرک پر سے بدارں کے جھترے اور دیہاتی گھوڑے گازیاں فوجی رسد کے سامان سے لدی ھوٹی چوں چوں کرتی جلی جا رھی تھیں ،

أنهاں چاکورل اور گریوں کے بدیج بیج سے اپنے توجی رکاوری جا رہے تھے ، أن میں سے کچھ لمبھ لمبھ قوجی اور کوئی پہلے هوئے تھے ، ان میں سے کچھ لمبھ لمبھ قوجی اور کوئی پہلے هوئے تھے ، مورد کو رہے تھے ، پھروں میں اونچے اولیچ جوتے تھے ، کدهوں پر بندوتیں وکی تھیں جن کے نیچے کارتیمیں لتک رہی تھیں ، بادوتوں کے پلچھے والے سوے سے تھالے للک رہے تھے ، تھیاں ، بادوتوں کی پلچھے والے سوے سے تھالے للک رہے تھے ، تھیاں ، بادوتوں کائی سامان تھا ۔ سوک پر گیتانوں کیٹنوں کیچو تھے ، میں اولیہ بھی دو رہے تھے ، بھر بھی یہ میں اولیہ بھی دو رہے تھے ، میں اولیہ بھی دو رہے تھے ، میں اولیہ بھی دو رہے تھے ، بھر بھی یہ میں اولیہ بھی دو رہے تھے ، بھر بھی یہ میں اولیہ بھی دو رہے تھے ،

ایک سرائے کے دروازے پر کنچھ اسان کنچھ مساقر اور کنچھ فوجی اسر نوزے هوئے اِن نوجوان رنگروڈوں کو دهیاں سے دیکم رقم تھے ،

ایک طرف گاڑں کی کچے عررتیں' کچے ترکیاں آرر کچے بنچے
بھی کوڑے تھے ۔ اِن میں سے ادمک تر چیتوڑے اپیٹے مرثے
سردی سے ٹیٹور رقے تھے ۔ اُن کے چوروں پر خون کی لالی جھلک

رسی الی ا یه اوگ اس اللہ کورے تھے کہ جو نوجوان رنگروٹ اُن کے گؤں سے بورتی ہو کر جا رقم تھے انہیں آخری بدائی دیں ،

یه سب رنگروب مونها چا رهه تهه .

कौमी एकता को क्षायम किया था उसकी बुनियादें अभी काफी मजबूत न हो पाई थीं. सदियों की कमजोरियाँ एक पीढ़ी के अन्दर इतनी आसानी से नहीं मिट सकतीं. सदियों की पुरानी दुशमनियाँ भी अभी कहीं कहीं दिलों में पड़ी सलग रही थीं. जिन बदुद क्रवीलों को सिद्यों से एक तरह की मनमानी करने की अन्दत पढ़ गई थी, जो किसी मरकजी ताकत (केन्द्रीय शक्ति) के अधीन होकर रहना. या किसी को टैक्स देना जानते ही न थे, इन सब के दिलों में फायदेमन्द सामाजिक श्रीर राष्ट्रीय बन्धनों की क़द्र अभी पूरी तरह न जमी थी. इसके अलावा इस तरह के खुद्रारज धौर मीकापरस्त लोगों की भी किसी देश या किसी जमाने में पूरी तरह कमी नहीं होती जो अपने चन्द-रोजा फायदों के लिए अपने देश के हितों के खिलाफ ग़ैरों की साजिशों में मददगार हो सकें।

ہمی ایکٹا کو قایم کیا تھا اُس کی بنیادیں اُسے کانی مضبوط نہ هو ائیں تھیں ، صدیوں کی کمووریاں ایک یدوھی کے اقدر اتنی آسانی ے نہیں مت سکتیں ، صدیرں کی چرانی دشملیاں بھی ابھی ميں کييں داوں ميں يوپ سلک رهيں تهيں ، جن بدو بھارں کو صدیوں سے ایک طوح کی میں مانی کرنے کی عادت و گئی تھی جو کسی مرکزی طاقت (کیندریه شکتی) کے وهین هو کو رهنا کا کسی کو تیکس دینا جانتے هی ته لهے ا ں سب کے داہر میں قائدے مند ساکجک اور راشتی ہادھنوں ی قدر ابھی بوری طرح نه جسی تهی . اِس کے عالوہ اِس ارے کے خودفرض اور موقع پرست لوکوں کی بھی کسی دیش ا کسی زمالے میں پوری طرح کسی نہیں ہوتی جو اپنے چند رووہ اندوں کے الے آینے دیعی کے مترں کے خلاف فیروں کی سارشوں ین مردگار هو سکین .

चिको अगले नम्बर में]

[باني اگلے نمبر سال].

700 PAGES.

"CHINA TODAY"

PRICE

82 ILLUSTRATIONS COLOURED MAPS

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 7. 50.

A vivid narration of the gloricus and wounderful achievements of New China ... A picture of China which is both convincing and authentic, the best book that has come out so far on New China i. the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment. -National Herald, Lucknow.

Highly informative ... throws vivid light on conditions obtaining to that country ... a book which deserve to be wide'y known.

Encyclopaedic...characterized by acute observation of detail as well as by. .instinctive grasp of thes fundamental perspective ... To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it -Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China rew and old...makes fascinating reading... is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs. -Indian Express, Madras

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to the lighty mighty endeavour of the Chinese People to rebuild theirgreat nation on firm new foundations er a tomorrow which is theirs. —Vigil, Delhi

व्यरं की कल्बर, सभ्यता और इसलाम

[3]

उत्तर के बहुत से अरब सूबे अभी तक रोभी सस्तनत के हिस्से बने हुये थे. इन सूबी के बारबों में इसलाम का प्रचार करने के लिये मोहम्मद साहब सैकड़ों प्रचारक भेज चके थे. रोम के ईसाई बादशाहों की नीति में उस समय मजहबी आजादी की गुंजाइरा न थी. राम के उस समय के अत्याचारों श्रीर वहाँ की प्रजा की हालत का जिक्र हम एक दूसरी जगह करेंगे. वहाँ के जिल अरबों ने नया धर्म कृष्ल किया उन्हें रोमी शासकों ने मौत का सजा देनी शह की. मोहम्मद साहब के भेजे हुये प्वासी प्रचारकी को उन्होंने करल करवा दिया. बहाँ के ज्यादातर अरबों में इससे नए राष्ट्रीय धर्म के साथ प्रेम और ज्यादा बढा. बहुतन्ते अरब क्रवीलों ने, जो पहले ईसाई इत्यादि थे, बखुशी इसलाम क्रुबुल कर लिया श्रीर रोमी साम्राज्य की श्रधी-नता छोड़कर मदीने की नई राष्ट्रीय सरकार के साथ अपना सम्बन्ध जोड़ लिया. इसी प्रकार अनेक इंसाई घरब क्रवीलों ने भी रोम से अपना तास्लुक तोड़कर मदीने की श्ररब सरकार के साथ जोड़ना चाहा, मदीने की क्रीमी सरकार श्रीर रोमी शहन्शा(इयत के बाच युद्ध श्रनिवार्य (लाजमी) था. मुहम्मद् साहब ही के समय में युद्ध छिड़ जुका था बास्तव में यह युद्ध श्ररशं की ध र्मिक श्रीर राजनैतिक स्वाधीनता का युद्ध था और उसे जीवित रखने के लिए अरबों में राष्ट्रीय एकता की भावना भी काकी पैदा हो चुकी थी.

मीत से कुछ दिन पहले भोहम्मद साहब न रोमी साम्राज्य के मुकाबले के लिये शाम की सरहद पर नई कीन मेजने का फै,सला कर जिया था. फीन मदीने से बाहर मैदान में पहुँच चुकी थी. मोहम्मद साहब अपने हाथों से फीन की कमाएडरी का फएडा नीजवान खोसामा के हाथों में सींर चुके थे. किन्तु मोहम्मद साहब की मौत के कारण इस फीन का जाना क 6 गया था.

खलीफा होने के दूसरे ही दिन अबुबक ने फिर से फ़ीज की कमानदारी का करडा आसामा के हाथों में देकर इसे फ़ीरन उत्तर की ओर बढ़ने का हुक्म दिया.

वधर राम के चालाक हाकिमों ने भी माहम्मद साहब की मौत से पूरा फायदा चठाने की काशिश की. पूरे अरब में, और खासकर उन सूबों में जो इससे पहले राम या रिरान के मातहत रह चुके थे, मदीने की नई सरकार के खिलांक साजिशों का एक जाल बिक्रा दिया गया. चारी मार से बग्रावतों की ख़बरें खाने लगां, यहाँ तक कि पैराम-वर्ग के कई नए दाबेदार खड़े हां गए।

 32 बरस की कठिन सपस्या और कुर्वानियों के जिस्से भेड्स्मद साहब ने खला धला क्रवीलों की जगह जिस [3]

الو کے بہت سے عرب صوبے ابھی نک رومی سلطات کے حصہ بنے دونہ تھے ، اِن صوروں کے عربوں میں اِسلم کا درجار کرنے کے ائے معمد ماهب سيكروں زرچارك يهيم چكے تھے ، ورم كے عیسائی بادشاعوں کی نیتی میں اس سے مذہبی آزادی کی گنجانی نع نهی ، روم کے اس سم کے اتباچاروں اور وہاں کی، پرجا کی حالت کا ذار هم ایک دوسری جکه ترین گی وهاں نے جن عربوں نے نیا دعوم قبول کیا اُنہیں رومی شاستوں نے موت کی سزا دینی شروع کی ، محمد صاحب کے بھیجے ہوئے پنچاسوں پرچارئوں کو انہوں نے فائل کروا دیا، وهاں کے زیادہ تو عریوں میں اِس سے نئے رشاری دعرم کے ساتھ پریم اور وہادہ بڑھا۔ بہت سے عرب تبدارں نے جو عیسائی انداسی تیے بخوشی اِسلم قبول اور اروسی سامراج دی ادعیانتا چهور کر مدیقے دی نگی راشگریه سرکار کے سابھ ایک سمجادہ حور لیا ، اِس درکار الیک عیسائی عرب فییلوں نے بھی روم سے اینا تماق تہو کو مدیدے کی عرب سرکار کے ساتھ جوزنا چاھا ۔ مدینےکی فرسی سرکار رومی شرنشاهوت کے بولے یدھ انہواریہ (ازمی) تھا، محمد صاحب عي کے سے ميں يده چہر چکا بها ، واستو ميں يع يدھ عربوں کی دهارمک اور راجمهتک سوادهینتا کا یده نها اور اسم جهوت ربهنم کے لئے عربوں میں راشتریہ ایکٹا دی بھاؤنا بھی کافی بھدا

موت سے کنچھ دن پہلے صحمد صاحب لے روسی سامراجھ کے مقابلے نے لئے شام کی سدهد پر نئی فوج بھیجنے کا دیصلہ او لیا بھا ، فوج حدیثے سے باعر حیدان میں پہنچ چکی تھی ، محمد صاحب اپنے ھانہوں سے فوج کی کمانڈوس کا جھنڈا فوجوان عوثامہ کے ماتھوں میں سونپ چکے تھے ، دناو محمد صاحب کی موت کے کارن اِس فوج کا جانا رک گیا تھا ،

حلیف ہونے کے دوسرے ہے دین آبوبکر نے پھر سے فرج کی کمانداری کا جہندا عرقامہ کے ھانھوں میں دیے کو آسے فوراً آتر کی اور بڑھنے کا حکم دیا۔

ادھر روم کے چالات حاکموں نے بھی محصد صاحب کی موت سے پورا نائدہ آٹیانے کی کوشش کی ، پورے عرب میں' آور خاص کر آن صوبوں سفن' جو اس سے پہلے روم یا آیران کے ماتحت رہ چکے تھا مدیاء کی نئی سرکار کے خلاف سازشوں کا ایک جال بچھا دیا گیا ۔ چاروں اور سے بغارتوں کی خبریں آنے لکیں' یہاں تک که پیغمری کے کئی نئے فعوددار کیوے هو کئے ،

23 برس کی کابن تیسیا اور قربانیس کے ڈریمے سعمد صاحب نے انگ انگ قبیلس کی جکہ جس चान्नक सोहम्मद साहब के सबस् शुक्र के चानुवाईयाँ और बहुत बड़े भक्तों में से थे. माहश्मद साहब की प्यारी बीबीआयशा के वह पिता थे. इसलाम कुबूल करने के पहले वह धरंथ के एक बहुत बड़े धनी सीदागर के. इसलाम कुबूल करने के बाद उन्होंने अपनी सारी जायदाद इसलाम के प्रचार, मुसलमानों की ख़िदमत और उन मुसलमान गुलामों को खरीद खरीद कर आजाद कर देने में खर्च कर देंगे थी जिन्हें उनके, पुराना मजहब मानने बाले आका उनके मुसलमान हो जाने के सबब तकलीफें पहुँचाया करते थे.15 अपने त्याग, अपनी ईश्वर भक्ति, अपनी दूरन्देशी, अपनी कावलीयत और अपने खलन की पाक्रीजगी के सबब अब्बूबक अपने सब साथियों के आदर के पात्र थे. कुछ इतिहासकारों के मुताबिक मोडम्मद साहब के बाद अरब और इसलाम के इक्त में इससे बेहतर जुनाव न हो सकता था.

जिस दिन मोहम्मद् साहब का शरीर घरती को सौंपा गया उसी दिन भरीने की आलीशान ममजिद में जो मुसलमान जमा हुए उन्हें न । ज पदाने के लिये अबूबक मिम्बर पर पहुंचे, मुमलमानों की जमाधात को नमाज पदाना इसलाम के इतिहास में हमेशा रहनुमाई की निशानी समभी गई दै. नमाज से पहले मौजूद लोगों ने एक आवाज से अबूबक को 'खलीका' मानना मंजूर किया, अबूबक ने खाई होकर यह सीधी सादी तक्षरीर की—

"धे लोगो ! मैं तुम सबसे बेहतर आदमी नहीं हूँ, फिर भी अब मैं तम्हारे जगर हाकिम हूँ. भगर मैं भगई करूँ तो मेरी मदद करना और अगर बुराई करू तो मेरी बुराई बता देना. हमेरा सच के पीछे चलना. यही बकादारी है. मूठ से बचना क्योंक उसमें द्या है. तुममें से जो कम-जोर और दुखी है वह उस वक्त तक मेरे जिये ताक्रतवर होगा जब तक कि मैं चसके दुखों को दूर न कर सकूँ; श्रीर तुममें जो बलवान श्रीर जालिम है वह उस वक्त तक मेरे लिए कमजोर होगा जब तक कि, यदि मल्लाह ने चाहा तो, मैं उससे वह सब न ले लूँ जो उसने अत्याचार द्वारा दूसरे से जिया है. अल्जाह की राह में कोशिश करना न छोड़ना. जो जुल्म करेगा उसे बेराक अल्लाह नीचा दिखायेगा. जब तक मैं अस्लाइ और उसके रसूल की हिदायतों के मुताबिक चलूँ तुम भी मेरा हुक्म मानना धीर जहाँ कहीं में उनकी हिदायतों पर अभल न करू तम मेरा हक्म न मानना. अब नमाज के लिये उठ खड़े हो, भएजाह तुम्हारे साथ है."

अयूबक की उम्र इस बक्त साठ बरस की थे.

ابوبکر محمد صاحب کے سب کے شوقے الہوبکٹوں میں سے تھ ہ محمد محمد صاحب کی بیاری بیوی عائشہ کے وہ پتا تھ ۔ اسلم قبول کرنے کے پہلے وہ عرب کے ایک بہت بڑے دھئی سوداگر تھے ، اسلم قبول کرنے کے پہلے وہ عرب کے ایک بہت بڑے دھئی حائداد اسلم کے پرچارہ مسلمانوں کی خدمت اور اُن مسلمان خلاموں کو خرید خریدکر آزاد کر دیئے میں خرچکر دی تھی جلهیں اُن کے پران مذھب ماندا والے آفا ان کے مسلمان ہو جائے کے سبب سے لمکایفیں پہنچایا کرتے تھے ۔ 15 اپنے نیاگ اپنی ایشور بہتی اپنی دوراندیشی اپنی داہدت اور اپنے چلی کی پائیؤگی بہتی اُولی دوراندیشی اپنی داہدت اور اپنے چلی کی پائیؤگی انہا محمد صاحب کے بعد عرب اور اسلام کے دی میں اس سے بہتر چناہے تہ بعو سکتا تھا ،

جس دن محدد صاحب کا شریر دهرتی کو سوپلا گیا آسی دن مدیلے کی عالیشان مستجد میں جو مسلمان جمع هوئے انہیں نماز پڑھائے کے ایئے ابوبکر ممبر پر پہنتچے ، مسلمانوں کی جماعت کو نماز پڑھانا اسلام کے انہاس میں همدشتر منمائی کی نشائی سمنجھی گئی ہے ، نماز سے پہلے موجود لوگوں نے ایک آواز سے ابریکر کو 'خلیفہ' مائنا منظور کیا ، ابوبکر نے کھڑے ہو کر یہ سیدھی سادی تقریر کی۔۔

''الے لوگو ا میں تم سب سے بہتر آدسی نہیں ہیں' پھر بہی آپ میں تمیارے اور حام ھوں ، اگر میں بیالائی کووں نو میری مدد کونا اور اگر برانی کووں تو میری برائی بتا دینا ، ممیشہ سچ کے پرچھے چلنا، یہی رفاداری گے ، جهوت سے بحینا کرونکہ اُس میں دفا گے ، تم میں سے جو کمزہر اور دائی ہے وہ اس وقت بک میں دفا گے ماقتور ہوگا جب تگ کہ میں اُس کے داہوں کو دور نہ کو سکوں' اور تم میں جو بلواں اور ظالم ہے وہ اُس وقت تک میرے لئے کمزور ہوگا جب تک کہ میں اُس کے لئے جاتا تہ' میں اُس سے و سب نہ لے لوں جو اُس نے انداچار کو دارا دوسرے سلما ہے اللہ کی راۃ میں کوشش کونا نہ چھرو نالے دوارا دوسرے سلما اللہ بیشک نیچا دائیائے گا ، جب تک میں اللہ اور ایس کے رسول کی ہدایتیں کے مطابق چلیں تم بھی میرا کہا ہے اور جہاں کہیں میں اُس کی ہدائتیں پر عمل نہ حکم مانہا اور جہاں کہیں میں اُن کی ہدائتیں پر عمل نہ کوں تم میرا حکم نہ مانہا ، اب نہ نے کے لئے آٹھ کھڑے ہو ۔ اللہ تمانہ ساتھ ہے ،

ابوبکر کی عمر اُس رقت سالهه برس کی تھی۔

^{15,} Preaching of Islam, T. W. Arnold, p. 10.

के पास इस सब को लीटकर जाना है. जगर वे सब लोग इसलाम कुबूल कर लें तब चनसे वे तीनों छड़ियों मांगना जिनकी वे पूजा करते हैं. इनमें एक तमरिश्क की है जिस पर सफेब् और पीली चित्तियां हैं. दूसरी चेन की तग्ह गिरहदार है और तीसरी आवनूम की तरह काली है. इन तीनों छड़ियों को बाहर मैदान में लाकर जला डालना."

भयारा लिखता है कि उसने पैशम्बर की आज्ञा का ठीक ठीक पालन किया. शान्ति श्रीर विनय के साथ अपने धर्म का प्रचार किया श्रीर कुछ दिनों में ही यमन के सब होगों ने नया मजहब कुबूल कर लिया.

शुरू के दिनों में अनेक प्रचारकों के नाकामगाव रहने, प्रसीवतें फेलने और मारे जाने का भी जिक आता है, तेकिन जिस अधिक पाक और अधिक सरल धार्मिक वेश्वास को और जिस ऊँचे सामाजिक संगठन को इसलाम । अरवों में पैदा किया उसकी कह लोगों के दिलों में । इती चली गई, भीरे भीरे मोहम्मद् साहव की जिन्दगी, में ही करीब करीब सब अरब कवीलों ने नए मजहब को , कुबून हर लिया. मदीने की बढ़ती हुई कौमी ताकत और उमा के जाथ साथ अलग अलग कवीलों की धीरे धीरे टूटती हुई । हित ने भी इसलाम के प्रचार में बहुत बड़ी मदद दी.

[2]

मोहन्मद साहब एक मामूली रारीब घर में पैदा हुए ा. अपनी मौत से पहले वे समुचे अरब के बादशाह थे. नकी बादशाहत संसार में एक अनोखी और नए ढक्क की विशाहत थी. अरब में नए मजहब की उन्होंने बुनियाद ली और अस्ताह के रसूत की उन्हें पदवी मिली, इस दशाहत को न उन्होंने अपने पूर्व तो या बुजुर्ग से हासिल ज्या था और न इसे अपने स्नानदान में जारी रम्बने का जनका विचार था। उनका देहान्त होते ही लोगों को इस त की किक हुई कि मुसलमानों की रहनुवाई और अरव । नई क़ौमी सरकार को धलाने के लिये अब क्या तजाम किया जाय १ दूसरा रसूले खुदा तो कोई हो न इता था लेकिन मदीने की गई। के लिये भाहरभद साहब बारिस चुना जाना भी जरूरी थां. कुछ सलाह-शबिरे के बाद, जिसकी तफ़ मील में जाना हमारे लिये हरी नहीं है. मदीने के खास खाम लोगों ने जमा दोकर. नमें अनसार और मुहाजिर दोनो शामिल ये, एक सय भ्राबुचक की मांहरमद साहब का बारिस चुना श्रीर 'लीफत्र रसूल' यानी रसूल कं खजीका (प्रतिनिवि) की संयत से अब्बक ने अरवों की इस नई कौमी ताक़त बाग द्वार अपने हाथों में ली.

کے پلیس ہم سسیکو آرفتگور جاتا ہے؛ اگر وسیسی لوگ آسام قبول کورلین ہوا ہوئے اسام قبول کورلین ہوئے اسام قبول کورلین ہوئے اسام قبول کورلین ہوئے اور سفید اور پہلی جتیاں ہیں ، دوسری بیت کی طرح کرددار ہے اور تیسری آبنوس کی طرح کرددار ہے اور تیسری آبنوس کی طرح کردار ہے اور تیسری البوس کی طرح کالی ہے ۔ اِن تینوں جہویوں کو بلغر میدان میں لائر جلا تالنا ،"

عیاهم الکہنا ہے کہ اس نے دیدمر کی اگیاں کا ڈھیک، پالن کیا ، شائعی اور ونیٹے کے ساتھ اپنے دھرم کا پرچار کیا اور کنچے دنوں میں ھی یمن کے سب اوگوں نے نیا سڈھب قبول کو لیا ،

شروع کے دنوں میں انیک پرچاردوں کے تاکامیری رهنے و مصیبتیں جھائم اور مارے جانے کا بھی ذار آنا ہے الهجی جس اصعیبتیں جھائم اور ادعک سرال درار کک وشواس دو اور جس اوسیے ساماجک سنتھیں کو اسلام نے عربوں میں یفدا کیا اس کی قدر لوگوں کے داوں میں برعتی چلی گئی ، دهیو میھیرے محمد صاحب کی زندگی میں بی قریب قریب سبورب قبیلوں نے نئے مذہب کو قبول کر لیا ، مدینے کی برعتی ہوئی قرمی طاقت اور اسی کے سانے ساتے انگ ایک فبیلوں کی دھیرے دهیورے درائمی فرنی سکھتی نے بھی اِسلام کے پرچار میں دھیرے مدد دی ،

[2]

معدد صاحب أيك معمولي غريب كهر سين يددأ هوله تهده أيلى موت سے بہلے وسے سموجے عرب كے بادشاہ تھے ، أن كى بانشاهت منساره يوالك افراهي أور فقي دعفك كي بادساهت تهيء عرب میں نئے مذہب کی انہوں نے بنداد رکھی اور الله کے رسول کی انهیں پدوی ملی . اِس بادشادت کو نام انهوں نے اپنے پوروجوں یا بزرگوں سے حاصل کیا نہا اور نه ایے اپنے خاندان میں جا ی رهانے کا هي أن كا وچار اها . أن كا ديهانت عرقے هي لوگوں كو أس یات کی فکر هوئی که مسلمالوں کی رهامائی أور عرب کی تگی قوسی سرکار کو چلانے کے لئے آپ کیا استظام کھا جائے 🖁 دوسرا رسول حدا دو کوئی لند مور سکتا تھا لیکن سدینے کی گذمی کے نئے معمد صاحب کا وارث چنا جانا بھی ضروری تھا۔ کچھ ملاح مشورے کے بعد جس کی تعدیل میں جانا عمارے لئے ضروری نہیں ہے؛ حدیثے نے حاصدافل اوگوں نے جمع عودر کون میں انصار اور متعاجر دورس شامل نهے ایک رایے سه ابویکر كو منصد صاحب كا وارث چنا اور الصيفة الرسول العالى رسول کے خلیقہ (پرنیندھی) کی حیثیت سے ابوبکر نے عربوں کی إس نائي قومي طافت كي باك قور أين الأون مين لي .

कर लिया. मोहन्मद साहब ने उसे अपने क्वींबे में जाकर प्रचार करने की हिदायत दी. तुफैल को शुरू में कुछ नाउम्भीदी हुई, उसने मदीने वापस आकर मोहन्मद साहब से कहा-"बनुदास हठी हैं, आप उन्हें बददुका दीजिये," मोहम्मद साहब ने ईश्वर से दुआ की-' ऐ अल्लाह ! बनुदास को सच्चा रास्ता दिखा." उन्हों ने तफैल को दिलासा और हिन्मत दिलाकर धीरज श्रीर शान्ति से अपना काम जारी रखने की सलाह दी। इस बार एक और भित्र तफैल के साथ था। इन लोगों ने एक एक घर आकर शान्ति के साथ नए मजहब का प्रचार किया, सन है हिजरी तक बनुदास क्रधीले के ज्यादातर लोगों ने नए मत को मान लिया. इसके श्रीर दो बरस बाद पूरे क़बीले ने अपने पूराने बुतों की पूजा को छोड़कर इसलाम कुबूल कर लिया. तुफैल ने अब लकड़ी के उस लहें की, जिसकी उस क्रवीलें के लोग देवता सममकर पूजा करते थे, सबकी रजामन्दी से आग लगा बी." 14

यमन सूत्रे के इसलाम कुत्रुल करने की कहानी और भी दिलचस्प है. इन्न साद लिखता है कि मोहम्मद साहत्र ने अयारा इन्न अबी रबी अतिल मखजूमी नाम के एक शख्स के हाथ वहां के हिमयार क्षत्रीले के कुछ लोगों के पास एक खत भेजा जिसमें इसलाम के खास खास उसूलों की तरक उनकी तबज्जह दिलाई और उन्हें नया मजहब कुत्रुल करने की दात्रत दी. चलते समय मोहम्मद साहब ने अयाश से कहा—

''जब तुम पहुंची तो रात को उनके शहर में दाखिल न होना । सुबह होने तंक शहर के बाहर ही ठहरना, सुबह घ्यच्छी तरह नहा घं।कर दो रकत्रत नमाज पढ़ना और अस्ताह से दुआ गाँगना कि वह तुम्हें अपने मिशन में कामयाधी दे श्रीर तुम्हारी हिकाजत करे। फिर श्रपने दाहिने हाथ से मेग खत उनके दाहिने हाथ में देना. वे उसे ले लेंगे. फर कुरान की श्रद्धानती सुरत की श्रायतें उन्हें पदकर सनाना, जब खत्म कर चुका हो कहना—"मोहन्मद ने इसपर विश्वास किया है श्रीर मैंने भी विश्वास किया है. अल्लाह चाहेगा हो तुम उनकी हरशङ्का का समाधान कर सकांगे, अगर वे कोई बात किसी गैर जवान में पूछें तो उनसे तरजुमा करा लेना और उनसे कहना भेरे लिये एक काल्लाह बस है. मैं उमा की भेजी हुई किताब में विश्वास करता हूँ. मुक्ते इन्साफ करने का हुक्म दिया गया है. ऋहाड ही हमारा श्रीर तुम्हारा रव्य है. हमारे कमी का फज़ हमें मिलेगा और तुम्हारे कर्मी की तुम्हें. इनमें और तुम में काई भगवा नहीं है. अल्लाह हम सबका मिला देगा और उसी

اور الله معصد صاحب في أسم ألينا قبيلا ميں جا گو الله الرجار كرنے كى هدايت دى . طعيل كو شروع ميں كچھ نااسيدى هوئى . اس نے مدياء واپس آ كر محمد صاحب سے كہا۔ "بنوداس متھى هيں" آپ انهيں بدعا ديجئا ." محمد ساحب في ايشور سے دعا كى۔ "اله الله! بنوداس كو سجها استه دكها ." أنهوں نے طفصيل كو دلاسا اور همت دلا كو دهيوج ور شالتى سے ابنا كام جارى ركھلے كى صلاح دى . اس بار ايك ورمتر طفيل كے ساتھ تها أن اوكوں نے ايك ايك كهر جاكو شانتى كے ساتھ نئے مذهب كا پرچار كيا ، سن چھ هجرى تك بنو راس قبيلے كے زيادة تو لوگوں نے نئے مت كو مان لها اس كے بہور كر إسلام قبول كر لها ، طفيل نے اپنے پرائے بتوں كى پوچا كو چھور كر إسلام قبول كر لها ، طفيل نے آپ لكوى كے اِس لئے كو يس كے بہور كر إسلام قبول كر لها ، طفيل نے آپ لكوى كے اِس لئے كو سے كى رضامندى سے آگ اللا دى ، اِلا اِس كے بس كى رضامندى سے آگ اللا دى ، اِلا اِلا كوى كو اِس لئے كو اِس كے بس كى رضامندى سے آگ اللا دى ، اِلا ا

یمن صوبے کے اسلام قبول کرتے کی کہائی اور بھی داچسپ نے . ابن سعد اعبتا ہے که محمد صاحب نے عیاش ابن ابی اتل مخطوسی نام کے ایک شخص کے هاتم وهاں کے هماز فیبلے کے کچھ اوگوں کے پاس ایک خط بھیجا جس میں اِسلام کے خاص خاص اصوابی کی طرف اُن کی توجه دلائی اور نہیں نیا مذہب قبول کرنے کی دعوت دی ، چلتے سمے محمد محمد عیاش سے کہا۔

जुरेन की फरेनर; सन्वता जीर इसलाम

इसी वरह की कोशिशें की जाती रहीं जिस तरह कि इससे पहले मोहम्मद साहब की राजनैतिक निवलता के दिनों में की जाती थीं.11 टी. बब्लू. भारनल्ड ने अपने इस दावे के सबूत में अनेक घटनाओं का जिक किया है जिनमें से एक हम नीचे नकल करते हैं:—

जिस तरह मक्टे में इजरत उमर इब्न कसाय ने इसलाम धर्म का कुब्ल किया था उसी तरह की कहानी मदीने में उमेर इब्न बहुव की है. कुरैश ने मोहम्मद साहब की गुप्त हत्या क इरादे से उमेर का बहु की लड़ाई क बाद मक्के से मदीने मंता. इसलाम धर्म के उसूतों के बारे में डमेर की माहम्मद साहब से देर तक तफ़स ल में बातचात हुई. बड़्यम्ब्रकारी डमेंग, जो कुरैशों की साजिश से मोहम्मद साहब का कृश्त करने गया था इस बातचीत के बाद इसलाम का कृश्त हो गया और उनका भक्त बनकर मदीने से लीटा.

अरब के मुख्तिलिक कृबीलों के जो नुमाइन्हें दूमरे कामों के लिये मंदिनाद साहब से मिलने मदान ऑत थे उनके साथ मोहन्मद साहब का बताब इतना अच्छा होता था, उनको शिकायतों का वह इतन गौर से मुनते थे और इस तरह इन्साक और खूबसूरती के साथ उनके आपसी काड़ों का निपटारा कर इते थे कि मोहन्मद साहब का गम जर्खी ही सारे अरब में मशहूर और सर्विषय हां गया और एक महान और उदार शामक की हैसियत से उनका यहां चोर कित गया. 12

कृतीलों के जो नुमाइन्दे मोहम्मद साहत से मिलने श्राते थ उनक हाथ के लिखे हुए या जो लोग मीके पर मौजूद हाते थे उनके लिखे अनेक ऐसे वयान अरव के इतिहास में मौजूद है जिनसे पता चलता है कि जो लोग किसी दूसरे काम के लिये आते थे उनपर मोहम्मद साहत की बातवीत का इतना अच्छा असर पड़ता था कि वे मुसलमान हो कर लौटते और फिर ख़ुद अपने कृतीलों में जाकर इसलाम का प्रचार करते थे. 13

हुदैविया की जंग के बाद जब अरब के दिक्खिनी सूबों के लांग मदीने श्राने जाने लगे यमन के उत्तर से बन्दास कृतीले के कुछ लोग मोहम्मद साहब से मिलने के लिये श्राप. मोहम्मद साहब से पहले भो इस कृतीले के कुछ लोगों में अपनी पुरानी बुनपरस्तो के खिलाक असल्तोष भीर किसी श्रधिक सच्चे धर्म की खाज पैदा हो चुकी थी. इनमें से श्रव एक तुफैल नाम के श्रादमी ने उसलाम कुबूल أسى طرح فى تبعض فى جاتى رهين جس طرح فه أس به ينا مصد صلحت فى رأي نبتك ترابانا كى دنين مين فى ينا مصد صلحت في الله أن أناذ له أن أس دوره كا فيوت مين ألبيت مين ألبيك كهنااؤن كا ذكر كيا ها جن مين ساليك كهنااؤن كا ذكر كيا ها جن مين ساليك في الله كرة هين :—

جس طرح مم میں حضرت عدر ابن خطاب نے اسلم دھرم کو قبول کیا تھا اُسی طرح کی کہائی مدیاے میں اُمر اُبن وجب کی ہے ، قریعی نے محمد صاحب کی گہت ھمیا کے آرادیہ سے عمدر کو بدر کی لوائی کے بعد ممہ سے مدینے بیدجا ، اِسلم دھرم کے اُصولوں کے بارہ میں عدر کی محمد صاحب سے دیر تک تعصیل میں بات چیت ھوئی ، شریدترکاری عمیر جو قریھوں کی شاوھی سے محمد صاحب کو قتل کرنے گیا تھا اِس بات چیست کے بعد اِسلم کا قائل ہو گیا اور اُن کا بیکت بن کر مدینے سے اوال ،

عرب کے متختلف قبیلوں کے جو تماثلدے دوسرے کاموں کے لئے محمد صاحب سے مہنے مدینے آتے تھے اُن کے ساتھ محمد صاحب کا برناؤ اِنفا اچھا ہوتا تھا اُن کی شکایٹوں کو وہ اننے فورسے سفتے تھے اور اِس طوح اِنصاف اور خوبصورتی کے ساتھ ان کے آہسی جھکڑوں کا نہارا کو دیتے تھے کہ محمد صاحب کا نام جلدی ھی سابے عرب میں مشہور اور سرو پریے ھو گیا اور ایک مہاں اور ادار شاسک کی حدیثیت سے اُن کا بھی چاروں اور مہاں اور ادار شاسک کی حدیثیت سے اُن کا بھی چاروں اور مہل گیا ۔ 12

قبیلوں کے جو ندائلدے محمد صاحب سے ملنے آتے تھے اُن کے عانه کے نامے ہوئے یا جو اوگ صوتع پر موجود ہوتے تھے اُن کے لائے اُنھک ایسے بیان عرب کے تابلس میں موجود ہیں جن سے پتہ چلتا ہے کہ جو لوگ کسی دوسرے کام کے لئے آتے تھے اُن پر محمد صاحب کی بات چیت کا انتا اچها اثر پرتا تھا کہ وے مسلمان ہو کر لوئتے اور پھر خود اپنے قبیلوں میں جا کر اِسلام کا پرچار کرتے تھے ، 13

حدیبیا کی جاگ کے بعد جب عرب کے دکینی ضوبوں کے لوگ مدیلے آئے جائے لگے یمن کے آئر سے ینرداس قبیلے کے کنچھ لوگ محصد صاحب سے پہلے ہی آئے۔ محصد صاحب سے پہلے بھی اِس قبیلے کے کنچھ لوگوں میں اپنی پرائی بت پرسٹی کے پخلف استبھی اور کسی اُدھک سجھے دھوم کی تھرج پیدا ھوچکی بخلف استبھی اور کسی اُدھک سجھے دھوم کی تھرج پیدا ھوچکی ہے۔ اُرمیں سے اب ایک طفیل نام کے اُدھی نے اِسلام قبرل

^{11.} The Preaching of Islam by T. W. Arnold, P. 33.

^{12.} Life of Mohammet by sir William Muir, vol iv, pp. 107-8-

^{. 13.} Sprenger, vol iti and Ibn Sad Section 118.

कोगों दोनों से कहदो कि क्या तुम भी इस इसलाम को , कुबूल करते हो ? अगर ने , कुबूल कर लें तो ने सच्चे रास्ते पर हैं और अगर ने न माने तो उनकी मर्जी! तुम्हारा काम सिर्फ सममा देना है और इस. अल्लाह अपने सब बन्दों के हाल को देखता है."5

'हमने हर क़ौम के लिये डपासना की चलग अलग विधियां नियत कर दी हैं जिनपर इस कौम के लोग चलते हैं. इसलिये लोगों को चाहिये कि इस बारे में मगड़ा न करें. तुम देवल उन्हें चपने रव्य की ओर बुलाओ, निस्सन्देह तुम्हारा रास्ता सीधा है किन्तु (फर भी खगर वे तुम से मगड़ा करें तो कह दो—'जा कुछ तुम करते हो इसे चस्लाह अच्छी तरह जानता है.' "6

"धर्म के मामले में किसी के साथ किसी तरह की भी जबरदस्ती नहीं होनी चाहिये."7

"निस्सन्देह इमने तुम्हें गवाह के तौर पर भेजा है ताकि तुम लोगों को ख़ुशख़ बरी दो 'भीर आगाह करदो, ताकि लाग जल्लाह में और उसके रस्ता में विश्वास करें, अल्लाह के काम में सहायता दें, अल्लाह की इज्जत करें और सुबह शाम उसकी उपासना करें."8

जो लोग एक बार इसलाम , कुबूल करके उससे फिर जावें उनके लिये , कुरान का साफ हुक्स है—

"ऐ मोहस्मद् थोड़े सों को छोड़कर बाकी लोगों में तुन्हें खदा विश्वासघातक भी मिलेंगे, उन्हें श्वमा करके उनसे हट जाओं. निस्सन्देह अल्लाह दूसरो पर घहसान करने वालों का प्यार करता है."9

्कुरान की जो सूरत सबसे आर्जार में आई उसमें कहा गया है—

"यदि मुशरिकों में से कोई तुन्हारी शरण में आना चाहे तो उसे अपनी शरण में ले लो ताकि वह अस्लाह के कलाम को मुन सके. इसक बाद भी यदि वह इसलाम कुबूल करना मुनासिब न समके तो उसे उसके स्थान तक मुराइत पहुँचा दो क्योंकि ये लोग बचारे अज्ञानी है." 10

इसी तरह की और बहुत-सी आयते नक्ल की जा सकती है. "इसलाम का प्रचार करने और अविश्वासी अरबों को अपने धर्म में लाने के लिये हिजरत के बाद ठीक لوگوں دوتوں سے کہے دو کہ کیا تم بھی اِس اِسلم کو تبول کر لیں تر وے سچے اللہ ہوں اور اگر وے سخچے اللہ این موضی اِ تمهاراً کام صرف سمجھا دینا ہے اور یس ، الله اپنے سب بندوں کے حال کو دیکھتا ہے ۔ ** 5

"هم نے هر فوم کے لئے آباستا کی الگ آلگ ودھیائیت کو دی هیں جن پر اس قوم کے لوگ چلتے هیں ۔ اِس لئے لوگ کو چلتے هیں ۔ اِس لئے لوگ کو چلتے هیں ۔ قب کیول آنهیں اپنے چلنئے که اِس بارے میں جھکڑا نے کویں ، تم کیول آنهیں اپنے رب کی اور بالؤ، نیسندیہ تمهارا راسته سیدها کا کنتو پھر بھی اگر رہ تم سے جھکڑا کویں تو دہم در—"جو کچھ تم دوتے هو آسے الله اچھی طرح جائٹا ہے، "اہ 6

''دھرم کے معاملے میں کسی کے ساتھ کسی طرح کی بھی زہردستی فہیں ھونی چاہئے ،' 7

''نسندبهه هم لے تمهیں گواہ کی طور پر بهیجا نج نابه دم اوگ کانه دم اوگ الله میں اور آلاء کرو' تاکم اوگ الله میں اور آلاء کے رسول میں وشواس کریں' الله کے کام میں سہائیٹا دیں' الله کی عوت کریں اور صبح شام اُس کی اُیاسانا دیں۔'' کا

جو لوگ ایک بار اِسلام قبول کر کے اُس سے پهرجاویں اُن نے اللہ درآن کا صاف حکم شے۔۔۔

''الے مندمان تھوڑے سول کو چھوڑ کر باقی لوگوں میں تمھیں سدا وشواسی گیانات بھی ملیں گے ۔ اُنھیں چھما کر کے اُن سے دھٹ جاؤ ، نیسندیہ انلہ دوسروں پر احسان درنے والوں دو ییار کرتا ہے ۔'' 6

قرآن کی جر مورت سب سے آھھر میں آئی اُس میں کہا۔ یا ہے۔۔۔

''یدی مشرکوں میں سے کوئی تمهاری شرن مرں آنا چاہے او اسے اپنی شون میں آنا چاہے او اسے اپنی شون میں لے لو تانه وہ الله کے نام کو سی سکے ماس کے بعد یہی یدی وہ سلام فیول درنیا نامناسب نه سمجھے تو استہاں بک سورنشت پہنچا دو دیونکہ یہ نرگ ہےجارے اکیائی عفی ۔'' 10

اسی طرح کی اور بہت سی آنتیں بھل کی جا سکتی ھیں۔ ''اِسلام کا پرچار کرنے اور وشواسی عربی کو اپنے دھرت کے بعد ٹھیات

10 مران 6-8

⁵ इरान 3-19.

⁶ इसन 22-66,67.

⁷ कुरान 2-256.

^{8 .} इरान 48-8, 9.

^{9 .} इरान 5-13

^{10 .} इरान 8-6.

ڻ قران .19-3 6 فرآن .67-22-7 7 فران .65-2-2 8 فران .9-8-8 قران .13-5

अरब की कल्चर, सभ्यता और इसलांम

विश्वस्भरताथ पांडे

[1]

इसलाम के पैराम्बर मोहम्मद साहब ने इसलाम के । बार में कीन से तरीक़ इस्तेमाल किये और दूसरों को । सके मुतास्लिक क्या दिदायतें दीं इस सिलसिले में कुरान ही कुछ आयतें गौर करने के क्राविल हैं—

"ये पैरान्बर लोगों को अपने रब्ब की राह में बुलाओं रो अक्रलसन्दी की बातों और अब्बी अब्बी नसीहतों से श्लाओं और जब उनके साथ बहस करो तो इस तरह करों के उनके जी को भाए."

"अगर ने कुछ नेजा बात तुमसे कहें तो उसे सब के साथ विश्व करो और सीजन्य के साथ खलग हट जाओ."2

"फिर अगर लोग तुम्हारे सममाने पर भी तुमसे मुँह गोड़ लें तो उनको तुम्हारा काम केवल साफ साफ सममा ता है इससे ज्यादा कुछ नहीं."3

"लेकिन अगर तुम्हारे समकाने पर भी लोग न माने" हमने तुम्हें उनका संरक्षक बनाकर नहीं मेजा है, तुम्हारा हाम तो केशल इतना ही है कि तुम उन तक हमारा सन्देश हिंचा हो और बस." 4

उत्तर की आयतें उस समय की हैं जबकि मोहम्मद् साहब सकते में बे और उन्हें और उनके अनुयाइयों का अपने धार्मिक विचारों के सबय बेहद यातनाएँ भागनी पड़ी मीं, जिस समय मदीने में पूरे अरब के अनन्य शासक की देसियत से मोहम्मद साहब की ताकतं अपनी चांटी पर थी उस समय भी .कुरान की इस नीति में कोई संब्दीलो नहीं हई.

"आगर वे तुमसे कगड़ा करे तो उनसे कहतो कि
मैंने और जो भी मेरा अनुयायी है उसने एक अस्ताह के
सामने मस्तक मुका दिया है. यही इसलाम शब्द का अथ
है. जिन लोगों के पास इससे पहले के ईश्वरीय प्रथ या
स्लहामी किताबे मौजूर हैं उनसे और अरब के अनपद

المعرب على علجوا سبهيتا اور إسلام

وشوميهر ناته بانتسا

f 1]

اسلام کے پہنمبر محصد صاحب نے اسلام کے پرچار میں کوں سے طریقے استعمال کئے اور دوسروں کو اُس کے متعلق کیا عدائیں دیں اِس سلسلے میں قرآن کی کنچھ آئٹیں غور کرنے کے نابل هیں۔۔۔

''اُے پنغمبر لوگوں کو اُپنے رب کی رالا میں بالاِ تو عقلماندی کی باتوں اُور اُچھی اُچھی نصیحتوں سے بالاِ اُور جب اُن کے کے ساتھ بحدث کرد تو اِس طرح کرد که اُن کے جی کو بھائے ،'' 1

الاز وسے کنچھ بدھیا۔ بات تم سے کہوں تو اُسے صبو کے ساتھ برد اُشت کرو اور سوجادیہ کے ساتھ انگ ھٹ، جاؤ ۔ 2

" يهر اگر لوگ تمهارے سمجهانے يو يهى تم سے منه مهر ليس تو أن كو تمهارا كم كيول صاف صاف سمجها دينا هـ . إس سے زيادة كچه نهيں . " 3

ا ایکن اگر تمهارے سمنجہانے پر بھی لوگ نه سائیں تو هم نے تمهارا کام نے تمهارا کام کی اسٹراشک بنا کو نہیں بھیجا ہے تمهارا کام کیمل اندا ھی ہے که نم آن نک ھمارا سندیھر پہنچا دو روز بس . 4 ن

اوپر کی آنتوں اُس سمے کی عیں جب که محمد صاحب مکم میں اللہ اور آنیوں اور ان کے انویائیوں کو اینے دھارمک وچاروں کے سبب بےحد یاتنائیں بھوگئی پڑیں تھیں، جس سمے محمد مدن پورے عرب کے آننیہ شاشک کی حدثیت سے محمد صاحب کی طاقت اینی چوٹی پر تھی اُس سمے بھی قرآن کی اِس نیتی میں کوئی تبدیلی نہیں ھوئی ،

''اگر رہے نم سے جبکڑا کریں کو اُن سے کہت دو کہ میں لے ارر جو بھی میرا انویائی ہے اُس نے ایک الله کے سامنے مستک جبکا دیا ہے ۔ یہی اِسلم شبد کا ارتو ہے ، جن لوگوں کے پاس اِس سے پہلے کے ایشوری گرنتے یا الہامی کتابیں موجود ہیں اُن سے اور عوب کے انہوں

¹ करान 16-125.

² इरान 10-73

³ इरान 16-28.

⁴ जरान 42-48.

¹ فرأن .125-16

² قرأن .73-10

³ فرأن .28-16

⁴ ترأن ،48-42

नवस्बर 1957 भूभू

,

क्या किस से		संका	esia .	يس سے	کها
		193		عرب کی کلمچر' سبهتا اور اِسلم وشومهور ثانی پائڈے	Ĺ
2 क्या नह घर आ रहा है ? —भी जाइबन बाजोब	•••	201	•••	۔ کیا وہ کہر آ رہا ہے ؟ ِ سشری آنیوں وازوو	
 हिन्दुस्तान की कल्चर और इसलाम —डाक्टर सैयव महम्द 	•••	210	•••	هادستان کی کلنچر اور اِسلم قاکلر سید منصود	
4. आई स्टाइन का सिद्धान्त और वेदान्त —डाक्टर भगवानदास		218	100	آئلسقائن کا سدهانت اور ریدانت سخاکلر بهکران داس	.4
 सन 1905 का स्वदेशी आन्दोलन — वंडित सुन्दरलाल 		223	818	سن 1905 کا سودیھی آئنولن —پلتت سلنز ال	.5
6. रुवाइयात मुहिब —श्री 'मुहिब'		231		ربانیات مت <i>تب</i> شری ^ا متتب؛	.6
7. इस कितार्वे	•••	237	•••	كتابين	.7.
B. इमारी राय- पराया के गले में .फदा; हिन्दी और पंजार्व		239 मरादा		ھناری رائے۔۔ یشیا کے کلے میں پہندا؛ ھندی اُور پ	
—पंडित सुन्दरकालं				سپانت سنير ال .	

. .

J. .

92111866

17

जिल्द 24 الما नम्बर 5

नवम्बर 1957 अनु

Man 100

हिन्दुरियाणां केल्प्न्य निमानाः निस्त्रियाः । अभागाः निस्त्रियाः । अभागाः । अभागाः

Editorial Board

Dr. Tara Chand M.A. D. Phil. (Oxon)

Mahatma Bhagwan Din

Dr. Syed Mahmud, M.A., Ph.D., Bar-at-Law

Pandit Sundarlal

Bishambhar Nath Pande

Editor-in-Charge

Bishambhar Nath Pande

Asst. Editor

Suresh Ramabhai

Annual Subscription

Inland Rs. 6/-

Foreign Rs. 10/-

Single Copy As, /10/- only or 62 N. P.

the second of the second of

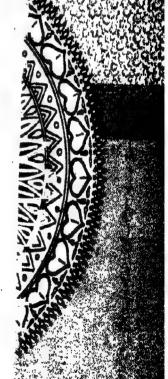
Can be had from -

Manager, NAYA HIND

LEC. MUTTHEANLY ALLAHABAD-3

इस नम्बर के खास केल इस्म जिल्हें के अग्रे जी

न्दिरवस्भरनाथ पांडे केरियर सम्यता और इसलाम केरियरभरनाथ पांडे केरियर और इसलाम केरियर और इसलाम केरियर और इसलाम केरियर महमूद केरिय केरियर महमूद केरियर मार्था केरियर महमूद केरियर मार्था केरियर मार्था केरियर मार्थ केरियर केरि



हिन्दे धर

कलचर पर हर तरह की कितावें मिलने का एक बड़ा केन्द्र—पाठक हिन्दी, उदू, अंग्रेजी की अपनी मन-पसन्द कितानों के लिये हमें लिलें।

हमारी नई किताबें

महात्मा गान्धी की वसीयत

(हिन्दी और उदूँ में) नेखक-गान्धीबाद के माने जाने बिद्वान : स्वव श्री मंत्रद श्रली संस्ति। सके 225, क्रीमत दो रूपया

गान्धी बाबा

(बच्चों के लिये बहुत दिल ईस्प किताब) लेखिका-कृत्सिया जैदी भूमिका-पन्डित जवाहरलाल नेहरू मोटा काराज, मोटा टाइप, बहुत-सी रंगीन तसवीरें 🖰 दास दो रुपया

> पंडित सुन्दरलाल जी की लिखी कितावें गीता कोर क़्रान

> > 275 सके, दाम ढाई रूपया

हिन्दू मुसलिम एकता

100 सफे, दाम बारह आने

महात्मा गान्धी के बितदान से सबक्र

क्रीमत बारह आने

पंजाब हमें क्या सिखाता है

क्रीमत चार आने

वंगाल और उसको सबक

क्रीमत दो व्यक्ति

हेन्द्रसानी कलवर सोसाबद

145 मुद्रोगंज इसाहाबाद

هندی گهر

اتعر پر هر طرح کی کتابیں ملنے ل الك يوا كيندر التابك هندي أردر' انگريزي کي من بسند کتابوں کے الله ومنين المهين

ههاری نئی عنابیں مهانیا کاندهی کی وصد

(هندی اور آردو میں) الْهُمُهُكُ اللَّهُ الدَّهِي والد كي مالي جاني

وهوأن: "سوركية شري منظر على سوخته ومناجع 225 تيبت در رويه

ا (بنجرال کے لئے بہت داھیسٹ کتاب) مرا التعملات تنسيه ويدي

يرين يهوم كالبسينة بت جوالعر الل تهرو مُولًا كانكُ مُولًا ثَالُبُ عَهْتُ سَى وَلَكَيْنَ تَصُويُونِينَ

پندت سندرال جي کي لکهي کتابيس ورد مراق اور قوان

وروية ماتحم والم تعالى رويهة

هذب مسلم ایکما 100 منحد دایر باره آنے

مهاتما کاندھی کے بلیداںسے سبق ورود برود مرور قهميت بارة الله ال

بنجاب همير كيا سكهانا هـ

نگال اور اس سے سبتی

علا بلق كلم اعابد

केवारत नाक्षण्यात और इसकाम वेगा केवार क्षण्यात, मृत्य-तीन राणा क्षण्या केवेग्राट के क्षण्या में शहतीन माधाओं ने रस से क्षण्या केवेग्राट केवें सुकरी पुस्तक नहीं

हजरते ईसा और ईसाई धर्म
केल गर्डित सुन्दरलाल, प्रन्य-देव रुपया
कहारमा जर प्र और ईरानी संस्कृति
केल विश्वन्यरमाथ पांदे, कीमत—दो रुपया
यहुदी धर्म और सामी संकृति
केलक—किरवन्यरनाथ पांदे, कीमत—दो रुपया
प्राचीन मिस्र की सभ्यता और संकृति
केलक—किरवन्यरनाथ पांदे, कीमत—दो रुपया
सुमेर बाबुल और असुरिया की प्राचीन संस्कृति
केलक—विश्वन्यरनाथ पांदे, कीमत—दो रुपया
प्राचीन युनानी सभ्यता और संकृति
केलक—विश्वन्यरनाथ पांदे, कीमत—दो रुपया
प्राचीन युनानी सभ्यता और संकृति
केलक—विश्वन्यरनाथ पांदे, कीमत—दो रुपया

गंगा से गोमती तक

(प्रगतिशील कहानी संप्रह) लेक के भी मुजीब रिजवी, क्रीमत—दो रुपया

.भाग भीर भाँस

(सावपूर्न सायाजिक कहानियाँ)

केंद्र आकटर अकरर हुसेन रायपुरी, क्रीसत डेव हपया

कुरान और धार्मिक मतभेद

केंग्रिक भौताना अनुसकताम आजाद, क्रीमस-डेद रुपया

कंकार

(संभीतरीका पविताची का संबद्) विकास-पंतानि कुदाय किराकः ' कीमत-सीन रुपया ہیں۔ ہوئیہ الل مولوء کون ہویتہ کے پیشنز کے سیکیہ میں بیارتیہ بیاغاوں میں اِس سے سیکیو کوئی دوسری پسٹک تیوں

معرب میسی اور میسائی بهرم مونا بنت شرال مراب تیره رویه

ان رو تهستر اور ایرانی سنسکرتی اینک درهویور نام بانده سنسد، رویه

مهون می دهوم اور سامی منسکرتی ایمک شوریور ناتو باند ا

المحين مصر كى سبهيتا اور سنسكوتى

بیر با بل اور اسوریا کی پر اچین سنسکرتی انتیک سیدر رویه

ا جیری یونانی سبهیتا اور سنسکرتی الیک سرورید الیک سرورید از باقت ا

گنگا سے گومقی ڈک

ر پردی شال دہائی سدوہ) ایپکسسشری مجیب رضوی تیست - در رویه

أک اور أنسو

(بهاوپرس ساحک کبالیال) میک ساکر اختر حسین رائے پیری قیت - تیزه ربیه

قرآن اور دهارمک معابهید معابد ابرام آزادا نست قبره زرید

جهنكار

(پرگلی غیل کینگان کا سنگره) انگلیست کیونگی سائلہ نواق " قیمت سنین ردیدہ

तिसाने का पता अप

कारी अछहर सोसायदी स्वाप्त अपन

Marie Carlotte and the first

"आज इतना तो सभी .कुनूल करते हैं कि इन पार्लि-मेंटों के मेन्बर खुद्दारण और ढोंगी होते हैं. जिस दल का जो मेन्बर होता है वह आंख बन्द करके उसी वल को बोट देता है क्योंकि डिसिप्लिन के स्वयाल से बह ऐसा करने के लिये मजबूर है."

पार्लिमेटी हुकूमत के तरीके के लिये मरते दम सक गांधी जी की यह राय रही और उन्होंने पेशीनगाई की कि अगर हिन्दुस्तान में पार्लिमेटी राज क्रायम है। गया तो इस मुस्क को बरबादी से कोई नहीं बचा सकता.

गाँधी जी का दिल और दिमारा दोनों ग्रीर मामूली बे. वनके सोचने और महसूस करने के तरीके बेशमार और बेखन्त थे। दर अस्त वे एक शायर या कवि थे लेकिन ऐसे कवि जिनकी कल्पना शक्ति की उड़ान छपे हुये हरकों में नहीं दिखाई देती बल्कि लाखों और करोड़ों मेहनत करने बाले इनसानों की जिन्दगी में मलकती है। गाँधी जी एक सच्चे फिलासफर ये लेकिन उनका दिमाग खयाली दुनिया की फर्जी तसवीरें नहीं गढ़ता था, उनका दिमाग्र इनसानों के आदशों और उनकी खाहिशों का एक साँचे में ढालता था. वे एक बहुत बढ़े कलाकार थे लेकिन रंग या स्वर के कला-कार नहीं, वे नारम्मीदी से भरे चेहरों को जाशा और उमंगों के रंग से चमका देते ये और उनके सीनों और दिलों में मीठे और सरीले गीत भर देते थे. यही दजह है कि सारा हिन्दुस्तान फक्स के साथ कहता था कि गाँधी जी का बढ़ापन सारे मुल्क का बढ़ापन है और उनका यश सारे हिन्द्स्तान का यश है.

आयें आज इस मौके पर हम अपने-अपने गिरेशनों में मुँह डालकर यह झान-भीन करें कि कहाँ तक गाँधी जी की तालीम पर हमने अमल किया है या कर रहे हैं या करने वाले हैं. इस जवाब पर ही हिन्दुस्तान की क्रिस्मत का

दारो मदार है. गान्धी जयन्ती, 2-10-57.

-- विश्वमभरनाथ पांडे

"آج اِتِنَا تو سبھی قبول کرتے ھیں که اِتی پارلیدگلوں کے ا مبیر خود عرض اُور قاونکی ھوتے ھیں ، جس دل کا جو ا مبیر ھوتا گئے وہ اُنکی بلک کر کے اُسی دل کو وق دیتا کے کیونکھ تسلیل کے خیال سے وہ ایسا کرنے کے لئے محبور ھے ،"

پارلیمیازی حکومت کے طریقے کے لئے مرتے دم تک گانھی جی کی یہ رائے رھی اور آنھرںئے پیشنیںگوئی کی کد اگر ھندستان میں پارایمیئری رائے تائم ہوگیا تو اس ملک کو بریادی سے کئی ٹییں پچا سکتا ،

گاندهی چی کا دل اور دهانج دونوں غیو معمولی تھے ، اُن کے سوچنے اور محسوس کرنے کے طریقے پےشمار اُور پے اُنت تھے ، دراصل وے لیک شاعر یا کہی تھے لیکن ایسے کہی جن کی کیانا شکتی کی آزان چیوے ہوئے حونوں میں فیص دکائی دیتی بلکہ لاکیوں اور کروں محملت کرنے والے انسانوں کی زندگی میں دماغ خیالی دنیا کی فرضی تصویریں نہیں گرھتا ، اُن کا دماغ اِنسانوں آدرشوں اور اُن کی خواهشوں کے ایک سانچے میں اِنسانوں آدرشوں اور اُن کی خواهشوں کے ایک سانچے میں کاکلر تہیں ، وے ایک بہت بڑے کلائر تھے لیکن رئگ یا مور کے کاکلر تہیں ، وے آنامدوں کے چیوروں کو آشا اور امنکوں کی اور سریلے گیت جو کہ ساز اور دائوں میں منافی اور سریلے گیت جو دیتے تھے ، یہی وجہ ہے کہ سازا ہدستان رئگ سانے کہتا تھا کہ گاندھی جی کا براین سارے ملک کا براین ہے اور اُن کا یعی سارے هندستان کا یعی ہے ۔

آئے آج اِس موقع پر ہمائنے اپنے گریبائیں میں منو ڈال کر یہ چان بین کریں کا کہاں لک گاندھی جی کی تعلیم پر ہم نے عمل کیا ہے یا کر رہے میں یا کرے والے میں ، اِس جواب پر می مدیستان کی قسمت کا داروسدار ہے ،

كاندهى جينتى.

مسوشمهم تاته بانتس

2. 10. 57

कारबार .खुद करे. इसके लिये वह चाहते के कि बुक्तात की साम्मत एक जगह जमा न होकर चारों तरफ दूर दूर हैतक बँट जावे. देश को इतने छोटे-छोटे इसकों में बांटा दिया जावे कि जनता अपने जाने बूमें आदमी को प्रतिनिधि चुन सके.

पालिमेंटी हुकूमत में नुमाइन्द्गी का ढोंग तो है ही इससे भी बदकर चुनाव का ढोंग है. चुनाव का आजकल का ढंग जनता की बरबाद करने बाला है. इसमें इर तरह की बेईमानी, घोखा, फरेब, ज्यादती, अन्याय, फ़िबूल खर्ची धीर दुशमनी का एक सोता खुल जाता है, इन चुनावों ने देश के देश बरवाद' कर दिये. इनकी जुराइयाँ दिनों दिन बदती जा रही हैं. गाँथी जी इसके सुधार का नीचे लिखा हज्ज बताते थे:—

- (1) बोटरों की जानकारी को श्रीर उनके चलन को, उनमें नेकी-बदी और भले-बूरे के विचार को इतना ऊँचा कर दिया जाय कि वह इमेशा ऐसे लोगों को ही बोट दे' जो नेक हों, त्यागी हों, दूसरों की सेवा और भलाई करने बाले हों और जिनमें ईमानदारी, सादगी और नम्नता हो.
- (2) जनता में इतनी ताक़त हो कि वह अपने इन तुमाइन्दों से सच्ची सेवा के सके और.
- (3) जब चाहे इन्हें बदल सकने का भी जनता को इक्त हो.

पार्लिमेंटी तरीके में चुनाव से भी बुरी इसकी दलवन्दी है जिसे पार्टी सिस्टम कहा जाता है. वा पार्टियों का होना पार्लिमेंटी हुकूमत में जरूरी सममा जाता है. इसके बिना यह तरीका चल नहीं सकता. इन पार्टियों का यह बुनियादी इक्ष होता है कि वे एक दूसरे को गिराती मिटाती रहें. इस पार्टी बाजी से देश को जा धक्का पहुँचता है उसका काई अन्वाजी नहीं किया जा सकता। पार्टीबाजी देश भर में फज़-फूलकर गांव-गांव और कोने-कोने में फैन जाती है. इर राख्य का यह फुर्ज हो जाता है कि वह इन्साफ गेर इन्साफ, सच-मूठ. ईमानदारी-वेईनी का ख़्याल न करते हुये अपनी पार्टी बाले को जिताये. इसीलिये गांघी जी को पश्चिमी सरीके की इस पार्लिमेंटी हुकूमत से सख्त नफ़रत थी. 'हिन्द स्वराज' में वह लिखते हैं :—

"इंगलैयड की इस समय जो दालत है उसे देखकर तो सचमुच दया चाती है और मैं ता इंश्वर से मनाता हूँ कि मारत की ऐसी हालत कभी न हो. जिसे आप पालि-वेंग्टों की मां कहते हैं वह इंगलैंड की पालिमेंट तो एक बांक और वेश्या है, ये दोनों लक्ष्य कहे हैं पर उस पर पृथि सरह लागू होते हैं. آس کے لئے رہ چاہتے تھے کہ حدومت کی طاقت گیک جائے۔ جمع نہ دو کر چاروں طارف دور دور تک بٹ جاوے ، دیش کو اِتنے چیوٹے چیوٹے حلقوں میں بات دیا جارے کہ جلتا آئے جائے بہجے آدمی کو برتیادھی چن سکے ،

یا رئیدری حکوست میں تمائدگی کا قعونگ تو قد هی اس سے یہی ہوء کر چناو کا قعونگ قد ، چناو کا آجال کا قعائک جنتا کو ہرباد کرنے والا قد ایس میں عبر طرح کی پرائیائی دھوکا نویب جرم واردتی انبائی فضول خرجی اور دشمنی کا ایک سرنا کیل جانا قد این چناو نے دیفس کے دیفس برباد کر دئے ، اُن کی برائیاں دنوں دن برهتی جا رهی هیں ، گاندهی جی اس کے سدمار کا نینچے لکھا تھنگ بتاتے میں ، گاندهی جی اس کے سدمار کا نینچے لکھا تھنگ بتاتے

(1) وٹروں کی جانکاری کو اور اُن کے چان کو' اُن میں نیکی بدی اور بیلے بوے کے وچار کو اِتنا اُرنجا کر دیا جائے که وہ همیشه ایسے لوگوں کو وت دیں جو ٹیک هیں' تیاگی هیں' دوسروں کی سیوا اور بھائی کرنے والے هوں اور جن میں ایمانداری مادگی اور نمرتا هو ،

(2) جنان میں اِنلی طاقت هو که وہ اپنے اِن نمائندوں سے سمجی میرا اے سکے اور ،

(3) جب چاف آنهیں بدال سکنے کا بھی جلکا کو حق هو .

پارلیداللهی طریقے میں چناو سے بھی بری اِس کی دال پلادی ہے جسے پارٹی سستم کہا جاتا ہے ، دو پارٹیاں کا هوتا پلادی ہے جسے پارٹی سستم کہا جاتا ہے ، دو پارٹیاں کا هوتا طریقہ چل نہیں سکتا ، اِن پارٹیوں کا یہ بنیادی حق هوتا ہے کہ رہے آیک دوسرے کو گر آئی سٹائی رهیں ، اِس پارٹی بازی سے دیھی کو چو دھکا پہونچتا ہے اُس کا دوئی اندازہ نہیں کیا جا سکتا ، پارٹی بازی دیھی بھر میں پھل پھول کو گائی گاؤں گاؤں اور دوئے کوئے پیدل جاتی ہے ، هر شخص کا یہ فرض هو رجانا ہے کہ وہ انصاف عیر انصاف سیے جہوت ایماندرای بے ایمانی کا خیال نہ کرتے هوئے آپلی پارٹی والے کو جتائے ، اِس نگر بھی جی کو پجھیمی طریقہ کی اِس پارلیمائری حکومت سے کی اِس پارلیمائری حکومت سے سیخت نفرت تھی ، مفاوت مورثے کی اِس پارلیمائری حکومت سے سیخت نفرت تھی ، مفاوت مورثے کی اِس پارلیمائری حکومت سے

د انظینی نی اِس سهد جو حالت ها اُسد دیکه کر تو سج
می دیا آنی ها اور میں تو آبھوسد منانا هیں که بیارسائی آیسی
حالت کیهی نه هو ، جسے آب پارتیدت کی ماں کیتے هیں وہ
الکلینی کی پارلیمینٹ تو آیک بائضہ اور ویشیا ها ، یه دونوں
لفظ کرتے هیں پر اِس پر پروی طرح لگو هوتے هیں ،

चिह्न मशीनें हैं. मशीनें एक बहुत बड़े पाप का चिह्न हैं.

मिलों में काम करने वाली औरतों की हालत और मी द्दंनाक है. अगर मशीनों का खप्त हमारे देश में बढ़ता गया तो यह देश बड़ा दुखी देश हो जायगा. मुमकित है मेरे इस कहने को लाग कुफ सममें लेकिन मैं यह कहने पर मजबूर हूँ कि हमारे लिये हिन्दुस्तान के अन्दर मिलों की तादाद बढ़ाने के बजाय यह ज्यादा अच्छा है कि हम मैनचेस्टर का निकम्मा कपड़ा इस्तेमाल, करें और अपना कप्या मैनचेस्टर मेजें. मैनचेस्टर का कपड़ा इस्तेमाल करने से हम अपना धन नष्ट करते हैं लेकिन हिन्दुस्तान का मैनचेस्टर बनाने से हमारा ईमान और इन्सानियत नष्ट हो जायगी।

यूगेप के इख्तसादी या आर्थिक संगठन का ढाँचा बढ़े शहरों की बुनियाद पर क्रायम हुआ है इसके ख़िलाफ दिन्दुस्तानां सभ्यता का केन्द्र (मरकज) गाँव है। गाँधी जी कहते थे कि हमें अपनी आर्थिक और तामीरी योजना आमों के उद्योग-धन्धों पर ही क्रायम करनी होगी बरना गाँव शहरों के चंगुल में फँसकर बरबाद होते रहेंगे और दिन्दुस्तान माली नुक़ते नजर से कभी पनप न सकेगा.

गांधी जी और पार्लिमेएटी राज

द्वितया के आम लोगों में पार्लिमेंटी राज की इतनी चाह क्यों है इसका सबब यह है कि यह राज आम जनता का राज सममा जावा है. इसमें जनता इस तरह राजा बनाई जाती है कि लाखों आदमी अपना एक तुमाइन्द्रा जुनते हैं. सौ पीछे पच्चानवे न उसे जानते हैं और न पहचानते हैं किर भी वह उनका नुमाइन्दा माना जाता है. चुने जाने के बाद यह तुमाइन्दा उनकी बात भी नहीं पूछता । वह उन्हें असली फायदा भी नहीं पहुंचा सकता क्योंकि वह ता सैकड़ों सुमाइन्दों में से एक हाता है. इस तरह एक राजा हटाकर सैकड़ों राजा बन जाते हैं और भिनिस्टरों की शक्ल में दस-बीस बादशाह बन जाते हैं। जनता बेचारी वही लींडी भीर दासी बनी रहती है. राजकाज चलाने का खुर्ची पहले से संकड़ों गुना बढ़ जाता है. सरकारी नौकरों की गिनती, तनकाहें और भत्ते अनाप शनाप बढ़ जाते हैं. अफसरों मिनिस्टरों और राष्ट्रपति की शान शौकत के आहम्बर पराने बादशाहों को भी शरमाते हैं और यह कहलाता है जनता का राज'।

गाँधी जी भोली जनता को ठगने वाले इस पार्लिमेंटी हुकूमत के मायाजात को जड़ से बदल देना चाहते थे. वे अपने का सच्चा डेमाक्रेट यानी सच्चा लोकतंत्री कहते थे. वह चाहते थे कि जनता सचमुच राजा वने और अपना

چنے مشیقی هیں میدیلی ایک بہت بود باپ کا چاہ هیں میدیلی کی مارں کے مودور دوسووں کے ظلم هیں ملوں میں کام کرتے والی عورتوں کی حالت أور بھی دودالک ہے اگر مشیلوں کا خیط هدارہ دیھی میں بودکا گیا تر یہ دیش بڑا دیکی دیعی هو جائیگا ، ممکن ہے مورے اِس کہلے کو لوگ کفر سنجیوں لیکن میں یہ کہلے پر مجبور هوں کا ممارے لئے هادستان کے اثدر مارں کی تعداد بوهائے کے بجائے یہ زیادہ اُچھا ہے کہ هم ماندچسٹر کا نما کہا استعمال کریں اور اپنا روبھہ مانچسٹر بھیجیں ، مانچسٹر کا کہوا استعمال کرنے ہے هم اُپنا دھی نشم کرتے میں لیکن هادستان کو ماندچسٹر بنائے سے همارا ایمان اور انسانیت نفٹ ہو جائیگی ہے۔

یورپ کے انتصابی یا ارتهک سلکتھی کا قانحچہ ہوے شہروں کی بنیاد پر قابم ہوا ہے اِس کے خلاف علاستانی سبھتا کا کیندر (موکو) گارس ہے ۔ گاندھی جی کہتے میں که مدیں آپنی ارتهک اور تعدیری یو جنا کراموں کے آپھوگ دھندوں پر ھی قابم کرنی ہوگی ورت گاری شہروں کے چلکل میں پہنس کر برباد موتے رہیں گے اور علاستان مالی نقطے نظر سے کیبی پنپ نہ سکتا ۔

کاندھی جی اور پاراپینٹری راج

دنیا کے عام اوگوں میں پارلیمنٹوی رائے کی اِنٹی چاہ دوں ہے اِس کا سبب یہ ہے کہ یہ رائے عام جنتا کا رائے سمجھا جانا ہے ۔ اُس میں جنتا اِس طرح رائیا بنائی جاتی ہے کہ لائیوں آدی اپنا ایک نمائندہ چنتے ہیں ۔ سو پنچھے پنچائوہ نه اُسے جانئے میں اور نہ بہنچانتے میں پہر بھی وہ اُن کا نمائندہ ابادا جانا ہے ۔ چنے جانے کے ہمد یہ نمائندہ ان کی بات بھی نیس پوچھٹا ، وہ اُنہیں اصلی فائدہ بھی نہیں پہنچا سکہ کوئنکہ وہ تو سیکٹوں نمائندوں میں سے ایک ہونا ہے ، اِس طرح ایک رائیا میں دس بیس بادشاہ بی جاتے میں اور منسٹووں وہی لونڈی اور داسی بنی رہتی ہے ، راج کانے چھے کا خرجہ بہتے ایک میں دس بیس بادشاہ بی جاتے میں اور منسٹووں بہتے اور داسی بنی رہتی ہے ، راج کانے چھے کا خرجہ بہتے ایک اور داسی بنی رہتی ہے ، راج کانے چھے کا خرجہ بہتے ایک اور داسی بنی رہتی ہے ، راج کانے دوروں کی گنتی اور راشٹویٹی کی شان شوکت کے اتمہر پرانے بادھاموں کو بھی اور راشٹویٹی کی شان شوکت کے اتمہر پرانے بادھاموں کو بھی شرماتے میں اور بیہ کیلانا کا راج ا

گاندھی جی یہولی جلتا کو ٹھکٹے رالے اِس پارلیمئٹری حکومت کے مایا جال کو جو تعدیدل دینا چاھٹے تھے۔ وے اُنہ کو سعینا لوک تنتری کیتے تھے و سعینا لوک تنتری کیتے تھے ، وہ چاھٹے تھے کہ جنتا سے میے راجا بنے اوراپنا

करने के बजाय ज़बर्वस्ती की धीर बनावटी एकता कायम करना है."

गाँधी जी कहा करते थे धाईसा कमजोर से कमजोर इनसान को भी फीलाद की सी ताक्रत दे देती है. उनकी धाई श के धावरज भरे नतीजे हमने हिन्दुस्तान में सत्याग्रह की लड़ाइयों में देखे. भ रत की स्त्रियाँ बहुत कमजोर और विक्रक्ष हुई सममी जाती थीं. गाँधी जी ने उन्हें भी सत्याग्रह में शामिल होने की दावत दी. लोगों ने साचा गाँधी जी दिक्कतों को नहीं सममा रहे, मगर उन्हें क्या पता या कि गाँधी जी के सामने आने वाले हिन्दुस्तान की सही तसवीर है.

थो है ही दिनों के बाद नमक सत्याप्रद की लढ़ाई में लागों ने अचरज भरा नजारा देखा। हजारों खियाँ परों की ममता छोड़कर काजादी की लड़ाई में कुद पड़ीं। जो खियाँ कभी चौके-चुल्हे से बाहर नहीं निकती थीं. जिन धीरतों ने जनानखाने की बन्द रोशनी के बाहर कभी क़दम नहीं रखा था, जो शायद ही कभी आम रास्तों पर चली हों, पुराने दक्तियानुसी रीत-रिवाजों में फैंसा हुई भौरतें, शर्मीं और लजीली भौरतें, जो घूँ घट हटाने की बात न सांच सकती थीं, पुरानी तहजीब पर एतकाद रखने वाली मुजूर्ग औरतें-सब की सब ताक़त और हिस्मत बटार कर जनता के समुत्वर में कुद पड़ीं। बेपढ़ी हाते हुये भी जगह जगह उन्होंने सत्याग्रह कमेटियों की सदारत की. कमजोर होते हुये भी उन्होंने सत्याप्रदियां के जत्यों की कप्तानी की. बन्होने पुलिस चौर बनकी लाठियों का सामना किया, भूप और बारिश में बैठकर पिकटिंग की, जेल के सीखचों के भीतर सजायें काटीं, चौर बाज मीक्रों पर मशीनगन की गोलियों का भी सामना किया. गाँव की चौरते हुँसते हुये अपने खाबिन्दों, बेटे और बेटियों की टीका लगाकर जेलसाने भजतीं, सदियों की दबी और सताई हुई हिन्द्रस्तानी नारी ने अपनी कर्बीनी और हिन्मत से सारी दुनिया को अवरज में डाल दिया. यह करिश्मा महजा गांधी जी की कार्डिसा की वजह से हा पाया.

गाँधी जी सादी और गाँव के धनधों के इसलिये इक में ये कि वे सममते थे कि कल कारखाने और मशीनें शोषन की जड़ हैं, गाँधी जी ने 'हिन्दु स्वराज' में तिसा है :—

"मशीनों ने हो दिन्दुस्तान को कंगाल कर दिया, मैनचस्टर की ही बनह से दिन्दुस्तान की कारीगरी करीब-करीब कोप हो खुकी है, मशीनों ने यूरोप को भी बरवाद करना हुइस कर दिया है, बरवादी इस समय संप्रेजों के रखाने सहस्रदा रही है। साजकल की सम्यता का सास کرنے کے بجائے زبردسٹی کی اُور یناوٹی یکٹا قائم کینا ہے "

کاندھی جی کہا درتے تھے اہنسا گرور سے کورر اِنسان تو بھی فوالد کی سی طاقت درے دیتی ہے۔ اُن کی اُہنسا کے اُچرے بھرے نترجے ہم نے ہندستان میں سٹیاگرہ کی اوائیوں میں دیکھ ، بھارت کی اُستریاں بہت کورر اُور بچھوی ہوئی سنجھی جاتی تھیں ، کاندھی جی لے اُنہیں بھی ستھاگرہ میں شا ل ہونے کی دعرت دی ، لوگوں نے سوچا گاندھی جی دنتوں کو نہیں سنجھ رہے ، مئر اُنہیں کیا پٹھ که کاندھی جی دنتوں کو بیادتے آئے والے ہندستان کی منجیع تصویر ہے ،

تہورے می دنوں کے بعد انبک ساتیاگرہ کی لوائی میں لوگوں نے اچرہے بھرا نظارہ دیکھا ، مزاروں اِستریاں گھروں کی معنا جهر کر ازادی کی نوائی میں کود پریں ۔ جو استریاں كبهى چوك چوله سه باهر نهيں تكلى تهيں ، جن عوتوں نے زنان خانے کی بلد روشلی سے باعر کبھی قدم نہیں رکھا نھا جو شاید ھے قبھے عام راستوں پر چڑھی ھوں' پرائے دقیانوسی ریت رولچوں میں پہنسی ہرئی عورتیں؛ شر میلی اور لعجیلی عورتیں چو گهونگها مقانے کی بات نام سوچ سکتی تهیں پرانی ایڈیب يو اعتقاد رئيله والى بزرگ عورتين-سب كى سب طانت ال میت بازر کر جاتا کے سمادر میں نود بویں ، بروھی عاتے عول بھی جگہے جگہے اُنھوں نے ستیاگرے کی تعور کی مدرت کی . کینور ہوتے ہوئے اور انہوں نے ستیاگرھیوں کے جتھوں کی کیتائی كى ، أقهور لے پوليس أور أن كى اللهيوں كا سامنا كيا . دعوب ارر ہارھی میں بیٹھ کر پیکیٹنک کی، جیل کے سیضچوں کے بھائر مارائهن کالین اور بعض موقوں پر مشهن کن کی گرلهوں ا بھی ساسنا کیا ۔ گلوں کی عورایس هفستے هوئے اپنے خاوندوں عید ببرالیں کو ٹیکا لگا کر جیل خاتے بیبجالیں ، صدیوں کے دبی اور ستائی ہوئی ہندستانی تاری نے اپنی قربانی اور ہدت سے ساری دلیا کو اجرج میں ذال دیا ، یہ کرشمہ معض کاندھی جي کي وجه سه هو پايا .

کاندھی جی کیادی اور گاؤں نے دھلدوں کے اِس اللہ حق میں تھے که ویہ سنجھتے تھے که کل کارخانے اور معین شوشن کی جو میں ، کاندھی جی نے اعلان سوراج کھا ھے۔۔۔

المعینوں نے هی هندستان کو کلگال کر دیا ، مانتیستہ کی هی مورستان کی کاریکری قریب قریب لوپ عو چکی هی معینوں نے یورپ کو بھی بدیات کرفا شدوع کو دیا ہے ، بربادی اِس سمہ الکریؤوں کے دروازے کولیا وہی ہے ، بربادی اِس سمہ الکریؤوں کے دروازے کیایہا وہی ہے ، آپ کل کی سبینا کا خاص

जद एक ही है और ये सब एक दूसरे के मददगार हैं.

जीर जब कभी बापसे मैं यह कहता हूँ कि जाप अपने
दिलों से छुआ छूत को निकाल बाहर करें तो मैं आपसे
यही चाहता हूँ, इससे कम कुछ नहीं कि आप समूची
इनसानी कीम की बराबरी और बुनियादी एकता में
विश्वास करें. ईश्वर एक है. वही सबका ईश्वर है और मैं
आप सबसे कहता हूँ कि आप इसे मूल जाइये कि एक
ईश्वर के बच्चों में ऊँच, नीच का छोई फ़रक हो सकता
है." (हरिजन 16 फ़रवरी, 1924).

धागे चलकर गान्धी जी ने कहा—"जब ऐसा पाक और ग्रुम दिन आयेगा तब स्टेशनों के ऊपर हिन्दू पानी और मुसलिम पानी या हिन्दू काय और मुसलिम काय की शर्मनाक आवर्षे मुनाई न देंगी. तब स्कूलों और कालिजों में हिन्दुओं और रीर हिन्दुओं के खलग-अलग पढ़ने का इन्तजाम न होगा, न अलग-अलग चरतन होंगे, तब न जात पाँत या फिएकों के नाम पर स्कूल या कालिजों के नाम होंगे और न मुसलिम, हिन्दू, जैन सम्भदायों के नाम के अस्पताल होंगे." (कन्स्ट्रक्टिब प्रोमाम, सका 4, बिसम्बर 13, 1941).

गुजरात विद्यापीठ में तक्रीर करते हुये एकबार गाँधी जी ने कहा था---

"मैं यह नहीं चाहता कि मेरे मकान के चारों तरफ ऊँची दीवारें खड़ी हों और सब तरक की खिड़कियाँ ठुँस-ठुँस कर बन्द कर दी गई हों. मैं बाहता हूँ कि मेरे मकान के बारों तरफ सब ग्रुलकों की करूबर खुली हवा की तरह पूरी माजादी के साथ बहती वहें लेकिन मैं यह नहीं चाहता कि कोई हवा मेरे पाँव उखाड़ दे. मैं यह नहीं चाहता कि प्रशनी करवर पर ही हम गुजारा करते रहें वरिक हम एक ऐसी नई कल्चर की तामीर करना चाहते हैं कि जिसकी जहें मुल्क की तहजीब की परानी गहराइयों में हों और जो इमारे अब तक के तजहबों से मालामाल हो. इम उन सब करूचरों के समन्वय और मेल के तरकदार हैं कि जो हिन्दु-स्तान में बाहर से आकर बस गईं, जिन्होंने यहाँ की जिन्दगी पर असर डाला और जिन पर खुद यहाँ की घरती का असर पड़ा, कृदरती तौर पर हमारा यह करूनरी मेल जोल धीर समन्वय स्वदेशी हंग का होगा। जिसमें हर करुवर को मुनासिय जगह मिलेगी. यह अमरीकी ढंग का न हांगा जिसमें ज्यादा तादाद वाले लोगों का या जिनका जोर है धनकी कल्चर और सब कल्चरों को अपने अन्दर हुक्म किये हुये है और जहाँ समन्वय या मेल का मकसद सब राग रागनियों को मिलाकर एक मधुर सुरीला राग पैदा

جو ایک هی هے اور یه سب ایک دوسوے کے مددائر هیں ، اور جب کبھی آپ سے میں یه کبا هیں که آپ اپنے داہر سے جہوت جہات کو نکال باعر کریں تو میں آپ سے یہی چاہتا ہوں ، اِس سے کم کچھ نہیں که ، آپ سموچی انسانی قوم کی برابری اور بنیادی یکنا میں وشولی کریں ، ایشور ایک هے وعی سب کا ایشور هے اور میں سب کریں ، ایشور ایک هے وعی سب کا ایشور هے اور میں سب سے کہنا هیں که آپ اِسے بهول جائے که ایک ایشور کے بچوں میں اُونیے ' نیچ کا کرئی نوق هو سکتا هے ،'' (هربچی 16 نروی) ،

آگے چل کر گاندھی جی نے کیا۔۔۔''جب آیسا پاک اور شبعه دیں آئیگا تب اسٹیشاری کے آورو هندو پائی آور مسلم پائی یا هندو چائے اور مسلم چائے کی شرمناک آوازیں سنائی نه دینکی . تب اسکولوں اور کالجوں میں هندوں اور غیر هندوں کے الگ آنگ پڑھنے کا انتظام نه هوگا' نه آلگ آلگ برنی هونگے تب نه ذات پات کا یا فرقوں کے نام پر آسکول یا کالے کے نام هونگے اور نه مسلم' هندو' جین سمهردائیس کے نام کے اسپتال هوں کے .'' (ننسٹرکٹو پروگرام' صنحه کا دسمبر نام کے اسپتال هوں کے .'' (ننسٹرکٹو پروگرام' صنحه کا دسمبر نام کے اسپتال هوں کے .'' (ننسٹرکٹو پروگرام' صنحه کا دسمبر

گھجرات ودیا پہتھ میں تقویر کرتے ہوئے ایکھار گاندھی جی نے کہا تھا۔

المیں یہ ٹیس چاھٹا کہ میرے مکان کے چاروں طرف أونجي ديو رين کهري هرن اور سب طرف کي کهرکيان ٿهرنس تبرنس کر بند کر دی گئیں هوں ، میں چاهنا هوں که میرے مکان کے جاروں طرف سب ملکوں کی کلنچر کہلی ہوا که طرح پوری آزادی کے ساتھ بہتی رمیں لیکن میں یہ نہیں چامٹا که کرئی هوا میرے یاوں اکہار دے ، میں یہ تبین چاهتا که پرائی نلجو پر هي هم گذارا نرت رهيس بلکه هم آيک ايسي نئي الحجر کی تعبیر کرنا جاملے میں که جس کی جویں ملک کی تہذیب کی پراٹی گہرایوں میں جوں اور جو جمارے آپ نک کے تجوربوں سے مالا مال هو ، هم أن سب كلمجروں كے سماو اور مہل کے طوندار ھیں که جو ھندستان میں یامر سے آ کر بس کئیں ' جہنوں نے بہاں کی زندگی پر اثر ڈاڈ اور جو پر خوں یہاں کے دورتی کا اثر ہوا ، قدرتی طور پر همارا یه کلچری میل جول اور سملو شودیشی تعنگ کا هوگا جس میں هر للحور کو مناسب جکه ملیکی . یه آمریکی دهنگ کا ته هو جس میں زیادہ تعداد والے لوگیں کا یا جن کا زور ہے أن كى كلمهر اور سب كلمهرون كو أين الدر عقم كله هزير هيل الورجيال سماو يا ميل كا منصد سب راك راکیس کے مق کی ایک مدھر سریا راک یعدا

كوئى سوال قيدن . [عدين سب كي ساته ايك سا محصف كا برتاؤ كرنا چاھئے ، اپنے سب كاميں مين سب كى بھلائى كو مدنظر ركهنا جاعلي هريجيع أندولي كاذكر كرت عول كالدهي جی لے میں 1934 میں کیا تھا۔۔۔!اینی تبعللی ہوئی والوگی کے دور مین میں کرئی ایسا سامپردائک کم ہاتھ میں تہیں۔لے مكتا جس سے عام جنتا كو كوئى فقصان يهنچے ، هريجينوں كى سهرا میں بھی مهرب دل کی گہرائی میں یہ خواعص مہنوں هِ كُمُ أَسَ فِي سَارِي اللَّهِ جَنْنَا أَوْرُ سَبِ الْوَكُونِ كَا يُولاً هُو . كَيُونَانُهُ میں تہیں مانٹا که انسان کی زندگی کوئی ایسی الگ الگ کوتھریوں میں بندھے جن میں ایک کی دوسرے کو ہوا نے لگ سکے یا انسانی زندگی کے ڈعرے نئے جا سعتے ہیں ، اُس کے خلف إنساني سماج كا جهرن أيك أيسى سموچي چيز 🕏 جس کے نہ ایک انگ تعرب میں اور نہ تعرب کئے جا سعتے ھیں ، اِس اللہ جو چیز آیک کے سخے بیلے کی ف یا هر سکتی ا وہ فرور سب کے بہلے کی ہوگی ، یہ مسوتی کبھی دھوکا لهين در سکتي .

میں لے ایفی زندگی بھر سب کی بھالٹی کے اِس اصل میں وشواس کیا ہے ۔ اِس لگے میں نے کبھی بھی کوئی آیسا كلم فرقيم وأرأته يا راشاري هانه مين نهبن ليا جو يوري أنساني قرم کے مت کو تقصان بہنچائے والا ہو ، جب میں لے یہ اُچھی طرح دینہ لیا که آجکل هندؤں میں جس طرح کی چہوآ چہرت برتے جاتے ہے وہ صرف ھلدؤں کی آگے کی ترقی کے راستے میں ہی روکارت نہیں ہے بلکه عام طور پر سب لوگوں کی ترقی کے راستے میں روکارے ہے ، سرسری نظر سے دیکھنے والا يبي يه اچهي طرح ديكه سكتا في كه إس چهوا جهوت لي ئے صرف اونجی جدای کے هندؤوں کو بلکه هندستان میں رهنے والم سب لوگین او مسامانون عیسا تیون اور دوسرون کو بھی أنبى طرح جهر ركها هے جس طرح سائت كسى كو كندلورن میر جار اینا هے ، جورا جورت کے اُس بشاہے سے یدھ کرنے میں میرے دل کے اندر یہ خواہش نہیں ہے ته صرف هندوں هادون و ين هي بهائي چارا قايم هو چائيا مهري دلي خواههي يع هے له إنسان إنسان كے دورج بہائي چاراً قايم هو جائے جس مهن هندوا مسلمان عيسائي پارسي اور يهودس سب ايک سمان شاہل ہوں کیونکه معجمے دنیا کے سب بچے بچے مذھبوں كى بليادى سجائي مين وشوأس في مجه وشوأس فه ته يه سب ، ذهب ايشور کے دائم هوالے ديں ، اور معجم وشواس ہے که یه سب مذهب أن لوكوں كے لله ضرورى تھے جاہيں يه أيشور سے ملے مجھے اس بات کا بھی ودواس کے که اگر عم سب آنگ الگ دھرم مذھبوں کی نتابوں کو اُن دھرموں کے مانیے والیں كي نكاء به يرهين تو هنين يته چلي لا كه أن سب دهرمون كي

रंग, जाति, या मजहब का कोई सवाल नहीं, हमें सबके साथ एकसा मोहब्बत का बर्ताब करना चारिये. अपने सब कामी में सब की मलाई का महे नजर रखना चाहिये. हरिजन आन्दोलन का जिक्र करते हुये गान्धी जी ने सन् 1984 में कहा था :- "अपनी ढलती हुई जिन्दगी के दौर में मैं कोई ऐसा साम्प्रदाविक काम हाथ में नहीं ले सकता जिससे आम जनता को कोई नुक्रसान पहुँचे. इरिजनों की सेवा में भी मेरे दिस की गहराई में यह खाहिश मौजूद है कि इससे सारी अनता और सब लोगों का भला हो. क्यों कि मैं यह नहीं मानता कि इनसान की जिन्दगी कोई ऐसी अलग-अलग कोठरियों में चन्द है जिनमें एक की दसरे को हवा न लग सके या इनसानी जिन्दगी के दुकड़े किये जा सकते हैं. इसके खिलाफ इनसानी समाज का जीवन एक ऐसी समूची चीज है जिसके न अलग-अलग दकहे हैं और न दुकड़े किये जा सकते हैं. इसलिये जो चीज एक के सबे भले की है या हो सकती है वह जरूर सब के भले की होगी. यह कसौटी कभी घाखा नहीं दे सकती.

"मैंने अपनी जिन्दगी भर सबकी भलाई के इस उसल में विश्वास किया है. इसी लिये मैंने कभी भी काई ऐसा कार, फिरके बाराना या राष्ट्रीय, हाथ में नहीं लिया जो पूरी इनसानी क्रीम के हित का नुक़सान पहुंचाने वाला हो. जब मैंने यह अच्छी तरह देख लिया कि आजकल हिन्दुओं में जिस तरह की छुत्रा छत बरती जाती है वह सिर्फ हिन्दुं औं की छागे की तरकी के रास्ते में ही उकावट नहीं है बल्कि आम तौर पर सब लोगों की तरक्की के रास्ते में इकावट है. सरसरी नजर से देखने वाला भी यह अच्छी तरह देख सकतां है कि इस छुआ छूत ने न सिर्फ ऊँची जाति के हिन्दुकों को बस्कि हिन्दुस्तान में रहने वाले सब मजहबों के लोगों को मुसलमानों, ईसाइयों और दूसरों को भी उसी तरह जकड़ रखा है जिस तरह साँप किसी को अपनी छन्डलियों में जकड़ लेता है. छुआ छूत के इस पिशाच से युद्ध करने में मेरे दिल के अन्दर यह खाहिश नहीं है कि सिर्फ हिन्दुओं हिन्दुओं में ही भाई चारा क्रायम हो जाय. मेरी दिली खाहिश यह है कि इनसान इनसान के बीच भाई चारा कायम हो जाय जिसमें हिन्द, मुसलगान, ईसाई, पारसी, और यहदी सब एक समान शामिल हों क्योंकि मुक्ते दुनिया के सब बढ़े-बड़े मजहबाँ की बुनियादी सबाई में विश्वास है. मुक्ते विश्वास है कि ये सब मज्हब ईरबर के दिये हुये हैं, और मुक्ते विश्वास है कि ये सब मज़हब उन लोगों के लिये जरूरी थे जिन्हें ये ईश्वर से मिले. सुमे इस बात का भी विश्वास है कि अगर हम सब अलग-अलग धर्म-सजहबों की किताबों को उन धर्मी के मानने बालों की निवाइ से पहें तो इमें पता चलेगा कि इन सक अमें की

का खून बहाकर अगर आजादी मिलती है तो ऐसी आ-जादी नहीं चाहिये. इसीलिये चन्होंने चीरीचीरा के कले-आम के बाद सत्यामद की लड़ाई बन्द कर दी. दरजनों बार चन्होंने हुलम्बे-लम्बे इपवास और फ़ाके किये और रो-रोकर ईरवर से दुआएँ माँगी.

इनसानी तारीख में शायद पहली बार जमात की हैसि-यत से हमें यह बताया गया कि हमारा काम दूसरों को करल करना नहीं है बल्क खुद अपने आपका बलिवान कर देना है और फिर भी आखीर में हम फतहवाब होंगे. गांधीजी का यह कितना शानदार पैशाम था किसी सियासी मकसद को हासिल करने का यह पैगाम नहीं था बल्क इन-सानी क्रीम की भलाई का धुनियादी पैराम था. जिस जंग में सचाई की कोई जगह न हो उसमे भरना मानो अपनी इस्ती को मिटा देना है. पर सत्य और ऋहिंसा के युद्ध में कुछ बात बाक्षी रह जाती है, उसमें हार जाने पर भी जीत होती है और मर जाने पर भी अमर जीवन मिलता है. गांधीजी की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे एक बहुत बढ़े सियासतकां थे, बहुत बढ़े नेता थे, बहुत बढ़े समाज सुधारक थी लेकिन सब से ज्यादा वे एक बहुत बढ़े इन-सान थे, यदि समाज के फायदे के लिये वे किसी क़र्वीनी का विधान करते तो सब से पहले अपने आप पर उसका अमल करके देख लेते. अगर'कोई नया प्रयोग करना चाहते सो सब से पहले उसकी तकलीकों खद बदारत करके देख नेते. अपना सब इक्ष त्यागकर तब वे दसरों को त्याग करने का उपदेश देते.

गाँधी जी हर क़दम पर अपने आपको कसौटी पर कसते थे. खाने में, पीने में, किसी से बात करने में, बहस करने में, कोई भी छोटा बड़ा क़दम उठाने में, हर बात और हर फिकरें में वह बराबर अन्दर ही अन्दर देखते रहते थे कि कहीं वह बेसल तो नहीं हो रहे हैं ? माफी के उस्त को तोड़ तो नहीं रहे हैं ? कोई बात खुदी या अगरह के असर में तो नहीं कर रहे हैं ? दूसरे का हक तो नहीं ज्ञान रहे हैं ? जायक के लिये तो नहीं खा रहे हैं ? सचाई से बाल बराबर भी तो नहीं हट रहे हैं ? दिल के अन्दर कहीं गुस्से की रमक तो नहीं है ? आहंसा के उस्त से तो नहीं हिंग रहे हैं ? बरीरह बरीरह.

गान्धों जी जो भी काम करते उसे ताल कर देख लेते कि अया वह सारी इनसानी क्षीम के कायदे का है या नहीं! हिन्दुस्तान की जनता के जरिये ही वह सारी इनसानी क्षीम की विदमत करने की बात सोचते। उन्होंने एक उस्त बना लिया था कि सारी इनसानी क्षीमों का एक ही खान-हान है. दुनिया के सब इन्सान माई-भाई है, इसमें देश,

کا خوال بہاتر اکر آوادی ملتی ہے تو ایسی ٹی معجے نہیں چاہی۔ اِسی للے اُنہوں نے چوری چورا کے قتل عام کے بعد ستھاگرہ کی نوائی بلد کر دیں ، درجنوں یار انہوں نے لمبے لیے اپولس اور ناقہ کئے اور رو رو کو ایشور سے دعائیں مانکیں ،

السائی تاریخ میں شارد پہلی بار جداءت کی حیثیت سے

همیں یہ بتایا گیا کہ همارا کام دوسروں کو قتل کرنا نہیں ہے

بلکہ خود اپنے آپ کو بلددان کر دینا ہے اور پور بھی آخیر میں

هم ناتحیاب دونکے ، گادعی جی کا یہ کتنا شاندار پیغام تھا ،

کسی سیاسی مقصد کو حامل کرنے کا یہ بیغام نہیں تھا بلکہ

انسائی قوم کی بھائی کا بنیادی پیغام تھا ، جس جنگ میں

سجائی کی کوئی جگہ نہ ہو اُس میں مرنا ماتو اُپنی هستی

کو مثا دینا ہے ، ہو ست اور اُهنسا کی یدھ میں کنچہ بات

باتی رہ جاتی ہے ، اُس میں ہار جائے پر بھی جیت ہوتی

گالدہ ی جی کی سب سے بڑی خاصیت یہ تھی کہ وہ ایک بہت بڑے سیاست داں تھے' بہت بڑے نیٹا تھے' بہت بڑے ایک بہت بڑے ایک ہوے برے ایک بڑے السان تھے ، یدی ساج کے فائدے کے لئے کسی قربائی کا ودھاں کرتے تو سب سے پہلے آپنے آپ پر عمل کر کے دیک لیتے ، اگر کوئی نیا ہوگ چاعتے تو سب سے پہلے آس کی تعلیف خود برداشت کر کے دیکھ لیتے ، آپایا سب کچے تیاگ کر تب رے دوسروں کو تیاگ کرنے کا ایدیش دیتے ،

الدهى جى هر قدم پر اپنے آپ كو كسوتى پر كستے تھے .
كانے ميں ويلے مهں كسى سے بات كرنے ميں بحث كرنے ميں كرنے ميں بحث كرنے ميں كرنى بهى چهوٹا بڑا قدم أنهائے رميں هر بات أور فقر ميں ولا برابر أندر هى أندر ديكيتے رهتے تھے ته كهيں ولا يہ يہ نو نہيں رهيں الدر ديكيتے كامول كو تور تو نهيں رهيں هيں لا كيمنڌ كے أثر ميں تو نهيں كر رهي هيں لا كيمنڌ كے أثر ميں تو نهيں كر رهي هيں لا فائقے ميں لا دوسرے كا حتى تو نهيں چهين رهي هيں لا فائقے هيں لا دوسرے كا حتى تو نهيں جهين رهي هيں لا فائقے هيں الله برابر تو نهيں كے الدر كييں نصے كى رمتى تو نهيں هيا وهيره هيں لا وهيره هيں لا وهيره

گائدھی جی جو بھی کام کرتے آسے تول کو دیکھ لیتے کہ وہ
ساری انسانی قوم کے فائدسے کے لئے ہے کہ نہیں إ هادستان کی
جنکا کے ذریعہ ھی وہ ساری انسانی فوم کی خومت
کرتے کی بات سوچتے انہوں نے ایک امیل بنا لیا تھا که
ساری انسانی قوموں کا ایک ھی خاندان ہے دنھا کے
ساری انسانی قوموں کا ایک ھی خاندان ہے دنھا کے
سب انسان بھائی بھائی ہیں اس میں ہیھی ا

हर शोषन को जन्म देती है इसित्ये इनसान 'अपरिमही' बने बानी जायदाद के ऊपर से मालिकाना इक छोड़ दे. सब की कमाई सब के लिये हो. उनकी सातवीं हिदायत थी कि 'बापसी' मुल्की और अन्तर्राष्ट्रीय-सब मृगडे हम-व्हीं, प्रेम, भाईचारे की भावना, और बिना खन वहाये अहिंसा के उसल पर हल किये जाँय. हर इनसान ईश्वर की भौलाद है और इरबर कभी यह पसन्द न करेगा कि इम अपनी ख़द्रारिक्च यों के लिये उसकी सन्तानों को ईजा पहुँ चार्चे या उनका खुन बहायें उनकी आठवीं हिदायत थी कि इनसान इनसान के बीच न कोई छोटा है और न बड़ा, ईश्वर कभी यह पसन्द न करेगा कि हम अपने राहर या चनन्ड में किसी को छोटा या हक़ीर सनमें. एक ही ईश्वर की सन्तान होने के नाते हर इनसान बरा-वरी का दावेदार है. दर अस्त हीन और पतित सममे जाने बाले इनसानों के बीच में ही ईश्वर निवास करता है. जो राहर करता है उसका सिर नीचा होता है. जो तलवार उठाता है वह उसी तलवार से मिट जाता है. छोटे-बढ़े और अमीर-गरीब के सब भेद नक़ली हैं. अपने अमन्ड में इन-सान ने इन मेदों की बुनियाद डाली है, उनकी नवीं हिदा-यत थी कि इनसान हर तरह को चोरी से बचे. इसे वह 'अस्तेय' कहते थे, चार रोटी की भूख है और अगर हम है रोटी खाते हैं तो हमने दो रोटी की चौरी की, गरीबों के मुँह से उतने कौर हमने बीन लिये. अगर हमारा काम तीन करतों से चल जाता है और हम है करते अपने लिये जमा करते हैं तो हम चोरी करते हैं. हम एक भाई को नंगा रखने में मदद देते हैं. सब इनसानों के बराबर ही इमारा इक है, अगर इम ज्यादा लेते हैं तो इम चारी करते हैं, गुनाह करते हैं, अमानत में ख्यानत करते हैं. वनकी दसवीं हिदायत थी कि सब बढ़े-बढ़े मजहबों में एक सी सचाइयाँ हैं. इसिल्ये सब मजहवों का आदर करो. ईश्वर चौर चल्लाह एक हैं. इनसान ने चपनी वेवक्रकी में ईश्वर में भी फर्क करने की बदतमीजी की. उनकी ग्यारह-वीं हिदायत थी कि कोई कामऊँ चा-नीचा नहीं है. सच्चा अधारा वही है जो सच्चा मेहतर है. हरिजनों को छोटा समम्बद, उनके साथ नफ्रत करके हम इनसानों की बराबरी के दावेदार नहीं बन सकते. हर तरह का अम बराबर है चाहे वह राष्ट्रपति काकाम हो और चाहे भंगी का. अपने हर क़द्म को गान्धीजी ने इन्हीं उस्लों की रोशनी में जाँचा और परखा. गांधीजी की सबसे बढ़ी खासियत यह थी कि फीरन काम बनाने के लिये अपनी जिन्दगी के इन बुनियादी उसलों के साथ उन्होंने कभी सममीता नहीं किया, धन्होंने बार-बार कहा कि सचाई को स्थाग कर अगर खराजकाता है तो ऐसा स्वराज सम्मे नहीं चाहिये. दूसरों

· هر هوهن كو جام ديايه ، اِس الله اِنسان الَّه عرفي الله يعلى جائداد کے اوپر سے مانکانہ حق چھرزدے . سبکی گمائی سب کے لله هو . أن كي ساتويس هدايت على كه أيسي ملعي اور اثعر راشری سسب جهازے همدردی وربم بهائی چارے کی بهاؤنا اور بنا خوں بہائے آهنسا کے اُمول يو حل کئے جائيں۔ هو انسان ايشور كي أولاد هاور أيهور كبهي به يسند ته كويكاكه هم أيني خود فرهيون كِلله أس كى سنتانس كو النفا يبوچائين يا أن كا خون بهايدن. أن كى أنهويس هدايت تهى كه إنسان انسان كے بيع قع كوئى چهوٹا هے اور نه برا ، ايشور كبهى يه پسند نه كريكا كه هم أينے غرور يا گهند مهن کسي کو چهواا يا حقير سنجههن ، آيک هي أيشور كي سنتان هيئے كے ناتے هو انسان برابوس كا دعويدار هے . دراصل هیں اور یات سنجھے جانے والے اِنسانوں کے بیچ میں هي أيشور لوأس كونا هي جو غرور كرتا هي أس كا سر فيعجا هوالله عجو الموار الهاما هي وه أسى الموارس مث جالا هي جهوالم بڑے اور امیر غریب کے سب بھید نقابی مھی ، اپنے گھنڌ ميں اِنسان نے اِن بهدرس کي بنياد ذائي هے . اُن کي لرين هدايت تهي كه إنسان هر طرح كي چرري سه بحي . أسه وة السيقه كهتم الهم ، چار روتى كى يهوك هم اور اگر هم چه روٹی کہاتے میں تو هم نے دو روٹی کی چوری کی ، غریبوں کے مله سے آنایہ کور عام نے چھین اللہ ، اگر عماراً کام تھی کرتوں سے چلتا هے اور هم چھ کوتے اپنے لئے جسم کرتے هیں تو هم چوری کرتے میں ، هم ایک بهائی کو نظا رکھنے میں مدد دیتے هیں . سب اِنسانیں کے ہواہر ھی سارا حق ہے؛ اگر ھم زیادہ لیتے هیں تو هم چوری کرتے هیں؛ امانت میں خیانت کرتے هیں ، اُن کی دسویں ہدایت تھی که سب ہوتے ہوتے مزھیں میں ایک سی.سچاایاں میں ، اِس لئے سب مذهبوں کا آدر کرو ، ایشور اور الله ایک هیں ، اِنسان فے اپنی بیونونی میں ایشور میں بھی فرق کرلے کی بدتمیری کی ۔ اُن کی گیارھوں ھدایت اللهي كه كوئي كام أونتها نيتها نهين هم منتها برهبن راج وهي ه جو سعها مهتر ه ، هرينجنون كو چهرانا سمنه كو الن ك ساتھ تفرت کر کے مر اِنسانیں کی برابری کے دعوددار نبھی ہی سکتے ، هر طرح کا شرم برابر هے چاھے وہ راشتریتی کا کام هو اور چاہے بہلکی کا ، اپنے عر قدم کو گاندھی جی نے آنہیں امولیں کی روشلی میں جاچا اور پرکھا ، گاندھی جی کی سب سے ہری جات کے دروشلی میں یہ تھی کہ دوراً کام بنائے کے لئے اپنی رندگی کے أن بنیادی أمولوں کے ساتھ انہوں نے کبھی سمجھوتہ نہیں کیا . آنیس نے بار بار کیا، که سجائی کو تباک کر اگر سؤرانے آنا الله تو ایسا سوراج مجهد نهیں جادئے ، دوسروں

3.00



गान्धी जी के जनम दिन पर

दो अक्तूबर सन् 1957 को सारे हिन्दुस्तान ने राष्ट्र पिता महात्मा गांधी के जनम दिन को मनाया। उन्हें हम से विछुदे क़रीब-क़रीब दस बरस हो रहे हैं. इन दस बरसों में मुल्क ने कितने ही उतार चड़ाव देखे. हमारे इस्तहान के कितने ही भौके आये. क़द्रती था कि ऐसे मौक्रों पर हम गान्धी जी की पाक हस्ती को याद करते. ये भी याद करते कि ऐसी पेचीद्गियों को सुलक्षाने के लिये गान्धी जी नया करते. सन् 1917 से 1947 तकं अनक की सियासत पर गान्धी जी की जबरदस्त छ।य थी. वह जिधर डग उठाते थे डधर सारा हिन्दुस्तान चलता था. वे हमें अंधेरे से रोशनी में लाये. हमें कोई रास्ता नहीं सुफ रहा था उन्होंने हमें रास्ता बताया. आजादी हासिल करने के लिये हमारे पास कोई हथियार नहीं थे उन्होंने हमें ऋहिंसा और सत्याग्रह का हथियार दिया. वे बालते थे श्रीर मुल्क महसूस करता था कि वह मुल्क की भावनाओं को ही पेश कर रहे हैं, मिट्टी से चन्होंने योधा पैश किये. वह जहाँ बैठते थे वह जगह मन्दिर बन जाती थी. वह जो कुछ कहते थे मुल्क घाँख बन्द करके उसपर अमल करता था. उन्होंने सबसे पहली दिवायत ६में दी कि इम अपने दिल से ढर के जजबे को कराई निकाल दें उनकी दूसरी हिदायत थी कि अन्याय के सामने सर मुकाना इस बन्द कर दें उनकी तीसरी हिदायत थी कि जो कुछ सच है उसी का हम आग्रह करें यानी उसी पर हम जोर दें उनकी चौथी हिदायत थी कि अहिंसा को हम अपनी जिन्दगी में ढाले और अपने हर काम को अहिंसा की द्रवीन से देखें. उनकी पाँचवीं हिदायत थी कि इम जुराई से तो नफरत करें लेकिन बुराई करने बाले से प्रेम करें सनकी कठीं दिदायत थी कि इनसान के जारिये इनसान के शोषन के हम सब दरवाओ बन्द कर दें स्वामित्व की भावना

کاندھی جی کے جنم دن پر

در اکتوبر میں 1977 کو سارے هندستان نے راشرینا مہانما گادھی کے جلم دن کو منایا ، اُنھیں ھم سے بچھڑے قریب تربب دس برس هو رهے هيں . أن دس برسان ميں ملك نے کتنے می آثار چوعاؤ دیکھے، همارے استحال کے کتنے هی سوتع أَنْهِ ، قدرتي تها كه أيسم موقعوں يو هم كاندهي جي كي باك هستي کو بان کرتے . یہ بھی بات کرتے که ایسی پچیدگیس کو سلحها لے کے لئے گاندھی جی کیا کرتے تھے۔ 1917 سے 1947 تک ملک کی سیاست پر گاندهی جی کی زبردست چهاپ تهی ، وہ جدعر ذک انہاتے تھے ادعر سارا ہندستان چلنا نہا . وہے ہمیں الدهيرے سے روشنی ميں لائے . هميں كوئى رأسته سوجھ تهيں رها تها . أنهور في همهن استه بتايا ، آؤادي حامل كرفي كي للي عمارے پاس کوئی ہاچیار نہیں تھے، آنھوں نے سیوں اھنسا اور ستیاگرد کا هتههار دیا . و پراته ته اور ملک محسوس کرنا تها که وه ملک کی بهاؤناوں کو هی بده کر رہے هیں ، ستی سے اُنہوں نے یودہا دیدا کئے . وہ جہاں بیٹھتے تھے وہ جگہ مندر بن جاتی تھی ، وہ جو کنچے کہتے تھے ملک آنکے بنن کر کے أس ير عمل كرتا الها ، انهوں لے سب سے يهلي هدايت همين دی که هم اپنے دل سے در کے جدیے کو قطعی آنکال دیں . اُن کی دوسری هدایت تهی که انیانی کے سامنے سر جھکانا هم باد كر دين . أن كي تيسري هدايت تهي كه جو كجه سي ه أسي كا هم أكرة كوين يعلى أسى ير هم زور دين، أن كى چوكى هدایت که آهاسا کو هم اینی زندگی میں دالیں . اپنے هر كم كو أهنسا كي دوريون سے ديكھن ، أن كي بانچوين هدايت نبی که هم برائی سے تو تدرخت کریں لیکن برائی کرلے والے سے پریم کریں ، أن كى چهتى هدايت تمي كه إنسان كے دريع إنسان کے شوشن کے هم سب دورازے بلد کریں . سیامتوں کی بھاؤنا

पूरी पुस्तक है संहों और उनतकास अध्यायों में बांटी गई है, पहले संब में भारतीय अर्थशास्त्र की एक भूमि यानी पसे मंत्रर विया गया है, वसरे संब में अर्थशास्त्र के विषय को समस्त्राया गया है, वीसरे संब में इस्तेमाल होर तस्रत के उस्त को समस्त्राया गया है, चीथे संब में वैदाबार की मुख्यलिक शक्तों को दिखाया गया है, पांचवें सर्व में अद्वल-वद्त के सिद्धान्त पर राशनी डाली गई है और कठे खरड में पैदाबार के बटबार को समस्त्राया गया है, इसी संब में समाजवादी डांचा और आर्थिक बराबरी के उसूनों पर बहस की गई है, पुस्तक को ईसाबास्य मिदम् सर्वम्'—उपनिषद के श्लोक से शुक्त किया गया है और सम्यत्तिदान से सत्म किया गया है, कीमती बांकड़ों के सहारें पुस्तक में दिये हुये उसून समस्राये गये हैं

नये तुक्तते नजर से लिखी गई केला जी की यह पुस्तक हिन्दी अर्थशास्त्र की दिशा में एक तारीक के लायक कदम है. हमें डम्मीद है और दूसरी जवानों में भी इसका नर्जुमा होगा.

- —वि. ना पांडे

پوری یستک چھ کہنتری اور آفنجاس انعظایین میں برائٹی گئی ہے، پہلے کہنت میں بہارتھہ اربے شاستر کی پرها یہ بہومی یعلی پسرمانار دیا گیا ہے۔ درسرے کہنت میں اربع شاستر کی وشاہ کی وشاہ کی وشاہ کی وشاہ کی وشاہ کی اسمجھایا گیا ہے۔ چوتھے کہنت میں استعمال اور کی اصرال کو سمجھایا گیا ہے۔ پانچویں کہند میں ادال عدارار کے سمانت پر روشنی تاای گئی ہے اور چھاہ کہند میں سانے پدارار کے بارارے کو سمجھایا گیا ہے۔ اسی کہلد میں سانے وادی تھائرہ کو الیسا واسعہ مدم سروم' سانشد کے شاوک سے شروم کیا گیا ہے اور سرحیتی دان سے ختم کیا گیا ہے، تیمتی شروم کیا گیا ہے اور سرحیتی دان سے ختم کیا گیا ہے۔ تیمتی شروم کیا گیا ہے۔ اور سرحیائے گئے

للے تقطه لظر سے انہی گئی کیلا جی کی یہ پستک منبی ارتہ شاعر کی دشا میں ایک تمریف کے الیق تدم ہے۔ حبیں آمید ہے اور دوسری زبائوں میں بھی آسکا ترجمت ہو گا

--رى . نا . بالتب ،

विषार हों सो सदी. अकेले रहा जा सके तो सबसे अच्छा.
जैसे अकेले रहने में दुख है बैसे बच्चों के लिये सीतेली
माँ के लाने में भी दुख है. अब तुम थोड़े समय भाई के
साथ रह सकोगी. बार बार ऐसा मीक्षा न मिलेगा! दिलों
की सफाई कर लेना. कोई चिन्तां न करना. सुस-दुख तो
घूप-छांव की तरह चाते ही रहते हैं. संसार माया से मरा
है .थाड़ी माया बाले को थोड़ा दुख. इसलिये माया और
जंजाल बढ़ाने में कोई लाम नहीं.

"कोनां छोरू, कोनां वाझरू, कोना माने बाप जी, घन्त काले जब्दं एकला, साथे पुरुषने पाप जी."

यानी — "किसके बेटे-बेटी, किसकी जायदाद और किसके माँ-बाप, आखीर में तो अकेले ही जाना पड़ेगा. साथ में सिफ नेकी और बदी ही जायगी."

जवाहर लाल जी के बारे में सरदार की राथ देखें (सका 255)—"जवाहर लाल जी की सचाई परस्ती और अहिंसा प्रेम ऐसा था कि वे नापाक साधनों को बर्दास्त नहीं करते थे."

व्यक्तिगत सत्यामह के सिलसिले में सरदार जब फिर यरबदा जेल पहुंचे तो गांथी जी के बजाय दूसरी ही मंडली बहां थी. सरदार ने इसपर लिखा:—

"इस बार की मंडती दूसरी ही तरह की है इसलिये बापू के साथ का रस जिसने चस्ता हो वही जान सकता है. फिर भी यह सममकर दिन काट रहा हैं:—

> "तुलसी या संसार में भांति भांति के लोग, सबसे हिल मिलकर चलो नदी नांव संयोग."

इसी तरह के सैकड़ों प्रसंगों से पुस्तक भरी पड़ी है. आजाद हिन्दुस्तान के इतिहास को समक्तने के लिये इस पुस्तक से काफी मदद मिलेगी.

मारतीय अर्थशास

लेख इ श्री भगवान दास केला, शकाशक भारतीय प्रथ-माला दारागंज, इलाहाबाद; सफे 651, मोल पाँच हपया।

भारतीय अर्थशास्त्र के उत्पर केला जी ने भारतीय सुन्नते नजर से हिन्दी भाषा में जित्ता और जो कुछ लिखा है इतना और किसी ने नहीं. अर्थशास्त्र में उनका नजरिया गान्धी जो का नजरिया है. इस बढ़ा किताब को भी उन्होंने सर्वोदय की निगाइ से लिखा है. उनका दावा है कि वही अर्थशास्त्र भारतीय जनता के हित और करवान का अर्थ-शास है. رچار هین سو صحیم ، الیلے رها جا سکے تو سب سے آپھا ،
چیسے الیلے رهنے میں دکھ هے ویسے بحجوں کے اللہ سوتیلی مال کے
لانے میں ایسی دکھ هے ، آب تم ته رہے سمئه بھائی کے ساتھ رہ سکو
کی بار بار ایسا موقع نے ملیکا داس کی صفائی کر لینا کرئی چلتا
نے کرنیا ، سکھ دکھ تو دعوب چھاؤں کی طرح آتے عی رهنے
میں ، سنساو مایا سے بھرا ہے ، تھوڑی مایا والے کو تھوڑا دکھ ،
اِس لئے مایا اور چنجال بڑھانے میں کوئی لابھ نہیں ،

کونا چھورو' کرنا واچھرو' کرنا مائے باپ جی' انت کالے جورس الیلا' ساتھے پلیہ نے پاپ جی ۔''

یملی اس کے بیٹے بیٹی کس کی جائداد اور کس کے مان باپ اِ آخیر میں ٹو اُکیلے ھی جانا پریکا ، ساتھ میں مرف نیکی اور بدی ھی جائیکی ، ''

جواهر لال جی کے بارے میں سردار کی رائے دیکھیں (منحت 236 کے ۔۔۔جواهر لال جی کی سنچائی پرسٹی اور ا امنسا پریم ایسا تھا کہ وے تایاک ساد متوں کو برداشت تہیں کرتے تھے ﷺ

ویکٹی گت سلیاگرہ کے ساسلے میں سردار جب پھر یرودا جیل پہولتھے تو گاندھی جی کے بتجائے دوسوی ھی ماڈلی رہاں تھی ۔ سردار نے اِس پر لکھا :—

> وانلسی یا سلسار میں بھائٹی بھائٹی کے لوگ ا سب سے عل مل کر چلو تدبی قاؤ سنھوگ ۔ ا

اسی طرح کے سیلکروں پرسلگوں سے لیسٹک بھری بڑی ہے ۔ آزاد ہندستان کے انہاس کو سنجھنے کے لئے اِس لیسٹک سے کانی مدد ملیکی ۔

بهاراته أرته شاساتر

لیکھک شرق بھگوان دائس کیلا' پرکشک بھارتید گرفتھ مالا داراگئے المآیاد؛ صفحے 1511 مول پانچ روپید بھارتید ارتو شاستر کے آوپر کیلا جی نے بھارتید نقطہ نظر سے هندی بھاشا میں جننا اور جو کنچ لیا شانا اور کسی نے نہیں۔ ارتو شاستر میں آنکا نظریہ گاندھی جی کا نظریہ ہے۔ اِس بری نتاب کو بھی آنھوں نے سرووند کی نکاہ سے اکہا ہے۔ آنکا دعول شاکر بھی آرتو شاستر بھارتید جاندا کے ہست اور کلیان کا ارتو شاستر بھارتید جاندا کے ہست اور کلیان کا ارتو شاستر بھارتید جاندا

वरवया जेल में एक बार गान्धी जी ने कहा—'रक्खा हुआ खाँप भी काम का'—पूछने पर कि यह कहावत कैसे चली ? बापू ने कहा—''एक खुदिया के वहाँ साँप निकला. उसे मार दिया गया. बुदिया ने उसे छें कने के बजाय छुप्पर पर रख दिया. एक उड़ती हुई चील ने, जो कहाँ से मोतियों का हार ले खाई थी, उसे देखा. हार से साँप उसे ज्यादा कीमती लगा। इसलिये हार तो उसने छुप्पर पर हाल दिया और साँप उठा ले गई. इस तरह बुदिया को साँप संग्रह करने से हार मिला.,'

सरदार ने कहा—'वापू! इसका मूल दूसरा है!'' बापूने पूछा—''क्या १''

सरदार बोले: — "एक बनिये के यहाँ साँप निकला. इसे भारने वाला कोई मिलता न या और बनिये की हिम्मत नहीं होती थी. इसलिये इसने साँप को पतीली के नीचे ढाँक रिया. रात को चोर आये. वे कुत्हल से पतीली उघाड़ने लगे तो साँप ने काट लिया और चोरी करने के बजाय स्वर्ग सिधार गये." (सफा 117).

14 जून 32. गरमी में नीबू महरो हो गये. बापू बोले— "इस नीबू के बजाय इमली लें ."

बस्तम भाई बोले--- "इमलो के पानी से वायु बढ़ेगी और डिडबरों में दर्द होगा."

बापू "लेकिन जमनाजाल तो पीते हैं ?"

बस्तम भाई-- ''जमना लाल की हिंदुयों तक इमली को घुसने का रास्ता नहीं..''

बापू — "मगर एक बार मैंने इमली बहुत खाई है ."

बस्त्रभ भाई—''उस समय आप पत्थर भी हज्म कर सकते थे, आज तो बुढ़े हैं.''

पक बार बापू ने यरवदा जेल में नारियल की रस्सी की खाड अपने सोने के लिये मँगवाई. बल्लम भाई निवाइ की खाट के पक्षा में थे. बापू ने कहा—''मुक्ते याद है कि हमारे यहाँ बचपन में इस तरह की नारियन की रस्सी की खाटें काम में आती थीं. मेरो माँ उन पर अद्रख झीलती थीं."

बल्लम भाई—''इसी लिये तो कहता हूँ कि इस पर निवाद जगवा जीजिये. बरना मुट्ठी भर हिंडूयों की चमड़ी बिज जायगी."

गान्धी जी ने जब हरिजन अवार्ड के खिलाफ उपवास किया तो बल्लम भाई को नासिक जेल में हटा दिया गया. इस पर बापू ने कहा — "पिंजड़ा तो है पर पंछी उड़ गया."

सरदार के पारिवारिक जीवन की मां की अपनी लड़की मिन बहिन के नाम लिखे इस स्थल में देखें - "फिर से नवबाह के बारे में बाबा माई (सरदार के बेटे) के जो المرددا جنل میں ایکارالدھی جی کیاسہ راہا ہوا سالت ایک کام کا سے بوجید پر کہ یہ کہارت کسے چلی ا یاپو لے کیا ایک بچھیا کے ایک بچھیا کے ایک بچھیا گئے۔ بیاں سائب تعلی اسے مار دیا گیا ، بچھیا نے آسے بھیاکے کے بجائے جبھر پر رک دیا ۔ ایک آوٹی ہوئی جیل سائٹ کیارہ تو آس دیکھا ، ہار سائٹ اسے خاردہ قیمتی اگا ، اِس لئے ہار تو آس لے جبھر پر قال دیا اور سائب آئیا لے گئے ، اِس طرح بچھیا کو سائب سلکرہ کرلے سے ہار ملا ، اُ

سردار نے کیا۔۔۔ 'دہایہ! اِس کا مرال دوسرا ہے ۔'' بایو نے ہوچیا۔۔۔ ''کیا ؟''

سردار بولی۔ ''ایک بنئے کے بہاں سائپ ٹکلا، اُسے مارنے والا کوئی ملکا نہ تھا اور بنئے کی همت نہیں ہوتی تھی، اِسِ لئے اُس نے سائپ کو یتیلی کے تبجیے تھانک دیا ، وات کو چور آئے ، وے نتومل سے پتیلی آنھازنے لئے تو سائپ نے کافت ایا اور چوری کرنے کے بجائے سورگ سدھار گئے ،'' (مفحد 117) ،

14 جون 32 گرمی میں تیبو مہنگے ہو گئے، باپو بولی۔۔ دور تیبو کے بجاتے املی لیس ۔''

ولیہ بھائی بولی۔ ''اِملی کے پائی سے وأبو بوھیکی أور هذیوں میوں درد هوگا اِ''

بايو بوليـــــ اليكن جبنا ال تو بنتے هيں ؟ ا

ولیه بهائی۔۔۔۔''جمنا لال کی هذیوں تک اِملی کو گیسٹے کا راسکہ نہیں ۔''

باپو---المكر أيكبار مينے إماى بهت كهائي هے ."

رابھ بھائی۔۔۔۔''اُس سٹیاآپ یتور بھی مقم کر سکتے تھے ۔ آج تو برزھے میں ۔''

ایکھار ہاہو نے یرودا جیل میں تاریل کی رسی کی کھات اپنے سونے کے نئے ماکوائی ۔ وابع بھائی تواز کی کھات کے پکھی میں تھے ، ہاہو نے کہا۔۔"مجھے یاد ہے کہ همارے یہاں بھچین میں اِس طرح کی تاریل کی رسی کی کھائیں کام میں آتی تھیں ، میروں ماں اِن پر ادرک چھیلتی تھی ۔"

رابه بھائی۔۔۔''اسی ائے تو کہٹا عبی که اِس پر نواز اکرالیجئے ، ورثه مٹبی بھر عدیوں کی چمزی چیل جائیگی ،''

گائدہی جی نے جب ہربجی اوارت کے خالف آپولس کیا تو وابع بھائی کو ناسک جول میں مثا دیا گیا ۔ اِس پر باپر نے کہا۔''بنجوا تو فی پر بنجھی آز گیا ۔''

سردار کے پربوارک جھین کی جھانکی آپلی لوکی ملی بین کے؛ قام انھے اِس خط میں دیکھیں۔۔"پھر سے وواد کے بیائے) کے جو

क्रान-विक्रान के खोजियों के लिये पुस्तक काफी दिस-चस्प है मृदान गंगोत्री

लेखक भी दामोदरदास मूँदड़ा, प्रकाशक सर्व सेथा संघ, राजघाट, काशी; सफ़ें 312, मोल दो रुपया आठ आने.

लेखक श्राचार्य विनोश के पटुशिष्य श्रीर सेक्रेटरी थे श्रीर इस नाते भूदान श्रान्दोलन के श्रारााश के चरमदीद गवाइ थे. तेलंगाना के पहले भूदान से लेकर सेवागाँव पहुँचने तक विनोश के रोज-बरोश के काम, बातचीत श्रीर हपदेशों की दिलचस्प आँकी हमें इस हायरी में देखने को मिलती है. पदने बाले के दिल पर भूदान की श्रहमियत साफ नक्श हो जाती है. विनोशाजी के बेशकीमत उपदेशों का श्रमुत इसमें मिलता है. भूदान श्रान्दोलन को समझने बाले हर शबस के लिये यह किताब बढ़े काम की है.

सबो दय पदयात्रा

सेखक, प्रकाशक वही. स.फे 225; मोल एक क्यया.

विनोबा जी ने अपनी पद यात्रा के सिलिखिले में जो अनमोल उपदेश दिये वह इस किताब में इकट्टा करके आपे गये हैं. आजकल की दुनिया और हिन्दुस्तान की सियासत की रोशनी में विनोबा जी के इस पुस्तक में जाहिर किये हुए विचार सही रास्ता दिखाने का काम करेंगे. पुस्तक सबके पढ़ने लायक है. छपाई, सफाई को देखते हुये पुस्तक सस्ती है.

सरदार बरंजम माई (दूसरा माग)

सम्पादक नरहरि डा० परीख, प्रकाशक—नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, घहमदाबाद, स.फे 651, जिस्द्वाली पुरतक के दाम पाँच उपये.

सरदार वस्तम भाई पटेल की स्वाने उमरी यानी जीवन चिरित्र की यह दूसरी जिल्द है, इस जिल्द में सन 30 के नमक सरयाग्रह से लेकर सन 42 के भारत छाड़ों कान्दोंलन तक के 12 बरसों के उन बाक्रयात का जिक है जिनका ताल्लुक सरदार पटेल की जिन्दगी से था. इसमें कोई शक नहीं कि वे बारह वरस मुल्क की सियासी जिन्दगी के लिहाज से बहुत ही छाइम थे. लेकक ने छोटी-छोटी घटनाओं को भी शामिल कर लिया है, ऐसी घटनाएँ जिनक्से सरदार के चरित्र पर रोशनी पढ़ सकती थी. ये घटनाएँ काफी दिलचस्प, शिक्षा देने वाली और उस्लों से ताल्लुक रखने वाली हैं. इनसे गान्धीजो. और उसलों से ताल्लुक रखने वाली हैं. इनसे गान्धीजो. और जवाहर लाल जी के साथ सरदार के मीठे ताल्लुकात की माँकी मिलती है.

يهردان كلكوترى

لیکھک شرق دامودر داس مرتدرا، پرکشک سرو سیوا سنع، راجعیات، کشی؛ منحد 2ور3 مول دو روید آتو آتے ،

الهمک آجاریه ونویا کے پتو ششیه اور سکریوی کے اور اِس انتے بہدان آندولی کے آغاز کے چشم دید گواہ تھے، تیلکانا کے پہلے بہدان سے لیکر سیوا گاؤں پہونچنے تک ونوبا کے روز بررز کے کام آبات چیت اور آپدیشوں کی دلچسپ جہانکی همیں اِس تایہی میں دیکھنے کو ملتی ہے ، پرهنے والے کے دل پر بھودان کی اهمیت صاف نتش هو جاتی ہے ، ونوبا جی کے بیش تیبت آپدیشوں کا امرت اِس میں ملتا ہے ، بھودان آندولی کو سنجھنے والے هو شخص کے لئے یہ کتاب بری کام آندولی کو سنجھنے والے هو شخص کے لئے یہ کتاب بری کام

سرودين ياترا

ایکیک پرکلٹک وہی صفحے 225؛ مهل آیک رویقہ ، ونہا چی نے آپتی پد یا تراکے سلسنے میں جو آنمول آپدیھی دیئے وہ اِس کتاب میں اِنتہا کر کے چہاپے گئے ہیں ، آجال کی دلیا اور ملدستان کی سیاست کی درشنی میں ونہا جی کے اس پستک میں طاعر ایئے ہوئے وچار صحوم راسته دکھانے کا کام کرینگے ، پستک سب کے پرتانے کے لایق ہے ، چیائی صفائی کو دیکھتے ہوئے پستک سستی ہے ،

سمهادک نوهری ذا یریکه پرکشک نوجهوں پرکاشن مدرا اخمدا بادا طفحہ 651 جاد - والی یستک کے دام ہانچ ردیاء ،

سردار ولیہ بھائی پڈل کی سوائیم عمری یعنی جھیں چرتر کی یہ دوسری جلد ہے۔ اِس جلد میں سن 30 کے نسک سیناگرہ سے سے لیکر سن 42 کے بھارت چھروں آندران تک کے 12 برسیں کے اُن واقات کا ذکر ہے جن کا تعاق سردار پائیل کی زندگی سے تھے ، اِس میں کوئی شک ٹیمیں کہ یہ بارہ برس ملک کی سیاسی زندگی کے لحاظ سے بہت ھی اُم ھیں ، لیکھک نے چھوٹی چیوٹی گیٹناؤ کو بھی شامل کر لیا ہے' ایسی گیٹنائیں جن سے سردار کے چرتر پر ووشلی پر سکتی تھی ، یہ گیٹنائیں کانی دلچسبی' شکشا دیاہ والی اور اُصواری سے تعلق رائی ہیں، اِن سے گائیھی جی' جواہر ال جی اُور سودار کے جواہر ال جی اُور سودار کے جماعی ہے' جواہر ال جی اُور سودار کے جماعی ہے۔ جواہر ال جی اُور سودار کے جماعی ہے۔

सैक्डो ऊँचाइयों से फामयाच स्कान ,

जनता के अधिकारों की गरजती हुई लहर बनकर बह रहा है!

सिपाईं। भीर सैनिकों की कम्पनियाँ यके बाद दीगरे

आखिर में उन्हें याद आता है कि उनकी भी मात-भूमि है!

यह क्या कम है कि अपने बस भर वे लड़े जनता की आजादी के लिये और अपने फीजी नाम के लिये।

ईरवर, उम्मीद और इतिहास तीनों हिन्दुस्तानियों की तरफ थे !

पुस्तक की अपाई वरीरह अच्छी है. अंगरेजीवाँ हर देशभक्त सं हमारी यह प्रार्थना है कि वह इस पुस्तक को जरूद पढ़े.

न जाने राम और उसके साथियों का अभियान

मूल रूसी खबान के लेखक एन० नसोब; मूलरूसी से अनुवाद भी अर्थेन्द्र गोस्वामी; अनुवाद की मात्रा के सम्पादक-डाक्टर महादेव साहा; प्रकाशक ईस्टर्न ट्रैडिंग कम्पनी, 64 ए धरमतस्ता स्ट्रीट, कलकत्ता-18, मोल तीन रूपया. छपाई, सफाई, जिल्ह सब अच्छी.

बचों के साहित्य की यह रूसी पुस्तक रूस में बहुत नाम कमा चुकी है. सरक्ष कहानी के रूप में लेखक ने विज्ञान के चमरकारों को बड़ी दिलचरपी से बच्चों को सम-माने की कोशिश की है. एक बार हाथ में उठा लेने से बच्चे इसे पूरा पढ़कर ही छोड़ते हैं. प्रकाशक बधाई के हक़दार हैं कि बच्चों के लिये ऐसी सरल वैज्ञानिक ईजादों की पुस्तक छन्होंने शाया की. रंगीन चित्रों से पुस्तक की उपयोगिता बेहद बढ़ गई है.

मानव जाति का उद्भव

मूल रूसी लेखक गगुरेब, अनुवादक और प्रकाशक वही उत्पर की पुस्तक के; क्रोमत एक दणया बासठ नए पैसे. सफे 133; सचित्र; अपाई, सफाई अच्छी.

१३३ सफों की इस किनाय में विद्वान लेखक ने इस बात की छान-बीन की है कि इनसानी नस्त का आराज क्या था १ पाँच करोड़ बरस पहले उसकी क्या शक्त थी १ फिर दरजेशार उसने कैसे तरफ़क़ी की और आसीर में किस तरह बन्दर की योनि और जिस्म में तन्दील हाते-हाते कैसे वह इनसान बना. लेखक ने पुस्तक के सफों में जो दावे पेश किये हैं उनका सममाने के लिये तस्तीरें भी दी हैं. तुसरें वैद्वानिक मतों को पेश करके उनकी ताहेंद या मुझा-बिफत की है. डारबिन और पंगल्स की राय को लेखक ने अराहा है और नई खो गों के आधार पर उन्हीं रायों पर असी दलीलों को कायम किया है.

سیکورں آولسٹائیں کے کامیاب طوفای ہا۔ جاتا کے ادھیکاروں کی گرجتی ھرٹی لہریں گرجیہ رھنے ا سیاھی آور سیاکوں کی کمینیاں یکیعد دیکر سجاگ رھی ھیں ا انہور میں آلہیں یاں آنا ہےکہ آنکی بھی ماتر یہومی ھیں ا آیہ کیا کم ہے کہ آیئے بس بھر وسے لوسے جنتا کی آزادی کے آئے آور اپنے فوجی تام کے لئے ا

پستک کی چیپائی وغیرہ اچھی ہے مر انکریوں دانی دیک دیکس بیکت سے مماری یہ پرارتها ہے کہ وہ اس پستک کو غرور پڑھے .

نجا نے رام اور اس کے ساتھیوں کا ابھیاں

مول روسی زبان کے لیکھک این۔ نسوو؛ مول روسی می انوادک شری اردھیندو کوسوامی؛ انواد کی بھشا کے سمھادک گاکٹر مہادیو ساھا؛ پرکشک ایسٹرن ڈریڈنگ کمپٹی، 4-64 دھرمتله اسٹریٹ ککٹھ -13؛ مول تین رویعہ چیپائی، مفائی، حلاد سب اچھی ۔

بچوں کے ساھتیہ کی یہ روسی پستک روس میں بہت نام کہ چکی ہے۔ سرل کہائی کے روپ میں لیکھک لے وگیاں کے چمتکاروں کو بوجے دلچسپ طریقے سے بچوں کو سنجہائے کی کوشش کی ہے۔ ایک بار ھاتھ میں آٹھا لیلے سے بچے اِسے پوا پرھکر ھی چھورتے ھیں ، پرکاشک بدھائی کے حندار ھیں که بچوں کے لئے ایسی سرل ویکیانک ایجادوں کی پستک آنہوں نے شائح کی ، رنگین چٹروں سے پستک، کی آپیوگٹا بےحد بوھ گئی ہے ،

مانو جانی کا آد_اہو

مول روسی لیکیک ک ، گروریو ؛ انوادک آور پرکاشک و هی آویر کی پستک کے ؛ قیمت ایک رویه ، پاسٹو لئے پوسے ، صفحے 133 چیوائی اجھی ،

اس کتاب میں ودوان لیکھک نے اِس کتاب میں ودوان لیکھک نے اِس بات کی چہان بین کی ہے کہ انسانی نسل کا آغاز کیا تھا اُنے کورز برس پہلے اُس کی کیا شکل تھی پھر درجتموار اُس لے اُسی ترقی کی اور آخیر میں کس طرح بلدر کی یوئی اور جسم سے تبدیل ہوتے ہوتے کیسے وہ انسان بنا الیکی نے پسٹک کے مفتصوں میں جو دعوے پیش کئے ہیں اُرے کو سمتھالے کے اُئے تصویریں بھی دی ہیں اور کو متوں کو پیش کر کے اُن کی نائید یا متعالفت کی ہے قاروں اور لینکلس کی رائے کو اینکیک نے سراھا ہے اور نئی کھوجوں کے اور لینکلس کی رائے کو اینکیک نے سراھا ہے اور نئی کھوجوں کے اور لینکلس کی رائے کو اینکیک نے سراھا ہے اور نئی کھوجوں کے اور لینکیلس کی رائے کو اینکیک نے سراھا ہے اور نئی کھوجوں کے

آدمار پر آنہوں رائموں پر اپنی دلیاوں کو قایم کیا ہے۔ گیاں رکیاں کے اموجوں کے لئے یستک کانی دلیجسپا ہے۔



The Revolt of Hindostan—लेखक धर्नेस्ट जोन्स, सम्पादक श्री स्नेद्दांशु कान्त आधार्य और श्री महा-देव प्रसाद साहा, प्रकाशक ईस्टर्न देखिक कम्पनी, 64,A धर्मतल्ला स्ट्रीट, कलकता—13, क्रीमत तीन हण्या, पृष्ठ संख्या 55.

चार्टिस्टनेता अर्नेन्ट चार्ल्स जोन्स का मशहर काव्य प्रमथ 'रिवोल्ट आफ हिन्दुस्तान' का यह हिन्दुस्तानी पडी-शन बढ़े मौक्ते से छाप कर प्रकाशित किया, गया जवकि मुल्क सन 1853 की शताब्दी मना रहा था. कविता के साथ साथ जोन्स के सन 1807 के मुताल्लिक लेख भी पुस्तक के आखीर में दिये गये हैं. सम्वादक अपनी भूमिका में लिखते हैं :-- 'जबिक हिन्दुस्तान में देश भर में सन 1857 की शताब्दी मनाई जा रही हैं यह चाद करके ख़ुशी होती है कि कम से कम एक अङ्गरेज तो था जो 1857 के बिद्रोह को न केवल मुनासिव और ठीक सममता था बल्कि इसे होके रहने वाली घटना मानता था." जोनस 26 जनवरी 1859 को पैदा हुआ और 2 ं जनवरी 1869 को मरा. जोन्स ने बिटिश शांष्या नीति की जबरवस्त गुलाल-फत की, इसके विद्रोही विचारों के सबब इसे 6 जून सन 1848 को गिरफ्तार कर लिया गया और 9 जुलाई सन् 1850 तक इसे जेल में रहना पड़ा, जिस काल कोठरी में उसे सनहाई में रखा गया वह 13 फ़ुट लम्बी और सिफ् 6 फुट चौड़ी थी. इतनी खुली हुई थी कि बारिश का पानी श्रीर बस्फीले तूफानों के यपेड़े इधर में उधर निकल जाते थे. जोन्स की सेहत बेहद खराब हो गई. वहीं उस काल कोठरी में जोन्स ने 'वि न्यू वस्ड' नाम की कविता लिखी जो बाद में सन 1857 में 'दि रिवोल्ट आफ हिन्द्रस्तान चार न्यू वर्स्ड,' नाम से खपकर शाया हुई. जेल में लिखने का सामान नहीं था. जोन्स ने एक पुरानी किताब के हाशि-यों पर अपने खून से बद किता लिखी. पूरी की पूरी न का बेहद सुन्दर है, एक नमूना देखें :--

The Revolt of Hindostan لیمک آرتست جونس سیادک شدی استیانشو کا نت آچاریه اور شری مها دیو پرساد ساما برکاشک ایسترن تریدنگ کنونی کمکنه دورم الله استریک کلونی کلاکته 13 قیمت تین روییه پرشتم سلمها 55.

جارتست نيتا أرنيست چاراس جونس لا مهشور كاريه گرنته 'ربوات آن مدرستان' کا یه هندستانی ایداشن بو ... مرقع سے چواپ کر پرکاشت کیا گیا جب که ماک سی 1857 کی شتابدی مداررها تها، کویتاکے ساتھ ساتھ جوٹس کے سن 1857 کے متابع لیام بھی یہ تک کے آخیر میں دیٹے گئے میں ۔ سهادک أيني بهرميكا مين لايته هين:--دومب كه هندستان میں دیھی بھر میں سی 1857 کی شتابدی مبائی جا رھی ہے یہ یاں کر کے خوشی ہوتی ہے که کم سے کم ایک انگریز تو تها جو 1857 کے ورودھ کو نے کہال مذاسب اور ٹھیک سمیجانا نها بالمه أسه هو كر رهام ، إلى كيتنا مانتا تها ." جونس 26 جنروى 1819 كو يهذا هوا اور 26 جنورى 1869 كو موا. جونس نے برٹھ شوشق ٹیٹی کی زبرنسٹ متعالفت کی ۔ اس کے بدروہی وچاروں کے سبب آسے 6 جون سن 1848 کو گرنتار کر لیا گیا اور و جرائی سن 1856 تک اُسے جیل میں رمنا ہوا ہے جس کال کوٹھری آمزی اسے تنہائی میں رکھا گیا وہ 31 نت لىي اور صوف 6 نت چورى تهى . إتنى كهلى هوئى تھی که بارھی کا پائی اور برنولے طوفائوں کے ''تھھیوے آدھر سے أدهر نعل جاتے تھے ، جرنس كى صحت يحد خراب هو گئی۔ وہیں آس کال کرتھوی میں جونس نے 'دی قهوورلذ' نام كى كويتا لهي جو بعد ميں سي 1857 ميں 'دى ريوات أف علدنتان أر نيو وراد؛ نام سے چیپ کو شائع هوئي . جعل میں لکھنے کا ساملی نہیں تھا ۔ جونس نے ایک پرائی کتاب کے حاشیرں پر اپنے خون سے رہ کویٹا لکھی ، پوری کی پوری لظم يرحد سندر في أيك تموله ديمهين،-

में नर्सवना. हिन्दू और मुखलमान भाइयो. अपने छोटे-छोटे तफरकों को भूल जाओ और मैदाने जंग में एक महे के नीचे खड़े हो जाओ. जो भी शब्स इस क्रीमी जंग की मुखालफ़त करेगा वह खुद अपने सर पर कुल्हाड़ी मारेगा और ख़दुकशी का गुनाह करेगा."

इस नोट से यह साफ़ होजाता है कि देश की सियासी तसबीर उस समय भी लागों के सामने उतनी ही साफ़ थी कि जिसनी आज है.

दिस्ती के घेरे के दिनों में इनक्रलाबी नेताओं में आपस में सख्त एकरके पैदा हो गये थे. इसका इशारा 'पयामे अजादी' में अपी सम्राट पहादुरशाह 'जकर' की एक नजम के इस शेर से मिलता है:—

> "क्रफस में हैं क्या फायदा शारो गुल से" असीरो करो कुछ रिहाई की बाते."

अखबार के ब्राहक फाँसी के तख़ते पर

उपर के बयान से यह साफ है कि 'पयामे 'आजादी' विलाशक भारत का सब से पहला राष्ट्रीय पत्र था. सर वि'लयम हावडं ने लिखा है कि "दिल्ली पर कवजा करने के बाद 'पयामे आजादी' के सम्पादक मिरजा बेदारबख्त के बदन पर सुखर की बरबी मलकर उन्हें फाँसी दे दी गयी. सर हेनरी काटन अपनी पुस्तक 'इंडियन ऐन्ड होम मेमायर्स' में लिखते हैं कि "अंप्रेजों के दिल्ली पर क्रव्जा करने के बाद वे सभी लोग फाँसी पर लटका दिये जाते थे जिनके घरों में 'पयामे आजादी' का कोई नम्बर मिलता था. दुनिया के अखबारी इतिहास में शायद किसी भी अख्वार के पाठकों को पाठक होने के अपराध की ऐसी जालिमाना सजा न मिली होंगी.

میں نه پینسنا ، هندو اور مسلمان بهائمو آلی جهرگ جهرال تعرفی کو بهرل جای اور میدان جنگ میں ایک جهنات کے نیسچے گاڑے هو جای ، جو بهی شخص اِس قومی جانگ ہی ربیغالفت کریکا وہ خود آلیہ سر پر کلہاری ماریکا اور خودکشی کا گناہ کریکا ،"

اِس ٹوٹِ سے یہ مان ہو جاتا ہے که دیھی کی سیاسی تصویر اُس سُمے بھی لوگوں کے سامنے اُتنی مانت تھی کی جتنی آئے ہے ،

دلی کے گھورے کے دنوں میں انتلابی فیتاؤں میں آپس میں سخت نفرتے پیدا ہو کئے نیے ، اِس کا اِشارہ 'پیام آزادی' میں چھی سمرات بہادر شاہ 'ظفر' نی ایک نظم کے اِس شعر سے ملتا ہے .

> "قنص میں ہے کیا فائدہ شور و غل ہے؛ اسھرو کرو کچھ رہائی کی ہاتمیں ،'' آخبار کے کامک پالسی کے تختے پر

أوپر كے بيان سے يہ صاف ظاهر فے كه 'يهام آزادى، بلاشك بهارت كا سب سے يہالا رائترى پتر نها . سر ولهم هاررة لے اكها هے كه 'دولى پر قبقت كرنے كے بعد 'يهام آزادى،' كے سپادك مرؤا بهدار بغت كے بدن پر سور كى چابى مل در آنهيں بهائسى مسد دى گئى ،' سر هيلزى كائن أيلى پستك 'انتين ايلى هم ميمايرس اسهى لكهتے هيں كه 'البكريؤوں كے دلى پر ايلى هم ميمايرس اسهى لكهتے هيں كه 'البكريؤوں كے دلى پر قبقت كرنے كے بعد وسلمان اوك پائسى پر للكا ديئم جاتے تھے جن كے كهورں ميں 'يهام آزادى،' كا كوئى نمبو ملكا تها .'' كانيا كے اخبارى انهاس ميں شايد كسى بهى اخبار كے پائهكوں كو پائهكوں انهاس ميں شايد كسى بهى اخبار كے پائهكوں كو پائهكوں ...

बहादुरशाह का ऐतान

'लन्दन टाइम्स'ने सर विलियम रसल को ही सन 1956 क जींगे खाजादी की विपोर्ट देने के लिए अपना खास संवाददाता बनाकर यहाँ भेजा था. उन्होंने 'लन्दन टाइम्स' के सम्पादक जान डिलेन के नाम लखनऊ से अपने एक पत्र के साथ 'प्यामे खाजादी' में प्रकाशित सम्राट बहादुरशाह का एक ऐलान भी भेजा था जिसे पढ़कर इसमें जरा भी शुबहा नहीं रह जाता कि सन 57 का युद्ध मारत की स्थाधीनता का संप्राम था और 'प्यामे खाजादी' उस युद्ध का मुख पत्र था. बह ऐलान इस प्रकार है:—

'हिन्दुस्तान के हिन्दुकों और मुसलमानों' उठो ! भाइयां, उठा ! खुदा ने इनसान को जितनी बरकते' अता की हैं उनमें सब से कीमती बरकत आजादी की है. वह जालिम नाकस जिसने धोका दे दे कर इस से यह बरकत छीन ली है क्या हमेशा के लिए हमें उससे महरूम रख सकेगा ? क्या खुदा की मरजी के खिलाफ इस तरह का काम हमेशा जारी रह सकता है ? नहीं, कभी नहीं, (फर्रांगयों ने इतने जुल्म किये हैं कि उनके गुनाहों का प्याला लगरेज हो चुका है....खुदा श्रव नहीं चाहता कि तुम खामांश रहा क्योंकि उसने हिन्दुओं और मुसलमानों के दिलों में अंग्रेजों को अपने वतन से बाहर निकालने की स्वाहिशं पैदा कर दी है श्रीर , खुदा के फल्ल से श्रीर तुम लोगों की बहादुरी से जल्द ही अंश्रेजों को इतनी कामिल शिकस्त मिलेगी कि हमारे इस मुल्क हिन्दुस्तान में उनका जरा भी निशान न रह जायगा। हमारी इस फीज में छोटे बढ़े की कोई तमीज न हाती. सब के साथ बराबरी का बर्ताव किया जायगा. इस पाक जंग में शरीक होने वाले सब आपस में भाई-भाई हैं. उनमें छोटे-बड़े का कोई फर्क़ नहीं. मैं अपने तमाम हिन्दी भाइयों से दरखास्त करता हूँ कि वह ,खुदा के बताये हुए इस पाक , फर्ज को पूरा करने के लिए मैदाने जंग में कृद पड़े."

जी० बी० मालेसन ने अपमी पुस्तक 'दि रेड पैम्फ्लेट' में 'पयामे आजादी' के एक सम्पादकीय नोट का जिक किया है जिसमें , लिखा है कि "हिन्द के वारान्वों. अरसे से जिसका इन्तजार या आजादी की वह पाक घरी आन पहुँची है......हिन्दुस्तान के बारान्वे अब तक घों के में आते रहे और अपनी ही तलवारों से अपने ही गले काटते रहे, अब हमें मुल्क फरोशी के इस गुनाह का कुफ्ज़रा (प्रायश्चित) करना चाहिये, अंग्रेज अब भी अपनी पुरानी द्शावाजी से काम लेंगे. वे हिन्दुओं को मुसलमानों के खिलाफ और मुसलमानों के खिलाफ और मुसलमानों को हिन्दुओं के खिलाफ डमारने की कोशिश करेंगे. लेकिन भाइयों, उनके जाल और फरेबों

اللدین قائمس کے سر واقع رسل کو هی سن 1958 کی ایک آزادی کی دهرست دیلے کے لئے اپنا خاص سنواددتا بنا کر اس بهدجا تھا۔ آنهرس نے لندن 'ڈائنس' کےسپادک جان تیلیس نام لکیلو سے ایک پتر کے ساتھ پھام آزادی' میں پرکاشت راس بہادر شاہ کا ایک اعلان بھی بهیجا تھا ، جسے پڑھ کر میں ذرا بھی شبت نہیں رہ جاتا تھا کہ سن 577 کا بدھ ارس کی سوادھونتا کا سنگرام تھا اور 'دیام آزادی' اُس بدھ کا پیر تھا، وہ اعلان اِس پرکار ہے ،

"هلدستان کے هندی أور مسلمانو الله اِ بهائهو الله اِ خدا انسان کو جنلی برکتیں عطا کی هیں اِن میں سب سے بنی برکت آزادی کی ہے ۔ وہ طالم ناکس جس نے دھوکا ے کر هم سے يہ أرادي جهين لي هے کيا هميشہ کے اللہ همين ے سے محروم رکم سکیکا ؟ کیا خدا کی صرفی کے خالف اِس ے کا کام همیشه جاری را سکتا هے 🖁 قهیں کبھی قهیں عیرں نے آنام طلم کئے میں کہ ان کے گناموں کا پیانہ لمریز مو ا هـ..خدا اب نهيل جاءتا كه تم خامهم رهو كيونكه اس ھندؤں اور مسلمانیوں کے دائوں میں انکریؤوں کو اپنے وطن ہامر نکا لیے کی خوامعی بیدا کو دی ہے اور خدا کے نفل اور لوگول کی بہادری سے جاد ھی انگریزوں کو انٹی کابل ست مليكي كه هماريم إس ملك هندستان مين ان كا ذرا ے نشان نه ره جائيگا ، هماري اِس فرج ميں چهرائے بڑے کی ی تمیر قد هو گی . سب کے ساتھ برابری کا برتاؤ دیا جائیگا . ں ھاک جنگ میں شریک ہوئے والے سب آپس میں بیائی ائي نعين ، أن مين چهرٿم بڑے کا کوئي فرق نبين ، مين ھندی بھاٹھوں سے درخواست کرنا ھوں کہ وہ خدا کے بتائے لے اِس پاک نرض کو پورا کرنے کے لئے میدان جنگ میں

جی. جی، ملیسن نے اپلی پستک 'دبی ریت پمطیت' میں ہام آزادی' کے ایک ممپادای نوت کا ذکر کیا ہے جس میں اھے کہ 'تعلن کے باشندے ، عرصے سے جس کا انتظار تیا آزادی ، رد پاک گرجی آن پہنچی ہے...عندستان کے باشندے اب معوکے میں آتے رہے اور اپنی الواروں سے اپنے ھی گئے کائتے ، اب ھیں ملک فروشی کے اِس گلا کا کفارہ 'پراشجت' ایک عاملے ، آذکریز آپ بھی آپلی پرائی دفایابی سے کام لیا کے ، هندوں کو مسلمائوں کے خالف اور ماسمائوں کو هندوں کے اُس انہ بھالی کے کرشھی کوبائی ایکن بھائیو' اُن کے جال فریوں

मैदान में हुई थी. उन्होंने अपनी पुस्तक 'दि बार इन क्रीनिया' में अजीमुल्ला की बाजसर शक्सीयत का रोषक ढंग से जिक किया है, उन्होंने लिखा है कि 'मारत में राज-नीतिक अख्वारों के न हाने से अजीमुल्ला विन्तित थे. उनके कुछ अख्वारी चयानों की चर्चा करते हुए सर विलियम ने लिखा है कि 'अनेक यूरोपीय और एशियाई भाषाओं से बाकिफ़ भारतीय आज़ादी के इस सन्देशवाहक में पत्रकार की वे सभी ख़ासियतें मौजूद थीं जो उन्हें यूराप की किसी प्रमुख भाषा का मशहूर और बाजसर अख़्बार नवीस बना सकती थीं.

ऐतिहासिक सिलसिले की वे कि ब्याँ दूट गई हैं जो यह बतातीं कि भारत बापस आकर अजी मुल्ला ने कीन सा सास कार्यक्रम अपने हाथों में बिया, पर 'पयामे आजादी' के जा नम्बर ब्रिटिश संमहालय में सन् १९३६ तक सुराक्षत थे उनसे पता चलता है कि 'पयामे आजादी' के तीसरे नम्बर में भारतीय नरेशों की एकता के मुताल्लिक अज़-मुल्ला का एक बयान अबा था. इन्हीं अकों से अह पता चलता है कि भारत के इस सब से पहले और सच्चे राष्ट्रीय पत्र का प्रकाशन करवरी सन १८५० के क्रीव शुरू हुआ था और मिरज़ा वेदारबख्त के दस्तख्ती परवाने से यह खपा करता था. यानी अभाजकल के माइनों में बादशाह के हुनम से मिरज़ा वेदारबख्त इस पत्र के 'सम्पादक्, मुद्रक और प्रकाशक' थे.

'पयामे आजादी' के नम्बरों से सन 1757 के स्वाधीनता संप्राम पर खासी अच्छी राशनी पड़ती है. सन 1858 में लन्दन से छपी हुई 'दि नैरेटिब आफ दि इंडियन रिवोस्ट' नामक पुस्तक में 'पयामे आजादी' का एक उद्धरण दिया हुआ है जिसमें कहेलसंक की पस्टनों से आजादी की जंग में शामिल होने की अपील की गई थी. उसमें लिखा है:—

''भाइयो, दिल्ली में फिरंगियों के साथ बाजादी की जंग हो रही है. अल्लाह की दुआ से इमने उन्हें जो पहली शिकस्त दी है उससे वह इतना घवरा गये हैं जितना किसी दूसरे वक्त वह दस शिकरतों से भी न घवराते. वेशुमार हिन्दुस्तानी बहादुर दिल्ली में आन-आन कर जमा हो रहे हैं. ऐस मौके पर अगर आप वहाँ खाना खा रहे हैं तो हाथ यहाँ आ कर धाइये. हमारे कान इस तरह आप की ओर लगे हुए हैं जिस तरह रोजेदारों के कान मुअफ्जिन की अजान की तरक जंगे रहते हैं. इम आप की तोपों की आवाज सुनने के लिए बेचैन हैं. इमारी आँखें आपके दीदार की प्यासी सक्क पर लगी हुई हैं. आपका फजे है कि फौरन आंहये. हमारा घर आपका घर है. बिना आपकी आमह के बहार के गुलाव में फूल नहीं आ सकते." میدان میں هوئی تھی، اُنہوں کے اُلهی پسکک اُدوار اِن کریمیا میں غطیمالله کی بااثر شخصیمت کا روچک تھنگ سے ذکر کیا ہے ، اُنہوں نے ٹیها ہے که الاہارت میں راہے نیتک اخباروں کے نته هوئے سے کرتے هوئے سے کرتے هوئے سریام نے انہا ہے که اُن کے کچھ اُخباری بھائوں کی چرچا کرتے هوئے سریام نے انہا ہے که الازیک یوروپی اور استهائی میں کرتے هوئے سریام نے انہا ہے که الازیک یوروپی اور استهائی میں میانی سے وافق بھارته آزادی کے اِس سندیش واهک میں پریب کی رہے سبھی خاصیتیں موجود تھیں جو آنھیں پریب کی کسی پر منه بھاشا کا مشہور اور بااثر اخبار نویس بنا سکتی تھیں ،

انهاسک سلسلے کی وے کویاں قرف گئیں ہیں جو یک بہتائیں کہ بیارت واپس آ تو تظیماللہ نے کرن سا خاص کاریہ کرم اپنے ہاتیوں میں لیا' پر 'پیام آزادی کے جو نسبر برتش سفکھرالیہ میں سن 1936 نک' سورکشت تھے اُن سے پتہ چلتا ہے کہ 'پیام آزادی' کے تیسرے نمبر میں بھارتی نریشرں کی ایکٹا کے متعلق تظیماللہ کا ایک بیان چبھا تھا ۔ اِنھیں انکیں سے یہ پتہ چلتا ہے کہ بھارت کے اِس سب سے پہلے اور سچے سے یہ پتہ چلتا ہے کہ بھارت کے اِس سب سے پہلے اور سچے رائد تری کا پرکائن فرروی سن 1857 کے قوبب شورع ہوا تیا اور مرزا بیار بخت کے دستخطی پروائے سے یہ چبھا کرتا تھا ۔ پینی آج کل کے معلوں میں بادشاہ کے حکم سے مرزا بھدار بینے آج کل کے معلوں میں بادشاہ کے حکم سے مرزا بھدار بینے اِس پتر کے 'سمیادی مدرک' اور پرکائٹ تھے ۔

لہام آزادی' کے نمبررں سے سن 1837 کے سوادھینتا سنگرام پر خاصی اچھی روشلی پرتی ہے ، سن 1838 میں للان سے چھپی ہوئی 'دی اِنڈین ریوائٹ' نامک پسک میں 'پیام آزادی' کا ایک ادامرن دیا دوا ہے جن میں روہیلکھنڈ کی پلڈنوں سے آزادی کی جنگ میں شامل ہوئے کی اپیل کی گئی تھی ، اُس میں لکھا ہے۔۔۔

البہالیہ'' دالی میں فرنایوں کے ساتھ آزادی کی جنگ مور دی ہے ۔ اللہ کی دعا سے هم فے جو آفیوں یہلی شکشت وی ہے اللہ کی دعا سے هم فے جو آفیوں یہلی شکشت وقت وی ہے اس سے وہ اِتنا گیرا گئے هوں جننا کسی دوسرے وقت وہ دس شکسترں سے یہی نہ گیرائے ۔ پشمار هندستانی یہادر دلی میں اُن آن کر جمع هو رہے هیں ، آیسے موقع پر اگر آپ کیانا کیا رہے ہوں نہ هاتم یہاں آ کر دعوانیہ ، همارے کان اِس طرح آپ کی آور لگے ہوا۔ هیں جس طرح روزے داروں کے کان موزی کی آذان کی طرف لگے رہتے ہیں ، هماری آنکییں آپ کی قوبوں کی آراز سالم کے لگے بہوین هیں ، هماری آنکییں آپ کی دیدار کی یاسی سڑک ہو لگی ہوائی هیں ، آپ کا فرض ہے کہ دیدار کی یاسی سڑک ہو لگی ہوائی هیں ، آپ کا فرض ہے کہ دیرار آنہے ، همارا گیرا آپ کا گور ہے ، بنا آپ کی آمد کے بہار کے الیہ میں پیول نہیں آسکتے ،''

सन् १८५७ से लेकर सन् १९३० वर्ष भारत के बतन परस्त अखबारों की तरक्षकी का इतिहास कमोबेश भारतीय राष्ट्रीयता की तरक्षकी का इतिहास सममा जा सकता है. इस लम्बे दौर में एक छोर भारतीय पत्रकारों को छगर रुपये पैसों की जबरदस्त दिसकत का सामना करना पढ़ा तो दूसरी फोर भ्यंकर सरकारी दमन का भी, फिर भी जिस निहरता के साथ त्यागमय सेवाभाव लेकर भारतीय पश्र-कारों ने नागरिक स्वाधीनता, विचारों की आजादी और राजनीतिक आजादी के भावों का प्रचार किया वह संसार की पत्रकार कला के इतिहास का एक शानदार श्रध्याय है देशव्यापी कोशिशों से बाजादी का जो चमकदार भवन आज हम अपने देश में तामीर कर रहे हैं उसकी नींव में शहीदों के साथ-साथ पत्रकारों के भी अस्थिपंजर पढ़े हुए है. सन् १९०५ से लेकर सन् १९३० ई० तक भारतीय असवार नवीसी और बतन परस्ती दोनों का एक ही मतलब रहा है.

'पयामे आज़ादी'

सच्चे अर्थ में जो सब से पहला राष्ट्रीय पत्र हमारे देश में प्रकाशित हुआ वह 'पयामे आजादी' था. यह करवरी १८५७ से दिस्ली में खपना और शाये होना शुरू हुआ. यह नागरी और वर्दू दोनो लिपियों में लीथो पर छपा करता था. पर इसके प्रकाशन की कोई ते शुदा तारीखें न थीं. कभी सबेरे छपता था तो कभी शाम को, कभी राज छपता था तो कभी पक दिन के अंतर पर. इस पत्र के प्रकाशन की योजना नाना साहब धुन्धपन्त के मंत्री और सलाहकार तथा सन् १८५७ की महान् क्रांति के सयोजक अजी मुस्ला ने बनाई थी. सितश्वर सन् १८५७ में माँसी से 'पयामे आजादी' का एक मराठी एडीशन भी प्रकाशित होने लगा था. उसकी केवल एक ही कापी ब्रिटिश न्यू जियम में मिलती है.

सन् १८५४ में अजी मुल्ला पेशवा नानासाहब के बकील की हैसियत से विलायत गये थे, पर उनका असली मकसद यूरोप के जनभत का भारतीय स्वाधीनता का समयं क बनाना या और रूस तथा इटली से खास तीर पर जंगे इनक्रलाब के लिये हथियारों और सैनिकों की सहायता हासिल करना था. अपने इसी सफर में अजी मुल्ला ने यूरोपीय मायाओं के कई अख़बारों के जरये भारतीय आज़ादी के सवाल को यूरोपीय जनता के सामने रखा था. गृालिबन इसी सफर में उन्होंने 'पयामे आज़ादी' के लिए प्रेस आदि का इन्तज़ाम भी किया था.

'लन्दन टाइम्स' के विशेष प्रतिनिधि सर विलियम हाक्ड रसलं से अजीमुल्ला की मेंट क्रीमिया के लड़ाई के سن 1857 سے الو کو سن 1930 تک بھارت کے وافل برست الخباروں کی ترقی کا انہاس کم و بیش بھارتیہ واشتریتا کی ترقی کا انہاس کم و بیش بھارتیہ دور میں آیک ترقی کا انہاس سمجھا جا سکتا ہے یہ اس لیبے دور میں آیک اور بھارتیہ پترکاروں کو آگر رویئے پیسوں کی زبردست دقت کا بھی جس لٹرتا کے ساتھ کھاگ سے سیوا بھاؤ الے کر بھارتیہ پترکاروں نے ناگرگ سوا دھنتا وچاروں کی آزدی اور راے ٹیٹک آزادی کے بھاؤں کا پرچار کیا وہ سنسار کی پترکار کلا کے انہاس کو چمکدار بھوں آج ہم آپنے دیش میں تعمیر کر رہے ہیں آس جو چمکدار بھوں آج ہم آپنے دیش میں تعمیر کر رہے ہیں آس نے نیو میں شہیدوں کے ساتھ ساتھ پترکاروں کے بھی اِستی پلچو پوے ہوئے ہیں ، سی 1905 سے لے کر سن 1930 عیسوی تک بھارتیہ اخبار نویسی اور وطن پر ست دونوں کا آیک ہی

اليام آزادي

ستچے ارتب میں جو سب سے پہلا راشاریہ پار عمارے دیھی میں پرکاشت ہوا وہ آپیام آزادی تیا ۔ یہ فروری 1857 سے دلی میں چھپا اور شائع ہونا ہوا ۔ یہ داگری اور اردو دونوں اربو میں لیابو پر چیھا کرتا تھا ۔ پر اِس کے پرکاش کی کوئی ملم شدہ ناریطیں نہ تھیں ۔ کبھی سویرے چیھا تھا تو کبھی شام کو کبھی روز چھٹا تو کبھی ایک دوں کے اناز پر ، اِس پار کو پرکاش کی پرچھا ناتا صاحب دھند بنت کے ملابوی اور ملحکار تھا سی 1857 کی مہاں کراناتی کے سنیوجک عظیم الله فی بنائی تھی ، سامیو سن 1857 میں جھانسی سے آپیام الله اُزادی کا ایک مرائی ایڈیشن بھی پرکاشت ہوئے انکا آزادی کا ایک مرائی ایڈیشن بھی پرکاشت ہوئے انکا میں کی کیول ایک ھی کاپی برٹھی میہزیم میں ملتی ہے .

سن 1854 میں عظیم آلتہ پیشوا ثانا صاحب کے رکیل کی حیثیت سے رالیت گئے تھے ۔ پر اُن کا اصلی و تصد یورپ کے جن محت کو بھارتیت سوادھینتا کا سمرتھک، بنانا تھا اور روس نتھا اُڑٹی سے خاص طور پر جنگ انتقاب کے لئے متیاروں اور سینکوں کی سہائیتا حاصل کرنا تھا ۔ اُن اِسی سفر میں عظیم اُللہ نے یورپی بھائیل کے کئی اخواروں کے ڈریعہ بھارتیہ اُزادی کے دوال کو بھرپی جنتا کے سامنے رکھا تھا ۔ فالما اُرسی سفر انہوں نے 'پیلم آزادی' کے لئے پریس آدی کا انتظام بھی کیاتھا

'للدری کائیس' کے رشیعی پرتیادھی سرولیم عادرت رسل سے تظیم اللہ کی بھیامی کریمیا کے لوائی کے

शहीने आपमा पराहरसाई की गाव में

पक दिन पक फिर्नी रॅन्न की संदक्ष पर जा रहा था. उसे माजूम न था कि भावराह का मजार वहीं पर है. उसे उसने एक मिट्टी का टीला समककर ''वूट" की एक ठोकर जमा दी. उस वेचारे को क्या माजूम था कि एक आजादी का पुनारी उसमें हमेशा की नींद सो रहा है.

इगारे इर दिल मजीज नेताजी सुभाष जब रंगून गये तब वस मजार की मिट्टी को जन्होंने भपने मांचे पर लगाया और गहीद बहादुरशाह की कृत्र पर विपटकर अक्षीद्त (भिक्त) के बाँत् बढ़ाये. बहुत देर तक वे बांत् बहाते रहे, हां, बहादुर हमेशा बहादुर की इ.ज्जत करता है! भारत के हिन्दू ससलमान भाइयों को बहादुरशाह की बहादुरी पर नाज (गर्ब) होना चाहिये.

हिन्दू मुसलिम एकता जिन्दाबाद! शहीदे आजम बहातुरशाह जिन्दाबाद!

شهدد أعظم بنادر شاه في بأن عيل

ایک دن ایک آولگی رنگرن کی سوک پور جا آرها آنها ،
اس مملوم نه تها که باشاه کا مزار وهیس پو هم ، آسه اس له
ایک متی کا تبله سمجه کر "لیرت" کی ایک ٹیوکر جما دی ،
ایک متی بینچار کو کیا معلوم تها که ایک آزادی کا پنچاری اس

همارے هر دلمزیز نیکا جی سوبیاش جب رنگوی گئے تب آس مزار کی متی نو انه س نے ماتھے پر لگایا اور شہدد یہادرشاہ کی قبر بور الهت کر عقیدت (بهکتی) کے آنسو چوہائے ، بهت دیر نکب رہے آنسو بهاتے رہے ، هاں بهادر همیشته بهادر کی عزت کرنا ہے ! بهارت کے عادر مسلمان بهائیوں کو بهادر شاہ کی بهادری یہ ناز (گرو) هونا چاہئے ،

هندو مسلم ایکنا زندهبات ! شهید آعظم بهادرشاه زنده باد!

१८५७ का देशभंक्त श्रखबार 'पयामे श्राजादी'

विश्वम्भरनाथ पांडे

भारत की आजादी की लड़ाई के लम्बे दौर में भारतीय समाचार पत्रों, का सकर देशी भाषाओं के समाचार पत्रों का सहयोग उतना ही शानदार है जितना कि उसके लिये सात्मवलि देने बाले शही हों का। आजादी के इतिहास के फों में उनके सहयोग का जिक अकसर किया नहीं जाता. सच तो यह है कि आजादी की शानदार इमारत की नीव में शही हों के साथ अनेक शही है पत्रकारों की भी हड़ियाँ पढ़ी हुई हैं. १८५७ के ऐसे एक बहादुर अख़वार के बिलदान की आमर कहानी यहाँ दी जा रही है, जबिक अनेक शही हों की यादगारें जहाँ सहाँ खड़ी की जा रही है के ब्या इस साथी पत्रकार की कोई यादगार अड़ी नहीं की जा सकती ?

1857 كا ديش بهكت اخبار 'پيام آزادى'

وشميهر ثانه بالتس

بھارت کی آزادی کی لوائی کے لدیے دور میں بھارتیہ ساچار پتروں خاص کر دیشی بھاھاؤں کے ساچار پتروں کا سہیورگ اتنا ھی شاندار ہے جتنا که آس کے لئے آتم بلی دینے والے سہددوں کا آزادی کے اتھاس کے پنوں میں اُن کے سہیوگ کیا ذکر ادثر کیا نہیں جانا ، سبے تو یہ ہے که آزادی کی شاندار عمارت کی ندو میں شہیدوں کے ساتھ انیک شہید پترکاری کی مدران پتری ہوئی ھیں ، 1837 کے ایسے ایک بہادر اخبار کے بلیدان کی امر کہائی یہاں دی جا رھی ہے ، جب کہ انیک شہیدوں کی یادگاریں جہاں تھاں کھتری کی جا رھی ھیں تب کیا اِس ساتھی پترکار کی کوئی یادگار گھتری تبھیں کی ھیں تب کیا اِس ساتھی پترکار کی کوئی یادگار گھتری تبھیں کی

أن كى گرفتارى كے بعد هتمى فى بادشاہ كے بيتيں كو گولى ماردى ، بادشاہ كے بيتيں كے سر أيك طشت ميں ركم كو متى انہيں بادشاہ كے سامنے لے گيا اور كہا۔"بادشاء سلامت كى خدمت ميں كمينى كى أور سے يه نذر پيش هے إ" أس طاام فے تعكم سررں پر سے اهرا هتا ديا إ يادشاہ فى منه پهور دو كيا۔"الصدالله إ"

(درایشور مهای هے ،) تهمور کی اولاد اُسی طرح سرخورو (برتشابت) هو کر اُپنے باپ کے ساملے آیا کرتی تھی !

"دمدموں میں دم نہیں آپ خیر مانکو جان کی ا لو ظام ٹھندی ہوئی شمشیر هندستان کی 1" بادشاہ نے جواب دیا —

دیش کے دشتین نے کہا۔۔۔

اقعاریوں میں ہو رہیکی جب نلک ایدان کی ا تخت لندن تک چلیکی تیخ هلاستان کی ! "

بادشاہ گرنتار ہوئے اور رنگوں بھنچے گئے ، وہاں اُن پر جو اُنچہ بھتی وہ مالت پر پتھر بھی اُنچہ بھتی وہ عالمت پر پتھر بھی رد دیگا ۔ اُن کو دانے دانے کے لئے ترسفا ہوا ارنگوں میں باشاہ میں ایک بڑا تنہز (پرپورٹن) ہوا ، تب کا ایک شعر سفاہ۔۔۔

پس مرک میرے مزار پر جو دیا کسو نے جا دیا' آسے آلا دامن باں نے سر شام سے ھی بجھا دیا ۔ میری آنکھ چھکی تھی ایک پل' تبھی دل نے کہا کیوں آن کے جل'

دل بیترار نے آن کر مجھے چاکی لے کے جاتا دیا ۔ پس مرک قبر ہا ہے 'ظنر' پرف فاتحہ کرئی آن کر' . وہ جو لیٹی تبرکا تیا تھاں آسہ ٹیوکروں سے مثا دیا ۔

राह के ख्यालों से खूब बाकिक थे. बहादुर शाह ने चारों तरफ फरमान मेजे. वे लोग अपने बतन की इक्कत ब आवस बचाने के लिये तलबार की घार पर चलने को भी तैयार थें. "वाहे जान ही चली जाय मगर आन नहीं" यही उनका उसूल था. उन लोगों की जहां जड़व से ही सिपाहियों की आजादी की लड़ाई ग्रुरू हो गयी! फिर्रागयों की नजर में यह "रादर" था "म्यूटिनी" थी! मगर अजादी के मतवालों के लिये यह "जंगे आजादी" का पहला क़दम था. इसने हिन्दुस्तान की तबारीज को और भी रौशन कर दिया था! फिर्रागयों के साथ लड़ाई होने लगी. लेकिन हुआ क्या? "घर का मेदी लंका ढावे" बाली मसल सच निकली! बादशाह का समधी इलाही बक्श फिर्राग्यों से मिल गया. उनकी चालों से बादशाह तंग आ चुके ये और आखिर हुमायूँ के मक्षवरे में गिरफतार कर लिये गये.

चनकी गिरक्तारी के बाद हडसन ने बादशाह के बेटों को गोली मार दी.

बादशाह के बेटों के सिर एक तश्त में रख कर हडसन उन्हें बादशाह के सामने ले गया और कहा—'बादशाह सलामत की खिदमत में कम्पनी की छार से यह नजर पेश है!" उस जालिम ने ढंके सिरों पर से कपड़ा हटा दिया! बादशाह ने मुँह फेर कर कहा—''अलहम्दोलिल्लाह! (ईरबर महान हैं) तैमूर की बौलाद इसी तरह सुर्बह्र (प्रतिब्ठित) होकर अपने बाप के सामने आया करती थी!"

देश के दुश्मनों ने कहा---

"दमदमों में दम नहीं अर ख़ँर माँगो जान की! ऐ ज़फ़र ठंडी हुई शमगीर हिन्दुस्तान की! बादशाह ने जवाब दिया—

"गृज़ियों में ब्रहेगी जब तजक ईमान की, तज्जते जन्दन तक बलेगी, तेगृ हिन्दुस्तान की !" बादशाह गिरफ्तार हुए और रंगृत मेजे गये. वहाँ उन पर जो कुछ बीती वह बयान से बाहर है. उनकी हालत पर पत्थर भी रा देगा. उनको दाने-दाने के लिये तरसना पढ़ा ! रंगृत में बादशाह में एक बड़ा तराय्युर (परिवर्तन) हुआ, तब का एक शेर सुनिये—

"पसे मर्ग मेरे मज़ार पर जो दिया किस् ने बसा दिया, उसे आह दामन बाद ने सरे शाम से ही हुम्मा दिया. मेरी बांख मन्दरी थी एक पल, तभी दिख ने कहा कहीं उठके वका. दिले नेकरार ने आनकर सुके खुटकी खेके अगा दिया, पसे मर्ग का पी ऐ, 'ज़फ़र' पने फ़ातिहा कोई आनकर नी को दूटी कान का या निशाँ उसे डोकरों से मिटा दिया

البرد العربية, عالا لي بعاسور

बहाबुरशाह बरायें नाम बादशाह के. अपनी जिन्दगी की शुरुवात में ही वे रंजायम के शिकार हो चुके थे. उनके बालिद (पिता) भी उनसे नाराज थें. वे अपने दूसरे फरजन्द (पुत्र) को 'राजगरी' देना चाहते थे. इसलिये वहांदुरशाह को घर से अलग रहना पदा. वे ''फन व हिकमत'' (कला-कारी) के कद्रवाँ थे. वे उस्ताद जीक के शागिर्द थे. वहादुरशाह की शायरी में निजी मजबूरियों की मलक, दीख पद्मती है—

''मेरी खाँच बंद थी जब तलक,
बहु नज़र में नूरे-जमास था,
खली खाँच तो न ज़बर रही,
कि वह द्वाव वा कि द्वाल था,
मेरे दिल में था कि कहूँगा मैं,
को यह दिल पै रंको-मलाल है,
वह जब का गया मेरे खामने,
न तो रंज या न मलाल था,

बहादुरशाह की बेबसी के दिनों में उनकी बेगम जीनत-महल ही मदद देती थीं. वेगम सियासत की गृत्थी ठीक-ठीक प्रलम्भाती थी, इसीलिये अमेज उनसे सबरदार थे.

बेगम जीनतमहल ने अपने प्यारे बादशाह के लिये अपने पेश-व-आराम का छोड़ दिया था. वे बहातुरशाह के साथ इन्क्रलाव में कूद पड़ीं और जेल मे क्रेंद रहकर आख़िरी दम तक बहातुरशाह के साथ मुसीबतें मेलीं.

बहादुरशाह का बैटा जबाँबख्त था, जो अंग्रेजों की वालबाजी और मक्कारी से खूब बाक्रिफ़ था. इसिलये 'प्रमेज इससे जलते थे. इसिलये उसे बलीआहद मानने से उन्होंने इन्कार कर दिवा. बादशाह के अंथेरे के दो जिरारा थे. एक जबाँ बख्त था और दूसरा जीनत-महल ! जीनत-वेगम बादशाह की जिन्दगी में जगमगाता नूर बनकर चमकीं. जवाँबख्त इनकी जिन्दगी का अरमान था. वे थे बराये गाम के बादशाह ! उनको कोई आजादी न दी गयी. अंग्रेजों की यह करत्त बहदुरशाह की खुदारी के लिये एक चैलेंज थी. लाड एलनबरो गवर्नर जनरल हुआ। इसने बादशाह को ईद और उनके जनम दिन में नजर देने की जो रसम थी, उसे बंद कर दिया. बादशाह की हालत बड़ी दर्वनाक थी—

उदाकर आशियाँ सर पर ने सेरा, किया साफु इस ऋदर तिनका न पाया !"

स्व तक फिरिंगियों का पैर ख़्ब जम खुका था. लखनक हे नवाच वाजिब सली शाह का तस्त छीन किया गया! माँसी, का हक दुकराया गया! सब भारत फिर से जाग हो! नाना साहब की पेन्शन चंद हो चुकी थी. वे बहाहर بہادر شاہ برائے انام بادشاہ تھے ، آپنی زادگی کی گروفائی میں میں می ورد رائی کو انداز ایما) میں میں می ورد رائی ان کے والد (یما) بھی ان سے اراض تھے ، وے اپنے دوسوے فرزاد (یم پار) دو رائیکوی دینا چامائے تھے ، اِس لئے بہادر شاہ کو گھر سے الگ رمانگیا ، وے انس کے قدرداں تھے ،

وے استان درق کے شاگرد تھے ، بہادر شاہ کی شاعری - میں تعجی متجدردیوں کی جہاک دیکم پرتی قسب

واميري أنه باد الى جب تلك

ولا نظر میں نور جمال تھا . کھای آلکھ ٹو ٹھ خبر رھی ً کھای تد ولا خواب تھا که خیال تھا .

میرے دل میں تھا کہ کہرنگا میں' جو یہ دل یہ رتبے و مثل ہے۔

ولا جب آگيا ميوند ساملي . دع تو رديم تها نه ملال تها .

بہادر شاہ کی یہسی کے داوں میں اُن کی بیکم زیات محل مدد دیتی تھیں ، بیکم سیاست کی گئیے ٹھیک ٹھیک ملحجاتی بھی ، اِس لئے انکریز اُن سے خبردار تھے ، بیکم زینت محل بھی نے اپنے پیارے بادشاہ کے لئے اپنے بیش و آرام کو جھرز دیا تیا ، وسے بہادر شاہ کے ساتھ اندلاب میں کود پڑی اور جیل میں قید رہ کر آخری دم تک بہادر شاہ کے ساتھ مصیبتیں

بہادر شاہ کا بیٹا جواں بخت تھا جو انگریؤوں کی چال بازی اور مکاری سے خوب وائف تھا ۔ اِس لئے انگریؤ اُس سے جائے تھے ۔ اِس لئے انگریؤ اُس سے جائے تھے ۔ اِس لئے انگریؤ اُس سے دیا ادشاہ کے اندھیرے کے دو چرائے تھے۔ ایک جواں بخت نها اور دوسرا زیامت متحل ا ریامت بیگم بادشاہ کی زندگی میں جگمگانا وے تھے برائے لیام کے بادشاہ ۔ اُن کو کوئی آزادی نه دین گئی ۔ انگریؤوں کی یه کرترت بہادر شاہ کی خود داری کے لئے ایک چیلئیے تھی ، لارت ایلن برواگررنر جارل ہوا اِس نے یادشاہ کو عید اور اُن کے جام دن میں نگر دیاہے کی جو رسم تھی اُسے عید اور اُن کے جام دن میں نگر دیاہے کی جو رسم تھی اُسے عید اور اُن کے جام دن میں نگر دیاہے کی جو رسم تھی اُسے

«ارا کر آشیانه مرصر نه میرا. ' کیا ماف اِس قدر تلکا نه پایا.

آب تک فرنگوں کا پھر خوب جم چکا تیا ، کھاؤ کے تواب ولید علی شاہ کا تصع چھیں لیا گیا ! جھالسی کا حق اُلیکولیا گیا ! آب بھارت پھر سے جاگ آٹیا آٹانا ماحب کی پیکھی باد ہو چکی تھی ، وہ بہادہ में कुमी को पीठ का को स हूँ,
भी फुराफ के दिला का गुवार हूँ,
वो हँसी के दिन वो खुशी के दिन,
गये 'इसरते' वाकी रह गयी,
कभी बादये जाने-माज बा,
भगर अब मैं उसका उतार हूँ."

चगर काई सच्चा शायर शायराना-दिल लेके बहादुर शाह के मचार के पास टहलता हो तो वहाँ की सर्व हवा में यही आवाज सुनायी पड़ेगी! मामूली शायर को अपनी हैसियत खूब मालूम है पर बहादुरशाह बादशाह थे, बाबर, अकबर और औरंगजेब के तस्त-त-ताज को रीशन करने बाले थे. उन जैसे बादशाह को मामूली इनसान से ज्यादा तकलीफ़देह जिन्दगी बसर करनी पढ़ी हो तो उसका अंदाजा आसानी से लगा सकते हैं—

> चारागर भर न धके मेरे जिगर के नास्र, एक गर बंदें किया बुखरा रीज़न निकता.

बहादुरशाह को 72 साल की उम्र में "राजगरी" मिली. बह भी कैसी ? अकबरशाह के जमाने में ही कम्पनी ने उनके हको-हुक्क (अधिकार) को झीन लिया, जिन का "समफौता" कम्पनी के हाकिमों ने बादशाह शाहेश्वालम से किया था. अकबरशाह ने पैरवी के वास्ते राजा राम माहन राय को बकील बनाकर इंगलिस्तान भेजा. वहीं राजा साहन का इन्त-काल हो गया, तो मामला उयों का त्यों रह गया. अकबर शाह की शिकस्त (हार) हो चुकी थी. अब अंग्रेजों ने और भी जुल्म शुरू किये.

जब बहादुरशाह तस्त पर बैठे, तब भी फिर्शायों का बही रवैया जारी रहा. बास भीकों पर जा तोहफे (भेंट) नजर के तौर पर बादशाह को दिये जाते थे, भौकूफ (बन्द) हो चुके थे. जब बाल्स मेटकाफ रेजिडेन्ट हुआ, तो उसते सलाम, कोरनिश व मुजरा सब ब्लस कर दिया. मुराब-सल्तनत के जवाल (अवनति) के दिन नजदीक भा गर्ये थे.

फिर्दगियों ने जो बरबरता की था उसे बहादुरशाह जैसे आजादी के मतवाले कैसे वर्दाश्त कर सकते थे ? उनकी क्या क्यादा हो चुकी थी. बुदापे के हाल में भी उन्होंने हिस्मत न हारी.

स्निये तो सही-

यूँ ही तबीयत अपनी हिवस वर सभी हुई, सक्दों की जैसे ताक समक्ष पर सभी हुई, धाज़ाद कव करे हमें सँगाद देखिये. रहती है साँख कार्य-कफूस पर सभी हुई. میں رمیں کی یعلم کا برجم هرں ۔
میں فلک کے دل کا غبار هرں ۔
وہ هنسی کے دن وہ خوشی کے دن '
گئے حسرتیں باتی رہ گئی ،
کیمی بادۂ جام ناز تیا'
مکر آپ میں اُس کا آثار هوں ،

اگر کوئی سچا شاعر شاعرائة دیل له کے بہادر شاہ کے موار کے داس ٹہلکا ھو تو وھاں کی سرد ھوا میں یہی آراز سفائی پویکی ا معمولی شاعر کو اپنی حدیثیت خوب معلوم ہے پر بہادر شاہ بادشاہ تھے، بابر اکبر اور آورنگؤیب کے تخت و تاج کو روشن کرنے والے تھے ر آن جیسے بادشاہ کو معمولی انسان سے بھی زیادہ تکلیف د اندگی بسر کرنا پڑی ھو تو اس کا اندازہ آسانی سے لگا سکتے ھیں۔۔۔

چارہ گر بھر ته سکے میرے چکر کا تاسور ۔ ایک گر بات کیا خوسراً روزن تکلا۔

بہادر شاہ کو 72 سال کی عمر سیں ''راچکسی'' ملی ، وہ بھی کسی آ آئیر کے زمالے میں ھی کمپنی لے آن حق و حقبق (ادھیکا) کو چھوں لیا جوں کا ''سمجھوتھ' کمپای کے حاکموں لے بادشاہ شاہ عالم سے کیا تھا ، اکبرشاہ نے پیروس کے واسطے راجا رام موھوں رائے کو وکیل بنا کر انگلستان بھیجا ، وھیں راجت صاحب کا انتقال ھو گیا تو معاملتہ جیوں کا تیوں رہ گیا ۔ آئیر شام کی شکست (ہار) ھو چکی تھی' آب انگریزوں نے اور بھی طام شروع کئے .

جب بہادرشاہ تخت پر بہتے ، تب بھی فرنگیرں کا وہی رویء جاری رہا ۔ خاص موقع پر جو قصف (بھنت) نفر کی طور پر بانشاہ کو دیائے جاتے تھے ، موقوف (بنن) ہو چک تھے ، جب چارلس میٹکاف ریزیدتیٹ ہوا تو اُس نے مالم کررتش و مجرا سب ختم کو دیا ، میل ملطنت کے زوال (لوئتی) کے دین تودیک اگئے تھے ،

فرنکیوں لے جو بربرہ کی تھی آسے بہادر شاہ جیسے آزادی کے مترائے کیسے برداشت کر سکتے تھے آ آن کی عمر زیادہ ہو چکی تھی ، برعابے کے حال میں بھی آنہوں نے ہمت تم عاربی ،

سلیگے تو سہی۔۔۔

یو ٹہی طبیعت اپنی حوس پر لکی ہوئی' مکوی کی جیسے تاک مکس پر لکی ہوئی ۔ آئوئی کہ کرنے ہمیں میان دیکھٹ رہائی ہے آئکے یان قلس پر لکی ہوئی ۔ शुमाक दिन्द में भी महेंसी की रानी से लेकर भगत सिंह, राजगुर, मुखदेब, आदि राहीदों ने जंगे आजादी का पेलान किया. हमारे सामने राहीदों में कोई कर्क नहीं है. सबों का मकसद आजादी था!

बहादुरशाह भी आजादी के तिये काम आए. वे सल्तनते मुत्तित्वा के आख़िरी चिरात थे. वे बादशाह होते हुए भी बतन-परसी (देश-भक्ति) के शायर थे. डनकी शायरी में जोश था. जदबाती लहरें (भावना की तरंगें) उमद उठती थीं. बहादुरशाह के बारे में जानना हरेक का कजें है.

बहादुरशाह 'उद्' के एक ऊँचे शायर थे. उन्होंने "जफर" के तखल्लुस (अनाम) से शेरो शायरी की. सब से क्यादा भारत की आजादी को कायम रखने के लिये उन्होंने जो .कुरवानी की थी वह हमेशा जिन्दा-जावेद (सदेव के लिये) रहेगी.

बहादुरशाह की शायरी में गहरे जजबात ये और जिन्दादिली थी, असल में उनके जमाने तक उद्दूं भद्व (साहित्य) का रवैया इश्क-हक़ीक़ी" या "मजाजी" के नाम पर ही बहुत छुछ गुलो बलबुल तक महदूर (सीमित) था. दीगर (भ्रन्य) शायरों की तरह उन्हें भी "उद्दू शायरी" में रदीफ काफिये की तंगी में रयादा मजा आता था. उन्होंने 'जन र' के नाम से बहुत छुछ लिखा है. आजादी के लिये उन्हें जो तकलीफ उठानी पड़ों उन्हें सुनकर पत्थर का कलेजा भी दो बुँद आँसू गिरा देगा.

अब उनका कलांम सुनिये-

''व पूच मुमासे 'अफर' त् मेरा इक्तीकते हाल, भगर कहूँगा अभी तुमाको मैं ठला दूँगा."

जफर ने अपनी इक्रीकत (वासविकता) को साफ तीर से बयान किया है। फिर भी तवारीख़ (इतिहास) ने भी उनकी जिन्दगी की द्दैनाक-हालत पर श्राँसू की बूँदें बहायी हैं—

> "ओ खिज़ाँ हुई वो बहार हूँ. जो उतर गमा वो खुमार हूँ, जो वनक गमा वह नसीव हूँ, जो उजक गमा वो सिंगार हूँ. मेरा हाल काविले-दौद है, कि न आस है न उमीद है, मेरी घुड के हसरते रह गमी, मैं उन हसरतों का मज़ार हूँ. मैं कहाँ रहूँ, मैं कहाँ वस्ँ, न से समस्ये सुरु न वो समस्ये इस्.

شمال عاد میں بھی جہانسی کی وائی سے لاہو بھات سنام راج کرو' سام کیو' آدی شہندوں نے جنگ آوادی کا اطلق کیا ۔ ہمارے ساملے شہندوں میں کوئی نرق نہیں آف ۔ سبوں کا میں کیا جمارے نیا ا

جہادر شاہ بھی آزادی کے لئے کام آئے ، وسے سلطات مغلیہ کے آخری چرانے تھے ، وسے بادشاہ ہوتے ہوئے بھی وطن پرستی (دیش بھکتی) کے شاعر تھے ، اُن کی شاعری میں چوش تھا ، جذباتی لہریں (بہاؤنا کی ترنکیں) اُمرِ الّیتی تھیں ، اُبہادر شاہ کے ،ارے میں جانا ہر ایک کا فرنس ہے .

بہائر شاہ 'ردو' کے ونجے شاعر تھے۔ اُنھوں نے ''ظفر'' کے تخطص (اُپ نام) سے شعر و شاعری کی ۔ سب سے زیادہ بھارت کی اُزادی کو قایم رکھانے کے لِٹے اُنھوں نے جو قربائی کی نھی وہ ھمیشہ زندہ جارید (سدءو کے لئے) رھیکی ۔

بہادر شاہ کی شاعری میں گہرے جذبات اور زندہ دلی ہیں۔
اصل میں ان کے زمرنے نک آردوادب (ساعتیہ) کا روزہ (اعمی حقیقی)
یا ''مجازی'' کے نام پر ھی سہی بہت کچھ گل و بلبل نک ھی
محدود (سیمت) تھا ۔ دیگر (انیه) شاعروں کی طرح آنہیں
بھی ''آردر شاعری'' میں ردیف قانیہ کی تنگی میں زیادہ موا
یعی 'آردر شاعری'' کے نام سے بہت کیچ نکیا ہے ۔ آزادی
کے لئے آنہیں جو تکلیفیں اُٹھانی پڑیں سی کر پہر کا کلیجہ
بھی دو ہوند آنسو گوا دیکا ۔

اب أن يا كلم سنيئيــــ

الله پوچه مجهسه الطغراتو میرا حتیت حال . اگر کورنگا ایمی تجهم میں رولا دوں کا ."

طفر نے اپنی حقیقت (واسترکتا) کو صاب طور سے بیان کیا ف ہے ہور سے بیان کی وندگی کی درناک حالت پر آنسو کی ہوندیں بہانیں عیں۔۔

جو خزاں هوئی وہ بہار هوں'
جو آدر گیا وہ' خمار هوں ،
جو بکر گیا وہ نصیب هیں'
جو أجر گیا وہ سنگار هوں ،
میرا حال قابل دید هے'
که نم آس هے نه آمید هے .
مهری گہت کے حسرتیں وہ گئیں'
میں کہاں رهیں' میں کہاں بسیں'
میں کہاں رهیں' میں کہاں بسیں'

1 1 3 A W

हम तो अपनी अजन्ताओं में मग्न हैं, युम तिलिस्मी गुवारे चड़ाते रहो. फिर न कहना जो यह "ऐटमी शोबिवा, न" .खुद तुम्हारा नशेमन बजाने लगे.

हम तो इक मुबह हैं, सुबहे अमनो अमां। अपना पैगाम है "रोशनी-रोशनी," पे अंधेरो, उजाले में आजाओं अब, हिन्द के बामोदर१० जगमगाने लगे.

[नोट:—1857 के स्वतन्त्रता संप्राम के शताब्दी महोत्सव पर ल'ल किले में हुए मुशायर में यह नज्म 16 अगस्त 1957 को पढ़ी गई.] هم تو أيلى أجلتاؤل ميل مكل هيل، تم طاسعى غباري أراتي رهو، پهر نه كينا جو يه "أيتني شبداً" 8 خود تمهارا نشيس 9 جلانے لكے 1

[نوت :--1857 کے سوتنتوا سلکوام کے شتابدی مہتو پو الل اللہ میں ہوئے مشاعرے میں یہ نظم 16 اگست 1957 کو پڑھی گئی .]

शहीदे भाजम वहादुरशाह की याद में

श्री डी० राजन

जो बतन की आजादी या मजहब के लिये मर मिटता है वह शहीद है. आजादी के लिये कुरबानी की जरूरत है. ऐसे ही 'देश भक्त' हिन्दुस्तान की आजादी के लिये हुजारों लाखों की तादाद में कुर्यान हो चुके हैं. दरअसल हमारी आजादी की 'अमर कहानी" शहीदों के खून से लिखी गयी है. कन्या कुमारी से हिमालय तक कई बतन-परस्त देश-भक्त भारत की आजादी की लड़ाई में कूद पड़े. कन्या कुमारी दिक्खन में है इसीलिये पहले उसका नाम लिया है कि दिखन में ही पहले पहल संतों के प्रेम-धर्म ने जन्म निया और उत्तर तक फैला. शंकर, रामानुज, मध्याचार्य वैष्ण्य और रीव-धर्म के संतों ने अपनी अमृत-धानी सुनाई, उत्तर में भी कई संत लोग पैदा हुए.

आजादो की लढ़ाई में भी दिक्सन कभी पीछे नहीं रहा. कट्टबोम्मन, राजा देसिंह, बीर चिद्म्बरम, वठ वे॰ सुठ अध्यर, हैदर, टिप्पु, निरुप्ट कुमरन जैसे शहीदों ने हमेशा के लिये आजादी की अमर ज्योति जलाई.

१. नूर = प्रकाश, १. निकहत = सुगन्ध, १. वज्म = सभा ४. शमए = दीप-मोमवसी, ४. गुलिकशाँ = फूल का खिलना, ६. मुस्तिकल = स्थाई, ७. मशराले = काम-काज, व. शोबिदा = जादू का खेल , ६. नशेमन = घोंसला, १०, बामोदर = काठे और दरवाजें.

شهید آعظم بهادر شاه کی یاد میں

شرق تی، راجن

جو وطن کی آزادی یا مذهب کے لئے مر ملتا ہے وہ شہید ہے آزادی کے آئے قربائی کی ضرورت ہے ، آیسے هی ادیش بهت است ملاستان کی آزادی کے لئے ہزاروں لاغوں کی امداد میں قربان هو چکے هیں ، دراصل هماری آزدی کی اللہ کہائی'' شہیدوں کے خون سے لئی گئی ہے ، کئیا تماری سے سالیہ تگ کئی وطن پوست دیش بهات بهارت کی آزادی کی اوائی میں کود پڑے ، کئیا تماری داون میں ہے اِس لئے پہلے اُس کا نام لیا ہے کہ داوں میں هی پہلے پہل سنتوں کے بریم دیمن اور شیو دھرم کے سنتوں نے آپئی اموت بانی سفائی ، دیشاو اور شیو دھرم کے سنتوں نے آپئی اموت بانی سفائی ، دیشاو اور شیو دھرم کے سنتوں نے آپئی اموت بانی سفائی ،

آزادی کی لوائی میں بھی دکھن کبھی پرنچھے نہیں رہا ۔ تئرمن راجا سے ملکھ وہر چینمبرم وہ وے، ایرا حیدر ' ٹیھرا ترویت کنرن جیسے شہدرں نے ہمیشہ کے لئے آزادی کی امر جیرتی جالتی تھی ،

1. نهر سه پرکاهی 2. نکهت سهانده 3. بزم سها 4. شمهی سه دیه مرمهتی 5. کل نشان سه بهول کا کیلانا 5. شمهی سه دیه سهاری کلم کلم 8. شمیدا سهادو کا کهها 6. شمهدی سهاری کام کلم کلم 6. در سهاری سهاری کام کلم و در سهاری در ارده

विरागों के सिलसिलें (अंग्रेजों से खिताय) چرافوں کے سلسلے (انگریزوں سے خطاب)

श्री सलाम मञ्जलीशहरी

नर१-म्रो-नकहत्र की खातिर जो करवाँ हुए, जिनको तुमने यह समका ठिकाने लगे. कुल बनकर बही सुस्कराने लगे. चाँद वनकर वही जगमगाने लगे.

> बात उलमी सी है, मैं दिवाना जो हूँ, खैर, श्रव तुम जरा यह बताओं मुक्ते क्या कहांगे उसे जो बुमे दीप से, बदम ३ की ताजा रामपे र जलाने लगे ?

हुमने भारत से ताजे जफर ले लिया. इमको भारत ने गान्धी जवाहर दिया. तुमने इस लाल किले में शाले भरे, परवमे गुलिफशाँ इस डड़ाने लगे.

> तुमने माँसी की रानी का सर ले लिया, देश की गोद में नायडू आ गई। तुमने इस शहर दिल्ली का वीरां किया, जन्नते' हर तरफ हम सजाने लगे.

बूँ बुक्ते बीप से बीप जलते रहे, भौर इस मुस्तकिल र रांशनी बन गए. फिर भी पिछले अधेरे सदी बाद भी-माज क्या जाने क्यों याद आने लगे ?

> बात यह है कि इस शहले हिन्दोस्ताँ, एक आदरी रखते हैं तहजीब का. हम तो उस दम भी तुम से गले ही मिले, जब यहाँ से, हुजूर ! आप जाने लगे.

भर, इतना तो बतलाओ ये दोस्ती! भाजकल क्या मरासले व हैं, क्या हाल है ? मं क्यूबा था तुम लिए के परदे में फिर, म्बरं दिन्द पर गुल किलाने तगे. شرى عالم منجولي شهرني

نور و نهمت 2 کی خاطر جر قربان هوئے، جن كو تم له. يه سمجها تهكالے لاء . یھول بن کو وھی مسکرانے لکے۔۔۔ ، چاند بن کر رهی جامگانے اکم ا

بات ألجهي سي هاسهن ديواته جو هورا خیر' اب تم درا به یتاو مجه . کیا کہوگے اُسے جو بجھ دیپ سا ہزم 3 کی نازہ شمیں 4 جلانے لکے!

> تم نے بھارت سے تابے ظفر لے۔لیا' هم کو بھارت لے گاندھی جواھر دیا ، تم نے اِس لعل قلعے میں شعلے بھرے . پرچم گلفشل 5 هم أوالي لكي إ

تم نے جہانسی کئی رانی کا سر لے لیا ديش کي گود ميں فايدو آگئيں ا تم نے اِس شہر دای کو ویراں قیا ، جنتين هر طرف هم سجائے لكے 1

> ہوں بجھے دیپ سے دیب جلتے رق أور هم مستقل 9 روشنی بن گئے ! يهر يهى پنجهل الدهير مدى بعد يهى . آج کیا جالے کیس یاد آلے اکے ا

بات يه هه كد هم أهل هندسكان أيك أدره ركهتم مين تيميب كالأ هم تر اِس دم بھی تم سے گلے هی ملے؛ جب یہاں سے حضور ا آپ جائے لکہ ا

> خهراً إننا تو بتلاو أه دوستو إ أجال كيا مشغل 7 هين كيا حال هـ ١ كولى الهاة الم جهب كيودسه ميس يهرسه سرهدهاد پر کل کهالے اکے ا

(167) '57₁₇51

इनसान की जिन्दगी नपी तुसी है. क्रयामत तक तो किसी का जीना नहीं—फिर बचन की मुद्दत क्रयामत तक क्यों हो ?

जीवन में उसको वह सब मिलना चाहिये जो उसका इक्त और हिस्सा है—किर उसमें देरी क्यों—और संकोच क्यों ?

. खाली वादों ही बादों पर तो इनसान जी नहीं सकता भीर न परिवार ही पाल सकता है.

यह कीन सा इन्साफ और इनसानियत है कि एक परिवार के आधार पर केवल एक सियासी त्यागी अपना जीवन बनाये—क्या एक अक्सा परिवार को एक अकेला सा जाने बाला "त्यागी' होता है आज के राज के अर्थ में ?

आखार यह हवाई बायदे कब तक उदान भरते रहेंगे और कब तक मृठे बचन सब्ज बारा दिखाते रहेंगे ?

जिनमें न बोशाओं की कलियाँ, न बाआदी के कल

केवल काँटे ही काँटे.

लेकिन इसने वह काँटे ही टाँके हैं अपने दामन में आकादी के लिये—भीर इसिजिये 'आदर बतन' हैं और बतन के असार से प्यार होता है हर सच्चे देश भगत को.

वर्ण के चमन के फूल भी इसके सामने अधिक से

ष्मधिक हैं भीर रंग रंग के.

देखने में बड़े सुन्दर, बड़े दिलकश, बड़े नजरफ़रेब, मगर न बू न महक.

अलवत्ता तेजरंगत.

लेकिन वह रंगत कव तक ?

काराज के फूलों की शोख़ी और उनकी जिन्द्गी ही कितनी ?

पानी के ऊरर कराज की नाब की उमर ही क्या ? नई नई तरकी बों से अबाम को लुभाये रखना और जीवन के मीठे सपनों में मुजाये रखना. अजीव अनुभव है राजनीति का—यह बात कितनी विचित्र है कि आजाद होते हुए बचनों के रंगीन फन्दों में अबाम गिरफ्तार हैं—यानी आजादी में क़ैद हैं—फिर भी बचन आये दिन नित नये जतन करते ही रहते हैं और जनता के साथ शाविराना चालें चलने में कोई कसर बाक़ी नहीं रख रहे. इस प्रकार अब तक जितने भी जतन हुए और हो रहे हैं उन पर जितना भी मातम किया जाय कम है और जितना शोक मनाये हैं انسان کی زادگی نبی نلی فی قیامت تک تو کسی کو جینا نبین سیور وجن کی مدت تراست نک کیس ؟

جهون هی میں آسی کو وہ سب ملنا چاملے جو آس کا حق اور حصہ هستهر آس میں دیری کیوں۔۔۔اور سنکونے کیوں ہوں ؟

تعالى وعبوس هي وعدوس پر تو اِنسان جي تهيس ساتا اور ته يوبوار هي يال ساتا هي .

یه کونی سا اتصاف اور انسانیت هے که ایک پریوار کے آدھار پر کنول ایک سیاسی تعالی اینا جنیوں بنائے۔۔۔کیا ، ایک اکیا پریوار کو ایک اکیلا کیا جائے والا (تیاکی'' هرتا هے آج کے راج کے اتم میں گ

آخر بہ ہوائی وعدے کب تک اُران بھرتے رہیں گے اور کب تک جھوٹے وجوں سبز باغ دکھاتے رہیں گے 8

چن مَیْں نَهُ اَهْاؤِں کی کلیاں' نه ازادی کے پیل لہ

کیبل کانٹے ھی کانٹے ۔

ایکن آس نے وہ کانٹے ہی تانکہ ہیں اپنے دامن میں آ آزادی کے لباس کی شودھا بڑھانے کے لئے۔۔۔۔ اور آسی لیّے وہ دنار وطن ' ھیں اور وطن کے خار سے پیار ہوتا ہے ہو سچے دیوں بھات کو ،

وچن کے چدن کے پھول بھی اِس کے ساملے آن مک سے : اندک میں اور رنگ رنگ کے ،

دیکھلے میں بڑے سندرا بڑے دال کھیا بڑے دار فریب ۔ مکر لد ہو نہ میک ۔

ألبته تيو رنات .

ليكن وة رقامت كب تك 🗣

کافل کے پھولوں کی شوخی اور اُن کی زندگی هی کتلی ؟ ہائی کے اُوپر کاغل کی تاؤ کی عبر هی کیا ؟

نگی نگی ترکیبوں اور باتوں سے عوام کو لیھائے رکینا اور وچنوں کے میٹھے سپلوں میں جہائے رکینا ، عجیب انوبیو ہے راجنیتی کا یہ بات کتنی وچتو ہے کہ آزاد موتے ہوئے وچلوں کے رنگیں پہلووں میں عوام گرفتار ھیں۔۔۔یعلی آزادی میں قید میں۔۔۔یعلی گزادی میں وقید اور جننا کے ساتھ ماطرانہ چالیں چلئے میں کوئی کور کسر باقی نہیں رکو رہے اس پرکار آب تک جتنے بھی جتن ہوئے اور جو رہے میں آن پر جتنا بھی ماتم کیا جائے کم ہے اور جتنا شوک منایا جائے کم ہے اور جتنا شوک منایا جائے گھیک ہے ۔

काकिर जनता का भी क्रम हिस्सा है जाजारी में चौर कुछ एक है जन्द्र रियत में पर चनको जनता के दुःस दर्श से क्या वास्ता, और क्यों वास्ता हो ?

फिर दावा भी करते हैं अहिंसा का. बचन भी देते हैं सेवा का.

कितना चाजीव तमाशा है यह धीर कितना हसीन करेंब !

चनका दावा धोखा चौर बचन ग्रलत सावित हो गया . एस की मियाद भी ख़तम हो गई . आस की भी मियाद होती है. ख़लकते पैमाने को कब तक रोका जा सकता है—और कब तक विश्वासी जनता सियासी मूठ और करेब का पालन कर सकती है—जब किसी भी इन्सान का बचन बेवजन हो जाता है तो फिर उस झा ख़ुद्द का कोई ब जन नहीं रहता एसकी जिन्दगी में चौर समाज में—इन्सान सच्चाई चौर विश्वास के बल पर इज्जत चौर स्वागत पाता है—इन्सान की इज्जत और क्रीमत एसके ठोस विश्वास में होती है. विश्वास ख़तम होते ही वह भी ख़तम हो जाता है जैसे सूरज बूवने ही दिन ख़तम हा जाता है और अन्धेरा छा जाता है.

बक्षत किसी की परवाह नहीं करता. न किसीकी तरफवारी करता है. मतलब यह कि वक्षत फिरक्रापरस्त नहीं होता. वह इन्साफ गरस्त होता है और न्याय करता है. वह अपने अख़-त्यार से अपना फैसला ख़द सादिर करता है. इसका फैसला इसका निजाम घड़ी की सुई की नोक पर रहता है. जो भी उसकी खद में आ जाता है "कसेबाराद" छिन के छिन में पीस डालता है. कस देता है ईसाफ के शिकंजे में. वह किसी की रूरियाबत नहीं रखता. न किसी की सिफारिश स्वी-कार करता है—कितने घमन्दियों को उसने आन की आन में खाक में मिला दिया है. कितने वानाशाह और नेताशाह मुके पड़े हैं उनके चरणों में.

बचन इनसान को गिराता भी है, उठाता भी है, बनाता भी है बिगाइता भी है—अपनी इल्जात, अपना विकार, अपनी बात, अपनी साख कायम रखने के लिये इसका .फैसला खुद इनसान के अखत्यार में है कि वह अपने लिए क्या निश्चय करता है ?

किसी भी इनसान का बड़प्पन बड़े से बड़े आहरे में नहीं होता. और न इसका बड़प्पन बड़े से बड़े बंगले में रहता है. इनसान का बड़प्पन केवल बात की सच्चाई, सदाचार की सुन्दरता भीर किरदार की मज़बूती और पाकीजगी में होता है. जिस में यह गुण नहीं वह बड़ा होते हुए भी छोटा है और भारी होते हुये भी हलका है. آخر جلتا کا بھی امیہ حصہ فی آزادی میں اور امیہ جی فید جمہوریت میں سیر آن کو جلتا کے داتو درد سے کیا واسطاء ا لور کیوں واسطہ ہو ؟

> پهر دعول ہیی کرتے میں اهنسا کا ۔ بچی ہیی دیتے میں سیوا کا ۔

کتنا عجیب تماشه هے یہ اور کتنا حسین فریب !

ان کا دعویل جب دھو کا اور بحین غلط قابت ھو گیا۔
اُس کی میماد بھی ختم ھو گئی ۔ اُس کی بھی میماد ھوتی
هے ، چہاکتے پومانے کو کب تک روکا جا سکتا هـ—اور کب تک وشواسی کی جنتا سیاسی جهرت اور فریب کا پائی کو سکتی
هے جب کسی بھی انسان کا وچن بےوزن ھو جاتا هے تو پھر
اُس کا خود کا کوئی وزن نہیں رھتا اُس کی زندگی میں اور
سماے میں —انسان صرف سجائی اور وشوائس کے بل پر
عرف اور سواگت پاتا هے ، اِنسان کی عرف اور قیمت اُس کے
قهرس رشواس میں ھوتی ہے ، وشواس ختم ھوتے عی وہ بھی
قهرس رشواس میں ھوتی ہے ، وشواس ختم ھوتے عی وہ بھی
ختم ھو جاتا ہے ، جیسے سوبے قربتے ھی دی ختم ھو جاتا ہے
اور الدھیرا چیا جاتا ہے ،

وقت کسی کی برواہ تہیں کرتا ، نہ کسی کی طرفداری کرتا ، مطلب یہ که وتت فرقہ پرست نہیں ہوتا ، وہ اِنصاف پرست ہوتا ہے اور نیائے کرتا ہے ، وہ اپنے اختیار سے اپنا فیصاء خود صادر کرتا ہے ، اُس کا نیصلہ اور اُسکا نظام گیری کی سوئی کی توک پر رہتا ہے ، جو بھی اُس کی زد میں آجاتا ہے ''کسے باشد'' چھن چھن میں پیس دالتا ہے' سی دینا ہے اِنصاف کے شکاحیے میں ، وہ کسی کی رو رعایت فہیں رکھتا ، لانہ کسی کی سفارش سوئیکار کرنا ۔۔۔ کتنے تاناشاہ اور قینا آن میں خاک میں ملا دیا ہے ، کتنے تاناشاہ اور قینا شاہ جھکے پڑے ہوں اُس کے چرنوں میں ،

وچن اِنسان کو گراتا ہیں ہے الباتا ہیں ہے ، بناتا ہیں ہے ۔ بناتا ہیں ہے ہوتا ہیں ہے ہیاتا ہیں ہے ہیاتا ہیں ہے ہ ہے ہگارنا ہیں ہے۔ اپنی عارت اُنسان کے اُختیار میں ہے کہ وہ اپنے لئے کیا نشجے کرنا ہے ؟

फिसने धनमोल मोती और नायाय औहर नाक्ष्यी धीर सम्प्रदाय वे धार में वह गये और फितने गुणी मुनि फ्ना के दामन में सिमटकर नष्ट हो गये. राज्य ने वह धन सोया जो क्षीम की माया था धीर माया से हाथ धोया जो जाकर कभी बापस नहीं धाती —

देखते के देखते और आन ही आन में कितने क्रवीले खतम हो गये. कितने परिवार अन्याय की ऊँची दीवार फाँद गये. कितनी बेचैन अत्माएँ जम्दूरियत के लुभावने और रंगीन जाल के फंदों से निकलकर आजाद किजा में युव मिल गई.

यह दिल-शिकन नजारा देखकर लाजमी तौर पर आस दूरी. श्रास के दूरते ही आशाओं के तार भी दूर गये और उन तारों से धाराप् फूट निकलीं तेज-तेज जजवात और लाल गुरसे की.

कहाँ गये वह त्यागी और सेवक जिन हे अन्दर से इम-द्वीं का एक भाव भी न उभरा—और दुखी इन्सानियत पर जिनकी आँखों से एक कृठा आँसू भी न टएका. जिनकी आत्या नकसानियत के शेवक में लुथड़ी पड़ी है — अवसक.

कहाँ हैं वह जन सेवक जिन की खबानों पर आत्मा और महात्मा की रट घोखा देती रही है इन्सानियत को और इन्सान की अच्छी अकीद्त को,—यानी मानवता को और मानव की सुन्दर अद्धा को.

आधादी के दस वर्ष कम नहीं होते. दस वर्ष के काल में दस नई पीदियों जनम ले सकती हैं. दस नए आकाश बुलन्द हा सकते हैं— समय की लम्बाई, चौड़ाई और पस्ती या बुलन्दी का नाम केवल .खुराहाली और परेशानी के पैमाने से होती है. युसीबत और तक़लीक का एक वर्ष तो बहुत होता है. एक दिन भी अधिक और बहुत अधिक होता है—उसका एक-एक मिनट श्वताब्दियों की विशालता और गहराई अपने अन्दर रखता है लेकिन उसका बही जानते और सममते हैं जिन पर मुसंबित के पहाड़ दूटते हैं या दुख के दिन बीनते हैं.

सवाल यह है कि इन तमाम ची, जों की जिम्मेदारी किस पर है ?

इनकी जिम्मेदारी मूठे बबन देने वालों पर.

असली अपराधी कौन हैं ?

जिन्होंने आशावावियों के विलों को खाक बरके और उनकी आशाओं की दीवारें गिराकर उन पर अपने अवन सब्दे किये.

जिन्होंने रारीबों का इक्ष मारकरः अपने जीवन को बहार बी.बीर अपने जवाई को मोटरकार दी. کتلے انمول موتی اور الیاب جوهر تاقدری اور سامپردائے کے دعار میں به گئے ، اور کتنے گئی منی دنا کے داسی میں سمت کا نشک هو گئے ، راجیه نے وہ دهن کیریا جو قوم کی مایه ته اور اس مایه سه داته دهویا جو جاکر کیهی راپس نہیں آتی۔۔۔

دیکھتے دیکھتے اور آن هی آن میںکٹنے کئیب کیلے ختم هو گئے ، کٹنے پریوار انبائے کی آرئیچی دیوار بھائد گئے ، کتنی پرچین آنبائیں جمہوریت کے لبباؤنے اور رفکین جال کے بہندوں سے قائل کو آزاد فضا میں گیل مل گئیں ،

یه دل شکن نظاره دیکه کر الزمی طبر پر اُس توتی . آس کے توتیے هی آشاؤں کے تار یعی نوت گئے . اور اُن تاروں سے دھاریں پھوٹ تکلیں نیز تیز جذبات اور الل الل عصے کی .

کہاں گئے آپ وہ تیاگی اور سیوک جن کے اندر سے همدردی کا ایک بیاؤ بھی نہ آبھرا۔۔۔اور داھی انسانیت پر جن کی آنکھوں سے ایگ جھوٹھا آنساو بھی نہ آپکا ، جن کی آنما انسانیت کے کیچو مور لتیزی پری ہے اب تک .

کهان هین وه جن مهوک چن کی زباتین پر آتما اور مهاتما کی رفت دعو کا دیتی وهی ها انسانیت کو اور انسانون کی اچهی تقیدت کو اسیعنی مانوال کو اور مانو کی سندر شردها کو .

آزادی کے دس ورش کم نہیں ہوتے، دس ورش کے کل میں دس نئی پہڑھیاں جنم لے سکتی ھیں ، دس نئے آگھی بلاد ھو سکتے ھیں ، دس نئے آگھی بلاد ھو سکتے ھیں ، دس نئے آگھی بلادی کی ناپ کیول خوشتدانی اور پریشانی کے پیمانے سے ہوتی ہے ، مصیبت اور تعلیف کا ایک ورش تو بہت ہوتا ہے ، ایک دن بہی ادھک اور بہت ادھک ہوت ہے۔ اس کا ایک ایک منت شاہدیوں کی وشالتا اور گہرائی لینے اندر رکھتا ہے لیکی اِس کو رہی جانتے اور سمعیت کے پہار گوئٹے ھیں جن پر مصیبت کے پہار گوئٹے ھیں دہ کے دن بیکتے ھیں جن پر مصیبت کے پہار گوئٹے ھیں ادک کے دن بیکتے ھیں ۔

سوال یه ها این تمام چهوری کی خصوداری کس پر ها ؟ این کی خصوداری جهوت بیچن دینه وانون پر ها امانی آیرادهی کون هین ؟

جنہوں نے آشا وادیس کے دارں کو خاک کر کے اور آن کی آشاؤی کی دیواریں گرا کر ان پر گئے بھوں کوڑے گئے ، جنہوں نے غریبیں کا حق صار کر آنے جموں کو بہار دی اور آنے۔ جنٹی کو موارکار دیں ہ बह शान्ति पूर्वा जीवन पाकर गुजामी और आजादी का अन्तर समक सकती. आजादी की क़दर क्रीमत जान सकती और अपना कर्तन्य पहचान सकती.

पर नया जोड़ा नया जीवन तो दूर की बात, आखादी के मतवालों को फ़ाकों की नौबत तक पहुँचा दिया गया. कितनी पुरानी गुलामी और कितनी पुरातों की रारीब जनता की फटी पुरानी लंगोटी तक विक गई.

क्या यही आजादी का बरदान इन रारीव और बेजुबान

इन्सानों के लिए है ?

क्या यही है जमहूरियत का न्याय दलित बहुमत

के लिये १

यह गरीब दुखी वह लोग हैं जो अपनों के बचनों पर भरोसा किये और "सन्तोष की सिल" झाती पर रखे वर्षों से खामोश बैठे रहे हैं और ताकते रहे हैं आने बाले अच्छे दिनों की ओर.

लेकिन इन क्रिसमत के मारों का दुर्भाग्य तो देखों कि इनके अच्छे दिनों का भी रास्ते से चुरा ले गये कोई चोर.

अगर उनसे कुछ कहा जाय तो कहने वाला भी हैरान होकर रहे जाय जब "उलटा डॉटे कोतवाल को चोर"

यही वह नामुराद और निराश जनता है कि आजादी के नाम पर खुरहाली के सपने देखते देखते जिसकी आँखें पथरा गईं. दिल बैठ गये. आशायें मर गईं, हसरतों का .खुन हो गया— गादियों .खाली हो गईं. कोलियों सङ्-गल गईं. कितनों ने अपने अजीज प्यारों तक की हिंदुयाँ दफन करदीं या .खाक बनाकर उडा दीं.

आशा ही आशा में बेकार रहते-रहते कितने काम के हाथ शल पढ़ गये. कितने जौलानी दिसारा ठस पढ़ गये. कितने जौलानी दिसारा ठस पढ़ गये. कितने जौलानी दिसारा ठस पढ़ गये. कितनी योंग्यतायें किना हो गई और अन्दर ही अन्दर चुल-घुल कर अपने जौहर खो बैठीं—योग्यतायें मूल्य में वरदान होतं हैं कुद्रत की ओर से किसी कौमी राज्य के लिये यह वह भारी नुक्रसान है जिसका बदल कठिन—जेकिन इस महान नुक्रसान को केवल जिन्दा, काबिल, इक पसन्द और इन्साफ परवर हकूमतें ही सममती हैं—जोहर की कीमत केवल जोहरी ही जानता है और उनकी नाक्रदरी पर बसी का भारतम और सदमा भी बजा!

नाक्षवरी, बेराीरी और बेपरवाही का कारण सम्यवा और इतिहास के ज्ञानियों की दिन्मत और साहस को भी देस पहुँचाती है और उनकी कार्य शक्ति का उस पर प्रभाव पड़ता है. सहजीव और कल्चर के अनमोल भन्डार और प्राचीन संस्कृति के अनेक अनेक चित्र और सुजाने दुनिया के सामने आते-आते रह जाते हैं और दुनिया उनके लाभ से महरूम हो जाती है. अच्छी, तरक्की-पसन्द और कुपालु हुक्सतों का कर्व व्य होता है कि वे ऐसी योग्यताओं को क्षदर करें और क्रीमी गुजा गान को सन्मान है. به شائتی پررن جهرن یاکر ظامی آرر آزادی که آلفر شهری منتی این آزادی کی قدر تیست جان عکتی آرد آیفا کرتویه پهولی علی منتی ا

پرنیا جُول اُور نیا جهری تو دور کی بات آوادی کے متوانی دور کی بات آوادی کے متوانی دور کی بات آوادی کے متوانی کی انہائی اللہ اور کتابی پشتی پوانی للکوئی کے یک بکتا کی پہلی پوانی للکوئی کے یک کئی۔

کیا یہی ف آزادی کا وردان ان غریب اور پرزبان انسانیں لئے ؟

کیا بھی کے جدوریت کا تھائے دات بہومت کے لئے ؟

یہ غزیب دکھی وہ اوک میں جو آپنوں کے بحولوں پر بھروستہ کئے اور دسترهی کی سل" چھاتی پر رکھے ورشوں سے خاموهی بیٹھے رقے میں اور تکتے رقے میں آنے والے اچھے دائیں کی آور ،

لیکن اِن قسمت کے ماروں کا فربھاگھہ تو دیکھو کہ اِن کے اُن کے دیوں کو بھی راستے سے چرا لے گئے کوئی چور ،

اگر آن سے کچھ کیا جائے تو کیئے والا بھی حیرانی ہو کر رہ جائے جب ' آلک ڈانٹے کرترال کو چور '''

یہی وہ نامراد اور تراش جنتا ہے کہ آزادی کے نام پر خوشصالی کے سپنے دیکہتے دیکہتے جس کی آنکہیں یتورا گئیں' دل میٹر کئیں' دل گئیں کا خون ہو گیاسگردیاں خالی ہو گئیں' جھولیاں سو گل گئیں ، نتنوں نے لیے لیے لیے دیو پیاروں تک کی ہتیاں دننی کر دیں یا خاک بنا کر اوا دیں ،

ناقدری پخرری اور یے پروائی کے کارن سبھتا اور انہاس کے گیائیوں کی هست اور ساهس کو بھی تھیس پہوٹھتاتی ہے اور آن کی کاریہ شکتی پر آس کا پرہاؤ پڑتا ہے ، تہذیب کلمپور کے آندول بھندار اور پراچھیں سنسکرتی کے انہکہ ایک چتر اور خوائے دنیا کے سامنے آتے آتے رہ جاتے میں اور دنیا آن کے لابھ سے مصورم هو جاتی ہے ، اچھی ترتی پسند اور کوبالین حکومتوں کا کر توبہ ہوتا ہے کہ رہے آیسی پوگیتاؤں کی قدر کوبس کی قرمی گن گئی کو سممان دیں ۔

एक आदमी रस्ल के पास आया और पूछने लगा:— 'क्या मैं सपने ऊँट की टाँगों को बाँध दूँ और अल्लाह पर जिस्कल करूँ (छोड़ दूँ) या मैं ऊँट को खुला रहने दूँ मीर अल्लाह पर छाड़ हूँ ?" पैरान्बर ने जवान दिया— 'ऊँट की टाँगों को बाँध दो और फिर अल्लाह पर छोड़ हो."

--इंस, विरमिजी.

मुहम्मद साहव ने कहाः—'सच्ची श्रागाही वानी वितावनी ही दीन है."

—श्रव् हुरैरा, (तग्मिजी, शमीवलदारी' मुसलिम, श्रवृदाऊद, निसाई.

मुह्म्भद साहब ने मुक्तसे कहा:—"ऐ अबूजर खबरदार रहो, तुम्हारे अन्दर कमजारी आने न पावे. मैं जो अपने लिये बाहता हूँ बही तुम्हारे लिये. कभी दो आदमी के बीच में यह फैसला न करा कि कीन अच्छा है और कीन बुरा, और कभी यतीमों के माल पर क़बजा न करो."

—अबूजर, अबूदाऊद, निसाई.

[डाक्टर मिरका अबुलक्षक की अंग्रेकी किताब से तरजुमा. अनुवादक-श्री मुजीब रिक्की.]

वचन भीर जतन

श्री अवदुल हलीम अन्सारी

आजादी दासिल करते वक्स बचन देने वालों का कर्तव्य था और राज की कुर्सी पर ठाठ से बैठने वालों पर लाजिम था कि सुलामी से रिदाई और आजादी की प्राप्ति पर विचों की सुलाम जनता को आजादी का नया जोड़ा पदिनाया जाता और आजादी के दीपक से उनके अंधेरे घरों में उजा-ला किया जाता. सुलाम और तरसी जनता को सुख शान्ति का प्रथाम दिया जाता, नया जीवन नया त्रासा दिया जाता. बेराक् ایک آدمی رسول کے پلیں آیا اور پوچھلے کا پسٹاکیا میں اپنے آرنٹ کی تانکوں کو بائدہ دوں اور پھر اللہ پر توکل کوری (چھور دوں) یا میں آولت کو کیلا رہنے دوں اور اللہ پر چھور دوں 1" پنشمبر لے جواب دیا :۔۔۔"آونٹ کی تانکوں کو بائدہ دو اور پھر اللہ یہ جور دور ۔"

-انس أرمزى .

سدايو هريرة ترمزي شمهم الداري مسلم أيو داعود تساعي .

محمد صاحب نے مجہدے کہا: ۔۔ 'اے اہوڈر اِ خبردار رھو تمہارے اندر کیورری آنے نم یارے میں جو اپنے لئے چامکا عوں وہی تمہارے لئے چامکا عوں یہ فیصلہ تمہارے لئے چامکا موں یہ فیصلہ نم کرو کہ کہی اچھا ہے اور کون برا یاور کیھی یکیموں کے مال ور قامہ نم کرو ۔''

--ابونز⁴ ابو داءود⁴ نساعی .

تاکلر مرزا ابوالفقل کی انکریزی کتاب سے قرجمہ .] ---انوادک شری منجیب رفوی .]

وچي اور جتي

شرى عبدالعلهم أنصارى

آزادی حاصل کرتے وقت بھی دینے والوں کا کرتوبہ تھا اور راج کی کرسی پر ٹھاٹھ سے برتھنے والوں پر الزم تیا کہ ظامی سے رھائی اور آزادی کی ظم جنتا کو آزادی کا تھا جوڑا پہنایا جاتا اور آزادی کے دبھک سے اُن نے اندھیرے گھروں میں اُجالا نیا جاتا، ظم اور ترستی جُفاتا کو سکے شائدی کا بھام دیا جاتا ، ٹیا جھوں ٹیا پران دیا جاتا، بھگک

וצנא 75'

कर दूसरे कान से निकास विया. उस आदमी ने दोबारा अबुवकर का अपमान किया अबुवकर ने फिर भी कोई परवाह न की. उस आदमी ने तीसरी बार अबुवकर का उसी तरह अपमान किया. इस पर अबुवकर ने उसका उसी तरह के राव्यों में जवाब दिया. यह देख मुहम्मद साहब फोरन खड़े हो गये और वहाँ से चलने लगे. इस पर अबुवकर ने पूछा:—''ऐ अस्लाह के रस्ल ! क्या आप मुमसे नाराज हा गये १'' पैराम्बर ने जवाब दिया:— "नहीं! लेकिन जब उस आदमी ने पहले तुम्हारा अपमान किया'या तो एक फिरश्ता इसे मुठलाने के लिये आसमान से उत्तरा था लेकिन जब तुमने उसका उसी तरह जवाब दे दिया तो वह फिरश्ता चला गया और उसकी जगह रौतान मुम्हारे पास का बैठा. इसलिये जब तक रौतान यहाँ बैठा हे मैं नहीं बैठ सकता.

- इब्न मुसैयब, अबू दाउद.

मुह्म्मद साह्व ने कहा:—''क़ुरान पढ़ों और लोगों को पढ़ाओ. क्योंकि सचमुच मैं केवल एक आदमी हूँ और एक दिन तुम्हारे थीन से उठा लिया जाऊँगा."

-- इबने मसऊद, दारयमी, दारकुतनी.

मुहन्मद साहब ने कहाः— "क़ुरान में पाँच तरह की बीजें बतरी हैं: एक मारू क़ जिनका करना जायज है, दूसरे मुनिकर यानी वह बीजें जिनका करना नाजायज है, तीसरे वह बीजें जो साफ, और सरीह हैं, बीथे वह बीजें जो मुतराबिहात यानी तराबीह (अलंकार) के रूप में की गई हैं और पाँचवें वह बीजें जो कहानियों की शकल में हैं. इसिलिये जिन बीजों को जायज बताया गया है उन्हें जायज मानो, जिन्हें नाजायज बताया गया है उनसे बचो जो सीधी साफ हिदायतें हैं उनपर अमल करो, जो तराबीह यानी अलंकार के तौर पर कही गई हैं उनहें वैसा ही मानो, और जो कहानियाँ कही गई हैं उनसे सबक सीखों."

--- अबू हुरैरा' बेहकी.

मुह्म्मद साहब ने कहा:—"सचमुच श्रस्ताह श्रपने कांगों के तिये हर सी सात के शुरू में एक ऐसा श्रादमी पैदा कर देगा जो लोगों के दीन को ताजा कर देगा.

--अबू हुरैरा, अबूदाड्य.

مصدقه ٤ كم أبيم

موسرے کان بعد انگائی دیا۔ اُس آدمی نے دوبارا اوربور کا اُپنائی اُبو یکر نے پھر بھی کوئی پرواۃ تھ کی۔ اُس آدمی نے تھسری ابربنو کا اُسی طوح ایدان کیا ۔ اِس پر ابربکر نے اُس کا اُسی طوح کے شہدوں میں جواب دیا ۔ یہ دیکھ محصد صلحب اُلٹہ کے رسول اِ کھا آپ مجع سے تارافی ہو گئے آ " پیندیو ہوائی دیاا۔"تہدی ا لیکن جب اِس آدمی نے پہلے جواب دیا تو ایک فرشتہ اِسے جرتگانے کے لئے آسمان سے اِر ایکن جب تم نے آس کا اُسی طوح جواب دیے دیا اور اُس کی جتبہ شیطان تمہارے پاس فیلس اور اُس کی جتبہ شیطان تمہارے پاس بیتھا ہے میں فہیں بیتھا ہے میں فہیں بیتھا ۔ اُس لئے جب نک شیطان بیان بیتھا ہے میں فہیں بیتھا ۔ اُس لئے جب نک شیطان بیان بیتھا ہے میں فہیں

--ابن مصيب ابوداعود .

مسحد صاحب نے کہا :۔۔قرآن پڑھو اور لوگوں کو پڑھاؤ ، پوئند سچ میچ میں کھول لیک آدمی ھوں اور ایک دن تمہارے بچے سے آٹھا لیا جاؤنگا ۔''

سابن مسودا داریمی: دارقطایی .

محصد صاحب نے کہا : سراترآن میں پانچ طرح کی چیزیں آرہی میں: ایک معروف یعنی وہ چیزیں جن کا کرتا جائز ہے درسوے ملکر یعنی وہ چیزیں جن کا کرتا تلجائز ہائز ہے، درسوے ملکر یعنی وہ چیزیں جن کا کرتا تلجائز ہو مسلم بیات یعنی تشبیه (النکار) کے روب میں کہی گئی میں ور پائجویں وہ چیزیں جو کیائیوں کی شکل میں میں ایس لائے جی چیزوں کو جائز بتایا گیا ہے آنہیں جائز مائٹ چنیس ناہائو بتایا گیا ہے آنہیں جائز مائٹ چنیس ناہائو بتایا گیا ہے آنہیں جائز مائٹ چنیس ان پر عمل کرو جو تشبیع یعنی النکار کے طور پر کہی گئی میں آنہیں ویسا می مائو اور جو کیائیاں کہی گئی میں آن سے سبتی سیکھو ۔ ا

---أبو هريرة[،] بهيقى .

محمد صلحب نے کہا :۔۔۔''سے میے الله اپنے لوگوں کے لئے هر سو سال کے شروع میں ایک آیسا آدمی پیدا کر دیگا جو لوگوں کے دین کو تازہ کر دیگا ۔''

. ابو هريره ابو دامون .

भी छोड़ देगा तो वह बरबाद हो जायगा. इसके बाद एक ऐसा जमाना जायेगा जबकि इस जमाने के लोगों में से जगर कोई इसमें से दसवें हिस्से पर भी अमल करेगा तो न निजात पायेगा."

- अब् हुरैरा, तिरमिजी.

मुहम्मद साहब से पूछा गया कि :— "झादिमयों में सबसे बदकर आदमी कीन है ?" मुहम्मद साहब ने जवाब - दिया :— "इर वह आदमी जो दिल का साफ है और जावान का सखा." फिर पुछा गया : "ज्ञान का सच्चा कीन है, यह हम समम सकते हैं लेकिन दिल का सा.फ कीन है यह हम कैसे जानें ?" पैराम्बर ने जवाब दिया :— "दिल का साफ वह है जो पाक हो, नेक हो, पाप न करता हो, कोई युराई न करता हो और किसी के साथ न युरज (द्रेष) रखता हो और न किसी से हसद (ईषी) करता हो."

—अवदुल्ला विन वस्र, इवने माजह, बेहक्री.

मुहम्मद साहव ,ने कहा: — "आदमी के लिये दूसरे से सगढ़ते रहना और मगड़ा बन्द न करना काफी बढ़ा गुनाह है."

---इटन अञ्चास, विरमिजी

मुश्नमव् साहब ने कहा:—''धलज्ञाह की नजरों में संब से .ज्यादा नफरत कांगेज कादमी वह है जो सब से .ज्याद मगदना कीर तकरार करता है.''

—शायशा, बुखारी, मुस्लिम, तिरमिजी, नसाई.

मुहम्मद साहब ने कहा:—"कोई कौम जिसे एक बाई हिदायत मिल गई थी उस वक्त तक गुमँराह नहीं हुई जब तक उस क्रीम के लोगों ने आपस में मागड़ना गुरू नहीं कर दिया."

- अबु असामा, तिर्मिजी इब्ने माजा, बहमद.

एक दिन मुहम्मद साहब अपने सहावियों (साथियों) के साथ बैठे थे. चनमें से एक आदमी ने उठकर अबुवकर का सुद्ध अपमान क़िया. लेकिन अबुवकर ने एक कान से सुन- ہی چہرو دے گا۔ تو وہ برواد ہو جاٹھگا ۔ اِس کے بعد ایک آیسا زمانہ آٹھگا جب کہ اُس زمانے کے لوگوں میں سے اگر کوئی اِس میں سے دسویں حصے پر بھی عمل کریگا تو وہ تحجاست یائیگا ۔''

ـــايو هريره ترموي ـ

محمد ملحب سے پوچھا گیا کہ ہست"آدمیوں میں سب سے بوعہ آدمی کون ہے 8 " محمد صاحب نے جواب دیاہست"هر وہ آدمی کون ہے 8 " محمد صاحب نے جواب دیاہست"هر وہ آدمی جو دل کا صاف ہے اور زبان کا سچا ۔" پھر پوچھا گیا ہستوہاں کا سبعا کون ہے یہ ہم سمجھ سکتے تھیں' لیکن دل کا ماف کون ہے یہ ہم کیسے جانیں 8 " پینمبر نے جواب دیا :۔۔ ادلی کا ماف وہ اور ایسی کے سانھ نہ بنش (دوئیش) رکھتا ہواور نہ کسی سے حسد (ایرشا) کرتا ہو ۔"

-عبدأله بن عمروا أبن ماجها بهيقي.

محمد صاحب نے کہا مسدآدمی کے لئے دوسرے سے جہکوتے ہوما اور جہکوا بلد نے کرنا کانی ہوا گناہ ہے ۔''

--أين عباس ترمزي .

محمد صاحب نے کہایا۔۔۔'' الله کی تظررں میں سب سے زیادہ نشرت الکیو آدمی وہ ہے جو سب سے زیادہ جھکوتا اور تعرار کرتا ہے ،''

---عائشه، بطاری، مسلم، قرمزی، قساعی .

محدد صاحب لے کہا :۔۔۔''کوئی قوم جسے آیک بار مدابت مل گئی تھی آس وقت تک گنواہ نہیں ہوئی جب نک آس قوم کے لوگوں نے آپس میں جھکونا شروع نہیں کو دیا ۔''

سابو امامه ترمزی این ماجه: احمد .

ایک دی مصد ماحب اپنے محابیس (ساتیبس) کے ماتو بیٹھے مرثی تھے اُن میں سے ایک اُدمی لے اُلّٰہ کر بوبار کا کوچھ اُنسان کیا ، لیکن ابربکر لے ایک کان سے س

मुहम्मद साहब के कुछ उपदेश

शक्टर मिरज़ा अबुल फरल

मुहम्मद साहब ने कहा:—"अपनी तसल या खानदान के घमन्द्र में कोई किसी को जुरा न कहे. तुम सब आदम की बौलाद हो और इस तरह एक दूसरे के बराबर हो जिस तरह एक माप दूसरे माप के बराबर होता है और तुम में से कोई भी माप में पूरा नहीं है. कोई किसी बात में दूसरे से बड़ा नहीं है. सिवाय उनके कि जो नेकी और धार्मिकता में बदे हुए हों. आदमी के लिये घमन्द्री होना, बेशर्म होना या कंजूस होना बहुत जुरी बात है."

🕆 — आंक्रवा विन आमिर, अहमद, बेह्की.

मुहम्मद संहिय ने कहा:—"उन सब लोगों को जो अपनी नसल का घमन्ड करते हैं, जो कहते हैं हमारे वाप दादा यह थे और वह थे, उन्हें चाहिये इस तरह का घमन्ड करना बन्द कर दें. इस तरह का घमंड उन्हें दाजला की आग के कायले बना देगा. इस तरह का घमन्ड करने से भल्लाह की नजरों में वह उस की है से भी जयादा जलील होंगे जो मैले पर आपनी नाक रगहता है. सचमुच में इस तरह का घमन्ड जहालत के दिनों की चीजा थी. अल्लाह ने भव उसे तुम्हारे लिए नाजायज कर दिया है. आदमी या तो नेक और इमान बाला होता है या बद और गुनहगार —सब आदमी आदम की औलाद हैं और आदम मिट्टी से बना हुआ था."

- अंबू हुरैरा, तिरमिजी, अबू दाऊद.

मुह्म्मद साहव ने कहा:—''जो कोई अपने भाई का खत बिना खसकी इजाजत के पढ़ता है वह दोजल की आग में पढ़ता है (और डसी में फेंका जायगा) ."

--- इंडने अव्यास, अवू दाऊद.

मुहम्मद साहब ने कहा:—"सचमुच तुम आजकल ऐसे कमाने में रह रहे हो जिसमें जो कुछ करने को तुम्हें हुक्म विश्वा जा रहा है उसमें से अगर कोई दसनाँ दिस्सा

محدد صاحب کے کچھ أبديش

دَاكِر مرزا أبوالضل

محمد صاحب نے کہا ہے۔ اپنی اسل یا خاندان کے گہمنت میں کہی کسی کو ہرا نے کہے ، تم سب آدم کی اوالد ھو اور اسی مارے ایک درسرے کے برابر ھو جس طبح ایک ماپ دوسرے ماپ کے برابر ھوتا ہے اور تم میں سے کوئی بھی ماپ میں پورا نہیں ہے ، کوئی کسی بات میں دوسرے سے بوا نہیں ہے ، سوائد ان کے کہ جو نہی اور دھارمکتا میں بڑھے ھوٹے ھیں ، الدمی کے لئے گھماتی ھوئا ہے شرم ھوتا یا کنجوس ھوتا بہت بور بات ہے ،''

-عتبه بن عامر احمد بهيتي .

محمد متحب نے کہا :۔۔ ''آن سب نوگوں کو جو اپنی نسل کا گیمنڈ کرتے میں' جو کہتے میں که مبارے باپ دادا یہ تھے اور وہ تھے' آئییں جامئے که اِس طرح کا گیمنڈ کرتا بند کر دیں ، اِس طرح کا گیمنڈ آئییں دوزنے کی آگ کے کوئلے بنا دیگا ، اِس طرح کا گیمنڈ کرنے سے الله کی نظروں میں وہ اُس کور اینی ناک رگوتا ہے ، کور سے بھی زیادہ ذلیل ہونگے جو میلے پر اپنی ناک رگوتا ہے ، سے میے اِس طرح کا گیمنڈ جہالت کے دئوں کے کی چھا تھی ، الله لے آپ آس تمہارے لئے ناجائز کر دیا ہے ، آدمی یا تو نیک اور ایمنی والا ہوتا ہے اور یا ید اور گنہ گل ، سب آدمی آدم کی اور ایمنی والا ہوتا ہے اور یا بد اور گنہ گل ، سب آدمی آدم کی اور ایمنی اور آدم متی سے بنا ہوا تھا ،''

-ايو هريره ترمزي ابوداعود .

متعمد ماحب نے کہا :۔۔۔''جو کرئی آپنے بھائی کا خط بنا آس کی اجازت کے پڑھتا ہے وہ درزم کی آگ میں پرتا ہے زارر آسی میں پھینکا جائیگا) ۔''

--- ابن عبلس^ا ابو داعود ،

 यह सो हाँ बड़ी-बड़ी बाते. रोजमरी के जीवन में भी इस सरह की उम्मती भावना गों जूली के सिनारों की तरह मिल- मिल करती रहती है. भारत में सिदयों से स्फी पीरों के के छुमार हिन्दू मुरीद रहे और अब भी हैं. मुगलिया बादशाहों ने कई वेदान्ती गुरू बनाये हैं और दारा शिकोह और अक- बर बादशाह ने जो वेदान्त-इस्लाम का मीलिक और अत्यन्त महत्वपूर्ण समन्वय किया है, उसके असर शायद हम इक सिदयों के बाद समम सके में जब उन जमानों और उन पुत्र श्रे को करा इतिहास खुलेगा और जनता के सामने वेघड़क पेश किया जायगा.

कलाओं के दायरे में वेदान्त-इस्लाम के तत्व एकमेक में घुल-मिलकर कुछ अजब खूबसूरती पैदा कर गये! इनका असर हमारी जिन्दगी में ऐसा ज्यापक हो गया है कि हिन्दू सङ्गीतकार सहज ही बंग्ल बैठता है, 'जी, मैं तं हिन्दुस्तानी तरीके से गाता हूँ.' और उसे दिन भर भी भान नहीं होता कि वह किस अद्भुत संगम और समन्वय का प्रतीक बना हुआ है.

अफ़सोस है कि आज के स्थापित्य में इस असल और सुन्दर संगम-समन्वय की कोई मलक तक नजर नहीं आती. हमने जो सदियों के पुरुषार्थ से कमाया है, सो हमें इस तरह फेक न देना चाहिये. इससे हमारा ही नहीं, तमान दुनिया का भारी जुक़सान होगा. हम भारतियों को बढ़ा नाज़ होना बाहिये कि सारी दुनिया के देशों में एक भारत ही है जो सक्षे मानों में संगम देश रहा है; और आज के लड़ते-कगड़ते, मारते-काटते, जलाते खुबाते संसार में संगम-राज्य बनने का अधिकार रखता है.

'उस्मत' शब्द अंश्विस्तान से आया है मगर 'उम्मत' भारत में ही खगा और पनपा है. ये ही हमारा सच्चा, सना- तन और अमर विरसा (विरासत) है, हम भारतीयों को इसके लायक बनने की भरसक कोशिश करते रहना है, और इसे सुरक्षित रखकर इसके बदाने और बदाने में अपनी जान और जीवन लगा देन। है.

श्वस्ताह करे ऐसा ही हो ! शस्ताह हमें सद्बुद्धि बद्शे ! शस्ताह हमें मदद करे !

ष्मामीन ।

[मङ्गल प्रभात से]

[منازل بربهات سے]

یہ و ہوتی بری بری باتوں ، روز موہ کے جوری میں بہی اس طرح کی آسٹی بواؤنا گودھولی کے ستاروں کی طرح ہول میں میں میں میں ملے کرتی رہتی ہے ۔ بھارت میں صدیوں سے صونی بدوں کے یہ شمار ہلدو مرید رہے اور آپ بھی ہیں ، میلید بادشاہیں نے کئی ویدائتی گرو بنائے ہدی اور دارا شکوہ اور اکبر بادشاہ نے ہو ویدائت اسلام کا مولک اور اتینت مہتو پوری سمتو ئے کیا ہے اسے اثر شاید ہم کچھ صدیوں کے بعد سمجھ سکیں گے جب ان زمانوں اور ان پروہیشویشاہوں کا کھوا اِتھاس کیلے کا اور جنتا کے ساملے بے دھوک بیعی کیا جائیگا ،

کلؤں کے دائرے میں ویدانت اسلام کے نتو ایکم ایک میں گیل ملکر کچھ عجب خوبصورتی بیدا کر گئے ! اِنکا اثر هاری زندگی میں ایسا ویاپک، هو گیا هے که هندو سنگیت کار سهم هی بول بیتیتا هے ' جی' میں تو هندستانی طریقے سے گانا هوں' اور اُسے دیں بهر یهی بیان نہیں هوتا نه ولا کس ادبیت سنکم اور سمنوے کا پرتیک بنا هوا هے .

افسوس هے که آج کے استهاریتیه میں اِس اُصل اور سادر سنکم سماوے کی کوئی جھلک نظار نہیں آتی ۔ هم نے جو مدین کے پروشارنه سے کمایا هے سو همیں اِس طرح پھیلک نه دیفا چاعیئے ، اِس سے همارا هی نہیں تمام دنیا کا بھاری نقصان هوگا ، هم بھارتیوں کو ہوا ناز هونا چاعئے که ساری دنیا کے دیشوں میں ایک بھارت هی هے جو سجے معلوں میں سنکم دیشی رہا ہے اور آج کے لڑتے جھارتے مارتے کائتے جلاتے۔ نہاتے ساسار میں سائم راجیه بلنے کا اُد یکار رکھتا ہے ۔

الله كري أيسا عي هو إ

الله همين سديدهي بخشه إ

الله همين مدد كرـ !

أمين !

दी, और जहाँ तक शुक्ते याद है सहा, 'अब्बास धली, तुम अन्दाजा लगा लो कि मिन्नद बनाने में कितना करवा लगेगा. तुम जितना जमा कर सको, कर लो. अधूरा में पूरा कर दूँगा.' हमारे बाबाजान बरसों बढ़ोदा धौर बम्बई में ग्रीब गुसलमानों, ताँगेवालों, विश्टोरिया वालों, कारीगरों व हर तरह के पेशेकारों से पाई-पैसा जमा करते रहे. न गरमी देखी न सदी, न दिन देखा न रात. बम्बई की मुसलाघार बरसात में, टलनों तक के कीबड़ में फवाफव घूमते फिरे और आख़िर एक दिन बनका काम ख़तम हुआ. महाराज ने अपना बादा पूरा किया. मुक्ते अच्छी तरह याद है (मैं कितनी खोटी थी) कि एक सुबह हमारे बाग के फाटक पर महल का सबार था खड़ा हुआ. मैंने दौड़कर फाटक खोला—महाराज की तरफ से लिकाफा आयाथा. मैं चीख़ती-विल्लाती बाबाजान अन्माजान की तरफ दौड़ी: 'महाराज का बेक आया है.'

मिस्जिद् बनी. बदौदे की पुरानी मिस्जिद् में एक क्षः फुट लंबा कुरानेपाक था, जो बरसों कहीं महकून बन्द पड़ा था. बढ़े जुलूस, बड़ी धूमधाम और प्रान के साथ बह कुराने पाक मिस्जिद में लाया गया और एक बरादादी पीर के हाथों नए घर में डसकी स्थापना हुई. वह जुलूस, वह स्थापना, बह मिस्जिद में पहली नमाज, वह पीर साहब की इनामत, बक्षज़ (प्रबचन) में कभी नहीं मूलूँगी. लेकिन सबसे ज्यादा वमकदार तस्त्रीर मेरी काँखों कीर दिल में यह समाई है कि जबरद्दर शानदार जुलूस के सामने महाराज के मुख्य हाथी पर जरीन हीदे पर जरीन कपड़े से डका हुआ वह कुरानेपाक मिस्जिद की कोर जा रहा है और उसके पीछे हमारे महाराज, पीर साहब के साथ अपने मुनहरी श्रंबारों में अपने शानदार हाथी की पीठ पर का रहे हैं.

बबीदे में एक बड़ा अजीव वातावरण्था. पुराने जमाने से वहाँ हे एक बड़े नवाबी आन्दान की राज दरबार में बड़ी प्रतिष्ठा थी. किस्सा मैंने थों छुना था कि पुराने जमाने में इस नवाबी सान्दान के पूर्वजों ने इस जमाने के गायकवाड़ का दुश्मनों के सामने मदद की थी, जिससे राजा अपनी गद्दी पर सलामत रहे, खुनांचे, इस नवाबी सान्दान को बहुत कुछ पुरस्कार के साथ यह अधिकार हासिल हुआ कि दरबारों में वह गायकवाड़ के साथ सिंहासन पर बिराजें, और उनके सदर दरवाओं के सामने हाथी डोलते रहें, एक गायकवाड़ के लिए तो यह भी छुना था कि वे मिनजद में जुमा की नमाज में कई बार शरीक रहते थे.मैंने उमर भर इस उम्मती वाता-वरण का मजा लूटा है, हिन्दू ,इस्तामी, ईसाई, जरथस्थी— सभी त्योहार मिल-जुलकर मनाये जाते थे. भारत संगम देश है, तो बड़ीहाज़कर संगम राज्य था—और दुआ है कि अब भी वही हाल होगा और सदा रहेगा.

مسجد بنی ، ہرودے کی پرانی مسجد میں ایک چھ نمی امیا قرآن باک تھا ، جو ہرسوں کہیں محدوظ بند پڑا تھا ، برے جلوس' بری دھرم دھام اور شان کے ساتھ وہ قرآن پاک مسجد میں لایا گیا اور ایک بغذادی پھر کے ھاتھوں نئے گھر میں اسکی استھاپنا ھوئی ، وہ جلوس' وہ استہاپنا' وہ مسجد میں پہلی تماز' وہ پھر صاحب کی اساست' وعظ (پروچن) میں کبھی نبھی بھراس گی ، لیکن سب سے زیادہ چمکدار تصویر میری آنکھوں اور دل میں یہ سمائی ہے کہ زہردست شاندار جلوس کے ساماے مہاراج کے مکھید ھانھی پر زریں ھودہ پر' زریں کوڑے سے قامکا ھوا وہ قرآن پاک مسجد کی اور جا رہا ہے اور اسکے پینچھے ھمارے مہاراج' پھر صاحب کے ساتھ رہا ہے اپنی سنھری انباری میں اپنے شاندار ھاتھی کی پیٹھ پر جا رہے ھیں ،

برودے میں ایک برا عجیب واتارین تھا ، پرائے زمائے سے وہاں کے ایک بڑے نوابی خاندان کی راج دربار میں بڑی پرنشاہا تھی، نصہ میں نے یوں سنا تھا که پرائے زمائے میں اس نوابی خاندان کے پروجوں نے اس زمائے کے کاہواز کو دشمنوں کے سامنے مدد کی تھی' جس سے راجہ اپنی گدی پر ساست رقی ، چنانجہ اس نوابی خاندان کو بہت کجھ پرسکار کے ساتھ یہ ادھیئار حاصل ہوا که درباروں میں وہ گاہواز کے ساتھ سنگھاس پر وراجیں' اور انکے صدر دروازہ کے سامنے ہاتھی تولیہ رمیس ، ایک گاہواز کے لئے تو یہ بھی سنا تھا کہ وہ مسجد میں جمعہ کی تماز میں کئی بار شریک رہتے تھے۔ میس نے عمر بھر اس استی واناوری کا مزہ لوٹا ہے ، مادو' میانی' زرتہشتھوں' سسھی نیوھار مل جانم منائے میان دردا ہے۔ میان خانوں ساتھوں کے تو پرودہ شرور سنگمراج تھا۔ دیار دردا ہے کہ اب بھی وہی جال ہوٹا اور سدار وہیکا ،

1.50

कुमारी रेहाना तैयवजी

ये लफ्ज. 'डम्मत' कितना प्यारा लफ्ज है ! करबी लुक्ज 'अन्म' का मतलब है 'माँ' ; अन्मत बानी 'एक माँ-बाप के बच्चे'। इसलिये अल्लाह पांक को विश्व का परम विता मानकर, इस्लामी जमात को उन्मत कहा गया है. लेकिन कोई वकरी नहीं कि चन्मत महत्व इस्लामियों की हो. जहाँ आपसी प्रेम, इमदर्श, सहकार और नेक खाहिश होती है, वहाँ 'उम्मत' होती ही है, देखा गया है कि निजी साधना में भी जैसे-जैसे दिल की सफाई और वरित्र-सुधार होने लगता है, वैसे-ही-वैसे प्रेम, खुशी और सभ्यता भी बदने लगती है -शिक सफल साधना की पहली निशानी श्रेम और प्रसन्मता की बढ़ती ही होती है. जिस दरह से हम किसी इनसान का बर्ताब देखकर उसकी साधना का खुबी कैसला सहज ही करते हैं, उसी तरह किसी सभ्यता की का फैसला भी उसके नैतिक और आध्यात्मिक प्रभाव से होता है, जब इस दुनिया भर से शिकायतें सुनते हैं कि मग़रिबी संस्कृति से स्वार्थ, हरफाई (स्पर्धा) और दुरमनी, बालवाजी बढती है, तो हमारे दिल में इस तहजीब के लिए एक नफरत पैदा होना , इदरती धी है. ऐसी संस्कृति बुराई फैन्नाने वाली होती है, इसका सबूत आजू (सारी दुनिया के पीहत देश और दुखी प्रजायें दे रही हैं.

पेसे मासुरी बातावरण में उन्मत भावना के सितारे कुछ आजव तूर से चमक उठते हैं. तीन-चार रोज से बरेली के मेबिर की दिल फड़का देने वाजी बात जब से सुनी है मेरा दिल बारा-चारा बना हुआ है. एक मन्दिर, और एक मुस्लिम के हाथ से उसकी नींव डाली जाय, और सुना कि मूर्ति-साज भी मुस्लिम ही है जिसने तीन सी उपये मन्दिर को मेंट दिये हैं. रहमान साहब ने जो आर्थिक मदद दी, सो बेशक काविले वारीफ है; मगर मन्दिरवालों और रहमान साहब ने जो दिली उन्मत की शानदार इवादतगाह खड़ी की है, उसमें हर भारतीय का ही क्या, हर इन्सान का दिल सिक्दे में मुक सकता है. जहाँ प्रेम है वहाँ खुदा है, जहाँ एका है

बरेली का मन्दिर मुमे वड़ीवे की मरिजद की बाद विलाता है, मैं विलक्कस बच्चा थी तब बाबाजान से रिकाय-तें सुनती रहती थी कि बड़ोदे मैं कोई जामा मस्जिद नहीं. एक दूढी मरिजद थी सही, पर वह किसी के काम न आशी थी. बाबाजान ने हमारे महाराज से जिक्न किया. महाराज ने बड़ी सहालुभूति से बाबाजान की बात सुनी, जपनी सहमति كمارى ريحانه طيب جي

يد لفظ أمت الكلام يعاراً لفظ هر إ عربي لفظ الم كا مطلب ه مان ؛ أمث يعلى الك مأل باب ع بجيه ، اسليله الله ياك كو وشؤ كا يرم يتا مان كو اسلامي جماعت کو اُمت کہا گیا ہے لیکن کوئی ضروری نہیں کا أبت معش السامين كي هو . جهال أيسي يويم مدودي سبكار أور ليك خواهش هوتي ها وهال أمث هوتي هي هـ ، دیکها گیا هـ که نجی سادهنا میں بھی جیسے جیسے دل کی صفائی اور چواتو سدهار هوئے لکتا هے ویسے هی ویسے يويم خُوشي أور سبهيدًا بهي بوهن لكتي هـــايله سهل سادهنا كي پہلی تشائی وریم اور پرسطتا کی بوهتی هی هوتی هے ، جس طرح سے هم کسی السان کا درتاؤ دیکھکر اسکی سادھنا کا نیسلہ سهب هي کُرتے هيں؛ اُسي طرح کسي سبهيتا کي خوبي کا فيصله يبي أسكم تيتك، أور أدهياتيك يربهاؤ سه مرتا هم جب هم دنيا بھر سے شکایٹیں سنتے عیں که مغربی سنسعرتی سے سوارتہ ا حريفائي (أسهردها) أور دهمني چانبازي بوعتي هے تو همارے دل میں اس تہذیب کے لئے ایک نفرت پیدا مونا قدرتی می ه . ایسی سنسکرتی برائی بهداله والی هوتی ه . اسکا ثبرت آب ساری دنیا کے پہرت دیک اور دکھی پرجائیں دے رہی

ایسے آمری واداوری میں آمت بھاوتا کے ستارہ کچھ عجب نور سے چمک اقبتہ میں ء تیں چار روز سے بریلی کے مندر کی دل بعرک اقبتہ میں ء تیں چار روز سے بریلی کے مندر کی دل بعرک دیاء وائی بات جب سے سلی ہے میرا دل باغ باغ بنا ہوا ہے ، ایک مادر اور ایک مسلم کے هاتھ سے اسکی نیو قالی جائے اور سنا که مورتی ماز بھی مسلم هی ہے جساء ایس موں سو بریشہ میں ، رحمان صاحب نے جو آرتیک مدد دی اس میں ہو بیشک قابل تعریف ہے اگر مئر والوں اور رحمان صاحب نے جو دلی آمت کی شاندار عبادت کا کور رحمان صاحب نے جو دلی آمت کی شاندار عبادت کا کور میں میں ہو بھارتیہ کا می کیا ہو انسان کا دل معجدے میں جھک سکتا ہے جہاں پریم ہے وهان خدا ہے !

بربلی کا مندر مجھے ہزودے کی مسجد کی یاں دلانا گے۔
میں بلکل بھچہ تھی تب بابا جان سے شکایتیں ساتی
رہای تھی کہ برودیے میںکوئی جامع مسجد تھی۔ آیک
ثرلی مسجد تھی سھی'پر وہ کسی کے کام نے آتی تھی، بابا
جان نے ھمارے مہاراے سے ذکر کیا ۔ مہاراے نے بڑی
مہاریوتی سے بابا جان کی بات سلی' آیلی سیبای

हुस्त में गेती१९ हल के रहेगी
फूल दुलहन के खिल के रहेगें
फक्कें मशतिबर० एठ जायेगा जलवे वह महफिल के रहेंगे

फरले खिषां जाती है 'नषीर' ! धव चाके गरीवाँ२१ सिख के रहेंगे !

१. तकदे - समस्याएँ, १. हवादिस - दुर्घटनायें,
३. मंजिल के होकर रहवा = संजिल पर पहुँच जाना,
४. धजमते धादम = धादमी का महत्व, १. मसिल के
धादम = धादमी के जीवन का लक्ष, ६. मुसतकविल =
सविदय, ७. गुँचे = किलयों, व. ध्युक्त = संकर्य,
٤. कोइ-शिकन = पहाद तोड़ने बाजा, १०. क्रक्स = महल,
११. जावह = काम का दक्ष, १२. खिजाँ = पतमद,
१३. जोया = खोजी, १४. साहिल = किनारा, १५. खन्दाँ =
१४ते हुए, १६. मरहले = कठनाइयाँ, १७. ऐबाँक महल
१८. चारा = इलाज, १९. गेती = घरती, १०. फकें
गरीवाँ = कटा हुआ गरीवाँ.

حسن میں گیتی 19 تمل چرھ کی ۔ بھی کے بھی کی فرانب 20 اٹھ جاڑے کا جلوب رہ معمل کے رہیں گے بھی خواں جاتی ہے انظیر اواپ ۔ بھی کے بھی گے ایک جاتی ہے انظیر اواپ ۔ جاتی ہے 12 سلکے رہیں گے ا

1. عقد عد سسسائیں ' 2. حوادث حدو کیٹا ایس ' 3. میزل کے عو کر رهنا حداول پر بہنچ جانا ' 4. عظمت آدم حا آدم کا مہتو' 5. مسلک آدم حادمی کے جیوں کا ادهی ' 6. مستقبل حدیدہ ناز آدم علی آدم عالی ' 8. عوم حسکلپ' 9. کوه مستقبل حدید والا ' 10. قصر حصکل' 11. جانہ حکم کا تحلک' 12. خواں حید جیو' 13. جویا حکور جی ' 14. مولے حسلمل حکارہ' 15. خاداں حسستے عوث ' 16. موطے حسلمل حکارہ' 15. خاداں حسستے عوث ' 16. موطے حدید کھنائیاں ' 17. ایواں حصکل' 18. چارہ علے ' 19. گیتی حدود کی اور کی فرق یعنی اولیے نیے' دورتی کیاں دورتی کریاں حید علی کریاں دی۔

700 PAGES, 32 ILLUSTRATIONS 3 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 7. 8. 0

A vivid narration of the gloriens and wounderful achievements of New Chius... A picture of China which is both convincing and authentic. .the best book that has come out so far on New China is the English language ... the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserve to be widely known.

—Leader, Allahabad.

Encyclopaedic...characterized by souts observat.on of detail as well as by. instinctive grasp of thes fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

— Blitz Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it

—Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madra.

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sunderlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to the lighty mighty endeavour of the Chinese People to rebaild theirgrest nation on firm new foundations to the tribute which is theirs:

—Vigil, Dethi

انتوبر 75%

श्री सञ्चाद्त नजीर प्रभ० प्र

कब तक दुश्मन दिल के रहेंगे ? हमसे यह चाखिर मिलके रहेंगे कब एकदेश मुश्किल के रहेंगे ?

थाखिर दिल हिल भिल के रहेंगे

सास हवादिस २ राह में आयें हम होके मंजिल ३ के रहेंगे बितने भी तुम तंफरके हालो ! साथी साथी मिल के रहेंगे

अजमतश्र आदमे ! मसलिके ५आदम !! तीर यह मुसतक्रविल३ के रहेंगे

गरम हवा के कोकों में भी गु'बेज दिल के खिल के रहेंगे

भक्म८ हमारा कोहशिकन९ है क्रम १० तुम्हारे हिल के रहेंगे

एक हो जादा११, एक हो मंजिल दिल भी फिर तो मिल के रहेंगे

लाख खिजाँ१२ घाँखें दिखलाय विदी गुंचे खिल के रहेंगे

.जुल्म किये जा! जीर किये जा! दीसले कॅंबे दिल के रहेंगे

सास थिरें त्फाने बता में इस जोया१३ साहिल के रहेंगे

सय करेंगे खन्याँ-सन्याँ१५ सरहते१६ जो मुश्कित के रहेंगे

प्रत्यक्ता वह है भानवाता भागके ऐवाँ १७ दिल के २ हेंगे

रोंद से १८ राम का न होगा

تدرى سعادت قطهر أيم أحم

کب تک دشنن دل کے رفین کے ؟

' هم سے وہ آخر مل کے رهیں کے

کب عقدے 1 مشال کے رهیں گے 9

آخر دل مل کے رمیں کے

لاکھ حوادث 2 راہ میں آئیں

م مو کے منول 3 کے رمیں کے

حِمَالِي يَهِي تَم تَقْرِنِي دَالُو إ

سانھی ساتھی مل کے رهیں گے

عظمت 4 أيم الساك 5 أنم !!

طور ریم مستقبل 6 کے رهیں گے

گرم ہوا کے جھونتوں میں بھی

غنتھے 7 دل کے کال کے رهیں گے

عوم 8 هماراً كونا شكن 9 هـ

عصر 10 تبهارے عل کے رهیں گے

ایک هو جادیهٔ 11 ایک هو منزل

دل بھی پھر تو سل کے رھیں گے

لائه خوال 12 أنهيس دكالت

ضدی فندیے کیل کے رهیں کے

طلم کئے جا ا جبر کئے جا ا

حرصلے أولنچے دل كے رهيں كي

لانه گهرین طرفان بلا مین

هم جو یا 13 ساحل کے رهیں گے

طے کریں گے 'خنداں خنداں 15

سر حلے 16 جو مشکل کے رهیں گے

زلوله و» هـ أن<u>ـ</u> والا

آپ کے آبواں 17 مل کے رمیں گے

فهر عه جارة 18 غم كا له هوكا

وخم عرب سب دل کے رهیں ک

अक्तूबर '27

(154)

انتوبر 7.5*

गाँधी जी ने सुन लिया. उस समय कोई जवाद न दिया. वह अपने मित्रों के साथ किसी तरह की जबरवस्ती करना ठीक त सममते थे. अगले दिन सबह को उन्होंने कह बाधम वासियों से कहा-"कहमदाबाद के मंगी बादे में जासी. वहाँ कोई मकान या जगह देखी. अपना आश्रम हम वहीं बठाकर के बायेंगे और वहाँ के रहने वाले जो खाना हमें अपने हाथों से लाकर देंगे वही हम ला लेंगे या मजदरी करके पेट भर लेंगे, जो मिलने आएगा वहीं आकर हमसे मिल लेगा." अगह ढँढ़ी जाने लगी. उन धनवान मित्रों के कानों तक यह खबर पहुँची. हो सकता है वन्होंने आपस में कब सलाह की हो. चाकर गाँधी जी से मिले. बन्होंने अपने हा दिन पहले के सुकाब की माफी माँगी, आश्रम, श्राश्रम-वासियों, आश्रम प्रेमियों और आश्रम में आने-जाने बालों के लिये कत कात हमेशा के लिये मिट गई. यह था गाँधी जी और अनके आश्रम का दुनें बदुनें लेकिन काफी तेजी के साथ विकास.

اندهی جی تے سن ایا اس سے کرتی چوانیہ نے دیا ، وہ اپنے ماروں کے ساتھ کسی طرح کی ابردستی کرنا ٹھیک تم سمجھتے تھے ، اگلے دی صبح او آنہوں کے نتیجہ آشرم واسیس سے کہا۔۔ 'الحداباد کے بیائی بازے میں جاز' وہاں کرتی مکان یا جگہت دیکھو ، اپنا آشرم هم وهیں آٹیا کر لیے جانیکے اور وہاں کے رهنے والے کو کیانا لینے هاتموں سے لا کر دینکے وہی هم کیا لینک یا مردوری کو کیانا لینے هاتموں سے لا کر دینکے وہی هم کیا لینک یا مردوری کو کیانا نینے دیوں آگر هم سے مل لیکا '' جگہت تھوٹتھی جائے لگی اُن دهلوان متروں کے کانوں تگ یہ خبو پھوٹتھی ، هو سکتا ہے آنہوں نے آپس میں کچھ صلاح کی ہو۔ وہ آ کر گاندهی جی سے ملے ، آنہوں نے آپن دو دن پہرسیس اور آشرم میں آئے جائے والی کے آشرم والیوں' آشرم پریمیوں اور آشرم میں آئے جائے والی کے لئے جہرت چھات پریمیوں اور آشرم میں آئے جائے والی کے لئے جہرت چھات کا درجے بدرجے لیکن لائی تیزی کے ساتھ وکاس ،

यह शब्द में याद से ही लिख रहा हूँ पर शावद ही एक दो शब्द का फक्त हो. उससे असल मतलब में फर्क बिलकुल नहीं पर सकता.

मैं इसे पढ़कर कुछ हैरान हुआ. गाँवीजी को पढ़कर सुनाया और पूछा यह क्या ? उन्होंने तुरन्त जवाब दिया— "यह तुन्हारे लिये नहीं है. इसे रख दो. तुम आध्रमवासी बनो तो इसे न मानना, मैं कहाँ मानता हूँ ? तुम इसे रहने दो. तुम अपने काम की बात करो."

उनके यह फिक़रें भी मैं याद से लिख रहा हूँ. मैं समक गया कि गाँधोजी और उनका आश्रम दोनों अमा विकास की हालत में थे, अभी खित रहे थे और रूप ले रहे थे.

रीलट एक्ट के खिलाफ़ सत्यामह शुरु हो जाने के बाद से गाँधी जी सारे देश के सामने देश के सब से बड़े और धानन्य नेता के रूप में घागए. मैंने धौर मेरे जैसे विचारों के बहुत से पुराने काम करने वालों ने अब देख जिया कि धापने नये तरीक़े से गाँधी जी ने जो जान, जो बेदारी, जो जोश और जो त्याग की भावना देश भर में पैदा कर दी थी बहु हम धापने पुराने तरीक़ों से न कर पाये थे और न कर सकते थे. मेरा उनसे बार-बार जगह-जगह मिलना, साथ रहना और साथ सफ़र करना तेजी के साथ बढ़ता चला गया.

साबरमती (घहमदाबाद) आश्रम में बन्बई में और जगह-जगह चनसे मिलना हुआ. कभी-कभी कुछ फुटकर बातें जो याद में जभी रह गई मैं यहाँ दे रहा हैं.

यहाँ एक बात गाँधी जी से सुनी हुई लिख रहा हूँ.

साबरमती आश्रम क्षायम हो जुका था, पहले सत्यामह में उसकी बुनियाद पड़ी, वह सत्यामह आश्रम ही कहलाता था. कई हजार रुपये महीने का खर्च था. गाँधी जी के कुछ धनवान मित्र में और प्रेमी जो सब या अधिकतर गुजराती ये आश्रम का खर्च चलाते थे. खाना बनाने वाले हिन्द थे. इन धनवान मित्रों में से भी काई-कोई धौर उनके घर वाले जब-तब आश्रम में आकर भाजन कर लेते थे. चन्हें ऐसा करने में बढ़ी खशी होती थी. थोड़े ही दिनों में एक मेहतर परिवार बाश्रम में बाकर ठहर गया और गाँधी जी के हुकूम से श्रीर सब की तरह रसोई में वाने-जाने और सब के साथ साने पीने क्या. बहुत से रौर हिन्दू मेहमान भी आश्रम में आने, रहने और विना भेद भाव सब के साथ खाने-पीने लगे. बाश्रम का सर्च चलाने वाले कुछ धनवान भाइयों के लिये यह नई बात थी, वह इसके आदी न थे, उन्हें और डनके घर वालों को आश्रम में खाने में संकोच होने लगा. छन्होंने गांधी जी हे पास आहर बड़ी नम्रता से यह सुकाया कि कम से कम उनकी खातिर आश्रम की रसोई को पारा होदी जात बालों और ग्रेर हिन्दुओं से शबग रखा जाये. یه شدن میں یاد سے سی الله رها هوں هو شاید عی آیک دو شدد کا فرق هو . اُس سے اُسل مطلب میں فرق بالکل تیوں یو سکتا .

أن كے يہ فترہ بھى ميں ياد سے لغے رہا ہوں ، ميں سحج گيا كه كاندهى جى اور أن كا آشرم دوئيں أيهى وكاس كے حالت ميں تھا آبھى كال رہے تھا ،

روات أيمك كے خلف سلام الورع هو جائے كے بعد سكاندهى جى سارے ديش كے سابئے ديش كے سب صبحہ اور انلية نيكا كے روپ ميں آگئے، ميئے اور ميرے جيسے وجاروں كے بہت نه پوائے كلم كرتے والوں نے آپ ديكم ليا كه اپنے نئے طريقے سے كاندهى جى بهاوتا نے جو جائ جو بدائ كى بهاوتا ديش ميں پيدا كر دى تهى وہ هم آپنے پرائے طريقوں سے قد كو پائے تھے اور ند كو سكتے تھے ، مهوا أن سے بار بار جكهة جكم ملانا ساته رهنا أور ساته سفر كونا تيوى كے ساته بوهنا

سابر می (احدداباد) آهرم میں بدبئی میں اور جکہت جکہت أن سے ملنا هوا . كبھى كبھى كچھ پهلكر بائيں جو ياد ميں جسى رد گئيں ميں يہاں دے رہا هوں .

بأن ایک بات کاندهی جی سے سنی هوئی لی وها هوں ، سابرمتی آشرم قایم هو چکا تها . پہلے ستھاگرہ میں آس کی بنیان یوی و ه ستیاگره آشرم هی کیاتنا تها ، کثی هزار رویای مہینے کا خربے تھا ۔ کامدھی جی کے کچھ دھنواں مار اور پریمی جر سب یا آدهکتر گجراتی تھے آشرم کا خربے چلاتے تھے ، کیانا بنائے والے عندو تھے ، اُن دھنوان متروں میں سے بھی کوئی کرئی اور اُن کے گھر والے جب تب آشرم میں آکر بھرجن کر ليلے تھے ، أنهيں أيسا كرنے موں بوق خوشى هوتى نبى ، نبرت هي دنون مين ايک مهتر پريوار آشرم مين آکر تمبر کیا اور کاندھی جی کے عام سے اور سب کی طارح رسوئی میں آنے جانے اور سب کے ساتھ کھانے پینے کا ، بہت سے غیر ھلدو مہمان بھی آشرم میں آنے' رہانے اور بنا بھید بھاؤ سب کے ساتھ کانے پیلے لئے ، آشرم کا خربے چلانے والے کچے دھنوان بھائیوں ك لله يه نئى بات نهى . وه إس ك علاق نه ته . أنهان ارر أن كے گهر والي كو أشرم ميں كياتے ميں منتهج هونے اللا . انہوں نے کاندھی جی کے پاش اکر بڑی نمرتا سے یہ ستجھایا کہ کرسے کم اُن کی خاطر آشرم کی رسوٹی کو ڈرا جولي فاس أوين أور غير هدون سے الک ركا والے .

(152)

में ही काट कर काफी हुआ और गुरसे के साथ जवाब दिया—"में तुम्हारी सभा का सबर नहीं बन्गा. में अपनी मंजूरी वापिस लेता हूँ! तुम तो मेरे सत्याग्रह को विलक्कल ही नहीं सममे. अब जाओ, जो ठीक समम्मे करो, में सबर नहीं, यह मेरा सस्याग्रह नहीं है."

में सुनकर घवरा गया कीर हस्के से उनकी इस नारा-जागी का कारण पूछा. उन्होंने फिर कहा—''शुक्ते कोई दूसरा प्रतिक्का पत्र नहीं चाहिये. गुक्ते पंडित मोतीलाल जी नहीं चाहिये. गुक्ते कोई वड़ा भादमी नहीं चाहिये. इलाहा-बाह के मगर चार मेहतर मिलकर मेरे प्रतिक्का पत्र पर इसख़त कर देंगे चौर अपनी सत्यापद सभा बनायेंगे ता मैं उनका सद्र बन जाऊँगा. तुन्हारी सभा का सद्र बनना मुक्ते नागंजूर है.' तुम तो सत्यापद को सममे ही नहीं.''

अब मैंने बनसे कहा—"आप नाराआ न हांइये. मेरी अपनी निजी राय भी यही थी जो आपकी है. कुझ और साथियों की राय वह थी जिस पर आप को इतना दुख हुआ, जैंने पहले से आप को अपना और दूसरों का यह फर्क बताना ठीक नहीं समका, अब इम बही करेंगे जो आप चाहते हैं. आपके बिना सत्यामह कैसा ? आप ही रास्ता बतायें तो इम चल सकते हैं. दूसरा प्रतिक्का पत्र नहीं होगा, और काई आए, चाहे न आए."

गांधीजी ने थांका सोचा. मेरी तरफ को बार-बार देखा एक दो बीर छोटी-मोटी बात हुई. उनका सस्सा ठडा हुआ फिर ख़ुश होकर कहा—"आओ काम करा, मैं तुन्हारा सदर और तुम सिकेटरी."

उसी दिन शाम को या अगले दिन मैं इलाहाबाद के लिये जल पड़ा, यू॰ पी॰ सत्यामह सभा का विधान छप गया. गाँधीजी सदर, मैं और मंजर अली सिकेटरी. मेम्बरों की केहरिस्त शायद तीस के क़रीब रही होगी, जिसमें एक नाम जवाहरलान जी का भी था.

[5]

मेरी उसी बाइमदाबाद यात्रा की एक और द्वीटी सी घटना भुक्ते याद का रही है.

राायद तीसरे पहर का बद्धत था. मैं गाँधीजी के पास बैठा हुआ था. उनके सत्याग्रह आश्रम की नियमावली अप -पुकी थी, झाटे साइषा की पाँच सात सके की झाटी सब भीषा थी. एक कापी वहीं कहीं आस-पास पढ़ी हुई थी. मेरी निगाह एस पर गई, मैं एसे पढ़ गया. उसमें एक नियम यह इपा हुआ था—"वर्षा आश्रम धर्म को बाजा न पहुँचे इस-लिके आश्रमवासी जब कभी आश्रम से बाहर जायंगे तो केंग्रा कुल या हुक साकर ही रहेंगे,"

میں سن کر گیبرا گیا اور ملکے سے اُن کی اِس قاراف کی کا اُوں پوچا ، اُنہوں نے پور کہاسہ ''مجھے کرئی دوسرا پرتکیاں پار لیمیں چاھئے ، مجھے پلات موتی لال جی نہیں چاھیئی ، مجھے کرئی ہوا آدمی نہیں چاھئے ، افعالان کے اگر چار مہتر ملمر میرے پروکیاں پار پر دستخط کر دیائے اور اپنی ستیاگرہ میں بان کا صدر بن جاؤنگا ، تمہاری سبها کا صدر بن جاؤنگا ، تمہاری سبها کا صدر بنانا مجھے نامنظور ، فی تم تو ستیاگرہ کو ستجھے ھی ضور بنانا مجھے نامنظور ، فی تم تو ستیاگرہ کو ستجھے ھی

اب مریم آن سے کیاسہ اوآپ تاراض تے ہوئیں میری اپنی تحصی رائے بھی بھی بھی جو آپ کی ہے ۔ کچھ آور سانیدوں کی رائے وہ تھی جس پر آپ کو اپنا دکھ ہوا ۔ مینے پہلے سے آپ کو اپنا آور دوسروں کا یہ فرق بخانا ٹھیک نہیں سمجھا ۔ آپ ہم وہی کرینگر جو آپ چاہتے ہیں آپ کے بنا ستیاکرہ کیسا ؟ آپ ہی رامتہ بخائیں تو ہم چل سکتے تھیں ، دوسوا پرتکیاں پتر تھیں ہوگا ، آور کوئی آئے' چاہ نے آئے ،''

گاندهی چی نے تهوراً سوچا ، میری طوف کو بار یار دیکھا ،
ایک دو اور چهوئی موٹی بات هوئی ، ان کا قصم ٹهنڈا هوا ،
پهر خوش دو کو کہاست'لجاؤ کام کرو' میں تنہارا صدر اور 'م
سکریتی ،''

اسی دن شام کو یا اگلے دن میں الدآباد کے لئے چل پڑا ۔
یو، پی، ستیاکرہ مبها کا ردمان چہپ کیا ۔ کاندھی جی صدر ا میں اور منظر علی سکربڑی ، میمبررں کی نیرست شاید نیس کے تربب رہی ہوگی' جس میں ایک نام جوامرال جی کا بھی تھا ،

[5]

مهری أسی احمدآباد یا ترا کی ایک اور چهوای سی گیتنا معربے یاد آرهی هے ،

شاید تیسرے پہر کا رقت تیا ، میں کاندھی جی کے پاس بیٹیا ہوا تھا ، اُن کے ستیاگرہ آشرم کی نیمارلی چہپ چی کے پاس تھی ، چھوٹ سائز کی پائیج سات صاحتے کی جھوٹی سی چیز تھی ، تیں ، ایک کابی رہیں نہیں آس پاس برتی ہوئی تھی ، میری نکاہ اُس پر گئی ، میں اسے پرت کیا ، اُس میں ایک نیم یہ چیپا ہوا تیا۔ 'ورن آشرم دھرم کو بادھا نہ پہرتچے اِس تیم کی آشرم سے باہر جائینگے تو کیول بھل یا جودہ کیا کو ھی رہینگے ،''

वृतकर सीचे जाकर वसी दालान में एक बारपाई पर विते हेट गए. किसी ने उनके इशारे पर तह किया हुआ एक मीमा कपड़ा उनके सर जीर माथे पर रख दिया. मैं जरा दूर बैठकर देखता रहा. चाइता या वह थोड़ा जाराम कर हों तो पास पहुंचूँ. एक पल के अन्दर उन्होंने मेरी तरफ, को आँख फेरी और इशारा करके अपनी चारपाई के पास मुसाया. मैं पास जाकर बैठ गया. कहने लगे—"सब हाल मुनाओ." मैंने जवाब दिया—"अभी आप बहुत थके हैं जरा जाराम कर लीजिये," जवाब मिला—"नहीं शुरू कर दो."

मैंने सारा हात कह युनाया. केवल पन्डित मोतीलाल और दूसरे प्रतिक्का पत्र की बात अभी नहीं कही.

इसके बाद मैंने कहा—"आप इसारी यू॰ पी० सत्या-मह सभा के सदर बनना मंजूर कीजिये."

चन्होंने जवाब दिया—''पुमे बड़ी ख़ुशी से मंजूर है. मैं तुन्हारी सभा का सदर बन गया तुम सिकंटरी हो न ?"

मैंने कहा— "हाँ, मैं ब्यौर गंदार बाली दो सिकेटरी

मांबीजी ने पसन्द किया और कहा-"काम शुरू कर दो.

इससे कुछ पहले गांधीजी ने देश भर से उन लोगों के नाम माँगे ये जो अपने आप को कानून क्षेड़कर जेल जाने के लिये पेश करें. इस पर मैं और मंजूर अली दोनों अपने नाम मेज चुके थे. यह नाम बन्बई के अख्वारों में अपते जाते थे.

गांबीजी से उनके सदर होने और अपने और नंजर आही के सिकेंटरी होने की बात तय करने के बाद मैंन अबसे दूसरे शितका पत्र की बात छेड़ी, मैंने उनसे कहा— "पश्चित माती लाल जी को आपका शितका पत्र मंजूर महीं, उनके लिये और उन जैसे विचार वालों के लिये हमने एक दूसरा शितका पत्र बना लिया है."

यहाँ मैंने उन्हें दूसरा प्रतिक्षा पत्र पद सुनाया और कहा—'यह पन्डत मोतीलाल जी को मंजूर है. हम चाहते हैं वह इसारी सभा के नायब सदर हो जाय इसिलये इसने सोचा है कि जो जादमी दोनों में से किसी एक भी प्रतिक्षा पत्र पर दसख़त कर दे वह इसारी सभा का मेन्दर बन सके. मोतीबाल जी के जाजाने से जवाहरलाल जी का जाना बांबान हो जायगा, और फिर शायद इस तीन सिकेटरी हो बार्ब है."

्रीमें देखा कि मेरे यह सब बात कहते-कहते गांधीजी के बेहरे का रंग बदल गया, चन्होंने तुरन्य मेरी बात बीच اس او سهده جاکو آسی فالن مین ایک چلوبائی پر خت ایت کلم کسی نے آن کے اشارہ پر ته کیا ہوا ایک بهبالا ایوا ایک بهبالا ایوا ان کے سر آور مائعے پر راہ دیا ۔ سیس قبرا دور بیٹھ کر دیکھا رہا ، جامنا تھا وہ تھوڑا آرام کو لیس تو پاس پھوٹیوں ۔ ایک پل کے الحر الهوں نے میری طرف کو آنتھ پھوری اور اشارہ کو کے اپنی چاربائی کے پاس بلایا ، میں پاس جاکر بیٹھ گیا ، کہنے لگے ساون کیا ۔ کہنے لگے ساون کر ایجائے ۔ ایمی آپ کہنے لگے ساون کر ایجائے ۔ ایمی آپ کہنے لگے اس فرا آرام کو ایجائے ۔ ایمی آپ کہنے کیا میں ذرا آرام کو ایجائے ۔ ان جواب ملا ۔ انہیں شرع کو دو ۔ انہیں خرا آرام کو ایجائے ۔ انہیں ملا ۔ انہیں کر دو ۔ انہیں کیا دو ۔ انہیں کیا دو ۔ انہیں کر دو ۔ انہیں کر دو ۔ انہیں کیا دیا ۔ انہیں کر دو ۔ انہیں کیا کیا کر دو ۔ انہیں کر دو ۔ انہیا کر دو کر دو انہیں کر دو انہیں کر دو انہیں کر دو ۔ انہیں کر دو انہیں کر دو کر دو کر دو کر دو کر دو کر دی کر دو کر دو

مینے سارا حال کہہ سایا ، کیول پندت موتی قل اور دوسرے پرتھاں یقو کی بات آبھی تہیں کہی ،

آس کے بعد میلےکہا۔۔۔''آپ هداری یو۔ پی۔ سالیاگرة سبھا کے صدر بلنا مظاور کیجائے ۔''

اِس سے کچھ پہلے کاندھی جی نے دیھی بھر سے اُن لوگوں کے نام مانگے تھے جو اُننے آپ کو قانین نور کر جیل جالے کے اللہ پیھی کویں ، اِس یہ میں اور منظر علی دوئیں اُننے نام بیٹے چکے تھے ، یہ نام بیٹی کے اخباروں میں چھوٹے جاتے تھے ،

گادھی جی سے اُن کے صدر ھونے اور اپنے آور منظرعلی کے سکر آتی ھونے کی بات عال کرنے کے بعد مینے اُن سے دوسوے پرتکیاں پتر کی باتچہیتی ، مینے اُن سے کہا۔ ''پدقت مرتی لل جی کو آپ کا پرتکیاں پتر منظور نہیں ، اُن کے لئے اور اُن جیشے وچاروالوں کے لئے ھم نے ایک دوسرا پرتکیاں پتر بما لیا ھے ''

یهاں میلے آنییں دوسرا پرتکیاں پار پڑھ سنایا آور کہا۔۔
''یہ باتھے موتی قال جی کو منطور ہے، هم چاھتے هیں وہ
هماری میها کے نایب صدر هو خاتیں اِس لئے هم نے سوچا
ہے که چوز آدمی دونوں میں سے کسی۔ ایک یہی پرتکیاں پار
پر دستشط کر دیے وہ هماری میها کا مهمیر بی سانے مہتی
قل جی کا آنا آساں هو جاتھا''
اور پھر شاید هم تھی ساریوی هو جاتھا''

مہلے دیکھا کہ مورے یہ سب بات کہتے کہتے گاندھی جی ۔ کا چہوتت کا رنگ بدل گیا ۔ انہوں نے تردت میری بات بیج सरकार के कि ज्ञाफ संस्थानह हुए करने से पहते की ग चप-बास कीर प्राय नाओं के खरिये अपनी आस्माओं को हुछ कर तें. बड़ों-अड़ों का अन्दाजा यह था कि मुनकिन है बड़े-बड़े राहरों में आधी पढ़ती हड़ताल हो जावे. पर यह एक इलिहासी घटना है कि छस दिन हिमालय से लेकर रासकुमारी तक दूर से दूर किसी गाँव में मी हल नहीं चला.

अहमदाबाद से ख़बर आते ही दबाहाबाद होम रूल लीग के दमतर में जिसका मैं एक मन्त्री था, मैंने कुछ मित्रों को जमा किया. एक यू, पी. सत्यामह समा क्रायम हुई. गोधीजी को उसका सदर रखने की तजवीज हुई. मैं और मंजरअली संख्ता उसके सिक्रेटरी बने. अहमदाबाद जाकर गांधीजी को इसकी इसला देने, उनसे हिदायतें लेने और सदर बनाने के लिये राजी करने का काम मुक्ते सौंपा गया.

इस बींच एक और छोटी सी घटना हुई. गांधीजी ने देश भर के सत्यामहियों के लिये एक प्रतिशा पत्र निकाला था जो सब अखगरों में छप चुका था. यू० पी० सत्यामह सभा के मेम्बरों के लिये भी इस प्रतिका पत्र पर दसक्त करना जरूरी थे. इम में से कुछ लाग चाहते थे कि पंडित मातीज्ञाल नेहरू यू० पी० सत्याप्रह सभा के नायब सदर हो'. पन्छित मोतीलाल जी को गाँधीजी का प्रतिका पत्र पसन्द न था. बंह कानून तोड़ने और हा गुर्मी का तैयार थे, पर अपनी नकेल दूसरे के हाथ में देन के अनद न करते थे. इब साथियों की सलाह से एक पूछरा प्रतिज्ञा पत्र लिखा गया जिसे पन्डित मोतीलाल जी ने पसन्द कर लिया. बह इस पर दसख़त करने को राजी हो गये. तय हुआ कि सू० पी० सत्यामह सभा का जा मेन्बर चाहे गांधी-जी बाले श्रीतज्ञा पत्र पर इससात कर दे और जे। चाहे इस नये प्रतिशा पत्र पर. दोनों बराबर के मेन्बर सममे जायँ. पर इस सबके लिये भी गांधीजी की सलाह ं और इजापात षहरी थी. यह इजाज़त हासिल करना भी मेरे सुपूर्व

गांधी जी से मिलने के लिये मैं अहमदाबाद पहुँ चा. हाल ही में अहमदाबाद और बीरमगाम में बलवं हो चुके थे. इन सालमों के बहुत से घायल अहमदाबाद के किसी अस्पताल या अस्पतालों में पड़े हुए थे. जिस बक्त मैं आश्रम पहुँ चा गांधीजी इन पायलों को देखने गये हुए थे. मैं बैठकर इन्त-बार करने लगा.

कोड़ी देर बाद गांधीजी आए. मालूम होता था बेहर कुछ हुए हैं. पाँच लड़कदाते से पढ़ रहे में, मैंने नमस्कार किया, मुक्ते देखकर खुदा हुए, पूका कब आए १ मेरा जबाब مرکار کے مطاف سیداگرہ شروع کرتے سے پہلے اوک اگھوائیں ، اور پرارتہدیوں کے ذریعے اپنی آتاوں کو شدہ کر لاس ، بورس دورس کا آبدارہ یہ تھا کہ سکن شے بوے بوے شہروں میں آدھی بیودی موال مو جاوے، پر یہ ایک اِنہاسی گھٹنا شہ کہ اُس دن شمالیہ سے لیکر راس کداری تک دور سے دور کسی گؤں میں بھی مل نہیں چلا ،

احمدایاد سے خبر آتے عی اندآباد هوم رول لیگ کے دفتر میں جس کا میں ایک منتری تها مینے کچھ متروں کو جمع کیا ۔ ایک یو، پی ستیاگرہ سبیا قایم عوثی ، گادهی جی کو آس کا صدر رکینے کی تجویز عرای ، میں اور منظر علی سوخته آس کے سکریزی بنے ، احمداباد جا کر گاندهی جی کو اِس کی اِصلاع دیلے' ان سے عدایتیں لیانے اور صدر بنائے کے لئے راضی کرنے کا کام مجھے سونیا گیا ،

اِس بیچ ایک چهوٹی سی گھٹنا ہوئی ، کاندھی جی نے دیک بہر کے ساتیاگرھیس کے لئے ایک پرتائیاں پار ناالا تھا جو سب اخباروں مھی چھپ چکا تھا ، ہو، ہے ، ستھاگرہ سبھا کے مهموروں کے لئے بھی اِس پرتکیاں یتر پر دستخط کرنا ضروری نهد . هم مين سه نعيه اوك چاهيد ته بلذت موتى الل شهرو یو، ہی، سلیاگرہ سبھا کے نایب صدر هوں ، یندس موتی الل جي كو كاندهي جي كا پرنكيان يتر يسند نه تها ، وه قانون تہونے اور جیل جانے کو تیار تھے یو اپنی نکیل دوروے کے عاتم میں دینا یسند نه کرتے تھے . کچے ساتھیں کی ملام سے ایک دوسرا پرتکیاں پار لکھا گیا جسے پلان موتی لال جی لے پسان كر لها ، ولا أس ير دساتخط كرفي كو راضي هو تُدُّم ، طم هوا كه یو. یے. ستیاگرہ سبھا کا جو صیمبر چاہے گاندھی جی والے پرتکیاں یتر یو دستخط کر دے اور جو چاہے اِس نثے پرتایاں یتر پر . دونین برایر کے میمبر سمجھے جاتیں ، پر اِس سب کے اپنے بھی کاندھی جی کی صالح اور اجازت ضروری تھی . یه اجازت حاصل کرتا یہی میرے سوری هوا .

گائدہی جی سے ملنے کے ائے میں احمدایاد پہوتھیا ، حال عی میں احمدایاد اور رہم گم میں بلوے ہو چکے تھے ۔ اِن رخموں کے بہت سے کھایل احمدایاد کے کسی اُسپائل یا امپالوں میں پڑے ہوئے نہے ، جس وقت میں آشرم پہوتھا گاندھی جی اِن گھایلوں کو دیکھانے گئے ہوئے تھے ، میں بیٹھ کو اِنتظار کرنے لگا ،

 बिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट था उसे उस किनाव के ब्र्शन नहीं कराए गये और अंगरेज ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेटों तक को पदने को दी गई. मुक्ते इस किताब को देखने और उसमें अपना ताम और हाल 'पढ़ने का सौमाग्य मिता था. अब सशल या कि इन सबको छोर इसी तरह के छौरों को श्चंगरंजी राज की राह के रोड़ों को किस तरह इटाया जाये. खरीट और तजरबेकार अफसरों की एक कमेटी मुक्करेंर हुई. चसने एक बहुत बड़ी रियोर्ट इस बात की तैयार की कि श्रांगरेजी राज के खिलाक कव-कव, कहाँ-कहाँ भीर किस-किस तरह बगावत के खयाल पैदा हुए और फैले और कहाँ क्या-क्या कोशिशें हुई'. इस रिवार्ट के आधार पर और इस कमेटी की सलाह के मुताबिक बड़े लाट की कैंसिल में वो नये क्लानून पेश किये गए. यह दानों क्लानून रोलट ऐक्ट कहलाते हैं चौर देश में उस समय 'काले कानूनों' के नाम से मराहुर थे. इन नए क़ानृतों में देश के छाटे से छाटे पुलिस अकसरों को वह जबरदस्त अधिकार दे दिये गए जिनके रहते देश के अन्दर नरम या गरम किसी तरह के राजकाजी श्रान्दोलन का चल सक्तना भी नामुमकिन था. नश्म बल के दें से बढ़े नेता भी इन्हें देखकर हैरानी, असन्तोश और ,ग्रस्ते से भर गये. लाट साहब की कौंसिल के अन्दर इन क्रानुनों के खिलाक माननीय श्रीनिवास शासी श्रीर मिस्टर एम. ए. जिल्लाहं की जो जोरदार तकरीरें हुई बह एक शर सारे देश में गूँज गई. क़ानून पास हो गए. सारा देश गुरते और वेचैनी से भर गया. गांधी जी कैसे चुप रह सकते से १ उनके लिये यह भगवान का दिया हुआ मीका था.

इस गरमा गरमी के शुरू के दिनों में गांधीजी अहमदा-बाद में सक्त बीमार पड़े हुए थे. कहा जाता है कि एक बार हनके बचने की भी आशा कम दिखाई देती थी. हो सकता है कि उनकी बीमारी शरीर की कम और मन की अधिक रही हो. हो सकता है उनकी आत्मा अन्दर से कर्त्तंवय-पथ का दरवाजा खोजने के लिये बेचैन रही हो. जो हो. देश के रांग के सामने वह अपना रोग भूल गर. श्रहमदाबाद से ही उन्होंने नये काले कानूनों के खिलाफ सत्यामह करने यानी खले तौर पर सरकार का कोई न कोई कानून तोइने भीर उसकी सजा में जेज जाने का प्राप्ताम देश के सामने रक्ता. देश भर के लिए एक सत्याप्रह सभा बनाई गई जिसके गाँधीजी सदर थे, गाँधीजी ने 'सुद बम्बई जाकर जर्नत किताओं की खुले आम बेव कर सत्यामह शुरू किया. देश पर इसका कितना गहरा असर हुआ इसका पहले से किसी को ग्रामान भी नही सकता था और अन्य भी अन्दाजा लगा सकता कठिन है. 6 अप्रैल 1919 के लिये इदताल पेलान हो चु ही थी, गाँधीजी का बससे मकसद बह था, कि

سترنف معيشتوري تها أسأس كتاب كي درهن نهيس كرائد كل ار انکہو جوانامف معیستریتیں عک کو پرطلے کو دی گئی ۔ معهد أس كتاب كو ديكها أور أس مهن أبنا ثام أور حال يوها، کا سربهاگیته مالا تها . اب سرال تها که اِی سب کو اور اسی طوب کے ارزوں کو انہویوں راہے کی راھ کے روزون کو کس طرے مانیا جائه. خرانت اور الجربه کار افسروں کی ایک کمیتی مقرر مرائي ، أس في أيك بهت يوى ربوت إس بات كي تيار كي كه التوبوي رأي کے خلاف کب کب کہاں کہاں اور کس کس طرح بنارت کے خیال بعدا ہوئے پوبلے کہاں اور کیا لیا کوششیں ورئیں ۔ اِس رپورٹ کے آدھار پر اور اِس کمیٹی کی مللے کے مطابق بوسے لات کی کونسل سوں دو نکے قانوں یہش کئے گئے ۔ یہ دونوں قانون روات ایکٹ کہلاتے میں اور دیھی میں اُس سم اکالے قالونوں کے نام سے مشہور تھے ۔ أن نثر قالونوں میں دیس کے چہرائے سے چہرائے یواس انسروں کو وہ ویریست ادھیکار دے دیٹے گٹے جوں کے رہتے دیس کے اندر نوم یا گرم کسی طرح کے راجکاجی آندولن کا چل سکنا بھی ناسکن تھا ، نرم رل کے رہے سے بچے نہتا بھی اِنہیں دیکھ کر حهرائی استترا ارد فعه سے بھر گئے ، لاق صاحب کے تونسل کے اندر ان فانونوں کے خلف مالنیہ شرینوأس شاستری اور مستو ایم. أحم، جناے کے جو زوردار تقریل ہوئیں وہ ایک بار سارے دیھی مين كونج كثين ، قالون باس هو كثي ، سارا ديهي فصه اور يچيني سے بهر گيا . کاندهي جي کيسے چپ ره سکتے تھے ؟. أن كے لئے يه بهكوان كا ديا هوأ موقع تها .

اِس گرما گومی کے شروع کے دنہں میں گاندھی جی احدادان میں سخت بیمار پڑے ہوئے تھے ۔ کہا جاتا ہے کہ احدادان میں سخت بیمار پڑے ہوئے تھے ۔ کہا جاتا ہے کہ ایک ہار اُن کے پچہلے کی بھی آشا کم دکھائی دیتی تھی ، ھو سکتا ہے کہ اُن کی بیماری شریر کی کم اور سن کی ادھک کو جن ھو ، ھو سکتا ہے اُن کی آتما اندر سے کرتوبے پتھ کا دروازہ اور اپنا روگ بہرل گئے ، احمدادان سے ھی انہوں نے نامی کئے ، احمدادان سے ھی انہوں نے خالف ستھا گرہ کرتے یعنی کیلے طور پر سرکار کا کوئی نے کوئی قدیری قریلے اور اُس کی سوا میں جہل سرکار کا کوئی نے کوئی قدیری قریلے اور اُس کی سوا میں جہل حکی جائے وار اُس کی سوا میں جہل حکی ہو نے کہ اُندھی جائے فیمار فیط کتابوں کو کیلے عام بیچ دو مناگرہ شروع کیا ۔ دیھی پر اِس کا کتنا گہرا اثر ہوا اس کا جی نے خود ہمیئی جائر ضبط کتابوں کو کیلے عام بیچ دو مناگرہ شروع کیا ۔ دیھی پر اِس کا کتنا گہرا اثر ہوا اس کا اندازہ شکنا کاہن ہے کہی کو گیاں بھی نے ہوکار اگر ہوا اُن ہوا اُس کا گیا کہی بھی تھی تھی مناگرہ کرچی تھی دونال اعلی اندازہ کی تھی تھی تھی کو گیاں بھی نے ہوکار اگر موا اس کا گیا کتنا کاہن ہو کی گئی ہی کہ گاندھی بھی تھی تھی میں کے گئی سے مقصد یہ تھی کو گیا گئی ہی تھی تھی کی گئی تھی مقصد یہ تھا کہ کو جو بھی تھی تھی تھی کی گئی تھی مقصد یہ تھا کھی تھی تھی بھی کو گیا گھی تھی تھی جی کی گئی تھی مقصد یہ تھا کھ

157 yests!

दोपहर को मैं तुन्हें बुलाऊँगा, तब तुमसे बातें होंगी." मैंने सनकी काक्षा मान ली.

दोपहर बाद उन्होंने मुक्ते ऊपर के एक कमरे में बुलाया. वह और मैं ही थे. कर्श पर बैठकर लगभग दो घंटे तक फिर बातें होती रहीं. वह सब बातें मुमे अब याद नहीं रहीं. इतना याद है कि गांधी भी को हिन्दुस्तान भर की एक-एक छावनी के बारे में यह जानकारी थी कि किसमें कितनी फौज है, कितनी दंसी और कितनी अगरेजी, और कितने हथियार हैं, श्रीर कहाँ कोई बगाधत या ऋग्न्देश्लन खड़ा हो जाने पर सरकार कितना मुकाबला कर सकती है, उन्होंने इन वीजों को घच्छी तरह पढ़ रखा था. कीजों के इघर से डधर आने जाने को भी वह ध्यान से पढ़ते सुनते रहते थे. मुम्त पर यह भी असर पड़ा कि किसी एक जगह को अपने आन्दोलन के लिये या सत्याप्रह के लिये चुनते समय यह सब ची जें उनकी निगाह में रहती हैं. उस दिन की दां घंटे की बात-बीत से दो बातें मेरे दिल पर जन गई. एक यह कि अंगरेज सरकार की हिंसा करने की शक्ति की जितनी अच्छी जानकारी गाँधी जी को थी उतनी हमारे पुराने क्रान्तिकारी दल में किसी को न थी, दूसरी यह कि विद्शी हुकूमत से नफ्रत और मुल्क की आजादी के लिये तड़प भी गाँघीजी में किसी दूसरे से कम न थी. इब ऐसा भी लगा कि इनकी धर्म, पाप और अहिंसा की कातें केवल बन्नत की जरूरत थीं और वह बड़ी मेहनत के साथ काई नया रास्ता दुँद रहे थे या बना रहे थे.

मेरा दिल बद्जा, मैं गहरे सीच में पड़ गया. फिर भी अधिक न ठहरा. शाम की गाड़ी से मैं इलाहाबाद के िये खाना हो गया.

इस तरह मेरी गाँथी जी की दूसरी मुलाकात खतम हुई.

[4]

पहली जंग के खतम होने से पहले-पहले देश में नई जान और नई बमंगें पैदा हां रही थीं. गाँधी जी के छें। टे-छोटे नये सजरबे भी बहुत सों का ध्यान अपनी तरक खींच रहे थे. सरकार इन सब बातों को देख और समम रही थीं बदता हुई बेचैनी और आजादी की प्यास को कुचलने की तरकी में सोची जाने लगीं. देश भर के कुछ चुने हुए काम करने बालों या आजादी के प्रेमियों की एक फोहरिस्त तैयार करके हर एक का थांडा-थोड़ा हाल देते हुए अंगरेजी में एक छोटी सी किताब तैयार की और गुप्त रीति से टसे हिन्दुस्तान भर के सब अंगरेज अफसरों के हाथों में पहुँचाया गया. मुकी मासूम है कि बाज-बाज जिलों में जहाँ हिन्दुस्तानी

النور في عالم بيار عالمي

دریبر بعد انہیں نے معصے آریز کے ایک کمرے میں بالیا ۔ وہ اور میں دی تھے ، فرش پر بہتم کو لگ ایک دو گہنتے تک بهر باتین موتی رهین ، وه سب باتین مجهد آب یاد نهین ردين ، إننا ياد هے كه كاندهي جي كو عندستان بهر كي أيك ایک چهارنی کے بارہ میں یہ جانکاری تھی که کس میں کتنی فوج ها کتنی دیسی اور کتنی انگریوی آور کتنی هنیار هين ١٠ ور فهال كوني يغاوت يا أقدولن كهرا هو جالي ير سزكار کانا مقابلہ کر سکتی ہے ، اُنہوں نے اِن چیزوں کو اُچھی طرح يته ركها تها . فوجيل كے إدهر سے أدهر أنے جانے تو بھي وة وهیاں سے بودہتے سنتے رهتے تھے . مجود پر یه بھی اثر پوا که نسی ایک جکیه کو اپنے آندولن کے لئے یا ستیاگرہ کے لئے جتلے سے یه سب چیزیں ان کی نگاہ میں رمتی میں ، اُس دن کی دو گینتے کی بات چیت سے دو بانیں میرے دل پر جم کئیں ، ایک یہ کے انکویز سرکار کی هنسا کرنے کی شکلی کی جاتنی المهر جاركاري كارده م جي كو نهي أمنى دمارم يرائع كرامتكاري دل میں اسی او نع تھی ، دوسرے یہ که ودیشی بهوست سے نفرت اور ملک کی آزادی کے اللہ تزب بھی گاستھی جی میں کسی دوسرے سر نم نه تهی . دنچه ایسا بهی نکا که ان کی دهرم یا اور اهنسا کی باتیس کهال وقت کی ضرورت مهدن اور وہ بڑی محضت نے ساتھ دوئی لیا راستم قعولد رمے نہے یا

میر دل بدلا' میں کہرے سوچ میں یز کیا ، یہر بھی ادھک نے ٹھہرا ، شام ای گاڑی سے میں اندآباد کے لئے روات مو گیا ،

ا اِس طرح مهری کاندهی چی کی دوموی ملافات ختم هوئی ه ا

[4]

پہلی جاگ کے ختم ہوئے سے پہلے پہلے دیش میں تئی جان اور نئی آمکس پددا ہو رہی نیوں ، گاندھی جی کے خورتے نئے نتجربے بھی بہت سوں کا دھیاں اپنی طرف کھیانچ رہے نئے نتجربے بھی بہت سوں کا دھیاں اپنی طرف کھیانچ رہے نہیں ہوئی سب باتوں نو دیکھ اور سمجے رہی کی ترکیبیں موجی جائے لکوں ، دیش بھر کے کچھ چئے ھوئے کم کرتے و ور یا آزادی کے پریمھوں کی ایک فہرست تیار کو کے ہر آبرز اجال دیتے ہوئے آنگریزی میں ایک جوہرئی سی کتب نیار کی اور کہت ریتی سے اس ھلاستان بھر کے سب انکریز افسروں کے ہانہوں میں پہونجیایا گیا۔ معجیے کے سب انکریز افسروں کے ہانہوں میں پہونجیایا گیا۔ معجیے معلوم ہے کہ بعض بعض ضاموں میں جہاں ھلاستانی

में गुजरात पहुँचा. गाँधी जी बस समय निश्याद के बानाधालय में ठ६रे हुए थे. मैं बनसे वहीं मिलने के लिये गया. मेरी बनकी यह दूसरी मुलाक्नात थी.

सुबह का बद्धत था. गाँधी जी अनाथालय के हाल के पक कोने में करी के जपर एक गहा विद्याप बैठे हुए थे. आठ दस काम करने वाले उनके दाएँ-बाएँ और सामने थे. उनमें से दो की याद मेरे अन्दर अभी तक बाकी है. एक शंकर लाल बैंकर और दूसरे बल्लभ भाई पटेल, गांधी जी में भीर उनमें बातें हो रही थीं, कुछ गुजराती में भीर कुछ हिन्द्रस्तानी में मिली-जली. मैंने जाकर नमस्कार किया. गाँधी जी ने मुक्ते पहचान लिया, पूछा कि मैं वही हूँ न जो **उनसे अहमदाबाद में मिल जुका था. मेरे हाँ करने पर** डन्होंने प्रेम के साथ मुक्ते अपने पास बैठने का इशारा किया. में बैठ गया. उनकी बातें सुनने लगा. लगभग दो घंटे बातें होती रहीं. मैं गुजराती और हिन्दुस्तानी दोनों समम रहा था. मुमे अब उन बातों की तकसील ता याद नहीं रही पर इतना अच्छी तरह याद है कि दो घंटे तक लगातार गाँधी जी उन सब काम करने बालों को तरह-तरह से यही समकाते रहे कि धर्म पर क्रायम रहना, पाप नहीं करना, किसी को मारना नहीं, किसी को दुख भी नहीं पहुँचाना, अन्यायियों के साथ भी दिल में प्रेम रखना और ं प्रेम ह साथ ही उनसे बरतना वरौरा-वरौरा. मैं ध्यान से सरता रहा. कभी-कभी मैंने बात को साफ करने के लिये कोई छोटा सा सवाल भी कर लिया. हर बात का वही खबाब. उन्हें इतनी इस बात की चिन्ता नहीं थी कि किसानों का अन्याय दूर हो जिसनी इसकी कि किसी भी सरकारी बाइमी या सरकारी नौकर को जरा सा भी दुख न पहुँचा हो, मेरं मन में गाँधी जी की तरफ से फिर बही भाव उभरे जो एक साल पहले पैदा हए थे. दो-तीन घंटे की बातें सन कर और अच्छे से अच्छे काम करने वालों के साथ ग्रम में फिर उनकी तरफ से निराशा और एक तरह की नफरत ही जागी. खाने का बन्नत आ रहा था. सब खड़े हो गए. मैं भी खड़ा हो गया. मैंने गाँथी जी से कहा-"मैं पहले भी आप से भिलने आया था और इतने दिनों बाद फिर आया हूँ, अब मैं इसी दोपहर की गाड़ी से बीट जाऊँगा. सिर्फ इतना अर्ज कर दूँ कि मैं इतना ही disappointed (निराश) और disgusted (बेजार) जा रहा हूँ जिसना पहली बार."

गाँधी जी फिर मुस्कराए. कुछ और लोग भी देख रहे थे. मुभसे कहा—''अभी और ठहरो." मैंने जवाब दिया— "मुमेठ हरने से काई फायदा दिखाई नहीं देता." गाँधी जी ने कहा—"इतनी दूर से आए हो. मेरे कहने से कुछ देर और ठहर जाओ. तुम भी खाना खा तो, मैं भी खा हूँ. फिर میں گھورات بہولنچا ، کاندھی جی آس سے تدیاد کے اثنانیایہ میں تہورے ہوئے تھے ۔ میں آبی سے وہیں سائے کے لائے گیا ، میری آبی کی یہ دوسری ماقاست تھی ،

مبع کا رقت تھا ، کالدھی جی الناتھاليد كے مال كے ايك کے میں فرھ کے اوپر ایک گا بحوالے بیٹھ ھوا۔ تھے ، آٹھ میں کلم کرتے والے آئی کے دائش بائیں اور سامنے تھے۔ آن میں سے در کی یاد میرے الدر ابھی تک باقی ہے ایک شنكر لال ميذكر أور درسوت وايه بهائي يتيل ، كاندهي جي میں اور اُن میں باتیں ہو رہی تھیں کنچھ گجراتی میں اور کچه هندستانی میں ملی جلی . مینے جاکر ٹسکار کیا . گادھی جی نے مجھے بہنچان ایا ، پوچھا که میں وهی هوں ته جو أن سے احددآباد میں مل چکا تھا ، مبوے ھاں کرنے پر أنهوں لے يربم كے ساته مجھے اپنے پاس بيتھنے كا إشارة كيا . ميں بيتھ گيا . أن كى بانين سننے لكا . لگ بهگ دو كينتے باتين دوتى رهين، میں گیورائی اور هندستائی دونوں سمجھ رها تھا ، مجھے آپ أن باتوں كى تفصيل تو ياد فهيں رهى پر إننا أچهى طرح ياد ھے که دو گھنٹے تک لگانار کاندھی جی آن سب کام کرنے والیں کو طرح طرح سے یہی سمجھاتے رہے که دعرم پر قایم رهنا کاپ نریب کرنا کسی کو مارنا نهین کسی کو دکه بهی نهی یهانیا انیائیوں کے ساتھ بھی دال میں پریم رکھنا اور پریم کے ساتھ ھی إن سے برتنا وغيرہ وغيرہ . ميں دهيان سے سنتا رها ، كبهى كبهى میانے بات کو صاف کرنے کے لئے کوئی چھوٹا سا سوال بھی کو لها ، هر بات کا رهی جواب ، انهیں اِتنی اِس بات کی چنتا نہیں تھے که کسائیں کا اسیائے دور عو جننی اِس کی که کسی بھی سرکاری ادمی یا سرکاری توکر کو درا سا بھی دکھ تھ پہنچا ھو۔ تو ميرے من ميں كادرهي جي كي طرف سے پهر وهي بهاؤ أبهرے جو ایک، سال بہلے بیدا هوئے نهے ، دو تهن گهنتے کی بانیں سن کر اور اچھ سے چھ کام کرلے والوں کے سانھ سجھ میں پور أن كي طرف سے دراشا أور أيك طرح كي تغرت هي جاكي ، فانے کا وقت آ رہا تھا ، سب کھڑے ہو گئے ، میں بھی کھڑا ھو گیا ، مینے کا دھی جی سے کہا۔۔ دمیں پہلے بھی آپ سے ملنے آیا تھا اور اِنلے دنوں بعد پھر آیا ھوں ، آپ میں اِسی درپیر کی گاری سے لوے جوانگا ، صرف اِننا عرض کر درن که مين ألا هي disappointed (تراهي) أور (بروار) جا رها عول جننا پهلي بار ."

کاندهی چی پیر مسکرائی کچه اور لوک بیی دیکه رقت ہیں دیکه رقت ہیں محبیسے کواسے"ابی اور تهارو " مینے جواب دیا۔ "محبیل تی تهرو سے کرئی دیدہ دایائی نہیں دیکا " گاندهی چی لے کیا۔"آیتی درر سے آنے هو میرے کرنے سے کچھ دیر اور تهرو چاؤ تم یعی کیانا کیا لو' نمیں بھی کیا لوں - بھر

बलते मैंने कासे यह भी कहा—'मेरी आप से एक ही प्रार्थना है, इंश्वर के लिये आप और जो चाहे कीजिये, हिन्दुस्तान की राजनीति में दखल न दीजिये, नहीं तो आप इस देश को और मिटा देंगे." वह सुनकर सुस्कराए और कहने लगे—''अच्छा, अभी तो और फिर भी आओगे."

मैंने---''देखिये---नमस्कार !'' कह कर बिदा ली. स्टे-शन आया. सोलन के लिये वापिस चल दिया.

मैं रास्ते भर यही सोचता आया कि इतना लम्बा सफर श्रीर इतना खच सब बेकार गया.

सोलन पहुँचकर मैंने इसी मजमून के ख़त अपने होस्तों को लिख दिये.

कुछ दिनों के बाद मुक्ते मालूम हुया कि गाँधीजी जब पहले पहल दिखन अफरीका से हिन्दुस्तान आए थे तब मिस्टर गांखले ने, जिन्हें गांधीजी अपने गुरु की तरह मानते थे, यह बायदा ले लिया था कि वह यहाँ आने के एक साल बाद तक इस देश की हालत को चुपचाप बैठकर देखेंगे और समक्तगे और किसी तरह को काई अमली क़दम कम से कम उस साल तक नहीं उठाएंगे. मैं जब गांधीजी से पहली मरतबा मिला ता यह उसी एक साल के अन्दर का दिन था.

[3]

पहली मुलाक्षात हुए लगभग दो साल बीत चुके थे.
पहला महायुद्ध खतम होने पर चा रहा था. जो हजारों हिन्दुस्तानी सिपाई। योरप के लड़ाई के मैदानों से लौट-लौट कर चा रहे थे चौर जो खबरें लड़ाई की देश भर में फैल रही थीं चनकी बदौज़त एक नई उमंग और चाजादी की नई लगन देश भर में फैलती जा रही थी. मैं पहाड़ छोड़ कर इलाह।बाद चा चुका था. चभी चागे के काम के लिये दे!स्तों से सलाह ही कर रहा था कि इतने में मुना कि उन्हीं मिस्टर गाँधी ने चम्पारन बिहार में बहाँ के ग्ररीब किसानों पर निलहे गोरों के घरवाचारों के खिलाफ छुछ चान्दोलन गुरु किया है. गाँधी जी के चपने पहले सजरबे से मुके इतना जोश भी न चा सका कि बिहार, जा इलाहाबाद से बहुत दूर न था, जाकर उनके चान्दोलन को देखूँ.

यं। दे दिन और बीते. सुना कि गुजरात में खेड़ा जिला के किसानों की कसलें खराब हो गई थीं. सरकार उनसे जबरदस्ती लगान बसूल कर रही थी. इस घन्याय के जिलाक गाँधी जी ने गुजरात में एक नया झान्दोलन खड़ा किया है.

AND THE PROPERTY OF

چلاء مینے آرجہ یہ بھی اپاسہ "میری آپ سے آیگ بھی پراڑھا کا آئیمر کے نام آپ اور جو چاہے ایجائے بھنستان کی راجتی میں دخل نام دیجائے انہیں تو آپ اِس دیمی کو اور بھا دیلکے۔ " وہ سن کو مساوائے اور کہتے لئے۔" اُچھا آبھی تو اور پھر بھے آؤکے۔

مینیست دریمیئے ستبسکار ا^{ور} کہم کر بدألی ا اسٹیسی آیا ۔ سوور کے لیے واپس چل دیا ۔

. میں رأستے بور یہی سرچتا آیا که اِنفا لمبا سفر اور اِنفا خرج سے بیکار کیا .

سولن پہوٹچکر میلے اِسی معمون کے خط آپنے دوستوں کو لاء دیگہ ۔

کنچ، دنہیں کے بعد صحبے صعارم ہوا که کاندھی جی جب پہلے پہل دکیں افریقہ سے مفستان آئے تیے تب مسار گوکیلے کے جہنے کہ جنہیں گاندھی جی آپنے گرو کی طرح مانتے تھے' یہ رعدہ لے لیا تھا کہ رہ یہاں آنے کے ایک سال بعد تک اِس دیش کی حالت دو چپ جاپ بیٹھ کر دیکیینگے اُور سمجیینگے اُور کسی طرح کا کوئی عملی فدم کم سے کم اِس سال ٹک نہیں آٹھائیں گے۔ میں جب کاندھی جی سے پہلی صرفیه ما تو یہ آسی ایک میں جبال کے اندر کا دیں تھا ہ

[3]

پہلی ماقات عول اگ بھگ دو سال بیت چکے تھے ، پہاا مہایدہ ختم ہوئے پر آ رہا تھا ، جو ہزاروں ہندستانی سہاھی بہرپ کے لوائی کے میدانوں سے اوٹ لوٹ کر آ رہے تھے اور جو خبریں لوائی کی دیش بھر میں پیغل رہی تھیں اُن گی بدولت ایک نئی اُمنگ اور آزادی کی نئی لائن دیش بھر میں پھیلائی جا رہی تھی ، میں پیار چھوز کر اِلتأباد آ چکا تھا ، ابھی آگے کے کام کے لئے دوستری سے صالح هی فر رہا تیا کہ اِنٹے میں سنا که ان ہی مستر گاندھی نے چمیاری بہار میں وہاں کے غریب کسانوں پر نئی گوروں کے آنیا چروں کے خاف مجھے آندوان شروع کیا ہے ، گاندھی جی کے آپنے پہلے تجویے سے مجھے آنا جوش بھی نت آسکا کہ بہار کو دیکھوں .

تهورے دی اور بہتے ، ساا که کنچرات میں کبھوا ضلع کے اسانوں کی تصلیں خراب ہرکئی تھیں ، سرکار اُن سے زبردستی لگان وصول کر رہی تھی ، اِس انبیائے کے خاف کاندھی جی ہے کنچرات میں ایک لیا آندولی کہوا کیا ہے ،

नक्का था. एक छोटी सी लड़की, शायद पाँच छै बरस की

रही होगी, उनके आगे बैठा थी. सुमे जहाँ तक बाद 🖁 .

गांधीजी उसके सर से जुए बीन-बीन कर पास रखे हुए एक पानी के कटारे में डालते जाते थे. उसी सज धन के

एक दो और आदमी कमरे के पास से आहे जाते दिखाई

रिए. मैं कमरे में घुसा, मालूम करके कि यही मिस्टर गांधी

हैं कुछ अचम्भा सा लगा. उन्होंने टाट का एक टुकड़ा

मेरी तरफ करके समे बैठने को कहा, मैं बैठ गया, बातें

نظ تھا ۔ ایک جہوٹی سی لوکی شاید پائے جہ برس کی رهی هوگی اُن کے آگے بیٹھی تھی۔ سعے جہاں تک یاد ہے گاری جی اُس کے سر سے جوئیں بین بین کر پاس رکھے موثر بائی کے کئورے میں ڈاللے جاتے تھے ، اُسی سے دھیے کے ایک دو اور ادمی دمرہ کے باس سے آتے خاتے داوائی دیٹے۔ میں کنوا میں گیسا ۔ معلوم کو کے که یہی مسٹر گائدھی ہیں کجے اچنبہا سالگا۔ اُنہوں نے ثاب ادایک ٹکڑا میری طرف کر کے مجھے بیٹیٹے کو کیا ، میں بیٹی گیا ۔ باتیں شروع ھوئين ۽

مینے اپنا اور حال کی دیک کی آزادی کی کوششوں کا حال جو مين جانبا تها سب أنهين تنصول سے كه سنايا . معاوم هوتا تها يوس دهيان سے سن رقع هيں أور جو جو ميں کہتا موں سب پہتے جاتے میں ، بنج بنج میں انہوں نے نگی سوال بھی کئے ، اِس بات چیت میں نئی گہنتے اکے دوبہر عه شام هولے آئی ۔ کبھی کبھی وہ آئھ کر دو مرا کام بھی کرتے رہے . پر جاب جب مینے أن سے أن كي رائم يوجهي اور أن سے أكم كے لئے صلاح اينا چاها تو لگ بهك هر بات ير وہ كنچه ایسا هی جواب دید نهے الاسین تو راجنیتی نهیں سمجھتا ، میں تو دھرم جاننا ھوں ، سب کس اپنے دھرم پر رھنا چاھئے ، أينا دهرم بالنا جعائم أياب تو نهيل أدرك جاها ، كسي كول مارنا تو یاپ کے ،، وفیرہ وغیرہ ، مہلے بار بار اور طاب طوب سے ان شه بوچهنا چاها که آخر هندستان کو آزادی کیسے مل سکتی ه ، هر بار وه کوئی له کوئی اِسی طرح کا فقره دوءرا دیتہ تھے ، مجھ پر یہ ادر ضرور پرا که را مجھ میں اور میری باتوں میں رس لے رہے تھے . أن كى أنكهوں ميں مجھے يار بار ايك الوكها سليهم أور أيال ين دعهائي ديتا تها . معلوم هوتا تها وه چاعتے میں میں اور ترپروں اور ان سے باتیں کروں ، پر بار ہار طوطے کی طرح رئے عولے اُن کے وعی فقرے سن کو-- امیں الو دهوم جانتا هون ، واله ، تو نهين كرنا چاهئه ، سب كور ، اينا دهرم باللا چاهلي'' مين أنتا گيا . مهر م إس يرچين ير يهي كه أخر دعرم ف كيا چيز و ميري تالي كا جرأب ته در سكي . معهد أن سه أيك طارح كي تناوت هو تُدِّي ، مين عوجله لكا که دهرم ادهرم کے جن دقانوسی خیالوں نے اِس ملک کو برباد کیا ہے اور اسے غلامی کے یہ دین دنیائے میں وعی خیال اِس آدمی کے اندر کرے کرے کر بھرے ہوئے میں ، میاہ اس میں طے کو لیا که شنم کی گلوی سے سولن لوت جایا جائے . أخر ميں مينے أن سے كها كه ميں آبے هي سولن واپس جا رها میں میلے آن سے یہ بھی مائٹ کہتا دیا کہ میں آپ م disappointed ارر disappointed يمتى نراهي هو کر آور بهوار هو کر جا رها هوں ، مجھے یاد ہے که مهالے انکونزی کے علی یہی دونیں شید ایبوک کیٹے تھے ۔ چاتے कि मैंने आंगरेजी के ही यही दोनों शब्द उपयोग किये थे. चलते

शुरु हुई' मैंने अपना और हाल की देश की आजादी की कोशिशों का हाल जो मैं जानता था सब उन्हें तकसील से कह सुनाया, मालुम होता था बड़े ध्यान से सुन रहे हैं श्रीर जो-जो में कहता हूँ सब पीते जाते हैं. बीच-बीच में उन्होंने वर्ड सवाल भी किये. इस बात-चीत में कई घन्टे लगे. दोपहर से शाम होने आई. कभी-कभी वह उठकर दसरा काम भी करते नहे. पर जब-जब मैंने उनसे उनकी राय पूछी श्रीर उनसे श्रागे के लिए सजाह लेना चाहा तो लग-भग हर बात पर वह कुछ ऐसा ही जवाब देते थे- 'मैं तो राजनीति नहीं समभता, मैं तो धरम जानता हैं, सबकूँ अपने धरम पर रहना चाहिये, श्रवना धरम पालना चाहिये, पाप ता नहीं करना चाहिये. किसी कूँ मारना पाप है, 'वरौरा-वरौरा. मैंने बार-बार ध्वीर तरह-तरह से उनसे पुछना चाहा कि आखिर हिन्दुस्तान को आजादी कैसे मिल सकती है. हर बार वह कोई न कोई इसी तरह का फिक्ररा दोहरा देते थे. मुक्त पर यह श्रासर जरूर पड़ा कि वह मुक्तमे और मेरी बातों में रस ले रहे थे, उनकी आँखों में मुक्ते बार-बार एक अनोसा स्तेह और अपनापन दिखाई देता था. मालुम होता था वह चाहते हैं में और ठहरूँ और उनसे बातें करू. पर बार-बार ताते की तरह रटे हुए उनके वही फिकरे सन-कर- 'मैं तो घरम जानता हैं. पाप तो नहीं करना चाहिये स्रव कुँ अपना धरम पालना चाहिये, " मैं उकता गया, मेरे इस पृष्ठने पर भी कि आखिर धर्म है क्या चीज, वह मेरी संसल्ली का जबाब न दे सके. मुक्ते उनसे एक तरह की नफरत हो गई, मैं सोचने लगा कि धर्म अधर्म के जिन इक्तियानूमी ख्यालों ने इस मुल्क को बरबाद किया है और इसे रालामी के यह दिन दिखाए हैं.वडी .क्याल इस आद-भी के अन्दर कूट कूट कर भरे हुए हैं. मैंने मन में तय कर लिया कि शाम की गाड़ी से सोलन लीट जाया जाय: आखिर में मैंने उनसे कहा कि आज ही मैं सोलन वापिस जा रहा हूँ. मैंने उनसे यह भी साफ. कह दिया कि मैं आपसे disappointed और disgusted यानी नि-शश होकर और वेजार हाकर जा रहा है. मुक्ते याद है

करके सैकड़ों बरस तक भी इस पपजाक देश को छोड़कर नहीं जा सकती थी. कुछ बरसों के तजरबे ने अच्छी तरह दिखा दिया कि यह रास्ता थोड़ा-बहुत अंधरेजों के दिजों में हिंदुस्तानियों का ढर भर्ज ही पैदा कर दे, न जनता में जान कूँ क सकता था, न उन्हें आजादी की लड़ाई के लिये तैयार कर सकता था और न देश को आजाद करा सकता था, इस दल के आम लोगों में एक गहरी निराशा छाई हुई थी.

सन् 1908 में लोकमान्य तिलक के जेल भेजे जाने ने इस दल को खासा धकरा पहुँ चाया था. सन 1910 में अरिवन्द बाबू के कलकत्ता छोड़ के भागने से दल की हिम्मतें और पस्त हो गईं, अरिवन्द बाबू के उस आखारी दिन मैं कलकत्ते में ही था और कई घन्टे उनके साथ रहा. सन 1912 के बाद दल के बहुत से लोग इवर-उधर आसाम की सरहद पर या हिमालय की तराई में अपे दंगे किसी तरह दिन काट रहे थे. जिस गली से बह चल रहे थे बह आगे बन्द दिखाई वेती थी और दूसरा कोई गस्ता भी सुइकर आजादी की मंजिल तक पहुँ चने का दिखाई न देता था.

इसी सिलसिले में सन 1912 से 1916 तक के दिन मैंन सोलन में काटे, दिल के अन्दर गहरी निराशा थी, जापान, रूस आयरलैंड और फ्रान्स के इतिहासों के खूब पन्ने लीटे पर अपने देश की आजादी का कोई रास्ता दिखाई न दिया.

[2]

सुनने में आया कि मिस्टर गांधी नाम के एक सज्जन इसी साल हिन्दुस्तान आए हैं. दिक्खन अफ्नीक़ा में वह बहाँ के हिन्दुस्तानियों के अधिकारों के लिए लड़ते रहे हैं और कामयाबी के साथ लड़ते रहे हैं. वहाँ की हिन्दुस्तानी जनता ने भी इनका .खूब साथ दिया है. क़ुद्रती तौर पर उनसे मिलने की स्वाहिश दिल में पैदा हुई, इस उम्मीद में कि उनकी सलाह से शायद अपने देश की आजादी के लिये कोई आगे का रास्ता सुमे.

मैं अकेला सोलन से चला. सीधा अहमदाबाद पहुँचा. पता लगाया तो मासूम हुआ कि मिस्टर गांधी शहर के बाहर किसी छोटे से बँगले में रह रहे हैं. मैं वहाँ पहुँचा. मेरी गाँधीजी की यह पहली मुलाकात थी.

मुक्ते वाब तक याद है वह एक छोटे से कमरे के वान्दर जिसका करी बीच-बीच में उसदा हुव्या था, टाट का एक बोटा सा दुकदा निद्धाए उस पर बैठे के एक छोटी सी मैली सी घुटनों तक की घोती बाँधे हुए थे. बाकी बदन کو کے سیکروں برس کک بھی ایس آپھاؤ دیھی کو چھپر کو جھپر کو جھپر کو تھپر کے تھپر کے تھپر کے تھپر کے تھپر کے تھپر کے الکروروں الکروروں میں مدستانیوں کا تر بیلے ھی پیدا کر دیے' تہ جلتا میں جان پیوٹک سکتا تھا تھا کے الیمی آزادی کی لوائی کے لئے نیار کر سکتا تھا اور تہ دیھی کو آزاد کرا سکتا تھا' اوس دل کے عام لوگوں ہیں ایک گروی قراشا جھائی ھوئی ہیں و

سن 108 میں لوکائیہ تلک کے جیل بھیجے جائے ئے اس دل کو خاصہ دمکا پہونچایا تھا ، سن 1910 میں اردند باہو کے کلکتہ چھوڑ کے بیاگئے سے دل کی ھمٹیں اور پست ھو گلیں اروند باہو کے اس آخری دین میں کلکتہ میں ھی تھا اور کلی گینٹے اُن کے ساتھ رھا ، سن 1912 کے بعد دل کے بہت سے لوگ اِدھر اُدھر اُسام کی سرحد بر یا ھمالیہ کی توائی میں چھیے دیے کسی طرح دین کات رہے تھے جس گلی سے وہ چھیے دیے کسی طرح دن کات رہے تھے جس گلی سے وہ چھیے رہے تھے وہ آگے بعد داھائی دیتی تھی اور دوسرا کوئی واسٹم بھی مر کر آوائی کی مغزل تک پہرنچنے کا دکھائی تھ وہیٹا تھا ،

اس سلسلے میں سن 1912 سے 1916 تک کے دن مینے سولی میں کائے ، دل کے اندر گہری نراشا تھی ، جاپان روس اگرلیات اور فرانس کے اِتہاسیں کے خوب پلے لوئے پر اپنے دیش کی آزادی کا کوئی راستہ دکھائی تھ دیا ،

[2]

سئنے میں آیا کہ مسائر گاندھی نام کے ایک سجوں اِسی سال ھندستانی آئے ھیں ، دنین افریقہ میں وہ وعاں کے ھندستانیوں کے ادعیکا وں کے لئے لڑتے رہے ھیں اور کامیابی کے ساتھ لڑتے رہے ھیں ، وعاں کی ھندستانی جنتا نے بھی اُن کا جُوب ساتھ دیا ہے ، قدرتی طور پر اُن سے ملنے کی خواھھ دل میں پیدا ھوئی' اِس اُمید میں کہ اُن کی صلاح سے شاید اپنے دیھی کی آزادی کے لئے کرئی آگے کا راستہ سوجھے ،

میں اکیلا سہان سے چلا ، سیدھا احمدابات پہوئنچا ، یته لگایا تو معلوم ہوا که مسٹر گاندھی شہر کے باہر کسی چھوٹے سے بنکلے میں رہ رہے ہیں ، میں رہاں پہوئنچا ، میری گاندھی جی کی یه پہلی ملاقات تھی ،

معجے آپ تک یاد ہے کہ وہ آیک چھوٹے سے کموے کے آندر جس کا نرش ہینے بینے میں آئوزا ھوا تیا ٹاٹ کا ایک چیوٹا سا ٹنوا بنچھائے آس پر برائے تھے ، آیک چھوٹی سی میلی سی گھائوں تک کی دھوٹی یاندھ ھوٹے تھے ، باتی بدن

میں الکویو عندستانیوں سے سنیول کو بیٹھنے گئے ۔
اس اندوان کا سب سے ہوا ادا کعتم تھا ، کاعتم کے آس
ناخوشگوار ہوا سے باہر نکانے کے لئے انگریورں فے دالی کو
راجدہانی بنایا ، دالی میں بڑے شاندار جارس کے ساتو داخل
ہوتے ہوئے جب اُنہوں نے مغلوں کے تعنی سو برس کے رعب کو
اپنے اُرپر اورهنا چاہا تو سی 1912 کے الاق ہارتنگ کے ہم نے
پور ایکدم انگریو توم کی اُس ساری شان اور سارے مؤے کہ
کرکرا کو دیا ، سارے ہندستان میں ایک لہر سی دور گئی که
دلی کو راجدہانی بنانا انگریو سرکار کو راس نہیں آنیگا ، ہم
اور پستول کی راہ نے کچھ دیر کے لئے اُپنا کچے تھ کچھ چمتکار
در پستول کی راہ نے کچھ دیر کے لئے اُپنا کچے تھ کچھ چمتکار

یر وہ چمتکار چندروز سے زیادہ نہ تھہر سکا، دلی ہم کے بعد ھے سرکار نے جو چوطرفت دمن شروع کیا اُس سے ملک میں پہر ایک بار اندھیاری چھا گئی، اور بوھٹی گئی ، آس کے ہد یہے کچھ ہمت والے لوگرں نے اِنعر اُدھر اِسے طرح کی چیزیں جاری رکھیں ، پر پائچ سات برس کے تعجریے سے اُس دل کے وجارواں لوگوں نے دیکھ لها که اِن طریقوں سے اور جو کچھ بھی هم کر پاٹیں یا تع کر پائیں انعریزی راہے دیھی سے نہیں و تایا جا سکتا ایک ایک گیت هتیا کا ٹییک ٹیاک کرنے میں بیس بیس اور تیس تیس آدمیوں کی ضرورت پرتی تھی۔ سپیلٹا ہو بھی گئی تو پرلیس کے سرائح الکانے بر کریب قریب فاسكن تها كه أن مين سے كوئى لم كوئى يهرك نم جاورے . برسان مقدمہ چلنے کے بعد ایک جان کے بدلے بیس بیس اور بیس تیس دیعی بہتوں سے زندگی بھر کے لئے عاتم دعو بیٹھنا پڑنا تھا ، بجنتا میں جو لوگ اِن کے کام سے اندر اندر همدردی الله رکھتےتھے وہ اور سزاؤں کو دیکھ کر سہم جاتے تھے دکیتھوں میں أيك أيك ة يتى ير كبهى كبهى إتنا خرب هو جاتا نها جتنا رمول نه هو یاتا تها کهر جو لوگ جان پر کههال کر قائیتهان ڈانی نھے آنہیں میں ریئے یہسے یا ھتیاروں کے ہنترارے پر یا اِن کے ٹھیک ٹھیک آستعمال ، یو بھر وہ سر بھٹول ہوتی تھی که جس سے دل یہٹ جائے تھے ، بولیس کو اگریته چلانا تھا که إس دل كا كوكي - آدمي فقل كلون مين تهيراً تها تو أس كلون کے لوگوں پر وہ ماریں پرتی تھیں که ایک ایک گاؤں والا پولیس کی چوکی پر جاکر ناک رگوتا تھا۔ اور سرکار کی وفاداری کی فسمیں کھائے لکتا تھا . دال کے سمتجھدار لوگیں کو دکھائی دے گیا که جو انگریو کرم ایک جنگ میں اپنے هوارس آدمی نثرا سکتی ہے اور لاکوں رویئے گواے باروں پر خارج کر سکتی ہے وہ لکا دکا اُعمیوں کی سال دو سال کے اُندر جانین كنوا كر اور ولا يهي إقلى زيردست قيمت ومول

में अंगरेख हिन्दुस्तानियों से सँमलकर बैठने लगे, उस जान्यों का का सब से बड़ा अब्दा कलकता था. कलकते की उस नाखुशगबार हवा से बाहर निकलने के लिए अंगरें जों ने दिल्ली का राजधानी बनाया. दिल्ली में बड़े शानदार जलूस के साथ दाख़िल हाते हुए जब उन्होंने पुगृनों के तीन सी बरस के रोब का अपने ऊगर आहना चाहा तो सन 1912 के लाई हाईंग के बम ने फिर एकदम अंगरेज कीम की उस सारी शान और सारे मजे को किरकिरा कर दिया, सारे दिन्दुस्तान में एक लहर सी दीड़ गई कि दिल्ली को राजधानी बनाना अंगरेज सरकार का रास नहीं आयेगा. बम और पिस्तील की राह ने कुछ देर के लिये अपना कुछ न कुछ चमत्कार दिखलाया इससे इनकार नहीं किया जा सकता.

पर वह चमत्कार चन्द्र रोज से ज्यादृद्द न ठहर सका. दिस्ली बम के बाद ही सरकार ने जो चौतरका दमन शुरु किया उससे मुल्क में फिर एक बार कन्धयारी छा गई भीर बढ़ती गई, उसके बाद भी कुछ हिम्मत वाले लोगों ने इषर उधर इसी तरह की चीज जारी रखीं. पर पाँच सात बरस के तजरबे से उस दल के विचारवान लागों ने देख लिया कि इन वरीक़ों से और जो कुछ भी हम कर पाएँ या न कर पार्वे बागरेजी राज देश से नहीं मिटाया जा सकता. एक एक गुप्त इत्या का ठीक ठाक करने में बीस-बीस और तीस-तीस बादमियों की जरूरत पढती थी. सफलता हो भी गई तो पुलिस के सुराग्न लगाने पर करीय-क्ररीय ना-समिकिन था कि इनमें से काई न कोई फूट न आवे. बरसों मकदमा चलने के बाद एक जान के बदले बीस-बीस और धीस-तीस देश भक्तों से जिन्दगी भर के लिये हाथ थी बैठना पहुता था, जनता में जो लोग इनके काम से अन्दर-अन्दर हमद्दी भी रखते थे वह इन सजाओं को देखकर सहम जाते थे. सकैतियों में एक-एक सकैतो पर कभी-कभी इतना खर्च हो जाता था जितना बसूल न हो पाता था, फिर जो लाग जान पर खेज कर इकेती डालते थे उन्हीं में अपये पैसे या हथियारों के बँटवारे पर या इनके ठीक-ठीक इस्तेमाज पर फिर वह सिर-फ़टौबल होती थी कि जिस-से दिल फट जाते थे, पुलिस की अगर पता चलता था कि इस दल का कोई आदमी फलों गाँव में ठहरा था तो क्स गाँव के लोगों पर वह मारें पड़ती थीं कि एक-एक गाँववाला पुलिस की चौकी पर जाकर नाक रगइता था धीर सरकार की बफादारी की क़स्में खाने लगता था. रल के सममदार लोगों को दिखाई दे गया कि जो अंगरेज क्रीम एक जंग में अपने हजारों आदमी करवा सकवी है और तासों रुपये गोले बारद पर खर्च कर सकती है बह इका-दक्का आदमियों की साल दो साल के अन्तर बामें गैंवा कर और वह भी श्तनी अवंदरस्त कीमत वस्त

157 pyst 1

गांधी जी के साथ पहली मुलाकातें

पंडित सुन्द्रलाल

सन 1915 की बात 🐉

मैं सोलन में था. हिन्दुस्तान की राजनीति में उस समय दो ही दल थे. एक नरम दल जो इंगलिस्तान के बादशाइ की बफादारी की क्रसमें खाता था, अंगरेज सरकार के रहते अपने देश को शिक्षा प्रचार और समाज सुधार के जरिये कँचा के जाना और मजबूत करना चाहता था, श्रीर दरखास्तों और धरबी परचों के जरिये अंगरेजों से राज-काज में छांटे-मोटे अधिकार और नौकरियाँ कंकर अपने को सफल मानता था. कांगरेस इसी दल के हाथों में थी. दसरा गरम दल जो स्वदेशी, अंगरेजी माल के वायकाट. क्रीमी तालीम श्रीर 'स्वराज' की प्यास लोगों में पैदा करके वम और पिस्तील के जरिये इचर-उधर अंगरेज हाकिमों की इत्या करके और खजानों वर्रौरा को लूटकर अंगरेजों का इस देश से निकाल देने की आशा करता था. इस दूसरे दल का जनम बँगाल की तक्तसीम के साथ-साथ सन 1905 में हुआ था. इस दल में बहुत से जान पर खेलने बाले नौजवान थे. धन्होंने अपनी समितियाँ बनाई. कई अंगरेजां और उनके हिन्दुस्तानां मददगारों की जगह-जगह इत्याएँ कीं. साजानीं और हथिय। रों के गोदामीं पर डाके डाले. मालूम होता है अच्छी और बुरी सभी चीजें अपने-अपने समय पर और अपनी जगह कुछ न कुछ उपयोग रखती हैं. शायद अच्छे और बुरे का फरकर्भा यन्धेरे और उजाले के फुरक की तरह मौक़े और महल का ही फुरक है. मुमे बच्छी तरह याद है कि सन 1907 से पहले अंग-रेजों का दबदवा भीर उनका घमन्द्र कितता गहरा या और सारे देश पर किस तरह झात्रा हुआ था. बड़े से बड़े हिन्दु-स्तानी के जिए पहले या दूसरे दुने के रेल के दिसी ऐस बिडबे में घुसने की हिम्मंश करना जिसमें कोई अंगरेज पहले से बैठा हो एक रीर मामूली बात थी और काई भी हाटे से होटा बंगरेज ऐसे मौके पर किसी बड़े से बड़े हिन्दुस्तानी का खुले अपमान कर सकता था. सन 1907 के .खुदीराम बांस के मुज़क्करपुर दम ने इस हालत को मानो जादू की तरह एक रात में बदल दिया. अंगरेज समक "गए कि यह कीड़ा काट भी सकता है. हिन्दुस्तानियों को इधर से एवर तक निराशा की अध्यारी घटा में आशा की एक विश्वती सी कविती हुई विस्ताह पर गई. रेल के दिव्यो

گاندھی جی کے ساتھ پہلی ملاقاتیں

پنڌڪ سادر ال

سن 1915 کی بات ہے.

میں سوان مرں تھا ، مندستان کی راجائیتی میں اُس سنّم دو هي دل ته . أيك ثبم دل جو إنكلستان كے بادشاء کی وفاداری کی قسموں کیانا تھا؛ انگریز سرمار کے رہتے اپنے دیھی كوشكشا يرجار ارر سماج سدهار كي ذريعة أونحا ليجانا ارر مضبوط کونا چاها تها آور درخواستی اور عرضی درجوں کے فریعه انکریزوں سے راجکاج موں چھوٹے سوئے اضعیکار اور نوکریاں لیکو آینے کو سیال مانکا تھا ، کانکریس اُسی دل کے ھاتھوں میں تھی ، دوسرا گرم دل جو سودیشی انکریوی مال کے ہائیکات قومی نجایم اور اسورلیو کی پیاس لوگوں میں پیدا کر کے ہم اور يسترل كے ذريعة إدهر أدهر أنعريز حاكموں كى هتياكر كے اور خوانوں وفهرة کو لوق کر انگریزوں کو اِس دیکس سے ٹکال دیٹے کی أشا كرتا تها . إس درسرے كے دل كا جنم بنكال كى تقسيم كے ساته ساته سبي 1905 مين هوا تها . أس دل مين بهت سے جان پر کھیلئے والے نوجوان تھے۔ اُنہوں نے اپنی سمتیاں بنائیں ، کٹی انکریزوں اور آن کے هندستانی مدداروں کی جاہم جگھ متیائیں کیں ۔ خوائیں اور متبیاروں کے گوداموں یو قالے۔ قاله . معاوم هوتا هے اچھی اور بری سبھی چھڑیں اپنے اپنے سم ير أور أيني جكهه كنچه نه كنچه أپيرك ركبتي هين ، شايد اچم اور برے کا فرق بھی اندھیرے اور اجالے کے فرق کی طرح موقع اور معدل كا هي فرق هي مجهد اچهي طرح ياد هي كه سي 1907 سے پہلے انکرزوں کا دیدیہ اور اُن کا گھنڈ کتنا گہرا تھا اور سارے دیکس پر کس طرح جہایا ہوا تھا ، ہوے سے ہوتے هندستانی کے لئے پہلے یا دوسرے درجه کے ریل کے کسی ایسے کُانِ مُیں گسانے کی معنف کرنا جسیں کرئی انکریو پہلے سے بهُنَّهَا هُو أَيِكَ غَيْرِ مَعْوَلِي بَاتَ تَهِي أُورِ كُونُي بِهِي جِهُولِ عَ چهولا انگروز ایسے موقع پر کسی بوے سے بوے هندستانی کا کیلے ایمان کر سکتا تھا ۔ سن 1907 کے خودی رام یوس کے مطفر پور بم لے اِس حالت کو مالو جادرو کی طرح آید رات مين بدل ديا ، انكريز سمعه كل كه يه كيوا دائ يعي سكتا ه . هَاْدِسْكَانُورِن كو اِدهر سه أدهو تك فراشاكي افدهياري كها مين. أَهَا بِي ايك بعِلى من لولدتي هوئي ديالائي ير كئي. ريل ق فيون

अवत्वर 1957) ।

. 7., 5

R.	क्रिससे	•	सफा	مفعد	يها كس تص
1.	गांघी जी के साथ पहली ग्रुलाकार्ते		4.49		1. کاندهی جی کے ساتھ بہلی طاقاتیں سیندس سندر ال
2.	—पंडित सुन्दरलाल गुजल (कविता)	•••	141	•••	سپندی سورس 2 فزل (کویتا)
	श्री सम्रादत नंजीर एम ० ए०	•••	154	***	حشرى سعادت نظهر أيم أه.
3.	उम्मत —कुमारी रैहाना तैयवजी	•	156	•••	3, امت —گناری ریحاثه طیب جی
4.	सहस्मद साहब के कुछ उपदेश —हाक्टर मिरजा अबुल फजल	• • •	159	100	4. محمد صاحب کے کچھ آپدیش ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔
5.	वचन और जतन		162	•••	 رچن اور جائی ۔۔۔ شری عبدا تعلیم الصاری ۔۔۔ شری عبدا تعلیم الصاری ۔۔۔
5.	चिरागों के सिलसिले (अंग्रेजों से खिता	क ि 		وريا	6. چرافوں کے ساسلے (انگریزوں سے خطاب) ک مشری سلام مجھلی شہری
7.	शहीदे आजम नहादुरशाह की याद में श्री डी. राजन		168	•••	7. شہید آعظم بہادر شاته کی یاد میں ۔ ۔۔شری تی، راجن
8.	1857 का देश भक्त अस्तवार 'पयामे आ —विश्वस्भरनाथ पांडे	_	173	•••	8. 1857 كا ديص بهت أخبار 'پيام آزادى' وشومبهر ثانه پائذے
9.	कुछ किताचें—	***	178	•••	و، رئي کتابين ۔
10.	हमारी राय- गान्धी जी के जनम दिन पर-विरवन्मर		184		01. أَصْالَقُ رَائِبُ
	all all all to all the lift of a said at	11-4 41	_		و کاندهی جی کے جام دی پررشومهر ناته



जिल्द 24 अ

नम्बर

نمبر 1

अक्तूबर 1957 अभी हाल त

Editorial Board

Dr. Tara Chand M.A., D. Phil. (Oxon)

Mahatma Bhagwan Din

Dr. Syed Mahmud, M.A., Ph.D., Bar-at-Law

Pandit Sundarlal

Bishamhtar Nath Pande

Editor-in-Charge

Bishambhar Nath Pande

Asst. Editor

Suresh Ramabhai

Annual Subscription

Inland Rs. 6/-Foreign Rs. 10/-Single Copy As. /10/- only or 62 N. P.

e bed for -

Manager, NAYA HIND

THE AMET'S IGAIN. ALL AND MAILE

इस नम्बर के खास लेख

—पंडित सुन्द्रलाल

शहीदे आजम बहादुरशाह की याद में ياد دول الله عليه أعظم بهادر شاه كي ياد دول —श्री डी राजन

1857 का देश भक्त अखबार 'पयामे لا ديهي يبكت أخبار ' هام 1857 श्राजादी'

· —विश्वम्भरनाथ पांडे

हमारी राय--

همار**ی رائی۔۔۔**

_ गांधी जी के जनम दिन पर ____ کے جام دیں پر —बिश्वम्भरनाय पांडे



का एक वड़ा केन्द्र—पाठक हिन्दी, उर्दू, व्याप्त हिन्दी, उर्दू, के लिये हमें लिखें।

, जारी नई किताबें

महात्मा गान्धी की वसीयत

(हिन्दी और उदू में) लेखक-गान्धीवाद के माने जाने बिद्रान : स्त्रः श्री मंजर अली सास्ता सके 225, क्रीमत दो रूपया

गान्धी बाबा

। यक्त्रों के लिये बहुत दिलचस्य किताब) लेखिका-कृदसिया जैदी मुमिका-पन्डित जवाहरलाल नेहरू मोटा काराष, मोटा टाइप, बहुत-सी रंगीन तसबीरें वाम वो रुपया

> पंडित मुन्दरलाल जी की लिखी किताबें गीता और क्रारान 275 सके, दाम ढाई रुपया

हिन्दू मुर्सालम एकता 19 9 140 सिने दाम बारह आने काहत्यानभी के बलिदान से सबक

क्रीसत बारह आने ब इमें क्या सिखाता है क्रीमत चार चाने बैनास और उससे सबक क्रीमत दो चाने

انگریزی کی می پسند کتابوں کے

هاری نئی کتابیس

مهاتها کاندهی کی وصیعا (هندی اور آردو سیس)

لیکھک ۔ گاندھی واد کے مانے جانے ردوان؛ سورکهه شری منظر علی سوخته منحے 225 تیت در روپید

كاندهي بابا

(بحوں کے لئے بہت دلعیسب کتاب) ليكهكا--قىسية زيىي يهرمكاسيندت جواهر لال نهرو مولاً كاغذا مولاً ثانب بهت سي رنكين تصويرين دام دو رويية

> پندت سنرلال جي کي لکھي کتابيس كيتا اور قران 275 صفحے دام تعالی رویعه هندو مسلم أيكتا 100 صفحے دام بارہ آنے

اتما کاندھی کے بلیدان سے سبق ا

بنجاب هي كيا سكهاتا ه

بنگال اور اس سے سبق

रीते ।

Truste Higher

(2) पशिया और अफ़ीक़ा की सरकारे यू० पत० भी० की आने बाजी जनरल एसम्बली के सामने यह तजबीय पेश करें कि इन तजरबों को बिना किसी शर्त के बन्द करके एक ऐसे समझौते की तरफ क़दम उठाया जाने जिस से दुनिया की सब फीजें आम तौर पर ख़रम की जा सकें.

(3) इस तरह के तजरबों की धागे की सब तजबीचें जिनमें प्नीबेंटाक प्टाल्स की तजबीच भी शामिल हैं मनसूख कर दी जावें. पेटमी शक्तियाँ, पेटमी खड्डे बनाना भीर दूसरे देशों के फीजी खड्डों में पेटमी हथियार दाखिल करना या पेटमीसपोर्ट (Task force units) दाखिल करना बन्द कर दें.

इन घरेश्यों के पूरा हो जाने से विश्व शान्ति को और राष्ट्रों की आजादी को बहुत बढ़ी मदद मिलेगी. इन चहेश्यों को पूरा करने के लिये परिाया और अफीका के सब देशों को मिलकर पूरी कोशिश करनी चाहिये बाहे किसी देश के राजकाजी आदर्श या धार्मिक विचार इन्ह्र भी क्यों न हों या किसी देश में कितने भी विचारों और अमों के लाग क्यों न रहते हों. परिाया और अफीका के बाहर के लागों का इनमें सहयाग प्राप्त करने के लिये भी हम पूरी काशिश करेंगे.

चगस्त सन् 1957

—सम्बरलान

2 ایھیا اور افزیقہ کی سرکایں ہو، این ، او کی آلے ابی جنرل اسبلی کے سابنے یہ تجویز پیش کریں که اِی جبیں کو بلد کرکے ایک ایسے سنجیرتے کی ایک تیم آلیایا جارے جس سے دلیا کی سب فرجیں عام طور رختم کی جا سکیں ،

8. اِس طرح کے تحوربوں کی آگے کی سب تحویزیں جوں اس ابنی ویٹاکی ایٹالس کی تحویز بھی شمل ہے ملسوم اوری جاویں ، ایٹسی شمیل ایٹسی آئے بنانا اور دوسرے دیشوں کے نوجی آئوں میں ایٹسی متیبار داخل کرنا یا ایٹسی سیورٹ (Task Force Units) داحل کرنا بلد

سسادر ال

الست سي 1957

لردين . .

यदापि भिन्न पर फीजी हमला कामियाय नहीं हुआ किर भी बीच पूरव के बेशों में अन्तर्राष्ट्रीय तमाव अब भी कई शकतों में बढ़ रहा है.

- (१) जापानियों के राष्ट्रीय भावों और उनकी ऐतिहा-सिक परम्पराओं के खिलाफ चोकीनावा टापुओं को जापान से चलग कर दिया गया है और उन्हें संयुक्त राज अमरीका के लिये ऐटमी अहडा बनाया जा रहा है.
- (२) संयुक्त राज अमरीका ने जारहन और अरब देशों के अन्दर के मामलों में जबरदस्ती दखल देने के लिये अपना जटा जहाजी बेड़ा लबनान के समन्दर में भेज दिया है और उस बेड़े की ऐटमी हथियारों से लैस कर दिया है.
- (३) ताईवान का टापू पीपुल्स रिपवितक आफ बाइना का एक अंग्र और उसके जिस्म का एक दुकड़ा है. फिर भी पेटमी मिसाइल "मेटेडीर" त ईवान भेज दिया गया. दिक् सन कोरिया में भी लड़ाई बन्द समम्हीते के खिलाफ पेटमी हथियार दाखिल किये जा रहें हैं.

बड़ी-बड़ी ताकतों की युद्ध नीति ऐटमी युद्ध की तरक जा रही है. जो कीजी अबड़े कीजी गुट बन्दियों की जरूरत के लिये कायम किये गए हैं उनमें अब ऐटमी युद्ध का सामान जमा किया जा रहा है और वे ऐटमी अबड़े बन रहे हैं. विदेशी ऐटमी अड़ा का बनाया जाना और दूसरे देशों में ऐटमी हथियारों का दाखिल किया जाना इन देशों की स्वधीनता पर एक हमला है इससे ऐटमी युद्ध का स्नतरा बदता जाता है.

पशिया और अ.फीका के किसी देश में भी नए ऐटमी श्रद्धों का क़ायम किया जाना पशिया और अफ़्क़ा के सारे इलाक़े के लिये खतरनाक है.

शान्त महासागर में सारी पशियाई और अफ़ीक़ी क़ौमों की इच्छा के विकद्ध पेटमी और हाइड्राजिन बमों के तजरवे जारी हैं.

पेडमी शिक्त याँ अपने इलाकों से बहुत दूर अपने को तुकसान से बनाने के लिये शान्त महासागर में यह तजुरने कर रही हैं. इन तजरनों का जहरीला असर परिाया और अफ़ीक़ा के लोगों पर पड़ रहा है. यह तजरने इसलिये किये जा रहे हैं कि करोड़ों लोगों को एक साथ कैसे सत्स किया जा सके. संयुक्त राज अमरीका अगले साल पनो नेडाक परास्स (Eniwetok Atolls) में एक बड़े पैमाने पर इस तरह के तजरने करने की सजनोज कर रहा है.

इव हालंतों में हम पशिया और अफ़ीका के नुमाइन्दे

" (1) ऐटमी शक्तियाँ बिना किसी शर्त के इन तजरबों को बन्द करे. یدیی مصر پر قوبھی حملہ کامیاب تہیں ہوا پیر بھی بیچ ہرب کے دیشرں میں انٹر۔ راہ تریہ تنام آب بھی۔ کئی۔ شکلوں ہیں بوہ رہا ہے ۔

The State of the S

- (1) جابانہوں کے راشائریتہ بیاشاؤں اور آن کی انہاسک پرم راؤں کے خانف اوکی نارا کاپوں کو جاپان سے انگ کر دیا گیا کے اور انہیں سنیکس راج امریکہ کے لئے ایانی لاا بنایا جا ھا ھے۔
- (2) سنیکت راج امریکہ نے جارتن اور عرب دیشوں کے اندر کے معاملوں میں زبردستی دخل دینے کے لئے اپنا چھٹا جہازی بیزانبنل کے سمندر میں بہوج دیا ہے اور اُس بیڑے کو ایقی هتهاروں سے لیس کر دیا ہے.
- (3) تائی وان کا ڈاپویفوپلس رہی ببلک آف چائفا کا ایک انگ اور آس کے جسم کا ایک ڈکوا ہے ، پھر بھی ایڈمی مسائل ''میڈیڈیر' تائی وان بھرج دیا گیا ، دکون کو رہا میں بھی لوائی بند سمجھوتے کے خلاف ایڈمی مقیمار داخل کئے جا رہے میں ،

بڑی بڑی طاقترں کی یدھ نیتی أیتی یدھ کی طرف جا
رھی فے ، جو فرجی اتب فرجی کت بدیوں کی ضروتوں کے
لئے قائم کئے گئے ھیں اُن میں اب آیتی بدھ کا ساسان جمع کیا
جا رھا ھا اور رہے ایتی آتہ بن رہ ھیں ، ودیھی آیتی لتوں
کا بنایا جاتا اور دوسرے دبھوں میں آیتی ھتھیاروں کا داخل
کیا جاتا اُن دیشوں کی سوانھیئٹا ور ایک حملہ ہے اِس سے
آیتی بدھ کا خطرہ بڑھتا جاتا ھی ،

ایشیا اور افزیقہ کے کسی دیھی میں بھی نئے آیٹی آتوں کا قائم کیا جاتا آیشیا اور آفزیقہ کے سارے مالنے کے لئے خطرتاک ہے۔

شانت مہا ساگر میں ساری آیشیائی آور آفریقی قہموں کی اِچھا کے ورودہ آیڈم آور ھائذروجوں یموں کے تجربے جاری میں ،

ایتی شکتیاں آپنے علقیں سے بہت دور آپنے کو نقصای سے بچائے کے لئے شانت مہا ساگر میں یہ تجربے کر رھی ھیں . ابن تجربی کا زھریلا اثر ایشیا آور ادریتہ کے لوگیں در در رھا ہے . یہ تجربے اِس لئے کئے جائے ھیں کہ کروروں لوگیں کو ایک ساتھ کیسے ختم کیا جا سکے سنت راج آمریکہ آگئے سال آیئی کویلک ایٹیسے ختم کیا جا سکے در اور ایک بڑے پیمائے در ایس طرح کے حجربے کرانے کی تجویز کر رھا ہے .

الن حالتون مون هم أيشها أور أنريقه سه مأنگ كرتے هيں الد :

1. ایلنی شکتیاں بنا کسی شرط کے اِن تجربیں کو بلد ۔ گریں ،

विधारकों से बातचीत के आधार पर कह रहे हैं. जापानी लोग साहसी हैं, नेक हैं, बहादुर हैं, मेहनती हैं, होशिवार हैं, प्रेमी हैं और उन्नतिशील हैं. इस समय सारे पशिवा की, अफ़रीक़ा की और दुनिया के सब स्वतन्त्रता प्रेमी और न्याय प्रेमी लोगों को उनके साब पूरी इमदरदो है. हमें विर-वास है कि जापान बहुत जलहां ही किर से पूरी तरह आजाद होगा और पशिया और अफ़रीक़ा के दूसरे देशों के साथ मिलकर दुनिया के सब देशों और सब लोगों की आजादी, खुशहाली और यकजेहती को फिर से क़ायम करने में बहत बड़ा हिस्सा लेगा. رچاراں سے باتھ جیت کے آدھار پر کیت رضیں ، جاپائی ایک ساھی ھیں ایک میں بہادر ھیں استخار ھیں مصلتی ھیں اور شیار میں پریسی میں اور آئنت شال ھیں ۔ اس سے سارے آپھیا کی اثریقت کے آور دانیا کے سب سوئلٹرٹا پریسی آور ٹیائے پریسی لوگوں کو آور کیائے پریس ھیددی ہے ، هیس وشوائس ہے کہ جاپاں بہت جلدی ھی پیر سے پورس طرح آواد موٹا آور ایشیا اور انریت کے دوسرے دیشوں کے ساتھ مل کو دانیا کے سب دیشوں اور سب لوگوں کی آزادی خوشتھالی آور پانسیجیتی کی پیرسے قائم کرانے میں بہت ہوا حصہ لیکا ،

पशिया और अफ़ीका के प्रतिनिधियों का प्लान, तोकियो 16-8-57

अगस्त सन् १९५७ के तोक्यो विश्व सम्मेजन में पशिया और अभीका के जो जुमाइन्दे जमा हुये ये उन्हों ने मिल-कर नीचे लिखा पेजान शाया किया.

हम परिया और अफ्रीका के देशों के नुमाइन्हें जो देटम और हाइक्रोजिन चम के खिलाफ और कीओं को खत्म कर-ने के पश्च में तीसरे बिश्व सम्मेलन के मीक्रे कर लोक्यों में जमा हुए हैं नीचे लिखा ऐजान शाया करते हैं.

परिया और अफ़ीका की कीमों की सञ्तता बहुत प्राचीन सञ्चता है. यह कीमें अब सब की आजादी और बिरव शान्ति का एक नया थुग लाने की कोशिश कर रही है.

सन १५५५ में एशिया और अफ़ीक़ा की २९ सरकारों के जुमाइन्दे बानकु ग कानफेन्स में जमा हुए थे. उन्होंने यह प्रस्ताव पास किया था कि पेटम और हाइक्रांजिन हथि-वारों का उपयोग न किया जाम और एक देश के लोगा का दूसरे देश के लोगों पर राज करना कन्द्र किया जावे. इस देशों की ढेढ़ अरब जनता का संकल्प इस प्रस्ताव के पीछे था.

हात में परित्या और अम्हीका के देशों में कुछ देसी घटनाएँ हुई हैं जिन से इस इलाके की आजादी और शास्ति कारों में पढ़ गई है.

ایشیا اور افریقه کے پرتی ندھیوں کا اعلان توکیو 57-16-8

اکست سن 1957 کے توکیو رشو سمیانی میں اشھا اور انریٹ کے جو اسائلاسہ جمع ہوئے تھے آنہوں نے مل کر نیچے انہا اطان شائم کیا ۔

ھم ایشھا آور افریقت کے دیشوں کے نمائندے جو ایٹم اور ھائدردجی ہم کے خافف اور فوجوں کو خام کرنے کے پعض میں نیسرے وشر سیان کے مرقعے پر توکیو میں جمع ھوٹے ھیں ٹیجے کیا اعلی شائد کرتے ھیں ۔

ایشیا اور افزیاد کی قرمین کی سبهتا بیات پراچین سبهتا فی به قرمین آب سب کی آزادیی اور وشو شاتتی کا ایک تیا یک اللہ کی کرشمی کو رہی ہے۔

1955 میں آیشیا آور آفریلاء کی 29 سرکاری کے تماثلات باندنگ کانفرنس میں جسم مہلے ہے۔ آنیوں نے یہ پرسٹاؤ پلس کیا تیادہ آیٹم آور مالڈروجوں میں متینار کا آیورگ نہ کیا جائے آور آیک درفی کے لوگیں پر رائے درتا بند کیا جارے آلیں دیکوں کی تیزہ آرب جنتا کا سنگلی ایس پرساؤ بوجیے کیا ،

حال میں ایشیا اور انریقہ کے دیشرں میں کچھ ایسی اُلٹائیں مرایس میں جس سے اِس اعلیٰ کی آزائی اُر شاتتی خطرے میں پر کئی ہے ۔

تیدر خاص پرستاؤں کے پاس هو جائے کے بعد سمولی سمولی اسمولی اسمولی میں مولے دیاتھ اسمولی سمولی میں مولے دیاتھ اسمولی اللہ کا جاہائی گانا پورے بیس هؤار آدموں نے کوڑے هو کر برے جرهی اور ایک آواز کے سانع گایا ، گاتے سمے سب آیک دوسرے کی باعوں میں باهیں ڈال ئو زنجورے کی طوح بلدھ هوئے تھے اور گائے کے سور میں سانع سانع ساند کی سی دائیں اور بالیں کو جهکتے جاتے تھے ، بالکل سمادر کی سی لیریں معلوم هوتی تھیں ، جلتا کی سنکاپ شکتی اور جوهن دونوں سیما کو لانکتے هوئے دکھائی دے رهے تھے ،

جایان کی اِس یاترا میں هم نے جو خاص چهر دیکھی أن مين سے ايک يه يهي تهي كه ناكا ساكي مين البيك أس جکہ جس جکہ بارہ ہرس پہلے ہم گرایا گیا تھا آج ایک ہوی سندر اور اونچی پاہر کی مورای بلی هوئی هے . مورتی شاید لگ بیگ دس ذمف أولنچے کهدید اساچبوترے پر پیاٹھ جول آسور مين هـ؛ آيک يير نينه الک رها هـ ، دوسرا پير باللهي میں ہے ، ردن اناما ہے ، کیول ایک چھوٹی سی دعوتی پنھر ھی مرب ہودی عوثی کمر سے لیٹی ہے ، اُس دعوتی کا ایک سرا بائیں کندھے یر یوا ھے دامنا ھاتھ اُویر کی طرف اُٹھا ھوا الكواه كے پاس كى أنكا سے أسمان كى طرف أشارہ كوتا معلوم هرنا هے ، بایار هاته سددها بهدا هرا هے ، هتیلی نیچے کی طرف هے ، هم نے جایانی متروں سے اِس کا مطلب پرچھا ، همیں بتایا گیا که داهنا ها به ایشور کی طرف اشاره کرا ای اور دایال شائتی کی طرف کہا گیا کہ مورٹی شائتی کے اُس دیوتا کی مررتی ہے بجو ایشور سے سب کے بیلے اور وشو شائتی کے لئے پراتھنا کو رہا ہے ، سورتے کو دیکھ کو بالکل مہاتما گاندھی کی یاد آجاتی ہے ، ماتھ پر ٹیک بیچ میں کچھ ایورا ہوا نشان ھے ، هم نے پرچہا یہ کیا ھے تر همیں بتایا گیا که هلاؤں کا

جاہاں میں ایک ''گاندھی پیس ایگ'' قام کی ساستھا ہمی قائم ہے جس کے آیک خاص کاریهکرتا پوریلڈ شوجی مھبو ھیں جو ھم سے ملے تھے ہ

جاپان کے جاپانی جاتی کے لئے ارد اور جاپانھوں سے پرہم مارے دل میں بہت ہوم ، جاپانی ایشیانی میں آن کا رهن سہن ایشیائی میں آن کا رهن سہن ایشیائی ہے ، ان کا دل ایشیائی ہے ، اِس میں سندیو تہوں پچھیلی دو تھن پہرمیت کی طرف بوھ چلا تھا ، اِسی کارن پورپ کے درسرے دیشوں سے رہ کچھ کت سا گیا تھا ، لیکھی اِس میں بھی شک نہیں کہ جاپان کو اپلی اُس غلطی کے لئے۔ اور غاطیاں می سب سے موتی میں۔ سکاتی سےکھی اُدھک تیت بھکھا پوا ہے ، جاپان آج انہائے پورٹ ہے ، جاپان آج انہائے پورٹ ہے ، جاپان آج انہائے پورٹ ہے ، جاپان کے انہ تو وجاروان لوگ پیلی غلطی کو بھی ، جاپان کے انہ بھرہ جاپائی۔

तीनों सुम्स प्रसादों के यास हो जाने के बाद, सन्मेलन समाप्त होने से पहले, "अब और द्विरोशिया नहीं होने देगें"—ना का जणानी गाना पूरे बीस हजार आदामयों ने खड़े होकर बढ़े जोश और एक आवाज के साथ गाया. गाते समय सब एक दूमरे की बाहों में बाहें शलकर फंजीरे की तरह वैषे हुए थे और गाने के स्वर के साथ-साथ सबके सब दाँथ और बाँग को मुकते जाते थे, विलक्कत समन्दर की सी आहें माजूर होता. थीं. जनता की संकल्प शांक और जारा-दानों सामा की लाँभते हुए दिखाई दे रहे थे।

आपान की इस यात्रा में हमने जो सास की जें देखीं उनमें से एक यह भी थी कि नागासाकी में ठीक उस जगह जिस जगह बारह वर्ष पहले बम गिराया गया था आज एक बड़ी सुन्दर और ऊँची पत्थर की मूर्ति बनी हुई है. मूर्ति शायर लगभग दस कट ऊँने खंबे-तुमा चब्तरे पर बैठे हुए आसन में है. एक पैर नीचे लटक रहा है. दूसरा पैर पालथी में है. बदन नंगा है. केवल एक छोटी सी घोती,पत्थर ही में सुदी दुई कमर से लिपटी है. उस घोती का एक सिरा बाँए क'थे पर पड़ा है. दाहना हाथ ऊपर की तरफ उठा हुआ अंगुठे के पास की डँगली से "आसमान की तरक इशारा करता मालम होता हैं. बॉयॉ हाथ सीघा फैला हुआ है. इयेकी नीचे की तरफ है. इमने जापानी मित्रों से इसका मतक्रम पृद्धाः हमें बताया गया कि दाहना हाथ ईश्वर की तरक इशारा करता है और बायाँ शानित की तरक, कहा गया कि मूर्ति शान्ति के उस देवता की मूर्ति है जो ईश्वर से सब के मने और विश्व शान्ति के लिये प्रार्थना कर रहा है. मृति को देखकर बिलकुल महात्मा गाँधी की याद आ-जाती है. माथे पर ठीक बीच में कुछ उभरा हुआ निशान है. इसने पूछा यह क्या है तो हमें बताया गया कि हिन्दु श्रों का तिलक.

जापन में एक 'गाँधी पीस लीग" नाम की संस्था भी कायम है जिसके एक खास कार्यकर्ता रैवरैएड शौजुन भीव हैं जो इमसे मिले थे.

जापान जाकर जापानी जाति के जिये आदर और जापातियों से प्रेम इमारे दिल में बहुत बढ़ा. जापानी परित्याई
है, इसमें सन्देह नहीं पिळली दो तीन पीढ़ियाँ के अन्दर
जापान अधिक से अधिक पिळली दो तीन पीढ़ियाँ के अन्दर
जापान अधिक से अधिक पिळली याता याती मरारवीयत
की तरण वह जला या. इसी कारण पूरव के दूसरे देशों
से वह जुड़ कट सा गया था. बेकिन इसमें भी
शक महीं कि जापान को अपनी इस गज़ती
के लिये अपेर गलतियाँ इम सबसे होती हैं—काफी से
कहीं अधिक इस्ट सुगतना पड़ा है. जापान जाज अन्याय
पीढ़िताहै, जापान के अधिकतर विदारवान लोग अपनी
स्वादी को भी अच्छी तरह महस्स कर रहे हैं. इस यह जापानी

(व) ''इस तरह के जज़सों की कार्रवाई सीचे या मुखा-तिलक देशों की सरकारों की मारकृत यू० एन० की० के पास भेजी जावे.''

(स) "इस तरह का ज्ञान्दोलन हर देश के लाग जपने जपने ढंग से करें ताकि अधिक से अधिक जनता इस ज्ञान्दोलन में साथ दे सके".

इस प्रस्ताव में यू० एन० चो० की इस "हिम चार-मामेंट सब कमेटी" यानी '.फीज, तोड़ सब-कमेटी" का भी जिकर किया गया है जो लन्दन में हो रही है, जिसमें पाँच राष्ट्र शामिज हैं चीर जिसकी यही रारज है कि इन तजरबों को बन्द किया जाबे और .फीजों को खत्म करने की तरफ क़द्म बद या जावे.

दुनिया के लोगों से सिफारिश की गई है कि वह अपनी-अपनी सरकारों पर जोर दें कि वे यू० एन० ओ० जनरल एसम्बली से और लन्दन की सब-कमेटी से इस काम को पूरा करावें.

इस बात पर जोर दिया गया है कि इस बारे में सब देशों और सब क्रोमों को मिलकर काम करना चाहिये, जास-कर:—

- (1) दुनिया के साइन्सदानों ने इस बारे में जो खोज की है उसके नतीजों को सब देशों में फैलाया जावे धीर जहाँ तक हो सके जलदी साइन्सदानों की एक अन्तर राष्ट्रीय बैठक की जावे.
- (2) सब देशों के धार्मिक नेताओं, कियों, निर्धार्थियों, मजदूरों, मांझ्यारों, किसानों वर्रोरह से सिकारिश की गई है कि वह इस नेक और जरूरी काम के लिये दूसरे देशों के इसी तरह के लोगों के साथ मिलकर काम करें.

इस प्रस्ताव में पशिया और अकरीका के देशों और शान्त महासागर यानी पैसिकिक आंशन के किनारे के लोगों से खास तौर पर सिकारिश की गई है कि वह इस काम के लिये मिलकर खड़े हा जाएं "क्योंकि हाल में इस सरह के जो सजरने हुए हैं वह अधिकतर इसी इलाक़े में हुए हैं और इसी इलाक़े में ऐटम और हाइड्रोजिन हथियार अधिकतर दाखिल किये जा रहे हैं. खासकर सोकीनावा, कोरिया और दूसरी जगहों के . फीजी अड्डों में ऐटमी युद्ध की तैयारीयाँ जारी है."

"हम इस बात को भी जरूरी समसते हैं कि इन मक़सदों को पूरा करने के लिये जहाँ तक हो सके जलदी इसरी अफ़रीक़ा-एशियन कानफरेन्स की जावे.

इस प्रस्ताब के आखीर में उन लोगों की मदद के लिये भी अपील की गई है जिन्हें इस तरद के बमों और तजरबों से नुक्रसान पहुँचा है. بست ''اِس طرح کے جلسوں کی کاروائی سیدھ یا مطالف نیشرں کی سوکاروں کی معرفت یو ۔ اُدن ۔ اُو کے پاس بھیجی جائے ۔

سے''اِس طرح کا آندولن ہو دیش کے لوگ اپنے اپنے دینگ سے کریں تاکہ ادھک سے ادھک جنتا اِس اندولن میں باتیہ دے سکے'' ،

اِس پرستاؤ میں یو ۔ این ، او کی اُس ''تِس آرماست سب کدتی'' یعنی فوج ترز سب کدیتی'' کا یعی ذکر کیا گیا ہے جو لندن میں هو رهی هے' جس میں پائیج رائنتر شامل هیں اور جس کی یہی فرض ہے کہ اُن تجربوں کو بند کیا جارے اور نہجوں کو ختم کرنے کی طرف تنم بتھایا جارے ،

دنیا کے لوگوں سے شفارض کی گئی ہے کہ وہ اپنی اپنی سرکاروں پر زور دیں که وے یو این او کی جنول اسبلی سے اور لندن کی سب کمیتی سے اِس کام کو پروا کواویں ۔

اِس بات پر زور دیا گیا ہے که اِس بارے میں سب دیشوں اور سب قوموں کو ملکو کام کرتا چائلے کامی کو :

ال دنیا کے سائنسدانوں نے اِس بارے میں جو کھرے کی ہے اُس کے نتیجوں کو سب دیشوں میں پھیلایا جوے اور جہاں دک عو سکے جلدی سائنسدانوں کی ایک انتر راشتریت رہیںکی جارہے ،

2. سب دیشوں کے دھارمک نیکاؤں' استریوں' ودیارتھوں مودروں' معجهیاروں' کسانوں وغیرہ سے شفارھی کی گئی ہے که وہ اِس نیک اور ضروری کام کے لئے دوسوے دیشوں کے اِسی طوح کے لوگوں کے ساتھ مل کو کام کریں :

اِس پرستاؤ میں ایشیا اور افریقہ کے دیشوں اور شائٹی مہاساگر یعنی پیسفک اُرشن کے کنارے کے لوگوں سے خاص طور پر شفارش کی گئی ہے کہ رہ اِس کام کے ائیے مل کو کرتے ہو جائیں کیونکہ ''حال میں جو اِس طرح کے تجربے ہوئے ہیں اور اسی علقے میں ایٹم اور اسی علقے میں ہوئے ہیں اور اِسی علقے میں ایٹم اور مائٹروجن ہتھیار ادھک تر داخل نئے جارہ ہیں ، خاص و اوکی ناوا گوریا اور دوسمی جکہوںکے فوجی آئوں میں اُیٹمی یدھ کی تیاریاں جاری ہیں'' ،

"هم اِس بات کو بھی ضروری سمجھتے ھیں که هم مقصدوں کو پررا کرنے کے لئے جہاں تک هو سکے جلدی دوسری آفریکه -آیشین کاندنس کی جارے ء"

اِس پرستاء کے آخر میں اُن لوگوں کی مدد کے اٹی بھی اپیل کی گئی ہے جانہیں اِس طرح کے ہموں اور تجورہوں سے نقصان بہنچا ہے ۔

इस अपील में लिखा है कि "दुनिया के सब लोग इस बात के लिये उत्सुक हैं कि क़ौमों-क़ौमों के बीच तनाव घटे, दुनिया की फ़ौजें खत्म हों भौर ऐटम और हाइड्रोजन बम इत्स हों".

इसके लिये सब से पहली जरूरत इस बात की बताई गई है कि "ऐटम और हाइड्रोजिन बमों के तजरबे .फौरन बन्द किये जावे". क्योंक "इन सजरबों से ऐटम और हाइड्रोजिन हथियारों की दौड़ तेज होती जा रही है, और दुनिया के लोगों के स्वास्थ्य को खतरा बदता जा रहा है".

इसके बाद इस अपील में कहा गया है कि 'जापान केलोग तीन बार इन बमों की बरबादी बरदाश्त कर चुके हैं, इसलिये सब महाद्वीपों के नुमाइन्दों के साथ मिलकर हम, जिनमें हिरोशिमा और नामासाकी के जलामी लाग भी शामिल हैं, संयुक्त राष्ट्र संघ से और दुनिया की सरकारों से यह मांग करते हैं कि:

'ममरीका, इंगलैंड और सोवियत रूस .फौरत और विना किसी शते के आपस में यह समभौता करें कि ऐटम और हाइड्रोजिन बम के तजरबे बन्द कर दिये जावें.

"इस तरह का समभौता कराने में यू० एन० भो० अपनी पूरी ताक़त लगा दे.

और "दुनिया की सरकारें इस तरह का सममौता कराने की हर तरह से कोशिश करें"

अन्त में कहा गया कि:—''इस तरह का सममीता हाजाने से पेटम और हाइहोजन बमों का बनाना, जमा करना और काम में लाना भी बन्द हो सकेगा और आम तौर पर कौजों के खत्म करने के लिये रास्ता साफ हो जायगा".

श्रीर "उन सब लोगों के नाम पर जो दुनिया की शान्ति श्रीर खुशहाली चाहते हैं, यू० एन० श्रो० से श्रीर दुनिया की सरकारों से श्रपील करते हैं कि वह हमारो श्रावाज की तरक ध्यान दें".

तीसरे प्रास्ताव में ऐटम और हाइड्रोजिन बम को बन्द कराने और दुनिया की फ़ौजों का खत्म कराने के लिये दुनिया के सब लोगों से मिलकर काम करने की सिकारिश की गई है.

इस प्रस्ताव में कहा गया है कि "यू० एन० ओ० की जनरल ऐसम्बली पर जोर डालने के लिये और तीनों ऐटमी देशों से इन तजरबों को बन्द कराने के लिये दुनिया के लागों का नीचे लिखे काम करने चाहिये:

(अ) "अक्तूबर और नवम्बर के महीनों में तारी खें मुकर्रर करके जलसे बरौरह करके यह माँग की जावे कि इन तजरबों को फ़ौरन और बिना शर्त के बन्द किया जाय।" ﴿ إِسَ أَيْدَلَ مِينَ لَهَا هَ كُورُ دَنْيَا كَ سَبِ لَوْكَ أِسَ بَاتِ لَكُ أَسَكَ عَيْنَ كَا قُومِينَ كَ يَبِعِ تَنَاوُ كُهِنَّهُ دُنْيَا كَى قَوْمِينَ كَا يَبِعِ تَنَاوُ كُهِنَّهُ دُنْيَا كَى قَوْمِينَ خَتْمَ هَيْنَ أَرْدُ وَمِن بَمْ خَتْمَ هَيْنَ . " فَوَجِينَ خَتْمَ هَيْنَ أَرْدُ وَمِن بَمْ خَتْمَ هَيْنَ . "

اِس کے لئے سب سے پہلی ضرورت اِس بات کی بتائی گئی ہے که '' ایتم اور هائڌروجن بموں کے تجربے نوراً بند کئے جائیں،'' کیونتم تجربوں سے ایتم اور هائڌروجن هنهیا وں کی درہ تیز هوتی جا رهی ہے' اور دنیا کے لوگوں کے سواتھ کو خطرہ بومتا جا رها ہے ''

اِس کے بعد اپیل میں کہا گیا ہے کہ جاپان کے لوگ تین بار اِن بمرں کی بربادی برداشت کر چکے هیں، اِس لائے سب میادیوں کے نمائندوں کے ساتھ مل کر هم جن میں هیروشما اور ناکا ساکی کے زخمی لوگ بھی شامل هیں، سنکیت راشڈر سنکھ سے اور دنیا کی سرکاروں سے یہ مانگ کرتے هیں که :۔۔

''امریکت انکلینڈ اور سویٹ روس نوراً اور بنا کسی شرط کے آپس میں یہ سمجھونا کریں کہ ایٹم اور بھائڈروجس بم کے تجربے بلد کر دائے جاویں .

' اِس طرح کا سمہجوتا درائے میں یو. این. او اپنی پونی طاقت لگا دے .

اور الادنیا کی سرکاریں اِس طارح کا سمجھوتا کرالے کی در صارح سے کوشف کریں'' ،

انمت میں کہا گیا ہے کہ :۔۔۔ ''اِس طرح کا سمجھونا عوجانے سے ایتم اور ھائڈروجی ہموں کا بلانا' جمع کرنا اور کام میں لانا بھی بند ہو سکے کا اور عام طور پر فوجوں کے ختم کرنے کے لئے راستہ صاف عو جائیگا'' ۔

اور ''ان سب لوگرں کے نام پو جو دنیا کی شانتی اور سب کی خوش حالی چاہتے ہیں' ہو ۔ این ۔ او سے اور دنیا کی سرکاروں سے اپیل کرتے ہیں کو وہ ہاری آراز کی طرف دھیاں دیں'' ۔

تیسرے پرستاؤ میں ایٹم اور ھائڈروجن ہم کو ہند کرائے اور دنیا کی فوجوں کو ختم کرائے کے لئے دفیا کے سب لوگوں سے مل کو کام کرائے کی سفارھی کی گئی ہے ۔

اِس پرساؤ میں کہا گیا ہے که 'نہو این . او کی جنرل اسبلی پر زور قالنے کے لئے اور تینو ایٹی دیشوں سے اِن تجربوں کو بلد کرانے کے لئے دنیا کے لوگوں کو تیچے لئے کام کرنے چاعلے ،

انف و التوبر اور تومیر کے مہملوں میں تاریخیں مقرر کرکے جاسی وفیرہ کرکے یہ مانگ کی جارے که اِن تجربوں کو فوراً اور بنا شرط بند کیا جائے .

तोक्यो सम्मेलन के आख़िरी कैसले भी दुनिया के लिये बहुत हो अधिक महत्व के थे. 16 अगस्त सन् 1957 का कम से कम बीस हजार जनता की मीजूदर्गः में सम्मेलन में तीन प्रस्ताव एक राय से पाम हुए. प्रस्तावों के पास हान के समय जनता का जारा देखन ही की चीज थी.

पहला प्रस्ताव सम्मेलन की तरफ से एक एलान के रूप में था जिसे 'ता म्यो का एलान' कहा गया. इस एलान के खन्दर सम्सलन मे शामिल होने वाले सब देशों के सब प्रतिनिधियों का एक उद्देश्य 'एटमी युद्ध की सब तैयारियों को खत्म करना' बनाया गया है. और यह मांग की गई कि:—

- (1) ''जो सरकारें इस तरह के बमों के तजरने कर रही है ने आपस में एक तरह का सममीता करें जिससे पेटम और हाईड्रोजन बमों के तजरने फ़ौरन और बिना किसी शर्त के बन्द कर दिये जाने'".
- (2) 'पेटम और हाइड्रोजिन हथियारों का बनाना, जमा करना और काम में लाना । बरुकुल बन्द कर दिया जावे".
- (3) ''जिन राष्ट्रों के पास इस तरह के हथियार हैं वह किसी दूसरे देशों में इन हथियारों को हरागज दाख़िल करने न पावे'".
- (4) "आम तौर पर सब देशों की कौजें खतम कर दी जावें और इस काम पर इस तरह की निगरानी रहे जिसे सब देश मन्जूर कर लें, यदि इस तरह सारी कौजों का खतम करना अभी सम्भव नहीं है तो किलहाल कम से कम सब देशों की कौजों को कम करने का सममौता कर लिया जावें".
- (5) ''दूसरे देशों में कौ ती अड्डे क्रायम करने और उन्हें बढ़ाने के इम खिलाफ हैं".
- (6) "हम इस बात को सममते हैं कि सब अलग-अलग कौजी दलों और अलाड़ों को एक साथ तोड़ देने से, सब .कौजी अड्डों को खत्म कर देने से और सब दूसरे देशों से अपनी-अपनी .कौजीं को हटा लेने से पेटमी युद्ध का सतरा कम हो जावेगा"

इसके बाद इस एलान में एक ऐसे भविष्य की मांग की गई है जिससे हिरोशिमा और नागासाकी के राही दों की आत्माओं का शान्ति मिले. और "हर तरह के युद्ध को नाजायज करार दना और बन्द कराना "अपना आखरी मक्तसद" बनाया गया है.

दूसरा प्रस्ताव "संयुक्त राद्भ संघ यानी यू० एन० घो० धीर दुनिया की सरकारों के नाम एक भ्रणाल" की शक्त में दे. توکیو سیان کے آخری فیصلے بھی دانیا کے اٹھ بہت عی انعک مہتو کے تھی ۔ 16 اگست 1957 کو کم سے کم بیس مزار جاتا کی مرجودگی میں سمالی میں تھی پرستاؤ ایک رائے سے پاس مونے نے سماء جاتا کا جرش دیا تھا کی چدو تھی ،

بہلا پرستاؤ سمیان کی طرف سے آیک اعلان کے روپ میں تھا جسے 'تو ڈیو کا اعلان' کہا گیا ۔ اِس اعلان کے اتدر سمان شمل ہوئے والے سب دیشوں کے سب پرتی ندھیوں کا ایک ادیش 'آیاتمی بدھ کی سب تدایوں کو ختم کرنا' بتایا گیا ہے' اور یہ مانگ کی گئی کہ اِس

- (1) "جو سرکایں اس طرح کے بموں کے تجوبے کو رہی میں وہ آپس میں ایک اِس طرح کا سمجھوتا کریں جس سے ایٹم اور مانڈروجی ہموں کے تجوبے فوراً اور بنا کسی شرط کے بند کر دیئے جاویں ۔"
- (2) "أيقم أور هاتدروجي هاييارون كا بنانا عمع كونا أور كا مين لانا بالكل بند كر ديا جارت ،"
- (3) را دوں راشقروں کے پاس اِس طرح کے عقبیار ھیں وہ کسی دوسرے دیشوں میں اِن ھتھداروں کو ھرگز داخل کرتے نہ باویں ،
- (1) 'عام طور پر سب دیشوں کی فوجیں ختم کو دی جاریں اور اِس کام پر اِس طرح کی فکرانی رہے جسے سب دیش منظور کر لیں' یدی اِس طرح ساری فوجوں کا ختم کرنا اُبھی سمبھو نہیں ہے تو فی اُنتاال کم سے کم سب دیش کی درجوں کو کم درنے کا سمجہونا کر لیا جارے ''
- () ''دوسرے دیشوں سیں فوجی آتے قائم کرنے اور اُنھیں ہونے نے ام خلاف ھیں ۔''

اِس کے بعد اِس اعلن میں ایک ایسے بھوش کی مانگ کی گئی ہے جس میں هیروشما اور ناکا سائی کے شہدوں کی آساؤں کو شانتی میں اور ''هر طرح کے بدھ دو ناجاتو قرار دیا اور بند کران ''اینا'' آخری مقصد بنایا کیا ہے۔

دوسرا پرستاؤ استفوانت راشتو سنکے یعلی ہو۔ آبی۔ او اور نیا کی سردکاروں کے نام آیک لهیل' کی شکل میں ہے۔

A Carlotte Control of Control

.

टापू के मिल्रहारों के नुमाइन्दे भी थे. इल जापानी नुमा-इन्हों की तादाद लगभग चार इजार थी.

दस दिन के सम्मेलन में पहले श्रल श्रल व्यवसाय के लोगों की श्रक्षग-श्रलग सभाएँ हुई, जैसे धामिक लागों की सभाएं, साइ-सदानों की समाएं, वकीलों की समाएं, ट्रेड्यूनियनिस्टों की सभाएं, गाताओं की सभाएं वर्धेरह, सब ने अपने-अपने ट व्हिकोगा और अपने-अपने ढंग से सम्मेलन के उद्देशों का समर्थ न किया, और अपने-अपने बयान लिखकर बड़े सम्मेलन के सामने पेश किये. इन सभाओं के अन्दर और सम्मेलन के श्रन्दर बहुसें बहुत ही दिल खोलकर और सकाई के साथ हुई जा देखने के काबिल चीज थी.

सम्मेलन के प्रस्ताओं और उसके अन्तर राष्ट्रीय राज-काजी प्रभाव से इटकर केवल यह एक बात ही बड़ी अच्छी कीमती और गहरा असर रखने वाली थी कि सम्मेलन के अन्दर तागभग दां सप्ताह तक सब देशों के ऋच्छे से अच्छे लाग जिन में सब धर्मी, सब नसलों और रंगों के. गोरं. काले, पीले, भूरे, और लाल सब तरह के लोग शामिल थे. रात दिन पूरी बेतकल्लुकी के साथ एक दूसरे से मिलते-जुलते साथ खाते पीते धौर खुलकर बातें करते रहे. साफ दिखाई देता था कि ये लांग अपन को इस देश या उस देश के नागरिक न समभकर, श्रीवश्य के नागरिक समभ रहे हैं, सन्मेलन के अन्दर और उसके चारों और के वाता-बरणा में एक नई मानवता जन्म लेवी हुई दिखाई दे रही थी, अपने-अपने राष्ट्रों के अलग-अलग दृष्टिकां या भी थे, अलग-अलग बहरों भी थीं, लेकिय इन सब के अन्दर से यह साफ जमक रहा था कि आखिर में सारा मानव समाज एक कुटुम्ब है, उसे एक कुटुम्ब ही की तरह रहना होगा, और उसकी व्यापक अन्तरात्मा, उसकी इन्तहाई रूइ, एक इटुम्ब की तरह रहने के लिये बेचैन है.

इस समय दुनिया में दो ही खास संगठन ऐसे हैं जिन-में सब देशों के लाग मिलकर बैठते हैं श्रार सब के भिले-जुले हित की बातें सो बते हैं—एक संयुक्त राष्ट्र सङ्गठन यानी यू० एन० श्रो० श्रीर दूसरे इस तरह के शान्ति सम्मे-लन. फरफ़ यह है कि संयुक्त राष्ट्र मङ्गठन में अधिकतर सरकारों के नुमाइन्दे होते हैं. उन इ मिलने में एक ऊपरीपन, यांड़ी बहुत बनाबट, फ़ायदों की पावन्दी श्रीर कुछ पहति-यात श्रीर संकाच कुद्रती है. जबकि इस तरह के मम्मेश-नों में जनता श्रीर जन संस्थाओं के नुमाइन्दे होते हैं जिनमें जान्तों की काई पावन्दी नहीं होती श्रीर लोग कहीं प्यादा दिल खोलकर मिलते-जुलते श्रीर विचारों का श्रादान-प्रदान कर सकते हैं श्रीर करते हैं. گاہو کے معجمہاروں کے ثمانند میں تھے کل جایائی تماثلدوں کی تعداد لگ بیگ جار دوار تھی .

فس فین کے سمبانی میں پہلے ایک ایک بیباسائے کے لوگوں کی انگ انگ سبھائیں ہرئیں' جیسے دھارست لوگوں کی سبھائیں' سائنس دانوں کی سبھائیں' رفیارں کی سبھائیں' سربیتیو نیفسٹوں کی سبھائیں' ماتاوں کی سبھائیں رفھرہ ، سب نے اپنے درشگی کوڑں اور اپنے ڈھنگ سے سمبان کے آدیشوں کا سمرتھی کیا' اور اپنے اپنے بھاں اکھور بڑےسمانی کےساسلے پھش کئے .

ان سبھاؤں کے آندر اور سمبان کے آندر بحشیں بہت ھی دل کھول کو اور صفائی کے ساتھ ھوٹی جو دیکنے کے قابل چھون تھی ۔

سمیلی کے پرستاؤں اور اُس کے انترراشتریم راہے کلجی پربهاؤ سے همت کر کیول یه ایک بات هی بوی اچیی ا قیدتی اور گہرا اور رکیانے والی تھی کہ سمیلن کے اندر لگ بھگ دو سپتاہ تک سب دیشوں کے اچھے سے اچھے لوگ جوں میں دھرموں سب نسلوں اور سب رنگوں کے گررے کالے یہائے بھورے اور الل سب طرح کے لوک شامل تھے رات دین پیرے و تکلفی کے ساته أیک دوسرے سے ملتے جلتے سابه کیاتے پیٹے کیل کر پاتیں گرتے رائے ، صاف دیکھائی دیٹا تھا کہ یہ لوگ اپنے کو اِس دیش یا اُس دیش کے ٹاگرک تہ سمجھ کر' ہشو نے ٹاگرک سمجھ رہے ھیں ، سمیان کے اندر اور اس کے چاروں اور کے واباوری میں أيك لئى مانوتا جنم ليتى هوأى دكائى درم رهى تهى . إيني لینے راشاروں کے انگ الگ درشائی کوڑں بھی تھے' الک الک پنجٹیں بھی تھیں ، لیکن اِن سب کے اندر سے یہ صاف چمک رها تها كه أخر مين ساراً ساب سداج ايك تلديه هـ؛ أحد أيك نقمہ ھی کی طاہے رہد ہوگا ، اور آس کے ریایک ابتر آنما ا اُس کی اجتمعی روح ایک تاہمیہ کی طرح رہنے کے لئے

اِس سمے دنیا میں دو هی خاص سنگین ایسے هیں جن میں سب دیشوں کے اوک مل کر بیٹھتے هیں اور سب کے ملے جلے هت کی باتیں سوچتے هیں۔۔ایک سنوکت راتگر سنگٹھی یعنی یوہ این، او اور دوسرے اِس طرح فے کے شانٹی سمیلن، فرق یه فے که سلیوائٹ راشٹری سنگٹھی میں ادمکتر سرکاروں کے نمائندے هوتے هیں ، اُن نے ملنے میں ایک آریوی پی بھوڑی بہت بنارف فاعدوں نی پابندی اور کچھ احتیاط اور سنگھے قدرتی فے ، جب نه اِس طرح نے سمیلنرں میں جنتا اور جن سنستهاؤں کے نمائندے هوتے هیں جن میں ضابطوں که کہی پابندی نیھی شونی اور لوگ کہیں زیادہ دل کھول کر ماتے جاتے اور پابندی نیھی ہوری کوردان کو سکتے هیں اور کرتے هیں ۔

कर कई दरजन बड़े-बड़े श्रीर सैकड़ों छोटे-छोटे श्राह हैं. श्रोकीनावा जैसे जापान के टापुश्रों पर तो श्रमरीका का पूरा फ़ौ ती क़बजा है. मन् 1 4 में हिरोशिमा श्रीर नगामा ने पर बगपड़ने के बाद जापान को श्रमरोका के साथ जो मान्ध करनी नई। था उसमें छुटकारा पाने के लिये और अपने देश का फिर से पूरी तरह श्राजाद करने के लिये जापानी पूरी कोशिश कर रहे हैं. क़ुद्रती तौर पर जापान की इस समय की श्रन्तर राष्ट्रीय नीति भी पूरी तरह श्राजाद जापानी नीति नहीं समभी जा सकती.

लगभग तीन सप्ताह जापान में रहकर हमने वहाँ के अनेक नगरों जैसे तोक्यो, कामाकुरा, यांकाहामा आदि में और अनेक बड़े-बड़े जलसों में इन अमरीकी जकड़बर्नियां के खिलाफ जापानी जनता और खासकर जागानी नी-जवानों के अस-तोष और उनकी तड़प को अच्छी तरह देखा है. जापानी लोग बहुत धीर, गम्भीर, हद दरजे के मेहनती और वहादुर हैं. जाहिर है इन गुणों के सामन अमरीकी जकड़बन्दी और यह अन्तर राष्ट्रीय अन्याय बहुत देर तक नहीं ठहर सकते. सवाल केवल समय का है.

शायद इस परवशता ही के कारण सम्मेलन के अन्दर कुछ देशों के नुमाइन्दों के आने में भी दिक्कतें पेश आई'. खासकर नए चीन और रूस के नुमाइन्दों को हजाजत (बिजा) मिलने में बड़ी कठिनाई हुई. एक बार तो ऐसा लगता था कि शायद इन देशों के नुमाइन्दे सम्मेलन में भाग न ले सकें. लेकिन फिर किसी तरह जूं तूं कर माम-ला इल हुआ. चीन और रूस के नुमाइन्दे समय पर भाग लेने के लिये सम्मेलन में पहुँच सके. मंगोलिया के नुमाइन्दे सम्मेलन समाप्त होने से ठीक एक दिन पहले पहुँचे. कुछ पुर्वीय थोरप के देशों के नुमाइन्दे आखीर तक भी नहींपहुँच सके.

फिर भी तोक्यो सम्मेलन खासा जबरदस्त और सार्व-देशिक सम्मेलन था. अमरीका, इमालैन्ड, फ्रान्स, पूव जरमनी, पिछ्छम जरमनी, आसट्रीया, हालैन्ड, रून, मंगालिया, चीन, मिस्र, भारत, संका, बरमा, आसट्रेलिया, न्युजीलैन्ड, फिलिपाइन, इन्डोनेशिया, इन्डोचाइना, पेर, पोलैन्ड, रामेन्या. चीकोस्लोवाकिया, थाइलैन्ड, कोरिया, पुर्तगाल, वैनजुला आदि लगभग तीस देशों प्रध्वी के पाँचों महाद्वापो और दुनिया भर की अनेक सार्वजनिक संस्थाओं और अन्तर राष्ट्रीय सगठनों के नुमाइन्दे सम्मेलन में शा-भिल थे. इन नुभाइन्दों में बीछ, शानता, ईसाई, मुसालम, यहूदों, और इन्दू सब धर्मों के मानने वाले, बड़े-कड़े इनाइ पादरी और बांद्ध महन्त, राजनीतक नता, प्राक्षेमर, खावटर, वकील, लेखक, पत्रकार दुनिया की पार्लमटों के मेन्यर माजूद थे. जापान के नुमाइन्दों में दिराशिमा और नागासाकी के घायल लोगों के नुमाइन्दे और विकिनी

کو کئی فارجی اور اور سائروں چھوٹے چھوٹے اور سائروں چھوٹے چھوٹے اور سائروں پر آمریکھکا اور عیسے جادئو کے تاہوں پر آمریکھکا ہوا دیات سے انہوں کو آمریکھکا ہور اور ناگا سائی پر ام پونے کے بعد جاپانی نے ساتھ جو ساتھی کوئی پوری تھی آمی سے چھٹکارا ہائے کے لئے اور آپنے دیفی کو پوری اطرح آزاد کرنے کے لئے جاپائی پوری کوشفی کو بھر سے پوری طور پر جاپان کی اِس سے کی انترزاشتریک بھی پوری طرح آزاد جاپائی تھتی تہمی سمجھی نیتی بھی پوری طرح آزاد جاپائی تھتی تہمی سمجھی جاپائی ہوری طرح آزاد جاپائی تھتی تہمی میں

لگ بھگ تھی سپتاہ جاپاں میں رہ کر ھم نے وھاں آنیک نکروں جیسے بوکیو' کامانورا' یادوعاما ادبی میں انیک ہڑے ان امریکی جکڑبلدیوں کے خلاف جاپائی جنتا اور خاص در جاپائی نوجوانوں کے آسنتوش اور آن کی نوب کو اچھی طرح دیکھا گے ، جاپائی لوگ بہت 'دھھو' گہیں دوجے کے متحنتی اور بہادر ھیں ، ظاھر ہے کہ اِن گہیں کے سامنے امریکی جاپر بادبی اور یہ انترراشٹریہ انیائے بہت دئیں نکہو سکتے ، سوال کیول سمے کا ہے ،

شاید اِس پروشته عی کے کارن سمیلن کے اندر کچے دیشون کے نمائلدوں کے جائے میں بھی دقتیں پیش آئیں ، خاص کو نمائلدوں کے جائے میں بھی دقتیں پیش آئیں ، خاص کر تمائلدی عوثی ، ایک بار تو ایسا لگتا تھا ته شاید اِن دیشوں کے نمائلدے سمیلی میں بھاک ته لے سکیں ، لیکن پھر کسی طرح جدوں تھوں کر معامله حل عوا، چینی اور روس کے نمائلدی سکے سے پر بھاگ لھانے کے لئے سمے پر سمیلی میں پہوچ سکے ، منازلیا کے نمائلدے سمیلی سمارت ھوتے سے ٹیھک ایک دی بہلے پہانچے ، کچے پورویه یورپ کے دیشوں کے نمائلدے آخر تک بہلے پہانچے ، کچے پورویه یورپ کے دیشوں کے نمائلدے آخر تک

پهر بهی تو کیو سمیای خاصه زبردست اورساردیشک سمیان ایا ، امریکه انگلیات فرانس پورو جرمنی گاریا هائینده ررس منکولیا چین مصر بهارت نظا برما آستریلیا فیوزی ایند طیائی انگریلیا فیوزی ایند طیائی انگریلیا انگریلیا انگریلیا پدرو پولیند رمانیا چیکو سوواکیا تهائی ایند کوریا پرتکال و نیزوا آسی لگ بهگ تیس دیشوں پرتهبی کے یانچوں مهادیهوں اور دتیا بهر کی انهک میں شامل تھے اور انگر راشتری سائٹهابی کے نما مدے معالی میں شامل تھے اور نمائنوں میں بودھ شمتو عیسائے مسلم ببودی اورسند مسب دھرمی کے مائن واله بوج به عیسائے مسلم ابر بودھ مهست راج نینک نیکا پروفیس گانگر و دیل نیکک بروفیس کے نمائدوں کی نمائندوں میں بودھ می جایا رکے نمائندوں میں بودھ میں عیروشیا اور ناگا سائی کے گھائل لوگوں کے نمائندوں اور بکلی



ऐटम और हाईड्रोजन वम के खिलाफ़ तीसरा विश्व सम्मेलन

ایتم اور ھائیتروجن بم کے خلاف

تيسرا وشو سميلن

ऐटम और हाईड्रोज बमों से सब से अधिक नुक्रसान अभी तक जापान को उठाना पड़ा है, कु दरती तौर पर जापान में ऐटम और हाईडोजन बम के खिला और फीजें कम करने के हक में एक जापान कोंसिल' है. इस कौनिसल की तरफ से जापान के अन्दर दो विश्व सम्मेलन पहले हो चुके हैं. तीसरा विश्व सम्मेलन तोक्यों 6 अगस्त सन् 1957 से 16 अगस्त सन् 1957 तक हुआ.

सन्मलन की तैयारी के लिए 'तैयारी कमेटी' (प्रिपेरेटरी कमेटी बनाई गई थी, जिनमें दुनिया के लगभग सा देशों के शांड़े-थाड़े आदमी शामित थे और जिसकी बैठकें तान्यां में कई सप्ताह पहले से हाती रहा. इन्गलैन्ड अमरी-का, आसट्रेलिया, फान्स, चीन, भारत, लका, बरमा आदि अनेक देशों के नुमाइन्दे इस तैयारी कमेटो में शामिल थे.

तैयारी कमेटी के एक मेम्बर की हैसियत से हम भी 28 जुलाई को पहुँच गए थे.

जापान की जनता और वहाँ की सरकार दोनों पेटम और हाई होजन बम के तजर यों के सका खिलाफ़ हैं. वह दिल से चाहते हैं कि हर तरह के सर्वनाशक हियारा का बनना और काम में लाया जाना कानू। बन्द कर दिया जावे और इस तरह के बमों के जो ढेर कुछ देशा ने जमा कर रखे हैं उन्हें नष्ट कर दिया जावे. वह चाहते हैं कि दुनिया भर के देशों की कीजें धारे-भीरे, आपसी समर्कांते से, कम कर दी जावें ताकि अन्त में युद्ध की सम्भावना हो दुनिया में मिट जावे. इस काम के लिये जापान के प्रधान मन्त्रा और वहाँ की जनता के प्रतिनिधि दोनों दुनिया भर में घूम चुके हैं और भारत भी आ चुके हैं. दुनिया के देशों में शायद जापान ही अहे ला देश है जिसके विधान की एक घारा में साफ-साफ शब्दा में युद्ध का विरोध किया गया है और यह लिख दिया है कि जापान की अन्तर्राष्ट्रीय नीति युद्ध विरोधी नीति होगी.

लेकिन जापान आज बुरी तरह अमरीका के फ़ीजी शिकंजे में जकड़ा हुआ है. छंटि से जापान के अन्दर अम-रीका की स्थल सेना, जल सेना और हवाई सेना के मिला- ایتم ارر ھائدروجن ہموں سے سب سے ادھک تقصان ابھی نک جاپان کو اتبانا پڑا ہے ، قدرتی طار پر جاپان میں 'ایتم اور ھائیدروجی ہم کے خلاف اور فوجیں کم کوئے کے حق میں ایک جاپار کوئسل' ہے ، اِس کوئسل کی طرف سے جاپان کے اندر دو وشو سمیلن ہو چکے ھیں ، تیسوا وشو سمیلن توکیو میں 6 اگست سن 1957 سے 16 اگست 1957 تک ہوا ،

سمیان کی ناری کے لئے ایک تیاری کمیٹی (پریورپڑی کمیٹی) (پریورپڑی کمیٹی) بنائی نگریتھی جس میں دنیاکےلگ بھگ سب دیشیں کے تورت آدمی شامل تھے اور جس کی بیٹھکیں توکیو میں نئی سپان پہلے سے موتی رہیں ، انگلینڈ امریکٹ آ۔ ڈریلیا فرانس کے چین بھارت لنکا برما آدی انیک دیشیں کے نمائلا ہے ،

تیاری نمیقی کے ایک سمبر کی حیثیت سے هم بھی 28 جولائی کو توکیو پہنچ گئے تھے ،

جان کی جنتا اور وهال کی سرکار دوئوں آیام اور هائدروجی ہم کے تجربوں کے سخت خلاف هیں ، وہ دل سے چاہتے هیں آء اِس طرح کے سروناشک هتیاروں کا بنا اُور کام میں لایا جانا انائوا اُ بند در دیا جاوے اور اِس طرح کے ہموں کے جو تھیر بچھ دیشرں نے جمع اور اِس طرح کے ہموں کر دیا جاوے ، وہ چاہتے هیں که دنیا ہور کے دیشوں کی فرجیں دهنورے ، آپسی سمجھوتے سا کم کر دی جاویں فرجیں دهنورے دهنورے ، آپسی سمجھوتے سا کم کر دی جاویں تابیانت میں ایده کی سمبھاؤنا هی دنیاسے میں جاوے ، اِس کام دونوں دنیا ہور میں گھرم چکے هیں اور بھارت بھی آچکے هیں دونوں دنیا ہور میں گھرم چکے هیں اور بھارت بھی آچکے هیں دنیا کے دیشوں میں شاید جایاں هی ایک ائیلا دیش هی بھس کے ودھاں کی ایک دھارا میں صاف صاف شدوں میں بھس کے ودھاں کی ایک دھارا میں صاف صاف شدوں میں راشتریء تریمی ہوگی ۔

لیکن جاپان آج ہری طرح آمریکہ کے فوجی شکلتھے میں جکزا ہوا ہے ۔ چھوٹے سے جاپان کے اندر آمریکہ کی استول سیفا ہوائی سیفا ملا

आवे तो मैं और मेरे बहुत से हिन्दुस्तानी साथी बड़ी .सुशी के साथ उसमें हिस्सा लेना चाहेंगे.

डेलिगेट बहनो और भाइयो ! आप का काम इस युग का सबसे बड़ा आध्यात्मिक काम है. हम में से हर एक पूरी अद्धा और पक्के इरादे के साथ अपने कर्तव्य की पूरा करें तो हमारी सफलता लाजमी है.

700 PAGES, 82 ILLUSTRATIONS 2 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 7. 8. 0

A vivid narration of the glorious and wounderful achievements of New China...A picture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China i. the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserve to be widely known.

—Leader, Allahabad.

Encyclopsedic...characterized by acute observation of detail as well as by, instinctive grasp of thes fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New Chins.

— Blitz Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it

—Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

— Indian Express, Madra.

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to the lighty mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations or a tomorrow which is theirs.

—Vigil, Delhi

में सहयोग देने से साफ इन्कार कर दें, बाहे इस इन्कार के लिये उसे प्राग्य ही क्यों न देना पड़े. इसी तरह हर मजदूर का भीर दर काम करने वाले का, जो युद्ध के सामान के बनाने या लाने लेजाने में लगा हो, यह पंचत्र कर्तव्य है कि यदि उसे इस बात का विश्वास हो गया है कि युद्ध खुरी बीज है तो इस तरह का काम करने से इनकार करदे.

हम सब यह चाहते हैं कि अपने .फैसकों पर अमल कराने के लिए हम कुळ अमली क़दम बढ़ा सकें में आप से कहना चाहता हूँ कि दुनिया के मजदूर ही दुनिया की सब सरकारों की आर्थिक और राजनीतिक नीति को असली रूप देने बाले हैं. वे यदि एक बार इस सचाई को समम लें और अपनी शक्ति को जान जायँ तो दुनिया की कोई वाकत मानव समाज को नए युद्ध की ओर नहीं ढकेल सकती.

जो सरकार या जो देश दुनिया की जनता की इस राय की परवाह न करते दुए इसके खिलाफ अमल करता रहे इसका आर्थिक, सामाजिक और जकरत पड़े तो राज-नैतिक बहिष्कार यानी इसके साथ असहयोग भी एक ऐसा तरीका है जिसकी तरक सब शान्ति प्रेमियों का गम्भीरता के साथ ध्यान देना चाहिये.

अन्त में हाइडोजन बभीं के नित्य नए तजरबों की बन्द कराने के लिये मेरी प्रार्थना है कि इस इतने बड़े मामको में दुनिया की अन्तरात्मा को जानने के लिये हम सब को दर तरह की ,करवानी के लिये तैयार रहना चाहिये. हम सब का यह पवित्र कराँच्य है. इस लिये मैं फिर एक बार अमरीका के सत्यामहियों को प्रखाम करता हैं. भारत में इम लागों ने जब यह सुना कि किस्मस टापुत्रों की तरफ एक सत्याप्रदी जहाज भेजे जाने की तजवीज हो रही है, तो इस में से बहुत से जैसे मेरे मैथिडस्ट वोस्त डा० जै॰ सो॰ कुमारपा, मेरे दास्त डा॰ चीथ राम गिडवानी, खुद में, बीर बहुत से लाग उस मत्थ मह में शामिल हाने क लिये उत्प्रक थे, अपने लिये को मैं इस से अन्द्री किसी मौत का अनुमान ही नहीं कर सकता कि दुरनयः की शान्ति के लिये में प्राण दे सकूँ. मैंने कुछ अमराकी दास्तों से पृद्धा था कि हम म से कुछ अमरीकी सत्यामहिया के साथ शामिल हा सकते हैं या नहीं. मुकसे कहा गया कि इससे अमरीकी सत्यामहियों की कठिनाइयाँ और बढ़ सकती हैं. मैं फिर जापान के, आस्ट्रेलिया के, अमरीका के और दुनिया के किसी भी हिस्से के दास्तों और साथियों से नम्रता के साथ अपील करता है कि जहां कहीं भी और -जब कभी भी मिलकर इस तरह के काम करने का मौका

میں سہیوگ دینے سے صاف انکار کریں' چاہے اِس اِنکار کے لئے اُسے پران ھی کیس نہ دینا آپڑے ، اِسی طرح ھر مؤدور کا اور ھر کام کرنے والے کا جو بدہ کے سامان کے بنانے یا لانے لے جانے میں لکے ھیں' یہ پوتو کرتویہ ہے کہ بدی اُسے اِس بات کا رشواس ھو گیا ہے کہ یدھ بری چھو ہے تو اِس طرح کا کام کرنے سے انکار کر دے ۔'

هم سب بع چاهته هوں که آپنے نیصلوں پر عمل کوالے کے لئے هم کتچه عملی قدم آتها سکیں میں آپ سے کہنا چاهکا هوں که دنیا کے مزدور هی دنیا کی سب سرکاروں کی ارتهک اور اچ نیکک نیکی کو اصلی روپ دینے والے هیں ، وہ یدی آیک بار اس سنچائی کو سنجه لیس اور اپنی شکتی کو جان جائوں تو دنیا کی کوئی طاقت سماج کو نیٹے یدھ کی اور تبهیں تو دنیا کی کوئی طاقت سماج کو نیٹے یدھ کی اور تبهیں تو دنیا کی کوئی

جو سراار یا جو دیھی دنیا کی جنتائی اِس رائے کی پرواۃ تم کرتے ہوئے اِس کے خلاف عمل کرتا رہے اُس کا ارتهک ساجک اور ضرورت پڑے نو راج نیتک بہشکار یعنی اُس کے ساتھ آسپیوگ بھی ایک اِسا طریق ہے جس کی طرف سب شاتی پہیموں کو گھھرتا کے ساتھ دعیاں دینا چاعئے ،

انت میں عاندروجوں ہموں کے ثبت نام انجوریوں کو بند کرائے کے لئے مدری پرارتیا ہے کہ اِس اُنٹے بڑے معاملے میں دنها کی انتر آسا دو جانبار کے اٹر ام سب کو هر طرح قرباتی كے لئے بوار ردفا چيئے ، هم سب كا يه پوتر كردويه هے ، أس لئے میں ، ہر ایک ، بار امریک کے ستداکرهیوں کو پرشام کرتا ھوں . بھارت میں هم لوگوں لے جب یہ سفا تھ کوسمس قاہدوں کی مارف ایک ستیہ گرمی جہاز بہرسچے جالے کی نجویز ہو رهی ھے، دو طم میں سے بہت کے حدسے مقربے متیاست دوست ده رحم سه به تد يا مرود دوست دي چوته ام گدراني، و و من اور اور بهت سے نوگ اس سقیادہ میں شامل دولے کے اپنے اسک ہے ، اپنے اپنے تو میں اِس = اچا اِسی موت کا انرمان عی نہیں کو سنگا که دنیا کی شارعی کے گھے میں پوان دے سکوں میں لے نبچہ امریکی دوستان سے پرچھا تیا دہ هم سے کنچہ امریکی ستیاگرعدوں کے ساتھ شامل هو سکتے هیں یا نہدر منجیسے کیا گیا تہ اِس سے امریکی ساتھ گرھیوں کی نقینایاں اور ہوء سکنوں ھیں ۔ میں چور جایاں کے استریلھ! کے امریم کے اور دنیا کے کسی بھی دھے کے دوستوں اور سابھیوں سے ندرتا کے سابھ اپیل فرنا میں کہ جہاں دہوں بھی اور جب تھی ہی مل کر اِس طارح کے کام کرنے کا موقعہ

रीत दिशा में है और हमारी आजकत की अधिकतर मुसी-बतों की जड़ हमारा यही रालत मुकाब है.

आत्म-संयम याना अपनी इच्छाओं को काबू में रखना और अपरिमद यानी किसी चीज का अपनी निजी सम्पत्ति न समक्षना यह दोनों बातें हमारे सर्वोच्च आदर्श होने चाहिये. हम मानते हैं कि दुनिया के सब लोग तब ही सुखी रह सकते हूँ जब क हर आदमी दूसरों के सुख की अधिक और अपने सुख की कम चिन्ता करे.

इससे यह भी नतीजा निकलता है कि जहाँ तक हो सके दुनिया की सब अञ्झी चीजों और आम तौर पर उत्पत्ति के सब साधन समाज की सम्पत्ति होने चाहिये, न कि व्यक्ति की. इस मामले में हम कम्युनियम के बहुत निकट पहुँच जाते हैं और हमें इसका गर्व है.

तीसरी बात यह है कि महारमा गाँधी की तालीम में सब से अधिक महत्व की बीज ''अहिंसा" है. गाँधी जी के अनुसार हर मर्द और हर औरत का यह पवित्र कर्तव्य है कि वह हर अन्याय और हर बुराई का उटकर मुकाबला करे और सब अवस्थकता हो तो इस मुकाबला करने में अपने सर्वश्व की बाजी लगा दे. लेकिन गाँधी जी का उहना है कि यह मुकाबला ''अहिंसारमक'' हाना चािये. इस तरह के मुकाबला करने वाले को गाँधीजी ''सस्यामही कहते हैं. सस्यामही को चाहिये कि जहाँ तक हो सके अपने दिल को सब की तरफ से यहाँ तक कि बुराई या अन्याय करने वालों की तरफ से भी, प्रेम से भर ले और फिर खुद अपने स्थाग और कष्ट सहने के जिरये बुराई या अन्याय करने वाले को ठीक रास्ते पर लान की कोशिश करे.

में जानता हूँ कि यह मामला कुछ कठिन मामला है.
बहन श्रीमती रामेश्वरी नहरू ने उस दिन इस रास्ते की
बुलना तलवार की धार पर चलन से की थी. लेकिन भारत
ने महारमा गाँधी के नेतृत्व में इसी रास्ते पर चलकर अपने
को सब से बड़ी साम्राज्य प्रेमी शक्ति के पंजे में आजाद

दुनिया के सब शान्ति प्रेमियों से मेरी बिनम्न प्रार्थना है कि वे अहिंसारमक सत्यामह के इस तरीक़ें को अधिक गम्भीरता के साथ जानने और सममने की कोशिश करें, इस हास्ते की अपनी एक अलग तकनीक है, उसके लिये एक सास तरह की रौयारी की आवश्यकता होती है, एक साधन की जरूरत होती है. यह साधना और तैयारी हिं-सारमक बिरोध की साधना और तैयारी से बिलकुल दूसरी ही तरह की होती है.

इस रास्ते के अनुसार हर ऐसे साइंसड़ों, एंजीनियर या कारीगर का, जिसे इस बात का विश्वास हो गया हो कि ऐटम और हाइडोजिन हथियार बुरी चीर्जे हैं, यह प्रवित्र कर्तव्य है कि वह इस तरह के हथियारों के बनाने دیا میں ہے اور مما می آجال کی ادمامتر مصیبتیں کی جوج ممارا یہی غلط جھکاؤ ہے ..

Contract States and over

آئمسلام یعنی آپنی اِچھاؤں کو قابو میں رکھا آور آپریکوہ یعنی کسی چیز کو آپنی نجی سمیتی ته سمجھنا یه دونوں باتیں همارے سروچ آدرهی دول چادئے ، هم مائیے هیں که دنیا کے سب لوگ تب دی سکھی را سکتے هیں جب که هر آدمی دوسروں کے سکھ تی ادمک اور اپنے سکھ کی کم چنتا کرے ،

اِس سے یہ بھی نتاجہ نکلتا ہے کہ جہاں تک ہو سنے دلیا کی سب سے اچھی چھڑرں اور عام طور پر انیتی کے سب سادھن سماج ئی سمیتی ہوئے چاہئے ' نہ کی وکیتی کی اِس معاملے میں ہم کمیونزم کے بہت نکمی پہنچ جاتے میں اور همیں اِس کا کرو ہے .

ترسری بات یہ ہے کہ مہاتما گاندھی کی تعلیم میں سب ادھک مہتو کی چیز ''اهنسا'' ہے گاندھی جی کے افوسار ہو مرد اور ھو مورت کا یہ پوتر کرنویہ ہے کہ وہ ھر انہائے اور ھو ہرائی کا ذف کر مقابلہ ادرے اور یدی ارشدہ نامو تو اِس مقابلہ کرنے میں اُپنے سررسو کی بازی نگا دے میکن گاسدھی جی گا بنا ہے کہ یہ مقابلہ ''اهنس تمک'' ھونا چاھئے واس طرح کے مقابلہ کرنے والے کو گاندھی جی ''ستیا گرھی'' کہتے ھیں و سب اللہ کرنے والے کو گاندھی جی ''ستیا گرھی'' کہتے ھیں و سب گی طرف سے یہاں نگ کہ جہاں تک ھو سکے اپنے دل کو سب کی طرف سے یہاں نگ کہ ہرائی یا آنیائے کرنے والیں کی طرف سے بی 'پریم سے بھر لے اُور پھر خود آپنے تھاگ اور کشف سہنے کے ذریعے برائی یا آنیائے کرنے والے کو گھیک راستے پر لانے کی خریمے برائی یا آنیائے کرنے والے کو گھیک راستے پر لانے کی

میں جانتا ہوں کہ یہ معاملہ کنچہ کٹھن معملہ ہے بھن شریعتی رامیسوری نہونے آس اِس راستی کی تولنا تلوار کی دھار پر چلنے سے کی تھی ، لیکن بھارت میں مہانما کاستھی کے نهتوت میں اِسی راستے پر اللہ کو اپنے کو دنیا کی سب سے بچی سامراج پریمی شکٹی کے نہجے سے آزاد کیا ،

دنیا کے سب شانتی پریمیس سے میری پرارتبنا ہے کہ وسے النساآنیکی ستیر گرہ کے اِس طریقہ کو ادھک گمبھیرتا کے ساتھ جانئے اور سمتیجینے کی کوشش کریں' اس راستے کی اپنی ایک انگ نگفیک ہے' اِس کے لئے ایک خاص طرح کی تھاری کی ارشکتا ہوتی ہے' ایک سادھن کی ضرورت ہوتی ہے ، یہ سادھن اور تیاری هنساآنیک ورودھ کی سادھلا اور تیاری کے بااکل دوسری طرح کی ہوتی ہے ،

اِس راستے کے انوسار هر ایسے سائنسدان، انجوریا کاریکر کا جسے اِس بات کا رشواس هوگیا هو که ایلم اور هاندروجون هاپهار بری چوزیں هیں، به پروتر کر تو هے که وه اِس طرح کے هاپهاروں کے بنانے

، أنهيس ايک سنديشا بهي بهيئية هـ جس ميں تام سب نے پروانم كيا هـ اور أن كا پورا يورا سمرتين كولے كا أن سے كيا هـ . تيس وهي تك ميں اپنے گرو مهاتما لاندهى كے س ميں بيئها هوں اور أن كے نيترتو ميں اپنے ديش كى ني كے ائه لو يكا عوں . اِس لئه ميں آپ سے اجازت چاهئا كه ميں آپ سے اجازت چاهئا كه ميں آپ كے سامنے اُس راستے كو پيش كروں جسے كاندهى جى كا بنايا هوا شانتى كا راسته سمجهنا هوں اور بي بناؤں كه مائم اور هائذروجن بم كے سوال كے سانه اُس كاسبنده هـ .

یہلی بات یہ ہے کہ مہاتما کاندھی کی سب سے بڑی وشیشتا كى دهارمكتا تهى . دهرم مين أنهين كهوا وشوأس تها . مين ، حموم كا مائني والا هون ، مهن ايشور مين وشواسي هون ہو کے بعد کے جهرن میں رشواسی هوں ادهیاتمک، یعلی انى زندگى كا مالنه والا هرل اور ردهانى "كمولين" يعنى ے یا ساوک کا بھی مالنے والا ہوں ، لیکن مم لوگ دنیا کے سب بور بور مدمرم مذمرون في بنيادي أيكتا كے مائلے والے ن مر مرائل ميں كه إن دعرم منعبوں ميں جو فرق هدر دهنتر غیر ضروری باتوں سے سبندہ رکھتے عیں ۔ اِس برتھوی اس طرح کا جهرن بتانا چاهئے اِس بارے میں سب دھرموں بنیادی شکشا ایک سی فی هم مانته هیں که هر سبهنه نی کے اندر لوگوں کو دعرم مذہب کے معاملے میں یوری نی هوئی چاهنه , جو جو چاهه ماله اور جس طرح چاهه أيشرر الله في يوجا ارادها كرت . ساته هي هم يه بهي فينا ملے میں کہ اب سے آ گیا ہے جب که وشو شانتی کے عت ا مانو ساج او پریم کے ساتھ ایک دوسرے کو سمجھا بجہا اور نشهمشنا کے ساتھ ایک دوسرے کو سمجھ کرا اِس بات كوشف كرنى چاملے كه مانو جانى أيك ملے جلے بينے كے المحمد على طرف قدم بوها سكون جس دهرم كا أدعك بندء اِس بات کے ساتھ ہو که ہم سب کس طرح اُپٹی زندگی ر کریں اور ایک دوسرے کے ساتھ کس طرح برتیں ' اور ام لبندھ ایس بات کے ساٹھ ھو کہ ھم۔ سنسار کی اُنھٹی یا پرلوک م کے بارے میں کیا مانتائیں رکھتے ھیں یا کس ودھی کے ته ایشور اللمنی بوجا آرادهنا کرتے هیں جو هم سب کا مالک ، اس مارے کے دھرم میں مم سب بڑے بڑے دھرمیں کے ام کرتے والیں کا ایک ایرابر آدر کر سکھی کے اور دشھا کی سب م بری دهرم بستکرن سے ایک لابھ آٹھا سامینکے۔

درسوے بات یہ ہے کہ مہاتما کاندھی کی شکشا کے سار منشیہ کی زندگی کا آدرش آپنی اندریس پر قابو عامل کرنا ھرنا جاءثہ' نہ نہ اندریس کے سکھوں کی آور ورنا ، آج کل کی سبھیٹا کا جیکاؤ اِس کے ٹیھک ویرہت

मंजा है जिसमें हम सब ने धन्हें प्रशास किया है जीर उनका पूरा-पूरा समर्थन करने का उनसे वाहा किया है. तीस वर्ष तक मैं अपने गुरु महात्मा गाँधी के चरणों में बैठा हूँ और उनके नेतृत्व में अपने देश की आजादी के लिये लड़ खुका हूँ. इसलिये मैं आप से इजाजत चाहता हूँ कि मैं आपके सामने एस रास्ते का पेश कहाँ जिसे मैं गाँधी जी का बताया हुआ शान्ति का रास्ता समकता हूँ और यह मी बताऊँ कि ऐटम और हाइड्राजिन बम के सवाल के साथ उसका क्या सम्बन्ध है.

पहली बात यह है कि महत्मा गाँधी की सबसे बडी विशेषता उनकी धार्मिकता थी. धर्म में उन्हें गहरा विश्वास था, में स्वयं धर्म का मानने वाला हूँ. मैं ईश्वर में विश्वासी हैं, मृत्य के बाद के जीवन में विश्वासी हूँ, आध्यात्मिक यानी हृहानी जिन्दगी का मानने वाला हूँ और हृहानी ("कम्यु-नियन" यानी योग या सलुक का भी मानने बाला हूँ. लेकिन हम लोग दुनिया के सब बड़े-बड़े धर्म मजहबी की बुनियादी एकता के मानने वाले हैं. हम मानते हैं कि इन धर्म मजहबों में जो फरक़ हैं वह अधिकतर ग़ैर जरूरी बातों सं सम्बन्ध रखते हैं. इस पृथ्वी पर किस तरह का जीवन बिताना चाहिये इस बारे में सब धर्मी की बुनियादी शिक्ता एक सी है. इस मानते हैं कि इर सभ्य देश के अन्दर लोगों का धर्म मजहब के मामले में पूरी आजादी होनी चाहिये. जो-जो चाहें माने और जिस तरह चाहे अपने इंश्वर अखाह की पूजा-धाराधना करे. साथ ही हम यह भी कहना चाहते हैं कि अब समय आ गया है जबकि, विश्व शान्ति के हित में, मानव समाज का प्रेम के साथ एक दूसरें का सममा-बुकाकर और निस्पक्षता के साथ एक दूसरे का समक कर, इस बात की काशिश करनी चाहिये कि मानव जाति एक मिले-जुले बीच के ऐसे धर्म की तरफ क़द्म बदा सकें जिस धर्म का अधिक सम्बन्ध इस बात के साथ हा कि हम सब किस तरह कपनी जिन्दगी बसर करें और एक दूसरे के साथ किस तरह बरतें, श्रीर कम सम्बन्ध इस बात के साथ हो कि हम संसार की उत्वित्त या परलोक आदि के बारं में क्या मानताएँ रखते हैं या किस विधि के साथ उस रेखर अंखाह की पूजा-आराधना करते हैं जो हम सब का मालिक है, इस तरह के धर्म में हम सब बढ़े-बढ़े धर्मों के कायम करने वालों का एक बराबर अन्दर कर सकेंगे और दुनिया की सब बड़ी-बड़ी धन पुराकों से एक लाभ उठा सर्वेगे.

दूसरी बात यह है कि महात्मा गाँधी की शिक्षा के अनुसार मनुष्य की जिन्दगी का आदर्श अपनी इन्द्रियों पर काबू हासिल करना होना चाहिये, न कि इन्द्रियों के सुलों की आर दौड़ना आजकल की सम्यता का मुकाब इसके ठीक विप-

ستىبر 67°

सदर साहब, डैलीगेट साथियो चौर मेरे जापानी भाइ-यो चौर बहनो !

मैं अपने उन जापानी दोस्तों का आभारी हूँ जिन्हों ने हमें इस सुरदर देश में अने का और ऐटम और हाइड्रांजिन बम के किलाक और दुनिया की भीजों का कम करने के पक्ष में अपनी कोशिशों में हिस्सा लेने का यह मौक़ा दिया, उनकी इन नेक कोशिशों में सारे भारतवासी पूरी तरह उनके साथ हैं.

चन्द श्रीर हैलिगेट भाइयों के साथ में अभी नागा-साकी और हिरोशिमा होकर आया हूँ, उस भयंकर दुर्घटना को हुए बारह बरस बीत जुके. इतने दिनों के बाद भी ओ कुछ मैंने अपनी आँखों से दखा उसे देखकर मुमे अचरज होता है कि कोई भी मनुष्य इस तरह का काम कैसे कर सका. बेगुनाह माताओं की गोद में बैठे हुए मासूम बच्चों को जिन्दा भून डालना और बीमारों और बृहों को उनके बिस्तरों के अन्दर जलाकर खाक कर देना इतनी बड़ी दुण्टता और इतना बड़ा पाप है जिसे दुनिया की जनता को बरदाइत नहीं करना चाहिये, और मुमे आशा है कि दुनिया की जनता इसे आइन्दा कभी बरदाइत नहीं करेगी. "अब और हिरोशिमा नहीं होने देंगे" यह आब"ज आज मानव समाज के हृदय से जोरों के साथ निकल रही है. कोई अब इस आबाज की अबहेलना नहीं कर सकना.

भारतवासी यह भी मानते हैं कि किसी भी देश या राष्ट्र को यह अधिकार नहीं है कि वह दुनिया के किसी भी दूसरे देश में अपनी कीजी अड़े कायम करे. नए तए देशों में ऐटम और हाइड्राजिन हिथयारों का दाखिल करना तो भारत वासियों की निगाह से एक अव्वल दरजे का अन्तर्राष्ट्रीय जुमें है, मारत उन सब सिन्ध्यों और समकौतों के भी खिलाफ है जो दुनिया का एक दूसरे के विकक्ष दो जंगी अखाड़ों में बाँट दते हैं भारतवासी सब राष्ट्रों के मिले जुले एक ऐसे मुलहनामें के पक्ष में हैं जिसके अनुसार सब मिल कर दुनिया की शान्ति का कायम रखने का वचन दें और जिसमें अमरीका और उस दोनों शामिल हों. भारत किसी तरह का युद्ध नहीं चाहता. भारत सारे मानव समाज की एक कुटुम्ब मानता है और दुनिया की सब लोगों की एकता का हामो है.

इस उद्देश्य का पूराकरने के लिये क्या-क्या उपाय करने चाहिये इस पर इस सम्मेलन में काकी बहतें हो चुकी हैं. उन बहसों के दौरान में कई बार उन उपायों की भी चरचा हुई है जो भारत क नेता महत्मा गांधी ने हमें सिस्ताए हैं. हमारे बहादुर अमरीकी दोस्त हा इंडोजिन बम के खिलाफ इस समय भी वह उपाय काम में ला रहे हैं जिन्हें वह "गां(धयन उपाय" और "अहिसात्मक उपाय" कहते हैं. विश्व सम्मेलन के इस मंच से हमने उन्हें एक संदेशा भी مدر ماحب تیلیکیت ساتههو آور میرد جاپانی بهائهو او بهنو!

میں اپنے آن جایائی درستوں کا آبھاری ھوں جنھوں لے ميور إس سندر ديش مين آني كا أور أيتم أور هاندروهن بم ك خالف اور دائما کے فوجوں کو کم کرنے کے یکھی میں اینی كهشين مين حصه لينه يا يه مرقعه ديا ان كي إن نهك كيششون ميں سارے بهارت وأسى پورى طرح أن كے ساتھ ميں . چند اور تینهکیت بهائیوں کے ساتھ میں ابھی ناکسائی ار هيا و شما هو كر آيا هول ، أس يهينكو درگيةنا كو هوڻي بارة رس بیت چید، اِنلے دنوں کے بعد بھی جو کچ، میں لے اُپلی أنكهن سه ديكها أسم ديكه كر مجهه الجرب هوتا ه كه كوثي بھی منشیہ ایس طرح کا کام کیسے کر سکا ، بے گناہ ماتاؤں کی گون میں بیٹھے هوئے معصوم بحورل کو زندی بھول ذالقا آور بھماورں ار بردوں کو اُن کے استروں کے اندر جلاکر خاک کر دینا انفی بتی دشتنا أور إننا بوا یاپ ف جس دنها کی جلتا کو برداشت نَهُينِ كَرِنَا جَاهِلُهُ * أَوْرَ مَجْهِ أَشَا هَ كُهُ دِمْهَا كُي جِنْمًا إِسَ أَنْلُوهُ اللہ اور کے اور کے اور آ کے مانو سمانے کے هردیم سے زوروں کے سانو سمانے کے هردیم سے زوروں کے سانو تکل رہی ہے ۔ کوئی اب اِس آواز کی آوهیلغا قہیں کر سکتا ،

بھارت واسی یہ بھی مائٹے ھیں کہ کسی بھی دیھی یا راشتر کو یہ ادھیکار نہیں ہے کہ وہ دنیا کے کسی بھی دوسرے دیھی میں اپنے فوجی آتے قائم کرے ، نئے نئے دیھیں میں اپنے فوجی آتے قائم کرے ، نئے نئے دیھیں میں ایٹم اور ھا'خروجی ھتھاروں کو داخل کرنا تو بیارت واسمیں کی نگاہ میں ایک اول درجے کا آئٹر راشتریہ جرم فی بھارت اُن سب سندھیوں اور سمجھوتوں کے بھیخلاف ہجے دنیا کو ایک دوسہ سے کے ورودھ دو جنگی آنھاڑوں میں یائٹ دیا کو ایک دوسہ سے کے ورودھ دو جنگی آنھاڑوں میں یائٹ دیا ہوں ۔ بھارت واسی سب راشتروں کے ملے دلے ایک آیسے صلحالہ کے پکھی میں جس کے آئوسارسب ملکر دنیا کی شائٹی کو دائم رکینے کا وچن دیں اور جس میں امریکہ اور روس دونوں شامل ھوں ۔ بھارت کسی طرح کا بدی نہیں چاھٹا ۔ بھارت سارے مائو سماج کو آیک کہ سب لوگوں کی ایکنا کا حامی ہے .

اِس آدیش کو پورا کرنے کے لئے کیا کیا آپائے کرئے چاھئے اِس پر اِس سمیلن میں کئی بحثیں ہو چکی ھیں۔ اُن بحثیں ہو یکی ھیں۔ اُن بحثیں کے درران میں کئی بار اُن آپائیوں کی بیی چرچا ہوئی ہے جو بہارت کے ٹیکا مہانما گاندھی نے ھمیں سکھائے ھیں۔ ھمامہ بہادر امریکی درست ھائڈروجن ہم کے خالف اِس سمہ بھی وہ اپائے کام میں لا رہے ھیں جاپیں وہ ''گاندھین آپائے'' اور اہنسائٹ آپائے'' کہتے ھیں ۔ وشو سمیلن کے اِس منج سے

कर्म या फेल के अन्दर हमें तीन तरह के काम मिलते

है—स्वार्थ, परार्थ और परमार्थ यानी ख़ुदग़रजी, दूसरों

का भला चौर केवल फर्ज सममकर सब का यकसाँ मला

पहली तरह के काम ऐसे हैं जैसे करणा लेना, दूसरी तरह

के काम ऐसे हैं जैसे दूसरे की करजा देना और तीसरी

तरह के काम सब करजों से छुटकारा पाना, पाप और

पाय दोनों बन्धन हैं. मोक्ष यानी निजात इन दोनों से

ब्राजाद हो जाना है. पाप करना, कोई बुराई करना ऐसा

हा है जैसा करजा लेना जिसे हमें द्राह या तकलीक की

शक्त में अदा करना होगा. नेकी करना, परापकार करना

ऐमा है जैसा किसी को करजा देना, वह हमें सुख के

रूप में बापिस मिलेगा, और असली आजादी इन दोनों विचारों से ऊपर डठकर सब हिसाब चुकता यानी बेबाक्

कर देना है. यही हालत हमें कड़ी महनत के बाद गहरी

हर एक दूसरे के खिलाक मालूम दोते हैं और तीसरा उन्हें

जोड़ता है. जैसे इच्छा किसी चीज की जानकारी का और

उसके क्षाथ इमारे काम को दोनों को जाइती है. हमारे

सारे शरीर की बनाबट में यही तीन-तीन के जोड़े दिखाई

देते हैं. हमारे हाथ पैर, हमारे दिल चौर दिमारा दोनों में नाता जोड़ते हैं. यही जात्मा और रौर-चात्मा के नाते का

अच्छी तरह समम सकें और शरीर और भन और आत्मा

यानी रुद्ध के सम्बन्ध की समझ सकें तो यह सारा भेद

इम पर खुल सकता है, इस भेद का ठीक-ठीक समझने का

रास्ता बही है जिसे हिन्दू धर्म प्रन्थों मं "योग" मुसलिम धर्म प्रथों में "सलूक" या "शराल" और ईसाई धर्म प्रथों

में "कम्यूनियन विद दि स्पिरिट" कहा गया है.

अपने शरीर की बनाबट को अगर हम इस प्रकार

हाल है.

यह सब चीजों तीन-तीन के रूप में चलती हैं, इनमें दो

मीठी नींद यानी 'निर्वाण' का इक्दार बना देती है.

کرم یا نعل کے آئدر همیں تین طرح کے کام ملتے هیں۔
گیرل سوارته پراوته اور پرمارته یعنی خود غرفی درسروں
کا بھا اور کیرل فرض سمیعجر سب کا یکساں بھا ، پہلی طرح کے کام ایسے هیں جیسے فرقہ لینا؛ درسری طرح کے کام ایسے هیں جیسے درسرے کو قرقہ دینا، اور تیسری طرح کے کام سب قرقہ س سے چھٹا اپنا ، پاپ اور پنیہ درتوں بندھن هیں ، مواهی یعنی نجات ان درتوں سے آزاد هو جانا ہے ، پاپ کونا وئی برائی کونا ایسا هی ہے جیسا قرقہ لینا جسے همیں درتے یا تعلیف کی شکل مهر ادا کرنا ہوگا ، وہ لینا جسے همیں درتے یا تعلیف کی شکل مهر ادا کرنا ہوگا ، وہ شبیل حراث درنا اسا ہے جیسا کسی کر قرقہ دینا ، وہ همیں سکھ کے روپ میں واپس ملیکا ، اور اصلی آزادی ان دولیں وچاروں سے آورو اس ملیکا ، اور اصلی آزادی ان دولیں دولیں وچاروں سے آورو آئو در سب حسلب چکتا یعنی بیباتی دولیں دینا ہے ، یہی حالت همیں نتی متحلت کے بعد گہری میٹھی نینا ہے ، یہی حالت همیں نتی متحلت کے بعد گہری

یہ سب چیزس تین تین کے روپ میں چلتی هیں' اِن میں دو روپ ایک دوسرے کے خالف معلوم عرقے هیں اور تیسرا آمیں جورتا ہے ، جیسے اِچها کسی چیز کی جانکاری کو اُور آمی کے ساتھ همارے کام کو دوئرس کو جبرتی ہے ، همارے سارے شریر کی بناوت میں یہی تین تین کے جورے دکھائی دیتے هیں ، همارے عاتم پیر' همارے دل اُور دماغ دوئوں میں ناتا جورتے هیں ، یہی آتما اور غیر-آتما کے ناتے کا حال ہے ،

اپنے شریر کی ہنارت کو اگو هم اِس برکار اُچھی طرح سمجھ سکیں اُور شریر اُور میں اُور آتنا یعلی روح کے سمبندھ کو سمجھ سکیں تو یہ سازا بھید هم پر کیل سکتا ہے ۔ اِس بھید کو تھیت تھیک سمجھنے کا راستہ وهی ہے جسے هندو دهرم گرنتھوں میں دیوگ'' مام دهرم گرنتھوں میں دسلوک'' یا ''شغل'' اُور عیسائی دهرم گرنتھوں میں ''دیونیوں ود دی اِسهرے'' کیا ہے ۔

महत्मा गाँधी के अनुसार शान्ति का रास्ता, और ऐटम और हाईड्रोजन बम का सवाज पहित सुन्दरकाल

(बह भाषण जो 16 अगस्त सन 1957 को तोक्या (जापान) में तीसरे विश्व सम्मेजन के सामने दिया गया) مهاتما گاندهی کے انوسار شانتی کا راسته اور ایتم اور هائتروجی بم کا سوال کا بندہ سنول

(وہ بھاشن جو 16 آگست سن 1937 کو توکھو (جاپانی) -یں تیسرے وشو سنمان کے سامانے دیا گیا .) مص

ملمبر 75%

"一个一种放客化"的"一个"

रीर-आत्मा को वह अभी तक सच समसे हुए था वह अब उसे मूठ श्रीर केवल धोका मालूम होने लगता है. जवानी मे जो चीज सुन्दर, आनन्द देने वाली और चित्त को मोहती हुई मालून होती थी, वह बुढ़ापे में बदसूरत, बद-शकल भीर तकलीप देह मालूम होने लगती है, एक पुराना मुहावरा है ''झान रश्ज को बढ़ाता है,'' श्रंगरेजी शब्द 'वाइज' के मूल मानी ही 'ग्रामगीन' है, जो चीज अच्छी लगती थी वह अब बुरी लगने लगती है. जो ठीक मालूम होती थी वह गातत होने लगतः है और आगे चलकर अच्छ। और बुरा, ठाक श्री कालत दोनों ही ग्रलत मालूम होने लगते हैं. पुण्य श्रीर पाप यानी स्त्रैर और शर बोनों पाप यानी शर मः लुम होने लगते हैं, साने की बेड़ियाँ वैसी ही बेड़ियाँ हैं जैसी लाहे की. एक पीढ़ी के लोग पैरा होते हैं, बढ़ते हैं और तजरबों और तकलीकों के अन्दर से गुजरते हुए उन्हें श्रक्तल श्रीर समभ श्राती है, वह फिर चल देते हैं. दूसरी पीढ़ी उनकी जगह लेती है. उसी तरह की गलतियों, तजरबों श्रीर तकलीकों में से निकल कर उसे समक आती है. वह भी चल देती है, यह चकर बराबर जारी रहता है, एक बीमारी ख़तम हा जाती है, दूसरी बोमारियाँ उसकी जगह श्रा जाती हैं, एक बुराई मिटती है, दूसरी सर उठाती है. नेका और बदी, सुख और दुख हमेशा एक दूसरे का काटते रहते हैं. अन्त में दोनों एक साथ खतम होते हैं. इस दुई को आत्मा ख़ुद ही पैदा करता है और ख़ुद ही ख़तम करता है. नेकी और बदी दोनों जुड़वाँ बच्चे हैं. दोनों साथ साथ खतम होते हैं. जब तक आदमी जागता रहता है श्रीर काम करता रहता है तब तक उस श्रात्मा के लिये जिसकी श्राँखें खुल गई हैं नेकी यानी निष्काम कर्म का रास्ता ही फर्ज यानी कर्त्तच्य का रास्ता है, लेकिन धीरे-धीरे यह बदारी भी कम होने लगती है, थका हुआ आत्मा फिर 'निर्वाण' की नींद सोना चाहता है, कुछ देर के लिये वह कठिन मेहनत और आरामदह आलस्य दोनों से थक जाता है, पाप श्रीर पुएय, स्वार्थ श्रीर परमाथ दोनों के चक्कर से वह निकलना चाहता है.

इस तरह ज्ञान के अन्दर हमें तीन तरह की चीजें मिलती हैं—सत्य, मिण्या और माया, यानी जो चीजें हैं, जो नहीं हैं और जिनका होना एक धोका है. इच्छा याना खाहिश के अन्दर तीन सूरतें छा जाती हैं—राग, हेश और वैराग्य, यानी ज्ञास चीजों से मोह या लगाव हाना, ज़्यास चीजों से मोह या लगाव हाना, ज्ञास चीजों से नफ़रत होना और सब चीजों की तरफ से बंलाग होना, ना काहू से देखिन ना काहू से बैर. इन्हीं तीनों को काम, काथ आर नै काम्य भी कह सकते हैं. यह वैराग्य या नै काम्य एक शान्ति और सकून की हालत है.

نهر-آندا کو وہ ابھی تک سے سنتجے هوئے تها وہ اب آسے جهوت ال کیل دھوکا معلوم ھولے اکتا ہے ۔ جوانی میں جو چیز سلدر ال آنند دینه والی اور چت کو موهتی هوئی معاوم هوتی تهی وه بهاي ميں بدھورت عدشكل أور تعليف دة معلوم هونے لكتي هے. الك برانا محاورة هـ "كيان رنج كو بزهاتا هـ " انكريزي شيد 'وانز کے مول معلی هی 'فعکین' هے . جو چهڙ اچھی انگلی تھی وہ اب بری لکنے نکتی ہے ۔ جو ٹھیک معلوم عوتی تھی وہ غط ملهم هما لکتی ها اور آگے چلکو اچیا اور برا تهیک اور غلط ورتوں علی قلط معلوم مولے الکتہ نعیں ، پنیم اور پاپ یعنی خور ارر شر دودوں پاپ یعلی شر معلوم اهوائے الکتے هيں ، سولے کی ہورہاں ویسی هی بهوراں هیں جهسی لوقے کی . أیک پدوهی کے لوگ پیدا ہوتے ہیں؛ بُرهاتے ہوں اور تجورہوں اور تکلیفوں کے الدر سے گذرتے هوتے انهیں عقل اور سمجھ آئی ہے . وہ پھر چل ديت هيں ، دوسرى پفتهى أن ئى جكهد ليتى هـ ، أسى طرح كى غلطيون تهربون اور تعلينون مين سے تعلكر أس سمجه آنى ہے ، وہ بھی چل دیتی ہے ۔ یہ چکر برابر جاری رہتا ہے ۔ ایک بهداری خالم هو جادی هے؛ دوسری بهداریاں اُس کی جکہہ آجاتی هیں ، ایک برائی مثنی ها دوسری سر أنهاتی ه . نیتی اور بدیی سم اور دکه همیشه ایک دوسرے دو کائتے رهتے هين ، انت مين دونون ايك ساته ختم هوتے هين ، اِس دوئي كو أنَّما خود هي بيداً كرداً هي أور خود هي ختم كرنا هي . نهيمي اور بدی دولس جوران بنچ هین ، دولون ساته ساته ختم هوت هيں . جب تک آدسی جاگتا رهتا هے اور کام کرنا رهتا هے تب نک اس آتما کے لئے جس کی آنہیں کیل گئی میں تیمی يملى نشكام كرم كا راسته هي فرض يعلى كرتويه كأ راسته هي ، ليكن دعیرے دعیرے یہ بیداری بھی کم عرفے نکتی ہے ۔ تبکا عوا آسا په. انروان کی نیند سونا چاهنا هم ، نجه دیر کے لئم وہ کلمین معنت آرر آرامدہ آلسیہ درقوں سے تھک جاتا ہے۔ پاپ اور پنیم، سوارته اور پرمارته دونس کے چکر سے وہ نکلنا

اس طرح گیان کے آئد; همیں تین طرح کی چیزیں ملتی هیں سے میں اور جن کا اور مایا یعلی جو چیزیں هیں جو تہیں هیں اور جن کا موتا ایک دعوکا نے اچیا یعنی خواعص کے اندر تین صورتیں آجائی میں سراک دوراش اور ویراگیہ یعنی حاص چیزوں سے موہ یا لگاؤ هونا خاص چیزوں سے نفرت هونا اور سب چیزوں کی طرف سے پہلاک هونا نا کلعو سے درستی تا کلعو سے بهر النہیں تینوں دو کام درودہ اور نیشکامیه یوں نہم سکتے هیں ویراگیہ یا نیشکامیه ایک شانتی اور سکوں کی حالت ہے ۔

कमें, अपनी भलाई को सब की मलाई के लिते कुरबान कर देना, उपक्ति की भलाई को कुटुन्ब की मलाई के लिये वा समाज की भलाई के लिये कुरबान कर देना, यही यह "यह" है. भगवद्गीता में लिखा है:— "प्रजापित ने जब कुरू में दुनिया को बनाया तो "यह" के साथ बनाया और अपनी सारी प्रजा से कह दिया कि "यह ' के द्वारा ही तुम बढ़ांगे और फलो फूलोंगे...हमारा खांटा आपा हमारे बड़े और ज्यापक आपे के लिये अपने का कुरबान करता है यही यह है". यह बढ़ा आपा ही असली सत्यम् सुन्दरम् और शिवम् है. इस दुनिया में जो कुछ हमें सथा, सुन्दर और अच्छा दिखाई देता है वह सब उसी का अक्स है.

सर्वात्मा या रुहे कुल के इन गुर्णों के मुकाबले में रौर-ब्रात्मा यानी प्रकृति या जड़ मादे में सत्व, तमस और रजस --यह तीन गुण पाये जाते हैं. सत्व चीजों का वह गुग है जिसके षरिये चीर्षे जानी जा सकती हैं. तमस वह गुण है जिसके कारण उन्हें रखने की आत्मा का इच्छा हाती है. रजस वह गुरा है जिसका सम्बन्ध चीजां की हरकत से हैं. अगर हम किसी भी ठोस चीज को ले लें ता यही तीनों बातें गुरा, द्रव्य और कर्म शब्दों से प्रकट की जा सकती है. इस चीफों के गुर्खों से उन्हें जानते सममते हैं. उनके द्रव्य रूप के कारण उन्हें रखने की इच्छा करते हैं. और उनके कर्म रूप के कारक हम उनके साथ तरह-तरह के काम करते हैं. हमारे शरीर भी रौर-आत्मा यानी जब पदार्थ ही हैं. लेकिन अकसर हम उन्हें ही अपना श्रापा समक बैठते हैं यह ऐसा ही है. जैसे लोहे की किसी लाल तपती हुई गेंद की गरमी को हम उसकी लाली और श्रीर उसके लाहे से अलग करके नहीं देख सकते. पर हैं वद अलग-अलग चीजें और फिर भी एक.

इसारे जिस्म इसारे आत्मा के इतने निकट हैं कि अक-सर इस जिस्म के तीन गुणों यानी सत्व, तमस् और रजस् का आत्मा के गुण समकने और कहने लगते हैं. कभी-कभी हम इन तीन शब्दों से मतलब अपने मन की तीन हालतों से जेते हैं. और यूँ उसे आत्मा से जोड़ देते हैं. हम कहते हैं कि सालिक आत्मा झानी, आरिक, सममदार और नेक आदमी का झानवान, सुसन्स्कृत, प्रकाशवान और न्रानी आत्मा इस आदमी का जो अपनी खादिशों के काबू में है आलस्य और प्रमाद भरा आत्मा है, जो दुनिया की चीजों को चिपटा हुआ हा. राजस् आत्मा कियाशील यानी वाअमल आदमी का आत्मा है जो सदा चंचल, बेचैन और काम में लगा रहता है.

आत्मा जब रीर-झात्भा की तरफ से इटने लगता है
 भौर दसें अपने से झलग कर देना चाहता है तब जिस

کرہ اپنی بھلائی کو سب کی بھلائی کے لئے قربان کر دینا آویکا کی بھلائی کو کتمب کی بھلائی کے لئے یا سماج کی بھلائی کے لئے تا سماج کی بھلائی کے لئے قربان کو دینا یہی یہ دیکھا ہے، بھکرد گیتا میں لکیا ہے:— دوررجا پتی نے جب شروع امیں دنیا کو بنایا تو دیکھائ کے ساتھ بنایا اور اپنی سادی پرجا سے کہ دیا کہ دیا کہ دیادی تر برجوگ اور پہلو یہولوگ ... ممازا کہ دیکھا آیا ہمارے بڑے اور ویاپک آپ کے لئے اپنے کو فربان کرنا ہے یہی یکھا ہے، " وہ بڑا آپامی اصلی ستیم' سندرم اور شوم ہے ۔ اس دنیا میں جو کدچھ ہمیں سجوا سندر اور اچھا دکھائی دیتا ہے وہ سب آسی کا عکس ہے ۔

سرو آتما یا روے کل کے اِن گنوں کے مقابلے میں غیر-آتما يعلى پركرتي يا جر مادے ميں ستو' تمس' أور ,جس-یم توبی گی پائے جاتے ہیں . ستو چیزوں کا وہ گی ہے جس کے ذريعے چيزيں جائي جا سکتي هيں ، تيس وه گن هے جس کے کارن آنہیں رکھنے کی آنہ کو اِچھا ہوتی ہے ، رجس وہ گن ه جس کا سمبلدہ چیزوں کی حرکت سے هے . اگر هم کسی بھی ٹیرس چیز کو لے لیں تو یہی تہاری ہاتیں گی درویعا آبر کرم شہدوں سے برکٹ کی جا سکتی ھیں ، ھم چیزوں کے گئوں م أنهان جائتم سمجيتم هين . أن كے دروية روپ كے كان أنهبن رکینے کی اِچھا کرتے هیں ، اور اُن کے کوم روپ کے کارن هم أن كے ساتھ طرح طرح كے كام كرتے هيں ، همارے شرير بھى غير-أتما يعلى جو بدارته هي هين . ليكن أثار هم ألهين هي أينا أيا سمجه بيقيته هون . يه أيسا هي هـ جيسه لوه كي كسي لال تیتی عوثی گیند کی گرمی کو هم اُس کی لالی ا راس کے لیا سے الگ کو کے نہیں دیکھ سکتے ۔ یو هیں وہ انگ الگ چيزيں اور پهر بهی ايک .

همارے جسم همارے آنا کے اِننے نصف هیں که اکثر هم جسم کے تین گنوں یعنی ستو تسس اور رجس کو آنا کے گن سمجھنے اور کہنے اکتے هیں ، کبھی کبھی هم اِن تھن شبدوں سے مطاب اپنے من کی تین حالتوں سے لیتے هیں اور یوں اُسے مطاب اپنے من کی تین حالتوں سے لیتے هیں اور یوں اُسے عارف سمجھندار اور تیک آدمی کا گیانوان سو سنسکوت عارف سمجھندار اور تیک آدمی کا گیانوان سو سنسکوت ورکاشوان اور تیرانی آنما ها جو چیزوں کو تھیک تیک سمجھنا ہے ۔ تامس آنما اُس آدمی کا جو اپنی خواندس کے قابو میں ها آسیہ اور پرماد بھرا آنما هے جو دنیا کی چیزوں کو چینا هوا هو ۔ راجس آنما کریا شدل یعنی باعمل آدمی کا آنما ہے حو سدا چنچل یےچین اور کم میں لگا رہتا ہے ۔

أَنَمَا جَبُ غَيْرَ-أَنَباً كَى طَرَفَ سَ مَلِّلَمَ لَكِنَا هِـ أور أَسَّ أَنِيْ سَ الكَ كَو دِينًا جِامِنَا هِـ تَب جس आतमा या हर को अपनी इस जीवन यात्रामें हो रास्तों से गुजरना पड़ता है. पहला 'प्रवृत्ति मार्ग' यानी 'क्रीसे नजूल' जिसमें कह रौर-आत्मा यानी रौर-कह यानी बाहर की बीजों को अपनाती है, यानी उन्हें अपने उत्तर श्रोदती है, श्रौर दूसरा 'निवृत्ति मार्ग' यानी 'क्रीसे उक्तन' जिसमें फिर से उत्तर चदने के लिये कह रौर-कह को अपने से श्रात्त करती है या उतार फेंकती है.

आत्मा के जो तीन रूप हमने ऊपर बताये हैं उन तीनों का अलग-अलग सम्बन्ध झान, इच्छा और किया यानी इस्म, खिंदिश और अमल में है. इनमें 'इच्छा' यानी 'खाहिश' ही वह असल चीज है जो एक व्यक्त आत्मा को दूसरी व्यक्त आत्मा से, एक रूह को दूसरी रूह से, एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति से अलग करती है. जब इच्छा मिट जाती है तो यह अलहदगी भी जाती रहती है. यही हमारे सब अच्छे बुरे कामों को जड़ है.

यही तीन यानी झान, इच्छ। और क्रिया रूढीं या जीवों को एक दूसरे सं अलग करते हैं. ऐसा अलग आत्मा 'पराग आरमा' कहलाता है. पर जब इस आरमा का बख अन्दर को हो जाता है तब वह 'प्रत्याग आत्म।' हो जाता है. तब यह सब अलहदगी मिट जाती है. तब यही तीनों सूरतें एक व्यापक आत्मा यानी रुहेकुल के तीन गुणों-चित्त, त्रानन्द और सत्त यानी मारफ्त, कुद्रत और बजूरे इक्रीक़ी—में बदल जाती हैं. यह मारकत ही अक्रले कुल है, इन्हीं तीनों को सर्वज्ञता, सर्वशक्तिमत्ता और सर्व व्यापकता भी कहते हैं, शुद्ध आत्मा यानी अहे कुत के इन्हीं तीन गुणों के नाम सत्यम, त्रियम श्रीर हितम, या शान्तम, सुन्दरम और शिवम भी हैं. असली वजूद यानी बज्दे हकीकी केवल यही शुद्ध आत्मा या रूहेकुल है. वही देखने वाला है और वही देखने की चीज. वही जानने वाला है और वही जानने की चीज. इसी से सब राशन है जिस तरह यह दुनिया सूरज से बह अपने को भी जानता है श्रीर रौर-श्रापे को भी, वह श्रपने जानने का भी जानता है, वही है भीर कुछ है ही नहीं, वह नित्य है श्रीर सब बदलता हुआ धोका है. इससे हमें कभी धोका नहीं हो सकता, वही ज्ञानन्द का भएडार है, सुन्दरता का खजाना है, वही प्रेम है, वही धनन्त बरकत है, वही एक चाहने की चीज है. सब दिलों का वही एक प्रीतम है श्रीर जो कुछ प्यार के क़ाबिल है केवल उसी क का ए. बह नित्य है, अनन्त है. वह नेकी का मगडार है. वही यक यानी कुरवानी है. प्रेम और सेवा के जरिये अपने छोटे आपे को उस बड़े आपे के लिये, जो सब के अन्दर रमा हुआ है, कुरबान कर देना ही उसके दर्शन, दीदार, यानी

آتیا یا روح کو اپلی اِس جهون یاترا میں دو راستیں سے گزرنا پرتا ہے ۔ پہلا اُپرورتی مارگ عملی اُقوس فرول جس میں روح غیر-اُنما یعنی غیر-رح یعنی باہر کی چھڑوں کو اُپلائی ہے ، یعنی انہیں اپنے ارپ اُروعتی ہے ۔ اور دوسرا انرورتی مارگ بنی اترس عرجے جسمیں یہر سے اُرپر چڑھئے کے اتمہ دوح غیر-ردح کو اپنے سے ایک کرتی ہے یا آثار پھینکتی ہے .

آناکے جو تھی روپ ہم نے آوپر بتائے ھیں آئی تیڈیں واک انگ سبادہ گیاں' اچھا' اور کریا یعنی علم خواعش ار عبل سے ہے ، ان میں اِچھا' یعنی 'خواعش' ہی وہ اصل چیز ہے جو ایک ویٹت آنا کو دوسری ویکت آنما سے' ایک روح کو دوسرے ویکتی سے' الگ ریکھی ہے الگ ویٹی ہے ایک ویکٹی ہے الگ رحم ہے ایک ویٹی ہے ایک کرتی ہے ۔ جب اِچھا می جاتی ہے تو یہ علیصدگی بھی جاتی ہے تو یہ علیصدگی بھی جاتی ہے۔

آیه تین یعلی گیان اچها اور نویا روحوں یا جیوں کو ایک دوسرے سے الگ کرتے ہیں ، ایسا الگ آنما کہونا هے، پر جب اِس اُتماکا رہے اندر کو هو جاتا هے تب وہ "پرتیاگ أسا هو جاتا هي . تب يه سب عليحدكي سك جاتي ه . تب مهی تهنوں صورتیں ایک ویایک آنما یعنی روح کل کے تین گانس چت آند اور ست یعنی معرفت و تدرت آور وجود حقيقي سمهر بدل جاتي هين ۽ يه معرفت هي عقل دل هي . إنهين تينون كو سروكيته سرو شكتيمته أور سرو ويايكتا بهي کہتے میں . شدھ آتما یعلی روح کل کے اِنھیں تین گنوں کے نام ستيم پريم أور هتم يا شائتم سندرم أور شوم بهي هيل م املی وجود یعنی وجود حقیقی کول یهی شده آنما یا ررح ال هـ وهي ديكهاء وألا هه أور وهي ديكهاء أي چهر . رعی جائلے والا ہے اور وعی جائنے کی چیز ، اُسی س سب روشن هے جس طرح یه دنیا سورے سے وہ اپنے كو بھى جائنا هے اور غير-آبے كو بھى . وہ أينے جائنے كو الل جانتا هے ، وهي هے أور كنچه هے هي نهيں ، ولا نتيم هے ارر سب بدلتا هوا حمولا هے ، أس سے هدياں كبھى دهوكا تيها هُو سَكِنَا ، وهي أَنْدُد كَا بَهِنْدَارِ هَا سَدِرِنَا كَا حَوَالَتُهُ هَا وهي بريم ها وهي أنْ حِها في حِيرَ هـ . بريم ها وهي أنْ حِها في حِيرَ هـ . سب دان کا رهی ایک پریتم ہے اور جو کھھ پھار کے قابل ہے اليرل أسى كي كارن ، وة تديم ها النات ها ، وة تدي كا يهادار ہ وہی یکید یفنی قربانی ہے ، پریم اور سهوا کے ذریعے اپنے چہرئے آیے کو اُس بڑے آیے کے لئے جہسب کے اندر رما ہوا ہے قربان كردينا هي أسك درشن ديدار يعلى أتم درشن كا طريقه في إسى كا نام نيشر تيس فيعلم سبكا بهلا هم أنت مهن نسوارته كرم نشكلم

आत्म दशन का तरीका है. इसी का नाम निःश्रेयस है

यानी सब का भला है. अन्त में नि:स्वार्थ कम, निर्धाम

एक आत्मा के अलग-अलग रूप

डाक्टर भगवान दास

श्रातमा एक श्रीर बेशन्त है. उसका कोई श्रीर छोर नहीं. उससे बाहर कुछ नहीं. उसी श्रात्मा की सर्वात्मा या हरेकुल भी कह सकते हैं. लेकिन इस दुन्या में देखन सममने के लिए उसी एक की तीन श्रालग-श्रामा श्री में देखन की लिए उसी एक की तीन श्रालग-श्रामा श्री में देखन के लिए उसी एक श्रात्मा का न्यापक श्राप्यक श्रात्मा में सब में रमा हुशा है. दूसरे श्रालग-श्रालग व्यक्त श्रात्मा में जिन्हें श्रालग-श्रालग श्रात्मा, जीव या रूह कहते हैं. श्रीर तीसरे हमारे यह श्रात्मा की श्रान्य सन श्रीर शरीर पहले यानी व्यापक श्रान्यक्त श्रात्मा के श्रान्य सन श्रीर हमारे श्रात्मा मानी श्रात्मा-श्रात्मा रहें शामिल हैं. श्रीर हमारे श्रात्मा माना श्रात्मा ही इन श्रात्मा सन श्रात्मा श्रात्मा को एक दूसरे से श्रांमा श्रीर व्यक्त यानी श्राहर करते हैं.

इसकी एक मिसाल एक ही नदी के अन्दर अलग अलग बरतनों में एक ही पानी की शकलें बदल जाने स दी जाती है.

उस व्यापक अव्यक्त आस्मा की जानकारी का नाम 'मैटाफ़िजिक' यानी 'दर्शन शास्त्र' या 'फ़्लसका' है. अलग-अलग व्यक्त आस्माओं के बयान को 'साइकालाजी' यानी 'मनोविद्यान' कहते हैं. हमारे मन-शरीरों से सम्बन्ध रखने वाली साइन्सों को मामूली जड़विज्ञान या 'साइको फ़िजिनस' कहा जाता है. दर्शन शास्त्र या फ़लसके में हमें सब साइन्सों के बुनियादी असूल मिल जाते हैं.

जब आश्मा रौर-आत्मा यानी अपने से बाहर की चीजों की बात करता है तो तीन सूरतें पैदा होती हैं. पहली यह कि आत्मा रौर-आत्मा को अपने सामने रखकर उसकी जानकारी हासिल करता है. फिर बाहे उसके बजूद को सबा माने या मूरा. दूसरी यह कि आत्मा रौर-आत्मा के साथ कुछ न कुछ काम करता है. उसे अपने ऊपर आंदना है जैसे आदमी कपड़े पहनता है, या उसे अपने अन्दर सांखल कर लेता हैं जैसे आदमी खाना खाता है. उसके साथ अपना अपनापन जोड़ता है. या उसे उतार फेंकता है और अपने को उससे अलग कर लेता है. तीसरी यह कि जानने और काम करने के बीच में आत्मा रौर-आत्मा से अपने को जोड़ लेन की या उसे अपने अन्दर हजम कर लेने की या उसे ऐंक देने की 'इच्छा' करता है. यह 'इच्छा' तीसरी सुरत है. यह इच्छा या खिहरा आत्मा की ही वृत्ति ज्या हालय है.

ایک أتما کے الک الگ روپ

The state of the s

تأكتر بهكران داس

آنما آیک آور ہے آنت ہے، اُس کا کوئی اور چھور نہوں اُسا کو سرو آنما یا روح نہوں اُسی آنما کو سرو آنما یا روح کل دبی کھی سکتے ہیں ، لیکنی اِس دنیا میں دیکھنے سمجھنے کے لئے اُسی آبک کو تین آنگ آلک رویوں میں دیکھا جا سکتا ہے ، آیک آنما کا ویارک آویکٹ روپ جو سب میں رما ہوا ہے ، دوسے آلگ آلگ ویکٹ آتمائیں جنھیں آلگ آنگ آنگ آتمائ جیو یا روح کہتے ہیں ، اور تیسرے ممارے یہ آلگ آنگ میں اور شریر ، پہلے یعنی ویاپک آویکٹ آتما کے آندر سب ویکٹ آنما کے آندر سب ویکٹ آنما کے آندر سب ایک آنگ ویکٹ آنما کے آندر سب ایک آنگ روحین شامل ہیں ، اور ہمارے ویکٹ آنما یعنی آنگ آنگ آنگوں کو ایک دوسرے آنگ آنگ آنگ آنگوں کو ایک دوسرے آنگ آنگ آنگوں کو ایک دوسرے سے آنگ آور ویکٹ یعنی طانعر کرتے ہیں ،

اس کی ایک مثال ایک هی تدی نے اندر الگ الک برنترں میں ایک هی پائی دی شکلیں بدل جانے سے دی جانی هے۔

أس ریاپک آویکت آنما کی جانگاری کا دُم 'مرتمانیک'
یعنی 'درشن شاستر' یا 'فلسفه' هے اگ اگ ریکت آنماؤں
کے بدان کو 'سائیکالوجی' یعنی 'منو رگیان' کہتے ہیں ۔ ہمارے
من شریدرن سے سمبندھ رکینے والی سائنسون کو معمولی جو
وگان یا 'سائکو فواس' کہا جانا ہے ۔ درش شاستو یا فلسنے
میں حموں سب سائنسوں خ بنیادی اُمول مل جاتے ہیں ۔

جب آیما غیر-آتما یعلی اپنے سے باہر کی چیزوں کی بات
کرنا ہے تو تین صورتیں پیدا ہوتی ہیں، پہلی یہ کہ آتما غیر آنیا
کواپنے سامنے راؤکر اِس کی جانکاری حاصل کرتا ہے پہر چاہے اُس
کے وجود کو سجا مانے یا جہوٹا . درسری یہ کہ آتما غیر آتما کے
سانہ بچھ نہ تجھ کم کرنا ہے اُسے اپنے اوپر اور منا ہے جیسے آدمی
کھڑے پہنتا ہے یا اُسے اپنے ایدر داخل کر لیتا ہے جیسے آدمی
کہانا کیانا ہے اُس کے ساتھ اینا ایناین جہزنا ہے یا اُسے ادار
پہریانا ہے اور اپرکو اُس سے انگ کر لیتا ہے تیسری یہ کہ جانئے
اور کام کرنے کے بیچ میں آتما غیر-آنما سے اپنے کو جوڑ لیانے کی یا
ایر کام کرنے کے بیچ میں آتما غیر-آنما سے اپنے کو جوڑ لیانے کی یا
سے بینے اندر ہضم کی لیانے کی یا اسے پہیلک دیانے کی 'اِچھا' کرتا
ہے ، یہ اِچھا یا خواہمی آتما کی

پارن ہوئی ، اُس سم میری بہن کی عمر صرف یانیم ورش کی نهى . كتلى پيارى أور دبا ياتر تهى وه إ ميس أب أس ديكه سكهتا مدل مرد مال کوممجها کو روقے سے جب کر رہے تھے الیکن وہ بنا ر مرثه لگاتار روزهی تهی . شاید اس کا رونا سبع کر اِن کا انته نرن چهدا نها کیونکه اِنهوں لے مدری بین کو کیا ڈالا نها . یدی إن كا انته كرن چهدتا نها تو...

> مهری بہری کو مهری بھائی نے کھا ڈالا اِ میں نہیں کہتا سکتا کے یہ بات مہری ماں کو معلوم تھی یا نہیں .

> ملی کو ضرور معلوم ہوا ہوگا لیکن روتے سمے اس نے کمچھ کیا نہیں ، شاید اُس نے اِسے تھیک سمجھا ہو ، مجھے یاد ہے که جب میں چار یا یائیم ورش کا الا تو اُس سے میرے مہائی نے مجہسے کہا تہا کہ یتر کے لئے ماتا یتا کے پرتی سب سے ہوا بیکتی کا کام یہ ہے کہ جب وے بیمار پڑیں تو وہ اُپنے مانس کا ایک تعوا کاف کر اسم یکائے اور انہیں کھانے نے لئے دے ، اور مال نے یہ نیں کہا تبا کہ یہ تھیک نہیں ہے . یدی ایک تعرا كهايا جا سكتا هـ؛ تو واستو مين پورا يهي كهايا جا سكتا هـ إ نیعی آب میں سوچی هوں که جس تعنگ سے ماں رو رهی نہی اُس سے درسزوں کے عوردئے بہتے جا رہے تھے ، اب اُسے يان كرنے سے بھى • تجھ دكم هوتا هى ، نتنا عنجيب هـ 1

ینچهلے چار مزار ورشوں سے منشیہ ایک دوسرے کو کھا رہے ھیں؛ اور میں آج ھی یہ جان سکا که میں آجھوں انہیں میں کہلا ، ال رها ، میری بہن تهیک اُسی سمے •ری جب میرے بڑے بھائی گھر گرھستی کا پریندھ کر رہے تھے، معدمے کیسے وشواس ہو سکتا ہے کہ همیں کھانے کے لئے انہوں نے گھت روپ سے اسے همارے کھالے میں نہیں ملا دیا ؟

هو ساءة هے كم انتجائے مينے أيني بهن كو كها ليا ! أور أب میری باری آئی ہے که میں کھایا جاؤں آ

میری چار دوار ورش پرانی منشیه بهکشی ونص پرمورا هم يديى إلت ميں بہلے نہوں سنجه سكا المكن أب ميں إلت سنجه رها هوں ، واستوک منشیه بانا ، تهن ه .

شاید آپ بھی کچھ آیسے بچے میں جاہرں نے منشیم کا مانس نہیں کیایا ہے ، آن بچوں کو بنچائف

ايريل 1918

कारण हुई, इस समय मेरी बहन की उन्न सिर्फ पाँच वर्ष की थी, कितनी प्यारी और द्या पात्र थी वह ! मैं अब उसे देख सकता हैं. वे माँ की समकाकर रोने से चुप कर रहे थे, लेकिन वह बिना इके हुए लगानार रो रही थी. शायद उसका रोना सनकर इनका अन्त:करण छिद्दता था, क्योक इन्होंने मेरी बहन का ला खाला था. यदि इनका अन्त:करण क्रिटना था तो

मेरी बहन का मेरे भाई ने स्वा डाला! मैं नहीं कह सकता कि यह बात मेरी माँ का मालुम था वा नहीं.

माँ की जरूर मालून हुआ होगा, लेकिन राते समय उसने कुछ कहा नहीं, शायद उसने इसे ठीक समका हो. मुमे याद है कि जब मैं चार या पाँच वर्ष का था तो उस समय मेरे माई ने मुक्तसे कहा था कि पुत्र के लिये माता-पिता के प्रति सब से बड़ा भक्ति का काम यह है कि जब वे बीमार पहें तो वह अपने माँस का एक दकड़ा काटकर इसे पकाये और उन्हें खाने के लिए दे. और मां ने यह नहीं कहा था कि यह ठीक नहीं है, यदि एक दकड़ा खाया जा सकता है, तो बास्तव में पूरा भी खाया जा सकता है। लेकिन अब मैं सावता हैं कि जिस ढ'ग से मां वे रही थी इससे दूसरों के हृदय फटे जा रहे थे, अब उसे याद करने से भी मुक्ते दु:ख हाता है. कितना अजीव है!

12

पिछले चार हजार वर्षों से मनुष्य एक दूसरे को खा रहे हैं और मैं आज ही यह जान सका कि मैं आजीवन उन्हीं में घुला-मिला रहा. मेरी बहुन ठाक उसी समय मरी जब मेरे बड़े आई घर-गृहस्थी का प्रबन्त कर रहे थे, सुमे कैसे बिश्वास हो सकता है कि हमें खिलाने के लिये उन्होंने गुप्त रूप से उसे हमारे खाने में नहीं मिला दिया १

हां सकता है कि अनजाने मैंने अपनी बहन को खा विया! और अब मेरी बारी आई है कि मैं खाया जाऊ"!

मेरी चार हजार वर्ष पुरानी मनुष्य-भक्षी वंश-परम्परा है. दहाप इसे मैं पहले नहीं समम सका, लेकिन अब मैं इसे समम रहा है. बास्तिबक मनुष्य पाना कठिन है !

शायद अब भी कुछ ऐसे वच्चे हैं जिन्होंने अनुष्य का माँस नहीं खाया है, उन बच्चों की बचाइये !

भन्नेल 1918

तब उनका एक और तरिका भी मेरी समक्त में आ
गया. वे सिर्फ सुधार करने से ही इनकार नहीं करते बल्कि
उनके साथ ही साथ उन्होंने अपनी तैयारी भी कर
ला है. उन्होंने मेरे अपर 'पागल आदमी' की चिप्पी
भी निपका दो है. जब वे मुक्ते खा डालेंगे तो उसके
बाद उनके कार्य का कोई कुपरिसाम न हांगा. यही नहीं,
वास्तव भें लाग उनकी तारीफ करेंगे, जब आसामियों ने
यह कहा था कि उन्होंने एक बदमारा का मारकर खा डाला
तो वे भी यही तरीका अपना रहे थे, यह उनका पुराना
राग है.

इस पर चेन लाड़ों बू हम लोगों के पास बढ़े गुस्से से झाये. लेकिन के मेरा मुंह कैसे बन्द कर सकते थे ? में जालसाजी के इन सदस्यों के सामने अपने विचार रखने के लिये तुल गया. उनसे मैंने कहा कि 'आप लोगों का सुधार करना चाहिए! आप लोगों को हृदय के भीतर से सुधार करना चाहिए! आप लोगों को समफ लेना चाहिए कि मनुष्य-भक्षी मनुष्यों के लिये संसार में कांई स्थान नहीं हागा! अगर आप सुधार नहीं करते तो आप लोग खुद खा डाले जायेंगे! आगर आप बहुत से दखनों को भी पैदा करें तो भी बे सब के र ब असली मनुष्यों के द्वारा उसी तरह नष्ट कर दिये जायेंगे जैसे शिकारियों हारा मेड़िये! आप सब की झों को तरह नष्ट कर दिये जायेंगे!'

चेन लाखो-वू ने उन सब मनुष्यों को भगा दिया और में नहीं जानता कि मेरा भाई कहां शायब हो गया. चेन लाखो-वू ने मुक्ते समकाकर मेर कमरे में बापस भेजा, पूग कमरा अन्यकार में डूबा था. छत की शहतीर और धन्नियाँ काँपने लगीं. कुछ देर काँपने के बाद उनका लम्बाई, चौड़ाई और मोटाई बहुत अधिक बढ़ गई और वे सब मेरे अगर हर हो गई.

वे बहुत ही ज्यादा भारी हैं. वे हिलाई हु ताई भी नहीं जा सकतीं, वे लोग चाहते हैं कि मैं मर ताऊँ, लेकिन मैं जानना हूँ कि बास्तव में वे भारी नहीं हैं. इस लये मैं उन्हें धक्का देकर इटा दूँगा, मेरा शरीर पसीने से तर हो गया है. लेकिन आप लोग सुमे चिल्लाने से नहीं रोक सकते, 'फौरन सुधार कीजिये! अपने हृद्य के भीतर से सुधार कीजिये! आप लोगों का जानना चाहिये कि मनुष्यभक्षी मनुष्यों के लिये संसार में कोई स्थान न रहेगा!'

11

सूरज नहीं चमक रहा हैं. द्वार कभी नहीं खलता. प्रति-दिन हो बार भोजन, अपनी खाने की दोनों छोटी-छोटी जकड़ियों को पकड़े हूँ, मैंने अपने भाई के बारे में सोचा और यह अनुभव किया कि मेरी बहन की मृत्यु इन्हीं के تب أن كا أيك أور طويقة بهى مهرى سنجه مون أكها .
وحد صوف سدهار كولى سدهى إنكار نهها كرتے بلكه إلى كے ساته
هى ساته أنهبان لے أينى تهارى بهى كو لى هے . أنهبان لے مهرت
أور "ياكل آدمى" كى جوبى بهى جهكادى هے . جب وحد معجم
كها دَالُهنكَ تو إلى كے بعد أن كے كاره كا كوئى كوپريفام نه هوا .
بهى نهيس" واسته ميں لوگ أن كى تعريف كوينك . جب
آساميس لے يه كها تها كه أنهبان لے أيك يده عالى كو مار كو
كها ذالة تو وحد بهى بهى طويقة أينا رهے تهے . يه ان كا پرانا

اس پرچین لاز دور هم لوگوں کے پلس بڑے خصے سے آئے۔ الیکن وے مهوا منه توسیہ بند کو سکتے تھے ؟ مهن جالساؤی کے ان سدسهوں کے سامنے آپ وچار رکھنے کے اگر تل گیا ، آن سے میلے کہا کہ 'آپ لوگوں کو سدهار کونا چاهئے! آپ لوگوں کو هودئے کے بهیٹر سے سدهار کونا چاهئے! آپ لوگوں کو سمجھ کو هودئے کے بهیٹر سے سدهار کونا چاهئے! آپ لوگوں کو سمجھ لینا چاهئے کا منصوب یہکشی معدوں کے لئے سمسار میں دوئی آب اگر آپ بہت سے بچوں کو بهی پددا دور تو بھی وحد سب کے سب اصلی مقشموں کے دوارا آسی طرح نشت در دیئے جانفیگے جیسے شکاریوں دوارا ایھیؤیئے! آپ سب کیوں کی طرح نشت کو دیئے جانفیگے!

چھن الأورو نے أن سب منشيوں كو بيكا ديا أور ميں نيھن باندا كه ميرا بيائى دياں غايب هو گيا ، چين الأورو نے مجھے سمجها كر ميرے كورة كورا الدهكار ميں واپس بهيجا ، پورة كورا الدهكار ميں قربا نها ، چهت كى شهتير اور دهنيان كانهنے لئيں ، كچه دير كانهنے كے بعد أن كى لدهائى ' چيزائى أور موقائى بہت الدے بود كئيں ،

وسے بہت ھی زیادہ بہاری ھیں ، وہ مقلی دقای بھی تمہیں ما سکتیں ، وسے اوگ چاہتے ھیں کہ مہیں صحیح وں ، لیکن میں جائدا ھوں که واستو میں و سے بہاری نمیں عیں ، اِس اللہ میں اُنہیں دیکا دیکر ھٹا دونگا ، میرا شرور پسینے سے تر ھو گیا ھے ، لیکن آپ لوگ صحیح چاتے سے نمیں روک سکتے گیا ھے ، لیکن آپ لوگ صحیح چاتے سے نمیں روک سکتے لوگرں کو جاندا چاھئے که ملتیہ بهکشی منھیوں کے لئے سفسار لوگرں کو جاندا چاھئے که ملتیہ بهکشی منھیوں کے لئے سفسار میں کوئی اُستہاں ته ربیگا !"

11

سورچ نہیں چمک رہا ہے ، دوار کبھی نہیں کیلتا ، پرتی دن دربار بھرجن ، اپنی کیلئے کی دونوں چھوٹی چھوٹی لکڑیوں کو پکڑے موں ، مینے اپنے بھائی کے بارے میں سوچا اور یه انوبھو کیا که میری بہن کی مرتبو اِنھوں کے

تک که یعچهنے دن آنہیں نے واقب ولیج میں آس منصبه کو بہترا ، پہلے سال جب ایک سابوحلک استهاں پر ایک منصبه کو بران دند طانو تپیدی کے ایک روگی نے آس موس ہوئی ایران می کے خون میں روٹی کا ٹاکڑا دیو کر اِس آشا سے چاٹا که اس کا روگ ٹییک ہوجائیگا ،

The Appropriate Control

امیرے بھائی اگر وہ سب انشیوں کو کھانا چاھتے ھیں تہ آپ انہیں روگ نہیں سکتے، پرنتو آپ بھی اُس جائے اہی ابن کیوں شامل ہوئے ہیں گان کی طاح کے مقعیم بیش کیا سکتے ہوں شامل ہوئے ہیں کوئے میں نہ چوکیلگے، وہ محصے بیل سازی میں وہ آپ کو بھی کھا سکتے ہیں اور اُسی جال سازی میں وہ آپک دوسرے کو بھی کھا سکتے ہیں اور اُسی ایکن اگر وہ گھرم بڑیں اور اُچائیگی ، اگر ایسی بھی حالت تہ ہر ایک کو شانتی مل جائیگی ، اگر ایسی بھی حالت سکتے ہیں میرے بھائی اِ اُن کا سانہ چھرڈ دیجئے اِ اُن کا سانہ پھرڈ دیجئے وشواس ہے کہ آپ ایسا نہیں کر سکتے ہیں کھونگھ بہائی اِ مجھے وشواس ہے کہ آپ انہا نہیں کر سکتے ہیں کونگھ اُنہ انہا نہ تو آپ نہیں کو آپ نہا نہی کو آپ نہیں کو آپ نہا کی کو آپ نہا کی کو آپ نہیں کو آپ نہ نہیں کو آپ نہیں کو آپ نے کو آپ نہیں کو آپ نہیں کو آپ نے کو آپ نہیں کو آپ نے کو نو نے نوائی

جب مهلے اپنے بھائی سے اِس برکار کیا تو بھلے او وسے دوگھے قفاک سے مسکوائے ، ایکن شیکور هی أن كى مدرا كرور هو گئى . ار جب مرنے جال عاری کے گیت معاملیں کا بھندا بھرد دیا تو أن كي منه كا رنگ بالكل هي بدل گيا . سامنے كے دروازے کے باہر منشهیں کا ایک جہات کہتا تھا ، اُس میں ہو م چاؤ ارر أن كا كتا بهي تها . و حب سب ايني كردنيس نكال كو أكم بوهام آگر ، میں کیچھ چہاوں کو انہیں پاچوان سکا ، وے ایسے دکھانی دے رہے تھے جیسے کہ بردے سے تعام هوں ، لیکن درسرے اُدم کیبھیر تھے ، اُن کے دفت کیلے ہوئے تھے اور وے اینے مسکراهٹ چیهائے کے اللہ آینے هوئٹ کات رقم تھے میں سب کو پینچان گیا، و به سب آسی جال سازی میں شامل تھے، و ب سب منشه، بهاشي دالو تهي ليكن إس كے ساته ساته ميں يه بھی جان گیا کہ آن کے وچاروں اور اُن کی بھارناؤں میں ذق تبا ، أن مين سے كنچه ٢ , چار نها نه منهيم بهمش سدا سے چلتا آیا ہے اور وہ ٹھیک یہی ہے ، اِن کے ورودھ کچے ایسے ہے تھے جن کا وجار تھا کا منشهہ بهکشن تبیک نہیں ہے، لیکن بهر بهی وقع درتے تھے ، انہیں بع در تھا کہ کہیں اُن کا بھنڈا پھرز نه هو چانے اور اِسی مع وسم میرسد کتهنوں پر چهبدھ تھے ، وسم منع منه جرها را ته د

ایسا پرتیت هرتا هے که اُسی سمے میرا بھائی بھی مجیسے جیدد هو گیا اور اُس نے زور سے چلا کر کھا' چلے جاؤ ! یاکل اُنہی کو بیجینے میں کیا مزا آنا ہے ؟!

तक कि पिछले दिन उन्होंने दुस्फ विलेज में उस मनुष्य की पकड़ा, पिछले साल जब एक मार्वजनिक स्थान पर एक मानुष्य की प्राणा दएड मिला तो तपेदिक के एक रोगी ने उस मरे हुए अपराधी के .सून में रोटी का दुकड़ा खुबांकर इस आशा से चाटा कि उससे उसका रोग ठांक हो जायेगा.

'मेरे भाई, अगर वे सब मनुष्यों को स्नाना चाहते हैं तो आप उन्हें रोक नहीं सकते. परन्तु आप भी उस जाल- साजी में क्यां शामिल हुए हैं ? उनकी तरह के मनुष्य-भक्षी दानव कुछ भी करने में न चुकेंगे. वे मुक्ते भी खा सकते हैं. वे आपको भी खा सकते हैं. और उसी जालसाजी में वे एक-दूसरे को भी खा सकते हैं. लेकिन अगर वे घूम पड़ें और कचानक अपने को खुधार लें तो हर-एक को शान्ति मिल जायगी. अगर ऐसी ही हालत रहे तो भी हम दोनों खासतौर से एक-दूसरे को स्नेह कर सकते हैं, मेरे भाई! उनका साथ छाड़ दीजिये! उनका खरडन कीजिये! उनसे कहिये कि आप ऐसा नहीं कर सकते, मेरे भाई! मुक्ते विरवास है कि आप 'नहीं' कह सकते हैं, क्योंकि अभी पिछले दिन जब आसामियों ने आपसे लगान कम करने के लिये कहा था तो आपने 'नहीं' कह दिया था.

जब मैंने श्रपने भाई से इस प्रकार कहा तो पहले तो वे रुखे दंग से मुस्कराये, लेकिन शीव ही धनकी मुद्रा कर हो गई, श्रीर जब मैंने जालसाजी के गुप्त मामलों का भंडो फोद दिया तो उनके मुंह का रंग (बरक्कल ही बदल गया, सामने के दरवाजे के बाहर मनुष्यों का एक भूगढ खड़ा था, उसमें बढ़े चाको और उनका इसा भी था, वे सब अपनी गर्दने निकाल कर आगे बदने लगे. मैं कुछ बेहरों को नहीं पहचान सका, वे ऐसे दिखाई दे रहे थे जैसे कि पर्दे से ढँके हों, लेकिन दूसरे अ।दमी गम्भीर थे, उनके दाँत खुले हुए थे श्रीर वे अपनी मुस्कराहट छिपाने के लिये श्रपने होंठ काट रहे थे, मैं सब का पहचान गया, वे सब उसी जालसाजी में शामिल थे. वे सब मन्द्य-भक्षी दानव थे. लेकिन इसके साथ-साथ में यह भी जान गया था कि उनके विचारों और उनकी भावनात्रों में फर्क था, उनमें से कुद्ध का विचार था कि मन्त्य-भक्षण सदा से चलता आया है और वह ठीक भी है, इनके (बढद्ध कुड़ ऐसे भी थे जिनका विचार था कि मनुष्य-भक्षण ठाक नहीं है, लेकिन फिर भी वे करते थे. उन्हें यह हर था कि कहीं उनका मत्हा फोड़ न हो जाय श्रीर इसी से वे मेर कथनों पर क्ष व्य थे. वे ममे मुँह चिदा

ऐसा प्रतीत होता है कि उसी समय मेरा भाई भी मुकसे श्रुच्ध हो गया और उसन जोर से विस्ताकर कहा, 'बले जाओ ! पागल आदमी का दखने में क्या मजा स्थाता है ? द्यार अपने उस स्थायी विचार से उन्हें छुटकारा मिल जाय तो वे आत्म-वश्वास के साथ अपने क म-काज कर सकते हैं और शान्तिपूर्वक घूम-फिर सकते हैं, खाना खा सकते हैं और सो सकते हैं. तब वे कितन अधिक सुख-चैन में होंगे ! अपनी आदतों में सुधार करने का मतलब होगा एक नई दुनिया में प्रवेश, एक दरें से गुजर कर आगे के एक नये दृश्य का दर्शन !

लेकिन पिता और पुत्र, भाई और बहन, पित और पत्नी, मित्र और राज्ञु, अध्यापक और शिष्य और अजनबी —सभी जालसाजी में हैं, एक-दूसरे को बढ़ात्रा दे रहे हैं, एक-दूसरे को शामिल कर रहे हैं. व मर जाना पसन्द करेंगे, लेकिन सुधार का एक मामूली क़दम नहीं उठायेंगे.

10

प्रात:काल तड़के मैं भ्रपने भाई की खोत में निकला. बह हाल के द्वार के सामने खड़े थे और आकाश की ओर देख रहे थे. मैं उनके पीछे जा पहुँचा और रास्ता रांककर मैंन उनसे बड़ी सच्चाई और शान्ति से कहा — 'भाई साहब, मुक्ते आपसे कुछ कहना है.'

'कह डालां,' जस्दी से घूमकर श्रीर अपना सिर हिलाते हुए उन्होंने उत्तर दिया,

'सुफे सिफ कुछ शब्द कहने हैं, परन्तु मेरे लिये उन्हें कहना किन हो रहा है. भाई साहय, मेरा विचार है कि गुरू में सब असभ्य मनुष्य कुछ न कुछ मनुष्य-भश्ची थे. बाद को उनके विचारों में अन्तर हो गया, उनमें से कुछ ने मनुष्यों को खाना छोड़ दिया, अपनी नैतिक अवस्था को सुधारने की प्रवल प्रेरणा से वे मनुष्य बन गये, मेरा मतलब है, बास्तविक मनुष्य, उनमें से कुछ ने मनुष्यों को खाना जारी रक्खा, वे कीड़ों की तरह थे. उन्हाने मछली और वन्दरों की स्थिति से होकर विकास किया और आखिर में वे आदमी बन गये. उनमें से कुछ सुधरना बाहते ही न थे, और वे अब भी कीड़े हैं. मनुष्यों को अपेचा कितनी आधक लड़जा और घृष्ण के पात्र हैं. जितना अन्तर कीड़ों और बन्दरों में है डमसे भी आधक अन्तर इन दो कोटियों के मनुष्यों में है.

वह घटना बहुत पुराने युग की है जब बी-या ने चीह और चाउ की किलाने के लिय अपन पुत्र का मांस पकत्या था. इस बात की करपना कीन पर सकता था कि पान-कू के पृथ्वी भीर आकाश का अपन-अजग बाँडने के दिन से लेकर यी-या के पुत्र के समय तक मनुष्य मनुष्य को खाता रहा है ? यी-या के पुत्र के समय से लेकर सूस्-लिंग के समय तक वे मनुष्य का खाते आये हैं. और सी-सु-लिंग के आगे भी उन्होंने मनुष्य को खाना जारी रक्खा है, यहां اگر اپنے اُس استھائی وچار سے اُنھیں چھتکارا مل جائے تو اُوے اُتم وشواس کے ساتھا اُپنے کم کاج کو سکتے ھیں اُور شائرتی پوروک گیم بھر سکتے ھیں اُور سو سکتے ھیں ، تب وے کتنے ادھک سکھ چین میں ھونگ ا اپنی عادتیں میں سدھار کرنے کا مطلب ھوگا ایک نئی دنیا میں پرویھی ایک درشت کا درشت کا درشت کا درشت کا درشت کا درشت کا

لیکن پتا اور پتر' بهائی اور بهن' پتی اور پتنی' متر اور شترو' ادههایک اور ششیه اور اجلبی سمیی جالساؤی میں هیں ار ایک دوسرے کو متعادا دے رقے هیں ، ایک دوسرے کو شامل در رقے هیں ، وہم سر جانا پسند کربنگہ' لیکن سدهار کا ایک معمولی قدم نہیں اُٹوائنکی ،

10

پرائکال ترکے میں اپنے بیائی کی کیوے میں نکلا ، وہ هال کے دوار کے سامنے کیرے تھے اور آکاش کی اور دیکہ رقے تھے ، میں اُن کے پینچھے جا بہونتچا اور راسته روک کر مینے اُن سے بری سنچائی اور شانتی سے کیا ہے؛ میں اُن سے کیچھ آپ سے کیچھ کہا ہے؛

'کہت ڈالو' جادی سے گہرم کر اور اینا سر ملاتے ہوئے آنہوں ۔ نے آتر دیا ۔

وہ گھٹنا بہت پرآنے یک نی ہے جب بی یانے چیھہ اور چلو کو کھٹنا بہت پرآنے بات کی چلو کو کھٹنا کے لیئے اپنے پار کا مانس پکایا تھا ، اِس بات کی کلینا کون کو سکتا تھا که پان-کو کے پرتبوی اور آگھی کو انگ الگ بانٹلے کے دی سے لیکو بی یا کے پٹر کے سمئے تک مشیع مشیعہ کو نھاتا رہا ہے ہی ہی اور سی سوسولئک کے سیے تک وی مشیعہ کو نھاتے آئے تھیں ، اور سی سولئک کے آگے بھی آنہوں نے مشیعہ کو کھاتے آئے تھیں ، اور سی بھال

नहीं थी. मैंने उससे पूछा—'क्या मनुष्य-भक्षण ठीक है ?' सुम्कराते हुए ही उसने जवाक दिया—''इस वर्ष कोई अकाल ता पड़ा नहीं है. (फर मनुष्य-भक्षण की क्या जरूरत ?'' मैं फौरन समक गया कि यह भी जालसानी में शामल है। यह भी मनुष्यों का खाना चाइता है. इसलिये मेरी हिम्मत सौ-गुनी बढ़ गई.

मैने इठ करते हुए किर बही सवाल पूछा—'क्या यह ठीक है १'

बह बं।ला—'ऐसी चीजों के बारे में पूछने से क्या लाम ? सचमुच आपको मजाक करना आता है. आज मौसम बड़ा अच्छा है .'

"मौसम बड़ा अच्छा है. चन्द्रमा .खूब चमकद।र है. लेकिन किर भी मैं आपसे हठ करके पूछता हूँ कि क्या यह ठीक है ?' ''

मेरे हठ करने से वह हड़बड़ा गया और गुनगुनाकर कहा---'नहीं...'

'नहीं ठीक है. फिर वे मनुष्यों को क्यों खाते रहते हैं ?' 'यह सच नहीं है.'

'सच नहीं है ! बुल्फ विलेज में उन्होंने यही किया और सब पुरानी किताबों में यह मोटे-मोटे बक्षाों में साफ-साफ तिखा है !'

उसका भाष बदल गया और उसका मुख बदरंग हो गया. आंखें फाड़ कर देखते हुए उसने कहा'—मुमिकिन है कि यह सच हो. ऐसा हमेशों से होता रहा है.'

'हमेशा से होता रहा है-पर क्या यह ठीक है ?'

'मैं आपके साथ बहस करने नहीं जा रहा हूँ, आप इसका जिक्र न की जिये, अगर आप जिक्र करते हैं तो राजती करते हैं.'

मैं उद्घल कर खड़ा हो गया और मैंने उसकी ओर पूर कर देखा. परन्तु तभी वह सायब हो गया. चोटी से एड़ी तक मैं पसीता-पसीना हो गया. उम्र में बह मेरे भाई से कहीं ज्यादा छोटा था. लेकिन फिर भी वह उस जालसाजी में शामिल था. उस के माता-पिता ने उससे ऐसा करने के लिये कहा होगा. और मुमें डर है कि कहीं उसने अपने लड़कों को भी यही शिचा न दी हो. इसी से बच्चे भी मेरी आर करू हिष्ट से देखते हैं.

9

वे मनुष्यों को खाना चाहते हैं, लेकिन .खुद खाये जाने से डरते हैं. वे चौकरने हाकर चारों श्रोर सन्देहपूर्ण दृष्टि से देखते हैं. ہیں نہی میاء آس سے روچہ اسائیا منشیہ بہکشی ٹھیک ہے ؟ ا سعراتے ہوئے ہی اسے نے جواب دیا اسان ورش کوئی آکال تو را نہیں ہے ۔ پہر منشیہ بہکشن کی کیا ضرورت ؟ اا میں دوراً مجے کیا کہ یہ بھی جال سازی میں شامل ہے ۔ یہ منشیوں کو بانا چاہتا ہے ۔ اِس لئے مہری عمت سوگی پڑھ گئی ۔

مینے ماہد کرتے ہوئے پھر وہی سوال پرچھا۔۔۔ کیا یہ تھک

رہ بولا۔ ایسی چیزرں کے بارے میں پوچینے سے کیا لابہ آ بے مچ آپ کے مزاق کرنا آنا ہے ۔ آج موسم بوا اچیا ہے .'

و اموسم ہوا اچھا ہے ، چندرماں خاب جمعدار ہے ، افعی بھر میں آپ سے معلم کر کے پوچھتا ہوں که اکیا یہ تہیک ہوئی۔ ا

میرے هقم کرنے سے وہ هو ہوا گیا اور گنکنا کر کیا۔۔۔ میں۔۔۔'

'نہیں ٹیرک ہے ۔ پیر وے منشیس کو کبس کیاتے رہتے ہو''

'يه سيم نهيں هے يَـــ

'سے نہیں ہے اِ راف رلیج میں اُنہوں نے یہی کیا اور ب پرانی کتابوں میں یہ موثی ہوئی اکشروں میں صاف صف با ہے اِ '

اُس کا بھاو بدل گیا اور اُس کا مکھ بدرنگ ھو گیا۔ آنکھیں او کر دیکھتے ھوٹے اُس نے کہا۔ الممکن ہے نہ یک سچے عوا۔ ایسا بیشتہ سے ھوتا رہا ہے!

المميشه سے هوتا رها ہے۔ پر کیا یہ ٹھیک ہے ؟ ا

المیں آپ کے ماتھ بحث کرنے نہیں جا رہا ہوں۔ آپ س کا ذکر نہ کیجٹے ، اگر آپ ذکر کرتے ہیں تو غلطی کرتے ہیں ،

میں اُچھل کر کیڑا عو گیا اور مینے اُس کی اُور کھور کر کھا پرنتو تبھی وہ غایب ھو گیا ، چوقی سے ایزی نک میں بیاء پسیند ھو گیا ، عمر میں وہ مدرے بھائی سے نہیں زیادہ ہوا تیا ، لیکن پہر بھی وہ سی جالسازی میں شامل تھا ، ل کے ماتا پٹا نے اُس سے ایسا کرنے کے لئے کیا ھوگا ، اور مجھے ہے کہ کہیں اس نے اپنے اوکوں کو بھی بھی شکشا نہ دی ۔ اِسی سے بچے بھی میری اور کرور دوشتی سے دیکیتے ۔ اِسی سے بچے بھی میری اور کرور دوشتی سے دیکیتے ۔

9

وسے ماہدوں کو کہانا چاہتے ہیں ایکی خود دہائے جائے قرق میں وہ چوکنے دو کر جاروں اُور سندیہ پیری درشتی دیکھتے میں ،

i e se

दे इस मतल्य से जाल विद्या रहे हैं कि मैं खुद अपने की मार ड'लूँ, पिन्नले दिन के सदक पर आदमियों के जमान और अपने भाई के बर्ताव का मिलान करके ही मैं उनकी जालमाजा का लगभग 9/10 भाग समक गया हूँ, अगर में अपनी कमर में बंधी हुई पेटी को खोल लूँ और उसे छत की किसी शहतीर में डाल कर फाँसी लगा लूँ तो इससे अधिक खुशी की दूसरी बात उनके लिये न होगी, मेरा खूब अच्छी तरह से दम घुट जायेगा, वे हत्यारे कहे जाने की बदनामी से भी बच जायेंगे और इसके साथ ही साथ उनके हत्य की इच्छा भी पूरी हो जायगी, सचमुच ने खुशी के मारे नाचेंगे, इसके विकद्ध, अगर मैं डर या चिन्ता से मर जाऊँ, तो मैं और अधिक दुवला हो जाऊंग, लेकिन इसे भी वे स्वीकार कर लेंगे.

वे सिर्फ सरे हुए का माँस स्वासकते हैं! जरा ठर्रिये—
एक बार मैंने एक प्रकार के जानवर के बारे में पढ़ा था.
उमें 'लकड़वग्धा' कहते हैं. इसकी आँखें और पूरा शरीर
देखने में बड़ा इराबना लगता था. वह अक्सर मरा माँस
खाता था और बड़ी से बड़ी हिंडुयाँ च्या कर निगलें जाना
था. उसके बारे में सांचने से ही मुफे डर लगता है.
लकड़वग्धा भेड़िये का रिश्तेदार होता है और भेड़िय' कुत्ते
का. पिछले दिन चाओं के कुत्ते ने कई बार मेरी बार देखा
था. उसके दिमारा में भी वही विचार होगा. वह भी इन
लागों में मिला है और उसने भी अपना हिम्सा पक्का कर
लिया है. वह बुड़ा आदमी अपनी आँखें बरावर फर्रा पर
जमाये था. लेकिन उससे मैं बाखे में नहीं आया.

सबसे श्रधिक धिककार मुझे अपने माई पर आता है. श्रांकर बह मनुष्य है. उसे डर क्यों नहीं लगता ? मुझे खाने के लिये वह इस जालसाजी में क्यों शामिल हुआ ? अभ्याम हो जाने से क्या उसका स्वभाव कठार हो गया है ? इसी से क्या वह इस काम में कोई बुरी बात नहीं देखता ? या वह यह जानता है कि वह अपराध कर रहा है और जान बूझ कर भी वह अपने अन्तःकरण का आवाज के खिलाफ काम कर रहा है ?

पहले तुम्हें और फिर सब सनुष्य भक्षी बानवों को मैं कोसता हूँ ! पहले तुम्हें और फिर सब मनुष्य-भक्षी वानवों को मैं बदल देंगा !

-8

श्रव वे सारे विचार उन्हें साफ-साफ माजून हो जाने चाहियें.....

अचानक एक नौजवान बादमी मेर पास आया. उसकी उम्र श्रीस वर्ष से ज्यादा न रही होगी. मैं उसका चेहरा भच्छी तरह से नहीं देख सका. लेकिन वह मुस्करा रहा था. उसने मुस्के देखकर सिर हिलाया, उसकी मुस्कराइट असली وسه اِس مطلب سے جائل بینیا رہے ہیں کہ میں خود آئیے کو مار ڈانس، بھیلے دن کے سرک پر آدمیوں کے جماؤ اور آئیے ہوائی کے درتاؤ کا میائی کو کے ہی میں اُن کی جائلساؤی کا لگ بیاگ کے درتاؤ کا میائی کو کے ہی میں اُن کی جائلساؤی کا لگ بیاگ بیاگ ہوں۔ اگر میں آپری کدر میں ہیئتو میں میں ڈائل کو پہائسی لگا اوں تو اِس سے آدھک خوشی کی میس ڈائل کو پہائسی لگا اوں تو اِس سے آدھک خوشی کی درسور بات اُن کے لئے نہ ہوگی، میرا خوب اچھی طارے سے دم گیم جائیگا، وہ ہائی دم گیم جائیگا، وہ ہائی کے ساتھ ہی سانھ اُن کے ہودئے کی بدنامی سے بھی بہ جائینگے اور اِس کے ساتھ ہی سانھ اُن کے ہودئے کی اُچیا بھی پوری ہو جائیگی، سبے میں در یا چاتا سے موجاؤں' تو میں اور ایس کے رودہ اُن کے سارے تاجیں اور اِس کے وردہ اُن کی ایس در یا چاتا سے موجاؤں' تو میں اور ایس کے دودہ کی ایک اِسے بھی وہ سوئیکار کو لینکے ،

وسے صرف مرسے ہوائے کا مائس کیا سکتے بھی اِ ڈرا ٹھہرٹھے۔۔
ایک بار میں نے ایک پرکار کے جانور کے بارہ میں پڑھا تھا ،
اُس آن بہار میں نے ایک پرکار کے جانور کے بارہ میں پڑھا تھا ،
میں بڑا دراونا لکتا تھا ، وہ آٹا، مرا مانس کیا با تھا اور بڑی سے بڑی مدال جوا کر ٹکل جانا تھا ۔ اُس کے باہے میں سجینے سے ھی مجھے در لکتا ہے ، اکترکہا بھدڑیئے کا رشتددار ہونا ہے اور بھفڑیا کئے کا ، پچیلے دی چاؤ کے کتے نے نگی بار می بی اور دیکیا دیا ، اس کے دائے میں بھی وھی وچار ھرگا ، وہ بھی۔ اُن لوگیں سے ملا ہے اور ایس نے بھی اپنا حصہ پکا کر لھا ہے ،
اُن لوگیں سے ملا ہے اور ایس نے بھی اپنا حصہ پکا کر لھا ہے ،
وہ بدتا آدمی اپنی آنہیں برادر فرش پر جمائے تھا' لیکی اِس

سب سے ادمک دیکار صحیے اپنے بہائی پر آبا ہے۔ آخروہ منظیہ ہے اسے در کیوں نہیں لکا ۔ محیے نیائے کے لئے وہ اِس جالسازی سے کیوں شامل ہوا ؟ ابیاس ہو جائے سے کیا اس کا سوبھاؤ انہور ہو گیا ہے ؟ اِس سے کیا وہ اِس کام میں کوئی بری بات سیس دیکیا ؟ یا وہ یہ جانا ہے کہ وہ ایرادہ کو رہا ہے اور جان بوجھ کو بھی وہ اید استه کری گی آواز کے خاف کام کر رہا ہے ؟

پہلے تمہیں ارر پھر سب منشید بھکشی دائیں کو میں کو میں کو میں کو میں کو میں دوستا دوں! پہلے' تمہیں اور پھر سب منشید بھکشی دائیوں کو میں بدل دونگا!

-8

اچانک ایک ترجوان آدمی میرے پاس آیا ، آس کی مدر بیس رش سے زیادہ نہ رھی ہوگی ، میں آس کا چیرہ آچی طرح سے نہیں دیکھ سکا ، لیکن وہ مسکرا رہا تھا ، آس نے مجھے دیکھ کرڑ سر ھلایا ، آس کی مسکراھٹ اصلی

जब मैं श्रीर श्रागे सोवता हूँ तो इस ननीजे पर पहुँचता हूँ कि श्रगर यह बुढ़ा श्रादमा छिपे भेस में जछाद नहीं है श्रोर सचमुच एक डाक्टर ही है, ता मी इतना ता सय है ही कि यह मनुष्य-भक्षी मनुष्य है. श्राजकल के डाक्टरों के पूर्वगानी प्रथमदशक ला-शीह-चेन ने 'जड़ी-यूटियों पर' नामक जो प्रन्थ लिखा है उनमें साफ-साफ कहा गया है कि मनुष्य का भाँस तन कर खाया जा सकता है. इसलिये क्या वह मनुष्य-भक्षी मनुष्य होने से इनकार कर सकता है ?

जहाँ तक मेरे आई का सवाल है, मैं इस पर मूडा आराप नहीं लगाता हूँ. जब वे मुक्ते प्राचीन-काल का इतिहास पढ़ाते थे, ता उन्होंने ख़ुद कहा था कि मनुष्य अपने 'पुत्रां के बदले में अज़' पासकता था, और एक बार एक दुष्ट मनुष्य के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा था कि इसकी हत्या करना इसे एक क्रास्थनत नम्र दगढ देना था. 'उसका ता माँस खा डालना चाहिये था और उसकी खाल का कम्बल बनवाना चाहिये था,' उस समय मैं बहुत होटा था और बहुत देर तक मेरा दिल धड़कता रहा भौर पिछले दिन जब बुल्क विलेग नामक गाँव के आसा-मियों ने मनुष्य के दिल और जिगर के खाये जाने की कशनी बताई तो मुक्ते तनिक भी अवरज न हुआ, उस समय मेरा भाई बिना करे हुये लगातार अपना सिर हिलाता रहा था. इससे श्राप समक सकते हैं कि एनके विचार अब भी बिल्कुल पहले-जैसे ही कर हैं. यदि आप 'पुत्र देकर बदले में खाना' ले सकते हैं तो आप बदले में कुछ भी ले-दे सकते हैं, आप किसी का भी खा सकते हैं पहले मैं सिर्फ़ उनके भाषण सुन भर लेता था और किसी बात पर पूछ-ताछ नहीं करता था. लेकिन अब मैं समक गया कि मुक्ते भाषण देते समय उनके हांठों पर मनुष्य की चर्ची तो रगड़ी ही रहती थी, इसके साथ-साथ उनका पूग दिल भी मनुष्य की खाने के त्रिवारों से भरा रहता था.

6

हर जगह अँधेरा, मैं नहीं जानता कि इस समय दिन है या रात. चात्रा का कुत्ता फिर भूँकने लगा है,

शेर की क्रूरता, खारगोश का डरपांकपन, लोमड़ी की

7

मैं उनका तरीका अलीमांति समक गया हूँ, वे मुक्ते सीधे नीं मारना बाहते, उनकी हिम्मत नहीं है, वे नतीजों से दरते हैं, इसलिये उन सबने मिलकर गुटबन्दी की है और 5

جب میں اور اگر سوچتا میں تو اِس تد بھے یو پہونھیا میں کہ اگر یہ بڑھا آدمی جوند بعدس میں جالد نہیں ک اور میں دائل می کا تربی اِنا تو طلا کے میک وہ منھید بہتی منشید کے آجکل کے تائمری کے پرگامی یتج پردرشک نی شیا جین نے 'جڑی برڈ وں پر'' نامک جو گرنتج لکھا کے اُس میں ساف صاف کہا گیا ہے کہ منشید کا مائسی نال کو کہا جا سکتا ہے ، اِس للہ کیا وہ منشید بہتشی منشید ہوئے سے اللاء و سکتا ہے ، اِس للہ کیا وہ منشید بہتشی منشید ہوئے سے اللاء و سکتا ہے ، اِس للہ کیا وہ منشید بہتشی منشید ہوئے سے

جهان تا مهرت بهائي كا سوال ها؛ مين أس ير جيونا أرب نہيں الاتا هوں . جب وے مجھے براچين کال کا اِنهاس رہماتے تھے کو اُنھیں نے خرف کیا تھا کہ منشیہ اپنے 'پتروں کے براء میں ان یا سکھ تھا ، اور ایک بار ایک دشت مغشیہ کے بارے میں بتاتے موئے انہوں نے کہا تھا اس کی مقیا کرتے اسے ابك اينتا لمرم دائد ديا تها . أس كا دو مادس كها دانها چاعثہ نها أور أس كي كهال كا قميل يقوأنا چاعثير تها؛ أسى سمير میں بہت چبرڈا تھا اور بہت دیر تک میرا دل دھونتا رھا ار بچہلے دن جب وقب ولیج نامک کاؤں کے آسامیوں نے منشیہ کے دل اور جا کو کے نہائے جانے کی کہائی بتائی تو مجھے الك بهي أجرب له هوأ ، إس سمه ميرا بهائي بنا رك حوث كادار أيا ما بعلانا رها تها . إس سه آپ معجه سكتے هيں كه أن كے رچار اب بھی ۽ لکل پہلے جيسے ھي کرور ھيں . يدي آپ 'يتو دبئر بدالے میں کہانا کے سکٹے میں تو آپ بدلے میں دھے بھی له دے سکتے طیں . آپ کسی کو بھی کھا سکتے طھی ، بہلے سیں مرف أن كے بھاشن سن بھر ليتا تھا ارر كسى بھى بات پر يوچھ ناچه نهیں کرتا تھا ، لیکن اب میں سمجع گیا که مجھے بہاشی لائے سے آن نے ہوئائوں پر منشیہ کی چربی تو رکزی ہی رحتی تھے اُس کے ساتھ ساتھ آن کا پورا دل بھی منشیہ کو کھائے غ رچارں سے بھرا رھٹا تھا .

6

هر جائم اندهورا ، مهن فيهن جانتا كه إس سمه دن هه

7

میں اُن کا طریقہ بہلی بیانت سمجھ گیا ہوں ، وے مجھے مدھ نہیں ہے ۔ وے تتیجوں مدھ نہیں ہے ۔ وے تتیجوں عمر نہیں ہے ۔ وے تتیجوں عمر ترج میں ، اِس اِئے اُن سب نے ماکر گٹ بندے کی ہے اُور

श्रद्धा'. क्या वे सोचते ये कि मैं यह नहीं सममा कि दूसरा भेष धारण किये हुए वह बुड्डा आदमी वास्तव में एक जल्लाद था. नव्य देखने के बहान वह सिफ यह पता लगाना नाःता था कि मारे जाने के लिए मैं काफी मंटा हूँ अथवा नहीं. बीर इस खाम काम के लिये उसे एक दुः इा मिलेगा. के कन मैं डा नहीं. गोकि मैं उनकी तरह मनुष्य-भक्षा नहीं हूँ तो भी मुक्तमें उनसे ज्यादा हिस्मत है. मैंन अपनी दानों मुहियाँ बॉधकर बाहर निकाल लीं और इन्ति-जार करने लगा कि देखें अब आगे वह क्या कहना है. युड्डा आदमी जुपचाप बैठ गया. उसने अपनी आँखें बन्द कर लीं और बहुत देर तक मेरी नव्य देखता रहा. वह बहुत देर तक जुप रहा. इसके बाद उसने अपनी दानवी आँखें खालों और कहा—'तरह-तरह की बाते' न सोचा करो. शान्त रहो और कुछ दिनों तक आराम करो. इससे तुम बिरुकुल अच्छे हो जाओगे.'

'तरह-तरह की बाते' न सोचा करो ! शान्त रहो और आराम करो,' आराम करते-करते जब मैं धीर इयादा माटा हो जाकँगा तब मुक्तमें उनके खाने के लिये धीर ज्यादा सामान हो जायगा. इस आराम से मेरा क्या लाभ होगा १ में 'बिल्कुल अच्छा' कैसे हो जाकाँ। १ मनुःयों का यह कुएड जा दूमरों का निगल जाना चाहता है, लेकिन जा चारों की तरह सब बात का छिताने को काशिश करता रहता है और जो सीधे-सीधे मारने की हिम्मत नहीं करता है —ये तो मुक्ते हँसाते हँसाते मार डालेंगे. मैं अपने को रोक न सहा और मेरी हँमा फट्ट निकली. मैं पूरी तरह से खुश था, मैं स्वय जानता था कि मेरी हमी में हिम्मत और सची भावना है. वह बुड़ढ़ा आदमी और मेरे भाई हका-वका हो गये, मेरी हम्मत और सची भावना ने उन्हें जीत लिया था.

लेकिन मुक्तमें हिम्मत है, इस कारण वे मुक्ते निगलने के लिये और भी अधिक उत्सुक हो जायेंगे, क्योंकि मुक्ते निगलने पर उन्हें मेरी हिम्मत मिल जायेगी. वह बुड्ढा आदमी द्वार से बाहर चला गया. लेकिन बहुत दूर जान के पहले ही उसने धीमी आवाज में मेरे भाई से कहा—'जल्दी लेना है'. मेरे भाई ने अपना सिर हिलाया. तो आप भी इसमें शामिल हैं! अपने भाई की साजिश की मुक्ते आशा न थी. फिर भी मुक्ते यह जानकर अवरज नहीं हुआ, मुक्ते खाने की साजिश में मेरा ही भाई है!

मेरा भाई मनुष्य-भची दानव है! मैं मनुष्य-भक्षी दानव का भाई हूँ!

चाहे में ख़ुद ही खा बाला जाऊँ, तो भी मैं एक मनुष्य-मध्नी दानव का भाई ही कहलाऊँगा! ایکن مجھ میں شمت ہے اس کارن وے مجھے تالمنے کے اور بھی ادمک آنسوک ھو جائیہ کا کیونکد مجھے تالمنے پر المیوں مدرس شمت مل جائیہ ، وہ بقما آن بی دوار سے باھر بلا تھا ، اوکن بہت دور جانے کے پہلے ھی اس نے دامیمی آواز میں مورے بہائی سے نہاساجادی لینا ہے؛ میورے بہائی نے اید سر بلایا ، دو آپ بھی اِس میں شامل بھیں اینے بھائی اید سر بلایا ، دو آپ بھی اِس میں شامل بھیں اینے بھائی اور سے محجھے یہ جان کو ایرج نہیں بھوا ، مجھے کھانے کی سازش میں میوا ھی اورج

میرا بہائی منشیه بہتھی دائو ہے 1 میں منشیه بہتھی دانو کا بہائی ہوں!

چافے میں خود علی کها ذالا جاؤں اور بھی میں ایک منشیہ بیکشی دانو کا بہائی ھی کہاؤنگا 1

नहीं करते. मैं कैसे कल्पना कर सकता था कि इन मनुष्यों के विचार क्या हैं, खास तौर पर उस समय जबकि वे किसी को निगतने की तैयारी कर रहे हों ?

श्रव प्रत्येक वस्तु को समभने के पूर्व उसकी जाँच-पड़ताल कर लेना जरूरी है, यद्यपि साफ साफ नहीं तो भी योड़ा-धहुत तो मुभे याद पड़ता ही है कि प्राचीन काल से लेकर आज तक मनुष्य अक्सर खाये गये हैं. पता लगाने के लिए मैं एक इतिहास की पुस्तक देख रहा था, लेकिन उसमें तिथियाँ नहीं वी थीं हर एक पन्ने पर सिर्फ 'दान-शीलता, 'सदाचारिता,' 'नैतिकता' और 'गुण् ' के लिए कुछ शब्द लिस्ने थे. मैं बरावर करवटे बद्लता रहा, लेकिन मुमे नींव न आई. आधी रात तक मैं पुस्तक में बड़ी साव-धानी के साथ छान-बीन करता रहा, तब कहीं मैं यह समभ पाया कि उन शब्दों के बीच में क्या लिखा था, पूरी पुस्तक में सिर्फ दो ही शब्द थे 'मनुष्य-भक्षण्ये'.

पुस्तक में वे सब शब्द और आसामियों द्वारा कही गई वे सारी बातें हुँ स्वर्ती दुई श्वरनी बड़ी-बड़ी आँखें खाल रही हैं श्वजीब तरह से मेरी ओर देख रही हैं.

मैं भी मनुष्य हूँ, वे मुक्ते निगल जाना चाहते हैं!

4

धाज प्रातःकाल में चुपचाप बैठा था. तभी चेन लाखां-वून खाना भेजा—तरकारियों का एक कटारा खोर उदली हुई मझली का एक कटोरा. मझली की बाँखों सफोद खोर कड़ी थीं. मनुष्य-भक्षी उस जन-समूद की भाँति ही उसका मुँह खुला था. मैंने कुझ लुकमे खा लिये. परन्तु मुके यह पता न लगा कि यह चिकनी चीज मझली है या मनुष्य. इसलिए मैंने के कर दी खोर उसे फर्श पर उगल दिया.

मैंने कहा—'लाओं-व, कुपया जाकर मेरे भाई से कह दीजिए कि मेरा मन बहुत बुरी तरह से कब गया है और मैं बारा में टहलना चाहता हूँ, लाओं-यू ने कोई जवाब न दिया, वे बाहर निकल गए, कुछ समय बाद वे बापस आए और डन्होंने द्वार खोला.

वास्तव में मेरी समक्त में यह न आया कि वे मेरे साथ क्या करने जा रहे थे। लेकिन मैं यह समक्त गया कि वे मेरे ऊपर रक्खे गए अपने शिक्ठजे को ढीला करने नहीं जा रहे हैं. निःसन्देह, मेरे भाई एक बूढ़े आदमी का भीतर लाए. वह धीरे-धीरे मेरी ओर बढ़ा. वह आदमी डर रहा था कि कहीं मैं उसकी आँखों की क्रूर दृष्टि न देख लूँ. इसी से वह अपनी आँखों का फर्श पर मुकाए रहा. उसने मुक्ते अपनी आँखों की कोरों से देखा. मेरे माई ने कहा— 'आज तुम (बल्कुल ठीक मालूम हाते हो.' मैंने कहा, 'हाँ'. इस पर मेरे भाई ने कहा—'हम लागों ने डाक्टर से आज आकर तुम्हें ठीक करने के लिये कहा है —'शैंने कहा, 'बहुत نہیں کرتے، میں کیسے کلینا کر سکتا تیا که اِن سنشیرں کے وچار کیا میں ' خاص طور پر اُس سب جب که وجے کسی کو لکانے کے تیاری کر رہے میں آ

اب پرتئیک وستو کو سمجھنے کے پررو اس کی جانیج پرتال کرلینا ضروری ہے . یدیی صاف صاف نہیں تو بھی تھرتا بہت تو مجھے یاں پرتا ھی ہے کہ پراچیس کال سے ایکر آج تک سلشیم انثر 'ہائے گئے ھیں . یکم لگائے کے لئے میں ایک اِتہاس کی پستک دیکھ رھا تھا' لیکن اس میں تعییل نہیں دی تھیں ، ھر ایک اِبلے پر صرف 'دان شیلگا' 'سداچا یکا' 'نیتکٹا' اور 'گی' کے لئے کچھ شید لکھ تھے ، میں برابر کروٹیں بدلتا رھا لیکن سجھے نیدن نہیںآئی، آدھی رات تک میں پستک میں بری سروی ساودھائی کے ساتھ جھان بین کرتا رہا ۔ تب کہیں میں یہ سمجھ پایا که آن شیدوں کے بیچ میں کیا لکھا تھا ۔ پرری پستک میں صرف دو ھی شید تھے 'میں کیا لکھا تھا ۔ پرری پستک میں صرف

ہستک میں وے سب شہد اور آساموں دوارا کہی گئی وے ساری ہاتھی انجھیں کھول وے ساری ہاتھی انجھیں کھول اور دیکھ ربھی میں ۔

میں بھی منشیہ عوں ، وے مجھے نکل جانا چاھیے عیں!

4

آج پراسکال میں چپ چاپ بیٹھا تھا ، تبھی چھن اورور نے کیا نا بھیجا۔۔۔ترکاریوں کا ایک کٹررا اور آبلی ھرئی منچہلی کا ایک کٹررا ، منچہلی کی آنکھیں سفید اور کڑی تھیں ، منشیع بیشی اس جن سموہ کی بھانت ھی اس کا منه بھلا تھا ، سیں نے کچھ لقبے کھا لئے ، پرستو مجھے یہ پتہ نہ لگا کہ یہ چکئی چیز منچہلی ہے یا منشیہ ، اِس لئے میں نے قے کر دی اررأس نرش پر آگل دیا ،

میں نے کہاساؤ رو؛ کریھا جا کر میرے بھائی سے کہ دہجیئے کہ میرا می یہت بری طرح سے اُوب گیا ہے اور میں باغ میں تہلنا چاہتا ہوں؛ لاؤ رو نے کوئی جواب نہیں دیا ، وجہ یعو نکل گئے ، کچھ سمے بعد وے رایس آئے اور انہوں نے دوار کولا ،

واستو سیس میری سبجی میں یہ نہ آیا کہ وسے میرسے ساتھ کیا کرنے جا رہے ہیں ۔ لیکن میں یہ سبجی گیا کہ وسے میرسے اور رکھے گئے اپنے شہ حجے کو تعیلا کر نے ٹیھیں جا رہے ہیں ، نسریہے میرسے بھائی ایک بروٹ آدمی کو بھیٹر لائے اُرر وہ دھیرے دھیرے میرس ایک کرور درشگی نہ دیکھ لوں ، اِسی سے وہ اپنی آنکھوں کو فرض پر جھکانے رہا ۔ اُس نے معجمے اپنی آنکھوں کو فرض پر جھکانے رہا ۔ اُس نے معجمے اپنی آنکھوں کی کوروں سے دیکھا ۔ میرسے بھائی نے کہاستآج تم بااکل نہیں معلیم میرس ہوتے ہو ۔ میں نے کہاستاہے تم بااکل نہیں بھائی نے کہاستاہ کہا ہو سے آج میرسے بھائی نے کا اُسے کیا ہے؛ اِس پر میرسے بھائی نے کہاہ میں نے کہا ہے، میں نے کہا۔ اُس نے کہا۔ اُس نے کہا۔ اُسے کہا۔ اُس نے کہا ہے اُس نے کہا۔ اُس نے کہا ہے، میں نے کہا ہے، میں نے کہا ہے، میں نے کہا ہے۔ اُس نے کہا۔ اُس نے کہا۔ اُس نے کہا۔ اُس نے کہا ہے؛ میں نے کہا ہے۔ اُس نے کہا۔ اُس نے کہا۔ اُس نے کہا ہے، میں نے کہا ہے؛ اُس نے کہا۔ اُس نے کہا ہے؛ اُس نے کہا ہے

इस पर विरूप मुख बाले मनुष्यों का बह सुएड दाँत खालकर जोरों से हँसने लगा. तब चेन लाओ-बू मेरे. पास आये और मुमे खींचकर घर ले गये.

वे मुफे खीं वकर घर ले गये. घर के मनुष्यों ने ऐसा हल अपनाया कि जैसे वे मुफे जानते ही न हाँ., उनके मुख के भाव वैसे ही थे जैसे कि दूसरे मनुष्यों के. जब मैं अपने पढ़ने-लिखने वाले कमरे में घुम गया ता उन्होंने द्वार पर ताला लगा दिया. ऐसा लग रहा था कि जैसे वे किसी मुर्गी अथवा बतल को कटघरे में बन्द कर रहे हों.

कुछ दिन हुए, बुल्फ बिले त नामक गाँव के छासामी यह कहने के लिये आये थे कि उनके जिले में अकाल पड़ा है. उन्होंने मेरे आई को सूचना दी कि वहाँ गाँव वण्लों ने एक बड़े बदमारा को मार डाला और इसके बाद उनमें से कुछ एक ने उसे चीरकर उसका हृद्य और जिगर निकाल लिया. उन्होंने उन दुकड़ों को तला और उन्हें खा डाला जिससे उनमें हिम्मत पैदा हो. मैं उनके बीच में ही बोल पड़ा. आसामियों और मेरे आई ने बुरी तरह मेरी आर देखा. अब मेरी समक में आया कि उन्होंने मेरी आर उसी प्रकार देखा था जिस प्रकार बाहर कं सुन्ड ने.

जब मैं इसे साचता हूँ तो चोटी से लेकर एड़ी तक सिहर जाता हूँ.

वे उस मनुष्य के भीतरी श्रङ्ग खा गये, ता क्या वे मुफे न म्याजायेंगे ?

उस की के कथन पर विचार की जिये, 'जी चाहता है कि तुमें कई बार दाँतों से काट खाऊँ.' और इस कथन का उन हाँसी अथवा विकल मुख और खुले हुए दाँतों वाले मतुष्यों के उस मुन्ड तथा आसामियों द्वारा कही गई उस कहानी से मिलान को जिये. सान जाहिर है कि ये शब्द एक गुष्त सङ्कृत थे. उनके शब्दों में जहर था, उनकी हाँसी में कटारें था. और उनके चमकते हुए सकेद हातों की कतारें प्रकट कर रही थीं कि वे मतुष्य-भक्षी दानव हैं.

अब, जैसा कि मैं सांचता हूँ, मैं कोई बदमाश नहीं हूँ. लेकिन सुम्मसे श्री कु-चिड का कुत्ता कुचल गया था. इस-लिये अब यह कहना कठिन है. ऐसा लगता है कि उनके दूसरी तरह के विचार हैं. उनकी मैं करूपना तक नहीं कर सकता. इसके अजाबा, जम कभी वे आप से नाराज होंगे तो आपको बदमाश समम्मने लगेंगे. मुमे वे बातें याद हैं जब मेरे बड़े भाई मुमे निबन्ध लिखना सिखाते थे. जब कभी भले से मले मनुष्य की भी मैं कह आलोचना करता था तो मेरे भाई उसका अनुमोदन करते थे, और यदि मैं दुध्य मुनुष्यों को क्षमा कर देता था तो वे कहा करते थे कि, 'तुम बड़े भले लड़के हो जो सर्वसाधारण की तरह व्यवहार

اِس پر وروپ منه والے منهیوں کا وہ جینت دانت قبول کر وروں سے دنسنے لگا۔ تب جہن الا-رو میرے پلس آئے او مجھے کینیے کر گیر لے گئے۔

وے محقص کھفنچ کو گھر نے گئے ۔ گھر کے منشقیں نے آیسا رخ آپایا کا جرسے وے سجھے جانتے بھی تب ھوں ۔ آن کے متع کے بیاؤ ویسے بھی تھے جیسے که دوسرے منشوں کے ، جب میں اپنے پرعفے لکھنے والے کمرے میں گیسگیا تو آنھوں نے دوار پرتالا لگا دیا۔ ایسا گ رہا تیا نہ جیسے وہ کسی مرغی انھوا بطح کو کاکورے میں بغد کر رہے ھوں ۔

کچھ دن ھوٹے واقب ولیج ناسک گؤں کے آسامی یہ کہنے
کے اٹھ آئے تھے گد اُن کے ضلع میں اکل پڑا ھے۔ اُنھوں نے مفرے
بھائی کو سوچنا دی کہ وہاں گاؤں والوں نے ایک بڑے بدہماھی
کو مار ڈالا اور اِس کے بعد اُن میں سے تعجه ایک نے اسے چھر
گر اُس کا ہودئہ اور جکر مکال لیا ۔ اُنھوں نے اُن ڈکڑوں کو تلا
اُور اُنھوں کیا ڈالا جس سے اُن میں ہمت پیدا ہو ۔ میں
اُن کے بیج میں ہی برل پڑا ۔ آسامیوں اور میرے بھائی نے
بری طرح میدی اور دیکھا ۔ اب میری سمجھ میں آیا کہ اُنھوں
نے میری اُور اُسی پرکار دیکھا تھا جس پرکار باہر کے جھنڈ نے ۔

جب میں اِسے سوچتا ۱۰رس تو چوٹی سے ایمر آیتی تک سہر جانا ہوں ،

و۔ اُس منشیہ کے باقاری انگ کیا گئے ، تو کیا وے معید عالیاتی ا

آس استری کے کتبی پر وچار کیجئے' لہی چاھتا ہے کہ تجھے کئی بار دائنتوں سے کات کیاؤں؛ اور اِس کتبی کا اُس هنسی انبوا وروپ منه اور کیلے عرقہ دائنتوں والے مشیوں کے اُس جھنٹ تتھا آسامیوں دوارا کی گئی اُس نہائی سے میالی کیجیئے، صاف میں ہم دع یہ شہد ایک گہت سندست تھے، اُن کے شہدوں میں زعر نها اُن کی هنسی میں کتاریں تھیں ، اور اُن کے چمکئے ہوئے سنید دائنتوں کی عطاریں پرکت کو رھی تھیں کو جہ منشیہ بھکشی دائنو عیں ،

وے منشیہ بھکشی دانو عیں ۔ اُپ جیسا تہ میں سوچٹا ہوں' میں کوئی بدمعافی فیمن عوں ۔ لیکن مجیسے شرعی کوجیٹو کا کٹا کجیل گیا تھا ۔ اِس

عول ، لیکن مجهسے شری کوسچدٹو کا کتا کیچل گیا تھا ، آس لئے آپ یہ کہنا تھیں ہے ، آیسا لکتا ہے کہ اُن کے دوسری طرح کے وچار ھیں ، اُن کی میں کلینا تک ٹیھی کر سکتا ، آس کے علاوہ جب کبھی رہے آپ سے ناراض ھونگے تو آپ کو بدمعاش سمجھنے لکرں گے ، مجھے وے بانیں ، یاد عیں جب مھرے ہوے بھائی مجھے نبلدھ لکھنا سکھاتے تھے، جب کبھی بیلے سے بھلے منشیہ کی بھی میں کتوآ لوچنا کرتا تھا تو میرے بھائی اس کاانومودی کرتے تھے؛ اور یدی میں دشمی منشیوں کو چھما کر دیکا تھا تو وہے کہا کرتے تھے؛ اور یدی میں دشمی منشیوں کو چھما کر دیکا تھا تو وہے सात आदमी श्रीर भी थे जो मेरे बारे में काना-फूसी कर रहे थे. वे हर रहे थे कि कहीं मैं उन्हें देख न लूँ. सड़क के सारे शादभी बैसे ही थे. उनमें से एक खास तौर से कूर था. वह सीधे मेरी श्रीर देखकर मुँह फाड़कर हुँसा. मैं चोटी से लेकर एड़ी तक काँप उठा. मैं जानता हूँ कि उन्होंने पूरी तैयारी कर ली है.

लेकिन मैं छरा नहीं. मैंने सड़क पर घूमना जारी रक्खा. वहाँ वहाँ का एक मुन्द था. वह भी मेरे बारे ही में बातें कर रहा था. उनके मुख का भाव वैसा ही था जैसा कि बड़े चात्रों का. उनके मुख विरूप थे. मैं सोचने लगा, 'छाटे वहाँ से मेरी क्या दुश्मनी है जिससे ये भी इस प्रकार के हैं ?' बरवस मैं चिल्ला डठा, 'तुम लोग मुमे बताध्रों!' इस पर वे सब भाग गये.

मैं संचित्त लगा, 'बड़े बाबो ब्रीर मुममें क्या दुश्मती है ? मुममें ब्रीर सड़क के मतुष्यों में क्या दुश्मती है ?' सिवाय इसके कि बीस वर्ष पूर्व मुमसे भी कु-चिड का कुना कुनल गया था और इससे भी कु-चिड बहुत चिढ़ गये थे. गो। क बड़ा चाबो उन्हें नहीं जानता तो भी उसने इसके बारे में सुना होगा ब्रीर उसी अपमान का बदला लेना चाहता है. इसी ने सड़क के मतुष्यों को मेरा शत्रु बना दिया है. प्रत्यु बच्चों के बारे में क्या कहा जाय ? उस समय तो वे पैदा भी नहीं हुए थे. फिर वे मेरी तरफ ब्राँखें फाड़-फाड़कर क्यों घूरते हैं जैसे कि वे मुमसे डरते हों अथवा इसी से मैं डरता हूँ. इसी से मुम्मे बेहद अपरज ब्रीर दु:ख होता है.

अब मैं समक गया- उनके माता-दिता ने उन्हें ऐसा

बतीब करने के लिए कहा है!

3

रात को मैं सो नहीं पाता हूँ. किसी बात को समभने के लिये पहले उस पर छान-बीन करना जरूरी हो जाता है. वे मनुष्य—उनमें से इन्छ को मजिस्ट्रेट ने द्एड दिये हैं, कुछ जनसाधारण द्वारा चाँटे ला चुके हैं, कुछ की परिनयाँ साधारण कोटि के मनुष्यों की गालियां खा चुकी हैं, कुछ के माता-पिता महाजनों (ऋण दालाओं) द्वारा मार डाले गये हैं; लेकिन इतनी बड़ी-बड़ी मुसीबतों के समय भी ये ऐसे खराबने नहीं दिखाई दिए जैसे कि कल दिखाई दे रहे थें— और उस समय न तो ये इतने कर ही थे.

कल सड़क पर सब से क्यादा अजीव तो वह की थी. इसने यह कहते हुए अपने लड़के की चाँटा मारा, 'जी चाहता है कि तुम्से कई बार दांतों से काट खाऊँ, तभी मेरा गुस्सा शान्त होगा'. लेकिन जब वह यह कह रही थी तब

मेरी श्रोर देख रही थी.

سات آدمی اور بھی تھے جو مهرے بارے میں اتا پہرسی کر رہے تھے ہدے رہے تھے ہی درجے تھے ہی درجے تھے کہ کہدیں میں انہیں دعہ تعلیم ۔ سوک کے سارے آدمی ویسے هی تھے ، اُن میں سے آیک خاص طور سے کرور تھا ۔ اور دیکھ ک منھ پہاڑ کر ھنسا ، میں چوٹی سے لیے کر ایری تک کانپ آئیا ، میں جانتا ھی کہ انہیں کے پورسی تیابی کرانے ہے ،

لیکن میں قرآ نہیں ، میں نے سرک پر گھومنا جاری رکھا ، رھاں بچوں کا ایک جہات تھا ، وہ بھی مھرے بارے ھی میں باریں کو رھا تھا ، آن کے مکھ کا بھاؤ ویسا ھی تھا جیسا کہ بڑے داؤ کا ، اُن کے مکھ وروپ تھے ، میں وچنے لگا ' چہوئے بچوں سے میری کیا دشملی تے جس سے یہ بھی اِس پرکار کے ھیں ؟ ' بیس میں چلا اُٹھا' 'نم لوگ مجھے بتاؤ !' اِس پر وے سب بیاگ گئے ،

میں سرچنے لگا' 'ہڑے چاگ اور مجھ میں کیا دشمنی ہے ؟ مجھ میں اور سڑک کے منشوں میں کیا دشمنی ہے ؟ سوائے مجھ میں اور سڑک کے منشوں میں کیا دشمنی ہے ؟ سوائے اس کے بھس ورش پورو مجھسے شری کو۔چیئ کا کتا کچل گیا آبا اور اِس سے شری کو۔چیئ بہت چڑہ گئے تھے ، گوکہ ہڑا چائ انہیں نہیں جانتا ہو بھی اُس نے اِس کے بارے میں سنا ہوگا اور اُسی ایسان کا بداته ایفنا چا تا ہے ، اِسی نے سڑک کے منشوں کو مہوا شارو بنا دیا ہے ، پرنتو بچوں کے بارے میں نیا کہا جائے ؟ اُس سے او وہے پیدا بھی نہیں ہوئے آھے ، پھر رے میوی طرف آنکھ پھار بھار کو کیوں گھورتے میں جھسے کہ رے مجھسے کہ وہے مجھسے تر اُسی سے میں ترانا موں ، اِسی سے مجھسے یہ رہے میں ترانا موں ، اِسی سے مجھسے یہ اِسی سے میں ترانا موں ، اِسی سے مجھسے یہ اُسی سے مجھسے یہ اُرے اُرد دکھ ہوتا ہے .

آب موں سمجہ کیا۔۔ أن كے ماتا پتا نے أنهيں أيسا بوتاؤ كرنے كے لئے فيا هے !

3

رأت كو ميں سو تهيں پاتا هوں . كسى بات كو سمجھنے كے لئے پہلے اس پر چھان بدن كرنا ضرورى هو جانا هے . و.م منسيہ ان ميں كچھ كو مجستريث نے دنت ديئے هيں كچھ جن سادهارن دوارا چائئے كها چكے هيں كچھ كى پتليان سادهارن كرتى كے منشيس كى كاليان كها چكى هيں كچھے كے مانا پتا مهاجندن (رئٹر داناؤں) دوارا مار 31ء گئے هيں كاليان انهى بتى بي بتى بي تولى مصيبترن كے سمے بھى يه ايسے درأونے نهيں دنائى دیئے جيسے كه كل دكھائى دے وهے تھے ۔ اور أس سمے نه تو يه إنه كرور هى تھے .

کل سڑک پر سب سے زیادہ عجیب تو وہ استری تھی ۔ اُس نے یہ کہتے ہوئے اپنے اوکے کو جانٹا مارا کھی جادتا ہے کہ تجھے کئی بار دانتوں سے کات کھاؤں ۔ تبھی ممراً غصہ شانت ہوتا لیکن جب وہ یہ کہہ رہی تھی تب میری اُرر دیکھ رہی تھی ۔

یا اور آشواسی دبتے ہوئے پاتے سوچت کیا کہ ایا آس کا مائی بالکل ٹھیک ہو کیا ہے اور اُس سب دفتر کے ایک ام سے باہر گیا ہے۔ اِس کے بعد رہ نہ کیا کو هنس پرا اور اُس لے مجھے اپنے بہائی کی وہ تابری دکھائی جسے رہ اپنے پاگلیں بیں لکیا کرتا دیا ۔ شاید یہ تابری میرے معروں کی وچی کا وشہ بی سکے؛ یہ کہتے ہوئے اُس نے مجھے وہ تابری نہے دی۔

میں برینے کے لئے تااری گہر لے آیا . سجھے اُس سے بتہ چا که مهرے مثر کو 'پرپیزن بهرم' کا روگ تھا، تأبیری کی بهاشا میں ناء أسيشتنا تهی أور ناء كرم استهان استهان يو أس سی بےلگام اور بے سر پیر کی باتیں انہی تھیں ۔ ڈایری میں کھیں پر بھی تاریخ نہ تھی اور نہ اُس کی سیاھی اُتھوا لیکھ هی ایک سے تھے ۔ اِن بانوں سے میں اِس نترجے پر بہلجا که یه ایک سانس میں آیک هی بآر بیته کر نبیس لکھی گئی آھی۔ ہوئتو پور بھے سمھارن ڈاپری سین ایک تک ایک تتھیما دعائم دیتا هے ایس سے بن أس دائري كي ايك نقل تيار کر رہا ہوں ۔ اِسے میں دمافی روگوں کے بشیشکیوں کے سامنے رکھنا چاھٹا ھوں ، قایری میں انہے ھوکے منشیوں کے تاموں کو ھی میں نے بدلا ہے؛ گرکه رہے سبھی نام میرے گاؤں کے مندیس کے هی تھے جاویں باهر کی دنیا کا کہٹی ہی منشیم دیوں جانتا . اِس کے عالم ڈایری کا ایک تبد بھی میں لے نہیں بدلا ، اِس سے ڈایری کے شدش مول میں دوئی انتر نہیں آیا ھے ، جہاں نک اِس کے شیرشک کا پرشن ھا اُسے سوئم میرے متر لے بیماری سے چہتکارا ملنے کے بعد دیا ہے اور آسے بدللے کا کوئی کاروں نبھیں دکھائی دیتا ۔

\$ \$ \$ \$

2 اپريل گن تنتر کا سانوان ورهی (ارتبات 1918)

آج شام کا چندرساں ہزا چہ دار ہے ۔ اِس پرکار کا چندرساں میں نے بحجیلے الک ورشی میں نہیں دیکھا ۔ آج اِسے میں نے دیکھا اور اِس سے سجھے ایک عجیب تازگی کا انوبیہ ہوا ۔ تب مجھے گھات ہوا کہ میرے بیتے ہوئے جیوں کے نیس ورش سے ویادہ کا سیے صرف ایک سینا رہا ہے ۔ لیکن محجیم بہت ہی موشھار رہنا چاہئے ۔ نہیں تو خاؤ کے نتم نے مہری طرف اِس پرکار کیوں دیکھا ہ اور شی بارا

2

آپے رات کو چندرساں نہوں نکلا میں جاننا ہوں کہ کچھ آسٹ ھونے والا شے آپے سویرے باعر جاتے سے میں بڑا آسٹ ھونے والا شے آپے میں میرا بڑی سجیب تھی ، والا مجسے قرا ہوا سا معلوم ھوتا نہا جیسے کہ والا معلوم گوت ھونے آس کے علوالا جیسے قرا کرنا چاھتا ھو ، اُس کے علوالا جیسے

दिया और आरवासन देते हुए पुनः स्वित किया कि अव उसका भाई बिल्कुल ठीक हो गया है और इस समय द्वतर के एक काम से बाहर गया है. इसके बाद वह खिल-विलाकर हँस पड़ा और उसने मुक्ते अपने भाई की वह हायरी दिखाई जिसे वह अरने पागलपन में किया करता था. शायद यह डायरी मेरे मित्रों की कि का विषय बन सके.' यह कहते हुए उसने मुक्ते वह डायरी दे दी.

मैं पढ़ने के लिये डायरी घर ले आया. मुक्ते उससे पता बला कि मेरे मित्र को 'परिपीइन-भ्रम' का रोग था. छायरी की भाषा में न स्पन्दता थी और न क्रम. स्थान-स्थान पर उसमें बेलगाम और वे सिर-पैर की बात लिखी थीं. बायरी में कहीं पर भी तारीख न थी और न उसकी स्याही अथवा लेख ही एक से थे. इन बातों से मैं इस नतीजे पर पहुँचा कि यह एक साँस में एक ही बार बैठकर नहीं लिखी गई थी. परन्तु फिर भी सम्पूर्ण डायरी में एक तुक, एक तथ्य. दिखाई देता है. इसी से मैं उस डायरी की एक नक़ल तैयार कर रहा हूँ. इसे मैं दिमारी रागों के विशेषझां के सामने रखना चाहता हूँ. डायरी में लिखे हुए मनुद्यों के नामों का ही मैंने बदला है, गोकि वे सभी नाम मेरे गाँव के मनुष्यों के ही थे जिन्हें बाहर की दुनिया का कोई भी मतुष्य नहीं जानता. इनके ऋलावा डायरी का एक शब्द भी मैंने नहीं बदला. इससे डायरी के शेष मूल में कोई भन्तर नहीं आया है. जहाँ तक इसके शीर्षक का प्रश्न है, उसे स्वयं मेरे मित्र ने बीमारी से छटकारा मिलने के बाद दिया है और उसे बदलने का कोई कारण नहीं दिखाई देता.

& % 2 अप्रैल गणतम्त्र का सातवाँ वर्ष (अर्थात् 1918)

आज शाम का चन्द्रमा बड़ा चमकदार है. इस प्रकार का चन्द्रमा मैंने पिछले 30 वर्षों में नहीं देखा. आज इसे मैंने देखा और इससे सुमे एक अजीव ताजगी का अनुभव हुआ. तब मुमे बात हुआ कि मेरे बीसे हुए जीवन के तीस वर्ष से ज्यादा का समय सिर्फ एक सपना रहा है. लेकिन सुमे बहुत ही होशियार रहना चाहिए. नहीं ता—नहीं तो चाओ के कुत्ते ने मेरी तरफ इस प्रकार क्यों देखा ? और कई थार!

आज रात को चन्द्रमा नहीं निकल'. मैं-जानता हूँ कि इब अनिष्ट होने वाला है. आज सबरे बाहर जाते समय में बड़ा सावधान था. बड़े बाओ की मुख-मुद्रा बड़ी अजीब औ. बह मुक्तसे हरा हुआ सा मालूम होता था, जैसे कि बह मेरी इब हानि करना चाहता हो. उसके अलावा हा:—

"मगर इस बीच थीं कहाँ तुम ?"

कई शहरों के नाम उन्होंने बताए—कुछ इस तरह गोया बहुत पहले भूली किसी बात को याद करने की कोशिश कर रही हैं. और इस बीच बराबर किसी बाज की तरह सारे कमरे में बतौर जरा भी आवाज किये चक्कर काटती रहीं.

"बह पोशाक कहाँ से मिली ?"

'मैंने ही बनाई है. अपने सारे कपड़े मैं ही बनाती हूँ." यह सोचकर मुक्ते अच्छा लग रहा था कि वह औरों से मुख्तिलिक हैं. लेकिन अफ्सोस यही था कि वह बोलती बहुत ही कम थीं. जब तक मैं कुछ पूछता नहीं था तब तक अमूमन वह चुप्पी हो साथे रहती थीं.

अब वह फिर आकर मेरे पास कोच पर बैठ गईं और खुपचाप, एक दूसरे से चिपटे हम दोनों उसी तरह बैठे रहें—जब तक कि नाना-नानी लौट नहीं श्राए. वह लोग जब आप तब उनमें से मोम और धूपबत्ती की महक आ रही थी, और एक अजीव सी संजीदगी और मिठास थी उनके बरताव में.

रात का खाना इस लागों ने त्याहारों के दिन की तरह खाया—वैसी ही संजीदगी के साथ और खाते वक्त बहुत ही कम बाल और इतने धीरे-धीरे गोया बहुत ही हलकी नींद कोई साया हुआ है, जिसके जग जान का डर है.

-- अनुवादक, श्री सुमंगल प्रकाश

وريكر أس بديج تهيس كهال تم 9 "

کئی شہروں کے نام آنھوں نے بتائے۔۔۔اُنچہ اِس طرح گویا بہت پہلے بھولی کسی بات کو یاد کرنے کی کوشش کو رھی ہیں ، اور اِس ببچ ہرابر کسی باز کی طرح سارے کمرے میں بنیر ذرا ھی آراز کئے چکر کانٹی رھیں ،

ووه ،وشاک کهان سے ملی 9 "

''مینے ھی بنائی ہے ، آپنے سارے کپڑے میں ھی بناتی ۔'''

یه سوچکر مجھے اچها نگ رها تها که وہ اوروں سے متعتلف هیں . لیکن افسوس بہی تها که وہ بولتی بہتھی کم تهیں، جب تک میں کچھ پوچھتا نہاں تها تب تک عموماً وہ چھی هی سابھ رمکی تهیں .

اب وہ پھر آدر میرےپاس کوچ پر میڈہگئیں اور چپ چاپ ایک دوسرے سے چھٹے ہم دونوں اُسی طوح بھٹی رہے۔ جب تک کہ ثانا۔ ثانی لوٹ نہیں آئے ، وہ لوگ جب آئے تب آن میں سے موم اور دھوپ بتی کی مہاک آرہی تھی' اور ایک عجیب سی سنجیدگی اور مقیاس تھی آن کے برتاؤ میں ،

رات کا کھانا ہم لوگوں نے تھوہاروں کے دن کی طاح کھایا۔۔
ریسی ہی سنجوں گی کے ساتھ اور کھاتے وقت بہت ہی کم بولے
اور اپنے دھیوے دھورے گویا بہت ہی ہاکی قیف کرئی سو یا
ہوا ہے، جس کے جگ جانے کا قتر ہے ۔

ـــانوادک شری سومنکل پرکاش .

एक पागल आदमी की डायरी

श्री लुइ सुन

दो भाई थे. यहाँ उनके नाम बताना जरूरी नहीं हैं.
मिडिल स्कूल में ने दोनों मेरे गहर दोस्त रह चुके थे. लेकिन इधर पिछले बहुत वर्षों से हम लाग अलग-अलग हो गये थे. इससे उन दोनों भाइयों के बारे में मिलने वाले समाचार भी बराबर कम होते गये। लेकिन इछ दिन पहले, अचानक मुफे लबर मिली कि उनमें से एक बहुत बीमार हा गया था. इसलिये जब मैं अपनी जन्म-मूमि वापस आया ता विशेषतया उन्हें देखने गया. वहाँ बड़े भाई ने मेरा स्वाग्यत किया और यह बताया कि उसका छोटा भाई बीमार था, अपने घर पर आने के लिये उसने मुफे धन्यवाद

ایک پاگل آلمی کی تاوری

شرى لوئى سن

دو بہائی تھے ، یہاں اُن کے ثام بتانا ضروری قہیں ھیں ،
مثل اسکیل میں ہے درنوں میرے گہرے درست رہ چکے تھے ،
لیکن اِدعر بچھلے بہت ورشیں سے هم اوگ انگ انگ هو گئے
تھے ، اِس سے اُن درنی بھائیں کے بارے مس سانے والے ساچار
آئیں برابر کم هوتے گئے لیکن کچھ دن پہلے اُجانک سجھے
خبر ملی که اُن میں سے ایک بہت بیمار هو گیا تھا ، اِس لئے
جب میں اپنی جنم بھومی واپس آیا تو وشهشتیا اُنھیں دیکھنے
جب میں اپنی جنم بھومی واپس آیا تو وشهشتیا اُنھیں دیکھنے
اُن کا چُھُوا ہائی بیمار تھا، اُنے گھر پرآنے کے لئے اُس نے مجھے دھنیمواد

श्रीर कुछ देर तक वह संजीदगी और कड़ाई के साथ मुक्तमे बातें करती रहीं; लेकिन उन्होंने जो कुछ कहा वह मेरी समक्त में नहीं श्राया और वह उठ खड़ी हुई और अपनी ठाड़ी पर उँगलियाँ मारती हुई कमरे में टहलने लगीं—उनकी घनी भैंहिं कभी तन जातीं, कभी ढोली पड़ जातीं.

मेज पर जलती हुई मोमबत्ती पिघलती चली जा रही श्री श्रीर शीशों में उसका श्रवस जगमगा रहा था, कशे पर काली काली परखाइयाँ लांट रही थीं, कोने में मूर्जि क श्रागे रोशनी जल रही थी श्रीर बर्क से ढकी हुई खिड़कियों के शीशों पर चाँदनी ने चाँदी कर दी थीं. माँ चारों तरफ इस तरह देख रही थीं गोया नङ्गी दीवारों था छत पर कुछ हुँद रही हों.

''सोने का क्या बक्त है तेस ?"

"थोड़ी देर और रहने दो मुक्ते यहाँ !"

''श्रो हाँ, आज दिन में भी तो थोड़ा सो लिया है'', उन्हें याद श्राया.

''वया तुम किर चली जाना चाहती हो ?' मैं उनसे पृक्ष बैठा.

''कहाँ ?'' वह चौंक सी पड़ीं, और मेरा सिर ऊपर को उठाकर मेरी तरफ इतनी देर तक ताकती रहीं कि मेरी झाँखों में झाँसू झा गये.

"क्या बात है रे ?" उन्होंने पूछा.

"गरदन दुख रही है".

विल भी दुंख रहा था मेरा, क्योंकि यकायक मैं यह समम गया था कि वह हमारे घर नहीं रहेंगी और फिर चली जायेंगी.

"अपने बाप-सा होता जा रहा है तू", पायदान को टोकर से एक तरफ़ का इटाते हुए वह बोलीं. "उनके बारे में कुछ बताया है तुम्के—तेरों नानी ने ?"

"हाँ".

"वह मैक्सिस को बहुत प्यार करती थीं—बहुत ही ज्यादा. और वह भी जन्हें प्यार करते थे—"

"मैं जानता हूँ."

माँ मोमबत्ती की तरफ देखने लगीं और उनकी भौंहें सिकुड़ गई. फिर उन्होंने उसे बुका दिया और कहा—''अब ठीक है."

सचमुच इससे हवा में ताजगी और उम्दगी आ गई, और काली-काली परछाइयाँ गायव हो गई, लगह-जगह फ्री पर तेज दूधिया रोशनी विखर गई और खिड़की के रिप्रों पर सुनहरे दाने चमक उठे. اور کچھ دیر نک وہ سنھیدگی اور کوائی کے ساتھ سعھیے ہاتیں کرتی رهیں ؛ لیکن آنھوں نے جو کچھ کھا رہ صدوبے سمجھ میں نہیں آیا اور وہ آٹھ کھڑی ھوئیں اور اپلی ٹھرتی پر آئٹکایاں مارتی ھوئیں کدرہ میں ٹہانہ لکیں۔۔۔ان کی گھلی بھوٹیس کبھی تر جانیں ،

مهز پر جلتی هوئی موم بتی پایلتی چلی جا رهی تهی اور شیشه میں اس کا عمس جکمگا رها تها فرض پر کائی کائی پرچهائیاں لوت رهی تهیں ، کوئے میں مورتی کے آگه روشنی جل رهی تهی اور برف سے تهکی هوئی کهزئیوں کے شیشوں پر چاندنی لے چاندی در دی تهی ، ماں چاروں طرف اِس طرح دیکھ رهی تهی دیواروں یا چهت پر کچھ قامونده رهی هوں ،

وأسول كا كيار وقت هم تيرا ؟ "

"نهوری دیر أور رهنه دو صحه یهای !"

''او ھاں' آج دی میں بھی تو توروا سو لیا ھے' '' انھیں باد آیا ،

"کیا تم پهر چلی جانا چاهتی هر ^{و ۱۵} مهر آن سه پوچه یتها

''نهال 9 ' ولا چونک سی پویں' اور میرا مر اُوپر کو اُٹھا کر میری طرف اِتنی دیر تک نائٹی رهیں که میری آنکھوں میں آنسو آ گئے ،

اللها بات هے رہے ؟ أنهور نے يوچها .

"گردن دکھ رھی ھے ،"^{ا۔}

دل بهی دکه رها تها میرا کیونکه یکایک میں یه سمجه گیا تها که وه همار ه گهر نهیں رهینکی آور پهر چلی جائیس گی .

' اپنے باپ سا ہوتا جا رہا ہے تو ۔'' چائدان کو ٹھودر سے ایک طرف کو ہٹاتے ہوئے وہ بولیں۔۔۔و^{ور}ان کے بارے میں کچھ بٹایا ہے تجھے۔۔۔تیری نانی نے ۔''

"هاں ۔"

''وہ میکسس کو بہت پیار کرتی تھیں۔۔۔ہہت عی زیادہ . اور وہ بھی انہیں پیار کرتے تھے۔۔''

المين جائتا هون الم

ماں موم بتی کی طرف دیکھنے لکیں اور اُن کی بھو نہیں سکر گئیں ، پھر آنھوں نے اُسے بنجھا دیا اور کہا۔۔۔''اب ٹھیک ہے ،''

سپے سپے اس سے ہوا میں تازگی اور عمدگی آ کئی' اور کالی کالی پرچھائیاں غایب ہو گئیں ۔ جکہت جکہت فرش پر تیز دودھیا ررشنی بکور کئی اور کھڑئی کے شیشوں پر سنہرے دائے جبک آئے۔

शाम को नाना जी और नानी अपनी मंत्रों से उन्दा पोशाक पहनकर 'वेस्पर्स' की दुआ के लिये गिरजाघर चल दिए. नानाजी रंगसाजों के मुंखया की अपनी वर्दी में चमचमा रहे थे, जिसके अपर रायेंदार अनी लबादा पड़ा हुआ था, श्रोर उनकी तोंद् शान के साथ बाहर को निकली हुई थी. चुलबुलाहट के साथ उनकी तरक श्राँखों का इशारा करके नानी मेरी माँ से बोलीं—''जरा देख तो बाबू जी को ! कितने शानदार लग रहे हैं नं ?—क्षोटे से बकरे की तरह फरतीले'. और माँ खिलखिला कर हाँस पड़ीं.

जब माँ के कमरे में उनके साथ मैं अकेला रह गया तब वह कोच के ऊपर पालथी मार कर बैठ गई और अपनी बराल को तरक इशारा करती हुई बोलीं—'आ, बहाँ बैठ जा. अच्छा बता कैसा लंगना है तुमे यहाँ ? अक्छा नहीं लंगता, क्यों ?"

"कैसा लगता है मुक्ते यहाँ १" कैसा सवाल था यह ! सैने जवाब दिया—'में क्या जानूँ",

"नाना जी पीटते हैं तुमे, क्यों ?" "श्रव उतना नहीं पीटते !"

"श्रोह ?—श्रच्छा, श्रव मुक्ते श्रवनी सारी वार्ते सुना —जो कुछ कहना चाहता हो कह डाज्ञ—हाँ, तो ?"

नाना जी के बारे में मैं उनसे कुछ नहीं कहना चाहता था. इसिलिये मैं उनहें उस भले आदमी की बाते सुनाने लगा जो ऊपर की काठरी में रहा करता था और जो किसी को भी अच्छा नहीं लगता था और नाना जी ने जिसे निकाल दिया था. पर मैं समक गया कि यह गतें उन्हें अच्छी नहीं लग रही थीं, क्योंकि वह बार्ली—''ठीक, और बार्ते सुना''.

उन तीन लड़कों की बात मैंने कही और दिस तरह उस कनल ने अपने ऋहाते से मुक्ते निकाल बाहर किया था, यह भी सुनाया. और यह सब सुनते-सुनते उन्होंने मुक्ते अपनी बाँहों में और भी कस लिया.

'यह क्या बहुदा बाते !' उनकी आँखें जल उठीं, और एक मिनट तक फर्श की तरफ वह चुपचाप ताकती रहीं.

"नाना जी क्यों बिगड़ रहे थे तुमसे ?" मैंने पूत्रा,

''क्योंकि मैंने रालती की है, उनके हिसाव से'.

"कि उस पच्चे को यहाँ नहीं लाई तुम-?"

वह गोया आसमान से गिरी—एकदम चौंक पढ़ीं, भींहें सिकुड़ गई और अपने होंट काटने लगीं. फिर कह-कहा मारकर हॅस पड़ीं और मुक्ते और भी कसकर विपटा के बोलीं—"तू तो बड़ा रौतान है रे! देख ख़बरदार, कभी किसी से नहीं कहना यह बात, समका १ कभी मुँह से न निकले—वस, भूल ही जा कि कभी यह बात सुनी थी". شام کو ناتا جی آور ناتی آپلی مرضی سے عمدہ پرشاک بہن کر 'ویسھرس' کی دعا کے لئے گرجا گھر چل دیئے ۔ ثانا جی رنگسازوں کے مکھیا کی آپنی وردی میں چمنچما رہے تھے' جس کے آوپر روئیںدار آوئی لبادہ بڑا ہوا تھا' اور ان کی تو ند مان کے ساتھ باھر کو نکلی ہوئی تھی ۔ چلبلاہت کے ساتھ اُن کے طرف آنکھوں کا اِشارہ کو کے ناتی مھری ماں سے پولیں۔۔۔ اُنہوں کا اِشارہ کو کے ناتی مھری ماں سے پولیں۔۔۔ ترزا دیکھ تو باہو جی کو اِ کتنے شاندار لگ رہے میں نہ ایس جو پورتیا ہے۔ کی طرح پھرتیا ہے۔'' اور ماں کیلکھ کو منس بتیں ۔

جب ماں کے کمرے میں اُن کے ساتھ میں اُٹھ رہ گیا تب وہ کرچ کے آرپر بالٹھی مار کر بیٹھ گئیں اُور اُپنی بنل کی طرف اشارہ کرتی ہوئی بولیں۔ " آ یہاں بیٹھ جا ، اُچھا بتا کھسا اِکٹا ہے تجھے یہاں ؟ آچھا نہیں لگٹا' کھوں ؟ "

نانا جي پيٽتے هيں تجھے' کيوں 9."

"اب أتنا نهين بيئته!"

''اوۃ ﴾ ۔۔!چھا' آپ مجے آپنی ساری باتیں سفا۔۔جو کچھ کہنا چاھتا ہو کہ تال۔۔عان' تو ﴾''

نانا جی کے ہارہ میں میں آن سے کنچے نہیں کہنا چاھئا تھا۔ اِس لئے میں اُنھیں اُس بیلے آدمی کی باتیں سنانے لگا جو اوپر کی کوٹھری میں رہا کرتا تھا اُور جو کسی کو بھی اُچھا نہیں لگتا تھا اور ناناجی تے جسے نکال دیا تھا ۔ پر میں سمجھ گیا دہ یہ باتیں اُنھیں اُچھی نہیں لگ رھی تھھں کیودکہ وہ بہلور سے ''ٹھیک' اور باتیں سنا ''

آن تبن لوکوں کی بات مہنے کہی اورکس طرح اُس کرئل نے اپنے احاطے د مجھے نکال باعر اوا تھا یہ بھی سنایا ، اور یہ سب سفتے سنتے اُدور نے مجھے اپنی بانہوں میں اور بھی کس لیا ہ

دی کیا بہودہ بانیں ا ۱۰ آن کی آنکھیں جل آئیس' اور ایک منٹ تک فرش کی طرف وہ چپ چاپ تاکتی رهیں ۔

> دانانا جی کیوں بکر رہے تھے تم سے 1° میلے پوچھا ۔ الکیونکٹ میلے فاطی کی اللہ اُن کے حساب سے ،'' الکہ اس بچے کو یہاں نہیں لائیں تر—1° ''

وہ گریا آسان سے گریں۔۔ایکدم چونک پڑیں' بھرتہیں مکر گئیں اور اپنے ھونٹ کاٹلے لگیں ، پھر قیقیم ماز کر ھنس بڑیں اور مجھے اور بھی کس کر چھٹا کے بولیں۔۔''تو تو ہڑا شیطان بھارے ادیکم خبردار' کبھی کسی سے تیہیں کہنا یہ بات سبجہا ﴿ کبھی منه سے تہ تکنلہ۔۔۔بس' بھول ھی جا کہ کبھی یہ بات سنی تھی۔''

सित्रकार १५७

(106)

ستمبر 67٪

बाद में बापने को रोक नहीं सका—मेरे चाँसू किसी तरह भी नहीं दक रहे थे—बीर में तन्दूर पर से नीचे कूद पड़ा और उनके पास दौड़ गया. मेरी चाँखों से खुशी के बाँसू वह रहे थे—यह देखकर कि इतनी चजीव चौर गहरी मोहब्बत के साथ नाना-नानी एक दूसरे से गुफ्तगू कर रहे हैं और मेरे चाँसू इस लिये भी बह रहे थे कि उनकी बातें सुनकर मुक्ते रंज हो रहा था, चौर इस लिए भी कि मेरी माँ बा गई थीं चौर फिर चा ख़िर में इस लिए भी कि उन्होंने मुक्ते—चाँसु चों समेत लेकर खपनी खाती से लगा लिया, उन्होंने मुक्ते कसकर चिपटा लिया चौर मेरे साथ ख़ुद भी रोते लगे.

बड़ी धीमी आवाज में बुदबुदाते हुए से नाता जी मुमले कहने लगे—"ता तू वहाँ था, शैतान की दुम ! ले, तेरी माँ फिर का गई है और अब तो हमेशा तू उसी के पीछे लगा फिरेगा न, क्यों ? और बुदे खूसट नाना जी अब जाँच भाड़ में ! है न यही बात ? और नानी ने तो बिल्कुल चीपट ही कर दिया है तुमे...सो बह भी नहीं, चाहिये अब—क्यों ? धत तेरे की !"

हमें हटाकर वह उठ खड़े हुए और ऊँची आवाज में गुस्से के साथ बाले—सबके सब झोड़ते जा रहे हैं हमें— सब मुँह फेरे ले रहे हैं हमारी तरफ से,—ता फिर बुला लाओ उसे अब, देर क्यों करती हो १ जल्दी करो !"

नानी बावरचीखाने से चली गईं, और नाना जी कांने में जाकर सिर मुकाए खड़े हो गए.

"या ख़ुदाए करीम !' उन्होंने बुद्बुदाना शुरू किया 'देख—तू ता हमारे दिल की सब जानता है !" और अपने सीने पर उन्होंने एक घूँसा मारा.

यह सब मुक्ते अञ्झा नहीं लगा. असल में ख़ुदा से दुआ करने का बनका तरीका ही मुक्ते बहुत बुरा लगता था, क्योंकि अपने बनाने वाले के आगे भी गोया वह अपने ही को बड़ा समझते थे.

जब माँ अन्दर आई तब उनकी लाल पोशाक से सारा बाबरचीखाना रोशन हो गया, और जब बह मेज के आगे नाना जी और नानी के बीच में बैठ गई तब उनकी पोशाक की बौड़ी-चौड़ी ढीली बाँहें नाना जी और नानी जी के कन्धों पर लहराने लगीं. बह अहिस्जा-अहिस्ता संजीदगी के माथ कुत्र सुनाने लगीं, और वे दोनों भी चुपवाप, बीच में दख्ल देने की कोशिश किए बग़ैर, इस तरह मेरी माँ की बात सुनने लगे गोया बही उनकी माँ है और वे उनके बच्चे।

जोश के सबब से मैं इतना थक गया था कि कोच पर - बैठे-बैठे ही मुक्ते गहरी नींद जा गई. ائی میں اپنے کو روک قیفی سکاسسیور۔ آنسو کسی طرح
یعی قیمی رک رہے تھے۔۔۔۔اور میں قندور پر سے نیجے کود پڑا
اور اُن کے پاس دور گیا ۔ میری آنکھوں سے خوشی کے آنسو
یہ رہے تھے۔۔۔۔یکھ کو کہ اِ تنی عجیب اور گھری محبت کے
ساتھ نانا ناتی ایک دوسرے سے گنتگر کو رہے میں اور میرے
آنسو اِس لئے بھی بہت رہتے کہ آئی باتیں سن کو مجھے رنج
ھو رہا تیا اُور ایس لئے بھی کہ میری ماں گئی تیمن اور پھر
آخیر میں اِس اُٹے بھی کہ اُنھوں نے مجھے۔۔۔آنسوؤں سیمت
لیکو اُپنی چھاتی سے لگا لیا ، آنھوں نے مجھے کس کو چیٹا لیا
اُور میرے ساتھ خود بھی رونے لکے ،

همیں ها کر وہ 'ته کهنے هوئے اور اواجی آواز مهن عصه کے ساتھ بولے۔ 'تسب کے سب چهورتے جا رہے هیں همیں۔ سب مله پهفورے لے رہے هیں هماری طوف سے . ستو پهر بلا الا اس اب دیر کهوںکرتی هو ؟ جلدی کرد !''

قائی باروچی خانے سے چلی گئیں' اور تاقا جی کوئے میں جا کر سو جھکانے کرتے ہو گئے ۔

وال خدائے کریم اِ'' أنهوں نے بدیدانا شروع کیا ''دیکی۔ تو تو عمارے دل کی سب جانتا ہے اِ'' اور اپنے سیلے پر أنهوں نے ایک گھرنسہ مارا ،

یہ سب مجھے آچھا نہیں گا ۔ اصل میں خدا سے دعا کرنے کا آن کا طریقہ بھی مجھے بہت ہرا ٹکٹا تھا کیوٹکھ آپنے بنانے والے کے آگے بھی گو بڑا سمجھتے تھے ،

جب ماں اندر آئیں تب ان کی ال پرشاک سے سارا باورچی خانہ روشن ھو گیا' اور جب وہ میز کے آگے تاتا جی اور قانی کے بیچ میں بیتہ تثنیں نب ان کی پوشاک کی چوڑی چوڑی تعیلی بابیں نانا جی اور نانی جی کے کندھیں پر لپرانے لکیں، وہ آفسک آھستہ سنجیدگی کے ساتھ کچھ سائے لکیں' اور وہ دوئوں بھی چپ چاپ' بیچ میں دخل دینے کی کوشھی کئے بغیر' اِس طرح میری ماں کی بات سننے لگے گویا وھی اُن کے بحجے اِ

جوش کے مبب سے میں اِتنا تیک گیا تیا که کوچ پر بیٹھے۔ بیٹھے عی مجھے کہری نیند آ گئی ، 'बाबू जी' माफ कर दो उसे ! ईसामसीह के लिये, माफ कर दो उसे ! क्या इस तरह उसे छोड़ ही दोगे बिलकुल ? क्या तुम्हारा ख्याल है कि बड़े आदमियों और रईसों के घर ऐसी बार्ते नहीं होतीं ? जानते हो कि औरतें कैसी होती हैं. देखों, माफ करदो उसे इस बार ! ग़लती किससे नहीं होती बाबू जी ?"

नाना जी ने दीवार के सहारे खपनी पीठ टेककर नानी की तरफ देखा. और फिर कड़वी हाँसी हाँसकर—हाँसे क्या, रोना भरा था उस हाँसी में —वह भुनभुना उठे— "और १ फिर इसके बाद १ कोई भी है ऐसी ग्रांति जो तुम माफ न कर दो १ क्यों १ खगर तुम्हारी चल सके तो सभी को माफी मिल जाया करे…धन तेरे की."

मौर नानी के अपर मुक्कर, उनके दोनों कंधे पकड़कर वह उन्हें हिलाने लगे और जल्दी-जल्दी फुधफुसाते हुए बोले-"लेकिन तुम क्यों इनती परेशान हो ? मेरे अन्दर रहम नहीं रह गया है जरा भी. देखों न, बिलकुल क्रत्र में पैर लटकाए बैठे हैं हम लोग, किर भी इस बुदापे में सजा ही सजा भुगतनी पड़ रही है! न जरा भी चैन मिल पाता है न सुख… और न कभी मिलेगा अव… और इसके अलावा… देख लेना तुम! "मरने के पहले भीख माँगने की नौवत आएगी —हाँ भीख!"

तानी ने उनका हाथ अपने हाथ में ले लिया, और उनकी बराल में बैठी-बैठी धीरे-धीरे हँसती हुई बोर्ली— "अरे, छि: छि: ! तो भीख माँगने से घवड़ाते हो तुम ? अच्छा मान लो, इस भीख माँगने की ही नीबत; आ गई! तुम्हें इस नहीं करना पढ़ेगा तब, तुम घर में बैठे रहा करना और मैं भीख माँग लाया करूँगी.—हमारा घर तब भी भरा-पूरा रहेगा; इसकी फिक तुम विस्कुल छोड़ हो!"

बह अचानक क्रहक़हा मारकर हँस पड़े श्रीर बकरे की तरह अपना सिर हिलाने लगे श्रीर फिर बन्होंने नानी की गरदन पकड़कर उन्हें अपने सीने से लगा किया, बिल्कुल जरा से श्रीर सिकुड़े-सिकुड़ाए से लग रहे ये वह नानी की बराल में!

"ओह, कैसी नादान हो तुम," वह बाल उठे "कितनी मोली माली!—वस, श्रव तुन्हीं तो एक मेरी रह गई हो! तुम सममती नहीं हो न कुछ, इसीलिये किसी भी बात की घवड़ाहट नहीं होती तुन्हें. लेकिन पीछे थे फिर कर देखी जरा—श्रीर सोचो तो, कि कितनी मेहनत की है तुमने श्रीर मैंने इनके लिये—कैसे-कैसे गुनाह तक किये हैं मैंने इनकी ख़ातिर—लेकिन फिर भी, इतना करने पर भी, श्राज—" "باہو جی" معاقب کو دو آسے! عیسیل مسیح کے لائے"
مان کو دو آسے! کیا اِس طرح آسے چھوڑ ھی
در کے باعل ؟ کیا تمہارا خیال ہے کہ بڑے آدمیوں
اور رئدسوں کے گھر آیسی باتیں نہیں ہوتیں ؟ جانتے ہو که
عورتیں کیسی ہوتی ہیں ، دیکھو" معاقب کو دو آسے اُس بار!
نلطی کس سے نہیں ہوتی باہو جی ؟"

نانا جی نے دیوار کے سیارے اپنی پتیہ تیک کر نائی کی مارف دیکھا ، اور پھر کوری ہلسی ہنستر منسے کیا ورنا بھرا ہما اس ہلسی میں وہ بینبھنا آئھ۔"اور ؟ پھر اِس کے بعد ؟ کہاں بھی ہے ایسی فلطی جو تم معانف نه کر دو ؟ کھرں ؟ اگر تمهاری چل سکے تو سبھی کو معانی مل جایا کرےدھت تیرے کی ۔"

اور قائی کے آوپر جھک کر' اُن کے دونوں کندھ پکڑ کر وہ اُنھیں مقلے اکے اور جلدی جلدی پھسھیساتے ہوئے ہوا۔
''لیکن تم کھرں اِنٹی پریشان ہو آا میرے اندر رحم نہیں رہ گیا ہے ذرا بھی، دیکو نما بالکل قبر میںپیر لقکائے بھیٹے ہیں ہم لوگ' پھر بھی اِس پڑھانے میں سؤا ھی سؤا بھکتنی پڑ رھی ہے اِنے ذرا بھی جون مل باتا ہے تم سکھ۔۔۔ اور نما کبھی ملیکا اب ۔۔۔ اور اِس کے عالوہ۔۔۔دیکھ اینا تم،۔۔مرنے کے پہلے بھیک مانگنے کی توبت آئیدگی۔۔۔ ہماں بھیک اِن'

نائی نے اُن کا عاتم آپنے ھاتم سیں لے لیا' اور اُن کی بخل میں بیاتی بیٹیی دھورے دھورے مفستی ھوئی بولیں۔''(رے' چھی چھی ! تو بھیک مانکنے سے گھراتے ھو تم آ اچھا مان لو' اِس بھیک مانکنے کی ھی نوبت آگئی ! تمھیں کچھ نہیں کرنا بڑیکا تب' تم گھر میں بیٹھے رھا کرنا اور میں بھیک مانگ لایا کررنگی ۔۔۔ھارا گھر تب بھی بھرا پورا رھیگا' اِسکی فکر تم بالکل چھور دو !''

وہ اچانک قبقہہ مار کر ہاس پڑے اور بعرے کی طرح اپنا سر ھلانے لئے ، اور پھر انہوں نے نائی کی گردیں یعو کو انہیں اپنے سیاے سے بکا لیا ابادل ذرا سے اور سعوے سعوائے سے کے رہے تھے وہ نائی کی بیل میں !

''اُوق' کیسی نادان هو تم '' وہ بول اُٹھ' ''کتنی بھولی بھالی اِسبس' ایب نمیں تو ایک میری رہ گی ہو اِ تم سنجھتی نمیں ہو یہ بات کی سنجھتی نمیں ہو تہ کہ کیبراہت نمیں ہوتی تمین ، لیکن پیچھے تو بھر کر دیکھو ذراساور سو چو تو' که کتنی محملت کی ہے تم نے اور میں نے اور میں نے اور میں نے اور میں میلے اِن کی خاطرس اِن کے اِٹے۔ کیسے کیسے گیاہ نک کئے ہیں میلے اِن کی خاطر۔ ایکن بھر بھی' آبے۔''

आँख ही श्राँख धीर कान ही कान हैं. मेरे सीने के अन्द्र न जाने कैसा होने लगा श्रीर मेरी बड़ी जबरद्ग्त स्वाहिश हुई कि चीख उठ्रें.

"लेक्सी तू जा यहाँ से !" नाना जी ने दखाई के साथ

ममसे कहा!

"क्यों ?" मेरी माँ ने मुक्ते फिर अपनी तरफ खींचते हुए उनसे पूछा. "नहीं, तू यहाँ से नहीं जाएगा. मैं मना कर रही हूँ." और किसी गुलाबी बादल की तरह उठकर मेरी माँ धीर-धीर नाना जी के पीछें जा खड़ी हुई:

"ज्रा सुनो तो बाबू जी-"

नाना जी उनकी तरफ मुइकर चीख उठे-

"चूप **रह.**"

"अपनी जवान की कायू में रिखये, बायू जी." संजी-हगी से माँ ने जवाब दिया.

तानी कोच पर से डठ खड़ी हुई छौर अपनी उँगली दिखाते हुए उन्हों ने माँ को टोका—"यह क्या' वारवारा ?"

और नाना भी बुश्बुदाते हुए बैठ गए— "अच्छा है रो तो जरा ! मैं यह जानना बाहता हूँ कि किसने—? क्यों ? कीन था वह ? · · · · कैसे हुआ यह सब ?"

भीर अचानक ऐसी आवाज में, जो उनकी नहीं मालूम पड़ती थी, वह गरज चठे—"मेरा मुँह काला कर दिया तून" वारका !"

"भाग यहाँ से !" नानी मुक्त बोलीं, और मैं बाव-रवीखाने में जा छुना. ऐसा लग रहा था गाया मेरा दम घुटा जा रहा है. तन्दूरी चूल्हे के ऊर मैं जा चढ़ा, और बहुत देर तक वहाँ बैठा-बैठा उन लागों की बात-चीत सुनता रहा, जो बीच के दीवार के बावजूद सुनाई पड़ रही थी. या ता व सब के सब एक साथ बोलने लगते थे, और या बड़ी देर तक बिल्कुल चुप रहते, गोया सो गये हों. उन लोगों की बातचीत का मजमून था कोई बच्चा, जो हाल ही में मेरी माँ के पैदा हुआ था और किसी के यहाँ छोड़ दिया गया था. लेकिन में यह नहीं समफ सका कि नाना जी की नारा-जी किस बात पर थी—उनसे बग़ैर पूछे बच्चा पैदा किया गया इस पर या इसलिये कि वह उस बच्चे को नाना जी के यहाँ नहीं खाई.

बाद को वह बाबर बी खाने में चले आए. उनके बाल बिखरे हुए थे, चेहरा नी ला सा पड़ रहा था, और बेहद थके दिखाई द रहे थे. उनके पीछे नानी भी आ पहुँचीं, अपने गालों पर बहते हुए ऑसुओं को कुरते से पोंछती हुई. नाना जी एक बेंच पर ऊपर पैर करके बैठ गए और अपने हाथ भी उसी पर टेककर कांपते कांपते अपने पीले पड़े हुए होटों को काटने लगे. और नानी उनके आगे घुटनों के बल सुक गई' और सुकून के साथ लेकिन जोर देकर बोलीं—

آفکہ ھی آفکہ اور کان ھی کان ھیں، میرے سیلے کے الدو تھ جالے کیسا ھولے لگا اور میرمی زبردست خواھش ھوٹی که چیخے تیمیں .

''لیکسی' تو جوا یہاں سے اِ'' ناناچی نے رکھائی کے ساتھ ۔ حجیسے کیا اِ

''کیوں '''میری ماں نے مجھے پھر آپنی طرف کینجھتے ھوئے اُن سے پوچھا ، ''نہیں' تو بان سے نہیں جائیگا ، میں ملع کر رہی ھوں '' اُور کسی گابی بادل کی طرح آُٹھ کر میری ماں دھیرے دھیرے نانا جی کے پیچھے جا کھڑی ھرئیں ،

"ذرأ سنو تو بايو جي--،"

"فانا چی اُن کی طرف مقر کو چیخ اُٹھ۔۔ ''چپ رہ''

و اپنی زبان کو قابو میں رکھٹھ یابو جی ۔'' سنجھدگی سے ساں نے جواب دیا ۔ ا

۔ تائی کو پر سے آٹھ کوڑی ہوئوں اور آپائی آنگلی دکھاتے ہوئے آنہوں نے ماں کو ٹوکسٹائید کیا' واروارا ﴿ ''

اور نانا بھی بدیداتے هوتے بیٹھ گئے۔۔''اچھا ٹھپرو تو ڈرا ! میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کسنے۔ آ کیوں آ کون تھا وہ آ ۔۔۔ کیسے هوا یہ سب آ ''

اور اچائک ایسی اُواز میں' جو اُن کی نہیں معلوم ہوتی تھی' وہ گرچے اُٹھے ۔ ('مهرا منه دلا کر دیا تہنے' وارکا اِ''

البھائ بہاں سے اِن نائی مجھ سے بواس اور میں باورچی خالے میں جا چھیا ۔ ایسا لگ رہ تھا گریا میرا دم گیٹا جا رہا شے ، تندوری چولہ کے اور میں جا چڑھا اور بہت دیر تک وہاں بھٹھا بیٹیا اُن لوگوں کی بات چیت سنتا رہا جو بیچ کی دبوار کے باوجود سنائی پر رہی نہی ، یا تو وہ سب کے سب ایک سانع بولنے لگتے نہے اور یا بڑی دیر نک بالکل چپ سب ایک سانع بولنے لگتے نہے اور یا بڑی دیر نک بالکل چپ رہتے گویا سو گئے ہوں ، اُن لوگوں کی بات چھت کا مضمون تھا کرئی بچک جو حال ہی میں صدری ماں کے پیدا ہوا تھا اور کسی کے بہاں چھرد دیاگیا تھا، لیکن میں یہ نہیں سمجھ سکا کہ نانا جی کی ناراضی کس بات پر تھی۔اُن سے بغیر پوچھے بچے بیدا کیا اِس لئے کہ وہ اُس بچچے کو نانا جی کے بہاں نہیں اُنین ،

بعد کو وہ باروچی خالے میں چلے آئے' اُن کے بال یکھوے موٹے تھے' چہرہ نرال سا پڑ رہا تھا اور پے حد تھکے ہوئے دکھائی دے رہے تھے۔ اُن کے پرحچھے پہنچھے نائی بھی آ پھوٹھچی' اپنے کالوں پر بہتے ہوئے انسوؤں کو کرتے سے پوئھچھتی ہوئی۔ تانا جی ایک بینچ پر آرپر پیر کر کے بیٹھ گئے اور اپنے ہاتھ بھی آسی پر ٹیک کو کانہتے کنہتے۔ اپنے بولے برتے ہوئے ہوئٹوں کو کائتے لئے۔ اور نائی اُن کے آگے گینٹوں کے بل جھات کئوں۔ اور سکون کے ساتھ لیکن زور دیکر بولوں۔۔۔

खतार कर वह देहलीज के उधर फेंकती जाती थीं और हिकारत से अपने लाल-लाल होंट सिकोड़े लगातार बालती ही चली जा रही थीं—"बोलता क्यों नहीं है तू? ख़ुरी। नहीं हुई तुमें मेरे आने की ? उफ! कैसी गन्दी है यह कमीज....."

फिर उन्होंने बतख़ की चरबी से मेरे कान मलने शुरू किये जिससे मुक्ते तक्लीफ होने लगी, लेकिन इतनी बदिया ख़ुशबू निकल रही थी उनके कपड़ों से उस वक्त कि तकलीफ़ जितनी हो रही थी उससे कम मालूम हुई.

में उनकी आँखों की तरफ ताकता हुआ उनसे चिपटता ही चला जा रहा था. खीफ के सबब मेरे मुँह से आवाज नहीं निकल पा रही थी. और उनके अल्फाज के साथ-साथ बीच-बीच में नानी की दुख्मरी आवाज मेरे कानों तक पहुँच रही थी—''इतनी मनमानी करने लगा है यह...जरा किसी की नहीं सुनता. अपने नाना तक से नहीं डरता, जरा भी···· अरी बारिया ! वारिया !"

"क्यों पैं-पैंकर रही हो माँ, चुप भी रहो. इस तरह कक-कक करके क्या कर लोगी ?'

सभी चीजें माँ के सामने छोटी लगने लगी थीं, रहम के काबिल और बूदी! मैं खुद भी बूदा सा लगने लगा था, नाना जी की तरह बूदा.

अपने, घुटनों से मुक्ते चिपटा कर मेरे वालों पर अपना गरम-गरम, भारी हाथ फेरती हुई वह बोलों—"किसी कड़े आदमी की देख-भाल में रखने की जरूरत है इसे. और अब स्कूल भी वो जाना चाहिये "इस्न सीखना चाहता है कि नहीं ? क्यों रे ?"

"मैं तो सब सीख चुका, जो जानना था."

"और भी थोड़ा-बहुत सीखना बाक़ी है रे! करे! कितनी ताक़त आगई है तुममें!" और मेरे साथ खेल-तमाशा करते हुए वह अपनी तेज मीठी आवाज में दिल खोजकर हसने लगीं.

उसी वक्त नाना जी अन्दर दास्तिल हुए. उनका चेहरा एकदम सकेद पड़ गया था, आँखें लाल हो रही थीं, और गुस्से के मारे वह काँप रहे थे. मेरी माँ ने उन्हें देखते ही मुमे दूर हटा दिया और ऊँची आवाज में उनसे पूछा—'तो फिर। क्या तय किया आपने बाबू जी १ मुमे नहीं रहने देंगे यहाँ १"

नाना जी खिड़की के पास खड़े होकर अपनी उँगिलयों के नाखनों से शीशे पर जमी बरफ खुरचने लगे, और बड़ी देर तक कुछ नहीं बोले. हालत बहुत ही नाजुक और तक-लीफ़देह थी और, जैसा कि ऐसे संगीन मौकों पर मेरे साथ हमेशा होता था, सुमे लग रहा था गोया मेरे जिस्म भर में أتار كر وہ دهلوز كے أدهر پهينكلى جاتى تهيں أور حقارت سے أپنے قل قل عورت سكرت لكاتار بوللى هى چلى جارهى تهيں ۔۔ "بوللا كيوں نہيں هے لو آ خوشى نہيں هوئى تجھے ميرے آنے كى آ أن إ كيسى كلدى هے يہ قدض ... ا

پہر اُنہوں نے بطاح کی چرنی سے میرے کان ملئے شروع کئے جس سے مجھے تکلیف ہوئے لکی ۔ لیکن اِنٹی برتعیا خوشہو لکل رہی تھی اُن کے کہراں سے اُس وِقت که تکلیف جتنی ہو رہی تھی اُس سے کم معلوم ہوئی ،

میں اُن آنتھوں کی طرف تاکنا ہوا اُن سے چپتدا ہی چھ جا رہا تھا، خوف کے سبب میرے منه سے آواز نبیس نکل پا رہی تھی ، اور اُن کے انداظ کے ساتھ ساتھ بیچے بیچے میں نائی کی دائم بھری آواز میرے کائوں تک پہونچ رہی تھی۔۔۔"[تلی من مانی کرنے لگا ہے یہ۔۔۔ذرا کسی کی نبیس سنتا ، اُنِے نانا نک سے نبیس توتا' ذرابھی۔۔ اُور واریا ! واریا !''

''کیوں پیں پیں کر رہی ہو ماں' چپ بھی رہو۔ اِس طرح بک کر کے کیا کر لوگی ؟ ''

سبھی چیزیں ماں کے سامنے چھوٹی لکنے لکی تھیں' رحم کے قابل اور برتھی ا میں خود بھی ہوڑھا سا لکنے لکا تھا' ٹائنا جیکی طوح ہوڑھا۔

اپنے گیتنوں سے مجھے چھٹا کو میرے بالوں پر اپنا گرم گرم ہواری ھاتھ پھفرتی ھوٹی وہ بولیں۔۔۔دکسی کوے آدمی کی دیکھ بھال میں رکینے کی ضرورت کے اِسے اُر اُب اِسکول بھی تو جانا چاہئے۔۔۔۔۔کچھ سیکھنا چاہٹا کے کہ تھیں آ کھوں رے آ

"ميں تو سب سيه چکا جو جاننا تھا ."

الرر بھی تھروا بہت سیکھنا باقی ہے رے !...أرے ! كتنی طاقت آكئی ہے تجھ میں !' أرر مھرے ساتھ كھیل تماشا كرتے موڑے وہ اپنی تیز میٹھی آراز میں دل كھولكر عنسنے لكيں .

اِسی وقت نانا جی آندر داخل هوئه ، آن کا چهره آیکدم سنید پر گها تها آنتهیں الله هو رهی تهیں' آور غصه کے صارب و کاتپ رهے تها ، مهری صال لے آنیوں دیکھتے هی مجھ دور هتا دیا آور آرنچی آواز میں آن سے پرچھا۔""و پهر کیا طہ کیا آپنے باہر جی آ مجھے نہیں رهتے دیاکہ یہاں آ۔"

نانا جی کہرکی کے پاس کیڑے ہو کر آ پلی آنالیوں کے ناخونوں سے شیشہ پر جمی برف کوچنے لکے اور بڑی دیر تک کچھ نہیں بولے حالت بہت ہی نازک اور تعلیف دی تھی اور جیسا تھ آسے سنکیں وقورں پر میرے ساتھ ہیشہ ہوتا تھا ، مجھے لگ رہا تھا گریا میرے جسم بھر مان

मुक्ते बक्तीन नहीं आया, और अगर पाद्री साहब ही हों तो वह किसी किरापदार के ही यहाँ आप होंगे.

"चल-चल !" कोचबान ने घोड़ों को हाँका, और उनकी पीठ पर कोड़ा फटकारते हुए मौज के साथ फिर सीटी बजाने लगा.

घोड़े मैदान को चीरते हुए दीड़ चले, और मैं खड़ा खड़ा उनकी तरफ ताकता रहा, फिर मैंने फाटक बन्द कर दिया. सूने पड़े बाबरचीखाने में घुसते ही सबसे पहली आवाज मैंने अपनी माँ की सुनी, पास बाले कमरे में अपनी जारदार आवाज में बड़ कह रहीं थीं—-'तो अब चाहते क्या हैं आप १ मेरी जान लेंगे १"

अपनी ऊपरी पोशाक बदले बरोर ही मैं पिंजड़ों को पटक-पठकाकर दीड़ा हुआ बाहर के बरामरे में आया और नाना जी से टकरा गया. उन्होंने मेरी गरदन द्वीच ली और अपनी खूंख्वार सी आँखें मेरे चेहरे पर गाड़ दीं, और वड़ी मुश्किल से एक घूँट सा सटक कर भारी गले से वाले—

'तिरी माँ फिर धा गई है.....जा उसके पास..... ठैदरा.....!'' उन्होंने इतनी जोर से मुफ्ते कक्फोर डाला कि मैं मुश्किल से गिरते-गिरते बचा और भीतर के दरवाजे तक लुद्दकता चला गया. ''चला जा.....! जा.....!'

में दरवाजे से जा टकराया, जिस पर कन श्रीर मामजामा चढ़ा हुआ था, लेकिन खटका गिराने में मुफे काफी देर लग गई क्योंकि मेरा हाथ सदी से टिउरकर विल्कुल सुझ हा गया था श्रीर धवड़ाहट के मारे कॉप रहा था. जब आसीर में मैं धीरे से अन्दर घुसा तो बिल्कुल स्नीफजदा श्रीर अभंभे से भरा हुआ देहलीज पर ही हक गया.

"यह आ गया !" मेरी माँ बाल उठी, "परमात्मा, कितना बड़ा हो गया है यह ! क्यों, मुक्ते पहचानता नहीं है ?.....यह कैसे कपड़े पहनाए है इसे माँ ?..... और देखां तो, इसके कान बिल्कुल सफेद पड़े जा रहे हैं ! बतल की बरबी तो लाओ माँ, ज़रा जल्दी से."

कमरे के बीचोंबीच खड़ी बह मेरे ऊपर मुक्कर मेरी उपरी पोशाक धतारने लगीं और मुक्ते इस तरह उन्नट पलट कर देखने लगीं गोथा मैं कोई गेंद हूँ. उनके लम्बे चौड़े बदन पर एक गरम, मुलायम, खूबस्रूरत पोशाक थी, मदीं के पूरे लबादे से बड़ी; धीर कंधे से ले हर कमर तक उस पर काले काले बटन तिरखी कतार में टॅंके हुए थे. पहले कभी मैंने बैसी कोई पोशाक नहीं देखी थी.

उनका चेहरा पहले से छोटा लग रहा या और आँखें पहले से ज्यादा बड़ी और धँसी हुई थीं; पर उनके बालों का सुनहरापन और भी गहरा हो चठा था. मेरे कपड़े बतार- مجھے یقین نہیں آیا' ۔ اُور اگر پادری صاحب هی هوں تو وہ کسی کرایددار کے هی یہاں آئے هونکے ۔

''چل چل !'' کوچوان نے گھرزوں کو ھانکا' اور اُن کی پیٹھ پر کررا پیٹکارتے قوائے موج کے ساتھ پھر سیٹی بنجانے لگا .

گھوڑے میدان کو چیرتے ہوئے دوڑ چلے' اور میں کھڑا کھڑا اُن کی طرف ناکتا رہا' پھر مینے پہلے اُن کی طرف ناکتا رہا' پھر مینے پہلے اُلڑ میں گھستے ہی سب سے پہلی آواز مینے اپنی مال کی سنی ، پلس والے کمرے میں اپلی زوردار آواز میر وہ کھ رہی میں سنی ، پلس والے کمرے میں اپلی زوردار آواز میر وہ کھ رہی میں سنی ، پلس والے چاہتے کیا مین آپ ؟ میری جان لیکے ؟ "

اپنی آویری پوشاک بدلہ بنیر هی میں پنجورں کو پٹک پٹکا کو دورا هوا باهو کے برآمدے میں آیا اور نانا جی سے تکرا گیا ، آنہوں نے میوی گردن دبوج لی اور اپنی خونخوار سی آنکیوں میرے چہرے پر گاز دبن اور مشکل سے آیک گہرنت سامتک کو بہاری گلے سے بولے —

"تهری ماں پهر آگئی في بجا اُس کے پاس بهرو...!" اُنهوں نے اِنای زور سے مجھے جهاجهور قالا که میں مشکل سے گرتے گرتے بچا اور بهیتر کے دروازے تک لوعمتا چلا گیا ، "چلا جا ...! جا ...! "

میں دررازے سے جا تعرایا، جس پر اُرن اور موم جامع چوھا ہوا تھا، لیکن کیتکا گرائے میں مجھے کافی دیر لگ گئی کیونکھ میرا ھاتھ سردی سے ٹیٹور کر بالکل سن ھو گیا تھا اور گھبرلنٹ کے مارے کانپ رھا تھا۔ جب آخیر میں میں دھیرے سے اندر کیسا تو بالکل خرف زدہ اور اچنبھ سے بھرا ھوا دھلیز پر ھی رک گیا ۔

"لیم آگیا !" میری ماں بول آئیی" هے پرمانما کتنا بزا هو گیا هے یا کیوں مجھے پہچانتا نہیں ہے ؟ ...یم کیسے کہتے ہوئیائے هیں اِسے ماں ؟ ...أور دیکھو تو اُس کے کان بااکل سفید پڑے جا رہے هیں اِ بطنع کی چربی تو لااِ ماں ' ذرا جلدی سے ."

کمرے کے بھچوں بھچ کھڑی وہ مھرے اُرپر جھک کر میری اُرپری پرشاک اُتارٹے اکس اُور سجھے اِس طرح اُلٹ یلٹ کر دیکھتے دیکھتے لکس گویا میں نوئی گیند ھوں ، اُن کے لبیہ چوڑے بدن پر ایکگرم' مقیم' خوبصورت پرشاک تھی' مردوں کے پورے لیادیہ سے بڑی' اور کندھ سے لیکر کمر تک اُس پر کالے کالے بھی تری' وہل میں ڈاکے ھوئے تھے ۔ دیلے کبھی میٹے ویسی کوئی پرشاک نہیں دیکھی تھی ۔

آن کا چہرہ پہلے سے چھرٹا نک رما تیا اور اُنکیس پہلے سے زیادہ بڑی اور دھنسی ھوئی تھیں' پر اُن کے بالوں کا سنہرا پی اور بھی گہرا ھو اُٹھا تھا ۔ معرے کھڑے اُتار

भी गोर्की

एक रोज सनीचर के दिन बहुत सबेरे मैं पेत्रोवना के सच्जी के खेत में बुलबुल पकड़ने के लिये जा घुसा. वहाँ मैं बहुत देर तक रहा, क्योंकि वे इतनी तेज थीं कि मेरे जाल में फँसती ही नहीं थीं. उनकी ख़बसूरती ने मुक्ते बुरी तरह से लुभा लिया था. चाँदी से चमकते जमे हुए बर्फ पर वह फ़ुर्कती फिरतीं, और बर्फ से बकी हुई माड़ियों की डालों पर उड़कर जा बैठती थीं भीर वर्फ का द्धिया बुरादा सा चारों तरफ माड़ उठता था. यह सब मुमे इतना लुभावना लग रहा था कि मैं अपनी नाकामयाबी की परेशानी भूल गवा. यों भी मैं शिकार के फन में उस्ताद नहीं था, क्योंकि दरअसल अपना शिकार पाने से क्यादा मुफ्ते उसके पीछे लगे फिरने में मजा आता था और सब से ज्यादा मजा चिड़ियों के तौर तरीक़े जानने और उनके बारे में सोचने सममने में मिलता था. बर्फ से ढके दुए एक खेत के किनारे अकेले बैठे बैठे, उस बर्फीले दिन के गहरे सन्नाटे में, चिड़ियों की चह्बहाहट सुनने में मैं मस्त था कि किसी गाड़ी की वन्टियों की दुनदुनाहट मुक्ते दूर पर हलकी सी सुनाई दी, किसी पपीहे के दिलसांचा गीत की तरह.

बर्फ पर बैठा बैठा में ऋकड़ सा गया था और मुक्ते लगा कि मेरे कान बर्फ के मारे जम से गये हैं. इसलिये जाल और पिंजड़ों को बटोरकर में दीवार पर चढ़ बाग्राचे में कृद पड़ा और घर आ पहुँचा. अ

सङ्क की तरफ का फाटक खुला पड़ा था और एक बहुत बड़ा, लम्बा चौड़ा आदमी मौज से सीटी बजाता, एक पड़ी सी बन्द गाड़ी में जुते हुए पसीने से तरबतर तीन घाड़ों की रास पकड़कर अहाते से बाहर लिये जा रहा था. मेरा दिल चछलने लगा.

"किसे लेकर आए ये तुम ?"

उसने मेरी तरफ मुद्दकर अपनी बाँहों के नीचे से मुके देखा और कोचवान की गई। पर चढ़कर जवाब दिया— 'पादरी साहब को."

क्ष बचपन में ही वालिद के इन्तक़ाल हो जाने के बाद गांकी अपनी वाल्दा के साथ नाना नानी के पास रहने लगा था. उसके नाना रंगरेज़ थे और बड़े खच्छे मिजाज के थे. गोकी की माँ कुछ दिन ही वहाँ रहकर कही बाहर चली गई और गोकी अपनी प्यारी नानी के साथे में रहकर पक्षने लगा.

میری ماں

شری گورکی

ایک ررز سنرحچر کے دی بہت سربرے میں پیتررونا کے سبزی کے کھیمت میں بلبل پکڑنے کے لئے جا گھسا ، وہاں میں بہت دیر تک رھا' کیرنکہ رے اِنٹی تیز تھیں کہ میرے جال میں پہنستی می نہیں تھیں . اُن کی خوبصورتی لے مجھے ہری طرح سے لبھا لیا تھا ۔ چاندی سے چمکانے جسے ہوئے ہرف در وہ بھدکتی بھرتیں' اور برف سے ڈھکی ھوئی جھاڑدوں کی قانوں پر او کر جا بیاہتے تھیں اور برف کا دودھیا برادہ سا جارون طرف جهر أثينا تها . يه سب مجهي إتنا لبهاؤنا لك رھا تھا کہ میں اُپنی تاکمیاہی کی پریشائی بھول گیا ۔ یوں بھی میں شکار کے فن میں اُستاد نہیں تھا کیرنعہ دراصل اینا شکار رائے سے زیانہ محجمے آس کے پرجیمےاکم بہرائے میں موہ آنا تھا اور سب سے زیادہ موہ چوہوں کے طور طریقے جاتنے اور اُن کے بارے میں سوچاہ سمجھلے میں ملتا تیا ۔ برف سے قعمہ عوثہ ایک کیہت کے کفارے بیتھے بیتھے اُس برنیلے دیں کے گہرے سفاتے میں' چزیں کی چہچہادے سننے میں میں مست اتها که کسی گاری کی گھنڈیوں کی ٹنٹنائٹ سجھے دو پر ہلکی سی سنائی دی کسی پہیم کے دلسوز گیت کی طرح .

برف پر بیتھا بیتھا میں اکر سا گیا تھا اور مجھے لگا که مھرے کل ہوں ہے گئے مھیں ، اِس لئے جال اور پنجورں کو بقبر کر میں دیوار پر چڑھ باغیجے میں کود پڑا اور گہر آپہونچا ۔ ا

سوک کی طرف کا پہاٹک کیلا پڑا تھا اور ایک بہت ہڑا' لیبا چوڑا آدمی موج سے سیٹی بجاتا' ایک بڑی سی بند کاری میں جتے ہوئے پسینے سے تربتر نین گھوڑرں کی راس یکڑ کر احاطے سے باہر لئے جا رہا تھا ۔ میرا دل آچھلنے لگا ۔

"كسے ليكر أثے تھے تم ؟ "

اًس نے میری طرف مر کو اپنی بانہوں کے نیچے سہ سجمے دیکھا اور کوچوان کی گدی پر چڑھکر جواب دیا۔ 'پادری ماھب کو ،''

 CHANK BURE TO SEE TO SEE TO SEE THE

के तौर पर इंगलैन्ड में जौ ऐडवर्ड छटे के नाम पर हक्ष्मत करता था उसने हुस्म दे दिया कि तमाम अंग्रेजी कीम श्रीटेस्टेंट मजहब की माने और सारा इंगलिस्तान प्रोटेस्टेंट हो गया. इसके बाद मलका मेरी तख्त पर बैठी और गोया हिसी ने जाद कर दिया. फौरन तमाम इंगलिस्तान के लोग फिर से रोमन कैथोलिक हो गये. मल्का मरी और पहिया फिर वम गया. सारा ईंगलिस्तान अब ऐंगलीकन मजहब का मानने वाला हो गया. आजकल हम इस बात के सुनने के बहत श्रादी हो गये हैं कि राज्य या बादशाह रिस्राया के मजहब में कोई दखल नहीं देता. लेकिन हिटलर श्रीर उसके वारिस आजकल भी दुनिया को इस तरह की आजादी देने को तैयार नहीं हैं. सोलइवीं और सत्तरहवीं सदी में दुनिया के हर मुल्क के अन्दर राज को इससे गहरा ताल्लुक होता था कि रिम्नाया किस मजहब को मानती है. लेकिन हिन्द-स्तान में मुगल बादशाहों ने अपनी रिश्राया के मजहबी विश्वास में दखल नहीं दिया और इस मामले में रिजाया को आजाद छोड़ दिया या और इस बात में मुराल,बादशाह श्रवने जमाने के लिहाज से अपनी एक अलग मिसाल थे. सोतहवीं सदी ईसत्री में एक दूसरे के बाद इंगलैन्ड के कई बादशाहों ने ऐक्ट्स आफ सुपरीमेसी और एक्टस आफ य्निफारमिटी नाम के कानून पास करके जबरद्स्ती यह हुक्स दे दिया कि इंगलैन्ड के लाखों रोमन कैथालिक अपने मजहब को झोड़कर अपने गिरजों में बादशाह के मजहब यानी प्रोटेस्टेंट मजहब की लिखो हुई दुआएँ भी पढ़ा करें और हर मजहबी बात में सब से बड़े पुराहित पोप के बजाय प्रोटेस्टेन्ट बादशाही हक्म मानें. इस शाही फरमान के न मानने पर हजारों रोमन कैथोलिक पादरियों को कड़ी सजाएँ दी गईं. इस तरह सन 1562 ईसवी में इंगलैंड में राज की तरफ से उन्तालीस मजहबी उस्लों की एक फेहरिस्त क़ानून की शकत में पास कर दी गई और उनमें से हर उसूल का मानना मुल्क के हर एक आदमी का कानूनी फर्ज बना दिया गया. यह बात भी याद रखनी नाहिये कि उसवक्त तक इंग्लैंड के मुखतलिफ जिलों में पनास फीसदी से लेकर नब्बे फीसदी तक आबादी रोमन कैंथोलिक थी. इन सब को जबरदस्ती अपना मजहब छोड़कर उस उत्तः के बादशाह का मजहब मानना पड़ा. मुग़ल बादशाहों ने कभी इस तरह के कांई क़ानून जारी नहीं किये. और शपनी रियाया की बहुत बड़ी तादाद को, जो ग़ैर मुसलिम भी, मजहब के मामले में पूरी तरह आजाद रखा. मुसलमानों के लिये भी किसी मुराल बादशाह ने या ता इसलाम छोड़ कर दूसरा मजहब अख्तियार करने वालों का कभी कोई सजा दे दी या क्यादा से ज्यादा यह हुक्म द द्या कि आम रहन सहत में मुसलमान एक खास उपरी तरीक्षे की पावनदी करें, मसलन यह कि लोग शराव न पेय वर्गे रा.

ع طور پر انکلیات میں جو ایدورد چہتے کے نام پر حکومت کرتا تھا اُس نے حکم دے دیا کہ تدام انگریزی قرم پروڈسٹینٹ مذهب كو مالي أور ساراً الكلستان يروتستينت هو گيا . إس کے بعد المن میری تخت پر بیٹھی اور گریا کسی نے جادو کو دیا ۔ فوراً تمام انگلستان کے لوگ بور سے رہمن کیٹھولک ہو گئے . سلکه سری اور پہیا پھر کھوم گیا . سارا انگلستان اب أينكليكين مذهب كا ماننے والا هو كيا ، آجال هم إس بات كے سنلے کے بہت عادی ہو گئے میں که راج یا بادشاہ رعایا کے مخصب میں کوئی دخل نہیں دیا ۔ ایکن مثار اور اُس کے وارث آجکل بھی دنیا کو اِس طرح کی آزادی دینے کو تیار قہدی ھیں ، سولوویں اور سارھویں صدی میں دنیا کے عر ملک کے اندر راے کو اِس سے گہا نعاق ہوتا تھا که رعایا کس مذهب کو مائتی ہے ۔ لیکن هندستان میں میل بادشاندوں نے آیتی رعایا کے مذہبی وشواس میں دخل نہیں دیا اور اس معاملے میں رعایا در آزاد چمود دیا نها اور اِس بات میں منی بادشاه اپنے ومانے کے لحاظ سے اینی ایک الک مثال تھے ، سواوویں صدی عهسری مهل ایک دوسرے کے بعد انتالینڈ کے کئی بادشاهیں نے ایکٹس آف سیریمزسی اور ایکٹس آف ہونیفارمٹی تام ع قانوں یاس کر کے زہردستی یہ حکم درے دیا که انگلینڈ کے الکھوں رومن کیتھولک اپنے مذھب کو چھور کر اپنے گرجوں میں بادشاہ کے مذہب یعنی پروٹیسائینٹ مذھب کی لکھی ھوئی دعائیں ھے بچھا کریں اور ھر مذهبی بات میں سب سے بچے پروعت یوپ کے بجائے روقیسٹینٹ بادشاھی حکم ماسی اس شاھی فرمان کے تع ماننے پر ہؤاروں رامن کیاہواک یادریوں کو کوی مؤانیں دے گئیں ، اِس طرح سن 1662 عیسری میں انگلینڈ میں راہے کی طرف سے اُنتالیس مذ بی اصولوں کی ایک فہر ست قانون کی شکل میں پاس کو نی گئی اور آن میں سے مو اصل کا ماننا صلک کے مر ایک اُدمی کا قانونی فرض بدا دیا گا . یه بات بهی یاد رئینی چاهئے که أس وقت تک أنكينن كے مخالف ضلعوں ميں يدياس فيصدي سے لريمو قبيم فیصدی مک آبادی رومن نیتهالک تهی ، اِن سب کو زبردستی أينا مذهب جهرر كو أس وات كے بادشاد كا مذهب مانغا يوا منل بادشاہوں نے کہنی اِس طرح کے کوئی قانون جاری ٹھیں کئے ۔ ازر اپنی رعایا کی مہت ہوی تعدادہ کو' جو غیر مسلم تھی'' مذھب کے معاملے میں پوری طرح آزاد رکھا ، مسلمانوں کے اٹم بھی کسی مغل بادشاہ نے یا فو آسالم چھرو کر دوسر! مذعب اختیار کرنے رابوں کو کبھی کوٹی سزا دے دی یا زیادہ سے زیادہ به حکم دے دیا ته عام رسی میں میں مسلمان ایک خاص اوبری طبیقے کی پاہندی کریں مثلاً یہ که لوگ شراب نہ پهايس وغيرة .

को मानने से इन्कार कर दिया क्योंकि उस वक्त वह खुद द्विचा भर में सबसे बड़ा हाकिस था. अपने को खत्तीका का नाइब मानने से कुछ दिनों तक यहाँ के बादशाहों का काम ज़रूर चल गया लेकिन उससे इस बात का कोई क़ायदा न बन पाया कि एक बादशाह के बाद तरूत का इक़दार कीन श्रीर कैसे हो. इस बारे में न कोई क़ानून था श्रीर न पराने बादशाहों के श्रमल से कोई मदद मिल सकती थी. कुद्रती नतीजा यह था कि करीब करीब बादशाहों के मरने के वक्त तख्त के लिये खासी गरमा गरमी चौर भाग दौड़ दिखाई देनी है, जिस बक्त बराबर मौत के बिस्तर पर पड़ा हुआ। था उसका बजीर आजम इस फिक्र और साजिश में लगा हुआ था कि हुमायूँ को किस तरह तख्त से अलग किया जावे. हुमायूँ की मौत इतनी अचानक हुई श्रीर हिन्दुस्तान में मुराजों की हालत उस वक्त इतनी नाजुक थी कि उस वक्त तख्त के लिये ज्यादा मगड़ा न हो पाया. अकवर की मौत के बाद जहाँगीर तस्त पर बैठा लेकिन जहाँगीर के सब से बड़े बेटे ख़ुसरां ने अपने बाप के उस इक के लिजाफ हाथ पैर मारे, जहाँगीर की हकूमत के आखिरी दिनों में तख्त के लिये तरह तरह की भई। साजिशें हुई : जहाँगीर के मरन के बक्त शाहजहाँ दकन में था इसलिये शाहजहाँ के जिये तस्त का तैयार रखने की रारज से बदक्षिस्मत बुलाकी को चुना गया. शाहजहाँ के पहुँचते ही सलाकी मार डाला गया और तस्त के दूसरे दावेदारों के खुन में से अपना रास्ता बनाकर शाहजहाँ बाप के तख्त पर बैठा. श्रीरंगजेब ने शाहजहाँ से बदला चुकाया. उसने शाहजहाँ को कैद करके शाहजहाँ की जिन्दगी में शाहजहाँ के नाम पर नहीं बल्क ख़ुद अपने नाम पर बादशाहत करनी शुरू की. इस सबसे जाहिर होता है कि इस जमाने के बारे में मुसलमानों में जो श्राम ख्याल था इसी से मिलता जलता मुगलों का अमल था. यह बात नहीं थी कि एक बादशाह के बाद दसरे का गद्दी मिलने का कोई माना हुआ क्षानून या रिवाज रहा हो और किसी ने जनरदस्ती बगावत करके उसे तोड़ा हो, बल्कि जो कुछ होता था वह एक मामूली चीज थी और इसिलये होता था कि इस मामले में कोई खास क़ानून पहले से नहीं था.

यह भी याद रखना जरूरी है कि मुगल बादशाहों ने रियाया को अपनी मरजी के मुताबिक आजाद जिन्दगी बसर करने की बहुत बड़ी आजादी दे रखा था. उसमें बादशाह कोई दखल न देता था. यह वह जमाना था जब यूरप में ने बादशाह भी जो बिल्कुल ख़ुदमुख्तार थे और बे भी जिनके यहाँ पालींमेंट बनी हुई थी, दोनों अपनी अपनी रियाया को साफ-साफ यह हुक्म देते थे कि रियाया इस खास किस्म के मजहबी अकीदों (विश्वासों) को माने और इसके जिलाफ किसी दूसरे अकीदों को न माने. मिसाल ى مائنے سے انکار کو دیا کھوٹکھ اُس وقت وہ خود دلیا س مهل سب سے بڑا حاکم کھا ۔ اپنے کو خلیات کا قائب ماننے سے کنچے دفوں تک یہاں کے بادشاھوں کا کام ضرور ایک بادشاه کے بعد تخت کا حقدار کرن اور کیسے هو . اِس بارے میں نه کوئی قانون تھا اور نه برائے بادشاهوں کے عمل سے کرئی مدد مل سکتی تھی . قدرتی تتیجہ یہ تھا کہ قریب دریب بادشاهوں کے مرنے کے وقت تخت کے لئے خامی گرما گرمی اور بھاگ دور دیمائی دیتی ہے . جس وقت باہر موت نے ہستر پر پڑا ہوا تھا اُس کا وزیراعظم اِس فکر اور سارش میں للا عوا تها كه همايون كو كسى طرح تنضحه سے أنك كيا جارے . ممایوں کی موت اتنی اچانک هوئی اور هندستان میں مغلوں ئي حالت أس وقت اتني فازك تهي كم أس وقت تخت کے بٹے زیادہ جهکوا نے دو یایا . البر کی موت کے بعد جہانگھر تندت پر بیتھا لیکن جانگھر کے سب سے بڑے بیٹے خسرو لے اپنے ہاپ کے اُس حق کے خاف ھاتھ بھر مارے ، جائکھر کی عارمت کے آخری دانوں میں نخت کے لئے طرح طرح کی بدی سازشیں هوئیں . جهانگهر کے مرقے کے وقت شاہ جہاں دئی میں تھا اِس بٹے شاہ جہاں کے لئے تخت کو اہار راہتے کی ان سے بدفسمت بالقی کو چلا گیا ، شاہجہاں کے پہنچتے عی الله مار قالا گیا اور نخت کے دوسرے دعویداروں کے خون میں ے آینا راستہ بناکر شاہ جہنی باپ کے تنفت در بیٹھا۔ اورنگزیب نے شاہمہاں سے بدلہ چکایا ، اُس نے شاہمہاں کو قید کر نے ناہ جہاں کی ڈندگی میں شاہ جہاں کے نام پر نہیں بلکہ خرد اینے نام پر بادشاهت کرنی شروع کی . اِس سب سے ظاهر من ف که اِس زمالے کے بارے میں مسلمانوں میں جو عام ديال تها إسى صماتا جلتا مغلول كاعمل تها . يه بات نهيل ہی کہ ایک بادشاہ کے بعد دوسوسے کو گدی ملنے کا کوئی مانا ہوا قالروں یا روایے رہا ہو اور کسی نے زیردستی بناوت کر کے ے ترزا ہو' بلکہ جو نبچھ ہرتا تھا وہ ایک معمولی چیز تھی ور اِس لئے ہوتا تھا کہ اِس معاملے میں کوئی خاص قانوں پہلے

یہ بھی یاں رکھنا ضوروں کے کہ منل بادشانوں نے رعایا کو پنی موضی کے مطابق آزاد زندگی بسو کوئے کی بیست بڑی آزادی درم رکھی تھی ۔ اُس میں بادشاہ کوئی دحل نہ دیتا ہا۔ یہ وہ رمانہ تھا جب یورپ میں وہ یادشاہ بھی جو بالکل خود مختار تھے اور وہ بھی جوی کے یہاں پارلیمیست بنی ہوئی تھی دونوں اپنی اپنی رعایا کو صاف صاف یہ حکم دیتے تھے کہ رعایا اِس خاص قسم کے مذہبی عقیدوں (وشواسوں) کر مائے اور اِس کے خالف کسی دوسورے قیدوں کو نہ مائے۔ مثال

हैसियत से काम कर रहा हूँ, लेकिन इसलाम उससे क्या वाहता है इसका वह खु.व फैसला करता था. मुराल राज में एक ऐसी शख्सी हुकूमत थी जिसमें उसूल के तौर पर भी श्रीर अमली तौर पर भी लोगों का अपनी मरजी के अर کرومت تھے جس میں اُصول کے طرر پر بھی اُر عملی طرد پر بھی اُر عملی طرد پر بھی اُر عملی اُراد زندگی بسر کرنے کا मुताबिक आजाव जिन्दगी बसर करने का एक बहुत बढ़ा ایک بہت بڑا میدان چھڑا موا تیا .

लेकिन इस बारे में एक बात याद रखनी चाहिये. वर्ड बातों में प्राल बादशाह के अख्तयार बँधे हुए थे. फिर भी ब्रार कोई बादशाह उन हदों से बढ जाने का फैसला कर लेता था तो राज के तौर तरीकों में पालींमेन्ट या असेम्बली या कौंसिल जैसी कीई ऐसी चीज मौजूद नहीं थी जो बाद-शाह का ऐसा करने से रोक सके. बादशाह की किसी पालिसी के साथ अपनी नाराजगी जाहिर करने का रियाया के वास सिर्फ एक तरीका था और वह था बगावत करने का तरीका, वह तरीका उन दिनों हमेशा ठीक तरीका माना जाता था. मसलन उस जमाने में इंगलैंड के बादशाह के खिलाफ इस तरह की बरावत एक मजहबी रानाह सममा जाता था, हिन्दुस्तान में यह बात नहीं थी. इसके अलावा शुरू शुरू अमाने के मुसलिम कानून में बादशाह के बार में कोई ऐसा क्रायदा नहीं था कि किसी बादशाह के बाद गही उसके लड़के ही का मिले. गुरू के मुसलमान बादशाहा ने अपने अमल में भी इस तरह का कोई क्रायदा नहीं माना. यह सही है कि शीस्त्रों ने इस तरह का दावा किया था और इसी बजह से शीओं और सुन्नियों में फ्र पड़ गया. भिस्न में खलीका ही मुसलमानों का हाकिम होता था. खर्लाका की मुसलमान अपने में से जुनते थे. शीओं का बांडकर कुरान या हदीस में किसी ने भी बेटे को बाप की गहापर बैठने के हक या उसूल को नहीं माना. यहाँ तक कि बादशाहत के मामले में मुसलमानों में कां लास कानून एक के बाद दूसरे के गही पर बैठने का है ही नहीं. बादशाहत के लिये किसी इनसान का जाती इक इसलाम नहीं मानता इसलाम के मुताबिक बादशाहत किसी की जाती मिल्कियत नहीं होती और न किसी की बपौती हो सकती है. कुद्रती तौर पर तस्त का कौन इक़द्दार है और कौन नहीं, इस पर न किसी क़ानून की जहरत थी और न कोई कानून माना जा सकता था. हिन्दुस्तान में ग्रुक्त के मुसलमान बादशाहों ने इस मुश्किल काम को इस तरह इल किया कि उन्होंने कम से कम कहने के लिये अपने को ख़ुद्मुख्तार बाद्शाद नहीं माना. वे कहते थे कि हम अपने किसी जाती हक से बादशाहत नहीं कर रहे हैं बल्कि उस दूसरे बैठे हुए मुसलिम बावशाह के मुक़र्रर किये हुए श्रफ़सर य। नाइब की हैसियत से काम कररहे हैं जो अपने को खत्तीका कहता है. बादर और उसके बाद के बादशाहों ने इसलिये इस पुरानी कर्ती रस्म

ليكن إس بارم مين أيك بات ياد ركهني چاهيم، كثي باتوں میں میل بادشاہ کے اختیار بندھے ہوئے تھے ، پھر بھی اگر كوئى بادشاء أن حدرن سے برتم جانے كا نوصله كر ليتا تها تو رأج کے طہر طریقوں میں پارلیمات یا اسمبلی یا کونسل جیسی کرئی ایسی چیز مرجود نهیں تھی جو بادشاہ کو آیسا کرتے سے ووک سکے بادشاہ کی کسی پایسی کے ساتھ اپنی فارافکی ظاہر کرنے کا رعایا کے ، داس صرف ایک طریقه تھا اور وہ تھا بغاوت کرنے کا طریقہ ، وہ طریقہ آن دنس همیشه تبهک طریقه مانا جاتا الها ، مثلاً أس زمالے میں انگلینڈ کے بادشاہ کے خلاف اِس طرح کی بنارت ایک مذہبی گناہ سمجھا جاتا تھا . هندستان میں یع بات نہیں تھی ایس کے اللوة شورع شورع زمانے کے مسلم قائرن میں بادشاہ کے بارے میں کوئی آیسا قاعدہ نہیں تھا کم کسی بادشاہ کے بعد گدی اُس کے اڑکے ھی کو ملے ، شررع کے مسلمان بادشاہرں نے اپنے عمل میں بھی اِس طرح کا کوئی قاعدہ فہوں مانا ، یہ محصوم فے که شیموں نے اِس طرح کا دم على كها تها أور إسى وجه سه شهعوس أور سفيون مين فرق عرد گیا . ، صر میں خلینہ ہی مسلمانوں کا حاکم ہوتا تیا ، خلیات كو مسلمان أين مين سے چنتے تھے . شيمين كو چيور كر توآن يا حدیث میں کسی نے بھی بیٹے کو باپ کی گدی پر بیٹھنے کے حق یا أمرل كو تهان ماقا . بهان تك كه بادشاهت ك معاملے میں مسلماتیں میں کوئی خاص فانیوں ایک کے بعد دو ، اے کے گدی پر بیابیہ کا ہے می نہیں ، بانشاعت کے لئے کسی انسان کا ذاتی حق اسالم نہیں مانتا ، اسالم کے مطابق بادشاهات کسی کی ذاتی ملکوت نبیس هوتی اور نه کسی کی بهرای مو سکای هے ، تدرتی طور پر تخت کا کون حقدار هم اور کین نیاس اس پر نع کسی قانون کی ضرورت تھی اور نع كرئي دانون مانيا جا معنا لها ، هندستان عير شروع كے مسلمان بادشاهرں نے اِس مشکل کام کو اِس طرح حل کیا که اُنھوں نے کم سے کم کہنے کے لئے اپنے کو خودمختار بادشاہ نہیں مانا ، وے کہا، تھے کہ مم اپنے کسی ذاتی حق سے بادشاہت نہیں کر رہے میں بلعداس درسر مديقه هوا مسلم بادشاه كمقرركي هرائه أنسر يا فائب كى حرثيت سے كم كر رقے هوں جو أينے كو خليف كوتا في ، بابر اور اُس کے بعد کے بادشاہوں نے اِس لئے اِس درائی فرضی رسم

1

बातों में मुराल बादशाह इसलाम के एजेन्टों की तरह भी काम करते थे. यहाँ एक उसूल की बात है. मुराल बाद-शाह और सबसे ज्यादा और गजेब, इसलाम के एजेंट से ज्यादा और कुछ न थे. अकबर इस बात के कहने में फक्ष करता था कि मेरी फतहों से इसलाम के उसूल दूर दूर तक फैलते हैं और इसलाम के पैराम्बर का हुक्म उन मुल्कों तक पहुँचता है जहाँ पहले कभी पैराम्बर का नाम भी नहीं सनाया गया था.

जहाँगीर और शाहजहाँ दोनों अपने को सच्चे दीन के रक्षक मानते थे और दीन के जायज हक का ख्याल रखते थे. औरंगदोब की सबसे बड़ी खाहिश यह थी कि न सिर्फ मुसलमानों बल्कि कम से कम बाहर के रहन सहन में शैर मुसल्यमानों में भी मुसलिम रहन सहन को बढ़ाया जाय. साथ ही श्रीरंगचेब को भी इस मामले में ईसाइयों के साथ यह रियायत करनी पड़ी थी. उन्हें शराब पीने की इजाजत दी गई थी जबकि बाकी तमाम रियाया के लिये शराब पीना काननन मना था. लेकिन इसलामी हुकूमत के वे उसूल जो स्त्रासकर क़रान पर नहीं बल्कि बाद के मुसलिम बादशाहों के रिवाजों श्रीर ईरान के रौर मुसलिम बादशाहों की रिवा-यतों पर ढाल लिये गये थे आसानी से हिन्दुस्तान में न चल सकते थे. एक सवाल यह था कि हिन्दुस्तान दाकत-इसलाम है, या दारुलहरब, दारुलइसलाम के माने हैं मुसलमानों का घर श्रीर दारुलहरन के माने हैं मुसलमानों के हमले की जगह. इस तरह के सीधे सादे मामले में भी औरंगजेन जैसे बदशाह के लिये भी उन मुसलिम रिवाजों को जो हिन्द्रस्तान के बाहर चलते थे हिन्द्रस्तान में जारी करना नामुमकिन था. इससे पहले के हिन्दुस्तान के मुसलिम बादशाहों ने कभी-कभी मुसलिम शरक या मुसलिम रिवाज के खिलाफ अमल करने की भी हिम्मम न की थी. मालम होता है कि इसलाम के हिन्दुस्तान आने के शुक्र के दिनों में ही यह बात समक ली गई थी कि तमाम हिन्दुस्तान को इसलाम का अपनाना नामुमकिन है. यह मामला यहीं पर रह गया और इसकी वजह से हिन्दुस्तान के अन्दर इस-लामी क़ानून और इसलामी रिवाज में काफी तब्दीलियाँ करनी पड़ी. इसका क़द्रती नतीजा यह हुआ कि यह उसल बिल्कल स्नत्म हो गया कि हिन्दुस्तान में यहाँ के मुसलमान बादशाह मजहबे इसलाम के महज एजेन्ट बनकर हुकुमत करें.

अब हम फिर यह देखना चाहते हैं कि मुपलों की हुकू-मत का ढंग क्या था. मुपल हुकूमत यानी शख्सी हुकूमत यानी एक आदमी की हुकूमत तो थी ही लेकिन वह एक इद के अन्दर ही शख्सी हुकूमत थी. बादशाह आम तौर पर यह दावा करता था कि मैं इसलाम के एक एजेन्ट की باتیں میں منل بادشاہ اِسلام کے ایجنتوں کی طرح بھی کام کرتے نہے۔ یہاں ایک اُصول کی بات ہے۔ منل بادشاہ اور سب سے زیادہ اورنکزیب'اسلام کے ایجنٹ سے زیادہ اور کچہ نہ تھے۔ انبر اِس بات کے کہنے میں فخو کرتا تھا کہ میری فاتحیں سے اِسلام کے اُصول دور دور تک پہلیاتے بھیں اور اِسلام کے پہنمبر کا حکم اُن ملکوں نک پہلچاتا ہے جہاں پہلے کیھی پینمبر کا قام بھی نہیں سفایا دیا تھا۔

جہانکیر اور شاہجہاں دونوں اپنے کو سیے دین کے رکشک مانتہ تھے اور دین کے حائز حق کا خیال رکھتے تھے۔ اورنگزیب کی سب سے ابوی خواہش یہ تھی کہ نہ صرف مسلمانیں بلکہ کم سے کم باعر کے رهن سهن میں غیر مسلمانوں میں بھی مسلم رجی سہی کو ہوتھایا جائے ۔ ساتھ ھی اورتگویب کہ بھی اِس معاملے میں عیسائیوں کے ساتھ یہ رءایت کردی یجی تھی . اُنہیں شراب یہنے کی اجازت دے گئی تھی جب کہ باقی تمام رعایا کے لئے شراب یینا قانوناً منع تھا۔ لیکھے إسلامي حنومت کے وے اصول جو خاص کر قرآن پر نہیں بلکہ بعد کے مسلم بادشاہوں کے رواجوں اور ایران کے غیر مسلم بادشاهوں کی رعایتیں پر دھال لئے گئے تھے آسانی سے هندستان میں نہ چل سکتے تھے ، ایک سرال یہ تبا که معدستان دارالسلام ھے ، یا دارالح ب . دارالسلام کے معنے هیں مسلمانوں کا گهر أور دارالحرب کے معلے میں مسلمانوں کے حملے کی جامیہ ، اِس طرح کے سیدھے سادے معاملے میں بھی اورنکزیب جیسے بادشاہ کے نئے بھی آن مسلم رواجوں کو جو ہندستان کے باہر چلتے تھے هندستان میں جاری کرنا ڈاسکن نہا ۔ اُس سے پہلے کے هندستان کے مسلم یادشاهوں نے کبھی کبھی مسلم شرع یا مسلم رواہے کے خلف عمل کرلے کی بھی ہمت لے کی تھی ، معلوم ہوتا ہے کہ إللم كے هندستان ألم كے شروع كے دنوں ميں عى يه يات سمجه لی گئی بھی که تمام هندستان کو اِسلام کا آیننتا تاسمکی هے . به معامله بهدن در رہ گیا اور اِس کی بچه سے علاستان کے اندر اِسلامی قانون اور اِسلامی رواج میں کافی تبدیلیاں کرنی يتين ، إس كا قدرتي تتينجه يه هوا كه يتد أصوال بالكل ختم هو کھا بد مدستان میں یہاں کے مسلمان بادشاہ مذھب اِسلم کے معض ابجات بن کو جارست کریں .

آب هم پهر یه دیکها جاهتی هیں که میلوں کی حکومت کا
تعنگ کیا تھا میل حکومت یعنی شخصی حکومت یعلی
ایک آدمی اکی حکومت تو تهی هی لیکن وہ ایک حد کے
اندر هی شخصی حکومت تهی ، بادشاہ عام طور پو
به دعهوں کرتا تھا که میں اِسلام کے ایک ایجھاٹ کی
به دعهوں کرتا تھا که میں اِسلام کے ایک ایجھاٹ کی

The state of the s

يها تها. صدر ألصدر رأج كالخاص عالم هونا تها. شايد ملك يهر مين ولا شرع السب کے زیادہ جائیے والا سنجهاجانا تھا اور معمن ف که الرع پر سب سے زیادہ واقف بھی وھی ھو۔ سب مغل بادشاھوں نے شرع کا مطلب اعلان کرنے کا پورا حتی صدر کو دسے رکھا تھا ۔ صرف اکبر نے یہ حق اپنے هاته میں لیا تھا که جب کبھی عاماؤں الى والد نه ملتى نهى تو بادشاه عادل كى حيثيت س خود أن میں سے جس رانے کو ٹھیک سمجھے آسی پر عمل کرتے ، لیکن إس اعلان پر بھی اکبر أس وقت تک، عمل نه كر سكا جب تک اُس نے اپنے برانے صدر الصدر کو نکال کر اُس کی جگیہ موسوأ مدو مقررتم كو ليا. عبدالنبي كو تكال كر أس كي جاهم مدر جہاں کو مقور کیا گیا ۔ علماؤں کے فاوے کا آطان بھی تب تک نہیں ہو سکا جب تک کہ صدرالصدر نے خاص کر دستخط نہیں كر ديا . يه إيك عجيب عورت تهى . صدرالصدر جب تك صدر الصدير رها تها تب تك صرف أصعى يه أعلن كراء كاحتى تها كه شرع كا حكم كيا هم ليكن بادشاه صدر كو مقرر أور برخاست كو سكتا تها . وه بادشاه كي ماتحت له تها ير بادشاه أس نكال سعقا تها ، اورنكزيب كي تافت ور بيتها كي وقت إس کی بہت اچھی مثال دیکھنے کو ملی . صدر الصدر لے شاہجہاں کے زندہ رہتے میٹ اورنگزیب کو بانشاہ قرار دینے سے انکار کو دیا ، اورنگزیب کو آس برخاست کر کے دوسرا صدر مقرر کرنا ہڑا . اِس دوسرے صدر نے پہلے ھی سے یہ رائے ظاہر کو دی تھے کہ چہانکہ شاہجہاں قید میں ہونے کی وجہ سے کام کرائے کے قابل نہیں اِس لئے اُس کے وقدہ رمتے ہوئے بھی اورد عویب کے نام کا خطبہ پڑھا جا سکتا ہے . اِس طرح مغل بادشاهوں کے لئے اپنے کسی کام کو ٹھیک ثابت کرنے کے لئے یہ الزسی تھا کہ ولا دُولُي له كوثي أيسا عالم قعونده لين جو صدرالصدر بن كر ہادشاہ کے کام کو جائز قرار دے سمے ، اورتکزیب کے زمالے میں ایک اور طرب سے یہ چمک گیا که شرع کے مماملے میں بادشاہ كس طرح دوسرم كي مانتحت تها . كنجه أنسر إس كام كي لاء مقرر نئے گئے تھے جو رعایا در اجازت دیتے تھے که وے اگر بادشاہ کے خالف کوئی نالص کرنا چامیں تو کر سکیں . یہ انسر والد شرع کہاتے تھے . یہ مددمے بادشاہ کے خلاف اُس طرح کے فاتم معاملوں میں دائر کھ جاسکتے تھے جس طرح که انگریزی قانون ميں پيلينلس أف رائت كے مانحت دائر كيا جا تها. اورنگزیب کی حکومت کی پالیسی سے اِن کا کوئی نعاق نہیں نھا اور نے دوئی اس ئے مطابق ملک کے راج کاچ میں دول

منل سلطنت مذهبی سلطنت او انهیں تعی لعکن کئی

निया था. सद्दलसद्द राज का खास भालिम होता था. गायद मुल्क भरं में वह शक्षर का सब से ज्यादा जानने वाला ममका जाता था और मुमकिन है कि शरक पर सब से ज्यादा वाक्रिक भी वही हो. सब मुराल बादशाहों ने शरध का मतलब ऐलान करने का परा इक सहर को दे रखा था. तिर्फ अकवर ने यह इक अपने हाथ में लिया था कि जब कभी उलमाओं की राय न मिलती थी तो बादशाह आहिल की हैसियत से .खुद उनमें से जिस राय को ठीक समके उसी पर अमल करें. लेकिन इस ऐलान पर भी अकबर उस वक्त तक अमल न कर सका जब तक उसने अपने प्राने सदरुलसद्र को निकालकर उसकी जगह दूसरा सद्र मुकर्रर न कर लिया. अब्दुल नबी को निकालकर उसकी जगह सदरजहाँ को मुक्तरेर किया गया. उल्माओं के कतवे का ऐलान भी तब तक नहीं हो सका जब तक कि सदरलसदर ने खासकर दस्तखत नहीं कर दिया. यह एक अजीव सरत थी. सद्देलसद्र जब तक सदरलसदर रहता था तब तक सिर्फ उसे ही यह ऐलान करने का हक था कि शरका का हक्म क्या है. लेकिन बादशाह सदर का मुकरी श्रीर बरखास्त कर सकता था. वह बादशाह के मातेहत न था पर बादशाह इसे निकाल सकता था. औरंगजेन के तस्त पर बैठने के बक्त इसकी बहत अच्छी मिसाल देखने को मिली, सदहलसदर ने शाहजहाँ के जिन्दा रहते हए श्रीरंगजेब को बादशाह करार देने से इनकार कर दिया. श्रीरंगजेब को उसे बरखास्त करके दूसरा सदर मुक्तरेर करना पड़ा. इस दूसरे सदर ने पहले ही से यह राय जाहिर कर दी थी कि चूँ कि शाहजहाँ क़ैद में होने की वजह से काम करने के क्राबिल नहीं इसलिये उसके जिन्दा रहते हए भी औरंगजेब के नाम का .खुतवा पढ़ा जा सकता है, इस तरह मुराल बादशाहों के लिये अपने किसी काम को ठीक साबित करने के लिये यह लाजिमी था कि वह कोई न कोई ऐसा आलिम दूँढ लें जो सदरलसदर बनकर बादशाह के काम को जायजे करार दे सके. औरंगरोब के जमाने में एक और तरह से यह चमक गया कि शर अ के मामले में बादशाह किस तरह दूसरे के मातेहत था. कुछ अफसर इस काम के लिये मुक्तरेर किये गये थे जो रियाया को इजाजत देते थे कि वे धगर बादशाह के खिलाक कोई नालिश करना चाहें हो कर सकें. यह अफसर बकलाए शरख कहलाते थे. यह मुझद्रमें बाद्शाह के खिलाफ़ इस तरह के जाती भामलों में दायर किये जा सकते थे जिस तरह कि अंग्रेजी क़ानून में पेटन्ट्स-आफ-राइट के मातेहत वायर किया जाता या. श्रीरंगजेब की हकूमत की पालिसी से इनका कोई ताल्लुक नहीं था और न कोई उसके मुताबिक मुल्क के राज काज में दखल दे सकता था.

मुराल सरतनत मजहबी सस्तनत तो नहीं थी, लेकिन कर्र

जान बकरा देने के बजाय उसे क्राजी के पास हुक्म के लिए भेज दिया. श्रीरंगजेब का जमाना मुसलमानों के पूरे जार का जमाना था श्रीर श्रीरंगजेब .खुशी से मुसलमानों के फैसले के श्रागे सर मुका देता था.

श्रव यह सवाल पैश होता है कि मुशल राज मजहबी राज था. मुराल राज से पहले के यानी शुरू जमाने के मुसलिम बादशाहों का खमल चाहे कैसा भी रहा हो मुरालों की हकूमत इसलामी या मजहबी नहीं कही जा सकती. मजदबी हुकूमत का मतलब यह है कि हुकूमत यानी सरकार पुरोहितों, पदारियों या मुल्लाओं के मातेहत हो. इसलाम ने ईसाई चर्च की तरह कभी मुसलिम मुझाओं का इजतमा नहीं खड़ा किया, इसलाम में कभी भी कोई खास परोहित यानी मजहबी रस्में श्रदा करने कराने वाली कोई स्नास जमा-अत नहीं रही. मजहबी तौर पर इसलाम में कभी भी कोई खास छोटे बड़े पुरोहित या पादरी नहीं हुए. इसलिये मज-मून में मजहबी हुकूमत मुसलिम राज में हो ही नहीं सकती थी जर्नाक किसी को किसी वक्त भी शरत्र का ऐसा मतलव बता देने का इक नहीं था जिसमें रास्ती न हो सके. मुसल-मानों में खलीका हुए हैं. कभी कभी एक साथ एक से ज्यादा भी खलीका हुए हैं. लेकिन खलीका उन मानों में मुसलमानों का रूहानी हाकिम नहीं होता था जिन मानों में अभी तक पाप कैथालिक ईसाइयों का रूहानी डाकिम है. जिस तरह पोप को ईसाई धर्म के मामलों में इस तरह के हुक्म जारी करने का इक है जिनका मानना हर ईसाई का कर्ज है उस तरह खलीका का कभी आम मुसलमानों के लिये हक्म जारी करने का इक हासिल नहीं हुआ। इसलाम अभी तक मज़-हवी मामलों में सिर्फ एक ही चीज को सनद मानता है और वह है रसूल की हदीसों और सहावा की जिन्दगी के बाक्सयों की रोशनी में क़ुरान का हुक्स, उसमें सिर्फ एक तब्दीली मान ली गई थी. वह यह कि तमाम मुसलिम दुनिया मिलकर जिस श्रीज को जायज कह दे वह जायज

जबिक सब जगह इसलाम की सूरत यह थी तो हिन्दु-स्तान में और खासकर मुगल हिन्दुस्तान में तो यह और भी ज्यादा जरूरी थी. इस मुल्क में हिन्दुस्तान की आवादी के एक बहुत बड़े हिस्से के साथ इसलाम को शरब से कोई ताल्लुक नहीं था. जिस मुल्क में आवादी के इतने बड़े हिस्से का बड़े-बड़े मामलों में उनके अपने कानून के मातेहत छोड़ दिया गया था वहाँ इसलाम की कोई मजहबी हुकूमत हो ही नहीं सकती थी. इस मामले में औरंगजेब ने भी कोई तब्दीली करने की कोशिश नहीं की.

लेकिन एक बात ऐसी थी कि जिस में मुराल राज ने एक मजहबी आलिम के अख्तियार को बहुत वर्जे तक मान جان بخش دیلے کے بجائے آسے قافی کے پاس حکم کے لئے بھیج دیا ۔ أورثكوبت كا زمانت مسلمانیں کے پیرے زور كا زمانت تها أور أورثكوبت خوشی سے مسلمانیں كے نيصلے كے آگے سر جهكا دیتا تها .

اب یه سوال پیدا هوتا هے که منل راج مذهبی راج تها۔ منل راج سے پہلے کے یعلی شروع زمانے کے مسام بادشعوں کا عمل چاھے كيساً بهي رها هو مغلول كي حكومت إسلامي يا مذهبي تهين كهي جا سکتی ، مذهبی حکومت کا مطلب یه هے که حکومت یعنی سرکار بروهةوں ادربوں یا ملاؤں کے ماتعت هو . اِسلام نے دیسائی چرچ کی طرح کبھی مسلم طاؤں کا اُجتماع فہیں کھڑا كيا . إمالم مين كبهي بهي كوئي خاص پروهت يعني مذهبي رسمين أدأ كرفي كرافي والي كوئي خاص جماعت نهين رهي . مذهبی طور پر اسلام میں کبھی بھی کوئی خاص چھوٹے ہوت يروهت يا يادري نهيل هوئه ، إس لله مضمون ميل مذهبي حکومت مسام رأب میں هو هی انهیں سکتی تھی جب که کسی کوکسی وقت بھی شرع کا ایک ایسا مطلب بتا دیئےکا حق نهين تها جس مين غلطي له هو سكه ، مسلمانون مين خليفه هرئے هيں . كبهى كبهى أيك ساته أيك سه زيادة بهى خليفه هوله هيل . لكين خليفة أن معنون مين مسلمانون كا روحاني حاكم نهدن هوتا تها چن معذون ميد، ايهى نك دوپ كهيتولك عيسائهوں كا روحائي حاكم هے ، جس طرح يوب كو عيسائي دورم کے معاملیں میں اِس طرح کے حکم جاری کرنے کا حق فے جن كا مائنا هر عيسائي كا درض في أس طرح خليفه كو عبهي عام مسلمانیں کے لئے حکم جارہے کرنے کا حق حاصل نہیں عوا . اللم ابھی تک من میں معاملوں میں صرف ایک هے چیز کر سند مانتا ہے اور وہ ہے رسول کی حدیثوں اور صحابہ کی زندگی کے وانعوں کی روشنی میں قرآن کا حکم ، اِس میں صرف ایک تبدیلی مان کی گئی تھی ، وہ یہ که فعام مسلم دنیا حل کو جس چيو کو جائز کهه دے وہ جائو هے .

جب کہ سب جگہد آسلام کی صورت یہ نہی تو ھندستان میں اور خاص کو میل ھندستان میں تو یہ اور بھی زیادہ ضوری تھی ۔ اِس ملک میں ھندستان کی آبادی کے ایک بہت ہوتے حصے کے سانھ اِسلام کو شرع سہ کوئی تھاتی نہیں تھا ، جس ملک میں آبادی کے اتفہ ہوتے حصے کو بوتے ہوتے معاملوں میں اُن کے اپنے قالموں کے مانتھات چھوڑ دیا گیا تھا وہاں اِسلام کی کوئی مذھبی حکومت ھو ھی نہیں سکتی تھی ، اِس مماملے میں اور فکویب نے بھی کوئی تبدیلی کرنے کی کوشش نہیں گی .

لیکن ایک، بات ایسی تھی که جس میں منل راج نے ایک مذہبی الد کے اختیار کو بہت درجے تک مان Ĕ.

किया जाता था कि जो मुसलमान मजहबी जुर्म करेगा बानी अपने किसी मजहबी कर्ज को पूरा नहीं करेगा उसपर खास हालतों में शरक के मुताबिक मुक्तदमा नहीं चलाया जायगा. मानना पहता है कि मुराल बादशाहों ने इस मामले में लोगों को काकी रियायत दे दी थी. बाज लाग समभते हैं कि इसकी पहल अकबर ने की थी लेकिन यह रालत है, अकबर से पहले अलाउद्दीन और मुहम्मद तुरालक इसी तरह का श्राजाद हुंग अस्तियार कर चुके थे. अकबर ने .खुद अपने सल्तान। आदिल या इसाम आदिल होने का जा धरमान बल्माओं को जमा करके उनसे जारी कराया था जिसके मताबिक उल्माच्यों की एक दूसरे के खिलाक दो रायों में किसी एक को ठीक पैलान कर देने का अकबर को हक मिल गया था, जिसे योदप बाले ग्रस्तो से "इनकालिएबि-लिटि डिक्री" यानी 'बादशाह की मासुमियत का फरमान' कहते हैं, वह भी असल में मुसलिम शरक का बदलने वाली चीज नहीं थी बल्क एक बहुत बड़े दर्जे तक मुसलमानों को तसल्ली देने वाली चीज थी. अलाउ हीन ने यह ऐलान कर दिया था कि 'भैं शरक का क़। तून नहीं जानता और इस-लिये जो मेरा दिल कहता है वही करता हूँ "इसके खिलाफ अकबर का यही कहना था कि मैं जो करता है शरफ कं मुताबिक करता हूँ. सिर्फ शरअ के जानने वाले मुखतिलक श्रालिमों की जो अलग अलग राय एक दूसरे के खिल।फ मीजूद हैं उनमें से मैं किसी एक राय को चुन लेता हूँ." इसका मतलब यह हुआ कि जहाँ तक उसल की बात है श्रकबर ने भी शरका को बदलने का अखितयार अपने हाथ में नहीं लिया. यह दूसरी बात है कि अमल ,में उसने शरख के कुछ हुक्मों की परवाह नहीं की श्रीर उसका श्रमल किसी वात में शरश्र के खिलाफ रहा.

श्रीरंग जेब ने शरक के बदलने के इस हक से बिलकुल ही हाथ खींच लिया, बार बार देखने में आता है कि औरंग-जब न सिर्फ दीवानी और फौजदारी के मामले में ही शरे के श्रानिमों की राय नेता था बल्क सरकारी टैक्स लगाने के मामले. तिजारत और ब्योपार के कायरे कानून बनाने में भी वह अक्सर शरश्र का हुक्स देखता था. शहमदाबाद में कब्र लोगों ने तार बनाने का काम अपने ही हाथों में ले रखा था. श्रीरंगजेब ने श्रालिमों से सलाह कर इस इजारे को तोड़ दिया और सबको तार बनाने और बेचने की इजाजत दे दी. एक मतीबा भीरंगजेब ने गल्ला वरौरा का निर्क बाँध देना चाहा लेकिन जैसे ही इसे मालूम दुआ कि ऐसा शरध के खिलाफ है उसने अपनी कोशिश बन्द कर दी. इसे किसी के मुसलमान होने पर ख़ुशी होती थी लिकिन फिर भी एक मतेबा जब किसी आदमी ने, जिसे कतल के मामले में मौत की सजादी गई थी, मुसलमान हो जाने और जान वस्रावाने की स्वाहिश जाहिर की तो औरंगकोव ने उसकी

لها جاتا نها که جو مسلمان مذهبی جرم کویکا یعنی اِندِکسی مذهبی برض کو پیرا نہیں کرے کا اُس پر خاص حالتیں میں شرع کے طابق مقدمه نهين چلايا جائيگا، ءانغا يونا هے كه مغل بادشاهين نے اِس معالے میں لوگوں کو کانی رعایت دے دی تھی . یمض اوگ سمنجھتے ہیں کہ اِس کی پیل اُکھر نے کی تھی لیکن به غلط هـ . انبر سه يهل علاوالدين أور محمد تغلق إسى طاح کا آزاد تعنگ اختیار کر چکے تھے . اکبر لے خود اپنے ساطان عادل یا امام عادل هونے کا جو فرمان علماؤں کو جمع فر کے آن سے چاری کرایا تھا جس کے مطابق علماؤں کی ایک دوسر م کے خلف دو رائیوں میں کسی ایک کو ٹیبک آعلان کر دیتے کا اکبر کو حق مل گیا تھا' جیسے بورپ والے غلطی سے ''اِنغاللہ بلیاتی \$كرمي "ايمتى وبانشاه كي معصوميت كافرمان "ابات هين" ولا هي أصل میں مسلم شرم کو بدائے رائی چیز نہیں تھی بلکہ ایک بڑے درجے تک مسلمانوں کو تسلم دینے والی چیز تھی ، علاؤ الدین نے یہ اعلان کر دیا تھا کہ ''میں شرع کا قانون ٹہیں الما اور إس الله جو مهراً دل كهمًا ها وهي قرقا اول الله على الله کے خالف اکبر کا یہے۔ کہذا تھا کہ واسمی جو کرتا ہوں شروع کے مطابق کرتا هوں ، صرف شوع کے جاشنے والے مختلف عالموں کی دو الگ الگ رائے ایک درسرے کے خلاب سوجود میں ان میں سے میں کسی ایک رائے کو چی لیتا عوں 😘 اِس کا مطلب یہ دوا کہ جہاں نکہ، اصوال کی بات ہے اکبر نے بھی شرع كو بدائم لا أختيار أين هايه مين نهين ليا ، يه دوسري بات ھے کہ عال میں اُس نے شرع کے کعوہ حکمیں کی پرواہ نہیں کی اور اُس کا عمل دسی بات میں شرح کے حالف رہا .

اورنکؤیب نے شرع کے بدائم کے اِس حق سے بالکل عی ساتم کھیتے ایا میار بار دیکھتے میں آنا ہے کہ اورنگؤیب نه صرف دیوانی اور فرجداری کے معاملے میں ھی شبع کے عالموں کی وانے لیکا نها بلکہ سرکاری تیکس کانے کے معاملے انجارت اور پیرپار کے فاعدے فائری بنانے میں بھی وہ انثر شرع کا حکم دیکھا تھا، احمدابان میں کنچھ ایگوں اور تار بنانے کا کم اینے ھی ھاتھوں میں تور دیا اور سب کو تار بنانے اور بینچنے کی ازجازت دے دی وردی اور سب کو تار بنانے اور بینچنے کی ازجازت دے دی بیرسے ھی آس معلوم ھوا کہ ایسا شرع کے خلاف ہے آس نے بیسے ھی آس معلوم ھوا کہ ایسا شرع کے خلاف ہے آس نے اپنی کوشش بند کر دی ۔ آب کسی کے مسلمان ھوئے پر خوشی ھوتی تھی لیکن بھر بھی ایک مرتبہ جب کسی آدمی نے جسے ھوتی کی دوران بینشوانے کی خوابھی طاقع کی گئی تھی اسلمان ھو جانے فیل کے معاملےمیں موت کی سزا دی گئی تھی اسلمان ھو جانے اور جان بینشوانے کی خوابھی طاقع کی گئی تھی اسلمان ھو جانے اور جان بینشوانے کی خوابھی طاقع کی گو اورنگڑیب نے آس کی

11.5

जरूर था लेकिन उसके बनाने में मुराल राज का कोई हाथ नहीं था. इन यूरप वालों को कोई मुग़ल क़ानून नहीं मिले क्योंकि मुरालों ने कभी नये कानून बनाये ही नहीं. जिस्रे हुए क्षानून तो उस जमाने में इतने ज्यादा थे कि औरगजंब ने, जो .खुद वड़ा आलिम था, यह महसूस किया कि मुस-लिम शरश्र की पेचीद्गियों में से रास्ता मिलना भी कभी कभी मुश्किल हो जाता है. इसलिये श्रीरंगजेब ने शरक के कानून को फिर से तरतीब देकर लिखवाया. इस काम में औरगजेंब ने बादशाह की हैसियत से अपना कोई अख्तियार नहीं जनाया. "कतवए त्रालमगीरी" नाम की किताब तैयार कराई गई. यहत से आलिमों ने मिलकर उसे तैयार किया. किसाब के नाम के साथ आलमगीरी के नाम से यह नहीं सममता चाहिये कि उसमें कोई आलमगीर का हुक्म शामिल है. हर बात जो किताब में कही गई है उसके लिये किताय लिखने वाले आलिमों ने शरश्र की किसी न किसी पुरानी किताब से हवाला दिया है.

मुराल जमाने में ही हिन्दू धर्म शास्त्र की भी कई संस्कृत किताबें तैयार कराई गई, लेकिन इनमें भी किसी बादशाह के हक्म से कोई बात नहीं लिखी गई. कमलाकर, रघुनन्दन, मिश्र मिश्र, नरसिंह श्रीर बहुत से छाटे मोटे पहितों ने धर्मशास्त्र के अलग अलग हिस्सों पर मेहनत का, इन बिद्वानों ने हमेशा पुराने शास्त्रों से दी लेकर अपनी राय जाहिर की है. कहीं कहीं इतना जरूर किया है कि जहाँ उन्हें पुरानी कितायों में तरह तरह की एक दूसरे के खिलाफ रायें मिली हैं वहाँ उन्होंने उन्हीं में से किसी एक राय को लेकर अपना एक नया रास्ता बनाया है. इस मामले में हिन्दुओं की एक श्रीर रियायत थी जो मुसलमानों को नहीं थी. हिन्दु श्रीं की अपनी कचहरियाँ थीं जो पंचायतें कहलाती थीं. धर्मशास का मतलब मालूम करने में जहाँ दिक्षकत होती थी यह पंचायते उसी पर आ खिरी फैसला देती थीं. आम मुराज जमाने में किसी मुरात बादशाह की तरक से इन पंचायतां के रंग रूप, उनके पंचीं या उनके काम के दंग की बदलने या उसमें दखत देने की की शिश नहीं की गई.

फ़ी नदारी का क़ानून यानी जुर्मी की सजा देने का क़ानून इसलामी क़ानून था. मामूली तौर पर रियाया और राज और रियाया के ताल्लुक इसलामी क़ानून से चलते थे. अकचर ने मुग़ल राज की मजहबी पालिसी का नदलकर एक खास नई तब्दीली की थी. लेकिन जो तब्दीलियाँ अकचर ने की बे भी असल में मुलक के अमन आमान से ही वास्ता रखती थीं. ऐसे मौकों पर शाम तौर से राज की तरफ़ से यह ऐलान कर दिया जाता था कि कुछ क़ायदे क़ानून का तोड़ देने पर भी सरकार, खासकर, गैर मुखलिम मुजरिमों पर मुकदमा नहीं चलावेगी. कभी कभी यह ऐलान

ضرور تھا ایکن اُس کے بقائے میں مغل رائے کا کوئی ہتو نہیں تھا ، اُن یورپ والوں کو کوئی مغل قانون قہیں مئے کیوئکہ مغاوں نے کبھی نئے قانون بغانے ھی قبید ، اس کیوئکہ مغاوں نے کبھی نئے قانون بغانے ھی قبید ، اس زمانے میں اِتغے زیادہ تھے کا اورنکورب لے؛ جو خود ہزا عالم تیا یہ محسوس کیا که مسلم شرع کی یہجیدگیوں میں سے راستہ ملنا بھی کبھی کبھی مشکل ھو جاتا ھی ایس ائے آورنکزیب نے شرع کے قانون کو پہر سے ترتیب دے کر انجوایا ، اس کام میں اورنکزیب نے بادشاہ نی حیثیت سے اپنا کوئی اختیار نہیں جٹایا ، انتوئے عالمگیری نئی میں نام کی تابوں نے مل کو اُس نیار کوا ہے نام کے ساتھ عالمگیری کے نام سے یہ نیون تیار کوا ہے اس میں کوئی عالمگیری کے نام سے یہ نیون تیار کیا ، کتاب کے نام کے ساتھ عالمگیری کے نام سے یہ نیون سے جھانے والے سمجھٹا چاسئم تھ اس کی گئی ھے اُس کے لئے کتاب لکھتے والے بات جو کتاب میں کہی گئی ھے اُس کے لئے کتاب لکھتے والے بات جو کتاب میں کہی گئی ھے اُس کے لئے کتاب لکھتے والے بات جو کتاب میں کہی گئی ھے اُس کے لئے کتاب لکھتے والے بات جو کتاب میں کہی گئی ھے اُس کے لئے کتاب لکھتے والے بات جو کتاب میں کہی گئی ھے اُس کے لئے کتاب لکھتے والے عالموں لے شرع کی کسی نے کسی یہ کوئی کا کام کیا دیا ہے دائے کیا کیا کو اُس

کی گئی .

فوجد اری کا قانون یعنی جرموں کی سؤا دینے کا قانون اِسلامی

قانوں تھا ، معمولی طور پر رعایا اور راج اور رعایا کے تعلق اِسلامی

قانوں تھ چلتے تھے ، اکبر نے مغل راج کی مذہبی پالیسی در

بدل کو ایک خاص نئی تبدیلی کی تھی ، لیکن جو تبدیلیاں

اکبر نے کیں دے بھی اصل میں ملک کے اس آمان

سے ھی واسطہ رکھتی تھیں ، ایسے موقعوں پر عام طور سے

راج کی طرف سے یہ اعلان کو دیا جاتا تھا کہ کچھ قاعدے

زاج کی طرف سے یہ اعلان کو دیا جاتا تھا کہ کچھ قاعدے

قانوں کو تور دیئے پر بھی سوکار ، خاص کو غیر مسلم

ممجوموں پر مقدمہ نبھی چلارے گی ، کبھی کبھی یہ اعلان

शाही हुकूमत के सम्बंध में साता है वह सिर्फ एक रिवाजी वीज है या वह लफ्जों का हेर फेर है या यह है कि और सब चीजों की ठरह बादशाह का पैदा करने बाला भी खड़ाह ही है. अब हम अपने दूसरे मसले पर आ जाते हैं यानी यह कि मुराल हुकूमत कहाँ तक पिश्याई तानाशाही थी. इससे यह सबाल भी पैदा होता है कि "पशियाई तानाशाही थी. इससे यह सबाल भी पैदा होता है कि "पशियाई तानाशाही" क्या चीज है ? इस बात में बहुत शक है कि पशिया में कभी किसी खास किस्म की तानाशाही गढ़ी गई हो जो यूर की तानाशाही से ख्यादा बुरी हो. इस किस्म की हुकूमत में पूरव और पश्चिम, एशिया और यूरप का कोई कक्ष नहीं, जैसे फांस में लुई जीदहनों यह दावा करता था कि मैं ही हुकूमत हूँ वैसे ही हिन्दुस्तान में औरंगजेब ने उससे बढ़कर कोई बात नहीं कही. बिक्क आम तौर पर यह दावा भी नहीं किया.

इसमें कोई शक नहीं कि मुग़ल बादशाहों की हुकूमत शख्सी हुकुमत थी. उस जमाने में आम जनता के चुने हुए लोगों की कोई इस तरह की कौंसिल या पालीमेंट वरौरा नहीं थी जिसके जरिये बादशाह के कामों पर रोक थाम रखी जा सकती. लेकिन अगर उसके यह मानी लें कि मराज बादशाह अपनी रियाया के जान माल के परे मालिक थे श्रीर जो चाहे कर सकते थे या सियासी मामलों में भी जो चाहे हुक्म दे सकते थे, उन्हें कभी भी क़ानून के मातेहत नहीं माना गया, बल्कि वे अक्सर खुद अपने को क्रानृत के नौकर कहते थे तो दूसरी बात है. जायदाद वरौरा सब तरह के मामलों में रियाया का कुल जाती कानून हिन्दू धर्म शास्त्र और मुसलिम शरश्र पर चलता था. मुराल बादशाह मानते थे कि उन्हें उसमें तब्दीली करने का कोई अखितयार नहीं है. जहाँ तक पता चलता है सिर्फ शाहजहाँ ने एक मौके पर हिन्दू धर्म शास्त्र में कुछ तब्दीली की थी. यह उस वक्त जब शाहजहाँ ने यह हुक्म जारी कर दिया कि अगर कोई हिन्दू इसलाम को अपनाना चाहे तो उस घर के लोग उस पर जायदाद बरौरा के खर का बेजा दबाद न डालें. मुमकिन है कि इससे घर्मशास्त्र के जायदाद के विरासत के क़ानून में कोई तब्दीली पैदा हुई हो. क्योंकि धर्मशास्त्र का क्रानून यह रहा होगा कि मजहब बदल लेन पर काई शकत अपनी स्नान्दानी विरासत नहीं पा सकता. श्रीर शाहजहाँ के क्रानून के मुताबिक एक हिन्दू मुसलमान हो जाने पर भी अपनी स्नान्दानी विरासत पा सकता था. गुसलमानों की शरश्र में तो कभी किसी बादशाह ने किसी तब्दीली की कोशिश नहीं

इस वजह से कुछ मशहूर योरोपियन मुसाकिरों ने यह अजीव बात कह डाली है कि मुरालों के खमाने में कोई 'लिखा हुआ कानून था ही नहीं. लिखा हुआ क़ानून तो شاهی معرمت کے سبندھ میں آتا ہے وہ صرف ایک رواجی چوڑوں چوڑ ہے یا وہ انظری کا ھیر پہیر ہے یا یہ ہے کہ اور سب چوڑوں کی طرح بادشاہ کا پیدا کرتے والا بھی اللہ ھی ہے . اب ھم آپنے دوسورے مسئلے پر آجاتے ھیں یمنی یہ کہ منل حکومت کیاں تک اُرھیائی تائاشاهی تبی ۔ آس سے یہ سوال بھی پیدا ھوتا ہے کہ اُرشیائی تائا شاھی 'کیا چیڑ ہے ہا اِس بات میں بہت شک کہ اُرشیا میں کبھی کسی خاص قسم کی تاناشاهی گتھی گئی ھو جو بورپ کی تائاشاهی سے زیادہ بری ھو ، اِس قسم کی حکومت میں پورپ اور پچھم' ایشیا اور یورپ کا کوئی فرق کی حکومت میں پورپ اور پچھم' ایشیا اور یورپ کا کوئی فرق نہیں ، جیسے فرانس میں لوئی چردھواں یہ دعوی کرتا تبا که میں بورپ ایسے بی ھندستان میں اور نکویپ نے اُس سے بچھ کر کوئی بات نہیں کہی ، بلکہ عام طور پر یہ دعوی بھی نہیں کہی ، بلکہ عام طور پر یہ دعوی بھی نہیں کہا ،

إس مين كواع يشك ديهين كه مغل بالشاهون كي حكومت شخصي حکومت تھی ، اُس زمانے میں عام جنتا کے چنے ہوئے لوگوں کی کوئی اِس طرح کی کونسل یا پارلیمهات وغیرہ نہیں تھی جس کے فریعة بلدشاه کے کاموں پر روک تھام رکھی جا سکتی ، لیکن اگر اس کے یہ معنی اوں کہ مغل جادشاہ اپنی رعایا کے جان مال کے پورے مالک تھے اور جو چاھے کو سکتے تھے یا سیلسی معاملوں میں بھی جو چاھے حکم دے سکتے تھے' انھیں کبھی بھی قانون ع ماتحت نهين مانا كيا، بلكه وم أكثر خود أين كو قانون ك نوکر کہتے تھے تو دوسری بات ہے ۔ جائیدان وغیرہ سب طرح کے معاملوں میں رعایا کا کل ذاتی قانون هلدو دهرمشا۔ اور مسلم شرع پر چلتا تها . منل بادشاه مانت تهے که اُنهدں اُس میں تردیلی کرنے کا کوئی آختیار نہیں ہے ، جہاں نک بتہ چلتا ہے مرف شاہ جہاں نے ایک موقع پر هندو دهرم شاستر هیں کچھ تبديلي كي تهي يه أس وقت جب شاهجوال لم يه حكم جابع کو دیا که اگر کولی هندو اسلام کو اینانا چاهے تو اُس گهر کے لوگ اُس پر جائهداد وغيرة کے در كا بيجا دباؤ نے داليں . سمین ہے کہ اِس سے دورم شاستر کے جائداد کے وراثت کے فالون مين كولى تبديلي بهذا هوائي هو . كيولكم دهرم شاسار كا قانین یه رها هوگا که مخصب بدل لینم پر کوئی شخص آپنی خاندانی وراثت نہیں یا سکتا ، اور شاہدہاں کے قانون کے مطابق ایک عدو مسلمان هوجالے پر بھی اپنی خاندانی وراثت یا سکتا تها ، مسلمالین کی شرع مین تو کبھی کسی ہادشاہ نے کی تبدیلی کی کوشش نہیں کی .

اِس وجه به کنچه مشہور بررویدی مسانروں کے بعد یہ عجیب یات کہ ذالی ہے که مناوں کے زمانے میں کرئی ایها هوا قانوں تو کرئی ایها هوا قانوں تو

कुछ होता है वह खुदा के ही हुक्म से होता है. इन बातों से यह साबित नहीं होता कि मुराल बादशाहों का यह दावा था कि वह मामुली इन्सान से कुछ मी ऊँचा रुतवा रखते थे और न इन चीजों से उन्हें कोई मजहबी या दीनी दतवा हासिल होता था. उस जमाने के यूरप के बहुत से बादशाहों का यह दावा था कि उनकी तस्तनशोनी के वक्त उनके सर पर पवित्र तेल की मालिश किये जाने से उनको खास मजहबी रुतबा हासिल हो जाता था जो आम इन्सानों को हासिल नहीं था. इस बारे में मुराल वादशाहों का जो ख्याल था और यूरप के (Divine Right) .खुदाई इक मानने बाले बादशाहों का जो ख्याल था उन दोनों का फर्क सत्र-हवीं सदी के इंगलिस्तान की तारीख को देखने से अच्छी तरह समक्त में आ सकता है. जब जेम्स अञ्चल ने राज के लिये अपने इक को खुदा का दिया हक बताया तो यह एक मजहबी उसल पैदा होगया कि बादशाह की किसी चीज की किसी को मुखालिकत नहीं करनी चाहिये और सबको बादशाह का हुक्स चुपचाप मान लेना चाहिये. बादशाह से बरा।वत करना सिर्फ एक क्रानूनी जुर्म ही नहीं रहा बल्क एक मजहबी गुनाह भी समका गया जिसको परलोक या मालियत में भुगतना पड़ेगा. इसी से इंग्लैंड के इन्क्ज़ाब के बाद ऐसे पादरी पैदा हो गये थे जिन्होंने विलियम और मेरी की वकादारी की कसम खाने से इन्कार कर दिया था. उनमें उस जमाने के इंगलिस्तान के कुछ बढ़े से बढ़े पादरी भी शामिल थे. उन्होंने यह स्याल जाहिर किया कि जेम्स होयम जो समुद्र पार चला गया था उनका कानुनी भादशाह है, बन्हीं में से कुछ लोगों ने मिलकर हालैन्ड से विलियम को बुला भेजा था ताकि जेम्स दोयम इंगलिस्तान को कैथोजिक बना डालने की कोशिश न कर सके. शाही मरतवे के बारे में इस तरह का रूयाल मुराल जमाने के हिन्द्स्तान में मौजूर नथा. जब सतीम ने अपने बाप अकबर के खिलाफ बराबत की तो किसी काजी ने उसके खिलाफ फतवा नहीं दिया और न जब .खुरम ने जहाँगीर के खिलाफ बरावत की तो किसी काजी ने उसे गुनहगार ठैहराया, अलबता यह सच है कि औरंग बेब के गरी पर बैठने के बक्त सद्दलसदर ने बसी के नाम को पढ़ने और उसके शहन्शाह हाने का पेलान करने से इन्कार कर दिया था. इसलिये कि श्रीरंगजेब का बाप शाहजहाँ उस वक्त जिन्दा था. मगर उस मिसाल से मुराल ताज के दैवी या .खुदाई होने का उसूल साबित नहीं होता. अकबर के जमाने में भी जब उसके सीतेले माई हकीम ने हिन्दुस्तान पर हमला किया तो अकबर ने कोई खुराई दावा पेश नहीं किया बल्कि बाप की सल्तनत को विरासत में पाने के लिये सिक अपनी कौजी ताकत पर ही भरोसा किया था. इस तरह जहाँ कहीं .खुदाई इक का जिक्र, शादी ताकत या

ورنا ہے وہ خدا کے ھی حکم سے عوتا ہے۔ ان ہاتیں سے یہ ثابت نہیں ہوتا کہ منل ہادشاہیں لا يه رعبول تها كه ولا معمولي إنسان سے كجه يهي أونجها رتبه رکھتے تھے اور نہ اِن چیووں سے اُنھیں کوئی مذہبی یا دینی رنبة حاصل هونا تها ، أس زمائے كے يورپ كے بہت سے بادشاعوں کا یہ دعول تیا کہ اُن کی تخت ٹشیلی کے رقت اُن کے سر ر بہتر تیل کے مالص کئے جانے سے اُن کو خاص مذہبی رقبہ حاصل هم جانا تها جو عام إنسانون كو حاصل نهين الها. إس باريم مين مغل بادشاعين كا جو خيال تها أور یرب کے (Divine Right) خدائی حق مالنے رالے بانشاهوں کا جو خیال نہا أن دونوں كا فرق سترهويں صدى كے انگلستان کی تاریخ کو دیکھنے سے اُچھی طرح سمجھ سیں آ سکتا ھے . جب جیسس اول نے راج کے لئے اپنے حق کو خدا کا دیا حق بتایا تو یه ایک مذه می أصول پیدا هو گیا که بادشاه کی اسی چیز کی کسی کو مخالفت تهیں برتی چلفتہ اور سے کو رانشاه كا حكم حيب جاب مان لينا جاءي، بانشاء سے بناوت کرنا صرف أیک قانونی جوم هی نهیں رها باکه أیک مذعبى گناه بهى سنجها گيا جس كو براوك يا أخرت مين بهكننا یویکا اس سے انگلینڈ کے انقلاب کے بعد ایسے یادری بهدا ہو گئے تھے جاہوں نے وایم اور میری کی وفاداری کی قسم کھانے سے الکار کو دیا تھا ، آن میں آس زمانے کے انگلستان کے کنچ بوے سے بڑے پادری بھی شامل تھے . انھرں نے یہ خیال ظاہر کھا کہ جسمين دريم جوا سمادر يار چلا گيا تنا أن كا قانوني بادشاه هے . اِنهیں میں سے کنچھ لوگوں نے مل کر ھالینڈ سے والم کو بلا بهدية) تها قائم جهمس دريم أسكلستان كو كيتهو مك بنا دالله کی کوشھی نے کر سکے ، شاھی موقبہ نے بارے میں اِس طرح کا خیال میل زمانے کے هادستان میں مہجرہ، تع نها ، جب علیم نے اپنے باپ آئبر کے حالف بغارت کی نو کسی قاضی نے اُس کے خالف انادول نهیں دیا اور نه جب خرم لے جہانگیر کے حالف بنارت کی تو کسی قاضی کے اے گنامکار قہراایا ، البتہ یہ سپے ہے لة أورد ويب، في كدى بر بيتهني كي وقت صدرالصدر في اس کے نام کو پڑھنے اور اس کے شہنشاہ ہوئے کا اعلی کرنے سے انکار كر ديا تها إلى لله كه أورنكويب كا باب شاهجهال أس وقت زندہ تھا ، مکر اُس مثال سے منال نابے کے دیوی یا خداثی ھونے کا اصول ثابت نہیں ھوتا ۔ اکبر کے زمانے میں بھی جب أس كے سوادلے بھائى حكيم نے هندستان پر حمله كيا تو اكبر نے كرئى خدائى دعول بيعى نهي كيا بلكم بال كي سلطات كو وراثت میں پانے کے تئے صرف اپنی فوجی طاقت پر ھی بھروسة كيا تها. إس طرح جهال لهدل حداً ي حق كا ذار شاهى طائت يا

हिन्दुतान में मुग्ल हुकूमत का ढंग

प्रोफेसर श्रीराम शर्मा एम० ए०

हिन्दुस्तान में मुगल बादशाहों की मजहबी पालिसी पर इतनी गरमा गरम बहस होती रही है कि मुग़लों के हुकूमत करने के तरीक्रे के बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी है. कोई कहता है कि सुरालों की हुकूमत बिलकुल एक एशियाई तानाशाही थी और कोई कहता है कि वर् एक इसलामी यानी मजहबी हुकूमन थी. यहाँ तक दावा किया गया है कि हिन्द्रस्तान का राज मुगलों की खुदाई देन थी और कुछ लांग मुराल बादशाहों को अल्लाह के मुकरेर किये हुए कहते हैं, यानी यह कि .सुद अछाह ने उन्हें इस मुल्क पर हुकूमत करने का हुक्म दिया था. बदक्रिस्मती से इन नतीजों पर पहुँचने से पहले लोगों ने उन असली किताबों और दस्तावेजों को अञ्जी तरह नहीं देखा जो हमारे पास हिन्दु-स्तान में मुराल हकूमत के बारे में इस वक्त मौजूद हैं. शुरू के अरब कानुन बनाने वालों के कानूनी मसलों और दूसरे मुल्कों में मुसलमान बादशाहों के कामों, या हिन्दुस्तान के बाहर के लेखकों की बड़ी-बड़ी लपजी बहसों से यहाँ की मुराल हकूमत का ठीक-ठीक रूप समझने में हमें काई मदद नहीं मिलती. हाँ, इन बातों को ध्यान में रखकर हम अपनी तहकीकात आगे बढ़ा सकते हैं.

मुराल जमाने के कुछ इतिहास लिखने वालों और कुछ हाल के लेखकों ने बाज मुराल बादशाहों की बाबत यह दावा किया है कि उन्हें ख़ुदा ने बादशाहत का हक दिया था. पहले हम इसी दावे पर ग़ीर कर लेना चाहते हैं. अकबर और उसके बाद के बादशाहों का उस जमाने की तारीख़ लिखने बालों और खासकर शाही इतिहास लेखकों ने अक्सर ख़ुदा का ख़लीफ़ा या नायब कहकर बयान किया है. जब जहाँगीर के बेटे ख़ुसरों ने अपने बाप के ख़िलाफ़ बगावत की थी तो जहाँगीर ने ख़ुद अपनी डायरी (तुजक जहाँगीरी में दाबा किया था कि उसको ख़ुदा ने हिन्दुस्तान का शहन्शाह बनाया है. शाहजहाँ ने गोलकुन्डा के आदिल-शाह के नाम अपने एक खत में अपने को 'जिलइडाह'' (.खुदा का साया) लिखा है. औरगजेव ने अपने को दुनिया में ख़ुदा का बकील लिखा है.

यह सब दावे साबित करते हैं कि मुगल बादशाह मानते ये कि उन्हें राज करने का इक जाहिरा देखने में ु. खुदा से मिला हुआ है लेकिन जब हम जरा गौर से देखें तो पता चलता है कि इन बादशाहों के यह सब दावे सिर्फ इस आम इसलामी यक्नीन को दुहराते हैं कि दुनिया में जो

هندستان میں مغل حکومت کا ترهنگ

يروقيسر شرى رام شرما ايم. أ...

هندسة او ميل منال بادشاه الله مذهبي بالهسى ير أتلى گرما گرم بعدت عوتی رهی شے که مغلوں کے حکومت کولے کے طرنقہ کے بارے میں لوگن کو بہت کم جانگا ہی ہے ، کوئی كهتا هے كه مغلوں كى حكومت بائل أبك أيشيائي ناقاشاهي تهی اور کوئی کیاتا هے کہ وہ ایک اسلامی یعلی مذہبی حکومت تھی۔ بہاں نک دعری کیا گیا ہے کہ هندستان کا رأج مغلوں کی خدائی دبن تھی اور کنچھ اوگ منیل بادشلموں کو الله کے مقرر کلے مولد کہتے میں ایمنی یہ کم خود الله نے آنہیں اِس ملک پر حکومت کرنے کا حکم دیا تھا۔ بدقستی سے اُن نتیجوں پر پانسچانے سے بہلے اوکیں نے اُن اصلی کتابیں اور مستاردزوں کو أجهى طرم نبيد ديمها جو همارے ياس هدستان ميں منل حکومت کے بارہے میں اِس وات موجود ہوں ، شووع کے عرب فالدو بنائے والوں کے فالولنی مسئلوں اور عوسرے ماکوں میں مسلمان ہادشاهوں کے کاموں یا هندستان کے باهر کے لیکھیوں کی بڑی ہوی لفظی بحثرں سے یہاں کی میل حکومت کا ٹورک ٹورک روپ سمجھنے میں عمیں کوئی مدد نہیں ملتی ہ هان أن باتون كو دهيان مين ركه كو هم ايني نصفيتات آگه يوها سكتم هين .

میل زمانے کے کچھ انہاس لکینے والوں اور کبچھ حال کے لدیکہوں نے بعض میل بادشاہرں کی بابت یہ دعوی کیا ہے کہ اُنہوں خدا نے بادشاہرت کا حق دیا تھا ۔ پہلے ہم اِسی دعوے پر غبر کر لینا چادتے امیں ۔ انبر اور اُس کے بعد کے بادشاہرت کو اُس زمانے کے تاریخ اکینے والوں اور خاص کر شامی اُنہاس لا کہ کہیں نے انثر خدا کا خایفہ یا نایب کہہ کو بیان کیا ہے ۔ لاکہ کہیں نے انثر خدا کا خایفہ یا نایب کہہ کو بیان کیا ہے ۔ نبوت کی جب جہانگیر کے برتے خسرو نے اُنٹی باپ کے خاف بناوت کی نبی تو جہانگیر نے خبرد اُنی قائری (توک جہانگیری) میں نبی تو جہانگیری) میں دعوی کیا نہا کہ اُس کہ حدا نے هندمتان کا شہنشاہ بنا یا ہے ۔ شادجہاں نے گراکندہ کے عادل شاہ کے نام اپنے ایک خط میں اپنے کو 'نذاللہ'' (خدا کا سایہ) لکیا ہے ۔ اورنگ زیب نے اپنے کو دنیا میں خدا کا وایل لکھا ہے ۔ اورنگ زیب نے

یہ سب دعوے ثابت کرتے میں که میل بادشاہ مائتے تھے که اُنہیں راج کرنے کا حق ظاهرہ دیکھتے میں خدا سے ملا موا ہے ۔ لیکن جب مم ذرا غور سے دیکھیں تو پته چلکا ہے که اِن بادشاهوں کے یہ سب دعوے صرف اِس عام اِسلامی ینفن کو دومراتے میں که دنیا میں جو

सितम्बर 1957

क्या किस से	كس سے علاقہ 1997	ا کها ا
1. हिन्दुस्तान में सुगल हुकूमत का दक्त —प्रोक्तेसर शीराम शर्मा पम० प०	هندستان میں منل حاومت کا تھنگ ۔۔۔ 89 ۔۔۔ 89	,1
2. मेरी माँ —श्री गोर्की—अनुवादक श्री सुमङ्गल प्रकाश	موری ماں ۔۔۔شری گورکی۔۔۔انوادک شری سومنکل پرکلص 100	.2
 एक पागल आदमी की डायरी श्री लुई सुन 	ایک پاگل آدمی کی تایری ــــشری لوئی سن 108	.3
५ एक आत्मा के अवाग अवाग रूप—डाक्टर भागवानदास	ایک آنیا کے انگ الگ روپ سڈانڈر بھکولن داس	.4
 महात्मा गाँधी के अनुसार शान्ति का रास्ता, अं ऐटम और हाइड्रोजन नम का सनास 	مہاتما کاندھی کے انوسار شائٹی کا راستہ اور ایثم اور ایثم اور ایثم اور ایثم اور مائڈروجن یم کا سوال	.5
—पंडित सुन्दरलाल 6. इमारी राय —	الله الله الله الله الله الله الله الله	.6
ऐटम और इ।इड्रोजन बम के खिलाक तीसरा विश्व सन्मेलन; पशिया और अफ़ीका के प्रतिनिधियों का प्लान तोकियो 16-8-57— पंडित सुन्दरलाल.	ایتم اور مائذروجی بم کے خلاف تیسرا رشو سمیلی؛ ایشیا اور افریقه کے پرتیندهیوں کا اعلان تو لیو 57. 8. 16	



जिल्द 24 अ

नस्बर

نببر 3



सेतम्बर 1957

ستيبر

- Panets Emplariel
- Planshow Nath Co

Faitor-in-Charge

Historicher Neth Pands

In Pho

Andrew Street Control of the Control

ن د د د

इस नम्बर के खास केख क्यां कि إس نبعر كے خاص ليكھ

हिन्दुस्तान में ग्रुराल हुकूमर का दक्ष धिका ४ क्यून ग्रंथ का निक्र क्यून शर्मा प्रमण्ड प्राप्त प्रमण्ड प्रमण्ड स्थान हों प्रमण्ड प्रमण्ड सारमा के स्थान स्था प्रमण्ड प्रमण्ड प्रमण्ड सारमा के स्थान स्था प्रमण्ड प्राप्त प्रमण्ड प्रम

पेटम बीर बाइड्रोजन बस के खिलाफ اللم أور هائتيومي بم ك نظم तीसरा विश्व सन्मेलन; पेरिया الميا والميا कीर बाफीका के प्रांतनिवियों का المر الربية كم يرتبادهس الميان بالميا 16-8-57— —16 من بالميان بالميان بالميان الميان بالميان الميان بالميان الميان بالميان بالميان الميان بالميان بالميان

and the state of the control of the



ि.न्दी घर

क्षापर पर हर तरह ही कितावें मिलने का एक बड़ा केंग्र--पाठक हिन्दी, उर्दू, बोग्रेजी की अपनी मन-पसन्द कितावों के क्षिये हमें जिलें।

हमारी नई कितावें

महात्मा गान्धी की वसीयत

(दिन्दी और चदू में) लेखक-गान्धीबाद के माने जाने बिद्वान : स्व० भी मंजर चली सोस्ता सके 225, क्लीमत दो उपया

गान्धी बाबा

(बच्चों के लिये बहुत दिलचस्प किताब)
लेखिका—कुद्सिया जैदी
मूमिका—पन्डित जवाहरलाल नेहरू
बोटा काग्रज, मोटा टाइप, बहुत-सी रंगीन तसवीरें
दाम दो हपया

पंडित सुन्दरलाल जी की लिखी कितावें

गीता और क्रुरान

275 सफ़े, वाम ढाई रूपया

हिन्दू मुसलिम एकता

100 सके, दाम बारह आने

महास्मा गान्धी के बितदान से सबक

क्रीमत बारह जानं

पंजाब इमें क्या सिखाता है

क्रीयस् चार आने

वंगाल और उससे सुबक्र

क्रीसत दो आने

न्दुस्तानी कलचर सोसायटी

145 मुद्रोनंत्र इकाहाकाद

ھو پر ھر طرح کی کتابیں ملف ک بڑا ہیں ملف ک بڑا کیندر۔۔پاٹھک ھندی ' انگریزی کی من پسند کتابوں کے امیں لکھیں ،

هماری نئی کتابیس مهاتما گاندهی کی وصیع رسیع (هندی اور آردو میں) لیکک—گندهیواد کے مانے جانے ودران: سورکیه شری منظر علی سوخته منحی 225 تیست دو رویه

كاندهي بابا

(بحوں کے لئے بہت دلچسپ کتاب) لیکھکا۔۔۔قدسیہ زیدی بھو۔کا۔۔۔پنڈت جواہر الل نہرو ہوتا کاغذ موتا تائپ ، بہت سی رثکین تصویریں دام دو روپیہ

> پنت سندرال جی کی لئمی کتابیں گیتا اور قران 275 منحه دام تعالی رویه

هنداو مسلم أيكتا 100 منصد دام باره آند

تما کاندھی کے بلیدان سے سبق نہا کاندھی کے اللہ آنے

نجاب همیں کیا سکھاتا ھے نست جار آلے

اینگال اور اس سے سبق است

هندستاني كليور سوسائتي

١٨١ على علم اعلماد

क्षा करते संगति नाकी प्राचीन संस्कृति उं क्रीमत-यो सपया पनी सम्बन्ध और संकृति बारतर हुसेन रानपुरी क्रिका

इनमें कई सी बेचारे कोड़ी हैं जो अपना कोंद दिखा दिखा कर पैसे माँगते फिरते हैं और कभी-कभी कुछ अधिक पा जाते हैं तो शराब पीकर या किसी और बुराई में फॉसकर अपना राम रालत करने की भी कोशिश करते हैं. इन सब से अपर उठकर दिल्ली के लाखों रारों को हालत से भी हम बाकिफ हैं पर इस से जियादा कहने को अब दिल नहीं उभरता.

शासकों, शायद दुनिया के अधिकतर शासकों की एक बहुत बड़ी बद क्रिसमती यह होती है कि उन्हें स्नास ऐनकों के जरिये से ही दुनिया को देखना मिल सकता है, उनके कान दूसरों के कान होते हैं, उनकी आँखें दूसरों की आखें. धनको सबरें देने वाले यह ताड़ लेते हैं कि धनके मालिक किस तरह कीखबरें सुनना बाहते हैं और उसी तरह की खबरें उन्हें शुनाते हैं. जैसे वह चाहते हैं बसी तरह के आँकड़े बनके लिये तैयार हो जाते हैं. हम दंग रह गए जबकि दिल्ली के एक बहुत बढ़े शासक ने इस से बात करते हुए कहा की - "लोग खाहमखाह गुलत कहते हैं कि देश में बेकारी है. कहीं बेकारी नहीं हैं." एक भीर साहब ने राय जाहिर की कि-"देश को निकन्मे प्रेजुएटों की जरूरत नहीं है, देश को जरूरत है एन्जीनियर्स की और वह कभी बेकार नहीं रह सकते." यह बताने का उन पर कोई खास असर नहीं हुआ कि देश के अनेक एनजीनियरिंग कालिजों से पास हए काफी नौजवान बरसों एक वृत्रतर से वृसरे दृत्रतर अरिजयों लेकर घुमते फिरते हैं. अष्टाचार की बाबत तो आम तीर पर यह कहा जाता है कि देश में जो कुछ मध्याचार है वह हमें चंत्रेजी इकुमत से बरासत में मिला है और इन है सात बरस के अन्दर काफी कम हुआ है, और दूसरे देशों से हमारे देश में अन्टाचार अब भी बहुत कम है ! इन बातों का क़ुद्रती नतीजा यह है कि नेताओं और जनता के बीच, शासकों और शासितों के बीच खाई और बद्युमानी बदती चली जा रही है.

ان میں سے کئی سر بنجھارے کورھی میں جو آپنا کورھ دکیا دیا۔

کر پیسے مانکتے پورتے میں اور کبھی کبھی کچھ اُدھک یا جاتے

میں تو غراب ہی کر یا کسی اور برائی میں پینس کو اپنا عم

ناما کرنے کی بھی کوشش کرتے مدن ، اُن سب سے اُرپر اُنّه کو

نامی کے لائموں فریبوں کی حالت سے بھی ھم واقف میں پر اِس

یہ بادیا کہتے کو آپ دل نہیں آبورتا ،

هاسکوں شاید دانیا کے ادمتمر شاسکوں کی ایک بہت ہی برقسمتی یہ ہرتی ہے کہ اُنہیں خاص مینکس کے ذریعے سے ھی دنھا کو دیکھتا مل سکتا ہے ۔ اُن کے کلی دوسروں کے کلی مرتے طیں' أن أنعمیں دوسروں كى أنعمیں . آن كو خبريں ديلے ہالے یہ تار لیکے هیں که اُن کے مالک کس طرح کی خبریں سلفا چاہتے میں اور اُسی طرح کی خبریں وہ اُلھیں سفاتے میں، جسے وہ چاہتے میں اُسی طرح آنکڑے اُن کے لئے تیار ہو جاتے میں ، هم دنگ رہ گئے جب تعدلی کے ایک بہت ہوے شاسک نے هم سر بات کوتے هوئے کہا که--"الوگ خوالا معتواه غلط کہتے هیں که ديفي مين بيكاري هے ، كيس بيكاري نيين هے " ايك أبر ملحب فے رائے طرهر کی تعدد دیش کے نعب کریجواتیں کی فرورت نہیں ہے؛ دیش کو ضرورت کے انجینیوس کی اور وہ كبهي بيكار ليه بن معكل و الله عليه الله كا أن ير كوثي خاص اثر نہیں ہوا که دیش کے انیک انیجینیرنگ سے کانجوں یاس ہوئے کانی توجوالو برسوں ایک دفار سے دوسرے دفار عرضیال لیکو گهرمتے پهرتے میں ، بهرشتاچار کی بابت تو عام طور پر یہ کہا جانا هے که ديش ميں جو کچے بهرشٽاچار هے وا هميں انگريزي عاممت سے وراثت میں ملا ہے اور ان جو سات برس کے اندو کانی کم هواف اور دوسرے دیشوں سے همارے دیعی میں بهرشتا اب بھی بہتاکم ف ا اِن باتیں کا تدرتی نتیجہ یہ ف کہ نیتاؤں اور جنتا کے بیم ' شاسکوں اور شاسکوں کے بیم کیائی اور بدگانی ہومتی چلی جا رهی فے .

—सुन्द्रलास

سستدر لأل

•

يولى هنارية متر في ساته التي هولي في أبين طرح سی پرتجی پکی کی اور سے ایک مرقر اور ایک مرقر رایور کی بھی کھوٹی اُسی جکیه لکی ہوئی تھی ۔ اور تُعك كريدن پر هماري أنكهن سے آنسو ليك پرت ، ايعك رچ تاچه کرنے پر معلوم هوا که پارلیمات کے اور بھی بہت سے مهمبو سی طاح کے افروں سے دیے ہوئے میں ، آن پر خربے کرتے والہ ين خرج كاورا بداء چكا لينه ميں كرئى كسر أتها نهيں ركت. ن پلکتوں کے لکھتے سے بھی هدارا دل خون کے آنسو بہا رها ہے۔ سیں تہیں معلوم که یارلیمنٹ کے مهمبروں میں اِس عاربے کے ہائیں کا البت فے یا بہرست ، پر هم سنجی عیں که اِس آت میں کسی کو بھی کسی طرح کا کوئی شک ٹیھن ہو سکتا م هماري أجاكل كي دارليملئين أور دهارا سيهاي مهي مشكل ے دس فیصدی میںبر ایسے عونکے جو سے مے پارلیمللوں کے ا دھاراً سبھا کے کاس میں؛ تجویزوں اور ہاس میں کوئی بنچی اور سمجیداری کی دانچسپی رکهتے هوں ، شاسن پر اور یھی بھر میں چہوٹے ہوے سرکاری کرمچاریوں پر جو اِس کا ہوا آثر یونا ہے وہ کہیں بھی تھوری سی آنعہ کھول کر دیکھا جا مكنا في ديعى بهر مين جس طرح كي بوجا دخل الدازي، عرب طرب کے سرکاری کاموں میں طوتی رہتی ہے آس کی لهاتیان دلی سے کائته دلی سے بمبائی یا دلی سے مدراس کے اسی بھی ریل کے سفر میں انیک سفنے کو مل سکتی میں ۔ سانے کی اِچہا رکھنے والے کو اِس کے لئے دلی سے باہر جانے کی يهي ضرورت نهين هے .

أرنج سه أرنج نيتاي أور سركاري لركب ير بهي إس كا اثر یرے بنیر نہیں رہ سکتا ، چناؤں کے لئے قامردگی کے طریقے نامودگی کی کسولیاں اور جناوں کے تعنگ لگ بھگ سب سداُچار کی درشتی سے پتن کی حد کو پہرنیے چی میں . الرق چل رهی هے؛ جس طرح آبھی چل سکے اور جب تک

دلی سے پنچلے سال بیلیا (Jaundice) کی رہا ک پیاللے کی جو در گھٹنا ہوئی اور ابھی تک جاری ہے وہ کیول اندر کے گہرے روگ کا کیول ایک آریری اعظیمی ہے اس بيماري كا يهيلنا إن حالت مهن كسي كوكوكي عجهب بات معلوم تہیں مولی چادئے ، دلی بھارے کی راجدھائی ہے ، بوس سے بوے شاسكون أور نيتاؤن كا يبان سدأ جماعت رهنا هـ . يبال بود برے معطوں جیسے بلکلے میں ، آئے دن بری بری دعوتیں هوتي هيں ، إسى دالى ميں لك يبك دس هزار السان كلي كلى يهيك مانكلي بارت هيل. إن مهل عد لك بهك أنه هزار كواك کی سردی میں چھٹھورں میں لیاتے هوئے یا بالا چیٹیٹروں کے کیلے أسان كرنيته يلويون يرسوت هين يا كسي طرح رأت بكال هيري

खटी हमारे मित्र के साथ सगी हुई थी इसी तरह दसी _{जीपति} की और से पक मोटर और पक मोटर कराइकर ी भी डियुटी उसी जगह लगी हुई थी. और अधिक करेदने त हमारी आँखों से ऑस् टपक पड़े. अधिक पृक्षताझ करने पर मालम हुआ कि पारितामेन्ट के और भी बहुत से मेम्बर ासी तरह के असरों से दबे हुए हैं. इन पर सर्व करने बाले अपने सार्च का पूरा बब्दा चुका बेने में कोई कसर हता नहीं रखते. इन पंक्तियों के लिखते समय भी हमारा विल .खन के जाँस वहा रहा है. हमें नहीं मालम कि पार-तिमेन्ट के मेम्बरों में इस तरह के भाइयों का अल्पमत है या बहुमत, पर हम सममते हैं कि इस बात में किसी हो भी किसी तरह का कोई शक नहीं हो सकता कि हमारी बाजकल की पारिलमेन्टों और धारा समाधों में मुशकिल से वस फीसदी मेन्बर देसे होंगे जो सबसुब पारलिमेन्टों के या घारा सभा के कामों में, तजवी जो और विलों में कोई सक्बी, और सममत्वारी की दिलकरपी रखते हों. शासन पर और देश भर में झाटे बड़े सरकारी कर्मवारियों पर जो इसका बुरा असर पड़ता है वह कहीं भी थोड़ी सी शाँख खोलकर देखा जा सकता है. देश भर में जिस तरह की बेजा दलालकम्याची, तरह तरह के सरकारी कामों में होती रहती है उसकी कहानियाँ दिल्ली से कलकत्ते, दिल्ली से बन्बई, या दिल्ली से मद्रास के किसी भी रेल के सफ़र में अनेक सतने का मिल सकती हैं. सुनने की इच्छा रखने बाले को इसके लिये दिल्ली से बाहर जाने की भी जरूरत नहीं है.

केंचे से केंचे नेताओं और सरकारी लोगों,पर भी इसका शसर पढ़े बरीर नहीं रह सकता. चुनाओं के लिये नाम बदगी के तरीके, नामबदगी की कसीटियाँ और चुनाओं के द'ग लगभग सब सदाचार की हान्द्र से पतन की हद को पहुंच चुके हैं. गाड़ी चल रही है, जिस तरह भी चल सके और जब तक चल सके.

दिस्ली में पिछले साल पीलिया (Jaundice) की बना के फैज़ने की जो दुर्घटना हुई और अभी तक जारी है वह केवल बान्दर के गहरे रोग का केवल एक ऊपरी लक्षण है. इस बीमारी का फैलना इन हालात में किसी को कोई मजीव बात माल्म नहीं होनी चाहिये. दिल्ली भारत की राजधानी है. बड़े से बड़े शासकों और नेताओं का यहाँ सदा अमघट रहता है, यहाँ बढ़े-बढ़े महलों जैसे बंगले हैं जाए दिन बड़ी-बड़ी दावते होती हैं. इसी दिस्ली में लगभग दस हजार इनसान गली-गली भीख भाँगते फिरते " हैं. इनमें से क्षरामग चाठ हजार कदाके की सर्वी में चीथकों में लिपटे हुए या बिना चीशकों के खुले जासमान के नीचे परियों पर साते हैं या किसी तरह रात विताते हैं.

पार्टी से सम्बन्ध रखने वाले बहुत से मेम्बरों को अकसर ऐसे विषयों पर भी जिनका देश के भले या बुरे के साथ गहरा सम्बन्ध होता है अपनी अन्तर आत्मा की आवाज के खिलाफ भरे सदन में हाथ चठाना पड़ता है. इसका कुद्रती और लाजमी नतीजा यह है कि हमारी आजकल की पालिमेंटों या धारा सभाओं के अधिकांश मेम्बर इस यात पर सोचना भी बन्द कर देते हैं कि किस तजवीज या किस बिल से देश का क्या फायदा या क्या नुक्रसान होगा. वह मजबूर होकर अपनी मेम्बरी से दूसरी ही तरह के फायदे एठाने में लग जाते हैं.

इस तरह के मेम्बरों की हालत कुछ-छुछ उस जज की सी हालत होती है जो उस जवान माँ को जिसने किसी प्रबरदस्त दुख और निराशा की हालत में अपने तीन बरस के अच्चे का गला घोंट कर मार हाला और फिर उस पर रोना और सिर पीटना शुरू किया. इसिलये फाँसी की सजा देनी पड़ती है क्योंकि क़ानून की दका, क़ानून का जान्ता और क़ानूनी गवाहियाँ जज के लिये और कोई रास्ता ही नहीं छोड़ती. अकसर पढ़े लिखे जज तो इसे अपनी "दियुटी" अपना "क के" समभ कर भी इस तरह के फैसले देते हैं.

माज हमारे सदाचार के गिरावट की यह हालत है कि देश के उत्तर से दक्क्यिन तक और पूरव से पच्छिम तक सैंकड़ों शिक्षा संस्थाएं ऐसी हैं जिनमें अध्यापकों से एक सौ बीस रुपये तनखाह लेकर दो सौ की रसीद पर दसस्रत करने पहते हैं. हमें नदी हार्दिक वेदना के साथ कहना पड़ता है कि जिस तरह इस तरह की शिक्षा संस्थाओं में इस तरह के अध्यापकों से शिक्षा लेने वाले बालकों से यह आशा करना कि उनका चरित्र कभी भी जीवन में कॅचा हो सकेगा, लगभग वैसा ही है, जैसा बबूल बोकर उससे आम की आशा करना. ठीक उसी तरह पारितमेन्ट के या धारा सभाओं के जिन मेन्बरों को पारटी भक्ति के कारण अपनी अन्तर आत्मा की आवाज के जिलाफ हाथ षठाना पद जाता है उनसे यह आशा करना कि वह उन जिम्मेवारी की क़रसियों पर बैठ कर देश को सचमूच कैंचा ले जा सकेंगे या करोड़ों जनता का सच्चा भला कर सकेंगे उतना ही रालत है.

इस द्वैनाक हालत का असर देश की इन पारित मेन्टों और घारा सभाओं में साफ दिलाई देता है. दिस्ती में इस एक दिन अचानक अपने एक पुराने मित्र पारित मेन्ट के एक मेम्बर के घर पहुँच गए. हमने वहाँ एक नीजवान को टाइप करते हुए देला जिसे हम पहले से जानते थे. हम इक हैरान हुए. पूछने पर मालूम हुआ कि वह अब भी देश के उसी मशहूर पूँजीपति का नौकर था और उसी से नेतन पाया था जिससे कभी पहले पाया करता था. अब उसकी پارٹی سے سمیندھ رکھانے والے بہت سے میدبوری کو اکثر ایسے وشیوں پر بھی جن کا دیش کے بھلے یا برے کے ساتے گرا سمیندھ ہوتا ہے اپنی انتر آنا کی آواز کے خلف بیرے سدن میں ہاتے آتھانا پرتا ہے ایس کا قدرتی اور الرسی تیجہ یہ ہے کہ ہماری آجال کی پارلیمنٹوں یا دھارا سہباری کے ادھیکا بھی میدبر اِس بات پر سوچنا بھی بند کر دیتے ہیں کہ کس تیجویز یا کس بل سے دیش کا کیا فائدہ یا کیا نتصان ہرگا ۔ وہ میجبور ہو کر اُپنی میمبروی سے دوسری ہی طرح کے فایدے آتھائے میں لگ جاتے ہیں ۔

اس طرح کے مدہررں کی حالت کچھ کچھ آس جھ کی سی حالت عوتی ہے جو آس جوان ملی کو جس لے کسی زہردست داہ اور نراشا کی حالت میں اپنے تین ہرس کے بچھ کا گلا گھوٹ کر مار قالا اور پھر آس پر رونا اور سر پیٹلا شروع کیا ۔ اِس لئے پھائسی کی سڑا دیئی پڑتی ہے کیونک قانون کی ذخت قانون کی استعام اور قانونی کواھیاں جھے کے لئے اور کوئی راستہ ھی نہیں چھوڑتیں ، اکثر پڑھے لکھے جھے تو اِسے اپنی دیویئی اس طرح کے فیصلے دیتے ھیں ۔

آج همارے سداچار کے گراوت کی یہ حالت ہے کہ دیش کے آتر سے دکھی نک اور پورپ سے پنچھم نک سیکورں شکشا سنستھائیں ایسی هیں جاسی درمیناپکوں کو ایک سو بیس روپائے تلخوالا لیکو دو سو کی رسید پر دستخط کرنے پرتے هیں ، همیں کی رسید پر دستخط کرنے پرتے هیں ، همیں کی شکشا ساستھاؤں میں اِس طرح کے ادھیاپکوں سے شکشا لینے والے ہاکیں سے یہ آشا کرنا کہ اُن کا چرتو کبھی بھی جیوں میں اُرنچا هو سکیگا اگ بھگ ویسا هی ہے جیسا ہوئی ہو کر اُس سے آم کی آشا کرنا کہ اُن کا چرتو کبھی بھی جیوں میں کر اُس سے آم کی آشا کرنا ، ٹھیک اُسی طرح پارلیمات کے یا اُرنیا سیماؤں کے جن میمبورں کو پارٹی بھکتی کے کارن اپنے انتو دھارا سبھاؤں کے جن میمبورں کو پارٹی بھکتی کے کارن اپنے انتو دھارا سبھاؤں کے خلاف ہانہ آٹھانا پر جانا ہے اُن سے یہ آشا کرنا کہ وہ آئی زمادواری کی کرسیوں پر بیٹھ کہ دیھی کو سیم کو سیم آولجا ایکیا سکیا بیٹا کر سیکٹاکے میا فلط ہے فلط ہے

اِس دردناک حالت کا اثر دیعن کی اِن پارلیمالی اُرر دیعان کی اِن پارلیمالی اُرر دیعان سے دلی میں ماف دیکا ہے ۔ دلی میں هم ایک دن اچانک اپنے ایک پرانے متر پارلیمات کے ایک میمبر کے کیر پہولیج گئے، هملے وهاں ایک لوجوان کو ٹائپ کرتے هوئے دیکا جسے هم پہلے سے جائے آھے۔ هم کچھ حیران هوئے، پوچیلے پر معلوم هوا که وہ اب بھی دیعن کے اُسی مشہور پولنجی بھی کا لوکر تھا اُرر اُسی سے ویتریاتا تهاجس سے کبھی پہلے پایا کرتاتھا، آب اُس کی اُس کی

سائی را ب

पार्टी शासन के लिये दो बार्वे जरूरी हैं. एक वह कि हेश में एक से अधिक राजनीतिक पारिटयां हों और दूसरी यह कि देश की सारी हकूमत किसी एक पार्टी के हाथों में हो. इस तरह की राजकाजी पारिटयां आम तौर पर किसी एक तस या उद्देश को सामने रसकर बनाई जाती है. मसलनंडस देश की कांगरेस पार्टी ग्रह्म में केवल "शान्त भीर वैश्व उपायों द्वारा स्वराज प्राप्ति" केउद्देश से बनी, भारत के जो तर नारी इस उद्देश से सहमत थे वह कांगरेस के मेम्बर बन गए. देश के विदेशी शासन से आजाद हो जाने के बाद इस रहेश में थोड़ा सा फरक खाया, कांगरेस का रहेश अब देश में कल्याग्यकारी राज (Welfare State) कायम करना या इसके बाद समाजनादी हाँचे (Socialistic pattern) पर राज क्रायम करना ठहराया गया. काँगरेस ने समय समय पर कुछ और खास खास विषयों पर भी एक मत से या बहुमत से ठहराव पास किये. इस बीच देश की सब से बड़ी पार्टी होने के कारण हक्रमत की बाग काँगरेस पार्टी के हाथों में चाई. पारिलमेंट के सामने या किसी धारा सभा के सावने कोई ऐसा सवाल आया या कोई ऐसा बिल पेश हका जिसका काँगरेस के उस समय तक के निर्धारित उदेश से कोई स्नास सम्यन्ध नहीं था. कोई मेम्बर इस स्नास सवाल पर इधर या उधर बचन देकर काँगरेस का मेम्बर नहीं हबा था. अब वह सवाल या वह बिल बहस के लिये काँगरेस पार्टी की बैठक में सामने आया. काँगरेस के प्रधान नेताओं की राय या हाई कमांड की राय एक तरफ दिखाई दी. इस पर भी जब पार्टी की बैठक में बोट लिये गए तो मामूली कसरत राय से नेताओं की राथ के इक में फैसला हो गया. इसके बाद उन सब लोगों के लिये जिनकी राय बहुमत से नहीं मिलती थी जलरी सममा जाता है कि वह बहमत के साथ ही वोट दें चाहे वह कितना भी उनकी आत्मा की आवाज के खिलाफ क्यों न हो. अगर हम इस बात का भी ध्यान रखें कि बहुमत में कम या अधिक कुछ न कुछ लोग ऐसे भी हो सकते हैं जिन्होंने खास खास नेताओं के जा या बेजा असर में आकर पार्टी भीटिंग में बोट दिया हो तो यह बात मी दावे से नहीं कही जा सकती कि सचम् पार्टी का सच्चा बहमत इसी और या जिस ओर अधिकांश के हाब उठे. यह घटना पार्दियों के आधार पर शासन की आए दिन की घटना है.

इस एक मामले में जो हाल उस पार्टी का है जिसके हाथां में शासन की चाग है लगभग वही हाल विरोधी पारिटयों या और दूसरी पारिटयों का है. पार्टी शासन का -यह एक श्वास और उजागर पहलू है. नतीजा वह होता है कि हर पारिल मेंड और हर धारा सभा के अन्दर किसी भी ، بارائی شاس کے لاء در باتیں ضروری میں ۔ آیک یه که دهل مين أيك سے أدهك راجليتك بارتيال هين أور دوسري یہ که دیش کی ساری حکومت کسی آیک پارٹی کے هاتھوں مهن هو ، أس طوح كي راجكاجي بارتيان عام طور پر كسي أيك لکس یا اُدیش کو سامنے رکھ کو بنائی جاتی ھیں ، مثلاً اِس دیش کی کانکریس یارٹی شروع میں کیول ''شانت اور ویدھ اُپایش دوارا سوراج پرایتی" کے اُدیش سے بلی . بھارت کے جو الم قاري إس أديس سے سهدت تھے ولا كالكريس تھے مهمبر بي گئے؛ دیکس کے ودیشی شاس سے آزاد کو جانے کے بعد اِس اُدیش ميں الهورا سا فرق آيا . كاتكريس لا اديش آپ ديش مهل كليان کاری رأی (Welfare State) قایم کرٹا یا اُس کے بعد سمایے وادی قعانیے (Socialistic pattern) پر راج تاہم کرنا ٹھورآیا گیا ، کانگریس نے سے سے پر کچھ اور خاص خاص وشیوں پر بھی ایک مت سے یا بہرمت سے تھراؤ یلس کئے۔ اس بدیج دیش کی سب سے بڑی پارٹی ہوئے کے کان حکومت. کی باک کانگریس پارٹی کے ھاتھوں میں آئی . پارلیساٹ کے سامنے یا کسی دھارا سبھا کے سامنے کوئی ایسا سوال آیا یا کوئی ایسا بال بیعش ہوا جس کا کاٹھویس کے اُس سبے تک کے فردهارت أديش ص كوئي خاص سبنده نهين تها ، كوئي ميمبر أس خاص سوال ير ادهر يا أدعر وجن ديكر كالكريس كا مهمبر نہیں عوا تھا ، اب وہ سوال یا وہ بل بحث کے لئے کانگریس یارٹی کی بیٹیک میں سامنے آیا ۔ کانکریس کے پردھان نیتاؤں کی رائے یا ہائی کمانڈ کی رائے ایک طرف دکیائی دی ، اِسَ یر بھی جب بارٹی کی بیتیک میں روت لئے کئے کو معمولی اثرت رائے سے لیتاؤں کی رائے کے حق میں فیصله هو گیا ، اِس کے بعد أن سبالوگوں کے لئے جن کی رائے بہومت سے نہیں ملتی نہے ضروری سنتجہا جاتا ہے کہ وہ بہرمت کے ساتھ ھی ووق دیں چاھے وہ کننا ہمی اُن کی اُنمائی اُواز کے خالف کیوں نے مور اگر هم اِس بات کا بھی دھان رکھیں که بہوست میں کم یا اُدھک کچے نے کچے لوگ ایسے بھی ہو سکتے میں جنہوں نے خاص خاص نیناؤں کے جایا بیجا آثر میں آکر پارٹی میٹنگ میں ووق دیا هو تو یه بات بهی دعوم سے تہیں کہی جا سکتی که سپے میم پارای کا سنچا بہرمت اُسی اُرر نیا جس اُرر اهیکانش کے هاله أته . يا گهتنا بارتيوں كے أدهار در شاسى كى أثه دن كى کیٹنا ہے ۔

اِس ایک معاملے میں جو جال اُس پارٹی کا هے جس کے هائوں میں شاسی کی باک هالک ییک وهی حال درورهی پارٹیوں کا ها ، پارٹی شاسی کا یہ ایک خاص درر اُجاگر پہلو ها ، تتبجہ یہ هوتا شاسی کا یہ در کار در دھارا سبھا کے اُندر کسی بھی

महात्मा गांधी की कुछ बातें इस सम्बन्ध में याद रखने के काविल हैं. एक यह कि उन्होंने इन्गलैन्ड की उस पार्रालमेंट की तुलना, नो तुनिया की पालिमेंटों की माँ मानी जाती है, एक "बाँम वैश्या" (A barren prostitute) से की थी. दूसरी यह कि जब आजादी के दिन नजदीक आने लगे तो उन्होंने यह साफ कहा था कि—"आजकल के कांग्रेसी नेता पार्लिमेंटरी हुकूमत के लिये काम कर रहे हैं, मैं पालिमेंटरी हुकूमत नहीं चाहता, पर इस समय तो मैं उन्हों का साथ दे रहा हूँ." तीसरे गांबीजी के बिलदान से बोड़े ही दिन इहले जब दिल्ली में आजाद हिन्द की पालिमेंटरी हुकूमत बाजाब्ता कायम हो गई ता उसका रूप देखकर गांधीजी के मुँह से निकल पड़ा:—"यह तो एक बहुत बड़ी बला आ गई! मुक्ते अब इस बला से लड़ना पड़ेगा!"

• अब हम जरा अपनी आजकल की शासन व्यवस्था की तरफ एंक निगाह बालें. हमारे आजकल के अधिकतर राजकाजी नेता श्रारेजों की दी हुई शिचा पाए हुए और अगरेजी विचारों में ही पले हुए थे. क़ुद्रती तौर पर वह अंगरेजी शासन पद्धति के दिलदादा थे. अपने देश में अच्छी से अञ्जी नियत के साथ भी वह उसी की नक़ल कर सकते थे. यही उन्होंने किया-वही पार्लिमेंटरी तर्ज, वही हा सदन, वही चुनाव के ढंग, इंग्लैन्ड के बादशाह की जगह भारत का राष्ट्रपति, गवरनरां और लेफटीनेन्ट गवरनरों का वही सिलसिला, पालिमेंट और घारा, सभाओं के अन्दर वही सरकारी दल (Treasury Benches) श्रीर विरोधी दल Opposition) और वही धुवाँधार तक़रीरें. हालत यहाँ क पहुँच चुकी है कि हमारे स्थतनत्र दलों और विरोधी दलों हे बढ़े से बढ़े नेता भी ईमानदारी के साथ मानते और कहते कि शासन चाहे किसी भी दल के हाथों में हो अच्छे ासन के लिये अच्छे और जगरदस्त विरोधी दलों का होना तसरी है. बिना अलग अलग और कम या अधिक एक सिर के प्रतिस्पर्धी राजकाजी दलों के वह शासन की ल्पना भी नहीं कर सकते. इसीलिये इस में से बहुत से इस मीर चीन जैसे देशों की बाबत यह सुनकर कि वहाँ अलग प्रलग राजकाजी पर्दियां नहीं हैं, या अगर हैं तो एक दूसरे हे विरोधी या प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, हैरान रह जाते हैं और ह समभ ही नहीं सकते कि इस तरह के किसी भी देश ी हकूमत अच्छी और बनता के लिये हितकर हुकूमत से हा सकती है.

पार्टियों के आधार पर शासन व्यवस्था दूसरे किसी शा के लिये कहां तक हितकर सावित हुई है या नहीं या स समय हितकर है या नहीं इस सवाल में हम अभी नहीं इना चाहते. हम केवल अपने देश की आजकत की क्वस्था को ही जरा और पास से देसना चाहते हैं, مہاتما گاندهی کی کچھ باتیں اِس سباده میں یاد رکھے

کے قابل هیں ۔ ایک یہ کہ اُنہوں نے اُنکلینڈ کی اُس پارلیمات

کی تابا جو دنیا کی بارلیمیئٹیں کی ماں مائی جاتی ہے ایک

بانجہ ریشیا (A barren prostitute) سے کی تھی ،

دوسری یہ کہ جب آزادی کے دن نودیک آنے اگر تو آلہوں

نے یہ صاف کہا تھا کہ ۔''آجال کے کانکریسی نیتا پارلیمیئٹری

حکومت کے لئے کام کر رہے ہیں میں پارلیمئٹری حکومت نہیں

چلفتا پر اِس سے تو میں اُنہیں کا ساتھ دُے رہا ہوں ۔''

پالما پر اِس سے تو میں اُنہیں کا ساتھ دُے رہا ہوں ۔''

نیسے گاندهی جی کے بلیدان سے توریہ ہی دن پہلے جب

دلی میں آزاد ہند کی پارلیمئٹری حکومت باضابطہ قابم ہو گئی

نو اُس کا روپ دیکہ کر گاندهی جی کے منہ سے ڈائل پڑا:۔۔

''یہ تو ایک بہت بڑی بلا آ گئی! منجے اب اِس بلا سے لونا

أب مُم ذرا ايني أجعل كي شاسي ويوستها كي طرف أيك نگاہ ڈالیں ، ممارے آجکل کے آدمکتر راجکاجی نیتا انگریزوں کی دی توڑی شکشا یائے مولے اور انکریزی وچاروں میں بھی یلے هوئے اسے ، قدرتی طور پر وہ الکریزی شاسن بددتی کے دادادہ تھے اپنے دیص میں اچھی سے اچھی نیت کے ساتھ بھی وا أسى كى نقل كو سكته تهے، يہى أنهوں نے كيا--وهى پارليماترى طرز وهی دو سدی وهی چناؤ کے تنگ انتلیلت کے بادشاہ کی جَكُهُهُ بَهَارِتُ كَا رَلَّهُ آرِبِتَى * گُورنرول أور لَفَيْهَاتُ كُورنرول كَا وهي سلسله عَالِي عَلَى الله ع (Opposi- לת ,ענה, גל (Treasury Benches) tion) ارر وهی دعوان دهار تقریرین ، حالت یهان تک پہرنے چی ہے کہ هدارے سرتئتر دلوں اور ورودھی داوں کے بڑے سے بڑے نیتا ہوی ایمانداری کے ساتھ مائٹے اور کہتے ھیں کہ شاسی چھافسی بھی دل کے هاتھوں میں هو اچھ شاسی کے اللہ اچھ اور زبردست رووهی دارس کا هونا ضورری هے ، بنا اگ الگ اور کم یا ادمک ایک درسرے کے برتی اسپردھی راجکاچی دارو کے وہ شاسی کی کاپنا بھی تبھی کر سکتے، اِسی لٹے ہم میں سے بہت سے روس اور چین جیسے دیشوں کی بابت یہ سی کر تھ وعلى الگ الگ راجکاجي پارٽيان نهين هين' يا اگر هين تو ايک' درسرے کے ودروسی یا پرتی اسپردھی نہیں ھیں؛ گیراں را جاتے میں اور یہ سمجم هی تهیں سکتے که اِس طرح کے کسی بھی دیف کی حکومت آچی آور جندا کے لئے معکر حکومت کیسے ہو سکتی ہے ۔

پارٹیوں کے ادھار پر شاسی ویوستھا دوسرے کسی دیھی کے لئے کہاں تک متعر ثابت ہوئی ہے یا نہیں یا اِس سے متعر ہے یا نہیں اِس سے متعر ہے یا نہیں اِس سوال میں ہم اُبھی نہیں پرنا چامقہ، هم کیول اپنے دیھی کی آجکل کی ویوستا کو هی ڈیرا اُور پاس سے دیکھا چاھتے ہیں ،

श्राजकल की सरकारें

दुनिया के अन्दर एक एक जमाने में एक एक चीज का सास जोर होता है. उसीके अनुसार कोई जमाना धम् प्रधान सममा जाता है, कोई संस्कृति प्रधान, कोई अर्थ प्रधान इत्यादि, कभी कभी एक ही समय में अलग अलग देशों में अलग अलग चीजों का जोर होता है. आजकल लगभग सारी दुनिया में राजनीति का बोल बाला है. इसलिये इस युग को राजनीति प्रधान युग कहा जा सकता है, धम, सदाचार, अर्थ, संस्कृति, कला और साहित्य सब को आज इम अधिकतर राजनीति ही की निगाह से देखते हैं. राजनीति आज इमारे सारेमानव जीवन पर आई हुई है. इसीलिये राजनीतिक नेता और कार्यकर्ता ही सब जगह आज दुनिया के नेता माने जाते हैं.

कहा जाता है कि मानव इतिहास के ग्रुक्त में मनुष्य श्रीर पशुद्धों में बहुत कम अन्तर था. धीरे धीरे मनुष्य ने अपने मस्तिष्क के सहारे उन्नति करना श्रुक्त किया. कुटुम्ब बना. समाज बना. छोटे छोटे गिरोह बने. उन गिरोहों में प्रबन्ध और संचालन के लिये सरदार होने लगे. धीरे धीरे राजा बने, सम्राट बने, और राजा और प्रजा का अन्तर पैदा हआ.

दुनिया के स्कूतों में पढ़ाई जाने वाली समाज शास की अधिकतर कितावें मनुष्य की सबसे पहले की जंगली हालत से शुरू होतो हैं. राजनीति की अधिकतर कितावें राजाओं और सम्राटों के युग से शुरू होती हैं.

आजकल अकसर कहा जाता है कि राजाओं या सम्राटों यानी बादशाहों या शहनशाहों का जमाना बढ़े अन्धकार का जमाना बा. उसी से गुलामी का रिवाज चला, राजा और प्रजा, मालिक और गुलाम का अन्तर पैदा हुआ, समार में ऊँच नीच की बात आई. दूसरों को चूस कर थोड़े से बड़ा बनने बालों और लाखों और करोड़ों दिलत, नादार चुसने बालों में दुनिया बंट गई, इत्यादि.

यह भी कहा जाता है कि जिसे आजकत हेमोकेसी, जमहूरियत, प्रजातन्त्र, जनवन्त्र या लोकशाही कहा जाता है उसने जनम लेकर दुनिया और दुनिया की जनता को मुसीयत के उस गड़ हे में से निकाता. इस तरह की अधिकतर बातों में सचाई का एक अंश दो होता ही है, फिर चाहे वह रुपये में के आने हो या दस आने. इस तरह के जनतंत्र की सबसे बड़ी सिसालें आज संयुक्त राज अमरीका और इंगलैन्ड की दी जाती हैं. भारत का आजकल का विधान भी, यूँ तो कहीं से कुछ और कहीं से कुछ लेकर तैयार किया गया है, पर अधिकतर प्रजातंत्र या जनतन्त्र की इसी करणा पर हता हुआ है.

أجكل كي سركارين

دنها کے اندر ایک، ایک زمانے میں ایک ایک چیز کا خاص زور ہوتا ہے۔ اُسی کے انوسار کوئی زمانہ دھرم پردھاں سمجھا جاتا ہے'کوئی سنسکرتی پردھان' کوئی اُرتھ پردھان انهادی۔ بیسے کبھی ایک ہی سبے میں الگ الگ دیشوں میں الگ لگ چیزوں کا زور ہوتا ہے۔ اُجکل لگ بھگ ساری دایفا میں الگ چیزوں کا بول بالا ہے۔ اِس لئے اِس؛ یک کو راجنیتی پردھان اُگ کہا جا سکتا ہے۔ دھرم' سداجاز' اُرتھ' سنسکرتی' کا اور ساھتیہ سب کو آج ہم ادھکتر راجئیتی بھی کی نگاہ سے دیکھتے ہیں، راجنیتی آج ہمارے سارے مانو جیوں پر چھائی ہوئی۔ ہیں، راجنیتی آج ہمارے سارے مانو جیوں پر چھائی ہوئی۔ ہے۔ اِسی لئے راجایتک نیتا اور کاریہ کرتا ہی سب جگھ آج

کہا جاتا ہے کہ مائو انہاس کے شروع میں سنھیہ اور پشوؤں میں بہت کم انار تھا ، دعیرے دعیرے سنھیہ نے آپنے مستشک کے سہارے آنای کرنا شروع کیا ، تقب بنا ، سماج بنا ، چھوٹہ چھوٹہ گروۃ بنے ان گروھوں میں پربندھ اور سنچالی کےلئے سردار ہونے لیے ، دھیرے دھیرے راجا بنے' سمرات بنے' اور راجا اور برجا کا انار پیدا ہوا ،

دنیا کے اسکولوں میں پرتائی جانے والی سماج شاستر کی ادھنٹراکٹاییں مشیعکی سب سے پہلےکی جنگلی حالت سے شروع موتی میں ، راجاؤں اور سمرائوں کے یگ سے شروع عوتی میں ،

آجکل اکثر کہا جاتا ہے کہ راجاؤں یا سمرائیں یعنی پاکساموں یا شہنشاموں کا زمانہ بڑے اندھکار کا زمانہ تھا ۔ آسی سے فلامی کا رواج چلا راجا اور پرجا مالک اور فلم کا انگر پھدا موا سماج میں اُونچ نیچ کی بات آئی ۔ دوسروں کو چرس کر ٹھرتے سے بڑا بلے والوں اور لاموں اور کورزوں دلت ناداور جینے والوں میں دنیا بیٹ گئی اندادی ۔

یہ بھی کہا جاتا تھ کہ جیسے آجکل قیمو کریسی' جمہوریت پرجا تنکر' جن تنکر یا لوک شاهی کہا جاتا تھ اس نے جلم لیکر دنیا اور دنیا کی جنتا کو مصیبت کے اُس گڑھ میں سے نکلا اوس طرح کی ادمکتر باتوں میں سجائی کا ایک اُلھی ٹو ہوتا ہی ہے' پہر چاھے وہ روپئے میں چھ آلے ہو یا دس آئے اس طرح کے جن تنکر کی سب سے بڑی مثالیں آج سائیکت رائے اسریکہ اور انکلیلڈ کی دی جاتی ہیں ، بھارت کا آجکل کا ودھان بھی' یوں تو کہیں سے کچھ اور کہیں سے کچھ لیکر تیار کیا ہے' پر ادھکٹر پرجاننٹر یا جی تنکر کی اُسی کلھٹا پر تھا گیا ہے۔ کہا ہے' پر ادھکٹر پرجاننٹر یا جی تنکر کی اُسی کلھٹا پر تھا ہوا ہے۔

Contract to the second

अमरीका या इंगलैंड बना देने के ही चक्कर में पड़े हुए हैं. दूसरी तरफ विदेशों के साथ अपने सम्बन्ध में हम शान्ति और अहिंसा के उस रास्ते पर चलने की कोशिश कर रहे हैं जो राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी ने हमारे सामने रखा था. कभी कभी तो हम लगभग उन्हों के शब्दों में उन्हों के मावों को प्रगट भी करते रहते हैं. यह है आजकल के भारत का दो हखा पन.

इस दो रुखी चाल के चलने में सब से बड़ी मूल हम यह कर रहे हैं कि हम एक ऐसे बुनियादी उसूल की मूल जाते हैं कि जो जड़ और चेतन यानी बेजान और जानदार दोनों तरह की सुब्दि में साफ काम करता हुआ दिखाई देता है. बह उसूल यह है कि कोई भी परस्तर तिरोधी शक्तियाँ जब एक साथ मैदानों में छोड़ दी जाती हैं तो वह दोनों एक दूसरे को काटकर अपने को नष्ट कर देती हैं. एक ही देश की शासन नीति में हिंसा और ऋहिंसा को साथ-साथ चलाने की यह कोशिश देश को अन्दर से और बाहर से दोनों तरक से वेदद खोखला करती जा रही है. अगर भारत एक बार इस बात को समभ ले और पनके इरादे के साथ देश के अन्दर की व्यवस्था को अपनी पुरानी कलवर से मिलाकर चले, अपनी भीद्योगिक और आर्थिक आकांचा मों यानी सनअती और माली प्रोप्रामों को अपने नैतिक भीर रुहानी उसूनों के साथ मिलाकर चले, और निहरता श्रीर सच्चाई के साथ 'पीसकल को-पिगिक्स्टेन्स यानी शान्ति पूर्वक सब के साथ मिलकर रहने के उन श्राहिंसात्मक उसलों और आदशों पर ,ख़द अमल करने लगे जिन्हें वह दुनिया के सामने पेश कर रहा है, तो इसमें कोई सन्देह नहीं कि दुनिया की आजकल की कठिनाइयों पर भारत उसे वैसी ही अपूर्व विजय दिला सकता है जैसी विजय राष्ट्र-पिता ने हमें अपने आजादी के संमाम में दिलाई है.

इसी मान और इसी आशा के साथ हम अपने देश भाइयों और अपनी सरकार से यह अपील कर रहे हैं. हमें विश्वास है कि अगर हम सब मिलकर समय की आवश्यक-ता को सममें और उस पर अमल करें तो हम अमरीका और यूरप के नक़लची और उनके दस्तिनगर बने रहने के बजाय उनको राह दिखाने वाले और उन्हें नजात दिलाने वाले बन सकते हैं. आज हम साफ-साफ उनके नक़लची और दस्तिनगर बने हुए हैं. المربكة يا الكليلة بنا دينے كے هى چكو ميں يوس هوئے هيں . دوسرى طرف وديشوں كے ساتھ أپنے سباده ميں هم شائتى أود اهنا كے أس رأستے پو جانے كى كوشش كو رقے هيں جو رأشاد پنا مہاتما كاندهى نے همارے سامنے ركها تها . كبهى كبهى تو هم لك يهك أنهيں كے شدوں ميں أنهيں كے بهاؤں كو پرگت يهى كرتے رهتے هيں ، يه هم أجكل كے بهارت كا دورخاين .

اِس دو رخی چال کے چالے میں سب سے بڑی بہول ھم یہ کر رہے میں که هم ایک ایسے بنیادی آصول کو بھول جاتے میں که جو جو اور چیتن یعنی برجان اور جاندار دونس طررکی سرشتی امرين صاف كلم كرتا هوا دكهائي دينا هـ . ولا أصول يع هد كه كوتي یهی پرسپر ورودهی شعتیاں جب ایک سانه میدان میں چھوڑ دس رجاتی میں تو وہ دولوں ایک دوسرے کو کات کر اپنے کو نشت کر دیتی میں ، آیک عی دیش کی شاسی نیتی میں هنسا اور اهنسا کو ساتھ ساتھ چلانے کی یہ کیشمی دیمی کو اندر سے اور باہر سے دونوں طرف سے بےحد کھوکھلا کرتی جا رہی ہے ۔ اگر بھارت ایکبار اِس بات کو سمتجھ لے اور یکے ارائے کے ساتھ دیھی کے اندر کی ویوستھا کو اپنی درانی کلنچر سے ملا کر چلے ا اینی آودیوگک اور آرتهک آکانشای یعنی صنعتی اور مالی روگرامیر عو النے اینک اور روحانی أصوای کے ساتھ ماکو چلے اور رندرتا اور سنجائي کے ساتھ ویبسنل کوایکوسٹینس عنی شائعی مروک سب کے ساتھ مل کر رہنے کے آن اہنسانیک اُصولوں اور آدرهوں یر خود عمل کرنے لکے جنہیں وہ دنیا کے سامنے پیش ک رہا ھے؛ تر اِس میں کرئے ستدیبہ نہیں که دنیا ئے آجال كى كَيْهَائهِين يو بهارت أس ويسى هي أيورو وجدُّ ذلا سكتا هـ جیسی وجئے راشار پانے ہمیں اپنے آزادی کے ساعرام میں دائی 🖴 .

اسی ای ای اور اسی آشا کے ساتھ ہم اپنے دیکس بھائھیں اور اپنی اسرکار سے یہ اپیل کر رہے ہیں ، ہمیں وشوامس ہے کہ اکو معم سب ملکر مسلم کی آوشیکٹا کو سمجھیں اور آس پر عمل کریں تو ہم امریک اور یورپ کے نقلچی اور آن کے دست نگر بنے رہنے کے بجائے ان کو راہ دکھانے والے اور آنھیں تجات دلالے والے بی سکتے میں ، آج ہم صاف ان کے نقلیچی اور دست تگر بنے ہوئے ہیں ،

—सुन्द्रलाल

سسلام الل .

तेकिन सवाल यह है कि इस मामले में पहल कौन करे, भीर कैसे करे ?

मेरी राय में इस सवाल का जवाब सीधा और साथ है.
जवाब यह है कि यह पहल भारत ही कर सकता है और
इसे ही करनी चाहिये. मारत ही का सबसे पहले अपने
सब हथियार फेंक देने चाहियें और अपनी सब की जें
बरखास्त कर देनी चाहियें. भारत ही इस पर तुरन्त और
पूरी तरह अमल करके दिसा सकता है.

इस के कारण भी साफ हैं और भारत के प्राचीन और हाल के इतिहास के पन्नों पर मोटे अक्षरों में लिखे हुए हैं. प्राचीन समय में अशोक ने दुनिया को एक नया रास्ता ऐसे बढ़े पैमाने पर दिखाया कि जिस से उस समय उसी की सारी नैतिक बुनियादें दिल गईं. अशोक के उस कारनामें ने ही महात्मा गांथी के आगमन के लिये जमीन तैयार की जिसने उनके उसूलों, उनके तरीक़ों, उनके अहिंसात्मक उपायों, और उनकी आजादी की लड़ाई और उसकी अन्तिम विजय को मुमकिन बना दिया.

पर कठिनाई यह है कि भारत की पुरानी मजहबी और कहानी तहजीब के साथ यूरप की दुनिया और माहा परस्ती के भयंकर टकराव ने भारत के राष्ट्रीय जीवन में एक अजीव दो रुखी और दो दिली पैदा कर दी है. इस द्वंच या दो रुखे पन ने जब तक महात्मा गांधी जीवित रहे, उनके स्वतंत्रता संप्राम में बराबर तरह तरह की रुकावट डालीं जिनसे उन के अहिंसात्मक मिशन को कांकी नुक़सान पहुँचा और वह जैसा चाहिये था कामयाब न हो सका. उन के भरते ही हमारे इस दो रुखेपन ने देश की लगभग सारी शक्ति को पच्छित्री राहों पर डाल दिया. मगर किर भी हमारी यह रालत रवी और कमजोरी ने जमाने के उस रुख, हालात और उन जरूरतों को न बदल सकी जिन्होंने महात्मा गाँधी को जन्म दिया था और न दुनिया की उन शक्तियों को नष्ट कर सकी जिन की मदद से महात्मा गाँधी भारत को अपने दंग से आजावी दिलाने में कामयाब हा सके.

इस दुविधा या दो रखे पन को ठीक ठीक सममने के लिये हमें एक बार अपने देश के अन्दर की हालत और अपने विदेशी सम्बन्धों दोनों को पूरी तरह सममना होगा और दोनों का मुकाबला करके देखना होगा. इन दोनों का मुकाबला करने से पता चलेगा कि एक तरफ तो देश के अंदर के प्रोप्ताम, प्रबन्ध और व्यवस्था में, और देश का आगे बढ़ाने की योजनाओं में हमने अपने आप को विलक्षल पच्छिमी विचारों और पच्छिमी तरीक़ों के हवाले कर रखा है, और देश के प्रबन्ध और फीजों के संगठन दोनों में हमने जीवन के वही आदर्श अपने सामने रख रखे हैं जो अमरीका और यूरप के सामने रहे हैं, यहां तक कि हम अपने देश को

لیکن سوال یہ ہے که اِس معاملے میں پہل کون کرے اور یسے کرے ؟

میری رائے میں اِس سوال کا جواب سیدھا اور ضاف ہے ، جواب یہ ہے کہ یہ پہل بھارت ہی کر سکتا ہے اور آسے ہی کرنی چامئے ، بھارت ہی کو سب سے پہلے اپنے سب متیار پھینک دینے چامئیں اور اپنی سب فرجیں برخاست کو دینی چامئیں ، ہارت ہی اِس پر ترنت اور پوری طرح عمل کر کے دایا سکتا ہے ،

اِس کے کارن بھی صاف ھیں اور بھارت کے پراچین اور حال کے اِنھاس کے پئوں پر موڈ اکشروں میں لکھے ھوٹ ھیں ۔ پراچین سمے میں اشوک نے دنیا کو ایک نیا راستہ ایسے بڑے پیمانے پر دکھیا کہ جس سے اُس سمے اُسی کی ساری نیتک بنیادیں ھل گئیں، اشوک کے اُس کارنامے نے ھی مہانما گاندھی کے آگیں کے لئے رمھی تیار کی جس نے اُن کے اُصولوں' اُن کے طریقی' اُن کے اُمشانمک آپایوں' اور اُن کی آزادی کی لوائی اور اُس کی اُزادی کی انتم وجاء کو ممکن بنا دیا ۔

پر کلہنائی یہ ہے کہ بھارت کی پرانی مذہبی اور روحائی
تہذیب کے ساتھ یورپ کی دنیا اور مادہ پرستی کے بھیدکر تعراق نے
بھارت کے راشتریہ جیوں میں ایک عجیب دورخی اور دو دنی
پیدا کو دبی ہے ، اِس دوندہ یا دو رخے پن نے جب تک مہاتما
گاندہ چیوت رہے اُن کے سوننترتا سلکرام میں برابر طرح طرح
کی روکارتیں ڈانیں جن سے اُن کے اعتسانیک مشن کو کافی
تقصان پہونچا اور وہ جیسا چاہئے تھا کامیاب نہ ہو سکا ، اُن
ماری شکتی کو پچھمی واھوں پر ڈال دیا ، مگر پھر بھی ھماری
سابی شکتی کو پچھمی واھوں پر ڈال دیا ، مگر پھر بھی ھماری
شفور تیں کو نہ بدل سمی جنہوں نے مہاتما گانگھی کو جتم دیا
تھا اور نہ دنیا کی اُن شکتیوں کو نشت کر سمی جن کی مدد
سے مہاتما کا دھی بھارت کو اپنے وہنگ سے آزادی دانے میں

اِس دودھا یا دورخے پن کو تھیک تھیک سمجھنے کے ائے
ھمیں ایکبار اپنے دیش کے اندر کی حالت اور اپنے ودیشی
سمبندھوں دوئوں کو پوری ظرح سمجھنا ہوگا اور دوئوں کا مقابلہ
کو کے دیکھا ہوگا ۔ ان دوئوں کا مقابلہ کوئے سے چ کہ چلیگا کہ
ایک طرف تو دیش کے آندر کے پروگرام' پر بادھ اور دیوستھا
میں' اور دیش کو آئے بچھائے کی یوجناؤں میں میں ہم اپنے آپ
کو بالکل پجھمی وچاروں اور پچھمی طریقوں کے حوالے کو رکھا
ھے' اور دیشی کے پربادھ اور نوجوں کے سائٹین دوئوں میں ہم
فی اور دیشی کے پربادھ اور نوجوں کے سائٹین دوئوں میں ہم
لیے جھوں کے وہی آدرش اپنے سامنے رکھ رکھ میں جو امریکھ
لیے بیون کے مامنے رہے میں' یہاں تک کہ مم اپنے دیش کو لور پیوں کے مامنے دیش کو

इसने इसे 'शान्ति युद्ध' कहा है. शान्ति युद्ध समयुष एक बनोखा वाक्य है. यह आन्दोलन भी अपने ढंग का वैसा ही नया और अनोखा है. लेकिन जाने या अनजाने समय की आवश्यकताओं और माँगों को जितनी अच्छी तरह यह आन्दोलन जाहिर कर रहा है उतनी अच्छी तरह दुनिया का कोई आन्दोलन इस समय नहीं कर रहा है. वास्तव में यही आन्दोलन इस दौर का 'युग धर्म' है.

यह बात भी क़दरती और लाजमी है कि इस शान्ति-युद्ध का सब से खास मक्तसद, श्रीर श्राखिरी मंजिल वह तहरीक हो जो आज 'बिस-आरमामेन्ट' के कप में चल रही है यानी यह कि दुनिया की सब क्रीमों के सब हथियार ले लिये जावें और दुनिया की सब फ्रीजें बरखास्त कर दी जावें. इस शान्ति आन्दोलन की असली और आखरी जीत हार इन्हीं फीजों और हथियारों के कम या खतम हो जाने के सवाल पर निर्भर है. इसी एक सवाल पर यह भी निर्भर है कि मानव जाति का जीवन खत्म होगा या मानव इतिहास में एक ऐसे नए युग और नई सभ्यता का उदय होगा जो अब तक के सब युगों और सब सभ्यताओं से कहीं अधिक शान-दार होगी. आजकल दनिया के सामने जितनी समस्याएँ हैं उन सब के हल की कसौटी भी डिसबारमामेन्ट ही है. श्रगर एक बार यह सवाल ठीक ठीक हल हो जाये तो बाक़ी के वह सब सबाल धीरे धीरे अपने आप शान्ति और समभौते के साथ हल हो जाँयंगे जो आज मानव जाति को एक जबरद्स्त भूत भूलैयां में डाले हुए हैं और जिनका हल श्रासानी से किसी को सम नहीं रहा है. पिछले पवास बरस के अन्दर जैसे-जैसे हिंसा के नये नये हथियार और तरीक़े निकलते गये वैसे ही आइमी के अन्दर सच्ची मानवता और इनसानियत भी जोरों के साथ पैदा होती गई. यह मानवता ही शान्ति आन्दोलन में राष्ट्रों के एक दूसरे को अधिक अन्ध्री तरह सममने की इच्छा में और पूरी या अधरी हथियार-बन्दी में अपने की प्रगट कर रही है.

एक झार सोवियत रूस की राजनीति और उसकी पालिसी में जो जबरदस्त उतट फेर हुए हैं उन्होंने और दूसरी ओर अपरत की अहिंसात्मक तटस्थता यानी गैर जानिबदारी और इसके साथ भारत के 'पंचरील' के उस्त ने जो विश्व शान्ति और विश्व मैत्री की बुनियाद हो सकता है, इन दोनों ने मिलकर पूरी कामयाबी के साथ दुनिया की नैतिक तराजू के गलड़े को शान्ति की तरफ मुका दिना है. सारी दुनिया अब शान्ति के हक में आवाज ऊँची कर रही है. दुनिया को इससे जो शक्ति मिली है और जो अवसर मिला है उससे यदि ठीक ठीक और सञ्चाई के साथ कायदा उत्तया जा सकता नानव इतिहास में एक नया पन्ना पलटा जा सकता है जिसके लिये सारी मानव जाति इस समय मुकी और प्यासी है.

هم نے اِسے شانئی آیدہ کہا ہے ۔ شانئی یدھ سے میے آیک انواہ والیہ ہے ۔ یہ آندولی بھی آپنے تھنگ کا ویسا ھی نیا اور انواہ ہے انواہ ہے ۔ ایکن جانے یا انجائے سے کی آوشیکتاؤں آور مانگوں کو جتنی اُچھی طرح یہ آندوان ظاہر کر رہا ہے آننی اُچھی طرح دنیا کا کوئی آندوان اِس سِنْے نہوں کر رہا ہے ، واستو میں یہی آندوان اِس دور کا لیگ دھرم' ہے ،

ية بات بهي قدرتي أور لازمي هه كد إس شادتي يده كا سب م خاص مقصد اور آخری منزل وه تعویک هو جو آج اتس آرما مینٹ کے روپ میں چل رھی ہے یعلی یدکه دنیا کی سب قوموں کے سب ھتھار لے لیٹے جاویں آور دئیا کی سب فوجیس برخاست کردی جاریں، اِس شانعی اندوان کی املی اور آخری جیت هار اِنہیں نوجوں اور هتیاروں کے کم یا ختم هو جانے کے سوال پر فربهر هی اِسی ایک سوال پر یه بهی فربهر ها که مانو جاتى كا جيون ختم هوكا يا مانو إنهاس مين أيك أيسي نئے یک آور نئی سبھیتا کا ادر موکا جو اب تک کے سب یکوں اور سب سبهیتاؤں سے کہیں ادھک شاندار موگی۔ آجکل دنیا کے سامنے جتنی سمسیائیں هیں اُن سب کے حل کی کسرتی بھی قس آرمامينت هي هي اکر ايک باريد موال آنييک تهيک حل ہو جائے تو باقی کے وہ سب سوال دھیرے دھیرے اپنے آپ شاذتی اور سمجهوتے کے ساتھ حل هو جائینکے جو آج مانو جاتی کو ایک وہردست بھول بھلیاں میں قالہ ہوئے ہیں اور جن کا حل أَسَالَمَ عَدَ كُسِي كُو سُوجِهِ تُنهِينَ رَهَا هُـ ، يَجِيلَ يَجِاسَ بَاسَ كَـ أندر جیسے جیسے هاسا کے ناء نئے هتیار اور طریقے نکلتے گئے ویسے هی آدمی کے اثدر سچی ماتوتا اور انسانیت بھی زوروں کے ساتھ پیدا ھوتی گئی ، یہ سائوتا ھی شائتی اندوان میں راشاروں کے ایک دوسرے کو ادھک اچھی طرح سبجھانے کی الچها میں اور پوری یا ادھوری ھتیار بادی میں اپنے کو پرگاف

ایک آور سوویت روس کی راجنیتی آور اس کی پالیسی میں جو زبردست آنت پھور عرام ھیں آنھوں نے آور دوسری آور اس بہارت کی اھنسانسک، تقسهیتا یعنی فیر جانب داری آور اِس بہارت کی اھنسانسک، تقسهیتا یعنی فیر جانب داری آور اِس کے ساتھ بہارت کے 'پنچھٹول' کے آصول نے جو رشو شانتی کی وشو میتری کی بہاد ھو سکتا گئ آن دونوں نے ما کو پورس کاسیابی کے ساتھ دنیا کی نینک ترازر کے پارے کو شانتی کی طرف جوکا دیا ہے ۔ ساری دنیا آپ شانتی کے حق میں آواز جو آرنچی کو رھی ہے دنیا کہ اِس سے جو شکتی ملی ہے آور جو آولیا جا سے تو مانو آنیاس میں ایک نیا پننا پنتا جا شیک ہو جس کے لئے ساتھ مانو اجاتی اِس سے بھوکی آور سکتا ہے دیں مانونا جاتی اِس سے بھوکی آور سکتا ہے دیں دیں مانونا جاتی اِس سے بھوکی آور



शान्ति युद्ध

شانتي يده

अगरेजी में एक मशहूर कहावत है कि आदमी के जीवन और उसके तरह तरह के मामलों में कभी कभी इस तरह की एक जोरदार लहर आती है जिससे अगर उसी समय पूरा पूरा फायदा उठा लिया जाय तो आदमी की किस्मत जाग जाती है और अगर आदमी उस समय चूक जाय तो लहर के एक बार चदकर उतर जाने के बाद सिवाय बरबादी और पक्षतावें के और कुझ बाक़ी नहीं रह जाता, यहाँ तक कि उस बरबादी से फिर पनप सकना भी कठिन हो जाता है. आज दुनिया में ठीक इसी तरह की एक लहर आई हुई है. मानव जाति का सबसे अधिक भला इसी में है कि इस लहर से वह पूरा पूरा फायदा उठा ले और उसे पीछे हट जाने का मौका न वे

यह लहर दुनिया का वह जबरदस्त आन्दोलन है जिसे शान्ति आन्दोलन, अमन तहरोक या पीस मूबमेन्ट कहा जाता है. कोई कोई इसे ''पीस-बार" यानी शान्ति-युद्ध या 'शान्ति के लिए युद्ध' भी कहते हैं. यह अद्भुत युद्ध वास्तव में हिंसा और अहिंसा के बीच का युद्ध है. इस युद्ध के अन्त में बाहे हिंसा जीते और चाहे अहिंसा जीते मगर हकीकत यह है कि इतना बड़ा संभाम मानव जीवन में हिंसा और अहिंसा के बीच आज तक दुनिया में कभी नहीं हुआ था. इस संग्राम में बाजी और दाँच भी बहुत गहरे लगे हुए हैं हार जीत केवल इसमें नहीं है कि मानव सभ्यता और संस्कृति जिन्दा रहे या न रहे, बल्क इस बात की भी है कि मानत जाति जिन्दा बचे या न बचे.

हिंसा ने दुनिया में इस समय वह विराट रूप थीर एक ऐसे अर्थकर ज्वालमुखी पहाड़ का सा रूप धारण कर क्षिया है कि उस का कुद्रती नतीजा यह हुआ कि इनसान के दिला दिमारा के अन्दर अहिंसा और शान्ति की जो प्रवृत्तियाँ और कजहान साप हुए थे वह एकदम जगह जगह जाग उठे. इन सब दिवकर प्रवृत्तियों और देजहानों का विश्वव्यापी और आलमगीर शान्ति, अन्दिलन में अपने का जाहिर करने का मौका मिल रहा है. इसीक्षिये यह आन्दोलन इतना गहरा, जबरदस्त और انتریزی میں ایک مشہور کہارت ہے کہ آدمی کے جھوں اور اس کے طرح طرح کے معاملوں میں ابھی کبھی اِس طرح کی ایک زوردار لہراتی ہے جس سے اگر اُسی سمے پوراپورا فایدہ اُٹھا لیا جائے تو آدمی کی قسمت جاگ جاتی ہے اور اگر آدمی اُس سمے چوک جائے تو لہر کے ایک بار چڑھ کر آتر جائے کے اُس سمے چوک جائے تو لہر کے ایک بار چڑھ کر آتر جائے کے بعد سوائے بریادی اور بچھارے کے اور کچھ باتی نمھی رہا جاتا ، یہاں تک که اُس بربادی سے پہرپاپ سکتا بھی فاتھی ہو جاتا ہے اُنہا میں توبک اِسی طرح کی ایک لہرآئی ہوئی ہے ، اُج دائیا میں توبک اِسی طرح کی ایک لہرآئی ہوئی ہے ، مانہ جاتی کا سب سے آدمک بیلا اِسی میں ہے کہ اِس لہر اُنہ وہ پررا پورا فایدہ اُنھا لے اور اُسے پیدچھے ہے ہانے کا موتع اُنہ دے ۔

هنسا نے دنیا میں اِس سے وہ ورات روپ اور ایک ایسے بهدئکر جوالامکہی پہاڑ کا ساروپ دھاری کو لیا ہے کہ اُس کا قدر تی نندجہ یہ ہوا کہ اِنسان کے دل و دماغ کے اُندر اهنسا اور شائنگی کی چو پروتیاں اور رجنتان سوئے ہوئے تھے وہ ایکدم جگہہ جاگ آئے و اِن سب هنکر پرورتیوں اور رجنتانوں کو وشوریاہی اور عالمکیر شائنگی آندولی میں اپنے کو ظاہر کوئے کا موقع مل رہا ہے ۔ اِسی اُنے یہ آندولی اِنظا گھرا کورسٹ اور موقع مل رہا ہے ۔ اِسی اُنے یہ آندولی اِنظا گھرا کورسٹ اور وہایک دکوئی دیتا ہے۔

बहादुरी को सराहते हुए अपनी पिक्रली दुरमनी को भुला विया. इस दोस्ती से सिखों में फिर कुछ हौसला बढ़ा और वह अंग्रेजी फीज में भरती होने लगे जहाँ वे अपनी सिख निशानियों को जैसे के तैसा ही कायम रख सकते थे. लेकिन और सब बातों में सिखों में कोई जीवन नहीं रह गया था. उनमें न तो धार्मिक जीवन था और न क्रीमी जीवन. वह उन्हों पुराने देवताओं को पूजने लगे थे और वही पुरानी और लचर रस्में अदा करते थे जिनमें से उन्हें निकालने के खिये उनके गुरुओं ने निहायत बहादुरी से कोशिश की थी. सिखों की तालीम और पाँच निशानियाँ सिर्फ बराप नाम बहु गईं. आजकल की संघ सभा सिखों को फिर पुराने ठीक रास्ते पर लाने की कोशिश कर रही है.

بہادری کو سراھی ہونے آپنی پحپلی دشمنی کو بیقا دیا ۔ آیس درستی سے سکھرں میں بھر کتچے حوصاء بڑءا اور وہ انکریزی قوج میں بھرتی ہونے لگے جب رہ اپنی سکھ نشانیوں کو جیسا کے تیساھی قائم رکھ سکتے تھے ۔ لیکن اور سب باتوں میں سکھرں میں کوئی جھوں نہیں رہ گیا تھا ۔ آن میں نہ تو دھارمک جیوں تھا اور تعقومی جھوی، وہ آنہیں پولئے دیوتاؤں کو پوجئے لگے تیے اور وہی پرانی اوراجور رسمین اداکرتے تھے جن میں سے آنھیں نکالئے کے لئے ان کے گوؤں نے نہایت بہادری سے کوشش کی تھی سکھرں کی تعلیم اور اور پانچ نشانیاں صرف برائے نام رہ گئیں ، آجکل کی ساتھ سبھا سکھرں کو پھر پرائے ٹھیک راستے پر لانے کی کشش کوشش کو رھی ہے ۔

700 PAGES, \$2 ILLUSTRATIONS 2 COLOURED MAPE

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 7. 8. 0

A vivid narration of the glorious and wounderful achievements of New China...A ricture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China in the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Heraid, Lucknow.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known

—Leader, Allahabed.

Encyclopaedic...characterized by acute observation of detail as well as by. .instinctive grasp of the fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

—Blitz Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it.

—Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China rew, and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madra.

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to the lighty mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new fundations for a tomorrow which is theirs.

—Vigil, Delhi

धास्य '57

(78)

157 levil

经产生的基础的企业。

عَلَىٰ سَلَّهُ مِيرَارِ عَهِوْرِ سَنَّهُ أَلْتَحَارِأُ أَوْرِ كُرْمِ سَنَّتُهُ مَانِ وَفَهُوهُ . أيكسه तन्त्र सिंह वेरार, खेरसिंह अंबाबा और करमसिंह मान مشلمان كو جس كالمام سوته تها سه يناكر أس كا تام يهي رأم سته رکا گیا تھا اور اُس کی اوالیس کی شادی رام گویا کے سرداروں كي بيكن هوئي تهي ، مهدون كي بهائي هوي سنام يددأتهي مسلمان تھے . أن كو بھائي أول سنكم كلتول والے ليے سكم بدايا تها. أيك مسلمان أجس كامه نام نرال سنكه ركها كيا تها كرودوارا بيلياني كا مهنت هو گيا نها . مهارأج نريندر سنكه پاياله دريش کے اشارے سے ایک شخص مدر الدین سکو بنایا گیا تھا اور مہنت سيا سلكو لے أس كا ثام فتح سلكم ركيا تها . يه شخص 26 سال تک تحرمشالا يهول كا مهنت رها أور سن 1869 ميں مو گيا . اِس طرے مہاراجہ رنجیت سنک کے زمانے میں عزاروں مسلمان مرد ارر عبرتیں سکم دھرم کے حلقے میں شامل ھوئے تھے ، ا

> لیکن مهاراچه رئجیت سنکه کی حکومت میں هندو اثر لے سم دهرم كو سخت دهكا يهدنهايا . أس كا أثر خالصه سهاعهون ير بهي يرا اگرچه إن سياهيون مين سکه دهرم قريب قريب ایلی برانی بائیزگی میں موجود تھا ۔ نئی عیش یسدی فے سعهر کی سادگی اور آزادی کو پریاد کر دیا ، اصل مهن سعه دهرم ایک سادا اور سخت جهرم کے اور اسالی سے سکھ لوگ عیش اور آرام کی طرف نہیں جھکتے ، سکھوں کے مذھبی اور دنیاری رسبوں میں اکثر سوائے بہجوں گانے اور درارتھنا کرنے کے اور کنچ ٹہیں ہوتا ۔

ایک مہاراچہ اپنے برابر والے مہاراچوں میں اینا مرتبه کس طرح قائم رکھ ساتا ہے جاب تک کی وہ گدی پر بیٹھنے و اُپنی شادی کے موقع پر تنجرستیوں اور پندوں کو بلا کر اُن رسموں اور اور جلسوں کو شاندار تے بنا دے ۔ سمع راجاؤں اور امعروں کو سکے دھرم کو اُپنی پسند کے مطابق بنا لینا ھیہشد مشکل رھا ہے ، اِس لئے جب کیبی وہ دکھاوا اور رسیوں پوری کرتا چامتے میں تو سکھ دھرم کے دائرے کے باھر جانے کے لئے محبور هرتے هيں ،

مہاراجہ رلجیت سلام کے بعد جب بادشاعت صرف زیوروں اور تیبتی کپروں تک می رہ کئی تو اُرنسے خاندانس کے لله سكه دهر م يهي صرف يكوى أور دارهي كا فيشن ره گيا . ناتیجد یہ هوا که اگے چل کو ایسے لوگوں نے چن کے رهن سهن کے طریقے سطت اور جن میں ضبط موجود تھا سکھ سوداروں کے هاتو سے حکومت حجیرں لی ۔ عام سکھوں میں ابھی پرانی المهرك كنهم باتى تمى ليكن ولا يمى كرودوارون كي حالت بدل جالى اور لوائی میں دھکا پہنچنے کی رجبہ سے کم هولے لکی ، تکریزوں نے اس سے ذائدہ اُٹھانے کی کوشھی کی اور سابوں کی شریفائد

बरीरा. एक संसलमान को जिसका नाम सोनता था सिन्न बनाकर एसका नाम भी रामसिंह रखा गया था और इसकी लब्कियों की शादी रामगड़िया के सरदारों के यहाँ हुई थी. भेदों के भाई हरिसिंह पैदाइशी मुसलमान थे. उनको भाई स्रोनेसिंह कंथल बाले ने सिख बनाया था. एक मुसल-मान, जिसका सिख नाम निहाल सिंह रखा गया था, गुरुद्वारा भिलयानी का महंत हो गया था. महाराज नरेन्द्र सिंह पटियाला नरेश के इशारे से एक शख्स सद्र घरीन सिख बनाया गया था और महंत हयासिंह ने उसका नाम फतह सिंह रखा था. यह शब्स 26 साल तक धर्मशाला फल का महेत रहा और सन1869 में मर गया. इस तरह महाराजा रंजीतसिंह के एमाने में हजारों मुसलमान मर्द और बस्रीरतें सिख धर्म के इलक्ते में शामिल इप थे.3

लेकिन महाराजा रंजीतसिंह की दुकूमत में हिन्दू द्यसर ने सिख धर्म का सकत धक्का पहुँचाया: उसका असर साहसा सिपाहियों पर भी पड़ा. अगरचे इन सिपा-हियों में सिख धम क़रीब क़रीब अपनी पुरानी पाकीजगी में भीजद था. नयी ऐरा पसन्दी ने सिखों की सादगी और आजादी की बरदाद कर दिया. असल में सिख धर्म एक सादा और सक्त धर्ग है और आसानी से सिख लोग पेश और आराम की तरक नहीं कु इते. सिखों के मजहबी और द्वनियाबी रस्मों में अक्सर सिवाय मजन गाने और प्रार्थना

करने के और ऊल नहीं होता.

एक महाराजा अपने बराबर वाले महाराजों में अपना मर्तवा किस तरह क्रायम रख सकता है जब तक कि वह गही पर बैठने व अपनी शावी के मौक़े पर नज्मियों और पंडितों को बुलाकर उन रस्मों और जलसां को शानदार न बना है. सिख राजाओं और अमीरों को सिख धर्म को अपनी पसन्द के मुताबिक बना लेना हमेशा मुश्किल रहा है. इसलिये जब कभी वह दिखावा और रस्में पूरी करना चाहते हैं तो सिख धर्म के दायरे के बाहर जाने के लिये मजबूर होते हैं.

महाराजा रंजीत सिंह के बाद जब बादशाहत सिर्फ जेवरों और कीमती कपड़ों तक ही रह गई तो ऊँचे खान्दानों के लिये सिख धर्म भी सिर्फ पगढ़ी और दाढ़ी का फैरान रह गया. नतीजा यह हुआ कि आगे चलकर ऐसंलोगों नें, जिनके रहन सहन के तरीक़ सख्त और जिनमें जन्त मौजूद था, सिख सरदारों के हाथ से हुकूमत जीन जी. जाम सिखों में बामी पुरानी इसप्रिट कुछ बाक्षी भी लेकिन वह भी गुरुद्वारों की हालत बदल जाने और लकाई में धक्का - पर्रें चने की वजह से कम होने लगी. अंग्रेकों ने उससे फानदा पठाने की कोशिश की और सिस्तों की शरीफाना

रका.8 ईसाई गिरजे के कुल इक तो क्न्हीं लोगों को दिये जाते थे जो यहूदियों से ईसाई होते ये और जिनका सतना होता था.

इसी सरह जब पराने सिखं जिनको गरु गोविन्द सिंह ने खद दी चा दी थी. शहीद हो गये च्यीर उनकी चौलाद जिलाबतनी (परदेस) में रहने के लिये मजबर हो गई और संगतें बिना सरदारों के रह गई तो वह पुराने रस्म रिवाजों भौर विश्वासो में दल गईं. जो लीग ब्रोटी क्रौमों में से भाए थे उनसे और उन लोगों से फर्क होने लगा जो ऊँची जातों से आए थे. दीक्षा लेने के बाद भी कुछ को तो सिर्फ द्रवाजे पर ही जगह मिलती थी, और दूसरों को मन्दिर के धन्दर दाखिल होने का हुक्म हाता था. कुछ लोग ऐसे थे जो उस मुसीयत के जमाने में खुले तौर पर सिख होने का इक़रार करने की हिम्मत नहीं करते थे, उनको इजाजत दी गई कि वह सिख धर्म की ऊपरी निशानियों के बरोर ही काम चलाएँ और ऐसे आदमियों को 'सहजधारी' कहा गया. उन दिनों जब लम्बे केश रखना मौत को खुलाना था कंई आदमी उनके उस भेस बदलने पर ऐतराज करने का क्याल दिल में नहीं लाता था जो सहजधारियों ने अस्तयार कर रखा था. खनको सिख धर्म पर पूरा ऐतकाद था मगर वह इसके जिये मरने को तैयार न थे. जिन सहजधारियों ने मह रियायती तरीका अक्तयार कर रखा था वह असली सिखों की बराबरी का दावा नहीं करते थे. यह अपने जिलावतन भाइयों की इसप्रिट और उनकी जाहिरी शकल का हमेशा रुयाल रखते थे और हर तरह उनकी मदद किया करते थे.

इस तरह सिख इसप्रिट और तर्जे जिन्दगी स्नाल्सा की सरत में इस बक्त भी क़ायम रखा गया जबकि क़सबों और शहरों में पावन्वियाँ ढीली पड़ गई थीं. सरदार रतनसिंह के लिखे हए "पून्य प्रकाश" में लिखा है कि मुसीबत के जमाने के बाद भी जिसमें होकर वह गुज़र चुके थे लड़ने वाले सिखों के दिला' में पुरानी भावना श्रव भी साफ साफ शौर मस्तैदी से मौजद है, वह अब भी मर्ति पूजा से दूर रहते हैं चौर नये तरीके पर शादी करते और पंथ की हकूमत सब से भडकर मानते हैं. जो समाव (तजवीजें) उनकी संगत या पंचायत में ते होती हैं उन पर अमल करते हैं. अनेऊ, धवतार, जात पात या छुड़्या छुत को नहीं मानते और आखादी से उन लोगों को बापस ले जेते हैं जो मुसलमान हो गये थे. बहुत से मशहर सिखों ने ऐसी मुसलमान धौरतों से शादी की जिन्होंने सिख धर्म को अपना लिया वा, उनमें से बाज के नाम यह हैं-अनूव सिंह जो चन्द्रवाल हा रहने बाला ब्रह्मण था, सखतसिंह पेजगढ़ का सत्री था. फिर भी बन्दा के सरहद फतह करने पर कुछ

प्रसलमानों ने सिख धर्म अस्तवार किया वा (दीक्षा दस्तूर

ريا ، 3 عيسائي گرهي كي كل حق تو أليين الوكون كو ديلي حاتي ته جو يهدديون سه عيسائي هوتي ته أور جون كا ختله هوتا تها . اسی طارح حب برائے سکھ جن کو گرو گوولد سلکھ نے شود ديعها دي يهي شهود موكله اور أن كي اولاد جلوطني (يرديس) میں رہانے کے اللہ مجبور ہو گئی اور ساکتیں بالا سرداروں کے رة كثين تو ولا يرائے رسم رواجوں اور وشواسوں میں قطل گئيں ، جو ارگ چھوٹی قوموں میں سے آئے تھے اُن سے اور اُن لوگوں سے فرق عولے اللا جو أونجي ذاتوں سے آئے تھے . دیکھا لیانے کے بعد بھی کنچھ کو تو صرف دروازے در ھی جگہ ملتی تھی اور دوسروں کو مادر کے آندر داخل عولے کا حکم هوتا تھا ۔ کھچھ لک ایسے تھے جو اُس مصدیت کے زمانے میں کیلے طور پر سکھ ھونے کا اقرار کرنے کی ھمت نہوں کرتے تھے ۔ اُن کو اجازت دی گئے ، کہ وہ سکم دھرم' کی اُوپری انشائیوں کے بنیر ھی کام چالئیں اُور ایسے آدمیرں کو 'سامجدہارہ' کیا گیا ۔ اُن دنیں جب لیے كرهو ركها موت كو بلانا تهاكوني آدمي أن كے أس نهيس بداني يو اعتراض کرنے کا خیال دل میں نہیں النا تھا جو سیجدھاریوں نے اختیار کر رکھا تھا ۔ اُن کو سکھ دھرم پر پورا اعتقاد تھا مگر ولا اس کے لئے مرنے کو تیار نہ تھے ، جن سیجدھاریں نے یہ رعایتی طریقه اختیار کر رکها تها ولا اصلی سکھوں کی برابری کا دعوہ تہیں کرتے تھے ، یہ اپنے جالوطان بیائیس کی اسھرے اور آن کی ظاهری شکل کا همیشه خیال رکهتے تھے اور هر طرح آن کی مدد کیا

اِس طرح سکم اسپرت اور طارز زندگی خالصه کی صورت میں اُس وقت بھی قائم رکیا گیا جب که قصبوں اور شہروں میں پابندیاں تھیلی بچ گئیں تہیں ، سرداررتی سنگم کے انکه هوئی انہیم پرکھی'' میں لکیا هے ته مصیبت کے زسانے کے بعد بھی جس میں هو کو وہ گذر چکہ تھے لوئے والے سکمیں کے دلی میں پرائی بھاوند آب بھی صاف صاف اور مستعدی سے موجود نا ، وہ اب بھی مورتی پوجا سے دور رہتے ہیں اور نئے طریقے پوشادی کرتے اور بنتم کی حکومت سب سے بچہ کر مائتے ہیں ، حو سوجهاؤ (تجویزیں) اُن کی سنگت یا پنجیایت موسط هوتی ہیں اُن پر عمل کرتے ہیں ، جیلو' اوتار' فاسدوات یا چھوا جھیں جو مسلمان ہو گئے تھے ، بہت سے مشہور سکموں لے ایسی میں جو مسلمان ہو گئے تھے ، بہت سے مشہور سکموں لے ایسی مسلمان عرتوں سے شادی کی جانوں نے سکم دافری ساتھ جو چادر سلمان کے رائ میں سے بیش کے تام یہ معین اُن توپ ساتھ جو چادر سلمان کا رہنے والا برخمین تھا' سخت سنگی بھی گذہ کا کھاڑی تھا ۔ تیال کا رہنے والا برخمین تھا' سخت سنگی بھی گذہ کا کھاڑی تھا ۔

پہر بھی بلدا کے سرحد نتم کرنے پر کچھ مسامالیں نے معهد دھرم اختفار کیا تھا (دیکھا دسترراللیہا مصافی یاو محدد) .

क्लनीशा, मुखनिफ बाज मोहन्मद्).

6 th 700 mg

गुर गोबिन्द सिंह ने विलक्कल साफ-साफ कहा है कि मिल वसरी कीमों से हमद्दी और मोहब्बत रखते भी ऐसा न करें कि अपने मैआर को दसरों के साथ मिलाकर गडकड कर वें. सिख अपनी रसमों को चारों फिरक्रों के लोगों से अलग ही रखेंगे, वह सब से मुनासिब बर्ताव करेंगे लेकिन उनका विश्वास और जिन्दगी के काम का अमल सबसे अलग रहेगा." 2 सिख अपने उसलों को बहत दिनों तक बरक्ररार रखे रहे और हिन्दू और मुसलमान दोनों के मेल से बहुत फायदा उठाते रहे और अपनी तरक्की को दोनों तरक के राज्ञत असर से बचाते रहे. लेकिन जब सिखों को मुगल हुकूमत से लड़ना पड़ा तो चनकी बह भावना कम होने लगी. गुरु गोविन्द सिंह मोहब्बत के भन्छार होने के सबब से अपने दुश्मनों के दिलों में मी मोहब्बत पैदा कर सके. औरंगजेब का एक सिपहसालार सैयद बेग गुरु से जंग करने आया लेकिन इनसे मुलाकात होने पर उसे अक्सोस हवा और र में से लौटकर उसने अहद कर लिया कि जुल्म की मदद के लिये मैं कभी जंग न कहाँगाँ, बुद्ध -शाइ, नबीखाँ श्रीर रानीखाँ मुसलमान ही थे जिन्होंने बहुत नाजुक बक्त पर गुरु की मदद की थी. सिखां से मुसलमानों की बदती हुई नफरत का नतीजा यह हचा कि मुसलमानों में सिख धर्म की बढ़ती पर असर पढ़ा और मुसलमानों का सिक्लों में शामिल होना कम होता गया. यहाँ तक कि जब बाद के सुराल बादशाहों की सिख्तयाँ बाबा बन्दा के हिन्दुओं और सिखों के खिलाफ बढ़ गई तो सिखों में दीक्षा सिर्फ हिन्दुओं तक ही महद्द हो गई. नतीजा यह दुआ कि सिख धर्म ने जा नया ख्याल पैदा किया या उसमें पुराने हिन्दू ख्याल भी शामिल होने लगे.

यही हाल ईसाई धर्म का भी हुआ था. शुरू में जब प्यारातर यहूदियों में से भी ईसाई बनते थे तो नये ईसाइयों के साथ पुराने यहूदी तरीक्षे पर बर्तीव होता था. उस तरीके में अन्दर के हलकं के मुरीदों और बाहर वाले मुरीदों में फर्क समका जाता था.

अन्त्र के हलके के मुरीदों का खतना हुआ करता था और वह यहूदी रस्म अदा किया करते थे, गिरजे के सब से अन्त्र के हिस्से तक जाने के हक्षदार होते थे और बाहर के हलके के मुरीदों को जो उन रस्मों की पावन्दी न करते थे सिर्फ 'हमदर्व' सममा जाना था, उनको सिर्फ गिरजे के द्रवाजे पर ही पूजा करने की इजाक्षय होती थी. ईसाइयों और गैर यहदियां में यही फर्क

کر گیران سائم نے باکل ضاف میاف کیا ہے که سام دوسری المول بعد همدردي أور معصمت زكيته بهي أيسا ته كوين كه أينه سیار کو درسروں کے ساتھ ملا کو گو ہو کو دیں ، سکھ آیتے ، رسموں کو چاروں فرقوں کے لوگوں سے الگ جی رکھیں گے ، وہ سب سے ساسب برتاؤ کویں کے لیکن أن كا وشواس أور وتدگی کے کام کا عمل سب سے الگ وهیکا ." 2 سکھ اپنے اُصولیں کو بہت دنوں تک برقوار رکھ رہے اور هادو اور مسلمان دونوں کے سیل سے بہت فائدہ اتباتے رہے اور اینی ترقی کو دونوں طرف کے غلط اگر سے بنجاتے رہے ، ایکن جب سکھوں کو مغل حکومت سے اوٹا ہوا تو اُن کی وہ بھاؤٹا کم هولے لکی ، گرو گروند سلکم مصبت کے بہندار ہولے کے سبب سے اپنے دشماوں کے داوں میں يهي محبت يهدأ كر سكه ، أورنكزيب كار ايك سهمسا لر سهد برگ کی سے جنگ کرنے آیا لیکن آن سے مقانات ہوتے پر آسے اِنسوس عوا ابر شرم سے لوگ کر اُس نے عہد کر لیا کہ ظلم کی مدد کے لئے میں کبھی جنگ تھ کروٹکا ، بدھوشاد ا نبی خان اور فنی خاں مسلمان هی تھے جنہوں نے بہت تازک وقت پر گرو کی موں کی نہی ، سکھوں سے مسلمانوں کی پر ملی ہوئی ففرت کا نتیجہ یه هوا که مسلمانوں میں سکھ دهرم کی برعتی یر اثر یوا اور مسلمانوں کا سکھیں مین شامل ہوتا کم ہوتا گیا ۔ بہل تک که جب بعد کے منل بادشاموں کی سختیاں بابا بندأ کے ھلدوں اور سکھوں کے خلاف ہوھ گئیں تو سکھوں میں دیکشا صرف هندوں تک هی محدود هو گئی . تتیجه یه هوا که سه دهرم نے جو تیا خیال بیدا کیا تھا اُس سیں برائے ہندر خیال بھی شامل ہونے لکے ،

یہی حال عیسائی دہرم کا بھی ہوا تیا ، شروع میں جب
زیادہ تر یہردیوں میں سے بھی عیسائی بنتے تیے تو ثئے عیسائیوں
کے ساتھ پرآئے بہردی طریقے پر برناؤ ہوتا تھا ، اُس طریقے میں
اندر کے حلتے کے مریدوں اور باہر والے مریدوں میں فرق سمجها
جانا تھا ،

اندر کے حلقے کے مریدوں کا ختنه هوا کرتا تھا اور وہ یہودی رسم ادا کیا کرتے تھے، گرچے کے سب سے اندر کے حصے تک چائے کا حقدار هوتے تھے اور باهر کے حلقے کے مریدوں کو جو آبی رسموں کی پابلدی نه کرتے تھے صوف 'همدود' سمجھا جاتا تھا' آب کو صوف گرچے کے دروازے پر هی پوجا کرلے کی اجازت موتی تھی ، عیسائیوں اور غیر یہودیوں میں یہی فرق

^{2.} सूर्य प्रकाश-अवृत 3-अध्याय 50.

^{2 --} سرريه پركامي-روت كالمعالى 50 .

"न मैं सक्के को इज करने जाऊँ भीर न हिन्दुओं के तीथों में पूजा करने."

"मैं सिर्फ उस एक की बन्दगी करूँगा किसी दूरारे की नहीं."

'मैं न मूर्तियों को पूजूँगा और न नमाज पद्राा.'' ''मैं अपने दिल को सिक उसके कदमों में लगाऊँगा जो

सब से ऊपर है."

''हम न हिन्दू हैं और न मुसलमान.''

"इमने अपने तन और अपनी जानों को अल्लाह व राम के नाम कु बीन कर दिया है."—भैरो राग , द्विस्तान का लेखक छटे और सातवें गुरुखों के जमाने में पंजाब भाया था. वह सिखों की बाबत लिखता है—

"गुढ नातक के सिख मूर्ति पूजा को बुरा कहते हैं. उनका विश्वास है कि सब गुरू गुड नानक के ही अवतार हैं. वह हिन्दू मन्त्रों को नहीं पढ़ते और न हिन्दू मन्दिरों की कोई खास इ.ज्जत करते हैं. वे हिन्दू अवतारों को नहीं मानते और न संस्कृत ही पढ़ते हैं जो हिन्दुओं की राय में देवताओं की जवान है."

िखों को हिन्दू शास्त्रों में लिखे हुए रीत रिवाज पर यक्कीन नहीं और न वे खाने पीने में छूत छात की पावंदियों के कायल हैं. एक आलिम हिन्दू प्रतापमल ने जब यह देखा कि उसका लड़का इसलाम की तरफ मुका है तो उसने उससे कहा था—''तुमका मुसलमान होने की कोई 'जरूरत नहीं, अगर तुम खाने पीने की आजादी चाहते हो तो अच्छा हो कि तुम सिख हो जायों."

गुर के लन्गरलाने में धौर बराबरी सिखाने के लिये सब का एक साथ बिठाकर खाना खाने के सिवाय सिख अपने गुरुद्धवारों में किसी तरह की काई बड़ी रसम अदा नहीं करते. इसालये आपस में मगड़े की काई बजह नहीं पैदा होती और न बनमें अलग अलग फिरको ही पैदा हुए. अमृतसर के गुरुद्धारे में मजहबी पूजा सिफ यह होती है कि रात दिन खर्खंड पाठ पंथ साहब का जारी रखा जाता है. सिफ धाधी रात के करीब एक दा धन्टे बन्द रहता है. बाक़ी तमाम बक्त रागी लोग मन्थ साहब के राब्द बारी बारी से मिलकर गाया करते हैं. किसी तरह की कोई लेकचर बाजी या बहस मुबाहि सा वहाँ नहीं होता और इसीलिये कोई हुज्जत आपस में पैदा नहीं होती. सिखों। का यह सादा और खुबस्रत रिवाज 2 0 बरस पहले सुजानराय बटाला वाले ने देखा था. इसने 1667 ईसबी में अपनी किताब "खलास खलतवारी स्र में लिखा है—

"उनके लिये सिफ पूजा का यह तरीका है कि वह अपने गुरुओं के बनाये भजनों का मीठे स्वरों में साफ और बाजों के साथ मिलकर गाते हैं." الله میں معے کو حج کوئے جاؤں 'اور ته هندوں کے تفرقیوں میں پوچا کرئے ۔''

ولمیں صرف آس۔ آیک کی بادگی۔ کروٹانا کسی جوسرے کی ٹییں ہ^و'

ور الله مررتیوں کو یوجوں کا اور نا نماز پڑھوں کا ۔'' ورمیں اپنے دل کو صُرف اُس ایک کے قدموں میں لگاؤلگا جو سب سے آرپر ہے ۔''

والعم لله هلدو هيس أور قنه مسلمان ""

والله و رام کے اللہ عوبان کو الله و رام کے اللہ قوبان کر دیا ہے ۔ استعماروں راگ ۔

دیستان کا لیکھک چھٹے اور سانویں گرؤں کے زمانے میں پانجاب آیا تھا ۔ وہ سکھوں کے بابت لکھکا ہے۔۔

('گرو نانک کے سکم مورتی پوجا کو ہرا کہتے ھیں ، اُن کا وشواس هے که سب گرو گرونانک کے ھی اوتار ھیں ، وہ ھندو منتروں کو نہیں ہوتے اور نے عنص عوت کرتے ھیں ، وے ھندو اوتاروں کو نہیں مانتے اور نے سسترت ھی پڑھتے ھیں جو ھندؤں کی رائے میں دیوتاؤں کی زبانے ھی''

سکھرس کو ھندو شاستروں میں لکھے ھوٹے ریت روآج پر یقین تہیں اور نہ وے کیا پینے میں چھوٹ چھات کی پابندیوں کے قائل ھیں ، ایک عالم ھندو پرتاپ مل نے جب یہ دیکھا کہ اس کا لوکا اِسلام کی طرف جھکا ہے تو اُس نے اُس سے کہا تھا۔"تم کو مسلمان ھونیکی اُ کوئی ضرورت نہیں' اگر تم کھائے پینے کی آزادی چاھتے ھو تو اُچھا ھوکہ تم سکھ ھو جاؤ ۔"

گرو کے لنگرخانے میں اور برابری سکھانے کے لئے سب کو ایک ساتھ بیٹھا کر کھانا کھانے کے سوائے سکھ اپنے گرودواروں میں کسی طرح کی کوئی بڑی رسم ادا نہیں کرتے ۔ اِس لئے آپس میں الگ جھکوے کی کوئی وجہ نہیں پیدا ھوئی اور نہ اُن میں الگ اوک فرنے ھی پیدا ھوئے ، امرتسر کے گرودوارے میں مذھبی پوجا صرف یہ ھوتی ہے کہ رات دن اکھات پائھ گونتھ صاحب کا جاری رکھا جاتا ھے ، صرف آدھی رات کے قریب ایک دو گینٹے باد رھٹا ہے ، باتی تمام وقت راگی لوگ گرنتھ صاحب کے شہد باری باری سے مل کو گایا رکرتے ھیں ، کسی طرح کی کوئی انجور بازی یا بحث مباحثہ وھاں نہیں ھوتا اور اِس لئے کوئی حجب آیس میں پیدا نہیں ھوتی ، سکیس کا یہ ساتھ اور خوبصورت رواج 250 برس پہلے سوجان رائے بتالہ والے نے اور خوبصورت رواج 260 برس پہلے سوجان رائے بتالہ والے نے دیکھا تھا ، اُس نے 1667 عیسوی میں آپئی کتاب دیکھا انتہاریئی میں لیما ھے ۔

اُن کے لئے صرف پوجا کا یہ طریقہ شے کہ وہ اپنے گرؤں کے بنائے بیعجلوں کو میٹھے سروں میں ساؤ اور باچوں کے ساتھ ملمو گئے تھیں ،

بلا کسی فرق کے بیش کو اپنے مذہب میں کامال کو لول کے عادلا أور ابي أيسم طاريق الهم جن سه سام دهرم كي إس بهاؤانا كو قائم رُهَا جاتا تها. "كرون كا لنكر" جس مين بالحاظ جهول يؤلم سب كو كهائا ملتا تها أس الله قائم فها گها تها كه وخد تمام رکاوٹیں جو فرقے اور مذھب کے تعصب کی وجہ سے قام عمیں در هو جائين اور سب برابر هو جائين . اِس لله يه قاعدة ركها كيا تها كه جو يهي كهانا كهاني أثيرًا چاهه وه هندو هو يا مساءایی سب کو ایک ینک موں بدق کر ایک ساتھ کھانا ہوگا یهاں نک که اکبر اور راجه صاحب هری پرر کو بھی عجب وہ گرو امرداس سے ماقات کرنے گئے تھے اُسی طرح سب کے ساتھ بیٹھ کو کھاٹنا کہاٹنا ہوا تھا، یہ ظاہر کرتے کے لئےکه مسلمان اور ٹھیے ذات کے هادو سب ویسم هی رها، هیں جیسے اُولیچی ذات والے گرو أرجن ويو لم 1 كرنته صاحب ميں إن لوكوں كى ساكھال بھى شامل كي هير. إن مين كبير صاحب مسلمان جولاف تها فريد أيك مسلمان فقير' بهيكين أيك مسلم عالم' سائين فائي افام ديو چهدي ا ررمی داس مرچی؛ مردانه مسلمان؛ مردها اور بهت سے دوسرے مسلمان راکی شامل هیں ، یہ بات اور بھی صاف هو جاتی ہے جب هم يه ديكهتم هيس كه سكم لوك أس پوره كرنته صاحب كو جس میں یہ سب راگ ساکھیاں وقیرہ شامل میں ایشوری یا الهامي سنجهت هيل اور أس كي يرحد عزت كرتے هيل .

این باتوں کا اثر آس زمانے کے سکھوں کی عدالتوں اور رسم رواجوں پر برابر دکیائی پڑتا ہے ۔ سکھ اوگ ھندوں اور مسلمانوں کو ایک ھی نگاہ سے دیکھتے تھے اور مذھبی طور پر اپنے کو اِن میں سے کسی نویق میں شامل نہیں کرتے تھے ۔ گرو ثانک کا پہلا قبل جب اُنھوں نے پرچار شروع کیا تھا یہ تھا کہ ''تا کوئی ھندو نا مسلمان'' اور جب اُن کا چولا چھوٹا تو ھندو مسلمان دونوں اُن کو اپنا بتاتے تھے۔ گرو اُرجی نے اپنی کتاب میں نہایت دانوں سے صاف مان کیا ہے۔

"سیس نه هندو ورت رکهتا هوب اور نه رخفان کے

''میں صرف اُس کی عبادت کرتا ہوں' رہی میری آخری یناہ ہے۔''

درمیں لے هندو أور ترک دونوں کے قاتا تور لیا ہے ۔''
میں صرف آیک مالک کو مانتا هوں جو اُللے ہے ۔''

1 ''ساری سائیت ایک ساته بالتداظ برن یا آشرم کے للکو خالے میں داخل ہو کر ایک پلکت میں بھائتی تھی اور سمجها جاتا تیا که سب ایک برابر صاف اور پاک میں ''۔۔۔سوریه پرائس اسبیاب 30 ۔

विला किसी फक्ष के सकके कपने मजहब में शामिल का लेने के जलाबा और भी ऐसे तरीक थे जिनसे सिख वर्म की इस भावना को कायम रखा जाता था. "गडकों का लंगर" जिसमें बिला लिहाफ छोटे वहे सबकी खाना मिलता था, इसलिये कायम किया गया था कि वे तमाम हडावटें जो फिरको और मजहब के तास्सब की वजह से कायम थीं दर ही जायें और सब बराबर हो जायें. इस लिये यह क्रायदा रखा गया था कि जो भी खाना खाने बावे. चाहे वह हिन्दू हो या मुसलमान, सबको एक पंगत में बैठकर एक साथ खाना साना होगा. यहाँ तक कि अकबर बीर राजा साहब हरीपुर को भी, जब वह गुरु व्यम्रदास से मुलाक्नाल करने गये थे, उसी तरह सब के साथ बैठकर खाना खाना पड़ा था. यह जाहिर करने के लिये कि सुसल-मान और नीव जात के हिन्दू सब वैसे ही रहते हैं जैसे ऊँबी जात वाले, गुरु अर्जुन देव ने 1 प्रथ साहब में इन लोगों की साखियाँ भी शामिल की हैं. इनमें कबीर साहब मसलमान जुलाहे थे, करीद एक मुसलमान फक्रीर भीखन एक मुसलिस आलिस, साई नाई, नाम देव झीपी, रवि-दास मोची, मदीना मुसलमान, मिरदृहा और बहुत से इसरे मुसलमान रागी शामिल हैं. यह बात और भी साफ हा जाती है जब हम यह देखते हैं कि सिख लोग उस पूरे मंथ साहब को जिसमें यह सब राग साखियाँ वरौरा शामिल ईश्वरी या इलक्षमी समभते हैं और उसकी बेहद इज्जत करते हैं.

इन बातों का असर उस जमाने के सिखों को अवालतों और रस्म रिवाजों पर बराबर दिखाई पड़ता है. सिख लोग हिन्दुओं और मुसलमानों को एक ही निगाह से देखते थे और मजहबी तौर पर अपने को इनमें से किसी करीक़ में शामिल नहीं करते थे. गुरु नानक का पहला कौल जब उन्होंने प्रचार शुरू किया था यह था कि "ना कोई हिन्दू न मुसलमान और जब उनका चोला छुटा तो हिन्दू मुसलमान दोनों उनको अपना बताते थे. गुरु अर्जुन ने अपनी किवाब में निहायत दिलेरी से साफ-साफ कहा है—

'भैं न हिन्दू वत रखता हूँ और न रमजान के रोजे."

"में सिर्फ उसकी इवादत बरता हूँ, वही मेरी आखिरी पनाह है."

"मैंने हिन्दू और तुर्क दोनों से नाता तोक लिया है." "मैं सिर्फ एक मालिक को मानता हूँ को अल्लाह है."

^{1. &#}x27;'सारी संगत एक साथ विला लिहाज वरन या आश्रम के संगरताने में दाखिल होकर एक पंगत में बैठती भी'जीर समस्रा जाता था कि सब एक बराबर'साफ और पाक हैं"—सूर्य प्रकाश रास 1—बाब 20

学教学学を行う権を行っています。

سعور سنجو که پیلے آیک قاکر تیا معر گررانک کی نصيحت سنه عوا اور أن كے دهرم كا أس لے يزجار كيا؟ ایک تواب کا لوکا جس کو ڈلا کے بھائی یا ر نے جالندھر دو آب میں سکو بنایا تھا؛ وزیر خان۔۔۔ اکبر کا ایک قائب وزیر کا اور خفید طور پر گرو ار هن دیو کی عملیم پر عمل کرتا تها؛ بدهن شادسگرو قانک کا بڑا بھات تھا اور آخر میں کرو گروند کے . زمالے میں سعم هو کو هی سرا؛ بی سی گلدن -- الفور کے قلمی کی لوکی بھی اور اُس کو گرو۔ ھوگووٹٹ نے سکھ دھرم کی تعلیم دی تھے ؛ سیفابان ریاست یتیالد کے رہنے وألے شفیم الدین کو گرو تینم بہادر نے عین اپنی گرفتاری سے پہلے سام بنایا تھا؛ سید شاہ کو بھائے قاد قل نے سکھ بنایا ایک مسلملی فقیر ابراهیم لے سب سے پہلے اپنے کو گرو گووند سلکھ کے روبر سکھ دھرم اختیار کرنے کے لئے پیص کیا تھا۔ گرو نے اُس کا نام اجمهر سائم رکها اور ستهوں کو ایک حکم جاری کیا که الا كوئى مسلمان أدايل هو يا أعلي سيجائي سے خااصة دهرم مائلًا چاعثًا هو تو مناسب هے که اُس کو دیکشا دی جائے اور سلکت میں شامل کر لیا جائے ، ۴

بہت سے ناموں میں سے جنہوں نے سکھ دھرم اختیار کیا تھا یه صرف چند تام دیس . ان نگه سکهون کی حالت جانیج کرنے یو' جو گرو فافک اور آن کے بعد سنکت میں شامل ہوئے تھے' أيسا معلوم هونا هے که يقهان سيد أور شيعه جن کو معلوں لے شکست دی تھی سکھ مذھب کو زیادہ پسند کرتے تھے: جب که مهرور مهل أن اوگوں كا دهرم اختيار كرنا أيني توهين سنجهتے تھے جن کو اُنہوں لے جنگ میں شکست دی نھی . جہائکیر کو گرو ارجن نے خلاف جیسا که جہائکیر نے خود النوك جهالكيري، مين لتيا ها سب سے برى شكايت يه تهي که الهبت سے سیدھے سادسے هندو هی نهیںبلکه بهت سے بیوقرف مسلمان بھی گرو ارجن کی دیکشا اور طریقوں سے موهت هو جاتے مهن 😘 گرو لے بہت سے ایسے لوگرں کو بھی دیکشا دی تھی جو نیسے ذاتیں کے تھے ، مثلاً رام داس جو موچی تھے ، کرو گورند سنکھ نے یہول (سکھ بدنے) کا دروازہ سب کے لئے برابر کیول دیا تها . یهان تک که مهترون کو بهی دیکشا دی تهی ارز آنهین آن کے مضبوط وشواس کے لئے 'مذعبی' کیا جانا تیا ۔ اُن ، ذعبهوں کو بعض وفت ورن رنگهریگا ایم کهته هین اسکی وجه یه هو سکتی ھ کد أن ميں سے بہمت سے لوگ 'رانکو' ذات كے مسلمان نھے . اِن لوگوں نے گرو تینے بہادر کی نالی ہوئی ایس دو نکال النے میں فهایت خوانمزدس سے کام نوا تھا ، اِس پر اُن کو کرر کووند سلکھ نے انہویٹے کے بھال کید کر بکارا تھا ۔

सज्जन - जाकि पहले एक डाकू था मगर गुरु नानक की नसीइत से सिख हुआ और उनके धर्म का उसने प्रचार किया; एक नवाय का लड़का जिसको हला के भाई यार ने जलन्धर दोश्राव में सिख बनाया था: बजीरखाँ--अकबर का एक नायब बजीर था और खुकिया तौर पर गुर अर्जु न देव की तालीम पर अमल करता था; बुधन-शाह-गुरु नानक का बड़ा भक्त था और आखिर में गुरु गोविन्द के जमाने में सिख होकर ही मरा; बीबी गुल्दन-लाहीर के काजी की लड़की थी और उसको गुरु हर गोबिन्द ने सिख धर्म की तालीम दी थी; सैफाबाद रियासत पटिया ला के रहने वाले शकी उद्दीन को गरु तेरा बहादुर ने ऐन अपनी गिरफ्तारी से पहले सिख बनाया था: सैयद शाह को भाई नन्दलाल ने सिख बनाया. एक मुसलमान ककीर इत्राहीम ने सब से पहले अपने को गठ गोबिन्द सिंह के क बरू सिख धर्म अक्तियार करने के लिये पेश किया था. गुरु ने उसका नाम अजमेर सिंह रखा और सिखों को एक हक्म जारी किया कि "अगर कोई मुसलमान अदना हो या आला. सचाई से खालवा धर्म मानना चाहता हो तो मुनासिब है कि उसको दीक्षा दी जाय और संगत में शामिल कर लिया जाय."

बहुत से नामों में से जिन्होंने सिख धर्म अछितयार किया था यह सिर्फ चन्द्र नाम हैं. इन गये सिक्लों की हालत जाँच करने पर, जो गुरु नानक और उनके वाद संगत में शामिल हुए थे, ऐसा मालूम होता है कि पठान, सैयद और शिया जिनको मुरालों ने शकिस्त दे दी थी सिख मजहब को ज्यादा पसन्द करते थे, जबकि मग्रहर मृगल चन लोगों का धर्म श्रास्तियार करना श्रपनी तौहीन सममते थे जिलको उन्होंने जंग में शकिस्त दी थी. जहाँगीर को गुर अर्जु न के खिलाफ, जैसा कि जहाँगीर ने खद "तुजक जहाँगीरी" में लिखा है, सब से बड़ी शिकायत यह थी कि "बहुत से सीधे सादे हिन्दू ही नहीं बल्क बहुत से बेबक फ मुसलमान भी गुद अर्जन की वीक्षा और तर्र कों से माहित हा जाते हैं." गुरु ने बहुत से ऐसे लोगों को भी दीक्षा वं थी जो नीची जातों के थे, मसलन रामदास जो मोची थे. गुरु गाविन्द सिंह ने पहल (सिख बनने) का दरवा-जा सब के लिये बराबर खोल दिया था. यहाँ तक कि मेहतरों को भी दीक्षा दी थी, और उन्हें उनके मजबूत विश्वास के लिये 'मजहबी' कहा जाता था. उन मजहबिया का बाज दक्त ्रॅचरीटा' भी कहते हैं. इसकी वजह यह हा सकती है कि चनमें से बहुत से लोग 'रॉगइ' जात के मुसलमान थे. इन लोगों ने गुरु तेरा बहादुर की कटा हुई लाश-का निकाल लाने में निहायत जबाँमरदी से काम लिया था. इसपर धनको गुरु गोविन्य सिंह ने 'रॅंघरेंटे के बंटे' कहकर पुकारा था.

दोबारा जारी करने का मौक्रा भिल गया था. सिस्त गुरुद्वारे मठवारी महन्तों के हाथ में पड़ गये और सगतों से जब पहले के हम-मजहब सिख सतम हो गये ता हकूमत चन्हीं महन्तां के हाथ में आ गई जो गुरुद्वारों पर क्रव्या रखते के

पक बात और भी थी जिस से सिख धर्म के सच्चाई के साथ बढ़ने में खजल पड़ गया. सिक्खों की तारीख के आखिरी जमाने में सिख धर्म में दाखिजा सिर्फ एक मौके के लिये रह गया. चूँ कि इस पहलू पर आम तौर से विचार नहीं किया गया है इसलिये में इसको कुछ तफसील के साथ बयान करना चाहता हैं.

सिख धर्म सब जातों और किरक्रों के लिये था और गुरू में हिन्दू भीर मुसलमान दोनों में से ही सिख लिये जाते थे. गुढ नामक ने पशियाई को चक, ईरान और दूसरे मुल्कों में, जहाँ जहाँ वह गये थे, बहुत से मुरीद बनाये थे. सेवाबास ने अपने प्रंथ "जन्म साखी" (1528 ईसवी) में बहुत सी ऐसी जगहों का जिक्र किया है जैसे "पठानों की किरी", जहाँ बहुत से मुसलमानों ने सिख धर्म अपनाया था. सिक्लों की इस फेडरिस्त से जो भाई गुरुदास (1629)ने अपने ग्यारहवें गीत में दी है इसमें और नामों के साथ ऐसे नाम भी जिखते हैं जैसे मदीना जो गुरु नानक के साथ रहता था, दौलतलाँ पठान जो बाद में एक सिख संद हुन्ना है और गृतर लोहार जो गुरु अंगद का चला था. उसने अपने गाँव में सिख वर्म की लोंगों को तालीम दो थी. इनके अलाबा हमजा और मियाँ जमाल बराबर गुरु गोविन्द की खिद्मत में हाजिर रहते थे. तारीख में हमका मसज-मानों के बहुत से नाम मिलते हैं जो सिख धर्म का सराहते थे; मसलन राय बूता रतलबन्डी का मुसलमान सरदार जो गुरुनातक के माँ बाप की निस्वत भी गुरु नानक की .ज्यादा क्रदर करता था. अल्जाह्यार और हुसेनी शा रू, जिन्होंने गुरु अमरदास से रूहानी सबक लिया था, करीब करीब सिख ही सममे जा सकते हैं. श्रकवर की रवादारी पर और सती के रिवाज के बन्द करने पर भी गुरु अमरदास का असर था. साई मियाँ मीर का गुरु अजुन देव से इस क़दर गहरा ताल्लुक था कि गुरु जी अमृतसर के गुरु-द्वारे की नींव रखने के लिये साई मियाँ मीर को लाये थे. गुरुद्वारे की नींत्र साईं मियाँ मीर के हाथों की रखी हुई है. दाराशिकोह का सिखों की तरक इतना ज्यादा मुकाव था कि इसी वजह से घौरंगजेव ने उनके साथ .ज्यादितयाँ की थीं. सैयद बुद्ध शाह साकिन सुधीरा, कालेखाँ और सैयद बेग गुढ गोविन्द सिंह की तरफ से लड़े थे इनके ्रिस्ताय और बहुत से ऐसे लोग भी वे जिन्होंने सिस धर्म कुकुछ कर लिया था. इनमें सिर्फ बोदे से नाम यहाँ दिये जा सकते हैं. मसलम्-

دربارہ جاری کرنے کا موقعہ مل گیا تھا ۔ سکھ گرودوارے ماتھ دھاری مہلتوں کے ھاتھ میں پر گئے اور سنکترن سے جب پہلے کے ھم مختصصت کا میں مہلتوں کے ھاتھ میں آگئی جو گردواروں پر قبضہ رکھتے تھے ،

ایک بات اور بھی تبی جس سے سکھ دھرم کے سچے ٹی کے ماتھ بڑھتے ہوائے ماتھ بڑھتے کے آخری ومائے میں سکھ دھرم میں داخلہ صرف ایک موقعہ کے اگر وہ گھا ، چونکہ اِس پہلو پر عام طور سے وچار فیھس کیا گیا ہے اِس لئے میں اِس کو کچھ تفصیل کے ساتھ بیان کرنا چاعتا ھوں ،

سکھ دھوم سب جاتوں اور فرقوں کے نائے تھا۔ اور شروع میں عقدو أور مسلمان دونوس میں سے سے سے لئے جاتے تھے گرونانک نے ایشیائی کو چک' ایران اور دوسرے ملکوں میں جہاں جہاں ولا گُلُم آها الله سے مرید بنائے تھے ، سیواداس نے اُپنے گرنتیہ "جام ساكهي" (1628 عيسوس) مهن بهت سي ايسي جكهوس ا ذکر کیا ہے جیسے ''پٹیانوں کی کری'' جہاں بہت سے مسلمانس نے سکھ دھرم اُپنایا تھا ، سکھرں کی اِس فہرست سے جو بہائی گروداس (1559) نے آئنے کیارہویں گیت میں دی ھے اِس میں اور ناموں کے ساتھ ایسے قام بھی لتھتے ھیں جیسے مردانتا جو گرو نانک کے ساتھ رہنا تھا دوات خاں یتھاں جو بعد میں ایک ماکه سامت هوا هے اور گوچر اوعار چو گرو آنکد کا چملا تها . أس في أيني كاؤن مدن سكه دهوم كي لوكون كو تعليم دی تھی ، اِن کے علاوہ همزہ اور میاں جمال برابر گروگورند کی خدمت میں حاضر رہتے تھے۔ تاریخ میں مرکو مسلمانوں کے بہت سے دام ملتے عیں حو سکھ دعرم کو سراعتے تھے؛ مثلاً رائے ہولا رتل ولدی کا مسلمان سردار جو گرونانک کے مان باپ کی تسویت بھی گرونا ک کی زیادہ قدر کرنا تھا ، الله بار اور حسینی شاہ جنہوں نے گرو امرداس سے روحانی سبق لیا تھا ، قریب قریب ساتھ ھی سمعه جا سکتے هيں ، انبر کی رواداری پر اور ستی کے رواج کے ہند کرنے پر بھی گرو آمر دانس کا اثر تھا ۔ سائیس میں میر کا گرو أرجن ديو سے اِس قدر گهرا عملق تها كه گرو جي امرتسر ك گرددوارے کی ٹھر رکھنے کے لئے سائیں میاں میر کو لائے تھے، گرودرأرس فی قیو سائیں میاں مهرکے هاتھوں کی رکھی هوئی هے۔ دارا شعوه كا سكورس كي طرف اننا زيادة جهكاؤ تها كه إسى وجه سے اورنگ زیب نے ان کے ساتھ زیادتیاں کی تھیں ۔ سید بددو شاه! سائن سودهورا كالم خان أور سيد ييك كرو كوو تدسلك كي طرف سے اور م اور کے سوائے اور بیت سے ایسے لوگ بھی تع جلهبل لے سکو دھرم قبرل کر لیا جا۔ اِن میں سے صوف تھوڑے عه نام يهال ديثه جا سكنه هيل مثلس

तिख मजहब का दरमियानी रास्ता

प्राफ़ैसर तेजासिंह एम० ए०

सिख धर्म उस वक्षत तक सिर्फ एक मजहबी आन्दोलन था जब तक कि दुनियावी ताकृत की हिवस का उस पर असर न हुआ था. शुरू के सिख गुरुओं ने जालिम हाकिमों से लड़ाई जरूर लड़ी थी मगर वह किसी लोम में न आये थे. इटे सिख गुरु ने जितनी लड़ाइयाँ लड़ी उन सब में फ्तह पाई और दसवें गुरु साहब ने भी ज्यादातर लड़ाइयों में फतह पाई थी. मगर उन लड़ाइयों में जीतने पर भी उन्होंने एक इंच जमीन पर भी कृष्णा नहीं किया. जो कुछ जमीन उनके पास थी उसको उन्होंने या तो नकृद क्या देकर खरीदा था या उनके चेलों ने उन्हों नजर दी थी.

सिस गुरुषों के पास जब ऐशो बाराम के सारे सामान मीजद थे तब भी उन्होंने अपना रहन सहन सादा ही बनाये रखा. जिन रागियों की साखियाँ बंध साहब में जमा की गई हैं उन्होंने हमेशा औसत दुर्जें के रहन सहन के तरीक़े को ही सराहा है. इसे वे राजयोग कहा करते थे-ऐसा योग जो त्याग और भोग दोनों के बीच का रास्ता है. यह कहना ठीक नहीं है कि पाँचवें या इटे सिख गुरु के जमाने से सिख धर्म का मेत्रार गिर गया और गुरुओं को सच्या बादशाह और इनकी गड़ी को तस्त और सिखों की संगत को दरवार कहा जाने लगा. लेकिन शुरू गुरुवों और खासकर उन रागियों की तहरीरों से जिनकी साखियाँ दूसरे गुरु के बक्त से ही लिखी जाने लगी थीं यह साफ मालून होता है कि इस तरह के लक्ष्य बाद में नहीं चले बल्कि शुरू से ही काम में आते रहे हैं. पशिया में फक़ीर महात्माओं का दर्जा बादशाहों से बढ़ा माना जाता रहा है और चनकी शान में इसी तरह की पद्वियाँ काम में लाई जाती रही हैं.

सिख धर्म में तब्दीली बाद में जरूर हुई लेकिन यह सब्दीली उस बक्त से ही नज़र आती हैं जब आखिरी गुरु साहब पंजाब से चले गये थे और दिवसान में जाकर उन्होंने श्रीर त्याग दिया था. गुरु के जिन चुने हुए भक्तों ने गुरु गांबिन्द्सिंह से सबफ पाया था और जिनकी मौजूदगी से आम सिक्खों में सब्बाई की भावना क्रायम रह सकती थी उनको गुरु के शरीर त्यागने के बाद कमजोरों की हिफाजल करने के लिये अपनी जिन्दगी बचाना और जालिमों से खड़ना पढ़ गया और उन्हें आम लोगों से दूर बज़ा आना पढ़ा. उस बक्त आम-सिक्खों को या तो अपनी क्रिस्मत पर मरोसा करना पढ़ा या उन पुराने पेशेशर गुरुओं से सबक़ केना पढ़ा जिन को अब उपया लेकर अपने पुराने पेशे को

سکھ مذھب کا درمیانی راسته

پروفیسر نینجا سنگھ ایم. اے.

سکه دهرم أس وقت تک صرف ایک مذهبی آندوان تها جب تک که دنیاوی طاقت کی حرس کا اُس پر اثر نه هوا بها . شروع کے سکه گرؤں نے ظام حاکموں سے لوائی ضرور لوی بهی مکر وہ کسی لوبهہ میں نه آئے تھے ، چتے سکه گرو نے چتنی لوائیاں لویں اُن سب میں فتح پائی اور دسویں گرو صاحب نے بھی زیادہ تر لوائیوں میں فتح پائی تھی ، مگر اُن لوائیوں میں جیتنے پر بھی آنہوں نے ایک اتبے زمین پر بھی قبقه نہیں کیا ، جب نجه زمین اُن کے پاس تھی اُس کو آنہوں نے یا تو نقد رویعہ دے کر خریدا تها یا اُن کے چیلوں نے آنہوں نذر دی ہی ہی ہی۔

سکھ گرؤں کے پاس جب سب عیش و آرام کے سارہ سامان مہمود تھے تب ہی آنھوں نے اپنا رھن۔ سپن سانہ ھی بنائے رکھا ۔
جن راگیوں کی ساتھ بال گرنتے صاحب میں جمع کی گئیں ھیں آنھوں نے ھمیشہ اوسط درجے کے رھن سپن کے طریقے کو ھی سراسا ہے ۔
اِس وے راج یوگ کہا کرتے تھے۔ ایسا یوگ جو تیاگ اور بھوگ دوتوں کے بیچ کا راساتہ ہے ، یہ کہنا تھنک تبیں ہے کہ پانچویں یا چھتے سکم گرو کے زمانے سے سکم دھرم کا میعار گر گیا اور گرؤں کو سچا بادشاہ اور آن کی گدی کو تخت اور سکھوں کی سنگت کو دربار کہا جانے لگا ۔ لیکن شروع گرؤں اور خاص کر آن راگھوں کی تحریروں سے جن کی سائھیلی دوسرے گرو کے وقت سے ھی کی تحریروں سے جن کی سائھیلی دوسرے گرو کے وقت سے ھی لین جانے لگی تہیں یہ صاف معلوم ھوتا کہ ہے اِس طرح کے لفظ بعد میں تہیں چلے بلکہ شروع سے ھی کام میں آتے رہے ھیں ۔
ایشیا میں فقیر مہاتماؤں کا درجہ بادشاہوں سے بڑا مانا جاتا ایشیا میں فقیر مہاتماؤں کا درجہ بادشاہوں سے بڑا مانا جاتا ایشیا میں اور آن کی شان میں اِسی طرح کی پدویاں کام میں لائی

سکھ دھرم میں تبدیلی بعد میں ضرور ھوئی لیکن یہ تبدیلی اُس وقت سمعی نظر آئی ھیں جب آخری گرد صلحب پنجاب سے چلےگئے تھے اور دکھی میں جاکر آنہوں لے شریر تباک دیا تھا۔ گرد کے جن چنے ھوئے بیکتوں لے گرد گورند سکھ سمبق پایا آور تھا جن کی موجودگی سے عام سکھرں میں سپپٹی کی بھاؤنا۔ گایم رہ سکتی تھی آن کو گرد کے شریر تباکلے کے بعد کوزروں کی حفاظت کرتے کے لئے اپنے زندگی بچھانا اور طالموں سے لونا پوگیا اور انہیں عام لوگوں سے دور چلا جانا ہوا ، اُس وقت عام سکھوں کو یا تہ اپنی قسمت پر بھروست کرنا ہوا یا اُن پرائے پیشور کو گرفی سے سبق لینا پوا اور جورکہ انے رابعہ لے کر اپنے پرائے پیشے کو ایک روبیتہ ان کر اپنے پرائے پیشے کو ایک روبیتہ ان کر اپنے پرائے پیشے کو

141 30

मुसलमानों की दोस्ताना मणहबी बहस बराबर जलती रहती थी.

المانین کی درستا ته مذهبی بکنٹ ایرایر چلتی درهتی

Islamic Culture Vol. 1, No. 2 pp. 190-191. 1.

.फुन्द भल-बलदान (लेडेन:, सफा 440 عتبي البلدان (اليدين) منحه Ibn Batuta (H. A. R. Gibb) p. 295 2.

Burton's Pilgrimage to Al-Madinah, Vol. 11, p. 174.

AS. Soc. Vols. iii and iv

Balazuri, p. 489.

7. The Caliphate its Rise, Decline and Fall, by Sir W. Muir, pp. 254-355.

Islamic Culture, Vol. I, No. 2, p. 205 8.

'Ajaib al Hind (ed. P. A. Von Der Lith), p. 155. 9.

10. Abid. p. 481.

Voyage du Merchant Sulayman (Paris), p. 119. 11.

Ibn Haugal (de Goeje) p. 232. Ahsan ut Taqasim, p. 482. 12.

18.

Voyage du Merchant Sulayman (Paris), p. 119. 14.

15. Muruj-uz-Zahab (Paris), Vol I. pp. 258-54.

16. Ajaib al-Hind, pp. 2-3

Voyage du Merchand Arb (Frrand), p. 139. 17.

18. Ajaib al-Hind, p. 147.

Fihrist pp. 345-349. 19.

700 PAGES. **82 ILLUSTRATIONS** COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 7. 8. 0

A vivid narration of the glorious and wounderful schievements of New China ... A picture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China in the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment. -National Herald, Lucknow.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country ... a book which deserves to be widely known -Leader, Allahabad.

Encyclopaedic...characterized by sonte observation of detail as well as by. .instinctive grasp of the fundamental perspective... To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China. -Blitz, Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose ... the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it. -Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of info: mation it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs. -Indian Express, Madra.

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter ... brings to the lighty mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations for a tomorrow which is theirs. -Vigil, Delhi

पुजारी थे और अनिगनत तादाव में अरव सैयाह, आलिम, तारीखवाँ और जुराराफियावाँ भारत में भा आकर जान के इस लामहदृद् खुवाने से दान हासिल करने लगे. हारूँ-बर-रशीद के वजीर यहवा बरमकी ने एक आलिम को इस बात के लिये मक्तर्र किया कि वह हिन्द्रस्तानमें राइज मुखतिक मजहवों और हिन्दुस्तान की जड़ी यूटियों के बारे में अपनी वफसीली रिपोर्ट पेश करे. इब्न-अन-नचीम का कहना है कि उसने बतारीख 349 हिजरी की अलकिन्दी के हाथ की लिखी हर्ड इस रिपोर्ट की एक नक्कल देखी है. इब्त-अन-नजीम के सुताबिक इस रिवोर्ट में बल्लभराय की राजधानी महानगर के देव मन्दिरों और मलतान और भारत के मखतिक मजहबों और मजहबी किताबों का भी बयान था. इच्त-धन-नजीम ने पूरी किताब का खुलासा भी दिया है, जिन मजहबी किताबों का इनमें बयान है उनमें से कुछ ये हैं-महाकालिया, आदित्यभक्तिया, चेन्द्रभक्तिया, बक्रान्तिया (जिसके पैरोकार जंजीर पहनते थे), गङ्गायात्रिया, राज-पुत्रिया भीर एक भीर फिरक़ा जिसके हामी लम्बे बाल रखते थे. शराब से परहेज करते थे और औरतों की सोहबत से बचते थे."19

हिन्दुस्तान के मगरिवी खाहिल पर जगह जगह हिन्दू मुसलमानों की जिस तरह की मिली जुली आवादियाँ उस वक्त बस गई थीं और जिस तरह दोनों एक दूसरे के मजहब की कहानी और मजहबी गहराईयों में दाखिला पाने की कोशिश कर रहे थे. उनका यह शीक आपस के गहरे ताल्लुक और मेल जोल से ही पूरी हो सकती थी.

इस वक्तके एक राजा की बाबत लिखा है कि इसने खलीका हाहँ रशीद को छत लिखकर किसी पेसे मुसलिम जालिम को भेजने की दरस्तास्त की जो राजा के हिन्दू पहितों से मजहबी बहस कर सके, इसी वाकिये का एक दूसरा बयान यह है कि राजा ने मुसलमान आलिम को इसलिये बुलाया ताकि वह एक बहुत ऊँचे बौद्ध आलिम से मजहबी बहस मुबाहिसा कर सके. यह सही भी दो सकता है. बहर हाल वह मुसलिम आलिम भारत आया, लेकिन उस बौद्ध आलिम के सामने उसकी एक न चली. कई दिन तक बहुस होती रही, मुर्सालम आलिम करान और हदीस को आखिरी सनद कहकर पेश करता था जबकि बौद्ध चालिम . इरान और हदीस दोनों से इनकार करता था. इसके बाद बहस खुदा के वजूद पर शुरू हो गई और बीद लाजवाब होने लगा और उसने हार की शर्म से बचने के लिये, कहते हैं, एक दिन उस मुसलमान जालिम को जहर देकर मरवा डाला. लेकिन इस अफसोसनाक वाक्रये से यह मजहबी बहस इकी नहीं और उस जमाने के वाक्रेयात में इनकी ऐसी मिसालें मिलती हैं जिनसे जाहिर होता है कि हिन्यू

يعواري نهي أور الكانت تعدأد مين عرب سهاع عالم الريفيدال ارر جمرانیم داں بہارت میں آ آ کر گیاں کے اِس امحدود خزائے سے دان حامل کرنے لکے ۔ ھاروں الرشهد کے رویز بہوابرہ عی نے ایک عالم کو اِس بات کے لئے مقرر کیا که وہ هنيسال مين رائيم ، بغة ف مذهبون أورهادستان كي جوى بوقيون کے بارے میں اپنی تنصیلی رپرٹ پیش کرے ، ابن-ان-تظیم كا كهذا هـ : كه أس نے بتاريخ 349 هجوبي كي العندي كے هاتھ کی ایمی هوئی اِس رپورٹ کی ایک انال دیکھی ہے . ابن-ان نظیم نے مطابق اِس رپورٹ میں بلبہ رأثہ کی راجدہائی مہانکو کے دیو مادروں اور ملکان اور بھارت کے مختف مذھبوں اور مذهبی کتابوں کا بھی بیان تھا ۔ ابن۔ان،خطهم نے پوری کتاب کا خاصه بھی دیا ہے . جن مذھبی کتابوں کا اِس میں بیان ہے اُن میں سے کچھ یہ هیں ۔۔ مہاکالیا اُ آدت بہکتیا جندر بہکتیا وکرانتیا (جس کے پیروکار زنجیر پہنتے تھے)' گنگا یاتریا' رأبے پتریا اور ایک اور فرقه جس کے حامی امید بال رکھتے تھ شراب سے پرهیو کرتے تھے اور عورتوں کی صحبت سے بحیتے تھے ، " 19

ھائستان کے منربی ساحل پر جگه جگه ھائدو مسلمائوں کی جس طرح کی ملی جلی آبادیاں اُس وقت بس گئیں تھیں اور جس طرح درنوں ایک دوسرے کے مذاب کی کہائی اور مذہبی اُ گہرایوں میں داخله پانے کی کوشش کر رہے تھے' اُن کا یہ شرق آپس کے گہرے تعاق اور میل جول سے ھی پوری ھو سکتی تھی ہ

اس رقت کے ایک راجہ کے بابت لکھا ہے که اُس نے خلید هارون الرشيد كو خط (كه كر كسى أيس مسلم عالم كو بهيجلم كي درخواست کی جو راجہ کے ملدو یلڈتیں سے مذہبی بعث کر سکے اسی واقعہ کا ایک درسرا بیان یہ کے راجه نے مسلمان عالم كو إس لله بالها تاكه وة أبك بهت أونجي بوده عالم سه مناهبي بحث مبلحثه كرسكه . به صحوم بهي هو سكتا في ا بهر حال وه مسلم عالم بهارت أيا اليكن أس بوده عالم كم سامله أس كي ايك له چاي ، كتي دن تك بنعث هوتي رهي ، مسلم عالم قرآن اور حديث كو آخري سلام كه كرييش كوتا تها جب كه بوده عالم قرآن أور حديث دونون عه أنكار كرنا تها . اس کے بعد بعدث خدا کے وجود پر شروع هو گئی اور بودھ :: الجواب مولے لگا، اور أس عار كى شرم سے بعول كے لئے كہت ھیں⁴ ایک دن اُس مسلمان عالم کو زھر دے در مرواً قالا ليكن إس انسهسلاك رانع سے يه مذهبي يعدث وکی نہیں اور اُس زمانے کے واقعات میں اِن کی السي مثالين ملتي هين جن سے ظاهر هرتاف كه هندو

भागस्य '57

(68)

127 ww.

अरमान भी बढ़ा. मिसाल के तौर पर मस्दी लिसता है— "सम्भात का राजा मुसलमानों और दूसरे मजहबी वैरोकारों के साथ, जो उसके दरबार में आते थे, मजहबी क्यालात का तबादला करता था." 15

इसी तरह से युजुर्ग बिन शहरयार लिखता है. कि जलीर के राजा महरा ने जिसकी हकूमत उँ ने जीर नी में के कारमीर के बीच में थी, मनस्रा के राजा को लिखा कि वह किसी ऐसे जादमी को भेजे जो हिन्दी जबान में इसलाम के उसलों को उसे सममा सके. मनस्रा के शाह ने अञ्चलका नामी एक काबिल शख्स की, जो तीन बरस तक मनस्रा में रह चुका था, अलीर भेजा. उसने कुरान का हिन्दी में तर्जुमा करके रोज राजा को सुनाना शुरू किया. राजा पर उसका गहरा असर पड़ा. 16 इस तरह के असर पड़ने उस कक्त कुदरती थे; इसके बाद मुसलिम मुल्कों में हिन्दुओं की आमर राजत शुरू हुई और दोनों के बीच के समाजी दारलुकात और ज्यादा गहरे और दिलाचस्प होते गये. सुलेमान लिखता है—

इराक्ष के बन्दरगाह सैराफ में बहुत से हिन्दू रहते हैं और जब कोई अरब सौदागर उनकी दावत करता है तो उनकी तादाद सौ तक पहुँच जाती है. उनमें से हर शख्स का खाना अलग अलग रकावियों में परसा जाता है क्योंकि एक ही रकाबी में कोई एक दूसरे के साथ नहीं खाता."17 इन्हीं हिन्दुओं के मुताल्लिक बुजुर्ग बिन शहरयार कहता है—

"ये लोग बोल चाल की अरबी इस सफ़ाई, से और जल्द जल्द बोलते हैं कि इमारे आलिम फ़ाजिल मौलबी दंग और हैरान रह जाते हैं. इन लोगों में आम तौर पर सिंधी, गुजराती और मुलतानी हैं जो, अरसए क़दीम से इमारे मुल्कों के साथ तिजारत करते आ रहे हैं."18

इस तिजारती रिश्ते से हिन्दुस्तान मुसलिम मुल्कों के गहरे मेल जोज में आया और इसलामी दुनिया पर अपने झान, साइन्स, रहानी ताल्लुकात और मजहब का असर खाल पाया. अरब और ईरानी सीदागर हिन्दुस्तान से तिजारती माल के साथ साथ सनत और साइस के खेने भी ले जाते थे.

दूसरी तरफ अव्यासी जलीकाओं के द्रवार की इनसानी रहम दिली और मजहबी बरदाश्त से मुतास्सिर हाकर हिन्दू पहित बड़ी तादाद में बरादाद में जमा होने लगे. खलीका के दरवार में नजूम और वैद्यक के सब से आला ओह्दों घर डिन्दू पंडित ही सरकराज मे. मुसलमानों के दिलों में हिन्दुस्तान के ज्ञान की भेद भरी गहराई की थाह जेने की, ज्ञानी, ध्यानी और सिरजनशील भारत को जानने का गहरा शीक पैदा हुआ। अरब के आलिम ज्ञान के सच्चे

هلىر سىلىالىن كا تەنىبى...

اِسی طرح سے بزرگ: بن شہربار انها ہے کہ الور کے راجہ مہروگ نے جسائی حکومت اُونجے اور نیجے کے کشمیر کے بیج میں تھی' ملصورا کے راجہ کو لنها کہ وہ کیسی ایشے آدمی کو بھیجے جو ہندی زبان میں اِسلم کے اصوابل کو سمجھا سکے مصورا کے بادشاہ نے عبداللہ نامی ایک قابل شخص کو' جو تین برس تک ملصورا میں رہ چکا تیا' الور بھاجا ، اُس نے قرآن کا ہندی میں ترجمہ کو کے روز راجہ کو سنانا شروع کیا راجہ پر اُس کا گہرا اور پڑا ، 10 اِس طرح کے اور پڑنے اُس وقت قدرتی تھے ، اِس کے بعد مسلم ملکون میں ہدیوں کی وقت قدرتی تھے ، اِس کے بعد مسلم ملکون میں ہدیوں کی اُمرونت شروع ہوئی اور دونوں کے بیچ کے سماجی تعلقات اور ویادہ گورے اور دونوں کے بیچ کے سماجی تعلقات اور ویادہ گورے اور دونوں کے بیچ کے سماجی تعلقات اور ویادہ گورے اور دونوں کے بیچ کے سماجی تعلقات اور ویادہ گورے اور دونوں کے بیچ کے سماجی تعلقات اور ویادہ گورے اور دونوں کے بیچ کے سماجی تعلقات اور ویادہ گورے اور دانچسپ ہوتے کا م

عراق کے بادرگاہ سیراف میں بہت سے علدو رہتے ہیں اور جب کوئی عرب سرداگر آن کی دعوت کرتا ہے تو آن کی تعداد سے تک پہلیے جاتی ہے ۔ اُن میں سے ہوشخص کا کیانا الگ الگ رکاییوں میں پرسا جاتا ہے کیونکم ایک ہی رکایی میں کوئی ایک درسرے کے ساتھ تہیں کہاتا ۔"17 اِنہیں ہندوں کے مطابق بزرگ بن شہریار کہتا ہے۔۔۔

اِس تجارتی رشتے سے هندستان مسلم ملکوں کےگھرے میل جول میں آیا اور اسلامی دنیا پر اپنے گیان' سائنس' روحانی نعلقات اور مذهب کا اثر ذال یا یا ، عرب اور ایرانی سوداگر هندستان سے تجارتی مال کے ساتھسانھ سامت اور سائنس کے کھورے بھی لے جاتے تھے ،

دوسری طرف عباسی خلیفاؤں کے دربار کی انسانی رحددلی اور مذہبی برداشت سے متاثر ہو کر ہدو پندت بڑی تعداد میں بیداد میں جدم ہوئے لئے خلیفہ کے دربار میں نجوم اور ویدک کے سب سے اعلیٰ عہدوں پر ہندو پندت ہی سوفراؤ تھے اُ مسلمانوں کے دلوں میں ہندستان کے گیان کی بعدد بعری گیرائی کی تھا لینے کی گیائی اور سرجی شقل بھارت کو خاننے کا کیراشیق بیدا ہوا ۔ عرب کے عالم گیان کے سجھے خاننے کا کیراشیق بیدا ہوا ۔ عرب کے عالم گیان کے سجھے

उसने इसकाम के बारे में अपनी बाक्रफियत कोगों को बताई. उसने बताया कि मुसलमानों का खलीका निहाबन सादी जिन्दगी बसर करता है और राहर उसे खूतक नहीं गया. शहरवार लिखता है—'यही बजह है कि बौद्ध मुसलमानों से इतनी मोहन्यत करते हैं और उनके साथ इतनी हमद्दी रखते हैं." (10) मुलेमान सौदागर लिखता है—'राजा बस्दर की तरह राजा गुष्ट भी अरबो कीजा निब दोस्तान बर्गाव रखता है." 11

अस्ताखरी 951 ईसवी में हिन्द्रस्तान आया था. उसके जुराराफिये की किताब में हिन्दुस्तान का बयान है. अस्ताखरी ने सबसे पहले हिन्द्रस्तान के एक सूबे सिन्ध का नक्षशा तैयार किया. अस्ताखरी के वक्त तक खास-खास शहरों में हिन्द-मुसलिम तिजारत के मरकज कायम हो चुके थे. एक मुसलिम मुसन्निक के मुताबिक इन मरकजों में हिन्द और मसलमानों के समाजी (रश्ते के नतीजे की शकल में मिले जले रस्म रिवाज और बर्ताव बनते जा रहे थे. इन्त हौकल लिखता है-"मुलतान में हिन्दू और मुसलमान एक ही सी पोशाक पहनते हैं और एक ही फ़ैशन के बाल सँवारते हैं. मनसूरा और मुलतान और आस गस के शहरों में दोनों, यकसाँ अरबी और सिन्धी जवान बोलते हैं." 12 बरसहरी लिखता है कि-"सिंध में अरबी, फारसी और सिन्धी तीनों यकसाँ समकी जाती हैं." 18 अस्ताखरी और इब्न हौकल लिखते हैं कि हिन्दू इलाक्षों में मुसल्मान जगह जगह बस गये थे और उन्होंने इवाइत के लिये मसजिदें तामीर कर ली थीं. मलेमान सौदागर सिंहल के बारे में लिखता है कि "सिंहल में मुख़तिलिक मजहबों के पैरोकार बसते हैं और सिंहल का राजा इन मुखतिलिक मजहबी पैरोकारों को अपने अपने मजहब को फैलाने की इजाजत देता है."14

यह जाहिर है कि तिजारत के मरकज तहजीबी रहों बद्ध के भी मरकज थे. इनमें जास शहर खुजदार महकूजाह, मन्स्राह और जन्दीर बरीरा थे. जो सुसलमान इन शहरों में बस गये थे वे क्रीम के अरब थे. वे भारतीयों में इस दरजे मिल जुल गये थे कि कुछ पीढ़ियों बाद उनका पहचाना जाना भी नामुम्राकन हो गया.

इनके तौर तरीके, ख्यालात विकुल हिन्दुओं जैसे हो गये. इन लोगों की एक अलग ही जमात बन गई जो तमाम जनूबी भारत में फैल गई. इनसें से एक जमात अली को शिव का अवतार सममकर पूजा करती थी.

तिजारती रिश्ते के साथ ज्यों ज्यों तहजीवी लेन देन बढ़ा त्यों त्यों भारतीयों और अरबों में एक दूसरे को जानने, समभने और एक दूसरे से माहज्वत करने और एक दूसरे के मश्रहण की प्यादा से ज्यादा बाक्र फ्रियत हासिल करने का آس نے اسلام کے بارہ میں آپنی واقنیت لوگوں کو یتائی۔ آس نے بھانا که مسلمانوں کا خلیت نہایت سانی زندگی بسر کرنا ہے آور فرور آسے چھر تک نہیں گیا، شہر یار اکھتا ہے۔۔"یہی وجہ ہاتھ ابنی مسلمانوں سے اتای مصبت کرتے میں آور آن کے ساتھ اِتلی معدودی رکھتے میں ۔" 10 سلیمان سوداگر لکھتا ہے۔" راجہ بلہر کی طرح راجہ گجر بھی عربوں کی جانب دوستانہ برتاؤ رکھتا ہے ۔" 11

أستاخوى 951 عيسوى مين هندستان أيا تها . أس كے جنرانیه کی کتاب میں هندستان کا بیان هے . استاخری نے سب سے پہلے هندستان کے ایک صور سنده کا تقشه تیار کیا ، استاخری یے وقت تک خاص خاص شہوں میں مدرو مسلم تجارت کے مرک قائم ہو چکےتھے ، ایک مسلم مصنف کے مطابق اُن سرکوس میں هائمو اور مسلمانیں کے سماجی رشتہ کے انتیجے کی شکل میں ملے جلے رسم روابے اور برتاؤ بنتے جارہے تھے ، اس ھوکل لعهال هـ المان مين هادر أور مسلمان أيك هي سي بوشاك یہنتے میں اور ایک می فیشی کے بال سنوارتے میں ، منصورہ اور ملتان اور اُس یاس کے شہروں میں دونیں یکسان عوبی أور سندهي زبان بولته هين .12 بسيري لعبنا هـ كيـــــ تساده میں عربی اور سندھی تینوں یکساں سمجھی جاتی هيں ،" 13 أسكاخرى أور أبن هوكل الهاتے هيں كه هندو علانوں میں مسلمان جکہ جکہ ہس گئے تھے اور آنھوں نے عبادت کے لئے مسجودیں تعمیر کر لی تھیں ، سلیان سرداگر سنکل کے بارے میں لکھٹا کے کہ اِ' سنھکل میں مختلف مذہبیں کے یہروکار بستے هیں اور سنوال کا راجه اِی مختلف مذهبی پیروکاررں کو اپنے اپنے منجب كو يهالن كي أجازت دينا هي " 14 ".

یه ظاهر ہے که تجارت کے مرکز تہذیبی ردربدل کے بھی مرکز تھے ۔ اِس میں خاص شہر خوزدار ماحفوزا منصورا اور جندر وفیرہ تھے ۔ جو مسلمان اِن شہروں میں بس گلہ تھے وے قوم کے عرب تھے ، وہ بہارتیوں میں اِس درجے مل جل گلہ تھے که کچھ بیزھیوں بعد آن کا پہنچانا جانا بھی نامدی ھو گیا ۔

اُن کے ماور طریقے' خیانت بالکل ہندروں جیسے ہو گئے ، اُن لوگوں کی ایک الک ہی جماعت بن گئی جو تمام جنوبی ۔ بھارت میں پھیل گئی ، اِن میں سے ایک جماعت علی کو شو کا اُرتار سمجھتر پوچا کرتی تھی ،

قتجارتی زشتہ کے ساتھ جیرں جیرں تہذیبی لین دین برجہ تیں تین ایک درسوے کو ہوائلے سیجھیلے اور ایک درسوے سے محبت کرتے اور ایک درسوے سے محبت کرتے اور ایک درسوے سے محبت کرتے کی ایک درسوے کے محبت کرتے کا

मोइब्बत का .क्याज .कायम हो गया जिसमें सजीक। तक ने सिन्ध में मन्दिरों को गिरने या इसलाम को फैलाने की इजाजत नहीं दी.

अंग्रेज तारीखवाँ सर विक्रियम न्यूर अफसोस के साथ लिखता है:--

"यह बात याद रखनीं चाहिये कि चरब .फातेह जो रवण्या मातेहत .कीमों के साथ बरतते थे वह हिन्दुस्तान में जाकर विलक्कल बलट गया. मन्दिरों को क्यों का त्यों मह.फूज छोड़ दिया गया धौर बुत-परस्ती की कोई मनाही नहीं की गई. जैसा कि वेल ने लिखा है 'हिन्दुस्तान की लड़ाई मजहबी जंग या जेहाद नहीं रह गई क्योंकि वहाँ मजहबी तब्दीली का सवाल ही नहीं बठाया गया. सिन्ध में अल्लाह की परिस्तिश के साथ साथ बुतों की परिस्तिश की भी आजादी हो गई...... और इस तरह बावजूद इसलाभी हक्मत के भारत एक बुत-परस्त मुस्क बना रह गया." 7

जर्मन आलिम बान केमर लिखता है -

सिन्ध में श्रवुत .कासिम की हकूमत में श्रीर उसके बाद भी बाह्य थों की इल्जन श्रीर शान ज्यों की त्यों .कायम रही. जमीन की मालगुजारी भी 3 .फीसदी ज्यों की त्यों जारी रखी गई. हिन्दु श्रों को खुली इजाजत थी कि वे मन माने मन्दिर बनवायें, मुसलमानों के साथ तिजारत करें श्रीर बेखीफ़ होकर अपनी बढ़ती के लिये जो कुछ मुनासिष सममें करें." 8

इस पर बासानी से ऐतबार किया जा सकता है कि इन हालतों के अन्दर दोनों गिरोह एक दूसरे की तरफ बहुत दरजे तक नरम हो गये होंगे और दोनों में तहजीबी रिश्ता कायम हुआ होगा. लेकिन सिन्ध ही अकेला ऐसा सुबा नहीं था जहाँ दोनों गिरोहों के बीच दोस्ताना समाजी बर्ताव चल रहा था. भारत के तमाम मगरिकी साहिल के मुसलमान हिन्दुओं के साथ मिल जुल कर मोहब्बत के साथ रह रहे थे. मुसलिम सच्याहों के मुताबिक मुसलमानों भौर भारती बौद्धों में बेहद माईबारा हो गयाथा. बुजुर्री बिन शहरयार नवीं सदी के मारत के पच्छिमी किनारे के बारे में अपने खास तजरबों के बल पर लिखता है -"बिक्रर या भिक्खुओं का गिरोह सिंहल का रहने वाला है. इन्हें मुसलमानों से मोहब्बत और मुसलमानों की जानिब ये बेहद नरम हैं." 9 इन मिक्खुओं ने इसलाम के बारे में बाक्रफियत हासिल करने के लिये अपना एक नुमाइन्दा धारव भेजा यह तुमाइन्दा खलीफा उसर के वक्त में अरव बहुँचा. बापस लौटते हुए सकरान में उसका इन्तकाल हो गया. क्षेकिन इसका एक साथी सही सलामत सिंहल पहुँचा और वहाँ جودبند کا خوال قائم هو گها جس میں خلواد لک فی مدرد میں مدروں کو گرائے یا اسلم کو پیدائے کی الجاوت لہیں ہیں ،

أذكرو قاريح دان سروليم ميور انسوس كے ساتھ لكهما هئے۔

"ایه بات یاد راه آی چاهائه که عرب فاتم چو رویه ماتحت قوموں کے ساتھ برتانه آنه ولا هادستان میں جاکر بالکل آلت گیا .
مادروں کو جیس کا تیوں محفوظ چیرز دیا گیا اور بت پرستی کی کوئی ماهی نهیں کی گئی ، جیسا که وال نے لتھا ہے المخستان کی لوائی مذہبی جاگ یا جہاد نہیں رہ گئی کیونکه وهاں مخصبی تبدیلی کا سوال هی نہیں آنهایا گیا ، سادھ میں الله کی پرستھ کی بھی آزادی هوگئی اور اِس طرح باو چود اسانی حکومت کے بھارت ایک بہت پرست ملک بنا رہ گیا ۔" آ

جرمن عاام وأن كريم لكهمًا في-

سندھ میں ابولقاسم کی حکومت میں اور اُس کے بعد یھی بوھمارں کی عزت اور شان جیوں کی تیرں قائم رھی ، زمین کی مالکڑاری بھی لا فیصدی جیوں کی تیرں جاری رکھی گئی ، ھندوں کو کہلی اجارت، تھی که رہے می مالے مندر باوانیں مسلمائوں کے سانھ تجارت کریں اور پہنوف ھو کر آپای بوھتی کے لئے جو کچھ مناسب سمجھیں کریں ،" 8

. اِس یہ آسانی سے اعتبار کیا جا سکتا ہے که اِن حالتوں کے آئدر دونوں گروہ آیک دوسرے کی طرف بہت درجے تک قرم هو گئے هوں کے اور دونوں میں تیدیدی رشاته قائم هوا هوا ، ليكن سده هي أكيلا أيسا صوبه تهين تها جهان دونون گروهون کے بیچے درستانغ سماجی برتاؤ چل رہا تھا۔ بھارت کے تمام منرنی ساحل کے مسلمان ہادؤں کے ساتھ مل جل کو محبت کے ساتھ را را را م تھے ، مسلم سیاحوں کے مطابق مسلمانوں اور بهارتی بودهوں میں پرحد بھائی چارا ہو گیا تھا ، بورگ بن شہر یار نویں صدی کے بھارت کے بحص کنارے کے ہارے میں اینے خاص تجربوں کے ال بر اعمال ہے۔۔۔ (ایمکور یا بہکھووں کا گروہ سلكل كا رهايه والا هن إنهين مسلماتون سے محبت أور مسلمالون كي جانب يه يحد قرم هين " 9 إن يهجون في أسلم كي بارے میں واقلیت حاصل کرنے کے لئے اُپنا ایک تماثات عرب بهرجا ، به المائنية خايفة عمر كے وقت ميں عرب يهندها . وأيس الوقاتي هوالي مكران مين أس كا التقال هو كيال ليكن إس كا ايك ساتهي معديم سلامت سنكهل يهلعها اور وهال

TOWN TO A STORY OF A STORY

बासबुत और तफसील से लिखा है और जिसका बाद के मुसिनिफों ने भी सनद के तौर पर हवाला दिया है. इनके अलाबा इब्न रिस्ताह (903 ई०), अबु जुल्फ (943 ई०), अस्ताखरी (951 ई०) मसूदी (945 ई०) मुताहर इब्न ताहर, अलबेरूनी (999 ई०), इब्न बत्ता (948 ई०), हमदुल्ला मुस्तका और बाद के दूसरे मुसलिम तारीखदानों ने उस वक्त के हिन्दुस्तान के बारे में निहायत .कीमती तारीखी, तिजारती, जुराराफियाई और समाजी जानकारी की बातें अपनी किताबों में दर्ज की हैं.

बाब्बासी या बारबी तह जीब ने युनानी खीर भारती आर्य तहजीव से ही बजूद पाया. अरब-अब्बासी तहजीव की बैरूनी शकल हालाँ कि सेमेटिक और ईरानी थी लेकिन इसका साइन्सी श्रीर रूहानी ज्ञान, उसकी वैद्यक श्रीर इसकी फिलास फी पर गहरा भारती और बाद में यूनानी असर पड़ा, उसके बरबी डाँचे में भारती रुद्द जाहिर हो रही थी. सिन्ध की .फतह के बाद भारत की माली दौलत के साथ-साथ भारत की रूहानी दौलत भी खलीफा के दरबार में पहुँची. भारती यूनिवर्सिटियां में तक्षिला में जरूर मुसलिम तालिबइस्म रहे होंगे. काश्मीर एस जमाने में तह्जीब का खास मरकज था जहाँ ईरानी-बौद्ध तुल्बा तालीम हासिल करने आया करते थे. अब्बासी तहजीब को खली.फा के बरमकी (बौद्ध) बजीरों ने जो अजमत और शान दी वह विलाशक बोमिसाल है. .कानून और इन्सा.फ के बजीरों की हैसियत से और तहजीब के रोशनी के मीनार की हैसियत से कोई भी ईरानी या अरव शाही खान्दान उनका मुकाबला नहीं कर सकता. ये बरमकी उस बक्त बौद्ध मज़हब स इसलाम में दाखिल हुए थे और इन्हीं की काशिश से अ वो और भारतीयों में गहरा तह जीवी रिश्ता .कायम हुआ था. इन्हीं की कोशिशों से इसलामी सहजीब ने दिल खोलकर भारती तहजीब की देन को दोनों हाथों से .कबूल किया.

जब मुसलमानों ने सन् 707 ईसवी में सिन्ध .फतह किया तो उन्होंने देखा कि मुल्क बौद्धों और नाक्षण हुक्म-रानों में दँटा हुन्या है और नाक्षण धीरे-धीरे पौद्धों को पद्धाइते जा रहे हैं. नाद्धणों और अरवों की जंग में बौद्धों ने अरवों का साथ दिया और इस तरह से अरवों की सिन्ध .फतह को आसान बना दिया. सिन्ध .फतह करने के बाद अबुल क़ासिम ने ऐलान किया कि भारत के वाशिन्दे भी एक .खुदा की परिस्तिश करते हैं और उनके मन्दिर भी ईसाईयों के गिरज़ों, यहुदियों के सिनागागों और मागियों के आतिशक्यों की तरह है और उसी तरह से ये लोग अहले किताब हैं जिस तरह से ईसाई और यहुदी." 6 सिन्ध बिजय के बाद से ही अरवों और भारतीयों में एक ऐसी मजकूल

بائموت أو تفصیل عالم أور جس کا بعد کے مصنفی لے بھی سادہ کے طور پر حواله دیا ہے ۔ اِن کے عالمة ابن رستاے (903 عیسوی) ابرطرزاف (943 عیسوی) استاخری (951 عیسوی) مسعودی (945 عیسوی) مطاهر ابن طاهر ابنی بطوطه (918 عیسوی) حمدالله مصطفی اور بعد کے دوسرے مسلم تاریخ دانوں نے اُس وقت کے هنستان کے بارے میں نہایت قیمتی تاریخی تاریخی تجارتی چیزانیانی اور سماجی جیانکاری کی باتیں اُپلی کتابوں میں درج کی ہیں ۔

عباسی یا عوبی تہذیب نے یونانی اور بھارتی آریہ تهذیب سے هی وجود پایا ، عرب عباسی تهذیب کی بیرونی شکل حالانکه سیمیٹک اور ایرانی تھی لیکن اُس کا سائنسی اور روحانی گیان، اًس کی ویدک اور اُس کی فلسفی پر گہرا بھارتی اور بعد میں یونانی اثر ہزا ۔ اُس کے عربی تعانجے میں بھارتی روح ظاءر هو رهی تهی ، سنده کی نقم کے بعد بہارت کی مالی دولت کے ساتھ ساتھ بھارت کی روحانی دولت بھی خلاف کے دربار میں پہلنچی ، بھارتی یونیورستیوں میں نکشلا میں ضرور مسلم طالب علم رہے ہوں گے ، کاشمیر اُس زمالے میں فہذیب کا خاص مرکز تھا جہاں آیرائی ہودہ طلبا تعلیم حاصل کرنے آیا کرتے تھے ، عباسی تہذیب کو خلیفت کے برمکی (بودھ) وزیروں نے جو عظمت اور شان دی وہ بلاشک یے مثال ہے ، قانون اور انصاف کے رزیروں کی حیثیت سے اور تہذیب کے روشنی کے مینار کے حیثیت سے کوئی بھی ایرانی یا عرب شاعی خاندان أن كا مقابله نهيس كو سكتا . يم برمكى أس وقت بوده مدهب سے اسلام میں داخل ہوئے تھے اور انہیں کی کوشش سے عربوں اور بهارتیس میں گہرا تہذیبی رشته قائم هوا تها ، انهیں کی کرششرں سے اسلامی تہذیب نے دل کھول کر بھارتی تہذیب کی دیرن کو درنوں هانهرں سے قبول کیا ۔

جہب مسلمانوں نے سن 707 عیسوی میں سندہ فتم کیا تو انہوں نے دیکھا کہ ملک بردھوں اور براھین حکمرانوں میں بتا ہوا ہے اور براھین دھیرے دھرے بردھوں کو پچھارتے جا رہے ھیں ، برائمینوں اور عربیں کی جنگ میں پردھیں نے عربوں کا ساتھ دیا اور اِس طرح سے عربوں کی سندہ نتم کو آسان بنا دیا ، سندھ نتم کونے کے بعد ایرانقلس نے اعلیٰ کیا کہ "بھارت کے باشندے بھی ایک خدا کی پرستھی کرتے ھیں اور اُن کے مندر بھی عیسایوں کے گرجوں' پرستھی کرتے ھیں اور اُن کے مندر بھی عیسایوں کے گرجوں' بہودییں کے سناگلوں اور ماگیوں کے آتشکدوں کی جس طرح سے یہ لوگ امل کتاب ھیں طرح سے یہ لوگ امل کتاب ھیں جس طرح سے بید عیسائی اور یہودی ،" 6 سندھ وجئے کے بعد سے عربوں اور بھارتیوں میں ایک ایسی مقبوط سے میں ور بھرت ایک ایسی مقبوط سے میں ایک ایسی مقبوط سے بھی عربوں اور بھارتیوں میں ایک ایسی مقبوط

निराने .कर्म एक उँचे काले पत्थर पर मक्स है. यह निरान पत्थर पर इतने अन्दर घँस गया है कि अब तक उमें का त्यों .कायम है. यह निरान सवा आठ .फुट लम्बा है. 8 इस सञ्चाई को साबित करने के लिये कि हिन्दु-स्तान सब मुरुकों का सरताज है इस शरह की दलीलें आिकारी सबूत की तरह पेश की जाती थीं. इन बातों से मुसलमान हिन्दुस्तान के और .ज्यादा करीब आते ये और उसे अपना पाक मुरुक समम्बद उससे मोहब्बत करने लगते थे. लोग उस बक्त तक रिवायतें नहीं गढ़ा करते जब तक कि उसके पीछे कोई लाख बजह न हो.

इसी तरह हिन्दू भी मुसलमानों के काबे को अपना ही धर्म-मन्दिर सममते थे. एक जमाने में काबा, अरव और अरव के आस-पास के रहने वाले सभी धर्म मजहव बालों का एक पाक मरफज था. नीचे के बाक्रये को नामुमिकन मानते हुए भी हमें उससे हैरत में नहीं आना चाहिये. बर्टन लिखता है—

"हिन्दू पंडित इस बात को जोर के साथ कहते हैं कि मक्के में शिव और पार्वती 'क्योतेश्वर' और 'क्योतेश्वरी' की शकल में जलवा अफ्रोज हैं कुछ मुसन्निकों का कहना है कि हजरत मोहन्मद के बक्त मक्का के देवी-देव-ताओं में लकड़ी में खुदी हुई क्योतेश्वर और क्योतेश्वरी के बुत थे जिन्हें अली ने पैराम्बर के कन्थों पर चढ़कर नीचे गिरा दिया था. 4

विलफोर्ड लिखता है—

''हिन्दु कहते हैं कि मक्का या 'मोचेरा' या 'मोक्षस्थान' में जो काला पत्थर या 'धक्न-ए-अस्वद' है वह 'मोचेर वर' भगवान शिव के अवतार का निशान है. मगवान शिव और पार्वती अल-हेजाज के अपने भक्तों की पूजा से .खुश होकर मोचेश्वर की शकत में मक्का में जलवागर हुये थे. 5

हमअसर मुसलमान सन्याहों और मुसिननिकों ने भारत की उस बक्त की हालत को अपने प्रन्थों में वृजिकिया है. सिन्ध के इतिहास पर पहला प्रन्थ 'अञ्च-नामा' है, जो बुनियादी शकत में अरबी में लिखा गया वह मुसिलम तारीखदानों की हिन्दुस्तान पर पहली तारीखी किताब है. 'अञ्च-नामा' के बाद इन्न .खुदादादबीह ने सन् 816 ईसबी में हिन्दुस्तान के आदारिक्य पर पक किताब किसी. एक दूसरी किताब अबु जाहिद ने सन् 916 ईसबी में किसी जिसमें मुलेमान सीदागर की भारत और चीन की सियाहतों का हाल दर्ज है. इसमें हिन्दुस्तान की मजहबी और समाजी हालतों पर बहुत तकसील के साथ रोशनी डाली गई है. इसी जुमाने का एक दूसरा तारीसदाँ अबु जाहिद अलवलकी (984 ईसबी) हैं जिसने हिन्दुस्तान की तारीख पर बहुत شهای قدم ایک أونجه کاله پاپر پر تنافی هم یا نشان پاپر پر الله قد مه ایه الک دهاس گیا هم که ایه الک جهین کا تیون قائم هم یه نشان سوا آنه فت لمبا هم گارس سجائی کو کابت کرنے کے لئے که هادستان سب الکون کا سرتاج هم ایس طرح کی دایاس آخری نبرت کی طرح پیش کی جاتی تهیں ، اِن باتین سه مسلمان هادستان کے اور زیادہ قریب آتے تهم اور اُبت اپنا پاک ملک سمجه کر اُس سے محبت کرنے تھے ، لوگ اُس وقت تک روایتیں نہیں گرما کرتے جب تک که اُس کے پیچھے کوئی خاص وجه نه هو ،

اِسی طرح ہلیہ ہمی مسلمانوں کے کعبے کو اُپنا ہی دھرم ملئر سنجھتے تھے ، ایک زمانے میں کعبہ' عرب اُور عرب کے آس پاس کے رہنے والے سیمی دھرم «ذھب والوں کا ایک پاک مرکز تھا ، ٹینچے کے واقعہ کو ٹامیکن مادتے ہوئے بھی ہنیں اُس سے حیوت میں نہیں آنا چاہئے ، برٹن لکھتا ہے۔

"ملدو پلڈت اِس بات کو زور کے ساتھ کہتے میں کہ مختم میں شو اور پاروتی 'کہونیشور' اور 'کہونیشوری' کی شکل میں جلوہ افروؤ ھیں…کچھ مصنفیں کا کہنا قد کہ حضرت محمد کے وہوں دیوڈاؤںمیں اکتوں میں اُہدی ھوٹی گھوتیشور اُور کہونیشوری کے بت تھے جنہیں علی نے پہندہ رکے کندھوں پر چوھ کو نیتجے گرا دیا تھا ۔ 4

ول فورة لعهمًا هــــ

''هندو کہتے هیں که مکه یا 'موکشیش' یا 'موکش استهان' میں جو کالا پتہر یا باسٹک اسود شے وہ 'موکیشیشور' بھکوان شو کو پاروتی الصحباز کے اوتار کا نشان شے، بھکوان شو اور پاروتی الصحباز کے اپنے بھکتوں کی شکل میں مکه میں جلودگر ہوئے تھے ۔ 5

معصو مسلمان سیاحوں اور مصنفوں نے بھارت کی اُس وقت کی حالت کو اپنے گرنہتوں میں درج کیا ہے ، سادھ کے اُنہاس پر پہلا گرنتی 'چھچے نامہ' ہے' جو بنادی شکل میں عربی سیں اکہا گیا ، وہ مسلم تاریخ دائرں کی هندستان پر پہلی تاریخی کا ب ہے ، چھچے نامہ' کے بعد ابن خداداد بھیہ نے سن 15 عیسوی میں هندستان کے جنرافیہ پر ایک ایک دوسری کتاب ابوزاهد نے سن 16 عیسوی میں میں میں ایک میسوی میں میں میں ایک میسوی میں میں میں میں میں کھی جس میں میں میں میں اور چھن کی سیاحی حالتوں پر بہت تفصیل کے ساتھ روشنی تقالی گئی ساجی حالتوں پر بہت تفصیل کے ساتھ روشنی تقالی گئی ساجی حالتوں پر بہت تفصیل کے ساتھ روشنی تقالی گئی ساجی حالتوں پر بہت تفصیل کے ساتھ روشنی تقالی گئی ساجی حالتوں پر بہت تفصیل کے ساتھ روشنی تقالی گئی ساجی حالتوں پر بہت تفصیل کے ساتھ روشنی تقالی گئی ساجی روشنی تقالی گئی میں وسائے کا ایک درسوا تاریخ دان ابوزاہدالیادی

عرب سوداگروں کا آیک جتھا سنگھل دیہ میں 'آدم کی چولی' کا سفر کرنے کے لئے روانہ ہوا ۔ کرنگالور کے بغدرگاہ میں راجہ چیووس پیروسل نے اِن سوداگروں کا استقبال کیا ۔ سوداگروں نے پینمبو محمد کے ڈریعے چاند کے تکرے کئے جانے کی کہائی راجہ کو سفتی ۔ راجہ نے اسلام قبول کر لیا اور چپ چاپ اِن سوداگروں کے ساتھ مدینے کا سفر کیا ، واپس اوٹلے ہوئے راستے میں اُس کا انتقال ہو گیا ، مرتے وقت چیورس نے مسلمانوں کو شاہی فرمان کے ذریعہ مسجدیں بفرانے کی اجازت دیے دی ۔ اُسی کے مطابق سلایار میں کئی جکت مسجدیں بنائی گئیں ، بالچری بھی سن 842 عیسوی کے قریب پیچھی اور بھائی گئیں ، بالچری بھی سن 842 عیسوی کے قریب پیچھی اور بھائی آئے بھار اور سوداگر سلیمان' جو تویں صدی میں بؤرگ بین شہریار اور سوداگر سلیمان' جو تویں صدی میں میں میں مسلمانوں کی طرف بے حد اُچھا خیال موجود تیا ،

یتے نہیں کیسے مسلمانیں کے دلوں میں یہ اعتبار گھر کر گیا ہے کہ اِنسانی قوم کے پہلے اِنغدبر اور پہلے اِنسان حضرت آدم برشت سے ذکالے جائے کے بعد علاسمان میں سنکھل دیپ میں آکر ادرے ، هدستان میں جو خوشبردار پهول اور جوی ہوتی بھری یوی ہے رے حضرت آدم ھی بہشت کے 'بغ ارم' سے یہاں اللہ تھے جس بیتھر پر حضرت آدم آترے اُس پر آن کے قدموں کا نشان آج تک موجود ہے اسی پتہر کے نشان کو سنگھا کے بودھ بهکوان بردھ کے لشان قدم سمجے کر پرجانے میں . بعد کے مسلم لیمهموں نے درسرے ملکون کے مقابلے میں بھارت کی عظم د پر اِس بنا یر اور زیادہ وور دیا ہے کہ حضرت آدم انسانی قوم کے پہلے پہنمبر تھے اور الله نے اپنا حکم سب سے پہلے انہیں کو سنایا اور آدم چونکه اُس رقت هندستان میں تھے اِس لئے هندستان هی کو سب سے پہلے حکم خدا سننے کا فضر هو سکا هے ر معکن ھے که شاید اِسی الله اُسلم کے پیشبر نے فر مایا هــــدمهن مندستان سے بہہ کر آئی موثی الله کے وجود کی بھنتی بھنتی خوشبر سونگ رھا ھرں ،'' عام مسالوں کے لئے ھاستان کی سرزمین کی پاکیزگی کی یه آخری اور زبردست دلیل هے . اِس طرح کی روایتیں کیوں شروع ہوئیں اِس کی میں رجم تہیں تھوے سکا لیکن پھر بھی یہ بھارت کے مسلمانوں کے عام اعتبار کا جوز بنی هوئی هیں ، پرھ اللہ اور سمجهدار لوگ بھی این روایتوں كو لفظ بد لفظ سبج مائلے هيں .

ا ابن بطرطه (1377 عیسری) نے بھی حضرت آدم کے پاک نشان قدم کی زیارت کی تھی ۔ اِس نشان کو دیکھ کر اُس نے اکھا جے۔"حضرت آدم کا یہ پاک

अरब सौदागरों का एक जत्था सिंहलद्वीप में 'आदम की घोटी' का सफर करने के लिले रवाना हुआ, केंक्सानीर के बन्दरगाह में राजा चेरूमन पेरूमल ने इन सीक्षागरों का इसतकवाल किया. सीदागरों ने पैरान्बर मोहन्मद के जरिये चाँद के दुकड़े किये जाने की कहानी राजा को सुनाई. राजा ने इसलाम .कुबूल कर लिया और पुपचार इन सीदागरों के साथ मदीने का सफर किया. बापस लौटते हुए रास्ते में उसका इन्तकाल हो गया. मरते वक्त चेरूमन ने मुसलमानों को शाही .फरमान के जरिये मसजिदें बनवाने की इजाजत दे दी. उसी के मुताबिक मलाबार में कई जगह मसिनदें बनाई गई. बलाजरी भी सन् 842 ईसवी के .करीब पिछमी उत्तर भारत के एक राजा के इसलाम . कुबूल करने का बाके या सुनाता है. 2 बुजुर्रा बिन शहरयार भोर सौदागर सुलेमान, जो नवीं सदी में हिन्दुस्तान आये थे, लिखते हैं कि हिन्दुस्तान के राजाओं के दिलों में ग्रुसल-मानों की तरफ बेहद अच्छा .ख्याल मौजूद था.

पता नहीं कैसे मुसलमानों के दिलों में यह ऐतबार घर कर गया है कि इनसानी .कीम के पहले पैराम्बर और पहले इनसान हजरत आदम बहिश्त से निकाले जाने के बाद हिन्दस्तान में सिंहलुद्वीप में आकर बतरे हिन्दस्तान में जो .खुशबूदार फूल धीर जड़ी बूटी मरी पड़ी है वे हजरत भावम ही बहिश्त के 'बारो इरम' से यहाँ लाए थे. जिस पत्थर पर हजरत आदम सतरे उस र उनके कदमों का निशान आज तक मौजूद है. इसी पत्यर के निशान को सिंह्ल के बौद्ध भगवान बुद्ध के निशाने क़द्म सममकर पजते हैं. बाद के मुसलिम लेखकों ने दूसरे मुस्कों के मुकाबले में भारत की अजमत पर इस बिना पर और ज्यादा जोर दिया है कि इजरत आदम इनसानो . कीम के पहले पैशम्बर थे और अल्लाह ने अपना हुक्म सबसे पहले उन्हीं को सुनाया और आदम चूँ कि उस बक्त हिन्दुस्तान में थे इसलिये हिन्दुस्तान ही को सब से पहले हुक्से .खुदा सुनने का .फल हो सकता है व मुमकिन है कि शायद इसीलिये इसलाम के पैराम्बर ने फरमाया है-- 'मैं हिन्दुस्तान से बहकर आई हुई अल्ला के वजूद की भीनी-भीनी खुराबू सूँच रहा हूँ." चाम मुसलमानों के लिये हिन्दुस्तान की सरजमीन की पाकी जगी की यह आखिरी और जबरदस्त दलील है. इस तरह की रिवायतें क्यों शुरू हुई इसकी मैं वजह नहीं स्रोज सका लेकिन फिर भी ये भारत के मुसलबानों के आम ऐत-बार का जुज बनी हुई हैं. पढ़े-लिखे और सममदार लोग भी इन रिवायतों को लफ्ज-ब-क्रफ़्ज़ सच मानते हैं.

इन्न बत्ता (1377 ई०) ने भी हजरत चादम के इस पाक निशाने क़दम की जियारत की थी. इस निशान को देखकर उसने लिखा है—"हजरत चादम का यह पाक

خرشبروں سے معطر ھیں ، کالیکن ھندستان کے بارے میں صحابم منصیم جانگاری حامل کرنے کی پہلی کرشش شاید خلیف عثمان كے زمالے ميں كى گئى۔ عثمان نے 624 اور 664 عيسوى كے بينے حکیم بن جباله کو مترر کیا که ولا ید، لگاکرهندستان کے بارےمیں متحیم متحیم خبریں خاینه کو دے جبالہ فیمادستان آکر بہاں کے بارے میں ایک ربورت (Thaghar al Hind) نیار کر کے خلیدہ کی خدمت میں پیش کی : 1 اِس بات کے بھی بہت سمبوت ملتے هيں كه ساتويںمدى عيسوى كے شروءات ميں أيران سے لکے ہوئے هندستان کے صوبوں کے ساتھ عرب سوداگروں کا تجارتي رشته قائم تها أور وعد جائين أور مدرون سے وأقف تهد . چرتعم هادستان کے اِن حصوں پر ایک وقت ایرانیس کی حمومت تھی اِس للہ اِن حصوں کے هندستائی تبیلوں اور ایرانیس کے بیج قریبی رشته رها هرکا . جب آیران نے اِسلام قبول کیا ترتجارتی رشته کے ساتھ ساتھ یه نودیکی اور زیاد" ہوھی عوكي ايك بات همين اور دهيان مين ركيني چاهئے كه ایک زمانے میں خراسان ترکستان اور ایران میں بودھ مذھب محد بھیلا ہوا تھا اور دودھ مذھب کے بھرو اعراق موصل اور شام کی سرحد تک پھیلے حرثہ تھے ، اُن ملکوں کے باشلیس نے حالت بردہ مذہب کی جابہ آسالم تبول کو لیا تھا پھر بھی اُن کے داوں میں ھندستان کے لئے ایک مصبت أور عبت كا خيال ضرور رها هوكا .

جب که آپس کے تعلقات بہت تھوڑے تھے تب بھی مسلمان ملکستان کو دنیا کا سب سے زیادہ تہذیب یافتہ ملک سمجھ کو آس کی پےحد قدر اور عزت کرنے لئے تھے ، تبوت کے طور پر هندستان کی تعربیف میں اسلام کے پیغدبر اور آن کے مشہور پیروکاروں کی روایتیں لفظ به لفظ پیش کی جاتی نہیں ، اِس طرح کی روایتیں کی سچائی پر تھوڑا بہت مت بھید ہو سکتا ہے لیہی یہ بات دعرے کے ساتھ کھی جا سکتے ہے که شروع ہانے کے اسلام کے ادب میں ہندستان کی بےجد تعریف بھری بوتی ہے ۔

أس وقت کے عرب سوداگروں نے گجرات کے بلهر راجاؤں اور مالہار کے سامروی راجاؤں کو اپنی طرف بہدد مہرباتی اور دوستی سے بهرا ہوا پایا ، سمادر کے کفارے کفارے انهیں آئی بستیان بسانے اور مسجدیں بنوانے کی اجازت تھی، ان مسلماتوں نے مغابتو لوکھرں سے جی شادی کی جن کی ملی جلی ارالدیں مالہار میں 'مویلا' اور کوکن میں 'حتیا' کے نام سے مشہور حوتیں ، اگر هم مالہار کے راجت جدرومن بعرومل کے اسلم قبول کرنے کی عام فیم روایت م ان لور تو همیں هندستان کی مسلم تو آبادیوں کا عام فیم روایت م ان لور تو همیں هندستان کی مسلم تو آبادیوں کا وقت بیندیر کی زندگی کے جی قریب مانیا بویگا، روایت بعد کا

.खराबुओं से मुश्रंचर हैं." लेकिन हिन्दुस्तान के बारे में सही सही जानकारी हासिल करने की पहली कोशिश शायद खलीफा उसमान के जमाने में की गई, उसमान ने 621 और 664 ईसवी के बीच हकीम बिन जवाला को मुकर्रर किया कि वह पता लगाकर हिन्दुस्तान के बारे में सही-सही .सबरें खलीफा को दे. जबाला ने हिन्दस्तान आकर यहाँ के बारे में एक रिपोर्ट (Thaghar al Hind) तैयार करके .खलीफा की खिदमत में पेश की. 1. इस बात के भी बहुत से सबूत मिलते हैं कि सातवीं सदी इसवी के गुरुआत में ईरान से जगे हुए हिन्दुस्तान के सूकों के साथ धरब सीदागरों का तिजारती रिश्ता .कायम था और वे जांटों और मदरों से बाक़िफ थे, चूँ कि हिन्दुस्तान के इन हिस्सों पर एक बक्त ईरानियों की हकूमत थी इसलिये इन हिस्सों के हिन्दुस्तानी .कबीलों और ईरानियों के बीच करीबी रिश्ता रहा होगा. जब ईरान ने इसलाम कुबूल किया तो तिजारती रिश्ते के साथ-साथ वह नजदीकी और ज्यादा बढी होगी. एक बात हमें और ध्यान में रखनी चाहिये कि एक जमाने में .खुरासान, तुर्किस्तान और ईरान में बौद्ध मजहब बेहद फैला हुँमा था और बौद्ध मजहब के पैरो इराक. मासल और शाम की सरहद तक फैले हुये थे. इन मुल्कों के बाशिन्दों ने हालाँकि बौद्ध मजहब की जगह इसलाम कुबल कर लिया था फिर भी उनके दिलों में हिन्दुस्तान के लिये एक मोहन्बत और इन्जत का ख्याल जरूर रहा होगा.

जबिक आपस के ताल्लुकात बहुत थोड़े थे तब भी
मुसलमान हिंदुस्तान को दुनिया का सब से ज्यादा तहजीब
याप्ता मुक्क सममक्तर उसकी बेहद कह और इञ्जत करने
लगे थे. सबूत के तौर पर हिन्दुस्तान की वारीफ़ में इसलाम
के पैग्रन्बर और उसके मशहूर पैरोकारों की रिवायतें लफ्ज-ब
लफ़्ज़ पेश की जाती थीं. इस तरह की रिवायतों की सवाई
पर थोड़ा बहुत मत मेद हो सकता है लेकिन यह बात दावे
के साथ कही जा सकती है कि ग्रुरू जमाने के इसलाम के
ध्रद्व में हिन्दुस्तान की बेहद तारीक भरी पड़ी है.

वस वक्त के अरब सौदागरीं ने गुजरात के बल्हर राजाओं और मलाबार के सामुरी राजाओं को अपनी तरफ़ बेहद मेहरबानी और दोस्ती से भरा हुआ पाया. समन्दर के किनारे-किनारे कन्हें अपनी बस्तियाँ बसाने और मसजिदें बनबाने की इजाज़त थी. इन मुस्तामानों ने हिन्दू लड़कियों से ही शादी की जिनकी मिली जुली भीलादें मलाबार में 'मोपला' और कोकण में 'हदिया' के नाम से मशहूर हुई. भगर हम मलाबार के राजा खेलमन पेरुमल के इसलाम कुबूल करने की आम फहम रिवायत मान लें तो हमें हिन्दुस्तान की मुस्तिम नीआवादियों का वक्त पैराम्बर की जिन्द्रती के ही करीब मानना पड़ेगा. रिवायत यह है कि

तुकों का हिन्दुस्तान में बाना एक उतना ही अजीब-बो-रारीय .कुद्रती वाक्रेया है जितना तुफानों का एक जगह से दूसरी जगह मॅंडराना ! तुकों ने आकर हिन्दुस्तान को उसकी जहाँ तक हिला दिया और लोगों को मकमोर कर नये इमिकनात के लिए जंगाकर तैयार और बालवर कर दिया. ये बद्ताव श्रपने श्राप में .फायदेमन्द या तुक्रसात्रदेह हैं इसका .फैसला मैं नहीं कर सकता, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि इस बदलाब ने भारत की समाजी बनियादों को ही बदल दिया. आयों के हमले ने भारत की समाजी जिन्दगी को जिस तरह जह से हिला दिया था तुकी का इमला इससे थोड़ा ही कुछ कम रहा. लेकिन तुफान के बाद सकून लाजिमी है, जलजले के बाद दोबारा तामीर जरूरी है. जब निदयों का मेल होता है तो दोनों निदयों की भारायें गरजते हुए टकराती हैं लेकिन जल्द ही वे .खामोश होकर रल मिलकर एक धारा में बहने लग जाती हैं. इलाहाबाद के बाद गङ्गा जमुना की घारा में कोई .फर्क नहीं रह जाता. इसी तरह हिन्द और मुसलमान आपस में टकराकर एक इन्सानी संगम में मिले थे और फिर इनकी तहजीवें रल मिलकर भारतीय तहजीव की भट्ट धारा बनकर बहुने लगी थीं कि जिसने सनत और हिरफत, कारीगरी और साइन्स, अदब और शायरी, मुसन्बरी और बुत तराशी - सभी मैदानों को सरसब्ज भौर हरा भरा कर दिया था. आज हम फिर एक बार जलील तरीक्रों के जरिये तहजीब की उस खट्ट भारा के ट्कब्-टुकदे करने की, जमुना की धारा को गंगा की धारा से अलग करने की शर्मनाक कोशिश कर रहे हैं.

भारत में तुकीं के हमले के तीन सी बरस पहले से मुसलमानों में भारत की अजीम तहजीब और इसके साइन्स के लामहदूद जलारे का सममने और इसकी तरफ इञ्जत का इजहार करने की लगातार कोशिश हो रही थी. मारत और अरव के बींच बहुत पराने षामाने से तिजारती तास्तुकात चले आ रहे थे लेकिन मीजूदा ताल्लुकात का सिरा हम उसी तक्त से जोड़ सकते हैं जब अरबों ने अपने मशरिकी इकुमत में तहजीब के नये नये मरकज कायम किये. खलीका उमर के जमाने तक इसलामी दुनिया को हिन्दुस्तान के बारे में सच्ची जानकारी थी. हिन्दुस्तान के समुद्री किनारों के बारे में भरव और ईरानी मरबाहों को थोड़ी बहुत बाक्रफियत भी और वे हिन्द्रस्तान की तिजारती दौलत की तारीफ के गीत गावा करते थे. जब खलीका उमर ने एक अरब मल्लाह से हिन्दु-स्तान के बारे में पूछा तो वह तारीफ के पुल बाँधने लगा कि-"हिन्दुस्तान के दरिया मोतियों से भरे हैं और उसके पहाड़ों में हीरे जबाहरात की खानें हैं भीर वैसके पेड़ पीधे

تركس كا هنديتان مين أنا أيك أنناهي عجيب وغريب قدرتی رأتمه هے جلنا طوفائوں کا ایک جکیه سے دیسری جگیه ماقرانا ا ترکوں لے آکو هندستان کو اُس کی جورں تک عدیا ارر لوگوں کو جباجهور کر لئے اسکانات کے لئے جگا کو تھار اور باخبر كر ديا . يه بداؤ اينے آپ ميں نائدة مند يا نفصان ده ميں اِس کا فیصلم میں تبھی کو سکتا کلین اِس میں کئی شک نہیں که اِس بداؤ نے بھارت کی سماجی بنیادوں کو هی بدل دیا، آریس کے حملہ نے بھرت کی سماجی زندگی کو جس طرح حجو سه ملا ديا تها تركون كأحماء أس سه تهروا هي كحه كم رها . لهكن طوفان كے بعد سكون الزمى هے ، واؤلے كے بعد دوبارہ تعمیر فرورم هے جب ندیرں کا میل ہوتا هے تو درنوں ندیوں کی دھارائیں گرجتے ہوئے اکراتی ہیں لیکن جلد ہی و۔ خامرش هو کر رال مل کرایک دهارا میں بہتے اگ جاتی هیں۔ العاباد کے بعد گنکا جملا کی دمارا میں کوئی فرق فہیں رہ جاتا . اِسی طرح هندو اور مسامان آپس میں تعوا کو ایک اِنسانی سنکم میں ملے تھے ارر پھر اُن کی تہذیبیں رال مل کو بھارتی تہذیب کی اٹرے دھارا بن کر بہنے اکی تھیں کہ جس لے صلعت اور حوفت کاریکری آور سائلس ' آدب آور شاعری ' مصوری اور بت تراشی خسیهی میدانوں کو سرمیز اور هرا بهرا کر دیا تھا . آہے هم پهر ایک بار فائل طریقوں نے فریعے تهذیب کی اُس ائرہ دھارا کے تکرے تکرے کرنے کی جمنا کی دھارا کو گنگا کی دھارا سے الگ کرنے کی شرمناک کوشش کر رہے میں ۔

بھارت میں ترکہی کے حملہ کے تین سو ہرس پہلے سے مسلمانوں میں بھارت کی عظیم ترذیب اور اُس کے سائلس کے الاحتدود رخورے کو سمتجھنے اور اُس کی طرف عوت کا اظهاز کرنے کی لگاتار کوشش ہو رہی تھی ، بھارت اور عرب کے بیجے بہت پرانے رائے وہ ایک محبودہ تعلقات کا سرا ہم اُسی وقت سے جور سکتے ہیں جب عربوں نے اپنے مشرقی حکومت میں ترذیب کے نئے نئے مرکز قائم کئے ، نے اپنے مشرقی حکومت میں ترذیب کے نئے نئے مرکز قائم کئے ، میں سمجھی جالکاری تھی ، هندستان کے سمندری کلاروں کے بارے میں سمجھی جالکاری تھی ، هندستان کے سمندری کلاروں کے بارے میں سمجھی جالکاری تھی ، هندستان کے سمندری کلاروں کے اور وہ ھندستان کی تحریف کے گوت گھا اور وہ ھندستان کی تحریف کے گوت گھا کرتے تھی ۔ جب خلیفہ عمر نے ایک عرب مالے سے هندستان کے دریا مورتیوں سے بھرے میں اور اُس کے بہاروں میں بوچھا تو وہ تعریف کے پل باتدھنے لگا کہ اُتوں میں فہرے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں میں اور اُس کے بہاروں میں ہورے جواہرات کی کھاروں کیں اور اُس کے بہاروں میں ہورے کو تو اُس کے بہاروں میں اور اُس کے بہاروں میں میں ہورے کو تو کو

ھندو مسلمانوں کے تہذیبی میل جول की शुरुआत کی شروعات

قائد لطيف دفتري أيم أحد تني فل.

مسلمان ترکیں کے یلجاب آلے کے آیک صدی بعد هی مقدو اور مسمائیوں کے تہذیبی میل جول کی پہلی داغ بیل ملی جلی بولی کے شکل میں پڑی ، هلای اور فارسی لے مل کو أردو بولي كو جام ديا ، ملي جلي بولي كي يؤدانش اِس بات كو ظاءر كرتم هے كه أس وقت تك هندو أور مسلماتوں ميں ایک ملا جلا باهمی خیال هماری سماجی سیاسی أور دماغی ہندگی کے هر میدان میں گہرائی کے ساتھ بیدا هو رها تھا ، اِس ملے چلے خیال لے تہذیبی ایکنا کی گہری چھاپ ھماری کاریکوی ھمارے ادب اور ھمارے مذھب کے آویر چھوڑی ہے ،

بھارت کے اِس تہذیبی ایکٹا کے کھرے سے بھرے ھوٹے مطالعة کی آب تک، بہت تہروں سی کوشش کی گئی ہے ، اِس بارے میں جو چاں کتابیں چینی ہوئی میں اُن میں مولوی سید سلیمان ندوی کی اعرب اور مند کے نملقات کاکٹر تھے، اُر، "The Influence of Islam ةَأَكُرُ تَارَاجِكُ كِي India. on Indian Culture اور ایک یوریی عالم کی کتاب 'Scriptorum Arabum de Rebus Indicis 'loci et Opuscula Inedita وغيرة خاص هين. يهجلے سیکوں برس میں انسانی بہتری کے بجاری کئی مسلمان سلتول سياستدائون أور عالمون في هندستان مين هندو اور سسلمائیں کے ملنے سے جو الجہنیں پیدا ہو گئی تھیں۔ ان کے محبت سے بہرے ہوئے حل کھرچنے میں بہت ساغور خوض کیا ہے ، هندستانی عالبوں کے ذریعہ اِن کی نیک کوششوں كو جللي أهميت دي جائي جاهل أتلي اهميت لهين دي كثر . اهميت دينا تو دور رها دونوں فريقوں كے عالمفير تاريخى اُور جھوٹی دلیلیں کے دریعہ ملی جلی بھارتی تہذیب کو تعرب قعدے کرلے کے اور هندو اور مسلمانوں کے داوں کو ایک دوسرے سے جدا کرتے کی خراب اور بری کوشھیں کر رہے میں ، مندو اور مسلمانیں نے سیکروں برس تک جس هدستانی تهذیب کو اننا رسیع بنایا ہے اُنہیں کے نام لیوا آے درمناک طریقوں سے أس كي بعدويان أواله مين مشول هين .

हेन्द्र-मुसलमानों के तहजीबी मेल-जोल

डाक्टर लतीफ दुफ्तरी एम० ए०, डी० फिल

मुसलमान तुकों के पंजाब आने के एक सदी बाद ही हिन्दू और मुसजमानों के तह्त्रीवी मेल-जोल की पहली बाराबेल मिली-जुली बोली के राकल में पड़ी, हिन्दी और फारसी ने मिलकर उर्द बोली को जन्म विया, मिली-जुली बोली की पैदायश इस बात को खाहिर करती है कि उस वक्त तक हिन्दू और मुसलमानों में एक मिला-जुला बाहभी . ख्याल हमारी समाजी, सियासी और दिमारी जिन्हगी के हर मैदान में गहराई के साथ पैदा हो रहा था. इस मिले-जुले ख्याल ने तहजीबी एकता की गहरी आप हमारी कारीगरी, हमारे अव्य और हमारे मजहब के ऊपर छोड़ी

भारत के इस तहजीबी एकता के खोज से भरे हुए म्रताले की अब तक बहुत थोड़ी सी कोशिश की गई है. इस बारे में जो चन्द किताबें छपी हुई हैं उनमें मीलवी सच्यद सुलेमान नद्धी की 'खरध और हिन्द के ताल्लुकात' 'डाक्टर ही॰ भार॰ भंडारकर की 'The Slow Progress of Islam in India' 'हाक्टर ताराचन्द की 'The Influence of Islam on Indian Culture' और एक यूरपी आलिम की किताब Scriptorum Arabum de Rebus Indicis loci et Opuscula Inedita' वरौरा खास हैं, पिछले सैकड़ों यरस में इन्सानी बेहतरी के पुजारी कई मुसलमान सन्तों, सियासतदानों और आलिमों न हिन्दुस्तान में हिन्दू और मुसलमानों के मिलने से जो जलमनें पैदा हो गई थीं उनके मोहब्बत'से भरे हुए हल स्रोजने में बहुत सा शीर खोज किया है. हिन्दुस्तानी आलि-मों के पारिये इनकी नेक कोशिशों को जितनी अहमियत दी जानी चाहिये उतनी अहमियत नहीं दी गई. अहमियत देना तो दूर रहा दोनों फुरीक्रों के आलिम रौर तारास्त्री और मुखे द्लीलों के जरिये मिली-जुली भारती तहजीब को दुकेंद्रेद्रकदे करने के और हिन्दू और मुसलमानों के दिलों को एक दूसरे से जुदा करने की खराब और बुरी क्रोशिशे कर रहे हैं. हिन्दू और मुसलमानों ने सैकड़ों बरस तक जिस हिन्दुस्तानी तहजीब को इतना बसी बनाया है उन्हीं के नाम लेवा आज शर्ननाक तरीक़ों से उसकी धारिज-्यों चड़ाने में मशराल है.

श्रव रहजन कहलाने लगा है. श्राज का इन्सान जिन नित्य नए तजरबों से गुजर रहा है उनकी बिना पर उसे कहना पड़ता है:

कितने शिक्षक ऐसे हैं इनमें जो भच्नक हैं मूल में ! कितने धर्मात्मा ऐसे हैं ऊपर से जो पापी है भीतर से ! कितने प्रेमधारी हिंसाकारी हैं और कर्मचारी अत्याचारी हैं।

इस्रताकी तौर पर श्रन्याय श्रीर श्रत्याचार से तोवा करके, पाप का दामन गंगा जल से घोकर, दुई की श्रूमन से निकालकर श्रीर भगवान का भय दिल में रसकर अपना नैतिक सुधार करना चाहिये. वरना जब इन्सानों की दुनिया बसेगी तो ऐसे लोग उस दायरे से खारिज सममें जाएंगे.

अन्त से बेखबर रहने वाले जीहोश नहीं बेहोश होते हैं. समय ही इनको होश में ला सकेगा. तब तक यह लत-पथ ही रहेंगे. हमने बहुत कुछ देखा इस उलट फेर में, कल से लेकर आज तक और आज से लेकर आगे तक.

नागों को धार्मिक संसार में बड़ा मान मिलता है और दूध का वनको दान मिलता है, उनकी पूना भी होती है, लेकिन हर देश और हर हद र में नहीं. हर देश और हर मन का चलन जुदा होता है. कहीं यह पूजा जाता है, कहीं पाला जाता है, कहीं खाया जाता है, कहीं मारा जाता है—अपने अपने मन की बात है, किसी के मन पर किसी का बस नहीं. मन भी देश की मानिन्द आजाद होता है जैसे आजाद हुक्मत ! मन जार जब से कभी काबू में नहीं लाया जा सकता. मन पर विजय रही है हमेशा प्रेम की.

कहने को एक साँप है आस्तीन में लेकिन उसकी पौत्र और फीज कितनी रेंगती फिर रही है आस पास तनजीम के साथ, जैसे कि संघ हो साँपों का श्रीर घेरा डालकर कैंद्र में ले रखा हो धैर्य और निर्भीकता की एक अतम और महान चट्टान को. उनकी लकीरें श्रीर निशान, उनके कास और जाल दर्शन शास्त्र का काम देते हैं, सोचने सममने बालों के लिये और भविष्य वाि्एयों के लिये.

अगर आँप मारना हिंसा है या मना है आप के मत में तो यह छोड़े भी जा सकते हैं, लेकिन इनको आजाद करने के दो ही साधन हैं. या तो डाल दो "श्री शंकर" के गले में इनको, या फिर दे दो यह सब साँप सियासी सँपेरों को जो राजनीतिक बीन पर प्रेम के राग अलापकर और तमाशा उनका दिखाकर खाते कमाते फिरें नगर नगर, प्रान्त प्रान्त, पथ पथ, प्राम प्राम. اب روزی کہالے لگا ہے ، آج کا انسان جی نتیہ نئے تجربیں سے ر گئر رہا ہے ان کی بنا ہر آسے کہنا پڑتا ہے :

کننے شکشک آیسے هیں اِن میں جو بهکشک هیں مول میں اِ

کنئے دھرمانما ایسے ھیں اُرپر سے جو پاپی ھیں بہیتر سے اِن کننے پریم دھاری ھنساکاری ھیں اُہر کننے کرمچاری اُنیاچاری ھیں اِ

اختلقی طور پر انبائے اور انباچار سے توبہ کر کے پاپ کا داسی گنکا جل سے دھو کر دوئی کی ہو می سے نکال کر اور بھکولی کا بھے دل میں رکھ کر اپنا نیتک سدھار کرنا چاھئے ، ورتم جب انسانوں کی دنیا بسے گی تو ایسے لوگ اُس دائرے سے خارج سمجھے جائوں گے ،

انت سے بہذیر رہنے والے نی مرش نہیں بہوش ہوتے ہیں۔
سمے می اِن کو هرش میں لا سکنگا ، تب قک یہ اتبتہ ہته
ھی رهیں گے، هم لے بہت انچه دیکها اِس اُلٹ پهر میں کل سہ
لیکر آج نک اور آج سے لیکر آگے تک ۔

ناگرں کو دھارہ کہ سلسار میں بڑا مان ملتا ہے اور دودھ کا اُن کو دان ملتا ہے۔ اُن کی پوچا بھی ھوتی ہے لیکن ھر دیھی اور ھر ھردے میں نہیں ، ھر دیھی اور ھر من کا چلن جدا ھوتا ہے، کہیں یہ پوچا جانا ہے کہیں پالا جانا ہے کہیں مارا جانا ہے۔ کہیں اپنے من کی بات ہے کسی کے میں پر کسی کا بیس نہیں ، من بھی دیھی کی ماندن اُزاد ہوتا ہے جیسے آزاد حکومت اِ من زور جبر سکیھی فاہر میں نہیں لایا جا سکتا ، من پر وجے رھی ہے ھمیھت پریم کی ،

کہنے کو ایک سانپ ہے آسٹین میں لیکن اُس کی پودہ اور فوج کتنی رینکتی پھر رھی ہے آسٹین میں پاس تنظیم کے ساتہ جیسے که سنتھ ھو سانہیں کا اور گھیرا ڈال کر قید میں لے رکیا ھو دھیری اور نوبهیکتا کی ایک اتم اور مہان چڈان کو ، اُن کی لیمیریں اور نشان اُن کے کراس اور جال درشن شاسٹر کا کام دیتے ھیں سوچا اسمحجینے والوں کے لئے اور بھرشیم وانہیں کے لئے

اگر سائب مارنا هلسا هے یا منع هے آپ کے مت میں تو یہ سپورے بھی جا سکتے هیں' لیکن اِن کو آزاد کرنے کے دو هی ساده ن هیں ، یا تو دالدو ''شری شنکو'' کے گئے میں اِن کو' یا اُس دیدو یہ سب سائب سیاسی سلیفروں کو' جو راجنیکک بھی اِن کر اور تماشا اُن کا دکیا کو کہاتے کماتے پوریں گے راگ اور تماشا اُن کا دکیا کو کہاتے کماتے پوریں گورام ۔

किसी भी जात या नाम का हो, किसी भी मेस या भेद का हो, दुरमन से अपनी हिफाजत में देरी केवल गफलत का ही नतीजा होती है. पर कुछ हर और सहम का भी कारण होता है. सहमे रहने से राजु साहस पाता है. राजु या दुरमन को कभी हक़ीर न समम्मना चाहिये. साँप का बच्चा साँप ही कहलाता है. नाग की औलाद नाग ही होती है सालित

सामाजिक राजनीति की तरह "नागिक नीति" में भी बदले का भाव दोता है जिसकी गुद्दत बारह बरस तक कही जाती है. लेकिन राजनीतिक नाग का बदला शताब्दियों तक बलता है और बलता ही रहता है. बह तो सिर्फ एक से बदला लेता है और यह नसलों तक जहर उगलता रहता है साम्प्रदायिकता का; अपने दुश्मन को पकड़ने या केंद्र करने के लिये नागों के पास हड़ियों की गिरहबन्द रस्सियाँ होती हैं. और बलिदान का पद देने के लिले जहर का जाम तैयार रहता है. इन कालों के पास केवल मीठी छुरी होती है मगर जहर की बुमी!

महास्मा गाँधी पर हमला क्रने वाला कीन था ? वह

एक नाग ही तो था जिसने उनको हसा.

मगर दुनिया उसे दूसरे नाम से जानती है. दुनिया की नजरों में वह इन्सान ही था जिसने इन्सान की जान जी.

श्वब भी कितने पेसे हिंसक हैं जो नुमायशी रूप श्रीर लिबास में श्रहिंसक हैं मगर उनको उपदेश देने का बड़ा शीक़ है. न देखें बड़ा न देखें मौका, न देखें विद्वान न देखें सभ्य, बद्समीजी श्रुरू कर देने हैं.

अपना सुधार और निर्माण करने से पहले दूसरे के घरों की ताक माँक बड़ी हद तक बेहूदा जसारत है. सेवा और सुधार के काम में तमीज और तहजीब पहली चीज है. पहले अपना मन साफ करें और अपना दामन धोवें. पहले अपनी अन्तर आरमा को जवाब दे लें फिर आगे बढ़ें.

मानते हैं हम कि प्रेम इन्सानियत का सन्देश है. और एकता का केन्द्र ही सही मुकाम है इन्सानियत का. लेकिन इसी मुकाम पर प्रेम और एकता का गला काटा जाता है और इन्सानियत का खून किया जाता है. कितना दुख होता है यह कहते कि इसी प्रेमिक और अहिंसक वातावरण में कितने बेगुनाह शूट किये गए, कितनों को जहर दिया गया, कितने साजिशों का शिकार हुए और कितनों को "डांज आफ डेथ" दिया गया, यह वह सच्चाइयाँ हैं जिनसे कोई इनकार नहीं कर सकता और जिनको तारीख ने समेट कर अपने दामन में महक्ष कर रखा है.

आब शिक्षक और उपदेशक इतने ही सस्ते शब्द हो नगप हैं जैसे जीडर और नेता के शब्द इलके और वेबक्षत हो गप हैं. इनके अर्थ तक अब पलट गए हैं. रहवर کسی بھی جات یا نام کا هوا کسی بھی بھیس یا بھد کا هوا دشمی سے آپئی حفاظات میں دیری کیول غفلت کا هی نتیجہ هوائی هے پر کچھ در اور سهم کا بھی کارن هوتا ہے سہم رهنے سے شدرو ساهس یا دا ہے ، شدرو یا دشمن کو کیھی حقیر نا سمجھنا چاھائے ، سانپ کا بیچہ ساتپ هی کیلانا ہے ، ناگ کی اولاد ناگ هی هوتی ہے آخر ،

ساماجک راجئیتی کی طرح (آناکک نیتی کی میں بھی بدلے کا بھاؤ ھوتا ہے جس کی سدت بارہ برس تک کھی جاتی ہے .
لیکن راجئیتک ناگ کا بدلہ شتابدیوں تک چلتا ہے اور چلتا ہی رهتا ہے ، وہ تو صرف ایک سے بدلہ لیتا ہے اور یہ نسلوں تک زھر آگلتارہتا ہے سبیردایت کا اپنے دشمن کو پکرتے یا قبدکرنے کے لئے رہاں ھتیوں کی گرہ بند رسیاں ھوتی ھیں ، اور بندارہ کا بد دینے کے لئے زھر کا جام تیار رهتا ہے ، اِن کالوں کے پاس عبرتی ہوتی ہے مکر زھر کی بجبی ا

مہاتما گاندھی پر حملہ کرتے والا کون تہا? وہ آیک ناگ ھی تو تھا ۔ تو تھا جس نے آن کو تسا ۔

مکر دنیا آسے درسرے نام سے جانتی ہے ۔ دنیا کی اظاروں میں وہ انسان می تھا جس نے انسان کی جان لی ۔

اب بھی کٹنے ایسے ھنسک ھیں جو نمائشی روپ اور لبلس میں اھنسک ھیں مگر آن کو آپدیش دینے کا بڑا شوق ہے ۔ ته دیکھیں بڑا نه دیکھیں مودان نه دیکھیں سبھک بدتمیزی شروع کر دیتے ھیں .

اپلا سدھار اور نرمان کرنے سے پہلے درسروں کے گھروں کی تاک جھانک ہوں حد تک بھہودہ جسارت ہے ۔ سیوا اور سدھار کے کلم میں تمیز اور تہذیب پہلی چفز ہے ، پہلے اپنا می صاف کویں اور آپنا داس دھرئیں ، پہلے اپنی انتر آنما کو جواب دے لیں بھر آگے ہوھیں ،

مانتے ھیں ھم کہ پریم اِنسانیت کا سندیش ھے ، اور ایکتا کا کیندر ھی صحیح مقام ھے انسانیت کا ۔ لیکن اِسی مقام پر پریم اور ایکتا کا کا کاتا جاتا ہے اور انسانیت کا خوں کیا جاتا ہے ۔ کتنا دکھ حوتا ہے یہ کہتے کہ اِسی پریمک اور اهنسک واتاورن میں کتنے ہےگناہ شوت کئے گئے کتنوں کو زور دیا گیا ۔ کتنے سازشوں کا شکار ہوئے اور کتنوں کو ''ترز آف تیتھ'' دیا گیا ۔ یہ وہ سجھائیاں میں جن سے کوئی انکار نہیں کو سکتا اور جون کو تاریخ نے سمیت کو اپنے دامن میں محصوط کو رکھا ہے ۔

آبے شعمک اور آپدیشک اِنلے می سستے شبد مو گئے میں جیسے لیڈر اور نیٹا کے شبد ملکے اور پروزن مو گئے میں ، رمبر گئے میں ، رمبر

घात में लगी रहती हैं. घात और काट का असर सर्व की सन्तान को विरसे में मिलता है.

नाग के सम्बन्ध में हमने "गुण गान" के शब्दों के बारे में इख खोज की है. इस खोज के अनुसार हम "गान" के मानी नाग के लेते हैं. गान को उत्ता करके देखो तो मालूम होगा कि गान ही से नाग ने जन्म लिया है. इसी तरह "गुण" से नाग का अर्थ निकलता है. वह नग ही तो है जो नाग के मिण से निकल कर राज के ताज को जगमगाता और शोभा देता है—कहने को तो यह एक कीड़ा है मगर मिण का हीरा

भारत में नाग धौर नागिन देवी देवता माने खाते हैं. इनमें राजा भी होता है जिसको "वासकी" कहते हैं.

आजकल विश्व मित्रता के कारण देश और अन्तर देश भाई-भाई का नारा बुलन्द है. इसी राजनीतिक नीति के अनुसार अमरीका और भारत में भी बहुनापा गुरू हो गया है. मगर यह नाता हमको खटकता है. अमरीका का "मिल्क पाउडर" भारती नागिन के स्वभाव और मिजाज को अनुकूल नहीं पढ़ेगा, क्योंकि वह हमेशा से गुद्ध दूध के आदी रहे हैं. यह बात अच्छी तरह अनुभव में आ चुकी है कि सियासी भाई एतबारी भाई नहीं होते, इसलिये कि सियासत खुद एतबारी चीज नहीं.

यूँ तो साँपों की सैकड़ों किस्में हैं लेकिन भारत में इनकी दो जातें खान हैं—धार्मिक और राजनैतिक.

धार्मिक अहिंसक होते हैं और राजनैतिक हिंसक.

आजकल राजनीतिक काले अधिक उवल पड़े हैं देश के भाग-भाग में, बस्ती-बस्ती और गाँव-गाँव में. यही काले प्यादा कटीले और जियादा-जहरीले होते हैं.

यह बात याद रखने की है कि धार्मिक नाग अहिंसक ही नहीं रहता सदा. इस भी लेता है अचानक, मगर उसका दाप नहीं. वह ता उसकी फितरत है.

नाग जब इसता है तो हिंसक कहलाता है और जब हाँसता है तो अहिंसक हाता है. उस समय वह कितना सुन्दर और प्रेमी मालूम होता है ! उसका इसना जितना खतरनाक है, उसका हँ सना भी खतरे से खाली नहीं. बह हॅ सते-हँ सते जान लेता है खौर खेलते-खेलते जाम पी जाता है किसी के भी प्राग्य का, उसपर मरासा गलत. भरोसे की चीज तो मनुष्य भी नहीं; वह तो फिर आखिर कोड़ा है.

यमुष्य भी उसता है अवश्य, पर सर्प और मनुष्य के उसने उसने में अन्तर है. भाव भाव में अन्तर है.

सप इसता है अपनी जात वाहर किसी भी प्राणी को, और मनुष्य इसता है अपनी ही जात को, यानी आदमी आदमी को. यही इसकी वह विशेषता है जिसके कारण इसने बरबरता को जीता है और विजय प्राप्त की है हैवानों की .सू .ससलत पर. گهات میں لکی رہتی ہیں۔ گهات اور کاٹ کا اثر سرپ کی سنتان کو ورثه میں ملتا ہے .

بھارت میں ناک اور ناکن دیری دیرتا مانے جاتے ہیں ۔ اِن میں راجا بھی ہوتا ہے جس کو ''راسکی'' کہتے ہیں ۔

آجکل وشومترتا کے کارن دھی اور انتر دیش بھیڑئی بیائی کا فعرہ بند ہے۔ اِسی راجنیتک نیتی کے افرسار اسر بحد اور بھارت میں بھی بہنایا شروع ہو گیا ہے ، مکو یہ ناتا ہم کو کھکتا ہے ، امریکھیکا تملک پوتز" بھارتھی ناگن کے سبباؤ اور مزاج کو انوکول نہدں پریکا کیونکہ وہ ہمیشہ سے شدہ دودھ کے عادی رہے ہیں، یہ بات اچھی طرح انوبھو میں آجکی ہے کہ سیاسی بھائی اعتباری چیز بیائی نہیں ہوتے اس لئے کہ سیاست خود اعتباری چیز نہیں ،

یوں تو مانہوں کی سینکورں قسمیں میں لیکن بھارت میں اِن کی دو جاتیں خاص میں—دھارمک اُور راجنیتک ۔

دهارسک اهنسک هوتے ههی اور راجئیتک هنسکای

آجال راجنیتک کالے ادمک أبل پڑے هیں دیھی کے بھاک بھاگ میں ستی بستی اور گاؤں گاؤں میں ، یہی کالے زیادہ کلیے اور زیادہ زهریلے موتے هیں ،

یہ بات یاد رکھنے کی ہے کہ دھارمک ناگ آھنسک ھی نہیں رھتا سدا ، نس بھی لیتا ہے آچانک ، مگر اُس کا درهی البیس ، وہ تو اُس کی نطرت ہے ،

ناک جب تستا ہے تو هنسک کہلاتا ہے اور جب هنستا ہے تو امنسک ہوتا ہے۔ اُس سمہواکلنا سندر اور چریبی معلوم ہوتا ہے! اُس کا منسلا بھی خطرے سے خالی نمیس وقا ہنستے ہنستے جان لیتا ہے اور کھیلتے کھیلتے جام پی جاتا ہے کسی کے بھی پران کا اُس پر بھروستہ غلط م بھروسے کی چھڑ تو ملتیتہ بھی تبھی؛ رہ تو پھر آخر کھڑا ہے۔

منشیہ بھی نستا ہے اُرشیہ پر سرپ اُور منشیہ کے تسنے تسلے میں اُنتر کے . بھاؤ بھاؤ میں انتر ہے .

سرپ قستا ہے اپنی جات باعرکسی بھی پرانیکو' اور منشقتہ قستا ہے اپنی ھی جانت کو' یعلی آدمی آدمی کو ، یہی اِس کی وہ وشیشتا ہے جس کے کارن اِس نے بربرتا کو جیتا ہے اور وضیے پراپت کی ہے حیوانوں کی خو خصات پر

श्रास्तीन में साँप

भाई अब्दुल हलीम चनसारी, चारिटस्ट

जैसे अमन में जंग-रंग में भंग-मन्दिर में पाप-यह केवल सियासत की बात कि आसतीन में साँप.

सियासत हमेशा सेवा और प्रेम का दम भरती रहती है. कितनी सुन्दर होती हैं उसकी भावनाएं और कितने लुभावने होते हैं बसके प्रेम भाषणा सियासी स्टेज पर.

जैसे किसी पिक्चर हाउस के फिल्मी परदे पर मृटी

मुहब्बत के बनावटी अदाकार !

जैसे समाज सुधार के नाटक और प्रेम प्यार के फूटे किरदार !

सफ़ेद आस्तीन की लम्बी गुफा में रहने बाला सर्प राज-नीति की बीन पर प्रेम की रागिनी से कितना आनन्द लेता है भीर गोल कुन्डल पर बैठा पहरा देता है. केवल उसके फुंकार की दहरात और विष का भय मनमानी कराने के लिये काकी होता है. इनसानियत के साथ प्रेम और हमदर्दी के कारण हमारी यह ग्रुभ कामना कभी-कभी दिल से निकले बिना नहीं रहती कि उस आसतीन का भिटक देना ही उचित है.

जैसे धन के ढेर पर साँप नाथ लहराते हैं, इसी तरह राज्य के संघ पर नाग नाथ पहरा देते हैं. राज्य का भन्हार केवल धन का ही नहीं होता. उसका भन्डार भिन्न भिन्न प्रकार का होता है. यह कहना अनुचित नहीं कि आज के समय जबकि नए-नए टैक्सों की भरमार है, भूमि का कण-कर्ण भन्डार है और मनुष्य का अंश-अंश धन है राज्य के सिकट.

जान की रक्षा सब से अधिक अक़लमन्दी की बात है

और शत्रु की मित्रता बड़ी नादानी !

एक रात्र को जियादा दिन मुहलत देने से एक के दो होते हैं, और दो के चार. अब भी कितने रंग बिरग के सर्प छुपे हुए हैं, मतमेद के सूराकों में, साम्प्रदायिकता के सारा में, और राजनीति के पिटारों में. इनकी जबान का बारीक भीर जहरदार करेन्ट पेटम से कम नहीं, इसिल्ये कि जान लेना दोनों का मकसद है.

पक नागिन सैकड़ों अन्दे देती है, उन अन्दों से सैकड़ वच्चे निकालती है. उनसे कितनी नसलें बनती हैं. कितनी पीदियां चलती हैं जो रेंगती फिरती हैं धरती के ऊपर भी श्रीर मीतरभी और फुंकारती रहती हैं इफर उधर, जिससे वातावरण पहरीला होता है-कितने ही ग्राफिल और लापरवाह लाग ब्तुवरों के वेरे में आ जाते हैं, साँपों की रस्सी के नाले में बँघ जाते हैं. नई नसलें एनको अपनी निगरानीमें रखते हुए अपनी-अपनी

استين مين سائب

بهائي عبدالعطيم انصاري أرتست

جيسے أمن مهن جنگ—رنگ ميں بهنگ— ملدر ميں پاپسدیه کیرل سیاست کی بات که استین میں سائی .

سیاست همیشه سیوا اور بریم کا دم بهرتی رهتی هم . کتابی سلدر هرتی هیں اُس کی بھاؤنائیں اُور کتنے ابھاؤنے ہوتے هیں اس کے بریم بھاشوں سیاسی اِستیم بر .

جیسےکسی یکنچر هاؤس کے فلمی بردرے پر جورتی محبت کے بناؤتی اداکار!

جیسے سماج سدھار کے ناتک اور پریم پیار کے جہوتے کردار، سفید اُستوں کی لمبی گہا میں رہنے والا سرپ راجنیتی کی بین پر بریم کی راگئی سے نتنا آنند لیکا ہے اور گرل کنڈل پر بیٹھا پہرا دیتا ہے ، کبول اُس کے پھنکار کی دھشت اور رض كا بهم من مالي كوالے كے لام كادى عولا هے . إنسانيت كے ساتھ یریم اور همدردس کے کارن هماری یه شبهه کامنا کبھی کبھی دل سُمُ نُالَعُ بِنَا نَبِينِ رَمِنَى لَهُ أَسِ آسَتِينِ كَا جَهِتُكَ دَيِنَا هِي

جیسے دعن کے قدیر پر سائپ ناتھ لہراتے ھیں' اسی طرح راجیه کے سنکم پر ناگ ناته پہرہ دیتے میں . راجیه کا بهندار کیول دھن کا ھی ٹھیں ھوتا ۔ اُسِ کا بھندار بھن بھی پرکار کا هرتا هے ، يه نهنا أثرجت نهيں كه أج كے سے جب كه نيَّ نيُّه ٹیکسیں کی بھرمار ہے ، بھرمی کا دی کی بھنڈار ہے اور منشیع کا انھی آنھی دھی ہے راجیہ کے نہی ۔

جان کی رکھا سب سے ادھک علمادی کی بات فے اور شعرو کی مترنا ہوی الدائی ا

ابک شتروائو زیادہ دن مہلت دینے سالک کے دو ہوتے ہیں ا اور دو کے چار ، اب بھی؛ کتاہ رنگ ہرنگ کے سرپ چھھ ھوٹے ھیں؛ مت بیری کے سورآخوں میں؛ سا پردایکٹا کے غاروں میں؛ . اور راجنتی کے یتاروں میں ، اِن کی زبان کا باریک اور لہردار كرينت أيتم سے كم نهيں' اِس لله كه جان لينا درنين كا مقصد ھے ۔

ایک ناگن سیکوس انڈے دیتی ہے اُن اندرس سے سیکون بجے نکائتی ہے اُن سے کتنی ٹسلیں بنتی میں ، کتنی پیرومیاں چاتی ھیں جو رینکتی پھرتی ھیں دھرتی کے آریر بھی اور بهندر بهي . اور يهنكارني رمتي هيس إدهر أدهر عس سے وأقاورن زهريلا هوتا هـ سائقاء هي غافل اور اليروأه لوك خطوول كي كهير م میں آجاتے میں' سانہیں کی رسی کے پالے میں بلدھ جاتے هُ وَ. نَتَى نَسَاهِ أَن كُو أَيْنَى نَكُوانَى مِينَ وَلَهُمْ هَوْلُمُ أَيْنِي أَيْنِي

हेरात की घाटी में 'ताजिकों' की काकी बड़ी आबादी है. ताजिक मुल्क के बहुत पुराने बारितन हैं और अक्तानों के बाद इन्हों की आबादो सब से ज्यादा है. आजकत यह .ज्यादातर अकतानिस्तान के धुमाल में रहते हैं सासकर हेरात सूचे में जहाँ वे कुल आबादी के 24 कीसरी हैं; काबुल सूचा (23.8 .फोसदी), कताधान-बदखशाँ सूचा (46कीसदी) मजरा शरीक सूचे में (23.7 .फीसदी). वे दिन्दूकुश, गोरबन्द, पंजर्श, नेजराब, नूरस्तान और स्रोगर की पहादियों में भी रहते हैं.

ताजिक मेहनतकश आदमी हैं. लेकिन वे ज्यादातर किसान हैं और जमीन के छौटे-छोटे टुक्कों पर काम करते हैं. यह लोग चेरीकर कहलाते हैं और बहुत गरीकी में रहते हैं. सूखी या ताजा मलघरी ही उनकी खूगक है. बहुत से गाँव में ज्वार का दलिया, जिसमें घास भी मिली रहती है, बहुत जायके से खाया जाता है. हरीकद और बालामरिशव की घाटियों में और उनके जन्म में भी किसानों को लकदी के हलों से जमीन जोतते हुए देखा जा सकता है.

किसान अफ्गानिस्तान की आबादी के 70 कीसदी हैं, लेकिन उनको सिर्क दो-तिहाई हैक्टर जमीन की शक्स मिसती है.

खेती की जाने बाजी जमीन का रक्तवा 15,00,000 है, जिसमें से 9,00,000 बड़े जमींदारों के पास है, बाक़ी सुस्लाओं के पास है. 60 की सदी किसानों के पास या तो कोई जमीन नहीं है और किसी के पास है भी तो बहुत कम.

'स्तीकन्द्या' नामी इलाकों में, जोकि ग्रुमाली अफ्गा-निस्तान में हैं, इजारों दैक्टर, जिनमें कि सामेदार लोग काम करते हैं, उन्हें गरले का दर नवाँ गट्टा मिलता है. यह लोग अपना नवाँ हिस्सा या अच्छी फसल होने पर पाँचवा हिस्सा पाने के लिये शबो रोज काम करते हैं, कुदालियों से जमीन खोदते हैं. इस तरह के कान्नों से खेती की तरककी नहीं हो सकती.

अफ़्सानिस्तान की जिन्दगी इसी तरह चलती रहती है लेकिन जाना बदोशों के तम्बुओं में पुराना अमन ही क्रायम है. हर नये अप्रैल के महीने में ग्वाले और उनके जानवरों के सुन्छ अपने सफ़्र के लिये रवाना होते हैं, जैसा कि सिंद्यों से करते आये हैं. हर बसन्त को यह जफ़ा क्श और मेहनतकश क्राफ़िला शुमाल की जानिब कूच करता है, जबकि खिलां इसे बापस अपने पहले की जगह पर ले आती है. فرات کی گیائی میں فتارکی کی گئی بڑی آبادی آبادی کے بعد تارک ملک کے بہت برائے باشادے میں اور انباتیں کے بعد انبات کی آبادی سب سے زبادہ کے آجال یم زبادہ تو انباتستان کے شمال میں رمقے میں خاصار هرات صوبه میں جہاں رے کل آبادی کے 34 فیصدی میں؛ کابل صوبه (8، 28 فیصدی) کابل صوبه میں دخشان صوبه (46 فیصدی) مرعه شریف صوبه میں (23،7 فیصدی) . رہے مدروکش گریفان پلجرش نبیجرش نبیجرش نبیجرش نبیجرش نبیجرش نبیجرش میں بھی

قلزک محملت کھی آدمی ھیں ، لیکن رے زیادہ تر کسان ھیں اور زمین کے چھڑئے چھوٹے ٹکڑوں پر کام کرتے تھیں ، یہ لوگ چیویکر کہلتے ھیں اور بہت غریبی میں رھتے ھیں ، سوکھی یا تازہ ملبوی ھی اِن کی خوراک ھے ، بہت سے گؤں میں حوار کا دلیا ا جس میں گہاس بھی ملی رھتی ھے بہت ذایقہ سے کھایا جاتا ھے ، ھرہ ود اور بالاسرغب کی گھائیوں میں اور اُن کے جنوب میں بھی کسانوں کو لکڑی کے ھلوں سے زمین جوتتے ھوئے دیکا جا سکتا ھے ،

کسان افغانسکان کی آبادی کے 70 فیصدی هیں' لیکن آن کو صرف در تھائی هیکڈر ومین فی شخص ملتی ہے ،

کھیتی کی جانے والی زمین کا رقبہ 15,00,000 ہے جس میں سے 9,00,000 ہڑے زمیداروں کے پاس ہے باقی ملاؤں کے پاس اور کوئی زمین کے پاس یا تو کوئی زمین نمیں ہے اور کسی کے پاس ہے بھی تو بہت کم .

'اطیفادید' قامی علاقی میں' جو که شمالی آفغانستان میں ھیں' ھوارں ھیکٹر' جن میں که ساجهدار لوگ کام کرتے ھیں آنهیں فلد کا در قرآن گٹیا ملتا ہے ۔ یہ لوگ آپنا قرآن حصہ یا آجھی فصل ھرنے پر پانچواں حصہ یائے کے لئے شب و روز کلم کرتے ھیں' کدالیوں سے زمین کوردتے ھیں ۔ اِس طرح کے قانوقوں سے کہتے کی ترقی فہین ھو سکتی ۔

افغائستان کی زندگی اِسی طرح چلتی رهتی هے ایکن خانهبدوشوں کے تمبروں میں پرانا اُمن هی قایم هے ، هر نئے اپریل کے مهیئے میں گرائے اُور اُن کے جانوروں کے جہند اپنے سفر کے لئے ووائد هوئے هیں، جیسا که صدیوں سے کرتے آئے هیں ، هر بسامت کو یہ جفادهی اور متحات کھی قائله شمال کی جانب کہے کرنا هے، جب که خزاں اُسے واپس اپنے پہلے کی جگه پر لے کہے گرتا ہے ،

सशरिकी अक्षरानि जीतियों ने अपने खास क्रिस्म के जग्हरी प्रशासनी रावल को कायम रखा है—मगर मगरिकी जातियों, खासकर शिल्लाई और दुरोंनी फिरकों का क्रवीली तआडुन टूट रहा है और वनमें धमीरों और जागीरदारों का जोर बढ़ रहा है, यह जातियों अब खानावदोशी छोड़कर सिचाई वाली जमीन पर आवाद हो रही हैं, क्रवीलों के ऊँचे खान्दान तमाम जमीन पर क्रव्या कर लेते हैं और क्षिके के सरदार बन जाते हैं. यह ऊँचा तबक्रा धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है, इससे क्षवीले वालों को नुक्षसान है, यह सरदार खान वन गढ़रियों से ऊन खरीद लेते हैं जिन्हें चन्होंने खधार देकर क्षवंदार बना दिया है, यह खान सरकार के लिये टैक्स भी वसल करते हैं.

क्रन्धार से .फराइ सक का सफ्र गर्मियों के दिनों में बरदारत नहीं किया जा सकता क्योंकि गर्मी बहुत सकत पढ़ती है. मगर बसन्त की शुरूआत में यह जिले बहुत ख़ुशनुसा हो जाते है. गरिश्क के नजदीक गहरी हिस्मन्द घाटी को यह सड़क पार करती है. 'दिलाराम' नामी जगह के पास से याकुआ नामी रेगिस्तान शुरू होता है. इधर अब खानाबदोशों के तम्बू भी बहुतायत से लगने लगे हैं.

कराह नामी स्वाई दावलसस्तनत, जिसका पहले कैदरा कहते थे, पहले एक तहजीबी सरकज था. इसके जनूब में दस्तम का मशहूर शहर निमरोज है. पुराने जमाने में यह हिस्सा सीस्तान के नाम से मशहूर था, यहाँ बहुत सी सिंचाई की नहरें थीं खौर यहाँ की खेती भी बढ़ी चढ़ी थी. इसका सबसे .ज्यादा उक्त यूनानियों के वक्त में हुआ था.

लेकिन मंगोलों ने सब कुछ बरबाद कर दिया. आसिरी हमला तैमूर लन्म के जरिये किया गया, जिसने हिलमन्द्र दिया के सब पुरतों और सब सिंवाई की नहरों को बरबाद कर दिया. नतीजा यह हुआ कि रेगिस्तान सीस्तान को पार कर तमाम इलाक़े में फैल गया और आज .फराह की हालत अजहद काबिले रहम है.

फ़राह से श्रुमाल की तरफ जाते हुए, हम काले तम्बुओं (खानाबदेशों) के इलाक को छोड़कर उन जिलों में दाख़िल होते हैं जहाँ पश्तो नामी अफ़राानी जबान बहुत कम सुन पड़ती है.

इम एक पहाड़ी सड़क पर चलकर शुमाली अफगानि-स्तान चले जाते हैं, जहाँ इम हेरात की खरखेज घाटी में इकते हैं. अफगानिस्तान का चौथा नम्बर का शहर हेरात इस घाटी के ठीक वस्त में है, जो लम्बाई में 120 क्लोमीटर और चौड़ाई में 30 क्लोमीटर है.

हेरात की पुरानी शान चली मई है. शहर की आवादी आब 25,000 आदमियों से .ज्यादा नहीं है, लेकिन यह एक पुरतेनी रिवायत है कि मंगोलों के हमले के पहले हेरात की आवादी दस लाख थी. معوقی انغای جانوں نے لیے خاص قسم کے جنہوری ولحیایتی شکل کو قایم رکھا فلسسٹر مغربی جانوں خاص کو فلفائی اور خاترانی نوق رکھا فلفائی اور جاگیرداروں کا زبر بڑھ رھا ہے ۔ یہ جانیاں اب خالت بدوشی چھر کو سنجائی والی زمیں پر آباد ھو رھی خالت بدوشی جھری کے آونچے خاندان تمام زمیں پر قبقت کو لیت میں اور قبطے کے سردار بین جاتے میں ۔ یہ آونچا طبقت دھیرے دھیرے بڑھتا جا رہا ہے ۔ اِس سے تبیلے والوں کو نقصان ہے ۔ یہ سردار خان آن گذریوں سے آون خوید لیتے میں جانید اُنھیں میردر خان آن گذریوں سے آون خوید لیتے میں جانیدں آنھیں مردار خان آن گذریوں سے آون خوید لیتے میں جانیدں آنھیں ہے آدھار دیکر قرضدار بنا دیا ہے ۔ یہ خان سرکار کے لئے ٹیکس بھی وصول کرتے میں ۔

قلدهار سے فراح تک کا سفر گرمیوں کے دنوں میں برداشت لیمیں کیا جا سکتا کیوئکہ گرمی بہت سخت پڑتی ہے ۔ مگر پسلمت کی شروعات میں یہ فلمہ بہت خوشنا هو جاتے هیں ، گرشک کے نودیک گہری هلمندگهائی کو یہ سڑک پار کرتی ہے ، ادائرام نامی جگہہ کے پاس سے یاقوہ نامی ریکستان شروع هوتا ہے . اِدھر ایب خانهدرشوں کے تمبر بھی بہوتایت سے نکانے هیں ،

فرآج نامی صوبائی دارالسفطت جس کو پہلے فیدرہ کہتے ہے پہلے ایک، تہذیبی مر کز تھا ، اِس کے جنوب میں رستم کا مشہور شہر اسروز شے ، پرانے زمانے میں یہ حصہ سیستان کے نام سے مشہور تھا یہاں بہت سی سنجائی کی المویں تھیں اور یہاں کی کینتی بھی بڑھی چڑھی تھی ، اِس کا سب سے زیادہ عروج بونا المیوں کے وقت میں ہوا تھا ،

لیکن ملکولوں نے سب کچھ ہرباد کر دیا ۔ آخری حملت تیمور لنگ کے ذریعہ کیا گیا جس نے هلمند دریا کے سب پھٹوں اور سب سنچائی کی تهروں کو برباد کر دیا، تابجہ یہ ہوا که ریکستان سیستان کو پار کر تمام علاتے میں پھیل گیا اور آج فراے کی حالت ازحد تابل رحم ہے ۔

فرآے سے شمال کی طرف جاتے ھرٹے' ھم کالے تمبروں (خانہ بدوشروں) کے علاقے کو چھرز کو آن فلموں میں داخانے موتے ھیں جہاں پشتو نامی افغانی زبان بہت کم سن بوتی ہے .

ھم ایک پہاڑی سڑک پر چل کر شمالی آبنائستان چئے جاتے ھیں جہاں مرعرات کی زرخیر گھائی میں رکتے ھیں۔ آننائستان کا چہتھا تدبیر کا شہر ھرات آس کھائی کے تبیک وسط میں گئ جو لمبائی میں 30 گرمیٹر ہے ۔

दुनिया में ऐसा कोई मुल्क नहीं है आहाँ कि अफरानि-स्तान की तरह बाशिन्दों की साना बढ़ोश जिन्दगी में बदलाब हुए हों, तमाम साल भर जानवरों के मुन्द के मुन्द चरते रहते हैं और मुल्क की भीषार बाबादी हमेशा चरागाह ही हूँ हने में मशागूल रहती है, गर्मी के मोसम की गरमी जन्द के चरागाहों को मुला देती है, जिससे हजारों अफ़गान ग्रुमाल से जन्द और मशरिक से मगरिव तक हर साल चरागाहों की तलाश में भटकते रहने पर मजबूर होते हैं, मेड़ों, बकरों, और ऊँटों के बड़े-बड़ें मुन्द सदकों में भरे रहते हैं और उनके साथ उनका स्याह तम्बू और सीधा सादा सामान भी रहता है. अपने 'लानों' और बड़े -मूदों की देख-रेख में यह काफिले हमेशा चलते फिरते रहते हैं.

जब खिजाँ आती है तो यह क्राफिले अपने जाड़ों की बरागाहों की तरफ वापस बले जाते हैं. हरेक क़बीले और फिरक़े के अपने खास रास्ते हैं, और उन लोगों की खराबी होती है जो दूसरे क़बीलों के बरागाहों को छीनने की कोरिश करते हैं. अच्छे बरागाहों की कमी के सबब से कई जिलों में इस तरह के हथियार बन्द मगड़े हाते रहते हैं जहाँ पर हमलावरों के खिलाक हथियारों का इस्तेमाल किया जाता है.

यह जानाबदोश धीरे-घीरे घूमते हैं — कस्बों में ऊन, चमड़ा भीर कर बेचते हैं और बदले में रूई का कपड़ा, बाहद, कारतूस और राइफल जरीदते हैं.

प्यादासर लोग हथियार रखते हैं. जिन्दगी उनके लिये आराम की चीज नहीं है और वे हमेशा चौकने रहते हैं. उनकी मुश्किलात में उनकी बहादुर अकगान औरतें, माँ और बच्चे भी उनका साथ देते हैं. अपने शहर की बहनों की उरह गाँव की अकगानी औरतें अपनी खानाबदोशी में पर्वे का इस्तेमाल नहीं करतीं.

अफ़राान एक .खूबसूरत और मेहनतकश क्रीम है. वे लम्बे मखबूत पट्टों बाले, नपे तुले सिडील क़द के और बुँघराले बालों बाले होते हैं.

अफ़्सान अपनी आजादी की मोहज्बस के लिये मशहूर हैं. युद्दे अपनी लड़ी गई पुरानी लड़ाइयों को बयान करने के लिये हमेशा सैयार रहते हैं.

अफ़राानिस्तान ने बरतानिया से तीन खड़ाइयाँ लड़ी. 1838 42 की ज'ग में अंग्रेजी .फीजों हारीं. दूसरी लड़ाई 1878-80 में हुई. इस जंग के नतीजे की शकल हैं अफ़राानिस्तान बरतानिया के पूरे क़ब्जे में ,नहीं तो मातेहती में तो आ ही गया. सन 1919 में लड़ी गई तीसरी जंग से, जिसमें अफ़राानिस्तान के साथ सोवियत हुस की .फीजों भी थीं, अफ़राानिस्तान को आजादी मिन्न गई. جب خواں آئی ہے تو یہ قائلے آپنے جاورں کی چراگلیں کی طرف واپس چلے جاتے ہیں۔ ہر ایک قبیلے اور فرقے کے اپنے خاص راستے میں اور آن لوگوں کی خرابی ہوتی ہے جو دوسرے قبیلوں کے چراگلموں کو چھینلے کی کوشش کرتے ہیں۔ اچھے چراگلموں کی کمی کے سبب سے نئی ضلعوں میں ایس طوح کے متیار بلد جھاڑے ہوتے رہتے میں جہاں پر حمله آوروں کے خاف متیاروں کا اِسمال کیا جاتا ہے۔

یه خاله بدوهی دههرے دههرے گهرمتے هیں۔ تصبوں میں اُون چمڑا اور نو بیچتے هیں اور بدلے میں روئی کا کھڑا بارود کارتوس اور رائش خریدتے هیں ،

وَبَادَةُ تُو لُوكَ هَيْهِا رَكِبَتُ هَيْنَ ، وَتَدَكَّى أَنَ كَمَ لَيُم أَرَامَ كَى چَيْرُ نَهِينَ هِي اور وح هميشة چوننه رهته هين ۽ أن كي مشالات ميں ان كي بهامر أنفان عورتين' مان اور بنچے يهى أن كا ساته ديته هين، أَيْنَ كَي اَفْنَانَى عورتين ديته هين، أَيْنَ شَهْرَ كَي بهنون كي طرح كُلُون كي اَفْنَانَى عورتين أَيْنَى خَانَةُ بَدِيشَى مِينَ يُردَّمَ كَا لِسَعَمَالُ تَهِينَ وَتَهِنَ ،

انفان ایک خوبصورت اور محدت کش قوم هے ، و لمید مضبوط پتین والی نهم تلے سدول قد کے اور گھنگورالے بالوں والے هدت هدر .

اندای آبای آزادی کی محصت کے لئے مشہور ھیں ۔ برزھے آپنی نوٹی گئی پرانی اوائیوں کو بیان کرنے کے لئے ھیشت تیار رھتے ھیں ۔

انیانستان نے برطانیہ سے تین لوائیاں اوس، 48-8 18 کی چنگ میں انکریزی فرجیں ھاریں ، درسری لوائی 2-1878، میں ھوئی ، اِس جنگ کے فائیجے کی شکل میں انتانستان برطانیہ کے پورے قبلے میں نہیں تو مانتحکی میں تو آھی گیا ، سی 1919 میں اور گئی تیسری جنگ سے جس میں انتانستان کو ساتھ ھی سرویت روس کی فرجیں بھی تھیں' انتانستان کو آئی۔

रायानी पहले चनेजाता के जाति और बाद की अमीर हुसेन के जारिये बरबाद कर विकाशया था. इस बोट से कमजोर होकर राहर का जाता हो बला है, उसकी पुरानी चमक-दमक के आखिरी निशान कुछ दूदी हुई शानदार कमें और एक प्राना किला ही रह गये हैं.

ग्रंजनी सूबे में अप्यान कीम का 16,25,000 आबादी बाला ग्रिल आई किरका रहता है. हजाराजात तक सारा ग्रंजनी का पठार इन्हीं जातियों से बसा है, जिनका पेशा जराअत और गोदाम इकट्टे करना है, मगर वहाँ मिट्टी की बहुत कभी है और गिल जाहयों में से एक हिस्सा हर साल जानाबदाशी के लिए भारत की तरफ निकल जाता है. और भी जन्द की एक और बड़ी, फैली हुई घाटी में मुल्क का पुराना हारलसल्तनत क्रन्थार है. यहाँ की हरारत सदा जाड़ों में भी पानी जमने की हरारत से ज्यादा नहीं धटती, क्रन्थार जन्दी और जन्दी-मगरिबी अफ्गानिस्तान का एक बड़ा तिजारती मरक्रज है. काबुल जाने बाली सड़कों और हरात को भारत से मिलाने बाले रास्तों का भी यह मरक्ज है.

क्षन्धार और काराह सूबे जिनके जरकेज नखिलस्तान हेलमन्द, अरान्दाव और फ्राहरूद की घाटियों में हैं, 14,40,000 आबादी वाले दरूदी किरक के हैं—जोकि मुल्क के हकूमत करने वाले अफराान फिरकों में से सब से जबरदस्त हैं. इसी फ्रिके में से हकूमत करने वालों और ऊँच ओहदों के सरकारी काम करने वालों को छाँटा जाता है.

राजनी से कन्धार जाने वाली सड़क से गुजरने पर हम किसानों को अपने छाटे से खेतों को अपने लकड़ी के हलों से जोववे या परथर और लकड़ी की छुदालियों से खोदते देख सकते हैं. सार जनूबी अकग्रानिस्तान की (हजाराजात की पहाड़ी तलहिटयों का छोड़कर) खेती सिचाई के ऊपर गुनहसिर है, मगर सिंचाई बड़े ही पुराने करीकों से होती है, वे पुराने बाँध, जिन्होंने यहाँ सिंचाई से बड़े-बड़े जरके ज नखिलस्तान बना दिये थे, अब नहीं रहे. नये बाँध बनाये भी नहीं जा रहे हैं. एरिया और पराकोशिया के तवारीखी मशहूर शहरों के आज खंडहर ही वहाँ नजर आते हैं, पुरानी बस्तियों के खंडहर भी रेत से पटे जा रहे हैं.

क्रम्बार से फराइ जाने वाली सदक पर भेड़ों के बड़े -बड़े मुन्ड चरते हैं. काली पगड़ी और ढीले लबादे पहने अफ़राज़ गड़रिये एन्हें चराया करते हैं.

मुस्क की माली जिन्दगी में जानवरों का पाला जाना भी खास धाहमियत रखता है क्योंकि क्सके जरिये बहुत सा कच्चा सामान जैसे उन, चमदा और काराकुत दरामद के जिमे पैदा होता है. قولی پہلے جاکو خان کے فرید اور بعد کو آنچو حسول کے فریدہ برباد کو دیا گیا تیا ۔ اِس چوٹ سے کوور ہو کو شہر کا ذوال ہو چلا ہے اُس کی پرانی جدک دیک کے آخری انشان کچو گرائی ہوئی ہوئی ہاندار تبریں اور ایک پرانا قامه می رہ گئے میں ۔

فوتی صوبه میں افغان قوم کا 25,000 آبانی والا فیتی فوتی صوبه میں افغان قوم کا 25,000 آبانی والا فیتی فوتی رهنا هے ، هزارتجات تک سارا غزئی کا پتهار انهیں جانبیں سے بسا هے جن کا پیشہ زراعت آور گردام اِنهی کی بہت کئی هے اور غلقائیوں میں سے ایک حصه هر سال خانه بدوشی کے لئے بھارت کی طرف نکل جاتا هے ، اور بھی چنوب کی ایک اور بیتی کی بیعلی هوئی گھائی میں ملک کا پرانا دارالسطنت قلدهار هے ، یہاں کی حرارت سدا جانوں میں بھی پائی جملے کی حرارت سے زبادہ نہیں گیتی ، قلدهار حیارتی وارد میں بھی پائی جملے کی حرارت سے زبادہ نہیں گیتی ، قلدهار حیارتی سرکن میں بھی پائی جانے والی سرتوں اور هرات کو بھارت سے ملانے والے والی سرتوں اور هرات کو بھارت سے ملانے والے والی بیتی یہ مرکن هے ،

قندعار اور قاراح صوبے جن نے زرخیز تخلستان عیلمندا 14,40,000 نوا -رود کی گھائیوں میں میں میں 14,40,000 آرفنداب اور فرا -رود کی گھائیوں میں میں کے حکومت کرنے والے انفان فوقوں میں سے سب سے زبردست میں ، اِسی فرقد میں سے حکومت کرنے والوں اور اُرتیجے عہدوں کے سراباری کام کرنے والوں کو چھائی جاتا ہے ،

فوتی سے قندھار جانے والی سرک سے گذرنے پر عم کسانوں
کو آپنے چھوٹے سے ایدیوں کو آپنے اکری کے هلوں سے جونتے یا پتھو
اور لکری کی گدالیوں سے کھردتے دیکھ سکتے میں ، سارے جنوبی
امیانستان کی (هزارة جات کی بہاری تاہدیوں کو چھوڑ کر)
کھیٹی سنجائی کے آوپر ماندیو ہے، مگر سنجائی بڑے می پرائے
طریقیں سے مرتی ہے، ورے پرانے باندہ، جنھوں نے بہاں سنجائی
سے بڑے برے ورخیز نخاستان بنا دیئے تھے، آپ نہیں رہے ،
تہریخی سمہور مشہور نے آپے کھاندر می وہاں نظر آتے میں،
برانی بستیوں کے کھاندر می رہت سے پتے جا رہے میں ،

قلدهار سے فراح جانے والی سڑک پر بھتروں کے بڑے بڑے ہوے ہوں جھیڈ چوٹے میں ۔ کالی پکڑی اور تعظے لبادیم پہلے اُفغان گذریے اُنھیں جرایا کرتے ہیں ۔

ملک کی مالی زندگی میں جانوں کا پالا جانا بھی خاص اهمیت رکھنا کے کیونکہ اُس کے فریعہ بہت سا کتھا سامان جمعید اُرن چموا اور کرائل درآمد کے لئے پیدا ہوتا ہے۔ अफ़रान जातियाँ खास तौर पर जन्द की तरक पाई जाती हैं, जबकि हिन्दूकुश के ग्रुमाल में मुक़ीम मुल्क के बाक़ी हिस्से में, अफ़रान ग्रुमार में कम व थोड़े ही हैं.

अक्रगानी चार खास हिस्सों में बँटे हैं—शरबानी, रिक्लाई, कैरलानी और गरशत. इनमें से भी हर शाख़ कई फिरक़ों, खान्दानों और बढ़े या छोटे क्रबीलों में तक्रसीम हो गई है. मग़रिबी गिराह के खान्दानी क्रबीलों का हकूमतीइन्त-जाम पुश्तेनी, 'खान' गामी अफसर करते हैं. लेकिन मशरिकी कैरलानी गिराह झाज भी बढ़े बृद्धोंके पचायती गिरोह जिन्हें 'जिगी' कहा जाता है, क्रबीलों की तनजीम करते हैं.

अकरातिस्तान एक शाही ख़ुब्मुस्तार मुल्क है. यहाँ का शाह, जो साथ ही साथ तमाम की जी दस्तों का कमान्डर-इन-चीफ भी है, यहाँ का सब से ऊँचा हाकिम है. यहाँ की पार्लीमेंट में दो चेन्थर, एक हकूमता मजलिस, जिसके नुमाइन्दे रियाया चुनती है और एक सिनेट होता है जिसके मेन्बर ख़ान्तानी अमीरों और सरदारों में से शाह की राय के

" मुताबिक चुने जाते हैं.

कानून के जरिये पालीमेंट को बिल पेश करने व पास करने की आजादी है. उसके जरिये सरकारी कानून भी बनाये जाते हैं और मुलहनामों को मंजूर करने का हक भी उसी को है. दूसरे लक्जों में पालीमेंट को कानून बनाकर बजीरों को उनके मुलाबिक हकूमत के लिये जिम्मेदार बनाना है, पर अस्लियत में कानूनी मजलिस में ऐसे कायदे भी हैं, जिन्होंने पालीमेंट की ताक्कतों को महदूद कर दिया है जैसे कि कानून में यह भी है कि हकूमतो नुमाइन्दों की मजलिस के कैसले सरकारी पालिसी या इस्लाम के खिलाफ नहीं होने चाहियें. पालीमेंट सरकार के ऊपर अदम ऐत्माद की वजवीज नहीं पास कर सकती और न बजीरों की मजलिस के इस्तीके की ही मांग कर सकती है. तमाम बजीर बजीर आजम की राय से शाह के जिये कायम किये या निकाल जाते हैं.

इस बक्त जाहिरा तौर पर अक्र ग्रानिस्तान ने भारती हद के 'आजाद क़बीलों' की दिकाजती पालिसी को छाड़ दिया है. इन क़बीलों के कुछ सरदारों का यह ऐतबार है कि बरतानिया न अक्र ग्रानिस्तान को उनके खिलाफ करने के लिये कुछ माली रियायतें दी हैं जिनमें अफ ग्रान माल के भारत से हाकर गुजरने देने की मंजूरी और उस मुल्क से स्यादा तिजारत करने की मंजूरों मी शामिल है.

अगर यहाँ पर देखा जाये कि अक्रतानिस्तान की प्रयादातर दरामद भारती हद के अन्दर से ही होती है ता

राय मजकूर दुइस्त मालूम देती है.

काबुल से जन्म की तरफ मुद्दकर, कुछ घन्टों के सफर के बाद राजनी नामी सूबे के राजनी नामी मरकज में धी पहुँचते हैं. महमूद राजनवी के बक्त में राजनी ही मुस्क का दोडल सस्तानत था. उसकी शोहरंत की शुरूकात दसवी सदी में ही हो गई थी, जबकि वह जनूबी-मशरिक्री ईरान की सिसासल का मरक्रा था.

افغان جانیاں خاص ماور پر جانب کی طرف بائی جانی میں میں متیم مرک کے باقی حصے میں افغان شمار میں کم و نہرے کی دیں۔

افغانی چار خاص حصون وی بنتے هیں سشربانی غلقائی کیرانی اور گرشف این میں سے بھی هر شانے کئی فرقوں خاندانوں اور بڑے یا چھوٹے تبیلوں میں نقسیم مو گئی ہے ، مغربی گروہ کے خاندانی قبیلوں کا حکومتی انتظام پشتیلی مغربی نامی انسر کرتے هیں ، لیکن مشرقی کیرانی گروہ میں آج بھی بڑے بوزهوں کے پنچایتی گروہ جنھیں 'جرگ کہا جانا آج بھی بڑے بوزهوں کے پنچایتی گروہ جنھیں 'جرگ کہا جانا آج بھی کرتے ہوری کی تنظیم کرتے هیں ،

انهانستان ایک شاهی خودسختار ملک هے یہاں کا شاه جو ساتھ هی ساتھ تمام فوجی دستوں کا کماندر-ان-چیف بھی هے یہاں کا سب سے اُونچا حاکم هے یہاں کی پارلیمنٹ میں دو چیمبرا ایک حکومتی مجلس جس کے نمائلدے رعایا چنتی هے اور ایک سنیٹ هوتا هے جس کے مهمبر خاندانی امیروں اور سرداروں میں سے شاہ کی رائد کے مطابق چند جاتے ھیں ،

قائوں کے ن یعم دارلیمینت کو بل پیش کرنے و پاس کرنے فی آزادی ہے ۔ آس کے نریعم سرکاری قانوں بھی بنائے جاتے ہیں اور صلحتالموں کو منظور کرنے کا حق بھی آسی کو ہی مطابق حکومت کے لئے زمندار بنانا ہے ، پر اصلیت میں فانونی مطابق حکومت کے لئے زمندار بنانا ہے ، پر اصلیت میں فانونی مجلس میں آیسے قاعدے بھی ہیں جنھوں نے پارلیمنٹ نی طافتوں کو محدود کر دیا ہے جیسے که فانوں میں یہ بھی ہے کہ حکومتی نماندوں کی مجلس کے نیصلے سرکاری پائیسی یا اسلام کے خلاف نمیں ہوئے چانئیش ، پارلیمینٹ سرکار کے آویر محلس کے اسلام کے خلاف نمیس ہوئے چانئیش ، پارلیمینٹ سرکار کے آویر محلس کے اسلام کے اسلام کی تورید فریر کی محلس کے اسلام کے اسلام کی دیما موادر دوروں کی محلس کے اسلام کے دیما موادر دوروں کی محلس کے اسلام کے دیما موادر دوروں کی محلس کے اسلام کی دائی ہانے کی جانے میں ،

اس وقت طاہرہ طور پر اندانستان نے بھاؤتی حد کے ^وآواد قبیلوں' کی حفاظتی پالیسی کو چھور دیا ہے ، اِن قبیلوں کے کچھ سردازوں کا یہ اعتبار ہے که برطانیه نے اندانستان کو اُن کے خلف کوئے کے لئے کچھ مالی رعایتیں دی ھیں جن میں اندان مال کے بھارت سے ھو کو گذرئے دیئے کی منظوری اور اُس ملک سے زیادہ تجارت کرنے کی منظوری ھی شامل ہے ۔

اگر یہاں پر دیکھا جائے کہ افغانستان کی زیادہ تر سرآسد بھارتی حد کے اندر سے ھی ھوتی ہے تو رائے مذکور درست معلوم دیکی ہے ۔

گابل سے جارب کی طرف مرکز کچے گھنڈں کے سنو کے بعد غزنی انامی صوبہ کے فرنی نامی مرکز میں ھی پہرائچتے ھیں ، محصود غالوی کے وقت میں غزنی ھی ملک کا دارالسلطنت تھا ۔ اُس کی شہرت کی شہرعات دسریں صدی میں ھی ھو گئی تھی جب کہ وہ جاربی مھرتی ایران نی میاست کا مرکز تھا ۔

जन्द की तरक यह स्वा जन्दी इलाके के दिस्से से

मिला हुआ दे जिसमें अफराानी पहाड़ी बारीन्दों की,जाडजी,

मनाल, जाड़न, द्वेंशलेल, कज़ीरी वराँ रा जातियाँ बस्ती

हैं. इन पहाड़ी गाँवों में बड़ी छरीबी हैं. यहाँ की मिट्टो की

तोल सोने के बराबर है, क्योंकि लोग इसे हाथ और सर में

भर और रखकर ऊँचे पहाड़ों में अपने चट्टानी केतों तक

ले गये हैं. अपने इस अन्थक मेहनत से भी लागों की गुजर

नहीं होती और कवीले के कवीले .खूराक हासिल करने के

लिये भारत की तरफ चल पड़ते हैं.

मशरिकी और जन्दी स्वा उन जंगजू अक गान जावियों के रहने के इलाके हैं जोकि कोह सुलेमान से इधर चली आई हैं. शुमाल और मगरिव की तरफ बढ़ कर इन जावियों ने बाहरी हमलावरों के रास्ते को रोक दिया और पहली अफ गान रियासत की बुनियाद डाली. जन्दी हद के पार भी कई जिले हैं जािक अफ गानों से आवाद हैं. यह कबीले, जोिक अपने मुस्क से अलग कर दिये गये हैं, 'आ जाद कबीलों के इलाके' नाभी अपनी सास अभीन में रहते हैं. एक सदी से वे अंगे जों के जिरये जीते जाने की कोशिशों का मुकावला करते रहे हैं. कितने ही खोटे-छोटे कीजी दस्ते इनका दबाने के लिये भेजे जा चुके हैं; चन्दे इकहे किये जा चुके हैं और उनके सरदारों को रिश्वत देकर फोड़ लेने की कोशिश भी हुई है, पर उनके हिकाजती मोर्चे को कभी नहीं लोडा जा सका.

अफग्रानिन्तान में आने वाले मुसाफिर यहाँ की जातियों और बाशिन्दों में फेली हुई बद्धन्छ जामी को देखकर दंग रह जाते हैं. यह इस मुल्क की जुगराफियायी हालत का ही नतीजा नहीं है, जिसने कि पिछले दिनों में कई तरह की जातियों के लिये रास्ता बनाया. इसका सबब कुछ हद तक बरतानवी नी-आवादयाती पालिसी भी है, जिसने इस मुल्क की हदों को भी क्रायम किया. बरतानिया अफग्रानिस्तान को एक बक्तर (ककावटी) रियासत बनाने पर तुला हुआ था. इस तरह उसकी हदों में ऐसे जिले भी हैं जहाँ तुर्कमानी, उजकेक ब ताजी जातियाँ रहती हैं, जबिक जनूब में 40 लाख से अलग करके हिन्दुस्तान और बलोविस्तान में मिला दी गई है. यह हिस्सा आजाद कवीलों का और बन्नू, पेशावर, कोहाट, ढेरा इस्माईल खाँ और भारती हजारा के शुमाजी सरहती सूचे में है.

अफरानिस्तान में रहने वाली खास जातियाँ अफरान (44,84,562), ताजी (21,06,000), उजवेक (8,02,000) और ह्जारा (8,67,000) हैं. बाकी रियाया तुर्कमानियों भार दूसरी रौर जातियाँ जैसे नूरस्तान, सैमिनी, फर्ज होइ, उमरोदी, तैसूरी, बलोची, अरब, हिन्दुस्तानी, तुर्की, यहुषी, स्वातीं. अर्थ और कपचाक लोगों से बनी है. چاوٹ کی طرف یہ مورث خاوبی عالی کے حصہ جہ ما جوا ہے ما جو اس جوا ہے ما جو اس جوا ہے حصہ جہ ما جوا ہے جس میں النائی پہلوی باشلوں کی حال جی مأال جوائی کی دریوں خیل وزیری وغیرہ جانیاں بستی ہیں اس لے کے پہلوی کاوں میں ہو اور رکھ کر آونچے برابر ہے کیونکہ لوگ آسے جانچ اور سر میں ہو اور رکھ کر آونچے پہلووں میں اپنے کھتروں تک لے گئے میں اپنے اِس انتھاک معطت سے بھی لوگوں کی گذر نہیں ہوتی اور قبیلے کے تبیلے خوراک حاصل کرنے کے لئے بھارت کی طرف چل پرتے میں ،

مشرقی اور جاہی صربه أن جانكجو أفغان جانهوں كے رهائه كے علاقے هيں جواكه كولا سايمان سے إدهر چلی آئی هيں . شمال أور ميرب كی طرف بره كو إن جانهوں لے باهری حمله أوروں كے راستے كو روك ديا أور يہلی افغان رياست كی بليان قالی ، جانوبی حد كے بار بهی كئی ضلعے هيں جو كه أفغانوں سے آباد هيں ، يه فبيلے ، جو كه أينے ملك سے انگ كر ديائے گئے هيں اأواد فبيلوں كے علاقے نامی إيلی خاص زمين ميں رهائے هيں . أواد فبيلوں كے علاقے نامی إيلی خاص زمين ميں رهائے هيں . الك صدى سے وے الكريزوں كے ذريعة جهائے جائے كی كوششوں كا مقابله كرتے رهے هيں ، كناء هي چهرائے جوجی دستے إن كو دبائے كے اللہ بهرجے جا چكے هيں ، چذد الله كئے جا چكے هيں أور أن كے سرداروں كو رشوت ديكر پهرز ليائے كی كوششيں بهر أن كے سرداروں كو رشوت ديكر پهرز ليائے كی كوششيں بهر أن كے سرداروں كو رشوت ديكر پهرز ليائے كی كوششيں بهر أن كے سرداروں كو رشوت ديكر پهرز ليائے كی كوششيں بهر أن كے شوگی هيں ، پر أن كے خطاطتی مورچه كو كبھی نبهاں تورا

افیاتستان میں آنے والے مسافر یہاں کی جاتیوں اور باشدوں میں پھیلی بدانتظامی کو دیکھ کر دنگ رہ جاتے ھیں۔ یه اِس ملک کی جنرانیائی حالت کا هی تتهجت نہیں هے؛ جس نے که یحچیلے دنوں میں کئی طرح کی جاتیوں کےلئے راسته بلیا ، اِس کا سبب تحج حد تک برطانوی نوآبادیاتی پالیسی بھی ہے؛ جس نے اِس ملک کی حدوں کو بھی قایم کیا ، برطانیہ افغالستان کو ایک بفر (روکارتی) ریاست بلانے پر برطانیہ افغالستان کو ایک بفر (روکارتی) ریاست بلانے پر میں جہاں ترکمائی ' آزبیک و تازی جاتیاں رهتی هیں' جب که جنوب میں 40 لاکھ سے زیادہ (41,78,500) افغانی دی گی ہے ملک سے الگ کر کے هندستان اور بلوچستان میں ملا دی گی ہے ۔ یہ حصم آزاد قبیلوں کا اور بنو' پیشارر' کوهات کہ جبرہ میں ہے ۔ یہ حصم آزاد قبیلوں کا اور بنو' پیشارر' کوهات فہرہ اِسمیل خاں اور بھارتی ہوارہ کے شمالی منربی سرحدی صوبہ میں ہے ۔

انبانستان میں رہنے والی خاص جانیاں انبان (44'84'562)؛
تازی (2,000'00' 21) ازبیک (2,000 00)،
اور موارد (8, 67, 000) میں ، باتی رعایا توکمانیوں اور دوسری فیر جانیوں جیسے توسیتان؛ طیملی، فرز کوہ، جمھیدی، تیموری، بلوچی، عرب، مندستانی، توکی، یہودی، کیائی، کود اور تیمواک لوگوں سے بنی ہے ،

हिन्द्कुरा का बड़ा पहाड़ मुस्क को दो हिस्सों में तक्स सीम कर देता है— ग्रुमाली और जन्दी, जिनमें कि जुरारा कियायी और आवादी से तास्तुक रखने वाला कर्क है. मुस्क के सब से बड़े जराश्रती नजलिस्तान ग्रुमाली अकग्रानिस्तान में ही हैं, जहाँ दरजनों जातियाँ और किरके आवाद हैं. यही हिस्सा जन्दी अकग्रानिस्तान को खूराक देता है जोकि चहानी और अकग्रान जातियों से बसी असर जमीन है!

सब से ऊँचे कोहिस्तान शुमाल-मशरिक में हैं, जहाँ कि समन्दर की सतह से तीन या चार हजार मीटर तक की ऊँचाई के बहुत से दर्रे हैं. हिन्दूकुश कोह अवाबा के नाम से आगे फैलकर आमू दरिया और सिंध के बीच के मैदान में पानी बाँउने बाबे का काम करता है. वस्ती अकग्रानिस्तान 'हजार जत' नाम के सकत बहाड़ी हिस्से से बना व धिरा है. मग्रिंच की तरक कोह अवाबा की पहाड़ी तीन सिलसिलों में बँट जाती है जोकि धीरे-धीरे लक्कबा, हलमन्द और रेगिस्ताब की चट्टानी और बालुदार जमीन में सच्दील हो जाती है.

श्रकग्रानी जातियों की पैदाइशी जगह भारत झुलेमान पहािश्यों के उस पार है. ब्लाबिस्तान चुग्रताई के पहाड़ों के

जनूब में है.

यह पहाड़ी सिलसिल मुल्क को अलग-अलग हिस्सों में तकसीम कर देते हैं, गांकि हाल ही में बनी सड़कों ने अलग अलग सूत्रों को एक धारों में बाँधने में मदद दी हैं—लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ है. शुमाली और जन्बी हिस्सों को मिलाने वाली एक खास कड़ी खाना-बदोश अफग़ान जातियाँ हैं, जोकि हर साल मुल्क को पार करती हैं और जन्ब से शुमाल हेरात, मेमाना और कथाधान-बदखशाँ के सूबों की तरक जाती हैं.

श्रक्त ग्रानिस्तान का मशरिकी सूबा भारती सरहद् से मिला हुआ है. इस सूबे का बस्त जलालाबाद का मैदान है. यहाँ की आब-हवा गरम है, जहाँ कि खजूर व गन्ने की खेती होती है. काबुल श्रीर की नार निदयों की घाटियाँ बहुत घनी आबाद हैं; पर शुमाल की तरफ नूरस्तान नामी पहाड़ है जो क सभी तक दुश्वारगुजार ही है.

नदी की घाढियों का छोड़कर इस सूत्रे की सारी जमीन अरक्षेज नहीं है और खेती सिर्फ पहाड़ों पर विखरे हुए अलग

अलग खेतों पर ही होती है.

मशरिकी सुवों की आवादी अकरान जातियों से बनी है जोकि कोह्यानी. शनवारी, मोहमन्द, सकी वरीरा नहल की हैं. इनमें से कुछ जातियाँ अभी भी सारों में रहती हैं. सुवाई मरकज जलालावाद ही यहां का एक कस्वा है. पेशावर से काबुल जाने वाले रास्ते पर आवाद यह जगह काबुल के अमीर तबके के लोगों की जाड़ों के रहने की जगह है. इसके छोटे शहरों में बहुत से खूबसूरत बारी को से विरे हुए शाही महल भी हैं. مدوکش کا برا پہار ملک کو دو حصوں میں تقسیم کو دیتا ہے۔ شمالی اور جنوبی جن میں که جغرانهائی اور آبادی سے نمائی کے سب سے بڑے زراعتی تعظسکان شمالی افغانستان میں جی جین جہاں دوجنس خطائان شمالی افغانستان میں حصہ جنوبی افغانستان کو خوراک دیتا ہے جو که چانی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے جو که چانی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے جو که چانی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے جو کہ جانوبی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے جو کہ جانوبی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے جو کہ جانوبی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے جو کہ جانوبی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے جو کہ جانوبی اور افغان جاتیوں سے بسی آرسر خوراک دیتا ہے۔

سب سے آونچے کوهستان شمال ، مشق میں میں جہاں که سملدر کی سطع سے تین یا چار ہزار میتر نک کی ارنچائی کے بہت سے درے هیں ، هادو کش کود آبابا کے نام سے آگے پہلے کو آمو دریا اور سادھ کے بیچ کے میدان میں پائی بائلے والے کا کام کرنا ہے ، وسطی انیانستان 'هزار جت' نام کے سخت پہاڑی حصہ سے بنا و گھرا ہے ، مغرب کی طرف کوہ آبابا کی پہاڑی تھی سلسلوں میں بات جاتی ہے جو که دهرے دهیرے دهیرے لقرہ هاداد اور ریکستان کی چائی اور بااودار زمین میں تبدیل ہو جاتی ہے۔

افغائی جاتیوں کی پیدایشی جگہت بھارت سلیمان پہاڑیوں کے جنوب کے اُس پار ہے ۔ بلوچستان چنتائی کے پہاڑوں کے جنوب میں ہے ۔

یہ پہاڑی سلسلے ملک کو آلگ آلگ حصوں میں تقسیم کر دیکے ھیں' کو که حال ھی میں بلی سرکوں نے آلگ آلگ الگ موہیں کو ایک دیائے میں باندھنے میں سدن دی ہے۔ لیکن حالث میں سدھار نہیں ھوا ھے شمالی اور جنوبی حصوں کو مائے والی ایک خاص کڑی خانہ بدوھی افغان جاتیاں ھیں' جو که ھر سال ملک کو پار کرتی ھیں اور جنوب سے شمال ھوات' میمانہ اور تہاگیاں ۔ بدخشاں کے صوبوں کی طرف جاتی ھیں'

انفانستان کا مشرقی صوبت بهارتی سرحد سے ملا عوا ہے۔ اِس صوبت کا وسط جلال آباد کا مہدان ہے، یہاں کی آپ عوا گرم ہے کہاں کہ کہجور و گنانے کی کھٹی عوتی ہے۔ کابل آور کونار ندروں کی گہاٹیاں بہت گبلی آباد عیں ؛ پر شمال کی طرف نورستان نامی بہار ہے جو کہ آبھی تک دشوار گذار ھی ہے۔

ندی کی کیائیوں کو چھوڑ کر اِس صوبہ کی ساری زمین ورخیز نہیں ہے آور کھیتی صرف پہاڑوں پر یکھرے ہوئے آلک ایک کھیتوں پر ھی ہوتی ہے ،

مشرقی موہوں کی آبادی افغان جاتھوں سے بنی ہے جو کہ کو میں شواری موہدات صفی وغیرہ نسل کی میں ، اِن میں سے کچے جانیاں ابھی بھی غاروں میں رمتی میں ، موہائی مرکز جاتیاں آباد می یہاں کا ایک قصبہ ہے ، دیشاور سے کابل جائے والے رائے پر آباد یہ جکہہ کابل کے امیر طبقہ کے لوگوں کی جاتوں کے رمتے کی جاتوں کے رمتے کی جاتوں میں بہت سے خوبصورت بانیمچوں سے گھرے مونے شاعی محل بھی میں ،

हमारा पड़ोसी अफ़ग़ानिस्तान

प्रोकैसर कज्लबाश खाँ

अफ़्सानिस्तान एशिया के ठीक दरमियान एस जगह पर आवाद है जहाँकि बड़ी-बड़ी पहाबियाँ मिलकर हिन्दु-स्तान की तरफ एक पहाड़ी सिलसिला बनकर मुद्र जाती हैं.

अफ़ग़ानिस्तान ग्वालों और किसानों का गुल्क है. श्राज भी यहाँ की क़रीब-क़रीब चौथाई जनता खाना-बदोश है.

चफ्रानिस्तान का रक्तवा 6,,55,000 सुरव्वा (वर्ग) कतोमीटर है पर उसकी चावादी 95,00,600 से क्यादा नहीं है. मुसल्तस मगर शुमाल मशरिक की तरफ कुछ तंग हद लिये हुए, अफ्रानिस्तान के शुमाल में सोवियत कस का तुर्क-मानिया, उजवैक और ताजी जम्हूरियत, मगरिबु में रेशन और जनूब व जनूब-मशरिक में भारत और ब्लाचिस्तान हैं.

मीजदा अफगानिस्तान के संगठन से पहिले, जांकि श्रठारहवीं सदी में किया गया, यह मुल्क कई हिस्सों में मनक्रसिम था, जिसकी तबारीख मुखत्तिक थी. इसकी जुराराफियाई हालत ने इस सारे इलाक्ने की वस्ती-मशरिक्न से दूर दराज मरारिक को मिलाने वाले मरकज का रुतवा देकर दुनिया की खास शाहराहों में खास जगह दे दी है. एक बक्तत था जबकि योरप और ऐशिया से बड़ी-बड़ी फीजों भौर भावादियों ने इस मुल्क के अन्दर से गुजर कर हिन्दु-स्तान में क़द्म रखा. श्रक ग्रानिस्तान में पाथी, हुए, श्रीर सक जातियाँ आई; मेसिडोन के सिकन्दर आजम ने भी इस मुल्क को फतह किया. चंगेजलाँ के गिरोहों, तेमूर लंग की कौजों और इस्लाम कायम करने वाली अरब कीजों ने भी इस देश पर बकतन् फानकतन् कब्जा किया. मशरिक से लेकर मरारिक तक और श्रमाल से लेकर जनूब तक बस्तिद बनती और बरबाद होती रहीं. कोई भी ऐसा हमला नहीं हुआ जिसके ननीजे के बाइस यहाँ नये आदमियों की कोई नई बस्ती आबाद न हुई हो. यहाँ से बड़ी-बड़ी संलतन्तों के उरूज के सितारे का दौर शुरू हुआ और यहीं से वे जवाल के तवारीखी निशान से बनकर ग्रायप भी हो गये.

अपनी जमीन के 4/5 हिस्से के पहादियों से घिरे होने के सनव अक्तानिस्तान एक पहादी गुरूक है. इसलिये यहाँ की रिकाया का बढ़ा हिस्सा नदी या छोटी घाटियों में, निविधों के किनारे या शुमाल व शुमाल - मगरिन के तंग सरकारी मैंसालों में क्याम करता था.

همارا بروسى أنغانستان

يروفيسر قزلواهم خان

انفانستان ایشیا کے امیک درمیان اُس جگه پر آباد ہے جہاں که بری بری بری بہاریاں مل کر ہندستان کی طرف ایگ پہاڑی سلساء بن کر مر جانی ہیں .

انفانستان گوالوں اور کسانوں کا ملک ہے . آج بھی یہاں کی قریب قریب چوتھائی جنتا خاتم بدوش ہے .

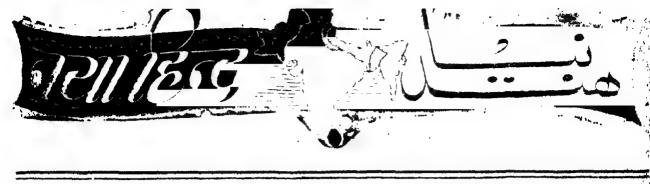
افغانستان کا رقبه 000،55،00 مربع (روگ) کیلومیو هے پر آس کی آبادی 95,00,000 سے زیادہ نہیں هے مثلاث مکو شمال مھرق کی طرف کچھ تنگ حد لئے ہوئے انبانستان کے شمال میں سویت روس کا ترکمانی آزیدک اور تازی جمہوریت مغرب میں ایران اور جارب و جارب مشرق میں بھارت اور بلوچستان ہیں ۔

موجودة أفغانستان كے سلكتين سے يہلے جوكه أثهاروين صدى مين كيا گيا؛ يه ملك نتى حصون مين منقسم تها؛ جس کی تواریع مختاف تھی۔ اِس کی جنرانیائی حالت نے اِس سارے علقه کو وسطی مشرق سے دور دراز مشرق کو ملالے والے موکز كا رتبه ديكر دنيا كي خاص شاعراهي مين خاص جكيه ديم دي ه . ایک وقت تها جبکه یورپ اور ایشیا سے بڑی بڑی نوجوں اور آبادیوں نے اِس ملک کے اندر سے گذر کر ھندستان میں قدم ركها ، أنهالستان مين يارتهي عن أور سك جانيان آئين ؛ مهسهدون کے سکلار اعظم نے بھی اِس ملک، کو فاتح کیا۔ چنگھو خاں کے کا رهبی تهمور لنگ کی فوجوں اور اسلام قایم کرنے والی عرب نوجوں لے یہی اِس دیش پر رقتا نوتنا تبشع کیا ۔ مشرق سے لیکر میرب تک اور شمال سے لیکر جنوب تک ہستیاں بلتی أور برباد هوتى رهين . كوئى بهي أيسا حملة البهن هوا جس کے لترجے کے باعث بہاں نیے آدمیوں کی کوئی نئی بستی آباد نہ ہوئی ہو ، یہوں سے بڑی بڑی سلطنترں کے عربے کے ستارے کا دور شروع هوا ارر يهيں سے وے دوال کے تواريخی تشان سے بن کر غایب یمی هو گئے .

اپئی زمین کے 4\5 حصد کے پہاڑیوں سے گورے ہوئے کے سبب انبائستان ایک پہاڑی ملک ہے۔ اِس لئے یہاں کی رعایا کا پڑا حصد بڑی یا چیوٹی گیائیوں میں ندیوں کے کفارے یا شمال و شمال سنرب کے تعگ سرحدی میدائوں میں قیام کرتا تیا۔

अगस्त 1957 खूर्जी

च्या किस से		सका	منحه ۲	
1. इमारा पड़ोसी अफ़ग़ानिस्तान —प्रोकेसर क्रफलवारा खाँ 2. आस्तीन में साँप	***	47	همارا پروسی افغانستان سیرونیسر قزلباش خان	.1
-भाई बन्दुन इलीम बनतारी बारहिस्ट 8. हिन्दू सुसलमानों के तहनीबी मेल जील की		55 मात	AAA 184.71 / 11 A 17 A.	
4. सिंख मज़हब का दरमियानी रास्ता	•••		ستاکلر لطیف دفتری آبه اسه قده فله همه الله الله الله الله فله مدهب کا درمیانی راسته	
b. दमारी राय शान्ति युद्धः आजकतः की सरकारेंसुन्दरलाल		7 9	سپروفیسو تیجا ساتھ ایہ اے۔ 5. هماری رائی۔ شانتی یدھ؛ آجال کی سرکاریں۔سلار ال	



जिल्द 24 علا नम्बर 2

अगस्त 1957

Editorial Board

Dr. Tara Chand M.A., D. Phil. (Oxon)

Mahatma Bhagwan Ding

Dr. Syed Mahmud, M.A., Ph.D., Bar-at-Law

Pandit Sundarlal

Bishambhar Nath Pande

Editor-in-Charge

Bishambhar Nath Pande

Asst. Editor

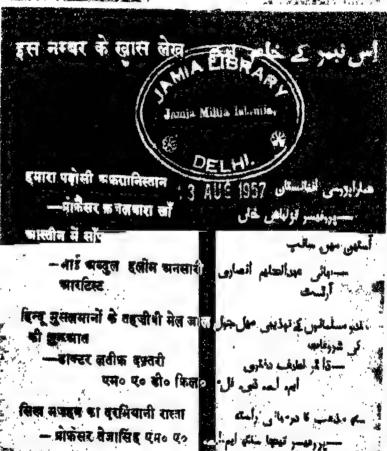
Suresh Ramabhai

Annual Subscription

Inland Rs. 6/Foreign Rs. 10/Single Copy As. /10/- only or 62 N. P.

er Name Red





هندی گهر

कलचर पर हर तरह की कितावें मिलने का एक बड़ा केन्द्र—पाठक हिन्दी, उदूं, अंग्रेज़ी की अपनी मन-पसन्द कितावीं के लिये हमें लिखें।

हमारी नई कितावें

महात्मा गान्धी की वसींयत

(हिन्दी और उद्धें में) लेखक-गान्धीबाद के माने जाने बिद्वान : स्वर् श्री मंजर श्रली साहता सके 225, क्रीमत दो रूपया

गान्धी बाबा

(बच्चों के लिये बहुत दिलचस्प किताब) लेखिका-कृवसिया जैदी भूमिका-पन्डिन जवाहरलाल नेहरू मोटा काराज, मोटा टाइप, बहुत-सी रंगीन तमवीरें क्षाम दो कपया --:0:--

पंडित सुन्दरलाल जी की लिखी किताबें

गीता और करान

275 सके, दाम ढाई कपया

हिन्दू मुसलिम एकता

100 सके, दाम बारह आने

महास्मा गान्धी के बितदान से सबक

क्रीमत बारह आन

पंजाब हमें क्या सिखाता है

क्रीमत चार बाने

वंगाल और उससे सक्क

क्रीमत दो खाने

स्तानी कलचर सोसाय

145 मुद्रोगंज इलाहाबाद

کلچیز پر هر طرح کی کتابیں ملنے" ا ایک برا کیندر_پاتیک هندی أرفرو الكروني على المنابول ك الله همين لكهيس.

ههاری نثی کتابیل

مهاتها کاندهی کی وصیت (هندی اور آردو میں) لیکھک ۔۔ گالدھی وان کے ساتھ جانے

ودوان: سوركيه شرى منظر على سوخته منحے 225 تیبت دو روبیه

كاندهي بابا

(بنچوں کے لئے بہت دانچسپ کتاب) ليكهكا سقرسية زيدى بهوم كا - يندت جوانفر قال نهرو

موقا كاغذ' موقا قائب ، بهت سى رئكين تصويرين دام در رویه

پندت سندرلال جی کی انھی کتابیں

عيتا أور فران

275 صفحے دام تعالی روپيه

هنگاو مسلم أيكتا 100 منح دام باره آنے

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق قيست بارة أل

پنجاب همیں کیا سکھانا ہے

بنگال اور اُس سے سبق

هندستاني كليجر سوسائتي

ا 14 منهي كنيج العالمان

सांस्कृतिक साहित्य

سانسكوتك ساهتيه

हजरत मोहम्मद और इसलाम

लेखक-पिंडत सुन्दरलाल, मृत्य-तीन रुपया इसलाम के पैगम्बर के सम्बन्ध में भारतीय भाषाओं में इस से सुन्दर कोई बुसरी पुस्तक नहीं

हजरत ईसा और ईसाई धर्म

लेखक-पन्डित सुन्दरलाल, मूल्य-डेढ रूपया महारमा जरथुस्त्र श्रीर ईरानी संस्कृति

लेखक-विश्वम्भरनाथ पांडे, क्रीमत-दो रुपया

यहूदी धर्म और सामी संकृति

लेखक—।वश्वम्भरनाथ पांडे, क्रीस्त—दो रूपया प्राचीन मिस्र की सभ्यता और संकृति

लेखक--विश्वरूपरानाथ पांडे, क्रीमन--दो रु।या

सुमेर बाबुल और असुरियाकी प्राचीन संस्कृति

लेखक--विश्वम्भरनाथ पांडे, क्षीमत--दो काया

प्राचीन यूनानी सभ्यता ऋौर संस्कृति

लेखक-विश्वन्मरनाथ पांडे, क्रीमत-दा रूपया

गंगा से गोमती तक

(प्रगतिशील कहानी संग्रह) लेखक—श्री मुजीब रिजवी, क्रीमत—दो रूपया

आग आंर आंस

(भावपूर्ने सामाजिक कहानियाँ) लेखक—डाक्टर अस्तर हुसेन रायपुरी, क्रीमत—डेढ़ रुक्या

कुरान और धार्मिक मतभेद

लेखक-मौताना श्रवुलकलाम श्राजाद, क्रीमत-डेढ़ मपया

भंकार

(प्रगतिशील कवितास्रों का संप्रह) लेखक-रघुपति सहाय फिराक्त, क्रीमत - तीन रुपया حضوت محمد اور إسلام

لیک کے ۔۔۔ پنڈت سندر ال ' مولیہ۔۔۔ تین روپیہ اِسلام کے پہنمبو کے سمبندھ میں بیارتیہ بھاشاؤں میں اِس سے سندر کوئی دوسری پستک نہیں

حضرت عيسي اور عبسائي دهرم ليمك-بندت سندرال مرايد- ديوه رويه

مهاتها زر تهستر اور ایرانی سنسکرتی الیمهدر رویه التها در رویه

یهودی دهرم ارد سامی سنسکرتی لیکیک رشومهر ناته باندے' سیت-در رویه

پراچین مصر کی سبهیتا اور سنسکوتی لهکهک وشره انه باندے نیت در رویه

سمير بابل اور آوردیا کی پر اچین منسکرتی ایکهک سرشومهور ناته یاندے نیت در رویه

درا چین دونانی سبهیدا اور سنسکرتی ایمک رویه

گنگا سے گومتی ناب

(پرگتی شیل کَهانی سنتوه) لیکهک ـــ شری منجیب رهوی نیمت د رویه

أک اور انسو

(بهاؤپورن سمآجک کهانیهان)

لهم المراقد أختر حسين رائه بورى فيس ، قيره , ويهه

قرأن اور نقارمک مت بهید لیمهک مراتا ابرکلم آزاد سمت تیوه وربیه

جهنكار

(پرگتی شیل کپیتازی کا سنکوہ) لیکھک سسرگھوپتی سہائے فراق ' قیدمت ستیں رویھ

मिलने का पता स्पू ४ न्य

कंदन्तानी कलचर सोसायटी हैं। कर्म अक्रिय करंदिन करा के

145 सुद्रीगंज, इलाहाबाद منهى كنج العآباد 145

भौर भागने आहंकार को अनुस्तर गाँव गाँव हैं खुनीन की सामकियत सिटाने में, गाँव गाँव का बामकार कराने में जुन जामें. भगामी दूसरी अन्त्यूवर को ही, बापू-जबन्सी के दिन इस काम की पूर्ति हो सकता है. सक्तारक माई का आसीकार इसरि काम है. भगवान जुन हमारे साम है.

22. 6. 57

-- सरेश राममाई

لورائي اهنکار کو جول کوالی کان میں رمیں کی خاندہ ساتھ ا میں گار کور کا کراداں کرائے میں جمعہ جائیں۔ آگامی عومی آگاور کو جی ایار جھنٹی کے دیں اِس کام کی پورٹی جو سکتی کے سکاری مائی کا آشارواد حدادے ساتھ کا ، جاکواں خود جہاں۔

بسمبويش وأم بهاثي

22 4 57

700 PAGES, 42 ILLUSTRATIONS 2 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARIAL

Ra. 7. 8. 0

A vivid narration of the glorious and wounderful achievements of New Chins...A picture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China in the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Luckman.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...s book which deserves to be widely known —Leader, Allahabed,

Encyclopsedic...characterised by scate observation of detail as well as by...instinctive grasp of the fundamental perspective...To read it is veritably like assempanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

——Blits, Bosnbey

A mine of information which gives a picture of Chine as authing else doss...the best guide to New, Chine...Those who would like to understand what is happeing in New Chine can do not better than to study it,
—Bharat Jyeti, Bombay

The wealth of information it gives on Ohina rew and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

— Indian Express, Madras

China Today is an eloquent tribute to his (Fandit Sundarlal's) abrewd understanding of men and matter... brings to the lighty mighty endeavour of the Chinase People to rebuild theirgreat nation on firm new foundations for a tomorrow which is theirs.

—Vigit, Dallaj.

जैसे क्ष्मों के काम करके उनको यहा मदाजिस दे सकेंगे ? वह तो अपनी कायरता का, अपनी निवंतता का, अपनी लायारी का ही प्रतीक होगा. बीर पुरुषों की भीताद अगर हमारे जैसी डरपोक व कायर निकली तो फिर बौलाद कहलाने के अपने दावे को ही खो बैठेगी.

लेकिन नहीं, हमें हिम्मत नहीं हारनी है. जमीन की मालकियत मिटाने का काम उतना मुश्किल नहीं है जितना कि मास होता है. जमीन की मालकियत की दीवारें वह रही हैं, जो बाक़ी हैं वे भी हिल रही हैं. एक-दो नहीं, दस्वीस नहीं, सी-सवासी नहीं—ढाई हजार गाँव में जमीन की मालकियत मिट चुकी है! मिट चुकी है!! कि सत्यता रह गई है. उन गाँवों में उसका कोई आस्तिल नहीं बचा तो जो बात ढाई हजार गाँवों में हो सकती है, वह देश के कुल के कुल सादे पाँच लाख गाँवों में क्यों नहीं हो सकती ? क्या उन ढाई हजार गाँवों के लोग देवता या फरिशते हैं और बाक़ी के बनसे गये बीते हैं?

नहीं, नहीं, कभी केवल कपने परुशार्थ की है, बल्क हम कहेंगे कि कभी अपनी अदा की है. जो अदा हमारे पूर्वजों को अमेजों की हुकूमत मिटाने में थी, वह इसको जमीन की मालकियत मिटाने में अभी तक नहीं आई है. अदा कोई पदों नहीं है जो इघर-उधर डोले. अदा दीवार की तरह है जो या तो गिरी है या खड़ी है. या तो है या नहीं है. अपना दिल टटोल कर हम देखें कि हम कहाँ है, वह अदा हम में कितनी है, है भी कि नहीं ?

जहाँ हमारे अन्दर वह अद्धा आई, जमीन की मालकियत मिटने की आवश्यकता और 'अनिर्वायता पर बक्षीन आया कि देखते देखते यह मालकियत दूट कर चक्रनाचूर हो जायेगी. जिस तरह सिद्यों का अंधेरा एक क्षोट-सा विराग्न अप भर में कत्म कर देता है, उसी तरह सिद्यों की जमीन का व्यक्तिगत स्वामित्व एक दिन में, निश्चित घड़ी पर खत्म हो सकता है. फिर यह तीसरी चीज नहीं जो अनहोनी हो. संता ने कहा है "सबै मूमि गोपाल की". पिछले दो-ढाई सौ साल में हम इस पाठ को मूल से गये के इसे फिर से याद कर इस पर अब अमल कर बालना है. देखते देखते यह माल-कियत मिट जायेगी और अपने मुरबी बुजुरों को हम सच्नी अद्यांजिल अपित कर सकेंगे.

यही है सत्तावन माई की असली पूजा करने की विधि-सत्तावन के झः महीने पूरे हो रहे हैं, झः ही वर्ष हैं. 'बीती आहि विसाद दें, आगे की सुधि ले'—अभी कुछ नहीं विगड़ा के अब भी सब चीज संभत सकती है. हम अब चेत जायें कि सब विसाद कार्यने सामि-मेदः माना-मेद, पश्च-मेद وهاس بعوس کے کام کو کے گئی کو محصوص شریعالیجائی قید سیس کے آل وہ تو آپلی کارتا کا اپنی تریلنا کا اپنی الجاری کا هی پرتیک هوال وہر پرشوں کی اولاد اگر هدارد جیسی خریوکسا و کایر تعلی تو پور اولاد کیالئے کے آپنے دعومہ دو هی کور بیانہ گی .

الیکی لمہیں میں هدت نہیں هارئی هـ ومین کی مائیت مثانے کا کام آتنا مشکل نہیں هـ جتنا که بیلس هوتا هـ ومین کی دوراریں تھه رهی عین جو یاتی هیں وسد بھی هل رهی هیں ، آیک دو نہیں دس بیس نہیں مو سولسو نہیں سولسو نہیں سولسو نہیں ہیں قائر گئی مائیت محت چکی هـ إ اِ مت چکی هـ إ! همیشه کے لئه ختم ، برائے زمائے کی آیک ستیکا رہ کئی هـ ، أن گؤں میں آسی کا کوئی نہیں استو نہیں بچا ، تو جو بات تھائی هزار گؤں میں میں هو سکتی هـ و درهی کے کل کے ساوھے کل پائیج الله گؤں میں میں هو سکتی هـ و درهی کے کل کے ساوھے کل پائیج الله گؤں میں کیوں نہیں هو سکتی هـ کوئی نہیں اور باتی آن تھائی هزار گؤں کے لوگ

نہیں' نہیں' کہی کیول آپنے پرشارت کی ہے ۔ بلکہ ہم کہیں گے کئی آپنی شردھا کی ہے ۔ جو شردھا مدارے پوررجبوں کو آنگویؤوں کی حکومت مثالے میں تھی' وہ ہمکو زمین کی مالکیت مثالے میں آئی ہے ۔ شردھا کوئی پردا نہیں ہے جو ادھر آدھر ترلے ، شردھا دیوار کی طرح ہے جو یا توگی ہے ایکوی ہے یا کہری ہے ۔ یا تو ہے یا نہیں ہے ، اپنا دل انہل کو ہم دیکھیں کہ ہم کہاں میں' وہ شردھا ہم میں کتنی ہے' کے بھی دیکھیں ؟

جہاں همار الدو وہ شردها آئی' ومین کی مالکیت مثانی کی آرشیکاڈ اور انہوارتا پر یقین آیا کہ دبکیتے دبکیتے یہ مالکیت قریقا کر چکنا چور مو جائیگی ، جس طرح صدیوں کا اندھوا آیک جہرٹا سا چرائے جہن بور میں ختم کر دیا، ہے' اُسی طرح صدیوں 'ٹی ومین کا ویکئی گت سوامٹو ایک دن میں' ایک تشعیب گہری پر خام مو سکتا ہے ، پھر یہ تیسری چیئز آبین بھو آلروئی مو ، سائرس نے کہا ہے ''سیے بھومی گریال کی '' نیچائے دو تھائی سو سال میں ہم اِس پائو تو بھول سے گاہ تھے ، نیچائے دو تھائی سو سال میں ہم اِس پائو تو بھول سے گاہ تھے ، مطابعت مت جائیگی اور آنیدموسی بزدگوں کو ہم سچی شردھائنجلی مطابعت کو سکیں گی ۔'' آیدموسی بزدگوں کو ہم سچی شردھائنجلی اور آنیدموسی بزدگوں کو ہم سچی شردھائنجلی اور آنیدموسی بزدگوں کو ہم سچی شردھائنجلی اور آنیدموسی بزدگوں کو ہم سچی شردھائنجلی آئیٹ کو سکیں گی ۔

یہی ف ستاری مائی کی املی پوچا کرنے کی ودھی۔
ستاری کے چہ مہیانہ پررے مو رقے میں چہ می بچے میں ،
الیانی نامی بسار دیے آئے کی سند نے سایی کچے مہیں بگڑا
فیا آئی بھی سب چیز سابیل سکتی فی م آب چیت جائیں
آئی بینی مل کرسائنے جاتی بھید عاشا بھیدا بھیں بھیں

Pri W

(: 44.)

67 A.A.

हुदाकर गाँव गाँव में पहुंचा दे. तभी समाज बतावान होगा और हर इन्सान में भी आत्म-शक्ति निसर उठेगी. क्या व्यक्ति, क्या समाज, दोनों गुणवान बनेंगे.

सवाल है कि यह हो कैसे १ बहुत ही कठिन सवाल है कि गाँव गाँव किस तरह बलवान और .खुद् सुरुतयार बने. षरा ध्यानपर्वक विचार करेंगे तो सहज पता चलेगा कि देश भर में, गांव गांव के अन्दर जिस चीज ने इसकी निस्तेज भीर निर्वीर्य बना दिया है, जिसके कारण हममें न भारम-सम्मान बचा है न सहद्यता, जिसकी वजह से हमने आत्म विश्वास और मानवता को उठा कर मानो ताक पर रख विया है, वह है धरती की व्यक्तिगत स्वामित्व या निजी मालिकयत. व्यक्तिगत स्वामित्व के अहंकार से मु-स्वामी भू-माता की अपने हाथ से सेवा करना अनादर ही नहीं. अधर्म सममता है. दूसरी तरफ व्यक्तिगत स्वामित्व के पूर्ण अभाव में, भूमिहीन मज़ब्रों की भू-सेवा निष्पाया और जड़ बन गई है, और जब तक जमीन की यह निजी मालकियत कायम रहती है, जब तक जमीन की खरीद बिरी चलती है. जब तब धरती माता की पुत्रवत् खपासना कुल कौलाद नहीं करती, तब तक कैसा स्वराज्य, कैसी स्वाधीनता और कैसी बदांजित !!!

इस वास्ते क्ताबन माई की पूजा के लिये सबसे पहली खरूरत इस बात की है कि घरती माता व्यक्तिगत स्वामित्व के बन्धनों से गुक्त होनी चाहिये. उसकी खरीद-विक्री सदा-धर्वदा के लिये बन्द होनी चाहिये. उसका इन्साफ से और एक राय से गाँव गाँव में फिर से बंटवारा होना चाहिये. देश में न कोई भूमिहीन रहे न भूमि-स्वामी. सब भूमि-पुत्र बनें. पुत्र बनकर माता की यथा शक्ति सेवा करें और प्रेम से एक दूसरे का सहयोग लें. अगर इस ऐसा न करके, इधर-उधर की बीसियों बातें करें, सैकड़ों कार्य-कम रचें, व्याख्यान माड़ें, फूल मालायें स्मारकों को पहनायें तो उसका कोई असर न हमारे जीवन पर पड़ेगा, न समाज पर पड़ेगा और न उन पांचत्र आत्माओं को संतोष ही होगा. इन छुट-पुट कामों में अपनी ताकत न खर्च कर इमको अपनी पूरी ताकत बुनियादी और पहला काम करने में लगानी चाहिये.

आहिर बात है कि काम मुश्किल है. दूर दूर से देखने में नामुमकिन भी लगता है. लेकिन क्या अंग्रेजी राज को निकाल बाहर कर देना भी कोई आसान काम था ? जिस अंग्रेज की परछाई देखकर ही हम भाग खड़े होते थे, उसका शासन उसाइ फेंकना कोई हँसी-खेल था ? वीर आसान काम के लिये नहीं, मुश्किल काम करने के लिये पैदा होते हैं. तो जिन बीरों ने अंग्रेजी राज्य से मुक्ति के जैसा मुश्किल काम बठाया, क्या हम केवल फूल-माला या व्यास्थान देना چیوڑا کر گؤن گڑی میں پہلچادے کی ساے باران ہوگا اُور ھر اقسان میں بھی آٹم شکٹی تکور آلے گی۔ کیا ریکٹی کیا سماے دونوں کلوان بلیکے ۔

سوال هے که یه هو کیسے آل بہت هی کتبین سوال هے که گاوں گلوں گلوں کول کس طرح بالوان اور خودہ بختار بنے . ذرا دهیان پررک وچار کریں کے تو سبح پته چلیگا ته دیش بهر مهن گلوں کے الدر جس چیز نے هم کو نس تیج اور نرویویه بنا دیا هی جس کے کارن هم مین نه آنم سمان بحیا هے نه سهردیگا جس کی وجه سے هم نے آنم وشراسی اور مانونا کو آنها کر مانو طاق پر رکھ دیا هے وہ هے دهرتی کا ویکتی گت سوامتو یا نجی مانعیت . ویکتی گت سوامتو کے اهنکار سے بهرسوامی بهر مانا کی الین هاته سے سیوا کونا آنادر هی نهیں آدمرم سمجیتا هے . اور جب درسوی طرف ویکتی گت سوامتو کے پورن ابیاؤ میں بهرمی هین مؤدوروں کی بهو سیوا نشیران اور جز بن گئی هے . اور جب مؤدوروں کی بهو سیوا نشیران اور جز بن گئی هے . اور جب کی خوید بکری چلتی ها جب تک ومین کی یع نجی مانیت قایم رهتی هے جب تک زمین کی خوید بکری چلتی هے جب تک دھرتی مانا کی پتروت آیاسنا کل اولان نهیں کرتی تب تک نیسا سرراجیء کیسی سوادههانا اور کیسی شودها نجلی !!!

اِس واسط ستاون مائی کی پوچا کے ائے سب سے پہلی فرورت اِس بات کی ہے کہ دھرتی ماتا ویکٹی گت سوامٹو کے بندھنوں سے مکت ھوئی چاھئے ۔ اُس کی خرید بکری سدا سرودا کے لئے بلد ھوئی چاھئے ۔ اُس کا انصاف سے اور ایک مردا کے لئے بلد ھوئی چاھئے ۔ اُس کا انصاف سے اور ایک کوئی بھومی ھیں رہے نہ بھومی سوامی ، سب بھومی پتر بنیں ، بکر بین کو مانا کی یتیا شکتی سھوا کریں اور پریم سے ایک نبوسر کا سپھوک لیں ، اگر ھم ایسا نہ کر کے' اِدھر اُدھر کی بھوس باتیں کریں' سیکٹری ٹار سے عاربی بھول مالائیں اِسارکوں کو پہنائیں تو اس کا کوئی اثر نہ ھارے بھوں پر پریکا اور نہ اُن پوتر آنساؤں کو سنتوش ہیں پر پریکا اور نہ اُن پوتر آنساؤں کو سنتوش ھی ھوگا ، اِن چھٹ بٹ کاموں میں اپنی طاقت نہ خرج کر ھم کو اُپنی پوری طاقت بنیادی اور پیلا کام کرنے میں تکانی

ظاهر بات ہے کہ کام مشکل ہے' دور دور سے دیکھنے میں نامیکن بھی لکتا ہے ۔ لیکن کیا انگریزی راے کو تکال باہر کر تدیا ہیں کہنا ہی کرتی اسان کام تھا ؟ جس انگریز کی پرچہائیں دیکھ لو ھی ہم اوگ بھاگٹ کورے ہوتے تھے' اُس کا شاسن آئیار پھلکتا لیا ھی عاسی تھاگت کورے ہوتے کہا کہ کرتے گئے تاہیں' مشکل کام کرتے گئے تاہے بیدا ہوتے ہیں ، تو جس ویورن نے آنگریزی راے سے مکتی گئے تھے بیدا مشکل کام آئیانا' کیا ہم کیول پھرل مالا یا ویائیان دیا کے تھے کیول پھرل مالا یا ویائیان دیا

ستاون ماثی کی پوجا کیسے هو ا

پھچپلی دس مئی سے دیش بھر میں' خاص کو ھلاہی بہاشا بھاشی علاتے میں' سن 1857 کے آپنے پراتم آسونیہ شہدوں؛ ویروں آور یودھاؤں کے پرتی شردھا تحیلی کی دعوم میچی ہے شہروں میں تو اِس کاریء کوم کو منانے کے لئے سبھائیں مجتی ہے شہروں میں تو اِس کاریء کوم کو منانے کے لئے سبھائیں ہوتی ہیں' جلاس نماکوں پر پھول مالئیں چوھائی جاتی ہیں ، ایکن دور دیہات میں اِس شردھا تحیلی نے ستاون مائی کی پوجا کا نام لیا ہے ۔ آجکل دیہائوں میں چرچک کا بھی مائی کی پوجا ہوتی ہے ۔ آجکل دیہائوں میں چرچک ہو موسوی مائیوں کی پوجا ہوتی ہی جو سبوری مائیوں کی پوجا ہوتی ہو دوسری مائیوں کی پوجا ہوتی ہو مائیوں کی پوجا ہوتی ہو دوسری مائیوں کی پوجا ہوتی ہو جو ستاون شتایدی سماروہ ٹیمل بھی آئیکی ۔ کیا شکل بھی آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کیے سکتا ہو آئیکی ۔ کیا شکل بھی آئیکی ۔ کیا شکل نائے گی' کوئی نہیں کی دھا کیا ہو' اِس سیندہ میں کچے سوجھاؤ بہاں پر قبرنا کیا ہو آئی

اینے بزرگوں کو شردہ تنجلی اربت کرنا ہو کسی کا دھرم ہے۔
وہ پرچا سے مے اپنے سمادہاں اور سفتوش کے لئے ہوتی ہے۔
پہرا جب ھمارے جہسے دیش میں جو آتما کو شریر می اور
بدھی سے الگ مائٹا ہو اس پوچا کا برپوچن اپنے ہت کے لئے
ھی ہا تہ کہ درنگت پوچیہ آتماؤں کے لئے ۔ اور کون نہیں
ہوائٹا کہ آتما کی شائٹی سدگی کے وکاس میں سد بھاؤنا کے
نرمان میں ہے ۔ اِس لئے سچی شردھا تنجلی وہی ہے جس سے
پرچا کرنے والے آدمی یا سماج کے احدر سدگن یا سد بھاؤنا جاگ
جائے ۔ اگر ایسا نہیں ہوتا تو ساری پرچا باعری آدمبر بین
جائیگی اور تحکو سات اللہ است ہوگی ۔ ستاری مائی کی پوچا اِس
درشائی کو دھیاں میں رک کر ھی ھونی چاھئے ۔ .

ظاءر ہے کہ سن ستاوں میں جو بیرا آنهایا گیا وہ تھا سرادھینتا کے لئے۔ کس کی سرادھینتا کا دیش بھر کی سدیش بھر میں میں رہنے والے ہر بچے کی ۔ آنگریزی سرکار آس میں سب سے بڑی یادھا تھی' اِس لئے اُس کو هنانا پہا ضروری کام سمجھا گیا ۔ اِسی کا منا نے سررابتیہ کا نام لیا ۔ 18.7 میں هماری ویر آنماؤں نے جو بیج بریا' 1947 میں اس میں پیل آیا اور دیش کو سواجھیہ کا دیش سوادھیں ہوا ، لیکن کہنے کی ضرورت نہیں کہ اِس سوادھینتا کا اُرتو کیول بھی ہے کہ شکتی و شاس کا پارسل المدن سے چھورا کر دانی اے آیا گیا، دیش کا لیا تیاں شنہوجی آدی سے جوا ہے گئی والی کے وہیں میں اِس طرح دیش ضرور سوادھیں نے اُلی گئی جو گئی پردھی ہوا مارتیک کھی جائیگی جو پرادھین ہے ستاری مائی کی رھی پرجا سارتیک کھی جائیگی جو پرادھین کے ساتھی کا ایس کی وارس کو دائی سے پرادھین کے برادھین کو دائی سے برادھین کو دائی سے پرادھین کو دائی سے برادھین کو دائی سے پرادھین کی برسل کو دائی سے پرادھین کے دیش کو دائی سے پرادھین کے دیار کی دیار سے دیش کی دیار کو دیار سے پرادھین کے دیار کو دیار سے دیش کی دیار کی دیار کیا کی دیار کی دیار کی دیار کی دیار کو دیار کی دیار کو دیار کی دیا

सत्तावन माई की पूजा कैसे हो ?

पिछली इस मई से देश भर में, सासकर हिन्दी मायाभाषी इलाके में, सन् 1857 के अपने प्रयाः स्मरणीय शहीतों,
बीरों और योद्धाओं के प्रति अद्धांजलि की घूम मची है.
शहरों में तो इस कार्यक्रम को मनाने के लिये सभायें होती
हैं, जुलूस निकलते हैं, स्मारकों पर फूल-मालायें चढ़ायी
जाती हैं. लेकिन दूर देहात में इस श्रद्धांजलि ने सत्तावन
माई की पूजा का नाम लिया है. आजकल देहातों में चेनक
की यानी देवी माई का जोर वैसे ही है, माई की पूजा होती
है. इसी तरह दशहरे पर काली माई की और दूसरे मौक्रों
पर दूसरी माईयों की पूजा होती है. तो सत्तावन शताब्दि
समारोह भी माई बनकर सामने आ रहा है. मगर इस पूजा
का अभी कोई ठोस शकल नहीं निकल पाई है. पर धीरे-धीर
वह राकल निकल भी आयेगी. क्या शकल निकलेगी, कोई
नहीं कह सकता—पर उसकी दिशा क्या हो, इस सम्बन्ध
में कुछ सुमाव यहाँ पर नम्रतापूर्वक पेश किये जा रहे हैं.

अपने बुजुर्गों को अद्धांजिल अपित करना हर किसी का धर्म है. वह पूजा सवसुव अपने समाधान और सन्तोष के लिये होती है. फिर, जब हमारे जैसे देश में, जो आत्मा को शरीर, मन और बुद्धि से अलग मानता हो, इस पूजा का प्रयोजन अपने हित के लिये ही है, न कि दिवंगत पूज्य आसाओं के लिये. और कीन नहीं जानता कि आत्मा की शान्ति सवगुण के विकास में, सदमावना के निर्माण में है. इसलिये सच्ची अद्धांजिल वही है जिससे पूजा करने वाले आदमी वा समाज के अन्दर सद्गुण या सदमावना जाग जावे. अगर ऐसा नहीं होवा तो सारी पूजा बाहरी आडम्बर बन कायेगी और हकोसला साबित होगी. सत्तावन माई को पूजा इस टब्टि को ध्यान में रखकर ही होनी चाहिये.

जाहिर है कि सन सलावन में जो बीड़ा उठाया गया वह था स्वाधीनता के लिये. किस की स्वाधीनता ? देश मर की—देश मर के गांव गांव में रहने वाले हर बच्चे की. धांग्रेजी सरकार उसमें सबसे बड़ी बाधा थी, इसलिये उसकी इटाना पहला जरूरी काम सममा गया. इसी कामना ने स्वराज्य का नाम लिया. 1857 में हमारी बीर आत्माओं ने जो बीज बोया, 1947 में उसमें फल आया और देश को स्वराज्य मिला. देश स्वाधीन हुआ. लेकिन कहने की जरूरत नहीं कि इस स्वाधीनता का अर्थ केवल यही है कि शांक ब शासन का पारसल लंदन से छुड़ाकर दिल्ली ले आया गया. देश का नियंत्रया, संवालन, संयोजन आदि सब इस दिल्ली से होता है. गाँव वहीं के वहीं है. इस तरह देश कर स्वाधीन है, पर गाँव पराधीन है. सलावन माई की बही पूजा सार्यक कही जायेगी जो इस पराधीनता को बिह्ली से वहीं का विदल्ली से होता है. यह वरह है सार्यक कही जायेगी जो इस पराधीनता को बिह्ली से वहीं के वहीं के विदल्ली से

nas di



हिन्दुस्तान की दौन्नत बढ़ी है!

पिछले पाँच बरसों में पहली पंचसाला योजना के जरिये हिन्दुस्तान की आमदनी में कुछ न कुछ इजाका हुआ है माहिरों का स्तयाल है कि हर कर्व पीछे यह इजाका मुल्क की माली तरक्ककी को जाहिर करता है, माहिर जब कोई बात करता है तो मुल्क कैसे उसकी सवाई से इनकार कर सकता है ? आल इन्डिया कांमेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी आचार्य अमदाल भी इस सवाई से इनकार नहीं करते लेकिन वे कहते हैं कि दौलत के इस इजाफ़े से मुल्क के अमीरों की तिजोरियाँ और ज्यादा भरी हैं. वे बढ़े दर्द के साथ कहते हैं कि "अमीर ज्यादा अमीर होते जा रहे हैं और ग्रीव दिनों दिन क्यादा रारीब होते जा रहे. अमीरों और रारीबों का यह फर्क दिनों-दिन बदता जा रहा है." अगर इसी रफ्तार से यह कर्क बढ़ता गया तो मुल्क में समाजवादी समाज कैसे क्रायम होगा ? एक श्रोर जबकि बत्पादन बढ़ा है दूसरी भोर लोगों की खरीदारी की ताक़त दिनों दिन घटती जा रही है. दूसरी पंचसाला योजना को पूरा करने के लिये और फ्यादा धन की जरूरत है. इस धन का एक बड़ा हिस्सा टैक्सों से ही इकट्टा करना पड़ेगा. माहिर कहते हैं कि जनता को खशहाल बनाने के जिये ये टैक्स जरूरी हैं. और जनता इन टैक्सों के बोम से दिन बदिन जिन्दगी के मुनियादी स्तर से भी नीचे गिरती जा रही है.

हमें तसल्ली है कि इस मसले पर वे लोग भी अब संजीदा तौर पर गौर करने लगे हैं जो इस दर्दनाक कै फियत के लिये जिम्मेवार हैं.

ھندستان کی دولت بڑھی ھے!

پچیلے پانچ برسوں میں پہلی پنچساله یوجنا کے ذریعہ هنيستان كي أمدتي مين نج نه كجه أضافه هوا هي ماهرون كا خيال هد كه هو نود پيچه به أضافه ملك كي مالي توقي كو طاهر كرنا هـ . ماهر ظاهر جب كوئى بات كرنا هـ تو ملك كيس أس كي سجائي سه أنكار كر سكتا في أل أندّيا كانكريس کیٹی کے جنرل سیکریٹری آچارید اکروال بھی اِس مجاثی سے انکار نہوں کرتے لیکن وے کہتے میں که دولت کے اِس اُضافے سے ملک کے امهروں کی تعینریاں اور زباعہ بهری عمل ، وحہ اوے درد کے ساتھ کہتے ہوں که "امیر زبانہ امیر ہوتے جا رہے میں اور غربب دنوں دی زیادہ غریب موتے جا رہے میں ، امیروں اور غريبس، كا يه فرق دنين دن بوهنا جا رها شه . " أكر إسى رنتار سه يه قرق بوهنا كيا تو ملك مين ساج وأدى ساج كيس قايم هوا الله أور حب كه أتهادي بوها هم دوسرى أور لوكول كي خریداری کی طاقت دنیں دن گیتتی جا رھی فے ، دوسری ینیسالہ پہچنا کو پورا کرنے کے لئے اور زیادہ دھن کی ضرورت ه . إس دهن كا ايك برا حصه تيكسين سه مي التها كرنا پویکا ، ملمر کہانے عیں که جنانا کو خوشحال بنانے کے الم یہ قیکس فررری میں . اور جنکا ان ٹیکسوں کے بوجہ سے دن بدن ولدگی کے بلیادی اسٹر سے بھی لنچے گرتی جا رھی ہے ،

همیں تسلی ہے کہ اِس مسئلے پر وسے لوگ بھی اُبُ سلمیدہ طور پر فور کوئے لکے ھیں جو اِس دردناک کینیت کے نئے ومعدار ھیں ۔

--वि. ना. पांचे

مسرو_ت. قار پائٽسم

एक दोशी होगी. तुन्हें उनका स्थास होगा ! तुन्हें बंगलों भीर ओहर्देहिसे प्यार होगा ! जरा सोचो से सही. समाज के बेशुमार जीव जिनकी माएँ वहिनें तब्प-तब्द कर प्राण दे रही हैं, जिनके बच्चे रोटी के दुकड़ों के न मिलने पर सीधे स्वर्ग चले जाते हैं, तो सोचो ! अगर समाज को उठाने के काम में, उसे चेतनमय कर डालने में अगर कच्च जा पहें, जेलों की हवा खानी पढ़े, अगर तुन्हें फाँसी का डर भी दिखाया जावे तो इतना याद रक्को, इमारे समाज के इ जारों लाखों को इस तरक से बचाने के काम में अगर तुम सहायक हो सको तो तुम चेतनामय हो, उठ चुके हो.

ऐसी कठिनाई में याद करो राष्ट्रिपता महात्मा गान्धी को, दरिंद्र नारायगा के उस सच्चे पुजारी को, गरीब हिन्दुस्ता-नियों के उस सच्चे वकील को, अपने आत्म बल से तोपों का मुक्ताबला करने बाले उस फ्क्रीर को. उनका रास्ता तुन्छ।रा रास्ता रहे, उनका प्रेम भरा दिल तुन्हारा दिल हो तो

तुम भुजय हो.

आज का समाज जिसमें अभी शोषण है, दोहन है, रारीबी है, उसमें पिसने वाले, उसको भुगतने वाले बेशुमार साथियो उठो ! इसलिये कि तुम्हारा काम आज उठना है, तुम्हारा काम आज इन्सानियत की स्थापना करना है, पर उसका रास्ता क्या हो ? उसका रास्ता यही है कि समाज को उठने दो. ठेकेदारों को इजारेदारों को, समाज की इजारेदारी से अलग करो, अपने प्रेम और बलिदान के सहारे अलग करो ! क्यों ? इसलिये कि अब तुम भी सोच सकने का मादा रसते हो, और पहले भी तुम में मादा था, पर उस समय उसर परवा था !पर्व हटा दो, लम्बी नींद से जाग उठो, और उठकर एक काम करो ! पैसे कि गुलामी और जीना मापटी से इनसान को मुक्त करो ! शोषण का—मोहनत के शोषण का—रास्ता बन्द करो, विचार की आजादी दो ! यही पुन्य काम है ! समाज की इरूपता को भिटा दो !

चठो, मेहनत का लाभ उसे चठाने दो जिसकी मेहनत है, जिसका जिस्म है, जिसकी मशक्तक है! ایک قولی ہوگی، قیمین ان کا خیال ہو گا! تمہون جھو عہدس سے پیار ہوگا! قرا سو چو تو سہی ، سماج کے پےشمار جھو جن کی مائیں بہنیں توپ توپ کو پران دسے رہی ہیں جس کے بحقے کے بحقے ردتی کے تحورں کے تم مائے پر سیدھ سردگ چلے جاتے ہیں تو سو چو ڈ اگر سماج کو آئیائے کے کام میں اگر کشت آپویں' جیلس کی ہوا کہائی پڑے' اگر تمہ بی پہانسی کا قر بھی دکھایا جارے تو آتنا یاد رکھو' ہمارے سماج کے ہواروں لاکوں کو ایس قراک سے بچائے کے کام میں اگر سماج کے ہواروں لاکوں کو ایس قراک سے بچائے کے کام میں اگر سماج کے ہواروں لاکوں کو ایس قراک سے بچائے کے کام میں اگر تم سہایک ہو سکر تو تم چیننا سے ہو' آٹھ چیے ہو!

ایسی کلهدائی میں یادکرو راشاتر پنا مهاتما کاندهی کوادردو ترائن کے اُس سچے وکیل کے اُس سچے وکیل کو اپنے آئم بل سے توہوں کا مقابله کرنیوا لے اُس فقیر کو اُلی کا راسته تمهارا راسته رہے اُل کا پریم بھرا دل تمهارا دل ہو تو تم اُلیائی ہو ۔

آج کا سماج جس میں ابھی شوشن فے درھن ہے فرینی ہے اس میں پسنے والے اُس کو بیکنتے والے پشمار ساتھو اُٹھو اُ اُس ای بیکنتے والے پشمار ساتھو اُٹھو اُ اُس ای بیکنتے والے پشمار ساتھو اُٹھو اُ اُس ای ایک کو اُٹھا ہے نمہارا کام آج انسانیت کی استھاپکا کونا ہے پر اُس نا راستہ کیا ہو آ اُس کا راستہ بھی ہے کہ سماج کو اُٹھا۔ دو ، ٹھیکیداروں کو اُجارے داروں کو سماج کی اِجاریداری سے انگ کرو اِ کیوں آ اُس لئے کی اب تم بھی سوچ سکنے کا مادہ وکھتے ہو اور یہتے ہی تم میں مادہ تھا پر اُس سمئے اُس پر پردی تھا اور اُٹھ کو ایک کیا کرو اِ پیسےکی غالمی اور چیننا جھیتی سے انسان کو سکت کرو ایک شوشن کا سمتھات کے شوشن کا سراستہ بند کرو' وچار کی آزادی شوشن کا سماج کی کروپتا کو مثا دو' ا

 पर में मूल गया, तुम मी तो कांज मूखे हो ! बेकार हो. बेकसी के मजार पर खड़े हो ! पर मूखे मरना, गुलामी स्वी-कार करना, यह भी तो दिसा है ! चोरी करना, समाज की रोटी झीनना, बहुत बड़ी दिसा है ! दूसरों की मेहनत पर जीवित रहना, पिस्सू और खटमलों की कोटि में झाता है ! पर पिस्सू और खटमल जानवरों की गिनती में हैं और तुम आदमी हो ! विश्वास के साथ डठो, इस जघन्य अपराध को छोड़ दो !

खठो ! जवानो विश्वास करो ! अव इनसान गुलाम नहीं रहनेवाला है, खठो, अब मेहनत करके भी आवभी मूखा नहीं सोने वाला है ! धोखादेही और यह असत्यता का आपार अब मरजाने वाला है. यह महाजनी सभ्यता का समाज, दम घोंदू समाज अब मर जानेवाला है ! खठो ! आज इन्सान की आजादी की रोटी और मकान की बात पर खठो ! यह माँग अटपटी नहीं, यह माँग जियादा नहीं ! इतना तो सबका हक है कि आदभी का बेटा, आदमी की तरह ही रह सके, वह मजबूरियों का मारा जानवरपन को अंगीकार न करले ! जवानो ! तुम्हारी जवानी जिन्दावाद !

वठो ! लेखका ! बहुत लिखा जा चुका है भेम और इस्क के थोथे किस्सों पर, अपनी क़लम को अब मोड़ दो. तुन्हारे सामने ही दम तोदते अनाथ बच्चों, माताओं और दुलिया समाज की तरक ! मानता हैं, इसमें तुम्हें कठिनाई होगी, पर बाद करो, टाल्सटाय की, याद करों गोकी की, और याद करो अभी-अभी ही मरे हमारे साहित्य के देवता प्रेम बन्द को ! प्रेमचन्द् ने जो कुछ लिखा, वह देजोड़ है ! पर प्रेमचन्द्र आज बगर है, हाँ जासूसी कहानियाँ लिख जानेवालों को षामाना याद न रख सकेगा ! हिन्दुस्तान के जागीरवारों के बारा शोषित किसान भाज प्रेमचन्द पर गर्व कर सकता है. विभवाप, व बीच के दरजे के पिसे हुए जवान आज भी प्रेमचन्द्र को याद करके उठ सकते हैं. क्योंकि प्रेमचन्द्र उन किसानों का था, उन रारी में का था, जिनका कोई न था ! प्रेमचन्द ने आत्मा न बेची, गुजामी को तोड़ फेंका, साहित्य की धारा उसने वहाँ मोद दी जहाँ समाज का आई-चन वर्ग, समाज का सर्वहारा वर्ग, सो रह था ! वठो, लिसना हो तो लिखो उतपर जो सताए हुए हैं, जो वबराए हुए हैं. जो पीक्त हैं. तुम पीड़ामय हो जाओ, अपनी वाणी और कलम को उनके कपर न्योझावर कर दो ! यही तुन्हारा चठना है ।

पर तुन्हारी एक दलील हो सकती है कि यह सब शायद क्षेत्र सरकारी लोगों को पसन्द न होगा, यह सब समात्र का बहु बग पसन्द न करेगा जोकि जाज पद लिख सकता है. बौर इस जगह जाकर सुने रोना जाजाता है. हाँ, तुन्हारे भी माँ होगी, बहुन होगी, परनी होगी, फुदकने वाले बच्चों की

یہ میں جہول گیا تم بیی تو آج بھوکے ہوا بیکا ہو۔
بیکسی کے موار پر کوڑے ہو! پر بھوکے موال نظامی
سرئیکا کونا یہ بھی تو هنسا ہے! چوری کونا سماج کی
روئی چییننا بہت بڑی هنسا ہے! دوسروں کی محصات پر جھوت
رهنا یسو اور کھتمارں کی کوئی میں آنا ہے! پر یسو اور کھتمل
جاتیروں کی گنتی میں جیں اور تم آدمی ہو! وشواس کے ساتھ
آئیں اس جاپایته ایوادہ کو چھوڑ دو!

الهر! ليكهكو! بهت لكها جا چكا شم پريم أور عشق كم تهوتمه تصول پر اینی فلم کواب مور دوء تعهارے سلماء هی دم تورتے أنانه بحور ماناوں اور دکھیا سماج کی طرف ا مانۃ ھوں اِس میں تمہری نقبنائی هوگ ، پر یاد کرو السقانے کو یاد کرو گورکی کو کور یان کور آبھی ابھی جی صوب همارس ساعتهہ کے دیونا پریم چند کو ا پویم چند لے جو کچھ لکھا' وہ پہجرز شے ا پر پریم چند آبے امر ہے؛ علی جاسوسی کہانیاں لکھ جالے والوں کو زمانے یاد نے رکھ سکیکا ! هندستان کے جاگهرداروں کے دوارا شوشت کسان آج پریم چند پر گرو در سمناهن ودهوائیں، و بدج کے درجے کے پسے هوئے جوان آج بھی پریم چند کو یاد کر کے اتب سکتے هیں . كهولكه يريم چند أن كسانون كا تها ان فريبون كا تها حن كا كونى نه تها إ بريم چلد نے آليا نه بيچى؛ غلامى در تور پهيدكا سستيه دى دھارا اس نے وہاں مرد دی جہاں ساچکا آذنجوں ورگ ساچ کا سروهار اورک سو رها تها. أثهو إ الهما عو تو لكهو أن ير جو ستائه هوئه هيئ جو گهبرائه مرثه إ هين جو پيزت هين ، تم پيزا مه هوجاؤا ا اینی والی اور قلم کو آن کے اوپر تجهارر کر دو ا یہی مہارا

یر تبهاری ایک دلیل هو سکتی ها که یه سب شاید کچه سرکاری ایکی دلیل هو سکتی ها که یه سب سال کا وه ورگ پستان نام کریگا جو که آنج پرته لکه سکتا ها اور اس جگهه آکو محجه روند آنجان ها محجه بردند آنجان های سال هوگی استهاری های سال هوگی و محجه ایکی محجه روند ایکی های دکتی والی بحجوس کی

हतो ! मोटे मीटे गरीं पर, वर्ष के विश्वोनों पर, वंकी की उडी हवा है नीर्षे, ससकी दहियों की यहफती हका के नीर्षे, करसी तोड धनकुबेर ! धैलियों के मालिक ! बैंक के रक्षक. वठो ! अनाज का भाव मेंहगा करने के लिये नहीं; इसकिये भी नहीं कि सहे और फाटके में गरीकों की क्षम्बीर के साथ किलवाड़ करो ! इसलिये भी नहीं कि चार बाजारी, भीर हपयों का ढेर जमा करो, पर इसक्षिये कहो कि तुम्हें समाज की बगुवाई करनी है, शोषण की, खुन चूसने की कता से भाषाद होना है और सबको आजाव करना है! इनसान और समाज एक दूसरे के पूरक हैं. इनसान को बाजादी दो, इनसान को रोटी मिलने दो, इसे रोटी बाँटो मत, वह तो खुद रोटी पैदा करता है. फिर पसे तुम क्या रोटी बाँटोगे ! इसे मकान दो, क्योंकि वह ख़ुद मकान बनाता है. यह सब होने दो, समाज अपने आप बहेगा. एठो ! इनसान की बाजादी के नाम पर समाज में फैली हुई इन लन्दकों और खाइयों को पाट दो ! शोषण के शेष-नागो ! आज फ़ुफकारना बन्द करो, कमजोरों को काटना रोक दो ! उठा ! तम्हारा समाज बदल 'रहा है, इनसान भौर भाज का धर्म, मजहब, विश्वास बदल रहा है ! उस बद्तते हुए इनसान, विश्वास और समाज सबका साथ दो ! अपनी मानसिक गुलामी के इटाने के लिये दिमारा के रोशनदान खोल दो, फिर तुम महसूस करोगे सद्द पर पदे भूकों की कराहर, खेत में बिलखते पेट की रोटी की माँग ! पर एक को बठाकर वृसरे को न गिराक्यो—सबका वर्म है डठना ! डठो ! इस विश्वास के साथ डठो कि इनसान को घठना है, इसिलये घठना है कि वह पतन की सीमा लाँच खुका है, वह आस्महत्या करने पर उतार है आज ! पर क्या तुम जानते हो कि भेड़ियों को उपदेश देने से .खन की तुप्ति नहीं होती, उन्हें .खून की ही चाह होती है । तोशमें करो, तुम इनसान हो, भेड़िये नहीं. अपनी सम्बता और संस्कृति पर आज बहुत गर्वे करते हो, तुम जीव बया धर्म के प्रचारक हो, इस सेव्यिपन से आजाद हो जो ! शोषश का जामा बतार फेंको ! बठो ! सबको बठने दो ! बठना सब का अधिकार है.

खबानो वठो ! तुन्हारा यह सबसे बढ़ा काम है ! सुम तो सृष्टि के सम्बे हो ! वठो ! हर देश की लाज है तुम पर ! विश्ववाओं की आहों को सुनकर वठा, वदसी की मारी माँ की वीक्स सुनकर वठो ! वठो ! इन्सानियत को भी शर्मा देने वाली देखा कही जाने बाली माँ वहिनों की साज की खादिर वठो ! वहों ! शोषध्य की वक्की के पार्टों से पिस रहे समाज को बागों बढ़ाकर शोषधा मुक्त कर देने का काम तुम पर है, आको वठो ! बुदने मत देको ! ईमान मत वेचो ! बाको, दुक्तमी को स्वीकार मत करो !

اليا المناه الدن يو الله ك المعالي الم المال عی تباشی موا کے نبیعے حس کی تالیں کی میتائی عالم کے المنجية كرنس تور دهن كو بهر إ تهاليس كم مالك، إ يهلك كم ركفك الهرا أناج كا يهاؤ مهلكا كرني كي للم قيس ها أس الد ہی نہیں که سالے اور بہائے میں فریبوں کی تقدیر کے ساتھ کھار کرو اِ اس اللہ بھی تبیں که چور بازاری اور رویموں کا تھیر جمع کرو' پر اس لٹر آئھو که تمهیں سماج کی اگوائی کوئی ھا شرشن کی خوں چوسنے کی تا سے آزاد موقا ہے اور سب كو آواد كرنا هـ 1 انسان اور ساج ايك دوسيسك يورك ههل ، إنسان كو أزادى دو ' انسان كو روثي ملنه دو' أحه روثي باللو منت؛ وه تو خود روثي يهدأ كرنا هـ ، يهر أنه تم كيا روتی بانگو کے ؟ اسے مکان دو کیولکت وہ خود مکان بناتا ہے ۔ يه سب هولم دو' ساج أين أب برهم كا . الهوا انسان كي أزادي کے قام پر سالے میں پھیلی ہوائی ان خندقیں اور کیاٹھوں دو پات در ا شوشی کے شیعی تاکر ا آج پیپیکارتا بند کروا کیووروں كو كالله روك دو إ الهوا تعهارا سماج بدل رها هـ؛ انسان أور أج كا معرم منعب وشواس بدل رها هم إ أس بدنته هويَّه أنسانً ا وهواس اور سماج سب کا ساته دو ! ایلی مانسک علامی کے مثانے کے اگے دماغے کے ورشادان کیول دو' پور ٹم محسوس کرو کے سڑک پر بڑے بھرکوں کی کراهدی، کھیت میں بلکھا۔ پیمی کی روٹی کی ماتک ! پر ایک کو آٹیا کر دوسرے کو له عراوسسب كا دهرم هم أتبانا ! ألهو ! إس وهواس كه سانه ألهو كه إلسان كو الهنا هه إس اله الها ه كه وه يتن كي سهما النكم حكا في وه أتم هنيا كرنے ير أنارو في أي إ ير كها تم جانيه مو كه الميزيون كو أيديش دياء سه خون كي تريكي نہیں مرتی' انہیں خوں کی ھی چاہ مرتی ہے اِ تو شرم' کرد' نم اِنسان هو؛ بهری پر نهین اپنی سیهمتا اور سنسکونی پر آیے بہت گرو کرتے موا تم جمو دیا دعرم کے پرچارک موا اِس بھوریکے ين سد أولد هورُ إ شوشن كا جامه أثار يهداكو اللهو إ سب كو أَيْهِ وَو } أَنْهَا سب كا أَنْهَارُ هِ .

جوانو آئیو ! تبارا به سب سه بوا کلم هه ! تم تو مرهایی کے کہد مو ! آئیو ! دو دوس کی اللے هم تم پر ! ودهواؤی عی آمون کو سی کر آئیو ! آئیو ! السانیت کو بھی شرما دولی والی وبھیا کی سی کر آئیو ! آئیو ! السانیت کو بھی شرما دولی والی وبھیا کی بھائے والی ماں دواوں کی اللے کی خاطر آئیو ! آئیو ! شیشن کی چکی کے دائیں سے پس رہے ساج کو آگر بڑھا کو شوشن کی چکی کے دائیں سے پس رہے ساج کو آگر بڑھا کو شوشن میت کر دولی کا کلم تم پر ها آؤ آئیو ! گیائی محت کو دولی کا کلم تم پر ها او آئیو ! گیائی محت کر دولی کا کلم تم پر ها او آئیو ! گیائی محت کرو !

वाब प्रतान ने असे बताया कि मेरी गर्बन पर ततवार का . एक हाथ मारो." बनिये ने कहा—"बन्छा", बाँर तलबार वपटी करके उसकी गर्दन पर धीरे से मारी. इस पर विगइ

कर पठान ने कहा-"भई तुम तो बिल्कुल बनादी माजून होते हो, करत करना एक जरा सी बात है, वह भी तुम नहीं जानते !"

बनिये ने तलवार फेंक दी और कहा-"मई, मैंने तेथी र्धंगिलियों से खून तो बहा दिया. . खून बहने से तेरे बाप

की बात पूरी हो गई."

اب بالمان له أحد بالما كه المعارف كودون مو تلوار لا ايك انو مارو . باند کے کیا۔ "الجہا کا اور تارار جہار کرکے اسامی لودین پر دھیرے سے ماری . اِس پر باو کر یالیان نے کہا۔۔ اُلیکی اُ نم تو بالكل أفاري معلوم هوت عو . قتل كوثا أيك دوا سي بات بات الله ولا يعي ثم ليين جالته !"

بنیائے نے تلوار بھینک سی اور کیا۔۔۔ ویوائی میاب تینی الكليبن سه خون تو بها ديا . خون بهلم سه تيرم باب كي باب

يورف هو گئي .''

उठो ।

एक महिन्दी भाषी भाई

चठो ! क्यों ? इसलिये कि बहुत सो चुके हो ! पर स्रोना, और चठना तो नित्य का काम है ! नहीं, मैं तुन्हारी चैतना को जगाना चाहता हूँ, मैं तुन्हें मकमोर देना चाहता हैं ! क्यों ? तुम जांगते हुए भी को रहे हो ! वह मींद नहीं— तन्द्रा है. यह जब आदमी पर छा जाती है, तो आदमी सो जाता है, और फिर समाज भी सो जाता है.

चाज वठने की बेला है, बिलवान की घड़ी है को ! पूजा का सामान बाँघ लो ! पर सामान नहीं, बाँघना नहीं, पूजा भी नहीं—यह सब पुराना हो चुका ! आज सामान बांघी नहीं, उसको विखेर दो ! बाँटने की भी आवश्यकता नहीं, सबको पाने दो ! पूजा की थाली को आज मन्दिर में नहीं वहाँ जाने दो, जहाँ मुख की चटपटाइट है, लाचारगी का मातम है, मीत का तांखन नाच है !

चठो ! पूजा करा इन्सान की, वही देवता है, नरनारायन है, बही राज है, वही बनाने बाला है; मजदूरी के संसार का, मेहनत की दुनिया का, गगन-चुम्बी महलों और जटारियों का, बदे-बदे धन के बखारों का !

धठो । कारखाने की चिमनी के छुएँ में दम कोड्कर मेर जाने पाले मजबूर चठो। जेठ की दुपहरी में क्सीने में सथपक भूको किसानों डठा ! मेहनत की बद्दान से तक्ने बाबे अग-बोन के प्यारे, वठो ! कोह ! तुम सीप दी कव ! हाँ, तुम बीए नहीं, पर बेबसी से दार लाकर पर गये, तुम रोद क्षेत्री. बीटों की मार से पायल हो कर तन्त्रांमव हो गये!

أتهو!

أيك هادى يهاشي يهاثي

الهو إ كيون ؟ إس نام كه بهت سو چكه هو إ ير سونا أور إليها تونت كا كام هـ إ نهين مين تمهاري چيتنا كو جكانا چاهنا هرن مين تمهين جهنجور دينا چاهنا هن ! كيرن ؟ تم جاگتے موئے بھی سو رف هو 1 يه نياد نهيں۔۔تلارا ه . يه جب أَنْمَى بِرَجِهَا جَاتَى هُ أَنْ أَنْمَى سُوجَانًا هُ أُورِ بِعِرْ سَعَاجٍ بعي بدو جاتا ٿه .

آنے اُٹینے کی بیلا ہے' بلیدان کی گیڑی ہے' اُٹیو ! پوجا گا ساسان باتده لو ا ير سامان نهون بالدهنائيين، وجوابهي نهون ية سب يرانا هو چكا ! أج سنان عائدهو تهين أسكو بكهور دو إ بالقلم في بهي أوشيكتا تبين سب كو يال دو أ يوجا كي تھائی کو آج ملدر میں ٹیوں' وہاں جائے دو' جہاں بوک کی جِهِتِهِمُ هِ لَجَارِكَى كَا مَاتُم هَا مُوت كَا تَالْدُونَاجِ هَ ا

الهو إ يوجا كرو أنسان كي" رهي ديونا هـ، نرنرائن هـ، وھی راہے ہے' وھی بدائے والا ہے' ہزدوروں کے سلسار کا' محصلت کی دلیا کے کی چمبی معطوں اور اقاریوں کا برے بڑے دھن کے بهارس کا ا

آٹھو ! کارخالے کی چملی کے دھوٹیں میں دم تور کر مو حالے والے مؤدور الهو ا جيٹو کي دويوري موں پسيلے ميں لاية وست بھوکے کساں الھو ! محات کی چال سے لڑنے والد بناواں کے بھارے الھو ! آوہ ا تم سوئے ھی کب (ھاں تم سوئے قبل ان بد بد يسي عد عالم كا عو يو كائم أم رواد الهادل الحواول في مأو الله المال هوكر فليوا من هو كان أر तिये उनके पास पहुँचा और बोला-"लो. मारी सुने इस से." सेठ जी ने बर के मारे दोनों हाथों से आँखें मूँद ली और द्वहाई देने लगे.

पठान के समन्ताने-जुम्ताने पर जब सेठ जी के होश जरा ठिकाने आये, तो पठान ने उनसे माकी माँगी और कहा -"भाई, तु वो मेरी जान का मालिक है, तु अभी मेरी गर्नन काट ले. इतनी दूर से चलकर जिस काम के लिये तू बाया है, वह तू पूरा कर."

श्रद सेठ जी की समक्र में श्राया कि दर श्रसक मामला **उस्टा है. सेंड** जी सोच में पड़ गये कि क्या अवाब दें ? अगर इनकार करते हैं, तो .बैर नहीं, और मंजूर करते हैं तो करल का गुनाह होता है. कहने लगे-"अच्छा आई, कुछ ठहर कर तुन्हें मारूँगा, क्योंकि मैं नही जानता, तुम हां कीन ? तुन्हारे घर पर जलकर पहले तुन्हारे माई से पूछ लूँ, फिर माहँगा."

भाई का नाम सुनते ही पठान ने कहा-"क्स दुरमन का मेरे सामने नाम न लो. हाँ. अगर घर पर चलकर मारना चाहते हो, तो चलो, वहीं सही."

दोनों घर आये. सेठ जी ने कहा-"भाई, मैं तुमे तब मारू गा जब कि तू अपने भाई से मेल कर के, वर्ना सब यही कहेंगे कि मैंने तुमे तेरे भाई के मगड़े के सबब मार बाला.' तेरे मांई से भी लोग यही कहेंगे कि आपसी कगड़े के सबब अपने मुँह बोले धर्म माई को बुलबाकर उससे संगे माई को मरवा डाला. जो तू मेरी बात नहीं माने तो फिर तू डी समे मार डाल."

हारकर पठान ध्रपने भाई से जाकर मिला. दोनों में सलह हो गई. आखिर में छोटे भाई ने सेठ से कहा कि "अप तू मुक्ते मार डाल, लाकि मेरे बाप की बात भी पूरी हा जाय." पर सेठ ने पहले दिन तो यह बहाना बताया कि बाज सुलह का दिन है, इसलिये मरना-मारना ठीक नहीं. दूसरे दिन सेठ जी ने कहा-"मई, मैंने दुमें माफ किया. भव त भी मेरी जान वरुश."

ं छोटे भाई ने कहा- 'यह नहीं हो सकता. तुम मेरी जान बख्श कर मुक्ते नालायक बेटा कहलवाओं । यह किसे नहीं मालून कि तुन्हारे आते ही मैं तुन्हें मारने को दीड़ा था १ यह हो नहीं सकता कि तुम मेरा .खून न करी. मैं अपने बाप की बात को किसी तरह टालने न दूँगा."

वह किसी तरह भी न माना और अंजर बनिये के हाथ में देखर, गर्दन मुकाकर आगे बदा, बनिये ने उसकी उँगली में संजर की नोक लगाई, वह विगदकर बोला-"यह तुम क्या कर रहे हो १" वनिये ने इँसकर कहा-तुन्हें क्रला - परेता हैं." एसने कहा--'तुम भी बढ़े अजीव बादमी हो." इस पर पनिया बोला-फिर सुमें बताओ, मैं तो बह सब अभा कुल के सहावे जानता नहीं."

لل أن كے واس بهلمها أور اواستالوا مارو معهد إس عدا سال عی لے قر کے مارے دولوں عالیوں سے آنکیوں مولی الیو اور دعائی دیلے لکی

یاواں کے سمجھالے۔ بجھالے یر جب سہاہ جن کے جرش ذرا البكالي ألي تو بالهان ني أن سه معادي سانكي أور كها-"الهائي أنو تو ميري جان كا مالك هـ ، تو أيهي ميري گردين كان لي الله دور سے چل كر جس كلم نے ليلي تو أيا مع وا تو يوا کي''

أب سيام جي کي سنجم مين آيا که درامل معامله اللا هـ. سیٹھ جی سرچ میں پر کئے که کیا جواب دیں ؟ اگر انکار کرتے هين أو خير نهين أور منظور كرتے هين أو تال كا گفاه هوتا الها، كيله لكه" الجها بهائي كجه لهم كر تمهين مارونكا كيرتكه میں نہیں جانتا' تم هو کون ؟ تبارے گرد پر چل کر پہلے تمهارے بھائی سے یوچھ اوں کی بارونکا . ا

بھائی کا ٹام سنتے ھی پٹھان نے کہا۔۔۔''اُس دشمن کا میرے ساملے قام لند لو ، هاں ' اگر کهر ير چل كر ماون چاعتے هو تو چلوا وهين سهي ."

دونوں گور آئے ، سیٹھ جی لے کہا۔ انہائی میں تجے تب مارونگا جب که دو اینے بھائی سے میل کر لیا ورقه سب یہی کیھنگے که میلے تجھے تیرے بہائی کے جہارے کے سبب مار ڈالا، تیرے بہائی سے بھی لوگ یہی کہیدکے که آیسی جھکڑے کے سبب اپنے سنمیولے دھرم بھائی کو بلوا کر اُس سے سکے بھائی کو سروا دالا ، هو تو ميري بات تهين ماي تو يار تو هي مجه مار

هار کو یٹیان اپنے بھائی سے جا کر ملا ۔ درنس میں ملم هر گئی ، آخر موں چورا بیاتی نے سیٹو سے کیا کہ آپ تو معجے مار، ڈال' ناکه میرے باپ کی بات بھی پوری ہو جائے ۔'' پر سيته لي پہلے دن آو يه بهانه بتايا كه أج صامع كا دن هے، أس لله مولا مارنا ٹیوک نہیں ، دوسرے دی سیٹھ جی نے کیا۔ "بیٹی" میلے تعجیے معاف کیا ۔ آب تو بھی میری جان بخش . ا

چھوٹے بھائی نے کہا۔ "یہ نہیں ھو سکنا ، تم میری جان يخش كر منجه نالانق بينًا كياراؤكم الا يه كسر نهين معلوم که نمیاری آتے هی میں تمیس مارلے کو دوراً تھا لا یه هو انہیں سعتا که تم میرا خون ته کرو ، میں اپنے باپ کی بات کو کسی طرے لاللے تع دولگا۔"

وہ کسی طرح بھی نہیں مانا اور خنجر بنید کے عاتم میں دے کو گردن جها کو آگہ بڑھا . بلیے نے اُس کی انکلی میں خلعور کی نوک الائی ، وہ بکر کر بولا۔ 2 یہ تم کیا کر رہے مر 9 الم بلیے لے هلس کر کیا ساتنہوں قال کرتا هوں 👫 اُس لے کہان۔۔۔'ائم ہیں ہڑے عصاب آدمی ہو ۔'' اِسَ اپر اُبتیا يولسائير مجه يااي مين تويه سب فالرارال كي جهارت بواله ليس وال

पठान बोला—"भाई, श्रीर तो कोई बात नहीं, सिबाब इसके कि तुम्हें उसके हमले का खतरा है."

संठ जी ने कहा-"हाँ, और कोई बात नहीं."

पठान बोला—"किर तुम बेघइक मेरे साथ चलो. किसी बात की फिक्र मत करो. जरा भी न घबराओ, वह अगर मेरा एक मेहमान मार डाले तो मैं इसके दो मेहमान मार डालूँगा. तुम चलो, देखें अगर वह तुम्हारा बाल भी बीका करे."

उसने सेठ जी को लाख समम्तया कि उन्हें अपने बारे में इरने की क़तई ज़रूरत नहीं, पर उनकी समम्म में कुछ नहीं आया. पठान ने उनकी बड़ी मिन्नत .खुशामद की, मगर सब बेकार. सेठ जी वहाँ से दूर जाकर ऐसी जगह ठहरे कि उसके जालिम भाई को उसका पता न चले. लांटा, बोर और चादर भी गैंवाई, पर जान बची लाखों पाये.

पठान के छोटे भाई ने लोटा-डोर के साथ एक चादर भी पाई, जिसमें एक गाँठ लगी थी. उसने उसे खोला, तो उसमें से उसके बाप का खत निकला, जिसमें सेठ जी को लिखा था कि खाप बाकर मेरे छोटे लड़के को मार अपने भाई के .खून का बदला लें. था वह सपूत. खत पदकर बहुत सोच विचार में पड़ गया. आख़िर ते किया कि वह अपने बाप की बात पूरी करके ही दम लेगा. उसने सोचा, सेठ दर असल मुमे मार ही डालने को आया था. लेकिन वह तो मेरे बाप का बुलाया हुआ आया था और मैंने उस्टा उसे ही मार डाला हाता ! बदा ग्राजव होता. .सीर, अब भी कुछ नहीं विगड़ा है. सेठ जी को तलाश कर कीरन उनके हाथों करल हो जाना चाहिये. वह तो बदला केने आवें और मैं जान शुराऊँ, यह पठान के लड़के को शोभा नहीं देता.

पठान सेठ जी का पता लगाने में रात मर हैरान होता रहा. सुबह होते-होते वह ठीक जगह पर पहुँच गया. सेठ जी उस वक्त जंगल गये थे. वह भी उपर हो गया. सेठ जी उपर से लीट ही रहे थे कि सामने पठान का भाई आता हुआ दिखाई दिया. उसे देखते ही सेठ जी सरपट मागे तो वह भी उनके पीछे सजर हाथ में लिये यह कहता हुआ मागा कि "प्यारे माई, तुमे कसम है, माग मत, मुने मार डाल और मेरे वाप की बात पूरी कर." मगर जनाब, वहाँ होश किसे, कीन सुने और कीन सममे १ पठान हाथ मं सं जर जिये चीख़ता ही रहा. उसने सोचा, वे निकल न जायें, वर्ना उसके बाप की बात अपूरी रह जायगी. वह और तेजी से उनके पीछे मागने लगा. न वह साई देखता और न स्वन्दक्त. मागते-भागते सेठ जी के पैर थक गये थे बौर सौस फूल रही बी. आलिर बेबारें रित ही तो पढ़े. उनके गिरते ही पठान संजर हाथ में

ہلیاں ہوا۔۔۔ ایمائی اور تو کوئی بات نہیں سرائے اِس کے ۔ که تمہیں اس کے حملے کا خطرہ ہے ۔''

سرٹھ جی نے کیا ۔۔۔''ہمَان' اُور کوئی بات نہیں '''

پتیان براسدایور تم پردهزک میرے ساتھ چلو ، کسی بات کی فکر ست کرو ، ذرا بھی نه گهبراؤ وہ اگر میرا ایک مهمان مار دالونگا ، تم چلو دیکھی اگر وہ تمیارا بال بھی بھکا درے ."

اُس نے سیتھ جی کو لائھ سمجھایا کہ اُنھیں اپنے بارے میں ترخے کی قطعی ضرورت نہیں' پر اُن کی سمجھ میں کچھ نہیں ایا ، پتھان نے اُن کی پڑی منت خوشامد کی' مکر سب بیکار ، سیتھ جی وہاں سے دور جاکر آیسی جگھ ٹیھرے کہ اُس کے ظالم بھائی کو اس کا پتد نہ چئے ، لوٹا دور اُور چادر بھی گنوائی' پر جان بچھی لائھرو یائے ،

پتیان کے چھوٹے بھائی نے لوٹا قور کے سانھ ایک چادر بھی پائی جس میں ایک کانٹھ لکی تھی ، اس نے اسے کھوٹا تو اُس میں سے اس کے باپ کا خط نکلا جس میں سیٹھ جی کو لکھا تھا کہ آپ آکر میرے چھوٹے لڑکے کو مار اُپنے بھائی کے خون کا بدلہ لیں ، تھا وہ سپوت ، خط پڑھ کر بہت سوچ وچار میں پڑ گیا ، آخر طے کیا کہ وے اپنے باپ کی بات پورو، کر کے ھی دم لے گا ، اس نے سوچ اُ سیٹھ دراصل مجھے سارھی قالنے کو آیا تھا ، لیکن وہ تو میرے باپ کا بلایا ھوا آیا تھا اور میں نے اللا اسے بنی مار قالا ھوتا اِ بڑا نصب ھوتا ، خیر اُ اب بھی کیچ شہیں بکوا ھے ، سیٹھ جی کو نقش کر فوراً اُن کے عاتبوں قائل ھو چانا چاھئے ، وہ تو بدا کہ لیا ہو اوں اور میں جان چراؤں "

رقبان سیتھ جی کا پتہ نگانے میں رات بہر حیران ہوتا رہا ۔

صبح ہوتے عرتے وہ ٹییک جگہ پر پہنچ گیا ، سیتے جی اس

وقت جنکل گئے تھے ، وہ بھی ادھر ھی گیا ، سیتے جی ادھر

سے لون ھی رہے تھے کہ ساملے پتوان کا بھائی آنا ہوا دنھائی

دیا ، اسے دیکھتے ھی سیٹے جی سریت بھائی آنا ہوا دنھائی

یدید سے خلتجر ہاتے میں لئے یہ کہتا ہوا بھاکا کہ ''یمارے بھائی'

نجھے دسم ہے' بھاک مس' مجھے مار ڈال اُرر میرے باپ دی

بات پورو کر ۔'' مگر جناب وہاں ہوس کسٹ کون سے اور

کون سیجھے کا پتھان عاتے میں خلتجرائے چینٹ عی رہا۔ اُس نے

سوچا' رہ نکل نہ جائیں' ورثہ اُس کے باپ کی بات ادھوری

وہ چائیگی ، وہ اور تینوں سے ان کے پیچھے بھائے لگا ، نہ وہ

کیائی دینجیا اُور نہ خدی ، بھاکتے بھائے سیٹھ جی کے پھو

کیائی دینجیا اُور نہ خدی ، بھاکتے بھائے سیٹھ جی کے پھو

کیائی دینجیا اُور نہ خدی ، بھاکتے بھائے میں داخر بھجھارے

کیائی دینجیا اُور سانس پہول رھی تھی ، آخر بھجھارے

کیائی دینجیا اُور سانس پہول رھی تھی ، آخر بھجھارے

इषर बद्धिमस्ती से से ठजी पर उनके गाँव में आकत आई, हाकिज रहमत काँ बढ़ा अच्छा हाकिम था. दियाया उससे निहायत खुरा थी. मजाल नहीं जी दियाया पर कोई जुल्म हो. पर नवाबी जी हुई तो सरकारी अफ सरों ने चुन-खुनकर वपये वाले संठ-साहकारों को बरा-अमका कर द था पंठना छुरू किया और उन्हें इतमा परेशान किया कि वे देश छाड़-छोड़कर पठानों की हकूमत में बसने लगे. मगर पठानों के पास अब रह ही क्या गया था ? सेठजी ने सोचा — चला, अब उस राहर में चलकर रहें जहाँ हमारा धर्म-भाई बठान रहता है, चाहर और लाटा-डोर कंसे पर रखकर सेठजी चल खढ़े हुए. पठान का नाम तो मालूम या ही, पता मालूम न था, सो सोचा, किसी से पृष्ठ कर मालूम कर लंगे.

बाजार में जा हो रहे थे कि बानानक यह पठान धर्म-भाई मिल गया. दोनों बढ़े प्रेम से मिले, पठान बोजा— "बलो हमारे घर चल कर ठहरो." उन्हांने कहा—"तुम को बेंकार तकलीफ होगी!" पर बठान न माना और ले जाकर अपने घर में टिकाया और .सुद उनके साने-पीने का सामान लेने चला गया.

सेठ जी तो लम्बी सकर के मारे थक गये थे और दूसरे ठहरे बिल्कुल कमफोर. सामने घाँगन में कुँ आ जो दिखाई पढ़ा तो सोचा—चलो हाथ-मुँह धो लें. बस लोटा-डार कैकर चल पढ़े उधर ही. उनकी समम में न चाया कि बीच घाँगन में यह रस्सी कैसे तनी है. कुँए पर पहुँचे घौर लगे पानी निकालं कर हाथ-मुँह धोने.

पठान का भाई छत पर बैठा था, उसने आब देखा न ताब, बंजर लेकर नीचे चतरा और सेठ जी पर मंपटा. सेठ जी ने देखा कि एक खूनी आदमी एक खंजर हाथ में लिये बन्हें मारने आ रहा है, तो लोटा डोर वहीं छोड़ सर पर पर पर रखकर भागे. पठान भी बड़ी तेजी से दीड़ा उनके पीछे पर वे साफ निकल गये. बद हवास वे भागे जा रहे थे कि सामने से पठान का बढ़ा भाई—उनका दोस्त—आता हुआ मिल गया. वह उनके लिये खाने-पीने का सामान लेकर लीट रहा था. सेठ जी का इस बुरी तरह भागते और परेसान देखा तो बाला—"अरे भाई, कहाँ मागे जा रहे हो आखिर १ सिर तो है १ माजरा क्या है १"

'सिर ? कैसी खैर ? यहाँ तो जान पर बन आई है"— सिठ जी बोले. उन्होंने सारी घटना कह सुनाई और मागने पर कर आए.

पठान ने कहा—कारे, तुम उधर गये ही क्यों ? तुन्हें कारी नहीं लांघनी चाहिये थी."

अ सेंड जी ने कहा- "जो छड़ हुआ, सी हुआ, मगर

افهر بغلستی سه جهانی چی یو آن کے گارن عین آنسته
آنی ، حافظ رحمت خان بوا اچها حاکم تها ، رعایا اس عین نهایت خوش آنی ، صحال نهین جو رعایا پر کوئی بهی ظام مو ، پر ٹوابی جو هوئی تو سرکاری انسوران له چن چون کو رویا ، والے سبانی ساهوکاروں کو قرا دهمکا کورویته آینتها شووع کیا آور انهیں اینا پریشان کیا که وے دیش چهرز چهرز دیاتهائی کی آمید حکومت میں بسنے لکے ، مکر پاتیائیں کے پاس اب وا هی کیا گیا تها او سبانی جہاں همارا دهرم بهائی پاتیان رهنا هے ، چادر آور لوتا قور وهیں جہاں همارا دهرم بهائی پاتیان رهنا هے ، چادر آور لوتا قور معلوم تها هی پاتی معارم نها هی پاتی معارم نها سو سوچا کسی سے پوچه کر معلوم کواپائے ،

بازا میں جا می رہے تھے کہ اجانک وہ یتبان دھوم بیائی مل گیا ، دونس برے وریم سے لے ، یتبان بولا۔ (چلو شمارے گھر چل کو ٹیبار آئلیف ھوگی ! " گھر چل کو ٹیبار آئلیف ھوگی ! " پر یتبان کہ مانا اور سرتا جی کو لے جائز آپنے گھر میں تکایا اور خود آن کے کہائے یہنے کا سامان لیالے چلا گیا ۔

میلم جی ایک تو لدید سفو کے مارے تیک گئم تھ أور موسوے لیرے بالکل کمزور ، سامنے آدی میں کنواں جو دکیائی پوا تو سوچاسسچلو' هاته منه دهو لیں ، یس' لوٹا تور لیہ کو چل پوے آدهو هی، آن کی سمتجیمیں نه آیا که بیج آنگی میں یه رسی ایسی نئی هے ، رسی بانده کو وے کلویں پر پہنچے لور لگے پائے تکال کو هاته منه دهوئے ،

"خیر 8 کیسی خیر 8 یہاں تو جان پر بن آئی ہے"-سیٹھ جی بالے . آنہوں نے ساری گٹلا کہ سفائی اور بھاگلہ پو آئو آئے .

ی بھاں نے کیا۔۔۔''ارے' تم ادھر گئے ھی کیوں ؟ تمھوں رسی ہے۔ نہوں لانکیاں چاھیہ تھی ۔''

سیٹھ جی نے کہالسا^{ور}جو کتچے ہوا' سو ہوا' سکر آب موں وعان نہیں جانے کا ۔''

नहीं." इसी रात पठान ने जाकर खुपचाप बनिये के भाई को मार डाला. लीटकर पठान ने सेठजी को यह खुराड़ावरी सुनाई, फिर कहा—"बाब उन क्रच दारों का भी नाम बताच्यो, जिन्होंने उसके बरशलाने से तुम्हारा क्रया मार लिया है."

"हाय माई ! हाय " … कहते हुए बनिया पक्षाइ स्नाकर गिरा और गिड़गिड़ा कर बाला "यह तुमने क्या किया ?" पठान घवराया कि माजरा क्या है ? उसने कहा—"भाई बात क्या है ? मैंने खगर तुम्हारे भाई को मारकर बुरा किया, तो तुम मेरे भाई को मार ढालो. चलो, किस्सा खत्म. धव राने-धोने से क्या हासिल ? यह कहकर उसने सेठजी का हाथ पकड़ा और कहा कि "चलो मेरे घर खपने भाई के .खन का बदला लेने."

सेठजी ने सोचा, रानीमत यही है कि इसको इखसत किया जाय. उन्होंने उसे कुद्ध उपया नकृद देकर उख्सत (क्या और सोचा कि चलो, आफत कटी, पठान ने चलते-चल्ते कहा कि, "मैं अपने बाप और भाई से मिलकर बदला लेने के लिके तुमको -सवर दुँगा."

पठान को घर छोड़े साल भर हो गया था. इसलिये इसके बाप ने समका कि शायद मर खप गया होगा. उसे फिर घर लीटा देखकर बुद्दे को .खुशी हुई. पठान ने बतिये के बहाँ का सारा कि स्सा अपने बाप से कह सुनाया. उसके बाप ने कहा—''पठान की बात नहीं जाना चाहिये.'' और दोनों बदले के लिये राजी हो गये. .खुद उसके भाई ने कहा कि मुक्ते .खुशी से जान देना मंजूर है सेठजी आकर .खुशी से अपने भाई के बदले में मुक्ते मार डालें."

पठान के बाप ने एक चिट्ठी सेठजी को आकर बदला केने के लिये लिखा. उसमें अपन लड़के के साथ की गढ़ उसकी मेदरवानी का ग्रुकिया अदा किया और लिखा कि दूसरा बेटा हाजिर है, जब .खुशी हो, आकर उसे अपने भाई के .खून के बहले में मार डालो.

बाप-बेटों ने महीनों इन्तजार किया, मगर न तो सेठजी आए और न उनकां कोई जवाब ही आया, महीनों तक उन्होंने अपने कई काम रोक रखे और यह मान लिया कि छोटा बेटा अब मरने बाला है, लेकिन सेठजी की कुछ .साबर न आई. चालिर में सब नाउम्मीद हो गये.

थाड़े दिनों में पठान भाइयों का बाप मर गया. जाय-दादकी बाट पर दोनों भाइयों में बड़ा मगदा हुआ। घर का भी बँटबारा हो गया. आधा छोटे भाई को मिला और आधा बड़े को. बीच ऑगन में चारपाई की खद बान स्रोलकर इस सिरे से उस सिरे तक जमीन पर सूँटी गाड़ कर बाँध दी गई. यही घर के दो मार्गो की इद बनी थी. 'स्रार एक दूसरे की साइद में कदम रखते, ती बस जंग! نہوں ، '' أَسَى رَابِ يَنْهَانَ لِلَهُ جَاكُر جِبَ جِانِ بَلَهُ كَ يَعْالَىٰ كُو مِنْ اللّهِ كَ يَعْالَىٰ كُو مَارْ دَلْلا ، لُوتَ كَرْ يِنْهَانَ لَهُ سِيْنَا جَبَى كُو يَهُ خُوشَتَهَرِي سَلّتَى عَهِرَ كِياسَـُ اللّهِ عَلَىٰ اللّهِ عَلَىٰ اللّهُ عَلّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَّا اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُو

سیال جی نے سوچا غلیمت یہی ہے که اُس کو رخصت کیا اور کیا جائے ، انہوں نے اُس کچھ روپیہ نقد دے کر رخصت کیا اور سرچا که چلاء کیا که "میں سرچا که چلاء کیا که "میں اپنے باپ اور بہائی سے ملکر بدلا لیئے کے لئے تم کو خبر دولگا ۔"

پالیاں کو گهر چهرے مل بهر هو گیا تھا . اِس لئے اُس کے باپ نے سمجھا که شاید مر کبپ گیا هوگا . اُس پهر گهر لوٹا دینه گر بدھ کو خوشی هوئی ، پاتان نے بلیٹے کے بہاں کا سارا قصه اُپنے باپ سے دُبه سلایا ، اُس کے باپ نے کہا۔ ''پتھاں کی بات تہیں جانی چاهیئے .'' اور دونوں بداء کے لئے راضی هو گئے . خود اُس کے بہائی نے کہا که ''مجھے خوشی سے جان دائیا منظور شے . سیتھ جی آکر خوشی سے اپنے بھائی کے بداء میں مجھے مار دائیں .''

پٹھآن کے باپ لے ایک چھٹی سیٹھ جی کو آکو بدائد لینے کے لئے لکھا ۔ اس میں اپنے لاکے کے ساتھ کی کئی اُس کی مہرہائی کا شکریم ادا کیا اور اکھا کہ دوسرا بدتا حاضر ہے، جب خوشی ہو، آکو آے اپنے بھائی کے خون کے بدلے میں مار ڈالو ،

باپ بیترں نے مہینوں افتظار کیا سکر نہ تو سیٹھ جی آئے اور نہ ان کا کوئی جواب ھی آیا ۔ مہینا نک انہوں نے اپنے کئی کام روک رکھے اور یہ مان لیا کہ چھوٹا بیٹا آپ مونے والا ھے لیکی ساتھ جی کی کچھ خبر نہ آئی ۔ آخر کو سب تاامید ھو گئے ۔

تہورتے دیں میں پٹھان بھائیرں کا باپ مر کیا ۔ جائیداد کی انتخاب پر دونیں بھائیوں میں بڑا جہکوا ہوا ۔ کیر کا بھی بڈرارا ہو گیا ۔ اُدھا چھرٹے بھائی کو مقاور اُدھا بڑے کو ، بھی آنکن میں چریائی کی اردوایی کھرل کر اِس سرے سے اُس سرے تک رمیں پر کھونٹی کو کر باندہ دیں گئی ۔ بھی کے دو بھاگوں کی حدید بھی تھی آگر ایک دوسرے کی سرحد میں قدم رکھ دید تو یس چلک ا

का स क्या

स्तारमा हो जाये कि स्थर से एक बनिया था निकता. बनिया टर पर कहीं से बानाज वैचकर का रहा था. बसने दूर से देखा और क़रीब आते हुए दरा; मगर आखिरकार आया, तो गीवड जा। हट गये, उसने देखा कि साँ साहब के पैर गीवडों ने नेाच डाले हैं. साँ साहब ने बनिये से कहा-"भाई या तो द्वम मुक्ते मार डालो, नहीं तो इन गीव्डों से बचाओ." पहले तो वह बहुत हरा, मगर फिर उससे न रहा गया. उसने पठान की अपने टहू पर अनाज की बोरियों में छिपाकर लाइ लिया, वाकि कोई देख न सके. सीचा, कहीं लेजाकर छोड़ दूँगा, मगर यह हर वा कि कहीं कोई देख न ले. क्योंकि नवाब और अंश्रेजों के बादमी रहेलों भीर उनके साथियों का बराबर पीछा कर रहे थे. जंगत में छोड़ने से खाँ साहब की जान का खतरा था और बस्ती में ले जाने ने खद उसको मुश्किल में फँस जाने का खतरा था. बादमी वह रहमदिल था. सोचा घर ही ले चलो. और छिपाकर खाँ साहब की अपने घर ले आया.

बिनये की थीबी लाँ साहब की देखकर घबराई कि यह क्यां नई आफत घर ले आये. लेकिन बिनये ने कहा कि इसकी सेवा करों और इसे द्विपाकर रखों. पठान की घर के अन्दर एक कीठरी में छिपाकर रखा और जुपके से उसकी मरहम पट्टी और इलाज कराया गया. महीनों में जाकर कहीं पठांन अच्छा हुआ. पठान ने जब कलने की बात कहीं, तो बिनये ने कहा, "अभी तुम कमजोर हो, जरा दूष-धी खाकर मोटे-ताजें हो लो, तब जाना." पठान मान गया और वहीं रहकर ख़ दूध-धी खाने लगा.

(2)

पठान को इस बात का बड़ा ख्याल था कि बनिये ने इसकी जान बचाई है. इसने बनिये को अपना धर्म-भाई बना लिया. वह दिन-रात इसी सोच में रहता कि बनिये की भत्तमनसाहत का क्या बदला चुकाऊँ? उसके कर्ज से कैसे छुटकारा पाऊँ १ पठान अच्छा हो चुका था और जाने ही बाला था कि एक अजीव मामला पेश हना. बनिये का एक माई था, जिससे उसकी लड़ाई थी, इसलिये कि वे एक दूसरे का प्राहक तांदते और विगाइते रहते थे. एक रोज बनिया बड़ा उदास था. उसे उदास देखकर पठान ने पूछा-"सेठजी, मामला क्या है ? आप रामगीन क्यों हैं ?" इसने बताया कि "मेरे अपने माई से दशमनी है. एसने जीना मुरिकल कर रखा है. सारे कर्ज दारों को बरराजा दिया है कि बक्रीया कर्ज मत अदा करो. मेरे खिलाफ उसने पार्टी बना ली है. कई बरसों से तंन तो करता हीं था, पर अब तो मुक्ते विस्कृत तवाह करने पर तुला न्हें और समम में नहीं आशा कि अभी क्यान्या करेगा ?" पढात ने बनिये को दिलासा दिया और कहा. "पवराश्रो

خاتم هو جائے که آدهو سے آبک بایا تا ، بایا بالی پر کہیں سے آناے بیجے کو آرها تھا اس نے دور سے دوبا اور قریب آتے هوئے قرآ؛ مکر آخهرکار آیا تو گھدو قرآ هد گئے اس نے دیکھا که خان صاحب کے پھر گھدوری نے نہیے قالہ میں اخان صاحب نے بلیم سے کہ سے تیمائی یا تو تم محیے مارة لو' نہیں تو اِن گیدوری سے بحیاؤ '' پہلے تو وہ بہت قرآ' مکر پھر آس سے نے رہا گیا ۔ آس نے بالیان کو آپنے تاکہ کوئی دیکھ نہ سکے ۔ آنا کی بربرس میں چہیا کو لاد آبا تاکہ کوئی دیکھ نہ سکے ۔ آنا کی بربرس میں چہیا کو لاد آبا تاکہ کوئی دیکھ نہ سکے ۔ آبا کیونکہ نوآب اور آنگریزوں کے آدمی درهیلوں کوئی دیکھ نہ نہاں اور آنگریزوں کے آدمی درهیلوں اور آنگریزوں کے آدمی درهیلوں اور آنگریزوں کے آدمی درهیلوں نہوری نے سکے ۔ جاتل میں اور آنگریزوں کے آدمی درهیلوں نہوری نے جاتل میں بینس جانے کا خطرہ نے آبار بستی میں نے اور بستی میں نے درہے کی درم دل تیا ، سوچا گیر هی لے چلو ، اور چھھا کو خطرہ تیا ، و حاصب کو اپنے گہر لے آیا ، سوچا گیر هی لے چلو ، اور چھھا کو خطرہ خان صاحب کو اپنے گہر لے آیا ، سوچا گیر هی لے چلو ، اور چھھا کو خطرہ خان صاحب کو اپنے گہر لے آیا ، ساحب کو آبار کی ایا ، ساحب کو آبار یہ تو رہ درم دیل تیا ، سوچا گیر هی لے چلو ، اور چھھا کو

بنیہ کی ہی ہی خال صاحب کو دیکھ کر گھبرائی که یہ کیا تشی انت گہر لے آئے ۔ لیکن بنیہ لے کہا که اِس کی سھوا کرو اُر اِسے چھھا کر راہو ، پاہان کو گھر کے اندر ایک کوٹھری میں چھھا کر راہا اور چھکے سے اُن کی مرهم پائی اور علاج کرایا گیا ، مہھٹوں میں جاکو کیس پائیان اُچھا ہوا ، یاہان نے جب چلنے کی بات کہی کو بنیہ نے کہا ''ابھی تم کیزور ہو' ذرا دودھ گھی کیا کو مولے تازے ہو لو' تب جانا''' پاہان'مان گیا اور وهیں رہ کو خوب دودھ گھی کیا اُر وھیں

(2)

खून का बदला !

خوں کا بدالہ !-

मिरजा अजीमबेग चुराताई

مرزأ عظيم بيك چغتائي

सन 1761 की पानीपत की लड़ाई के बाद यू० पी० में रुहेलों का जोर हुआ. वे 'गंगोत्री से गंग' इलाक़े के मालिक हो गये. बहेलों की हकूमत सरदारों के हाथ में थी, जिनका मुखिया था हाफिज रहमत खाँ. हाफिज रहमत खाँ का जगजू और अच्छे हाकिम थे. वे अपने हिन्दू बजीर की मदद से मिहनद में बैठकर हकूमत का सारा काम करते थे. रिआया भी उनसे खश थी.

سن 1761 کی ہائی ہت کی نوائی کے بعد ہور ہی۔ میں روھیلوں کا زور ہوا ، وے 'گلکوتری سے گنگ' طاقے کے مالک عو گئے ، روھیلوں کی حکومت سرداروں کے ہاتھ سیں تھی' جن کا مکھیا تھا حافظ رحمت خاں ایک جنگہو اور اچھے حاکم تھے ، وے اپنے ھندو وزیر کی مدد سے مستجد میں بیتھ کر حکومت کا سارا کام کرتے تھے ، وعایا بھی آن سے خرص تھی ،

सब अवध के नवाब और रहेलों में अनवन हो गई, तब रहमत लाँ ने अवध के नवाब को जंग के लिये ललकारा और दुरी तरह हराया. तब नवाब ने अँप्रेजों की मदद ली. अंप्रेजों जी रहमत में बैसे तो सुलह थी; मगर अंप्रेजों ने रहेलों का बदता हुआ जोर तोइने का यह अञ्झा मीका देख सुलह को बालाए ताक रख दिया. उन्हें हर था कि अकेले अवध के नवाब को फ़ुरसत के बक्त यह आसानी से भून खायेंगे. लिहाजा अवध के नवाब से रुपया लेकर वे उसकी तरफ से मगर अपने मतलब के लिये, लड़ने आ गये.

جب اودھ کے نواب اور روھیلوں میں ان بن ھو گئی تب بصت خاں نے اودھ کے نواب کو جنگ کے لئے الکارا اور برق طاح ھوایا ، تب نواب نے انگریؤوں کی مدت لی ، آگریؤوں اور رحمت میں ویسے تو صلح تھی کا مکر انگریؤوں نے روھیلوں کا بوہتا ھوا زور نورنے کا یہ اچھا موتع دیکھ صلح کو بالا مطاق رکھ دیا ، انہیں تر تھا کہ انہلے اودھ کے نواب کو فرصت کے رفت یہ آسانی سے بھوں کھا ایس کے ، لہذا اودھ کے نواب کو فرصت کے رفت نے آسانی سے بھوں کھا ایس کے ، لہذا اودھ کے نواب کو فرصت کے رفت نے کر رہے اس فی طرف سے مکر اپنے مطلب کے لئے لؤے لؤے لؤے گئے ،

अवध और अंग्रेज़ों की कीजों रहेलों की तरफ बढ़ीं. अधर से हाफ़िज़ रहमन भी अपने रहेला सरदारों को लेकर बढ़ा. दजोड़ा के मैदान में दोनों तरफ की फौजों में घमासान जंग हुई. उस जंग में रहेले बड़ी बहादुरी से लड़े और जीत गये; मगर दुश्मन का पीछा करने के बदले वे उनके कैम्प बूटने लगे, और रहमत लाँ उन्हें रोकते ही रह गये. अंग्रेजी .फौज, जो खेतों में छुए गई थी, लौटी और जमा होकर .फौरन रहेलों पर टूट पड़ी. फाँसा उलट पड़ा. जीत के बदले बहेलों की धार हुई. हाफिज रहमत लाँ मैदान से न हटे और बड़ी बहादुरी से लड़कर कट मरे.

اوی اور انگربؤوں کی فوجیں روهیارں کی طرف بڑھیں ،
ان عر سے حافظ رحمت بھی آپنے روهیا سرداروں کو لے کر بڑھا ،
دجرڑا کے میدان میں دونوں طرف کی فوجوں میں گھاسان جنگ ہوئی ، اس جنگ میں روهیا بڑی بہادری سے لڑے اور جیت گئے؛ مگر دشمن کا پینچھا کرنے کے بداے وسے اُن کے کیب لوائے لگے؛ اور رحمت خان اُنھیں روکتے ھی رہ گئے ،
انگریؤی فوج ، جو کھیتوں میں چھپ گئی تھی اُ لوئی اُور جمع مو کر فوراً روهیاوں پر ٹوت پڑی ، پائستہ الت بڑا ، جیت نے بداے روهیاوں پر ٹوت پڑی ، پائستہ الت بڑا ، جیت نے بداے روهیاوں کی ھار ھوئی ، حافظ رحمت خان میدان سے نه میڈے اور بڑی بہادری سے او کر کت سرے ،

कहेलों की तरफ से लड़ने वालों में दो पठान भाई भी आये थे, जिनमें से एक तो लड़ते-लड़ते मारा गया और दूसरा घायल होकर मैदान में अधमरा पड़ा था. असल में यह तीन भाई थे. इनका बाप जिन्दा था. उसने एक भाई को रोककर और दो भाइयों को लड़ने के लिये भेज विया था.

روهیلوں کی طرف سے اق^ہ والوں میں دو پٹھان بیائی بھی آئے تھے جوں میں سے ایک تو لوتے لوتے دارا گیا اور دوسرا گیائل ھو کو لوٹی کے میداں میں ادھ موا پڑا تھا ، اصل میں یہ تیں بھائی تھے ۔ اِن کا باپ زندہ تیا ۔ اُس نے ایک بھائی کو روک کو اور دو بھائیوں کو لوٹے کے نائم بھیج دیا تھا ،

रात का वक्त था. गीद् और कुत्ते मैदान में लाशों को खा रहे थे और वायल .खाँ साहब पड़े-पड़े अपने को गीद्ड़ों से बचा रहे थे. मगर गीद्ड़ बड़े चालाऊ थे. उन्हें नोच-नोचकर भागते थे. इस तरह सुबह हो गई और गीद्ड़ बद्दस्तूर खाँ साहब को नोचते रहे. क़रीब था कि उनका

رات کا وقت تھا ، گیدر اور کتے میدان میں الشوں کو کھا رہے تھے ، اور گھائل خاں صاحب بڑے بڑے اپنے کوگیدوں سے بحجا رہے تھے ، انہیں نوچ سے بحجا رہے تھے ، انہیں نوچ نوچکر بھاگتے تھے ، ایس طرح صدے ہو گئی اور کیدر بدستور خان ماجب کو ٹوچکے رہے ، تریب تھا کہ اُن کا

आफ़ताबों के सिलसिले

श्री सलाम मछलीशहरी

वर्मी पर अगर देवता कुछ न होते तो इन्सान शायद परीशाँ ही रहता.

> नजारे तो होते, बहारें तो होतीं, मगर गुलशने फिक्र वीराँ ही रहता.

इंक्रीक्रत का मफहम । वाजे न होता धगर दिलनशीं कल्पनायें न होतीं.

> कोई खास मंजर निखर ही न पाता जो उसके लिये कळ फिजायें न होती.

इक्रीकृत की इन जुफिशाँ र मंजिलों में इसीं ख्वाब अब मुस्कराने लगे हैं,

> बजुर्रों ने जो दीप रौरान किए ये बही दीप फिर जगमगाने लगे हैं.

कता और संगीत के दीप फिर से मकदम १ फिजाओं में जलने लगे हैं.

> वहें अहदे हाविर कि "दाफिज" के बरबत ! वै - नरमे मचलने लगे हैं.

स्वारिक कि वादीये गंगोजसन में कला को नई जिन्दगी मिल रही

> मुवारिक कि फिर "त्तीये हिन्द खसरो" के अफ़कार६ की रौशनी मिल रही है.

नहें शैरानी में नये ताज महलों. अजन्वाओं का जनम होने लगा है,

हमारे कला मन्दिरों से करीब आ। रूठा हुआ धर्म होने लगा है.

मिली है जयाबार जाबीर जिसकी वही ख्वाब पहले भी देखा गया था.

मुवारिक बनन की सहरह कह रही है

कि यह आफताबों का एक सिलसिला था.

آفقا ہوں کے سلسلے

شرى سلم مجههلي شهري

رمين ير اگر ديونا كنيم نه هرتي تو اِنسا، شاید پریشان هی رهکا

نظارے تو هوتے عہارين تو هوتهن مكر كلشور فكر ويرأن هي رهال

1.32.53

حقدةت كا مضهوم وأضم ته هوتا أكر والشهر كالمائين أنه هوالهر،

كرئى خاض منظر نهر هي له يانا جواًس کے لئے کیچھ نشا ُیں تع ہوتیں ۔

> حقيقت كي أن فرنشان مازلون مهن حسون خواب أب مسكرانے لكے هيں ا

ہزرگوں نے جو دیب روشن کئے تھے وهي ديب بهر جکيکانے لکے هيں ،

> كا أور سلكيت كے درب يور سے مقدم نقداؤں میں جلنے لکے هیں،

زھے عید حاض که "حافظ" کے بربط یه المرانا کے تینے منجللے لکے ہیں۔

> مبارک که وارثی گنگ و جمن مین کلا کو لٹی زندگی مل رہی ہے،

مبارک که هر "طوطی های خسرو" کے انکار کی روشلی مل رهی هے ،

فئى روشنى سين فئد تاب معطول ا اجنداوں کا جنم مرئے اللا ھے؛

همارے الا مندروں سے قریب أب ررثیا حوا دھرم ھرنے لگا ھے۔

> ملی فے فیابار تعبیر جس کی وهی خواب یہلے بھی دیکھا گھا تھا،

مبارک وطن کی سعدر کہدوھے ہے که یه آنتایو کا ایک سلسله تها .

नोट :--यह नजम 19 मई 1957 का इदाराये निजामिया, दिल्ली में यौम खुसरी के मुवारिक मौके पर पढ़ी गई. الوق اسید نظم 19 مئی 1957 کو ادرارۂ نظامید کا دلی میں یہ خسرو کے مبارک موقع ہو پر علی گئی ،

१. मतलब, २. चमकदार, ३. पहले की, ४. बालहारी, ४. एक प्रकार का बाजा, ६. कार्यों, ७. चमकदार, व. फल ६. प्रभात.

कहा कि मैं तुन्हारे पास आ रहा हूँ. यह मालूम होता शा कि वे वर्रा रहे थे. मगर थोड़ी देर में वे समफ की वार्ते करने लगे. हरेक को दुआ दी और आखिरी रुखसत ली.

....जब सुबह मैंने उन्हें बिस्तर पर पड़े देखा तो वे मरे हुए नहीं मालूम होते थे. उनके चेहरे पर सामोशी थी. उनकी पेशानी पर अब भी वही शान मौजूद बी, लेकिन वह शिख्यत कहाँ थी, सिर्फ एक बेजान स्नोल बाकी रह गया था.

उनका इन्तकांत 80 बरस की उम में हुआ, उनके साथ एक ससल का खादमा हो गया. वह उन लोगों में से वे जिनको हिन्हुस्तान की नहें आज़ादी खूब याद थी, जिसे हमारे अंग्रेज़ तारख़ीदाँ अन् 1857 ईस्वी का गृदर कहते हैं. उन्होंने अपने भाइमों, प्यारों, खुजुगों और हमवतनों को बददों से कृत्ल होते देखा. हर रोज़ भागने वालों की लाशों खंबहरों और गांवों में पड़ी भिलती थीं और हर रोज़ वे एक कृतार में अने किये जाते और उनके सर काट लिये जाते. उन्होंने औरतों को नेशावक होते हुए, बच्चों को कुवले जाते और हज़ारों को मूखों मरते देखा था. उन्होंने बादशाह को गिरफ़्तार होते हुए और मुल्क से निकाले जाते देखा था, उनकी आँखों के सामने शहज़ादे ज़बह किये गये और उनके घर दिल्ली दरवाज़े पर लटकाये गये, जो अब भी खुनी हरवाज़े के नाम से मशहूर है. उन्होंने अपने बतन और अपने शहूर पर संप्रेज़ों को कृ।विज़ होते देखा. उनके हाथों उन्होंने हिन्दुस्तान की तहज़ीब और उसकी अज़मत को ख़ाक में मिसते हुए देखा था.

फिर क्या ताउजुन कि अंग्रेजों के लिये उनके दिल में नफ रत थी और इस कर्र कि हम भी इतनी नफ रत नहीं कर सकते. उन्होंने अपने सबसे बड़े बेटे को, जब उन्होंने अंग्रेजी पढ़ना ग्रुरू किया, घर से निकाल दिया और उनको अपने चचा के घर पनाइ लेनी पड़ी, ताकि वे अपना पढ़ना जारी रख सकें. अंग्रेजों की हर ची.ज के साथ इस कदर नफ्रत सालिबन उनके बढ़े हुए तास्सुन की बिना पर थी. लेकिन आज हम इसको समक सकते हैं और पसन्द करते हैं. उनके बेटों की नसल ऐसी थी जो सालिबन न अंग्रेजों से नफ्रत करते थे और न मोहब्बत ही करते थे. वे अंग्रेजों से नफ्रत करते थे और न मोहब्बत ही करते थे. वे अंग्रेजों के नीचे काम करते थे, क्योंकि अंग्रेज इनको गुनाजिमत देते थे. लेकिन अब पहिये ने पूरा चक्कर ले लिया. आज हमारा मुस्क आजाद है. यह ऐसी अरजादी है जो पहले नहीं हासिल हो सकती थी, जिसका अन्दाजा भी हमारे बुजुर्ग न कर सकते थे.

کہا که میں قبھارہ پاس آ رہا ہوں ۔ یہ معلوم ہوتا تھا کہ وہ برا رہے تھے ۔ مگر تھروی دیر میں و سمجھ کی ، باتیں کرنے لئے ۔ ہو ایک کو دعا دی اور آ ذری رخصت لی ، جب صبح میں نے آنھیں بستر پر پڑے دیایا تو وہ موسلام ہوتے تھے ۔ اُن کے چہرہ پر خامرشی موسلام ہوتے تھے ۔ اُن کے چہرہ پر خامرشی وہ اُن کی پیشائی پر آپ بھی وہی شان موجود تھی الیکن وہ شخصیت کہاں تھی ' صوف ایک پیجان خرل باتی رہ گا۔ تنا

ان نا انتقال 80 برس کی عمر میں ہوا ، اُن کے ساتھ ایک نسل کا خاتم ہو گیا ، وہ اُن لوگوں میں سے نہے جن کو ھندورستان کی جنگ آزادی خوب یاں تھی' جسے ہمارے انکریز تاریخ داں سن 1857 عیسوی کا غدر کہتے ہیں ، آنہوں نے اپنے بهائیوں' پیارہ ن بزرگیں اُور هموطلوں کو بیدردی سے فتل ہوتے دیکھا ، هر روز بھاگنے والی کی الشیں کھنڈروں اُور گاؤں میں پڑی ملتی تهدں اُر هر روز رہ ایک نطار میں کھڑے کئے جاتے اور اُن کے سر کات لئے جاتے ، آئیوں نے عورتیں کو بے آبرو ہوتے ہوئے اور اُن کے سر کات لئے جاتے اور ہزاروں کو بھرکیں مرتے دیکھا تھا ، اُن کی آمکھوں کے سامنے شہزادے ذیبے کئے گئے جاتے دیکھا تھا ، اُن کی آمکھوں کے سامنے شہزادے ذیبے کئے گئے اور اُن کے سر دانی د وازے پر لٹکائے گئے' جو اب بھی خونی دروازے کے نام سے سشہور ہے' آٹھوں نے اپنے وطن اور اپنے شہر پر اُنگریزوں کو قابض ہوتے دیکھا ، اُن کی عظمت کو خاک میں ملتے عربے کیکھا تھا۔

پھر کیا تعجب کہ انگریزورں کے لئے اُن کے دل میں تفرت
تھی اور اِس تدر کہ هم بھی اِتنی تفرت نہیں کو سکتے ، آنھوں
نے اپنے سب سے بڑے بہتے کو' جب آنھوں نے آنگریزوں پڑھنا
شورغ کیا' گھر سے نکال دیا اور اُن کو اپنے چچا کے گھر پناۃ لیلی
پڑی' تاکہ رے اپنا پڑھنا جاری رکھ سکیں ، آسگریزوں کی هر
چیوڈ کے ساتھ اِس قدر نفرت غالباً ان کے بڑھے هوئے تعصب کی
پنا پر نھی ، لیکن آج هم اِس کو سمتھ سکتے هیں اور پسند
کرتے هیں اُن کے بیڈرں کی نسل ایسی تھی جو غالباً نے
اسگریزوں سے نفرت کرتے نھے اور نہ محتبت هی کرتے تھے ،
اسگریزوں سے نفرت کرتے نھے اور نہ محتبت هی کرتے تھے ،
ویٹے نھے ، لیکن آب یہیا کہ نہوا چیر اے لیا ہے ، آج عمارا ملک
آزاں ہے ، یہ ایسی آزادی ہے جو پہلے نہوں حاصل هو سکتی
آزاں ہے ، یہ ایسی آزادی ہے جو پہلے نہوں حاصل هو سکتی
تھے ' جس کا اندازہ بھی همارے 'بزرگ نہ کو سکتے تھے ،

धनके प्यारों को दिखाते हैं. दादा अवता का बूढ़ा और कमजोर जिस्म सिस्मक्यों से काँप रहा है.

लोग क्रम में किट्टी डाल रहे हैं. दावा अव्या अपने कॉपते हुए हाथों में थाड़ी सी भिट्टी उठाते हैं. कहार डोली को क्रम के क़रीब ले जाते हैं. आँखों से दो क़तरे आँस् के इस ताजा मिट्टी पर गिर पड़ते हैं जो वे हाथों में लिये हुए हैं. वे बेबसी से हाथों की भिट्टी .कन्न में गिरा देते हैं और बहरा डक लेते हैं.

\$ 8 S S

बेटे की मौत के तीन बरस बाद दादा और जिन्दा रहे, हालाँकि वे जिन्दगी से थककर आजिज हो गये थे. वे अक्सर राते थे, लेकिन उनका खारमा बहुत खामोशी से हुआ. उन पर एक मर्तना फार्लिज गिर ही चुका था. एक मर्तवा और गिरा. उनका दाहिना हाथ और दाहिना पाँव पहले ही बेकार था, अवकी बार बाँए हाथ और पैर पर असर हुआ.

मरने से कुछ पहले वे बहुत विड्विड़े हो गये थे और हर तीमारदार को उनकी खतगी का सामना करना पड़ता था. सिर्फ़ एक बूढ़ी मामा उनको चुप करा सकती थी और उनकी तिबयत के मुआफिक काम कर सकती थी, दादा अब्बा अपने लड़के के मरने के बाद जनानखाने में पहुँचा दिये गये थे. यह मामा भी अपनी जवानी के जमाने से हमारे ही यहाँ मुलाजिम थी और लोग कहते थे कि वह दादा की दाशता थी. इनसे एक लड़का भी हुआ था, जो बचपन में ही मर गया था. वही दादा की राक थाम कर सकतीथी, क्योंकि न तो वह उनकी बातों की परवाह करती और न उनके मिज़ाज की. यह देखकर तकलीफ. होती कि वह अपने बूढ़े मालिक से कितनी बेपरवाही से पेश आती है. दादा अपनी कमजोर आवाज में कुछ कहते, लेकिन वह न सुनती. अगर कोई उसे कहता कि सुनो देखों क्या माँग रहे हैं, तो वह जवाब देती:—

"उनकी यही आदत है. उनको किसी चीज, की जरूरत नहीं. वे सिफ, मुक्ते परेशान करते हैं"... लेकिन किसी का कुछ बस न चलता क्योंकि वही उन्हें खामाश कर सकती थी. 'फिर इसमें शक नहीं कि अब वह सम बोक महसूस कर रहे थे.

बह रात में शान्ति के साथ गुजर गये. उनकी .जुवान आितरी वक्त तक उनके क़ाबू में रही और भीत से कुछ पहले उन्होंने सबको दुआएँ दीं और अपने तमाम प्यारों को,जो बहाँ नहीं ये या मर गये थे, याद किया.

मीत से कुछ ही पहले वह राफलत में वे और कुछ -वद्वदाते थे. एक मर्तवा उन्होंने किसी को मुखातिव किया, जो अर्था हुआ मर चुका था और उससे बुलन्द याताज्ञ में اُن کے پھاروں کو دکھاتے ھیں ۔ دادا آیا کا بوڑھا اُور کبؤور جسم مستموں سے کانب رہا ہے ۔

لوگ قبر میں متی خال رقے هیں ، دادا آیا لینے کامیتے هوئے عاتبین میں تهروی سی متی آئیاتے هیں ، خیار تولی کو قبر کے قریب لے جاتے هیں ، آنکھیں سے دو قطرے آئسو کے آس تازہ متی پر کر پرتے هیں جو رہے هانھیں میں لئے هوئے هیں ، وہ ہے یہ بین گرا دیتے هیں اور چهرا جبین سے مانھیں کی متی قبر میں گرا دیتے هیں اور چهرا جبینک لیتے هیں ،

\$ \$ \$

بیات کی موت کے نہیں برس بعد دادا اور زندہ رہے کہ دیات کی موت کے نہیں برس بعد دادا اور زندہ رہے دیات دیات کی وہ انگر روتے تھے لیکن اُن کا خات بہت خاموشی سے ہوا ۔ اِن پر ایک مرتبہ فالم گر ہی جکا تھا ، ایک مرتبہ اور گرا ، اِن کا دامنا ہاتو اور دامنہ پاؤں پہلے ہی برکار آبا اُب کی بار بائیں ہاتھ اور پیر یہ اثر ہوا ،

مرنے ہے کچی پہلے وہ بہت چڑچڑے ہو گئے تھے اور ہر

تیماردار کو اُن کی خمکی کا سامنا کرنا پڑکا تھا ، صوف ایک

ہوڑھی ماما ان کو چپ کرا سکتی تھی اور اُن کی طبیعت کے

موافق کام کو سکتی تھی ، دادا آبا آپنے لڑکے کے مرلے کے بعد زندان

خالے میں پہنچا دیئے گئے تھے ، یہ ماما بھی اپنی جوانی کے

زمانہ سے ہدارہ بھی یہاں مالزم تھی اور لوگ کہتے تھے کہ وہ

دادا کی داشتہ تھی ، اِن سے ایک لڑکا بھی ہوا تھا جو بچپین

می میں مر گیا تھا ، وہی دادا کی روک تہام کو سکتی تھی کی

کیونکہ نہ تو وہ اُن کی باتوں کی پرواہ کرئی اور نہ اُن کے مزاج

کی ، یہ دیکھ کر تکلیف ہوتی کہ وہ اپنے بوڑھ ماٹک سے کتلی

پربروامی سے پیش آتی ہے ، دادا اپنی نمزور آواز میں کچھ

کہنے لیکن وہ نہ سنتی ، اگر کوئی اسے کہتا کہ سنو دیکھو کیا

میٹی رہے میں تو وہ جواب دیتی۔۔۔۔

الی کی یہی عادت ہے ۔ اُن کو کسی چیز کی ضرورت نہیں ، وے صرف مجھے پریشان کرتے ھیں،، اُلیکن کسی کا نچھ پس نہ چلتا کیرنکہ وھی اُنھیں خاموش کو سکتی تھی ، پور اِس میں شک نہیں عالب رہ سب بوجم محصوص کی ہے تھ

وہ رات میں شانتی کے ساتھ گذر گئے ۔ اُن کی زبان آخری وقت تک اُن کے قابو میں رھی اور موت سے کچھ پہلے اُنھوں لے سب کو دعائمی دیں اور اپنے تمام پھاروں کو جو وہاں نہمیں تھے یا مر گئے تھے' یاد کیا ۔

مرت سے کچھ ھی پہلے والا غظت میں تھے اور کچھ بوبواتے تھے، ایک مرتبہ انہوں نے کسی، کو مغاطب کہ، جو عرصہ دورا مر چکا تھا اور اُس سے بللع آواؤ میں वे 70 बरम के थे जब मेरे वालिब, जो उनके छठे बेटे थे, बीमार हुए. हर तरह का इलाज किया गया. तमाम डाक्टरों और इकीमों ने जवाब दे दिया. बहुत से मीलिवयों ने अपने अक्षली गई लड़ाए और अपने तजुर्वे के मुताबिक जादू दोने और आसेब बरीरा का इलाज किया; मगर उनकी हालत खराब होती गई.

शुरू-शुरू में तो वालिय दादा श्रव्या के साथ मकान के भरदाने हिस्से में ही रहते थे, क्योंकि इसी में सहूलियत थी. दूसरे पुराने जमाने के लोग .जनानखाने में ज्यादा देर तक रहना पसन्द न करते थे. दादा के सूफी और फ़कीर दोस्त आते और दुआएँ माँगते. मगर उनकी हालत रोज़ बरोज़ खराब होती गई. तब वह मकान के अन्द्र पहुँचा दिये गये, ताकि उनकी तीमारदारी अच्छी तरह हो सके. दादा पर फालिज गिर चुका था और वह हर दूसरे तीसरे अपने बेटे को देखने एक छोटी सी चारपाई पर चार आदिमयों की मदद से लाये जाते और कुछ घन्टे गुजर जाने के बाद वह उसी तरह बाहर ले जाये जाते.

वालिद की हालत जब और ख़राब हो गई, तो ताजा ह्वा के ख़ातिर उन्हें कोठे पर ले जाया गया, दादा अब्बा ने देखा कि उनकी हालत मायूस करने वाली है और वे जब उन्हें देखने के लिये कोठे पर लाये गये, तो .जीने की तंगी की बजह से बड़ी दिक्कत हुई. यह देखकर कि उनके लाने लेजाने में कितनी दिक्कत होती है, वह फूटकर रो पड़े. मैंने उन्हें ज़िन्दगी में पहले पहले रोते देखा. वे एक बेबस और बुढ़े आदमी के ख़ामोश और दर्द से भरे आँसू थे. उन्होंने जुवान से इन्छ न कहा लेकिन सब समम गये कि वे बहुत भायूस हैं.

श्रास्तिर एक दिन वालिद का इन्तक़ाल हो गया. मुक्ते याद है कि दादा अपने पलंग पर पड़े रोते थे. मेरे सामने इस बक्त की इनकी तस्वीर है—वे जार-जार रो रहे हैं. इनकी सिसकियों से पलंग हिल रहा है. यह एक बूढ़े आदमी की सिसकियों हैं, जो महसूस करता है कि इसकी इस्ती अब दुनिया में सिर्फ़ एक फजूल की मद है.

मुक्ते याद है कि फिर वे जनाजे के पीछे-पीछे एक डोली में क्रांत्रस्तान ले जाये गये. इनकी आँखें सुर्ख थीं. वे सिस-कियाँ लेते और जिन्दगी के फना होने की शिकायत करते. अपनी इस बेचारगी पर रोते कि बेटे के जनाजे को कन्धा भी न दे सकते थे. मैयत क्रम में बतारी जा रही है. खोदी हुई मिट्टी के देर पर दादा , अन्दा डोली में बैठे हुए हैं. लंकिन वह क्रम के अन्दर नहीं देख सकते, क्योंकि उनके आगे आदमियों की भीड़ है.

भीड़ छँटती है. मैयत क्रम में है. कहार डोली को क्रम तक लाते हैं, लोग मरहूम बालिद का चेहरा आखिरी बार وے 70 بیس کے تھے جب میرے والد' جو اُن کے چھٹے بیٹے تھے' بیمار ہوئے ۔ ہر طرح کا علج کیا گیا ۔ تمام ڈاکٹروں اور حکیموں نے جواب دے دیا ، بہت سے مولویوں نے اپنے عقلی کدے لوائے اور اُسیب وغیرہ کا کدے لوائے اور اُسیب وغیرہ کا علج کیا؛ مکر اُن کی حالت خواب ہوتی گئی .

شروع شروع میں تو والد دادا آبا کے ساتھ مکان کے مردائے حصے میں ھی رہتے تھے کھونکھ اِسی میں سہولیت تبی وسرے برائے رسائے کے لوگ زنائخات میں زیادہ دیر تک رہنا پسند نم کرتے تھے مدادا کے صوفی اور نقیر دوست آتے اور دعائیں مانکتے مکر اُن کی حالت روز برروز خراب عرتی گئی تب رہ سکان کے اندر پہنچا دیئے گئے تاکہ اُن کی تیمارداری اُچھی طرح ھو سکے مدادا پر فالج کر چکا تھا اور وہ عر دوسرے اُچھی طرح ھو سکے مدادا پر فالج کر چکا تھا اور وہ عر دوسرے تیسرے اپنے بیاے کو دیکھنے ایک چھوائی سی چاریائی پر چار اُدمھوں کی مدد سے لائے جاتے اُور کنچھ گھنٹے گذر جانے کے بعد وہ آسی طرح باعر لے جائے جاتے اور کنچھ گھنٹے گذر جانے کے بعد وہ آسی طرح باعر لے جائے جاتے اور کنچھ گھنٹے گذر جانے کے بعد وہ آسی طرح باعر لے جائے جاتے ۔

والن کی حالت آب اور خراب ہو گئی' تو تازہ ہوا کے خاطر الهیں کرائے پر اے جایا گیا ، دادا ایا لے دیکھا که اُن کی حالت مایوس کرائے والی ہے اور وے جب اُنھیں دیکیا کے ایم کوئیے پر لائم گئم' تو زینے کی ننگی کی وجہ سے برتی دقت عوثی ، یہ دیکھ کر که اُن کے لائے لیے جائے میں کائی دقت عوق ہے وہ پھوٹ کر رو پرتے ، میں نے اُنھیں زندگی میں پہلے بہل ردتے دیکھا'، وے ایک بے بس اور برزھے آدمی کے خاموش اور درد سے بھرے آنسو تھے ، اُنھوں نے زبان سے کچھ نے کہا لیکن سب سمجھ بھرے آنسو تھے ، اُنھوں نے زبان سے کچھ نے کہا لیکن سب سمجھ گئے کہ رہے بہت مایوس ھیں ،

آخر ایک دن والد کا آنتقال هو گیا . منجه یاد ف داد این پانگ بر پرت روت ته . میده سامله اس وقت کی آن کی تصبیر فلا -- و زار زار رو ره هیں ، آن کی سسکیوں سے پلنگ ها رها هے . یه ایک بوزه آدمی کی سکیاں هیں جو محسوس کرتا هے که اُس کی هستی آب دلیا میں صرف ایک اخیال کی مد هے .

مجھے یان ہے کہ پھر وے جنازے کے پینچھے پینچھے ایک تولی میں قبر، نالی اے جائے گئے ، اُن کی اُنکھیں سرخ تھیں ، وے سکیاں لیتے اُر زندگی کے ننا ھونے کی شکامت کرتے ، اپنی اِس پہارگی پر روتے کہ بیٹے کے جنازہ کو کندھا بھی دے سکتے تھے ، میت قبر میں اُتاری جا رھی ہے ، کودی ھوئی متی کے تھے پر دادا آیا دولی میں بیٹھے ھوئے میں ، لیکن وہ قبر کے اندر نہیں دیکھ سکتے کھوئی اُن کے اُگے اُدمھوں کی بھیر ہے ،

بییر چهاتلی هے میت قبر میں هے کہار تولی کو قبر ایک لاتے هیں ، لوگ مرحم والد کا چهرہ آخری یار

लाता. इस द्रिभयान में दादा अन्त्रा हमारा सबक्र दोहराते या हरूफ, फहलाते. और जब हम में से कोई सबक्र भूल जाता, तो हम सब डर जाते, क्योंकि दादा अन्त्रा को गुस्सा आ जाता और वे विगड़ने लगते, हालाँकि आम तौर पर वे मेहरबान रहते.

एक मर्तवा में और कुछ मेरे बढ़े भाइयों ने बड़ी चची का एक देवया चरा लिया. दरअसल देवया लुदक गया था मोर हमने चपके से उसे उठा लिया था. हमने उसकी जाकर भुना लिया और उसके चौंसठ पैसे कर लिये. हमने हो पैसे के बिस्कृट और मिठाई खरीबी. एस जमाने में चीजें काफी सस्ती मिलती थीं, और बाक्री पैसों को पोशीदा अगड पर रख दिया. लेकिन किसी ने उसकी देख लिया. धार तो हम सार बहुत दरें कि कहीं दादा को इसका पता न चल जाये. , लेकिन जिस बात से डरते थे वही हुई. दादा भव्या को बेहद गुरुसा आया और उन्होंने कहा कि मैं तुम सबको मार डालँगा, उन्होंने अपनी तलबार के निकाले जाने का हुक्म दिया, जो एक बढ़े लकड़ी के सन्द्रक में बन्द रहती थी. यह सन्दक्ष एक अंधेरी कोठरी में रखा हुआ था, जिस हे अंदर जाने के लिये लालटैन की जरूरत पड़ती थी: सब उन्होंने मेरे बढ़े भाइयों को बुलाया और उनकी आँखों के सामने तलवार वमकाई. दोनों ने पानामे में पेशाब कर बिया और खौफ के मारे उनका रंग उड़ गया. शायद मेरे कमसिन होने के ख्याल से उन्होंने मुक्तको तलवार से नहीं धनकाया, लेकिन उनकी आवाज ही मेरे हवास उड़ा देने के लिये क्या कम थी. हम सबने बादा किया कि आइन्दा भोरी न करेंगे और अच्छे लड़कों की तरह रहेंगे.

मगर जब हम चाय के लिये भूखे कुत्तों की तरह दादा धावना के चारों तरफ बैठे रहते थे. तो हमको काई खीफ नहीं होता था. वह आम तौर से मजे मजे की बातें करते, मोहब्बत से पेश धाते और कहानियाँ मुनाते. जब चाय तैयार हो जाती, तो उसको वह चीनी की छोटी प्यालियों में डालते. यह चीनी के प्याले आजकल की प्यालियों की सरह न थे, यह बहुत खूबस्रत असली चीनी के थे. इनमें हस्ता न था. उनका पेंदा तंग और मुंह चौड़ा था. चाय दूर से महकती थी. अनसर बेसबरी में हम अपने होंठ हिला लेते थे. इमको छोटे-छोटे, फूले फूले बिस्कुट दिये जाते, जिनको हम चाय मे डबोकर चमचे से खाते. चाय ऐसी मजेदार होती थी कि उसके बाद कभी ऐसी मजेदार चाय पी ही नहीं और न मैं इसका मजा कभी चस्न सक्ट गा.

दादा की चन्द और बातें मुक्ते याद हैं. यह याद एक - अच्छे मज जूद आदमी की है, जिसे जिन्दगी के बोक ने स्था कर दिया, الا الله على درمهاى ميں دادا ابا همارا سبق دهراتے يا حررف كهائة و اور جب هم هم سه دوئى سبق يهرل جانا تو هم سب در جائے كرفكة دادا ابا كو غصة آجانا اور وله باكرنے دائة كالذك عام طور يہ وله مهربان رهتے .

ایک مرنبہ میں اور کچھ میرے اوے بھائیوں نے بڑی چجے كا أيك روية جرا ليا . درامل روية لوهك گيا تها أور هم له چہتے سے اُسے اُنہا ایا تھا ، ھم نے اُس کو جاکر بھنا لیا اور اُس کے چونسٹھ یہسے کو لئے ، هم نے دو یہسے کے ہسکت اور متھائی خريدي. أس زمانيمون چيوس كاني سستى ملتى تهين؛ أور ياقي بیسیوں کو دوشیدہ جگه یو رکھ دیا ، لیکن کسی نے اُن کو دیکھ لها . آب تو هم سب بهت درے که کهیں دادا کو اِس کا پته نه چل جائے ، لاکن جس بات سے ذرتے تھے رهی هوئی ، دأدا ایا کو بےدد فصہ آیا اور اُنھیں نے کہا کہ میں تم سب کو مار قالونگا ، أنهوں نے اینی تلوار کے نکالم جانے کا حکم دیا ، جو ایک ہوے لکڑی کے صندرق میں بند رہتی تھی ۔ یہ صندرق ایک امدیدی کوٹھری میں رکھا ہوا تھا جس کے اندر جانے کے اُی لاالمین کی ضرورت ہوتی تھی؛ تب اُنہوں نے میرے ہیے بھائیوں کو بالیا اور اُن کی آنکھوں کے ساملے تلوار چمکائی ، دولوں نے پاچامے میں پیشاب کر دیا اور خرف کے مارے اُن کا رنگ اُر گیا، شاید میرے کمسور ہوئے کے خیال سے اُنہوں نے مجھکو قلوار سے نہوں دھملایا کوئی اُن کی آواز ھی مھرے حواس آوا دیتے کے · الله کیا کم تهی . هم سب فی رعده کیا که آنلده چوری تع کریس گی اور أجهم اوروں كي طوح رهينكم .

مکر جب هم چائے کے لئے بهرکے کترں کی طرح دادا آبا کے چاروں طوف بیٹھے رہتے ' تو هم کو کوئی خوف ٹیپس هوتا تھا۔ وہ عام طور سے مزے موے کی باتیں کرتے' محبت سے پیش آئے آور کہائیاں سفاتے ، جب چائے تیار هو جاتی' تو اُس لو وہ چینی کی چھرٹی پیالیوں میں ڈائے ۔ یہ چینی کے پیالے آجکل کی پیالیوں کی طرح نہ تھے ۔ یہ بہت خورصورت اُملی چینی کے پیالے راز میں دیاتہ تھا ۔ اُن کا پنیدا ننگ اور منه چوڑا تھا ، چائے دور سے مہمتی تبی انثر بےصبری میں هم اپنے هونت هلالیتہ نہے ۔ هم کو چورٹ چورٹ پھرلی بیسمت دیئے جاتے' جن کو هم چائے میں دور کر چمچہ سے کھاتے ، چائے آیسی مؤیدار هونی تبھی آئے میں اُس کے بعد کبھی ایسی مزیدار چائے ایسی مؤیدار هونی تبھی آئے میں اُس کے بعد کبھی ایسی مزیدار چائے ایسی مؤیدار هونی تھی کہاس کے بعد کبھی ایسی مزیدار چائے ایسی مؤیدار هونی تھی کہ اُس کے بعد کبھی ایسی مزیدار چائے ایسی مؤیدار هونی

داداً کی چند اور بانیں مجھے یاد ھیں ، یہ یاد ایک اچھے محدددب آدمی کی ہے جسے زندگی کے بوجھ لے ختم کر دیا ،

था और इनमें से बदबू काती थी. कराँ को भी गन्दा कर देता और अपनी उँगली को गन्दगी में तर करके सूँचता, मगर लोग उसे पागल न समऋते. उनके ख्याल में बह एक मञ्जूब था.

दोदा के पास और भी फ़क़ीर आया करते थे. लेकिन वे कुछ एक दो तो थे नहीं. चुनांचे मैं बहुतों से नावाकिफ या.

दादा की सब से ज्यादा दिलपसन्द चीज उनकी
मजेदार दवाइयाँ थी. यह दवाइयाँ वे हम लोगों को बाँटते
थे. दिलचस्पी के साथ वे उन्हें बनाते थें. सब लड़कों में, जो
मेरे भाई होते थे, मैं ही सब से छोटा था खीर मुमको सबसे
ज्यादा चाहते थे. इसलिये सब लड़के मुमको दादा अन्वा
के पास चूरन लेने के लिये भेजते. मैं बेधड़क उनके पास
चला जाता और कहता—"दादा अन्बा, मुमे जरासा चूरन
दे दीजिये."

वे मोइब्बत से मुस्कुराते और अपने पुराने नौकर को, जो बरसों से उनकी खिदमत में रहा करता था, पुकारते— 'ग्राफुर, उस बोतल को अस्मारी से निकाल ला-"

राकूर, जो अपने स्वामी की तरह खुद भी बृदा हो गया था, लड़खड़ाता हुआ अस्मारी तक जाता और रालती से दूसरी बोतल उठा लाता.

"यह नहीं, दूसरी बोतल जो मैंने तुमसे कहा था"— दादा अव्या ऊँची आवाज कर के कहते. फिर बोतल से एक चुटकी चूरन निकालकर मेरी हभेली पर रख देते.

"थोड़ा सा और दादा अब्बा?"

"बस भव नहीं, यह ज्यादा नहीं खाया जाता."

"लेकिन फलाँ फलाँ भाई भी भाँग रहे हैं"—मैं गिइ-गिड़ा कर कहता और वे कुछ चुटकियाँ चूरन और दे देते. मैं उसे ,जुवान से चाटता हुआ बाहर निकल जाता. मेरे भाई बाहर की तंग गली में मेरा इन्तजार करते और दौड़कर मुमे पकड़ लेते.

लेकिन चाय पीने में हम सब को बड़ा मजा आता. शाम को हम सब चार या पाँच लड़के, जो पाँच सात साल की उम्र के थे, दादा अव्वा के वड़े कमरे में जमा हा जाते. कभी कभी हम लोग बुलाए जाते और कभी खुद से पहुँच जाते. दादा अव्वा आराम करते और सोते होते और हम सब अपनी छोटी छोटी मुट्टियों से उनके पाँच पर मुक्तियाँ लगाते. तब गृफूर 'समादार' जलाता. मुक्ते नहीं मालूम कि क्यों उस जमाने में चाय तैयार करने के लिये समादार इस्तेमाल किये जाते थे, राफूर समादार लाता और पास रखता. जब पानी सनसनामे लगता तो दादा अव्वा इसमें दारचीनी और इलायची डाल देते ताकि उसमें ,खुशबू आजाय. वे किसी दूसरें को चाय न बनाने देते. जब चाय तैयार हो रही होती, तो गृफूर चीनी के प्याले और चमचे

تھا اور اُن میں سے بدیر آئی تھی ، وہ فرھی کو بھی گلدا کو دیگا اُور اُپلی آئکلی کو گلدگی میں تر کر کے سرنگھٹا ، مگر لوگ آسے پاکل نے سمجھتے ، اُن کے خیال میں وہ ایک مجذرب تھا ،

دادا کے پاس اور بھی نقیر آیا کرتے تھے۔ لیکن وے کچھ ایک دو تو تھے نہیں ۔ جنانچہ میں بہتی سے ناوانف تھا ۔

دادا کی سب سے زبادہ دل پساد چیز آن کی مزیدار دوائیاں تھیں ، یہ دوائیاں وہ هم لوگرں کو بائٹتے تھے ، چاہ کے ساتھ وہ اُنھیں بناتے تھے ، سب لوگرں میں جو مهرے بھائی هوتے تھے ' میں هی سب سے چھرڈا تھا اور مجھکو سب سے زبادہ چاہتے تھے ، اِس لئے سب لوکے مجھ کو دادا ایا کے پاس چوران لیلے کے لئے بھیجتے ، میں پردھوک آن کے پاس چھ جاتا اور کہتا۔"دادا ایا' مجھے ذرا سا چوران دے دیجئے ، '' چھ جو برسوں دے محدیت سے مسکراتے اور اپنے برائے ٹوکو کے جو برسوں

وے محبت سے مساراتے اور آپنے پرانے نوکر کو جو برسوں سے آن کی خدمت میں رہا کرتا تھا پکارتے۔۔۔''غفور' آس ہوسل کو آلماری سے نکال لا ''

غاور جو أينے سواسی کی طرح خود بھی برزها هو گيا تھا لوکھواتا هوا الماری تک جانا اور غلطی سے دوسری بوتل اُٹھا لانا .

الیہ نہیں' دوسری بڑی بوتل جو میں نے تم سے کیا تہا۔'' دادا آبا اُونچی آواز کو کے کہتے، پور بونل سے ایک چٹمی چرس نکال کو میری هتیبلی پر رکھ دیتے،

والهورا سا اور دادا ابا و "

''ہس اب نہیں' یا زیادہ نہیں کھایا جاتا ۔''

والیکن ظل ظل بہائی بھی مانگ رہے میں۔'' میں گوگوا کر کہتا اور رہے کنچھ چٹکیاں چورن اور دیے دیتے ، میں آسے زبان سے چائٹا ہوا باہر انال جاتا ، میرے بہائی باعر کی تنگ گلی میں میرا انتظار کرتے ہوتے اور دور کر معجمے پاتو لیتے ،

لیکن چائے پیلے میں هم سب کو بڑا موا آنا تھا ، شام کو هم سب چار یا پانچ لڑک جو پانچ سات سال کی عمر کے تھے ادارا آبا کے بڑے کمرے میں جمع هو جاتے ، دادا آبا آرام کرتے اور موتے اور کبھی خود سے پہنچ جاتے ، دادا آبا آرام کرتے اور سوتے هرتے اور هم سب اپنی چھرٹی مٹھیوں سے آن کے پاؤں پرمکیاں لگاتے تب غفور 'سمادار' چلانا ، مجھے نہیں معلوم که کیوں آس زمانے میں چائے تیار کرنے کے لئے سمادار استعمال کئے کیوں آس زمانے میں چائے تیار کرنے کے لئے سمادار استعمال لگاتے تھے ، غفور سمادار لانا اور پاس رکھا، جب پائی سنسلانے الیا تو دادا آبا اس میں دار چھنی اور النچی تال دیتے تک اس میں خوشبو آجائے، وے کسی دوسرے کو چائے دیا ہے آبی نیار هو رهی ہؤتی ، تو غفور چینے کے پیالے اور چہجے جب چائے نیار هو رهی ہؤتی ، تو غفور چینے کے پیالے اور چہجے

मज्जूब कहना चाहिये. यह वे लोग हैं जिन पर रहानियत का एक ऐसा दौरा आता है, जिसके कारन उन पर एक खास रंग छा जाता है. वे दुनिया से मुँह मोड़ लेते हैं. कहा जाता है कि दुनिया का कारखाना स्कियों की बदौलत चल रहा है. हर स्फो का एक खास हल्कए असर होता है. यह लोग बेरारच फंक़ीर होते हैं और स्कियाना जिन्दगी वसर करते हैं. कोई उनके कतवे को नहीं जानता; लेकिन वह अपने असर वाले हल्के की देख माल करते हैं. हम मामूजी लोग उनको नहीं जान सकते. सिर्फ कॅचे दर्जे के स्फी उनको पहचान सकते हैं.

बहुत से ऐसे लोग हमारे घर आया करते थे, हालाँ कि सादा कोई स्फी नहीं थे. अलबत्ता वह स्फियों और फ़कीरों की क़दर बहुत किया करते थे. मगर उनके स्फी दोस्त सब के सब की सिया बनाने में बहुत दिलचस्पी लेते थे. वह अजी बारीब जड़ी बूटियों के ,नायाब तुस्को रखते थे और साँपों बरीरह के बारे में उनको बड़ी जानकारी थी. मेरे दादा भी साँपों के बारे में बहुत कुछ जानते थे और उन्हें हाथ से पकड़ लेते थे.

बाज और दूसरी तरह के फक़ीर भी हमारे घर आया करते थे. उनमें एक चालीस बरस की उम्र का ग्रंधा था. बह 'श्रंथा हाफिज' के नाम से मशहर था. वह हमेशा नंगा भीर गन्दगी में लुथड़ा दुआ रहता. उसकी ढाढ़ी की तरह सर और जिस्म के बाल भी उलमे रहते. वह हमेशा हाथ में एक बड़ी लाठी लिये रहता और हमारे घर पर आम तौर पर रात को डोली में बैठकर आता. वह शायद ही कभी सोता और सारी रात, चाहे जाड़ा हो या गर्भी, इधर डधर घूमा करता था, लोग उसे बहुत पहुँचा हुआ फक्रीर समकते. असती मञ्जूब ! उनके ख्याल में उसे इस्मेरीब भी हासिल था. वह बहुत बचपने से मञ्जब हो गया था श्रीर कहा जाता है कि उसने बहुत सी करामातें भी दिखाई थीं, वह कभी कोई जुबानी बात न कहता, उसकी गुप्तग्र सदा उलमी हुई होती थी. जब लोग उससे अपने मुसतक-बिल की बात पूछते या काई खास मुश्किल मामला सममना चाहते तो सवाल को अपने दिमारा में लेकर हाफिज जी के पास बैठ जाते श्रीर श्रक्सर इसकी उलमी हुई बात चीत भीर इशारों में अपने सवाल का जवाब पा लेते.

जंगे अजीम के जमाने में अधे हाफ़ित पर गुस्से और राजब की हालत तारी रहती और वह अपना हन्डा जमीन पर बार बार पटकता. जब तक वह घर में रहता किसी फ़िक्र में इधर इघर घूमता फिरता और एक घड़ी भर भी दम न लेता. लोग कहते कि वह जंग का सब हाल जानता है कि इस वक्त कहाँ लड़ाई हो रही है, कीन जीत रहा है और कीन हार रहा है, मैं कभी नहीं मूल सकता कि बह अपनी ही गन्दगी में लुथड़ा हुआ। फ़र्श पर पड़ा रहता معظوب کہنا چاھئے ۔ یہ رہے لوگ ھیں' جن بر ررحانیت کا آیک ایسا دورہ آتا ھے' جس کے کلن آن پر آیک خاص رنگ چھا جاتا ھے ۔ وہ دنیا کارخانہ صرفیوں سے منع مور ایتے ھیں ۔ کہا جاتا ھے که دنیا کا کارخانہ صرفیوں کی بدولت چل رہا ھے ۔ ھر صونی کا آیک خاص حفقۂ اثو ھوتا ھے ۔ یہ لوگ پغرض نقور ھوتے ھیں اور صوفیانہ وندگی ہوتا ھے ۔ یہ لوگ پغرض نقور ھوتے ھیں اور صوفیانہ وندگی اس کو رتبے کو نہیں جاتا لیکن وہ اپنے اثر والے حلقہ کی دیکھ بھال کرتے ھیں ، ھم معمولی لوگ آن کو لیس لیس جان سکتے ھیں ۔ ھم معمولی اوگ آن کو پہچان لیس جان سکتے ھیں ،

بہت سے ایسے لوگ عمارے گھر آیا کرتے تھے کالانکہ دادا کوئی صونی نہیں تھے ۔ انہتہ وہ صونیوں اور نقیروں کی قدر بہت کیا کرتے تھے مگر اُن کے صونی دوست سب کے سب کیمیا بنائے میں بہت داچھی لیتے تھے ۔ وہ عجیب و غریب جوی برقیوں کے نایاب نسخے رکیتے تھے اور سانیوں وغیرہ کے بارے میں اُن کو بری جانکاری تھی ، میرے دادا بھی سانھیں کے بارے میں بہت کچھ جانکاری تھی ، میرے دادا بھی سانھیں کے بارے میں بہت کچھ جانکے تھے اور اُنھیں ھاتھ سے بکر ایتے تھے .

بعض اور دوسری طرح کے نقیر بھی همارے گھر آیا کرتے تھے ۔ أن مين ايك چائيس برس كي عمر كا أندها تها ، ولا أندها حافظ کے نام سے مشہور تھا۔ وہ همیشه ناکا اور گلدگی میں لتروا ھوا رھکا۔ اُس کی داوھ کی طرے سر اور جسم کے بال بھی الجھے رهتم ، وه همیشه هانه میں ایک بڑی اللهی الله رهتا اور همارے گیر پر مام طور پر رات کو درلی میں بیٹھ کر آتا ، وہ شاید هی كيهي سُولًا أور ساري رأت حاف جازاً هو يا كرمي الدهر أدهر گهرما كرفا تها ، لوك أس بهت يهليجا سوا فقير سمجهتم . اصلي معدی ب ا أن كے خيال من أے علم فيب بهى حاصل تها . وه بہت بجینے سے مجذرب دو گیا تھا اور کیا جاتا ہے کہ اُس نے بهت ، بي كراماتين بهي دكه ئي تهين ، ولا كبهي كوئي زياني بات لم كينا ، أس كي كفنكو سدا أانجهى دوئي هوئي تهي . جب درگ أس س ايني مستقبل كي بات پوچېتي يا دوئي حاص مشال معاماته سامعينا جاهة تو سرال كو أين جماع مين له كو حانظ جی کے پاس بیٹھ جاتے اور انثر اُس کی اُنجبی هوئی بات چیت اور اشاروں میں اپنے سوال کا جواب یا لیتے ،

جنگ عظیم کے زمانے میں اندعے حافظ پر غصه اور غفر کے حالت طاری رهتی اور وہ اپنا تندا زمین پر باربار پٹکتا ، جب تک وہ گہر میں رهتا کسی فکر میں اِدعر اُدھر گہرمتا پرتا اور ایک گہڑی بہر بھی دم نه لیتا ، لوگ کہ ہے کہ وہ جنگ کا سب حال جانتا ہے کہ اِس وقت کہاں لوائی هو رهی ہے کوں جدت رها ہے اور کون هار رها ہے ، میں کبھی تہیں بھوا میکا که وہ اپنی هی گذرگی میں لہوا هوا فرض ہر ہوا وهتا

में कमी कामयाबी नहीं हुई, अलबता माँ से मुके मालूम हुआ था कि मेरे नाना, जो मेरे दादा के चचेरे भाई थे, एक मर्तवा कामयाब हो गये थे. किसी फक़ीर ने उन्हें एक शीशी में कोई चीज दो थी. जिसके जरिये उन्होंने एक वाँबे के पैसे को सोने में बदल दिया था और जिससे मेरी माँ के लिये सोने की बालियाँ बना ली गई थीं. इसके बाद उन्होंने इसको सन्दक्त में बंद करके रख दिया. लेकिन उनके दोस्त कलन्दर शाह सकी को जब यह मालम हुआ कि मेरे नाना के हाथ कीसिया लग गई है. तो उन्होंने इसको बरबाद करने का हक्स दिया; क्योंकि इससे आदमी लालची हो जाता है श्रीर उसका दिल खदा श्रीर सुफियों की तरफ से फिर जाता है. मेरी माँ को, जो इस बक्त बहुत छोटी थीं, इस नायाव चीज के बरबाद हो जाने का बड़ा दुख हुआ, जो साँबे को सोने में बदल देती थी-लेकिन मेरे नाना. जो एक सुफी बुजुर्ग ये और कलन्दरशाह से मोहब्बत करते थे, आपस के ताल्लुकात को बिगाइना न चाहते थे और उन्होंने क़लन्दर शाह की दिलशिकनी के दर से दौलत की क़रूजी को बरबाद कर दिया-दोस्ती के खातिर कौन अपनी दौलत के एक हिस्से की भी करवानी गवारा करेगा और फिर ञाजकल ?

मुक्ते अपने दादा के एक दोस्त खूब बाद हैं. उनका नाम नादिरशाह था. वे फ़कीर थे. हमेशा एक काला कम्बल लपेटे रहा करते थे. वे बूढ़े थे मगर शानदार. जब कभी हम उनकी मीजूदगी में घर से बाहर निकलते, तो वे हमारे सर पर हाथ फेरते और हमको श्राशीर्बाद और दुआ देते. बे दादा के सब से ज्यादा गहरे दोस्त थे, उनकी ख़ितर दादा अव्वा बहुत कुछ कर डालते. जब कभी किसी परेशानी में फँसे होते तो फ़ौरन नादिरशाह को बुलाते. उन्होंने मुक्तको कुछ ताबीज दिये थे, जो दस ग्यारह बरस की उम्र में चाँदी के खोल में सिले हुए मेरे गले में पड़े रहते.

दादा के एक और की मियागर दोस्त थे. लेकिन मैं उनसे घवराता था क्योंकि वे मुक्ते दोवारा खतना का डर दिलाकर अमकाते थे. हालाँकि यह सब मजाक ही अजाक था, लेकिन मैं सहम जाता था. एक दिन उन्होंने मेरा कान काट खाया. वे एक लड़के की कहानी धुना रहे थे, जिसने अपने वाप के दोस्त की तरफ से बेपरवाही बरती थी. उन बुजुर्रा ने उस बक्त तो कुछ न कहा, लेकिन एक दिन लड़के का बुलाया और उसके कान में कुछ कहने के बहाने से मुक्कर उसके कान की लो काट ली. उन्होंने बाकेया बताते बताते मेरा कान भी काट खाया. मैं सोचता हूँ कि कहीं मैंने तो कभी जानते हुए उनकी तरफ से बेपरवाही नहीं बरती थी.

इसी तरह और बहुत से लोग भ्र∓सर मेरे दादा से मिलने आया करते थे —बहुत से गम्भीर और पागल किस्म के लोग. लेकिन इनको पागल कहना हिमाकत होगी. उनको

میں کبھی کامیابی ٹیون ہوئی البتد ماں سے مجه معلوم هوا الها كه مورد فاقا جو مورد دادا كے چمچورد بھائی آھے' ایک مرتبہ کامیاب عو گئے تھے ، کسی فقور لے افہوں ایک شیشی میں کوئی چوز دی تھی، جس کے ذریعے آنہوں نے ایک تانیے کے پیسے کر سونے میں بدل دیا تھا اور جس سے مفری ماں کے لئے سونے کی بالهار بنا لے گئی تھیں ، اِس کے بعد اُنہوں نے اِس کو صندری میں بلد کر کے رکم دیا . لیکن أن كے دوست قلندر شاه صوفي كو جاب يه معلوم هوا ته ميرے ثاقا کے هاتھ کيديا لک گئي هے؛ تو أنهوں نے إس كو يرباد كرنے كا حكم ديا؟ كيونكه إس سے أدمى الديم هو جانا ہے اور اُس کا دل خدا اور صرفیوں : کے طرف سے بھر جاتا ہے . ميري مال کو' جو اُس وقت بهت چهوٿي نهين اِس ناياب چین کے بریاں ہوجائے کا بڑا دکھ ہوا جو نانہے کو سرنے میں بدل دیتی تھی۔۔لیکن مھرے نادا جو ایک صوفی ہزرک تھے اور قلادر شاہ سے محبت کرتے تھے ایس کے تعلقات کو بگارنا نہ چاہتے تھے اور اُنہوں نے المادر شاہ کی دل شکنی کے در سے دولت کی کامجی کو بریاد کر دیا - درستی کے خاطر کون اپنی دولت کے ایک حصمکی بھی قربائی گولوا کرے گا اور اور آجکل ؟

مجھے اپنے دادا کے آیک، دوست خوب یاد ھیں ، اُن کا دام نادرشاہ تھا ، وہ نقیر تھے ، ہوستہ ایک کلا دیل او تم رہا کرتے تھے ، وہ بیشہ ایک کلا دیل او تم رہا کرتے تھے ، وہ بیشہ ایک کلا دیل او تم رہا کرتے تھے ، وہ بیشہ اور عم اُن کی میں گورسے باور دانا کے سب سے زیادہ کھیے اور ھم کر آشہرواد اور دعا دیتے ، وہ دادا کے سب سے زیادہ کہرہ دوست تھے ، اُن کی خاطر دادا آیا بہت کچھ کر ذائتے ، گہرے دوست تھے ، اُن کی خاطر دادا آیا بہت کچھ کر ذائتے ، جب کھی کسی پریشانی میں پہنسے ھوتے تو فوراً فادرشاہ کو بلتے ، اُنھوں نے مجھکر نجھ تھویؤ دیئے تھے' جو دس گیارہ برس کی عمر میں چاندی کے خول میں سالے ہوئے میرے گلے میں بہتے رہا۔

دادا کے ایک اور کیمیا گر دوست تھے ایکن میں آن سے گہراتا تیا' کیوٹک وے منجھے دربارہ ختنه کا در دلائر دھمکاتے تھے ۔ حالاتہ یہ سب مذات ھی مذات تھا' لیکن میں سہم جانا تھا ، ایک دن آنھوں نے میرا کان کات نھایا ، وے ایک لڑک کی کہائی منا رہے تھے' جس نے اپنے باپ نے دوست کی طرف سے دیرراھی برتی تھی ، آن بزرگ نے آس وقت در کچھ نه کہا' لیکن ایک دن او کے کو بلایا اور آس کے کان میں کچھ کہنے کہا' لیکن ایک دن او کے کو بلایا اور آس کے کان میں کچھ کہنے بتاتے بتاتے میرا کان بھی کات کہایا ، میں دوچتا ہوں کہ کہن میں نے تو کبھی جانتے میرا کان کی طرف سے پیرراھی تھیں میں دوپتا ہوں کہ کہن

اسی طرح ارر بہت سے لوگ انثر میرے دادا سے اللہ ایا کرتے تھے۔ اللہ کرتے تھے۔ اللہ کرتے تھے۔ اللہ کہنا حماقت ہوگی ۔ اُن کو لیکن اِن کو پاکل کہنا حماقت ہوگی ۔ اُن کو

बालों के लच्छे थे. वे इस सन्द्गी से कटे हुए होते थे कि उनका किनारा एक तलवार की तेज बाद की तरह मालूम होतो थी. वे एक ताकतवर .फीजी की तरह तनकर एक सीध चलते थे और उनकी हल्के रंग की कामदार टोपी उनके सर पर जरा आड़ी रखी, रहती थी. उनकी निगाहों और आवाज में बड़ा रोब और द्वद्वा था.

गर्मियों के ज़माने में वे हमेशा तनजेब का खँगरसा पहनते थे, जो इस तरह बना होता था कि एक तरफ का सीना खुला रहता था. (उस ज़माने में नीचे दूसरा कपड़ा पहनने का रिवाज न था.) जाड़े में वे जामेदार का खँगर-स्ता पहनते थे, जिसमें खाम तौर पर स्याह जमीन पर सफेर सादे फूल बने होते थे. वे चुन्त मोहरी का चूड़ीदार पाजामा पहनते, पैरों में धुंधले शोख रग का जूता होता, जिसपर सुनहरे काम का एक फूल बना होता और जिसकी नोक उत्तर को सुदी होती. इस पर जब वे खँगरसा पहन कर साड़े होते तो बेहद शानदार मालूम होते, कभी-कभी आड़ों में वे साफ़ा बाँधते थे, जिसके पेंच बहुत कसे हुए होते थे और उनकी एक भी को ढक लेते थे. इससे वे चुस्त तो बहुत मालूम होते, लेकिन खीफनाक से हो जाते.

बह जनानलाने में सिवाय खाने के वक्त के बहुत कम ष्ट्राते थे. वे श्रपनी चाय खद बनाया करते थे. जब कभी वे घर में आते तो अपने आने की सबर देने के लिये जोर से खखारते ताकि भौरतों में अवानक न पहुँच जायें. उनकी आवाज सुनते ही बालिश लड़कियाँ, बहुएँ श्रीर दूसरी बीबियाँ अपने इस्ट्रे सभालकर सरों का ढक लेतीं और अदब से बैठ जातीं, बरुचे खामोश हो हर भाग जाते. उनकी चाल में तो रानाई हमेशा से थी, यहाँ तक कि 76 बरस की उम्र में उन पर लक्षवा गिरा; इसके बाद से वे बगवर विस्तर पर पड़े रहते. या ता किसी से बातें कि म करते या अकेले राम खाया करते; लेकिन उन ही निगाहों भीर आवाज में खब भी वही रांव दाव था. उनके शीक कीमिया, मञ्जली का शिकार, प्राने चीनी के बरतनों का भंडार जमा करना. दवायें तैयार करना वरीरा थे. हर तरह के फर्क़ार और स्र की हनके.पास, आया करते और घन्टों उनसे नायान जड़ी बूटियों के मुताल्लिक बातें किया करते. मकान का मरदाना हिस्सा पौधों से भरा हुआ या और उनमें छाटे बढ़े अजीव-अजीब पत्तियों के काँटेदार पंधे थे, जो एक कीमियागर के साज और सामान का हिस्सा होते हैं. अल्मारियों में बहुत से परधर, हर क़िस्म की द्वायें, खुश्कज़ढ़ी बूटियाँ और फूल भरे हुए थे.

बादा अन्या अपने बिस्तर पर पड़े-पड़े भी तजुर्जा किया करते और हमेशा नये तुरखे की तलाश में रहते, रोज शाम को नौकर जामा मास्जिद जाया करता और नई बृटियाँ काता. लेकिन जहाँसक मुमको याद है, उनको सोना बनाने بالن کے احجمے تھے ، وے اِس عددگی سے کتے ہوئے موٹے موٹے تھے کہ اُن کا کنارہ ایک تلواز کی تدو باڑھ گی طرح معلوم ہوتی تھی ، وے ایک طافتور نوجی کی طرح تن کر ایک سیدہ سیں چلتے تھے اور اُن ئی ہاتے رنگ کی کا دار تربی اُن کی سرپر ذرا آزی رکھی رہتی ٹھی ، اُن کی نگاہوں اور آواز میں بڑا رعب اور دیدیہ تھا ،

گرمیوں کے زمانے میں وہ همیشت تنزیب کا آنگرکھا پہنتے تھے' جو اِس طبح بنا ہوتا تھا کہ آیک طرف کا سیلت کھا رہتا تھا . (اُس ومالے میں نینچے دوسرا کھڑا پہننے کا رواج ته تھا) . حارب میں وہ جامہ دار کا انگرکھا پہلتے تھے' جس میں عام طور پر سیاہ زمین پر سفید سادے پھول باتے تھے، جس میں عام مہری کا چوریدار پاجامہ پہنتے' پیروں میں دھندہلے شوخ رنگ کا جوتا اوتا' جس پر سنہرے کام کا ایک پھول بنا ہوتا اور پین کو مری ہوتی ، اِس پر جب وہ آسگرکھا پین کو کھی جس کی توک آوپر کو مری ہوتی . اِس پر جب وہ آسگرکھا جاروں میں وہ عادہ باندھتے تھے' جس کے پیچ بہت کسے ہوتے تھے اور اُن کی ایک بھوں کو دھک لیتے تھے ، اِس سے وہ جست تو بہت معارم ہوتے' لیکن خونانگ سے ہو جاتے .

وہ زنانخان میں سوائد کھانے کے واست کے بہت کم آتے تھے ، وے اُیلی چائے خود بنایا کرتے تھے ، جب کھی وے گھر میں آتے تو آینے آنے کی خبر دینے کے لئے زر سے کہمارتے تاکہ عورتوں مهل أج ادك نم يهنيمجائيں . أن كي آواز سنتے هي بالغ لوکیاں ' بہرٹیں اور دوسری بیبیاں اپنے دویا سنبھال کر سروں کو قمک لهتیں آور ارب سے بیٹھ جاتیں ، بھے خامری ہو کو بهاگ جاتے ، أن كى چال ميں تو رءنائى هميشه سے تهي بہاں تک که 76 برس کی عمر میں أن ير لقوة كرا ايس كے بعد سے وم برابر بستر پر پرے رہتے ، یا تو کسی سے باتیں کیا کرتے یا اکیلے غم کھایا کرتے؛ ایکن اُن کی نگاھوں اور اُواز میں اب بھی وهی رقب داب تها ، أن كے شرق كيميا مجهاى كا شكار والح چیلی کے برتنیں کا بھاڈار جمع کرنا کورانیں تیار کرنا وغیرہ تھے، نفر طارح کے نقیر اور صوفی اُن کے پاس آیا کرتے تھے اور كينار أن سے نايب جرى برئيس كے ستعلق باتيں كيا كرتے . مکلی کا مردانہ حصم یودوں سے بھرا ہوا تھا اور اِن میں چھوٹ ہوے عجوب عجوب الميوں کے لائقے دار يودے آھے جو ايک کیمیاگر کے سار اور سامان کا حصم ہونے ندیں ، الماریوں میں بہت سے یتھرا مر تسم کی دوائیں' خشک جڑی ہرایاں اور ھول بورے ھوٹے تھے ۔

دادا ابا اپنے بستر پر پڑے پڑے بھی تعوریہ کیا کرتے اور همیشہ نئے تسخیے کی نائش میں رہتے ' روز شام کو نوکر جامع مستجد جایا کرن اور نئی ہوتھاں لانا لیکن جہاں نک متجہو یاد ہے' اُن کو سونا یانا لے

मेरे बचपन की सब से क्यादा जीती जागती तस्वीर मेरे दादा की याद है. वे एक बड़ी भारी उम्र के बुजुर्ग थे श्रीर उन लोगों में से थे जो अब क़रीब क़रीब नायाब हैं. वर्तानिवी साम्राज के दौर दौरे और आमदनी और खर्च के पूँजीवादी तरीक़ों के ग्रुरू होने के साथ ही जागीरदारी जमाने के इस तरह के लोग अब बहुत कम नजर आते हैं. कभी-कभी देहली या लखनऊ जैसे शहर की किसी तंग गली में हमें ऐसे दो-चार लोग दिखाई दे जाते हैं. वे अपने श्रास पास की चीज से मुँह मोड़ लेते हैं और मरारिबी तहजीब और ख्याल को मंजर करने से परहेज करते हैं. सङ्की पर चलते हुए शायद उनको खद केंप मालुम होती है. वह अपने को कुछ बीते हुए जनाने का महसूस करते हैं. ग्रालियन वह तहजीव के इस नये दौर को पसन्द नहीं करते. जो उनपर लाव दिया गया है. लेकिन फिर भी व अपना सर ऊँचा रखते हैं, शायद यह सोचकर कि वे भी कभी कुछ थे और उनकी आँखों ने भी बहुत कुछ देखा है. इन्होंने अभी अपने लिबास को नहीं छोड़ा है और अब भी मलमल का अँगरखा और पुराने तर्श के सुर्ख रंग के जुते पहने नजर आते हैं. उनकी दादियाँ बनी सबरी और चढ़ी हुई होती हैं, या बड़ी शान से सीनों पर गिरी रहती हैं. उनकी दादियाँ मौलिवयों की उन दादियों से जुदा होती हैं, जो गंदी और उलभी हुई होती हैं और जिनमें कोई .खूब-सरती और शान नहीं होती. पुराने शरीकों की दादी में एक शान होती थी. वे पट्टे रखते थे, उनमें तेल लगाकर कंघी से सँवारते थे और बीच से माँग निकालते थे. देहली में वे कड़ी दीवार की गोल कामदार टोपियाँ पहनते धौर लखनऊ में सफ़ेद चिकन की छोटी-छोटी टोपियाँ, जो उनके सर पर बीचो बीच बड़ी सहाई से रखी रहतीं.

लखनऊ वालों की ऋदित और तर्ज तरीक़े में कुछ जनानापन पाया जाता. उनकी चाल ढाल में एक जनाना लोच होता, जैसा पुराने .जमाने की मोहिष्ज्रिय तदाइफों में पाया जाता था. जब वे सलाम करते, तो उनकी पतली कमर बल खा जाती, उनके हाथों में एक नाचने वाली की सी खदा खाजाती, ऐसा मालूम होता है कि ऊरर गर्दन के खम और नीचे हाथों की खदा को मिलाकर वे हवा में एक मेहराब बना रहे हैं. इसके बरखिलाफ देहती के लोगों में मरदानगी ज्यादा है. मैं यहाँ पुराने शरीफों का जिक कर रहा हूँ.

मेरे दादा का क़द छै .फुट दो इंच था. वह बढ़े डील डील के थे छीर उनकी रोबदार शखास्त्रियत थी. उनकी दादी सफेद थी और बीच में से इघर-उघर चढ़ी रहती थी. इनका सर गंजा था, मगर चारों तरफ सफेद और नरम

مهرے بچوں کی سب سے زبانہ جیتی جاگتی نصویر مھرے دادا کی یاد ہے ، وے لیے ہوی بیاری عمر کے بورگ تھے اور اُن لڳو مين ساتهء جو آب قريب قريب ناياب عين. برطانوي سامرابہ کے دور دورے اور آمدئی اور خرچ کے پرنجی وادی طریقوں کے شروع ہونے کے ساتھ ھی جاگیرداری زانے کے اِس طرے کے اوک آب بہت کم نظر آئے میں ، کبھے کبھی دھلی یا لکبار جیسے شہر کی کسی تنگ گلی میں همیں ایسے در چار لوگ داہائی دے جاتے میں ، وے اپنے آس باس کی چدر سے منه مرد لیتے هیں ارر مغربی تهذیب أور خدال کو م ظور کرتے سے پرهيز کرتے هيں ،سترکوں پر چاہے هوئے شايد أن کر خود جهينپ معلوم عوتي هے ، ولا اپنے کو کنچھ بیٹے هوئے زمانے کا محسوس کرتے ھیں ، غالباً وہ نہذیب کے اِس نگے دور کو یسند نہیں کرتے ، جو أن ير لان ديا گيا هے ، ليكن پير بھى وسے أيغا سر أوتنچا ركھتے هیں' شاید یہ سرچ کر کہ وسے بھی کبھی کبچی: ہے۔ اور اِن کی آسکھوں لے بھی بہت کنچھ دیکھا ہے ، اِنھوں نے ابھی اپنے لیاس کو نہیں چھوڑا ہے اور آپ بھی ملمال کا انکرکھا اور پرالے طرز کے سرير رنگ کے جوتے بہا ، نظر آتے هيں ، أن كي دارهياں بني سنوری اور چرعی هرئی هوتی هیں؛ یا بری شان سے سنیس یو گری رعتی هیں ، اُن کی دارهیاں مواویوں کی اُن دارهیوں سے جدا هرتی هار، جو گندی اور اُنجهی هوئی هرتی هیں اور جن میں کرئی خورصررتی اور شان نہیں ہوتی ، یرالے شریفوں کی قارهی میں ایک شان هونی تهی ، وے پائے رکیتے تھے' اُن من تیل لگا در کنکس سے سلوارتے تھے اور بیچے سے مانگ نکالتے تھے، دھلی میں وے کوی دیوار کی گول کا مدار ٹوپیاں بہنتے اور لکھنام میں سفید چکن کی چھوٹی چھوٹی ٹویفال جو اُن کے سر پر برجوں بیچ بڑی مفائی سے ربھی رمقیں ۔

الهاؤ والرن نی عادت اور طرز طریقہ میں کچھ وساتھ پن پایا جاتا ، ان نی چال تعال میں ایک زنانہ اوچ ہوئا جیسا پرانے وسانے کی سہذب طرانفوں میں پال جانا تھا ، جب وسلام فرت و ان کی پنای کمو بل کھا جائی ' اُن کے ہاتھوں میں ایک ناچنے والی کی سی ادا اجاتی، ایسا معلوم ہوتا ہدے اوپر گردن کے خم اور نیچے ہاتوں کی ادا کو ملا کر وجہ ہوا میں ایک محراب بنا رہے ہیں ، اِس کے برخانہ دھلی کے لوگوں میں میں مردانگی زیادہ ہے ، میں یہاں کے برائے شریفوں کا ذکر کو میں ہا

میں دادا کا قد چھ دی دو انہے تھا۔ وہ دو مقد قبل قول کے تھے اور ان کی رعبدار ؛ خصیت تھی۔ ان کی دانتھی مقید تھی اور بیچے میں سے ادھر ادھر چڑھی رعلی تھی ، ان کا سر کلچہ تھا مکر چاروں طرف مقید اور نوم

मेरे दादा भज्बा

[सन् 1857 के जमाने के लोगों का एक खाका] _

जिन्दगी एक दरिया की तरह बहती है और उसके बहाव को कोई नहीं रोक सकता. जब हम जिन्दगी के एक छास दौर से गुजरते हैं, तो उसके बहाव को देख नहीं सकते, क्योंकि हम ख़ुद उसकी रौ भें बहते होते हैं, उसके भँवर में फँसे हुए खिंचे खिंचे चले जाते हैं और हमको जिन्दगी का यह बहाब महसूस तक नहीं होता. दरस्त हवा में भूगते हैं. उनकी नाचती हुई परछाँ ह्याँ सतह पर अपना अक्स डालती हैं और उनकी पत्त्याँ सर धुनती दिखाई देती है. जीवन की सतह पर हमारी मिसाल भी इन्हों थरथराती हुई परछाइयों की तरह है— मगर दिया बहता जाता है, हमारी परछाइयों से लापरबाह और पत्तियों के नाच की तरफ बरीर हख किये.

कभी-कभी हमें यह ख्याल आता है कि हम क्या हैं और क्या हो सकते थे, लेकिन जब तूकान सर से गुजर जाता है, तब हम अपनी नजर उसपर जमा सकते हैं. उसी बक्त हम ड्यालों से आंखाद हांकर उसकी तकसीली जाँच कर सकते हैं.

जिन्दगी एक मूमता हुआ दरकत है, जिसकी तस्वीर कोई कैमरा नहीं उतार सकता. इस तो सिर्फ उसकी जिन्दगी ही मध्सूस कर सकते हैं. उसके लुभावने नाच से लुक एठा सकते हैं.

गुजर जाने के बाद ही हम ची जों की कल्पना धीर उनकी जाँच कर सकते हैं. उनकी .खूबसूरती का जान सकते हैं. उसकी जबरदस्त गहराई को महसूस कर सकते हैं.

याद्दारत में तूफान की याद नहीं रहती. राजनैतिक खथल पुथल का निशान तक नहीं होता और हम पर आज-कल जो गुजर रही है, उसकी याद हम से बहुत दूर होती है. साने कमाने के लिये करामफश, इनसानियत का शान-दार जीवन-संप्राम और अपनी हालत की बहतरी और हफ़ के लिये जंग, हमारी याद्दारत से सब बहुत दूर होते हैं. याद दिल के सारे .जरूनों को भर देती है. सब मत भेद मिट जाते हैं क्योंकि याद, जो थके हुए दिलों को लोरियाँ देकर मुला देती है, इन्साफ का अजीज है.

میرے دادا ابا

[سن 1857 کے زمال کے لوگوں کا ایک خاکم] پرونیسر احمد علی، اہم اے،

زندگی ایک دریا کی طرح بہتی ہے اور اس کے بہاؤ کو نی نہیں روک سکتا ، جب ہم زندگی کے ایک خاص دور سے ارتے ہیں' تو اُس کے بہاؤ کو دیکھ نہیں سٹے' کیونکہ ہم خود س کی رو میں بہتے ہوتے ہیں' اُس کے بہاؤ مرد میں پہنسے ہوئے بادچے کو بچے چلے جاتے ہیں اور ہمکو زندگی کا یہ بہاؤ محسوس کی نہیں ہوتا ، درخت ہوا میں جھوستے ہیں ، اُن کی اُرتی طورتی یہ چھائیاں سطح پر اپنا عکس ڈالٹی ہیں اور اُن یہ پتیان سودھنٹی ہوئی دکھائی دیتی عمیں ، جدون کی مطح ر بنیان سودھنٹی ہوئی دکھائی دیتی عمی ، جدون کی مطح ر بنیان ہو کی طرف بغیر رہ نہاں ہی طرف انہیں تور تهرانی عونی پرچہائیوں سے الپرواۃ اور اُس کے ناہے کی طرف بغیر رہ نئے ،

کبھی کھی ہمیں یہ خیال آنا ہے که عم کیا میں اور کیا ہو کیے تھے ایکن جب طوفان سرسے گذر جاتا ہے تب ہم اپنی ظر اُس پو جدا سکتے ہیں ۔ اُسی وقت، عم خیالیں سے آزاد و کر اُس کی تفصیلی جانبے کر سکتے ہیں .

زندی ایک جهومتا هوا درخت ها جس کی تصویر کوئی مورا نهی آدار سکتا ، هم تر صرف آس کی زندگی هی محصوس کر سکته هیں ، آس کے لبهاو نے ناچ سے لطف آنها مکته هیں ،

۔ گذر جانے کے ہمد هی هم چیزوں کی کلیفا اور اُن کی جانی کو سکتے هیں اُن کی خوصورتی کو جانی سکتے هیں۔ اُس ی زوردست گہرائی کو محصوس کو سکتے هیں ۔

یادداشت میں طوفان کی یاد نہیں رھائی ، راجلیتک بیل پنیل کا نشان تک، نہیں ہوتا اور ھم پر آجال جو گذر رھی ایک اُس کی یاد هم سے بہت دور حوتی ہے ، کیائے کیائے کیائے کیائے استہش' انسانیت کا شاندار جیون ساکرام اور اپنی حالت کی بہتری اور حق کے لئے جنگ ماری یاداشت سے بہت دور بہتری اور حق کے لئے جنگ ماری زخموں کو بھر دیتی ہے ، سب ست بہد مدل کے سارے زخموں کو بھر دیتی ہے ، سب ست بہد مدل کے سارے زخموں کو بھر دیتی ہے ، سب ست بہد مدل کے سارے زخموں کو بھر دیتی ہے ، سب ست بہد کر سلا دیتی ہے ، انصاف کو عزیز ہے .

सक्टर असर मीनाई

कल सरे राह १ जमाने ने तमाशा देखा, एक इन्सान को फाकों से तक्ष्यता देखा. पेट तलवार की मानिन्द खिचा शेठ तलक, ऐसी तस्वीर कि था लर्जी बरझन्दाम २ फलक ३०

जिन्दगी कर्च से दम तोड़ रही थी ऐसे, राहे उल्स्तक में तड़पता हुआ विस्मिल ६ जैसे.

पेसी तस्त्रीर का हर शस्त्रस तमाशाई था, मरता इन्सान भी जिन्हों का मगर भाई था.

मीत का था ये तक्काजा कि रगे जाँ न रहे, बहरी धताने हुए सजवार कि इन्साँ न रहे.

बहरे इम्दाद । • कोई दस्ते हमैयत । । न बढ़ा, श्रीर बिस्मिल का उधर खारमा बिल्खेर । २ हुआ.

मेरे दिल पर वह असर था कि .जुवाँ थी खामोश,

मुजमहिल१३ हो गए आजा१४ कि रहा कोई न होश.
कितने मुफ़लिस१४ यों ही रोजाना गुजर जाते हैं,

यानी इफ़्लास१६ से बेमीत ही मर जाते हैं.
कशमकशहाए१० जुनूँ बाहिये जीने के लिये,

एक तूफ़ान है दरकार१= सफ़ीने१६ के लिये.
बो जुनूँ खेजिये२० पैहम२१ जो सलासिल२२ तोड़े,

मीजे तूफ़ान है जो सीनए साहिल२३ तोड़े.
अक्रल बेदार२४ है इन्सान सममदार है आज

अपने बस में हैं 'असर' ऐसी तबाही का इलाज

ةأكلر أثرمينائي

کل سر راہ زمانے نے تماشا دیکھا، ایک اِنسان کو فاقوں سے توپتا دیکھا۔

پیت تلوار کی ماند کینچا پیٹھ تلک ا ایسی تصویر که تها لرزه براندام فلک .

زادگی کرب سے دم آور ،هی تهی أیسے ، راہ ألفت میں تربتا هوا بسمل جیسے .

أيسى تصوير كا هو شخص تماشانى كا؟ مرتا إنسان بهى زنديس كا مكر بهائى تها .

موت کا تھا یہ تقاضا که رگ جال نے رہے؛ وحشی تانے ہوا۔ الوار کا انسال نہ رہے ،

بهر إسدأد نوئى دست حديث نه برعاء المخدر موا .. اور بسيل كا أدهر خاتمه بالمخدر موا ..

مهرے دل پروہ اثرتهاکه زبان تهی خاسوهی، مقسمال هوگئے انقدا که رها کوئی نه هوهی .

کتنے مناس ہوتہی روزانہ گار جاتے ہیں' یعنی اِناس سے بے مرت می مو جاتے ہیں۔

کشمکشہائے جارس چاعلے جیلے کے لئے ا ایک طرفان کے درکار سفیلے کے لئے ، وہ جاوں خیزئی پیہم جر سلاسل تہرے ' مہم طوفان کے جو سینڈ ساحل تورے ،

مثل بیدار ف إنسان سجهدار ف أج لند بس میں ف'اثر' ایسی تبامی کا علم

१—मार्ग में, २-थरीया हुआ, १-आकाश, ४-बेचेनी, १-प्रेम, ६-घायल, ७ तगावा, =-प्राया की नस, १-जङ्गली, १०-सहायता के लिये, ११-सहायता का हाथ, १२-मृत्यु, ११-डीले, १४-अंग, १४-निर्धन, १६-निर्धनता, १४-स्विंग, १४-स्विंग, १४-विंग, १४-विंग, ११-विंग, ११

नवर्ग और बन्दों ने सन कहारा सी सताबन

यह वह पृष्ठ मूमि थी जिसपर छन् 1857 की चा.जादी हे कान्ति का सिरजन हुचा. एक मोजपुरी कवि इसकी स्त्रीर खींचता हुआ कहता है:—

ववा धकाल रोग वेसवा मा बाटे, बिपता के बादल गढ़गढ़ बोली! दुखवा के नदिया धगम बल पनिया, जुलुम के इतवा सन् सन् डोली!

श्रीर तब यह प्रामकवि साहस बटोरणर पेशोनगोई रता है कि.—

> अव तोर नहया न निवहै विदेखिया, 'राम नाम सल' अब निदया में होते!

बाज जब हम सन् 1857 की भा जादी की लड़ाई का साला जरन, शताब्दी समारोह, मना रहे हैं तो बह शीनगोई कितना सच बनी हुई है.

[इस लेख के लिखने में हमें भाई प्रकाश चन्द्र जी गुष्त, | मिठाई लाज जायसवाल, श्री सुरेश सिंह, श्री बचनेश | रे श्रीमती सुशीला देवी खादि से खनमोल सहायँता मिली —लेखक]

गुजामी के साथ मानवता की मित्रता

श्री अब्दुलह्लीम अन्सारी

श्राजादी आगई, श्राजादी श्राने के मानी .गुलामी खली गई. लेकिन मालूम ऐसा हाता है कि .गुजामी के साथ मानवता भी गई. क्या .गुलामी ऐसी ही श्रच्छी चीज थी कि मानवता जैसी गुद्ध और सुन्दर चीज को वह श्रपने साथ ले जाये या मानवता .खुद उसके साथ हो गई केवल उसकी अच्छाई, के कारण—हागी उसमें जरूर काई .खूबी और अच्छाई बरना मानवता को तो श्राजादी का ही साथदेना चाहिये था.बिना मानवता के श्राजादी कैसी सूनी सूनी और बेरीनक्ष सी है ! कितना भयानकपन है उसके वातावरन में !

मानवता ने अपने असर से .गुलामी को इन्सानियत के कालिब में ढाला था. तह जीव का जामा पहनाया था. जब ,गुलामी मानवता, के रक्त रूप में अच्छी तरह ढत गई तो इसने उससे दोस्ती गाँठी. इसकी दोस्ती भी दो सी बरस पुरानी और तारी खी दोस्ती थी. इस पुरानी दोस्ती के नाते यह उसके छाथ हो ली. दोस्ती का इक्त भी अदा किया और मरा, रकी रवादारी को भी निभाया. इम पेसा ख्याल भी नहीं कर सकते थे मगर यह एक नये प्रकार का अनुभव जो इम को हुआ है उसकी बिना पर कोई शक और शंका की गुम्जाइश नहीं रह जाती है अब. یہ ولا پرشاہ بھومی آئی جس پر سن 1867 کی آزادی کی کواندی کا سرجوں ہوا ۔ ایک بھوجھوں کوی اِس کی تصویر کھینچا ہوا کہنا ہے :---

ہوا الال روگ دیسوا ماہائے ا بیتا کے بادل گو گو ہوائے ! دکھوا کے ندیا اگم جل پنوا' حلم کے عودا سی سی قولے !

اور تب یه گرام کوی مناهس بقور در بیشینگوئی کوتا

اب تور نیا نه بهچهه بدیسیا ا ارام نام ست آب ندیا میں هوله ا

آج جب هم سن 1857 کی آزادی کی لوائی کا سوساله جشن شکاردی سماروه منا رقع میں تو وہ پیشینگوئی سے بنی هوئی هے .

[اس لیکھ کے اکھنے میں ہمیں بھائی پرکاش چندر جی گہت شریمآھائی اللجیسوال' سرس سریھی سنتھ' شریوچنیھی' شریمتی سوئدلا دیوس آدی سے انمول سہایتا ملی۔۔لفکھک]

غلامی کے ساتھ مانوتا کی مترتا

شری عبدالتحلیم انصاری اراضی آئے کے معلی غلامی چلی گئی ، آزادی آئے کے معلی غلامی چلی گئی ، کیا لیکن معلیم ایسا ہوتا ہے کہ غلامی کے ساتھ مانوتا بھی گئی ، کیا فلامی ایسی ہی اچھی چیز تھی کہ مانوتا جیسی شدہ اور سلام چیز کو وہ اپنے ساتھ لے جائے یا مانوتا خود اُس کے ساتھ ہو گئی کھول اُس کی اچھائی کے کارن سیھرگی اُس میں ضرور کوئی خوبی اور اچھائی' ورنہ مانوتا کو تو آزادی کا هی ساتھ دینا چاہئے تھا ، بنا مانوتا کے آزادی کیسی سوتی سوتی سوتی اور پروٹش جاہئے تھا ، بنا مانوتا کے آزادی کیسی سوتی سوتی اور پروٹش سے ہے ا

مانرنا نے اپنے اثر سے غلامی کو اِنسانیت کے قالب میں قالا آیا ، تہذیب کا جامع پہنایا تیا ، جب غلامی مانرنا کے رنگ روپ میں اچھی طرح قامل گئی تو اِس نے اُس سے دوستی کانتھی ، اِس کی دوستی بھی دو سو برس برائی اور تاریخی دوستی تھی ۔ اِس پرائی دوستی کے ناتے یہ اُس کے ساتھ ھو لی ، دوستی کا حق بھی ادا کیا اور مشرقی روادارہ کو بھی نبهایا ، هم ایسا خیال بھی نبیس کو سکتے تھے مگر یہ ایک نئے پرکار کا انوبھو جو هم کو هوا هے اُس کی بنا پر کوئی شک اور شکا کی گنجانھی نبھی رہ جاتی ہے اُس کی بنا پر کوئی شک اور

होइ गइले कंगाल हो बिदेखी तोरे रजना में । टेक । सोनवा के भाली डहवाँ जेनना जनत रहलाँ, कठवा के डोकिया के होइ गहल मुहाल हो ॥विदेखी तोरे • ॥ भारत के लोग आज दाना बिना तरसे भैगा । लन्दन के इला उदावें मना माल हो ॥ विदेखी तोरे • ॥ ऐसी अकाल की सूरत में सन् 57 की तहरीक शुरू हुई. उसे दवाने के लिये कम्पनी की सरकार ने नो .जुल्म और अनीति की उससे तहरीक वो दब गई, हिन्दुस्तानियों के दिल में डर तो बैठ गया लेकिन भुखमरी दूर न हो सकी. रसराज कवि कहते हैं :—

गृदर गृनीम ,गुनार उठयो, सतावन में क्षिगरे जग जानी। केते धर्नाति धनीति कियो, सम हिन्द प्रजा हिम में भय मानी॥ देश की उस समय की हालत पर समकालीन कवि 'प्रेम धन' लिखते हैं:—

भागो भागो अब काल पदा है भारी भारत पे चेरी घटा बिपत की कारी. धव गये बनज-व्यापार इतें सो भागी, ध्यम पीरुष निस्त दिये बनाय अभागी. अब बनी जुनो खेती हैं खिसकन लागी, चारहुँ दिसि लागी है मेंहगी की आगी, मुनिये निलाय सब परजा मई मिखारी, भागो भागो अब काल पदा है मारी.

श्रंगरेजी राज में भारत की द्रिद्रता की एक दूसरी माँकी भारतेन्द्र के शब्दों में देखें:—

> कल के कलबल छलन सों छले इते के लोग, नित नित धन सों घटत है, बाइत हैं दुःख सोग. मारकीन मलमल बिना चलत कछू निहें काम, परदेसी जुलहान के मानहु भए गृलाम. बस्त्र काँव कागृज़ कलाम चित्र खिलोने आदि, आवत सब परदेस सों नितहिं जहाज़न सादि.

वस .जमाने के बंगाली देशभक्त बजाय क्रान्ति के महज लेकचर ऋौर तक़रीरों के .जरिये देश की हालत सुधारने पर एतक्काद रखते थे. जनपर फन्ती कसते हुए प्रतापनारायन मिश्र कहते हैं:—

सर्वध लिये जात शंगरेज़, हम केवल 'स्यक्चर' के तेज.
अस विजु वार्ते का करती हैं, कहुँ टेटकन गार्जे टरती हैं.
अपनो काम आपने ही हाथ मल होई.
प्रदेशिन प्रधर्मी ते आशानहिं कोई.

هوئی گیلے کنگال ہو بدیسی تورہ رجوا میں؛ ٹیک .

سرنوا کے توالی جوواں جھوٹا جھلوت رہلیں؛

نقوا کے توکیا کے ہوئی گئیل صحال ہو . ودیسی تورہ ...

الله کے لاگ آواویں صحا مال ہو . ودیسی تورہ .

الله کے لگا آواویں صحا مال ہو . ودیسی تورہ .

ایسی اکال کی صورت میں میں 17 کئی تحریک شروع ہوئی .

اسی اکال کی صورت میں میں 17 کئی تحریک شروع ہوئی .

اسے نائے کیا گئی ہندستانموں کے دال میں در تو بیٹھ گیا لیمن بہتموی دور نے ہو سکی . وسراج کوی کہتے ہیں .

ایمن بہتموی دور نے ہو سکی . وسراج کوی کہتے ہیں .

عدر غلیم غیار آئھیو سکاوں میں سکرے جگ جائی ؛

کیتے آئے کی آئی کیو سب ہائی پرجاہیئے میں بیٹے مائی .

دیبھی کی آئی سے کی حالت پر سمکالیں کوی دپریم بھیں ؛

دیبھی کی آئی سے کی حالت پر سمکالیں کوی دپریم بھیں ؛

دیبھی کی آئی سے کی حالت پر سمکالیں کوی دپریم بھیں ؛

لکھتے ہیں ؛

دیبھی کی آئی سے کی حالت پر سمکالیں کوی دپریم بھیں ؛

لکھتے ہیں ؛

دیبھی کی آئی سے کی حالت پر سمکالیں کوی دپریم بھیں ؛

بهاگو بهاگو آب کال پڑا ہے بہاری ا بھارت پر گھیری گھٹا بہت کی کاری ، سب گئے بنج ریاپار اِنھی سو بھاگی ' اُدیم پوروش نسی دیئے بنائے اُبھاگی ، آپ بنچی کھیٹی ہوکسکن لاگی ' چار ہوں دس لاگی ہے مینکی کی آگی ، سندئے چالائیں سب پرجا بھئی بھکاری' بھاگو بھاگو آب کال پڑا ہے بھاری ،

انگریزی راج میں بھارت کی دردرتا کی ایک دوسری جھانگی بھارتیادو کے شدوں میں دیجیں:

کل کے کلبل چھان سوں چیلے آنے کے لوگ'
نت نت دھن سوگھت ہے، ہاڑھت ھیں دیم سوگ۔
مارکین ملیل بنا چلت کچھو نہیں کلم'
پردیسی جاھن کے مانہو' بھئے غام ۔
وسٹر کانچ کافن قلم چتر کھلوئے آدی'
اوت سب پردیس سوں نت ھیں جہارن لادی ۔
آس زمالے کے بنگالی دیش بھکت بجائے کرانتی کے محض
لیکچر اور تقریروں کے ذریعے دیش کی حالت ندھارئے پر اعتقاد
رکھتے تھے ۔ آن پر پھبتی کستے ھوئے پرتاب ناراین مشر کھتے

سرہس لئے جات انکریز' هم کیول 'لکنچر' کے نیز ، شرم بن باتیں کا کرتی هیں' کہرں ٹیٹکن گلجیں ٹرتی هیں ، اپنو کام آپنے هی هاته بیل هوئی' پردیشن پردھرمی تے آشا نہیںکوئی ، "जिस मजबूती और धीरक है साथ तात्या इस बताबत की रहनुमाई कर रहा है वह सबसुब हैरतनाक है. वह इमारा सबसे चतुर रात्रु सादित हुआ. पिछले एक बरस से उसने मध्य भारत और मध्य अदेश में तहलका भचा रखा है. वह हमारे फीजी पढ़ावों को रैंद डालता है, खजानों को लूट लेता है और हमारे मैगजीनों को खाली कर देता है. उसने .फीजें जमा की और खोई हैं. लड़ाइयाँ लड़ी हैं और हारी हैं, तोपें हासिल की हैं और उन्हें खाया है. उसके .फीजी कूच इतने तेज होते हैं जैसे विजली कींध जाय. अठवारों वह तीसतीस और चालीस-चालीस मील के हिसाब से कूच करता है, कभी नर्मदा के इस पार और कभी उस पार. हमारी दर्ज नों कोजों के कभी वह बीच से निकल जाता है, कभी पिछे से, कभी दायें से और कभी वायें से, कभी घाटियों से और कभी दलदलों से. हमारी एक लाख .फीज उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है पर वह हाथ नहीं आता."

जाहिर है ऐसा अद्भुत बीर किवयों के लिये प्रेरणा का कोत बन जाता. लेकिन अफ्सोस है अब तक हमें सिवाय एक किवता के तात्या से सम्बन्धित कोई समकालीन किवता नहीं मिली. किव ने, जो कानपुर का निशासी है, भारत वासियों से तात्या की पुकार अर्ज की है. किव के शब्दों में तात्या कहते हैं कि एक कमान, एक मंडा, एक हुक्म या अनुशासन का पालन करने से ही देश का चढ़ार हा सकता है. हम देश का मान बचाने के लिये अपनी जानों को गँवाने के लिये तैयार रहें तभी विदेशियों का संहार होगा और तभी सच्ची शान्ति या अमन कायम होगा. गीत के बोल हैं:—

सुनो बोरो, तात्या की पुकार हो !

एके लिखनवाँ हो रामा,

एके कमनवाँ हो रामा,

एके हुकुमवा हो रामा,

तबै देसवा के होई उद्धार हो !

जावे परनवा हो रामा

बचै देसुआ के मानता हो, रामा,

तबै हाई अमनवा हो रामा,

तबै होई फिरंगिया संहार हो !

सन् 1757 की प्लासी की लड़ाई के बाद 1857 तक ईस्ट इन्डिया कम्पनी की आर्थिक या इक्तसादी नीति ने सारे देश को कक्काल बना दिया था. आये दिन असमरी और मीत सर पर नाच रही थी. सन 1765 में जब से दीवानी के अधिकार कम्पनी को मिले थे उसकी लगान नीति ने अनगनत किसानों को खेत छोड़कर भाग जाने पर मजबूर कर दिया था. उद्योग-भन्धे नष्ट हो रहे थे और कहत सर पर मंडरा रहा था. देश की इस आर्थिक स्थिति की तस्वीर खींचते हुए एक किव कहता है:—

"جس مفیوطی اور دهیوج کے ساتھ تانیہ اِس بھاوسته کی مدھ میں معرف اس سے کہ شہرو تابت ہوا ، بچہلے ایک برس سے اُس لے مدھته بهارت اور مدھیه پردیش میں تہائہ مجاراته ہے وہ ہمارا سے کہ نہری اور تابت ہوا ، بچہلے ایک برس سے اُس لے مدھته نہجی بڑاوں کہ روند تابتا ہے ، خواتس کو اوست لیتا ہے اور هماری میکویتوں کو خالی کو دیتا ہے ، اُس لے قوجیں جمع کیں اور کہائی ہیں اور تعاری ہیں تبیس حاصل کی ہیں اور اُنہیں کہو یا ہے ، اُس کے قوجی کوچ اِتلے تیز اور چالیس جیسے بجلی کوئدہ جائے ، اُٹھواروں وہ ٹیس تیس اور چالیس میل کے حساب سے کوچ کرتا ہے کیس تیس نورمدا کے اِس پار اور کبھی اُس پار ، ہماری درجاوں فوجوں فوجوں دائیں سے اور کبھی درجاوں فوجوں دائیں سے اور کبھی بائیں سے اور کبھی درائیں سے اور کبھی دائیں اُن کبھی پینچھے سے اور کبھی دائیں اُن ،"

طاهر فی آیسا آد بهت ویر کویس کے لئے پریرنا کا سووت ہیں جاتا ۔ لیکن آنسوس فی آب تک همیں سوائے آیک کویتا کے تاتیا سہ سیندهت کوئی سکائیں کویتا نہیں مئی ۔ کوی نے جو کانہور کا نواسی فے بہارت واسیوں سے ناتیا کی پکار سرض کی فے ۔ کوی کے شہدوں میں تاتیا کہتے هیں که ایک کان ایک جہندا ایک حکمیت انوشاس کا پاس کرنے سے هی دیش کا اُدمار هو سکتا فے ، هم دیش کا ماں بحیانے کے لئے اپنی جانوں کو گنوالے کے لئے تیار رهیں تبھی ودیشیوں کا سنکیار هوٹا اور تبدی سحیی کے لئے تیار رهیں تبھی ودیشیوں کا سنکیار هوٹا اور تبدی سحیی شانتی یا اس قایم هوگا ۔ گیت کے بول هیں :۔۔

ستو ويرو، ناتها كى يكاز هو إ إيكم تستوا هو راما، إيكم كمتوا هو راما، إيكم عكموا هو راما،

تیہ دیسوا کے ہوئی اُدعار عو! جائے یرنوا ہو واسائ بیچےدیسوا کے منوا ہو رامائ تیہ چھائی امنوا ہو رامائ

تهم هوئی فرنگیا سنهار هر!

(17)

سن 1757 کی پلاسی کی اوائی کے بعد 1857 تک ایست ارتبیا کیلی کی آرائی کے بعد 1857 تک ایست ارتبیا کیلی کی آرائی کے بعد 1857 تک ایسی کو کالل بنا دیا تیا۔ آئے دی بیکمری آور مرت سر پر ناچ رہی تیں۔ سن 1765 میں جب سے دیوائی کے ادھیکار کمپلی کو ملے تیے آس کی لگان ٹیتی نے انگلت کسائروں کو کھیت چھرو کر بھاگ جانے پر مجبرر کر دیا تیا ۔ آدیوگ دھلات شمت ہو رہے تیے اور تحط سر پر منذرا رہا تیا ۔ دیھی کی اِس آرتیک استھی کی تصریر کوبلجیتے ہوئے ایک کوی کہتا ہے :۔۔۔

مدھیہ بھارت پر انگریزیں نے جب پھر سے قبضہ کیا اور تقیدہے میں دیفس وآسیس کو ظام سھنے پڑے' آسے مالوی لرگ، گیترس میں ایک آانت' اور آگالی بدلی' کہکر یاد کیا گیا ھے:۔۔

> دیس پر آنت ائیکئی ه،' دیس پر آنت آئیکی هر' هررر پهرنگی راج' بادلی کالی چهئے گی هر .

آوادی کی جنگ میں جب اپنی طائعہ کو کانی تبییں سمجھا گیا تو دیوی دیوتاؤں کی مدد کے نئے بھی دعا مائگی گئی ، اِس طرح کی ایک مثال همیں مدھیته پردیش کے کوی کئی میں ملتی ہے ، بابو کنور سنتھ کے پروتساهی جبالهور کے قوند راجه شنکر شاہ اور اُن کے جیٹے نیار میدان جنگ میں کرد پڑے ، کوی اُن کی کامیابی کے لئے کالی مائی سے پرارتها کرنا اور کہتا ہے که شنکر شاہ کا ایک ایک سیاھی ایسا طاقتور بین جائے که ، وار دشمنوں کا مة بلند کر سکے ، بول کے شید هیں :—

تو هم شترو وناشن سائی
در شترو سکار میا ا
شندشاه هم داس تهارا
داس کا رکه له مان میا ا
آج فرنکی بدوخه نه پائه
گهه کر میس تاوار میا ا
شنکو کا ایک ایک سههیا
کر تو آسه مزار میا ا
مان کا کا بله دن چنتی
بهه دوده کی دهار میا ا
اپ دیری کا کام نهین هم
بهارت کرم پکار مها ا
سن کر آرت گوهار میا ا
سن کر آرت گوهار میا ا

گالکانے کہی کی پکار سنی یا نہیں لیکن بلیدان کی دیری فی شنکو شاہ کی پکار سنی ، جبلپور کے پریڈ کے میدان میں شنکو شاہ اور اُن کا پتر اور میکڑوں دیشی بھکت سینک ترب کے منہ سے باقد متر آزا دیئے گئے ، جن لوگوں نے اُس نظارے کو دیکھا ہے وہ سویکار کرتے ہیں کہ شنکو شاہ اور اُن کے سانھی جب توب کے منہ سے آزائے گئے نو اُن کے ہوئیوں پر مسکراے تھی ۔

اتہاس لیکھک سرجان کے کے انوسار تانیا ٹوپے سنگرام کے قابل سھسالاروں میں سے تھے ، آزادی کی لوائی شروع ھونے سے لیکر اپلی پھانسی کے دن تک پیملی 18 اپریل سن 9*18 تک تانیا بنا رکے اور بنا تھکے انگر رہے حکومت سے مورچہ لیٹے رہے ۔ 17 جنوری سن 1859 کو للدن ڈائمس نے لیہ تھا ۔۔۔۔

मध्य भारत पर अंग्रेजों ने जब फिर से क्रन्जा किया और नतीजे में देशवासियों को .जुलम सहने पड़े, उसे मालबी लोक गीतों में एक 'आफ्त' और 'काली बदली' कहकर याद किया गया है:—

देस पर आफृत आइगी हो. देस पर आफृत आइगी हो, हुवो फिरंगी राज,

बादली काली झहागी हो.
आवादी की ज'ग में जब अपनी ताकत को काफी नहीं समका गया तो देवी देवताओं की मदद के लिये भी दुआ माँगी गई. इस तरह की एक मिसाल हमें मध्यप्रदेश के किये के बोल में मिलती है. बाबू कू अरसिंह के पोत्साहन से जबलपुर के गोंड राजा शंकर शाह और उनके जेठे कुमार मैदाने जङ्ग में कूद पड़े. किव उनकी कामयाबी के लिये काजीमाई से प्रार्थ ना करता है और कहता है कि शंकर शाह का एक एक सिपाही ऐसा ताक़तवर बन जाय कि हजार दुश्मनों का मुकाबजा कर सके. बोल के वह हैं :—

त् है राष्ट्र विनाशिन माई!
कर राष्ट्र संदार महया!
रांकरशाह है दास तिहारा
दाल का रखते मान महया!
आज फ़िरंगी बचने न पाये
गह कर में तसवार महया!
रांकर का एक एक लिहिहिया
कर त् उसे हज़ार महया!
मां कालिका बने रखनन्डी
बहे रिचर की घार महया!
अब देरी का काम नहीं है
भारत करे पुकार महया!
सुनकर आतं गुहार महया।
सुनकर आतं गुहार महया।

कालिका ने किंब की पुकार सुनी या नहीं लेकिन बिलदान की देवी ने शंकरशाह की पुकार सुनी. जबल-पुर के परेड के मैदान में शंकरशाह और उनका पुत्र और सैकड़ों देशभक्त रैनिक ताप के मुँह से बॉघकर उड़ा दिये गये. जिन लोगों ने उस नजारे का देखा है वे स्वीकार करते हैं कि शंकरशाह और उनके साथी जब तोप के मुँह से बढाये गये तो उनके कोठों पर मुस्कराहट थी.

इतिहास लेखक सर जान के के अनुसार तात्याटांगे, जिनका असली नाम रामचन्द्र पार्यु अक्ष था, सन् 57 के स्वाधीनता संपाम के काबिल से काबिल सलाहकारों में से थे. आजादी की लड़ाई गुरू होने से लेकर अपनी फाँसी के दिन तक, यानी 18 अप्रैल सन् 1859 तक तात्या बिना कि और जीर विना थके अमेजी हुकूमत से मोरचा लेवे रहे. 17 जनवरी सन् 1859 को लन्दन टाइम्प ने लिखा था:—

नक्मों और बन्दों में सन बठारह सी सत्तावन

राजस्थान में सन् 1857 की आजादी की तहरीक के नेता आउवा जागीर के ठाकुर .खुशालसिंह थे. मारवाइ के उस सित्ते में, होली के मौक्षे पर, आउवा ठाकुर के यश-गान की पुरानी धुन अब भी सुनाई देती है:—

ढोल बाजे, थाली बाजे, भेलो बाजे बाँकियो, -अर्जट ने को मारने दरवाजे नाकियो, जुम्मे बाउवी, है को जुँमी भाउवी, बाउवी मुक्काँ में बाबो को,

25 अगस्त सन् 1857 को परनपुरा श्रीर डीसा की हिन्दुस्तानी फीजों ने बगावत करदी और मारवाड़ से होकर कृत शुरू किया. इन फीजों ने .खुराहा लसिंह का अपना नेता और कमाएडर बनाया. जीधपुर के राजा ने पोलिटिकल एजेंट, सर हेनरी लाटेन्स को कीजी मदद मेजी. देशभक्त ठिकानेवारों में आसाप-गूजर, आजनियावास, क्षांविया और भिवालिया और सामन्तों में मेशाई के सलु-म्बर व रूपनगर के सामन्तों ने .ख़ुशालसिंह का साथ दिया. जोधपुर का पालिटिकल एजेंट कैप्टेन मेरान .फीज लेकर बाडवा गया लेकिन मारा गया. अमेजी सेना ने बाडवा पर फिर धावा बोला लेकिन .खुशाल्सिङ के आगे उसकी एक न चलां. दुश्मन के दां ह बार सै निक काम आये. अग-रेजों की इस हार ने आउवा को सन् 57 के आजाद हिन्दुस्तान के नक्षशे में चमका दिया. अजमेर, नसीराबाद, नीमन और मक की छावनियों को हिन्दुस्तानी .फीजों ने आजादी का विगुल बजाकर आडवा की तरफ कूच किया. लेकिन इन .फीजों के पहुँचने के पहिले ही तीसरी बार के जबर्दस्त इमले में महाराजा जोधपुर की मदद से आडवा की पुरानी गढ़ी धूल में मिला दी गई. ,खुशहालसिंह ने जङ्गलों में पैठकर छापामार लड़ाई का तरीका अस्तियार किया. कोठारिया के रावत जोधसिंह ने .खुशहालसिंह का पूरा साथ दिया. राजस्थान के तत्कालीन चारण कवियों ने .खुराहालसिंह की कीर्ति को गाँव-गाँव में पहुँचा दिया. सन्हों का एक दोहा रेखें :--

विर रेण अदियाँ योगणो, नचपुर पूगो नाम, आउदो खुसियाल इल, गावै गाँमो गाँव.
.सुशालसिंह के साथ साथ जोधसिंह की भी तारीफ राजस्थानी किवयों ने गाई. बानगी का एक छुप्पय सुनें:—
मारे दोय अजंड खन मरधर रो कीनो, फिर फीजां बहुं और जोर अंगरेजां दीनो मगरा विच फिरतो, सहर सल्ह्यर आयो, स्वणां रावत सुणें, क्यन नराकार के वायो.
पलदिया देय दूजी दक्षा, स्वण सरव ही पलदिया!
इस श्रम सुमाल वांपा-तिलक, रावत जोचे राक्षिया.

لمامن اور چهادون مین سی انهاره سو ستاوی

راجہ ہواں میں سن 1857 کی آزادی کی تحریک کے ٹیٹا آؤوا چاگیر کے تھا خطہ میں اورا چاگیر کے آلیا خطہ میں اورا چاگیر کے تھا تھے۔ ماروار کے اس خطہ میں ایا مولی کے موقع پر' آؤوا ٹھاکر کے بھی گل کی پرانی دھی اپ

قدول باجه تهالی باجه بهداو باجه بانکیو، اجنت نے آو مارنے درراجه تا کور . جرنجه آؤرد ، فارد آرا جرنجه آؤرد ، آؤرد ملکال میں چارد آرا جرنجه آؤرد ، خرنجه آؤرد ،

21 اكست سن 1857 كو أيرنهرة أور قيسا كي هادستاني فوجوں قریدی اور ارواز سے هو کرکوپ شروع کیا، اِن فوجوں لے خوشحال سنکم کو اینا نیتا اور کمائڈربنایا ،جودھیور کے راجا نے یولیة کا ایجات سرهیاری لائینس[،] کو فوجی مدد بهیجی^ه ديهي بيعت ليكانيدارون أسوب مين كولو ألنياولس المييا اور بھنوالیا اور سامنتیں میں میواد کے سلومبر و روپ تار کے سامنتوں نے خوشحال سنتھ کا ساتھ دیا ۔ جودھپور کا پولیڈ کا ایجنث کیهتی میشی نوب ایکر آورا کیا لیکی مارا گیا . انگریزی سیالے آورا پر یور دھارا ہولا لیکن خرشحال سنکم کے آگہ اس کی ایک نے چلی ، دشمن کے دو ہوار سینک کام آنے ، انگریووں کی اِس هار نے آؤوا کو سور 57 کے آزاد هندستان کے نقشہ میں چدکا دیا . اجمیرا تصیرابادا نیمچ اور مگو کی چهاونیوں کی ھندستانی فرجوں نے آزادی کا بکل بیجا کر آؤوا کی طرف کوچ کیا ، لیکن اِن فوجوں کے یہوئنچنے کے پہلے ھی تیسری بار کے زبودست حمله مهن مهاراجه جودههور کی محد سم اورا کی یرانی گذمی دعول میں ملا دی گئی ، خوشحال سلک نے جنگارس میں یہا کر چھایا مار لوائی کا طریقه اختیار کیا ، کرتھاریا کے رارت جودہ سنکم نے خوشحال سنکم کا دورا ساتھ دیا ، راجستهان کے نتکالین چارن کویوں نے خوشتدال سنکھ کی کیرتی کو گاؤں گاؤں میں پہرنچا دیا ۔ اُنہیں کا ایک دوها ديكهيں :--

قهر ربي أريال يركني نديه پور پركو نام، آورو كهرسيال مل، كاوس كاس كام .

خوشحال سلام کے ساتھ ساتھ جودھ سلام کی بھی تعریف راجستھانی کویوں نے گائی ۔ بانکی کا آبک چھھٹ سلیں :—

مارے دویہ اُجنت کھوں مرو دھر روکیلو' پھر پھوجاں چھوں اُوردجور اُنکریجاں دینو۔ منکراں بھے پھر تو' سھر سلومبر آیو' سرونا رارت منیں' کتھی ٹرکار کے وابو۔ پلٹیا دیو دوجی دسا' سکا سرب ھی پلٹیا' کم دھھےکھو سال چانھا نلک'راوت جودھراُکھا۔ सगरे सिपहियों को पेदा जलेदी, अपने चवाई गुद्धानी, अरेद माँसी वाली रानी, , ख्व लड़ी मरदानी, खेद मोरवा भागे फिरंगी हूँ देहु मिलै नहिं पानी, अरेद माँसी वाली रानी, ख्व लड़ी मरदानी. उस जमाने के इसी तरह के एक गीत के बोल पर श्रीमती समदा कुमारी चौहान ने अपनी मराहर कविता लिखी हैं:—

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने सृकृटी तानी बी,
बूदे भारत में भी आई फिर से नई जवानी बी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
बूर फ़िरंगी की करने की सबने मन में ठानी थी,
बमक उठी सन स्थादन में वह तकतार पुरानी थी,
बुनदेते हर शेलों के मुख इमने सुनी कहानी थी,
बुन लड़ी मरदानी वह तो फाँसी वाली रानी थी!

इसी कविता के वजन पर एक दूसरे आधुनिक कवि ने कुँ अरसिंह पर एक तराना लिखा:—

मस्ती की थी खिड़ी रागिनी आज़ादी का गाना था! भारत के कोने कोने में होता यही तराना था! उथर खबी थी लक्ष्मीबाई और पेशवाः नाना था! इथर विहारी तीर बाँक्रका खबा हुआ मस्ताना था! अस्ती बरसों की हड़ी में आगा ओश पुराना था! सब कहते है कुँवर सिंह भी बका बीर मरदाना था!

1857 के कुछ बरस पहले राजस्थान की अद्बी या साहित्यिक दुनिया में बूँदी के महाकवि सूर्यमल भीसए सूरज की तरह चमक रहे थे, उन्होंने राजस्थान के राजाओं, सरदारों और जागीरदारों को जगाने के लिये अपनी मशहूर किताब 'बीर सतसई' की रचना की. सन् 1856 में उन्होंने एक ख़त में ठाकुर फूलसिंह को लिखा:—'''क्हारों बचन राज याद रखीगा कि जै अबके अंभेज रहयो तो ई' की गाया ही पूरों करसी. जमी को ठाकर कोई भी न रहसी. सब ईसाई हो जासी. तींसों दूरन्देसी विचार तो कायदों कोई कै भी नहीं, परन्तु आपएण आछो दिन होय तो विचार और राज जिसो सुहृत क्हारे होय तो बड़ाई तरीके लिखी जावे, तींस् योड़ी में बहुत जाए लेसी."

'बीर सतसई' में चन्होंने चेखीफ होकर राजाओं से कहा:---

> इक बंकी निया एकरी, भूती कुल सामाय, सूरों जालस ऐस में, जकज गुमाई जान.

यानी तुमने तो विदेशियों की फरमावरदारी को ही सब कुछ मान लिया. आजादी का अपना रास्ता भूलकर उनके बताये हुये रास्ते को ही अपना रास्ता समफ लिया. अरे भो शूरवीये ! तुमने आलस और ऐशो आराम में ही अपनी उम्र सो दी ! ارہ جہانسی والی رائی خوب اوی مردائی .

جورر مررچہ بھائے پورنکی دھوندھ ملے تاھیں پائی ارے جہانسی والی رائی خوب اوی مردائی .

ارے جہانسی والی رائی خوب اوی مردائی .

اس زمانے کے اِسی طرح کے ایک گیت کے پول پر شریمتی سناھاس علی آئی مشہور کویٹا لکھی ہے :—

سناھاس علی اُٹی راج ونشرس نے بھرکٹی تائی تھی اُئی پھر سے نئی جوائی تھی اُئی پھر سے نئی جوائی تھی اُئی دور فرنگی کو کرنے کی سب نے من میں نیائی تھی کرر فرنگی کو کرنے کی سب نے من میں نیائی تھی جمک اُٹھی سن ستاون میں رہ ناوار پرائی تھی کہنے ہمن جو لئی تھی کرنے ہمن میں زمانی تھی کرنے والی مردائی وہ تو جھانسی والی رائی تھی اِسی کویٹا کے وزن پر ایک دوسرے آلھرنک کوی لے کئور اِسی کویٹا کے وزن پر ایک دوسرے آلھرنک کوی لے کئور ایک ترانی تھی ایک درانے کہا ہے۔

مستی کی تھی چھڑی راگنی آزادی کا گاتا تھا ۔
بھارت کے کوئے کوئے میں ھوتا بھی ترابا تھا ۔
آدھر کھڑی تھی اعشمی بائی اور پیشوا ناتا تھا ۔
اِدھر بھاری ویر بالکرا کھڑا ھوا مستانا تھا ۔
اسی برسوں کی ھڈی میں جاگا جوش پرانا تھا ۔
سبکتے ھیں کنور ویر سنگھ بھی بڑاویر مردانا تھا ۔

7 18 کے تھے برس پہلے راجستہاں کی ادبی یا ساھتیک ٹیا میں ہوندی کے مہاکوی سویته ل بهیشن سورج کی طرح بمک رھے تھے ، اُنھوں نے راجستہاں کے راجاؤں' سرداروں' اور عاقیرداروں کو جگانے کے لیے اپنی مشہور کتاب 'ویرست سٹی' ی رچنا کی ۔ سن 1856 میں اُنھوں نے ایک خط میں ٹھاکر ہول سنتھ کو اکھا :—''۔۔۔۔۔مہارو وچن راج یاد راکھر گا کہ چا انگریز رهبؤتو اِس کو گابھی پورو کرسی ، جیس کو چا ایک کوئی بھی نہیں کو بادر کوئی کے بھی نہیں' پرنٹو اپنا برزندیسی وچارے تو فایدو کوئی کے بھی نہیں' پرنٹو اپنا آچھو دن ہوئے تو وچارے اور راجیت جسو سوعت مہارے ہوئے تو ہوائی ترمی کے لکھی جارے' تھسوں تھرڑی میں بہت جان برائی ترمی کے لکھی جارے' تھسوں تھرڑی میں بہت جان

وروست سلی، میں اُنہوں نے ببطوف ہو کر راجاؤں سے

اک دنعی کی ایکری' بهراء کل سابهاو' سوران آلس ایس میں' اکبے گماٹی آؤ ۔

یعلی تم نے تو ودیشیوں کی فرمانبرداری کو هی سب کچے ماں لیا ۔ آزادی کا اپنا راسته بهواکو آن کے بتائے ہوئے راستے کو هی اپنا راسته سحجے لیا ۔ ارب شور ویور ! تم نے آلس اور عیش و آرام میں هی اپنی عمر کیو دی !

करते हैं. उनके बिहार पहुँचने पर एक के बाद एक मराहूर कांगरेज़ कमान्डरों के मातहत अझरेजी सेनायें उन्हें हराने के लिये मेजी जाती हैं. कप्तान उनवर, मेजर आयर, मेजर मिलमैन, कर्नल डेम्स, लार्ड मार्क, जनरल लगर्ड, जनरल उगलस, और जनरल लीगेंड—सब को जिल्लत के साथ हारकर पीछे इटना पड़ा. इनमें से एक मोरचे का ज़िक करते हुये एक अंगरेज कमान्डर .खुद लिखता है—"इम मैदान झोड़कर भागे. कुँ घर सिंह पंछे से बराबर इमला करते रहे. इमारी जिल्लत की कोई हद नहीं रही, इमारी विपता का वारापार न रहा. इममें से किसी में शर्म तक बाक़ी न रही. जिधर जिसका सींग समाया वह उधर भागा. जाहिर है ऐसा रखबाँकुरा यहादुर बीर कित्यों का ध्यान अपनी तरफ खींचता. भोजपुरी में दर्जनों कित्ताएँ हैं जो कुँ घर सिंह पर लिखी गई है. कि बरेखावत के बाल देखें:—

जानत सकत जहान बाबू कुँ शरसिंह मरदान की, शिकावत कहत बसान जेहि विश्व सबयो फिर्रेग से.

चरवी के कारतूस का जिक करते हुये कुँ घर सिंह अपने भाई अमर सिंह से जो कुछ कहते हैं वह एक दूसरे कवि के बोल में देखें:—

लिख लिख पतिया के मेजलन , कुँ अरसिंह, ए सुन अमर सिंह, अमर सिंह भाय हो राग ! जमका के टोड़वा दाँत से हो काटे कि, खतरी के अरम नसाय हो राम !! बाबू कुँ अरसिंह औं भाई अमरसिंह, दोनों अपने हैं भाय हो राम ! बित्मा के कारन से बाबू कुँ अरसिंह, फिरंगी से रेड़ बदाय हो राम !!

बाबू कुँ बरसिंद की तरह सदारानी लक्ष्मीबाई भी पिछली एक सदी से आजादी के दीवानों के लिये उम्मीदों का सरचरमा साबित हुई हैं. रानी लक्ष्मीबाई ने मैदाने जक्ष में आठ आठ अंगरेजी सेनाओं का बहादुरी के साथ मुक्ताबला किया. एक तरफ मरहूर अंगरेज जनरैल और दूसरी तरफ बाईस बरस की रानी ! मगर उसने वह बहादुरी दिखाई कि बड़े से बड़े अंगरेज लूग्मा के दाँन खट्टे कर दिये. आखीर में ग्वा लियर के मैदान में रानी बढ़ते लढ़ते खेन रही मौत की देवी ने रानी के गले में क्यमाजा डाली. आरत. की विविध भाषाओं के कवियों को रानी ने अपनी ओर खाँचा है. बुँदेलखंड के गाँव-गाँव में चारणों और हरवोलों ने रानी की कीर्ति गाथा गई है. इनमें से एक गीत की लाइनें वे हैं:---

्ष्य सनी मरदानी, करे कॉंधी वासी रानी, इरमन हरजन तोचें समान दर्र, योसा नसाए आसमानी, करे फॉसी वासी रानी, ज्य सनी सरदानी, کرتے هیں ۔ آن کے بہار پہرتجتہ پر آیک کے بعد آیک مهمور آنکریز کانتروں کے ماتحت آنکریزی سینائیں آنھیں ہوآئے مهمور آنکریز کانتروں کے ماتحت آنکریزی سینائیں آنھیں ہوآئے کے لئے بھنچی جانی هیں ، کہتان ڈنور میجر آبر میجر ملمین کرنل ڈیمس ارد مارک جونل ایکرینڈ جرنل ڈائس آور جرنل لیکرینڈ سبب او ذات کے ساتھ عار کر پیچھے ہتا ہوا ، اس میں سے ایک مورچے کا ذکر کرتے ہوئے ایک انکریز کمانڈ خود کھکا ہے۔ ساتھ میدان چھر کر بھاگے ، کنبر سنکھ پیچھے سے برآبر حملہ کرتے رہے ، هماری ذات کی کرئی حد نه رهی ، هماری دات کی کرئی حد نه رهی ، هماری دیا کا جدھر جس کا سینگ سمایا وہ آدھر بھاگا ، طاهر ہے ایسا رن وارادار نه رها ، هم سے کسی میں شرم تک باتی نه رهی ، بانکوا بہادر ویر کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری میں درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری میں درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری دی درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری دی درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری دی درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری دیں درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری دیں درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری دیں درجنوں کویوں کا دھیاں آپنی طرف کیلینچکا ، بھرجھرری دیں درجنوں کویوں کا دیکھیں :۔۔۔

جانت حکل جهان بابو انور سلکه مردان کو^ا شکهارت کهت بهان جهان جهان کود

چربی کے کارتوس کا ذائر کرتے ہوئے کنورساٹھ اپنے بھائی آسر سنٹھ سے جو کنچہ کہتے ھیں وہ ایک درسرے کوی کے بول میں دیکھیں :—

یابو کنور سنته کی طرح مهاراتی اعشی بائی بهی پچهلی ایک صدی سے آزادی کے دیوانوں کےلئے امیدوں کا سرچشمہ ثابت ہوئی ھیں ۔ رائی اعشمی بائی فے میدان جنگ میں آئے آئے انگریزی سینائِں کا بہا رہ کے سانع مقابلہ کیا ایک طرف مشہور انگریز چرئیل اور درسری طرف انا کا برس کی رائی ا مار آس لے وہ بہادری دابائی کہ بڑے سے بڑے اماریز سورما کے دابت کیا کہ دریا ہوں گوائیر کے مددان میں رائی لوتے لوتے کیات رہی دوی نے رائی کے گلے میں چمالا تالی ، بہارت کی دویہ بہائی کی دویوں کو رائی نے اپنی آور کھینچا بہارت کی دویہ بہائی گئی اور میں چاروں آور ھربولوں نے رائی گھا کی کیدت کی لائنین یہ گئی کیدت کی لائنین یہ ایک کیدت کی لائنین یہ دیا ہیں ہے۔

خوب لڑی مرادئی' أرب جهانسی والی رانی' برجن برجن تو یس لگائد دئیں' گولا چلائد آسانی' أرب جهانسی والی رانی' خرب اوی مورائی . مکرت سهانسی والی رانی' خرب اوی مورائی . مکرت سهانهر کو پیزا جایمی' این چهائی گردهائی'

موس سے تمہارے یکا کو ہڑا رقیع ہوگا۔'' قل پرتاپ لے جواب دیا ہے۔ ''چاچا جی میں اُپنے یکا کو جانکا ہوں۔ میرے مرفے پر تبیس بلکھ میرے لوت جانے پر آئھیں دکھ عوگا ۔ آپ موہ میں پر کر مجھے فرض ادا کرنے سے نہ روکھی ۔'' یفکیکر وہ بہادر توجوان تلوار لیکر دشماوں پر قوت پرا اُور کرتے لڑتے ویر گئی پائی ۔ چاندے کی اِس مشہور لڑائی کا بکھان اُس کے سمام کے جن کوی پراگ نے اِس مشہور لڑائی کا بکھان اُس کے سمام کے جن کوی پراگ نے اِس جہدد میں گیا ہے۔'

شريمان لل برتاب چانده مين جريه رندهير هئ ہانکے بسلے بنص کے سنگ سری سیاھی ریر ہے ا يايو حكم جب لان كوا دهايو مني هے كال كوا لینر چہوں دس گہیر کے دینہر سمورچا بھیر کے ا بجهوا كتابي شال هـ، كر مين گهيو كروال هـ، لیار طملح تمک کے برچھی چھبرلمی کل ہے! مادهم بور رندههر هے، يهرب كيسريا جور هے، ماريو مرو ميدان مين مركبة تم مورجا وير ها إ گررے جها چهرن أور سا دهاوا كرين بهر جرر ساء تريس جنجالين چهنتين أرمي أنكنا سر كوتتين إ موهراً پريو پرتاپ کو اُر کين بيرن تاپ کوءُ أيسم يرتايي لال هے يرنگهو جو بهرن ال هے إ ہووشن بس<mark>ین</mark>ے ہنس کو چھوٹنا رھری مائنوھنس کو^ی حکمی رههو هنومنت کو چهایر سده شری کست کو [سو چلی گیؤ سر دهام کو کری گری جک قام کوا برداولي يه چهند هے كوبي يراك كرت يربنده هے [

سن 1857 کے سوادھینتا ساکرام کے مہارتھیں میں جادیھی پور کے اُسی برس کے باہو کنور سنک کا نام همیشم عوت سے لیا جائیگا ، جس سمئے داناپور کی هندستانی سینا جادیش پور پہوئنچی ہروقے کنور سلکھ نے فوراً اپنے محل سے ذکل کر اُس سینا كى كمان هانه سين ليه لي . أس دن سه ليكو 26 أيريل سن 8 19: تک یعلی اینی شاندار موت کے دن دک کنور سنکھ ایک فتصواب سیناپٹی کے روپ میں اُس انتاب کی جنگ میں حصه ليته هواء دنهائي ديته هين شاءايان أره أعظم گذه فازی ہور وجد کرنے ہوئے کلور ساکھ ریواں کی سرحد تک پہلے جاتے هين، أن كي إس وجيُّه بانرا سه بنارس مين بيتها عوا الرق كرنك گہیرا جانا ہے ، جبلہور کے راجہ شاعر شاہ کنور سنگ کا بھؤام ملتے هی میدان میں أدر آتے هیں . ریول کے کنور ، نکھ کالهی پېونىچة، ھيں . وھاں تاتياثري' لكشبى بائى' راؤ ماحب نانا علمب سے آن کی طاقات ہوتی کے . کالہی سے کلور سلکہ المهنع أتي هين. بيكم حضرت مصل سے ملقات كرتے هيں أور تب وایس آرة پهلچه هیں ، سیکوں میل کے اِس جنگی کویر میں انکریزی فرجوں کی مسانہیں ہوئی که یه کنرر سلکم سے مررچه لیں ، کنور سنک واپس بہار بہرنچکر دربارہ جادیمی پور پر تیفرہ

मौत से तुम्हारे पिता को बड़ा रंज होगा." लाल प्रताप सिंह ने जबाब दिया :—''वाचा जी, मैं अपने पिता को जानता हूँ. मेरे मरने पर नहीं बल्कि मेरे लीट जाने पर उन्हें दुख होगा. आप मोह में पड़कर मुम्ने कर्ज अदा करने से न रोकें." यह कहकर वह बहादुर नौजवान तलवार लेकर दुशमनों पर दूट पड़ा और लड़ते-जड़ते बीर गति पाई. चाँदे की इस मशहूर लड़ाई का बखान उस समय के जन किय प्राग ने अपने इस अन्द में किया है:—

श्रीमान जाल प्रताप चाँ र में जुर्यो रनधीर है, बाँ के विसेने वंश के संग में सिपाही वीर है! पायो हुकुम जब लाल को, धायो मनी है काल को, लीन्हों बहुँ दिसि घेर के दीन्हों समुरचा फेरि के! बिछु आ कटारी उ'ल है, कर में गह्यो करवाल है, लीन्हों तमंचा तमिक के बरखी खबीली काल है! माधी बहा रनधीर है, पिहरे के सिरया चीर है, मारयी मरो मैदान में मुरक्यों न मुरचा वंर है! गोरे मुके चहुँ शोर से, धावा करें बहु ज़ोर से, तोप जंजालें छूटतीं आरि अंगना सर कूटती! मुहरा परयो परताप को डर कीन बैरिन काल है! मूखन बिसेने बंस को छीना रहयो मानो हँस को, हुक्मी रहयो हनुमन्त को ध्यायो सदा श्रीकन्त को! सो बिला गयो सुरधाम को करिगयो जग में नाम को,

बिरुदावली यह धन्द है कवि प्राग करत प्रबन्ध है! सन् 1857 के स्वाधीनता सप्राम के महारथियों में जगदीशपुर के 80 गरस के बाबू कुँ प्रर सिंह का नाम हमेशा इष्जत से लिया जायगा. जिस समय दानापुर की हिन्दु-स्तानी सेना जगदीशपुर पहुँची बुढ़े कुँ श्रर सिंह ने फ्रीरन अपने महल से निकल कर इस सेना की कमान श्रथ में ले ली. उस दिन से लेकर 26 अप्रैज सन् 1858 तक. यानी अपनी शानदार मौत के दिन तक, कँअर सिंह एक फतहयाब सेनापति के रूप में उम इनक़ज़ान की जक्क में दिस्सा लेते हये दिखाई देने हैं. शाहाबाद, आरा, आजमगढ़, गाजीपुर विजय करते हुये कुँश्रर सिंह रीवाँ की सरहद तक पहुँच जाते हैं. उन ही इस विजय-यात्रा से बनारस में बैठा हजा लाई कैनिंग घवरा जाता है. अवलपुर के शता शंकरशाह कुँ अरसिंह का पैशाम मिलते ही मैदान में उतर आते हैं. रीवाँ से कुँ बार सिंह काल्यी पहुँ वते हैं. वहाँ तात्या टोपे, लक्ष्मी बाई, राव साहब, नाना साहब से उनकी मुलाकात होती है. काल्पी से कुँ अर सिंह लखनऊ बाते हैं. बेगम हजरत महल से मुलाक़ात करते हैं और तथ वापस आरा पहुँचते हैं. सैकड़ों मील के इस अज़ी कूव में अंगरेजी की जों की हिम्मत नहीं पड़ती कि वे कुँबर सिंह से मोरचा लें. कुँबर सिंह बापस विहार पहुँच कर दोवारा जगदीशपुर पर कड़जा

19 1

नवमों भीर छन्यों में सन भठारह सी सत्तावन

राजा बकानों में गोंडा के देवी बक्स महाराज रहे, असी वार जीरासी कीस माँ आको ढंका वाजि रहे! गोंडा से पाती में माँडी, काँसी के राजा रामकला, साथ हमारा दीत्र राजा, हमरे राज माँ जोर इला! कहीं कहीं का वर्षों साँहिया, कहीं कहीं बलते हाथी, देस-देस सौ गोंव-गोंव में, राजा लिख मेजी पाती!

यहद्म से भावन पहुँच गया मानो यकीन है, गोंडा सहर से फाँसी मंज़िल तीन है ! गोंडा सहर से पलटन चिलगे लमती कहें तकाय रहे, तम्मुक जगर तम्मू गिंदगी तम्मू-तम्मू छाइं रहे! जाय फ़ीज लमती माँ पहुँची मार-मार डिंडियाय रहे, पक्का यक-यक मन का गोला साँचा मांहि हराय रहे!

फ़ींत्र के मानसिंह भी तोप के पुरैया, दान तोप दइउ भस्र गरजे फांट सरारा नैया! हजतारों गोरा वहि गये चिलाते वष्या देख, भागरेज़ के नेम बोलो राजा भांनधिन तोरी मैया! भागि चलो बिलाइत साहब राजा से पार न पैया, भैया परमेसुर का लम्बा हाथ!

सन् 57 के इतिहास में कालाकाँकर की भी एक खास जगह है. जिस वक्त आजावी की जक्त चल रही थी काला-काँकर की हुकूमत राजा हनुबन्त सिंह के हाथों में थी. अवध के नवाब के यहाँ उनका खास मान दान था. एक ओर वह अंगरेजों के पक्के रात्र और बेगम हजरत महल के बफादार जागीरदार लेकिन दूसरी ओर उन्होंने 32 असहाय अंगरेज औरतों और बच्चों को अपने महख में शरण देकर उन्हें सुरक्षित इलाहाबाद भिजवा दिया. बेगम इज़रत महल ने राजा हनुबन्त सिंह के सुपुद किया कि जब अंगरेजी कीज सुजतानपुर से लखनऊ की ओर बढ़े तो राजा हनुबंतसिंह अमेठी की फीजों के साथ मिलकर उससे मोरचा लें.

राजा ह्नुवन्तसिंह के जेठे बेटे 26 बरस के लाल प्रताप सिंह कलाकाँ कर की सेना के सेनापित थे. राजा ने अपने बेटे को मोरचे के लिये रवाना किया. अपनी जवान बीवी भीर भाठ बरस के बेटे को छोड़कर प्रताप सिंह चले. उनकी अकेले जाते देखकर उनके चाचा माधो सिंह भी उनके साथ हो लिये. मुलतानपुर में चाँदा नामक मुकाम पर आंगरेजी फीज के साथ उनकी घमासान लढ़ाई हुई. उस लड़ाई का उस जमाने के एक कवि ने इन लफ्जों में जिक किया है:—

कालाकां कर के विसेनवा रे,

झंगरेजी फीज की तादाद बहुत प्यादा थी. हालत विगइती देसकर जाचा ने कहा—"बेटा ! मैं दुशमनों की बाद को रोकता हूँ तुम कालाकाँकर बापस चले जाओ, तुम्हारी

تظمور أو چهندون مين سن أنهارة مو ستاون

راجا بکھالو میں گوئڈہ کے دیوی یکس مہاراے رہے،

اسی چار چرراسی کوس ماں جاکو ڈنکا باج رہے،

گوئڈا سے پاتی گئی جھائسی' جھائس کے راجاۓ رام ﷺ

ساتھ ھمارا دیجے راجا' ھمرے راج ماں چور ہالا اِ

کھیں کھیں کا چلوں سائویا' کھیں کھیں چلتے ھائھی'
دیسی دیسی او کائی گائی میں'راجا لکھ بھیجی پاتی اِ

یدم سے دھاری پہرتھ گیا مانو یکوی ہے گوندا مہر سے جہانسی مازل تیں ہے!
گوندا مہر سے پلٹی جادکئے لمای ابھی تکائے رہے '
تمک ارپر تمو گزیکئے تمو تمو چوائے رہے!
جائے نوج امہای ماں پہونچی مار مار ذند یائے ہے '
مکا یک یک می کا گولا سانچا مانچی دھرائے رہے!

فرج کے ملی سنگھ اُو توپ کے پوریا' داکہ ترپ دبو اس کرچے پہائی جهرارا نیا اِ هجاروں گوارا یہی کے چلاتے بھا دیا' انہریج کئے نیم بواو راجا دھن دھن توری میا اِ

به ک چلے بالٹت صاحب راجا سے پار تم پیا، دیھا ۔ دیھا عام عاتم ا

سن 77 کے اِتہاس میں کلا کا نکر کی بھی ایک خاص
جکہہ ہے۔ جس وقت آزادی کی جنگ چل رھی تھی
کلاکا نکر آبی حکومت راجا ہنونت ساکھ کے ہاتھوں میں تھی۔ اردھ
کے نواب کے بہاں اُن کا خاص مان دان تیا ، ایک اُور وہ
انگویؤور کے یکے شارو اور بیام حضوت محل کے وفادار جاگیودار
لائی دوسری اُور انھوں نے 32 اسہائے انگریز عورتوں اور بیچوں
کو اپنے محل میں شرن دیکر اُنھوں سرکشت الدآیات بیچوا دیا ،
بیام حضوت محل نے راجا ہنونت سنگھ کے سوری نیا که جب
انگریزی فیے ساطانھور سے لکیلؤ کی اُور بڑھے تو راجا عنونت
سنگھ ادیاتی کی فرجوں کے ساتھ ماکو اُس سے مورچا لیں ،

راجا ھنرنت سلکھ کے جیاھے دائے 26 برس کے الل پرتاپ سلکے کلا کائکرکی سینا کے سیما باتی تھے۔ راجا نے اپنے بیائےکو مورچہ کے اللہ روالے کیا ، آپائی جواں بھوس اور آئے برس کے باللہ کو جاری ہوں اور آئے برس کے باللہ کو جاری کو اللہ جاتے دیکھ کر اُن کے چاچا مادہ و ساکھ بھی اُن کے ساتھ ھو لئے ، ساکانھور میں چاندا ناسک مقام پر انگریزی فوج کے ساتھ اُن کی گھماسان لرائی موٹے ، اُس توائی کا اُس زمانہ کے ایک کوی نے اُن لفظوں میں ڈائو کیا ہے :۔۔

الاانكو كے يسلوا دے ا چالدے الے بالسلوارے ا

انکریزی نرج کی تعداد بہت زیادہ تھی ، حالت بکوتی دیکھ کر چاچا نے کہا۔ " بیٹا ا میں دائمٹس کی باوہ کو روکنا میں تم کا کانکو واپس چلے جاؤ ، قمهاری

जै हैं पृट पृट सी तमाम तोप तोद्यालो, कुट जैहें काविल कमाल कीज बाना ते.

दृट जैहें देश को दिमारा, जोर छूट जैहें, लूट जैहें लाखन को माल तोप खाना ते.
भीन कि कइत खोदाय को ख़बर करी, पीछे पछतावरों खराब खून खाना ते, वैरिन की बनिता सिखावती एकान्त कन्त, कीजिए न रारि वेनीमाधव बक्स राना ते.

इंगरंज औरतें छपने पतियों को एकान्त में समकाती हैं कि--"साजन ! बेनीमाधो बक्स राना से लड़ाई न छें डिये!"

बेक्श्रागढ़ संडील। के नजदीक एक जागीर थी. गुलाव सिंह उसके दीवान थे. 1857 के इनक्षलाब के गुरू होते ही गुलाव सिंह नाना साहब से जा मिले कानपुर में उन्होंने नाना साथ अंगरेजों से लड़ाई लड़ी. किर अपनी कौज के साथ गुलाव सिंह ने लखनऊ में अंगरेजी कौज से मोरचा लिया. किरंगी उनके खून के प्यासे बन गये. एक दिन जब वे अपनी गढ़ी में लौटे तो अंगरेजी सेना ने उन्हें रातों रात आ घेरा. गुलाव सिंह ऐसे लड़े कि अंगरेजी कौज को पीछे हटना पड़ा. उनके उस युद्ध को एक किन अपनी जानदार किता में बयान करते हथे कहा है:—

गुलाब सिंह ऐसे लहे, जैसे लंका में लहे इतुमान!

शिकस्त खाई हुई अंगरेजी फीज फिर मोरचा-बन्दी करके बेरु आगढ़ आती है. अंगरेजी फीज का कमानदार गुलाब सिंह से बातें करना चाहता है. वह गुलाब सिंह को मिलने की दावत देता है. इस घटना पर एक किन के बोल हैं —

राजा गुलाब बिंह रहिया तोरी हेर्ड, एक बार दररा दिखावा रे! अपनी गड़ी से यह बोले गुलाब बिंह, धुन रे साहब मोरी बात रे! पैदल भी मारे, सवार भी मारे, मारी तोरी फ़ीज बेहिसाब रे! बाँके गुलाब सिंह रहिया तोरी हेर्ड, एक बार दरश दिखावा रे!

धमासान मोरचे के बाद रात के श्रेंधेरे में अपने एक बहादुर पासी साथी कल्यान का लेकर गुलाव सिंह ने गढ़ी छोड़ दी. बेरुशागढ़ के पीछे बाँस का घना धन था. वहीं से गुलाब सिंह जो गायब हुये तो फिर उनका पता नहीं चला.

राना बेनीमाधव सिंह और गुलाब सिंह की तरह गोंडा के राजा देवी बक्स सिंह भी इतनी बहादुरी के साथ अगरेजी सेनाओं से लड़े कि उन्होंने अपनी बीरता से जन-मन की मोह लिया. उनकी तारी क करते हुए एक समकालीन कि कहता है:— جئی هیں پہرت بہوت سی تمام توپ توروالوا کوت جئی هیں قابل کمال درج بانا تے ، اوت جئی هے دیش کو دماغ زور چبرت جئی هے ا لمت جئی هے لابی کو مال توشه خانا تے ، " بہوں کوی کہت خدائے کی خبر کروا پیچھے پچھناؤگے خراب خرن خانا تے ، بیدوں کی بنیٹا سامارتیں ایکانت کنت ا

کیجئے نہ وار بینی مادھو بکس رانا تے! انگریزی عورتھی اپنے پتیرں کو ایکانت میں ممجهاتی میں کئے۔۔''سلجن ا بیلی مادھو بکس رانا سے اواثی نہ جھیویٹے ا''

برواگذھ سنڌيئم کے نزديک ايک جاگير تبی ، گائب سنگه اس کے ديوان تھے ، 18 آ کے انقلاب کے شروع موتے هی گلاب سنگه اس کے ديوان تھے ، 18 آ کے انقلاب کے شروع موتے هی گلاب سنگه نانا صاحب سے جا ملے ، کائهور ميں اُنهوں لے نانا کے ساتھ انگریزوں فوج سے مورچه ليا ، قرنگی اُن کے خون کے بهاسے بن گئے ، ایک دن جب وے اپنی گذهی میں لوائد تو انگریزوں سینا نے اُنهوں رانوں راتوں راتوں راتوں اُنہوں ہے کہ پہنچھے رات آ گهروا ، گلاب سنگه ايسے لوے که انگریزی فوج کو پهنچهے ميں بيان کرتے هوئے کها سے دیا دار کويتا ميں بيان کرتے هوئے کہا هے :—

گلاب سنکھ ایسے لڑے' جیسے لکا میں لڑے ھنومان ا

شکست کھائی ہوئی آنکریزی فوج پہر مررچہ بادی کر کے ہرواگتہ آنی ہے انگریزی فوج کا کہ اندار گلاب سنگھ سے باتیں درنا چاہدا ہے وہ گلاب سنگھ کو صانے کی دعوت دیتا ہے ۔ اِس گھانا بر ایک کوی کے بول ہیں :—

رلجا گلاب سنگه رهیا تیری هیرون اک بار درش دنهاوا رس ا اپنی گذهی سے یه بوله گلاب سنگیا سن رسے صاحب موبی بات رسے ا پیدل بھی مارے سرار بھی مارے اوری نوج پیحساب رسے ا باتھے گلاب سنگه رهیا تیری هیرون ایک بار درش دکھاوا رسے ا

گہماسان مررچے کے بعد رات کے اندھیرے میں اپنے ایک بہادر پاسی ساتھی کلیاں کو لیکر گلاب سنکھ نے کدھی چھرز دی ، برراگڈھ کے پیچے بائس کا گہنا بن تھا ، وعیں سے جو گلاب سنکے غایب ہوئے تو پھر آن کا پتا نہیں چلا ،

رانا بینی مادھر سنکھ اور گلاب سنکھ کی طرح گونڈا کے والجا دیوی، بکس سنکھ بھی اِنٹی بہادروں کے ستھ انگریزی سیماؤں سے لڑے کہ اُنھوں نے اُپلی ویرنا سے جن من کو موھ ایا ۔ اُن کی تعریف کرتے ہوئے ایک سمکالین کوی کہنا تھ :---

नक्षीं और खन्तों में सन कठारह ही सत्तावन

रायबरेली जिले के इमीर गाँव का निवासी एक वूसरा कवि बजरंग प्रदासह राना की वारीफ में कहता है :--

दिम्मत हाकिम को हजारन में देखि आवी,
वेदिके हटायो अंगरेज हू सकाना है!
बाको तेज तीजन तपत महि मन्धल में
हरिये उल्लंक से न लागत ठिकाना है!
कहै बजरंग वैस वंश अवतंस ममो
कम्पनी विलाहत सकल विलालाना है!
मेक न देशना जीन सीन्द्रवी तोपलाना
बीर वॉधे वीर बाना वैसराना विरमदाना है!

वैसवाड़ा के इस वीर राना वेनीमाधव सिंह की शूर-वीरता की तारीफ़ करते हुये एक तीसरा कवि ज्वाकाराय कहता है:—

विष्ठका के चेले वैस सदत हैं अकेले फीजें आया सीना घेरे गोसा खुब ही बजायो है! मारे जरनैल भी कंडेलन को सीद कीन्हों, मारे कप्तान गोरा मेंट ही चढ़ायो है! राजन में राजा महाराजा वेनीमाधव वक्स, लानी है सबाई अंगरेज चित्र आयो है! कहत कि ज्यासाराय राजन को काम कीन्हों, विना अन्न पानी गोसा खब ही बजायो है!

अवध के कवियों की बानी, ऐसा मालूम होता है, मानो राना बेनीमाधव सिंह की तारीक करते हुये थकती नहीं. सर कालिन कैम्बेल की फीजों ने लखनऊ पर क़ब्ज़ा कर लिया था. बेगम हजरत महल ने आकर राना के यहाँ रारण ली. अपनी मलका महारानी को राना अगर रारण न देते तो दूसरा कीन देता ? सर कालिन ने राना की बहातुरी की तारीक करते हुये उनसे हथियार डालने के लिये कहा. यह भी बादा किया कि राना को उनकी सब जागीर लौटा दी जायगी मगर आजादी के उस दीवाने ने ब्रिटिश कमाण्डर-इन-चीक के इस पैराम को हिकारत के साथ दुकरा दिया. एक चौथा कि राना का गुनगान करते हुये कहता है:—

राना बहातुर सिपाही अवध माँ, धूम मनाई मोरे राम रे! लिख खिख चिठिया लाट ने मेजी, जान मिलो राना भाई रे! खंगी खिलत खन्दन से मैंगा दं, अवध मा स्वा बनाई रे! खबाब सवाब खिखा राना ने, इससे न करो चतुराई रे! खब तक प्रान रहें तन भीतर, तुम कन खोद बहाई रे!

वैसवारा के मशहूर किव भीन, जिनका जिक्र महाकवि 'निराला' ने अपने एक लेख ''भीनु किव'' में किया है 1857 में 32 बरस के थे. राना बेनीमाधव बक्स के वे साथी और क्रद्र दानों में से थे. राना की शूखीरता की तारीक करते हुने भीन लिखते हैं :—

لظمين أور عدور ميل سي الهارة مو حالهن

رائے بریلی فلع کے حمیر کان کا لولسی ایک دوسرا کہی بجرتگ برھربیت رانا کی تعریف میں کہنا تھ :--

همت کو حاکم هجان میں دیکھ آبو
کھید کے مقابر آنکریم هو سکانا هے!
جاکو تیم تیکھن تہت بھٹی مقتل میں
هریکے آلوک سے نہ لاگت ٹیکاٹا ہے!
کہے بجونگ بیس باهی آوتنس بھیڈو
کمینی بالثنت سئل بلانا هے!
نیک نہ قرانا چینی لینہیو تریکھانا
بیر باندھییر بانا بیسرانا برسرانا ہے!

بیسواوہ کے اِس ویر رائا بینی مادھ سنٹھ کی شور ویرتا کی تعریف کرتے ہوئے ایک تیسرا کہی جوالا رائے کہنا ہے ہے۔

چندیکا کے چیلے بیس ارتے ہیں اُدلے اوچے
آیا لینا گھیری گولا کہرب ہی بنجابو ہے و
مارے جرنیل او کندیل کو کید کینیوا
مارے کہان گورا بینت ہی چرعابو ہے ا
راجی اور راجا مہاراجہ بینی مادھو بکس
لری ہے لوائی انکریز چرعیابو ہے ا
کہت کوی جوالا رائے راجی کو کلم کینیو
جانا اُن پانی گولا کہرب ہی بنجابر ہے ا

اودھ کے کوبوں کی بائی 'ایسا معارم ہوتا ہے' مائو رائا بیٹی مادہ و سنگھ کی تعرف درتے ہوئے تھکتی تھیں ، سرکائی کیمبل کی فوجوں نے لکھنؤ پر قبضہ کر لیا تھا ، بیکم حضرت معدل نے آگر رائا کے یہاں شرن لی ، اپنی ملکت مہاراتی کو رائا اگر شرن نہ دیتے تو دوسوا کون دیتا آؤ سرکائی نے رائا کی بہادری کی تعریف کرتے ہوئے اُن سے متیار ڈالنے کو کیا ، یہ بھی وعدہ کیا کہ رائا کو اُن کی سب جاگیر لوٹا دی جائیگی مگر آزادی کے اِس دیوائے نے برٹھ کمائڈر۔ اِن-چدف کے اِس دیفام کو حقارت کے ساتھ ٹھکرا دیا ، ایک چوتھا دوی رائا کا گن کان کرتے ہوئے کہنا ہے :۔۔

رانا بهادر سیاهی آوده ما دهرم صحیائی مورد رأم رسا ا که که چتهیا لات نے بهرجین آبی ملو رانا بهائی رسا ا جدائی کیلت لندن سے ملکادوں اوده ما صوبا بنائی رسا ا جواب سوال لکیا رانا نے هم سے نم کرو چکرائی رسا ا جب تک پران رهیں تی بهیتر کم کی کهود بهائی دھا!

بیسوارہ کے مشہور کوی بھوں' جن کا ذکر مہا کوی اترالا' لیے اپنے ایک لیکھ ابھونو کوی' میں کیا ہے 1857 میں 32 ہوس کے تھے ۔ رانا بینی مادھو بکس کے رسے ساتھی اور قدردائوں میں سے تھے ۔ رانا کی شور ویرتا کی تعریف کرتے ہوا۔ بھوں لیکھ ھیں :۔۔

इस स्नीकनाक .जुल्मा-सितम के बाद शहले बतन की जो कैफियत हुई उसे बयान करते हुये दाग्र कहते हैं:--

.जमीं के हाल पै अब आसमान रोता है: हर इक फिराक़े मकीं में मकान रोता है! बरंगे वृष् गुल अहले चमन, चमन से चले; ग्ररीब छोड़ के अपना बतन, बतन से चले; मुकामे अम्न जो ढूँढ़ा तो राह भी न मिली; ये कहर था कि .खुदा की पनाह भी न मिली! दिल्ली के वीराने को बयान करते हुये हज्रते दाग की आखरी नजम है: -

ये वो जगह है जहाँ बैकसी भी हर जाये; ये वो जगह है अजल लोफ खाके मर जाये। कहाँ तक आह लिखूँ इसका हाले बरबादी; जिखूँ कहाँ तलक इस आसमाँ की जहादी! किसी को कैंद मेहन से नहीं है आजादी; कि दारा दारा है हर दिल हरेक फरियादी!

खर्दू. जुवान के उस वक्त के और मी बहुत से शायरों ने 1857 पर अपने जज़बात का इजहार किया है. हमने तो सिर्फ नमूने के तौर पर यहाँ ये चन्द्र कलाम पेश किये हैं.

(2)

जिस तरह दिल्ली की वीरानगी ने उद्दे के मशहूर शायरों के दिलों में एक दर्व और तड़प पैदा की वैसे अवध में स्वतंत्रता की लड़ाई हिन्दी के महाकवियों की भावनाओं को न खूसकी. हाँ गाँव के किन का दिल सूरमाओं की बहादुरी और आजादी की तड़प को देखकर भचल पड़ा. उसने शंकरगढ़ के बहादुर राना बेनीमाधव सिंह, गोंडा के राजा देवी बक्स सिंह, राजस्थान के सुजान सिंह, सँडीला के गुलाब सिंह, जगदीशपुर के बाबू कुंश्वर सिंह और माँसी की रानी लक्ष्मी बाई को झन्दों का हार पहनाया.

बीरता और शूरता के इन गीतों का सबसे बड़ा ख़जाना हमें अवध में मिजता है. राना बेनीमाधव सिंह की गिनती सन् सत्तावन के बड़े से बड़े वीरों और शहीदों में की जाती है. दुलारे अपनी अटपटी बानी में राना की तारीफ करते हुये कहता है:—

श्रवध मा राना भयो मरदाना !

पहिल लक् ई मई वक्कर मा सेमरी के मैदाना, उहाँ से कूच भयो पुरवा को तवे लाढ घवराना! नक्का मिले मानसिंग मिलिंगे मिले सुदर्शन काना, लग्नी वंश एक ना मिलिंहे जाने सकल जहाना! भाय, मनीज भी कुदुम्ब-कवीला सबको करीं सलामा, तुम तो जाय गोरक ते मिलिंगे इमह को मगधाना! हाथ में माला बगल सिरोही घोषा बलै मस्ताना, कहे दुलारे सुनु पिय प्यारे राना उत्तर कियो प्याना!

اِس کارفناک طلم و ستم کے بعد اعل رطان کی جو کھایت هوائی آنه بیان کرتے هوائے داغ کہتے هیں :---

> زمیں کے حال پہ اب آسدان روتا ہے! مر ایک فراق سمیں میں مکان روتا ہے! برنگ بوٹے گل اهل چدن' چدن سے چلے؛ فریب چھوڑ کے اپنا وطن' وطن سے چلے! مقام اس جو تھونڈا تو راہ بھی نہ ملی؛ یہ تیر تیا کہ خدا کی پناہ بھی تہ ملی!

دلی کے ویرائے کو بیان کرتے ہوئے حضرت داغ کی آخری تعام ہے:--

یہ وہ جکہہ ہے جہاں بیکسی بھی در جائے؟

یہ وہ جکہہ ہے اجل خوف کھا کے مر جائے!

کہاں تک آہ لکھوں اِس کا حال ہربادی؟

لکھوں کہاں تلک اِس آسماں کی جالدی!

کسی کو قید معدن سے نہیں ہے آزادی؛

کد داغ داغ ہے عور دل عور ایک فریادی!

اُردو زبان کے آمی وقت کے اور بھی بہت سے شاعروں نے 1857 پر اپنے جذبات کا اظہار کھا ہے ، ہم نے تو صرف اسونے کے طرر پر یہاں یہ چلد کلم پیش کئے میں ،

(2)

جس طاح دای کی ویرائکی نے آردو کے مشہور شاعروں کے داہی میں ایک درد اور ترپ پیدا کی ریسے آودھ میں سینئترتا کی ریسے آودھ میں سینئترتا کی اوائی ھندی کے مہاکویوں کی بھارتاؤں کو نع چھو سکی ، مان کوں کے کوی کا دال سورماؤں کی بھادری اور آزادی کی ٹوپ کو دیکھ اور محچل ہوآ ، اُس نے شاکرگتھ کے بھادر رانا بیالی مادھو سائھ گونڈا کے راجا دیوی بکس سائھ راجستھاں کے سجان سائھ گونڈا کے راجا دیوی بکس سائھ راجستھاں کے سجان سائھ سائھ کے جادیفر پورکے باہو کاورسائھ اور جھانسی کی رائی لکشمی بائی کو چھادوں کا ھار پھایا ۔

ویرتا اور شورتا کے ان گیتوں کا سب سے بڑا خوانہ ھیں اور میں ملتا ہے ۔ رانا بینی مادھو سنگھ کی گنتی میں سٹاون کے بڑے سے بڑے ویروں اور شہددوں میں کی جا تی ہے ۔ دلرے اپنی اثباتی بانی میں رانا کی تعریف کرتے ہوئے کہتا ہے ۔

اوده ما رأنا يهيو مردانا 1

پہلی اُوائی بھئی بعس ماں سمری کے میدان؛ اُھاں سے کوچ بھٹیو پروا کو تبد لات گہرانا اِ نکمی ملے مان سلکے مل کے ملے سنرشن کانا؛ چھٹری باش ایک تامیائے جائے سکل جہانا اِ بھایہ؛ بھٹیج او کٹمپ کبھا سبکو کروں سلاما؛ تم تو جائد گرون نے ملائکے هم هو کا بیکوانا اِ ھاتھ ما بھالا بکل سروهی گھروا چلے مستانا ؛ کہد دائرے میں پید پھارے والا اُتر کھو بیانا اِ

नवमा और अन्यों में सन अठारह सी सत्तावन

दिल्ली शहर की चद्वियात और शायराना महिकत पर इसरत उँढेलते हुये हाली कहते हैं:—

कभी पे इस्मो हुनर घर था सुम्हारा दिस्ती; हमको भूले हो तो घर भूल न जाना हरिगज! शायरी मर खुकी अब जिन्दा न होगी यारो; याद कर करके उसे जी न कुढ़ाना हरिगज! गालियो शेफ्तओ नंथ्यरो आजुदौ-ओ जौक, अब दिखायेगा ये शक्तें न जमाना हरिगज! बद्मे मातम तो नहीं, बज्मे सलुन है हाली; याँ मुनासिब नहीं रो रोके हनाना हरिगत!

दाग़ और 1857

महाकवि दारा, जो सन् 1857 में कुल छन्बीस बरस के नीजवान थे और जिन्होंने दिल्ली का बनाव-सिंगार देखा था, और जिनके देखते देखते दिल्ली एक उजड़ा द्यार बना दी गई, दर्द से भरकर कहते हैं:—

.फलक ज्मीने मलायक जनाव थी दिल्ली, बहिश्तों खुल्द में भी इन्तखाब थी दिल्ली! जबाब काहे को थी लाजवाब थी दिल्ली! मगर खयाल से देखा तो छवाब थी दिल्ली! ये शहर वां है कि हिन्दोस्तान का दिल था; ये शहर वह है कि सारे जहान का दिल था!

मगर दिल्ली जब उजज़ादयार बन गई तो दाग्र करमाते हैं:-

> खुदापरस्ती के बदले जफा परस्ती है; जो मालेमस्त थे श्रव उनको फाक़ मस्ती है! बजाय श्रवे करम मुफ़ लिसी बरसती है; बतंग जीने से हैं ऐसी तंगदस्ती है!

इस मुक्त लिसी के लिये कलक पर इजजाम मदते हुये वारा करमाते हैं:-

फलंक ने कहरो राज्य ताक-ताक कर डाला; तमाम परदण नामूम चाक कर डाला! यकायक एक जहाँ का हलाक कर डाला; ग्ररज कि लाख का घर उसने खाक कर डाला!

इस सब कैंकियत के लिये सितमगर के ज़ुरुमो-सितम को इसरत के साथ बयान करत हुये दारा कहते हैं:—

> खिलाया जहर सितमगर ने पान के बदले; पिलाया खूने जिगर पेचवान के बदले! नसीब दार हुई है निशान के बदले; मिला न गोर गढ़ा भी मकान के बदले! .जुबाने तेरा से पुरशिश है दादखाहाँ की; रसन है, तीक है, गरदन है बेगुनाहों की!

فطمون أور جهاجي مين عنى ألهاره سو سكاري

دای شهر کی افتیات اور شاعرانه معمل پر حسوت اُلگیایی هوانه حالی کیتے هیں بند

کبھی آسے علم و هنر گهر تھا تمہاراً دلی ؛
همکو بهولے هو تو گهر بهول نه جانا هرگو إ
شاعری مر چکی آب زندہ نه هوگی باروا
یاد کو کو کے آسے جی ته کوهانا هرگو إ
غالب و شیفته و تهر و آزردهٔ و ذرق؛
آب دیمائے کا یہ شکلیں نه زمانه هرگو ا
بزم ماتم تو نہیں بزم مستخی هے حالی؛
یاں سنامب نہیں رو رو کے روانا هرگو ا

داغ ار 1867

میا کومی داغ جو سن 1857 میں کل چیبیس برس کے توجوان تھے اور جانی تھے اور جانی کے دیکھتے دیکھت

قلک زمین ملانک جناب تهی دلی :

بههت و خدد میں بهی انتخاب تهی دلی !

چواب کا ها کو تهی الجواب تهی دلی !

مکر خیال سا دیکها نو خواب تهی دلی !

یه شهر وه ها که هندوستان کا دل تها !

یه شهر وه ها که هادوستان کا دل تها !

یه شهر وه هاکه ساره جهان کا دل تها !

معر دلی جب اجزا دیا ہی کئی تو داغ فرماتے ہیں :-

خدارسکی کے بدلے جفا پرسٹی ہے؛ جومال مست تھاب آفتو فادہ مستی ہے! بجائے ابرکرم مناسی برستی ہے؛ بتنگ جینے سے میں ایسی ننگرستی ہے!

اِس مناسی کے لئے فک پر انوام موسلے موٹے داغ فرماتے میں است

فلک لے قہر و غضب تاک ناک کر ڈالاؤ تمام پردگ نامرس چلک کر ڈالا ا یکایک لیک جہاں دو ملاک کر ڈلاؤ غرض که لاکم کا گھر اس نے خاک کر ڈالا ا

اِس سب کیفیت کے اللہ ستمکر کے ظلم و ستم کو حسرت کے ساتھ بیان کرتے ہوئے دائے کہتے ہیں :---

کھایا زدر سکمکر نے ہاں نے کے بدلے؛ پلا یا خوں جگر پیچواں کے بدلے! نصیب دار ہوئی ہے نشان کے بدلے؛ ملا نہ گرر گوٹا بھی مکان کے بدلے! زبان تبخ صپرشش ہےداد خواہوں کی؛ رسن ہے؛طرق ہے؛گردن ہے ہےگناموں کی! प्लीक जिसको कहें को मक्ततल है;
सर बना है नमूना जिन्दाँ का!
शहर देहली का जरी जरी काक;
तिश्नए खूँ है हर मुसलमाँ का!
कोई वाँ से न आ सके याँ तक;
आदमी वाँ न जा सके याँ का!
मैंने माना कि मिल गए फिर क्या;
बही रोना तनो दिलो जाँ का!
गाह जलकर किया किये शिकवा;
सोजिशे दाराहाय पिनहाँ का!
गाह रोकर कहा किये बाहम;
माजरा दीदहाए गिरियाँ का!

दिल्ली के करले आम पर हसरत का इज़हार करते हुये ग्रालिब ने लिखा है:—

एक बहले द्देने सुनसान जो देखा क्रफ्स; यूँकहा आतो नहीं क्यों अब सदाये अन्दलीब ! बालो पर दो चार दिखला कर कहा सय्याद ने; ये निशानी रह गई है अब बजाये अन्दलीब !

हाली और 1857

सालिय के शागिद मीलाना अस्ताफ हुसेन हाली, जो पहले 'रीफ्ता' की शागिदीं में ये और 1857 में 21 बरस के थे, दिस्ली को मरहूम या स्वर्गीय का ख़िताब देकर शायरों से कहते हैं :—

जितने रमने थे तेरे हो गए वीराँ ऐ इरकः; श्राके वीरानों में श्रव घर न बसाना हरगिज! श्रूव सब कर गये दिल्ली से तेरे क़द्रशनास; क़द्र याँ श्राके श्रव श्रपनी न गँवाना हरगिज! तजांकरा दिल्लिए मरहून का ऐ दोस्त न छेदः; न सुना जायगा हमसे ये किसाना हरगिज! दास्ताँ गुल की खिजाँ में न सुनाए बुलबुल; हस्ते हसते हमें जांलिम न कलाना हरगिज!

आबादियाँ गिराकर दिल्ली को नीराना बना दिया गया. कला और अदब की नायाब यादगारें भूल में मिला दी गईं. इस कैफियत का चश्मदीद हाल बयान करते हुये हाली लिखते हैं:—

लेके दारा आएगा सीने पे बहुत ऐ सय्याद; देख इस शहर के खँडहर में न जाना हरगिज! चप्पे चप्पे पे हैं याँ गौहरे यक्ता तहे खाक; दमन होगा कहीं इतना न खजाना हरगिज! वो तो भूले थे हमें हम भी उन्हें भूल गये; ऐसा बदला है न बदलेगा जमाना हरगिज! जिसको जरुमों के हवादिश्व से अखूता समम्भें; नखर आता नहीं कोई भी धराना हरगिज!

چوگ جس کو کہیں وہ مقال ہے؛

سو ہنا ہے نمونہ زنداں کا اِ
شہر دھلی کا فرۃ ذرہ خاک؛
تشنئہ خوں ہے ہر مسلماں کا اِ
کوئی واں سے نہ آسکے یاں تک؛
آدسی واں نہ جا کے یاں کا اِ
میں نے مانا کہ مل گئے پھر کیا؛
وہی رونا تی و دل و جاں کا اِ
کاہ جل کر کیا کیئے شہوہ؛
سوزش داغھائے پنہاں کا اِ
کاہ روکر کیا کئے باعم؛
ماجرا دیدھائے گریاں کا اِ

ایک اهل درد نے سنسان جو دیکھا قفس؛ یوں کھا آتی نہیں کیوں آپ صدائے عندلیپ ! بال و پر دو چار دیکھ کر کھا صیاد نے؛ یہ نشانی رہ گئی ہے آپ بجائے عندایپ !

ار 1857 ما

الب کے شاگرد مولایا الطاف حسین حالی' جو پہلے 'شیفتہ' گردی میں تھے اور 1857 میں 21 برس کے تھے' دلی کو یا سورگیہ کا خطاب دے کر شاعروں سے کہتے عیں : ۔۔

جتنے رمنے تھے ترے ھو گئے ویراں لے عشق؛
آکے ویرائوں میں اب گھر نہ بسانا ھرگز!
کوچ سب کرگئے دائی سے ترے قدرشناس؛
قدر یاں آکے اب اپنی نہ گنوانا ھرگز!
تذکرہ دلئی مرحوم کا لے دوست نہ چھیڑ؛
نہ سنا جائے کا ھم سے یہ فسانہ ھرگز!
داستاں کل کی خواں میں نہ سنائے بلبل؛
هلستے هلستے همیں ظائم نہ روانا ھرگز!

ہادیاں گرا کر دای کو ویرانہ بنا دیا گیا ۔ کلا اور اُدب کی ۔ یادگاریں دمول میں ملا دی گئیں ۔ اِس کفیت کا چثم ۔ ال بیان کرتے ہوئے حالی لکھتے ہیں : —

لے کے داغ آئیکا سینے یہ بہت اے صیاد ؛
دیکھ اِس شہر کے کھندر میں نہ جانا ہرگز !
چھت چھت یہ ھیں یاں گرھر یکتا تم خاک ؛
دفن ھرکا کہیں اِنکا نہ خزانہ ہرگز !
رکا تو بھرانے تصھیں ہم بھی اُنھیں بھراں گئے ؛
ایسا بدلا ہے نہ بدلے کا زمانہ ہرگز !
جسکو زخموں کے حرادث سے اچھرنا سمجھیں ؛
نظر آنا نہیں کوئی بھی گورانا ہرگز !

いんきょう いっかいしゅう ないまつ 節間をかける

भी नहीं था. उन्होंने बड़ी इसरव के साथ अपने दाहिने हाथ की हथेली को देखकर कहा :--

> फूल लाया है माली डाली में; कुछ लकीरें हैं दस्ते खाली में!

अपने महान मुराल पूर्वजों के बढ़प्पन का अहँसास बहातुरशाह के दिल में था. वह अपने की मुराल सल्तनत की एक दूदी हुई क्रम की तरह मानते थे. इस ख़याल को जाहिर करते हुये जकर ने लिखा है:—

वो जो दूरी क्रम का था निशाँ उसे ठोकरों से मिटा दिया ! एक जगह दिखी की आजादी और बरबादी का चित्र खींचते हुये उन्होंनेलिखा है :—

पसे मर्ग मेरे मजार पर जो दिया किस् ने जला दिया; चसे बाह दामने बाद ने सरे शाम से ही बुमा दिया! कितनी हसरत है इस कलाम में! 1857 के बाक्रयात पर बहादुरशाह की नजमों से काकी रोशनी पड़ती है. खपने पुरदर्श हकीकरों हाल के बारे में वे खुद कहते हैं:—

न पूछ मुमसे 'जकर' मेरी तू इक्षीकरी दात; अगर कहुँगा अभी तुमको में बला दूँगा!

लेकिन दिल के दर्द से कोई यह न समभे कि उनमें वहादुरी की कमी हो गई थी, ने दुश्मन की संविद्यालि के मुतास्किक कहते हैं:—

बेबका तुमसे शिकायत है सितम की बेजा; कीजिये उससे जो आगाह बका से कुछ हो! सर रहे या न रहे जान बचे या न बचे; मुँह न मोड़ेंगे तेरी तेरो जका से कुछ हो!

सन् 1857 में दिल्ली की जो कैश्वियत थी इस पर शहनशाह के कुछ शेर ये हैं:---

आज देहली में को उसकी अजब सैर हो गई; तलबार चलते चलते रही .खैर हो गई! काबा के सिम्त हमने किया मुँह पए नमाक; बरगश्ता नी अत अपनी सूए दैर हो गई! बेगानगी का दिल के गिला क्या है इश्क में; जब जान भी न अपनी रही गेर हो गई! आशिक को जब दिखाई किरंगी पिसर ने ताप; पाया न कुछ बो कहने कि बस कैर हो गई! जंजीर हर गई मेरी बहशत से क्या 'जकर'; जल्दी अलग को चूम के जो पैर हो गई!

गालिय और 1857

दिस्ती में सास तौर पर मुसलमानों के ऊपर जो जुस्म ढाये गये उनका जिक अब शायरों के सरताज शालिब से सुनें, जो सन् 1867 में पूरे साठ बरस है थे :--- تطمول أور جهادول مين سن ألهارة مو متاويل

یعی نہیں تھا ۔ آنھیں نے بڑی حسرت کے ساتھ آپنے داھتے عاتم کی عتبیلی کو دیکھ کر کیا :۔۔۔

پہول الیا ہے مالی ڈالی میں؛ کچھ لکیریں ہیں دست خالی میں إ

اپنے مہاں مغل پوروجوں کے ہویں کا احساس بہادر شاہ کے دل میں تھا ۔ وہ اپنے کو مغل سلطنت کی آیک ٹوٹی ہوئی قبر کی طرح مانا ہے ۔ اِس خیال کو ظاہر کرتے ہوئے ظاہر نے لیما ہے :۔۔۔

وہ جو ٹرٹی قبر کا تھا۔ نشاں آھ ٹھرکررں سے مٹا دیا۔ ا ایک جکه دلی کی آزادی اور بربادی چتر کا کھنچتے عوثے آنھوں نے ایکا ہے:۔۔۔

پس مرگ میرے مزار پر جو دیا کسو نے جلا دیا؟

اسے آد دامن باد نے سر شام ھی سے بعجا دیا!

کتئی حسرت ہے آس کام میں 17 (18 کے راتعات پر
بہادرشاہ کی تظمرن سے کامی روشنی پڑتی ہے، اپنے پر دری حقیقت
حال کے بارے میں وے خرد کہتے ھیں :---

نه پوچه مجهسه اظامرا میری تو حقیقت خال؛ اگر کهرنگا ایهی تجه کو میں راندرن گا!

لیکن دل کے درد سے کوئی یہ نہ سمجھے کہ آن میں بہادری کی کئی ہو گئی تھر ، وسے دشمن کی سنکدلی کے متعلق کہتے ھیں :---

> پرونا تجهسے شکایت هے ستم کی پرجا؟ کیجئی اُس سے جو آگاہ ونا سے کچھ ہو إ سر رشے یا نه رهے جاں بچھے یا نه بچھ؟ منه نه مرزینگ توی تینے جفا سے نچھ ہو إ

سن 1857 میں دلی کی جو کینیت تھی آس پر شہاشاہ کے کچھ شعر یا عین :-

آج دعلی میں جواسکی عجب میر هوگئی ا تلوار چلانے چلتے رهی خیر هو گئی ا کبیعہ کے سمت عملے نیا منہ پائٹ نمار ا برگشتہ نہت اپنی سوئے دیر هو گئی ا بیگانکی کا دل کے کلم کیا ہے عشق میں ا جب جان بھی نام آپلی رهی غیر هو گئی ا عاشق کو جب دکھائی فرنکی پسر نے توہا پا با تا کچے وہ کہنے کہ بس نیر هو گئی ا زنجیر تر گئی میری وحشت سے کیا اظفرا جلدی الگ وہ چوم کے جو پیر هو گئی ا

فالب أور 1857

دلی میں خاص طور پر مسلمانوں کے اوپر جو ظلم قطانے گئے اُن کا ذکر اب شاعروں کے سرتاج غالب سے سلیں جو سی 1857 میں پرنے ساتھ برس کے تھے:-- कफ़स में है क्या फायदा शोरो गुल से; बसीरो करो कुछ रिहाई की बातें! 'जफर' अब जमाना बुरा आ गया है; जिधर देखां हैं वाँ बुराई की बातें!

फ़ीज के कमानदारों ने जब एक दूसरे पर तोहमतें मदनी शुरू की तो उन्हें नसीहत देते हुये शहनशाह ने कहा:--

> न थी हाल की जब हमें श्रपने खबर; रहे देखते श्रीरों के ऐवा हुनर! पड़ी श्रपनी बुराइयों पे जो नजर; तो निगाह में कोई बुरा न रहा! 'जकर' श्रादमी उसको न जानियेगा; वह हो कैंसा ही साहिबे फ़्हमो ज़का; जिसे ऐरा में यादे खुदा न रही! जिसे तैश में ख़ौफ़े ख़दा न रहा!

14 सितम्बर 1857 के बाद दिल्ली की जनता पर इतने सितम ढाये गये कि बहादुरशाह का किव हृद्य भी ग्रम से चाक चाक हो गया. मुसलमानों की तो खास तौर पर खोज खोजकर सूली पर लटकाया जाता. एक नषम में शहन्शाह ने उसे यूँ बयान किया है:—

गई यक्षयक जो इवा पलट, निहं दिल को अपने करार है; कह राम सितम का मैं क्या बया, मेरा सीना राम से किगार है. ये रियाया हिन्द तबाह हुई, कहो क्या न इनपे जफा हुई; जिसे देखा हाकि में बक्त ने, कहा ये भी काबिले दार है! कहीं पेसा भी है सितम सुना, कि दी फाँसी लाखों, को बेगुनाह, बक्ने कलमा गोयों के तर्फ से, अभी दिल में उनके गुबार है!

जंगे आजादी के सबसे बड़े नेता की हैसियत से शहन्शाह बहादुरशाह को आजादी की सबसे भारी क्रीमत खुकानी पढ़ी. शहन्शाह के 24 बेटे और पोते क़स्ल कर दिये गये और उनके सर .खूनी दरवाजे पर लटका दिये गये. उन सब दर्बनाक घटनाआं पर अपने दिल की केंक्रियत शहन्शाह ने यूँ बयान किया है :—

रिन्द हूँ मैं या जाहिद हूँ, या सूफी हूँ या मैकरा हूँ; आलिम हूँ या जाहिल हूँ, या मोमिन हूँ या तरसा हूँ! कैसा रंज व. कैसी राहत, किसकी शादी किसका राम; ये भी नहीं मालूम मुक्ते, मैं जीता हूँ या मरता हूँ!

शहन्शाह बहादुरशाह, उनकी चहेती बेगम जीनत महल और युवराज जवाँबस्त को क्रैद करके रंगून भेज दिया गया. वहाँ बेहद ग़रीबी में शहन्शाह को अपने आखरी दिन काटने पढ़े. रंगून में उनकी 83वीं सालगिरह के दिन एक माली तोहफें के, तौर पर फूलों की डाली सजा कर लाया, शहन्शाह के पास इनाम देने के लिये अब قلش میں ہے کیا تاثیہ شیر و عل سے ا اسیرو کرو کچھ رہائی کی باتیں ا عظلوا آپ رمائے ہوا آگیا ہے: جدھر دیکورھیں وال برائی کیباتیں!

فہے کے کمانداروں نے جب ایک دوسرے پر تہمتیں مرحفی شروع کیں تو آنھوں نصیحت دیتے موئے شہنشاہ نے کہا :---

ندتهی حال کی جب همیں آپنے خبر؛
رهے دیکھتے اور کے میب و هنر ا
یری اپنی برائفوں په جو نظر؛
تو نگاه میں کوئی برا نه رها!
اظنز اکسی اس کو ته جائیے گا!
و کیسا هی هو صاحب نهم و ذکا!
جسے عیش میں یاد خدا ته رهی؛
جسے عیش میں یاد خدا ته رهی؛

14 سٹمبر 1857 کے بعد دالی کی جنتا پر آنا ستم قدائے گئے کہ بھادر شاہ کا کوی ہردئے بھی غم سے چاک چاک ہو گیا . مسلمانوں کو تو خاص طور پر نھوج کھرج کر سولی پر اٹکایا جانا . ایک نظم میں شہنشاہ نے آسے یوں بھاں کیا ہے:—

گئی یک بیک جو ہوا پات انہیں دل کو اپنے قرار ہے!
کروں غم ستم کا میں کیا بیاں میرا سینہ عم سے نگار ہے!
یہ رعایا ہند تباہ ہوئی کہو گیا تہ اُن پہ جفا ہوئی ؛
جسے دیکھا حکم رقت نے کہا یہ بھی قابل دار ہے!
کہیں ایسا بھی ہے ستم سنا کہ دسی پھانسی لاکھوں کو پے گئیہ
ولے کلمہ گریوں کے طرف سے اُبھی دل میں اُن کے غبار ہے!

جنک آزادی کے سب سے ہونے نیتا کی حیثیت سے شہنشاہ مہادرشاہ کو سب سے بھاری آزادی کی قیمت چکائی پڑی، شہنشاء کے 24 بیتے اور پوتے قتل کر دیئے گئے اور اُن کے سرخونی دروازے پر لٹکا دیئے گئے ، اُن سب دردناک گیٹناؤں پر اپنے دال کی کیمیت شہنشاہ نے یس بیان کیا ہے:۔۔۔

رئی هیں میں یا زاهد هیں گیا صوفی هیں یا سیدھی هیں ؟ عام هیں یا جاهل هیں گیا مومن هیں یا ترسا هیں ! کیسا رئیج و کیسی رئیس^ک کس کی شادبی کس کا غم؟ یہ بھی نہیں معلوم متجے 'میں جیٹاعیں یا مرتا هیں !

شهلشاہ بہادرشاہ ان کی چہیتی بیکم زیدت مصل اور برراج جول بخص کو تید کر کے رنگوں بییج دیا گیا۔ وہاں پیدد غریہی میں شہلشاہ کو اپنے آخری دن کاٹنے یڑے برنگوں میں آن کی 83 ویں خالکوہ کے دن آیک مالی تحقہ کے طور پر پھولوں کی ڈائی سجا کرایا ۔ شہلشاہ کے پاس المام دیتے کے لئے کچھ

नक्यों और बन्दों में सन अठारह सी संतादन

क्या क्या करे हैं आशिक्षे नाकाम पर सितम; स्त्रीके खुदा कुछ उस खुते खुदकाम को नहीं! रिन्दों पे तानाजन है अवस बाइज ये 'जकर'; कोई किसी के जानता अंजाम को नहीं!

जंगे आज़ादी में शामिल होने के लिये जब -सहन्शाह जकर ने अपना दावतनामा देशी राजाओं के पास मेजा तो बीकानेर के राजा ने उसे बिना पढ़ें ही फाड़ दिया. इस पर शहन्शाह ने लिखा:—

किया खत दुकड़े-दुकड़े तुमने तो क्वासिद से लेते ही; सुनासिब था कि पढ़वाकर हक्षीक्वत यक क्रलम सुनते! मींद के राजा ने तो शहन्शाह का खत लेजाने वाले क्वासिद को ही गोली से उड़ा दिया. इसपर जफर का एक शेर है:—

ढूँढा निशाँ जो इमने .कासिद का उस शहर में; कुछ पाये सर के दुकड़े और कुछ बदन के दुकड़े! इंगरेजी .फीजों ने दिल्ली के किले का मोहासरा जारी कर दिया था. बक्रीद के त्यौहार के दिन जामा मसजिद में मुख्यिजज शहरियों की.कुर्यानी की गई. इसपर शहन्शाह ने लिखा:—

मुबारकबाद हम देते हैं उनको देदे .कुवीं की; गले पे रखके खंजर जबकि वह तकबीर पढ़ते हैं! अपने प्यारे पोते के .कत्ल पर शहन्शाह ने इसरत के साथ लिखा:—

एक वो क्या बित्क उस से रोज लाखों बेगुनाह; .करल होते हैं तेरे ऐ अप्रविदा जो हाथ से! यह नहीं रंगे हिना छुट जाय जो दो रोज में; हश्र तक छुटेगा आशिक का न लोहू हाथ से!

दिस्ली के पतन के बाद बेगुनाहों के .कत्ल का जो सिलसिला चला उसपर शहन्शाह जफर ने लिखा:— जहाँ में सबको इवरत हो गई उस दिन से ऐ कातिल:

सरे बाजार तूने लाशापे मकतूल खींचा है! हजारों बेगुनाहों को सितमगर इश्क में तूने; यहाँ सूली पे बेदस्तूर, बेमामूल खींचा है! दिस्त्री में आजादी की जंग चलाने के लिये एक जंगी कौंसिल बना दी गई थी जिसके सदर खुद शहन्शोह थे. कौंसिल के मेम्बरान आपस में एक दूसरे की बुराई करते और एक दूसरे की टाँगें घसीटते. इसपर छन्हें लानत-मला-

मत करते हुये शहन्शाह ने लिखा:— नहीं तुमको खेबा बुराई की बातें; भक्कों को हैं लाजिम भलाई की बातें!

ग़ज़ब है कि दिल में तो रक्लो कुदूरत; करो मुंद पे इमसे सफ़ाई की वातें!

نها اور چهادس ميں سن الهارة سو ستاون

کیا گیا کرے ہے عاشق ناکام پر ستم؛ خوف بخدا کچھ اس بت خودگام کو نہیں ! رندوں به طفاع زن ہے عبث راعظ آے "طفز"؛ کوئی کسی کے جاندا انجام کو نہیں آ

جنگ آزائی میں عامل ہونے کے لئے جب شہنشاہ ظفر نے اُپنا دعوث نامہ دیشی راجاؤں کے باس بھیجا تو بھکانیر کے راجہ لے آسے بنا پڑھ می بہار دیا ۔ اِس پر شہنشاہ نے کہا :---

کیا خط تعرب تعرب عم نے تو قاصدسے لینے هی! مغلسب نها که وزهواکر حتیقت یک قام سختے!

جہیند کے راجہ نے تو شہنشاہ کا خط لے جانبوالے قامد کو می گوای سے آزا دیا ۔ آس پر ظاہر کا ایک شعر ہے :-تھونڈا نشاں جو ھم نے فاصد کا آس شہر میں؛
کچھ بائے سر کے اگرے اور کچھ بدین کے تکرے ا

انگریزی فرجیں نے دلی کے قلع کا متعاصرہ جاری کر دیا ۔ تھا ، بقرعید کے تہوار کے دی جامعہ مسجد میں معزز شہریوں کی قربانی کی گئی ، اِس پر شہشاہ نے اکہا :۔۔۔

مبارکباد ہم دیتے ہیں اُن کو عید قرباں کی؛

گلے یو رکھ کے خلنجو جبکہ وہ تکبیو پڑھتے ہیں ا اُنِے پیارے ہوتے کے قال پر شہنشاہ نے حسرت کے ساتھ اُنے۔ پیارے ہوتے کے قال پر شہنشاہ نے حسرت کے ساتھ اکھا :۔۔۔

> ایک وہ کیا بلکہ اُس سے روز لاہوں پرگناہ؛ قال ہوتے ہیں تیرے اے ارددا جو ہاتو سے 1 یہ نہیں رنگ جناچہت جائےجودر روز سیں؛ حشر تک چہڑنے کا عاشق کا نادارہو ہانو سے 1

دلی کے پتن کے بعد بےگناہوں کے قتل کا جو سلسله چلا آس پر شلبھاہ طفر نے لکھا :--

جہاں میں سبکوعبرت ہوگئی اُس دن سے آنے قاتل؛ سرے بازار تونے الشاہ مقتبل کھینچا ہے! مباروں پےگناہوں کو ستمگر عشق میں تونے؛ یہاں سولی پہ بےدستور؛ بےمعمول کھینچا ہے!

دای میں آزادی کی جنگ چلانے کے لئے ایک جنگی کونسل بنا دی گئی تھی جس کے صدر خود شہنشالا تھے ، کونسل کے ممبران آپس میں ایک دوسرے کی برانی کرتے اور ایک دوسرے کی تانگیں گیسیلتے ۔ اس پر آنہیں لعنت مقدت کرتے ہوئے شہنشاہ نے لکھا : ۔۔

نہیں تماو زیبا برائی کی باتیں! بہلوں کو میں ازم بہائی کی باتیں! نفیب ہے کہ دل میں تو رکبو کدورت! کرو ملے یہ ہم سے صفائی کی باتیں! The second second

को एक द्रंजे तक घटा विया था, गर्झर जनरल कैनिंग उस रही सही शान को भी खत्म करने की साजिशों में लगा हुआ था. दिल्जी के इर्द-गिर्द के शासन में भी बहादुरशाह की काई राय न ली जाती थी. यहाँ तक कि किजे के बाहर किले के सैनिकों के लिये बहादुरशाह को, जिसे नक्षशों के मुताबिक नई बैरकें तामीर करना पसन्द था, अंगरेज रेजीडेन्ट ने उन्हें उस तरह तामीर न करने दिया. बहादुरशाह से कीन किस बक्त मुलाकात करे इसमें भी रेजें डेन्ट दखल देने की जुरकत करता था. अपनी उस बक्त की दिली कैकियत को बहादुरशाह ने एक नजम में यूँ बयान किया है:—

दिया बनाने न मुक्तको सकाँ सकाँ के क़रीब; बसाये लोग उन्होंने जहाँ तहाँ के क़रीब! निकलते हर दहने मू से हैं इस क़दर शोले; फटकता कोई नहीं तेरे तुफ्ता जाँ के क़रीब! फलक के नीचे फलक और इक नया बन जाए; जो पहुँचे दूदे जिगर मेरा आसगाँ के क़रीब! कहे है तू कि फटकता नहीं यहाँ कोई; खड़ा था कौन तेरे आज आस्ताँ के क़रीब! वो हूँ मैं तायरे आतिश नफस कि थरीये; जो आये बर्क कभी मेरे आशियाँ के क़रीब! क़कस से छूटके जब हम असीर ऐ सच्याद; चमन में पहुँचे तो दिन आ गए खिजाँ के क़रीब!

जिस समय नाना धुन्धपन्त और अजीमुस्लाखाँ ने शहनशाह से आजादी की जंग में शिरकत करने के लिये कहा तो बहादुरशाह ने अपनी रजामन्दी नीचे लिखी नजम में जाहिर की:—

जाँ फ़िदा करने को हाजिर हैं कहो तुम जिस दम; हम हैं जिस काम के, मीजूद हैं उस काम से वक्त ! गरचे रिंदाने तहीदस्त हैं मानिन्द गदा; बक्त के अपने हैं जमशेद मगर जाम के बक्त!

इस बीच गवर्नर जनरल के रवइये श्रीर रेजीडेन्ट के बर्गात से बहादुरशाह का दिल, फिरंगियों की तरक, रहा-सहा भी दृढ गया. श्रपनी उस भावना की बहादुरशाह ने इन सतरों में श्रदा किया है :—

> कहें क्या इन बुतों से ऐ 'जकर' हम हालेदिल अपना; ये काफिर हैं नहीं इक बात अस्ला की कसम सुनत! न करता नृह के तूफाँ का कोई जिक मी हरगिज, अगर मरदुम हमारा माजराए चरमे नम सुनत! न लेते नाम बस्कत का कमी बस्फृत के जाइन्दे; जो मेरा सब सुनते औं तेरे जुल्मो सितम सुनते!

बहादुरशाह का दिल जिल्लत से तहप डठा. शहन्शाह की दिली कैंकियत इन शेरों में गौर करें :-- کو ایک درجه تک گیا دیا تها . گورٹو جاول کیننگ آمی رحی سہی شان کو بھی ختم کرنے کی سازشوں میں لگا ہوا تها . دلی کے ارد گرد کے شاس میں بھی بہادر شاہ کی کوئی رائے ته لی جاتی تھی ، یہاں تک که فام کے باہر قام کے سفاوں کے لئے بہادر شاہ کو جسے تقشه کے مطابق لئی بیرکیں تعمیر کرفا پسند تها انگریز ریدیدیات نے انہیں اُس طرح تعمیر ته کرنے دیا ، بہادر شاہ سے کوں کس فرات ماقات کرے اُس میں بھی ریدیدیات دخل دینے کی جرات کوتا تھا ، اپنی اُس وقت کی دلی کینیت کو بہادرشاہ ہے ایک نظم میں یوں بیاں کیا ہے ہے۔

دیا بنانے نہ مجھکو مکاں مکاں کے قریب، ا بسائے لوگ آنہوں نے جہاں تہاں کے قریب ا نکاتے ہو دھن موسے ھیں اِس قدر شعلے' پھٹکٹا کوئی نہیں تیرے تفتہ جاں کے قریب ا فلک کے نیچے فلک اور اُک نیا بن جائے' جو پہلتچے دود جگرہ اِر اُک نیا بن جائے' کھے ہے تو کہ پھٹکٹا نہیں یہاں کوئی' کھڑا تھا کہن ترے آج اُستان کے قریب ا وہ ہوں میں طائر آبش نفس کہ تہرائے' جو آئے برق کبی میرے اُشیاں کے قریب ا جو آئے برق کبی میرے آشیاں کے قریب ا جس سے چھوٹ کے جب ہم اسیر اے میاد؛ چس میں پہاچےتو دن آگئے خزاں کے قریب ا

جس سمئے تانادہ لمدینت اور عظیم الله خاں نے شننشاہ سے آزادی کی جنگ میں شرکت کرنے کے لئے کہا تو بہادر شاہ نے اپنی رضامندی نیتھے لکھی نظم میں ظاھر کی:—

جاں ذدا کرنے کو حاضر میں کہو تم جس دم؛ همهیں جس کام کے موجود هیں اس کام کے وقت ا گرچه رددان تہی دست میں مانند گدا؛ وقت کے اپنے هیں جمشید مگر چام کے وقت ا

کہهں کیا اُن بعوں سالے 'ظائر' همحال دل اُپنا؛
یہ کافر هیں نہیں اک بات اللہ کی فسم سنتے اِ
تہ کرتا نوح کے طوفاں کا کوئی ذکر بھی هرگؤ؛
اگر مردم همارا ماجرائے چشم نم سنتے اِ
نہ لیتے نام الفت کا کبھی الفت کے جوکلانے؛
جو میرا صبر سنتے او ترے ظلم و سنم سنتے اِ

بهادر شاه کا دل ذلت سے توپ اُٹھا اُ شفیشاہ کی دلی کینیت اِن شعورس میں غیر کریں ہ۔۔۔

नः मोर छन्दों में सन् भठारहसी सत्तावन

نظمون اور چهندارن مین سی اقهاره ٔ سو ستاون

विश्वस्भरनाथ पांडे

ود وميهر ناته باندے

सन् 1877 की तारीख को किस नाम से प्रकार। जाय- इस पर इतिहास लिखने वालों की राय में काकी मतभेद है. कोई उसे 'बग़ाबत' के नाम से प्रकारता है तो फोई 'जंगे आजादी' के नाम से; लेकिन इससे किसी को इनकार नहीं कि फिरंगी हुकूमत की मुल्क से खत्म करने की बह एक शानदार कोशिश थी. सरकारी खरीतों, कौजी अफसरों की चिट्ठियों, इतिहासकारों की किताबों, सैलानियों, के रोजनामचीं, कम्पनी के देशी श्राप्तसरों की याददाश्तों, गवरनर जनरल के ऐजानों, पार्जिमेन्ट की बहसों, नेताओं के इरतहारों और शाही करमानों में हमें 1857 की एक सरसरी माँकी मिलती है. सन 1857 की क्रान्तिकारी तहरीक मुल्क की खुदारी की भावनात्रों, रुद्दानी तड़पनों, उम्भीदों • धीर मायुसियों, कामयावियों श्रीर नकापयावियों, हारों श्रीर जीतों पर तेज रोशनी डालती है. मुल्क की हैसियत से हमारी लिबियों और हमारी कमजोरियों को भी सन् 57 की तहरीक नुमायाँ कर देती है. इतिहासकारों की तरह उस जमाने के हमारे शायरों और गाँव के कवियों ने भी हमारी आजादी और हमारी बरबादी की, हमारी उमंगों और हमारी बिपता की पुरजोश और पुरदर्द तसवीर खींची है.

سن 1857 کی تاریم کو کس نام سے پکارا جائے۔ اِس پر إنهاس لكها والول كي رائه مين كاني منه بههد هي كوئي أسه ابغاوت کے نام سے بکارتا ہے تو کوئی آجنگ آزادی کے نام سے لهای اس سے کسی کو انکار نہیں که درنگی حکومت کو ملک سے خام کرنے کی وہ ایک شائدار کوشش تھی ، سرکاری خریتوں ، فوجی أفسروں کی جتهدوں انهاسکاروں کی کتابوں سیلانیوں کے روزنا، چوں' کمپنی کے دیشی افسرس کی یادداشترس' گورنر جنرل کے اعلانوں پارلیمنت کی بحثوں نیتاؤں کے اعلانوں اور شاهی فرمادرں میں همیں 1857 کی ایک سرسری جهائمی ملتی ہے . سن 1877 کی کرانت کاری تعدیک ملک کی خرددارم كى بهاؤناؤن ررحانى نتوينون أمهدون أور مايرسهون كاسيابهران أور ناكاسيابيون أهارون أور جُهتون ير تيو روشني قالتي ہے ، ماک کی حیثیت سے هماری خوبیوں اور هماری کمزوریوں کو بھی سن 57 کی تحریک نمایاں کر دیتی ہے، أنها مكاروں كى طرے اُس زمالے کے ممارے شاعروں اور کٹوں کے کویوں لے بھی هماري آزادي اور هماري بريادي كي هماري أمنكون أور هماري بها کی پرجوش اور پر درد تصویر کھینچی ہے ۔

उन्नीसंवीं सदी उद् के मशहूर शायरों की माँ कही जाती है. दिस्त्रों के आखरी बादशाह बहादुरशाह खद एक ऊँचे दरजे के शायर थे. वे 'जफर' के नाम से शायरी करते थे. 'ज़ीक्न' 'ग़ालिब', 'दारा', 'हाली'—सब मुग़त दरबार के मशहूर शायर थे. इनमें ज़ीक का इन्तकाल तो 1857 के पहले हो गया था लेकिन ग़ालिब, दाग्र और हाली 1857 में मौजूद थे. 1857 पर इनकी पुरदर्द नजमें हमें अब तक मिलती हैं. दिस्ती की तरह हिन्दू राजाओं के दरबार भी कवियों को खुले दिल से बदावा देते थे. इन कवियों ने 18'7 के नेताओं की कीर्ति-कहानी अपने पुरज़ोश छन्दों में बयान की है. आहबे स्वाधीनता-संग्राम की शताब्दी के मौक्ने पर हम अपने एस ज़माने के शायरों और कवियों के कलामों और छन्दों में बतिदान और त्याग के उस अद्भुत नज़ारे के दर्शन करें.

انسویں صدی اردو کے مشہور شاعروں کی ماں کہی جاتی فی دلی کے آخری بادشاہ بہادر شاہ خود ایک آرنجے درجے کے شاعر آھے، وہ کا آخری بادشاہ بہادر شاہ خود ایک آرنجے درجے کے اداغ احمالی سبب منل دربار کے مشہور شادر ہے ، اُن میں ذرق کا آنتقال تو 1857 کے پہلے ہو گیا تھا لیکن غالب داغ اُر حالی 1857 میں سرجود تھے، 70 18 پر اُن کی پر درد نظمیں میں آب نک، ماتی ہیں ، دای کی طرح ہدو راجاؤں کے دربار بھی کوبوں کو کیلے دل سے بڑھارا دیتے تھے ، اُن کوبوں نے میں بیان کی فی کیرتی کہائی اپنے پر جوش چہندوں میں بیان کی فی آئیے سوادھیننا سنگراء کی شابدی کے کاموں اور کوبوں کے کاموں اور خوبوں کے کاموں اور کوبوں کے کاموں اور خوبوں کے کاموں اور دیشت نظارے کے شاعروں اور کوبوں کے کاموں اور دیشت نظارے کے درشن کوبوں ۔

1857 के वाक्तयात पर खुद बहादुरशाइ 'जाकर' के कलामों से काकी रोशानी पड़ती है. बेरिटक्क और डलहौजी के स्वकृषे ने मुराल शहनशाह के मान और दरबार की शान

7 آ 18 کے وانعات پر خود بہادر شاہ 'ظفر' کے کلاموں سے کانی روشنی بڑتی ہے ، بیٹنک اور کاموں کے دوبار کی شان کے نام اور دربار کی شان

STIE

जुलाई 1957 स्थ

44	ग किस से		सका	ومادي	س 🛥	يها د
1.	नज़्मों और बन्दों में सन् अठारह सौ सचाव	न			نظمس اور چهادوں میں سن الہارہ سو ستاون	,1
	विश्वम्भरनाथ पांडे	***	1	•••	وهرمهور ثاته ياتنت	
2,	गुजामी के साथ मानवता की मित्रता				ظمی کے ساتھ مانونا کی مترفا	2
	-भी चन्दुल इलीय घन्सारी	***	19	•••	مشرى عبدالطهم انصارى ·	
8.	इफ्लास (कविता) —डाकटर असर मीनाई 349		00		افلس (كويتا)	.3
	- वाकदर असर भागाई	•••	20	•••	فاكار الرمينائي	
4.	मेरे दादा अब्बा!				مهرم دادا ابا آ	.4
	प्रोफेसर बहमद अली एम. ए.	***	21	•••	پرونیسر لحند علی ایم. اے	
5.	माफ़तारों के सिलसिले (कविता)				آنتاہوں کے سلسلے (کیٹا)	.5
	—मी सलाम मझलीशहरी	0000	31	***	سشری سلم مجهلی شهری	
6.	ख़्न का बदला (कहानी)				خون کا بداء ۱ (کہائی)	.6
	—मिरजा अजीम बेग चुराताई	•••	32	•••	مرزا عظهم بيك چنتائي	
7.	डवे !				أثبر إ	.7
	एक हिन्दी भाषी भाई	•••	38	•••	ـــایک هندی بهاشی بهائی	
8.	स्मारी राय-	•••	42		. هماری رائی—	8 .
	हिन्दुस्तान की दौलत बढ़ी है-बी. ना. पांडे;			نتيء	هندستان کی دولت بوهی هــــوی، نا. پا	.ř
सत्तावन माई की पूजा कैसे हो १सुरेश रामभाई.					سكاون مالي كي پوجا كيسم هو 1سريش ر	,,



जिल्द 24 अं नम्बर 1

जुलाई 1957 डाँ क

NAYA HIND

Monthly Journal of the Hindustani Culture Society

Editorial Board

Dr. Tara Chand M.A., D. Phil. (Oxon)

Mahatma Bhagwan Din

Dr. Syed Mahmud M.A., Ph.D., Bar-at-Law

Pandit Sundarial

Bishambhar Nath Pande

Editor-in-Charge

Bishambhar Nath Pande

Asst. Editor

Suresh Ramabhai

Annual Subscription

Inland Rs. 6/Foreign Rs. 10/Single Copy As. /10/- only or 62 N. P.

Can be had from -

Manager, NAYA HIND

145. MUTTHIGANJ, ALLAHABAD-3.

इस नम्बर के खास लेख क्या صليك

नक्मों और छुद्दी में सन् श्रठारह सी و الرجهادر المرابط المادة क्षेत्र के सन् सत्तावन

-विश्वम्भरनाथ पांडे मेरे दादा ऋब्बा !

-- وشومبهر ثانه يائده مهور دادا ابا 1

—प्रोक्तेंसर ब्रह्मद ब्रेली एम० ए० 🗻 الم المراحب على الم الم

श्राफ्रनावां के सिलसिले (कविता)

- श्री सलाम मञ्जलोशहरी

स्न का बदला (कहानी)

—मिरजा कीमवेग चुराताई مرزا عظیم بیک چند کی

أفتابوس كے سلسلے (دريتا)

-شرى سالم منچهلى شورى

خون کا بداء ((کہانی)



ाती कलचर सोसाइश, इताहाबाद (ें) अंग उ





<i>;</i>		
•		

गंगा से गोमती तक

.....'मुजीब की कहा/नयों की विशेषता जनकी शैली भी है, मामूली पढ़ा लिखा धादमी इन्हें बिना किसी की मदद के समभ सकता है सरजता के साथ भाषा में ब्यंग और जिन्दादिली इस-तरह है जिस तग्ह ऊँचे पाए के लेखकों में मिन्नती है.

इन कहानियों में हास्य भी है, कठणा भी है. कहीं इंसत इंसत पेट में बल पड़ेंगे, तो कहीं पढ़ते-पढ़ते आप दु:ख से स्तंभित रह नाएंगे. मुनीब की कहानियाँ हमारी कांमल भावनाएँ जगाती हैं, हमें अच्छा इनसान बनाती हैं."

-- डाक्टर सम विलास शर्मा

...... 'वह (मुजीब) माग साक करना चाहते हैं, समाज को संस्थालना चाहते हैं. इसलिय वह कला को कामकाजी चाहते हैं और ऐसी नुकीली कि धार करती चली जाए ''यह कहानियों जगह जगह हमारा ध्यान समाज में होने वाले अन्यायों और अत्याचारों की तरक खींचती हैं '' संग्रह की कहानियों में एक सीधी अक्रियमता है, जो अच्छी लगती है.''

—जैनेन्द्र कुमार

स्वगंभग हिन्दी के सभी बढ़े लेखकी ने 'गंगा से गोमलीं', को सराहा, है.

्र "गगा से गोमती तक" में १८० सके हैं, तिरंगा मुन्दर कवर, बढ़िया जिल्द, दाम केवल दो कपया. जल्दी आर्डर भेजिये.

-- मैनेजर नया हिल्त

گنگا سے گومتی تک

اِن کہانیوں مہیے هاسهد بھی ہے کیونا بھی ہے، کیس اسٹے هاسٹے پہش میں بل پویٹکے تو کہوں پودٹے اندے آپ دائو سے اسلامیوت وہ جائیلگے ۔ مجیب کی اور ن هماری کومل بیاوانائیں جانی هیں اجہا آئیں بدائی هیں ا

سفائقو رام بلاس شرما

رد رد (محبوب) مارک ماف کونا، چاهکے هیں اماے کو سلمبرادا چاهکے هیں اسلام کو سلمبرادا چاهکے هیں اسلام کو دهار دوتی چلی جائے باهکے هیں اور ایسی بوئیلی که دهار دوتی چلی جائے ربیه کہانیاں جگه جنگه همارا دهیاں سماج میں موقے والے بایوں اور الهاجاروں کی طرف کهیلچکی هیں ...سلگره ناتھوں میں ایک سهدهی آدری ترمکا هے جو لجهی لکی هیا۔

- جيفقد کمار

اگ بھگا، علانی کے سبھی ہونے لعکھکوں نے ¹⁹لفکا ہے۔ مثنی ¹¹ دو سراعا <u>م</u>ے ،

' لَلَمُا بِي أُومِعَى نَكَ'' مَهِنَ 180 صَفَحَتِ هَهِنَ' تَرَبُكَا عَدَدُ كَوْرُ أَوْمِعَ عَدِدُ دَامٍ . فَهُولَ دُو رُوبِهِمَ . جَلَدَى أَرْقُو يُهِمَا بُولِهُمْ . .

سامها فالمالك

मिलने का पता--

मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद.

مهليجر أنها هلد أ 145 متهى كلم العآباد.

नुसद—

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना किए प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) पदता फैलाने के लिये किताबों, श्रखबारों, रिसालों ारीरा का खापना.
- ृ (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाद्यों, कानकरेन्सों, केन्सरेन्सों, केन्सरेन्सों, केन्सरेन्सों, केन्सरेनें से सब धर्मों, जातों; बिराव्दियों खौर फिक़ों में का्यस कांमेल बढ़ाना.

-: 0:--

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० श्रब्दुल मजीद रुवाजा; ग्राइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास श्रीर डा० श्रब्दुल क. गबरनिंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; श्रेटरी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर-

ा० सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मौलवी सैयद तमान नदवी, मि० मंजर श्रली सोख्ता, श्री बी० जी० हर, पं० बिराम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम प्र रांका, क्राजी माहम्मद श्रब्दुन राष्ट्रकार श्रीर श्री श्राम एए पालीवा

मेम्बरी के क्रायदों के लिये लिखिये-

सुन्दरलाल सेकेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी, 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद.

नोट—सोसाइटी के नए क्षायदे के अनुसार मेम्बरी हो क्रीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ के रुपया नदा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. अलग से स्वरी की क्रीस देने बाले सोसाइटी की निकली हुई कोई ताब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या महा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम (1) ایک ایسی هندستانی کلچر کا بوهانا پیهانا آیر پرچار کرنا جس میں سب هندستانی شامل هرن ،

(2) ایکٹا پہلانے کے لئے کتابوں' اخباروں' رسالیں بید کا حیالیا ۔

(3) پوهائي گهرون' نقاب گهرون' سههاون' کانفرنسون' گههچرون سے سب دهرسون' جانون' پرآدریون اور فرقون میں آپس کا مهل پوهانا

--:0:--

سوسائٹی کے پریسیدبنت۔۔۔مسٹر عبداسجید خواجہ: السی پریسیدینٹ۔۔۔ڈاکٹر بھکوان داس اور ڈاکٹر عبدالحق . گورننگ بائی کے پریسیڈینٹ ۔۔ ڈاکٹر بھکوان داس: سکریٹری ۔۔ یانٹ مادرال .

گورنفگ ہاڈی کے اور ممبو __

قانگر سهد محصود' قانگر تارا چدد' مهلوی سهد مههمان ندوی' مسگر منظر علی سوخهه' شری دی، جی فههر' پلکس بشمههر ناته' مهانما بهگوان دین سیته پونم ههند رانکا قاضی محصد عبدالغفار اور شری اوم پرکاش هاهوال .

مممون کے قاعدوں کے لئے لکھٹے ۔

سقدر لال

سكريترى' هددستانى كلنهر سوسائتى , 145 متهى كلم، العآباد .

نوطسسوسائٹی کے نئے قاعدے کے انوسار معبوبی کی فیس صرف ایک روپیہ کردی گئی ہے ۔ "نیا ہند" کے جو گھک معبو بلقا چاھیں اُن کو صرف چھہ روپھہ چندہ فیلے پر ھی معبوبی کی فیلے پر ھی معبوبی کی فیلے پر ھی معبوبی کی نکلی ھوٹی کوئی کتاب جو فیس ھیٹے والے سوسائٹی کی نکلی ھوٹی کوئی کتاب جو فیس ویلہ والے سوسائٹی کی نکلی ھوٹی کوئی کتاب جو فیس ویلہ دام کی ھوٹی مغت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی کتابیس لیلے پر ایک بار ایک روبیہ کم کوا سکھلگے ۔

				Ĺ	
	समि विकासिक विकास			S. galani	نبط بسيد الدابين مركب مكسي حون هين
माम विलाव	तेसक 💮	_	बार		فام كغاب ليعبك
रोर भो गायत	श्री अयोग्या प्रसाद गोयलीय	8	0	U	لُدُ عُمْرُ وَ عَامِرِي ﴿ مُعْلَمُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَامِلُ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ الللَّهِ الللَّا اللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ الللَّمِي اللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ الل
े. सेर जो सुसन	on action	8	0	0	2 840 6 840
3. गहरे पानी पैठ		2	_	o	
4. इमारे बाराज्य	भी मनारसीवास	- 1	0		
	चतुर्वेदी	-			decide
ं बंहमस्या	91	: 3	0	0	and the state of t
. यो इकार वर्ष पुरानी	भी जगदीशचन्द्र जैन	3	0	0	ه موجولو ورمي براني عابي جاديمي جعود
प्रमाणियाँ		_	_	·	كبانيان
ी. काल गंगा	भी नारायमा साव जैन	6	0	0	لله المان كفيا المرس المراكي ورساد حمي
क्षि पेथ चिन्ह	भी सान्ति जिम विकेशी	2	0	U	هر چان جان هري غاندي پريمدريسي
ं हैं क्य प्रदीप जिल्हा का कार्र वरती	शान्ति यस. य.	2	0	. 0	و يلم يونيني المائعي لم ال
के कुछ	ं भी कन्हेंबाकाक विभ प्रवादर	Z	U	v	الله اللهي كے دارہے۔ بھري عليمائل معر مدمرتي كے يمول پيدها در
11. 3ft ga	मी बीरेन्द्र कुमार	5	n.	e	
	जैन एम द			•	13. مكاني فره الله عن الله الله الله الله الله الله الله الل
12. विलय वामिनी	भी करूपन	4	ŋ	0	12. ملی یاملی کی بچی
13. रणस दरिय	सक्टर रामकुमार वर्मा	2	8	0.	
14 वेरे बाप	भी तन्मय बुखारिया	2	8	0	14. مهرے باہو کا کا کا اللہ بھاریا
15. विरक संच की जोर	पंडित सुन्दरलाल भगवानदास केला	3	0	0	15. وغيو سلكه في أور يقلنس سقدو الله يمكوان
16. बारतीय वर्षशास	क्षी भगवानकारा केता	5	0	O	16. بهارتهه ارته شاستر شری بهکتران داس کیله
भी. यार शीय शासने	. 99	3	0	0	17. saldas Anny
18. सागरिक ग्रास्त्र	± 3• ·	2	4		18 نفک ماهجر ا
19. सामाञ्च भीर उनका	17	2	8	_0	19. سامران اور آن کا در
20. भारतीय स्त्राचीनता		.1	4:	· O	يعن
पाम्बोलन		_			ب بهتری سوادههای در 20
11. सर्वावय अर्थ व्यवस्था		1	8	6	Bertin 1
22. इमारी चाहिम जातियां	भी मगनामहास केता	3	8	0	21. margen for the state of any
	भौर श्री समिल विनय			1.0	22. عماری آدم جانیان غربی بهکوان داس کها اور هیور اکهل راه
22. सर्वशास्त्र शब्दावसी	भी दबा शंकर दुवे,	2	.0	0	28. ارته غلستر عبداللي فري ديا علكر فري
	पम. च. पता पता. बी.	_		***** ********************************	ايم ايد ايل ايل - بي
	गजाबर बसांच, व्यक्तिय	,	•		گچادهر پرماد امهدی
अ. मागरिक विका	मग्रानवास केला मग्रानवास केला	34 1	0 .		بهكران خاس كها
	भी ग्यायंकर हुने		•	U	24: نائرک شکف شدی بهکران داس که
25, बाह्य संबंध सामा	भी दुवायांच्य हुने	1.	8	0	
26. जाने	महास्वा मगवास्त्रीय	3	0	0	
27. Ante di Rosen!		1	O	0	20
A. with ev		0	8	0	
		1	0	0	
		gar. Gart			
				d A	
		غار گاه	and the Age		9900

सम्पादक--श्री रघुपति सहाय 'फिराक्र'

पिछले पन्द्रह् बरस से भाज तक की उरदू की चुनी हुई किवाओं का यह संग्रह पद कर आप को साल्य होगा कि अदू किवता ने किस तरह लयाली दुनिया को छोड़ कर कन्द्रगी की सचाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. भाज की उरदू शायरी गुल व बुलबुल और वस्ल व किराक़ कक ही सीमित नहीं है, अब आप को उरदू किवता में कसानों और मजदूरों के दिलों की धड़कनें सुनाई हेंगी. गुलामी, अन्याय और लूट ससीट के खिलाफ आप प ऐसी आवाज सुनेंगे जो आपके दिल की गहराइयों को छुएगी.

'इन कविताओं में अर्क्तराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय दोनों मलकें मिलती हैं.....सजीव तथा साकारवास्तव में हिन्दी संसार में यह प्रयास अनोखा है और उरदृ साहित्य के आधुनिक दौर में अद्वितीय...''

23-2-'52 — रोजाना 'लोकवाणी' जयपुर "जहां तक भाव का सम्बन्ध है कविताएं उच्च स्तर की हैं."

6. 3. '52 — 'विशाल भारत' कल कत्ता

"संकार में प्रकाशित 72 उरदू की कविताएं आज ही के

युग की समस्याओं से आत प्रीत हैं."

17-2-752 — 'नव मारत टाइम्स' दिल्ली 'हिन्दी के. पाठक स्तेह और बाव से इस संमह का आनन्द लेंगे और उनसे प्रेरणा प्रहण करेंगे, यह निश्चित है."

13-1-'52 — 'अमृत पत्रिका' इलाहाबाद 'हम उन की (किनताओं की) शक्ति, तालगी और सूत्र के क्रायल हैं वह एक नए युग का सन्देश देती हैं... आषा अधिकतर सरल और बामहाबरा है. कहीं कहीं तो ठेठ हिन्दी है.''

-'जीवन साहित्य' दिस्ती

"मंकार की रचनाओं में युग की पुकार है और भाषा बिलकुल बोल चाल के निकट है"—'नया समाज' कलकता नागरी विखावट में ऐसा भरपूर चरदू कविला संमद्द आज तक नहीं निकला. सुन्दर जिल्द, बिहुसा काराज, उन्दा क्याई, दाम सिर्फ तीन कपया इस किताओं की एक साथ करीदारी पर पचास की सदी कमीशन.

किया का पता-क्षेत्रकर 'नया हिन्द' 145, सुदीगंक, इलाहापाद- خمهافک سفری ولهویتی مهالی ا قرأتی ا

پیچنیلی پلدوہ برس سے آج دک کی اُردو کی چلی موٹی بیش بیشان کا یہ سلکرہ پوعکر آیکو معلوم ہوگا کہ اُردو کی چیک کی گرچکا کے کس طرح شیائی دنیا کو چیوج در زندگی کے معیانی دنیا کو چیوج در زندگی کے معیانی اور وسل و فراق نک ھی سمیت نہیں گئی و پلٹل اور وسل و فراق نک ھی سمیت نہیں گئی معودلیں سلائی دیلکی ۔ قلامی ' انہائے اور لوٹ کی معیدلی سلائی دیلکی ۔ قلامی' انہائے اور لوٹ کیسوٹ کے خلاب آپ ایک ایسی آراؤ سلینکے جو آپ کے مسل کی گیرائیوں نو جیوٹوکی ۔

52'-2-23 —روزآت 'لوک وانی' جے پور '' جہاں تک بباؤ کا سنبلدھ ہے کریدائیں اُچ اسٹر کی میں ۔''

'' جنھی کے ہاٹیک اِسلیب اور جاو سے اِس سٹکرہ کا اُنگذ ایڈگے اور اُن سے ہرینا کرھی کریٹکے' یہ نھجیس ہے۔'' 13-1-62 اندازان

الله هم أن في (فيتال في) فكالى الزال اور مرتر و فائل هين . وه أيك فقر يك كا سنديش ديتي هين... في المحك در سول أور باستعاوره هـ . فيدن فيدن دو في في هندن هـ ."

سالهیون ساهتیه دلی

All all and the late of the la

महात्मा गांधी की वसीवत

लेखक-औं अंचर मजी सांख्या

अपन देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा मांची ने कांगरेस को सोक सेवा संघ में चवल देने के लिए अपनी कांगरेस को सोक सेवा संघ में चवल देने के लिए अपनी कांग्रीय शिखी थीं. यह चैवा के नाम उनकी आखिरी वसीयत है और इसकी क्यांक्या गांधी जी के पदम मक भी मंचर जली सोकता ने की है जो गांधीबाद को सममने और अपनाने बाले देश के हने गिने लोगों में से एक हैं.

गांचीवाद को सममने के लिए इसका पक्षा बहुत गुरुदी है. 225 सफे की सुन्दर जिल्ल बँची किलाब की क्रीमत रिक्ष दो क्पप.

श्रद्धिंसात्मक इन्क्रजाब का रास्ता

होसक-भी मंत्रद्र वाली सोचता इस ब्रोटी सी फिताब को पढ़ कर आपको पता चलेगा कि अहास्मा गांधी क्या चाहते ये और किस तरह उनके रास्ते पर चल कर कहिसात्मक हंग से देश में इन्क्रलाव साथा जा सकता है.

पैतीस पन्ने की किताब, दास सिर्फ चार आने.

आज के शहीद

सम्पादक-जी रतन ताल बंसत कन बहादुरों की कहानियां जिल्होंने विदेशी हाकियों की कैसाई कूट की जाग में इनसानियत को भस्म होते देख एक क्षम की भी देर न की जौर उसे बुमाने की कोशिया में क्षमी जान कुरवान कर दी. दाम सिर्फ हाई दुपया.

मुस्लिम देश मक्त

लेखक भी रतन साल बंसस

तम सुवासमान देश अको के जीवन का हास जिन्होंने बारेनी जान हमेशी पर रक्तकर हिन्दुस्तान और विदेशों में खरी हुए मारठ माता की सुनामी की जंगीरों से जाजार बारेने की कोशिया की किताब कई रिकामस्त्र हम से किसी सार्ट हैं और सिक्त एक क्ष्मा बारह जाने.

The test feet of the second

مهالها کافویلی کی وصیری

ام دیہانی ہے کچھ اہلتے پہلے مہانا الدھی نے الریس کو لوگ بیوا ساتھ میں بدل دیائے کے لئے اہلی جورز تکھی تھی۔ یہ دیمی کے نام آنکی آخری ومصحد ہراور کی ویاکیما الادھی جی کے پرم بہکت غزی متطرفای وکت کے کی وہ بہکت غزی متطرفای وکت کے بیم سبجہلے اور اینانے والے بیش کے الے کئے لوگن میں بے ایک میں .

کاندھی واد کو سمعھھلے کے لئے (سکا ہوھٹا بھت فٹوروں یے پ 225 صفعتے کی سلکار جات یلدھی تعابُ کی اقیست ، برقب دو روزھگے ،

اهنسائه انقلاب کا راسته

لهکهگ--هری منظر علی سوخته

اس جهرائی سی کتاب کو پومکر آپ کو یعد جلے کا مہالیا کالعمی کیا چاہتے تھے اور کسطرے آس کے راستے چل کر امتسالیک قملگ سے دیمی میں انتلاب لیا شکتا ہے ۔

ِ پيئٽيسَ ۾ کي کتابيهُ دام صرف جار آنِ ،

آج کے شہیں

سمهادك سهرى رتبي ال بلسل

آن بہادوں کی کیائیاں جلہوں نے ودیشی حاکبوں پی ہیملائی ہموٹ کی آگ میں اِنسائیٹ کو بیسم ھوٹے یکھ ایک جھوں کی بھی دیر لہ کی اور آسے ہمچھالے کی وُھھی میں ایٹیجان قربان کر دی۔ دام صرف تعالیویہہ

مسلم ديش بهكت

المانيك المرى راق ال ياسل

गांधी बाबा

नेसक-सुद्सिया चैदी

दो शन्द-जवाहरलाल नेहरू

यह अनमोल किताय जनम से बिलदान तक की गांधी की पूरी और सच्ची जीवनी भी है और कहानी भी. हैं जोर कहानी भी. हैं जोर कहानी भी. हैं जोर कहानी भी समारे देश में यह पुराना रिवाज रहा है कि माएं अपने बचों की महापुठशों के जीवन चिरत कहानी के रूप में मुनाती हैं. इस तरह की कहानियां आम तौर पर बीर राजाओं और उनके युद्धों की कहानियां होती हैं. वेगम कुरसिया कैंदी ने, जो महात्मा गांधी की परम भक्त हैं, अपनी इस किता में गांधी भी की जीवनी और जनका सत्य, आहिंसा, के और त्याग का उपदेश बच्चों को ऐसी प्यारी, सीधी भी बोली में और पेसे डंग से युनाया है कि बच्चों के में उत्तरता चला जाता है. हिन्दी में गांधीजी के ऊपरों के लिये इससे बदकर किताब नहीं है. इसमें कहानी स भी है और बच्चों को ऊंचा उठाने वाले उपदेश भी. विहत जबाहरताल नेहरू ने अपने 'दे। शब्द' में । हैं-

"उन्होंने (हुदसिया जैदी ने) यह कोटी सी फिताब सच्चे दिल से लिखी है. वह इसे सिर्फ एक फिताब नहीं सममती. उनके लिये गांधीजी की कहानी एक बहुत ही महत्त्व की बीर प्यारी चीज है... मुक्ते खुशी है कि यह किताब लिखी गई है." दि काराज पर, मोटे टाइप में, बहुत सी रंगीन तसवीर, पर पर सुन्दर रंगीन कवर और दक्ती की मजबूत नाम केवल दो वपर.

भाषा

लेखक—लाला मदन गोपाल

त उद्घेर हिन्दुस्तानी की तकरार पर पक वे लाग
किताब में आपको मिलेगी. रास्ट्र माथा के सवाल
हपी रखने वाले हर आई-बहन को इस किताब के
प्रयदा होगा—सोचने की राहें स्मेंगी, जानकारी
इ.तरह तरह की तंग नजरियां मिटंगी.
विकास सी सफे की मुन्दर किताब, दाम हैद कपया

173

निजर, 'नया हिन्द' 145 जीतंत्र, स्वासना

كاندهي بابا

لهکهکسافسهه زیدی در شهد--جواهر لال نهرو

پلکت جوامر قارنهرو نے آئے ادر شہدا میں قابها ہے۔۔
''آئیوں نے (قدسیہ زیدی نے) یہ جورتی سی
کانیہ سنچے دل سے لکھی ہے ، وہ آپے صرف ایک
گٹاب نہیں سمچھٹیں ، اُن کے قلے گلجھی جی
''فی نیاس ایک یہمت هی مہتو تی اور ہماری جہوز ہے....منچی حوقی ہوت یہ تھاپ سکی گلے ہے۔''

مولّد نافق پرا مولی ثالب میں بہت سی رنگین تصبیریں آوٹ پیپر پر سفتر رنگین دور آور دفتی کی مضبوط جلد—دام کیول دو رویٹر ،

بهاشا لیکیکستاند مین لیبال

ملتی آودو آور هفدستانی کی تکرار پر ایک ہے لاک
والے اِس کتاب میں آب کو ملے کی داشتر بھاتا کے
سوال میں مانچسی دلیانے والے جو 'بھائی بین کو اِس
کتاب کے پوشن نے فائدہ ہوائسسوچلے نی داعی سوچیوں
گی ساکاری باوی کی اور طوح طوح نے تنگ نظریار

قریب مولمو ضفحه می سفدر نقاب دلم دیوه رویه: غفر کا پاهمند

> مونیتور 'نیا هند' کالا ملم کنم اداراد.

गीता और कुरान

ळेलक-पंडित सुन्दरलाल

इस किसाब में हिन्दू बसं और इस्कास दोनों के मेत की बातें है, गीता का बदप्पन, गीता के एक एक अध्याय का नियोद, कुरान का बदप्पन, तगभग 15 सास सास मज़बूनों पर कुरान की क्ररीब 500 जायतों का सक्वी तर्युमा बरीरा दिया गया है.

जी लोग सब धर्मी की बुनियादी एकता को जानना बीर संग्रमना चार्हें उनके लिये वह किताब जनमोश है.

े पीने तीन सी सबे की धुन्यर जिल्द क्वी फिलाब की क्रीमत सिर्फ डाई इपया, डाक साच जलग

हिन्दू मुस्लिम एकता

क इस किताब में वह चार लेकबर जमा किये गए हैं जो विकाली ने कन्सीलियेटरी बोर्ड म्बालियर की दावत पर म्बालियर में दिये थे.

सौ समें की किताब. क्रीमत सिकं बारह आने.

महातमा गांधी के पितदान से सपक

सामग्रायिकता वानी फिरफाक्टरती की बीमारी पर राजकाजी, अवस्थी और इतिहासी वस्त्र से विचार और क्सक इसाज इसी ने बालिट में देश पिता महास्मा गांधी संक को इसार बीच में गरहने विचा.

क्रीमर चारह जाने.

पंजाब इमें क्या सिखाता है

व्यान्त्र सन् 1947 में पिकामी कीर प्रकी पंजाब के बहुबार के बाद बहां की मार्कर करवाड़ी और आपसी मार कार के कारण लोगों पर जो जो मुसीबर्ते आह का का स्ट्रांसक बांखों देशा बनन. इस झोटी जी कियार में बाजकत की मुसीबर्त को इस करने के बिद कुछ मुमार सी पेस किये गय हैं. डीमत बार बाने.

वंगाल और उससे सब्ब

हवा बोबी भी किराय में 1949-0 से पूर्वी चौर पश्चिमों बंगाव के निर्द्धांबाराना मनमां पर रोहानी दाती वह है बीर देशे मनवाँ को हमेग्रा के विष्य करने की बार्कीय की सुन्धाई गई हैं. ब्रोमेश निर्द्ध में महते.

يط اور اوان

المحالب والمناسلور ال

الیں عظیہ میں حقدہ دھوں اور اسلومینیں کے میل اور بالمر بعین الدی ہوری قبط نے ایک ایک امیدان کا مورد قرآن کا بوری گذاریک 15 خاص عاص مقانودوں پر قرآن کی قانوس 600 انفی کا امطی ترجمہ بعید میا

نور اول جب تعویی کی بعیانی ایکنا در جاتا اور بمجھلا جاموں آن کے لگر یہ تجاب اسول وز پولے کوئی سو صفحی کی سلمو جات بلدھی کتاب کی قیست میرٹ قمائی ووقعہ کاک شوے الگ ،

هندو مسلم ایکتا

اس کتاب میں وہ خار لیکنچر جدم ککے گئے میں جو چھکا ہوں جھی ہوں جھی ہوں جھی دیے تھے۔ انہاں میں دیے تھے۔

سو صفحت في علاميا . فيست مرب بالردال .

مهاتما گاندھی کے بلیدان سے سبق

ا سلمیودلیکدا یعلی فوقه پرحکی کی بیماوی یو واج افزای مندسی اور افیاسی پیلو سا وجاو آرو سه علی ایمی بر آنجو مین دیمی بدا میاندا کاندهی لک کو هداری ایمی میں نادوغلہ دیا د

المستعا عارة ألى .

بنجاب فنين كيا سكهانا هي

انعربر بس 1947 میں ہمھیسی اور ہورہی ہلمجاب کے بھیارے کے بعد وہاں کی بمبلکر بیدادی اور آپسی مار کا اور آپسی مار کاف کے کاری لاہلی ہر جار جو مشہدتیں آلیں آلی کا فردناک انقیبی دیکھا رونی ، اس جہوٹی سی کتاب میں آئیکل کی مصیدتی کو حل کرنے کے اگے لیے سیاری کی بیدی کی خیری کو حل کرنے کے اگے

The track of the same

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

प्रवास रुपए से जियादा दाम की कितावें खरीदने बालों को और बुकसेलरों को खास रिकायत दी जायेगी. दूरी जानकारी के लिए लिखिये.

बाक या रेल सर्च हर हालत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सन 1950 से सारे भारत में लागू हुआ. 'भारत में शंगरेजी राज' के लेखक पंडित सुन्दरलाल द्वारा मूल शंगरेजी से अनुवादित.

हर भारतवासी का कर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह सममें. भारत के इर घर में इस पुस्तक का रहना खरूरी है.

आसान बामहावरा भाशाः रायल अठपेजी बड़ा साइछः सगभग चार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्दः क्रीमत केवल सादे सात रुपए.

फ़िरकाबन्दी पर बापू

सम्पादक--श्री श्रीकृशन दास

इस पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिता के सवाल पर जो कुछ कहा या लिखा वह सब आपको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक्रसानों की सममे और इस जहरे को अपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. अच्छा काराज. दो सौ सके. क्रीमत दोडपया.

विनोबा का सन्देश

लेखक सुरेश राममाई एक शब्द महात्मा मगवानवीन

विनोबाजी के मू-दान-यज्ञ से आज सारा देश वाकिक है. इस छोटी सी किताब में आपको मिलेगा कि यह मू-दान-यज्ञ कब और कैसे शुरू हुआ और इसका मक्तसद क्या है. पहला एडीशन हाथों हाथ निकल गया. यह दूसरा एडीशन है. सके 25, दाम केवल दो आने.

काने का पता— क्लिकर, 'नयाा हिन्द' 145, मुद्दीगंज, इलाहाबाद.

ي هورواتي کي کابيل

وہائی ووٹائے سے زیادہ عالم کی کتابھی شویدنے والوں کو اور بکسیلروں کو شامی رمائیت می جائیکی ، دوری جانگاری کے لگے لکھائے ،

قاک یا زیل شربے هر حالت میں المک کے ذیے هوا ..

بهارت کا ودهان

. پورا هددی آنوواد

ھو 26 جنوری سن 1950 ہے سارے بھارت میں لاکو ہوا ۔ 'بھارت میں انگریزی راج' کے لیکیک پنڈٹ سندلال ہوارا میل انگریزی سے انیوادت ،

ھر بھارت والدی کا فرقی ہے گئا جس ودھاں کے ادھیں سواھھیں بھارت کا شاسی اِس سے چال رھا ہے اُس اُسک کا رھانا طروری ہے ۔ اُسکات کا رھانا ضروری ہے ،

آسان بامصاوره بهاشا، وایل آله بهجی بوا سالو . لگ ههگ جار سر بننی کهوی کی سندر جاد قهمت کهول ساوه سات رویکی ،

نرته بندی پر بایو

سهادك-هري فريكرفن داس

امن ہستک میں سن 1921 ہے۔ سن 1948 تک المنتبہ ہی جی نے سامہردایکھا کے سوال پر جو کچھ کیا یا الکہا وہ سب آیکو لیک جگه ملیکا .

پہارت کے آزاد ہوتے ہو یہ اور یہی ضروری ہو گیا ہے کا ہر پہارت واسی سامپردایکھا کے فقصان کو سمجھے اور ایس پہارت واسی سامپردایکھا کے فقصان کو سمجھے اور ایس زهر کو ایے اندر سے صاف کرے ۔

و سقفو جاند ، أجها كانق ، دو سو صلحے ، قهمت

وقو یا کا سڈلیش لیکھک سریش راہیمائی لیک عبدسسیاتیا بیکوان دین

رنہا ہی کے بہوداں یکیہ ہے آنے سارا دیش والف ہے۔ ایس چھوٹی سی کھایہ میں آپکو سلیکا کہ یہ بہودان یکیہ کیں اور کھسے کورم عوا اور اِس کا مقصد کیا ہے۔ اُنہا اُنہاں شاکہاں ماتہ نکل گھا ۔ یہ دوسرا ایڈیشن میڈنٹ 189 مار کھول دو آلے۔

منهي للع" (148 منهي للع" العاباد،

मन में मैल था, वे गाली देने के अन्दाल में बात कर रहे थे.....क्या दुशमनों के अलावा कोई ऐसी बात कह सकता है ?.... अब तक मैं मैकेनिक हूं, तब तक ठीक. अगर कल के रोज में.....मन्त्री हो जाऊं तो 'तानाशाह' और 'कुरसी तोवने बाला' हो जाऊंगा.....देखने में यह आता है कि बे तमाम लोग जिन्हें पार्टी ने सजा दी है, पार्टी से लड़ने के लिये एक हो गये हैं."

लेखक ने एक तारवाबू का चित्रन बढ़ा मुन्दर किया दै—धीरे धीरे उसने ये शब्द काराज पर उतार दिये. अपनी लम्बी जिन्दगी में उसने न जाने कितने सन्देश लिखे थे, जुरी के सन्देश और ग्रम के सन्देश, कितनी बार दूसरों के दर्व और दूसरों की खुशी की खबर उसी ने सब से पहले मुनी थी. अपने काम के सिलसिले में उसने न जाने कबसे तार के उन ब्रोटे सन्देशों के अर्थ पर ध्यान देना ब्रोड़ दिया था, उसका काम तो बस इतना था कि ध्वनियों को पकड़े और मरीन की तरह उनको काराज पर उतार दे."

सार्वजनिक काम करने वाले अपनी सेहत की परवाह नहीं करते. ऐसे लोगों के लिये वहे काम की नसीहत है. को बांगिन अपने माई को लिखता है—"मेरे भाई अब तुम अपनी सेहत की फिक करों. बूते से बाहर अपनी ताक़त को सार्चन करों क्योंकि सेहत की मरम्मत की मारी कीमत पार्टी को जुकानी पढ़ती है."

खुबकुशी के बारे में लिखा है—"पिस्तौल को रख दो कौर कभी इसकी बात किसी से न कहना. जीवन जब नाकांबिले बर्दारत हो उठे, तब मी जीने की कला सीखो."

पुस्तक एक और सुन्दर नसीहत काम करने वालों को देती है—"इम लोग कभी कभी अपनी राक्तियों को हुरी तरह बरवाद करते हैं, जिसका हमें कोई इक नहीं. अब मैं इस बात को समम नया हूं कि यह बीरता की उतनी निरानी नहीं है जितनी नाकाबतियत और रौरियम्मेवारी की. अब मैं समयने लगा हूं कि सुने अपनी तन्दुक्ती के बारे में इतनी लापरवाही बरतने का हक न अभ्य

वर्षेर उसूली लिहाज के हर किन्तनशील पाठक को बहु अपन्यास जरूर पढ़ना चाहिये. बहुबाद की जबान सहल और मुहाबरेबार है. छनाई, सकाई भी उन्दा है.

-विश्वनभरताथ पांडे

لینهک فی آیک آن یابو کا چترن برا سندر کیا ہے۔ دھیں۔

میں اس فی یہ شبد گفٹ پر آثار دیئے ۔ اپلی اسی زندگی
میں اس فی آن جافے کتلے سندیش اکیے تھا خرشی کے سندیش
اور ام کے سادیش کتلی بار دوسروں کے درد اور دوسروں کی
خوشی کی خیر اسی فی بار دوسروں کے درد اور دوسروں کی
مسلے بھین اس فی آن جانے کب سے تار کے اُن چھوٹے سادیشوں
کے ارتو پر دھیاں دیتا چھور دیا تھا اُس کا کام تو بس اتنا تھا که
برانیوں کو بخوے اور مشین کی طرح آیں کو کاند پر آثار دیے ۔

ساروجلک کام کرنے والے اپنی ضحت کی پرواہ ٹیس کرتے ، پیر اوکس کے لئے بڑے کام کی تصبحت فی کرچاگی اپنے پیر کو انہتا ہے۔''میرے بیائی آب تم اپنی محت کی نکر کرو ، پیر سے باعر اپنی طاقت کو خرچ نے کرو کیونکہ صحت کی محمد کی بادی قیمت پارٹی کو چکائی پرتی ہے۔''

ی خودکشی کے بارے میں تھا ہے۔" پستول کو رکھ دور گیری اُس کی بات کسی تے نہ کہنا ، جہری جب ناقابل اُٹھٹ ہو آئے نب بنی جیلے کی کا سیکھو ،"

ستک ایک اور سندر نصیت کام کرتے والی کو دیتی ایک ایک اور سندر نصیت کام کرتے والی کو دیتی ایک میں میں سندہ نے گا ایک میچے اپنی تندرستی کے بارے میں آئنی ایپروامی برتنے عق تہ تیا ہے۔

بدیر آمولی لجات کے هر چنتن شیل پائیک کو یه آپنیاس پرهنا چاهل ، آلوواد کی زبان سپل اور مجارزددار هی ، کی مناتی بی عدید کی دار

سبوا ومبهر فاته بالتند

سے چھڑاتا ہے' خون ایک امیو پولس اوکے کی سازش سے گرفتار ہوتا ہے' جھوٹتا ہے آور پھر روسی کمیوٹسٹ ٹیجواٹوں کی ٹولی میں بیرتی ہوتا ہے' پور حصہ لیتا ہے' رخمی ہرتا ہے' پور حصہ لیتا ہے' رخمی ہرتا ہے' پور حصہ لیتا ہے' ہوئی ہرتا ہے۔ اسوای سمجھے۔ بوجھ اور سماجی رشن سین کو چالنہ تھالئے کا وقت اتنا ہے ، لوجوان کورچاگن برعکر حصہ لیتا ہے' کورچاگن اور اس کے دوست ایک اوردچی اختانی لیتاک زندگی بسر کرتے ہیں ، سماج کو سکھی بنائے کے لیتاک اوردچی سے اوردچی خواب دیکھتے ہیں ، انقابی جس طرح سرمتانے کو سکھی بنائے کے جنگ میں رہے جس طرح سرمتانے کو تیار رہتے ہیں اسی طرح مطابی کرتے میں ' ریل کی پتریاں بیچائے میں' ریل یارڈ کی مطابی کرتے میں ، اُن کے لئے کرائتی جس طرح جنگی چیز ہے اسی طرح جنگی چیز ہے۔

أَینیاس کے قاری پاتروں میں تونیا' ربتا' تایا' آثابوهارٹ لدیا' پولیونے کا چٹرں آوننچی سطح پر کیا گیا ہے۔ اُن کے بیان میں ایک چرتر کی آوننچائی ماتی ہے۔

کورچاگی زندگی کی پکار کو سنتا ہے اور آگ اور دفوئیں سے هوکر ٹکلتا ہے' اُس کا جسم چھلنی چھلنی ہوجانا ہے مکر لیکھک کپکا ہے۔۔۔''لوہا اُسی طرح آگ میں تبکر دراد بنتا ہے۔''

کورچاگی ایک بہت اونچے آصوار کا کیونسٹ نوبچوای ہے .

جس کیونسٹ سلے کا وہ سپنا دیکھتا ہے اس پر خود پابندی کے
ساتھ عمل کرتا ہے . وہ سب سے پہلے خود اپنے ساتھ بیرحسی
سے پیش آتا ہے . سب سے پہلے تونیا نامک ایک امیرزادی
سے آس کی محبت ہوتی ہے . دونوں ایک درسرے کے
قواب آتے ہیں ، لیکن جب شادی کا سوال آنا ہے کورچاگی
اپنا دیملہ بدل دیتا ہے . وہ کہتا ہے ستم عرب سے محبت کو
سکتی ہو لیکن غوبی سے محبت نہیں ، آخیر میں وہ تایا سے
شادی کرتا ہے ، مارجاسی خوادھ کے لئے نہیں بلاء ایک وفادار

یستجک نئی پیوھی کی چچار دھارا پر کائی روشنی ڈالٹی ہے، پارٹی کے بھٹر بہمت اور الیمت کا سوال آتا ہے تو ساتھی تنا کیٹا ہے۔۔

اگر آپ بہنت دل سائٹیت کر سکتے میں تو هم کو بھی ادعرکار ف که هم البنت دل سائٹیت کریں ."

تىيا جواب ملئا ھىسە¹⁷ روسى كىھولىت پارلى كونى پارلومات ئرين ھى ¹³

देशका है, जुद एक अभीर पोलिश लड़के की साजिश से क्रिक्तां के से कि कुटता है और फिर कसी कम्यूनिस्ट कि काम है, जुटता है और फिर कसी कम्यूनिस्ट कि काम है के कि काम है के कि काम है के कि काम है कि काम है के कि काम है काम है कि काम है काम है कि काम है काम है कि काम है काम है कि काम है काम है कि काम है काम है कि काम है काम है कि काम है काम है कि काम ह

क्यन्यास के नारी पत्त्रों में तोनिया, रिता, ताया, जाना कोंद्वाई, लिक्या पोलेक्जि का चित्रन ऊंची सतह पर किया गया है. उनके बयान में एक चरित्र की अंचाई मिलती है.

की निगन जिन्दगी की पुकार की सुनता है और आग और शुध से होकर निकलता है, उसका जिस्स छलनी छलनी हो जाता है मगर लेखक कहता है—"लोहा इसी तरह आग में स्पक्तर की साद बनता है."

को चौरित एक बहुत ऊंचे उस्लों का कन्यूनिस्ट नौजवान है, सिंस कन्यूनिस्ट समाज का वह सपना देखता है उस पर खुद पायन्त्री के साथ अमल करता है. वह सबसे पहले खुर अपने साथ बेरहमी से पेश आता है. सबसे पहले क्षेत्रियां नामक एक अमीरजादी से उसकी गुहच्यत होती है, दोनों एक दूसरे के क़रीब आते हैं. लेकिन जब शादी का सबाल आता है तो को चौरित अपना फैसला बदल देता है. वह कहता है—तुम ग्रारीब से गुहच्यत कर अक्ती हो लेकिन ग्रारीबी से गुहच्यत नहीं. आखीर में वह आया से शादी करता है मगर जिन्सी स्वाहिश के लिये नहीं

पुस्तक नई पीढ़ी की विचारधारा पर काफी रोशनी कर्ती है, पार्टी के भीतर बहुमत और अस्पमत का सवाल कर्ती है सो साथी तुफ्ता कहता है—

कार आप बहुमत दल संगठित कर सकते हैं तो के बाविकार है कि हम अल्पमत दल संगठित करें." क अवाब निस्ता है—"रूसी कम्यूनिस्ट पार्टी कोई

क के किरोजी पार्टियों के सीखने के लिये पुस्तक के बार्ट में पांकासिय कहता है—" वे लाग... हात संग संग लबने वालों की तरह के सबस्तर हुरामनों जैसी थीं, उनके

Como Significant

याना दीक्षा

ससी जवान में लिखने वालें—निकोलाई चास्त्रीवस्क ; राजमा करने वाले—अवत सच; द्वापने वाले—वीपुस्स पन्तिरिंग दावस लिसिटेड; आसम चली रोड, नई विस्ती; जीमत—बार दपया; सके—472.

्यह चपन्यास कसी बेसक निकोलाई आस्त्रीअस्की का एक प्रशाहर जपन्यास है. लेखक सन 1904 में पैदा हजा बीर 1936 में, सिर्फ 32 बरस की एस में उसकी भीत हुई. रूसी कान्ति में 13-14 बरस की उम्र में वह शामिल हुआ। भीर सममदार बहादर लगाने की हैसियर से बह नई पीड़ी के जारी कारी कता. तहाई में वह जिसना बहाहर निकला पससे ज्यावा बहादुर बहु तासीरी बीह रचनासक कामों में साबित हुआ, गोलियों के जरम और रचनात्मक कामों की इची तोड़ मेहनत ने उसे गठिया, सक्रवा और लम्बी बीमारी का शिकार बना दिया. सन 1930 में 26 बरस की उम्र में बह बिल्क्स अन्या हो गया. महत्त इस स्थाल ने कि वह विस्मानी बेबसी से अब रचनास्मक काम करने बक्तों की क्रवार से इट गया क्से वेचैन कर दिया. वह बहांदुर अन्धा सबाका अब शिक्षक और लेसक बना, उसका मौजूरा चपन्यास न सिर्फ सोवियत इस को उसकी महान देन है वरिक सारी दुनियां की जो पीड़ी के निर्मादाकों के लिये वह एक दास्ता विखाने बाली रोसनी का काम देगा, सामियत देश ने अपने इस बहादर जन्मे प्य-अवशेष को इस स्पन्यास के लिये 'बाब'र जाक लेलिन' का तमक मेंट किया और इस तरह सारे देश या अहसान जताया. मैजूदा सम्बाध के बढ़ने से बंद पता चलेगा कि एक सामुकी हैसियत का बालक विस वर्द अपनी दीर नामुली राजनीयन प्रमास है और बावते अस्य के प्रवणन को पार पाँच समाप्त है

वक्ष्यास की कहानी में कार्त साथ के स्थान नहीं जारें कहानी प्रकार संकाशित के पूर्व निर्म पूर्व है. एक हारीय विश्वना का बोटा केंद्रा, होटल में अपने कार्य संकाश हारता, दिनों से जनाद क्या क्ष्म की साथ का बाता माड कहता है, कारने कार्या की है जाता के ब्रोडिंग के ब्राह्म

روسي يقال مين كهند وال-التوافي السروسي الرجمه الريا لي أمرت ولد جهلن والرسيواس بالفلك هاوس لميتيدا أمليه وال وودا على ولي أر لوسعيسهار ووالسماح 472 . ب أينيان ورش المناك اعرفتي المعرباتي المعربات أَيْمَيْسَ هَذَ لِيُمْكِنِ سَنْ 1904 ميں پيدا هوا أور 86 1 ميں' مرف \$2 برس كيعنو مين أس كي موت خولي. روس كوالتي مين 13-14 يوس كي عبر مين ويعيها من اور سنجدار بهادر الراك في خلام الله اللي يوراني كر أك الله الله الرائي مهن وه جنفا بهادر اعظ أمن بعد وبإدار في ادر ولا تعميري أور رجاندك کلیں میں ٹابسہ ہوا ہے گیلیں کے زخم اور رچناتیک کاموں کی عدى دورانسان له أهر كلها التول أور ليبي عماري لا شكار بنا فيا أ سن 1930 مين 25 يرس كي عبر مين وا بالكل النا عراية . معس أس خيال لے كه وہ جسالي يرسى م اب رجائش کام کراروالی کی تطار سے مت کیا آسے پرجان كوديها أن ولا يهادر الدها إدالا أب شعفك أور للعبك ينا والس ا مرتجرته لينبلس له مؤلك سيوريث روس كو أس كي تعزلي الله عالم على على إلى الله على المحال الم الله الله التعادل إلى وقتى كالخ دمية المسيحة عامى لـ و بيان المان الم يان يوليك أن المان Note of the William St. A STATE OF THE SECOND A STATE OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY

बाक्रेमात उन्हें अपने तर्ज में कर्क करने पर मजबूर कर रहे हैं.

चालिर में एक अर्ज और भी है. साइन्स वाले महज विनारी काम करते हैं और उन्हें जिस्मानी काम से ज्यादा कीमती चौर वाला सममते हैं. शायद वह यह मानते हैं कि जिस्मानी काम करने वाला इन्सान उनके मुकाबिले में कहीं प्यादा गया गुजरा है. यह क्याह शलत है. साइन्स बालों को अपनी विद्या या तालीम तो लगानी होगी मगर साइन्स का मोल पैसे में करने के मानी हैं उसे चन्द लोगों के अयों में सौंप कर दुनिया की नव्वे फीसदी आबादी को उससे महर्ज रखना. यह नाइन्साफी है. अगर साइन्स वाले की आह सरकार के खिलाफ जाती है, वो बाम बादमी की माइ साइन्स बालों के खिलाफ जाती हैं. अवाम से उनका तास्तुक दृदता है. मजबूर हाकर उन्हें सरकार का मुंह देखना पदता है, जो मन मानी शर्ती पर उन्हें रखती है. हमारे हिन्दुस्तान के साइन्स वालों को तो इस तरफ खास तीर से ध्यान देना चाहिये.

29. 11, '54

—सरेश रामभाई

राजक्रमारी अमृत कौर और सन्तति-नियमन

नीचे का पत्र हम बड़ी तसल्ली और ख़ुशी के साथ ज्यों का त्यों झाप रहे हैं. हमें दुल है कि दैनिक पत्रों की रिपोर्टी के कारन यह रालतफहमी पैदा हुई.

23, 12, 54

सुन्दरलाल नई दिल्ली

20 दिसम्बर, 1954

त्रिय महोदय.

भी अमृतकाल नानाषटी जी ने 'नया हिन्द' के नवस्वर चक्रु में प्रकाशित 'अमरीका में मिस्टर मुहम्मद अली और राजकुमारी अमृत कौर' लेख की ओर राजकुमारी जी का च्यान आकर्शित किया है. उन्होंने बताया कि अमरीका में राजकुमारी जी ने Mechanical Construceptives के पक्ष में विचार व्यक्त किये ऐसा इस लेख में है. मन्त्रिणी जी को यह जानकर बढ़ा आरचर्य हुआ और उन्होंने कहा कि जन्म इस तरह की रिपोर्ट उनके बारे में आपके पत्र में अपी है से वह बिल्कुल निराधार है—उसमें कोई सचाई नहीं. 🗮 सम्तिति नियमन के लिये इमेशा पूज्य नापू का पतास क्रमा संयम का मार्ग अपनाने को कहती हैं.

जधानन्द शमो वर्मनल असिस्टेन्ट- واتعات النهن أين طبر مين فرق كبال بر مجبر كر رهـ

آخر میں ایک عرض اور بھی ہے . سائنس والے معض دمائی کام کوئے ہوں اور اسے جسہ نی کام سے زیادہ قیمتی اور اعلى سنجه هين ، شابد وديد ماليد هين كه جسمالي كام كرك والأراسش لن كي منابله مين كهين زيادة كيا كزرا هي يه خيال غلما هـ . سائنس رالول كو أيني وديا يا تعليم تو لگاني هوگي مگر ساناس کا مول پیسہ میں کرنے کے معابی هیں آسے چند لوگوں ع نعاتم موں سولپ کو دنیا کی نوے نیصدی آبادی کو اس سے محروم رکھا ، یه ناانصانی هے ، اگر سائنس والے کی آة سرکار کے خالف جاتی ہے؛ تو مام آدمی کی آہ سائنس والوں کے خالف چاتے ہے ، عوام سے أن كا تعلق تُوتَّنا هے ، مجبور هوكر أتبين سوكار کا ملته دیکھنا بڑتا کے جو مندانی شرطوں پر آنھیں رکہتی ہے ، همارے هندستان کے سائنس رائوں کو نو اس طرف خاص طرر سه دهیای دینا چاهای .

سسريص رأمههاتمي

29 . 11 . '54

راج کماری آمرسکور اور سنتيتى نيدي

لْمَیْچّے کا پتر مم بڑی تسلی اور خوشی کے ساتھ جیوں کا تیوں چھاپ رقے میں ، شمیں دکھ ہے که دینکیتروں کی رپورٹوں کے كارك يه غلط فهمي پيدا هوئي . --سندرلال

23 . 12 . 54

نئی دلی 20 سبر س 1954ع

ميريه ميونسه

غرى أمرت لال ناناوتي جي نے انبا هندا کے نومبر انک مهن بركاشت المريكة مهن مستر محمد على أور راج كمارى أمرت كور ليكه كي أور رابيكماري جي كا دهيان أكوشت كيا هي . أنهب ني بنایا که آمریکه میں راج کاری جی لے Mechanical constraceptives کے پکش میں وجار ویکت کئے ایسا اِس لیکھ میں ہے منترنی جی کو یہ جان کر بڑا آشچریہ ہوا اور اُنھوں نے کہا کہ اگر اِس طرح کی ریورت اُن کے بارے میں آپ کے پتر مين چيني هے تو وہ بالكل فوانعار هسوأس ميں كوئى سجائي نہیں ، وے سنتنی نیمن کے لئے همیشه بوجیه بایو کا بتایا هوا سنيم كامارك أيناني نو كهتي هيل .

آپ کا جيالند شرما يرسال أسستنت

نسبر ١١٠٠

विकास द्वापान जगाया गांता लेकिन सबूत में वह बेगुनाह हिराप गये और इसिलये नरी हो गये. लेकिन इसके नाव भी उनपर निगरानी रखी जाती है. इस वरह सारा करावरन पहरीला हो गया है, अमरीका की सरकार और शावर पूसरी सरकार भी यह सोचता है कि साइंस वालों को दबाकर अपना ताबेदार रखा जा सकता है और कीम के नाम पर, कुछ पैसे का लालच देकर, उनसे जो चाही कराया जा सकता है. हो सकता है कि कुछ साइन्स वाले इस तरह दबाकर काचू में रखे जा सकें, मगर दुनिया उनको साइन्स के मन्दिर का पुजारी मानने से इन्कार करेगी. वह साइन्सवां नहीं पैसाकोर कहलायेंगे. जो असली और सक्चा साइन्सवां होगा वह विला किसी डर के अपनी बात कहेगा और उसके लिये हर मुसीबत सहने को सैयार होगा.

मगर सरकार भी धोके में हैं. वह इस गुमान में हैं कि साइन्स वालों से मनमाना काम लेकर अपने अपने मुस्क को मश्रवृत बना लेंगी. लेकिन जैसा कि कप्तान हार्ट ने कहा है आज दुनिया के सामने सवाल दूसरा ही है:

"हमारी हिफाजत के लिये मुनियादी चीज है ठंडा दिल, सब और शान्ति के साथ मसलों पर सोचने की लियाकत. हमारी हिफाजत के लिये बुनियादी सतरें भी तीन हैं—गुस्सा, घषड़ा जाना और जल्दबाजी. इन तीनों के मिलने से ऐसा धमाका हो सकता है जो क्या क्या तबाह न करदे."

काज तुनिया की राजधानियों के सेकेट्रियों में, मुसदियों के वरों में ठड़े दिल, सम और शान्ति की ही कमी है. गुस्सा काकी जाक पर ही चढ़ा है मानो, वबराये और हर हुए ती वह हैं ही, और अस्ववाधी की तो कोई इन्तहा ही नहीं है. जगर इसकी रोक याम नहीं होती है तो जो हो जाये बोबा है.

लेकिन इससे बचने का रास्ता सिर्फ एक ही है, विकान तो ताकत है जिससे अच्छे और बुरे दोनों तरह के काम लिये जा सकते हैं. फरूरत है इससे अच्छा काम लेने वालों की. अच्छा काम ले छीन ? वही ले सकते हैं जिनके दिल में ठंडफ है, जिनमें सम है और जो शान्त हों. साइन्स या विकान रूपी हाथी पर आत्म ज्ञान का अंकुश रहे नहीं वह काचू में नहीं जा सकता. विज्ञान इन्सान की रफ्तार बढ़ा सकता है मगर किस तरफ बढ़ा जाये, बानी दिशा दिसलाने का काम, आत्मज्ञान ही करेगा. लिहाफा इन दोनों का मेल ही सीच्छा हालत से, मीजूबा काररे से, दुनिया को मुक्त कर सकता है.

इसके तिये वड़ी गारी जिन्मेदारी साइन्स वालों पर जाती है, जाज वह खुद विज्ञान के नरों में चूर हैं जौर जासम्बान का मानों वजूद तक नहीं कुचूल करते. लेकिन जुरी की जात है कि साइन्स की खोजें और दुनिया के المن بات كرا الراس على الله المان الموسو مهل و والله البوال المان الله والله الموال المان الله والله الموال المان الله والله الموال المان المان المان المان الموال المان الموال المان الموال المان الموال المان الموال المان المان

"هماری که اطلعت کے لئے بنیادی چیز که تهندا دل' میر اور شائدی کے ساتھ مثلوں پر سہچنے کی لیاتت ، هماری مطلعت کے لئے بنیادی سطویں بھی تین میں سنصہ' کھیزا جاتا اور جادبازی، ان تینوں کے مللے سے آبسا دھماکا ہوسکتا کے جو کیا کیا تباہ تھ کوسے "

آج دانیا کی رئیمیدالیوں کے سیکویالوں میں' مسدیوں کے کیروں میں ابتدائی کی ھی گئی ھی۔ کے کیروں میں ابتدائی کی ھی گئی ھی۔ نصه آن کی اناک پر ھی چوہا ھے مائیا' گیبرائی ھوٹے آور درے ھوٹے تو وہ عیں ھی' آور جادیازی کی تو کوئی التیا ھی نہیں ھے۔ اگر اس کی روک علی نہیں ہوتی ھے تو جو ھو جائے تیورا ھے۔

八八萬

کیا جا رہا ہو . وہ اتنی حد کو پہرتیج گئی که کسی بھی آبرودار ایک انسان کو ان کا برداشت کرتا ہی تاسکن ہوگیا . اور ایک مرتب پرونیسر آئنسٹانی کو یہاں تک اِشارہ کرتا ہوا که امریکن سینیٹ کی انٹرنل سیکھرٹی کینٹی کے Committee) یا اِس طرح کی دوسری کینٹی کے سامنے کسی بھی دماعدار آدمی کو بیان دینے سے اِنکار کو دینا جائیہ ہی

تهورا عرصه پہلے جس یونیورسٹی میں پرونیسر آننسنائن چھاتے نہے وہاں کی سائنس انسٹینچوٹ کے ڈائرکٹر ڈاکٹر رابرت اوپر ھائیس تھ ، اُن کی سیواؤں سے خوش ھو کر امریکی سرکار (Atomic Energy یے انہیں ایٹامک انرجی کمیشن ر Commission کا خاص مشیر مقرر کیا . لیکن جب هاندروجن بم بنا تو ان سے مالے لی گئی که اِس کے اِستمال کے بارے میں اُن کی کیا رائے ہے . اُنہوں نے اُس کے اِستمال کے بارے میں اُن کی کیا رائے ہے . اُنہوں نے اُس کے اِستمال کے خاف رائے دسی اور کہا کہ وہ بہت بھی خطارفاک و تبادکن ھے اُن کی یہ رائے امریکی سرکار کو پسند نہیں آئی ارر اس نے آئییں کمیشن کے مشیر پر سے مقا دیا ، لیکن آج اللے ہوتے نوجی جَنرل اور سائنس دان ۃائٹر اوپنۃانیمر کی رائے سے انعلق کرتے میں انعابات کے سرنام انسر کہتان لدل ھارت (Cupt. Liddle Hart) کا کہنا ہے کہ ھانڈروجن ہم کے بعد " مكمل لواني " أر " جيت " لفظ بي معلى هم جاتي ھیں . اگر آب کوئی " لزائی جیتنے " کے خواب دیکھتا ہے یا اِس طرح کی بات کرتا ہے تو " مہمل سے بدتر بات کرتا ہے. اِسَ سَ اس کے اپنے ماک کو اور کل اِنسانی قوم کو خطرہ ھے ۔'' حال می میں جاپان کے تردیک جو ھائڈروجن ہم کا تجربه کیا گیا اِس سے نروزیالیات تک کے لوگ در گئے میں اُور کہتے ھیں که اِس طرح کے تجربوں سے هماری جان و مال کو أنديشه هي .

هائدروجن ہم سے کہیں زباد خطرناک چیؤ یہ ہے کہ هائدروجن ہم کے بارے میں سانس والوں کو زائے دینے کا صوتع له دیا جانے یا سچی راے دینے پر اُن کے خلاف کارروائی کی جانے ، امریکہ میں فیڈریشن آف امریکن سائنسٹس نام کی جو جماعت ہے اس نکے ۔ پربزیڈیاٹ آبورہار کو اکہا ہے کہ کسی وفادار سانس دان کو دلی رائے ظاہر کرنے پر نکال باعر کر دینا اپنی توم کے لئے خطرناک ہے ۔ امریکہ میں سائنس دائیں کو توم کیاں مک دبایا جا رہا ہے اِس کا پته اُس صلاح سے ملتا ہے جو پرونیسر النس پائٹ نے اپنے دوستوں کو دی ۔ انہوں کے پرونیسر النس پائٹ نے اپنے دوستوں کو دی ۔ انہوں نے کہا ہے کہ ''آپ اُس بات کی احتیاط رکیدں کہ آپ کوئی زیادہ اُردیائی مور کے سانہ جو ساوک کیا گیا اس میں مسٹر اُردی اُتی مور کے سانہ جو ساوک کیا گیا اس سے بھی یہی یات ظاہر ہوتی ہے ۔ پرونیسر التی مور کے

किया का रहा हो, वह इतनी हद को पहुंच गई कि किसी की आज्ञुदार इन्सान को उनका बरदारत करना ही नामुमिकन हो गया. और एक मर्तवा प्रोफोसर खाइन्सटाइन को यहां तक इसारा खरना पड़ा कि अमरीकन सिनेट की इन्टरनल विक्योदी कमेटी (Internal Security Committee) या इस तरह की दूसरी कमेटी के सामने किसी भी दिमागहार आ इस तरह की दूसरी कमेटी के सामने किसी भी दिमागहार

बोड़ा असी पहले जिस यूनीवर्सिटी में प्रोफेसर आइन्स-टाइन पढ़ाते ये बहां की साइन्स इन्सटीचूट के डाइरेक्टर . डाक्टर रावर्ट जोपनहाइसर थे, उनकी सेवाजों से खुश होकर अमरीकन सरकार ने उन्हें एटामिक इनर्जी कमीशन (Atomic Energy Commission) का खास मशीर मुक्तरेर किया. लेकिन जब हाइब्रोजन बम बना तो उनसे सलाह ली गई कि इसके इस्तेमाल के बारे में उनकी क्या राय है. क्नोंने उसके इस्तेमाल के खिलाक राय दी और कहा कि बद्द बहुत ही खतरनाक व तबाहकुन है, उनकी यह राय . अमरीका सरकार को पसन्द नहीं आई और उसने उन्हें कमीशन के मशीर पर से हटा दिया. लेकिन आज बड़े बड़े क्रीजी जनरल और साइन्सदां डाक्टर ओपनहाइमर की राय से इत्तकाक करते हैं. इंगलैन्ड के सरनाम अकसर कप्तान लिक्ति हार्ट (Capt. Liddle Hart) का फहना है कि हाइड्रोजन वम के बाद "मुकन्मिल लड़ाई" श्रीर "जीत" लक्स बेमानी हो जाते हैं. अगर अब कोई "लड़ाई जीतने" के स्थाब देखता है या इस तरह की वात करता है तो "मुहमिलं से बदतर बातं करता है. इससे उसके अपने मुस्क का और इन इन्सानी क्रीम को खतरा है," हाल ही में जापान के नजदीक जो दाइडाजन बम का तजुर्बा किया गया इससे न्यू जीलेन्ड के लोग तक डर गये हैं और कहते हैं कि इस तरह के तजुर्वों से इमारी जान व माल का अन्देशा है.

हाइक्रोजन बम से कहीं ज्यादा खतरनाक चीज यह है

क हाइक्रोजन बम के बारे में साइन्स वालों को राय देने का
मौका न दिया जाये या सबी राय देने पर उनके खिलाफ
कार्रवाई की जाये, अमरीका में फैडरेशन आफ अमरीकन
साइनदिस्ट्स नाम की जो जमाश्रत दें उस तक ने प्रेजीडेन्ट
आविनहाबर को लिखा है कि किसी बफादार साइन्सदां को
दिसी राय जाहिर करने पर निकाल बाहर कर देना अपनी
कोय के लिये खतरनाक है, अमरीका में साइन्सदांनों को कहां
तक बचाया जा रहा है इसका पता उस सलाह से मिलता है
जो जोकेसर लाइन्स पालिंग ने अपने दोस्तों को दी. उन्होंने
कहा है कि "आप इस बात की एहतियात रखें कि आप
कोई का इन्हों या महत्वपूर्व खाज न करलें. अमरीका
के स्वादा इन्हों या महत्वपूर्व खाज न करलें. अमरीका
कार्याहर खोवन ला तमूर के साथ जो सल्क किया गया

एक वैज्ञानिक की बाह् !

आइन्सटाइन आज विज्ञान या साइन्स की दुनिया में सब से जुमायां सितारे समसे जाते हैं. और केवल वैज्ञानिक ही नहीं, बहुत अंचे इखलाक और नैतिकता वाली इस्ती हैं. हाल ही में एक अख्वार नवीस ने उनसे मुलाकात की और पृक्षा कि साइन्स वालों या दूसरे दिमारादार लोगों के साथ अमरीका में जिस तरह पेश आया जा रहा है उस पर आपकी क्या राय है. प्रोफेसर आइन्सटाइन चुप रहे और फिर कहा कि "आगर मुसे फिर से जवानी हासिल हो तब में अपनी रोजी कमाने के लिये वैज्ञानिक या टीचर या प्रोफेसर होना पसन्द नहीं कर्षगा, बल्कि एक मजदूर होना चाहुंगा ताकि आजकल की हालत में जितनी भी थोड़ी बहुत आजादी हासिल है उसका अनुभव कर सकूं."

इन चन्द लक्जों से प्रोफेसर आइन्सटाइन के दिल का दर्द साफ साफ पता चलता है. उन्होंने देख लिया कि आज की दुनिया में और जासकर अमरीका में बह क्याली व दिमागी आजादी हासिल नहीं है जिसकी उन्हें उन्मीद बी या जिसकी किसी शरीफ आदमी को उन्मीद होनी चाहिये. आज से करीब बीस बरस पहले प्रोफेसर आइन्सटाइन अपनी जन्म भूमि जमंनी से अमरीका आये थे. जब दिटलर का जमनी में बोलवाला हुआ और किसी भी यहूदी का बहां रहना नामुमकिन हो गया तब उन्होंने अपना मुल्क बोड़ा था और अमरीका की प्रिन्सटन यूनीवर्सिटी में आकर बसे थे.

कैसी खशी की बात है कि आज दुनिया के किसी हिस्से में लड़ाई नहीं चल रही है, किसी की कीज दूसरे मुल्क के. खिलाक मार्च नहीं कर रही है. लेकिन कैसी बदक्किस्मती है कि बाज दुनिया में जितना बर बाबा हुआ है उतना शायह तारीख के किसी जमाने में नहीं था. अमरीका और रूस में भगवान की क्या से हर तरह की दौलत मौजूद है, लेकिन बहां की आवादियां एक दूसरे से बहुत उरती हैं और दोनों की सरकारें एक दुख्डे के जिलाफ प्रचार करती हैं कि एक की वजह से दूसरे की सतरा है. इस वरह सारा यूरोप. अमरीका और उत्तरी व पिछांसी पराया पर हर हाथी है. यडी वजह है कि अमरीका में भाज भाजांवस्थाली मानो रह ही नहीं गई है और हर किसी को राष्ट्र की निगाह से देला जाता है, यहां तक नौबत जा गई है कि वहां की हकूमत की जो चुपवाय, जा हो या बेजा, ताबेदारी नहीं करता, तो उसका मुल्क में रहना ही मुश्किल हो जाता है. इस जायत का शिकार व्यमरीका के साइनटिस्टों को खास तौर से होना पका है. उनसे तरह तरह की सफाई ली जाती है, और इस तरह ली जाती है मानो किसी चोर या बाक से जवाब तलक

الا روايات ال

السلان أن وليان يا سائلس كى عليا ميں سب به المان سلام سب به المان المان

ان چند اجاوں سے پروفیسر آینٹس ٹائن کے دل کا درد مانی مان مان پکھ چلکا ہے۔ آنھوں نے دیم لیا کہ آج کی دنیا میں اور خاص کو امریکہ میں وہ خیالی و دمانی آولدی حامل نہیں ہے جس کی آنہیں آمید تھی یا جس کی کسی شریف آدمی کو آمید ہونی چاہئے۔ آج سے قریب بیس برس پہلے پروفیسر آینٹس ٹائن اپلی جام بھومی جرملی سے آمریکہ آئے تھے۔ جب مائو کا جرمنی میں بولبالا ہوا اور کسی بین یہودی کا وہاں رہنا تامیکن ہوگیا تب آنھوں نے اپنا مانک چھوڑا تیا اور امریکہ کی پرنسٹن یونیورسٹی میں آکو

کیسی خوشی کی بات ہے که آج دنیا کے کسی حصہ مين اوائي نهين چال رهي هئ کسي کي توخ دوسوء ماک. کے خلف ماریج نہیں کر رہی ہے . لیکن کیسی درنسٹی ہے که آے دنیا مرن خوننا تو چیایا ہوا ف اننا شارد تاریخ کے کسی زمانه میں نہیں تیا ، امریک اور روس میں بھاوان کی کریا سع هر طرح کی جوات موجود ها الیکن رهال کی ابادیان ایک درسرے سے بہت درتی میں اور دولوں کی سرکاریں ایک درسرید کے داف پرچار کرتی هیں که آیک کی بوده سرورسرے کو خطوہ کے اس طرح سارا یورپ، امریکه اور أربى و پنجيمي ايشيا پر دو خاوي هے . يبي رجه هے كه امريكه میں آیے آزاد حیالی مناورد می نہیں گئی ہے اور ہر کسی كرهك كي لكاه صيديها جاتا هي بهان تك نورت را كي الع که وهال کی حکومت کی جو جان چان جا هو یا اداجة تابعدلي أنهان كرنا و أس المالب مين رهنا هي مشكل هو جها في النو الدعا كا شام الموجه في سائطيني كو خاص طور مرجول ہوا گھے۔ ان سے طرح طرح کی معالی کی جاتی ہے۔ اور

कांपनी मिलों की बनी चीनी दूसरे अपने से क्यादा पिछड़े इय देशों में देवकर पैसे कमाने के नापाक साम्राजी प्रलोभन की भी इमें जीतना चाहिये.

(8) बाय के बागीचे जस्दी से जल्दी विदेशियों के सार्थी से के लेका हम भारत सरकार का कर्ज सममते हैं. इस डान्टर लोहिया से सहमत हैं कि अगर मुआवजे के सम में या किसी रूप में कुछ धन देना भी पड़ जाने तो कोई इस नहीं. हमें यह भी मालुम है कि अंग्रेजों का जिनना धन इन जाय के बारीचों में लगा है वह सब भारत ही से बहिन भारत की खूट से कमाया हुआ धन है. हम उन पराने पासमीं को खेड़ना नहीं चाहते. पर इस गरीब देश से इस वरह धन का बहना और उसकी रारीव जनता के साथ यह बद्सलुकी अब बन्द होनी चाहिये.

इस धन्दे को आगे के लिये चलाने के दो ही ढंग हो सकते हैं. एक तो हर किसान अपनी छोटी सी निजी जमीन पर चाय के पीधे अच्छी तरह लगा सकता है और बिलकुल घरेल हैंग से बाय तैयार करके बाजार में वेच सकता है. दूसरे आजकल की सूरत में यह सारा धन्दा इस तरह की कलेक्टिय फारमिंग यानी मुशतरका खेती की शकल में बड़ी सुन्दरता से चल सकता है जिसका नमूना हमने रूस के क्लोक्टिव कारमों में अच्छी तरह देखा है. जो लोग कारम में काम करें वही उसके मालिक, वही उसका सारा . प्रवन्ध करने वाले और वही मनाफे के हक़दार. सरकार का काम केवत उनकी प्रकारत के अतुसार उनके कहने पर . कनकी मदद कर देना है. यही रास्ता है जिस पर धीरे धीरे हमें अपने बहुत से धन्दों को ले जाना है.

सरकार नाम की चीज़ का दुनिया से ख़तम होना

द्वनिया की अधिकतर सरकारें आज इस कोशिश में हैं कि अधिक से अधिक धन्दे, अधिक से अधिक व्योपार और अधिक से अधिक शक्ति उनके हाथों में रहे. यह दंग जनता के लिये बहुत खतरनाक ढंग है. जिस तरह पैसे की शक्ति कहीं भी एक जगह जमा होने के बजाय सब श्राविसचों में बराबर की बंटी रहे इसी में दुनिया का भला है, वैसे ही दूसरी सब शक्तियां भी ज्यादा से ज्यादा लोगों में बंटी रहें बही अच्छा है. जिन सास सूरतों में किसी शक्ति का एक जगह जमा होना जरूरी होता है वह भी, जैसा हमने उपर कहा है, पंचायती ढंग से जनता के हाथों में ही रहनी चाहियें. सरकार सबसे अच्छी वही है जिसके हाथों में सव से कम अधिकार हों, यानी जिसे सबसे कम शासन करना पड़े. जनसा को साक्रसवर बनाने का यही तरीका है. जिस आदर्श की सरक दुनिया को जाना है वह सरकारों की ताकर को बढ़ाना नहीं है, उसे घीरे घीरे कम करके सरकार नाम की कींच को दुनिया से खतम करना है. -सुन्द्रलाल

أپنى ملهل كى بنى چهلى دوسرے أينو سے زيادہ پنجوزے هوئے دیشن میں بیچ کر پیسے کمانے کے داراک سامراجی برٹویین کو بھی همیں جاتنا چاھئے.

(3) چانے کے بابیعچے جادی سے جادی ردیشہوں کے ہاتھوں سے لیے لیفا هم بھارت سوکار کا فرض سمجہ نے هیں ۔ هم ذاکنر لهقیا سے سہمت هيں که اگر معارضے يے روب ميں يا کسی روپ ميں کچھ دھی دیٹا ہی پر جارے تو توئی عرج تہیں ، هدیں یہ دمی معلوم فی که انگریزوں کا حقال دھن اِن چائے کے باغیدوں میں لكا هم ولا سب بهارت عي سے بلكة بهارت كى لوق سے كمايا عوا دهن هـ . هم أن يرال زخمون كو چييزنا نهين چلفته . ير اس فریب دره سے اِس طرح دسی کا بہنا اور اُس دی غرب جنتا ع ساته به بدسلوكي أب ملد سوئي چاخيت .

اس دسندے کو آگے کے لئے جلائے کے دو می تعنک موسکتے هیں . آیک تو غور کسان اپنی جبوتی سی نعجی زمین جو چانے کے پودھے اچھی طرح لگا سکتا بھے اور بالکل گھویاو دھنگ سے چائے تیار کرکے بازار میں بیپے سکتا تھ . دوسرے آجال کی صورت میں یم سارا دهندا اس طرح کی کلکنیو دارمنگ یعنی مشترکه کهیتی کی شمل میں برق سادرتا سے چل سکتا ہے جس کا تسون عم لے روس کے کلکٹیو فارسوں میں اچھی طارے دیکھا ہے ۔ جو لوگ فارم میں کام کریں وہی اُس کے مالک وہی آس کا سارا پربندہ کرنے والے اور وہی منافع کے حتدار . سرکار کا کام کیول أن كى ضرورت کے انوسار آن کے کہنے پر اُن کی مدد کردینا ہے ، یہی راسته هے جس ور دامیرے دامیرے علین الله بہت سے دعادوں

سرکار نام کی چیز کا دنیا سے ختم هونا

دلیا کی ادبتعتر سرائریں آج اِس کوشش میں عیں که آلمعك سا ألواك دهاندع أدعك سر أدعك بهويار أور العك سے آدھک شمتی أن كے ھانھوں ميں رھے . يہ دعنگ جنتا كے للے بہت خطرناک تعلق ہے، جس طرح پیسے کی شکتی کہیں بھی ایک جات جمع مونے کے بجائے سب آدمیس میں پرابر کی بنٹی رہے اسی میں دنیا کا بہلا ہے ویسے عی دوسری سب شمتیاں بھی زبادہ سے زبادہ لوگوں میں بنتی رهیں یہی اچا في ، جن داص مرتبي مين دسي شكتي كا ايك جكه جمع هونا ضروري عرتا هے وہ بھی جیسا عم نے آدیر کہا ھے، پنچائتی دهنگ سے جنتا کے هابهوں میں عی رهنی چاهئیں . سرکار سب سے اچھی و کی ہے جس کے «تھوں میں سب سے کم أدهيكار هوں' يعنى جسے سب سے كم شاسى كونا در ہے . جنتا كو طانتهر بنائي كا يهي طريقه هي جس آدرش كي طرف دئيا كو جانا هے وہ سركاروں كى طانت كو برمانا نہيں هـ أس دهيرے دهیرے کم کرکے سرکار تام کی چیز کو دنیا سے ختم کرنا ھے .

15 . 12 . '54

-ستدر لال

15, 12, '54

में हमेशा इस तरह की दुर्घटनाओं की सम्भावना रहेगी जैसी जमी 10 दिसम्बर को मध्य प्रदेश की म्यूटन विकली खरान में मालिकों या भैनेजरों की लापरवाही के कारन हो चुकी है, जिसमें कहा जाता है पैंसठ बेगुनाह मजदूरों की मुफ्त में जान गई. कोयले के धंद को चलाने के दो ही ढंग हो सकते हैं. या तो यह कि देश की सरकार इसे चलावे और या जो अधिक अच्छा है कि पंचायती ढंग से जितने आदमी इंजीनियरों और माहियों से लेकर मामूली मजदूर तक उसमें काम करते हों उन सब की ही वह मिलकियत हो, उन्हों का सारा प्रबन्ध हो और बही उसके मुनाफे के हक़दार हों. यही ढंग असली ढंग है. इसी में देश और जनता का असली भला है. जब तक सरकार इस तरह के धंदे को खताबे तब तक भी यह मुनासिब है कि चीन की तरहं

खदान का सारा इन्तजाम करने वाली कमेटी में आधे आदमी

सरकार के हों और आधे खदान में काम करने वालों के

चुने हुए तुमाइन्दे. (2) चीनी तैयार करने का धंदा उन धंदों में से है जिन्हें हम गांव गांव में घरेल ढंग से ही चलाना ठीक सममते हैं. जो लोग हमारे गांव की जिन्दगी से वाकिक हैं उन्हें मालुम है कि चीनी की मिलों ने हमारे गांव गांव के कोल्हुओं के ब्योपार को किस तरह बरवाद कर दिया और लाखों आदिमयों को बेकार कर दिया. सैकड़ों पञ्छिमी डाक्टरों तक की राय है कि आदमी की तन्द्रक्रती के लिये हाथ की बनी हुई चीनी मिल की बनी चीनी से कहीं अच्छी होती है. इमने लन्दन शहर के अन्दर इस तरह के रेस्टोरां देखे हैं जिनमें तन्दु रस्ती के ख्याल से मिल की चीनी काम में नहीं लाई जाती और उसकी जगह गुरू, हाथ की चीनी और राव तक खाने के लिये दी जाती है, राव और गुड़ मिल की सकेद चीनी के मुकाबले में कितनी अधिक मुकींद चीजें हैं इस पर काकी अमरीकी डाक्टरों की कितावें बाजार में पढ़ने को मिल सकती हैं, लेकिन हम ऊपर कह चुके हैं कि साइन्सी अंथविश्वास धार्मिक अंधविश्वासों से ज्यादा खतरनाक होते हैं. चीनी की मिलों ने हमारे लाखों गांव वालों का एक मात्र पौरिटक छाहार उनसे झीन लिया और गमा पैदा करने बाले लाखों किसानों को मिल मालिकों का आश्रित और गुलाम बना डाला. गमा पैदा करने वाले किसानों की आजकल की मुसीबतों पर कितावें लिखी जा सकती हैं. चीनी की मिलें कौर बनस्पति बी (१) की मिलें दोनों अक्सर साथ साथ चलती हैं. हमारे आजकल के हाकिम और उनके तनस्वाहदार साइन्डिस्ट कुछ भी कहें इम इन दोनों की जनता के लिये बरबादी की चीचें मानते हैं हमारी यह साफ राय है कि चीनी बताने का काम गांव मांब में कोल्हकों और खेंचियों के जरिये ही होना चाहिये.

میں هنیشہ اِس طرح کی درگاناؤل کی منبهاوگا رقے گی جیسی ایس 10 دسیر کو معمید پردیش کی دیوتیں چکلی کیدان میں ماکوں یا جہانتجروں کی الارواشی کے کارن چوچکی ہے جس میں کیا جاتا ہے چینسٹو پرگناہ مردوروں کی مات میں جان گئی ، کرلتہ کے دهدیت کو چلانے کے دو هی تمنیک هوسکتے هیں ، یا تو یہ که دیش کی سرکار اِسے چلا ویے اُر یا چو اُدھک اچھا ہے کہ پنجانتی تحقیک سے جتنے آدمی اور یا چو اُدھک اچھا ہے کہ پنجانتی تحقیک سے جتنے آدمی کام کرتے ہوں اُن سب کی هی وہ مانیت هو اُنھیں کا سازا پربلدہ هو اُور وهی اُس کے منافعہ کے حتیارا هوں ، یہی تحقیک پربلدہ هو اُور وهی اُس کے منافعہ کے حتیار هوں ، یہی تحقیک املی تحقیک ہیں دیش اور چلتا کا اُملی یالا ہے ۔ اِسی میں دیش اور چلتا کا اُملی یالا ہے ۔ اِسی میں دیش اور چلتا کا اُملی یالا ہے ۔ جب تک بھی ایک میں دیش اور چلتا کا اُملی یالا ہے ۔ جب تک بھی اُن میں دیش اور آدھ کہداں میں اُن میں اُن آدمی سرکار کے جنے ہوئے اسائلاں کے جانے ہوئے اسائلاں ہیں اور آدھ کہداں میں اُن میں اُن والی کے جنے ہوئے اسائلاں ۔ ۔

(2) چینی تیار کرنے کا دھندا اُن دھندوں میں سے ھے جنیس دم کون کوں میں گرینو دھنگ سے می چلانا تبیک سمجھتے میں ، جو لوگ ممارے گؤں کی زندگی سے واقف میں الهين معليم هد که چيني کي ملون نے همارے کاؤن کاؤں کے کولہوؤن کے بیایار کو کس طرح برباد کردیا اور لاکھیں آدمیوں کو بیکار کردیا ، سیکورں بچھسی داکٹروں تک کی رائے کے کہ آدمی کی تلدرستی کے اُلے هاتھ کی بئی هوئی چینی مل کی بنی چینی سے کہیں اچھی هوتی هے ، هم نے لندن شہر کے اندر اِس طرح کے رستیراں دیاہے عیں جن میں تندرستی کے خیال سے مل کی چینی کلم مین ٹہیں لئی جاتی آور اُس کی جکہ گڑ' ھاتھ کی چيني لور رأب تک کيانے کے لئے دبی جاتی هے . راب اور گر مل کی سنید چینی کے مقابلے میں کتابی آنھک منید چیزیں ھیں اس پر کانی آمریکی ڈاکٹروں کی کتابیں بازار میں پڑھنے کو مل سعتى هيں ، ليكن هم أوير كو چك هيں كه سائنسي أثبه وشواس الدامك أنده وشراسي سے زيادہ خطرفاک هرئے هيں . چهنی کی ملوں نے همارے لاکھیں گؤں والوں لے ایک ماتر پوشتک آھار أن سے چھینی لیا اور کنا پیدا اولے والے اکھوں کسانوں کو مل مالكين كا أشرت أور طلم بنا ذالا ، كنا بيدا كرني وألد كسالون كي ، آجال کی مصیبترں پر فتابین فی جاسفتی میں ، چیکی کی ملیں اور بنسپتی کی (۹) کی ملیں دوتوں آکثر ساتھ ساتھ چلتی عين . هماري آجكل كي معاكم اور أن كي تنخواه دار سائنتست المها المن الم إلى مولون كو جاما كے اللہ بزبادى كى چيزين

کے لئے کافذ کا یوبادہ کرتے ، أنهوں تے یوجها کیا اِلعالباد میں کافذ نہیں ملتا ؟ ہم لے جواب دیا۔ ان ایکن مل کا بنا موا' میں ھانھ کے ب**نے ک**فد کا **پریندہ** دراے آیا موں ، کاندہی جی نے جواب دیا۔۔۔'' کافذ تو اس میں هي بننا چاهئي. کياريها يهاري سچه کافذ هاته سے بناتے هيں. مين أسا بوا نهين كيتا . ﴿ لا دُنو مل سے هي بننا چاتك ، تم مل هي کا کاغذ ابني کتاب مين 180 . " تهوري سي اور بات چرت کے بعد عم أن في بات سنج گئے أور "بهارت ميں الكريوس راي ميس مل كا عني كاند لكايا كيا .

با عام نے کاول ایک مثال دی کے ماتھ سے جتنا کافن بن ساء اور جتنا اچها بن سايم الندهي جي أسه پسان كرتے تھے . یو کانڈ کی عام مانگ یا عام ضرورت وہ ملیں سے ھی پورا کرنا چلاتے تھے . چین میں بنی کافل کی ہوی ہوی ملیں هم نے دیکیں' سرکاری بھی اور غیر سرکاری ہوی ، لیکن اِس کے ساتھ سانه نئے چین میں هاته کا کافذ انفا ادھک اور اتفا اچھا بنتا اور كبيتا هي كه شآيد أس كا دسوال حصة بهي بهارت مين فهان بنتا ، شنکہائی کے بازار میں چنھی لکھنے کے کافڈ کے پید ادھکتر اور بوهدا سے بجھیا نم نے هاتھ کے کاعل کے هی دیکھے ، اُنہوں نے أيني تجوداء أديوكون كي أيك قدائهن مين بهي برهيا سے برهيا ار طرح طرح کے عاته کے بنے کافذوں کے انجار عمیں دکھائے۔ کاندی جی مل کے دھادے اور ھاتھ کے دھندے دونوں میں ایک سنتول یعنی سنجوداری کا بیاینس رکهنا چاهتے تھے۔ خاص کر کھالے اور کھڑے سے سبعدہ رکھنے والے سب ضروری دمادے وہ اداعتر کوربلو دہنگ سے هی چلانا چاعتے تھے. ھمارے آج کل کے شاسکوں کے اِس کے خلاف چلقے کی کوششوں کا نتیجہ همیں اپنے گوریلو دھندوں کی بربادی اور کرروں آدمهوں کی برهتی هوئی بیکاری اور نافع کشی کی صورت میں ماف دکرائی دے بعا هے .

کاندہ یے جی کی زندگی میں اُن کے ترستی کے اُصل کے ناكلم عولي كا سوال على بيدا نهين هوتا . كوئي ترستي ابنا فوض پورا نه یعی کرے نو اُس سے اُمول نهیں بدل جاتا ، رہا ونوا جی کا سمیتی دان وہ کیول ایک دانوں کو بدالنے کی كوشش هـ . وه أس سے درهن كو بداننے كا دعوى نهيں كرتے .

کوالے چینی اور چائے کے دعادوں پر مماری رائے

جین نین دعادیں کی ڈاکٹر اوھیا نے چرچا کی ہے۔ کونله' چینی اور چائے اُن کی باہت ہماری رائے یہ ہے۔

(1) کونلے کی کیدان کا دھندا ہوا نازک اور خطرناک دعندا ہے . یہ ایک دو آدمیس کے بس کی چیز نہیں ہے . اسے بہت سے اوک مل کر علی چا سکتے ہیں ، پونجی بنيس كي نحى ديم ريم مين يه دهندا چاليا جائے كا تو أس

के किय कारान का प्रवन्ध करने, चन्होंने पृक्षा क्या इलाहाबाद वे काराज नहीं मिलता ? हमने जवाब दिया—मिलता है लेकिन निक्ष का बना हुआ, मैं हाथ के बने काराज का प्रबन्ध करने जाना है गांधी जी ने जवाब दिया—"काराज तो मिल में ही बनना चाहिये. कुमारप्पा यहां कुछ काराज हाथ से बनाते हैं. में उसे चुरा नहीं कहता. पर काराज वो मिल से ही बनना वाहिने. तम मिल ही का काराज अपनी कितान में लगात्री." बोबी सी और बात चीत के बाद इस उनकी बात समक गर और "भारत में श्रमेजी राज" में मिल का ही काराज सनाया गया.

यह इमने केवल एक मिसाल दी है. हाथ से जितना काराष बन सके और जितना अच्छा बन सके गांधी जी बसे पसंनद करते थे. पर काराज की आम मांग या आम पास्तरत वह मिलों से ही परा करना चाहते थे. चीन में भी काराय की - वड़ी वड़ी मिलें हमने देखीं, सरकारी भी और बैर सरकारीं भी. लेकिन इसके साथ साथ नए चीन में हाथ का काराज इतना अधिक और इतना अच्छा बनता और सापता है कि शायद उसका दसवां हिस्सा भी भारत में नहीं बनता. शंघाई के बाजार में चिट्ठी लिखने के काराज के पैड अधिकतर और बढ़िया से बढ़िया हमने हाथ के काराज के ही देखे. उन्होंने अपनी चरेल उद्योगों की एक नुमाइश में भी बढ़िया से बढ़िया और तरह तरह के हाथ के बने काराजों के अंबार इमें दिसाए, गांधी जी मिल के धंदे और हाथ के धंदे दोनों में एक समतोल यानी समभवारी का बैलेन्स रखना चाहते थे. खासकर खाने और कपड़े से सम्बन्ध रखने वाले सब जरूरी धंदे वह अधिकतर घरेलू ढंग से ही चलाना चाहते थे. हमारे आजकल के शासकों के इसके खिलाफ चलने की काशिशों का नतीजा हमें अपने घरेल धंदों की बरबादी और करोड़ीं आदिमियों की बढ़ती हुई बेकारी और फाकाकशी की सरक में साक विखाई वे रहा है.

गांधी औं की फिन्दगी में उनके ट्रस्टी के उसूल के नाकाम होने का सवाल ही पैदा नहीं होता. कोई ट्रस्टी अपना कर्ज पूरा न भी करे तो उससे उसूल नहीं बदल जाता. रहा विनोवा जी का सम्पत्तिदान वह केवल एक दिलों को बदलने की कोशिया है. वह उस से देश को बदलने का दावा नहीं करते. कोसला, चीनी और चाय के वंदी पर इमारी राय

जिन बीन भेदों की डाक्टर लोहिया ने चर्चा की है -डोबला, चीनी और वाय-उनकी वाबत हमारी राय यह है --

(1) कोयके की सदान का धंदा वड़ा नाजुक और सत्ताक वहा है, वह एक दो आदमियों के बस की नीज नहीं है कि कुर से साम मिलकर ही चला सकते हैं. पूंजी-पतिले के विकी के देश में यह धेवा चलाया जायगा तो उस

کی ہور اور معیدیں ترقی کی بنب سے ہور طبقی دھاتی دیگی میں اور گور کی کی بنا گریئو دستایول آئیس کیوں ایک بھور سے مولی آئیس کی اربعہ سبھتے وہائے کی بادگر آئی ہیں، اُن کا بس چالی آئر سائیال چالیا دیا ہے۔ میں ایک بھوں کو باوں چالیا بدچھ سے اور گرر منکن ہو تو وہ اپنے بچیں کو باوں چالیا بدچھ سے اور ایک بہت ہو ہی سائنس دان کی بہت ہو تھی ہوری کی کی سے رفتار سے ووقعی ہو کہ سے تو دو اور اس کی معیدی سبھیا یدی اِسی رفتار سے ووقعی ہوری تو دو دو اور برس کے بعد جو السان پیدا ہوئی آن کے بغروں میں آئیلیاں قبیان ہیں گی اُن کے بغروں میں آئیلیاں گی اُن کی بعد سے دیکھیں گی اُن کی اُن کی اُن کی اُن کی بعد ہو جانے بہت دیکھیں گی اُن کی اُن کی بعد ہو جانے بہت دیکھیں گی اور اُن کے اُن کی معیدی بھو دائی کے تہ موں گی ۔'' ما مو طرح کی معیدی بھوں کی مدد سے دیکھیں گی اور اُن کے معیدی بھوں کی اور اُن کے معیدی بھوں کی اور اُن کے معیدی بھوں کی دور اُن کی معیدی کی دور آئی کے معیدی بھوں کی دور آئی کے معیدی کی دور گی گی دور کی دور کی دور کی دور آئی کے معیدی کی دور آئی کے معیدی کی دور آئی کے معیدی کی دور آئی کے دور آئی کی دور آئی کے دور آئی کی دور آئی کی

اساللس کی افزائی کی عبارت دل میں دوسروں سے کم قدر البيين ، هم مجاهله هين كه سائلس دن دولي رأت چوگلی ترقی کرے ا همیں چائد اور تاریل تک اوا کو لے جارے اور سازے وشو کو لیک کرتے میں سنجھنے میں اور اُس پر تاہو حاصل کولے میں عمیں مدد ذمے ، پر اسمان امین اُرتے هوالة بهي هم زمين سه أينا سيرك توزيا فيين جاهله ، سائلس ی ترقی کے اللہ مزاروں راستہ کیلے۔ موالے عمن، لیکن هم أسے أس راسته يو چلنے ديفا نہيں چاهتے جس پر وہ آدمی کے الله مان المركب الله على الله معيدون كا البار الله ديد ، هم يد فيدن چلعتے که سائلس ادمی کی سوابیارک سوتئترتا اُس کی اُتم نوبهرقا برکوتی کے سالھ اُس کے سمبرک اور اُس کی قدرتی شمیر کو بربان کو کے آگے بڑھے ، هم سائنس کو آدمی کا ظم بنا كُو رَفِينا حِدا يُدِم هين كُو سائلس كا ظم بلنے دينا تريين بداهتي هدين انسوس ف جيس اور بهت سا معاملون میں آمنی طونے اس معاملے میں بھی ملک کے بڑھ لاھے کیمی بھی مور عارے کی ملیں اور مشیئوں کے خاف فہیں تھے ، وه ملیں اور مھینوں کی بایست ھنارے پڑھ اٹھے لوگیں کے آلدہ وشولس کو تورنا چاہتے تھے ، به سائلسی آفدھ وشواس دھارمک النده وشواسين عد يهي ويادة خطرباك هو سكال هان بأور هوت. میں ، اِس سنبندہ اس کاندھی، جی کے بچاروں کا عبین كانى أسهو الدار

· Facility in the second

को बड़ी बड़ी सरीने सरतको की सब से बड़ी अलामते दिलाई देती हैं और गांव की या चरेलू इस्तकारियां उन्हें केवल एक पिछने हुए असम्य या अर्थ सम्य जमाने की वादगार नजर आती हैं. उनका वस बले और जगर ग्रुमिकन हो तो वह अपने बच्चों को पांव चलना पीछे सिलावें और साइकिल चलाना पहुले. हम यह बात बढ़ाकर नहीं कह रहे हैं. योरप के एक बहुत बड़े साइन्सवां की पेशीन गोई है कि— 'आजकल की मसीनी सभ्यता यदि इसी रफतार से बढ़ती रही तो दो हजार बरस के बाद जो इन्सान पैदा होंगे उनके पैरों में उगलियां नहीं होंगी, उनके सर पर जिन्दगी भर बाल या गुंद में जिन्दगी भर दांत नहीं निकलेंगे, उनकी आंखें गुरू से शीशों की मदद से देखेंगी और उनके हाथ पैर चलने फिरने के काम के न होंगे." हम हर तरह की मशीनों के खिलाफ नहीं हैं.

साइन्स की तरककी की इमारे दिल में दसरों से कम कदर नहीं, हम चाहते हैं कि साइन्स दिन दूनी रात चीगुनी तरक्की करे, हमें चांद और तारों तक उड़ा कर ले जावे और सारे विश्व को एक करने में, समम्बने में और उस पर काबू हासिल करने में हमें मदद दे. पर बासमान में उदते हुए भी हम जमीन से बपना सन्पर्क संबना नहीं चाहते. साइन्स की तरहकी के लिये हजारों रास्ते ख़ुले हुए हैं. लेकिन हम उसे उस रास्ते पर चलने देना नहीं चाहते जिस पर वह आइमी के हाथों आदमी के क्रतल के हथियारों का खंबार लगा है . हम यह नहीं चाहते कि साइन्स आदमी की स्कामाविक स्वतंत्रता, उस की आत्म निर्मरता, प्रकृति के साथ इसके सम्पर्क और उसकी क्रदरती राक्तियों को वर्षाद करके जागे बढ़े. इस साइन्स को जादमी का रालाम बनाकर रखना चाहते हैं, आदमी को साइन्स का रालाम बनने देना नहीं चाहते. हमें अफसोस है जैसे और बहुत मामलों में उसी तरह इस मामले में भी मुल्क के पढ़े लिखे लोग गांधी जी को ठीक नहीं समन्द्र पाए. गांधी जी कभी भी हर तरह की भिलों या मशीनों के खिलाफ नहीं थे. बह मिलों और मशीनों की बाबत हमारे पढ़े लिखे लोगों के बाध विश्वास को तोड़ना चाहते थे. यह साइन्सी अन्ध-विश्वास घार्निक सन्य विश्वासों से भी प्याचा सतरनाक हो सकते हैं भीर हाते हैं, इस सम्बन्ध में गांधीओं के विचारों का इमें काकी अनुसव है.

हमारी कितान "भारत में अपेशी राज" का दूसरा एडिशन 30 हजार जिल्हों का जप रहा का पहला एडिशन बार हजार जिल्हों का पहले निकल जुका का पहले एडिशन में जिल्ह सब्द्र की भी लेकिन काराज मिल का दूसरे एडिशन के लिये हमने सोचा कि काराज मी हाथ का लगाया जाने. इस काराज का अवस्थ करने के लिये वर्धा पहुंचे, गांधी जी से बात चील हुई, एन्होंने पूढ़ा कैसे आर ? इसने जवाब दिया भारत में बारोजी राज की तील हजार जिल्हों

الدهى بهى له جس سے ترستى كا أصول ديقى كے سلط ركا تھا أس سے ديقى ئى جنتا وديشى شاسكوں كے خلاف آوادى نى لوائى ميں لكى هوئى تهى ، أس لوائى كے ختم هولى كے بعد جنتا كو پورا حق تها اور قد كه اپنى چيز ترستى سے واپس ليكو جس دارے تهيك سمجھے أس كا إنتظام كرے ، كرلے ميں هميں جو معارف كى يا درسرى دختيں پر رهى هيں كرلے ميں هميں جو معارف كى يا درسرى دختيں پر رهى هيں أس كى وجه صوف به قد كه درش كے نيكاؤں لے كا دهى جى كى توسيلى كى وجه صوف به قد كه درش كے نيكاؤں لے كا دهى جى كى توسيلى كى وجه صوف به قد كه درش كے دالت ميں سے هى اس اصول كو زيادہ آسانى سے هى اس اصول كو زيادہ آسانى سے دور كرسك و لائے الله الله يہاں كى جاتا كے دالات ميں سے دور كرسكے والله الله يہاں كى جاتا كے دالوں كو زيادہ آسانى سے دور كرسكے والے أور أن كى ضوروتيں كو پرا كرسكے .

شکتی کا بگرارا

آس کے علوہ ہم اِن باتوں میں پیسے کی شکتی ہو' یا راج کی شکتی ہو' یا راج کی شکتی ' یا مال پیدا کرنے کی شکتی' کسی کو بھی تھوڑے سے ھاتھوں میں میں جمع کردیاء کے حق میں نہیں ھیں ، بڑے بڑے کل کارخالرں کا یعنی اِقدساریالنیزیشن کا خبط ایک حد سے پورہ کو همیں اِسی گذشے میں لاکر پانک دیتا ہے ، اگر دنیا کی کروٹرں اُور اُروں جنتا کو چساے سے بچانا ہے اور اُنہیں سے میے آزاد اور خوشجال دیکھنا ہے تو ہمیں اِن سب طوح کی شکھوں کو زیادہ سے زیادہ دور نک پھیلا دینا عراق ۔

مشهنیں اور گریار دعندیں پر کاندی جی

یه سرال هیش برت برت کل کارخارتین اور گهریلو آهریکی جماهین کے سوال کی طرف لے آتا ہے، دیش کے احدید وقع کی لیگین اور منازے احدید شاہمین

गांचीजी ने जिस समय ट्रस्टी का उस्ता देश के सामने रक्खा या इस समय देश की जनता विदेशी शासकों के खिलाफ आज़ादी की लड़ाई में लगी हुई थी. उस लड़ाई के खतम होने के बाद जनता को प्रा इक था और है कि अपनी चीज ट्रस्टी से बापिस लेकर जिस तरह ठीक सममें उसका इन्तजाम करे. फ़र्मीइएरों से जमीनों के लेने में या बड़े बड़े उद्योगों पर क्रक्जा करने में हमें जो अआब के या दूसरी दिक्कते पढ़ रही हैं उसकी कज़ह सिर्फ यह है कि देश के नेताओं ने गांधीजी के ट्रस्टी के उस्ता को नहीं समका वा नहीं माना. कम्यूनिस्ट कहलाने वाले देशों ने अपने यहां के हालात में से ही इस उसल को क्याहा अध्याहा का का तरहां समका और उस पर अमल किया है. इसी लिये वह अपने अपने यहां की जनता के दुखों को क्यादा आसानी से दूर कर सके और उनकी जकरतों को प्रा कर सके.

शक्तिका बदबारा

इसके कताना हम हन नातों में पैसे की शक्ति हो, या राज की सिकि, मा माल पैदा करते की शक्ति, किसी का भी कोड़े के हाओं में जमा कर देते के हक में नहीं हैं. वन वने क्या कादसानों का यानी इंडस्ट्रीनलाइजेशन का सन्त एक इस के कड़कर हमें इस गड़दे में लाकर पटक देता है. अगर दुनिया की करोड़ों और अरबों जनता को जुसने से बनाना है और कन्दें समग्रुन भाषाय और सुशहाल देखना है तो हमें इस सम मरह की शक्तियों को प्यादा दूर तक फैला देना

कार्य और परेड परो पर गांधीजी

्या क्यान हमें को बने कहा कारणान्यें और बनेल क्योग अर्थी के समझा जी व्यक्त के पाका है. देश के क्योग को क्यों को स्वाह को देश का पाका का

नेशनेकार्य करवा टिकाक रखाय नहीं है

हाक्टर लोहिया ने इस सारी स्थिति का जो इसाम बताया है जिसे वह नेशानेलाइय करना कहते हैं वह हमारी-राय में इस रोग का कोई दिकाऊ इलाज नहीं हो सकता. इस सरह की बातों में हम प्रक्सर शन्दों के जंजाल में फस जाते हैं और शब्द भी वह जो हमने योरप की कुछ कितायों से ले लिये हैं, याहे वह हमारे देश की इस समय की हाजत से ठीक बैठते हों या न बैठते हों.

कद थाने प्रान्त के अन्दर हमें भासम है कि प्राने वसींदारों की जगह सरकार के बाजाने से किसानों और स्रोत मजदरों की मसीवतें घटी नहीं हैं, बढ़ गई हैं, बक्राया की कवायनी में किसान को खेती के बैल बेचने की जरूरत पहले कभी न होती थी. अब उसे वह भी करना पढ जाता है. हमारे जो जो स्वापार वा धंदे लोगों के हाथों से निकतकर सरकार के हाथों में आ गए हैं उन में आम तौर पर लोगों की तकलीकें और शिकायतें बढ़ी हैं. हम बाज मानें या कल. इन बादों में देश की जनता के दुख तब तक दूर नहीं हो सकते जब तक हमारा शासन नीचे से ऊपर तक देसे लोगों के हाथों में न हो जो कम तनस्वाहें सेकर सादा जिन्दगी बसर कर सकें, जाम लोगों की तरह रह सकें और हर तरह के अरहाचार से जपर हों. महात्मा गांधी जब हमारे बचीरों भीर हाकिमों के सामने कलीका उमर का जादशे देश करते -ने तो उनका यही मतलब था. पर हमारे इन शासकों को गांधी जी की बावें असल के क्राबिल. सालुम:नहीं होती बीं और आज भी ऐसी ही लगती हैं. नतीजा आंखों के सामने - है. इलाज फिर बड़ी है जो गांघी जी कहा करते थे.

गांधीजी का दुस्टी का उस्ल

हमें दुख है कि गांधीजी के ट्रस्टी के अस्तूल के सम्बन्ध में हमारे बहुत से पढ़े लिखे भाई गांधीजी को ठीक नहीं समस्त्र पाए.

वात बहुत सीधी है. कोई "ट्रस्टी" वस बीज का या वस जायदाद का जिसका वह ट्रः है मालिक नहीं होता. ट्रस्टी के मानी ही यह हैं कि मालिक कोई दूसरा है और उस दूसरे के नावहलिए होने की वजह से वा किसी और वजह से मुल्क के कानून ने या कुंद उस मालिक ने उस चीज वा जायदाद का इन्तजाम कुंछ दिनों के लिये किसी दूसरे के सिपुर्व कर दिया है जिसे "ट्रस्टी" वाणी सिपुर्वदार वहा जाता है. दुनिया के किसी मुख्य के क्रीकृत को भी हम देश, ट्रस्टी के मानी सिवाय इसके और कुंछ नहीं होते. वह चीज ट्रस्टी के पास और उसके इन्तजाम में तब तक है रह सकती है जब तक असली मालिक कालिए न हो, का जब तक वह चाहे, या जब तक वह हासाद म बहुत आए जिनकी वजह से ट्रस्टी मुकरेर किया गया था. بكون أبن بوالبت كے أحدر هميں معلوم اللہ كديرائے ومهدراوں کے چات سرکلے کے آلوالے سے کسالیں اور کینٹ مودوروں کی بصبيبتوں گائے نہيں میں پرہ گئی میں بتایا کی ادانیکی میں کسلی کو کھٹی کے بیل بھوٹے کی فرروس پہلے کھی تھ هرتي تهي. أبيه إحد وه يهي كرفه يو جاتا هد . هبارت جو جو عيدار یا دهنید لیکوں کے ماتھوں سے فعال کر سرکار کے ماتھوں میں آگئے جیں آن میں عام طور پر لوگیں کی تکلیدیں اور شکانتیں بودی هيں . هم آب ماليوں يا كل ابي باتوں ميں دره كي جاتا كے دا تب تك دور فهيل هوسكته جب تك حدارا شاسي ليج ت أرير فك أيس لوكين كے هاتين ميں ته هو جو كم تفخراهين لهاد سامه ولندكي يسر كرسكين عام لوكين كي طرح ره سكين أور هر طرح کے بعرفاللہ اور اس أربر هوں ، مهاتبا کاریمی جات همارے والرون أور حالموں كے ساملے خايدہ عمر كا آدرهن دوس كرتے تھے تو أن لا يهي معالب توا . يو هناري إلى هلبكس كو الدي يخي کی باتوں عل کے قابل معلیم نہیں ہوئی تھیں اور آب سی ایسی اھی لکھی بھیں ، تالیجہ آنکیوں کے سابقے ہے ، عالیے پیر وھی ہے چو گافتھی ہچی کہا کرتے تھے .

البيدى چى كا قيملى كا أمركي

علیں دکا ہے کہ کاریمی جی کے ٹرسٹی کے اُمیل کے سابندہ میں مارے بہت سے پرف تھے بیائی کانبھی جی کو ٹھیک تہیں سنجہ بائی ،

्र ब्रुगायः राष

कार्यक से जागालक, सचने और त्यागी सेवकों में से दिवारी कासके की लवानों, चीना के कारकानों और नाम के बाती की की जो हालत उन्होंने बताई है उसपर हमें संबोध है से विचार करना चाहिये. जो बात डाक्टर लोहिया वे अन्तितिक पार्टिमें की वावत कही है वही हमारी जाज-क्त की सरकार के बारे में कही जा सकती है. मारत सरकार के के का बहुत बड़ा हिस्सा निल मालिकों की जेवों से जाता है. सरकार का किसी न किसी दर्जे तक इन मिल मालिकों के असर में रहना इसका क़ुद्रती और लाजभी नहीं जा है. सबूत हमें क़दम क़दम पर मिलते रहते हैं. देश के दाय के करकों की तरफ सरकार का जो युनियादी रुख है कर इसी असर का नतीजा है, दाल में वैंक मुलाजिमों के प्वार्ड का बदला जाना भी उसी का एक नतीजा है. डाक्टर लोहिया चाहते हैं कि हमारी राजनीतिक पार्टियां आम जनता के पैसे से चलें, पूजीपतियों के पैसों से नहीं. हम उनसे पूरी तरह सहमत हैं. साथ ही यह भी जरूरी है कि इमारी सारी इकुमत आम जनता की गादी कमाई के पैसों से चले, पूंजीपतियों के मुनाकों की हिस्से रसदी से नहीं. इसके यह मानी नहीं कि हम पूजीपितयों को मन चाहे मन के कमाने के लिये और अधिक आजाद कर दें और गरीब जनता पर बोम और बढ़ादें. इसके यह मानी हैं कि हम अपनी हकूमत का सारा ढांचा, अपनी सारी राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को इस तरह बदलें कि हमारी हकूमत बीर सारी मुल्की जिन्दगी जनता के हाथों में और उसी के ं असर में हो.

कायला, चीनी और चाय के घंदे

इसारी कोयले की खदानों में मजदूरों की जो गत होती दै और बीनी के कारखानों में गन्ना पैदा करने वाले रारीव किसानों के साथ जो दुरा सलूक होता है; जिसमें मिल मालिकों के और हकूमत के दोनों के नुमाइन्दे शामिल रहते हैं, इसकी दक्सील में इस यहां जाना नहीं चाहते.

बासाम के बात के बागी में की हालत हमने वहां जा बर बयनी जांकों से देखी है, वहां मजदूरों के साथ जो सबक किया जाता है वह किसीं सभ्य देश में जानवरों के साथ भी नहीं होना बाहिये. हमने वहां के मजदूरों के कारटरों में कोई के बहे हुए रोजियों को दूसरे मजदूर कौरतों जोर बाव के साथ पक ही कोठरी में रक्खे जाते देखा है. जब सबसे कहां के बंगाबी डाक्टर से इसकी शिकायत की तो बाव कार्यों सहस्ता को ठीक मानते हुये भी जपनी मजबूरी कार्य कार्य सहस्ता को ठीक मानते हुये भी जपनी मजबूरी कार्य कार्य के बाय के बारी वो में जाकर मालूम कार्य कार्य के साथ के बारी वो में जाकर मालूम

ع جاگروک سے جاگروک سنچے اور تھاگی سروکیں میں سے هیں ، ھداری کوالے کی کودائیں' چینی کے کارخائیں اور چائے کے بافیجیں عى جو حام أنهوس لے بتائي ه أس ير همين ساجيدگي سه رچار کرتا چامیے . جو بات ڈاکٹر لومیا نے راجنیتک پارٹیوں کی باہت کہی تھ وھی ھماری آجال کی سرکار کے بارے من کہی جا سکتی ہے ، بھارت سرکار کے خربے کا بہت بڑا حصہ مل ماعوں کی جیوں سے آتا ہے ، سرکار کا کسی نہ کسی درجہ تک اِن مل مالکوں کے اثر میں رہنا اِس کا فدرتی اور الزمی نترجه هي ثبرت هدين قدم قدم ور ملق رهت هين . ديش کے ہاتھ کے کرگھوں کی طرف سرکار کا چو بنیادی رم کے وہ اِسی اثر کا نتیجہ ہے حال میں بینک مالزموں کے آبوارڈ کا بدا جاتا بي أسى كا ايك نترجه هي دَاكتر لرهيا چاهتے هيں كه هماري راجنیتک پارٹیاں عام جمتا کے بیسے سے چلیں' یونجی پتیوں کے پیسوں سے نہیں ، ہم اُن سے پوری طرح سینت ہیں ، سانه هی یه بهی ضروری هے عه هماری ساری حکومت عام جنگا نم کارمی کمائی کے بیسوں سے چلے پونجی بتیوں کے منافعوں کی حصہ رسدی سے نہیں ، اِس کے یہ معنی نہیں که عم یونجی یتیوں کو میں چاہے منابعے کمالے کے لئے اور ادعک آزاد کر دن اور غریب جنتا پر بوجھ اور بومادیں ، اِس کے یہ معالى هين كه هم أيني حكومت كا سارا تعاليجا أيني سارى راجینک اور ارتیک ویوستها کو ایس طرح بدایس که میاری حکومت اور ساری ملکی زندگی جنتا کے ماتھوں میں اور اسی کے آثر میں ہو ۔

کونلہ چینی اور چانے کے دھندے ۔

هماری کوئلے کی کھدانوں میں مزدوروں کی جو گت ہوتی ہے اور چینی کے کارخانوں میں گنا پیدا کرنے والے غریب کسانوں کے ساتے جو برا سلوک عوتا ہے، جس میں مل مالکوں کے اور حکومت کے دونوں کے نمائندے شامل رہتے عیں، اس کی تفصیل میں ہم یہاں جاتا نہیں چاعتے .

آسام کے چانے کے باغرجوں کی حالت هم نے وهاں جاکو اپنی آنکھوں سے دیکھی شے ، وهاں مزدروں کے ساء جو ساوت کیا جانا ہے وہ کسی سبھت دھی میں جانوروں کے ساء جو ساوت هونا جاهئے ، هم نے وهاں کے مزدوروں کے کوارٹروں میں کورہ کے بوقا جاھئے ، هم نے وهاں کے مزدوروں کور بنجوں نے ساتھ ایک بھی کوئھوی میں رکھے جاتے دیکیا شے جب هم نے وهاں کے بنگائی دائم سے اس نی شکامت کی تو اُس نے هارے اعتراض کو بائم سے بانی محبوری ظاهر کی ، آسام کے چانے نیکی محبوری ظاهر کی ، آسام کے چانے کے باغوجوں میں جائر یہ معلوم هی نہیں هوتا که بیارت کا راج آنگویوں کے هاتھوں سے فعل کو هندستانیوں کے هاتھوں میں آگیا ہے۔

54' years

डाक्टर राम ममोहर लोडिया ने कहा कि नहीं हाल कोयले की सदामों का है, हमारी कोवले की सदानों से लगभग साढे तीन करोड दन कावला हर साल पैदा होता है. जिस पर लगभग वही प्रस्तृह करोड़ देववा सालाना सदानी

के मालिकों को सुनाफा होता है,

चाय के बारी की का किया करते हुए डाक्टर लोहिया ने बताया कि हमारे देश के बाब के तीन-बीबाई बातायों के मालिक अभी तक अंत्रेज हैं. वही उनका इन्तजाम करहे हैं. देश में हर साल लगभग 75 लाख मन चाय पैदा होती है, इन बारीचों में इल पूंजी लगभग तीस करोड़ रुपथा लगी हुई है, और इस वृजी पर गुनाका हर साल लगमग सी करोड़ यानी एक घरक केपने होता है. इस मनाफे का बहुत थवा हिस्सा हर लाल इंगलिस्तान चला जाता है. मुलाजिमों और दूसरे लोगों के रखने में जो तरफदारियाँ और ह्य-रियायतें की जाती हैं वह अलग.

इस सब हालत का इलाज वह यह बताते हैं कि वह सब धंवे 'नेशनेलाइच' कर लिये जावे'. नेशनेलाइच करने के मानी हैं 'क्रीणियाना' यानी यह कि इन सब सदानों, कारखानों और बासीचों पर क्रीम (रास्ट्र) का यानी देश की सरकार का क्रमजा हो जाने और सरकार ही उन्हें चलाने.

बाक्टर लोहिया ने यह भी कहा कि नेरानेलाइज करने में सबसे बढ़ी दकाबट मुखाबचे का सबाल है और बढ़ी बदी रक्तमें मुखाबचे में वेकर नेरानेलाइच करना बेमानी है.

काक्टर लोहिया की राय है कि इनमें से जो जो भंदे बिदेशियों के हाथों में हैं उनके हिस्से सरकार को खले बाजार में सरीद लेने बाहियें, या "कुछ मुनासिव मुझांबजा" देकर भी इन धवीं को विदेशियों के दायों से जे लेना चाहिये. बाकी घंदों की बाबत उनकी राय है कि जिन थोड़े से बीच के तबके के लोगों की रोजी पर नेशने अक्टब करने से असर पदे वनको थादा बहुत सुआवजा दिसा जाने. औरों को मुखावजा देने की प्रकरत नहीं है.

डाक्टर लोडिया ने यह भी कहा कि इस समाजवाद के जिस चावरों की वरक बढ़ना चाहते हैं इस वक गांधी जी के दुस्टीपन के उत्त या विनोवा जी के सन्पत्तिवान के उस्त से इस कभी नहीं पहुंच सकते. बाक्टर सोहिया का कहना है कि गांधी जी भी ट्रस्टीपन के संजर्भ में जाकाश रहे. डाक्टर लोडिया की राय में इस्टीयन और सम्प्रतिकान से वह प्राप्टे नतीजे वैदा होते हैं जिनसे साराजित्स सहरीफ को फायबे की जगह ग्रक्तसान होता है.

देश की राजनीति पर पूजीवतियों का क्रमुक

राक्टर राग मनीहर लोहिया की फिकी राग से इक सहयत हो या न हो इसमें सदेह नहीं कि बापसर संदिता देता । والمراجع المعالم في عال لاك في المالين الرائي القاد من المائية المائي

کا صابے قامل کے جانے کے تس جہائی بالبحوں کے ماکی الله المراجعات وفي إلى المعلم كرز عين . درهي مين هو سال لک بيک را الهمن چات پيدا مين هـ . اين بالمعمول مين في يولعي لك بيك ليس كروز رويده لكي هوائي الله الرز إنس يوليهي بر منافع هر سال لك بهك سو كرور بعلى ايك أول رويد عود في إس ساقتم كا يهت بوا حصد هو سال البالسال جلا جاتا هي مازمون أور درسوم لوگوں کے رافقہ میں بھو طرف اربال اور رو رعایتیں کی جاتی

إس سب حالت كا عليه وه به بنات هين كه يه سب معند ? فيطالن ، كو الله جارين . فيطائر كرته ركي معنى هين الومهالاة يعلى يه كه إن سب فدالس كارخالين أور بالهيجين ير قوم ﴿ رَاسُلُو ﴾ كا يعنى هيعي كي سركار كا قبقه هو جارت أور سركار

ڈاکٹر لوفیا نے یہ بھی کہا ہے کہ ٹیشنائٹر کرتے میں سب سے برى ركاوية معلوقه كالموال فه أور يرى برى رقدين معارفها مين در كو ليشاللو كوليا يرسعني هي.

قائلر لحميا كي رائي هـ كه إير مين سيجر جو حمدي رديشيون، کے ہاتھوں میں میں اس کے جسٹ سرکار کو کالے بازار میں خرید البلد جاجئين أيا الاعج، مناسب معارفه " ديد كو بهي إن دهادون کو ردیشوں کے جانبوں سے لیے لینا چاہئے ، باتی دهادوں کی باویت اُس کی رائد ہے کہ جن ترورے سے مینے کے طاقہ کے لوگیں کے روزی پر نیشالنو برتے سے آئو پڑے آن کو خورا بہت معارضه ديدا جاويه الهيون كو معارضه ديني كي ضرورت تهين هي

و الكالي المها في يه عن الما كه هم بسالي وأد الي جيس أدرهن كي مارقياً برفالة جامل عين أس لك التعلى على كي الرسالي بن ع الذال يه المهالي ع ساع دان ع الدال الله هم ر المعالي على المراجع المعالي المراجع المعالي المراجع المعالي المراجع المعالي المراجع المعالي المراجع المعالي س ارتقاع کی در سال اداران که از کا کمیران کردند. این کی کار کا میکنده بینوک ارتفاد کی خصار



काक्टर राम मनोहर सोहिया का भाशन

सोशासिस्ट पार्टी के मंशहर नेवा डाक्टर राम मनोहर लोहिया ने 10 विसम्बर सन 1954 को हैदराबाद (दकन) में एक भारान दिया जिसकी कुछ बातें अखबारों में छपी हैं और बहुत काम की हैं. उन्होंने कहा कि हमारे देश की राजनीतिक पार्टियां पूजीपतियों के पैसे से चलती हैं. उन्हों-ने सोगों से एक ऐसी राजनीतिक पार्टी बनाने की अपील की जो जाम जनता के पैसे से चल सके. सोशलिस्ट पार्टी की बाबत अन्होंने कहा कि बाक़ी दुनिया भर की सोशलिस्ट पार्टियां अपने मेन्यरों के चन्दे से या आम जनता के पैसों से बाम करती हैं, लेकिन भारत में सोशलिस्ट पार्टी के सर्व के लिये पैसा "नीचे के लोगों से जमा नहीं किया जाता बल्कि ऊपर से नीचे वालों में बांटा जाता है." उन्होंने यह भी कहा कि भारत में कोयले की खदानों, चीनी के कारखानों और बाब के बासीचों के मालिक हर साल इतने वहे वहे मुनाके कमा रहे हैं कि वह वड़ी आसानी से राजनीतिक पारिट्यों और ट्रेड ब्नियनों को चन्द लाख क्परे सालाना दे सकते हैं ताकि कनके बाकी मुनाकों पर आंच न आने पाए. बाक्टर सोहिया ने बतावा कि बीनी के मिल मालिकों का अनाका बोटे तौर पर पन्त्रह करोड़ क्या सालाना है. को साल हुए भारत सरकार ने यह तय किया था कि गने चौर चीनी दोनों के दाम घटा दिये जानें. गन्ने के दाम घटा विये सए पर बीसी के दाम न घटाए गए, नतीजा यह हुआ कि मिल मालिकों का मुनाका चौर बढ़ गया, गन्ना पैदा करने वाले किसानों को पहले से भी कम पैसे मिले और चीनी सामे वाली जनता को हर सेर चीनी पीछे एक आना सब आदिक देना पड़ा. इस पर किसानों में भान्दोलन हुआ. कार में एक कमेटी बैठाई. फैसला हुआ कि मिल मालिकों के अनुकार में से एक हिस्सा गना पैदा करने वाले किसानों के दिला मान कर इसके बाद भी मिल मालिकों के सन क्रिकेट के कुलाई में से किसानों को कुछ नहीं मिला. वश्यक के के क्या का दिसाय लगना अभी बाकी है.

تاکتر رام منوهر لوهیا کا بهاش

سوشلسٹ پارٹی کے مشاور نیتا ڈائٹر رأم منوعر لوعها نے 10 دسمبر سبي 1954 كو جيدرآباد (دكن) ميں ايك بهاشن ديا جس كي كحه دانين أخبارون مين چهيي هين أور بهت الم کی میں . اُنہیں نے کہا کہ ممارے دیش کی راجانیتک بارلیاں بولجی بتاوں کے بیسے سے چلتی هیں ۔ اُنوں نے الوگیں ۔ س ایک اسی راجنیتک پارٹی بنانے کی اپیل کی جو عام جلتا کے پیسے سے چل سکے . سوشلسٹ دارٹی کی بابت اُنہیں نے کہا که باتی دنیا بھر کی سوشلست پارٹیاں اپنے مببوس کے چابدے سے یا عام جنتا کے پیسرں سے کام کرتی جیں الیکن بھارت میں سوفلسٹ پارٹی کے خرج کے للے پیستہ او ٹیجے کے اوگیں س جمع ليس كيا جاتا باعد أور س نيجي والي مين بانقا جاتا 🛎 ." أُلْمُون في يَعْ بَهِي كَهَا كَمْ بِهَارِتُ مِينَ كَوَنْكِ كَي كَهِدَالُونَ * چیلی کے کارخانوں اور چائے کے بانیجوں کے مالک ھر سال الله بود بود منافع کما رف میں که وہ بری اُسانی سے راجنیتک وارقبون أور ترید یونینس کو چند لاکه روییئے سالاند دیے سکتے همى تاكد أن كے باتى منافس يو أنبي له آلے پائے ، داخر لوهيا لے بتایا که چینی کے مل مالکی کا منافع موثہ طرر پر پندرہ كرور رويده سالات في . دو سال هوام بهارت سركار نے يه طي كيا تھا که گلے اور چھنی دوسوں کے دام گٹا دیٹے جاریں . گئے کے دام گها دیئے کئے ور چینی کے دام نه گھائے گئے . نتیجه یه هوا كه مل ماكس كا منافع أور بوء كيا كنا يبدأ كرني والي كسالين کو پہلے سے بھی کم پیسے سلے اور چیلی کیائے والی جنتا کو هو سهر چيني پيچه ايک آنه دام ادهک دينا يوا. إس ير کسائیں میں آئدولن ہوا۔ سرکار نے ایک کمیٹی بیٹھائی۔ فیصله هوا که مل مالیس کے منانع میں سے ایک حصم گنا پیدا كرف والد كمانون كو ديا جاند . در إس كر بعد يهي مل مالكين كي سي 8 1952 كي منافع مين سے كسانيں كو كمچے نہيں وط . سن 1953-54 كم ملائم كا حساب لكنا أيمي بالى ف.

154 Jun 3

उन्होंने कहा कि हमारे पास पहाड़ी इलाके में भी दब बीची पामीन है. उसका भी छठा दिस्सा भर सीचिये. हम दोनों पर संग्ठा एक साथ लगायंगे, कार्यकर्ता ने दूसरा दलपक भरा. दोनों पर व्योवस ने संग्ठे लगाये. फिर सुशी खुशी सपने पर चले गये. कार्यकर्ता ने रात को वह दानपत्र हमें लाकर दिखाये.

× × ×

[दो रोज बाद-यही आदिबासिसें का केन्द्र-पश्च

प्रार्थना प्रवचन के बाद बस्ती के कुछ मुसलमान भाइयों ने बाबा से कुछ विशेषा मुनना बाहा, बाबा ने बढ़ी स्वसी खुशी उनकी बात मंजूर की. नजदीक में ही एक माई का घर था. उनके सहन में बाबा को खे जाया गया. बहां बह इस मिनट बोले. बहां से लौटकर पढ़ाब पर आ रहे थे. दास्ते में संथाली भाई खड़े थे. उनमें से एक में दोनों हाथ उठाकर कहा.—

बाबा, जमीन लो, जमीन लो. इस जमीन हेंगे. बाबा दो कदम जागे बढ़े कि दूसरे संवाली ने कहा— जभीन लो, जमीन लो, बाबा जमीन लो.

बाबा ने कहा लाओ साओ. सन मिल कर असीन बांट लो. बढोरना बन्द करो, बांडना शुरू करो. साथ में चलनेवाले एक भार से कहा कि इनके दानपत्र भरवा लिये जायें.

× × ×

यमीन वो, जमीन वो इससे ग्रुक्त हुई. जमीन लो, ज्यीन लो अब यह स्पृत्त था गई. इससे प्यादा और क्या हो सकता है ? अब सिर्फ इमारा और कापका, कार्यकर्ता को साम रह जाता है. कार्यकर्ता नहीं, हम यहकर्त कहेंगे. यहकर्ता एक बार उठ सके हों तो देसते देसते यह यह सफल हो जाय. सारे देश में से जमीन की मिलकियत मिट आय-गी. हर कहीं सेत गांव का और खेती किसान की हो गई, इस तरह प्रेम से हो गई, तन किर बीन देसा सकता है जो इस प्रेम की बाहत से, अपनी स्वतंत्र लोकशिक्त हो गई, अपनी स्वतंत्र लोकशिक्त होगा, प्राम होगा, राम हाज्य होगा.

الیوں کے کیا قبطے بھی پہلی طف میں بھی دس بدی وہریں فی آئی کا بھی بھا بجدہ بھر ایجاد ، دم دونوں پر انکرایا بارکید جاہ گائفوں کے ، کارمکرہا نے درسرا دارریکر بعرا ، دونوں پک بردورد کے الاقراف الاف ، پھر خوش خوشی اید کو جلے کار ، کوردورد کے آلف کر وہ ماریکر نصوں اگر دکھائے ،

[جو روا بعد مل أحمى وأسيون كا كيندر براو بوريا]

پرارتینا پوپیوں کے بعد بستی کے تنجہ مسلمان بھائیوں نے بابا سے کنچہ مسلمان بھائیوں نے بابا سے کنچہ مسلمان بھائیوں نے بابا سے کنچہ بھیری خوشی خوشی آن کی بابعد منظور آئی، قودیک نئیں ھی آیک بھائی کا گھر تیا، اُن کے منحن میں بابا او لیے جایا گیا ، رھاں سے لیجکو پراؤ پر آرہے تھے ، راستے میں ساتھائی بھائی کورے تھے ، اُن میں سے لیک کے عالم آئیاکو کیا۔

باداً ومين لوا هم ومهي دراك .

بابا هو قدم آگے بوق که دوسرے سنتھالی نے کیا۔۔ رحمین اوا زمین ٹوا بابا زمین لو .

بابا نے کیا او او ۔ سب ملکر زمین بانت لو ۔ بتورا بند کرو بانگنا شروع کرو ۔ ساتھ میں چلنے والے ایک بھائی سے کیا کہ اِن کے دائے ہارا ایک بھائی سے کیا کہ اِن کے دائے ہارا ایک بھارا ایک جانیں ،

× × ×

कार के साथ मुनिदान और राघा के साथ सम्पत्ति कार कार्यका पहुंच हो जचने वाली बात है. कार्यकर्ताओं ने भी इस मजन को वक्क लिया और खब यह जगह जगह सुनाई कार्य है को नहीं मालूम कि देश के किसी और हिस्से में साथ के साम और मूमिदान का काम इस तरह मजन के कार्य के पांचे जाते हों. विहार के पूर्निया जिले में जनता जनावन की तरफ से ही इस मजन का गाया जाना साफ साक बताता है कि भूदान का मंत्र किस गहराई तक विहार की बस्ती में जा पहुंचा है.

सियाल परगना जिला-आदिवासियों का इलाका-गड़ाव जोडनकीया-सारीक 27 नवस्कर।

संगद्द के दो बजे के क्रारीय कुछ कार्यकर्ता बाबा से सिकी. बन्दोंने बताया कि वदां आदिवासी भाई ज्यादातर रहतें हैं. जनसे जमीन बहुत कम मिल रही है. उनको बद बर है कि इमारी जमीन लेकर पहादियों में या दूसरे लोगों में बांट दी जायगी. बाबा ने कहा कि इसका मतलब है कि बाप उन तक इमारा सन्देश ठीक से नहीं पहुंचा सके. हम नहीं सममते कि आदिवासी भाई इस चीज के सिलाफ क्यों जायेंगे. विवारों को ठीक ठीक सममाने की जारूरत है.

प्राचना हुई. उसके बाद बाबा ने बताया कि हम एक धीमा, दो बीमा, जमीन नहीं बाहते. बिक जमीन की मिलकियत ही मिटाना चाहते हैं. गांव में जितनी जमीन है वह गांव की सममी जाय. जैसे घर के अन्दर की हर बीज किसी एक व्यक्ति की न होकर सारे घर की मानी जाती है और मब घरवाले उसका इस्तेमाल करते हैं, इसी तरह से जमीन किसी एक व्यक्ति की न होकर सारे गांव की मानी जाय और गांव के लोग मिलकर, जैसी जिसकी असरत हो, उसी लिहाज से बांट दें. अब जमीन उसे ही मिलेगी जो बेती करेगा. हम यह भी चाहते हैं कि गांव के साई गांव के बाहर नहीं जायें, जैसे घर के काई गांव के बाहर नहीं जायें, जैसे घर के काई गांव के बाहर नहीं जायें, जैसे घर के काई गांव के बाहर नहीं जायें, जैसे घर के काई गांव के बाहर नहीं जायें के सामले में किसी वाहर की बाहर नहीं जायें के सामले में किसी वाहर

मा अरह अरीज आये घंटे तक वावा का प्रवचन हुआ.

के का समा आरंग हो गई तो बावा पढ़ाव के स्थान पर तीट

कार्य हुए की मंग के पास एक ज्योष्ट्रद संथाल पहुंचा.

कार्य एक कार्यकर्त कुछ साहित्य वेच रहे थे. उनसे उन दृद्ध

के पूक्त कि क्या सुन्दारे पास बानपत्र है ? इम दान लिखाना

कार्य है कह कार्यकर्ता दानपत्र भरने लगा. बुदे सञ्जन ने

कार्य कि अनार पास इसी इलाक़े में 2 बीचा ज्यीन है,

कार्य के पास किस सीजिये, जब यह दानपत्र भर गया

سیٹا کے ساتھ بھرمی دان اور رادھا کے ساتھ سمیٹی دان جورتا
بہت ھی جنچینے والی بات تھ ، کاریہ و تاوں نے بھی اِس بھتیں
کو پعر لیا اور اب یہ جعہ جعہ سنائی درتا تھ ، ھیں ٹیدن
معلوم کہ دیش کے کسی اور حصیہ میں رام کا تام اُور بھوسی دان
کا کام اِس طرح بیجس کے روپ میں بولہ جاتے ہوں ، بہار کے
پررتریہ ضام میں جنتا جناردن کی طرف سے ھی اِس بھجین
کا ٹایا جاتا ہات سات بتانا ہے کہ بھردان کا منٹر کس گہرائی

8 9 9

[سنتهال پرگنت فاح—ادی واسیوں کا علاته—پراؤ لوهن قیا—تاریم 27 لهمبر]

درپہر کے دو بحجے کے قریب کچھ کاریتکرتا بابا سے ملے ، اُنہوں لے بتایا کہ یہاں آدی واسی بھائی زیاد تر رہتے ہیں ، اُن سے زمین بہت کم مل رہی ہے اُن کو یہ تر ہے کہ هماری زمین لے کو پہاڑیوں میں یا درسرے لوگوں میں باتب دی جائے گی ، بارا لے کہا کہ اِس کا مطلب ہے کہ آپ اُن تک همارا سندیشی بارا لے کہا کہ اِس کا مطلب ہے کہ آپ اُن تک همارا سندیشی بارا لے کہا کہ اِس کا مطلب ہے کہ آپ اُن تک همارا سندیشی بیالی اُس جیز کے خلف کیوں جائیں گے وچاروں کو ٹبیک ٹبیک سمجھالے کی ضوروت ہے ،

پرارتھنا ھوئی ، اُس کے بعد بابا نے بتایا کہ ھم ایک بیکھا،
دو بیکھا زمین نہیں چاھتے ، بلکہ زمین کی ملکیت ھی مثانا
چانکے ھیں ، گازں میں چاھتے ، بلکہ زمین ھے وہ گؤں کی سنجی
چائے ، جیسے گور کے اندر کی در چیز کسی ایک ویکٹی کی ٹہ
ھوکر سارے گور کی مانی جاتے ہے اور سب گور والے اُس کا اِسٹعمال
کرتے ھیں، اِسی عارج سے زمین کسی ایک ویکٹی کی تہ ھوکر
سارے گازں کی مانی جاتے اور گؤں کے لوگ ملکز، جیسی جس
کی فرورت ھو اُسی لحاظ سے، بانٹ دیس ، اب زمین اُسہ ھی
ملیگی جو کھیتی کریگا، ھم یہ بھی چلفتے ھیں کہ گؤں کے جھازے
گؤں کے باھر نہیں جائیں ، جیسے گھر کے جھازے گؤں کے بلھو
نہیں جاتے ، اُنیے گؤں کے معلیے میں کسی باھر والے کا دخل
نہیں ھونا چاھئے ،

اِس طرح قریب آدف گھنٹے تا بایا کا پررچن ہوا . جب وہ سبھا ختم ہوگئی تو بایا پراؤ کے استھاں پر لوت آئے . اِس بیج منج کے پاس ایک ویوردہ سنتھال پہنچا . وہاں ایک کاریمکرتا کچھ سامتیہ بیج رقم تھے . اُن سے اُن بردہ نے پہچھا کہ کیا تمہارے باس داریتر ہے اُ ہم دان انہانا چاہتے ہیں . وہ کاریمکرتا داریتر بھرنے گا . بورھ سجن لے بتایا کہ هملے پاس اِسی عقتے داریتر بھرنے گا ، بورھ سجن نے بتایا کہ هملے پاس اِسی عقتے میں عدر بیکھا کہ لیجیئے .

[पूर्णिया पिला-किरानगंज का पहान, वारीक है नक्तानरों है एक रहेंस और रारीफ घराने के शुस्तमान बाई पाणा

से मिलने आये. पादा ने अपनी मांग उनके सामने रसी.

बन्होंने ग्रेर मक्क्या सास कुछ की कुल बेना मंजूर किया—सगमग पांच हजार एकड़, बाबा ने कहा कि जोत की जमीन का हमें छठा हिस्सा चाहिने.

वह माई कहने लगे कि इमारे वहां मुसलमानों में वहनी

का भी इक होता है. इस पांच भाई और दो बहनें हैं.

तो इस माठने हो जाने हैं और भाष इमें माठन

हिस्सा दीजिए, इमारा इक जाप को अंजूर दे न ? जी हो, यह कहकर उन्होंने जोतकी समीन का जाठवां

X

जी हो, यह कहकर उन्होंने जीत की वासीन का जाठवां हिस्से का वानपत्र भर विया, इसके बाद कहने लगे कि जापने जो काम वठावा है हमारे इस्ताब में तो यह कर्ज माना गया है, जापकी मांग इक की मांग है और इनशा अस्ताह, अस्क से जापने जा मांग की है वह असर पूरी होगी.

×

[तारीक S नवन्वर—शुक्द का समय.]

वावा पूर्निया जिले में ही यात्रा कर रहे वे. नवावगंज पीकारिया गांव से कल्यान गांव के पढ़ाव पर जा रहे के रास्ते में जगह जगह गांव वालों ने स्वालत किया. एक जगह द्वीरमोधिकी चौर होलक पर क्षक माई एक बानेका सजन गा रहे वे ---

> सीता सीता राम बोलो, सब कोई भूमियान दे दो, सीता सीता राम बोलो, राघे राघे स्वास बोलो, सब कोई भूमियान दे दो, सब कोई सम्वति दान दे दो, सीता सीता राम बोलो.

वावा यह भजन झुनकर बहुत ही जुरा हुए. पंदाब पर पहुंच कर कहने लगे कि झारक में कहा नमा है कि हम जो महारव देह लेकर जाने हैं उत्तको हो ही काम करने हैं— एक तो भगवान का नाम शिया जाने, दूसरा समाज के लिने दान दिया जाने, यह मजन सतत जारी ग्रांचा चाहिने, वह भजन हमेशा ही जलना चाहिने, सतत देते ही रहना चाहिने, जैसे सामा रोज साते हैं, वैसे देना मी रोज चाहिने,

वसके बाद से यह मजन जगह जगह सुमार्ग करने लगा और एक जगह इसमें यह हफ लिका —

चीता सीचा राज गैताहे, संग मोर्ड मूसियान है की, शार्थ राजे समात गीतहे, संग कोई सम्पत्ति वान है थे. I will have don't do the wind

لِمَوْنِ فَوْمِوْنِهُ خَامِنَ كُلْ كَنِ عَلَى هَمَا مَنْفُو وَمَانِيهِ . الْمُونِ فَالْمُوْنِ عَوْمُ لُولًا ، فَلَا لَمْ لَهَا أَنَّ عَمِيتَ عَلَى وَمُونِي كَا مِينَ عِمَالُ عَمْمَ عِلْمُنْ

و بھی ہوئے کہ صاب ہیں مسلمالوں میں بہتریں کا بھی میں ہے کام النے جائے کو کار بہلوں میں ،

الله من النوى فوتوال من اور أب من الول منع منافل مناولتور أب كرمانار ها كا 9

نعی علی او کہ کو گھوں ہے جوت کی رمیں کا آلہواں مصد لا تھی ہوں کی رمیں کا آلہواں مصد لا تھی کی در کیا۔ او کی خود کیا کہ آب لے خود کیا تھا کہ آب کی کم آلہا کہ معالید اسلام میں تو یہ فولی مالا گیا تھا ۔ آپ کی مالک حد آب ہے جو مالک کی دور ہوں حرکی د

[تاريخ 9 نومير ميم كا سي]

بایا پورٹید فلنے عی میں یاترا کو رف تھے، ٹوآپ کلیے پوکیریا گوں سے کلیاں گوں کے پڑاؤ پر جا رقے تھے، راستے میں جکد جاند کاوں والین نے سراقت کیا ، ایک جاند هارموٹیم اور تعولک پر کچھ بیالی ایک الوکیا بیمین کا رہے تھے۔۔۔

> سینا سینا رام بولو سین کرتی بیومی دایی دیم دو سینا سینا رام بولو رایج زاده شیام بولوا سب کرتی بیومی دایی دیم دو سینا سینا سینا دولم بولو

्रें कार्य कोरों कि किहार यूनिवर्सिटी बाला गणित ता

कांत्रिकी महोदय कहने लगे कि बाबा के मुख से अब

क्या क्या अनेना चाहते हो ? जो देना हो दो.

करील साइय ने कहा कि इमारे लड़कों और हमारे दिस्से की जो जमीन है उसमें से कुल का बठा हिस्सा आपको देंगे. यह इस तीनों भाई, जो एक ही खान्दान के हैं, अलूग अलूग देंगे.

बाबा ने मुस्कराते हुए कहा कि हमें तो कुल परिवार का कम से कम झठा हिस्सा चाहिए. लेकिन आपने यह बिहार यूनिवर्सिटी का गणित लगा ही लियां. बाकी परिवार

का घटा हिस्सा हमें कब मिलेगा ?

कांत्रेसी माई ने जवाब दिया कि वह तो बाबूजी और चाचा जी सलाह करेंगे, सब घर के लोग बैठेंगे और तब जैसी राय होगी वैसा किया जायेगा. इस बक्त तो हमने अपने अपने हिस्से का छटा हिस्सा दिया है.

सच्छी बात है, बाबा ने कहा. हम उम्मीद करेंगे कि जब आपने छटा दिया है तो अपने बढ़े बूदों से बात करके छुत परिवार का छठा हिस्सा तो जरूर दिलायेंगे. लेकिन यह इस बक्षत जो आप जमीन दे रहे हैं वह सब जोतबाली है न ?

समाजवादी नौजवान ने कहा कि अब तो हमने आपको अपना भाई मान कर आपका इक्त दिया है. जब इक्त मिलता - है तब तो अच्छी बुरी सब तरह की चीजें लेनी होंगी.

बाबा मुस्कराए और कहने लगे कि चलिये, आपने हमें घर में जगह तो दी. आपने हमारा इक तो मंजूर किया. लेकिन हम इन्साफ बाहते हैं. आप यह तो देखिये कि जिस रारीब भाई को जमीन देते हैं उसको भी आपकी ही तरह अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिये. तो जमीन के अलावा घर की दूसरी चीजों में से भी उसे हिस्सा मिलना चाहिये. हम आपके सबसे कमजोर और सबसे छोटे भाई हैं. छोटे माई का दावा तो और भी ज्यादा होता है.

क्ष शुनकर कांग्रेसी माई कुछ हैरान से नजर आए. कहने तने कि काबा आप तो धीरे बीरे बागे ही बढ़ते हैं.

आए ही बताइये कि इस क्या कोई अन्याय की बात कह रहे हैं ? ऑपको क्या यह बरदास्त होगा कि आप अच्छी तरह आते पीते हों और आपका माई गई गुजरी हालम में रहे ? इस कस से कम यह सो जरूर उम्मीद करें गे कि बहुए जो इसे प्रसी जमीन देते हैं बह एक बार तुड़वा

कार की यह मांग उन भाइयों ने मंजूर की. इस दश्ह करींच सर्वा घंटे तक यह सत्संग रहा और इस वे और पर बाबा को छठा हिस्सा जमीन दी गई. ایک بھائی ہواں کہ بولیورسٹی والا گنوت تو بتایا ھی تبھن ا گاگئویسی مہودے کہنے لئے که بابا کے متو سے "ب کیا کیا سننا گاگئوسی الجو دینا ھر دور.

وکیل ملحب نے کہا کہ هدارے لوکوں اور هدارے حصے کی جو وسین ہے اس میں سے کل کا چٹا حدے آپ کو دینائے ۔ یہ من تینوں بھائی' جو ایک هی خاندان کے هیں' انگ انگ دینائے .

ہابا نے مستراتے ہوئے کہا کہ ہمیں تو کل پریوار کا کم سے کم چھٹا جاء ہوئی کا گنزت لگا ہے۔ انہوں ہانی پریوار کا چھٹا حصہ ہمیں کب ملےگا ؟

کائکریسی بھائی نے جوآب دیا وہ تو بابوجی اور چاچا جی مقلے کرینکے' سب گھر کے لوگ بیٹھیںگے اور تب جیسی رائم ہوگی ویسا کیا جائرگا ، اِس وقت تو هم نے اپنے اپنے حصہ کا جھٹا حصہ دیا ہے ،

الچھی بات ہے بابا نے کہا ۔ ہم آمید کریں کے کہ جب آپ نے چیڈا دیا ہے تو اپنے برے برزهوں سے بات کرکے کل پر وار کا چیڈا حصہ تو ضرور دلائینگے ، لیکن یہ اِس وقت جو آپ زمین دے رہے ہوں وہ سب جوتوالی ہے تا 9

سیاے وادی نوجواں نے کہا که آب تو هم نے آپ کو اپنا بہائی مان کر آپ الاحق دیا ہے ، جب حق ماتا ہے تب تو اچھی برس سب چیزیں لینی ہونکی ،

بابا مستوائد اور کہنے لئے که چلنے آپ نے سمیں گھر میں جگه کو تھی ۔ آپ نے همارا حتی تو منظور کیا ۔ لیکن سم اِنصاف چاھتے ھیں ۔ آپ یہ تو دیکھٹے که جس غریب بھائی کو زمین دیتے ھیں اس کو بھی آپ کی می طرح آپ پھروں پر کھڑا ھونا چاھئے ، تو زمین کے علاوہ گور کی دوسری چھزوں میں بھی آسے حصہ ملنا چاھئے ، هم آپ کے سب سے کمزور اور سب سے چھرتے عصہ ملنا چاھئے ، هم آپ کے سب سے کمزور اور سب سے چھرتے ہھائی میں ، چھ وقے بھائی کا دعویل تو اور بھی زیادہ عونا ہے ،

یه سورکر کانگریسی بهائی کنچه حیران سے نظر آئے۔ کہا۔ اگے که بایا آپ تو دھیرے دھیرے آگے ھی برعتے جاتے ھیں ،

آپ هي بتايئے که هم کيا کوئي آتيائے کي بات کي رهے هيں ؟ آپ کو کِيا به برداشت هواہ که آپ اُچپي طرح کيائے پيتے هيں اُور آپ کا بيائي گئي گئري حالت ميں رهے ؟ هم کم سے کم يه تو ضرور آميد کريں گے که آپ جو هميں پرتي زمين ديتے هيں وه أيكسبار تروا كر ديں گے .

یاہا کی یہ مانگ اُن بھائیوں نے منظور کی .

اِس طوح قویت سوا گھٹھ تک یہ سٹ سنگ رھا اور حق کے طور پر بایا کو چھٹا حصہ وسین دیکئی .

x x X

वह सबकी सब आप हमें क्वों नहीं से देते ? आपके पाड़ वेकार पड़ी के हमारे काम आजावेगी. हम तो वही कहते हैं कि शैरमजुरुषा कास, अपनी कुल की कुल दे दीजिये और जोस के जानीन में से घर के आई के नाते हमारा हक दे दीजिये.

कांग्रेसी माई बोले कि झाप उस परती जमीन को लेकर क्या कीजियेगा ? कहीं दरिया है, कहीं रेत हैं कहीं कुछ.

आप हमें वह सब देती दीजिये. जैसा होगा हम संभाव लेंगे.

बह तो नवे क्रानून के मुताबिक अपने हाथ से चली जाने वाली है.

जब चली जाने बाली है, तब मी आप नहीं देते ! थीमी आवाज से बकील साहब बोले कि उसका ग्रुजावजा.....

बाबा ने कहा—यह धापने धव धपना दित सोला. उसके मुखाबजे में रुपया मिलेगा, इसी वजह से उस परती जमीन को भी पकड़े हुये हैं. ऐसा क्यों नहीं करते कि रौर-मजरुषा खास का जो मुखाब ता आपको मिले वह हमें दे वीजिये. ऐसा कई श्रीमानों ने किया भी है.

कांग्रेसी सज्जन बोले कि वह तो बड़ें आवसी हैं. न हमारी उतनी इस्ती हैं और न घर बालों की ही इजाजत है.

यह जोप जानिये. लेकिन रौरमजरुका सास खगर काप दे देते हैं तो इसमें जायका कोई तुकसान नहीं होता.

इसके बाद थोड़ी देर सभी जुप रहे. वे लोग आपस में इब्र सलाइ सी करने लगे. एक भाई बोले कि बाबा इस बारों अपने अपने हिस्से का छटा हिस्सा देने को राजी हैं.

बाबा इस पर इसे और कहा आपका कीन सा गिएत है ? पटना यूनिबर्सिटी का या बिहार यूनिबर्सिटी का ? यह सुनकर सब को अवरज हुआ और उनमें से एक ने पूछा कि वह दोनों गिएत कीन कीन से हैं ?

वावा ने बतायां कि पटना यूनिवर्सिटी के पढ़े हुए एक वकील साहब इमें एक जगह मिले. उन्होंने हमें एक बीधा प्रमीन दान में दी और कहा कि छटे हिस्से से प्यादा होती है, हमने उनसे पूछा कि यह कैसे १ तो कहने लगे कि हमारे घर में छल 100 बीधा जमीन है, हम अपने पिता जी के बार लड़के हैं. हमारे पिता जी अभी जीवित हैं, तो हमारे छल के हिस्से में 20 बीधा पड़ां. अब हमारे खुद के तीन सड़के हैं—एक हम और तीन बह, इस तरह हमारे हिस्से के भी चार हिस्से हो गए. हमारे पत्से बांज बीधा ही जमीन बड़ी. उसमें का छठा हिस्सा न है कर कुछ ज्यादा ही दिया.

यह सुन कर सभी लोग इस पहे.

वावा बाले कि यह है आपका पटना यूनिवरिटी का गणित— 00 वीया का छठा हिस्सा एक बीया. तो बसाइवे कि आप हमें किस हिसाब से दे वह है ? وہ سور کے دیکہ کی مسید کی تیمن کے دیکہ ڈ آپ کے ایک کی دیکہ اور آپ کے کا دیکہ کی دیکہ دیکہ دیکہ کی دیکہ کی دیک چاہی ہو کہ کا ایک کی ایک کی دیکہ معجلے اور جو سرکے کی دیکہ معجلے اور جو سرکے کی دیکہ معجلے اور جو سرکے کی دیک وہ میں معرفی میں کی کرنے کے ایک جمارات میں دیک کے ایک کی دیکہ دیکہ کی دیکہ کا ایک کی دیکہ کی دیکہ کی دیکہ کا ا

والفرنس فال الواقع أب أس يردي ومان كو له أو الا المجار الا أن أبين دريا أله فين ريب عبي موه

الله هين وو سب نيد تو درجه ، جيبا موا هم سلهال

ولا تو نئے قانون کے مطابق آپنے ہاتو سے چلی جائے والی ہے۔ جب چلی جانے والی ہا تب ہمی آپ نہیں دیتے ! دعیمی آواز سے وکیل صاحب بولے اُس کا معاودت

بابائے کہاسیہ آپ نے آپ اُرنا دال کھولانے اُس کے معاوفیے میں رویعہ ملے کا اِس کے معاوفیے میں رویعہ ملے کا اِس وہ سے اِس پرتی زمین کو سے پاکرت ھوئے ھیں ۔ ایسا کیوں تہوں کرتے کہ غیر مزروعہ خاص کا جو معاوضہ آپ کو ملے وہ حمیں دیے دیجائے ، ایسا کئی شریمائوں نے کیا بھی ھے ۔

کاتگریسی سجن بولے وہ تو ہزے آھمی ھیں ، تہ ھماری التی هستی هے اور تہ گھر والوں ھی کی اِجازت هے ،

یہ آپ جائٹے ، لیکن غیرمزروعہ خاص اگر آپ دے دیتے ہیں تو آس میں آپ کا کوئی فقصان نہیں ہوتا ،

اِس کے بعد تھوڑی دیر تک سبھی چپ رہے ، وہ الوگ آخو میں کنچ ملاے سی کرنے لکے ، ایک بھائی ہوالے کی بانا ہم چاریں آپنے اپنے حصہ کا چھٹا حصہ دینے کو تیار ہیں ،

بایا اِس پر هنس اور کہا آپ کا کونسا گنوت ہے ؟ پتنا یونیورسٹی کا یا بہار یونیورسٹی کا ؟ یہ سائو سب کو اچرے ہوا اور اُن میں سہ ایک نے پرچھا یہ دونوں گلوت کون کون سے هیں؟ بایا نے بتایا کے پتنه یونیورسٹی کے پرھے ہوئے ایک وکیل صاحب هیں ایک چکہ منے . انہوں نے همیں ایک بیکا وحفی صاحب منی ایک چکہ منے . انہوں نے همیں ایک بیکا وحفی کان جان کا کہ چاتے حصے سے ویادہ ہوتی تھا ۔ ہم نے آن سے پوچھا کی یہ کیسے ؟ کہنے اگے کہ هنارے گہر میں کل 100 ایک چیکھا ومیں طاح ہم آپنے بکا جی کے چار لوکے طیس همارے پڑتا جی ایک جسے میں 20 فیکھا پڑا ۔ انہوں جانے کے حصے میں 20 فیکھا پڑا ۔ انہوں جانے کے حصے میں 20 فیکھا پڑا ۔ انہوں جانے کے حصے میں 20 فیکھا پڑا ۔ انہوں جانے کے حصے میں 20 فیکھا پڑا ۔ انہوں جانے کے حصے میں 20 فیکھا پڑا ۔ انہوں جانے کے حصے میں کا چکا حصہ کہ کہ کہ کار حصور کا جانا حصہ کہ کہ کار حصور کا جانا حصہ کہ کہ کار حصور کیا جانا حصہ کہ کہ کہ کار حصور کا جانا حصہ کہ کہ کار حصور کیا حصہ کہ کہ کار حصور کار حصور کار حصور کیا جانا حصہ کہ کہ کار حصور کار حصور کیا جانا حصہ کہ کہ کہ کار حصور کیا جانا حصہ کہ کہ کار حصور کیا جانا کیا جانا کیا جانا کیا جانا کیا جانا کیا جانا کیا کہ کہ کار حصور کیا جانا کیا کہ کہ کے کہ کہ کار حصور کیا جانا کیا کہ کہ کار حصور کیا جانا کیا کہ کہ کہ کہ کار حصور کیا جانا کیا کہ کہ کیا جانا کیا کہ کہ کیا جانا کیا کہ کار حصور کیا جانا کیا کہ کار کیا کہ کیا جانا کیا کہ کیا جانا کیا کہ کار کیا جانا کیا کہ کیا جانا کیا کہ کیا جانا کیا کہ کار کیا جانا کیا کہ کیا جانا کیا کیا کہ کیا جانا کیا کہ کیا جانا کیا کہ کیا جانا کیا کہ کیا جانا کیا کیا کہ کیا کہ کیا کہ کیا کیا کہ کیا کہ کیا کہ کیا کہ کیا کیا کیا کہ کیا کیا کہ کیا کہ کیا کہ کیا کیا کہ کیا کہ کیا کہ کیا کہ کیا کہ کیا

ية سائر سب في لوك هاس يزيد -

पानि असी के पास क्षम रहेगी जो खेती खुद करेगा.

क्षित्र कर्ती के पास रहेगी जो खुद पहेगा. इस जानते हैं कि
काप में से धार लोग जाज खुद काम करने की इस्तद में नहीं
है क्षम जानकों मुदलत देने का तैयार हैं, क्यादा नहीं, चार
क्षित्र करके की. इस बीच खाप अपने सबकों को तैयार
क्षित्रके सार्क वह और खटने वाले मजदूरों के लड़के एक
साथ मिल कर काम करें, फिर इस ,आपसे पूछना चाहते
है कि जब खाप बकालत करते हैं तो जमीन रस कर क्या

बाना की बात को दालते हुए वकील साहब ने कहा कि

अभी सोग समने नहीं हैं.

कांमेसी आई कहने लगे कि बाबा हम देने को राजी भी हों, केंकिन घर के बुजुर्ग कहां भानते हैं. आनी ऐदी नटी एक करके जन्होंने जमीन हासिल की है. अब उसे कैसे जाने दें ?

बाबा बोले कि इस इस बात में नहीं पड़े ने कि आपके बाबा बात में नहीं पड़े ने कि आपके बाबा बात में नहीं काते. बात में नहीं काते. बात में नहीं काते. बात में ना कि बाद की कात की मादेशिक कांग्रेस कमेटी ने 32 लाख एकड़ के लिये एक प्रस्ताव पास किया है, बसे बाहराया, तब भाषका क्या फूर्व हा जात। है?

इस पर समाजवादी नीजवान वाले कि या संस्कृतर ता

भाषा ही करते हैं.

बाबा ने बनकी तरफ देखकर कहा कि आपके पार्टीवाले ता कहते हैं कि बाबा ने हमारा ही काम बठाया है, ता हम कहते हैं कि हमारे बठाने पर क्या आपने अपना काम बन्द कर दिया ? आप लाग ता बढ़े (बांचन हैं, आ के नता जय अज्ञास बाबू ने इस क्राम के लिये अपील की. लें। कन आप कैसे आजुयायी हैं कि अपने नेता की बात सुनी अनसुनी कर देते हैं.

क्रेज्य आई बोसे कि बाबा यह वा हाना ही. क्योंकि कार्यकी इस मांग से तो पहले अन्ते पर हा हाथ साफ करना

Table 2

दां, काजा ने बढ़े जोर से कहा. यह बात है, अगर सुद देना नहीं होता तो इनको भी कांग्रेस का प्रस्ताव मंजूर था और इनको भी प्रजा पार्टी का प्रस्ताव मंजूर था. यही हमारे काम कीर कुसरे के कामों में फूर्ज है.

नवीता साहन ने कहा कि शब्दा, बाज तो हमारा क्रमण अपूरा कर सीर्जिये, बठा हिस्सा बाद में पूरा करेंगे,

्रिक्त कोंच हुटा हिस्सा देने को राजी हैं तो "ग्रुमस्य कार्य के का दोकारा आपके गांव में हमारा आना होगा और का कार्यके मेंड होगी ?

के के के करीन बहुतेरी बेकार पनी है, न उसका

E CHANGE & COURT.

ومین آسی کے پاس آب رہ کی جو تورکی خود کردھ کا ، هم جائے ۔ اسی کے پاس رہ کی جو خود بڑھ کا ، هم جائے ۔ اسی کے پاس رہ کی جو خود بڑھ کا ، هم جائے ۔ اس کی آپ میں سے سب لوک آج خود کام کرلے کی حالت میں فیمیں میں ، ویادہ نہیں چار پانچ برس کی ، اِس بیچ آپ اپنے لوکوں کو تیار کھھٹے تاکہ وہ اور کھٹے والے مزدوروں کے لوکے ایک سانہ مل کر کام کریں ، پھر هم آپ سے پہچھا چاہتے هیں که جب آپ وکالت کرتے هیں نو وسین رک کر کیا کیجئے کا کا

یایا کی بات کو ڈاکٹے عوائے وکیل صاحتی نے کیا کہ آبھی۔ لوگ سنجھے ٹیش فین . . .

کالکریس بھائی کہنے لئے کہ بابا دم دینے کو راضی بھی ہیں؛ لیکن گھر کے بورگ کہاں ماتے ہیں ، اپنی ایوی چوٹی آیک کر کے اُنہوں نے زمین حاصل کی ہے، اب اُسے کیسے جانے دیں؟

بابا بولم که دم اِس بات میں فہیں پریں گے که آپ کے پاس زمینیں کس طرح آئیں ؟ دم پنچهای باتوں میں فہیں جاتے ، اُس سے نه آپ کو دائدہ ہے نه کسی اور کو ، لیکن دم آپ سے تو یه جَانَنَا چَلَعَیْن کے که جب آپ کی پرادیشک کانگریس کمیٹی نے لائد لاکھ ایکڑ کے لئے ایک پرستاؤ پاس کیا اُسے دھرآیا تب آپ کا کیا فوض ہو جاتا ہے ؟

۔ اِس پر سمانے واد*ی او*جوان ہولے کی یوں سرکلر تو آیا ھی۔ کرتے ھیں ،

بابائے اُن کی طرف دیکھ کر کیا کہ آپ کے پارٹی والے مو کہتے ھیں کہ بابائے ممارا ھی کام اُنھایا ھے، تو ھم کہتے ھیں تع ھمارے اُنھائے پر کیا آپ نے اپنا کام بند کر دیا آ آپ لوگ نو برحہ وچتر میں ، آپ کے نتا جے پرکاش بابوئے اِس کام کے لئے اپیل کی ، لیکن آپ ایسے انوبائی ھیں کہ اپنے نیتا کی بات سلی آن سلی کر دیتے ھیں ،

گریجویت بهانی بولے که بابا یه تو عولاً هی ، کیوتکه آپ کی اِس مانگ سه تو پہلے اپنے پر هی هاته مان کرنا پرنا هے ،

ھان' بابا نے بڑے زور سے کیا . یہ بات ہے ۔ اگر خوں دینا نمیس ہوتا تو اُن کو بھی کانگریس کا چرستاؤ منظور تھا اور اُن کو بھی پرجا پارٹی کا پرستاؤ منظور تھا ، یہی ہمارے کام اور درسرے کے کامیں میں فرق ہے ،

وکیل صاحب نے کیا کہ اُچیا آئے تو هماراً دان پائے قبول کو لیجائے ، ِ عبد میں پرروا کرینگے ، ِ

جب آپ چھٹا حصہ دینے کو راضی ھیں تو '' شوپیسیہ شیکورہ'' کب بربارہ آپ کے گان میں عمارا آنا عوکا اور کب آپ سے پیهنٹ ھوگی ؟

غرس وبجه تو وحين بيتري بيكار پري هـ، ته أس كا كركي بيساب عد ته كتاب ،

मेरे यहां यह कोई अदालत नहीं है जहां एक इसरें की नेन्या की जाये. यह तो प्रेम का सत्याण है जहां हम अपने देल की बात कहते हैं, अपने अपने दिल का मैल सर्थ शाहिर करते हैं. मैं आपके सामने बहुत सी पेसी मिसालें रिश कर सकता हूं जिन्होंने छटे की तो बात ही क्या, बीमा हेस्सा दिया है, आधा हिस्सा दिया है और बीसियों ऐसी मेसालें हैं जिन्होंने सब का सब दे दिया है. आप नीचे गराने वाली मिसालों का ही अनुकरन क्यों करें ?

इमारा निवेदन है कि आज जो इसने दिया है वह

क्रमूल किया जाये. बाकी जागे दिया जायेगा.

वावा बोले इम चाइते हैं कि आप इमारी बात समक तें. आप इमें अपने घर में दरिइनारायन के प्रतिनिध के तिर पर जगह दीजिये. अगर आप घर में पांच भाई हैं तो इमें छठा हिस्सा दीजिये, तीन है तो चौथा, सात हैं तो आठवां, अकेले हैं तो बेग्रवर का. लड़के बच्चों का इम छुमार नहीं करतें, क्योंकि लड़के बच्चे सभी के होते हैं. यह हमारी धर्म की मांग है.

यह सुनकर चक्कील साहब जरा जामोरा हुए भीर कुछ सोचने लगे. मैजुण्ड बाबू ने कहा कि हमारा जुद का ही कास नहीं बलता, उधर सरकार भी तंग करने जा रही है.

उनकी बात पर जोर देते हुए क्कील साहब कहने लगे कि अभी सिलींग बनने जा रहा है, सिलींग बनने पर आप-

को जमीन कौन दे देगा ?

वावा ने कहा यह तो हम जानते हैं. और जापकी जनस सरकारी क्वान्त को वेकार. बनाने में लगी हुई है. दैपरावाद का किस्सा है कि जब हम वहां चूमते ये वहां सरकार सिर्झींग बनाने की सोचती थी. वह सोचती रही. इस बीच वहां के वर्मांवारों ने जपने लड़के, भाई, मलीजों के नाम जमीनें लिसा हीं. जब वहां शायद सी सवा सी पकद का कावृत्त बना है. इसका बनना न बनना बराबर है. जापके विहार में भी सम्मिलित परिवारों को तोका जा रहा है, बरवाले रिस्तेदारों के नाम से जमीनें लिखा रहे हैं. दो साल बाद या जब भी क्वान्त जाये तब सब क्यीने बंदी हुई मिर्लेगी

तो इसके यह माने हैं कि सरकार कानून किक्त में

वना की है.

यह तो जाप हमसे ज्यादा बेहतर जानते होंगे. बाजा के लाग सुन कर सब इस परे. फिर बाजा ने कर कि होगारी मांग की जाराजियत जाप समने नहीं, हम तो जाने की विल्का कियत ही विला देना जाहते हैं. जानिज पर सामकी का दावा करना रालव है. हरवर के क्रान्त के जिलाज है. यही वार समझाने के लिये हम गांव गांव कुमते हैं. जैसे हजा, जाती जीर सुरज की रोशानी तो किसी की मिलाकियत नहीं, कैसे ही जानीन पर किसी की मिलाकियत नहीं सह समझी.

مناز البندي م كه أي جو مم له ديا ها وه تبول كا جالم ،

بقى الله ديا جانه كا.

بایا ہوئے کا جم چاہتے ہیں کہ آپ ساری بات سمجے ایس ، آپ ساری بات سمجے ایس ، آپ ساری بات سمجے طور پر گئی ہیں اپنے بیائی ہیں اور بیانی ہیں تو جوتھا سات ہیں تو جوتھا سات ہیں تو افران اکا ، لوکے بجوری کا جم شمار لیس کرتے کیوئٹک لوکے بچے سبھی کے ہوئے ہیں ، یہ هماری دھرم کی مانگ ہے ،

ید سن کر وکیل صاحب ذرا خاصوهی هوئے اور کچھ سوچانے اللہ ، گریجوروٹ باہو نے نے کہا کہ هدارا خود کا هی کام نہیں

چلتا ادهر سرار بهي تنگ كرنے جا رهي ه .

اُن کی بات پر زور دیتے ہوئے وکیل صاحب کہتے لئے ته اُسی سندک بلتے جا رہا ہے ، سُلنگ بنے پر آپ کو رضونی کون در مدید گا

نابا ہے کا یہ او هم جائے هیں ، اور آپ کی عال سرکاری قالوں کو پرکار بائلے میں لکی هوئی هے . هدرایاد کا قصہ فے کہ جب هم رهاں گرستے تھے رهاں سرکار سلنگ بائلے کی سوچتی تھی ، اس بیچے رهاں گرستے کی سوچتی تھی ، اس بیچے رهاں کہا دیار ہے اپنے اوک بیانی بیچینویس کے غام زمیلیں لکیا دیں ، آپ وهاں شاید سوسیا سو آیکر کا قالوں باٹا فی ، اس کا باتا بد باتا ہوار ہے آپ کے بہار میں بھی سماحت پریواروں کو تیار جا رہا ہے ، کی دول دیار جب بھی قالوں گئے تب سب کو تیار جا باتا ہیں باتا ہے ، کی دول دیا جب بھی قالوں گئے تب سب بی میان کی ایک نہیں دیا جب بھی قالوں گئے تب سب دیا جب بھی قالوں گئے تب سب

कि वर्त के बार बरन में से एक चरन, भद्रा तो अब भी इसारे देश में बसवान है. लेकिन बाक्षी तीनों—प्रेम, त्याग कीर सम्म सुख पुष्त हो रहे हैं. इसी बजह से हम अधर्म को बम समस्मेन लगे हैं. और आनन्द स्वरूप सृश्ठा, आनन्द स्वरूप सुनिट होते हुए भी देश में दुख बढ़ा है. इसलिये हमें अपने धर्म की पूरी तौर पर पहचानना चाहिये.

प्रार्थना प्रवचन के बाद बाबा बूमने को निकलने वाले ही वे कि तीसरे पहर बाले माई उनके पास आ पहुंचे. हाथ जोककर उन्होंने कहा कि हम आपसे कुछ कहना चाहते हैं. बाबा बोले कि कहिये, आप तो हमसे मिले भी थे.

जी हां, उस समय आपके दर्शन किये थे. आपका व्याख्यान सुनने के बाद में अब पांचवा हिस्सा पूरा कर देना जाहता हूं. हमारे घर में हम बार हैं, आप पांचवे हो जाते हैं. ह: बीचे का दान हम भर चुके हैं. दो बीचे का यह दानपत्र हाजिर है.

वह दानपत्र उन्होंने बाबा के हाथ में दे दिया. बाबा ने इसे प्रेम पूर्वक स्वीकार किया. इसते हुए बोले कि हमें उम्मीद है कि अब आप हमारे कार्यकर्ता हो गये. जिस निश्ठा से आप ने हमें दान दिया है आप दूसरों से भी दान हासिल करेंगे. उन भाई ने प्रनाम किया और चले गये. बाबा धूमने को निकल गये.

× × ×

[नवन्बर का महीना—सहर्सा का जिला— एक छोटा लेकिन बढ़ा समृद्ध गांव]

अस गांव की दो इजार बीचा जमीन में से क़रीब 8/4 दो परिवार में और बाक़ी गांव के दूसरे लोगों के पास थी. उस परिवार वालों में से क़रीब 60 बीचे का दानपत्र भरा गया. बाबा के आदेश के अनुसार वह दान-पत्र उनको वापिस कर दिया गया. रात को प्रार्थना के बाद बह भाई लोग बाबा के पास आये. उनमें से एक माई फ़ैजुएट ये. दूसरे बकील थे. तीसरे कांग्रेस के अच्छे कार्यकतो थे. चौथे की प्रजा समाजवादी पार्टी में बड़ी श्रद्धा थी. उन्होंने एक लिखित पत्र बाबा को दिया जिसमें कहा कि हमारा दानपत्र बायस करके इस गांव की जनता का अपमान किया गवा है. दूसरे कार्यकर्ता भी मौजूद थे.

बाबा ने कहा कि सबसे पहले हम आप से कहना बाहते हैं कि हम किसी की बदनामी नहीं चाहते. हमें किसी की बाबक गिराना पसन्य नहीं. हम ऐसा काम चाहते हैं कि विसमें प्रेस भाष पैंदा हो और विल जुड़े.

बाकीस आई बोले कि इम भी यह चाहते हैं. लेकिन हमें कि है कि इसारा वानपण वापिस कर दिया गया. मगर दूसरे के दावपण जो कठे दिस्से से कम के हैं, वह रस लिये गये हैं. که دھوں کے چارچرن میں سے ایک چین کردھا تو آب ہی ھاڑے دیش میں بلوان ہے ۔ لین بانی تینوسسپریم تیاک اور شرم—لنبے پنج هو رقے هیں ، اِسی وجه سے عم دهرم کو آدھرم سنجھنے لکے هیں ، اور آئند شروپ سرشها آئند شروپ سرشها آئند شروپ سرشها آئند شروپ سرشها گئے همیں سرشٹی هوئے بھی دیھی میں دکھ بڑھا ہے ، اِس اِللہ همیں اُنے دهرم کو بوری طور پر پہنچاننا چا، لُمے ،

پرارتھنا پروچن کے بعد بابا گھوسیے کو ٹکلنے والے ھی تھے کہ تھسرے پھر والے بھائی اُن کے پاس آ پہوتیچے ، ھاتھ جوزہ کر اُٹھوں نے کہا کہ ہم آگ سے کنچے کہنا چاھتے ھیں ، بابا ہولے کہ کہیے آپ تو ھرسے ملے بھی تھے ،

جی هاں' أس سيے آپ كے درشن كثير تھے ، آپ كا وياكھيان پهناہ كے بعد ميں آب پانچواں حصہ چرا كردينا چاھتا ھوں ، سمارے گهر ميں هم چار هيں' آپ پانچويں هوجاتے هيں ، چن پيكھ كا دان هم بهر چكے هيں ، دو بيكھ كا يه دان پتر حاضر هے۔

وہ دان پتر اُنہیں نے بابا کے هاتھ میں دے دیا . بابا نے اُسے پریم پوروک سویکار کیا . هنستے هوئے ہولے که همیں اُمید هے که آپ همارے کاریمکرتا هوگئے . جس نشتها سے آپ نے همیں دان دیا ہے آپ دوسروں سے بھی دان حاصل کریں گے . اُن بہائی نے پرنام کیا اور چلے گئے . بابا گھومئے کو نکل گئے .

,× × x

أس كاؤں كى دو هزار بيكها زمين ميں سے تريب 3/4 دو پربوار ميں اور بابى كاؤں كے درسرے لوگوں كے پاس تھى ، آس پريوار والوں ميں سے تريب 60 بيكے كا دان پتر بهزا كيا. بابا كے آديش كے انوسار وہ دان بتر ان كو واپس كو ديا كيا ، رات كو پرازتهنا كے بعد وہ بائى لوگ بابا كے پاس لئے . أن ميں سے ايك بهائى گريجوئيت تھے ، درسرے وكيل تھے ، تيسرے كانگريس كے اچھے كاريكوئا تھے ، چوتھے كى پرخا سماج وادى پارئى ميں بتى شردها تهى ، أنهوں نے ايك سماج وادى پارئى ميں بتى شردها تهى ، أنهوں نے ايك لئيت پتر بابا كو ديا جس ميں كيا كه همارا دان پتر واپس كر كے اس كازں كى جينتا كا ايمان كيا گيا ھے ، درسرے كاريكوئا بھى موجود تھے ،

بابا نے کہا که سب سے پہلے ہم آپ سے کہنا چاہتے ہیں کہ ہم کسی کی آبرو گرآنا کہ ہم کسی کی آبرو گرآنا پسند نہیں ، هم آیسا کلم چاہتے ہیں که جس میں پریم بهاؤ بیدا ہو آبر دل سے دل جویں .

وکول بھائی ہولے که هم بھی یه چاھیے میں ۔ لیکن همیں فکھ که که هم بھی یه چاھیے میں کردیا گیا ۔ مگر فوسوں کے دان پار جو چھیے حصہ سے کم کے هیں وہ رکھ لیے گئے هیں ،

बढ़े माई ने कहा कि सबा बीचा दे चुके हैं, बेढ़ के

बाबा मुस्कराये और कहा कि यह तो आपने सब्बी का सा बाजार बना दिया. इस पर सभी हंस पड़े.

कार्यकर्ता भाई ने कहा कि अब यह देव वो क्या करते हैं ? छठा हिस्सा पूरा कीजिये और जनता जनार्यन का आरीबीव हासिल कीजिये.

उन भाई ने कहा कि अच्छा हो बीघा लेकर ज़तस कीजिये. उन्होंने दानपत्र बाबा के आगे बढ़ाया और उठने लगे.

बाबा ने दानपत्र उन्हीं को लौटाते हुये कहा कि आप कुशल सौदागर दिखाई पड़ते हैं. लेकिन हमें तो यह आपका सत्संग मिला है. हम ऐसी इसमें कोई बात नहीं करना चाहते हैं जो आपकी शान के खिलाफ हो.

कमरे में फिर खामोशी रही. कार्यकर्ता आई बोले कि आप श्रीमान हैं और अब आधे बीचे की बात ही क्या है ? 'लेकिन वह दोनों टस से मस नहीं हुये. पर उनके चेहरे पर बहुत उदासी थी. दुख से गजा भरा हुआ था. बाबा भी आंखें मृत्य कर माना समाधिस्थ बैठे हों.

योड़ी देर बाद बड़े भाई ने कहा कि बाबा आप दानपत्र नहीं जेते हैं, हम घर क्या मुंद लेकर जायेंगे १ और भरी हुई आबाज से कहने लगे कि अब नहीं सहा जाता है. आप यह दो बीचे की भेंट ले ही लीजिये.

बाबा शान्त रहे और कुछ नहीं बोले. कार्यकर्ता आई ने कहा कि अब जब आप इतने दुसी हैं तो जरा उन दुखियों का ध्यान कीजिये जिनका कोई पूछनहार नहीं.

बढ़े भाई ने एक दिवकी सी ली और आंखों के तले कपढ़े से मोती की बूद पोंछते हुए कहा कि अच्छा मगबन छठा हिस्सा आंपको समुर्थित है.

वाबा ने आंखें खोलीं और कहा कि ईरवर आपको बल दे और दीन दुखियों की सेवा की सतत प्रेरना दे.

इस प्रकार बड़े भाई ने, फिर छोटे माई ने अपने अपने छटे हिस्से का दान कर दिया और बाजा से बिदा ली.

करीय एक महीने बाद बाबा दरभंगा जिले के उत्तरी हिस्से में पून रहे थे. चालीस एकड़वाले एक जीमान ने हैं एकड़ का दानपत्र भरा, तीन बजे के करीय बाबा से मिलने आये. कहा कि मैंने आपका गीता प्रवचन पढ़ा है. मुने उससे बहुत प्रेरमा हुई है. जाज मैंने अपने लगमम बढ़े हिस्से का दानपत्र भरकर आपके कार्यालय में दे दिया है. बाबा मे जय जय कहकर जनके ममाम स्वीकार किये. सादे तीन की प्रार्थना हुई, एसके बाद बाबा का प्रवचन हुआ, कावा ने अस प्रवचन में बतुरपाद धर्म की न्याक्या की, उन्होंने कहा ریاں بیا ہی کے کہ کے بیرا بھیا دیے چیے حس کیوہ لے البحال آ بنیا سنٹوالے کی کہا کہ یہ کی آپ نے سنزی کا سا بازار کا ریا ہے گئے پر سینی فانس پڑے ۔

عَلَيْكِنَا مِهِ فِي فِي كُم أَبِ مِه دَورِة دو كَمَا كُرَةِ هَيْنَ الْ جَهَنَا حصة بِيرًا كُرِيجِلُمُ أَبِي جَنَنَا جَفَارِدِن كَا أَشْهِرَا دُ حَامِلَ كَبَعِيْمَ . أَنْ يَعَلَى فِي كَمَا كُمْ أَيْجِهَا هِو مِيكِمَا لِيكُو خَمْمَ كَرَجِيْمَ . أَنْهِون فِي دَانِ رَقِرَ هَامًا فِي أَكُمْ يَرِهَامًا أَمِو أَنْهَا لِكُو .

جان فی داریکو آنیفی لوائے ہوئے کہا کہ آپ کشل سرداگر دکیائی چرٹے میں بالیکی ہمیں تو یہ آپ کا ست ساک ملا ہے ۔ ہم اینی اس بہیں کوئی بات نہیں کرنا چاہتے میں جو آپ کی شان کے خطاب ہو ہ

کسرے میں پھر خصوتی رہی ، کاریدکرتا بھائی ہوئے کہ آپ شریمان ھیں اور آب آنگ بہتھے کی بات ھی کیا گا۔ لیکن وا درقوں کس سے مس نہیں ھوئے ، پر اُن کے چہرے پر اُدائسی تھی ، دکھ سے گا بھرا ھوا تھا ، بایا نہی آنکھیں موتد کر مانو سمادھست بیاتھے ھوں ،

تھوڑی دیر بعد بڑے بھائی نے کہا کہ بابا آپ داریتر انہیں لیتے ھیں کم گھر کیا منہ ایکر جانوںگے ؟ اور بھری ہوئی آواز سے کہنے اگے کہ آپ نہیں سہا جاتا ہے ۔ آپ یہ دو بیکھے کی بھینٹ لے ھی لیجھئے و

ماہا شانت رہے اور کچھ قیمی مولے کاریمکرتا بہائی نے کیا که اب جیب آپ اِتام دکھی هیں تو ذرا اُس دنیا کا دهیاں کلجئے جن کا کوئی پرچھوں ماہ نہیں ہ

جورات بھائی نے ایک مجانی سی لی اور آنکھوں تلے کوڑے سے موتی کی ہوتا ہوئی پولچیاتے ہوئے کہا کہ آنچا بھاون چوٹا جصہ آپ کا سمویت ہے۔

یاں نے آتمیں کھوائیں آور کہا کہ اینشور آتھ کو بل دیم آور دین دگھیں کی ستحت پریرینا دیے ۔

اِس پرکار بوے بھائی نے اربور جھوٹے بھائی نے اپنے جہتے حصہ کا دلی کرگایا اور بیابا سے بیدا لی .

काम नहीं करेंगे कि कलाने बाबू साहब ने बाबा को ठग विका के श्रीका कमीन थी, उसमें से सिर्फ सवा एकड़ दिया. क्य नहीं बादते कि इस तरह आपकी चर्चा हो. आपकी विकास हों मंजूर नहीं. इम चाहते हैं कि आप इस पर सो में बीद फिर बापनी इस्ती के मुवाबिक दान दें.

किया वैद तक कमरे में सामोशी रही. वह दोनों भाई, वृसरे भीमान और कार्यकर्ता सभी चुप वे. तव वावा ने वन दीनों आहनों की तरफ वेसकर कहा कि पहले यह वताइये

कि आप दोनों अलग अलग क्यों हो गये ?

क्न सहयों के बेहरे पर मानी हवाई सी वह गई. थीमे

स्वर में एक ने कहा कि घर में नहीं बनती थी.

बाक बोसे कि इस जानते हैं कि आजकल ऐसा बहुत होता है. लेकिन जब चापकोनों का दिल एक वा तो अपने बर में भी समका सकते थे. यह क्रनवा तोवने से क्या क्रायदा १

दोनों भाइयों की आंखों से वस आंस् गिरने की ही

कर्सर रह गई, कमरे में सम्राटा और भी बढ़ गया,

उस समाटे को नेधते हुए बाबा ने बड़े भाई से पूछा कि आप घर में किसने जानी हैं ?

में. मेरी जी. और एक लड़का जिसकी उम्र 16 बरस

की है.

तो हम आपके घर में चौथे हो जाते हैं. इसलिये हमें चीमा हिस्सा मिलना चाहिये, क्या जाप हमें अपने घर में

भाई के तीर पर नहीं लेंगे ?

चन भाई ने हाथ जोड़कर सिर मुकाया और कहा कि इससे कीन इनकार करेगा ? लेकिन मोइ नहीं छटता. इसलिये इस पश्रत इतना स्वीकार करें, फिर आगे देखा जारेगा.

बाबा बोले कि हमें वो अपना इक्त चाडिये. अगर आप हमें अपने घर में जगह नहीं देते तो हम जबरदस्ती कैसे कर संबंधे हैं ?

किर में दूसरे भाई की तरफ मुसाविच हुये और पूछा

कि कामने बर्द में किसने लोग हैं ?

में अकेला ही हैं.

त्य को आप और हम दो माई हो जाते हैं और हमें कामा हिस्सा मिलना चाहिये.

को आई की सरफ इशारा करते हुये ओट ने जवाव

किया कि आ वे की बरी हम देंगे.

प्रमा में कहा महत संच्छी शत है. हम पहते हैं कि कार करों एक हो जाएंदे. फिर कपनी रीस बीचा जमीन में क्रिकेट करक दिलाए दे दीजिये.

अब क्रमार कोनी मार्क्यों की बांबों नीची हो गई चौर का का ने कहा कि इसने कानके सामने का कि का का है। अन भामको जैसा नंत्र हो करें.

لڑک نہیں کہیں کے کد بلانے یاہو ملصیہ لے بابا کو ٹیگ آیا ۔ 15 بنام زمين تهي، أس مين سے صرف سوا ايكو ديا . هم نہیں چاہتے که اِس طرح آپ کی چرچا هو . آپ کی بے ورتی همیں منظور نہیں ، هم جاهیہ هیں که آپ اِس پر سوچیں اور پھر اپنی هستی کے مطابق دان دیں ،

تهرزی دیر تک کبرے میں خامرشی رهی، ولا دوانوں نهائي؛ دوسرے شريمان اور کاريمکرتا سب هي چپ تهے ، تب بابا نے أن دونوں بھائيوں كى طرف ديكم كو كها كه يہلے يه بتايات که آب دونین الک الک کیون هوگئے ؟

آن بھائدوں کے چورے پر ہوائی سی ار کئی ، دھیمے سور میں ایک نے کہا که گھر میں تبھی بنتی تھی ہ

بابا بولے کے هم جائے هوں که اُجکل ایسا بہت هوتا ہے. ليعن جب آپ دولوں كا دل آيك تها تو اپنے گھر ميں بھى سمجها سكتے تھے , يه كلبه توزلے سے كيا فائدہ 9

دولوں بیائیوں کی آنکیوں سے بس آنسو گرنے کی ھی کسر ره کلی . کمرے میں سلناتا اور بھی بوھ کیا .

أس سننائے كو بيرهتے هوئے بابا نے بڑے بھائى سے پوچھا كه آپ کیر میں کتنے پرانی ہیں 9

میں؛ مزری استری اور ایک لوکا جس کی عمر 16 برس

توهم آپ کے گھر میں چرتیے هوجاتے هیں ، اِس لئے عمیں جہتے حصہ مالما جاملے . کیا آپ میں اپنے گور میں بھائی کے طور پر الیوں لینکہ9

أن بھائى نے ھاتھ جوركر سر جھكايا اور كہا كه اِس سے كون إنكار كويكا؟ ليكن موه دبين جهتنا . أيس لله إس وقت أتنا سو کار کویں ، پیر آکے دیکھا جائیکا .

بابا بولے که همیں تو اُپنا حق چاهئے . اگر آپ همیں لینے گهر میں جاء نہیں دیتے نو هم زبردستی کیسے کرساتے هیں ا پور ول درسازل بھائی کی طارف مخاطب ھوٹے اور پوچھا کہ آپ کے گھر میں کتنے لوگ عیں ؟

میں آکیا ھی ھرن ،

تب تو آپ اور هم دو بیائی هوجاتے هیں اور همیں آدها حصه لما چانئي.

ہرے بہائی کی طرف آشارہ کرتے ہوئے چھوٹے نے جواب دیا که جو یه دینکے رهی هم دینکے .

بابا لے کیا کہ بہت اچھی بات شہ ، هم چاہتے هيں که آپ دولون ایک همهایاً . پهر اینی تیس بنایا زمان میں سے همیں بانجول همه ديديوني

يه سنكر دولوں بهائوں كى أنكيس نيجى هوگلهن أور كعه نہیں ہوئے ، بارا فرکھا کہ هم نے آپ کے آگے اِنصاف کی بات رکھ دسی، آپ آپ کو جویسا منظور هو کریں ، श्रीमान ने एक नाम पेरा किया, तूसरी तरक वालों को वह मंजूर था. वह भाई भी वहीं बैठे थे. बाबा ने उनसे कहा कि जब बोनों पक्षवालें आपको पसन्द करते हैं तो इमें काई ऐतराज नहीं. आप इस मामले की जांच करें और जब यह फैसला आप देंगे कि इन माई (श्रीमान) ने अन्याय नहीं किया है तभी इनका दानपत्र कुबूल होगा. फिलहाल इनका दानपत्र आप अपने पास सम्भाल कर रक्ष लीजिये.

बह दानपत्र उन आई ने पंच के हवाले कर दिया, सानो

सिर पर लवा हुआ मनों बोक उतर गया.

\$ \$ \$

[सितस्वर का महीना—मुजप्रकृरपुर जिले का एक गांव]
सुबह के दस बजे के क़रीब एक कार्यकता ने डरते डरते
बाबा के सामने पांच बीधा जमीन का एक दानपत्र रखा.
दाता के पास 100 बीधा जमीन थी. इस भाई ने पूछा कि
इस पर क्या खाड़ा है ?

पल भर के लिये बाबा शान्त रहे. फिर बह दानपत्र ते लिया. अपनी क़लम उठाई. इस दानपत्र के पीछे यह

लिखा —

"यह दान मालिक के पास जो जमीन है उस हिसाब से बहुत ही कम है, इसलिये अस्त्रीकृत किया जाता है,

—विनोषा"

यह लिख कर वह दानपत्र उन भाई के हवाले कर दिया. वह उसे लेकर लीट गए और दाता के पास पहुंचा दिया. हमारे कैन्य में एक सनसनी सी फैल गई कि वाबा ने आज से दानपत्र वापिस करना ग्रह कर दिया.

वूसरे दिन 15-15 बीचा रखने वाले दों भाइयों ने सबा-सवा बीचे के दानपत्र भरे. वह दानपत्र वह दोनों भाई खुद ही लेकर पढ़ाव पर बाए वे. कार्यकर्ता को शंका छठी और उन्होंने दोनों दाताओं से कह दिया कि बापके पास 15-10 बीचा जमीन है. ईरवर की बाएके ऊपर कुपा भी है. इसिलये हम बापसे ज्यादा की बाशा करते हैं. छटे हिस्से से कम लेने से हम मजबूर हैं. और वह दानपत्र वापिस कर दिये. इस तरह के कई एक मामले और थे. उन दाताओं को बढ़ी तकतीण हुई कि उनके दानपत्र वापिस कर दिये गए. उनकी मेंट क्यों उकरा दी गई. उन्होंने इच्छा जाहिए की कि हम बाबा से मिलना चाहते हैं. दो बजे का समय तय हुआ. कई श्रीमान लोगों से बाबा मिले.

हम दो साइयों में से छोटे ने कहा कि महाराज इसने कूल पत्ती आपकी सेवा में अधित की थी. लेकिन हमें करे दुल के साम कहना पकता है कि वह स्वीकार नहीं की गई. बाबा ने कहा कि हमें आपसे क्यादा वक्रतीक है. लेकिन हम आपसे कहता चाहते हैं कि अगर हम आपकी वह मेंट संजुर कर लेते हैं, आपका यह मेम का बान दस सेते हैं से فرویاں کے ایک تام پیمی کیا ، درسری طرف والوں کے وہ منطور کیا ۔ وہ میلی یہی وهیں بیٹھے تھ ، یابا کے اور منطور کیا ۔ وہ میلی یہی وهیں بیٹھے تھ ، یابا کے است کوئے ہیں تو فیصل کی ایس معاملے کی جانے کو این بیٹی جانے کو این بیٹی ہیں این کا دائ یکو درسان) کے انجائے نہیں کیا ہے تب هی اِن کا دائ یکو تبول موا ، فی انتظال این کا دائی پتر آپ لینے پاس سبتیال کر رک ایدیائے ،

وہ دان پار آن بعالی نے پلیج کے حوالے کر دیا ماتو سر پر ادا ہذا شاہیں بیجے آتر کیا ،

صبح کے دس بحید کے قریب ایک کاریمکرتا نے درتے درتے والے بابا کے سامنے پائے بیکھا زمین کا ایک دان پتر رکھا ، داتا کے پاس سو بیکھا زمین تھی ، اُس بھائی نے پوچھا کہ اِس پر کھا آگیاں ہے ؟

بل بھر کے اللہ بابا شانت ہے ، پھر وہ دان پتر لے لیا . اپنی قلم اُٹھائی ، اُس دان پتر کے پنجھے یہ لکھا۔

3 یہ دان مالک کے پاس جو زمین ہے بہت ھی کم ہے اِس لئے اُسوئیمرت کیا جاتا ہے ،

سولوبا أأ

یه که کروه دان پتر آن بهائی کے حوالے کر دیا ، وہ آسے لیے کو لوت گئے اور داتا کے پاس پہونتھا دیا ، همارے کیمپ میں ایک سلسلی سی پعیل گئی که بابا نے آج سے دان پتر واپس کرتا شروع کر دیا ۔

درسرے دن 15-15 بینها رکھنے رائے دو بھائیوں نے سہاسسوا
بینکے کے دان پتر بھرے ، وہ دان پتر وہ درنیں بھائی خود
عی لہ کر پاڑاؤ پر آئے تھے ، کاریکرنا کو شاکا اٹھی ، آنھیں نے
دولیں دائاؤں سے کہ دیا کہ آپ کے پاس 15-11 پینها زمین
ھی ، آیکور کی آپ کے آوپر کرنا بھی ھے ، آپس لئے ہم آپ سے زیادہ
جائداد کی آشا کرتے ہیں ، چینے حصر سے کم لیلے سے ہم مجبور
ہیں ، آوپر وہ بانی پتر واپس کو دیئے ، اِس طرح کے کئی ایک
اور مجاملے تھے ، ان دائاؤں کو بوری تعلیقے عربی کہ اُن کے دان
پتر کیوں واپس کر دیئے گئے ، اُن کی بیعادی کیوں تھارا دی
گئی ، آنھیں نے آپچھ جاہر کی کہ ہم باتا سے ملنا چاہتے ہیں ،

The state of the s

कार बाबा को दानपत्र पेश करने लगे. बाबा ने कहा कि इसे नाकुम हुआ है कि आपने कुछ बेदखलियां की हैं. ऐसी हालत में हम आपसे दानपत्र कैसे लें ? वह करने लगे कि नहीं हुआ है. बह, सब रालत बात है. आप किसी से भी हिस्सामा करा सकते हैं. बाबा ने कहा कि अब तो हम पड़ाव वर बल ही रहे हैं, यहां रास्ते में किस से पूछें ? इसलिये वहाब पर जाकर ही पूछ ताछ की जायेगी, और उसके बाद ही हम आपका दानपत्र ले सकेंगे.

दस बजे के करीब इम लोग ह्यौड़ी पहुंचे, नाव से उतरकर बाबा ने खुशकी पर कदम रखा ही था कि वह भाई कहने लगे—सरकार ! मेरा दानपत्र ले लिया जाये. बाबा ने उनके क्षेप पर हाथ रखकर कहा कि देखिये इमने आपसे कह दिया कि आप के मामले में जानकारी हासिल करनी होगी. उसके बरीर आपका हानपत्र हम लेने से मजबर हैं.

तो जब हुक्स हो मैं आपके पास अपनी बात बताने

हम चाहते हैं कि जिनको आपके खिलाक शिकायत हैं बह भी मौजूद रहें. इसलिये आप दोनों करीक शाम को साढ़े है बजे बार्थना के बाद हमसे मिलें.

जिन भाई ने उन श्रीमान के बारे में शिकायत की थी उनसे भी यह कह दिया गया.

दिन में कई बार हमने देखा कि बह श्रीमान अपना दानपत्र लिए हुए इधर उधर घूमते बे. हमने उनको सममाया कि आप धीरज से काम लें, धवड़ाने की कोई बात नहीं. शाम को तो बाबा के सामने सब बात चीत हो ही जायेगी.

किसी तरह दिन बीता और शाम को साहे हैं बजने आये. दोनों तरक बाले भाई बाबा के पास पहुंच गये. बाबा से कहा कि यह कोई क़ानून की अदालत नहीं है जिसमें एक दूसरे के खिलाफ आप शिकायत करें. यह प्रेम की सभा है, प्रेम की खादालत है जिसमें दोनों पक्षों को अपनी अपनी तरफ से जो रालती हुई हो उसे क़ुबूल करना है.

बंद शीमान कहने लगे कि वाबा मेरे खिलाफ आरोप सलस है. बाबा ने उनको टोकते हुए कहा कि हमने आपसे पहले ही कह दिया कि आपको सिर्फ अपनी ग्रेलरी जो आपने की है वह सब्बे दिल से बता देनी है.

संकित बोमों तरफ बाले एक बूसरे की ही रिकायत करते हैं, काबा ने कहा कि तब तो आप का इन्साफ इस बंदी कर सकते. आखिर सभा का रंग बदला और दोनों ने बंदी अपनी करनी बयान की. यह सुनने के बाद बाबा ने बहा कि इसमें दोनों पक्षों की तरफ से ही बोदी बोदी रालती की दे हम बाद में कि आप किसी आदभी का पंच मुकर्रर कर के बाद मोक्ने पर जाकर पूरी तहकीकात कर ले. اور بایا کو داریتر پیش کرتے گئے۔ بایا نے کیا که همیں معلوم هوا ہے کہ آپ کے داریتر پیش کرتے گئے۔ بایا نے کیا که همیں معلوم آپ سے کا آپ کے بین حضور کے سب غلط بات داریتر عسے لیں ہو ہی دریانت کرا سکتے عیں ، بایا نے کیا که آپ تو هم پراؤ پر چل هی رقے هیں ، بیاں راستے میں کس سے پوچیوں ہیں ایس لئے پراؤ پر آکر هی بوجہ تاجہ کی جائے گی اور اس کے بعد هی هم آپ کا داریتر لے سکیں گے ،

دس بحجے کے قریب هم لوگ هغورتی پیرنجے ، ناؤ سے آفرکر بابا کے خشکی پر قدم رکھا هی تھا که وہ بھائی کہنے لگے۔۔۔۔رکار ا میرا دان پتر لے لیا جانے ، بابا نے آن کے کندھے پر ہاتو رکیکر کھا که دیکھتے هم نے آپ سے کہ دیا که آپ کے معاملے میں جانگاری حاصل کرنی ہوگی ، اس کے بغیر آپ کا دان تر هم لینے سے محصور هیں ،

تو جب حکم هو میں آپ کے پاس اپنی بات بتائے اُجاؤں۔
هم چاھتے هیں که جن کو آپ کے خلاف شکایت دیں وہ
بھی موجود رهیں ۔ اس لئے آپ دونوں فریق شام کو ساڑھ چھ
بھے پراریا کے بعد عم سے مدیں ،

جیں بائی نے اُن شویمان کے بارے میں شکایت کی تھی۔ اُن سے بھی یہ کہ دیا گیا .

دوں میں کئی بار ہم نے دیکھا کہ وہ شریمان اپنا دان پتر لئے ہوئے ابتر اُدور گومتے تھے، ہم نے اُن کو سمجھایا کہ آپ دھیرج سے کام لیں کا گھرانے کی کوئی بات نہیں ، شام کو تو بایا کے سامنے سب بات جہت ہم ہم ہم جائیگی .

کسی طرح دی بیتا اور شام کو سازھ چھ بجنے آنے . دوئوں ا طرف والے باتی بابا کے پاس پہوتچ گئے . بابا نے کہا که یه کوئی قالوں کی عدالت نہیں ہے جس میں ایک دوسرے کے خلاف آپ شکایت کریں . یہ پرزم کی سبھا ہے پرزم کی عدالت ہے جس میں ذوئوں پکشرں کو اپنی اپنی طرف سے جو غلطی ہوئی ہو آسے قبول کرتا ہے .

ولا شراعان کہنے لکے کہ بابا میرے خلاف آروپ غلط ہے۔ بابا لیے اُن کو ترکتہ ہوئے کہا کہ ہم نے آپ سے پہلے ہی کہ جریا کہ آپ کو صرف اپنی غلطی جو اپنے کی ہے وہ سچے دل سے بابا دیلی ہے۔

لیکی دونوں طرف والم ایک درسرے کی علی شکایت کرتے تھے ، بایا لے کیا تب تو آپ کا اِلصاف عم نہیں کو سکتے ، آخر سیا کا رفک بدلا اور دونوں لے اپنی اپنی کوئی بیائی کی . یہ سائنے کے بعد بایا لے کیا کہ اِس میں دونوں پہتھوں کی عارف سے می دونوں کی عارف سے می دونوں کی گا کہ آپ کسی آدمی کو پانچ مقرر کو لیں جو خاص موقع پر جا کو پری تعطیفات کو اِلی ، اُسی کا نیصته آپ دونوں کو مائیه عیا جائے دونوں کو مائیه عیا جائے دونوں کو ایک مائیه عیا جائے ۔

विहार के दिल की गहराई में

(लेखक-सुरेश रामभाई)

14 सितम्बर सन 1952 को सन्त विनोबा ने बिहार प्रदेश में भ्दान-यह का मंत्र लेकर प्रवेश किया और आने वाली पहली जनवरी 1955 की वह विहार से विदा होकर बंगाल में प्रवेश करेंगे. बंगाल में 25 दिन विताने के बाद उड़ीसा की भूमि पर क़द्म रखेंगे. इस तरह बिहार में उनका प्रवास दो साल और साढ़े तीन महीने का हो रहा है, शायव ही आधुनिक इतिहास में कोई ऐसी मिसालें मिलें जब किसी भारत वासी ने बिहार में इस तरह पैदल घूम चूम कर युग वर्म का सन्देश सनाया हो. हमें याद आ रही है कि बुद भगवान की और महाबीर स्वामी की जिन्होंने बिहार में दिव्य ज्योति का साक्षात्कार किया या और फिर अपने धर्म का प्रचार किया, उनके बाद जगत गुरू शंकराचार्य सुदूर केरल से आये और अद्वेत ज्ञान का उड्डा बजाया. लेकिन उनके बाद से अब तक, सासकर विज्ञान की प्रगति के इस जमाने में. इस वरह निरन्तर धूम धूम कर सतत प्रचार करने की दूसरी . मिसाल नहीं मिलती. इसका बिहार के मानस पर अजीव रारीय असर पड़ा है, लोक मानस के अन्दर बहुत गहराई तक वह पहुंच गया है. किसी भी आंकड़े से इसकी पैमाहरा नहीं की जा सकती. लेकिन ऋदं दिलदार और जनोखी घटनायें पिछले हैं महीने में ऐसी हुई हैं जिससे उसका कुछ भन्दाजा किया जा सकता है, दैसे सच तो यह है कि इसका परा प्रभाव सो बरसों के बाद दी माजून होगा.

अगस्त का महीना था और बाबा जिले के समस्तीपुर सबिबीजन के बाद पीड़ित केत्र में बूम रहे थे. ऐसे ऐसे इलाकों में जाना हुआ नहां कोई भी सरकारी प्राधिकारी या सार्वजनिक कार्यकर्ता नहीं पहुंचा था. कोसी की भगानक बाद ने जो तुकान ढाया था उसके मुकाबले की बीज पिछले पचास साठ बरस में नहीं हुई थी. इमारी यात्रा कभी पैदल होती, थी. कभी नाव में, अकसर तो पानी में घूमना पहला था. एक दिन सुबह के समय नाब में बैठें हये जाजा हथीडी नाम के सकाम को जा रहे के रास्ते में एक गांव पढ़ा. वहां के एक मीमान आई दानपत्र देना बाहते थे. हमारी नाव में एक दूसरे भाई मी बैठे थे. उन्होंने बताया कि इन जमीन्दार ने अपने इलाके में बहुत क्यादती की है, कई किसानों को बेदसल किया है, को किसानों के घर बजाब हाले हैं. बाबा यह चुपनाय सुनते रहे. बीकी हेर बाद अपनी नाथ में यह शीमान भी हमारी जांच के पास का पहुंचे, वरे ज्यावलपन के साथ हमाये जाव में का गरे

کار کے فال کی کارائی میں ۔۔ (العک سریس رابعانی)

14 مُعْمَارُ سُنْ 1952 كُو سَانَتُ ولُونَا لَمْ بَهَارُ يَرِدَيْضَ مُنِينَ ع دال - بعد لا سائل العمر فرويص كما أور ألم والى بيالى جنري 1955 كو وه ديار هم بدأ جركر باكال مين يرويهن لویائے ، بنگال میں 25 میں بنانے کے بعد آرسہ کی بھوسی ہو ندم رکھیں گے ، اِس طرح ، بہار میں اُن کا پریباس دو سال اور سابط عنين مهيئة كالعورها في شايد في الموتك إنهاس مين نوئی ایسی مثال علی عیب کسی بهارت واسی نے بہار میں اس طرح پیدل گیرم گیرم کر یک دهرم کا سادیهن ساایا هو. هدین یاد -آرمی ہے که بدھ برگران کی اور مہابھر سوامی کی جانوں نے بہار مهن دبيه جيبت ساكشاتكار كيا تها - أور بهر أبنے دعرم كا يرجار كيا. أن كے بعد جانت گرو شاعراچاريه سدوركريل سائد اور آدويت كيلي كا وَلَكَا بِعِمْلِنا . لَيْكُن أَن كُم بِعِن سِم أَبِ تَكُ خَاصِ كُو وَكَيَانَ كَي پرگلی کے اِس 'زمانے میں' اِس طرح ترقتو گھم گھم کو ستت پرچار کرتے کی درسری مثال تہیں ملتی ، اِس کا بہار کے مائس یر عجیب غریب اثر برا ہے . لوک مانس کے اندر بہت گہرائی نک وہ یہولیے گیا گے کسی بین آنعوے سے اس کی بینائش نهيں كى جاسكتى . ليكن كنچ دادار اور انوكبى كالنائيس يحيل چه مهیلے میں ایسی هوئی هیں جس سے اس کا کچے اندازہ کیا جاسكتا هے ، ربسے سبے تو يہ هے كه اِس كا يوراً دربهاؤ تو برسوں كے . يعن هي مهلوم هؤكار،

اگست کا مہیاء تھا اور بایا دربیاکہ ضلع کے سمتی پرر بسب

تربیزں کے بارہ پیرت چھیٹر میں گوم رہے تھے، آیسے ایسے

عادی میں جانا ہوا جہاں کئی ہی سرکاری پدادھیکاری یا

سار جنگ کاریکڑنا نہیں پہولچا تھا، فرسی کی بیبانک بارہ نے

جو طوفان ڈھایا تھا اُس کے مقابلے کی چیز پچھلے پچھاس سائے

برس میں نہیں ہوئی تھی۔ ہماری یقرا کھی پیدل ہوئی تھی

کے میں ناو میں اگٹر ٹربیائی میں گرمنا پرتا تیا، ایک دن میم

کے میں اگر ٹربیائی میں گرمنا پرتا تیا، ایک دن میم

کے میں اُلی میں لیکھندگی پوا میں ایک درسرے جاتی ہی

داریائی بیبا بھائے تھی جاتی تھا کہ بیب بیب

داریائی بیبا بھائے تھی جاتی تھی

بیبا بھی تھی جین بیب

بیبا ہوئی کے دیا ہوئی بیبا ہوئی کے دیسرے جاتی ہی

بیبا بھی تھی جین بیب

بیبا بھی تھی جین بیب

بیبا بھی تھی کی مساوی کے بیبا ہوئی کے دیسرے جاتی ہی۔

بیبا بھی تھی کی مساوی کے دیا ہوئی کے دیسرے بھی جین بیب

بیبا بھی تھی کی مساوی کے باس

करता हुआ वहां से निकला. इस शोर शर को देखकर वह बहुत निमझ और कहने लगा —

"सर्वात तो इस तरह का सारा काम बड़ी मूसता का है. किसी बुढिसान नीतिक ने कहा है कि जो देश इमेशा शॉर ब शुल मचाते रहते हैं उनमें शान्ति नहीं रह सकती. यह या तो बिदेशियों की बेजा मदास्त्रत और शरारत है और या देश के अन्दर घरेलू जंग है और या कम से कम चाय के प्वाले में तुकान है. जो हो, बहुत ही बेबकूठी की बात है!

"बूसरी बात यह है कि बहुत से लोगों के इस तरह एक साथ मिलकर काम करने की यह बावत बड़ी गन्दी बादत है! मालून होता है तुन्हारी सबकी गाड़ी पटरी से इतर गई है. सब शान्ति भंग हो गई है. शहर के सब लोग बाती हो गए हैं. कोई ऐसा नहीं है जो सब की तुमाइन्दगी कर सके! मैं इसे बरदाश्त नहीं कर सकता."

बह सांप खुंद अपने को एक धन्तरीरद्रीय पुलिसवाला सममता था. राजनीति के धलावा वह सममता था कि धर्म धौर इंजील का प्रचार करना भी उसी का फर्ज है. वह फौरन उस दरस्त पर चढ़ गया. उसने तय कर लिया कि सबसे पहले इस इस्ते को तोड़ दिया जाय जो शहद की मिन्क्यां बना रही थीं.

पर एकद्म वह सांप फिर पीछे को लौटा और गिरता पक्ता, फिसलता जमीन पर का टपका. शहद की मिस्स्यां भी उसके पीछे पड़ी हुई थीं. सांप को मजबूर होकर जल्दी से एक चनी कांटेदार माड़ी में घुस जाना पड़ा.

लोग आम तौर पर यह कहते हैं कि यह जमाना बेशक साम्राजवादी ज्यादिवयों का जमाना है. पर यह वह जमाना भी है जब साम्राजवादियों को जारों तरक उल्टी क्रलावाजी सानी पर रही है. کرتا هوا رهان سے نکھ ایس شور و شر کو دیکھکر بہت بکوا اور کیتے تا ۔۔۔۔

"آول تو اِس طرح کا سارا کلم بتری مورکهتا کا ہے۔ کسی بدھیماں نیٹکید نے کہا ہے کہ جو دیش ہیشتہ شور و فل محیاتے رہتے ہیں اُن میں شانتی نہیں رہ سکتی ۔ یہ یا تو ودیشیوں کی بیجا مداخطت اور شرارت ہے اور یا دیش کے آندر گوریلو جملگ ہے اور یا کم سے کم چائے کے پیالے میں طونان ہے ۔ جو ہو بہت ہی بیوتونی کی بات ہے ا

"دوسری بات یہ ہے کہ بہت سے ارگوں کے اِس طرح ایک ساتھ ماکر کام کرنے کی یہ عادت ہوی گندی عادت ہے! معلم هوتا ہے تمہاری سب کی گاری پاڑی سے آتر گئی ہے . سب شانتی بہنگ ہوگئے ہیں . کوئی ایسا نہیں ہے جو سب کی نمائندگی کوسکے! میں اِسے برداشت نہیں ہ کوسکے! میں اِسے برداشت نہیں ہ کوسکے!

وا سائب خود آننے کو انترراشتریه پولیس والا سنجهتا تها . را نیتی کے علوہ وہ سنجہتا تها که دعوم اور انجیل کا پرچار کرنا بھی آسی کا فرض ہے ، وہ فوراً اُس درخت پر چڑھ گیا ، اُس نے بلے کرلیا که سب سے پہلے اِس چہتے کو توڑ دیا جائے جو شہد کی منہیاں بنا رھی تھیں ،

یر ایک دم وہ سالپ پھر پینچھے کو لوٹا اور گرتا' پرتا' پیسلتا ہمیں پر آٹیکا ، شہد کی معیداں وہاں بھی اُس کے پینچھے پڑی ہوئی تھیں ، سانپ کو مجبور ہوکر جلدی سے ایک گہنی کانٹےدار جہاری میں گیس جانا پڑا ،

لوگ عامطور پر کہتے هیں که یه زمانه پرروک سامراج وائمی زیادتیوں کا زمانه کے ، پر وہ یه زمانه بھی کے جب سامراج وادیوں کو چاروں طرف اُلٹی قابازی کھائی پر رهی کے .

नेता को कोई निजी महस्वाकांक्षा नहीं रखनी चाहिने, वह अपने लिये कुछ न चाहे; न तो घन, न अविकार, न पष, भोग, न उपमोग. और वह ईस्पर को दिन में चौबीस घंटे याद रखे.

--गांधी

لیتا کی کرئی نجی مہتراکانشا نہیں رکھنی چاہئے ، رہ آپنے لئے کچہ نہ چاھا نہ دھن کہ ادھکڑا نہ یوگ کے دن نہ بوگ نہ آپیوگ ، آور وہ ایشور کو دن میں چونس گھنٹے یاد رکھ ،

--الأدهى

أردا هاد

की सारी खुशी—उस लड़की की जो समन्दर को प्यार करती थी और जिसे समन्दर प्यार करता था—और किसी ने नहीं उसी समन्दर ने छीन ली. एक दिन अपने उस प्यारे मिष्ठयारे से मेंट होने के बाद जब वह खुश खुश खड़ी मुस्करा रही थी, वह नौजवान मिष्ठयारा अपनी होंगी लेकर समन्दर में जा रहा था और लड़की उसे खड़ी वेख रही थी, यकायक समन्दर की लहरों ने छलांग लगाई और देखते देखते समन्दर की एक लहर उस नौजवान मिछ्यारे को निगल गई.

लड़की अब दुख में दूब गई. उसकी सारी खुशी मिट्टी हो गई. जिस समन्दर को देखकर उसे खुशी होती थी उसी को देखकर अब उसे दुख और रंज होने लगा. उसकी नजरों में समन्दर की वह सब चमक दमक और मुन्दरता अब फीकी पढ़ गई. समन्दर उसे अब अनमना और दुखी दिखाई देने लगा.

इस पर भी अजीव बात यह भी कि अब भी बह रोज समन्दर को देखने जाती. अपने दुख के कारन उसने समन्दर को कोसा, समन्दर से उसे नकरत हुई, किर भी बह समन्दर को छोड़ न सकी. सच यह है कि जो मुसीबत उस पर दूटी थी उसके कारन समन्दर उसे अब और भी प्यारा लगने लगा.

आलिरकार एक दिन समन्दर की तरफ देखते देखते उसने कहा—"ऐ समन्दर! तुम कैसे देव की तरह हो! किसने विशाल हो! मैं तुम ही से क्यों न भिड्रूं! देखूं इममें कौन जीतता है!" यह कहकर वह एक डोंगी लेकर समन्दर में कूद पड़ी. यहां तक कि कुछ दिनों के अन्दर ही वह एक मजबूत पक्के सांवले रंग की मिश्रयारिन बन गई.

धव जव वह जवान लड़की वह सारे कामु मेहनत के साथ करने लगी जो नौजवान मिछ्यारा किया करता था और खारी, त्रूकानी समन्दर के अन्दर प्रचन्ड लहरों पर सवारी कसने लगी तो उसे समन्दर के साथ वह अनोखा प्यार महसूस होने लगा जो पहले कभी नहीं हुआ था. उसे अब अपने उस प्यारे नौजवान मिछ्यारे के लिये भी, जो उससे छिन चुका था, वह अनोखा प्यार महसूस होने लगा जो पहले कभी नहीं हुआ था.

शहद की मनिखयां और सांप

जंगली राहव की मिनसारों का एक सुन्द एक प्रस्त के उत्तर रहने के लिये अपना इसा बना रहा था. दरस्त की रासों में मिनसारा इसर से उधर उधर से इसर तेजी से जा जा रहीं थीं. काफी शोर और जोश था. सब भिन्निना रही थीं. जंगल की रान्ति मंग हो रही थीं, एक सांप जंगल का मुजाइना

کی سازی خوالی سالی کی جو سادر کو بھار کرتی ہو سادر کو بھار کرتی کی جو سادر کو بھار کرتی کی جو سادر کو بھار کرتی کی ایک دن اپنے اُس بھارہ میچھاڑے سادر خوالی میچھاڑا اپنی دوئکی لیکر سادر میں جا وہا تھا اور لوکی اُس کوری دیکہ رہی تھی' یکایک سندر کی لیکن بھروں کے چھانگ کائی اور دیکھتے دیکھتے سندر کی ایک لیم اُس نہم اُن میچھاڑے کو نکل گئی .

لزکی آب دکھ میں تیوب گئی . اُس کی ساری خرشی متی هوگئی . جس سمندر کو دیمهکر اُس خوشی هوتی تبی اُسی کو دیمهکر اُس خوشی هوتی تبی اُسی کو دیمهکر آب اُس کی فطروں میں سمندر کی وہ سب چمک دیک اور سندر تا اب پھیکی پرگئی . سمندر اس آن منا اور دکھی دکھائی دیاہ لگا ،

اِس پر بھی تعجیب بات یہ تھی کہ آب بھی وہ روز سمندر کو دیکہتے جاتی ، اپنے دکھ کے کارن اُس نے سمندر کو کوسا' سمندر سے آس نفوت ہوئی پر بھی وہ سمندر کو چھرز نہ سکی ، سچ یہ ہے کہ جو مصیبت اُس پر توٹی تھی اُس کے کارن سمندر اُسے اب اُرر بی پیارا لکنے لگا ،

آخوکار ایک دی سمادر کی طرف دیکھتے دیکھتے اُس نے کہا۔
''اے سمادر ا تم کیسے دیو کی طرح ہو ا کتنے وشال ہو ا میں
تم هی سے کھوں نے بھروں ا دیکھوں ہم میں کون جینتا ہے اِ''
یہ کیکر وہ ایک دونگی لیکو سمادر میں کود پڑی' یہاں نک که
کچی دنوں کے اندر هی وہ ایک مضبوط' پکے سانو لے رنگ کی
مجیہاری بن گئی ۔

آب جب وہ جوان لڑکی وہ سارے کام مصنت کے ساتھ کرنے لئی جو ٹوجوان مجھیارا کیا کرتا تھا اور کیاری ' طونائی سندر کے ساتھ کے آئند پرچان لہروں پر سواری کسنے لکی تو آٹھ سندر کے ساتھ وہ آنوکھا پیار محسوس عولے اگا جو پرلے کبھی ڈیمی ھوا تھا ۔ اس اسے آئی آئی بھی' جو آس اسے ابنے آئی بھی' جو آس سے جھی چھی چھی کبھی الوکھا پیار محسوس عولے اگا جو پہلے کبھی بھی ھوا تھا ۔

(5)

هيد کي مهيل اور سالب

چاکلی گید کی حمیوں کا ایک جبات ایک درخت کے روز رحلی کی رحل کے درخت کے درخت کے درخت کے درخت کے درخت کے درخت کی درخت کی

बाकों के नहीं में पीले पीले समन्दर जैसे खेत भी इसी तरह है राम गाते सुनाई देते हैं. उस लड़की को इस गाने में बड़ा कान्य काता था. उसे इसमें कोमलता, उदारता और किराकतर तीनों दिखाई देती थीं. शाम के समन्दर के इस माने को सुनकर उसकी सब विन्ताएं काफूर हो जाती थीं. जब आसमान साफ, खुला और शान्ति होता तो समन्दर इतना सुन्दर लगता और इतना चमकता कि उसे देख उस जबकी को किसी सुन्दर प्यारे मुखड़े की खुशी भरी मुस-कराइट बाद आजाती और वह स्वयं सुन्दर और खुश दिखाई देने लगती. और जब तुफान आते तो समन्दर के प्रचन्ड शोर से उसे जरा भी हर न लगता. उस समय भी बह उसी तरह किनारे पर खड़ी समन्दर के कोप में आनन्द लेती रहती. माजूम होता था कि समन्दरी तुकानों का उसे उतना ही शोक था जितना बाज लड़कियों का तुफानी प्रेम का होता है.

सारांश यह कि कोई भी समय हो और कैसा भी मौसम हो समन्दर को देखकर उस लड़की का सदा बड़ा आनन्द आता.

पर इसका एक और भी कारन था और वह कारन कुदरती था और जाहिर था. सबसे अधिक समन्दर इस बात को सममता था कि लड़की के दिल में एक राज छिपा हुआ था. वह लड़की एक नौजवान मछियारे लड़के से प्यार करती थी. वह लड़का एक मजबूत भुजाओं और चौड़ी छाती वाला नौजवान था जिसका चेंद्रा सांवला और जिसके होंद लाल रहते थे. उसके सारे बदन से समन्दर के खारी पानी और समन्दर की गड़गड़ाहट की सुगन्ध आती थी. वह वड़की उसे प्यार करती थी.

लड़का उसे रोज समन्दर के किनारे मिला करता था. बह दोनों समन्दर की खूब बातें करते और समन्दर की तारीकों करते, बिल्कुल इसी तरह मानो एक दूसरे के साथ अपने प्रेम की बातें कर रहे हैं और उसी प्रेम की तारीकों कर रहे हैं. बह बिल्कुल इस तरह जिस तरह कोई बड़े राज नियाज की बातें खापस में कर रहे हों. एक दूसरे से वे कहते— 'बिलों, देखों, समन्दर कैसा प्यारा लगता है, किस तरह मुस्करा रहा है, गा रहा है और क़लाबाजियां खा रहा है."

बार का निचोड़ यह कि वह दोनों समन्दर से भी प्यार इस्ते वें और एक दूसरे को भी प्यार करते थे. लड़की भी बाद बुशा थी, वह नीजवान मिल्रयारा भी खूब खुश था, बोद बार कर भी खूब खुश था.

पर न जाने क्या बात है जिसे देख कर हमें खून खुशी की है बहुर अकसर हमारी खुशी का चोर साबित होता कि कि किनों के अन्दर इस मोली ईमान्दार लड़की ربائوں کے نشہ میں پہلے چائے سمادر جیسے میدے ہی اِسی طرح کے اُس کائے سنائی دیتہ ھیں. اُس لوکی کو اِس کائے میں جوا آئے دیتہ ہیں ۔ اُس لوکی کو اِس کائے میں دکھائی دیگی تھیں۔ شم کے سمندر کے اِس کانے کو سنکر اُس کی بسب چنتائیں کانور ھیجائی تھیں ، جسب آسان صاف کیا اور شانت ھوتا تو سمندر اُتنا سندر لگتا اور اُننا چمکتا کہ اُسے دیکھ اُس لوکی کو کسی سندر پیارے مکھڑے کی خوشی بھری مسکراہ اُس لوکی کو اور وہ سریم سندر اور شوش دکھائی دیئے لگتی ، اور جب طرفان اُور وہ سریم سندر کے پوچند شور سے اُسے ذرا بھی تر نہ اکتا ، اُس سیم بھی وہ اُسی طرح کاارے پر کھڑی سمندر کے دوپ میں آنند ایکی رھتی ، معلوم ھرتا تھا کہ معادرتی طونائیں کا اُسے اُتنا ھی شوق تھا جکنا بعض لوکیوں کو گھڑائی پورم کا طوتا ہے :

ساراتی یه که کوئی یمی سی هو اور کیسا یهی موسم هر سمادر کو دیکهکر اُس لوکی کو سدا بوا آندن آتا .

پر اِس کا ایک اور بھی کارن تھا اور وہ کارن قدرتی تھا اور طالقر تھا ، سب سے آدہک سمندر اِس بات کو سمجھتا تھا کہ لڑکی کے دل میں ایک راز چبھا ہوا تھا ، وہ لڑکی ایک توجوان مجھیارے لڑکے سے پیار کرتی تھی ، وہ لڑکا ایک مضبوط بھجاؤں اور چوڑی چھاتی والا نوجوان تھا جس کا چھوہ سانولا اور جس کے ہوئت لال رہتے تھے ، اُس کے سارے بدن سے سمندر کے کھاری پائی اور سمندر کی گڑکڑاہت کی سکندھ آتی تھی ، وہ ایک پکا سمندری مطے تھا ، وہ لڑکی آسے پیار کرنی تھی ، وہ ایک پکا سمندری مطے تھا ، وہ لڑکی آسے پیار کرنی تھی ،

لوکا أسے روز سمندر کے کنارے مطا کرتا تھا . وہ دودوں سمندر کے تعریفیں کرتے الکل اِسی طرح مانو ایک درسرے کے ساتھ اپنے پریم کی باتیں کر رہے ھیں اور اُسی پریم کی تعریفیں کررہے ھیں . وہ بالکل اِس طرح جس طرح کوئی برتے راز نیاز کی باتیں آپس میں کر رہے ھوں، وےایک دوسرے سے کرتے:۔۔۔۔۔دیکھو سمندر کیسا پیارا لکتا ہے کس طرح مسکرا رہا ہے کا رہا ہے اُن کس طرح مسکرا رہا ہے کا رہا ہے اُن

بات کا نچور یہ کہ وہ دونوں سمادر سے بھی پیار کرتے تھے اور ایک دوسرے کو بھی پیار کرتے تھے اور ایک دوسرے کو بھی پیار کرتے ہے ، اوکی بھی خوب خوش تھی اور سمادر بھی خوب خوش تیا اور سمادر بھی خوب خوش تیا اور سمادر بھی خوب خوش تھا ،

پر آم جالے کیا بات ہے کہ جسے دیکی میں خوب خوشی کا چور تاہت ہو تاہی میں خوشی کا چور تاہت ہو تاہی ، تهورے داری کے الدر اِس بیولی ایماندار لوکی

लगी—"मेरा बदन सचमुच बक गया है. बार में काराम कर गी." पर देर तक आराम करने के बाद भी उसमें किर से ताकत न आई. वह अब अपने को निढाल महसूस करने लगी. उसका बेटा मजबूत और जवान चक्राव था. वह धूर में उड़ कर आया. मां का यह द्वाल देशकर नीचे उतरा, और मां की देख भाल और रक्षा के लिये उसके पास रहनें लगा. अब वह मां को छोड़ कर कहीं न जाता. अजीव बात यह हुई कि बेटे को अपने पास देख कर मां और भी कमजोरी महसूस करने लगी. उसने अपने बेटे से कहा— "बेटा ! यह ढंग टीक नहीं, तुम जितने प्रेम से मेरी देख भाल में लगे रहते हा उससे मुक्त और भी अधिक कमजोरी और थकान मालूम होती है अब बेटा, दूसरा डंग आजमा कर देखो. तुम आसमान में बढ़ी और खुव उने मंदलाओ. में तुम्हें मंडलावे देखूं तो मेरी हिम्मत खुले."

इस पर उसका बेटा, वह जवान उकाव, खूब उचे जा कर आजादी और बहादुरी के साथ आसमान में मंडलाने लगा. मां कुछ देर तक शीक के साथ उसे देखती रही. फिर किसी न किसी तरह वह उठ खड़ी हुई और खुद उड़ने लगी, और उतने ही जोर से उड़ने लगी जितने जोर से

उसका बेटा उद रहा था.

अगर कोई बूदा आदमी चलना फिरना भूल गया हो तो सब से आसान तरीक़ा यह है कि नौजवानों को चलते फिरते देखे. फिर उस बूदे के दोनों पैर अपने आप चलने लगेंगे. इसी तरह जवानों की बहादुरी के किस्से सुनना भी यूदे लोगों की तन्दुरुस्ती के लिये बहुत अच्छा होता है. नौजवान आपके आस पास हों तो बुदापे से क्या उर १ बुदापे से डर तो तबही है जब आप नौजवानों से बचते हों, उन्हें नापसन्द करते हों और उन्हें अपने से दूर रखते हों.

एक मिल्यारिन लड़की और समन्दर

पुक जवान मिश्रुयारिन लड़की समन्दर के किनार रहती थी. वह समन्दर को बदुत प्यार करती थी. येज समन्दर के किनार खड़ी होकर देर तक समन्दर को देखती रहती. कभी बदुत सनेरे समन्दर में उथल पुथल शुरू होने से पहले वह किनारे पर खड़ी दिखाई देती. उसके सामने सूरज की शुरू की किरनों में इंसते इंसते समन्दर अपनी आंखें खोजता. लड़की को समन्दर की यह इंसी बहुत प्यारी लगती. उसे बिलकुत ऐसा लगता कि कोई हाज में पैदा हुआ फूल सा सुन्दर बच्चा पालने में अपनी आंखें खोल रहा है. कमी शाम को समन्दर अपनी छोटी खोटी समकती हुई सुनहरी लहरों के नशे में इस तरह गुनगुनाता सुनाई देता जिसे तरह अकसर लोग नशे की हालत में गुनगुनाते हैं, बड़े बड़े खेती की कसल जब बिलकुल एक जाती है सो अपनी सुनहरी المرافقة المرافقة المرافقة الله الله المرافقة التي المرافقة ا

اِس پر اُس کا بیتا' وہ جوان عقاب' خوب اُرتیجے آزادی اور بری کے ساتھ اسمان میں مند لانے لگا۔ ماں کیچھ دیر تک رکے ساتھ اُسے دیکھتی رہی۔ پھر کسی لئے کسی طرح وہ آتھ یے ہوئی اور خود اُرنے لگی' اُرر اُدنے ہی زرر سے اُرنے لگی جاتے سے اُس کا بیٹا اُر رہا تھا۔

اگر کرئی برزھا آدمی چلنا پهرنا بهرل گیا هو تو سب سے ماریته یہ ہے که نوجرانرں کو چلتے پهرتے دیکھے پهر اُس برزھا دونس پیر اُپنے آپ چلنے لگیںگے ۔ اِسی طرح جرانرس کی دونس پیر اپنے آپ چلنے لگھ بہت الموتا هے . نوجوانی آپ کے آس پلس هوں تو بڑھانے سے کیا برتھانے سے کیا برتھانے سے کیا برتھانے سے کیا تے هوں' اُنھیں اپنے سے دور تے هوں' اُنھیں اپنے سے دور موس اور اُنھیں اپنے سے دور موس ۔

يكب متهمدارن أوكى أور سندر

ایک جہل مجھوان اولی سندر کے کنارے رہتی تھی۔ وہ
در کو بہت پول کوئی تھی۔ روز سندر کے کنارے کوئی موکر
دیکی سندر کو دیکھی رہتی کھی بہت سورے سندر میں
یکل شورع جی تھ پہلے وہ کنارے پر کوئی دکھائی دیتی ،
یک سامان سورے کی شروع کی کرلوں میں مستد منسے
در آپنی آلکھی کھڑکا کو کئی حال میں پیدا موا
در آپنی آلکھی کھڑکا کو کئی حال میں پیدا موا
سندوں بیجھ بالا میں ایک کو کئی حال میں پیدا موا
سندوں بیجھ بالا میں ایک کو کئی حال میں پیدا موا
سندوں بیجھ بالا میں ایک کوئی حال میں پیدا موا
سندوں بیجھ بالا میں کی کائے میں حال میں طرح
ایک تھائی کی کائے میں جو ایک سابری

बदी बहादुरी के साथ उसने एक अन्त्रे को अपने उपर संभात रेखा जिससे उसके बहुत से साथियों की जान बच आहे, पर बह जुड़ानी दब कर बर गया.

नृद्धे बाप का दुस अब बहुत ही बढ़ गया. एक रात भर के आन्द्रर बहु हद से क्यादा कमजोर और निढाल दिसाई देने सम्बा पर अभी उसके एक बेटा और था. इसी से उसे इस तसकी थी. बृदे बाप के बिचार अब कुछ बदले. उसने पका इरादर कर लिया कि—"अब मैं अपने इस सबसे छोटे बेटे को इस तरह बहादुर और निडर न बनने दूंगा. अब इस आकरी बेटे को खो बैठने का रंज मेरी बरदाश्त से बाहर की बीज है."

ब्सने ठंडी सांस भरकर कहा—"मेरा यह बेटा कायर जीर निकन्मा रह जाय तो जच्छा, बजाय इसके कि उसकी बहादुरी और इसके 'गुनों के कारन मैं उस से भी हाथ जो बैट्ट'."

इसलिये बुड्डे ने उस आख़री बेटे को अपने साथ रखकर ख़ुद तालीम देना छुरू किया. उसने उसे इस तरह रखा जिस तरह शायद कोई बूदी औरत अपनी छोटीसी पोती को भी न रखती हो. वह लड़का सचमुच वाप का आज्ञाकारी निकंता. जैसा बाप चाहताथा नैसा ही वह हो गया—हरपोक, स्वार्थी और निकम्मा. पर एक अजीव बात यह हुई कि अब योड़े ही दिनों बाद उस बुड्डे वाप को इतना दुख हुआ और इतनी ग्लानि होने लगी जितनी उसे जीवन में पहले कभी नहीं हुई थी. अपनी रालती पर वह बार वार पछताता था. अपने उस बेटे से उसे नफ़रत हाने लगी और उसे उस पर दुखा आने लगी. बुढ़े ने कहा.

"इस निकन्मेपन से, इस सिक्यलपन से मुक्ते हमेशा चिद् रही है. पर अब स्वार्थ और मोह के बश में आकर मैंने खुद इस तीसरे बेटे का यह हाल कर डाला ! उसके जीने से क्या फायदा, जिसे न समन्दर हुवां सके न पहाड़ कुचल सकें ?"

अब बूदे आप के लिये सजमुज अपने उस बेटे से प्यार अरना नामुमकिन हो गया, क्योंकि उसका प्यार केवल जबरदस्त सहरों वाले समन्द्रर, या कंचे अखिग पहाड़ और अपने कोनों बड़े बेटों जैसे साहसी आविमयों की तरक ही आ सबता था. बूढ़े बाप के दिल में अब रंज और ग्लानि की कोई सीमा ब रही. यह उसे आखरी दिनों के अपने रासां विचारों और अपने हाथों अपने सब से छोटे बेटे की

द्धा बृदी चिदिया और उसका बेटा कि सामान जानाव पश्ची और उसकी मां एक साथ रहते कि सा बहुक बूदी हो गई थी. एक दिन कुछ देर तक उड़ने कि साह बहु कुरी हो एक कगर पर बैठ गई और कहने بڑی بہادری کے ساتھ اس لے ایک کمیے کو اپنے اوپر سلبھالے رکھا جسٹی سے اس کے بہت سے ساتھیوں کی جان بچ گئی ، پر وہ خود وهیں دب کر مو گیا ،

بہرھ باپ کا دکھ آب بہت ھی بڑھ گیا۔ ایک رات بھر اگے آئیر وہ حد سے زیادہ کنزور آرر ترتال دکھائی دینے لگا، پر یعی آس کے ایک بیٹا آور تیا، اِسی سے اُسے کچھ تسلی تھی ، بورھ باپ کے وچار آب کچھ بدلے ، اُس نے پکا اِرادہ کو لیا که اور اب میں اپنے اِس سب سے چھرتے بیٹے کو اِس طرح بہادر اور ندر نے بننے دوں گا، آب اِس آخری بیٹے کو کھو بیٹھنے کا اور ندر نے بننے دوں گا، آب اِس آخری بیٹے کو کھو بیٹھنے کا راہے مہری برداشت سے باھر کی چیز ھے ،''

اِس لله بدھ نے اُس آخری بہتے کو اپنے ساتھ رکھ کر خود تعلیم دینا شروع کیا ، اُس نے اُسے اِس طرح رکا جس طرح شاید کوئی بوزھی عورت اپنی چوقی سی پوتی کو بھی نه رکھتی ھو ، وہ لوکا سبع مبع 'باپ کا آگیاں کاری نکلا ، جیسا باپ چاھتا تھا ویسا ھی وہ ھوگیا 'سترپوک' سوارتھی اور نکما ، پر ایک عجب بات یہ ھوئی که اب تھرزے ھی دنوں بعد اُس بدھی باپ کو اننا دکھ ھوا اور اتنی کلائی ھونے لکی جتنی اُسے جیوں بیس پہلے کبھی نہیں ھوئی تھی ، اپنی غلطی پر وہ بار بار پیچھٹاتا تھا ، اپنے اُس بیتے سے اُسے اب نفرت ھونے لکی اور اُسے پیچھٹاتا تھا ، اپنے اُس بیتے سے اُسے اب نفرت ھونے لکی اور اُسے اُس پر دیا آنے لگی ، بورھے نے کہا :۔۔۔

اب ہزرھ باپ کے آئے سے میے لینے اُس بیٹے سے پیار کرنا اسکرھ مرگیا کیوئی کیا کیوئی کیا کیوئی کیا کیوئی کیا کیوئی کیا اور اپنے دونوں بڑے بیٹوں جیسے ساھسی یا اُونچے ادّک پیار اور اپنے دونوں بڑے بیٹوں جیسے ساھسی آئی میں کی طرف می جاسکتا تھا ، بوڑھے باپ کے دل میں اب رئیج اور گلانی کی کوئی سیما نہ رہی . یہ اُسے آخری دنوں کے اپنے فلط وچاروں اور اپنے هاتھوں اپنے سب سے چھوئے بیٹے کو بگاڑ دیئے کی سوا تھی .

(3) ایک بورهی چویا اور اُس کا بیٹا

ایک جوآن عقاب پکشی اور اُس کی ماں ایک ساتھ رھتے ہے۔ مل بہت بورھی ھوگئی تھی ، ایک دن کھچھ دیر تک اُرنے کے بعد وہ پہاڑ کی ایک کار پر بیٹھ گئی اور کہنے

कि दरस्त जस्दी ही स्नतम हो जायगा. पर अब एसने दरस्त की तरफ देसा तो दरस्त वैसा का बैसा ही सदा था. सांप को कोघ आया. एसने और अधिक खोर के साथ दरस्त को कसना शुरू किया. किर जब एसने दरस्त को देसा तो दरस्त किर वैसा का वैसा ही सदा था.

सांप को खब इतना अधिक कोध आया कि दरक्त को आप देते हुए उसने कहा—"तुम सममते हो कि तुम्हारे इस तरह खबे रहने से और यह सममते से कि आकिर मैं बक

जाडगा तुम्हें कोई लाभ होगा ?"

साप ने तय कर लिया कि अपनी चाल में डटे रहंकर इरस्त को घोटकर मार ही देना है चाहे कितनी भी देर क्यों न लगे. उसने दरस्त को और कसा और पल भर के लिये भी कहीं ढील अम्ने नहीं दी. अब उसे बहुत अधिक देर तक इन्तजार करना न पड़ा. या तो शायद अखिकार सांप ही ने थक कर यह तय कर लिया कि जो थोड़ी सी शक्ति ग्रुफ में बाकी रह गई है उसे अब अपनी ही रीद की हड़ी तोड़ने में खर्च कर डालूं, और या शायद दरस्त का तना यकायक और मोटा हा गया और उसने सांप के दुकड़े कर विये. जो भी हुआ हो, थोड़ी ही देर में बह सांप एक सड़ी हुई रस्सी की तरह दुकड़े दुकड़े होकर जमीन पर गिर पड़ा.

(2) बुढ़ा आदभी और उसके तीन बेटें

एक बूढ़े आद्मी के तीन बेटे थे. सबसे वड़ा बेटा बहुत अच्छा महाह था, हिन्मती, बहादुर, इरावेका पक्षा और जो फर्ज सामने हो उसे पूरा करने के लिए जोखम की परवाह न करने वाला. बाप उसे बहुत प्यार करता था. वह अपने उस बेटे पर फूला नहीं समाता था. उसे अपने घर की आन सममता था. पर एक दिन त्कान आया और समुन्दर की तुन्द लहरें उस निडर बहादुर केंट्र को निगल गई.

दूसरा बेटा एक कोयले की खान में काम करता था. यह अयक और मेहनती था. अपने साथियों से बह कहीं ज्यादा मजबूत और हिन्मती था. वह ईमानदार और सच्चा था. अपने साथियों या मित्रों की मदद करने में उसे हमेशा मानन्द माता था. इसीलिये खान के सब मजबूर और जासकर नौजबान उसे बहुत चाहते थे और उसकी मित्रता की बड़ी कहा करते थे. बाप मी उसे बहुत प्यार करता था. सबसे बड़े बेटे के मरने के बाद से इस दूसरे बेटे की तरक बाप का प्यार और बद गया था. बाप के मन को उसे देखकर बड़ी शान्ति भिलती थी. उसे बहु अब अपने लिये मगवान की सबसे बड़ी देन सममता था. पर थांचे ही दिनों में अपनी बहादुरी और अपने सेवा भाव के कारन ही बह दूसरा बेटा सी चल बसा. उस दिन वह खान में काम कर रहा था कि एक सन्वा गिर गया और खान की जमीन नौजे को बसने लगी.

یہ پرخت ہوائی ہی خام ہے جائے گا ، پر جب اُس نے درخت اُ نی طرکت دیکھا تو فوضت بیسا کا بیسا ہی کوا تھا ، سائٹ او کرودھ آیا ، آس نے اُور اُدھک زرر کے ساتھ درخت کو کسفا دروع کیا ۔۔۔ پھر جب آتی نے درخت کو دیکھا تو درخت ہر رسیا کا روسا ہی کوا تھا ،

سائمی کو گیا اتفا ادھکہ کرودھ آیا که درخت کو شراب است میں است کی شراب است میں است کی آخر میں تیک جاوں کا میں کوئی آیا جاوں کا میں کوئی آیا جوگا ؟ ا

سائب نے طفر کو لیا کہ اپنی چال میں تھے رہ کو درخت کو گہرت کر مار ھی دینا ہے چاھے کتنی بھی دیر کیوں نہ لکے ،
اس نے درخت کو اور کسا اور پل بھر کے لئے بھی کہیں تھیل انے نہیں دی ، آب آسے بہت ادھک دیر تک انتظار کرتا نہ کر اور بھایہ آخرکار سائب ھی نے تھک کر یہ طے کر لیا کہ جو تھروی سی شکتی معجم میں باتی رہ گئی ہے آسے آب آپنی اس درجھ کی ہتھی ترزئے میں خرچ کر ڈائوں' اور یا شاید درخت کا تنا یکا یک اور موبا بھوگیا اور آس نے سائب کے تحرب کر دیئے ، جو بھی ہوا ہو' تھروی ھی دیر میں وہ سائب لر دیئے ، جو بھی ہوا ہو' تھروی ھی دیر میں وہ سائب لیک سری بھوگیا رسی کی طرح تحرب انجے ہو کر زمیری پر لیک سری بھوگی رسی کی طرح تحرب انجے ہو کر زمیری پر

(2) بروہا آدمی اور اُسی کے تینی بیٹے

ایک بوره آدمی کے تین باللے تھے سب سے بڑا بیٹا یہت اچھا ملے تھا مہر جو فرض ساملے ھو آسے برا کرنے کے لئے جوکھم کی پرواہ نے کرنے والا ، باپ آسے بہت بیار کرتا تھا ، وہ اپنے آس بیٹے پر پھولا تہمی سماتا تھا ، آسے اپنے گھر کی آن سمجھتا تھا ، پر ایک دین طوفان آیا اور سمدو کی ندر بہادر بیٹے کو نکل گئیں ،

सीर कहानियां लिखीं. सन 19 में वह 'वेन यी पाओ' (Wen Yi Pan) नाम की पत्रिका का एडीटर था. 'वेन' का अर्थ है कला और 'पाआ' का सर्थ है पत्रिका या गजट. फेंग की कविताएं, कहानियां, हामें, निवन्ध, संस्मरन और टीकाएं चीन में काफी प्रसिद्ध हैं.

यहां जो पांच कहानियां हम दे रहे हैं उनमें पहली "साप की बरस्त को घोटकर मार डालने की कोशिश" सब से हाल की लिखी हुई है. अमरीका और कुछ साम्राज प्रेमी ताकर्तों की तरफ से लाल चीन का जो ब्लाकेड यानी तिजारती बहिश्कार जारी है, यह कहानी उस ब्लाकेड पर लिखी गई है. "बुड्डा आदनी भीर उसके तीन बेटे" और "एक बूढ़ी चिड़िया और उसका बेटा" कोनों कहानियां चीनी जनतों में दम फू कने वाली और उन्हें जीवन के नए आदर्श की तरफ ले जाने बाली कहानियां हैं. "एक यूदी चिड़िया और उसका बेटा" नाम की कहानी में खास कर बूढ़े लोगों को कर्मठ जीवन की तरक लाने की कोशिश की गई है, तो 'एक मिख्यारिन लड़की और समन्दर" में नौजवानों को जीवन का आदर्श बताया गया है. इस छोटी सी कहानी में नौजवानों के दिलों की क़दरती उमंगों के साथ साथ प्रकृति के प्रेम और जीवन की कर्मटता का खासा सुन्दर थयान है. ''शहद की मक्खियां श्रीर सांप'' भी आज की अन्तर्राश्ट्रीय राजनीति से सम्बन्ध रखती है. इन छोटी छोटी कहानियों से नए चीन की जनता की उमंगीं चौर उनके चात्म विश्वास पर खासी रोशनी पढती है. इन कहानियों का अनुवाद चीनी से अंप्रेजी में और अंप्रेजी से हिन्दस्तानी में किया गया है.)

\$ \$ \$ \$ \$ \$... (1)

सांप की दरख्त को घोटकर मार डालने की कोशिश एक सांप एक दरख्त को मार डालना चाहता था. खूव सोचकर उसने एक नई और जनरदस्त चाल निकाल ली. सांप बढ़ा बिद्वान था. उसकी विद्या इस मामले में उसके बढ़े काम आई. उसने देख रखा था कि बहुत से दरख्तों पर जब बेलें लिपट जाती हैं तो दरख्त निकम्मा होकर मर जाता है.

सांप ने सोचा—"उन बेलों से मैं कहीं अधिक मोटा जौर मजब्यूत हूं. इसलिये अगर में इस दरस्त पर चारों तरफ़ से लिपट कर उसे खूब कस लूं ता यह दरस्त एकदम घुट कर महीं मरेगा तो कम से कम धीरे धारे सूख कर तो मर

बहु सायकर वह सांप उस दरस्त पर चढ़ा. दरस्त के की पर बारी तरफ से लिपट कर उसने उसे जोरों से कस लिया. बहु इसे बीर ज्यादा से ज्यादा कसता गया, इस उम्मीद में اور کہاتیاں گھیں ۔ سن 1°53 میں وہ ' وین بی باؤ ' (Wen Yi Pao) نام کی پتریکا کا اکیتر تھا۔ وین کا ارتباط استیم ' بی ' کا ارتباط کو اور پاؤ کا ارتباط پتریکا با گزیت ، نینگ کی کویتائیں ' کہائیاں ترابی ' نبندھ' سنسری اور تیکائیں چین میں کانی پرسدھ ھیں .

یہاں جو پائیم کہانیاں هم دے رهے هیں آن میں پہلی " سانمین کی درخت کو گھوٹ در مار دالنے کی کوشش " سب سے مال کی لکھی هوئی هے . امریک اور کچے سامراہے پریمی طا توں کی طرف سے نئے چین کا جو بالائیڈ یعنی تجاراتی وعشکار جاری ' یہ کہانی اُس بلائیڈ پر لاہی کئی ہے، ود بدَّهَا أَدْمَى أور أُس كَي تين بيتم " أور " أيك برزتمي چويا أور أس كا بيتًا " دولون كبائيان چيني جنتا مين دم پهوكنے والی اور اُنہیں جیوں کے نئے آدرشوں کی طرف لے جانے والی کہائیاں میں ۔ '' ایک ہورہی چریا ارر اُس کا بیٹا '' نام کی کہائی میں خاص کر بروھے لوگیں کو کر، تھ جیوں کی طرف الله في كوشش كي كُثري هي تو ود أيك منجى يارن لوكي أور سمندو میں مرجوا اس کو جیوں کا آدرش بتایا گیا ہے ۔ اِس چھوتی سی کہائی میں : وجوانوں کے داوں کی قدرتی اُمناوں کے ساتھ ستھ پرکرتی کے پریم آور جیوں کی کرمتیتا کا خاصه سندر بیان کے شہد کی متبیاں اور سانپ '' بھی آج کی انتر راشتریء راج نیتی سے سمبندہ رکھتی ہے . اِن چھوٹی چھوٹی کھالیوں سے للے چین کی جنتا کی اُسکوں اور اُن کے آتم وشواس پر حاص روشنی پرتی هے . اِن کہائیوں کا آبوراد چینی سے انگریزی میں لور الكريوس سے بعندستاني ميں كيا گيا هے . آ

ایک سالب ایک درخت کو مار ڈالفا چاھٹا تھا ، خوب سوچ کر اُس نے ایک نئی اور زبردست چال لکال لی ، سالب برا ودوان تھا ، اُس کی ودیا اِس معالے میں اُس کے بڑے کام آئی ، اُس نے دیکو رکھا تھا که بہت سے درختوں پر جب بھلیں لیت جاتی ھیں تو درخت نکما ھو کر مر جاتا ہے ،

سائپ نے سوچا۔۔۔'' آن بیلوں سے میں کہیں ادعی موثا اور مقبوط هوں ایس لئے اگر میں اِس درخت پر چاروں طرف سے ایک دم طرف سے ایک درخت ایک دم گوف کر نہیں موے گا تو کم سے کم دھیرے دھیرے سوکھ کر تو میں جائے گا '''

یه شویج کر وه سانب أس درخت پر چوها . درخت کے تلے پر چاووں طوف سے لہت کر اُس نے اُسے زرروں سے کس لیا ، وہ اُسے اُور زیادہ سے زیادہ کستا گیا اُ اِس اُمید میں

कुछ चीनी छोटी कहानियां

(लेखक - केंक्न ग्रुए-केंक्न: अनुवादक - सुन्दरलाल)

। ब्रोटी ब्रोटी कहानियों के जरिये लागों को शिक्षा देने का ढंग बहुत पुराना ढग है. हजारों बरस से इस तरह की सेकड़ों ही सन्दर कहानियां एशिया के सब देशों में चली आ रही हैं. चीन में भी यह रिवाज बहुत पुराना रिवाज है. नए चीन की तार्भार करने वालों ने इस से पूरा पूरा फायदा उठाया. यहां हम नए चीन के एक चाटी के साहित्यकार फंग शुए-फेंग की इस तरह की पांच कहा। नयां दे रहे हैं.

केंग शुए-केंग सन 1903 में चेकि मांग सबे के यीव इलाक्ते के एक गांव में पैदा हुआ था. वह अनपद किसान मां बाप का लड़का था. इस बरस को उम्र से सालह बरस की उन्न तक वह गांव के स्कूल में पढ़ता रहा और खाली समय में अपने मां बाप के साथ खेत में काम करता रहा. इसक बाद बह एक टी वर्स ट्रेनिंब स्कूल में पढ़ने लगा. ينے ماں باپ کے ساتھ فيدت ميں کام کرنا رہا۔ اِس کے بعد رہے विद्यार्थियों के एक आन्दालन में भाग लेने के कारन वह ट्रेनिंग स्कूल से निकाल (द्या गया. थाड़े दिनों बाद बह फिर हांग थाचा के एक नारभल कुल में भरती हा गया.

कुछ दिनों वह प्राइनरी स्कूल में पढाता रहा. परं अधिकतर अने आजाद कान्तकारी विवासे के कारन उसे बेकारी में दिन । बताने पड़े. बह जगह जगह बूमता रहा, उसका गुकारा कुछ भित्रों की सहायता से चलता था. लगभग बीस बरस की उम्र में उसने कुछ कविताएं लिखी. सन 19 में वह पीकिंग जा गथा और प्राइवेट बच्चे पढा कर अपना काम चलाता रहा, यहां उसन जापानी भाशा सीखी और साम्यत कला और साहित्य पर कब प्रातकों का जापानी सं चीनी में अनुवाद किया.

श्रव उसका ध्यान कम्यु।नस्ट साहित्य की तरफ जाने लगा. लू शून जैसे चीन के बड़े से बड़े लेखकों के साथ मिल कर उसने कई साहित्य संस्थाओं के क्रायम करने में हिन्सा लिया, भीरे भीरे वह पूरी तरह देश की आजादी की लढ़ाई में कृद पड़ा और 'लाल सेना' के इतिहास प्रसिद्ध 'लम्बे कृष' (लांग मार्च) में उस सेना के साथ था. जब वह फिर उस इलाके में भाषा जो भभी क्रुश्रोभिनतांग पार्टी के भधीन था तो सन 1941 में पकड़ कर जेल में डाल दिया गया. जेल में भी उसने कई कविताएं लिखीं हैं जिन में उसने कुछो-मिनतांग के शासकों के अत्याचारों और उनके विदेशियों के हाथों में खेलने की तरफ अपने देश सिसयों का भ्यान दिलाया. सन 1942 में वह जेल से बूटा. इसके बाद उसने जनता में अपने विचार फैलाने के लिये बहुत से निवन्त

کچه چینی چهوتی کهانیان

﴿ لَيْهِكَ سَوْدِهِ فَيْلُكُ أَلْبُوادِكِ إِسْدُوالِ }

[چهرائی چهرائی کهانیوں کے دریعه لوگوں کو شکشا دینے کا نهنگ بہت پُرانا تھنگ ہے ، هوارس برس سے اس طرح کی سیروں میں سامر کہائیاں ایشیا کے سب دیشوں میں جلی آ هيهين، چين مين بهينه رولي بهت پرالا رواج هه . ليد چين ئی تعمیر کرفے والوں نے اِس سے پورا پورا فائدہ اُٹھایا ہے ، یہاں ام لیڑے چین کے ایک چوٹی کے ساہتیہ کار فینگ شوٹے - فینگ لی اِس طرح کی باتیم کہانیاں دیے رہے ہیں ۔

نینک شوٹے نیک سی 1903 میں چیکھانگ صوبے کے ی ور علاته کے ایک کلوں میں بیدا ہوا تھا ، وہ آئیوہ کسان اس باپ کا لوکا تھا۔ جس برس کی عار سے سولہ برس کی سر تک وہ کاوں کے اِسعول میں پوھٹا رھا آور خالی سیے میں الله الك المحرس البياك إسكول مين يرهف الله وديارتهون أ کے ایک آئیولی میں بھاک لینے کے کارن وہ ڈریننگ اِسکول ے نکال دیا گیا ، تھورے دئوں بعد وہ پھر ھانگ چاؤ کے ایک ارمل آسكول مين بهرتي هواليا . -

كبي دانس ولا يزائس إسكول مين يوعاتا رها . در أدهكتو ینے آزاد کرادتی کاری وچاروں کے کارن آسے بیکاری میں دن الے پڑے ، وہ جگہ جگہ گھوستا رہا ، أس كا گذارا كچى ستروں ی سالتا سے جلتا تیا ۔ اگ بھگ بیس برس کی عمر میں س نے کچے کیتائیں لایں اس نے 1925 میں بیکنگ آگیا ور برائیریت بحیے برما کر آینا کام چلاتا رہا ، یہاں اس لے جاپائی هاشا سيتهي أور سرويت كلا أور ساءتيه ير كمهم يستكون كا جأيالي م چيني ميں انوواد کيا .

اب أس كا دهيان كميولست ساهتيه كي طرف جالے کا ، لرشوں جسے چین کے بڑے سے بڑے لیکھکوں کے ساتھ مل ار آس نے کئی سامتیہ سنستہاوں کے قائم کرنے میں حصه لیا ، العدر معدر موا برريطرم ديش كي أزاس كي اوالي ميل كود را أور الله سيلا ، ك إتهاس يرسده الميه كوي (اللك ماري) ہوں اُس سیلا کے ساتو تھا ۔ جب وہ بھو اس علاتے میں آیا جو ابنے کوس ٹائگ بارٹی کے ادھیں تیا تو س 1941 میں کر کو جیل میں ڈال دیا گیا ، جیل میں بھی اُس لے کئی اورناتین کھی میں بین میں آس نے کومن کانگ شاسکوں کے انہاری آپر آپر آپر آپر آپر آپر ان کے ودیشیوں کے هائیان میں کیلئے کی عارف آپنے يلهن ولسول كا فتعلل داليا. سن 194 من وه جعل عد جمواً. س كر بعد أس ف جانا ميں أبن وجار بعدك كے الم بہت سے تباده

महाला मांधी के शब्दों में—"दर अस्त चुराया हुआ व होने पर भी बेकार का संग्रह चोरी का सा माल हो जाता है. परिग्रह को सतलब है संयम या इकहा करना. परमाला परिग्रह नहीं करता, वह जरूरी चीज रोज की रोज पैदा करने के ईरवरी नियम का हुम पालन नहीं करते. इसीलिये दुनिया में बिस्नमता और उससे होने वाले दुल मागते हैं. अमीरों के वहां चीजें जराब होती रहती हैं, दूसरी ओर उनकी तंगी में करोड़ों इन्सान भटकते फिरते हैं. अगर सब लोग अपनी जरूरत भर को ही इकहा करें तो किसी को तंगी न हो और सबको तसस्ती रहे. आज तो करोड़पति अरवपति होने को अटपटाता है, उसे तसस्ती नहीं. अगर आज धनी अपना बेहद परिग्रह होन दें तो समाज का भेद भाव दर हो जाय."

बिनोबा कहते हैं कि "आज जो धन कमाता है, वह इसके साथ रोग और फिक्त भी कमाता है. वह धन कमा कर झाल बच्चों, दोस्तों और पड़ोसियों के प्रेम को खो देता है. इसी से वह दुखी भी है. आज समाज में श्रीमान और रारीव दोनों दुखी हैं. इसलिये यह समाज रचना हमें बदलनी ही होगी और इसके लिये हमें दान और अपरिग्रह के दायरे का क्यादा से ज्यादा फैलाना होगा."

आज तो माटीवार (मादा परस्ती) का असर हमारी आंखों पर पड़ा है. सारी जिन्दगी का विकार, विशय और मजबूरी से भरी हुई है. रोटी का सवाल आज की सबसे बड़ी समस्या है. दान आज रास्ता भूल कर बेजान पड़ा है. सायनाचार्य ने ठद्र की न्याख्या (तशरीह) की है—

बुमुखमाणः रद्ररूपेण अवतिष्ठते—

यानी भूखे लाग रह ही के अवतार हैं. उनकी भूख कुमाने के लिये तरह तरह के फलसके और तरह तरह के राजनैतिक उसूल बन गये हैं. तरह तरह के वाद इसी रोड़ी की समस्या को सुलमाने के लिये भगीरथ के समान कोशिशों कर रहे हैं. संसार के धर्मों, उपनिशहों और गीता ने इसका एक ही इलाज बताया है और वह है 'ईरबराएँए। योग'—यानी सब अम और सब धन ईश्वर आस्लाह के नाम पर हो, सब जनता के फायदे के लिय हा, समाज के फायदे के लिये हो, व्यक्तिगत यानी जाता फायदे के लिये नहीं. مہاتما کاندھی کے شہدس میں اور درامل چرایا ہوا تھ مولے پر یہی بیکار کا سنکوہ چوری کا سا مال ہو جاتا ہے۔ پر کوہ کا مطلب ہے سنیم یا آگھا کوتا ، پرماتما پریکرہ تبھیں کرتا ، وہ ضروری چھڑیں روز کی روز پیدا کرتا ہے ، روز کے کام بیر کا روز پیدا کرتے ہے ۔ روز کے کام بیر کا روز پیدا کرتے کے ایشوری ٹیم کا ہم پالی ٹیھیں کرتے ، اسی راستا آور آس سے ہوئے والے دکھ بھوگتے ہیں ۔ اسی روزوں آنسان بیٹیتے پھرتے ہیں ، دوسوی آور آس کی تنگی میں دروزوں آنسان بیٹیتے پھرتے ہیں ، اگر سب لوگ اپنی ضرورت بھر کو ہی آکھا کریں تو کسی کو تنگی نے لوگ آپ بیٹی ہوئے کو چیٹیٹاتا ہو آور سب کو تسای رہے ، آگر آپ دھئی آپنا ہے دد پریکرہ چھور ہے آسے تسلی نہیں ، اگر آپ دھئی آپنا ہے دد پریکرہ چھور دیں تو سماے کا بھید بھاؤ دور ہو جائے ."

واوبا کہتے میں که '' آج جو دھی کیاتا ہے' وہ اُس کے ساتے روگ اُر فکر بھی کیاتا ہے۔ وہ دھی کیاتا ہے وہ یال بچوں' دوستوں آور پڑوسیوں کے پریم کو کھو دینا ہے ۔ اِسی سے وہ دکھی بھی ہیں ہے ہے ۔ آج سیاج میں شریبان آور غریب دونوں دکھی ہیں ۔ اِس لیے یہ سیاج رچنا ہمیں بدلنی ہی ہوگی آور اُس کے لیے ہمیں دان آور آپریکرہ کے تبھوری کو زیادہ سے زیادہ پھیلانا شوا ۔''

آج تو مائی راد (مادہ پرستی) کا اثر هماری آنہوں پر پڑا ہے ، ساری زندگی رکار' رشے اور مجبوری سے بھری ہوئی ہے ، روٹی کا سوال آج کی سب سے بڑی سنسیا ہے ، دان آج راستہ بھول کر بے جان پڑا ہے، سایلا چاریہ نے رودر کی ریاکھیا (تشریم) کی ہے۔

بوبهواشمالترا رودر رويداتر أوتشتهتي-

یعلی بہو کے لوگ درددر کے عی اونار ھیں، اُن کی بھوکھ بجھالے کے نفی طرح طرح کے داجنیتک اصول بن گئے ھیں، طرح طرح کے داجنیتک اصول بن گئے ھیں، طرح طرح کے واد اِسی روثی کی سمسیا کو سلجھالے کے لئے بھیرت کے سمان کوششیں کو رہے ھیں، سنسار کے دھرموں اُور گیتا نے اِس کا ایک ھی علنے بتایا ہے آور اُسے دھن ایشور وہ ہے اُ ایشورارینو یوگ سیمانی سب شرم آور سب دھن ایشور اللہ کے نام پر ، وا سب جنتا کے نائدے کے اُئے ھوا سماج کے اللہ کے نام پر ، وا سب جنتا کے نائدے کے اُئے موا سماج کے فائدے کے اُئے ھوا دیکھی فائدے کے اُئے موا دیکھی فائدے کے اُئے نہیں ،

धनायानों और दीनहीनों के बीच सिर्फ दान ही एक जोड़ने वाला पुल रह, गया है. धाज दीन चनाने के बाद ही दान सुमिकन रह गया है. एक दार्शनिक के शब्दों में—"धगर ग़रीबी सुनासिव वात नहीं है तो दान को भी बढ़ाया नहीं देना होगा. ग़रीबी को खगर दूर करना हैं तो दान की संस्था को भी हमें इतना पाक साफ करना होगा कि उसमें दया भाव के लिये गु जाइश न रह जाये. यह दिल का ऐसा सहज और लाजमी धर्म हो जाये जैसे बादलों का जलदान. आज तो देने बाला ग़रीबपरवर है और लेने बाला हकीर है. ग़रीबी और दान का यह ताल्लुक इन्सान की शान को नहीं बढ़ाता. इससे उलकन बढ़ती है और मैल बढ़ता है. इसलिये दान को उस सतह पर पहुंचाना होगा जहां देने बाले को अपने को दाता मानने के गुरूर से छुटकारा मिले."

इसी विचार को मशहूर सीरियन दार्शनिक जलील जिनान ने दूसरे राब्दों में लिखा है. वे भिखारी से कहते हैं—''भिखारी ! तुम दीन हीन बन कर भीख क्यों मांगते हो ? दानी की उदारता को इतनी अहमियत क्यों देते हो ? तुन्हारी रारीबी में बनाबट नहीं बेबसी है. तुम मजबूर हो. जिस दान के धन को तुम क्रवूल करते हो वह देने बाले का नहीं है. वह तो उसके पास सिर्फ घरोहर है. तुन्हें भीख इसलिये मांगनी पड़ती है जिसमें उसके फूज का बोक इल्का हो जाय, तुम योग्यता-अयोग्यता, सत्पात्र-कुपात्र की कसीटी पर इसलिये नहीं कसे जा सकते कि तुन्हारा अभाव कृदरती है. तुम दान लेकर दानी पर उपकार करते हो चु'कि तम उसे कर्तव्य का रास्ता दिखाते हो. उसे धरोहर हुइप लेने से बचाने का उपकार तुन्हारा है, इसलिये ऐ मिखारी ! तुम क्यों शर्म के बोक से दबे जा रहे हो ? क्यों अपने को दीन हीन मानते हो ? ऐसा करके क्या तुम दानी को अभिमानी बनाने और उसे पतित होने का भौका नहीं देते ? इसलिये हे भिखारी ! दानी से फर्ज सममकर दान लो ! शाइस्तगी के क्याल से अइसान भले ही जाहिर करो पर खपकार के बोक से परेशान न हो !"

जिस तरह हम यश में आहुति वेते समय कहते हैं कि—"इन्द्राय इदं, न, ममः"—यह मेरा नहीं है, इन्द्र के लिये है. उसी तरह आज जो हम उत्पादन करते हैं, चाहे वह लेती में हो, चाहे कैक्ट्री में, उसके बारे में हमें कहना चाहिये कि—"समाजाय इदं, समिश्दाय इदम्, राक्ट्राय इदम्, न ममः". यह सब मेरे लिये लाही है, समाज के लिये है, समश्टि के लिये है, राष्ट्र के लिये है, अपने पास जो कुछ है वह सब समाज के इवाले कर देना जाहिये. किर समाज की बोर से अपनी जरूरत के सुताबिक जो कुछ मिलेगा वह अमृत होगा. فعلواتهن أور فين هيلوں كے تھے صرف دان هى أيك عور والا إلى والكها أور دين بغلف كے بت هى دان سكن وكيا هـ أيو دين بغلف كے بت هى دان سكن وكيا هـ أيك عارفك كے شبدوں مهں الله عولا ، غربي كا است كيئل هـ تو دانى كي سنستها كو يهى هديں أتنا باك الله كرنا هوا كه أس ميں ديا يهاو كے لئے كا جائش نه وة فاله ، يه دل كا ايسا سهيم ، أور الرسى دهوم هو جانه جيسه اداس كا جاردان ، أنه تو ديند والا غريب پرور هـ أور لينه الا حقير هـ أور ديند والا غريب پرور هـ أور لينه بين برخانا ، أمن سه الحجين بوهني اله اور ميل برهنا هـ بين برخانا ، أمن سه الحجين بوهني هـ آور ميل برهنا هـ بين برخانا ، أمن سه الحجين بوهني هـ آور ميل برهنا هـ بين كو دانا مانيه كه غرور سه جهتكوا مله . "

اِسی وچار کو مشہور سیرین دارشاک خلیل جیران لے رسرے شبدوں میں لکھا ہے وہ بھکاری سے کہتے ہیں۔۔ ا بيكارى ا تم دين هين بنكو ديكه كيس مالكيد هو ؟ دائي ا آدارتا کو اتنی اهمیت کیوں دیتے هو ؟ تمهاری غریبی میں الرت تہیں ریسی ہے ۔ تم معبرر هو ، جس دان کے دهن و تم قبول کرتے هو وہ درنے والے کا نہیں ہے ۔ وہ تو اُس کے س صرف دهروهر هم ، تمهيل بهيك اس الله مانكني يوتي ، جس میں اُس کے فرض کا بوج علکا هو جائے ، تم ہوگتا ۔ وگتا است یاتر - کو یاتر کی کسوئی پر ایس لٹے نہیں کسے جا كيت كه تمهارا آبهاؤ قدرتي هه . تم دأن المكر داني ير أيكار كرت و چونکه تم أسه كرتويه كا زأسته دكهاتے هو . أسه دعروه ر هوب بنے سے بعدالے کا ایکار تمہارا ہے ۔ اِس لئے اے برکاری ! تم ہن شرم کے برجم سے دیے جا رقے ہو ؟ کیوں اپنے کو دینی اس مالتے ہو ؟ ایسا کر کے کیا تم دالی کو ابھیمالی بنانے اور رر أس يتب مونى كا مرتم نهيل درتي الراس الله هم بهكاري ا اتی سے فرض سبجھ کر دان لوا ھانستی کے خیال سے مسان دیلے جی طاهر کرو پر آیکار کے برج سے پریشان تے

चर्यात्—जगत में जो कुछ जीवन है, वह क्रिश्वर का बसाया हुचा है. इस लिये उसके नाम से त्याग करके, त् बचा प्राप्त मागता जा. किसी के भी धन की तरफ वासना न रस.

दुलसीदास जी ने इसी को दूसरे शब्दों में कहा है— 'सम्पति सब रघुवर की आही'. और सम्पत्ति जब सब रघुवर की ही है अर्थात समाज के कायदे के लिये है तो सम्पत्ति की भिलकियत सिर्क एक द्रस्टी के रूप में ही रह जाती है और वह सम्पत्ति—"सब जन हिताय, सब जन सुखाय" के लिये ही खर्व की जा सकती है. महान पारसी सफाट अनुशीरवां ने हिदायत दी थी कि भौत के बाद जब उसकी अर्थी ले जाई जाय ता उसके दोनों हाथ अर्थी के बाहर निकले रहें ताकि जनता देख ले कि इतना बड़ा सम्राट भी अनन्त यात्रा में खाली हाथ जा रहा है.

पैदाबार सब मेहनत से ही होती है. इनसान साधन. सामश्री और अम के मेल से जिन्हगी की जहरतों की तरह तरह की बीजों को पैदा करता है. अम और पैदावार के मेल के लिये सिक्के का जनम होता है. सिक्के को इसलिये लाया जाता है कि वह श्रम का वकादार चाकर होकर रहे, लेकिन हालतों के उलटफेर की वजह से श्रम ही सिक्के का ताबेद।र बन जाता है. जो बेग्रुमार कच्चा माल धरती का बेटा अने पसीने के बल खेतों में उपजाता है, खानों से निकालता है, कारखानों में तैयार करता है उस पर बजाय श्रमिक का अधिकार होने के लक्ष्मीपुत्रों का अधिकार हो जाता है. नतीजा यह होता है कि समाज अभीरों और ग़रीबों में बंट जाता है, अनाज की खत्तियों में अनाज पड़े पड़े घुनता रहता दै और करोड़ों इन्सान दाने दाने को मोहताज रहते हैं. गोदासों में कपड़े की लाखों गांठें पड़ी सड़ती रहती हैं और करोड़ों इन्सान ठन्ड से ठिठुरते रहते हैं. दिन बदिन नंगों और मिलमंगों की अनगिनत कतारें बढ़ती जाती हैं. आज इनिया में लोभ और परिप्रह का राज है. परिप्रह की हिफाजत के लिये राज तरह तरह के क़ानून बनाते हैं. स्थानशद् की एक कहानी में राजा कहता है कि "मेरे राज में न तो कोई चोर है और न कज़स. धन संग्रह ही चोरी को उकसावा देता है. दरअस्त कंजूस ही चोर का पिता है." उपनिशव का यह राजा बढ़े पते की बात कहता है. लेकिन आज क्या हो रहा है ? चोर को तो हम जेल मेजते हैं, केकिन चोरों के पिता पूर्जीशाह को हम मुक्त रखते हैं. वे तहजीव-काफता रारीफ की राक्ल में समाज में घूमते हैं, उनकी औरतें अपनी दौलत का, अपने जगमग जवाहरातों का दरिद्र नारायनों के बीच में नगर प्रदर्शन करते हैं ! यह कैसा न्याय है १ गीता के परिमद्दी (धनवाले) को ही चोर कहा है, लेकिन आज स्त्रेग गीता का भी नहीं मानते.

الرتبات جات میں جو کنچ جیرن ف وا ایشور کا بسایا موا ف و ایشور کا بسایا موا ف و ایش لئے اُس کے نام سے تیاک کر کے تو یتھا پرایت بیوگٹا جا ، کسی کے بھی دھرم کی طرف واسنا نام رکھ .

تلسی دانس جی نے آسی کو دوسرے شیدوں میں کیا ہے۔ ' اور سببتی جب سب رگھوورکی آ ھی ۔ اور سببتی جب سب ملکوور کی ھی ہے آرتھات سانے کے نادی کے لئے ہے تو سببتی کی ملکوت صرف آیک ٹرسٹی کے روپ میں ھی رہ جاتی ہے اور سببتی ہے اور سببتی ہے اور سببتی ہے۔ ' کے لئے می خرچ کی جا سبب جن سوکیائے '' کے لئے ھی خرچ کی جا سکتی ہے ۔ مہاں پارسی سبرات انرشیروال نے ہدایت دی تھی که موت کے بعد جب اُس کی ارتھی لے جائی جائے تو اُس کے دونوں ھاتھ آرتھی کے باعر نکلے رھیں ناکھ جنتا دیکھ لے کہ اُننا ہوا سبرات بھی اندت یاترا میں خالے ماتھ جا رھا ہے۔

پهداوار سب محنت سے هی هوتی هے . اِنسان سادهن ٔ سامکری آور شرم کے میل سے زندگی کی ضرورتوں کی طرح طرح کی چیزوں کو پیدا کرتا ہے، شرم آور پیداوار عے میل کے لئے سکے کا جنم هوتا تھے ۔ سکے کو اِس اللہ لایا جاتا هے که وہ شرم کا وفادار جاکر هوکر رهے الیکن حالتیں کے اُلٹ پہیر کی وجہ سے شرم ھی سکے کا تابعدار بن جاتا ھے ، جو پر شمار کنچا مال دھرتی کا بیتا اپنے پیسنے کے بل كهيتيس ميں أُرجانًا كا وس سے نكالنا هـ كارحانوں ميں تهار فرنا کے اُس پر بجائے شرمک کا اُدعیکار عرفے کے لکشمی يترون كا المعيكار هو جاتا هي ، نتيجه يه هونا هي كه سماي اميرون أورْ فريبوس ميس بلت جاتا هـ أناج كي كيتيس ميس أناج يرّ عيد كانتا رمنا في أرر كررور السان دائے دائے كو محصالے رمائے هيل . گوداموں میں کہتے کی لاکھوں گانٹھیں بڑی سزتی رھتی ھیں ارر کرورون اِنسان تهند سے تہتمرتے رهتے هيں ، دن بدن فعلن أور بزيمنكرن كي أفعنت قطارين بزعتي جاتي هين . آج دلیا میں لوبھ آور پریکرہ کا راج ھے: پریکرہ کی حفاظت کے اللے راج طرح طرح کے قانوں بناتے میں ، اینشد کی ایک كهالي ميں راجا كہنا ہے كه " ميرے راج ميں نه تو كوئي چرر ف آور له کنجوس . دهن سنکره هی چوری کو انساوا دينا هـ . درامل كلجوس هي چور كا يدا هـ " أينشد كا يه راجا برے پتے کی بات کہتا ہے ۔ لیکن آج کیا عو رہا ہے ؟ چور کو تو هم جیل بهاجتے هیں' لیکن چوروں کے پتا پونجے شاہ کو هم معت ركبته هين . وه تهذيب يانته شريف كي شكل ميسساج میں گھرمتے میں' اُن کی عررتیں اپنے دولت کا اپنے جکگ جواهرانوں کا دردر لاراینوں کے بیچ میں نکا پردرشن کرتی هيں ! يه كيسا اليائي هے ؟ كيتا نے بھى پريكرة (دهن والے) كو هي چور کها هه اليكن آج تو لوك گيتا كو يوي نهين مانية .

तू उसे खाना देता तो मुक्ते उसके साथ देखता ? मेरे एक बन्दे ने तुक्तसे पानी मांगा और तूने उसे पानी नहीं दिया. अगर तू उसे पानी दे देती तो सचमुच मुक्ते उसके पास पाता!"

कुरान में लिखा है कि—"धर्म या नेकी इसमें नहीं है कि तुमने अपने मुंह नमाज के बन्न पूरव के तरफ कर लिये या पच्छिम की तरफ. धर्म यह है कि आदमी अल्लाह को माने, कमों के फल को माने, फरिश्तों को माने, सब मजहबी किताबों और सब निवयों या रस्लों को माने, अल्लाह के प्रेम के नाते यानी उसके नाम पर अपने माल और दौलत में से अपने नातेवारों को, यतीमों को, जरूरतमन्दों को, रास्ता चलतों को और याचकों को दान दे और गुलामों को आजाद कराने में अपनी दौलत खर्च करे, अल्लाह से दुआ मांगता रहे, जकात यानी अपने कुल माल का कम से कम चालीसवां हिस्सा हर साल अल्लाह के नाम पर गरीबों को स्तरात देता रहे" आदि.

एक बार मुहम्भद साहब सफर से लौट कर मदीने बाये. वह सीधे अपनी बेटी फातमा से सिलने उसके घर गये. मकान में दो चीजें नई थीं—एक दरबाजो पर लटका हुआ रेशमी परदा और कातमा के हाथों में चांदी के कड़े. देखते ही मुहम्भद साहब उस्टे पांव लौट आये और मसजिद में बैठकर रोने लगे. फातमा ने अपने बेटे हसन को यह पूछने के लिये भेजा कि नाना इतनी जस्दी क्यों लौट गये. मोहम्भद साहब ने नवासे से कहा कि "मैं यह देख कर शरमा गया कि मसजिद में लोग भूखे बैठे हों और मेरी बेटी चांदी के कड़े पहने और रेशम के परदे लटकाये." हसन ने मां से जाकर कहा. फातमा ने तुरन्त कड़ों को तोड़कर उसी रेशम के दुकड़े में बांध कर बाप के पास भेज दिया. मुहम्भद साहब ने खुरा हाकर उन्हें बेचकर रोटियां मंगाई और गरीबों में बांट दीं. फिर कातमा के पास जाकर कहा कि "अब तू सवमुन मेरी बेटी हैं."

पुरानों में अनेकों दानवीरों का जिक आता है जिन्होंने अपनी सारी दी तत दान में देकर अपरिप्रह का अत लिया. सम्राट हर्ष हर पांचवें साल प्रयाग आकर त्रिवेनी के तट पर अपने शाही लजाने का एक एक पैसा रारीकों में बांट दिया करते थे. आजीर में सिर्फ एक कोपीन रह जाती थी. तब अपनी बहुन राज्यश्री से अंगोछा दान मांग कर वह कोपीन मी दान कर देते थे. समाज की सम्पत्ति इस तरह किर समाज में बापस चली जाती थी.

पुराने जमाने के मजहबी लोग अगर सम्पत्ति का मोस भी करते थे तो वह बेलीस होकर ईश्वर प्रसाद की तरह. ईशाबास्योपनिशद में इसी भाव को अपनिशदकार ने बढ़े सुन्दर ढंग से कहा है—

ईसाबास्यमिदं सर्वं यत्किच जगत्यां जगत्। त्येन त्यक्तेन भुष्तीया मा गृघः करव स्वद्धनम् ॥ تو اس بھانا دیتا تو مجھے آس کے ساتھ دیکھتا ؟ میرے ایک بلاسے فی تعلق سے باتی مانکا اور تو فے آسے باتی نہیں دیا آ اگر تو آسے باتی نہیں دیا آ اگر تو آسے باتی اس کے پاس باتا آ اگر تو آسے باتی اس میں نہیں ہے قرآن میں کہا ہے کس۔ "دھرم یا نیکی اُس میں نہیں ہے کہ تم فے اپنے منے نساز کے وقت پررب کے طرف کرائے یا پچھم کی طرف ، دھرم یہ ہے کہ آدمی الله کو مانے 'کرموں کے پیل کو مانے ' فوشائوں کو مانے ' سنب منھی کتابوں اور سب نہیوں یا رسولوں کو مانے ' الله کے پریم کے ناتے یعنی اُس کے نام پر اپنے مال اور دوات میں بھائی نیاتے داروں کو یتیموں کو آواد کو رائے میں اپنی دوات خرج کرے ' اللہ سے دیا مانکتا رہے ' ذائد کے نام کرائے میں اپنی دوات خرج کرے ' اللہ سے دیا مانکتا رہے ' ذائد یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یعنی اپنے کل مال کا کم سے کم چالیسوال حصہ ہو سال الله کے نام یو خوبرات دیتا رہے ' آدی۔ "

ایک بار محمد صاحب سفر سے لوت کو مدینے آئے۔ وہ سیدھے اپنی بہتی فاطعہ سے ملنے اُس کے گھر گئے ، مکان میں در چیزیں نئی تھیں۔ایک دروازے پر اتکا ھوا ریشمی پردہ اور فاطعہ کے ھاتیوں میں چاندی کے کڑے دیکھتے ھی محمد صاحب اُلئے پاؤں لوٹے آئے اور مستجد میں بیٹھکر روئے لئے ، فاطعہ نے اُلئے بیشے حسن کو یہ پوچھنے کے لئے بیشجا کہ فاقا اُتنی جلدی کیوں لوٹ گئے ، محمد صاحب نے نواسے سے کہا کہ ''میں یہ دیکھکر شرما گیا کہ مستجد میں لوگ بھوکے بیٹھے ھوں اور میری بیٹی چاندی کے کڑے پہننے اور ریشم کے پردے 'آگائے ،'' حسن دیکھکر شرما گیا کہ فاطنہ نے تونیت کروں کو توزکر اُسی ریشم کے گرے میں باندھ کو باپ کے پاس بھیج دیا ، محمد صاحب نے خوش ھوگر اُنھیں بیچکر رہ تیاں منگائیں اور غویبوں میں باندی خوش ھوگر اُنھیں بیچکر رہ تیاں منگائیں اور غویبوں میں باندی دیں، پور فاطعہ کے پاس جاکر کیا کہ ''اب تو سیج صبح میری

پرائوں میں الیکوں دان ویروں کا ذکر آتا ہے جنہوں نے اپنی ساری دولت دان میں دیے کر آپریکرہ کا روت لیا ۔ سرات هرش هر پالچویں سال پریاگ آکو تربینی کے تت پر اپنے شای خوالے کا ایک ایک یہ پیستہ فریبوں میں بانت درا کرتے تھے ، آخر میں صرف ایک کویوں رہ جانی تھی ، تب اپنی بہن راجھری سے انگوچھا دان میں م نگ کر وہ کریوں بھی دان کردرتے تھے ، سماج نی سنوتی اس طرح بھر سماج میں راپس کی جاتی تھی ہرائے رمائے کے مذہبی لوک اگر سیتی کا بھوگ بھی کرتے تھے تو وہ پر تب ہوگ بھی کرتے سنور تعنگ سے کہا ھے۔ سور اس بھی کو ایسوالیوں بیانے جاتی ہے کہا ہے۔ ایسوالیوں بیندی سروم بیانے جاتی ہے کہا ہے۔ ایسوالیوں بیندی سروم بیانے جاتی ہے جاتی ہے کہا ہے۔

सहिष हैं पर धनवानों का ईश्वर के राज में दाखिल होता नामक्षित्र है."

बैनों के चौबीसवें तीर्थक्कर भगवान महावीर दीश्चित कोना चाहते के लेकिन उन्हें ऐसा महस्स हुआ कि करोड़ों और अरबों की दौलत की उनकी मिलकियत उनकी दीश्चा में सबसे बड़ी क्कायट है. आचारांग सूत्र के मुताबिक, उन्होंने श्ची-दीश्चा के खयाल को एक साल के लिये मुलतवी कर विया, उस एक बरस में उन्होंने अपना सब धन और दौलत दिस्तारायनों में बांट दिया और तब दीश्चा ली. दीला लेने के बाद भी उनके दिल में दया की धारा बहती रहती थी. एक रारीव बाद्य भी दे डालते हैं.

असलाम के पैरान्बर हजरत मुहम्मद भी अपरिमह की जीती जागती मिसाल थे. अपनी भीत से एक दिन पहले उन्होंने अपनी बीबी हजरत आयशा से कहा—"अपने पास बिताकुल पैसा न रखों, जो कुछ कहीं बचा कर रख छोड़ा हो तो उसे ग्रीबों में बांट दो." आयशा ने कहीं से किसी बन्नत के लिये छै सोने के दीनार अपने पास चुपके से बचा कर रख छोड़े थे. थोड़ी देर बाद मुहम्मद साहब ने फिर कहा कि जो कुछ हो मुक्ते दे दो." आयशा ने वही छै सोने के दीनार मुहम्मद साहब के हाथ पर लाकर गिन दिये. मुहम्मद साहब ने उसी दम हुन्म दिया कि उन्हें कुछ ग्रीब कुटुम्बों में बांट दिया जाय. ऐसा ही किया गया. इस पर मुहम्मद साहब ने कहा—"अब मुक्ते शान्ति मिली. सचमुच अच्छा नहीं था कि मैं अपने अस्लाह से मिलने जाऊं और यह सोना मेरी मिलकियत रहे."

इस्लाम के मुताबिक मरने के बाद अल्लाह पूछेगा—
"पे बादमी के बेटे! मैं बीमार था और त मुमे देखने नहीं ,
आया ?" बादमी कहेगा—"पे मेरे रव्य! मैं तुमे देखने के लिये कैसे आ सकता था, तू तो सारे जहान का मालिक है." अल्लाह फिर पूछेगा—"पे आदमी के बेटे मैंने तुमसे खासा मांगा था और तूने मुमे खाना नहीं दिया ?" आदमी कहेगा—"पे मेरे रब्य! तू तो सारे जहान का पालनहार है मैं तुमे खाना कैसे दे सकता था ?" अल्लाह पूछेगा—
"पे आदमी के बेटे! मैंने तुमसे पानी मांगा और तूने मुमे पानी नहीं दिया ?" आदमी कहेगा—"पे मेरे रब्य! में तुमे कैसे पानी दे सकता था तू तो सारी दुनिया का मालिक

बीद तब अस्लाह जवाब देगा—'क्या तुमे मालूम नहीं वा कि मेरा एक बन्दा बीमार था, तू उसे देखने नहीं गया ! का कुमे वह मालूम नहीं था कि अगर तू उसे देखने जाता वी स्वयुच्च मुमे उसके पास पाता ! क्या तुमे मालूम नहीं कि मेरे एक बन्दे ने तुमसे खाना मांगा था और तूने को स्वयुक्त नहीं दिया ? क्या तू नहीं जानता था कि अगर سہم ہے پر دھنوانیں کا آپشور کے رابے میں داخل ہوتا ناستی ہے ''

حینوں کے چوالیسریں تیہ تھنکر بھکوئن مہاریز دیکھے هونا جاهيد تهي ليكن أنهين متحسوس هوا كه كرورون أور أردون کی دوات کی ان کی ملکیت ان کی دیکنچها میں سب سه بری رکاوٹ ہے : آچارانگ ، وتر کے مطابق منی اُنھوں نے دیکھا کے خیال کو ایک سال کے لئے ملتوی کردیا ۔ اُس ایک ہرس میں انزوں نے اینا سب دھوں اور دولت دردر ترایلیں میں ہائث دیا اور تب دیکھالی . دیکھھا لینے کے بعد بھی أن كے دل میں دیا کی دعارا بہتی رهتی تھی . ایک غریب براهمن کے دکھ سے بهرکر رے اُسے اپنی ایک بہتی کھجی چادر بھی دے ڈالتے میں ۔ اِسلام کے بینمبر حضرت محمد بھی اُپریگرہ کیجیتی جاگتی مثال تھے . اینی مرت سے ایک دن پہلے انہوں نے اپنی ہی ہی حضرت دانشه سے کہا۔۔''اپنے پایس بالکل پیسه ته رکھوا جو کنچھ کهیں بچاکر رکھ چھرڑا هو تو اُسے غریدرں میں بانٹ دو . "عائشة نے کہیں سے کسی وقت کے لیے چھ سونے کے دینار اپنے پاس چھکے سے بنچاک رکھ چھرڑے نہے ۔ تھرڑی دیر بعد محصد ماحب نے پھر کہا کہ جو کچھ هو مجھے دے دو." عائشة نے وهی چھ سولے کے دینار محمد ماهب کے هاتھ پر لاکر گن دیئے ، محمد ماحب نے اُسی دم حكم ديا كه أنهين كچه فريب كتمبون مين بانث ديا جائه. أيسا هي كيا گيا , إس ير محس ماحب نے كيا-"إب مجه شافتي ملى . سبم مبم أبها نهين تها كه مين أيني ألله سم مليني جاؤں أور يه سونا ميري مراكبيت رهے ."

اسلام کے مطابق مونے کے بعد اللہ پوچھےال۔ ''اے آدمی کے بیٹے! میں بیمارتها اور تو منجھے دیکھانے قبیس آیا 8'' آدمی کریا۔ ''اے میں بیمارتها اور تو منجھے دیکھانے قبیس آیا 8'' آدمی کے لئے کیسے آسکتا تھا' تو تو سارے جہاں کا مالک ہے ،'' اللہ بھر پرچھےال۔''اے آدمی کے بیٹے میں نے تنجی سے کھانا مانگا تھا اور تو نے منجھے کھانا فیصل دیا 8 آدمی کہانا کیسے دیے سکتا تھا 9'' اللہ پوچھےال۔ پائی ھار ہے میں تنجھے کھانا کیسے دیے سکتا تھا 9'' اللہ پوچھےال۔ یائی نہیں دیا 8'' آدمی کہیگا۔''اے میرے رب! میں تنجھے پائی نہیں دیا 9'' آدمی کہیگا۔''اے میرے رب! میں تنجھے پائی نہیں دیا 9'' آدمی کہیگا۔''اے میرے رب! میں تنجھے پائی نہیں دیا 9'' آدمی کہیگا۔''اے میرے رب! میں تنجھے پائی نہیں دیا 9'' آدمی کہیگا۔''اے میرے رب! میں تنجھے پائی دیا ہے ۔''

آور قب الله جواب دیگا۔ "کیا تجهے معلزم نہیں تھا کہ مرزا ایک بلدہ بیمار تھا' تو آسے دیکھنے نہیں گیا ا کیا تجھے یہ معلوم نہیں تھا کہ اگر تو آسے دیکھنے جاتا تو سے میے مجھاس کے پاس پاتا کیا تجھے معلوم نہیں تھا کہ میرے ایک بندے نے تجھ سے کیاتا مانگا تھا آور تو نے آسے کھاتا اللہ دیا اگر تو نہیں جاتتا تھا' کہ اگر

दान की वर्थ भीति

(विरवन्भदनाय पृति)

जाज देरा में चारों जोर तरह तरह के दानों की चर्चा सुनाई देती है—जात्मदान, विचादान, मनदान, भूदान, सम्पत्तिदान जीर जीवनदान जादि. जिस समाज में जमीर रारीय का बोलवाला हो, दान की वहां एक जास जहमियत होती है, बौलत के जसम बंटबारे को दान के जरिने बराबर करने की कोरिश की जाती है.

यान की यह परम्परा कोई मई महीं है, हर वर्ज ने क्से
ग्रुक्ति (निजात) की जरूरी रात बताया है, पानी की तरह पन
भी अगर एक जगह इकहा रहेगा तो वह सक्तन पैश करेगा—स्वानी सक्तन, धर्म गुक्कों से उपवेश दिया कि जिस तरह आसमान स्रज की तिपश से प्रभी का जल इकहा करता है और फिर वादलों के जरिये वारिश से उस जल को फिर से प्रभी को वापस कर वेता है उसी तरह समाज में भी जलग अलग आदमियों के जरिये कमाई हुई पूंजी को दान हारा फिर सब के हित में बांट देना चाहिये. मजहबी पैरान्यरों ने हमें बताया है कि आस्मा का परमात्मा में मिलना ही जिन्दगी का सब से बढ़ा मकसद है और इस मकसद के हासिल करने में सबसे वही बाधा धन है.

एक बार हजरत हैंसा के पास एक नीजबाद अनी काता भीर बोला-"सद गुड़! निजात हासिल करने के लिये अके किस तरह का न्योहार करना चाहिये ?" इजरत ईसा ने जवाब विया-"तम समे सद गुरु क्यों कहते हो ? सिर्फ एक इरवर ही सत्य है; लेकिन अगर तुम जिन्दगी में सत्य का दर्शन करना ही चाहते हो हो ईस्वर की बाकाओं का पालन करो ?" इस पर नौजवान ने पूजा-- "ईरनर की वे आकार्ये कीन सी हैं ?" इजरत हैसा में जवाब दिया—"करन न करना. व्यक्तिचार न करना. मां कार की इच्चात करना, और प्लोसी से मुहच्यत करना." इस पर नीजवास ने कहा- भी इन सब कियमों का पालन बचपन से ही करता आया है, अब सक में किस बात की कभी है ?" इकरत हैंका ने जवाब विया-"अगर तुम बेबारा होना चाहते हो के जाबर अपनी सारी दौलत नेपकर उसे रारीवों में दान कर दो. देसा करने से दुखें बारताह का बाबाना निवेगा, वह मेरे पास बाबर मेरे बेले बनमा." हजरत हैसा की बह बात सुनकर वह नीजवाम नाजन्तीद होकर कहा से कहा गया कराया गय चन दीहात से रमा हुआ था. तब इपारत देशा ने अपने पीती हे कहा-'मैं कहता हूं कि धनवानों का अभव में वाकिस होगा सरेकत है कर पा सर्व के साथे है निका सकत

دلی کی ارته نیتی

(with others)

لے مدفق میں جاری اور علی علی ع دائرں لی جریا عالى معلى فسأقداق وتبادان عربدان يودان سباتي دان ور بطون هاي أفق ۾ خوش سمان مين أمير قريب کا يول بالا يوا فالن على وهال اللك يتافي العبيدة، هوتي ها . دولت ع اسم بالوارث كو دان ي كريت برايز كري عي كوشف كي جاتي هـ دان کی یہ پرمیرا کوئی لئی تہیں تھے ، حر عمرم لے اس على ﴿ فَعِالَت ﴾ في ضروري شرط بتأوا في ، ياتي كي طرح دهن نهي اكر أيك جكم الكيارها توريه سرأن بددا كرياب سروهالي سران . معوم الرون لم أيديس ديا كي جس طرح آسالي سورج ئی تیش سے پرتھری کا حِل اکتها کرتا ہے۔ اور پھر بادلوں کے دریعہ ہارش سے اُس جل کو پھر سے پرتھوں کو واپس کردیتا ہے اُسی طرح سالے میں بھی الگ آلگ آدمیوں کے ذریعہ کبائی اھوٹی برنجی کو دائن دواراً عرسب کے هت میں بانت دینا جاتھ . منعبى يعتمبون له معين أبارا ف كد أتما كا يرمانها مين ملن عی زندگی کا سب سے ہوا مقصد کے اور اُس مقصد کے حامل ارتے میں سب سے بڑی بادھا دھی ہے ،

ایک بار حاوید عمرورکے بلس ایک توجواں دھنی آیا ور بولاسے اللہ کرو إ تجاب حاصل كرتے كے لئے معھے كس طرح ا يهوهار كرنا چاهيد؟ ؟ حضرت عيسول في جوراب ديا ، "مجهد س كرو كهي كيل هو 8 مرقب أيكب إيشير هي ستيه هو؟ ليكن كر تم ولدكي مين ستهه كا درشي كردا هي جاهد هو تو إيهور كي كياؤل كايالي كوورها لعن يو لنبجوال له يوجها-والشور كي وه العالمي كري سي هيري الم حضريات عيسيد لد جياب دياسيالتال ع كرا الروسية إلى كرفة مل بالهدكي عوص كرفة أور يورسي م معيت كوفاية فين يو فيجول في كيا- اليون إن سي لهدون ا حالي بعين على تع كوتا أواعون أب معهد دين عن باس كي لى ها المستقرب عيس لا عراب دواستال لم ير والا هرا الى تونور المنافرة مع المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة الى أو المود على بلك ريارت الماري في با الت سوار وا المال كالتوجيع وهل مركا الس كا من دهن فوات

बोली कामिल और मलयालम से क्यादा द्रावदी रंग लिये इए है तो एसके मानी यह जरूरी नहीं निकलते कि हम में द्रावदी सून भी ज्यादा है. साथ ही यह भी मानना पड़ता है कि सुने का थोड़ा बहुत असर बोली पर पड़ ही जाता है. अभे कोई मद्रासी बोली नहीं भाती और न मुक्ते असल द्रावशी 'अवान'का इल्म है. इसलिये मेरे पास एक ही मार रह जाता है जिससे चंदाजा लगाया जा सके कि साड़ी बोली द्रावदी क्यादा है या तामिल. यह माप द है. यह मैं मानता है कि वह माप इन्न बहुत अच्छा नहीं, लेकिन जो है उसे इस्तेमाल तो करना चहिये. मेरे ख्याल में जितने लफ्ज आम भरों की खड़ी बोली में इ वाले हैं और किसी बोली में नहीं. पंजानी, सिंधी, राजस्थानी, जज, अवधी, गुजराती, मरहटी, विदारी, बंगाली की बाबत तो मैं अपने इल्म से कह सकता है. सामिल, कमर, मलयालम बरौरा का इत्म नहीं, उन से सकाविला करने के लिये मैंने यह लम्बी फेहरिस्त तैयार की है साकि वह अपनी जवान की ऐसी फेहरिस्त बनाएं और जांच सकें.

بولی قامل آور ملهائم سے زیادہ درآوری رنگ لئے ھوئے عوران کس کے معنی بع ضوروی نہیں نکلتے کہ ھم میں درآوی خون بھی زیادہ ہے۔ سان ھی یہ بھی ماننا پرتا ہے کہ خون کا تهزا بہت آثر بولی پر پر ھی جانا ہے معجمے کوئی مدرآسی بولی نہیں آئی آور نہ مجھے امل درآوری زبان کا علم ہے۔ اِس لئے میرے پاس ایک ھی ساپ رو جانا ہے جس سے آندازہ لگایا جا سکے کہ کھڑی بولی درآوری زبان کا علم ہے اندازہ لگایا جا سکے کہ کھڑی بولی درآوری کھی بات سے کہ میں مانتا ھوں کہ یہ مانی میرے نہیں آر کسی بولی میں نہیں میں باتجابی سندھی والے ھیں آرر کسی بولی میں نہیں۔ پانجابی سندھی راجستھائی برج اودھی کھوڑائی میں نہیں۔ پانجابی سندھی بایست تو میں آرد کسی بولی میں نہیں۔ پانجابی سندھی بایست تو میں آرد کسی بولی میں نہیں۔ پانجابی سندھی بایست تو میں آرد کسی بولی میں نہیں۔ پانجابی سندھی بایست تو میں آرد کسی بولی میں نہیں۔ اِن سے مقابلہ کرنے کے لئے میں نے یہ لینی نہرست بنائیں اور جانبے سکیں ، اِن سے مقابلہ کرنے کے لئے میں نے یہ لینی نہرست بنائیں اور جانبے سکیں ،

700 PAGES, 22 ILLUSTRATIONS 3 COLQUIRED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 780

A vivid narration of the glorious and wenderful schievements of New China... A picture of China which is both convincing and authentic... the best book that has come out so far on New China in the English language. In the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Litthaww.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known —Leader, Allahabad.

Encolopsedic...characterized by acute observation of detail as well as by...instinctive grasp of the fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

—Blitz, Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New.

China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it.

Bharat Jyoti, Bombsy

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is compreheusive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madras

China Today is an elequent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter, ... brings to light the mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations.

-- Vigit, Duffit.

24 444

راتیا) کیا جاتا ہے اور اس اقدا کے الرسار بھی مدارا ردھتی ایادا ہے کہ شاری بولی آفازی جاتے ،

گنبیس آراز کی لقل کو کیا جاتا ہے جو کسی آراز کی لقل میں بلید ہوں اور انہائیا ہے کہ جاتے گیا۔ الرقی بالیا ہے کہ جاتے گیا۔ الرقی بالیا ہیں بیان البید ہیں جہاں اور انہائیا میں درائی کی سندیسے چڑا کی کری کوانا بھوارا معرابا بھوارا معرابا بھوارا معرابا بھول کر کوانا بھول کی کرائے ہوا اس کی البید بھیس اور البعد ہیں سندیس کی البید ہوتے ہیں ہیاری آراز کو صوف سنسکرت اس دراوری آراز سے بھے آنہ سکی کیتی اس دراوری آراز سے بھے آنہ سکی کیتی اس کرائی آو جوری اس کے اس کی مسلمرت کو ہمت کے چڑی کرتی تو جوری بہتی ہوتی کو جورائی بنائے ہائی البید بھی کہ سنسکرت شکری بنائے ہائی البید بھی البید کرتی تو جوری کے دراوری بنے کو جھیانا جاتے تھے ، سنسکرت پندہ کی دراوری بنے کو جھیانا جاتے تھے ، سنسکرت پندہ کی دراوری بنے کو جھیانا جاتے تھے ، سنسکرت پندہ کی دراوری بنے کو جھیانا جاتے تھے ، سنسکرتی پندت آب بھی اس کرتی بندہ اب بھی اس کرتی بندہ اب بھی اس کرتھی میں ہیں ،

جب تک کوئی ودران یه نیصله نه کرے که سنسکوت میں کون سے دراروی اور درسے دراروی اور درسری درسی بولیوں کے هیں تب تک یه بھی نیصله قبین موت که کوری میں کینے لفظ دراروی اور کینے آریه بهاشا کے هیں ، آواز اور گرامو کے حساب سے تو کوری بولی صاف دراروی زبان ہے ، آسے آریه بهاشا کہنا ناداتی ہے .

سنٹر مراس (Heras) جو پراچین هندی اِنهاس کے ماهر سنجھے جاتے هیں اُن کی 17 برس کھوچ کرنے کے بعد یہ رائے ہے کہ پنجابی اور هندستانی بولنے والیں میں دراوری خون بہت ریادہ ہے بسبت تامل' تیلیکو' یا مائم کے بولنے والین کے میلی یہ یات بری معلوم هوتی ہے کیونکہ هواروں برس سے سلسکوت والے ایک زبان هو کر اِس بات پر بڑا زور برتے تھیں کہ آریہ بہت شکشت اور مہا پرش لوگ تھے اور دینے تھی کہ اِن کالین بات شکائی' کیٹی اور کمینے تھے ، یہ سے ہے کہ اِن کالین جن کیلی اور کمینے تھے ، نہیں بھی تکا اور اس قسم کے بیت سے کھذوات عوالی بیمی میں بھی تکا اور اس قسم کے بیت سے کھذوات عوالی معلمہ رئیرہ میں بھی تکا جن سے مان طاهر ہے کہ اِس معلمہ میں هناری سامنوں کے کالیس سمین ہیں ہیں تھیکہ هی میں بین کا کچھ اُنسا جانور جی بھوا ہے کو هم آنھیں تبیک ہی کو ایس معلمہ تو اُن کا کچھ اُنسا جانور جی بھوا ہے کو هم آنھیں تبیک ہی

یمبین جانتا دون که بیای کا لسل سه سنباده هروری فیون و به سکون که که کو لوگ جن کا لیس میں خون کا کیگی وفته فیون ایک کی بولی دولاد هون آور یه چی بیندی هم که ایک بائید کا دو بیگین کی بیش باتال چیک دو بیگین کا کردید بیلی بین کا جاند که کوی

(श्रात्मा) कहा जावा है और उस शास्ता के बनुसार है। हमारा विवान कहता है कि हमारी वोसी बमारी जावे.

गुन्ववी वन लक्षों को कहा जाता है जो किसी बानाय की नकल में बने हों. सबी बाली में यह एक बनोसी बात हैं कि जितने गुन्ववी लक्ष्य उसमें ऐसे हैं जहां और बोलियों में र आती हो हमारी बोली में इ आयेगी-जैसे विहिया, ककड़ी, खड़का, धाड़, धड़क, धड़का, धड़ाका, धड़ाकड़, गुलमपाड़ा, कड़कड़, धड़का, धाड़, घड़क, धड़ाका, धड़ाकड़, गुलमपाड़ा, कड़कड़ के कड़त पारे होते हैं जैसे—सार सम्बद सड़ बरसों, हांडी धोई सड़कड़ क्यों. ऐसी प्यारी आवाज को सिर्फ संस्कृती पंडित ही दोहरा सकते हैं. खूबी यह कि संस्कृत इस द्रावड़ी आवाज से बच न सकी, लेकिन उसे अपनाने की संस्कृत को हिम्मत न पड़ी. करती तो चोरी पकड़ी जाती. संस्कृत बनाने बालों की यह कोशिश थी कि संस्कृत , अब आर्य भाशा सममी जाये और इसलियें वह संस्कृत के द्रावड़ीपने को खिपाना चाहते थे. संस्कृती पंडित अब भी इसी कोशिश में हैं.

जब तक कोई विद्वान यह फैसला न करे कि संस्कृत में कीन से लक्स आर्थ भारा। के हैं और कीन से द्वावदी और इसरी बेसी बीलियों के हैं तब तक यह भी कैसला नहीं होता कि सकी बाली में कितने लक्ष्य दावकी और कितने आय भारत के हैं. आवाषाचीर प्रामर के हिसाब से तो सबी वोली साक दावरी जवान है, इसे बार्य भारा। कहना नावानी है, - भिस्टर हेरास (Heras) जो प्राचीन हिन्दी इतिहास के माहर समने जाते हैं उनकी 17 बरस स्रोज करने के बाद वह राय है कि पंजाबी और हिन्दस्तानी बोलने बालों में द्रावदी खन बहुत प्यादा है बनिस्वत तामिल, तेलेग बा मलयालम के बोलने वालों के हमें यह बात बुरी मालम होती है क्योंकि हजारों बरस से संस्कृत वाले एक जवान होकर इस बात पर बना जोर देते हैं कि आर्य बहुत शिक्षित और महापुरुश लोग ये और उन दिनों यहां के असती बासी जगली, कपटी और कमीने थे, यह सब है कि उन किलावों के लिखे जाने के बाद मोहनजेवारों भी निकला, हरूपा भी निकला और इस किस्म के बद्दत से संबरात पराक बरौरा में भी निकले, जिनसे साफ जाहिर है कि इस मामले में हमारी संस्कृत की कितावें सच्ची नहीं. लेकिन इस पर तो उनका कुछ ऐसा जाद चला हुआ है कि इस उन्हें डीक ही समस्ते हैं.

यह मैं जानता हूं कि बोली का नसल से सम्बन्ध जरूरी नहीं. यह मुमकिन है कि दो लोग जिनका आपस में जून का कोई रिश्ता नहीं एक ही बोली बोलते हों और वह भी-मुमकिन है कि एक बाप के दो बेटों की बोली बिलकुल जूबा हो. इसलिये जगर यह भी नाम सिमा जाने कि कार्य कारत हैं तो भी यह जम कि हवारी बोली में पांच एक सी कारत है के जाम बाबार हैं द का सिक्का जमाने के लिये कारत हैं

कि कोई समय शुरू नहीं दोवा सेकिन अगर पहला कार के और आकिरी द तो पहली र भी द की भावाज व्यक्तिकार करने लगती है-जैसे इक्द, इक्दी, देवदी, दीद, केंद्री: कींदा, कुछ ऐसे लक्ष्य भी हैं जिनकी बीच की र मी बारे बारे के बाबाज पकरते लगी है. यह दक बजीव कार्यका है क्योंकि दो मेदल जावाजें आपस में नहीं बदलती. भेक्स पन वो आवाओं को कहते हैं जिनके बदलने से बहत लक्ष्मों के माने बदल जाते हैं-जैसे त और ट आपस में मेंब्रुक हैं. शीम, बात, पात की त की जगह अगर हम ट करेंने के टीन, बाट, पाठ और ही लक्ष्य हो जाते हैं, र और र आपस में बहुत बीड़े लक्कों में भेद करती है-जैसे सरक भीर सक्क, सर भीर सक, पर भीर पढ़, चूं कि ऐसे लक्कों की गिनती बदत कम है इसलिये र और व वापस में भेदल महीं हैं. यह ही हाल द और द का है. फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लक्ष्मों में पढ़े हुए र कहते हैं, अनपद इ. और कुछ बफ्कों में अनपद ड और पढ़े हुए द करते हैं-जैसे बुड़ा, बढ़ा, सहा, मुद्रा, ऐसा माजूम हाता है कि पंजाबी का रंग अनपट्टों पर ज्यादा चढ़ा है. सुनन में ल और र की आवाज ने बहुत भेद है लेकिन इस पिलों में ल भी द की आवाज से लेखा है- जैसे होली होदी, बाबला बाबदा, बावली बारदी, क्यों ? सुमे नहीं मालम.

काजकल के बोली के सारे बिद्धानों की यह राय है कि जितनी क्य बावार्जे किसी बोली में हों, यानी जितने बाधर (हफ़ी) किसी बोली में जरूरी हों उतनी ही वह बोली अच्छी, जिसने दुर्फ क्यावा हों, क्तनी ही वह बोली गंदी. इन विद्वानों का यह भी कहना है कि अक्षर सिर्फ उन ही आवाजों के ब्रिये बनाने चाहियें जो इस बोली में भेदल हों. यह द भेदल नहीं, इसितिये अगर इस किसी तरह उसे निकाल सकें तो हम अपनी बोबी की सुवार सकते हैं. सुरिकल यह है कि इन विद्वार्कों की यह भी राय है कि किसी बोली में काई भी सुधार सा अवस बदल और जासकर उसकी आवाओं में सोच समग्र आन कृत कर नहीं किया जा सकता. जवाने बदलती हैं और इसकी जावाजें भी बोड़ी बहुत बदलती हैं, लेकिन इस अब सबदातियों की जब में देसी वाकरों होती हैं जो नेसुप क्रमें होती हैं. इ का ही दाल देख लो. यह बद रही है. प्रकृत रका, बुचर तीनी समय अंग्रेची से इमने लिये, लेकिन विक्री र को शास्त्री व से बदलकर क्यों ? कार्र नहीं जानता. करेको बढ़ यो लाको का काम है. विसा सोचे धममे. बोली का का का का की ही पोली की genius

الفظ عیں تو بھی یہ آمر کہ عقبانی ہولی میں پانچ آیک سو اللہ رکے عام بازارہ عیں رکا ساتھ حمالے کے لئے کانی فے ،

و عد كرتى لنظ شروع لينين هوتا ليكن أكر يها حرف رهو ار الخرى را دو يملى را يعى و كي أواز اختيار كرنے لكتي هـ جهيد ر بوا و بوي وبوي وبوم وبوهي وارا ونهره . كني أيسم الط تھی میں جن کی بیع کی ر بین دعیرے دهیرے رکی آواز بانزل اللي الله و يه ايك عصيب مبامله ه كيولكه دو يهادرو آوازين آيس مين نهين بدلتين، بهيدرو ان دو آوازين کو کہتے میں جن کے بدائے سے بہت اطارں کے معنے بدل چاچ هيں . جهيے ت أور ت آيس ميں بيند و هيں ، تين' ہاس ہاس کی س کی جاته اگر هم ف کہیں تو تین ہات، پات، اور هي لغظ هوجات هين، ر اور ر آپس مين :بهت تهور النظون میں بھید کرتی میں ، جیسے سرک اور سرک سر اور سرا پر اور ہوں جونعه ایسے اعاض کی گنتی بہت کم هے اس لئے ر أور ر آپس میں بھندرو نہیں ، یہ می حال ق اور و کا هے ، نرق صرف أتنا هد كم كمهم لنظون مين يرهد هوالد ركبالد هين أتبوه و - أور كمهم لنطول ميل أنهوه 5 أور يرقه ، ونه و كهام هيل ، جيسم بتما ، رها متما مورها أيسا معلم هوتا في كه ينجابي كا رلك الي هون يُر زياده چوها هـ ، سللے سين ل اور و كي أواز مين بيت بهد هد ليكن كنج فامس مين ل بعي ر كي أرأز الدادار هـ جيس هولي هوري باولا باورا باولي بارزي كيرس منهد فهي

آجائل کے بولی کے سارے ودرائوں کی یہ رائے ہے کہ جاتی کم آواویں کسی ہولی میں ہوں' یہنی جانے کم آکھر (حرف) کسی بہالی میں ضروری هوں أتنى بهي ولا أچھی، جانم حرف ریادہ میں اتنی هی وہ برلی گلدی . أن ردرانوں كا يه يعي كينا ہ که اکشر صرف أن هي آراون كے لئے بلالے چاهيں جو أس پولی میں بھدرو هوں ، یہ و بھدرو تبھی اس لئے آگر ہم کسی طرح الله فكال سكين تو هم أيني يواي كو سدهار سكتے هيں . ممكل يه ه كه لن ودوانين كي يه يبي رائم ه كه كسي بولي جهن کوئی جی سدهار یا ادل بدل اور خامکر اس کی آوازوں میں سرپے صحیح بدان بہج کر تہیں کیا جاسکتا ، زباتین بدلتی هیں اور ان کی آوازیں بھی تہوری بہت بدلتی میں لیکن ان سب تبدیلیوں کی جو میں ایسی طانتیں ہوتی میں جو پر سیم المهام هوتي هين . و كا هي حال ديكه او . يه بره رهي هـ : أيكو وبو بوجو تينون لحظ أنكريوس سد هم له الله ليكن انكوروس رُ كُو هُولُورِي 7 سے بدل كو ، كيوں 9 كوئى تهيں جوانها ، كس لله لا كوش جان تهين سكته كهرتكم أيك كا كام تهين . كروزون ليدن تو الكون كا كلم هـ . با سرچ سنجه ، يولى کی ان پے سند اچیت طاقتیں کو هی بولی کی genius जवाने, क्ट्ड,

लंगराक्ष, लोचर, सक्दीक, लचक्दारा, सक्दर, सद जैसे एक लड़ी दो लड़ी, लंड, (पल्ला), लंडकाक्ष, लंडकारी, संबंधानका, लाबी, लासदी (जेबर और गरसल), सपदा या लयका, लयकी (कपका लाखा), लोका (बहुर), लोकका, लमजर या लमवर, सोड (फरूरत), लगदी (जोड़नी), जरादी (शराब), लणब, लेदा (शेवद).

मोब्क, मीब, मूद, मुद्रमुरे, मंगेतद, मरोद (पेविश, गुस्सा, जलन), मंदी, मूढ़ा, मीढ़, जली मुरादी क्सूड़े

महसेह.

नाड़ा (इपारबन्द), नाड़ा (नाड़ा), नाड़, नाड़ी, नाड़ (गर्दन), अक्कब, निगोदी, निवाद, निवोद, नक्किदा,

नकतुड़ा, नगाड़ा, ओड़ना, ओड़नी.

पेडा, पेड़ी आहे की), पेड़ी (धड़) परीड़ और परीवता, प्रता, परीदा, फक्क, फक्क, फड़ (द्कान), फड़ (जुचा), फदिया (जुयारी), फदिया (झोटा वृकामदार) फकरा, फेपराक्ष, फोर, फोराक्ष, पटदी, पटदा, पीइस, पटदी (चलने के लिये), पाब, पाब, पकड़ घकड़, पीढ़ी (नसल) पीड़ा और पीड़ी, कुमार या कुवाद, रेतदा, पीड़ी, पहाद, पगकी, प्रका, प्रकाक, फर, पीब (वर्ष) प्रकार, पिक्रवादी, पिल्लाबा, पपड़ी, पर्लगड़ी.

रिक्या राष् (जिब्), राष् (बरपोर्क) बाद, रीद, बीदी. सब, रोबा, सब, रूबी (रिवाज), सबी (बाली जमीन) रेवब, रेक्डी, रोकड, रोकड क्टी, रुड़ा, रबड़, रखड़ी, राजवाड़ा.

सदफ, सादीक्ष, सावा, सदी वा सवियल, सद्वर, सकेड, सावी (हावी) सीवी, युषव, साव, सिंवादा, सुमवी,

स्योदा, सोहद, सिलसदी.

बारीक्ष, ठारकी, टीरी, वपर, थपर्क, तकरार, तकरा, वस्त्री, दुक्या, टब, टबा, तब, तब्के, बढ़ा, तोब, तोबा, तहप, तहप, तोवहा, थोवहा, तुक्कब, त्वदी, तामदा, सांतदी. (तांव) तिवादा, डंगदी, दिख्या, टेब्मेइ, दुक्यदं, ठावा, दुक्कर ठीव, वदाका, बब् वाध्ययन्त्री, वामावी, वदा.

चक्र, चर्यू , चक्राम, च्यी.

गुमे अफसोस है कि इस फेटरिसा की काह से यह मजम्ब लग्या ही नहीं चेतंगा सा हो गया है सैकिन इसके करोर में व की बढ़ाई ठीफ जसा नहीं संबंधा था. इस केह-रिस्त में 700 से कपर समय हैं. में जानता हूं कि मेरे पहें इए माई वनमें से क्षय लक्ष्यों में व की जनक र ठीक समस्ते है लेकिन प कि सेरा यह समास है कि मेरी पोली की बारा-बार मेरे वर्षे माई जनपड़ी के हाल में हैं इसलिये बाली के मामले में चनका लोवा ज्यादा मानवा हूं. जगर वह नाथ भी किया जाये कि इसमें से शी मां की भी अस्ती के المان (١٤١) كلوا (١٤٤) المال حلى الول.

لعرادا ويورا عن العمال عرد او حد الك الم دراون الوط إلى الوالة الوابع الإيارة الي الارى (والله) لر كرو الواج الله الله (الواج) لواج الله الله الله) لواج لهرور بالم دولانية الهر (خورون) الوق (أروعلي) الوي (عراب) لها الوا (دور)

مروعة مروة مرودة موسية متكلوة مرور) ينجش المنة جلن) مونعي " مووها" بنهوندا خاني مراوي مسورت مخدود .

نارا * (اوار باد) فاوا (ثالا) قبل فارى تاو) كردن (تاوا ناروي البارة نجهورا لك جوها لكب تروا فكارا , أووهنا ارومني .

ييرا يبوي (ألله كي بينوي (دهر) يزور أور يروومتا يوزنا يوروها يهكو يهوكسة يهو و مكان) يجها (جواص) يهويا جهونا صوالحدار عسكوا عهورا * عدور عبور عبورا بالمان المراء المراء ہے موا یاری (بوللہ کے اللہ) ہارا پارا یکردھکوا پیوھی (اسل) يدوما أور يعومي يعولو يا يعولو يمنتول يووى يهاو يكوى يوله يتي بهد يهر (درد) يوترا يجهواني يجهرارا دبيري يلنكري .

روبا راو (فعد) راو (تربوک) واره ربوه وبوهي روي. روزا دوره دورهی (دولج) دورهی (خالی زمهن) دیور دیوری וראל עול שם נכוף נעל ושפם נום פולי

سوائمة ساوطي عا معاولة سويي به سويل سويوا سايوا ساوي ر ماري) سهودي سهوه ساوه سنهارا سوهوي سهورا سهموه سارکهزی ه

عروى ها تدريسه النوالي تهر عبوب عرار بعراد وول عراب درا درا در دري مل درا درا درا درا تهريراً تمر تونيون فلموا كالمتون (قالت) قاراً التكون الموا لوده مهرمهٔ المرا البلوا المولور الواله الرابا معربانس العالي البرا . ارد اربور اران ال

منه السيس الد الله أمل عورست كي رجع مه يد معدون لما می لیش براه الله سا هر گیا که لیکن لس کے بندر میں را فی راي ليک به ليس شاف د لن درست سي 700 ف ربر الله على الله على الله على الله على الله على الله على ے کی انسان میں رہے کہ رافیات سیدر میں ایان was a poor you to be a low to be a few to few to few بالي لي پايلون کے عام انون که لين اگر اول کے سابقه कार्क, बाइक्क, बारह करी, बादी या बहे हैं, बड़ा, बड़ाई, बेड़, (करती) बीड़ा, बेड़, (कंडीर), बिगाड़, बिडोड़ा, बेड़, (कंडीर), बिगाड़, बिडोड़ा, बूढ़ाक़, बदौती, बोड़ा (डांत इटा), ब्योड़ा, बौद्धाड़, मंगड़, मड़क, मड़क, मड़क, मड़क, मड़क, मड़क, माड़ा, बेड़नी (नटनी) बूचड़, बूचड़ खाना, मड़का, मड़क, माड़ा, मड़ेत, मीड़ मड़कका, मुककड़, मूक इड़ताल, मगोड़, बलेड़ा, बजड़ा (किस्ती) बजड़ा, (बाजरा), बंसबाड़ी, बड़माग, बड़वोल, बढ़न, बड़हार, बड़ीमादा (सीतला), बढ़िया, बढ़ावा, बढ़ोतरी या बढ़ती (तरहाती), बढ़ती (प्यादा वजन) बांकड़ी, बांड़ा, बिगड़े दिल, बेड़ (जांस) बसोड़ा.

1. 数字图1. 1· 克克·

खुक, अदी, खुबा (अबेला), छुड़ा (जेवर) चढ़, छुक्दा, चढ़चढ़, छुप्पढ़ (तालाव), चौड़ाक्ष, चुड़ा, चुढ़ा, (जेवर), चूढ़ी, चूढ़ाक्ष, चूतढ़, चौपढ़, चुड़ैल, चौथवे, चढ़ावा, चपड़ा, चचड़ी, चिड़चिड़ा, चौंचपढ़, चौक्द, (विरन की), चोकड़ा (जेवर) चौघड़ा, चौंगो-दिया, झावड़ी, छावड़ी बाला, चम 1, छुवाढ़ा, छेड़ छाड़, छीचड़ी, चावड़ी वालार.

भन्क, धर्ग, धर्क, धर्कन, धर्का, धर्का, धर्का, धर्माम्, धर्म बन्दी, धर्मा, धर्दी, धार्, धुलेदी, दौड्छ, धर्मीय-

षदाक्ष, षदोंजी, घड़ीक्ष, घड़ी, गठड़ी, गादा, गादा, गड़वड़ गाड़ी, गद, घोड़ाक्ष, घाड़ा (बन्दूक का), गुदिया, गोदा, गुदुई, गढ़, घुड़की, गोवड़, गादड़, गड़ासी, गुदड़ी, गुदड़ी बाजार, गुलगपाड़ा, गोड़ (जात और देस) घुड़चदा, घुड़-चदी, घोड़ी (राग), घुमड़ी, गूगड़.

इक् (काक्), इक् (केवर), इक्कम्प, हंसोब, इक्क, इक्काया, इक्तालक्ष, इक्बब, इक्बबी, हरीवा, हतोवाक्ष, हीजकाक्ष, हुक्कना, इक्थंग, हुल्लक, देकबी, होकि या होवा होकी, हाक् (कासाक्), हाकी (मेवा), हाकी (कासल).

जाबाक्ष, जब्क्ष, जब् (बुद्), जलीवा (जलीरा), जब्याया, जोदी, जिंद्या, जब्दा या जवादा, जोदन, जोदद, मादक, माद, मादन, मद, पतमद, मगदा, जोदा (लिवास को), माद

कड़ाक्षे, कड़ी (छत की), कड़ी और कड़ीदार (चेन), कड़ी (सकत), कड़ी या कड़ती, कटड़ा (मोहस्ला), कड़ाई (मंज़द्री), कहाई, कमकड़, कनपीड़ा, कड़कड़, कड़कड़ाता जाड़ा, कड़े या, किरकड़ा, कड़क, किड़क, सिड़की, ककड़ी, कथा, कड़ाऊंक, कपड़ाक्ष, कीड़ा (सस्त), कवाड़, अवड़ा, सोगड़ी, कारड़ा, अब्दुकी, कड़ल, कीचड़क, अकड़ी (स्त की), करेड़पति, कुड़क (कुड़ी), अब्यक (करा सा), कोड़ अदिया, कुड़ा करकट, सहिया मिट्टी, सड़म, सरवड़ी, कारड़ी, कारड़ी, किल्डाड़, खेती वाड़ी, सड़कड़ा (गाड़ी), سباری یاوه به بارد بهری بلودی یا بودنی یا بودای بوای بهرانی بهروی به بودای بهرانی بهری بهران بهران بهران بهران بهری بهران بهر

دەرادىن دەرائ دەرك دەرك دەرك دەرك دەرك دەرائ دەرائ دەرائ دەرائ دەرائ دەرائ دەرك دەرد كوردىن دارد كوردىن دارد كوردىن دارد كوردىن كورا كورا كورا كورا كورا كورا كورائ كورائى كورائ كورائى ك

الله جازاء عود (بدهو) جهيزا (دخيره) جريايا عوزني نجريا جبرا يا جبارا ، جري جوهر جبرك جهار جاري خيرا بخلهر خهارا جوزا (لباس كا)جباره .

تسيير 54′

हिंदहा, सप्देतक, सप्दा, सप्दे, पदी या सीदीक त पोड़ी, यदा, मदी, वादी, राजवादी, प्रवृतदा, बेदा, धोदी, बदाव, बादजा, बादा, फलबादी, फलबादी, सदोस-दोस, बगद जो शायद बगल से निकला है.

'5) जानवर

कीड़ा, कीड़ीक्ष, मकोड़ाक्ष, मकड़ीक्ष उड़ने वाली, मकड़ीक्ष गाले वाली, चठनड़, चम चड़ा, भिड़ी, बझड़ा, बझेड़ा, हटड़ा, गीवड़ी लोमड़ी, लकड़बग्धा या लकड़ बगड़, बयि-गड़, बागड़बिस्ता, केकड़ा, घड़ियाल, सिंघाड़ा.

उद्ने वाले जानवरों का जाम नाम चिद्रियाक्ष, विदीक्ष, वेमगाद्द, गरुद, गरुदल या गद्रसल को लासदी भी कहते हैं, भटियादन, भद्रभू जा, खट बढ़ई, टटीदी, गगन भेद्र, हिंदू जानवरों में से भेद और घोदा, घोदे को मैंने जानकर माखिरी रखा क्योंकि यह लक्ष्य तथारीकी है और जताता है कि हममें और जायों में कितनी शुरू में बाह थी. और सों में तो चरुव अस्प या हार्स हो गया, हिन्दुस्तान ने उसे वेलकुल नहीं क्रवूला.

(८) वनस्पति

वनस्पति के जाम नाम हैं :--पेड़, भाड़, भाड़ी. दरस्त या दरसत कम ही कहते हैं और वृक्ष कोई मूल कर भी महीं कहता. उस जिसको फेर कर संस्कृत बालों ने वक्ष गढा था वह भी अब सिसकियां ले रहा है, जिन छोटे पौदों का नाम न जाता हो उनका जाम नाम जड़ी यूटी कहै. हेन्द्रस्तान का सबसे बढ़ा पेड़ बढ़क्ष और उसके जात भाई मोदी, गूलढ़, 'रक्ष और रीड़ी, चील या चीड़, पनगड़ा मा चिद्यों का दरस्त, तोम्बदे को पंजाब बाले सद्कना मौर दिल्ली वाले माद फानूस का दरस्त कहते हैं. पापड़ी को ही भित्रपापका या भित्रपापका और दरकत है, इस का सुके इस्म नहीं, बरता या बहता, जिसादा, आमदा, आदं, भंगदा, क्योंबा, करोंदा या कड़ोंदा, केकर या केकड़ी, इड़. बहेबा, बड़बेर, या अड़बेरी. मैं शहरी हूं इसलिये सुमे पेड़ों के नाम कम ही आते हैं. बहुत से बहुत पनास पेड़ों के नाम भाते होंगे. उनमें से पंदरह एक ऐसे होंगे जिनमें के भाती हैं. एक सोबने बाली बात है. वहीं हाल जानवरों के नाम का है.

(१) सनकरिंक

आव, अवा, आव, (दौलत) आवे आता, अवी, आंकड़ी, आंकड़ी, आंकड़े, आंखड़ी, आंदतक्ष, आंदिया, उसद, अंजड़, अवंगा, अंगड़ संगड़, अंगड़ाई, असाड़ाक्ष, उसदेत, अगाड़ी, अनादी, अब, या अदियत, उदान, उदार, अद, (ग्रुसीवत'), अस्तद, अपेड़, अनवड़, अपेड़ा, अकत दाह, अरोड़े, अद्दर्ग, अकड़ें,

کلوا' فهویل ۱ کیوا' خهو پندی یا شاری ۱ یا برزی تورا مرمی تاری را باری چیوترا بیوها دیوری برماز بارجا بارا پیارای پهایایی اورس بزوس اگر جو شاند بیل میں سے نکا ہے۔

رة) جاس

کیوا یا کیوی با متووا یا شعوی اولی والی معوی یا جالے والی ا چچوا چم چچوا بهرا بچهوا بچهوا او کاندو لودی اکو بتها یا اکو بکو بکهرای باکو بها کیکوا کهریال ستهاوا .

أرق والله واليورس كاعلم قام جوريا ها جرى ها جمالات كرد كرس با كوسل كو المرتى بهي كهته هيس بالهياري بهربونجا كهت بوهش كلام بوري بالتو جالورون مين سے بهير أور كهرا ، كهورت كو مين في جان كر آخرى ركها كيونكه يه لفظ تواريخى هے أور جاتا هے كه هم مين أور آريوں مين كانى شروع ميں جاتا هي ، أور ديسوں ميں تو أشو اسب يا هارس هو كيا مين جاتا ہے باكل تهيں قبولا ،

(6) بنسپتی

ة) معفرق

آر اوا آبو (دولت) آرد افا اوی انتوی انتوان این این انتوان انتوان

क्षाना, ज्या होनाक्ष, सदकता सदकाता या सहस्त-हेका, सद्देश, लड्नाक्ष, लड़ाता, लड़खाना, लंगदाता, लखंदना, लंदेवमा, लिवदना, लड़ना (काटना), लुदकता, स्रोदना (चुनला, दंडना), लुदकता मुद्दाक्ष, मोदना, मरोदना, विचोदना, निवेदना, चोदना, पदनाक्ष, पदनाक्ष, पद्दाना, पक्दनाक्ष, प्रदुना (तैरता), पोदना, (मूलना), विचयमा, पहादना, पद्दोदना, फाइनाक्ष, फड़कता, फड़फदा-ना, कादना, रिहकना, रिहना, रगदना, रवदना, सहनाक्ष, मुद्दाना, सोदना (मादना), वादनाक्ष, लोदनाक्ष, तद्द्राना, संदक्षता, सदकता, तुद्दाना (भान लेना), लुद्दाना, वपदना, सद्दान, स्ट्राना, स्टब्स्ना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना, स्ट्राना,

(*) 催祀率

गिनसी के सप्ती को आंकड़े कहा जाता है. दूसारे बच्चे काकड़ वक्कड़ पूरे सी' का सेल सेलते हैं और अगरचे दक्कड़ वक्कड़ पूरे सी' का सेल सेलते हैं और अगरचे दक्कड़े इक्कड़ नहीं कहते, दुकड़ी, तिकड़ी चौकड़ी आम बोलें जाते हैं. देवक्क, खढ़ाईक्क, और तीन से आगे साढ़ेक्क, ओंड़ा, जुड़गां, जोड़ी (जानवरों की, तवले की, मुगदर की), अवसीक, खड़तालीस, अड़सट. जोड़क्क जमा को ही नहीं कहते बसके कल का भी जोड़, जोड़ने बचाने बाला और शायह ओंक का लक्ज भी जोड़ से निकला हो क्योंकि बीक्यां ही अक्सर जोड़ती हैं. पहाड़े (गुने), पैसे का सबसे बोला भान कौड़िक और चौथा हिस्सा इमड़ी, बढ़िया का कोड़िक और सी बास का करोड़, तकड़ी (तराजू), उसके हो पलड़े, हाड़ा और सी बास का करोड़, तकड़ी (तराजू), उसके हो पलड़े, हाड़ा और सी बास का करोड़, तकड़ी (तराजू), उसके हो पलड़े, हाड़ा और अहार

(3) खाना पीना

पिलां में दो वालें जवादा आई जाती हैं, उड़द और अराद्य वा अवहड़, लिखने में द की जगह र लेकिन अवस्थ मोलते द से ही हैं. जैसे लिखने में तो वर्ष वोजने में सबद , आह , ब्यामण, तसोदा, कदी, ब्याची, कदा (इतथा), इवाई गुद, ग्यूबा, टिक्वा और टिकवी (वर्व और बोटी रोटी), दुक्वा, चुपड़ी, अगवड़ी जो निरं कोयलों वर सिंहे, क्यंब्टा या क्यंब्टा, पूढ़ी, कचीड़ी, खस्ता-अर्थीड़ी, बोड़ी या बीड़ी, पूढ़ा, विलदा, वहा वदियां, विद्या, क्यंब्टा, सरवा, रवही, पदी, पदीह, पापड़ा, क्यंब्टा, सरवा, रवही, पदीह, स्थादा, सेवा, संस्था, स्थादा, सेवा, स्थादा, सेवा, स्थादा, सेवा, स्थादा, सेवा, संस्था, सेवा, स्थादा, सेवा, स्थादा, सेवा, सेवा

ें कर प्रमुख्यास करने के सिने और एसमें जोगी करने के क्रिके विकास अंग्रेश, विस्तुवीक, पर वसी, विद्यांक, ولا الموران التوانه لتاؤنا ليبرنا ليونا لونا (كانا) الوقاء الو

4LA (2)

التی کے دخوں کو آنکونے کیا جاتا ہے، هارہ بھی اور دکو پورا سو کا کیل کیلئے هیں اور اگرچہ ایک کو اگر تبییں کہتے دکوی تکوی چوکوی عام بولہ جاتے هیں ، دیرہ بن ارحائی بن اور تھیں سے آگر ساوہ بن جوزا بن جزواں بن جرزی بن (جانوررں کی نامیانہ کی مگیر کی) ارتیس ارتائیس ارستی ، جوز بن جرز بن جرد بیانے والا اور شاید جورو کا لفظ بھی جوزر سے لکھ جو کیرنکہ بیریاں هی اگر جوزتی هیں ، پہارے با (گئے) پیسے کا سب سے چھوٹا دیا حصد دمری ارتبیا ارتبیا اور سو لام کا کروز بن تکری (ترازو) لیس کے دو پارے عارا اور دعوا ،

لنيا لالله (3)

دایی میں دو دالیں زیادہ کھائی جاتی هیں اُود اور اُرهر یا اُرهک کھینے میں ر کی جگه ر لیکن اُکٹر بولتے ر سے هی هیں جیسے کھینے میں تو اُردو بولاء میں اُردو ، آرو اُمرا سروا کرھی ہ کتھیری ہ کوما (حلوا) کومائی کو ہ کندورا کوا اُور نگری (بری اور جھوٹی روٹی) گرا چیزی اُنگ کوی جو نرے کوئلوں پر سیا پرانوتھا یا پرانوتھا پرزی کھیری مو خسته کھوری بیزی یا بیری پرزا چارا برا بریل چروا مرموا مرزا ربری پیرا پیری کوری بھوری بایر بایری بیری بھوی

A (4)

یاز ہا مالی بنانے کے لئے اور اس میں جوری کرنے کے لئے کوارہ جوری کوکیہ پڑچھتی کویاں ہا

یہ جتائے کے لئے که و همارے لئے کتنی هونہار اور پداری آواد هے میں ٹینیے کنچھ آیس لفظوں کو ٹھٹا عول جن میں ۽ آئي هن تكشاري مين تو أيس أور بهي بيت سه لنظ هين ليكن مهن صرف الى كو هي ليكا هون جو مسمولي گهرون كي يول چال مين رين برتر جاتے هيں . بيت سے تو أن ميں أيسے هيں كه جنكا تور هی نہیں ، منہربالی سے اِن انتظارت کی طرف وادہ دھیاں دیں جن يو لنفان في أميرت وجار مين يه لفظ هباري بولي كي بنیادی پاهر هیں . بنیادی انکریوی میں صرف 850 لفظ هیں. اکر کبھی ہنیں عقل آئی آور هم لے بھی آپنی بنیادی بولی بنائی تو اس میں بہت سے بہت 1000 لغظ مراکے . اگر جیسا اس ذرست سے دی ائی دیتا ہے سو لنظ اُن میں اُیسے میں جن میں و أَتَّى هَ تُورَ كَا رَأْجَ صَافَ هَ . اكُو الْهُي رَائِمُ مِينَ أَيْسَ بِعِياسَ لفظ بهی و واله هیس تو و کی پروهانتا میس شک نهیس رها، دیاناکری میں 33 وینجن هیں ، میرے وچار میں ایسا کوئی وینجن دیوٹاگری کا ٹہیں جو کھڑی ہوای کے بنیادی لفظوں میں و جنا آتا هو ، اگر میراً یہ خیال تینک ہے تو سرچو تو سہی که کتانے لائق هیں وہ آوگ جو کھڑی بولی کی لیے بنائیں اور اس میں وہ آواز جس کا هماری بولی میں سب سے بوا مہتو (مان) هو اِسے وہ اینی لهی میں جگه نه دیں ۔ یہ و لفظ کہتی ہولی میں ہے ، جس دیس میں کہری بوای نے جنم لیا اِسے بانگرو کہتے ہیں . یہ بانگرد میں بھی

(1) كويا (فعل)

میں شورع کریا کے انظوں سے کرتا ھوں کیوانات کریا کے لنظوں کو ھو بولی میں زیادہ مان دیا جاتا ھے ،

ارن به اران به اران به ارستا ارتباله النال با ارتباله ابرنا با آبیده (دوگلی الیورنا (بومنا) ارتباله ایرنا برجه برجه برجه برمانی جوریان برخانی دیا برخان به بخرنا بخرنا به بخرنا بخر

यह जसाने के लिये कि व हमारे लिये किसनी होन्हार और प्यारी आवाज है मैं नीचे कहा ऐसे लक्ष्यों को लिखता हूं जिनमें इ जाती है. डिक्शनरी में तो ऐसे और भी बहुत से लफ्ज हैं लेकिन मैं सिर्फ उनको ही खेता हूं जो मामूली घरों की बोल चाल में रोज बरते जाते हैं. बहुत से तो उनमें ऐसे हैं जिनका तोब ही नहीं. मेहरबानी से उन लक्ष्यों की तरफ ज्यादा ध्यान दें जिन पर निशान है. मेरे विन्तर में यह लक्ष्य हमारी बोली के खुनियादी पत्था हैं. बुनियादी अंप्रेजी में सिर्फ 860 लक्ष्य हैं. अगर कभी हमें अक्स आई और हमने भी अपनी बनियादी बोली बनाई तो उसमें बहुत से बहुत 1000 लक्ज होंगे. अगर जैसा इस फेहरिस्त से दिखाई देता है सौ लफ्ज उनमें ऐसे हैं जिनमें इ आती है तो इ का राज साफ है, अगर आपकी राय में ऐसे पचास लक्ष्य भी क बाक्षे हैं तो द की प्रधानता में शक नहीं रहता. देवनागरी में 33 व्यंजन हैं, मेरे विचार में ऐसा कोई व्यंजन रेबनागरी का नहीं जो खड़ी बोली के बुनियादी लफ्जों में द जितना आता हो. अगर मेरा यह ख्याल ठीक है तो सोचो तो सही कि कितने कितने लायक हैं वह लोग जो खड़ी बोली की लिपि बनाएं और उसमें वह आवाज जिसका हमारी बोली में सब से बड़ा यहत्व (मान) हो उसे अपनी लिपि में जगह न दें. यह द लफ्ड खड़ी बाली में है. जिस देस में खड़ी बोली ने जन्म लिया उसे बांगड़ कहते हैं. यह बांगकू में भी विराजमान है, हिन्दुस्तान के और भी देसों के नाम में पाई जाती है-जैसे कांग्डा, भारवाड़, मैवाड़, डाड़्या, राष्ट्री उत्तर बंगाल.

क्रिया (फ्रेल)

में ग्रुक्त किया के लफ्जों से करता हूं क्योंकि किया के लक्कों का हर बोली में क्यादा मान दिया जाता है.

अवनाक्ष, अवानाक्ष, अव्सना, अव्कना, अंवाना, अव्याना या उनेल्ना, अव्याना या उनेल्ना (वदना), अलाव्ना, वावक्ष, वदक्ष, वद, वदानाक्ष (दूकान वदानी, चूक्यां वदानी, द्या वदाना), विगक्ताक्ष, विगावनाक्ष, वर्गवाना, विद्यां वदानी, द्या वदाना), विगक्ताक्ष, विगावनाक्ष, वर्गवाना, विद्यां वदानी, विद्यां वदानी, विद्यां स्वकाना, विद्यां विद्यां, भिवना या नेक्ना, विद्यां, विद्यां

(مدن گوپال)

वह के एक अजीव चीज है. शतवद सिवाय हिन्दुस्तान के और कहीं नहीं पाई जाती. आर्य भारा। यानी वह बोली जो आर्थ हिन्दुस्तान आने से पहले बोला करते थे उसमें गो भौर बहुत विचित्र आवाजें थीं जैसे ऋ, ऋ, खु, खु, ब, ब, यां, बुद्धा, क, क ब्लीर ख, उसमें द का साया भी न था. चन्द इस्से पावान (भारा। विद्यान) के माहिरों की यह राय है कि जब बाठ इस हकार बरस हुए द्रावड़ी यूरोप से तुर्की, पराक्त और समुन्दर के रास्ते हिन्दुस्तान में आये तो उनकी अठमेड यहां कुछ ऐसी क्रीम या क्रीमों से दुई जो या र या ल या र और ल दोनों नहीं बोल सकते थे. द्वाविडयों और इन लोगों के मिलाप से पैदा हुई यह इ. यानी यह कि अगर इम किसी आवाज की वावत कह सकते हैं कि बह इमारे देस की हमारी खास अपनी है तो वह है इ. अजब तसारा। है कि हमारे पन्डित तो उसे प्रवेसी जताकर निकालना चाहते हैं और यह फिर भी घटने की जगह बढ रही है.

इस इ से कुछ काजब सवाल पैदा होते हैं जिन पर विचार करना शायद नामुनासिव न हो. (1) पहला सवाल तो यह है कि यह दे हैं या इ ? (2) क्या द हमारी बोली की जब है और उसका बढ़ना मुनासिब है ? (3) हमारी बोली प्रावदी है या आर्थ भाशा ? (4) हमारी बोली असली द्रावदी बोली से ज्यादा मिसती है या मद्रास की बोलियों से ? (5) क्या हम द्रावदियों की नसल में से हैं या आयों की ?

त का मोरवर्ग है ट बीर द का मोरवर्ग है ब. द भी
ट कीर स की तरह मोरवर्ग है लेकिन र का बालने में जो
हेर केर द बीर द के कहने में किया जाता है ठीक वही हेर
केर र बीर द के कहने में किया जाता है ठीक वही हेर
केर र बीर द के कहने में देवनागरी में बिन्दी निरी जन
जावाजों को जताने के लिये होती है जो हमारे देस की नहीं
हैं जैसे के, के, रा, फ, ज. द को बिन्दी लगाकर द की
वावज्य संस्कृती पंचित ही जता सकते हैं. पंढिती हिन्दुस्तान
में वह व्यवस्थ की बात नहीं कि देवनागरी लिपी सुधारने के
बात बंद विद्वानों की कमेटियां वनीं लेकिन कभी किसी
अपने बंद विद्वानों की कमेटियां वनीं लेकिन कभी किसी
अपने बंद विद्वानों की कमेटियां वनीं लेकिन कभी किसी
अपने बंद विद्वानों की कमेटियां वनीं लेकिन कभी किसी
अपने बंद विद्वानों की कमेटियां वनीं लेकिन कभी किसी
अपने बंद विद्वानों की कमेटियां वनीं लेकिन कभी किसी
अपने बंद विद्वानों की कमेटियां वनीं लेकिन कभी किसी
अपने बंद को बंद वहां को किनकी हम राकल (आवाज) से वाक्रिक
वहां को किनकी हम राकल (आवाज) से वाक्रिक
वहां को क्षावाद सस्तन कर, य. सु. सुनीन जाइये इस

یہ 'ت' ایک عجیب چیز ہے ، شاید سوآئے ہندستان کے آور کیس نہیں پائی جاتی ۔ آریہ بہاشا یعلی وہ بولی جو آریہ مندستان آئے سے پہلے بولا کرتے تھے اس میں گو اور بہت وچتر آوازیں تھیں جیسے در' رری' لو' لری' انگا' یاں' ازاں' شا' غ' ف' ق اور نے اس میں ت کا سایہ بھی نہ تیا ، چند عام زبان (بہشا وگیان) کے ماہروں کی یہ رائے ہے کہ جب آته دس موثے دوازی یردپ سے ترکی' عراق اور سمادر کے راستے مندستان میں آئے تو ان کی مت بھتر یہاں کچھ ایسی قوم یا تو ان کی مت بھتر یہاں کچھ ایسی قوم یا تھی ، درارویوں اور ان لوگرں کے ملاپ سے پیدا ہوئی یہ ت ، یعنی تھی درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس کی ہماری خاص آپنی ہے تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس گی ہماری خاص آپنی ہو تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس گی ہماری خاص آپنی ہو تو وہ ہے ت ، عجب تماشا ہے درس گی ہمارے پاتھ درس اور یہ پور

اس و سے کتھے عنجب سوال پیدا ھوتے ھیں جن پہ وچار کونا شائد ناملاسب نہ ھو، ر 1) پہلا سوال تو یہ فے کہ یہ و ھے یا وا ؟ (2) کیا و عماری بولی کی جو ہے اور اس کا بوھنا مناسب ہے؟ (3) ھماری بولی درآوری ہے یا آریہ بھاشا؟ (4) ھماری بولی اصلی درآوری بولی سے زیادہ ملتی ہے یا مدراس کی براورن سے ؟ (5) کیا ھم دروآویوں کی نسل میں سے ھیں یا آریاں کی ؟

س کا مورد ہیں ہے ت اور د کا مردد ہیں ہے ت . آ ہیں ت اور ت کی طرح موردہی ہے لیکن ر کا بولنے میں جو ھیر پھیر ت اور ت کے کہنے میں کیا جاتا ہے تبیک وہی ھیر پغیر ر اور ر کے کہنے میں ، دیوناگری میں بندی نری ان آواؤ کو جاتیکے لئے ھوتی ہے جو عمارے دیس کی نہیں ھیں۔۔۔جیسے تن ہے نئ ن ن ز . ت کو بندی لگاکو ت کی آواؤ سنسکرتی پنقت ھی جالسکتے ھیں ، پندتی ھادستان میں یہ لچرج کی ہات نہیں کہ دیوناگری لیی سدھارئے کے لئے بڑے بڑے ودوائوں کی کہ تیاں بنیں لیکن کبھی کسی پیلے مانس کو یہ نہیں سوچھا کہ وہ ر کو اپنائے ، اپنے گور کے پدارے ھونہار بچے کو تو ھم بسرایھی اور دوسورں کے ایس بچوں کو جن کی ھم شکل (آواؤر) سے واقف نہیں آنھیں اپنائیں ، سٹا رز شا کر ۔ قربان جاتے اس پنتائی پر ا शीक्ष विसापना और इस काम में लग जायना वह जाइन निना जायना. अपने इमान, अपनी सविवत और अपनी काबलियत के अनुसार एक वर्न से दूसरे वर्स में जाना सबकें लिये खुला होगा. हिन्दुओं की सैक्ड्रों इजारों जातें, उपजातें और विरादियां सब तोड़ दी जावेंगी और इमेशा के लिये सत्म हो जावेंगी. छुआछूत मिट जावेगी.

सारे समाज की इस तरह की व्यवस्था धीरे धीरे बिना किसी के साथ जबरदस्ती किये हमें अलग अलग धर्मों और सम्मदायों से ऊपर चठा कर उस एक मजहबे इन्सानियत, मानव धर्म, प्रेम धर्म यानी मजहबे इरक की तरफ ले जावेगी जो सब अलग अलग धर्मों की बुनियाद और सबमें एक बराबर है. बही सच्चा इस्लाम है, बही क़ुरान का "दीनुल क़ुप्यमा" है, बही इस देश का सत्य सनातन धर्म है. यही समाजी निजाम सारी दुनिया में फैल सकता है और दुनिया को एक कर सकता है, आपसी आपाधापी और देशों देशों के बीच के अधे स्वार्थ को जल्म करने का यह एक उपाय है.

वर्नाश्रम वर्म और कम्युनिज़म नए बीन के विधान में केवल किसानों और मणदूरों को राज का अधिकारी माना गया है. पर नए बीन के विधान के अनुसार अपने दिमारा से काम करने वाले लोग और दिल और दिमारा दोनों को मिला कर कला और साहित्य की सेवा में लगन से काम करने वाले जोकेसर, साहित्यकार और विजकार सब "वर्कर" यानी मणदूरों में रामिल हैं और सब एक बराबर आदर के इक्कदार. ऐसी सुरत में बीनी कम्युनिस्ट विचारधारा के साथ अपर की व्यवस्था का कोई विरोध नहीं. सब काम करें, सब अपना अपना काम करें और समाज में सबके एक बराबर इक और सबका एक बराबर मान हो.

दुनिया को अमन के लिये संगठित करना

अगर सब देशों और सब कीमों के कुछ बड़े दिल बाले और सममदार आदमी मिलकर सब कीमों और सब धर्मों की एक सच्ची लीग बनाकर बैठें और गम्भीरता के साथ सारी इन्सानी कीम के लिये इस तरह के समाजी संगठन पर विचार करें और फिर या तो उसे मन्जूर करें और आगे की नसलों को उसके उसलों की तालीम दें और या कोई इससे बेहतर वृसरा ढंग निकालें, तब ही दुनिया से आदमी आदमी और कीमों कोमों के बीच की आपाधापी मिट सकती है और दुनिया के लोग सुख चैन से जीवन बिता सकते हैं और इस घरती पर स्वर्ग ला सकते हैं. दुनिया को जग के खिलाक "अमन के लिये" दिकाक तौर पर संगठित या मुनक्जम करने का यही एक वरीका है. شرق دہائے کا آور آپس کم میں لگ جائے کا وہ برامدن گا جائے کا اپنے روشنان اپنے طبیعت اور اپنی تابلیت کے انوسار ایک وزن کے دوسورے وزن میں جاتا سے کے لئے کھ مرکا جادوں کی جانوں جانیں اور میشند کے لئے خام مو برادریاں جینا تور جی جانوں کی اور میشند کے لئے خام مو جارین کی ۔ چھوانچورے سے جاری کی اور میشند کے لئے خام مو

سارے سنانے کی اس طرح کی ریوستها دهیرے دهیرے بنا کسی کے ساتھ وہرفستی کئے عدیں الک الک دهرمی اور سنجردایوں نے اوپر آنهاکو اس ایک مذهب انسانیت مانو دهرم برایر شدی مذهب عشق کی طرف لے جارے گی جو سب الگ الگ دهرمیں کی بنیاد اور سب میں ایک برایر ہے، وہی سبتی اسلام ہے وہی قرآن کا '' دین القیم " ہے رہی اس دیش کا ساتھ ساتی درم ہے ۔ یہی سماجی تطالم ساری دلیا میں پھیل سکتا ہے اور دلیا کو ایک کر سکتا ہے ۔ آپسی آبادهایی اور دنیا کو ایک کر سکتا ہے ۔ آپسی آبادهایی اور دنیاس کے بیچے کے اندھ سرارته کو ختم کرنے کا یہ ایک آبادہ سرارته کو ختم کرنے کا یہ ایک آبادہ ہے ۔

ورن آشرم دعوم أور كمهولوم

نگے چین کے ود ان میں کیول کسائیں اور مودوروں کو راہ کا ادھکاری مانا گیا ہے، پر لگے چین کے ودھان کے انوسار اپنے دماغ سے کام کرنے والے لوگ اور دل اور دماغ دونوں کو ملا کر کلا اور سامتیت کی سیوا میں لگان سے کام آفرنے والے پرونیسر، سامتیت کی سیوا میں گان سے کام آفرنے والے پرونیسر، سامل میں اور سب ایک برابر آدر کے حقدار، ایسی مورت میں چینی کمیونسٹ وچار دھارا کے ساتھ اُرپر کی ویوستھا کا کوئی وردھ نہیں، سب کام کریں سب اپنا گام کریں اور سماے میں سب کے آیک برابر حق اور سب کا ایک برابر مان ھو۔

دایا کو امن کے لئے ساکتیت کرنا

اگر سب دیشوں اور سب قومہیں کے کچھ بڑے دل والے آرر سب جدومہیں کی ایک سبجیدار آدمی مل کر سب قرمیں اور سب جدومہیں کی ایک سجی لیک سجی لیک بنا کی بیٹھیں اور گیبھیرتا کے ساتھ ساری آد انی توم کے اس کے اس کے آمولیں بور یہ نے آصا مختور کویں اور آگے کی نستری کو اس کے آمولیں کی تطابع دیں آور یا کہتی اس سے بہتر درسرا تخلک فکالیں نب سے دائیا نے آدمی آدر قبمیں قومیں کے بیٹھ کی تب سے دائیا نے آدمی آدر دانیا کے لوگ سکے چین سے آبادہ بی درسرک فریک سکے چین سے جین سے جین سے جین سے جین سے دیا ہے کہ دائی کی تور سرک فریک دائیا کی دا

मद्द मिलती है. इस संगठन में मुल्क, शीम या नस्त का कोई फरफ नहीं. यह निजाम सब इसानों के लिये एक सा है चाहे वह किसी मुल्क या किसी नस्त के क्यों न हों. यह निजाम साइन्स के ऐन अनुकूत है. इसमें जब तजुरवेकार अधेड़ या बूदे लोग वपये कमाने के घंदे को छोड़कर बिना तनसाह जनता की सेवा करेंगे तो नीजवानों के लिये मैदान खुला होगा और उन्हें राह दिसाने और सजाह देने के लिये बरावर तजुरवेकार, निस्वार्थ जन सेवक मिलते रहेंगे. सब को जिल्दामी में आनन्द मिलेगा और सबके । वल और दिमारा उनके का वू में रहेंगे. सब मुक्सी रहेंगे.

सब धर्मी को मिलाने का तरीका

इन्सानी समाज के इस तरह के संगठन का किसी खास धर्म या धार्मिक विश्वास से भी कोई सम्बन्ध नहीं, हिन्द्रस्तान बागर इस तरह के संगठन को बापनाले तो वह केवल उन लोगों का ही संगठन नहीं होगा जो अपने को हिन्द कहते हैं. इसमें मौलाना अनुलक्जाम आजाद सच्चे बाहान तिने जाएंते. जमीयतुलबलमा के सब मेम्बर, म्कूलों और कालिजों के सब अध्यापक और पुराकेसर चाहे वह हिन्द हों या मुसलमान, ईसाई हों या पारसी या कुछ भी हों, आह्यन माने जाएंगे. जिस किसी को भी विद्या पढ़ने पढ़ाने का शीक हो या बान ध्यान में आनन्द मिलता हो वह ब्राह्मन, इसे फिर लम्बी तनखाइ या दुनिया की टीपटाप या राज शक्ति अपने हाथ में लेने की चिन्ता न होगी. उसका आदरी मराहर अंग्रेजी कहाबत के अनुसार "सादा जीवन विसाना और क्या सोचना" होगा. इसी तरह जो भी भीजी सिगाही या फौजी अफसर का काम करता है वह चाहे किसी भी धर्म का मानने वाला हो क्षत्री है. हम मौलाना शीक्रत अली को उनके स्वभाव और बहादुरी के कारन इमेशा क्षत्री मानते थे. बम्बई के मुसलमान बोहरे और पारसी सौदागर सब वैश्य गिने जावेंगे. किसान चाहे किसी भी भर्म का मानने वाला हो धरती से धन पैदा करने के कारन वैश्य गिना जावेगा. गीता में खेती का काम वैश्यों का काम बताया गया है. देश भर के केवल शरीर से काम करने बाले सब लोग श्रूष्ट्र गिने जावेंगे.

पर इसमें जैना नीना काई नहीं होगा. ब्राह्मन जेना और शह नीना यह गलत स्थाल स्वार्थी लोगों ने देश की गिराबद के दिनों में पैदा कर लिया है. सब समाज के एक बराबर कांग, सबके राजकाज आदि में एक बराबर हक, सबबो बराबर के मीक़े, एक बार ब्राह्मन होकर भी जो विद्या में रख लेना छोड़ देगा था कम कर देगा और धन बटादने की किक में अधिक रहेगा वह फिर बैश्य कहलानेगा. तिजारत बराब बाता जन्म से बाद कुछ भी हो बैश्य गिना जानेगा.

سد ملتی ہے اس سلتھی میں ملک نیم یا نسل کا گرشی فرق نیھیں ، یہ نظام سب اِنسانیں کے لئے ایک سا ہے چاہے وہ کسی ماک یا کسی نسل کے کیوں نہ هرں ، یہ نظام سائلس کے عین آنوکول ہے ۔ اِس میں جب تجربعکا ادھیز با بورہ لوگ روبیہ کہ نے کے دھندے کو چھوڑکو بنا تنخواہ جنتا کی سیوا کرینے نو نوجوانوں کے لئے میدان کھا ہوا آور اُنیس راہ دکھنے اور صاح دینے کے لئے برابر تجربعکار کسوارتو جن سیوک ملتے رھیں گے . سب کو زندگی میں آنند ملیا اور سب کے دل اور دماغ اُن کے تابو میں رھینگے . سب ملیا اور سب کے دل اور دماغ اُن کے تابو میں رھینگے . سب ملیا اور سب کے دل اور دماغ اُن کے تابو میں رھینگے . سب ملیا اور سب کے دل اور دماغ اُن کے تابو میں رھینگے . سب ملیا رہینگے .

سب دهرموں کو ملانے کا طریقت

انسائی سام کے اِس طرح کے سنکٹھن کا کسی خاص دهرم یا ده آرمک وشواس سے بھی کرئی سبندھ ٹھیں ، هندستان اگر اِس طرح کے سنکٹھن کو اینا کے تو وہ کیول آن لوگوں کا ھی سنكلين فهين هوا جو أين هندو كهنه هين ، إس مين مولانا ابوالكلم آزاد سجے براممن كنے جائينكے . جديمت العلما كے سب صبر استواول أور كالجول كي سب أدهيايك اور يرونيسو چاھے وة هاديو هول يا مسلمان عيسائي هول يا پارسي يا كچه يهي هوں ابراهس مانے جائينگي جس کسي کو يهي وديا پوهني پرهانے کا شہق هو يا گان دهيان ميں آئند ملتا هو وہ براهس . أُس يهر لسبى تلخواه يا دنيا كي ريب ثاب يا راج شكتي آيني هاته میں لینے کی چنتا نہ هرکی . اُس کا آدرهی مشہور انگریزی کہاوت کے انوسار '' سانہ جنہوں بتانا اور اونچا سوچنا '' مولا ، إسى طارح جو بهي فوجي سياهي يا فوجي أنسر كا كلم كرتا هم وه بچاله کسی بهی دهرم کا ماننے والا هو چیتری هے ، هم مولانا شوکت علی کو اُن کے سوبھاؤ اور بہادری کے کارن هدیشہ چھتری مائق تھے، بمبئی کے مسلمان بوھرے اور پارسی سوداگر سب ويعل كله جارياكه . كسان چاه كسى بعي دعوم كا مائية وألا هو دهرتی سے دهن پیدا کرنے کے کارن ویص گنا جارے کا . گیتا میں کینئی کا کام ویشیس کا کام بتایا گیا ہے . دیش بھر کے کمول شرور سے کلم کرلے والے سب لوگ شودر کے جاریائے ۔ ور أس مين أونجا تيجا كوئي تهين هوكا . براهس أوتجا اور شودر لیجا به غلط خیال سوارتهی لوگی نے دیش کی گراوت کے دلیں میں پیدا کر لیا ہے. سب سماج کے آیک ہزاہر انگ سب کے راج کاج آدمی میں ایک ہراہر حق ممن کو برابر کے مواجع ایک بارا اراهس دو کر بھی جو ردیا مَيْن رس لينا جهر دسم كا يا كم كر دسم كا أور دهن

بالرك في فعر ميں ادمك رف 8 ولا يور ويض كيا وه كا.

المعارف كرف والا جام سے چاہ كچه يهى هو ويش كنا جارے ا

بهو مصلت مزدوری کرتے کرتے ردیا سیکھے سکالے کا

J. W

میں اچھا کا) جی توگوں کی طبیعت اُور آن کے کام ستو کی طرف جاتے ھیں وہ براھیں کیاتے ھیں ۔ جن کی طبیعت رجس کی طرف طرف جاتی ہے وہ چھتری کہاتے ھیں ، جن کی آندر تینوں گن سوئے ھوئے سے میں کے آندر تینوں گن سوئے ھوئے سے میں وہ شودر کہاتے ھیں ، "

جنب عک آجہی کے الدر سر' بازو' دھر اور ٹانکس الگ ایک ھیں اور آجیس کے مطابق الگ ایک طبیعتیں دنھائی درتی ھیں تب تک سب ماٹوں اور سب درشوں میں یہ چار طرح کے اور اپنا تھیک شیک سنگھن رائے اور اپنی آصول کے آور اپنا تھیک تھیک سنگھن رائے اور اپنی آصول پر سب کے فرض اور سب کے آدمکار طے ودے آسی سالے کا سنگھن ووامن یعلی شائتی کے لئے ھے '' رھی سالے خوشتمال رھگا ، آسے کسی درسرے سے تر لئے ھے '' رھی سالے خوشتمال رھگا ، آسے کسی درسرے سے تر انہیں ہوا ، وہ درسروں کے لئے بھی آمن کی مثال فائم کر کا آور آئیس طرح سائل ن ھو جاوے تو آپنے آپ آدمی آدمی میں میکور آس طرح سائل ن ھو جاوے تو آپنے آپ آدمی آدمی میں سب آپنے آپ آپ آدمی آدمی میں سب آپنے آپ آپ آدمی آدمی میں سب آپنے آپ آپ آدمی کو کسی پر حمله کرنے کا کوئی سبب نے وہوں پر کھڑے ھوسکیں ۔ کسی کو کسی پر حمله آسانی سے لگ سکیں ،

زندگی کے چار حصے

دنیا میں آمن قائم کرتے کے لئے یہ بھی ضروری ہے کہ ھر
آدمی عمر کے مطابع برھنچریہ کا پالن کرے' اپنے کو روکے' اپنی
طبیعت کو اپنے قابو میں رکھے' خرد طبیعت کے قابو میں نہ ھو
جارے ۔ اِسی لئے ھر آدمی کی عمر کے چار حصے کئے گئے ھیں'
جان چار اشرم کہتے ھیں۔۔برھنچریہ' گرخستہ' بان پرستہ اور
سنیاس ، اِس معاملے مین اگر لوگوں نے اس طرح اپنی طبیعت
کو نہ روکا تو یہ کنووری اُن کی اور دونیا کی سب سے بڑی دشمن
ثابت ھوگی ، زندگی کے تسرے اور جوتھ حصوں میں تو آدمی
کو اپنے کو باکل ھی روک کر رکھنا چھٹے۔ کوئی چیز اگر دنیا سے
جنگرں کو جتم کرسکتی ہے تو اِس طرح کا تینک چیز اگر دنیا سے
احلتی فظام ھی گرسکتی ہے تو اِس طرح کا تینک چیز اگر دنیا سے
احلتی فظام ھی گرسکتا ہے ۔ اِس کے ساتھ ساتھ ھیں قرت کی
طاقتیں کو بھی جہاں تک موسئے اپنے قابو میں کرکے اُن سے کا
لینا چاھئے ۔ سنانے کے اُندر کی یہ اُخلاقی جنگ جتنی کامیاب
لینا چاھئے ۔ سنانے کے اُندر کی یہ اُخلاقی جنگ جتنی کامیاب

سناہ کے اِس طرح کے ساتھیں میں هو کام کے الدر ایک سنہوا خرمیالمیں وہا ہے کہ کہ کسی چنز کی وزیادتی ته کسی چار کی طرح ارتبالہ کا کسی چار کی دویاں اور ایک کی کنوریوں کا بھی دھیاں رکیا جاتا ہے اور النہاں اور کی کنوریوں پر قابو حاصل کرتے میں

में इच्छा का). जिन लोगों की तबियत और उनके काम सत्व की तरफ जाते हैं यह बाइन कहलाते हैं. जिनकी तबियत रजस की तरफ जाती है यह क्षत्री कहलाते हैं. जिनके की तमस की तरफ जाती है यह बैश्य कहलाते हैं. जिनके अन्दर तीनों गुन सोए हुए से हों यह शुद्ध कहलाते हैं."

जब तक आदमी के अन्दर सिर, बाज, वद और टागें अलग अलग हैं और इन्हीं के मुताबिक अलग अलग तिबयतें दिखाई देती हैं तब तक सब मुल्कों और सब देशों में यह चार तरह के लोग दिखाई देंगे, जो समाज इस उसल के कपर अपना ठीक ठीक संगठन कर ले और उसी उसल पर सबके फर्ज और सबके अधिकार तथ कर दे उसी समाज का संगठन "अमन यानी शान्ति के लिये है." वही समाज खशहाल रहेगा, उसे किसी दूसरे से हर नहीं होगा. बह दसरों के लिये भी अमन की मिसाल कायम करेगा और उन्हें इसमें हर तरह मदद देगा. दुनिया की सब क्रीमों का मिलाकर इस तरह संगठन हो जाने तो अपने आप आदमी आदमी में बेजा होड़, डाह, जलन, लोम, लालच और आपा घापी दुनिया से मिट जावें. सब अपने अपने पैरों पर खड़े हो सकें. किसी को किसी पर हमला करने का कोई सबब न रहे और सब के भले के कामों में आसानी से लग सकें.

ज़िन्दगी के चार हिस्से

दिनिया में अमन क्रायम करने के लिये यह भी जरूरी है कि हर आदमी उम्र के मुताबिक महाचर्य का पालन करे. अपने को रोके, अपनी तबियत को अपने काबू में रक्खे. खुद तिवयत के क़ाबू में न हो जावे. इसीलिये हर आदमी की उन्न के चार हिस्से किये गए हैं, जिन्हें चार आश्रम कहते हैं-- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, बान प्रस्थ और सन्यास, इस मामले में अगर लोगों ने इस तरह अपनी तिषयत को न रोका तो यह कमजोरी उनकी और दुनिया की सबसे बढ़ी दुशमन साबित होगी. जिन्दंगी के तीसरे और वीधे हिस्सों में वो आदभी को अपने को बिल्कल ही रोक कर रखना चाहिये. कोई चीज अगर दुनिया से जंगों को सतम कर सकती है . तो इस तरह का नैतिक संगठन यानी इसलाकी निजाम ही कर सकता है, इसके साथ साथ हमें क़दरत की ताकतों को भी जहां तक हो सके अपने क़ाबू में करके उनसे काम लेना चाहिये. समाज के अन्दर की यह इसलाक्षी जंग जितनी कामयाब होगी बाहर की जंगें उतनी हीं कम होंगी.

समाज के इस तरह के संगठन में हर काम के अन्दर एक सुनहरा दरमियानापन रहता है, न किसी की जकी ज्यादती न किसी बीज की कमी, सब को अपनी अपनी तरह बढ़ने का मौका मिलता है. सब की कमजोरियों का भी व्यान रखा जाता है और उन्हें अपनी कमजोरियों पर काबू हासिल करने में जिसके अध्या अभी माजी की अवर्ध्स शक्ति है, उसी को सक्का जाइन कहना चाहिये. केवल जन्म से न कीई जाइन होता है और न कोई गृह होता है, हर आदमी अपने कामों से और अपने रहन सहन के दंग से जाइन वा गृह होता है. स्रज निकलता है तो दिन हो जाका है, सल होती है तो चांद निकलता है. बहादुरी और अपने सामा की अपनी सजी होता है. बुद्धिमत्ता और निवार श्रीलता से आदमी सजी होता है. बुद्धिमता और विवार श्रीलता से आदम होता है."

महात्मा द्वार ने इन चार तरह के लोगों और पेशों का साफ साफ जिक किया है, इस फक्ते को माना है, और सबे आधन की नगह जगह खूब तारीफ की है. लेकिन वह जन्म से जात को नहीं मानते थे. जो लोग जन्म से जात और उसके आधार पर अपने को ऊंचा नीचा या खास चीजों का इक्तार मानते हैं उन्हें बुद्ध ने बुरा कहा है. उनकी राय है कि हर आइमी के गुन कर्म, उसकी काबलियत, उसके दिल और दिमास की हालत और उसकी तवियत के अनुसार उसका पेशा तय होना चाहिये, और फिर चारों में से किसी एक बने में उसे गिना जाना चाहिये.

जैन वर्म इस मामले में इससे भी क्यादा साफ है. जैन

सूत्रों में लिखा है कि :-

"मनुश्य जाति सब एक है. लोगों की वृत्ति यानी उनके रहन सहन और काम के फर्क से चार जातियां विसाई देती हैं. जो लोग नेक और पाक जिन्तृगी की प्रतिक्राएं करके उन्हें पूरा करते हैं वह शासन हैं. जो दूसरों की रक्षा के लिये हियार धारन करते हैं वह श्रश्नी हैं. जो सच्चा और उचित व्यापार करके धन कमाते हैं वह वैश्य हैं. और जो दूसरों की सेवा करके भजदूरी से गुजारा करते हैं वह शहर. आदमी धपने कामों से श्रश्नान हाता है, अपने कामों से श्रश्ना, अपने कामों से वैश्य और अपने कामों से श्रश्नान हाता है, अपने कामों से श्रश्नान उसके चेहरे पर नहीं लिखा रहता. उसके काम सब को दिखाई देते हैं."

हिन्दू धर्म प्रन्थों में भी यही उसूल बताया गया है.

महाभारत में लिखा है :-

"तुनिया के सब आदमी सहा की जीलाव हैं, इस लिये सब माद्यान हैं और एक बाप की जीलाव होने के नाते सब भाई गई हैं. शुरू में उनमें कोई कर्क नहीं था. सब का पेशा भी समभग एक ही था. धीरे धीरे जलग जलग पेशे और जलग कालग काम पैदा हो गए जिस से चार वर्न बन गए."

शीता में की करन ने कहा है :--

्रिक्ट ने चार वर्न लोगों में गुन और कर्म के फर्क से चनार हैं, हर आवभी अपने कामों से और अपने स्वमाव के शुनों से इस वर्म का यस वर्न में होता है."

अधिक प्राम में लिखा है :--

श्रीक तथा के शुन होते हैं—सत्त, रजस और तमस

جسکے اندر جھما یعلی معانی کی زبردست شکتی ہے اُسی کو سبط براھیں کہنا چاہئے، کمبل جتم سے تھ کرئی براھیں ہوتا ہے اور تع کوئی شودر ہوتا ہے اور اپنے رہی سبن کے تمالک سے برائیں یا شودر ہوتا ہے ، سورج تمانا ہے تو دی هو جانا ہے ، رات ہوتی ہے تو چاند تمانا ہے ، بهادری اور آدارتا سے آدمی چھتری ہوتا ہے ، بدھمتا اور وچار شهلتا سے براھیں ہوتا ہے . بدھمتا اور وچار شهلتا سے براھیں ہوتا ہے . بدھمتا اور وچار شهلتا سے براھیں

مہاتما بدھ نے اِن چار طرح کے لوگوں اُور پیشوں کا صاف اُور سیجے بواھمی کی صاف ذکر کیا ہے، اِس فرق کو مانا ہے اُور سیجے بواھمی کی جکه جکه خوب تعریف کی ہے ۔ لیکن وہ جنم سے جات کو نہیں مائتے تھے ۔ جو لوگ جام سے جاتی اور اُس کے آدھار پر اپنے کو اونچا نیچا یا خاص چیزوں کا حقدار مائتے ھیں اُنھیں بدھ نے برا کیا ہے ۔ اُن کی رائے ہے تہ ھر آدمی کے گن کرم، اُس کی قابلیت اُور دماغ نی حابات اُور اُس کی طبیعت کے انوسار اُس کا پیشہ طے ھونا چاھئے اور پھر گروں میں سے کسی ایک ورن میں اُسے گنا چانا چاھئے ۔

چین دهرم اِس معاملے میں اِس سے بھی زیادہ ماف ہے . جین سرترون میں لیا ہے کہ :---

ان کے رص سہن اور کام کے فرق سے چار جانیاں دکھائی دیتی میں ، جو لوگ نیک اور پاک زندگی کی پرتکیائیں دیتی میں ، جو لوگ نیک اور پاک زندگی کی پرتکیائیں کر کے انہیں پررا کرتے میں وہ برائمن میں ، جو درسروں کی رکشا کے لئے متہیار دھارن کرتے میں وہ چھتری میں ، جو سحاور گہت ویاپار کر کے دھن کماتے میں وہ ویش میں ، اور جو درسروں کی سیوا کر کے مزدوری سے گذارا کرتے میں وہ شود ، آدمی اپنے کلموں سے براہمن موتا ہے' اپنے کلموں سے چھتری' اپنے کلموں سے جھتری' اپنے کلموں سے جھتری' اپنے کلموں سے دیش اور اپنے کلموں سے شودر ، کسی کا جنم اُس کے جہرے پر نہیں لکھا رہتا ، اُس کے کام سب کو دکھائی دیتے میں ا

هدو دهوم کرنتهوں میں بھی یہی اصول بتایا گیا هے . مہابهارت میں تنها هے :---

"اِبھر نے چار رن لوگوں میں گن اور کرم کے فرق سے بنائے میں ۔ ہو آسی اپنے کاموں سے اور اپنے سوبھاؤ کے گئوں سے اِس وین یا اُس ورن میں ہوتا ہے ."

بهرشيه يرأن مين لكها في :--

ا کون مارے کے گن ہوتے ہیں۔۔۔۔۔تو' رجس اور تیس (ساو میں گفان کا زور ہوتا ہے' رجس میں کام کا اور تیس

لاعل

مادري سب لوگون كو كاللها ويكو أيلي جهولي خواد فرفنون كو يورا كرا ك جرمين يو جائے ميں مذهب كو بقى ليا كاند يهالے كى فرورت رِتَى هـ رأج بلغي النظف أو منعني النظف دوتون مين كيرا سبنده هے . حت مولوں کو قیا ورب دیا جاتا کے تنب ایک نئی سبهيتا جنم ليتي في المي بيمار يونا في تو حيم داكتر كي ضرورت مرتی ہے . بجاب کسی ساری قیم کی آتیا ہار جاتی ہے تو اُس ميں تُنَى أيھروں روح يُعرِثُني كي ضرورت يوتي هے . كوئي ثنه كوني محداً كا يهاا الموالية المسيع الرسول الا التهرتها عوا السادم كا عليه ي كي الله أتا في أص ثبياً جنم دينا ها قبيا جسم دينا ها أور سارے سماے کا کیے سرتے اس سنگٹھن کرتا ہے جانب تک نسی سماج كا تهيك طرح س سنكلهن فهين هرا اجه سه لجه روحاني اور اخلانے امرل بھی بیکار رحیں کے چاہے رابے یادری پروعتوں کے ماتیوں میں ہوا چاہ فوجی سرداروں کے چاہے یونجی یتیں کے اور چاہ عام جنتا کے . دیش کا اخلاق یعنی سداچار تب می اُولیجا تھا سکتا ہے جب آدمی کے چاروں طرح کے رجحانین کو ٹیزک ٹھیک سمجھا جارے اور اُن کے انوسار کاموں کا ٹھیک تھیک پانٹرازہ کیا جارہے ،

أصلى عشج

مہاتما بدھ نے اور جین دھرم کے قائم کرنے والے مہابیر سرامی نے اِس اصول کو اُچھی طرح سمتھا تھا ، اُنھوں نے جانم کی جائزں کو ترو کو اِس قدرتی اُمول پر سماے کو چائے کی کوشش کی تھی ، بہت درجے تک اُنھیں کامیابی بھی مونی ، اِسی لئے جو تئی سبھیٹا اُنھوں نے قائم کی وہ لگ بھگ ہارہ سو برس تک خوب چائی اُنھوں نے قائم کی وہ لگ بھگ سائنس درفوں نے خوب ترقی کی اُنوی ہوی ساعلنیوں قائم سائنس درفوں نے خوب ترقی کی اُنوی ہوی ساعلنیوں قائم سائنس درفوں نے خوب ترقی کی اُنوی ہوی ساعلنیوں قائم سائنس درفوں نے خوب ترقی کی اُنوی ہوا اُنوی اور چینی سلطنتوں سے کسی طوح کم نہ تھیں ، بیقسمتی سے ھارے اندر کی آودیا یعنی جہالت کور ھاتوں ہوائی کی شکتیلی پور لوپر آگئیں ، بینے عائم اسارا سارا شہرازہ پور باہور گیا ،

بردہ گرفتہ ⁵⁰ دھم یہ ⁵⁶ میں ایک پرزا چینٹر ہے جس میں یہ بتایا گیا ہے کہ براھنی کی ہے ۔ انہا ہے :—

'' اسی بھائیں رہ لینے سے یا کسی خاص اور میں بیدا ہو جائے سے بعدا ہوئے بیدا ہو جائے سے بعدا ہوئے بیدا ہو جائے سے بعدا ہوئے کہ کارن کوئی تراهمی تبھی ہوں جاتا ، جو کوئی شجائی پر تام رہنا ہے لیے اپنا دھر بیٹی فرض بیرا کوتا ہے رہی پاک ہے اور بیٹون سے کہاں ہے اور بیٹون سے کہاں برائی فیٹوں کوئا ہے اپنا ہے اپنا ہے ہوئی سے میں ساتھ جوے برائی فیٹوں کوئا ہو میں اور تعظیم کے ساتھ جوسروں نہیں کوئا ہو میں اور تعظیم کے برداشت کو بیدا تبھی جوئے دیتا ہے ہو بیدا تبھی جوئے دیتا ہے ہوں جوئے دیتا ہے ہو بیدا تبھی جوئے دیتا ہے ۔

पादरी सब लोगों को घोका देकर अपनी छोटी सुद्रारिक्यों का पूरा करने के चक्कर में पढ़ जाते हैं, मजहब को भी नया जामा पहनाने की जरूरत पड़ती है. राजकाजी इन्छलाड और मजहबी इन्क्रलाक दोनों में गहरा सम्बन्ध है. जब दोनों को नया रूप दिया जाता है तब एक नई सभ्यता जन्म लेती है. आदमी बीमार पहला है तो हकीम डाक्टर की चरुरत होती है. जब किसी सारी कीम की चात्मा विगक् जाती है तो उसमें नई ईश्व्री रूह फू कने की जरूरत पंचती है. कोई न कोई 'खुवा का बेटा', 'अबसार', 'मसीइ', 'रस्ल' या 'तीर्थंकर' उस क्रीम का इलाज करने के लिये जाता है. उसे नया जन्म देता है, नया जिस्म देता है, और सारे समाज का नए सिरे से संगठन करता है. जब तक किसी समाज का ठीक तरह से संगठन नहीं होगा अच्छे से अच्छे रुद्दानी और इस्रलाकी अस्त भी बेकार रहेंगे, चाहे राज पादरी पुरोहितों के हाथों में हो, बाहे कौजी सरदारों के, चाहे पूंजीपतियों के और चाहे आम जनता के देश का इसलाक यानी सदाचार तब ही ऊंचा जा सकता है जब आदमी के बारों तरह के इसानों को ठीक ठीक समसा जाने और उनके अनुसार कामों का ठीक ठीक बंटवारा किया जावे.

असली इलाज

महात्मा बुद्ध ने और जैन धर्म के क्रायम करने वाले महावीर स्वामी ने इस उस्ल को बच्छी तरह समका था. उन्होंने जन्म की जातों को तोड़कर इस कुद्रती उस्ल पर समाज को चलाने की कोशिश की थी. बहुत दरजे तक उन्हें काम-याबी भी हुई. इसीलिये जो नई सम्यता उन्होंने क्रायम की वह लगमग बारह सौ बरस तक खूब चली. उस जमाने में साहित्य और साइन्स दोनों ने खूब तरक्की की, बड़ी बड़ी सस्तनलें क्रायम हुई जो बापने जमाने की रोमी, यूनानी, ईरानी और धीनी सस्तनतों से किसी तरह कम न थीं. बदकिस्मती से इमारे अन्दर की अविद्या यानी जहालत और इमारी बुराई की शक्तियां फिर ऊपर आ गई. इमारा सारा शीराजा फिर बिसर गया.

बीद मध ''अम्मपत्" में एक पूरा चैप्टर है जिसमें वह बताया गया है कि सच्चा नाहान कीन है. लिखा हैं :—

"लम्बी जटाएँ रस लेने से, या किसी सास घर में पैदा हो जाने से, या किसी खास की के पेट से पैदा होने के कारन काई बादान नहीं वन जाता. जो कोई सच्चाई पर कावम रहता है और अपना वर्म यानी कर्ज पूरा करता है, वही पाक है और वही बादान है. जो तन से, मन से और वचन से कोई बुराई नहीं करता, जो अपने किये माल असवाब या पैसा जमा नहीं करता, जो सब और धीरज के साब दूसरों के कहने राज्दों, बदसलूकी और मार्च तक को बरदारत कर लेता है, जो अपने मन में सुस्से की पैदा नहीं होने देता, धर्म यानी मणहरे इन्सानियत की कुछ चिनगारियां इस में अभी तक बाकी हैं.

यहां यह बता देना भी जरूरी है कि बावजूद मौरूमी-पन पर इतना अधिक जोर होने के यहां जातों का श्रदल बदल बराबर होता रहा है. इक्का दुक्का लोग ही नहीं गिरोहों के गिरोह हमेशा अपने को नीचे की जातों से उठाकर ब्राह्मत या क्षत्री नाम देते रहे हैं और श्राज कोई उनसे वह नाम छीन नहीं सकता. लेकिन जो एक मुन्दर साइन्सी ढंग से सबका आदर मान रखते हुए शुरू का संगठन था वह जाता रहा.

योश से मुकाबला

इस मामले में योरप हमसे अच्छा नहीं रहा. हमारे वहां मौह्सीपन पर बेजा जोर दिया गया और योग्प में इसके खिलाक आदमी आदमी के स्थार्थों की टक्कर और उनके बीच बेजा अन्धे मुकाबले पर जोर दिया गया. सच वह है कि योरप में अभी तक कोई समाज संगठन हो ही नहीं पाया. एक दरजे तक भीरूसीपन भी सब जगह चलता है और क़ुदरती है. योरप में भी लाखों करोड़ों ऋादभी अपने बाप दादा के दी पेरों में लगे रहते हैं. लेकिन यह एक बड़ी श्रव्हां निशानी है कि योरप के अधिक उन्नत देशों में बच्चों को तालीम देने बालों का ध्यान तंत्री से इस तरफ जा रहा है कि छोटी उम्र से ही हर बच्चे के क़दरती रुभान और उस ही कावलियत को समझने की काशिश की जावे और उसी के अनुसार जीवन में उसे काम धन्दा देने की कोशिश की जाने. कुछ देशों में तो इस विद्या के खास विद्वान या माहिर स्कूलों में रखे गए हैं. कुट्टीं भी अगर समाज का दिकाऊ संगठन किया जावेगा नी मौहसीपन और श्राजाद श्रदत बदल दोनों को ध्यान में रखना होगा. हां, हर बच्चे का पंशा तय करने में उसकी आजाद तविश्व और निजी पसन्द का श्रधिक लिहाज रखा जायेगा.

सुधार की ज़रूरत

जैसे हमारी राजकाजी और माली जिन्दगी में रक्षक मक्षक वन जाते हैं, 'लीडर' (रहबर) 'सिस लीडर' यानी गुमाइ करने वाले हो जाते हैं, 'ट्रस्टी' अपने को 'वैनीिक राम्पी' बना बैठते हैं, दूसरों को खिलाने वाले खुद उन दूसरों को निगज़ने लगते हैं, जनता के नौकर जनता के मालिक और अक्सर बन बैठने हैं, जिससे लगातार बलवे, इन्कलाव और क्रान्त्यां होती रहती हैं, और फिर जो असली 'वैनीिक राम्पी' हैं यानी आम जनता के लांग वह फिर से अपने नर हिंग मुकरिर करते हैं, ठीक उसी तरह मजहब के मामले में में हाता है. मजहबी गुरु दुनयबी ताकृत बीले धार्मिक गुरु जाते हैं और हकूनत की ताकृत वाले धार्मिक गुरु काते हैं और हकूनत की ताकृत वाले धार्मिक गुरु काने की फिक में रहते हैं. पुरोहित, पंडे, मुल्ला और

دهرم یعنی مذهب اِنسالیت کی کچه چنگاریان هم مین آبیی تک بانی هیر .

یہاں یہ بتا دینا یمی ضروری هے که بارجود موروئی پن پر اتنا آدھک زور ہوئے کے بہاں جاتوں کا ادال بدال برابر ہوتا رہا هے. ایکا دکا لوگ هی نہیں گروعوں کے گروہ همیشتہ اپنے کو نینچے کی جاتوں سے آئھاکر براتمن یا چھتری نام دیتے رہے ہیں اور آج کوئی آن سے وہ نام چھیں نہیں سکتا ، لیکن جو ایک سندر سائنسی تھنگ سے سب کا آدر مان رکھتے ہوئے شروع کا سنگتیں تھا وہ جاتا رہا ،

يورپ سے مقابله

اس معادلے میں بورپ هم سے لچها نہیں رها . همارے یہاں مزروئی پن پر بیجا زور دیا گیا اور یورپ میں اِس کے خلاف آدمی آدمی کے سوارتہوں کی تمر اور اُن کے بیچ بینچا اندھے مقابلے پر زور دیا گیا. سپے یہ ہے که یورپ میں ایپی تک کوٹی سماج سنکتهن هو على نهيں پايا . ايک درج تک مرروئي ين بهي ..ب جله چلتا هے اور قدرتی هے . يورپ ميں يهي لاکھوں کروروں أدمى الني باپ دادا كے هي بيش ميں لكے رهيّ هيں . ليكن یہ ایک بڑی اچھی نشانی ہے کہ یورپ کے اُدھک انت دیشوں میں بنچوں کو تعلیم دینے والوں کا دینیان تیزی سے اِس طرف جا رها هے که چهوئی عمر سے هی هر بچے کے قدرتی رجحان اور اُس کی فاہلیت کو سمجھنے کی کوشش کی جاوے اور اُسی کے أنوسار جيون مين أسه كلم دهندا دينه كي كوشش كي جاره. کھے درشوں میں تو اِس ددیا کے خاص ددوان یا ماہر اسکولوں میں رکھے گئے میں . کہیں بھی اگر سیام کا ٹکاؤ سنکٹین کیا جاوے کا تو موره ثی پی اور آزاد ادل بدل دونوں کو دھیاں میں ركهنا هوكا. هان بنج كا بيشه طه كرل مين أس كي آزاد طبيعت اور الجي يسند كا أداك لحاظ ركها جائيكا.

سديقار کي ضرورت

جیسے هاری راج کلجی اور مالی زندگی میں رکشک'
بہکشک بن جاتے هیں' لیتر' (رهبر') ' مس لیتر'
یعنی گرار کرنے والے هو چاتے هیں' ترستی' اپنے کو ' بینی
فیشیری' بنا بیہتتے هیں' درسروں کو کھانے والے خود آن درسروں
کو نگلنے لگتے هیں' جنتا کے نوکر جنتا کے مالک اور انسر بی
بیتہتے هیں' جس سے اگانار بلوے' انقلاب آور کرانتیاں هوتی
بیتہتے هیں اور پهر جو اصلی ' بینی فیشیری ' هیں یعنی تام
جنتا کے لوگ وہ پھر سے اپنے نئے ترستی مقرر فرتے هیں'
شینک اِسی طرح منهب کے معاملے میں بھی هوتا هے منعی اِسی طرح منهب کے معاملے میں بھی هوتا هے منعی اور دنیری طاحت چھیننے کے چکر میں پر جاتے
میں اور حکرمت کی طاحت والے دعارمک گرو بن جانے
هیں اور حکرمت کی طاحت والے دعارمک گرو بن جانے
هیں اور حکرمت کی طاحت والے دعارمک گرو بن جانے

होता है. हर नतीजा अपने सबब के अन्दर बीज रूप में मौजूद होता है. सब हमेशा और हर जगह हैं, क्योंकि वह एक जिस के अन्दर यह सब हैं हर जगह है.

आजकल की बायोलोजी की साइन्स में और इमारे देश के पुराने आयुर्वेद में दोनों में विस्तार के साथ बयान किया गया है कि मां बाप के दिलों और दिमारों की उस बक्त की हालतें और आस पास की मादी हालतें सब मिल कर किस तरह बच्चे के ऊपर असर डालती हैं और किस तरह एक बच्चे से दूसरे बच्चे में अनिगनत फर्क पैदा होते चले जाते हैं. जब यह हालात एक से होते हैं तो बच्चों के रूप रंग और दिमारा भी एक से होते हैं. यह बात जुड़वां बच्चों में खूब दिखाई देती है. हिन्दुस्तान की ज्योतिश विद्या से भी हमें इस मामले में बहुत सी बातों का पता चलता है, जैसे यह कि किस बक्त के और कैसे बक्त के मर्द और औरत के मेल से कैसी औताद पैदा होनी चाहिये.

हर बच्चा दो इन्सानों से पैदा होता है और उन दोनों में से भी हर एक दो दो से पैदा हुआ है. इस तरह अगर इस पीछे को चलते रहें तो इस बेक्चन्त सिलसिले में हमें आगे की सारी सृश्टि के बीज और उसके सबब मिल जावेंगे. दुनिया में कोई चीज नई नहीं है. सब एक में हैं और सब में एक है. इसलिये मौरूसीपन और लगातार तबदीली दोनों एक ही सिक्के के दो रुख हैं.

दुनिया की नई और पुरानी सब तहंजीबों ने किसी न किसी हद तक इन चार किस्म के आव्मियों और क़द्रत के इन दोनों कानूनों को निगाह में रख कर ही समाज का संगठन किया है. अगर हम ध्यान से देखें तो जहां तक इन उसूलों को निगाइ में रख कर समाज का संगठन किया गया है वहां तक ही वह तहजीवें कामयाव और खशहाल रदी हैं. हिन्दुस्तान की पुरानी तहजीब ने इस उसूल को अच्छी तरह समभा या और उस पर अमल करने की कोशिश की थी. शायद इसीलिये हिन्दुस्तान की पुरानी तहजीब, एक भीनी तहसीब को छोड़ कर, शायद सबसे स्यादा दिनों तक जिन्दा और फलती फुलती रही. पर जबसे हमारी इस सहजीव के अगुवा, उसके रक्षक और शिक्षक अधिक स्वार्थी श्रीर खदरारच हो गए और उन्होंने आपस के फर्क़ों को हद से ज्यादा बढ़ाना शुरू कर दिया, अपने को ऊचा और द्सरों को नीचा कहने लगे, ।मीरूसीपन के उसूल से शलत फायदा उठा कर अपने को सदा ऊंचा और नीचे वालों को सदा नीचा ठहराने लगे और राखसी आजादी और बदलांब के उसलों को जबरदस्ती दबाने की कोशिश करने लगे तब ही से हिन्दुस्तानी सभ्यता में गिरावट आने लगी. हमारी सभ्यता अभी तक बिलकुल मरी नहीं है. इसका कारन शायद यह है कि पुरानी रुहानियत और बुनियादी मानव

تاه . هر نتيجه أين سببيك ألتر يبع روب مين موجود تاه . سب هميشه أور هر جكه هين كيونكه وه أيك جس الدريه سب هين هر جكه ه .

آجال کی بایولوجی کی سائلس میں اور همارے دیش کے انے آیروید میں دونوں میں وستار کے ساتھ بیلن کیا گیا شے که ں باپ کے دلیں اور دماغیں کی اُس وقت کی حالتیں اور بی پلس کی ماضی حالتیں سب ماکر کس دارے بھے کے آوپر رةالتي ميں اور كس طرح ايك بجے سے دوسرے بجے ميں عنت نرق پیدا هرتے چلے جاتے هیں . جب یه حالات ایک سے تے میں تو بچوں کے روپ رنگ اور دماغ پھی ایک سے هوتے بي يه بات جوروان بچڙن مين خوب دکهائي ديتي هـ . دستان کی جوتعی ودیا سے بھی همیں اِس معاملے میں بہت ے باتوں کا پتھ چلتا ہے، جیسے یہ که کس وتت کے اور کیسے ت کے مرد ار عورت کے میل سے کیسی آواد پیدا عولی چاہئے۔ عد بجه دو إنسانون سے بیدا هوتا هے اور أن دونوں مين سے ، هر ایک در در سے پیدا هوا هے اس طرح اگر هم پیچے کو لتے رهیں تو اِس بِآلت سلسلے میں همیں آگے کی ساری رشتی کے بیبے اور اُس کے سبب مل جاوینگے ، دفیا میں کوئی يزنئي نهين هے . سب ايک ميں هيں اور سب ميں ايک هے . س لئے مورولی پین اور اٹاتار تبدیلی دونرں آیک جی سکے کے

دنیا کی اللی ار پرائی سب تهذیبوں نے کسی ته کسی دتک اِن چار قسم کے آصیوں اور قدرت کے اِن دونوں قانونوں کو اه میں رکھر هی سمان کا سککٹھی کیا تھ . اگر هم دهیاں سے کندن تو جہاں تک اُن اصواوں کو نگاہ میں رکھکر سماج کا عقين كيا كيا هم وعال تك هيود قهذيبيس كامياب أور خوشحال ی هیں . هندستان کی برائی تهذیب فی اِس امول کو اچھی رے سمجها تھا اور اُس پر عبل کرنے کی گوشش کی تھی ، شاید لئے منستان کی پرانی ترذیب ایک چینی تہذیب کو بورکو شاید سب سے ویادی دنہی تک زندہ اور پہلتی پھولتی رھی، جب سے هماری اِس تهذیب کے آگوا، اُس کے رکشک آور الشک آن ک سوارتھی اور خود فرض هوگئے اور انھوں نے آپس فرقول كو حد سے زيادہ برهانا شروع كرديا الله كو أولنها اور سروں کو نینجا کہنے اکہ موروث بن کے اصول سے غلط فائدہ ائر اینے کر سدا اُرنیجا اور ٹینچے والس کو سدا نیچا تھہرائے ارر شخصی آزادی اور بداؤ کے امولوں کو زوردستی دیائے کی ھ کرنے لکے تب می سے مدسدنی سبیدا میں گرارت الكي أهماري سبهينا أبهى تك بالتل مرى فههن هے . أل كا كارن شايد يه ه كه يرأتي روحانيت أور بنيادي مانو

वर्षाती, महाकी, निष्यों जैसी चीजों की यूजा लोगों के विवासी की कुन कर देती है, उनकी इरावे की शक्ति को कमजोर कर देती है, उनके अन्दर समझ के खिलाफ अन्ध विश्वास मर देती है, और जीगों को उनति की जगह अवनति जीर बरवायी की सबक से जाती है.

इंडींस के कपर के शब्दों में जो "किसी और देवता" की बेरवा की वर्ष है उससे मतलब केवल पत्थर की मृतियों से ही नहीं है, और ईरवर के "दुख्य" की जो चरचा की गई है उससे भक्तव केवल इस करह की मूर्ति यों की पूजा के जिलाफ इकुम से ही नहीं है. और सब दूसरे देवताओं से कहीं बुरे वो वेक्सा हैं जिन्हें यूनानी 'बैक्कस' और 'प्राइपस' कहा करते थे. इनमें बैक्कस शराब का और सरे साने का देवता है, और प्राइपस जिन्सी ववचलनी (काम-वासमा) का वेचता है। यह दोनों देवता नहीं सबसे बड़े शैतान हैं. इन दोनों की पूजा से जो बुराइयां और गन्दी बीमारियां पैचा होती हैं वह "तीसरी या बीथी पीढ़ी तक" ही नहीं इससे कहीं क्यावा पीदियों तक फलती रहती हैं. जिल्ली बद्बलनी से तो दिमारा और जिस्म दोनों की तरह तरह की कमजोरियां और बीमारियां बाप से बेटे को और इससे इसके बेटे को मिलती रहती हैं, इसलिये सब धर्मी - में इन दोनों बुराइयों से बचने का "दुकुम" दिया गया है. इस हक्रमों में सब से बड़े हक्रम वैद्यक वानी बाक्टरी के इक्रम हैं. यह "इक्रम" कृदरत के बटल कानून हैं. कृदरत सावा की कुदरत है, इसलिये कुदरत के कानून सुदा के हुकुम हैं. इरवर से "प्रेम" करने या उससे "नकरत" करने का मतलब इन्हीं कुद्रत के झटल कानूनों से प्रेम करना या वन्ते नकरत करना है, जिस का मतलब है इन कानूनों को मानना या उनकी तरफ से वे परवाही बरतना, क्योंकि दुनिया की सब चीजें और सब क्रायदे क्रानून अस्ताह ही से हैं.

मीरुसीपन और हर एक का अपना अपना उठान

इस सबके लिये समाज को एक ऐसे संगठन या निजाम की जहरत है जो मजबूत भी हो और साथ ही लजीला भी हो, अपर वयान किन्ने हुए जारों तरह के इन्सान कुदरत के हो क्रानुनों के कांधान होते हैं—पहला मौकसीपन का कांचन और दूसरा हर एक की आजाव निजी जठान या बक्ताब का क्रानुन, आत्मा यानी रुद्ध एक है, इसलिये हममें कह जीकसी मुनों का होना रवाभाविक है, अनात्मा यानी बाह्य तस्त्र कह का है इसलिये सब के जलग अलग रूप होना और हम हभी का बदलते रहना भी जलना ही कुदरती है वह आप है सब क्ष्म में यह दोनों कांचन एक दूसरे में बह आप है सब क्ष्म मां बाप के अन्दर मीजूद होते की का आप है सब क्षम्में मां बाप के अन्दर मीजूद होते درختوں پہاروں تدیوں جیسی چیزوں کی پوچھ آوگوں کے دمانوں کو کند کودنتی ہے آن کی ارادے کی شکتی کو کنزور دردنتی ہے آن کے اندر سنجھ کے خلاف اندھ وشواس بہر درتی ہے ار توموں کو آئتی کی جکه آرنتی اور برہادی کی طرف لے جاتی ہے ۔

اِنجیال کے اُریز کے شہدرس میں جو ""سی اُور دیوتا" کی چوچا کی گئی ہے اُس سے معلاب کورل پتور کی مورتھوں سے عی نہیں ہے؛ اور ایشور کے "حکم" کی جو چرچا کی گئی ہے اُس سے مطلب کیول اِس طرح کی مرزنیوں کی پوجا کے خلاف حکمسے هی تهیں ہے۔ اور سب درسرے دیوتاؤں سے کہیں برے دو دیوتا هیں جنہیں یوناتی المناس الور البرائيس كها كوتر ته . أن مين بيكس شرأب كا اور برد کھانے کا دیوتا ہے اور براٹیس چنسی بدچانی (کامواسنا) کا دیوتا ہے . یہ دوئوں دیوتا نہیں سب سے بوے شیطان هیں . اِن دونیں کی پرجا سے جو ہرائیاں اور گندی بیداریاں پندأ هوتی هیں وُہ ^{وو}تیسری یا چوتھی پیڑھی تک^{۱۱} ھی ٹیھی اِس سے کہیں زیادہ پیرسیں تک پہلتی رہتی ہیں ، جنسی بدچائی سے تو معاف أور جسم دوئيس كي طرح طرح كي كمؤوريان أور بهماريان باب سے بیٹے کو اور اس سے اس کے بیٹے کو ملتی رہتی ہیں۔ اِسی لئے سب دھرسوں میں اِن دونوں برائدوں سے بنچنے کا "حكم" دا گيا ه . إن حكمون مين سب سه برد حكم ويدك یعلی ڈائڈری کے حکم ہیں ۔ یہ "حکم" قدرت کے آگل قانوں هيں . قدرت خدا كى قدرت في . إس لئه قدرت كے قالوں خدا كي حدم هيس ، ايشور سي "ديريم" دولي يا أس سي "الغوت" كولي کا مطلب انہیں قدرت کے آئل فانوٹرں سے پویم کرنا یا آن سے ننوت كوذا هـ جس كا مطلب هـ أن تالونون كو مافنا يا أن كي طرف سے پرپروامی برتنا' کیونکم دنیا کی سب چنویں اور سب فاعده قالون ألله هي سم هين .

موروثي بن أور هر ايك كا أينا أينا أثبان

اس سب کے لئے ساج کو آیک آیسے سنکتھن یا تظام کی فہرورت ہے جر مضبوط ہی ہو اور ساتھ می لچھلا ہی ہو ، آوپو بھان کئے ہوئے جاروں طرح کے اِنسان قدرت کے دو فاتوئری کے آدھین ہوتے میں سپھ موروئی پن کا قانون اور دوسرا ہو آیک کی آزاد نجی آئھاں یا بداؤ کا قانون ، آتما یعنی روح آیک ہے اُلی اُس لئے ہم میں کچھ مہروئی گئوں کا ہوتا سوابیاوک ہے آئاتنا ہمنی مادہ طوح طرح کا ہے اِس لئے سب کے آلگ آنگ روئی ہفتی مادہ طوح طرح کا ہے اِس لئے سب کے آلگ آنگ دوسوے میں شمالی والین ایک دوسوے میں اُنہا ہی قدرتی ہے ، دوشن شالین یا یہ دوسوے میں اُنہا ہی قدرتی ہے ، دوشن شالین ایک دوسوے میں گہائے ہیں ، سب بجھے ماں بانی کے آلید مہجود ہوتے ہیں اُنہات پرکھوں کی آرادہ

पर भाषा ससर दालती हैं वह सामूली इन्सानों की सुम बूम के लिये पेटम और उसकी साक्षत के काम करते के तरीक़ों से कहीं ज्यादा बारीक और सुश्कित बीच हैं. लेकिन इन ताक़तों का असर बहुत गहरा, जबरदस्त और ज्यापक होता है.

गीता में लिखा है :--

भीजाना रूप ने जिस्ता है :--

"जब लोग जकात यानी खैरात देना बन्द कर देते हैं तो बादल धाने बन्द हो जाते हैं धीर जब लोग शहवत के पीछे पदकर बदचलन हो जाते हैं तब मुसीवर्ते उन्हें चारों तरफ से घेर लेती हैं."

इंजील में बड़े जोरदार राव्यों में आदमी को दिवायत

की गई है कि :---

"सिवाय एक अल्लाइ के किसी और को अपना देवता न बनाना. तुम किसी तरइ की मूर्ति या बुत बना कर न रखना, चाई वह बुत हवा में उड़ने वाली किसी बीज की राकल में हो, चाई घरती पर बलने वाले किसी जानहार के रूप में और चाई पानी में रहने वाले किसी प्रानी की राकल में. तुम ऐसे किसी बुत के सामने घर न मुकाना और न बनकी पूजा सेवा करना, क्योंकि मैं तुन्हारा इंश्वर इस मामले में बहुत बाह करने वाला हूं. जो लोग गुनाइ करते हैं मैं तीसरी और बौबी पीड़ी तक उनकी औलाद को, उन लोगों को जो मुमसो नफरत करते हैं, सजा देता हूं और उन पर जो मुमसे ने परते हैं और मेरे हुकुम मानते हैं ह्या दिखलाता हूं." (इंजील: 20 Exodus).

इंजील की यह हिदाबत ज्यान से सममने की बीज है.
यह सब है कि कभी कभी मूर्तियों के पूजने वालों में भी
किसी उपासक की गहरी भद्धा, उसका जबरदस्त बिरवास
उसमें इस तरह के भाव जगा देता है कि उसका दिल और
दिमारा उसी पत्थर की मूर्ति के अन्दर हाथ पैर देखने लगता
है. वह मूर्ति वसे जानदार माजूम हाने लगती है, उससे
वोलने लगती है, और थोबी देर के लिये उसकी अपनी
दिल की हालत के अनुसार उसके लिये संख्या करिरता वा
सक्या रीतान वम जाती है. यह कोई अनी वात नहीं
है, आकिर आत्मा सबके अन्दर है. जुदा हर बीच में
है, बुत के अन्दर भी है. बादभी की कर्मना शक्ति वसे
क्या क्या नहीं दिला सकती, पर जिस तरह की मूर्ति पूजा
काल, दुनिया में बैली हुई है, वा उससे जिलती कुलती

ینا او خاتی جن یہ بھیوٹی افسانوں کی نبوی دیدہ کے اللہ اور اُس کے خاتیدہ کے کار اُرکے کے طریقیں سے کیس زیادہ ب اور مشکل خور میں انہوں کی طاقتیں کا ادر بہت

کیتا میں کیا ہے :--

"آلمی گرافیات امیل اور قربانی (یابه یعلی تیاک) سے
م عوتی هم آسی است قانے پیدا هوتا ها قانے سے سب
داروں کو خوران ملکی هائیجاسی بدیطنی (سامر)
م بدیتالی ابد سباندہ رقبان والے سب کو فرک میں پہرتیجا
ہی ہے ۔ ا

سوالاً ورم تے انتها ہے :-

ورس اوک والت بیتی خیرات دیا بند کردیات هیں تو ل آنے بند هوهاتے هیں آور جب اوک شہوت کے پینچس پرکو باس هوجاتے هیں آپ مصهبتیں آنیس چاروں طرف سے گھیر یا هیں وال

اِنجیل میں بڑے زوردار شبدس میں آدمی کو هرایت کی هے که :--

"سوائد ایک الله کے کسی اور کو اپنا دیوتا تھ بناتا، تم کسی

ع کی میوتی یا بت بناکر تم رکھا، چاھے وہ بہت ہوا میں

د والی کسی چھو کی شکل میں ہو، چاھے دھرتی پر چلفہ

اکسی جاندار کے بردی میں اور چاھے باتی میں رہنے والے

اللہ اور تم آئی کی پہچا سیوا کرنا، کیونک میں تمہارا ایشور

مملی میں بہت تاہ کرنے والا ہیں ، جو لوگ گناہ کرتے

مملی میں بہت تاہ کرنے والا ہیں ، جو لوگ گناہ کرتے

ری کو جو مجھ سے نفرت کرتے ہیں سوا دیتا ہیں اور ان پر

مجھ سے پریم کرتے میں اور میرے حکم مائیے میں اور ان پر

مجھ سے پریم کرتے میں اور میرے حکم مائیے میں اور ان پر

در کو کو مجھ سے نفرت کرتے میں اور انجیا، مائیے میں اور کیا۔

الجهل کی یہ ہدایت دھیاں جہ سنجھال کی چیز ہے۔ یہ ہے کہ کھی کھی موردین کے پوچھال والوں میں بھی کسی سک کی گیری کردست بھولس آس میں بھی کسی سک کی گیری شرحیا آس کا دار دست بھولس آس بھی کی اس میں اس کے ایوان کی آس بھال اور دسان آس بھی اس میں اس کی گیری در کیا تو کی گیری در کیری در کی گیری در کیری د

گرید گلت کرتی هیں۔ پر همارت یہاں تهورے هی دائیں کے آفدر پیشے
یا کام سے آن کا کوئی سمبادھ نہیں رہ گیا ۔ یہاں تک که آجائی
سوائے ایک پررهتائی کے کام کے بائی سب کام سب خاتیوں
کے لوگ بنا کسی فرق کے کرتے «یں ، کیول ایک پررهتائی
کا کام آب ایسا رہ گیا ہے جس پر براهیں جاتی میں پیدا
هوئے لوگوں کا اِجارا چلا آتا ہے ، وہ اِجارا بھی آب دھیرے دھیرے
ختم هو رها ہے .

نگی پھڑھیٰ کے لوگ تئی روشنی اور نئی ضرورترں کے آثر میں دیس کی ایس براتی کو سمجیتے جا رہا ہدی ، دیس سے باعر کی ہوائیں تھی اپنا کام کر رھی ھیں ، پرائے بندھن ٹوک رھی ھیں ، پرائے بندھن میں میں ھارے سامنے تھی یا مقصد کے اللہ چھوٹ یا کیول بھوگ ولاس نہیں ھونا چاھئے ، ھمارے سب کے سامنے لکش ہرنا چاھئے ، ھمارے سب کے سامنے لکش ہرنا چاھئے سامنے کی اور سب کی اصلی اور تکار بھائی ،

اِس کا یہ مطلب نہیں کہ هماراً دیھی دنیا کے اور دیشوں سے ادیک گرا ہوا ہے ۔ کوئی دیش کسی ایک بات میں گرا ہوا ہے ۔ کوئی دیش کسی ایک بات میں گرا ہوا ہے تو کوئی کسی دوسری بات میں ۔ اِس معاملی میں ٹکاؤ سدھار تی ضوورت اور گنجائش ہے ۔ اِن معاملیں میں ٹکاؤ سدھار تب هی هر سکتا ہے جب دنیا کے بچون کو شکشا دینے والے نو لڑکے اور اڑکی کے سرابھاوک ' رجنتان ' اس می طبیعت اور قابلیت کو تھیک تبیک سبحی کر اُسی کے افرسار شووع سے هر افرسار شووع سے هر اُرس کے افرسار شووع سے هر اُرک کا پیشتہ اور کام طے کیا جارے اور شکشا حتم هوئے پر اُرس ویسا هی کام سوئیا جارے ، اِس کے اللہ خاص سماجی ' اُرس کی ضوورت ہے ۔

رقی کا سرال اور جنسی سوال

روثی کا سوال اور جنسی سوال اِن در پر نعی آدمی کی ساری زندگی چلتی هے، اِنهیں تیک حل درنا اور تبیک فاہو میں ریفا هر درهی کے رهنم والوں کے لام ضروری هے، اِس کے لئے مناسب نیم اور د تران عولے چاہ بُیں جن کا توزنا سب سے پرا جرم سمجی جارہ ، ماں کا دل اور ماں کا شریر اِنسانی سماے کی سب سے پاک چیز هے، یہی ودعاتا کا سب سے برا مندر هے . چو درهی اِس مندر کو گذرا درنے کی یا دکم پہونچائے کی ایک لوگوں کو اِجازت دینا هے اُس پر منو کے شہدوں میں— ایک لوگوں کو اِجازت دینا هے اُس پر منو کے شہدوں میں— اُنے لوگوں کو اِجازت دینا هے اُس پر منو کے شہدوں میں— اور دمانوں کے بازلے کی شکل میں دینا ہے اُن میں سے دی طرح کی میامانیوں ' جو جو بی ایک میں دیتا ہے اُن میں سے دی طرح کی اُنے کی شکل میں دیتا ہے اُن میں سے دی اُن میں دیتا ، اِخلاقی اور مادی دیتا ، اُنہی نیوں کیا مادی دیتا ، اِخلاقی اور مادی دیتا ، اُنہیں اور مادی دیتا ، اُنہیں دیتا ، اِنٹوں اُنہیں اور مادی دیتا ، اُنہیں دیتا ، اُنٹوں اُنہیں اور مادی دیتا کو دیتا ، اُنٹوں اُنٹوں اور مادی دیتا ، اُنٹوں نور کیا مادی دیتا ، اُنٹوں اُنٹوں اُنٹوں اُنٹوں اُنٹوں اُنٹوں دیتا ، اُنٹوں اُنٹوں اُنٹوں اُنٹوں دیتا ، اُنٹوں نور کیا مادی دیتا ، اُنٹوں اُنٹوں دیتا ، اُنٹوں نور کو اُنٹوں دیتا ، اُنٹوں دیتا ، اُنٹوں نور کو اُنٹوں دیتا ، اُنٹوں نور کو اُنٹوں دیتا ، اُنٹوں

ट्रेड गिल्ड करती हैं. पर हमारे यहां बोढ़े ही दिनों के अन्वर पेशे या काम से उनका कोई सम्बन्ध नहीं रह गया. यहां तक कि आजकेल सिवाय एक पुरोहिताई के काम के बाक़ी सब काम सब जातियों के लोग बिना किसी फक़ के करते हैं. केवल एक पुरोहिताई का काम अब ऐसा रह गया है जिस पर जाड़ान जाति में पैदा हुए लोगों का इनारा चला आता है. वह इजारा भी अब धीरे धीरे खुस हो रहा है.

नई पीड़ी के लोग नई रोशनी और नई जरूरतों के असर में देश की इस बुराई को सममते जा रहे हैं. देश से बाहर की हवाएं भी अपना काम कर रही हैं. पुराने बन्धन टूट रहे हैं, पर अभी बहुत धीरे. इन बन्धनों के तोड़ने में हमारे सामने लक्ष्य या मकसद, बेलंगाम खूट या केवल भोग विलास नहीं होना चाहिये. हमारे सबके सामने लक्ष्य होना चाहिये समाज की और सब की असली और टिकाऊ भलाई.

इसका यह मतलब नहीं कि हमारा देश दुनिया के और देशों से अधिक गिरा हुआ है. कोई देश किसी एक वात में गिरा हुआ है तो कोई किसी दूसरी बात में. इस मामले में सब जगई सुधार की जरूरत और गुम्जाइश है. इन मामलों में टिकाक सुधार तब ही हो सकता है जब दुनिया के बच्चों को शिक्षा देने बाले हर लड़के और लड़की के स्वामाविक 'ठमान' उसकी तबियत और काबलियत को ठीक ठीक समम कर उसी के अनुसार हर एक को तालीम दें और उसी के अनुसार हर एक को तालीम दें और उसी के अनुसार हर एक को वालीम दें और उसी को अनुसार हर एक को वालीम दें और उसी को अनुसार हर एक को वालीम हो काम तय किया जावे और शिक्षा ख़तम होने पर उन्हें बैसा ही काम सौंपा जावे. इसके लिये ख़ास समाजी संगठन की जरूरत है.

रोटी का सवाल भौर जिन्सी सवाल

रोटी का सवाल और जिन्सी सवाल इन दो पर ही बादमी की सारी जिन्दगी चलती है. इन्हें ठीक ठीक हल करना और ठीक क़ाबू में रखना हर देश के रहने वालों के लिये जरूरी है. इसके लिये मुनासिब नियम और कानून होने चाहिचें जिनका वोदना सबसे बदा जुर्म समका जावे. मां का दिल और मां का शरीर इन्सानी समाज की सबसे पाक चीज है. यही विधाता का सबसे बढ़ा मन्दिर है. जो देश इस मन्दिर को गन्दा करने की या दुख पहुंचाने की अपने लोगों को इजाजत देता है उस पर मतु के शब्दों में-'ईस्वर की तरफ से विजली गिरती है." यह विजली या तो विलों और विमारों के विगढ़ने की शकल में दिखाई देती है या बीमारियों, महामारियों, जंगों, भू वालों, बादों. वकालों और ज्यालासुसियों के फूटने की राकल में दिसाई देशी है, इनमें से कई तरह की आफतों का सम्बन्ध आइमी के कामों से जाहिरा दिखाई नहीं देता. लेकिन इस अस्थान्य से इनकार नहीं किया जा सकता. इसलाकी और कड़ानी सहरें जिस्स वरह काम करती है और मादी दुनिया

रखना है तो पाक साफ खाना खाना चाहिये, शुद्ध जल पीना चाहिये, ऐसे लोगों के साथ बैठकर खाना भीना चाहिये जिन की बादतें अच्छी और जिन से हमारी तिषयतें मिलती हों. बिवाह भी ऐसे लोगों में ही होना चाहिये जिन के स्वमाव, विचार, शौक और तिषयतें मिलती हों. पर यह बात नासमफ और स्वार्थी लोगों के हाथों में उलटी हो जाती है. समय के साथ साथ पुरानी अच्छी से अच्छी चीज भी सड़ जाती है और नुक्रसान करने लगती है.

दूसरे देशों में तों लोगों ने केवल अपने एक राजा या एक पुरोहित के बारे में यह विचार बना लिया कि उसे ईश्वरी अधिकार मिला हुआ है. हमने इस देश में लाखों आदिमयों की एक पूरी जाति के बारे में यह मान लिया कि मगवान ने जन्म से ही उन्हें इसरों से ऊचा और इसरों पर हक्कम चलाने का हक़दार बना दिया है. और जब यह लोग जन्म से ऊंचे हो गए तो बाक़ी लाखों करोड़ों लोग जन्म से ही नीच समभे जाने लगे. इसने मान लिया कि उन्हें भगवान ने इन ऊपर बालों की सेवा करने और उनका हुकुम मानने के लिये ही बनाया है, वस्तकारों, किसानों, मजदूरों सब की हमने यही दुर्गत कर डाली. यहां तक कि अमरीका के इवशी गुलामों की तरह हमने देश के लाखों और करोड़ों मर्द औरतों को और पीढ़ी दर पीढ़ी उनकी औलाद को हमेशा के लिये शह, अञ्चत और अन्त्यज करारा दे दिया. नतीजा यह हुआ कि स्पोइन्स और समभ की जगह हम कहीं अधिक अन्ध विश्वासों, नासमभी और गन्दगी में फंसते चले गए.

इस गन्दे और बीमार लोगों के हाथों का पका हुआ नापाक खाना खाते हैं केवल इसलिये क्योंकि पकाने वाला उसी जाति का है जिसके हम हैं. हमारे यहां रोज बेमेल और बेनुकी शादियां होती रहती हैं क्योंकि लड़का और लड़की दोनों की जात का नाम एक है. हम इस तरह की शादियों को 'सबर्न' कहते हैं जिसका मतलब यह है कि लड़का और लड़की दोनों एक वर्न के हैं. असल में यह सब शादियां अधिकतर 'अवर्न' होती हैं. संस्कृत क्रायदे से 'वर्न' शब्द के तीन मानी हैं:—एक बह बीज जो समाज के अन्दर किसी आवभी की रोजी, उसके पेशे या उसकी जगह को बयान करे, दूसरे वह बीज जिसे कोई आदमी खुद अपने लिये खुने या पसन्द करे. इसमें पेशा भी आ सकता है, तीसरे वह बीज जो किसी आदमी को ढकें हो, जैसे उसका रंग वरोग, 'वर्न' शब्द के मानी किसी तरह भी जन्म की जात नहीं होते.

अधिकतर जातों और उपजातों के नाम, पेशों और घंदों पर हैं. हो सकता है शुरू में, इस तरह की जातों ने बह काम किया हो जो आजकल दुनिया में ट्रेड यूनियमनें स رکیا کے تو پاک ضافت کھاتا کھاتا چاہئے شدہ جال بینا چاہئے ایسے لوگوں کے ساتھ بھٹھ کر کھاتا پینا جاہئے جن کی عادتیں اچھی آور جن سے تعباری طبیعتیں ملکی ہوں ، وواہ بھی ایسے لوگوں میں ہی مرت اور طبیعتیں ملکی ہوں ، ہوتا شرق اور طبیعتیں ملکی ہوں ، ہوتا جاتی ہے ، سسے کے ساتھ ساتھ پرائی اچھی سے میں آلٹی ہو جاتی ہے ، سسے کے ساتھ ساتھ پرائی اچھی سے اچھی جیو بھی سر جاتی ہے اور تقصان کرنے لگتی ہے .

برسری دیشوں میں تو لوگوں کے کیول اپنے ایک راجا اداک پروھت کے ہارے میں یہ وچار بنا لوا کہ آسے ایشوری ادعار مقاور اللہ کا ایمان کی بارے میں یہ وچار بنا لوا کہ اسے ایشوں کی ایک پوری جاتی کے بارے میں یہ ماں لیا که بھگواں نے جنم ایک پوری جاتی کے بارے میں یہ ماں لیا که بھگواں نے جنم کا حقدار بنا دیا ہے ۔ آور جب یہ لوگ جنم سے اُرتیجے ھو کئے تو بائی الکھوں کروروں لوگ جنم سے ھی نمیج مسجمے جانے کئے تو بائی الکھوں کروروں لوگ جنم سے ھی نمیج مسجمے جانے کے اور اُن کا حکم ماناے کے اٹنے می بایا ہے ۔ دسکاروں کرنے اور اُن کا حکم ماناے کے اٹنے می بایا ہے ۔ دسکاروں تک کہ امریکہ کے حبشی ظاموں کی طرح مم نے دیش کے لائھیں آور کروروں مرد عورتوں کو اور پیڑھی در پھڑھی اُن کی اُرت کو ھیشہ کے لئے شودر اُرچوت اور اُنتیج قرار دیے دیا ۔ اُرتیجہ یہ ھوا نہ سائنس اور سنجہ کی جگہ ھم کہیں ادھک اُندھ وہواسوں نہ سائنس اور سنجہ کی جگہ ھم کہیں ادھک اُندھ وہواسوں نہ سائنس اور سنجہ کی جگہ ھم کہیں ادھک

هم گذرہ ار بیمار لوگوں کے هانہوں کا یکا هوا آناک کہانا کہاتے هیں کورل اِس اللہ کیونک یکانے والا اُسی جاتی کا شادیاں ہوتی رهتی هیں کورنک لڑکا اُرر لوکی درنوں کی جات کا نام ایک هی همارے کی شادیوں کو ' سورن ' کہتے هیں جس کا مطالب یہ هے کہ لڑکا اُور لوکی درنری ایک ورن کے هیں یہ اصل میں یہ سب شادیاں آبھک تر ' آسورن ' کہتے موتی هیں یہ سب شادیاں آبھک تر ' آسورن ' میں معلی کے هیں یہ سلمیوت قاعدیم سے ' ورن ' شید کے تین معلی موتی هیں یہ سلمی آبھی کی انبر کسی آبھی کی روزی اُس کے پیھے یا اُس اکی جگه کو بیان کرے ' درسرے رو چیز جو کسی روزی آسی پیشہ بھی آ سکتا ها تسرے وہ چیز جو کسی اُس کی بیشہ بھی آ سکتا ها تسرے وہ چیز جو کسی اُس کی بیشہ بھی آ سکتا ها تسرے وہ چیز جو کسی اُس کی بیشہ بھی آ سکتا ها تسرے وہ چیز جو کسی اُس کی بیشہ بھی آ سکتا ها تسرے وہ چیز جو کسی اُس کی بیشہ بھی آ سکتا ها تسرے وہ چیز جو کسی آ

اُمحک تر جاتوں اُور آپ جاتوں کے نام پیموں اُور دمندوں پر میں جہ شکتا ہے شروع میں اِس عارے کی جاتوں لے وہ گاریکیا جو جو آنے کل بندا میں گریڈ پرنیلس یا

हुआ कि इस संग्रह के विवाहों की श्रीलाव की श्रीर नई नई जारी बनती बनी गई. इन जातों, उप-जातों और उप-जातों के अन्त्र इप-जातों की गिनती बढ़ती गई. इस तरह देश में हजारी जारी जन गई. सब एक दूसरे से आलग, जिनमें न एक से इसरी में रोटी बेटी का सम्बन्ध हो सकता था और न कोई एक से दूसरी में जा जा सकता था. यही दाल अब तक जारी है. इन सब को एक डोर में बांधने बाला केवल एक शब्द 'हिन्दू' रह गया है जिसका अब सिवाय हिन्दुस्तानी या दिन्द बासी के और कुछ अर्थ हो ही नहीं सकता. जात बा उपजात के साजकल केवल वह मानी रह गए हैं कि कुछ बरानों का एक गिरोद है जो कैवल एक दूसरे के हाथ का साते हैं और एक दूसरे के साथ ही शादी विवाह करते हैं. दसरी जात बालों के साथ न खाते हैं और न उनके साथ शादी विवाह करते हैं. यहां तक कि दूसरी जात या उपजात वालों के हाथ का छवा हुआ भोजन भी उनके लिये नापाक है. इस कुआब्रुत का कारन शुरू में कुछ भी रहा हो-हो सकता है यह क्रुकाखूत इस डर से शुरू हुई हो कि कोई किसी को जहर न दे दे-पर अब इस दिवाज में कोई समम या भलाई की बात नहीं रह गई है. हमारे देश के आगे बढ़ने में इस समय यह सारी गिरोह बन्दी सब से बड़ी इकावट है.

आस्ट्रक की बात पात

सन 1891 की मरदुमशुमारी के अनुसार हिन्दुओं के कान्द्र कुल जातियों और उपजातियों की तादाद वो हजार तीन सौ अठत्तर थी. उसके बाद भी कुछ जातियां टूट कर कीर दक्कें होती गई और इब एक दूसरे में मिलती गई'. सन 1931 की मरदुमशुमारी में सब जातियों और डपजातियों की ठीक ठीक गिनती देने की कोशिश ही नहीं की गई. राजकाजी चुनाबों तक पर इसका गहरा और बहत बुरा असर पढ़ा है, देश में सच्ची एकता पैदा नहीं हो पाती. इसानवारी और काबलियत को ऊपर जाने का मौका नहीं मिलता, बेईमानी और गन्दी गुटबन्दी बढ़ती जा रही है. देश सेवकों का ध्यान इस बुराई की तरफ जाने लगा है, पर अभी बहुत कुम, सेख़क ने सन 1986 में जब वह हिन्दुस्तान की मरकवी कालन सभा का मेन्बर वा एक कालन जलग जलग जातियों में विवाह शादी जायप करार विमे जाने का पेश किया था. उसे समय वह पास न हो सका. पर उसके बाद इस तरह के जामून पास हो चुके हैं और कुछ रास्ते खुलते का रहे हैं, जाहिर है कि इस जात गत के बिना मिटे देश प्रकृत कीर जमति की राष्ट्र पर आगे नहीं बढ़ सकता.

साहत्स और समक दोनों की यह मांग है कि हम हर कोई बीच हर किसी के हाथ से न सावें और न हर किसी के छुट ज्याद शादी करें, इस सन्वन्ध में सममदारी और किस के काल केना चाकरी है, हमें समाज को सन्दुरसा

ھوا کد اس طرح کے وواھیں کی آواند _مکی آور تھی لڑی حاتین بنتی چلی کئیں. ان جاتین آبر آب جاترں کے اندر آپ جاتوں کی گنٹی بڑھٹی گئی ۔ اِس طرح دیمی میں مزارس جاتیں بن گئیں' ۔ب آیک دوسرے سے الك، جن ميں به ايك سه درسري ميں روثي بيتي كا سمبندھ هو سكتا تها أور فع كوئي أيك سه درسري مين أ جا سكتا تها . يهي حال أب تك جاري ه . أن سب كو ليك دور مين سوائے هندستانی یا هندواسی کے اور کچھ ارتب هو هی نهیں سکتا ، جات یا آپ جات کے آجال کیول یہ معنی رہ گئے هیں کہ کنچے گھرائوں کا ایک گروہ ہے جو کیول ایک دوسرے کے ہاتھ کا کھاتے ھیں اور ایک دوسرے کے ساتھ ھی شادی وواء کرتے ھیں -درسری جات والی کے ساتھ نه کھاتے میں آور نه اُن کے سانھ شادی وواه کرتے هیں . يهاں تک که دوسری جات يا آپ جات وا س کے هاته کا چهرا هوا بهرجن بھی، اُن کے لئے تاپاک شے ، اس چهواچهوت کا کارن شروع میں کنچه بھی رها هو۔۔هوسکتا ه یه چهراچهوت اِس دَر سه شررع هوئی هو که کوئی کسی کو زهر نه دے دے۔ پر آب اس رواج میں کوئی سنجھ یا بھائی کی بات نہیں رہ گئی ہے ، سارے دیش کے آگے بڑھنے میں اِس سهد یه ساری گروه بندی سب سے بڑی رکاوت ہے۔

آجکل کی جات پات

سن 1891 کی مردیشماری کے انوسار مقدوں کے اندر عل جانیس آور آپ جانیس کی تعداد دو هزار تین سو آئیتر تھی اس کے بعد بھی کچھ جاتیاں توت کر اور آکڑے ہوتی كثين أور كنج ايك دوسرت مين ماي كثين . سن 1931 کی مردم شماری میں سب جانیوں آور آپ جاتیوں کی تھیک تهیک گنتی دینے کی کشش می نہیں کی گئی ، راج کلمی جدوں تک پر اِس کا گہرا اور بہت برا اثر بڑا ھے ، دیش مين سجى اينا پيدا نهين هر پاتى . ايمانداس ار قابليت کو اویر آنے کا موتع نہیں ملتا . بے ایمانی اور گندی گشیلدی بومتی ہا رہی ہے ۔ درهی سيوكوں كا دعيان اِس برائي كي طرف برانے اللا ہے؛ پر ابھی بہت کم . لیکھک نے سن 1936 میں جب وہ هندستان کی مرکزی فاتون سبھا کا صدر آھا۔ ایک قائرن الك الك جانيون مين ووأة شادى جائز قرأر ديثم جالح كا يُهِ كيا تها ، أس سبه وا ياس الله هو سكا ، يو أس كي ہمد اس مارے کے تاثیوں پاس هو چکے هیں آور کچھ رأستے كيلته جا ره هين . ظاهر هه كه إس جات يات كي بنا ماي ويهن ايمنا اور أنتي كي راة ير أكم نهين برد سكتا.

سائنس آور سنجے دوتوں کی یہ مانگ ہے کہ هم هر کوئی چھو هو کسی کے هاتے سے تہ کیاریں آور تہ هو کسی کے ساتے بیات شادنی کویں ، اِس سبادھ میں سبجھداری آور ورنگ جے کام ٹینا شروری ہے ، همیں سناے کو تفورست

शुंदगरजी और विगाइ

इन्सानी समाज की चार तरह की शाकियों की चरचा हम कार कर चुढ़े हैं—विद्या शिक, राज शिक, कन शिक और अम यानी महनत मजदूरी की शिक, इन्सानी समाज की अधिकतर मुसीवतें इसीलिये पैदा होती हैं कि हम इन चार तरह की शिकयों में समतोज यानी तवाजुन कायम नहीं रख सकते. विद्या यानी इलम की शिक ही अक्सर धर्म मजहन की शिक होती है. पर जब बिद्यान लोग जो सब को राह दिखाने वाले होते हैं स्वार्थ में पड़ कर धन बटोरने या खुद राज सत्ता हथिबाने की सोचने लगते हैं या अत्याचारी राजाओं के हाथ के साधन बन जाते हैं या उन के लिये साधन तैयार करने लगते हैं, तो यह शिक समाज के लिये बरकत होने की जगह लानत बन जाती है. आज साइन्स और साइन्सदानों की भी यही दुर्गत हो रही है. रालत इस्तेमाल से और समतोल न रहने से यही हाल दूसरी शिकयों का होता है.

अधिकतर देशों में सिव्यों से दो तरह के लोगों में सींचा-तानी और लड़ाई होती रही है—एक राजा दुनियाबी हाकिम और दूसरे धार्मिक गुरु या पंढे पुरोहित. बोरप के बीच के समाने भर में राज शक्ति और धार्मिक शक्ति के बीच की यह खींचातानी जारी रही. यह योरप के बाह्मनों और क्षत्रियों की लड़ाई थी. लेकिन आज दुनिया में पैसे की शक्ति ने विद्या या धर्म और राज या हथियार दोनों को काचू में कर लिया है. आज दुनिया के बाह्मन और क्षत्री दोनों वेश्य के चंगुल में हैं. साइन्स और राजनीति दोनों अर्थ नीति की गुलाम हैं. और अब ऐसा मालूम होता है कि मखदूरी की ताक़त पैसे की ताक़त को भी अपने काचू में करती जा रही है. आगे की दुनिया में सब से बड़ी शक्ति जो साइन्स, बहादुरी, राजकाज और पैसा सब पर हावी होगी वह मेहनत मखदूरी की शक्ति है.

इससे साफ माखून होता है कि इन चार तरह की शिक्षयों में इम ठीक ठीक बैठ बिठाव नहीं कर पाए, हर एक को खबनी अपनी जगह नहीं दे सके, यानी उनमें समतोल या तवाजुन क्रायम नहीं रख सके. इमारे देश में भी सैकड़ों बरस से स्थार्थी बिहानों और आचार्यों ने आदमी से उसकी निजी आजादी छीन कर एक काम से दूसरे काम या एक पेशे से दूसरे पेशे में जाने के दरबाजे बिलकुल बन्द कर विये. नतीजा यह हुआ कि यह चारों जमाधातें इस तरह मौक्सी यानी जन्म की जातें हो गई जिस तरह दुनिया में और कहीं नहीं हैं.

एक और बुरी बात हुई. हुन्रती तीर वर बावजून रोक बाम के समय समय पर एक बने से दूसरे में बिवाद भी जब तब होते रहे. उपर मीरुसीपन का उसूल बाही चुका बा. नदी जा बद السائی سند کی چروا م اوپر کی چیا کی سودیا شاکی راج شاکی دهن شاکی اور شرم یعنی مسابق مردوری کی شاکی . انسانی سماج کی ادهک تو مسابقات این این این هی اس که هم این چار طوح کی شاکتیری مین بستول یعنی توان قائم نهیان راه سالق ، دریا یعنی علم کی شاکتی هی اکثو دهوم سندب کی شاکتی هرتی هی پر جاب وبدولی توک جو سب کو راه دادانے والہ هرتے ایس سوارہ میں یو کو دهن باترنی یا خود راج ساتا هاتیا نے کی سرچند لائم هیں یا انباجاری راجاؤں کے هاتم کے سادهان بین جاتے هیں یا لیے کے لئے سادهاں تھار کرنے لائنے هیں تو یہ شاکلی سائنس اور سائنس دانوں کی بھی درگات جو رهی هی ا ناط استعبال سے اور سائنس دانوں کی بھی درگات ہو رهی هی ا ناط استعبال سے اور سائنس دانوں کی بھی درگات ہو رهی هی ا

اد ک تر درهوں میں صدیوں سے در طرح کے لوگوں میں کھینچا تائی اور لوائی ہوتی رھی ہے۔ ایک راجا یا دنیاری خاکم اور درسرے دعارمک گوردیا پندے پروهت ، یورپ کے بینچ کے زمانے بھر، میں راج شکتی اور دھارمک شکتی کے بینچ کی یہ کھینچانائی جاری رھی ، یہ یورپ کے براھمنوں اور چھتریوں کی اوائی تھی ، لیکن آج دنیا میں پیسے کی شکتی نے ردیا یا دھرم اور زاج یا عتبیار دونوں کو نابو میں کو لیا ہے ، آج ذنیا کے براھمن اور زاج لیتی دونوں آرت نیتی کی غلام میں میں میں ، سالمن آور زاج نیتی دونوں آرت نیتی کی غلام دیں ، اور آب آیسا معاوم ہوتا ہے کہ مودوری کی طاقت پیسے دی طاقت پیسے کی طاقت بیسے کی طاقت پیسے دنیا میں سب سے بر ہاری ہوگی ہو مصنت مزدوری کی شکتی ہے

ایک آو ہوں بات جیتی ۔ تبرقی طور پر خاندوں ہوگی۔ انام کے جیتے تبدی ور آگلیہ رون سے میسرے میں براہ بھی جب انب جیلے پھی آبھی میرولی بن کا آمول آھی جکا تیا ۔ تانیخہ بع

هليو جات بات. .

बाज्ही निगाह से नहीं देखते. यह भी एक खास बात और बही बाज्ही बात है कि चीन में यह अलग अलग जमाअते कभी औं अन्म से यानी पैतृक नहीं समभी गई. इसी वजह से भारत की सी जात पात का बुरा रिवाज चीन में कभी नहीं रहा.

वेदी में जाति मेद का शुरू का रूप

का हम यह देखें कि हिन्दू धर्म में जातों की तकसीम का रूप शहर में यानी बेदों के जमाने में क्या था.

ऋग् वेद में लिखा है :--

"यह जो विश्व रूप महान पुरुश यानी सारा इन्सानी समाज है इसका सिर और मुंह क्या है, इसकी भुजाएं क्या हैं, इसका घड़ और इसकी जांघें क्या हैं और इसके पैर क्या हैं शिक्स आदमी के अन्दर बाह्मन ज्ञान यानी इल्म और हिकमत है वह इसका सिर और मुंह है और बाह्मन कहलाता है. जो अपनी बहादुरी से दूसरों की रक्षा करने के कारन जमकता है वह इसकी भुजाएं है और राजा या ध्रत्री कहलाता है. जो घरती के उपर जमकर उससे नाज और धन दौलत पैदा करता है वह इसका घड़ और जांघें है और वैश्य कहलाता है. जो और सबकी सेवा में लगा रहता और वैश्य कहलाता है. जो और सबकी सेवा में लगा रहता और वैश्य कहलाता है. जो और सबकी टांगें है और शूद कहलाता है. यह पूरा मनुरय समाज इन्हों चार से बना हुआ है. यही था, यही है और यही होगा. इस समाज की व्यापक आत्मा सारी दुनिया को घेरे हुए और अपने अन्दर लिये हुए है और फिर भी सबसे बाहर है."

यजर्वेद में लिखा है :--

"पे परमेश्वर, सबके मालिक ! इस सबके दिलों में यानी इसारे बाइसमों, इसारे चित्रयों, इसारे वैश्यों और इसारे शुद्रों के दिलों में एक वूसरे के लिये प्रेम पैदा कर इसारे शुद्रों के दिलों में एक वूसरे के लिये प्रेम पैदा कर इसारे श्राम एक दूसरे के साथ नम्रता का बरताव करें, सब एक दूसरे का मला करें और एक दूसरे की सेवा करें."

जबर्व बेद में लिखा है :--

"ऐ इरवर ! जो इस सारे विश्व के सब हिस्सों को बला रहा है और सब के अन्दर की जान है ! इम सब को एक दूसरे के साथ प्रेम के मजबूत थागों में बांब दे. हमारे ब्राझनों, खाँत्रयों, बैश्यों और शुरों को और उन सब को जो हमारे मित्र हैं प्रेम के मजबूत थागों में बांब दे. और जो हमारे शत्र हैं उन्हें भी हमारा मित्र बना दे."

अब देखना यह है कि शुरू के चार तरह के लोगों की यह हुन्दरी सकसीम जो समाज के काम की आसानी के लिये कि विशव कर चौर गिर कर सैकड़ों जन्म की जातों में कैसे पहला मह الچیی نگاه سے نہیں درکھتے ، یہ بھی ایک خاص بات ارز بڑی اوھی بات ہے کہ چین میں یہ لگ بیگ جماعتیں البی بھی جنم سے یعنی پیٹرک نہیں سمجھی گئیں ، اِسی وجه سے بھارت کی سی جات پات کا برا رواج چین میں کبھی نہیں را

ریدرس میں جاتی بھید کا شروع کا روپ

اب عم یہ دیکھیں که هندو دهرم میں جاترں کی تقسیم کا روپ شروع میں یعنی ویدوں کے زمانے میں کیا تھا ،

رگ وید میں اکھا ھے:--

الله جو وشو روپ مہان پرش یعنی سارا اِنسانی سماج هے اِس کا سر اور منه کیا هے؛ اِس کی بنجائیں کیا هیں؛ اِس کا دُخْرَ آرر اِس کی جانگہیں کیا هیں اور اِس کے پیر کیا هیں ؟ جس آدمی کے آندر بردم گیان یعنی علم اور حکست هے وہ اِس کی کا سر اور مناء هے اور برائمیں کہاتا هے ، جو اُپنی بہادری سے توسورں کی رکشا کرنے کے کارن چمکنا هے وہ اِس کی بنجائیں هے اور راجا یا چہتری کہلاتا هے ، جو دمرتی کے اُوپر جمار اُس سے آداج اور دھی دولت پیدا کرتا هے وہ اِس کا دھر اور جانگہیں سے آداج ویش کہلاتا ہے ، جو اور سب کی سیوا میں اکا رحما اور حانگہیں ہے اور ویش کہلاتا ہے ، جو اور سب کی سیوا میں اکا رحما اور ماشیء سماج اِنهیں چار سے بنا ہوا ھے ، یہی ترا بیری ہے اور یہی هوا اور یہی ہوا ایس سماج کی ویاپک آنما ساوی دنیا کو گھیرے هوا ہے اور یہی اندر اٹے هوا ہے کی ویاپک آنما ساوی دنیا کو گھیرے هوا ہے اور یہی انہ اندر اٹے هوا ہے کی ویاپک آنما ساوی دنیا کو گھیرے هوا ہے اور یہی انہ اندر اٹے هوا ہے کی ویاپک آنما ساوی دنیا کو گھیرے هوا ہے اور یہی انہ اندر اٹے هوا ہے کی ویاپک آنما ساوی دنیا کو گھیرے هوا ہے اور یہی انہ سب سے بامر هے ۔"

. . ينجر ويد من لكنا هـ :--

"الے پرمیشور سب کے الک ا مم سب کے دانوں میں یعنی ممازے پرمیشور اور چہتریوں ممازے ویشیوں اور شمازے کے دائی ممازے ویشیوں اور شودروں کے دائی میں ایک دوسرے کے لئے پریم پیدا کو تاکه هم ایک دوسرے سے سدا ایک دوسرے سے سدا میلائی یاتیں کوبی سب کے ساتھ نمرتا کا بوناؤ کریں سب ایک دوسرے کی سیوا کریں ۔۔۔

، أنهرو ويد مين المها هے :---

و ایس سارے وشور کے سب حصوں کو جاتے والے اور سب حصوں کو جاتے وہ ایک جاتے ہے اور سب کے الدر کی جاتے ہے اس سب کو ایک درسرے کے ساتھ ورس کے مضبوط دیتاگوں میں بالدھ دیے کہ جو ھارے متر ھیں پریم کے مضبوط دھاگوں میں بالدھ دے ۔ کر جو ھارے متر ھیں پریم کے مضبوط دھاگوں میں بالدھ دے ۔ آور جو ھارے شادر دیں آئیوں یہی عارا متر بنا دیے ۔ ا

آپ دیمنا یہ ہے کہ شروع کے چار طرح کے لوگوں کی یہ قدرتی تیسیم جو سماج کے کام کی آسانی کے لئے تبی بکڑ کر آور گر کر سیکروں جام کی جاترں میں کیسے بدل گئی .

ریشوں میں جون جھی براهدی جہاری آور ویفی کیا گیا۔ ہے
ہی میں آئیوں آئی آورارالعقم الولوالفٹر اور زراع کیا گیا۔ ہے
تیلوں فقط قوآن میں بھی آئی جیس ہوتھی طرح کے لوگوں
عرمی آر فارشی میں اسودیور کیا جاتا ہے ۔ اِنہیں چاروں آؤ
رہ عامل (یا آمو یادامیر) تاجر اور مودور بھی کیا جاتا ہے ،
رسی محرم میں اور خاروں کو 'آیریماا 'ویریجی' 'خابیتھی اُر المواسترا' کیتے میں ، اِن چاروں پارسی شدوری کے سلسکرت

پارسی دھوم کی کتابوں میں اُن چاروں کے اُور اُور ثام بھی : د میں ، پارسی دھرم گرنتھ اگاتھا، میں اُن چاروں کیچرچا کرتے ، اُٹے لکھا کے بیسہ

"ویشی، براهسی اور جهتری تهنوں دائیا کے سکم بھوگوں میں جاتے هیں ، ایشور کرے همارے ویشی کبھی سست یا کاهل تم وں شمارے چهتروں کبھی آنبوہ اور خاصل تم هوں ممارے شودر جو مارے براهس کبھی آنبوہ اور خاصل تم هوں ممارے شودر جو ب کی سبوا کرتے هیں کبھی هست انم هاریں ، برے وقتری یں عجب دشمی حملہ کرتا ہے تو همارے براهس یا همارے ویش یا کرسکتے هیں ﴿ اُس سیم همارے چهتری می بھکواں کی مدد د هماری رکھا کرسکتے هیں …

انگلینت میں آبنی تھوڑے دن پہلے تک وہاں کے لوگ آپنے
بیش کے لوگوں کی تین جماعتیں گنایا کرتے ہے۔
بیش کے لوگوں کی تین جماعتیں گنایا کرتے ہے۔
منی پادری دوسڑے ٹوبیلیٹی یعنی لارق خاندان کے لوگ، تیسرے
منس یعنی علم لوگ ، اب ان میں ایک چوتھی جماعت اور
ایک ہے تھی وہ ہے پرولیٹیرٹیٹ یعنی ودوروں اور دستگاروں
ای جماعت ،

یورپ کے دوسرے ملکیں میں بھی آبادی کے لگ بیگ سی طرح کے بالوارے هیں ،

جاپان میں کچھ داری پہلے تک چار جماعتیں گئے جاتی میں۔۔۔ایک کی گئے جاتی میں۔۔۔ایک کی گئے ہمائی میں۔۔۔ایک کی گئے کے اور درباری میر آمرا کو درباری اور کسامرزائی میں چھری اور میکلری پدشت کے لوگ توسرے تھی می پیشن عام لوگ اور ہوتے اور ہوتے اور ایک جو بالکل بھارت کے جوتیں جابت سیبیجے جاتے تھے ،

چیں جی ہے قیم دلیں پہلے قلب چار جماعتیں گئی اولی تھی جی میں اولی تھی ہیں میں رابوں الوقی تھی جی میں رابوں الوقی تھی جی میں رابوں النہ بی شامل تھی درجہ پر سرداگر ربایاری یہ ایک عصرت ات کا کا برابال جی میں سیافیوں کی کہی خاص جات تیں اور ''انجین' اس جی ایک جاتی اور ''انجین' کی جاتی کی درائی ک

वेदों में जिन्हें बाह्मन, सबी और बैरव कहा गवा हैं अरबी में उन्हों को 'उलुलहर्स,' 'उलुलबम अर्थ और 'अर्थ कहा गया है. यह तीनों नाम कुरान में भी आये हैं. चौथी तरह के लोगों को अरबी और कारसी में 'मजदूर' कहा जाता है. इन्हों चारों को आलिम, आमिल (या आमिर या अमीर)' ताजिर और मजदूर भी कहा जाता है. पारसी धर्म में इन चारों को 'ऐर्यम्ना', 'बीरेजिन,' 'सायपुरा,' और 'गोबास्ता' कहते हैं. इन चारों पारसी शब्दों के संस्कृत हम वर्थ अर्थमा, बीर्यबान, क्षतींश और गोबासी.

पारसी धर्म की किताबों में इन चारों के और और नाम भी आते हैं. पारसी धर्म अन्थ 'गाबा' में इन चारों की

बरवा करते हुए लिखा है :--

"वैरय, जाइन और चत्री तीनों दुनिया के सुख भोगों में पढ़ जाते हैं. ईरबर करे हमारे वैश्य कभी सुस्त या काहिल न हों, हमारे क्षत्री कभी अधिक खुंखार या तुन्द न हों, हमारे जाइन कभी अनपढ़ और जाहिल न हों, हमारे शुद्र जो सबकी सेवा करते हैं कभी हिन्मत न हारें. बुरे कारों में जब दुशमन हमला करता है तो हमारे आहान या हमारे वैश्य क्या कर सकते हैं ? उस समय हमारे क्षत्री ही भगवाम की मत्व से हमारी रक्षा कर सकते हैं."

इंगलैन्ड में अभी थोड़े दिन पहले तक वहां के लोगां आपने देश के लोगों की तीन जमाअते गिनाया करते थे— एक क्लरजी यानी पादरी, तूसरे मोबिलटी यानी लाई खान्दान के लोग, तीसरे कामन्स वानी जाम लोग. जब इनमें एक चौथी जमाअत और जुड़ गई है, वह है प्रोलिटे-रियट यानी मजदरों और दस्तकारों की जमाअत.

योरप के दूसरे मुल्कों में भी आबादी के लगभग इसी

तरह के बंटवारे हैं.

जापान में कुछ दिनों पहले तक चार जमाश्रतें रिनी जाती थीं—एक 'क्यूने' यानी सम्राट के लान्दान के लोग और दरवारी श्रमीर उमरा, दूसरे 'बूशी' और 'सामुराई' यानी क्षत्री और सिपहणिरी पेरों के लोग, तीसरे 'हीमिन' वानी श्राम लोग और चौथे 'ईता' और 'हीनिन' वानी वह लोग जो बिलकुल मारत के खडूतों जैसे समसे जाते हैं.

चीन में भी इन्न दिनों पहले तक चार जमायते गिनी जीती थीं. वहां सबसे जपर विद्वान लोग वे जिनमें दरवारी व्यक्तसर भी शामिल थे, दूसरे दरजे पर किसान, दीसरे दरजे पर दस्तकार और चीथे दरजे पर सीदागर व्यापारी. यह एक अजीव बात है कि पुराने चीन में सिंगाहियों की कोई सांस जगह नहीं थी. चीन में सिंपाहियों को हमेशा एक इंज़की और 'अन्यज' जमाश्रत की तरह समन्मा गया है, चीन जापान की लढ़ाई, ने जो बहुत दिनों जारी रहीं, वहां सिंपाहीं की कार के बात है कि भीन लोग स्वभाव से कमन पसन्त हैं और लड़ाई को चीनी लोग स्वभाव से कमन पसन्त हैं और लड़ाई को

كم هور أس يلس كا ياتي أور عوا صاف رها بهداريال ا عمل منا ار گندگی کهان کے کلم آرے آور اِسی مارح کے سب کے بیلانی کے کام ' یہی اِس زمانے میں دیوناؤں كا قرضه أدا كرنے كے كام هيں. دوسرا قرضه أدا كرنے كا طريقه في الجيم بحيم يين كرنا أبر أنه بن يالنا أبر الجهي تعلیم دینا . تیسوا قرضه ادا کرنے کے اللے هدیں عام یعنی ودیا کا درسروں کو دار دینا چاہئے آور عالموں کو اِس بات میں مدق دینی چادئے که ولا درسروں کو عام سکیاسکیں . همارا یه یعی فرض ہے که دنیا کے اِس وقت تک کے علم آور گیان کو برهائے میں مرد دیں ، چہتیا قرضه ادا کرنے کے لئے خاص عمر آلے کے بعد معین معمولی دنیاداری آور کنبہ دروری سے الك هو كو أنما مين دهيان الانا چاهائه سب كي أتبا كو أيني أتما سمجهنا جادئه أور يرزه دل سے المانار سب كا يالا چيتنا آور جاهنا جاهني

أوپر جو کئی طرح کی چوکویاں گنائی گئی هیں .أن میں سے هر چار ایک دوسرے سے جوی هوئی آور ایک دوسرے پو فربهر هدرس ، أن مدس أيك دوسرے كے ستھ ويسا على سمبندية ہے جیسا عمارے بدن کے الدر سرا عاتها دھر اور قالکوں میں . چاروں کو ما کر ایک پورا أدمی بنتا هے . ایسے هی پورا سمایے ان سب کو ملا کر ہنتا ہے . اِسی طرح اِن چاروں میں سے عر أيك كي بهت سي شاخين هين أور بهت بار أو كسي يوشه يا كلم كي بابت يه طه كرنا بهي مشكل هو جاتا ه كه أس چاروں میں سے کس کے اندر گنا جارے ، هم اِس طرح کے جتام باوارم کرتے میں وہ سب کیول اِس لئے کر لیتے میں ناکم سالے کا کام آسانی سے چل سکے ،

تهور عص شبدوں میں ویدک چاتی بهید کی یہی املیت ه اور يبي أس كي بنياد هي ويدون مين اس ورن أشوم دورم كها كيا هم يعلى يه كه إنسالي ساج مين چار ورن هوت هين یعنی چار طرح کے کام اُور چار طرح کے کام کیلے والے۔۔براھس، چھٹری ویش آور شردر آور ہر آدمی کے جیرن کے چار حصے هوتے هيں - برهمنچاري يعلى طالب علم كرهستھ يعني خاتمال ا وأن يرسته يمنى بنا تنظواه كا دائيا كا خادم أرر سنياسى يا تارك الدين دينه والا . تارك الدين دينه والا .

ب درسرے دیشیں میں اِس طرح کی تقسیم

دوسرے سب دعرموں اور دیشوں میں بھی لس سے ماتے · جللہ وچار مرجود هيں . سب نے اپنے اپنے يہاں کے اِنسانیں کی إِسْنَ طَارِح كَيْ تَقْسِيمِين كَيْ عَيْنِ . فَرَقَ يَهُ هَ كُهُ كُسَى فِي أَيْكُ طُرِّعُ الر كسي لے درسري طارح . كسي نے ایك بیشے والے كو وعلمة فنوروس أور أولمها مانا فه أور كسى في دوسوس بدائد وأله كو. كُنْ إِنَّا لُوكُونَ كُو أَلِكُ خُماعت يَا أَلِكَ يَبِينَ فِي دُوسِونِ خِماعت يا تنوسور يدفي مهن جالم كي كهاي إجازت ديتي ها كسي في قيهان على وقاوة .

कम हों, आस पास का पानी और हवा सांक रहे, बीमारियां क्स हों, मैला और गन्दगी साद के काम आवे और इसी तरह के सब के अलाई के काम, यही इस जमाने में देवताओं का कर्जी अदा करने के काम हैं. दूसरा कर्जा अदा करने का तरीका है अच्छे बच्चे पैदा करना और उन्हें पालना और अच्छी तालीम देना. तीसरा कर्जा अदा करने के लिये हमें इस्म यानी विद्या का दूसरों को दान देना चाहिये और आलिमों को इस बात में मदद देनी चाहिये कि बह दूसरों को इल्म सिखा सकें. इमारा यह भी फर्ज है कि दुनिया के इस वक्षत तक के इत्म और ज्ञान को बढ़ाने में मदद दें. चौथा कर्जा अवा करने के लिये खास उम्र आने के बाद हमें मामूली दुनियादारी और कुनवा परवरी से अलग होकर आत्मा में ध्यान लगाना चाहिये. सब की आत्मा को अपनी आत्मा सममना चाहिये और पूरे दिल से लगातार सब का भला चेतना और चाहना चाहिये.

ऊपर जो कई तरह की चौकदियां गिनाई गई हैं उनमें से हर चार एक दूसरे से जुड़ी हुई और एक दूसरे पर निर्भर हैं. उनमें एक दूसरे के साथ वैसा ही सम्बन्ध है जैसा हमारे बदन के अन्दर सिर, हाथ, धड़ और टांगों में, चारों को मिला कर एक पूरा आदमी बनता है, ऐसे ही पूरा समाज इन सब को मिला कर बनता है, इसी तरह इन चारों में से हर एक की बहुत सी शाखें हैं और बहुत बार तो किसी पेशे या काम की बाबत यह तय करना भी मुशकिल हो जाता है कि उसे चारों में से किस के अन्दर गिना जावे. इम इस दरह के जितने बंदबार करते हैं वह सब केवल इसलिय कर लेते हैं ताकि समाज का काम आसानी से बल सके.

थोड़े से शब्दों में वैदिक जाति भेद की यही असलियत है और यही उसकी बुनियाद है. वेदों में इसे वर्ताशम धर्म कहा गया है, यानी यह कि इन्सानी समाज में चार वर्न होते हैं यानी चार तरह के काम और चार तरह के काम करने वाले-आहान, क्षत्री, वैश्य और शुद्र, और हर आदमी के जीवन के चार हिस्से होते हैं-जहाचारी यानी तालिब-इत्स, गृहस्य यानी खानेदार, वान भरथ यानी विना तनसाह का दुनिया का खादिम, और सन्यासी या तारिकुद्दुनिया यानी सब को दुआए खैर और नेक उपदेश देने वाला.

दसरे देशों में इस तरह की तकसीम

इसरे सब बर्मी और देशों में भी इससे मिलते जुलते विचाद मीजूद हैं, सबने अपने यहां के इन्सानों की इसी सरह की तकसी में की हैं. फर्क यह है कि किसी ने एक तरह और किसी ने दूसरी तरह. किसी ने एक पेरो बाले को जनावा जरूरी और ऊंचा माना है और किसी ने दूसरे पेशे बाले की किसी ने लोगों को एक जमाश्रत या एक पेरो से क्सरी जमाचय या दूसरे पेशे में जाने की खुली श्वाजत दी 2. किसी ने नहीं वी परीया.

चीये सब की सेवा जीर मदद करना जीर उसके बदते में ठीक ठीक भजदूरी जीर मनो रंजन जीर तालीस के मौके पाना.

इन अलग अलग अधिकारों के अलावा कुछ अधिकार ऐसे भी हैं जो सबके एक बराबर अधिकार हैं. सब की जीवन की आवश्यकताएं पूरी होनी चाहियें और सब को अपनी अपनी योग्यता के अनुसार समाज की तरफ अपना फूर्ज पूरा करने के लिये साधन मिलने चहियें. यह अधिकार हर आदमी के जन्म के अधिकार हैं.

(9) बूदे लोगों के छोटी उन्न के लोगों की तरफ और राज की प्रजा की तरफ चार खास फर्ज हैं—पहला फर्ज है सब को तालीम देना, दूसरा सब की हिफाजत यानी रक्षा करना, तीसरा सब का पेट पालना और सब को खाना, कपड़ा और घर देना और चौथा सब तरह से सब की मदद करना. थोड़े से राब्दों में तालीम, हिफाजत, खाना और सेवा इन चारों का सब को हक है.

(10) चार ही तरह के संगठन हर देश या राज के अन्दर जरूरी हैं जिन से मिल कर एक अच्छा राज बनता है. यह चारों एक दूसरे पर भी निर्भर हैं—पहला तालीम का संगठन, दूसरा राजकाजी और कौजी संगठन, तीसरा आर्थिक संगठन और चौथा उद्योग धन्यों का संगठन.

(11) हर आदमी चार तरह का कर्जा अपने अपर लेकर पैदा हाता है. इन में सब से पहला कर्जा हम पर देवताओं यानी क़ुद्रत की शिक्तियों का है. क़ुद्रत की यह शिक्त्यों ही हमारे सामने उस दुनिया को पेश करती हैं जिन पर हमारी सारी जिन्दगी और हमारा सारा तजुर्वा निर्मर है. दूसरा कर्जा हमारे उन पुरस्तों का कर्जा है जिन्होंने हमें पैदा किया और यह जिस्म दिया. तीसरा कर्जा पिछलो जमाने के उन सब सन्तों, महात्माओं और बिद्धानों का कर्जा है जिन्होंने हमारे लिये ज्ञान का वह अन्हार छोड़ा जो हमें दूसरे जानदारों से अलग करता है और हमारे जीवन को रोनक देता है. चौथा कर्जा उस परमात्मा परमेश्वर का कर्जा है जिससे हमें जीवन की वह चिनगारी मिली जिसे हम रूड या आत्मा कहते हैं.

(12) इन चारों क्रजों को अदा करने के चार तरीके हैं—पहला क्रजों अदा होता है सब के भले के इस तरह के काम करने से जैसे दरस्त लगाना, जमीनों में फिर से जंगल लगाना, क्रपं, तालाब या नहरें सुत्वाना, काम के जानवरों और सुन्दर पशु पश्चियों की दक्षा करना और वन्हें बढ़ाना, हवा को साफ रखना, खुशबूदार भीचें जलाना, पाक और अच्छी अच्छी कितानें पढ़ना. इन सब वातों से कुदरत का वह सब मन्हार फिर से भरता है जिसे हम काम में लाते हैं. हमारी दिमायी ताकतें इससे बढ़ती हैं. हमारी तिवसत फिर से ताज कल के हालात में ऐसी तरकीवें कुम्ना जिनसे भूप की मुसीवत कम हो, राहरों के सोर ब सर

چرتھے سب کی سنوا آور مدن کوٹا آور اُس کے بدیات میں اُلھکت پیک مزدوروں آور میلورٹنجوں اور تعلیم کے موقعے پاٹا ،

ان انگ انگ ایمکاروں کے علوہ کچھ ادھکار آسے میں اس جموں اس کے جموں اس جو سب کی جموں کی آور سب کی آبی اپنی اپنی آور سب کو آپنی آپنی کتا کے آتوسار سباج کی طرف اپنا فوض پورا کرنے کے فات اربھی منفی چاھئیں ۔ یہ آدھکار ھر آدمی کے جام کے آدھکار

(9) بوره توگوں کے چوٹی عمر کے لوگوں کی طرف آور رائے یہ پرچا کی طرف چار خاص فرض هیں سپلا فرض هے سب و تعلیم دینا دوسرا سب کی حفاظات یعنی رکشا کرفائ تیسرا سب کا پیت پاللا آور سب کو کھانا کپڑا آور گھر دینا آور برتھا سب طرح سے سب کی مدد کرنا ، تھرزے سے شبدوں بی تعلیم حفاظات کھانا اور سیرا این چاروں کا سب کو سے بھی ہے ہو تھے ۔

ر11) هر آدمی چار عارج کا قرضه اپنے آوپر لے کو بدا هوتا هے، اِن میں سب سے پہلا قرضه هم پر دیوتاؤں ملی قدرت کی یہ شکتیاں هی مارے سامنے اُس دلیا کو پیش کرتی هیں جن پر هماری باری زندگی اور همارا سارا تجاربه نربیر هے دوسرا قرضه همارے ن پرکپوں کا قرضه هے جانوں نے همیں پیدا کیا اور یه جسم دیا سرا قرضه پچلے زمانے کے ان سب سنتوں مهاتماؤں اور یہ وائیں کا قرفه هے جانوں نے همارے لئے گیان کا وہ بهندار بوائی کو ورنی دیتا هے چورتها قرضه اُس پرماتما پرمیشور کا عبون کو روئی دیتا هے چورتها قرضه اُس پرماتما پرمیشور کا خدی ہے ہیں کی وہ اُچنگاری ملی جسے هم

(12) ابن چاروں قرضوں کو آدا کرنے کے چار طریقے
یں سمیہ قرضہ ادا ہوتا جد سب کے بیلے کے اِس طرح کے کام
نے سے چیسے درخت الانا زمینوں میں پور سے جنتل الانا
ویں تالیہ یا نہریں کودوانا کام کے جالروں آور سلام
نو پکشیوں کی رکھا کرنا آور آنھیں بوطانا ہوا کو صاف
بنا خوشین دار چیزیں جاتا باک اور آچیی آچی کتابین
ہنا خوشین دار چیزیں جاتا باک اور آچیی آچی کتابین
ہنا جی بیب ہاتوں سے قررت کا وہ سب بیندار پھر سے
رنا ہے جسے ہم کار میں لاتے میں ۔ جداری دمانی
انہیں آس سے ورجی جین ، حداری طریعی پھر سے تازہ
نی جین ہیں آپیں کے حدالات میں آیسی ترکیدیں
نا جین سے دوری کے حدالات میں آیسی ترکیدیں
نا جین سے دوری کے حدالات میں آیسی ترکیدیں

(5) हर आदमी में भार तरह की ही भूक होती है-एक मामूली खाने पीने की मृक, दूसरी धन दौलत जमा करने की मूक, तींसरी जिन्सी मूक (काम बासना) और भीकी सेस प्रमारी और मनोरंजन की मुक.

क्निये को मातहत अलग अलग कार तरह की खुराक भी दोवी है— एक उन लोगों के लिये जो रुखानी, दिमारी वा इस्ती काम में या साइन्स की खोजों में लगे हुए हैं, बिना मोक्स की, इलकी, जल्दी हजम होने वाली, अधिकतर फलों और दूध बाली खूराक जो उनके मन को अधिक चन्नल न होने दे, दूसरी ताकत और जोरा दिलाने वाली खूराक उन होगों के लिये जिन्हें हक्न्यत करनी हो, इन्तजाम करना हो, अस्ती कैसले और जस्ती अमल करना हो, यहां तक कि सिमाहियों के लिये एक इद के अन्दर गोश्त भी हो सकता है, तीसरेक्यपारियों के लिये एक इद के अन्दर गोश्त भी हो सकता है, तीसरेक्यपारियों के लिये एक इद के अन्दर गोश्त भी हो सकता है, तीसरेक्यपारियों के लिये एक इद के अन्दर गोश्त भी हो सकता है, की चीजें और चीये मजदूरों के लिये भारी खाने जिनमें काफी नाइट्रोजन हो ताकि आदमी देर तक मेहनत कर सके.

इन चारों के लिये चार तरह के अलग अलग सामात की भी अक्रांत पढ़ती है—जैसे पहली तरह के लोगों के लिये कितावें और साइन्सी सोज का सामान, दूसरी तरह के लोगों लिये हिवसार और उसी तरह का सामान, तीसरी तरह के लोगों के लिये मरीनें, कारखाने और पैदावार और तिजारत के साधन और चौथी तरह के लोगों के लिये महनत मजदूरी के सीजार.

यू'तो इर आदमी में यह चारों तरह की मूक होती है लेकिन किसी में एक नीज का जोर होता है, किसी में दूसरी कीज का. इसीलिये एक प्रोफेसर बन जाता है, दूसरा कौजी कप्तान, तीसरा साहुकार और नीथा चरबाहा या मिल मजदर.

(त) लोगों में चार तरह की ही इच्छाए होती हैं— एक दूसरों से आदर मान की इच्छा, हकूमत की राक्ति या अधिकार की इच्छा, तीसरे धन दौलत की इच्छा और चौथे केवल अपने रारीर के लिये सुख की इच्छा.

(7) इर देश में चार तरह की शक्तियां होती हैं— एक साइन्स की शक्ति, दूसरे कीज की शक्ति, तीसरे धन की शक्ति और चौथे मेहनत मजदरी की शक्ति.

8) चार तरह के ही कर्तव्य यानी कर्ज और उनके सुमानले के चार तरह के अधिकार यानी हक होते हैं— जाता कर्ज विद्या हासिल करना और विद्या फैलाना और कर्ज सुमानले का अधिकार, इरजत और मान पाना, दूसरा कृषी अब की हिप्पाणत करना, देश में अमन शान्त कायम संस्ता और असके मुमानले का हक हकूमत का अधिकार पाना, किसे कर बाद के मान की पैदाबार और उसके बंटवारे का कर्ज करना और एसके मुकानले में देश के कान्तों के अन्दर (ق) هر آدمی میں چار طرح کی هی بهوک هولی هوات هوائی دوائت جمع کرتے کی بهوک، تیسوی چنسی بهوک (کارواستا) اور چوائی کهیل تباش اور منورتجوں کی بهوک ،

الهيس چاروں كے مانتحت الى الى چار طرح كى خوراك بھى ھوتى ھــايك أن لوگوں كے لئے جو يرح تى خوراك بھى ھوتى ھــايك أن لوگوں كے لئے جو يرح تى خيس با علمى كام ميں يا سائنس كى كھوچوں ميں لئے ھرئے ھيں بنا گوشت كى ھلكى جلدى ھقم ھوئے والى آدر دورہ والى خوراك جو أن كے من كو ادھك خوراك أن لوگوں كے لئے جنبيں حكومت كرنى ھو انتظام كرنا ھو جادى فيصلے اور جلدى عمل كرنا ھو يہاں تك كه سهلتيوں كے لئے ايك حد كے اندر گوشت بھى ھو سكتا ھے تيسر نے وياپاريوں كے لئے پيت ميں دير تك تهرئے والے ئاج تيسرنے وياپاريوں كے لئے پيت ميں دير تك تهرئے والے ئاج خون ميں كانى نائلروچن ھو تاكم آدمى دير تك محدات كو سكتا ہے كور ميك دير تك محدات كو سكتا ہے دور دورہ كى چيزاں آور چوتھ مزدوروں كے لئے بھارى كائے كور ميك

ان چاروں کے لئے چار طوح کے الگ الگ سامان کی بھی ضوورت پرتی ہے۔ سمجیسے پہلی طوح کے لوگوں کے لئے کا بیس اور سائنسی کو ہے کا سامان دوسوی طوح کے لوگوں کے لئے متعمل اور اُسی طوح کا سامان تیسوی طوح کے لوگوں کے لئے سعمان کو تتعمارت کے سادھی اور چوتھی طوح کے لوگوں کے لئے متعملت مؤدووی کے اورار ،

ه یوں تو هر آدمی میں یه چاروں طرح کی یهوک هوتی هدی درسری هدین کسی میں درسری هدایات کی ایک چیز کا ، اِسی لینے ایک پرونیسر بن جاتا ها درسرا نوجی کہتائ ایسرا ساهوکر آور چوتها چرواها یا مل مزدور ،

- (6) لوگرں میں چار طارح کی ھی اچھائیں ھوتی ھیں۔ایک درساروں سے آدر مان کی اچھ ا حکومت کی شکتی یا ادھکار کی اِچھا آور چوتھے کیول اپنے شریر کے اِٹے سکھ کی اِچھا .
- (7) هر دهن میں چار طرح کی شکتیاں هوتی هیں۔۔۔ ایک سائنس کی شکتی' درسرے نوج کی شکتی' تیسرے دهن کی شکتی اور چوتھ متعلت مزدرری کی شکتی ،
- (8) چار طرح کے ھی کرتویہ یعنی فرض اور اُن کے مقابلے کے چار طرح کے اُد کار یعنی حق ہوتے ھیں۔۔۔پھ فرض وقت اللہ کی جاند کی اُد کار یعنی حق ہوتے ھیں۔۔۔پھ کا ادعارہ موجہ اُور مان پائنا دوسرا فرض سب کی حافات کا اُن کی موجہ اُور مان پائنا دوسرا فرض سب کی حافات کا حق حکومت کا اُدھار پائنا اور اُس کے مقابلے کا حق حکومت کا اُدھار پائنا اُور اُس کے مان کی پیدارار آور اُس کے باؤرانیم کا پرواندہ کونا آور اُس کے مقابلے میں دیش کے قانونوں کے اُلاہ وہان مال کی دیش کے قانونوں کے اُلاہ دیش میں دیش کے قانونوں کے اُلاہ دیش کی اللہ دیش کے اللہ کا اللہ دیش کی اللہ دیش کی اللہ دیش کی اللہ دیش کی تالیہ دیش کی اللہ دیش کی تالہ دیش کی اللہ دیش کی دیش کی اللہ دیش کی اللہ دیش کی دیش کی اللہ دیش کی د

अपनी अपनी सरक्षकी का मौक्रा मिल सके, सब समाज की सेवा कर सके, सब के अन्दर स्वार्थ और परमार्थ दोनीं पूरे हो सके, सब अति से बच कर बीच की सलामती की राह चल सके, सब अपने अपने कर्तन्यों और अधिकारों को समम सके, और जहां तक हो सकता है सबका सब तरह भला हो. लेखक ने अपनी कुछ अंग्रेजी कितानों में जैसे—(1) एनशियन्ट वरसेज मार्डन सांइन्टिकिक सारा-लइजम, (2) दी साइन्स आफ दी सेल्क, (3) दी साइन्स आफ सीराल आरगेनीजेशन में समाज संगठन के इस डंग को तकसील से बयान किया है. उसके मोटे मोटे बुनियादी उसल नीचे विये जाते हैं:—

चार वरह के आदमी और चार चार की चौकड़यां

- (1) दुनिया में अपने अपने स्वभाव, तिवयत और कावित्यत के अनुसार चार तरह के आदभी होते हैं. वह अलग अलग चार तरह के ही कामों के काबिल होते हैं. इनमें पहले वह लोग हैं जिनमें विद्या और ज्ञान की अधिक चाह होती है. दूसरे वह लोग हैं जिन्हें हकूमत या इन्तजाम करने का ज्यादा शौक होता है. तीसरे वह जो कमाना और जमा करना ज्यादा चाहते हैं. चौथे वह भोले और सीधे लोग जो आम महनत मजदूरी के काबिल होते हैं और उसी में आनन्द ले सकते हैं.
- (2) चार तरह के ही पेशे और काम होते हैं— एक विद्या और इल्म से सम्बन्ध रखने वाले पेशे, दूसरे इन्तजाम और शासन से सम्बन्ध रखने वाले, तीसरे तिजारत ज्यापार से सम्बन्ध रखने वाले, चौबे मेहनत मजदूरी से सम्बन्ध रखने वाले. इन चारों की फिर अलग अलग बहुत सी शाखें हैं.
- (3) मोटे तौर पर चार तरह की ही आमदनी या जीविका होती है—एक हिच्या, पुरस्कार या मेंट रूप, दूसरे टैक्स, खिराज और तनखाह के रूप में, तीसरी तिजारती नक्षे के रूप में, चौथी मजदूरी के रूप में.
- (4) हर आदमी की जिन्दगी के भी चार हिस्से होते हैं—पहला तालिबहरूम यानी विद्यार्थों होने का जमाना, वूसरा जानेदार यानी गृहस्थ का, तीसरा निस्वार्थ जनता की सेवा का, चौथा यानी आजरी हिस्सा दुनिया से अलग रहकर एकान्त चिन्तन और मनन का यानी तारिकुद्दुनिया होकर गौरो छौज का. इन में पहले दो हिस्सों में आदभी की निजी इच्छाएं मुनासिब हवों के अन्वर जागनी, बढ़नी और पूरी होनी चाहियें, और वूसरे दोनों हिस्सों में आदमी की समाजी यानी परोशकार की भाषनाएं बढ़नी, खिलनी और अमल में आनी चाहिएं, इस तरह हर आदमी की जिन्दगी का आजरी हिस्सा समाज की सेवा में सर्च हो सकता है.

اپنی اپلی توقی کا موقع مل سید سباج کی سیواری رسید سباج کی سیواری کر سیس سبب کے الدو سواری اور پرماری درائوں پورم سیس بسب اپنے اپنی سی کر سنجی سیس اور اجمبالروں کو سنجی سیس اور جہاں تک جہاں تک جستا کا سب طرح بھا ہو، لیکھک نے اپنی کسی انگریزی کائیوں میں جیسے—(1) اینشیات ورسز ماترین سائنس آف دی سیاف (3) دی سائنس آف دی سیاف (3) دی سائنس آف دی سیاف (3) دی سائنس آف دی سیاف کو اس دی سیان کے اس دی سیاف کو تبصیل سے بیان کیا ہے، اس کے موقع موقع بنیادی امل لیجے دیا، جاتے ہیں :—

چار طرح کے آدمی اور چار چار کی چرکزیاں

- (1) دنیا میں آپنے آپ سوبھاؤ طیعت اور قابلیت کے آنسار چار طرح کے آنسی هوتے هیں۔ وہ الگ الگ چار طرح کے هی کاس کانس کو اللہ الگ ہوتے میں ودیا اور گران کی آدھک چاہ هوتی ہے . دوسرے وہ لوگ هیں جنہیں حکومت یا انتظام کرنے کا زیادہ شوق هرتا ہے تیسرے وہ جو کمان اور جمع کرنا زیادہ چاہتے هیں ۔ چوتے وہ یہو اے اور سیدھ لوگ جو عام محملت مزدوری کے قابل هوتے هیں اور اُسی میں آنند کے سکتے هیں ،
- (2) چار مارے کے هی پیشے آور کام هوتے هیں۔۔۔ایک ودیا اور علم سے سبندھ رکھنے والے پیشے' دوسرے انتظام آور شاس سے سبند رکھنے والے' تیسرے تجارت ویاپار سے سبندھ رکھنے والے ۔ اِن رکھنے والے' چوتے' محمنت مؤدوری سے سبندھ رکھنے والے ۔ اِن جاروں کی پھر الگ الگ بہت سے شاخیں هیں ۔
- (8) موٹیہ طور پر چار طرح کی ھی۔ آمدئی یا جیوکا مرتی ھی۔ آمدئی یا جیوکا مرتی ھی۔ایک مدینہ پرسکار یا بیبنٹ روپ خراج اور تلخیواہ کے روپ میں تیسری تعارتی تنم کے روپ میں بیں جوتھی مزدیریں کے روپ میں ب
- (4) هر آدمی کی زادگی کے بھی چار حصیہ هوتے میں سے بہا حصیہ هوتے میں سے مائے دوسرا میں سوئے کا زمائے دوسرا خانہ دار نمیں کرھیتے کا الیسرا انسوارتے جاتا کی سبوا کا چوتیا پہلی آخری حصیہ دایا سے الگ رہ کو ایکانت چنتن ارر منیں کا یعنی تلوک آدی کی تحتی ایجائیں مثلب جدوں کے اندر جاتائی میں آدی کی تحتی ایجائیں مثلب جدوں کے اندر جاتائی میں آدی جوتی ہوئی چاہئیں آور دورسرے دونوں جینی آدی جاتائیں دونوں میں آدی جاتائیں دونوں میں آدی جاتائیں اس جارے دونوں میں آدی جاتائیں دونوں میں آدی جاتائیں اس جارے دونوں میں آدی جاتائیں دونوں میں آدی دونوں میں دونوں میں آدی دونوں میں آدی دونوں میں دونوں میں آدی دونوں میں دونو

جهبن کا مطلب کها هے، دنیا کدھر جا رھی هے اور اِنسان اور اِنسانی سالے دونوں کے جهبن میں 'آیشور کی اچھا' کہا ہے . تب ہم سبت سکتے ہیں که دنیا میں آدمی کا فرض کها هے اور اِنسانی سدالے کو کس طرح سنبهالنا' سنوارنا' روپ دینا اور چلانا چلفئے' اور سمالے میں اور الگ الگ اِن اِنسانی میں کس طرح کا ناتا ہونا چلفئے' کس کس کے کیا کیا انسانی مولے چلفئیں اور کس کس کو کیا کیا آدھیکار ملنے چلفئیں اور کس کس کو کیا کیا آدھیکار ملنے چلفئیں' تاکہ ہر آدمی ہو حالت میں اپنے فرض کو سمجھ سکے اور پورا کوسکے اور سب کو روحانی اور جسمانی خوراک ٹیک تھک مل کسکے اور سب کو روحانی اور جسمانی خوراک ٹیک تھک مل سکتے . تب ہی جهرن کا آدیش اور ایشور کی اچھا پری ہو

کوئی آدمی دنیا میں اکیلا نہیں ہوتا ۔ وہ کسی گھر میں پیدا ہوتا ہے اور اُس کا گھر کسی نہ کسی دیش یا سماج کے الدر هوتا هے جس میں اُس جیسے بہت سے گہر هوتے هیں . هر آدمی کے سکھ دکھ دوسروں کے سکھ دکھ کے ساتھ بادھے هوتے هیں. کوئی آدمی اپنے جیوں میں ثم ایشور کی اچھا پوری کوسکتا ها له سنهرے اصول پر عمل كرسكتا ها اور ثم اينا نوض يورا كرسكتا هئ جب تك كه وه گهر يا وه سماج جس ميس وه رهتا سہتا ہے اِس طرح ته بنا عو که دنیا میں أس رهے اور سب سکھی اور خوشتحال رهیں . یہ بھی ضروری هے که هر آدمی کی زندگی اس طرح نہی اور بنتی ہوٹی ہو کہ ہر آدمی اپنے سوبھاؤ' اپنی یوگنا اور اپنی طبیعت کے آنوسار اپنا بھا اور سمانے کی سیوا درنوں کرسے اسے تھیک تھیک تعلیم مل سکے تعلیم کے بعد آسے اور اُس کے گھر والوں کو تبیک تبیک کام اور تبیک تھیک روزی مل سکے ایک خاص عبر ہوئے پر وہ روزی کیائے کی متصلت سے چھتی پاسکے اور سب کے بہلے کا کوئی ایسا کلم مدت کرسکے جو اُس کی طبیعت اور قابایت دونوں کے آئیسار ہوا اور اِس سب کے بعد اپنی زندگی کے آخیر دنیوں میں کیاں دھیاں میں' ساری دنیا کا بھلا چیتنے میں اور سب کو سب کے بھے کے کاموں میں لگائے رکھنے میں اپنے سبے کو لگاسکے جس سے أس كي أتما كو شائدي اور دنيا كو أس سے لايه ملے، دهرم وهي ه جو اِس دنیا میں اور اِس کے بعد بھی آدمی کو سمھی رہنے میں مدد دے . اب هم یه دیمبیں که ویدک دعرم اِس ضرورت . كو كس طرم بورا كرتا هي .

ریدک دهرم سالج کے سلکتین کا ایک ایسا دهنگ پریس کرتا ہے جو بنا دهرم مذهب وم نسل یا کسی طرح کے بهدن بهاؤ کے دنیا کے سب لوگوں اور ساری مانو جاتی پر لگ سکے جس میں سب طرح کے آدمی کہت سکیں سب کو آینی اپنی یوگنا کے آنہمار کام سب کو آینی سوبھاؤ اور اپنی اپنی یوگنا کے آنہمار کام مل سکے سب کی ضوروتیں پری عرسکیں سب کے

जीवन का मसलक क्या है, दुनिया किथर जा रही है और इन्सान और इन्सानी समाज दोनों के जीवन में 'ईश्वर की इच्छा' क्या है. तब इम समम सकते हैं कि दुनिया में आदमी का फर्ज क्या है और इन्सानी समाज को किस तरह समाजना, संवारना, रूप देना और चलाना चाहिये, और समाज में और अलग अलग इन इन्सानों में किस तरह का नाता होना चाहिये, किस किस के क्या क्या कर्ज होने चाहिये और किस किस का क्या क्या अधिकार मिलने चाहिये और किस किस का क्या क्या अधिकार मिलने चाहिये, ताकि हर आदमी हर हालत में अपने फर्ज को समम सके और पूरा कर सके और सब को रूहानी और जिस्मानी खुराक ठीक ठीक मिल सके. तब ही जीवन का उदेश्य और ईश्वर की इच्छा पूरी हो सकती है.

कोई आदभी दुनिया में अकेला नहीं होता. वह किसी घर में पैदा होता है और उसका घर किसी न किसी देश या समाज के अन्दर होता है जिसमें उस जैसे बहुत से घर होते हैं. हर बादमी के सुख दुख दूसरों के सुख दुख के साथ बंधे होते हैं. कोई आदमी अपने जीवन में न ईश्वर की इच्छा पूरी कर सकता है, न सुनहरे उसल पर द्यमल कर सकता है, और न अपना फर्ज पूरा कर सकता है, जब तक कि वह घर या वह समाज जिसमें वह रहता सहता है इस तरह न बना हो कि दुनिया में अमन रहे और सब ससी भौर सुशहाल रहें. यह भी जरूरी है कि हर आदमी की जिन्दगी इस तरह नपी और बंटी हुई हो कि हर आदमी अपने स्वभाव, अपनी योग्यता और अपनी तबियत के अनुसार अपना भला और समाज की सेवा दोनों कर सके. उसे ठीक ठीक तालीम मिल सके, तालीम के बाद उसे चौर उसके घर वालों को ठीक ठीक काम और ठीक ठीक रोजी मिल सके, एक खास उम्र होने पर वह रोजी कमाने की मेहनत से छुड़ी पा सके और सबके भले का कोई ऐसा काम मुफ्त कर सके जो उसकी तबियत और काबलियत दोनों के अनुसार हो, और इस सबके बाद अपनी जिन्दगी के श्रासीर दिनों में, क्षान ध्यान में, सारी दुनिया का भला चैतर्ने में और सबको सबके भले के कामों में लगाए रखने में अपने समय को लगा सके जिससे उसकी आत्मा को शान्ति और दुनिया को उससे लाभ मिले. धर्म बही है जो इस दुनिया में और इसके बाद भी आदमी को सुखी रहने में मदद दे. अब हम यह देखें कि वैदिक धर्म इस जरूरत को किस तरह,पूरा करता है.

वैविक धर्म समाज के संगठन का एक ऐसा ढंग पेश करता है जो बिना धर्म, मजहब, कौम, नसल या किसी तरह के बेद साब के दुनिया के सब लोगों और सारी मानव जाति पर लग सके, जिसमें सब तरह के बादभी खप सकें, सबसे अपने अपने स्वमाब और अपनी अपनी योग्यता के बहुत्वारकाम मिल सके, सबकी जरूरते पूरी हो सकें, सबको

الها هاد

کیول یہ دعا کرنا کانی نہیں ہے کہ 'ایشور کی اچھا پوری ہو' میں اُس اچھا کے پورا ہونے میں مدد دینے کے لئے یہ جانبے ر سمجھانے کی بھی کوشش کرنی چاہئے کہ مسارے خاص زمانے فی پورا کرسکیں اِس کے ائے کیول ہمارا فرض پورا کرنے کے لئے ار رہنا بھی فروروں نہیں ہے ۔ یہ بھی ضروری ہے کہ ہم جانیں ر سمجھیں کہ ممارا فرض کیا ہے ۔ یہ مشہور ''سنہرا اصول'' ہے ر سمجھیں کہ ممارا فرض کیا ہے ۔ یہ مشہور ''سنہرا اصول'' ہے مارے ساتھ کریں۔' بات بہت اچھی ہے پر اِس کے اٹے یہ جاننا می ضروری ہے کہ وہ ساوک کیا ہونا چاہئے ۔ ہمیں یہ سمجھنا می ضروری ہے کہ وہ ساوک کیا ہونا چاہئے ۔ ہم اِس کے اٹے یہ خاص حالت میں ہمیں اپنے لئے اور دوسروں کے لئے اچھنا چاہئے اور کیا تھیں چاہنا چاہئے ، ہم اِس طرح سوچ محبکر تہیں چلیں گے تو اچھی سے اُچھی نیت رکھتے ہونے بھی محبکر تہیں چلیں گے تو اچھی سے اُچھی نیت رکھتے ہونے بھی

هرم اور آجکل کے سب قادرے فائون هونے چاغیں .

یه سنجه پوری پوری همین دو جکه سے ماتی ہے۔ ایک اندی کو ناتیوں سے جو سے سے کے نیک در درشی اندی کی ان گرفتیوں سے جو سے سے کے نیک در درشی نیمی اور میان اور میب کا بیلا چاہئے والے آوتاروں ارشیوں نیمی آن لوگوں سے ملے یں جن کے اندر آیشوری جوت جگ رهی تهی اور جن کے در طرح طرح کی آسادهاری شکتیاں موجود تهیں اور درسرے آن باندوں کا آئیس دائوں سے ملتی ہے جن کی آسادهاری می باندوں کا انہیں آدمی کی سیوا می تدری کی آسادهاری میں باندوں کو پھور کو آنہیں آدمی کی سیوا میں انا دیائے ہے۔ ان دونوں سے هنیں یک چانا ہے کہ انسانی میں انا دیائے ہے۔

सवाल यही रहे कि यह दोनों तरह की खुराकें सब जाद-मियों को ठीक ठीक और जरूरत के मुताबिक कैसे मिले. सब धर्मों ने इस सवाल को इल करने की कोशिश की है. पर जब किसी धर्म के ठेकेदारों और आवायों में खुद्रारजी बढ जाती है तो उस धर्म बालों का अमल इस बारे में बिगड़ जाता है और बह धर्म गिरने लगता है, हर उस चीज में जो पैदा हुई है और बढ़ती है चढ़ाव के बाद उतार आना ज़रूरी है. फिर एक न एक दिन उसकी भौत भी आवेगी ही, श्रीर उसी काम को श्रधिक श्रच्छी तरह पूरा करने के लिये उस चीज की जगह कोई नई चीज पैदा होगी. श्रात्मा या विचार या उसूल वही रहता है, केवल ऊपर का शरीर, ढांचा या रूप बदल जाता है. यही हालत धर्मों की होती है. धर्म की आत्मा अमर है. पर सब धर्मों के ढांचे हालात के अनुसार बदलते रहते हैं. हमारा यह जमाना साइन्स और मशीनों का जमाना है, लोकशाही और समाजवाद का जमाना है, दिल के मुक्ताबले में यह दिमारा की तरक्की का जमाना है. इसी के अनुसार जाजकत का धम और आजकल के सब कायदे कानून होने चाहियें.

केवल यह दुआ करना काफी नहीं है कि 'ईश्वर की इन्द्रा पूरी हो.' हमें उस इन्द्रा के पूरा होने में मदद देने के लिये यह जानने और सममने की भी कोशिश करनी चाहिये कि हमारे सास जमाने और खास हालात में ईश्वर की इच्छा क्या है. हम दुनिया में अपना कज पूरा कर सकें इसके लिये केवल हमारा फर्ज पूरा करने के लिये वैयार रहना ही जरूरी नहीं है. यह भी जरूरी है कि हम जानें और सममें कि हमारा फर्ज क्या है, यह मशहूर "सुनहरा उसूल" है कि 'दूसरों के साथ वैसा ही सलुक करो जैसा तुम चाहते हो कि वह तुम्हारे साथ करें,' बात बहुत अच्छी है, पर इसके लिये यह जानना भी जरूरी है कि वह सलुक क्या होना चाहिये. हमें यह सममना चाहिये कि खास हालत में हमें अपने लिये और दसरों के लिये क्या चाहना चाहिये और क्या नहीं चाहना चाहिये. हम इस तरह सोच समभ कर नहीं चलेंगे तो अच्छी से अच्छी नीयत रखते हए भी दुनिया में बद्भमनी और गड़बड़ पैदा कर देंगे.

यह समक पूरी पूरी हमें दो जगह से मिलती है. एक दुनिया के उन धर्म मन्थों से जो समय समय के नेक, दूर-दर्शी, बुद्धिमान और सब का मला चाहने वाले अवतारों, ऋशियों, निवयों, रस्लों और महात्माओं से हमें मिले हैं, यानी उन लोगों से मिले हैं जिनके अन्दर ईश्वरी जोत जग रही थी और जिनके अन्दर तरह तरह की असाधारन शक्तियां मौजूद थीं, और दूसरे उन झानियों, आलिमों और साइन्सदानों से मिलती है जिनकी असाधारन बुद्धि कुद्रत के बड़े से बड़े भेदों को फोड़ कर उन्हें आदमी की सेवा में लगा देती है. इन दोनों से हमें पता चलता है कि इन्सानी जिल्द् 18

दिसम्बर सन '54

नम्बर 6 6 अ

دسبر س ⁷54

جاد 18

जात जादमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुंचेगा घर-घर लिये प्रेम की फोली,

جات آدمی، پریم دھرم ھے، ھندستائی برلی، اُنیا ھند، پہنچے کا گھر - گھر لٹے پریم کی جھولی ،

हिन्दू जात पात की असलियत, उसका बुरा रूप और इलाज

(डाक्टर भगवानदास)

जाति मेद की चुनियाद

हिन्दुओं में एक खास रिवाज जाति भेद यानी जातों की तकसीम का है. समका जाता है कि किसी दूसरे धर्म में इस तरह की कोई चीज नहीं है. यह बात एक दरेजे तक ठीक है और एक दरजे तक रालत. दुनिया की हर सभ्यता का किसी न किसी धर्म से सम्बन्ध रहा है और हर सम्यता में जाति भेद के बीज और उसकी कूछ न कुछ अलामतें मिलती हैं, क्योंकि इस तरह की तक़सीम इन्सान के स्वभाव में शामिल है. हिन्दू धर्म में इसी चीज ने एक साफ साफ और जास रूप धारन कर लिया. लोगों के माल जायदाद के लिये, घरेल जीवन को ठीक ठीक चलाने के लिये, लोगों की राह्मा के लिये, आदमी आदमी के बीच इन्साफ के लिये और सारे समाज को ठीक रास्ते पर रखने के लिये सब धर्भों में कुछ न कुछ कायदे कानून या नियम रहे हैं और हर बर्ज से बन पर अपने लोगों से अमल कराया है. इन्हीं से तरह वरह के रीत रिवाज पैदा होते हैं. इसी काम के लिये वैविक वर्स ने संगाज का एक ऐसा ढांचा तैयार कर दिया जिसमें इन्सान और समाज दोनों की यह सब जरूरतें पूरी हो सके वही होंगा हिन्दु श्रों का जाति भेद है.

अर्थ संबंधित इतना गहरा है कि इसे जरा और विस्तार से वैकान होगा, इन्सानी समाज को शुरू से सबसे बड़ी जनाई अरोब की होती है, खुराक दो तरह की—एक स्वाही अरोब जोएमा की सुराक और इसरी जिस्मानी यानी

هندو جات پات کی اصلیت' اُس کا برا روپ اور علاج

(دَاكِتُو بِهِكُوان داس)

جاتی بهید کی بنیاد

ھندؤں میں آبک خاص رواج جاتی بھید یعنی جاتوں کی تقسیم کا ہے . سنجھا جاتا ہے کہ کسی دوسرے دعرم میں اس طب کی کوئی چیو نہیں ہے . یہ بات آیک درجے تک تھیک ہے اور آیک درجے تک غلط ، دلیا کی در سبھیما کا کسی لے کسی دھرم سے سبادہ ردا ہے اور ھر سبھیتا معی جاتی بید کے بہم اور اس کی کجے نه کنچ علمتیں ملتی هیں . کیونکه اِس طرح کی تقسیم انسان کے سبھاؤ میں شامل کے ، عندو دھرم میں اسے چیز نے ایک ماف ماف اور خاص روپ دماری کرایا . لوگوں کے مال جایداد کے لئے 'گھریلو جھن کو ٹینک ٹینک چلانے کے لیے' لوگس کی رکشا کے لئے' آدمی آدمی کے بدیج انصاف کے الله اور سارے سیاج کو ٹھیک راستے پر رکینے کے لئے سب دھرمیں میں کنچھ نے کچھ قاءدے فاتوں یا نیم رقے میں اور مر دھوم نے أن يو أين لوگوں سے عمل كرايا هے . إنهيں سے طرح طرح كے ربت رواج پیدا هوتے هیں . اِس کام کے لئے ریدک دهرم نے سام كا آيك أيسا تعانيجه تيار كرديا جسمين إنسان أور سام مولیں کی یه سب ضرورتیں پوری هرسکیں. یہی تعالیجة ھندوں 🛚 جاتی ہید ہے .

یه مضبون اتنا گہرا ہے کہ اِسے ذرا اور وستار سے دیکھنا اموالا اور استار سے دیکھنا اخوالا اور استانی شروت سے سب سے دیری ضوروت خوراک کی حوراک اور درسوی جسائی یعلی النا کی خوراک اور درسوی جسائی یعلی شرود کی خوراک اور درسوی جسائی میں سے بوا

मदा हिन्द

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी.

هندستانی کلچر سوسائتی

का

माइवारी परचा

ماهواري پرچا

दिसम्बर 1954 رسبر

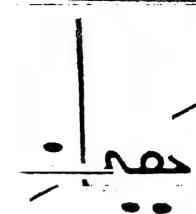
क्या	किस सं	सफ़ा	منحد	ا کس سے	کیا
1.	हिन्दू जात पात की असलियत, उसका दुरा रूप	ष्णौर		عندو جات پات کی املیت، اُس کا برا روپ اور علم	.1
	इलाज—डांक्टर भगवानदास	. 263		ــــــــــــــــــــــــــــــــــــــ	
2.	इ—मदन गोपाल	. 285	·	ر—مدن گوپال	.2
		. 294	Ŀ	دان کی ارته نیتی—وشومبهر ناته پائندے	.8
4.	कुछ चीनी छोटी कहानियां—लेखक कैंग शूए	फ्रेंग;		کچې چينی چهوٿی کہانياں۔۔۔ليکهک فينگ شوئے	.4
	अनुवादक-सुन्द्रलाल				
5.	बिहार के दिल की गहराई में—सुरेशराम भाई	308	3	بہار کے دل کی گہرائی میں۔۔سریش رامبھائی	.5
6.	इमारी राय	. 321	l	هماری رائے—	6
	डाक्टर राम मनोहर लोहिया का भारान-सुन्दरलाल			تاکتر رام منوهر لوهیا کا بهاشی-سندرلال	4
	एक वैज्ञानिक की ऋाह—सुरेशराम भाई.			ایک ویکھائک کی آہ۔۔سریک رامہھائی	
7.	कुछ कितार्वे	. 334	Ŀ	كنچ كتابيس	.7

क्रीमत—हिन्तुस्तान में है रुपया साल, बाहर दस रुपया साल, एक परचा—दस आने, يد حدد الله ميں چه رويد سال باهر دس رويد هال الله الله الله يرجه دس آله ،

मैनेजर 'नया हिन्द्' 146, मुद्दीगंज, इलाहाबाद-3

اليا هاد ؛ 145 متى كنج؛ الدَّاباء -3





एडीटर — ताराचंद, भगवानदीन, सैयद महमूद, विश्वम्भरनाथ पांडे, सुन्दरलाल أيديتر--تارا چند بهكوان دين سيد محمود وشومبهر نابه باندے سندرلال

नायब ण्डीटर— सुरेश रामभाई, मुजीब रिजवी

ئائب ایذیقو—سویش رامههائی مجیب رضوی

पुरुष सम्बाग के गहारा लेख

اس سر ني شامي ابده

- इलाज-डाक्टर भगवानदास
 - दान की अर्थ नीति—विश्वम्भरनाथ पांडे
 - 🖈 कुछ चीनी होटी कहानियां-लेखक कैंग शूए پنگ نينگ شبك 🖈 🖈 کچه چيني چهوئي کهانيال-لينک نينگ شبک कैंगः अनुबादक-सुन्दरलाल
 - 🖈 बिहार के दिल की गहराई में —सुरेश रामभाई میں —سریش رامیهائی 🖈
- इमारी राय
- ★ डाक्टर राम मनोहर लोहिया का भाशन—सुन्दरलाल

- जात पात की ऋसलियत, उसका बुरा रूप और جات پات کی اصلیت' اُس کا برا روپ اور علی 🚖
 - 🖈 دان کی ارته نیتی --وشومبهر نانه یانت_
 - نينك؛ أتروادك-سندر ال
 - - 🖈 ذاكتر رأم منوهر لوهيا كا بهاشن سندر الل

स्तानी कलचर सीसाइटी, इताहाबाद

1954 **विसम्बर**

की सन दस का ना

فيهما متعاري بيار أأنها

गंगा मं गोमदी वक

..... ग्याप का कहा नथा का विशेषना उनकी शैली भा है, साम्ली पड़ा लिखा आद्मी इन्हें बिना किसी का गद्द के समान समान है सर्थना के साथ भाषा में व्यंग कीर जिल्हादिला उन तरह है तिम तरह केवे पह के किरकों में 'मन्ताहै

इस बहार्गनयों में हास्य भी हैं, कहाता भी कहीं होनत हसत पेट से बन पर्ग, भी कही पहुने वहते आप गुग्द से स्तिभत रह लागि सुधीब की कार्यन्त्री जनग कार्यन सहवाणे जनाता हैं, इस अन्द्रा उन्यान हरण हों

- त्रास्टर सम्बद्धाः स्टब्स

... . चर (मृतीकः माग स्पन्न करनाः । तः है। समाप्त की सम्भानना चातन हैं इस निये कर १०० का प्रामकानी चाहने हैं और ऐसा स्कीला कि १०० कर कर चनाः आगण्यत् कर्णन्याः नगर नमस्य कर स्मान्त्र सहीने चान चानस्था और श्रम्भा प्राप्त अञ्चलित है के सहीने नाम का पर्यानका से एक गार्थः अञ्चलित है के

— तैसरह शुपार

लगस्य हिन्दा के सभा बड़ लेखकों ने अगस्य स् गोमसी", भी सबहत है,

"समा से गोमना तक" में १८० सके हैं, तिरमा सुन्दर कवर, धहिया जिल्द, दाम केवल दो रूपया जल्दी आईर मीजये.

~ भैने तर नया हिन्द

मिलने का पता-

मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद,

گنگا سے گومتی تک

والمألكم الريقس شرما

ا وه ومندها و ماوگ ماده در الهاهای المدن المادی المدن المدن

مستشققان لمار

گ ایک ملائی نے سموی ہونے المتمانوں نے ''ڈھکا سے آواگی '' دو سراما ہے ۔

"کلکا نے گومعی تک" میں 1861 صفحے میں تراکا سقاو کورڈ پومیڈ جلیا۔ دام امول دو رویمہ ۔ علدی آرڈو المنجلی

سسا وقرعجر تهاملان

مللم كا يتعسد

مَمْلُمُ مِنْهُمُ وَاللَّهُ مِنْهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ وَلَيْحُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَيْحُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَلَيْحُ اللَّهُ وَلِي اللَّهُ وَلَيْحُ اللَّهُ وَلِي اللَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلِي اللَّهُ وَلِي اللَّهُ وَلِي اللَّهُ وَلِي اللَّهُ وَلَّهُ ولَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

मक्रमद-

(1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना बोर प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.

(2) एम्ता फैलाने के लिये (कताबों, श्रखबारों, रिसालों गोरा का आपना.

(ं) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाश्रों, कानकरेन्सों, क्रवरों से सब धर्मों, जातों, बिरादरियों श्रौर फिर्क़ों में बापस,का मेल बढ़ाना.

सीसाइटी के प्रेसीडेन्ट—िंम० ऋब्दुल मजीद ख्वाजा; शहम प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास श्रीर डा० श्रद्धुल क् गवर्रानग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; किटी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर--

डा॰ सैयद महमूद, डा॰ तागचन्द, मौलवी सैयद कृतमान नदवी, मि॰ मंजर ऋली सांस्ता, श्री बी॰ जी॰ बर, पं॰ बिशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम बन्द रांका, क्राजी मोहम्मद ऋब्दुल राक्ष्कार श्रीर श्री श्रोम काश पालीवा

मेम्बरी के क्रायदों के लिय लिखिये-

मुन्द्रलाल

सेकेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी, 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद.

नोट—सोसाइटी के नए क़ायदे के अनुसार मेम्बरी जिक्षीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया व्या देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. अलग से विचरी की फीस देने वाले सोसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या व्यादा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम रिस सकेंगे.

هندستاني كاهجر سوسائتي

(۱) ایک ایسی هندستانی کلنچر کا بوهانا بههاننا اور پرچار کرنا جس مهن سب هندستانی شامل هن .

(2) ایکتا پهیلانے کے لیے کتابوں' اخباروں' رسالس رمیہ کا چھاپلا .

(3) پوهائي گهرون انتاب گهرون سيهاؤن کانفرنسون لهنيوري يو سب دهومون جانون پرادريون اور فرقان مهن آيس کا مهل بوهانا .

-- : 0:---

سوسائقی کے بریسیدید کسسستر عبدالمجهد خواجه؛ واٹس پرسیدید کستا اکثر بهکوان داس اور قافتر عبدالحق، کورنگ باتی کے پریسیدید کستا مکریتری سے پلکت سندرال .

کورندگ ہاتی کے اور مدیر _

دَارَدُر سيد منتصود وَاكْتُر تَارا چَدَد مَهُلُوى سيد سئيمان ندوى مستر منظر علي سوخته شري بي، جي كهدر پندت بشمبهر باته مهاتما بهكوان دين سيتم پونم چند رانكا قاضي متحمد عبدالغفار اور شرى اوم پركاش پاليوال .

مدين کے قاعدين کے لئے لکھئے ۔

سقدر لاأن

سەريترى؛ ھددستانى كلىچو سوسائقى . 145- مقهى كلىم؛ القاباد .

دوتسد سوسائٹی نے نیر قاعدے نے أنوسار ممیری کی فیس صرف ایک رویمه کردی گئی ہے ۔ "نها هلد" کے جدید کامک ممیر بقا چاهیں أن کر صرف چهه رویهه چندید دینے پر هی ممبر بقا لها جائهکا ۔ الگ سے ممبری کی فیس دینے والے سوسائٹی کی نکلی عوثی کوئی کتاب جو ایک رویهه دام کی هرئی مخت لے سکھر ئے یا زیادہ دام کی کتابھی لهنے پر ایک بار ایک رویهه کم کرا سکھلگے ۔

नोटा—यह विक	विं सिर्फ दिल्दी में हैं,	ਜ਼ : <u>'</u>		•	هلتي مين هين .	الله الله الله الله الله الله الله الله
नाम क्रिलाच	केसक		ब्राम	F		THE WAY AT
, सेर की ग्रावरी	की जानोक्स क्साद	.8	_	-	شين أيونيتها يرساد	
	गोयलीव			^	الربهاي	This is grown a
. शेर को सुसन	31	9.	U D	0	grand and the state of	همر و سرهبي
. ग्रहरे पानी पैठ	A		0			گہرے باتی ہیٹ و
. इमारे जाराज्य	भी बनारसीदास बक्तेंवी	0	U	U	بری بتارسی داری از عداد در است	مناري أرادهوي
. संस्मरण	- न्युवाद्।	3	0	0	- A	سلسمران
. दो इजार वर्ष पुरानी	भी जगदीश यन्त्र जैन	3	0	0	تري خانفيس جادر	مو هزار ورهي پُوالني خَ ا
कहानियां					w/A	فياتهان
, इसम गंगा	थी भारायक साथ केन	6	0	0	لربي ثاراثن يوساد جهق	
	भी शान्सि प्रिय दिनेदी				غرى شائعى يريعدريدى	
्षंबा महीप	शान्ति एम. म.	2			ينانعي اليم ، اليه	
0. आस्त्रास के सारे भरती	श्री कृष्ट्रेयातास शिव				مري كليهالل معو	ل آگاھی کے تاوی
ं के पूज	प्रसाकर				پريهاک	دعرتی کے پھول
1. मुक्ति द्व	भी बीरेन्द्र कुमार जैन एमः ए.	5	0	0	رق ويريلدر كمار جهن يم ، أي	
2. मिलन यामिनी	श्री षच्चन	4	0	Ū	اری الحق	** , ,
3. रजत रसिम	डाक्टर रामकुमार वर्मा	.2	8	0.		
4. भेरे बापू	श्री तन्मय बुखारिया	2	8	0	برى تلب يشاريا	
.5. विश्व संघ की चोर	पंडित सुन्दरलाल अगदानदास डेला	3	0	0	ندت مندر قل بهکران دام که	 وشو بينگه كي أور پ
6. भारतीय अर्थशास	भी मगवानवास केला	5	0	0	النوى بهگوان داس کیدا	
.7. भारती य शासन	33	3	0	0	31	[، بهارلیه شاسی .
8, नागरिक शास्त्र	33	2	4	. 0	n	الرك هاعد .
9. साम्राज्य भौर उनका पतन	a d	2	8	0	11	۔ سامواج اور آن کا یعنی
0. मारतीय स्वाधीनता	39	1	4	0	43	2. بهارلیه سرادهیکتا
अन्दोलम	** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** **			**		ألخولن
1. सर्वविव श्रमे व्यवस्था	n	1		6		أر مروركان أوله ويوساتها
	भौर भी भक्तिल विभय	3		0	هُرِيَّ يَهُتُولُنِ فَاسَ كِيلاً - اور هوي اليل رئي	
क्ष. भर्षशास्त्र राष्ट्रावती	भी दया शंकर दुवे,	2	0	0	لين ديا هلکر در ي	أراويه فاستر فيداولي
	प्स. ए. एतः एतः वी.				يم والهد الهل إيل و بي .	
	गजाबर प्रसाद, अस्त्रिक	₹,		•	جافور يرساد أمهمت	
**	भंगवामदास केला				عيان جائن كيلا	
4. मागरिक विका	अग्रजानदास केला की रवामंकर दुवे		8	0	فيون بيناول إذاس كية إديا شاغر دوي	
ि. रास्ट्र मंडल शासन	श्री दवाशंकर दुवे	1	_	Ō	الما علي صوب	2 ولاي مالقل عامد
6. जपानी	महात्मा मगवामदीन	3	0	D	مهاتنا بمكولي فهي	4
ी, मारने की हिन्मत	99	1	0	U	The state of the s	2 مارنے فی حسف
8. संबोध सर्व	99	-0	8	0.		2
9, गेरे बाबी	75	1	0	0	*************************************	2

हिन्दुस्तामी कलकर सोसाइटी की किताबें

प्रवास उपर से जियादा दाम की कितावें करीदने बाकों को और बुकसेलरों को जास रिवायत दी जावेगी. पूरी जानकारी के लिए लिखिये.

डाक या रेल खर्च हर हालत में गाहक के जिस्से होगा.

भारत का विधान

पुरा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सन 1950 से सारे भारत में लागू हुआ। 'भारत में जंगरेजी राज' के लेखक पंडित सुन्दरलाल द्वारा मूल जंगरेजी से अनुवादित.

हर भारतवासी का कर्ष है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय जल रहा है उसे अच्छी तरह , सममें भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जाकरी है.

श्रासान नामहावरा भाशाः रायल अठपेजी नदा साह्य. क्रमभग श्रार सी पन्ने. कपदे की सुन्दर जिल्द. क्रीमत केवल सादे सात कपद.

फिरकाबन्दी पर बापू

सम्पादक--श्री श्रीकृश्न वास

इम पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिता के सवात पर जो कुछ कहा या तिस्ता वह सब मायको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी सान्ध्रदायिकता के तुक्रसानों को समके और इस खहर को अपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. अच्छा काराज. दो सौ सके. क्रीमत बोक्पवा.

विनोबा का सन्देश

तेसक—सुरेश राममाई १७ शब्द—महास्मा सम्बानवीन

विनोबाजी के मृत्यान यह से बाज सारा देश वाक्रिक है, इस कोटी सी किताब में बापको मिलेगा कि यह भू-दान-बाह कर धीर कैसे ग्रस्त हुआ बीर इसका महस्तद क्या है. पहला पढ़ीशन हायों हाब निकल गया. यह दूसरा पहला है. सन्ने 25, दाम केवल दो बाने.

विश्वने का पर्या— नेनेकट, 'नवा। दिन्द' 145, स्ट्वीनंक, इबाहागार.

A SECTION AND THE PARTY OF THE

هندستان البير سوسالل عن العابل

ہُنچاس روہکے نیے زیادہ دام کی کتابھی شویدئے والوں کو لور بکستاروں کو شاص رعالت کی جالیکی ۔ ہوری جانکاری کے لئے لکیئے ۔

داک یا ریل خرچ هر حالت مهن کاهک کے فعے هوگا .

بهارس کا ودهان

پورا هددی انبواد

جو 26 جنوری سی 1950 سے خارے بھارت میں لاکو ہوا ۔ 'بھارت میں الکریزی راج' کے لیکیک پنڈت سندلال موازا مول الکریزی سے انووادت ۔

ھر بھارت وآسی کا فرقی ہے کہ جسی ودھاں کے ادھین سولدھین بھارت کا شاسی اِس سے جل رھا ہے آپے آچھی طرح سنتھے ، بھارت کے ھر گھر میں اُس پستک کا رھا۔ ضروری ہے ،

آسان بامصاوره بهاشا. وایل آته پهچی بوا سائز . لکته بهگه جار سو پخلم ، کهون کی سفدر جادد . قیمت کهول سازه صاحه رویگ .

فرقه بندی پر باپو

ممهادك-شرى غريكرشن دأش

ایس ہسٹک میں سن 1921 سے سن 1948 تک اقدھی جی نے سامہردایکٹا کے سوال ہو جو کچھ کہا یا لکھا وہ سب آیکو ایک جگه ملیکا .

ہمارس کے آزاد ہوتے پر یہ اور یہی ضروری ہو گیا ہے کاد ہر بہارت واسی سامپردایکٹا کے لقصان کو سنجھے اور اِس زہر کو ایلے اندر سے ساف کرنے ،

سقدر جاد ، آنهها کافق ، در سر صفحے ، قهست بر وواهه ،

> و فو یا کا سندایش لیکهک-سریس وامهای ۱ ایک هید-مهانما بهکوان دین

وٹوبا جي کے بھودان ڀکهہ سے آج سارا ديھی واقف ھے۔ اِس چھوٹي جی کتاب سھی آپکو ملیکا کہ یہ یھودان ڀکيہ کئے اُور کھنے شروع عوا اُور اِس کا مقصد کیا ھے۔ مُنٹ آسکنفن ھائیں ھائی نکا کیا ہے دیسا اسادھ۔

ينه الكيفين هاتهين هاته نكل لها ، يه دوسرا الكيفين يُ مُفْتِهُ لَكُ فَأَمُ كَهِولَ دُو آلَهُ .

ملقر کا پلاء۔۔۔

مهلهجراً انها علدا واللهُ ملي كلي العقادة ﴿

いうていき フロ酸 はなむ

सकाई को देखते हुये इस किवाब का यह जनता एडीरान काकी सस्ता है हालांकि यह खतना सस्ता नहीं जितने सुक्ते दूसरे गुरुकों की सरकारें अपने प्रकारान बेचती हैं.

--বিভারতে

परम गीता कर के जान

लिखने वाले स्वामी द्याल आत्मदर्शी, पठान कोट, ई. पी; निकालने वाले कही; दाम दो कपया; सके 142.

यह किताब इस मुद्दे को लेकर लिखी गई है कि ईस्बर की सिकास की परिभाशा करना ईश्वर से इनकार करनाई, 'मगर पूरी पुस्तक में उसी ईश्वर के नाम और रूपों का वनन किया गया है.

अपाई के लिहाज से किताब के दास क्यादा हैं.

-वि० ना०

बच्चों की देख भाष

लिसने वाले—श्री बहादुरमल एम. ए.; झापने वाले— श्री विश्वेशकरानन्द प्रकाशन, होशियारपुर; सके—140; दाम —एक रुपया बारह जाना; लिसावट—हिन्दी.

बेद साल के बच्चों से लेकर बारह साल की उन्न तक के बच्चों के पालने पोसने, उनकी देस भाल, उनकी बीमारी और तीमारदारी और उनकी शिक्षा दीक्षा पर यह एक बहुत अच्छे ढंग से लिसी हुई किताब है. मां वाप को किस तरह समक मूक्त के साथ अपने बच्चों की देख भाल करनी वाहिये इस पर इस किताब में खास और दिया गया है. बच्चों के बारे में मां बाप की तालीम में यह किताब मदद-गार होगी.

-- चिं मार

منائی کو دیکھتے ہوئے اِس کتاب کا یہ جلتا ایڈیشن کائی سستا کے حالانکہ یہ اتنا سستا نہیں جتنے سستے درسرے ملکوں کی سرکاریں آیتے پرکاشن بینچتی میں یہ

سِرى. ئا ،



لكهاني والمسسوامي ديال آتم درشي، پتهان كوت لي . بي؛ الكالي والمسيولي ديال آتم درويه ؛ مضير 142 .

یہ کتاب ایس مدید کو لہ کر اکھی گئی ہے کہ ایشور کی مقات کی پریبھاشٹ کرنا ایشور سے انگار کرنا ہے مکو چوبی پسٹک میں اُسی ایشور کے تام اُور روپوں کا ورثن کیا گیا ہے ۔

چھپائی کے لحاظ سے کتاب کے دام زیادہ میں ،

...بى ، ئأ ،

بچوں کی دیکھ بھال

لاہلے والیسشری بہادر مل آیم ۔ آے کی چہانے والےسشری وشویشرا ثاند پرکاشن کی موشیار پررا معجے 140 کا دام ایک دریته بارہ آئے کھارت هندی ۔

قیوہ سال کے بچوں سے لے کو بازہ سال کی عمر تک کے بچوں کے پالنے پوسنے اُن کی دیکھ بھال اُ اُن کی بیماری اُور تیبارداری آور اُن کی شخصا دیکھا پر یہ ایک بہت اچھ تھنگ سے تبھی ہوا کتاب ہے ماں باپ کو کس طرح سنجھ برجھ کے ساتھ اپنے بچوں کی دیا ہے بھال کرنی چاہئے اِس پر اِس کتاب میں خاص زور دیا گیا ہے ، بچوں کے بارے میں ماں باپ کی تعلیم میں یہ کتاب مدیلا ہوگی ،



हजरत मुझ्मद अने इस्लाम

जिसने बाले—पंडित पुन्दरलाल; निकालने वाले— नवजीवन प्रकारान मन्दिर, बहमदाबाद; लिखावट—गुजराती; दाम—सवा वर्णाः

पंडित सुन्दरलाल जी की मराहूर किताब इंचरत मुहन्मद और इस्लाम के गुजराती अनुवाद का यह दूसरा एडीशन है. इसका आमुल भी किशोरलाल मरारुवाला का लिखा हुआ है. दिन्दुस्तान के सभी आलिमों और विद्वानों ने इस किताब को हिन्दुस्तान में इस किसम की अब तक की खपी किताबों में सबसे उन्दा माना है. हम हर एक गुजराती पढ़ने वाले आई इस किताब को खास तीर पर पढ़ने की अपील करते हैं.

-वि० ना०

निर्माण

सिसाने वाले—नवल भाई शाह; निकालने वाले—लक्सी चंद खबेदवन्द संघवी, महाकीर साहित्य प्रकाशन मन्दिर, हठी भाई नी बाढ़ी, खड्मदाबाद; जिलावट—गुजराती, सके 212, दाम—एक दपया बारह खाना.

नंत्रल भाई शाह की यह नवल कथा स्वराज्य हासिल करने के बाद हमें अपने देश के किस तरह बनाना और संवारना है इस पर रोशनी डाक्सी है. निर्माण, जैसा कि इस कियाब का बाध है, असली बुनियादों पर नथा देश गढ़ने के मक्सस्य से शिक्सी गई है.

--वि० ना०

पहुंचा पंजसाजा प्लान

विकासने कारी परिलकेरान विवीधान, नई दिस्ती; सके अन्द्रिक बहुत दी सम्बार्ट और नक्षरो, लिखाबट - वर्द ; -कीसक में क्षर्या,

क्रियम्बा निम्न पांच हाता प्रानिंग की बेहद चरचा है इसी क्ष्म क्षम सरकारी कियान में दिया हुआ है. अपार्ट

مضرس متعول أني اسلامتي

لهند والرسينات سندر ال كالله والرسلوجون مياشن مندر الصدادة الهارت سكجراتي ؛ دامسوا رويه ،

پنتت سندر ال جی کی مشہور کتاب حضرت محمد اور اسلام
کے گجوراتی آفوراد کا یہ درسوا آیتیشن ہے ۔ اِس کا آمکھ شری
کشورالل مشرورالا کا کہا ہوا ہے ، هندستان کے سبھی عالموں اور
وتوانوں نے اِس کتاب کو هندستان میں اِس قسم کی اب تک
گی چیبی قتابوں میںسب سے عمدہ مانا ہے ہم ہر ایک گجوراتی
پرچھنے والے بھائی سے اِس کتاب کو خاص طور پر پرچھنے کی اپدل
کرتے ہیں ہ

٠ سېرى ، تا ،

نوسانق

ن نول بہائی شاہ کی یہ نول کتیا سوراجیہ حاصل کرنے کے بعد همیں اپنے دیک کو کس طرح بنانا اور سنوارنا ہے اِس پر روشنی ڈالٹی ہے ، ارمائو جیسا کہ اِس کتاب کا نام کے عملی آبنیادوں پر نیا دیک گورنے کے مقصد سے لکھی گئی ہے ،

بهلا بنبي سأله بلان

تعالق والرسيطيني تويون نئى دلى منجي—376، بهت من تصويرين أور نقش الهارك أورد تيبت ورديقة

آبینل جس ہالی سال ہالنگ کی بے دد جرجا ہے۔ آبی کا خاکد اِس جرکاری کتاب میں دیا ہوا ہے، چرائی

54 ml

जवाहरलाल आज पैंसठ बरस के जवान हैं और इस अरसे में हक्ष्मत या पढ़ों का काफी तजुं वा हासिल कर चुके हैं. अब बक्त आया है कि बह इस तरह की जिम्मेदारियों से अलग हों और उन सबसे कहीं पयादा ऊंची और बढ़ी जिम्मेदारी को संमालें नह है समाज को धर्म सिखाना, यानी समाज में अपने पैरों पर खबे होने की ताकत पैदा करना, भाई चाटा बढ़ाना और इन्सान की शान को बुलन्द करना. यह जिम्मेदारी उनकी आज की छोटी या हल्की जिम्मे-दारियों के मुकाबिले कहीं ज्यादा बड़ी और ठोस है. मालिक ने उनको इतनी सामध्य दी है कि बह इस जिम्मेदारी को खुबी के साथ उठा लें.

सिरजनहार से हम प्रार्थना करते हैं कि पंडित जवाहरलाल जी को हमारे शाकों के मुताबिक सवा सौ साल की पूरी उन्न दें और प्रेम शक्ति की बिना पर मुल्क की नई रहनुमाई करने की ताकत और हिम्मत दें.

£0. 10. 254

-- सरेशराम भा

جراعر الله المحلوم المسلم المسلم المسلم المسلم المسلم المسلم المسلم المحت المال المسلم المحت المال المسلم المحت المال المسلم ال

سرچی هار سے هم پرارتینا کرتے هیں که پاقت جواهرالیجی کو هدارے شاسترس کے مطابق موا سو سال کی پیری عمر دیرہ اور پریمشکتی کی بنا پر ملک کی نئی رهاسائی کرنے کی طاقت اور هیت دیں ۔ ۔۔۔۔

سسريض راميهائي

30 . 10 . '54

ईसा का सन्देश

केसक—डाक्टर के. सी. कुमारप्पा. अनुवादक—धुरेश राममाई.

इस किताब में इचारत ईसा के सन्देश की व्याक्या ऐसे जाजवाब डंग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी आसानी से यह समम जायगा कि ईसाई बर्म की जास तालीय क्या है और इचारत ईसा ने इनसान-इनसान की बराबरी, भाई चारे, प्रेम और अहिन्सा पर कितना जोर विया है.

महास्मा गांधी ने इस फिलाब के बारे में कहा है कि 'हर बास्तिक से, बादे वह ईसाई हो वा किसी और वर्म का मानने वाला हो, मेरी सिकारिश है कि इसे पढ़े... " सुन्दर जिल्द, बढ़िया कारक, क्षरीब सका सी सके की फिलाका हाम सिका एक क्षरा

शिवने का पताः

बेनेकर: 'जवा हिल्य्', 145 स्टीनंक, क्याप्राचार,

میسی کا سندیش

لهکهکار ساقائگار نهر بر جی د کمارههاد . انتوادک سیسریکی وار بهاگی:

سیافیہ گھندھی کے (میں کتاب کے بنارے میں کہا ہے کہ ''در ایککٹ پر چاہر یہ میسائی مو یا کسی آور محرم نا مانلے والا کی مونوں سفارش ہے کہ اس وی ۔۔'

سان والد ومن الله الدب من موا موسعه ال

سر ا بد

LANGE TO WAR THE

عاري رائد

काल हारक की पहली मांग यह है कि उसकी जब मजबूत की कार्के वह जब किसी इमारत, सदक या पैदाबार के जरिये नहीं, बहिक दिलों को जदीक लाने, आपस के मेद भाव जियाने और मेम राफि को बुलन्द करने पर ही होगी. जीर यह इस गुरूक की ही मांग नहीं, सारे आलग की मांग है. असी दराज से हुनिया ने लवार, कानून और पैसे की ताकरों के बर्जु के एके देख लिये. उनसे बम, एंटम बम और हाइब्रोजन बम इम तक पहुंचे और इन्सान की हस्ती ही स्तररे में डाल दी. बफ बता रहा है कि अब दूसरे तजुरने करें और प्रेम राफ़ि को आजमायें और उसकी बिना पर अपने समाज की तामीर करें जिस के अन्दर निजामें हकूमत भी शामिल है.

इस प्रेम रांकि का एक पायदार, सही और सच्चा नमूना महात्मा गांधी ने हमारे सामने पेश भी किया है. वह शक्ति इस हिन्द बाले पूरी तरह अमल में न ला सके. लेकिन उसके जो भी तर्ज़ वे हमने कये उसका नतीजा सारी दुनिया आज जानती है और सी वजह से इस चीज की कदर करती है, उसका लोहा मानती है. जरूरत है कि इस शक्ति के ज्यादा से ज्यादा, बड़े और गहरे पैमाने पर तर्जुं वे किये जायें. इसी रोरानी में इम पंडित जवाहरलाल के उस सरनाम जत का स्थागत करते हैं. जैसा कि उनका ख्याल है कि उनको अभी इस दुनिया में बहुत काम करना है, वह हम भी मानते हैं. इम यक्रीन रखते हैं कि हमारा जो अलमबदीर, प्रेम शक्ति की मदद से महात्या गांधी की रहनुमाई में अंग्रेजी ताक़त से लड़ा था वह अब उसी प्रेम शक्ति.की मवद से हिन्दुस्तान की रारीबी और जेहालत से लड़ेगा, जमाने से लड़ेगा और क्या हिन्दुस्तान को, क्या दुनिया को सक्की आजादी की भोर असली शान्ति का रास्ता दिखाएगा.

जहां तक मुस्क का काम चलने की बात है हम यही
मानते हैं कि पंछित जी हकूमत या कांग्रेस की सदारत से
अलग रह कर मुस्क की जो खिदमत अंजाम दे सकते हैं वह
अन्दर रह कर नहीं. तन्त्र में फंसकर आदमी मंत्री न रह
कर तंत्री बन जाता है और उसके दिमारा के दरवाजे बन्द
हो जाते हैं. जब किसी मुस्क के ऊंचे से ऊंचे आदमी अपने
को तन्त्र में फंसा लेते हैं तो उस मुस्क की तबाही रोके नहीं
रुक सकती. हमारी राय तो यह है किन सिर्फ पंडित जवाहरलाल जी बस्कि मरकजी और सूचे की सरकारों के वह सव
मिनिस्टर था खोड्देदार जो छ: साल से ज्यादा इस तन्त्र में
रह खुके हैं बह अब बाहर आजायें, दूसरों को अपनी जगह
मेर्जे और बाहर से उनको राह दिखाते रहें.

आखिर में एक वार्च और है. हमारे मुस्क का पुराना और शास्त्रिय इस्त्र है कि एक एस के बाद आदमी घर की या राज बाद की सब अंग्रहों से सब तरह बरी होकर जन सम्बद्ध और जनता जनादन की मिक व सेवा में लगे. पंडित آج مثلت کی پہتی مثالث یہ ہے کہ اس کی جو مقبوط کی بھارت ہوا جو مقبوط کی بیاد ہوا ہو کہ اس کی جو مقبوط کی بیاد ہوا ہو کہ اس مثلث اور پریم شکتی کو بنای پر ھی ھوگی ۔ اور پہ اس ملک کی ھی مانگ نہیں سارے عالم کی مانگ ہے عرصعدواز سے دنیا لے تلوار قانوں اور پیست کی طاقتوں کے تجربے کرکے دیکھ لئے ۔ ان سے ہم ایتمام اور پیست کی طاقتوں کے تجربے کرکے دیکھ لئے ۔ ان سے ہم ایتمام میں دال دی ، وقت بتا رہا ہے کہ آب دوسرے تجربے کویں اور میں دال دی ، وقت بتا رہا ہے کہ آب دوسرے تجربے کویں اور پریم شکتی کو آزمائیں اور اس کی بنا پر اپنے ساج کی تعدور کویں جس کے اندر نظام حکومت بھی شامل ہے ،

اس پریم شکائی کا ایک پائدار' صحیح اور سچا نموته مهاتما کالدهی نے همارے سلمانے پیش بھی کیا ہے، وہ شکتی هم هاند والے پوری طرح عمل میں له آ سکے . لیکن اس کے جو بھی تجرب هم نے کئے اس کا نتیجه ساری دنیا آج جانتی ہے اور اسی وجت سے اس چیز کی قد کرتی ہے' اس کا لوها مانتی ہے ، ضرورت ہے کہ اس شکتی کے زیاد ' سے زیاد '' بڑے اور گہرے پیمانے پر تجرب کئے جائیں ، اسی روشنی میں هم پندت جواهر لال کے اُس سرنام خط کا سواگت کرتے هیں جیسا که اُن کا خیال ہے که اُن کو ایمی اس دنیا میں بہت کم کرتا ہے' وہ هم بھی مانتے هیں ، ہم میں رہتے هیں دیسے میں رہتے هیں کہ همارا جو علم بدردار' پریم شکتی کی مدد سے میتیں رکھتے هیں کہ همارا جو علم بدردار' پریم شکتی کی مدد سے میتیں رکھتے هیں کہ همارا جو علم بدردار' پریم شکتی کی مدد سے میتیں کی رهنمائی میں انگریزی طانت سے لڑا تھا وہ اب اسی پریم شکتی کی مدد سے هندستان کی غریبی اور جہالت سے لویگا اور کیا هندستان کو' کیا دنیا کو سچی آزادی

جہاں تک ملک کا کام چلنے کی بات ہے ہم یہی مانتے ہیں کہ پلتت جی حکرمت یا کانکویس کی صدارت سے الگ رہ کر ملک کی جو خدمت انجام دے سکتے ہیں وہ اندر رہ کو قبیں۔ تلکر میں پیلس کو آدمی منتری تہ رہ کو تلتری بن جاتا ہے اور اس کے دماغ کے دروازے بند ہوجاتے ہیں ، جب کسی ملک کے آرنچے سے آونچے آدمی اپنے کو تنتر میں پینسا لیتے ہیں تو اس ملک کی تباہی روکے قبیں رک سکتی ، هماری رائے تو یہ ہے که ملک کی تباہی روکے قبیں رک سکتی ، هماری رائے تو یہ ہے که ملک کے وہ سب منسٹر یا عہدےدار جو جہ سال سے زبادہ اس تنتر میں رہ جہ ہیں وہ اب باہر آجائیں 'درسروں کو اپنی جگه بهیں یہ رہ ہو سے آن کو راہ دکھاتے رهیں ،

اُور باہر سے اُن کو راہ دکھاتے رہیں .

اُور باہر سے اُن کو راہ دکھاتے رہیں .

اور شائدا میں ایک عرض اور ہے ، ہمارے ملک کا پرانا اور شائدا مستور کے کہ ایک عمر کے بعد آدمی گھر کی یا رائے پات کی سب جہاجہاتی سے تسب طرح بری ہوکر جن سیورک اور جانا جااردن کی بھتی و سیوا میں گھ ، پندت سیورک اور جانا جااردن کی بھتی و سیوا میں گھ ، پندت

किरमत का फ़ैसला धन्य कमरे में बैठे बैठे कर देती है. हिन्द्रस्तान के प्राइम मिनिस्टर के नाते पंडित जबाहरलाल आज हिन्दुस्तान भर की तलवार की ताकृत और क्रानून की ताकत के बुलन्य तुमाइन्दा व सिपहसालार हैं. लेकिन इस सब के अलावा एक ताक़त और भी है-बह है प्रेम की ताक़त जिसे नैतिक या इखलाकी बाक़त भी कह सकते हैं, जिसकी तालीम हर बच्चे को जन्म से ही मिलती है और जिस पर यह दुनिया टिकी है. आज हकूमतें इस ताकृत को नजरअन्याज कर रही हैं और तलवार, क़ानून, पैसा व दिमारा की ताक़तों के बल पर फुल सी रही हैं. लेकिन जमाना साफ बता रहा है कि अगर वह अपनी रविश को नहीं बदलती हैं और प्रेम की ताकत की बिना पर समाज की नई रचना नहीं होती है तो इन्सान की जात के ही सात्म होने का अन्देशा है. प्राइम मिनिस्ट्री के रिकिजे में जकक जाने के कारन पंडित जवाहरलाल इस ताक़त से अछ्ते रह रहे हैं. दूसरे शब्दों में जनता से अञ्चले रह रहे हैं. यही बजह है कि उनको बासीपन महसूस होता है और पढ़ने या सोचने के लिये, बुनियादी सवालों पर शीर और सलाह करने के लिये उनमें तबप पैदा होती है.

इस सिलसिले में एक महत्वपूने वात यह है कि बाज इमारे मुल्क में एक बीच की सास कमी नजर वाती है. हम क्रवल करते हैं कि आजादी के बाद हिन्दुस्तान में खेती की पैदाबार बढ़ी है. यहां की मिलों में ज्यादा माल तैयार हो गया है, यहां की निवयों पर पुल व पुलियां बंधे हैं, नई सदकें, रेलें और आमव्-रफ्त के रास्ते खुले हैं. लेकिन इस सबके बाबज़द मुल्क में इस ताक़त का पहसास नहीं होता जो ऐसी हालव में होना चाहिये. वजह यह है कि हमारे दिल टूट रहे हैं. आपस का कर्क बढ़ रहा है. जात पात और छुआ छूत का जहर ज्यादा गहरा घुस रहा है. इनसान की आवह की कदर कम हो रही है, अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत गिर रही है और मुल्क कमजोर पढ़ रहा है, एक लावारी सी विखाई पढ़ती है और ख़द करने लायक काम भी न करके लोग जाम वीर से सरकार का मुंह ताकते हैं. आजादी के बाद जो एक जोश और हौसला सब को जाना चाहिये था वह सायब है. मस्ती के बजाय सुस्ती है. फर्क दिखलाई नहीं पड़ता. नतीजा यह है कि समाज का जो रारीव और कमजोर हिस्सा है वह विन तुराना रात चीराना रारीव और कमजोर होता जा रहा है. और उसी के आधार पर इस हिन्दुस्तान का आलीशान महल खड़ा करने के ख्वाब देखते हैं. जाहिर है कि जिस महल की बुनियादें कमजोर होंगी वह बाहर की हवा से क्या, अन्तर की हवा के भी भोंके बरदारत नहीं कर सकेगा. इमारा मानना है कि अगर मुल्क की यही रफ्तार जारी रही जीर तलवार, पैसा, कानून की ताकतों के सहारे ही इन साली बैठे रहे तो हमारा भवित्रय अच्छा नहीं है.

نسبت کا نیشاند این کدرے میں بیٹھے بیٹھے کر دیتی ہے ، هندستان کے پواہم منستو کے ٹاتے پنتے جواهر قل آبے مندستان بھر کی علوار کی طاقت اُور قانوں کی طاقبت کے واقع کسائلک وسوم سافر ھوں ، لیکن أن سب كر عليه أيك طاقت أور يعي هسود في بريم كي طائف جس تينك يا اختلى طاقت بعي أم سكت هين، جس كي تعلیم هر بنچه کو جام سے هی ملتی هے آور جس پر یه دانیا المي هے . آج حصمتين اِس طاقت كو قطر انداز كر رامي هيں آور نلوار قانین ؛ پیسم و دماغ کی طاقتیں کے بل پر پھرل سی رهي هين . ليكن زمالت صاف بتا رها هي كم أكر وه أيني ورهن کو تہیں بدلتی هیں آور پرہم کی طاقت کی بنا پر ساہے کی نئی رچنا نہیں موتی ہے تو انسان کی ذات کے می ختم عولے کا اندیشد ہے ، پرایم منساری کے شکنچے میں جانے کے کان دندت جواهر قل اِس طاقت سے لچھوتے رہ رہے دیں ، درسرے شبدرس میں جنتا سے اچہرتے رہ رھے میں ، یہی وجہ هے که أن كو باسى پن محسوس هوتا هے أور پڑھنے يا سوچنے کے لئے انہادی سوالوں پر غور اور صلاح کرنے کے لئے اِن میں ترب بیدا ہرتی ہے ۔

أنبى سلسة مين ايك مهتوبون بات يه في كه أبع همارت ملک میں ایک چیز کی خاص کمی نظر آتی ہے ۔ "هم قبول کرتے میں کم آزادی کے بعد هندستان سیںکیتی کی پیداوار برحی ھے یہاں کی ملوں میں زیادہ مال تیار هوگیا ھے ، یہاں کی ندين يريل و يليان بنده هين نبيس کين ريلين اور آمدرنت کے راستے کیلے عدی . لیکن اس سے کے باوجود ملک میں اس طاقت كا لحساس تهين هوتا جو أيسى حالت مين هونا چاهلي رجه يه ه كه همايه دل توت رهه هين . أيس كا فرق بوه رها في نجات يت اور جهواجهوت كا زهر زيادة كررا كس رها ھے ، انسان کی آبوو کی قدر کم هو رهی هے ، کینے پھروں پر کھڑے هوئے کی طاقت گر رهی هے اور ملک کمزور پڑ رها هے . ایک الچاری سی دیگھائی پوٹی ہے اور خود کرنے آئی کام بھی انت کوکے ایک علم طور سے سوار کا ماہ تاکتے میں ، آزادی کے بعد جو ایک جوش اور حرماء سب کو آنا چاهای تها وه غانب هم مستی كى بجائه مستر ك . فرق ديهائي نهيل يودا . تتبجه يه ه كه سابے کا بحر غزوب اور کمزور حصته هم ولا درن دگنا رأت جوگنا مريب اور كيوبر عيدًا جا يما كل اور ليي ك أدهار ير هم هادستال كا عالى شان معمل كوا كري ك بدواب ديميت مين . طاهر ه كه جس محل کی چھاہیں کنور ہرنگی وہ یاہر کی ہوار ہے۔ کیا' الدر كي جوا كي بهن جولك برداشت نيين كوسكها . هدارا مالنا ه كه اكر ملكت كي يهي ونظر جاري رهي أور تلواراً يعسما قالون كي طاقتون كي سنول على هم خالي يعلم ره تو همارا ينوشيد أجما

ا فق ا

(11) एक चीक जनसर ताम पृक्षते हैं और अखनार वाले जिसते भी हैं जिससे मुम्म नहीं निष् होती है—वह यह कि अनेहरू के बाद क्या १ " "नेहरू का वारिस कीन हाना १ " जह स्वाल ही मेरे लिये और कीम के लिये एक जुनौती हैं जाका है, यह सोचना तो नहीं मोडी बात है कि कोई बड़ी कीम किसी एक बा वो आविमयों पर मुनहसिर रहे. इस सवाल का असर हुम पर यही पढ़ता है कि इस जुनौती की मन्यर कर, मुम्म यक्तीन है कि जो कुछ भी होगा अच्छा ही होगा,"

पन्डित जनाइ रताल का यह सत पदकर हमें इन्तहाई खुशी हुई और उन पुराने जवाहरताल की बाद हो आई जो इलाहाबाद, रायबरेती और परताकगढ़ के गांवों में सन23-24 में आबादी और खुद-मुखतारी का पैगाम लेकर बूमते थे, उन जवाहरताल की बाद हो आई जिन्होंने 1929 में पूर्व आधारी का विगुल बजाया था, उन जवाहरताल की बाद हो आई जिन्होंने सन 1942 में गांधी जी की रहनुमाई पर अंग्रेजों को हिन्दुस्तान से बसे जाने के लिये तलकारा था. यह सत उनकी अनली आन और उंची शान का आला नमूना है. यह बन ही की खुतन्द हस्ती है जो इस तरह सोच सकती है और इस तरह अपने दिल की बात मुस्क के सामने रख सकती है, अपने इत लाजवाब खत के जरिये उन्होंने मुस्क के आगे पक नई मिसाल पेश की है—ऐसी मिसाल जिसकी सजत जरूरत की और ऐसी मिसाल जो उनके सिवा कोई दसरा नहीं पेश कर सकता था.

इस अञ्ची त्रान्त्र को हैं कि हमारी इस सुशी में बहुत से लोग सम देश का कासरपार लोग रारीक न होंगे. असवारों में जो क्यानात और मजमून निकले हैं उनकी धुन यही है कि इस काल तो जवाहरलाल जी को किसी हालत में मुक्त की प्राइम मिलिस्ट्री से अलग नहीं होना चाहिये और अपनी बात पर जिद गई। करनी चाहिये. हम उनमें नहीं हैं. इम इस क्याल के कामल नहीं कि अगर जवाहरलाल जी के सलावा कोई दूसरा माई या बहन प्राइम मिनिस्ट्री के ताज को समान सेंगह तो मुक्क की नाव के खूमने का सतरा है. और के इम बड़ी मानते हैं कि जवाहरलाल जी या उनकी जैसी कोई और सलासियत मुक्क और दुनिया की सब में वेहतरीय जिद्दाल जाइम मिनिस्ट्री के ओहरे पर रह कर ही कर सकती हैं

बाज दुनिया में कई तरह की ताससे काम कर रही हैं— जैसे कलकार की बाजर जिसले बाज पेटम और हाइदोजन वम की सबक में ली है, पैसे की तासस्य जिसले बने बने वैकों और सर्वाक्षियों की शाकल से सी है, विमास की तासक व्याक्षिय कर बादक में बाते दूसरे की वस्त करने में पर है बीच कारक की सामय को बंधी बात का बातियों की بھی میں جس سے مجھے بھی چڑھ تھوں اور اخبار والے اکھتے ہیں میں جس سے مجھے بھی چڑھ تھوں ہے کہ " نہرد کے بعد کیا ؟ '' '' نہرد کا وارث گورن ہوگا ؟ '' یہ سوال ھی میرے لئے اور قوم کے لئے ایک چاوتی ہو جاتا ھے۔ یہ سوچنا تو بڑی بھرنتوں بات ھے کہ کوئی بڑی بھی ایک یا در آدمیوں پر منتحصر رھے ، ایس سوال کا اگر مجھ پر یہی پڑتا ھے کہ ایس چئوئی کو منظور کڑوں ، مجھے یقین ھے کہ جو کچھ بھی موگا ۔''

پندت جواهر الل کا یہ ختا پڑھ کر ھیں انتہائی خوشی هرئی آور این پرالے جواهر الل کی یاد ھو آئی جو العاًباد، رائے بربلی آور پرتاب گڑھ کے گؤں میں سن 24-28 میں آزادی آور کرد مختاری کا پینام لے کر گومیتے تھے، ان جواءر الل کی یاد ھو آئی جنھرں نے سن 1949 میں پررن آزادی کا بکل بجوال تھا، ان جراهر الل کی یاد ھو آئی جنھرں نے سن 1942 میں گاندھی جی کی رھنمائی پر انکریوں کو ھندستان سے چلے جائے کے لئے الکارا تھا ، یہ خط اِن کی انوکھی آن اور اُن طرح اپنے دل کی بات اونچی شان کا عالی قمونہ ہے ، یہ اِنھیں کی بلند ھستی ہے جو اِس طرح اپنے دل کی بات ملک کے سامنے رکھ سختی ہے اور اِس طرح اپنے دل کی بات ملک کے سامنے رکھ سختی ہے ، اپنے اس الجواب خط کے ذریعہ مثال پیش کی ہے۔ ایسی مثال جو اِن کے مثال کی دوروا نہیں پیش کر سکتا تھا ،

آج دنیا میں کئی طرح کی طاقتیں کام کو رہی ہیں۔
جیسے نلوار کی طاقت جس نے آج ایتم آور ہاندوہجی ہم کی
شکل نے لی ہے پیست کی طاقت جس نے بڑے بڑے بڑے بیندوں
آور سرناچھڈاروں کی شکل لے لی ہے نمانج کی طاقت
جو آج آج ملک کے آگے دوسرے کو پست کرنے میں
چو آج قانوں کی طاقت جو بڑی بڑی آبادیوں کی

जवाहरलाल जी और हिन्दुस्तान का भविश्य

स्वस्त्वर के दूसरे हफते में पंडित जवाहरलाल नेहरू का एक गरती खत अखनारों में खपा जो उन्होंने मुल्क भर की सूचों की कांभेस कमेंद्रियों के सबर साहियान के नाम मेजा है. उस महत्वपूर्न चिट्ठी में उन्होंने यह क्वाहिश जाहिर की है कि जनवरी में कांभेस का जो सालाना जलसा होने जा रहा है उसकी सदारत वह न करें और साथ ही साथ हकूमते हिन्द की प्राइम मिनिस्ट्री के काम से कुछ अरसे के लिये हट जायें. उन्होंने इसमीनान दिलाया है कि उनके इस खयाल के पीछे युद्रापा या सेहत की कमजोरी का कोई डर काम नहीं कर रहा है, वह करमाते हैं:

"असे महस्स होता है कि अपने इस मुल्क में मुसे अभी और बहुत से काम करने हैं और मेरा निश्चय है कि इस मक्कसद के लिये में अपने को तन्दुक्त रखूंगा. न में काम या जिम्मे-दारी ही से भागता हूं और न मेरा कोई इरादा जंगल में चले जाने या पहाड़ों की राह पकड़ने का है. मुसे लगता है कि मुसे कुछ चीज अन्जाम देनी है और जब तक किसी को इस सरह महस्स होता है, तब तक उसे काम करने की और बटे रहने की तमका बनी रहती है. मेरे अन्दर वह जोरदार तमका है." आगे चलकर उनका कहना है:

"बांखादी के बाद से पिछले सात सालों में हमने जो इक किया है जस पर मुक्ते कोई नाउन्मेदी या बासतोरा भी नहीं है. बल्क मुक्ते पेसा महसूस होता है कि न किर्फ मैंने जाती तौर पर बल्क सारे मुल्क ने कामयावी हासिल की है और जागे बढ़ा है. सच तो यह है कि अपने काम-काज में करक करना मैं इसी बजह से जरूरी मानता हूं क्योंकि मैं सोचता हूं कि हमारे मुल्क ने अच्छा काम किया है और उसकी तरककी के लिये अच्छी और मजबूत बुनियाद कायम हो गई है. मैं बट करकाम करना चाहता हूं."

े सेकिन फिर भी वह इटना क्यों चाहते हैं ? इसकी कई अक्ष हैं :---

"(i) वासीपन (Staleness) का कुछ पहसास होता है जो मशीन की तरह काम करने वाले को लाजगी सीर पर का ही जाता है.

(ii) में कुछ मुस्ति चाहता हूं ताकि कुछ पर सक् और सोच सकूं. हम लोग जो सरकारी वा इस तरह के बूसरे कामों में पंसे रहते हैं उनके साथ एक वदी विकास बह हो आती है कि एन्हें पहने और सोचने के लिये काल नहीं मिलता और न बुनियादी मामसों पर एक दूसरे से खह करने का दी मीका मिलता है.

جواهو کل جی اور هندستان کا

اکلوبور کے بوسرے ہفتھ میں پندت جواهر لار نہور کا یک گفتی خط اخباروں میں چھا ہجر آنہوں نے ملک بھر یک گفتی خط اخباروں میں چھا ہجر آنہوں نے ملک بھر یہ صوبے کی کارنگریس کمیٹیوں کے صدر صاحبان کے نام بھیجا ہے ۔ اِس مہتربورں چٹھی میں آنہوں نے یہ خواهش ظاهر کی ہے ، اِس مہتربورں چٹھی میں آور ساتھ هی ساتھ حکومت هاد میں کی ہمارت وہ نہ کریں آور ساتھ هی ساتھ حکومت هاد ی پرائم میسٹروں کے کام سے کچھ عرصہ کے لئے هت جائیں ، پرائم میسٹروں کے کام سے کچھ عرصہ کے لئے هت جائیں ، نہوں نے اطمینان دلایا ہے که اُن کے اِس خیال کے پیچے وہایا یا صحت کی کمروری کا کوئی در کام نہیں کر رہا ہے ، اور فرائے ھیں ہے ۔

"مجھے مجسوس ہوتا ہے کہ اپنے اِس ملک میں حجے ابھی اور بہت سے کام کرنے ھیں اور میرا نشچے ہے کہ س متصد کے لئے میں اپنے کو تدرست رکھرنگا ، نہ میں کام نمتداری سے ھی بیاگتا ھیں اور نہ میرا کرئی ارادہ جنکل میں چلے جانے یا پہاورں کی راہ پکرنے کا ہے ، مجھے لکتا اے کہ مجھے کچھ چیز انجام درنی ہے اور جب تک کسی کو سی طرح مخبسوس ہوتا ہے تب نک اس کام کرنے کی اور دیتے ہے کی تمنا بنی رہتی ہے ، میرے اندر وہ زوردار تمنا ہے ." اندر وہ زوردار تمنا ہے ." اُنے چل کر اُن کا کہنا ہے :

77 آزادی کے بعد سے پنچہتے سات سالوں میں ام نے جو کچے کیا ہے ایس پر مجھے کوئی تاأمیدی یا استنوش بھی نہیں ہے دیا ہے کہ اس بر مجھے ایسا محسوس ہوتا ہے کہ قد صوف میں نے ذاتی طور پر بات سارے ماک نے کامیابی حاصل کی ہے اور آگر بڑھا ہے ، سیج تو یہ ہے کہ اپنے کام کاج میں فرق کرتا میں اسی وجہ سے فروروں سائٹا ہوں کیونہ میں سوچتا ہوں کہ ہمارے ملک نے آچھا کام کیا ہے اور مقبرط بنیان تائم ہوگئی ہے ، میں تھے کو کام کوتا ہوں ہے۔

ليكن چور يون وه هذا كون بداخت هين ال اسعى كئى ا

ال(1) باسی پن (Staleness) کا کچھ احساس ہوتا اللہ جو مشھن کی طرح کلم کرنے والہ کو لامی طور پر آ جی ۔ جانا ہے۔

(ف) معنی کھے فرمنت جادیا ہوں باک کھے ووہ سکیں ۔ ار سرے دائیں ہوں اوک جو سزائری یا اس طرح کے ۔ درسرے کاروں ہوں یاسے رفتے ہوں ان کے ساتھ ایک ہوں درس نے بھی بھی کہ انہیں پرطنے اور سرجنے کے لئے رقب نہوں باتھا اور خاد بالبادی سناسارں پر ایک درسرے سے بات کرتے کا ہے مربی مثلا ہے۔ रही है और एसफे रोकने की कोई कोशिश नहीं की जाती. बीट जन्मर केंक्स हैं जिनकी मजह से इस तालीम के मलाका कोई दूसरा चारा नहीं है तो फिर इस तालीम को नाहक क्यों फोसा जाता है. इस का बहुत कराब असर उन लोगों पर पड़रा है जो आज यह तालीम हासिल करते हैं या करावे हैं. इस बह नहीं मानते कि पंडित नेहरू ने इस तस्त्र की बास केवल जजने या गुस्से में आ कर कह दी होगी, क्योंकि वह बोलने की खातिर कभी नहीं बोलते हैं. मगर तुनिवा में एक चीज होती है जिस का नाम है "मजबूरी" जिसकी बजह से आदमी पक बात को सही समम कर भी नहीं कर पाता और दूसरी बात को रालत जानते हुए भी करता है. पेसे के लिये इम अगवान से यही दुखा करते हैं कि इसके विचार और अमल में जो कास्ता है उसे दूर कर और जल्द से अस्त्र उसने अमल को उसके विचार की राह पर ला दे.

बहत सोचने पर पैसा लगता है कि आज की तालीय है तो निक्रम्मी पर आज जो मुल्क का समाजी आर्थिक ढांचा है उसका आईना है. जाज हमारे समाज में हाथ से काम करने वाले की कोई इपजात नहीं, आवरू नहीं, कम काम करके, प्यादा वनस्वाह पाने वाले का मान है, बग्रैरा बग्रैरा, सरकारी मुद्दक्तों को लीजिये, व्यापारी दायरों को देखिये, आम जनता में बेबिये सब में यही पैमाना क्रायम है. और यही खबी इस तालीम की भी है कि इसको हासिल करके काम से नकरत पैदा हो जाती है, अंबी तनस्वाह पाने की तमन्ना होने लगती है और विना काम किये साने को जी चाहता है. इसलिये जब तक समाज के पैमाने नहीं बदलते और सरकार के नजरिये में फरफ़ नहीं जाता तब तक इस तालीम को बदलना उसी तरह नामुमकिन है जैसे चवूल बोकर गुलाब पाने की उम्बीद रसना. अगर तालीम निकम्मी है तो इसका मतलव यह है कि इस तालीम को चलाने वाली सरकार निकम्मी है. होना सो आही चाहियेथा कि पुराने राज के साथ पुरानी वालीम को भी बसासव कर देना या और नये राज के साथ नई तालीम लाना था. लेकिन महास में राजा जी ने चगर कुछ समदीली करने की कोशिश भी की तो नई सरकार ने उसे जतम कर के पुराना हुए फिर जारी कर दिया ! नथा राज, प्रामी वालीम !

इसियं इस अपने देश के शासकों से अपील करना पार्ट है कि जगर उन्हें सबमुज जाजकल की तालीम से नहारत है तो इसके वहलने के लिये मुस्क के मौजूबा सियासी जीए जार्किक हाँके को बनलता चाहिते. वह डांचा ही निकन्मा है कार्क बन्दील होने पर तालीम आप से आप बनदील رهي ه اور اس يه روكلي كي كوي كوشفي تهدن كي جائل . اور اگر راولیں میں جنی رجه سے اِس تعلیم کے علوہ کوئی درسوا جارہ المعن في دو إس تبليم كو ثاحق كيون كوسا جاتا هـ . إس كا بہت خواب اثر أن لوكرں ير يونا في جو آج يه تعليم حاصل كرتے جبن یا کراتے هیں هم يه نبين ماتيے که بندت نبورو لے اِس طرح كي يات كول جوبه يا فعد مين أكر كردي هوكي كورته و بولق كن خاطر كبهي فيني بولته هذي . مكر دليا مين أيك چيز هرتي ه جس کا نام م المصبوری جس کی مجت سے آلمی ایک الیت کو صحیام سیمهار بھی ٹیس کریاتا آور دوسری بات کو غلط والبير هول يهي كوتا هم . أيس كي الله هم يبكران سريهي دعا كرا عين كه أس كے جهار أور عمل ميں جو فاصله في أعد دور کر اور جان سے جاد اس کے عمل کو اس کے وچار کی راہ پر لا درہ بہت سوچنے پر ایسا لکتا ہے کہ آج کی تعلیم ہے تو ایکسی پر لَيْ جَوْ مَلَكَ لا ساجي أور أرتبك تعانيجه هـ أس كا آثياه هم أي هماري سماج مين هاته سه كلم كرنے والے في كوئي عزت انباف أ أبرد الهدا كم كلم كرك وبادة تنصوأة يال وال كامان في وغيرة والماراء سوكاري مصحون كو المجيدة وباياري دائوون كو ديجيمة علم خفتنا میں دیاہئے سب میں یہی پیمانت تائم کے ، اور یہی خُولِي أَسَ تَعَلِيم كِي بِينَ فِي كَا أِسَ كَوْ حَامَل كُرْكِ كُمْ سَا يُعْرِتُ پیدا هو جائی هے آوندی تاخواہ پانے کی تمنا هونے لکتی هے اور بنا كلم كلَّه كياني كو جي چاهنا هي الس الله جب تك سباج كي وإمال فيد المراقد أور سركاو ك الطويه مين فرق فيدن آبا تب تكي البن تعليم كو يدلنا أسى علوج قاصكن في جيس ببول يوكو كاب پائے کی آمند و کنا . اگر تعلیم فعمی ہے تو اس کا مطلب یہ ہے كُهُ ﴿ إِسَى تَطْلِمُ كُو خِطْلُهُ وَالِّي سَرْكُارُ لَكُمِي هِي . هُونًا تو يهي چاهيئ الله الله ورال وال ك ساته ورائي تعليم كو يهي رخصت كردينا تها أور فيله دائم كم ساته وفي تعليم لاما تها . ليكن مدولس مرس وليما جي لها اڳو کوهه تابعلي کوله کي کوشهن بھي کي تو اللي سرکار الله الله خم كر كے برانا تعرا بعر جارى كرديا ا ليا راج ، پرانى

The state of the s

-- سريش رامهائي

- सुरेराराम भाई

विये पदार्थ के दरजे और जाम जनता के विये पदकर सुनाने के दरजे चलाये जाये.

2. पंचायतों को मुस्क की पैदाबार बढ़ानी चाहिये. जब तक देश की पैदाबार नहीं चृद्धती और बेकारी मिटाने की योजनावें नहीं की जाती तब तक कोगों को उत्साद नहीं कायेगा. इस सुनते हैं कि यहां की पंचायत बाले सड़कें बताने में लगे हैं जिनमें लोगों को उत्साद नहीं आता. सड़कों का नतीजा यही निकलता है कि शहर बाले गांव बालों को जा कर लुटे.

त्र, पंचायत वालों को गांव की बेकारी हटानी चाहिये. जैसे स्वराज्य के लिये विवेशी माल का बाईकाट किया गया बा हसी तरह गांव में स्वराज्य लाने के लिये शहर से जाने बाले मशीन पर बने माल का बाईकाट करना होगा.

4. पैदाबार का आधार जमीन है. इस बास्ते कुल जमीन गाँव वालों की होनी चाहिये. गांव की जमीन का दोबारा बंटबारा हो और गांव में कोई भी आदमी बेजमीन न रहे.

5. गांव की पंचायतों की ताकत लोक राक्ति ही है. गांव वालों की मर्जी के मुताबिक और गांव वालों की निगरानी में पंचामतें चलनी चाहियें. सरकारी मान्यता मिले या न थिलें, इसकी चिंता नहीं. लोग अपनी ताकत से काम करें. फिर सरकार की जो मन्द मिलेगी सो मिलेगी.

सरकारी हाकिस या कारकन और सार्वजनिक कार्य-कर्ता, हर एक से हमारी अर्थ है कि विनोवा जी के इन बुआवों पर गहराई से विचार करके असल करें और सुरक की शाकत को मजबूत बनायें.

28, 10, 54

—सुरेश रामभाई

"एकदम निकम्मी"

हाल ही में मिरजायूर जिले में विकासियों के सामने तकरीर करते हुए प्रधान मन्त्री पन्तित जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि यह तालीम जो आजकल दी जा गई। है "पक्तम निकली" है. जहां तक हमें बाद पहला है बल्किक भी ने इस समू की रांग पहली बार नहीं दी है, इसके पेशतर बीसवों देश वह बड़ी चीज दूसरे राज्यों में कह जुने हैं और जहां कह हमें याद है रास्ट्रपति बाबू राजन्द्र प्रसाद में भी और उनके अलावा दूसरे जिन्मेदार लोगों ने मी इस अवह के भी और उनके अलावा दूसरे जिन्मेदार लोगों ने मी इस अवह के जवास जाहर किये हैं. सरवार प्रदेश भी वही कहा करते के अगर अकह हैरान है कि जब अपर से लेकर नी बेबक अव दी इस तक वी बाव करते हैं के बही अकह सिंग की जातीय अभी तक जात दी है कहा

ل پرسال کے درجہ آور کم جاتا کے اللہ پرہ کر ساتے کے فریقے چکے جاتھ

2. بعداری کو ملک کی پیدارار ورهائی جایک کی پیدارار ورهائی جایک جب تک دوران کی بیدارار نویس بودی کی بیدارار درهائی حالم کی بیدهائین کیفن ایس کی بیداری کو آتبیات نویس آنا ، هم سلتے هیں کو بیاں کی پنجیات والد سرکوں بنائے میں لکے بیس کی بندی آنا ، سرکوں کا آتساہ نہیں آنا ، سرکوں کا نتیجہ بھی لکتا ہے کہ شہر والے گاری والیں کو جا کر لوئیں ہ

3. پانچایت والوں کو الوں کی بیکاری متاثی چاعلی ، جاست کی جاعلی جاعلی جاست کی تیا گیا تیا اسی طرح الاوں میں سوراجید اللہ کے لئے شہر سے آنے والے مشین پر بلے مال کا بائیکات کرنا ہوا .

 پیداوار کا آهار زمین هے اس واسط کل زمین گاؤن والین کی هوئی چاهئی گاؤن کیزمین کا دوبارہ بنتوارہ هو اور گاؤن میں توثی بھی آدمی ہے زمین تھ رہے .

5 گان کی پنچایتوں کی طاقت لوک شکتی ھی گے ، گان والوں کی مرفی کے مطابق اور گان والوں کی نگرانی میں پنچایتیں چائی چاہئیں ، سرکاری مانیٹنا ملے یا نہ ملے اس کی چنتا نہیں ، لوگ آپنی طائت سے کام کریں ، پور سرکار کی جو مدد ملے سو ملے گی ،

سرکاری حاکم یا کارکن اور سازوجنک کاردکرتا مر ایک سے هماری عرض ہے که وتوبا چی کے اِن سجهانوں پر گهرائی سے وچار کرکے عمل کریں اور ملک کی طاقت کو مضبوط بناتیں .

سيسريص ولمهائى

28. 10. '54

"ایکانام فکی

تحال می مین سرزابور خانے میں ودوارفیوں کے سابقہ تقریر کوتے ہوئے فیارے پردواں مائری پلاؤٹ جوالم فی فیرو کے کہا کہ یہ تطبیع جو گیائی میں جوالم فی فیرو کے کہا کہ یہ تطبیع جو گیائی دی چارہی کے افراد تکمی کا ہے ہی جہاں تک ہیں یاد ہوئی اور نہیں کی بیشتر بیسوں دفعہ ہوں چیز دوسرے شہیں دی گیائی کی بیشتر بیسوں دفعہ ہوں چیز دوسرے شہیں یاد ہے راغلودی بابو راغلودی کی خود دوسرے شمندار لوگیں بابو راغلودی دوسرے شمندار لوگیں دوسرے کی دی ہوں کی بیٹ کیا ہو گیا ہوں کی دی ہوں کی بیٹ اور نہیں دی ہوں کی ہوں کی دی ہونے کی دی ہونے کی دی ہوں کی دی ہوں کی دی ہوں کی دی ہونے کی دی ہونے کی دی ہونے کی دی ہونے کی دی ہوں کی ہونے کی دی ہونے کی ہونے کی دی ہونے کی ہونے کی دی ہونے کی دی ہونے کی دی ہونے کی ہونے کی

के किये प्रसिक्त की इन्हाद सेने की ताक्रत मिल जायेगी.
निर्माण की बाला है कि आज जो गांव के अन्दर भाईवारा या क्रेंब और ईमान वाक्री है वह भी मिट जाएगा और
आज जिल्ला तरह लखनऊ या दिल्ली में नेलाओं में रस्साकशी
नलवी है उसी तरह गांच गांच में भी चलने लगेगी, बल्कि
कहीं ज्यादा बदतर और शर्मनाक सूरत में. आजिर इसकी
वजह क्या है ? सरकारी या कांमेसी नजिरये में कहां चूक
है ? जैसा हमने अभी कहा, इनकी निगाह में पंचायत हाकिम
है, न कि सेवक. दूसरे शब्दों में, आप पंचायतों को सियासी
व क्रान्नी आजावी जितनी चाहे दे दीजिये लेकिन अगर
उसी दरजे तक आधिक आजादी नहीं देते हैं तो उनकी वही
हालत होगी जैसे कि बिना बुनियाद वाले मकान की होती
है. वह वह जाता है और उसमें जो रहता है उसको भी दवा
कर सतम कर देता है.

इसलिये हमारी साफ राय है कि जब तक गांव गांव को आर्थिक आजादी नहीं दी जाती तब तक यह सारी कोशिशें वेकार ही साबित होने वाली हैं. आर्थिक आजादी से हमारा मतलब यह है कि गांव की बुनियादी जरूरत की चीजें. जैसे कपड़ा, गुड़, शक्कर, तेल, जुता, द्वा दारू, तालीस वरीरा में हर गांव अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिये और गांव समा को यह आजादी हासिल हो कि अगर इस तरह का माल बाहर से आए तो उसकी आने से रोक है, जंगर गांव में माल बाहर से आता चला जाता है तो गांव में बेरोजगारी बनी रहेगी. चोरी बफैरी चलेंगी और आपसी कर्क बढ़े गे. इसके अलावा गांव की वालीम पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जाता. वालीम से हमारी मन्या किताबी पढ़ाई से नहीं है बल्कि सदाचार भीर लोक मरयादा की तालीम से है. पुराने जमाने में सतों और साधुकों ने जो यूम यूम कर ज्ञान फैलाया और जिसे गांव बालों ने कान के जारिये हासिल किया उससे जो उतके समम का माडा बढा है उसका मुकाबला शहर वाले अभी भी नहीं कर सकते हैं. लेकिन इधर दो सौ साल से वह वालीम बंद सी हो गई है और कोई नया ज्ञान वहां नहीं पहुंच रहा है. न प्रांना ही ताजा कराया जा रहा है. इस तरह नैतिक और आधिक दोनों वाजुओं की तरफ जब तक इसारी सरकारें या पंचायतें तकजाह नहीं दें गी तब तक वह गांव की बेहतरी खड़द के ऊपर सफ़ेदी बराबर भी नहीं कर सकती.

इस जायाँ विनोबा जी के उन सुमाबों को बहां देते हैं जो उन्होंने अन्यारन जिला के सगोली सुकाम पर विजले जून में पंचायत के कारकुनों के जागे रक्ते थे. इनका कहना है :—

 अगह जगह चञ्चास मंडल यानी पड़ाई घर होने काहिये जिसमें इस जमाने के नए विचार भी बताए जार्य और सर्वीत्य व गांधी साहित्व चीर छुड़ वार्मिक किताबों की बालीम भी दी जाने. खासकर कोटी चमर वालों के

14 THE 14

... اِس لئے مباری ماف رائے ہے کہ جب تک گازں گاؤں ي اُرتهک آزادي نهيں دي جاتي تب تک يه ساري کوششيں بهكار هي ثابت هولم رآلي هين، أرتبك أزادي سه هداراً معالب یہ ہے که کازں کی بنیادی ضرورت کی چھڑیں' جیسے كيول كو شعراً تيل جونا دوا داروا تمليم وغيرة مين هر الأون أَنْهُ يُهرُون بُر كَبِراً هُوناً چاعلُهُ أُور كاؤن سبها كو يه أزادى حاصل هو كه أكر إلى طرح كا مال باهر سے أنه تو أس كو آنے سے روك دروزالوں بنی رہے گی چوری ڈایٹی چلیں گی اور آپسی فرق برامیں گے . اِس کے علوہ کان کی تعلیم پر بھی کوئی دھیاں لَهُينَ وَزَا جَالًا ، تعليم سع الماري منشأ كتابي يوهائي سع نهين هـ يلكه سدا چار اور لوك مريادا كي تعليم سے هـ يرانے زمانے مُنْ سَنَدُونَ أُورِ سَادَعُودُن لِي جُو كُيومَ كُهُومَ كُو كُنان بِهِ اللَّهِ أُورِ جیسے کاؤں والوں نے کان کے ذریعہ حاصل کیا اُس سے جو اُن لح استعج كا مادة برا في اس كا مقابله شهر واله ايبي يبي المهين كو سكيم هين . ليكن أدهر دو سو سال سے وہ تعليم باد سے هوگئی هے اور کونی نیا گیاں وهاں نہیں درونی رها هے در درانا تہوں دیں کی تب تک وہ کارں کی بہتری اُرد کے اوور سامدی برابر ہی نیوں کر مکتس . مم آجاریه ونوبا جی کے اُن سمجاوں کو یہاں دیتے میں جو

م آجاریہ ونوبا جی کے ان سجاؤں کو بیاں دیتے میں جو آئیوں نے جبواری دائی کے سکولی مقام پر پنچیلے جرن میں پانچیلیت کے اگر رکھ تھے۔ ان کا کہنا تھ :۔۔۔ یہ ان کا کہنا تھ :۔۔۔ یہ کا کہنے جاتی پرخائی گیر ہرتا ہے۔ یہ کہنے جاتیں مانڈل یمنی پرخائی گیر ہرتا ہے۔ یہنے جاتیں ان کہنے وجار یمی باللے جاتیں ان میں دی جاتے ۔ خاص کر چورٹی صر والیں کے تعلیم بھی دی جاتے ۔ خاص کر چورٹی صر والیں کے تعلیم بھی دی جاتے ۔ خاص کر چورٹی صر والیں کے

गांव हैं. यू. थी. पंचायत राज एकट 1947 के मुताबिक आज यू० थी० में 36,139 प्राम पंचायतें और 8,543 अबालव पंचायत हैं. गांव के इन्तजाम में गांव सभा के अधिकारों में से कुछ सास सास यह हैं:—

1. सङ्कों की रखवाली और मरम्मत, रोशनी, र्वा-

दारु, तालीम, सकाई भीर मेलों का इन्तजाम.

2. पेड़ लगाना, गांव की हिफाजत के लिये चौकीदार या दूसरे लोगों का बन्दोत्रस्त करना, नये पुल और पुलियां बनवाना.

3. अपने काम के लिये कोई भी जमीन हासिल कर

4. लगान व दूसरे सरकारी टैक्स वसूल करना, गांव के लोगों पर नये तरह से नये टैक्स लगाना.

े. प्रदेश की सरकार से जहारत पढ़ने पर काया लेना और उसके साथ अपने काम के बदाने के सिलसिले

में कोई मुखाहिवा करना या ठेका लेना.

इस तरह, कहीं ज्यादा, कहीं कम, दूसरी रियासतों में भी कदम उठाये गये हैं. लेकिन जैसा हमारे मेभी पाठक जानते हैं इन पंचायतों या गांव सभाष्यों की बजह से न तो गांव के माने कम हुये, न उनमें अमन हुआ न खुराहाली आर्थ. उलटे गांव के रोजगार और भी ठडे पड़ गये, चोरी वरीय बुरे काम भी ज्यादा होने लगे और सबसे द्वनाक बात जो हुई बह यह कि दहात के लोगों के दिलों में आपस में द्रारें और ज्यादा पैदा हो गई—

मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की

'लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि पंचायत नाम की वह अजमत है कि रह रह कर हर सरकार उसकी दुहाई देवी है और उसके ऊपर अपने को कुर्वान करने की हाभी भरती है, इस सिलसिले में हिन्दुस्तान के जुल प्रदेशों के उन मिनिस्टरों की जिनका पंचायत से वास्ता है, एक कान्य्रों स 25, 26, 27 जून को शिमला में हुई. इधर कांग्रेस बर्राकेंग कमेटी ने भी एक कमेटी पंचायतों की मौजूदा हालत की जांच करने और आगे के लिये सुमाव देने के लिये बनाई. इन तमाम कान्त्रों न्सों और कमेटियों में इसवे मामूल वातचीत हुई. कमेटी की रिपोर्ट भी निकल चुकी है. लेकिन इन सब में एंक ही जजबा काम करता दिखता है या कहना चाहिये एक ही जीज पर ज्यादा जोर विया गया है. यह वह कि पंचायत किस तरह से गांव की बेहतर से बेहतर हाकिम बने थानी गांव को दबाकर अपने क्रवजे में रखे. लेकिन दूसरे पहलू पर कि बह गांव के लोगों की सच्ची से सच्ची खिदमतगार किस तरह बने, कोई ध्यान नहीं विया जाता. सुरत यह नजर चाती है कि जस्द ही इसारे देहात की पंचायतों या गांब सभाओं को बन्दूक व हथियार रखने की एक तरक से और प्यादा से ज्यादा टेक्स लगाने की और उसे बसल इसने الله میں ، نیز - اور یکسیابت رائے ایم ف 1947 کے مطابق آئے ہے ۔ یہ دالت ہے ۔ یہ دالت کی میں 8,548 عدالت رہے ہیں اور سبها کے ادھ بارس میں سے کچے خاص خاص یہ میں اس

1 موكون كي زفهزاني أور مرسته روشني، دوا دارر، تعليم،

منائي اور ميلون كا انتظام .

3. اپنے کام کے لئے گرئی بھی زمین حاصل کرلینا .

4. لگلی و دوسرے سرکاری ٹیکس وصول کرتا کاؤں کے لوگوں ۔ یر نیاے طرح سے نیاد ٹیکس لگانا ،

5۔ چردیش کی سرکار سے ضرورت پڑنے پر روپیم لینا آور اس کے ساتھ آپنے کلم کے بڑھائے کے سلسلم میں کوئی مداهدہ کانا یا ٹیکا لینا ۔

اس طرح' کہیں زیادہ' کہیں کم' درسری ریاستوں میں ہیں قدم آٹھائے گئے ھیں ۔ لیکن جیسا ھمارے پریمی پاٹھک جانتے ھیں اِن پنچائٹوں یا گاؤں سبھاؤں کی وجہ سے نہ تو گاؤں کے جھاڑے کم ھوٹے' نہ اِن میں اُمن ھوا اور نہ خوشحالی آئی ۔ اُٹھے گؤں کے دورگار اور بھی تھندے پڑ گئے' چوری وغیرہ برے کام بی زیادہ ھولے لئے اور سب سے دردناک بات جو دوری وہ یہ کہ دیہات کے لوگوں کے داور میں آپس میں درایں اور زیادہ پیدا ھوگئیں۔۔

مرض بوهنا گيا جون جون دوا عي

ليكن إس سم أنكار نههن كيا جا سكتا كم ينجابت نام کے وہ عظامت فے که رہ رہ کو هر سرکار اُس کی دهائی دیتی فے ارر اس کے اویر اپنے کو قربان کرنے کی حالی بہرتی ہے . اِس سلسله میں هندستان کے کل پردیشوں کے اُن منستروں کی جن كا ينبهايت سے واسطة هئ أيك كانونس 27, 26, جن كو شماء مين هوڻي، إدهر كالكريس وركنگ كميائي نے بھی ایک کنیٹی پنچایتوں کی مہدردہ حالت کی جانبے كرنے أور أيك كے لئے سجوار دينے كے لئے بدئى . إن تمام كافونسوں اور کیالیوں میں جسپ معبول بات چیت هوٹیں ۔ کیالی کی رپوٹ بھی نعل چکی ہے ، لیکن اِن سب میں ایک م جوبة الله كرنا الديمينا في يا كينا جامية أيك هي چيز ير زياد، زور ديا كيا في وديد كه ينجايت كسي طرح سه كاري كى بيتر صيبيتر حالم بني يعلى الون دو ديا كو أيد . قيمه حيل د رکے . الیکن فوسرے پہلو پر که وہ گان کے لوگین کی سچی سے سعى خورماللو كس طرح وليا كولى دهيان الهين ديا جاتا . مرس به نظر الله ها كه خلد هي مناسم ديهات كي بلنهايس يا كابل فيهاوي كو مندوق و هذه در رابلد كي أيت طرف شه أور زيادية عمد يالها البلس الله على أور أب يجول الراب

مان (ك

रास्ता है. कर के कि कान्स मासूम होता है महारमा गांधी की तरह अपने देश की माहर के और अन्दर के दोनों तरह के पापों से कुशन्त पाइते हैं. इसमें सन्देह नहीं मैनदे आंस इस समय की दुनिया के यहे से यह आदिमयों में से हैं.

यह सम है कि मान्स अभी तक साम्राजशाही के पाप से मुक्त नहीं हुआ है. इस नोट के लिसे जाने के समय तक फ़ान्स की तस्क से अफ़रीक़ा के देश मकों पर जुल्म हो रहे हैं. किर भी हम फ़ान्स को श्री मैनवे फ़ांस के सामने आने पर दिल से क्याई देते हैं और उनकी कोरिशों की कामयाबी के लिये दुआ करते हैं.

11, 11, '54

- युन्दरलाल

पंचायतों की भाजादी

एक जमाना था जब हमारे पुरखे कहा करते वे कि "कोई तृप होय हमें क्या हानी." इसका मतलब यह था कि राजा कोई भी क्यों न हो, जनता का अपना काम अपने ढंग से चलता था. हर गांव काफी हद तक खुद्मुस्तार था और बाहर वाले उसकी आजादी में दखल नहीं डाल पाते थे. उस जमाने की स्त्रास कात यह थी कि गांव गांव न केवल खेती बल्क दस्तकारियां भी चलती थीं, गांव की जरूरत का माल-जैसे कपड़ा, तेल, द्वा दारू बरौरा-गांव में श्री तैयार हो जाता था. दूसरी सास बात यह थी कि गांव के लोगों के मताई गांव के अन्दर ही मिल बैठकर तय हो जाते थे, रात को गांव की पंचायत लगती थी और एक मत से जो उसका फैसला होता था वह सब को मंजूर होता था. लेकिन धीरे धीरे पैसे का चलन बढ़ा, गांव में बाहर का माल आना जाना शुरू हुआ श्रीर गांव की खुद्मस्तारी खतम होने लगी. अंग्रेजों के जमाने में गांव की इन दोनों सासियतों को सस्त चोट पहुंची और हमारे गांव सबाह हो गये. उनका धन्दा सतम हो गया. दस्तकारी मानो मिट ही गई और पंचायतों की भी वह शान न रही, गांब वालों के मज़बे राहर की अवालतों में आने लगे श्रीर पंच परसेश्वर नाम भर के लिये रह गये. जिन दिनों हम श्राजादी के लिये अंब्रेजों के खिलाफ लड़ते थे उन दिनों गांव गांव जाकर कहते के कि आजादी हासिल होने पर गांव की सनकत बढ़ाई जावेंगी और यहां की पंचायतों को केवल चलाया ही नहीं जायेगा करें पूरी भाषावी भी वी जायगी वाकि हमारे गांव अपनी सरकार्ध और अपनी बेहतरी अपनी मर्जी के मताबिक बर सर्वे.

कारे के बाने के बाद देहती में कौर स्वॉ में, सब जगह कांग्रेस के बावनी कुमान क्रायम हुई तो उसने पंचायत का सवाल भी कुम के बहाता हुद आहं उसर प्रदेश की मिसाल सामने रखेंगे कुमान महेता में एक लाक से इस कपर (1,01,500) راسات ہے ، پر مہادیہ فرانس معلوم ہوتا ہے مہاندا کا دھی گی طرح اپنے دیش کو پانو کے اور آئدر کے دوئون طرح کے پاپس سے چہزانا چاہتے ہیں ، اِس میں سادیجہ تبدی میکندے فرانس اِس سے کی دنیا کے بڑے سے بڑے آدمیوں میں سے ہیں ،

یہ سے هے که فرائس ابھی تک سامراہ شاهی کے پاپ
سے منعت نہیں ہوا ہے اِس نوت کے لئے جانے کے سے تک
فرائس کی طرف سے افریقہ کے دنھں بھتیں پر فائم هو رهے
هیں ، پهر بھی هم فرانس کو شری میندے فرانس کے سامنے
آنے پر دل سے بدھائی دیتے هیں اور اُن کی کوششوں کی کامیابی
کے لئے دعا کرتے هیں ،

ـــسندر لال

11. 11. '54

پنچايتوں كى آزادى

أیک زمانہ ترا جب ہمارے پرکھے لوگ کہا کرتے تھے که "كوئى نرب موله همين كيا هاتى." إس كالمطاب يه تها كه رأجا کوئی بھی کیس نُے هو' جنتا کا اُپنا کام اُپنے تھنگ سے چلتا تھا ۔ هر کاؤں کافی حد تک خرد مختار تھا اور باعر والے اس کی آزادی میں دخل نہیں ڈال پاتے تھے۔ اس زمانہ کی خاص بات یہ تھی كه كاول كاول له كيول كهيتي بلكه كستكاريان بهي خالتي تهين كاول کی ضرورت کا مال حیسے کیرا' تیل' دوا دارو وغیرہ کاؤں میں ہی تیار هو جاتا تھا، دوسری ذاص بات یہ تھی کہ گؤں کے لوگوں کے جبات کوں کے اندر می مل بیٹھ کر طے هوجاتے تھے ارات کو لاوں کی پنجابت لکتی تھی اور ایک ست سے جو اس کا فیصلہ ھوتا تها ولا سب كو ملطور هوتاً تها . ليكن دهير عديد دهير ييس كلچان برها کوں میں باهر کا مال آتا جاتا شروع ہوا اور کاؤں کی خود منطاری ختم هونے لکی ، انگریزوں کے زمانت میں گاؤں کی اِن دونوں خاصیتوں کو سخت چوت پہرنسچی اور همارے کاؤں تباہ هوگلني. أن كا دهندها ختم هوگيا دستكاري مانو مت هي كلي اور ینجایتوں کی بھی وہ شان نہ رھی ۔ کارس والوں کے جرکوے شہر کی عدالتیں • یس آنے اگھ اور پنیج پرمیشور نام بھر کے لئے رہ گئے . جن دفوں هم آزادی کے اللے الكريؤوں کے خلف لوتے تھے أن دنس كان كون جاكر كبته ته كه آزادي حاصل مولد ير كان کی صفعت بوهائی جائیگی اور یہاں کی پنجایتوں کو کیول چالیا هي نهيل جائدكا أنهيل پري آزادي يمي دي جائيكي تاكه ہمارے گؤں اپنی ترقی اور اپنی بہتری اپنی مرضی کے مطابع

الکونورں کے جانے کے بعد جب دھلی میں اور صوبوں میں ا سب جکم الفکریس کی اپنی حکومت قائم ہوئی تو اُس نے پنجیایت کا سوال نہی فاتو میں آلهایا، ہم یہاں اُترپردیش کی مثال سامنے رکھنائے، آترپردیش میں ایک لائع سے کچہ آرپر बजे रात तक या इस सबाल का फैसला कर दूंगा या अपने के नहां से इस्तीका दे दूंगा. बुनिया की कुछ बदी बड़ी राजशांकियों ने, जिनका असली मामले से कोई सम्बन्ध तक नहीं या, बढ़ी बढ़ी हकावर डाली. दुनिया देरान थी कि पांच दिन में क्या हो सकेगा. पर मैनदे फ़ान्स ने समय के अन्दर फैसला करा कर ही छोड़ा और फैसला भी बह जो हिन्द की जनता के हक में और दुनिया की शांन्ति के हक में था. बात पुरानी हो खुकी. पर हम यहां इसे इसलिये दुहरा रहे हैं कि किसी भी साम्राजवादी देश का, और फ़ान्स कमी तक साम्राजवादी देशों में गिना जाता है और है, इस नक कम होने में मदद देना कोई मामूली बात नहीं है. इस नक कम का सेहरा सब से प्रावा मैनदे फ़ान्स ही के सर है.

इमारे देश के अन्दर फ़्रान्स के जो पुराने क़बजे चले आ रहे ये उनका इस शान्ति और सुन्दरता के साथ आजाद किया जाना और भारत में मिलाया जाना भी उन नेक कामों में से है जिनका काफी यश मैनदे फ़्रान्स को मिलना चाहिये.

हाल में अलावारों में एक और सबर ह्मपी है जो उपर की दोनों वातों से किसी तरह कम महत्व की नहीं है. योरप के देशों में शराब का आम और खुला चलन है. उन सब देशों में इने गिने शराब न पीने वाले भी हैं, पर गिनती की निगाह से दाल में नमक जितने भी नहीं. मैन्दे फ़ान्स ने पहले खुद शराब की जगह दूध पीना ग्रुक्त किया. उसके बाद उन्होंने अपने देश के अन्दर शराब पर रोक लगाने का बीड़ा उठाया.

कहते हैं पिछले जंग के बाद से राराव का ज्योहार फ़्रांस में बहुत बढ़ गया है. उस छाटे से देश के अन्दर तीस लाख से अपर राराव की मिट्टियां हैं. कहते हैं पिछले साल बहां पन्द्रह हजार आदमी जिगर की ऐसी बीमारियों से मरे जो अधिक राराव पीने से होती हैं. सड़कों की दुर्घटनाओं में जितने आदमी उस साल मरे उन में साठ फीसदी राराव के नरो में थे. सन 1900 में जितनी राराव फ़ान्स में बनी थी उससे पिछले साल पन्द्रह गुना क्यादा तैयार हुई. बैनदे फ़ान्स की तजवीज है कि राराव की मिट्टियों की तादाद बहुत कम कर दी जावे, राराव की तैयारी और विकरी पर टैक्स बढ़ा दिया जावे, राराव के तैयारी और विकरी पर टैक्स बढ़ा दिया जावे, राराव के मकतों पर मीटर लगा दिये जावें, राराव की यूकानें कम कर दी जावें, हमते के कुछ दिन ऐसे तय कर दिये जावें जब देश में कोई राराव न पी सके, रासव पी कर फिरने वालों को कड़ी सकाई वालनें, बरीरह बरीरह.

देश भर में मैनदे जान्स की इन राजवीओं का वक्तदस्त विरोध शुरू हो गया है. काम तक केरप के शायद ही किसी शासक को इस तरह की बात सुनी हो, इसकी दिन्सत करवैठना और भी नदी बात है, सुबार का सस्ता बहुत कठिन

ھمارے دیش کے اندر فرانس کے جو پرائے قبغے چلے آرھے تھے اُن کا اِس شا:تی اور سندرتا کے ساتھ آزاد کیا جاتا آور بہارت میں مقابا جاتا بھی اُن فیک کامرں میں سے ہے جن کا کانے بھی میندے فرانس کو ملنا چاہئے .

حال میں اخباروں میں ایک اور خبر چینی ہے جو اور کی دونوں باتوں سے کسی طرح کم مہتو کی نہیں ہے . یورپ کے دشوں میں شراب کا عام اور کیلا چان ہے . اُن سب دیشوں میں اُلے گئے شراب تھ پینے والے بھی ھیں' پر گنتی کی نگاہ سے دل میں نمک جتنے بھی نہیں ، میدے فوانس نے پہنے خود شراب کی جکہ دودھ پینا شروع کیا ، اُس کے بعد اُنور شراب پر روک لگانے کا بیدا اُنہاں ،

کہتے ھیں پچپلے جنگ کے بعد سے شراب کا بیرھار فرانس میں بہت بڑھ گیا گے ۔ اُس چھرتے سے دیش کے افدر تیس لائے سے اوپر شراب کی بیٹیاں ھیں، کیدھیں پچپلےسال رہاں پندرہ سزار آدمی جنو کی ایسی بیماریس سے مرب جو اُدھک شراب بینے سے موتی ھیں ، سوکوں کی درگتااوں میں جننے آدمی اُس سال موبد اُن میں ساتھ تی مدی شراب کے قشم میں تیے ۔ سن 1900 میں جانی شراب کر قشم میں بینی تی اُس سے پنچپلے سال بدرہ گا زیادہ تیار ھرئی ، میڈیٹ فرانس کی تحویل کے تعویل کی بیٹیٹ کی تعداد بہت کم کر دی جارے شراب کی بیٹیٹ کی بیٹیٹ کی تعداد بہت کم کر دی جارے شراب کی بیٹیٹ کو بیٹیٹ خاویں شراب کی بیٹیٹ کی تحویل سے دیا جارے کی کھی میں آئیس بیٹ کر دیات جاری کم کر دی بیٹیٹ کی جاری اُنس بیٹ کی دیات جاری کی اُنس بیٹی شراب کی بیٹیٹ کی تحویل سے دیا جارے کی دیات جاری اُنس بیٹی کی دیات جاری راب کی بیٹیٹ کی تحویل میں آئیس بیٹ کر دیات جاری راب کی بیٹیٹ کی تحویل میں آئیس بیٹ کر دیات جاری راب کی بیٹیٹ کی تحویل کی حویل کی دیات جاری راب کی بیٹیٹ کی تحویل کی خوابی راب کی بیٹیٹی شراب کی بیٹیٹ کی خوابین راب کی بیٹیٹ کی جاری راب کی بیٹیٹ کی بیٹ کی بیٹیٹ کی بیٹیٹ کی بیٹیٹ کی بیٹیٹ کی بیٹیٹ کی بیٹیٹ کی بیٹیٹ

دیعی ہوں ہوں ہوئیس فرائسن کی اِن تجویزوں کا زبردست پرونچ ہونے وکیا ہے۔ کے فکت پرونچ کے عالمہ می کسی علیک کے اِس طرح کی بات سیجوں ہو، اِس کی دیت کر بیٹھ اور می ہوں ہوتا ہے۔ سنجار کا راستہ بہت کائیں

Towns and the second

किया जाता है, इस्ल में रूस के एक बड़े साइन्टिस्ट. ने कहा है कि यद्धि खोजनाओं के साथ दुनिया का ठीक ठीक प्रवन्ध किया जावे तो है: अरब से ऊपर इन्सान इस धरती पर अच्छी तरह और आराम से रह सकते हैं. इस समय धरती की कुल आवादी सवा दो अरब के लगभग है. बुराई अधिक बच्चे पैदा होने में नहीं, बुराई हमारी उन 'बोजनाओं' में है जिन पर हमें बड़ा नाफ है, बुराई हमारी आर्थिक व्यवस्था में है.

इसारा हरगिषा यह मतलब नहीं कि हर आदमी अधिक से अधिक बच्चे पैदा करने में लग जाने. इस मामले में मर्द या औरत जो भी जितना अपने को रोक सके इस उसकी उतनी ही तारीफ करेंगे. पर यह रोक थाम अपने अन्दर की होनी चाहिये, नैतिक (इसलाक्षी) होनी चाहिये, दवाधों, शीशियों और खली काम द्रप्ति की नहीं. इस दूसरी तरह की रोक थाम की हम दीनी निगाह से पाप और दुनिया की निगाह से जर्भ मानते हैं, महात्मा गांधी ने बच्चे पैदा होने पर द्वाओं के जरिये इस तरह की राक थाम को पाप बताते हए अपने एक लेख में इसे "मारल बैहरण्टसी" यानी "इसलाकी दिवालियापन" या "सदाचार का दिवालियापन" कहा था. राजकुमारी असूत कौर बरसों महात्मा गांधी के साथ रह चुकी हैं, अब भी हमारे दूसरे शास कों की तरह वह महात्मा गांधी के नाम की दहाई देती रहती हैं. अमरीका में भी उन्होंने महात्मा गांधी के और अपने सम्बन्ध की चरचा की है. हम इससे अधिक क्या कहें. यदि मिस्टर मुहम्मद अली की बात उस तरफ के राजकाजी दिवालियेपन का सबूत है तो राज-कुमारी अमृत कीर की बात इस ओर के नैतिक दिवालियापन को साबित करती है. मगवान हम दोनों को और दोनों जगह की आम जनता को इन दोनों तरह के दिवालियेगन से बचावे.

5, 11, '54

—सुन्दरलाल

एक नेक फ़ान्सीसी नेता

धाजकल के मान्स के बढ़े बजीर मौशियर मैनदे मान्स इस समय दुनिया के नेक से नेक चौर बढ़े से बढ़े आदमियों में से हैं. उन्हें अपने देश के शासन की बाग डोर संमाले अभी हैं सदीने भी नहीं हुए. इस बोड़े से समय में उन्होंने अपनी नेकी और हिम्मत दोनों से दुनिया को चिकत कर दिया है और अपने समय की राजनीति पर भी गहरा असर डाला है. दिन्द्वीन में मान्स ही की हुकूमत थी और मान्स की हुकूमत के जिलाक ही बहां के देश भक्तों ने लड़ाई लड़ी थी. जिस भी सारी दुनिया आज इस बात को आनती है कि जनका में इस्मान के सामले पर जो अन्तर राष्ट्रीय कानहें की हुई की उसमें मैनदे मान्स यह इसम साकर یا جاتا ہے۔ حال میں روس کے ایک بڑے سائنسمی نے کہا ہے کہ یدی یوجناؤں کے ساتھ دنیا کا ٹھیک ٹھیک پربندھ کیا جارے تو چھہ ارب سے آوپر اِنسان اِسدھرتی پر اُچی طرح اور اُرام سے رہ سکتے ھیں۔ اِس سے دھرتی کی کل آبادی سوا دو ارب کے لگ بیک ہے برائی آدھک بچے پیدا کرنے میں ٹییں' برائی ھماری اُن ٹیرجناؤں' میں ہے جن پر ھمیں بڑا ٹاز ہے' برائی هماری آرتھک ریوستھا میں ہے۔

المارا هرائ يه مطلب نهين كه هر آدمي أدهك سے أدهك بھے پیدا کرنے میں لگ جارے . اِس معاملے میں مرد یا عورت جو بھی جتنا اپنے کو روک سکے هم اُس کی اُتنی هی تعریف كرينك . پر ية روك تهام أين أندر كي هوني چاهيه نيتك (اخلاقی) هونی چاهای دولون شیشیون اور کهلی کلم تردیمی کی نهین. اِس دوسری طرح کی روک تهام کو هم دینی نگاه سے پاپ اور دنیا كى نكاه مهى جرم مائق هين. مهاتما كاندهى في بنج پيدا عوف پر دواؤر کے ذریعہ اِس طوم کی روک تبام کو پاپ بتاتے ہوئے اپنے ایک ليكه مين إسم "مارل بينك ريتسى" يعنى "الطافي ديواليه ين" يا ''سداچار کا دیوالیه پن'' کها تها ، راج کداری آمرسکور برسوس مهاتما گاندهی کے ساتھ رہ چکی هیں ، آب بھی همارے دوسرے شاسكوں كى عارم وہ مهاتما كالدهى كے قام كى دعائى ديتى رهتى هري. أمريكه ميں بھي أنهوں تے مهاتما كالدهي كے أور أينے سمبنده کی چرچا کی ہے، هم آس سے آدهک کیا کہیں۔ یدی مستر عصد علی کی بات اُس طرف کے راہ کاجی دیوالیہ بن کا ثبوت ہے تو رائے اماری آمرے کور کی بات آس اور کے نیتک دیوالیہ ہی کو نابت کرتی ہے . بیکواں هم دونوں کو اور دونوں جگه کی عام جلتا کو اِن دونوں طرح کے دیوالیت بن سے بجارے .

سندر لال — سندر لال — سندر لال — سندر ال

ایک نیک فرانسیسی نیدا

 के पहाड़ कड़े कर लेना न चनके, देश की माती हालत की बहुत अच्छा माबित करता है, न हमें संसाबात या बरावरी की तरफ ले जा सकता है और न इसरे देशों के लिये लाम-दायक हो सकता है. पर हम फिर यही कहेंगे कि रूस अपनी जगह सुशा रहे, अमरीका अपनी जगह सुशा रहे और सब अपनी अपनी जगह सुशा रहें और कोई किसी को मिटाने की चिन्ता में न पड़े. इस तरह की कोशिश करना भगवान की इच्छा से लकना है और किसी भी देश को किसी तरह फल नहीं सकता.

' राजक्रमारी असत कौर ने जो कुछ कहा वह भी कोई नई बात नहीं, हमने बढ़े दुख और लज्जा के साथ पढ़ा था कि मारत के मर्द्रमञ्ज्ञामारी कमिश्नर ने अपनी रिपोर्ट में यह साफ लिखा है कि अगर साइन्सी तरीकों और ववाओं से वचों के पैदा होने को न रोका गया तो भारत की आवादी थोड़े ही दिनों में इतनी वह जाएंगी कि सरकार के लिये सब को रोपी दे सकता नामुमकिन होगा, उन्होंने भारत सरकार से सिकारिश की थी कि वह इन तरीका का अधिक से अधिक प्रचार करे हमारी सरकार इसका खुब और खुले प्रचार कर भी रही है, बहुत सी चीजों के बाहरे के देशों से जाने पर वहां रोक थाम है. उन्हें बाहर से लाने के लिये खास परिगट होने पहते हैं, पर इसने बन्बई में अपने व्यापारी दोस्तों से सना था कि बच्चों की पैदाइश रोकने का सामान कन की में से है जो यहां बाहर के देशों से की जनरल लाइसेन्स यानी खुले जाम हर कोई जिसना बाहे बिना किसी रोक बाम के मंगा सकता है, इस लञ्जाजनक विशय पर इस अधिक नहीं लिखना बाहते. पैदाइश रोकने के इन तरीकों के करोजों रुपये की दबाएं और गन्दी चीचें हर साल देश में बिकते के साथ साथ लोगों को वदचलनी और काम उपि का भी खुला मैदान मिलता है. इस मामले में हमारी भगवान से प्रार्थना है कि हमारे देश के लोग खासकर हमारे गांव के सोग मले ही राजकुमारी के शब्दों में भन्य विश्वासी बने रहें. पर इस नई तहखीब के गन्दे जाल में फंस कर अपने और अपनी नसलों के बदन, चलन और पैसे तीनों को बरबाद न करें.

बीन हम से बदा देश है, वहां की आवादी इस समय सचर करोड़ है, वहां की कन्युनिस्ट सरकार पैदाइश रोकने का इस उरह का सामान एक पैसे का भी कहीं से नहीं जाने देती और न बहां देश में इस ररह का सामान बनता है, वहां की सरकार इस तरह कच्चों की पैदाइश रोकने के बजाय उन माओं का सास आदर करती है और उन्हें इनाम भीर बजीके देती है जिन के बहुत कच्चे हों. दस का बारह कच्चों की भां को वहां देश भर में को आदर की निगाद से देखा आता है. इस में भी बहुत बच्चों बारी माओं का इसी तरह का आदर होता है और उनके साथ इसी तरह का क्याबहार

وأن كماري أمرطكور في بجو كفيم كيا وه بهي الوثني داني باك نہیں۔ علم کے بڑے دی اور انجا کے ساتھ پڑھا تھا کہ بھارت کے مردلم ؟ شاری کشفئر لے اُپلی رپررے میں یہ ماٹ کھا ہے کہ اگر سائنسی طریقوں اور جوازں سے پیچوں کے بیدا جولے کو تعروقا گیا ، تو بهارت کی آبادی تهریم هی، دانون بین اتنی بره جانیکی که سركار كي الله سب كو زرزي دية سكا المنتكن هوا ، أفهون ال يارَ مَا سَرْكُارِ سَا سَارِهُنَ كَيْ تَهِي كَدُ وَا أَنْ فَارِيقُونِ أَلَا أَدْعَكَ سَا آدهک پرچار کرے . هناری سرکار اِس کا خوب اور کیلے پرچار کو بھی رہی ہے۔ بیت سی چیوری کے باہر کے دیتھرں سے آئے۔ ہو۔ یاں روگ تھار ہے ، اُنہیں والو سے لانے کے اللے خاص برمت لفلے پڑتے میں ، پر هم نے بستی میں اپنے ویاپاری داستوں سے ستا تھا۔ که بنچس کی پیدائش روکلے کا سامان آن چیزوں میں سے فے جو يهال باهو كي ديشون جه فرو بجنول النيسنس يعلى جل عام هو كوثي جنتا چاہے بنا کسی روک تہاں کے ساتا سکتا ہے ۔ اِس الجاجنگ، وشير ير هم أدعك فيهن الها الجاهد ، يبدأكس وكنه كي اإن طريقس اسم كروورن وولية كي دوائين أور كنتوب خور سال درش میں یعلے کے ساتھ ساتھ لوگیں کو بدچانی ارز کام تریتی کا يمي كلا معدلي ملكا هو ، إس معامل مين هاري به وال سم پرارتینا کے کا چیارے دیھی کے لوگ خام کر مہارے کال کے اوگ الے علی رائے کیاری کے شہروں میں آئید بشولسی الم رهیں ير اس نئل تيكيب كي گلاسم جال مين يعلسكر ايني اور ايني نسایں کے بدور واں اور پیسے تینیں کو برباد قد کریں۔

 पुरस्तान समने जाने बाती लोगी से प्रवादां सक्ये मुस्तिम भीर संख्य सीमिन सावित होंगे.

जाहां तेन अवहंची आचारी का सवाल है वाराक्रन्द की पक कही सवाजिय में—कीर उस राहर में बहुत सी मुन्दर मस्ति हैं—इसाम के ठीक भीके खड़े होकर हमने खद चुहर की संसाज पढ़ी है. सैक्कों मुसलमान हमारे पीछे थे. मस्ति का सहय ठसाठस भरा हुआ था. हमने उनकी अरबी का कीर्यों देखी, स्कूल देखा, मजहवी तालीम देखी. हम कह सकते हैं कि इस वसल कमार कहीं दुनिया में कामिल मजहवी आधारी है तो सोवियत रूस और कम्युनिस्ट चीन में है. अंग्रेजों के क्रायम किये कालिजों से निकले हुए बहुत से मुसलमान बाहुओं के इस्लाम के मुक्ताबले में उनका इस्लाम कहीं देखाना मस्तिक्त है.

हम पदां सस और अमरीका का मुकाबला करने नहीं बैठे. म हमें इस मुकाबले से कोई मतलब है. इसे चाहते हैं कि हस अपनी जगह खुरा रहे और अमरीका अपनी जगह खरा रहे और दुनिया के सब देश अपनी अपनी जगह सुश रहें, और अपनी अपनी चाल चलें, जो उन्हें पसन्द हो, कोई इसरे के काम में वसाल न वे. कोई किसी के साम जबरवस्ती न करे. वही सक्यी आजादी का मतलब है. यही इनसानी वरावरी की ज़िन्याद हो सकती है. इसी में सब का भला है. इस के किलाफ जो लोग भारत में या पाकिस्तान में अमरीका की नवद से कम्युनिस्ट देशों को मिटाना चाहते हैं उन्हें यह मी बाद रखना चाहिये कि मले ही अमरीका में बहुत से मजाइरों के पास दो दो मोटरे हों, जबकि हरत में बहुत सों के पास के भी मोटर नहीं, लेकिन कस में शायद द हने से भी कोई बेबार इनसान व मिल सकेगा और अमरीका में वहां की सरकारी रिपोर्टों के अनुसार वेकारों की तादाद जिन्हें सरकारी टकड़ों पर पालना परता है और जिनके पास कोई कारा करने के लिये नहीं है इस समय प्यास लाल से ऊपर है. अब झमर इस इक्सादी मसावात वानी आर्थिक वा गाली बराबरी की निगाई से देखें तो कम्युनिस्ट देश इस समय द्रतिया में सब से आगे हैं. हस में भी रारीय और जभीर का अरक कारी तक है, पर कम, बीन में उससे भी कम, और अमरीका में सब से ज्याता. कोई रारीव रूसी या चीनी कार्य कार्यों कार्यार देश मार्च की तरक देसला चाहे तो उसे क्रकी दीनी की निर जाने का दर नहीं हो सकता. जब कि एक बागरीकी रारीक कामरीकी कामीर की सरक किना डोपी पाने किल्ल के की कही सकता. इमारे हिसान से मोटे तीर क बील के कार्य कम से कम मजाूरी और बनी से बनी कार का सीता कर और सात का है, तस में एक और पार्थ और संस्थित है एक और की एक और ह द्वीच्या बंद और दुनिया की वीडियों पर सन्या का किसे देश के बोरे से जातनियों का अपने वहां सोने

THE RESERVE OF THE STATE OF THE

منظمان سنجے خانے والے لوگیں مے زوادہ سچے مسلم اور سچے میدی تابت ہوائے۔

﴿ هِم عِبَانِ بِرِسِ أَوْرِ أَمْرِيكَ كَا مَقَائِلِهُ كُرِثِ نَبِينِ بِيَنْفِ تَهُ عَنِيسٍ اِس مقاطے سے کوئی معالب کی ہم بچارتے ہیں که روس اُیغی جُله خُرَهُ ره أور أمريكة أيني جُله خوص رها أور دنها كے سب د في اپني ايني جَام خوف رهين اور اپني اپني چال چلين جو آبيس يساد هوا ۽ ڳوڻي دوسرے کے کام ميں دخل اقع ديور -كوفي كليني كي مباته وبروستاني الله كرب. بين بينجي آوادين كا مطاسيدهم يهن السالق برابري كي بنيان هرسكتي في اسي مين سب كا بها في إس والمناف بالوالك المارت مين بالمستان مين المريعة كي مدد الله كميزةمسك حريفون كو مثالة بالفتي هين ألهين يد يه إلى ركهنا چاللے کہ بیلنے می امریک میں ابہت سے مودوروں کے باس دو دو موالوین هون د هفت که رؤس میں ابہت سوں کے پلس ایکت بھی موافر فنهيق المان رونس مين شايد فعولد في سي بهي كوي بيكار التسلي أله مل اسطالا أور الموياة مين رهال الى سركاري روردون كَذْ أَلْهُمَا وَمِنَا فِي العداد الجنبين سرائون تتاوين بو بالله يرونا الله أوزامين كي ياس كوئي كام كران كے اللہ فهيں هے إنس سيے معالس الله عنه أبير هـ : أب أكر مم انتصادي مدارات يعني أرتهك يا مافي برايوني كي تلاه ته ديكيش تو كدونست ديش إس سي دامة من الله الله الله على . روس مين يدى غريب لرر أمير كا قرق التي فك هـ أور كم أجهن مين أمن سه يهي كم أور المزيد مين شب هـ ويافه ، كولي فريب روسي يا چهني اكر أين أمهر فينائي ساني كي طرف دينها چاك تو أسه ايني توبي يانهي كر جائلًا قو فيقل هرسافاه جب كه الك النويكي غويب النويكي أُنور الله خارفة بنا أربى يتجهد كرك ديم مي نهيل شعار عدار منافق ما مولادی اور بدن کے آندر کم سے کم مولادی اور وی افغ بولی علموال کا لیسط آلک اور سات کا ها روس من ایک اور شود اور امریم میں ایک اور اور سو ولله بعلا لا علي مال علما كو أور دارا كي مدون ير كياء كرال المن الواق الم المواجع الله المنظون كا المن ينهل أسول

W Service of the service was the ال سام أو المديد اللي في المرام عام في المرام میں اور خون پر آن ہے۔ الگ چھرتی می قبدتی کارن آور انہر کی کالی کی البین شب کی اسائی الک عربے سعب کا کینیم کے ارسیستان کے الدر چار باتھے آدمیوں کے لیک بھوٹے ہے کسان علیہ رکی آمیدی کسی طرح عمارت سكون منهن هوهوال رويدي مغوار عهد كم رافيدي اهوتي ألور كالله يها الدراعة وياته طور يو دائي يا الدراعة وياته ميكاني نهين عَيْنَ ﴾ إن كاله يعال كي جيون عي بهائف او رهان ھے تھے 🐩 اُلِيَا اُسْتَقَالُون کے مسلمان استالی کے گھروں میں گھش كسن ور علم الله العمول سه أن عي حالت كو دريها ه كُلِلْوْنِ أَنْ لَيْ الْمُرْدِونِ عَرَاتُونِ أُور بِحِينِ الله باتين في أهين، الن ك سال المال عاد هم يوري دمعداري كي ساته كو سكل میں کو اُن میمنتھاں کے وہ مسلمان کسان موارت یا قالشتان کے ايك هوار رويه ماهرار تلخراه ياك وال بابرون ف كهين وياده خوص أور خوشصال هين ، ازبهكشتان مهن روثي الدهك هوتي ھے۔ سارے ریس کو روٹی رہیں سے جاتی ہے ۔ ہم نے اُن کے کینٹیں میں پیدا ہوئے روئی کے توتوں کو دیکھا ، ہم دیکھیر دَنْكُ رَهُ كُلُّهُ * أَنْ كَا الْكُ اللَّهِ قَرْدًا فِهَارِتِ يَا يُأْكِسُنَانِ كَي لچے سے الجود زوالي كے توقوں سے كم سے كم بارہ فنا ہوا ہو ميتا هي ها . عديق المهل معاوم كه مساور سحيد على أور أن ك هم عبال الوقف اللس كريولوم أكن مثالًا جاهله هين كوب مثالما چاهتے هيئن اور کس برتے يو مقافا چاهتے هيں . يعس أزر تلوار ن أَج تَكُ ذَلْهَا مَيْنِ لَهُ تَارِيضِي طَانَتُونِ بِمِنِي أَنْهَاسُكَ شَكَتَهُونِ کی بازہ کو روفا اور ٹھ روک سکتے ہیں ۔

هم یہاں روس کی آویوستاں کی یا چھن کی تعلقم رھاں کی بچھن کی تعلقم رھاں کی بچھن کی تعلقم رھاں کی بچھن کی تعلقم ر وہاں کی بھربیوں دستغلیس اور کارخانس کی جرجا کر کے اس قرعہ کو لیا کرتا نہیں جھتے ایریکستاں کے تسانس کی حالت کو بھی جھر لے کھیل نہوئے کے طور پر بھاں کیا ہے ۔ ہمیں آنکے کوئی جان کو جرباط جانئے اور بڑے دل تھ سی۔ کو سنجھاں کی کرتھ کرتی جانگے اور بڑے دل تھ سی۔

वापना पर जना हुना है, जिस पर कानी दूध देहे सारी सुन्दर भीर वृत्युक्त गाएं हैं वा वृक्षरे जानवर पने हर हैं श्रीर जिस पर उनकी चलग छोटी सी सेवी बाढी और अंगर की दही है. इस सबकी आमदनी अलग इमने हिसाब लगी कर देखा कि उजनेकिस्तान के अन्यर कार पांच साविधकों के एक कोटे से किसान कनवे की जासवनी किसी तरह हमारे शिक्कों में दो क्यार रुपये महवार से कम नहीं होती, और हाने पीने की चीजें मोटे तौर पर दिस्ली या लाहौर से प्यादा मंहगी नहीं हैं. इन खाने पीन की चीचों की बहतायत ती वहां है ही. उजवेकिस्तान के मुसलमान किसानों के वरों बें वस प्रसदर हमने जपनी जोखों से उनकी हावत को वेखा है, अंटों जुनके गर्दी, औरवों और कच्चों से वातें की हैं. उनके साम साना साथा है. इम पूरी जिन्मेदारी के लाव कह सकते हैं कि उजनेकिस्तान के वह मुसलमान किसान भारत या पाकिन तान के एक इजार रुपये माहवार तनस्वाह पाने वाले वास्की से कहीं क्यादा सुरा और सुराहाल हैं. उचनेकिस्तान में सई व्यक्षिक होती है. सारे रूस को वई वहीं से जाती है. इसने बनके खेतों में पैदा हुए को के बोडों को देखा. हम देख कर दंग रह गए. इनका एक बोहा भारत वा पाकिस्तान के अच्छे से अच्छे को के बोबों से कम से कम बारह गुना बड़ा तो होता ही है. हमें नहीं मालूम कि मिस्टर मुहन्मद अली भीर अनके हम-संयाल लोग किस कम्युनियम को मिटाना नाइते हैं, अमें मिटाना नाइते हैं और फिस विरते पर मिलना चार के हैं. पैसे और तलकार ने बाज तक हानिया में व नारीकी ताकतों यानी इतिकासिक राकियों की बाद को डोका और न वह रोक सकते हैं.

इस बहां इस की, उपविकतान की या बीन की सालीस, बहां के बच्चों की देख रेस, वहां के घरेलू घंडों और बहां की कारीकरियों, दस्तकारियों और कारकानों की परचा करके इस बोढ़ को सम्बा करना नहीं चाहते. उपविक्रिसान के किसाओं की हाजत को थी हमने केवल तायुने के तौर पर कवान किया है. हमें मांसर सोल कर जुनिया को देसना चाहिये और बने दिल से सकको सममने की कोशिश करती चाहिये.

धान रही नामान की बात. रहते करील से सैक्लों बार पूलर गया कि 'इसलाम' किसे कहते हैं, 'मुसलिम' कीन है, 'इसक' का क्या मतलब है और आर्थिम' की क्या वारीक है १ इस तरह की हवीचें सही कुमारे यह कहते ही इस तरह की प्याचों हवीचेंदर पट्टे लिके मुसलिमान को बाद बाजागंधी. यहां कर्ते हहराने की कहरता नहीं है. हम वृक्षी जमता और इनक्सियार के साथ कहना बाहते हैं कि बसार किसी इनस्त्रल के मुख्या आ बोजिस होने का बैसका क्या हवीओं की बिना क्या किया आसे तो हस और जीत है साथों बस्युनिस्ट क्या की सालों बस्युनिस्ट बर विकार दिया हो कि सारत भी कुछ उसी बे-बीनी और ला-संबद्धी की वरफ जा रहा है और मारत को इस गलत रास्ते से इटा कर फिर से ठीक रास्ते पर लाने के लिये उन्हें जुदा और मचहन से इनकार न करने वाली अमरीकी सरकार की महक कारगर विकार वेती हो.

खुदा और मणहूद का मामला बदा नाजुक मामला है. भोडी देर के लिये इससे इट कर इस मिस्टर मुहण्मद अली और उनके खयाल के लोगों से यह कहना चाहते हैं कि वह इतिया की जान तक की तारीख और इस समय की हालत को पूरी तरह ज्यान में रखते हुए इस सारे सवाल पर गौर करने की कोशिश करें. मह जमाना एक नए और ऊंचे मानी में इनसानी मसाबात यानी इनसानी बराबरी का जमाना है. आदमी आदमी के बीच की हजारों बरसों की दीवारें टूट रही हैं. इनसानी दुनिया तेजी के साथ एक होती जा रही है और एक कनवा बनती जा रही है. हमने कलाम मजीव का बहत प्रेम और श्रद्धा के साथ अनेक बार पढ़ा है. दुनिया उस तरफ बढ़ रही है जिसे क़ुरान में "बस्लाह का कुनवा" कहा गया है. इत्तारों बरस से नीचे दबे हुए इनसान ऊपर आ रहे हैं और बहुत दिनों तक ऊपर रहने वाला को इसी बरा-बरी को क्रायम करने के लिये कुछ नीचे उतरना पढ़ रहा है. यह है दुनिया की आजकत की गति, और यही मशीयते पंचि यानी ईश्वर की इच्छा है. मिस्टर मुहन्मद जली और उनकी वरह सोचने बाबे लोगों को, चाहे बह पाकिस्तान में हों या भारत में या कहीं भी, यह मालूम होना चाहिये कि इन कन्युनिस्ट देशों में से जिन्हें वह मिटाना चाह रहे हैं च्याज सोवियत रूस के अन्तर मुस्लिम देश उपावेकिस्तान में, जिसके राहर समरक्रन्द, ताराक्रन्द और बुस्नारा किसी समय दनिया की तहजीब के मरकज माने जाते थे और जो आज से सी बरस पहले दुनिया के गरीब से गरीब और 'बीरान से बीरान देशों में गिना जाता था, आज रूसी कम्यु-नियम के दौर में एक मामली किसान को केवल आठ घंटे मेहनत करके शाम को जो मजदूरी मिलती है वह है :--पार सेर आखू, दो सेर फल और सबजी, तीन पाब दूष, पाव भर गोरत और इन सबके चलावा दस या बारह स्मुल नक्कद. एक स्तुल बराबर होता है हिन्दुस्तानी एक एपये हो आने के अगर चार वा पांच आवसियों के किसी किसान अनवे में दो आवमी भी-एक मर्द, एक औरत या ही साई का बाप बेटे- सेत में काम करते हैं तो वह शाम की इसका क्षेत्र द्वाना सामान घर लेकर आते हैं. कलेक्टिव कार्य वानी अस्तरका सेसी की पैदाबार की विकी से यह मजारी, संस्कार का हिस्सा और सब सर्थ देने के बाद जो हर विस्तान परिवाद को नक्तव क्यता है वह अलग. इस सम्बद्ध अवस्था हर किसान परिवार की कुछ न कुछ अपनी निजी विकासिक्य की प्रमीत भी है जिस पर वस परिवार का

کر دکیائی دیا ہو کہ بیارت بھی کچھ آسی ہے دفیتی آر استختاج کی طرف جا رہا ہے آرز بیارت کو اِس قدا راسطے سندا کر ہر سے ٹیبک راستے پر لانے کے لئے اُنہیں خدا آور مذہب سے انکار نہ کرنے والی لمریکی سرکار کی مدد کارگر دکیائی۔

خوراء أور منهب كا معاملت برأ تازك معاملته هم ، تهرزي داو رکے ' لئے ایس سے مت کر مم مستر محمد علی آور آن نے خیال کے لوگوں سے یہ کینا چاہتے میں کہ وہ دنیا کی اب تک کی تاریخ آور اِس سب کی حالت کو پوری طرح دهدان میں رائعت هوئے ایس سارے: سوال پر غور کرنے کی کرشش کریں ۔ یہ وفائد ایک تا اور آولچے معنی میں انسانی مساوات یعلی انسانی برابری کا زمادہ ہے، آدمی آدمی کے بیج کی هُوَارِسِ بَرْسَوِنِ کَی دَیْرَارِ بِی تُوتِ رَهِی هیں ، اِنسَانی دَلَیا تهوني کے بناتھ ایک عوتی جا بر ہی ہے اور ایک کابھ بنتی جا رهن دھے یہ عمر کے کالم ججیدہ کو بہت پریم آور شردھا کے ساتھ التيك بار يُبعا هـ ، دليا أس طرف بوه رهي هـ جيس قرأن ميني الله كا كلبه " كها كيا هـ ، هزارون برس شه تنهي دي هويَّ انسان اوير آ رهم هيس اور بهت دنوس تک اويو رهني والیں کو اِسی برابوں کو قائم کرنے کے لئے کچے ٹیجے اُترثا ہے رها هم رید هردنیا کی آجال کی گائی ، آور یہی مشیعت ایلی یعنی لیشور کی لیها هد مسار مصد علی آور آن کی طرح سيجان واله الوكون كوا جاهه وم ياكستان مين هون يا بهارت ميں يا كيهن بهي أيد معاوم هونا چاهي كه أن كيونست ديشون میں سے بچنیوں وہ مدنا چاہ رہے بعیں آب سوریت روس کے الدر، مبدلم دويص ازيهكستان مهن؛ جس ك شهر سمرقاد والهزيقين أور يخارا كسي سيم دنيا كي تهذيب كے مركز مالے جاتے تھے، آور جو آبے سے سر برمن پہلے دنیا کے غریب سے غریب ارد ويوان سے ويوان ديشوں ميں گنا جانا تها أج روسي كنيونوم، ك المرور مين الك مصولي كسان كو كاول أنه كهند محلت کو کے غلب کو جو مزدوری ملتی ہے، وہ ہے :سینیار سیر آلوا دو بسهر ، يهل إرر سبوس دين باو هوده باو بهر گرشت أور إن سنياري عاليه هيس يار باره ، روبل فيقد له أيكسه ، روبل برواير هيتا -المعدد معالى اليك رويد مو آنه كي، اكر چار يا بانتج آدميس كي كسي كسان كله ميل دو آدمي يهي بسايك مرد ايك عورك يا و الدور علاي ما بات يال سبكيت مين كم كرت هين تو وه خلیک ایس کا لویکت دواللا سامل گلز: لے کر آتے هیں ۔ کاعلیم: عَلَيْهِ يَعْلَقِي المِعْلَوْكَ كَعَلَى كَي فِقَدَلُواْدِ كَي الْكُوى عَمْ يَعْ مُودُورِي السِكارِ -ا معد الورسية عرب دول ك بعد مو در كسلي يزيوار كو ثقر جمعا ف بود الك راس سب ك علوه هر اكسان يريوار كي كي لد كي أيلي لحول ماعرها كي وسون بي ها جس ير أس يريوار 8 .

अमरीका में मिस्टर मुहम्मद अली और राजकुमारी अमृत कौर

हाल में समाचार पत्रों के धन्वर हो बोटी छोटी खबरें एक साथ छपी थीं. पाकिस्तान के बढ़े बजीर मिस्टर मुहन्सर बली और भारत की सेहत बजीर राजकुमारी असूत कौर दोनों उन दिनों अमरीका में थे. पहली खबर यह थी कि मिस्टर मुहम्मद अली ने वहां यह विचार प्रगट किया कि दुनिया को बचाने के लिये दुनिया से कन्युनिषम को मिटाना जरूरी है और उसे मिटाने के दो ही साधन हैं-पैसा और तलवार. इसके लिये अमरीका, पाकिस्तान और दूसरे इसी सरह के देशों को मिलकर कोशिश करनी चाहिये. दूसरी सबर यह थी कि राजकुमारी अमृत कौर ने अमरीकी जनता से कहा कि भारत के लोग बढ़े कहर, इट धर्मी और अन्धविश्वासी हैं, इसी लिये वह बच्चों की पैदाइश को रोकने के साइन्सी तरीक़ों को काम में नहीं लाते. इससे भारत की कांबादी बढ़ती जा रही है. यही भारत की सबसे बढ़ी मुसीबत है, राजकमारी अमृत कौर ने अमरीकी जनता को यह भी सचना दी कि भारत सरकार हजारों अस्पतालों के जरिये और तरह तरह से यह कोशिश कर रही है कि लोग मन्त्रों की पैदाइश रोकने के इन तरीक़ों को जानें, उनकी फ़दर करें और उन्हें काम में लावें. यह कोशिश एक बढ़े पैमाने पर गांव गांव में की जा रही है ताकि देश बढ़ती हुई आबादी की इस मुसीबत से बच सके.

मिस्टर मुह्न्मद अली के विचार इस मामले में सबको पहले से मालूम थे. राजकुमारी असूत कौर के विचार पैदाइश रोकने के सम्बन्ध में भी दुनिया से छिपे हुए नहीं थे. फिर भी इन दोनों की यह तकरीरें हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि पाकिस्तान और भारत किथर जा रहे हैं.

मिस्टर मुहम्मद अली एक ऐसे राज के बढ़े बजीर की हैसियत से बोल रहे थे जो अपने को इस्लामी राज कहता है, और जिसे अपने इस्लामी होने का फ़क्ष है. खुद मिस्टर मुहम्मद अली अपने को मुसलमान मानते और कहते हैं, जाहिर है वन्हें खुदा और मजहब को न मानने वाले कम्युनिस्म और कम्युनिस्टों से नाराजगी है और उन्हें इनसे खुनिया को खतरा दिखाई देता है. इस नास्तिकता और वे-वीनी को दुनिया से मिटाने के लिये और खुदा और मजहब को लोगों के दिलों में फिर से जमाने के लिये उन्हें पैसा और तलवार दो ही सबसे अच्छे साधन दिखाई देते हैं. यह भी मुमकिन है कि जीन के बढ़े बजीर चाउ-एन-लाई के मारत आने और जवाहर लाल जी के जीन जाने जैसी घटनाओं से और इधर कौलाद के तर कारकाने की बाबत कस और भारत की वात्रवीय से मिस्टर मुहन्मद अली को बह

امویکه مین مستومت علی اور راج کیاری آمریت کور

عال سیں سلچار عترون کے الدر دو چھوٹی چھوٹی خبریں ایک مناف جہلی تویل ، اناصنان کے برے وزیر مسار معنی علی اور میارف کی شعاعه وزیر راب کاری آمرت کور درنوں أن وقول أمولاء مين في ، جائ خور يه تهى كه معلو لله ذائها سے كنه والزم كو مقالفا ضرورتي هے آور أس مقالے كے أدو هي سادھن نھیں سنسینیشہ اور تلوار ، اس کے ایک الاستان اور دوسرے السی عارج کے دیشن کو ملاز کوشف کرفی چاہئے۔ دو رف معر عد تعلی که زائے کناری امرت کور لے امریکی جفتا سے کیا که بھارت کے لوک بوت کارا حت دھرسی آور آددہ وشراسي هين السيخ الله وه بمجون كي يبدائهن كو روعة كي سائنسي طريقين كو كلم مين، تهين التي . أس سے بهارت كي آبادی بوهای خا رهی هی نبنی بهارت کی سب سے بوی مصيبحة ها، وأبي كماري أمرت كور في أمريكي جُلكا "كو يه يهي سوچنا دیں که بھارت سرکار مزاروں اسپالوں کے خریعہ اور طوح طرح سے یہ کوشف کے رہی ہے کہ لوگ بچوں کی پیدائش ررائے کے اِن طویقوں کو جانیں آن کی قطر کریں آور آنھیں کام میں قوین ، یہ کوشھی ایک بڑے بیمائے پر کارں گاؤں میں كي جا رهي ه تاكه ديفن نوستي هرئي آبادسي كي اِس مصيبت سے بھے سکھے۔

مسلار محمد علی کے وچار اِس معاملے میں سب کو پہلے سے معامل محمد علی کے وچار اِس معاملے میں سب کو پہلے سے معامل تھے ، رائے کے سباندہ سیں بھی دانھا سے چھپے ھوٹے انہیں تھے ، پھر بی اِن دولوں کی یہ تقریریں عمیں یہ سرچنے پر محبور کرتی میں نہ بائستان اور بھارت کرھر جا رہے معیں ،

 व्यक्ति हो और इमकी राफि सचगुच पड़ी सकती हो तो उसमें मसीकी बीक कियों पर इस तरह का कोर अर्थ शास की निकृष्ट है स्वकादारी की बात नहीं मानी जा सकती. न यह विकास कियी साइन्स है और न इसमें जनता का मला (क्यां किया है स्वाह है नंगा पूंजीबाद, योदे से लोगों को बढ़े कहे इसाके कमाने का सीका देना और बाम गरीय जनता को जन इनाकों के लिये खुसने देना.

यह वैक्रकर विक्ष दुस्तना है कि आजाद भारत में, पहली आजाद सरकार के नीचे, और सहात्मा गांधी के मरने के इतने कोई दिनों के अन्दर, बड़ी मरीनों और बड़े पैमाने पर और कार से क्षम अजाद लगा कर अधिक से अधिक माल पैदा करते का नुसका हम में इतना बढ़ जाते कि देश की परिक्रियें और जनता के असली हित की तरफ हमारी निगाह ही न जा सके. हमें इस सम्बन्ध में महात्मा गांधी के यह शब्द आद आ रहे हैं :—"लोग मजदूरों और मजदूरी की इनस करते अझे जाते हैं, यहां तक कि हजारों आदभी मस्ते के लिये खुली गांतियों में जा पढ़ते हैं."

बाब्स होता है कि सारत सरकार इस तहकीकाती कमेटी की सिकारिशों से बहुत कुछ सहमत है. यह ऐलान हो चुका है कि तहकीकाती कमेटी का चेयरमैन 'तिजारत और उद्योग धन्दों का बिप्टी मिनिस्टर' बनाया जायगा, इसलिये ताकि वह इस "सोचे सममे बदलाय", (planned conversion) को बाबल में बाने में मदद दे सके.

इस सबका नियोच यह है कि हमारे गाँव, हमारे रारीवाँ के मोमनों, जनकी बुस्तकारियों, उनके उद्योग धन्दों, और देश के लालों चल्कि करोवों वेकारों को सब के साथ उस दिन का इन्तजार करना चाहिये जिस दिन हमारे चोटी के आहमी इस बात को समक सकें कि भारत की जनता का भला इस के है कि लोगों के हाथ पैरों की शक्ति और मशीनों की शक्ति दोनों का अपनी अपनी जगह उपयोग किया जावे और स्वतन्त्र कारीपर और क्सरे के लिये मेहनत करने वाला मजबूद बोबों के बीच बड़ हैसा उचित; समझदारी का, देश के हाबाद के बिलता इसा और अमली सामंजस्य कायम किया जाने, जिससे सब को रोजी मिल सके, आजाद कारीवृद्ध के लिये दुनिया में जगह रहे और साइन्स की मी उन्नति का पूरा मैदान मिले. मिल मालिको की वनी सुधी जुठन कर हती सारकों कुमकरों को वहीं पालमा, बन्कि इसारे लाकों आबाद कुल्कों से करकों से जो मैदान बने वह मिलों को देख के इस प्रदि शाब्दि और नमता से समझने की कोशिया करें तो गांधी जी गरी बाहते ने भीर इसी में देश की जाना का नवा है.

ادهک هیں اور آن کی شکتی سے سے بچی سرتی ہو تو آس میں سیمیاری اور ملیں چر اِس طرح کا زور اُرتھ شاستر کی گفاہ سے سیمیمیاری کی بات نہیں، مانی جا سکتی، ندیہ وکیلی یعلی سائنس ہے اور ند اِس میں جانا کا بیلا (welfare) ہے، یہ ہے نتکا پونجی واد' تھوڑے سے لوگوں کو بڑے بڑے منابعہ کیائے کا موقع دینا اور عام غریب جنتا کو اُن سنابعوں کے اُنے جسلے دینا

یہ دیکھ کر دال دکھتا ہے کہ آزاد بھارت میں پہلی آزاد سڑار کے ٹیچے آور مہاتما گادھی کے مرفے کے آتف تھرت دنوں کے الدر پڑی مھیلوں آور بڑے پیمانے پر اور کم سے کم مزدور لگا کو ادھک سے ادھک مال پیدا کرنے کا چسکا هم میں اتنا بڑھ جاوے کہ دیش کی پرستھتی اور جنتا کے اصلی طلت کی طرف هماری ٹکاہ هی تھ جا سکے ، همیں اس سمبده میں مہاتما کالیدھی کے یہ شہد یاد آ رہے هیں ہے۔" لوگ مزدوروں اور مزدوری کی بیجت کرتے چلے جاتے هیں ' یہاں تک که هزاروں آدمی بھوکھے مرفے کے لئے کہلی گلھوں میں جا پڑتے ہیں ۔"

معلیم هرتا هے که بهارت سرکار اس تحقیقاتی کمیتی کی سفارشوں سے بہت کچی سہنت هے ، یه اعلان دو چکا هے فه تحقیقاتی کمیتی کا چیرمین از تجارت اور اُدروک دهندوں کا تحقیقاتی کمیتی اور اُدروک دهندوں کا تحقی منستی اور اُدروک دهندوں کا سبجھ بدال اور اُدروک دهندوں کا اِس اللہ تاکه وہ '' اِس سوچے سبجھ بدال اور اُدروک عمل میں سبجھ بدال اور اُدروک عمل میں سبجھ بدال میں مدد در سبجھ ،

اس سب کا نہور یہ ہے کہ هارے گؤن هارے فردیوں کے جورنیوں کے جورنیوں اُن کی دستکاریوں اُن کے آدیوک دھندوں اور دیھی کے لاکوں بلتہ کورورں یہ کاروں کو صبر کے ساتھ اُس دن کا انتظار کرنا چاہئے جس دن ھارے چوئی کے آدمی اُس بات کو سمجھ سکیں کہ بھارت کی جنتا کا بھا اِسی میں ہے کہ لوگوں کے ھاتھ پیروں کی شکتی اور مشینیں کی شکتی دونیں کا اپنی اپنی چکہ اُنے ویکوک کا جارے اُور سوننٹو کاریگر اُور دوسروں کے لئے محتفت کرنے والا مودور دونیوں کے بیچے ایک ایسا اُچت سمجھداری کا دریق کے جالت سے ماتا ہوا اور عملی سامنجسیت قائم کیا جارے جس سے سب کو روزی مل سکے آزاد کاریکو کے لئے دیتے میں جبکہ رہے اور سائنس کو بھی آننٹی کا پہرا میدان ملے مل مانیوں کی بیچی کہتھی جونین پر همیں لاکوں باکروں کو میں مانیوں کے کو گھوں سے جو میں بیٹوں کو دیوان کو دیوان کو دیتا ہے ۔ ھم یہی جائی اُور نمونا نہیں بیٹوں پر ہمیں چاہتے تھے آور نمونا اُس بیٹوں بھی جائے تھے آور نمونا اُس بیٹوں بھی جائے تھے آور نمونا اُس بیٹوں بیٹوں کی جانا کا بھا ہے ۔

20 16 74

— सन्दरसाह

سبيةدر الل

26. 10. 764

तक और वृत्तरा उसके बाव, हाथ करवीं कीं जो बादी सी खास रियायतें इस समय मिली हुई हैं उन्हें पहले काल में "खीर खिक नहीं बढ़ाया जायगा." इसके अलावा कमेटी ने सरकार से सिकारिश की है कि "एक खास एजन्सी इस बात के लिये क्षायम की जाय कि वह इस बात को देखे कि इस बदलाव में जो खर्च करना पढ़ेगा उसे कैसे और किस दंग से किया जाय." सीधी सादी भाशा में इस सिकारिश का मतलब यह है कि वह घन्दा जिसे इम हाथ करवां 'का अन्दा कहते हैं देश की आर्थिक न्यवस्था से "इस्ते इस्ते" (by stages) बिल्कुल खत्म कर दिया जाने. किलहाल थोड़ से पेसे करघे रहने दिये जायेंगे जो ऐसा ''नकीस खरीर बहुत नकीस माल तैयार करते हैं" किसे विदेशों में बेच कर बदले में "बिदेशी सिक्के" मिल सकते हैं.

यह "बदलाव" का काम पूरी योजना के साथ कुछ दिनों से बरावर चल रहा है. इसी का नतीजा है कि हाथ युनकरों की बहुत बड़ी तादाद विल्कुल वेरोजगार हो चुकी है, और जो रह गए हैं उनमें से अधिकांश, जो चन्द साल पहले तक स्वतंत्र कारीगर थे, अब उन थांदे से लोगों के लिये रोज की मजदूरी करते हैं जिनके पास योजा बहुत पैसा जमा था और जो आसानी से पहले दरजे से निकलकर दूसरे इरजे में पहुंच गए हैं और अब तीसरे दरजे में मिलकर अपना स्वतन्त्र अस्तिस्य अस्त कर देने के लिये तैयार बैठे हैं.

इस सारी समस्या में जो सब से बढ़ा पहलू बेरोजगारी का है उस पर कमेटी ने ब्बाब तक नहीं दिया. मालूम होता है कमेटी को सब से बढ़ी चिन्ता इसी बात की थी कि किसी तब्ह कपड़ा मिलों के रास्ते से हाथ करघों की इस निकम्पी अदब को पूर किया जाने. उसकी निगाह में हाथ करघों की अगर कोई थोड़ी बहुत अपयोगिता है से बह इतनी ही कि उनके अरिये कुझ "विदेशी सिक्के" मिल सकें. इसीलिये "वदलाव" के जमाने में हाथ करघों में तैयार हुए "मोटे और दर्यस्थाने माल के मुकाबले में नकीस और बहुत नकीस माल को" और "मामूली खाकी माल के मुकाबले में रंगे अप बढ़िया माल को" दूसरे वरजे में बने रहने की इसाजत दी जायगी, और सरकार बड़ी दया करके उन्हें इस बीच के जमाने में "विन्दा रकने का कैसला कर सकती है."

जन रहा सहर, सो पसके बारे में कमेड़ी की तिसारिया है कि एक और "खास तहकीकात की जानी पाहिने और पार्यों तरफ के जितने हालात सहर के बन्ते से सम्बन्ध रकते हैं (या प्रस पर असर रसते हैं) बन्धान को नियाह में रकते हुए सहर के धन्ते के बारें में जाकरी जैसला होना पाहिने"

जिस देश में आदिनयों की कभी है। उसमें गरि हर काम के लिये मरीनों और मिलों पर इस तरह और दिया जाने के इस समक्त में का सकता है. पर किस देश में आदमी काने

یہ اولوں کے انہاں کا کو پوری پیجا کے ساتو کیے دنوں سے
برابر چل رہا تھی اسی کا فتیجہ فی کا ماتو بتاروں کی بہت
بری اندال باقبل انہروال ہوچکی گئے اور جو رہ کے میں
اُن میں سے اُنہوائی کے لیے روز کی مردوری کوتے میں
تیا اُن تھررے سے آن لیال کے دوسرے دوج میل اُبر جو اُسالی سے پیلے
درجے سے ایکل کو دوسرے درجے میل پہوتنے کے میں ارر اب
نیسرے درجے میں میں مل کو اپنا سوندو استو خام کو دینے کے لئے
تیار بیالے میں

اس ساری سیسیا میں جو سب سے بوا پہلو ہے ورزائی کا فے اس پر کنیٹی فے دھیاں تک نہیں دیا ، معلوم ھونا فے کیا اسی بات کی تھی کہ کسی طرح کرا ملوں کے راسٹ تھا ہاتھ کرائیں کی اس فکنی ارچوں کر درر کیا جارہ ، آس کی فاہ میں ہاتھ کرائیں کی ایر کہا ہی کہا کہا تھوری بہت آبی گئی ھی کہ آن کے دریہ کہا کہا تھوری بہت آبی ہیں کہ آن کے دریہ رائے میں ہاتھ کرائیں ہی کہ آن کے دریہ رائے میں ہاتھ کرائیں آبر بہت ابھیس مال کو " آبر درمیائے مال کے متابلے میں لیے میں رائے چھید برھیا مال کو " درسرے درجے میں بلد رہیے کی لخارت دی جائے گئ آبر سرکار درجے میں بلد رہیے کی امال کو " آبر سرکار درجے میں بلد رہیے گئی آبون اس بیچے کے رائے میں در دریہ درکیے دریہ کی اور سرکار درجے میں بلد رہیے گئی آبون سرکار درجے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون سرکار درجے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون سرکار درجے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون سرکار درجے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون اس بیچے کے رائے میں درجے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون اس بیچے کے رائے میں درجے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون اس بیچے کے رائے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون اس بیچے کے رائے میں درجے میں درجے میں بلد رہیے گئی آبون اس بیچے گئی اس بلد کر گئی آبون اس بلد کی آبون اس بلد کر گئی آبون اس بلد کر گئی آبون اس بلد کی آبون سرکار دریا کر کر سکار کر سرکار کی در اس بلد کر سکار کر سکار کر سرکار کر سکار کر

آب روا کھو سو آس کے باریہ میں البیقی کی ساوی اے کہ لیک آپ السطی تحقیقات کی جاتی جاتی آپ چاری طرف کے چالے خالات کیور کے معاوی سے سابقید رایاد ہیں (یا اس جو آپ رایک حول) آپ ست کو خالات میں رکھتے ہوئے کور کے دائیں کے باری میں آپ کی حصالہ میں رکھتے ہوئے

جس میٹی میں قبیوں کی کس جو آئی امین بھی مراکا کے فی تعظی آور میں کو اِس طنے زور دیا جارے نو کچر سنچ میں آ انتخاف کے اور بھی میں آئی اللہ कर हुन होता है. कमेटी से जो काशाएं की गई वीं वह सब शतक संवित हुई.

कमेदी की रिपार्ट के अनुसार इस समय भारत में कुल इक्कीसं साक्ष नव्ये इजार करचे हैं जिन में केवल बारह लास येसे हैं जो "ज्यापारी दंग से सफलता के साथ चल रहे हैं." रिपार्ट के यह आंक्ब्रे ठीक नहीं माने जा सकते. कमेटी ने सूद अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि उसने "कहीं कहीं जहां तहां नमूने के तौर पर कुछ करचे गिनवा कर उनके आधार पर सारे भारत के लिये यह आंकड़े तैयार कर लिये." पर यदि इन आंकरों को ठीक भी मान लिया जावे तब भी एक बात स्परंद है कि कमेटी ने केवल उन करघों को लिया है जो "इमेटी की तहकीकार के समय" चल रहे थे, हमें माखम है कि इस से कहीं अधिक तादाद उन करघों की है जो डब साल पहले तक चल रहे थे और जो अब चीथड़े हए या जलाने की तीलियां कने हुए कोनों में पड़े हैं, और जिन बर काम करने वाले कारीगरों के पास अब सिवा इसके कोई चारा नहीं कि या तो कहीं काई और राजी हु है या भूखें मरें. यू॰ पी॰ बुनकर फेडरेशन के सदर की हैंसियत से दौरा करते हुए उत्तर प्रदेश के कई जिलों के बहुत से गांव में इस तरह के हजारों अभागे बुनकरों, उनके वाल बच्चों और उनके करयों की इस दुवेशा को हमने अपनी आंखों से देखा है. इस तरह के करवाँ की ओर ध्यान न देने में ही कमेटी को अपने काम में सुविवा दिखाई दी. जो करघे कसेटी की तहक़ीक़ांत के समय तक चल रहे थे उनमें से भी कमेटी ने जो कुछ समाब दिये हैं वह केवल उन करवों के बारे में हैं जो उस समय तक कमेटी की निगाह में "ज्यापारी हंग से सफलता के साथ चल रहे थे," यानी जो मिलों के जबरक्रत मुक्ताबले, भौर चारों तरक की विराधी परिस्थिति के होते हुए भी किसी तरह थोड़ा बद्धत मुनाफा कमा रहे हैं. बाकी सब लगमग पिछत्तर फीसदी करघों के लिये, जो इमारे आचाद होने के दिन तक चल रहे थे और कुछ अव भी चल रहे हैं, कमेटी के अनुसार अब दुनिया में कोई जगह नहीं रही और न रहनी चाहिये.

बाज इमें यह देखना है कि जो करचे अभी तक "व्यापारी देंग से मुनाका कमा रहें हैं" उनके बार में कमेटी का क्या मुमाब है, कमेटी ने हमारे सारे कपने और जुनाई के घन्ने को तीन हिस्सों या तीन दर्जों में बांटा है :—एक हाथ करचे, दूसरें छोटे पैमाने पर विजली आदि की शांक से चलने वाले करचे और सीसरें कपना मिलें. इसके बाद कमेटी का मुमाब है कि "हाथ करणों के घन्ने को दरजे दरजे बदल कर पहले और पेमाने पर विजली आदि की शांक से चलने वाले कसा है से पन्ने में बदल दिया जाय और किर कपना मिलों में बहुत दिया जाय और किर कपना मिलों में बहुत हिमा काय." इस "बदलाब (Conversion," के समय को हो कालों में बांटा गया है, पहला सन 1960

کر روا مونا ہے ۔ کیلئی سے جو آشائیں کی گئی تھیں وہ سب غلما تابت ھولیں ۔

، کبیتی کی رپورٹ کے انہمار اِس سیلہ بعارت میں کل البين الله تب موار كركم مين جن مين كيرل باره الكم أيسم ھیں ؛ بھو "اوراپاری تھنگ سے سولتا کے ساتھ چل بھے ھیں ،" ربرت کے یہ آناوے ٹیک نہیں مالے جاسکتے . کیٹی لے خرد اپنی رپورٹ میں لیا ها که اُس نے "کہیں کیس جہاں تہاں المدالي كر طور ير كتيج كركه كنوا كر أن كر أدهار ير سارم بهارت کے لئے یہ آنکوے تیار کوائے ،" پر یدی اِن آنکوس کو ٹھیک بھی مان لا جاوے تب بھی آیک بات اسپشٹ ہے که کمیٹی لے کلول اُن کرگھوں کو لیا ہے جو ''کدیٹی کی تحقیقات کے سیٹے'' چل رہے تهية و العميل معلهم هد كم ليس است كهين أدهك تعداد أن كركون کی ہے جو کچھ سال پہلنے نگ چل رھے تھے اور جو اب چھھے مول یا جلالے کی تبدیاں بات ہوئے کہنوں میں پڑے میں اور جن یہ کلم کرتے والے کاریکروں کے پلس آب سوا اِس کے کوئی چارہ نهين که يا تو کهين کوئي اور روزي قموندين يا بهوکه مرين ، یو ، بنی، باکر افلاریشن کے صدر کی حیثرمت سے دورہ کرتے اهواء آروزديق كے كئى ضلموں كے بہت سے كان ميں اس طرح كے مواروں انھاکے بنکروں ان کے بال بھوں اور ان کے کرگھوں کی اس وردشا كو هم في أيلني ألكهون سے ديكها هے ، اِس طرح كي کرالوس کی اور ادهیان الله دیال میں هی کمیلی کو اپنے کم میں سورها دامانی دی . جو کرگی کدیتی کی تحقیقات کے سمار تک حل رفع تند أن ميں سے يہي كنيتي لے جو كتى مجهار ديثه هين وہ کیوال اُن کوگھوں کے بارے میں ھیں جو اُس سنٹے تک کمیٹی كي والعاد مدين الوياداري الله الك سه سوالها كي ساته جل ره تعد اله یمائی جو ماول کے زار دست مقابلے اور چاروں طرف کی ورودھی پرستھائی کے نعوتے عولے ہی کسی طرح تھرڑا تہت متافع کما رہے ، ہیں ، باتی سب لگ بیک پنچہار نیصدی کرگہوں کے لئے جو ھمازے آزاد ھرلے کے دین تک چل رہے سے اور کھی اب بھی چان رم میں اکمیائی کے افرسار اب دائیا سیں کوئی جاکه الہدس رمی ارو ند رهنی چادئے .

اب ہمیں یہ درکہنا ہے کہ جور کوگیے آبیں تک "وراداری شعنی سے مالنے کیا رہے میں کرتے کا کیا سجائی ہے کہ ارہے میں کرتے کا کیا سجائی ہے کہ تعرب اور بنائی کے دهندے کو ترب حصول یا تین درجوں میں بانٹا ہے: ایک هاتے کرگے در برجول میں بانٹا ہے: ایک هاتے کرگے اور تیمسرے کرتا ملیں ۔ اِس کے بعد کرتے کا مجہاؤ ہے کہ "تعتی کو توجہ درجے درجے بدل کر پہلے چھرتے کو درجے درجے بدل کر پہلے چھرتے کو درجے درجے درجے در پہلے جھرتے پہلے کو کرس پہلے کو درجے درجے اور پور کیوا ملیں میں پہلے دیا جاتے اور پور کیوا ملیں میں پیدل دیا جاتے اور پور کیوا ملیں میں بدل دیا جاتے اور پور کیوا ملیں میں بدل دیا جاتے اور پور کیوا ملیں میں بدل کر پہلے حیات کو جو کالی میں بانٹا کی ہے؛ پہلے میں 1060 کے سیٹے کو جو کالی میں بانٹا کی ہے؛ پہلے میں 1060 کے سیٹے کو جو کالیں میں بانٹا کی ہے؛ پہلے میں 1060 کے سیٹے کو جو کالیں میں بانٹا کی ہے؛ پہلے میں 1060 کے سیٹے کو جو کالیں میں بانٹا کی ہے؛ پہلے میں 1060 کے دیات

जनतां ने दिल्ली में, लखनक में, बारावड़ी में। और देश भर में भी रकी भाइमद के लिये जो गहरा प्रेम दरशाया भीर उनके चले जाने पर जो शोक मनाया कर जनता है दिल की चीज थी. एक जवाहर लाल जी को छोड़ कर देश भर में शायद ही कोई मिनिस्टर आज आय जनता में इतना सबको प्यास हो जितना शी रकी बहमद बे. हमारा वनका भी पच्चीस बरस से उपर का गहरा और घनिस्ट सम्बन्ध था. साम्प्रदात्रिक मामले में भी रकी शहमद दतने डी पाक साफ और बेलाग ये जितना कोई भी इन्सान हो सकता है. वह अञ्चत आदमी ये जिन्हें कांग्रेसी और शैर कांत्रेसी. हिन्दू समाई श्रीर जन संघी, सोशबिस्ट बीर कम्युनिस्ट सब एक बराबर प्यार करते थे और जिन पर सब को एक बराबर भरोसा था, क्योंकि एक पार्टी बिरोश के होते हुए भी उनके बढ़े दिल के अन्दर सब के लिये जगह थी. वह . किसी के साथ रौरियत बरतना न जानते वे, सब को जरूरत के बक्त मदद देते थे, आदे बक्त में सब के कांग आते थे. जनता के सामने इस की सैकड़ों मिसालें हैं. छोटे से छोटे काम करने वालों और जनता के मामूली से मामूली लोगों से बह जिस सुके दिल से मिलते ये उससे मालूम होता था कि इक्रमत का बमन्द उन्हें कू भी नहीं गया था. जिस तरह से प्रन्होंते कन्ट्रोक्षों को हटाया और बीजों के माब कम किये उससे पता चलता था कि वह जनता के व्यादमी थे. और जनता का हित करने की उनमें सुक और साहस दोनों मीजूद बे. बढ़े दरजे तक वह एक आदर्श शासक और शासकों के लिये एक आदर्श थे. प्रेम, उदारता, सरलता, निस्स्वार्थता और सेवा भाव की वह मूर्ति थे. लाखों और करोड़ों हिन्दस्तानियों के दिलों में उनकी याद बरसों कनी रहेगी, हमारी यही ईरवर से प्रार्थना है कि वह उनकी जात्मा को शान्ति और उनके प्यारे कुटुम्बियों को धीरज दें.

28, 10, 34

(整 無人 成別) 化矿

— सुन्दरलाक

भारत सरकार और हमारे ग़रीब बुनकर

हमारा देश जब से आजाद हुआ है तब से हमारी हाक के कपने की दरतकारी तेजी से मिटती चली जा रही है, जिससे हमारे लाखों बुनकरों और उससे मिसते जलते घन्तों में लगे हुए दूसरे कारीगरों में बेकारी बढ़ती जा रही है. आरत सरकार ने हाल में एक बुनकरी तहकीकारी कमेटी (टैक्सटाइल इन्कावरी कमेटी) नियुक्त की भी. लोगों को जाशा हुई बी कि यह कमेटी सरकार के इक ऐसी वात सुमाएगी जिनसे हमाश हाब करने का बच्चा फिट से प्रमुक्त सके और गांवों और शहरों दोगों में बेकारी पर सके. कमेटी ने जपनी रिपोर्ट सरकार को है दी: रिपोर्ड की पह

جلتا الله الله المالو مين الاراد بالله المراديات يهر مين تقري رفيخ لفند ك الله عم قيرا يزيم درهايا الرو أن كي يلي بجائل بير يُهُوّ شرف استانا أو جادا كي دل كي اجتمر تي . ايک بهامر ال جي کر چير کر درهي سر مين هايد می کرئی ملسلو آنے عام بھلتا میں اتنا سب کو بیارا ہو جنتا شرى رائع الحدة في ماراء أن الأسى بجيس برس م أرير كا كروا أأور الهنصف مستعرية الهاال سالمزردايك معامله مين عربي رنيع لحدُّ اللَّهُ على ياك مُعْبِ أَوْرَ بَرِ لَكُ تِهِ جِنْنَا كُونِي * يَعْي انسان هو سکتا هے ، وہ ادبیت آدمی تھے جنہیں کانکریسی اور غیر کانکریسی محدو سیھائی اور جن سنگی سوشلست اور کیونسٹ سب ایک برابر پیار کرتے تھے اور جن پر سب کو ایک برابر المررسة الله كتواعد الك بارتي بشيم كے هوتے هوتے س اُن کے بڑے دال کے اکدر سب کے لئے چکہ تھی وہ کسی کے ساتھ غیریت برتنا نے جانیے تھے سب کو ضرورت کے وقت مدد دیتے تھے اُڑے وقت میں سب کے کام آتے تھے ، جنتا کے سامنے اِس كي سيكورن مثالين هون . جوز أله سه جوز له كلم كرف والوب أور جنتا کے معمولی سے ماکموان اوکوں سے وہ جس کالے دال سے ملتے تے اُس سے معلم هوتا تھا که عکرمت کا گھنڈ اُنیس چھو بھی نہیں گیا تھا ۔ جس طرح سے انہوں نے کنٹرولس کو مقایا اور چین کے آسی جین کے آسی کے اس سے بند چلتا تھا که وہ جنتا کے آسی سے اور ساعس دونوں سے اور ساعس دونوں حرجرد أه . يوت جرج تك وه أيك أأدرهن عاسك أور عاسكين كِ لَيْ الْكِ الْدِيقِي تِهِ . يولِمُ أَدَارِنا سرلنا بسوارتها أور سهوا بھاؤ کی واہ صورتی تھے ، الکھوں اور کروڑوں ھائیستائیوں کے دارس ميں أن كي ياد برسوں بني رهيتي ، هماري بني ايشور سے پرارتها ہے که وہ اُن کی اتما کو شائعی اور اُن کے پھارے کلمبھوں کو دھیرے

28 10 754 سالورا

 तक पनने हैं कर अपने में पर यह सब धर्मी की दकता में भी
पूरा विश्वास रकते में. किसी तरह की साम्भ्रदायिक या
प्रान्तीय सा कोई और तंग नजरी या हुआ हूत उनमें हू
भी नहीं नई भी. दिन्तू, असलमान, इसाई, बंगाली और
हिन्दुस्तानी उनके सिये सब बराबर थे. गीता और कुरान
उनके तिये एक से बावर की पुस्तके थीं. उनकी आसरी
वीमारी में जब मीत उनके सामने नाथ रही थी हमें एक
दिन कई बंटे उनके पास बैठने का सीभाग्य मिका. बार बार
उनकी सुन्नक्तारी हुई प्रवान से महात्मा गांधी की प्रार्थना
के मराहर अजन की यही लाइन निकल रही थी:—

"ईश्वर अल्लाह तेरे नाम-सब को सन्मति वे मगवान." बाब निरवानन्व चैटरजी एक रारीय गृहस्थ थे. पर उनकी रारीकी सूब अपनी मोल ली हुई थी. जवानी में धन कमाने के जनके लिये बहुत से रास्ते खुले हुए थे. वह चाहते तो खुप कमा सकते थे. पर उन्होंने अपना जीवन देश को आजाद कराने की कोरिशों में लगा देना अधिक पसन्त किया. वह हवं दरजे के नैक, सच्चे, ईमानदार, क्रनवापरवर, मेहमां भवात और प्रेम की साक्षात मूर्ति थे. राजकाज से बाहर किसी अपने साथ बुराई करने बाले का एक पल के लिये भी बरा चेतना उनके लिये नामुमकिन था. असवारों में जमकने की न उसमें कभी इच्छा हुई और न इसकी शायब अने थोम्यता ही थी. हमारी क्रीमी आजादी की इमारत में बह सजाबंट के परभर बनकर कभी न चमके. पर इसमें करा भी शक नहीं कि वह उन मुंबारिक और खुरा-क्रिस्मत लोगों में से ये जिमकी लाशों पर यह इमारत ऊंची की गई है और जाज सबी दिलाई दे रही है. हमें वह भी माख्य है कि द्वानिया की बड़ी से बड़ी और सुन्दर से सुन्दर इमारते' समाच्ट के पत्थरों के सहारे नहीं खदी रहतीं. वह जन पत्वरों और कंकड़ों के सहारे खड़ी रहती हैं जो मुनियादों में पड़े होते हैं और जिनकी तरफ कभी किसी यात्री वा दर्शक की निवास तक नहीं जा सकती, जिन नीजवानों के दिलों में सक्वी देश सेवा और मानव सेवा की लगन है उनके सिथे ऐसी जिल्लागयां काफी सबक्त देने वाली हैं.

20, 10, 54

—सुन्दरताल

श्री रक्षी जहमब किदबाई

26 कार्यकर सन 1964 की शाम को दिल्ली में श्री रही कार्यक किल्वाई की जनानक सन्दु सारे देश के लिये क्या कार्यक सोक मरी घटना की.

इस बाँक को को सतामियों और सरकारी टीपटाप से हुए कोई कावा नहीं. दुनिया की सरकारें अपनी शिक और कीवी काव को और सकतुत करने के लिये पेसे सब अवस्थि से कावा कटाया है। हैं यहां हमें मतलब केवल स्वनीय की काव कावा किवारों के क्यारित से हैं.

ود آيشور الله تهرم نامسب كو سمتى درم يهكوان. "

بابد نتها ند چدار چی ایک غریب کریسته ته . در آن كى فويدى خود أيابى سول لى دوئى تهى ، جوافى مهن دهن كانے كے أن كے لئے بہت سے راستے كيلے هوئے تھے. وہ چاہئے نو خوب کما سکتے تھے . يو أنهوں نے أيفا جھوں ديھى کو آزاد کرانے کی کرشمیں میں کبیادینا آدھک پست کیا۔ وہ حد درجے کے لیک سیے ایماندار کنبہ پرور مہماں لواز اُور پرام کی ساکشات مررتی تھے . رائے کلے سے باہر کسی اپنے ساتھ ہرائی کرلے رائے کا ایک پل کے لئے بھی برا چیتنا اُن کے للم نا سكن تها . اخباروں ميں چمكنے كى فہ أن ميوں كبھى اچھا ھوئی اور نہ اس کی شاید آن میں یوکٹا ھی تھی ۔ هماری قومی آزادی کی عمارت میں وہ سجارت کے پہو بن رکر كيمي ته جميه ، در اس مين ذرا يهي شك نهين كه وه أن مبارک اور خوش تسمت اوگین میں سے تھے جن کی قشوں پر یہ عمارت اوتھی کی گئی کے آور آنے کھوی دکھائی در رهی ہے ، ۹ من یہ بنی معلوم ہے که دنیا کی بڑی سے بڑی اور سلام سے سادر عمارتیں سعاوت کے بتہروں کے سارے نہیں کھری وهلیں ، وہ آن پتورس اور کفاورس کے سوارے کوی وہلی هیں جُوا بُاليادوں ميں پڑے هوتے ميں آور جن اي طرف كيمي كسى ناترف یا درشک کی نقاه تک تبین جا سعتی . چن تهجوانین کے دانس میں سمجی دیھی سیوا اور ماتو سیوا کی لکن ھے آن کے لگے ایسی والدگران کانی سری دیاے والی هیں :

20 . 10 . 154 سسلور ال

شري رفيع احمد كدوائي

48 اکتربو سن 1954 کی شام کو دلی میں شوی رفیع آھند کدوائی کی اچالک مرتبو سارے دیھی کے لئے ایک اتبات غیاب جوری گیاتا تھی ۔

امن موقع کی نوجی ساموں اور سرکاری ٹیپ ٹاپ سے اور کی نوجی کی ہے۔ محمول کائی واسطہ نیوں ، دلیا کی سرکارین اپنی عملی اور آبان دھائے کے اور مضبوط کرنے کے لاد ایسے سب لرسوں سے طبحہ آبانی جی محمول ، بیلی عمیاں ممالب کاول سیرکاد شری رفع احمد کورائی کے روکاتم سے فد ، के पीछे वाथकम से मिली हुई की पढ़ में पड़ी एक मोल सी अजीव पीज विसाई दी. उसे इन्सहान के लिये मेजा गया, पता पता कि कम बहुत सत्त्वाक था. इसकाक से रात की फेंकने वाले का निशाना पूक गया. कम बसाम कमरे के बंदर गिरने के झांककम के पीछे की नरम मिट्टी में गिरा और वहीं फंसकर रह गया, कानसामां की पोशाक में कमरें के पीछे से उस वम को फेंकने वाला भी जवान यही किस्सन द पैटर और या. पुलीस फेंकने बाके या उसके किसी साथी का सुरास में लगा ककी

इसी तरह की और भी घटनाएं इस समय हमारी याद के सामने हैं. पर हम यहां बाबू नित्यानन्द की जीवनी लिखने नहीं बैठे. भी ध्वरविन्द धोश जिस जमाने में कलकत्ते से बैठे हुए देश के क्रान्तिकारी धान्दोलन की रहनुमाई कर रहे ने इस जमाने में ध्वरविन्द बाबू के और इस मान्य के बीच में जो इने गिने लोग सन्देश लाने लेजाने का काम करते भे उनमें से एक बाबू नित्यानन्द चैटरजी में. लोकमान्य तिलक और लाता लाजपत राव दोगों से उनके गहरे संस्थन्य थे. यह थी बाबू नित्यानन्द की हारू की जिन्दगी.

तब से लेकर मीत के दिन तक बाबू नित्यासन्द बैटरजी का सारा जीवन अपनी छोटी सी राफि के अनुसार देश
की सेवा में दी बीता. सन 1908 के उस उर्दू अखबार
"स्वदाज्य" के साथ, जिसने भारत भर में शायद सबसे
जियादा परिटर जेल और काले पानी मेजे, बाबू नित्यानन्द
का पूरा सन्वन्य था. दिन्दी अखबार "कर्मयोगी" के जो
सन 1909 में निकल कर सन 1910 में बन्द हो गया
नित्याकन्द जी मैनेजर बे. प्रयाग पवलिशिंग कन्यनी के जो
'कर्म योगी' निकालती या नित्यानन्द जी मैनेजिंग बाइरेक्टर
थे. सन 1918 के साप्ताहिक "भविरय" और सन 1919 के
दैनिक "अविरय" योनों के बह मैनेजर थे. "नया दिन्द" के
वह मैनेजर थे ही. अखबारों, खासकर क्रीभी अखबारों और
पेस के काम का उन्हें बहुत गहरा सनुवा था.

जन सेवा की भी बाद नित्यानन्द में गहरी लगन थी. सन 1968 के खबध के मर्थकर अकाल से लेकर सन 1934 के बिहार मुकम्प तक जगह जगह उन्होंने जान लगा कर और डट कर दुक्तियों की सेवा की. सन 1919 में इलाहाबाद होमस्य लीग के दक्तर को वही सेमाने हुए के सन 1919 के बाद से वह महात्मा गांधी के सक्य प्रशंसकों में से के

सन 1930 और सन 1932 के सत्यामह बान्योलनों में उनका घर सब देश मध्यें और काम करने वालों के लिये जामव की जगह थी, सम 1980 में बहुत विमोधक मान्यीय कामरें का और बान्योलन का दोनों का बस्तर बन्हीं के घर में रहा,

नाम् निर्यातम्य मेटरजी कुछ कार से सेनार काकार

کے پیچوں بھی ووم سے ملی ہوئی انجور میں ہوی لیک گول سی عجوب چا کہ اور انجالی دیں۔ اُسے استعمال کے لئے بیوجا گھا۔ بند چا کہ اور بیٹی مطرفاک کیا۔ اُنجالی سے رات کو چینکے والے کا نشانا جوک گا۔ اور انجالی کیرے کے العواقے کے باتو روم کے بینکے والا ارجوانی میں انتخاصہ جینئر نہی کیا۔ پیلیس کے گوئی۔ بینکے والا ارجوانی میں انتخاصہ جینئر نہی کیا۔ پیلیس کے گھا۔

اسی طبح کی اور بھی گھٹنائیں اِس سے هداری یاد کے سامنے هیں پر ہم یہاں بابو ٹنیائیں اِس سے مداری یاد کے سامنے هیں پر ہم یہاں بابو ٹنیائید کی جیوئی تعلقہ هوئے بیتے . شوی آوؤد: گھوس جیس اِسٹی کی رهندائی کورھ تھا اُس ومالے میں آروند، بابو کے اور اِس پرائٹ کے بینے میں جو اِنے گئے لوگیا سندیش لائے لیسوائے کا کام کرتے تھا اُن میں سے ایک بابو ٹنیائند جیٹر جی تھے ، لکائیہ تھا اُن میں سے ایک بابو ٹنیائند کی شروع کی اُن کے گہرے سیباتھ تھا، یہ تھی بابو ٹبیائند کی شروع کی اُدگی

تب سے لیکر موجو کے دن تک یاہو تھا تان چیار بھی کا سارا جھیوں اپلی چھوٹی سن شکتی کے انسار دیھی کی مطوا میں ھی بھتا ، سن 1908 کے اس آردو اخبار " شوراجھ گئے اس آردو اخبار " شوراجھ گئے ساتھا جس کے بھارت بھر جال آرر کانے پائی بھیجھ اباہو فیلا للد کا پورا سبادت تھا، ھندی اخبار "کرم پورگی فیلا کی جو سن 1900 میں فکل کر سن 1910 میں باد ہوگیا فیلا کی جو تکور پورگی انگلی تھی فیلا فادن جی بھیلیجاگ کیلئی تھی فیلا فادن جی بھیلیجاگ تارکر تھی سیلیجاگ کیلئی تھی فیلا فادن جی بھیلیجاگ تارکر تھی سیلیجاگ کیلئی تھی فیلا فادن جی بھیلیجاگ کیلئی کولئی کولئی کولئی کیلئی کیلئی کیلئی کولئی کیلئی کیلئی

جی سوا کی جی ایو نتیا ایک میں گیوں گی تی ۔ س 1908 کے آرمہ کے بینتر آکل سے لے کر س 1934 کے بہار بورکسیدفک چکا چکا آئیوں نے جاں آبا کر اور ڈاٹ کر دکھیں کی سیا کی سے 1818 میں اداباد میں روال لیک کے جاتر کر رمی سامال کیلے تھے سے 1918 کے بعد سے وہ میادا کا دعی کے سعے رکھنائیں میں شاہد کھ



बाबू निस्यानन्द चैटरजी

सोलह अक्तूबर सन 1954 को दिन के दो बजकर बीस
मिनट पर "नया दिन्द" के मैनेजर बाबू नित्वानन्द बैटरजी
का इलाहाबाद में स्वर्गवास हो गया. बाबू नित्वानन्द नया
दिन्द परिवार में सब से बढ़े थे, परिवार के दूसरे लोग अपनी
अपनी उमर के अनुसार उन्हें 'दावा' वा 'वावा' कहा करते
थे, उनकी उमर लगभग तिहत्तर बरस की थी, कई महीने से वह
बीमार बले आते थे, बीमारी की हालत में भी "नया दिन्द"
परिवार के दूसरे लोगों को आए दिन हर छोटे बढ़े काम में
उनसे जो नेक और कीमती सलाह मिलती रहती थी, उसका
मिलना अब हमेरा के लिये बन्द हो गया. पर आजकल के
जमाने में उमर के लिहाज से उनकी मृत्यु डोई अवरज की
बात नहीं थी, उनके लिये वह मानसिक और शारिरक करटीं
से झुटकारा थी, इम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वह
उनकी आत्मा को शान्ति और उनके कुटुन्वियों को धीरज हैं.

बाबू नित्यानन्द जम पुराने त्यागी देश अकों में से बे जिन्होंने सन 1905 में बंगाल के दा दुकड़ें किये जाने के बाद इस देश को कांग्रेजी राज के पंजों से बाजाद करने का बीड़ा उठाया था और जिनका सारा जीवन इसी धुन में बीता. इन पंक्तियों के लेखक का बाबू नित्यानन्द के साथ पूरे अइतालीस साल का नहरा सन्बन्ध था. इस देश की आजादी के इतिहास के बहुत से पन्ने ऐसे हैं जो धागे की नसलों की निगाइ से हमेशा बोंग्यल ही रहेंगे. शायद यही जच्छा भी है. जागे की नसलों पर सब बातों को याद रखने का बाम क्यों डाला जाय. फिर भी इस अवसर पर इस बाबू नित्यानन्द के शुरू के बीबन की एक बोटी सी घटना बयान करते हैं.

काल से नगसंग दिनातीस बरस पहले एक दिन सुबह को क्षेत्र बाताबारों में गई खबर हापी कि पिछली रात इसाहाबाद के धारियों कराब के एक कमरे में इस प्रान्त के इस बावे को जागरेज हाकियों की एक बैठक हुई थी. नए बाताबाद को इसाने की दरकी में सोची जो रही थीं. बैठक साहित में हो गई पर बागते दिन सुबह को बैठक बाले कमरे

بابو نتيانند چيترجي

بلبر فتهائد أن برائے تهائی دیھی بهتری میں سے تھے جاہوں نے سن 1905 میں بنگال کے دو ترت کے جائے کے بعد اس دیھی کو انگریزی رائے کے پنجیں سے آزاد کوئے کا بیرا آٹھایا بھا اور چن کا سازا جاہرا اسی دھن میں بیتا ۔ اِن پنتیس کے لیکھک کا باہر فتیاند کے ساتھ پررے ارتالیس سال کا گہرا سبندھ تھا ۔ اِس دیھی کی آزادی کے انہاس کے بہت سے بغہ ایسے ھیں جو آگے کی فسلوں کی نیاد سے ھیشہ اُرجیل ھی رھینگے ۔ شاید کہی انجا بھی ہے ۔ آگے کی فسلوں پر سب باتوں کو یاد رہینے کا بہت کیوں ڈال جائے ، چو بھی اِس اُرس پر ھم باہو کو یاد کیاد کے شروع کے جیوں کی ایک چھوٹی سی گھنا بیاں کرتے میں گھنا بیاں کرتے ہوئی سی گھنا بیاں کرتے ہوئی سی گھنا بیاں کرتے ہوئی سی گھنا بیاں کرتے

آنے سے ایک بیک چینالیس برس پہلے آیک دن مینے کو کیچ آخیاروں میں یہ خبر چینی که پنچیلی رات الداداد کے کیچ آخیاروں میں ایک درسے میں اِس پرانت کے کچھ آئی پر ایک درسک مرکی تھی ، نئے آئیوں کی ایک درسک مرکی تھی ، نئے آئیوں کی ایک درسک جارمی تھیں ، پرٹیک شائی سے موگی ، پر اگلے دن ضبح کو بیٹیک والے کبرے شائی سے موگی ، پر اگلے دن ضبح کو بیٹیک والے کبرے

ירא צפי

लारोंग की गर्दन पर मां येह की आंखों के गरम गरम आंस् टफ्कने लगे. वह खड़ा हो गया और दोनों बाहों में बूढ़ी मां को समेट लिया.

वह बोला—"मां, यह सच है. मैं तुम्हारा ही बेटा हूं." मां यह को इतनी बातें करनी थीं कि वह कहां से ग्रुक्ष करें, समम नहीं पा रही थीं. सिसकियां लेते हुये वह बोली— "मेरा मन यह सोचकर ही धूना से भर जाता है. जमींदार जेंग का अत्याचार तो आकारा की जचाई और समुद्र की गहराई से भी ज्यादाथा. उसकी तो बोटी बोटी काटकर कुत्तों को खिला देनी चाहिये. तुन्हें मुमसे बीस बरस तक अलग रक्खा गया. सारा परिवार इधर उधर झिन्न मिन्न रहा. यदि च्यरमैन माओ का राज न आता तो मैं शायद तुन्हें देस भी न पाती. तुन्हारे पिता, तुन्हारे बढ़े भाई, तुन्हारी बहिन जेंड,....जेंड इतनी प्यारी लड़की है. बीस साल तक मेरे साथ तकलीफ जठाती रही."

700 PAGES, 22 ILLUSTRATIONS 2 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAE

Rs. 780

A MATTER E PARTIE A.

A vivid narration of the glorious and wonderful achievements of New China...A picture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China in the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known

Encelopsedic...characterised by scute observation of detail as well as by instinctive grasp of the fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

Blitz, Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose, the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it.

Bharas Ivetl. Bombay

The wealth of information it gives on China new and old., makes fascinating reading. is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

Indian Education Markes

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Bundarial's) shroud understanding of man and matter... brings to light the mighty endoavour of the Chinese People to rebuild their great mation on first new foundations for a tomorrow which is theirs.

हे जीन क्षेत्र को विकास विकास पाइती की कि क्सका सर्व का गांव

मह बोली भागे, यह विस्कृत सच है. एक ह्यार वार रच है, क्ष्म काम बार सच है, जिस दिन तुमने मुम्म बताया ॥ उसी के दूसरे दिन मैंने इस विराय पर खे-पिंग से वातें ते वी. जब वह सकता पहुंचाने गया था, समय निकाल कर ह रोंक्स कीला बांच भी गया. खे-पिंग ने उसे दूंड निकाला. जिससे खोंच के सरकारी दस्तर में मिल कर जा रही हूं. गंव के सेवर उन्हें वहां जाने से पहले नारता करा रहे हैं."

खुती के कारन मां येह को अपना शरीर हल्का होकर इता हुना महन् महोते लगा. यह जानन्द से विभोर हो उठीं. गलों के सामने खु पलायन हा गया और सारी दुनिया गयती दिखाई देने लगी. जन मर के लिये वह यह भी भूल गई कि वह कहां बैठी हैं. अब तक उसे होश जाये जेह जा इकी थी. बूदी मां आंखें मल मल कर देखने लगीं कि कहीं गब तक सपना तो नहीं देख रही थीं. जभीन पर कपदा नखा था, सुई और डोरा भी वैसे ही रक्खा था. उसे सामने श सदक पर आदिमयों की एक टोली उसी की तरफ आती देखताई पदी.

मां यह आंख काड़ काड़ कर देखने लगीं. जितना ही वह जाने का प्रयक्त करतीं, जनकी परेशानी ज्वानी ही वह जाती. एसने अपने मन में निरचय कर लिया कि उस टोली में उनका गेई लड़का नहीं है, बद अवश्य ही कोई दूसरा व्यक्ति होगा, लि उसके पर के नजदीक जा गई थी, पर उसे जब भी एक नहीं दिखताई पदता था. अब सब लोग उसके करीब गा गये के, भाषावेग में उसका शरीर हिलने लगा.

बुधती नवरों से मां यह ने देखा कि उसके सामने एक म्ना आदमी सिर मुकाये सदा हैं. वह बोला—"मां!" सका गंदा भर आया था. वह आगे वढ़ कर अपने हाथों। उसका मुद्द अवा करना वाइती भी लेकिन वह हिल मी सबी, तब तक सब आदमी इकड़ा हो गये थे और वह नके क्षेत्र विर गई.

जैब ने तैन्य अक्षा कर रोशनी की कोर सब लोगों को ठावा सो के बीरे जीरे अपने को पूरी तीर से संगल कु की जिल्ला अब अनको समज में काया कि उनके सामने क्या । यहा के बाद अब करों हों जीर हाथ में सेम्य लेकर एउनकी से अवसीक गईं. उसका सिर थोवा सा कुका कर समें अवसी अब के बास पक निशान हु जो का प्रवन्न कर कर अब अब अब अब के वीरावश की मिशानी—गर्दन पर काला वर्षा कर बाद कर बाद की मिशानी—गर्दन पर काला वर्षा कर बाद कर बाद की मिशानी—गर्दन पर काला वर्षा कर बाद कर बाद की मिशानी—गर्दन पर काला

की कि जा बाता में आरोग ही हो", पर पोली.

کے آنگ آلگ بگور وشراس دالیا جامعی تھی کہ اُس کا بھائی آ آگھا ہے ۔ انگرا ہے ایک مدالہ کا در دالیا سے ہے۔ ایک مدار دار سے ہے۔

روة بولى تسافقلى يه بالكل سي هـ . أيك هوار بار سي هـ؛ أيك فاي بار سي هـ .

جس دن تم نے مجھے بتایا تھا اُسی کے دوسرے دن میں نے اِس وشت پر زے - پنگ سے باتیں کی تھیں ، جب وہ قلت پہرلتچانے کیا تھا سے نکال کر وہ شیلتچا فیلڈ گائی بھی گیا ، زے ، پنگ نے اُسے تھرلتھ نکالا ، میں اُن سے گائی کے سرکاری دنتر میں ملکر آ رہی ہوں ، گاؤں کے میٹر آنہیں یہاں آنے سے بہلے ناشتہ کوا رہے ہیں ،"

خوشی کے کارن ماں یہ کو آپنا شریر هلکا هو کو آزتا هوا معلم هوئے آگا. وہ آلک سے وبھور هو آئیس ۔ آلکیس کے سامنے دهلدهاین جہاا گیا آور ساری دنیا ناچتی دکھائی دیلے لگی ، جین بھر کے لئے وہ یہ بھی بھرل گئیں که وہ کہاں بیٹھی هیں۔ جب تک آسے هوش آئے جیت جا چکی تھی ، بوڑھی مال آئکھیں مل مل کو دیکھنے لگیں که کہیں آپ تک سہا تو آئیس دیکو رهی تھیں ، زمین پر کرآ رکھا تھا ، سوئی آور درا نامیل کی ویسے هی رکھا تھا ، آسے سامنے کی سرک پر آدمیوں کی ایک ٹولی آسی کی طرف آئی دکھائی بڑی ،

مل یو آنکویں بھار پھار کر دیکینے لکیں۔ جتنا ھی وہ دیکینے کی پریٹانی کی پریٹانی انکی ھی بڑھ جاتی ، اُس لیے آپنے می میں اُن کا کوئی لیے اپنے می میں اُن کا کوئی لیکا نہیں ہے، وہ اُرشیہ ھی کوئی درسرا ویکٹی ھوگا ، ٹولی اُس کے گور کے نزدیک آ گئی تھی' پر اُسے اب بھی صاف نہیں ھیکائی پڑتا تیا ، اب سب لوگ اس کے قریب آ گئے تھے ، بھاواویک میں اس کا شوع ھانے لگا ،

جید دووتی هوئی آوپر آئی آور ماں کو سلبھان<u>تے هوئے۔</u> پولی—" مان' یه دیکھر' بھائی لاشیانگ آگئے!''

دعندهای نظروں سے ملی یہ نے دیکھا کہ اس کے سامنے ایک لمبا آدمی سر جهکانے کھڑا ہے ، وج بولات المبال ان آس کا گل ایک لمبا آدمی سر جهکانے کھڑا ہے ، وج بولات اس کا منع ارتیا کوفا چلعتی تبی لیکن وہ ہاں یعی نہ سکی ، تب تک سب آمری اکتها ہو گئے تھے اور وہ اُن کے بیچ گھر گئی ،

جید نے لیمپ جلا کر ررشنی کی آور سب لوگوں کو بیتیایا ،
ہیں یہ دهیرے دهیرے اپنے کو پوری طور سے سنبیال چکی تھیں
ٹیر آب آن کی سمجے میں آیا کہ آن کے سامنے کیا هو رها ہے .
وہ آتو کہری هوئیں اور هاته میں لیمپ لیکڑ آجنبی کے تودیک
گیں ، آس کا سر تهوڑا سا جیکا کر اُس نے آس کی گردن
کی پانس آیک تشان تھرنتھنے کا پریتن کیا ، اس کے لوکے
پانس آیک تشانی ۔۔۔گردن پر کالا نشان۔۔۔اس ریکای کی
گی پھوائی کی تشانی۔۔۔گردن پر کالا نشان۔۔۔اس ریکای کی
گیفن پر تھا ،

المراب الله المرابع واستومين التياك هي هوا وه بولي.

क्ता है. पहिले यह खुद वहां जावार देशे कि क्या हाल है मीर फिर बाव में तब किया जायेगा कि आगे क्या हो."

उसने जेर को चेतावनी वी कि मां बेर को अभी कक न गताये क्योंकि धनकी उम्मीदों को बढ़ा देने से और उन्हें स्यादा चात्रर बनाने से कोई लाभ नहीं है.

जिस दिन गांव बालों की टोली शहर को जाने वाली बी नेह ने चुपके से वह सममीहा पत्र जिससे बचवों की अवला बदली हुई थी को-पिंग को दे दिया. गांव के अधिकारियों से इसने जाने के पहले ही एक परिचय पत्र भी प्राप्त कर लिया.

पक के बाद इसरा दिन गुजरता गया. गांव की टोली शपस आई और दूसरी बार रास्ला देने के लिये फिर बापस पली गयी. जब भी जेड दूसरी तरफ के ढाल को जाती बह लड़ी होकर जे-पिंग के आने का इन्तजार करती. अब वह भाशा लिये हुए भातर खड़ी रहती थी.

मां यह ने देखा कि जाजकल उसकी लड़की जेड क्यादा चिन्तित रहती है. यदि घर में जेड के पास काम महीं रहता था तो वह खाना खाते ही भाग निकलती थी.

मां येह एक विन उस पर नाराज हुई और कहा-"तुम्हारा विवाह होने जा रहा है, पर तुम तैयारियां क्यों नहीं करती ? गांव का आवश्यक काम फिर भी हो सकता है."

एक दिन शाम के बक्त कमरे के कोने में बैठी हुई मां वेह लड़की के लिये कुछ काक्षे कपढ़े सी रही थीं. सूरज दयने ही वाला था. थक कर मां यह पूर हो चुकी थीं. बद के सबी हुई और आंख मलने लगीं. सोना कि शाम की ठंडक में फसल को पानी ही दे आएं. घर से बाहर निकलते ही वेसा कि गांव के सरकारी दुप्तर से जिड दौड़ती हुई चली आ रही है, बूढ़ी मां येह खड़ी, चिन्ता से भरी नजरों से जेड का बौद कर आना देखती रहीं.

हांपती हुई जेड आई और मां के गले में हाथ डाल कर लटकरी हुये बोली-"मां, बहुत अच्छी खबर है, बहुत बढ़ी षात समे कहना है."

"क्या बात है ? द्वम हमेशा ऐसा ही कहती हो" मां

जैड ने पहले मार्च पर से पसीना पाँछा और बोली-'सां, क्या नेरी वार्धों पर विश्वास करोगी ? साई आया है ! बही माई जिसके बारे में तुम उस दिन रात में बतला रही #17

ं"कीन भाई १"

"वहीं भाई जिसके बदले में तुमने मुने लिया था, लारोंग !" मां नेह ब्यारचर्च चकित रह गई. एक बन रक कर वह बोली-"जैड, अब तुम बड़ी हो गई हो, बैबकुकी की बातें तुन्हें शीभा नहीं देती."

जेड तो सुरी से पागल हो रही और मां के कन्धें को बोनी हाथों से पक्ष कर उन्हें हिलाने लगी. वह भी के शरीर

W. P. W. W. W. W. W. W. W. W. W. W.

أم رق معدد كا مواليل من كد سال يبه كر أيم كمور ته بنائم كمالك ألكن أتبديق كو يوها ديناء عد أبر أنهيس زياده أثور بنالے عد کھی 🐞 فیلن 🛍 ہ

جس دون الن والن كي قولي شهر كو جائے والي تھي جيد لے بياتے سے بيات ياد جس سے بحوں کی ادلا بدلی مولی این چیز بالی کو دید دیا ، کان کے ادبواریوں س أس له حال ك بيل هي أيك يربح يتر بهي برايت

ایک کے بعد موسوا میں گذرتا گیا ، کاؤں کی تولی واپس آئی اور صوسوی ہار غام دیاہے کے لئے بعر واپس چاہی گئی ۔ جب بھی جھڈ مرسری مارف کے تجال کو تجائی وہ کوئی ہو كر زم - يعكب ك أله كا التعظر كرتي - أب وه أشا لله هواله أتور كورس رجالين تهن .

مان بيء الله الله الك ألم كن الكي جيد زياده چنتت رهتی ہے ، بدی گھر میں جید کے پاس کم نہیں رهنا تھا تو وه کهالا گهاتر هي بهاک تکلتي ثهي.

مان يهت أيك دن أس ير تاراض دوئين أور كها-22 تمهاراً رراہ هوئے جا رها کے ہر ہم تھاریاں کیوں نہیں کرتیں ؟ گاؤں کا آرشیکسه کام بهر بهی هو سکاا هـ : 3

ایک میں شلم کے وقع عموم کے کوفے میں بیٹھی عوثی مان يهم لوكي كرا الله كجه أجهد كبرت سي رهى الهدن ، سورج درباء هي والاتها . تيك كر مال يهم چور هو چكي تهين . وه ألَّه کری هوئیں اور آفکھ ملفے لکیں، سوچا که شام کی تبندک میں عصل کو بائی عن دیے آئیں ، گیر سے باہر نعلتے میں دیمیا که کاوں کے سرکاری دختر سے جہت دروتی هرئی چلی آ رهی هد، بوردی میل یهه کوری منتا سه بهری نظروں عبر جهد کا ضرر کو آنا دیکھتی رهیں .

ھانیتی ہوئی ہوت آئی اور ماں کے گئے میں اھانو ڈال کر لكيّ هول بوليسا بال الها أيها الهي غير ها يوت برى يات منجعے کہنا ہے۔ 🕬

" كيا بإجها في الم عبيه أيساء هي كياني عو " مل

جود العمل ماته يو سه يسياء يوليها أور يولي-" مان کیا میری پائیں ہو بھولیں کولی 🕽 بنائی آیا 🔄 ا رہی جاتی جس کے نائے ہوں تو اس دن راہ میں چھ رھی تیاں ا ''

مان بها المهاري بهاجا ره گاهن د ليک بهان رک کر ره

ار مولوں علی اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ ور اس کے قرور

वड़ी कही सूर्वे मार बार उभर आती थीं. हालांकि वसे पांपा यह की सभी कारों याद नहीं थीं, फिर भी अब वह उसे पहिले से भी कहीं जमादा प्यारे थें, पहिले से भी ज्यादा कदें और हजार युन्त ज्यादा सभींप मालूम देते थे. जेड की बातें युन कर मां. यह उकर दुकर जेड को ताकने लगीं. उसका मन भर आया...... वह न मालूम कितनी वार्तें कहना चाहती थी. जेड के बोलने के पहिले ही मां यह ने पूछा—"जेड, क्या सोच रही हो ? युक्तसे चुना तो नहीं करतीं ? हम लोगों के संग रहकर पुन्हें इतना हस उठाना पड़ा....."

जेड प्रवादा बरदारत न कर सकी. उसकी आंखों से आयुओं की धारा वह चली. मां के वश्चस्थल पर सिर रखकर वह फूट फूट कर रोने लगी.

बह बोली—"मां, तुम ऐसा क्यों कहती हो ? जमींदार वर्ग तक्कियों की कोई क्षीमत ही नहीं सममता. जेंग परिवार मुमे पाल पोस कर बड़ा ही नहीं करना चाहता था, मेरी जगह पर जमींदार के घर में मेरे माई को ज्यर्थ ही दुख उठाना पड़ा. मेरे ही कारन आज परिवार इधर उधर विखरा पड़ा है. कैसी परिस्थितियों में पापा की मृत्यु हुई! मेरा बस चले तो मैं जेंग की हहियां चवा डाल."

मां येह लड़की के चेहरे को धीरे धीरे सहलाने लगीं. वह बोलीं—''प्यारी बच्ची, तुम बहुत अच्छी लड़की हो. तुम जानती हो कि उचित क्या है. अब तो चेयरमैन माओ आ गये हैं और मैं शान के साथ कह सकती हूं कि तुम्हारा पालन पोसन उचित ढंग से किया है. तुम्हारी शादी का दिन करीब जाते देख कर ही मुक्ते तुम्हारे माई की याद हो आई. कीन जानता है कि बहु आज जीवित भी है या नहीं!"

× × . ×

चस रात जेड चन्टों जागती रही. सरपत की बनी दीवार के छेदों से चांदनी की लम्बी तिरही लकीरें बन कर कमरे में आ रही थीं. किर भी वह सो न सकी.

दूसरे ही दिन उसने कुल बातें जे-पिंग को बतलाई, जेड ने स्वयं केचुआन जाने की इच्छा प्रगट की. कुछ सोचकर जे-पिंग बोला—"यह आवर्षक नहीं है. यदि जर्मीदार जेंग की पोल पूरी तरह न खुल गयी होती तब जेड की बातें आवर्षक होतीं, जेचुआन में तो कितने पहिले क्रिशासुधार हो चुका है और जेंग को सजा भी मिल चुकी है. जहां तक उसके प्रेचुआन जाने का अरन है, उसे तो यही मालूम करना है कि ससका बाई जीवित भी है या नहीं ? यदि वह जीवित हो तो कितनी आनन्त की बात होगी. लेकिन यदि वह मर गया हो, तक जी मां बेंद का दुख और भी बढ़ जायेगा. "जे-पिंग ने केंद्र के सामने अपने विचार रक्के—कुछ ही दिनों में कर्म क्यान गाँव कालों के साम पुदो नगर में गल्ला पहुंचाने जाने हैं, कहा से रोजना की स्वार गांव करीब 60 ली اہم ہوی مولی بازی المر آئی ہیں حالات آسے پال ایک کی سبی باتی یاد فیض تیاں ، یعر بھی آب وہ آئے ہیے سے بھی کہیں زبادہ پیارے جھٹ پہلے سے بھی زبادہ جڑے اور ہزار گنا ازبادہ شمیر معلوم دیتے ہے ، جید کی ہتیں سن کر ماں بھت انہادہ کتنی باتیں کہنا چاہتی تیں ، جید کے برائے کے پہلے جی ماں انہاد کرتیں او ہم لوگوں کے سنگ رہ کر تسہیں اتنا دکھ آئیانا

کین ویانه برداشت که کر سکی اس کی آنکهرس سے دائش کی انکهرس سے دائشنووں کی دھارا به چای ماس کے رکھی استبال پر سر رکھکر اس بہا بھوٹ کر روانے لکی د

اوکیوں ہوائی سے وہ ملی تم ایسا کیوں کہتی ہو ؟ ومیندار ورگ اوکیوں کی کوئی قیمت ہی نہیں سنجھتا ، جینگ پریوار مجھ پال اپوس کو ہوا ہی نہیں کرنا چاہتا تھا ، میری جگه پر اومینذار کے گیرا میں مہرے بھائی کو ویرتھ ہی دکھ اُٹھاتا اپرا میزے ہی عارن آج پریوار اِدھر اُدعر بکیرا پڑا ہے ، کیسی پرستھتیوں میں پاپا کی مرتبو ہوئی ! میرا بس چلے تو میں پرستھتیوں میں پاپا کی مرتبو ہوئی ! میرا بس چلے تو میں خیات کی ہدیاں چیا دائوں .*

ماں یہہ لوکی کے چہرے کو دھیرے دھیرے سیالتے لکیں ،
وہ بولیں۔۔۔'' پیاری بچی' تم بہت اچھی لوکی ہو ، تم
جانتی ہو کہ اُچت کیا ہے ، آب تو چیرمیں ماز آگئے ہیں
، آور نمیں شان کے ساتھ کہ سکتی ہوں کہ تداراً پالن پرسن
اُچت تھنگ سے کیا تھے ، تمہاری شادی کا دن قریب آتے
فیکھ کر ھی مجھے تمہارے بیائی کی یاد ہو آئی ، کون جانتا
اُلا کہ وہ آتے جیرت ہیں ہے یا نہیں ا''

اس رات جین گهاتوں جاکتی رهی، سروت کی بنی دیوار کے چھیدوں سے چاندنی کی اسمی ترچھی لاہوری بن کو کرے میں آ رهی تبین کی ور بھی وہ سو ته سکی

درسرے می دن اس نے کل باتیں زے - پنگ کو بتالنیں .
جمد نے سرم زبچوان جانے کی اچھا پرگت کی کچھ سرچ
کر زے - پنگ بولا - " یہ آرشیک نہیں ہے . یدی زمیندار
جینگ کی پول پری طرح نہ کھل گئی موتی تب جیت کی
باتیں آرشیک موتیں ، زبچوان میں تو کتنے پہلے کرشی
سدھار مو چکا ہے آرر جینگ کو سزا بھی مل چکی ہے ، جہاں
تک آسے زبچوان جانے کا پرش ہے اسے تو یہی معلوم کرنا ہے کہ
آس کا بھائی جیوت بھی ہے یا نہیں آ یدی وہ جیوت مو
تو کتنی آئید کی بات موگی ، لیکن یدی وہ مر گیا ہو،
تو کتنی آئید کی بات موگی ، لیکن یدی وہ مر گیا ہو،
تی تو ماں بہت ک دی آور بھی بڑھ جانے گا ، زے - پنگ
ایڈ گھی والی کے ساتھ پرھو نگر میں غلہ پہونچانے
آپی ایڈ گھی والی کے ساتھ پرھو نگر میں غلہ پہونچانے

الوں میں آئے بھی اور دیائے کے لئے کہ جب وہ لوت کر گور اس میں آئے بھی کو دیائے کے لئے کہ جب وہ لوت کر گور ان میں آئے بھی کان میں آئے معلوم ان کہ آئے کہ بعد زماندار کے گور دو مرا کہ اُن لوگوں کے گوں بھی زمینے کے بعد زماندار کے گور دو بعد بندا عرائے تھے ۔ اِس لئے آب یہ کا لوکا غلم جیسا مانا جانا تھا ۔ اُس کے کرے بیٹے پرائے ہوتے سے بار بار مار کھاتے رہائے سے اُس کے بدن پر نیئے داغ کی دھاریاں سی پر کئی تھیں ، پایا یہ بھی کر اپنے بیٹے سے ملے تھے اُور کچے دیر باتیں بھی کی تھیں ، باتیں کر اپنے بیٹے سے ملے تھے اُور بھی دیا بھی کہ اُن کا دیا تھا کہ اُن کا دیا بیٹ بوراً ھی ھونہار اور نب کہت تھا ۔

ماں یہ لُم گھر کی پرائی کہائی جید کو سناتے حوثے کیا کہ شینجیا انبیات اوج کر آنے کے بعد پاپا یہ اتلے گرودہ تھے کہ دن بر آنہیں نے گانا می نہیں تمان کی جاتم ہو آنہیں نے گانا می نہیں کو آنہیں نے گیا تھا۔ ''کیا تمان کی جاتم ہو آمیر آنمییں کا سردے کس دھاتو کا بنا ہوتا ہے '''

جید ماں ہم کی بات شروع سے ھی بڑے دھیاں پورک سن رھی تھی ۔ جب آسے آپنے پتا کی باتیں معلوم ھوئیں تو وہ بہت زبادہ پریشان ھو آئی آور اس کا من آ آستور ھو آئا ۔ اس نے سپتے میں بھی آیسی باتیں نہیں سوچی بھیں ، آپنے جبین میں تو جید نے سدا دردرتا آبھان پریشانی ھی دیمی تھی آس کا گنان ھی کینے ھو سکتا تھا کہ وہ آیک زمیندار کی بیتی ھے آس نے ھمیشہ زمینداروں کو کومنتائی ادھیکاریوں کو جن سادھارن پر آئیائے ھی کرتے دیکیا تھا ، آس کی اپنی کر جن سادھار اور آس ورگ کے لوگوں میں منھیئتا نام مانو کو بھی قبین میں منھیئتا نام مانو کو بھی وہ سویم آسی ورگ میں بیدا ھوئی تھی آبی کا دماغ چیر کیائے گا ،

پر دھیں۔ دھیں۔ نجید نے آپنے کو سنبھال لیا ، وہ ماں سے برای دھیں۔ میں اورک کے لوگوں میں دل تہیں ہوتا اُن میں دل کی جاتم ہوتا ہے ، یدی کوئی زمیندار ہے تو یم الزمی ہے کہ نوشنس آور انجاجاری ہوتا ، پایا یہ وہاں گئے ہی کیں آ

کیا آنہیں وسیداروں کی وہ وشیعتا نہیں طوم تھی ا'' ماں یہ لے دھیرے سے سو تھیا اور کیا۔'' چنت ست تھو۔ سہارے بنتا بہا تھیں بہت بہار کرتے تھے، وہ کیا کرتے تھے کہ بچہ بچہ بچہ ہے گیا ہے گیا تھا تھی تو یہ عمارے بریوار بہا کہ بیت کالگہ کی سیسی پریشان کرتا تھا تو بایا بہا اے بیت کالگہ کی بیسی پریشان کرتا تھا تو بایا درتا تھا کہ بیت کالگہ کی بھی کیں گیا کہ یہ تم سے بہت

درنا کیا۔ جند کی آلفظی کی بعد وہی فعن ۔ بایا بہت کی آسے دمدران سی بات میں آلش کی بات میں باتا کے آردوں میں موران

The state of the

गांव में बाने के तीसरे साल ही पापा वेह क्षुप कर शेंक्बा फील्ड गांव में अपने बच्चे को देखने के लिये गये. जब बह लीट कर घर आये तो गुस्से से कांप रहे थे. शेंज्या फील्ड में उसे मालूम हुआ कि उन लोगों के गांव झोड़ देने के बाद जमींवार के घर दो बच्चे पैदा ये थे. यह दोनों ही लड़के थे. इसलिये अब यह का लड़का गुलाम जैसा माना जाता था. उसके कपड़े फटे पुराने होते थे. बास्वार मार खाते रहने से उसके बदन पर नीले दारा की धारियां सी पढ़ गई थीं. पापा यह छुप कर अपने बेटे से मिले थे और इन्छ देर बातें भी की बी. बातें करने के लिये बहुत थोड़ा समय मिल पावा था, फिर भी पापा यह ने देख लिया था कि उनका बेटा बढ़ा ही होनहार छोर नटखट था.

मां यह ने घर की पुरानी कहानी जेड को सुनाते हुये कहा कि शंज्या फील्ड से लौट कर जाने के बाव पापा येह इतने कुद्ध में कि दिन भर उन्होंने खाना ही नहीं खाया. घर में क्रेट्स रखते ही चिल्लाकर उन्होंने कहा था—''क्या तुम लोग बानते हो जमीर जादमियों का हृदय किस थातु का

बना होता है ?"

जेड मां येह की बात शुरू से ही बड़े ध्यान पूर्वक सुन रही थी. जब उसे अपने पिता की बातें माजूम हुई तो बह बहुत प्यादा परेशान हो उठी और उसका मन आस्थिर हो उठा. उसने सपने में भी ऐसी बातें नहीं सोची थीं. अपने जीवन में सो जेड ने सदा दरिद्रता, अभाव, परेशानी ही देखी थी. उसे इसका गुमान भी कैसे हो सकता था कि वह एक जमींदार की बेटी है. उसने हमेशा अमींदारों को, कुमिन्तांग अधिकारियों को, जन-साधारन पर अन्याय ही करते देखा था. उसकी अपनी समम में अमींदार और उस वर्ग के लोगों में मनुरयता नाम-मात्र को भी नहीं होती थी, पर किर भी बह स्वयं उसी वर्ग में पैवा हुई थी. उसका दिमारा कक्कर साने लगा.

पर धीरें धीर जेड ने अपने को संभाल लिया, बह मां से बोली—"मां, पर्मीदार वर्ग के लोगों में दिल नहीं होता, उनमें दिल की जगह पत्थर होता है. यदि कोई पर्मीदार है तो यह लापमी है कि वह नृशंस और अत्याचारी होता. पापा यह बहुां गये ही क्यों ? क्या उन्हें प्रमीदारों की यह विरोशता

नहीं माजूम भी ?

मां येह ने घीर से सिर हिलाया और कहा—"भिन्सित मत हो. जुन्हारे पिता येह तुन्हें बहुत प्यार करते थे. वह कहा करते थे कि कच्चा कच्चा ही है, चाहें वह लड़का हो या लड़की. प्यारी जेड के भाग्य में सकलीफ वठाना ही लिखा या, तभी तो बह हमारें परिवार में जा पड़ी. यदि तुन्हारा भाई तुन्हें परेशान करता था सो पापा वेह उसे बहुत डांटते थे. यही कारन था कि वह तुम से बहुत इंदता था."

जेड की फांसें लाल हो रही थीं. पापा वेह की उसे अंबरी की बाद थी. उसकी बाद में पापा के कपरी होंडों पर के वहाँ से बात जाने के समय तक का कर्च बलाने के लिये वह कर्दे सेच मुनिट काबल देशा.

इस अकार मां बेद के लक्का पैका होने के एक माह के अन्तर ही के परिवार को रॉज्या कील्ड सेत छोड़ देना पड़ा. बहुत दिनों तक कह इपर उधर मटकते रहे और अन्त में खेलुआन के सीमान्त इलाके कीचाक की सीमा के करीब दावा चीटी में उहर गये. वहां पापा वेह कोवला सोदते थे, नमक की चहुने काटते थे या किर जलाने की लकड़ी काट कर वेचते थे. बनका जीवन बहुत मुश्किल से चल पाता था. 1936 में मर्बकर कावाल पड़ा.

वेह अपने होंगी बच्चों को लेकर घर से निकल पड़े और भीख मांगने लगे. भीख मांगते वह खेचुआन के चीड़ के पेड़ बाले गांव में पहुंचे. यहां जमींदार लियू ने उन्हें छुझ काम दिया. मां पेड़ खाना पकाया करती थी और पापा यह खेत में काम करते थे. यूचिंग, जो अब नौ साल का हो गया था, जमींदार की मेड़ करियां चराने जाया करता था, पर उसे तनखवाह नहीं मिलती थी. चनको इल हतना ही मिल पाता था जिसमें वह अपना और अपनी छोटी बच्ची का पेट भर सकते थे. जमींदार लियू कहा करता था कि उसने यह इन्पति पर बड़ी दवा की थी. ऐसी ही दया की नौकरी वह करीन 'एक साल करते रहे. फिर पापा यह ने पहाड़ पर योड़ी जमीन साफ कर खेती करने की आजा मांगी. लियू ने उन्हें बोड़ी जमीन दे दी और उसका लगान भी तय हो गया, यचपि यह किसी को भी पता नहीं था कि उस जमीन का असली मालिक कीन है.

उस पहाडी जमीन की मिट्टी पथरीली की और उसकी तह बहुत पत्तली थी. वह फितनी भी मेहनत करते पर जनाज की बालियां लम्बी न होती थीं और फलियां भी बहुत ही होटी होती थीं. इस मामूली से भी रही कसल की रक्षा करने के लिये उन्हें जगली सुचारों, यहाँ, पहादी वकरियों आदि से बराबर सोडां लेते रहना पड़ता था. इसके बाद मी उन्हें जर्मीदार लियू और क्रीनन्तांग अधिकारी ली का अन्याय सहता प्यता या और उनकी गांग पूरी करनी पहती थी, पापा ग्रेह को बहुत मेहनत करनी पहती थी. जब ने थक कर बूर हो जाते ने तो बहुना मालाकर कहा करते वे कि मैं अपना सब उद्ध सेदी में लगा देता हूं पर घर ले जाने के लिये उपने में गंडी के बराबर जिलता है. साम्बबरा पास पहोस के अन्य किसान वहें जिलनसार ने, दे एक इसरे की मक्र करने में सर्वेव कार रहते थे. एक दूसरे को बदी जासानी से बनाह है किया करते वे और हर प्रकार सहावता करते थे. ऐसी प्रोरोस्थिति से विकारों से संपर्श करते हुए वेह व्यपित फिर के अपना अर बसाने में सफल हुये.

कि कारी जाने क्या कार्य के बारे में सदा नितित रक्षे के बार कर कार्यकार जान को है देना पना बा, मंगे راض پرکار ماں یہ کے لوکا پیدا ھونے کے ایک ماہ کے اندر ھی یہ پریوار کو شہنجیا نیات کیس جہر دینا پرا، بہت دفوں تک وہ افغر آدھر اندر اندر اندر میں زیجہاں کے سیمانت عاقد کیمچاو کی سیما کے تربب دایا گیاتی میں تبہر گئے، رھاں پاپا یہ کرنانہ کھورتے تھے اندک کی کروں کانی نیور جانے کی کروں کانیکر بیجیتے تھے ، اُن کا جھوں بہت مشکل سے چل پاتا تھا ،

یہ اپنے دونوں بہروں کو لیکر گھر سے فکل پڑے اور بیمکه مافکنے لئے ، بیمک مانکتے مانکتے وہ زیجوان کے چیز کے پغز والے گؤں میں پہونچے یہاں وامندار لیو نے انہیں کچھ کا دیا ، مل یہ کہانا پکایا کرتی تھی اور پاپا یہ کمیت میں کام کرتے تھے ، یہونگ جو اب نو سال کا ہوگیا تھا زمیندار کی بیمز بکریاں چوائے جایا کرتا تھا پر اُسے تنظواہ نہیں ملتی تھی ، اُن کو کل اُتنا ھی مل پاتا تھا جس میں وہ اپنا اور اُپنی چھوٹی بچی کا پیت بھرسکتے تھے ، زمیندار لیو کہا کرتا تھا کہ اس نے یہ دمیتی پیت بھرسکتے تھے ، زمیندار لیو کہا کرتا تھا کہ اس نے یہ دمیتی پر بڑی دیا کی توکری وہ توریب ایک پر بڑی دیا کی توکری وہ توریب ایک سال کرتے رہے بھر پاپا یہ نے پہاڑ پر ترزی زمین صاف کر کھیتی کرنے کی آگیاں مالکی ، لیو نے اُنھیں توزی زمین دے دی اور اُس کا لگان بری طے ہوگیا کردی یہ کسی کر بھی پتہ نہیں تھا کہ اُس زمین کا اُلیان بری طے ہوگیا یدری یہ کسی کر بھی پتہ نہیں تھا کہ اُس زمین کا اُلیان بری طے ہوگیا یدری یہ کسی کر بھی پتہ نہیں تھا کہ اُس زمین کا اُلیان بری طے ہوگیا یدری یہ کسی کر بھی پتہ نہیں تھا کہ اُس زمین کا اُلیان بری طے ہوگیا یک کرن ہے ،

اُس بہاری زمین کی ملی پتھریلی تھی اور اُس کی تہہا يتلي تهي . ولا كتابي بهي محملت كرني ير أناب كي باليال لمبي نه هوتی تهیں آور پهلیاں بھی بہت می چھوٹی هوتی نهیں . اِس معمولی سے بھی ردی فصل کی رکشا کرنے کے لئے اُنھیں جلکلی سوروں چ هوں نہازی بکزیر آدی سے برابر لوها لیتے ر لما پوتا تھا ۔ اُس کے بعد یہی اُنھیں زمیندار لیو اور کومنتانگ ادهیکاری لی کا الرائے سینا بوتا تھا اور اُن کی مانگ پوری كوئى پوتى تھى ، پايا يە كو بهت متعنت كرئى يوتى تھى ، جب وہ تھک کو چرر هو جاتے تھے تو بہودھا جھا کر کیا کرتے تھے که میں اُپنا سب کنچ کیتی میں لکا دیتا هوں پر گهر لے جاتے کے لئے آیم میں نہیں کے بزاہر ملتا ہے، بھاکیت رہی یاس یوس کے اُٹھے کسان بچے مللسار تھے۔ وہ ایک دوسرے کی مین قرالے میں سریوتلہر رہتے تھے . ایک درسرے کو بھی آسائی سے انتظار دسے دیا کرتے ہے آور هر پرکار سیانتا کرتے تھے . ایسی پرستیانین میں دفتوں سے ساکورش کرتے دوئے یہ دمیتی پفر سے لينا كور يسال مين سيهل هو أد .

یه دمیتی آی آس بجد کے بارے میں سدا جاتت رمانے تھ جید آلیس سفادار جالک کو دے دیتا ہوا تیا۔ تئے

प्रकीस वर्श पहिले मां येड चौर उसके पति वेचकान के शेंज्या खेत में क्रमींवार जांग की क्रमींदारी में रह कर खेती करते थे. उसकी कोठी के पास ही उनकी फुस की एक महैया थी. चौद के बारहवें महीने की चौबीसवी तारीक को राव में जब ठंडी बरकीली हवा चल रही थी मां वेह के दसरा बच्चा हजा, वह लक्का था, तीन विन बाद फर्मीदार की पत्नी के लक्की पैवा हुई, जमीवार जांग के परिवार में पिछली तीन पीडी से एक लडका बराबर होता आया था जिससे उनका वंश चलता रहता था. जमींवार जांग भी यही चाहता था कि उसे पुत्र की प्राप्ति हो ताकि वह अपना बेरा चला सके और जो इसकी सम्पत्ति का अधिकारी हो सके. जब उसके यहां बेटी ही पैदा हुई तो वह बहुत मनमनाया. पर वह अपना असन्तोश प्रगट करने में घवराता था क्योंकि उसकी पत्नी भनी और प्रमाबशाली परिवार की थी. वह अत्यन्त सुन्दर भी थी. इसलिये जांग उसे च्यार भी करता था और उससे बरवा भी बहुत था. उसकी पत्नी उसकी मनोवशा से मली मांति परिचित थी. बदाप बह जानती थी कि उसका पति शीघ्र ही कोई उपपत्नी नहीं के आयेगा पर इसकी सन्भावना तो इमेशा ही थी.

इसने पति से कहा—"तुम तो सममदार और योग्य व्यक्ति हो. कोई ऐसी तरकीव क्यों नहीं सोचते कि घर में एक पत्र का जाव."

× × ×

नवा साल हारू होने पर क्रमीवार जांग ने अपने कारिन्दे को यह परिवार से पिछला कर्ज वसल करने के लिये भेजा. इस बार उन्होंने येह परिवार की बहत तंग किया और जब केंद्र परिवार बहत ही ज्यावा लाचार हो गया तो यह प्रस्ताब रक्या के यदि वह अपने नवजात वालक शिशु को उनकी लक्की से क्वलने की तैयार हो जायें तो वह लगान के बारे में उनसे कोई सममीता कर ले'गे. नहीं तो उनका (येह परिवार वालों का) नया साल बढ़ा ही अयंकर बीरोगा. जमीवार के ही हाथों में चन विनों किसानों का जीवन रहता था. अजबर होकर. बांखों में बांस भर कर और यन पर हुआरों मने का बोक लाद कर यह दुम्पति ने इसे मंजूर किया. चन्त समय में भी जमींदार ने कब नवी और कठारे शर्ते जोड हीं, वसी रात शर्तनामा लिखा गया और उस पर इस्ताझर किये गये. येह दुन्पति ने मंजूर किया कि इस सममीते को वे इमेशा ग्रम रक्से ने, जर्मीवार की कोठी से 50 ली के केन के कान्दर वे नहीं रहेंगे और येह परिकार का कोई भी व्यक्ति जर्मीदार जांग की जमीन पर कभी क़दम नहीं रक्सेगा, जांग ने यह बाबा किया कि वह खसीन का लगान दो पिकल अनाज की जगह एक पिकल अनाज कर देगा जिसके बवले में बह उनका बैल लेगा, वह धरिवार

Likes & Lie of a land to the said سنسيا المساجين والمعالم جانگ كي سياداري مين واکر پیٹے کرتے تھے ۔ اُس کی کوٹھی کے پلس سی اُن کی پھوس کی اک میا تھے ، چاک کے بارھیں میناء کی چوہسویں تاریخ کو رات میں جب رہائتی پرنیلی ہوا جاں رہی تھی ماں یہ کے دوسوا ست عداً ، إلا الوكا على الهن عن بعد ومهادار في يتلى كيد لوكي سا میں اس اشتار والک کے بریوار میں بینجلی تین بہرخی سے ایک لوکا برابر ہیتا آیا تھا جس سے اُن کا وابض چلتا زھاتا تھا۔ ميندار جانگ بھي يبي چاهتا تھا که اُسے پتر کي پرايتي هوتا که ره ابنا پنھی خالیکے اور جو اُس کی سینٹی کا ادھیکاری ہوسکے، جب أس في بيان بيلي هي ييدا هوئي تو وه ببت بهليهايا . ير ود اينا المنترف يركف كرا مين مجبراتا تها كونكد أس كي یتنی دهنی اور پربهای شالی پربوار کی تھی ۔ وہ اتینت سندر بھی تهى . إس لله جانك أبت يهار بهي كرتا تها اور أس سه درتا يهي بہت تھا۔ اُس کی یتنی اُس کی منو بشا سے بہلی واثبت روبيوت تهن ، يدين وه جالتي تهي كه أس كا يتي شيكره هي كرر أسينتن لهون لے أثيكا ير أس كي سمبهارنا تو هميشه هي تهي. اس نے یتی سے کا۔۔۔ اتم تو سمجھدار اور یوگید ویکٹی ہو۔ كوئى ليسى تركيب كيون فيس سوهة كد گهر مين ايك يتر آجائينا

भी कोकी प्रवाद तो ठीक है, पर क्या वह भी तुन्हें मातूम है कि तुन्हारे परिवार का कोई सत्स्य आज भी वहां है १¹⁷

जेड परेशान ही गई. उसे तो यही मालुम या कि कीचाऊ में उसके परिवार के इस बार सबस्य बाये ये-वह. उसकी मी. पिता और बड़ा आई. जब वह सात बरस की थी उसका पिता एक बार जेलुआन गया था. जब वह दस बरस की थी तब फिर एसका पिता जेनुकान गया था. उसके बाद ही उन्होंने सुना कि उसकी मृत्य हो गई थी. उसकी मां को पूरा विश्वास था कि उसके पति की मृत्य का कारन कुरूप पार्मीदार जांग ही था. जब जेड तेरह वशे की थी उसके बड़े भाई को क्रियन्तांग के लोग क्रीज में काम करने के लिये पक्ष ले गये थे. इसके बाद उसका भी नाम फिर कभी नहीं सुनाई पड़ा. उसकी मां ने कई बार सोचा कि वह जेच्यान जाकर जमींदार जांग से मिल कर दो दो बातें करके अपना पुराना हिसाब चुकता कर ले, पर की नाऊ के सरकारी अफसरों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उसे व्यर्थ में ही परेशान न होने के लिये बहुत सममाया. उन लोगों ने कहा कि जेनुस्रान के रास्ते में ऊंची पहाड़ियां हैं और रास्ते खराब हैं और फिर वह बूदी हो चुकी है. फिर चेयरमैन माओ द्वारा दी गई प्रेरना के बल पर जे चुकान के किसानों ने स्वयं ही वहां के जमीदार से सभी किसानों के लिये पुराने जुल्मों की क्रीमत बसूल ली होगी. बच कर तो वह कही जा ही नहीं सकता था.

क्रमींदार कुमिन्तांग द्वारा नियुक्त कई गावों का शासक भी था. जब गांव में उसका मुक्कदमा हो रहा था उसने कई बार अपने बेटे के बारे में प्रश्न भी किये थे. वह यही कहती थी कि उसके बेटे को क्रमींदार ली-ही ले गया था.

जेंड बोली —"मैं जानती हूं मां, भाई यूचिंग को जर्मी-

वार के गया है.

मां ने कहा—''मेरी प्यारी बच्ची, तुन्हारे एक माई और भी हैं, मैंने तुन्हें बीस बरस तक पाल पोस कर बड़ा किया है पर तुन्हें बराबर अन्धकार में रक्खा है. तुम उसी काराज के पुलिन्दे को लेकर मेरे यहां आई थीं.'' काराज के पुलिन्दे की ओर इसारा करते हुए मां की आंखों से आंस् लुद्क पड़े, पर उसने फीरन पोंछ डाले.

जैस को यह जात सुन कर बढ़ा अवस्था हुआ. वह जैसे आकारा में पहुंच गई हो. उसने पूजा-- "मां, क्या यह

सम है १55

पूर्वी मां ने वेदी की कांसों में कांसें बाल कर कहा— "क्षाम है कर सुनों. मैंने तुन्हें बीस बरस तक दुल और सुद्ध में कांसी केदी की तरह पाला है, पर तुम मेरे कोस की जन्मी नहीं हो, जानींबार पाकमार्क जांग ही वास्तव में तुन्हादा कांच है।" مل ہوایں سدائیہ تو ہوک ہے پر کھا تھ بھی البیس مطرم ہے کہ تنہارے پریوار کا کرکی سیسیہ آج بھی اُھاں ہے 48 ا

ي جيد پريشان هرگائي . أت تو يهي مجلم تها كه كهچاو مين أس كر يوبولو كر كل جار سدسية أنه تهرسون أس كي مان وتا اور ہوا بھائی عجب وہ سات برس کی تھی اُس کا پتا ایک بار زیجہاں کیا تیا ۔ جب وہ دس ہرس کی تھی پھر اس کا پتا زیجواں گیا تیا. اُس کے بعد هی اُنہوں نے سنا که اُس کی مرتبو ھوگٹی تھی ۔ اُس کی ماں کو پورا وشواس تھا کہ اُس کے پتی کی مرتبو کا اکارن کروب زمیندار بجانگ هی تیا . جب جید تیولا ورهن کی تھی اُنش کے بوے بھانی کو کومتالگ کے لوگ فوج میں کام درتے کے لئے یکو لے گئے تھے ، اِس کے بعد اُس کا بھی لام یھر کہتے تہیں سنائی ہوا ۔ اُس کی ماں نے کئی بار سوچا که وہ زیجوان جادر زمیندار جانگ سے ملکر دو دو باتیں کرکے اینا یرانا کساف جعتا کر لے یہ کیجاؤ کے سرکاری انسروں اور یازتے کاریمکرتاؤں نے اسے ویزنہ میں هی بریشان نه هولے کے اللہ بہت سنجیایا . أن لوگوں نے کہا کہ ویجوان کے راستے میں اُونجی بہاریاں ہیں اور رأستے خواب میں اور بھر وہ بوڑھی ھوچکی ہے ، بھر چیئرمین ماؤ دوارا دی گئی پریرفا کے بل پر زیچوان کے کسانوں نے سویم ھی وهان کے زمیندار سے سبھی کسانیں کے لیے پرانے ظاموں کی قيدس رصول لي هوگي، بچوكر تو ولا كهين خاهي نهين سكتا تها .

ومیدرار کومنتائگ دوارا نریحت کئی گؤں کا شاسک ہی تیا، حب گؤں میں أس کا مقدمہ هو رها تھا اس نے کئی بار اپنے میں پرشن بھی کئے تھے، وہ یہی کہتی تبی که آس کے بیانے کو ومیدرار لی - هی لے گیا تھا ،

جید ہوای۔۔۔۔ والی جانتی ہوں ماں ' بیا ی یوچنگ کو زمنددار لے گرا ہے ۔

ماں نے کیا۔۔۔''میری پیاری بچی' تبھارے ایک بھائی اور یعی کے میں نے تبھیں بیس برس تک پال پرسکر ہوا کیا کے پر تبھیں برابر اند کار میں رکیا گے، تم آسی کافذ کے پلندے کی اُرر پلندے کی اُرد لیکر میرے بیاں آئی تبھی ۔'' کافذ کے پلندے کی اُرد لیکر میرے میں کی آبکیس سے آنہو لوطک پڑے' پر آس لیے نیرا پرنچے تالے۔

جیت کو یہ بات سائر ہوا اچنبا ہا ۔ وہ جیسے آناش میں پریسے ہے؟ اس نے پہاسے الاس کیا یہ سے ہے؟ اس نے پہاسے الاس کیا یہ سے ہے؟ اس نے پہلے کی آنکیس میں آنکیس خان خانر کیاسہ الاس کی دی اور سے الاس کی دی اور سے بیس بیس کی دی اور سے بیس ایس کی جنبی نہیں ہیں ایس ایس کی جنبی نہیں ہیں ایس کی واستو میں تبیارا باپ ہے ہے ؟ "

154 year

نيا هاي

यदि चेयरमैन माओं का राज न बाया होता तो में तुन्हारे लिये एक कंघा भी न सरीव सकती.

जेख बोली--- "मां, चाजकल दहेज की कौन चिन्ता करता है ? कपड़ा एक दो दिन बाद सी लिया जायेगा."

मां ने उत्तर विया—"अब तुम मुमसे अलग ही होने वाली हो. आज रात में तुमसे कुछ बातें करना चाहती है. आज मैं तुमे कहीं भी न जाने दंगी."

जेड ने सो ना—"आज मां बहुत जिन्तित हैं. शायद बह जे-पिंग के यहां जाकर नहीं रहना जाहतीं. पुराने लोगों का दृश्टिकोन ही कुछ दूसरी तरह का होता है. लेकिन मैं भी क्या करूं ? मां की गोव में बैठ कर खेलने वाली छन्न तो अब रही नहीं. मां का जीवन तो तकलीकों में ही गुजरा है. उन्हें कुछ दिन तो आराम के, खुशी के बिताने को मिलने ही चाहियें. मुक्ते क्या ? मेरी उन्न तो सभी केवल इक्कीस वर्श की ही है. इतनी जल्दी भी क्या है ? कुछ दिन बाद ही शादी हो जायेगी."

अपनी मां को सोने के कमरे में पहुंचाते हुए जेड ने सोचा कि वह अपने विवाह को कुछ वशों के लिये टाल देगी.

जेड को क्यान आया कि सभी वार्ते इसनी सरल नहीं बी जितनी सरलता से उसने अपने मन में तय कर डाला बा. इस परेशान, इस सोथी सोथी सी वह अपनी मां के चेहरे पर अपनी नजर 'जमाये बैठी रही. ससार कर गला साफ करने के बाद मां यह धीरे से बोलीं—"जेड, तुम्हें मालूम है, हम लोग यहां कहां से आये हैं ?"

जेड ने उत्तर , दिया-- "हां, तुन्हीं ने ता वतलाया था कि हम लोग पहिले दक्षिनी जेचुकान के रोंज्या कील्ड में रहते थे."

मां बोली—''ठीक, पर हम लोग वहां से की बाऊ प्रान्त के इस पहाड़ी इलाक़े में क्यों वले आये १⁴⁵

जेड की समक्ष में नहीं जा रहा था कि उसकी मां परिवार के इस पुराने इतिहास को क्यों दुइरा रही थीं. फिर भी वह प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अपनी पूरी जानकारी के सनुसार देती थी. उसने कहा कि वामीवार जांग ने उन्हें वहां से निकाल दिया था. يدى چيئرمين بناؤ كا رأي قد أيا هوتا تو ميان تبهارے لله ايك كنكيا بعي أنه خوريد سكتي .

جید برای بسالمل آن کل دهیو کی کون چنتا کرتا ہے ؟ کیرا ایک در فون بعد سی لیا جالیا ۔ ا

مل في أتر ديا التم معه سے الگ هي هوفي والي هو . آج رات مين تم سے كھي باتيں كرنا چاهتى هوں . آج ميں تحجم كيس بهى نه جالم درنكى . "

جیت نے سوچاند''آج ماں بہت چنتت ہیں۔ شاید وہ رہے۔
بنک کے یہاں جاکر ٹیمن رہنا چلفتیں۔ پرائے ٹوگرں کا درشتی کوں
ہی کچھ درسری طرح کا ہوتا ہے۔ لیکن میں بھی کیا کررں؟
ماں کی گون میں بیتھکر کھیلنے والی عمر تو آب رہی ٹیمن ،
ماں کا جیرن تو تکلینوں میں جی گذرا ہے ، آنہیں کچھ دن تو
آرام کے' خوشی کے بتانے کو ملنے جی چاہئیں۔ حجے کیا ؟ میری
عمر تو آبھی کیول اکیس ورہی کی جی ہے ، اتنی جادی بھی کیا
عمر تو آبھی کیول اکیس ورہی کی جی ہے ، اتنی جادی بھی کیا
ہے ؟ کچھ دین بعد جی شادی جرجائیگی ،''

اپنی ماں کو سرنے کے کدرے میں پہرنچاتے ہوئے جیڈ نے سرچا که وہ اپنے وواہ کو کچے ورشوں کے لئے ثال دیگی ہ

× × ×

اعتوی کے ایک پرائے صفوق سے ماں نے کپڑے میں لیقا ہوا کان کا ایک پلندا نکالہ وہ ایک پرائے دستاریز کو جو خود ورشوں تک باس میں رکھے رہنے کے کارن پیڈ اور جرجر ہوگیا تیا اپنی بیٹی کو دیکیانیا چاہتی تھی ، اس نے دستاریز کو کسرے میں رکھی چرکرر میز پر پییڈ دیا اور جیت کو رہیں بیڈنے کا آدیش دیا ،

جود کو دھیاں آیا که سبھی بالیں آتا یسرل نہیں تھیں جتنی
سرلتا سے آس لے آپنے من میں طے کر ڈالا تیا ، کچھ پریشان ا
کچھ کہوئی کھوٹی سے وہ آپنی ماں کے چھوے پر آپنی نظو جائے
بیتی رھی ، کھار کر گلا صاف کرنے کے بعد ماں یہ دھیوے سے
بیلیں سے انہ برلیں سے انہ کہاں کہاں سے آنے
بیلیں ا

جید لے آتر دیاسہ العان تبھی نے تر بتایا تھا کہ هم لوگ پہلے دکھنی ربحوال کے شیامیا فرات میں رعالے تھے ۔ اُن میں دروال سے کیمیاؤ پرانت میں بولوں سے کیمیاؤ پرانت

ع اس بهادي عليه مين كيول جله أنها"

جید کی سبعت میں نہیں۔ ارہا تیا کہ آس کی ماں پربواز کے اس پرائے انہاں کے نیوں نہیں۔ بھی تیں ۔ بھر بھی رہ پرتایک پرشن کا افر اولی پروں جانگاہی کے انہماز دیتی تھی ۔ اس نے کیا کو میڈیال بوالی نے انہیں رہاں سے نکال دیا تیا ۔ ' म्बर्ध पर बढ़े वर्तन को जल्दी में इक कर कोड अपनी मां के बनात में का गई और बोली—"मां, तुम दुकी क्यों हो रही हो ? मैंने तो सब तुम से पृष्ठ कर ही किया है. यह तो जुम बनी होनी. के पिंग के परिवार में तो केवल तीन ही व्यक्ति हैं. यह मेरे संग तुम भी वहीं चलो, तो भी उन लोगों को कोई आपित नहीं होगी. उनके खेत भी हमारे खेत से मिले हुए हैं. क्या तुम यह सोचती हो कि जे-पिंग तुम्हारा ज्याल नहीं रक्खेंगा ? यह पेसा हुआ, तो मैं तो हूं! में तो पूरा ध्यान स्वक्ता ही. पर पेसा हो ही नहीं सकता. जिसकी शिक्षा कम्यूनिस्ट पार्टी में हुई है यह अच्छा और हद ही होगा. पर यदि दुस वहां ठीक न रह सकीं तो तुम्हारे ही साथ में भी शहीं लोट अंडगी."

मां यह ने अपनी बेटी के कन्धे पर हाथ रख कर कहा— "त्यारी बच्ची, बेवक्की की बातें मत करो. यह तुम्हारें जीवन में संबंधित महत्वपूर्न घटना है. ऐसी कोई बात नहीं होनी चाहिये जिस से तुम्हारे भविश्य पर आवें आवे. मैं तुम्हारें लिये कुछ न कर सकी, रह रह कर यही क्याल मेरे मन में उठता है, और मैं दुखी हो जाती है."

एक लम्बी सांस लेकर मां येह ने अपने आंसू पोंछ डाले, पर वह अपने भाषोद्धेग को न रोक सकी. जब जेड फिर साना बनाने चली गई, वह स्वयं उठ कर पिछवाड़े के बराम्दे में चली आई. बाहर चारों और चान्दनी छिटकी हुई थी. ठंडी ठंडी हवा चीड़ के जंगलों को चीर कर पहाड़ के डालों से उतर कर आ रही थी. सामने के बारा को पार करते ही पहाड़ों ही की भ्रांसला छुरू हो जाती थी. इसी पहाड़ परपक पथरीली सड़क थी जो सीधे 'स्वर्ग द्वार' घाटी तक पहुंचती थी, जहां से दक्षिनी खेलुआन का इलाका छुरू हो जाता था. मां को यह सड़क नहीं विसाई पड़ रही थी. थोड़ी देर तक वह रोती रही. उसे जेड का बार बार पुकारना भी नहीं सुनाई पड़ा.

जब खाना तैयार हो गया, जेड बाहर आई और मां को खाना खाने के लिये अन्दर लिया ले गई. इस दिन मां ठीक से म खा सकी, उसका मन मरा हुआ था. बेटी के बार बार कहने पर बहु कही मुरिकलों से थाड़ा सा मात खा सकी.

गांव में विद किसी सभा का कार्यक्रम नहीं रहता था तो जेड़ सावा खाने के बाद बहुधा गांव के स्कूल में जाकर अखबार पढ़ा करती थी, स्कूल पहाड़ी के नीचे था. पर आज उसकी को तो करों जाने दिया.

"ते बाज बाहर मेर जाको", नां ने कहा. "आज हम लोग बैट कर उन कपड़ों को सियेंगे जो हम लोगों को बिजा के फुसल्क्स उस समय मिले वे जब वर्भीदार की जाबाद का बिकानों में बंटबारा हो रहा था. तुन्हारे लिये की बाव बनावेंगे. का उन्हें सीकर पूरा कर वेंगे. दिन हैं सुनी बचावा साफ दिखाई देता है. ज्यारी बच्ची, جیرائی پر جوراف برتن کو جلبی سے تعلیہ کو جدی آبلی میں کے بعل میں آگئی اور بولی سائن نم دکھی کیس طو رھی ھوآ میں نے بوج، کو ھی کیا تھے یہ تو شبع آبازی ھوگی، زے سینگ کے پریوار میں تو کیول تین ھی ویکٹی ھیں ، یدی میرے سنگ تم بھی وهیں چلو' تو بھی اُن لوگرں کو کوئی آپتی نہیں ھوگی ، اُن کے کھیت بھی ھمارے کھیت سے ملے ھوئے ھیں۔ کیا تم یہ سرچتی ھو کہ زے - پنگ تعبارا خیال نہیں رکھیٹا ؟ یدی ایسا ھوا تو میں تو ھوں! میں تو پورا دھیاں رکھیٹا ؟ پر ایسا ھو ھی نہیں سکتا ، جس کی شکشا کمیونسٹ پارٹی میں ھوئی ہو دہ اچھا اور درزھ ھی ھوگا، پر یدی نم وھاں ٹھیک میں ھوئی ہو تعبارے ھی ساتھ میں بھی یہیں لوت آونگی ،''

ماں یہ لے اپنی بیتی کے کندھے پر ھاتھ رکبکو کیا۔۔۔ "پیازی بچی، بیوتونی کی باتیں مت کرد ۔ یہ تنہارے جیرں میں سب سے مہتوپورں گرتنا ہے ۔ ایسی کوئی بات نہیں ھونی چاھئے جس سے تنہارے بیوشیہ پر آئے ۔ میں تنہارے لئے کنچہ تہ کرسکی، رہ رہ کر یہی خیال میرے می میں آئرتا ہے، اور میں دیجی ھو جاتی ھوں'''

ایک لمبی سانس لیکر ماں یہ فے اپنے آنسو پونچی ڈالے والے اپنے بھازدویگ کو نہ روک سکی . جب جیڈ پھر کیانا اوالے چلی گئی والے سویم آئیکو پچھراڑے کے ارآمدے میں چلی آئی ، باہم چاروں اور چاندئی چھٹکی ھوئی تھی . ٹینڈی ٹینڈی ٹینڈی ٹینڈی موال چیو کے جاکلوں کو چھرک پہاڑ کے ڈھالوں سے آئر کر آرھی تھی ۔ ساملے کے باغ کو پار کرتے ھی پہاڑوں کی شرنکھا شروع ھوجائی تھی، ایس پہاڑ پر ایک پھویلی سڑک تھیجو سیدھ آسورک درار گیائی تک پہرٹچوئی تھی، جہاں سے دکشنی زیچوئی کا عالاء شروع ھیجھاڈا تھا ، ماں کو یہ سڑک نہیں دکھائی پڑ رھی تھی، تھوڑی دنر ھیجھاڈا تھا ، ماں کو یہ سڑک نہیں دکھائی پڑ رھی تھی، تھوڑی دنر ھیک وہ روتی رھی تھی، آسے جھڈ کا بار بار پکارنا بھی نہیں سنائی پڑا .

جب کیانا تیار هوگیا' جید باهر آنی اور ماں کو کو دا کیائے کے لئے اندر لوالیکئی ۔ اِس دن ماں ٹییک سے نام کیائے کا میں بھرا ہوا تھا ۔ پیٹی کے بار بار کہتے پر وہ بڑی مشکلوں سے تھرڑا سا بھات کیاسکی ۔

گؤں میں یدی کسی سبھا کا کاریتکرم نہیں رہتا تیا تو جیت کھانا کھائے کے بعد بہردہا گؤں کے اسکول میں جاکر اخیار پڑھا کوئی تھی ، اِسکول پہاوی کے نہیچے تھا ، پر آج اُس کی ماں نے اُبعہ نہیں جائے دیا ،

الجهید آب باهر ست جار" ماں نے کیا۔ ''آب هم لوک میں ہوگا آن کوروں کو سایس کے جو هم لوگرں کو وجائے کے پول سوروپ آس سے ملے تھے جب معادار کی جاداد کا کسائیں میں بنتوارہ ہو رہا تھا ۔ تمارے آلے تئے کورے بنائینگے کل آنھیں سی کو پورا کردیائے دی میں معید زیادہ صاف دکائی دیتا ہے پیاری بجی'

(लेसक-राी-कः अनुवादक-कामेरवर अभवाल)

सूरज को पिच्छमी पहाड़ों के पीछे छुपे हुए काफी देर हो जुकी थी. जब जेब-चेह और जे-पिंग अपने चीड़ के पेड़ों बाले गांव के नजदीक पहुंचे अंधेरा भना हो चला था. वह अपना बिशह करने की नोटिस सरकारी जिला दक्तर में देकर बापस लीट रहे थे. कुछ ही मिन्टों में जेब-चेह हांपती हुई अपने घर में दाखिल हुई. इस घर में वह और उसकी मां रहती थीं. घर छोटा सा था जिस पर खपरैल पढ़ी हुई थी. इसकी दीवारें भी कच्ची थीं और सरपत और पतले बांसों की मदद से बनाई गई थीं.

शूढ़ी मां खाना पका रही थी. वह साठ वरस की हो पत्नी थी. अधेरे में उसे वर्तन भी नहीं सूम रहे थे. वह बार बार परेशान हो उठती थी. चूल्हे से निकलने वाली आग की लपटें उस अधेरे में विजली का काम देती थीं और इनकी झाया रह रह कर दीवारों पर नाच पदती थी.

धर में क्रदम रखते ही जेड ने कहा-"मां, मैं वापस आ गई, अब तुम आराम करो. मैं घर का काम पूरा कर दूंगी."

चमचा उसके हाथ में देते हुए मां ने दुल भरे स्वर में चहा—"तुम लोग भीरे भीरे क्यों नहीं चला करतीं ? सांस नहीं लेते बन रहा है."

वियासलाई द्रंड कर जेड ने तेल का विया जलाया. सरकंड की वीबार से इन इन कर आने वाली शाम की ठंडी हवा जस बाटे से विये से टकरा रही थी. चूल्हें के नजबीक ही, लकड़ी के एक स्टूल पर मां वेड बैठ गई और टिमटिमाती रोशनी में अपनी नजरें जेड पर जमा दी. लम्बी तनी हुई भीं, गोल गोल काली आंखें, मुंह पर आई हुई लाली, जेड के अंग अंग से सुशी फूटी पड़ रही थी. अवानक मां के मुंह पर का भाव बदल गया और बह परेशमन दिखने लगीं. वह कुछ पूछना चाहती थी, पर शब्द उसके प्रंड से निकल नहीं रहे थे.

रान्ति भग करते हुए जेड ही बोली—"मां, हम लोगों ने हुम दिन तय कर लिया है. जिला-नायक का कहना है कि अपले माह की पांचवीं तारीख को यह हमारे गांव में नये प्रमान पत्र हैंगे. यह दिन बहुत ही खुरी का होगा. उनका कहना है कि हमारा विवाह भी उसी दिन हो. मैंने जे-पिंग से भी वार्ते कर ली हैं."

मां, कुछ चौंक कर बोली—"पांचर्यों को !" वनकी आंखों से आंस् लुदक कर वनके चेहरे की सुर्रियों में दिखाई देने लगे. अपना मु हदोनों हायों के बीच कर केवह सुबकते लगी. (للمكن سيقي - أيد البرادك معلى شور اكروال)

سورج کو پہنچمی پہاڑوں کے پانچھ چھھ دوئے کای دیر ہو بنی ہیں، جب حقق می اور زم - پنگ آپنے چھڑ کے پھڑوں والے بنی کے تودیک آپنے چھڑ کے پھڑوں والے بنی کے تودیک پھیا تھے آفریفیرا گینا ہوچلا تیا ، وہ آپنا واد کرتے ہے ، بنی تولیس لوت رہے تھے ، بنی منظور میں جیت میں دادل بنی ماں رہتی تی ، گور چھڑا بنی اس کور میں وہ اور آس کی ماں رہتی تی ، گور چھڑا بنا جس پر کھوران پڑی ہوئی تھی اس کی ددواریں بھی بنی تیں اور سریت اور پتلے بانسوں کی ددواریں بھی کی تیں اور سریت اور پتلے بانسوں کی ددواریں بھی کہ تیں اور سریت اور پتلے بانسوں کی ددو سے بنائی

بوردهی ماں کھانا دکا رهی تی ، وہ ساتھ برس کی هوچلی ی ، اندهیرے میں آسے برتی بھی نہیں سوچ رہے تھ ، وہ ار بار پریشان هو آئیتی تھی ، چرامے سے نظرے والی آگ کی بتای آس آئیدیرے میں بجلی کا کام دیتی تھیں اور اُن کی بیارہ وہ در درواروں پر شاچ پڑتی تھی ،

گور میں قدم رکھتے ہی جیڈ کے کہا ہے۔''(یاں' میں واپس آ ٹی ، اب تم آرام کرو ، میں گیر کا کلم پورا کردونکی ،''

چمچا اُسُ کے هاتھ میں دیکھ هرائے ماں نے دکھ بھرے سور یں کہا سُن^{وی}م لوگ دھیرے دعیرے کیوں نہیں چا کرتیں ا بانس بھی لیکے نہیں ہرے رہا ہے ۔''

دیاللائی قامونید کر جایت نے تیان کا دیا جھیا ، سرکندے کی روار سے جھی جھی کو آنے والی شام کی ٹیندی ہوا آس جھوتے سے دیئے سے ٹاکوا رہی تھی ، چوام کے ٹیندیک ہی اگری کے اسٹول پر میاں بھ بیٹھ گئی آور ٹیٹیاتی روشنی میں اپنی ماریں جید پر جمادیں ، اسی تنی ہوئی باوں گول گول کالی نامیں ماہ پر جھائی ہوئی الی جید کے آنگ آئی سے خوشی برتی تھی پر جھائی ہوئی آئی ماں کے منہ پر کا تھار بدل گیا آور بریشان دیکینے گئی ، وہ آنچے پوچھا جاتی تھی پر شید سے خال ٹینی وہ تھے ،

مان کوئی چولکت کے ورانی ۔۔''پالموروں کو ا'' اُن کی۔ تکہن سے انسو الوکت کے اُن کے نجورت کی جوروں میں مکوئی بند لکے ۔ گیلاجم کرلین عالمیں کے بھی کرکے رہ سیکم اکون

- 5. क्या इस अपनी जीरतों को बराबरी का वर्जा देने के लिये तैयार हैं?
 - 6. क्या इस पिछकी जातियों को जगाने पर तैयार हैं ?
- 7. क्या इस पूजीवादी संस्थाओं और तास्लुकेदारी को मिदाने के लिये तैयार हैं ?
- ह. क्या इस तैयार हैं कि हिन्दुस्तान में सी कीसदी सैक्यूबर राज हो ?
- 9. क्या इस तैयार हैं कि तसाम ऐसी संस्थाएं जो साम्प्रदायक और राजनैतिक हैं दोनों ही मिटा दी जायें ?
- 10. क्या हम यह मानने और इस पर अमल करने के लिये तैयार हैं कि मजहब समाजी नहीं शखसी है ?
- 11. क्या इस तैयार हैं कि इसारे पहनावे, बोल जाल, रहन सहन और इसारे नामों से मजहब और फ़िक्कें की छाप मिटा ही जाये है
- 12, क्या इस तमास समाजी संस्थाओं (जैसे स्कूल, कालिज, अस्पताल करौरा) को फिक्कीदारी अड्डा बनाने से रोकेंगे और उन्हें नाम और काम से इन्तहाई सैक्यूलर बनाने की कोशिश करेंगे ?
- 13. क्या इस मजहबी आधार को छोड़ कर साइ-न्टिफिक और डैमीक्रेटिक आधार वाले क्रानून अपना सकते हैं ?
- 14. क्या इस भीरतों और अखूतों को सरकारी सहायता विये जाने पर राजी हैं ?
- 15. क्या इस वैयार हैं कि इस देश का विधान इन चौदद बातों के आधार पर हो ?

यह सवालात वह हैं जिनका इल हमारी समस्याओं का इल हैं. अगर इनका जबाब हमारे पास 'हां' है तो समभिये कि देश का कल्यान हो गया और अगर नहीं, तो मेरा जबाब सुन लीजिये:

"न सममोगे तो भिट जाकोगे ऐ हिन्दोस्तां वालों सुन्दारी दृश्यां एक भी न होगी दास्तानों में"

- کیا هم آپنی عورتوں کو برآبری کا درجہ دیئے کے لئے بتیار میں ?
 - 6. کیا هم پچھڑی جاتیوں کو جکانے پر تیار هیں ا
- 7. زکیا هم پرتجی رادی سنستهاؤں اور تعلقعداری کو مثانے کے لئے تیار میں 9
- 8. الم کیا هم تیاز هیں که هندستان میں سو فیصدی سیمولر آئے هو ؟
- 9 کیا هم تیار هیںکه تمام ایسی سلستهائیں چو سامپردائک اور رائے نیتک هیں دولوں هیں متادی جائیں 9
- 10. '' کیا ہم یہ مالئے اور اِس پر عبل کرتے کے لئے تیار ہیں کہ مذہب سیاجی انہاں شخصی ہے؟
- 11. کیا هم تیار هیں که همارے پہناوے ' بول جال' رهن سہن اور همارے ناموں سے مذهب اور فرقه کی چھاپ مقادی جائے ؟
- 12. کیا هم تمام سماجی سنستهاوی (جیسے اسکول' کالع' اسپتال وفیرہ) کو فرقتواری ادا بنانے سے روکیں کے اور آنھیں تام اور کم سے انتہائی سیکولو بنانے کی کوشش کریں گے؟
- 13. کیا هم مذهبی آدهار کو چهورکر سائند ک اور دیموکریدک آدهار والے قانون اپنا سکتے هیں؟
- 41ء کیا جم مورتوں اور اُچھوتوں کو سرکاری سہانتا دیائے جائے۔ بر راضی میں؟
- 51. کیا هم تیار هیں که اِس دیش کا ودهاں اُن چوده باتوں کے اُدهار پر هو ،

، یم برالات وی هیں جن کا حل هماری سمسیاؤں کا حل هیں، اگر اِن کا جواب همارے پاس آهان کے تو سمجھیئے که درهی کا کلوای جواب من لیجئے :

وونہ سنجوگے تر مت جاؤ کے آے ہنستاں رالو تماری داستان تک بھی تہ ہوگا کے استان میں ا

 े विकास एक सां हुआ है और अब मं हो रहा है, इजानी खबान के पुराने अहद्नामे का नुफाने नृह और मनुस्कृति का "जलप्राबन" एक सा है, सगोत्रवाद का रिवाज भी भारतवर्श में अबों और मिसियों की तरह था. अबों और मिकियों के इतिहास में और भारत के इतिहास में महामारत के समय तक सगी बहनों से भी शादी की मिसालें मिलवी हैं जो साइन्टिफिक और मनौवैद्यानिक आधारों पर बन्द

"हिन्दुस्तान की कलचरी समस्या"

भारती कलचरी समस्या के इल को स्रोजने से पहले हमें यहां के घिनावने वातावरन को बदलना होगा. हमारी जनता के बहुत बड़े श्रंग पर नैतिक गुलामी (Moral slavery), आई हुई है. मचहन के ठेकेदार-चाहे जाइन हों या सैयव या रोख या पादरी साहब, राजा और नवाब, भीर पूंजीपति—तमाम भारती जनता को गुलामी के चंगुल में जकते हुए हैं. सच्ची ख़ुहारी, सच्ची स्वाधीनता, सच्ची नागरिकता और भाईचारापन, आदमी आदमी के भीच सच्चा प्यार और सबा ज्योहार यह सब कुछ वह बातें हैं जिनके विराय में न सताये हुए सोचते हैं न सताने वाले. पढ़ने लिखने के बाद अगर कोई दलित जाति का आदमी इधर ध्यान देता है तो वह केवल बदले की भावना से और सताने वाली जातियां उनकी तहरीकों को इचलने के लिये नये जाल विद्याती हैं. भारती समाज में भावभी नहीं प्रैवा होते बल्कि हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई बरौरा पैदा होते हैं. यह कहना मूट है कि हिन्दुस्तानी को बुनियादी आजादी का पैदाइशी इक हासिल है. हमारे भाई बढ़े फ़क् के साथ इसे बर्दारत करते हैं कि उन्हें उनके मुनियादी इक न मिलें. हम ख़रा है हमें भले ही मजहबी किता पढ़ने को न भिलें, होटलों में छुमा खूत हो, कुए पर पानी न भरने दिया जाये, मन बाहा ब्याह न कर सकें, मन बाहा रोजगार न कर सकें !

इस समाज में भूना और नफरत ने इन्सानियत के टुकड़े दुकड़े कर दिये हैं, आजादी और डेमोक्रेसी का नाम लेकर इन्सानी सुमाबूम का मजाक्र न उदाएं. क्या हम सचमुच एक रास्ट्र के लिये एक कलचर नाहते हैं ? जगर हां तो क्या हम तैयार हैं :--

1. तमाम भारती जनता को खाने पीने, पूजा पाट और शादी ज्याह में बराबरी का त्यान देने के लिये ?

2. जात पात को तोड़ने वाले सरकारी कानूनों को मानने के लिये ?

3. जात पात का भेद फैलाने बालों को मुजरिम क्रयार

हेने के लिये ?

d. क्वां इस वैयार हैं कि सरकारी नौकरी पाने और ्वार्किमेंट की मेम्बरी घडन करने से पड़से अपने जान वात को : क्रोफ दें ?

ركس الكت اسا بواله لوراب سي عو رساعة . عرائي ربان ك رائے عبدالعد کا ظرفان قوم اور مارستوتی کا وحمل بلان ایک سا هے ، شاوتردنواف کا روالے بھی بیارساورهی میں عربوں اور مضربون کی طرح تھا ، عربوں اور مصربوں کے انہاس میں اور جارت ك إنهاس ميں مهامورت كے سم تك سكى بهنوں سے بعى شادى كي مثالين ملتي هين جو سائلانك أور منوريكيانك أدهارين يرب بند هوگليو ۽ ۾

VENT OF THE PARTY

برارتی کلیون سنسیا کے خل کو کھرجنے سے پہلے هدیں یہاں کے گھناؤنے واتاووں کو بدلنا ہولا ، هداری جنتا کے بہت برے انک پر ٹینک ظلی (Moral slavery) جائی مرئی ھے ، مذهب کے الدعودار- چاھ برهنو میں یا سید یا شیع یا يادري ماحمها راجه لور نواب اور يولعهن يعي ستيام بهارتي جنتا کو غلامی کے چاکل میں جارہ موٹے میں۔ سچی خودداری اسچی سرانھینتا سچی ناگرکتا اور بھائی چاردین ادمی آدمی کے بیج سچا پیار اور سچا بپوهار یه سب کچه ره باتیں هیں جن کے رش مين له ستائه هوأه سرچت هين له ستال واله . يرهن لكها کے بعد اگر کوئی عالت جاتی کا آدمی ادھر دھیاں دیا اف تو وہ كيول بداء كي بهاونا عد أور ستاني والي جانيان أن كي تحويكون کو کچلنے کے لئے نئے جال بچہاتی هیں ، بھارتی سماے میں آدمى فهين بيدا جوت بلاء هندو مسلمان سكه عيسائي وغيره ييدا هوتر جين ، يه كهنا جهرت هم كه هندستاني كو يايادي آزادی کا پیدائشی حق حامل ہے۔ منارند بھائی ہوے نجر کے ساته اسم برداشت كري مين كه أنهين أن ك بنيادي حق نه ملين ، هم خوهن هين عمين بهل هي منهمي كايين يومن كو نه ملين ووثاول مين جيواچوت هو كرئين برزياني انه عوراء دا جائية من جالة بياه تع كرسكين من جاجا روزكار تع كرسكين إ اس سیالے میں گھرٹا ارر تنزیب نے انسانیت کے تکوے اور كردية هين أزاني أور تدركريسي كا للم ليكر السالي سوج بوج كا مذاق ته أرانين . كيا جر سے سے ايك راشتر كے لئے ايك كالجر جاهتي هين اكر عال توكيا هم تيار هين :-

1. تدام بهارتی جلتا کو کالے بینیا برجا بات اور شادی ر

بیاہ عَنْی وَاوْرِی کَا اُسْتَهَای دینے کے لئے ؟ کانت پانچا کو تورنے والے سرفاری قانونیوں کو ماننے کے لئے؟ کانت پانچا کو تورنے والے سرفاری قانونیوں کو ماننے کے لئے؟ 3 الله الله الله الله الله الله والله و سعر وا صفر ع

4 ما يد الله الله الله الدول الدوليسات کی سمبری گوشی گرفت ہے اپنے گلے گات پات کی جور دیں 🖫

مسلمالیں کے ممل کا المجدد بھیں وہ پرائے مدستائی خر چھو کو آبال کو یا بھات بنا کو دردہ دھی ماہا یا گرشت سے کیاتے تھے ۔ آج بھی فریب دیباتی گیہوں جو چنا مثر جوار باجرہ اور درسرے آبال کو کیاتے مدں ، ترے آبوز ورثی کا استعمال ہیں مسلمانوں سے مقافے ، یہ دونوں شید بھی سنسکرت وراکرت یا آپ بھرتش کے تبھی میں ، علدوؤں کی رسوئی گھر جیسی پردر جاتم میں اُن مسلمانی چھووں کا بانیکات نے مسکا ،

دوسروں کے دیرتا ہوی حماری سبھیتا میں آپنائے گئے ھیں ،
ھندوؤں کا بہت ہوا دیوتا '' شہو '' دراوروں کا دروتا تھا ، ویدوں
کا کھندن کرنے والے بدھ جی بھکران کا ارتار مانے جاتے ھیں ،
ھندستانی جھوتھی اور دیو مالا یونائی جھوتھی اور دیو مالا سے
ملتے جلتے ھیں ، یونائی ھارسکوپ اور ھاوی جنم کنڈلی کے
ھوڑا چکر ایک ھی ھیں ، یونائیوں کے راس چکر کو آبے سبھی
ھندستانی اپنا کہتے ھیں ، عماری چرک سنہتا کے نستیے بھی
یونائی دواؤں کے نسخوں سے ملتے جلتے ھیں ، آخر یہ تہذیب

مرهن چردرو کی اگ بیگ چار هزار برس کی پوانی تہذیب کے خاتیہ کے بعد دو دزار برس تک آریہ سبهبتا شاپ کلا کے چیندر میں بانجی سی رهی . اِس سلسلے میں سب سے پہلا چترکار تیسری صدی عیسی سے پہلے موریوں کے زمانے میں بیا اسوک کی لائیں اُچنا کی گیمائیں وغیرہ یونائی اور ایرائی تہذیب کے میل جول کا فتیجہ هیں . چینے کیمبوں پر ثیروں کی مورتیاں آسوری کلا کی دین ہے اور سافتوں کی مورتیاں ایرائی کلا کا بربیاؤ ہے جو چہتی صدی عیسی سے پہلے ایران میں دارا کے سیام میں اکثر بنائی گئی هیں . ایس کے علاوۃ شلائں پر شاہی نومان کودوانے کا رواج بی ایرائی ہے اُسے لات بنوائے بی هندستائی راجا نے ایسا فیس کا اور نہ هی آسے لات بنوائے بی هندستائی مورتی کلا میں گانیہ راجا نے ایسا فیس کی دین هندستائی مورتی کلا میں گانیہ راجا کے ایسا فیس کی دین میں عیدائی ہی یونائیوں کی دین میدائی مورتی کلا میں گانیہ راجا کے اندائستان سے میدائی دین اندائستان سے میدائی میں .

الی طرح هادستانی قراموں میں بھی یونانی اثر پڑا ہے ،
یہلی کے ناتکوں میں پردے کا رواج ناء تھا قراپ پردہ کے لئے
ساسکوت کا شید یونوکا طاهر کونا ہے کہ یہ یونانی دیں ہے کیونکہ
ہندستانی یوناندوں کو یوں کرتے تھے ،

مدهب کے دائرے میں بھی تہذیبیں ایک درسرے سے میل (Pagnism) کاتی رہیں یوندنی مصری ہے ہی لوئیں پیکنزم (Pagnism) آیک میں ، سبوری میں پر را پردوں اور مدیری کے پردول کا رواج ایک سے ایک میں خدا کے تصور کا اور مدیری حدا کے تصور کا توجید کا دواج ایک سے نا اور سبھی دیشوں میں خدا کے تصور کا

मुसलमानों के मेल का नतीजा हैं. पुराने दिन्दुस्तानी हर बीच को उवाल कर या भात बना कर दूध, रही, महा वा गोरत से खाते थे. बाज भी रारीब देहाती गेहू', जी, चना, मटर, जुबार, बाजरा और दूसरे बनाज उवाल कर खाते हैं. तबे और रोटी का इस्तेमाल हमें मुसलमानों से मिला है. यह दोनों शब्द भी संस्कृत, प्राकृत या अपश्चरा के नहीं हैं. दिन्दुओं के रसोईघर जैसी पवित्र जगह में इन मुसलमानी चीचों का बाईकाट न हो सका.

दूसरों के देवता भी हमारी सभ्यता में अपनाये गये हैं, हिन्दुओं का बहुत बड़ा देवता "शिव" द्राविकों का देवता था, वेदों का खंडन करने वाले बुद्ध जी भगवान का अवतार माने जाते हैं, बिन्दुस्तानी ज्योतिश और देवमाला यूनानी ज्योतिश और देवमाला यूनानी ज्योतिश और देवमाला से मिलते जुलते हैं. यूनानी हारस्कोप और हमारी जन्म इन्डली के होड़ा चक्र एक ही है. यूनानियों के रास चक्र को आज सभी हिन्दुस्तानी अपना कहते हैं. इमारी चरक संहिता के जुस्कों भी यूनानी द्वाओं के जुस्कों से मिलते जुलते हैं. आखिर यह तहचीन के मेल जोल ही के तो नतीज हैं.

मोइनजोवड़ों की लगभग चार इजार बरस पुरानी तह जीव के आत्में के बाद दो हजार बरस तक आर्थ सम्यता शिल्य कला के क्षेत्र में बाम सी रही. इस सिलसिले में सब से पहला चित्रकार तीसरी सदी ईसा से पहले मौर्यों के जमाने में हुआ, अशोक की लाटें, अजन्ता की गुफाए वरीरा यूनानी और ईरानी तह जीव के मेल जोल का नतीजा हैं. चिकने खन्बों पर शेरों की मूर्तियां आसुरी कला की देन हैं और सांखों की मूर्तियां ईरानी कला का प्रभाव हैं जो छटी सदी ईसा से पहले ईरान में दारा के समय में अक्सर बनाई गई हैं. इसके अलावा शिलाओं पर शाही करमान खुदबाने का रिवाज भी ईरानी है. अशोक से पहले किसी हिन्दुस्तानी राजा ने रेसा नहीं किया और न ही ऐसे लाट बनबाए, हिन्दुस्तानी मूर्ति कला में गांचार शैली भी यूनानियों की देन है. आज इजारों ही बूर्तियां यूनानी ढंग की अफग़ानिस्तान से मथरा तक मिलती हैं.

इसी तरह हिन्दुस्तानी ड्रामों में भी यूनानी असर पड़ा है. यहां के नाटकों में पर्दे का रिवाज न था, ड्राम पदी के लिये संस्कृत का शब्द यवनिका जाहिर करता है कि यह यूनानी देन है, क्योंकि हिन्दुस्तानी यूनानियों को सबन करते है,

मच्चन के बायरे में भी तह जीवें एक दूसरे से मेल साजी रहीं, चूनानी, मिली, वेबीलोनियन, पैमनिषम (Paghism) एक सी हैं और देवमालाएं भी एक हैं. सभों में पेक, पौकों, पहालों, महत्तों और निष्यों के पूजने का रिवाज एक सा था और सभी देशों में खुदा के तसम्बुर का

'हिन्दुस्तान में तहज़ीवों का मेख कोख'

मैंने इस जगह सास तौर पर इस दुर्सी की जरूरत समभी जिसके दो अमर कारन हैं—(1) हर देश के कलचर का सब से अहम और टिकाऊ पहलू यही है. (2) मैं इतिहास के आधार पर तहजीबों के मेल जोड़ा का लाका पेश करना चाहता हूं. कलचर में पहनावा, कला और साहित्य के जास स्थान होते हैं. लिहाजा मैं पहनावे से शुरू करता हूं.

आयों के यहां बसने से पहले दो क़िस्म के कपड़े पहने जाते थे-एक घोती और दूसरा शाल या चादर. उनके आने पर मदी के पहनाब में पगड़ी और दरापी (एक तरह की बन्डी) और औरतों में चोली का रिवाज हुआ. यह पहनावे मध्य परिाया की देन हैं. जोली और दरापी को छोड़ कर बाम जनता आम तौर से बरौर सिक्षे कपड़े पहनती थी. लेकिन सती घागे का इस्तेमाल होता था. कम से कम दरापी तो सिली ही जाती थी. बाज के वह तमाम लियास जिन्हें हम हिन्दस्तानी कहते हैं विदेसी हैं. अचकन जो लखनऊ के नवाबों और देहली के मुरालों के यहां बदलते बदलते रोरवानी बन गया दर असल पहली सदी ईसवी में क्रशानों की देन है. क्रशान सिपाहियों और कतिरक की मूर्तियों में भी अचकन दिखाया गया है. शालिबन कुशान इसे मध्य परिाया से लाये थे. कर्ता हिन्दुस्तानी और यूनानी वहजीब के मेल जोल ने पैदा किया. यूनानी कर्ते का नाम डयूनिक है जो हिन्दुस्तानी कुर्ते से 90 की सदी मिलता जुलता है, कुर्ता किस जवान का शब्द है यह नहीं कहा जा सकता. संस्कृत, प्राकृत, पाली या अपश्रेश किसी से भी इसका नाता नहीं जुड़ता. पाइजामा भी कुशानों की ही देन है जिसकी चव मुसलमानी समका जा रहा है. गांधी टोपी, पुर्तगाली होपी की तरह है जो मध्य काल में प्रतगालियों और मिसियों से वहां पहुंची थी. श्रीरतों के गहनों में नथ और कान की बालियां मुसलमानी की दैन हैं. नय की वो वहां तक छुदि हुई कि यह बाज बाज हिन्दूं जातियों में सुहाग की निशानी बन गई. इन गहनों के लिये संस्कृत भाशा में शब्द नहीं हैं भीर न यह पूरामी मृतियों में ही नजर आते हैं.

इसारे बहुत से साने विवेसी हैं जिन्हें आज इस भारती ओजन कहते हैं. हमें बहुत से साने मुसलमानों के सम्पर्क में आजे से मिले. हिन्दुस्तान में आम बौर से दूम की मिठाइयों का रिवाज था. मुसलमानों ने हमें अवाज की विठाइयों की रिवाज था. मुसलमानों ने हमें अवाज की विठाइयां भी दी. इस आज भी गालियन इसी वजह से पेका, वर्षी जैसी देर में इपम होने वाली मिठाई वह के दिन साते हैं, लेकिन अनाज नहीं खाते. इस्था, कोर्मा, पर्या, कीरीनी सब की सब मुसलमानों से ही मिली हैं. कुद इस्याई का सबक कारसी है. पूजी कवीदी और रोटी जैसे साने भी

" winter to probe of the stand

سین کے ایس بجاد خاص طور پر اِس سرخی کی شرورت سیجی جس کے دو آمر کاری عیں ۔ (1) عر دیش کے گانچار گا سب سے اور ثال پہلو بھی گے۔ (2) میں انہاس کے آدھار پر ترکیبوں کے میل جول کا خاکہ پیش کرتا چاھتا ھوں ، کلچار میں پہناوا کا اور سائٹلید کے خاص استیان عوتے: عیں ، لہذا میں پہناوا کا اور سائٹلید کے خاص استیان عوتے: عیں ، لہذا میں پہناوے سے شروع کرتا ھوں ،

أريش كم يهاں بسنے سے يہلے دو قسم كے كيرے يہلے جاتے تھے۔۔۔ایک دھوتی اور دوسوا شال یا چادر ، آن کے آنے یو مودوں کے پہناؤ میں پانوی اور درایی (ایک طرح کی بنتی) اوو عربتیں میں چولی کا رواج هوا . یه پہناوے مدهیم آیشیا کی دین هیں ، چولن اور درایی کو چور کر عام جنتا عام طور سے بنیر سلے كيرم يهذني تهي ، ليكن سوتي دهاك كا استعمال هوتا تها كم س کم درایی تو سلی طی جاتی تھی ، آج کے وہ تمام لبلس جنھیں هم هندستانی کېته هیں بدیسی هیں . اچنی جو لکھنو کے نوابوں آور دھلی کے مغلوں کے یہاں بدلتے بدلتے شعروانی بن گیا دراصل بہلی صدی عیسوی میں کشائیں کی دین ہے . کشان سپاهیس آور کلشک کی مورتیس میں بری اچکی دکھایا گیا ھ . غالباً كمان إس مرهيد أيشيا س الله تهي كرتا هندستاني أور برنائی تبدیب کے میل جول لے پیدا کیا ، برنائی کرتے کا نام تيرنك هي جو هندستاني كرت سے 90 ني صدى ملتا جلتا تھ . کرتا کس زبان کا شبد ہے یہ فریس کہا جا سکتا ، سنسکرت يراكرت يالي يا انهبهرنش كسى سے بھى إس كا ناتا بهيں جرتا أ بالتجامة مي كشائول هي كي دين هي جس كو أب ملسماتي سنتجها جاً زها هم. كالدهي ألويي وتكالى أويي كي طرح ہے جو مدھنے کل میں پرتالین آور مصریوں سے یہاں پہراجی تھی ، عورتیں کے کہنوں میں لتھ اور کان کی بالیاں مسلمانیں کی دیوں میں ۔ ثنے کی تو یہاں تک شدھی عرقی که یه بعش بعنى هادو جاتيون مين سياك كي شفائي بن كلي . أن كيلون کے لئے سنسکرت بھاشا سیں شبد نہیں میں اور نہ یہ پرانی مربتين مين هي قطر آتے هين .

جساری بہت سے کالے بدیسی میں جنہیں آپ م ہمارتی بیومیں آپ م ہمارتی بیومیں آپ میں بہت سے کالے مسلمانیں کے سمورک میں آپنے میں آپنے میں مام طور سے دودہ کی ماہانیوں کا روانے تھا، مسلمانی لے جمعین آنانے کی ماہانیاں بھی دیں جم اورانی میں خالف اس جاتے ہوا اورانی جمسی دیو میں جم اورانی میں انانے نہیں کالے حالات تورمیا اورانی تعریب کی سبت اسلمانی سے جی ملی میں خود حالاتی کا انتخاب کی سبت اسلمانی سے جی ملی میں خود حالاتی کالے بھی حالی کی جم کی کی جو کی کی جو کی کہوری کو روانی جمسے کالے بھی حالی کی دیا ہوری کھوری کور روانی جمسے کالے بھی حالی کی دیا ہوری کھوری کور روانی جمسے کالے بھی حالی کی دیا ہوری کھوری کور روانی جمسے کالے بھی حالی کی دیا ہوری کھوری کور روانی جمسے کالے بھی

لاَسْنَى سَالَتَجِينَ مَيْنَ لَاهَالَ لِنَا كَيَا هَا اُ لَيَكُتُ الْمَرْ بَعَى بديسى وربياؤن سے اُدائے بدائے رقے هيئي.

3. هماراً کلچر همیشته سے سائنتک اور وکلس آتمک سیمانتین کا حاصل رها هے خواہ آن کو اطلاعی رنگ سے پیشی کیا گیا تھو یا دھارمک (creedal). سائنتنگ آدھار پر کسی چھز کو گرهن کرنے یا چھوڑ نےسے کاچپرامر هوتا هے۔ آج کے سائنس اور مشین کے جگ میں وهی پیناوا کام دیے سکتا هے جو کل پرزوں سے نئ آلجے ، چستی اور کلم کی سپولیت کے لئے همیں دھوتی کے بحیائے ٹیکر اور پتلون هی پیننا هوگا ، اس لئے همیں دھوتی کے بحیائے ٹیکر اور پتلون هی پیننا هوگا ، اس لئے همیں جاھئے که هم اپنے هر سیاسی آور سماجی کاروبار میں سائنتنک چاھئے کہ هم اپنے هر سیاسی آور سماجی کاروبار میں سائنتنک خوش کو آسان کو اپنالینے میں هرچ هی کیا ہے بلا سے وہ رام اور کشن کے رهن سین میں نه رهی هی کیا ہے بلا سے وہ رام اور کشن کے رهن سین میں نه رهی هو ،

4. هادستالی کلچر جنسیاتی آور کاتیک (sexua) (and artistic بنيادس پر هي په پهرا هـ . همارے تاج گلے' هماری مصوری' همارے ساهایی همارے تیوهار اور بہان تک که همارنے رسم و روابے میں بھی اُن کی چھاپ تھے، همارے داوی داوتاؤں کی کہائیاں ہی حسن و عشق کی حدوں سے باہر قريق هيل . فعاريم موجرة لوك كيت راك رنك أور ناج اللَّهُ هُو الموارون ير مادرون أور هر ديهاتي المرون مين سنائي يُرتِّجُ میں اُس کتین کو اور بیں صاف کو دیتے میں ، صارے گھروں کی تصویروں مندر کی موردیوں اور ساعتید میں ایک اُونھے درجہ کی جنسی متباس ہے جو امریک اور نوانس کے بال روم اور هرالون کو تصهب تهین. یه جاسی متهاسچهچهای نهین انتهائی كالمك أور باند هے جو بهرتری هری كو طواف كی دوكان سے آئیا کر سررک کے راستہ پر کہوا کر سکتی ہے ۔ مندسہ نی كَنْ إِسْ يَبِلُو مِينَ كَحِيمُ أَيسَى زَنْدُكَى هَ كُمُ الْبَيْنِ جَمِرَتِهُ كي بعد كالحجر ير مردني چها جاتي هـ ، مسامانين في بيي إسا الله كلعجر مين تمام مذهبي بابنديون كو الهكرا كو اينا الها . هندستان کی عیدا یہاں کی شب برآت اور بہاں کے مساماتیں ع شانى بياة إسلامي لهين هندستالي هين .

वेसी सांचों में डाल किया गया है. नैतिक अस्वर भी विवेसी प्रभाषों से अवलते बदलते रहे हैं.

- 3. इसारा क्लानर हमेशा से साइन्टिफिक और विकास आलिक सिद्धान्यों का दासिल रहा है स्वाह उनकी इसलाकी रंग से पेश किया गया हो जा धार्मिक (croedal). साइटिफिक काघर पर किसी नीच को बहन करने या छोड़ने से लच्द अमर होता है. चाज के साइस और मशीन के जुग में वही पहनाया काम सकता है जो कल पुर्जी से न उलमे. चुस्ती और काम की सह्लियत के लिये हमें घोती के बजाय नैकर और पतलून ही पहनना होगा. इसलिये हमें चाहिये कि हम हर सवासी और समाजी कारोबार में साइटिफिक तरीकों को इस्तेमाल करें. अगर अमल से कोई बात सही जंचती है तो उसके अपना खेने में हर्ज ही क्या है, बला से वह राम और इसन के रहन सहन में न रही हो.
- 4. हिन्दुस्तानी कल वर जिन्सयाती और कलात्मक (sexual and artistic) युनियादों पर ही फला फूला है. हमारे नाच गाने, हमारी मुसव्यरी, हमारे साहित्य, हमारे त्योहार और यहां तक कि हमारे रस्मोरिवाज में मी उनकी खाप है. हमारे देवी देवताओं की कहानियां भी हरनो इरक की हवों से बाहर नहीं हैं. हमारे मौजूदा लोक गीत, राग रंग और नाच गाने जा त्योहारों पर मन्दिरों और हर देहाती घरों में सुनाई पढ़ते हैं इस कथन को और भी साफ कर देते हैं, हमारे घरों की तस्त्रीरों, मन्दिर की मृतियों और साहित्य में एक अने दुनें की जिन्सी मिठास है जो अमरीका और फ़ांस के बालरूम और होटलों को नसीब नहीं. यह जिन्सी मिठास खिछली नहीं इन्तहाई कलात्मक और बुलन्द है जो भरशरी इरी को तबाइक की दूकान से उठाकर स्वर्ग के रास्ते पर खड़ा कर सकती है, हिन्दुस्तानी कलचर के इस पहलू में कुछ ऐसी फिन्युगी है कि उन्हें झांबने के बाद कलचर पर मुद्रीनी का नाती है. मुसलमानों ने भी इसे अपने कलकर में तमाम मजहंबी पावन्हियों को दुकरा कर अपना लिया. हिन्दुस्तान की देद, यहां की शब्बरात और यहां के मुसलमानों के शादी व्याह इस्लामी नहीं हिन्दुस्तानी हैं...
- 5. दिन्दुस्तानी कलवर में इन्तहाई सावगी है लेकिन इस सावगी के भी सामाजी अन्वाज हैं जो पुराने सामन्त-वादी जुन से अंभेजी सामाजशाही तक बरावर पनपती रही. मैंने समा स्वाच साना देखा लेकिन सोने के वतनों में. मैंने खुरी से सूच सहने वालों को देखा जो वी और अनाज अंदर्श कान में मोंक देते हैं. मैंने पेसे नंगे देखे जो मरने पढ़ देखाड़ में मोंक देते हैं. मैंने पेसे नंगे देखे जो मरने पढ़ देखाड़ कान मांते हैं. मुमें दिन्दुस्तानी सावगी पसन्द है, इसे अनवह में स्वान मिलना चाहिये, लेकिन सामाज के और समाय है हैं इस पर न चलने पार्ये, में खुद हुरी को सावगी महारा है का समाय

सुसलमान शासकों की इस अदूरदर्शता का यह नतीकां निकता कि उनमें ऊंच नीच की गन्दी आवना पैया हो गई, यूरोप की जातियों ने भी यहां की जाहिल जनता में मेद आव को और मजबूत बनाकर अपना उत्त्वू सीधा किया. धार्मिक मिशनिरयों ने भी (चाहे सुसलमान हों या ईसाई) यहां की जहालत को प्रचार का साधन बनाया और हमेशा हिन्दू मुसलमान और शूद्र बाह्यन करीरा के अन्दर्शनी मेद को उभारते रहे. ईसाई पादरी दलित को ईसाई बनाकर उनमें बाह्यनों से बुजुर्ग होने का जुनून भरते रहे. यहां तक कि बीसवीं सदी में कलचरी मतमेद उस चरम सीमा पर पहुंच गया जहां देश कलचर के नाम पर दों दकड़े हो गया.

अगर हम रवादारी से आज के कलवर का जाइजा लें तो मालूम हांगा कि हमारे देश में जाति जाति, प्रान्त प्रान्त, यहां तक कि शहर शहर और देहात देहात के कलचर और भाशा में फर्क़ है. कोई बंगाली, कोई मद्रासी, कोई पंजाबी, कोई यू० पी० का निवासी कलचरी ऐतवार से एक दूसरे से मेल नहीं स्नाता. जुराकिस्मती से पिछले कुछ दिनों में अंग्रेजी कलचर और अंग्रेजी भाशा ने पूरे भारत के कलचरी एकता के साधन जुटा दिये थे. श्राज भी श्रगर पंजाबी और बंगाली में राटी बेटी का संबंध होता है तो कहने को वह भले ही हिन्द्रस्ता-नियत के नाम पर हो मगर ऐसे कामों में अंग्रेजी कलचर और अंभेजी असर उजागर मालूम होते हैं, इसके लिये हमको अप्रेजों का अहसानमन्द होना चाहिये. धोती और तहमद में, कर्ते और अचकन में, पायजामा और शलवार में, ढाढ़ी बादी में, मूझे मूंछे में, तस्वीह और जनेक में चाहे जो भी मेद भाव हो लेकिन सूट और टाई की दुनिया में, घुटे हुए वहरों की दुनिया में तमाम फिक्नों के हिन्दुस्तानी एक से नजर आते हैं. मन्दिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिर्जाघरों में बाहे जितना भी बैर भाष हो लेकिन होटलों, तकरीहगाहों, आराम घरों में सब एक से हैं.

'हिन्दुस्तानी कलचर के टिकाऊ पहलू' -

लचक (flexibility)—इस विशय पर काफी यहस हो चुकी है. सिर्फ इतना कहना है कि 'इन्कलाव' जो आदमीयत की जान है कुचलने न पाने और यह लचक अमर हो जाये. इस वक्त के तकाओं के अनुसार अवलते बदलते रहें, स्वाह कलचर हो या भारत या कोई और मामला हो.

2. हिन्दुस्तानी कलचर का आधार हमेशा से धर्म रहा है चौर जाज भी है, इसके साथ साथ इस यह भी मानने को तैयार हैं कि हिन्दू धर्म मजहब के नाम, पर मजहब नहीं है जिसके लिये हम चमेजी शब्द (creed) इस्तेमाल करते हैं दरअसल हिन्दुस्तानी कलचर में उसकी प्रधानता धर्म की रवादारी और नैतिक बुनियादों पर है. रवादारी की तो वह इन्सहा है कि हमारे कुलचर की हर बात विदेशी है जिसे مسلمان شانتین کی آس آهرورشا کا یه التیجد تکا که ان میں آولج کی گلف بیارلیا چیدا هوگئی ، یورپ کی جانبین یک بیان کی جانبین یک مشاریون نے بھی مشوط بناکو آور اینا آگو سیانگا کی دخارمک مشاریون نے بھی (چاھے مسلمان هون یا عیسائی) یہاں کی جہالت کو درجار کیسائی اور هدیشته هندو مسلمان اور شونج رائدین رغیرہ کی آفدورتی بھید کو آبتارتے رہے ، عیسائی پادری دات کو عیسائی بناکو آن میں براہدیس سے بزرگ هونے کا دائن یوری میں کی جہاں درگ دیا کے نام پر بید اس چوم میا پر بہونے گیا جہاں درک کا تجوری مت در گرے ہوئے گیا جہاں درک کلتیور کے نام پر بید گرے ہوگیا ،

اکر هم رواداری سے آج کے کلمچور کا جائزہ لین تو معلوم هوگا که عمارے دیک میں جاتی جاتی ورانت پرانت کہاں تک کہ شہر شہر اور دیہات دیہات کے کلنچر اور بہاشا میں فرق کے . كَنِّي بِالْكَالِيُّ كَوْتِي مِدِرِلْسِي كُونِي يِنْجَانِي كُونِي يُوبِي كَارْ تُولْسِي المجرى اعتبار سے ایک درسرے سے میل نہیں کہاتا، خوش نسمتی سے بجالے کچے دنی میں الکریزی الحجز ابر انکریزی بہاشا لے پررے بہارت کے المچری آیکٹا کے سادھن جٹا دیٹے تھے . آج بی اگر پنجابی اور بنگای میں روٹی بیٹی کا سبندہ هوتا هے تو تَرِيْدِ كُو وَهُ مِ لِي هَا عَلَيْهِ الْلَهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّ من انگریزی فلچر اور انگریزی اثر آجاگر معلوم هوتے هیں اس ك لله هم كو الكريوون كا أحسان مبد هونا چاهي . دهوتي اور تهد مين كري أور أچكور مين ياتجامه أور شاوار مين قارهي دَارَانِي ميں مونجے مونجے ميں تسويم أور جاني ميں چاھ جُو بھی بھید بھاؤ ھو لیکن سوت اور ٹائی کی دائیا میں گھٹے عونے چہروں کی دانیا میں تعلم فرقوں کے هادستانی آیک سے نظر آتے میں ، مندری مسجدری کرددوارس ار کرجا کوروں مين چاه جتنا بهي بيربهاؤ هو ليكن بعوثلون تغريم كاعون أرأم کروں میں سن ایک سے هیں ۔

ا عادستاني كلمور كي تكار يهلو ا

- 1. لجکب (flexibility)-ایس وقد پر کانی بحث هر چکی های مرفت اتنا کهنا ها که التقاب اجو آدمیت کی جان ها کچلند نه پائد آور به لجک آمو هو جائد، هم وقت کے تنافوں کے آئوسار آدائد بدائد رهیں احداد کلچور هو یا بهاشا یا کانی آور معامله هو .

Line of the second of the second

हावी रहा, यह दमन असे तक चलता रहा, तब समय ने महात्मा बुद्ध को जन्म दिया. महात्मा बुद्ध ने आदमी और आदमियत का मूल्य आंका, उन्होंने तमाम भारती जनता को भाईचारा, भैंम, मोहच्चत और रहम का संदेश दिया जिसे दक्षितों ने अपनाया, जिसका राजे महाराजाओं ने भी स्वागत किया सगर कुछ ही असे बाद बाह्यनवाद ने शंकरा-वार्य और इमारिल भट्ट बरौरा को जन्म विवा, जिन्होंने बौद्धों को रौंद डाला. एक रास्ट्र, एक कलचर की भावना दव गई, घासिक कट्टरपन फिर उभरा, उसके बाद आठवीं सदी ईसवी में एक नई सभ्यता, भाईचारापन लिये हए. इस्लाम के नाम से हिन्दुस्तान में दाखिल हुई. यह इस्लाम शंकराचार्य और कुमरिल भट्ट के कट्टरपन पर ब्राता चला गया. भारत बासियों ने मन्दिर की जगह मिर्जद देखे जहां राजा रंक और फक़ीर बराबर थे, ऐसी बशा में जाडानवादी सभ्यता से ईमान का बदला लेती हुई हिन्तुस्तानियत झलामी सभ्यता ऋषूल करने लगी और ऋषूल करती चली गई. मगर इस्लामी सभ्यता भी शंकराचारी सभ्यता से अपना दामन न बचा सकी, नतीजे के तौर पर इस्लाम में भी ऊंच नीच का जहर फैलने लग गया. मुसलमानों में भी फिर्फ़ेवारी जमायतें वन गई और इस्लामी तह जीव में पनपने की शक्ति मर गई. मुसलमान क्रिंदेबादी हो गये. इट धर्मी एक सीमा पर पहुंच गई, इरंताम इन्सानियत का आसिरी विकास है, इसके आगे विकास का नाम न लो बनी भविश्य में बाह्यनबाद की तरह इस इस्लाम को भी बोरिया बिस्तर समेटना पहेगा.....इन सभ्यताओं के डकराव से और लेन देन से कुछ तरककी पसंद'सघारकों को समानता का सबक देने का मौका मिला. इस सिलसिले में कबीर और नानक के नाम आगे हैं. कबीर ने बाह्यनबाद और इस्लाम की दाखिली सभ्यता का नंगा रूप भाम लोगों के सामने रखा. नानक ने खूत छात को उकराकर एक ईश्वर की उपासना का गीत गाया, उसके बाद जब दूसरी यूरपी जातियां हिन्दुस्तान आई तो उन्होंने भी अपनी भाराा, रहन सहन और साहित्य बरौरा से न चाहते हुए भी एक कलचर के क्याल को बढ़ावा दिया और सारे देश में जागरन की लहर दौड़ गई.

हिन्दुस्तान में सैकड़ों बरस की कोशिश पर मी कलचरी एकता अब तक काइम न हो सकी, इसकी एक खास वजह यह भी है कि हिन्दुस्तान की साधारन जनता साम्राजियत और ऊंच नीच की आह में जान बूमकर जहालत का शिकार बनाई गई, यहां तक कि मुसलमाम बादशाहों ने भी अपने रस्वारों में केवल जाड़ानों, ब्रिजियों और अंची जात वालों को बढ़ाबा और माम विका, रॉबी और मली हुई जातों की तरफ बिली का ब्लास ही नहीं गया. इस्लामी साम्राजशाही भी तरकार बहात करना (क्लों) को मिलती रही.

AND ALLEY OF THE PARTY OF THE P

حارم رها. يه دمر عربياتك بدالة رها. تب سين في ميانا بده كوجام دیا . مہاتما بدھ لے آدمی اور آدمیت کا مولید آنکا اُلیس لے تمام بهارتی جنتا کو بهائی چارا؛ پریم صحبت اور رحم کا سندیس در اجس دالیں نے اینایا' جس کا راجے مہاراجاؤں نے بھی سراکت کیا . معر العج هي عرصه بعد براهمن وأن لي شنعر أجا يه أور كدارل بهت وغيرة كو جام دا ؛ جابون في بودهون كو رواد دالا . ايك راشتر ؛ ایک کلمچر کی بهازنا دب گئی؛ دھارمک کترین پھر أبھرا . أس کے بعد آٹھیں صدی عیسوی میں ایک نئی سبھتا عالی چارا ين ليه هويه السلام كي نام سع هندستان مين داخل هوالي . يه اسلام شنکراچاریه اور کمارل بیث کے کثرین پر چھاتا چلا گیا . بھارت واسیوں نے مندر کی جگه مسجد دیاہے جہاں راجہ رنگ اور فقیر برابر تھے ، ایسی دشا میں براھس وادی سبیتا سے ایسان كا بداء ايتى هوئى هنيستائيت إسلامي سبويتا قبول كرني لكي أور قهول كوتى چلى كئى . معر إسلامي سبهيتا بهي شتكر أچاري سبهيتا سے اینا دامن نے بچاسکی . نتیجے کی طور پر اِسلام میں بھی أوليج نيبج كأ زهر پهيلنے لك كيا . مسلمانين ميں بھي فرتعواري جماعتیں بن گئیں اور اِسلامی تہذیب میں دنینے کی شکتی مزگئی، مسلمان روزهی وادبی هوگایی هد دهرسی ایک سیما در بهولیج گئی . اسلم انسانیت کا آخری وکلس فے ایس کے آگے وکلس کا فام نے لو ورثہ بھوشیہ میں دراهس واد کی طرح اِس اِسلم کو بھی بوریا بستر سمیتنا پرے کا ان سبھیتاؤں کے تکراؤ سے اور لیں دین سے کچھ ترقی پسند سدھارکوں کو سنائٹا کا سبق دینے کا موقع ملا . اِس سلسلے میں کبیر اور نانک کے نام آگے ھیں۔ کیور نے براهس واد اور اسلام کی داخلی سبیمتا کا تکا روپ غام لیگوں کے سامنے رکیا ، نائک نے چھرت چھات کو ٹھکرا کر ایک ایشور کی اُپلسنا کا گیت کایا . اس کے بعد جب دوسری یورپی جاتیاں هندان آئیں تو اُنہوں نے بی اپنی بھاشا، رهن سهن اور ساھتیہ وفیرہ سے نہ چاہئے ہوئے بھی ایک کاچر کے خیال کو يرهاوا دريا ابر سارے ديش ميں جاگرن کي لهر در گئي .

هندستان میں سیکورں برس کی کوشش پر یعی کانچری ایک اب تک قائم نه هوسکی' اس کی ایک خاص وجه یه یعی ها که هندستان کی سادهارن جنتا سامراجیت اور اُونچ نهیج کی آز میں بجان بوجه کو جہالت کا شکار بنائی گئی' یہاں تک که مسابران بادشاهوں نے بعی اپنے درباروں میں کیول براهمنوں' جیتویس اور اُونچی فات والی کو برهارا اور مان دیا' رواحی اور مکی هوئی جاتوں کی طرف کسی کا دیوان هی نہیں گیا ہے اور مکی هوئی جاتوں کی طرف کسی کا دیوان هی نہیں گیا ہے اُوسکی سامران کیا ہی توقی پسادر عناصر (تتوں) کو ملتی رهی ہی

उसके सामने चार तरह के साने, चार तरह की चीचें, जैसे किताब, हिंचयार, तराजू और गन्दा वर्तन रसे जाते हैं. कच्चा जिस तरह के साने और जिस किस्म की चीचों की तरफ लपकता है उस से उसके बन का अन्दाजा लगाया जाता है. यह रिवाज बर्न व्यवस्था की लचक के कारन ही पैदा हुआ या. बच्चा जन्म से तो शुद्र वर्नक्ष का है ही उसके मिंबश्य के वर्न का अटकल पच्चू मालूम करने के बही सब तरीक़े पैदा किये गये थे,

समाज में आर्थिक मुखों, दुकों और पेशे की पेशीदिगयों ने धीरे धीरे ऊंच नीच की विचार घारा को इतना उमारा कि आपस में एक वर्न का दूसरे वर्न से रोडी बेडी का सम्बन्ध विस्कुल ही दूट गया. इस तरह समाज की आर्थिक व्यवस्था में समानता न होने के कारन धार्मिक कहरपन का भयानक भूत ऊंच नीच और छुआ छूत के नाम पर इतना आगे बढ़ा कि आज समाज की पिछली रूप रेखा ही बदल गई, लेकिन इस कर्जी धार्मिक कहरपन की आब के वावजूद समाज की पांचन शांक अपना काम करती रही, हारे हुए छत्री शृह वन गवे, जीते हुए यूनानी, शक और हुन बरोरा राजपृत बनकर छत्री वन बेठे और बाहानों ने उनका सान्दानी सिल-सिला चांच और सरज से मिला दिया.

आखिरकार पूंजीवादी और साम्राजी विवार धारा आगे बढ़ी और साथ ही भार्मिक कहरपन का मृद्रा आडम्बर भी भोदती गई. बाह्मनों ने बास्तविकता और स्वाभिमान को पूंजीबाद के हाथ बेन दिया और मूटे विचारों के नये नये हथियार गढ़ गढ़ कर पूंजीबाद और सामंतवाद को सौंपा. इस सरह अवाम के असली मुलों का चित्र केवल साम्राजी महलों, दरवारों और राहरों तक ही सीमित होकर रह गया. समाजी न्याय का गला दवा दिया गया. बराबरी, भाई चारापन का नाम लेना पाप हो गया. गरीब जनता पर छुआ झूत, बेगार करोरा दमन के हथियार चलने लगे, पिसी हुई जनता अंथेरी म्हेपड़ी से कोई कालिदास, कोई विक्रमादत्य, कोई भरथरी हरि और कोई चानक्य न पैदा कर सकी.

'सुचार की जोर'

तई रोशनी में परखने पर पता लगता है कि हिन्दुस्तानी कलचर हमेशा से ही बीमार सी रही है. उस पर सजा यह कि भारती रहन सहन पर हिन्दू साम्राजशाही और पूंजीबाद

* मुके इस समय नहीं बाद जा रहा है गृश्विकन मनुस्पृति में इसकी बची है कि जो राब्दों का सही उच्चारन न कर सके वह मलेख है, शह मलेख नहीं होते थे. इसी कारन आदमी करण से शह है. मूनानी वगैरा इसी कजह से मलेख कहताए क्योंक वह संस्कृत न जानते थे. मलेखपन को अपनाने से या दूर कर देने से कर्न बदल जाता है, इसका भी ज़िक करीब करीब उन्हीं शब्दों में गृश्विकन मनुस्पृति में है. اُس کے سابطہ جار طانے کے کہائے کیا طرح کی چنویں کی جیسے کتاب اُ متیار تراؤو اور گندلا برقن رکھے جاتے ہیں ، بچتہ جس طرح کے کیائے اور جس قسم کی چھڑوں کی طرف ایکتا ہے اُس سے اُس کے ران کا اندازہ لگایا جاتا ہے یہ رواج ورن ونیستھا کی لچک کے کارن می پیدا ہوا نہا، بچت جنم سے تو شودر ورن یا ہے ہی اُس کے بہرشید کے ورن کا انتخل پنچو معلوم کرنے کے یہی سب طریقہ پھدا نام گئم تھے ،

سیاج میں آرٹیک سکیوں دکھوں اور پیشید کی پیچیدگروں نے دھیرے دھیوے اونچ نیچ کی وچار دھارا کو اتنا اُبہارا که اُپس میں ایک ورن کا درسرے ورن سے روئی بیٹی کا سمبندھ باتکل بھی ٹیت گیا ۔ اِس طرح سماج کی آرتیک ویوسٹیا میں سانتا نہ ہونے کے کارن دھارسک کارپن کا بھیائک بھوت اُونچ بیج اور چھواچھوت کے نام پر اُننا آگے ہوتھا کہ آج سماج کی پیچیلی روپ رکھا تھی بدل گئی' لیکن اِس فرقی دعارسک کارپن کی آر کے بارجود سماج کی پاچن شکتی اینا کام کرتی رھی' ھارے والے چاری شہدر بین گئے' جیتے ہوئے یونائی' شک اور بھی والے آن کا اور بین دائے اُن کا دار اُراہمنوں نے اُن کا دارائے سلساء حال اُر سور سماج کی بی جا دیا ۔

خاندانی سلسله چاند ارو سورج سے ملا دیا ،
اخرکار پونجی وادی اور ساسراچی وچار دیارا آگے برتھی اور ساسراچی وچار دیارا آگے برتھی اور ساتھ ھی دیارمک کارین کا جھوٹا آئمبر ہیں اورهتی گئی ، براہمان نے واستوکتا اور سراہمان کو پونجی واد کے هاتھ بیچ دیا سامنسراد کو سوئیا ، اس طرح عوام کے اصلی سکھوں کا چتر کیول سامنسراد کو سوئیا ، اس طرح عوام کے اصلی سکھوں کا چتر کیول سامراچی محصوں دربائی اور شھروں تک ھی سیمت ھوکر رھ لیا ، سماچی نیائے کا کلا دیا دیا گیا ، براہری بھائی چاراین کا لیا ، سماچی نیائی چاراین کا کلا دیا دیا گیا ، براہری بھائی چاراین کا کھیدار چلنے لیے پسی ھوئی جھائی جھوئیری سے کوئی کے متبیدار چلنے لیے پسی ھوئی جھائی جھوئیری سے کوئی خاندیں کا دیا کوسکی ، دیا کوسکی ، دیا کوسکی ، دیا کوسکی ،

استغار کی آورا

نئی روشنی میں پرکینے پر پکه لکتا ہے که هندستانی کنچر هدیشه سه هی بهمار سی رهی هے اس پر مزا یه که بیارتی رهی شین پر هندو سامرلے شاهی آور پرتنجی واد

* مجھے ایس سیم نہیں یاد اُرہا ہے غالباً منیسیوتی میں اُس کی چرچا ہے کہ چو شیئوں کا بیس اُچاری نہ کرسکے وا سیکچھ ہے شودر ملیکچھ نہیں ہوتے تھے ۔ اِس کارن آدمی جام سیکچھ ہے شودر ہے ۔ پوئائی وقیرہ اُسی رجم سیلیکچھ کہائی کیونکہ رہ سیکرت نے چالیہ نہیں ایس کا ایس کا ایس کو اینائے ہے یا دور کردیشہ سیکرت نے چالیہ نہیں گا بھی ذکر قریب قریب اُنھیں شیری میں فالیا مارسوئی میں ہے

the Stranger Control

Y Gen 1

अलग असम पेसे अलग अलग जातों के बनने का कारन बन गये. नाई, घोषी, बोहार इन्हार, सुनार बरौरा जाते पेशों की विना पर आजतक पाई जाती हैं. लेकिन इन पेशवर जातों में कोई झुतझात न थी, रोटी बेटी का सम्बन्ध भी राइज था, धीरे धीरे यही पेरी जाता जीर सान्यानों के रूप में आए एक ही पेशे के लोग तादाव बढ़ने के साब साथ अलग अलग जगहों पर जा-कर बसने संगे. उनमें जान पहिचान और सान्धानी सिलसिला मालम करने के लिये उस सान्दान या क्रवीले के पहले बुजर्ग के नाम पर गोत्रबाद भी चल पड़ा. गालिबन जातों, गोत्रों के क़ाइम हो जाने के बाद जिन पेशों ने जैसी जैसी आर्थिक तरक्की की वैसी वैसी उनमें अंच नीच और छुशाइत की विचार धारा भी पैदा हो गई जिससे उस जमाने की सामाजिक जिन्दगी में उलमनें पड़ने लगीं, पंडित समाज को (जो कि अक्लमन्दों और लीडरों का समाज था) रोक थाम की सुमी. लेकिन वह इस जहर को समाज से उतार न सका, अलबता उसने इसे आगे बढ़ने से रोकने के लिये वर्न व्यवस्था का एक श्रलग रास्ता निकाला. पूरे समाज को चार बड़े वर्नों में बांट विया गया. वह लोग जो विद्या पदने पदाने और पूजापाठ कराने का काम करते थे जावान कहलाए. यही लोग राश्ट्र के दिमारी अंग हुए और रास्ट्र और समाज की हर संस्था पर झाये हुए रहे. वह लोग जो सिपाहगीरी का काम करते थे, इत्री कहलाए. यह रास्ट्र के रचक होते थे और चूंकि उस समय फ्रीजी सरकारें होती थीं इसलिये उन्हीं में से राजा भी होते थे. तिजारत और खेती बाड़ी का धन्दा करने वाले बैरव कह्लाए, लेकिन यह लोग न शिल्पकार होते थे, न द्रतकार और न ही खुद इल वरौरा इस्तेमाल करते थे. वह वर्न जो इन कामों को अंजाम देता था और इन तीनों वर्नी की सेवा करता था, शूद्र कहलाया. समाज में वर्न व्यवस्था हो जाने के बाद भी हर वर्न में रोटी बेटी के सम्बन्ध की छट थी. बल्कि एक बर्न में पैदा होने वाला पेशा तब्दील करने के बाद दूसरे बर्न को अख्तयार कर सकता था. सिसाल के तौर पर बेंद्रव्यास जी पैदाइश के ऐतवार से चिड़ीमार थे. नारद सुनि किसी शुद्र दासी से पैदा हुए बे. रावन पैदाइश के पेंतबार से जाबान था जो अपने कर्म से कुछ के कुछ हो गये. सही बाद महस्यति के एक सूत्र से भी जाहिर है और यहीं बीत हिन्दुकों के बाख कर्म संस्कार की बिगवी हुई रूप देखा से भी साबित होती है. जैसे नामकर्न संसकार की रत्म में जाहान कहा क्ष्मों का रास का नाम बताता है वहीं वह बक्कों का वर्ग भी बताता है कि वह जावान वर्न है, देवता वर्न है, शह वर्न है या राक्षस वर्न है वरीरा वरीरा. यन्त मासल संस्कार में बच्चों को नहला घुला कर -बाक्के कार्ये पहला कर एक जगह विठावा जाता है जहां

الك يدشرالك الك ذاتور عنف كاكان بن كلي. اللي يعوني لوهار کیمار' سوفار رغیرہ دائیں پیشوں کی منا پر آپے تک پائی جاتی هين. ليكن أن ييشمور ذاتورمين كوئي چهوت چهات بع تهي اروثي بيتي كا سمبنده يمي رائم تها . دهير عده دي يهشد ذاتس اور خاندانوں کے روپ میں آئے . ایک ھی پیشے نکے لوگ تعداد برهنے کے ساتھ ساتھ الگ الگ جانہوں پر جاکر بستے لئے . أن میں جان پہچان اور خاندانی سلسلہ معلیم کرلے کے لئے اُس خاندان یا تبیلے کے پہلے بزرگ کے نام پر گوترواد بھی چل پوا ، فالما ذاتيں ' كرتروں كے قائم مہجانے كے بعد جون پيشوں نے جيسى جیسی اُرتیک ترقی کی ویسی ویسی اُونے ندیج اور چھواچھوت کی وچار دھارا، بھی بیدا ھوگئی جس سے اُس زمانے کی سلملجک زندگی میں العهنیں یونے لکیں، یندت سالے کو (جو که عقامندون اور لیدرون اسماج تها) روک تهام کی سوجیی. ليكن وه ايس زهر. كو سماج سے أثار قد سكا البته أس في إسم أكم برهام سے روکام کے لئے ورن ویوستھا کا ایک الگ راستہ نکالا، يرس سماي كو چار بوت ورنون مين بانث ديا گيا ، ولا لوگ جو ودیا ، پڑھاتے پرھائے اور پہجا یاتھ کرائے کا کام کرتے تھے ہراھس کھانے یری لوگ راشتر کے دماغی آنگ ہوئے اور راشتر اور سماج کی ہر سنستها پر چهائے موئے رہے . وہ لوگ جو سیادگیری کا کلم کرتے تھے چتری کہالئے . یه راشتر کے رکچیک هوتے اپنے اور چونکه آس سے نوجی سرکاریں ہوتی: تھیں اِس لئے اُنھیں میں سے راجتہ می هوتے تھے . تعجارت اور کھیتی ہاری کا دهندا کرنے والے ویش لهالله الدكن يه لوك نه شليكار هوتے تهے الله دستكار أور ده هي خود عل وغيرة استعمال كرتے تهے . وه ورن جو أن كاموں كو انجام دینا تها اور اِن تیاوں وراوں کی سیوا کرتا تها؛ شردر کبانیا . سماج میں ورن ویوستھا ہوجائے کے بعد بھی ھر ورن میں روثی بیتی کے سائدہ کی چھوے تھی' بلکہ ایک ورن میں نیدا ھونے والا پیشہ تبدیل کرنے کے بعد دوسرے ورن کو اختیار کرسکتا تھا ۔ مثال کے طور پر ویدویاس جی پیدائش کے اعتبار سے چڑیمار تھے ، نارومنی کسی شودر داسی سے پیدا هوئے تھے. راوں پیدائش کے اعتبار سے برأهن تها جو أين كرم سے كنچھ كے كنچھ هوگئے ، يہى بات سنوسسرتی کے ایک سوارہ سے بھی ظاهر کے اور یہی بات هندوں کے چانو کونم ساسکار کی بکتری هوئی روپ ریکها سے بھی ٹابت هوتی اله ، جیسے نام کزن سلسکار کی رسم میں برائمن جہاں بحوس کا إس كا تام بتانا هے وهيں وہ بحور كا ورن بني بتانا هے كه وہ يواهين يون ها ديوتارون ها شودر ورن ها يا راکنهيسوون ها غيرة وفهوه ، أثيراسي سنسكار مين ينهون كو تهلا الكرر أجم كرد يهاكر أيك جكه بتهايا جاتا هـ جهال يد نهامنا جايت شودرا ساسكارا درج اوچيته .

क क्याना जानते स्त्राः संस्कृतः दिन उच्यतेः

یں ، اس بھاڑھا کے انتراکی آگے جاعر اُس کترین سے کام لیا کیا جو دیش کے لئے روگ ہی گیا اور چروا سیام جھوٹے ہویں اور تنگ نظری میں پھلس گیا ،

آخر کلھر کا سوال می کیوں آتھا ؟ دیش کے کہلے کرتے میں آج العبارا كليترسا هداري تهذيب الرو هداري سيهيدا كي كن كان الماري سيهيدا كي كان الماري سيهيدا كا كيول ايك جراب هو كه هندستالی جلتا کے ساملے قرمی نیتاوں لے جو اِتہاس رکھا اُس میں غلط بیالی ہے تنک نظری ہے اور جھرتا ابھیال ہے جس کے یربہاؤ سے جنتا اهلکار کی بھول بھلیاں سیں پھنس گئی اور أس كلجور كا استهان مرجودہ كلجور كا روب اور اُس كے بہانے كا رن نہیں دکھائی پرتا ، هماری جلتا کا ایک انگ وہ ہے جو دیسی اور راشاری پربهاؤں کے کارن پیچھے کی طرف دیکہ رہا کے ارر برائے استایفدری کو صناطر رکھتے ہوئے شدھی اور بغرادهار (Revivalism) کا حلی ہے اور دوسرا وہ ہے جو بجہم کی طرف دیکھ رہا ہے اور اپنے کلمچر کے تھالمجے کو بحصر سبھیتا کے رنگ رج میں بدل دینا چاھتا ہے ۔ یہ درنوں ھی رجسان غاط هيں . تيسرا ايک ايسا يهي دل هے جو انتهائي رواداري سے کلم لے رہا کے جو دیسی ارر ودیسی سبھی پربھاؤں کو قبول کرتے هوئے اپنے کلنچر کو وکاس کی طرف لیجا رہا ہے ، واستو میں یہی . گروپ ادرهی کی اور دیمی کے کامچر کی سیوا اور حاطات کر

بیارتی کلچر کی مہانتا آس کی لچک اور رواداری میں چرو اور اللہ (Pre-historical ago) سے لیکو آج نکب یہ لچک اور رواداری قائم ہے ، یہاں کے کلچر میں شاک بھی اور یونانی طاخانوں کے چھوٹے موٹے جھکرانے اِس طرح بچ گئے که هندستانی هوا سین اُن کی مرجردگی کا کوئی طاعرا اثر نہیں معلوم پڑتا بلکہ هر ودیسی پریپاؤ دیشی پریپاؤں میں دودھ اور پانی کی طرح ایسا گھل مل گیا کہ ایک کو دوسرے سے آنگ کوئا تامیکی ہے ۔

همارے کلچو میں جات پات کی ویرستیا بہت پرائی ہے۔ اور آئے تک کسی فہ کسی پہلو سے قائم بھی ہے ۔ طاهر میں اُس میں کلریں ہے ایکن واستو میں یہ رورستیا بھی بہت الجامالی (flexible) رہی ہے جس کے لئے اِتباس خود گراہ ہے ، اِس کے طوا چارتی کاچین کاچین شکتی بھی اِس ویرستیا کے لیکھیں کر گاہت کرتے ہے ۔

ویدگیم کال کا انہاس اس بات کا گراہ ہے کہ لوگوں کے بشتری در فیص پر جاتی رحلہ والی رسیوں بلے جی ذاہوں کو جتم دیا ۔ یہ جیک اوگوں کی سلساری فرورتوں کے آلہ رکلس کا یہا چیک گواں توریب قریب سوی دھادیہ پھیل کے اعتبار سے بولیوں تھے تبدیل کرنے کی کرنی فرورتوں تھے سیمیوں کے تبدیل کرنے کی کرنی فرورتوں تھے سیمیوں بھیل کرنے کی کرنی فرورتوں تھے سیمیوں بھیلی بھی دائی کاری سے الگ

184

भी. इस भावना के जंतरगत जागे चलकर उस फहरपन से काम लिया गया जो देश के लिये रोग बन गया और पूरा समाज मृहे बक्ष्यन और तंगनजरी में कस नया.

आखिर कलबर का सवाल ही क्यों उठा ? देश के कोने कोने में चाज "हमारा कलवर—हमारी सहजीव—स्रीर हमारी सभ्यता की गूंज सी है, चाखिर क्यों ? इसका केवल एक जवाब है कि हिन्दुस्तानी जनता के सामने क़ौमी नेताओं ने जो इतिहास रखा उसमें ग़लतबयानी है, तंगनजरी है और भूठा अभिमान है जिसके प्रभाव से जनता अहंकार की भूत भुतियां में पंस गई और उसे कलपर का स्थान, मीजवा कलचर का रूप और उसके बहाब का बस नहीं दिलाई पन्ता. हमारी जनता का एक धंग वह है जो देसी और राश्ट्री प्रभावों के कारन पीछे की तरफ देख रहा है और पुराने इस्टैंडर्ड को मदे नजर रखते हुए शुद्धि और पुनर्डद्वार (Revivalism) का हामी है और दूसरा वह है जो पश्चिम की तरफ देख रहा है और अपने कलवर के ढांचे को पच्छिमी सभ्यता के रंग रूप में बदल देना चाहता है. यह दोनों ही रुमान रालत हैं. तीसरा एक ऐसा भी दल है जो इन्तहाई रवादारी से काम के रहा है जो देसी और विदेशी संभी प्रभावों को क्रवृत करते हुए अपने कलवर को विकास की तरफ ले जा रहा है. बास्तव में यही पूप देश की और देश के कलवर की सेवा और हिफाजत कर रहा है.

भारती कलवर की महानवा उसकी लवक और रवादारी में है. पूर्व पतिहासिक काल (Pre-historical age) से लेकर आज तक यह लवक और रवादारी कायम है. यहां के कलवर में राक, हुन और यूनानी त्कानों के छोटे मोटे मकोले इस तरह पच गए कि हिन्दुस्तानी हवा में उनकी मौजूदगी का कोई जाहिर असर नहीं मालूम पड़ता बल्क हर विदेशी प्रभाव देसी प्रभावों में दूध और पानी की तरह ऐसा चुल मिल गया कि एक को दूसरे से अलग करमा

हमारे कलचर में जात पात की व्यवस्था बहुत पुरानी है और बाज तक किसी न किसी पहलू से कावम भी है. जाहिर में उसमें कहरपन है लेकिन बारतव में यह व्यवस्था भी बहुत लक्कीली (flexible) रही है जिसके लिये इतिहास सुद गवाह है. इसके बालाबा मारती कलचर की पाचन राकि भी इस व्यवस्था के लक्कीलेपन को सावित करती है.

वैविक काल का इतिहास इस बात का गवाह है कि लोगों के पुरतिनी बन्दों पर बलती रहने बाली रस्मों ने ही बातों को जन्म दिया, वह जग लोगों की संसारी जरूरतों के लिये विकास का पहला जुग था. क्ररीब क्ररीब सभी धन्दें पेशे के वेतवार से बराबर थे. इसलिबे पेशों के तब्दील करने की कोई जरूरत न समभी जाती थी. इसी कारन से बालुग को खुदा बना देवा है जीर मारे का शान रहानी हरिट-कोनों को सुठला देता है जीर नये रुहानी हरिटकोन जो सबसुष खुलाप होते हैं माधूम हो जाते हैं. सांप को सांप न समझ कर देवता समझना माटीबाद की तौहीन है, सांप को सांप समझने के बाद किसी खुलन्द मर्तवा देवता की सोज अञ्चासमबाद की वृद्धि है. कहने का मतलब यह है कि दोनों की तरककी एक साथ होती है और दोनों का पतन भी एक साथ होता है.

इस सिलसिले में यह बता देना जरूरी है कि कलवर का विकास पर से दूसरी और दूसरी से तीसरी सीवी पर नहीं हुमा है. इसमें अक्सर बकाव, उलमाव और गिराब भी पैदा हुए हैं. इसिहास से पता चलता है कि जब भी कोई नई बिचार घारा आई तो कढ़िवादियों (conservatives) ने रास्ते में रोड़ा अटकाया. कभी कभी इन रुद्धिवादियों की जीत भी हो गई और कलचर कर विकास कुछ अरसे के लिये मन्द भी पद गया लेकिन पूरे तौर से कलचर आगे, की सरक ही बढ़ता रहा. जैसे पबत पर चढ़ने बाला कभी जंचे चढ़ता हुआ दिखाई पढ़ता है और कभी नीचे उतरता हुआ लेकिन अन्त में बह उचाई पर ही होता है. कलचर भी गिराब को सहन करते हुए उचा ही उठता जाता है और मजसुई हैसियत से समाज को कायदा होता है.

हिन्दुस्तानी कलचर की रूप रेखा

मौजूदा कलचर की बुनियादी रूप रेखा परसने के लिये हमें अपने गुषारे हुए दिनों के इतिहास की तरफ जाना होगा, हालांकि इस से इन्कार नहीं किया जा सकता कि हमारे पूर्वजों में इतिहास की प्रथा न थी, फिर भी इमें कुछ शान अपने देश के साहित्य, वर्म मंत्रों, शिल्प कलाओं और अपने देश के बाखू रहम रिवाजों से मिलता है जो हमें अपने देश की प्रशानी सञ्चता की मलक दिखा देते हैं. इससे इम हिन्दस्तान के कलचरी विकास का अन्दाचा लगा सकते हैं. इस अन्दाजे से भी जो कुछ इसे अपने इतिहास का झान माम होता है वह राज महलों, दरवारों और विद्वानों की कल्पनाओं हैना इतिहास है, वह सच्चा भारत जो यहां के देहातों में फैक्षा हुमा था, जो हमारे जन समूह का मारत था, उसका क्रम प्रता नहीं. डकीसवीं और वीसवीं सदी के जागरन के जुन में हो विचारों के अधीन हमारे देश के इतिहास की पुस्तकें शिक्षी गई. पहली माजना में अनेपियत प्रधान है जिस के लिखने वाले जवादातर जानेज हैं. इन इतिहासों में जनेजी हित है किस में हर क्या से मारती कलवर को अमेजी कलकर से क्या सामित करने की कोरिएरा की गई है ताकि अपिकी शास और जार्ब स्थापन हों. इसरी माबना नेरानेलियम दे जो प्रकारी इतिहासकार्य की जनार भी दे और चुनीती

کو خوا بنا دیتی ہے آور مادیہ کا گیاں روحانی درشتی کوئوں کو جو اللہ اور ثانہ روحانی درشتی کوئی جو سے میے بلند هوتے ہیں مطرم هو جاتے هیں، سانپ کو سانپ نه سمجهار دیوتا سمجها ماتی واد کی توسیل ہے سانپ کو سانپ سمجها کے بعد کسی بلند مرتبه دروتا کی کھیے ادهیاتم واد کی بردهی ہے ، کہتے کا مطالب یہ هد که دوئوں کی توتی ایک ساتھ هوتی ہے آور دوئوں کا یکن بری ایک ساتھ هوتا ہے ،

اس سلسلے میں یہ بتا دینا ضوروں ہے کہ کلحچر کا وکلس ایک میہ درسوی اور درسوی سے تیسوی سیوھی پر نہیں ہوا ہے ، اس میں اکثر رکاؤ العجاؤ اور گراؤ بعی پیدا ہوئے ہیں ، چار التجاء التجاؤ اور گراؤ بعی پیدا ہوئے ہیں ، چار فہارا آئی آور روزهی وادیوں (conservatives) نے واسته میں روزا اٹکایا ، کبھی کیسی ان روزهی وادیوں کی جہت بھی ہوگئی آور کلحچر کا وکلس کچھ عرصے کے لئے مند بھی پر گیا لیکن پورے طور سے کاحچر آگے کی طرف می بوھتا رہا ، جیسے پربہت پر چوہینے والا کبھی اونچے چوہینا ہوا دکھائی پوتا ہے اور پربہت پر چوہینے والا کبھی اونچے چوہینا ہوا دکھائی پوتا ہے اور پربہت پر چوہینے والا کبھی اونچے چوہینا ہوا دکھائی پوتا ہے اور پربہت پر چوہینے والا کبھی اونچے چوہینا ہوا دکھائی پوتا ہے اور پربہت پر چوہینے والا کبھی اونچے چوہینے ہوئی ہوتا ہے اور مجھیوعی حیثیت سے سانے کو ہائدید ہوتا ہے ۔

مندستانی کلمچر کی بنیادی روپ ریکها

 कोई भी नया धर्म सदी चर्चों में नया नहीं होता बल्कि चात् वर्म या चात् कलचर का विकास होता है.

विकास के इसी उसल के आधार पर इन्सान नेपर की पूजा से चल कर एक ईश्वर की पूजा तक पहुंचा है, अब इन्सान प्यास बुकाने के लिये नदी और तालाबों का मोहताज था, जब वह नहीं सोच सकता था कि यह क्यों सुख जाते हैं, उसमें पानी कहां से आता है, पानी हासिल करने के दूसरे क्या साधन हैं, जब वह साये के लिये बने पेड़ों का मोहताज था तो वह नदी, तालावों और वने पेड़ों की पूजा करने लगा ताकि वह रूठ कर सूख न जाएं. जब इन्सान ने कुमां सोद कर पानी निकाल लिया, घर बनाकर साया पैदा कर लिया. जाग जला कर गरमी पैदा कर ली तो उसकी कलाना ने पानी के लिये पानी का देवता, आग के लिये आग का देवता पैदा किया जोर उनकी पूजा करने लगा. जैसे जैसे आग और पानी बरौरा के साइन्टिफिक आधार माखुम होते गये. देवताओं और उनके महत्व में कमी आती गई और बाज का इन्सान एक ईस्वर को हर चीच का बाधार मानने लगा. जब इत्सान नेचर के हर भेद को बाहल की पकड़ में पायेगा तो वह यक्कीनन खुदा की शक्ति से भी इन्कार कर देगा.

कलचर के सुलमान और उलमान या जुलन्दी और फर्ती का सन्वन्ध विज्ञान से बहुत गहरा है. कलचर के धार्मिक मैदान में हर समाज में गुरू में बहुत से देवता गाने गये जितने ही क्यांचा देवता थे, समाज में उतनी ही ध्रांतिजां या लाइस्मियां थीं. जैसे जैसे साइन्स ने एक एक गुत्थी का सुलमान पेश किया, देवता चटते गये. पहनावा, रहन सहन, खान पान सभी कुछ साइन्स की सोज पर बदलते रहते हैं.

कलचर दो किस्म का होता है, एक का आयार भारता है और दूसरे का प्रकृति, जिन्हें इस अध्यात्मवादी चावार चौर माटीवादी मादी चाधार भी कहते हैं. पहले किस के कलचर में कायदा कानून, धर्म, साहित्य, विद्यान, समाज व्यवस्था और राजनीति वरौरा शामिल हैं. क्योंकि यह सब इन्सान के क्योहारिक जीवन. चरित्र और जात्म विकास पर रोरानी ढालते हैं जिनका बाहरी हुनिया से कोई सम्बन्ध नहीं होता. दूसरे क्रिस्म का कलकर बाहरी दुनिया से सम्बन्ध रक्तता है. जो दुनिया आग. हवा, पानी, घरती, घात, पीवों, जानवरीं और वृसरी मादी चीजों से विरी है. इस कलवर में खेती वाड़ी के तरीके. वाने जाने के सावज, वातों के वर्तन, इविवारों वादि के इस्तेमाल शामिल हैं. योगों क्रिस्म के बक्कवरों में इडकन्दी की लकीर सींचना कठिन है जिसका खास कारन दोनों का एक दूसरे से उलमान है. बाराज में अध्यात्मकादी क्रवचर साटीवादी कलचर की शक्तमात है. जहालत साहे

كرئى بھى ليا دورم سبى أرتون ميں تيا لييں هوتا بلكه جالو دهرم يا جالو كلمور كا ركاس هوتا قد .

وکاس کے اِسی آمول کے آدھار پر آئسان ٹیجر کی پوجا سے چل کر ایک آبشور کی پوجا تک پہوئیجا ہے جب آئسان پیاس بھیائے کے آئی ندی اور تالاہوں کا محتاج توا جب وہ نہیں سوچ مختا توا کہ یہ کیوں سوک جاتے ہیں اُن میں پائی کہاں سے آتا ہے پائی حامل کرنے کے دوسرے کیا سادھن ہیں جب وہ سایہ کے لئے گہنہ پیروں کا محتاج توا تو وہ ندی تالاہوں اُور کہنے پیروں کی پوجا کرنے لگا تاکہ وہ روتے کر سوک نه جائیں ، وہ اِنسان نے کلواں کھود کو پائی نکال لیا گور بنا کر سایہ کی لیا آگ جیسے جیسے آگ آگ کا دیوتا پیدا کیا اور اُن کی پہانی وغیرہ کے سائنٹنگ کی پہانی وغیرہ کے انسان ایک آیشور کو ہر چیز کا آدھار مانغہ لگا ، جب اِنسان نیچر کے ہر بھید کو عتل کی پہر میں پائے گا تو وہ بینا خذا کی شکتی سے بھی اُنکار کو دیگا ،

کلمچر کے سلجھاؤ اور الجھاؤ یا بلندی اور پستی کا سمباندہ وگیلی سے بہت گہرا ہے ۔ کلمچر کے دھارمک میدان میں نفر سلے میں شہوع میں بہت سے دیوتا مائے گئے میں ۔ جانے می زیادہ دیوٹا تھے' سماے میں اُتنی هی بهرانتیاں یا اتعامیاں تھیں ۔ جیسے جیسے سائلس نے ایک ایک کتبی کا سلمجاؤ پیدس کیا دیوتا گیاتے گئے ، پہلازا' رهن سپن' کہاں پان سبھی کچے سائلس کی کجے پر بدائے رہتے ہیں ۔

کلیپر دو قسم کا هوفا ها ایک کا آدهار آتما هے اور دوسوے
کا پرکری جنهیں هم ادهاه والی آدهار آور مالی وادی مادی
آدهار بنی کنے هیں، پرلے قسم کے کاچر میں قائدہ قانوں دهرم
ادهار بنی کنے هیں، پرلے قسم کے کاچر میں قائدہ قانوں دهرم
کورند یہ سب آلسان کے بیوهارت جنوں چزتر اور آتم وکاس
کررمند کالا آئیں جن کا بادری دنیا سے کرتی سیندہ نہیں
دنیا آگا۔ گون جوری دانوں دنیا سے کرتی سیندہ نہیں
دنیا آگا۔ ہوا ہائی دخرتی دهاس پردیل جانوری اور
درسری آئی جوڑی یہ گون ہے اس کاچر میں کیدی بادی
کے طوید آئے جائے کے سادی دیاس کا چور میں کیدی بادی
کے طوید آئے جائے کے سادی کی دوس کا کیوں میں حدیدی
کے طوید آئے جائے کے سادی کی دوس کا کان دوفرن
کی ایک آئی کیا گون ہے جس کا خاص کارن دوفرن
کی تیری کیا گون ہے جس کا خاص کارن دوفرن
کی تیری کیا گون ہے جس کا خاص کارن دوفرن
کا آئی آئی آئی کیا ہے جس کا خاص کارن دوفرن
کی جانوں میں ادھائی ہونے کی دوفرن میں ادھائیوالدی

हिन्दुस्तानी कलचर

(चरन संरत नाज)

कलपर क्या है ?

कलपर के सम्बन्ध में इक कहने से पहले यह समम लेना बहुत जरूरी है कि कलपर क्या है. किसी भी देश का कलपर समय की बहती हुई धाराओं के आधार पर बनता आया है. कलपर अपनी प्रकृति से विकासमय (evolutionary) है और इसलिये कलपर के विकास का तारीकी मुताला (पतिहासिक अध्ययन) सम्भव है. कलपर के पतिहासिक विकास के इब अटल उसल हैं जो हर देश, हर क्रीम के कलपर पर परसे जा सकते हैं. हम अपने लेख में पहले उन्हीं इस्लों पर प्रकाश डालेंगे.

इन्सानी समाज अपनी इन्तहाई जंगली अवस्था से मनोवैद्यानिक, साइन्टिफिक और नये नये मालुमात के आधार पर, जिन्हें इन्सानी जरूरतों ने पैदा किया, क़दम क़दम आगे बढ़ता हुआ आज की सुधरी हुई हालत (जो अब तक भी पूरी नहीं है) पर पहुंचा है, इस प्रकार समाज उसके कलचरी विकास की एक सीढ़ी सी है, जिसका उपरी सिरा जोमल है. किसी भी समय का कलचर उस समय के बाव्मियों के मनोवैद्यानिक, दिमारी, रुहानी और साइन्टिफिक जानकारी का मोहताज है. किसी भी समय के कलवर कीं बुरा कहना या किसी भी समय के आदमी को बसभ्य बतलाना अन्याय होगा. जिस समय के लोगों के जीवन सम्बन्धी या संसार सम्बन्धी ज्ञान में जितना फैलाब होता है या बोखापन होता है, इस समय के लोगों के कलचर और धर्म भी उसी सीमा में रहते हैं. शुरू जमाने में सारी दुनिया में आदमी की कूर्वानी का रिवाज था. उस जमाने में लोगों को खेती बाड़ी के तरीक़े नहीं भातूम ये और न वह नेचर से ही फ़ायदा डठाना जानते थे, डनमें समाजी तत्व की भी कभी बी. लोग एक दूसरे से काम लेना और एक दूसरे के काम जाना भी नहीं जानते थे. ऐसी हालत में उनके देवी देवता अगर नर इत्या से खुश होते ये तो उसमें ताज्जुब की क्या बात है ? खालिस लड़ाई की प्रवृत्ति (instinct) के आधार पर उन बोगों में हारे हुओं का करले जाम ही लड़ाई का धर्म जममा जाता था. जब धीरे धीरे यह झान हुआ कि इन्सान इन्सान के काम आ सकता है, वह पैदाबाद के कामों में, सेवा करने में सहायता दे सकता है तो करते जाम की जगह शुलामी ने ले ली और इन्सानी र्वेवृद्धि में शाहिस्ता आहिस्ता देवा और वर्ग दाखिल हो गवे. क्लाचर सुद्द समुद्द संगरने लगा. कोई भी नया कलचर,

هندستانی کلچر

(چرن سرن ثاز)

ظنچر کیا ہے۔ 9

کانچر کے سبندہ میں کچے کہتے سے پہلے یہ سبجے لینا بہت فہروری ہے کہ کانچر کیا ہے ۔ کسی بھی دیش کا کلنچر سبے کی بہتی ہوئی دھاراؤں کے آدھار پر بنتا آیا ہے ۔ کلینےر آپنی پرکرتی سے رکلس مئے (evolutionary) ہے آدر اِس لئے کانچر کے رکلس کا تاریخی مطالعہ (اُتہاسک اُدھیں) سد ہو ہے ۔ کلنچر کے اُتہاسک رکلس کے کنچہ اُٹل اُصول ھیں جو ھر دیھن مو قرم کے کلنچر پر پرکھے جا سکتے ھیں ، ھم آپنے لیکھ میں پہلے آنہیں اُصولی پر پرکھے تالہ سکتے ھیں ، ھم آپنے لیکھ میں پہلے آئیس اُصولی پر پرکھے تالیہ گے ،

إنساني ساج اپني انتہائي جنگلي ارستها سے منوريكيانك، سانالاً کی اور نیے نیے معلومات کے آدوار پر جنهیں انسانی فرررتیں نے پیدا کیا تدم قدم آگے بوھتا ھوا آج کی سدھری ھوئی ھالت (جو اب تک ہی پروی نہیں ہے) پر پہونچا ہے ، اِس پرکار سماہ اُس کے کلتھری وکلس کی ایک سیوھی سی ها جس كا أربري سرا ارجهل هن كسي بهي سهد كا كلحور أس سے کے آلمین کے ملوریکیالک دماغی اروحاتی اور سائندک جانکاری کا محتاج ہے . کسی بھی سے کے کلچر کو برا کہنا یا کسی بھی سے کے آدمی کو اسبھاء بالاتا انبائے هرکا . جس سهد کے لوگوں کے جدیوں سمبندھی یا سنسار سمبندھی گیاں میں جتنا يهيا موتا ه يا ابجها بن هوتا ها أس سد ك لوگون ك . كلجر اور جمرم بدی آسی سیما میں رمتے میں ، شروع زمانے میں ساری جليا مين أدمى كي قربائي كا رواج تها . أس وماني مين لوگون کو کھنٹی بازی کے طریقہ تبدین معلوم تھے اور انته وہ المنتجر سراهي فائدة أثيانا جائت تها أن مين ساجي تتوكي بين کسی اتھیں ، لوگ ایک درسرے سے کام لینا اور ایک درسزے کے كلم آلنا يمي نبين جالتے تھے . ايسي حالت ميں أن كے ديوى ديرتا اگر نرهتيا سے خوص هوتے تھے تو اس ميں تعجب کی کھا ماس ہے 9 خالص لوائی کی پرورتی (instinet) کے آدمار پر أن لوكون مين هارے هووں كا فال عام هي لوائي كا دعرم سمعها حالا تها . جب دهوره دهوره يه گيان هوا كه انسان انسان سهاللہ بندر سامنا ہے تو قتل علم کی جاتھ غلامی نے لے لی اور السالني بيرووان منهن أهسته أهسته درا اور دهرم داخل موكله ." كلجهر خود يطود سلورن لكا . كرنى بهى لها كلجرا

भीन के मराहुर महात्मा लाभोत्ये इजरत ईसा से 604 वर्श पहले हुए थे, उनके उपदेशों का भीन पर कड़ा गहरा असर पढ़ा, लाभोत्ये कहते हैं—

"आइमी को चाहिये कि अपना सब काम सुदी को अलग रखकर सरल और सादे डंग से करे. उसके किसी भी काम में खुदी या घमंड न हो, न अपने पराये और तेरे मेरे का फरफ हो. इनसान की सेवा उसकी पूजा हा. यही आइमी का 'ताओ' याँनी धर्म है."

हजरत ईसा ने इसी तरह का उपदेश देते हुए कहा था—
"देखो, जत के दिन भी तुम खुद तो खुब खाते हो जीर दूसरों को करट देते हो. तुम सब तरह की बुराई करते रहते हो. क्या ऐसे ही जत की आज्ञा दी गई थी ? क्या यह जत ईश्वर को मंजूर हो सकता है ? जिस जत की आज्ञा दी गई थी वह यह है—जिन बुराइयों ने तुम्हें बांच रखा है उनका बन्धन तोड़ डालो, दुखियों को आजाद करो, अखे को अपनी रोटी में से रोटी हो, जो बेघर हैं उन्हें अपने घर में जगह दो, जो नंगे हैं उन्हें कपड़े पहिनाओ. सब दुखी इनसानों की सेवा में अपने को खपा डालो, यही सबसे बड़ा जत है."

बुद्ध भगवान जब धर्म प्रचार करते हुए निकले तो जहां भी दुक्षियों और वीमारों का पता पाते वहां जरूर ही उनकी सेवा करने ठहर जाते. उन्होंने अपने भक्तों को उपदेश दिया कि—

"भिक्ष को ! निरकाम सेवा ही परम धर्म है. सेवा का धर्म जात पात व धर्म के मेद भाव को नहीं मानता. भिक्षु नर (आदमी) के रूप में नारायन (अल्लाह) को देखता है और जन (इन्सान) के रूप में जनीदन (जालिक) का दर्शन करता है, वह खुद दुखों और मुसीवतों का स्वागत करता है और अपनी सेवा के जरिये इस धरती में स्वर्ग की रचना करता है."

सिखों के वीये गुरू के एक वेले जब संगत में शामिल हुए तो उन्होंने अपने सुपुर्व जूटे बरतन मांजने का काम लिया. सुबह उठते ही बरतन मांजने का काम शुरू करते ये और काम समाप्त करते आधी रात बीत जाती थी. गुरू के चरनों में बैठ कर सतसंग सुनने का भी उन्हें समय नहीं मिलता था, जबकि उनके दूसरे गुरू माई सुबह से लेकर रात तक भजन और सतसंग में ही अपना समय बिताते थे. जब गुरू जी ने समाधि ली तो जनता सममती थी कि गुरू के जो वेले रात दिन भजन गाया करते थे उन्हीं में से किसी को गुरू अपना बारिस बनाएंगे. लेकिन जब गुरू का हुक्मनामा खोला गया तो उसमें से उस जूटे बरतन मांजने बाले का नाम निकला जिसे एक दिन भी अजन गाने और संगत में बैठने का भीता नहीं मिला बा. और यही बरतम मांजने बाले गुरू बजुन देव के नाम से सिखों के प्रसिद्ध गुरू हुए,

چین کے مشہور مہاتما اوتوے حضرت عیسی سے 604 ورش پہلے موگے تھے ، اُن کے آپدیشوں کا چین پر گیرا اثر پڑا ، اوتوے کہتے میں—

" آدمی کو چاھئے که أینا سب کلم خودی کو آلگ رکھکر سرل اور سارے تھنگ سے کرے ۔ اُس کے کسی بھی کلم میں خودی یا گھنڈ که هو' نه آینے پرائے اور تیرے میرے کا فرق هو' انسان کی سیوا اُس کی پوجا هو . یہی آدمی کا 'تاؤ' یعلی دعرم هے ۔''

حضرت عیسی نے اِسی طرح کا اُپدیش دیتے ہوئے کہا تھا۔
''دیکھو' برسکے دیں بھی نم خود تو خوب کھاتے ہو اور درسروں
کو کشت دیتے ہو۔ تم سب طرح کی برائی کرتے رہتے ہو۔ کیا
ایسے ہی برت کی آگیاں دی گئی تھی 9 کیا یہ برت ایشور کو
منظور ہوسکتا ہے 9 جس برت کی آگیاں دی گئی تھی وہ یہ
شسبجن برائیوں نے تمہیں باندہ رکھا ہے اُن کا ہندھن تور ڈالو
دکھیں کو آزاد کرو' بھوکھےکو اُپنی روٹی میں سے روٹی دو' جو پہاو عیں اُنھیں اپنے گھر میں جکہ دو' جو بنکے ھیں اُنھیں کورے پہناؤ۔
سب دکھی انسانوں کی سیوا میں اُنے کو کھا ڈالو' یہی سب سے
ہزا ہرت ہے۔''

یدہ بیکوان جب دھرم پرچار کرتے ہوئے نیلے تو جہاں بھی دیجیں اور ہماروں کا پتہ پاتے وہاں ضرور ھی اُن کی سیوا کرنے شہر جاتے ، اُنھیں نے اپنے بیکتیں کو اُپدیش دیا کی۔

'' بیکھو اِ انشکام سیوا ھی پرم دھرم ھے۔ سیوا کا دھرم جات بات و دھرم کے بیدد بیاز کو انہیں مائٹا ۔ بیکشو اُر آدی) کے روپ میں انراین (اللہ) کو دیکھتا ھے اور جن (انسان) کے روپ میں جفاردن (خالق) کا درشن کرتا ہے ، وہ خود دکھوں رر مصیبتوں کا سراگت کرتا ھے اور اپنی شیوا کے درجے اِس درتی میں سورگ کی رچنا کرتا ھے ۔''

ब्रागामारी कवियों को एक तरफ एक मासनलात पत्रवेंती से लेकर 'क्क्चन', 'अंचल' तक के काव्यों में इमें वर्द शैली श्रीर मान जहां कहां मालूम पनते हैं. वर्द की नई रोमानी कविताः ने निसंदेइ हिंदी कवियों की कहन पर प्रमाव हाला है.

[जांस इंडिया रेडियो के सीजन्य से]

ہمایا واندی کیوں کو ایک طرف رکھ ساتھی الل والروادي سے ليکر ' بنجن ' ' اُلنجل' تک کے کاويوں جن ،همیں أردو شیلی اور بهاؤ جہاں کہیں معلم پرتے هیں۔ أردو کی نشی رومانی کویکا نے نسندیم هندی کی کهن پر پربھاؤ

[آل انتیا ریتیو کے سوجنیه سے]

(विश्वनभरताय पांडे)

जैन साधुओं को जादेश देते हुए भगवान महाबीर कहते हैं—'भगर कोई साधू किसी रोगी वा मुसीवत में पड़े आदमी को छोड़ कर तपस्या करने लगता है, शास पढ़ने में लग जाता है, तो वह अपराधी है और संघ में रहने के काविल नहीं है. सेवा खुद एक बढ़ा भारी तप है. सेवा करने के लिये सदा दुखियों की, दीन दुखियों की, पतित भीर दलितों की स्रोध में रहना चाहिये."

यक बार मोहरमद् साहब से किसी ने पूछा कि ईमान क्या है ? कन्होंने जवाब दिया-"सम करना और दूसरों की मलाई और सेवा करनाः" एक हदीस में जाता है कि मोहत्मद साह्य ने कहा कि "सब इन्सानी समाज अस्ताह का कुनवा है और उन सब में अल्लाह का सबसे प्यारा वह है जो अल्लाह के इस कुनवे की भलाई और सेवा करता है."

सेवा का महत्व दर्शते हुए गीता कहती है-"मोध्र केवल उन्हीं को मिल सकता है और उन्हीं के पाप जुल सकते हैं जिनकी दुविया मिट गई है और जिन्होंने अपनी कामनाओं को जीव लिया है और जो सदा सबके भने और सबकी सेवा में लगे रहते हैं."

गोस्ताची द्वलकीवास ने रामायन में लिखा है-"परहित सरस धर्म नहीं माई. पर पीडा सम नहिं अप भाई." रोख सादी ने अपनी मराहूर फिताव 'करीमा' में लिखा

"क्रमी दौसत सेवा से ही मिलती है. 'सेवा से बीआम्य जिसवा है.

"कृषि व सेवा के लिये कमर कक्ष ले वो कमी न मिलने वाली कुला का व्यवस्था होरे सिचे सुस जावेगा.

"रोवा से जीवर की जाला रोरान होती है."

سيوا نعوم

(مشرمبهر ناته بالته)

جان سادهوان کو آدیش دیتے عوثے بهکوان مهاویر کہتے هيں اور اگر کوئی سادھو کسی روگی يا مصيبت ميں پوے أدمى كو چهور كر تيسيا كرنے لكتا هـ؛ شاستر يرتقنے ميں لك جاتا ھے تو وہ ایرادھی ہے اور ستے میں رہنے کے تابل تہیں ہے . سهوا خود ایک برا بهاری تپ ہے . سهوا کرنے کے لئے سدا دکھیں کی کیوں دکھیوں کی پھت اور دائتوں کی کھوے میں رھا

ایک بار محمد ماحب سے کسی نے پیچھا که ایمان کیا ہے؟ أنهوں نے جوآب دیا۔ " مبر کرنا اور دوسروں کی بھٹی اور سپوا کرنا ،" ایک حدیث میں آتا ہے که محمد صاحب نے کیا كه " "سب انساني سماج الله كا كنبه ها اور أن سب مين الله کا سب سے بیارا وہ ہے جو اللہ کے اس کنیے کی بھٹی اور سہوا

سیوا کا میتو درشاتے عوثے گیتا کیتی هے۔۔

" موکف کیول اُنہیں کو مل سکتا ہے اور اُنہیں کے یاب دھل سکتے میں جن کی دویدھا سک گئی ہے اور جنہوں نے أبنى كامناؤل كر جدت ليا في أور جو سدا سب كے يهلے أور سب كي سيوا ميں لك رهتے هيں .4

گرسوالی تلسی داس نے راماین میں تھا ھے۔

11 يرهت سرس دهرم نهين يهائي ير پيوا سم نهيں اڳ بيائي ."

شیع سعدی لے أپنی مشہور كتاب " كريما " میں لکھا ھے۔۔ 17 مسجى دولت سهوا سے ملتی ہے.

ال سهوا سے سربھاگیت ماتا ہے۔

و پدو توسیوا کے لئے کمر کس لے تو کیبی کا ملئے والی بيوات كا دوواره تهرب الله كهل جاريكا . سعوا سه بيبتر كي أتما روشي هوتي هي."

ليبر 54

अर्थात एक नीड़ नरट होने पर दूसरा नीड़ फिर से बनाया जा सकता है. एक शहात वर्दू कवि की यह विक देखिये—

> चार तिनके चाशियां के जल गये तो जल गये, किर भी हो सकती हैं शासे गुल ये तामीरें बहुत.

कितनी अधिक भावों में समानता है. इस भाव की समानता को निश्चय ही आकरिमक नहीं कहा जा सकता. हमारे प्रगतिशील कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' की एक उक्ति बहुत प्रसिद्ध है—

मैं नहीं आया तुम्हारे द्वार, पथ ही मुद्द गया था. प्रेमी प्रेमिका के घर जान चूम कर नहीं गया, बरन जिस रास्ते पर चल रहा था वह खुद ही उधर मुद्द गया. जब दर्द का एक शेर और शौर करमाइये—

युराकिलों से लाये थे समका बुका के दिल की हम, दिल हमें समका बुका कर कूथे जानां ले चला.

कविसा की गहराई तक पहुंचिये, कानों में यह लाइनें गूंजती हैं-

दिल हमें समका बुका कर कूये जानां ले चला. हिन्दी में नरेन्द्र शर्मा की एक लाइन पर विचार कीजिये— "फिर एक बार साकार बनो मेरे युग युग के आकर्षण."

इस मुकाबले में बाक्टर इक्तबाल की बहुत मशहूर राजल है, उसका एक शेर मुलाहिजा हो—

कभी पे इक्रीकर्ते मुन्तिचिर, नचर का लिवासे मजाज में. कि इचारों सिजदे तपड़ रहे हैं, तेरी ज़बीने नियाज में.

हिन्दी के किन किन नौजवान कवियों ने उर्दू के, और उर्दू के किन किन शायरों ने हिन्दी के कीन कीन से भाव निसंकोच अपना लिये हैं, अगर इसकी खोज की जाये तो उसका पूरा गोशवारा तैयार करना पढ़ेगा. हिन्दी में उर्दू के मावों से या उर्दू में हिन्दी के भाषों से प्रेरना लेना गुनाह नहीं, किन्तु उस पर अपनी असलियतपन का दावा नहीं करना चाहिये.

हम यह पहिले ही बता जुके हैं कि मध्यकाल में हिन्दी और उर्दू के क्षेत्र में दो बातें समान थीं: (१) एक राज-दरबार तथा (२) सुफियाना मक्ति प्रधान सांस्कृतिक भाव थारा. ठीक उसी तरह आधुनिक काल के प्रारम्भ में राष्ट्रीय भाव दोनों भारााओं में समान रूप से पाने जाते हैं. हाली का मुसदस और मैथिली शारण की भारत भारती एक ही राष्ट्रीय सामाजिक आदर्श से रंगी हुई हैं. साहित्य का जानने बाला विद्यार्थी यह निश्चय पूर्वक कह सकता है कि भारत भारती मुसदस से प्रभावित हुई है. हाक्टर इक्काल, वक्कस्त आदि उर्दू के राष्ट्रीय कवि हिन्दी में लोक प्रिय हुने हैं, 'प्रसाद', 'पंत', 'निराला' 'महादेशी बर्मा' जैसे पक्के ارتبات ایک گفت گفت خرف نور موسرا امیر پور سه بنایک استاه کاران می بنایک استان در به در به

چار تنکے آشیاں کے جل گئے تو جل گئے؛ پیر بھی مسکتی میں شام کل یہ تعمرین بہت،

کتنی ادھک بھاوں میں سالتا ہے ۔ اِس بھاؤ کی سانتا کو سے ھی آکسک فیس کہا ہما سکتا ، ھنارے پرگتی شیل نے شرمنگل ستھ ' سین ' کی ایک آکتی بہت پرسدھ ہے۔۔

مين نهين آيا تمهارے دوار' پنه هي مر کيا تها .

پریسی پریسکا کے گھر جان بوجھ کر تھیں گیا کون جس نے پر چل رہا تھا وہ خود هی اُدھر من گیا، آب آردو کا ایک ر اور غیر نومایڈے —

مشکلوں سے لانے تھے سنجھنا بعقیا کے دل کو ھم' دل ھنیں سنجھا بنجیا کو کوئے جاتاں لے چلا

کویتا کی گہرائی تک پرنچ<u>ئے'</u> کانوں میں یہ لائنیں جتی میں۔۔۔

دل ممیں سنجھا بجھا کر کوٹے جاتاں لے چلا۔

ھانعی میں تریندر شرما کی ایک لانی پر وچار کیجئے۔۔ " پھر آیک بار ساکار بنو میرے یک یک کے آکوشنو ،"

اس مقابلہ میں ڈاکٹر اقبال کی بہت مشہور غول ہے، اُس ایک شعر ملا حظہ عند

کھی اے حقیقت منظار نظر آ لبلس مجاز میں کہ جزاروں سجدے تو رہے ہیں تری جبین نیاز میں .

ھندی کے کن کن تولجوان کوٹیوں نے اردو کے' اور اردو کن گئی ہیں سے بیاؤ مستعوج کی گئی ہیں۔ کی معاومی تو آس کا لئے معنی کرتے ہیں جاومی تو آس کا گیشوارہ تیار کرتا پریہ کا ، هندی میں آردو کے بھاؤں سے یا دو میں تعلیق کے بھاؤں سے پریوٹا لینا گناہ تہیں ، کنتو آس اینی اصلیمی پی کا وعوی تھیں کرتے چھاؤی۔

इस पद्य को पदकर उतरे हुये नरो के मुदाबरें का इस्ते-माल जंकर की क्स मशहूर राजल की बाद दिलाता है— ''न किसी की परम का नूर हूं,

म किसी के दिल का करार हूं."

जिसका एक मिसरा है— "जो बिगद गया वह नसीव हूं,

जो बतर गया वो खुमार हूं."

इत्याबाद के बाद हिन्दी में जो अन्य धारायें चलीं, जैसे
मासनलाल बतुर्वेदी, भगवती चरन वर्मा, हरिक्टरन प्रेमी,
नवीन धारायें, उनमें बद्दें की विशेशता लिये आवों की प्रचुरता
मालूम पद्धी है. साक़ी, प्याला, शमा, पतंग आदि प्रतीक तो
अब तक चले आ रहे हैं. 'बच्चन' की 'मधुशाला' तो प्रसिद्ध
ही है. उमर खैयाम के प्रभाव से हिंदी में न मालूम कितने
ही उर्दे, कारसी के रोमन्टिक भावों को आसरा मिला है.
इस तरह हिंदी उर्दे के भावों की बराबरी के अनिगनत
उदाहरन दिये जा सकते हैं. महादेवी वर्मा की यह उक्ति
लीजिये—

एक ज्याला के बिना मैं राख का घर हूं. और इसकी तुलना कीजिये— आग थे इब्तवाये इरक में हम,

अब जो है खाक इंतहा यह है. और दिनकर की यह उक्ति लीजिये—

जब गीतकार मर गया चांद रोने आया, चांदनी मचलने लगी कफन वन जाने को.

चांवनी के कफ़न बन जाने की बात ठीक उर्दू में भी इसी तरह कही गई है. सुनिये उस्ताद जोक़ का एक शेर है—

अफ़सुरदा दिल के बास्ते क्या चांदनी का लुक्क, लिपटा पड़ा है जिस तरह मुद्दा कफ़न के साथ. और बच्चन ने तो अपनी प्रेरना चर्द के सयखाने से ही

ली है. उनका एक वाक्य लीजिये-

बजी नकीरी और नमाजी भूल गया अस्ला ताला और उसकी तुलना कीजिये इस शेर से और देखिये

कीन सा पंथादा बुलंद है-

नमाज कैसी कहां का रोजा, जमी तो राग्रले शराब में हूं. जुदा की बाद आये किस तरह से, हुतों के कहरे हवाब में हूं. या यह तीजिये कच्चन की एक कविता—

क् नाम्ययं चण्यनं का एक कावता---''नीड का निर्मास फिर फिर"

धारता घोंसला बनाने, नीव का निर्मान करने की बात सास तीत से कई से ही आई है. चमन, आशियां, आशियां पर चित्रती निरमा काहि प्रतीक ठीक वर्द के हैं. किर से

"नीव का निर्धाश फिर फिर"

اس ہدید کو پرممبر آدرے موٹے تھے کے متعاورے کا استعمال طابق کی اس متمہور غول کی یاد داتا ہے۔۔۔

" نے کسی چشم کا نہر ہوں؟ ثم کسی کے دل کا قرأر ہوں۔" جس کا آیک مصرہ ہے۔۔

"جو بائر گيا وه نصيب هون" جو اُتو گيا وه خمار هون"

چہایا واد کے بعد هندی میں جو اُٹیم دھارائیں چلیں' جیسے ماکیں لال چترویدی' بھکوتی چرن ورما' ھری کرشن پریمی' ٹویں دھارائیں' اُن میں اُردو کی رشیشتا لئے بھارں کی پرچورتا معلم پرتی ہے ۔ ساتی' پیالم' شمع' پتنگ آدی پرتیک تو آب تک چلے آ رہے ھیں ۔ ' بحون ' کی ' مدھو شالا ' تو پرسدھ ھی ہے عمر خیام کے پربھاؤ سے هندی میں ثم معلوم کتنے ھی اُردو' فارسی کے رومئتک بھارں کو آسرا ملا ہے ۔ اِس طرح هندی اُردو کے بھاڑں کی برابری کے اُٹکنت اُداھرن دیئے جا سکتے ھیں ، میدیوی ورما کی یہ اُکتی لیجڑے۔

ایک جوالا کے بنا میں راکھ کا گرر ھوں ۔ اور اِس کی تولنا کیج<u>ئے</u>۔۔۔

آگ تھے ابتدائے عشق میں هم' آب جو هے خاک انتہا یہ هے،

أور دائكر كي ينه أكني ليجيئه—

جب گیتکار مر گیا چاند رونے آیا' چاندئی، حظف لکی کن بن جانے کو .

چاندئی کے کئی بن جانے کی بات ٹیدک آردو میں بھی اِسی طرح کہی گئی گھ ۔ سائے آستاد ذرق کا آیک شعر ھے۔ انسردہ دل کے واسطے کیا چاندنی کا لطف اُ

انسردہ دل کے واسطے کیا چاندنیکا لطف، لیتا پڑا ہے جس طرح مردہ کفن کے ساتھ.

اور بچن نے تو اپنی پریرفا اُردو کے میخانے سے هی لی هـ. اُن کا ایک واکیه لیجیئے۔۔۔

بحجی تنایری اور ثمازی بهول گیا الله تعالی اور اُس کی تولنا کیجئے اِس شمر سے اور دیکھئے کوں سا زیادہ بلن ہے۔۔۔

الماز کیسی کہاں کا روزہ الیا تو شیل شراب میں ہوں . خدا کی یاد آئے کس طرح سے الیہ توں . بتوں کے قہر حباب میں ہوں .

ا يه البحيث بها كي أيك كويتا-

" ليو كا ترمالز بهر بهر "

اینا گہولسلا بنائے' لیو کا ترمانہ کرنے کی بات خاص طور من آرفو سے بھی آئی تھے جس 'آشیاں' آشیاں پر بجعلی گرنا آدی آرفیک گیبک آردو کے میں ، پھر سے سنیئے۔۔۔۔ ''آرفیک گیبک آردو کے میں ، پھر سے سنیئے۔۔۔۔ ''آرفیک گیبک آردو کے میں ، پھر سے سنیئے۔۔۔۔ गालिय ने इसी भाव को मीठा धुमाब दे कर एक जीवन व्यास्था कर दी है.

इशरते क्रतरा है द्रिया में फना हो जाना, दर्द का हद से गुजरना है दवा हो जाना.

इस जीवन व्याख्या के कारन ही ग़ालिब का यह रोर बहुत ही ऊंचे क्जें का है.

गोस्वामा तुलसीदास की एक वक्ति है-

जित देखुं तित तोय, कंकर पत्थर ठीकरी, भई चारसी मोय.

अर्थात परमहाकी व्यक्त सत्ता में उसकी अव्यक्त सत्ता का सींवर्य प्रकट हो रहा है. इसी बात को एक उर्दू कवि इस तरह कहता है—

निगइ मेरी इक्तीकर आशाना मासूम होती है, नजर जिस री पे पड़ती है सुदा मासूम होती है.

हिन्दी के पुराने प्रतीक वर्दू शायरों ने, और आजकल के हिन्दी कवियों ने वद् की कहन को ने रोक टोक अपना लिखा है.

यह तो केवल भाव परम्परा की बात हुई. मध्य कालीन हिन्दी काव्य में चंद बरदायी से लेकर कागे तक कारती अरबी राज्य आये हैं. किसी में कम, तो किसी में ज्यादा. जहां काव्य अधिक शुद्ध धार्मिक धरातल पर रहा, कारसी अरबी के राज्यों का प्रयोग कम हुआ, जहां यह धार्मिक धरातल पिछड़ गया वहां कारसी अरबी का बेराक टोक प्रयोग होने लगा. गोस्वामी तुलसीदास ने खुद अपनी कवितावली के सुन्दर कांड में कारसी शब्दों का बखूबी इस्तेमाल किया है. यह इस बात का सूचक है कि आम बोलचाल की भाशा में उन दिनों कारसी अरबी शब्दों का बहुतायत से उपयोग होता था. मुसलमान राजाओं के समय में ऐसा होना स्वाभाविक भी है. कबीर से लगा कर भारतेन्द्र हरिस्चद तक ऐसी अनेक नदम गिनाई जा सकती हैं जिनमें हिन्दी के मशहूर कवियों ने वर्द्र शब्दों का बहुत नकासत और सलीक़े के साथ इस्तेमाल किया है.

आजकल की कबिता के क्षेत्र में हम पर खर्क का जबरदस्त असर हुआ है. छायाबाद के पूर्वकाल में अयोध्यासिंह छपाध्याय के बोलो चीपदे इस बात की मिसाल हैं. हिन्दी साहित्य के विधार्थियों को यह मालूम है कि 'प्रसाद' जी का छायाबादी काट्य "बांस्" अनेक स्थलों पर उर्द् के प्रतीकों और भावों को सेकर बला है—.

> माद्कता से आये तुम संज्ञा से चले गये वे हम व्याकुल पड़े विलक्तते वे कतरे हुये नरो से

غانب نے اِسی بھاؤ کو میٹھا گھناؤ دیکر آیک جمیوں ویاکھا کردی ہے ،

a w

عشرت قطرة الله دريا مين فنا هرجانا، درد كا حد سه كذرنا الله درا هرجانا .

اِس جیرن کی ریاکھا کے کارن هی فالب کا یہ شعر بہت هی آرنچے درجہ کا هے ،

کسوامی تلسی داس کی ایک آکتی ہے۔

المان توني

كلكو يتهر تهيكري بهتي آرسي موثي

نگهه میری حقیقت آشنا معلوم هوتی ها نظرجس هدی ها نظرجس هدی به پرتی همخدا معلوم هوتی هی

ھندی کے پرانے پرتیک اُردو شاعروں نے' اور آجکا کے ھندی کویں نے اُردو کی کہی کو ہے روک ٹوک اپنا لیا ہے ۔

یہ تو کیول بھاؤ پرمپرا کی بات ہوئی ، مدھیہ کالین ھندی کاویہ میں چند بردائی سے لیے کر آگے تک فارسی عربی شبد آئے ھیں ، کسی میں کم تو کسی میں زیادہ ، جہاں کاویم ادھک شدھ دھارمک - دھراتل پر رھا فارسی عربی کے شبدس کا پریوگ کم عوا جہاں یہ دھارمک دھراتل پچپر گیا رھاں فارسی عربی لیے روک ٹرک پریوگ ھوئے گا ، گو سوامی تلسی داس نے خود لیا ہے روک ٹرک پریوگ ھوئے گا ، گو سوامی تلسی داس نے خود لیا ہے ، یہ اِس بات کا سوچک ہے کہ عام بول چال کی بھاشا میں اُن دئوں فارسی عربی شبدس کا بہوتایت سے آپیوگ ھوتا کیا ، مسلمان راجاؤں کے سم میں ایسا ھوئا سوابھارک بھی ہے کبیر سے لگا کر بھارتیندو مریشچان تک ایسی اُنیک نظم گنائی جا سکتی ھیں جی میں ہیں ہاسی اُنیک نظم گنائی جا سکتی ھیں جی میں بھن ہا استمال کیا ہے ،

آجال کی کویٹا کے چھیٹر میں هم پر آردو کا زبردست اثر مواہد جایا رادد کے پورو کال میں ایودهیا سنٹھ آپادهیائے چوکھ چردے آس بات کی مثال طیں ۔ هندی ساهنیہ کے ردیارتھیوں کو پردے آسو " آنسو " آنسو " آنسو وادی کویٹ " آنسو " آنسو انکی اسٹھلوں پر آردو کے پرتیکوں اور بھاوں کو لے کر چلا ہے ۔

مادکتا سے آئے تم ساتھا سے جلے گئے تھے مم وباکل، پرے بانجتے تھے آئری عرف تھے سے کے پیمبئر عضرت سحید کو جکا رہا ہے کہ آگیو تناز کا رفت آگیا .
خوال رہے کہ قرآن شریف میں محمد ساحی کو ایک جکہ کالی
کملی والے کیا ہے صاف ہے کہ آوپر کی آردو کینا میں ہندی کی
بھاؤشیلی تو ہے ہی' ہندی کے آیا دان بھی ہیں۔ اِس سلسلے میں
'جاگیئے گریال الل' والا ید ایکدم یاد آجاتا ہے ۔ ہندی کے لوک
گیترں میں کالی کملی کا ذکر آتا ہے ۔ بھکولی کوشن کو بھی کالی
کمریا والے کیا گیا ہے ۔

جس طرح أردو ميں هندى أبادان' پريتك أور بهاؤشيلى پركت هوئى هـ؛ تهيك أسى طرح هندى ميں أردو كا صونياته رنگ بهي نكهرا هـ، ية رنگ خاص أردو رنگ كا هـ، ملوك داس جى كهتم هيں—

درد دیوانے باورے المست فقیرا' ایک عقیدہ لے رقے ایسے من دھیرا پریم پیالہ پھرتے ہسرے سب ساتھی' اللہ پہریوں جھومتے جیس ماتا ھاتھی۔

ایک مثال اور لیجئے۔۔

عشق چس محبوب کا جہاں تم جارے کوئے، جارے سو جارے نہیں جیئے سو بورا ہوئے، اے طبیب آتھ جاؤ گھر عبث چھوٹیکا ہاتھ، چوھی عشق کی کیف یہ اُنرے سرکے ساتھ.

کنپونک آمپ آرسر پائے ' مهرٹیے سدھی دھیاٹوی کچھ کرن کتھا سنائے ، اِسی بھاؤ کو آردو شاعر اُستاد ذوق نے یوں بھان کیا ہے۔ وہ کب سننے لگے قاصد مکر ھاں یوں سنا دینا ' ملاکر دوسروں کی داستان میں داستان میری،

چوٹکہ تلسی داس رام سے آتم ٹویدن کوٹا چاہتے طیں' اِس آئے اُن کا طرز بیان درسرا ھی ہے ۔ لیکن بیاؤ' جذبہ ایک ھی ہے اور اُس جذبے کے اِظہار کے لئے درسروں کے داستان کے استعمال کی ٹوکھب بھی بالکل ایک ہے مطلب یہ ہے کہ ایک چیز ہے جسے ھم بیاؤ پرمہرا کے ساتھ میں ۔ اِسی بیاؤ پرمہرا کے ساتھ کیئے کا تھالک بھی جوا ھوا ہے ۔ ھادی اُردو کی ابھیٹنٹر برابری کی جو فندیے ھی وہ سرومانیہ بیاؤ پرمہرا ہے جو مدھیہ کال کی

سلاھو میں بلدو کے سما جائے' جیو کے پرماتم تتو میں لیں مرحل والی بھال برمین سے جو پریجت عیں' اُن کے لائے یہ اور پریجت عیں اُن کے لائے یہ اُن کے لیا ہُن کے لیا ہُن کے لیا ہے یہ اُن کے لیا ہُن کے لیا ہُن کے لیا ہے یہ ا

الموالة دريا مين ننا هرجاتا

के पैरान्बर इकरत में इन्मद को जगा रहा है कि वठों तमाय का बक्ष्य था गया. खयाल रहे कि कुरान शरीफ में मुहन्मद साइव को एक जगह काली कमली वाले कहा है. साफ है कि जगर की वर्व कविता में हिन्दी की भाव शैली तो है ही, हिन्दी के उपादान भी हैं, इस सिलसिले में 'जागिये मोपाल लाल' वाला पद एकदम याद था जाता है. हिन्दी के लोक गीतों में काली कमली का जिक थाता है. भगवान करन को भी काली कमरिया वाले कहा गया है.

जिस तरह उर्दू में हिन्दी उपादान, 'प्रतीक और भाव-रोली प्रकट दुई है, ठीक उसी तरह हिन्दी में उर्दू का स्फि-याना रंग भी निखरा है. यह रंग स्नास उर्दू रंग का है. मजुकदास जी कहते हैं—

> वर्द दिवाने बावरे अलमस्य फक्कीरा, एक अक्कीदा ले रहे ऐसे मन थीरा. प्रेम प्याला पीवते बिसरे सब साथी, आठ पहर यूं मूगते ज्यों माता हाथी.

एक मिसाल और लीजिये-

इस्क चमन महबूब का जहां न जावे कोय, जावे सो जीवे नहीं जिये सो बौरा होय. ऐ तबीब उठ जाब घर अवस छुयेगा हाथ, चढ़ी इस्क की क्रैक यह उतरे सिर के साथ.

इसी तरह उर्दू बालों ने भी हिन्दी के पुराने भावों को बहुत भावुकता पूर्वक अपनाया है. इसके लिये एक ही मिसाल काफी है. गोस्वामी तुलसीदास की कहाबत है—

कबहुंक अन्व जनसर पाए, भेरिये सुधि ध्याइनी कछु कक्षण कथा सुनाव. इसी भाव को उर्दू शायर उस्ताद जीक ने यों बयान किया है—

... बो कब सुनने लगे क्रासिद मगर हां यूं सुना देना, सिला कर दूसरों की दास्तां में दास्तां मेरी.

चूंकि दुलसीदास राम से बात्म निवेदन करना बाहते हैं, इसिलिये उनका तर्जेबमान दूसरा ही है. लेकिन भाव, जजबा एक ही है बौर उस जजबे के इजहार के लिये दूसरों के वास्तान के इस्तेमाल की तरकीब भी बिलकुल एक है. मतलब यह है कि एक बीज है जिसे हम माब परम्परा कह सकते हैं. इसी माब परम्परा के साथ कहने का दंग भी जुड़ा हुआ है. हिन्दी उर्दू की अभ्यंतर बराबरी की जड़ निरमय ही वह सर्वकाल्य माझ परम्परा है जो मध्यकाल की हिन्दी उर्दू की जड़ है.

लिख्न में बिंदु के समा जाने, जीव के परमात्म तत्व में लीन हो जाने वाली आद परम्बस से जो परिचित हैं, उनके लिये वह कार्य विकित्त की वहीं है—

"रसस्ते कारा है इरिया में कना हो जाना"

(207)

हें हैं। الك من على على الزر أيك رنگ विचार घारापं भी जापस में निली जुलीं और एकर्रग हो بهار تعارأتين بين أيس مين على جليل أزر أيك رنگ وي به الناين كرن نهين جانتا— يوكنين و يه الناين كرن نهين جانتا— يوكنين و يه الناين كرن نهين جانتا

हमन हैं इस्क मस्त्रना हमन को हीशियारी क्या रहे आजाद या लग में, हमन दुनिया से यारी क्या कवीरा इस्क का माता, दुई को दूर कर दिल से जो चलना राइ लाजिम है, हमन सिर बोम मारी क्या

कबीर की इस उक्ति से यह बात भी साबित हो जाती है कि सदी बोली की एक शैली उर्दू का विकास आगे चल कर इसी ढरें पर होने वाला था.

हिन्दी में प्रेम गाथाएं मशहूर ही हैं. मलिक मोहम्मद जायसी की पदमावत इसके लिये सबसे अधिक मशहूर है. इस रौली की प्रेम कहानियां मुसलमानों द्वारा ही लिस्सी गई हैं. इन भावुक और उदार ग्रुसलमानों ने हिन्दू जीवन के साथ अपनी सहाजुमूति जाहिर की और फारसी की मसनवी शैली को भारतीय दृश्टि से सजा कर जनता की जवान में त्रेम की पीर का बर्नन किया. मज़ेदार बात यह है कि इन कहानियों की इस्त्रलिपियां मुसलमानों के ही वरों में पाई जाती हैं. बात यह है कि मध्यकाल में सूफी मत, मिक समुदाय, योग और तांत्रिक मत सिद्धान्त एक दूसरे में घुन मिल गये थे. गिरधर की उपासिका भीरा प्रश्न का प्याला पीली भी और हाल जाते जाते वेसुध होकर नाच उठती भी, तो इधर **भापसी प्रेम की पीर के साथ ही, योगियों** के अनुसार सिर पर करवत लेने की बात भी करते थे. इस बजह से मिली जुली विचार धारा, भाव धारा और काव्य क्पादान का विस्तार और प्रचार होता था. यही वह असि है जिसके सबब पुराने जमाने से हिन्दी के भाव विचार और वर्दू में हिन्दी के भाव विचार और रौलियां माजुन हाती रहीं. जैसे-

> उठ मेरे काली कमली वाले, रात चली है जोगिन बनकर, बोस से अपने मुंह को घोकर, ताट ब्रिटकाचे काल संभाले. उठ मेरे काली— यो के हमारा नाम जो लेगा, नालप विल से काम जो लेगा, दूट पड़ें में अर्था से आरे. उठ मेरे काली—

वर्द की यह एक क्याहर कविता है जिसका मतलय वह कि रात का पिक्का कर है कीर वस बात ईरवर इस्ताम چار دھارائیں بھی آپس میں ملی جلیں اور ایک رنگ ہرکٹیں ، کنیو کی یہ الانیں کون نہیں جائتا۔

ھیں کو ھرشیاری کیا

ریھ آواد یا جگ میں

ھیں دنیا سے باری کیا

کھیرا عبدی کا مقاا

دوئی کو دور کر دئل سے

جو جلنا راہ ازم ہے

ھیں سر بہجہ بیاری کیا

ھیں سر بہجہ بیاری کیا

کبھر کی اِس اُکٹی سے یہ بات بھی ثابت موجاتی ہے کہ بھری بہلی کی ایک شیلی اُردو کا رکلس آگے چاکر اِسی تعرب بر مراج والا تھا ہے۔

هندی میں پریم گانهائیں مشہور هی هیں ، ملک محمد جائسی کی پدماوت اِس کے لئے سب سے ادیک مشہور ہے. اِس شَیلی کی پریم کہاتیاں مسلماتوں دوارا سی لکھی گئی عیں . ان بہاوک اور اُدار مسلمانوں نے هندو جیون کے ساتھ اُپنی سانبههتی ظاهر کی اور فارسی کی مثنوی شیلی کو بهارتیه درشتی سے سجهاکو جناتا کی زبان میں یریم کی پیر کا ورثن کیا . مزیدار بات یہ کے کہ اِن کہاتیوں کی هست لیباں مسلماتیں کے هی کهروں میں پائی جاتی هیں ۔ بات یہ ہے که سدهیه کال میں صونى مت على المعلى المودالة عن المركب المركب المالت الكي دوسرے میں گیل مل گئے تھے ۔ گردھو کی اُیلسکا میرا عشق کا پیال پیٹی تھی اور حال آتے آتے ہے سدھ ھوکر ثابے اُٹھٹی تھی' تو ادھر آیسی پریم کی پھر کے ساتھ ھی' یوگھوں کے انسار سر پرکروت لینے کی بات بھی کرتے تھے ۔ اِس وجه سے ملی جلی وچاردھارا ا باؤ دهارا اور كاوية أيادان كا وستار اور يرجار هوتا تها . يهي ولا بهری جس کے سبب برالے زمانے سے هندی کے بھاؤ رجاز اور اُردو میں مندھی کے بھاؤ وچار اور شیلیاں معلم هوتی رهیں جاسے--

آته میرد کالی کملی والد'
رات جای هے جوگن بین کر'
روس سے اپنے منه کو دھوکر'
اته میرنے کالی۔۔
روکے همارا فام جو لیگا'
روکے همارا فام جو لیگا'
ترک پرینگے عرض سے تارے ۔
ترک پرینگے عرض سے تارے ۔

أردو في به أيك مشهور كرينا هم جس كا مطاب يد د كد رات كا معلم بير هم أبر أس رقت أيشور إسام

हिन्दी उर्दू काव्य की समानताएं

The second secon

(स्वामी करनानन्य सोखता)

हिन्दी और उद्दू का रिश्ता दो बहनों का सा है, जो अलग अलग पर क्याही गई हैं. चूं कि वह वहनें हैं, इसलिये उनके रूप गुन समान हैं, सिवाय इसके कि जिस घर वह व्याही गई हैं, उसका असर उन पर पढ़ा है. हमने सजा कर संवार कर भाशा को हिन्दी बनाया, दूसरों ने बाहर से लाई हुई सजावट की चीजों से सजा कर उसी भाशा को उर्दू का नाम दे दिया. नामों के इस भेद के वावजूद सांचे ढांचे के शुद्ध स्वदेशीपन को चोट न पहुंचे, इस अहतियात को निगाह में रखते हुए उर्दू के मशहूर शायर उस्ताद दारा ने जवान की ज्याक्या करते हुए राजल कही है—

अब दिल है मुकाम बेकसी का
यूं घर न तबाह हो किसी का
इतनी ही तो बस कसर है तुम में
कहना नहीं मानते कम का
कहते हैं उसे जबाने उर्दू
जिसमें न हो रंग फ़ारसी का

इस बरायनाम भेद के होते हुये भी बनावट, अदायगी और जोर के लिहाज से उर्दू हिन्दी की न मिटने वाली समानता यानी बराबरी और एकसेपन को अधिक विस्तार या तकसील से बताने की आवश्यकता नहीं.

टरिट की व्यापकता (नजर की वसकत) शायर या कि के स्वभाव का एक गुन है. एक जवान के शायर ने दूसरी जवान के शायर की खूबियों (विशेशताक्यों) की फूम फूम कर दाद दी है. जिस बोली से उसे वास्ता पड़ा उसके लफ्जों की माहियत या असलियत को जान कर उन लफ्जों के इस्तेमाल से उसने अपनी रचनाक्यों को रचा. हिन्दुस्तान के सांस्कृतिक इतिहास में इस विचार धारा का ऐलान सबसे पहले। मिलक मोहम्मद जायसी ने किया था—

तुरकी, घरबी, हिन्बबी; भाशा जेती चाहिं जामें मारग प्रेम का; सबै सराहाह ताहिं

वर्ष भाशा और साहित्य के विकास का इतिहास लिसने वाले विद्वान अमीर खुसरो, कवीर, रहीम खानखानां, उलसीदास, विहारी बरौरा सबकी गिन्ती वर्ष के आगे आने वाले खाके की बुनियाद रखने वालों में करते हैं, और यह स्वामाधिक भी है. हमारे इतिहास के बीच के जमाने में हिन्दुओं और मुसलमानों का जा सन्मिलन हुआ उसके त्तरीय में हमारे बहां सकी मत. योग. भक्ति बरौरा धार्मिक

هندی أردو كاويم كى سمانتائيس

(سرامی کرشناتند سوخته)

هندی اور اُردو کا رشته دو بہنوں کا سا ہے' جو الگ الگ گور بیلھی گئی ھیں ، چونکه وہ بہنیں ھیں' اس لئے اُن کے روپ گن سمان ھیں' سوائے اِس کے که جس گور وہ بیلھی گئی ھیں' اُس کا اثر اُن پر پڑا ہے ، ھم نے سجاکر سنوار کر بھاشا کو ھندی بنایا' درسروں نے باھر سے لائی ھوٹی سجاوت کی چیزوں سے سجاکر اُسی بھاشا کو اُردو کا نام درے دیا ، ناموں کے اِس بھید کے باوجود سانچے تھانچے کے شدھ سودیشی یون کو چوٹ نے بہونچے' اِس احتیاط کو نگاہ میں رکھتے ھوٹے اُردو کے مشہور شامر اُستاد داغ نے زبان کی ویاکھیا کرتے ھوٹے غزل کھی ہے۔

اب دال هے مقام بیکسی کا یوں گھر نے تباہ ھو کسی کا اتنی ھی تو ہس کسر هے تم میں کہنا نہیں مائٹے کسی کا کہنے ھیں آسے زبان آردو کیسی کا کہنے فارسی کا

اِس براثے نام بعید کے هوتے هوئے بھیبنادت ادائیکی اُور زور کے انتظاظ سے اُردو هندی کی ته متنے والی سمانتا یعنی برابری اُور اُلک سے پن کو ادھک وستار یا تصیل سے بتانے کی آوشیکتا اُلیک .

درشتی کی ریاپکتا (نظر کی رسمت) شاعر یا کہی کے سوبھاؤ کا ایک گی ہے۔ ایک زبان کے شاعر نے درسری زبان کے شاعر کی خوبیوں (وشیشتائِں) کی جھوم جھوم کر داد دی ہے ۔ جس بوای سے آسے واسطہ پڑا آس نے افظوں کی ماهیت یا اصلیت کو جان کر اُن اسطوں کے استعمال سے اُس نے اپنی رچناؤں کو رچا ، هندستان کے سائسکرتک انہاس میں اِس مجدر جائسی نے کیا تھا۔

ترکی' عربی ٔ هندری ؛ بهاشا جهتیں آهیں جا میں مارک پریم کا ؛ سبے سراهنیس تاهیں

أردو بهاشا أور ساهتیه کے وکلس کا آنهاس لکھنے والے ودوان امهر خسرو کبیر وحیم خانخانان تلسی داس بہاری وغیره سبعی گنتی آردو کے آگے آلے والے خاکے کی بنیاد رکھنے والوں مهن کرتے هیں اور یه سوابهارک بھی هے . همارے آتهاس کے بھی کے ومالے میں فائوں اور مساماتیں کا جو سمان هوا آس کے بہانے میں همارے یہاں موفی مست یوگ، بهکی وغیرہ دھارمک

इसलिये मेरे नजदीक तो जिन्दगी बसर करने का बेहतरीन सजीका सिर्फ उसे हासिल है जो इस दुनिया में अङ्गली जिन्दगी बसर करता है, जो दूसरों को और अपने को तकलीफ पहुंचाए बरौर इस जिन्दगी को तमाम जेहनी व जिस्मानी लज्जतों से इस तरह लुक उठाता है जैसे भीगे हुए कपड़े को सख्ती से निचोड़ दिया जाता है. ऐसा आदमी दूसरों के भी काम आता है और अपने काम भी आता है. दूसरों को भी जहां तक मुमिकन हो सके ख़ुश रखता है. सोसाइटी को भी आगे बढ़ाता है और खद भी आगे बढ़ता है. ख़द भी जीता है श्रीर दूसरों को भी जीने में सहारा देता है. और इसके साथ साथ न खुदा से डरता है और न बन्दे से, बल्कि इस के नजदीक जो चीज अक्लन दुरुस्त होती है, इंके की चोट उसका ऐलान करता है श्रीर परवाह नहीं करता कि इनिया इसकी दुरमन हो जायेगी. बेशक ऐसा इन्सान इस जमीन की ऐसी दौलत है कि उसके क़दमों की खाक पर आसमान के सितारों को भी निष्ठावर किया जा सकता है, और उसके बजूद के दरवाजे पर चांद सूरज रोशनी की भीक मांगने जा सकते हैं.

लगे हाथों कुछ अपने मुताल्लिक भी कह दूं! यह सही है कि मैं भटक कर जल्द राहे रास्त पर आ जाता या जल्द आ जाने की कोशिश जरूर करता हूं, लेकिन तजुर्वा व अक्ल के बावजूद अब भी बार बार भटक जाता है.

कौन कह सकता है कि उस क्रबीले के इक्र में जिसमें कि मैं एक फूर्व हुं शायद यह बार बार भटक जाना ही मुनासिब व मुंजीद हो ! किसे मालूम है कि जब हम भटक जाते हैं, उस बक्त राहे रास्त पर होते हैं या जिस बक्त इम राहे रास्त पर होते हैं उस बक्त भटके हुए होते हैं.

मुख्तसर यह कि हम लोगों पर बढ़े अफसोस या बड़ी ख़शी के साथ यह चरपां किया जा सकता है-

अब भी इक उम्र पै जीने का न अन्दाज आया जिन्द्गी छोड़ दे पीछा मेरा, मैं बाज आया اس لئے میرے تردیک تو زندگی بسر کرنے کا بہترین سلیقہ مرف أس حاصل هـ جو إس دنيا مين عقلي زندگي يسر كرتا ھے ۔ جو درسروں کو اور اپنے کو تکلیف پہوٹنچائے بنور اِس زندگی ك تمام ذهلي و جسائي لذتون سه إس طرح لطف أثباتا هـ جیسے بھیکے هوئے کپڑے کو سختی سے نچرز دیا جاتا ہے . ایسا آدمی درسروں کے بھی کام آنا ہے اور اپنے کام بھی آتا ہے، درسروں كو يهي جهان تك ممكن هوسك خوش ركهتا هي. سوساللي كو یں آکے بوہاتا ہے اور خود بھی آگے بوہتا ہے ، خود بھی جیتا ہے ارر دوسروں کو بھی جھلے میں سہارا دیتا ہے . اور اس کے ساتھ ساتھ نے خدا سے درتا ہے اور نہ بندے سے بلکہ اِس کے نزدیک جه چیز عقاً درست هوتی هے؛ ذاکے کی چوت اس کا اعلان کرتا هے اور پرواہ انہیں کوتا که دنیا اس کی دشمن هوجائیکی . بیشک ایسا انسان اِس زمین کی ایسی دولت هے که اس کے ندموں کی خاب پر آسمان کے ستاروں کو بھی ٹنچھاور کیا جاسکتا ھے، اور اُس کے وجود کے دروازے پر چاند سورے روشنی کی بیبک مانکنے جاسکتے ھیں ،

لكے هاتيس كنچه أينے متعلق بهى كهدس! ية صحيم هے كه میں بہتک در جلد راہ راست پر اُجاتا یا جلد اُجانے کی دوشش ضرور کرتا هوں کی تجربه و عقل کے باوجود آب بھی یار بار بيٽک ڇاتا هي .

کیں کہ سکتا ہے کہ اُس تبیلے کے حق میں جس میں که میں ایک نرد هوں شاید یہ بار بار بھتک جانا هی مدسب و منید هو إ دیسے معلوم فے که جب هم بهٹک جاتے هیں، أس وقت راه راست پر هوتے هيں يا جس وقت هم راه راست يو هوتے هیں اُس ونت بھٹکے هو سے هوتے هیں .

مضتصر یہ کہ هم لوگرں پر برے انسوس یا بری خوشی کے ساته یه چسهان کیا جاسکتا هے۔۔

اب بھی اک عمر یہ جینے کا نم انداز آیا زندگی چهرز دید یهجها میرا، میں باز آیا

Act to the second

Language of the first

एक वनाम है - इन्क्रलाबी. यह तबका माफी (भूत) से मुक्नियल तीर पर मुंह फेर कर सोसाइटी को मुस्तक़बिल (भविरय) के सांचे में डालने की कोशिश करता रहता है.

यक समझा है फलसफियों और साइन्सदानों का—यह सबझा हर है को फलसफे और साइन्स की ऐनक से देखता है और अक्रली जिन्द्रगी बसर करने का शीक करता है.

इस तबके के नजादीक खुदा एक कर्जी चीज है. इखलाक सिर्क इजाकी और अदद बदलती हुई सोसाइटी के साथ बदलता और नेकी बदी के जदीद तसव्बरात (आधुनिक मान्यतार्प) पैदा करता है. इस तबके की इन्तहाई कोशिश यह है कि इन्सान एक मुकल्मिल अक्ली जिन्दगी बसर करके एक ऐसी दिमागी कैफियत पैदा कर ले जो जिस्मानी सेहत, कल्बी राहत, और जहनी आसूदगी (आराम) के साजो सामान पैदा कर है.

मुक्तसर यह कि इस्तते जिन्दगी (जिन्दगी का लक्ष) मक्तसदे जिदन्गी और सलीक्रए जिन्दगी का मसला इस कदर हैरतनाक तौर पर पेचीदा और इस कदर केम्रन्त फैलाब रखता है कि इन्सान, जो अभी तक तिकले मकतब से ज्यादा हैसियत हासिल नहीं कर सकता है, सरेदस्त जिन्दगी की कोई मुक्किमल शरीयत पेश करने से कर्तई माजूर (असहाय) है.

लेकिन यह भी कोई आफ़िलाना बात न होगी कि अपनी इस मजबूरी के सामने हम हाथ पांच ढीले कर दें और आमोश होकर बैठ जाएं.

बहुरहाल मुनासिब यह मालूम होता है कि वह जिस्मानी और जेहनी तौर पर तन्दुक्त और क्रवी (मजबूत) रहे. जिस्मानी सेहत को बरक्ररार बनाने के जो उस्ल हैं उनसे हर पढ़ा लिखा आदमी बाक्रिक है, लेकिन जेहनी तन्दुक्ती के उस्ल अच्छे अच्छे तालीमयापता लोगों को भी मालूम नहीं हैं.

फासिव ख्यालात, नस्ली, मजहबी और क्रीभी तास्युवात और इसके साथ ही खीक, गुस्सा, ग्रम और नकरत, इन्सान के जेहन को बीमार कर देते हैं. इसलिवे हर साहिबे नज़र का कर्ज है कि वह ठंडे दिल से अपने वातिन का जायजा ले और देखे कि इन अमराज में से कोई मर्ज इसके जेहन को दबाये तो नहीं हुए है.

बीमार जिस्म आसानी से दुइस्त हो जाता है लेकिन बीमार जेहन का इलाज मुश्किल है और जेहनी अमराज से सिर्फ वहीं लोग नजात झासिल कर सकते हैं जिन्हें इल्मे हिकमत की दौलत हासिल है. और इसके साथ साथ इनका दिल इस क़दर मसर्रतों से भर जाता है कि उसमें गम दाकिल ही नहीं हो सकता. मिर्जा ग्रालिव ने कहा है:—

राम नहीं होता है आजावों को बेरा अज यक नकस

أيك طبقه في النظامي . يه طبقه ماضي (يهوت) سه معمل طور پر منه يهير كو سوسائلي كو مستقبل (يهوشه) كه سائحه مين تعاليه كي كوشش كونا رهما هي .

ایک طبقه هے فلسفیوں اور سائنسدائوں کلسیه طبقه هر شه کو فلسنے اور سائنس کی عینک سے دیاستا هے اور عقلی زائدگی بسر کرنے کا شوق کرتا ہے ،

اِس طبقه کے نودیک خدا ایک نوضی چیز ہے ۔ اخلاق صوف ایک عزاتی اور عهد بدلتی هوئی سوسانٹی کے ساتھ بدلتا اور لیکی بدی کے جدید تصورات (آدهوئک مائیتنائیں) پیدا کرتا ہے ۔ اِس طبقه کی انتہائی کوشش یہ ہے کہ انسان ایک مکمل عقلی زندگی بسر کرکے ایسی دماغی کیاجہ پیدا کر لے جو جسیائی صحت قلبی راحت اور ذهنی آسودگی (آرام) کے سازو سامان پیدا کر دے ۔

منعتصر یه که علت زندگی (زندگی کا لکش) مقصد زندگی اور سلیقته زندگی کا مثله اِس قدر حیرت ناک طور پر پیچیده اور اس قدر بے انت پهیلاؤ رکهتا هے که اِنسان جو اَبهی تک طال مکتب سے زیادہ حیثیت حاصل نہیں کر سکتا هے سردست زندگی کی کوئی مکمل شریعت پیش کرنے سے قطعی معذور (امہائے) هے ،

لیکن یہ بھی کوئی عاقلات بات نہ هوگی که اپنی اس مجبوری کے سامنے هم هاته پاؤں تھیلے کردیس اور خاسوش هوکر بیات حالیں ،

بهرجال مناسب یه معلوم دوتا هے که وہ جسمانی أور ذهنی طور پر تندرست اور توی (مضبوط) رہے ، جسمانی صحت کو برتوار بنانے کے جو اصول هیں آن سے هو پڑھا لکھا آدمی واقف هے لیکن ذهنی تندرستی کے اصول اچھے اُچھے تعلیمیانکہ لوگوں کو بھی معلوم نہیں هیں ،

فاسد خیالات نسلی مذهبی اور قومی تعصبات اور اِس کے ساتھ ھی۔ خوف فصت غم اور نفرت انسان کے ذهن کو بیمار کودیقے هیں . اِس لئے هر صاحب نظر کا فرض هے که وہ تهندَ مل سے اپنے باتن کا جائزہ نے اور دیکھے که اِن امراض میں سے کئی مرض اِس کے ذهن کو دبائے تو نبهن هوئے هیں ،

بیدار جسم آسائی سے درست هرجاتا هے لیکن بیدار ذهن کا علی مشکل هے اور ذهنی امراض سے صرف وهی لوگ نجات حاصل کے حاصل کو درست حاصل هے .
اور اس کے ساتھ ساتھ ان کا دل اِسقدر مسرس سے بھر جاتا هے که اِس میں غم داخل هی نہیں هرسکتا ، مرزا غالب نے کہا هے:
اِس میں غم داخل هی نہیں هرسکتا ، مرزا غالب نے کہا هے:

نم نہیں هوتا هے آزادوں کو بیش از یک ننس برق سے کرتے هیں روشن شمع ماتمخات هم

जीने का सलीका

(जोश मलीहाबादी)

जिन्दगी क्योंकर बसर की जाय, यह उन लोगों से नहीं कुछा जा सकता जिन्हें जीने के लाले पढ़े हों. बह लोग, काक़ों से जिनका जिस्म दुबला और जहालत से जिनकी अक्नल मोटी हो, जिन्दगी बसर करने के सलीक़े से क्योंकर बाक़िक हो सकते हैं. अलबत्ता यह मसला उन लोगों का है जिन्हें मुआशी करागत (आर्थिक निश्चिन्तता) और जेहनी बेदारी (मानसिक विकास) हासिल है.

इन्सान बीड़ता, भूपता, सर खपाता और 9सीना बहाता है, महज इसलिये कि जिन्दा रहने के बास्ते जिन चीजों की जरूरत है उन्हें मुहण्या कर ले. लेकिन कोई अस्लाह का बन्दा एक लमहे के बास्ते भी इस बात पर गौर नहीं करता कि मैं यह जो कुछ जून पसीना एक कर रहा हूं वह तो महज इसलिये है कि मैं जिन्दा रह सकूं. लेकिन जिन्दा रहने का मझसद क्या है, किसी को ख्वाब में भी उसका ख्याल नहीं आता,

पक तबका जिन्दगी के बाब (बारे में) इस तरह सोचता है कि अपनी तमाम तमकाओं, तमाम आहिशों, तस्जे कि अपनी तमाम हस्ती को, अपने पैदा करने वाले की मर्जी के सुपूर्व कर देना ही जिन्दगी का बाहिद मकसद है.

लेकिन एक तबका ऐसा है, और यह बहुत ही बड़ा तबका है, जो क्याल करता है कि भाड़ में जाय नेकी बदी और अच्छाई बुराई, यारों को तो अपने हलने मांडे से काम. आप भले तो जग भला. जिस तरह और जिस जरिये से बन पड़े कमाओ, कमाओ, नौकरी करके कमाओ—चोरी डकेती करके कमाओ—मिलें और कारखाने खोल कर कमाओ, अमेर बन कर कमाओ, औरत करोश बन कर कमाओ, ठेके ले कर कमाओ—पैरान्बर बन कर कमाओ—अलराउ हर तरह और हर तरीक़े से कमाओ, खूब जी भर कर पूरे खुलूस के साथ कमाओ—कमाते कमाते मर जाओ और अगर आवागमन हो तो पैदा हो फिर कमाओ, फिर कमाओ.

बह तबका सममता है कि इस कायनात की उन्न को देखते हुए, जो शायद कसेड़ों जर्स्यों साल से भी जायद हो, इमारी यह वृ'द भर साठ सत्तर साल की जिन्दगी भी काई ऐसी चीज है जिस पर निगाह पढ़ सके. इस हकीर, पोच जीर लचर वाहिमों पर गौर करना एक जहमकाना वक्त की बरवादी के सिवा और कुछ नहीं. इसलिये बस खाओ पिओ, मन्ने उड़ाओ और मर जाओ.

جینے کا سلیقہ

2000年6月1日,李林宁的技术自然强烈。刘州的195

(جوهن مليحابادي)

زندگی کیونکو بسر کی جائے' یہ اُن لوگوں سے نہیں پوچا جا سکتا جاہیں جیلے کے لالہ پڑے ھوں . وہ لوگ' ناتوں سے جن کا جسم دیا لور جہالت سے جن کی عقل موتی ھو' زندگی بسر کرنے کے سلیقے سے کیونکر واقف ھو سکتے ھیں . البتہ یہ مثلہ اُن لوگوں کا ہے جنہیں معاشی نواغت (آرتیک نشچنتتا) اور ذھنی بیداری (مانسک وکاس) حاصل ہے .

انسان فورتا' دهویتا' سرکهاتا آور پسینه بهاتا ها محض اس ای که زانده رهیه کے واسطے جن جیزوں کی ضوورت ها آنییں مہیا کر لے لیکن کوئی الله کا بنده ایک لحیے کے واسطے بی اس بات پر غور نہیں کرتا که میں یہ جو کچھ خون پسینه ایک کر رہا ہوں وہ تو محض اِس لئے ها که میں زنده ره سکوں ، لیکن زنده رہنے کا مقصد کیا ها کسی کو خواب میں بی اِس کا خیال نہیں آتا ہ

اک طبقه زندگی کے باب (بارے میں) اِس طرح سوچتا ہے که اُپنی تمام تمناوں تمام خواهشرں فرضیکه اُپنی تمام هستی کو اُپنے پیدا کرنے والے کی مرضی کے سپرد کر دینا هی زندگی کا راحد مقصد ہے ،

لیکن ایک طبقه ایسا هے، اور یہ بہت هی برا طبقه هے، جو خیال کرتا هے که بهاز میں جائے نیکی بدی اور اچھائی برائی، یاروں کو تو اپنے حلوے مائدتے سے کام ، آپ بیلے نو جگ بھال جس طرح اور جس ڈریعہ سمبی چرے کماؤ، کماؤ، ٹوکری کرکے کماؤ سمبی اور کارخانے کھول کر کماؤ، امیر بن کو کماؤ، عورت فروش بن کو کماؤ، تھیکے لے کر کماؤ، پینمبر بن کو کماؤسالنرض هر طرح اور هر طریقه سے کماؤ و پینمبر بن کو کماؤسالنرض هر طرح اور هر طریقه سے کماؤ و خوب جی بھر کر پورے خلوص کے ساتھ کماؤسسکمانے کمانے مر جاؤ اور اگر آوا گمن هو تو پھدا هو پھر کماؤ، پھر کماؤ، پھر کماؤ، پھر کماؤ ،

یه طبقه سنجهتا هے که اِس کائلت کی عبر کر دیکھتے ہوئے' جو شاید کروروں' اُریس سال سے بھی زائد ہو' ہماری یہ بوند بھر ساتھ ستو سال کی زندگی بھی کوئی آیسی چیز ہے جس پر نگاہ پر سکے ، آس حقیق' پہچ اُور انچر واہموں پر غور کرتا ایک اسکانہ رتب کی بربادی کے سوا اُور کچھ نہیں ، اس لئے یس کھا بھو' میں آواد اُور مر جاؤ ۔

*3,15 (1,24) इनसे निलवे जुलते सब में अलग अलग सन्यास, यति, इलेरा, साबू, बैरागी, उदासी, मठाधीश, संत, महन्त, कीर, दरवेरा, बौलिया, सञ्जादा नशीन, शेख, पीर, दिशद, तिकवादार, मिस्कीन, मिखू, स्थानकवासी, असन, तिर, महाथीर, मांक, नन, वरौरा बरौरा सब धमों में होते , जिनकी तादाद बहुत पर जिनमें सच्चे साधू या तपस्वी होई बिरले ही मिलते हैं.

सबके अपने अपने मठ, असावे, धर्मशाला, विहार, गमासरी, द्रगाह, तकिया, सानक्राह बरोरा हैं, जिनमें से प्रिकतर का इन्तजाम बहुत ही खराब होता है और बहुत ने तो पाप के अहे होते हैं.

भराहूर जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने अपनी किताब Thips from a German Workshop में बड़ी फ़िसील और सुन्वरता के साथ विखाया है कि तिव्वत के तिद्वार और योरप के ईसाई रोमन कैथलिक गिरजों में कि एक चीज और एक एक रिवाज कितने राजव के मिलते तृतते हैं.

सब धर्म बालों ने अपने अपने अनिगतत दुकड़े कर क्ले हैं. एक एक की बहुत सी अलग अलग सम्प्रदाएं हैं. इत से पंथ हैं. बहुत से फिक्नें हैं. हिन्दुओं में इनकी तादाद केड़ों है. ईसाइयों में भी सैकड़ों है और इसलाम में कम रे कम कोड़ियों. यह बात यूं तो बड़े दुल की बात है पर ससे एक अच्छी बात का पता चलता है कि लोग अपने र्म के असली रूप को अपनी स्म बूम के अनुसार बदल रेते हैं. इसका मतलब यह है कि वह धर्म के मालिक हैं, र्म उनका मालिक नहीं. इसका यह भी अच्छा सबूत है कि रोग एक मजहब से दूसरे मजहब में भी चले जाते हैं.

हिन्दू धर्म में एक और खास चीज है जो मोटे तीर र कहा जा सकता है कि दूसरे फिसी धर्म में नहीं है. बह हिन्दुओं की जात पात. पर हिन्दू जात पात का मामला तिना पेचीदा और बढ़ा है कि उसके लिये अलग लेख की माबस्यकता है.

ندرس کے اگ رک رہے

ان سے ماتے جاتے سب میں الگ الگ سنیاسی' یتی' مندلیش' سادھو' بیرائی' اُداسی' متھا دھیش' سنت' مہنت' فقیر' درریش' اُرلیا' سجادہ تشین' شیخ' پیر' مرش' تعیمدار' مسکین' بهکشو' اُستوانک داسی' شرمن' تھیز' مہاتھیز' مانک' نن وغیرہ وغیرہ سب دھرموں میں ھوتے ھیں' جن کی تعداد بہت پر جن میں سچے سادھو یا تیسموی کوئی برلے ھی ماتے ھھوں و

سب کے اپنے اپنے متھ' آکھاڑے' دھرم شالا' وھار' لا ما سری' درگاء' تکیم' خانقاۃ وغیرۃ ھیں' جن میں سے آدھک، تر کا انتظام بہت ھی خراب ھوتا ہے اور بہت سے تو پاپ کے آدے ھوتے ھیں .

مشہور جرمن ودوان میکسمولر نے اپنی کتاب Chips from a German Workshop میں بڑی تضیل اور سندرتا کے ساتھ دکھایا ہے کہ تبت کے بردھ متھرں اور یہرپ کے عیسائی رومن کیتھلک گرجوں میں ایک ایک چیز اور ایک ایک رواج کتنے نفیب کے ملتے جلتے ھیں ،

سب دخرم والوں نے اپنے اپنے آئکنت ٹکڑے کو رکھے ھیں ۔
ایک ایک کی بہت سی الگ آگ سمزودائیں ھیں ، بہت سے پنتھ ھیں ، بہت سے نوقے ھیں ، ھندؤں میں اِن کی تعداد سیکڑوں ھے ، عیسائیوں میں بہی سیکڑوں ھے اور اسلام میں کم سے کم کوڑیوں ، یہ بات یوں تو ہڑے دبھ کی بات ہے پر اِس سے ایک آجھی بات کا پته چلتا ہے کہ لوگ اپنے دعوم کے اصلی روپ کو آپنی سوجھ برجھ کے آئرسار بدل لیتے ھیں ، اِس کا روپ کو آپنی سوجھ برجھ کے آئرسار بدل لیتے ھیں ، اِس کا مطلب یہ ہے کہ وہ دھرم کے مالک عیں ، دھرم اُن کا ماک نہیں ،
اِس کا یہ بھی اچھا ثبوت ہے کہ لوگ ایک منھب سے درسرے میں بھی چلے جاتے ھیں ،

هندو دهرم میں ایک اور خاص چیز هے جو موقع طور پر کہا جاسکتا هے که دوسرے کسی دهرم میں تریں هے ، وہ هے هندوں کی جات پات کا مماملہ آتنا پیچیدہ اور ہوا هے که اُس کے اٹھ الگ لیکھ کی آوشیکتا هے ،

जीवन और अधिक विल्वस्य और , खुरा करने वाला होता. पर इस की जगह आजकल अधिकतर इन्हें देख कर एक दूसरे से चिद्र और नफरत बदती है. कारन यह है कि हमारे धार्मिक नेता जो रहनुमाई करने की जगह लागों को और ग्रामराह करते हैं, अपने लागों में समम और प्रेम की जगह नफरते' और ग्रुस्से अधिक पैदा करते हैं. वह अपने अपने लोगों को यही बताते रहते हैं कि जो लोग उनकी तरह चोटी नहीं रखते, आदी रखते हैं, या दूसरी तरह के कपदे पहनते हैं, या दूसरी चीजे' खातें पीते हैं, या दूसरी बोली बोलते हैं, या वूसरी चीजे' खातें पीते हैं, या दूसरी नहीं रखते हैं वह सब ग्रेर हैं जिनसे बचना चाहिये, बल्कि दुरामन हैं जिनहें द्वाना चाहिये.

सव मजहबों बाले अपनी पूजा के स्थानों को अलग अलग नामों से प्रकारते हैं, इन नामों का अर्थ अकसर एकसा होता है, गिरजा को 'ख़दा का घर' भी कहते हैं, मन्दिर को 'देवालय' भी कहते हैं. उसके भी वही मानी हैं. महिजद को 'बैतुल्लाह' कहते हैं, इसके मानी भी खुदा का घर है, गिरजा, मस्जिद या मन्दिर बनाने में सब उंची डची आसमान को छने की कोशिश करने वाली शिखर, कलरा, गोपुर, मिनारा, गुम्बद, डोम, स्टीपल वरौरा बनाते हैं. लोगों का पूजा इबाइत के लिये बुलाने के सबके कोई न कोई ढंग हैं. कोई अजान देते हैं, कोई घंटा बजाते हैं, कोई घड़ियाल. मरे हुन्नों का कोई आद्ध करते हैं, कोई कातहा पदते हैं, कोई दुआएं पढ़ते हैं. मरने के बाद कोई भोज सिलाते हैं, कोई कन्द्री और कोई और और तरह की दावते' देते हैं. सब के कोई न कोई धार्मिक गुरु होते हैं. हिन्द् गुरु के शिश्य है ते हैं, मुसलमान पीर के मुरीद कहलाते हैं और ईसाइ सेन्ट के डिसाइपल होते हैं. कोई क्रासन पर बैठता है, कोई सज्जादे पर, कोई घुटने टेक कर नमाज पदता है. कोई पलौथी मार कर संध्या करता है, कोई सारटांग दंख्यत करता है, कोई परिक्रमा या तबाफ करता है. कोई पूजा करने में शरीर के अलग अलग भागों को बार बार हाथ लगाता है और अलग अलग मंत्र पदता जाता है. कोई ध्रुदनों के बल खड़ा हो जाता है, कोई अपनी एड़ियों के बल चूमता है-डंग अलग अलग, मतलब सबका एक.

हिन्दुओं में पंडे, पुरोहित, पुजारी, याजक, धर्माधिकारी, और आचार्य होते हैं. मुसलमानों में मुअरूजन, मुजाबिर, मुतबस्ली, मुस्ला, मुजती, आलिम, मुजतहिष, इमाम और सलीका होते हैं. पारसियों में दस्तूर और मोबिद होते हैं. यहित्यों में स्काइब, कैरीसी और रच्बी होते हैं. बौदों में फुंगी, लामा, बोन्ज होते हैं. इसी तरह के दरजनों नाम ईसाइयों में हैं बतैता, बतौरा,

جهون أور أدهك والحسب اور خوص كرتے والا هوتا ، وراس كى جكه آجكل آبهكنو الهين د كهكو آيك درسرے سے چوھ اور كنوت بوهتى هے ، كارن يه هے كه همارے دهارك نيتا جو رهنمائى كرتے كى جكه لوگيں كو اور كراه كرتے هيں اپنے لوگوں مهى سبح اور يريم كى جكه تغرتيں اور غصے آدهك پيدا كرتے هيں ، وه اپنے اپنے لوگوں كو يهى بتاتے رهتے هيں كه جو لوگ أن كى طر چوتى نهيں ركھتے تازهى ركھتے هيں يا تازهى نهيں ركھتے هيں يا درسرى طرح كے كہتے پہنئے هيں يا درسرى طرح كے كہتے پہنئے هيں يا درسرى طرح كے بيلى بولتے هيں يا درسرى جيزيں كهاتے پينے هيں يا درسرى طرح كے بيلى بولتے هيں يا كسى درسرى جيزيں كهاتے پينے هيں يا درسرى عربى جينا جاھئے ، باكم دشمن هيں جينا جاھئے ،

سب مذهبوں والے اپنی پہچا کے استہانوں کو الگ الگ المبن سے پکارتے میں ۔ اُن ناموں کا اُرته اکثر ایک سا موتا ہے ۔ گرجا كو تخدا كا گهرا بهي كهتم هيل ، مغير كو لديواليّه بهي. کہتے میں ، اُس کے بھی رهی سعنی هیں ، مسجد کو المتااللة كهذه هيل ، ايس كے معلى بھي خدا كا گهر هے ، گرجا ، مسجد یا مندر بفائے میں سب آرنچی آرنچی آسان کو چھوٹے کی کہشم کرتے والی شاہر کھی کرپر مغارا کنید کرتے والی شاہر کا اسٹیبل وفیوہ بٹاتے میں . لوگرں کو یوجا عبادت کے لئے بٹانے کے سب کے كوئي نم كوئي قعنك هيس ، كوئي أزأن ديتے هيں كوئي گهنتا بجاتے هيں' كوئى كھويال ، مرے هوؤں كا كوئى شرادھ كرتے هيں' کوئی فاتحت پرھیے ھیں کوئی دعائیں پرھیے ھیں ، مرنے کے بعد کوئی بھوبے کھلاتے ھیں' کوئی غندوری اور کوئی اور اور طرح کی دعونیں دبتے ھیں ، سب کے کوئی تھ کوئی دھارمک گرو ھوتے ھیں ، ھندو گرو کے شھیہ ھوتے ھیں اسلمان پیر کے سرید کہلاتے میں اور عیسائی سینٹ کے تسائیل هوتے هیں ، کوئی اًسي يو بيلها ها كواي سجاده ير ، كولى كهتف تيك كر نماز يرهنا ها كوئى يلوتهي ماركر سادهها كرنا هم، كوئي ساشتانك تَعْدُونَ كُونًا هَو كُونُي يُوكُوما يا طوأف كُونًا هي كُونُي يهجا كرا میں شریر کے الگ آلگ بیاگیں کو بار بار ہاتھ لگانا کے اور الگ الك سنتر يومنا جانا هـ ، كوئي كهنون كے بل هوا مونجانا هـ اوئی اپنی ایریوں کے بل گہرمتا استحقال الگ الگ مطلب سب کا ایک ۔

الله المناس مين بالدرا ، وروهت بعباري المجك الهرمالهيكاري أرر آجارية هوته هني مسلماتين مين موثون مجارد متولى الما منتي عالم معهم منتهده الما أور خلينه هوته هين المرائب مين دستور أور مويد هوته هين اليهودون مين أسرائب المرائب المرابعي أور ربي هوته هين الموقون مين يهاكي الد الموثور هين ألم المساتين مين هين هين والمرة القود .

रुद् यानी आत्मा की दरजे बदरजे तरककी के लिये हिन्दू 'योग' और सूकी 'सलूक' दोनों में हर तरह के गोश्त से परहेख, जरूरी बताया गया है. इजरत अली जो सबसे पहले सूकी माने जाते हैं कहा करते थे कि :—"अपने पेटों को जानवरों की कवरें मत बनाओ."

आदमी की कुद्रवी स्वाहिशों और कमजोरियों को जहां एक दरफ काबू में करना जरूरी है वहां कभी कभी और एक दरजे तक उन्हें खुले मौका देना भी जरूरी हो जाता है. इसीलिये सब धमों में किसी न किसी रूप में जानवरों की बलि और कुरवानी जैसी चीजें रक्सी गई हैं. यह चीजें सब धमों में ऐसी ही हैं जैसी हर आदमी के शरीर के अन्दर और सुन्दर से सुन्दर आदमी के अन्दर मैले से भरी हुई अंतिक्यों होती हैं. केवल ईसाइयों, बौद्धों और जैनियों में कुरवानी का रिवाज नहीं है. हर मजहब ने इन चीजों पर राक थाम भी लगाई है और राक थाम के रास्ते इताए हैं.

भागवत में लिखा है :--

"लोगों में स्त्री पुरुश का एक दूसरे की तरफ मुकाब और गोरत और राराब की इच्छा हाती ही है. उसे जगाने की खाबरयकता नहीं पढ़ती. इन चीजों पर रोक थाम रखने के लिये शादी का रिवाज और यहाँ का रिवाज डाला गया है. इन से बचे रहना बहुत प्यादा खच्छा है."

इन्जील में लिखा है:--

"जो लोग अपने को रोक नहीं सकते उन्हें चाहिये कि शादी कर लें. क्योंकि अन्दर अन्दर जलते रहने से शादी कर लेना ज्यादा अच्छा है."

हर धर्म के मानने वाले किसी न किसी तरह का अपना बाहरी निशान भी रखते हैं. काई सर पर पीछे की तरफ चोटी रखते हैं, कोई दादी रखते हैं, कोई सब बाल बढ़ाते हैं और कोई कुछ ईसाई पादरियों की तरह खास तरह सर मुंडवाते हैं. कोई बाएं कन्धे के ऊपर से जनेऊ डालते हैं, और माथे पर तरह तरह के तिलक लगाते हैं. कोई कमर के चारों तरक जुनार बांधते हैं. कोई टोपियों पर हेलाल और सितारा लगाते हैं, और काई अपनी गरदनों में कास लटकाते हैं. लगभग सब जन्तर मन्तर या गंडे तावीज जैसी चीजों में भी विश्वास रखते हैं और उन्हें पहनते हैं. गहरे विश्वास के कारन इन बीजों का उनके जगर असर भी होता है. सब धर्म बालों की खास खास पाराकें हैं. यह पाराकें कहीं क़ौनी या रास्ट्री मानी जाती हैं और कहा बार्भिक. यह सब अलग अलग बीजें अगर केवल कला या सुन्दरता की निगाह से पहनी जाती ताकि एक दूसरे का अच्छी लगें, या अगर इनके साथ थोड़ा बहुत सहचा मक्ति भाव भी होता, तो इन सुद्ध रंग विरंगी वीजों से आवमी की सुन्दरता बढ़ती, नई नई कीचें सबको जड्दी लगता, और हमारा समाजी

اررح یعنی آئنا کی درجه ایدرجه ترتی کے لیے هادو آیوگ، ارز مونی اسازک، دولوں میں در طرح کے گوشت سے پرهنز فروری بتایا گیا ہے . حضرت علی جو سب سے پہلے صوفی مانے جائے هیں کہا کرتے تھے کہ ایسانانیے پہاٹوں کو جانوروں کی قبریں مت بناؤ ."

آدمی کی قدرتی خوانشرں اور کنزوریوں کو جہاں آیک طرف قابو میں کونا ضروری ہے وہاں کبھی کبھی اور ایک درجه تک انہیں کیلے موقع دینا بھی ضووری ہوجاتا ہے ۔ اِسی لگے سب دھرموں میں کسی ته کسی روپ میں جانوروں کی بلی اُور قربانی جیسی چیزیں رکبی گئی ہیں یه چیزیں سب دھرموں میں ایسی هی هیں جیسی هر آدمی کے شریر کے اندر دھرموں میں ایسی هی هیں جیسی هر آدمی کے شریر کے اندر میلے سے بھری ہوئی انتویاں اور سندر سے سندر آدمی کے اندر میلے سے بھری ہوئی انتویاں کوتی ہیں قربانی کا اور سندر سے میں قربانی کا اور سندر سے میں قربانی کا اور جینیوں میں قربانی کا اور اُلی کیا ہیں ہیں ہوگی اُلی ہی اُلی ہی اُلی ہی اُلی ہی اُلی ہی ہیں ہیں دروگ تیام بھی اللی ہے اور روگ تیام بھی

بهاگوت میں لکھا ہے: ـــــــ

"الوگوں میں اِستری پورش کا ایک دوسوے کی طرف جھکاؤ ارر گوشت اور شراب کی اِچھا ھوتی ھی ھے ، اُسے جگائے کی آرشیکتا نہیں پڑتی ، اِن چیزوں پر روک تھام رکھنے کے لئے شادی کا رواج اور یکیوں کا رواج ڈالا گیا ھے ، اِن سے بچے رہنا بہت زیادہ اچھا ھے "

انجيل ميں لها هے :--

''جو لوگ اپنے کو روک نہیں سکتم اُنھیں چاہئے که شادی کرلینا زیادہ اُنجا ۔ کرلیں ، گیونک، اندر اندر جاتے رہنے سے شادی کرلینا زیادہ اُنجا ھے ،''

ا هر دهرم کے مانزے والے کسی نه کسی طرح کا اینا باهری نشان بھی رکھتے میں ، کوئی سر پر پیچھے کی طرف چوثی رکھتے میں کوئی دارمی رکھتے میں کوئی سب بال برماتے میں اور کوئی کچھ عیسائی پادریوں کی طرح خاص طرح سرمنتواتے هیں ، کوئی بائیں کندھ کے اربر سے جنیو ڈالتے هیں اور ماتھے پر طرح طرح کے تاک کاتے میں ، کوئی کمر کے چاررں طرف زار بالدهقم هون ، كوني قرييرن ير ملال اور ستارا كاتم هين اور عراقی اینی کردنوں مدن کراس المکاتے هدی . اگ ایک سُبُ جَنَار منتر یا گندَه تعریز جیسی چیزرن میں بھی وشواس رکھتے میں ار انہدں پہنتے میں ، گہرے رشواس کے کارن اِن چھزوں کا ان کے آوپر اثر بھی ہوتا ہے . سب دورم والوں کی خاص خاص پوشاکیں هیں ۔ يه پوشادیں کہیں قرمی يا راشاری مالي نجاتي هين أر كيين دهارمك . يه سب آنك الك چھونین اگر کورل ہ یا سندرتا کی نکا سے پہنی جانیں باک لنگ الترفاريد الو أچيل اكس ال اكر إن كے شام تهروا بهت سيدا بينافر البالا نين هينا تو إن سب زنگ برنكي چيزون سے آدميكي سِنْدِوَا بَوْمَانِي عُلَي لَلْي چيزين سڀكو اچهي عَتِين اور مماراسماجي रास्ता विसा विया है. श्रेन्बर हम से भीर कुछ नहीं चाहता सिवाय इसके कि हम सबके साथ इन्साफ करें, सब से प्रेम करें, सब पर दया करें, नकता के साथ मुक कर चलें."

जो कोई किसी बैल की इत्या करता है उसने मानो एक आदमी की इत्या की." (इसाया)

"ऐ ईश्वर त्ने हम से क़ुरबानी करने के लिये और चढ़ाने चढ़ाने के लिये नहीं कहा. तू ने हमारे कान खोल दिये हैं. तुमे आग में आहुतियों और पाप के चढ़ानों की चहतत नहीं है. मैं अपने ईश्वर के मजन गाऊंगा और खे धन्यवाद दूगा. ईश्वर इससे ख़ुश होगा. सींगों और खुरों बाले बैलों और साढों की हत्या से ख़ुश नहीं होगा." (साम्स, अध्याय 40 और 69)

"जो कोई अपनी ख़ुदी को पाएगा वह अपने असल जीवन को ख़ोदेगा और जो कोई अपनी ख़ुदी को मिटा देगा वह असली जीवन को हासिल करेगा." (इन्जील)

यहां खुदी से मतलब आदमी का छोटा आपा है और असल जीवन से मतलब सबके साथ मिल कर सबका मिला जुला आपा है. वही अस्लाह है.

सुकी कहता है :--

"बेजुदी की तरफ कोरिशा करके बद, तब तू अपने असली आपे को पा सकेगा. अस्लाह सब ठीक जानता है. तू अपनी ख़ुदी का गुलाम कब तक बना रहेगा ? इस ख़ुदी से बाहर निकल. रीत रिवाज के नापाक जूतों को बाहर खतार कर ईश्वर के मन्दिर में जा और उसके चमत्कार देख." कबीर साहब ने कहा है:—

"जब मैं या तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं" प्रेम गली अति सांकरी, वा में दो न समाहिं" इसी खयाल को सूफी ने इन राव्यों में खाहिर किया

"इम मोतिकिये दावप बातिल नहीं होते सीने में किसी शख्स के दो दिल नहीं होते" एक और सभी ने कहा है :—

"मेरे जुब्बे यानी कुरते के अन्दर सिवा ख़ुदा के कोई और है ही नहीं."

यही स्रयाल सूफियों ने फारसी और अरबी के रोरों में जगह जगह और तरह तरह से जाहिर किया है.

क्ररान में लिखा है :--

But a

"ल्प्यनालस्त्रह लोहूमोहा बला देमाबोहा व लाक्य्यना लोहुत्तकवा मिनकुम." (क्रुरान, 22—87)

यानी—"कुरवानी के जानवरों का खून या गोरत अस्लाह को नहीं पहुंचता. अस्लाह को सिर्फ तुम्हारे दिल का सक्रवा पहुंचता है यानी यह कि तुम धुरे कामों से वर्ष रहो." استه دیها قربا هے ایشور هم سے اور کچھ نہیں چاهتا سوائے اِس کے تقد هم سب سے پریم کریں سب سے پریم کریں سب پر کیا کریں اور نسرتا کے ساتھ جھک کر چاہیں ." (مائیکا) ''لچر کرئی کسی بیل کی هتیا کرتا ها اُس نے ماتو ایک اُدمی کی هتیا کی ."

''آئے ایشور تولے هم سے قربائی کرنے کے لئے اور چڑھاوے چڑھائے کے لئے نہیں دہا، تولے همارے کلی کھول دیئے هیں، نجھے آگ میں آهوتیوں اور پاپ کے چڑھاؤں کی ضرورت نیکن هے میں اپنے ایشور کے بیجوں گوئٹا اور آسے دهنیہ باد دونٹا ۔ ایشور اِس سے خوش هوا ، سیلٹوں اور کھروں والے بیلوں اور مائڈوں کی هتیا سے خوش تہیں هوا ،"

(ساس المعيائه 40 أور 69)

وجو کوئی اپنی خودی کو پائیکا وہ اپنے امل جیون کو پوریکا اور جو کرئی اپنی خودی کو مقادیکا وہ اُسنے املی جھوں کو مقادیکا وہ اُسلی جھوں کو حاصل کویکا "

یہاں خودی سے مطلب آدمی کا چھوٹا آیا ہے اور اصل جیوں سے مطلب سب کے ساتھ ملکو سب کا ملاجلا آیا ہے۔ وہی اللہ ہے ۔

صفی کہتا ہے ہے

"پے خودی کی طرف کوشش کرکے ہوتھ' تب تو اپنے املی آپ کو پاسکےگا ، الله سب تهیک جانتا ہے ، تو اپنی خودی کا ظم کب تک بنا رہا ہ اس خودی سے باعد تکل ، ریسارواج کے لیاک چوتوں کو باہر آتارکر ایشور کے مندر میں جا اور اُس کے چمٹکار دیکھ ۔"

کبیر صاحب نے کہا ہے :-

''جب میں تیا تب هری نہیں' آب هری هیں میں تاهیں '' ''پریم گلی آتی سائکری'' وأمیں دو نه سماهیں ۔'' اِسی خیال کو صوئی نے اِن شیدوں میں طاهر کیا ہے :— ''ہم معتقد دعوثی باطل نہیں ۔ هوتے ۔ ۔ سیلیے میں کسی شخص کے دو دل نہیں هوتے''

الإلى الله العوامها والان الله العوام مكرا

है. तुम ग्रांलत सममते हो. खज का यर्थ वह दाने हैं जिन में अभी अंकुर नहीं फूटे. तुम्हें यह में नेगुनाह बकरों को नहीं मारना चाहिये. यह मले लोगों का धर्म नहीं है. यह जमाना नेक काम करने का जमाना है. तुम्हें जानवरों की हत्या बन्द कर देनी चाहिये."

(महाभारत शान्ति पर्व अध्याय 345)

महात्मा बुद्ध ने इस देश में जो बड़े बड़े धार्मिक सुधार किये खन में एक यह था कि उन्होंने जानवरों की क़ुरवानी को क़रीब करीब बन्द करा दिया. मास का खाना इस देश में बहु पूरी तरह बन्द नहीं कर पाए, पर उन्होंने उसे बहुत कम कर दिया और लाखों के जीवन में से बिलकुल मिटा दिया. राजा बिन्बसार के यहां जाकर उन्होंने जानवरों की क़ुरवानी को रोका, जैन धर्म के मानने बालों में भी जानवरों की हिन्सा से ओर मांस खाने से परहेज किया जाता है.

हजरत ईसा से पहले यहूवियों में भी जानवरों की क़ुरवानी का रिवाज था. यहूवी ईरवर के नाम पर आग में आहुतियां दिया करते थे और उसी में जानवरों को मार कर हाला करते थे, इन्जील में बार बार और जगह जगह इस रिवाज को बन्द करने का उपदेश दिया गया है. लिखा है >

"जाओ और बात का असली मतलब सममा. मैं (ईश्वर) दया यानी रहम चाहता हुं, क़ुरबानी नहीं," (मैध्यु)

'मैं चाहता था तुन्हें ईरबर का ज्ञान हो. यह नहीं चाहता था कि तुम जाबवरों को काट कर आग में उनकी आहुती दो." (होसिया)

"ईश्वर की आहा मानना जानवरों की क़ुरवानी करने से अच्छा है और सच्चाई पर ध्यान देना मेंढे की घरवी से बेहतर है." (साम)

"अस्लाह कहता है—"अगर मुक्ते भूक लगती तब भी
मैं तुम्म से न कहता क्योंकि दुनिया और दुनिया की सब
चीजों मेरी हैं. क्या मैं बकरों का गांश्त खाऊंगा वा सांडों का
खून पियू गा १ ईरवर को धन्यकाद दो और नेक काम करने
की अपनी प्रतिकाओं को पूरा करों." (साम्स)

"मैं (अल्लाह) बैलों, मेमनों या बकरों के खून से खुश नहीं होता. फिजूल के बढ़ावे मुक्ते मत बढ़ाना. नहीं ता जब तुम मुक्तसे प्रार्थनाएं करागे, मैं नहीं मुनूगा, क्योंकि तुम्हारे हाथ खून में रंगे हुए हैं." (इसाया)

"र्श्वर के सामने अपना दूटा हुआ दिल और अपनी रालतियों के लिये पड़तावा के कर जाआ. यही सच्ची कुर्वानी है. जो ऐसा करता है ईश्वर उसी को अपनावा है. (साम्स)

'क्या में इंस्तर के सामने जले हुए गोरत की आहुतियां जेकर आजना ? क्या में साल भर के छोटे छोटे कड़िंगे का गोरत तेकर आजना ? क्या हमारा मालिक सैकड़ों भेड़ों भौर तेक के दरवाओं से खुरा होगा ? उसने हमें नेकी का ا من الله المستجهد هو الله كا أرته ولا دائم هيل جي ميل أبهي الكو فيس بهوي ميل أبهي الكو فيس بهوي ميل الكو فيس بهوي الله يكون كا دهرم فيس هي الله كون المائم فيك المائم الكون كي هذا الله الكون كي هذا الله الكون الكون

مہاتما بدھ نے اُس درھی میں جو بڑے دھارمک سدھار نے اُن میں ایک یہ تہا کہ اُ ہوں نے جانوروں کی قربائی کو رہی دویب بند کرا دیا ، مائس کا کہانا اِس دیش میں وہ وہی طرح بند نہیں کر دائے' پر آنیوں نے اُسے بہت کم کر دیا ور لاکھوں کے جیوں میں سے بالکل متا دیا ، راجا بمسار کے یہاں ہا کر آنیوں نے جانوروں کی قربائی کو روکا ، جین دھرم کے بائیے والوں میں بھی جانوروں کی ھنسا سے اور مانس کھانے والوں میں بھی جانوروں کی ھنسا سے اور مانس کھانے ویوپیر کیا جاتا ہے ،

حضرت عیسی سے پہلے یہودیوں میں بھی جانوروں کی رہائی کا رواج ہا ، یہودی ایشور کےنام پر آگ میں آھوتیاں دیا رتے تھے اور اسی میں جانوروں کو مار کر ڈالا کرتے تھے ، انجیل ہیں بار بار اور چکہ جگہ اِس رواج کو بند کرنے کا اُپدیش دیا ماھے لیما ھے ۔۔۔۔

(أيشور) أور بات كا أماني مطلب سنجهو . مين (أيشور) أيشور) با يعنى رجم چاهنا هين وبائي نهين ... " (ميتهيئو) ... " ميهن چاهنا به تمين چاهنا به تم جانورون كو كات كو آگب مين أن كي آهوتي دو ..." (هرسيا)

ا ایشور کی آگیاں ماننا جانوروں کی قربانی کرنے سے اچھا کے اور سچائی پر دھیاں دینا میندھ کی چربی سے بہتر ھے ۔'' اور سچائی پر دھیاں دینا میندھ کی چربی سے بہتر ھے ۔'' (سام)

آللہ کہنا ہے اور دنیا کی مجھے بھوک لکتی تب بھی میں تم سے کہنا کیونکہ دنیا اور دنیا کی سب چیزیں میری ھیں، کیا میں عروں کا گرشت کیاونگا یا سائدوں کا خون پیونگا آ ایشور کو بعزی واد دو اور ٹیک کم کرنے کی اپنی پرتگیاؤں کو پورا کرو ۔'' یعنیہ واد دو اور ٹیک کم کرنے کی اپنی پرتگیاؤں کو پورا کرو ۔'' سامس)

ومیں (الله) بیلوں میستوں یا بعروں کے خون سے خوش را الله) بیلوں میستوں یا بعروں کے خون سے خوشاؤ ، تمین نہیں سنونگا کموتعه نو جب تم مجھ سے پرارتھائیں کردگے میں تمین سنونگا کموتعه نمیارے هاتو خون میں رنگ هو نے هیں ،"

''الیشور کے سامنے اپنا ٹوٹا ہوا دل اور اپنی غلطیوں کے لئے بھیتاوا لیکر جاؤ ، یہی سچی دربائی ہے ، جو ایسا درتا ہے ایشور اسی کو اپناتا ہے ''

'کیا میں ایشور کے ساملے جلے ھوٹے گوشت کی آھوتیاں بھی معاولیا' کیا میں سال ہور کے جووٹے جعوٹے ہجھیتوں اور گھڑست لیکو بھارتا کا عمارا سالک سیکروں بھیتوں اور کیل کے دریاوں سے خوص ھوگا اس نے ھمیں ٹیکی کا

करते हैं. हिन्दू जप करते हैं. गुसलमान खजकार, ईसाई लितानी. हिन्दू उपवास रखते हैं, गुसलमान रोजा, खीर ईसाई फास्ट. हिन्दू रतजगा या जागरन करते हैं, गुसलमान राज-बेदारी और ईसाई विजिल. सबका मतलब यही है कि दिल खल्लाह पर जमे और खल्लाह दिल में आकर बैठे.

हिन्दू, मुसलमान और यहूवी सब आजकल यह भी मानते हैं कि खास खास मौक्रों पर जानवरों की बिल देने या उनकी क़ुरबानी करने से ईश्वर अल्लाह को ख़ुश किया जा सकता है. सब में जानवरों की क़ुरबानी का रिवाज है. ख़ुशक़िस्मती से सब यह भी मानते हैं कि मान्स खाना कभी कभी छोड़ देने से रूहानी तरक़की में मदद मिलती है. मुसल-मान सूकी इसे 'तर्के हैंबानात' कहते हैं और कभी कभी चालीस दिन तक और कोई कोई जिन्दगी भर के लिये गोशत खाना छोड़ देते हैं. सब यह भी मानते हैं कि अपनी खाहिश को रोकना, ननसकुरी यानी दशना त्याग बड़े ऊंचे असूल हैं.

जानवर की क़ुरबानी का असली मतलब यह है कि हमारे अन्दर जो जानवर या दिरन्दा बैठा हुआ है यानी हमारी खुदी, हमारा काम, कोध, लोभ, मोह और अहंकार उन्हें मार कर सत्म किया जाय. बकरा, भैंसा, घोड़ा, ऊंट, गाय और आदमी तक की क़ुरबानी इन ही अथों में करनी चाहिए. पर उलटा होता यह है कि हमारे अन्दर की वही खुदी अपने को बचाने के लिये क़ुरवानी के असल मतलब को भुला कर शब्दों को चिपट जाती है और अपनी जगह बेगुनाह जानवरों की बल बढ़ाकर अपनी तसल्ली कर लेती है. सब यह है कि उस ईरबर अल्लाह को, जो रहमान और रहीम है, जो शिव-शंकर है, सिवाय आदमी की खुदी की क़ुरबानी के और कोई क़ुरबानी कबूत नहीं हो सकती.

वैदिक धर्म में जिसे 'गोमेध' कहते ये उसी को पार्सी धर्म की किताब 'जिन्दावस्ता' में 'गोमेज' कहा गया है. विद्वान लोग इनके दूसरे दूसरे और अच्छे अच्छे अर्थ भी लगाते हैं. पर जो तकसील गोमेध की किताबों में दी हुई है वह काफी द्दीनाक है. हिन्दू मन्दिरों में खासकर देवी की मूर्तियों के सामने बकरे, भैंसे, मुराो, कबूतर सब की क़ुरबानियां आज भी होती हैं. सब धर्म बालों ने हमें यह सममाने की कोशिश की है कि हमें जल्दी से जल्दी इन रिवाजों से बाइर निकल आना बाहिये.

महाभारत के शान्ति पर्व में लिखा है कि एक बार श्राहियों और देवों में इस बात पर बहस हुई कि यह में जानवरों को मारना चाहिये या नहीं. आखीर में श्राहियों ने फैसला किया कि यह में जानवरों का खून नहीं बहाना चाहिये. लिखा है कि:—

"बेदों का कइना यह है कि बीजों यानी नाज के दानों से यह करना चाहिये. 'अज' शब्द के मानी यहां वकरा नहीं کرتے هیں ، هندو جمید کرتے هیں' مسلمان آذکار' عیسائی لتائی ، هندو هندو آپولس وکیتے هیں' مسلمان روزہ اور عیسائی فاست ، هندو رنجا یا جاگون کرتے هیں' مسلمان شب بیداری اور ہسائی وجل ، سب کا مطامیہ یہی هم که دل الله پر جهم اور الله دل میں آکر بیٹھے ،

هنبو' مسلمان اور یہودی سب آچکل یہ یعی مائتے هیں کہ خاص خاص صوفوں پر جانورس کی بلی دینے یا آن کی نربانی درنے سے ایشور اللہ کو حوش کیا جا سکتا ہے ۔ سب میں جانوروں کی دربانی کا رواج ہے . خوش قسمتی سے سب یہ یعی مائتے هیں کہ مالس دیانا کبھی کبھی چھور دینے سے ررحانی ترقی میں مدد ملتی ہے ، مسلمان صوفی اِسے ' ترک حھوانات' کہتے هیں اور کبھی کبھی چالیس دی تک اور کوئی کوئی زندگی بھر کے لئے گوشت کھانا چھور دیتے هیں ، سب یہ یعی مائتے هیں که لپنی خواهش کو روکنا' نفسکشی سب یہ یعی مائتے هیں که لپنی خواهش کو روکنا' نفسکشی بینی ترش تایا بہتے اور چے اصول هیں .

جانرر کی فربانی کا اصلی مطلب یہ ہے کہ ہمارے اندر جو جانور یا دراد بیتھا ہوا ہے یعنی ہماری خودی مرا کام کردہ اویو موہ ار اهمکار اِنھیں مار ختم کیا جائے . بکرا پہینسا گروزا اوئٹ گئے اور آدمی تک کی قربائی اِن ہی آرتھوں میں درنی چائے . پر انتا ہوتا یہ ہے کہ ہمارے اندر کی وہی خودی اپنے کو بچا کے لئے دربانی کے اصل مطلب کو بہلا کر شدوں کو چھٹ جاتی ہے اُرور اُپنی چگہ یے گناہ جانوروں کی بئی چوھا کو اُپنی تسلی کو لیتی ہے ۔ سیے یہ ہے کہ اُس ایشور اللہ کو جو رحمان اور رحیم ہے جو شیو شنکر ہے سوانے آدمی کی دربانی کے اور کوئی قربانی بیول نہیں ہوسکتی ،

ویدک دهرم میں جسے' کو میدھ' کہتے تھے اُسی کو پارسی درم کی کتاب ' زاداوستا ' میں ' گومیز ' کیا گیا ہے ، ودوان لوگ اِس کے درسرے درسزے اور اُچھے اُچھے اُرتھ بھی گاتے ہیں۔ پر جو تفصل کرمیدھ کی کتابیں میں دبی ہوئی ہے وہ کانی دردناک ہے ، ہندو مندروں میں خاصار دیوی کی مورتیوں کے سامنے بارے' بھی ہوتی میں ، بیننسے' مرفع' دیوتر سب کی قربائیاں آج بھی ہوتی میں ، سب دھرم وائوں نے ہیں یہ سمجھانے کی کوشش کی ہے که ہیں جادی اِن رواجوں سے باعر نائل آنا چاھئے ،

مہایارت کے شانتی پرو میں لکھا ہے کہ لیک بار رشیوں اور دیووں میں ایس بات پر بحث ہوئی کہ یکھہ میں جائوروں کو مارت چائٹے یا نہیں ۔ آخیر میں رشیوں نے فیصلہ کیا کہ بیہ میں جائورں کا خوں نہیں بہانا چاہئے ۔ لکھا ہے کہ :---

" وبدوں کا کینا یہ ہے کہ بہوں یعنی ناچ کے دائوں سے ایک کرنا بہاطئے۔ ' آ ہے ' شید کے معنی یہاں بکرا نہیں ا

मुख को दुगना, चीगुना कर देंगे और सब को सब की
अच्छी अच्छी बार्य से सीख मिल सकेगी. आज की दुनिया
में अलग अलग मुल्कों के शासकों और राजकाजी नेताओं
का मिलना जितना जरूरी है उतना ही धार्मिक नेताओं का
मिलना जरूरी है. दुनिया एक होती जा रही है. मिलना हमें
है ही, फिर चाहे नकरतों, दंगों और जंगों के लिये अलग
अलग संगठन, तनजीमें और पैक्ट करके एक दूसरे से
टकराएं और एक दूसरे को मिटाएं और चाहे प्रेम, एकता,
अमन और शान्ति के नाम पर एक दूसरे को गले लगाएं.
पहला रास्ता बरवादी और मीत का रास्ता है और पाप है,
दूसरा रास्ता खुशहाली और जिन्दगी का रास्ता है और यही
मच्चा धर्म है. सबके भले का और सब को बराबर
बराबर जिस्मानी और रहानी खूराक पहुंचाने का यही एक
रास्ता है.

सब धर्मों में अपने अपने ढंग से संस्कार, सुन्नत, दीक्षा, और वपतिस्मा भी होते हैं. मुसलमान इन्हें 'तक्कदीस' कहते हैं, हिन्दू 'उपनयन', और पारसी 'नवजोत'. मतलब सबका एक है, दिल को साफ करना और ऊचा ले जाना. हिन्दू धर्म की किताबों में लिखा है कि संस्कार के जिये आदभी एक तरह फिर से पैदा होता है. हजरत ईसा इसीलिये कहा करते थे—"फिर से बच्चों की तरह हो जाओ." इनमें से कुछ तरीक़े अभी तक बहुत अच्छे तरीक़े हैं. नहाने, थोने, वजू और पाकी पर इन में बहुत जोर दिया जाता है. पाकी या सकाई पर सबसे ज्यादा जोर शायद पारसी धर्म में दिया गया है. पारसी किताब बेन्देदाद में लिखा है:—

"जिन्द्गी से उतर कर पाकी जगी आदमी के लिये सबसे अधिक मलाई की चीज है, यह पाकी जगी उसमें आती है जो अपने को पाक विचारों, पाक शब्दों, श्रीर पाक कामों से लगातार पाक करता रहता है."

ईसाइयों में एक कहावत है—"खुदा की अच्छाइयों को अपने अन्दर लाने की कोशिश से उतर कर अगर कोई चीज है तो वह पाकीजगी यानी असता है."

कहा जाता है कि किसी नीजवान ईसाई को पाद्री बनाते वक्त उससे पूछा गया कि—"पाकी जगी खुदा की अच्छा इयों को अपने अन्वर लाने की कोशिश के ठीक पहले आनी चाहिये या ठीक बाद में ?" उसने जवाब दिया—"पहले भी और बाद में भी." उसकी बात बिलकुल ठीक थी. पाकी जगी यानी शुद्धता के इसी उन्ने असूल को पिछले जमाने के हिन्दू इस बुरी हद तक खींच कर ले गए कि जस से अपने में हजारों जातें और अपजातें बना डालीं और छुआ अपूत जैसी बुरी चीज चला दी.

अनीवान की याद करते बक्त मन की एक तरफ लगाने के लिये क्षम बसी बाले साला या तसबीह या राजरी इस्तेमाल سبع کو درگذا چرگذا کو دیدگی اور سب کو سب کی اچھی اچھی باتیں سے سبعہ مل سبعہ گی ۔ آج کی دنیا میں اللہ الگ الگ ملکرں کے شاسکوں اور راج کاچی نیٹائن کا ملفا خروری ہے ۔ جننا خروری ہے اتنا ھی دھارمک نیتا ں کا ملفا خروری ہے ۔ دنیا ایک ھوتی جا رھی ہے ۔ ملفا ھییں ہے ھی' پھر چاھے نفرتوں' دنگیں اور جنگوں کے لئے الگ الگ سنگھیں' تنظیمیں اور پیکٹ کر کے ایک دوسرے تکرائیں اور ایک دوسرے کو متائیں اور چاھے دریم' ایکتا' امن اور شائتی کے نام پر ایک دوسرے کو متائیں گےلگائیں، پہلا راستہ بربادی اور موت کا راستہ ہے اور پاپھے' درسرا راستہ ہے اور پاپھے' درسرا راستہ ہے اور یہیسچا دھرم ہے سب راستہ ہے اور یہیسچا دھرم ہے سب کے بہلے کا اور سب کو برابر برابر جسانی اور روحائی خوراک پہرنچانے کا یہی ایک راستہ ہے ۔

سب دهرموں میں اپنے تھنگ سے سنسکار' سننت' دیکشا اور بہتستہ بھی هوتے هیں ، مسلمان اِنهیں ' تقدیص ' کہتے هیں؛ مندو ' آپ نین ' اور پارسی ' نوجوت ' . مطلب سب کا آیک هے' دل کو صاف کرنا اور او نچا لے جانا ، هندو دهرم کی کتابوں میں لکھا ہے کہ سنسکار کے ذریعہ آدمی آیک طرح پھر سے پیدا ہوتا ہے . حضوت عبسی اِسی لئے کہا کرتے تھ۔" پھر سے بیچوں کی طرح هو جاؤ '' اِن میں سے کچھ طریقے آبھی نک بہت اچھے طریقے هیں ، نہائے' دهوئے' وضو اور پاکی پر نک بہت اچھے طریقے هیں ، نہائے' دهوئے' وضو اور پاکی پر نک بہت اچھے طریقے هیں ، نہائے دیائی یا صفائی پر سب سے زیادہ زور دیا جاتا ہے ۔ پاکی یا صفائی پر سب سے زیادہ زور دیا جاتا ہے ۔ پاکی یا صفائی پر سب سے زیادہ زور شاید پارسی دھرم میں دیا گیا ہے ۔ پارسی کتاب زیادہ ' میں لکھا ہے :۔۔۔

و و رندگی سے اُتر کر پاکیزگی آدمی کے لئے سب سے ادھک بہلائی کی چیز ہے ، یہ پاکیزگی اُس میں آتی ہے جو اپنے کو پاک وچاروں پاک شبدوں اور پاک کاموں سے لگاتار پاک کرتا ہے ... رہتا ہے ...

عیسائیوں میں ایک کہارت ہے۔۔" خدا کی اچھائیوں کو اپنے اندر لانے کی کوشش سے اُتر کر اگر کوئی چیز ہے نو وہ پاکھوگی یعنی شدھتا ہے ،"

کہا جاتا ہے کہ کسی نوجوان عیسائی کو پادری بناتے وقت اُس سے پوچھا گیا کئے۔" پاکیزگی خدا کی اچھائیوں کو اپنے انجر لانے کی کوشش کے ٹیبک پہلے آئی چاعیہ یا ٹیبک بعد میں بھی ۔" میں ⁹ " اُس نے جواب دیا۔" پہلے بھی اور بعد میں بھی ۔" اُس کی بات بالکل ٹھیک تھی ، پاکیزگی یعنی شدھتا کے اِسی اُرنجے اصول کو پنچھلے زمانے کے هندو اِس بری حد تک کھینچ اور نے گئے کہ اُس سے اپنے میں ہزاروں جائیں اور آپ جائیں اور جھواچھوت جیسی بری چیز چلا دی .

بهاران کو باد کرتے وقت من کو ایک طرف لگانے کے لئے سب دھرموں والے مالا یا تسبیح یا روزری استعمال भी क्कुत दूर बले जाते हैं और प्रेम और मेत भिताप की जगह नफरत और लड़ोई का कारन बन जाते हैं. जमाने के साथ साथ इन त्योहारों का रंग रूप भी कभी कभी इतना बदल जाता है कि त्योहार की असलियत में और उसके आजकत के मनाने के ढंग में कोई नाता ही नहीं रह जाता.

्यहां एक और बात की तरफ ध्यान देना जरूरी है. लगभग हर जमाने और हर देश में शायरी, नाटक, ड्रामा, नाचना, गाना, बजाना, चित्रकारी, पश्चीकारी, मीनाकारी, मकान बनाना, बारा लगाना, कपड़े बनाना, शहर बसाना, जैसी कलाश्चों श्रीर कारीगरियों की जितनी उन्नति मजहब से हुई है उतनी और किसी चीज से नहीं हुई. दुनिया के बड़े से बड़े हुनरमंदों और कलावन्तों ने श्रिधिकतर मजहब से ही नई नई सुभ बूम पाई है और शक्ति हासिल की है. दुनिया भर में कला और हुनर के घटछे से घटछे नमूने मजहब के मैदान में ही मिलते हैं. यह बात है भी क़द्रती, संच्या मजहब बही है जो आद्मी के अन्दर की अंची से अंची भावनाओं और उमंगों को जगावे, उजागर करे और पूरा करे. अच्छे से अच्छे हुनर भौर कला इन्हीं भावनाओं से पैदा होती हैं. सबके भले की भावना इन्हीं भावनाओं में से एक और शायद सबसे ऊंधी भावना है. इस भावना ने दुनिया के कलावंतों को सबसे अधिकं आगे बदाया है. मजहब का भी यही निचोड़ है. इस तरह मजहब लोगों को इन्द्रिय सुख देने का भी बड़ा साधन होता है. इसी तस्वीर का दूसरा रुख यह है कि जब जब पंडे, पुराहितों, मुल्ला, पादरियों की नासमभी या नालायकी की बजह से मजहब में गिराबट आई है या लोगों की मादा-परस्ती और ऐशपरस्ती ने धर्म को नीचे घसीटा है तब तब कला चौर हुनर में भी भद्दापन, भोंडापन, जंगलीपन, शैरियत, नफरत और अन्याय दिखाई देने लगे हैं, जो चीज आदुनी के दिल के अन्दर माड़ देकर उसे साफ करेगी वही उस घर को रोशन करेगी और वही आदमी की भावनाओं, कला भौर दस्तकारियों को अचा ले जाएगी.

आजकल इमारे अधिकतर त्योहार और उनको मनाने के ढंग इम में एक दूसरे से अलहदगी और नकरत पैदा करते हैं. यहां तक कि यह त्योहार मारकाट, खून खरावियों और बदले की भावनाओं की जड़ बन रहे हैं. तमाम योरप में पिछले इजार बरस तक अधिकतर यही हाल रहा है. हिन्दु-स्तान में आज भी बहुत दर्जे तक यही हाल है. अगर अलग अलग मजहवों के अगुआ अपने अपने दिमागों को साफ कर सकें और अपने दिलों को उंचा ले जा सकें तो उन्हें चाहिये कि एक साथ मिल बैठकर प्रेम के साथ सब धर्मों के त्योहारों में से खास खास को जुन लें और फिर अपने अपने धर्म के मानने वालों को सलाह दें कि उन त्योहारों को सब मिलकर मनाएं. इस तरह हर धर्म वाले अपने और दूसरों के सबके

ہی بہت دور چلے جاتے ہیں اور پریم اور میل ملاپ کی جگه نبرت اور لڑائی کا کارن بن جاتے ہیں، زمانے کے ساتھ ساتھ ان تیرهاروں کا رنگ روپ یعی کبھی بھی اتنا بدل جاتا ہے که تیرهار کی اصلیت میں اور آس کے آجکل کے منالے کے تھنگ میں کوئی ناتا ہی انہیں رہ جاتا ہے۔

يهان الكُ أور بات كي طرق تعميان دينا ضروري هـ . لك يهك هر زماني أور هر ديهي مين شاعري، ناتك، دراما، ناچنا' كانا' بجانا' چتركاري' يحيىكاري' مينا كاري' مكان بناتا' باغ الانا كير منانا شهر بسانا جيسي كلاس أور كاريكريس كي جتنی أننتی مذهب سے هوئی هے أتنی ارر كسی چيز سے نہيں ھوئی . دنیا کے بڑے سے بڑے ھذرمندوں اور کلونتوں نے ادھک تر مذهب سے هي تملي فئي سوجھ بوجھ يائي هے أور شكتي حاصل کی ہے ، دنیا نہر میں کا اور منز کے اچھے سے اچھے نہونے مذهب کے میدان میں هی ملته هیں . یه بات هے بهی قدرتی ، سجا مذهب رهی هے جو آدمی کے اندر کی اواجے سے أرنجي بهاونان اور أمنكون كو جكاوے 'أجاكر كرے أور يورا كرے، اچهے سے اچھے منر اور کلا آنہیں بھارتاؤں سے پیدا ہوتی میں . سب کے بہلے کی بہارنا اِنہیں بہارناؤں میں سے ایک اور شاید سب سے اونتھی بھاونا ہے ، اِس بھاونا نے دنیا کے کلاونتوں کو سب کے اُنھک آگے ہڑھایا ہے . مذھب کا بھی یہی نچوڑ ہے . اِس طرح مذهب لوگس کو انصریه سکه دینے کا بھی ہوا سادھن هرتا هے . اِسی تصویر کا دوسرا رہے یہ هے که جب جب دنقے پروهتوں' ملا' پادرایوں کی فلسنجھی یا فالانقی کی وجہ سے مذهب میں گراوت آئی ہے یا لوگوں کی ماد درستی اور عيش يرستي في دهرم كو نيجي گهسيتا هے تب تب كا أور هنر میں بھی بهدا چن غیریس فرت اور آنیا کے دکھای دیتے الم هيں . جو چيز آدمي كے دل كے اندر جهارو دے كو، أس صاف کرے کی وہی اُس گھر کو روشن کرے گی اور وہی آدمی کی بهارتاؤں کا اور دستکاریوں کو ارتبچا لے جانے گی۔

آجال همارے ادهک تر قیرهار اور آن کو منافے کے تهنگ هم میں ایک دوسرے سے فلیت کی اور تغرب پیدا کرتے هیں ، یہاں تک که یہ تیرهار مار کات خون خرابیوں اور بدا کی بهاوناؤں کی جز بن رہے هیں ، تمام بورپ میں پنچیلے هزار برس تک ادهک تو یہی حال رها ہے ، هندستان میں آج یہی بہت درجہ تک یہی بحال ہے ، اگر الگ الگ مذهبوں کے اگوا اپنے اپنے دماغوں کو صفح کر سمیں اور اپنے دلوں کو آونچا لے جا سمیں تو انہیں چاہئے کہ ایک ساتھ مل بیتمکر پریم کے ساتھ سب دهرموں کے تیرهاروں میں نام خاص خاص کو چن لیں اور پھر اپنے اپنے اپنے اپنے اپنے اور دوسروں کو سب کی مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے مانی والی کو صفح دیں کہ آن تیرهاروں کو سب کے سب کے ساتھ سب کے ساتھ سب کے سب کی سب کے سب کے سب کے سب کی سب کے سب کی سب کے سب کی سب کی سب کے سب کی سب کے سب کی کی کر سب کی کی کر سب کی سب کی کر سب کر سب کی کر سب کر سب

जिल्द् 18

नवन्बर सन '54

नम्बर 5 5

ئومبر سن ⁵⁴

جاد 18

जात चावमी, प्रेम धम हैं, हिन्दुस्तानी बोली, 'नबा हिन्द' पहुंचेगा घर-घर लिये प्रेम की मोली.

جات آدمی، پریم دهرم هے، هندستانی بولی، دنیا هند، پہنچے کا گور - گھر لئے پریم کی جھولی .

धर्मों के अजग अजग रीत रिवाज

(डाक्टर मगवान वास)

दुनिया के सब धर्मी में जिस तरह बुनियादी सञ्बाहरां या सदाचार के नियम एक से हैं उसी तरह ऊपर के रीत रिवाज, खेल तमारो, खुशी और रंज के त्योहार भी लगमग एक से होते हैं, हिन्दुओं में सत्यनारायन की कथा होती है तो मुसलमानों में भौलूद शरीफ, मुसलमान मुहर्रम में अपने सास महापुरुषों को बाद करते हैं तो हिन्दू पिरुपक्ष में अपने पुरस्तों को याद करते हैं. वह इकाद ी की जत रखते हैं तो यह रमजान में रोजे रखते हैं. हिन्दुओं का चांद्रायन बत तो विजकुल रभजान से भिलता हुआ है. उनका रामलीला का ुतूस निकलता है ता उनके दुलदुल और ताजिया निकलते हैं. ईसाइयों और दूसरे धर्म वालों के भी इसी तरह के खास खास त्यांहार हैं. अठवारे के दिनों में भी किसी ने किसी को पाक मान रखा है तो किसी ने किसी को वैदिक धर्म वाले भाम तौर पर चांद की हर पहली, आठवीं और ग्यारहवीं तारीख को पाक मानते हैं. यहूदी सनीचर को, मुसलमान जुमा को, ईसाई इतवार को, कही कहीं हिन्दू मंगल को खास दिन मानतें हैं. वहीं इनके खलग अलग आराम करने के दिन सममे जाते हैं.

आदभी के विल की मांग सब जगह क़ुव्रती तौर पर एक ही सी हाती है, वह कभी खेल तमाशा चाहता है, कभी हंसना, कभी राना और कभी अपने रेश्वर अल्लाह की याद में सार्ने पीने कों भी भूल जाना चाहता है. अन्दर की इस मांग का पूरा करने के लिये तरीके अलग अलग हैं, पर बात वही है, अक्रसोस केवल इतना है कि यह केल तमाशे और रीत दिकास अधिकतर अपने अर्थ के बुनियारी अस्तों से

دھرموں کے الگ الگ ریت رواج

(ڌاكٽر يهعوان داس)

دنیا کے سب دھرموں میں جس طرح بنیادی سچانیاں یا سداچار کے نیم ایک سے ہیں اُسی طرح اُرپر کے ریت رواج کھیل تماشے ' خوشی اور رئیم کے تیوهار بھی لگ بھگ ایک سے هوتے هيں ، هندووں ميں ستيه ارائن کي کتها ، هوتي هے تو مسلمانون مين م لود شريف ، مسلمان محرم مين أين خاص مهاپرشوں کو یاں کرتے هیں تو هندو یتر یکش میں اپنے پرکھوں کو یاد کرتے هیں. وہ اِکادشیکو برت رکھتے هیں تو یہ رمضان ماس روزه رکهتم هیں . هندؤل کا چاندرائن برت تو بالکل رمضان سے ملتا ہوا ہے ۔ اُن کا رام لیلا کا جلوس فعلتا ہے تو اُن کے دلدل اور تازیم نالم هیں . عیسائیوں اور دوسرے دعوم والوں کے بھی اسی طرح کے خاص خاص تیوهار هیں ، اثهرارے کے دنہی میں یمی کسی نے کسی کو پاک مان رکھا ہے تو کسی نے کسی کو . ويدك دهرم راله عام طور ور چاند كي هر بيلي آتهوين أور گهارهویں تاریخ کو پاک مانیے هیں . یہودی سنیجر کو' مسلمان جمعة كو، عيسائي أتوار كو . كهين كهين هندو منكل كو خاص دور ماتے هيں . يہي ان كے الك الك أرام كرنے كے دن سنجے جائے دیں ۔

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

का

माहवारी परचा

هندستانی کلچر سوسائتی ۱

ماهواري پرچا

नवम्बर 1954 ं

क्या किम से	सका≪	منت	کیا کس سے
 धर्मों के अलग अलग रीत रिवाज – डाक्ट भगवानदास 	र . 193	•••	. دھوموں کے الک الک ریت رواج۔۔ ڈاکٹر بھکوان داس
2. जीन का सलीका—जोश मलीहाबादी ८. दिन्दी वर्दू काव्य की समाननाएं—स्वामी कुश्नानन	-	• •	. جینے کا سلیتہ—جوش ملیحابادی . هندی اُردو کلویه کی سمانتائیں—سوامی کرشتا
सोस्ता	. 205	•••	نند سوغة
4. सेवा धर्म—विश्वन्भरनाथ पांडे 5. हिन्दुस्तानी कलचर—चरन सरन नाज	. 213	•••	، سیوا دھرم—وشومبھر ثانہ پائڈے ، ھندستائی کانچر—چرن سرن ثار
 पुनर्मिलन ! (कहानी) — लेखक — शी-वृ अनुवादक—कामेश्वर अभवाल 	§ 226	•••	ی پذر آملی ! (کهانی)—لیکهک شی- کو ؛ اثوادک— کلمیشوزاگروال
7. हमारी राय— बाबू (नत्यानन्द चैटरजी—सुन्दरलाल; श्री	. 237	•••	هماری ر <u>ائے</u> ۔۔ باہو نتیا نند چیتر جی۔۔۔سندر الال؛ شری
रकी श्रहमद किदवाई—सुन्दरलाल; भारत सरकार श्रीर हमारे ग़रीब बुनकर—सुन्दरलाल;			رفیع احمد کدوائی۔۔۔سندر لال؛ بھارت سرکار آور ھارے غریب بنکو۔۔۔۔۔ندرلال؛ امریکہ میں مستو
श्रमरीका में मिस्टर मोहम्मद श्रली श्रीर राज- कुमारी श्रमृत कौर—सुन्दरलाल; एक नेक फ़ांसीसी नेता—सुन्दरलाल; पंचायतों की			محمد علی آور راج کماری امرت کور—سندرال: ایک نیک فرانسیسی نیتا—سندرالل؛ پنچایتوں
श्राजादी—सुरेशरास भाई; "एकदम निकम्मी" —सुरेशराम भाई; जवाहरलाल जी श्रीर हिन्दु-			کی آزادی—سریشرامهائی؛ ^{در} ایک دم نکمی'' —سریش رامههائی؛ جواهر لال جی اور هندستان
स्तान का भविश्य—सुरेशराम भाई. ८. कुछ किताबें	. 261		کا بهوشیهسریص رامههانی .
***	* ~ O.T.		کنچ، کتابین

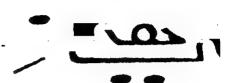
क्रीमत—हिन्तुस्तान में छै रुपया साल. बाहर दस रुपया साल, एक परचा—दस श्राने.

> मैनेतर 'नया हिन्द' 145, मुद्दीर्गंत, इलाहाबाद-3

حسمندستان میں چهه روپیه سال ٔ باهر مس روپه سال ٔ ایک پرچمسدس آلے .

ميىيجور 'ئيا هند' 145' متهى گنج' التأباد -3



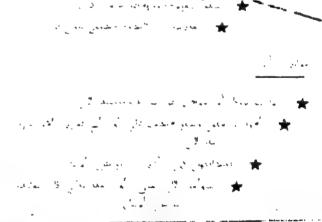


्भ नम्बंर क खाम वन

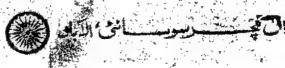
- प्रमा के व्याप्त प्राण्य गत (राहन ट्रास्टर केनलार द्राप्त प्राः किली उप प्राच्य की व्यम्पनगण —स्याम्त क्रम्नान-द् संस्थ्ता
 - 🛖 संबा नमः--विश्वधनगरनाच सह
 - 🛊 दिस्दृस्यानः । अचन--चरत सन्त साज

रमती गय

- 🛊 । शास्त्र सरकार और हमार्ग गर्भव वनकर-अस्टरनानः
 - ★ अमरीका में मिस्टर मोहस्मद अली और राजकुम(र्श अमृत कीर—सुन्दरनाज
 - 🛊 पंचायतो की आजाशी—सुरेशराम भाई
 - ★ जन्महरुलाल भी और हिन्दुस्तान का अविश्य—स्रेशाम भाई



वा कलचर सांसाइटी, इलाहाबाद



नवम्बर 1954

क्षीमत दस काला

المرماسية الرمعان أثبيتا

गंगा से गोमती तक

..... मुजीब की कहा नियों की विशेषता उनकी शैली भी है. मामूनी पढ़ा लिखा आदमी इन्हें बिना किसी की मदद के समक सकता है सरलता के माथ भाषा में ठ्यंग और जिन्दादिली इस तरह है जिस सरह केंचे पाय के लेखकों में मिलती है.

इन कहानियों में हास्य भी है, कदता भी है. कहीं इसते इसते पेट में बल पड़ेंगे, तो कहीं पढ़ते-पढ़ते आप दुःख से स्तंभित रह जाएंगे. मुजीब की कहानियाँ इमारी कोमल भावनाएँ जगाती हैं, हमें अच्छा इनसान बनाता हैं."

—हाक्टर राम विलास शर्मा

....... 'वह (मुनीष) मार्ग साक करना चाहते हैं, समाज को सम्भालना चाहते हैं. इसिनये वह कला को कामकाजी चाहते हैं और ऐसी नुकीलो कि धार करनी चली जाए ''यह कहानियाँ जगह जगह हमारा ध्यान समाज में होने बाले अन्यायों और अत्यानारों की तरक स्वीचती हैं '',संमह की कहानियों में एक सीधी अकुत्रिमना है, जो अच्छी लगती है.''

-जैनेन्द्र कुमार

स्वगभग हिन्दी के सभी बड़े लेखकों ने "गंगा से गंगभरी", को सराहा है.

"गगा से गामती तक" में १८० सको हैं, तिरंगा सुन्दर कवर, भढ़िया जिल्द. दाम केवल दो कपया. जल्दी आर्डर भेजिये.

- मैनेजर नया हिन्द

मिलने का पता-

मैनेजर नया हिन्द्' 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद.

گنگا سے گومتی تک

"مجهب فی کہانہ اس کی وشیشڈا آنکی شہلی ہے ۔ معمولی پوھا لکھا آدسی آنھیں بقا کسی کی اداری آنھیں بقا کسی کی اداری سمجھ سکتا ہے ۔ ساتھ بھاشا میں ویڈگ زندولی اس طاح ہے ۔ جس طاح آونتھے ہائے کے بہرس میں ملتی ہے ۔

سةائلر رام بلاس هرسا

ن وه (مجهب) مارگ صاف کرنا چاعکے هیں اس کو سقهه الله الماعکے هیں اس لئے وہ دلا دو کامکاحی علی اور ایسی توکهائی که دهار اورتی جائے جائے یہ کہانماں حامہ جائے همارا دامیان حامے ممر هوئے والے ایوں اور آلهاچاروں کی طرف کههاچاتی عیں مسلکرہ کہانموں میں ایک سیدهی آدری ترمنا هے جو اچهی نے یہ کہانموں میں ایک سیدهی آدری ترمنا هے جو اچهی

-جي**قق**د كمار

اگ بیگ عقدی کے سببی ہونے لیکھکوں کے ^{وو}گلکا ہے تی⁶⁰ کو سراھا <u>ہے</u>۔

''گلکا سے گومائی تک'' میں 180 صفحے میں' ترنکا ، رکرا بوهیا جلد' دام کیول دو رویعہ ، جلدی آرڈر جگئی

سد وللهجر تهامله

لم كا يعد

مهلیجر ا نیا هند ا 145 ملهی کلی الم

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

هندستاني كلجور سوسائثي

मकसद---

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना ब्रोर प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, अखबारों, रिसालों क्योरा का छापना.
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाद्यों, कानकरेन्सों, केनकरों से सब धर्मों, जातों विरादिरयों और किक़ों में बापम का मेल बढ़ाना

मोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—मिट ऋब्दुल मजीद स्वाजा; बाइम प्रेसीडेन्ट—डाट भगवानदास खोर डाट ऋब्दुल हक. गवरनिंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डाट भगवानदास; संकेटरी—पंट सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के ख्रीर मेम्बर-

डा० सैयद महमृत, डा० ता चिन्द, मौलवी सैयद मुलंमान नदवी, मि० मंजर ऋली सोख्ता, श्री बी० जी० .संर, पं० बिशन्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द्र रांका, क्राजी मोहम्मद ऋब्दुन राक्ष्कार और श्री झोम श्रकाण पालीवाल.

मम्बरी के क्रायदों के लिये लिखिये -

सुन्दरलाल सेकेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी, 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद.

नंट—सोसाइटी के नए क़ायदे के न्त्रनुसार मेम्बरी की कीस सिर्क एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनका सिर्क छै रुपया पन्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. ऋलग से मेम्बरी की कीस देने वाले सोसाइटी की निकली हुई कोई किनाव जो एक रुपया दाम की होगी मुफ्त ले सकेंगे या स्थादा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम श्री सकेंगे. مقصر اسم

- (1) ایک ایسی هندستانی کلچر کا بوهانا پهیانا اور پرچار کرنا جس میں سب هندستانی شامل هیں ،
- (2) ایکٹا پھھلانے کے لیے کتابیں' اخباروں' رسالیں وفهرہ کا چھاپنا ۔
- (3) پوهائي گهرون' ڪاب گهرون' سجهاؤن' کانفرڌ ون' له محچرون سے سب دهرمون' جانون' برادريون اور فرقرن مهن آيس کا مهل بوهانا .

-: 0:---

سوسائقی کے پریسیدبات مستر عبدال جهد خواجه؛ وائس پریسیدیدت مدالحق . کورننگ باتی کے پریسیدینت — قانتر بهکوان داس: مکریتری — بنتی سندرال .

گورننگ ہاتی کے اور معدر ۔۔

دَائِكُر سهد محصود' دَائِكُر تَارَا چِنْد' مَولُوی سهد سلهمان ندوی' مسكّر منظر علی سوخكه' شری بی جی کههر' ینگت بشمههر ناته' مهاتما بهگوان دین سهنه پائم چند رانکا قاضی محصد عبدالغفار اور شری اوم پرکاش پالهوال .

معجبي کے قاعدوں کے لئے لکھا ہے۔

سلدر لأل سكريترى؛ هلدستانى كلحور سوسائقى؛ 145؛ متهى گلمِر؛ الدأباد ،

نوق۔۔۔سوسائٹی کے نئے قاعدے کے انوسار ممہری کی فیس صرف ایک روپیہ کردی گئی ہے ۔ "نہا بعد" کے جو گفک ممبر بننا چاھیں اُن کر صرف چھہ روپیہ چندہ دیلے پر ھی صمبر بنا لیا جاٹھکا ۔ الگ سے ممبری کی فیس فیٹے والے سوسائٹی کی نعلی ھوٹی کوٹی کتاب جو لیک روپیہ دام کی ھوٹی مغت نے سکیں گے یا زیادہ دام کی کایس لینے پر ایک بار ایک روبیہ کم کوا سکھنگے ۔

गीता और कुरान

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किशाब में हिन्दू धमें और इस्लाम दोनों के मेल की बातें है. गीता का बहुप्पन, गीता के एक एक अध्याय का निचोड़, क़ुरान का बड़प्पन, लगभग 15 सास सास अप्रमूनों पर क़ुरान की क़रीब 500 आयतों का लक्ष्मी सर्जुमा बरौरा दिया गया है.

जो लोग सब धर्मों की बुनियादी एकता को जानना और सममना चाहें उनके लिये यह किताब अनमोल है.

पौने तीन सौ सक्ने की सुन्दर जिल्द बंधी किताब की क्रीमत सिर्फ दाई रुपया, डाक खचे चलग

हिन्दू मुसलिम एकता

इस किताब में वह चार लेक्चर जमा किये गए हैं जो पंडित जी ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में दिये थे.

सौ सफ्रे की किताब. क्रीमत सिक्रे बारह जाने.

महात्मा गांधी के वितदान से सबक

साम्प्रदायिकता यानी फिरक़ापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से बिचार और इसका इलाज इसी ने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी सक को इमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह चाने.

पंजाब हमें क्या सिखाता है

अक्तूबर सन् 1947 में पिछमी और पूरबी पंजाब के बटबारे के बाद वहां की अयंकर बरबादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो मुसीबर्ते आह उन का दुर्दनाक आंखों देखा वनन. इस छोटी सी किसाब में आजकल की मुसीबर्तों को इल करने के लिए कुछ मुमाब भी पेश किये गए हैं. क्रीमत चार आने.

बंगाल और उससे सबक्र

इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरवी और पिछ्ममी बंगाल के फिरक़ेवाराना मगड़ों पर रोशनी डाली गई है और ऐसे मगड़ों को हमेशा के लिए जल्म करने की सरकीब मी सुमाई गई है. क्रीमत सिर्फ दो आने.

शिक्षते हा पता--

मैनेजर, 'नवा दिल्ए' 145, सुद्रोगं ज, इसाहाबाए.

كيتا اور قران

ليكهك بينتات سندر لال

اس کتاب میں هندو دهوم اور اُسلام دونوں کے میل کی ہاتیں هیں۔ کی ہاتیں هیں۔ کیتا کے ایک ایک ادعیا کے انہوں کی دیچور کران کا ہوہی کا بیٹ 15 خاص خاص مضمونوں پر قرآن کی قریب 500 آنٹوں کا لفظی ترجمہ وقیوہ دیا گیا ہے۔

جو لوگ سب دھرموں کی بقیادی ایکھا کو جاتھا اور سمجھٹا جاھیں اُن کے لگ یع کتاب اندول ہے ۔

هندو مسلم أيكتا

اِس کتاب میں وہ جار لیکجر جمع کئے گئے میں جو پلاڑے جی نے کلسیلیٹری ہورڈ گوالیار کی دعوت پر گرانیار میں دئے تھے ،

. سو صفحے کی کتاب ، قیمت صرف ہارہ آئے ،

مهاتما کاندهی کے بلیدان سے سبق

سامہردایکتا بعلی فرقہ ہرستی کی بھماری ہر راج کاچی' مذہبی اور اِتہاسی پہلو سے وجار اُرر اُسکا علاج، اِسی نے آخر میں دیش ہتا مہاتنا کاندھی تک کو ھمارے بیچ میں نہ رہنے دیا ،

تيست بارة آلے .

بنجاب همیں کیا سکھاتا ھے

انتوبر سن 1947 میں پچھمی اور پورہی پنجاب کے بتراریے کے بعد وہاں کی بھیلکر بریادی اور آیسی مار کات کے کاری لوگوں پر جو جو مصیبتیں آئیں آن کا فردناک آئیوں دیکیا رزنی ، اِس چھوٹی سی کتاب میں آجکل کی مصیبتوں کو حل کرنے کے لئے کچھ سجھاؤ بھی پیش کئے گئے ہیں ، قیمت جار آئے ،

بنگال اور اُس سے سبق

اس چھوٹی سی کتاب میں 50–1949 میں ہررہی اور ہوہمیں بنال کے فرتعوارات جھکورں پر روشنی ڈائی لئی ہے اور ایسے جھکورں کو جمیعت کے لئے ختم کرنے کی درکیب بھی سجھائی گئی ہے ۔ قیست صرف در آئے ۔

ملق کا پائد۔۔۔

معلوم الدا ملوا 145 ملم الله الدايات

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

पचास ६पए से वियादा दाम की कितावें खरीदने बालों को और बुकसेलरों को खास रिद्यायत दी जायेगी. पूरी जानकारी के लिए लिखिये.

डाक या रेस सर्घ हर हालत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

प्रा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सन 1950 से सारे भारत में लागू हुआ. 'भारत में बंगरजी राज' के लेखक पंडित सुन्दरलाल द्वारा भूल बंगरेजी से ब्रागुवादित.

इर भारतवासी का फले हैं कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समके. भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना चाकरी है.

भासान बामहावरा भाशाः रायल अठपेजी बड़ा साह्य. सगअग चार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्दः क्रीमत केवल साढ़े सात कपर.

फ़िरकाबन्दी पर बापू

सम्पादक-श्री श्रीकरन दास

इस पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिता के सवाल पर जो कुछ कहा या लिखा वह सब धापको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक्रसानों को सममे और इस जहर की अपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द, अच्छा काराज, दो सौ सके. क्रीमत दोक्पका

विनोबा का सन्देश

लेखक—सुरेश रामभाई एक शब्द—महात्मा भगवानवीन

विनोबाजी के भू-रान-यक्क से आज सारा देश वाक्रिक है. इस छोटी सी किताब में आपको मिलेगा कि यह भू-रान-यक्क कोर कैसे शुरू हुआ और इसका मक्रसद क्या है.

प्रकृता प्रदीशन हार्थों हाय निकल गया. यह दूसरा प्रकृत है. समें 25, दाम केवल दो आने.

विकार प्राप्त क्षित्र 145, सुद्रीतंत्र, इबाहाबाद.

هندستانی کلیگر سوسالتی کی کتابیں

ہمچاس روپلے سے زیادہ دلم کی کتابھی خریدئے والوں کو اور بکسیلروں کو خاص رعالت دی جانہگی ۔ ہوری جانکاری کے لیے لکھے ۔

دَاك يا ريل خرج هر حالت مهن المك كر دمي هوا.

بهارت کا ودهان

يورا هلدى أنووأد

جو 26 جنوری سی 1950 سے سارے بھارت مھی لاکو ھوا ۔
' بھارت مھی انگریزی راج' کے لیکھک پنڈت سندلال دوارا مول انگریزی سے انبوادت ۔

ھر بھارت والدی کا فرض ہے کہ جس ودھان کے ادھین سوادھین بھارت کا شاسن اِس سے چل رھا ہے آہے اچھی طرح سمجھے، بھارت کے ھر گھر میں اِس یستک کا رھفا ضروری ہے ،

آسان بامحاوره بهاشا، وایل اله پهنچی بوا سالو . لگ بهگ جار سو پنلم . کپونے کی سفتو جدد ، قیمت فهول سازه سات وریئے .

فرقه بندی پر باپو

سمهادك-شرى شريكرشن داس

اس پستک میں سن 1921 سے سن 1948 تک اندھی جی لے سامہردایکتا کے سوال پر جو کچھ کیا یا اگھا وہ سب آیکو ایک جگہ ملیکا .

بھارت کے آزاد ہونے پر یہ اور یھی ضروری ہو گیا ہے کہ ہو یہارت واسی سامپردایکٹا کے نقصان کو سنجے اور اِس زہر کو اُنے اندو سے سات کرے ۔

مقدر جاد ، أجها كافلا ، دو سو صفحے ، قهمت دو رویقه .

و نو با کا سندایش لیکهک-سریش رامهائی ایک شید-مهاتما بهکوان دین

ونوبا جي کے بهودان يکيه سے آج سارا ديھن والف ھے۔ اِس جهبولي سی کتاب میں آپکو ملیکا که يه بهودان يکيء کپ اور کیسے شروع ہوا اور اِس کا مقصد کیا ھے۔

﴿ بِهِا لِيُعْيَمُنِ هَاتُهِسِ هَاتُهِ نَعَلَ لَمَا . يَهُ دُوسُرا الْكَيْمُنِيَ هِي صَعْجِهِ 25° دَامُ كَمُولُ دُورُ أَنِي .

مهنیمر' انیا هند' ر146 مثبی کنیے' التآباد

को उठाना पढ़ेगा और हिस्मत के साथ मैदान में बाना होगा. भगर हम यह स्याल करें ने कि हमारे बुज र्ग चचा ताऊ जो सियासी आजादी में अपने को मिटा बिये बही नई लढ़ाई में भी आगे बढ़ें गे तो यह ज्यादती होगी, यह उम्भीद करना कि वह ऐसा समरस समाज बनाने में मदद दे'गे जिसमें कोई किसी को नोचता न हो और जो शासन मुक्त भी हो तो यह नाइन्साफी होगी. क्योंकि अक्सर सिपाडी दो लड़ाइयों में नहीं लड़ते हैं. एक लड़ाई के सिपाड़ी दसरी में कारगर नहीं हुआ करते. हमको अपने उन बुजर्गों का एहसानमन्द होना चाहिये कि सियासी गुलाभी से मुल्क को मुक्त करके आर्थिक और सामाजिक आजादी के लिये रास्ता साफ कर दिया, अगर उनमें से कुछ हमारे साथ आते हैं तो सर झांखों पर, अगर नहीं आते तो कोई शिकायत नहीं होना चाहिये और हमें अकेले ही चलना होगा, और जब एक रहवर सामने आ गया है तब तो हमें आगे बढ़ने में हिचकना ही नहीं चाहिये. अपने भुदान, सम्पत्तिहान. असदान, बुद्धिदान, और प्रेमदान के प्रोप्रामों के जरिये सन्त विनोबा ने भूदान यह मूलक माम उद्योग प्रधान अहिंसात्मक क्रान्ति के लिये विगुल बजा दिया है. वह भाई बहुन जो नई मान्यतात्रों में, अवाम की ताक़त में, जन शक्ति में, प्रेम बल में यक्तीन करते हैं वह इस लड़ाई में शामिल होंगे. इस नई क्रान्ति के लिये एक दो नहीं, सौ पचास नहीं, हजारों और लाखों की तादाद में, हर गांव पीछे पांच या छ: लोगों की जरूरत होगी. खुशी की बात है कि इन्होंने आना शुरू कर दिया. हमें उम्मीद है कि वह और अधिक तादाद में आये'गे और मंडा लेकर आगे बढ़े'गे. मालिक से दुष्टा है कि नई लड़ाई के नए सिपाहियों को हिम्मत, निडरता और सच्चाई दे ताकि वह क़दम बक़दम आगे बढते चले जाये और मुल्क के प्रति इस बक्त अपना क्रज अवा कर सके !

16, 8, '54

—सुरेशराम भाई

كو أثباثنا برے ؟ أور هست ك ساته ميدان ميں أنا هوكا . اكر هم يع خيال كريك كه همارے بزرك چچا تاؤ جوسياسي آزادي ميں أين ك منا دئے رهى نئى لوائى ميں بھى آگے برهينگے تو يه ريادتي هد . ية أمهد كولا كه وا ايسا سدوس ساب بناك ميل مدد مینکے جس میں کوئی کسی کو نوچتا نہ ہر اور جو شاس معت بهي هو تو يه ناانصاني هوگي . كيرنعه أكثر سياهي ديو لوائيس ميں فہيں لوتے هيں . آيک لوائی کے سياعی دوسری میں کارگر نہیں ہوا کرتے ، ہم کو اپنے اِن بورگیں کا احسار مند هبتا چاهئے که سیاسی غلامی سے ملک کو مکت کر کے آرتھک اور ساملجک آزادی کے لئے راسته صاف کردیا ۔ اگر اِن میں سے کھے همارے ساتھ آتے هيں تو سر آتهوں ير . اگر نہيں آتے تو كوئي شكايت في هونا جاهيم أور همين أكيل هي جلنا هوكا . أور جب أيك رهم سامنے آكيا هے تب تو هميں آگے بوهنے میں محج کنا هی نہیں چاهئے ، اپنے بهودان سمبتی دان شوم دان' بدھی دان اور پریم دان کے پروگراموں کے ذریعہ' سنت ونوبا في بهودان يكيم مولك كرأم أديوك بردهان اهنساتمك كرانتي كے لئے بجا ديا هے . وا بھائي بہن جو نئي مائيستان ميں ا عوام کی طاقت میں' جن شکتی میں' پریم بل میں بتین کرتے هیں وہ اِس لوائی میں شامل هولکے ، اِس ِ نئی کوائتی کے اللہ ایک دو تہدن سو پنچاس نہدن ہزاروں اور لاکھوں کی تعداد میں' هر کاؤں پیچھے بائیج یا چھ لوگوں کی ضرورت هوگی، خوشی کی بات هے که اُنهوں نے آنا شروع کر دیا۔ همیں اُمید ہے که وہ اور ادھک تعداد میں آئینگے اور جھنڈا لے کو آگے ہتھینگے۔ مالک سے دعا ہے کہ فائن لوائنی کے فیٹے سیامیوں کو هست فدرتا أور سچائی دے تاکه وہ قدم به قدم آگے بوھتے چلےجائیں اور ملک کے پرتی اِس رفت اینا فرض ادا کو سعیں !

8. 16 . 8

تھاک کرینگ ؟ کہا جاتا ہے که سوانے اپنی زنجیروں کے اُن کے يُلسَ تَيَاكُ كُولِ كُو أَوْرُ كَتِهِ هَهُ هَى تَهِينَ . ليكن تهين أيسا بجے سے بچے اسر یا حاکم یا راجا کے پاس فے وہ فے مثالی كا خيال . أكَّر إمير كو أيني جار لاكه رويقي يا چار هؤار أيكر زمين کے مالکیت کا ھر وقت دھیاں رھتا ھے تو نویب کو اُپنے چار پیسیا چار هانه زمین کا هر دم خیال بنا رهتا هے. دونوں کو اُپنی اینی ملکیت کا احساس رستا ہے اس طرح گوکه ایک امیر ہے اور مرسوا غویب دونوں ایک هی درجه میں آ جاتے هیں ، دونوں کو ويادة ييسة يا ويادة زمين كي مالكيت كي تمنا رهتي هي . يهي وجه ہے کہ بہتے کہانے جانے والے لوگ چھوٹے کہانے جانے والوں کو لوثتے هيں يا ايک ديهاتي کي بهاشا ميں کہيں تو " نوچتے " میں حالانکہ مصنت کرنے کی طالب و لائقی بروں کے مقابلہ جهوائوں میں کہیں زیادہ هوتی هے . اس لیّه اگر هم اپنا خاص اور سجا سوراج حاصل کرنا چاهتے هيں تو مالئی کے خيال کو النه الدر سم علمتي نكالنا هوال ، هم كو أب يته قبول كونا چاهيته کہ همارے پاس جو کنچہ بھی ہے اِس کا مانک وهی ایک مروردگار' سرجوں هار هے أور وہ هميں منعض تهاتي كے طور ير أستسال كرنے كى خاطر ملى هے . لهذا غريبوں كو ميدان ميں آگے بچھ کر اعلان کرنا ھوٹا که ھمارے یاس جو زمین ھے وہ کل وں کی ہے اور اب آپس میں ' میں . میری' ۔ تو ، تیر*ی* ' نہیں چلے گی ، اتنا ہوتے ہی کارں کی ہوا میں درق ہے جانے ا اور غریبوں یا چھوٹوں کے زبردست لوک ست کے آگے امیر یا برے پل بھر بھی نہیں تک سکینکے ، وہ بھی نئی صورت کو دیکھکر اپنی زمین یا دولت کی مالکی سماج کے سپرد کر دینکے . ایسی حالت پیدا هو جانے پر گازں کی کل زمین گاؤں کے لیگ آیس میں مل بیٹھ کر بانٹ لینکے اور جتنی جس کی فررورت تعولی اِس کو ملے گی ، تب مالکی کاؤں کی هوگی اور جوتنے والا اپنی زمین پر تھاتی کے طور پر کھیتی کرے گا . تب کوں میں ہر ایک کے پلس روزگار ہوگا اور گاؤں کے لوگ اپنی ضرورت کی چیزیں جیسے کرزا کر تیل جرتا درا دارو وغیرہ اپنے آپ بنا لینکے . تعلیم بھی وہ اپنے تھنگ سے اپنے بحوں کو دید اور آن کی اینی عدالت هوگی اور اینا می شانتی و ستیاگره سينا هوگي ، کاؤں کاؤں نته کوئي ہے زمين رهے 🎚 نته ہے روزگار . اب مل کو کام کوینکے مل کو آرام کوینکے اور مل کو خوشی منائیتکے . اِس طرح نئی لزانی سے سباج کے اندر نئی مانیمتائیں قائم موفقي اور كرام راج كے لئے راسته كهليكا .

ا اب سوال یہ ہے کہ نئی لوانی میں شریک کون ہوگا ؟ اِس کے لئے سپاھی کہاں سے ملینکہ ؟ یہ کام توجواتوں

त्याग करें गे ? कहा जाता है कि सिवाय अपनी जंजीरों के बनके पास त्याग करने को और कुछ है ही नहीं. लेकिन नहीं. ऐसा नहीं है. एक चीज जितनी दुखिया या गरीब के पास है उसनी ही बड़े से बड़े अभीर या हाकिम या राजा के पास है. वह है मालिकी का ख्याल. अगर अभीर को अपने चार लाख रुपये या चार हजार एकड जमीन की मालकियत का हर बक्त ध्यान रहता है तो रारीब को अपने चार पैसे या चार हाथ जमीन का हर दम ख्याल बना रहता है. दोनों को अपनी मिलकियत का एहंसास रहता है. इस तरह गोकि एक अमीर है और दूसरा रारीब, दोनों एक ही दर्जे में आ जाते हैं. दोनों को ज्यादा पैसा या ज्यादा जमीन की मालकियत की तमन्ना रहती है. यही वजह है कि बड़े कहालाये जाने वाले लोग छोटे कहलाये जाने बालों को लुटते हैं या एक देहाती की भाशा में कहीं तो "नोचते" हैं हालांकि मेहनत करने की ताक़त व लायकी बड़ों के मुक़ाबिले छोटों में कहीं ज्यादा होती हैं. इसलिये श्चगर हम श्रपना खास श्रीर सच्चा स्वराज हासिल करना चाहते हैं तो मालिकी के ज्याल को अपने अन्दर से क़तई निकालना होगा. हमको अब यह क़ुबूल करना चाहिये कि हमारे पास जो कुछ भी है उसका मालिक वही एक परवर्दिगार, सूर्जनहार है और वह हमें महज थाती के तौर पर इस्तेमाल करने की खातिर मिली है. लिहाजा रारीबों को मैदान में आगे बढ़ कर ऐलान करना होगा कि हमारे पास जो जभीन है वह कुल गांव की है और अब आपस में 'मैं-मेरी.-त्-तेरी' नहीं चलेगी. इतना होते ही गांव की हवा में फक्त पढ जायेगा और रारीबों या छोटों के जबरदस्त लोक-मत के आगे अमीर या बढ़े पल भर भी नहीं टिक सके गे. वह भी नई सूरत को देख कर ऋपनी जमीन या दौलत की मालिकी समाज के सिपर्द कर देंगे. ऐसी हालत पैदा हो जाने पर गांव की कल जमीन गांव के लोग श्रापस में मिल बैठ कर बांट लें में श्रीर जितनी जिसकी जरूरत होगी उसको मिलेगी, तब मालिकी गांव की होगी और जोतने वाला श्रपनी जमीन पर थाती के तौर पर खेती करेगा. तब गांव में हर एक के पास रोजगार होगा और गांव के लोग अपनी जरूरत की चीर्ज जैसे कपड़ा, गुड़, तेल, जुता, दवा दारू वरौरा अपने आप बना लेंगे. तालीम भी वह अपने ढंग से अपने बच्चों को देंगे और उनकी अपनी अदालत होगी और अपनी ही शान्ति व सत्याप्रह सेना होगी, गांव गांव न कोई बेजमीन रहेगा न बेरोजगार, सब मिल कर काम करें गे. मिलकर आराम करें गे और मिलकर खुशी मनाएंगे. इस तरह नई लड़ाई से समाज के अन्दर नई मान्यताये कायम होंगी और प्राम राज के लिये रास्ता खुलेगा.

अब सवाल यह है कि नई लड़ाई में शरीक कौन होगा ? इसके लिये सिपाड़ी कहां से मिले गे ? यह काम नीजवानों

____(

भाजादी की लड़ाई खत्म हुई और दूसरी लड़ाई, आर्थिक श्रीर समाजी श्राजादी की लड़ाई, शुरू होनी चाहिये.

अब सवाल यह है कि उस नई लड़ाई की बुनियाद क्या हो ? जाम जनता इस स्वराज को पाने के लिये किस तरह आगे बढ़े ? जाहिर है कि अगर हम लोग हथियार या डंड का सहारा लेते हैं तो जरूर हारेंगे. क्योंकि जिनके हाथ में ताफ़त आज है और जिनके खिलाफ हमें लड़ना है उनके पास एक से एक खीकनाक हथियार हैं (और उन्हें दूसरों से मिल भी सकते हैं) कि जिनका हमें स्वाब में भी ह्याल नहीं आ सकता. अगर हम कानून या एसेम्बली व पार्ल्यामेंट का सहारा लेते हैं तब भी हारेंगे. क्योंकि जिनके खिलाफ हमें लड़ना है क़ानून आज पूरी तरह उनका तावेदार है और उनकी मर्जी पर चलता है. इस वजह से दुखिया गरीबों के सामने बस एक ही रास्ता रह जाता है-वही एक रास्ता कि अपने बल, अपनी कुअत से लड़ें. और मालिक भी उन्हों की मदद करता है जो अपनी मदद करते हैं. इसलिये सवा स्वराज पाने का एक ही जरिया है-अपनी शक्ति या

जन शक्ति महैया की जाये.

उसके बाद सवाल यह उठता है कि आखिर जन शक्ति कैसे मुहैया हो ? उसका संगठन किस तरह किया जाये ? कीन नहीं जानता कि हिन्दुस्तान की वह जनता जो अपने सर का पसीना एड़ी तक बहाती है उसकी मेहनत पर चन्द बौलतमन्द जिन्दा हैं श्रीर जिन लाखों देहातों में वह लोग रहते हैं उनको चूसकर चन्द शहर जगमगते हैं. फिर भी हम सब दुःखी हैं. इसकी बजह क्या है ? ज़रा ग़ौर करने पर पता चलेगा कि हम मेहनत तो करते हैं पर दिलों में फर्क है, एक इसरे से ज्यादा दर होते चले जा रहे हैं. श्रापस में प्यार बहुत कम है और दिन दिन कम होता जा रहा है. खान्दान बंद रहे हैं, इस प्रेम की कभी की वजह से हमारी जिन्दगी वैसी ही नीरस हो रही है जैसे वह नमक जो नमकीन न रह गया हो. इसलिये जुरूरत इस बात की है कि हम एक दूसरे के नज़दीक आये और दुख सुख में साथी बने . जहां प्रेम है, वहां सब कुछ है, जहां प्रेम नहीं वहां कुछ भी नहीं, लेकिन प्रेम कैसे हसिल हो ? प्रेम की फसल कैसे जगाई जाये ? मगर यह सवाल इतना टेढा नहीं है क्योंकि रात दिन हमें प्रेम की मिसाले मिलती हैं. मां अपने बच्चे से प्यार करती है. सो किस तरह करती है ? अपने को भूल कर, अपने को तरह तरह की तकलीके देकर, अपने आप कुछ त्याग करके. उसकी यही चाह रहती है कि बच्चे की स्नातिर अपने को पूरा मिटा ही दूं. इससे इम यह सबक सीखते हैं कि प्रेम वहीं है जहां त्याग है, क्रबीनी है. इसलिये जितना ज्यादा त्याग एक दूसरे के लिये करेंगे उतना ही आपस में प्रेम बढेगा.

इस पर कोई पूछे गे कि रारींब के पास है ही क्या जो

آزادی کی لوائی ختم هوئی اور دوسری لوائی ارتهک اور سماجم آزادی کی لزائی شروع هونی چاعید

أب سوال يه هم كه لس نثى لواني كي بنياد كيا هو؟ عام جنتا اس سوراہ کو پانے کے لئے کس طرح آگے بڑھ والعر ھ كه أكر هم لوگ هنهبار يا دَندَ علا سهاراً ليته هين تو ضرور هارينكے . كيونكه جن كے هاته ميں طانت آ ہے ہے اور جن كے خاف هيين لونا ه أن ك ياس أيك سه أيك خونناك متهيار ھیں (اور انہیں دوسروں سے مل ہمی سکتے ھیں) کہ جن کا همين خواب مين بهي خيال نهين آسكتا . أكر هم دانون يا اسیمبلی و پارلیامنت کا سهارا لیتر هیں تب بهی هارینکه . کیرنکه جن کے خلف همیں اونا ہے قانوں آبے پوری طرح اُن کا تابعدار ھے اور ان کی مرضی پر چلتا ہے ، اس وجه سے دکھیا غریبوں کے سامنے بس ایک هی راسته را جاتا هـــرهی ایک راسته که اپنے بل' اپنی قوت سے لوہں ، اور مالک می انہیں کی مدد كرُّنا هَ جَو أَبِنَى مدد كرت هين . أس لله سجا سوراج بانه كا ايك هي ذريعه هـــاپني شكتي با جن شكتي مهيا كي

اس کے بعد سوال یہ اُٹھتا ہے کہ آخر جن شکتی کیسے مہیا هو؟ أس كا سنكتهن كس طرح كيا جائية؟ كون نهيل جانتا كه هندستان کی وہ جنتا جو اپنے سر کا یسینہ اِیتی تک بہاتی ہے اس کی سعات پر چند دولت مند زنده هیں اور جن لاهوں دیہانوں میں وہ لوگ رہتے ھیں ان کو چوس کر چند شہر جاساً تے میں ، پھر بہی هم سب دکھی هیں ، اس کی وجه کیا الم ا فرا فور کرنے بر بتہ چلیکا که هم سحنت تو کرتے هیں پر داوں میں فرق هے ایک درسرے سے زیادہ دور ہوتے چلے جارھے عيں . آيس ميں يهار بهت كم هے أور دن دن كم هوتا جارها شے . خاندان بنت رهے هيں. اس پريم كى كمىكى وجه سے سارى زندگى ريسي هي نهرس هورهي هے جيسے وہ نمک جونمين نه ره ي هو. إس لئے فرررت اِس بات کی ہے که هم ایک درسرے کے نودیک آئیں اور دکھ سکھ میں ساتھی بنیں ۔ جہاں پریم هے وهاں سب کچھ فے ، جہاں پریم نہیں وهاں کچھ بہی نہیں ، لیکن پریم نيسے حاصل هو ؟ يريم كي فصل كيسي أَكْلَى جائے ؟ مكر يَه سوال اتنا ثيرها نبين هُ كيونكم رات دن هدين بريم كي مثالين ملتى هيں . ماں أينے يجے سے پيار كرتى هے ، سو كس طرب کرتی ہے ? اپنے کو بھول کو' اپنے کو طرح طرح کی تعلیفیں دے کر' اینے آپ کچھ تیاک کر کے ۔ اِس کی بہی چاہ رمتی ہے که بجے کی خاطر اپنے کو پورا ملا ھی درس . اِس سے ھم یہ سبق سيكهتم هيں كه پريم وهيں هے جہاں تياك هے قربائي هـ. اس للم هم جمتنا زياد الياك آيك دوسرے كے للم كرينكم اتنا هي آيس مين يويم يرهه كا .

ا أس يو كوئي يوچههاك كه فريب كے ياس هے هي كيا جو

and the second s

वह मौक्रा मिला है कि अपनी मर्जा के मुताबिक, जनता की सदमस्तार ताक्रत के आधार पर, अपने मुल्क का निर्मान कर मकें. लेकिन आजादी के बाद सात साल बीतने के बावजद हिन्द्स्तान के आम रहने वालों को आजादी का कोई खास मजा नहीं भाया, जिन्दगी में कोई सास लजजत नहीं पैदा हुई श्रीर ज्यादातर तो पहले के मुकाबिले ज्यादा दुखी हैं. इसकी वजह भी है. वह यह है कि आजादी के साथ वह इन्क्रलाव नहीं आया जो कि आना चाहिये था. कुछ हद तक यह सही है कि हमने अहिंसा की ताक़त से स्वराज लिया. मगर यह कुछ ही हद तक सही है क्योंकि अगर हमारे स्वराज के पीछे सोलह आने अहिंसा ही होती तो आजादी के बाद जो हम सव में सुस्ती और बैर भाव बरौरा दोश हैं वह न होते. इसलिये यह आजादी महज हकूमत के बदलाव की ही एक शकल है. इसको इन्कलाब नहीं कहते. कहीं ज्यादा बडी वजह यह है कि आजादी के पहले समाज में जो मान्यतायें थीं वही आज भी चालु हैं. जैसे ऊंचा भोहदा, उंचा मकान, उंचा महल, ऊंची जात, ऊंची इञ्जल, ऊंची डिग्री, ऊंची तनस्वाह, हाथ काम से अंची नकरत वरौरा. जाहिर है कि अगर यह नाप हमारे समाज में बदस्तूर बने रहते हैं तो शराफत या इन्सानियत के दर्जें में हम और हमारा मुल्क और भी गिरेंगे श्रीर हिन्दुस्तान नाम का यह क़िला धड़ाम से गिरेगा. इसका यह मतलब नहीं कि हम आजादी की कोई क्रीमत नहीं करते. हम फिर अर्ज करेंगे कि पिछले दो हजार बरस के हमारे इतिहास के अन्दर यह सबसे बड़ी चीज है. लेकिन इसके यह मानी नहीं कि अपने मुल्क में जो आज असलियत है उससे त्रांख बचाई जाये. हमारे समाज में भंगी की हालत देखिये, हमेशा के जैसा नीचा और ग़ुलाम है. श्राज भी हरिजन श्रीर श्राक्षन साथ साथ श्रक्सर नहीं बैठते. इन हरिजनों को हमारे मन्दिर में जगह नहीं है, पर वह मन्दिर भी गन्दगी के नमूने हैं और उन मन्दिरों के ठेकेदार पन्डों को आत्म ज्ञान फितना है या नेक चलन कितने हैं यह तो भगवान ही जानता होगा. या फिर हमारे घरों में अपनी बहनों की हालत देखिये. जो एक जमाने में देवी थी आज वह चूल्हे की दासी वनी हुई है और इस तरह हमारे समाज का आधा हिस्सा पन्त पड़ा है, यह चीचें अगर बनी रहती हैं और दुखिया का दुख नहीं दूर होता है तो हमारा ख्याल है कि अपनी आजादी को भी हम ज्यादा दिन क्रायम नहीं रख सकते. इसलिये एक ब्रुनियादी इन्क्रलाब की सक्त दरकार है. दूसर लम्जों में इमारे यहां के रारीव से रारीव और दुखी से दुखी भादमी को जार्थिक और समाजी आजादी हासिल होनी चाहिये, गांब गांव को अपने विकास व तरहकी की आजादी सनी बाहिये, यानी बाम राज क्रायम होना चाहिये. यह काम जल्दी की अल्दी होना चाहिये बर्ना मुल्क सतरे में है. कहने का सकता यह है कि एक लड़ाई यानी सियासी

ید موقع ملاقے که اپنی مرضی کے مطابق عندا کی خود معتار طاقت کے آدھار پڑ اپنے ملک کا نومان کرسکیں ، لیکن آزادی کے بعد سات سال بیتنے کے باوجود ہنستان کے عام رہنے والوں کو آزادی کا کوئی خاص مزا نهیں آیا زندگی میں کوئی خاص لنت نہیں پیدا هوٹی اور زیادهر تو بالے کے مقابلہ زیادہ دکھی هیں . اِسکی وجه پی ھے . وا یه هے که آزادی کے ساته وا انتلاب نہیں آیا جو که آنا چاهیئے تھا . کچھ حدتک یہ صحیح هے که عم نے اعنسا كى طاتت سے سوراج ليا . مكر يه كنچه عى حدتك صحيح هـ کیونکت اگر ہمارے سوراج کے پنچھے سولت آئے انقلسا عی عوتی تو آزادی کے بعد جو عم سب میں سستی اور بیربھاؤ وغیرہ دوش ھیں وہ شہ ھوتے . اُس لئے یہ آزادی محدس حکومت کے بدلاؤ کی می ایک شکل هے ، اس کو انقلاب نہیں کہتے ، کہیں زیادہ ہوں وجه یه هے که آزادی کے پہلے سالے میں جو مالیمتائیں تهاں رهى آج بھى چالو هيں، جسے أونتجا عهد" أونتجا مكان أُوليجا مُحَلُّ أُوليجي ذاتُ أُوليجي عزت أُوليجي ذَكُريُ أونسي تفخواه هاته كي كام سه أونسي ناوت وغيرة . ظاهر ه که اگر یه ناپ همارے سماے میں بیستور بنے رهتے هیں تو شرافت یا انسانیت کے درجہ میں هم اور همارا ملک اور بھی گرینکے اور هندستان نام کا یہ قامہ دھزام سے گریگا ۔ اس کا یه مطلب نهیں که هم آزادی کی کوئی قیمت نهیں کرتے . ھم پھر عرض کرینکے که پنچہلے دو هؤار برس کے همارے اتہاس کے الدر یہ سب سے بڑی چیز ہے ، لیکن اس کے یہ معنی تہیں كه أين ملك مين جو آب أمليت ها أس س آنك ببجائي جائه . همارم سماج میں بهنگی کی حالت دیکیئے عمیشہ کے جیسا مُنيچًا اور عَلَامٌ هـ . آج بهي هريجن اور براهمن ساته ساته اکثر الهين بياتيتم أن شريجنون كو شمارك مندر مين جكة ننهين هئ پر وہ مندر بھی گندگی کے نمونے ھیں اور ان مندروں کے تھایمیدار یلتوں کو آتم گیان کتنا ہے یا نیک چلن کتنے میں یہ تو بھگواں ھی جانتا ھوگا، یا پھر ھمارے گھروں میں اپنی بہنوں کی حالت دیکھئے . جو ایک زمانہ میں دیوی تھی آج وہ چولھے کی داسی بنی ہوئی کے اور اس طرح شارے سمالے کا آدھا صه بست برا هے . یه چیزیں اگر بنی رهتی هیں اور دکییا کا دكه ليهين دور هوتا هے تو همارا خيال هے كه اپني آزادي كو بھی هم زبادة دن قائم نهیں رکه سکتے . اس لئے ایک بنیادی القاب كي سخت دركار هے . دوسرے لغناوں ميں همارے يہاں كے غویب سے غویب اور دکھی سے دکھی آدمی کو آرتھک اور سملجی آزادی حاصل هوئی چاهیه . گاؤں گاؤں کو اپنے وکلس و ترقی کی أُوْلَدِي هُوْسَى چِلْعِيْمُ عِلْمَ كُولُم رأب مائم هُونا جِلْعِيْمِ . يه كلم جلدى عد جلدى هونا چاهيئ ورنه ملك خطوة ميس ه کہنے کا مقصد یہ ہے که ایک لزائی یعنی سیلسی

चार्च हुई है, लेकिन दक्किन बिहार में सूखा पढ़ रहा है. पानी का यह बंदवारा एक दम रालत है. लेकिन यह राजत इसी वजह से है कि जमीन को बंदबारा आपने रालत कर रखा है. समे गांव की कुल जमीन दान में दे हालिये भीर जमीन का दोबारा बंटवारा कीजिये. जिस तरह प्रेस से घर में रहते हैं इस तरह यह सब कीजिये. तब आप देखेंगे कि पानी का भी बंटवारा न्ठीक तरह से हो जायेगो. इसी तरह दबोंने एक जगह यह कहा कि "बाद का जो संकट आया है इसे बदीन में बदल सकते हैं, यह संकट भगवान ने आपकी जांच के लिये भेजा है. वह यह बताते हैं कि अपने पास जो भी है इसे इस वक्त दूसरों के लिये लुटाना चाहिये." उन्होंने स्नास तौर से अपील व्यापारी समाज से की और उससे कहा कि चीजों के दास न बढाइये.

बाद के बाद जो आफ़तें आती हैं उनकी तरफ़ नेताओं या कारकुनों का ध्यान कम जाता है. बरसात के बाद तरह तरह की बीमारियां और दूसरी मुसीबतें आ घेरती हैं. अपने निजी अनुभव की रोशनी में वाबा ने यह सुभाव पेश किये.

1. पीने के लिये उबले हुए पानी का इस्तेमाल कीजिये.

2. बहुत पके या सदे हुए फल और खराब तरकारियां न खाइये.

बाजार की मिठाई और गन्दी चीज न स्नाइये.

4. गांचों को साफ सुथरा रखिये और गांवों के सब लोग, ह्रोटे बढ़े, अमीर रारीब, विद्यार्थी शिक्षक, मिलकर फावड़ा, कदाली और टोकरी लेकर लग जाइये.

एक तरक हमारे नेता या अखबार हैं जो बुलन्द आवाज से करोड़ों रुपये की मांग दिस्ती सरकार से कर रहे हैं. दसरी तरफ विनोबा जी इनका ही एक हिस्सा बन कर गांव के सभी रहने बालों से प्रेम से रहने और अपनी मदद ख़द करने की अपील कर रहे हैं: पहली बात के मुकाबले में दूसरी बात पागलपन जैसी मालूम होगी. लेकिन वक्त जल्द ही यह सावित कर देने वाला है कि अपनी भदद खुद करे वरीर कोई वसरा रास्ता नहीं है, यानी जभीन की निजी मालकी स्नतम होकर गांव की मालकी होनी चाहिये और गांव के . भन्भों को, जिनका मरकज चर्का है, दोबारा चलाना चाहिए. इसके अलावा कोई दूसरी सूरत नहीं है. हम चाहते हैं कि इमारे सार्वजनिक कार्यकरता इस चीज पर शान्ति के साथ गौर करें और इन्सानियत की तरफ कदम बदायें.

28. 9. '54

—सुरेशराम भाई

नई लड़ाई नये सिपाही

बाज से सात साल पहले हमने जो बाजादी हासिल की बहु हमारे इतिहास की एक नेमिसाल घटना है. शामद दो इकार बरस के बाद हम हिन्दुस्तान काली के फहली बार

آز هرئی ها گیکن کافن بهار میں سرکیا پر رها کھی رنى كا يه بنتوارة الكلم قلط هم . ليكن يه غلط أسى وجهة سے هے که زمین کا بنتوارہ آپ نے غلط کر رکھا ھے . مجھے واں کی کل زمین دان میں دے ڈالئے اور زمین کا دربارہ بنتوارہ کنجانے ، جس طرح پریم سے گھر میں رہتے میں اس طرے یہ سب کیجئے ، تب آپ دیکھینکے که پائی کا بھی بنتراره تهیک طرح سے همجائیکا . '' اِسی طرح انهوں لے ایک حكه يه كيا كه "بارة كا جو سلمت آيا هـ اسه بردان مين بدل سکتے هیں . یه سنکت بهکواں نے آپ کی جانبے کے لئے بهیجا هے رد یه بتاتے میں که اپنے پاس جو یعی قے اسے آس وقت درسروں ك الله لتانا چاهله . في أنهون في خاص طور سے أبيل وياياري سمام سے کی اور اُس سے کہا کہ چیزوں کے دام نے بوھائیے .

بازہ کے بعد جو آفتیں آتی ھیں اُن کی طرف نیتاؤں یا کارکنوں کا دھیاں کم جاتا ہے ، پرسات کے بعد طرح طرح کی بيماريان أور دوسوى مصيبتين أكهورتي هين . أين نجي أثوبهو کی روشنی میں بابا نے یہ سجھاؤ دبش کئے:

پینے کے لئے أبلے هوئے پائی کا استعمال کیجئے.

بہت یکے یا سوے هوئے پهل اور خواب ترکاریاں نه

دازار کی متهانی اور گندی چیز ته کهارید .

کاؤں کو صاف ستھرا رکھئے اور کاؤں کے سب لوگ، چهوئے ارت امیر غریب ودیارتھی شکشک ملکر بھاروا کرائی اور ٹوکری لے کو لگ جائیے .

أيك طرف همارم ثيتا يا أخرار عيس جو بلند آواز سے کروزوں روپیے کی مالک دلی سرکار سے کر رہے مایں درسری طرف ونوبا جی ان کا هی آیک حصه بن کر گاؤں کے سبھی رهنے رانوں سے پریم سے رهنے اور اپنی مدد خود کرنے کی اپیل کررھے میں۔ الله بات کے مقابلہ میں درسری بات پاکل بن جیسی معلوم شوكى . ليكن وقت جاد هي يه ثابت كرديني والا ه كه ايني مدد خود كرم بنهر كوئي درسرا راسته نهين هـ . يمني زمين کی نجی مالکی ختم هوکر گاؤں کی مالکی هوئی چاهی اور گاؤں کے تعدیموں کو جن کا مرکز چرخہ ہے دربارہ چلانا چاہئے۔ اس کے عالوہ ، کرٹی دوسری صررت نہیں ہے ، هم چاہتے هیں که عمارے سارمجنک کاریہ کرتا اس چیز پر شافتی کے شاتھ غور کویں أور إنسانيت كي طرف قدم يومائين .

28.9.34

نئى اوَاتِي نِيْم سِياهي

آج سے سات سال پہلے ہم لے بچو آزادی حاصل کی وہ احمارہ اتہاس کی ایک پرمثال گھٹنا تھ، شاید در هزار برس کے بعد جے هندستان والوں کو پہلی بار

कि यह कांनेकी सरकार निकन्मी है और कोई मदद नहीं करना चाहती, इसके खिलाफ कांग्रेसवाले ऐसी तस्वीर पेश करते थे मानो सरकार ने इस वक्ष्त जो खिद्मत की है वह या उससे प्यादा जिद्मत न कभी किसी ने की और नकी जा सकती है. लेकिन जब अकेले बैठते तो सत्य क्रबूल करने थे. एक कांग्रेसी भाई ने क्रबूल किया कि यह चुनावपूर्व मौसम है और इसका हमें कायदा उठाना चाहिये. दूसरे भाई ने (वह कांप्रेसी M. L. A. थे) कहा कि मदद क्या है अपनी हस्ती साबित करने का एक जरिया है. सौ बातों की एक बात यह है कि इतनी भयानक बाढ़ आने पर भी हमारे नेता या सियासी कारकुन अपते भेद भाव नहीं दूर कर सके और अपनी आदत से बाज न आये. नहीं, नहीं, उन्होंने गुल्क का कुछ ख्याल न करके इससे भी अपना निजी कायदा उठाना सुनासिव समका.

THE RESERVE THE PARTY OF THE PA

इस बाद से इम जिन नतीजों पर पहुंचे वह यह हैं:

(1) लोगों में एक दूसरे के दुख का एइसास बहुत कम है.

(2) उनके पास करने को कोई काम नहीं है.

(8) उन्हें हैरत होती है कि भला मिलकर भी इस बाकत का सामना किया जा सकेगा.

सन्त विनोबा को यह सब देख कर बहुत ही तकलीक हुई. लेकिन उनकी प्रार्थना सभाश्रों में जो इन्तहाई भीड़ होती थी, पांच इजार से कम नहीं और कहीं कहीं बीस हजार तक, इससे पता चलता था कि जनता इनका संदेश सुनना चाहती है. हर जगह उन्होंने एक चीज पर जार दिया:

"गांबों के अन्दर सब लोग एक खान्दान या कुनवे की तरह रहिये. खाली मत बैठिये. कम से कम चर्ख ही चलाइये. जिनको कम नक्तसान हुआ है वह उनकी मद्द करें जिनको ज्यादा नक़सान हुआ है."

उन्होंने अपने पांच पर खड़े होने और एक दूसरे की मदद करने की अपील की. उन्होंने इस अमर सब की उन्हें याद दिलाई कि बांटने पर दुख घठता है श्रीर सुख पढ़ता है. उनके कहने का सार यही था- "अपने मुख दुख में एक हो जाओ." इसलिये उन्होंने मांग की कि मुक्ते अब पूरे के पूरे गांव दान में दीजिये. "बाद से यह साक पता चल जाता है कि सारी भूमि गोपाल की है." और एक दिन एक जमीदार साहब बाबा के पास कुछ गुस्से में आ कर बोले- 'बड़े दुख की बात है कि जब बाद से हम मर जा रहे हैं सभी आप दान मांग रहे हैं." बाबा ने शान्ति के साथ जबाब विया-"जी हां. इस वजह से दान मांग रहा हूं क्योंकि आप मरे जा रहे हैं. क्या इस दुनिया से जाने के पहले आप दान कर के नहीं जाना चाहते ?" एक दूसरी जगह पर बाबा ने कहा- "उत्तर बिहार में बाद

معاية كالكريسي سركار الكسي في أور كوئي مدد تهين كرتا چاهاي . اس کے خطف کافکریس والے ایسی تصویر پیش کرتے تھے ماتو سرکار نے اس وقت جو خدمت کی ہے وہ یا اس سے زیادہ خدمت نه کبھی کسی نے کی اور نه کی جاسکتی هے . لیکن جب اکیئے بیٹھتے تو سٹید قبول کرتے تھے . ایک کاتکریسی بھائی نے قبول كيا كه يه چناؤ - پورو مرسم هے اور اس كا هميں فاحدة أُدَّيَانًا چاہئے . دوھوے بائی نے (وہ کائکریسی . M.L.A نھے) کہا كه موں كيا هے اپنى هستى ثابت كرنے كا أيك ذريعه هـ ، سو باتس کی ایک بات یہ ہے کہ اتنی بھیاتک بارہ آئے پر بھی همارے نیتا یا سیاسی کارکن اپنے بیدبھاؤ ٹہیں دور کرسکے اور أينى عادت سے باز نه آنے . نہيں، نہيں، انہوں نے ملك كا کچھ خیال نہ کرکے اس سے بھی اپنا نجی نائدہ أَتَهانا مناسب

أس باره سے هم جن نتيجوں در پهونتھے وہ يه هيں:

(1) لوگرں میں ایک درسرے کے دکھ کا احساس بہت کم ھے .

(2) أن كے پاس كرنے كو كوئى كام نہيں ھے ،

(3) انہیں ھارت ہوتی ہے کہ بیلا ملکر بھی اس آست کا سامنا كيا جلسكيكا .

سنت وثربا كو يه سب ديكهكو بهت هي تكليف هوتي . لیکن ان کی پرارتهنا سبهاؤں میں جو انتہائی بهیر هوتی تهی' پائچ ہزار سے کم نہیں اور کہیں کہیں بیس ہزار تک کس سے يته چلتا تها كه جنتا أن كا سنديش سننا چلتتي هـ ، هر جكه انہوں نے ایک چیز پر زور دیا:

''لاؤں کے اندر سب لوگ ایک خاندان یا کنبہ کی طرح رهیئے خالی مت بیتھئے . کم سے کم چرخته هی چلائے . جن کو کم فقصان هوا هے وہ ان کی مدد کریں جن کو زیادہ القصال بقوا نعے . "

انہوں نے اپنے پاؤں پر کھڑے ھونے اور ایک دوسوے کی مدد کرنے کی اپیل کی . انہوں نے اس امر سیج کی انہیں یاد دلائی که بائناء پر دکھ گھٹتا ہے اور سکھ برمتا ہے ۔ ان کے کہنے کا سار يهي تها-"الني سكه دكه مين أيك عو جارً "، اس ليَّ أنهون لے مانگ کی که مجے اب پورے کے پورے گؤں دان میں دیجائے "ارة سے به صاف بته چل جانا هے كه سارى بهرمى كربال كي هے." اور ایک دن ایک زمیندار صاحب بابا کے پاس کچ عصه میں ألو بول_-"برت دكه كى بات ه كه جب بازه سے مم مرے جارات ميں تبھی آپ دان مانگ رهے هيں . " باباً لے شائتی کے سات جواب دیا۔ "جی سال . اس وجه سے دان مانگ رما هوں کھونکہ آپ سرے جارہے میں . کیا اس دنیا سے خالے کے پہلے آپ دان کرکے نہیں جانا چاھتے ہا۔ آئیک دوسری جانہ پر بابا نے کہا۔۔۔"اگر بہار میں بارہ

بينيمين ، پر هنازے باس او کرئی ایسا اورار هنہيں جس کے ذريعة سے یہ نتصل تایا جا سکے هم تو صرف اِن کاؤں کے بارے میں کو سئتے میں جو هم لے خود دیکھے , لہذا ایک گؤں کے بارے میں نتصل کی تنصیل دکھا کر صبر کرینگے ۔ سنکھ بزرگ نام کا گاوں نرهن ريلوے استيمن کے نوديک هے. اس کا رقبه 1700 يها آبادي قريب 6000 مهر يا خاندان قريب ايك هزار. اس کاوں میں تقریباً تیں نچرتھائی مکان گرے تھے اور آدھی نصل برباد هوئي تهي . سادهارن حساب سم نصل كا ثقصان تربب 76,000 رويه كا هوأ . ليكن أس سب سے زيادہ نقصان کی بات یه تهی که لوگ گهرون پر آیکنم بیکار بیتی تھے. عورتیں تو اپنے گھریلو کلم میں لکی تھیں' مگر سرد 100 فی صدی عی هاته پر دانه دهرے خالی وقت گذار رقے تھے . أن كو ديكهكو ایسا لکتا تھا که بھکواں نے اُن کے لئے ہاتھ بلا ضرورت کے دیئے ہیں. اُن کے پاس کرنےکو قطعی کوئی کام فہیں تھا ، مانو کاؤں کا ہر أدم ایک ایسے مدر کا بجاری تها جس میں تین دیوتا یے سستی اور پرلندا (غیر کی برائی). سب سے یادہ تکلیف دہ بات یہ تھی کہ کسی کو اُپنے پروسی کے دکھ کا حساس نہیں ترا ، اکثر ایسا دکھلائی پڑا که جو اچھی طرح ھاتے بیتے' مزہ کرتے تھے' اُن کے ٹھاٹھ پہلے کے جیسے ھی جاری ہے اور غریب پروسی جس کا مکان گر گیا ہے ساملی بیکار ہو يا هـ؛ اس كيط ف أن كا دهيان ذرا بهي نهين جانا تها . ايك جکہ ہم نے دیکھا کہ آیک ہوڑھیا جسکا مکلی گر گیا ہے ، رو رہے ہی ، پر کوئی اس کی مدد کو نہیں آتا تھا .

بارہ اوگوں کو جو مدد دی گئی ہے اس کے دارے میں و جتمًا كيا جائي تهورا هي ثيتًا لوف، أيم يايل أنه إور م ، بی ایاده تر ایسے هی کاؤں تک پہونیے یاتے تھے جو ریلو۔ ستیشن کے یا موٹر کی سروک کے یاس ھوں ، سرکاری اسر جو اس کلم کے لئے بہیجا جاتا ہے اس ماتو اس کلم س کوئی دلتوسیی هی نہیں ہے، وہ گوں کے رئیس ا بڑے بڑے جاتھی والے باہر صاحب کے یاس یہونجیتا ء جہاں اس کو میر کرسی مل سکے اور یہ باہو صاحب نے درباریس کے کہنے کے مطابق سرکاری امداد تقسیم کوا دیتے ين . نتيجه أيد ه كه جنهين مدد نهين ملني چاهيد انهين ل جاتى ه أور جو أمل مين مرورتمند هين أن كي سنوائي ی نہیں هوتی ، اُن غریبر کی کہیں پہونچ بھی نہیں ، اس لئے وہ محض صبر کرکے رہ جاتے میں ۔ اور جو دیہات النه أندر كو هيون وهان تو أنه كوثي مدد كثي هـ أور له باهر سه ى كرنى يوبهن أيا . أس أساد كا أيك برأ أبر خطرناك يبلو ا بھی ہے که فهر کانگریسے سیاست دائیں نے یہ رم اختیار کیا

दिये हैं. पर इमारे पास तो कोई पेसा बीजार है नहीं जिसके करिये से यह नक्रसान नापा जा सके. इस तो सिर्फ उन गांव के बारे में कह सकते हैं जो हमने ख़द देखे. लिहाजा एक गांव के बारे में नुक़सान की तफ़सील विखला कर सब करेंगे. संघ्य बुजुर्ग नाम का गांव नरहन रेलवे स्टेशन के नजदीक है. इसका रक्तवा 1700 बीघा, आबादी करीब 6000, घर या खान्दान क़रीब एक हजार. इस गांव में वक्ररीवन तीन-चौथाई मकान गिरे थे और आधी कसल बरबाद हुई थी. साधारन हिसाब से, फसल का नुक्रसान करीब 76,000 रुपये का हुआ, लेकिन इस सब से ज्यादा नुक्रसान की बात यह थी कि लोग घरों पर एक दम बेकार बैठे थे, औरते तो अपने घरलु काम में लगी थीं, मगर मर्द 100 की सदी ही हाथ पर हाथ घरे खाली वक्स गुजार रहे थे. उनको देखकर ऐसा लगता था कि भगवान ने उनके लिये हाथ बिला जरूरत के दिये हैं. उनके पास करने को क्रतई कीई काम नहीं था. मानो गांव का हर आदमी एक ऐसे मन्दिर का पुजारी था जिसमें तीन देवता ये गारती. बेकारी और पर-निन्दा (रीर की बुराई), सब से ज्यादा तकलीक यह बात यह थी कि किसी को अपने पड़ोसी के दुख का एडसास नहीं था. अक्सर ऐसा दिखलाई पड़ा कि जो अच्छी तरह खाते पीते. मजा करते थे, उनके ठाठ पहले के जैसे ही जारी ये और गरीब पड़ोसी जिसका मकान गिर गया है. सामान बेकार हो गया है, उसकी तरफ उनका ध्यान ज्रा भी नहीं जाता था. एक जगह हमने देखा कि एक बुद्धिया जिसका सकान गिर गया है, रो रही थी. पर कोई उसकी मदद को नहीं आता था.

बाढजवा लोगों को जो मदद दी गई है उसके बारे में सो जितना कहा जाए थोड़ा है. नेता लोग, एम, एल, ए. और एम. पी. ज्यादातर ऐसे ही गांव तक पहुंच पाते बे जो रेलवे स्टेशन के या मोटर की सड़क के पास हों. सरकारी अकसर जो इस काम के लिये भेजा जाता है इसे मानो इस काम में कोई दिलचस्पी ही नहीं है.वह गांव के रईस या बढ़े बढ़े दाथी वाले बाबू साहब के पास पहुंचता है जहां उसको मेज कुर्सी मिल सके. और यह बाब साहब अपने दरवारियों के कहने के मुताबिक सरकारी इमदाद तक्तसीम करा देते हैं. नतीजा यह है कि जिन्हें मदद महीं मिलनी चाहिये, इन्हें मिल जाती है और जो असल में फरूरतमन्द् हैं उनकी सुनवाई भी नहीं होती. उन गरीबों की कहीं पहुंच भी नहीं है. इसलिये वह महज सब करके रह जाते हैं और जो देहात ज्यादा अन्दर को हैं बहां तो न कोई मदद गई है और न बाहर से ही कोई पृथ्रने भाषा. इस इमदाद का एक बड़ा और खतरनाक पहलू बह भी है कि रीर कांग्रेसी सियासतदानों ने यह उस अस्तवार किया

कि यह कांत्रेसी सरकार निकन्मी है और कोई मदद नहीं करना चाइती. इसके खिलाफ कांग्रेसवाले ऐसी तस्वीर पेश करते थे मानो सरकार ने इस बक्नत जो खिद्मत की है बह या उससे प्यादा सिद्मत न कभी किसी ने की और नकी जा सकती है. लेकिन जब अकेले बैठते तो सत्य क़बूल करने थे. एक कांमेसी भाई ने क्रवूल किया कि यह चुनावपूर्व मौसम है और इसका हमें कायदा उठाना चाहिये. दूसर भाई ने (वह कांग्रेसी M. L. A. थे) कहा कि मदद क्या है अपनी हस्ती साबित करने का एक जरिया है. सौ नातों की एक बात यह है कि इतनी भयानक बाढ़ आने पर भी हमारे नेता या सियासी कारकुन अपते भेद भाव नहीं दर कर सके और अपनी आदत से बाज न आये. नहीं, नहीं, उन्होंने मुल्क का कुछ ख्याल न करके इससे भी अपना निजी कायदा उठाना युनासिब समका.

इस बाद से इम जिन नतीओं पर पहुंचे वह यह हैं:

(1) लोगों में एक दूसरे के दुख का एहसास बहुत कम है.

(2) उनके पास करने को कोई काम नहीं है.

(8) उन्हें दैरत होती है कि भला मिलकर भी इस धाकत का सामना किया जा सकेगा.

सन्त विनोबा को यह सब देख कर बहुत ही तकलीक हुई. लेकिन उनकी प्रार्थना सभात्रों में जो इन्तहाई भीड़ होती थी, पांच हजार से कम नहीं और कहीं कहीं बीस हजार तक, इससे पता चलता था कि जनता इनका संदेश सुनना चाहती है. हर जगह उन्होंने एक चीज पर जार दिया:

"गांबों के अन्दर सब लोग एक खान्दान या कनवे की तरह रहिये. खाली मत बैठिये. कम से कम चर्ख ही चलाइये. जिनको कम नक्तसान हुआ है वह उनकी मदद करें जिनको ज्यादा नक्तसान हुआ है."

उन्होंने अपने पांव पर खड़े होने और एक दूसरे की मदद करने की अपील की. उन्होंने इस अमर सब की उन्हें याद दिलाई कि बांटने पर दुख घठता है और सुख बढ़ता है, उनके कहने का सार यही था- "अपने मुख दुख में एक हो जाओ." इसलिये उन्होंने मांग की कि मुक्ते अब पूरे के पूरे गांव दान में दीजिये. "बाद से यह साक पता चल जाता है कि सारी मूमि गोपाल की है." श्रीर एक दिन एक जमीदार साहब बाबा के पास कुछ गुस्से में आ कर बोले- "बड़े दुख की बात है कि जब बाद से हम मर जा रहे हैं सभी आप दान मांग रहे हैं." बाबा ने शान्ति के साथ जवाब दिया- "जी हां. इस वजह से दान मांग रहा हूं क्योंकि आप मरे जा रहे हैं. क्या इस दुनिया से जाने के पहले आप दान कर के नहीं जाना चाहते ?" एक दूसरी जगह पर बाबा ने कहा- "उत्तर बिहार में बाद

العالمة كالتكويسي سركار تكمي ها أور كوثي مدد تهين كرنا چاهتي . اس کے خلف کانکریس والے ایسی تصویر پیش کرتے تھے ماتو سرکل نے اس وقت جو خدمت کی ہے وہ یا اس سے زیادہ خدمت نه کبھی کسی نے کی اور نه کی جاسکتی هے . لیکن جب الدلم بیٹھتے تو ستیہ قبول کرتے تھے ۔ ایک کانکریسی بھائی لے قبول كياكه يم چناؤ - پورو مرسم هے اور اس كا شمين فاددة أَتْبَانَا چاھئے . دوھرے بائی نے (وہ کانکریسی .M.L.A تھے) کہا كه مرد كيا هـ اپنى هستى ثابت كرنے كا ايك ذريعه هـ ، سو ہاتیں کی ایک بات یہ ہے کہ اننی بھیائک بارہ آنے پر بھی همارے نیتا یا سیاسی کارکن اپنے بیدیهاؤ نهیں دور کرسکے اور أينى عادت سے باز نه آئے. نہيں' نہيں' انہوں نے ملك كا کچھ خیال نہ کرکے اس سے بھی اپنا نجی فائدہ اُٹھانا مناسب

أس بازه سے عم جن نتيجوں پر پہونچے وہ يہ هيں:

(1) لوگرں میں ایک درسرے کے دکھ کا احساس بہت کم ھے ۔

(2) أن كے ياس كرنے كو كوئى كام نہيں هے ،

(3) انہیں حارت شوتی ہے کہ بھلا ملکو بھی اس آنت کا سامنا كيا جاسكيكا .

سنت ودوبا کو یہ سب دیکھکر بہت ھی تکلیف ھوئی . لیکی اُن کی پرارتھنا سبھاؤں میں جو اُنتہائی بھیج ہوتی تھی⁴ یانی هزار سے کم نہیں اور کہیں کہیں بیس هزار تک اس سے يته چلتا تها كه جابتا أن كا سنديش سننا چاستي هي. هر جكه انہوں نے ایک چیز در زور دیا:

"کاڑں کے اندر سب لوگ ایک خاندان یا کنبہ کی طرح رهیئے خالی مت بیتھئے . کم سے کم چرخه هی چلائے . جن کو کم نقصان هوا هے وہ اُن کی مدد کریں جن کو زیادہ لقصان هوا سے ."

انہوں نے اپنے پاؤں پر کھڑے ھونے اور ایک دوسرے کی مدد کرٹے کی انہاں کی . انہوں نے اس اس سپ کی انہیں یاد دلائی که بائقاء پر دکھ گھتتا ہے أور سكھ برّهتا ہے . أن كے كہنے كا سار يهي تها-"الني سكه دكه مين أيك هو جاؤ . " أس لئه انهون نے مانگ کی که مجھے آب پورے کے پورے کاؤں دان میں دیجئے۔ "الراد سے به ماف پته چل جاتا هے که ساری يورمی گربال کی هے" اور ایک دن ایک زمیندار ماحب بابا کے پاس کیچ عصم میں أَوْر بول_-"برّم دكه كي بات هي كه جب بازه سے مم مرے جاره هيں تبھى آپ دان مانگ رهے هيں ، ' بابا نے شانتى كے سات جواب دياء "جى هاں . اس وجه سے دان مانگ رها هوں کیونکه آپ مرے جارہے میں . کیا اس دنیا سے الیک دوسری جام پر بایا لے کیا۔۔۔''اگر بہار میں بارہ

ریے میں ، پر مبارے پاس کو کئی ایسا اورار هنہیں جس کے ذریحا سے یہ نتصلی ثایا جا سکھے هم تو صرف اُن گاؤں کے بارے میں کو سات میں جو هم نے خود دیکھے , لبذا ایک گاؤں کے بارے میں نتصل کی تصیل دکھا کر صبر کرینگے . سنکم بزرگ نام کا گاوں نرهن ريلوء استيشن کے نزديک هے . اس کا رتب 1700 سكما أيادي قريب 6000 وكهريا خاندان قريب ايك هزار. اس کاوں میں تقریباً تیں مجونہائی مکان کرے تھے اور آدھی نصل برباد هوئي تهي . سادهاري حساب سے نصل كا نقصان تربب 76,000 رويه كا هوا . ليكن اس سب سے زيادہ نقصان کی بات یہ تھی کہ لوگ گھروں پر أیکدم بیکار بیٹھے تھے ، عربیں تو اپنے گھریلو کلم میں لکی تھیں ' مکو سود 100 فی صدی هی هانه پر دانه دهرے خالی وقت گذار رہے تھے . أن كو ديكهكو ایسا لکتا تها که بهکول نے اُن کے لئے هاته بلا ضرورت کے دیئے هیں، اُن کے یاس کرلےکو قطعی کوئی کام نہیں تھا ، مانو گاؤں کا ہو آدمی ایک ایسے مدر کا بجاری تھا جس میں تین دیوتا تیے سستی اور یوندا (غیر کی برائی). سب سے زیادہ تکلیف دہ بات یہ تھی کہ کسی کو اپنے پروسی کے دکھ کا احساس نبهن تها ، اكثر ايسا دكهائي يواكه جو اچهي طرح کہاتے بیتے' مزہ کرتے تھے' اُن کے تھاتھ پہلے کے جیسے ھی جاری تھے اور غریب یووسی جس کا مکلن گر گیا ہے؛ ساملی بیکار ھو كيا هـ؛ اس كيط ف أن كا دهيان ذرا بهي نهيس جاتا تها . ايك جکہ هم نے دیکھا کہ آیک ہوڑھیا جسکا مکان گر گیا ہے، رو رهی سی ، پر کوئی اس کی مدد کو تبییں آتا تھا ۔

بارہ زدہ لوگیں کو جو مدد دی گئی ہے اس کے بارے میں تو جتما كيا جائے تهرا هے، نيتا لوك ايم ، ايل ، أے إور ام . پی واده تو ایسے هی گاؤں تک پهوئیج یاتے تھے جو ریلوے استیش کے یا موٹر کی سروک کے پاس موں ، سرکاری انسر جو اس کلم کے لئے بھیجا جاتا ہے اسے مائو اس کام میں کوئی دلچسپی هی تهیں هے، وہ کاوں کے رئیس یا بڑے بڑے ماتھی والے بابو ماحب کے یاس بہوئچتا هے جہاں اُس کو میز کرسی مل سکے اور یہ باہو صاحب اپنے درباریس کے کہنے کے مطابق سرکاری امداد تقسیم کوا دیتے هين . تتيجه أيه هه كه جنهين مده تهين ملني چاهيه الهين مل جاتی ہے اور جو امل میں ضرورتیند ھیں ان کی سنوائی ایی نہیں ہوتی ، ان غریبوں کی کہیں پہرنیم بھی نہیں ه اس لله وه معض مبر كرك ره جاتے هيں . اور جو ديهات زيادة أندر كو هيل رهال تو نه كوثي مدد كثي هـ أور ثه باهر سه هي كرني بيجهنيم آيا . اس امداد كا ايك برأ ارز خطرقاك يهلو يه بعي ه كه نيو كالكريس سياست دالس له يه رم الحتيار كيا

दिवे हैं. पर हमारे पास तो कोई ऐसा भीजार है नहीं जिसके श्रिये से यह नुक्रसान नापा जा सके. हम तो सिर्फ उन गांव के बारे में कह सकते हैं जो हमने खुद देखे. लिहाजा एक गांव के बारे में तुक्रसान की तफसील दिखला कर सन करेंगे. संघ्य युज्रों नाम का गांव नरहन रेलवे स्टेशन के नजदीक है. इसका रक्तवा 1700 बीघा, आवादी क्ररीव 6000, घर या खान्दान करीब एक इजार, इस गांव में तक्ररीबन तीन-चौथाई मकान गिरे थे और आधी कसल बरबाद हुई थी. साधारन हिसाब से, कसल का नुक्रसान करीब 76.000 रुपये का हमा. लेकिन इस सब से ज्यादा ज़क्सान की बात यह थी कि लोग घरों पर एक दम बेकार देठे थे. औरते तो अपने घरलू काम में लगी थीं, मगर मई 100 की सदी ही हाथ पर होथ धरे साली वक्स गुजार रहे थे. उनको देखकर ऐसा लगता था कि भगवान ने उनके लिये हाथ बिला जरूरत के दिये हैं, उनके पास करने को कर्ता कीई काम नहीं था. मानो गांव का हर आएभी एक ऐसे मन्दिर का पुजारी था जिसमें तीन देवता थे-सुस्ती, बेकारी और पर-निन्दा (शैर की बुराई). सब से ज्यादा तकलीक वह बात यह थी कि किसी को अपने पढ़ोसी के दख का एहसास नहीं था. अक्सर ऐसा दिखलाई पढ़ा कि जो अच्छी तरह खाते पीते, मजा करते थे, उनके ठाठ पहले के जैसे ही जारी ये और रारीब पड़ोसी जिसका सकान गिर गया है. सामान बेकार हो गया है, उसकी तरफ उनका ध्यान ज्रा भी नहीं जाता था. एक जगह हमने देखा कि एक बुद्धिया जिसका मकान गिर गया है. रो रही थी. पर कोई उसकी मदद को नहीं जाता था.

बादजदा लोगों को जो मदद दी गई है उसके बारे में तो जितना कहा जाए थोड़ा है. नेता लोग, एम. एल. ए. और एम. पी. ज्यादातर ऐसे ही गांव तक पहुंच पाते बे जो रेलवे स्टेशन के या मोटर की सदक के पास हों. सरकारी अकसर जो इस काम के लिये भेजा जाता है एसे मानो इस काम में कोई दिलचस्पी ही नहीं है.वह गांव के रईस या बड़े बड़े हाथी वाले बाबू साहब के पास पहुंचता है जहां उसको मेज कुर्सी मिल सके, और यह बाबू साहब अपने द्रवारियों के कहने के मुताबिक सरकारी इसवाद तकसीम करा देते हैं. नतीजा यह है कि जिन्हें मदद नहीं मिलनी चाहिये, इन्हें मिल जाती है और जो असल में जरूरतमन्द हैं उनकी सुनवाई भी नहीं होती. उन गरीबों की कहीं पहुंच भी नहीं है. इसलिये वह महज सब करके रह जाते हैं और जो देहात ज्यादा अन्दर को हैं बहां तो न कोई मदद गई है और न बाहर से ही कोई पृष्ठने बाबा. इस इमदाद का एक वड़ा और सतरनाक पहल यह भी है कि रौरकांत्रेसी सियासतवानों ने यह उत अस्तवार किया

y. ...

इस दरमंगा जिले के समस्तीपुर सब डीविजन के मात थानों में गए. ताजपुर, मोहदीनगर, दलसिंगसराय. समस्तीपर, बारिसनगर, रोटरा और संच्य और सदर सब क्षित्राचन के बहेड़ा और बरौल थानों के कुछ हिस्सों में गए ज्यादातर सकर वैदल ही रहा मगर पानी गहरा होने पर नाव का भी इस्तेमाल किया, जगह जगह पानी इतना गहरा था कि नायबाले मल्लाहों तक को कोई अन्दाज उसकी गहराई का नहीं था. क्या द्रया श्रीर क्या खेत के चूर मिल कर एक हो गए थे और पानी ही पानी नजर आता था. श्चीर क्योंकि ऐसी बाद पहले कभी नहीं आई थी इसलिये कोई कह नहीं सकता था कि कहां कितनी गहराई होगी. नतीजा यह हम्रा कि जिन फास्लों को तय करने में तीन तीन घंटे लगने चाहिये थे इनकी जगह छ: छ: घंटे लगे, कई मुकाम ऐसे थे जैसे संघ्य (नरहन स्टेशन के नजदीक), संघ्य थाना, पोलराम और बदा जहां इम सुबह के सादे चार बजे के चले चलाए दोपहर के बारह बजे या इस के भी बाद पहुंचे. कभी कभी जब कृद्रत बहुत मेहरबान हो जाती थी तो ऊपर से घनघोर पानी पड़ा करता था और हम लोग बाबा (संत विनोवा को हम इसी नाम से पुकारते हैं) के पीछे विना किसी खाते या बरसाठी के चलते चले जाते थे. कई मुकाम ऐसे थे जैसे पतीली, हांसा, समरथा, संघ्य और हतौड़ी जो एकदम जजीरा जैसे मासूम पड़ते थे. उन के चारों तरफ पानी ही पानी था.

इस बाद से नुक्रसान कितना हुआ इसका ठीक तखमीना तो लगाना नामुमकिन सा ही है. जहां तक देखने से पता चलता था मकान तो श्रंगिन्ती गिरे थे. फसले कितनी बरबाद हुई' इस का भी कोई हिसाब नहीं लगाया जा सकता. श्रीर न पैसे से इसे चुकाया ही जा सकता है. जानवर भी बीसयों के तादाद में बह गए. ख़ुशी की बात है कि आदमी की जाने' बहुत कम गई'. जितनी बड़ी यह बाद थी उस लिहाज से जाने बहुत ही थाड़ी, नहीं के बराबर, जाया हुई'. इस से पता चलता है कि आम जनता वक्त से जाग गई थी और बहादुरी के साथ उस ने इस आफत का सामना किया. बड़ी जमोशी, हिम्मत श्रीर जवांमदी के साथ उन्होंने इसका मुक्ताबला किया जिस पर हर कोई फ़ल् कर सकता है. बाद का पहला इमला जलाई के तीसरे हफ्ते में हुआ. ढाई तीन इमते के अन्दर यह बाद घट गई. लेकिन अगस्त के तीसरे इम्ते में बाद फिर तेजी पकड़ गई और इस मर्तवा पहले के मुकाबले ज्यादा स्त्रीकनाक थी. अगस्त के आखरी हफ्ते में वह भी उतर गई. कभी कभी वह फिर भी धमकाती है. लेकिन अब सो बक्स निकल गया और उन्मीद है कि इस साल भव और न आयेगी.

बिहार में बाद से जो तुकसान हुआ है इस का अन्याजा सनाते हुए एक से एक तीरअन्दाजी बयान प्रेस में नेताओं ने م دربهاگا ضلع کے سمستی پور سب تویزن کے سات تہالیں میں گئے . تاجیر مصدی نکر دلسنگسران سستی پر وارتشی روترا اور سنتھیہ اور صدر سب تویوں کے بہیرا اور برول تھائوں کے کنچھ حصوں میں گئے ، زیادہ تر سفر پیدل عی رھا مكر باني كهرا هول پر ناؤ كا بهي إستسال كيا . جكه جكه باني اتنا گہرا تھا کہ ناؤ رائے مقصوں تک کو کوئی انداز اس کی گہرائی کا نہیں تیا . کیا دریا ارر کیا کیت کے چور مل کر ایک هوگئے تھے اور پانی می پانی نظر آنا تیا ، اور کیونکه آیسی بازه پہلے کبھی نہیں آئی تھی اس لئے کوئی کہ نہیں سکتا تیا کہ کہاں كتنى كرائي هوكي. نتيجة يه مواكه جن ناملون كو طم كرنے ميں تھیں تیں گھنتے لکنے چلنئے تھے ان کی جکه چھ چھ گھنٹے گے . کئی مقام ابسے تھے جیسے سنگھا (نرھن اسٹیشن کے نزدیک)' سلکید تهاند، پوکهرام اور بنده جہاں هم صبح کے سازے چار بھے کے چلے چالئے دربہر کے ہارہ بھے یا اس کے بھی بعد پہوئیچے ۔ کیهی کبھی جب ادرت بہت مہربان هو جاتی تبی تو اُرپر سے گھدکھور پائی پڑا کرتا تیا اور مام لوگ بایا (سنت وثوبا کو مم اسی نام سے پکارتے میں) کے پیچھے بنا کسی چھاتے یا ہرساتی کے چاتے چاہے جاتے تھے. کئی مقام ایسے تھے جیسے پتيلي ٔ هائسا ا سمرتها سنگهيه اور هنهرزي جو ايكنم جزيرة جنس معلوم پرتے تھے . اُن کے چاروں طرف پائی ہی پائی تھا ،

إس باوة سے نقصان كتنا هوا اس كا تهيك تضينه تو الثانا نامسكن سا هي هـ . جهال نك ديمهنم سے يته چلتا تها مكان تو آئکنٹی گرے تھے، فصلیں کتنی برباد ھوئیں اُس کا بھی كوئى حساب نهيس لكايا جا سكتا . أور نه پيسے سے أسے چكايا هی جا سکتا هے . جانور بنی بیسیوں کی تعداد میں به گئے . خمشی کی بات ہے که آدمی کی جانیں بہت کم گئیں ، جتنی ہوں یہ بار اس الحاظ سے جانبی بہت علی تھوڑی مہیں کے برابر فائع مونیں اس سے بتہ چلنا ہے که عام جنتا وقت سے جاگ گئی تھی اور بہادری کے ساتھ اس نے اس آفت کا سَلِّمنا کیا . بوی خاموشی مست اور جوانسردی کے ساتھ اُنھوں نے الس كا مقابلته كيا جس ير هر كوالي فنخر كر سكتا هـ ، باوة كا يها حمله جولاي كے تيسرے هته ميں هوا . تعانى تيں هنتے ك الدريم بازه كهت كائي . ليكن اكست كي تيسرے مفته ميں بارہ یمر تیزی بکر گئی اور اس مرتبه پہلے کے مقابله زیادہ خُونناک تھی . اگست کے آخری عفام میں وہ بھی اُتر گئی . كيي كيمي ولا يهر بهي دهمكاتي هے ليكن أبُ تو وقت أنكل كيا أبور أميد هے كه أس سال أب أور نه أثب كي .

ہمار میں بارہ سے جو نقصان ہوا ہے اس کا انداز تار ہوئے ایک تیراندازی بیان پریس میں نیتاؤں نے मगर प्रेम की कसल हर साल बढ़ती ही जायेगी और लोग अपनी कुर्बोनी के लिये हर दम तैयार रह कर एक दूसरे की इमर्दी में शरीक होकर सारे मुल्क को मजबूत और ठोस बना ले'गे जिस पर न बाहर के हमले का असर होगा और अन्दर बदश्रम्नी पैदा होने का तो सवाल ही नहीं. हम यह ख्याली बात नहीं कह रहे हैं. ऐसा जमाना आयेगा, आ रहा है और आना गुरू हो गया है. भूदान यह आन्दोलन को थोड़ी बहुत जो कुछ भी कामयाबी अब तक मिली वह प्रेम की ताक़त की कामयाबी को ख़ब जाहिर करती है. लेकिन हां, इस क़ुबूल करते हैं कि वैज़क्तेश्वर स्टेट के मक़सद की तरफ जहां कोंग्रेस और कांग्रेसी हुकूमत का जोर लग रहा है, वहां दूसरी सियासी पार्टियों, व्यापारी तबका, पढ़े लिखे शीर नौकर पेशा भाई बहनों का भी. दरअसल उनका पलड़ा इस बक्त बहुत भारी है, इसके कि लाफ प्रामराज की तरफ बहुत कम ही ताक़त अब तक लगी है. लेकिन जो कुछ लगी है वह जनता की अपनी ताक़त है जिसे कोई दूसरा दुनयवी सहारा नहीं. इन दोनों ताक़तों का मुक़ाबिला है कि मुल्क वैलफ्रेअर स्टेट की तरफ बढ़े या माम राज की तरफ . आज मुल्क के नौजवान भाई बहुनों के आगे सबसे बढ़ा सबाल यही है कि इन दोनों में से वह कीनसी राह चुनते हैं और किस तरफ अपना कंधा लगाना चाहते हैं.

23. 8 '54

—सुरेशराम माई

बाद पीड़ित दरभंगा में

उत्तर बिहार के लोग बाढ़ के आदी हैं. मगर इस साल के जैसी बाढ़ शायद कभी नहीं आई. शायद इसकी बजह यह है कि इस बार की बाद उस बड़ी बाद का हिस्सा है जो पच्छिमी योरप के कुछ हिस्सों से लेकर ठेठ पूरव चीन तक आई और जिस ने सब से ज्यादा तबाही चीन में की. पिछम के तरफ के देशों में इसकी खफगी कम होती चली गई है. हिन्दुस्तान में सब से ज्यादा नुकसान आसाम को पहुंचा, इस के बाद बंगाल और फिर बिहार. लेकिन उत्तर बिहार में छोटी बड़ी बहुतसी निदयां बहती हैं जिनकी वजह से उस बाद में सारे उत्तर बिहार ने एक बड़े भारी समुन्दर का सा रूप ले लिया, ऐसा समुन्दर जिसके पूरव मैं कोसी नदी है, पश्किम में गुंडक नदी, उत्तर में हिमालय पहाड़ और दिक्सिन में गंगा. इस वजह से उत्तर बिहार को जबर्दस्त मुक्तसान पहुंचा, गुंडक, बृढ़ी गुंडक, लखन दई, बागमती, कोसी और उनकी श्रन्मिन्सी छोटी बड़ी शासों एक दूसरे से मिल गई'. अगस्त के दूसरे और तीसरे हफते में सन्त विनोबा जी के साथ हमारा इत्तकाक दरमंगा जिला में पैदल सफ़र करने का हुआ जब इमने बहुत नजावीक से वहां की दर्वभरी हालस को देखा.

مر پریم کی فصل هر سال برهای هی جائیگی اور لوگ آیتی ترباتی کے لئے هر دم تیار رہ کر ایک دبسرے کی همدردی میں شریک هوکر سارے ملک کو مضبوط اور تھوس بنالینگے جس پر نه باهر کے حمله کا اثر هوگا اور اندر بدامتی بيدا هون كا تو سوال هي نهين . هم يه خيالي بات نهين كه ره هين ايسا زمانه آنيكا أرها هم أور آنا شروع هوكيا هم. بهردان یکیه آندولن کو تهرری بهت چر کچه بھی کامیابی اب نک ملی وہ پریم کی طافت کی کامیابی کو خوب ظاهر کوتی ھے لیکن ھاں ' 'ھم قبول کرتے ھیں که ویل فیڈر اسٹیٹ کے مقصد عی طرف جہاں کالکریس اور کالکریسی حکومت کا زور لگ رما هے، وهال دوسرم سياسي پارٿيوس، وياپاري طبقه، پرهے لکھ اور نُوكر پيشة بهائي بَهذون كا بهي . دراصل أن كا يلزا اس وقت بهتُ باری هے اس کے خالف گرام راج کی طرف بہت کم هی طانت اب تک لکی ہے لیکن جو کچھ لکی ہے وہ جنتا کی اپنی طاقت هے جسے کوئی درسرا دنیوی سہارا نہیں . ان درنوں طاعتوں کا مابله هے که ملک ویل دیدراستیت کی طرف برھے یا گرام راج کی طرف ، آج ملک کے فرجوان بھائی بہنوں کے آگے سب سے برا سوال یہی هے که ان درنوں میں سے وہ کونسی راء چنتے عين أور كس طرف أينا كندها لكانا چاهيه هين .

سسريش رأميهائي

23,8,34

بازه بیزس در بهنگا میں

أتر بہار كے لوگ بازہ كے عادى هيں . مكر أس سال كے جيسي بازة شايد كبهي تهين آڻي، شايد اِسكي وجه يه هے كه أس بار کی بازہ اُس بڑی بازہ کا حصہ ہے جو یچھے یورپ کے کنچھ حصوں سے لے کو ٹھیٹھ پررب چین تک آئی اور جس لے سب سے زیادہ تباهی چین میں کی پچپم کے طرف کے دیشوں میں اُس کی خاکی کم هوتی چلی گئی هے . هندستان میں سب سے زیادہ نقصان آسام کو پہونچا اُس کے بعد بنگال أور پھو بہار ، ليكني أُتر بهار مين چھوٹي بري بہت سي ثديان بہتی هیں جن کی رجه سے اس بارہ میں سارے اُتر بہار لے ایک بڑے بھاری سمندر کا سا روپ لے لیا' ایسا سمندر جس کے پرب میں کسی ندی هے بحص میں گندک ندی أتر میں همالیه بهار اور دکهن میں گنگا ، اس رجه سے آثر بهار کو زیردست نقصان پېونىچا . گلتاك، بورهى گندك، لكهن دى، باكستى، کسی اور ان کی آنگنتی چھوٹی ہڑی شاخیں ایک دوسرے سے مل گٹیں ، آگست کے درسرے اور تیسرے هفته میں سنت وتربا جي كم ساته همارا أتغاق دربهنكا ضلع ميس پيدل سفر كرني کا عوا جب الله لے بہت تردیک سے وهال کی درد بھری حالت کر دیکھا ہ

Commence of the Commence of th

बनते चले जाते हैं. किर जो इस जूट खसोट में नाकामयाव रहते हैं इनके लिये सरकार पैनरान देती है. आज हिन्दुस्तान में काफी भेद भाव और दर्जे बने हुए हैं. वैलक्षेत्रर स्टेट के मानी होते हैं कि समाज के उस ढांचे में और भी दरारें पैदा करना और ग्रुल्क को कमजोर बनाना.

तीसरा और सबसे अहम खतरा वह है कि बाहर से अगर किसी मुल्क का हमार मुल्क पर हमला होता है तो जो मरकज या केन्द्र से हुक्म आयेगा वही लोग करेंगे. मान लीजिये कि दुरमन के डर में आकर या किसी और कमजोरी से मरकज ने हथियार डालना तय कर दिया तो इसके मानी हुए सारे मुल्क ने हार कुबूल कर ली और अपनी आजादी खत्म. या इस तरह मरकज ने किसी बाहरी मुल्क से कोई खास कौजी सममौता कर लिया जैसे पाकिस्तान ने अमरीका से किया, तो हमारा मुल्क दूसरे के हाथों में चला गया. जब जनता से सलाह मराबिरा करने का कोई सवाल ही नहीं है तो जो नाच देहली बालों को नाचना मंजूर हो बही सारे मुल्क को नाचना होगा.

श्रीर यह तो जाहिर ही है कि वैतफेश्चर स्टेट में मुल्क के सारे रोजगार व कारोबार मरकज के हाथ में श्रा जाते हैं. तो लाजिमी तौर पर हमारे हिन्दुस्तान जैसे मुल्क में जहां श्राज इतनी दर्दनाक वेकारी है वहां वह श्रीर भी संगीन हो जायेगी

इस तरह जिस पहलू से भी देखें वैलके अर स्टेट का ख्याल व नक्षशा हमारे देश के लिये नुक्रसानदेह ही नहीं तबाहकुन है. हमें इस बक्त राश्ट्रपति डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद के वह लक्ष्य याद आ रहे हैं जो उन्होंने गत 20 अप्रैल को बौद्ध गया में एक आहिर सभा में कहे थे. उन्होंने कुबूल किया था कि आजादी के बाद जनता को हम आजाद बनाने की तरफ क़दम बढ़ाने की बजाय उसे नय नये क़ानूनों में बांधते जा रहे हैं जिसका नतीजा अच्छा ही होगा ऐसा नहीं कहा जा सकता. हाल ही में किसी सूबे के चीक जिस्टस ने भी इसी तरह के ख्याल आहिर किये हैं.

खुलासा यह है कि बैलफेश्वर स्टेट का क्याल महज विदेशी ही नहीं उसका नमूना भी हमारे लिये भौजूं नहीं है. इसके खिलाफ इमको बजाहिर एक ऐसा समाज बनाना है जिसमें दर्जा न हो, जो पानी की मानिन्द एक रस या समरस हो, जहां हुकूमत का हाथ कम से कम हो, यानी जो शासन मुक्त हो और जहां कोई किसी को नोचता या लूटता न हो, यानी जो शोशन रहित हो. इसी को हम दूसरे लफ्जों में प्रामराज कह सकते हैं, गांव गांव खुदमुख्तार हो और सब मिलकर हिन्दुस्तान के इस तरह के जुज या हिस्से हों जैसे एक जिस्म के जुज हाथ, नाक, कान, सर बतेरा होते हैं. एक की खुशी में दूसरे की खुशी हो और एक के दुस में दूसरे का खुशी हो और एक के दुस में दूसरे का खुशी हो श्रीर एक के दुस में दूसरे का खुशी हो श्रीर एक के दुस में दूसरे का खुशी हो श्रीर एक के दुस में

الله چلے جاتے هیں ، پهر جو اس لوت کهسوت میں فاکلمیاب رہتے هیں ان کے لئے سرکار پنشن دیتی ہے ، آج هندستان میں کانی بهیدبهار اور درجے بنے هوئے هیں ، ویل فیئراسبیت بنانے کے صنی هوتے هیں که ساج کے اس تعانیجہ میں اور بھی دراویں پیدا کرنا اور ملک کو کنورر بنانا .

نیسرا اور سب سے انام خطرہ یہ ہے کہ باتو سے اگر کسی ملک کا همارے ملک پر حملہ دوتا ہے تو جو مرکز یا کیندر سے حکم آنیکا وهی لوگ کرینے۔ ماں لینجئے که دشمن کے قر میں آئیکا وهی اور کرینے۔ ماں لینجئے که دشمن کے قر میں گر یا کسی اور کمزری سے مرکز نے هتی از قالنا داے کردیا تو اس کے معلی هوئے سارے ملک نے هار قبول کرلی اور اپنی آزادی ختم ، یا اسی طرح مرکز نے کسی باقری ملک سے کوئی خاص فہنی سمجھوته کرلیا جسے پاکستان نے امریکہ سے کیا تو همارا ملک درسرے کے هانهوں میں چلا گیا ، جب جنتا سے صلاح مشہود کرنے کا کوئی سوال هی نہیں ہے تو جو ناچ دہلی والوں کو ناچنا هوگا ،

اور ید تو ظاهر می هے که ویل فگراستیت میں ملک کے سارے روزگار و کارربار مرکز کے هاتھ میں آجاتے هیں ۔ تو الزمی طور پر همارے هندستان جیسے ملک میں جہاں آج آننی دردناک بیکاری هے وهاں وہ آور بھی سنکین هوجائیگی .

اس طرح جس پہلو ہیں دیکھیں ویل نیٹراسٹیٹ کا خیال و نقشہ همارے دیش کے لئے : قصان دہ هی نہیں تباہ کن ہے .

همیں اس وقت راشڈریتی ڈاغر راجیندر پرشاد کے وہ لفظ یاد آرھے هیں جو انہوں نے گت 10٪ اپریل کو بردھ گا میں ایک ظاهر سبیا میں کہے تھے ، انہوں نے قبول کیا تیا کہ آزادی کے بعد جنتا کو هم آزاد بانے کی طرف قدم برهانے کی بجائے اسے لئے نانونوں میں باندھتے جا رہے هیں جس کا نتیجتہ اچھا هی هی میں کسی صوبہ کے هی هرگا ایسا نہیں کہا جاسکتا ، حال هی میں کسی صوبہ کے جیف جسٹس نے بی اس طرح کے خیال ظاهر کئے ہیں .

خلامہ یہ ہے کہ وال نیٹراستیت کا خیال محص ودشی ھی نہیں اس کا نمونہ ہمی ھمارے لئے موزوں نروں ہے ۔ اس کے خلاف ھم کو بظاہر ایک ایسا سماج بنا یا ہے جس میں درجتہ نہ ھو جو پانی کی مانند ایک ھرس یا سرس ہو جہاں حکومت کا ماتھ کم سے کم ھو یعنی جو شاس مکت ھو اور جہاں کوئی کسی کو نوچتا یا لوتتا نہ ھو یعنی جو شوشورھت بھی کو ھم درسرے لتدنوں میں گرام راج کے سکتے ھیں گوں خود مختار ھو ارر سب ملکر ھندستان کے اس طرح کی جو یا حصے دوں جیسے ایک جسم کے جز ھاتھ ناک کان سر ایک کی خوشی میں درسرے کی خوشی ھو اور ایک کے دی میں درسرے کی خوشی ھو اور ایک کی کوشی میں درسرے کی خوشی ھو اور

يهل وبل فيلو النظيف بناف كي معلى هولك كه هبارا كالنا بینا، کیرا لتا، تعلیم دوا دارو، هر چیز میں هم سرکار کے معملیے ہی جائیں اور هماری هر حرکت یا چهل پہل سرکار کے کنٹرول ميں رهے . إسن كا تتبجت يه موكا كه مان ليجيتُه ؛ جيسا آب هے سے وزر یا کیشن آئے گا وہ موتم مصل کی جانبے کرے گا دھلی رایس لوت کر اپنی رپورٹ پیش کرے گا' تب دھالی کے دفتر سے بتنه کے دنتر کو حکم جاری ہوا کے عمر یتن کے دنتر سے کلکتروں کے دنتروں میں کاغذ درزینکے ' پھر وهاں سے سب دریوں یا تہائوں میں اور تب کہیں کام کا نمبر آئے گا ۔ اس بیچ جو جنتا بازہ سے پریشان هو رهي هے ولا تو تباہ هي هو جائے گي ' کيونک وال نيئر استيت ھے؛ ایک درسرے کی مدد کرئی کریے کا نہیں؛ جو کچے کرے سرکار کوے . اور اِس کے ساتھ ساتھ مان لیجئے کہ گودواری ندی میں بھی بازہ آ گئی . تب دھلی والے سوچینکے کم آندھر کا مسئله زیادہ بھیالک ہے یا اُتر بہار کا اور وہ کسے مدد کرے یا نہ کرے یا کس کو مدن کم کرے اور کسی کو زیادہ ۔ اتنا لمبا چوڑا ملك أور أس كن سارى طانت دهاى مين لاكر سنيت دى گئی تو اِدهور جنتا هائے هائے کرے گی اُدعر دهلی کے حکام تار اور نہن کی تی بن سے گھبرا جائینکے که کہاں جانیں کہاں نہ جائیں' دیا کریں کیا نہ کریں ، یہ بات أیک دوسری مثال سے زيادة صاف هو سكه كي . مان ليجيُّه أس جهان ك بناني وأله نے یہاں ویل نیئر اُسٹیٹ بنانے کا طے کیا ہوتا تو اپنے سب بندوں کے دل دماغ ناک کان آنکه سب اپنے پانس رکھے هوتے اور محض دھر و ھدیاں آدمی کو دے دی ھوتیں ، اب کسی کو کچھ دیکھنے کی ضرورت پڑی تر انکھ کے لئے تار بھھیج رہا ہے۔ کسی کو چانے کی ضرورت پڑی تر ثانگ کی مانگ کرتا نتيجه يه هوتا كه وه أتما پريشان هو جاتا اننا پريشان هوجاتا كه اسے دم مارنے کی بھی فرصت نہیں ملتی، لیکن اس نے یہ نہ کرکے عر أدمى كو سوارلمبي بنايا عر أيك نو سب سادهن درم ديم ارر آزاد چهرر دیا . اس کا پهل یه هوا که آج وه شیر ساگر میں اسے آرام سے سوتا ہے کہ بہت سے لوگ اس کی هستی تک کو مانیے سے انکار کرتے میں ا

ويل نيئراساليت كا درسرا خطرناك پهلو يه ه كه اس مين سباج مين بهيديهاو شدت سه هوتا هه ، هو ایک کوئی ایک دوسرے کو لوٹنے و نوچنے کی کوشش میں رھتا ہے مو اس فن میں زیادہ ماعر ھوگیا اس نے زيادة كمائي كرايي الله زيادة سهولهت حاصل هوكثي أبر وه هی نوا آیمی هوگیا چاه وه بیویار میں هو یا سرکاری مارست میں اس طرح أوبر سے ندھے تك درھے يو درھے

यहां वैलफ्रेकर स्टेट बनाने के मानी होंगे कि इमारा साना पीना, कपड़ा लत्ता, तालीम, ब्ला दारू, हर चीज में हम सरकार के मोहताज बन जाये और हमारी हर हरकत या चहलपहल सरकार के कन्टोल में रहे. इसका नतीजा यह होगा कि मान लीजिये, जैसा आज है भी, उत्तर बिहार में बाद आई तो उसके मुखायने के लिये नई दिल्ली से बफद या कमीशन आएगा. वह भौका महल की जांच करेगा. देहली वापिस लौट कर अपनी रिपोर्ट पेश करेगा. तब देहली के दफ्तर से पटना के दफ्तर को दुक्स जारी होंगे, फिर पटना के दुम्तर से कलक्टरों के दुम्तरों में काराज दीड़ेंगे. फिर वहां से सबद्धिविजन या थानों में और तब कहीं काम का नन्त्रर आयेगा. इस बीच जो जनता बाद से परेशान हो रही है वह तो तवाह ही हो जायेगी, क्योंकि वैज़केश्वर स्टेट है, एक दूसरे की भदद कोई करेगा नहीं, जो कुछ करे सरकार करे. और इसके साथ साथ मान लीजिये कि गोदावरी नदी में भी बाढ़ था गई. तब देहली वाले सोचें गे कि थांध्र का मसला ज्यादा भयानक है या उत्तर विहार का और वह किसे मदद करे या न करे या किसको मदद कम करे और किसको ज्यादा. इतना लम्बा चौड़ा मुल्क, और उसकी सारी ताक्रत देहली में लाकर समेट दी गई तो इधर जनता हाय हाय करेगी, उधर देहली के हुक्काम तार और कोन की टन टन से घबरा जाये'गे कि कहां जाये' कहां न जाये', क्या करें क्या न करें. यह बात एक दूसरी मिसाल से ज्यादा साफ हो सकेगी. मान लीजिये इस जहान के बनाने बाले ने यहां बैलकेश्चर स्टेट बनाने का तय किया होता तो वह श्वपने सब बन्दों के दिल, दिमारां. नाक, कान, द्यांख सब धपने पास रक्खे होते और महज धड़ व हड़ियां आदमी को दे दी होती. अब किसी को कुछ देखने की जरूरत पड़ी तो आंख के लिये तार भेज रहा है, किसी को चलने की जरूरत पड़ी तो टांग की मांग करता. नतीजा यह होता कि वह इतना परेशान हो जाता, इतना परेशान हो जाता कि उसे वम मारने की भी फर्सत नहीं मिलती. लेकिन उसने यह न करके हर आदमी को स्वावलम्बी बनाया, हर एक को सब साधन दे दिये और आजाद छोड़ दिया. उस का फल यह हुआ कि बाज वह श्रीर सागर में ऐसे बाराम से सांता है कि बहुत से लोग उसकी इस्ती तक को मानने से इन्कार करते हैं।

वैलफ्रेश्वर स्टेट का दूसरा खतरनाकः पहलू यह है इसमें समाज में भेद भाव शिहत से होता है. हर एक कोई एक दूसरे को लटने व नोचने की कोशिश में रहता है, जो इस फ्रन में ज्यादा माहिर हो गया उसने ज्यादा कमाई कर ली. उसे प्यादा सहितयत हासिल हो गई और वह उतना ही बड़ा श्रादमी हो गया, चाहे वह ब्योपार में हो वा सरकारी मुलाजिमत में. इस तरह ऊपर से नीचे तक दर्जे पर दर्जे यहां पर तीसरे ठैइराव पर विचार करेंगे. इसका नाम है "Planned development" (प्रांड डिवैलपमेन्ट) यानी योजना चन्द विकास. इस ठैइराव का पहला जुमला यह है—

"The objective of the Congress is the establishment of a co-operative Common-

wealth and a Welfare State."

(कांग्रेस का मक्तसद है कि एक को आप्रेटिव कामन-

वैल्थ श्रीरएक वैलकेश्वर हुकूमत कायम की जाये)

पाठक देखे'गे कि "कोआप्रेटिव कामनवैल्थ" और "वैलक्षेत्रर" इन दो स्यालों के लिये हम कोई देसी लक्ष्य नहीं दे सके और हमारा ख्याल है कि ऐसा करना नामुमिकन नहीं तो मुश्किल जरूर है क्योंकि उनके पीछे जो बिचार है वह कतई अप्रेजी या मरारिबी है. यों "वैलक्षेत्रर" स्टेट की जगह "कल्यान राज" लक्ष्य लिखे जाने लगे हैं लेकिन "वैलकेखर" और "कत्यान" में बहुत भारी कर्क है, शायद उसी तरह का कर्क है जैसा "Stateless" और "शासन मुक्त" में. कैसी बदकिस्मती की बात है कि हिन्दुस्तान जैसे श्राजाद मुल्क की कांमेस जैसी बड़ी श्रीर पुरानी संस्था या पार्टी का मक्तसद ऐसे लफ्जों में जाहिर किया जाये जिसको बाहर वाले तो समक सफें पर खुद हिन्दुस्तान के लोग नहीं. इससे इस संस्था की रारीब स्थाली का पता चलता है और यह भी साफ मालूम हो जाता है कि उसके सोचने का ढंग किस कदर प्रदेसी हैं. जहां विचार या ख्याल की मोहताजगी है वहां किस तरह लोगों के अन्दर नई जान फूंकी जा सकती है हम नहीं समभ सकते.

मामूली तौर से "बैलफेश्चर" के मानी हैं "बेहतरी." कहते भी हैं कि मैं आपका "बैलक्षेत्रर" यानी "बेहतरी" चाहता हूं. इधर चन्द बरसों से ही इंगलैन्ड और अमरीका में "वैलक्षेत्रर स्टेट" का ख्याल बुलन्द हुआ है और आम जनता की तरफ़ से न उठकर हुकूमती दायरों की तरफ से उठा है. उसकी तह में यह जजबा है कि रिश्राया की बेहतरी का जिम्मा सरकार का है. चुनांचे जिन्दगी के ज्यादा से ज्यादा पहलुकों पर सरकार को हावी होना चाहिये. यही वजह है कि आज इंगलैन्ड और अमरीका में, बूढ़े लोग हों या बेरोजगार जवान हों, उनकी परवरिश हुकूमत करती है श्रीर वतीर पैन्शन के उन्हें कुछ देती है. वहां श्राये दिन हर चीज के लिये क़ानून बनते चले जा रहे हैं, मानो जनता दिन दिन अपाहिज होती जा रही हो. मगर और इंगलैन्ड श्रीर अमरीका के पास दौलत, दूसरे मुल्कों पर उनका गुप्त या जाहिर असर है और दुनिया के बह साहुकार भी ठैहरे, जिस बजह से वह इस तरह पैन्शन दे सकते और अपना काम कता सकते हैं. लेकिन इमारे देस की तो हालत ही द्सरी है.

Converge 12

"The objective of the Congress is the establishment of a co-operative commonwealth and a Welfare State"

(کانکریس کا مقصد ہے کہ ایک کوآپریٹو کامن ویلتھ اور

ایک ویل نیئر حکومت قام کی جائے)

باتھک دیکھیں گے کہ '' کوآپریٹو کامن ویلتھ '' اور ''ویل فیٹر'' ان دو خیالوں کے اللہ هم کوئی دیسی انظ نہیں دے سکے اور همارا خيال هے كه أيسا درنا ناسكن نهيں بو مشكل ضرور هے کیونکت اُن کے پیچھے جو وچار هے وہ فطعی انگریوی یا منربی ه. يوس " ويل فيئر استيت " كي جكه " كليان رأج " اغظ لكه جائے لکے هیں لیکن '' ویل فیئر '' اور '' کلیان '' میں بہت بهاري فرق هے' شايد اِسي طرح كا فرق هے جيسا "Stateless" اور "شلس مكت" ميں . كيسى بدةسمتى كى بات هے كه ھندستان جیسے آراد ملک کی کانگریس جیسی بڑی اور پرائی ساستها يا يارتي كا مقصد أيس لفظرس ميس ظاهر كيا جائه جس کو باہر والے تو سنجھ سکیں پر خرد ھندستان کے لوگ لہیں ، اِس سے اس سنستها کی غریب خیالی کا بته چلتا کے اور یه بھی ماف معاہم هو جانا ہے کہ اس کے سوچنے کا تھنگ کس قدر پردیسی هے . چہاں وچار یا خیال کی محتلجکی هے وهاں کس طرح لوگوں کے اندر نئی جان پھوٹکی جا سکتی ہے هم نہيں سعج سكتے .

معدولی طور سے '' ویل فیئر '' کے معنی هیں '' بہتری .'' کہتے ہیں هیں کہ میں آپ کا '' ویل فیئر '' یعنی '' بہتری '' چاھتا هوں ، ادهر چند برسوں سے دی انگلینڈ اور امریکہ میں '' ویل فیئر اسٹیٹ '' کا خیال بلند ہوا ہے اور عام جنتا کی طرف سے آئی ہے ۔ اِس طرف سے آئی ہے ۔ اِس کی تم میں یہ جذبہ ہے کہ ریایا کہ بہتری کا ذمہ سرکار کا ہے ۔ چنائی ہمیں یہ جذبہ ہے کہ ریایا کہ بہتری کا ذمہ سرکار کو حاوی ہونا چنائی ، یہی وجہ ہے کہ آ اُن کی پرورش حکرمت کرتی ہے جھی یا بے روزگار جوان هن ' اُن کی پرورش حکرمت کرتی ہے اور بطور پینشن کے انہیں کچھ دیتی ہے ۔ وہاں آئے دن هر چیز اور بطور پینشن کے انہیں کچھ دیتی ہے ۔ وہاں آئے دن هر چیز ہوئی جا رہی ہو۔ مکر خیر انگلینڈ اور آمریکہ کے پلس دولت' ہوئی جا رہی ہو۔" مگر خیر انگلینڈ اور آمریکہ کے پلس دولت' ہوئی جا رہی ہو۔" مگر خیر انگلینڈ اور آمریکہ کے پلس دولت' میں جبہ سے وہ اس طرح پنشن دے سکتے منافوکار بھی تہورے' جس وجہ سے وہ اس طرح پنشن دے سکتے منافوکار بھی تہورے' جس وجہ سے وہ اس طرح پنشن دے سکتے دیسوی ہے ۔

रक्त" मानी "राज-रक्त" और "पद्म-विभूरान" मानी "सरकार विभूरान." तो जैसा राज वैसा उनका रक्त और वैसा उनका विभूरान. इसका नतीजा होगा कि आदमी की असली कावलियत या हुनर की उतनी क़द्द नहीं होगी जितनी इस बात की कि हुकूमत की निगाह में वह कहां तक और कितना उपयोगी है और आदे वक्त काम आनेवाला है. यही वजह है कि आम जनता की निगाह में मैडिल की इस्जत नहीं रहती और शायद इसी वजह से पुराने जमाने में इमारे रिशी, मुनी और विद्वानों ने मैडिल या खिताब की कोई परबाह नहीं की.

इस सिलसिले में एक ज़्याल और भी आता है. वह यह कि श्री राजा जी और डाक्टर राधा करानन को "भारत-रम" के मैडिल से क्या नई इज्जत या नई प्रेरना हासिल होने वाली है ? शायद इसमें पाने वाले की इतनी इज्जत नहीं जितनी कि देने वाले की. सगर दिल में एक और भी ख्याल आये विना नहीं रहता कि जब डाक्टर राधा इशनन उप-रास्ट्रपति हैं तो उन्हीं को मैडिल देना कहां तक शोभा की बात है, इस डाक्टर राधा कुशनन को अपने मुल्क की बहुत आला हस्तियों में ग्रमार करते हैं और मानते हैं कि बह हिन्दुस्तान के उन चन्द खिद्मतगारों में से हैं जिन्होंने मुल्क की इज्जत को चार चांद लगाये हैं और दुनिया में उसकी शान बढ़ाई है. लेकिन इस वक्तत तो वह सिर्फ एक को, रास्ट्रपति को छोड़ कर, हुकूमत के सब से बड़े ओहरे-दार हैं. राश्ट्रपति की शैरहाजिरी में बही उनका सब काम अंजास देते हैं. इस तरह यह मैडिल अपने द्वारा ही अपने को देना जैसा लगता है. ईश्वर न करे कि आगे चलकर मीजूदा सरकार या दूसरी सरकारे ख़द अपने हाकिमों को इस तरह मैडिल देना शुरू कर दे'. तब तो क्या सरकार और क्या पिन्तक, दोनों के लिये शर्म की बात होगी.

हुम बढ़ें अदब के साथ कहना चाहते हैं कि इन मैडिलों से कुल मिलाकर हमें ख़ुरी। नहीं हुई और सरकार के इस कारनामें पर हम उसे मुवारकबाद नहीं दे सकते. हमसिफा-रिरा करेंगे कि सरकार इस तरह के नाहक बोक अपने ऊपर न ले और जो खिताब या मैडिल जिसे मिलना है वह जनता की सरफ से आप से मिलने दे. जैसी जिसकी खिदमत होगी जनता खुद उसे वैसे नाम से पुकारेगी, जैसे उसने सिलक को लोकमान्य और गांधी को महात्मा कहा और कहती रहेगी.

22. 8. 154

--- सुरेशराम भाई

'वैलफ्रेअर स्टेट" बनाम ग्राम राज

जुलाई के महीने में कुल हिन्द कांग्रेस कमेटी की एक बैठक अजमेर में हुई. उसमें कुल मिलाकर 13 ठैइराव पास हुए. उनमें से कई महत्वपून हैं. लेकिन इस इस बक्रत رس " معلی " راج رتن " اور " پدم وبهوش " معلی رس را روبهوش " معلی آدن رکار وبهوشن . " تو جیسا راج ریسا ان کا رتن اور ریسا ان کا وبهوشن . اس کا لتیجه یه هوگا که آدمی کی اصلی قالمیت یا هغر کی اتنی قدر نهیں هوگی جتنی اس بات کی که حکومت کی نگاه میں وه کهاں تک اور کتنا آپیوگی هے اور آرے وقت کام آنے والا هے . یہی وجه هے که عام جنتا کی نگاه میں میدل کی عوت نهیں رهتی اور شاید اسی وجه سے پرانے زماتے میں همارے رشی' منی اور ودرائوں نے مین خطاب کی کوئی پرواہ نهیں کی ،

460

اِس سلساء میں ایک خیال اور بھی آتا ہے . وہ یہ که شری راجا جی اور داکتر رادها کرشنن کو " بارت رتن " کے ميتل سے كيا نئى عوت يا نئى يويونا حاصل هونے والى هـ 9 شايد إسمين يانے والے كي أتنى عوت نهين جتنى كه دينے والے کی مار دل میں ایک اور بھی خیال آئے بنا نہیں رہتا کہ جب دَامَّر رادما كرشنن أب راشتر يتي هين تو أنهين كو ميدل دینا کہاں تک شوبھا کی بات ہے، ہم ڈاکٹر رادما کرشنی کو اند ملک کی بہت اعلی عستیوں میں شمار کرتے ھیں اور مانتے میں کہ وہ هندستان کے ان چند خدمتکاروں میں سے هیں جنہوں نے ملک کی عوت کو چار چاند لگائے هیں اور دنیا میں اس کی شابی بوهائی هے ، لیکن اس وقت تو وہ صرف ایک کو راشتر یتی کو چهور کر حکومت کے سب سے برے عهدهدار هیس راشتر یتی کی غیر حاضری میں وهی أن كا سب كلم انتجام دي هيس . اِس طرح يه ميدل ايني درارا هی اپنے کو دینا جیسا الکتا هے . ایشور نت کرے که آگے چل کر موجود ا سرکار یا دوسری سرکارین خود اپنے حاکموں کو اس طرح میدل دینا شروع کو دیں۔ تب تو کیا سرکار اور کہا پبلک دونوں کے لئے شرم کی بات ھوگی .

م ہوے ادب کے ساتھ کہنا چاہتے ھیں که اِن میدنوں سے ما کر ھییں خوشی نہیں ھوئی اور سرکار کے اِس کارناہے پر نم اِسے مبارکبان نہیں دے سکتے ، هم سفارهی کرینگے که سرکار اِس طرح کے ناحق برجم اپنےاوپر نه لے اور جو خطاب یا مبدل جسے مانا هے وہ جنتا کی طرف سے آپ سے ملنے دے ، جیسی جس کی خدمت ہوگی جانتا خود اِسے ویسے نام سے پکارے جس کی خدمت ہوگی جانتا خود اِسے ویسے نام سے پکارے کی جیسے اُسی فی تلک کو لوکمانیه اور گاندھی کو مہاتما کہا اور نائی رہے گی .

22 . 8 . 24 سريش راميهاني

"ويل فيئر استيت" بنام كرام راج

جوائی مہینے میں کل هند کانکریس کیٹی کی ایک بیٹک کی ایک بیٹک کی ایک بیٹک کی میں میں هوئی ، اس میں کل مقاکر 13 ٹیبراؤ پاس هوئے ، ان میں سے کئی مہترپوردهیں ، لیکن هم اس رقت

"BA mad - main

तारीख 15 अगस्त को नई दिल्ली से राश्ट्र पति की तरक मे एक अजीव व रारीव ऐलान निकला. इस ऐलान में दो तरह के. या कइना चाहिये चार तरह के, मैं इलों की तकसीम का इजहार किया गया :-- "भारत-रत्न" मैडिल श्रीर "पद्म-विभूशन" मैडिल में तीन दर्जे या वर्ग किये गये-पहला बर्ग, दूसरा बर्ग और तीसरा बर्ग. इस ऐलान में बताया गया है कि भारत के विधान की धारा 18 के मताबिक खितान नहीं बांटे जा सकते लेकिन देश के बड़े बड़े साइन्सदां, इन्जीनियर, कलाकार वरौरा को उनके काम के सिलसिले में यह मैडिल दिये जा रहे हैं.

अंग्रेजी वृस्तूर के मुताबिक्र मैं डिल छाती पर लटकाए जाते हैं और दरबार या खुशी या जल्से के भौके पर लोग उन्हें लगा कर आते हैं. हमें नहीं मालूम कि सर, खान-बहादूर या रायबहादुर की तरह लोग अपने नाम के आगे "भारत-रत्न" या "पदा-विभूशन" लिख सकेंगे या नहीं. लिखें न लिखें, यह कोई अहमियत की चीज नहीं है. असल बात यह है कि इन मैडिलों की जरूरत क्या पड़ी ? जवाब होगा कि सेबाधों के एवज में दिये गये हैं ताकि दूसरे लोगों का भी उत्साह बढे, तो क्या हम उसके यह मानी लगायें कि आजाद हिन्दुस्तान में बड़े या ऊंचे काम की तरफ लोगों के अन्दर प्रेरना पैदा करने के लिये इस वन्नत तक जहां उंची तनस्वाहें दी जाती हैं अब (आजादी के सात साल बाद) मैडिल की भी दरकार महसूस होने लगी ? कोई कहेगा कि यह इन्सानी कमजोरी (Human weakness) है लेकिन हम इसे अपने मुल्क की बदकिस्मती सममते हैं कि किदमत करने या नेकी के काम करने के लिये सोने या चांदी के मैडिल से हमें बहलाबा दिया जाये, अंग्रेजों ने ऊंची तनस्वाह का क़ायदा जारी किया क्योंकि उन्हें ख़द ऊंची तनस्वाहें लेनी थीं और चाहिये भी थीं. हमने इस कायदे को जारी रला है जिसकी बजह से जिस्मानी काम को या हाथ से मेहनत करने को जिस नफरत के साथ पहले देखा जाता था आज भी उसी तरह देखा जाता है. बजाय इसके कि हम इस दस्तूर को स्नतम करते. मैडिल बांटने का सिलसिला श्रीर जारी कर दिया, आरो चलकर उन मैडिल वालों या उनके चाहने वालों की एक जात ही खड़ी हो जाने वाली है जो हुकूमत की खुरानुदी के फ़न में अपने को माहिर कर लेती है. कल नतीजा यह होगा कि अच्छी प्रेरनाएपैदा होने की बजाय नामुनासिब पेरनाएं देवा होंगी और लोगों के आपस के फर्फ़ और भी बहे ते.

- पाहिर दे कि हर सरकार हनाम, इकाम या मैडिल अपनी मुर्जी के मुताबिक तकसीस करती है. यानी "भारत

تاریم 15 اگست کو نئی دلی سے راشتریتی کی طرف سے ایک عجیب و غریب اعلان نکلا اس اعلان میں دو طرح کے يا كهنا چاءئے چار طرح كے سيدلوں كى تتسيم كا أظهار كيا گيا :-"الهارت وتن" ميدل أور "يدم ويهرشن" ميدل . يدم ويهرشن میدل میں تین درجے یا ورگ کئے گئے۔۔پہلا ورگ دوسرا ورگ اور تیسرا ورگ اس اعلان میں یہ بتایا گیا ہے کہ بہارت کے ودهان کی دهارا 18 کے مطابق خطاب نہیں بائٹے جاسکتے لیکی دیش کے بڑے بڑے سائنس دان' انجینیر' کالار وغیرہ کو أن كے كام كے صلے ميں يد ميذل دئے جارهے عيں .

الکاریزی دستور کے مطابق میڈل چھاتی پر لٹکائے جاتے هیں اور دربار یا خوشی یا جلسہ کے موقع پر لوگ آئییں لگا کر آتے هيں ، هميں نهيں معلوم که سرا خان بهادرا يا رات بہادر کی طرح اوگ اپنے نام کے آگے ''بھارت رتن'' یا ''یدم ويهوشي " لكه سكينگ يا تهين ، لكيين ته لكهين يه كوئي أهميت كى چيز نہيں هے . امل بات يه هے كه أن ميذلوں كى ضرورت کیا ہوی جواب ہوگا کہ سیواؤں کے عیوض میں دیئے گئے میں تاکہ درسرے لوگوں کا بھی اُنساہ بڑھے، تو کیا هم اس کے یہ معلی لگانیں که آزاد هندستان میں بڑے یا اُونیچے کام کی طرف لوگوں کے الدر پریونا پیدا کرنے کے لئے اس وقت تک جاں اُونچی تنظواهیں کی جاتی هیں اب (آزادی کے سات سال بعد) میدل کی بھی درکار محصوس هرنے لکی ، کوئی کہیکا که یه انسانی کنزوری (Human weakness) هے لیکن هم آسے اپنے ملک کی بدقسمتی سبجھتے ھیں که خدمت کرنے یا نیکی کے کام کرنے کے لئے سونے یا چاندی کے میدلیں سے همیں بہلوا دیا جائے انگریزوں نے اُونچی تنخراہ کا قاعدہ جاری کیا كيونكة البين خود أونچى تنخواهين ليني تهين اور چاهئين بھی تھیں سے م لے اس قاعدہ کو جاری رکھا ہے جس کی وجہ سے جسمائی کام کو یا عاتم سے منعنت کرنے کو جس نفرت کے ساته پہلے دیکھا جاتا تھا آج بھی اس طرح دیکھا جاتا ہے ، بجائے اس کے که هم اس دستور کو ختم کرتے عیدل بانتاہے کا سلسله اور جاری کردیا . آگے چلکر ان میدل والی یا أن كے چاهنہ والوں كى أيك جات هى كهرى هو جانے والى ی جو حکومت کی خوشنودی کے نن میں اپنے کو مامور کر لیتی ه . كل نتيجه يه مولا كه اچهي پريرنائيس پيدا مولي كے بجائے المناسب پریرنائیں دیدا مونکی اور لوگوں کے آپس کے فرق اور ا بھی ہوھیائے ۔

طاهر هم که هر سرکار انعام اکرام یا میدل اپنی مرفی کے مطابق تقسیم کرتی ہے، یعلی " بھارت लोगों की जान के मुकाबले , जाननी । शान को ज्यादा देवा सममे. इस ठैहराव से भी यह नहीं साफ साफ पता चलता कि क्या समाजवादी सरकार किसी मौक्ने पर गोली चलाने की छूट देगी या नहीं ? इस तरह कांग्रेस प्रधान का खत और प्रजा समाजवादी पार्टी के ठैहराव, दोनों इस बात में चुप हैं कि सरकार की तरफ से गोली चलनी चाहिये या नहीं. और जगर चले तो कब ? लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि इन दोनों के पीछे एक ही जजबा काम कर रहा है—बह यह कि अपने घरेलू मामले में हमको अहिंसा, और शान्ति के रास्ते से तय कर लेने चाहिये.

लेकिन सब मामलों में, खासकर आर्थिक मामलों में, दो करीकों में से एक करीक सरकार जरूर रहती है. इसलिय हमारा खयाल है कि हमार देश में शान्ति या ध्रमन का बाताबरन तब तक कायम नहीं हो सकता जब तक सरकार ध्रमने पर कुछ पाबन्दी न करे और पुलिस या मिलिटरी का सहारा न ले. इस बास्ते हिन्दुस्तान में लोकशाही राज्य के खूबस्रती और शान्ति के साथ चलने के लिये यह जरूरी है कि सरकार की तरक से यह साक साक जाहिर हो जाये कि देश के भीतरी मामलों में वह गोली या हिंसा का रास्ता नहीं अख़्तियार करेगी.

इस सिलसिले में, पाठकों को यह जानकर ख़ुशी होगी कि तारीख 22 जुलाई को, बैरिया (मुजफ़्करपुर जिला) गांब में प्रार्थना प्रवचन में श्री विनाबा जी ने क्या कहा था ? उनकी राय है :

सार्वजनिक कार्यकर्ता भिन्न भिन्न सवालों को लेकर अपने आन्दोलन या तहरीक चलाते रहें. लेकिन वह इस बात का ध्यान रखें कि किसी मौके पर भी हिंसा का रास्ता न लिया जाये. इसी तरह से सरकार को भी यह ऐलान कर देना चाहिये कि देश के मामलों में वह कभी बन्दक का इस्तेमाल नहीं करेगी.

यह मसला पेसा गम्भीर है कि जिस पर क्या सरकारी आहलकार और क्या राजनीतिक या सामाजिक कार्यकर्ता, सबको इसपर गहराई से गौर करना चाहिये. क्या हम यह अमीद कं के कि कांग्रेस और प्रजा समाजवादी पार्टियों के लोग—अपनी निजी सार्वजनिक हैसियत में, और सरकारी शासन के अलमवर्दार की हैसियत में—यह जाहिर करेंगे कि अपनी जिम्मेदारियों और फर्ज को निमाने में वह हिंसा की ताकर्तों का आश्रय अब नहीं लेंगे. अगर वह ऐसा करते हैं तो इससे मुक्क को एक बड़ी अच्छी रहनुमाई हासिल होगी. इससे लागों के अन्दर एक जबरदस्त आत्म विश्वास , पैदा होगा. इससे हमारी शान्ति और तरक्की का रास्ता खुल जायेगा और हम दुनिया की निगाह में मी, सही माने में, ऊंचा छटेंगे.

30. 9. '54

-सुरेशरास आई

لوگوں کی جان کے مقابلے اپنی شان کو زیادہ آونچا سنجے۔
اِس تَهبراؤ سے بھی یہ نیش ماف ماف پتہ چلتا
کہ کیا سماج وادمی سرکار کسی موقعے پر گولی چھنے کی
چہرت دیکی یا نہیں آ اِس طرح کانگریس پردھان کا
خط اور پرجا سماجوادمی پارٹی کے تھبراؤ' دونون اِس بات میں
چپ ھیں که سرکار کی طرف سے گولی چلنی چانئے یا نہیں ۔
اور اگر چلے تو کبآ لیکن اِس سے اِنکار نہیں کیا جاسکتا که اِن
دونوں کے پیچھے ایک ھی جزبہ کام کررھا ھے—وہ یہ که اپنے
گہریلو معاملے میں ھم کو اھنسا اور شانتی کے راستے سے طے کولینے

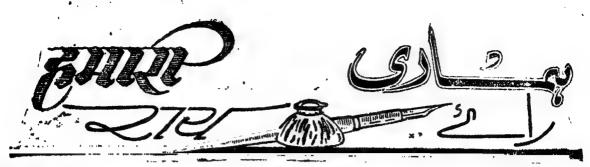
ایکن سب معاملوں میں' خاص کر آرتهک معاملوں میں' در نریقوں میں سے آیک نویق سرکار ضرور رہتی ہے۔ اِس لئے ہمارا خیال ہے کہ ہمارے دیھی میں شائتی یا امن کا واتاورن تب تک قائم نہیں ہو سکتا جب تک سرکار آینے پر کچھ پابندی نے کرے اور پولس یا میلٹری کی گولی کا سہارا تم لے ۔ اِس واسطہ هنرستان میں لوک شاهی راجیم کے خوبصورتی اور شائتی کے ساتھ چانے کے لئے یہ ضروری ہے کہ سرکار کی طرف سے یہ صاف ظاهر ہو جائے کہ دیش کے بھیتری معاملوں میں وہ گولی یا هنسا کا راست، نہیں اختیار کرے گی .

اِسَ سلسلے میں' پاٹھکوں کو یہ جان کر خوشی ہوگی که تاریخ 22 جولائی کو' بیریا (مظاریور ضلع) گؤں میں پرارتھا پررچن میں شری رائیہ ہے:

سارر مجنک کاریه کرتا بهن بهن سوالس کو له کر اپنے آندولن یا تحویک چلاتے رهیں ، لیکن وہ اس بات کا دهیان رکھیں که کسی مرقع پر بھی هنسا کا راسته نه لیا جائے ، اِسی طرح سه سرکار کو بھی یه اعلان کو دینا چاهئه که دیش کے معاملوں میں وہ کبھی بندوق کا اِستعمال نہیں کرے گی ،

سسريض راميهائي

30.9.754



देश की मांग

ں بھی کی مانگ

हाल ही में पंडित जबाहर लाल नेहरू ने प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के सभापित के नाम एक चिट्ठी भेजी है. उसमें उन्होंने इस बात पर बड़ा दुख जाहिर किया है कि हमारे सार्वजनिक जीवन में लोगों का मुकाब किसी न किसी तरह की हिंसात्मक कार्रवाई की तरफ बढ़ता जा रहा है. इस ढंग को उन्होंने खतरनाक कहा है और लोकशाही राज्य की जड़ के खिलाफ बताया है. उनका यह भी कहना है:

जब हम अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे तो हिंसा के खिलाफ थे. ऐसी स्रत में आज जब हमने आजादी हासिल कर ली है, तब हमें हिंसा के और भी खिलाफ होना चाहिये. आजकल तो अपने सवालों को हल करने के लिये हमारे पास लोकशाही साधन और मशीनरी भी मौजूद है.

कांग्रेस प्रधान की इस सूचना का हम दिल से स्वागत करते हैं. उनका यह सलाह देना कि अब हमको अपने सवाल हल करने में चन्दूक यां डंडे की मदद नहीं लेनी चाहिये, बहुत ही सुहाबनी सलाह है. लेकिन उनकी चिट्ठी से यह नहीं पता चलता कि क्या वह यह भी चाहेंगे कि हिन्दुस्तान के सभी प्रान्तीय श्रीर केन्द्रीय सरकारें घरेलू गामलों में हिंसा का सहारा लेना छोड़ दें और उनकी पुलिस आदि केवल शान्तिमय तरीक्नों पर जनता की सेवा करें. थोड़े दिन हुए ट्रावनकोर-कोचीन प्रदेश में गोली चली थी, उस घटना पर प्रजा समाजवादी पार्टी ने अपना बहुत अफ़सोस प्रकट किया और थोड़े दिन हुए जब दिल्ली में उसकी कार्य समिति की बैठक हुई तो एक प्रस्ताव भी प्रजा समाजवादी पार्टी ने पास किया. उसमें कहा गया है कि जब यह डर हो कि जनता की तरफ से ईंट पत्थर फेंके जायेंगे, या यह समका जाये कि भींक कोई और खतरनाक रूप ले लेगी, या उससे शान्ति को खतरा पैदा होगा, तो ऐसी हालतों में पुलिस का गोली बलाना या लोगों को मारना इन्साफ से दूर है. और कीई भी लोकशाही सरकार यह नहीं बदीरत करेगी कि

حال ہی میں پنت جواہر الل نہرو نے پردیش کانکریس کمیٹیوں کے سبھاپتی کے نام آیک چتبی بھیجی ہے ۔ اُس میں آنہوں نے اِس بات پر بڑا دکھ ظاہر کیا ہے که همارے سازوجنک جیوں میں لوگوں کا جبکاؤ کسی نه کسی طرح کی هنسانسک کارروائی کی طرف بوستا جارہا ہے ۔ اِس تھنگ کو آنہوں نے خطرناک کیا ہے اور لوگ شاہی راجیه کی جڑ کے خلاف بتایا ہے ۔ اُن کا یہ بھی کہنا ہے :

جب هم اپنی آزادی کی لوائی لو رهے تھے تو هنسا کے خلاف تھے ، ایسی صورت میں آج جب هم نے آزادی حاصل کرلی هے تب همیں هنسا کے اور بھی خلاف هونا چاهئے ، آجنل تو اپنے سرالوں کو حل کرتے کے لئے شمارے پاس لوکشلهی سادین اور مشینری بھی موجود ہے .

كالكريس يرديقان كي إس سوچنا كا هم دال سے سواگت كرتے هیں ، أن كا يه صلاح دينا كه أب هم كو أيني سوأل حل كرفي میں بندرق یا ذندے کی دد نہیں لینی چاہیے ا بہت ھی سهاونی صلاح هے ، لیکن أن كي چتهى سے يه نهيں پته چلتا كه کیا وہ یہ بھی چاهینکے که هندستان کے سببی پرائتیہ اور کیندریه سرکارین گهریلو معاملوں میں هنسا کا سهاراً لینا چیوز دیں اور اُن کی پولوش آدی کیول شانتی میے طریقین پر جنتا کی سیوا کریں ، تهورے دین هوئے ڈراونکرر - کیچین بردیش میں گولی چلی تی . اُس گینا در درجا ساجرادی پارٹی نے اپنا بہت انسوس پرکٹ کیا اور تھرزے دن ہوئے جب دلی میں اُس کی کاریہ سعتی کی بیترک هرای تو ایک پرستای یمی پرجا سماروادی پارٹی نے پاس کیا . اُس میں کہا گیا ہے کہ جب یہ تر ہو فه جنا کی طرف سے اینٹ یتور بھینکے جائینکے یا یہ سمجھا جائے که بهور کوئی اور خطرناک روپ لے لیکی یا اُس سے شاتی کو خطرہ پیدا موگا تو ایسی حالتوں میں پرلس کا گیلی چلانا یا لوگوں کو مارنا اِنصاف سے دور ھے۔ الرر كوالي بهي لوكسشاهي سركار يه نهين برداشت كويكي كه

सुनिये काका साहब !

लिखने वाली—रेहाना तैयक जी; निकालने बाले— हिन्दुस्तानी प्रचार सभा; लिखावट—हिन्दी; सम —270; दाम—दो रुपया चार जाना.

तैयब जी कानदान से आजादी के आन्दोलन से दिल-पत्सी रखने वाले सभी वाक्तिक हैं. रेहाना जी एसी बारा की एक फूल हैं. काका साहब ने इच्छा जाहिर की कि रेहाना जी अपने खानदान के बारे में उन्हें कुछ सुनायें और उन्होंने कहा—सुनिये काका साहब ! यह नाम रेहाना जी की रौली से मेल खाता है. उनकी क़लम ऐसी चलती है जैसी उनकी खबान चलती हो. कहीं बनावट नहीं, सीधी सपाट बात! जैसे दो आदभी बातें कर रहे हों.

रेहाना जी पारसी हैं, अमेजी वातारन में रहीं, गुजराती अमेजी के बाद उनकी भाशा बनी. पर हिन्दी वह इतनी अच्छी लिख लेकी हैं कि देखकर आश्चर्य होता है.

यह किताब ऐसे तो एक बड़े खानदान का स्मरन है. पर इस के आगे इस किताब का विस्तार है. यह एक समय का एक संक्षिप्त समाजी इतिहास है. इसमें बड़े अच्छे किस्सों का जिकर है, उनसे सबक मिलते हैं, उन्होंने हमारे जीवन पर क्या असर डाला, इसकी मांकी मिलती है.

एक बार जो इस पुस्तक को उठा लेगा बह इसे बिना
पूरा किये न छोड़ेगा, यह मुफे बिश्वास है. इतनी अच्छी
पुस्तक और खराव छपाई, यह वेखकर मन कुढ़ जाता है.
आशा है प्रकाशक दोबारा अच्छे टाइप में इस अन्मोल रक्त
को छारेंगे.
—सुस्तका हैदर नक्तवी

भूदान तहरीक का खाका

लिखने बाले—मुहस्मद हुसैन श्वन्सारी त्यागी; निकालने बाले—श्वन्सारी मंजित भदाइ (बनारस); लिखावड—उर्दू; साहा—23: द म—वार श्वाने.

मुहम्मद हुसैन साहब अन्सारी ने गांधी जी की बहुत सेवा की है. महात्मा जी ने अपने खत में उन्हें लिखा है— "जिस तरह तुमने हमारी सेवा की है वैसे ही देश की सेवा करते रहो, मैं तुमको अब भी अपना बेटा ही मानता हूं." अन्सारी साहब गांधी भक्त हैं और गांधी जी के उसूलों पर बलना चाहते हैं. आजकल विनोवा जी के मूदान पर अपनी सारी ताक़त लगाए हैं. सर्वोद्य साहत्य उर्दू में बहुत कम है. अन्सारी साहब ने यह किताब लिखकर भूदान का परिचय उर्दू प्रेमी जनता से कराया है.

इस किताब में भूदान की तहरीक, उसकी शुरूआत, उसके दर्शन, उसकी तरक्षकी, सब पर थोड़ी थोड़ी रोशनी पढ़ती है और गांववाला जो शब्दों के बबन्डर में नहीं फंसता इस किताब को पदकर भूदान को मोटे तौर पर अच्छी तरह समभ सकता है.

سنيثے كاكا صاحب ا

الهنم والى سريحانه طبيب جى؛ نكالنم والمسعنداتى والمسعنداتى وريعة برچار سبها؛ المهارت هندى؛ صفحه 270 دامسدو رويعة

چار انه .
طیب جی خاندان سے آزادی کے آفدولن سے داچسپی
رکینے رائے سببی واقف میں ، ربحانه جی اُسی باغ کی ایک چال
میں ، کاکا صاحب نے اچھا ظاہر کی که ویحانه جی لینے خاندان
کے بارے میں آنہیں کچے سنائیں اور آنہوں نے کہا۔۔سنیٹے کاکا
ماحب! یہ نام ربحانه جی کی شیلی سے میل کھاتا ہے .
ماحب! یہ نام ربحانه جی کی شیلی سے میل کھاتا ہے .
مادمب! یہ نام ربحانه جی کی شیلی سے میل کھاتا ہے .
کہیں بناوت نہیں' سیدھی سہات بات! جیسے دو آدمی باتیں

کر رہے ہوں ، ریحانہ جی پارسی ہیں' انکریوی واتاورن میں رہیں' گجراتی انکریوی کے بعد ان کی بھاشا بنی ، پر ہندی وہ اتلی لچی کھ لیتی ہیں کہ دیکھکر آشچریہ ہوتا ہے ،

یہ کتاب آبیے تو ایک ہڑے خاندان کا اسمون ہے ۔ پر اِس کے آکے اِس کتاب کا بستار ہے ۔ یہ ایک سٹیے کا ایک سنکھیہت ساہمی اِنہاس ہے ۔ اِس میں برے اچھے قصوں کا ذکر ہے ' اُن سبتی ملتے میں' آ: موں نے همارے جیوں پر کیا آثر ڈالا' اس کی جہانکی ملتے میں ملتے ہے ۔

ایک بار جو اِس پستک کو اُنْہالے کا وہ اِسے بنا پررا کئے نه چورت کا' یه مجھے وشواس هے ، اتنی اچھی پستک ارر خراب چیرائی' یه دیکیکر میں کو جاتا ہے ، آشا هے پرکشک دربارا اچھے تائب میں اِس اندرال رنی کو چھاپھی گھ ،

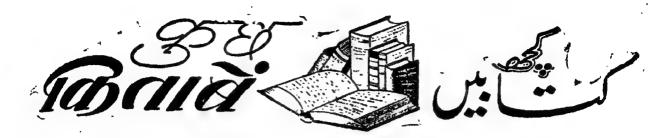
ــمصطفى حيدر نقرى

بهردان تحریک کا خاکه

لَكَهِنْ وَالْمِحْدُدُ حَسِينَ اقصارَى قَيَاكَى ؛ نَكَالَا وَالْمِحَدُ الْعَالِي وَالْمِحَدِ الْعَالِي وَالْمِح الصارى منزل بهدرهى (بنارس)؛ لكهاوت أردو؛ صنحاب 23 ؛ دلم چار آنه .

محدد حسین صاحب انصاری نے گاندھی جی کی بہت
سیرا کی ہے ، مہاتما جی نے اپنے خط میں اُنہیں تھا ہے۔
"جسطرے تم نے هماری سیوا کی ویسے هی د ش کی کرتے رهو اُنہیں تم کو آب بھی اُرنا بھٹا هی مانٹا هرں ." انصاری صاحب
گاندهی بھکت هیں اور گاندهی جی کے اصواری پر چلنا چاهتے
هیں . آجکل وتوباجی کے بھودان پر اپنی ساری طانت لگائے
هیں . آجکل وتوباجی کے بھودان پر اپنی ساری طانت لگائے
هیں . سروردے ساهتیم آردو میں بہت کم ہے . انصاری صاحب
نے یہ کتاب لیمکو بھودان کا پریچے آردو پریمی جنتا سے
کرایا ہے .

کرایا هے ۔
اس کتاب میں بھردان کی تحریک اُس کی شروعات ' اُس کے درشن اُس کے درشن اُس کی ترقی سب پر تھرتی تھرتی درشنی پرتی ها اور گلوں والا جو شہدوں کے بوئند میں نہیں پہلستا اِس کتاب کو پرمان کو موتے طور پر اُچی طرح سمجھ سکتا ہے ۔



हिन्दी पाठावली-इसरी किताब

هندى باتها ولى ــدرسرى كتاب

संपादक—गिरिराज किशोर, नरेन्द्र अंजरिया; निकालने वाले—गुजराती विद्यापीठ, अहमदाबाद; लिखावट—हिन्दी; सके—178; दाम—एक रुपया चार आना.

यह पुस्तक विद्यापीठ ने अपनी तीसरी परीक्षा के लिये तैयार की है. इसमें गद्य और पद्य दोनों हैं. इस संब्रह में पाठों और काठ्यों के चुनने में भाशा की सरलता और उसके बहाब का ख्याल रखा गया है.

यह पुस्तक हमारी पाठाविलयों से वित्कुल अलग है. हमारी पुस्तकें कठिन, ठस, नीरस और बेमतलब सी इसके मुक्ताबिले में दीख पदती हैं. इस पुस्तक से हमें प्रेरना लेनी चाहिये.

हिन्दी के विकास में अहिन्दी भाशियों ने शायद अधिक सहयोग दिया है, इस तो केवल रोड़े ही अटकाते रहे हैं. इमारी परम्परा रही है कि यदि कोई थोड़ा करे तो हम अधिक आभार मानते हैं. पर इस यह सब कुछ भूल गए हैं. आज अहिन्दी भाशी लेखकों की रचनाएं इमारे कार्स में कहां हैं? दिक्खन में बहुत से हिन्दी प्रचारक हिन्दी में रचनाएं करते हैं, पर इस अपने घमन्ड में उन्हें कोई स्थान नहीं हेते.

विद्यापीठ ने यह पुस्तक तैयार करके हमें रास्ता दिखाया है. इसमें हिन्दी के लेखक और अहिन्दी भाशी हिन्दी लेखकों की रचनाएं एक साथ रखी गई हैं, इसमें उर्दू के साथ भी मेद भाव नहीं बरता गया. यह है वह हिन्दी जो सबकी हिन्दी होगी, जो रास्ट्र भाशा होगी. हमारी पुस्तकों की हिन्दी अप्रगतिशील और 'कूप जल' के समान है, बहता नीर इस पुस्तक की हिन्दी है.

आशा है विद्यापीठ वूसरे संग्रह भी शीघ निकालेगी और सारे देश में इन संग्रहों का स्थागत होगा. سپادک گری راج کشور' نریندر انجریا ؛ نکالنے والے گھواتی ودیاپیٹر' انہارت مندی ؛ منجے 178 دام الک روبیه چار آنہ '

یہ رستک ردرایدتھ نے اپنی تیسری پریکشا کے لئے تیار کی ہے۔ اِس میں گدیہ اُرر پدیہ دوترں ھیں۔ اِس سنکرہ میں پاتیاں کا اور گس کے بہاؤ کا اور گس کے بہاؤ کا خیال رکھا گیا ہے .

یه پستک هماری پائیاوایوں سے بااکل الگ ہے . هماری پستکیں کتیں' نیوس اور بے مطلب سی اِس کے مقابلے میں دیکھ پرتی هیں اِس پستک سے همیں پریرنا لینی چاھئے .

ھندی کے رکاس میں آھندی بہاشیں نے شاید آدھک سہیوگ دیا ہے' مم تو کیول روڑے ھی آنکاتے رہے ھیں ، ھماری پرمہرا رھی ہے کہ بدی کوئی تہوڑا کرے تو مم آدھک آبیار مائتے ھیں ، آج آھندی بہاشی' ھیں ، آج آھندی بہاشی' لیکہکوں کی رچنائیں ھمارے کروس میں کہاں ھیں ایکین میں بہت سے ھندی پرچارک قندی میں رچنائیں کرتے ھیں' پر ھم آپنے گھند میں آئہیں کوئی آستیاں نہیں دیتے ،

ودانیته نے یہ پستک تیار کرکے همیں راسته دکھایا هے . اِس میں هندی کے لیہ کہ اُر اهندی بھاشی هندی لیہ کہوں کی رچنئیں ایک ستو رکھی گئی هیں اِس میں اُردو کے ساتھ بھی بھیدبھاؤ لہیں برتا گیا . یہ هے وہ هندی جو سب کی هندی هوگی جو راشتر بیاشا هوگی . هماری پستکوں کی هندی ایرگتی شیل اور 'کوب جل' کے سدان هے' بہتا نیر اِس پستک کی هندی هندی ه

آشا ہے ودیاپی درسرے سنکرہ بھی شیکھر نکالیکی اور سارے دیھی میں اِن سنکرھوں کا سراکت ھوگا .

--- मुस्तफा हैवर नक्तवी

مصطنئ هيدر نقوى

ستمير = أكتوبر 44°

बोली में पवास साठ की सदी द्रावड़ी लक्ष्य हैं, वालीस की सदी तुर्की, धर्बी, कार्सी, घंमेजी वरीरा के. धार्य भाशा के सुरिकल से पांच की सदी लक्ष्य होंगे और वह भी ज्यादातर पूजा पाठ के जिनका हमारे जीवन से, हमारे काम धन्दों से, बहुत ही कम वास्ता है.

जो कुछ मैं उपर लिख आया हूं उसका वास्ता बोली से है, लिखी से नहीं. लिखी को पंडित साहित्य भाशा भी कहते हैं जो असल में साहत (मरी हुई) जबान है. लिखी में आजकल जो धांधली मचाई जा रही है वह सब पर राशन है और खूबी यह कि धांधली मचाने वाले बड़े विद्वान और महाबीर गिने जाते हैं, क्योंकि न उन्होंने अपनी बोली कभी पढ़ी और न कोई किताब इस्म बोली की पढ़ी.

तीसरा दृश्य इससे भी अनोखा है. खेती बाईं और कपड़ा बुनने को छोड़कर जितने लग्न हाथ के काम की बाबत हैं वह लगभग सब तुर्की, फार्सी और दूसरी बिदेसी बोलियों के हैं, रोटी और तवा ही नहीं, पकाना, उवालना, भूनना और शायद तलना भी तुर्की है. येही हाल सीने पिरोने का है. सीना पिरोना ही नहीं, तुरपना, बिखया, संजाक, गोट, कुर्जा, पाजामा, क्रमीज, काट वरीरा तक्तरीबन सभी बिदेसी. तुरखान, लाहार, राज, मजदूर के जितने औजार हैं उनका नाम बिदेसी, यहां तक कि मेख, कील, बिरन्जी तीनों लग्न तुर्की के. समम में नहीं आता यह हमारी कोरी भारती सभ्यता जिसपर हम सब नाज करते हैं कितने पानी में थी. और तो और, पढ़ने लिखने में भी कलम, द्वात, काराज, स्याही पे सिल बरीरा सब बिदेसी. संस्कृत का भी यही हाल है. लग्न लिपि कासी में से लिया गया. मेला स्याही और मेलानिथ क दशत यूनानी में से.

चौथा दृश्य तो इल्म बोली का एक अनदूर कानून है जो सब जबानों पर लागू है, लेकिन जो हमारी बाली में आसानी से परखा जा सकता है. कानून यह है कि बोली का बोली पर असर पड़ता है, लिखी का नहीं या नहीं के बराबर. इन हो हजार बरसों में संस्कृत का हमारी बोली पर बराय नाम ही साया पड़ा. इसी तरह मुसलमानों की लिखी भाशा कार्सी थी या अर्थी. लेकिन बोली उन मुसजमानों की जो यहां आये तुर्की थी, इसलिये बिदेसी लफ्जों में अक्सर लफ्ज तुर्की के हैं. उसकी सबसे अच्छी मिसाल शायद तम्बाकू की है. तम्बाकू लफ्ज तो आया अमरीका से जहां से तम्बाकू आया, लेकिन उसके बारे में और जितने लफ्ज हमारी बोली में आए तकरीबन सब तुर्की के है—जैसे हुक्का, कर्काई, कुल्की, ने, नेचा, गट्टा, चिलम, तथा, सुल्का, पेचवान, शायद हुक्का पीना भी किसी लफ्ज का तरजुमा हो. साफ है कि हमारे हिन्दी वालों को इस कानून से अपनी जानकारी बढ़ानी चाहिये ہرلی میں پچاس ساتھ فی صدی درآوری لفظ ھیں' چالیس نی مدی ترکی' عربی' فارسی' آنگریؤی وغیرہ کے ۔ آریہ بھاشا کے مشکل سے پانچ فی مدی لفظ ھوٹکے آور وہ بھی زادہ تر پرجا پاتھ کے جن کا ھمارے جیوں سے' ھمارے کام دھندوں سے' بہت ھی کم واسطا ہے ۔

· · · · · · · ·

جو کچے میں اوپر کے آیا ہوں اُس کا واسطا ورلی سے ہے' کے سے نہیں ۔ لکھی کو پندت ساھتیہ بہاشا بھی کہتے ھیں جو اُصل میں ساھت (صری ھوئی) زبان ہے ۔ لکھی میں آجکل جو ماندھلی مچانی جا رہی ہے وہ سب پر روشن ہے اور خوبی یہ که یہ دھاندھلی مچانے والے بڑے ودوان اور مہاہبر گئے جائے ھیں' کیونکہ نہ آنہوں نے اُپنی درلی کبھی پڑھی اور نہ کوئی کتاب علم بولی کی پڑھی ۔

تیسرا درشید اس سے بھی انوکھا ہے ۔ کھیتی بازی اور کپرا بننےکو چھرو کو جتنے لفظ ھانی کے کلم کی بابت ھیں وہ لگ بھگ سب ترکی' فارسی اور درسری بدیسی برلیوں کے ھیں' روٹی اور توا ھی نہیں' پکانا' آبالنا' بھوننا اور شاد تلنا بہی ترکی ہے ۔ بین حال سینے پررنے کا ہے ۔ سینا پرونا ھی نہیں' ترپنا' بخیدا سنجان' گوت' کرتا' پلجامہ' تمیش' گرت وغیرہ نقریباً سبھی بدیسی ، ترکیان' لوھار' راج' مزدور کے جتنے ارزار ھیں ان کا نام سبجھ میں نہیں آنا یہ ھماری کرری بزارتی سبھینا جس پر سبجھ میں نہیں آنا یہ هماری کرری بزارتی سبھینا جس پر سبب ناز کرتے ھیں کتنے پائی میں تھی ، اور تو ارز' پرتھنے لینے میںبھی قلم' دوات' کافڈ' سیاھی' پنسل وغیرہ سب بدیسی' سنکرت کا بھی یہی حال ہے ۔ انظ لھے فارسی میں سے لیا گیا سنکرت کا بھی یہی حال ہے ۔ انظ لھے فارسی میں سے لیا گیا سنکرت کا بھی یہی حال ہے ۔ انظ لھے فارسی میں سے لیا گیا

چوتھا درشیدہ تو عام ہوای کا ایک ان ڈرت قانوں ہے جو سب زبانوں پر لاکو ہے، لیکن جو هماری بولی میں آسانی سے رکیا جا سکتا ہے ۔ قانوں یہ ہے کہ بولی کا بولی پر اثر پرتا ہے، اس کا نہیں یا نہیں کے برابر . ان در هزار برسوں میں سنسکوت هماری بولی پر برانہ نام ہی سایہ پڑا . اِسی طرح مسلمانوں الیمی بیاشا فارسی تبی یا عربی ، لیکن برلی اُن مسلمانوں کی بیاں آئے ترکی تبی اِس لئے بدیسی لفظوں میں اکثر لفظ ترکی ہویں . اِس کی سب سے اُچی مثال شائد تمباکو کی ہے تمباکو میں اور جتنے لفظ هماری بولی میں آئے تقر ما سب قرای کے ہیں رجتنے لفظ هماری بولی میں آئے تقر ما سب قرای کے ہیں نہیں سب سے آپی کہ اُن شرحت ہو ۔ سات ہے کہ سب سے اُن یہ بیان ترجمت ہو ۔ سات ہے کہ سب سے اُن یہ بینا بھی کسی ترکی لفظ کا ترجمت ہو ۔ سات ہے که سی سب سے آپی جانگاری برهائی چانئے ۔

سورون کو وہ کیسے بولتے تھے. دراوری بولی کی وہ اور درسون کو اربع بھاشا میں بالکل نہیں تھیں سجسے مرودھیته سو آریه بھاشا میں بالکل نہیں تھیں سجسے مرودھیته سا ٹھ کئیں ۔ گرامر بھی بدلی ۔ اور اگرچه کچھ لفظ آریه بھاشا کے اور خاصکر وہ جن کا راسطا پرجا پاتھ سے تھا اس پراکرت میں لئے گئے ۔ دیسی بھاشا کے لفظ جو پراکرت میں آئے سقر اسی فی صدی سے کم نہ تھے ۔ فرق صرف اتنا رہا کہ دیسی بھاشا کے لفظ جو پراکرت میں ائے گئے اور آریه بھاشا کے جو لئے گئے انہیں چھرتا کر کے اور دیسی گلوں کے موافق بنا کو لیا گیا ،

اس پراکرت میں سے نکلیں هماری ساری هندستان کی بولهاں اور آس پراکوت میں سے هی گڑھی گئی وہ لکبی بھاشا جسے لوگ سند عرب فرقے هيں . لکھی أور بولی ميں برزا فرق يه هے کہ لکھے کے لفظ لمبد ہوتے رہتے میں اور بولی کے چھوقے ، بری کوششوں سے اس لکھی میں آریہ بھاشا کے کچھ لنظ اور تیونسے گئے۔ لیکن پھر بھی بہت سے لنظ دیسی برلی کے ھی اِس میں لئے گئے کی فرآ ان کی شعل بگار کو یعنے لمبی کو کے . سنسکرت میں دتانے لنظ آریہ بھاشا کے اور کتنے دیسی بولی کے اس کی ابھے تک کسی نے پہری جانبے نہیں کی ۔ لیکن میرا انومان یہ ہے کہ اس میں کم سے کہ 50 نے صدی کفظ دراوری کے 20 ک فیصدی ترکی' عربی وعیرہ کے هیں جو یہاں کی پراکرے میں رم گئے تھے . اِن اظرر کو آریہ بھاشا کا جتائے کے لئے اُن انظر کی جهولی آریه دهانو (جویس) بنائی کثیب اور اس پر ایسا صلم چوهایا گیا که همارے اکثر لوگ آنهره هی نهیں ردوان بھی سلسکرت کو شدھ آریہ بھاشا سمجھتے ھیں . جسے دیکھو وہ یہی كهتا في كه هندستان كي برايال سنسه ب ميل سے فعليس أور تماشا یہ کے اس کے ثبوت میں اکثر رھی شبد پیش کرتا کے جو سلسكرت نے هماري ديسي بولي سے الله . چنائچة حال هي میں میں نے پندت سندر لال جیسے آزاد دماغ کا ایک آرڈیکل يوها جس ميں أنهوں نے يه ثابت درنے كى كوشش كى تھى كه مدراس کی جو درارزی زبانیں کہلاتی هیں اِن میں بہت سے سنسكوت كے لخط الله كله الله الله الله مدراس والوں كو هندی سیمینے میں مشکل نہیں مرنی چاھئے . مجھے اب یاد نہیں که مثال کے طرر پر کرن سے لنط پندت جی نے سنسکرت کے بتائے تھے لیکن وہ سب نیر' پاپ' چور' بیر' چومنا' مالا کی قسم کے تھے جو سنسکرت نے دراوری سے لئے هیں . دراں اتنا اور . جَعَلَدِينِهِ كَي ضَرُورَت هِ كَه هماري هندستاني ينجابي · راجستھائی ' برج وغیرہ پرائی درارزی یعنی پراکرت کے بہت زیادہ الروريك هيل بنسبت تامل عيليكو يا مليالم كے . دَاكثر ایب. هیراس" (H. Heras) کی یه راے سچی معاوم هوتی هے که هندستانی اور پنجابی بولیاں سی دراوری سے نہیں تعدی ان کے بولنے والے بھی اصلی دراوری ھیں . آبے ھماری ,

स्वरों को वह कैसे पोलसे थे. द्रावदी बोली की वह आवाजें जो आर्य भारा में बिरकुल नहीं थीं—जैसे मोरधन्य ट, ठ, ढ, ढ, ढ़े और या वरीरा—इस भाशा और प्राकृत में जोर पकड़ गई. प्रामर भी बदली. और अगरने कुछ लफ्ज आर्य भाशा के और खासकर वह जिनका वास्ता पूजा पाठ से था इस प्राकृत में लिये गये. देसी भाशा के लफ्क जो प्राकृत में आये सत्तर, अस्सी कीसदी से कम न थे. फर्क सिर्फ इतना रहा कि देशी भाशा के लक्ष्य जो प्राकृत में लिये गये ज्यों के त्यों लिये गये और खार्य भाशा के जो लिये गये उन्हें छोटा करके और देसी गलों के म्वाफिक बनाकर लिया गया.

इस प्राकृत में से निकलीं हमारी सारी हिन्दुस्तान की बोलियां और इस पाकृत में से ही गढ़ी गई वह लिखी भाशा जिसे लोग संस्कृत कहते हैं. लिखी और बोली में बड़ा फर्क यह है कि लिखी के लक्ज लम्बे होते रहते हैं और बोली के होटे. बड़ी कोशिशों से इस लिखी में आर्थ भाशा के कह लफ्ज और दूं से गये, लेकिन फिर भी बहुत से लफ्ज बेसी बोली के ही इसमें लिये गये लेकिन जरा उनकी शकल बिगाड कर यानी लम्बी करके. संस्कृत में कितने लक्ष्य आर्य भाशा के और कितने देसी बोली के, इसकी अभी तक किसी ने पूरी जांच नहीं की. लेकिन मेरा अनुमान यह है कि इसमें कम से कम 50 की सदी लक्ष्य द्वावड़ी के. 20 की सदी तुर्की. श्रवी बरौरा के हैं जो यहां की प्राकृत में रम गये थे. इन लक्ष्यों को आर्य भाशा का जताने के लिये इन लक्ष्यों की मूटी आर्य धातु (जड़ें) बनाई गर्थी और उसपर ऐसा मुलम्मा चढाया गया कि हमारे अक्सर लोग, अनपढ़ ही नहीं विद्वान भी, संस्कृत को ग्रुद्ध आर्थ भाशा सममते हैं. जिसे देखो बह यही कहता है कि हिन्दुस्तान की बोलियां संस्कृत में से निकलीं और तमाशा यह है कि इसके सबूत में अक्सर वही शब्द पेश करता है जो संस्कृत ने हमारी देसी बोली से लिये. चुनांचे हाल ही में मैंने पंडित सुन्दर लाल जैसे आजाद दिमारा का एक आर्टिकल पढा जिसमें उन्होंने यह साबित करने की कोशिश की थी कि मद्रास की जो द्रावड़ी जबाने कहलाती हैं उनमें बहुत से संस्कृत के लक्ष्य लिये गये हैं और इसलिये मद्रास वालों को हिन्दी सीखने में मुश्कल नहीं होनी चाहिये. मुक्ते अब याद नहीं कि मिसाल के तौर पर कीन से लक्ष्य पंडित जी ने संस्कृत के बताये थे. लेकिन वह सब नीर, पाप, चोर, बैर, चूमना, माला की किस्म के थे जो संस्कृत ने दावड़ी से लिये हैं. यहां इतना श्रीर जता देने की जरूरत है कि हमारी हिन्दुस्तानी, पंजाबी, राजस्थानी, बज वरौरा पुरानी द्रावड़ी यानी प्राकृत के बहुत प्यादा नजदीक हैं बनिस्वत तामिल, तैलेगू या मल्यालम के. डाक्टर एच. हेरास (H. Heras) की यह राय सबी मालूम होती है कि हिन्दुस्तानी और पंजाबी बोलियां ही द्रावड़ी से नहीं निकर्ती, काके, बोलने वासे भी घरली द्रावदी हैं. आज हमारी

चाची, ताऊ, ताई, बाबा, दादा, दादी, नाना, नानी, मामा, मामी, मीसी, मौसा बतैरा लेकिन शादी ज्याह को रिश्तेदारियों में चक्सर आर्य भाशा आ धमकी है—जैसे सास, ससुर, नन्दोई, नन्द, साला, साली, देवर, देवरानी जेट, जेठानी, बहु, विध्वा, सुहागिन वतौरा. यहां देसी बोली से मुराद है उस बोली की जो आर्यों के आने से पहले यहां बोली जाती थी. यह द्रावड़ी जवान थी जिसमें भिस्नी, तुर्की और दूसरी पिछ्नमी जवानों की काफी पुट थी. आर्य भाशा से मुराद है उस बोली की जो आर्य हिन्दुस्तान में आने से पहले बोलते थे.

निज की रिश्तेदारियों श्रीर ब्याह की रिश्तेदारियों में यह अन्तर क्यों ? यह अर्क उस जमाने की यादगार है जब आयों ने हिन्दुस्तान में आकर यहां के आदिभयों को तो मार भगाया और उनकी श्रीरतों को जबरदस्ती घर में रख लिया. बावजूद हमारे पुरानों की कहानियों के इसमें तो आजकल राक की गुंजाइश नहीं कि जब आर्थ क्रीम यहां आई थी वह चरवाहा थी और इधर उधर घूमती फिरती थी. न उन्हें खेती बाड़ी का काम अच्छी तरह से आता था, न वह मकान बरीरा बनाना जानते थे. उनसे यहां के लोग बहुत ज्यादा सुलमे हुए थे. जो बच्चे हुए उन्होंने अपनी माओं की बोली सीखी. कुद्रती तौर पर जो निजी रिश्ते-वारियां थीं वह बराबर देसी बोली की रहीं और जो आयों से ब्याह की सीरिश्तेदारियां कायम हुई उन पर आर्थ माशा का असर पड़ा.

दूसरा दृश्य भी इससे मिला जुला दे, जैसा कि ऊपर लिख आया हूं, आर्य जब यहां और तो सासे उजड़ थे. यहां के द्रावड़ी सासे सुसंस्कृत थे. जब दो क्रीमें मिलती हैं, एक उजद्र श्रीर एक सुसंस्कृत, तो चाहे मुस्की कतह उजद्रों की ही हो, जो कलचर पैदा होता है वह सारा नहीं तो बहुत कुछ सुसंस्कृत फरीक का ही होता है. चुनांचे यहां भी ऐसा ही हत्रा. आर्य अपने देवतात्रों-अग्नि, इन्द्र, मृत्यु वरौरा-को छोड़ कर शिव जी के पांव पड़े और पीपल को पुजने लगे जो दोनों द्रावड़यों के देवता थे. चूंकि बोली कलेचर का सब से बड़ां श्रंग है इसलिये यहां एक ऐसी बोली पैदा हुई जिसे बंदों के जमाने में भाशा कहते थे और जो बाद में प्राकृत कहलाने लगी. इसमें द्रावड़ी 95 फीसदी नहीं तो 90 की सदी घुस गई और आर्थ भारा। पीछे रह गई. सब से ज्यादा असर तो उनकी आवाजों में हुआ. व्यार्थ भाशा की जितनी व्यावाजें ऐसी थीं जो देसी बोली में नहीं पाई जाती थीं वह ऐसी ग्रायब हुई जैसे गधे के सर से सींग, मसलन भाशा की रौन, खे, काफ, जे जाती रहीं और अगर मुसलमान उन आवाजों को फिर यहां पर न लाते तो हमें उनका ज्ञान ही न होता, जैसे हमें बनके स्वरों ऋ, ऋ, लु, लु का अब तक क्रान नहीं कि इन چاچی تاؤ قائی بابا دادا دادی قانی ماما ملی موسی موسی تاؤ قائی بابا دادا دادی فرسی موسی میر و بابا دادی بیاه کی شکند آریس میں اکثر آریه بهاشا آدهم کی هستجیسے ساس سر فندر تی فند سالا سالی دیر دیرانی بین جانی مراد ها اس برلی کی جو آریوں کے آلے سے پہلے بہاں دولی جاتی تھی ۔ یه درارتی زبان تھی جس میں مصری ترکی آرد درسری پچھی زبانوں کی کافی چست تھی ۔ آریه بهاشا سے مراد هاس برلی کی جو آرید سے بہلے براتے تھے ۔

SA PURE SE

نیج کی رشتمداریس اور بیاہ کی رشتمداریس میں یہ انتو کیس کے درتس اور بیاہ کی یادگار ہے جب آریس لے هندستان میں آکو یہاں کے آدمیس کو تو مار بھایا اور اُن کی عررتس کو زہردستی گفر میں رکھ لیا ، باوجود همارے پرائس کی کہانیس کے اِس میں تو آجکل شک کی گنجائش نہیں کہ جب آریہ توم یہاں آئی تھی وہ چرواها تھی اور اِدھر اُدھر گھومتی پھرتی تھی ، نہ انہیں کھیتی بازی کا کام اُچھی طرح سے آتا تھا' نہ وہ مکان وغیرہ بنانا جانتے تھے ، اُن سے بہاں کے لوگ بہت زیادہ سلجھے ھوئے تھے ، جو بچچے ھوئے اُنہوں نے اُپنی ماؤں کی بولی سیکھی، قدرتی طور پر جو نجی رشتداریاں تھیں وہ بواہر دیسی سیکھی، قدرتی طور پر جو نجی رشتداریاں تھیں وہ بواہر دیسی مونی کی رهیں اور جو آریوں سے بیاہ کی سی رشتداریاں قائم بولی کی رهیں اُن پر آریہ بھاشا کا اُٹر پڑا .

درسرا درشیه بهی اس سے ملاجلا هے . جیسا که اُوپر لکم آبا میں' آریہ جب یہاں آئے تو خاصے اُجد تھے ۔ یہاں کے دراوری خاصے سوسنسکرت تھے . جب دو قومیں ملتی هیں ایک اُجد اور ایک سرسنسکرت تو چاہے ملکی فتمے اُجدرس کی ہو جو کلچر پیدا هرتا هے وہ سارا نہیں تو بہت کچھ سوسنسکرت فریق كا هي هوتا هي چنائجه يهال بهي ايسا هي هوا، أربع أيني دیوتاؤں۔۔اگنی ۔ اندر - موتیو وغیرہ۔کو چھورکر شوجی کے یاؤں پڑے اور پیپل کو یرجنے لکے جو دونوں دراوزبوں کے دیوتا تھے . چونکه بولی کلچر کا سب سے بڑا انگ ہے اِسلٹے بہاں ایک ایسی ہولی بیدا ہوئے جسے ویدوں کے زمانت میں بھاشا کہتے تھے أورجو بعد ميں پراكرت كهلال اكنى. اس ميں دراروى 95 نیصدی نہیں تو 90 نیصدی کیس کئی اور آریہ بھاشا پیچھے رہ گئی، سب سے زیادہ اثر تو ان کی آرازوں میں ہوا۔ آریہ بياشًا كي جتني أوازين أيسى تهين جو ديسي بولي مين نہیں پائی جاتی تھیں وہ ایسی غائب ھوٹیں جسے کبھے کے سر سے سیلک مثلاً آرید بھاشا کی غ ح' ف' ق' ز جاتی رهیی اور اگر مسلمان ان آوازوں کو بد المال ير نع الله تو هميل أن كا كيان هي نه هوتا جيس هميل ان کے سوروں رزا روم ارا ارمی کا آب تک گیاری نہیں که ان

बोबी-एक इतिहास (तवारीख्)

(मदन गोपाल)

इस्म बोली के माहिर कहते हैं कि हर देस की बोली उस देस की पुराने सामाजिक जीवन का सच्चा इतिहास होती है. किताबें मूटी हो सकती हैं और अगर वह एक करीक़ या एक करीक़ के ढिंडारिचयों ने लिखी हों तो अवसर मूटी होती हैं, लेकिन बाली कभी मूट नहीं बोलती और न बाल सकती है.

बोली के इस एतिहासिक रूप की मिसाल जो आम तौर पर हिन्दुस्तान में मशहूर है वह श्रंभेजी की है, जहां तक मुक्ते जानकारी है इमने अपनी किसी बोली के प्रतहासिक रूप को परला ही नहीं, इसलिये मैं पहले श्रंप्रेजी मिसाल दर्ज करता हूं. ग्यारहवीं सदी में जब विलियम अञ्चल ने इंग्लिस्तान फतह किया तो इंग्लिस्तान में जो बोली बोली जाती थी वह सेक्सन (Saxon) कहलाती थी. विलियम श्रीर उसके साथी नार्मन (Norman) एक क़िरम की फांसीसी बोलते थे, उस जमाने में सोना चांदी तो कम होता था मगर आदभी का धन उसके इंगर (जानवर) हुआ करते थे. हमारे इस शब्द 'धन' के असली माने हैं ही डंगर. जब नार्भनों की हकूनत जम गई तो वह सारे डंगरों के मालिक बन बैठे. जीते डंगरों की रखवाली सेक्सेंन लोग करते थे, इसलिये जीते इंगरों का नाम भी से उसन ही रहा. ले किन चूं कि उन डंगरों का गोश्त खाते थे नार्मन, इसलिये उनके गोश्त का नाम नार्मन हुआ, मसलन Cow (गाय) से म्सन और उसका गोश्त Beef नार्भन लक्ष्य है. इसी तरह से Sheep (भेड़), Pig (सूत्रार) और Deer (हिरन) सेक्सन जबान के लक्ष्य हैं, लेकिन उनके गोश्त के लिये Mutton. Pork और Venison तीनों नाम नार्मन बाली के हा गये. जीते और मरे हुए जानवरों के नाम का यह फर्क़ ग्यारहवीं बारहवीं सदी की धांधली का एक ऐसा सच्चा नक्षशा खींचता है जो जबतक अंग्रेजी जबान जिन्दा है क़ादम रहेगा.

हमारी बोली में भी हमारे पुराने सामाजिक जीवन की काफी यादगारें क्रायम हैं, लेकिन चूंकि हमारे देस में हमें अपनी बोली सिखाने का दस्तूर आम नहीं इसलिये वह यादगारें हमारे ध्यान में नहीं लाई जातीं. दो चार नमूने अपनी समक्ष के अनुसार मैं नीचे दे रहा हूं.

इसारी बोजी में जितनी निज की (पेट की) रिश्तेदारियां हैं बुद्र सब ठेठ वेसी बोली की हैं—जैसे मां, बाप, बेटा, बेटी, बहन, माई, भामी या माबज, जीजा, जीजी, चाचा,

بولی -- ایک إتهاس (تواریخ)

(مدن گویال)

عام ہولی کے ماہر کبتے ہیں کہ ہر دیس کی ہولی اس دیس کی پولی اس دیس کی پرانے ساماجک جیوں کا سعوا اتہاس قبتی ہے ۔ کتابیں جھوٹی ہوسکتی ہیں اور اگر وہ ایک نویق کے تھنتورچیوں نے لکھی ہوں تو اکثر جھوٹی ہوتی ہیں لیکن برلی کبھی جھوٹ نمیں ہولتی اور نہ بول سکتی ہے ۔

ہولی کے اِس اتیہاسک روپ کی مثال جو عامطور پر هندستان میں مشہور ہے انکریزی کی ہے جہاں یک مجھ جانکاری هے هم نے اپنی کسی بولی کے آتیہاسک روپ کو پرکھا هی نہیں؛ اس لئے میں پہلے انکریزی مثال درج کرتا ہوں . گیارهریں صدی میں جب ولیم اول نے انکلستان نتسے کیا تو انکلستان میں جو ہولی ہولی جاتی تھی وہ سیکسن (Saxon) ایک قسم کی فرانسیسی بواقع تھے . اس زمانه میں سونا چاندی تو کم هوتا تھ مکر آدمیکا دهن اس کے دنگر (جانور) هوا کرتے تھے۔ همارے اس شبد 'دھن' کے آمای معنے ھیں ھی دنگر ، جب فارمنوں کی حکومت جم گئی تو وہ سارے دنگروں کے مالک ہن بیٹھے ، جیتے ڈناروں کی رکھوالی سیکسن لوگ کرتے تھے' اس لله جيته دنگروس كا نام بهي سيكسس هي ريا . ليكن چرنكه أي دانگروں کا گرشت کھاتے تھے قارمن اس لئے ان کے گرشت کا فام نارس هوأ . مثلًا Cow (كاؤ) سيكسن أور أسى كا كرشت Beef زارمن لنظ مے . أسى طرح سے Sheep (بھيز) Pig (سور) اور Deer (هرن) سيكسن زبان كے لفظ هيں' ليكن أن كے گرشت کے لئے Pork, Mutton ارر Venison تینس نام نارمی ہولی کے هوگئے . جیتے اور صوبے هوئے جانبوروں کے نام کا یه فرق گیارهویں بارهویں صدی کی دهائدهای کا ایک ایسا سیا نقشه کیبنچتا هے جو جب تک انگریزی زبان زادہ ہے تاثم , Kan,

هماری بولی میں بھی همارے پرانے ساماجک جیوں کی علامی بادگاریں قائم هیں اللہ بورنکہ همارے دیس میں همیں اپلی بولی سکھانے کا دسترر عام نہیں اس لئے وہ یادگاریں همارے دهیاں میں نہیں لائی جاتیں ، دو چار نمونے اپنی سمجھ کے انہمار میں نمیجے دے رہا هرں ،

ر هماوی بولی میں جتنی نبج کی (پیٹ کی) رشکداریاں هیں وہ سب ٹیٹو دیسی بولی کی هیں سبجیسے ماں' باپ' بیٹا' بیٹی' بہائی' بیانی یا بارج' جیجا' جی چی' چلچا'

دیوتا کی مللے سے ایسا ھی فیصلہ کیا تھا ، شاید اُس کو یہ فہون ساہم تھا کہ نیل ٹدی مصر میں بھی بہتی ھے ،

ناچتے ناچتے ٹیام نیام قبیلے کے جادرگر قاکتر نے بیل ندی کے دیوتا سے، جس کو وہ ہر سال بھینت دیا کرنا تھا، صلاح کرنے کے لئے ندی میں کہد پڑا۔ اُس کی اس حرکت کو دیکھکر چناؤ بررق کے پرتیندھیوں نے اشچریہ کے کارن دالتوں تلے اُنگلی دیالی ، پھر وہ بڑے جوش کے ساتھ پائی پر اپنی جادوئی چھڑی مارتا ہوا دھارے کی طرف بڑھنے لگا، پر ترفت ہی اُس نے ایک قبکی لگائی، اُرپر اُبھرنے پر اُس کا منع چناؤ کی جھونیزی کے سامنے تھا ، اُرپر اُبھرنے پر اُس کا منع چناؤ کی جھونیزی کے سامنے تھا ، اُس کے بعد وہ ندی سے نکل کو دیوتا کی رائے کو پرگت کرنے کے اُس نے تبیلے کے سردار کی طرف بڑھا ، چونکھ نیل کے دیوتا نے سرنانر سبھا کے پکش میں رائے دینے کی صلاح دی تھی، اُس سرنانر نے پرے قبیلے سیب اس کو ورث دیا ،

اِس چناؤ کے نتیجے کی گھرشنا ہوتے ہی سارے مصر میں خرشی کی لہر دور گئی کیونکہ مصریوں کو سرتان کی سمسیا پر برطانیہ ایسے شکتیشالی درھی کے مقابلے میں سبھلتا پراپت ہوگئی . اِس کے علوہ اُس فتیجے نے سویو کینال کی سمسیا پر برطانیہ اور مصر کے جہارے میں مصر کی پرزیشن پہلے کے برطانیہ اور مصر کے جہارے میں مصر کی پرزیشن پہلے کے بنسبت ادھک مضبوط کردی .

رأستو میں اِس چناؤ کے نتیجے نے برطانیہ کو گہرے سوچ میں تأل دیا ہے۔ استہتی کی گمبھرتا کو سمجھتے ہوئے اور سرتان میں اپنے متنے ہوئے پربھاؤ کو دوبارہ جدائے کے لئے برطانیہ نے ہتے پیر مارنا شروع کردیا ہے۔ چنانچہ دنیا نے اُس کا پہلا پردرشن سرتائی پارلیامات کے اُدگھائن کے دن یعنی پہلی مارچ کو دیکھا جب که دکھنی قبیلے اور سوتنتر سبھا کے ممبروں نے سارے شہر خارتوم میں بارہ کردیا اور ہوائی آتے پر جنرل نجیب کے خلاف نعرے اگائے جہاں وہ اُدگھائن کی رسم میں شامل ہوئے کے لئے تاہوہ سے ہوائی جہان وہ اُدگھائن کی رسم میں شامل ہوئے

اس بارے کے نتیجے میں 35 آدمیوں نے اپنی جان سے ھاتھ دھویا اور سیکڑوں زخمی ھوئے اور دارا امنت کا ادگیائی نه ھوسکا ، پر راشٹری سنگتری سبھا کے نیتا اور سرتان کے نئے پردھان منتری اسمعل اظہری کی سخت کرشش اور سرکچیا کے وشیش پربندھ کرنے پر 15 مارچ 34 کو سرتانی پارلیامنٹ کا اُڈگیائن وال کے گرزئر جنرل سر رابرے ھو کے ھاتھوں ھوا ،

اظہری کے متتری منقل نے اپنے چنار کے پروگرام کو عملی جامہ پہنانے کی پوری کرشش کرنا شروع کردیا ہے ۔ پر آب دیمنا یہ ہے کہ برطانیہ کے شرینتر کا مقابات کرنے میں کہاں تک سیلتا ہرتی ہے ۔

देवता की सलाह से ऐसा ही कैसला किया था. शायद उसको यह नहीं मालूम था कि नील नदी मिस्र में भी बहती है.

नाचते नाचते न्याम न्याम क्रबीले के जादूगऱ डाक्टर ने नील नदी के देवता से जिसको वह हर साल भेंट दिया करता था, सलाह करने के लिये नदी में कृद पड़ा. उसकी इस हरकत को देखकर चुनाव बोर्ड के प्रतिधियों ने आश्चर्य के कारन दांतों तले उंगली दवाली. फिर वह बड़े जोश के साथ-पानी पर अपनी जादुई छड़ी मारता हुआ धारे की तरफ बढ़ने लगा, पर तुरन्त ही उसने एक डुबकी लगाई. ऊपर उमरने पर इसका मुंह चुनाव की मोपड़ी के सामने था. उसके बाद वह नदी से निकल कर देवता की राय को प्रगट करने के लिये क्रबीले के सरदार की तरफ बढ़ा. चूंकि नील के देवता ने स्वतंत्र सभा के पक्ष में शय देने की सलाह दी थी, इसलिये सरदार ने पूरे क्रबीले समेत इसको बोट दिया.

इस चुनाव के नतीजे की घोशना होते ही सारे मिश्र में खुशी की लहर दौड़ गई क्योंकि मिसियों की सूडान की समस्या पर बर्तानिया ऐसे शक्तिशाली देश के मुकाबले में सफलता प्राप्त हो गई. इसके अलावा इस नतीजे ने खेज कैनाल की समस्या पर बर्तानिया और मिस्र के मगड़े में मिस्र की पोजीशन पहले के बनिस्बत अधिक मजबूत कर दी.

बास्तव में इस चुनाव के नतीजे ने बर्तानिया को गहरे सोष में डाल दिया है. स्थित की गम्भीरता को सममते हुए और सूडान में अपने मिटते हुए प्रभाव को दोबारा जमाने के लिये बर्तानिया ने हाथ पैर मारना शुरू कर दिया है. हुनिया ने इसका पहला प्रदर्शन सूडानी पार्लियामेन्ट के उद्घाटन के दिन यानी पहली मार्च 4 को देखा जब कि दिक्खनी कबीले और स्वतंत्र सभा के मेम्बरों ने सारे शहर खारत्म में बलवा कर दिया और हवाई अड्डे पर जनरल नजीव के खिलाफ नारे लगाए जहां वह उद्घाटन की रस्म में शामिल होने के लिये काहिरा से हवाई जहाज से आये थे.

इस बलवे के नतीजे में 3 शादिमयों ने अपनी जान से हाथ घोया और सैकड़ों जलमी हुए और पार्लियामेन्ट का उद्घाटन न हो सका. पर राष्ट्री संगठन समा के नेता और स्वान के नये प्रधान मंत्री इस्माईल अजहरी की सख्त कोशिश और मुरक्षा के विशेश प्रबंध करने पर 10 माच '54 को स्वानी पार्लियामेन्ट का उद्घाटन वहां के गवर्नरजनरल सर राबर्ट हु के हाथों हुआ.

अज़हरी के मंत्री मन्डल ने अपने चुनाव के प्रोमाम को अमली जामा पहनाने की पूरी कोशिश करना शुरू कर दिया है. पर अब देखना यह है कि बर्तानिया के शहयंत्र का मुकाबला करने में कहां तक सफलता होती है.

پرنیندهیوں کو نیز دهوپ میں بیتھنا دڑا۔ امیے' دیلے پتلے' نیکے اور کالے پرشوں نے ناچ شروع کیا۔ اپنے پرشوں کے ناچ سے پربھارت هوکر بینچ میں اِستریاں جنگلی نعرے لگاتی تھیں۔ جب سردار نے اپنا بایاں هانه آتھایا تو ناچنے وانوں نے جو که تهک کر پسینے میں تر موجکہ تھے' ناچ بند کردیا ۔ پھر نرنت هی عورتوں نے نتارے بحوانا شروع کیا جن کی آراز سے جنگل اور ریکستان گونجنے لئے . کچھ منت کے بعد پورا قبیلہ سردار کے سامنے جھک گیا ، سردار کے دونوں ماتھ آکلش کی طرف آتھانے پڑ سب لوگوں نے کھڑے کے دونوں ماتھ آکلش کی طرف آتھانے پڑ سب لوگوں نے کھڑے کی حرور بڑے زور کا نعرہ لگایا ، پھر سردار نے کچھ آشچوریہجنگ شبد کہے جس کے بعد قبیلے کے سب مردوں نے سردار کا هاتھ چوما اور کیے ساتھ جادوگر ڈاکٹر کے نیدلے کا انتظار کرنے لئے ۔

واشتری سنکتّبی سبها کے پرتیندیتی الگ بالکل شانتی پرروک کھڑے ہوئے اِن ثه تانے والی رسموں کے سمایت ہوئے کا انتظار کر رہے تھے . حالانکہ دونوں کا کام اُپنی اُپنی سبهاؤں کے لئے ووت پرایت کونا تھا پر وہ جائتے تھے کہ جادوگر دَاکّتر کے نیصلے پر سارا تبیلہ ووت دیگا اور اِس سلسلے میں ان کی کوئی بھی کوشھی بالکل بیکار ثابت ہوگی .

جادرگر قائقر نے اپنی هدیوں اور پروں کی توپی سمیت ومیں کے دیوتاؤں سے صلاح کرنے کے لئے اپنا ہسر زمین پر تیک دیا ، دیوتاؤں سے صلاح کرنے میں اُس کو پانچ منت لگے ، اِس کے بعد وہ یکایک کھڑا ہوگیا ، اُس کا سارا بدی اکرا ہوا تھا اور ایس نے اپنی جادوئی چھڑی کو آگاش کی طرف اُٹھا دیا ۔

دونوں سبباؤں کے پرتیندھیوں نے سمجھ لیا کہ اُن کے بھاگیہ کے نیصلے کا سمے آگیا ۔ اُن کی آنکھیں اِس پرکار سے چھڑی پر گڑی ھوتی نھیں جیسے کہ وہ گھیرے سے بادر نکل جائینگی ۔ یکایک جادوگر تاکلو نے عورتوں کی تالیر کی آواز پر یدھ فرتیہ شروع کودیا' پھر تیں بار گہرے جھٹکے کے ساتھ چکر کاتنے کے بعد وہ راشتری سنھتی سبھا کے پرتیندھی کے سامنے کھڑا ھوگیا اور اپنی چھڑی اُتھاکو اُس کو آشیرباد دیا ۔ اُس نے چھڑی کو بڑے اُنہی چھڑی اُتھاکو آداکٹر کے سامنے اپنا سرچھکا دیا ۔

اِن روچک رسوں کے بعد سردار کیڑا ہوگیا اور جھونہڑی کی طرف چل پڑا ۔ اُس کے لڑاکو پرش شانتی پوروک اُس کے پیچھے ہوائے تاکه جادوگر ذائقر کے نیصلے کے اُنوسار راشقری سنگھتی سبھا کے پیش میں ووت دیں .

پر نیام نیام نامک اردہ جنگلی دبیلے نے اِس کے باکل اُلٹا نیصلہ کیا ، انہوں نے سوننتر سبھا کے پکش میں رائے دی کیرنکہ اُن کے جادبوگر داکٹر نے نیل ندی کے

प्रतिनिधियों को तेल धूप में बैठना पढ़ा. लम्बे, दुबले पत्तले, तक्के और काले पुरुशों ने नाच शुरू किया. अपने पुरुशों के नाच से प्रभावित होकर बीच बीच में खियां जक्की नारे लगाती थीं. जब सरदार ने अपना बायां हाथ उठाया तो नाचने बालों ने जो कि थककर पसीने में तर हो चुके थे, नाच बन्द कर दिया. फिर तुरन्त ही औरतों ने नक्षकार बजाना शुरू किया जिनकी आवाज से जंगल और रेगिस्तान गूंजने लगे. कुछ मिनट के बाद पूरा क़बीला सरदार के सामने मुक गया. सरदार के दोनों हाथ आकाश की तरफ उठाने पर सब लागों ने खड़े होकर जोर का नारा लगाया. फिर सरदार ने कुछ आश्चर्यजनक शब्द कहे जिसके बाद क़बीले के सब मदों ने सरदार का हाथ चूमा और अदब के साथ जादूगर डाक्टर के फैसले का इन्तिजार करने लगे.

रारही संगठन सभा और स्वतंत्र सभा के प्रतिनिधि अलग बिलकुल शान्ति पूर्वक खड़े हुए इन न टलने वाली रस्मों के समाप्त होने का इन्तिजार कर रहे थे. हालांकि दोनों का काम अपनी अपनी सभाओं के लिये बोट प्राप्त करना था पर वह जानते थे कि जादूगर डाक्टर के फैसले पर सारा क्रवीला बोट देगा और इस सिलसिले में उनकी कोई भी कोशिश बिलकुल बेकार साबित होगी.

जादूगर डाक्टर ने अपनी हिंदुयों और परों की टोपी समेत जमीन के देवताओं से सलाह करने के लिये अपना सर जमीन पर 'टेक दिया. देवताओं से सलाह करने में उसको पांच मिनट लगे. इसके बाद वह यकायक खड़ा हो गया. इसका सारा बदन अकड़ा हुआ था और उसने अपनी जादूई छड़ी को आकाश की तरफ उठा दिया.

दोनों सभाश्रों के प्रतिनिधियों ने समम लिया कि उनके भाग्य के फैसले का समय श्रा गया. उनकी आंखें इस प्रकार से छड़ी पर गड़ी हुई थीं जैसे कि वह घेरे से बाहर निकल जायेंगी. यकायक जादूगर डाक्टर ने श्रीरतों की तालियों की आवाज पर युद्ध नृत्य शुरू कर दिया, फिर तीन बार गहरे महके के साथ चक्कर काटने के बाद वह राश्ट्री संगठन सभा के प्रतिनिधि के सामने खड़ा हो गया और अपनी छड़ी उठा कर उसकी आशीर्वाद दिया. उसने छड़ी को बड़े अदब से चूमकर जादूगर डाक्टर के सामने अपना सर मुका दिया.

इन रोचक रस्मों के बाद सरदार खड़ा हो गया श्रीर मोंपड़ी की तरफ चल पड़ा. उसके लड़ाकू पुरुश शान्ति पूर्वक उसके पीछे होलिये ताकि जादूगर डाक्टर के फैसले के श्रतुसार राष्ट्री संगठन सभा के पक्ष में वोट दें.

पर न्याम न्याम नामक श्रद्ध जंगली क़बीले ने इसके बिलुकुल उलटा फैसला किया. उन्होंने स्वतंत्र समा के पत्त में राय दी, क्योंकि उनके जादूगर डाक्टर ने नील नदी के इन्हीं कारनों से राश्ट्री संगठन सभा जुनाव में भारी बहुमत से सफल हो गई और वर्तानिया की पूर्न सहायता के बावजूद स्वतंत्र सभा बुरी तरह से हार गई.

दिक्खनी सुढान के चुनाव का श्रांखों देखा हाल एक

· 是第

घरषी जरनलिस्ट ने यू' लिखा है :---

द क्लन के पांच जिलों में जहां हवशी क्रवीले आवाद है, चुनाव की कार्यवाही आश्चर्यजनक ढंग से हुई वोटर अपने उम्मेदवारों के पीछे क्रतार बांध कर खड़े हो जाते थे. और अन्तर्राश्ट्री चुनाव बोर्ड के प्रतिनिधि उस उम्मेदवार को चुन लेते थे जिसके पीछे सब से अधिक वोटर खड़े होते थे. दिक्खन भाग के गुन्जान जंगली होत्रों में चुनाव की कार्य-बाही की सूचना बिगुल और नक्षकारों से दी गई थी. अपनी कोपड़ियों को छोड़कर क्रवीले के लोग अपने सब सामान और जानवरों समेत चुनाव के केन्द्रों की तरफ चल पड़े. कई दिन के सफर के बाद अपने देश के भाग्य का फैसला करने के लिये तपती धूप में चुनाव केन्द्र पर सब इकट्टा हुए. कहीं कहीं तो चुनाव प्रतिनिधियों को बोटिंग कई कई दिन तक गुलतवी करनी पड़ी क्योंकि क्रवीले नाच गाने या अच्छी फसल तैयार होने के कारन अपने विश्वासों के अनुसार धार्षिक रस्मों को पूरा करने में लगे हुए थे.

इन कठिनाइयों का अदाजा करते हुए पहले ही से चुनाब बोर्ड ने अपने प्रतिनिधियों को क़बीलों में बोटिंग कराने के लिये दो तीन हफते का समय दे दिया था ताकि सब क़बीले आसानी से बाट दे सकें. बहुत से नीलूती क़बीले अपने सब से अच्छे कपड़ों को पहन कर बोट देने के लिये आये. उनकी कमर में एक सफेद कपड़ा लिपटा था और गले में हिड़्यों और मूंगे का हार था. हर क़बीले का सरदार सब से आगे सांड़ पर सबार होकर चलता था. उसके पीछे क़बीले का जादूगर हाक्टर अपने साजो सामान यानी आदमी की खोपड़ियां, हिड्डियां, जड़ी बूटियां और जादूई लकड़ियों के साथ होता था. उसके बाद खियां अपने बच्चों को गोद में लिये हुए या पीठ पर बांधे चलती थीं. औरतों के पीछे मई रहते थे. कठिन और लम्बे रास्तों का तय करने के लिये उन लोगों के पास क़बाइली धार्मिक गीतों के अलावा दिल बहलाने का और कोई जरिया न था.

सूडान के सब से अधिक लड़ाकू शीलूक नामक क़बीले के सब सी पुरुश मनिकलें तय करते हुए चुनाव के केन्द्र तक पहुंचे जहां मिट्टी और फूस की एक फोंपड़ी चिलचिलाती हुई धूप में खड़ी थी. चुनाव प्रतिनिधियों ने क़बीले के सरदार और उसके प्रसिद्ध लड़ाकू साथियों का बढ़कर स्वागत किया और उसका मोतियों और मूंगों की मालायें में ट कीं.

थोड़ी देर के बाद क़बीले का युद्ध नृत्य शुरू हुआ जिसको देखने के लिये श्रमरीका और बेलजियम के انہیں کارٹوں سے راشگری سنکٹھن سبھا چناؤ میں باری بہومت سے سپھل ہوگئی اور برطانیہ کی دربی سہانتا کے باوجود سوتنتر سبھا بری طرح سے ہار گئی .

دکنی سرتان کے چناو کا آئموں دیکھا حال ایک عربی جرناست نے یوں لکھا ہے:۔۔۔

دکھن کے پانیج ضلعوں میں جہاں جبشی قبیلے آباد ھیں ا چناؤ کی کاریہ واھی۔ آشچریہ جنک تھنگ سے ہوئی۔ ووڈر اپنے آمیدواروں کے پیچھے قطار باندھ کو کھڑے ھو جاتے تھے اُور انٹرراشتری چناؤ ہورت کے پرتیندھی اُس آمیدوار کو چن لیتے تھے جسکے پیچھے سب سے ادھک ورڈر کھڑے ھوتے تھے۔ دکھن بھاگ کے گنجان جنگلی چھیتروں میں چناؤ کی کاریہ واھی کی سوچنا بکل اور مقاروں سے دی گئی تنی ، اپنی جھونہڑیوں کو چھوڑ کر فبیلے کے لوگ اپنے سب سامان اور جانوروں سمیت چناؤ کے کیندروں کی طرف چل پڑے ، کئی دی کے سفر کے بعد اپنے کیندر پر سب اِکٹھا ھوٹے ، کہوں کہیں تو چناؤ پرتیندھیوں کو کیندر پر سب اِکٹھا ھوٹے ، کہوں کہیں تو چناؤ پرتیندھیوں کو کیندر پر سب اِکٹھا ھوٹے ، کہوں کہیں تو چناؤ پرتیندھیوں کو کانے یا اچھی فصل تیار ھوٹے کے کارن اپنے ہشواسوں کے انوسار کانے یا اچھی فصل تیار ھوٹے کے کارن اپنے ہشواسوں کے انوسار

ان کھنائیوں کا اندازہ کرتے ہوئے پہلے جی سے چناؤ ہورت نے اپنے پرتیندھیوں کو تبیلوں میں ووٹنگ کرانے کے لئے دو تیں ہتے کا سے دے دیا تھا تاکہ سب قبیلے آسانی سے ووٹ دے سکیں بہت سے نیلوتی قبیلے آپنے سب سے اچھے کپڑوں کو پہریکو ووٹ دینے کے لئے آئے ، اُن کی کمر میں ایک سنید کپڑا لپتا تھا اور گلے میں ھڈیوں اور مونکے کا ھار تھا ، ھر قبیلے کا سردار سب سے آگے سانڈ پر سوار ھوکو چلتا تھا ، اُس کے پیچھے قبیلے کا جادوگر برتیاں اور جادوئی لکڑیوں کے ھوتا تھا ، اُس کے بعد اِستریاں این ہجوں کو گود میں لئے ھوٹے یا پیٹھ پر ہاندھے چلتی تھیں ۔ اپنے ہجوں کو گود میں لئے ھوٹے یا پیٹھ پر ہاندھے چلتی تھیں ۔ مرتوں کے پیچھے مرد رھتے تھے ، کٹھن اور لمبے راستوں کو طے کرتوں کے بلکے آن لوگوں کے پاس قبائلی دھارمک گیتوں کے علاوہ دل بہلانے کا اور کوئی ذریعہ نہ تھا ،

سرتان کے سب سے ادعک لواکو شیلوک تبیلے کے سب استری پرش منولیں طے کرتے ہوئے چناؤ کے کیندر تک پہونیچے جہاں متی اور پھرس کی ایک جھونپڑی چلچاتی ہوئی دھرب میں کھڑی تھی ۔ چناؤ پرتیندھیوں نے تبیلے کے سردار اور اس کے پرسدھ لواکو ساتھیوں کا بڑھکر سواگت کیا اور اُس کو موتیوں اور مونگوں کی مالائیں دینت کیں .

تھروں دیو کے بعد تبیلے کا یدھ ثرتیہ شروع ہوا جس کو دیکھنے کے لئے امریکہ اور بیلجھم کے

سرقان

बहरहाल संसार का यह अनोखा चुनाव 6 नवस्वर, '53 का शुरू हुआ और 10 दिसम्बर, '53 तक जाकर स्नतम हुआ. 56 साला गुलामी के बाद सुडानियों का अपने भविश्य के मताल्लिक कैसला करने का मौका मिला.

य तो चार पार्टियां--रारट्टी संगठन सभा, स्वतंत्र सभा. सोशलिस्ट पार्टी और दक्किनी राजनैतिक संस्था-चनाव के मैदान में उतरीं पर बास्तव में मुक्ताबला पहली दो पार्टियों में ही हुआ. राष्ट्री, संगठन सभा 1938 में स्थापित हुई थी. सहान से बर्तानिया की प्रधानता का अन्त, नील की घाटी का संगठन और देश में सोशलिस्ट शासन की स्थापना. इसके खास उद्देश्य हैं. 1945 ई० में कुछ जामत और इनक्रलाबी विचार वाले नौजवानों के शामिल हो जाने से इस सभा ने जोर पकड़ना शुरू किया जिसके कारन सहान में बर्तानिया को अपनी प्रधानता खतरे में पढती दिखाई दी श्रीर उसकी साजिशों से इस सभा में फुट पड़ गई और वह इसमाईल अजहरी और महम्मद नूरेज्दीन के नेंद्रत्व में वो आगों में बंद गई, पर नील नदी की घाटी के संगठन और सहान से बर्तानिया के निकलने की मांग करते रहे. मिश्र में जनरल नज़ीब के हाथ में शासन आजाने पर दोनों दल फिर अजहरी के नेतृत्व में संगठित हो गये. रास्ट्री संगठन समा के मुकाबले में बर्तानिया ने स्वतंत्र सभा क्रायम कराई जिस का उद्देश्य सुद्धान की पूरी आजादी बताया गया. 1945 में बर्तानिया ने इस सभा को शक्तिशाली बनाने के लिये सुडान के वहत बड़े धार्मिक नेता सर अब्दुर रहमान अल मेहदी को इसका लीडर बनाया. इस लक्ष्य का हासिल करने के लिये वर्तानिया ने दक्किनी सूडान के काले आदिवासियों में साम्प्रदायिक भावना पैदा करके, इनको स्वतंत्र सभा की सहायता के लिये तैयार किया. वास्तव में स्वतंत्र सभा के लीडरों का काम सरकारी पदों की गहियों पर विराजमान होने के अलावा और कुछ नहीं रहा और इस सभा का असर सिर्फ बर्तानिया की सहायता के कारन रहा. पर जैसे जैसे राश्ट्री भावना उभरती गई इस सभा का प्रभाव भी कम होता गया.

रारट्री संगठन सभा ने अपने चुनाव प्रचार में रारट्री और धामिक भावनाओं को उमारा. इसकी सहायता में मिश्र से आये हुए लाखों परचे बांटे गये जिसमें उनको एक धर्म और एक जात मिश्रियों का साथ देने पर आमादा किया गया था. स्वतंत्र सभा ने अपने चुनाव के प्रोप्पाम में सूडान की पूर्न स्वतंत्रता और जनता के आर्थिक सुधार पर जोर दिया था पर सूडान के 95 की सदी अनपढ़ लागों के लिये पूर्न स्वतंत्रता और आर्थिक सुधार के राज्य काई मानी नहीं रखतंत्रता और आर्थिक सुधार के राज्य काई मानी नहीं रखतंत्रता और इस्लामी माई चारे और बड़े भाई के संगठन के नारे अवस्थ उनके दिल को मोहने वाले थे.

بہر حال سنسار کا یہ الوکیا چناؤ 6 نومبر 53' کو شووع سوا اور 10 دسبرا 53' تک جا کر ختم ہوا ۔ 56 ساله ظلمی کے بعد سودائیوں کو اپنے بھوشیہ کے متعلق نیصلہ کرنے کا موقع مثل ،

پوس تو چار پارئیال-راشتریه سنکتهن سیها سوتنتر سیها سوشلسٹ پارٹی اور دکھنی راجنیتک سنستھا۔۔۔جناؤ کے میدان میں اُتریں پر واستو میں مقابلہ پہلی دو پارٹیوں میں ھی ہوا ، راشة يه سنكتهن سبها 1938 مين استهايت هوئي تهي . سودان سے برطانیہ کی پردھانتا کا انت عیل کی گیاتی کا سنکتھن اور دیھی میں سرشلسٹ شاس کی اِستھاپنا اُس کے خاص اُدیھی هين . 1915 مين كچه جاكرت اور انقلابي وچار والے نوجوانون کے شامل هوجائے سے اِس سبھا نے زور پکونا شروع کیا جس کے کارں سوداں میں برطانیہ کو اپنی پردہانتا خطرے میں پرتی دکھاٹی دی اور اُس کی سازشوں سے اِس سبھا میں پھوت یو گئی اور وہ اسمیل اظہری اور محمد نورالدیس کے نیٹرتو میں دو بھاگوں میں بٹ گنی . پر نیل ندی کی گھاٹی کے سنکٹھی ان سرقان سے برطانیہ کے نکلنے کی مانگ کرتے رہے ، مصر میں جرئل تجیب کے ماتھ میں شاسی آجائے پر دوئوں دال پھر اطہری کے نیترتو میں سنکتہت هو کئے . راشتری سنکتهی سبها کے مقابلہ میں برطانیہ نے سرتنتر سبھا قائم کرائی جس کا اُدیش سوتان کی پوری آزادی بتایا گیا . 1945 میں برطانیہ نے اِس سبها کو شکتشالی بنائے کے لئے سردان کے بہت بڑے دھارمک ثهتا سر عبداارهمان أل مهدى كو إس كا لهدر بنايا . إس لكش کو حاصل کرنے کے لئے برطانیہ نے دکھنی سوتان کے کالے آدی وأسهون میں سامیردائک بھاؤٹا بیدا کر کے کہ اُن کو سرتنتر سبھا کی سیاما کے لئے تیار کیا ، واستو میں سوتنتر سبہا کے لیڈروں کا کام سرکاری پدوں کی گدیوں پر وراجمان هونے کے علاوہ اور کچھ نیدر رہا اور اس سبھا کا اثر صرف برطانیہ کی سہادتا کے کارن رها ، جيس جيس راشتري بهارُنا أبهرتي كئي أس سبها كا يربياؤ بھی کم ہوتا گیا ۔

راشائری سنگلین سبانے اپنے چذاؤ پرچار میں راشائری اور دھارمک بھارفاؤں کو اُبداراء اُس کیسہانا میں مصر سے آئے ھوئے لاکھوں پرچے بانتے گئے جس میں اُن کو ایک دھرم اور ایک جات مصریوں کا ساتھ دینے پر آمادہ کیا گیا تھا ۔ سرتنتر سبھا نے اپنے چناؤ کے پروگرام میں سرتان کی پرون سرتنترتا اور جنتا کے آرتیک سدھار پر زور دیا تھا' پر سرتان کے دو فیصدی آفہتھ نوگوں کے لئے پورن سرتنترتا اور آرتیک سدھار کے شبد کوئی مینی نوگوں کے لئے پورن سرتنترتا اور آرتیک سدھار کے شبد کوئی مینی نوگوں کے لئے پورن سرتنترتا اور آرتیک سدھار کے شبد کوئی مینی نوگوں رکھے تھے۔ دور برے بھائی کے سنگلین کے تھوے ارشیه اُن کے دل کو موھنے والے تھے۔

नवीन मिस्र के अरबों ने इस देश का नाम 'स्वान' यानी काली बस्ती रक्सा, नवीन मिस्न के पहले स्वतंत्र महाराजा महस्मद अली ने सुडान को अपने शासनाधिकार में ले लिया, पर 1841 ईं० में उनकी मौत के बाद उनके उत्तराधिकारियों की कमजोरी के कारन सुडान में चारों तरक गड़बड़ी फैल गई, जिससे सिम होकर दुवेंश नामक सांप्रदाय के नेता महस्मद अहमद अलमहदी ने मिस्री शासन के विरुद्ध विदोह कर दिया भौर बड़ी घमासान लड़ाइयों के बाद मिस्री श्रीर उनकी सहायता पर आई हुई अंग्रेजी सेना का विलक्कल सकाया करके पूर्न स्वतंत्रता प्राप्त करली. पर कुछ ही साल के बाद अमेजों ने लाई किचनर के सेनापितत्व में आधुनिक हथियारों से लैस एक बडी सेना के साथ सुडान पर हमला करा दिया. हिथियारों की कमी और लड़ाई के तकनीक में निपुन न होने फे बावजूद देशभक्त दुरवेशों ने कई स्थानों पर बही बीरता से उसका सामना किया, पर अन्त में घमासान युद्ध के बाद बह 1898 ई० में खारतूम के युद्ध में हार गये और सुडान साम्राज्यवादी ताज का एक अंग वन गया.

चूंकि मिस्र की जिन्दगी नील नदी पर निर्भर है इस लिये मिश्री जनता सदा से इच्छक रही है कि पूरे नील नदी पर उसकी प्रधानता रहे. इसलिये अप्रेजी राजनैतिक नेताओं ने मिस्रियों की इस भावना का खयाल रखते हुए और उनको प्रसन्न करने के लिये सूडान में मिश्र और बर्तानिया के सामें का शासन स्थापित किया, पर असलियत में सूडान पर शासन करने का पूर्न अधिकार बृटिश गवर्नर जनरल के हाथ में रखा गया.

मगर मिस्री नेता कभी इस तरह के प्रबंध से संतुश्ट नहीं रहे और सूडान की समस्या पर मिस्र में बर्तानिया के विरुद्ध बराबर आवाज उठती रही और प्रदर्शन होते रहे. 1936 ई० में मिस्र की आजादी के बाद से सूडान को मिस्र के साथ मिलाने की मांग जोर पकड़ती गई, यहां तक कि 1951 ई० में बफद पार्टी की सरकार के 1936 ई० के मिस्री अंग्रेजी सम्मौते को तोड़ कर फारुक (मिस्र के भूतपूर्व राजा) को सुडान का भी राजा घोशित कर दिया.

जुलाई सन '52 में मिश्र में फीजी क्रांति के बाद जनरल नजीब के हाथ में देश का शासन आ गया. चूं कि वह पैदाइशी सूढानी हैं इसलिये मिश्रियों की तरह सूढानियों में भी नील की घाटी के संगठन की भावना बहुत उभर गई. मिश्री सरकार के दबाव और सूढान में आये दिन के अपने बिरुद्ध आन्दोलनों से असमर्थ होकर बर्तानिया ने इस समस्या पर आम चुनाब कराने के लिये यू० एन० ओ० के फैसले को स्वींकार कर लिया. अमरीका, बेलजियम, भारत, पाकिस्तान के प्रतिनिधि चुनाब बोर्ड में शामिल थे. भारत के प्रतिनिधि श्री शिवकुमार सेन इस बोर्ड के अध्यक्ष भूने गये.

نویں مصر کے عربوں کے اِس دیش کا ٹام ' سودان ' یعنی کائی بستی رکھا ، پہلے سوئنٹر مہاراجہ محصد علی نے سوڈان کو اپنے سشنادھیکار میں لے لھا' پر 1841ع میں اُن کی موت کے بعد اُن اُترادھیکاریوں کی کورورف کے کارن سرڈ اُن میں چاروں طرف گربتی پھیل گئی' جس سے کھی ھوکر درویش نامک سامپردائے کے ٹیٹا محصد احمد الیموری نے مصری شاسن کے ررودھ ودروھ کر آئی ھوئی انکریزی سینا کا باعل صفایا کرکے پورن سوئنٹرتا پراپت کولی ، پر کچھ ھی سال کے بعد انکریزوں نے الرڈ کچنر کے سیناپنٹو میں آن وئک ھتھیاروں سے ایس ایک بڑی سینا کے ساتھ سوڈان پر حمله کوا دیا ، ھتھیاروں سے ایس ایک بڑی سینا کے ساتھ سوڈان پر حمله کوا دیا ، ھتھیاروں کی کمی اور اوائی کے ساتھ سوڈان پر جمله کوا دیا ، ھتھیاروں کی کمی اور اوائی کے کئی استھائوں پر جڑی ویوتا سے اُس کا سامنا کیا' پر اثب میں گئی استھائوں پر بڑی ویوتا سے اُس کا سامنا کیا' پر اثب میں گئی اور سرڈان سامراجیءوادی تاہے کا ایک انگ بن گیا .

چونکہ مصر کی زندگی نیل ندی پر نربھر ہے اِس لئے مصر جنتا سدا سے اِچھک رھی ہے کہ پورے نیل ندی پر اُس کی پردہانتا رہے اس لئے انگریزی راجنیتک نیتاؤں نے مصریس کی اِس بھاؤنا کا خیال رکھتے ھونے اور اُن کو پرسن کرنے کے لئے سوتان میں مصر اور برطانیہ کے سلجھے کا شاسی استہاپت کیا کر اصلیت میں سوتان پر شاسی کرنے کا پورن ادھ کار برٹھی گرنر جنرل کے ھاتی میں رکھا گیا ۔

مگر مصری ٹیٹا کہی اس طرح کے پربندھ سے سنتشت ٹہیں رھے اور سوتان کی سمسیا پر مصر میں برطانیہ کے وردی ہرابر آواز اُتھی رہی اور پردرشن ہوتے رہے . 1936ع میں مصر کی آزادی کے بعد سے سوتان کو مصر کے ساتھ ملانے کی مانگ زور پکرتی گئی یہاں تک که 1951ع میں وند پارٹی کی سرکار کے بعری مصری انگریزی سمجھوتے کو نوز کر ناورق (مصر کے بھوبورو راجا) کو سوتان کا بھی راجا گھشت کر دیا ۔

جوائی سن 200 میں مصر میں فوجی کرائتی کے بعد جنرل نجیب کے هاته میں دیش کا شاسن آگیا ، چونکه وہ پیدایشی سوڈائی هیں اِس اِئے مصریوں کی طرح سوڈائیوں میں بیی نیال کی گائی کے سنگٹرن کی بھاڑتا بہت اُبھر آئی ، مصری سرکار کے دیاؤ اور سوڈان میں اُنے دن کے اُپنے ورودھ اُندولنوں سے اُسمرته ہو کر برطائیه نے اِس سمسیا پر عام چناؤ اُدولنوں سے اُسمرته ہو کر برطائیه نے اِس سمسیا پر عام چناؤ کرانے کے لئے یو ، این ، او کے فیصله کو سویکار کر لیا ، امریکه بیاجه، بیادی اُبر پاکستان کے پرتیندھی چناؤ بررڈ میں شامل تھے بیاجه، بیادی شری شوکیار سین اِس برزڈ کے اُدھیکھی چناگئے۔

तहीं सकता करा बचा होगा या चगले छन ही क्या होगा ?"

बेयरा ने बिल लाकर मुक्ते दिया. उसका होटल मेरे होटल के दूसरी तरफ था, इसलिये दरवाजे से निकलते ही हम लोग विपरीत दिशाओं में मुद्ध गये. रास्ते में ठंडी हवायें और गिरती हुई बर्फ मुंद पर अपेड़े दे रही थीं पर मैं प्रसन्न चित्त चला जा रहा था. आसमान काला हो चला था और उसमें बर्फ से लदे हुये घर और सड़कें रह रह कर चमक रही थीं. ··· قبهن سكتا كل كيا هرة يا أكلي چهن هي كيا هرة ؟ ···

بیرا نے بل لا کو مجھے دیا ۔ اُس کا ہوتل میرے ہوتل کے دوسری طوف تھا اُس کے دروازے سے تعلقے ہی ہم لوگ وردریت دشان میں مر کئے ۔ راستے میں تھنتی ہوائیں اور گرتی ہوئی برف میں پرسن چت ہوئی جا رہا تھا ۔ آسمان کالا ہو چلا تبا اور اُسمیں برف سے لدے ہوئے گھر اور سرکیں را د کر چمک رہے تھیں ۔

''सूडान"

(ज्मीर इसन काजिमी)

उत्तर में मिस्न, दिक्सन में बृदिश यूगेन्डा और बेलिजियन कांगो, पूरव में इथोपिया, उत्तर पूरव में लाल सागर, पिछ्झम में फ़ेंच इक्वीटोरियल अफ़रीक़ा और उत्तर पिछ्झम में लीविया से सूडान घिरा है. इसका रक्तवा दस लाख वर्ग मील है और आवादी अस्सी लाख है. देश का अधिकतर हिस्सा रेगिस्तान और कम उपजाऊ है. दिस्सन भाग में जहां साल में दो बार बारिश होती है, गुंजान जंगल हैं जिन में रवर और महोगनी के पेड़ बहुतायत से उगते हैं.

नील नदी इसी देश से होकर गुजरती है. सफेद नील केन्द्रीय अफरीका की विक्टोरिया नामक मील से निकल कर स्डान में दाखिल होती है. खारतूम में उसमें इथोपिया के पहाड़ों से निकली हुई नीली नील नामक नदी मिलती है. नील नदी की उपजाऊ घाटी में रूई बहुतायत से पैदा होती है और विदेशों को मेजी जाती है. रंगिस्तानी चेत्रों में बबूल के लाखों पेढ़ उगे हैं. इनसे बहुत बड़ी मात्रा में गोंद प्राप्त की जाती है और संसार के बहुत से देशों में मेजी जाती है. खारतूम यहां की राजधानी है और देश का अकेला आधुनिक ढंग पर आवाद नगर है. यह सफेद और नील नील के सक्तम पर बसा हुआ है. लाल सागर पर स्थित स्डान और सुआकीन यहां के बंदरगाह हैं जो खारतूम और दूसरे प्रसिद्ध नगर बर्बर से रेलवे द्वारा मिले हुए हैं.

्रजगण्या बारह सी साल पहले इस्लाम धर्म यहां अरबों के बारिवे पहुंचा. यहां के निवासी बहुत काले थे, इसलिये

"سوقان"

(ضمير حسن كازمى)

أتو ميں مصر' دكھن ميں برتش يوكينڌا أور بيلجين كاتكو' پورب ميں اِتهوديا' أتر پورب ميں الل ساگر' پچهم ميں فرينچ ايكوئٽوريل افريته اور اُتر پچهم ميں ليبيا سے سوتان گهرا هے . اِس كا رقبه دس لاكه ورگ ميل هے اور آبادى اسى لاكه هے . ديهن كا ادهكتر حصه ريكستان اور كم أيجاؤ هے . دكهن بهاك ميں جہاں سال ميں دو بار بارش هوتى هے' گنجان جنكل هيں جن ميں رہر أور مهوگنى كے دير بهوتايت سے أكتے

نیل ندی اِسی دیش سے هو کر گذرنی هے سنید نیل کیندریه افریقه کی وکتوریا نامک جهیل سے نکل کو سوتان میں داخل هوتی هے ، خارتوم میں اُس میں اِتھوپیا کے پہاروں سے نکلی هوئی نیلی نیل نامک ندی ملتی هے ، نیل ندی کی اُپنجاؤ گھائی میں روئی بہوتایت سے پیدا هوتی هے اور ودیشوں کو بھیجھی جاتی هے ، ریکستانی چهیتروں میں ببول کے لاکھوں پیر آگے هیں ، اُن سے بہت بری ماترا میں گوند پراپت کی جاتی هے اور سنسار کے بہت سے دیشوں میں پراپت کی جاتی هے اور سنسار کے بہت سے دیشوں میں پراپت کی جاتی ہے اور سنسار کے بہت سے دیشوں میں نیلے نیل کے سنکم پر بسا هوا هے ، لال ساکر پر اِستهت سوتان نیلے نیل کے سنکم پر بسا هوا هے ، لال ساکر پر اِستهت سوتان فیلے نیل کے سنکم پر بسا هوا هے ، لال ساکر پر اِستهت سوتان پرسند نیر ہو خارتوم اور دوسرے پرسند نیر ہو جو خارتوم اور دوسرے پرسند نی بیر دوسرے دوارا ملے ہوئے ہیں ،

ُ لُک بھگ بارہ سو سال پہلے اِسلم دھرم یہاں عربوں کے فریعہ پرونچا ، یہاں کے فواسی بہت کالے تھ اِس لئے

"इस जानकारी के बाद अब मेरे पास कोई काम तो था नहीं. लेकिन फूलों के उन गुच्छों का क्या किया जाय? मैंने उस बुड्डी की से कहा कि उन्हें वह आह-वाओ को दे दे. आह-वाओ तो मुक्ते देख कर ऐसा मागी थी जैसे मैं कोई मेड़िया हूं और उसे द्वाच लूंगा. मेरी इच्छा तो नहीं थी कि यह फूल मैं उसे दूं. फिर भी मैंने उन्हें उसको दे दिया ताकि मैं मां से कह सकूं कि आह-ग्रुन उन्हें पाते ही बड़ी असन्त हो गई थी जिससे मां को सन्तोश हो जाय. कौन ऐसी छोटी बातों की परवाह करता है? सब यही चाहते हैं कि किसी प्रकार सिर पर से बला टले. नया साल ग्रुक्त होते ही मि अध्यापन कार्य फिर शुक्त कर दूंगा. मुक्ते कनक्यूशियस की विचारधारा पढ़ानी पड़ती है.

मैंने आश्चर्य चिकत होकर पूछा-"नया तुम्हारा विशय

कनप्रयशियस है ?"

उसने उत्तर दिया—"और क्या ? तुम सममते थे मैं अंग्रेजी पढ़ाता हूं. पहले मेरे दो विद्यार्थी थे. एक ओडेसे की किताब पढ़ता था दूसरा मेंशियस की. हाल ही में एक लड़की ने "कैनन कार गर्स्स" पढ़ना शुरू किया है. मैं हिसाब भी नहीं पढ़ाता. कारन यह नहीं है कि मैं पढ़ा नहीं सकता. वह पढ़ना ही नहीं चाहते."

"मैं सोच भी नहीं सकता था कि तुम इस तरह की

किताबे' पढ़ाते होगे !"

"इसके बाप चाहते हैं कि उन्हें यही पढ़ाया जाय. मैं तो बाहर का रहने बाला हूं. इसलिये मेरे लिये सब एक ही जैसा है. कीन इन बातों की परवाह करें ?"

उसका चेहरा लाल हो गया था जैसे उसने बहुत शराब पी ली हो, पर आखों में वह ज्योति नहीं थी. मैंने भी एक लम्बी सांस ली और कुछ देर तक गुम सुम बैठा रहा. सीदी पर खटखट की आवाज हुई और कुछ प्राहक ऊपर कमरे में आबे. पहला प्राहक नाटे कद का गोल सुंह का था, दूसरा लम्बा था और उसके चेहरे पर लम्बी सी लाल नाक थी. उसके पीछे और भी कई व्यक्ति थे. उनके पदचाप से कमरा हिलने लगा. मैंने जू-वी-कू की ओर देखा और फिर बेयरा से बिल लाने के लिये कहा.

जाने के लिये तैयार होते हुये मैंने प्रश्न किता—''क्या तुम्हें गुजर-बसर करने भर के लिये तनस्वाह मिल जाती है ?''

उसने उत्तर दिया—"मुफे बीस डालर प्रतिमाह मिलता है और काम चला सकने के लिये इतना काफी है."

"आगे क्या करने का इरादा है ?"

"कह नहीं सकता. इरावा करने से भी क्या फायदा ? क्या आज तक अपनी इच्छानुसार काम कर पाया हूं ? मैं तो अब किसी चीज के बारे में निश्चित नहीं रहता, कह "اِس جَالَكُارِی كے بعد آب مهر عراس كوئى كام تو تها نهيں،
الله يهولوں كے أن گجهوں كا كيا كيا جائے ؟ ميں نے أس
بدهى استرى سے كہا كه أنهيں وہ آة . چاؤ كو دے دے، آه . چاؤ
نو مجهد ديمكر ايسا يهاگى تهى جيسے ميں كوئى بهيريا هوں أور
أسے دبوج لونكا ، ميرى أچها تو نهيں تهى كه يه پهول ميں أسے
دوں . پهر بهى ميں نے أنهيں أس كو دے ديا ناكه ميں ماں
سے كہ سكوں كه آة ، شن أنهيں پاتے هى برى پرسن هو گئى
نهى جس سے ماں كو سنترش هوجائے . كون ايسى چهوتى
باتوں كى پرواة كرتا هے ؟ سب هى چاهتے هيں كه كسى پركار
سر پر سے بالا تاہے ، نيا سال شروع هوتے هى ميں ادهيايي كاريه پهر
شروع كر دونكا . مجھے كنفوشيس كى وچار دهارا پرتھائى پرتى

The second secon

میں نے آشچریہ چکت ہو کر پوچھا۔" کیا تمارا وشے ننوشیعی ہے ?"

أس نے أتر دیا۔ " أور كیا ؟ تم سمجھتے تھے میں انگریزی پرمانا ہوں ۔ پہلے میرے دو ودیارتھی تھے ، ایک اردیسے كی كتاب پرمانا تها درسرا مینشیس كی حال هی میں ایک لركی نے " كتاب نار گراس " پرها شروع كیا هی میں حساب یهی نہیں پرمانا ، كارن يه نہیں هے كه ميں پرتها نہیں سكتا ، ولا پرتها هی نہیں چاہتے ،"

" میں سرچ ھی نہیں سکتا نہا کہ تم اُس طرح کی کتابیں وَاللّٰہِ عَلَیْ مِیْ اللّٰہِ عَلَیْ اللّٰہِ اللّٰٰ اللّٰہِ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰہِ اللّٰٰ اللّٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰٰ اللّٰ

" آن کے باپ چاھتے ھیں که اُنھیں یہی پتھایا جائے۔ میں تو باھر کا رھنے والا ھوں ۔ اِس لٹے میرے لئے سب ایک ھی جیسا ھے ۔ کون اِن باتوں کی یرواہ کرے ؟"

اس کا چہرہ لال ہوگیا تھا جیسے اس نے بہت شراب پی لیک ہو، پر آنکھوں میں وہ جیوتی نہیں تھی ۔ میں نے بہی ایک لعبی سانس لی آور کچھ دیر تک گم سم بیٹھا رہا ۔ سیڑھی پر کہت کھت کی آواز ہوئی اور کچھ گراہک آ پر کسرے میں آئے ۔ پہلا گراہک فائے قد کا گول منھ کا تھا، دوسوا لمبا تھا اور آس کے چہرے پر لمبی سی لال فاک تھی ۔ اس کے پیچھے اور بھی کئی ویکتی تھے ، اُن کے پد چاپ سے کمرہ ہلنے لگا ، میں نے لو۔ وی طرف دیکھا اور پھر بیرا سے بل لانے کے لئے کہا ،

جانے کے لئے تیار ہوتے ہوئے میں نے پرشن کیا۔۔ " کیا تمیں گذر بسر کرتے بھر کے لئے تنظواہ صل جاتی ہے ؟ "

اُس نے اُتو دیا۔۔'' معجے بیس قالر پرتی ماہ ملتا ہے اور کم چلا سکنے کے لئے اتنا گانی ہے ۔''

" آگے کیا کرنے کا ارادہ ہے ؟"

 ही था. इसिलिये में इस बार बांग-फू के घर के सामने वाली लकड़ी की टाल तक गया. दूकानदार की मां दूकान में थीं. उन्होंने मुने पहचान लिया और दूकान में आने के लिये कहा. शिश्टाचार की बातें समाप्त होने के बाद मैंने उनसे यहां आने का कारन बतलाया. मैंने चांग-फू के बारे में पूछा. मुझे उन्मीद नहीं थी कि वह इतनी लम्बी सांस लेकर बालेंगी. "कितने दुख की बात है कि आह-शुन के भाग्य में इन सन्दर फलों का पहिनना नहीं बदा था!"

फिर उसने मुक्ते पूरी कहानी सुनाई. उसने बतलाया-"शायद पिछले वसन्त के बाद से ही वह दुबली और पीली पड़ती दिखाई देने लगी थी. बाद के दिनों में तो वह रोने लगती थी और किसी के कारन पूछने पर उत्तर भी नहीं देती थी. कभी कभी वह रात भर रोती रहती. चांग-कू की बरदाश्त से बात बाहर हो जाती तो वह बिगड़ उठता-"इतनी बड़ी हो जाने पर शादी न हो पाने के कारन ही वह पागल हो गई है." जब हेमन्त आया, उसे ज़काम हो गया और उसने चारपाई पकड़ ली और फिर उसे कभी न छोड़ा. कुछ ही दिन पहले उसकी भीत हो गई. मरने के समय उसने चांग-फू को बतलाया कि वह अपने मां के ही समीन बीमार हो गई थी. खांसने से उसे खून आता था और रात में बुखार भी तेज हो जाता था. उसने अब तक यह बात छिपा रक्ली थी ताकि उसे परेशानी न हो. एक दिन शाम को उसका चचा चांग-केंग अपना रुपया मांगने आया. जब उसने रुपये देने में असमर्थता प्रगट की तो वह मुस्कराते हुये बोला-"इतना घमंड मत करो. तुम्हारा आदभी तो मेरे जैसा भी नहीं है." बह बड़ी परेशान हो गई पर लज्जा के कारन कुछ भी पूछ न सकती थी, केवल रो सकती थी. रोकर मन हल्का कर लिया. चांग ने उसे बतलाया कि उसका भावी पति उसके कितने योग्य था, पर श्रव तो बहुत देर हो चुका थी. उसे विश्वास न हमा. इसलिये वह बोली-"अच्छा है कि में ऐसी हूं. किसी को मेरे कारन परेशानी तो नहीं होती."

उस बुद्दी औरत ने भी कहा—"सचमुच यदि उसका पित चांग-केंग जैसा भी न होता तो उसे बहुत करट उठाना पड़ता. कैसा आदमी वह होता १ जब वह उसकी अर्थी को उठवाने आया तो मैंने उसे देखा था. वह साफ कपड़े पहने या और समाज में रहने योग्य था. उसने मुमे बताया था कि नाव पर बड़ी मेहनत से काम करके वह कुछ पैसे बचा सका था ताकि वह शादी कर सके और अब उसकी भावी पक्षी भी मर गयी. अवस्य ही वह मला आदमी रहा होगा चांग-केंग ने इसके बारे में जो कुछ भी कहा मूठ था. कितने दुख की बात है कि आह-शुन ने ऐसे पेशेवर मूठे की बातों में विस्तास कर लिया और अकारन ही मर गई. पर कोई किसी को क्यों दोश है जब अपना माग्य ही खोटा हो."

ھی تھا ۔ اِس لئے میں اِس بار چانگ ۔ نو کے گھر کے سامنے والی اُلی بھی جی جال میں تھیں ۔ اُلی کی ماں دوگان میں تھیں ۔ اُلی علی جال میں آنے کے اُلی کہا ۔ اُلیس نے مجھے پہچاں لیا اور دوگان میں آنے کے لئے کہا ۔ ششانچار کی بائیں سمایت ہونے کے بعد میں نے اُن سے بہاں آنے کا کارن بتالیا ۔ میں نے چانگ ، نو کے بارے میں پوچھا ۔ مجھے اُمید شہیں تھی کہ وہ اُتی لیبی سائس نے کر بولینگی ۔ " کتنے دی اُلیس بانس نے کر بولینگی ۔ " کتنے دی بین بان سندر پھولوں کا پہننا شہیں بدا تھا ،"

وو پھر اُس نے منجعے پوری کہائی سنائی ، اُس نے بتلایا۔ الشائد پیچلے بسنت کے بعد سے هیوہ دبای اور پیلی پڑتی داھائی دینے لکی تھی ، بعد کے دنوں میں تو وہ رونے لکتی تھی اور کلی کے کارن پہچینے پر آتر بھی نہیں دیتی تھی ، کبھی کبھی وہ رات بیر روتی رهتی . چانگ ، فو کے برداشت سے بات باهر م جاتی تو ولا باتر اُنهتا۔" اُنٹی بڑی هو جانے پر شادی ته هو پالے کے کارن می وہ پاکل مو گئی ہے ." جب میمنت آیا آسے زکلم هوگیا آور اس نے چاریائی پختر لی اور پیر آسے کبھی تی چھرزا، کچے می دن پہلے اُس کی موت ہوگئی . مونے کے سنٹے اُس نے پانگ ، نو کو بتالیا که وه اپنے مار کے هی سمان بیمار الله گئی تھی، كانسلے سے أسے خوں أتا تها أور رأت مين بنغار بني تيز هو جاتا وله الس نے اب تک یہ بات چھپا رکھی تھی تاکه آسے پریشائی نه هو . آیک دن شام کو آس کا چنچا چانگ . کینگ اینا روید مانکانے آیا . جب اُس نے روپئے دینے میں اسمرتها پرگت کی تو وہ مسکواتے هوئے بولات الله کهدنت مت کرو . تمهارا أدمى أو ميرے جيسا بھى نهيں هے ،" وہ برى پريشان هوگئى پر الجا کے کارن کچھ بھی پرچھ نے سکتی تھی' کیول رو سکتی تھی ، رو کو من هلکا کو لیا . چانگ نے آسے بتقایا که اُس کا بہاوی پتی اُس کے کتنا ہوگیہ تھا' ہر اب تو بہت دیر ہو چکی تهى . أس وشوآس نه هوا . اس الله بواي -- " الجها ه كه مين ایسی هیں ، کسی کو مهرے کارن پریشانی تو نهیں هوتی ."

"اً أس بتھی عورت نے بھی کہا۔ " سچ مچ یدی اس کا پتی چانگ - کینگ جیسا بھی نے ھوتا تو اُسے بہت کشت اُتھی چانگ - کینگ جیسا بھی نے ھوتا تو اُسے بہت کشت اُتھی کو اُتھوائے آیا تو میں نے اُسے دیما تیا ، وہ صاف کپتے پہلے تھا اور سماے میں رھنے ہوگہ تھا ، اس نے مجھے بتایا تھا که ناؤ پر بتی محضت سے کام کر کے وہ کچھ پیسے بچا سکا تھا تاکہ وہ شادی کو سکے اور اب اُس کی بیاوی پتنی بھی مر کئی ، اوشیم ھی وہ بھا آدمی رھا ھوگا ، چانگ - کینگ نے اُس کے بارے میں وہ بھا آدمی رھا ھوگا ، چانگ - کینگ نے اُس کے بارے میں جو بھچھ یہی کہا جھوت تھا ، کتنے دیم کی بات ہے کہ آھ ، شن جو بھچھ یہی کہ اُتھ کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی مر گئی ، پر کوئی کسی کو کیس دوھی دے جب اپنا بیاگیہ ھی کھوٹا ھو ، "

के विचार मेरे स्वप्न ही थे. दूसरे ही छन मुक्ते अपने विचारों पर बड़ी इंसी ऋड़ि और मैं उन्हें भल भी गया.

"मुक्ते मालूम नहीं था कि उसे एक बार नक्तली फूलों के लिये मार पड़ चुकी है. पर जब मां ने इस बात का जिक्र किया, मुक्ते खीर खाने वाली घटना याद च्या गई. मैंने तायुयान की दूकानों में वह फूल दूं ढा पर वहां न मिला. जब मैं सीनान गया तब बहां से लाया."

बाहर कैमीलिया के पेड़ पर लदी हुई बर्फ के फिसल कर गिरने से हल्की सी आबाज हुई और मेरा ध्यान भी उचट गया. बर्फ के बोभ से वह पेड़ मुका जा रहा था. उसकी टहनियां अब फिर सीधी हो गई और उसमें लगे लाल फूल अब पहले से भी अधिक चमकने लगे. आकाश का स्लेटी रंग भी गहरा होता जा रहा था. गौरैंग्यों की चूं-चूं ग्रुह्त हो गई थी. शाम हो चली थी. जमीन के बरफ से ढकी होने के कारन उन्हें खाने को कुछ भी नहीं मिला था. बह सब जस्दी ही अपने घोंसले में चली गयीं और हर तरफ फिर शान्ति छा गयी.

खिड़की के बाहर मांक कर उसने प्याला खाली कर विया और सिगरेट के करा खींचते हुये बोला—"सीनान में में नक्कली फूल खरीद पाया. यह तो मुक्ते माजून नहीं था कि जिन फूलों के लिये उसे मार पड़ी थी वह वैसे ही थे जैसे में लाया था. यह भी 'वेलवेट' (एक प्रकार का चिकना मस्त्रमली कपड़ा) के बन थे. मुक्ते यह भी माजून नहीं था कि उसे गहरा लाल रंग पसन्द था या हल्का गुलाबी, इस लिये में उसके लिये दोनों रंग के एक एक गुच्छे लेता आया."

"आज दोपहर को खाना खाने के बाद मैं चांग-कू के घर गया. इसी काम के लिये में एक दिन ज्यादा हक गया था. उसका घर ठीक उसी जगह पर पहले ही जैसा था. पर घर में एक अजीव उदासी आधी हुई दिखाई देती थी. शायद यह मेरे मस्तिश्क की कोरी कल्पना ही रही हो. उसका लड़का और ओह-वाओ पहले से बहुत बड़ी हो गई थी पर उसकी बहिन से उसमें बड़ी असमानता थी. मुफे आते देखकर बह घर के अन्दर चली गई. लड़के से पूछने पर पता लगा कि चांग-कू घर पर नहीं था. "और तुम्हारी बड़ी बहिन ?" मैंने आ. वह घूर कर मेरी तरफ देखने लगा और प्रश्न किया—"उससे क्या काम है ?" मुफे वह बड़ा भयानक दिखने लगा जैसे मेरे अपर हमला करना चाहता हो. चुपचाप में लीट आया, आजकल मेरा यही हाल होता है...."

"तुम अन्दाज नहीं लगा सकते कि आजकल मुक्ते किसी के यहां जाने में कितना डर लगता है. मुक्ते माजून है कि लोग मेरा आना नहीं पसन्द करते और इसी कारन स्वयं अपने से धूना करने लग गया हूं. यह जानकर अब मैं किसी के यहां जाता भी नहीं हूं. पर मां का सहेजा हुआ काम तो करना نے وچار میرے سپین ھی تھے ، دوسوے ھی چھی مجھے آئیے چاری پر بڑی ھنسی آئی اور میں آئییں بھول بھی گیا ۔"
درمجھے معلم نہیں تھا کہ آسے ایک بار نقلی پھولوں کے لئے اور پڑچکی ھے ، پر جہ ماں نے اس بات کا ذکر کیا' مجھے بھر کھانے والی گھٹنا یاد آگئی ، میں نے تایویاں کی دوکانوں یں وہ پھول دھونتھا پر وھاں ته مط ، جب میں سینان گیا ب وھاں سے لایا ۔"

باھر کیمولیا کے پیر پر لدی ھوئی برف کے پیسل کر گرئے۔

عنکی سی اُواز ھوئی اور میرا دھیاں بھی آچت گیا . برف کے

ہجی سے وہ پیر جھکا جا رھا تھا . اُس کی تہنیاں اُب پھر سیدھی

جگئیں اور اُس میں لگے لال پھول اُب پہلے سے بھی اُدھک

جمانے لگے . آگاہی کا سلیٹی رنگ بھی گہرا ھوتا جا رھا تھا .

ورڈ وں کی چوں چوں شروع ھوگئی تھی ، شام ھو چلی تھی ،

میں کے برف سے تھکی ھوئے کے کان اُنھیں کھائے کو کچھ بھی

میں ملا تھا . وہ سب جادی ھی اپنے گھرنسلوں میں چلی نہیں اور ھو طرف پھر شائتی چھاگئی ،

کیرکی کے باہر جہانک کر اُس نے پیالہ خالی کر دیا اور عاریت کے کش کھیلتچتے ہوئے ہراس۔" سینان میں میں نقلی ماریت کے کش کھیلتچتے ہوئے ہراس۔" سینان میں میں نقلی والے خرید پایا ، یہ تو متجھے معلوم نہیں تھا کہ جن پہولوں کے نے اُسے مار پُری تھی وہ ویسے ھی تھے جیسے میں لایا تھا ، یہ بی ویلویت (ایک پرکار کا چکنا مخملی کھڑا) کے بنے تھے ، جھے یہ بھی معلوم نہیں تھا کہ اُسے گہراً لال رنگ پسند تھا انقاکا گلابی ایس ایٹے دونوں رنگ کے ایک ایک گچھے لیتا ا

" آج درپہر کو کھانا کانے کے بعد میں چاگ ، فو کے گھر اس کا ایسے کام کے ایئے میں ایک دن زیادہ رک گیا تیا ۔ اُس کا ھر تیبک اُسی جکہ پر پہلے ہی جیسا تھا ، پر گھر میں ایک جیب اُداسی چہائی ہوئی دکھائی دیتی تھی ، شاید وہ میرے ستشک کی کوری کاپنا ھی رھی ھو ، اس کا لڑکا اُدر چھوٹی رکی آہ ، چاؤ باعر دروازے پر ھی کھڑے تھے ، آہ ، چاؤ پہلے سے بت بڑی ھوگئی تری پر اُس کی بہن سے اُس میں بڑی اسمانتا ہی ، مجھے آتے دیکھکر وہ گھر کے اندر چلی گئی ، لڑکے سے بی ، مجھے آتے دیکھکر وہ گھر پر نہیں تھا ، " اُور تمہاری رہیا ہو ، سے کیا کام ہے ہو گھر پر نہیں تھا ، " اُور تمہاری بیا۔" اُس سے کیا کام ہے ہو " وہ بڑا بہیانک دیکھنے اگا جیسے برے اُرپر حمله کرنا چاہتا ہو . چپ چاپ میں اوت آیا ' اُدِیر حمله کرنا چاہتا ہو . چپ چاپ میں اوت آیا' اُدِیر میرا میرا یہی حال ہوتا ہے..."

"تم انداز نہیں اگا سکتے کہ آجکل مجھے کسی کے یہاں جانے میں کتنا تر لکتا ہے۔ مجھے معلوم بھے کہ لوگ میرا آنا نہیں پسند کرتے اور اِسی کارن میں سویم آینے سے گورنا اُرنے لگ گیا ھوں ، یہ جان کر آپ میں کسی کے یہاں جاتا بھی نہیں ھوں ، یہ جان کا سپیجا ھوا کام تو کرنا

किसी स्त्री को अपने बालों में लाल रंग के नक्तली फूल लगाये देखा. उसे बह इतना सुन्दर लगा कि वह उसके लिये मवल उठी और न मिलने पर रात भर रोती रही. गुस्से में उसके पिता ने उसे मारा भी. दो तीन दिन तक उसकी आंखें सूजी रहीं. इस प्रकार के लाल फूल दूसरे शहर में आते ये और 'एस' नगर में नहीं मिलते थे, इसलिये उसे उन फूलों के पाने की कोई आशा भी नहीं थी. चूंकि मैं इस बार इयर आ रहा था, मेरी मां ने दो फूल खरीद कर उसकी देने के लिये कहा."

"इस काम से परंशान होने के बजाय मुक्ते ख़शी ही हुई, श्राह-शुन के लिये कुछ कर सकने की उम्भीद में मैं प्रसन हो उडा. पारसाल के पहिले जब मैं मां को लिवान त्राया था चांग-कू घर में ही था और मैंने उससे घंटों बात भी की थीं. उसने मुक्ते अपने घर गेहं के आदे की सीर जिसमें बह चीनी भी मिलाते थे, खाने के लिये निमंत्रित किया, यह तो तुम समभते ही हो कि मल्लाह के घर में सकेंद्र चीनी मिलने का मतलब है कि वह रारीव नहीं है और श्रच्छा खाता पीता है, भैंने निमंत्रिन तो स्वीकार कर लिया पर आप्रद किया कि भैं बहुत थोड़ा ही खाऊगा. उसने मेरी वान को मंजूर करते हुये आह-शुन से कहा-इन विद्वानों को भूक नहीं लगती. तुम थोड़ा सामान लाख्यो पर उसमें चीनी दयादा मिला देना. पर जब वह लाथी तो मैंने देखा कि वह कटोरा इतना बड़ा था कि शायद में दिन भर खाता रहता ! फिर भी मैंने खाना शुरू कर दिया. यह सही है कि मेरा प्याला चांग-कू के प्याले से छोटा था. मैंने इसके पहिले ऐसी स्वीर नहीं खाई थी. यह मीठी थी श्रीर बद्दत स्वादिश्ठ न थी. थोड़ी सी खाने के बाद में खाना बन्द करने की ही सोच रहा था कि मेरी हिरट बाह-शुन पर पड़ी. उसे देखकर मेरी हिम्मत नहीं पड़ी कि भैं खाने की तीलियां रख दूं. भैंने उसकी आंखों में आशा और निराशा दोनों के ही भाव देखे -निराशा के इसलिये कि शायव उसने अच्छी न पकायी हो श्रीर श्राशा के इसलिये कि इस श्रीर खीर खायें गे. भैंने सोचा कि यदि भैं प्याले में खीर पड़ी रहने दूंगा तो उसे बहुत दुख होगा, इसलिये मैंने उतनी ही तेजी से खाना शुरू किया जैसे यांग-मू स्ता रहा था. तब मैंने महसूस किया जबरदस्ती स्वाने को क्या मतलब होता है. मुक्ते याद है जब मरे पेट में के चुये पड़ गये थे मुक्ते चीनी के साथ दवा खानी पड़ी थी और मरी हालत ऐसी ही हो गई थी. फिर भी मुके दुख नहीं हुआ क्योंकि जब वह खाली प्याले उठाने आई तो उसके झोठों पर संतोश की मुस्कराहट खेल रही थी उस दिन रात में पेट खराब रहने के कारन यथार्थ में मुक्ते नींद नहीं आई और खट्टी खट्टी ढकारें आती रहीं पर में ईरवर से यही मनासा रहा कि बाह-शुन हमेशा प्रफुल्लित रहे. इस प्रकार

استری کو آپنے بالوں میں آپ رائیگ کے نقلی پھول اللہ دیکھا۔

وہ اِننا سندر لگا کہ وہ اُس کے گئے مجل آتھی اور نه مانے پر

بھر روتی رھی ، غصے میں اُس کے پتا کے آسے مارا بھی ، دو

دن تک اُس کی آنکھیں سوچی رسیں ، اِس برکار کے الل

دوسرے شہر سے آتے تھے اور 'آیس' نکر میں نہیں ملتے تھے'

اللہ اُسے اُن پھولوں کے پانے کی کرئی آشا بھی نہیں تھی ،

که میں اِس بار اِدھر آرھا تا' میری ماں نے دو پھول خرید

اُس کو دینے کے لئے کیا ۔''

''ایس کلم سے پریشاں ہونے کے بنجائے منجمے خوشی ہی ہوئی . شن کے اللہ کچے کرسکنے کی اُمید میں میں پرسن ہو اُتھا۔ سال کے پہلے جب میں ماں کو لوائے آیا تھا چانگ - فو میں جی تھا اور میں نے اُس سے گہنٹوں باتیں بھی کی ی اس نے مجھے اپنے گرر گیہوں کے آئے کی کھیر جس ، ولا چیای دی ملاتے سے کائے کے اٹے نمنترت کیا . یہ تو تم جہتے می مو که ملام کے گهر میں سنید چینی ملنے کا مطلب که وہ غریب نہیں ہے اور اچھا کھاتا پیتا ہے۔ میں نے رن تو سویکار کرکیا پر آگرہ کا که میں بہت تھوڑا ہی نگا . اُس نے میری بات کو منظور کرتے ہوئے آہ - شن سے ال ردوانون كو بهوك نهيس الكتي ، تم تهوراً سامان الأ أس ميں چيني زيادة ملا ديا . ير جب وه الني تو ميں ديكها كم وم كتررا أتنا برأ نها كم شايد مين دور بهر كهاتا رهتا 1 بہی میں نے کھانا شروع کردیا ۔ یہ صحیح هے که میرا پیاله گ - فو کے بہالے سے چھرتا نہا ، میں نے آس کے پہلے ایسی نهیں کھائی تھی۔ یہ میتھی تھی اور بہت سوادشت نہ تھی۔ ی سی کھانے کے بعد مہن کھانا بند کرنے کی بھی سوچ رہا ٥٥ ميري درشتي آه - شن پر پوي . أسا دينهكر ميري هست ں بڑی که میں کھانے کی تیلیاں رکہدوں ۔ میں نے اس کی ہوں میں آشا اور دواشا دونوں کے عی بداؤ دیکھے۔دراشا کے ، لئے که شاید اُس نے اُچھی نه پکائی هو اور آشا کے اِس که هم اور کهیر کهانینکے . میں نے سوچا که یدی میں پیالے ل کیدر یزی رهند دونگا تو آسه بهت دکه هرگا اِس لئے میں أتنى هى تيزى سے كبانا شروع كيا جيسے چانگ - نو كها رها ، تب میں نے منحسوس کیا که زبردستی کھانے کا کیا مطلب ا في مجه ياد في جب ميرے بيت ميں كينجوئے يزكئے مجھے چینی کے ساتھ دوا کھائی پڑی تھی اور میری حالت بی هی هوکشی تهی . پهر بهی مجهد دکه نهین هوا کیونه ، ب وہ خالی پیالے اُٹھانے آئی تو اس کے هوئٹھوں پر زهن كي مسكرادت كهيل رهي تهي . أس دن رأت) بیت خراب رهنے کے کارن بتیارت میں مجے نید فہیں اور کھتی کہتی آنکاریں آتی رهیں پر میں ایشور يهي مناتا رها كه آه -شن عميشه بريهات رهي إس پركار

उसने रक कर सिगरेट निकाला और मुंह में रख कर उसे जला लिया, फिर बोला-"तुम्हारे चेहरे से तो सुके आभास होता है कि तुममें मेरे लिये अब भी आशा है. यह सही है कि पहिले के मुकाबले में में बहुत ही कुन्द्जेहन हो गया हूं पर कुछ चीजें हैं जिनसे बहुत प्रभावित भी होता हूं. यही कारन है कि तुम्हारे आगे भें कृतक भी हूं पर परेशानी भी बहुत/ अनुभव करता हूं. मुक्ते दुख इसी बात का है कि मेरे उन तमाम दोस्तों को जिन्हें मेरे बारे में, मेरे भविश्य के बारे में अभी भी कुछ आशा है, उन्हें बाद में कुछ दुख होगा." कुछ छन रक कर उसने सिगरेट के करा खींचे और मुंह से धुंआं निकालते हुए फिर बोला—"आज ही यहां आने के कुछ ही पहले मैंने एक बेवक्कि की है पर मैं उस पर ख़रा हूं. मेरा वह पड़ोसी जो पूरवे की तरफ रहता था, वांग-कू कहलाता था. वह मल्लाह था. उसके एक लड्की थी जिसका नाम था आह-शुन. जब तुर मेरं घर आते थे, उसे अवश्य देखा होगा. पर तुमने ध्यान नहीं दिया होगा क्योंकि वह ह्योदी थी. बड़ी होने पर भी वह सुन्दरी नहीं हुई. साधारन सी लम्बे मुंह की, धीली पढ़ कर रह गई. लेकिन उसकी श्रांखें बहुत बड़ी थीं और बरीनियां भी श्रसाधारन रूप से बड़ी थीं. ऐसी साफ आंखें थीं कि उसकी सफेदी की तुलना उत्तर के आसमान से की जा सकती थी जब हवा न बह रही हो और बादल का एक भी दुकड़ा न हो. वह बड़ी योग्य लड़की थी. जब वह छोटी थी तभी उसके मां की मृत्य हो गई. अपने छोटे भाई और बहन की देख माल करने की जिम्मेदारी उसी पर आ गई. उसे अपने पिता की भी फिक करनी पड़ती थी श्रीर यह सब वह बड़ी खूबी से कर लेती थी. वह कंजूस भी थी. इसलिये धीरे धीरे उसके परिवार ने उन्नति कर ली. शायव ही कोई ऐसा पड़ोसी रहा-हो जो उसकी तारीफ नहीं करता था. चांग-फू भी उसकी बढ़ाई करता था. इस बार जब मैं घर से यहां है। रहा था, मां ने उसे याद किया था. बड़े बूढ़ों की याददाश्त बहुत अञ्झी होती है. मां ने बतलाया कि एक बार आह-हान ने

من ورد تم منیوی طرف ایسے کیوں دیکہ رہے ہو ۔ . کیا میں بہت بنل گیا ہوں است کیوں دیکہ رہے ہو ۔ . کیا میں بہت بنل گیا ہوں ا مجھے آج بھیرہ دن یاد ہے جب بھم برنہ ٹیونیل ٹیونیل کی مندر میں جاتے تھے اور رہاں مورتیس کی دارهی کرکے تھے کہ چین میں کرائٹکاری پریورتن کیسے کئے جلسکتے ہیں اور کبھی بھی تو بحث کرتے کرتے آپس میں لو بھی جاتے تھے . لیکن ب تو میں بہت شانت اور سمجھوته کرنے والا ہوں . کبھی کبھی و میں سوچتا دوں که یدی میں اپنے پرانے متروں سے ملوں تو میں جیسا ہوں که یدی میں اپنے پرانے متروں سے ملوں تو شاید ہی مجھے اپنا متر مائتے کو تیار ہونگے ، جو کچے بھی بھی جیسا ہوں تنہارے سائے ہوں ."

اس نے رک کو سکویت نکالا اور منہ میں رکھکو اسے جلا لیا؟ ير بيالا ـــ (اتمهار عير عير عن تو منجه آبهاس هوتا ه كه تم یں مرے لئے اب ہی آشا ہے، یہ محیم ہے که پہلے کے باللے میں میں بہت هی کادذهن هو گیا هوں پر کچھ چیزیں یں جن سے بہت پربیارت بھی هوتا هوں ، یہی کارن فے که مہارے آگے میں کرتگیت ہی ہوں پر پریشانی بھی بہت آنوبھو بنا هوں . منجهے دنم اِس بات كا هے كه ميرے إن تمام دوستوں و جنهیں میرے بارے میں میرے بہوشیہ کے بارے میں أبھی بھی چى آشا هـ؛ أنهيس بعد ميس كچه دكه هرال، "كچه چهن رككر س نے ساوریت کے کھی کھینچے اور منھ سے دواں شاتے ہوئے پھر ولا۔ ''آج بھی یہاں آنے کے آج ہی دیلے میں نے ایک بیوتوفی ہے ہے پر میں اُس پر خوص هوں . ميرا وہ پررسي جو پورب ی طرف رهنا تها چالگ - فو کهانا تها . وه مالح تها . أس كے یک اوکی تھی جس کا نام تھا آہ۔شن، جب تم میرے گھر آتے ہے' اُسے آبشیہ دیمھا ہوگا ۔ پر تم نے دھیاں نہیں دیا عوکا کیونکہ ولا چھوٹی تھی ، بچی ھولے پر ولا سندری نہیں ھوٹی ، ساد ارن سی المایہ منه کی پیلی پر کر رہ گئی ، لیکن اُس کی آلندها بهت بچی تهیں اور برونیاں بھی اسادھارن روپ سے بڑی تھیں . یسی صاف آنتھیں تھیں کہ اُس کی سنیدی کی تولنا اُتر کے سمان سے کی جاسکتی تھی جب ہوا نہ بھ رہی ہو اور بادل کا ایک در تکوا نه هو . وه بوی یوگیه لوکی تهی . جب وه چرئی تھی تبھی اُس کے مال کی موتیو <mark>هوگئی . اپنے چھرتا</mark> بائی اور بہن کی دیکھ بھال کرنے کی ذمتداری آسی پر آگئی . سے آپنے پتا کی بھی فکرکرلی پوتی تھی آور یہ سب وہ بڑی خوبی سے رليتي تهي. وه كنجوس بهي تهي . أس لله دهيرم دهيرم ألس کے پریوار نے اُنٹی کرلی ، شاہد ھی کوئی ایسا پررسی رہا ھو جر أس كى تعريف لهين كرتا تيا . چانگ - نو يعي أس كى رَائي كرتا تها ، إس بار بجب مين گهر سے يہاں أرها تها مين نے آسے بادر کیا تھا ، بڑے ، رحمن کی یادداشت جہت جي هوي هي ملي لد يناها كه ايك بار أه-شن الد

Be all

کو لے گر قبرستان میں گیا ۔ یہ سوچ کر کہ میں آپنے پہارے بھائی کو پہر دیکھ سکوں گا مجھے بڑی خوشی ہوئی ۔ میرے لئے یہ آیک نیا آنوہیو تیا ۔ قبر کے نزدیک پہونچکو ہم موگوں نے دیکھا کہ ندی سچ سچ کنارا کات رہی تھی آور پائی قبر سے کیول در نیٹ کی دروی پر تھا ، قریب در سال سے اُس قبر پر نئی متی نہیں لگای گئی تھی ۔ میں اسی برنیلی قبر پر فیزا ہوگیا اور مزدروں سے کہا۔"کردائی شروع کرو ۔"

المیں بہت سان ارن آن ی هوں ، مجھے یہ محسوس هوا که اُس سیم میری آوا بڑی اسوابیاوک تبی اور اِس سے زیادہ بڑی آکیاں میں نے زندگی میں اور کبئی نہاں دی تبی ، وہ مود نے پر مزدروں کے اُلئے اِس میں کوئی نیایان نہیں تبا ، وہ کبود نے پہونچ گئے ، جب وہ کانی کبود چکے اور تابوت کے گھیرے تک پہونچ گئے ، میں نے جہالک کر دیکھا اور تابوت کو سچ میج سڑا هوا پایا ، تابوت توبیب قریب پورا آتو چکا تھا ، لکڑی کے چہوئے چبوئے ٹکڑے بھی اِدھر اُنھر پڑے تھے ، میرے هودے کی دھڑکن بڑھ گئی ، میں اپنے بائی کو جو دیکرنے والا تھا ، پر مجھے گھور آشچریہ ہوا جب میں نے دیکھا کہ سبھی چ ویں گل پر مجھے گھور آشچریہ ہوا جب میں نے دیکھا کہ سبھی چ ویں گل پی سبھی ندارد نہیں ، میں نے سوچا کہ سبھی چ ویں گل پاتا ہے ، شاید کبچ ، بال آب بھی پڑے بھوں ، اِس اُنے میں کیچڑ میں اُس استھاں پر جہاں تو سب سے دیو میں اور مشکل سے گل میں اُس استھاں پر جہاں تکیه رہی بھوگی اُس کے بال

میں نے دیکیا کا اُس کی آنکییں لان عوتی جارہی تھیں' پر یہ شراب کا پربیاز نیا ۔ اُس نے کیایا کچہ بھی تھیں" کہوا شراب پیتا رہا اور قریب ایک پنٹ پی گیا عوکا ۔ اُب اس کی شکل اور چہرے کے ھاڑ بہار ویسے بھی عور ہے تھے جیسے میں اپنے پرائے دوست لو - وی - فو میں دیکیا کرنا تھا ۔ میں نے بیرا سے دو پاک شراب اور گرم کرنے کو کہا ۔ پھر اُس کی طرف موکر اُس کی بابیں سننے میں لگ گیا ۔

"واستو میں اس قبر کو پرائی جاء سے مقانے کی کوئی اوسیکتا بائی نہیں رہ گئی تہی ، میرے لئے کیول یہی کام بانی تہا کہ زمین کو پھر برابر کروا دوں ارز نابوت کو واپس کردوں ، حالاتکہ تابوت خریدکر پھر واپس کرنا مجیب بات تھی اور دام میں اپنے خرچ کے لئے وہ پیسے ضرور واپس لے لینا ، اِس پرکار میں اپنے خرچ کے لئے وہ پیسے ضرور بحیالیتا ، میں نے ایسا نہوں کیا ، میں نے تابوت میں بسترا بحیائر پرائی قبر کی تھوتی متی ایک نئی قبر میں رکھ دیا ، چونکہ فبر کے چاروں طرف میں ایک نئی قبر میں رکھ دیا ، چونکہ فبر کے چاروں طرف میں ایک نئی قبر میں رکھ دیا ، چونکہ فبر کے چاروں طرف میں ویست را ، اِس چرکار سے میں نے یہ کام پورا کیا ، میں ویست را ، اِس چرکار سے میں نے یہ کام پورا کیا ،

को लेकर क्रिक्सिन में गया. यह सोच कर कि मैं अपने प्यारे भाई को फिर से देख सकू गा, मुके बड़ी खुशी हुई. मेरे लिये यह एक नया अनुभव था. कब के नजदीक पहुंच कर हम लोगों ने देखा कि नदी सचमुच किनारा काट रही थी और पानी कब से देखल दो कीट की दूरी पर था. करीब दो साल से उस कब पर नथी मिट्टी नहीं लगाई गयी थी. मैं उसी बक्तीली जमीन पर खड़ा हो गया और मजदूरों से कहा—"खुवाई शुक्त करो."

में बहुत साधारन आदमी हूं. मुमे यह महस्स हुआ कि उस समय मेरी आवाज बड़ी अस्वामाविक थी और इससे ज्यादा बड़ी आहा मैंने जिन्दगी में और कभी नहीं दी थी. दर मजदूरों के लिये इसमें कोई नयापन नहीं था. वे खोदने में जुट गये. जब वह काफी खोद चुके और तावृत के घेरे तक पहुंच गये, मैंने मांक कर देखा और तावृत को सचमुच सड़ा हुआ पाया. ताबृत करीब करीब पूरा दूट चुका था. लकड़ी के छोटे छोटे दुकड़े ही इधर उधर पड़े थे. मेरे हृद्य भी धड़कन बढ़ गई. मैं अपने भाई को जो देखने वाला था. रर मुमे घोर आश्चर्य हुआ जब मैंने देखा कि बिस्तर, कपड़े, लाश सभी नदारद थीं. मैंने सोचा कि सभी चीजें गल गयी होंगी. पर बाल तो सब से देर में और मुश्कल से गल पाता है. शायद इछ बाल अब भी पड़े हों. इसलिये में कीचड़ में उस स्थान पर जहा तिकया रही होंगी उसके बाल दढ़ने लगा. पर कुछ पता न लगा."

मेंने देखा कि उसकी आंखें लाल होती जा रही थीं, पर यह शरब का प्रभाव था. उसने खाया कुछ भी नहीं, केवल शराब पीता रहा और करीब एक पिन्ट पी गया होगा. छव उसकी शकल और चेहरे के हाव भाव वैसे ही हां रहे थे जैसे में अपने पुराने दोस्त लू-बी-कू में देखा करता था. मैंने बेयरा से दो पिंट शराब और गरम करने को कहा. फिर उसी की तरफ मुद्ध कर उसकी बातें सुनने में लग गया.

"बास्तव में उस क्रम को पुरानी जगह से हटाने की कोई आवश्यकता बाकी नहीं रह गथी थी. मेरे लिये केवल यही काम बाकी था कि जभीन को फिर बराबर करवा दूं और ताबूत को बापस कर दूं. हालांकि ताबूत खरीद कर फिर वापिस करना अजीव बात थी और दाम भी कम मिलते पर वह दूकानदार उसे जरूर वापस ले लेता. इस प्रकार में अपने खचें के लिये कुछ पैसे जरूर बचा लेता. पर मैंने ऐसा नहीं किया. मैंने ताबूत में बिस्तरा बिछा कर पुरानी क्रम की थोबी मिट्टी उसमें रख कर उसको अपने पिता की क्रम के बराल में एक नयी क्रम में रख दिया. चूं कि क्रम के चारों तरफ मुझे इंट का घेरा बनवाना था इसलिये कल दिन भर में उसी में बयस्त रहा. इस प्रकार से मैंने यह काम पूरा किया. कम से कम मेरी मां को सन्तोश देने के लिये काफी

منارایا جائے، آلت میں بیراً کی پسند سے ھی تیں چیزیں آئیں۔ سوکھی تلی پھلیاں ٔ ٹھنڈا گرشت ارر تلی مجھلیاں ،

ایک هاته میں شراب کا پیاله لئے اور درسرے هاته کی آنکلیوں کے بیچ میں سکریٹ دبائے وہ مسکرا کر بولا۔"جب میں لوت کر واپس آیا تو میں نے دیکھا کہ میں کتنا بدھو ھوں، جب میں چھوٹیا تھا یدی میں کو ایک جگه اِکٹیا دیکھتا تھا تو اُنھیں ترا کر آزا دیا کرتا تھا پر دوسرے می چھوں وہ اُسی جگه پھر آبنٹھتی تھیں ، حالانکہ یہ کام بدھوپی می کا تھا اور میں بھی ایسا ھی سمجہتا تھا پر مجھے اُن بر دیا بھی آجاتی تھی ، میں سوچتا تھا کیا وہ اُزکر سویم نہیں جاسکتھں تھیں تھیں ،

میں مسکراکر ہولا۔"اُتر دینا تو مشکل ہے ۔ شاہد میں بھی اُن مکیبوں کے سامنے ایک چھرتے سے گھرے میں بھی گھومتا رہا میں ۔ لیکن تم کیوں اُرکو یہاں واپس آگئے ہے ''

"بیکار هی! "وہ بولا اور ایک عی گہونت مس پیالہ خالی کردیا .

پر سکریٹ کے کش پر کش کھینچ کر آنکھیں کھواتے ہدئے بولا۔

یکار عی ایم تمہیں جلد می معلم هوجائیگا ."

بھرا ترنت گرم تازی شراب لایا ارر اور قیبل پر طشتریان سجا دیں . تازی تلی وستوؤں کی سوگندہ اُوپر کے کمرے میں پیل گئی اور اب کمرے کا واتاورن زیادہ پرسنتا ہے عمر رہا تھا .

وہ بولتا رھا۔ ''تم کو شاید پہلے ھی سے معلوم ہے کہ میرا ایک چبوتا بہائی تھا جو تیں ھی سال کی عمر میں مر گیا تھا اور یہیں بنی کیا تھا ، مجھے تو اُس کی شکل کی یاد بھی نہیں ھی' پر ماں کہتی ہے وہ بڑا پیارا لڑکا تیا اور مجھ سے بہت علا ھوا ہا ، اب بھی اُس کی یاد کرکے ماں رویا کرتی ھیں ، اِس بسلت بی میارے ایک چچیرے بہائی نے لکیا کہ اُس کے قبر کے پاس کی بئی بہت نم ھوگئی ہے اور یدی ہم لوگرں نے مرمت نہ کرائی من بہت نم ھوگئی ہے اور یدی ہم لوگرں نے مرمت نہ کرائی مت چنت ھوئیں اور کئی رات سی نہ پایس ، وہ سویم پتر وہ لیتی ھیں ، لیکن میں کیا کرسکتا تھا ﴿ نَهُ میرے پلس پیس بند نہ سے ، اِس سلسلے میں کیا کرسکتا تھا ﴿ نَهُ میرے پلس پیس بنا نہ سے ، اِس سلسلے میں کچھ بھی کرسکتا آسام ہو دیم وہا ہو اُس کی چھٹی کے اوسر کا لابھ اُٹھاکر میں یہاں آبایا با ، نئے سال کی چھٹی کے اوسر کا لابھ اُٹھاکر میں یہاں آبایا با ، نئے سال کی چھٹی کے اوسر کا لابھ اُٹھاکر میں یہاں آبایا با ، نئے سال کی چھٹی کے اوسر کا لابھ اُٹھاکر میں یہاں آبایا

ایک پیالم شراب آور پی کر وہ پھر ہولا۔۔۔''کیا آتر میں بھی ایسی سنبتی کا سلمنا کوئا پرتا ہے ؟ وہاں برف کی موتی تھوں میں اور ف کے نیجے بھی پھول نہ ہیں جمتے اس لئے کل میں نے ایک چوڈا تابوت توشیم انتازت تحریدا ، میں نے سوچا کہ قبر میں گرا ہوا تابوت آوشیم نوات ہوگیا ہوگیا ہوگا میں نے کھرے اور بستر خریدے اور چارمودروں

मंगवाया जाय. श्रन्त में बेयरा की पसन्द से ही तीन चीजें जाई -सूखी तली फलियां, ठंडा गोश्त और तली महालियां.

एक हाथ में शराब का प्याला लिये और दूसरे हाथ की उंगलियों के बीच सिगरेट द्वाये वह मुस्कराकर बोला— "जब मैं लौट कर वापस आया तब मैंने देखा कि मैं कितना बुढ़ हूं. जब मैं छोटा था यदि मिक्खयों को एक जगह इकट्ठा देखता था तो उन्हें डराकर उड़ा दिया करता था, पर दूसरे ही छन वह उसी जगह फिर आ बैठती थीं. हालांकि यह काम बुढ़ पन ही का था और मैं भी ऐसा ही सममता था पर मुक्ते उन पर द्या भी आ जाती थी. मैं सोचता था क्या वह उड़ कर स्वयं नहीं जा सकती थीं ?"

मैं मुस्कराकर बोला—"उत्तर देना तो मुश्किल है. शायद मैं भी उन मक्खियों के सामने एक छोटे से घेरे में ही घूमता रहा है. लेकिन तम क्यों उड़कर यहीं वापस आ गये ?"

"बेकार ही !" वह बोला और एक ही घूंट में ही प्याला खाली कर दिया। फिर सिगरेट के कश पर कश खींचकर आंखें खोलते हुये बोला—"बेकार ही ! पर तुम्हें जल्दी ही मालम है। जायेगा."

बेयरा तुरन्त गरम ताजी शराब लाया और टेबिल पर तश्तरियां सजा दीं. ताजी तली बस्तुओं की सुगन्ध ऊपर के कमरे में फैल गई और खब कमरे का वातावरन दियादा प्रसन्नतामय हो रहा था.

बह बोलता रहा—"तुमको शायद पहिले ही से मालून हैं कि मेरे एक छोटा भाई था जो तीन ही साल की उम्र में मर गया था और यहीं दफन किया गया था. मुके तो उसकी शकत की याद भी नहीं रही, पर मां कहती है कि वह बड़ा प्यारा लड़का था और मुक्ते बहुत हिला हुआ था. अब भी उसकी याद करके मां रोया करती हैं. इस वसन्त में हमारे एक चचेरे माई ने लिखा कि उसके क्षत्र के पास की मिट्टी बहुन नम हो गई है और यदि हम लोगों ने मरस्भत न कराई तो नदी में गिर जायेगी. जब मां को यह मालूम हुआ तो बह बहुत चिन्तित हुई और कई रान सो न पाई. वह स्वयं पत्र पढ़ लेती हैं. लेकिन मैं क्या कर सकता था? न मेरे पास पैसा था, न समय इस सिलसिले में कुछ भी कर सकता ऋसम्भव दीख रहा था. नये साल की छुट्टी के अवसर का लाभ उठा कर मैंने यहां आ पाया हूं ताकि उसके क्षत्र की मरस्मत करवा दूं."

एक प्याला शराव श्रीर पीकर वह फिर बोला—"क्या असर में भी ऐसी परिस्थित का सामना करना पड़ता है? बहां बर्फ की मोटी तहों में श्रीर बर्फ के नीचे भी फूल नहीं जमते. इसलिये कल मैंने एक छोटा सा ताबृत खरीदा. मैंने सोचा कि क़ब्र में गढ़ा हुआ ताबृत अवश्य खराब हो गया होगा. मैंने कपड़े श्रीर विस्तर खरीदे और चार मज़ब्रों

इस बार सीढ़ी पर कोई काफी. धीरे धीरे चढ़ रहा था. मैंने सोचा यह कोई बाहक ही होगा. जब आखिरी सीढी पर पैरों की आवाज आई मैंने अपना सिर उठा कर इस ताह देखा जैसे आनेवाले के आने से मुक्ते परेशानी हुई हो ह्यार में उठ खड़ा हुआ. सुमे इसकी तनिक भी आशा नहीं थी कि यहां मेरी अपने एक मित्र से भेंट हो जायेगी. शायद वह मुमे अब भी मित्र कहने देगा. आनेवाला मेरा सहपाठी था ग्रीर जब मैं अध्यापक था, वह भी मेरे साथ ही काम करता था. हालांकि वह बदुत बदल गया था पर मैं उसे देखते ही पहचान गया. पहले के स्वस्थ और फुर्तीले लू-बी-कू के मुकाबले में अब वह थोड़ा सुस्त हो गया था.

THE PROPERTY.

"अरे ! बी-फू, तुम यहां ! मुफे रत्ती भर उम्मीद नहीं

थी कि तुमसे यहाँ भेंड हो जायेगी."

''श्रच्छा, तुम हो ! मैंने भी कभी नहीं सोवा था...." मैंने उससे साथ देने के लिये कहा पर काकी हिचक के वाद वह तैयार हुआ. मुक्ते यह बहुत अजीब लगा और मरे मन को तकलीक हुई. उसके बाल आज भी पहले की ही तरह बिखरे ये और चेहरा लम्बा और पीजा था, बह अब पहिले से दुवला था. वह बड़ा शान्त था. सम्भव है उसका उत्साह मर चुका हो. घनी भौं के नीचे उसकी आंखों में श्रव पहिले की तेज, पैनी दृश्टि नहीं थी. पर जब उसने अगन की तरक नजर डाली तो मुक्ते उसकी आखों में वही पुरानी चमक दिलाई दी जो मैं स्कूल के दिनों में देखा करता था.

में ज़ुश हो कर, पर कुछ डरता हुआ बोला "क्यों, हम लोग करीब दस साल बाद मिल रहे हैं १ बहुत दिन पहिले मैंने सुना था कि तुम सीनान में हो पर मैं इतना निकम्मा और सुस्त हूं कि तुम्हें पत्र भी न लिख सका."

उसने उत्तर दिया—"मैं ठीक ही हूं. क़रीब दो साल से में तायुयान में हूं. मेरी मां भी मेरे साथ है. जब मैं उन्हें वापस लेने श्राया था तो मालूम हुआ कि तुम यहां से जा चुके हो."

मैंने प्रश्न किया—''तायुयान में क्या कर रहे हो ? "प्रान्तीय अधिकारी के परिवार में पढ़ा रहा हूं."

"श्रीर उसके पहले क्या करते थे ?"

श्रपनी जेब से एक सिगरेट निकाल कर उसने जलायी और मुंह से धुएं के गोले निकालते हुये वह बोला—"उसके पहिले ?...,याँ ही कुछ नहीं....बेकार ही था."

उसने मुक्तसे मेरे बारे में पूछा. बेयरा को बुला कर एक प्याला और लाने के लिया कहकर मैंने अपनी हालत संचेप में बता दी. में चाहता था कि वह भी जल्दी ही दो प्याले मदिरा पी कर अपने को थोड़ा गरमा ले. हम लोगों ने साथ खाने के लिये और चीजें भी मंगवाई, पहिले तो हम लोग श्रापस में शिक्षदाचार का ध्यान नहीं रखते थे पर इस बार इस दोनों में से कोई भी निश्चय न कर पाया कि क्या

بدر الس بار سيرهي در كوئي كافي دهيرے دهيرے چڑھ رها تها . مهی نے سوچا یہ کوئی گراهک هی هوگا . جب آخری سیوهی پر پیر ں کی آواز آئی میں نے اپنا سر اُڈباکر اِس طرح دیکھا جیسے آنے والے کے آنے سے معجبے پریشانی ہ نی ہو اور میں آتے كهرا هوا . مجهد أسكى تنك بني آشا نهين تبي كه يهان ميري الني ايك متر سه بهينت هوجانيكي . شايد وه منجه أب بعي متر كهنم دسما . آن والا ميوا سيواتي بها أورجب ميس ادهيابك تراه وة يوي ماير ساته عى كام كرنا نها . حالاتكه وه بهت بدل أيا تھا پر حمیں اُسے دیکھتے سی پہنچان گیا . بہلے کے سوستھ اور پھرتیلے لو-وی - نو کے مقابلے میں آب وہ تہورا سست عوگیا تھا .

والراء ! وي - نوا تم يهال إمجه رتي يهر أميد نهيل تبي كه تم سے بیہاں بہینت موجانیکی . "

میں نے اس سے ساتھ د نے کے لئے کہا پر کانی معجک کے بعد وہ تیار ہوا ، مجھے یہ بہت جیب لکا اور میرے موں کو تکلیف دوئی . اُس کے بال آج ہمی دیلے کی طرح بکھرے تھے اور چیرة لما ارر یدلا تها وه اب برلے سے دبلا تها ، وہ بڑا شانت تها . سم أو ه اس كا أتساد موچكا الله . كانان بدول كے البديج أسكى آمیوں میں اب یا لے کی تیز' بینی درشقی نہیں تی ، پر جب اُس نے آئی کی طرف نظر ڈالی نو مجھے اُسکی آنکھوں میں رھی پرانی چمک دکرائی دی جو میں اسکول کے دنوں میں

ميں خرش هوکر' پر کنچ ترتا هوا بولا---"کيوں' هم لوگ قویب کس سال بعد مل رھے عیں؟ بہت دن دہلے میں نے سنا تها که تم سینان میں عو پر میں اِتنا کیا اور سست هوں که نمهیں پتر بھی نہ نکھ سکا ۔ "

اُس نے اُتر دیا۔ ''میں تھیک ھی ھوں ۔ قریب در سال سے میں تایویاں میں ھوں . میری ماں یعی میرے ساتھ ھے . جب میں انہیں واپس لینے آیا تھا تو معلرم عوا کہ تم یہاں سے

> میں نے پرشن کیا۔۔۔''تایویان میں کیا کر رہے ہو؟ '' "پرانتیم ادهیکاری کے پریوار میں بر ا رہا هوں ." "ارر آس کے پہلے کیا کرتے تھے?"

لینی جیب سے أیک ساریت ناال کر أس نے جالئی ارر منه سے دھوٹیں کے گولے نکالتے ھوئے وہ بوالد ''نس کے بہلے ؟ ... يرنهي كحج نهيس . . . بيكار مي تها . . .

اُس لے مجے سے میرے بارے میں درچھا . بیرا کو ہلاکو ایک بیاله اور لانے کے لئے کہمر میں لے اپنی حالت سندھیب میں ملادی . میں چاہتا ترا که وہ بھی جادی ہی دو پیالے مدرا ہے کر اپنے کو تھرزا گرما اے. هم لوگیں نے ساتھ کھانے کے لئے اور چیزیں ہی منگوانوں، پہلے تو هم لوگ آپسمیں ششتاچار کا دھیاں نہیں رکھتے تھے پر اِس بار عم دونوں میں کرئی بھی نشجے نہیں کریایا کہ کیا पुराने पांच टेबिल लगे हुए थे. केबल दीवार की खिड़कीं में अब शीशे के दरवाजे लगा दिये गये थे जहां पहिले लकड़ी के दरशाजे थे.

"एक प्याला पीली शराव, फिलयों के दस दुकड़े और काकी मात्रा में चटनी दो." मैंने आईर दिया.

वेयरा को यह आईर देते हुए, मैं पीछे जाकर खिड़की से लगी मेंज के सहारे बैठ गया, ऊपर का कमरा खाली था. इसलिये मैं सब से अच्छी सीट पर बैठा ताकि मैं नीचे आंगन का पूरा दृश्य देख सकूं. वह आंगन शायद शराब की द्कान का हिस्सा नहीं था. पहिले भी जब मैं यहां श्राता. घंटों ऐसे ही आंगन को देखता रहता. वर्क पड़ती रहने पर भी में अकसर घंटों बैठा रहता था. पर अब में उत्तर में रहने लगा था. इसलिये यह दृश्य मेरे लिये नए थे. प्लम के पेड बर्फ से होड़ ले रहे थे जैसे उन्हें बर्फ गिरने से कोई परेशानी ही न हो. दालान के बराल में ही अब भी कैमीला का एक पेड़ था जिसमें सुर्ख लाल फूल खिले थे. गहरी हरी रंग की . पत्तियों में, जब बर्फ िंगर रही हो, यह फूल आग जैसे चमकते थे. तभी जभीन पर पड़ी बर्क मुक्ते पिघलती महसूस हुई. उत्तर की सूर्वा वर्तीली हवा से जहां एक बार हवा चलने से बर्क उद्कर आकाश में धन्य बना देती थी. यहां का मौसम कितना भिन्न था !

"राराब आ गई, महोदय!" वेबरा ने लापरबाही से कहा और प्याला, खाना खाने की तीलियां, शराब की केतली और रकावियां मेज पर सगा दीं. मेज की तरक मुड़ कर बैठते हुये मैंने वर्तनों को ठीक किया और प्याले में शराब डाल ली. मुके एहसास होने लगा कि हालांकि मेरा घर उत्तर में नहीं था फिर भी यहां आने पर मैं अजनबी लग रहा था. उत्तर की सुखी बर्क जो पाउडर की भांति उड़ती थी और यहां की कोमल बर्क जो बदन में चिप जाती थी दोनों ही मुक्ते दूसरी, बाहरी मालून दे रही थीं. उदासी भरी मुद्रा में ही मैंने प्याला मुंह से लगाया. शराब अच्छ थी और फिलयां भी अच्छी पकी थीं, केवल चटनी बड़ी पतली थी, पर क्या किया जाय, 'एस' नगर के लोगतेज चटनी पसन्द ही नहीं करते थे.

शायद दोपहर होन के कारन दृकान में शराब की दूकान सा बाताबरन नहीं था. मैं अब तक तीन प्याले शराब पी जुका था पर अभी तक बाक़ी चार मे बे खाली ही पढ़ीं थीं. मैं अकेलापन महसूस कर रहा था, फिर भी इच्छा यह नहीं थी कि और लोग भी आ जायं. इसलिये जब मैं सीढ़ियों पर किसी के पैर पड़ने की आवाज सुनता था तो मेरे अन्दर असन्तोश की ही भावना उठती थी और जब सामने बेयरा ही दिखाई पड़ता था तो बड़ा सन्तोश होता था. इसी तरह मैंने बो प्याले शराब और पी डाली. پرانے بانچ تیبل گے ہوئے تھے۔ لیکن دیوار کی کھڑکی میں اب شیشے کے دروازے کا دیائے گئے تھے جہاں پہلے لکڑی کے دروازے تھے۔

A STATE OF THE STA

اللہ بیاتہ پیلی شراب بھلیس کے دس تحرے اور کانی مارا میں چانی دو المس فے آرتر دیا۔

بیرا کو یہ آرتر دیتے ہوئے' میں پیچھے جا کر کھڑکی سے اس لئے میں سب سے اچھی سیٹ پر بیٹھا تا کہ میں نیچے آئکن کا پورا میں سب سے اچھی سیٹ پر بیٹھا تا کہ میں نیچے آئکن کا پورا بیس سے درشیہ دیکھ سکوں ۔ وہ آئکن شاید شراب کی دوکل کا حصہ نہیں تھا ، پہلے جب بھی میں یہاں آتا' گھنٹوں ایسے ھی آئکن کو دیکہتا رہتا ، برف پرتی رہنے پر بھی میں اکثر گھنٹوں بیتھا رہتا تھا ، پر آب میں آتر میں رہنے لگا تھا' اِس لئے یہ درشیہ میرے لئے نئے تھے ، پلم کے پیٹر برف سے ھوڑ اے رہے تھے جسے آنھیں برف گرنے سے کوئی پریشانی ھی نہ ھو ، دائن کے جسے آنھیں برف گرنے سے کوئی پریشانی ھی نہ ھو ، دائن کے برل میں سی اب بھی کیمیا کا ایک پیٹر تھا جس میں سرے برف گر رہی ھو' یہ بھول آگ جیسے چمکتے تھے ، تبھی زمین پر پڑی برف مجھول آگ جیسے چمکتے تھے ، تبھی سوکھی برفیلی ھوا سے جہاں ایک بار وا چانے سے برف آز کر آکلش میں دفتہ برفیلی ھوا سے جہاں ایک بار وا چانے سے برف آز کر آکلش میں دفتہ بنا دیتی تھی' یہاں کا موسم کتنا بھی تھا !

" شراب آگئی' مہودئے ! " بیرا نے لاپرواھی سے کہا اور پیانہ کہانا کہانے کی تیالی' شراب کی کیتلی اور رکابیاں میز پر سجا دیں . میز کی طرف مر کو بائرتے ہوئے میں نے برتنوں کو نبیک کیا اور پیالے میں شراب ڈال ئی . مجھے لحساس ہونے لگا کہ حالاتکہ میرا گھر اُتر میں تہیں تہا پھر بھی یہاں آئے پر میں اجنبی لگ رہا تھا ، اُتر کی سوکھی برف جو پارڈر کی بیات اُتر کی سوکھی برف جو پارڈر کی بیات اُتر کی مجھے درسری' باهری معلم دے بیک جاتی تھی دوئوں تھی مجھے درسری' باهری معلم دے رش تھیں اور پہلیاں بھی میں نے پیالہ منہ سے لگایا، شراب اچھی تھی اور پہلیاں بھی اچیی پہلیں تھیں' کیول چتنی شری پالی تھی' پر کیا کیا جائے' اُلس' نگر کے لوگ تیز چتنی پہلی تھی کرتے تھے ۔

شاید دوپہر ہونے کے کاری دوکان میں شراب کی دوکان سا واتاورن نہیں تھا ۔ میں اب ثک تین پیالے شراب پی چکا تھا پر آبھی تک باتی چار میزیں خالی ھی پریں تھیں ، میں اکیلا پن محسوس کر رہا تھا، پیر بھی اچھا یہ نہیں تھی کہ اور ٹوگ بھی آجائیں ۔ اس لئے جب میں سیر طیرں ہر کسی کے پیر پرنے کی آواز سنتا تا تو میرے اندر استرفی کی تی بھاونا آئیتی تھی اور جب سامنے بیرا ھی دیکھائی برخا تھا تو برا سنترہی ہوتا تھا ، اِسی طاح میں نے دو پیالے شراع اور پی قالی میں ایک دو پیالے شراع اور پی قالی میں ا

मदिराखय में

लेखक--लू-शुन

अनुवादक—कामेरवर अप्रवाल

उत्तर से दूर दक्किन जाते समय मैं अपने गांव में भी हका था और वहां से "एस" नगर को गया. यह नगर मेरे गांव से लगभग 10 मील की दूरी पर है और नाव से आधे दिन में ही वहां कोई पहुंच सकता है. क़रीब एक साल तक मैंने यहां के एक स्कूल में पढ़ाया है. आधा जाड़ा बीत चुका था. बर्फ भी गिर चुकी थी और अब ठंडक काफी बढ़ गई थी. घर की याद और यात्रा की थकन ने मुक्ते मजबूर कर दिया कि मैं लो-जु होटल में एक कर कुछ दिन आराम करूं. यह होटल इससे पहले यहां नहीं था. यह एक छोटा सा शहर था. मैंने सोचा कि घूम फिर कर अपने पुराने दोस्तों से मिल लूं. पर किसी से भी भेंट न हो सकी. वह सभी काम धन्दों में लग कर बाहर चले गये थे. जब मैं स्कूल के मामने से गुजरा तो देखा उसका नाम श्रीर फाटक दोनों ही बदल गये हैं. उस शहर के लिये में अब पूरा अजनबी था. दो घंटे में ही मेरा सब उत्साह खतम हो गया श्रीर यहां त्राने का मुभे अकसोस होने लगा.

जिस होटल में मैं रका था, वहां केवल कमरे किराये पर दिये जाते थे, खाना नहीं दिया जाता था. चावल श्रीर दूसरी चीजे' बाहर से मंगानी पड़ती थीं और उनका स्याद बहुत खराब होता था, जैसे मिट्टी सान कर रख दी गई हो. खिड़की के बाहर एक दीवार थी जिस पर लाल पीले, घटबे पड़ गये थे और काई जम गयी थी. ऊपर श्राकाश था जो मुदें के समान सकेद पड़ गया था, जिसकी सारी रंगीनियां स्तम हो चुकी थीं. बर्क भी गिरने लगी थी. मामूजी सा खाना खाने को तो मिला पर खाली समय बिताने का वहां कोई साधन न जुट सका. इसलिये मैंने सोचा कि अपनी पुरानी परिचित शराब की छोटी सी दूकान पर जाकर समय बिताऊं. यह द्कान होटल के पास ही थी और बैरेल हाउस के नाम से मशहूर थी, कमरे में ताला डाल कर मैं मदिरालय के लिये चल दिया. शराब पीने की मुक्ते इतनी इच्छा नहीं थी जितनी इस बात की कि किसी प्रकार समय बीत जाय. वैरेल हाउस अब भी उसी स्थान पर था. उसका साइनवोर्ड भी नहीं बदला था. पर बैरेल हाउस के तमाम कर्मचारी बदल गये थे. उनमें कोई मेरा परिचित्त नहीं था. यहां भी में अजनबी था. एक जानकार की मांति में सीढ़ी से होता इमा इसरी मंजिल पर जा बैठा. ऊपर के कमरे में वही

مدرالئے میں

ليكهك--الوشي

انووادك-كميشور اكروال

أتر سے درر دكھن جاتے سمے ميں اپنے گاؤں ميں بھی ركا تھا أور وهال سے " أيس نام " كو كيا . يم نام ميرے كارل سے لک بھگ 10 میل کی دوری پر ھے اور ناؤ سے آبھے دن میں می وهاں کوبی پہوئیج سکتا ہے . قریب ایک سال نک میں لے یہلی کے ایک اِسکول میں پڑھایا ھے۔ آصفا جازا ہیت چکا قبا برف یمی گر چای تهی اور آب ثهندک کانی برمه گئی تهی . گہر کی یاں اور باتوا کی نهکن نے منجهے منجبور کر دیا که میں لود او هرال میں رک کو کچھ دین آرام کورن ، یہ موال اِس سے برائے یہ ان نہیں نہا ، یہ ایک چھوٹا سا شر تھا ، میں نے سوچا که گهرم پهر در ايني پران درستون سے مل لوں . پر کسی سے بھی بھینت نہ شرسہی . وہ سبھی کام دھندوں میں لگ ک باہر چلے گئے تھے ، جب میں اِسکول کے سلمنے سے گذرا قو ديكها أس كا قام أور دياتك دوفرن هي بدل كله عني . أس شہر کے اللہ میں آب پورا اجذبی نیا ، دو گھنقے میں علی میرا سب اُتساہ ختم ہو کیا اور یہاں آنے کا مجھے انسوس موتے اگا ۔

جس ہوٹل میں میں رکا تھا' وہاں 'یول کمرے کراُنے پر ديم جاتے تھے کھانا نہيں درا جانا تا ، چارل ارر درسري چيزيں باهر سے منکانی یوتی تهیں اور آن کا سواد بہت حراب عوتا نہا^ہ جیسے متی سان کر رکھ دی گئی ہو۔ کورکی کے باسر ایک دیوار تنہی جس ير لال بالم دهم پر گئے تھے اور کانی جم گئی تھی ، اوپر آگاهی تھا جو مردیے کے سمان سنید پر گا تھا جس کی ساری رنایدان ختم هو چاین نهین ، برف بای گرنے لای تهی ، . معمولی سا کھانا کھانے کو تو ملا پر خانی سمے بتانے کا وہاں کوئی سادھوں نے جٹ سکا ، اس لئے میں نے سوچا کہ اپنی پرانی پرچت شراب کی چهوٹی سی درکان پر جاکر سنے بتاؤں ، یہ دوکان ہوٹل کے پاس ہی تھی اور ہرال مارس کے نیام سے مشہور تھے، کمرے میں نالا دال کو میں میرائے کے لئے چل دیا . شراب بینے کے مجم اننی اِچھا دہیں تھی جتنی اِس بات كى كه كسى پركار سيم ديت جائم . بيرل هارس آب بهي آسي استان پرتها . أس كا سازن بورة بهي نهبي بدلا تها . پر بھول ھائس کے تمام کرمنچاری بدل گئے ہے ۔ آن میں کوئی ميرا يرجت ناي تها . يهال يعي ميل اجنبي تها . ایک جانکار کی بھائتی ماں سیرھی سے ھوتا ھوا دوسری منزل پر جا بیتھا، ارزر کے کمرے میں وھی

क्यादा शिकार होती है, जात पात, छुक्षाखूत, भाशा, पार्टी ब्रादि के कक्षों के कारन ब्रापसी कशमकश जितनी क्यादा बढ़ती है उतना ही ज्यादा प्रानिंग कमीशन को ख़शी होगी.

सौ बातों की एक बात यह है कि प्रानिंग कमीशन ने श्रपने सामने वही पैमाना श्रीर श्रावर्श रख छोड़े हैं जो पच्छिम के मुल्कों के सामने हैं और जहां प्रेम के मुकाबिले कानून व हथियार की पनाह बात बात पर ली जाती है, जहां इन्सान को इन्सान उतना नहीं जितना मशीन का एक पुर्जा समभा जाता है, अगर यही हालत बनी रही तो हमें इसमें कोई शक नहीं है कि हिन्द्रतान में रारीबी श्रीर तबाही तेज रफ़्तार से बढेगी और हो सकता है कि जल्दी ही हमें किसी विदेशी ताक़त की पनाह लेना पड़े. अब जब सरकार दसरी योजना पर विचार कर रही है तो बड़े अदब के साथ हम कहना चाहते हैं कि उसे इन मदों पर शौर करना चाहिये और इन तीन साल की असलियत की रोशनी में आगे के काम की बुनियाद खड़ी होनी चाहिये, मुल्क को और मुल्क के हर गांव को ऋपने पैरों पर खड़ा करने की कोशिश करनी चाहिये और जनता को संधि, सच्चे, ईमान, प्रेम और भेडनत के रास्ते पर लाना चाहिये.

شکار هوتی هے' جات پات' چهراچهوت' بهاشا' پارٹی آدی نرتوں کے کارن آپسی کشمکش جتنی زیادہ برّهتی هے اتنا زیادہ پلاننگ کمیشن کو خرشی هوگی .

سر باترں کی ایک بات یہ ہے که پائنگ کمیشن نے اپنے وہی پیمانے اور آدرش راہ چھرزے ھیں جر پیچیم کے ملکوں سامنے ھیں ارر جہاں پریم کے مقابلہ قائریں و ھتھیار کی پناہ بات پر لمی جاتی ہے' جہاں انسان کو انسان اتنا نہیں مشین کا ایک پرزہ سمجھا جاتا ہے . اگر یہی حالت بنی تر ھمیں اس میں کرئی شک نہیں ہے کہ ھندستان میں اور تباعی تیز رفتار سے بڑھیکی اور ھرسکتا ہے کہ جادی قمیں کسی ودیشی طاقت کی پناہ لینا پڑے . اب جب دورسری یوجنا پر وچار کر رھی ہے تو بڑے ادب کے ساتہ ھم چاہتے ھیں کہ اسے ان مدوں پر غرر کرنا چاہئے اور ان تین پہلے کی روشنی میں آگے کے کام کی بنیاد تھتی کہ اور ملک کے ھر گاؤں کو اپنے پیروں کہ آتے کے کام کی بنیاد تھتی کہ اور ملک کے ھر گاؤں کو اپنے پیروں کہ اپنے کی روشنی جاتے گور جنتا کو سیدھ' سچے کری اور محان کے راستے پر اپنا چاہئے .

--سريش راميهائي .



700 PAGES, 32 ILLUSTRATIONS 2 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 780

A vivid narration of the glorious and wonderful achievements of New China...A picture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China in the English language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly informative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known —Leader, Allahabad.

Encolopsedic...characterized by acute observation of detail as well as by...instinctive grasp of the fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

—Blitz, Bombay

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New. China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it.

-Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madras

Cnina Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarlai's) shrewd understanding of men and matter... brings to light the mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations for a tomorrow which is theirs.

—Vigit, Delhi

رهی تهیں. مکر حکومت کی مشینری اور اس کے رویہ سے وہ اننا تنگ آگئیں کہ انہوں نے وہ کام چھرز دیا اُور مرسیوا کا کام کرنے کشمیر چلی گئیں میں ، ظاہر ه که اگر سرکاری بندربست میں امان اکن اور خدمت کی یو هوتی تو وه ابسا هرگز نهیں کرتیں، حکومت کے نظام کے کھوکھلا عوتے جانے کا اس سے زیادہ کیا نمرنہ هرسکتا ها پالنگ کیشن کے ممبر خرد اس مشین کا حصت هیں . اس الله الله الدر السمشين كي المليت كي جالكاري الله عرف پر المیں کوئی المحجب نہیں ہے . شہر یا گازں کہیں بھی چلے جائے سرکاری دیتروں کی حاات پر اور حکاموں کے رنگ تعنگ پر کوئی بہی دو آنسو بہانے بنا نہیں رہے گا .

أور جهال تك تيسرے دعوم كى بات هے كه نيا نظريه پیدا مورما هے؛ مدین نہیں معلوم که شری کرشناماچاری کی مرأد دیا ہے؟ کیا صحنی سرکاری ٹوکریوں میں اضافہ هوجانے سے ٹیا نظر یہ پیدا هرجات هے عم بڑے ادب کے ساتھ یہ جانظ چاہتے ھیں کہ خود پلاناگ کمیشن کے معجروں کے وچار عمل یا کلم میں کوئی نیا نظر یہ پیدا ہرا یا نہیں ا کہنے کی ضرورت نہیں که معض کنچ دنتروں کے بڑھ جانے یا دیش ودیش سے اُونیچی تنخراً؛ پر ماہروں کے آجائے سے نیا نظریہ نہیں آجاتا ، نیا النظارية عام نابهي مانينك جب بالناك كميش أبيد ممبروس يا ملک پر نیٹے موایرں کے الله زور دے . هم جاندا چاهینگے که کیا أج همارے حکامرں کی وہی نمنائیں فریس نہیں جو پہلے تھیں' جیسے زیادہ سے زیادہ تفخواہ کم سے کم جسمائی کلم عام جنتا سے الگ رهن سهن عالیشان عمارتین اور آتمبر ابتی بتی فوجیس اور بڑے بڑے متنہار وغد ہ لا کیا آج پیسے کی السا اِس سے کم ہے جو التعریزی راج کے زمانہ ، من تبی اللہ کیا آج معاتھ کے کام کے لئے نغرت اسُ سے کہ ہے جو انگریزی دور میں تھی ﴿ کیا آپس کی چھواچھوت ار درسرے بھید بھاؤ کم موراتے میں ایک کیا ملک کے آندر چوری دَكُولِتِي أَبِرَ دِرسِرِي بِدَأْمَنْدِانِ كُمْ عَوْنُيْنِ هَيْنِ كِيا كَارِن مِين يَبِلْمَ سے زیادہ شائتی سکوں اور محبت قدی مر سرال کے جواب مهن دکھ پرردک شر ایک کو یہی کہنا هوگا که "تنہیں" نہیں ۔ 46 ایسی حالت میں شمیں نہیں معلوم که کس بنا پر یالنگ کییشن کے نائب صدر یہ سمجھ رہے میں که لوگوں کا نظریہ بدل گیا. یا شاید دیهاتول میل ودیشی یا شهراتی مال یهو عیدنی وبيات ميں سنيما کهل جانے گاراں ميں موڈويں دوڑنے کو اثبوں نے ترقبی کی نشانی ماں لیا . اگر ایسا ہے تو ہڑی نمرتا کے ساتھ هم کینا چاہتے هیں که ولا سخت غلطی پر هیں ، اگر يهي ترقی ه تب تو كهنا هولا كه جنتا جتنى زياده پيسه پرست بنتي هـ عاته كا کلے ہاتے سے جتنا کم کرتی ہے' روزانہ ضرورت کے سامان میں دوسروں كا التحتاج بنتي هم ، چرري ، دكيتي عياشي ، وغيره عيس لي جالي

उही थीं. मगर हुकू मत की मशीनरी और उसके रवैये से वह इतना तंग आ गई कि उन्होंने वह काम छोड़ दिया और श्रव गौ सेवा का काम करने करमीर चली गई हैं. जाहिर है कि अगर सरकारी बन्दोबस्त में ईमान, लगन और खिदमत की बू होती तो वह ऐसा हर गज न करतीं. हक्रमत के निजाम के खोखला होते जाने का इस से ज्यादा क्या तमना हो सकता है ? प्रानिंग कमीशन के मेम्बर खुद उस मशीन का हिस्सा हैं. इसलिये उन्हें अन्दर ही अन्दर उस मशीन की असलियत की जानकारी न होने पर हमें कोई ताउजब नहीं है. राहर या गांव कहीं भी चले जाइये सरकारी दफ़्तरों की हालत पर और हुक्कामों के रंग हुंग पर कोई

भी दो आंसू बहाये बिना नहीं रहेगा.

श्रीर जहां तक शीसरे दावे की बात है कि नया नजरिया पैदा हो रहा है, हमें नहीं मालूम कि श्री क़श्नामाचारी की मुराद क्या है ? क्या महज सरकारी नौकरियों में इजाका हा जाने से नया नजरिया पैदा हो जाता है ? हम बड़े अदब के साथ यह जानना चाहते हैं कि खुद हानिंग कभीशन के मेम्बरों के विचार, अमल या काम में कोई नया नजरिया पैदा हुआ या नहीं ? कहने की जरूरत नहीं कि महज कुछ दक्तरों के बढ़ जाने या देश विदेश से ऊंची तनख्वाह पर माहिरों के त्राजाने से नया नजरिया नहीं त्रा जाता. नया नजरिया हम तभी माने'गे जब द्वानिंग कमीरान अपने मेम्बरों या मुल्क पर नये मूल्यों के लिये जोर दे. हम जानना चाहेंगे कि क्या आज हमारे हुककामों की वही तमन्नायें नहीं हैं जो पहले थीं, जैसे ज्यादा से ज्यादा तनस्वाह कम से कम जिस्मानी काम, श्राम जनता से अलग रहन सहन, श्रलीशान इमारते' और आहम्बर, बड़ी बड़ी फ़ौजे' और बड़े बड़े हथियार वरीरा ? क्या आज पैसे की लालसा उस से कम है जो श्रंप्रेजी राज के जभाने में थी ? क्या आज हाथ के काम के लिये नकरत उससे कम है जो अंग्रेजी दौर में थी ? क्या आपस की छुआ छत और दूसरे भेद भाव कम हुए हैं ? क्या मुल्क के अन्दर चारी डकैती और दूसरी बदश्रमिनयां कम हुई हैं ? क्या गांव में पहले से ज्यादा शान्ति, सकून श्रीर मोहब्बत है ? हर सवाल के जवाब में दुख पूर्वक हर एक को यही कहना होगा कि "नहीं, नहीं." ऐसी हालत में हमें नहीं मलूम कि किस बिना पर प्रार्निंग कमीशन के नायबसदर यह समभ रहे हैं कि लोगों का नजरिया बदल गया. या शायद देहातों में विदेशी या शहराती माल पहुंचने, देहात में सनीमा खुल जाने, गांव में मोटरे' दौड़ने की उन्होंने तरक्की की निशानी मान लिया. अगर ऐसा है तो बड़ी नम्नता के साथ हम कहना चाहते हैं कि वह सखत ग़ल्ती पर हैं. अगर यह। तरक्की है तब तो कड़ना होगा कि जनता जितनी ज्यादा पेंसा पहरत बनती है, हाथ का काम हाथ से जितना कम करतीं है, रोजाना जरूरत के सामान में दूसरों की मोहताज वनती है, चोरी, डकैंती, ऐयाशी वरौरा पेवों की जितनी

(5) पांचवीं हालत में ऊपर के दोनों दर्जी की आमदनी बढ़ती है और नीचे बालों की घटती है लेकिन कुल की आमदनी दुग्नी हो जाती है.

(6) छटी हालत में मालदार की आमदनी पौने तीन बढ़ती है, साईकिल वाले की वैसी ही बनी रहती है और

नीचे वालों की आधी रह जाती है.

(7) सातवीं हालत में मालदार की तीन गुनी के करीब बढ़ती है और नीचे यालों की आमदनी घटकर दसवें हिस्से पर आजाती है!

देखने की बात यह है कि प्रानिंग कभीशन की योजना से जो मुल्क की श्रीसत आमदनी दुगनी होने की कोशिश है सो कौनसी हालत पैदा होने वाली है. जाहिर है कि क्या पढ़े लिखे लोगों के बीच और क्या देहात के दस्तकारों के बीच बेरोजगारी वढ़ रही है, यानी समाज के नीचे वाले दोनों दर्जी की श्रामदनी घट रही है श्रीर उपर वालों की श्रामदनी बढ़ रही है. इसलिये ऊपर वाली सूरतों में से(5), (6) या (7) के जैसी चीज सामने था रही है, न कि (3) या (4) जैसी और (1) या (2) का तो सवाल उठता ही नहीं. इस लिये हमें इस वात की कोई ख़शी महसूस नहीं होती कि इस योजना से मुल्क की आमदनी दुरानी या इसी तरह आगे के दो बरस में आज से दस भी सदी ज्यादा बढ़ जायेगी, हां मुद्री भर लोग जिनके हाथ में रोजगार हैं वह जरूर मालामाल और खुश हो जायेंगे. मगर 85 का दुख बढ़े और 15 का सुख बढ़े तो उसे खुशहाली नहीं बरबादी ही कहा जायेगा. हम तो यहां तक जाने को तैयार हैं कि मुल्क की श्रीसत श्रामदनी स्राज के जैसी रहे मगर नीचे वाले 85 का सुख बढ़ जाये और ऊपर के 15 का घट जाये. या अगर ऊपर वालों का न घटे तो कम से कम नीचे बालों का तो न घटे. जब तक हमारे देश की फ्रानिंग में यह रंग नहीं श्राता तब तक हमें डर है कि सारी योजनाये मुल्क को अन्दर से कमजोर करें भी श्रीर हमारी आजादी को धनसे जबरदस्त खतरा है.

जहां तक श्री कृश्नामाचारी का दूसरा दावा है कि हुकूमत के निजाम में सुधार हो रहा है उसके बारे में तो कुछ कहने की जरूरत नहीं है. कीन नहीं जानता कि मुल्क में रिशवत-स्नोरी बढ़ ही रही है, दफ्तर के बाबुओं और चपरासियों को बाहर की श्रामदनी के बिना श्रक्तर संतोश ही नहीं होता और पुलिस भी पहले के मुकाबिले कहीं ज्यादा जालिम और मनचली होती जा रही है. और इन्तजाम में बढ़ती हुई खराबी का एक ठोस सबूत हमारे पास और श्री है. हमारे प्रेमी पाठक शायव जानते हों कि महात्मा गांधी की सरनाम चेली और सेवक श्री मीरा बहन जिला टेहरी गढ़वाल में बड़े पैमाने पर एक विकास योजना चलाने जा

(ۃ) پانچویں حالت میں اُوپر کے دونوں عرجوں کی آ آمرنی برہتی ہے اور ٹینچے والیں کی گیٹٹی ہے لیکن کل کی ۔ آمرنی دگنی ہو جاتی ہے .

۔ (6) چھٹی احالت میں مالدار کی آمدئی پولے تین بڑھتی ہے؛ سائیکل والے کی ویسی ھی بنی رھتی ہے اور ٹیچے والوں کی آدھی رہ جاتی ہے.

(7) ساتویں حالت میں خالدار کی تھن گئی کے قریب ہوتھتی ہے اور نیجے والوں کی آمدنی گھٹکر دسویں حصہ پر آجاتے ہے!

دیکھنے کی بات یہ ہے که والنگ کمیشن کی بوجنا سے جو ملک کی اوسط آمدنی دگانی ہونے کی کوشش ھے سو کوئسی حالت يداً هول وألى هـ. ظاهر هـ كه كيا برهـ لكه لوكر ك سے اور کیا دیوات کے دستکاروں کے بیچے بیرووزگاری ہڑھ رھی ھے، یمنی سُماج کے نیچے والے درانوں درجرں کی آمدنی گھٹ رھی ہے اور اور والوں کی آمدنی ہتھ رھی ہے اور اور والوں کی آمدنی ہتھ رھی ہے ، اس لئے آورد والی صررتی میں سے (۱) (6) یا (7) کے جیسی چیز سامنے آرهی هِ أَ زَهُ كُهُ (3) يا (4) جُهِسَى أُورُ (1) يَا (2) كَا تُو سُوالَ أَنْهَا هى نهيں . اس الله هميں آس بات كى كوئى خوشى محسرس نہیں ہرتی کہ اس یہجنا سے ملک کی آمدنی دگنی یا اُسی مارے آگے کے دو ہرس میں آج سے دس نیصدی زیادہ برھ جائیکی . هاں متھی بھر لوگ جن کے هاته میں روزگار هیں وہ ضرور مالامال آور خوه هرجائينك . مكر 85 كا دكه بره اور 15 كاسكه برهے تو اس خوشدالى فهيں بربائى هى كها جائيكا . هم تو یہاں تک جالے کو تیار ھیں کہ ملک کی اوسط آمدنی آج کے جیسی رہے مکر نیچے والے 85 کا سکھ بڑھ جئے اور اُوپر کے 15 كا كيث جائه . يا أكر أوير والس كا نه كيته تو كم سے كم نديج وانی کا تو نہ گھتے ، جب تک مدارے دیش کی پلاننگ میں به رنگ نہیں آتا تب تک همیں در هے که ساری بہجنائیں ملک کو اندر سے کمزور کرینگی اور هماری آزادی کو ان سے زبرست خطرة هـ .

جہاں تک شرق کرشناماچاری کا درسرا دعری ہے کہ حکومت کے نظام میں سدھار ھررھا ہے اس کے بارے میں تو کچھ کہنے کی ضرورت نہیں ہے . کرن نہیں جانتا کہ ملک میں رشوت خوری کو باہر رق اور چھراسوں کو باھر کی آمنئی کے بنا اکثر سنتوش ھی نہیں ھرتا اور پواس بھی پہلنے کے مقابلہ کیس زیادہ طالم اور میں چلی ھرتی جارھی ہے . اور انتظام میں برعتی ھرئی خرابی کا ایک تھرس ٹبوت ھمارے پاس اور بھی ہے . ھمارے پریمی پاٹھک شاید جائتے ھرں کہ مہاتما کاندھی کی سرنام چھٹی اور سیوک شرق میرا بھی طبح تھہری کی کورال میں بورے پیمانی بر ایک وکلس بیجنا چھٹے جا گرورال میں بورے پیمانی بر ایک وکلس بیجنا چھٹے جا

होगा जो उस से मन माना नका कमा लेंगे. इसी बजह से हमें श्री कुरनामाचारी के इस बयान पर कोई ख़शी नहीं हाती कि दो साल बाद मुल्क की श्रीसत श्रामदनी इस ी सदी बढ जायेगी, सवाल यह नहीं है कि आमदनी कितनी

बढ़ती है बल्कि यह कि किसकी बढ़ती है.

·श्राज हमारे शहर क्या, देहात क्या, वहां की श्राबादी को हम मोटे तौर से चार हिस्सों में बांट सकते हैं: (1)(A) हाथी या मोटर बाले यानी बहुत मालदार लोग, (2) (B) घाड़ा गाड़ी या साइकिल रखने वाले खुशहाल लोग, (3)(C) साधारन रारीब, श्रीर (4) (D) बहुत रारीब जिन्हें एक जून खाने को मिले तो दूसरे की उम्भीद नहीं, हर सौ श्रादभी पीछे करीब 5 हाथी या माटर वाले हैं, 10 खशहाल. 45 रारीब श्रीर 40 बहुत ही रारीब, उनकी श्रामदनी का निम्बत आज करीब इस तरह का है:

120:70:9:1

इस निसबत के आंकड़ों में तरभीम की गुंजाइश काकी है. बहुत रारीब और बहुत अभीर में आज एक और 120 कं मुकाबिले कहीं ज्यादा का फर्क है, मगर मोटे तौर पर यह हिसाव सही माना जा सकता है. अब हम देखें कि औसत श्रामदनी दुगुनी होने की क्या क्या सुरतें हैं. वैसे सुरतें ता वहत सी है मगर नीचे वाली पर आसानी से ध्यान जाता है.

ब्रिनयादी सूरत वह है जो हमने ऊपर दी है:

A+B+C+D(जहां A = 120, B = 70, C = 9, D = 1, श्रीर

अब दुगने की हालते यह हैं:

T=220)

$$A+B+21 (C+D)$$
 = 2 T...(1)
 $2A+2B+2C+2D$ = 2 T...(2)

2.6 A + B + C + D=2 T...(3)

(2.3) A + (1.5) B + C + D = 2 T...(4) $(2.4) A + (1.5) A + 1/2(C + D) = 2 T_{max}(5)$

 $(2.7) A + B + \frac{1}{4} (C + D) = 2 T...(6)$

(2.3) A + B + 1/10 (C + D) = 2 T....(7)

श्रव शौर करने की बात यह है कि :

(1) पहली हालत में मोटर या साईकिल वालों की श्रामदनी पहले जैसी रहती है और नीचे दर्जे वालों की 21 गुनी बद जाती हैं जिससे कुल आमदनी दुगुनी हो जाती है.

(2) दूसरी हालत में अपर से नीचे तक हर एक की

श्रामवनी ठीक दुगुनी होती है.

(3) तीसंरी हालत में मोटरवाले की आमदनी ढाई गुनी से ज्यादा बढ़ जाती है श्रीर दूसरे सवों की वैसी ही

"(4) चौथी हालत में ऊपर के दोनों दर्जे की आमदनी

बढ़ती है,

هولا جو اس سه من مانا ثنيع كمَّا لينكه . إسى وجه سه اهمين شری کرشناماچاری کے اس بیان پر کرئی خرشی نہیں ہرتی که در سال بعد ماک کی اوسط آمدنی دس نیصدی برده جاند كي . سرال يه نهيل هـ كه آمرني كتني برمتى هـ بلكه يه كه کسکی ہوستے 🖴 .

آبے همارے شہر کیا' دیہات کیا' وہاں کی آبادی کو هم مرائع طرر سے چار حصوں میں بات سکتے عدی : (۱) (۸) هاتهی يا مودر واليروني وبهت مالدار لوك (B) (2) كبورا كازي با سائيكل ركهنم والدخرشحال لوك (١) (١) سادمان غريب أور (١) (١) بهت غريب جنهيس أيك جرن كيا عرف ماية رسري كي أميد نهين. هر سو آدمی پاچھے قریب پانچ هاتنی یا موڈر والے هيں' 10 خرشحال ن 4 عريب اور 40 بهت سي غريب . أن كي آمدني كا نسبت آ ي قوب قريب أس طرح كا في:

120:70:9:1

اِس نسبت کے آنہزوں میں ترمیم کی گنجائش کافی ہے . بہت غریب اور بہت امیر میں آج ایک اور 120 کے مذہابے كهون زياده كا فرق ه . مكر مرقه طن در يه حساب صحيح مانا جاسكتا هـ . أب هم ديمين كه أوسط أموني داني هوني كي كيا کها صورتین هین . ریسے صررتین تو بہت سی میں مگر نیریجے وألى ير أساني سادهيان جانا شا.

بنیادی صورت وہ ہے جو ہم نے اُوپر دی ہے:

 $\Lambda + B + C + D$ T با 1=D '9=C '70=B '120 A (جال

اب رگنے کی حالتیں یہ هیں:

A + B + 21 (C + D)-2T...(1)2A+2B+2C+2D $-2T ... (^{9})$

2.6A + B + C + D=2T...(3)

(2.3)A + (1.5)B + C + D=2T...(4)

(2.4)A + (1.5)A + 1/2(C+D) = 2T ... (5)

(2.7)A + B + 1/-(C + D) $=2T\ldots(6)$

=2T...(i)(2.8)A + B + 1/10(C + D)اب غور کرتے کی بات یہ ھے کہ :

(1) یہلی حالت میں مرڈر یا سانیکل والوں کی آمدئی پہلے جیسی رمتی ہے اور نیجے درجے والس کی ! 2 گئی برم جاتی هیں جس سے کل آمدنی دگنی هرجاتی هے .

(2) درسری حالت میں اوپر سے نیچے تک عر ایک کی

آمدني ٿيڪ دگني هرتي هـ .

(3) تیسری حالت میں موتر والے کی آمدنی تعالی گئی سے زیادہ بڑھ جاتی ہے اور درسرے سبوں کی ویسی ھی رھتی ہے .

(4) چوتھی حالت میں اُوپر کے دونیں درجے کی آمدنی ہومتی ہے . (3) जितने ज्यादा लोगों को सरकार अपनी मुलाजि-मत में ला सके उतना ही लोगों का नजरिया बदला और उनमें नई आदतें, नई जिन्दगी की तड्प पैदा हो गई.

श्री करनामाचारी या प्लानिंग कमीशन की भाशा में हम इन तीनों बातों को तरक्की की कसौटी कह सकते हैं. आज अमरीका और इंगले ड या यूरोप के दूसरे मुल्कों में ऐसा हो भी रहा है. वहां पर तहजीब या सध्यता का नाप ही यही है कि आदमी कितना ज्यादा साबुन, तेल, कपड़ा, जूता, मोटर, विजली वरीरा खर्च करता है. अपने जाती जिस्म की वह जितनी ज्यादा खिदमत करता है जतना ही बढ़ा चढ़ा माना जाता है श्रीर ऊंचा समका जाता है. श्राज बताया जाता है कि श्रमरीका में की श्रादभी रोजाना 160 पींड कागज लर्च होता है. इसके मानी यह हुए कि हिन्दु-स्तान जैसे मुल्क के आद्मी के मुक़ाबिले जहां सिर्फ एक पींड काराज् खर्च होता है अमरीका का आदमी 100 गुना प्यादा विद्वान या तालीमयावता है ! मगर कौन नहीं जानता कि यूरोप के मुल्कों में जो ऊंच नीच श्रीर भेद भाव हैं, अमीर रारीव का जो कर्क है, समाज के अन्दर जो ऐयाशी, चोरी, डकैती व दूसरे फेल हो रहे हैं उनसे ऐशिया के मुल्क जितने दूर रह सके अच्छा है. फिर वह मुल्क कितने ज्यादा भयभीत हैं और वहां की जनता रुपये पैसे के पीछे कितनी पागल है और मशीन की कितनी ज्यादा गुलाम हो गई है, अगर हम हिन्दुस्तान वालों के आगे भी मरारिव के यह आदर्श अपने सामने रहे तो हम उनके बराबर तो तरक्की पर पहुंच ही नहीं सकते, उनके ऐब श्रीर स्तराबियां जरूर हमारे अन्दर घर कर लेंगे. इसलिये पश्चिम के पैमाने हमारे ऊपर न लागू हो सकते हैं और न लागू होने चाहिये. हमारे यहां तो एक ही पैमाना चल सकता है-इन्सानियत का, सारी दुनिया से भाईचारा और सब की मलाई, पड़ोसी की खिदमत और आपसी मसले या सवालों का हल, क़ानून या तलवार व बम के जोर से नहीं बल्कि प्रेम से. यही हमारे मुल्क के आर्थिक और सियासी निजाम का आधार होना चाहिये. और इसी लिहाज से हम श्री करनामाचारी के वयान पर साफ साफ बिचार करना चाहते हैं. श्री कुश्नामाचारी ने पंच साला योजना की तीन साल

श्री कुश्नामाचारी ने पंच साला योजना की तीन साल की कामयाची का खास पहलू यह बताया है कि मुल्क में पैदाबार बहुत काकी बढ़ी है. यह बड़ी ख़ुशी की बात है. मगर महज़ पैदाबार बढ़ना काकी नहीं होता. जरूरी यह है कि ज़रूरतमन्द को ज़रूरत की चीज़ हासिल हो या चीज़ हासिल करने का ज़रिया उसे मिले. अगर पैदाबार बढ़ती रहे मगर लोगों में ज़रूरते पूरा करने की ताक़त पहले जैसी ही कमजोर रहे तो वह सोचने की बात है क्योंकि ऐसे इज़के से महज चन्द व्यापारियों या दूसरे लोगों का ही फायदा

(3) جتلنے زیادہ لوگوں کو سرکار اپلی مازمت میں لا سکے اتنا ھی لوگوں کا نظریہ بدلا اور ان میں نئی عادتیں' نئی زددی کی ترب پیدا ھوگئی ،

Section 1

۔ شری کرشنا ماچاری یا بالناگ کمیشن کی بھاشا میں ہم ان تینر دائیں کو ترقی کی کسوئی کے سکتے ہیں . آج اُمریکه ارر انالیند یا یورپ کے درسرے ملکوں میں ایسا بعو بھی رہا تھے . ذاتی جسم کی وہ جتنی زیادہ کدہ ت کرتا کے اتنا ھی برتا ورق من الما الله المر أونجا سنجها جاتا ها أج بتايا جاتا ها كُ اُمريك مين في آدمي روزآنه 160 دوند كافذ خرج هرتا هے . اِس کے معنی یه هزائے که هندستان جیاسے ملک کے آدمی کے مقابلہ جہاں صوف ایک پوئڈ کاف خرچ ہوتا ہے امریکہ کا آدمي 160 كنا زياد، ودران يا تعليم يانته هـ ! مكر كون نهيل جانتا که يورپ كےملكوں ميںجو أوني نهيج أور بهيد بهاؤ هيں' أمير غریب کا جو فرق ہے' سماج کے اندر جو عیاشی' چوری تکیتی و درسرے فعل ہو رہے میں ان سے ایشیا کے ماک جتنے دور رع سكين أچها هـ . پهر وه ماك آج كتنے زيادة بھے بهيت هيں اور ومال کی جاند روپے پیسے کے پینچھے کتنی پاکل ہے اور مشابی کی كتنى زيادة غلام هوگئى هے . اگر هم هندستان والوں كے آگے بهى منرب کے یہ آدرہ اپنے سامنے رهے تو هم ان کے برابر تو ترقی پر پہوئیج هی نمهی سکتے اُن کےعیب اور خرابیاں ضرور همارے اندر گھر کرلیں گے. اِس الله پنچهم کے پیمائے همارے اوپر ته لاگر هوسکتے هیں اور نا لاگو هونے چاهیں. همارے یہاں تو ایک هی پیمانه چلسکتا هے۔ انسانیت کا ساری دئیا سے بھائی چارا اور سب کی بھائی پروسی کی خدمت ارر آپسی مسئله یا سوالوںکا حل' قائروں یا تلوار و ہم کے زور سے نہیں بلکہ پریم سے . یہی همارے ماک کے آرتیک ار سياسي نظام كا آدهار هونا چاهيك . أور إسى الحاظ سے هم شری کرشناماچاری کے بیان پر صاف صاف وچار کرنا چا<u>دتے</u>

شری کرشنا ماچاری نے پنچ ساله یوجنا کی تین سال کی کامیابی کا خاص پہلو یہ بتایا ہے کہ ملک میں پیدارار بہت کانی برھی ہے ۔ یہ بری خرشی کی بات ہے ۔ مگر محص پیدارار برهنا کئی نہیں ہوتا ، ضروری یہ ہے کہ ضرورت مند کو ضرورت کی چیز حاصل ہو یا چیز حاصل کرنے کا ذریعہ اُسے ملے ، اگر پیدارار برہمتی رہے مگر لوگرں یں ضرورتیں پورا کرنے کی طاقت پیدارار برہمتی ہی کنرور رہے تو وہ سرچنے کی بات ہے کیونکہ ایسے فائدہ سے معص چند ویاپاریوں یا درسرے لوگرں کا ھی نائدہ

श्री हरतामाचारी ने बताया कि योजना जबसे शुरू हुई तब से अब तक के दौरान में हिन्दुस्ताम की माली हालत बहुत कुछ सुधर गई है. मसलन जहां 19 2-5 में गल्ला 44 लाख टन हुआ वहां 1952-5 में १९ लाख टन हुआ श्रीर मिलों में तैयार होने वाले माल की 1971 में जहां 17 इकाइयां हुई, 1952 में 129 श्रीर 1953 में 137 इस सब से वह इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि इस योजना के पूरा होते होते मुल्क की आमदनी दस भी सदी बढ़ जायेगी.

दूसरे सवाल के जवाब में श्री बीठ टीठ क्रश्नामाचारी कहते हैं कि पिछले तीन साल में इन्तजाम के मुखतलिफ हिस्सों का फिर से संगठन किया गया है और एक बेलकेश्रर (Welfare) इन्तजाम की जरूरतों को पूरा करने के लिये बुनियादें डाली जा रही हैं.

तीसरे सवाल के जवाब में उनका फरमाना है कि ऐसी महूलियत के साथ जिसका पता भी नहीं लगता, लागों के अन्दर काम करने और सोच विचार करने की पुरानी आदतें खूट रही हैं. आसिर में उन्होंने ऐलान किया कि याजना कुल मिलाकर कामयाबी के साथ चल रही है और इम बात की पूरी उम्भीद है कि उसके मक्रसद पांच साल वाली मुद्दत में हासिल हो ही जायेंगे.

प्लानिंग कमीरान के नायब सदर के इस बयान पर हम, क्या प्लानिंग कमीशन, क्या हिन्द सरकार श्रीर क्या सूत्र की सरकारें, सब को मुवारकबाद देते हैं. हमें यक्तीन है कि अगर किसी अंश्रेज से कहा जाता कि 1757 से लेकर 1947 तक, यानी 190 साल में हिन्दुस्तान के विकास की हर पांच साल की रिपोर्ट तैयार करो तो इन 48 बयानों सं ऐसा लगता है कि हिन्दुस्तान दिन दूनी रात चौगुनी नरक्की कर रहा है और अगर इसी तरह दुकूमते बर्तानिया को भीका मिलता रहे तो 190 साल गबाह हैं, अगले कुछ मालों रें हिन्दुस्तान कहीं से कहीं पहुंच जायेगा और अंग्रेजी हकूमत से बहुतर बरकत हिन्दुस्तान के लिये कांई दूसरी हा नहीं सकती. मगर इतिहास गवाह है कि इन 190 बरस में हिन्दुस्तान की वह गई गुजरी हालत हो गई कि अंग्रेजी हकूभत को इटाए बिना चारा नहीं था और आखिर वह हट ही गई. ठीक इसी तरह के ख्याल हमारे अन्दर श्री बी० टी॰ कुरनामाचारी के रेडियो ब्राडकास्ट को पढ़ कर पैदा हो रहे हैं. उनके तीनों सवाल जवाब का निचोड़ अगर साफ लक्ष्यों में कहें तो यह है:

(1) जनता का जितना ज्यादा पैसा सरकार सर्व

कर दे उतनी ही ज्यादा मुल्क की तरक्रकी.

- (2) मिलों में जितना ज्यादा माल तैयार हो उतना ही मुक्त जुराहाल. شرق کوشفاماچاری نے بتایا کہ پرجنا جب سے شروع ہوئی تب سے اپ نککے دوران میں ہ دستان کی مالی حالت بہت کچی سدھر گئی ہے ۔ مثلاً جہاں 3 -1952 میں غلہ 44 لائھ تی ھرا وھاں 54-1963 میں 98 لائھ تی ھوا ، اور ملوں میں تیار ھرنے والے ما کی 1951 میں جہاں 117 اکائیاں ھوئیں 1952 میں 135 ، اس سب سے وہ اس نتیجہ پر پہونچے میں کہ اِس پوجنا کے پورا موتے ہے اس ملک کی آمدنی دس نیصدی بڑھ جائے گی .

درسرے سوال کے جواب میں شری وی. تی . کوشناماچاری کہتے هیں که پنچلے تین سل میں انتظام کے مختلف حصوں کا پہر سے سنکٹھی کیا گیا ہے اور ایک ویل نیٹر (Welfare) انتظام کی ضروتوں کو بورا کرنے کے لئے نیادیں ذالی جا رهی هیں .

تیسرے سوال کے جواب میں ان کا فرمانا ہے کہ ایسی سہولیت کے ساتھ جس کا پتہ بھی فہیں اکتا کو گوں کے اندر کام کرلے اور سوے وچار کرنے کی پرانی عادتیں چھوت رھی ھیں ۔ آخر میں اُنھوں نے اعلان کیا کہ یوجنا کل ملا کر کامیابی کے ساتھ چل رھی ہے اور اس بات کی پوری اُمید ہے کہ اِس کے مقصد پائیے سال والی مدت میں حامل ھو ھی جائینگے .

پالنگ کمیشن کے نائب صدر کے اِس بیان پر هم کیا پالنگ کمیشن کیا عد سرکار اور کیا صوبے کی سوکارین سب کو مبارکباد دیے هیں . همیں یتین هے که اگر کسی انگریز سے کہا جاتا كه 7 17 سے ايمر 1947 تك يغنى 190 سال ميں ھندستان کے وکلس کی شر پائے سال کی رپورے تیار کرو نو اُن 48 ہیانوں سے ایسا اکتا کہ ہندستان دن درنی رات چوگنی توقی کو رها رهے اور اگر اِسی طرح حکومت برطانیہ کو موقع ملتا رهے تو 190 سال گواہ هيں' اگلے کنچ سالوں ميں هندستان کہیں سے کہیں پہونچ جائے گا اور انکریزی حکومت سے بہتر برکت هندستان کے اٹنے کوئی درسری هو هی نهیں سکتی. مگر اتہاس گواہ ع که إن 190 برس ميس مفندستان كى و« كُتُى گذرى حالت **هوگئ**ی که انگریزی حکومت کو هنائے بنا چاره نهیں تھا اور آخر وہ هت هي گئي . تَبيك إسى طرح كے خيال همارے اُندر شري وس . ئی . کرشناماجاری کے ریدیو برات است کو درھ کر پیدا هو رهے هيں . ان کے تينوں سوال جواب کا نبچور اگر صاف للطول ميں كہيں تو يہ هے:

(1) جنتا کا جتنا زیادہ پیسہ سرکار خرچ کر دے اُنٹی ھی . زیادہ ملک کی ترقی .

(2) ملوں میں جتنا زیادہ مال تیار ہو آتنا ہی ملک خوشحال .

योजना के तीन साल

हिन्द सरकार की तरफ से मुल्क में पंच बरसी योजना के नाम से जो एक योजना चल रही है उसँका खाका तो पार्लिमेन्ट के सामने हमारे प्रधान मंत्री ने दिसम्बर सन 1952 में पेश किया था लेकिन उसका अमल जून 1951 से शुरू किया गया बताया जाता है. इस नरह इस योजना के तीन साल पूरे हुए और सन 1954 की जून से चौथा साल शुरू हुआ. इस मीके पर प्लानिंग कमीशन के नायब सदर, श्री बी० टी० कुरनामाचारी ने एक ब्राहकास्ट अंबेजी में किया जिसमें उन्होंने तीन साल के कारनामों पर तकसील के साथ राशनी डाली.

उन्होंने कहा कि योजना को महत्त कुछ प्रोजैक्टों या कामों की कड़ी नहीं सममनी चाहिये बल्कि यह उस कोशिश की तुमायां है जो हिन्दुसान के लोग अपने लिये एक नई जिन्दागी पैदा करने की खातिर कर रहे हैं. श्री कुश्नामाचारी का कहना है कि हम नए नमूने का समाज बनाना चाहते हैं और लोगों के अन्दर नया नजिर्या, नया झान और नये रहन सहन के लिये ख्वाहिश पैदा करना चाहते हैं. इस मक्तसद को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपने बाडकास्ट में तीन सवालों के जवाब दिये:

1. इस योजना में जो प्राजैक्ट या काम हैं वह

कैसी तरक्षकी कर रहे हैं ?

2. विकास की स्कीमों और प्रोप्रामों को स्तूबी से अजाम देने के लिये इन्तजामी और टेकनिकल दायरों में सुधार की बुनियाद डाली जा रही है या नहीं?

3. क्या सास मकसद में यानी नये नजरिये और बहुतर जिन्द्री की ख्वाहिश पैदा होने में कहां तक

कामयाबी हासिल हो रही है ?

कहने की जरूरत नहीं कि खुद गढ़े हुए तीनों सवालों के जवाब में श्री बीठ टीठ करनामाचारी ने यही कहा कि "खूद है! खूद है!" पहले सवाल के जवाब में उनका कहना है कि सन 1972 के शुरू में इस योजना का तस्त्रमीना 1800 करोड़ रुपये के करीब था, दिसम्बर 1953 में इस योजना की लागत 2069 करोड़ रुपये रक्खी गई और अब उसे तरक्की देकर 2244 करोड़ रुपये कर दिया गया है. उसमें अब तक जो सर्च हुआ। उसका हिसाब यह है:

रुपया (करोड में)
262
271
412
स तरह श्रौर सार्च करना है:
565
745

یوجنا کے تین سال

ھند سرکار کی طرف سے ملک میں پنچ برسی یرجنا کے نام سے جو ایک یوجنا چل رھی ہے اس کا خاکہ تو پارایامنٹ کے سامنے ھمارے پردھاں منتری نے دسمبر سن 1952 میں پیش کیا تیا ایکن اس کا عمل جرن 1951 سے شروع کیا گیا بتایا جلتا ہے ۔ اس طرح اس یوجنا کے تین سال پررے ھرئے اور سن 1954 کی جون سے چرتیا سال شروع ھرا ، اِس موقع پر پالنگ کیشن کے نائب صدر شری . ی ، تی ، کرشناماچاری نے ایک کیشن کے نائب صدر شری . ی ، تی ، کرشناماچاری نے ایک برادکاسٹ انگریزی میں کیا جس میں اِنھرں نے تین سال کے کاناموں پر تضیل کے ساتھ روشنی دائی .

أنهرا نے کہا کہ یوجنا کو محض کچے پروجیکتوں یا کلموں کی کڑی نہیں سمجھنا چاھئے بلکہ یہ اس کرشش کی نابان ہے جو ھندستان کے لوگ اپنے لئے ایک نئی زندگی پیدا کرنے کی خاطر کر رہے ھیں ، شری کرشنا ماچاری کا کہنا ہے کہ ھم نئے نمونے کا سماج بنانا چاھتے ھیں اور لوگوں کے آندر نیا نظاریکا نیا گیاں اور نئے رہی سہیں کے لئے خواھش پیدا کونا چاھتے ھیں . اس متصد کو دھیاں میں رکھتے ھرنے اُنھوں نے اپنے ہرات کاست میں سوالوں کے جواب دئے:

. اِس یہ جنا میں جو پروجیکت یا کام هیں وہ کیسی برنی کر رہے هیں ہ

2. وکلس کی اسکیمزں اور پروگراموں کو خربی سے انتجام دینے کے ائے انتظامی اور ٹیکنیکل دائروں میں سدھار کی بنیاد ذالی جا رہی ہے یا نہیں ؟

3. کیا خاص مقصد میں یعنی نئے نظریہ اور بہتر زندگی نی حواهش پیدا هوئے میں کہاں نک کامیابی حاصل هو بنی هے ج

کہنے کی ضرورت نہیں کہ خود گڑھ ھرٹے تیترں سرالوں کے جہاب میں شری ہی، کرشناماچاری نے یہی کیا کہ ''خوب ہا 1952 حوب ہا " پہلے سرال کے جواب میں اِن کا کہنا ہے کہ سن 1952 کے شروع میں اِس یجنا کا تخصینہ 1800 کررڈ رریٹے کے قریب با دسمبر 1952 میں اُس یرجنا کی لاگت 2069 کررڈ رریٹے کہی گئی اور آب اِسے قرقی دے کر 2444 کررڈ رویٹے کردیا گیا نے اس میں آب تک جو خرچ ھرا اُس کا حساب یہ ہے:

رريه (کرور ميس)	س ال
262	1951-52
271	1952-53
412	1953-54
لور خرج كرنا هے:	اور اگلے دو سال میں اس طرح
565	1954-55
745	1950-5 6

4

नाटक, संगीत, समाज, जैसी कल यरी संस्थाएं भी खड़ी हो जाती हैं. नये नये रोजगार निकलते हैं और अच्छे से अच्छे वहें लिखे लोगों को भी काम मिलने लगता है.

गांव के इस नये जीवन का असर शहरों पर भी पड़ता है. किसानों और गांव के लागों का रहन सहन ऊंचा हाने लगता है. उनमें तरह तरह की चीजों की माग बढ़ती है. शहरों के तरह तरह के बने हुए पक्के माल को खात बढ़ती है. उनके मकान बनने लगते हैं. राज मजदूरों और बढ़ई लाहारों को काम मिजता है. इस सब से गांव और शहर दोनों में बेकारी घटती और खुशहाली बढ़ती है. इसी से गांव के लोगों का काम की खोज में शहर आना घटता है. यह सब बातें मिलकर एक ऐसा आर्थिक चक्र चल जाता है जिससे सब जगह नये नये राजगार खुलने लगते हैं.

में फिर कह देना चाहता हूं कि भूमि का फिर से बंटवरा उन बहुत से कामों में से एक काम है जिनसे देश की बंकारी दूर हो सकती है. और वह एक ऐसा काम है जिससे देश की आम जनता में अपने ऊपर भरोसा पैदा होता है, स्वा-भिमान बढ़ता है, और जनता अपनी खिपी हुई शक्ति को पह चानने लगती है. गांधी जी जिस राम राज की बात कहा करते थे वह हम किसी तरह भी इस देश में ला सकते हैं तो इसी तरह ला सकते हैं. गांवों में ही भारत के असली प्रान हैं. वहीं भारत की सच्ची शक्ति छिपी है.

ईसा का सन्देश

लेखक—डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा.

भनुवादक-सुरेश रामभाई. इस किताद में इजरत ईसा के सन्देश की व्याख्या ऐसे

हस किताब में हजरत इसा के सन्दर्श का व्याख्या एस लाजवाब हंग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी आसानी से यह समम जायगा कि ईसाई धर्म की खास तालीन क्या है और इज़रत ईसा ने इनसान-इनसान की बराबरी, माई चारे, प्रेम और ऋहिन्सा पर कितना ज़ोर दिया है.

महात्मा गांधी ने इस किताब के बारे में कहा है कि "इर आस्तिक से, चाहे वह ईसाई हो या किसी और धर्म का मानने वाला हो, मेरी सिफारिश है कि इसे पढ़े..."

सुन्दर जिल्द, बढ़िया काराज, क़रीब सवा सौ सके की किताबका दाम सिर्फ एक क्पया. मिलने का पता.

मैनेजर, 'नया हिन्द', 145 सुट्टीगंज, इताहाबाद.

فاتک' سنگیت' سماج' جیسی کلچری سنستهائیں بھی کھتی ہو جاتی هیں . نگ نگ روزگار نکاتے هیں اور لچھ سے اچھ پڑھے لکھ لوگری کو بھی کلم ملنے لکتا ہے .

گاری کے اِس نئے جیری کا اثر شہروں پر یعی چوتا ہے ، کسائوں اور گاری کے لوگری کا رہتی سہیں اُونیجا بھونے لکتا ہے ، اُن میں طرح طرح طرح طرح طرح کی چیزوں کی مانگ برتہتی ہے ، شہروں کے طرح طرح کے بنے دیے مال کی کورت برتہتی ہے ، اُن کے مکان بننے اگتے بھیں، راج مزدوروں اور برتھئی لرساروں کو کلم ملتا ہے ، اِس سب سے گاری اور شہر دونوں میں بیکاری گرتمتی اور خوشتعالی برتھتی ہے ۔ اِس سب بے گاری اور شہر دونوں میں بیکاری گرتمتی اور خوشتعالی برتھتی ہے ۔ اِس سب بے گاری کے لوگوں کا کلم کی کھوج میں شہر آنا گرتمتا ہے ۔ یہ سب باتیں ملکر ایک ایسا آرتیک چکو چل جانا ہے جس سے سب جکہ نئے دوزگار کھانے اگتے بھیں .

میں پھر کہدینا چانتا ھی کہ بھومی کا پھر سے بتوارہ اُن ہہمت سے کاموں میں سے ایک کام هے جن سے دیشی کی بیکاری دور ھرسکتی ھے ، اور وہ ایک ایسا کام هے جس سے دیش کی عام جانتا میں اپنے اُوپر بھروسہ پیدا عوتا ھے' سوابہیمان برَسْتا ہے' اور جنتا اپنی چھپی ھوٹی شکتی کو پ چانینے لگتی ھے ، گائدشی اور جنتا اپنی چھپی ھوٹی شکتی کو پ چانینے لگتی ھے ، گائدشی جی جس رام راج کی بات کہا کرتے تھے وہ ھم کسی طرح بھی اِسی درھی میں لا سکتے ھیں تو اِسی طرح لا سکتے ھیں ، گاؤں میں درھی میں لا سکتے ھیں تو اِسی طرح لا سکتے ھیں ، وقیس بہارت کی سچی میں چھپی ھے ،

میسی کا سندیش

لههها --قادقر هے ، سی ، کماریها،

انووادک-سریش رأم بهالی. ا

اس کتاب میں حضرت عیسی کے سندیش کی ویاکھیا ہیں لاجواب قھنگ سے کی گئی ھے کہ پوھٹے والا بڑی آسائی سے یہ سنجھ جائیکا کہ عیسائی دھرم کی خاص تماہم کیا ھے اور حضرت عیسی نے انسان انسان کی برابری بہائی جارے' بریم آور اعتسا پر کتنا زور دیا ھے ۔

مہاتما گاندھی نے اِس کتاب کے بارے میں کہا ہے کہ اُندھرم اُندھی نے اِس کتاب کے بارے میں کہا ہے کہ اُندر اُندرہ اُن

سقدر جلد' بوهیا کافلا' قریب سوا سو صفحے کی کھاپ کا دام صرف ایک رویه، .

مهلهجوا انها وقد 145 متهى كلم العآباد .

کتنے بہرمی مل سکیکی، اِس کا ٹھیک ٹیبک جواب ^دبھومی بٹواڑھ كيشن هي دي سكيكا . پر جو أنح عين مل سكت هين أن سے موتے طور پر هم اندازة لكا سكتے هيں۔ أتر پرديھى وميندارى انمولن اور بھومی سدھار قائروں نے یہ روک لکا دی ہے کہ آگے کے ائے کوئی آدمی تیس ایکو سے زیادہ کھیتی کی زمین نہیں خرید سنا ، أب أكو توس أيكو سه أوبر كے كهيت أتر پرديش ميں ینوارے کے لئے مل جاوس تو همیں بحواس لاکھ ایکر بھومی ملیکی . اِس سے کئی لائھ پریواروں کی بیکاری دور هوسکیکی اور أنهيں روزى مل سكيكى . الگ الگ پرانتوں كى الگ الگ حالت هے يهر بھي اِسي طرح پر هميں بمبئي ميں 61 لايم ايكو، مرهبه برديهي مين 66 لام ايكو أور مدراس مين 35 لام ايكو بهرمي بالتواريم کے اللہ مل سکتی ہے . یہ کل دو سو پندرہ لاکھ ایکر بھومی سوای اتنی بهرمی پر اگر لوگوں کو سهکاری تھنگ سے بسایا جائے تو لگ بیگ بیس لاکھ بریواروں کو آسانی سے کام دیا جاسکتا ہے اور اچھی طرح نهانا کروا اور رهنے کو گهر دیا جاسکتا ہے۔ کروروں لوگوں کو اِس طرے بیکاری اور اردھ بیکاری کے چنکل سے چبرایا جاسکتا ہے ۔ یہ نداد بحث کرنے کی نہیں ہے بات سمجهداری اور سائنسی

آچاریہ ولوہابھاوے کو کہا جاتا ہے کہ اُن کے بومی یکھے میں کئی لاکھ ایکڑ بھومی دان میں الچکی ہے، اِس طرح قالون کی مدد سے اُن جیسے سچے سیوکوں کا سے بچایا جاسکتا ہے اور غریبوں کا دکھ جادی دور کیا جاسکتا ہے ۔ نہیں تو آجکل کے حساب سے تو اُن کا کام کئی صدی میں جاکر پورا ہوگا ۔ اِس طرح کے بتوارے میں ھیں یہ بھی دیکھ لینا ہوگا کہ جس کسی کو زمین دی جارے رہ اُسے اچھی طرح جوت ہو ہی سکتا ہے یا نہیں۔

دعنگ سے زمین کا بتوارہ کرنے کی ھے ۔

سرکار کی پہلی پانچ برسی یوجنا میں یہ بھی کہا گیا ہے کہ شیں سہکاری کییتی کو بڑھانا اور مدد دینا چاھئے۔ یہ بات اُن جوتس کے لئے ھی تھیک بیٹھتی ہے اور چل سکتی ہے جو نئی بھومی نور کر یا بھرمی کے لئے بٹوارے میں بنائے گئے ھوں، جن لوگوں کو نئے کیت ملینگے وہ آد ککر غریب ھی ھونگے ، پوئنجی کی اُن کے بیت ملینگے وہ آد ککر غریب ھی ھونگے ، پوئنجی کی اُن کے میں اُنہیں صاف البید دکیائی دے گا ، جن جن دیسوں میں سکاری کییتی سیول ھونی ہے وہاں کا تجربہ ھمیں یہی بتاتا ہے کہ بھومی کے نئے بٹوارے سے جن لوگوں کو کہیت مائے ھیں وہی سکاری کییتی میں آگوا ھوتے ھیں ، اُن کی دیکھا دیکھی پھر دوسرے سکاری کییتی میں آگوا ھوتے ھیں ، اُن کی دیکھا دیکھی پھر دوسرے سکاری کییتی میں آگوا ھوتے ھیں ، اُس طرح پورے گؤں کے آرتیک اور سارے گؤں میں ایک نئیل ہونی میں آگوا ہوتے ھیں ، اُس طرح پورے گؤں کے آرتیک اور سارے گؤں میں ایک نئیل ہونے ایس سے جنتا کے جیوں میں آرتیک اور سارے گؤں میں ایک نئیل ہونے آگئے ہیں ایک نئیل ہونے اُس سے جنتا کے جیوں میں آرتیک اور سارے گؤں میں ایک نئیل ہونے آگئے ہیں ایک نئیل ہونے اُس سے جنتا کے جیوں میں آرتیک اُس میں ایک نئیل ہونے ایس سے جنتا کے جیوں میں آرتیک اُس میں ایک نئیل ہونے ایس سے جنتا کے جیوں میں آرتیک آرتیک میں ایک نئیل ہونے اُس سے جنتا کے جیوں میں اسکوں میں ایک نئیل ہونے اُس میں آرتیک ہونے اُس سے جنتا کے جیوں میں اسکوں میں ایک نئیل ہونے اُس میں ایک نئیل ہونے اُس میں آرتی ہونے اُس میں ایک نیاز ہونے میں اسکوں میں آرتیک ہونے کی دیکھا کی دیا ہونے اُس میں آرتیک میں اُسکوں میں آرتیک ہونے کی اُس میں اُسکوں میں آرتیک ہونے کی اُس میں آرتیک ہونے کی اُس میں آرتیک ہونے کی کورے گوں کی دیا ہونے کی اُس میں آرتیک ہونے کی اُس میں آرتیک ہونی اُس میں ایک نیاز کی دیا ہونے کی اُس میں اُس میں آرتیک ہونے کی اُس میں آرتیک ہونے کی اُس میں اُس کی دیا ہونے کی اُس میں آرتیک ہونے کی اُس میں اُس کی دیا ہونے کی اُس میں اُس کی دیا ہونے کی اُس میں اُس کی دیا ہونے کی اُس کی اُس کی دیا ہونے کی اُس کی اُس کی دیا ہونے کی دیا ہونے کی کی دیا ہونے کی اُس کی دیا ہونے کی دیا ہونے کی دیا ہونے کی اُس کی دیا ہونے کی کی دیا ہونے کی دیا ہونے کی

कितनी भिम मिल सकेगी. इस हा ठीक ठीक जवाब 'भूमि बंटवारा केमीशन' ही दे सकेगा. पर जो आंकड़े हमें मिल सकते हैं उनसे मोटे तौर पर हम अन्दाजा लगा सकते हैं. उत्तर प्रदेश जर्म दारी उन्मूलन श्रीर भूमि सुधार कानून ने यह रोक लगा दी है कि आगे के लिए कोई आद्मी तीस एकड़ से ज्यादा खेती की जमीन नहीं खरीद सकता. अब श्चगर तीस एकड़ से ऊपर के खेत उत्तर प्रदेश में बंटवारे के लिए मिल जावें ता हमें पचास लाख एकड़ मुमि मिलेगी. इससे कई लाख परिवारों की बेकारी दूर हो संकेगी और उन्हें रोजी मिल सकेगी. अलग अलग प्रान्तों की अलग अलग हालत है, फिर भी इसी तरह पर हमें बम्बई में 64 लाख एकड़, मध्य प्रदेश में 66 लाख एकड़ और मद्रास में 85 लाख एक इभूमि बंटवारे के लिए मिल सकती है. यह कुल दो सौ पंद्रह लाख एकड़ भूमि हुई. इतनी अमि पर श्रगर लोगों को सहकारी ढंग से बसाया जाय तो लेगभग बीस लाख परिवारों को श्रासानी से काम दिया जा सकता है और अच्छी तरह खाना, कपड़ा और रहने को घर दिया जा सकता है. करोड़ों लोगों को इस तरह बेकारी और अर्धबेकारी के चंगुल में छुड़ाया जा सकता है. यह ताददाद बहस करने की नहीं है, बल्कि सममदारी और साइन्सी हंग से जमीन का बंटवारा करने की है.

श्राचार्य विनोबा भावे को कहा जाता है कि उनके भूमि यह में कई लाख एकड़ भूमि दान मिल चुकी है. इस तरह कानून की मदद से उन जैसे सक्चे लेवकों का समय बचाया जा सकता है श्रीर रारीबों का दुख जल्दी दूर किया जा सकता है. नहीं तो श्राजकल के हिसाब से तो उनका काम कई सदी में जाकर पूरा होगा. इस तरह के बंटारे में हमें यह भी देख लेना होगा कि जिस किसी को जभीन दी जाये वह उसे श्रन्छी तरह जोत बो भी सकता है या नहीं.

सरकार की पहली पांच बरसी योजना में यह भी कहा गया है कि हमें सहकारी खेती को बढ़ाना और मदद देना बाहिये. यह बात उन जोतों के लिए ही ठीक बैठती है और खल सकती हे जो नई भूमि तोड़ कर या भूमि के नये बंटबारे में बनाये गये हों. जिन लोगों को नये खेत मिले गे वह अधिकत्तर गरीब होंगे. पूंजी की उनके पास कमी रहेगी. सहकारी खेती में, यानी मिलकर खेती करने में, उन्हें साफ लाभ दिखाई देगा. जिन जिन देशों में सहकारी खेती सफल हुई है बहां का सजहबा हमें यही बताता है कि भूमि के नये बंटबारे से जिन लोगों को खेत मिलते हैं वही सहकारी खेती में अगुआ होते हैं. उनकी देखा देखी फिर दूसरे लोग शामिल होने लगते हैं. इस तरह पूरे गांव के आर्थिक और सामाजिक जीवन में एक नई लहर दी इने लगती है और सारे गांव में एक नई जान आ जाती है. इससे जनता के जीवन में स्कूल,

लिए जरूरी है कि हर सूचे या हर प्रदेश में एक 'भूमि बंटवारा कमीशन' बनाया जाय जिसका काम यह हो कि हर जगह की खेती की हालत देखकर यह तय करे कि अलग अलग जिलों और तहसीलों में आर्थिक जोत क्या मानी जाय? उस आर्थिक जोत से तिगुनी से अधिक भूमि किसी के पास न रहने दी जाय. इस तरह जितनी जमीन मिले उमें बेजमीन खेत मजदूरों में बांट दी जाय. यदि फिर भी कुछ जमीन बचे तो उसे उन किसानों को दी जाय जिनके पास मूमि तो है पर आर्थिक जोत से कम है.

इस सम्बन्ध में एक सवाल यह उठ सकता है कि बड़ी बड़ी जोतों को तोड़कर छोटी कर देने से देश की नाज की पैदाबार कम तो नहीं हो जायगी, खासकर जबकि अब भी हमारे देश में नाज की कमी है ?

इसके जबाब में इमें यह कहना है कि हमारे जैसे देश की हालत में अर्थशास्त्र का यह एक माना हुआ असूल है कि वैदावार की इकाई, यानी एक जोत, अगर एक खांस मात्रा से कम हो तब भी पैदाबार कम होती है और अगर एक खास मात्रा से अधिक हो तब भी सारे देश की पैदाबार कम होती है. हमारे देश के अर्थशास्त्र जानकारों ने छोटी छोटी जोतों के नुक्रसान को तो सोचा पर इस तरह की बड़ी बड़ी जोतों के नुक्रसान की तरफ ध्यान नहीं दिया. इस तरह की बड़ी बड़ी जोतों की न तो ठीक ठीक जुताई होती है, न ठीक ठीक बोक्साई. ऐसी जोतों का सारा काम एक न एक तरह के बेगार के जरिये होता है. पुराने जमाने में जब बड़े बड़े जमींदारों और सामंतों का बोलबाला था हर आदमी का मान उतना है। अधिक होता था जितनी उसके पास भूमि होती थी. इसी ऋसूल पर हमारे यहां के जमींदारों और ठाकुरों ने भी बड़ी बड़ी जोतों पर क्रबजा कर रखा था. पर इन बड़ी बड़ी जोतों का ठीक प्रबंध बहुत ही कम होता था. नतीजा यह कि एक तरफ तो भूमि बेकार पड़ी रहती थी श्रीर दूसरी तरफ काम करने वालों का समय वेकार जाता था. इस सम्बन्ध में यही हालत आजकल की बड़ी बड़ी जोतों की है. ठीक ठीक भूमि बंटवारे का मतलब यह है कि हम दोनों तरक की इस बुराइ को दूर करें. हमें विश्वास है कि इससे बेकारी भी घटेगी और देश में नाज की पैदावार भी बढेगी.

जाहिर है कि बंटवारा केवल उन बड़ी जोतों का होना चाहिये जिन का प्रवन्ध, जैसा हमने ऊपर बताया, ठीक नहीं है. जिन थोड़ी सी बड़ी जोतों पर अच्छी तरह से खेती की जा रही है, चाहे बह खेती आजकल के नये साइन्सी ढंग से होती हो और चाहे पुराने हिस्दुस्तानी ढंग से, ऐसी बड़ी जोतों का चंदवारा हमें नहीं करना है.

वाब संवाल यह रहता है कि इस तरह बंटवारे के लिए

الله ضروری ها که هر صوبے یا هر بردیه میں ایک ایک فیومی بنوارہ کیشن بنایا جائے جس کا کام یہ هو که هر چکه کی کھیتی کی حالت دیکھکر یہ طے کرے که الک الگ فاعوں اور تحصیلوں میں آرتیک جوت کیا مائی جائے ؟ اُس آرتیک جوت سے تکلی سے آدھک ہومی کسی کے پاس نه رهنے دی جائے . اِس طرح جتنی زمین ملے اُسے پرزمین کیست مزدوروں میں بائٹ دی جائے . یدی پھر سی کچھ زمین بچے تو اُسے اُن کسائوں کو دی جائے جن کے پاس بھرمی تو هے پر آرتیک جبت کسائوں کو دی جائے جن کے پاس بھرمی تو هے پر آرتیک جبت سے کہ ہے .

اِس سبندھ میں ایک سوال یہ آٹھ سکتا ہے کہ بڑی بڑی جو ہوں ہوں جو ہوں ہوں جو ہوں کہ بڑی جو ہوں کو تور کر چھوٹی کردیئے سے دیھی کی قالے کی پیداوار کم تو ٹیوں ھرجائیکی خاصکر جب کہ آب بھی عبارے دیھی میں ناچ کی کئی ہے ؟

اِس کے جواب میں همیں یہ کہنا ہے کہ همارے جیسے دنھ عى حالت مين ارته شاستر كا يد ايك مانا هوا أصول هم كه پیداوار کی اکائی یعنی ایک جوت اگر ایک خاص ماترا سے کہ هو تب یهی پیداوار کم هونی هے اور اگر ایک خاص ماترا سے ادماک مو تب ہی سارے دیش کی پیداوار کم هرتی ہے. ھمارے دیھر کے آرتھ شاستر جانکاروں نے چھرٹی چوٹی جوتوں کے القصان کو تو سرچا پر اِس طرح کی بڑی بڑی جوترں کے نقصان کی طرف دھیاں نہیں دیا ، اِسطارے کی بڑی بڑی جوتوں کی نتا تو تهيك تهدك جرتائي هرتي هـ؛ نه تهيك تهيك براني . ايسي جرترں کا سارا کام ایک نے آیک طرح کے بیکار کے ذریعہ هرتا هے . پرائے زمانے میں جب بڑے بڑے زمینداروں اور سامنتوں کا بول بالا تُها هُر آدمی کا مان أُتنا هی ادهک هوتاً تها جعنی أس كے پاس بہومی هوتی دھی۔ اِسی اُصرل پر عمارے یہاں کے زمینداروں ارر ٹھاکروں نے بھی بڑی بڑی جوتوں پر نبضہ کر رکھا تھا ۔ پر اِن بڑی بڑی جوتوں کا تھیک پربندہ بہت عی کم هوتا تھا ، فتیجہ یع که ایک طارف تو بهومی بیکار پڑی رهتی تبی اور درساری طرف کام کرنے والوں کا سمے بیکار جاتا تھا۔ اس سمبندھ میں یہے حالت آجکل کی بڑی بڑی جوتوں کی ہے ۔ تھیک تھیک بھومی بتوارے کا مطلب یہ ہے که دم دونوں طرف کی اِس برائی کو دور کریں۔ ھمیں وشواس ہے که اِس سے بیکاری بہی گہتیگی آور دیش میں نابے کی پیداوار بھی برھیکی .

ظاهر ہے کہ بقوارہ کیول اُن بڑی بڑی جوتوں کا ھونا چاھئے جی کا پربلدھ' جیسا ھم نے اُوپر بتایا' قیبک نہیں ہے ۔ جن قووی سی بڑی جوترں پر اچی طرح سے کہیتی کی جا رھی ہے' جاتھ وہ کریتی آجال کے نائے سائنسی دھنگ سے ھوتی ھو اور جوتوں کا بقوارہ ھیں نہیں کرنا ہے ۔

النب سوال یه رهنا هے که اِس طرح بقوارے کے لئے

لها وند

पंच बरसी योजना को तीसरे साल में ही सुधारना और बदलना पड़ा और इससे आगे के पांच साल की जो दूसरी योजना होगी उसका रूप अभी से मलकने लगा है. वेकारी नाम के इस महारोग से छुटकारा पाने के लिए हमें कई और क्रदम बढ़ाने होंगे. सरकारी योजना में भी इसकी ग्रुख चर्चा की गथी है. पर अब आवश्यकता इस बात की है कि कम से कम समय में इम अपने आधिक ढांचे को इस तरह बदलें कि बेकारी भी बिलकुल दूर हो जाय और साथ ही साथ देश के हर आदभी की माली हालत और कलचरी जीवन दोनों ऊचे उठ सकें और हमारा देश और हमारा राज सब के लिए भलाई और कल्यान का राज हो.

सरकारी योजना में भूमि के नये सिरे से बंटवारे की चर्चा भी की गयी है और यह असूल भी मान लिया गया है कि किसी भी एक खेती पेता आदमी के पास एक खास मात्रा या मिक़दार से आधिक भूमि नहीं होनी चाहिये. अब सवाल यह होता है कि यह अधिक से अधिक भूमि एक श्रादभी के पास कितनी हो ? सरकारी योजना समिति की राय है कि यह अधिक से अधिक भूमि आर्थिक जोत का तिगुना होनी चाहिये. इससे अधिक मिन किसी के पास नहीं रहने वेनी चाहिये. आर्थिक जोतका मतलब उतनी जभीन है जितनी में एक आदमी का गुजारा श्रन्छी तरह चल सके. सरकारी योजना समिति की राय में चार एकड़ जमीन में एक आदभी का गुजारा अच्छी तरह चल सकता है. इस तरह एक परिवार में अगर हम चार आदमी गिन लें तो एक खेतिहर परिवार के लिए पंद्रह या सोलह एकड़ जमीन 'ऋार्थिक जोत' कही जा सकती है. पर इस बारे में कोई कड़ा नियम नहीं बनाया जा सकता. क्योंकि देश के अलग अलग प्रान्तों में ही नहीं, एक एक प्रान्त के अलग अलग हिस्सों में भी अलग अलग तरह की भूमि है जिसके कारन आर्थिक जोत भी सब जगह अलग अलग होगी. आज से पांच साल पहले कांग्रेस खेती सुधार समिति के सामने गवाही देते हुए हमने कहा था कि माटे तौर पर उत्तर प्रदेश में पंद्रह एकड़ जमीन आर्थिक जोत है. हमने यह भी कहा था कि खेती के काम में आर्थिक जोत हमें उसी तरह तय करनी चाहिये जिस तरह उद्योग धंधों में या बड़े बड़े कल कारसानों में हम एक मजदर की दिन भर की कम से कम मजदूरी तय करते हैं. बोनों में निगाह टीक ठीक गुजारा चलने पर रहनी चाहिये. इस तरह जिन लोगों के पास उचित से अधिक भूमि है उनसे भूमि लेकर दूसरे खेतिहरों में बांटना बहुत कठिन काम नहीं होना चाहिये.

इमारे देश में इन सब सुधारों के लिए ठीक ठीक आंकड़ों की भी बहुत ही कमी है. बेकारी दूर करने के लिए सबसे पहले मूर्म का ठीक ठीक बंटबारा जरूरी है. इस बंटबारे के پنچ برسی بوجنا کو تیسوے سال میں هی سدهارما اور برلنا پڑا اور اِس سے آگے کے پانچیسال کی جو دوسری بوجنا هوگی آس کا روپ ایس سے جھاکنے لگا ھے ، بیکاری تام کے اِس مہاروگ سے چھاکارا پانے کے لئے همیں کئی اور قدم برتھائے هوئیے ، سرکاری بوجنا میں بھی اِس کی کچھ چرچا کی گئی ھے پر اب آرشیکتا اِس بات کی ھے که کم سے کم سے میں م اپنے آرتیک تھانچے کو اِس طرح بدلیں که باکاری بھی بالکل دور هو جائے اور ساتھ هی ساتھ دیھی کے هر آدمی کی مالی حالت اور کلچری جیوں دونوں اُونچے آتھ سکیں اور همارا دیش اور همارا راج سب کے لئے بہائٹی اور کلیان کا راج هو ،

سرکاری یوجنا میں بہمی کے نیا سرے سے بنتوارے کی چرچا بھی کی گئی ہے اور یہ اُصول ہی مان لیا گیا ہے کہ کسی بھی ایک کهیتی پیشه آدمی کے پاس ایک خاص ماترا یا مقدار سے ادىك بيوسى نهيس ھوئى چاھئے . اب سوال يە ھوتا ھے كه يه ادیک سے ادھک بھومی ایک آدمی کے پاس کتنی ہو ؟ سرکاری یہجنا سدتی کی رائے ہے که یه ادعک سے ادھک بھوسی آرنیک جبت کا تکنا ہوئی چاھٹے . اِس سے اُن ک بہومی کسی کے پاس نهيں رهنی ديني چاهئے ، آرتيک جوت كا مطلب أُتني زمين هے جتنی میں ایک آدمی کا گذارا اچھی طرح چل سکے ، سرکاری يرجنا سمتى كى رائم ميں چار ايكو زمين ميں ايك آدمى كا گذارا اچی طرے چل سکتا هے . اِس طرح ایک پریوار میں اگر ہم چار آدمی گی لیں تو ایک کھیتھر پریوار کے لئے پندر یا سراء ایکر زمین 'آرتیک جوت' کہی جاسکتی ہے . پر اِس بارے میں کرئی کوآ نیم نہیں بنایا جاسکتا ۔ کیونکه دیھی کے آگ الگ پرانتیں میں ٰھی نہیں' ایک ایک پرانت کے الگ آلگ حصوں میں آبی آنگ آنگ طرح کی بھومی ہے جس کے کارن آرتھک جوت بھی سب جاء الگ الک هرکمی . آبے سے یانیج سال یہا۔ کانگریس کھیتے سدھار سمتی کے سامنے گراھی دیتے ہوئے ہم نے کہا تها که مراته طرر ير أتريرديه مين يندره أيكر زمين أرتبك جربت ہے . دم نے یہ رہی کہا تھا کہ کھیتی کے کام میں آرتیک جرت عمين أسى طرح طء كرنى چاهيء جس طرح أديوك دهندهون میں یا بڑے بڑے کل کارخانیں میں ہم ایک مزدر کی دن بھر کی کم سے کم مودروں والم کرتے هيں ، دونوں ميں نگاہ الهيک ثیک ٹیک گذارا چانے پر رہنم چاتئے. اِس طرح جن لوگیں کے پاس أچت سے ادھک بهرمی هے أن سے بهرمی ليكر درسرے كيتبرون مين بائتنا بيت كنهن كلم نهين هونا چاهيه.

ھدارے ذیھی میں اِن سُبِ سدھاروں کے لائے تبیک تبیک آ آنکووں کی ہی بہت ھی کئی ہے دیکاری دور کرنے کے لائے سب سے بہار بھومی کا قبیک تبیک بترارہ خورری ہے اِس بتوارے کے

المجان المجان المحرب والله المناز المحان ال

بہوسی کے آجت اور تھیک تھیک بقوارے کا اثر همارے شہروں کی بیکاری پر بھی پڑے کا ، ہمارے دیش میں چھوٹے چھوقے کسان آج کل اپنے کھیت کھر اور کاؤں چھوڑ کر شھروں میں نوکری کی کبوج میں آتے رہتے ہیں اس کا کارن یہ نہیں ہے کہ شہر اُنھیں آچھ اکتے میں اور وہ شہروں کے پریم سے شہروں کی طرف کھنیم آتے ھیں . کارن کیول یہ ہے کہ اُن کے گیر اور کاراں کی روزگاری حالت آرر کھانے پینے کی تنکی آنھیں گھر چهرولے ير مجبور كر درتى هے . هندستان كا كسان جنم اور سوبهاؤ سے ہی کھلی ہوا اور وہاں کے پراکرتک جیوں کا پریمی ہوتا ہے . ير الله كا برجه مهاجن كا قرضه أور تناضه كهر كي كرتي هوئي حالت اسب مل کر اُسے مجبور کر دیے ھیں که وہ گؤں چوز کو کہیں اور روزی تعولاتے ، اِس ائے حی بھومی کے ٹھیک ٹھیک بقوارے سے ایسی حالت پیدا عو سے جس سے آجکل کی ایک ایک جرت یا آیک ایک کھیٹ پر جتنے آدمیں کا بہج ھے وہ کم همچائے اور عام کسانیں کے ایکے کارں کا روزگاری آور سماجی جمیوں اِتنا اچا هوجاء که و اکارال میں هي ره سکيل تو گاؤل کے ارگول کا شہروں میں نوکری کے ایے آنا بند عوجارے یا کم سے کم بہت ھی کم عوجارے ۔ اِس طرح جو لوگ کاؤں سے بھائے کو شہروں کے کارخانیں میں' ملوں میں' گھروں کی فوکری میں' هراً الله مين دغرس مين إستيشنس پر ركشا چاله مين اور طرح طرح کے کاموں میں بھرے ھزئے عیں اُن کی تعداد بہت ھی کم عرجانے گی

سرکاری پنچ برسی یوجنا میں بھی یہ سجاز رکھا گیا ہے کہ چو رمینیں پرتی پرتی ہوئی ہیں اُنھیں تر کر نئے کھیت بنائے جانس تو سن 66-5 19 تک اگ بھگ 75 لاکھ آیکو نئی رمین کھیتر کو گئے مل سکتی ہے اس میں سے اگر ہو کتھی کو 10 ایکو بھومی دی جائے تو سازھ سات لاء کتھی پریواروں کو بیکاری کے چیال سے چھرایا جا سکتا ہے ۔ یہاں تک تو بات تھی ہے کہ نہیں چل سکتا ، دیھی ہیں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں چل سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں چل سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں چل سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں چل سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں چل سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں چل سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں چل سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں جانس کی سکتا ، دیھی میں اربکاری افغی تھی سے کام نہیں جانس کی سکتا ، دیھی میں اربکاری اورب

बंदे तगावन पार सरब पांच घरव हो जाते हैं. उनका अनुमान है कि सन 1941 में इन पार सरम पांच घरव घंटों में से लगमग आधा समय बेकार गया. यह अनुमान विलकुल ठीक हो, या न हो पर इस बात में तो कोई संदेह नहीं हो सकता कि इस तरह की छिपी अर्थ बेकारी हमारे देश में बहुत बड़ी छुई है. इसका केवल यही एक इलाज है कि कुछ लोगों को खेती से हटा कर दूसरे धन्धों में लगाया जाय. या खेती के लिये नई भूमि तोड़ी जाय और उस नई भूमि पर या इस तरह की नयी भूमियों पर इनमें से बहुत से लोगों को ले जाकर लगाया और बसाया जाय. अब हमें यह देखना है कि भूमि के फिर से बंटवारे के जरिये इस मजाल को कहां तक और किस तरह हल किया जा सकता है.

भिम के उचित और ठीक ठीक बंटवारे का श्रासर हमारे शहरों की बेकारी पर भी पड़ेगा. हमारे देश में छोटे छाटे किसान जाजकल अपने खेत. घर और गांव छोड कर शहरों में नौकरी की खोज में आते रहते हैं. इसका कॉरन यह नहीं है कि शहर उन्हें अच्छे लगते हैं और वह शहरों के प्रेम से शहरों भी तरफ खिच आते हैं. कारन केवल यह है कि उनके घर और गांव की रोजगारी हालत और खाने पीने, पैसे की तंगी उन्हें घर छोड़ ने पर मजबूर कर देती है. हिन्दुस्तान का किसान जन्भ और स्वभाव से ही खुली हवा और वहां के प्राकृतिक जीवन का प्रेभी होता है, पर लगान का बोम. महाजन का कर्जा और तक्ताजा, घर की गिरती हुई हालत. सब मिलकर उसे मजबूर कर देते हैं कि बह गांव छोड़ कर कहीं और रोजी दुंदे, इसलिये यदि भूमि के ठीक ठीक बंटबारे से ऐसी हालत पैदा हो सके जिससे श्राजकल की एक एक जोत या एक एक खेत पर जितने श्रादमियों का बोक है वह कम हो जाये और श्राम किसानों के लिए गांव का रोजगारी श्रीर समाजी जीवन इतना ऋच्छा हो जाये कि वह गांव में ही रह सके तो गांव के लोगों का शहरों में नौकरी के लिये आना बंद हो जावे या कम से कम बहत ही कम हो जावे. इस नरह जो लोग गांव से भाग कर शहरों के कारलातों में, मिलों में, बरों कीनौकरी में, होटलों में, दफ्तरों में, स्टेशनों पर, रिक्शा चलाने में और तरह तरह के कामों में भरे हुए हैं उनकी तादाद बहुत कम हो जायगी.

सरकाश पंच बरसी योजना में भी यह सुमान रखा गया है कि जो जमीने परती पड़ी हुई हैं उन्हें तोड़ कर नये खेत बनाय अवर्थ सो सन 1955-56 तक लगभग 7 लाख एकड़ नई जमीन खेती के लिये मिल सकती है. इसमें से अगर हर खेतिहर को 10 एकड़ भूमि दी जाय तो साढ़े सात लाख खेतिहर परिवारों को बेकारी के चंगुल से छुड़ाया जा सकता है-पहाँ एक तो बात ठीक है. पर अव इतने ही से काम नहीं चल सकता. केय में बेकारी इतनी ते की से बढ़ रही है कि सरकारी

होता. फसल बोने और काटने के समय अधिक काम होता है. पर साल में कुछ महीने ऐसे होते हैं जब किसान अधिक-तर बेकार रहता है. इस तरह की मोसभी बेकारी का इलाज एक तो यह है कि उन दिनों सिंचाई बरौरा का अच्छा प्रबन्ध किया जावे और दूसरे यह कि किसानों के अन्दर उनके घरों में और गांव में छोटे छोटे घरेलू उद्योग धन्दों को बढ़ाया जावे, जिन से वह बेकार भी न रहें और उनकी आमदनी भी बढे.

तीसरी—तीसरी तरह की बेकारी कभी कभी आए दिन की जरूरत की चीजों की मांग एकदम कम हो जाने से पैदा हो जाती है, पूंजीवादी व्यवस्था में यानी सरमायादारी के निजाम में इस तरह की बेकारी हर आठ दस बरस के बाद एक बार आती ही है. कुछ न कुछ दिनों के बाद या तो लोगों के पास चीजों ज्यादा हो जाती हैं या उनकी खरीदने की ताक़त इतनी कम हो जाती हैं कि इच्छा होते हुए भी वह और जीजों नहीं खरीद सकते. बाजार में चीजें बढ़ जाती हैं और उन चीजों को पैदा करने वाले मजदूर कम से कम कुछ दिनों के लिये बेकार हो जाते हैं. कारखानों में मजदूरों की छटनी होने लगती है. कारखानों के मालिक कहने लगते हैं कि माल की पैदाबार ज्यादा हो गई, उसे कम करने की जरूरत है. इस तरह की बेकारी भी आजकल हमारे देश में काफी है.

इस तरह की बेकारी लगभग हर देश में हर आठ दस बरस के बाद क्यों आती रहती है इस सवाल पर अर्थशास्त्र के बड़े बड़े विद्वानों की अलग अलग राक है. इस समय हम इन अलग अलग मतों की झान बीन में नहीं पड़ना चाहते. केवल इतना कह देना काफी है कि समय समय पर इस तरह की बेकारी पूंजीवाद यानी सरमायादारी में स्वाभाविक और लाजभी है.

चौथी—चौथी तरह की बेकारी को इम नीम बेकारी या अर्थ बेकारी या छिपी बेकारी भी कह सकते हैं. इसका मतलब यह है कि किसी किसी काम में जितने लोग लगे होते हैं उतनों की उस काम में असल में जरूरत नहीं होती. हम जपर कह चुके हैं कि भारतवर्श अधिकतर गांव में बसा हुआ है. खेती का धन्धा यहां का सबसे बड़ा धन्धा है. जानकार लोगों की राय है कि आज जितने लोग हमारे यहां खेती के काम में लगे हुए हैं उनमें से यदि कुछ खेती से हरा कर दूसरे कामों में लगा दिये जार्य तो उससे देश की नाज की पैदाबार हरगिज कम नहीं होगी. अर्थशास्त्र के एक बिद्वान का कहना है कि यदि हमारे देश में खेती के काम में लगा हुआ हर मजदूर दिन में आठ घंटे भी काम करे तो साल में हर मजदूर क ढाई हजार घंटे हो जाते हैं. इस तरह खेती में लगे हुए कुल आदिमयों के साल मर के

عوتا، صل بولے أور كائنے كے سيم أدهك كام هوتا هے . پر سال مهن كتب مهيئے أيس هوتے هيں جب كسان أدهك تر ييكار رهتا هے . إس طرح كى مرسمى بيكارى كا علاج أيك تو يه هے كه أن دئوں سنجائى رغيرہ كا أچها پربندھ كيا جاوے أور درسرے يه كه كسائوں كے أندر أن كے گهروں ميں أور كاؤں ميں چھوقے چھوقے كريلو أديوك دهندوں كو برهايا جاوے' جن سے وہ بيكار بهى ته ريس اور أن كى آمدنى بهى برهے .

تیسری ستیسری طرح کی دیکاری کبھی آئے دن کی خرورت کی چھڑوں کی مانگ ایک دم کم هوجائے کے پیدا هو جاتی هے ، پرنجی وادی ویرستها میں یعنی سرمایتداری کے نظام میں اس طرح کی دیکاری هر آئی دس برس کے بعد ایک بار آئی ہی هے کچھ نه کچھ دئوں کے بعد یا تو ارگری کے پاسچیزیں زیادہ هو جاتی هیں یا اُن کی خریدئے کی طاقت اتنی کم ہو جاتی هے که اچھا هوتے هرئے بھی ولا اور چیزیں نہیں خرید کرنے والے مزدور کم سے کم کچھ دنرں کے ائے دیکار هوجاتے هیں ، کارخانوں میں مزدرروں کی چیڈنی هوئے لگتی هے ، کارخانوں کی ارخانوں میں مزدرروں کی چیڈنی هوئے لگتی هے ، کارخانوں کے ایک طرورت هے ، اِس طرح کی دیکاری بھی آجال همارے دیش میں کانی هے ، اِس طرح کی دیکاری بھی آجال همارے دیش میں کانی هی هی .

اِس طرح کی پہکاری لگ بیگ ھر دیش میں ھر آتھ دس برس کے بعد کیس آتی رھتی ھے اِس سران پر اُرتھ شاستر کے برے برے دورائوں کی الگ الگ رائے ھے ۔ اس سیے ھم اِن الگ الگ مترں کی چھان دین میں نہیں پڑنا چاہتے ۔ کورل اُتنا ھی کہ دینا کانی ھے کہ سیے سے پر اِس طرح کی دیکاری پرنجی واد یعنی سرمایہ داری میں سوابھاوک اور لزمی ھے ۔

बेकारी का हल

{(डाक्टर वी. बी. सिंह, लखनऊ)

भात इंडिया रेडियो के सौजन्य से एक माडकास्ट के आधार पर

हमारे देश में बेकारी का सवाल दिन दिन बदता जा रहा है. आजकल इसकी बहुत चर्चा है. बेकारी शहरों बौर कसबों में ही नहीं, गांव में भी फैली हुई है. कहा जाता है कि भारतवर्श गांव में बसा है. इसका मतलब यह है कि इस मुल्क का सब से बड़ा सवाल गांव का सवाल है. यानी नए भारत की फिर से तामीर गांव से ही ग्रुरू होगी. इसलिये बेकारी का इलाज भी गांव ही से ग्रुरू होना चाहिए. इलाज किसी रोग का होता है. बेकारी भी एक बहुत बड़ा और भयानक सामाजिक रोग है. जिस तरह और रोग कई तरह के होते हैं, जैसे बुखार कई तरह का होता है, उसी तरह बेकारी भी कई तरह की होती है. इन में चार सास तरह की बेकारियां यह हैं:—

पहली—वह बेकारी जो बड़ी मरीनों के चालू हो जाने से पैदा हो जाती है. जब मरीनों का इसतेमाल बढ़ता है तो उसकी बजह से कुछ लोग बेकार हो जाते हैं. ज्यों ज्यों मरीनें जियादा बढ़िया आती जाती हैं त्यों त्यों बेकारी और बढ़ती जाती है. आजकल भी हिन्दुस्तान के कल कारखानों में यही बात हो रही है. पहले जिस पुतली घर में एक मजदूर दो मरीनें चला सकता था उस मं अब बही एक मजदूर पहले से अच्छी मरीनें लग जाने के कारन चार चला सकता है. इस तरह बाकी मजदूर बेकार हो जाते हैं. इस तरह की बेकारी का असर सब उद्योग धंदों और तिजारत में लगे हुए मजदूरों और धीरे धीरे दफ़्तर में काम करने वाले लोगों सब पर पढ़ता है. एक समय ऐसा आता है जब इस तरह की बेकारी का असर एक देश के जरिये सब देशों पर और सब देशों के रोजगारी ढांचों पर पढ़ता है.

मशीनों से पैदा होने वाली इस बेकारी का असर गांव पर भी पहता है. हमारे गांव में जो बेकारी बढ़ती जा रही है उसकी भी एक बजह यह है. मिसाल के लिये पहले गांव में सी आदमी अपनी बैलगाड़ियां ले कर शहर आते थे और उससे अपनी रोजी कमाते थे. पर अब एक ट्रक ने सी बैलगाड़ी बालों को बेकार कर दिया.

्र दूंसरी—दूसरी तरह की बेकारी मोसमी बेकारी है. स्रोतिहर देशों में किसानों के लिये पूरे साल भर का काम नहीं

بیکاری کا حل

(دَاكتر بي . بي سنة كهنو)

آل انتیا ریتیو کے سوجنیہ سے ایک برات کاست کے آدھار پر

همارے دیش میں بیکاری کا سران دن دن بوهتا جا رہا ہے .
آبھکل اِس کی بہت چرچا ہے بیکاری شہروں اور قصبوں میں هی نہیں اور قصبوں میں بی یہیں ویلی ہوئی ہے کہا جاتا ہے کہ بھارت ورش کاؤں میں بسا ہے اِس کا مطلب یہ ہے کہ اِس ملک کا سب سے بڑا سوال گاؤں کا سوان ہے ۔ یعنی نئے بہارت کی پہر سے تعمیر گاؤں سے هی شروع بوگی ۔ اِس ایٹے بہکاری کا علیے بھی گاؤں سے هی شروع ہوتا چائے ۔ علیے کسی روگ کا ہوتا ہے ۔ بیکاری بھی ایک بہت برا اور بھائک ساملجک روگ ہے ۔ جس طرح اور روگ کئی طرح کے ہوتے ہیں' جیسے بخار کئی طرح کا ہوتا ہے۔ اُس طرح کی ہوتی ہے اُن میں چار اُسی طرح کی بیکاری بی علی ایک بہت بیکاری بی علی خاص طرح کی ہوتی ہے ۔ اِن میں چار خاص طرح کی بیکاری میں چار خاص طرح کی بیکاری بی علی خاص طرح کی ہوتی ہے ۔ اِن میں چار خاص طرح کی بیکاری بی علیں ہے۔

پہلی۔۔ وہ بیکاری جو ہڑی بڑی مشینوں کے چالو عوجائے سے پر دا عو جاتی ہے . جب مشینوں کا استعمال بڑھتا ہے تو اُس کی وجہ سے کچھ لوگ بیکار ھو جاتے ھیں . جیرں جیرں مشینین زیادہ بڑھیا آتی جاتی ھیں تیوں تیوں بیکاری آؤر بڑھتی جاتی ہے ۔ آجکل بھی ھندستان کے کل کارخارنوں میں یہی بات ھو رھی ہا ہے ، پہلے جس پتای گبر میں آیک مزدور دو مشینیں چلا سکتا ہے اُس میں آب و تی آیک مزدور پر لے سے آچھی مشینیں لگ جاتے ھیں . اِس طرح کی بیکاری کا اثر سب آدیوگ دھندوں جاتے ھیں . اِس طرح کی بیکاری کا اثر سب آدیوگ دھندوں اور تعجارت میں آگے ھوئے مزدروں اور دھیرے دھیرے دفتر میں کم کرنے والے لوگوں سب پر پڑتا ہے . آیک سے آیسا آتا ہے جب ایس طرح کی بیکاری کا اثر آیک دیھی کے ذریعہ سب دیشوں ایس طرح کی بیکاری کا اثر آیک دیھی کے ذریعہ سب دیشوں ایس طرح کی بیکاری کا اثر آیک دیھی کے ذریعہ سب دیشوں ایس طرح کی بیکاری کا اثر آیک دیھی کے ذریعہ سب دیشوں ایس طرح کی بیکاری کا اثر آیک دیھی کے ذریعہ سب دیشوں

مشینوں سے دیدا عونے والی اس باکاری کا اثر کاؤں پر میمی پرتا ہے۔ همارے کاؤں میں جو بیکاری برحتی جا رہی ہے آس کی بیبی ایک وجہ یہ ہے ۔ مثال کے اٹے پالے کاؤں میں سو آدمی اپنی بیل کاؤں میں سو آدمی اپنی بیل کاؤیاں اے کر شہر آتے تھے اور آس سے آپنی روزی کماتے تھے ہر آب آبک آرک نے سو بیل کاوی والی کو بیکار کا دیا۔

درسوی سدرسری طرح کی دیکاری مرسی دیکاری هم کهیتههر در شری مین کسالرن کے اللہ درے سال دیر کا کام نهیں

की जरूरत नहीं, उसकी जात में विश्वास काफी है. ऐसे दर्शन से सभा में एक आदभी चमक सकता है, बहुत से नहीं. अर्थात यह दर्शन सामंतवादी है और वेदों के जनवादी दर्शन के उलटा है.

जो नई जनवादी सभ्यता और कलचर आयेगा, वह वेदों के जमाने की सभ्यता की तरह जनवादी होगा, लेकिन बह ज्यादा खुशहाल और सम्पन्न होगा क्योंकि अब आदमी के पास पैदाबार के साधन बहुत बढ़ गए हैं. साइन्स ने कुदरत के बारे में बहुत सा ज्ञान हासिल कर लिया है. साइन्स की ईजादों को जनता अधिक जनता के हित के लिये अमल में लाया जायग, उतना ही कल वह आगे बढ़ेगी, उतना ही लोगों को पढ़ने लिखने, सोचने, शरीर को स्वस्थ और सुन्दर बनाने का मौक्रा मिलेगा, और उतना ही सभा में ज्यादा लोग चमकेंगे.

बुर्जवा सभ्यता इस दिशा में एक इद तक आगे बदती है, वह डाविन के विकासवाद, डिगरोट के भौतिकवाद और हेगल के द्वंदात्मकवाद को तो मान लेती है, लेकिन उसके लिये इससे आगे बदना मार्क्स के द्वंदात्मक भौतिकवाद और ऐतिहासिक विकास को मानना कठिन हो जाता है क्योंकि ऐसा मानने से बुर्जवा कलचर के अपने अस्तित्व पर चोट पड़ती है क्योंकि उसे यह मानना पड़ता है कि अब संसार पूंजीवाद से निकलकर अपने कुव्रती विकास के रास्ते पर जहर आगे बढ़ेगा और पूंजीवादी जमाने की बुर्जवा कलचर को नये जनवादी और साम्यवादी कलचर को स्थान देना होगा.

کی ضرورت نہیں' اُس کی جات میں رشواس کانی ہے ۔ ایسے درشن سے سبھا میں ایک آدمی چمک سکتا ہے' بہت سے نہیں ۔ ارتبات یہ درشن سامنت وادمی ہے اور ویدوں کے جن وادمی درشن کے آلتا ہے ۔

برزوا سبهیتا اِس دشا میں ایک حد تک آگے برهتی هے،

ازوں کے وکلسواد، ڈگروت کے بھوتکواد، اور هیکل کے

وندآنیکواد کو تو مان لیتی هے، لیکن اُس کے لئے اِس سے

اے برهنا مارکس کے دوندادمک بھوتکواد اور اِتہاسک وکلس

ماننا کتھی هو جاتا هے کیرنک ایسا ماننے سے برزوا کلچر کے

استو پر چرت پرتی هے کیونک اُسے یہ ماننا پرتا هے کہ اب

نسار پونجیواد سے نکل کو اُپنے قدرتی وکلس کے راستے پر ضرور

اسرار پونجیوادی زمانے کی برزوا کلچور کو نئے جنوادی

اسمیموادی کلچز کو اُستھان دینا ہوگا۔

इतिहासकार या जीव विज्ञान शास्त्री के अमाव में अनेकों जातियों, धर्मों, भाशाओं और सभ्यताओं के अवशेश भी शेश नहीं रहे—ठीक उसी प्रकार कता के चेत्र में भी सही आलोचना और मूल्यांकन के प्रभाव में कितने ही जीवन और कृतियां अनजानी ही पड़ी रह जाती हैं.

_चेतव

اباسکار یا جیو وگهای شاستری کے ابھاؤ میں امیکوں جاتھوں' رموں' بھشاؤں اور سبهتاؤں کے اوشیعی بہی شیعی نہیں سستھیک آسی پرگار کا کے چھندر میں یعی صحیح آلوچنا مولیانکن کے ابھاؤ میں کتنے ہی جیون اور کرتیاں انتجانی میں .

سجيت

ब्राजादी की सकार में कीमी कल कर भी एक बनत बड़ा हथियार होता है. लेकिन जिस तरह कौमी आजादी आंदोलन की बागडोर बुर्जवा और मंमलेवर्ग के हाथ में थी. हमारे फलचर का नेज़ल भी इसी तबके के हाथ में था जिस तरह अंग्रेजों ने कहा था कि पूर्व के पास कुछ भी श्रवना गर्ब के लायक नहीं है, उसी तरह हमारे राश्ट्रीय ग्रान्दोलन के नेताओं ने उनके जवाब में कहना शुरू किया कि हमें परिस्तम से कहा भी नहीं सीखना, हमारा अतीत (माजी) बहुत ही शानदार है, उससे हमें हर तरह का ज्ञान और शिक्षा मिल सकती है.

इसमें शक नहीं कि हमारा अतीत (माजी) शानदार है. लेकिन राजा राम मोहन राय और गोपाल करन गोखले ग्रादि नेताचों की इस स्वायत और परम्परा को भूला विया कि हमें अपना अधिवश्वास और रुदिवाद छोड़कर पच्छिम से नये बिचार सीखने चाहियें क्योंकि जिस तरह पहले हिन्दुस्तानी कलचर यूनान, ईरान से नये विचार लेकर स्वस्य और सन्दर बना या उसी तरह अब पिछम से साइंदिफिक विचार लेकर ही आगे बढ सकता था.

हक्षीकृत यह थी कि हिन्दुस्तान में वीसवीं सदी के शुरू तक. जैसा कि लेनिन ने सन १९०८ में लिखा था. हिन्द्स्तान में कारखानादारी बढने से मजदूरों की तादाद और चेतना इतनी बढ़ गई थी कि बह हिन्दुस्तान के राश्ट्रीय आंदोलन को वर्ग संघर्श के रूप में आगे बढ़ा सकते थे और उनके नेतृत्व में मजदर और मेहनतकश जनता का जनवादी कल्चर आगे बढ सकता था. लेकिन हमारे राश्टीय आंदोलन के मंभले श्रीर बर्जवा वर्ग के नेताश्रों ने मजदर वर्ग श्रीर जनवादी कलचर को नजर अंदाज किया श्रीर एक ऐसे दर्शन श्रीर कलचर को प्रोत्साहन दिया जिसका मकसद यह सिखाना था कि आम लोग भेड़ बकरियों की तरह होतें हैं. वह अपने श्राप कुछ नहीं कर सकते, कुछ एक नेता या स्नास श्रादमी हमारी क्रीम की क़िस्मत को पलट सकते हैं. ऐसे दर्शन से जाहिर है कि जनवादी नहीं, जनविरोधी कलचर जन्म लेता है. किसी और की बात जाने दीजिये. कांग्रेस में पंडित जवाहर लाल कलचर के सब से बड़े नेता रहे हैं, वह मार्क्स वादी और तरक्की पसंद कहलाते रहे हैं. वह अपनी पुस्तक 'विश्व इतिहास की 'मांकियां.' में लिखते हैं-- "साधारन मर्द श्रीर औरतें साम तौर पर साहसी भावना के नहीं होते..... षड़े नेताओं में कुछ ऐसी बातें होती हैं, जिन से वह सारी जाति में जान पैदा कर देते हैं भीर उससे बड़े काम करवा लेते हैं." (सफह छ:)

यह अवतारवाद का दर्शन है, जिसका मतलब जनता को एक नेता की पूजा करना और उसमें अंधी शदा रखना सिलाना है. उसके कामों और आदशों को देखने और परलने

ا الراسي، كى اوائى مين قومى كلجر بهى ايك بيت برا هتيار هوتا هـ ، ليكن جس طرح قهى آزادى تدوان كى باک تور برزرا اور منجینے مرک کے هانه میں تھی' همارے کلچر کا نیترتو ہمے اِسی طاتے کے عاتم میں تھا ، جس طرح انگریورں نے کہا تھا کہ یورو کے پاس کنچھ بھی اپنا گرو کے الاق نہیں ہے، اُسی طرح ممارے راشتریہ آندوان کے نیتاؤں نے آن کے جواب میں کہنا شروع کیا که همیں بحیم سے كته بهي نهين سريمناه عدارا أتيت (ماضي) بهت هي شاندار هـ اس سه همين هر طرح كا كيان أور شكشا مل سكتي هـ .

اِس میں شک نہیں که همارا انیت (مانی) شاندار ه لهمي راجا رام موهن رأئے اور گودال كرشن گوكلے آدى نيتارى کی اِس روایت اور پرمیا کو بھا دیا کہ همیں اپنا اندھ وشواس اور روزهی واد چهور کر پنچهم سے نئے وچار سیکھنے چاہئیں کاوتک جس طرح پہلے مندستانی کاچر یونان ایران سے نئے وچار لیکر سوسته اور سندر بنا نها اُسی طرح اب بچهم سے ساننتینک وچار ليكو هي آگے برتھ سكنا تھا .

حقیقت یه تی که غندستان میں بیسوین صدی کے شروع تک جیسا کہ لینی نے سن 1908 میں لکھا تھا مندستان میں کارخائم داری ہرتھنے سے مزدوروں کی تعداد اور چیتنا اتنی برتھ گئی تھی کھ وہ ھندستان کے راشتویہ آندولن کو ورگ سنگرش کے روپ میں آگے ہوھا سکتے تھے اور اُن کے نیترتو میں مؤدور اور محمنت کش جانا کا جن وادی کامچر آگے برت سکتا تھا ۔ لکوں همارے راشقریہ آندولوں کے منجولے اور بوزوا ورگ کے نیتاؤں لے مزدور روگ اور جنوادی کلنچر کو تظرانداز کیا اور ایک اربه فرشن اور کلنچر کو پروتسلفن دیا جس کا متصد یه سکهانا تها که ام لوگ بهیر بکریوں کی طرح موتے هیں وہ اپنے آپ کچھ نهين كر سكتم كچه ايك نينا يا خاص أدمى عمارى موم كي قسمت كو يلث سكتے هيں ، أيسے درشن سے ظاهر أهم كه جوروادي نهين عون ورود في كلنجر جام لينا هي كسي أوركي بات جانے درجئے۔ کانکروس میں بنتت جوالعر لال کلمجر کے سب سے برسم نیتا رها میں . وہ مارکس وادی اور ترقی پسند کہاتے رہے هين ، ولا أيني يستك الرشو أنهاس كي جهانكيان المن لهيته هين سيد السادة الله المرد اور عورتين علم طور ير سلفسي بهارانا كي تيهين هوتي . . . برت فيتان مرض كنج أيسى باتين هوتي هیں جن سے وہ سازی جانی میں جان پیدا کر دیے هیں اور أس سے بڑے کام کروا لیتے تیں ،" (صفحه چه)

یه لوتار واد کا درشن هے جس کا مطلب جنتا کو ا کس انگا کی پوجا کرنا اور اُس میں اندھی شودھا ۔ رکھنا سکھالا ہے ، اُس کے کاموں اور آدرشوں کو دیجینے اور پرکھنے मकसद हिन्दुस्तान को तरककी देना नहीं बस्कि उसका शोरान करना था.

यह टीक है कि जिस देश का आर्थिक शोशन हो, उस देश में कलचर के स्नांत भी सूल जाते हैं. इसलिये यह सच है कि ब्रिटिश राज्य में हमारा देश कलचर के मामले में बहुत शिक्ष पढ़ गया और साम्राज्य ने अपने गुलाम कलचर को हमारे ऊपर लादा. लेकिन इस बारे में इतना ही कहना काफी नहीं होगा. अमेज अपने देश में मंभले जमाने की सामंती मम्यता से आगे जा चुके थे. वह अपने साथ एक नई विचारभारा और नई सम्यता लाये थे जो काफी साइंटिफिक थी. हिन्दु-स्तान की सामंतशाही और पुरानी सम्यता से उसकी सीभी टक्कर थी. इसलिये उन्होंने सामंतशाही के साथ हिन्दुस्तानी सम्यता के पिछड़ेपन को भी दूर करना शुरू किया. हिन्दुस्तानी रास्ट्रीयता के पिता राजा राम मोहन राय ने भी अधविश्वास और रुदिवाद के खिलाफ आवाज बुलन्द की, ब्रह्मसमाज की नींव डाली और पच्छिम से साइंटिफिक बिचार सीखने की प्रेरना दी.

लेकिन अंग्रेजी हुक्मरानों का यह जोश राद्र सन
1857 के बाद जत्म हो गया. इसके बाद उन्होंने हिन्दुस्तान
में अपनी लूट खसोट की ह्कूमत को पक्का करने के लिये
हमारी जनता की लूट खसोट पर पलने वाले वगों से नाता
जोड़ा. रियासतों में सामंतों को अपना गुलाम बना कर
क्रायम रहने दिया, जमींदारी को पक्का किया और विकटोरिया के स्नेह और सहानुभूति भरे फरमान के जरिये मजहबी
आजादी के नाम पर, अधिवश्वास, रुद्वाद और तास्मुव
को मजबूत करने की छूट दी.

अब बिटिरा सरकार का पुरानी सामंतराही से नहीं जनता से विरोध शुरू हुआ. उसने 'विद्रोही' जनता को हर तरह दवाना और कुवलना शुरू किया. लेकिन जनता को परास्त करने और जेहनी तौर पर गुलाम बनाने के लिये हमारे देश की जनवादी कलचर को कुचलना और दवाना भी जरूरी था. इसलिये हिन्दुस्तान के इतिहास को, जो तमाम कलचर का कोत होता है गलत रंग से पेश किया गया. हालांकि हिन्दुस्तानी जनता जितनी मेहनत करती है, उतनी शायद किसी और देश की जनता को करनी पड़ती हो, लेकिन हमें बताया गया कि हिन्दुस्तान गर्म देश है, इसलिये उसके वासी सुस्त होते हैं, सदा हारने और गुलाम रहने के लिये पैदा हुए हैं. पूर्व के पास कुछ भी गर्व करने लायक नहीं है, अगर उसे तरक्की करनी है तो मूल जाये कि वह पूर्व है, उसे सब कुछ पिछाम से सीखना होगा.

उन्नीसबीं सदी के अन्त और बीसबीं सदी के शुरू में जब क़ौमी आजादी का आन्दोलन आगे बढ़ा तो क़ौग़ी कलपर की तरफ भी लोगों का भ्यान गया, क्योंकि क्रीग़ी متده مندستان کو ترقی دینا آبیس بلکه اس کا هیشی کا تها ،

یہ قبیک کے جس دیھی کا آرتیک شوشن ہوا آس دیھی میں کلچور کے سروت بھی سواہ جاتے ھیں ، اِس لئے یہ سے ہے کہ برتھی راچ میں ھارا دیھی کلچور کے معاملے میں بہت پیچھے ہو گیا اور سامولے نے آپنے ظام کلچور سَو حسارے آوپو کیا ، لیکن اُس بارے میں اتنا ھی کہنا کائی نہیں سوا ، انکویؤ آپنے دیھی میں منجیلے زمانے کی سامنتی سبھٹیٹا سے آئے جا چکے تھے ، وہ اپنے ساتھ ایک نئی وچار دھارا اور تنگی سبھٹیٹا لائے تھے ہو کائی سائٹینک تھی ، هندستان کی سامنت شاھی آرر پرائی شامی کے ساتھ هندستائی سیھیٹٹا کے پیچھوے پن کو بھی درر کونا شامی کے ساتھ هندستائی سیھیٹٹا کے پیچھوے پن کو بھی درر کونا شروع کیا ، هندستائی راشتو یتا کے پنا راچا رام موھن رائے نے بھی اندھ وشواس اور روزھیوان کے خاف آواز بلغد کی ، بوھم سے سائنٹنک وچار سیکھئے کی ساج کی تیو دائی اور پیچھم سے سائنٹنک وچار سیکھئے کی

لیکن انگریزی حکموانوں کا یہ جوش قدر سن 1847 کے بعد ختم ھو گیا ، اس کے بعد انہوں نے ھندستان میں اپنی لوت کہ وق کی حکومت کو پکا کرنے کے لئے ھماری جنتا کی لوت کیسوت پر پلنے والے ورگوں سے ثانا چوڑا ، ریاستوں میں سامنتوں کو اپنا غلام بنا کر قائم رہنے دیا' زمهنداری کو پکا کیا اور وکٹوریا کے اسنیہ اور سانہوتی بہرے قرمان کے ذریعہ منھبی آزادی کے نام پر' اندھ وشواس' روزھی واد اور تحصب کو مضبوط کرنے کی حصت دیں۔

اب برائش سرکار کا پرائی سامنت شاهی سے نہیں' جنتا سے

ررددہ شروع ہوا ، اُس نے ' ودروهی' جنتا کو ہو طرح دبانا

ار کنچلنا شروع کیا ، لیکن جنتا کو پراست کرنے اور ذهنی طور

پر ظم بنانے کے لئے همارے دیش کے جن وادی کلچر کو کنچلنا

ار دبانا بھی ضروری تھا ، اِس لئے هندستان کے انہاس کو' جو

تمام کلنچر کا سروت ہوتا ہے فلما رنگ سے پیش کیا گیا ، حالانکہ

هندسنائی جنتا جوتی محصنت کرتی ہے' اُتی شاید کسی اور

دیش کی جنتا کو کرئی پرتی ہو' لیکن همیں بتایا گیا که

هندستان گرم دیش ہے' اُس لئے اُس کے واسی سست ہوتے

هندستان گرم دیش ہے' اُس لئے اُس کے واسی سست ہوتے

میں' سا ہارنے اور ظم رہنے کے لئے پیدا ہوئے میں ۔ پورب کے

پاس کیے ہیں گرو کرتے لائی نہیں ہے' اگر اُسے ترتی کرئی ہے

پاس کچے ہیں گرو کرتے لائی نہیں ہے' اگر اُسے ترتی کرئی ہے

بیامینا میال

انیسیں مدی کے انت اور بیسیں مدی کے شورع میں جب قیمی آزادی کا اندولن آکے بوط تو تومی کنچر کی طرفیا ہی لوگیل کا دھیاں گیا، کیرتکہ قیمی

Tid wall - state

Committee of the state of the state of the

TO A SECURITY OF THE PARTY

قام جنتا پر بھی بہت اچھا پر بھاؤ پڑا اور ھندو مسلماتوں کو مقیعی برابری ملی . اکبر نے خوں بنویوں اور مصیبتوں میں دن کائے تھے اور اپنی آنکھوں سے سلمانتوں کے اُلت بھیر دیکھے تھے . زندگی کے اِس نجویے سے اُس نے سنجھ اِلیا تھا کہ جب تک ھندو مسلمان ایک دوسرے کو غیر سنجھکر اور ھینکے شندستان میں کوئی بھی راج ادھک دنوں قائم نہیں رہ سکتا، چنائیچہ اُس نے راجپوتوں کی طرف دوستی کا ھاتھ بڑتایا اور ھندو مسلمانوں میں میل قائم کیا، اُتنا ھی نہیں مندستانی راج نیتی کی پرمپرا کو لیکر نیا راجکلجی تھانچہ بنایا جس کے راج بارے میں جادو ناتھ سرکار نے اپنی تاریخ میں لکھا ہے که وہ ایرائی راجکلچی تھانچے کا ھندستانی روپ تھا ، دیش کی پرمورا کے مطابق گاؤں کی خود منعتاری اور سوارلیس پرمورا کے مطابق گاؤں کی خود منعتاری اور سوارلیس

امن قائم هونے سے کام دھندھ اور ویاپار ہرتھا ، لوگوں میں خوشحالی آئی ، ساھتیہ اور کلا کی اُنٹتی ھوئی ، جب آپس کا میل جول اور پریم ہرتھتا ہے اور جب آئمی اُئٹہ وشواس اور تصب کو چور کر سوتنتر روپ سے سوچنے لکتا ہے اور جب اُسکا اپنی نرمان شکتی میں وشواس برتھتا ہے تو کلچر اُر سبھیتا کا وکلس ھوتا ہے ، منجھلے زبانے میں هندستانی سا تیه ادب اور کلانے بےدن ترفی کی ، تاجمتحل منتجلے زمانے کے هناری کلچر کا شاهکار ہے .

سامنتی تعاندی کے اندر جتنی نوتی عوسکتی تھی آتنی هندستان شاہدہاں کے زمانے نک کرچکا نها ، آب اِس تعاندی کے اندر رہ کر آگے برعنا سکن نہیں ہا ، اس لئے یہ سامنتی ویوستها آورئگ زیب کے زمانے میں ٹوٹنی شروع هوگئی، پنجاب مہاراشقر اور بهرآور آدی میں نئی شکتیاں آبهر نے لگیں ، درامل سامنت واد نے جن جاتیوں کو دباکر رکھا نھا وہ آب آبهر رهی تھیں ، سامنتی ویوستها کی ترقی میں جو ویاپاری پونتجی لگی تھی وہ وکلس چاھتی تھی ۔ اِس لئے نئی شکتیوں کے پیچھے ویاپاریوں کا ھاتھ نیا ، جس کا مطلب ہے کہ هندستان سامنتی ویوستها سے پرنجے وادی ویوستها سے پرنجے وادی ویوستها سے پرنجے وادی ویوستها کی طرف برھ رھا بھا ،

جب کوئی دیش ایک ساملحک ویرستها سے دوسری ساملحک ویرستها سے دوسری ساملحک ویرستها کی طرف جانے لکتا هے تو اُس کو رهی کشف سینا پرتا هے .

ماری دیش کی اتبارعویں صدی کی خانہ جنگی کا کارن یہ تیا گھ پرآتا ساج نئے سماج کو جام دے رہا تھا ۔ اُس سمیے ودیشی ویاباریوں نے دخل اندازی کو کے همارے دیش کے ایتباسک وکلس کو روک دیا اور اِس خانہ جنگی سے قائدہ اُٹھا کو وکلس کو روک دیا اور اِس خانہ جنگی سے قائدہ اُٹھا کو انگریزوں نے ایک ایسا غیرملکی راج قائم کو لیا روس کا

आम जनता पर भी बहुत बच्छा प्रभाव पड़ा और हिन्दू मुसलमानों को मजहबी बरावरी मिली. अकवर ने स्रेरिजयों और मुसीवतों में दिन काटे थे और अपनी आंखों से सत्तनतों के उलट फेर देखे थे. जिन्दगी के इस तर्जु बे से उसने समम लिया था कि जब तक हिन्दू मुसलमान एक दूसरे को रौर समम कर लड़ते रहेंगे, हिन्दुस्तान में कोई भी राज अधिक दिनों क़ायम नहीं रह सकता. चुनांचे उसने राजपूतों की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया और हिन्दू मुसलमानों में मेल क़ायम किया. इतना ही नहीं, हिन्दुस्तानी राजनीति की परम्पारा को लेकर नया राजकाजी ढांचा बनाया जिसके बारे में जादूनाथ सरकार ने अपनी तारीख में लिखा है कि वह ईरानी राजकाजी ढांचे का हिन्दुस्तानी रूप था. देश की प्रम्परा के मुताबिक गांच की खुद्मुखतारी और स्वावलम्बन बहाल की गई.

अमन कायम होने से काम धंधे और न्यापार बढ़ा. लोगों में खुराहाली आई. साहित्य और कला की उन्नति हुई. जब आपस का मेल जोल और प्रेम बढ़ता है और जब आदमी अधिवशास और तास्सुब को छोड़ कर स्वतंत्र रूप से सोचने लगता है और जब उसका अपनी निर्मान शक्ति में विश्वास बढ़ता है, तो कलचर और सभ्यता का विकास होता है. मंमले जमाने में हिन्दुस्तानी साहित्य, अदब और कला ने बेहद तरककी की. ताजमहल मंमले जमाने के हमारें कलचर का शाहकार है.

समंती ढांचे के चन्दर जितनी तरक्की हो सकती थी जतनी हिन्दुस्तान शाजिहां के जमाने तक कर चुका था. अब इस ढांचे के चन्दर रह कर खागे बढ़ना सुमिकन नहीं था. इसिलये यह सामंती व्यवस्था औरंगजेब के जमाने में टूटनी शुरू हो गई. पंजाब, महाराष्ट्र और भरतपुर खि में नई शिक्तयां उभरने लगीं. दरखसल सामंतवाद ने जिन जातियों को दबाकर रखा था, वह अब उभर रही थीं. सामंती व्यवस्था की तरक्की में जो व्यापारी पूंजी लगी थी, वह विकास बाहती थी. इसिलये नई शिक्तयों के पीछे व्यापारियों का हाथ था. जिसका मतलब है कि हिन्दुस्तान सामंती व्यवस्था से पूंजीवादी व्यवस्था की तरक बढ़ रहा था.

जब कोई देश एक सामाजिक व्यवस्था से दूसरी सामाजिक व्यवस्था की तरफ जाने लगता है तो उसको वही करट सहना पढ़ता है, जो एक मां को क्चा जनते समय सहना पढ़ता है, हमारे देश की चहारहवीं सदी की खाना जंगी का कारन यह था कि पुराना समाज नये समाज को जन्म दे रहा था. उस समय विदेशी व्यापारियों ने रखनुंदाची कर के हमारे देश के ऐतिहासिक विकास को येक दिया और इस खानाजंगी से फायदा उठा कर चंग्नेजों ने एक देसा शैरमुक्की राज कायम कर लिया जिसका माहौल और परम्परा को जरूर अपनाता है. किर मुसलमान ह मलावरों ने हिन्दू औरतों से शावियां की और बहुत से हिन्दु ओं ने इस्लाम क़बूल किया. इन औरतों और महीं के जेहन में हिन्दुस्तानी दर्शन और परम्परा खूब बस चुकी थी. इसलिये उन्होंने इस्लाम को भी नया रंग विधा जो अरब और ईरान के इस्लाम से मुस्तिलिक था. उसे हिन्दुस्तानी इस्लाम कहा जाय तो गलत नहीं होगा.

हिन्दुस्तान में शीया और सुन्नी दोनों आये और हिन्दु-स्तान में जो नये मुसलमान बने उनमें से आक्षन और दंशी जातियों के लोग तो सैयद और शेख कहलावे और दूसरे डोम, भीरासी छोटी जातों में गिने जाने लगे. जब मजहबी जोश खत्म हुआ तो सुन्नी और शीयों में खूब लड़ाइयां होने लगीं. सुन्नी और शीया राजे एक दूसरे को हराने लगे. लोगों ने अपनी आंखों देखा कि लड़ाइयां मजहब के नाम पर गहियों के लिये हो रही हैं और हविस को मजहब का नाम देकर नाहक खून बहाया जा रहा है.

मुसलमानों के इमलों से जहां बहुत मत मतांतर दूवे थे बहां जात पात, धर्म कर्म और पूजा पाठ के बंधन सख्त भी हो गये थे. क्योंकि जिन पंढितों और हिन्दुओं ने इस्लाम क्रबूल करने से इनकार किया था उन्होंने इस्लामी विचारधारा से अपने आप को और अपने हममजहवों को बचाये रखने के लिये विचार और अधविश्वास की दीवारों को और मजबूत बना दिया था.

चार पांच सदी के खून खराने, बदचमनी, तास्युव भीर अधविश्वास से हिन्दू ग्रेसलमान दोनों ही तंग आ चुके बे और उन्होंने हिन्दू राजाओं को हिन्दुओं के और मुसलमानों को मुसलमानों के खिलाफ लड़ते देख कर लड़ाई को अकारन सम्भ लिया और हिन्दू मुस्लिम जनता में आपस का मेल जोल बढ़ने लगा. जिससे भक्ति आन्दोलन ने जन्म लिया और इस आन्दोलन को संत, कवियों और सुकी शायरों और दुरवेशों का सहयोग प्राप्त था. कवीर, नानक, तुलसीदास, मुईनुदीन चिश्ती, बाबा करीद, निजाम-दीन श्रीलिया, रहमान, रसखान, सूरदास, तुक्काराम, बारिसशाह और बुस्लेशाह ने भक्ति और तसव्यक्त के दरिया बहाये. आदभी और आदभी में प्रेम बढ़ाया. इस आन्दोलन ने लोगों के पुराने अक्रीदों को बदल दिया और इन साधु संतों ने अगली तीन चार सदी तक कलचर सभ्यता ओर समाज पर गहरा असर डाला. उन्होंने वेद. क्ररान, मुल्ला और बाह्मन को चैलेंज किया और बादमी को जात पात और मजहबी सास्सुब के दलदल से निकाल कर सीधी और सच्ची राष्ट्र दिखाई.

अकबर ने इसी मिक आन्दोलंन के असर से दीन-इलाही नाम .से अपना दरवारी मजहब चलाया. जिसका ملحول اور پرسوا کو خرور اینات کے پھر مسلمان حمله آوروں نے مندو عورتین سے شادوں کیں اور بہت سے هندوں نے اسلام قبول بیا ، ان عورتین اور مردوں کے ذہن میں هندستانی درشن اور رمیرا خوب دس چکی تھی، اس اللہ آموں نے اسلام کو بیا دیا جو عرب اور ایران کے اسلام سے مختلف تھا ، اس مندستانی اسلام کیا جائے تو غلط نہیں ہوگا ،

هندستان میں شیعہ اور سننی دونوں آئے اور هندستان میں جو نیئے مسلمان ابنے آن میں سے براهمن اور آونچی جانیوں کے لوگ تو سید اور شیخ کہلائے اور دوسرے دوم مربرائی چھوتی جانوں میں گئے جائے لکے . جب مذهبی جوش ختم هوا توسننی اور شیعی میں خوب لوائیاں هوئے لکیں . سننی اور شیعه راچ ایک دوسرے کو هزائے لگے . لوگوں نے اپنی آنکھوں دیکیا که لوائیاں مذهب کے نام پر گدیوں کے لئے هو رهی هیں اور هوس کے مذهب کا نام دیکر ناحق خون بہایا جا رها ھے .

مسلمانوں کے حملوں سے جہاں بہت سے مت متانتر توتے تھے وہاں جات پات دهرم کرم اور پوجا پاتھ کے بندهن سخت بھی عوکئے تھے ، کیونکتہ جن پندتوں اور هندوں نے اِسلام قبول کرنے سے انکار کیا تھا اُنھوں نے اِسلامی وچاردھارا سے اپنے آپ کو اور اپنے هم مذهبوں کو بنچائے رکھنے کے لئے وچار اور اُندہ وشواس کی دیواروں کو اور مغبوط بنا دیا تھا ۔

چار پاتیج ضدی کے خون خرابے ' بدامنی' تعصب اور اندھ رشواس سے هندو مسلمان دونوں هی تنگ آچکے تھے اور انھوں نے هندو راجاؤں کو هندؤں کے اور مسلمانوں کو مسلمانوں کے خلف لوتے دیکھکر لوائی کو اکارن سمجھ لیا اور هندو مسلم جنتا میں آپس کا میل جول بڑھنے لگا ۔ جس سے بھکتی آندولی نے جام لیا اور اس آندولی کو سنت' او کویوں اور صوفی شاءروں اور درویشوں کا سھیوگ پراپت تھا ، کبیر' نائک' تلسی دائس' معین الدین چھتی' بابا فرید' نظام الدین اولان' رحمان' معین الدین چھتی' بابا فرید' نظام الدین اولان' رحمان' تصوف کے دریا بہائے ، آدمی اور آدمی میں پریم بڑھایا، اِس سنتوں نے لوگوں کے پرائے عقیدوں کو بدلے دیا اور اِن سادھو آندولی نے لوگوں کے پرائے عقیدوں کو بدلے دیا اور اِن سادھو آئدولی نے لوگوں کے پرائے عقیدوں کو بدلے دیا اور اِن سادھو آئدولی نے لوگوں نے وید' قرآن' مقاور براھین کو چیلینج کیا اور اسی کے دادل سے نکااکم سیدھی اور سجے اور دخلا

اور سچی راہ دکھائی ۔ اکبر نے اِسی بھتی آندولن کے اثر سے دین الین کلم سے اپنا دوباری مذہب چایا ، جس کا जीर जनने जान शुक्त जनने का बैरखन मत से गने जो महामास्त की नवद से जनता से फैलने लगा. मुसलमान बहुत से मतमतांत्रों और देवताओं की जगह एक ईरवर या अल्लाह को मानते ने जीर उनका मजहन उस समय के हिन्दु धर्म या राषदानान के जहैतवाद के मुकलिले में बहुत सादा और वाजमल था. दिन्दुस्तान के लोगों पर इसका असर पहने लगा और नाह्यनों ने जपने दर्शनों को भी नये हालात के अनुसार ढालना ग्रुरू किया. रामानुज ने शंकरा-चार्य की शिक्षम के मुक्ताबिले में अपना मत चलाया जिसकी परम्परा हिन्दुस्तानी थी; लेकिन वह इस्लाम की तरह सादा था और लोगों की समम में आ सकता था. हावेल लिखता है—"इस्लाम की तलवार भगवान के हाथ में जरीही का चाकू था, जिसके जरिये उस झान के वृष्ट से, जो उसने भारतवर्श में लगाया था, सदी हुई और वेकार शासों को काटा."

मुसलमानों से पहले भी शक, सुंग, कुशान और हुन आदि हमलावर बाहर से आये, लेकिन उन्होंने हिम्दुस्तानी कलवर और दर्शन को अपनाया और हिम्दुस्तानी वन कररहने लगे. लेकिन मुसलमानों में रौरमामूली जोश था, जीवन शाफि थी, हिन्दू धर्म की पेचीविगयों को ,खुद हिन्दुस्तानी जनता नहीं सममती थी, इमलावर उसे क्या स्वीकार करते. राजनीतिक जीतों के साथ उन्होंने कलचर के साधनों पर भी क्रव्या कर लिया और ,खुद हिन्दू बनने के बजाय, हिन्दुस्तानियों को मुसलमान बनाते रहे. जब अपने ही गोरखर्धि में उलम जाने से हिन्दू धर्म और हिन्दुस्तानी कलचर का विश्वास रक गया था इस्लाम फलफुल रहा था.

इस्लाम की नई शक्ति के असर से हिन्दू अर्थ और हिन्दू कलचर में भी इरकत पैदा हुई. सिर्फ इतना है। नहीं कि मुसलमानों की आमद के कारन पिछड़े मुए विकान का विकास हुआ बल्कि महमूद राजनवी और मुहम्मद गौरी के इमलों के बाद जब वहां हिन्दुस्तानी मुसलमान राजाओं की राजधानियां बनीं तो कलाकारों को जो अब मुसलमान बन चुके थे अपनी कला को नये रूप में पेश करने का मौका मिला. इन मुसलमान राजाओं के दरवारों में हिन्दू कलचर जुब फला फुला, उन की मस्जिदों, महलों, बारों और हमामों में हिन्दू स्ताभी शिस्थी कता का रंग साफ उजागर है. महमूद भी क्रजीज और मथुरा से हिन्दू कारीगरों को पकड़ कर ते गया था. इससे राजनी में जो मस्जिद बनवाई, उसमें भी दसवीं सदी के मंदिरों का रंग मलकता है, लेकिन इन सब इमारतों में इस्लाम की सावगी और इमलावरों की जुरखत का निरोक्तापंत एक खास बात है, उनमें इस्न के साथ सादगी श्रीर बंकार पैदा हो गया है.

जहां हिन्दू वर्ज पर इस्लाम का असर पड़ा वहां इस्लाम भी हिन्दू वर्ज से प्रवाचित हुए विना नहीं रह सकता था. कोई भी वर्ज वा वृद्धन जब वृस्तरे देश में जाता है तो उसके گور اپنے ساتھ گھتا زمائے کا ویشنو محت لے گئے جو مہاہارت کی مدن سے جنتا میں پھیلنے لگا ، مسلمان بہت سے محت مخافروں اور دیوتاؤں کی جکہ ایک ایشور یا اللہ کو مائے تھے اور آنکا مذھب اُس سعے کے ھندو دھرم یا شکولچاویہ کے ادریتواد کے مقابلے میں بہت سادہ اُور باعمل تھا۔ هندستان کے لوگوں پر اِس کا آثر پرتے لگا اور براقمنوں نے اپنے درشنوں کو بھی نئے حالات کے انوسار تعالنا شروع کیا ، رامانیج لے شنکواچاویہ کی شکچیا کے مقابلے میں او یا محت جانیا جسکی پرمہوا سمجھ میں آسکتا تھا ، اویل لکہتا ھے۔۔''ارسالم کی تلوار بھاوان کے سمجھ میں آسکتا تھا ، اویل لکہتا ھے۔۔''ارسالم کی تلوار بھاوان کے منابلے میں جوادی کا چاہو تھا' جسکے ذریعہ اُس گیان کے برکش سے' جو اُس نے بھارت ورش میں لگایا تھا' سرّی ھوئی اور پےکار شاخوں کو کاتا ،''

مسلمائیں سے پہلے بھی شک' سنگ' کشان اور ھن آدی حمله آور باھر سے آئے' لکن اُنہوں نے ھندستانی کلچر اور درشن کو اُرنایا اور هندستا ہی بن کر رہنے لئے ۔ لیکن مسلمائیوں میں فیرمعموای جوش تھا 'جیون شکتی تھی' هندر دعرم کی پیچیدگیوں کو خود هندستانی جنتا نہیں سمجھتی نھی' حمله آور اُسے کیا سوئیکار کرتے ، راجنیتک جیتوں کے ساتھ اُنھوں نے کلچر کے سادھنوں کو رہے تقفیم کرایا اور خود هندو بننے کے بجائے' هندستانیوں کو مسلمان بناتے رہے ، جب اپنے ھیگورکو دھندھے میں اُلجھ جانے سے هندو دهرم اور هندستانی کلچر کا رکاس رک گیا تھا اِسلام پھل مھول رہا تھا ۔

اسلام کی نئی شکتی کے آثر سے هندو دائرم اور مندو کلتیز میں بھی حرکت پیدا هوئی . صرف اننا می نہیں که مسلمانوں کی آمد کے کارن پچھڑے هوئے دکھن کا و س هوا بلکه محمود فونوی اور محمد غوری کے حملوں کے بعد جب یہاں هندستایی مسلمان راجازں کی راجدهانداں بنیں نو کلکاروں کو چو آب مسلمان بنی چکے تھے آپنی کلا کو نئے روپ میں پیش کرنے کا موقع ملا ، ان مسلمان راجازں کے درباروں میں هندو تلتیز خوب پھا پھولا ، آن کی مسجدری محدود باوں اور حماموں میں هندستانی شنیے کلا کا رنگ صاف آجاگو هے . محمود بای دنوے اور متھرا سے هندو کاریکروں کو چکز کر لے کیا تھا ، اس نے غزنی میں چو مسجد بنوائی' اس میں بھی دسویں صدی کے مندروں کا رنگ حملان ان سب عمارتوں میں اسلام کی سادگی آور حملان کی سادگی آور دیا ہوگیا ہے .

جہلی مندو دھرم پر اِسلام کا اُتر-پڑا وہاں اِسلام بھی ھندو حھرم سے پریہاوت ھوا۔ بنا نہیں رہ سکتا تیا۔ کوئی نیے بندر یا درشن جب دوسرے دیش میں جانا ہے تو اس کے

कला, साहित्य, दर्शन और साईस हर तरह के ज्ञान ग स्नात (चरमा) जनता और उसका अमल है. पैदाबार साधनों की तरक्षकी रक जाने से जनता और सरकार न ताल्लुक ट्ट जाता है, तब यह स्रोत बंद हो जाता है और इलचर पिछड़ जाता है, कलचर को फिर आगे बढ़ाने के तेये पैदाबार के साधनों को आगे बढाना और जनता और कुमत में सम्बन्ध जोड़ना जरूरी होता है. बरना काम नहीं ाल सकता.

इस समय हिन्दुस्तानी कलचर श्रौर सभ्यता इतनी बढ़ी हैं थी कि बाहर से सुंग, कुश, हुन कोई भी जाति आई, उसने इसकी महानता को खीकार किया और हमारे समाज रे उन्हें अपने अन्दर समी लिया.

लेकिन बाहर के हमले बढ़ते गये और आवा जाई के हाफी साधन न होने के कारन बड़े राज्य बन बन कर ट्टते हि और देश फिर छोटी रियासतों में बंट गया. फिर आदमी [निया में अपनी जिम्मेदारी को भल कर [निया की बातें करने लगा, फिर किताबों और नियमों को मादमी से ज्यादा श्रहमियत मिलने लगी. जात पात के कराड़े बढ गये. शंकराचार्य ने बुद्ध मत के मक़ाबिले में जो तया मत चलाया उसमें भी माही दनिया को नजर श्रंदाज किया गया. बद्ध मत संधों का मत था. लोग गृहस्थ छोड़कर तथों में जा रहे थे जिससे खराबियां पैदा हो रही थीं. लेकिन हिन्द मत में ग्रस्थ धर्म को भी महानता प्राप्त थी. जो बादमी गृहस्थ का पालन अच्छी तरह नहीं करता था. हिन्द धर्म उसे अच्छा नहीं सममता था. शंकराचार्य ने बौद्ध भिक्ष ओं की तरह गृहस्थ छोड़ कर साधु श्रीर महन्त बनने न्नि रीति चलाई और इन साधुओं और महन्तों के लिये बुद्ध मत के संघों की तरह मठ खोले. इनमें भजन से मुक्ति वाहने वाले बेच्चमल आदमी भर गये. हमारे समाज की क्षरावियां दर होने की जगह बढ़ती ही गई. शंकराचार्य को इसरा बुद्ध ठीक ही कहा जाता है. दोनों सुधारवादी थे धौर वोनों ने स्वाहिशों को छोड़ कर मुक्ति का मार्ग बताया. बाचमल दनिया को संघों श्रीर मठों में तब्दील किया.

जब दर्शन का श्रमल से सम्बन्ध नहीं रहता, तो उसका काम बाल की खाल उतारना हो जाता है. विचारघारा आगे बढ़ने के बजाय गोलचक में या भूल भलैयों में भटकने लगती है, इससे कलचर का विकास भी रुक जाता है. अब हिन्दू र्शन अध्यात्मकवाद या रूहानियत की गुत्थियां मुलमा रहा था और उसमें मत मतांतर की कितनी ही बेकार की शासे कट आई थीं. जाम जादमी भ्रम और अचरज में पढ

इस समय हिन्दुस्तान पर मुसलमानों का हमला हुआ और बेहरकत जिन्दगी में उथल पुथल पैदा हुई. बहुत से पंडित हमले की जद से बचने के लिये दक्षिन में चले गये.

کا سامانیہ دوفوں اور سالس هر هارے کے گیاں کا سروف (حشم) جالاً أور أس كا عمل هـ يدداوار كي سادهارس كي ترتى رف جائے سے بهلتا أور سركار كا تعلق لوت جاتا ہا تب يه سرت بند مهجانا ف أور كلحور بحدة جانا في . كلحور كو يهر أكم بعانے کے لئے بعداوار کے سادھنوں کو آگے بوعانا اور جنتا اور حكومت مين شبنده جورنا فزوري هوتا هـ، ورقه كام فهين چل

أس سهم هندستالي كلحجر أور سبهيتا أتني برهي هوأى تبي که باهر سے ساتگ کش هن کوئی کیے جاتی آئی اس نے اِس کی مہانتا کو سوئیکار کیا اور همارے سماج نے آئھیں اپنے اتدر

لیکن باعر کے حملے برحتے کئے اور آولجائی کے کانی ساتھن ند مولے کے کارن بڑے راج بین بن کر ٹوٹیم رھے اور درھی پھر چهراتی ریاستوں میں بنت کیا . پهر آدمی دنیا میں اپنی زمدداری کو بھول کر درسری دئیا کی باتیں کرنے لگا ، پھر کتابوں أرر نيموں كو آدمي سے زيادہ آھويت مانے لكى ، جات يات كے جہتے ہوں گئے ، شنکواچاریہ نے بدھ ست کے مقابانے میں جو نیا مت چلایا اُس میں یہی مادی دنیا کو نظر انداز کیا گیا ۔ بدء مت سنگهن کا مت تها ، لوگ گرهسته چهورکر سنگهن مین جا رہے تھے جس سے خرابیاں پیدا مو رهی تهیں ، لیکن هندو مت مين گرهسته دهرم كو يهي مهالتا پراپت تهي . جو آدمي گرهسته كا يالن أجهى طرح تُهين كرتا تيا عندو دهرم أس أجها نهين سنجينا تها . شنكراچاريه لے بوده بيكشوؤں كى طرح گرهسته چهور کر سادھو اور مہنت بننے کی ریتی چلائی اور ان سادھوؤں اور مہنتوں کے لیے بدھ مت کے سلکھوں کی طرح متھ کھولے ۔ انسیں بهجن سے مکتی چاہانے والے نے عمل آدمی بهر گئے . همارے سمانے کی خرابیاں درر هرنے کی جاته بوهتی هی کثین . شاعراچاریه کو درسرا بدھ ٹیمک ھی کہا جاتا ہے۔ دونوں سدھاروادی تھے اور دونیں نے خواهشوں کو چھورکر مکتی کا مارک بتایا۔ با عمل دنیا کو سنگھوں اور مقہوں میں تبدیل کیا ۔

جب درشن کا عبل عه سبنده نهین رهتا کو اُس کا کام بال كي كبال أتارنا هو جاتا هي وجاردهارا أكر برعايد كر بجائد گرل چکو میں یا بھول بھلیوں میں بھکینے لکتی ھے اِس سے کلج كا وكاس بهي ركب حواتا هي أب هندو درشن أدهياتمكوأد يا روحانیت کی گیهاں سلجها رها تها أور أمن میں مت متانتر کی کتنی هی برکار کی شاخیں پہوٹ آئی تھیں . عام آدمی بھرم ارر لچرے مربی پڑگیا تھا .

إس سه هادستان در مسلمالون کا حمله هوا اور يحركت وندكي مين أتهل يتهل دبدا هوئي . بهت سے بلات حل کی رد سے بحوال کے لئے دکیں میں چلے گئے मिला दिया गंबा है. करन कर्जुन से कहते हैं कि श्रवि का धर्म लढ़ना है. अपने एस धर्म का पालन करो. मरने मारने की चिन्ता में न पड़ा. न कोई किसी को मारता है और न कोई मुरता है. आत्मा अमर है, वह मर नहीं सकती. जीत जाओंगे तो इस दुनिया पर राज करोंगे और मर जाओंगे तो स्वर्ग में राज करोंगे.

स्वाहिशों के त्यांग की जगह अमल का पैराम फिर गूँज उठा. 'पंचतंत्र' में लिखा है—"लक्सी तो सिंह के समान बाजमल लोगों को हासिल होती है. 'मांग्य देता है, यह कमजोर लोग कहा करते हैं. इसलिये माग्य को छोड़ कर अपनी शक्ति से पुरुशार्थ करो. अगर यत्न करने से भी कामयांथी न हो, तो देखना चाहिये कि यत्न में क्या खराबी है." फिर लिखा है—"पिछले जन्म में किये हुए काम को ही तक़दीर कहते हैं. इसलिये आदमी को आलस्य छोड़ कर मेहनत करनी चाहिये." इस पुस्तक में यह भी कहा गया है कि जिस जाति के अमल और वचन में अंतर आ जाता है. वह नाश को प्राप्त होती है.

अमल के कारन ही फिर एक मजबूत और बढ़ा राज्य कायम करने की जरूरत थी. तभी खेती बाढ़ी, ज्यापार और कला आगे बढ़ सकती थी, तभी आपस के कगड़े खत्म हो सकते थें, तभी बाहर के हमलों से देश की रक्षा हो सकती थी. उस समय उथल पुथल का जमाना था. रोम का महान राज्य दूद रहा था. सारे देश के एक मजबूत राज्य की जरूरत को महसूस करते हुए ही महामारत में लिखा है कि तुम्हारा स्वर्ग तुम्हारी राजनीति है. और विनसिंट' समय आदि यूरोपीयन विद्वानों ने भी लिखा है कि महाभारत का बुनियादी नुक्ता एक मरकजी हकूमत कायम करना है. इसीलिये कुरुक्तेत्र का महाभारत युद्ध हुआ था.

इस विचारधारा को गुप्त राज्य में अमली रूप मिला और इसी बात को लेकर महाकि कालीदास ने 'रघुवंश' महाकाव्य रचा. इसमें रामचन्द्र के पूर्वज रघू को लेकर एक महान, पराक्रमी और इन्साफ पसन्द राजा के गुन बयान किये गये हैं. वर असल यह सामंतवाद की तरज़की का अमाना था. सामंतवाद की तरज़की से जिन्दगी आगे बढ़ रही थी. राजा को जनता का सहयोग प्राप्त था. वह उनका नेता था और अपने अमल से सारी जनता को इरकत में लाता था. अमल से उनका लोक और परलोक दोनों संवरते थे. यहां माही और आत्मिक दर्शनों में एक प्रकार का मेल और समझौता हो गया था. इसीलिये इस जमाने में महामारत और मीता का प्रचार जास तौर पर हुआ. इसीलिये कलचर की तरज़की हो सकी. कालिदास जैसा महाकि पैदा हुआ. इमादिल मह ने अमीन के घूमने, चन्द्र प्रहन और सूर्य प्रहन के नियम माद्यम किये.

ملا دنیا گیا ہے۔ گرشی ارجن سے کہتے ہیں کہ جہاری یہ جہاری بھرم اوقا ہے۔ آئیے اِس دھرم کا پالن کرو، موقے مارتے کی جہاری کی جاتا میں تع پرو، نہ کوئی کسی کو مارتا ہے اور نہ بہتے اس دھرم کا بان کرو، میتا ہے اور نہ بہتے اس دھرک میں راج کردگ وردگ بہتے انہا پر راج کردگ اور مرجازگہ تو سورگ میں راج کردگ آئیا، پہتے بنتر، میں لکیا ہے۔ "الکشی تو سنان کے سمان با عمل لوگوں کو حاصل ہونی ہے۔ ایراکیہ دیتا ہے یہ کمزور لوگ کیا کرتے ہیں، اس لئے بیاکیہ کو چورز کر آبنی شکتی سے پروشارت کرتے ہیں، اس لئے بیاکیہ کو چورز کر آبنی شکتی سے پروشارت کرو، اگر یتن کرنے سے بہی کلیائی نہ ہو، اور کی کہنا چاہئے که عین میں کیا جاتا ہے ہی کہا گیا ہے کہ میس بہتی میں جاتی کے عمل اور وچن میں انتر آ جاتا ہے، وہ ناش کو برایت ہوتی ہے اس جوتی جوتی ہوتی ہے۔

عمل کے کارن ھی پھر ایک مضبوط اور ہڑا راج فائم کرنے کی فرورت تھی ، تبھی کھیتی ہاڑی' ریابار اور کلا آگے ہڑھ سکتی تری' تبھی آپس کے جگھڑے ختم ھوسکتے تھے' تبھی باھر کے حملوں سے دیھں کی رکشا ھوسکتی تھی ، اُس سیے اُتھل پتھل کا زمانیہ تھا ، روم کا مہان راج ڈوٹ رھا تیا ، سارے دیھی کے ایک مضبوط راج کی ضرورت کو محسوس کرتے ھوٹے ھی مہابھارت میں لکھا ھے کہ تمہارا سورگ تمہاری راجندت ھے ، اور وفسینت اِستھ آدی یوروپین ودوائوں نے بھی لکھا ھے کہ مہابارت کا بنیادی نکتہ ایک مرکزی حکومت قائم کرنا ھے ، اسی لئے کو مجھیٹر کا مہابھارت یدھ ھوا تھا ،

اس وچاردهارا کو گیت راج میں عملی روپ ملا اور اِسی بات کو لیکر مہاکوی کالیداس نے 'رگھوونش' مہاکاری رچا ، اس میں رامنچندر کے پورج رگھو کو لیکر ایک مہان' پراکرمی اور انصاف پسند راجا کے گن بیان کئے گئے ھیں، دراصل یہ سامنتواد کی ترقی کا زمانہ تھا ، سامنتواد کی ترقی سے زندگی آگے بڑھ رھی تبی ، راجا کو جاتا کا سپیوگ پراپت تھا ، وہ اُنکا نیتا تا اور اپنے عمل سے ساری جنتا کو حرکت میں لتا تھا ، عمل سے اُنکا لوک اور پرلوک دونوں ساورتے تھے ، یہاں مادی اور آتمک دوشنوں میں پرلوک دونوں ساورتے تھے ، یہاں مادی اور آتمک دوشنوں میں ایک پرکار کا مزل اور سمجبوتہ ھوگنا تیا ، اسی لئے اِس زمانے میں مہابھارت اور گیتا کا پرچار خاص طور پر ھوا ، اِسی لئے میں میابھارت اور گیتا کا پرچار خاص طور پر ھوا ، اِسی لئے گھیٹور کی ترقی ھوسکی ، کالیدائس جیسا مہاکوی پیدا ھوا، کارل بھٹ نے زمین کے گھومنے' چندر گرھن اور سوریہ گرھن کے تھم جیٹوں گئے م

को बड़ी तसल्ली देता था. गो इस तरह एक तबका मेहनत से पिसता रहा, लेकिन एक तबके को सोचने सममने का अधिक मौक़ा मिला, दर्शन और कला में उन्नति हुई, और कलचर आगे बढ़ता रहा. और इस जमाने का आदमी मारी कम और आस्मिक अधिक हो गया.

बुद्ध के सुधार के बाद भी आक्ता और गुलाम का सम्बन्ध बही रहा. यह तो ठीक है कि अशोक ने कलिंग की तबाही के बाद लड़ाई से तौबा कर ली, लेकिन इस लड़ाई से बहु जो दो लाख आदमी गुलाम बना कर लाये थे, उन्हें छोड़ देने का किसी इतिहासकार ने जिक्र नहीं किया, क्योंकि वह छोड़े नहीं गये. बुद्ध ने यहाँ में पशुओं की बलि बन्द करने के लिये आहिंसा का जो प्रचार किया था, उसे बासी गुलामों को शान्ति करने के लिये भी काम में लाया गया.

गुलामी की व्यवस्था से भी कलचर बहुत आगे बढ़ा. लेकिन अब यह व्यवस्था दिकने बाली नहीं थी. खेती बाड़ी श्रीर व्यापार बहत आगे बढ गया था. पैदाबार के साधनों के साथ नया राजकाजी ढांबा और नई विचारधारा जन्म ले रही थी. अब सुधार से नहीं तब्दीली से ही कलचर आगे बढ़ सकता था. खौलने के बाद, पानी जब दोबारा ठंडा होता है, तो मिलावट श्रीर गन्दगी फिर उसमें मिल जाती है. संघों में स्नराबियां पैदा हो गई. भिक्ष आरामतलब भौर फिजुल में बाल की खाल उतारने बाले बन गये. क्वाहिशों के त्याग के नाम पर इस दुनिया की और जिन्दगी की जिम्मेदारियों को नजरश्रंदाज किया जाने लगा. इतिहास में अशोक को 'महान' और 'देवानामप्रिय' कह कर बहुत रालत उद्याला गया है. अशोक के जमाने में हमारा कलचर इतना ही आगे बढ़ा है कि अशोक ने परथर के मकान बनाये. और रालत दर्शनों का प्रचार करके आदमी के विचारों के गिर्द भी दीवार खड़ी कर दी. कहां हमारी परम्परा यह थी कि जिस सभा में कोई आदमी न चमके, या सिर्फ एक आदमी चमके वह समा, सभा नहीं है, कहां अशोक का यह कहना कि जैसे बाप अपने बेटें का पालन करता है. मैं अपनी प्रजा का पालन कहंगा ! किसी राजा या एक व्यक्ति की सारी कीम का पिता बनने और उसके लिये सोचने का कोई अधिकार नहीं है. जिसका नतीजा यह दुआ कि लोग बेहिस और बेश्रमल हो गये, अशोक के बेढे बाहर के इसलों को नहीं रोक सके और मौर्य राज नस्ट हो गया.

दरश्रसल यह पिछड़ी हुई गुलामी की व्यवस्था का नाश आ. इसके बाद गुप्त राज, नई शार्थिक व्यवस्था और नई विचारधारा पर कायम हुआ. महाभारत, और गीता के भागवत मत में इस दुनिया और मौत के बाद की दुनिया को کو بڑی تسلی دیتا تھا ۔ کو اِس طرح ایک طبقہ محملت سے پستا رہا' لیکن ایک طبقہ کو سوچنے سنجھنے کا ادھک موقع ملا' درشن اور کلامیں اُنٹی ہوئی' اور کلچر آگے بڑھتا رہا ۔ اور اِس زمانہ کا آدھی مادھی کم اور آئنگ ادھک ہوگیا ۔

بدھ کے سدھار کے بعد بھی آدا اور غلم کا سبندھ وھی رھا ۔
یہ تو تھیک بھے کہ اشوک نے کلنگ کی تباھی کے بعد اوائی سے
توبہ کو لی' لیکن اِس لوائی سے وہ جو دو لائع آدمی غلم بنا کو
لائے تھے' آنھیں چھوڑ دیلے کا کسی اتباسکار نے ذکر نہیں کیا'
کیونکہ وہ چھوڑے نہیں گئے ۔ بدھ نے یکیوں میں پشوؤں کی بلی
بند کولے کے لئے آھنسا کا جو پرچار کیا تھا' اِسے باغی غلموں کو
شانت کولے کے لئے بھی کام میں لیا گیا ۔

غلمی کی وایوستها سے بھی کلچر ہات آگے بہتھا ، لیکن آپ یہ ربوستها تکلم والی نهیس تهی ، کهنای بازی اور ریابار بهت اک بڑھ کیا تھا ، پیداوار کے ساجھنوں کے ساتھ نیا راج کاجی تحاتیجہ اور نئی وچار دھارا جام لے رھی تھی ۔ اب سدھار سے نہیں تبدیلی سے بھی کلچر آگے بڑھ سکتا تھا، کھوانے کے بعد پانی جب دربارہ تهندا هوتا هے تو مالوت اور گندگی پهر اِس میں مل جاتی هے. سنكهن مين خوابيان ييدا هوكئين . بهعشو آرام طلب اور نفول میں بال کی کہاں اُتاریے والے بن گئے . خواہشوں کے تباک کے نام ہر اِس دنیا کی اور زندگی کی ذہ داریوں کو نظرانداز کیا جانے لگا، اتہاس میں اشوک کو قمیمان اور دیواناموریے کے کو بیت غلط أجهالا كيا هي الشوك كي زماني مين همارا كلجير إنا هي آكي برها هے که اشوک نے پتیر کے مکل بنائے ، اور غلط درشنوں کا پرچار کر کے آدمی کے وچاروں کے گرد ہی دیوار کھڑی کر دی ، کہاں عماري پرمپرا يه تبي كه چس سبها مين كوئي آدمي نه چمك يا صرف أيك أنصى چمك وة سبها سبها نهين هـ؛ كهان اشوك لا يه كهنا كه جيسے باب اپنے بيتے كا يالن كرتا هـ، ميں اپنى پرجا ا بالن كرونها 1 كسى راجا يا ايك ويكتى كو سارى قوم كا بتا بنيه ارر أس كے لئے سوچنے كا كوئى أدهيكار نہيں ہے . جس كا تتيجه یہ ہوا کہ لوگ باحس اور رعبل ہوگئے اشوک کے بیٹے بلعو کے حملوں کو تبھیں روک سکے اور موریہ رأے تشت ہوگیا ۔

دراصل میم پنچیوی هوئی خصی کی ویوستها اور کا ناهی تها و اور کیتا اور نامی وجودی اور کیتا کے ایک میابیارت اور گیتا کے بعد کی دنیا کو الکوت میت میں ایس دنیا کو دنیا کو

.....

से यह कलवर बहुत बहुनाम ही गया. उस समय एक राजा के घर में दुख का जन्म हुआ और उन्होंने इस कलवर में बहुत कुछ सुधार किया.

सुधार और तब्बीली में बढ़ा फरक है. कलवर में हर्वीली तो उस समय आती है, जब पैदाबार के साधन बदलते हैं और उन पर क्रायम समाज बदलता है. लेकिन स्थार में पैदाबार के साधन और समाज बैसा ही रहता है. उसमें जो खरावियां आ जाती हैं उन्हें उसी समाज की सीमा में रहते हुए दूर करने की कोशिश की जाती है. जैसे पानी ख्वालने से पानी ही रहता है, लेकिन उसमें जो मिलाबट मा जाती है, उबलने से वह नीचे बैठ जाती है. सुधार भी समाज के लिये ऐसा ही अमल है. माझनों ने वेदों के नाम पर झान और विद्या की तिजारत हारू कर दी भी और आस्मा की सुरक्षा और मुक्ति के लिये देवताओं की क्रुवीनी देनी शुरू कर दी थी. बुद्ध ने जाबानों की इजारादारी तोंबने के लिये नेदों को मानने से इनकार किया. वहाँ में कुर्वानी का विरोध करके नेक कामों और स्वाहिशों के त्याग को मुक्ति या निर्वान का साधन बताया, बुद्ध आत्मा को नहीं मानते थे लेकिन कहते थे कि एक जन्म से दूसरे जन्म में आदमी के कामों के संस्कार उसके साथ जाते हैं.

इसका मतलब है कि आत्मा को न मानते हुए भी बुद्ध का दर्शन मादी नहीं आत्मिक था. और उन्होंने जिस समानता का प्रचार किया बह भी मादी नहीं अत्मिक थी. मोटी तौर पर उनका कहना था कि आक्ता और गुलाम दोनों को मौत आती है. दोनों मौत के सामने एक समान हैं. इसलिये आओ इस दुनिया की ख्वाहिशों को ओड़-कर मौत का हल देंहें.

हावेल ने अपने इतिहास में लिखा है कि बुद्ध ने जो संघ खोले ये उनमें गुलामों को दाखिल नहीं किया जाता था और गुलामों के खलावा ऐसे लोग भी दाखिल नहीं हो सकते थे, जिन्हें बूसरों का क्षर्य देना होता था, जो अपराधी और डाकू ये या राजा के क्ष्में बारी थे.

काने का मचल यह है कि नेदों के जमाने के नाद काम की वक्षतीय के कारन गुलामी का जमाना शुरू हुआ जिसमें नचे पूर्यां भीर नचे कलचर ने जन्म लिया. इस दर्यांन का निचोद यह था कि एक नदी की तरह जिन्दगी का सिलसिला जारी रहता है. आदमी एक जन्म के नाद दूसरा जन्म सेता है. किसी जन्म में आक्रा गुलाम और गुलास आक्रा वन सकता है. गुलाम को सेवा का काम रेमानवारी से करना चाहिये, इस सेवा का फल बसे अगले जन्म में किलागा, यह विचार मेहनत से पिसने वाले आदमी یہ کلیور بہت بدنام ہوگیا ۔ اُس سے ایک راجا کے گھر میں بہت کیے اس کلیور میں بہت کیے اسکار کیا ۔

سدهار اور تبدیلی میں بڑا نوق ہے . کلچر میں تبدیلی تو آس سے آتی ہے جب پیداوار کے سادھی بداتے ھیں اور اُن پر قائم سماج بدلتا ہے . (بکن سدهار میں پیداوار کے سادہی اور آن پر سماج ویسا هی رحمتا ہے . اس میں جو خوابال آجاتی ھیں آنہیں اُسی سماج کی سیما میں رحمتے ہوئے دور کرنے کی کوشھی آنہیں اُسی سماج کی سیما میں رحمتے ہوئے دور کرنے کی کوشھی اُسی میں جو مالوت آجاتی ہے اُبلنے سے وہ نیدچے بیتھ جاتی ہے . ایکن اُسی میں جو مالوت آجاتی ہے اُبلنے سے وہ نیدچے بیتھ جاتی ہے . ویدوں کو سرکچھا اور مکتی کے لئے دیوتاری کو قربانی دینی شروع کر دی سرکچھا اور مکتی کے لئے دیوتاری کو قربانی دینی شروع کر دی تھی ، براھمنوں کی اجاراداری تورنے کے لئے ویدوں کو سائے سے انگار کیا ، یکیوں میں قربانی کا ورودھ کر کے نیک کاموں اور خواھشوں کے تیاگ کو مکتی یا نروان کا سادھی بتایا، بدھ آتما کی میں آدمی کے کاموں کے ساتھ جاتے ہیں ، مائتے تھے لیکن کہتے تھے کہ ایک جنم سے دوسرے جنم میں آدمی کے کاموں کے سنسکار اُس کے ساتھ جاتے ہیں .

اِس کا مطلب ہے کہ آتما کو نہ مانتے ہوئے ہی بدھ کا درشن مانتے نہیں آتمک تھا ۔ اور اُنھوں نے جس سانتا کا پرچار کیا وہ ہی مادی نہیں آتمک تھی ، مہتے طور پر اُن کا کہنا تھا که آقا اور ظلم دونوں کو موت آتی ہے' دونوں موت کے سامنے ایک سمان ھیں ، اِس لئے آؤ ہم دنیا کی خواہشوں کو چھوڑ کر موت کا حل تھوندیں .

ھاویل نے اپنے اتہاس میں اکہا ہے کہ بدت نے جو سنکھ کھولے تھے اُن میں غلاموں کو داخل نہیں کیا جاتا تھا اور غلاموں کے علاوہ اُسے لوگ بھی داخل نہیں ھو سکتے تھے، جنہیں دوسروں کا خوض دیا ہوتا تھا، جو اپرادھی اور ڈاکو تھے یا راجا کے کرمچاری تھے ،

हुपा का फल बताना शुरू किया. और देवताओं को प्रसन्न करने के लिये यह होने लगे और उसमें पशुओं और मनुश्यों तक की बलि दी जाने लगी. ब्राह्मनों ने ह्यान की तिजारत शुरू कर दी. जिन्दगी के तजुरने से नेद की बात को ज्यादा श्रहमियत दी जाने लगी. श्रादमी ने जो नियम, श्रसूल और कायदे श्रपनी बेहतरी के लिये बनाये थे, उन्हें श्रादमी से बेहतर समका जाने लगा. श्रादमी की हिकाजत की जगह नियमों श्रीर श्रसूलों की हिकाजत के लिये खुद श्रादमी करबान होने लगा.

पंडितों के बेश्रमल हो जाने के कारन वह धरती पर रहने के बजाय हवा में उड़ने लगे श्रीर उनका दर्शन कम से कम मादी श्रीर श्रीर श्रीक से श्रीवक श्रात्मिक होता गया. श्रास्तिर यजुर्वेद में "श्रात्मा ही को सब श्रीजों का नाप श्रीर कसीटी मान लिया गया." यजुर्वेद के ही एक मंत्र का मतलब है—

"आत्मा का नाश करने वाला आदमी मौत के वाद

अंधेरे में लिपटे हुए लोकों में भटकता रहता है."

जाहिर है कि आदमी उन मादी दर्शनों से मुंह मोड़ कर आत्मा की तरफ बढ़ रहा था. वह अपने ज्ञान से सिर्फ इस दुनिया को ही नहीं मौत के बाद की दुनिया को भी सममने की कोशिश कर रहा था. और वह इस दुनिया और मौत के बाद की दुनिया में सम्बन्ध जोड़ने की फिक्र में था. दर्शनों और उपनिशदों में आदमी इस खोज में लगा हुआ मालूम होता है. चूं कि उसका तजह वा और इस तजह वे से हासिल किया हुआ ज्ञान इन सब सवालों का जवाब नहीं दे सकता था, इसलिए उसने अपने आपको विचारों में तब्दील किया और आत्मा, परमात्मा, स्वर्ग और नरक की सुरिट करके अपने इस सवाल का जवाब दिया.

बच्चा जैसे बड़ा होकर अपनी मासूमियत खोता है, लेकिन ज्ञान और विद्या में वह आगे बढ़ता है इसी तरह वेद के जमाने के आदमी ने काम करने वालों और काम कराने वालों में तकसीम होकर अपनी समानता और प्रसक्षता तो खो दी लेकिन वह ज्ञान और इस्म में आगे बढ़ा. यह और देवताओं की पूजा करते हुए भी वह दुनिया-वादी तौर पर ईमानदार था और ईमानदारी से जिन्द्गी के नये सवालों का हल दुंढता था. सांख्य शास्त्र में लिखा है कि असस्य से सत्य का जन्म नहीं हो सकता. उस बक्त का आदमी भी पूरी ईमानदारी से ज्ञान की खोज में लगा हुआ था. वह आका और गुलाम की तकसीम को भी जिन्दगी की एक सचाई मानता था. उसका नया कलचर उसकी नई विचारधारा का नया रूप था.

नियमों और असूलों की प्रयादा पावन्दी और देवताओं को खुरा करने के लिये आदमियों और पशुओं की कुर्वानी کریا کا پھل 'بناتا شروع کیا ، اور دیوتاؤں کو پرسی کرنے کے لئے یک ہونے لگے اور اُس میں پشوراں اور مشیر تک کی بلی دی جانے لئی ، براهمنوں نے گیاں کی تجارت شروع کر دی ، زندگی کے تجربے سے وید کی بات کو زیادہ اُھمیت دی جانے لئی ، آدمی نے جو نیم' امول اور قائدے اپنی بہتری کے لئے بنائے تھ' اُنہیں آدمی سے بہتر سمجھا جانے لگا ، آدمی کی حفاظت کی جکہ نیموں اور امران کی حفاظت کے لئے خود آدمی قربان ہونے لگا .

پنتتوں کے بے عمل ہو جانے کے کارن وا دھرتی پر رھلے کے بجوائے ہوا میں اُڑئے لگے اور اُن کا درشن کم سے کم مادی اور ادھک سے ادھک آئما ھی آئما ھی کہ سب چیزوں کا ناپ اور کسوئی مان لیا گیا ، یجروید کے ھی ایک منتر کا مطلب ہے۔

" آتما کا ناش کرنے والا آدمی موت کے بعد اندھیرے میں لیتے ہوئے لوگوں میں بھتکتا رہتا ہے ."

ظاهر هے که آدمی آن مادی درشنوں سے منھ مور کر آنا کی طرف ہرت ہرت اتھا ، وہ اپنے گیاں سے صرف اِس دنیا کو هی نہیں موت کے بعد کی دنیا کو بھی سبجھنے کی کوشش کر رہا تھا ، اور وہ اِس دنیا اور موت کے بعد کی دنیا میں سبدھ جورئے کی نکر میں تھا ، درشنوں اور اُپنشدوں میں آدمی اِس کھوج میں لگا ہوا معلوم ہوتا ہے ، چونکه اُس کا تجربه اور اِس تجربے سے حاصل کیا ہوا گیاں اِن سب سوائوں کا جواب نہیں درے سکتا تیا اِس لئے اُس نے اپنے آپ کو وچاروں میں تبدیل کیا اور آنا پرماتیا سورگ اور نرک کی سرشتی کر کے اپنے اِس سوائل کا جواب دیا ،

بچته جیسے بڑا هو کر اپنی محصرمیت کهوتا ها لیکن گیان اور ودیا میں وہ آگے بڑھتا ها اسی طرح وید کے زمانہ کے آدمی نے کام کرنے والوں اور کام کرانے والوں میں تقسیم هوکر اپنی سمانتا اور پرسنتا تو کهو دی لیکن وہ گیان اور علم میں آگے بڑھا ، یکیه اور دیرتاؤں کی پہچا کرتے ہوئے بھی وہ بنیادی طور پر ایماندار تا اور ایمانداری سے زندگی کے نئے سوالوں کا حل تھونتھتا تھا ، سانکہیه شاستر میں لکھا هے که استیه سے ستیه کا جام نہیں هو ستیه شاستر میں لکھا هے که استیه سے ستیه کا جام نہیں هو ستیا ، اُس وقت کا آدمی بھی پوری ایمانداری سے گیان کی سکتا ، اُس وہ آقا اور ظم کی تقسیم کو بھی زندگی کی ایک سچائی مانتا تھا ، اُس کا نیا کلچر اُس کی نئی وچار ایک سچائی مانتا تھا ، اُس کا نیا کلچر اُس کی نئی وچار دیوارک کا نیا روپ تھا ،

تیبوں ٹور اُسپئوں کی زیادہ پابندی اُور دیوتاؤں کو خوش کرتے کے تھے آدمیوں اُور پھووں کی قربائی ویدوں کے زمانے کا کلمچر اُس زمانے کے پیداوار کے سادھنوں اور الملحى تعالىچكى وجار دهاراكا هى ايك روب تها. يشك ديوتان بیں اُس سیے کے آدمی کا وشواس تھا۔ لیکن اس لےقدرت جیسی زبردست وردعی کی نباتی سے بنچنے کے لئے گھر بنائے تھے زمین جوتنا أور بونا سيميا نها. إس كي عالوه وه يشو يالنا تدا كاليكا دوده بیتا تها اور اُس سے معهن نکالتا اور گهورے در چوهثا تها. اُس نے آگ كو أينا ساتني اور مدكار بنايا تها اور دهات كو تهالنا سيكه ليا تها. یه آدمی کی بہت بری کامیابی تھی اور اس سے الینے آپ میں اُس کا وشواس بڑھا تھا ۔ اپنے اس وشواس کو ظاهر کرنے کے لئے اس نے هوا سے بھی تیز تقریر اور خیال کو ایجاد کیا تھا ۔

> آدمی ساجہی محانت سے قدرت کو جیت رہا تھا۔ سب لوگ آپس میں میل جول سے رہتے تھے' سبھی سماج کے فاندے کے لئے کام کرتے تھے . سب سرکھچنا کے لئے فاندے قافوں ، اتے تھے ، أن میں کوئی اُونی نیبے اور جات پات کا بید نہیں تھا ، لوگ بھی بھی کام کرتے ہوئے بھی ایک سمان ایک گھر میں رہتے تھے. ایک وید منتو میں کہا ھے۔

> " میں شلبی عوں میرا پتا وید ہے اور میری ماں أیلے ہاتھنے کا کام کرتی ہے ، الک الگ پیشوں اور مارگوں پر چاتے ہوئے عم ایک گھر میں نواس کرتے ہیں ۔"

> دعیرے دھیرے پیداوار کے سادھنوں کی ترقی ھوٹی اور منحلت نقسيم موكثي. اِس سے چار ورن وجود ميں آئے . براهمنوں كا كام كيول يتعنا يتعانا رم كيا . محنت سے أن كا ناتا توت كيا . لیکن آدمی سمیشہ عمل اور تعجرہے سے سیکھتا ھے . وچار کے ساتھ جب سحنت كا يسينه ملتا هو تبهى أس كا كيان تازة رهتا هي. اِس تقسیم کے کارن ویدوں کے زمانے کا سماے توٹنے لگا ، یہو آریوں نے هندستان کی دوسری جادبوں "دراور اور کول آدی کو هر اکر اپنا ظم یا داس بنانا شروع کیا . جو کوئی جتنا برا پندت هوتا تا أسم اتنا مي ادنك داس دان مين ملته نه ، وچار اور عمل میں جو درار بڑی وہ دھیرے دھیے بڑھتی ھی گئی ، سوچنے اور کام کرنے والوں کی دو جماعتیں بن جانے ھی سے یونان کی پرائی سبھئینا نشت ھوئی تی . اِس تقسیم کے کارن ویدوں کے زمانے کا پرانا سماج توت کیا اور قبیلوں کے الگ الگ راج بنے . إن رائم يا رباستوس ميس براهمن أور چهترى پرتعته پرتعاتے اور دائدے فائوں بناتے اور راج کا کام کرتے تھے . دوسرے لوگ معتنت كركم أن كے لئے جهاء كے سادان جتاتے تھے اور أن كى سيوا كے لئے دأسين كن بيت برى تعداد هوتى تهي .

वेटों के जमाने का कलचर उस जमाने के पैदाबार के साधनों ची। राजकाजी डांचे की विचारधारा का ही एक रूप था. क्षेत्रक देवताओं में उस समय के आदमी का विश्वास था. लेकिन उमते क़द्रत जैसी जबर्दस्त विरोधी की तबाही से बचने के लिये घर बनाये थे, जमीन जोतना और बोना सीखा था. रमके त्रालाचा वह पद्म पालसा था. गाय का दूध पीता था ब्रीर उससे मक्लन निकालता और घोड़े पर चढ़ता था. उमने ग्राग को अपना साथी और मददगार बनाया था. श्रीर धात को ढालना सीख लिया था. यह आदमी की बहत बडी कामयाबी थी और इससे अपने आप में उसका विश्वास बढ़ा था, अपने इस विश्वास को जाहिर करने के लिये उसने हवा से भी तेज तक़रीर श्रीर खयाल को ईजाद किया था.

ब्राइमी सामी मेहनंत से क़दरत को जीत रहा था. सब लाग आपस में मेलजोल से रहते थे. सभी समाज के कायदे के लिये काम करते थे. सब सुरक्षा के लिये कायदे कानून बनाते थे. उनमें कोई अंच नीच और जात पात का भेद नहीं था? लोग भिन्न भिन्न काम करते हुए भी एक समान एक घर में रहते थे. एक वेद मंत्र में कहा है-

'मैं शिल्पी हूं, मेरा पिता वैद्य है, ऋौर मेरी मां उपले पाधने का काम करती है. अलग अलग पेशों और मार्गी पर चलते हए हम एक घर में निवास करते हैं."

धीरे धीरे पैदावार के साधनों की तरक्की हुई और मेहनत तकसीम हो गई. इससे चार वर्न वजद में आये. ब्राह्मन का काम केवल पढ़ना पढ़ाना रह गया. मेहनत से उनका नाता द्रट गया. लेकिन आदमी हमेशा अमल और तजरुबे से सीखता है. विचार के साथ जब मेहनत का पसीना मिलता है, तभी उसका ज्ञान ताजा रहता है, इस तक्रसीम के कारन वेदों के जमाने का समाज दटने लगा. फिर श्रायों ने हिन्दुस्तान की दूसरी जातियों, द्राविड श्रीर कौल आदि, को हरा कर अपना गुलाम या दास बनाना शुरू किया. जो कोई जितना बड़ा पंडित होता था उसे उतने ही अधिक दास दान में मिलते थे. विचार और अमल में जो दरार पड़ी वह थीरे थीरे बढ़ती ही गई. सोचने और काम करने वालों की दो जमातें बन जाने ही से युनान की पुरानी सभ्यता नश्ट हुई थी. इस तक सीम के कारन वेदों के जमाने का पराना समाज दूर गया और क्रबीलों के खलग खलग राज्य बने. इन राज्य या रियासतों में त्राक्षन और क्षत्रिय पढते पढाते श्रीर क़ायदे क़ानून बनाते और राज का काम करते थे. दूसरे लोग मेहनत करके उनके लिये जीने के साधन जटाते ये और उनकी सेवा के लिये वासों की बहुत बड़ी तावाद होती थी.

सूव शाहान और अत्रिय दूसरों की मेहनत पर पलने बाला बरी था. इसने आदुमी की कामयाबी को देवताओं की

एक आर्मी चमके वह सभा, सभा नहीं होती. सभा वह होती है, जिसमें सब मिल कर चमके और हर एक आर्मी दूसरे को चमकाने में मदद दे."

'सम्यता' जिसका मतलब तह जीब है, समा शब्द से बना है. तह जीब का कलचर से गहरा सम्बन्ध है. तज के श्रीर श्रमल से श्रादमी जितना ऊंचा उठता है उतना ही वह कलचर्ड या संस्कृत कह लाता है. और जितना वह इस कलचर को व्यवहार में लाता है उतना ही तह जीब श्रापे वदती है. कलचर श्रादमी के श्रम्दर से सम्बन्ध रखती है जिससे उसका मन और शरीर स्वस्थ श्रीर मजबूत बनता है. तह जीब या सम्यता इस कलचर के बाहरी रूप का नाम है. जिस देश या क्रीम के लोगों का जितना अंचा कलचर होगा, उतना ही बह मेल जोल से रहेंगे, श्रपने काम सलाह मशबिर से करेंगे श्रीर सभा में अंची श्रीर सच्ची बात कहेंगे. इन सब बातों के कारन वह मुह उजव या संस्कृत कह लायेंगे. उनकी कलचर, उनके खाने, पहनने श्रीर रहने सहने, किता और कला में जाहिर होगी.

जब किसी देश या कौम के लोग कलचर में पिछड़ जांय यानी वह सचाई और इन्साफ का साथ छोड़ दें, उनके करने और कहने में फरक आ जाय, लेकिन खाने पहनने और रहने सहने में तड़क भड़क रहे, यानी कलचर के ऊपरी रूप, तह्जीब में वैसी ही तड़क भड़क रहे, तो वह तहजीब खोखली कहलाती है. उस में बनावट और पाखंड आ जाता है. वह तहजीब ज्यादा दिनों टिकने वाली नहीं होती.

इसका कारन क्या है ? कलचर और तहजीब में तब्दीली क्यों आती है ? दुनिया के शुरू से अब तक एक ही कलचर और तहजीब क्यों न हुई ? तब्दीली में कोई कम या सिलसिला है या वह तब्दीली अचानक आ जाती है ?

किसी जमाने में पैदावार के जो साधन होते हैं, उन्हीं के मुताबिक उस जमाने के सामाजिक सम्बन्ध कायम होते हैं और एक राजकाजी ढांचा बनता है. फिर इन सबके मेल से उस जमाने की कलचर जन्म लेती है. हम कलचर को वैदाबार के साधनों और राजकाजी ढांचे से अलग नहीं कर सकते. इन तीनों का आपस में गहरा सम्बन्ध है. माउत्से तुंग ने अपनी पुस्तक 'चीन की नई जमहूरियत' में कलचर की व्याख्या इस तरह की है—

"A given culture is the ideological reflection of the political economy of a given society."

(यानी किसी जमाने का कलचर, उस जमाने के समाज की आर्थिक और राजनैतिक व्यवस्था की विचारधारा का अक्स या रूप होता है.) ایک آدمی چیک و اسبها سبها لہیں ہوتی ، سبها وہ هوتی کے جس میں سب مل کر چنکیں اور هر ایک آدمی درسرے کو چیکانے میں مدد دے ۔''

"سبهئیتا" جس کا مطلب تہذیب ہے" سبها شبد سے بنا ہے .

تہذیب کا کلچو سے گہراً سمبندہ ہے ، تجربے اور مل سے آدمی جتنا اُرنچا آئیتا ہے اُتنا ہی وہ کلچوت یا سنسکرت کہاتا ہے . اور جتنا اُرنچا آئیتا ہے اُتنا ہی وہ کلچوت یا سنسکرت کہاتا ہے . اور بہتنی ہے . کلچو آدمی کے آندر سے سمبندہ رکھتا ہے جس سے اُس کا میں اور شریو سوستھ اُور مفبوط بنتا ہے . تہذیب یا سبھئیتا اِس کلچو کے باہری روپ کا نام ہے جس دیش یا قوم کے لوگوں کا جتنا اُونچا کلچو ہوگا اُتنا ہی وہ میل چول سے رهینگے اُنے کا مطلح مشورے سے کرینگے اور سبہا میں اُونچی اور سبچی بات کہیں گے . اِن سب باتوں کے کوانے وہ مہذہب یا سنسکرت کہائیں کے . اُن کا کلچو اُن کے کوانے 'پہننے اور رہنے سانے' کویٹا اور کے میں ظاہر ہوگی .

جب کسی دعش یا قوم کے لوگ کلچر میں ہچھ جائیں یعنی وہ سچائی اور انصاف کا ساتھ چھوڑ دیں' اُن کی کرنے اور کہنے میں فرق آجائے' لیکن کھانے پہننے اور رہنے سہنے میں ترک بیڑک رہے' یعنی کلچر کے اوپری روپ' تہذیب میں ویسی هی ترک بھڑک رہے' تو وہ تہذیب کھوکھلی کھٹتی ہے ۔ اُس میں بناوت اور پاکھنڈ آجاتا ہے ۔ وہ تہذیب زیادہ دنوں تکنے والی نہیں ہوتی ۔

اِس کا کارن کیا ہے ؟ کلچو اور تہذیب میں تبدیلی کیوں آئی ہے ؟ دنیا کے شروع سے آب تک ایک ھی کلچو اور تہذیب کیوں نہ ھوئی ؟ تبدیلی کی کیا ضرورت تھی ؟ آگر ضرورت تھی، دو کیا اُس تدیلی میں کوئی کرم یا سلستہ ہے یا وہ تبدیلی اُچانک آجاتی ہے ؟

کسی زمانے میں پیداوار کے جو سادھن ھوتے ھیں' آنھیں کے مطابق اُس زمانے کے ساماجک سمبندھ قائم ھوتے ھیں اور ایک رائے کلجی تھانچا بنتا ھے ۔ پھر اِن سب کے میل سے اُس زمانے کی کلچر جنم لیتی ھے ۔ ھم کلچر کو پیداوار کے سادھنوں اور رائے کلجی تھانچے سے الگ نہیں کر سکتے ، اِن تینوں کا آپس میں گہرا سمبندھ ھے ، مازتسے تنگ نے اپنی پستک '' چین کی میں جمہوریت'' میں کلچر کی ویاکھنا اِس طرے کی ھے۔

"A given culture is the idealogical reflection of the political economy of a given society."

(یعلی کسی زمانے کا کلچر' اُس زمانے کے سمایے کی آرتیک اور راجنیتک ویوستھا کی وچار نامارا کا عکس یا روب هوتا ہے ،)

बजाय उन्हें अपना दोस्त बनाते हैं और समाजी फिन्दगी के नियम बनाते हैं, यह दुनिया को अमल के जारिये सबदील करने का ढंग है.

लेकिन एक दूसरा ढंग है. वह दुनिया को तबदील करने के बजाय अपने आपको भावनाओं और विचारों में तब्दील करने का ढंग है. पहले इसी तरीक़े का नाम मजहब और फिर दर्शन पड़ा.

यूरोपियन विद्वानों ने वेदों को देवमाला की पुस्तकें लिखा है. इस पर आर्य समाजी विद्वानों को एतराज़ है. वह कहते हैं कि वेद देवमाला की नहीं दर्शन की पुस्तकें हैं. हमारा खयाल है कि वेदों के बारे में यह दोनों बातें सच हैं. उस सक्य मनुष्य जो कुछ देखता था उसे अपनी कल्पना से देवता का नाम दे देता था. इस में उस का तजहवा और दर्शन दोनों शामिल रहते थे. उस समय मादी और अध्यात्मिक की बहस में वह नहीं पड़ा था. जिस तरह बच्चे सेटी या फल खाते हैं और जिंदा समक कर उससे बातें भी करते हैं. वेद के जमाने का मनुश्य बच्चे क तरह मासूम था, वह ज़दरत को भोगता भी था और उसे जिंदा समक कर उससे बातें भी करता था.

वेदों का जमाना हजारों साल तक फैलां हुआ है. उस जमाने में आदमी ने दोनों तरफ तरकी की. उसने अपनी शिक्त और समम के मुताबिक प्रकृति को भी तब्दील किया और उसने अपने आपको भी विचारों और भावनाओं में बदला. बह सूरज से गर्भी हासिल करता था, उसे अपने खेतों को उगाने वाला सममता था, और उसे देवता समम कर बल और शिक्त मांगता था. मुबह होती थी, तो बह उक्शा को देख कर नाच उठता था और फिर कुद्रत को अपने मतलब के लिये तबदील करने को कमर कस लेता था.

उस ज्ञाने में आदमी आदमी में भेद नहीं था. ज्ञान और घन सबका सामा होता था. लोग जत्थों में मिल कर रहते थे. किसी काम को करने से पहले आपस में सलाह मशिवरा करते थे. एक वेद मंत्र का अर्थ है—''हम सब आपस में मिल कर रहा करें'. मिल कर आपस में सलाह मशिवरा करें. हम सबके बिचार या मन एक समान हों."

सलाइ मशबिरा के लिये समायें होती थीं. लिखा है— "हे समा ! इम तेरा नाम भली भांति जानते हैं. तुम में मनुश्य इकट्ठे होते हैं, तेरे जो भी समासद हैं, वह सब सब बोलने बाले हैं."

इस सभा में सब लोगों को बराबर का दर्जा हासिल या और उन्मीद की जाती थी कि सभी लोग ऊर्ची और सक्दी आद कहेंगे. लिखा है—

"शिस सभा में सब बादमीन वमुकें और जिसमें सिर्फ

بعوال انهیں اپنا دوست بناتے میں او سملجی زندگی کے تیم بناتے میں یہ دنیا کو عمل کے ذریعہ تبدیل کرنے کا تمنگ ہے .

لیکن ایک دوسرا تنهنگ هے. وہ دنیا کو تبدیل کرنے کے بجوانے اپنے آپ کو بھاوناؤں اور وچاروں میں تبدیل کرنے کا تھنگ هے. پہلے اِسی طریقے کا نام مذہب اور پھر درشن پڑاً .

یوروپین ودوانوں نے ویدوں کو دیو مالا کی پستکیں لکھا ہے۔
اِس پر آریہ سماجی ودوانوں کو اعتراض ہے۔ وہ کہتے ھیں که
وید دیومالا کی نہیں درشن کی پستکیں ھیں ۔ فسل خیال ہے
کہ ویدوں کے بارے میں یہ درنوں بائیں سیج ھیں ۔ اُس سیم
مشنیہ جو کتچ دیکھتا تھا اُسے اُپنی کلہنا سے دیوتا کا نام دے دیتا
تھا ۔ اِس میں اُس کا تجربہ اور درشن دونوں شامل رہتے تھے ۔
اُس سیم مادی اور ادھیاتیک کی بتحث میں وہ نہیں پڑا تھا ،
اِس طرح بچے روئی یا پیل کہاتے ھیں اور زند ﴿ سمنجی کو اُس
سے بائیں بھی کرتے ھیں ۔ وید کے زمانے کا منشیہ بچے کی طرح
معصوم تھا وہ قدرت کو بھوگتا بھی تھا اور اُسے زندہ سمنجی کو اُس

ویدوں کا زمانہ ہزاروں سال تک پھیلا ہوا ہے ۔ آس زمانے میں آدمی نے دونوں طرف ترقی کی ، اُس نے اپنی شکتی اور سمجھ کے مطابق پرکرتی کو بھی تبدیل کیا اور اُس نے اپنے آپ کو بھی وچاروں اور بھارڈاؤں میں بدلا ۔ وہ سورے سے گرمی حاصل کرتا تھا اُسے اپنے کھیتوں کو آگانے والا سمجھتا تھا اور اُسے دیوتا سمجھتا کو بل اور شکتی مارکتا تھا ، صبح ہوتی تھی تو وہ اُرشا کو دیکھکو تاہے آئھتا تھا اور پھر قدرت کو اپنے مطلب کے لئے تبدیل کو دیکھکو تاہے کہ کس لیتا تھا ،

اس زمانےمیں آدمیآدمیمیں بھید فہیں تھا، گیان اور دھن سب کا ساجھا ھوتا تھا ، لوگ جتھوں میں مل کر رہتے تھے ، کسی کام کو کرنے سے پہلے آپس میں صلاح مشورہ کرتے تھے ، ایک وید ملتر کا اُرتہ ھے۔ '' تام سب آپس میں مل کر رھا کریں'' مل کر آپس میں صلاح مشورہ کریں ، ھم سب کے وچار یا من ایک سمان ھوں ''

صالح مشورة کے لیے ساہائیں هوتی تھیں . لکھا هـ

" فع سبها ا هم تيرا نام بهلى بهانت جانية هين . تجه مين منشية اكله هوت هين ود سب سبهاسد هين ود سب سبه ولله واله هين ."

اِسی سبها میں سب لوگوں کو برابر کا درجہ حاصل تھا اور آمید کی جاتی تھی که سبھی لوگ اُونچی اور سچی بات کہیں گے۔ تنها ہے۔۔۔۔

" بهس سبها ميں سب آدمى عديدين أور جس مهرموف

ا ذكر ها ولا أسهرين كے بعن ديوتا تھے . پہلے يہل أدمى نے أينے میں کے اتوبیو اور گیاں کو دیو مالا Mythology میں ھی الم کیا کیونکھ وہ اُس سے آینے گیاں کے بنیادی اصولیں کو تہیں محمدًا تها . دنيا كے بارے ميں وہ أينے گيلي كو ديوتا كے نام سے المر كرتا تها . آرية جب هندستان مين آئے تو ولا إندر ورن ہر سوریہ آدمی دیوتاؤں کے روپ میں کچھ گان اور کلچر اپنے اته الله . أن كم آلے سے پہلے بھى يہاں دراور اور كول بسيتے تھے . ہ بنی ہواروں سال سے قدرت کے بارے میں جاتکاری حاصل رتے اور اُسے عمل میں لاتے رہے تھے ۔ اُن کا ایک کلجور تھا جو مندھ میں پھل پھول رہا تھا ۔ موھی جودور اور ھتیپا کے کھنتروں ی کهدائی سے پاتھ چا ہے که اُن کا کلنچر بہت ترقی کرچا تھا . ہ روئی آگاتے تھے کہتے یہنتے تھے اور اپنے برتنوں اور دوسری میروں یر نقاشی کرتے تھے . اِس کے علوہ موھن جودرو سے ایک رتکی کی مورتی ملی هے جو بہت سندر عے اور یته چلتا هے که س سے بھی ناچنے کی کلا بہت آگے برحی ہوئی تھی ۔ آریوں ، أن كم تجرب سے فائدہ أتهايا . انھوں نے اسبويا كم اپنے تجرب و اِن لوگوں کے تجوریے سے ملاکر ایک نئے کلیچر کو جانم ن آ جوں نے پہل آکر نیٹے تھنگ سے رھنا سینا اور نیٹے تھنگ سے رچنا سيكها . هندستان أيك وشال ديش هي . أس كي ميداتين ، دیوں اور یہاروں کا نیٹے آنے والوں یر اثر یونا ضروری تھا ، نیٹے یش اور نید حالات میں رہتے ہوئے اُن کی نظر بہت گہری اور ہت أونچى هوگئى ، نظر بدلنے سے أن كى ديمالا كے يرانے منی بدل گئے اور اُس میں نیئے دیوتا بھی شامل ہوئے ۔ اِس رے میں جن لوگوں نے کھونے کی ھے اُن کا کینا ھے کد مشنو اور و بالكل هندستائي ديوتا هيل ، وشنو أيك هر عبور سندر يهاد ے برتیک میں اور شو برف سے دھکے کالے ننکے بہار کے برتیک یں ، آگے چلکو جب آریہ پہاروں سے اُتر کر میدانوں میں پہونتھے ان دیوتاؤں کے معنے اور بدلے . وشنو کامیاب اور خوشتال دگی کے اور شو فاکام اور درائس زندگی کے پرتیک بن گئے ، اب ادی اور آسک درشن الگ الگ هوئے لگا ۔

مادی اور آنیک درشنوں کو شروع هی سه سمجھ لینا ضوروی ، کیونکه کلچو کو آگے بڑھانے میں اِن دونوں درشنوں کا بڑا ھاتھ ، اور آجے مادی درشن اور آتیک درشن میں زبردست تکر ھو لی ھے ، اِسی ٹکر کا نیصلہ ھونا ھے ،

'تیکٹس بک آف مارکست فلسفی' میں لکھا ہے کہ شروع کا اسی تباهی کی دنیا میں رهنا تھا ۔ وہ اپنی سرکچھا ۔ تھنگ سپچتا تھا ۔ ایک تھنگ جسے هم اچھی طرح التے هیں' التے هیں قدرت پر قابو پانے کا ہے ۔ هم گھر بناتے هیں' را بنجلی سے دشملی آباننے کے را بنجلی سے دشملی آباننے کے

का जिक है, वह असीरियन के भी देवता थे. पहले पहल आदमी ने अपने जीवन के अनुभव और ज्ञान को देवमाला (Mythology) में ही जाहिर किया क्योंकि वह उस समय अपने ज्ञान के बुनियादी असूलों को नहीं सममता था. द्वनिया के बारे में वह अपने ज्ञान को देवता के नाम से जाहिर करता था, आर्थ जब हिन्दुस्तान में आये तो वह इन्द्र, बरुन और सूर्य आदि देवताओं के रूप में कुछ ज्ञान और कलचर अपने साथ लाये. उनके आने से पहले भी यहां द्वाविद और कोल बसते थे. वह भी हजारों साल से कुद्रत के बारे में जानकारी हासिल करते और उसे अमल में लाते रहे थें: उनका एक कलचर था जो सिंध में फल फल रहा था, मोहन जोवडो श्रीर हडप्पा के खंडरों की खुदाई से पता चला है कि उनका कलचर बहुत तरक्की कर चुका था. बहु कई जगाते थे, कपड़े पहनते थे और अपने बरतनों और दूसरी चीजों पर नक्काशी करते थे. इसके अलावा मोहन जोदड़ो से एक नृतकी की मूर्ति मिली है जो बहुत सुन्दर है और पता बलता है कि उस समय भी नाचने की कला बहुत आगे बढ़ी हुई थी. आयों ने उनके तजहबे से फायदा उठाया. उन्होंने असीरिया के अपने तजरु बे को इन लोगों के तजरु बे से मिला कर एक नये कलचर को जन्म दिया. उन्होंने यहां आकर नये ढंग से रहना सहना और नये ढंग से सोचना सीखा. हिन्दस्तान एक विशाल देश है. उसके मैदानों, नदियों श्रीर पहाड़ों का नये आने वालों पर असर पड़ना जरूरी था, नये देश और नये हालात में रहते हुए उनकी नजर बहत गहरी और बहुत ऊंची हो गई. नजर बदलने से उनकी देवमाला के प्रराने मानी बदल गये और उसमें नये देवता भी शामिल हुए. इस बारे में जिन लोगों ने खोज की है उनका कहना है कि विश्तु और शिव बिल्कुल हिन्दुस्तानी देवता हैं. विश्त एक हरे भरे सुन्दर पहाड़ के प्रतीक हैं और शिव बर्फ से ढके काले नंगे पहाड़ के प्रतीक हैं. आगे चल कर जब आर्थ पहाड़ों से उतर कर मैदान में पहुंचे तो इन देवताओं के माने और बदले. विश्तु कामयाब और खुशहाल जिन्दगी के और शिव नाकाम और निराश जिन्दगी के प्रतीक बन गये. अब मारी और आत्मिक दर्शन अलग अलग होने लगा.

मारी और आत्मिक दर्शनों को शुरू ही से समक्त लेना जरूरी है क्योंकि कल वर को आगे बढ़ाने में इन दोनों दर्शनों का बढ़ा हाथ है और आज मादी दर्शन और आत्मिक दर्शन में जबर्दस्त टक्कर हो रही है. इसी टक्कर का फैसला होना है.

'टेक्स्ट बुक आफ माक्सिस्ट फिलासकी' में लिखा है कि गुरू का आदमी तबाही की दुनिया में रहता था. वह अपनी सुरक्षा के ढंग सोचता था. एक ढंग जिसे हम अच्छी तरह जानते हैं , कुदरत पर क़ाबू पाने का है. हम घर बनाते हैं, कपड़े बुनते हैं. आग और बिजली से दुरमनी ठानने के दूसरी पुस्तक चजुर्वेद है. 'चजुर' का मतलब है—काम में लाना, अमल करना. इसलिये यजुर-वेद का मतलब है जानकारी या ज्ञान को अमल में लाना.

ऋग्वेद और यजुर्वेद के इन अर्थों से इस इन नतीजों पर पहुंचते हैं कि हिन्दुस्तान के शुरू के बाशिंदों—हमारे पर्वजी ने- क़द्रत के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हासिल करने और उसे अमल में लाने की कोशिश की. इस तरह उन्होंने अपने कलचर को आगे बढ़ाया. ज्ञान के बारे में उनके मन में कोई तास्पुब नहीं था. जिस चीज को वह मुकीद देखते थे उसी को अपना लेते थे और जिसे श्रपनाते थे. उस पर अमल करते थे. विद्वानों का कहना है कि वेदों के मंत्र ऋशियों ने बनाये या रचे नहीं, बल्कि देखे हैं. इसका भी यही मतलब हुआ कि बेदों के मंत्र कवि के विचार की उड़ान या कल्पना की चीज नहीं, बल्कि मनुश्य के तज़रुबे का निचोड़ है. उसने अपने जीवन में जो कुछ देखा श्रीर किया उसे मंत्रों में लिख दिया. जाहिर है कि आदभी जो कुछ देखता और करता है, उसे लिख देना आसान नहीं है. आदमी जो कुछ देखता है और करता है उसके साथ उसका अनजाने ही एक दिमाशी सम्बन्ध जुड़ जाता है और इस सम्बन्ध के जारिये वह अपने अंदर एक असर कब्ल करता रहता है. यह असर जमा होते होते उसकी श्रात्मा में एक बीज सा बन जाता है. इस बीज में बहुत से बाहरी तल मिले होते हैं. जैसे बीज श्रंकुर फूटने से पहले जमीन के अन्दर एक अरसे तक पलता रहता है, यह बीज भी आदमी की आत्मा में परवरिश पाता रहता है, और एक दिन अचानक उसका स्रोल टूट कर अलग हो जाता है और उसमें से एक सुन्दर और कोमल अंकुर फुटता है-यह श्रादमी का ज्ञान या कल्चर का फल होता है, जिसे वह मंत्र, इंद, शेर, नसर, मृति या चित्र में जाहिर करता है. कलचर अतालवी शब्द Cultus से निकला है, जिसका मतलब है जोतना, अपने अन्दर बीज बोना.

वेदों के बनाने वाले बहुत से ऋशि थे. उनमें मई भी थे, औरते भी. यानी वेद मनुश्य के सामे के ज्ञान का मंडार है. कोई भी मंत्र या रोर किसी भी एक आदमी के तजरुवे का नतीजा नहीं होता. एक आदमी दूसरों के तजरुवों से भी सीखता है. वह जो कुछ करते और कहते हैं, उससे असर लेता है. यह तजरुवा और असर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को विरासत में मिलता है. इसलिय ऋशियों ने जो वेद मन्त्र देखे थे, वह उन सब मनुश्यों के तजरुवे का निचोड़ थे जो उस समय तक कुद्रत की जानकारी हासिल करने और उसे अमल में लाने के लिये जुमते रहे थे.

इतिहासकारों का कहना है कि आर्य लोग असीरिया से भावे वे क्षोंकि वेडों में जिन इन्द्र और वहन अहि देवताओं

The state of the s

وسروں بستک یجروید ہے۔ ایجر کا مطاب ہے۔ کا میں یا اس لئے یجر وید کا مطالب ہے۔ جانگاری یا ان کی کا میں لانا ،

المرابع وید اور یجر وید کے ان ارتہوں سے هم ان تعیجوں پر المعملة هين كه عادستان كے شروم كے باشندوں سعمارے پوروجوں المستدرت کے بارے میں ادھک سے ادھک جانکاری حاصل کرنے ر اس عمل میں لانے کی کوشش کی . اِس طرح أنهوں نے أُليَّا جو کو آگے بڑھایا ، گیاں کے بارے میں اُن کے من میں کوئی صب نہیں تھا . جس چیز کو وہ مید دیکتے تھے آسی کو خالیتے تھے اور جسے اپناتے تھے اس پر عمل کرتے تھے ، ودوانوں کُیْنا ہے که ویدوں کے منتر رشیوں نے بنائے یا رچے نہیں ' بلکہ یکھے میں . اِس کا بہی یہی مطالب ہوا که ویدوں کے سنتر کوی ل وچار کی اُزان یا کلبنا کی چیز نہیں' بلکه منشیه کے تجربے کا چور ہے اُس نے اپنے جیوں میں جو کچھ دیکھا اور کیا أے منتروں ين لعه دياً. ظاهر هے كه آدمى جو كنچه ديكهتا اور كرتا هے أسم الله دينًا أسان نهين هي أدمى جو كچه ديكهتا هي أور كوتا هي س كي ساته أس كا انجالي هي أيك بماغي سبنته جرّ جاتا ه ہر اِس سمبندے کے ذریعہ وہ آپنے اثدر ایک اثر قبول کرتا رھتا ه. يه أثر جمع هوتے هوتے آتما ميں أيك بيب سا بن جُانا هـ. س بیج میں بہت سے باقری نتو ملے ہوتے هیں ، جیسے بیج عر پھوٹنے سے پہلے زمین کے اندر ایک عرصے تک بلتا رہتا ہے کہ ہم بھی آدمی کی آتما میں پرورش باتا رہتا ہے اور ایک دیں چانک اُس کا خول دوت کر الگ دو جانا ہے اور اُس میں سے بک سادر ارر کومل انکر بهوقتا هے ۔۔۔ آدمی کا گیاں یا کلنچر کا مل هوتا ها جسے وہ منتر' چهند' شعر' نثر' مورتی یا چتر میں عاهر كرتا هي. كاحير أطالبي شبد Cultus سے نكا هے؛ جسكا طالب هے جوتنا' أينے أدر بيبے بوشا .

سرودوں کے بنانے والے بہت سے رشی تھے . اُنسیں مرد بھی ہے عورتیں بھی ، یعنی وید منشیہ کے ساجھے کے گیاں کا بہنڈار او ، کوئی بی منتر یا شعر کسی بھی ایک آدمی کے تحوربوں سے بھی ایک آدمی کے تحوربوں سے بھی سیمھتا ہے ، وہ جو ککچھ کرتے اور مکہتے ھیں اُس سے اثر لیتا ہے . وہ جو ککچھ کرتے اور مکہتے ھیں اُس سے اثر لیتا ہے . یہ تحوربه اور اثر ایک پیرتھی سے دوسری پیرتھی کو وراثت میں ملتا ہے . اِس لئے رشیوں نے جو ویدمنتر دیکھے نھے وہ اُن میں منتر دیکھے تھے وہ کرت اور اُسے عمل میں لانے کے لئے جوجھتے کی جوجھتے

اِتَهَاسَكَارُوں كَا كَهَنَا هَا كَهُ آرِيَةُ لُوكَ أُسِيْرِيا سَا آيَا تَهَا كَهُوَلَكُمُ وَيَدُونِ مِيْنَ جَنِ اِنْدَرَ أَوْرَ وَرَنِ آدِي دَيُوتَاوُنَ

हिन्दुस्तानी कल चर

(हंसराज रहवर)

[पिछले साल हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी ने हिन्दुस्तानी कलचर पर इनामी लेख लिखाए थे. तीस विद्वानों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था. देश के तीन जिम्मेदार और बड़े विद्वान व्यक्ति जज बनाए गए थे. उन्होंने मेहनत से सारे लेखों को पढ़कर अपमा निर्नय दिया है. इन लेखकों में से कई को इनाम मिला है. चाहिये यह था कि उन लेखों को पहले छापा जाता जिनको इनाम मिला है. लेकिन वह सब लेंद्रुव अंग्रेजी में हैं और अनुवाद करने में समय लगेगा. इसीलिए हम पहले उन लेखों को छाप रहे हैं जो हिन्दी और उर्दू में हैं.

इन लेखों में जो विवार जाहिर किये गए हैं उनका 'नया हिन्द' से कोई सम्बन्ध नहीं है. इस प्रतियोगिता में हर विवारधारा के लोगों ने भाग लिया है और इसी लिए इन लेखों में हर विवारधारा पढ़ने को मिलेगी. हम 'नया हिन्द' के पाठकों के सामने यह सामग्री इसलिये पेश कर रहे हैं कि वह सब विचारों को सामने रख कर अपना विचार बना सकें और सही कलवर की रूप रखा सामने आ सके—एडीटर]

\$ \$ \$ \$

मेरा ख्याल है कि प्रकृति के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हासिल करना और उसे अमल में लाने का नाम कल वर है.

जिस देश या जाति ने प्रकृति के बारे में जितनी ऋधिक जानकारी हासिल की और ऋपने जीवन में उस जानकारी पर जितना अमल किया उतना ही उसका कलवर आगे बढ़ा और उस देश या जाति की तरककी हुई.

हिन्दुस्तान ने प्रकृति के बारे में धीरे धीरे जितना झान हासिज किया श्रीर उस ज्ञान को श्रपने श्रमली जीवन में ढाला उसी का नाम हिन्दुस्तानी कलचर है.

वेद—हिन्दुस्तान के शुरू के बाशिदों—आयों के, ज्ञान के अंडार हैं और वह दुनिया की सबसे पुरानी पुस्तके मानी जाती हैं. वेद शब्द 'विद्' धातु से बना है, जिसका मतलब है—जानना. वेदों में भी सबसे पहली पुस्तक ऋग्वेद है. 'रिग्' का मतलब है—नेचर या प्रकृति, और वेद का मतलब हम पहले बता चुके हैं—जानकारी. इसलिये रिग् वेद का मतलब हुआ— कुद्रत के बारे में जानकारी.

هندستاني كلجر

(هنس راج رهبر)

[پچھلے سال هندستانی کلتچر سوسانقی نے هندستانی کلتچر پر أنعلمی ليکھ لکھائے تھے . تيس ودرانوں نے اِس پرتی ہوگتا ميں بھاک ليا تھا . ديش کے تين ذمخدار اور برح ودران جج بنائے گئے تھے . اُنھوں نے متحنت سے سارے ليکھوں کو پرتفکر اُپنا نرنے ديا ھے . اِن ليکھکوں ميں سے کئی کو اِنعام ملاھے . چاھئے يہ تھا که اُن ليکھوں کو پہلے چھاپا جاتا جن کو اِنعام ملاھے . ليکن وہ سب ليکھ انگريزی ميں ھيں اور انوواد کرنے ميں سيے لئے گا . اس لئے ھم پہلے اُن ليکھوں کو چھاپ رھيں جو هندی اور اُردو ميں ھيں .

اِن لیکھوں میں جو وچار ظاعر کئے گئے ھیں اُن کا 'نیا ھند' سے کوئی سبندھ نہیں ھے ۔ اِس پرتی یوگتا میں ھر وجار دھارا کے لوگوں نے بھاگ لیا ہے اور اِسی لئے اِن لیکیوں میں عر وچار دھارا پوھنے کو ملےگی ۔ ھم 'نیا ھند' کے پاتھکوں کے سامنے یہ سامگری اِس لئے پیش کو رہے ھیں که وہ سب وچاروں کو سامنے رکھ کر اپنا وچار بناسکیں اور صحدے کلیچر کی روپ ریکھا سامنے آسکے۔۔۔۔ایتیتر]

** ** **

میرا حیال ہے کہ پرکوتی کے بارے میں ادخک سے استخک جانکاری حاصل کرنا اور آسے عمل میں لانے کا فام کانچر ہے ۔

جس دیش یا جاتی نے پرکرئی کے بارے میں جتنی آدیک جانکاری پر جتنا عمل جانکاری پر جتنا عمل کیا آتنا ھی آس کا کلنچر آگے برما اور آس دیش یا جاتی کی ترتی ہوئی .

ھندستان نے پرکرتی کے بارے میں دھیرے دھیرے جتنا گیاں حاصل کیا اور اُس گیان کو اُپنے عملی جیون میں تعالا اُسی کا نام ھندستالی کلنچر ھے .

 जिल्द् 17 सितम्बर-अक्तूबर सन '54

नम्बर 3-1 3-4

ستمبر - اکتوبر سن 4⁻⁷

جاد 17

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्दु' पहुंचेगा घर-घर लिये प्रेम की मोली.

جات آدمی، پریم دهرم هے، هندستانی بولی، دنیا هند، پہنچے کا گھر - گھر لئے پریم کی جھولی،

"किसान राजा" ⊀

(जुबैर रिजवी)

में राजा हूं इस नगरी का सारी धरती मेरी जंचे परवत मेरे हैं यह नीली छतरी मेरी मैं राजा हूं इस नगरी का सारी धरती मेरी

रंग बिरंगे पेड़ों की यह मूमती डारें मेरी खिलयानों पर मेरा क्रज्जा धान की बालें मेरी

में राजा हूं इस नगरी का सारी धरती मेरी

स्रेत हैं मेरे, सागर मेरा, चंचल लहरे' मेरी मस्त पवन, घनघोर घटाएं, ऊदी मीलें मेरी

मैं राजा हूं इस नगरी का सारी धरती मेरी

फूल, रागूफे, कच्ची कलियां, हरी भरी फुलवारी खेल का हर हर पौदा मेरा गुलरान की हर क्यारी

मैं राजा हूं इस नगरी का सारी धरती मेरी

धरती के सीने में मैंने अपना ख़ून समोया तपती धूप में नाज उगाने बीज यह मैंने बोया

में राजा हूं इस नगरी का सारी धरती मेरी

अपने घर में भूक उगाई जग में हुन बरसाया महलों को उजियारा बख्शा कुटिया को अधियारा

मैं राजा हूं इस नगरी का सारी धरती मेरी

दाना दाना आज मगर है एक उपी तलवार देहला देगी सारे जग को आज मेरी ललकार

मैं राजा हूं इस नगरी का सारी घरती मेरी

डाली डाली पत्ती पत्ती पर है मेरा अधिकार मुस्काप है आज दरांती फुसल खड़ी तैयार

में राजा हूं इस नगरी का सारी घरती मेरी

"کسان راجه"

(زېير رضوى)

میں راجه هوں اس نگری کا ساری دهرتی میری ارادی اور اس نگری کا ساری دهری میری ارادی میری

میں راجہ هوں اس نکری کا ساری دهوتی میری

رنگ ہرنگے پہورں کی یہ جھومتی تأریں میری کہ کھیاتوں پر میرا قبضہ دھاں کی بالیں میری

میں راجہ هوں اس نگری کا ساری دهرتی میری

کهیت هیں میرے' ساگر میرا' چنچل لهریں میری مست پون' کهنگهور گهتائیں' أودی جهیلیں میری

میں راجہ هوں اس نکری کا ساری دهرتی میری

پیول' شکوفے' کچی کلیاں' نقری بیری پھلواری **کیبت** کا هر هر پودا میرا گلش*ی* کی هر کیاری

میں راجہ هوں اس نعری کا ساری دهرتی میری

دھرتی کے سینے میں میں نے اپنا خون سمویا تپٹی دھوپ میں ٹاج آگائے بینے یہ میں نے ہویا

میں راجہ هرس اس نگری کا ساری دهرتی میری اپنے گھر میں بھوک آگائی جگ میں هن برسایا

الله کهر میں بھوک اکائی جگ میں ھن برسایا مصلوں کو أجيارا بخشا کتيا کو اندھيارا

میں راجه هرس اس نکری کا ساری دهرتی مهری

دائہ دانہ آبے مکر ہے ایک آپی تلوار دھا دیے گی سارے جگ کو آبے میری للکار

میں راجہ میں اس نکری کا ساری دھرتی میری

ڈالی ڈالی پٹی پٹی پر ہے میرا ادھیکلر مسکڑے ہے آبے درانتی نصل کیڑی تیار

میں راجه هوں اس تكرى كا سارى دعرتى ميرى

नया हिन्द

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

4

माहवारी परचा

ىندستانى كلچ_{ار} سوسائتى

R

ماهواري برچا

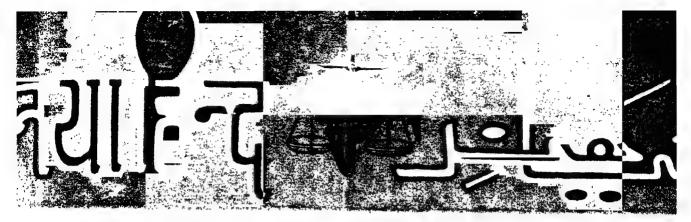
सितम्बर-अक्तूबर 1954 - ग्रंग्र-

क्या किस से			सका का		کیا کس سے	
7.	"किसान राजा" (क.विना)—जुबैर रिजवी	•••	123	•••	1. " كسان راجه " (كويتا)زدير رضوى	
2.	हिन्दुस्तानी कलचर—इंसराज रहवर		124	• • •	?۔ عصالی کلنچر—هنس راج رهبر	
ੜ,	बेकारी का हल—डाक्टर वी. वी. सिंह		141	•••	3. باکاری کا حل-قاکتر رہی ، بی ، سنکھ	
۵۱ .	योजना के तीन साल—सुरेशराम भाई		148	***	 یوجنا کے تین سالسریش رامههائی 	
5.	मदिरालय मं (कहानी) — लेखक लू-शुन-	श्चनु-		ر	د. مدرالله ميس (كهائي)! كرك لو. شنانوواد-	
	वादक कामेश्वर श्रमवाल	• • •	155	***	كاميشور أكرواتي	
6.	सूडान-जमीर इसन काजिमी		165		6. سرةان—ضمير حسن كازمي	
7.	बेली-एक इतिहास (तवारीख)-मदन गं	ोपाल	171	4	7. بوايــــايک اِتهاس (توارينم)	
8.	कुछ किताचें		175		الله كنچ كتابين	
9.	हमारी राय—		177	***	9. عماري <u>رائم</u>	
	देश की मांग—सुरेशराम भाई; चार मैडिल	r !—		سريتص	ریش کی مانگ—سریش رامهانی؛ چار میتل—ب	
	सुरेशराम भार् ट ; ''वैलक्रेश्चर स्टेट" व	बनाम			رامهائی؛ " ویل فیٹراستیت " بنام گرام راہے۔۔	
	मासराज—सुरेशरास भाई; वाढ़ पी <i>ड़ित</i> दः	रभंगा		بهائى؛	رامهانی؛ بازه پورت دربهنگا میں سسریش رام	
	में—सुरेशराम भाई; नई लड़ाई नये सिपा सुरेशराम भाई.	ही			نئى لوائى نئے سپلقى ـــسويھى رادبھائى .	

क्रीमत—हिन्तुस्तान में छै रुपया साल, बाहर दस रुप्या साल, एक परचा—दस आने.

मैनेजर

'नया हिन्द' 145, मुद्वीगंज, इलाहाबाद.
> مينيجور 'ئيا هند' 145' مڻهي گنج' العآباد .



प्रदिश्यः— ताराचंद, भणवानदीन, सैयद महमूद, विश्वग्यर नाय, सुग्दरलाल الْهِيَّرِ---تارالهِدَهُ بِهِكُولُونِينَ هُمَّ عَمْدُ عَمْدُ عَمْدُ عَمْدُ عَمْدُ عَمْدُ عَمْدُ اللهِ اللهِ الله بالاب الْهِيَّرِ---مريض رام بهائي صحمب رفوي वायब प्रदाटर— सुरेश रामभाई, गुर्जीव रिज़वी بالاب

रम नम्बर के खाम लख

- हिन्दुस्तानी कलचर—हंस राज रहवर
 - बेकारी का हल—डाक्टर बी. वी. सिंइ
 - याजना के तीन साज—सुरेशराम भाई
 - बोली—एक इतिहास (तवारीख)—मदन गोपाल

हमारी राय

- देश की मांग—सुरेशराम भाई
 - "वैलक्षेयर स्टेट" बनाम प्रामराज—सुरेशराम भाई
 - नई लड़ाई नये सिपाही—सुरेशराम भाई

اس نمبر کے خاص لبکھ

- معدستائی کامچرسمنس راج رحمر
- 🗨 بیکاری کا حل-قائفر وی . بی . سنگه
- یوجا کے نین سال۔۔ سریش رام بھائی
- موای ایک اِت اس (تواریخ) محدی گوبال

عماری رانے

- 💰 ديش کي مالگ ــسروش رامينائي
- " دويل فيدراستيت ، بنام كرام راج مسر ش رابهاي
 - نئی اوائی نئے سیاعی سریش رام بھائی

'ावी कलचर सोसाइटी, इताहाबाद (अंग अंग अंग

सितम्बर • अवत्वर 1954 براكتروبر

की सत दश व्याचा

هومورس ويسي أأأ

नई किताब

गंगा में गामनी तक

..... 'मुनांब की कर्णांसवां का विशेषता उनका होली में हैं, मामुली पहा क्सिया व्याद्धी उन्हें विसा कियों का मदद के समस रामना है परकला के साथ सत्या में च्येरा व्याप (बन्धादिला इस तमह है 'तस्य नरह देते पाए के विश्ववीं में (मर्जन) है.

इस कहानियों में हास्त्य भी हैं। इकाण भी ें कहीं इसने हंसते पेट में बल पड़ेश, ती कहां पहतत्वाले आप दुत्रव से क्तीयत का जातम, मृत्या की क्राफियों हसाक कीमल भावताएँ बकाता हैं, हमें अकता इसलाव बन उत्ते

न्दन्तम् अस्य त्यन्तम् अस्त

. जिले-द्र मध्यक

समभग हिन्दा के सभा बड़े लायकों से किया भ गोमना'' की सम्हा है.

"गंगा में गांमती तक" म १८० सके हैं, विहंधा गुम्बर कवर, बहिया तिल्द दाम केवल ही रूपयार अल्डो आईर भैतिये.

- मैन तर नदा हिन्द

मिलन का पना -

मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुट्टीरांच, इलाहाबार,

گنگا سے تومتی تک

ر المعدون فی فیانه ای ای بشیشتا آنکی شیشی ای استخبالی پوها انتها ادامی آنهین بقا دسر ای ایا استخباسکا هی سالها ای ساله به شا مهن ویدک ایاری اس طوح ایک ساسی طبح آونشی باش در ایاری انتهال ملکی هی

ی درون جهی هامها بهی شد شود دهی هی قرمها در دور در در داستی هامها جهای بازی تهیگها دو شهیدی بودکی در دراه در استهامهای و مانهاکی حددهاب شی درایی دوه فی دیازدادی داکای مهای شمهای ایبها

to the partie of the second

ر ود (معجهدی او صاوالید انداد ایدا معی امرین ا د در دیداند ایدامعی هیری اسرایی ود داد دو ایردسی د در این ایسی ایداردار در دادی های های ساله د در ایکاد سلام عمرای دمیای دخانج ایمار موقی دانی د در ادمار مهری ایرکی اسیامهی آدمی تا ایدا سوالی

» جيمهاد هار

اگا۔ انگلیہ عدمتی نے سموی ہونے تمکمکوں نے ''کلکا_میں ہے۔ این اور سرلعا نے ۔

الله من گومهی الکتاب مهی (۱۳۵۱ صفیحی ههی البایک لمرد درا بوهها جادی دام فههای دو رویهم الجادی آرای

مسا والمجر أوالله

والم يعد

" فالمناء " لها هلد " 147 مثله كليم الدآياد.

हिन्दुस्तावी कलचर सोसाइटी

هندستانی کلپچر سوسائٹی

मक्सद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना और प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (ः) एकता फैलाने के लिये किताबों, श्रख्यबारों, रिसालों वर्गम का छापना.
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाष्टों, कानकरेन्सों, लंक्चरों से सब धर्मों, जातों, बिरादरियों श्रीर फिक़ों में बापस का मेल बढ़ाना

-: ::--

मासाइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० श्रब्दुल मजीद रुवाजा; ग्रहम प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास श्रीर डा० श्रब्दुल हक्ष. गवरनिंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; मेकटरी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर-

डा० सैयद महसूद, डा० तागचन्द, मौलवी सैयद मुनमान नदवी, मि० मंजर श्रली सोख्ता, श्री बी० जी० हेग, पं० विशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द्र गंका, काजी मोहस्मद श्रद्धुल राष्ट्रकार श्रीर श्री श्रोम १काश पालीवाल.

मन्बरी के कायदों के लिये लिखिये-

सुन्दरलाल सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुट्टीगंज, इलाहाबाद

नंदि—सोसाइटी के नए क्रायदे के अनुसार मेम्बरी कीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया हो देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. अलग से स्वरी की फीस देने वाले सोसाइटी की निकली हुई कोई जाव जो एक रुपया दास की होगी सुक्त ले सकेंगे या गादा दास की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम ए सकेंगे.

مقصد

- (1) ایک ایسی هندستانی کلنچر کا بوهانا پههانا اور پرچار کرنا جس میں سب هندستانی شامل هوں .
- رائے) ایکٹا پیھلانے کے لیے کتابوں' اخباروں' رسالوں رشیرہ کا چھاپنا ۔
- (3) پوهائي گهرون ابتات گهرون سبهاؤن کانفرنسون ليکنچرون سے سب دهرمون جانون ابرآدريون اور فرقون امهن آيس لا مهل پوهانا .

---:0:---

سوسائٹی کے پریھڈنٹ۔۔۔مسٹر مبدالنجید خواجہ: وائس پریسیڈٹ۔۔۔ڈاکٹر بھکوان داس اور ڈاکٹر مبدالحق ، فورنٹگ باتی کے پریسیڈنٹ ۔۔ ڈاکٹر بھکوان داس: مکریٹری ۔۔ پلڈت سندرلال ،

گورندگ یاتی کے اور منہر ب

دَاکِتْر سهد محصود' دَاکِتْر تارا چهد' مهلوی سهد سلیمان ندوی' مستر ملظر علی سجده شری هی جی کههر' یکگت بشمیهر ناته' مهاتما بهگوان دین سهته پونم چهد رانکا قاضی محصد عبدالغفار آور شری اوم پرکاش پالهوال .

مسين کے قاعدوں کے لئے لکھٹے ۔

سقدر لآل سكريگرى: هقدستانى كلنچر سوسائتى؛ 145- متهى كفيم؛ العآباد .

نوت سوسائٹی نے نئے قاعدے کے انوسار ممبری کی فیس صرف ایک ررپیء کردسی گئی ہے ۔ ''نیا ہند'' کے جو کاهک صمبر بننا چاهیں اُن کو صرف چھ، رویھ، چندہ دیئے پر هی ممبر بنا لیا جائھٹا ۔ الگ سے ممبری کی فیس دیلہ والے سوسائٹی کی نعلی ہوئی کوئی کتاب جو ایک روپھ، دام کی ہوئی منت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی علائے پر ایک بار ایک روپھ، کم کا سکھنگے

हमारे यहां मिसने वासी कुछ और किताने ركاييل								
नोटः—यह कितावें सिर्फ हिन्दी में हैं								
नाम किताब	लेखक		वामं		ليكبك	نام کھاپ		
1. शेर चो शायरी	श्री श्रयोध्या प्रसाद गोयलीय	8	-	0	ِ ، هُرِی آیودهها پرساد گوگهلی	1. شعر و شاعري		
े. शेर भो सुखन	"	8	0	0	99	2. همر و سطن		
3. गहरे पानी पैठ	20	2	8	0	37	3. كېرى يالى يېگې		
4. इमारे चाराध्य	श्री बनारसीदास	3	0	0	شری بنارسی دارس معرب	4. همارم آرآدهه		
5. संस्मरण	भतुर्वे षी	3	0	0	چگرویدی	5. سلسمرن		
6. दो इजार वर्ष पुरानी कहानियां	भी जगदीशचन्द्र जैन		Ŏ	-	هري جگنيمي چانور حدي	ه. دو هزار ورهی پرانی کهانهان		
7. ज्ञान गंगा	श्री नारायण साद जैन	6	0	0	شري نارائن پرماد جهن	7. کیاں گفتا		
8. पथ चिन्ह	श्री शान्ति प्रिय द्विवेदी	2			هری شانعی پریهدریدی	8. يتو چنو		
9. पंच प्रदीप	शान्ति एम. ए.	2		0	شانعی ایم . آنے	9. پئے پردیپ		
10. बाकाश के तारे घरती के फूल	श्री कन्हेयालाल मिश्र प्रभाकर	2		0	شری کلهیالل مشر پریهاکر	10. آگھن کے تاریے دھرتی کے پھول		
11. मुक्ति दूत	भी वीरेन्द्र कुमार जैन एम. ए.	5	Ō	0	شری ویریندر کمار جهن ایم . اے	11. مكعي دوت		
12. मिलन यामिनी	श्री बच्चन	4	0	0	شری بحون	12. ملق ياملى		
13, रजत रिम	डाक्टर रामकुमार वर्मा	2	8	0	قائلو رام کبار ورما	13. رجت ر <i>شی</i>		
14. मेरे बाप	श्री तन्मय बुखारिया	2	8	0	شری للب بشاریا	14. مهری بادو		
15. विख्य संघ की और	पंडित सुन्दरलाल भगवानदास केला	3	0	0	پنڌت سندر لال' بهڪران داس کهلا	15. وهو سلکه کی اور		
16. भारतीय अर्थशास	श्री भगवानदास केला	5	0	0	هری بهگوان داس کیلا	16, بهارتیه ارته شاستر		
17. भारतीय शासन	"	3	0	0	2) ji	17. بهارتیه شایس		
18. नागरिक शास्त्र	91	2	4	0	99	.18 نافرک ماهتر		
19. साम्राज्य और उनका पतन	19	2	8	0	. 99.	19. سامولے اور آن ا		
20. भारतीय स्त्राधीनता अन्दोक्षन	"	1	4	0	. 97	يعني 20. بهارتيء سرادهينتا		
21. सर्वीवय अर्थ व्यवस्था	**	1	8	6		أندولن		
22. इमारी आदिम जातिय	ंभी थगवानदास केला और भी अस्तिल विनय	3		0	شربي بهكوان داس كهد	21. مرروف ارته ويوستها 22. مناری آدم جاتهاں		
23. अर्थशास्त्र शम्दावली	श्री दया शंकर दुवे, एम. ए. एल एल. बी.	2	0	0	آور شری اکهل رئے غربی دیا شفکر دریے	23، ارته هاستر شهدارلی		
	गजाधर प्रसाद, अम्बुष भगवानदास केला	₹,			ایم ، اے، ایل ایل ، ہی۔ کجادھر ہرساد' امیشٹ' دی اسمانہ مانہ کوا			
24. नागरिक शिशा	भगवानदास केला भी द्याशंकर दुवे	1	8	0	پهکوان داس کیلا غربی پهکوان داس کیلا دیا فلکر دریے	24. نفرک عکما		
25. रारद्र मंडल शासन	भी दयाशंकर दुवे	1	8	0	ميا شلكر دوي	23. رافعر منقل هاس		
26. जवानी	महात्मा मगवानदीन	3	_	0	مهاتما بهگوان فین	26. جرانو		
27. मारने की हिम्मत !)	1	0	0	Or O. b. de make	27ء مارنے کی همعو		
28. सतीना सच	,,	0	8	0	77 · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	28. مارنا سے		
१९). मेरे साथी	n	1	0	0	77	29. ميرے لبی		
ं भिवा	ने का पता			-	79	مللے کا پدی		
मैनेवर 'नवा दिन्द' 'अंक कि' निवास 145, सुदीगंज, इसाहावाद-8 कुक्शीश कुर्य 145								

झंकार

सम्पादक-भी रघुपति सहाय 'फिराक्र'

पिछले पन्द्रह बरस से आज तक की वरवू की धुनी हुई किविताओं का यह संप्रह पढ़ कर आप को मालूम होगा कि वरदू किवता ने किस तरह खयाली दुनिया को छोड़ कर जिन्दानी की सवाइयों से अपना नाग जोड़ लिया है. आज की वरदू शावरी गुल व बुलबुल और वस्ल व फिराक़ तक ही सीमित नहीं है, अब आप को वरदू किवता में किसानों और मजदूरों के दिलों की अड़कनें मुनाई देंगी. ग्रालामी, अन्याय और लूट खसोट के खिलाफ आप ए ऐसी आवाज मुनेंगे जो आपके दिल की गहराइयों को छुएगी.

"इन कविताओं में अर्न्तराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय दोनों मलकें मिखती हैं......चानि तथा साकार "......चास्तव में हिन्दी संसार में यह प्रयास अनोसा है और उरद् साहित्य के आधुनिक दौर में अहितीय..."

23-2-152 —रोजाना 'लोकवाणी' जयपुर "जहां तक भाव का सम्बन्ध है कविताएं उच्च स्तर की हैं."

6. 3. '52 — 'विशाल भारत' कलकत्ता ''मंकार में प्रकाशित 72 उरदू की कविताएं आज ही के युग की समस्याओं से जोत शित हैं."

17-2-752 — 'नव भारत टाइम्स' दिल्ली ''हिल्दी के. पाठक स्नेह बौर चाव से इस संग्रह

"हिन्दा के पाठक स्नह कार चाव स इस समझ का भानन्द लेंगे और बनसे प्रेरणा प्रहण करेंगे, यह निश्चित है."

13-1-'52 — 'अमृत पत्रिका' इखाहाबाद

'हम उन की (कविताओं की) शक्ति, ताजगी और सूत्र के क्रायक हैं. यह एक नए युग का सन्देश देती हैं...भाषा अधिकतर सरक और बामहाबरा है. कहीं कहीं तो ठेठ हिन्दी है."

8-5-162 -- 'जीवन साहित्य' दिल्बी

"मंत्रार की रचनाओं में युग की पुकार है और माधा विसक्त बोस चास के निकट है"—"नया समाज' क्सकत्ता

नागरी विस्तावट में पेसा मरपूर उरदू कथिता समह भाष तक नहीं निकता. सुन्दर जिल्द, बिद्या काराज, उन्दा अपार्थ, दाम सिर्फ तीन कप्या दस कितावों की एक साथ स्टीब्रिटी पर प्यास की सदी कमीशन.

विक्रमें का पता-

बैनिकर 'क्या दिल्क' 145, सदीगंक, इसादाबाद.

جهنكار

حمهادک-شوی ولهویعی سهائے ' فوأتی '

ا إن كويتاؤل مهل انعر راهارى تنها رأهارى دونول مهلكيل معى ههلى...متجهو تنها ساكار ههل... واسعو مهل هلكي سفسار مهل يه يرياس انوكها هـ أور المهل ساهايه كـ أدهلك دور مهل أدنيه هـ... "

52-2-52 — روزآنه الوک واتی مے ہور الا جہاں تک ہماؤ کا سمبلدھ ہے کویتائیں آج استر کی میں ۔''

25′-3-152 سـروهال بهارت كلكته

4. جھلکار میں پرکشت 72 اُردو کی کویٹائیں آج می کے یک کی سدسیاوں ہے اُرت پروت میں ۔'' 17_2_752 — اُنو پہارت ٹائیس' دلی

'' هندس کے ہالیک اِسلیم اور جاو سے اِس سلکوہ کا اُنقد لیلکے اور اُن سے پریٹا کرهن کریلکے' یہ نھجےت ہے۔'' 13-1–152 کامارے کی کامارے ک

" هم أن كى (كريتاؤں كى) شكتى' تاؤكى اور حرثر كے قائل هيں ، وہ ايك نئے يك كا سنديش ديتى هيں... پهاشا ادهك تر سرل أور بامصاورہ هے ، كيس كيس تو تهيتو هندى هے ،''

8-5-1<u>52</u> ماهتهه دلي

" جهلکار' کی رجلاوں میں یگ کی یکار ہے اور یہاشا یاکیل ہول جال کے نکت ہے ۔"سا نیا ساج ' کلکان لگری لکھارٹ میں ایسا یہریمور اُردو کریٹا ساگرہ آج تک نہیں نکا ، سندر جاد' یومیا کافی مدن چھپہاڑی دام صرف تھی روہت ، دس کتابوں کی لیک سالہ خوہداری پر بچاس فیصدی کیھی ،

> ملئے کا ہتد۔ منبجو ' لینا علد ' 145' منبی للمے الدایان،

गांधी बाबा

लेखक-कृद्सिया जैदी दो शब्द-जवाहरलाल नेहरू

यह अनमोल फिताब जन्म से बलिवान तक की गांधी जी की पूरी और सच्ची जीवनी भी है और कहानी भी. इमारे देश में यह पुराना रिवाज रहा है कि माएं अपने वचीं को महापुरुशों के जीवन चरित कहानी के रूप में सुनाती हैं. इस तरह की कहानियां आम तौर पर वीर राजाओं और उनके युद्धों की कहानियां होती हैं. बेगम क़ृदसिया बौदी ने, जो महात्मा गांधी की परम भक्त हैं, अपनी इस किताब में गांधीजी की जीवनी और उनका सत्य, अहिंसा, प्रेम और त्याग का उपदेश बच्चों को ऐसी प्यारी. सीधी सादी बोली में और ऐसे ढंग से सुनाया है कि बड़वों के दिल में उतरता चला जाता है. हिन्दी में गांधीजी के उपर बच्चों के लिये इससे बदकर किताब नहीं है. इसमें कहानी का रस भी है और बच्चों को ऊंचा उठाने वाले उपदेश भी.

पंडित जबाहरलाल नेहरू ने अपने 'दो शब्द' में

सिखा है---

"उन्होंने (क्रुद्सिया जैदी ने) यह छोटी सी किताब सक्ने दिल से लिखी है. वह इसे सिर्फ एक किताब नहीं सममती. उनके लिये गांधीजी की कहानी एक बहुत ही महत्त्व की और प्यारी चीज है... मुक्ते ख़शी है कि यह किताब लिखी गई है."

मोटे काराज पर, मोटे टाइप में, बहुत सी रंगीन तसबीरें, बार्ट पेपर पर सुन्दर रंगीन कवर और दफ्ती की मजबत जिल्ब-दाम केवल दो रुपए

भाषा

लेखक—लाखा मदन गोपाल

हिन्दी उद् और हिन्दुस्तानी की तकरार पर एक वे लाग राय इस किताय में जापको मिलेगी. राख्ट्र भाषा के सवाल में दिलाचरपी रखने वाले हर भाई-यहन की इस किताब के पहने से कायदा होगा-सोचने की राहें स्मेंगी, जानकारी बबेगी और तरह तरह की तंग नवरियां मिटेंगी.

क्ररीव सवा सौ सन्ने की सुन्दर किताब, वाम डेड़ क्या

(संसने का पता-

كاندهي بابا

ليكيك سالدسهم ويشي دو شهد-جواهر لال تهرو

یہ انمول کتاب جلم سے بلیدان تک کی الدھی جی کی پوری اور سچی جهوتی بهی هے اور کیانی بهی، هماری ديمي ميں يه پرانا رواي رها ۾ که ماڻيں ايم بحور کو مہاپرشوں کے جهوں جرس کہائی کے روپ میں سنائی میں۔ اِس طرے کی کہالیاں عام طور پر ویر راجاؤں اور اُن کے يدهن كي كهالهان هولي ههن . بهكم قدسهه زيدي نے ا جو مہاتیا الدھی کی پرم پہکست ھیں' اُپٹی اِس کتاب میں کاندھی جی کی جیوئی اور اُن کا سکیء' املسا' یریم اور تهاک کا اُپدیش بچوں کو ایسی پیاری سیدھی سادی بولی میں اور آیسے ڈھٹک سے سفایا ہے کہ بھوں کے دل میں اُترا چلا جاتا ہے ، هندی میں الدهی جی کے اوپر بجس کے لگے اس سے بوھ کر کتاب نہیں ہے ، اس میں کہانی کا رس بھی ہے اور بچوں کو اونچا آٹھالے والے

يفقت جواهر لالنهروني أبي ادر شبدا مهن لکها هـ " اُنھوں لے (قدسیہ زیدی لے) یہ جھوٹی سی کتاب ستھے دل سے لکھی ہے ۔ وہ اِسے صرف ایک كتاب نبين سنجهتين ، أن كَ لك الندهي جي کی کہانی ایک بہت ھی مہتو کی اور پھاری چھڑ همجه خرش هاکه به کتاب لکهی گئی ها ...

موتے کافق ہو' موتے تائی میں' بہت سی رنکین تصریریں' آرت پیپر پر سفدر رنگین کور اور دفاعی کی مضبوط جلد سدام کهول دو رویشی .

لهاها

لهکهک-اله مدن کوبال

مندی اُردو اور مندستانی کی تعرار پر ایک ہے۔ لاک رائے اِس کتاب میں آپ کو ملے کی . راشار بہاشا کے سرال مهن دلتهسهي ركها وأله هر عهالي عهن كو إس کتاب کے پیعلے سے قائدہ ہوگا۔۔۔سوچلے کی وادیں سوجویں كي جائكاري يوي كي أور طرح طرح كي تلك لطريال

تربيب بوانيو منعص كي سقدر كتاب دام قيوه ويهه . مللے کا علقت

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखक-भी मंजर चली सोख्ता

अपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस को लोक सेवा संघ में बदल देने के लिए अपनी हजतीज लिखी थी. यह देश के नाम उनकी आखिरी वसीयत है और इसकी अ्याख्या गांधी जी के परम भक्त श्री मंजर अजी सोख्ता ने की है जो गांधीवाद को सममने और अपनाने बाले देश के इने गिने लोगों में से एक हैं.

गांधीबाद को सममने के लिए इसका पढ़ना बहुत ज़रूरी है. 225 सफे की सुन्दर जिल्द बँघी किताब की क्षीमत टिक दो कपए.

अहिंसात्मक इन्क्रजाब का रास्ता

लेखक—श्री मंद्रार अली सोख्ता इस झोटी सी किताब को पढ़ कर आपको पता चलेगा कि महात्मा गांधी क्या चाहते थे और किस तरह उनके रास्ते पर चल कर अहिंसात्मक ढंग से देश में इन्क्रलाब जाया जा सकता है.

पैतीस पन्ने की किताब, दाम सिर्फ चार आने.

आज के शहीद

सम्पादक—श्री रतन लाल बंसल उन बहादुरों की कहानियां जिन्होंने विदेशी हाकियों की फैलाई फूट की खाग में इनसामियत को भस्म होते देख एक छन की भी देर न की और उसे, बुमाने की कोशिश में पपनी जान क्रुरबान कर दी. दाम सिर्फ ढाई क्पया,

मुस्लिम देश भक्त

लेखक-श्री रतन लाल बंसल

उन मुसलमान देश अक्तों के जीवन का हाल जिन्होंने भपनी जान हमेली पर रखकर हिन्दुस्तान और विदेशों में रहते हुए भारत माता को गुलामी की खंजीरों से आजाद करने की कीशिश की. किताब बड़े दिलाबस्प इंग से लिखी गई है. क्रीसत सिर्फ एक दुपया बारह आने.

मिलने का पत्त-रैसियर, 'नवा दिग्य' 45, स्टीतंत्र, इलाहाबाद,

مهاتبا کاندهی کی وصیت

لهکهکه سهری ملطر علی سرخانه

اپے دیہانت سے کتھ کہنٹے پہلے مہاتما کاندھی نے انگریس کو لوگ سیوا سٹکھ میں بدل دینے کے لئے آپنی نجوریز لکھی تھی۔ یہ دیش کے نام آنکی آخری وصبت ہارر سکی ویاکھیا کاندھی جی کے پرم بھکت شری مقطر علی موضعے نے کی ہے جو گاندھی واد کو سمجھنے اور آپنانے والے والے میش کے اِنے کئے لوگوں میں سے ایک عیں .

کاندھی واد کو سمتھھلے کے لگے اِسکا پڑھلا بہت ضورری ہے ، 225 صفتے کی سلدر جلد بلدعی کتاب کی قیمت صرف دو روپیائے ،

اهنساتیک إنقلاب کا راسته

ليكهگ--شرى ملظر على سوخاته

اِس چھوٹی سی کتاب کو پڑھکر آپ کو پتھ چلے گا یہ مہاتما گاندھی کیا چاھٹے تیے اور کسطرح اُن کے راسکے و چل کو اھنساتمک ڈھنگ سے دیھی میں اِنقلاب لایا ہا سکتا ہے .

پیلتیس به کی کتاب دام صرف جار آنے .

آج کے شہیں

سمهادك-شرى رتبي لال بقسل

ان بہادروں کی کہانیاں جنہوں نے ودیشی حاکسوں ہے پہھائی پہوٹ کی آگ میں اِنسانیت کو بہسم ھوتے یک ایک جہانے کی اور اُسے پیچھانے کی وہس میں اپنیجان الربان کر دی، دام صرف تھائی رویعہ

مسلم ديش بهكت

لهکهک-شری رتن لال بنسل

آن مسلمان دیش بهتھوں کے جھون کا حال جلھوں ان اللہ ہماں جلھوں ان اللہ ہماں معمول میں اللہ ہمان معمول میں معلم موٹے بھارت ماتا کو فلامی کی ونجھوں سے آزاد کرنےکی وقفی کی کی۔ کتاب ہوے دلتونسپ ڈھنگ سے لکھی گئی ہے ۔ کھیمٹ صوف ایک وربعہ بارہ آئے ۔

علے کا پائے۔۔۔ مهلیمبر (لہا جلد ' 145' ملبی کلی الدآباد .

गीता और कुरान

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किशाब में हिन्दू धमं और इस्लाम दोनों के मेल की बातें है. गीता का बड़प्पन, गीता के एक एक अध्याय का निचोड़, .कुरान का बड़प्पन, लगभग 15 स्नास खास मज़मूनों पर .कुरान की क़रीब 500 आयतों का लक्षी तर्जुमा बरौरा दिया गया है.

जो सोग सब धर्मों की बुनियादी एकता को जानना और सममता चाहें उनके लिये यह किताब अनमोल है.

पौने तीन सौ सके की सुन्दर जिल्द बंधी किताब की क़ीमत सिर्फ ढाई इपया, डाक खर्च जलग.

हिन्दू मुसलिम एकता

इस किताब में वह चार लेक्चर जमा किये गए हैं जो पंडित जी ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में दिये थे.

सौ सफ्ने की किताब. क्रीमत सिफ्ने बारह जाने.

महात्मा गांधी के बिलदान से सबक्र

साम्प्रवायिकता यानी फिरक़ापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और इसका इलाज. इसी ने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी सक को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

पंजाब हमें क्या सिखाता है

ध्यक्तूबर सन् 1947 में पिछ्झी और पूर्बी पंजाब के बटवारे के बाद वहां की भयंकर बरबादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो मुसीबतें आह उन का द्र्वनाक आंखों देखा बनन. इस छोटी सी किताब में आजकल की मुसीबतों को हल करने के लिए कुछ मुमाव भी पेश किये गए हैं. क्रीमत चार आने.

बंगाल भीर उससे सबक

इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरवी और पिछामी बंगाल के फिरक्रेबाराना मगड़ों पर रोशनी डाली गई है और ऐसे मगड़ों को इमेशा के लिए खत्म करने की सरकीब भी सुमाई गई है. क्रीमत सिर्फ दो जाने.

विसने का पता-

सेते कर, 'नया दिन्द' 145, सुद्दीगंडा, इक्षमाबाद.

عيتا اور قوان

ليكهك__ينتات سندر لال

اس کتاب میں هندو دهرم اور اِستم دونوں کے مهل کی باتھی هیں۔ گهتا کا بوپی گهتا کے ایک ایک ادهیا کا نچور تران کا بوپی گهتا کے ایک ایک ادهیا کا نچور تران کا بوپی گهتا 15 خاص خاص مقدونوں پر تران کی قریب 500 آنتوں کا لفظی ترجمہ وقیرہ دیا گها ہے .

جو لوگ سب دھرموں کی بلیائی ایکھا کو جانگا اور سمجھٹا چاھیں اُن کے لئے یہ کتاب اندول ہے .

ہوئے تین سو صنعے کی سلدر جلد بلدھی کتاب کی ٹینٹ صرف ڈھائی رریقہ ٔ ڈاک شرچ الگ ،

هندو مسلم ایکتا

اِس کتاب میں وہ جار لیکنچر جدم کئے گئے میں جو پندس جی نے کلسیلیٹری ہورۃ کوانیار کی دموت پر کرانیار میں دیے تھے ،

سو صفحے کی کتاب ۔ قیمت صرف ہارہ آئے۔

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

سامپردایکتا یعلی قرقه پرستی کی بهماری پر راج کہی مدھبی اور اِتهاسی پہلو سے وجار اور اُسکا علاج، اِسی نے آخر میں دیش پتا مہانما کاندھی تک کو ھمارے بیچے میں نا رہنے دیا ،

تيمت بارة آلے .

بنجاب همیں کیا سکھاتا ھے

اکتوبر سن 1947 میں پھیمی اُور پورای پلجاب کے بترارے کے بعد وہاں کی بھیلکر بریادی اُور آپسی مار کات کے کارن لوگوں پر جو جو مصیبتیں آئیں اُن کا فردناک آئیوں دیکھا رونن ، اِس جہوتی سی کتاب میں آجکل کی مصیبتوں کو حل کرنے کے لئے کتیب سیمیاؤ بھی پیش کئے گئے ہیں، قیمت جار آئے،

بنگال اور اُس سے سبق

اِس جہوتی سی کتاب میں 50–1949 میں ہررہی اور ہچھمی بنتال کے فرتموارانہ جہکورں پر روشنی ڈائی کئی ہے اور ایسے جہکورں کو جمعہ کے لئے ختم کرنے کی درکیت بھی سچھائی گئی ہے ۔ تیست صرف در آئے ۔

سلل ۲ بالا-

سينيم أنها شيدا 145 معبي للج الداباه

हिन्दु सानी इस्पर सीसाहटी की कितावें

प्रवास हपए से विवादा दाम की किता विवाद सरीदने बालों को और मुकसेलरों को कास रिकायत दी जायेगी. पूरी जानकारी के लिए जिल्लिये.

हाक या रेता सर्च हर हालत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सन 1950 से सारे मारत में लागू हुआ। 'भारत में अंगरेजी राज' के लेखक पंडित सुन्दरलाल हारा मूल अंगरेजी से अनुवादित.

हर मारतवासी का फर्क है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समके. भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जरूरी है.

आसान बामहावरा भाशाः रायल अठपेजी बड़ा साह्यः. सगभग बार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्दः क्रीमत केवल साढ़े सात कपरः

प्रस्कटन्द्र पर बापू

सम्पादक-श्री श्रीक्रश्न दास

इम पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिता के सवाल पर जो कुछ कहा या लिखा वह सब धापको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी सान्त्रदायिकता के नुक्रसानों को समके और इस जहर को अपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. अच्छा काग्रज. दो सौ सके. क्रीमत दोठपचा.

विनोबा का सन्देश

लेखक सुरेश राममाई एक शब्द-महात्मा मगवानदीन

विनोबाजी के भू-रान-यहां से बाज सारा देश वाक्रिक है. इस बोटी सी किराब में बापको मिलेगा कि यह भू-रान-यह क्ष्म और कैसे शुरू हुवा और इसका मक्रसद क्या है. पहाला परीशन हाथों हाथ निकल गया. यह दूसरा परीशन है, सबे 25, दान केवल हो बाने.

निवार प्राः विकार प्रमा क्रिक 145, स्टीगंज, इताहाबाद.

هانگ او پهنچار سوساتتی في کتابين

معامی ویکی سے زیادہ دام کی کتابیں خریدنے والوں کو اور بکسیلروں کو خاص رمانت دی جالیکی ، ہوری جالکاری کے لیے لکھلے .

عَلَيْهُ بِهَا رَبِيلَ عُربِي مَر حالت مين المك كي ذمي موال .

بهارت کا ودهان

يورا هندى أنووأد

جو 26 جنوری سن 1950 سے ضاربے بہارت میں لائو ہوا ۔
آبہارت میں انگریزی راج' کے لیکھک پنڈٹ سلدلال دوارا مول انگریزی سے انہوادت ،

ھر بھارت واسی کا فرض ہے کہ جس ودھان کے ادھین سوادھیں بھارت کا شاسن اِس سے چل رھا ہے آہے اُچہی طرح سمتھے ، بھارت کے ھر کھر میں اُس پستک کا رھفا ضروری ہے ،

آسان بامتحاورہ بھاشا، رایل آٹھ پھتجی بڑا سائز ، لگ بھٹ جار سر پغلے ، کپوے کی سلدر جلد ، قیمت کھول ساتھ حات رویگے .

فرقه بندی پر باپو سیادک—هری هریکرشن داس

اس ہستک میں سن 1921 سے سن 1948 تک القدمی جی نے سامہردایکتا کے سوال پر جو کچھ کیا یا لکھا با سب آیکو ایک جگاہ ملھا .

ہمارت کے آزاد ہونے پر یہ اور یہی ضروری ہو گیا ہے کہ ہر پہارت واسی سامپردایکٹا کے تقصان کو سمجھے اور اس زہر کو اپنے اندر سے صاف کرنے ،

ستدر جاد . آجها کافق در سو صنحے ، قهست دو رویعه .

ونوباً کا سڈدایش لیکھک—سریش رامبھائی ایک شددسمہاتیا بھکوان دین

ونوبا جي كے بهودان يكية ہے آج سارا ديش واقف هے، ايس جهواتي سى كتاب ميں آيكو مليكا كه يه بهودان يكية ايس اور كيسے شروع هوا أور إس كا مقصد كها هے،

بهد الكيفن هاتون هاتو نعل لها . يه دوسرا الكيفي الله على الله الكيفي الله . مفسى 25 دام كيول دو آلى .

مقل لا يعدب منها هند؛ و145 منهي كلي العاباد،

सरकार के सामने विद्यार्थी हाथ फैलाकर कभी नहीं गया. कभी किसी ने नहीं चाहा कि गोरे अकसर जनता के बीच में भाकर भाषन वें बहिक बगर कोई साइसी अंग्रेज वा वर्तानी सरकार का हिन्दुस्तानी अकसर बीच में आ भी जाता था तो खोग नकरत से मुंद मोड़ लेते थे. जिस दिन स्रोम यह समक लेंगे कि कांग्रेस सरकार जनता की सरकार नहीं है इस दिन कांग्रेस मन्त्रियों के साथ भी लोग यही व्योहार करेंगे. लेकिन बाज कांग्रेस को जनता की सरकार सममा जाता है और इसीसिये दावा है कि मन्त्री को जनता के बीच में बाना पड़ेगा. जब मन्त्री इन्कार करते हैं तो यही दावा अधिकार को उकसाता है, जब अधिकार को हिंसक इथियार दिखाये जाते हैं तो दूसरी तरफ भी जोश बहुता है. सभी यह विचार पैदा होता है कि हमें अपनी मांग के विये धान्दोकन करना चाहिये. धान्दोवन को दबाने के लिये मन्त्री गोली चलवाने की धमकी देते हैं. इस बमकी को विद्यार्थी सामृहिक हप से स्वीकार करते हैं एक बात बनके दिल में साफ होती है और वह यह है कि संगठित ताक्रत के बागे सरकार की कीज बौर प्रविध हेच है. वह निसर होकर जुल्स ले बलते हैं. सरकार उनमें हर पैदा करने के लिये पुलिस के दस्ते भेजती है. अब यहां संपर्श चकता है, होद सगती है. न जाने क्यों विद्यार्थी इतना मजबूत है कि वह प्रक्षिस से नहीं बरता और यह भी होता है कि प्रतिस को अपनी हीनता का अनुसव कराने के सिये वह कभी कभी कुछ अनुवित प्रदम भी उठा लेता है. किसवानी विश्ली सम्भा नोषदी है. सरकार को जब अपनी द्वार दिखाई पड़ती है और जब वह देखती है कि बसकी शक्ति को विशासी हीन मानते हैं तो वह किसी न किसी बडाने से गोली चलाती है. गोया यह बताती है कि हम धमकी ही नहीं देते सच्छन हम में शक्ती है.

यही जद है जिसकी बजह से बार बार गोली वसती है. सवाल इस बात का नहीं है कि गोखी पहले बखी कि विद्यार्थियों ने आग पहले लगाई. सवाल यह है कि कांग्रेस सरकार भीज की सरकार है या जनता की. दोनों सरतों में मिन्त्रयों के बाचारन में समीन बासमान का कर्क रहेगा. इसकिये जरूरी है कि कांग्रेसी मन्त्री अपना रास्ता तब कर हों. अगर पुलिस फीज के वह मन्त्री हैं तो उनका मौजूदा इस किसी को नहीं असरेगा, फिर गोखी चलाने की नौबत नहीं आयगी. अगर वह अपने की जनता का सममते ? और चाइते हैं कि गोली न चले तो उन्हें अपना मौजूदा व्योहार बदलना होगा. जितनी जस्यी से जस्यी वह अपने बस का पेक्षान कर दें बतना ही अच्छा है.

سال کے ساملے ودیارٹھے مالو چھیاکر کیھے تیمی کیا۔ کیھی کسے نے نہوں چاما کہ گورے انسر جلعا کے بیتے موں آثو بهاغريهديس، بلكه أكر كوكيساهسي أنكريز يا برطائي سركار كا مندمعاني افسر بهج مهن أ بهي جاداً لها تو لوك تقريعا سر مله مور لهار لهر . جس دس لرگ یه سمجه لهلک که انكريس سركار جائمًا كي سركار فهون هي أس دن كانكريس منتریوں کے ساتھ بھی لوگ یہی وہوھار کرینگے ، لھکی آپ كالكريس كو جلكا كي سركار سمجها جاتا هي اور اسي لكي دعوور هے که مفتری کو جفتا کے بوبے میں آنا پریکا، جب ملترى أنكار كرتے هيں لو يہى دمريل أدههكار كو أكسالا هے ، جب ادههکار کو هفسک هعیار دکیائے جاتے هیں تو دوسری طرف يوني جوهي پوها هي ، الب هي يه وجار يهدا هوايا م که همیں آیتی مانگ کے لگے آندولی کرنا جامگے ، أندولن کو دیائے کے لگے سفتری کولی جلوائے کی دھمکی دیعے هیں . اِس دهمکی کو ودیارتهی ساموهک روپ سے سریکار کرتے ھیں ، لیک پات اُن کے دل میں صاف ہوتی ھے اور وہ یہ ھے که سلکتوت طاقت کے آگے صرکار کی قوب اور پرلیس هیچ هے ، وہ نگر هوار جاوس لے جلکے میں. سرکار اُن میں تر بھدا درنے کے لئے بولیس کے دستے بهیجتی ہے ، آب یہاں سلکھرش جلتا ہے' مور لکتی ہے ، به جائے کھوں ودیارتھی اِللا مقبهوط ہے که وہ ہولیس سے نہیں قرتا اور یہ بھی ھوتا ہے کہ پولیس کو ایکی ھیلگا کا انوبہو کوانے نے لگے وہ کیمی دیمی تجہ آن آجمت قدم بهي الها لهما هي . كهسهائي يلي كهمها توجعي هي، سركار کو چب اینی هار دکهائی پوٹی کے اور جب وہ دیکھتی ه که آسکی شکعی کو ردیارتهی ههی مانعے مهن تو وہ اسی نه کسی بهانے سے گولی جلائی ہے ۔ گویا یه بتاتی ہے که هم دهنگی هی نهیں دیتے سے میے هم میں گکتی ہے۔

یہی جو ھے جسکی وجہ سے بار بار کولی جلعی ھے ۔ موال اِس بان کا نہیں ہے که گولی پیلے جاتی که دیارتهوں نے آگ پہلے لگائی ، سوال یہ ہے که کانگریس مورکار پولیس فوج کی سرکار ہے یا جمعا کی، دونوں صورتوں س منتریوں نے آجری میں زمین آسمان کا فرق رهیا ، اس لئے ضروری ہے کہ کانگریسی مقتری ایقا راحته طے اللهن، اگر پولیس فوج کے وال ملکری هین تر اُن کا موجودہ اخ نسی کو نہیں آئیرے کا' پہر کوئی جلائے کی نویت بین آئیکی ، اگر ہے آیے کو جنعا کا سبجہعے میں اور جاهيم هي كه كولى له جال تو أنهين ايدًا مرجوده يهوهار بدللا هوگا ، بچلالی جلاس سے جلدی وہ آبے رم کا اعلان اردين ألقا هن أجها هـ .

BQ . 7 . 54

-प्रजीय रिष्मवी

ساری راک

सरकार इन कोगों की हैं जिनके हाथ में पैसा है छीर लड़के भी क्टी के हैं जिनके हक में पैसा है. लड़का बुरा हो या अच्छा पर मां वाप को प्यारा होता है, वह कभी पसन्द नहीं कर सकते कि इनके बच्चों पर गोली चलाई जाये. खगर इनको यक्तीन हो जाये कि मज़दूर और किसानों की तरह ही यह सरकार हमारे बच्चों पर भी गोली चलाती है तो वह खपना सहयोग सरकार से वापस ले लें. सरकार इस बात को सममती है. जब जब विद्यार्थियों पर गोली चलती है, सरकार कहती है कि गुन्हों ने क़ानून को खतरे में बाल दिया था इसकिये गोली चलानी पड़ी. इस तरह वह विद्यार्थियों को पीछे डाल देती है और गुन्हों को आगे कर देती है और यह सिद्ध करती है कि नागरिकों को आफत से बचाने के लिये गोली चलाना ज़हरी था.

द्सरा सवाल यह भी डठ खड़ा होता है कि विद्यार्थी बार बार सरकार के खिलाफ क्यों खड़े होते हैं. कहा चीजें तो आम हैं. इन पर बहुत कुछ लिखा जा चुका है. लेकिन एक बात बहुत स्त्रास है और आजतक के सारे आन्दोलनों में वह पाई जाती है. वह है मन्त्रियों का अनुचित व्यवहार. जब जब लोग उनसे मिलने जाते हैं और अपनी मांगें उनके सामने रक्षते हैं तो वह तर्क से नहीं धमकी से जवाब देते हैं, धमकी दूसरे में रास्सा पैदा करती हैं. कायर धमकी से दब जाते हैं और हमें, इस बात की खशी है कि हमारे नीजवान कायर नहीं हैं. इन्दौर की दुर्घटना में भी यह बात साफ दिखाई पहती है. एक प्रिन्सिपत का तबादला कर दिया जाता है. उनसे विद्यार्थी अपार, श्रद्धा रखते हैं. विद्यार्थी शिक्षा मन्त्री से मिलना चाहते हैं और प्रार्थना करना चाहते हैं कि वह तबादले को रोक दें. दो एक दिन तथादला ठक सकता था. दावत बाजियों से दो एक दिन की फ़ुरसत मन्त्री जी ने सकते थे. धगर मन्त्री जी प्यार से विद्यार्थियों को सममाते और तर्क से छन्हें जीतने की कोशिश करते तो इन्दौर की दुर्घटना न होती, मैं यह नहीं कहता है कि एक दिन में विद्यार्थी मान जाते लेकिन यह जरूर है कि विचार्यो जुलूस न निकासते, जोश में न बाते और बगर मन्त्री जी के पश्च में कुछ जाने होती तो वह मान भी जाते. भावमियों की जान लेने से बेहतर होता कि सरकार के मन्त्री अपना कहा समय वर्षात कर लेते.

मण्य भारत की सरकार को होए क्या दिया जाय है हर कांमेसी सरकार यही करती है. एक तरक जनता की सरकार होने का दावा है और दूसरी तरफ पुलिस और कीज का हर बास में सहारा खिया जाता है. दोनों विरोधी बातें हैं. पुलिस और फीज के बस पर राज्य करने वालों के शस जनता के अतिनिध सांग केकर नहीं जाते. अंमेजी سرگار آن لوگوں کی ہے جس کے ہاتھ میں پیستہ اور لوگے بھی انھیں کے میں جس کے ہاتے میں پیستہ اور لوگے بھی انھیں کے میں جس کے ہاتے میں پیستہ ہے اور لوگ برا ہو یا اجھا پر ماں باپ کو پہارا ہوتا ہے وہ کیمی پسٹد نہیں کر سکتے کہ اُن کے بحوں پر گولی چلائی جائے ۔ اگر اُن کو یقین ہوجائے کہ مودور اور کسانوں کی طرح می یہ سرکار ہمارے بحوں پر کیمی گولی چلائی ہے تو رہ اپنا سپہرگ سرکار سے واپس لے پر گولی چلائی ہے اس بات کو سمجھکی ہے، جہاجہ ودیارتھیں کو پر گولی چلائی ہے اس لگے گولی چلائی ہری ۔ اِس طرح وہ ودیارتھیوں کو پہنچی قال دیکی ہے اور ہنتوں کو طرح وہ ودیارتھیوں کو پہنچی قال دیکی ہے اور ہنتوں کو آئے کو دیکی ہے لئے گولی چلانا ضروری تھا ۔

دوسرا سوال یه بهی اته کهوا هوتا که ودیارتهی بار بار شرکار کے خلاف کہوں کہونے مرتے میں ، کچھ چھڑیں او عام هين، إن ير بيت كوي لكها جا جا ع ، ليكر، إيك بيت خاص ہے اور آب تک کے سارے آندولدوں میں وہ یائیجاتی ه ، ولا ه مذكريون كا أن أجمت بهومار ، جب جب لوگ اُن سے مللے جاتے ہیں اور ایلی مانکیں اُن کے ساملے رکھتے ہوں تو وہ ترک سے نہوں دھمکی سے جواپ فیلانے میں ، دهنکی درسرے میں قصه پیدا کرتی ہے ، کاٹر دھمکی سے دب جاتے میں اور ھمیں اِس یات کی گوشی ہے کہ ہمارے ٹوجوان کاپر نبھی ہیں ۔ اندور کی درگهگذا میں بھی یہ بات صاف دکھائی ہوتی ہے . ایک يرلسهل لا لبادلة كر ديا جادًا هن أن س وديارتهي أيار غرتها رکوتے هوں وديارتهي شكها ملكري سے ملقا جاهاتے هیں اور پرارتها کرنا جاهاتے هیں که وہ تهادلے کو روگ دیں . دو ایک دن تهادله رک سکتا تها . دعوت ہازیوں سے دو ایک دور کی فوصت مفتری جی لے سکتے تھے ، اگر سفترہ جی فہار سے ودیارتھیوں کو سمجھاتے اور ترک سے اُنہوں جہتنے کی کوشش کرتے تو اندور کیدرگھٹنا نه هرتی ، مهن یه نبهن که تا هن که ایک دن مهن ودیاردوی مان جاتے لهه بي به ضرور هے که ودیارتهی جلوس نه نکالتے کو میں نه آتے اور اگر منتری جی کے پیش میں کچھ جان موتی تو وہ جان بھی جاتے ، آدمھوں کی جان لیلے سے بہتر ہوتا کہ سرکار کے مقتری ایقا کجے سب پریاد کر لیتے ،

مدھه بهارت کی سرکار کو درهی کیا دییا جائے؟ هر کانگریس سرکار یہی کرتی ہے ۔ ایک طرف جانکا کی سرکار هولے کا دعوق ہے اور درسری طرف پرلیس اور قرے کا هر پایس میں سہارا لیا جاتا ہے ۔ دوتوں ورودھی باتیں هیں، پولیس اور قوج کے بل پر راچ کرتیوالوں کے پاس جانگا کے پرتیادھی صانگ لےکر تیہیں جاتے ۔ انگریز अभी हात में इन्दौर में गोतियां चली हैं. सरकार का कहना है कि विद्यार्थी काबू से बाहर हो गये थे. इसिलये वह क़दम उठाना पड़ा. यह घटना होते ही मन्त्री महोदय ने दुख प्रगट किया और सारी जिम्मेदारी गुन्हों के सर योपी. उन्होंने अपने क़दम को ठीक साबित करने के लिये यह भी कहा कि हर सरकार को यही क़दम उठाना चाहिये जब क़ान्न को इस तरह का खतरा पैदा हो जाये. इसारे पास इन्दौर की कोई ऐसी खबर नहीं है जिसके आधार पर इस सच और भूठ के पन्न में कुछ जिख सकें. इस केवल दुख ही प्रकट कर सकते हैं. हाई छोट का जलाया जाना बहुत दुखदायक घटना है और गोली चत्रना उससे मी बड़ी दुर्घटना है.

भाज जब इस घटना पर सोचते हैं तो बार बार यह सवाल उठता है यह ग्रन्डे कीन हैं ? क्या ग्रन्डों से मतलक डन खोगों से है जो शाम तरीक़े से चोरी बदमाशी करते हैं ? अगर ऐसा है तो हमें यह कहने में कोई किमक नहीं है कि यह बात सरासर भूट है. इस तरह के गुन्हें हाई कोर्ट जलाने नहीं जाते हैं और न उन्हें मन्त्रियों से मिलने में कोई दिलबस्यी होती हैं हो सकता है कि इस तरह के गुन्दे जलस के साथ शामिल हो जायें और वसरों की जेब कार्टे. लेकिन यह कभी नहीं हो सकता कि पुलिस की गोलो चलती हो और वह मैदान में डटे रहें. भूट बोलना ऐसे भी शोसा नहीं देता और अपने विरोधी के चरित्र पर इतजाम लगाना और भी बुरी बात है. लेकिन माल्य होता है कि सरकार अंग्रेजों की परनगरा को निमाती है. अंग्रेजों के लिये हर कांग्रेसी ग्रन्डा था और कांग्रे सियों के लिये आज हर विरोधी गुन्डा है. हाई कोर्ट को जलाने वालों को गुन्डा कहे बिना भी परिस्थिति की भयानकता की जानकारी जनता को वी जा सकती थी. शायद उस समय जनता सरकार के पश्च की तरफ ज्यादा मुक्तती. पर खगता है कि विशेषियों की गुन्हा कहने के पीछे कोई स्त्रास तत्त्र है. यह सत्ब क्या है ?

विद्यार्थी किसी वेजान जीज का नाम नहीं है यह संज्ञा है बन लड़के लड़कियों की जो शिचा संस्थाओं में पढ़ते हैं. यह किस के लड़के लड़कियां होते हैं शबह उनके सड़के सड़कियां होते हैं जो ज़ज़हात हैं, जो बड़े-बड़े ओह़दों पर हैं, जो कारखाने दार हैं, जो कमीदार हैं. इन्हीं महा पुत्रकों की सन्तानों के बीच दो एक को सैकड़ा ऐसे भी होते हैं जो बड़े-बीर मद्र घरानों से ताहलुक नहीं रखते हैं. गुन्डे कहने का मेद यहां दिया हुआ है अपनी बीदाद को वादी कैसे दी आय, उसे दोशी कैसे ठहराया आय. इसकिये को घटना होती है उसे गुन्डों के सर सह दिया जाता है.

اہہی جال میں الدوو میں گولیاں جائی ہیں، سرکاو کہنا ہے کہ ودیارتھی قابو سے باہو گئے تھے ۔ اس لئے یہ تمر اتھانا ہوا ۔ یہ گھٹٹا ہوتے ہی ملٹری مہودے نے فکھ پرکت کیا اور ساوی خمیداری فلڈرں کے سر تھوئی انہوں نے آئے قدم کو تھیک قابت اکرنے کے لئے یہ بھی کہا تھ سرکار کو بھی قدم اتھانا جامئے جب قاتری کو آس طرح کا خطرہ بیدا ہوجائے ، ہمارے یاس اندوو کی کوئی ایسی خمر نہیں ہے جس کے آدعار پر ہم سے اور جھوت کے پکش میں کچھ لکے سکیں ، ہم کیول دکھ ہی پرکھتا کے پکش میں وکی جہانا بہمی دادک کو سکتے ہیں ، ہائی گورٹ کا جاتیا جاتا بہمی دادک کو سکتے ہیں ، ہائی گورٹ کا جاتیا جاتا بہمی دادک کو سکتے ہیں ، ور گوئی جاتیا جاتا بہمی دادک کو اس کیٹیا ہے اور گوئی جاتیا ہوں دوگھٹٹا ہے ۔

آبے ہمب درکیگلا پر هم سوچکے میں کو بار بار یه سوال "اتهما هے که يه فلقے كون ههى ؟ كها فلكوں سے وطلب ال لوگوں سے ہے جو عام طویقے سے چوری بدمعاشی رَتِهُ هِينِ ؟ الوايسا هِم تو همهن يه كها مهن كوثي جهجهک نیهن هے که یه پات سراسر جهرت هے ، اس طرح کے مندے مائی کورٹ جانے نہیں جاتے میں اور نه آنہیں ملعریوں سے ملقے میں کوئی دلنچسپی هولی ہے ، هوسکتا ھے کہ اس طرح کے فلگے جلوس کے ساتھ ھامل ہو جائیں اور دوس ول کی جهب کالهن لیکن یه کههی نهین هوسکتا نه پولیس کی گولی چلعی هو اور ولا مهدان مهن قالی رمیں . جهوت بولقا ایسے بھی شوبھا تیس دیکا اور افے ورودهی کے چورتر پر الزام لٹانا آور بھی بری بات ھ ، لیکن معلوم هوتا هے که سرکار انگریؤوں کی پارمهرا کو نههائی هے . انعریوں کے لئے هر کانگریسی فلڈا تھا اور کانگریسیوں کے لاء آج هر ورودهی فلکه هے ، هائی کورت کو جلالے والوں کو فلگاه کور بقاً بھی پرستیٹی کی بھیانکھا کی جانکاری جلتا کو دنی جا ضکای لینی . هاید اس سے جلعا سرکاو کے پکھی کی طرف زیادہ جہکھی، پر لگھا ہے که ورودهیوں کو فایا کہتے کے پہنچھ کولی خاص تاو ھے، یہ تاو کوا ھا؟

ودیارتهی کسی پے جان چهن کا نام نههن کے ایک ساکھا ہے آن لوکے لوکھوں کی جو شکشا سفستھاؤں میں پرمعےمیں، یہ کس کے لوکھوں موتےمیں؟ یہ اُن کے لوکے لوکھاں موتےمیں؟ یہ اُن کے لوکے لوکھاں موتےمیں، جو بوے بوے میدوں پر میں، جو کرشائوں کی سفتانوں کے بیچے دو آیک فی سفتوہ ایسہ بھی موتے میں جو بویہ اور بیدو گیرانوں یہ تعلق نیمی وکھیے میری کی شرایا جاتے نیمی اولاد کو گانی کیسے میں جاتے کہتے کا بیمد یہاں جیها موا ہے، آیکی اولاد کو گانی کیسے میں جاتے گی کا بیمد یہاں جیها موا ہے، آیکی اولاد کو گانی کیسے میں جاتے گیتے کہا ہے دوشی کیسے تیرایا جاتے۔ اِس

बामरीका कोशिश कर रहा था क्योंकि विना बांग्रेजी कौजों स्वेश नहर से हटे मिस्र मीडों के सम्बन्ध में सोवने पर तैयार नहीं था. शायद अमरीका को यह उम्मीद बंधी है कि मिका, सुसाह के बाद, मीडों में शामिल हो जाएगा.

संबद्द की एक शर्त यह है कि यदि तुकी पर कोई इमला होगा तो नहर स्वेश में बंगेश की श्रें फिर माजाएंगीं. यह बहुत स्नतरनाइ शर्त है तुर्शी मीडो में है और मीडो रूस के खिखाफ एक फ्रीजी संगठन है जिस के जन्मदाता धमरीकी हैं. समरीका वाले फूट मूट के हमले का बवन्दर खड़ा करने में माहिर हैं. कोरिया की मिसाल सामने है. इस तरह जब भी अमरीका का मन स्वेष पर क्रव्या कराने का बाहेगा वह तुर्की पर हमले की कहानी गढ़ेगा और बरतानी कोजें फिर मिस्र की झाती पर वढ़ बैठेंगी. बात चीत के बीच अंग्रेजों ने जोर दिया था कि मिस्र यह बात मान ले कि यदि ईरान पर हमला होगा तो बरतानी फीजें नहर स्वेष में आजाएंगीं. पर मिस्र ने इस बाल को नहीं माना और अंग्रेज इस मांग पर इटे रहे. इस सन्बन्ध में तुकी और ईरान में केवल इतना अन्तर है कि तुकी मीडो का मेन्बर है और ईरान होने जा रहा है. अगर कल ईरान पर इसला हुआ तो तुर्की मीडो का मेन्बर होने के नाते मैदान में आएगा. तब बरतानी फ्रीजें स्वेज में बाजाएंगी. इस तरह मिस्न की आजादी को हर दम खतरा बना रहता है. इसी बिये मिल की बाजादी की खुशी मनाते समय हम चिन्तित

पक बात का खतरा और दिखाई पड़ रहा है. सटका है कहीं मिस्न मीडो में न शामिल हो जाए. क्योंकि मुलह होते ही अमरीकी राजदृत की जी और आर्थिक सहायता की थैकियां लेकर सक्ताधीशों के पास पहुंचने लगे हैं. मिस्न के मीडो में न शामिल होने से अभी तक मीडो बन नहीं सका. अमरीका बालों ने मिस्न पर बहुत और हाला पर क्ट्रोंने देखा कि जब तक बरतानिया स्वेख नहर नहीं छोड़ता मिस्न काबू में नहीं आने का. मिस्न छोड़ने का कारन श्री किंदित ने यह बताया है कि पेटम बम की लड़ाई में स्वेख का कोई उपयोग नहीं है. लेकिन लगता है इस तुरन्त मुलह के पीछे कोई दूसरा भेद है. बार्शिगटन में आइजनहावर ने क्यिल पर जोर दिया के वह मिस्न से सममौता कर लें. वर्षिल को मुकना पड़ा. खुलासा यह है कि जिन परिस्थितियों में यह सममौता हुआ है वह सतरे की सुकड़ हैं.

इस आशा करते हैं कि मिस्र सतर्क रहेगा और न तो अपनी आवादी को दोबारा खतरे में पड़ने देगा और न बुरी से बुरी परिस्थित में भी मीडो में शामित होकर पश्या के दूसरे देशों की आवादी को खतरे में नहीं बालेगा.

80.7.254 — मुजीब रिज़बी

امیکه کرهمی کو رها کہا کہوائی گا انکریزی قوجوں کے سوائر ایور سے دیتے مصر میکو کے سمبندہ میں سوجانہ پر تمار نہیں تھا ، عاید امریکہ کو یہ امید بندھی ہے کہ سصر صلعے کے بعد میکو میں شامل ہوجائیکا .

صلمع کی ایک شرط یه هے که بدی درکی پر کرگی عمله هوا دو نهر سواءِ مهن الكريو فوجهن يهر أجالهلكي . يه بهنت خطرناک شرط يه هے ، تركي مودر موں هے أور مهدو روس کے خالف ایک فوجی سلکٹھن ہے جس کے جلم دانا امریکی میں ، امریکہ والے جهرت موت کے حمال كا يُونكر كهوا كرني مين ماهر هين . كوريا كي مثال ماملے ہے ، اس طرح جب بھی امریکه کا من سولو پر البقه کرانے کا چاھے آ وہ ترکی پر حملے کی کہائی اوھ کا اور برطانی فوجهن پهر مصر کی جهاتی پر چره بهگهس كى. ياس چيمت كے بهي الكريزوں لے زور ديا تها كه مصر یہ پاس مان لے که یکسی ایران پر حمله هوا تو برطانی فوجهن پهر نهر سولو مهن آجالهدکی . پر مصو له اس ماس کو نہیں مانا اور انگریزی مانگ ہو ڈائے رہے . اِس سمهقده مهى تركى اور ايران مهى كهول إنقا أفتر هے كه تركى مهكر كا ممهر هم أور أيران هولي جا رها هي . اكر كل أيران ہر عملت ہوا تو ترکی مهدو کا ممدر ہونے کے ناتے مهدان مهن آنية ، تب برطاني فوَجهن سواد مهن آجالهن كي . اس طرب مصر کے آزادی کو مر دم خطرہ بقا رمتا ہے ، اس للے مصر كى آزائنى كى خوفى مداتے سے هم چندے يوي هين ،

ایک بات کا خطرہ اور دکھائی پوھ رہا ہے۔ کھٹکا ہے کھوں مصر میڈو میں نہ شامل ھوجائے۔ کیونکہ صلح موتے ھی امریکی واجدوت فوجی اور آرتیک سہائنا کی تھیاں لیکر محادہ بھرں کے باس پہونچیئے لگے میں مصر کے میڈو میں نہ شامل ہوتے سے ابھی تک میڈو بی نہیں سکا۔ امریکہ والوں نے مصر پر بہت زور ڈالا پر انہوں نے دیکھا کہ جب تک برطانیہ سرٹر نہر نہیں ہووڑتا مصر قابو میں نہوں آنیکا۔ مصر چھوڑتے کا کاری شوں جورجل نے یہ بتایا ہے کہ ایکم ہم کی لوائی میں صوئز کا اولی آبھوں ہے۔ لیکی لگتا ہے اِس تونیت صاح کے پیمچوں کوئی دوسرا بھید ہے۔ واشلگتی میں صاح کے پیمچوں کوئی دوسرا بھید ہے۔ واشلگتی میں گراس، جورجل کو جھکٹا پرار دیا کہ وہ مصر سے صحیحہوتا گراس، جورجل کو جھکٹا پرا۔ خلاصہ یہ ہے جوہوستھیتھوں کوئی دوسرا بھی یہ ہے۔ واشلگتی میں کراس، جورجل کو جھکٹا پرا۔ خلاصہ یہ ہے جوہوستھیتھوں کو میں کہ مصر محرک رہے کا اور تہ تو ایڈی

ھم آھا کرتے میں کہ مصر معرک رہے کا اور نہ تو اپنی آوآئنی کو فوبارہ خطرے میں ہوئے دےکا اور نہ بری سے یہی پرمعہدی میں بھی میڈو میں شامل ھوکر آیھیا کے غیسرے فیموں کی آزادی کو خطرے میںنہیں ڈائے۔

ـ معهوپهري

80.7.54

الهيس ديائي هريس معسو كو قائع لول ياها أيسيد مهمان هره مل كاله أور أن كى هكتي كے ساماله الكريورن كو أدهك جهكا يوا ، 1928 مهن معسو كا الكريورن كو أدهك جهكا يوا ، يارلمهات بن كالى ، اس كا مطلب يه نهين تها قة مصر آزاد هولها تها القامى نے كهول روپ بدل لها تها ، أنكريو أب بهن يورى طرح عارى تها الكري كے سب لك وا مصر كے معاملوں مين عاوى رهے ، لهكن أنكريورن كا وروده بهي لكاتار بوها رها ، مصر مين بوء بوء ياها هين ، يه لوك زمهادار هوت مين مين يوء بوء ياها هين ، يه لوك زمهادار هوت لك يبان بهت سي سركارين بلاني بكراني رهين ، أس جو بهي سركار أئي أس في أنكريورن كے مصر جهوراني هوت ورديا ،

انگریؤ سویؤ نیر پر قیفت وکھنا جاھتے تھے کھونکہ پوربی ایشیا کے دیشوں پر وہ آسی صورت میں واج کوسکتے تھے۔ لیکن مصر والے انگریؤ فوجوں کی وایسی کی مانگ کو رہے تھے ۔ انگریؤ مصریوں کو بہتنا جاھتے تھے اور اس مانگ کو دیائے کے لیے فاروق صاحب کو استعمال کرتے تھے ۔ لیکن جلتا میں جرش بیمت تھا اور نتھجے فاروق کے گئی سے جلتا میں جرش بیمت تھا اور نتھجے فاروق کے گئی سے متالے جانے میں نکا ،

الكربرون كو شايد أمود لهي أند تتجهب سركار بهت دن تههن چل سکم کی ، وه اُلقی سارهون پر بهی بربهر کرتے تھے ، لیکین أن كى أمهد كے خلاف نجهب سركار خام ھونے کے بحوالے مضموط ھوتی گئی اور ساتھ ھی لوگوں میں انگریزوں کا ورودھ بھی بوھٹا گھا۔ انگریزوں سلمے کے باحدجہت شررم کی. پر اُسی درمهان مهن کرفل ناصر اور پرسهگیشت نجهب کے جهاکرے فورے هو گئے ، انگریورس کو ایک یار پهر أميد بقدهي كه يه سولار خالم هوجائه كي . لهكي إس بار بھی اُن کی آشا پوری نه هُردی، تکیبار صلع هو لِلکی لهکری آنگاریووں کے اسی آمید پر صلم نم کی ، آس کوبو میں لغزر ویڈو پارٹی کے نیٹاؤں کا بھی ھانھ تھا ، یہ لوگ ایدی سرکار کو صلمے تھ کرنے پر مجمور کرتے تھے، لھمریارتی کا بھی ایک الگ فلزرویڈر نیٹاؤں سے مل گیا تھا ، کیا جاتا ہے کہ ایڈن ماحب همهشه مام کے حق میں لمے اور جب جب جرجل صاهب کو وہ تھار کرتے ہیں ہارٹی والے ورودھی بھرچل صاحب کو جوکا لیٹے تھے ۔

لیکی إس بار أیدی صاحب نے جرچل ماحب کو صلع کرنے پر تیار کر ھی لیا ۔ اِس کا غزیے کس کو ھے ؟ اِس پرھی پر بیما نکتا اس پرھی پر بیما نکتا ہے کہ جیاں آیدی صاحب ھار کئے تھے وہاں تلیس صاحب بہرجل پر وور قالا کہ ماحب جیمی اور قالا کہ در وہ اُنہیں نے جرجل پر وور قالا کہ وہ صاحب کی در اُنہیں نے جرجل پر وور قالا کہ

इन्हें हेनी पड़ी. मिस्न को जगकोलपाशा ऐसे महाज पुरश् मिस्त गए और उनकी शक्ति के सामने अंग्रेजों को अधिक मुक्ता पड़ा. 1922 में मिस्र का अपना राजा हो गया और उसकी अपनी पार्लियामेन्ट बन गई. इसका मतखब यह नहीं था कि मिस्र आजाद हो गया था, गुलामी ने केवल रूप बदल लिया था. अंग्रेज अब मी पूरी तरह से हाबी थे, कारूक के समय तक वह मिस्र के मामलों में हाबी रहे. लेकिन अंग्रेजों का विरोध भी लगातार बदला रहा. मिस्र में बड़े बड़े पाशा हैं, यह लोग जमींदार होते हैं. जमींदारों के खून में साजिश होती है. इसीक्षिये यहां बहुत सी सरकार बनती बिगड़ती रहीं. लेकिन जो भी सरकार आई उसने अंग्रेजों के मिस्र छोड़ने पर जोर दिया.

अंभे ज स्वेज नहर पर क्रवजा रखना चाहते थे स्योंकि पूरवी ऐशिया के देशों पर वह उसी सुरत में राज कर सकते थे. लेकिन मिस्न वाले अंभे ज फी मों की वापसी की मांग कर रहे थे. अंभे ज मिस्तियों को बहुवाना चाहते थे और इस मांग को दवाने के लिये फारूक साहब की इस्तेमाल करते थे. लेकिन जनता में जोश बहुत था और कतीजा फारूक के गही से हटाए जाने में निकला.

बंघे को शायदं उम्मीद थी कि नजीव सरकार बहुत दिन नहीं चल सकेगी. ,बहु अपनी साजिशों पर भी निर्भर करते थे. लेकिन उनकी उन्मीद के खिलाफ नजीव सरकार सतम होने के बजाए मजबूत होती गई और साथ ही खोगों में अंग्रेजों का विरोध भी बढ़ता गया. कंग्रेकों ने सक्षद्र की बात जीत ग्ररू की. पर वसी दरिवयान में बरनल नासिर और प्रेसीडेन्ट नजीव के मागड़े सड़े हो गए, अंग्रेजों को एक बार फिर बम्मीव बंधी कि यह सरकार खतम हो जाएगी. लेकिन इस बार भी उनकी आशा पूरी न हुई. कई बार सुबह होने खगी लेकिन अंगे को ने इसी हम्मीद पर युक्तह न की. इस गड़बड़ में कनफर-बेटिव पार्टी के नेताओं का भी हाथ था. वह लोग अपनी सरकार को सलह न करने पर मजबूर करते थे. लेबर पार्टी का भी एक अंग कनजरवेटिव नेताओं से मिख गवा था. कहा जाता है कि इटेन साहब हमेशा स्वाह के इक में थे. और जब जब वर्षिल साहब को वह तैयार करते थे. पार्टी बाले विरोधी विचन्न साइव को सका लेते थे.

सेकिन इस बार इंडेन साहब ने वर्षित साहब को सुतह करने पर तैयार कर ही जिया. इसका श्रेय किसको है? इस प्रश्न पर शहुत से जोग बाटकते हैं. ऐसा सगता है कि जहां इंडेम साहब हार गए ये वहां डलेस साहब जीत गए हैं. उन्होंने वर्षित पर जोर डासा कि वह सुतह कर लें कौर बन्होंने सुतह कर ली. काहिर है कि इस सुतह की

हासत में इस इस कडीले पर पहुंच सकते हैं कि हमारे वैज्ञानिक सहत्त प्रिक्सी वैज्ञानिकों के नक्ष्मों की नक्ष्म उतारना जानते हैं और सुद कोई काम ही नहीं कर सकते.

यह एक बहुत सकत राय है. हम खद इस राय से न इसकाक करते हैं और न करना चाहते हैं. लेकिन बगर वनस्पति की रंगने के लिये जो सरकारी हुक्म है उसे वह पूरा नहीं कर सके हैं तो इसके अखावा किसी दूसरे नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता. लेकिन हमारे वैद्यानिकों की नाकामयानी की एक बजह करूर हमारी समक्ष में आती है. वह यह कि बड़े क्योपारियों ने दबाव बाला हो. इसे कीन नहीं जानता कि बनस्पति के रंग दिये जाने पर उसकी पहचान आसानी से की सकेगी और फिर वी की मिलावट प्रकृष बन्द हो जायेगी. इसका असर बनस्पति के कारोबार पर भी पढ़ सकता है. इस तरह यह मुमकिन हो सकता है कि वनस्पति के कारखाने वालों ने हमारे वैज्ञानिकों के आगे रोड़े डाल दिये हों. लेकिन अगर यह सही बात है तब हमारे वैद्यानिकों का कर्ज है कि इस बात को खुले जाम जाहिर कर दें और जपनी जाबरू पर पानी न पड़ने हैं. अगर सरकार की जानकारी या रौर जानकारी में वनस्पति को मिल वाले हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत को बेकार बना रहे हैं तो विज्ञान के नाम पर उनकी चाहिये कि दुनिया को बतादें कि यह असलियत है जो बनस्पति को रंगने से रोक रही है, अगर इमारे वैज्ञानिक ऐसा नहीं करते हैं तो एक तरफ से सरकार उन्हें बदनाम करेगी जिस तरह काइनेन्स मिनिस्टर ने पालियामेन्ट में किया और दूसरी तरफ से वह जनता का विश्वास खोएंगे. आकाद और नौजवान हिन्दुस्तान के वैज्ञानिकों का एक फर्ज सब फर्जों से ऊपर है और वह है अपने अन्तःकरन या ईमान के प्रति सच्चा और वकावार होना.

14, 6, '54

—सुरेशराम माई

मिस्र भीर बरतानिया का सममौता

मिस्न और बरतानिया का मानवा 1882 से ग्रुरू होता है जब बरतानिया ने मांस के साथ मिस्न कर मिस्न पर हमता किया था, कुछ दिनों अंग्रेस और मांसीसी साथ रहे और बाद में सममीता कर के मिस्न पर अंग्रे कों ने ऋबचा जमा सिया और मराको और अखनीरिया पर मांसीसी राज करने ताने. यह दोनों विदेशी ताक़तें कमी भी इन देशों की जनता का दिल नहीं जीत पाई. जनता के आंसीसनों से मांसूर होकर समय समय पर रिवायतें

خالت میں هم اُس الکیتی پر پہونے فکا هیں که منازیے ویکھانگ محیق پچھمی ویکھانگیں کے تقفیل کی نظر اور خود کرٹی کام هی تهدیں کو مکات

ية ايك يهمت منات والرقي هي هم خود أس وألم سي نه التفاق كرتي هور أورانه كرنا جاءهم مهن لهكن أكر ونسهامي عو ونگلے کے لگے جو سرکاری حکم ہے اسے وہ ہورا نہیں کرسکے هیں تو اس کے علوہ کسی دوسرے تاهیجہ پر نہیں بهونچا جا سکتا ، لهکن هداری ویکهانکون کی ناکامهایی كى ايك وجه فرور هداري سمجه مهن ألى هـ . ولا يه كه مور ویایاوروں نے دیاہ ڈال ہو ۔ اسے کون نہیں جانتا که ونسپتی کے رنگ دیئے جائے پر اس نی پہنچان آسانی سے کی جا سکے کی اور پھر گھی کی ۱۵رت ایکدم بلند ہو جائے گی ، اس کا تعمیم ولسهتی کے کاروبار پر بھی ہو سکتا ہے ، لس طرم ممکن هو سکتا هے که ونسهتی کے کارخانه والوں لے همارے ویکیانہوں کے آئے رووے ڈال دیگے هوں. لهکن اگر یہ معدم یاف فے آب دمارے ورکھائکوں کا فرض فے که اس بات کو کہلے عام ظاہر کر دیں اور ایڈی آبرو ہو پائی نة يونے ديں ، اگر سركار كى جانكارى يا فور جانكارى مهى ولسهتی کی مل والے هماری ویکهانکوں کی محملت کو بھکار بھا رہے ہیں تو وکیاں کے نام پر ان کو چاھیکے که دنها کو بعا دیں که یه املیت هے جو رنسپتی کو ونگلے سے روک رهی ہے . اگر همارے ویکھائک ایسا نہیں کرتے ھیں تو ایک طرف سے سرکار انہیں بدفام کریکی جس طرم فالفهلس منسدر نے پارلهامنت مهن کها اور ھوسری طرف سے وہ جفتا کا وغواس کھوٹھی کے ، آزاد اور نوجوان مدسعان کے ویکھابکوں کا ایک فرض سب فرضوں سے اوپر کے اور وہ ہے اپنے انعم کرن یا ایمان کے ہرکی سجا أور وفادار هونا .

سسريض وأمبهائي

14. 6. '54

مصر اور برطانيه كا سمجهوتا

مصر أور برطانهه كا جهكوا 1882 سے هروع هرتا هے هيپ برطاقهه لے قرانس كے ساله ملكو مصو ير حمله كها فها ، كوچه دنوں انكريؤ أور فرانسيسى ساته رهے اور بعد جيهى سمجهورته كر كے مصر ير انكريؤوں لے قبقه جيما ليو مراكو أور الجيمريا يو فرانسيسى راج كرتے لكے . يه غورس وديشي طاقتيں كههى بهى أن حيشوں يه غورس جيما ياليس . جفتا كے . يولئيس حيما ياليس . جفتا كے . يولئيس حيما ياليس عميمهور هوكر سما سما يور رمائتيس انتخاليس معيمهور هوكر سما سما يور رمائتيس عميم يورس معيمهور هوكر سما سما يور رمائتيس عميم يورسانيس معيمور هوكر سما سما يورسانيس عميم يورسانيس يورس

154 umml

आम जोगों की सेहत गिरने के अक्षाया सच्ये थी का कारोबार ब सनकत ठप हो रहे हैं. अपने जवाब में हमारे काइनेन्स मिनिस्टर ने कहा कि "वनस्पति को रंग देने की बात सरकार ने मान ली है. मगर दिक्कत यही है कि कोई ऐसी मुनासिब चीज अब तक नहीं मिली है जो बनस्पति को रंग भी दे और खुद इसका रंग कमी कोई मिटा न सके."

बड़ी खुड़ी की बात है कि मुल्क व्यापी वनस्पति के बारे में मांग को हमारी सरकार ने क़बूल कर लिया है. मगर इस पर यक्षीन मुश्किल से बाता है कि वनस्पति को रंग देने के लिये मुनासिब बीज बाब कर नहीं मिल सकी. आसानी से दिया जा सकने वाला और बेमुनाह पीला रंग बिना किसी दुशबारी के हल्दी से हासिल किया जा सकता है. हमें मालम हुआ है कि बंगाल के मशहूर साइन्सरां और पुराने प्राम सेवक बाक्टर सतीश चन्द्ररास गुप्ता ने जुनौती के साथ पेलान किया है कि बनस्पति के रंग देने की चीज न मिल सकने की बात राजत है. इनका दावा है कि यह काम बखूबी बन्नाम दिया जा सकता है. लेकिन नक्षकारजाने में तूती की कीन सुनता है. सरकार ने उनकी बात बनसुनी कर दी और वनस्पति दिन दूनी रात बीगुनी रक्तार से हमारे घरों, शहरों और क्रस्बों को तबाह कर रहा है.

अगर सरकार को सचमुच इस बात की फिक है कि बनस्पति को रंगा जाये तो वह यह काम सतीश वास के सिपुर्द कर सकती है और फिर उनके काम की जांच अपने घेक्सपटों और माहिरों से करा सकती है. या वह अपनी सिनिस्टरी आफ साइन्टिफिक रिसोरसेश (Ministry of Scientific Resoruces) की हुक्स दे सकती है कि फलां सुद्दत के अन्दर यह काम कर ढालना है. हमारा ख्याब है कि सरकार यह काम मज़े में करा सकती है क्योंकि उसके मातहत सारे मुल्क में खोज और रिसर्च करने की लैक दियां हैं जहां पर यह तक सीचा जा रहा है कि ऐटम की ताक़त को शान्ति के काम में किस तरह क्षाया जाये. इतने बड़े काम के सायने वनस्पति को रंगने का काम दो बहुत छोटा मालूम पहला है. लेकिन धागर सरकारी लेब दियां यह काम नहीं कर पाती हैं तो फिर कीन यक्तीन करेगा कि वह कोई और बड़ा काम ठीक तरह से कर सकेंगी. अगर वाक ई हमारे देश के वैज्ञानिक और माहिर लोग वनस्पति के रंगने के काम में फतह नहीं पा सके हैं तब तो हमें उनकी अक्रल व क्रावितयत ब जफ़ाक्शी के बारे में दोबारा सीचना पड़ेगा और इमारा ख्याब है कि फिर इंजीनियरिंग व कौजी बरौरा महकमों में तो वह और भी नाकारां साबित होंगे. ऐसी

مام فوگوں کی صفحت کرتے کے علاوہ سمجے گھی کا کارزہار و صفحت گھی ہو رہے ہیں ۔ آبے جواب میں ھدارے فائیلیڈس ملیمگر نے کہا کہ واونسیدی کو رنگ دیتے کی بات سرکار نے مان لی ہے ۔ مگر دفت یہی ہے کہ کوئی ایسی مفاسب جھو آب تک نہیں ملی ہے جو رنسیدی کو رنگ یہی ہے سکے اور خود اسکا رنگ کیمی کوئی مثا

پوی خوهی کی بات ہے کہ ملک ویایی ونسپتی کے باور مهن مانگ کو هداوی سوار نے قبول کرتھا ہے ، مگر اس پر یاتھ مشکل سے آنا ہے کہ ونسپتی کو رنگ دینے کے لئے مقاسب جھوڑ آپ لک نہیں ماسکی، آسانی سے دیا جا سکتے والا آور پھکٹاہ پھلا ونگ بھا کسی دھواری کے ہلدی سے حاصل کھا جاسکتا ہے ، همیں معلوم موار ہے کہ بھٹال کے مشیور سائڈس دان اور پرائے گرام میوک ڈاکٹر سکیشی چندر داس گھتا نے چنوتی کے ساتھ املی کھا ہے کہ ونسپتی کو رنگ دیئے کی چھڑ نے امانی کھا ہے کہ ونسپتی کو رنگ دیئے کی چھڑ نے بخوری انجام دیا جاسکتا ہے ، ان کا دھوی ہے کہ یہ کام یخوری انجام دیا جاسکتا ہے ، ان کا دھوی ہے کہ یہ کام یخوری انجام دیا جاسکتا ہے ، لیکن نقارخانہ میں طوطی کی کوری سفتا ہے ، سوار نے انکی یات آن سفی کودی اور ونسپتی دی دوتی وات چوکٹی رفتار سے همارے اور ونسپتی دی دوتی وات چوکٹی رفتار سے همارے

اگر سرکار کو سے میے اس بات کی فکر ہے کہ رنسیتی کو رنکا جائے تو وہ یہ کام ستھی باہو کے سہرد کرسکتے ہے اور پور ان کے کام کی جانبے اپنے ایکسھرتوں اور ماھروں سے دراسکاتی ہے ۔ یا وہ اپنی منسلوی آف ساینٹینک (Ministry of Scientific Resources) کو حکم دیے سکتی ہے کہ قال صدی کے اندر یہ کام کر ةَالِنَا هِي هِمَارًا خُهَالِ هِي كَمْ سَرِكَارٍ فِيهُ كَامِ مَوْلِمُ مَهِي مَهِنَ کرامکتی کے مالت ک مالت مالے ملک میں بھی کھرچ اُور رسرچ کرنے کی لھبراڈریاں میں جہاں پر یہ تک سوچا جا رما ہے کہ ایٹم کی طاقت کو شانعی کے کام میں کس طرح لایا جائے ، انٹے ہوے کام کے سامنے ونسیتی کو ونکنے كا كام قور يهم جهولًا معلوم يونا هـ ، لهكن اكر سركاري ليمورتريال يه کام تهيں کر ياتي هيں تو همر کون يقين کریکا که وہ کوگی اور ہوا کام ٹھھک طوح سے کو سکیلگی اگر واقعی هماری دیش کے ریکھانک اور اور ماھر لوگ ونسھتی کے رنگلے کے کام مھی فتعے تھوں یا سکے هیں تب تو همیں ان کی علل و البليسة و جدادهي كے بارے ميں دوبارہ سوجدا يوريا أور هدارا بالهال بهر كه يهر ايلتجهرنگ و قوجي وقهره مصلمون منهور لو ي أور بهي فاكاره كايمت هولكم . أيسي

هماين والد

वर कोई समझ्यार जाएगी कैसे बहुंच सकता है कि जिसकी जिल्ला राएका चाहिये दलना मिखने कुगा. आज भी हिन्दुस्तान में इचारों लाखों को भर पेट भोजन क्या एक जन भी ठीक से खाना नहीं मिसता. और अगर इसका सबत ही बाहिये तो नई दिल्ली स्टेशन से दिल्ली स्टेशन तक वैदल चल कर मजे में हासिल किया जा संकता है, दर की बात झोड़ हैं, रेख की पटरी के पास वह तकलीफरह नक्वारे देखने की मिलेंगे जिन से साफ पता चता जायेगा कि फ़ाइनेन्स मिनिस्टर साहब कहां तक सब बोल रहे हैं. या फिर दिल्ली, बम्बई, कुलकत्ता या महास के होटलों के आगे जठन के देशें को देखिये जहां इन्सान की बौलार. कता और कौए अपने अपने हिस्से के लिये बहुते दीखते हैं, या उनको जाने दें, अपने पढ़े किखे नौजवानों को हां. उनके बारे में तो सरकारी रिपोर्टे खद ही बताती हैं कि वह बेरोखगारी के शिकार हैं और कोई सरत उनके काम से लगने की नहीं पैदा हो रही है.

इसके भलावा हर भादमी यह जानता है कि भनाज या कोई चीज पैदा करना एक बात है मगर उसका तक्समीम हो जाना, और ठीक तक्समीम हो जाना, बिल्कुल दूसरी बात है. पैदा होने पर ही यह नहीं कहा जा सकता कि जिसको जितना मिखना चाहिये उतना मिल गया. भगर ऐसा हुआ करता तो शायद इस दुनिया की शकल ही कुछ दूसरी होती और रारीब भमीर में या मालिक मफदूर में भाज जमीन भासमान जैसे फर्क न होते.

हमें अफसोस है कि फाइनेन्स मिनिस्टर जैसी जिन्मेदार हरती इस तरह का प्रचार करे. हम बढ़े अदब के साथ यह कहना बाहते हैं कि हिन्दुस्तान के सब मिनिस्टर मिल कर भी अगर असिलयत खुपा कर रालत बात के प्रचार में लग जायें तो भी हनकी मेहनत उसी तरह बेकार साबित होगी जैसे बहते पानी के आगे बाल की दीवार खड़ी करना. इसके जिलाफ अगर हासत असिलयत में अच्छी है तो मुश्क की तरह उसका असर खुद बखुद फैलेगा और कोई प्रचार की खास ज़करत नहीं पढ़ेगी. आजार व नये हिन्दुस्तान की खास ज़करत नहीं पढ़ेगी. आजार व नये हिन्दुस्तान की खुनियाद भूटे प्रचार के बजाय सच्ची असिलया पर खड़ी करना हर इन्सान का फर्ज है, पर अगर वह मिनिस्टर है तब तो और भी क्यादा.

28. 6. '54

--सुरेशराम माई

वनस्पति और हमारे वैज्ञानिक

पार्तियामेन्ट के पिछले बजट इजलास में बनस्पति घी पर-भी कुछ चर्चा चली. पीलीमीत की रानी चन्द्रावती विकासमाह ने एसे कुछसानवृद्द बताया और कहा कि उससे

فَوْ كَيْلِي سَنْعِهِدَارَ أَمْنِي كَيْسَمِ بِهِرِتْنِي سَكِيًّا فِي كُلَّ خوس كو جندا فله جاءت ألقا ملت لكا، أب يهي فلدستان میں عزاریر لائمون کو بعد بیدی بعوص الها ایک جون بھی ٹھیک سے کھانا نہیں ملتا۔ ابر الر اس كا كبرت هي جامل تو نكر دلي اسليمن سے دلی استیمی تک پیدل جل کر مزے میں حاصل کیا ھا سکتا ہے ، دور کی بات چھوڑ دیری ویل کی ہتری کے یاس وہ تکلیف دہ نظارے دیکھٹے کو ملیلکے جوں سے صاف يكه بهل جائر لا كه فالفيلس منسكر ساحب كيان لك سے برل رہے میں ، یا پھر دلی' ہمیکی' کلکته یا مدراس کے میٹلیں کے آگے جوٹھی کے قعیروں کو دیکھی جیاں انسان کی اولاد کا اور کول ایم ایم حصے کے لگر لوتےدیکھیے ههس ، يا ان كو جائے ديس ، ايے پوھ لكم نوجوانوں كو لیں . ان کے بارے میں تو سرکاری رپورٹین خودعی بھاتی ھیں کہ وہ پہروزگاری کے شکار ھیں اور کوئی صورت اُن کے کامِسے لکانے کی نہیں ہیدا ہو رہی ہے ،

اس کے مارہ مر آدسی یہ جاناتا ہے کہ آنا ہے یا کوئی چھو پیدا کرنا ایک باس ہے مار اس کا تاسیم مو جانا اور انہیک تاسیم مو جانا بالکل دوسری بات ہے ، پیدا مولے پر می یہ نہیں کہا جا سکتا کہ جسکو جاتا ملنا ملکے آننا مل کیا ، اگر ایسا موا کرتا تو ہاید اس دنیا کی شکل می تاجہ دوسری موالی اور فریب امیر میں یا مالک مودور میں آج زمین آسمان کے جیسائری تا موتے ،

همهی افسوس هرکه فائلهائس ماسگر جهسی ذاعدار هستی اس طرح کا پرچار کرہ . هم بوے آدب کے ساله یه کہنا جاتھے ههاں که هفادستان کے سب ماسگر مل کو بهی اگر اصلیمت جهها کر فاط بات نے پرچار مهاں لگ جائل آور بهی ان کی محصلت اسی طرح بهکار ثابت هوئی جهسه بہتے پائی کے آئے بالو کی دیوار کہوی کرتا ، اس کے خلف اگر حالت اصلیمت میں اجهای ہے تو مشک کی طرح اس کا اثر خود بحود پهیلے کا اور کوئی پرچار کی بهیاد کی جهوار کی بیوار کی بیوار کی جوار کی بیوار کی جوار کی بیوار کی جهوار کی جوار کے بحوالے سچی اصلیمت پر کہوی کرتا ہو انسان جهوار کے بحوالے سچی اصلیمت پر کہوی کرتا ہو انسان خوش ہے کہ اگر وہ منستار ہے تب تو اور بھی زیادہ ،

ـــسسريش وأمهماكي

28, 6, '54

. ونسپتی اور همارے ویکیانگ

ہارلیاملت کے پچھلے بجت اجلس میں ونسیعی گیی پر بھی کچھ جرجا جلی ، پہلی بہیت کی رائی جفارارتی لکھلھال نے اس نتصاریت بدنیا اور کیا دہ اس سے र इकरात से साना और कपड़ा होता था. मगर बाक्या है कि अंग्रेजी अमलदारी के अन्दर हिन्दुस्तान में जतने अकाल, और एक से एक मयानक अकाल, पड़े तिने हमारे मुल्क के इतिहास में कभी नहीं पड़े. और मांकड़ों के लिहाज से यह भी आसानी से साबित किया मा सकता है कि हिन्दुस्तान के बाशिन्दों को रहने सहने के लिये मकान का बन्दोबस्त है.

मगर असिवयत कुछ और ही है. मार्च 1953 में पार्तियामेन्ट के सामने एक बयान देते हुए मरक्जी कूड मिनिस्टर भी रकी घहमद क़िद्दई ने कहा या कि इस सास 2 करोड़ 76 लाख से ज्यादा यानी तीन करोड़ के सगमग आदिमयों को खूराक की तंगी का शिकार होना पड़ा. उन्होंने सकसील देते हुए बतलाया थाः

	-
सुवा	बास में तादाद
मद्राख	85
बम्बई	60
मैसुर	43
राजस्थान	26
विष्य प्रदेश	22
मध्य प्रदेश	15
हेद्राबाद	14
मध्य भारत	8
सौराश्ट्र	3

उन्होंने यह भी कहा कि विहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में गये साल अकाल की हालतों से ज्यादा परेशानी थी, मगर इस साल नहीं.

यह इत्तजा रकी साहब ने 12 मार्च 1953 को दी थी. इत्तकाक की बात है कि उसी दिन बीकानेर शहर में राजस्थान कैमीन किमरनर (Famine Commissioner) ने प्रेस नुमाइन्दों के सामने एक बयान में कहा कि इस साख बीकानेर दिवीजन के दी तिहाई हिस्से की हाबत बहुत खराब है और बार लाख से ऊपर आदमी अकाब की गिरफ्त में हैं. उन्होंने यह भी बताया कि इसी तरह जोघपुर और उत्यपुर डिविजनों की हाबत है जहां 18 सास आदमी इस महामारी के शिकार हुए हैं.

भवा कीन मान लेगा कि 1952-54 में हावत इतनी बदबा गई कि हर एक की भर पेट खाना भिवाने बगा. हमें यह भी नहीं भूजना है कि पंचासावा योशना जिसे कहा जाता है वह 1951 में ग्रुक हुई और यह अकाव उसके दूसरे साल में ही पढ़ गये. यह हो सकता है कि काइनेन्स और कृड मिनिस्ट्रियों की सुवों से क्षाय जा गई हो कि काकी सरका 1953-54 में पैवा हो गया है. सगर इसे से इस नहीं से

میں ہندستان میں افراط سے کہانا اور کیوا ہوتا تھا ۔
مکر راقعہ ہے کہ انگریزی عمل داری کے اندر ہندستان
میں چتنے آکال' اور ایک سے ایک بہیانک اکل' ہونے اننے
عمارےملک کے انہاس میںکبھی نہیں ہونے ، اور آنکورں کے
لحاظ سے یہ بھی آسانی سے ثابت کیاجاسکتان کہ ہندستان
کے باشندوں کو رہنے سہنے کے لئے مکان کا بندوبست ہے ،

مكر اصلیت كنچه أور هی هی آمارچ 1953 میں پارلیامٹت كے سامئے ایک بهاں دیتے هوئے مركوی قوة مشتر هيی رفیع أحدد قدوئی نے كہا تها كه اس سال 2 كرور 76 لاكھ سے زیادہ بملی تمن كرور كے لگ بهگ أدموں كو خوراك كى تلكى كا شكار هونا ہوا۔ أنهوں نے تصمیل دیتے هوئے بتایا تها :

لکه مهی تعداد	هرېه
85	مدراس
60	ہمیگی
43	39mare
26	راجستهان
22	وتدمهم يرديهن
15	مدههم يرديض
14	حهدرآباد
8	مدهية بهارت
3	سوراغكر

انہوں نے یہ بھی کہا کہ بھار' پچھم بلکال اور آتو پردیش میں گئے سال آکال کی حالتوں سے زیادہ پریشائی نہی' مکر اس سال نہیں .

یه اطلاع رفیع صاحب نے 12 مارچ 1958 کو دی تھی۔ انفاق کی بات ہے که اُسی دن بھکنیو شہر میں راجستہان فیمین کسفر (Famine Commissioner) نے پریس نمائلدوں کے ساملے ایک بھان میں کیا کہ اس سال بھکنیو قویوں کے در نہائی حصے کی حالت بہت خراب ہے اور چار لائد ہے اور آدمی اکال کی گرفت میں میں ، انہوں نے یہ بھی بتایا که اسی طرح جودھیور اور آدے پور قیویزنوں کی حالت ہے جہاں 18 لائد آدمی اس مہاماری کے شکار ھوئے ھیں .

ببلا كوبي مان لے لا كه 195<u>3</u>—195<u>3</u> ميں حالمت اللى بدل كئى كه هر ليك كو ببر بهمت كهانا ملئے ليا. هميں يه ببي نهيںبيولنا هركه ينهي ساله يوجنا جسے كها جاتا هر وه 1951 ميں هروع هوئى اور يه أكال أس كے دوسرے سال ميں هي پر گئے ، يه هو سكتا هر كه فائنينس لور أرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله فرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله فرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله فرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله فرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله فرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله فرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله فرق منستربين كو صوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله منستربين كوبوں سے خور أ گئى هو كه كانى غله منسب

ميلن رال

निकक्ष पड़ते हैं. इस तकरीह में जो स्पीचें बह जगह जगह देते हैं डर्म असलियत की जगह प्रचार की जयादा महक बाती है. अकसर तक़रीरों में एक खतरनाक संतोश रहता है बौर बाज में अजीव व रारीव जानकारी मरी होती है. यह सब खुस्सियत हमें केन्द्री काइनेन्स मिनिस्टर की एक स्पीच में मिल्ली जिसकी तरफ हम अपने प्रेमी पाठकों का ज्यान सींचना चाहते हैं.

यह भाशन भी विन्तामन देशमुख ने 25 मई को दिया जब वह बम्बई में रिजर्ब बैंक आफ इन्डिया के मुलाजिमों के रहने के जिये दो करोड़ ठपये के खर्च से बनी एक बस्ती का खद्धाटन कर रहे थे. उन्होंने अपनी तक़रीर के दौरान में जो सम्क कहे उसके कुछ हिस्से का अनुवाद हम नीचे दे रहे हैं:

"खोगों की दो खुनिगादी फरूरतों— साने और कपड़े—का मुनासिय व वाजिय इन्तजाम इमारी पहली पंचसाला योजना में हो गया. मेरा ख्याल दें कि अब दूसरी पंचसाला योजना में करूरत इस बात की है कि रहाइश या मकान बनाने के काम पर ज्यादा जोर दिया जाये. इसमें शहरों के अन्दर मकानों पर ज्यादा तवक नह दी जाये ताकि शहरों में जो सीवा-तानी है दसमें कमी आये और नये सलम (Slum) या गन्दी बह्तियां अजूद में न आ सकें. (स्टेट्समैन मई 27)

श्री देशमुख के कहने का मन्त्रा यह है कि हिन्दुस्तान की सरफ्रमीन पर रहने वाले हर इन्सान नाम के हर प्रानी को अब फ्रस्ट्स के आयक खाना और कपड़ा मिजने जगा है. यानी सब बरसरे रोजगार हैं या नीकरी में हैं और खाने पहनने की कोई तकलीक किसी को नहीं है. और श्री देशमुख यह भी जताना चाहते हैं कि यह कमाल सरकार की बनाई पंचसाला योजना की करामात है.

हमें नहीं माल्य कि हमारे फाइनेन्स मिनिस्टर जैसे जानकार व जिम्मेदार आदमी इस नतीजे पर किस तरह पहुंच गये. शायद वह आंकड़ों के बल पर ऐसा कह बैठे हैं. इस कई बरस से आजाद भारत में अनाज बाहर से आ रहा था. मगर सरकारी रिपोर्ट है कि इस साल से अनाज आना बन्द हो गया है. बल्कि यहां तक खबर है कि सरकार बावल बाहर भी मेजने बाली है या मेज रही है. जरा देर के लिये हम यह मान लें कि यह आंकड़े सही हैं और हिन्दुस्तान में काफी सल्ला पैदा होने लगा है. मगर इससे कोई यह नतीला कैसे निकाल सकता है कि हिन्दुस्तान के 36 करोड़ बाद्यान्दों को जाकरत के लायक, मर पेट भोजन मिल्ने अल्ला. जगर बांकड़े के बल पर ही राय कायम करेंनी है लक्का कार बांकड़े के बल पर ही राय कायम

قابل بوقے هوں، استفریخ میں جو اسپیجیس وہ جاتھ جاتھ دیتے ہیں ان میں اصلیحت کی جات پرجاز کی زیادہ میک آتی ہے، اناثر تقریروسیں ایک خطرناک سلتوهی وهتا ہے آتی بعض میں مجبب و فریب فیر جانکاری بعری هوئی ہے، یہ سب خصوصیت هدیں کیندری قائیننس منستر کی ایک اسپیج میں ملین جسکی طرف هم آتے پریمی پائیکوں کا دھیاں کیہنچنا جاھتے ہیں،

یہ بہائی شری چلتا می دیشکہ نے 25 مئی کو دیا جب وہ بمبئی میں ریؤرو بہلک آف انڈیا کے مازموں کے رہنے کے نئے کے نئے ایک بستی کا افغائی کر رہے تھے۔ انہوں نے اپنی تقریر کے دوران میں جو لفظ کہے اس کے کچھ حصہ کا انہواد ہم نہجے دے رہے شیں ا

الوگوں کی دو بلیادی فرورتوں سابھانے اور کھڑے کا مقاسب و واجب انتظام هماری پہلی یتی سالت یوجفا میں هوگها ، میرا خیال ہے که آب دوسری پنج سالت یوجفا میں فرورت اس بات کی ہے که وهائش یا مکان بقائے کے کام پر زیادہ زور دنیا جائے ، اسمیں فہروں کے اندر مخاتوں پر زیادہ توجہ دی جائے تات گھروں کے اندر مخاتوں پر زیادہ توجہ دی جائے تات گھروں میںجو کھیڈچا تاتی ہے اسمیں کسی آئے اور نگے سلم (Slum) یا گلدی بستیاں وجود میں نہ آسکیں ، اُ (استیتسمین مئی 27)

شری دیشمکھ کے کہتے کا مقشا یہ ہے کہ ہددستان کی سرزمین ہر رحقے والے ہر انسان نام کے ہر ہرآنی کو آپ ضرورت کے ڈلی کہانا آور کھوا ملتے لگا ہے ، یعلی سب ہر سر ورزار میں یا نوکری میں میں میں اور کھاتے پہلتے کی کرٹی تکلیف کسی کو تیہی ہے ، آور شری دیشمکھ یہ بھی جمانا جامتے میں کہ یہ کمال سرکار کی بقائی ہتے سالہ یوجھا کی کرامات ہے ،

همیں نہیں معلوم کہ هدارہ فائینٹس منسقر جوسے جانکار و قامدار آدامی اس تقیجہ پر کس طرح پہوئے گئے ، شاید وا آنکورں کے بل پر آیسا کہ بیٹیے هیں، اِدھو کئی پرس سے آزاد بھارت میں آنانے باعر سے آزاد بھارت میں انانے باعر سے آزاد بھارت میں انانے باعر سے آزاد بھارت میں اللے آنا بند ہوئیا ہے، بلکہ یہاں تک خبر ہے کہ سرکار جازل باعر بھی بھیجتے والی ہے آئکوے محیدے هیں ارد هنده تان میں کانی غلہ بیدا ہوئے لئا ہے ، «کر اس سے کوئی یہ نعیجہ کیسے نکال سکتا ہوئے لئا ہے ، «کر اس سے کوئی یہ نعیجہ کیسے نکال سکتا ہوئے بھی بھوٹی بھی ہوئی اگر آنکوے کے بل پر ھی رائے قائم بھر پھی بھی بھوٹی مائے لئا، اگر آنکوے کے بل پر ھی رائے قائم کوئی ہے تیب تو انگوبار بھی کہ اس کے زمانہ کوئی ہے تیب تو انگوبار بھی کہ سکتے تھے کہ اس کے زمانہ کوئی ہے تیب تو انگوبار بھی کہ اس کے زمانہ کوئی ہے تیب تو انگوبار بھی کہ سکتے تھے کہ اس کے زمانہ

के साइयों का काम केवल कांग्रेस की जिस तरह हो पटकी देना ही रह गया है? क्या इस से वह हिन्दुओं को बचा लोंगे? क्या हिन्दुओं को इन गंदे अंधिवश्वासों और इन सदे गले रीत रिवाओं में से निकालना या कम से कम निकालने की कोशिश करना उनका धर्म नहीं है? कांग्रेस के नेताओं और कांग्रेसी अकसरों के बारे में तो इस सम्बन्ध में हम अपनी लेखनी को रोक कर ही रक्खें तो अच्छा है. उन्होंने राज सचा हाथ में ले ली, बहुत बड़ा काम किया. अब उनका काम रह गया है केवल जिस तरह हो सके राजगही संमाले रखना! हम इस घटना से केवल हो ही नतीजे निकाल सकते हैं:—

पहला यह कि इन बातों में लोगों के साथ किसी तरह की प्रबरदस्ती नहीं करनी चाहिए. उनके यहां रोज जा कर धरना देना जिसे हम लोग 'सत्यामह' कहते हैं, वह भी खास हालतों में, प्रबरदस्ती हो जाती है. लोगों को बीच बीच में खुद सोचने का मौक़ा भी देना चाहिये. हां, उन्हें जाकर प्रम से सममाना चाहिये, पर वह भी जब वह सुनने को तैयार हों. हमें विश्वास है कि लोगों को सोचने सममने का मौक़ा भिले तो वह आम तौर पर कार्यकर्ताओं से और नेताओं से फ्यादा सममहार होते हैं.

वूसरा यह कि इन अलग अलग धर्मों का जमाना अब दुनिया से हमेशा के लिये उठ जुका. अब सांप निकल जुका केवल इम लकीरें पीट रहे हैं. दुनिया बहुत आगे वढ़ जुकी. अब दुनिया को सड़ी गली कदियों में फंसे हुए इन अलग अलग धर्मों की जगह एक ऐसे धर्म की जकरत है, जिसमें कोई पूना पाठ हो या न हो, ईश्वर पर विश्वास भी हो या न हो, लेकिन इनसानी बराबरी हो, मुह्ब्बत हो, नेकी हो, ईमानदारी हो, सच्चाई हो और इनसानियत हो. इग्सानी कौम की आगे की बढ़ाई बहुत टेढ़ी और कठिन पहाड़ की चढ़ाई है. सिहयों का कबरा कमर पर बांघ कर हम इस चढ़ाई को तय नहीं कर सकते. उस चढ़ाई को तय कहीं को सकते इलका करना होगा और हिम्मत और उस्तीं की निगाइ से अपनी कमर को सीधा रखना होगा.

20, 7, '54

—सुन्दरबाख

असलियत और प्रचार

नई दिल्की की पार्लियामेन्ट या लोक सभा के सम्बे इजलास की थकान मिटाने के सिये हमारे ज्यादातर मिनिस्टर धाराम की सातिर या तो अमेजों की तरह पहाड़ी इसाक्रों पर चले जाते हैं या गुरुक में सैर सपाटे के सिये کے بھاٹھوں کا کلم کھول کانگریس کو جس طرح مور پھتھنی دیتا ھی وہ گھا ھے؟ کھا اس ہے وہ مقدوں کو اس ققدے ادھ وھواسوں کو پھالھنگے؟ کھا ھقدوں کو اس ققدے ہے دکھا وہواسوں اور اِن سوے گلیہ ویت رواجوں میں نہیں ھے؟ کانگریسی افسروں کے نہتاؤں اور کانگریسی افسروں کے بارے میں تو اس سمعقدھ میں ھم ایتی لیکھنی کو روک کر ھی رکھیں تو اُجھا ھے۔ انہوں نے راجے ستا ھاتھ میں لے کر ھی رکھیں تو اُجھا ھے۔ انہوں نے راجے ستا ھاتھ میں لے کی بہت ہوا کام کھا ۔ اُن اُن کا کم وہ گیا ھے کیول جس طرح ھو سکے واج گئی سقیمالے رکھنا ! ھم اِس گھنا سے کیوں دو کیوں دو ھی نتیتھے لیکال سمتے ھیں ہے۔

ale le

پہلا یہ کہ اِن باتوں میں لوگون کے ساتھ کسی طرح کی زبردستی نہیں کرنی جاشکہ ، اُن کے یہاں روز جائو دمرنا دیا جسید هم لوگ استما گرہ کہتے هیں وہ بھی خاص حالتوں میں زبردستی هو جاتی ہے ، لوگوں کو بیچ بیچ میں خود سوچانے کا موقع بھی دیا جاھئے ، هاں اُنھیں جائو پریم سے سمجھانا جاھئے ، پر وہ بھی جب وہ ساتے کو تیار هوں ، همیں وشواس ہے کہ لوگوں کو سوچانے سمجھنے کا موقع ملے تو وہ عام طور پر کاریہ کرتاؤں سے اور نیتاؤں سے زیادہ سمجھدار هرتے هیں ،

دوسرا یہ کہ اِن الگ الگ دھرموں کا زمانہ آپ دنیا سے مبیھہ کے لئے آتھ چکا ، آپ ساتپ اکل چکا کورل هم اکیریں پہنت رہے ہیں ، دنیا بہت آئے ہوھ چکی ، آپ دنیا کو سوی گلی وروهیوں میں پہنسے ہوئے اِن الگ الگ دھرموں گیجکہ جگاء ایک ایسے دھرم کی فرورت ہے جسمیں کوئی پوجا پاٹھ ھو یا نہ ھو ایشور پر وشواس بھی ھو یا نہ ہو ایشانی برابری ھو مصمت ھو نہکی نہمی ایسانداری ھو سجائی ھو اور انسانیت ھو ، انسانی قوم کی آئے کی چوھائی بہت تہوھی اور کٹین پہاڑ کی چو ائی طے نہیں کو مکتب تہوھائی کو طے کرنے کے لئے طے نہیں کو مکتب ، اس چوھائی کو طے کرنے کے لئے میں آبھ بوجہ کو ھلکا کرنا ھوٹا اور همت اور آسولوں کی شیس آبھ بوجہ کو ھلکا کرنا ھوٹا اور همت اور آسولوں کی شیس آبھ بوجہ کو ھلکا کرنا ھوٹا اور همت اور آسولوں کی

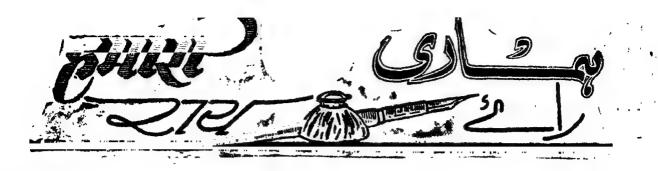
ــ سلدرلل

20. 7. '54

اصلیت اور پرچار

نگی علی کی پارلهامقت یا لوک سبها کے لمبہ اُجلس کی توکی مقالے کے لئے همارے زیادہ تر مقسلر آرام کی تفاطر یا تو التحریزوں کی طرح یہاری مقالوں ہو جاتے ہوئی بار ملک میں سیر سیائے کے لئے

77.1



छुमा छूत

چهوا چهوت

नागपुर से छै मीख दूर बहादुरा नाम का एक गांव है.

प्रावादी सब हिन्दुओं की है, जिनमें प्यास साठ घर ऊंची
जात के हिन्दुओं के हैं और इस पन्दरह घर हरिजन यानी
प्राक्षत सममें जाने वाले हिन्दुओं के. गांव में दो कुएं हैं.
उंची जात वाले ध्यपने पीने के लिए उन कुओं से पानी
भरते हैं, और हरिजन कहलाने वाले गांव से आध मील
दूर किसी नाले से पानी भर कर लाते हैं. उन्हें गांव के
कुओं से पानी नहीं भरने दिया जाता.

सन 1948 में भारत का विधान पास हो गया. उस में कम से कम काराज के अपर छुआ छूत सारे हिन्दुस्तान से मिटा दी गई. बहादुरा के एक नेक हिन्दू ताज्ञमनराव उस्ताद ने चाहा कि उनके गांव के हरिजनों को भी गांव के इबों से पानी भरने दिया जाय. जोगों को समम्प्राया. अंची जात वाजों ने न माना. चान्दोलन ग्रुरू हो गया. छै बरस से यह चान्दोलन जारी है. हर हफ्ते बड़े बड़े सुधारक, नेता, गांधी भक्त, यहां तक कि सरकारी अफसर और मिनिस्टर तक बहादुरा जा चुके हैं. हफतों वहां बड़े बड़े कैम्प रहे, बड़ी बड़ी समाएं हुई. जान्दोलन जारी है. हम भी एक दिन बहादुरा जा चुके हैं. विनोधा भावे, राजेन्द्र बाबू और जवाहरताल जी के अधीर्षाद तक बहादुरा के जान्दोलन को मिल चुके हैं. पर आज तक बहादुरा गांव के हरिजनों को गांव के कुओं से पानी लेने की इजाज़त नहीं मिल सकी.

इस सारे आन्दोतान की एक रिपोर्ट ग्यारह पन्नों की खपी हुई 'नया हिन्द' में रिव्यु के लिए हमारे पास आई है, और हम से सलाह भी मांगी गई है, हम हैरान है और शरिक्दा है कि क्या कहें, जो धर्म इतना गिर गया हो, वह क्या सबसुब जिन्दा रहने का इक़दार है थीर क्या दुनिया उसे किन्दा रहने हे सकती है ? इनारी बालों में कबुवापन हो सकता है. पर इस हैरान हैं कि क्या हमारे हिन्दू सभा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ

نائهوو سے چھ مهل دور بهادرا نام کا آیک گاوں ہے۔
آباسی سب هندوں کی ہے، جنسهں پچاس ساته گهر آونچی
جاس کے هندوں کے هیں اور دس پندرہ گهر هریجی یعنی
آجهوت سمجھ جانے والے هندوں کے ، گاوں میں دو فلولیس
هیں، آونچی جات والے اپنے یعنی کے لگر آن کلوؤں سے پانی
بہرتے هیں، اور هریجی کہانے والے گاوں سے آدہ مهل دور
کسی نانے سے پانی بھر کو لاتے هیں ، آنهمیں گاوں کے کندوں
سے پانی نہیں بھرنے دیا جانا ،

سن 1948 میں بہارت کا ودھان یاس ھوگیا ، اس میں کم سے کم کافٹ کے اوپر جھوا جھوت سارے ھددسکان سے مگا دی گئی ، بہادرا کے لیک نیک ھلدر لچھسی راؤ استاد نے جاھا کہ اُن کے ھریجنوں کو بھی گؤں کے کفروں سے یانی بھرنے دیا جائے، لوئوں کو سمجھایا، اُونجی جات اُندولن شروع ھوگیا ، جھ برس سے یہ اُندولن جاری ہے ، ھر ھفتے ہوے ہوے سدھارک' نیکا گندھی بھکت' یہاں تک که سرکاری افسر اور مفسٹر تک بہادرا جا جکے ھیں ، ھفتوں وہاں ہوے ہوے کھمپ رہے' بہادرا جا جکے ھیں ، ونوبا بھارے' راجھندر ایک بہادرا کے آندولن کو بہادرا کے آندولن کو بہادرا کی خفوں سے ہاہی کے آشیرواد تک بہادرا کے آندولن کو بہادرا کے گوں کے ھریجنوں کو بہادرا گؤں کے ھریجنوں کو گؤں کے کفول سے ہانی لینے کی اجازت نبھی مل سکی،

اس سارے آندولی کی ایک رپورٹ کیارہ پلوں کی چھپی ھوئی ''نیا ھلد'' میں رپوپو کے لگے ھمارے پاس آئی ھے' اور ھم سے صلاح بھی مانکی لگی ۔ ھم حیران ھیں اپر شرمادہ ھیں کہ کیا کہیں ، جو دھرم اتفا کر کیا ھو' رہ گیا سے مے زندہ رھا۔ گا حقدار ہے ؟ اور کیا میٹی ایس آئی زندہ رہا۔ سکتی ہے ؟ ھماری باتوں میں کوراپی عوراپی عوسکتا ہے ، پر ھم حیران میں کہ کیا جباری معدوک ساتھ

आज के कवि

विखने वाले — लिखत मोहन अवस्थी, निकाशने वाले -करेन्ट पश्चित्रासं 'दीमाल' कानपूर, लिखावट हिन्दी, सफेड-

205, दाम तीन रुपया.

कता को सममने के लिये खरूरी है कि कलाकार को सममा जाय. दुनिया के बड़े बड़े कलाकार इस बात पर सहमत हैं कि कलाकार अपने १६ गिर्द को सममाता है, उस समम्म को हजम करता है और तब जो चीज लिखता है बहु को मयाब होती है. बहुत सी रचनाओं की कामयाबी और नकामयाबी की जड़ लेखक के जीवन में होती है. इस लिये करूरी है की लेखक को हर पहला से जाना जाये और तब ही उसकी कता का सही अन्दाजा किया जायेगा. इसी हश्टी कोन से 'आज के किय' लिखी गई है.

इस पुस्तक में चौदह कवियों का जिक है. सब के सब नये हैं, नौजवान हैं. कुछ प्रगतिशीख हैं, कुछ अपने की प्रगतिशील नहीं कहते. इस तरह एक साथ बहुत से रूप और बहुत से विचार सामने आते हैं और सुन्दर, कम सुन्दर तय करने में असानी होती है. इस पुस्तक में चौदहों कवियों के चित्र दिये गये हैं और रचना के नमूने देने से पहले कवियों पर इसद्रीं से भरे अलोचनात्मक नोट दिये गये हैं.

इस में कोई शक नहीं कि व्यवस्थी जी ने मार्के की साहित्य सेवा की है और उन्हें बचाई मिसनी चोहिये.

इस सिलसिले में दूसरी कितावें अवस्थी जी लिख रहे हैं, जो कि इस किताव में नहीं हैं, वह उसमें जगह पाएंगे. आने वाली कितावें जल्दी पूरी हों, यही हर साहित्य सेवी की अपील हो सकती है.

— गुजीव रिजवी

परवाने की डायरी

जिसने वाले — मुद्दीउद्दीन इरफान, निकालने वाले — मकतवा मंकार, चौक (मकाविल कीतवाली) इलाहाबाद, जिसावट — उदू, सप्रदा — 154, दाम-दी कपये चार आने.

इस किताब का नाम "परवाने की बायरी" है लेकिन रूप इसने खतों का ले जिया है. बायरी और खत के लिखने में फर्फ़ है. जोशीखी और जो विचार धारा इस किताब में अपनाई गई है वह काणी मुहम्मद अब्दुत रामकार की है. लेकिन काणी साहब की किताबें बहुत ऊंची हैं, उन तक पहुंचना आसान नहीं है. प्रेम क्या खुद बहुत दिखचस्प नहीं होती, उसे अपने ताजे अनुमव और सुम्दर सजीवी माशा से पिस्रचस्प बनाया जाता है. माशा के नाम पर इस किताब में दर्द की पिटी पिटाई शरमीखी है और अनुमव के नाम पर कक मी नहीं देख पड़ता.

अदय की दुनिया में इस किताय का कोई मोल नहीं है. लेकिन मन बहुताय के लिये अच्छी है. - मुस्तका हैदर آج کے کوی

لكهائم والى المعا موهن أوسعهى؛ أكاللم والى كولما بهلموس على مال كانهورا لكهاوها علامي معصور

205؛ دام ــ تدي رويه .

کا کو سمجھلے کے لگے ضروری ہے کہ کاکار کو سمجھا جائے، دنیا کے بورے بوے کاکار اس بات پر سہمت میں کہ کاکار امر بات پر سہمت میں کہ کاکار امر اس بات پر سہمت میں کہ ارر تب جو چیؤ لکھکا ہے وہ کامیاب ہوتی ہے ، بہت سی رچفاؤں کی کامیابی اور ناکامہابی کی جو لیکھک کے جیون میں ہوتی ہے ، اس لگے ضروری ہے کہ لیکھک کو جیون میں ہوتی ہے ، اس لگے ضروری ہے کہ لیکھک کو ہر بہلو سے جانا جائے اور تب ہے اس کی کہ کا صحیمے اندازہ کیا جائے گا، اسی درشائی کون سے ¹³ ہے کے کوی آگا لکھی

گئی ہے ،

اِس ہستک میں چودہ کوویوں کا ذکر ہے . سب کے سبائلہ ایس ہستک میں چودہ کوویوں کا ذکر ہے . سب کے سبائلہ میں انوجوان میں ، کچھ ایم کی شغل میں کچھ ایم کو پرکتی شغل میں کچھ ایم کو پرکتی شغل میں اور سفدر کم سفدر طے کرنے میں آسائی هوتی ہے ، اِس ہستک میں چودهوں کوویوں کے جعر دلے گئے میں اور رجفا کے تمونے دیائے سے پہلے کوویوں پو همدردی سے بہلے کیا ہمیں کو ایس میں کا ایس میں کا ایس میں کا ایس میں کو ایس میں کیا ہمیں کو ایس میں کیا ہمیں کیا ہمیں کیا ہمیں کیا ہمیں کیا ہمیں کیا ہمیں کو ایس میں کیا گئی میں کیا ہمیں کیا گئی کیا ہمیں کیا گئی کیا ہمیں کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا ہمیں کیا گئی گئی کیا گئی کیا گئی گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی گئی کیا گئی گئی گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی گئی کیا گئی گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی گئی کیا گئی کیا

اُس میں کوئی شک نہیں کہ اوستھی جی لے معرفے کی ساھتیہ سیوا کی ہے اور اُنہیں بدھائی ملتی جاھئے۔ اِس سلسلے میں دوسری کتابیں اوستھی جی لکھ رہے ھیں جو کوی اس کتاب میں نہیں ھیں وہ اُس میں جہ کا پائیںگے ۔ آلے والی کتابیں جلدی یوری ھوں یہی ھر ساھتیہ سیوی کی آپیل ھوسکتی ہے ، مجبوب رضوی

پروانے کی تاثری

لكهنے والے مصى الدين ؛ نكائنے والے مكتبه جهلكو، چوك (مقابل كوتوالى)، اله آباد؛ لكهاوت ـ أردو ؛ زمنصه ـ 154 دام ـ دو روبه چار آنے :

إس كتأب كا تام " بروائے كى قائرى " بے ليكن روپ اس غضوں كا لي لها هے . قائرى أور خط كے لكهتے ميں اس نے خطوں كا لي لها هے . قائرى أور خط كے لكهتے ميں اس نے خود بيد كى كتاب ميں تاقى ماحب كى كتابيں ارتجى هيں اس تك پيونچنا آمان نہيں ہے . بريم كتبا خود بيد دلجسب نهيں موتى أس ابن تار مادر سحيلى بهاشا نے دلجسب بنایا جاتا ہے . بيانا كے نام بر إس كتاب ميں أردو كى يائى بتائى نثر ملتى هے أور انوبيو كے نام بر أردو كى يائى بتائى نثر ملتى هے أور انوبيو كے نام بر كتاب ميں كرد بي يائي بيائى نثر ملتى هے أور انوبيو كے نام بر كتاب ميں كرد بي يائي بيائى نثر ملتى هے أور انوبيو كے نام بر كتاب ميں كرد بي يائي ديائى نثر ملتى هے أور انوبيو كے نام بر

ادب کی دنیا میں اِس کتاب کا کوئی مول نہیں هے ، لوکن نہیں بہاؤ کے لگے اُجھی ہے ، ۔ مصطلی حیدو



जिन्दगो मुस्कराई

زندگی مسکرائی

विक्रने वाले — कन्हैयाताव मिश्र प्रभाकर; निकालने वाले — भारती झान पीठ, काशी; विस्तावट हिन्दी; सफ्हे — 296; हाम चार कपये.

"जिन्मी मुस्कराई" को पढ़ कर सचमुच जिन्दगी
मुस्करा घठती है. पढ़ते जाइये, कभी आप का रस
जतम नहीं होगा. जिस पन्ने को खोलेंगे एस पर जिन्दगी
का संदेश अंकित रहेगा. अगर कोई किताब चरित्र निर्मान
कर सकती है और नौजवानों को तरककी की चोटी पर
पहुंचा सकती है तो वह "जिन्दगी मुस्कराई" है. शैखी इतनी
रोचक है कि एक दफा किताब उठाकर फिर बन्द करने
का दिख नहीं चाहता. हर सतर एक नश्तर है जो दिख में
गढ़ता जाता है. काश हर नौजवान तक यह किताब पहुंच
सके.

इस पुस्तक में प्रभाकर जी के 43 स्केच और निवन्ध हैं. इन रचनाओं की पीठ पर प्रभाकर जी के गहरे चतुमव और तपस्या का हाय है. हर रचना में नई जिन्दगा है, नई प्रेरना है. प्रभाकर जी के बहुत से विचारों से कोई सहमत न हो, यह सम्भव है. लेकिन "जिन्दगी गुस्कराई" की महानता से कोई इनकार नहीं कर सकता. अभी तक हिन्दी में अगर कोई रचना है और नीजवानों को बजवान बनाने का दावा कर सकती है तो "जिन्दगी गुस्कराई" के अजावा कोई दूसरी रचना नहीं हो सकती.

अगर कोई शुद्ध और सुन्दर भाशा विस्तता है तो प्रभाकर जी को उसे गुरू मानना पड़ेगा. इस किताब की भाशा उन सब को चेलंग करती है जो कहते हैं कि बोल पाल की माशा और होती है और साहित्य की माशा और होती है. हिन्दी को संवारने का भेष प्रभाकर जी को है और इस अनमोख रहन के बियो मैं मिनत से उनके सामने सर मुकाता हूं.

यह किताब है जिस को यूनिवर्सिटी क्लासों में जरूर पढ़ाया जाना चाहिये और लाइन रियों में तो इसे पहुंचना ही चाहिये. لكهند والى كنهها لآل مهر يربهاكرا تكالم وأله ... 199؛ بهارته كيان يهدو كاهى الكهارت هندى؛ منحه ــ 196؛ دام جار رويه .

" زندگی مسکرائی " کو پومکر سے مے زندگی مسکرا المجی ہے ، پوهد جایئے' کبھی آپ کا رس خدم نہیں ہوگا ، جس ہے کو کورلیڈکے اس پر زندگی کا سلدیش الکمس رہے گا ، اگر کوئی تعاب چردر نرمان کر سکتی ہے اور نوجوانوں کو ترقی کی چوٹی پر پہونچا سکتی ہے تو وہ " زندگی مسکرائی " ہے ، شہلی القی روچک ہے کہ ایک دفعہ کتاب آٹھا کر پھر بقد کرنے کا دل نہیں چاهدا، هر سطر ایک نشدر ہے جو دل میں گونا جاتا ہے ، کاس ہر توجوان تک یہ کتاب پہونیے سکے ،

اس ہستک میں پربہائر جی کے 43 اِسکینے اور تبقدہ میں ، اِن رجفاؤں کی بیکہ پر پربہائر جی کے لہرے انوبہو آور تبسیا کا ماتھ ہے ، هر رجفا میں ٹگی زندگی ہے' نگی پربرنا ہے ، پربہائر جی کے بہمت سے وجاروں سے کوئی سہمت نه هو' یه سمیو ہے ، لیکن ''زندگی مسکرائی'' کی مہانتا ہے کوئی انکار نبھی کو سکتا ، ابھی تک مقدی میں اگر کوئی رجفا ہے اور نوجوانوں کو پلوان بقائے دھی کو سکتی ہے تو وہ ''و زندگی مسکرائی '' کے عارہ کوئی دوسری وجفا نبیں هوسکتی ،

اگر گرکی شدھ آور سقدر بھاشا لکھنا جامعا ہے تو پربھائر جی گو آمہ گرو سائنا پویکا ، اِس کتاب کی بھاشا آور سب کو چھلفجے کرتی ہے جو کہتے میں کہ بول جال کی بھاشا آور موتی ہے ، اور سامعیہ کی بھاشا آور موتی ہے ، مقدمی کو سلوارنے کا شریہ پربھائر جی کو مے لور اُس اِنسول دیوں کے لکے میں بھکتی سے اُن کے سامنے سر جھکاتا میں ۔

ید وہ کتاب ہے جسکو یونہورسٹی کلسوں میں غرور پوچایا جانا مجامکے اور لانہریریدوں میں تو اِسے پہرنچنا می جامکے ،

—प्रजीव रिजवी

سمجهب رقبوى

- 15 K

भाये थे. आज फिर इन्सान सतरे में घिरा है. वच्चे बुढ़े, भौरत मई सब चीख़ रहे हैं. डैन्यूब का गुस्सा उन्हा नहीं हो रहा, उसकी भूख नहीं मिट रही. इन्हानियत ने फिर पुकारा. आज यह सिपाही फिर एक साथ मैदान में भा गये.

जब खतरा होता है तो एका बढ़ता है. जब एका होता तो, विश्वास बढ़ता है. जब विश्वास होता तो हथियार की पाक्ररत नहीं होती. बन्दूकें दूर पड़ी हैं — बहुत दूर, आदमियों से बहुत दूर. कसी बन्दूकें आंख फाड़े अमरीकी बन्दूकों को देख रही है. अमरीकी बन्दूकें ताज्जुब से कसी बन्दूकों को देख रही हैं, लेकिन खामोश हैं.

सिपाद्दी सब भूल गये हैं — इन्सान हो गये हैं, केवल इन्सान — आदिमयों को बचा रहे हैं, बढ़ों को किनारे पर पहुंचा रहे हैं, बच्चों के सहारे बन रहे हैं. यह सब भूल गये हैं. केवल उन्हें खतरा याद है और खतरे से मानवता को बचाने का कर्ज !

दैनयुव का खतरा मामूली है, बहुत साधारन इस से भी बड़े खतरे हैं, हिटलर से भी बड़ा खतारा सामने हैं पेटम भम का खतरा, हाईड्रोजन बम का खतरा, निपाम बम का खतरा. एक-दो, दस-बांस, हजार दस हजार, खास दस खास को ही खतरा नहीं है, सारी जिन्दगी खतरे में है, सारी मानवता खतरे में है. आज इन्सानियत फिर बुला रही है—अमरीकियों को, रुसियों को—सब को—मेख के लिये. आज रूसी और अमरीकी हैन्युव के खतरे के कारन मिले हैं. एक क़दम और आगे, मानवता को बचा लो, बन्दूकों फेंक दो, एक दूसरे को गले लगा खो.....लेकिन शायद......ऐसा न हो सके......शायद हो सके! इन सियाहियों की आंखें यही कह रही हैं. जरा इनमें देखो, जरा इनको पढ़ो. दूर नील गगन में आंधुओं की स्कीन पर क्या लिखा है—"हम जरूर मिलेंगे, दुनिया की जनता एक है, हम जरूर मिलेंगे......

— मुनीब रिज़वी

آئرتے، آج پھر انسان عطرے میں لبرا ہے، بچے بروہ عورت مرہ سب جھع رہے میں ۔ قیلوب کا قصد ٹینڈا نہیں مو رہا' اسکی بھوک نہیں میں رہی ، انسانیت نے پھر پکرا، آج یہ مہامی پھر ایک ساتھ مهدان میں آ گئے ۔

جب خطره هوتا هے تو ایکا بوها هے ، جب ایکا هوتا هے تو ها ایکا هوتا هے تو ها و ها ایک فرواس فرواس بوها هے تو ها و کی فرورت نہیں هوتی ، بلدولیں دور پوی هیں بیات دور ، روسی بلدولیں آنکییں بهارے دورا آدمیوں سے بہت دور ، روسی بلدولیں آنکییں بلدولیں امریکی بلدولیں نمجیب سے روسی بلدولیں کو دیکھ رهی هیں الهکی خاموهی هیں ،

سیاھی سب بھول گئے ھیں۔۔انصان ھو گئے ھیں' کھول انسان۔۔آدمیوں کو بنچا رہے ھیں' بروھوں کو تقارے بھونتچا رہے ھیں' بنچوں کے سیارے بن رہے ھیں ۔ یہ سب بھول گئے ھیں ۔ کھول انھیں خطرہ یاد ہے اور خطرہ سے مانوتا کو بنچائے کا فرھی!

قیلوب کا خطرہ معمولی ہے، بہت سادھاری ، اِس سے

بھی بورے خطرے ھیں گلر سے بھی بوا خطرہ ساملے

ھ ، ایکم بم کا خطرہ عائدروجی بم کا خطرہ نہام ہم کا
خطرہ ، ایک دو دس بیس کرار دس ہزار کئی دس
خطرہ ، ایک دو دس بیس کے ساری زندگی خطرے میں

قرا ساری مانوتا خطرے میں ہے ، آج انسانیت بیر بالا
می ہے ۔ اُمریکیوں کو وسیوں کو ۔ سب کو ۔ میل کے
رھی ہے ۔ اُمریکی قیلوب کے خطرے کے کاری ملے
میں ، ایک قدم اور آئے کمانونا کو بچا لو بیدونیں میں
بیمنگ دو ایک دوسرے کو گلے لیا لو . . . لیکن شاید
بیمنگ دو ایک دوسرے کو گلے لیا لو . . . لیکن شاید
بیمنگ دو ایک دوسرے کو نام ای سیاھیوں کی
انتہمیں بہی کہ رھی ھیں ، فرا اُن میں دیکھو قرا اُن
کو بچھ ، دور نہل لگن میں آنسوؤں کی اسکریی پر کھا
کمیا ہے ۔ ھم ضرور ملیلگے دنیا کی جانتا ایک ہے ۔ ھم

سمجهب رضون

बहुत दिनों की बात नहीं है. यह सिकारी हैनजून के किनारे आये थे — एक तरफ से अमरीकी, दूसरी तरफ से ह्रसी. जर्मन भाग रहे थे, जा रहे थे, अपने अन्त की तरफ बढ़ रहे थे. गोली चलना बन्द हो गया था. एक नारा गंजा. ऐतान हुआ कि ह्मारी जीत हुई.....और सब सिपाही सामने आ गये — अमरीकी सिपाही, हसी सिपाही — सबने बन्दूक रख दी, गले मिल गये, एक दूसरे को उठा लिया, नाचने खगे.

लेकिन यह कब हुआ ! जब खतरा था, जब इन्सानियत पर राम्मों ने इमला किया था, जब जिन्द्गी मीत के पन्ले में जफ़द गई थी, जब डजले को बंधेरा खा रहा था, जब जिन्द्गी की हर बीज मीत से हर रही थी. उस समय, उस युग में अमरीकी आये थे, रूसी आये थे! एक साथ आये थे, पक होकर आये थे... डैन्यूब इसकी गवाह है. जिस किनारे बैठ कर रूसियों ने अमरीकियों को बोडका दिया था और अमरीकियों ने रूसियों को सिगरेट पिलाए थे, जहां उन्होंने जीत के गीत गाये थे, जहां उन्होंने एक दूसरे को भविषय की जिन्दगी का खाका बताया था, जहां बैठ कर वह सब भूल गये थे, दिल खुत गये थे, बातें हो रही थीं, वह आनन्द विभोर हो रहे थे. जमीन का वह भाग जो डैन्यूब की लहरों को घेरे हुए था अगर पानी में द्ववा नहीं है तो फ़रूर गवाही देगा.

उस बक्त भी डैन्यूष में तहरें उठी थीं और आज भी उठ रही है. लेकिन दोनों की नियत में कर्क है. पहले की लहरों ने स्वागत किया था. आज की तहरें गुस्सा है, गज़बनाक हैं.

सिपाही एक दूसरे को पहणानते हैं. कसी सिपाही मागे बढ़े. वोडका की बीतलें उन्होंने मागे बढ़ा दीं. उन्होंने नारे लगये—"दुनिया की जनता एक है." ममरीकी आगे बढ़े—एक फ़दम, दो फ़दम. मुंह पर मुस्कराहट का गई. तभी किसी ने याद दिलाया कि आगे मौत है. कसी सिपाहियों से मिले नहीं कि मैकार्थी तुम्हें फांसी के तकते पर खटका देंगे. ममरीकी सिपाही परेशान हो गये. उनकी समम में नहीं आता या कि क्या करें. १ पीछे हट जायें या आगे बढ़ कर गले लग जायें. ममरीकी सिपाहियों के मुंह पर दुख की रेखा कास्यों ने देखी. उन्होंने जैसे पढ़ा कि माई मजबूर हैं, क्या करें. उसी मौन भाशा में कसियों ने उत्तर दिया—कोई बात नहीं है. तुमने हमारी श्रुम कामना स्वीकार कर ली है, इसका हमें बिरवास है. तुम हमें अपना दुरमन न सममो, बस इतना ही हमें चाहिये.

्रमाण वह सिपादी डैन्यूव के किनारे फिर आये हैं. पहले डिटकर को सगाने आये थे. एक सत्या वह था. उसे मिटाने ههمت دنوں کی بات تہدں ہے ، یہ سہامی قیارپ کے تفارے آئے تھے۔ ایک طرف سے امریکی درسری طرف سے روسی ، جرمی بہاک رہے تھے جا رہے تھا آئے آئت کی طرف بور ایک نیاز کی طرف بور ایک نیاز کی طرف بور ایک نیاز کی ایک نیاز کی سیامی مامنے آئے اس امریکی سیامی مامنے آئے اس امریکی سیامی وسی سامنے آئے ۔ امریکی سیامی وسی سیامی کو آتھا لیا نیاز کی درسرے کو آتھا لیا نیائے لیے ،

لهكن يه كب هوا؟ جب خطرة تها عب أنسانهت ير واكشوس في حمله كها تها عبب زندگى موت كه يلاي مهى جكو گئى تهى جب أجالي كو أندههوا كها وها تها جب زندگى كي هو جهوز موت بيه دو رهى تهى. أس ميا مين امريكى آلي تها روسى آله تها أيك هو كر آله تها مين امريكى آلي تها روسى آله تها أيك هو كر آله تها مين امريكهون كو وودكا ديا تها أور أمريكهون كو وودكا ديا تها أور أمريكهون كو وودكا ديا تها أور أمريكهون كو كهمت كاله تها جهان أنهون في أيك دوسويه كو جهومت كي كهمت كاله تها جهان أنهون في أيك دوسويه كو بهوشهه كي زندگي كا شاكه بتايا تها جهان بهتهكر ولا سب بهول كثم تها دل كهل كثم تها بالين هو رهى تههى ولا أنظد وبهور هو رهي تها در دمين كا ولا بهاك جو تههي ولا آله بالي مهن قوبا لههي ها تو شرور گواهي ديگا .

اُس وقمت بھی قیفوپ میں لیاریں آٹھی تھھی اور آج بھی آٹھ وھی ھیں ، لیکن دوئوں کی نمت میں فرق ھے ، پہلے کی لیاروں نے سواکت کیا تھا ، آج کی لیابیں قصم ھیں؛ فقیداک ھیں ،

سهاهی ایک دوسرے کو پہنچانتے میں، روسی سهاهی آئے ہوھے، ووڈکا کی برنلیں آنہوں نے آئے ہوهادیں ۔ آنہوں نے نمرے لگائے ۔ آدنیا کی جنتا ایک ھے، آمریکی آئےہوئے — ایک قدم' دو قدم ، سفہ پر مسکراهت جہا گئی، تب هی کسی نے یاد دالیا که آئے موس نے ، روسی سهامهوں سے ملے نہیں که میکارتهی تمہمی پہائسی کے تتختے ہو لگخا دینگئی، آمریکی سهامی پریشان هولئے ، آن کی سمنچه میں نہیں آئا تھا کہ کیا کریں؟ پینچھے همت جائیں یا آئے بوهکر گلے آئا تھا کہ کیا کریں؟ پینچھے همت جائیں یا آئے بوهکر گلے روسهوں نے دیکھی ، آنہوں نے جہسے پوما کہ بھائی منجمور ورسهوں نے دیکھی ، آنہوں نے جہسے پوما کہ بھائی منجمور میں نہیں نہیں ہیا کہ میں روسهوں نے آئر دیا ۔ گرئی یات نہیں وہواس ہے ، تم نے هماری شعب کاملا سوبکار کر نہیں آئیا دھمی نہیں جامیں وہواس ہے ، تم نے هماری شعب کاملا سوبکار کر نہیں آئیا دھمیں وہواس ہے ، تم میموں آیا دھمی نہیں ۔

آج یہ سہامی تیتوب کے کنارے یور آئے میں ، پہلے مثالے مثالے آٹے تھے ، لیک خطرہ وہ تھا اسے مثالے

आजादी है सूठ बोक्कने की, आजादी है ब्रुट मार करने की, हर उस चीज की आजादी है जिसकी आजादी नहीं होनी चाहिये. केवल एक बात की ही आजादी नहीं है सब बोक्कग सबसे बड़ा पाप है और उसकी सजा है मालूम है क्या है ?—मीत! यही नहीं कि अपनी जमीन पर अमरीकी सब नहीं बोल सकते. यदि उन्होंने दूसरे देश में भी सब बोजने की कीशिश की तो उन्हें पकड़ लिया जायेगा, दूतावास के कमरों में ठूंस दिया जायगा, हवाई जहाज में बन्द कर के बूबड़ खाने में भेज दिया जायेगा. बहां बहां सदा के लिये सब की आवाज शान्त कर दी आयेगी.

येक्षी आजारी को कोई क्या कहे !

× × ×

पानी है कि उमड़ा ही बाता है. सहरें किनारे से टकरा रही हैं. जमीन पीछे हटती जाती है. हार रही है या पानी जमीन को निगले जा रहा है ! एक भयानक फुफकार सुनाई हेती है, उसमें चीख भी मिली हैं. कहते है कि पानी पीछे हटता है, गुर्शता है बौर फिर पूरी ताक़त से किनारे पर हमसा करता है. यह भी हो सकता है कि किनारा जानता हो कि उसकी हार निश्चित है. पर आसानी से हार मानना वह नहीं चाहता. बमकी हर लड़ाई में आखरी हथियार होता है. शायद कटता हुआ किनारा इसकिये फुफकार रहा हो !

बता का तूजान है. डैन्यूब ने जैसे क्रसम खा ती है, पुराना जमाना होता, तो पूजा होती, डैन्यूब देवी को मेंट बढ़ाई जाती. लेकिन इस युग का इन्सान! कुछ अपने अपर अधिक विश्वास करने त्या है. किनारे पर पुरोहित नहीं हैं, इन्जीनियर हैं, विशेशक हैं. योजनायें बन रही हैं कि बाद कैसे रोक दी जाये. डैन्यूब दक जाये यह उसकी धान के खिलाफ है. रोकने की जितनी कोशिश होती हैं, उसका गुस्सा और बदता है, वह और अधिक जोश में आती है.

खतरा वढ़ रहा है। चाल्ट्रिया वाले क्या करें. हाथ पैर भारते हैं, लेकिन कामयाची नहीं होती.

यह क्या १ फीज आ रही है. लेकिन यह फीज एक देश की नहीं है. दोस्त नहीं है, एक तरफ अमरीकी हैं, दूसरी तरफ रूसी हैं. दोनों तरफ से पणास पणास सिपाही आ रहे हैं. यह सिपाही एक दूसरे से अपरिचित हों ऐसी बात नहीं. यह एक दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं, खूब पहचानते हैं. इससे पहले भी डैन्यूब के किनारों पर यह मिल चुके हैं. तब डैन्यूब ने उनका स्वागत किया था. लेकिन आज नाराख है. क्यों का जवाब बहुत तीखा है. पर इस जवाब में बहुत से भेद छिपे हैं, इतिहास के फन्ने ही इस पर रोशनी हाल सकते हैं. آزائی ہے جورت بولئے کی آزائی ہے لوت مار کوتےکی اور اس جور کی آزائی ہے جس کی آزائی تیوں ہوئی ہوائی ۔ حول ایک بات کی ہی آزائی تیوں ہوئی بولئا مب سے بوا باپ ہے اور اس کی سؤا ؟ معلوم ہے کہا نہیں بول مبت ایمی نہیں کہ ایلی زمین پر امریکی سے نہیں بول سکتے ، یدی آنہوں نے دوسرے دیش میں بھی سے بولئے کی کوشش کی تو آنہوں نے دوسرے دیش میں بھی دیا جائے گا موائی جہاز دیاں میں بھی دیا جائے گا موائی جہاز میں بھی دیا جائے گا دوس بھی دیا جائے گا دوس بھی دیا جائے ہوں میں بھی دیا جائے گا دوس بھی دیا جائے گا دوس بھی دیا جائےگا ، وہاں میں بھی کی آواز شانمی کر دی جائےگی ،

ایسی آزاشی کو کوئی کھا کھے!

+ × ×

پانی هے که أموا هی آتا هے . لهریس کلارہے سے تحرا رهی ههرس ، زمین پهنچون هگلی جاتی هے . هار رهی هے

یا پانی زمین کو نگلے جا رها هے ! آیک بههانک پهههکار

سقائی دیکی هے اس میں جهیخ بهی سلی هے . کہتے

هیس که پانی پهنچه هگلا هے فرانا هے اور پهر پوری طاقت

سے کفارے پر حمله فرتا هے . یه بهی هو سکتا هے که کفارا

جانتا هو که آسکی هار نشنجت هے . پر آسانی سے هار

ماندا ولا نهیں جاهلا ، دهمکی هر لوائی میں آخری هگهار

مونا هے . شاید نگلا هوا کفارا اس لگے پههکار رها هو!

بلا کا طوفان ہے ۔ تیقوب نے جھسے قسم کھا لی ہے ۔ پرانا زمانہ عولا تو پوجا ھوئی قیفوب دھوی کو بھیفت چوھائی جائی ۔ لیکن اِس یک کا اِنسان اِ دھیہ اُنے اُرپر اُنمک وشواس کرنے لگا ہے ، دفارے پر پروھت نہیں ھیں انجیفیر ھیں وشیھگ عیں ، پوجفائیں بن رھی ھیں که بازھ کیسے روک دی جائے ، قیفوب رک جائے گئے اُسکی شان کے خلاف ہے ، روکفے کی جکفی کوشش ھوتی ہے اُسکی اُسکا فصت اور پوھکا ہے وار ادھک جوش میں آنی ہے ۔

خطرہ ہوہ رہا <u>ہے</u> ۔ آسٹریا والے کھا کریں ، ہاتھ پھر مارتے ھیں' لیکن کامیابی نہیں ہوتی ۔

یه کها ؟ قرح أ رهی ، لهکن یه قوح ایک دیش کی نهیں ہے ورست نهیں ہے ، ایک طرف امریکی ههن دوسری طرف روسی هیں دونوں طرف سے پچاس ہجاس سهاهی آ رہے ههن ، یه مهاهی ایک دوسرے سے پرپیچت هون ایسی یات نهیں . یه ایک دوسرے کو انهی طرح جانتے هیں ایس سے پہلے بهی قینوب هیں ایس سے پہلے بهی قینوب کے کفاروں ہو یه مل جہلے ههن ، تب قینوب نے ان کا سوائٹ کها تها ، لهکن آج تارانی ہے ، گهرس کا جواب مهن تهمی تهید جهید مهن الباس کے بهدد جهید

歌(* り)

की खत." मैंने उसे छोड़ दिया, केकिन दूसरी सबर दंदते हंदते बस पर नचर जा पड़ी. सीचा, पढ़ ही लूं. उस औरत तिला है: "मैं धीलोन से अमरीका क्यों लाई गई है, मेरा क्या दोश है, मेरे पति से मुक्ते क्यों अलग कर दिया गया है. मेरे पास पैसे नहीं हैं, में यहां गुजर कैसे कहांगी.....? में अपने पति को बहुत प्यार करती हु..... मैं उस से श्रव्या नहीं रह सकती."

मैंने बागे पढ़ना बेकार सममा, सोबा शायद बेचारी को इसलिये बापस भेज विया गया हो क्योंकि उसने एक सीलोनी से शादी कर खीं है. शादी-और एक गोरी अमरीकन की काल सीलोनी के साथ! लेकिन आगे की खबर और मज़ेबार है. मैं शीर से पढ़ने लगा, कुछ ऐसा जगने जगा कि मुमे अपने सवाल का जवाब मिल रहा है. इस औरत से ग्रेम इमझ, साहातुभूति बढ़ी, लेकिन फिर ख्यात हथा कि हो न हो इस औरत ने कोई खतरनाक काम किया है, नहीं तो अमरीकी सरकार पागल नहीं है. किसी औरत को उसके पति से छड़ाकर ले जाना मामली परिस्थित में समम में नहीं था सकता.

मैंने आगे पढ़ा. पता चला कि यह देवी जी भी जोजफ ही सिलवा की बीवी हैं. जीजक साहब ने सुत्रीम कोर्ट में दरकवास्त ही कि अमरीकी दुतावास बाले उनकी बीबी को जबरदस्ती अमरीका भेज रहें हैं. कोर्ट सीखोनी सरकार को आदेश वे कि वह उसे अमरीका न जाने दे.

कोर्ट के फैसले से पहले मिसेज सिखना वाश्चिगटन में है.

शायद सीलोनी सरकार के हाथ बंधे हैं! एक नागरिक की स्त्री को इसरे देश बाले पकड़ कर ले गये. सरकार खामोश है, कुछ नहीं बोलती है. पूरव में औरत को घर की इक्कात कहा जाता है. युगों से यह परन्परा चली आई है. जिसने स्त्री पर हाथ डाला, उसने इक्जत पर हाथ हाला. एक नागरिक की इपजत देश की इपजत होती है. जान चली जाये लेकिन इज्जत न जाये. पर यह बीती बातें हैं. स्रोग कहेंगे कि भावुक लोग ऐसी दातों को महत्व देते हैं. जो भी हो. जेकिन मैं सोचता हूं, सोचने पर मजबूर हूं. सीचोन की इक्कत दिन दहाड़े अमरीकी तट कर ले गये भीर सीलोन सरकार खामोश है!

मिसेष सिलवा का दोश क्या है ? बहुत भयानक दोश है. अमरीकी सरकार को वह एलट देना पाहती थीं ? वन्होंने आहजन हावर को क्रस्त कराने की साविश की थी ? नहीं, बिल्कुख नहीं. ऐसी कोई बात नहीं, केवल इसना वोश है कि क्योंने यक किताब सिसी है. उस किवाब का नाम है- "दोखेन का- धनका दोश ?"

خطراً مهر لے أب جهور ديا الهكريدوسريخهر تعولقعال ترتدمعداس پر نظر جاپوی. سوچا، پود هی لون، اس مورس لَكُهَا هِي : 'قمهن سهلون سے إمريكة كهن لَلْي ذَكِي هون' ہرا کیا دوس ہے، منورے پتی سے مجھےکیوں الگ کردیا گیا أ مهريم عاس پوښيانېهن ههن مهن يپان گور کيس کورن اکسسمیں ایم پتی کو بہت پیار کرتی ہیں.... ين أس سے آلگ نهيں وہ معلى ."

مهن نے آئے بوهنا بهکار سنجها. سوچا شاید بهچاری و اس لئے واپس بوعم دیا گیا هو کورنکه اُس نے ایک مهلولنی سے شادی کرلی ہے. شادی ۔ اور ایک گوری امریکن ي كالم سهاوات ك ساته ! لهكن أكد كي خمر أور مؤيدار ہے . میں فور سے پوعلے لکا ۔ کچھ ایسا لکنے لکا که سجھ يه سوال کا جواب مل رها هے . أس عورت سے يريم أموا؟ سهانوبهوتي بوهي؛ ليكين بهر خيال هوا كه هو ته هو أس بورت نے کوئی خطرناک کام کہا ہے، نبھی تو امریکی سرکار باکل نہیں ہے، کسی مورسا کو اُس کے پاتی سے جموا کو هنجالا معمولي ورستهكي مهن سنجه مين نههن أمككار

میں نے آئے ہوما ، یکھ چلا کا یہ دیری چی شری ورزت تی سلوا کی یہوی میں ، جوزف ماحبنے سیریم نورت میں درخراست دی که امریکی دوتاواس والے اس نی بهوی کو زبردستی امریکه بههیج رهے هیں ، کورت بهلونی سرکار کو آمیش دےکه را آنے امریکه نه جانےدے.

كرت كرفيصلم سريبلممسية سلوا واشلكتن مهرههن.

شاید سهلونی سرکار کے هاته بندھے همی ! ایک تاکرک ای استری کو دوسرے دیمی رائے یکو کر لے گئے ، سرکار غاميم ۾ کچه نيهن پرلٽيه، پورپ مين عرب کو گهر لے موس کیا جاتا ہے، یکورسے یہ پرمہرا چلی آئی ہے۔ جس نے اسعری پر هانه دالا اس نےمزت پر هانه دالا . ایک ناکرک کی مرس دیم کی ورس مولی ہے . جان چلی جائے' لیکن موس نه جائے ، پر یہ بھتی باتوں ھیں ، لوگ کہھلگے که بهارک لوگ آیسی بانون کو مهاتو دیاته هون ، جو بهی هو ، ليکن مين سوچدا هرن' سوچلے پر صعبور هون که سهلین کی موس دن دهارے امریکی لوظ کر لے گگے اور سیلوں سرکار خاموش ہے!

مسر سلوا کا دوهی کیا ہے ؟ بہت بهیانک دوهی الله ، امریکی سرکار کو وہ اُلت دینا چاھتی تھیں ؟ اُنھوں آ آلیں ماور کو قتل کرانے کی سازمی کی تھی ؟ لھیں؛ الما نهيل ، ايمي كولي باك نهيل ، كيول الله دوس ہے کہ اُنہیں نے ایک کتاب لکھی ہے ، اس کتاب کا نام ہے سرور موزن برگ سران کا دوهی ؟**

महाराज तींद पर हाथ धुमाते चवर से गुकरे और धन्होंने कहा — "यह सब भूठ है. कीन है बढ़ा विद्वान, जैसे बक्दर के बाद सुखा पड़ा ही नहीं ?"

सब ने सुन लिया, कोई जवाब नहीं दिया.

किसान ने फिर कहा — "अनिया ने पानी गाड़ रखा है. भैया, इन लोगों को अपने मुनाफे से मतसब.....!"

विश्वास न करते हुए दूसरों ने गरदन हिलाई. किसान भूटा बनने को तैयार नहीं है. इसने जरा जीश में आकर कहा—"तीन साल पहले तो हमारे गांव में ही एक बनिया प्रकड़ा गया था. बच्चू की खूब पिटाई हुई. आंगन में पानी गाड़ रखा था. गांव वालों ने मिल कर पूजा कराई और पानी बखेड़ा. दूसरे घंटे ही घर्रा तोड़ पानी बरसा."

विश्वास और अविश्वास के बीच सबने किसान की बात मान ली. सब चुप हो गये.

उसी समय कड़कड़ाइट हुई और टपाटप चूंदें पड़ने हमी. सब बिलाते हुए भागे — "बरसी देव, बरसी, दिख होल कर बरसी."

क्षेष्ठिन दूसरे चन धूप निकली हुई है.

× × ×

कल एक मित्र से बात हो रही थी. वह अमरीका हो आये हैं. इन्हें अमरीकी जीवन बहुत अच्छा लगता है. बोले — "अमरीका में हर तरह की आजादी है."

में चुप रहा.

डन्होंने आंपा कि मैं उनकी बात पर यक्तीन नहीं कर रहा हूँ शीघ ही उबल पड़े — "और कोई आजादी हो या न हो, लेकिन जिन्सी आजादी बेदद है, बेहद है"

मुक्ते हंसी आ गई. मुंह दवा कर हंसने को कौन कहे, मैं पूरी ताक्रत तगा कर हंस पड़ा.

बह इस मेंप से गये.

खन मित्र का ही क्या. बहुत से आते हैं, अमरीका की माशादी को सराइते हैं. लेकिन जब जब उनसे प्रश्न किये जाते हैं वह जिन्सी आजादी और यह आजादी को र यह आजादी को नम गिनाने कगते हैं. वह भूट बोकते हैं, कैसे इसूं ! बह मरम में हैं ! हो सकता है. लेकिन वह मरम में हैं ! कि मैं भरम में हूं ! प्रश्न उठा और फिर जांत होने का इसने नाम न लिया. नींद गायब हो गई. बरसात की रात में सितारे भी नहीं थे कि सितारे गिनता. बर में मच्छर बहुत हैं. अन्धेरे में बन्हें ही मारता रहा. कोई मच्छर मरा या नहीं, लेकिन कई जगह मेरे बदन में दर्द जरूर होने कागा. वब खुझ सम्भव न हो तो मैं अखबार पढ़ता हूं. हिन्दुस्तान हाइम्स का गुराना नम्बर बठा खाया. पढ़ता रहा. एक कोने में खबर झपी थी. हैंडिंग थी — "अमरीकी वौरत का आइक

مہارانے کولٹ ہر ہاتہ کیماتے آدھر سے گزرے اور آتموں نے یہا۔۔ ''یہ سب جمورت ہے ، کون ہے ہوا ودوان ، جیمہ آکمر کے بعد ہوکھا ہوا ہی تیمن؟''

سب لے سی لها کولی جواب نهوں دیا .

کسان نے پھر کہا ۔۔ واپلاما نے باتی کار رکھا ہے، بھما کوئی سرے یا جگے اُن لوگوں کو اُن سفافع سے مطلب اُن لوگوں کو اُن سفافع سے مطلب کسان وهواس نه کرتے ہوئے دوسروں نے گردن ہائی . کسان جھوٹا بنانے کو تمار نہیں ہے ۔ اُس نے قرا جوش سمن آکر کہا۔۔۔ ''لاہن سال پہلے تو ہمارے گاؤن سمن هی ایک بنیا پکوا گیا تھا، بحوو کی خوب تبائی ہوئی . آنگی سمن یانی کار رکھا تھا ، گاؤں والوں نے سلمر پورجا کرائی اور پانی اُن والی اُن دوسرے گھنٹے هی اُرا تور پانی برسا۔''

وهواس اور اوهواس کے بھی سب نے کمان کی بات

مان لی. سب چپ هولکه .

اُسّی سے کوکواهمی هوئی اور تهاتپ یوندین ہوئے لکھن ، سب جلاتے هوئے بھاکے ''برسو دیو' برسو' دل کھول کر برمو ،''

لیکن دوسرے چہن دھوپ ٹکلی ھولی ہے ۔

× × ×

میں ہوت رہا ۔

اُنھوں نے بھانھا که مھی اُن کی بات پر یقین نہھں کر رہا ھوں ، شھکھر اُپل <u>پوے ۔۔۔''اور</u> کرگی آزادی ھو یا نہ مو لیکن جنسی آزادی ہجد ہے''

مجے هفسی آگئی ، مقه دیا کر هفستے کو کون کیے' میں پوری طاقب لکاکر هفس ہوا ،

رہ کچھ جھیلپ سے گئے ۔

ان مقر کا هی کیا . بیمت سے آتے هیں' امریکہ کی آزادی کو سراھتے هیں . لیکن جب جب آن سے پرشی کئے جاتے هیں وہ جلسی آزادی اور یہ آزادی اور وہ آزادی کا نام گلالے لگتے میں وہ جہرت بولتے هیں' کیسے کہرں' کیا بہرم میں هیں؟ عرسیٰ آٹھا اور پھر شانمت هوئے کہ میں بھرم میں هیں؟ پرشی آٹھا اور پھر شانمت هوئے کا اس نے نام نہ لیا . نیقد فائب هوگئی، پرسات کی رات میں سقارے بھی نہیں تھے کہ سقارے گلقا ۔ گور میں مجھر بہد هیں ، اندهورے میں انہیں هی مارتا رہا ، کرئی مجھر مرا یا نہیں' لیکن کئی جگہ میرے بدن میں درہ فرور هوئے لیا ، جب کچھ سمیدو نہ هو تو میں انہیا ہوئی انہیا ہیں ، جب کچھ سمیدو نہ هو تو میں انہیا ہوئی برہ برہ ہوئی ہوئی ۔ هیں آئیا ہوئی ہوئی ہوئی ، هیں خبر جھی

बहाराज विगय कर बोले-"हाय पार्जी थोना बाजत हो गई है. अगवान बरस रहे हैं. चुल्लू लगा के वी लेना. घरम करम भी करना सुरिक हो गया है. एक पेसे ही सुधार कर विया है, पर इतना भी पूरा नहीं होने पाता. अब तो केवल सात दका लोटा मांजता है......"

भजदूर ने पूछा - "महाराज पहले कितनी बार लोटा

मांजते थे ?"

महाराज ने बस्बा छोड़ते हुये कहा-"चौदह दफा. सममे...... लेकिन क्या करें, अब धूर खरबोटने लगे हैं.....जै शिव शम्भू, जै शिव शम्भू....."

महाराज चले गए. सब ने जस्दी मचाई, दोनों ने प्यास

वसाई और अपने अपने स्थानों के लिये आगे.

सब ने कहा कि चाल पानी बरस कर रहेगा. बावल

घरे रहे. लेकिन पानी नहीं बरसा.

बरसात में ढेढ़ महीने और बाही हैं. पानी नहीं बरसा. दो चार छीटे को पानी बरसना नहीं कहते. हर दिल में यह दुविधा डठ रही है कि पानी न बरसेगा तो क्या होगा ? हर एक सीच रहा है कि पानी क्यों नहीं बरसता ? जितने मंह-रतनी बातें. जिसको जिस बीज में विलयस्यी है वह इसी का रोना रोता है. लेकिन एक रोना सब को है. वह रोना पेड का है, पानी नहीं बरसेगा तो रोटी नहीं मिलेगी!

इसी बन्बे पर फिर लोग इकट्टा हैं. बहस पानी पर चल

त्रेंस के मजदूर ने कहा - "पानी बरसे कहां से ! ऐटम वम, हाईड्रोजन वम छुड़ा छुड़ा कर बादत मुखा

दिये हैं.....'?

तब ही किसी ने जैसे उसका सुधार किया - "बादत कहा सुख सकते हैं ? पानी न हो तो बाद्त वर्ने ही क्यों ? असल बात यह है कि पेटम बम और हाइडरोजन बम के खुटने से जो गर्व वठी है, वह गर्व आसमान पर का गई है. इसी कारन पानी नहीं बरसता है."

"कहते हैं कि पानी, अच्छा है नहीं बरसता. नहीं तो श्रासमान से पेटम के कन गिरंगे और बीमारी फैन जारगी." द्सरे बाइसी ने व्यंग किया - "भूकों मरें, बाहे रोगी

हो कर मर्रे, मरना तो है ही. जो बाहे करो भगवान !"

पास ही एक किसान खढ़ा था. उसने सर हिलागा. कहने का मतसब यह था कि यह सब बातें कासनिक हैं. असकी बात वह सममता है. तब ही मजदूर ने उसे भांप लिया और बोला - "गांबों में तो त्राहि त्राहि मची होगी."

किसान बोखा - "असल बात में बताऊं, जब राजा की नीयत साराव होती है तो सता पढ़ता है. कहते हैं कि यक्बर बावधाह के समग्न किसी मंत्री ने खगान बढ़ा दिया या और विसानों से जबरदस्ती खगान वस्ता वा उस समय शी खुला पड़ा था."

مهارأت بكو كر بوليسسانهاته ياون دهولا أفت هوكاي هے بھاوان برس رہے ھیں۔ جلو لاا کر ہی لیٹا ۔ دھرم کرم بن كرنا ممكل موكها هي . ايك أيس هي سددار فرلها هے . ہر انکا بھی پروا نہیں مولے پاتا ہے ۔ آپ تو کھول ساس داهه لرثا مانجها هون....

مودور نے پوچھا۔ "مہا راے پہلے کتفی دار لوٹا

مانصد دهد؟"

المهارلين نے بعدا جهورتے هوئے کیا۔ الجودہ دانجہ سنجهي ليكن كيا كرين أب كهور كهربوتني لكم عني هم شهر شمههر' جم شهر شمههر.....''

مہاوات جلے ککے سب نے جلدی مجالی دونوں نے پهاس بحهائی اور ای ای استهانین کے لکے بہائے ،

سب نے کہا کہ آب پانی برس کر رہا، بادل گھرے رہے۔ لهکی پانی نبهی برسا .

برساسه، روتیوه مهیئه اور باقیههر . بانی نههی برسا. تن جار جههدگی کو بانی برسفا نهیں کہتے ، هر دل میں يه دويدها أنه رهي هے كه يائي نه بارسے لا تو نها هولا ؟ هر ایک سوی رها هے که یانی کیوں نہیں برما ؟ جاتم ملاء آئدي يانين. جس كو جس جويز مين دلتوسيي ها ولا أسي كا رونا رونا هے ، لهكوں أيك رونا سب كو هے ، وه رونا پهما کا هے، ياني نههال بويے کا تو اروثي نههال سليکي !

أسى بمهر ير يهر دوك انتها هين , بحصت ياني ير

جول زهي هه ه

پریس کے مودور نے کہا۔ ''ہائی پرسے کہاں سے آر آیاتم ہم مائق روجن ہم جهوا جهوا کر بادل سکها دائے

تب می کسی نے جیسے اُس لا سدمار کیا۔ 'بادل کهان سوله سکته ههن؟ پانینه هو تو یادل یقهن هیکهون؟ اصل بات یہ ہے کہ آیکم ہم اور ھائگ روجی ہم کے چھوڈگے۔ سے جو کرد آٹھی ہے' وہ کرد آسمان ہر جھا ککی ہے ۔ اسی کاری یانی نہیں یرستا ہے۔''

ان کہتے میں که یانی اچھا ہے تھیں برمانا، نھیں تو آسمان سے ایکم کے کن گریس کے اور بھماری چھل جائےگی،'' دوسرے آدمی کے ویلگ کیا۔ "بھولوں مریں کاف روکی هوکر دریں مرنا تو هے هی ، جو جائے کرو پهگران [45

ياس هي ايک كسان كهوا تها . أس في سر هاليا . كهام كا مطلب يه تها كه يه سب باتهن كالهلك هون . لملر باس ود سمجها ها . الب هي مودور لي أبير بهانب لها لو بولات " کاون مین تو تراه تراه معی هولی . ۴۰

الكسان بولاسد المل بات مين بعاون ، جب وأجا كي فتين شراب هو جاتے ہے تو سوکھا ہوتا ہے . کہتے مہن که الكتيان بالمهاد كے سے كسى مقترى لے لكان بوها ديا تھا أور کسانین سے زیردسکی لکان رصول لها ، اُس سے یہی سوکہا " let fee

प्रवासी की डायरी

پراوسی کی تاثری

बादल आते हैं जोग आसमान को देखते हैं, घिरती घटाओं को देख कर उनके दिल गद्गद् हो जाते हैं.

लेकिन बादल बिना बरसे चले जाते हैं.

एक फाइल द्वाप वेफिक नौजवान कहता है-"क्या छटा है..... बरसी बादल भूप के ! क्या मन्ना बाता है. रिम मिम कुबार और खिड़की पर खड़े हो कर सहक पर भीगने बालों का दृश्य !

उसी समय क्षकड़ी चीरने वाला मध्रदूर द्रवाचे पर बाकर खड़ा होता है. बांख अपर उठाता है और कहता है, सांस सीच कर, मन उदास कर के - बरसी देव, काहे रारीमों के पीछे पड़े हो !

कोऊ काह में मगन, कोऊ काह में मगन.

एक सी एक का टीका खींचे, पंडित महाबीर, जनेऊ को कान से बांचे बन्बे पर खोटा घो रहे हैं. मुंह से बिरहा की जय फूट रही है और घोते धोते 'हरे राम' भी कह लेते हैं.

पास के प्रेस से एक मजदूर भाता है. "महराज जरा

जल्दी करो, पानी पी लूं, काम पर जाना है."

'क्या मजाक है ! जुट मजा. कहां काम पर जुला है ? क्या काली घटा आई है !" महाराज आनन्द विभीर हो

मकदूर ने कहा-"इस सब को कुरसत हो तो फिर क्या है ! काम नहीं करूंगा तो खाऊंगा क्या ?"

"चतते हैं मैंरो का नाम लेकर भंग झानेंगे, मन्दिर के बहासहे में बैठ कर रसस्तान का पाठ करेंगे, क्या बानन्द काता है !"

"महाराज जल्दी कर दो."

"क्या वह वह करता है. जरा दूर हठ, कूना न लेना." मजदूर ने फिर प्रार्थना की.

तब ही दो चार बंदें टपकी. महाराज ने बन्बे के नीचे पैर रगड़ते हुए कहा - "धन्य हो भगवान ! बै सिवाराम चन्द्र की जै!"

बन्बे पर वृक्षरा भावमी भी भा गया, बसने कहा -"सहाराज जल्दी करो."

بادل آتے میں. لوگ آسمان کو دیکھتے میں کھرتی کیٹائ کو دیکھکر اُن کے دل کد کد مو جاتے میں .

ليكن بادل بن بر سے جلے جاتے هيں .

ایک قائل دہائے ہے فکر نوجوان کیٹا ہے۔ "کھا جبٹا ھے،....ارسو بادل جهوم کے [کیا مؤا آتا ھے. رم جهم يجوار ارر کهوکی پر کهوی هوکو سوک پر بههکلی والس کا درهه ال أسر سند الموى جهرت والا مزدور دروازد ير آثر كهوا هوتا هے. آنکہ اوپر اُٹھانا هے اور کہتا هے ــسانس کههلیےکو می اداس کرکے ۔ برسو دیو، کا بھ فریدوں کے پدچھ پڑے ہو، اُ

كرو كاهو مهن مكن كرو كاهو مهن مكن .

ایک سو ایک کا تیکا کههلجے' بلقت مهابهر' جلیو کو کان سے بالدھے ہمیے پر لوٹا دھو رہے میں۔ ملت سے برھا کی لے پہوت رهی هے اور دهوتے دهوتے 'هرے رأم' بھی کھ ليح هيي .

پاس کے ہریس سے ایک مودور آتا ہے ۔ "مہاراے فرا جلدي كروا يالي بي لون كام بر جانا هي "

" نها مذاتي هي لوك موا . كيان كام هر جلا هي كها كائى كيمًا جهائى هے " مهاراہ آندد وبهور هوكر بولے .

مؤدور نے کہا۔۔۔''اُس سیکی فرصمت هو تو پھر کھا <u>ہے!</u> کام نبهیں کروں ا تو کھاؤں کا کھا ؟ ''

"جلاله ههن يههرو كا نام ليكر بهنگ جهانهن كي مندر کے برامدے میں بھاتھ کر رسکھان کا ہاتھ کریں کےكيا أنند أنا هـ "

المهاراج جلدي كردوا

''کیا یک یک کرتا هے ، ذرا دور همی' چهو ته لیفاء'' مزدور نے پھر پرارتھنا کی .

تب هی هو جار بولدیں تهکیں ، مہاراہے نے بمید کے نهجے پهر رکوتے هرئے کہا۔ "دعلها هو بهکوان ! جے سهارلم جلدر کی جے 🖭

يمهر أو دوسرا أدمى بهى ألها . أسَ في كهاـ «مهاراي جلس قو ،

मुक्ते विये. मैंने देखा उसके हाथ मिट्टी में सने हुए थे. वह ज़हर घुटनों के बज जब कर दूकान तक आया होगा. जल्दी जल्दी शराब भी कर दूसरों की इंसी और तानाबाजी की परवाह न करते हुए वह फिर धुटनों के बज ही खिसक खिसक कर बापस चक्का गया.

उसके बाद फिर काफी दिनों तक कुंग का फिक नहीं आया. साल के आखिर में मालिक फिर जब दिसाब बनाने लगा तो उसने कहा-"कुंग पर अभी भी 19 इक्कियां बाक़ी हैं." रौतानी नाव वाले त्योदार में.भी उसने यही कहा, पर उसके बाद देमन्त के स्वीदार के मौक्ने पर दिसाब मिलाते समय उसने यह बात नहीं दुदराई. अगले साल भी कुंग नहीं दिखलाई पड़ा.

तब से जाज तक चुंग नहीं विस्ताई पड़ा. शायद वह मर चुका हो, पर चसकी बाद हमारे दिखा में सदा जिल्हा रहेगी.

वदे मजेदार आदमी हैं मंसाराम शासी.

वे कई भाराचों के विदान हैं चौर उनका जीवन एक इन्द्र धनुश्री जीवन है, जिसमें चनेक रंग एक साथ समाये हुए हैं.

यों वे सद। अपनी पंडिताफ हिन्दी में बोखते हैं, जिसमें फारसी अरबी का बहिश्कार और संस्कृत का शृंगार होता है. हां, बोखते बोलते भारतीय संस्कृति पर बात आ जाये, तो भिक्त की घारा में बहने जगते हैं और उनकी हिन्दी ग्रुद्ध संस्कृत में इस तरह बदल जाती है, जैसे खहर में बहर !

उनका जीवन एक इन्द्र घनुशी जीवन है, जिसमें अनेक रंग एक साथ समाये हुए हैं. भारतीय संस्कृति की शान्त धारा में तैरते तैरते वे अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रचंड प्रवाह में कव आ जायें, इसे कोई नहीं जानता. हां, यह अकसर देखा है कि वह शान्त से उत्साह में आजायें, तो उनकी शुद्ध संस्कृत अंग्रेज़ी में इस तरह बदल जाती है, जैसे कांटे पर रेल!

चनकी बातें जाने बदती रहती हैं और जाने कब अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति से घरेल जीवन पर का जाती हैं. कमाल यह है कि हम धनकी बातें न समझ रहे हों, तब भी यह समझ सकते हैं, क्योंकि अब वे साधारन हिन्दी में बोल रहे होते हैं.

वदे मकेदार बादमी हैं मंसाराम शासी. .—हन्दैयाबाब 'प्रभाकर' ھے دیگے ، میں ٹے دیکھا کہ اس کے ھاتو مگی بن سلے ھوٹان کی سلے ھوٹان کی سلے ھوٹان کی اسٹے ھوٹان کی آیا ھوٹا ، جائدی جائدی شراب ہیکر دوسروں کی اسی اور طعله بازی کیپرواد نه کرتے ھوٹے وہ ہور گھٹلوں بل ھی کیسک کیسک کر واپس جاڈ گھا ،

آس کے بعد پہر کانی دنوں تک کونگ کا دار نہیں ا ، سال کے آخر میں مالک پہر جب تصاب بقائے لگا اس نے کیاس'دونگ پر آبھی بھی 19 اکتھاں باقی بین' شیطانی ناؤ والے تیوهار میں بھی اس نے بابی یا پر آس کے بعد هیمنٹ کے موقعے پر حساب ملاتے سم بی نے بہ بات نہیں دھرائی ، اگلے سال بھی کونگ بیں دکھلائی پوا ،

لب سے آج تک کونگ نہیں۔ دکھلائی ہوا۔ شاید وہ مر کا ہو' پر اسکی باد ہمارے دل میں سدا زندہ رمائی۔

ہونے مزیدار آدمی هیں منسارام شاستری ،

ویے نگی بھاشاوں کے ودوان میں اور اُن کا جھون ک اِندردھڈھی جھون ہے' جسمیں آنیک ونگ ساتھ بائے ھوٹے میں ۔

یوں ویے سدا آپنی پنتاہ مندی میں بولتے میں اسمیں قارسی مربی ایشکار اور سنسکرت کا فرنکار موتا یا مالے تو مال کو بات آ جائے تو کتی کی دھارا میں بہتے لکتے میں اور اُن کی مندی کم سنسکرت میں اور اُن کی مندی کم سنسکرت میں اِس طرح بدل جاتی ہے جمسے و میں لیر!

أن كا جهون أيك إندردهارهى جهون هـ جسمين يكورنك أيك ساله سمائيهوال هيدن بهارتها ماسكرتى الكارنك أيك ساله سمائيهوالي وه أنترز أشترى واج نهمه وهائمت بوراة مهن الب أجالهن أيد كولى نههن جانتا، الله الكارد ديكها هـ كه وه شانت بد ألساه مهن باللهن تو أي كي هذه ساسكرت الكريزي مهن إس طرح باللها جالي هـ جهد بالتي ير ريل إ

اُن کی ہاتھی آئے ہوھتی رھتی ھیں اور جانے کپ قرراشتوی راج نیمت سے کہریار جھون پر آ جاتی ھیں ۔ سال یہ ھے کہ ھم اُن کی باتھی نہ سمتھہ رھے ھوں' تپ ہی یہ سمتھہ سکتے ھیں' کھونکہ آپ وہ ساھاری ھلدی جس بول رہے ھوتے میں ۔

يون مؤيداً ر آدمى هين منسارام غاستري : ----کنهالال اوربهاکرا "क्यों ?—"क्या हुआ या ?"

"वह फिर चोरी कर रहा था. इस बार वह सिस्टर तेंग के यहां चोरी करने गया था. कितना बुद्ध था वह ! गम्त भर में प्रतिष्ठित विद्वान के घर चोरी करने गया था."

"फिर क्या हुआ ?"

"होता क्या ! पहिले उसने काराज पर लिखा कि इसने बोरी की है. फिर उसे मार पड़ी. क़रीब क़रीब रात मर बह पिटता रहा. इसके पैर टूट गये."

"फिर उसके बाद ?"

"माल्म नहीं, फिर उसका क्या हुआ, शायद मर ।।या हो."

दूकान का मालिक फिर आगे प्रश्न करना बन्द कर अपने काम में खग गया.

हेमन्त के त्योहार के बाद, जैसे जैसे जाड़ा बढ़ता गया, ठंडी हवाएं बहने लगीं. मैं ध्याना अधिकांश समय चूल्हें के नफादीक ही बैठा रहता. अपना रुद्दें का कोट बराबर गहिने रहता एक दिन दोपहर के समय जब दूकान में कोई भी प्राहक नहीं था मैं बैठा बैठा ऊंच रहा था तभी किसी ने प्रकारा और-एक प्याला शराब मांगी.

आवाज हालांकि बहुत ही घीमी थी पर परिश्तित सी थी. जब मैंने आखें खोलीं तो सामने कोई भी नहीं दिखाई पड़ा. जब मैंने खड़े होकर दरवाजे की तरफ मुक कर मांका तो मेज के क़रीब कुंग-ई-ची को बैठा देखा. वह चटाई पर पल्यी मारे बैठा था और फटी पुरानी पक बंडी पहने था. भुमे देखते ही उसने दुहराया—"एक प्याला गरम शराब दो."

खब मेरे मातिक का ध्यान भी उचट गया और उसने पूछा--"क्या कुंग-ई-ची आया है ? उस पर 19 इक जियां शकी हैं."

कुंग ने उत्तर दिया—"वह मैं अदा कर दूंगा. आज तो मैं नक्द ले रहा है. हां, शराव अच्छी होनी चाहिये."

माबिक ने पहिले की ही सरह पूछा--"कुंग-ई-ची भाजकल फिर चोरी करने बगे ?"

पर इस बार बिगड़ कर जवाब देने के बजाय कुंग बोसा--"अपना मजाक़ अपने दी पास रक्खो."

"अच्छा! यह मजाक है शिवताओ तुम्हारे पैर कैसे दृट गये ?"

कुंग ने दबी ध्याकाण में उत्तर विया—"गिर पड़ा था." उसकी धार्खें कह रही थीं कि इस बात को यहीं पर खतम कर दिया जाय. धव तक काफी खोग इकट्ठा हो गये थे और सभी इंस रहे थे. शराब गरम कर मैंने उसकी तरफ इड़ाई और उसने धापनी बंडी के जेब से पैसे निकास कर الكيون ؟ كها هوا تها ؟"

''وہ پھو جوری کو رہا تھا ۔ اِس باو وہ مستو تنگ کے یہاں جوری کرنے گھا تھا ۔ کتفا بدھو تھا وہ اِ پرانت بھو میں پرتشتھت ودوان کے گھو جوری کرنے گھا تھا ۔''' ''یعہ کیا ھرا'''''

''ہوتا کھا۔ اِ پہلے اُسلے کافلہ ہو لکھا کہ اُس نے جوری کی ہے ، پھر اُسے مار ہوں ، قریب قریب رات بھر وہ پھتا رما ، اُس کے بھر توت کئے ۔''

الهراس کے بعد؟ ا

''معلوم نهوں' پهر أساء كها هوا ، شايد مركها هو ،'' دُوكان كا مالک پهر آگی پرشن كرنا بند كر ايے كام مهن گ گها ،

ھیملمت کے تیوہار کے بعد' جیسے جیسے جارا ہوما گیا' تبلقی ہوائیں بہتے لکیں ۔ میں اپنا ادھیانش سے جولف کے نودیک ھی بیٹیا رمعا ۔ اپنا روٹی کا کرت میں برابر پہتے رمعا۔ ایک دن دوبیر کے سے جب دوکان میں کوئی بھی گراهک تبین تما میں بیٹیا بیٹیا آونکم رما تما ۔ تیہی کسی نے پکرا اور ایک پہالے شراب سائکی۔

آواز حالانکر پہن ھی دھیمی تھی پر پرپچمی سی تھی۔ جب میں نے آمکیھی کھولیں۔ تو ساملے کوئی بھی نہیں دکھائی پوآ۔ جب میں نے کھڑے ھوکر دروازے کی طرف جھک کر جھانکا تو مھڑ نے قریب کوئک، ای۔ جس کو بھالا دیکھا۔ وہ ایک جالئی پر پلتھی مارے بھالا تھا اور پہلی ہوائی ایک بلقی پہلے تھا۔ مجھے دیکھا تھا اس نے دوھرایا۔۔۔'ایک بھالہ کرم شراب دو۔''

اب میرے مالک کا دھیاں بھی اُچت گیا اور اُس نے 19 کے پوچھا۔۔''کھا کونگ ، لی ، چی آیا ہے ؟ اُس پر 19 اُکلیاں باقی ھیں ۔''

کونگ نے آتو دیا۔۔۔۔'وہ میں آدا کردونکا ۔ آج تو میں نقد نے رہا ھوں ، ھاں! ھرآب اچھی ھونی جاھگے ۔''

مالک نے پہلے کی هی طرح ہو چھا—''تونگ، اِی۔ جی' اُجکل ہمر چوری کرنے لکے ؟''

ہر اِس باو بکو کر جواب دیتے کے بجائے کونک ہوا۔۔۔ ''ایٹا مذاتے آتے هی باس رکھو ۔''

الهما ! یه مذاتی هـ ، تو بتار تبهارے بمر کیسے ترت اور ۱۹۶

کونگ نے دیں آراز میں آتر دیا۔۔۔''کر ہوا تیا ۔'' آسکی آنکیھیں کو رھی تیھیں کہ اِس بات کو یہمیں پر ختم کردیا جائے ، آپ تک کافی لوگ اِکالھا ھوگئے تیے اور سیوی منس رہے تھے ، ھواپ کرم کر میں نے آسکی طرف ہومائی آور اُس نے آیلی پہلی، بلگیں کے جیب سے بیسے نکال کر

"Maril

के बाद कहीं आजियी के साथ वह फिर बोला-"तम नहीं लिख सकते ? देखों में तुन्हें बताता हूं. जागे से व्यान रखना, रमको यह लिखना जानना चाहिये क्योंकि आगे जब तुम अपनी द्कान खोलोगे तो तुमकी प्राहकों का हिसाब किताब रखना ही पड़ेगा."

ममे वह दिन तो करीब नहीं नजर आ रहा था जब में स्वयं अपनी वृकान खोलता और फिर मेरा मालिक भी अपना हिसाब लिखने में इस बचार का इस्तेमाल कभी भी नहीं करता था. कुछ परेशान होकर और कुछ मुस्कराते हए मैंने उत्तर दिया-"पर तुमसे कौन कहता है कि मुके पढाची, क्या अचर 'हुई' घास के तिरखेपन की तरह नहीं तिखा जाता है ?"

कंग खना हो गया और मेज पर हाथ पटकते हए बोला-"ठीक, ठीक ! लेकिन अचर 'हई' तीन चार प्रकार से जिला जाता है. क्या तुम्हें मालूम है ?" मैं ऊब गया था. उसकी पक इल्की सी बांट बता कर मैं दूसरे कामों में बग गया. कुंग शराब में उंगली बालकर मेज पर उन श्रचरों को लिख कर मुक्ते समकाने जा रहा था, पर मेरा इस प्रकार का ब्योहार देख कर वह हताश हो गया. उसने लम्बी सांस ली और चुप हो कर बैठ गया।

मकसर ऐसा होता था कि सराय में हंसी और ग़ल रापाड़ा सन कर पास पड़ीस के बच्चे इकड़ा हो जाते थे मीर कुंग-ई-ची की घेर लेते थे. कुंग उनमें से इर एक को मसालेशर फलियां देता था. उन्हें खाने के बाद भी बच्चे और पाने की आशा में उसको घेरे खड़े रहते थे. पर जब उसके पास फिलियां सतम हो जाती थीं तो प्लेट को उत्तर कर वह बडवों से कहता या-"अब आज खतम हो गइ, फिर दूसरे दिन मिलेंगी." बच्चों को जैसे विश्वास नहीं होता था. वह उचक उचक कर प्लेट देखने का प्रयत्न करते और इसमें कुछ न पा कर निराश हो जाते भीर फिर भीरे धीरे खेळ में बग जाते थे.

कुंग-ई-ची बहुत ही मजोदार व्यक्ति था पर उसके यरीर भी हमारी द्कान चलती ही रहती थी.

हैमन्त के त्योद्दार के कुछ दिन पहिले जब हमारी दुकान का मालिक साक्षाना हिसाब किताब तैयार कर रहा या, दिसाब विकले विकले बोला-"कुंग-ई-ची बहुत दिनों से इधर नहीं जाया. जभी भी उस पर 19 इक्र जियां बाक़ी हैं." तब सुमे भी इसका स्थाब हुआ कि इधर बहुत दिनों से कुंग-ई-ची दुकान पर नहीं आया.

रपरियक्त प्राहकों में से एक बोला-'वह आये भी कैसे है विक्रमी बार जब बह पिटा था तो उसके दोनों पैर वेकार ही गर्व थे."

مدر بور عاجور كساته به يهر برلا--- التم تههن لكه مكاتي؟ عهم مهي تمهين بتانا هون. آلے سے دههان رکهنا . لم کو لعهدا جاندا جاهله كيونكه أله جب تم أيدى دوكان وترقم تو المكر كراهكين كالحساب كتاب ركها هي يويكا. ال

مجهے ولا دور تو تریب نهیں نظر آرها تھا جب میں ويم ايقى دوكان كهولتا أوريهر مهرا مالك يهى أيقا حساب ملے میں اِس انڈر کا استعمال کمھی بھی نیھی کرتا ا ، کجه دریشان هوکر اور کچه مسکراتے هوکے مهن نے ر ديا--" ير تم يه كون كهذا هم كه محجم يوهاي كها ألهر ولی کھاس کے درجمے پین کی طرح نہوں لکھا جاتا

کونگ خوش هولها اور صور پر هانه یتکتی هولی بوا-تهیک تهیک! لیکن اندر 'هوئی تهن چار برکار سے لکھا باتا هي کيا تميهن حملوم هي؟ " مهن أوب کها تها . یکو ایک هلکیسی ڈائٹ بھاکو میں دوسرے کاموں میں ك كها. كونك هراب مهن أنكل قالكر مهز ير أن الشرون والكهكر منهم سمنههالي جا وها لها في مهرا إس يركار بیرهار دیکهکر وہ معاش هوگیہ اس نے لمنهے سانس ں اور جب ہوکر بھٹھ کھا ،

انثر أيسا هوتا تها كه سرائه مهى هدسى أور فلفهاوه المكر ياس پورس كے يعيم اكتها هوجاتے تھے اور كونك . ی . چی کو گههر لیتے تھے . کونگ أن مهن سے هر ایک و مسالے دار پہلیاں دیتا تھا ۔ اُنھیں کھائے کے بعد بھی هي أور پالے كى آلها ميں أسكو كھورے كھوے رهاتے ليے . ر جب اُس کے ہاس پہلیاں ختم هوجائی تبھی تو لمهم كو المع كو ولا يعيون مع كها تهاست الب أبي خاتم مولکهن . پهر فوسرت دان سلهدگی ." بحول کو جهسه الهراس نبهن هردا تها ، ولا أجك أجك كر يلهت ديكفله لا هريتن درت اور أس مهن كنچه له ياكر تراهي هوجاتے اور ہم دھھرے دھھرے فیمل میں لگ جاتے ،

کرنگ . اِی ، چی بہت هی مزیدار ویکھی تھا پر أس كے بغیر بھى همارى دوكان جلتى هى رهتى تھى ،

ھیمنٹ کے تیوھار کے کنچھ درن فہلے جب ھماری صوكان لا مالك سالانه عصاب كناب تهار كر رها تها عصاب لکھتے لکھتے ہوا۔۔۔ کونگ ، ای ، جی بیمت دنوں سے إدهر قيهن آيا . ابهي بهي أس ير 19 انتهان باتي ههي . تب منوب بهي إسكا شهال هوا كه إدهر بهت دنين سے کینگ . لی . چی دوکان پر نبهی آیا .

﴿ أَيْسَتُهُمُ عَرَامُكُونَ مِنْ مِنْ أَيْكَ بُولُا - "وَهُ أَلِّمَ بِهِنْ } کھسے؟ ہوچیلی بار جس وہ یکا انہا تو اُس کے درتیں ہیر يه كار هوكك أنه . "

कोई निरियत साधन नहीं,था, धीरे भीरे यह बहत रारीय हो गया और भीक मांगने के लिये मजबूर होने खगा. एसकी तिस्वावट बड़ी सुन्दर थी, इसिवये उसे नक़ल करने का, दस्तावेज लिखने का काम अकसर मिल जाया करता था. पर इसमें कमजोरियां भी कम नहीं थीं. वह शराब पीने का आदी या और आलसी भी था. कुछ दिन काम करने के बाद वह मकसर काग्रज कलम लेकर गायब हो जाता था. उसके बाद फिर कोई रास्ता नहीं रह जाता था, उसे छोटी मोटी चोरियां करनी ही पड़ती थीं. जब कई बार ऐसा हुआ तो उसे सबों ने नक़ल करने के लिये काम देना भी बन्द कर दिया. प्र उस सराय में उसका ब्योहार आवर्श व्यक्ति का हुआ करता था. यह अपना कर्ज हमेशा चुका दिया करता था. ऐसा भी होता था कि जब उसके पास नक़द पैसे नहीं होते थे तो उसका नाम उधार के प्राहकों की संभी पर आ जाता था पर महीना खतम होने के पहिन्ने ही अपना नाम कटवा भी लेसा था.

आधा ध्याता शराब पीने के बाद कुंग अपनी स्वस्थं प्रकृति को वापस पा जाता था, लेकिन उसी समय कोई प्रश्त कर बैठता—"कुंग-ई-ची, क्या तुम सबसुव पदना जानते हो ?"

कुंग उसकी तरफ घुना भरी नजरों से देखता, जैसे यह सबात उसकी इज्जत उतारने के जिये किया गया हो. पर दूसरे प्राहक अपना सवात पूंछते—"यह क्या बात है कि तुमने कोई परीचा नहीं पास की ?"

तब कुंग परेशान और दुखी दिखने खगता था. उसका चेहरा पीका पढ़ जाता था और होंट बोक्सने के लिये हिजने कातते थे. पर घीमे स्वर में कही गई उसकी बातें शायद ही किसी की समझ में घाती थीं. फिर सब खोग क्रह्कहा मार कर हंसने जगते थे और सराय के वातावरन में जिन्दगी और ताजगी आ जाती थी.

ऐसे मीक़ों पर में भी पाहकों की हंती खुशी में साथ दे देता था और माखिक की तरफ से मुमें बांट भी नहीं पड़ती थी. दर असल वह खुद भी कुंग से ऐसे उल्टे सीधे सवाल पूछा करता था. यह साच कर कि दूसरे पाहकों से बात करने में कोई लाम नहीं है, कुंग दूकान पर बच्चों के बीच खो जाता. था एक 'बार उसने मुकसे पूछा—"क्या दुमने कभी स्कूल में पढ़ा है ?"

जब मैंने दायी मरते द्वप सिर हिलाया, उसने कहा— "कच्छा, तब मैं एक सवाल करूंगा शतुम 'द्वुई' अचर जो 'द्वई-सियांग' में जाता है कैसे किसते हो ।"

मैं सोषने लगा कि क्या अब एक भिकर्मगा मेरी परीका लेगा! मैंने इसकी बातों पर ज्यान नहीं दिया और अपना मुंद दूसरी तरक मोड़ लिया. कुछ देर चुप रहने کرکی ٹھیجی ضافتی تہیں تھا، دھھورے معہورے وہ ہہیں اور بہیک مانکتے کے لئے معہورے وہ بہیک مانکتے کے لئے معہورے مونے لیا اسکی لکھارت ہوی سفدر تھی' اس لئے آسے نقل کرتے کا دستاویو لکھئے کا کام اکثر مل جایا کرتا تھا ۔ پر اس مھی کمزوریاں بھی کم تبھی تھیں وہ شراب بھی وہ اکثر کا مادی تھا ۔ کچھ دی کام کرتے کے بعد بھر کوئی کافقہ تلم لے کر فائب ہو جاتا تھا ، اس کے بعد بھر کوئی واستد نہیں وہ جاتا تھا ، آسے چھوٹی موٹی مورویاں کرنی ھی ہوتی تھیں ، جس کئی بار ایسا ہوا تو آپے سبھوں نے نقل کرتے کے لئے کام دیتا بھی بلد کر دیا ، آپ سبھوں نے نقل کرتے کے لئے کام دیتا بھی بلد کر دیا ، آپ سبھوں نے نقل کرتے کے لئے کام دیتا تھا ، آپ بھی قوا کرتا ہی ۔ وہ ایکا قوا کرتا ہی اور ایسا بھی ہوتا نہا ، وہ ایکا قوا کرتا نہا ، وہ ایکا کرتے ہی موتا نہا کرتے تھے تو آسکا نہا کہ جب اس کے ہاس نقد بھسے نہیں ہرتے تھے تو آسکا نم آدھار کے کہامکوں کی سوچی پر آجاتا تھا پر وہ مھیقت ختے ہوئے کے پہلے کی آیتا نام کٹوا بھی لیکا تھا ،

أردها بهاله هراب بهقه كے بعد كونگ ابقى سوسته بركرتى كو واپس يا جاتا تها لهكي أسى سيد كوئى برشن كر بيتيتا تها—" كونگ - إى - چي كها تم سي مي يوملا جانت هو ؟"

کونگ اُس کی طرف گهرقا بهری نظروں سے دیکھتا ا جیسے یہ سوال اُسٹی موت انارٹے کے لگے کھا گھا ہو ، پر درسرے گراهک ایٹا سوال پوچھٹے۔۔۔''یہ کھا یات ہے کہ قم نے کوئی پریکھا نہیں پاس کی ؟''

تب کونگ پریشان اور دکھی دیکھلے لگا تھا ، آسکا چہرہ پھا پر جاتا تھا اور مونگ بولئے کے لئے ملئے لگا تھا ، آسک پر دھھیے سور میں کہی گئی آسکی باتیں گاید ھی کسی کی سمجھ میں آئی تھیں ، پہر سب لوگ قباتہ مار دو منسلے لگا تھا اور سرائے کے واتاوران میں زندگی آور تازی آجاتی تھی ،

ایسے موقعوں ہو میں بھی گرآهگوں کی هلسی خوشی مهن ساتھ ہے دیگا تھا اور مالک کی طرف سے مجھے دانت بھی نہیں بوٹی لھی ، دراصل وہ خود بھی گونگ سے ایسے آلگے سمدھے سوال پوچھا کرتا تھا ، یہ سوچ کو کہ دوسرے گراهکوں سے باتھی کرتے میں کوئی ابه نہیں ہے کونگ دوکلی ہو بحوں کے بھی کھو جاتا تھا ، ایک باد اس نے محمد سے پوچھاسٹ کھا تم نے کھی اسکول میں پوھا ہے گاہ

جب میں نے حامی بہرتے ہوئے سو عایا اُس نے کیا ۔۔۔ اُجھا تب میں ایک سوال کرونٹا ؟ تم 'ھوگی' اُگھر جو 'عوری ، سھانگ میں آنا ھے کیسے لکھتے ہو ؟''

مهن سوبها له که آب آیک بهکمانا مهری هریکها لها مهن فرانسی بالین بر دههای لههن دیا اور آیانا مله خوسی طرفت مرو لها ، کچه دیر جس رهان पर असे खुद यह काम पुरा खगता था और में असंतुरट रहता था. मेरा मालिक डरावनी शक्ल का व्यक्ति था और माहिक डरावनी शक्ल का व्यक्ति था और माहिक सुस्त और थके हुंचे, कुन्द बुद्धि वाले होते थे. इसिविचे किसी का मसम दिन्त होकर उस द्कान में रहना असन्मव ही था. द्कान में रसी तभी सुनाई पड़ती थी जब कुंग-ई-ची आता था. यही कारन है कि सुमे आज भी उसकी बाद है.

उत्वी अ शी के प्राहकों की आदत के विपरीत लम्बे गाउन बाला कुंग ही अकेला ऐसा प्राहक था जो मेज के पास खड़ा होकर मदिरा पान करता था. वह उत्वे क़द का हृष्टा कहा आदमी था, फिर भी वसके चेहरे पर पीलापन झाया रहता था और चेहरे की कुरियों के बीच अकसर बोट के निशान भी दिखाई पड़ने लगते थे. वसकी लम्बी वादी, हमेशा बिना कंची की हुई रहती थी. दादी में भी सफेद बाओं की अशियां दीख जाती थीं. हालांकि उसका गाउन लम्बा था पर बह इतना गंदा और पेबंददार था कि यह साफ पता लग जाता था कि कम से कम 10 बरस से तो घोया न गया होगा. वह बोलता इस तरह था कि आधी बात ही समफ में आती थी. जब भी वह सराय में आता था हर व्यक्ति उसकी तरफ देख कर मुस्कराने लगता और उन में से एक अवस्य कह बैठता—''कुंग-ई-ची, आज तो तुम्हारे चेहरे पर नये शाब के निशान दिखाई पड़ रहे हैं."

इन बातों की परबाह न करते हुये कुंग-ई-ची मेज के पास बाकर दो प्याले शराब और एक प्लेट फिलयों का आर्डर देता था और नौ इकिंग्यां निकाल कर रख देता था. कौरन ही कोई फिर बोख पड़ता —''तुमने फिर चोरी की होगी."

चूर कर उस व्यक्ति की देखते हुये वह उत्तर देता — "वेकार ही किसी भले आदमी को क्यों बदनाम करते ही ?"

"क्या अले बादमी को बदनाम करता हूं श अभी परसों ही वो अपनी आओं के सामने तुन्हें पिटते हुये देखा है. तमने 'हो' परिवार की किताबें चुराई थीं."

तब कुंग का चेहरा लाख हो जाता या और अपना विरोध प्रगट करते हुए वह क्तर देता था—"किताबों का चुराना, चोरी नहीं.......किताबें ले लेना तो निद्धानों की आदत है, इसे चोरी नहीं कहते." फिर वह प्राचीन प्रत्यों में से मिसालें देने खगता—"बढ़ा आदमी वह है जो गरीबी में, अमाब में भी सन्तुरट रहता हो." और फिर उसका धारा प्रवाह भागन चल निकलता. उस को शायद ही कोई समम पाता. और तब तक माशन चलता रहता जब तक सराब का हर प्राहक हैसी से लोट पोट न हो जाता था.

गांव बालों के ही मुंह सुनने को मिला या कि कुंग-ई-ची को प्राचीन प्रक्षों का अच्छा ज्ञान था. हालांकि उसने कोई परीक्षा केशी भी नहीं पास की थी. जीवन यापन का भी उसका

जगस्त '54

اور میں آسائشت رمیا تیا ، میرا ساک قرارتی شکل کا ریکتی تھا اور کرانگ سست اور تیکہ مولی' کلد یدھی رالے ہوتے تھ ۔ ایری تیا کسی کا پرس جت ہو کر اُس دوکان میں رهاا آسمیمو هی تیا ، دوکان میں هاسی تیمی سائی پرتی انہی جب کرنگ ، اِی جی آتا تھا، یہی کارن ہے کہ محصد آتے بھی آسکی یاد ہے ،

أنچی شریئی کے گراهکوں کی عادت کے وہریت لمبیہ کھن والا کونگ ھی ائیلا گراهک تھا جو میو کے پاس کھوا ھو کو مدرا یان کرتا تھا، وہ ارتبجے قد کا هما کما آدس تھا ہور میں اس کے جہرے پر پھلا پن جھایا رهما تھا اور جھرت کی جھریوں کے بھی اگر جوت کے نھان یعی دکھائی پر فرانگ بھی جھریوں کے بھی داوھی میں بھی سفید بالوں کی دھاریاں دیکھ جاتی تھیں، حالانکہ اسکا گؤں لمبا تھا پر وہ اتفا گفدا ور پھرند دار تھا کہ یہ سات پدہ لگ جاتا تھا کہ کم طوح تھا کہ آدھی بات ہی سمحتیہ میں آئی تھی، جب بھی وہ سرائے میں آتا تھا ہو ریکھی اسکی طوح تھا کہ آدھی بات ہو ریکھی اسکی طوح تھا کہ آدھی بات ہو ریکھی اسکی دیکھکر مسکرانے لگما اور ان میں سے ایک ارشیہ کہ بھاٹھنا۔" کونگ۔ ایک ارشیء کہ بھاٹھنا۔" کونگ۔ ایک جھے بھاتھا۔ " کونگ۔ ایک جھے بھاتھا۔ " کونگ۔ ایک جھے بھاتھا۔" کونگ۔

ان ہائیں کی پرواہ نے کرتے ہوئے کونگ - آی - چی مہو کے پائیں آئر دو پہائے شراپ اور ایک یابہت پہلوں کا آرڈو دیتا تھا اور نو انقیاں نکال کو رکھ دیتا تھا ۔ قوراً می کوئی پھر بول پونا۔۔" تم نے پھر جوری کی ہوگی۔''

گھُور کُو اُسُ رِیکنی کو دیکھتے ھوگےوہ اُٹر دیجا۔۔۔''دیکار میں ھی کسی بھلے ادمی کو کھوں بدنیام کرتے ھو ؟''

ان کہا ؟ بھلے آدمی کو ہدنام کرتا ہوں ؟ ابھی ہرسوں ہی تو ایٹی آنکووں کے ساملے تبھیں یکھے دیکھا ہے، تم لے نیورار کی کعابوں جرائی تھوں ۔''

لیب کونگ کا چهرد لال هوجانا تها اور اینا وروده پرکسی کرتے هوئے و دائا جهردی کرتے هوئے و دائا جهردی کرتے هوئے و دائا جهردی تهیدکتابین لے لینا تو ودوانین کی عادت هـ' اِسے چوری نهدن اُولان کی عادت هـ' اِسے چوری نهدن اُولان کی عادت هـ' اِسے دیتے لکتا۔'' بوا آدسی و هے جو 'فریجی میں' ایباؤ میں بهی سنتھمت رهتا هو .'' اور پهر اُسکا دهارا پرداد بالمائی چل نکتا ، اس کو شاید هی کوئی سمنچه یاتا ، قب تک پهائی چلتا رهتا تها جیب تک سرائے کا هر گرامک مقسی بهائی پری نه هوجاتا تها .

اوں والوں کے ھی ملھ سللے کو ملا تھا کہ کونگ اِی۔ بھی کو پراوھی گرنتھوں کا اُچھا کھان تھا۔ حالادک اُس تے فیٹی پریکھا کیھی پاس مجھن کی لھی۔ جھون یاپی کا بھی اِسک

कुंग-ई-ची

अनुवादक — कामेरवर अधवास

स्वेन में धराय की दूकाने चीन के दूसरे घहरों की तरह नहीं हैं. खबेन की दकानों में एक बीकोर तकता सबक की तरफ जारी बढा कर रक्ता रहता है, इस पर गर्भ पानी की केतवी रसी रहती है यह पानी शराब गरम करने के काम भाता है. दोपहर में या फिर शाम को काम खतम करने के बाद सीग एक प्यासा शराब क्षेत्रे आते हैं. बीस बरस पहिले एक प्याले का वाम चार आने के क्ररीब होता वा पर अब इस जाने जगते हैं. मेज के पास अने होकर जोग मदिरा मास बरते हैं और शरीर की जाराम देते हैं. साथ में कोग इक्सी में मसानेवार फिलयां या बांस की मलायम पियों की नमकीन मुंजिया लेते हैं, गोरत खरीदने में बारह इक्सियां सरा जाती हैं. इस दकान में काने काले क्यादातर प्राहक कोटा कोट पहिनते हैं. इनके पास कभी भी पैसे क्यावा नहीं होते हैं. सम्बा गावन पहने हुए प्राहक ही अन्बर जा कर कमरे में बैठते थे और जाराम से शराब पीते हैं. बढ़िया नमकीन और गोरत खाते हैं.

बारह बरस की वस ही से मैं 'सियेन-हेंग सराय' में बेटर का काम करने क्या था. शहर में दाखिल होते ही यह होटत भिवास है. सराय के माविक का कहना था कि मैं शकत से इतना भोंद विश्वार देता है कि सम्बा गाडन पहन वाले इंची भे की के प्राहकों के सामने मुक्ते नहीं भेजा जा सकता. इसित्ये अने बाहर के कमरे में ही काम करना पहला था. व्यक्तवे निवली श्रेणी के प्राहक जाम तरीके से मेरे काम से प्रसम रहते थे, लेकिन सुमे परेशान कर देने वालों की संख्या कम म थी. वह देखता चाहते वे कि कहीं मदिरा के प्बाबे में पानी तो नहीं है. प्याले में पीबी शराब का दखन। भीर फिर प्याले का गरम पानी में रक्का बाना वह बहुत भाग से देखते थे. इन तेज नजरों के सामने सराव में जिलाबर कर देना असन्मव था. इसकिये कुछ ही दिनों में भाषिक ने यह तम कर दिया कि मैं इस काम के भी योग्य बहीं हैं मेरी सिफारिश इतने अधावशाली व्यक्ति ने की बी कि व्यान का माशिक शुमे निकास देने की सोच भी नहीं सकता था. इसकिये मेरा तथाएका धराय गरम करने के काम में कर विचा गया.

इसके बाद से मैं बराबर बाहर की सेख के क़रीब बड़ा हैक्टर शराब गरम बरने के काम में सगा रहता था. बागरचे इस काम में मैं बुसरी की संतुत्व कर देता वा

کونگ آی۔ چی . انبوادک-امیمیز الروال

لوچھوں میوں شراب کی دوالتوں جھوں کے دوسرے هبروں کی طرح لیمن هفر، لوجفن کی درکانوں میں لیک عودور لطفيته شوك كي طوف أله يوها كو ولها وهنا هي. أسهر کرم ہائی کی کھکلی رکھی رہعی ہے۔ یہ ہائی شراب گڑھ کرتے كے كام أنا هے ، دوبہر ميں يا يهر شام كو كلم شعر كرتے كے بعد لوك ليكب هياله هرآب لهائي آتي هين . بيس برس بہلے لیک بھالے کا دام جار آلے کے قریب موتا تھا پر اب در آلے لکاتے میں ، مهد کے پاس کھونے هو کو لوگ مدرا پاس کرتے میں اور شریر کو آرام دیتے عیں . ساتھ میں لوگ آکٹے میں مسالے دار پہلیاں یا بائس کی مالیم يتيون كي نمكني بهلجها لهتم هين . كرفت خريد لي میں بارہ اکٹیاں لگ جاتی میں ، اس دوالی میں آنے والے زیادہ تر کرامک جہولا کرت پہنچے میں ؟ اُس کے پاس کبھی بھی بھسے زیادہ تیہی ہوتے میں ، لمما گاون پہلاتے مراء گراهک عبی الدر جا کر گمرے میں پہٹھتے میں اور آرام سے شراب بھاتے میں ہومیا تمکین أور گرشت کہاتے میں ،

ہارہ پرس کی صر هی سے مهں سبن ههلک سرائے مهن ويتر كا كلم كرني لكا تها . شهر مهن داخل هوتي هي يه هودل ملتا ہے ، سرائے کے مالک کا کیٹا تھا کہ میں شکل ہے اللا يهوندو دكهائي دياتا هون كه لمهم كاون يهقلهم وألم أرنجى شريلي كے گراهكرں كے ساملے مجھے نيهن بهیجا جا مکتا ، اس لکے مجھے باہر کے کبرے میں ہی کام کرنا ہوتا تھا ۔ اگرچہ تعیلی شریلی کے گراهک عام طریقے سے مہرے کلم سے پرمین وعلی تھے کیکن معبھے پریشان کر دیلے والوں کی سلکھیا کم نہ تھی ، وہ دیکھٹا عامتے تھے كه كيون مدرا كر بدائه مهن ياتي تو نيهن هر ، بداله میں بیلی شراب کا تعلقا آرز بیر پیالے کا ارم پائی مین رکھا جاتا وہ بہمت دھیاں سے دیکھاتے تھے اُس تیو تطریل کے ماملي غزاب مهي ماوي كر دينا أسبهو تها . أس لك کچھ ھی بلوں میں مالک نے یہ طے کر دیا کہ میں اس کام کے پیوکھم ٹیمیں عیں ، مہری سفارش اُٹھے پریوارشالی ریکٹی کے کی تھی کہ مرائن کا مالک مجھے اعال دیا۔ کی میں بھی ایمان دیا۔ کی میں ایمان دیا۔ کی میں ایمان دیا۔ کی م كرل كر الم ميان الم حيا لها .

اس کے بعد سے مہی براین یادر کی مہو کے فریس نوا اور فریقری کم طرق کے کم میں کا رحفا تیا کرچہ اور کا ورس مہی میں مرسوں کو ساعشت کر دیجا کیا

है. नवा कार्यों करें, कार्यों कर्मी के हुनी मैंनक पहला है. जब के की बोद के कार्यों है. कार नेरे ही बग्रक में बेटली है. कार्य कार्यों के कार्यों के समिक्त मही क्या रही है. मैंने कहा कार्यों कार्यों कर कार्यों क्याने कहा कि शाम को ठीक का बजे कार्यों होता में मिलली. कार्यें काना. करा प्रमे बलेंगे होता देका कुरेंग की में क्य से प्रतीका कर रहा है. कीर्य काप आहे हैं एक जुराव लेकर. गाई माफ करना. आज तुम से मी इस जीरत की बवीबत मूंट बोहाना पहा."

"काँदे बात नहीं हैं जानन्त." जैसे किसी ने बड़ा कर उसे पटक दिया हो जीर उसकी सांस कुछ झनों के बाद आई हो. जागे फिर उसने कहा—"इमा कर दो जानन्त. में नी इक्षा गया हूं. इसकों में जानता हूं, बाई. दम. सी. ए. में मेरे साथ विकिय के किसी है. इस में शक नहीं कि केसती त्यू है. यार, हाने क्या नात्यूक था यह पक्की जुनेता है. क्याव में मेरे पीछे पीछे चूमती हैं. बढ़ा मेम का दम भरती है. जाज बोकी कि इ: बजे बाफी हाउस में मिसला. तुमसे कुछ बाते करनी हैं. चसते बसते फिर बाद दिलावा जीर कहा कि देखो ककेसे जाना. बार, यह कड़ कियां भी क्या बसा होती हैं! मैंने तुमको टाकना चाहा. कमा करना माई बुद्धि अस्ट हो गई थी. देखो, जपने बार के साथ कमीनी कैसी कमी है, असे हम डोगों को पहचानती ही नहीं.....!"

्डसी समय कान्या की मेच से एक ग्रुस्से गरी बाबांच

सनाई दी--"क्या है ?"

वैरा विश्व दाव में विश्वे था. उसने क्टा-"मेम सादव, -

''अभी किसने मांगा है?'' कान्ता की आवाज का संतुलन विगवने क्या.

"वह साहब को कापके साथ बैठे वे नां वह गए....." सब ही दोक कर कारबर्ग भरी आवाप से कान्सा ने पुद्धा—"कीर विक."

"कर गये हैं कि मैस साहब से से सेना."

जल भूत कर कारता क्याय हो गई, गुरसे से मुंह वाक हो गया और कारी समय जिन कांकों में इंसी थी वनमें क्षेत्र कारक कार क्याने कोर से बैट के हाथ के बिस जीन क्षित्र और बोकी—'क्रियने का दें!''

"बैबन, सांत क्यमे साबे पन्त्र जाने."

कारता साथा कर अपनी कुर्से से उठी और कारण्डर की तरक वड़ी आमांक के टेविस तक पहुंचरे पहुंचरे वह होटो है होंटी में अभाई—"कुमा हो गया"?

वारत है सोबाद है करने वर तय हान नमाना चीर वार्त है करने कर रोक - "वार्त दान की चुन हो गया."

—प्रयोग रिपानी

البائل المائل في المائل البهى الو معهى وهوالها والأنفى المائل في اسما مهود هي المائل في اسما مهود هي المائل في المائل ال

اسر بسیر کانکا کی میز سے ایک قصر یہوں آواز سفائی عنی اسلامی کیا ہے۔ ''میرماجب' یہوں آواز کا ملکوان اور کا ایک قصر یہوں آواز کا ملکوان کی کانکا کی آواز کا ملکوان کی کانکا کی مانو یہائی تھے تا ، وہ کانکا کی مانو یہائی تھے تا ، وہ کانکا کی دوران کی دوران کی مانو یہائی تھے تا ، وہ کانکا کی دوران کی دوران کی مانو یہائی تھے تا ، وہ کانکا کی دوران ک

الب على ترف قر أهجريه يهرى أوار سا انتال هوجها المراق الم

''کھ گگے میں که میم شاہب سے لیٹا ۔'' چل ہیں کر کانتا کیاب مرککی ، عصہ سے ملھ لال

جوگها اور آتے سے جن آنکھوں میں علمی تبی آرہ میں کیونید جھلک ہوا ۔ اس نے زور سے بھوے کے عالم سے بل جھھی لیا لور ہولی ۔۔" کالہ کا ہے ؟"

الله معلم سات روبال سازي بلدره أل ."

التنا جود کر اینی کرش سے آئی اور کاؤنگر کی طرف کی آندہ کے ٹیمل لک پہلستھے پہلستھے وہ مونگوں مونگوں میں بھلائی۔۔۔۔'ا جونا مولیا ۔''

الله بر البال وللمهر بر ايك مان جمايا لير خيفي المائري والمساف جان سب كر جربا حرفها إلا

-

हे से बादर दस्ती कार कर हात रक्ता और बीली से Hi fe verbi suitor van thuist & wa tern हिये कि बाहिस से कुछ बदा. उसने प्रशा—''इसी. प्रमा हमा चेर हो गई. तुम्हें प्रतीका करनी वही."

"में ही क्या, न जाने किसने वियोग में जला करते हैं, म हो भी तो प्रम पेसी" सामी सक्के के महनव होकर

वाक किया.

''इड़ी'⁹ कहते कहते वह हंस वही. न वह इंसी भीगी । और न बहुत ऊंची, सुरीबी, मधुर अनमनाइट के बीच ंगीत फैका देने बाली.

बह क्या. बानन्य और गोपास एक इसरे के सामने है हैं. शानक ने गोपाब को देखा और गोपाब ने ावन्य की.

दोनों की बांसे मुक गई.

वह खड़की अब अपने टेबिस पर बैठ गई है. टेबिस हेने में है, जानन्द की टेविक से वो टेविक जीर जाते.

शक्का वसके साथ है. वैरा आर्थर ले रहा है. वह वोनों ह पुरुष कर रहे हैं. केवस मुस्कान भरे चेहरे दील करते . धीन भाषा का कर्य सगाने में समय कीन वर्षांद करे !

"बाबो गोपाब, बाबी पिको " बानम्य ने निसन्त्रित

कानन्द के मंद्र पर लक्ष्मा है और गोपास शायर किसी महोनी से चिट्ट कर बाँठ चवा रहा है, गोपास बानन्द हे देखिल पर बैठ गया, दोनों की आखें फिर शिक्षी और क्र गई. बैरा ने तभी पुद्धा—"सर, काफी ?"

'बो काफी, दो मदन कटलेट."

मोपास ने पूड़ा--"जानम्य, तुम्हारी मां बीमार थीं, तुम मा क्षेत्रे आये थे !"

ज्यानन्द ने कहा-- "तुन्हारे भी तो बाव जीसार है, तस

चोक्सन देने जा रहे थे."

होनों की आंकें फिर मिक्षी और एक दूसरे से क्या गिरी क्रम गई.

दोनों मेरे वे और वैरा काफी 'सर्व' कर रहा वा.

काकी की जुसकी केते हुये कानन्द ने कहा-"गीपाक. म बदबी की जातते हो ?"

गोपास ने जैसे इस कहते कहते अपने को रोका और का-पन्ती, क्यों १भ

"वार अब तुमसे बचा द्वापाएं. तुमसे बढ़कर मेरा कीई क्त नहीं है. मैं तुन्हें अपना आई समजाता है. सेकिन जानते), जाक बैंने तुमकी टाबना पाहा. जानते ही क्यों ?"

गोपांक में शुक्ष कहते के किये सुंह जोखा गेंकिन

गंजन्य में अवसर मार्रि विकार 🤃

्यावन्य ने जाने क्यां—ंश्वस क्यांकी का साम कान्स मेरे जाब रहती है: हमसे बहुत हुए विश्वस्त वार्त करती

يتجمدون أأثر للجن للزي حلورات أوالجي لأحاواك أسا والوروسية في جيماً ها ، عين القاليل كا والدل ي لجد بوا إلى 1 ليا-" ملوا جيما كرلة في هلك تبين و تعلقها كولى يون

المهور هي عنها له جال كاللي ويوك مين ولا كرية میں لم هو ہمی تو تحوہ ایسی ہا ساتھی لوکے نے کد فد

مرکر سلالی کیا ۔

ال على أن كيتن فيتي رو علس يوي . له وه عليبي دهمين يقيل أور له يهت المنجي. سرياي مدهرا بہتبہناھی کے بینے سلکھت پینلا دیاں والی .

ید کہا ؟ آنلہ اور کرہال ایک غوضرے کے سامتے کہوں میں . أنقد نے كوہال كو صحفا لور كوہال نے أنقد كو .

مرتین کی آنکهوں جھک کٹوں ۔

وه لوكي آب ايد البدل يو بياله لكيه. الذمل الولامون هر. أنقد في ثهمل مد هو تهمل أود أفي .

لوکا اسی کے ساتھ ہے ، بھوا آراتو لے رہا ہے ، وہ مولوں کیوں جیل کر رہے جیں ، کیول مسکل بہرے جورے دیکم ہوتے ھیں ، مری بہاگا کا اُرتی لٹائے میں سے کون

برياد كري !

* أو كوبال؛ كافي يهكو . " أنك في تملكره، كها ب

أَمْلُو كُمْ مَلِهُ يُولُعِهَا هِ أَوْرُ كُنِهَالِ هَايِدُ كُسَى أَنْهُونِي س جود كر لرناله بهدا رها هـ ، كربال أنقد كي الهدل ير بهاله کیا ، فرنوں کی آنکھیں پہر ملیں اور جھک کالیں۔ پہرا نے لب ھی ہورہا۔۔'' سر' کافی''

الهو كافي أهو مالي كالمهما ."

کریال نے پوچھا۔ ''(آنٹدا تیہاری ماں بعداد تیمن تم دوا ليف أثر تم !"

اُلقه الله کیا سا^{ور} فیهارے بھی کو باپ بیمار ھھی⁵ کم التحكمي ديش جا ري تي . ا

مرتن کی آنکیمیں بھڑ سلمی اور ایک موسومے سے بھینا مالکتی جیک لکیس ہے۔

شرارن بجهدلها لف أور بهرا كاني سرو كر رها لها . كالى كى بهسكى لهائر هوائر. أنك له كها... " كوهال، " اس لوکی کو بمالکی هو ؟١٤

عيدال له جوس کچه کیار فياد اي لو روا لور ووا --" (Lag !!

الا ياز اليه لم سر كل جودالين . لم يد يومكر ميرا كرلي فرست لهورزي . مون ليهور أينا يهالي سمجيعا من الله بعال فو ألى مون إل لول تالما جاما بعال

المال لے کچھ کہلے کے لگے متو کہوا ا لوعی اللہ نے THE PURCH STATE OF THE PARTY OF

جالي

में विके कार में. केरा बोलाई के बाब बाता है. बातान्त व्यक्त पूरता है भीर पहला है. "तहर वाकी, बजी बताता ह."

वैरा गोंपांक के पास जाता है. हाथ गांध कर सहा होता है, कोवाल कहीं खोंचा है. से किन एक चींक जनस्य है जो करें इस दुनिया में खींच साती है, यह है एसकी पड़ी. गोंपास ने हाथ फठा कर पड़ी देखी. तभी उसकी नक्षर वैरे पर पड़ी. कुछ हक्षकाहट में उससे कहा.... "ठहर जाथी, सभी बताता है."

बैरों का तो काल ही है कि वह घूम घूम कर टेबिलों पर बामू कीगों का आवर लें. कही किसी को यो चार मिमट से ज्यादा बैठना पढ़ गया और उसने मैनेजर से शिकायत कर दी तो झटी का दूम याद पढ़ जायेगा. ऐसे भी कुछ जोग होते होंगे जो बैरे के जाने की देरी को ठीक सकमते हों, लेकिन इनकी सायाद बहुत कम होती है ? बैरा तो नियम जानता है, उसे अपवाद से क्या मतवाय. दूसरे बैरेने जानन्य सामने सककर किर पूछा—"सर, काफी ?"

"महीं, पानी दे जांको" जानन्द्र ने बिना वसकी सरफ देखे आर्थर विया

षसी समय वैरा कदताये जाने नाने किसी जन्तु ने गोपांस को भी हेदा-

"सिमेट दे जायो" गोपात ने बांध कर कहा और यह बात बांक कर दी कि क्या का इस तरह बार बार पूजना गोपाल को अच्छा नहीं कगता.

वृंसरे मिनंट जानन्द नानी का गिसास मुंह से सगाये या और गोपक जत की ओर खुंजां वहा रहा या और आंस गड़ाने ताक रहा का जैसे कोई तसबीर उसके सामने सड़ी हो रही हो.

काकी द्वारम की जनमम जैसे दरदम कर हो गई ही. सकती नजरें दरवाओं की तरफ उठी हुई है. हर एक मेज पर से जैसे कह रहा है—साइन वाले क्रमामत की नजर रखते हैं लेकिन कीई हैं जो बिना देखें बला का रहा है. ऐसा तो नहीं कि क्से इसकी इच्छा नहीं कि जोग उसे न देखें और संबंध हैं कि कर बोगों को नहीं देख रहा है. शायद वह जानमा हैं कि किसी तरफ न देखने से सब तरफ से जोग कसे देखते हैं. इस अनुमेन हैं और अनुमेन आनम्प देने के बिने काफी हैं. दरवाजे पर बाबर उसने चंपल की जरा पर्यक्त, परका हो पर को केंकिन पूरें बदन में जाने कितनी क्षेत्र हैं जो गई. यह सबक जैसे एक विजयी हो कीर बाबड़ी बाक में लोगों ने देखा कि वह पीजी साथी और सहित ब्यावज करने हैं. वसने उपरी बदन की काफी हैं विकास कीर काले कही. उसने उपरी बदन ہ علی گیرے میں ، ہوا گفت کے پاس آبا ہے، آلگا نظم آبورنا کے اور کیکا ہے۔ اگہو جاوا ایمی بعانا میں آ

بهرا کرہال کے پاس جاتا ہے ۔ ماتو بالدہ کر کوؤا ھرقا ہے ۔ کیچال کہمں اوریا ہے ۔ نیکی لیک جوز آرشدہ ہے جو آس اس دنیا میں امولیے اتی ہے ۔ وہ ہے آسکی گوری، گویال کے ماتو آئیدی آئیدی نظر بورے پر ہوی، کوچھ موبوامت میں آس کے کیا سا^{در} آبار جاؤا گیمی باتا ہیں ،''

پیروس او کام هی که وا گهوم گهوم کو تهدایس او دایو لیگون کا آرای لیس ، کهیس کسی کو دوجار سامت سے ایافہ پیکلیا ہو کیا اور اس نے سامیجر سے شکایت کر دس تو چیکی کا دودہ یاد ہو جائیکا ، ایسے بھی کچھ لوگ ہوتے مراکع جو بدرے کے آنے کی دیری کو تھیک سنچیکے ہوں' لیکن اِن کی تمداد بہت هی کم هوتی ہے، بھوا لو تھم جائٹا ہے آیے اوراد سے کہا سطاب ، دوسرے بھرے نے آناد

آسی سب بھوا کھلاکہ جانھوالے کسی جلاتو نے گوپال کو بھی بچھوا .

الا سکویت دے جاؤ الا گوہال کے قائدی کو کہا اور یہ بات سائٹ کو دنی کہ آسکا اس طرح بار بار ہورہیما کوہال کو انہیا نہیں لادیا ہے۔

عوسرے ملت آلک پائی کا گلاس ملہ سے لکائے تھا اور گرہال جہنت کی اور دھواں اوا رہا تھا اور آلکھ گوالے فاک زما تھا جہسے لولیتسویر اُس کے ساملے کہوی ھورھی ھو ۔

The Root The Root all

तेकर बैठ गये हैं कर्ने किसी काम चण्ये से अतेक्षय हीं नहीं. माता जी हैं कि उन्हें तोपाक के सिवाय कोई नूसरा नाम ही याद नहीं. मैं तो दवा ही डोते होते करा जा रहा हूं. दर्जनों बच्चे हैं, दिन में कोई न कोई चीमार ही पढ़ा करता है. अपने राम को तो सिविता लाइन के चार पांच चक्कर लगाने ही पड़ते हैं. और जो कुछ था तो वा ही वाप जान छुट्टी लेकर चा धमके हैं. घन्टों से उनका इन्जेक्शन वंद रहा है.....".

तभी चानन्द ने प्रश्न किया—''इन्जेकशन मिल गये ''' श्रीपाल ने जेव में दांथ डाला, जैसे इन्जेकशन निकास कर दिखाने जा रहा हो. लेकिन उसने दिसाया नहीं चौर कहीं—'' हां.''

कानन्द बोला — "बलें मित्र, बुढ़िया चिल्ला बिल्ला के घर सर पर उठाये होगी. बीमारी में आदमी, येसे भी बिड़-बिड़ा हो जाता है और बह पेसे भी कांकर है. अब तक न जाने कितनी बार मेरा नाम ले चुकी होंगी. लेकिन यार अस्मां चाहती मुक्ते बहुत हैं."

गोपाल ने फिर घड़ी देखी. पैडिल पर पैर रक्खा और जाना-निश्चय करके बोला—''अच्छा, जानन्य फिर कर मिलीगे ? यार, तुम्हारी जम्मां को देखने चलते, लेकिन बाबू जी का इन्जेकशन पहुंचाना है, कम्पाउन्हर आता होगा, जखक हो जायेंगे.

× × ×

काभी दावस का भी एक समाज है. इस समाज का मेम्बर दोने के खिये कुछ विरोश गुनें का दोना जरूरी है. या तो बाप ने पैसे खूब भेजे दों और या फिर खुद ने कहीं कमा लिये दों. पैसा तो दोना दी बाहिये, साथ में अवकाश भी, और एक बात और. बात करने के खिये रोमांध और जीती जागती एक अवकीं भी ताकि मित्र दूसरी टेबिस पर बैठे सिसकियां भर सकें और कहने को अपनो भी कोई दो सके. इस काफी दाउस में बहुत सोग जाते हैं. बैठते हैं, गर्में भारते हैं, बले जाते हैं.

मोला की दुकान को दे कभी पांच ही एक मिनट हुए
हैं. काकी हाउस समासच भरा है. किसी को किसी की
किस नहीं है, सिमेट के छुएं एक रहे हैं और छुमां अन्तर
कर कर कर जोरतों की तस्वीर बनाता जाना है—ममीर
कराने की निरस्तक्ष, कालिज में पढ़ती अनीनत सहिक्यां
बीचवीच में एंग्लो इन्स्थिन सहिक्यों की बात भी वा जाती
है, दूर किसी कोने में एक ऐसी गोरटी भी बैठी होती है
जिसे रित के साथ साथ राजनीति से. भी दिकचरनी है
इस समय काकी हाउस समासच मरा है जीर इसी भोक़
में हमारे गोपांस जीर कामन्य भी बैठे हैं. लेकिन वक्ष

لے کو افقائی گئے انہیں انہیں کسی کم دفادے ہے مطلب میں انہیں کے مطلب میں انہیں کے مطلب میں انہیں کو انہیں کو انہیں کو انہیں کو انہیں کو انہیں کو انہیں دورہ انہیں دورہ انہیں انہیں کو انہیں کو کی انہیں کو کی انہیں کو کی انہیں کو کی انہیں کہتے ہوں کی انہیں کی انہیں کی انہیں کہتے کہا کی انہیں کی انہیں کہتے کہا کی انہیں کی انہیں کی کہتے کہا کی انہیں کی انہیں کی کہتے کہا کی انہیں کی کہتے کہا کی انہیں کی کی انہیں کی کہتے کی

تب هی نے آنلد نے ہوشن کیا۔۔''آنچکشن ملگئے؟'' گوہال نے جیب میں هاتو ڈاڈ، جیسے انچکشن نکل کر ہاہائے جا رہا هو ، لیکن اُس نے دکھایا لیمن اور کیا۔۔''هاں۔''

أنقد بولا—"بهلهن متر" بوهها چلا چلا کے گهر سر پر اُٹھائے هوئی ، بهماری مهن آدمی" ایسے بهی جوجوا هو جاتا ہے اور ولا آیسے بهی جہانکر ههن ، آپ تک ته جائے عتنی یار مهرا نام آتے جکی هرنگی ، لهکی یار آمان جاهی مجھے بہما هيں ."

گوپال نے پہر گھوی دیکھی۔ بھڈلپر پھر رکھا اُور جانا نشتھے کوکے بولا۔۔۔''اجھا' آنفد' بھر کپ ملوگ' یار تمہاری اماں کو دیکھٹے چلگے' لھکن بابو جھی کا انجکھن پہرتجانا ہے' کسیارنگر آتا ہوگ' الف ہوجائیفگے ۔''

× × ×

کافی بھاؤس کا بھی آیک مماج ہے ۔ اِس سماج کا مہر ھونیکے لگے کچھ وقیص گلوں کا ھونا ضروری ہے ۔ یا تو یائی نے پھیے کی تو یائی نے پھیے کوپ بھیتھ ھوں یا پھر خود نے کیوں کما لگے ھوں ، پھسلا تو ھونا ھی جھائے' ساتھ میں اولاھی بھی' آور ایک بات اور جھتی بجائتی آیک لوکی بھی' تاکہ محر دوسری تھول اور جھتی بجائتی آیک لوکی بھی' تاکہ محر دوسری تھول پر بھائے سسکیان بھرسکیں اور کھلے کو آیکی بھی کوئی ھوسکے ، اِس کافی ھاؤس میں بہت لوگ آئے ھیں' بھیت لوگ آئے ھیں' بھیت لوگ آئے ھیں'

بورڈ کی درکل جوہوں آبھی ہانے ھی ایک اسلمان مورے ھیں گا۔ اسلمان مورے ھیں کالی هاوس کیمچا کیے بورا ہے ۔ کسی کو کسی کی فکو نہیں ہے ۔ کسی کو کسی فکو نہیں ہے ۔ کبریات کے دمرٹیں آو رہے عیں آور معمول آور رائے آٹھ کو عور نہی کی تصریبوں بلانا جاتا ہے۔ امیر قبرائے کی ترابع آتھے میں پوھٹی آبادت لوکھاں ، بھی فیلے میں آپک ایسی کوشٹی بھی اجائی آجائی ہیں میں آپک ایسی کوشٹی بھی بیٹھی بھی میں وقی میں وقی حسی ہی بیٹھی میں ایک ایسی کوشٹی بھی بیٹھی میں میں ایک ایسی کوشٹی بھی بیٹھی میں میں ایک ایسی کوشٹی بھی بیٹھی بھی میں آتھی ہارہ ایس کیموں کیموں کیموں کیموں میں ایک میں بیٹھی میں ایک میں دیکوں میں جوٹی میں دیکوں میں د

कारों है होते पर का और मुख की ब्रोकर, कर क्याते हुने आहा है होमान की पूर्व

गोपाक अवस्थि रहा. यह अपनी चड़ी में मन्न था. शोधा में बाब सीरे ने पान हुनी कर मीठा बनाते हुये गोपाक को बमाना और कहा—"क्सका इन्तजार है...?"

कर केन देन हो वी रही थी कि पीछे से जानन्य ने 'हल्लो गोपाल' का शोर संभाया और साइकिस रोकने के बिये गोपाल के सर का सहारा क्रिया-

"हक्को, पान खाच्चो चनन्द......"

"नहीं बार मैं-बान तो बाता ही नहीं."

गोपास ने फिर घड़ी देशी और ऐसा अभिन्यक किया कि जैसे उसे ठीक समय पर कररी काम के सिके जाना है.

"जाओ जाओ. फिर कर मिस्रोगे शुमसे तो मिसना ही नहीं होता." धानन्य ने कहा.

ही नहीं होता," बानन्य ने कहा.

गोपास ने एतर दिया-"नहीं, जस्दी नहीं है" धौर जैसे किसी बाद को किपाने के लिये बसने सिमेट जलाने का सहारा विद्या

'में तो पका गोपाल."

"ऐसी मी क्या जस्दी है ?" गोपाल कह तो गया तेकिन शीम ही चेता. जाने या जनवाने उसकी खांस फिर वडी पर प्रदेश गई."

बानन्त ने कहा—"बार, तुन्हारे साथ प्राने की तिवयत पाइती हैं, दिल पाइता है कि. काफी हाउस पर्तें, लेकिन क्या बतायें (एक मोटी की गाली कसने दी, किसी दूसरे को नहीं स्वयं अपनी बहन को). अम्मा को खटिया पकदमा था तो आज ही कता. बुद्धिया भी समय से बीमार पद्मती हैं. अब अब मैं अकेसा घर पर रहता हूं उसे कोई रोग भा बुद्धाता है......".

द्वन्हारी अन्मां क्यं से बीमार हैं।" गोपास ने

सहानमृति त्रक्त की:

" दो सबीने से आई. नाक में दम का गया है. बजीब मुसीमन है. नीकर क्या साथे यह कई पसन्द नहीं हैं जाइती हैं कि इस समय में कनकी पट्टी पक्षने बैठा रहें!".

विते कुछ सोच कर भागम से भागे बहा—"गुरू तुन्हीं संदों में हो, कोई फिक्र न चिन्ता, सस्त राम पूमते हो,

मानी हुन्यें देर हो रही है"

ें पर पर्यों किया ग्रस्ती प्रस्त गई. मगवान न करे - विकास के परिचाल हो। नाथ में दस हो गया है. सब - विकास है जारे बाला कार्य के अन्यक का इन्तवान آئیس میں حقیق پہرار اور مدی اوسی کرا ہو۔ انوبالے مراز بیرا کے لیال اور آبیرار

گیهال بیاوهیی رها رو لینی کهری مهی مکی تها . بینود نے ال شهرے میں یان قبرار میکها بھاتے ہوئے گیهال کو تهمایا لیو کیاسالانس کا انتظار ہے.....؟

کیے لیس دین هو هی وهی لہی که پهنچے ہے آبلان کے اُهلُو گرہالُ کا هور منچایا اور سالیکل روکلے کے لگے گویال کے ضر کا سیارا لہا ۔

"ملوا يان كهاو ألقد....."

^{وا}لههن يار' مهن پان تو کهاتا هي نهين.''

گربال کے پہر گہری دیکھی اور ایسا ابھوریکت کہا که جهسے آیے تہمک سیے پر ضروری کام کے لگر جاتا ہے ۔

الجاؤ جاؤ ، پهر کب ملوکر؟ تم سے تو -لغا هی نههن هوناء، انقد نے کیا .

گریال نے آدر دیا۔۔۔۔(تہیں' جلدی نہیں ہے'' اور جہسے کسی یات کو چھھانے کے لگے اُس نے سکریت جائے کا سہارا لیا ،

المهن لو نولا كريال."

سایسی ہوں کیا تملدی ھے؟'' گربال کے تو گیا لیکی ہو۔ نفیکور ھی جھٹا ، جالے یا انصالے اُسکی اُنکو گوری ہر پہلنے گئی ،

المان المان كب مع المان عبر المان عبري المان ال

شهالوبهولی پرکت کی،

ادو میمانے سے بہائی، ناک میں دم آئیا ہے، معہدب مصیدمت ہے، نوکو دوا لائے یہ آنہیں پسلد نہیں ہے، مامانی میں کہ مو شیہ میں آنکی پائی پاکویے بہائیا وہیں اور میں کوی سوچکر آناد نے آئی کیاسلانائور تم می میں میں موا کوئی فائر نہ جاتا مسمی رام گہرمانے میا

المعالى على المعالى المستى لهس اللي، المكولي الله الرابطة المارية الم

मोसा की वृज्ञान पर पान, बीदी, सिगरेंत, बरक का पानी, कोकाकोसा तो मिसता ही है. और भी कई पीजें मिलती हैं, उनका क्योपार जरा छुप के होता है. इस सोग वहां छुप कर बाते हैं और बहुत से खुल्सम खुल्सा इस दूकान पर मीद सगाये रहते हैं. यहां चीजें ही नहीं मिसती बादमियों का मिसने भी होता है. यदि आप बाहर से बावे हों और मिस्नों का हास-पास मास्स करना हो तो भोसा की दूकान पर बले जाइये. सिवस लाइन चूमने वाले सगमग सभी क्यक्तियों का हास भोसा को मास्स है. वह बता सकते हैं कि बापके मित्र कस सिवस साइन में रहे और कीन कीन उनके साथ था. मोसा की जानकारी से हमें कुछ लेना हैना नहीं, अपना मतसब केवस दूकान से हैं. इसी दूकान पर गोपास ने सायकिस रोकी और घूप का बरमा बड़ी नजाकत से उतार कर बोसा—"भोसा, राजू तो नहीं आया है"

"राजू ?" भोता कुछ की बने तने. किर गोपात की तरक देशा और वैसे ही पान कुगाते हुये बोळा—"नहीं वह तो नहीं आये, कत तो थे, अच्छा माख जुना है."

कहा नहीं जा सकता कि गोपास ने भोता की बात सुनी या नहीं चेहरे से कुद्ध ऐसा करूर सगा कि राजू को पूछना दो सिर्फ नमस्ते के रूप में भा, जाने कुछ बात नहीं थी. जाने बात बढ़ाये बिना गोपास ने कहा—"एक पान देना."

"सीठा १"

"कहा में कब साता हूं ?"

मोला बरफ की खिल्ली से एक लगा लगाया पान कराकर भावधीन सुद्रा से बीड़ा बनाने संगे. तभी क्योंने देशा के गोपाल बार बार चड़ी ऐसा रहे हैं. मोला बहुत माथ हैं. कोंकों की रंग रंग पहचानते हैं. बहु जानते हैं कि क्रताबक़ी से लड़के हो ही कारन से चड़ी देशते हैं, वा तो किसी लास समय पर किसी लड़की ने सिक्स खाइन में सिक्षने का बादा किया हो जोर वा नई गई पड़ी खरीही हो और बार बार विचाकर मिलों को निमम्बित करना हो कि कह पूर्वे—"कब खरीदी ?". जवाब कीरन दिवा कायेगा, सेकिन इस मुद्रा में कि जैसे वह बात बुख्यी नहीं जाहिये थी. जवाब भी सुन खीजिये—"मेरी मानी की बहन के स्पार दिवा है". और भी जवाब होते हैं, पर सब बचावों का सारांश एक है—एक सक्की हैं, सुन्वर है बससे इसली मुख्योंकी हैं कि बसने चड़ी होंट की हैं.

"واجوڳ'' بهولا کتھ سوچلہ لکے ۔ بهو گوبال کی طرف دیکھا اور ویصرهیہاں لٹاتے ہوئے ہوئے۔۔۔۔ "انہمی وہ تو تیمی آن' کل تو تھا انہما سال جاتا ہے ۔''

کیا نہیں جادکا کہ گرہال نے بہولا کی بات سلی یا لہمں، چارے سے کچھ ایسا فارور لکا کہ راجو کو ہوچھا تو صرف فیسکے کے روپ میں تھا اگر کچھ بات نہیں نہی، آگر بات ہومائے بقا گرہال نے کیا۔''(ایک یان دیدا۔''

· 445 lallants

- "نهٰڪا مهي کڀ عهاڻا هين آها،

ते वाहित है कहा बहुत जाने बड़ा हुआ है और एस के सबनी वाहित वाही वाहित (Democracy) होने में कीई शक नहीं हो सबता.

इसमें यहां कीपरा नरीरा देशे. क्या इतवार या. एक वर्ने आयोदाक्स गिरकों में इकारों आविमयों को दुशा करते और पूरे ईसाई रहम से पूजा पाठ करते देशा, पाइरी देशे, Nuns देशी, सब अपने अपने विश्वास के अनुसार अपने अपने काम में खेगे हुए. कल दोपहर को हैमिन और स्टाबिन की समाधि पर दिन्दुस्कान की तरक से फूल माला भी अदा आये. माला पर कसी जुनान में यह विश्वा दिया वा—

> India's affectionate homage to Lepin & Stalin Founders of true Democracy in this world Indian Peace Delegation

इस से इस एक बाल जाविसयों की भीड़ रही होगी, इहें बंटे में सब देश पाये. लेनिन और स्टाबिन दोनों इस तरह लेटे हुए हैं मानो सो रहे हैं. उसी जनता इसी मिन्त से उन्हें देखती है जिस तरह कोई अपने देवताओं को.

June 1954

यक दिन यहां की तासीम के हंग बरौरा पर तीन घंटे हिप्टी बबीर तासीम से गुप्तगू रही. हम ने नोट से सिये हैं. पर वह तो सम्बी बात है. इसमें कोई शक नहीं हमें इन मुक्तों से बहुत सीसाना है बश्तें कि हम में करा नम्म बाप और दुनिया भर के गुस होने की अपनी हींग को हम हो हैं. पहले सीसों तो फिर इस सिसा भी सकें. अब देर हो गई. दूसरे जारूरी काम हैं. वहां सुम सबकी हातत और सीरोआफियत का बराबर क्यास सगा रहता है. आक्री फिर. सुस रही.

तुन्दारा, सुन्दर बाक مُقِيَّ قَالُو هَا رُوسَ يَهِمَعَنَّانَ رُوعًا هُوا هِا اور ورس في سَعِينَ هَمَهِ وِرِيتَ يَمَلَى جَهِي رِلْجِ (Democracy) هُولُهُ مَهُنَّ لُور آمِنَ مِسَلَّدَ هُولُهُ مَهِنَ قُولُنِي هَكَ نَهِنَ هُومَكُنَا ،

India's affectionate homage*

to

Lenin & Stalin
Founders of true Democracy
in this world
Indian Peace Delegation
June 1954.

کم سے کم ایک 33ہ آدمیوں کی بھیو رہی ہوگی؟ کگی گیلگے میں سب دیکھ پائے، لیٹن اور اسٹالی دوئوں اس طرح لیٹے ہوئے میں مانو سو رہے میں یا روسی جلتا آسی بھکتی سے آنہیں جیکھتی ہے۔ جس طرح کوئی آنے دیوناوں کو ،

ایک دان یہاں کی تعلیم کے قدملک وقورہ ہو تھی گھلائے قابلے دور تعلیم سے گفتکو وھی ، ھم سب نے توظ لیے لئے میں ، ہر وہ او لمجی بات ہے ، اس مہیں کوئی گیک نہیں ھمیں ابھی اُن ملکوں سے بہمت سیکھلا ہے گیک نہیں ھمیں ابھی اُن ملکوں سے بہمت سیکھلا ہے کی اینی قابلی کور ھوئے گئی اُنٹی قابلگ کو ھم جھوڑ دیں ، پہلے سیکھیں تو بھی کچھ سکھا بھی سکھی ، آب دیر ھوگئی ، دو مرے ضروری کوری باتی عمل ، وہاں تم سب کی حالت اور خدرومالیمت کا برابر کھال لگا ومتا ہے ، باتی بھر ، خوص وھو .

मी देते हैं. वहां पक बढ़ा Amphi-theatre है जिसमें 20 इजार बच्चे एक साथ बैठकर सेख तमारो देस सकते हैं. दोनों तरफ के समन समनी को फिर से एक और पूरी तरह आजाद करने को भी तैयार और क्वाहिशमण्य हैं. पिछमी जर्मनी में समरीका का कपया बहुत सगा हुसा है. पूर्वी जर्मनी में एसी कोई बात नहीं. साम जनसे में मेरी तकरीर सब जर्मनों को बहुत प्रस्त आई.

वर्तिन से मास्को चाते हुए रास्ते में है स्ट (Brest) पदा. वहां के रूधियों ने स्टेशन पर ही हम सवका खूब स्वागत किया. उसी गाड़ी में चीनी, जापानी, वेयतनामवाले, कंकावाले, वर्मी वरीरा भी थे. कोमोजो भी थे. खूब लुक्त. रहा. पांच चंटे वहां ठहरे. एक जीपेरा देखा. वहां का गाना बजाना, नाचना सब देखा. पंडित जींकारनाथ ने क्वें हिन्दुस्तानी गाना भी सुनाया. सबको जच्छा खगा. खूब बक्त गुकरा.

मास्को में इम सारे शहर का वक्कर भी लगा चुके. करीब 50 बाख की बावावी है. 82 मंचित तक की इमारतें. बन्बई और क्लक्ते से कहीं चौडी चौडी सबकें. सब खारा मालूम होते हैं. सब काम में करो हुए हैं. हिन्दुस्तान से सबको प्रेम नवार जाता है. गांधी जी का नाम सब जानते हैं. बहत बढ़ा जावमी मानते हैं. जबाहर लाख जी की भी सबके दिख में इक्कत है. कमन का प्रवार यहां खब है. जंग का प्रचार करना क्रान्ती जुर्म है, जिस पर क्रेंद की सवा दी जाती है. हमने यहां की व्यमीन के नीचे जाने बाबी रेस देखी. बर्लिन में भी देसी रेस है, पर मास्को से उसका कोई मुकाबिला नहीं हो सकता. करीब 60 मील सम्बी यह जमीन के नीचे नीचे जाती है. नीचे नीचे इसकी भी बार मंकिलें हैं. विजली की सीदियों से एक मंकित से दुसरी मंजिल जाते हैं और इसी तरह फिर ऊपर आते हैं. 23 बास आवमी रोचाना इससे सफर करते हैं. मास्की दरिया मास्को शहर के बीच से बहता है. यह रेख मास्को नदी से डाई सौ फीट नीचे जाती है. स्टेशन बहत बढ़े बढ़े और खुबस्रत हैं. इचारों चित्रदारियां हैं. जिल कारीगरों ने काम किया है उनकी तस्वीरें जगह जगह बनी हैं. बनके नाम खुदे हैं. सब जगह दीवारों पर जनता के काम, जनता के कारनामे, जनता की पकता, जनता की जिल्लगी, यही सब दिखाया गया है. ची अ देखने ही से सम्बन्ध रक्षती है. साइन्स की तरक्की तो है ही, वह तो इससे क्यादा और जगह भी होगी, पर यहां आकर वह मास्य होता है कि वगर सब ग्रुव कहीं जनता का राज चौर जनता का बोखबाबा है तो रूस में है. अमे कई बातों में पशियाई आदर्श के कवाब से बीन बवादा पसन्द है. चीन हमारे बादशों के क्यादा नवदीक है. लेकिन साइन्स

بھی فیلی طیری رہاں گیک ہوا Amphi theatre کے ساتھ بیلیکر کیمل تعاشہ یس میں 20 میار بھی ایک ساتھ بیلیکر کیمل تعاشہ ایکھ سکتے ہیں، دونوں طرف کے جرمی جرمئی کو پیر سے اور خواهشمنت میں ، پنچیمی جرمئی میں امریکہ کا رویدہ بیمی لگا ہوا ہے ، پورٹی جرمئی میں ایسی کوئی بات نہیں ، عام جلسہ میں میری تقریر سب جرمئوں کو بیمی پسند آئی، بالی سے ماسکو آئے ہوئے راستہ میں بریسی تعاشر آئی ہائی ہولی راستہ میں بریسی تعاشر آئی ہائی ہولی راستہ میں بریسی تعاشر آئی ہائی۔

برائی سے ماسکو آتے ہوئے راستہ میں پریست کا غرب ہوا ، وہاں کے رومیوں نے اسٹیفن پر ھی ھم سب کا غرب سرائمت کیا ، روسی کاری میں جھیلی' جمایاتی' وہمی نام وائے' لفکا وائے' برمی وقیرہ بھی تھے ، کوموجو بھی تھے ، غرب نطاب رھا ، پانچ کھٹھ وہاں تہرہ ، ایک اوپرا دیکھا ، ہماں کا کانا' بجانا' ناچھا صب دیکھا ، پلکس اونکار ناتھ نے انہیں ھلاستانی گانا بھی سفایا، سبکو اچھا لکا ، غرب وقعی گھرا ،

ماسکو میں هم سارے شہو کا چکر بھی لکا چکے ، تريب 50 لابه كي آبادي هے. 82 منتزل تک کی عمارتهن' اسبکی اور کلکته سے کہوں جوری جوری سوکیں . سب خوش معلوم هرتردين، سب كام مهن لكي هولرههن، هندستان سے سیکو پریم نظر آتا ہے ۔ کاندھی بھی کا نام سب جانعے مهن ، يهمعا بوا أدمى مانعي هين ، آجواهر لل جي كي بھی سب کے فل میں عزت ہے۔ آس کا پرچار یہاں خرب هے ، جلگ کا پرچار کرنا قانونی جرم هے جس پر قهد کی سؤا دیجاتی ہے ، هم نے یہاں کی زمین کے نہتے جائے والى ويل ديكون ، يراني مين يهي ايسي ويال هـ، يو ماسكو سے أس كا كولى مقابلة نههن هوسكتا ، قريب 60 مهل لمهی یه زمهن کے تهجے تهجے جاتی ہے۔ لهجے تهجے اسكى يهي بهار ملزلين هين، يتعلى كرسهوهين بد أيك مقزل سے دوسری مقزل جاتے میں اور اسی طربے پھر اوپر أتے میں ، 23 اکم آدمی روزانه اس سے عالم کرتے میں ، ماسکو دریا ملمکو شہر کے بھے سے بہتا ہے ۔ یہ ریل ماسكو لدى سے قعالى سو فهمك لينتے جاتى ہے، اساليمي المحلة يون اور شريصوري هيل ، هوارون جعركويان عیں ، جی کاریکروں نے کام کیا ہے آنکی تصویریں جات جکه بلی هیں ، اُس کے نام کیدیے هیں ، سب جکه اليوارون ور جلتا كے الم جلعا كے كارنامے جلعا كى ليكتا؟ جليًّا كي رندكي يهي سب جلهايا لها هـ . جهو ديكهني ھی سے سیولدہ رکیتی ہے ۔ ساللس کی درلی ہے می یا رة توارس سے بیادہ اور جانت بھی مرکی اور یہاں آثر یا۔ معاني هوتا هے كد إكر سے مے كيدن جلتا كا راہ اور جلتا ا يول بالا ۾ تو روس مين ۾ ۽ منهم کئي باتين مين الشديلي أمرهي كه خديال سر جدي زيادة وسيد ها، جدي هماريم الموقع کے زیادہ نودیک ہے . لوکن ساللس

वन्देभातरम् Freiheits-Kampfer fur Indian Surendranath Kar 1889-1923 . Nripendra Nath Das Gupta

1897-1925 Nilay K. Das Gupta

1934-1938 Ashit Ranjan Sen Gupta 1902-1924

बन्देमातरम नागरी इर्फो में खुदा है, बाक्री रोमन इर्फो में. जो दो सतरें जर्मन माशा में हैं उनके मानी हैं:--"Fighter for the freedom of India बानी हिन्दुस्तान की आजादी के खिये सब्ने वाले." चार नामों में पहला, दूसरा और बीथा हिन्दुस्तानी क्रान्तिकारी हैं जो अपनी फिसी धुन में बलिन में आकर मरे भीर तीसरा एक और क्रान्सिकारी का सबका है जो वर्सिन में ही पैदा हुआ और यहां ही मर गया. पत्थर के चारों तरक कुल लगे हुए हैं. एक बूढ़ी जर्मन औरत इन कुलों को देखती रहती है और कभी कभी आकर पानी देती रहती है.

इमें यह भी मालूम हुआ कि पश्चिमी वर्तिन में ही कहीं पर हिन्दुस्तान के एक मुसलमान क्रान्तिकारी की भी क्रम है. पर हमें उसका पता खगाने और वहां जाने का बक्त न मिल सका, पश्चिमी बर्लिन होने की बजह से और भी मुश्किल हो गया. इस पूर्वी बर्लिन में ठहरे बे और बीरेन्द्र बाबू अगले ही दिन किसी कहरी काम से तन्दन चले गये. इस क्रम की देखने की इसरत दिस की दिल ही में रह गई.

बर्तिन की बमबारी और बर्वादी के निद्यान बारों तरक फैले इप हैं. बारों तरक बढ़ी बड़ी शानदार इमारतों के खंडर देखकर दुख भी होता है और इवरत भी. फिर मी पूर्वी बर्लिन बाले बहुत कुछ संभाका रहे हैं. उनका मखदरीं और किसानों के खड़कों अड़कियों के खिये एक खास स्कूस देख कर भड़ी तबियत खुश हुई. आइमरी पास क्योग क्रिये काते हैं, तीन सास का कोर्स है वहां से सीधे यूनिवर्सिटी जा सकते हैं. बहुत अच्छा बोर्डिंग स्कूल है. 200 सब्के सब्कियां रहते हैं. इमने उनसे बातें की, धनका रहना साना देखा. बहुत पसन्य आया. एक Young Pioneers' Republic देखी. कई मीब में बहुत खुबस्रत बारा, इसारतें और मीव. 7 से 14 आबै तक के लक्के सड़कियों के लिये. अपना सब इन्तकाम वह सूत्र करते हैं प्रम बावके 15 से 25 तक के वन्हें सब्द

اللك م مالرم Freiheit-Kampfer fur Indian Surendranath Kar **188**9-19?3

Nripendra Nath Daa Gupta 1897-1925

> Nilay K. Das Gupta 1934-1938

Ashit Ranjan Sen Gupta 1902-1924

19 يقديم مالوم 11 فاكرى حرفين مين كهدا هـ باقي رومني حرقون مهن . جو دو سطرين جرمن بهاشا مهن هیر آن کے معلی هیں: - Fighter for the freedom of India, يعلى هلدستان كي أوادى ك لكر لون والي ." جار نامین میں پہلا دوسرا اور جولها هددستانی فرانعی کاری هیں جو اپلی کسی دهن مهن بران مهن آثر صرب اور تهسرا ایک لور کرانعی کاری کا لوکا ہے جو برلن میں ھی بھتا ھوا اور یہاں ھی مو گھا ، پھھو کے جاروں طرف نهول الله هولے هيں . ايک بروهي جرسي مورت إن پهولوں کو دیکہتی رهتی هے اور کههی کههی آکر ہائی دیتی رمخی ہے .

هنهن يه پهي معلوم هوا که پنههمي يولني مهن هي کيهن ہر مقدستان کے ایک مسلمان کرائتی کاری کی بھی قدر ھے ، ہر همهن أس كا يك لكانے اور وهاں جانے كا وقت نه مل سکا ، پیچهمی بران دولے کی وجه سے اور بھی مشکل هوگیا . هم پوریس برلن مهن تهرید تعد أور بهریشدر بایو اللہ ھی دن کسی ضروری کام سے لقدن چلے گلے، اس قبر کو دیکھانے کی حسرت دل کی دل ھی میں وہ گئی ۔

پرلی کی ہمہاری اور ہریادی کے نشان جاروں طرق پهیلے هولے هیں . جاروں طرف ہوی ہوی شاندار صارلوں کے کہا گھر دیکھ کر دکھ ہمی مرتا ہے اور معرب بھی ، بعد بهی پوربی بران والے بہمت کچھ سلمہال رہے میں ، انکا مودروں اور کسانوں کے لوکوں لوکھوں کے لائے ایک شاص أسكول ديكهكر يوي طبهدت خرص هولي، يراكبون ياس لرگ لکے جاتے میں ۔ تین سال کا کورس ہے ۔ وہاں سے جهده نرتهرستی جاسکتے میں ، بہت اچھا بررقنگ أسكول هـ . 800 لوك لوكيان رهام هين . هم له أن سه فالهي كهن أذكا رهمًا كهانا ديكها . بيت يسلد أيا، أيك Young Pioneers' Republic منين بهمت خوبصورت باغ عدارتين أور جديل . 7 س 14 سَالَ عَلَىٰ كَ لَوِكَ لُوكِينِ لَهُ لَكُ . اللَّهُ سب أنقظام وه حُود عَيْلٌ عَيْنِ . كَمِهِ لَوْكَ 15 يَمْ 26 لِكَ كَ أَنْهِينِ مَدَّهُ

करीब वैसी ही है जैसी इखाहाबाद में जनवरी में. फिर मी बर्जिन में धीर यहां भी में सब जगह बराबर घोती पहनता रहा. आजकल भी घोती ही पहनता हूं. जब से देहती से बता हूं सिर्फ एक दिन बर्जिन में शाम की दो घन्टे के लिये मोषा धीर पाजामा पहन जिया था. वह वाक्रिया भी खासा दिखबरूप है.

हुआ यह कि एक दिन बर्तिन में अचानक एक सन्जन बीरेन्द्रनाथ दास गुप्ता ने कहीं से मुक्ते कीन किया कि वह समसे मिलने बाना चाहते हैं. मैंने हसी बक्त बुला किया. भाध बन्टे में यक साहब, छियासठ बरस की उम्र के, लेकिन मजबूत, अंग्रेजी पोशाक में हिन्दुस्तानी, मेरे कमरे में दिखाई विये और बढ़ी मोहन्वत से मिले. पुराने बंग मंग के समय के हिन्दुस्तानी देश भक्त और क्रान्तिकारी थे. अब किसी कर्म में इनजीनियर हैं और क्यादातर योख्य में ही रहते हैं. भारी जाते रहते हैं. खुब बातें हुई. बह मुक्ते पण्डिमी बर्तिन (West Berlin) सैर को ले गये. यह बात 22 मई की है. चलते बन्नत कहने लगे कि शाम को सर्वी ज्यादा हो जायेगी. मोचा और गरम पाजामा जरूर पहन लीजिये. मैं धोती पहने ही जाना चाहता था. कक देर बहस होकर मैं उनकी बातों में या गया. गरम पाजामा यौर मोजा निकाल कर पहन लिया. बाद में मालूम हुआ कि सर्वी का इतना डर नहीं था जितना वह मुक्ते धोती पहने साथ ले जाते हुए सर्माते थे, खासकर पश्चिमी वर्लिन में. खौर हनकी यह स्वाहिश भी आधी पूरी हुई. क्योंकि जब हम पक्षने क्रगे तो कुमारप्पा भी तैयार हो गये और कुमारप्पा बड़ी बोली पहने और नंगे पांच रहे. सैर बहत अच्छी रही. अन्दर बारुट रेख से गये और आये. यहां हमारी घोतियों भीर कपरों को देखकर सब जगह लोग खब जमा हो जाते हैं. बीसियों पीछे पीछे पतने तगते हैं, लेकिन मोइन्यत के साथ. हिन्दुस्तान का हाल पूछते हैं और खब हाथ मिलाते है. बच्चों से तो इस असे में सैकड़ों ही से हाथ मिखाना पड़ा है. हर जगह यही हालत होती है. लोगों की आंखों में को मोइन्दर और इमदर्श होती है, उससे माखन होता कि रंग का अभिमान (Colour Pride) अब दुनिया से जा रहा है और तेजी से जा रहा है इसका श्रेय हमें कन्यूनिक्म को और रूस को देना ही होगा.

बस दिन की पिष्डमी वितान की सैर में एक बात और भी बहुत ही खास हुई. भी बी. एन. दास गुप्ता हमें वितान के एक कीमेटोरियम में ले गये. वहां उन्होंने एक जगह दिखाई जहां चार हिन्दुस्तानियों की राख दक्षन है. यह चारों वितान में मने, यहां ही फुंके और राख एक खूबस्रत जगह दक्षन कर दी गई—चारों की एक ही जगह अखग अखग होकिन पास पास. उपर एक पत्थर खगा है. उसके उपर को खब्द खुदे हैं वह क्यों के स्वीं नीचे नक्षक करता है: ئریب ویسی هی هے جهسی التآیاد مهی جائیری مهی .
پهر بهی برای مین بهی اور یهاں بهی میں سب جائه
برابر دهوتی پهلکا رما . اجکال بهی دهوتی هی پهلکا هوں .
جب سے دهای سے چا هوں صرف ایک دی برای مهی .
شام کو دو گهناکہ کے لئے موزہ اور پاجامہ پهی لیا کہا . وہ واقع بھی شامہ دلجسپ ہے.

عوا یه که ایک دن برای میں اجانک ایک سجی بدرادرقانه داس کیعا نے کیس سے مصب قون کیا که وہ معهد سے ملئے آتا جاهاتے عين. ميں نے اُسي وقعت بلا لها. آدھ کھلاتے میں ایک ماحب کا فرس کی صر کے لیکن مقبوط الکریوں ہوشاک میں مندستانی مهرے کمرے میں دکھائی دیگے'۔ ہون مصبت سے ملے۔ پرانے بلک بہنگ کے سے کے علدستانی دیش بہکس اور کرانتی كارى تهد أب كسى قرم مهن انجهلهر ههن أور زيافة لر يورب مين هم وهيههن. أينهاي وعليهين. خوب بالين هولين، وہ مجھ پچھسے بران (West Berlin) سهر کو لے گئے۔ يد يات 22 مثى كي هـ. جلته وقت كهنه لكركه شام كو سرصى زيادة هو جائے كى مرزد اور كرم هاجامة ضرور يهري لهجائے . میں دھوتی پہلے ھی جانا جاملا تھا ۔ کچھ دیر بصف هو كر مهل أن كي بالرن مهل أكها . كرم ياجامه أور موزة نكال كر يهين لها . بعد مهن اهلوم هوا كه سردي كا اتفا ةر نہیں تھا جلفا وہ مجھے دھولی پہلے سالھ لے جاتے ھوئے شرماتے تھے' خاص کر ہجھمی برلن میں، خیدر أن كى يه خواهص يهي آدهي پوري هولي. كيونكة جب هم چلگرلكر تو کماریها یهی تهار هوگگی آور کماریها وهی دهوتی پهلی اور نلکے هاون رہے . سهر يهمت اجهى رهى . انگر گراونگ ربل سے کئے اور آئے ، یہاں همارے دهوتوں آور کیورں کو سکھکر سب جگرہ لوگ خرب جمع هوجاتے ههن، بهسون يبور يبور ولن لكاد مين اليكن مصيم ك ساله . مقدمعان كا حال يوجهتم هين أور خوب هانه مائد هين. يجين سے تو اس عرصه مهي سهكورن هي سے هاته ماتنا ڀوا ہے، هو جائلہ يہي عالمت هولي ہے، لوگوں کي آنکھوں میں جو معصیت اور همدردی درای هے اس سے معلوم هوتا هے که رنگ کا ایمهمان (Colour Pride) اپ دنیا سے جارها هن أس شرم همهن المهواني كو أور روس كو ديدًا هي هوكا . اس من کی ہمچھمی بران کی سیر میں ایک بات ارر بهی بهمت هی خاص مولی ، هری بی ، این ، داس کہتا همیں برلی کے ایک کریے توریم میں لے گئے . وهاں أنهون نے آیک جگه دکھائی جہاں جار مقدمتانیوں کی رائه دفن هے . یه جاروں برلی میں مرے یہاں هی پیلکے لیہ والے ایک شورمسورس جاء دفق کر دسی کئی۔۔ جاروں كي أيك هي نهاله ألك الك ليكن ياس ياس. أوير أيك عِبْوَرُ إِلَّا فِي أَمِن كَ لَوْيُو جُو هُبِهِ كَبِدِي هِن رَا جَاوِن كَ كين ليمي نقل كرنا هي :

into the

मास्को से खत

[पूच्य पंडित जी ने इस कत से पहले एक कत मुक्ते वर्तिन से जिला था. एक इस्ते के बाद यह दूसरा स्वत है. पहला प्यरमेख से बाटा और जून के पहले इस्ते में मिला गया. यह कत मामूली डाक से जाया और जुलाई के तीसरे इस्ते में मिला. पहला भी बहुत दिलचस्प था और जन्तरास्त्री हास्तत पर काफी रोशनी डाकता था. मेरी नालायकी से वह स्वत को गया. इस नामाफी गुनाह के लिये नया हिल्द के पाठकों से जमा चाहता हूं. दूसरा कत सेवा में हाजिर है—मुजीब.]

\$8 \$8 \$8 *****

Room No. 214
Soviet Hotel
Moscow.
6. 6. '54
Sunday.
7. 6. '54.
Monday.

डियर सुजीन,

एक सत तुम्हें वर्तिन से तिसा था. अब तक मिता गया होगा. 29, 30 बर्तिन की सैर करने के बाद 31 मई को हम ही आदमी वर्तिन से बजरिये रेता मास्को के किये रवाना हुए और 2 जून की शाम को मास्को पहुंचे. सफर में हर तरह का आराम रहा. हमारे कसी मेजवान सासे महमानवाज हैं और काकी मोहम्बती. मात्त्रम होता है कस सबसुष बोहर और पशिया का पुत्त है और होनों तरफ के इन्सानों और दिसों को मिताने का काम सब से अच्छा शायद कस ही कर सकता है. रास्ते में एक केनेडियन दोस्त से जो बहां मी हमारे साम ठहरे हुए हैं केनेडा की जाज की हात्तर पर खूब गुप्तरम् हुई. मैंने कुछ नोट कर तिया है.

बित्तम में सुरज रात को 9 बजे बिपता है और सुबह 3 बजे फिर निकल जाता है. यानी रात सिर्फ 6 घंटे की होती है. यहां तो रूस से भी क्वावा जजीब हासत है. रास्ते में रात को 10 बजे के बाद हम बीच के एक स्टेशन पह सब थे. विश्वकृत ऐसा समां वा जैसा हजाहाबाद में जून में साम को 7 बजे. दिन की रोशानी इतनी काफी वी कि किसाद पहीं, जा सक. सर्वी वहां सब जगह करीब

ماسکو سے خط

[ہوجهہ بلقات جی نے اِس خط سے پہلے ایک شعط معومے بران سے لکہا تھا ۔ ایک شفتے کے بعد یہ عوسرا خط ہے ۔ پہلا اثیر میل سے آیا اور جون کے پہلے شدیے میں مل کیا ، یہ خط معمولی ڈاک سے آیا اور جولائی کے تیسرے شفتے میں ملا ، پہلا یہی بہت دلتوسب تھا اور اندر راشتری حانت پر کافی روشتی فالگا تھا ، میری نالائٹی سے ولا خط کیو ٹیا ، اس نامعافی گذاہ کے لگے نیا جفد کے ہاتیکوں سے جیما جاشر ہے۔معجمہیہ]

Room No. 214
Soviet Hotel
Moscow
6, 6, 54.
Sunday
7, 6 54.
Monday.

آير منهيب

ایک خط تمهیں بران سے لکھا تھا ، آب تک مل گھا موال ، 90 و 50 بران کی سهر کرنے کے بعد 31 مگی کو هم ہوا ، قدمی بران سے بشریعہ رہل ماسکو کے لگے رواتہ ہوئے اور 2 جون کی شام کو ماسکو چہونتھے ، سفر میں هو طرح اور کائی محملی نواز میں میوبان خاصے مہمال نواز میں اور کائی محملی نواز میا شور نواز کائی محملی نواز دونوں طرف کے انسانوں اور دونوں طرف کے انسانوں اور دانوں کو مانے کا کام سب سے اجھا شاید روس هی کوسکتا ہے ، راستہ میں ایک کیفیقین دوست سے جو یہاں بھی شمارے ساتھ تھیوے ہوئے میں کیفیقڈا کی آج کی حالت ہی شمارے ساتھ تھیوے ہوئے میں نے کچھ نوت کر نیا ہے ،

برلن میں سورے وات کو 9 بحقے چھپتا ہے اور صمع 3 بھتے ہیں اور صمع 3 بھتے ہیں ان ہے ۔ یعلی وات سوت 6 کیلئے کی موتی ہے ۔ واستے یہاں تو روس سے بھی زیاعہ متھیہ حالمت ہے ۔ واستے میں وات کو 10 بحقے کے بعد هم بھجے کے ایک استیمی پر لیوں تھے ، بالکل ایسا سماں تھا جھسا الدایات میں جھی میں گئی ورشتی التی کائی بھی میں گئی کالان اور کی جا حکے ، دوں کی ورشتی التی کائی بھی گئی گئات پوھی جا حکے ، سودی یہاں سب جات قریب

विना सरकारी सहायता के टिक नहीं वाता. 12 कर्नेल सन 1954 के हरिजन में विनोबा जी का मनी बहन पटेख के नाम एक पत्र द्वपा है. इसमें खिला है: "कोशिश की जा रही है कि दस्तावेची कार्रवाई और दाखिल खारिज बिना टिकट और रजिस्टी खर्चों के परी हो सके', सरकारों से प्रार्थना की जायगी कि वह इस सम्बन्ध में पाहरी क्रानुन और नियम बना दें." यही नहीं, उसी पत्र में आगे । लाला है: "हैदराबाद में सरकार के सहयोग से जमीन के बटवारे का काम ग्रह्म कर विया गया है. इसका नतीजा यह है कि भूदान वाले अब जिन जिन गांवों में जाते हैं वहां और अधिक जमीन दान में मिलती है." इस जनह यह बात समक्त में नहीं आती कि दान में बढ़ौती का श्रेय सरकार के सहयोग को है या क्षमीन के बटवारे को श षाहिर है भवान को सरकार की मदद करूरी है, न सिर्फ असर डालने के लिये बिक क्रानून बना कर भूवान की क्रायम करने के लिये भी. फिर यह "हर्य परिवतने कैसा है ?

यहां एक सवाल और खड़ा हो जाता है. वह यह है कि क्या विना राजसत्ता को हाथ में लिये दूसरे आर्थिक और सामाजिक संस्थाओं का सुवार किया जा सकता है ? इस पर भी बहुत छोचना है. सर्वीरय के नेता राजसत्ता के बिना दुखरी संस्थाओं का सुधार सम्भव सममते हैं. उनका कहना है कि इसरी संस्थाओं के सुधार के बाद राजकाजी ताक्रतें खुद सुघर जायेंगी. लेकिन व्योहार में हम दूसरी बात देखते हैं. सर्वोदय ने भूदान से अभीन की समस्या इल करनी चाही, लेकिन सारे ब्योरों से पता चलता है कि भुरान की जो कक्ष भी सफलता है वह सरकारी सहयोग के कारन है. अगर यह बात न होती और राजसत्ता के बग़ैर अभीन सुधार हो सकता तो विनोवा जी सरकार से क्रान्त और नियम बनाने की प्रार्थना क्यों करते ? होना तो यह चाहिये था कि सुवार हो जाता और सरकार मजबूरन उसे मान नेती. भूदान में मिली अमीन के आंकड़ों से भी उलटी बात खिद्ध होती है. जहां जहां कांग्रेस सरकारें बहत मजबत हैं वहीं वहीं भूदान में जमीन ज्यादा मिली है और वहीं भूशन क्यादा में जबूत है. यह भी ध्यान देने की बात है.

भूदान के आंकड़े निकलते रहते हैं. सब में मिली कमीन और दूसरे साधनों का किक होता है लेकिन सर्वोद्य की सब से बड़ी पूंजी 'हृद्य परिवर्तन'' के आंकड़े कमी नहीं निकलते हैं. अगर बन लोगों का नाम मालम हो जाये तो 'हृद्य परिवर्तन' की हम जांच कर सकेंगे. जब दिल बदल जाता है तो रहन सहन, आचार विचार, सब बदल जाते हैं. हमें यह देखना पड़ेगा कि क्षमीन के सम्बन्ध में जिनका दिल बदल जाता है कहीं दूसरे मामलों में बनका विस्त काला का काला तो नहीं रहता? आधा है 'हृद्य सरिवर्तन' करने वाल सुमे इस तजुरने में सहयोग हैंगे.

بنا سرکاری سهانگا کے لگف لہمن یاتا، 12 اوریل 1954 کے مربجی میں ولیبا جی کا متی یہی یکھل کے نام ایک پتر چھھا ہے، اس میں لکھا ہے: ''لوشش کی جا رھی ہے کہ دسکاریؤی کارروائی اور داخل خارج بنا تحت اور رحمتری خرچوں کے پوری هوسکیں ، سرکاروں سے پرارتھنا کی جائیگی که وہ اِس سمیددہ میں فرروی قانوں اور نمیدرآباد میں سرکار کے سیموٹسے رمیں آئے لکھا ہے : 'رمیدرآباد میں سرکار کے سیموٹسے رمیں آئے لکھا ہے : مروع کردیا گیا ہے ، اسک نتیجہ یہ ہے کہ بھودان والے اب جون جی گاوں میں جاتے میں وہاں اور ادھک زمین دائی میں ملتی ہے ۔ اس جگہ یہ بات سمتیہ میں نہیں بین میں ملتی ہے ۔ اس جگہ یہ بات سمتیہ میں نہیں آئی کہ دائی میں بوھوئی کا ہریہ سرکار کے سیموٹ کو ہے اور میں فروری ہے ، نہ صرف آئر قائن کے لئے' بلکہ قائوں یا زمین کو بیودان کو جے بدن جھودان کو جے بیا زمین کے بتوارے کو گام کرتے کے لئے بھی بھر یہ ''ھردے بناکر بھودان کو قائم کرتے کے لئے بھی بھر یہ ''ھردے بیاکہ بھودان کو قائم کرتے کے لئے بھی بھر یہ ''ھردے بیاکر بھودان کو قائم کرتے کے لئے بھی بھر یہ ''ھردے

ایہاں لیک سوال اور کہوا ہو جاتا ہے ، ولا یہ ہے که کیا بھا راہے ستا کو ھاتھ میں لکے دوسرے آوتیک اور ساجک متسعهاوں کا سدهار کیا جا سکتا ہے ؟ اِس پر بھی بہت سوچلا ہے ۔ سروردے کے نیٹا راے ستا کے ینا دوسری سنستهاور کا سدهار سمههو سمجهتے ههر . ان کا کہنا ہے کہ دوسری سلستہاؤں کے سدھار کے بعد رأیہ كاجي طاقتين غود حدمر جائينكي . لهكي يهرمار مين هم فوسری بات دیکھاتے میں ، سرووں نے بھودان سےزمین کی سمسها حل کوئی جاهی. لهکی ساری بیوروں سے ہکت علمًا هـ اله يهودان كي جو كجه يهى سهيلمًا هـ وه سركاري سہیوک کے کاربی ہے ، اگر یہ بات نہ هوتی اور راہے ستا کے یغهر زمین سدهار هو سکتا تو رقوبا جنی سرکار سے قانون ارر نیم بقائے کی پرارتیقا کیوں کرتے ؟ مونا تو یہ جاھگے تھا كه سدهار هو جانا اور سركار مجهوراً أيم مان لهاي بهودان میں ملی زمین کے آنکورں سے بھی اُنگی یاب مدھ هولی هے ، جہاں جہاں کانگریس سرکاریں بہت مضبوط عیں رهين وهين يهودان مهن زمهن زيادة ملى هـ أور وهين بهودأن زيادة مقدوط هي . يه بهي دههان ديني كي بات هر.

پہودان کے آنکوے نکاتے رہتے ہیں ، سب میں سلی
زمین اور درسرے سادھلوں کا ذکر ہوتا ہے ، لیکن سروردے
کی سب سے بوی پرنجی الا عردے پربورتن اللہ انکوے
کی سب سے بوی پرنجی الا عردی کی اللہ ان درگوں کا نام معلوم ہو
جائے کو ہردے پربورتی کی ہم جانے کر سکیں گے ۔
جائے ہیں ، میں یہ دیکھٹا پربٹا کہ زمین کے سمبلدہ
میں بھی کا حل بدل جاتا ہے کہیں درسرے معاملیں
میں بھی کا حل بدل جاتا ہے کہیں درسرے معاملیں
میں بھی کا حل بدل جاتا ہے کہیں درسرے معاملیں
میں بھی کا حل بدل جاتا ہے کہیں درسرے معاملیں
میں بھی کا حل بدل جاتا ہے کہیں درسرے معاملیں

فلگیں کو آبی بھی کرکے سمایت نہیں کرا ہائے، سبے کے عاود پرسائیکی بھی فدروری ہے، میواند میں پرسائیکی درسری گاہی اس لگے رتوباجی میوانیوں کو زمین ند علا سکے' لیکی تللگاند میں جاکر انہیں بہت سی زمین مل گئی، وقویا جی ومی تی' سب ومی تھا' لوگوں کے مردے بھی ومی تھے' کیول پرسائیکی بدلی ہوئی نہی ، اِس طرح سے مع دیکھاتے میں کد ریکائی' سب اور پرسائیکی تیڈوں عردے پرپورانی کے لیے شروری میں ، پرسائیکی پر سبہ اور ریکائی دونوں تربیور کرتے میں ، اِس طرح پرسائیکی پردھانی ہے ،

جب برساعة عردهان في لو (دهرد عربوران) سے بہلے أجمع برساهاي كا هونا ضروري هي . ونويا جي كے بارے مهن تو مهن نهین که سکتی ان کے اچھ کام کونے والے اِس سجائی کو جانتے هیں . اِسی لیے اُپنی کامیابی کے لله ولا پرسالیکی نمار کرتے همل ، فاق دیال والے دو همر. دونوں کو الک الگ ڈھنگ سے دان کے لئے تھار کھا جاتا هـ . زمیندار کے پاس زمین هـ آور کسان کی طاقعت کو بھی آب وہ مہتو دیتے لکا ہے ، زمینداروں کے دماغ میں بھی یہ بات بیٹو کئی ہے که کسان زمین پر تجفہ کرکے می رمیکا ، کسان ومہلدار کا جو جہکوا ھوٹا اُس کے نتيجه سے زميدار كو بخار أنا هے . إس مقوركهان سے بهودان کے نمعا فائدہ اُٹھاتے میں . وہ جگد جگد پر خاس خوانے اور لرتقامار کے قصے سفاتے هیں ، مسلمان مولوبی نوسر کے طرفان سے قراتا ہے اور ونوبا جی کے ہلگے کمهولستوں کی بربادی سے دراتے میں اور آسے یہ اشواسی دیتے میں کہ اگر وہ ایڈی زمین کا کچھ حصہ بہودان میں دے دے تو کسائرں کے قصے کو شائعہ کیا جاسکیکا اُور ولا خون خرابے سے بھے جائیکا ، ایک طرف زمیندار دیکھتا مے که سب کچھ جا رہا ہے اُور دوسری طرف بہت کچھ ہے جانے کی أے أمهد معلوم هولی هے ، إس لكے وہ دان ديكا ها، أيد المردي پريورتي الهسم كهون أسه ري سمنهم مهن نيهن آتا .

فوسرس طرح کے دائی کسان ھیں ، کسانوں سے فعرم کے فام پر اپیل کیجائے۔ بھودان کے سارے پاریجہاشک شہدوں کو دیکھ لیجگہ ، سب اُوپر کی بات کو گاہمت کرتے ھیں ، زمین تو کیا دعوم پر ھدارا کسان جان بھی دے سکتا ہے ، کوئی مانے یا نہ مانے لیکن یہ بات بالکل ایسی طبی ہے کہ جوسے شراب پلادر کسی کو لوت لیا جائے ، آس طرح پرستھتی بھدا ھوتی ہے کی تابی کو الاہودی پریورتی کا نہیں کیا جاسکتا ،

المردے پریورتی کے بعد اُوپریکلٹرولکی فرورت نہیں اُنہوں نہیں اُنہوں کے بعددانی مردے پریورتی

हुनों को जागान करके समाप्त नहीं करा पाये. समय के मलावा परिस्थिति भी ज़करी हैं. नेवाल में परिस्थिति हुसरी थी, इसक्षिये विनोबा जी मेवातियों को ज़मीन न दिला सके, लेकिन तिलंगाना में जा कर उन्हें बहुत सी ज़मीन भिक्ष गई. विनोबा जी बही थे, समय बही था, लोगों के हृदय भी वही थे, केवल परिस्थिति बदली हुई थी. इस तरह से इम देखते हैं कि ज्यक्ति, समय और परिस्थिति तीनों हृदय परिवर्तन के लिये ज़करी हैं. परिस्थित पर समय और ज्यक्ति दोनों हिन्ये करते हैं. इस तरह परिस्थित प्रधान है.

जब परिस्थिति प्रधान है तो हृदय परिवर्तन से पहले डिचत परिस्थिति का होना जरूरी है. विनोबा जी के बारे में तो मैं नहीं कह सकती, लेकिन उनके अच्छे काम करने शले इस सच्चाई को जानते हैं. इसीलिये अपनी कामयाबी के विषये वह परिस्थिति रैय्यार करते हैं. हान देने वाले हो हैं. दोनों को अलग अलग दंग से दान के लिये तैयार केया जाता है. अमीदार के पास अमीन है और किसान ही ताक़त को भी अब वह महत्व देने खगा है. क्रमीदारों के दिसारा में भी यह बात बैठ गई है कि किसान जमीन पर क्रम्या करके ही रहेगा, किसान क्रमींदार का नो करावा होगा उसके नतीजे से जमीदार को बुखार माता है. इस मनीविज्ञान से भूदान के नेता फायदा डठाते हैं. यह जगह जगह पर खन खराने और खट मार हे किस्से सनाते हैं. असलमान भीलवी नृह के तकान से हराता है और विनोबा जी के पन्डे कम्युनिस्टों की बरवादी ते डराते हैं और उसे यह अश्वासन देते हैं कि अगर वह प्रपत्नी क्रमीन का कुछ हिस्सा भूदान में दे दे तो किसानों हे रास्से को शान्त किया जा सकेगा और वह खन खरावे से बच जायगा. एक तरक जमीदार देखता है कि सब कुछ ना रहा है और दूसरी तरफ बहुत कुछ बच जाने की उसे उम्मीद् मालूस होती है. इसलिये वह दान देता है. इसे 'हृदय परिवर्तन" कैसे कहे, मेरी समभ में नहीं भाता.

दूसरी तरह के दानी किसान हैं. किसानों से धर्म के नाम पर अपीस की जाती है. भूदान के सारे परि-माशिक शब्दों को देख खीजिये. सब उपर की बात को साबित करते हैं. जमीन तो क्या, धर्म पर इमारा किसान जान भी दे सकता है. कोई माने या न माने लेकिन यह बात बिल्कुल ऐसी ही है कि जैसे शराब पिताकर किसी को खुट तिया जाब. इस तरह परिस्थित पैदा होती है, पर हाका भी पड़ता है. नरो की बातों को "हृदय परिवर्तन" नहीं हहा जा सकता.

्रहरूव परिवर्तन के बाद अपरी कन्द्रोल की जरूरत हो रहती. लेकिन काश्चर्य है कि मूरानी हरव परिवर्तन सहन हो सका, बाद में दिप्ती साहब ने कर्दे मना किया, केकिन वह नहीं माने. यहां तक कि गांधी गलीज की नौबत पहुंच गई. प्रमींदार साहब फिर भी नहीं माने. दिप्ती साहब गांखी दे दे कर हार गये. अन्त में इन्होंने प्रमींदार से पूझा कि में इतनी गांखी देता हूं, आपकी बेहरजाती करता हूं, फिर आप क्यों जाते हैं. उन्होंने कहा जनाव आप गांखी अकेले में देते हैं और गांखी मुक्ते कगती नहीं. लेकिन आपके दर्शन से मुक्ते बहुत फायदा होता है. अब आपकी गांखी साकर में बापस जाता हूं तो गांव के भोले लोग यह नहीं सममते कि आप मुक्ते गांखी देते हैं. वह मुक्ते और आपको गहरा दोस्त सममते हैं और इसक्षिये मेरा रोच मानते हैं. सच पूछिये तो इसी गांखी के बदौलत में अपने इलाक़े में राज करता हूं.

यही किस्सा विनोवाजी के साथ भी है. वह कांप्रेस के खिलाफ बोलते रहें, मिन्त्रयों को गाली देते रहें, लेकिन मन्त्री और अफसरों को जब कोग विनोवा जी के साथ देखते हैं तो राजसत्ता के असर को स्वीकार करते हैं और राजपुरोहित समम्बद्ध विनोवा जी की मिन्त करते हैं. इस तरह हम देखते हैं कि "हृदय परिवर्तन" का असर कम और राजसत्ता का असर प्यादा भूशन के पीछे काम

करता है.

भूदान वालों का कहना है कि वह "हर्य परिवर्तन" से कमीन केते हैं. यह "हर्य परिवर्तन" है क्या ? कुछ लोग यह मानते हैं कि यह एक जादू है, एक कमत्कार हैं. कुछ लोग यह मानते हैं कि भावनाओं पर हमला करके मनुष्य को अपनी इच्छा के खिलाफ कामें करने पर मजवूर किया जाता है. लेकिन में मानती हूं कि हर्य परिवर्तन एक प्रक्रिया है और उसका एक विकान भी है मैं यह भी मानती हूं कि कोई भी आदर्श बिना "हर्य परिवर्तन" के हासिस नहीं किया जा सकता. नाम बाहे जो दे लीजिये लेकिन काम वही रहता है. सर्वोद्यी हर्य परिवर्तन करता है, कम्युनिस्ट पेजुकेट करता है. पर प्रक्रिया दोनों एक हैं. जो भी साधन बाहे अखितयार किया जाय, आजीर में इस साधन का तो सहारा लेना ही पहता है.

• अब यह विज्ञान है तो हमें यह जानना चाहिये कि वह विज्ञान क्या है ? वह विज्ञान यह है। हृदय परिवर्तन के लिये व्यक्ति, समय और परिस्थिति का होना चरूरी है. सनशन से हृदय परिवर्तन होता है, लेकिन हर एक के सनशन से नही. यह क्यों ? क्योंकि उच्चित व्यक्ति की ज़रूरत है. डिचत व्यक्ति मिस जाने पर भी उच्चित समय का होना भी ज़रूरी है. गांधी जी सनशन के लिये डिचत व्यक्ति थे. सनशन करके कलकत्ता के मंगे उन्होंने सतम करा विथे. लेकिन यही गांधी जी दूसरे समय दिल्ली के سپن هوسکا ایمن میں کیکی صاحب نے انہوں مقع کیا ، لیکن وہ نہیں مالے ، یہاں لگ که گای کلیے کی توبت یہتے گئی ، زمهندار صاحب پور بھی نہیں مالے ، قیتی صاحب گلی در در در کر دار گئے انت میں انہوں نے زمیندار سے پوچھا که میں انٹی گائی دیتا ہوں آتے ہیں ؟ میں آتے کیا ، جناب آپ گائی اکیلہ میں دیتے ہیں اور کئی انہیں فرد کیا ، جناب آپ گائی اکیلہ میں دیتے ہیں اور ایس فائدہ ہوتا ہے ، جب آپ کی گائی کہاکر میں رأیس بہت فائدہ ہوتا ہے ، جب آپ کی گائی کہاکر میں رأیس بہت کہ بہت فائدہ ہوتا ہے ، جب آپ کی گائی کہاکر میں رأیس بہت ہیں اور اس نیتے ہیں سنجھتے که سنجھتے ہیں اور اس نیتے ہیں ، سے سنجھتے ہیں اور اس نیتے میں اور اس کی بدولت میں آپ علاقے میں ، سے بہت اور آپ کو گہرا دوست بہت ہیں اور اس نیتے میں اور اس کی بدولت میں آپ علاقے میں ، سے بوجھیئے دو آسی گائی کی بدولت میں آپ علاقے میں وا

یہی قصه ونویا جی کے ساتھ بھی ہے ، وہ کانگریس کے خاف پولاجے وہمی اسلامیں کے خاف پولاجے وہمی اسلامیں کے اور افسروں کو جب لوگ ولویا جی کے ساتھ دیکھتے ممی تو راج سعا کے اثر کو سویکار کرتے ممی اور راج محرصت سمجھکر ونویا جی کی بھگتی کرتے ممی ، اس طرح مم دیکھتے ممیرکہ المردے پریورتی" کا اثر کم اور راج سعا کا اثر دیکھتے ممیرکہ المردے پریورتی" کا اثر کم اور راج سعا کا اثر زیادہ بمودان کے پمجھے کم کرتا ہے ،

پهردان والوس کا کیفا هے که ولا 2'هردے پرپورتی' سےزمهی لیکے هیں که یہ ' امردے پرپورتی' هے کیا؟ کچھ لوگ یه مانکے هیں که یہ ایک جاتر ہے۔ ایک جاتر ہے۔ کچھ لوگ یه مانکے میں که بهاؤناؤں پر حمله کو کے مقص کو ایفی اُچھا مانکے هیں که بهاؤناؤں پر حمله کو کے مقص کو ایفی اُچھا مانکی هورکه ''هردے پرپورتی' ایک پرکریا ہے اُور اُسکا اُیک مانکی هورکه ''هردے پرپورتی' ایک پرکریا ہے اُور اُسکا اُیک اُدرهی بقا ''هردے پرپورتی' کے حاصل نہیں که کوئی بھی اُدرهی بقا ''هردے پرپورتی' کے حاصل نہیں کها جاسکتا ، موددے پرپورتی کرتا ہے کمیونسٹ ایجوکھٹ (Educate) نام جاھے ، سرودئی کرتا ہے ، کیونسٹ ایجوکھٹ (Educate) کرتا ہے ، پرکریا دوئوں ایک هیں ، جو بھی سادھی جاھا اُنکھار کھا جائے' آخر میں اُس سادھی کا سہاڑا تو لھا اُنکھار کھا جائے' آخر میں اُس سادھی کا سہاڑا تو لھا ہے ، پوتا ہے ،

جب یہ وگیاں ہے تو همیں یہ جانگا جاہئے کہ وہ
وگیاں گیا ہے ؟ وہ وگیاں یہ ہے : هوت پرہورتی کے لیّے
ویکٹی سے اور پرسٹیٹی کا هونا ضروری ہے ، آریشی سے
هرہ بے پرہورتن هوتا ہے، لیکن هر آیک کے آریشی سے نہیں ،
یہ کھوں ؟ کھونکہ آجت ویکٹی کی ضرورت ہے ، آجت
ویکٹی مل جائے پر بھی آجت سے کا هونا بھی
ضروری ہے ، گاندهی جی آریشن کے لئے آجت ویکٹی
تھے ، آریشن کرکے کلکٹہ کے دنگے آنہوں نے ختم کوا
تھے ، آریشن کرکے کلکٹہ کے دنگے آنہوں نے ختم کوا
تھے ، آریشن کرکے کلکٹہ کے دنگے آنہوں نے ختم کوا

चगस्त '54

82

'04 (Ampl)

distant when the short

کھیے۔ اُصفاد کیوائے کہ جے پراھی جی وٹریا جی کے ساتھ قلر وهداگر ؟ بورته اسم کے کچه ایس بھی لوگ هدی جاوس کے بعودان کو بھوبار کا سادھن بھا لھا ھے ، اس مين يولا بعي كي كنچه يركشن سلستبالين ألى ه ير أور کھی لیکھک آتےمیں جن کی کتابیں بہودان سکھاں بھجھی میں ، بیلا بیریاریس سے سلکورش کے سے کیا أميهد كي جاسكتي هـ؟

جب بهم كولم بهودان بر أماراش كرتا ها تو أسا أناريوي يوما لكها أور يجهمي وجار دهاراون لا ماننه والا كها جاتا ھے ، یہ شود بیت ہوں کنوروں ھے ، دلیل کی کنے همهشة اِنْ بالرن يو أَلُو أَلَىٰ يَرِ مِنْهِبُورِ كُرِنِي هِـ . يَوَهِ لَكُمْ لُوكُ هُرِ نهدو کو سمعتهکر سمرتون کرتے هیں . جب بهودان کی کمزوریوں کو وہ دیکھٹے تعین اور ٹھیک جواب نہیں پاتے هیں تو آسے اپنا سہورک نہیں دیتے میں ، اِسی وجه سے يدهم جوري بهردان سے الگ هيں . يہى نهوں جانتھ ہرکھے اندھی وادی نیکا بھی اِس سے الگ ھھی ، اِن مھی ةانظر جي . سي ، كماريها عهرا يين ايسم ويكتي بهي هامل هین .

ہر کام کرنے کے سادھی بھی شدھ عولے جاهیگی ۔ بوردان کے سیمولیوں کی شدھتا پر ممھی شک ہے۔ آجاریہ نريقدديول تهدك كهاهركه بهردان مهر زمهي قر أور دهارمك ہواؤناؤں کو استعمال کر کے لی گئی ہے ، ونوبا جی کا جو پرچار سرکار کرتی ہے کھا وہ اُس لھائے کرتی ہے که وثوبا جی أسكو الهاد يهيلكين ؟ هراز تيهين ، يرجار كا يه سادهي ہوردان کے لیکے شدہ نہیں مرسکتا ۔ یہ کیا جا سکتا ہے که سرکار پرچار کرتی ہے' آسے وتوبا جی کہسے روک سکھے هيں ؟ وه روکوں يا ته روکوں ليکن يه وه سادهن هے جس سر اثر بددا کیا جاتا ہے اور اِسیاثر سے در بیدا هوتا ہے اور در س ولوما جي کو زمهن ملکي هـ ، مهرت وجار مين إس سادهن کا آیدوک اچت نبیور هر .

ونوبا جی کے ساتھ ملتری جلتہ میں ، ستا اثریہ یہ ومون دائے هيں ، إنهيں کے أديس سے سركابي السر ونوبا جي کي لوکري بجاتے هيں . اُن کي توکري بجانا يهمعه سے لوگوں کا الهردے پرپورتی، کرنے کے لیائے کافی ہے . إس بات كو ماف كرنے كے ليكے شروري ہے كة ميں وہ قصة الکه دیں جو لیک متر نے مصم بتایا ، وہ معر ڈیٹے کلعقر تھے ، أبي عاقم ميں دورے يو جايا كرتے تھے . جب به الوريد عر جالت الله الله بد عل ومهلدار ربعي أن كے ساله بهلتے لهے ، دونین كے خمید آمالے ساسلم هوت ته لوكن يهي كا فامله قريب دو تهيي غِلْنَكِ هوتا لها ، روز صبع زميندار مهودے قيلي خارمات کے عربیں کو آتے تھے ۔ دو ایک دفعہ لی کا آنا

देसे रम्मीर की साथ कि क्यमकास की विनीवा की के साथ डटे रहेंगे. चौचे फिस्स के इस ऐसे भी बोग हैं जिन्होंने भवान की ब्योपार का साधन बना किया है. इसमें विद्ता जी की कुछ प्रकाशन संस्थायें जाती हैं और कुछ लेखक बाते हैं जिनकी किताबें भूदान सम्मितियां वेचतीं हैं. भूता ज्योपारियों से संघर्ष के समय क्या बम्मीद की जा सकती 8!

जब भी कोई भवान पर ऐतराज करता है तो बसे अंग्रेजी पड़ा किसा और पश्चिमी विचार धाराओं का मानने वाला कहा जाता है. यह खद बहुत बड़ी कमजीरी है. वसीक की कमी हमेशा हन बातों पर अतर आने पर मजबूर करती है. पढ़े जिसे लोग हर चीच को समक कर समर्थन करते हैं. जब भूरान की कमजीरियों को वह देखते हैं और ठीक जवाब नहीं पाते हैं तो हसे अपना सहयोग नहीं देते हैं. इसी वजह से बुद्धिजीवी भूदान से अलग हैं. वही नहीं, आंचे परसे गांधीवादी नेता भी इससे अलग हैं. इनमें डाक्टर जे० सी० क्रमारप्पा, मीरा पहन ऐसे व्यक्ति भी शामिल हैं.

हर काम करने के साधन भी ग्रुट होने चाहिये. भ्यान के सहयोगियों की ग्रद्धता पर हमें शक है. आवार्य नरेल्क्र देव ने ठीक कहा है कि भूदान में जमीन दर और धार्मिक भावनाओं को इस्तेमाल करके जी गई है. विनोबा जी का जी प्रवार सरकार करती है क्या वह इसलिये करती है कि विनोबा जी उसको उलाइ फेकें र हिर्गिय नहीं. प्रचार का यह साधन भूदान के खिये ग्राज नहीं हो सकता. यह कहा जा सकता है कि सरकार प्रचार करती है, उसे विनोक्स जी कैसे रोक सकते हैं ? यह रोकें या न रोकें लेकिन यह वह साधन है जिससे असर पैदा किया जाता है और इसी असर से बर पैवा होता है और बर से विनोबा जी को श्रमीन मिलती है. मेरे विशार में इस साधन का उपयोग रचित नहीं है.

बिनोबा जी के साथ मन्त्री बलते हैं. सत्ता के असर से बह जमीन विकाते हैं. उन्हीं के आवेश से सरकारी चफ्रसर बिनोबा जी की नौकरी बजाते हैं. उनकी नौकरी बजाना बहुत से लोगों का हृदय परिवर्तन करने के लिये काफी है, इस बाव को साफ करने के लिये जरूरी है कि मैं वह फ़िस्सा लिख दूं जो एक मित्र ने मुक्ते बताया. बह सिंब डिप्टी क्वीक्टर वे. अपने इलाक्षे में दौरे पर जावा करते थे. जब वह दौरे पर चलते थे ती एक काने बद्धालक वासीदार भी उनके साथ वसते थे. दोनों के खेमे भागते सामने होते थे, लेकिन बीच का फासला करीन दो तीन कर्मांत होता था. रीच सुबद कर्मीदार महोदय हिप्टी सार्व के बर्धन की बाते थे. दो एक दका बनका जाना

पर का आवादका की कांग्रेस पर सांची की का कीई रस दिलाई नहीं पढ़ता तो असे कोई तक्ष्म्य नहीं होता. यहां गांची जी दार गये क्या यहां विमोचा जी जीत जायेंगे? जिन शक्तियों का सहारा लेकर गांघी जी सर्वीद्य क्रायम न कर सके क्या स्तका सहारा लेकर विमोचा जी जीत का सेडरा बांच सकेंगे?

े विनोषा जी इन्झवाब खाना बाहरी हैं, इससे कौन इण्डार कर सकता है. पर विनोधा जी देवल कमान्यर है. वनके नीचे बहत से शिक्टनेन्ट भी हैं. वही खोग जनता के बीच में काम करते हैं. ठीक है कि वह विनोबा की के माम पर काम करते हैं. लेकिन कत जनर जनता की राजत शक्त वार्ते विनीवा जी के नाम पर बताई जाने करों ती क्से बंह यक्तीन कर लेंगे, कमान्हर पालिसी वै करता है और इक्रम देता है. पर उस इक्रम और पाकिसी पर मास लेक्टिनेन्ट कराते हैं. क्या विनोवा जी के ब्राजकत के सेफिटनेण्टी पर पेतबार किया जा सकता है ? क्या इस बात का विश्वास है कि यह लेक्टिनेन्ट अपनी सेना वसी हरें पर चलायेंगे जिस पर चलने के लिये विनोबा जी उन्हें बादेश हैंगे ? मेरा विचार है कि अगर किसी को इस बात का विश्वास है तो उसे इन व्यक्तियों के बारे में कुछ कम जानकारी है, यह कोग विनोवा जी का साथ नहीं हेंगे और विनोषा जी को वस यही कह कर तसरबी करनी व्यवेगी कि क्या कर ! इन्हीं सोगों से तो काम सेना है. इस सरह इस देखते हैं कि साधन रूप में भी भवान कामयाब नहीं होसा.

कंपर जी बात इसने कही है उसके सबूत में बहुत कुछ लिखना परेगा. हे दिन एक लेख में सब बार्ते नहीं था सकती. इसकिये थोडा सा विक उन व्यक्ति का हो सकेगा की विनोबा की के सास लेक्टिनेन्ट हैं। नम्बर यक कांग्रेसी सरकार और कांग्रेस कमेहियां, नम्बर वो कक ऐसे व्यक्ति को कांग्रेस से बंधे हुए हैं और विनोबा जी के साम हैं. तीसरे वह बीग जो इसरी पार्टियों से तारतक रखते हैं और बिनोवा की के समर्थक हैं. कांघ्रेस सरकार और कांघ्रेस बमेटियां विनोषा जी का साथ देंगी यह एक अम है. दूसरे करह के लेकिटनेन्टों में बाबा रायब बास ऐसे लोग हैं. बाबा की के बारे में स्वर्शीय किसीरीबाल मभवालाः बहत क्रम किस मुके हैं. उसके चरित्र पर सके रोशनी बालने की बाकरत नहीं, बस इतना कहना काफी है कि वह आवे महत पर विमोषा जी का साथ नहीं दे सकते. तीसरे क्रिस्स के क्षक्तियों में बाबू ज्यप्रकाश नारायन आते हैं. इनकी बुक-प्रक यहीं में बहुत ही सुशहर हो चुकी है. पक्र पार्टी से यह वंधे हैं को सबीदम की रिप्रट को नहीं मानती पार्टी का यह कभी तक कास भी करते हैं. जिर پر یا گیگا ہے کہ کہ ان کے گیمی میں کا قبال ہا گیا دکیائی کیمی کا گیا ہے کہ کا معال رخیا جی جاریہ جہاں کا گیا ہے کہ کا جہارا کے اور الدمی جی سروروہ دائم نے او سالے کیا لی کا سیارا کے اور ودونا جی جہدی کا سیمرا بالقائد شاہدی کے ؟

وليها بني إنكاب فنا جامع هورا اس سر كون الله كر شكايا في و وتوبا حي كهول كمالكر ههن . أن كم المجر ابت أل البالهالهات بعي هين ، وهي اوك بملكا کے بدھ میں کام کرتے میں۔ گھیک کے که وہ ولوما جی کے نام ير الم كرك هون . ليكني كل الرجلتا كو فلط سلت بالدن رادية حي كرانام يو يتالي خال العين لو أسروه يتهين فر لينك . كماتكر باليمي مل كرنا هي أور حكم ديانا هـ عر أس حكم أور بالهسي بر عمل التاليليلند كرائر هين . كها رارباً جي ك أجكل كي لفالهلهلاس بر اعتبار كها جاسكا هِ؟ كُوا أَسِياتِ لَا رَفْرَاهِنِ هِ كُم يِهُ لَقُلْهُ فِيكَ أَيْلِي سَهِقًا اسی قصرے پر جلائیں کے جس پر جلتے کے لیکے وتوباجی النهون آهيجي هينگل ۽ مهرا وجار ۾ که اکر کسي کو لس یات کا وہوائی ہے تو اس آن ویکٹیوں کے بارے مھن کچھ کم جانكاري الله . يه لوگ وتوبا جي لا ساته لهيول دينكر أور رلزیا جی کو پس یہی کہکر تسلی کرٹی پوین کی که . ٹیا كرون الهدر لوكين سے تو كام ليقا هے ! إس طرب هم ديكه عم همن که سادهی روپ مهن بهی بیودالی کامهاب نیهن هوتار

اور ہو یاس مم لے کہی ہے اُس کے قبوس میں ایہما كجه لكهابا يويكار لوكبي أيك لهكه مهن سب بالهن تهمن أ سكتين . إس لها تهروا سا فكر أن ويكتهون لا هوسكها جو وأبياجي كيفاس لفالهاليامي هون، تمهر أيك التكريسي سركار اور كانگريس كيهاليان . نيهر دو. كچه ايسرويماي جو كالكريس مَا يقديه هرال بعيل أور وليها جي كم ساله عهور، المسويد بولا الوكب خو هوسون هاواليون سراكعلى والهجرهين ایر وانویا نعی کے صدرتیک میں۔ کانکویس صرکار اور کانکاریس كميالها وليها هي لا ماته هياكي به ليك يورم في فرمري طرم ك العاملاتين مهن يايا والهر داس ايسر لوك هوري واللهر لا والمعاون والمعالمون أمل معود والا يوسه كوي نام وی عیر، أن كرورار پر مجد وهای ذالك كر ايورت ليون . ايس اللاحما الى د له وه أود ولت ور واينا على المناف الهون هد ساعلى . توسرت السو كي ويعلون ميل علي به يواني ترالن أن هين . أن في قمل مل ALL COMPANIES AS A SECOND A THE REPORT OF THE PARTY OF TH

باما كا رو ودور كدلكل له كر بدلانا كو لك وال كون في قرالي كا شيدنا دانهاي زهين أور جاتما مهن والكي اليهيشي التو بهكوان لا وأسطة دي هد كر شائمت لههوي وأبي پيرهمت جب دلي پدهاري تو أن كا شالدار والمعد هوا ، سورکید یکهل اور یدق سانه ونوبا الله كالمرورين كههذاتها ، وتوبا جي سركاري فالدون بھن بھی لہونے اور باہر کے بعد تائب باہر کا دوجہ آنھیں ودائی کو دیا گھا ۔ آن کا کام ٹھا سرکاری کامیں کو آشیص اليقال من يهر جوحُم لالقا أور هام كو يروجن أور يرأرتهقا ولا _ كعله دان تك يه كام جلعا رها دُرا كها كلهن هـ . میں اثنا سمجھ لیجائے کہ جب رنوبا جی نے مهوالووں او زمیری دلانے ہو زور دیا اور سورکیہ یلیل کی عالمسی کے شاف دو جهار دفعه وه مول بس أن كا كلفا كمت كها . س وقمع پورے سادھی مہرے پاس نہیں ھیں جو میں سردار یعیل کے شہد ہوں نقل کر سکوں ، لیکن ولا شہد للے کوئے تھے کہ رنوبا جج ترنیف دلی سے وردھا جانے آئے ، به تهیک ہے کد اُن کے چھلے مورات میں کم کرتے رہے ا یکی معجم شود تعورہ ہے کہ سرکار سے نہالم کے لہائے کار بار وتوبا جمی کو دائی بالیا گها الوک اُن سے ملقے وردها لُمُ الْهَالِي وَلا دَلَّى نَهِينَ أَلْم . سَرَكُارَ أَمَنَا مَدَرَثُهُ إِنْ كُرِتَى لر جميكا أيهوك أجمع مسجولاني هي

> هم ونوبا جي کي تهک نهاي مهن شک نههن کر عکتے ، لهکنی اس مهن بهی وقواس نبهن کر سکتے که عودان کے شمرتهی مهل کانگریس نیک نهمت هے . یہاں به کیا جا سکتا ہے که کام ولوپا جی کا ہے ۔ سمرتھوں جسکا جي چاھ کرنے ، يه يهي ايک نکته ھے جو ايتي بدهي مهن نههن آنا ، ونوبا جي لانگريس بي زياده جالاک نههن الهين . سوال يه جهالائي كا هـ . ظاهر يابعه هـ كـ ولويا جي عار جالهن كي. كانكريس كو أكر يه أمهد هو كه يه هاو جالي لي لو وه سمرتهون هي نه کري ، لوگ په پهي کيات ههي العُ سند ألل ير هي إس يات كا فيصله هوا . لهكي ياني منهی کودنے سے پہلے کہرائی کا آندازہ کر لھانا ضروری ہے آ

> يته يهي مان لها كه وتوبا جي كالكريس كو جهل لهن ان ، کانگریس سے مدد ہمی لیں کے اور کا نگریس کو شکم اللهي كو هيفاكي، أس يو موس لم يهمه سوجاء كالدهر بعر ك يثني تنهزي كو يوها أور سلا . أخهر دلون مهي الندهي جي التعلق الما الله ولا كسى بيد جاوي أيهن الد . التعلي من عليما هن ك كرو لم أور أن م كيدن وياده مدالعير المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المعنى ي في المر الله إلى الله الله حب بهارت سوال

बाहा कि कर पर्स प्रमाणक वेयार जनता को बाने बाते यार्गे की करकती का सपना विकास रहें और जनता में बदती वेचैनी को समयान का बास्ता दे देवर शान्त रखें. राजवरोदित जब दिल्ली प्यारे तो धनका शानवार स्वागत हुआ. स्वर्गीय पटेल और पन्तित नेहरू के साथ विनोबा की की सरवीरें खिची. विनोबा की सरकारी दक्षतरों में भी भूमें भीर बापू के बाद नायब बापू का दर्जी उन्हें प्रदान कर दिया गया. उनका काम था सरकारी कामों की बाशीश देना, दिन गर वर्सा काराना बीर शाम को परक्षन और प्रार्थना करना, कितने दिन तक यह कास पताचा रहा चरा कहना कठिन है. वस इतना समम् बीजिये कि जब वियोगा जी ने मेबारियों को जमीत विवाने पर बोर विवा और स्वर्गीय पटेख की पासिसी के खिलाफ दो चार दफा बह बोले बस उनका कमा कट गया. इस वक्त पूरे साधन मेरे पास नहीं हैं जो मैं सरदार पटेख के शब्द भी नक़ल कर सकं. लेकिन वह शब्द इतने कडे थे कि विनोबा जी हरणत दिश्खी से वर्षा बले बाबे. यह ठीड है कि वनके चेते मेबात में कास करते रहे लेकिन मुक्ते साद तज़रवा है कि सरकार से निपटने के लिये बार बार बिनोबा जी की दिल्ली बुलाया गया. लोग उनसे मिलने वर्षा गये, लेकिन वह दिल्ली नहीं चाये. घरकार इसका समर्थन करती है जिसका क्योग कवित सममती

इस विनीया जी की नेक नीयती में शक नहीं कर सकते. लेकिन इसमें भी बिरवास नहीं कर सकते कि अदान के समर्थन में कांत्रेस नेकनीयत है. यहां पर यह कहा जा सकता है कि काम विनोषा जी का है. समर्थन जिसका जी काहे करे. यह भी एक ज़कता है जो अपनी बुद्धि में नहीं काता. विनोबा जी कांग्रेस से क्यादा काक्षक नहीं हैं. सकाल यह बाकाकी का है, जादिर बात है कि विनोबा जी हार जायेंगे. कांग्रेस की अगर यह उम्मीद ही कि वह हार जायगी तो यह समर्थन ही न करे. सोग यह भी कहते • हैं कि समय बाने पर ही इस बात का फैलका होगा. लेकिन वानी में कृतने से पहले महराई का जन्याचा कर लेका पकरी है !

बार भी मान खिया कि विनीया जी कांग्रेस की जब तेंगें: वांत्रेस से मक्द भी तेंगे और कांत्रेस की सतम भी कर हैते. इस पर मैं ने बहुत खोचा, गांबी जी के भी तजुरवे की वहां और सुना, जाखीर दिनों में गांधी जी की जो शासन हो नहें की यह फिली से क्रिया नहीं है. गांची जी विशेषा की के शक ने कीर कारी कहीं क्यांश ताक्रतकर के. पर किल कोगी का बाब क्लोंने किया कलाने गांची बी ti men men er grauer, guillet ere aren urent

ے اپیر پیشان ورو فاتا ہے ، رباعتی او ٹیپک کرکے جی ہا۔ سروردے اللہ بیانا کے اِس طوع رباعتی او پرومان جرا ، این یہی یاف مہری سنتھو میں نہوں آئی کا رباعی پردمان ہے یا بہکران ؟

إس فارقتك بحمث كو هم جهور كر سرود لا عملى روب يه ودان ها لل كري وب يه آل هيل إس كا عملى روب يهودان ها لا إس كا عملى وبي يهودان ها معلى الهاس مين هم يعد مين جوالياك . يهل يه ط كرلين كه يهودان ها كه يهودان ها معلب بهارت كي يهومي سمسها كا حل ، أب كها جاتا ها كه سرود قل كا سادهن يهل إس ير وجار كرلين كه يهودان بهارت كي يهومي سمسها كو حل كرسكتا ها يا نهين . ابهودان كي يهودان كي تهتا يهي آج يه ماتت لكي هين كه يهودان ساهودان كه تهودان ساهودان كا تها بهي الهين ها كي هيودان ساهودان كي تهتا يهي آج يه ماتت لكي هين كه يهودان ساهودان كي يهودان كي يهودان ساهودان كي يهودان ساهودان كي يهودان كي يهودان كي يهودان كي يهودان يهودان كي يهودان كي يهودان كي يهودان كي يهودان كي يهودان الهال دعوي جهور ديتا ها اور آلها كو سادهيه كي يهودان الها دعوي جهور ديتا ها اور آلها كو سادهيه كي يهودان الها دعوي جهور ديتا ها اور آلها كو سادهيه كي يهودان الهال مادهي قرار ديتا ها .

اب بهردان کو سادهن روپ مهن دیکهدا هوکا. بهودان کے نبھاوں کا کیفا ہے کہ جفعا میں جاگرن بیدا کر کے تبا سماج بقانا هے . أن كا كهذا يه يهى هے كه بهودان سروت ومی اوک همدوشی فاتها سائلے هوں جو آجائل کے شامن کو سدهار کے ناقابل مانعے هوں اور جون پر یه بات اجھی طرم ظاهر هوگئی هو که یه سرکار آنهوآلے زمائے کا کامهابی کے ساتھ ساسقا نہیں کو سکتی اور اِس کا مقایا جاتا ہی نہایت ضروری ہے . همهن دیکھفا یہ پویکا کہ جہودان لے اب دک کس حد تک جداثا کو جانیا ہے اور بھودان کے سمرتهک کری هوں ؟ پہلے بهردان کے سمرتهکیں کو لے لهی، بهودان کے سمرتیک کانگریسی صفعری اور اُن کے نہجے کام کرنے والے سرکاری افسر میں ۔ تو کہا کانگریس خود اہے کو مالا دیکا جامعی ہے اور نیا سماے بقانا جامتی ہے' نیا هاسی بهدا کرنا نهاهای هر ؟ کهونکه سدرتهک کی ِ کسولی بیهی هے ، مهرا رجار هے که اس بات کو کران سوجه بوجه والا أهمى عبهى سركهكار نهيس كريك ، الاكريس لي رنوبا جي کا يه يملي بار جاتو نهون هيا ، بات پراني هو لكي هـ عد أهـ دوهوا دينا يهان أجمه معلوم هولا هـ . الدهي بين كے بعد رنوبا بين يون أو بيكت سے دلي باللے کالے ، یہ کیٹا بہتھا تہ ہوتا که وہ رأیے پروہمی کے ورب میں وہاں آئے تھے ، یہ نہیں کیا سکتی میں که ولوبا جی کو ليلي فلي لدي لا مجه عدان نها يا نهور الدي داي ك متانبونس کے عملے میں یہ بات مات تھی ۔ والعا كالمرس في البعد وهي الله أور أسكو أقد مون ما أل وقوف كي المرود الله مرود الله الله المراجع الم

के कपर बेहद कोर देता है. व्यक्ति को डीक करके ही बह सर्वोदय सामा बाहता है. इस तरह क्यकि मंत्रान हुआ। यही बात मेरी समस्त में नहीं जाती कि व्यक्ति प्रयान है या मगवान रि

इस वार्शनिक बहस को हम खोकर खर्बोद्य के जमती हम पर जाते हैं. इसका जमती रूप भूदान है. इसके इतिहास में इम बाद में जायों. पहले वह तब कर लें कि भूदान है क्या ? ग्रुक्त ग्रुक्त में भूदान का मतलब या मारत की भूमि समस्या का इस पर विचार कर कें कि मूदान मारत की भूमि समस्या को इस कर सकता है या नहीं. इस पर प्याश सोच विचार करने की पाकरत नहीं है, क्योंकि भूदान के नेता भी खाज यह मानने सने हैं कि भूदान से भूमि समस्या का इस नहीं होने का. जावार्य नरेन्द्र देव जीर मीरा बहन के बहुत से पेतराज यहां खत्म हो जाते हैं. भूदान जपना दावा होड़ देता है और अपने को साम्य के बजाय साधन करार देता है.

बाद भवान को साधन रूप में देखना होगा. भवान के नेताओं का कहना है कि जनता में जागरन पैदा करके नया समाज बनाना है. उनका कहना यह भी है कि भूदान से सिर्फ वही सोग इमद्दी दिखा संकते हैं जो आजकत के शासन को सुधार के नाक्राधित मानते हों और जिन पर यह बात अच्छी तरह जाहिर हो गई हो कि यह सरकार बाने बाले कमाने का कामयाबी के साथ सामना नहीं कर सकती और इसका हटाया जाना ही निहायत जरूरी है. हमें देखना यह पढ़ेगा कि भूदान ने अब तक किस इद तक जबता को जगाया है और भूदान के समर्थक कीन हैं ? पहले भ्रवान के समर्थकों को ले लें. भूशन के समर्थक कांग्रेसी सन्त्री और उनके नीचे काम करने वाले सरकारी अफसर ៓ हो क्या कांप्रेस खुद अपने को मिटा देना पाइती ै और नवा समाज बनाना बाहती है, नवा शासन हैता करना चाहती है ! क्योंकि समर्थक की कसौटी वही है मेरा विचार है कि इस बात को कोई सुम्ह बुम्ह बाह्या आदमी कमी स्वीकार नहीं करेगा. कांग्रेस ने विनीवा जी का यह पहली बार साथ नहीं दिया. बात पुरानी हो गई है, पर इसे दोहरा देना यहां उच्यत मासूम होता है. गांधी जी के बाद विनोबा की बढ़ी आवसगत से दिल्ली बुकाये गये. यह कहना वेजा म द्वीसा कि वह राजपुरीहित के रूप में वहां आये थे. यह नहीं कह सकती है कि विनोधा जी को अपनी नई गरी का इक्ष ज्ञान था यह नहीं, लेकिन दिल्ली के सत्ताथीशों के क्रिमाग्र में यह बात साफ थी. जनता कांग्रेख से इट रही थी : कौर उसको अपने में मिसाचे रक्षमें की प्रकरत की. साक्ष बुसायकों ने राजपुरोदित यह काः व्यविश्वार किया और

A STANK APPE

तरीको बेंगान के शासन विमा बाता है पसे सामन करते हैं। सामेरच चागर चामचे है को बनोहीन समाम साधन होगा, यह बार और साम हो बारी है बगर कन्यनियम पर हम रोजनी बालें. कम्युनिक्स एक बादवी है और मजदर वर्ग प्या सामन है, पहले मचादर वर्ग दसरे बर्गी से संघर्श करेगा, बर्ग बनाने बाखे आविक ढांची को अपने कृष्ये में करेगा, दूसरे बर्गी की मखदूर बना हेगा, फिर राज करेगा और तब कम्युनियम के आवर्श तक पहुंचेगा, वहां शासन हडी होगा. यदि सर्वेदिय ठीक दंग से चले तो पहले वर्ग हीत समाज बनाये और तब सर्वोदय को प्राप्त करे. जब समाज क्रीडीन ही कार्येगा तो उस एक क्री का उदय होगा, सब बगी का नहीं. इस तरह फिर खूस सुमाकर इसी एक मुक्ते पर पहुंचते हैं कि या सर्वेदय नामी आदर्श का नाम ही राजत है और वा फिर सर्वोदय की जो रूप रेखा बताई जाती है वह राजत है. और इससे वह भी नतीजा निक्खरा है कि एक सास दर्शन को मानने बाते समाज की जीरदार मांग के सामने घुटने टेक देते हैं. आज के समाज की मांग है वर्गहीन समाज, सर्वोदय के मेता इस मांग को अपने दर्शन के साथ ओड़ जेते हैं. बीय का अन्तर-विशेष या तो उन्हें दिखाई नहीं पहता या वह एसे देखना नहीं चाहते.

सर्वोदय का कार व्यक्ति पर बहुत है. हो सकता है सर्वोदय का कर्य यह खगाया जाये कि सर्वोदय समाज में हर क्यक्ति का वर्य हो जायगा. यह बात भी कुछ समम्म में नहीं काती. सारे क्यक्तियों का एक साथ एक बराबर वर्य कैसे हो सकता है ! मानसिक धौर जिस्मानी उदय का सम्बन्ध वर्य से बहुत है. तो इसका मतजब यह होगा कि जाबिक डांचा बदला जाय और आर्थिक डांचा बदल कर धगर सर्वोदय तक पहुंचना है तो वर्ग सतम करने पढ़ेंगे. जब वर्ष अल्प हो जायेगे तो किर बही समस्या कड़ी होगी. तब 'सर्व' में कीन शामिक होंगे जिनका वर्ष होगा !

यक बात और समय में नहीं वाली. बह यह है. सर्वोदयी कहते हैं कि अनवान सब कुछ है और अनवान ही के नाम पर वह सब काम करते हैं. जब भगवान सब कुछ है तो व्यक्ति कुछ भी नहीं है. तेकिन सर्वोदवी व्यक्ति का नाम लेकर बड़ा हंभार सदा करते हैं. कम्युनिवम कहता है कि व्यक्ति समाज के हिस के लिये करना चाहिये. समाज इस तरह प्रचान हो जाता है और व्यक्ति का महस्त कम हो जाता है. सर्वोदयी हफ का सहस्त कम हो जाता है. सर्वोदयी हफ का स्वाद की है जह कहते हैं कि कम्युनिवम व्यक्ति का संगवान में सार्वे अन्ति हैं जाता है. सर्वोदयी हफ का स्वाद की हैं जा नाम कि का संगवान में सार्वे अन्ति हैं अन्ति का स्वाद की विभाग सर्वे हैं के स्वाद की का स्वाद की लिया का स्वाद की की स्वाद की स्वा

المالين في المعلوم المالي الى المالي الى المالي المالية یں . سرورفے کر امری ہے کو ورک میں سنانے شافعی الوال بيد ياس أور ضافية هو بالر هر أكر كمهوليم يو عو ووهاي الليس ، عبهرنوم اليكية آدرهن هي اور مودور ورك أيك نادهی ه . ويل مودر ورک درسرے ورکوں م سلکوری نویا واک یعالے والے آردیک قعاندیوں کو آپ قیمی نهن کیکا عومرے ورکرں کو مزدور بقا لیا کهر واج کویکا ور کب کیوٹون کے أدرهی لک پہوتھے کا جہاں شامن مهن هولا ، يدن سروردے تهيك قطلك بي جانے لو بہلي ازگت نهیدر سمانے بقائے اور دب سرووں نے کو پرایم کرے . نهب سمای ورگ هین هوجالیکا در اس ایک ورگ کا لوفائد هوالا سب وركون لا نهدي . إس طرح يهر هم گهوم لهما کر پهراسی ایک فاطه پر پهرتنجان همن که یا سروودر تامی آدرش کا نام هی فلط هے اور یا پهر سروودرے لي جو روب ريكها يعالى جالي هـ وه فلط هـ ، أور إس نے یہ بھی نتیجہ نکلتا ہے که ایک خاص درفن کو امانات والے ممالے کی زورداو سانگ کے ساستے کہالتے انیک ایتے عیں . آج کے سمانے کی مانگ کے ورک میں سمانے۔ مروودے کے لیتا اِس مانگ کو ایے درشن کے ساتھ جوز لهاتي ههن ، بدي کا انځروروده يا تو انههن دکهاکي تههن نوتا یا وہ أس ديكهما نبهوں جامعے .

سررودے کا زور ریکئی پر بہت ہے، هوسکتا ہے سرزودے کا ارتبی یہ لایا جائے که سرودے سماج میں هر ویکئی کا وقتے هوجائیکا ، یہ بات بہی کچه سمجه میں نہیں الی ، سارے ویکٹیوں کا ایک ساتے ایک برابر اودے کیسے مرسکتا ہے ؟ مانسک اور جسمانی اودے کا سمجدھ ارتبی یہ بہت ہوگا کہ پہلے آرنبک فعلیہ یہ مولا کہ پہلے آرنبک فعلیہ یہ بدل کر اگر سررودے تک پیونچیا ہے تو ورک ختم کرنے ہویں ، جب ورک خبرہ کا ردے هری کور ہمیں کرن شامل هونک کہ جن کا اردے هری ؟

ایک بات اور سمته میں نہیں آئی، وہ یہ ہے، سروردائی کی ام کیے میں کہ بیکواں سب نحیہ ہے اور بیکواں میں کے نام پر وہ سب کام نوتے میں ، جب بیکواں سب کچھ عیں تو ویکھی کی اور وہ بیک میں نہیں ہے ، لیکن سروردائی ویکھی کا نام سانے کا انگ ہے اور آئے میں ، کمیونوم کیکا ہے کہ ویکھی سمانے کا انگ ہے اور آئے مر ام سمانے کے میٹ کے لگر اور اس طرح پردمان موجاتا ہے اور ویکھی کی سروردائی اس پر ہیر میں کے اسروردائی اس پر ہیر میں کے اسروردائی اس پر ہیر میں کے اس کی خوال ہے اور میں کی کمیونوم ویکھی کو خوال ہے اور خوال ہے اور کیکھی کو بیکوان میں خوال ہے اور کیکھی کو بیکوان رکھ گیا

खुद खपने ऊपर लागू करेगा, जब बर्ग नहीं होता की संवक्ष बह हुआ कि सब एक बर्ग के हो जायेंगे. जब बब एक बर्ग के हो जायेंगे तो 'सर्व' के 'उदव' की गुंबाइण कहां रहेगी र बग इस समय दूसरे मानी भी शामिक कर लिये जायेंगे र और खगर नहीं तो सब के उदय का कोई मतलब मही है. सारे वर्ग खत्म होकर एक वर्ग बन आयेंगे और इसी वर्ग का उदय होगा. कम्युनिस्ट इस वर्ग को मजदूर कहते हैं. सर्वोर्गों ने खभी तक इसे कोई नाम नहीं दिया. ब्बीहार और दर्शन में यही विरोध दील पड़ता है. दर्शन के नाम से ही पता चलता है कि इस आधार पर बने समाज में बहुत से कर्ग होंगे और सब का उदय होगा. पर ज्योहार इस बात से इन्कार करता है. समुक्त में नहीं बाता कि दर्शन को मानू या उपवहार को रि

. यदि सर्वोदय में बहुत से वर्ग होंगे और सब का उद्ज होगा तो कोई न कोई क़ानून भी होगा और जब क़ानून होगा तो झासक भी होंगे. और जब शासक होंगे तो सर्वोदय के शासन होन समाज का सपना भूटा निकलेगा.

सर्वेदियों का कहना है कि आध्यात्मक शासन होगा जिसे व्यक्ति अपने अपर खुद बागू करेगा. लेकिन अरन है कि क्या यह आध्यारिमक शासन कोई नई चीज है ? जवाब साफ है. यह बीज नई नहीं है. कब से इसका रिवाज पड़ा इसकी चर्चा नेकार है. लेकिन यह बात साफ है कि आज से नहीं बहिक हजारहा बरस से इस शासन पर जोर दिया जाता रहा, है. जितने अवतार आये, पैराम्बर आये, रिशी सुनी भीर वती भागे, सब ने इस पर जोर दिया. और यह बात भी साफ है कि इन लोगों के पैरोकारों की तादाद सर्वोदय के नेताओं के अनुयाहकों की तादाद से बहुत क्यादा है. अद्धा भी अपार है. यही नहीं, सर्वोदय के नेता भी इनमें से डिखी न किसी के पैरोकार हैं. सोचना यह पहेगा कि जहां शुद्ध हार गये क्या वहां चेले जीत जायेंगे १ इतिहास बतासा है कि आध्याहिमक शासन समाज पर राज नहीं कर सका. जब ज्ञाध्यारिमक शासन ने राज शासन की जगह लेती अवही तो वह कुक्रा हो गया. फिर क्या उन्मीद की जाय कि बान्यात्मक शासन इस युग में काम देगा जबकि जनसमह उससे बैराग ले रहे हैं.

यक मित्र का यह भी कहना है कि सर्वोदन और नर्ग-हीन समाज में कोई निरोध नहीं है. पहले सर्वोदन होगा किर बर्महीन समाज. मतलन जह कि आज़कल का जो समाज है उसमें नर्ग हैं. इन सब नर्गों का उदन होता रहेगा और किर यह नर्ग गायन हो जानेंगे. यहां वह नात समम में नहीं जाती कि सर्वोदन साधन है या साधन. सर्वोदन इर्छन है और दर्शन आदर्श को सन्म हेता है. इसलिये सावर्श भी सर्वोदन है. जादर्श स्ता साधन होता है जीर जिन

یشی سرون مربی بہت ہے ورگ ھونکے آور سب کا اور ہے ھوکا تو کوئی نہ کوئی قانون بھی ھوکا آور جنب قانون ھوکا تو ھاسک بھی ھونکے ، آور جنب ھاسک ھونکے تو سرون نے کے شاسی ھیں سمانے کا سہلا جھوٹا نکانے کا ،

سرووديوں كا كہا ہے كہ أدههاتمك هاسى هولا جس ويكتى أهي أُوبُو خُود لاكو كريكا . لهكني هرهبي هي كها يه ادھيالمگ ھاسي کوئي نکي چيو ۾ آڳ جواب ضاف ۾ . يه جهولكي نهيون هـ. كب س إس لا روأب يوا إسكي جرجا بهكار هي را لهكين ية بالعرصاف هي كه أبير س نهيس بلكه هوارها پرس سے اُس شاهدی پر زور دیا جاتا رها ہے . جاتا اوقار آئے پیقیمبر آئے رشی سلی اور ولی آئے سب نے اِس ہر زور دیا ، أور یہ بات بھی صاف ھے که اِن لوگس کے بھروکاروں کی تعداد سروودے کے نیٹاؤں کے انوباگیوں کی تعداد نے بیمت زیادہ ہے' شردها بھی آبار ہے ۔ یہی تہیں سرودے کے لیکا بھی اُن میں سے کسی نه اسی کے پیروار مهن ، سوچها يه پويها که جهان کوو هاو کلهه کها وهان جهل جوب جالهائد ؟ أتهاس بعانا هـ كه اصهالمك شاسي سماي ير وأي لهُهن كرسكا . رحب أدههالمك شاسن لے والے شامنی کی جگاد لیکی جاهی لو وہ کوروب هوگیا .. یور کیا اُسید کی بہائے کہ ادھوائٹ عاسی اِس یک سوں کام دریا جبکه جن شموه اس سے ویراک لے رہے میں .

सर्वोदय भदान और हृदय परिवर्तन

(जुमारी खरोज बामवास)

विद्यय बहुत गम्मीर है और जिम व्यक्तियों का विशय
से सम्बन्ध है वह भी आदरनीय और पूक्यनीय हैं, पर
अपने विचार कर दर तक पहुंच चुके हैं जहां वन्हें अपने
आदरनीय और पूज्यनीय व्यक्तियों के सामने रख देना ही
चाहिये. विचारों की द्वाने से हो ही नतीजे निकसते हैं.
या आगे जानने की उत्कन्ठा सदा के लिये मर जाती है
या सोचने विचारने की धारा चक्कर में फंस जाती है
और मन और मस्तिरक की द्यान्ती को भंग करती है.
इसितये अपने विचार पाठकों के सामने रख रही हूं ताकि
गुकजनों की कृपा से अपने को मटकाव से बुजा तूं और
हो सके तो जो कुछ मैंने इस सस्वन्थ में सीखा, पढ़ा और
सुना है उसका कुछ अंश दूसरों को हे सक्ट.

कई बार विचार हुआ कि सर्वोव्य, मुदान और हृद्य परिवर्तन पर किलूं. विना समके समर्थन करना मेरी आवत नहीं और बिना समर्थक बने आक्षोचना करना मुक्ते माता नहीं. फिर इस समस्या का इस कैसे होता र जब कलम बठाती तो ऐसा लगता कि इस विशय पर अभी पढ़ना बहुत कुछ बाक़ी है. जब आगे पढ़ती तो विरोधी विचार कड़े होने जगते. आज भी में चौराहे पर हूं. सर्वोदण पुरी जाऊं या वसके विकद्ध, इसका निर्नय नहीं कर पा रही हूं. विवश होकर चौराहे से किस रही हूं. इसकिये बातें मी चौमुली होंगी, विचार संगठित नहीं होंगे, उनकी एक सड़ी नहीं होगी. फिर भी वह विचार मेरे ऐसे बहुत से नीजवानों के हुदय में बठते हैं और इन शंकाओं का समाधान सर्वोदय के नेवाओं को ताक़त ही देगा.

मैंने 'सर्वोदय' पर बहुत सोचा, सर्वोदय एक भार्यो है, एक दर्शन है. इसको दर्शन रूप में भी पढ़ा और दर्शन के ब्यामार पर को ज्योदार की इसारत कड़ी की गई है उसको भी खूब देखा. दोनों का सिलान करने पर कुछ विरोधी वालें दिखाई पढ़ीं. सर्वोदय में दो शब्द हैं 'सर्व' जीर 'क्य'. इस तरह सर्वोदय दर्शन का मतलब है सब बा कर्य. सब में राजा और रंक सब शामिल हैं (यह मेरा कहना नहीं है. सर्वोदय शासी अपने साहित्य में राजा और रंक दोनों के साब साम कड़व पर बहुत कोर देते हैं). सेकिन सर्वोदय की अब कम दिया जाता है तो बढ़ा जाता है कि सर्वोदय का साम हो की बढ़ा जाता है कि सर्वोदय का साम हो स्वाद हो गा. और असम हो साहित्य से साम हो साहित्य से साहित्य हो साहित्य से साहित्य हो हो है सहित्य हो हो हो है सहित्य हो हो है सहित्य हो हो हो है सहित्य हो हो है सहित्य हो साहित्य हो सहित्य हो है हो है सहित्य हो है सहित्य हो हो है सहित्य हो है है है सहित्य हो है है सहित्य हो ह

سرروف بھودان اور ھردے بريورتي

(كماري سروي الروال)

وقب ایمت کمههور هے اور جس ویکتھوں کا وقیہ سے
مدیکدھ هے وہ یہی آدرنیت اور یو مذیت هیں ، پر آئے وجار
آئی حدد تک پہرنیے چکے میں جہاں انہیں آئے آئرائیت
گور پوجائیت ویکتھیں کے سامئے رکھ دینا هی چاهیائے ،
وجاروں کو دیائے سے دو هی نتیجے نکائے هیں ، یا آئے
جائے کی آتکلگها سدا کے لیائے سر جائی ہے یا سوچائے
وجارئے کی دھارا چکر میں پہلس جائی ہے اور می اور
مستھک کی دھارا چکر میں پہلس جائی ہے اور می اور
پائیکیں کے سامئے رکھ وہی ہوں تاکہ گرو جائی کی کریا
سے آئے کو بہتکاؤ سے بچائوں اور ہوسکے تو جو کچے میں
نے اس سمجددہ میں سیکھا پوھا اور سفا ہے اُس کا کچے

کئی بار وجار هوا که سرودی' بهودان آور هرد به بربورتی ایر کهیں . بقا سمجھ سمرتهی کرنا سهری عامت نهیں اور بقا سمرتهک بلے آلوجفا کرنا سجھ بهاتا نهیں . بهر ایس سمسیا کا حل کہیے هوتا ؟ جب قلم الباتی تو آیسا لگتا که اِس وقد پر آبهی بوها بهت کبه باقی ه . آج جب آلے بوهنی تو ورودهی وجار کبوی هوئے لگتے . آج بهی سیر جوزائے پر هیں ، سرد بهری هوئے لگتے . آج ورجه' اِس کا ترق نبهی کو یا دهی هوں، ووقی هوکو جوزائے بید کبه وهی هوں ، اِس لهگم بائیں بهی جوسکهی هوئکی' ویجار سائلی ایس لهکی بهرسکهی هوئکی' یہو بهی و وجار مهرے ایسے بهت سے توجوانوں کے هرد مهی البحت هیں اور اِس شکاؤں کا سمادهای سرورد یک میں البحت هیں اور اِس شکاؤں کا سمادهای سرورد یک میں ایسی بهت یہ کا سمادهای سرورد یک میں البحت هیں اور اِس شکاؤں کا سمادهای سرورد یک میں البحت هیں اور اِس شکاؤں کا سمادهای سرورد یک کیوں کی طاقت هی دیا ا

مهن نے 'سرووں ' ہو بہت موجا، سروں ایک آخرش ہے' ایک خرفوں ہے ، اسکو درفی روب میں بھی پرھا اور درفین کے آدمار پر جو بھومار کی عمارت کیوں کی گئی ہے ایک نرفوں کی بیان کرنے پر کچھ ورودھی ایکن دکھائی کیا ہے۔ اس مرووں میں در قبد میں سامی ہیں ۔ سرووں درفی کا مطلب ہے سب کا لودے' اِس طرح سرووں درفی کا مطلب ہے سب کا لودے' اِس طرح سرووں درفی کا مطلب ہے سب کا لودے' اِس طرح سرووں درفی سب شامل میں ، (یہ اُنہ کہنا نہیں ہے ، سرووں ہشاہ اور ایک سب شامل میں ، (یہ اُنہ اُنہ کہنا نہیں ہے ، سرووں ہی شاہدی اور مید کو جب روب دیا جاتا ہے کو کہا جاتا ہیں سرودے کو جب روب دیا جاتا ہے کو کہا جاتا ہیں سرودے کو جب روب دیا جاتا ہے کو کہا جاتا ہیں سرودے کو جب روب دیا جاتا ہے کو کہا جاتا ہے کہا جاتا ہے کہ بی سرودے کو جب روب دیا جاتا ہے کو روک نہیں موردے کو جب روب دیا جاتا ہے کو کہا جاتا ہے کہا ہے۔

को साथ मार्ग पर रसा. इसकिये वह आरत की बववाता के अवम पणदर्शक माने का सकते हैं. कहोंने जो कुछ कोड़ी वार्त हमें बताई वह यह हैं :--

- 1. नई विद्या अंगेकों के पास है, वह हमें लेनी चाहिये.
- 2. उनकी विद्या को सीखने के विशे हमें उनकी माशा भी सीखनी चाहिये.
- पेक्षा करने में नौकरी इत्यादि का आर्थिक कायदा भी था, जो उसमें बेरना रूप हुचा.
- 4. नवापन प्रदेश करने में धर्म दृष्टि और मूर्ति पूजा इत्यादि बार्तो पर उन्होंने ध्यान दिया. ब्रह्म समाज की स्थापना की.
- 5. यह सब अपनत्य की रचा करते हुये करना चाहिये. यह ईसाई नहीं बनें. फिर भी ईसाई धर्म का उन्होंने पूरा पूरा अभ्यास किया और इसमें ईसाई पाव्रियों से भी जाने निकल गये.
- 6. वह समय फ़ान्स और अमरीकी क्रांति का था. उसकी क्रदर उन्होंने की थी. लेकिन मारत के बारे में उनकी बद्धा यह रही कि अंग्रेजी राज भले आया, उससे लाम उठायेंगे ती वह सुराज बन सकेगा.

अंग्रेज़ोंने अपना राज किस प्रकार से और किस इद तक व्यवस्थित बनाया एसका साफ चित्र देखने के लिये पाठकों को अपनी "हिन्दमां अंग्रेज़ी वेपारशाही" नाम की किताब को स्वित करके, इस बात को अधिक नहीं बढ़ाना आहरता. भारत के व्यापार, रोजगार पर भी एसका क्या असर होने सगा वह भी इस किताब में मिस सकेगा.

नह सब वार्ते सबसे पहले बंगाल में साफ साफ विकार्द थीं, यह जासानी से समक में जा सकता है, क्योंकि नया राज सबसे पहले यहीं क्रायम हुआ और उसी डांचे के खासुसार सारे देश में फैला. کو شافی فاراسا ہو واقا ۔ اس لیک وہ بھارت کی انہالوا کے پرتیم باقد فارفک ماک جا سکتے میں ۔ انہیں کے جو کچھ تھوڑی بالھی معیں بغالیں وہ یہ مھی :--

- 1. نکی ودیا انکریوں کے یاس ہے وہ همهی لیکی جاهیکی .
- 2. اُن کی ودیا کو سیکیٹے کے لیگر ھیٹی اُن کی بہاشا یہی سیکھٹی چاھیگے .
- لیسا کرتے میں توکری اتمادی کا آرتھک قائدہ ہوں ہمائے جو اس میں پیریرنا روپ ہوا ۔
- کے لیا پی گرھی کرتے میں دھرم درھگی اور مورتی پرجا انہادی بالیں پر انہوں نے دھیاں دیا ۔ برھم سماے کی اِستہاپنا کی ۔
- رائی ہے سب آپلتو کی وکھا کرتے ہوئے کرنا ہاھیگے۔ وہ میسائی نمیں بھی ہور یہی میسائی دھوم کا انہوں تے پرزا ہورا ابھیاس کیا اور اس میں میسائی ہادویوں سے بھی آگے نکل گئے ۔
- 6. وہ شمہ قرائس اور امریکی کرائٹی کا تھا ، سکی قدر آلیوں نے کی تھی ، لیکن بھارت کے بارے میں اُن کی شرفھا یہ رھی کہ انگریزی راج بھلہ آلیا۔ اُس سے آلیہ اُتھائھٹکہ تو وہ سرراج بی سکہ کا ،

انگریؤوں نے ایفا راج کس پرکار سے اور کس حدد نک رہوستہمت بنایا اُس کا صاف جدر دیکھنے آگے لھئے پاٹھکوں کو اپنی '' مقدما انگریؤی ویوپار شامی'' نام کی کتاب کو سوجت کر کے' اِس بات کو ادعک نہیں بومانا جامدا ، بہارت کے ویوپار' روزگر پر بھی اُسکا کیا ادر ہونے نکا وہ بھی اِس کتاب میں مل سکے گا ،

یہ سب بالیں سب ہر پہلے بنکال میں صاف صاف دکھائی دیں۔ یہ آسانی سے سمتیہ میں آ سکتا ہے، گیونکہ نیا راج سب سے پہلے قائم دوا اور اُسی قعانتھے کے انوسار سارے دیش میں بھولے ۔ वृश्विकार के का प्रकार की देवा लागार बीट देवसे प्राप्त के का खुनारों को प्रकार नेवा स्वकार है रहा था. मेचिन तब इस बात का किसी को सास खबात न था. बह बचा बनाब जगतिव्योख था, ऐसा ब्याज इस कह सकते हैं.

स्रती मना को ईसाई बनाने में अंग्रेस भी रस लेते थे. यह डीक है कि जितना पोर्चुगील मना उसमें रस लेती थी जाना यह नहीं जिते थे. फिर भी उन्होंने भारत में ईसाई भिग्नम झुक किये. उस समय बंगास में उप सीगों की यह प्रवृत्ति सन्ते अरसे से चल रही थीं. अंग्रेस अपने ज्यापार को ही सुक्य सममते थे. फिर भी धर्मान्तर की बस अवृत्ति का स्थाम नहीं कर सकते थे. गोरी जाना का नई दुनिया में नो भ्यास शुक्र हुआ वह इस्ताम का सामना करने के सिये और उसे दबाने के सिये. ऐसा करते करते उन्हें ज्यापार की सुन्नी और उसमें उनके हरीक होकर उन्होंने इस्तामी मना को पीके इताया. इस में उन्हें सफ्तता माम हुई, इनके धर्म बदलाव के काम का जो मूच आवेग या वह केवल नाम मान के सिये चाल रहा.

मिशनरियों ने भारत के हिन्दुओं में ईसाई धर्म का प्रचार करने के प्रयत्न शुरू किये. प्रशा जीवन पर इसका प्रभाव तुरंत नजर धाने खगा, क्योंकि जैसे पहले इस कह चुके हैं—इस स्रोग संस्कृति के बारे में जागरूक प्रजा हैं.

यह प्रमाय सामाजिक ही नहीं वरिक राजकाजी मी या. हमारे समाजिक रस्मो-रिवाज और धार्मिक धवार वरीरा परधर्मियों की धालोचना के पात्र बने. हमारी परम्परधर्में पर नहें धालोचनायें होने सनी.

खानपान, जगन इत्यादि सभी चीजों में कुछ नया दंग देखने को मिलने जगा. गोरों के कारन, शराब भी एक प्रसिक्टित चीज बन सकती है, इसका भी हमें अनुभव हुचा. परिनास स्वक्षप शराब का अपयोग बढ़े, यह स्वामाविक ही को जीद कपने जादि वालों में भी वैसे ही परिवर्तन का होता स्वामिक था.

अप्रेकों के जाने से जो तथा युग मारंग हुआ उसके वारे में कुछ और भी पेसी वारें बताई जा सकती हैं. यह वीर्कें बस समय की पेसिहासिक सामग्री की जान बीन करने अभिक साम की किस और पूरी करने जैसी हैं. 1757 ईसवी से केकर 1800 ईसवी एक के इस समय की प्रितिश्वित का सेसोधन करके दस समय का सरेस इतिहास कर कराय है साम है साम का सरेस इतिहास

स्वया शुन श्रीका राष्ट्र है इस की तुरा में पुनदत्वान का पत्र किया अध्या की विश्व मकार का राय रखना पाहिचे प्रसार का ती कुला के अप वर्षी कारोंने प्रमा जीवन وہمی والمی کا کیا ہے۔ کہاں کے حالا زمایار آورایاں کے اور اورایاں کے اور اورایاں کی اور اورایاں کی اور اورایاں کی اورایاں

بھارتی ورجا کو جھساتی بدائے میں انگریو بھی رس ایکے تھے۔ یہ ڈیوک بھ کہ جمثا پررچکیو پرجا اس میں رس لیکی تھی آتھا یہ دیدں لیکہ تھے ، بعد بھی آدوں نے بھارت میں عیسائی مشن ہروی کیئے ، اُس سب بشکال بھیں تھے لوگیں کی یہ پروردی لمعہ عصب سے جال بھی تھو، انگریو آنے رہایار کو ھی مکم سمجھاتہ تھے، بعد بھی دھرمانگر کی اُس پرورکی کا تھاک نہیں کر سکتہ تھے ، گروی پرچا کی ایس بوری ریاس میں کر سکتہ تھے ، گروی پرچا کی سوجھی اور اس میں اُن کے حریف ہوکو آنھیں وہالاد اسلامی پرچا کو پہنچھے مثایا ، اُس میں آنہیں سیملتا اسلامی پرچا کو پہنچھے مثایا ، اُس میں آنہیں سیملتا پراہمت ہوگی اُن کے دھرم بداؤ کے کام کا جو مول آویگ تھا

منعقریوں لے بہارت کے مقدوں میں فیسائی دھوم کا پرچار کولے کے پریکی شروع کیائے ، پرچا جھوں پر اس کا پریمای کرنٹ نظر آلے لگا کیونکہ جیسے پہلے ہم کیا جکے معرب مراک سلسکرتی کے بارے میں بمائروک پرچا

کهای پای کی اتهاد سبهی جهوری مهل کچه نها قطنگ دیکهه ک ارب هی کچه نها الله دیکهه کو مثلث نگ ، گوروں کے کارب شراب بهی الویک پرتوشتهت جهی بین سکتی ها اس کا همها الویت کوارد پر نام سوررپ شراب کا آیفوگ بوها به سرابهارک هی آنها اور کهوی آنهی باتوں مهل بهی ویسہ هی پریورتن کا بهنا سرابهارک نها ،

انگریزوں کے آنے سے جو نہا یک پرارمید ہوا آس کے بارے میں نجید اور بھی ایسی بانیں بتائی جا سکتی جا سکتی ہیں۔ بھتی یہ بیت جاسک سامکری کی چنائی بین کر کے انسک سامکری کی چنائی بینے بھتی کر کے انسک سامکری کی ایس بینے ایک کے ایس بینے پرستیکی سے اسلامات کی ایس سے کا سریکھ انہائی ایک بیاستے کے بیاستے رکھنا جامیکی ۔

رائیہ راز مومی رائی نے اِس نکر یک میں پیٹرانیاں کا گریائی پیٹردونکو کس پرکار کا رزب رکیدا چھیوٹی اُس کے لیک کو مکیمہ مغیر کے کر کے لیس نے پرچا جیس 1880 देखवी तह तो जान के पश्चिमी विश्वस्थान की बीद कर फ़रीय फ़रीय सारा भारत कंग्ने के दाव में बेक्स गया था.

यह नया राज शुरू में इसे असरा नहीं, बरिक संकारित कास की ध्रम्यवस्था और पिंदारों के जुम्म के बाद शान्ति प्रदान करने वासा मासूम हुआ और इसी वजह से जब यहां अंत्रे जी राज क्रायम हुआ नो उसमें हिन्दुस्तानी भी सामिस हुए और बन्होंने यह महसूस नहीं किया कि कह ध्रमने देश की गुलामी को स्थिर करने में हिस्सा से रहे हैं.

तेकिन नया युग धपने साथ नये प्रश्न और नई उथत पुषक तो साथा ही या. स्वसुष एक ऐसी भारी सामाजिक क्रांति हुई यी जिसने अंत में सांस्कृतिक स्वरूप भारत किया और प्रजा के जीवन पर असर हासा. उसके

शुक्य सुरे इमें देखने चाहियें.

अंग्रे या राजकर्ता आरत में रह कर राज नहीं करते थे.

शुक्त में हिमालय, नेपास और पेसे ही दूसरे पहाड़ी गदेशों

में रहने और वस्तियों की स्थापना करने का इरादा या,
शेकिन वह दिक नहीं पाया. आरत के पैसों से पांच पांच साल

के बाद अंग्रेज घर जाते रहे और मारत पर राज करते रहे.

सुसक्तान जिस तरह भारत में रहकर भारत के बन गये,
वैसे वह कभी भारत के नहीं बन पाप. इससे अंग्रेजों का
राज बाकई परराज कहा जा सका और पेसा बना,

राजकर्ताओं की दैसियत से अंग्रें क अपने आपको क्षंत्रा समर्भें यह स्वामाविक है. जंब नीच के माब से मरे पूरे भारत के सामाजिक बाताबरन में तो उसकी संमावना अधिक थी. इस प्रकार अंग्रेजों के राज में भेद भाव और देशवासियों के लिये हीन भाव के बीज रोपे गये.

अफरीक़ा में जिस तरह बस्तियां स्थापित हुई और अंग्रेज वहां बसे, ऐसा भारत में नहीं हुआ. इस बजह से आज जिस प्रकार दक्सनी अफ़ीक़ा, केन्या बरीरा देशों में गोरी प्रमा है, वस प्रकार भारत में भारती गोरी प्रजा की बस्ती नहीं हैं, अतबच्या ऐत्यको इन्डियन जाति भारत में अक्टर पैदा हुई, लेकिन वसका कारन भिन्म है.

चस समय चंग्ने की राज को मौकरियों में, अ्यापार में और सरकर में भारती प्रजा के सहयोग की कहरत थी. इसके लिये एक नये अध्यम वर्ग का निर्मात होने लगा. जिसका अधर भारत के सामाजिक जीवन पर किन भिन्न प्रकार से हुआ. रोगों प्रजार्य आपस में मिलने क्यीं, लेकिन समानता के नाते नहीं. मारत बासी कुत हीन भाव को लेकर चले वह स्वामाविक ही था.

अप्रेष प्रजा अपने साथ बोरोप का नवा सुवार शेकर आहें थी. विकास और यम के बार में क्यका स्तुस्प 1830 کیسوں کے کو آج کے ہجیدی ہاکستان کو جہود کو افروس کروس سازا بھارس انگریزوں کے مائید مونی حلال میں ا

یم لها راچ کروع میں هندی انبوا نبین بلکتر سندرانعی ال کی آونوستما اور پلکاروں کے ظلم کے بعد عالمی پردائی کرتیا اور اسی وجه بیر جمنوں بال انگریزی راچ گائم هوا تو اس میں هندستانی بهی عامل هوئے اور آنہوں نے یہ معسوس نبین کها که وہ ایے دیھی کی قلامی کو آستمر کرتے میں جسم نے روھیں، ایے دیھی جسم نے روھیں،

لیکن لها یک آپ ساته لکے ہرھی اور نگی آتهل پتهل تولی میں اسلمک پتهل تولی میں ایک ایسی بهاری ساماجک کرانتی هوئی تهی جس نے انت میں سائسکرٹک سوروپ دھاری کها اور پرجا کے جهوں پر آثر ڈالا ۔ اُس کے مکھ مدے ھمیں دیکھتے جامگیں۔

اسریز راے قرتا بہارت مہیں وہکر والے نہیں قرتے تھ ، شروع مہی همائیہ نههال اور ایسے هی دوسرے بہاری پردیشوں میں وہئر وہئی ارادہ لیکن میں وہئے اور بستموں کی استمایتا کرنیکا ارادہ لیا لیکن وہ تک نہیں یایا ، بہارت کے بمعوں سے بانے بانے سال کے بعد انگریز گهر جاتے وہے اور بہارت پر والے رقے وہ مسلمان جس طرح بہارت کے نہیں وہکر بہارت کے بین گئے ویسے وہ کبھی بہارت کے نہیں یائے ، اِس سے انگریزوں کا والے و قمی بہارت کے نہیں بیا گور ایسا بقا ،

وایرکرناوں کی حدیثهما سے انکریو ایے آپ کو اونجها سبتههیں یہ سوابهاوک ہے ۔ اُونی نوچ کے بھاؤ سے بعرے پرے بھارت کے ساماجک والتاوران میں تو اُسکی سمهاؤنا اُدھک تھی ۔ اِس پرکار انگریؤرں کے راج میں بھید بھاؤ اور دیش واسیس کے لئے ھیںبھاؤ کے بھیج رویے گئے ۔

افریقہ میں جس طرح بستھاں استھاپت ہوئیں اور انگریز وہاں ہسے ایسا۔ بھارت میں نیمن ہوا ۔ اِس وجع سے آپے جس پرکار دکھلی آفریقہ کیلیا وقورہ دیشوں میں گزری ورجا ہے ۔ اُس پرکار بھارت میں بھارتی گوری پرجا کی بہتی نیمن ہے البته اینکلوانڈیوں جائی بہترہ میں فرور پھدا ہوئی ۔ اینکلوانڈیوں جائی بھارت میں فرور پھدا ہوئی ۔

لین سے انگریوی رائے کو توکریوں میں' رہایار میں اور کھکر میں بہارتی ورجا کے سہورک کی فرورت کی ۔ رئی کے لیاں لیک نگر مدھیم ورکی کا فرمان عول لگا' جس کے اگر بدارت کے ساماریک جمون ور دمی دمی درالا سے جہاں دراجی بورجائیں آرس میں مللے لکوں' لیکی نسطانہ کے لیاں تیجی نے بہارتوانی کجاد حمی دمار کو

व्यापा चार्या है कि विकारों जानारों की पुरुष को प्रस्त भी और वसके निमित्त वापू मैदा हुन. वसी तरह वार्षिक आचारी की प्रस्तत है और वसके निमित्त विनोवा हो रहे हैं. सियासी आचारी की तरह आर्थिक आचारी भी आकर दहेगी.

— धरेश रामभाई

Mary of the last

جنبارا والهن کی سیاسی آزاهی کی مفکنه کو شرورانید کهای اور آس کے استعمارو بهدا هولی ، اسی طرح آزادکنه . گواهی کی شرورت نے اور اس کے است ولوبا هو رہے هماں سیاسی آزاهی کی جارح آزادک آزادی دہی آثار رهیگی ،

--سريش راميهاكي

राजा राम मोहन राय का युग

लेखक -- मगन भाई देखाई

· **अनुवादक—क**नुमाई नानासास पटेल

राजा राम मोइन राय की पीड़ी का समय उन्नीसवीं सदी का प्रारम्भ काल था. उस समय बंगाल में अंप्रेजों के नये राज का कारोबार ठीक दंगसे जम चुका था. जहां तक बंगाल का सवाल है सन 1757 के बाद के इस साल में यहां राज्यकान्ति सम्मप्त हो चुकी थी और उस के बाद वहां राज का कारोबार व्यवस्थित करने के खिये हेस्टिंग्ज ओर कार्नवालीस जैसे चतुर अंप्रेजों ने काम किया था. पहले के नवाबी राज और मुग्नल राज में जो वदद्रश्तकामी थी उसके मुक्तावले में यह नया कमाना किसी इद तक बच्छा और स्थिर मास्म होता था. जनता के कर्ता वर्ता अंप्रेजों से मिलकर व्यापार अंधों से फायदा उठा सकते थे और जमावंदी के सिलसिले में कार्नवालीस ने क्मींदार वर्ग की रचना भी कर ली थी.

मुगल समाटों में धौरंगलेब ने इमारी प्रणा के पर्म धौर संस्कृति में एसता देफर राजती की थी. इस सम्बन्ध में इमारी प्रणा लागएक है, यहां तक कि जरा ज्यादा नाजुक प्रकृति की भी कही जा सकती है. इससे इस ने उस राज को जहां तहां से लोड़ साला. नई रचना करने की जिम्मेदारी उस समय अगर किसी की थी भी तो वह नराठों की कही था सकती है. मेकिन उस जिम्मेदारी को उठाने में वह नाकायवान किस हुए. 1800 ईसबी तक तो उस राज का अंतिम समय नजर जाने सना. राजकाजी दृष्टि से उस समय अगर किस सान था. उम्मीसनी सनी के पहले कार्य महत्त किया सार सान की सता अगरा कि सहते सार साम का साम का

راجا رام موهن رائے کا یک لیک لیک کا یک الیک کا یک کار یک کا یک

والما وام موهن والله كى يدوهى كا سد المسويال صدى الا يُواوسها كال تما . أس سد يقتال ممنى الكريوس كے نگر والمها كا كاروباو البهك قعدك به جم چكا تما ، جهال تك يقتال كا سوال هـ سن 1757 كے يعد كے دس سال ميں وهال والم كوانتى سمايات هوچكى تمى اور أس كے يعد وهال والم كاروبار ويوستهات كرانے كے ليائے هيستائكو اور الماروبار ويوستهات كرانے كے ليائے هيستائكو اور الكروبار ويوستهات كرانے كام كيا تما ، همال كاروبار ويوستها ويو يدانتهامي تمي أس كاروباري اور مقل والے ميں جو يدانتهامي تمي أس كاروباري الماروباري بيانو هماليوباري بيانو الله اور إستمار ميانو هماليوباري بيانو هماليوباري بيانوانيس نے وسلمار ورک كى وجمال كيا يوباري قوي ،

पह मानता है कि वह बात खरी हैं. वह पूछता है कि ऐसी सुरत में क्या किया जाये. इस क्याने अपीत करते हैं :

आप इस गम्भीर सवास पर विचार करें. हमारा क्याल है कि अब इस देश में घरती की खरीद विकी नहीं होनी चाहिये, आपको जिल्ली चरूरत हो सेती करें मगर सेत पर मासकी ध्यमी न रहकर गांव की कर दीजिये. सेत गांव का, सेती आपकी ध्यमी का कुछ हिस्सा यह बात मंजूर हो तो अपनी खमीन का कुछ हिस्सा यान दीजिये.

बह उस पर गीर करता है और फिर बजुग्नी दान देता है. जब यह क्या है ! "हर्य परिवर्तन" है या "नेतिक दबाव" है या "समम बूम का काम" है ! हां, इसमें हर्य परिवर्तन क्षकर है. मगर बसक में यह किसान के घर की सरह, उनका हमदर्व बनकर, उनके सुझ दुझ में शरीक होना है. बह महसूस करता है कि बनर 'खेत गांव खेती खापकी" वाखी बीज में मान लेता हूं और मेरी तरह दूसरे खमी ग्रेश या दुझी किसान मान लेते हैं तो उसके मानी होते हैं कि गांव के क्ररीब बस्सी फीसदी लोग उसे मान गये. फिर' बाजक बोकशाही या वोट का जमाना है. बस्सी के बागे बीच की नहीं चलेगी. इस तरह गांव के बन्दर की कुख बमीन गांव की हो जायेगी और जिसे जैसी फ्लरत होनी मिलकर बापस में बांट लेंगे. इस तरह गांव के बन्दर की वान "खेत गांव का खेती बायकी" बाते ज्याब के बिये सम्मति का वान है.

यही कारन है कि रारीयों ने क्यादा तावाद में बान दिया. उन्हें देना ही चाहिये. इस बक्त चरूरत है मुल्क को नीचे से. बुनियाद से तामीर करने की. इस काम में बैल बाले या बेजमीन किसानों का जिसना क्यादा हाथ क्रांगे उतना ही अच्छा है. अगर हाथी घोड़े वाले या अमीर क्षोग अपना सहयोग नहीं देते तो न दें. कब नक नहीं देंगे ? चागर वह विलक्षत ही चलग रहते हैं तो नीचे वाले उनके यहां काम करने से इन्कार कर सकते हैं, वनके ब्रक्के क्कड़ा सकते हैं, क्योंकि नीचे वार्कों के बता पर ही, उनके की पर ही, बनके सहारे से ही यह जीते हैं. इसकिये यह बढ़ी खशी की बात है कि भूदान आन्दोखन ने रारीकों को मीका दिया और वह आगे वह कर नवे भारत की नई रचना के काम में हिस्सा ले रहे हैं. इस से समाज के प्रराने मूल्य वर्षींगे, नये मूल्य क्रायम होंगे. जिस तरह अंघे जी सरकार के पैरोकारों, सर, वा खालबहादुरों या रायबहादुरों के कारन हिण्डुम्सान की सियासी बाजारी की नाव नहीं डेहरी, क्सी तरह पन्य वहे जमीनवारों वा मंजीपतियों के कारत कार्बिक काकावी की नाम नहीं देशरेगी.

و مالکا کے گا وہ بالیں مسیم میں ، وہ وروعا ر کا لیسی مورف میں کہا کہا جائے ، ہم اس ہے لیول کرتے میں ا

200 mg 5数4.00基础整数

آت آس کمهههر سوآل هر وجار کرین . همارا شهال ه که آب آس دیش مین دهرتی کی خرید یکری نیمن هرنی جاههای آپ کو جانگی فرورت هو کههای کرین ماکر کههت پر مالکی آپائی نه رکهار گان کی کردیتهای کههمت گان کا کههای آپائی . اگر آپاکو یه پاین منظور هو تو آپائی ومهن کا کچه حصادان دیجهای

وہ اس پر فور کرتا ہے اور پھر بطوشی دان دیکا ہے۔
اب یہ کہا ہے ؟ ''مرف پریورٹن گائے یا ' فیکک دیاو'' ہے

پا ''سمجھ برجھ کا کام'' ہے؟ ہاں' اس میں ہردے
پریورٹن ضرور ہے ، مکر اصل میں تو یہ کسان ہے گہر کی
مزے' اس کا همدرد بن گر' اس کے سکو دکھ میں ہریک
مونا ہے ، وہ محسوس کرتا ہے کہ اگر ''کھیسٹ گائی کا کھیگی
مونا ہے ، وہ محسوس کرتا ہے کہ اگر ''کھیسٹ گائی کا کھیگی
دوسرے سبھی فریب یا دکھی کسان مان لیکے میں تو
اس کے معلی ہوتے میں کہ گؤں کے قریب اسی فیصدی
اس کے معلی ہوتے میں کہ گؤں کے قریب اسی فیصدی
لیک لیے مالی گئے ، پھر' آجکل لوکھاھی یا ووٹ کا زمانہ
ہے ، اسی کے آئے بیس کی نہیں چلیکی ، اس طرح گؤں
خرورت ہوگی مل کو آیس میں بانٹ لیلگے ، اس طرح گؤں
فرروت ہوگی مل کو آیس میں بانٹ لیلگے ، اس طرح
فرروت ہوگی مل کو آیس میں بانٹ لیلگے ، اس طرح
فرروت ہوگی مل کو آیس میں بانٹ لیلگے ، اس طرح

يهى كارن في كه قريمون لي زيادة تعدأد مهردان ديا. انبین دینا هی جاهیاتی اس واحد فرورس هر ملک كو تهجير سا بلهاد س لعمهر كول كي ، أس كام مهن بيل وآلي يا يهزمين فسائس لا جعلاً زيادة هاته لك اللا هي أجما هي أكر هاتهي گهرون وألم يا أمهر لوك أيقا سيهوك فيهن ديات الوقه دين ، كب لك فيهن ديلكي؟ اکر ولا بالکل هی آلک وهتے هوں تو تبجے والے اس کے يهاں عام کرتے ہے انکار کرسکتے هیں؛ ان کے جبکے جبوا سکتے جھی' کھونکہ ٹھجے والوں کے بل پر ھی' ان کے كلدهم يو هي أن كر سهاريم بد هي ولا جهال ههن . اس لكرية يوي شوهى كي بات ه كه بهردان أندراني لـ فریدون کو موقع فیا اور ود اگر بوه کر نائد بمارس کی نائی روا کے ام میں حصد لے رق میں : أس سے سالے كے يوالل مياهة بدليلكي لكر مرلهه قالم هولكر . حس طرح الكرديس بمرااد ك عدروالوس مرية شان بهادوس يا رأي عباليون كر عرب علمنظل كي سياسي أرادي كي ناو نبين البين التي طرم بهدد بوء ومهرداري يا يرنعي

जा रहा है बार्डिय कारण हैना होना है कि देने बार्ड का विश्व वर्त कार्ड है का अवका "इक्ट प्रित्र कार्ड के रहा है जो वह ते के कारण है ता है. इसमें कार्डी सक्याई भी है. तेकिल "इक्ट कार्ड् है जिसका न कीई तरीका है न विज्ञान, जो ज्यानक अपना रंग दिसाता है और शिकार करता है. दूसरे सीम यह मानते हैं कि क्यों मुखाजिक नक्यां है. दूसरे सीम यह मानते हैं कि क्यों मुखाजिक नक्यां माननाओं मा इक्ट कार्ड कार्नों पर बेजा दवाब डावा जाता है. सावव इसी यजह से आवार्य मरेन्द्र देव ने कहा कि भूदान का दायरा महतूद है और बह कोई नया जीवन देश को नहीं है सकता, बहुत नजता के साथ हमारी कर्ज यह है कि "इदय परिवर्तन" एक प्रक्रिया का नाम है जिसकी वैज्ञानक मुनियाद है और अपना सक्या तर्क है और को दूसरे कियी भी काम सा सिक्षसित की तरह बमवी और क्योहारिक है.

मगर स्थ बात यह है कि मुदान के काम का जो थोड़ा बहुत अनुमब इसने किया है उसमें 'हृदय परिवर्तन'' तक्षों के इस्तेमाल के किया है आई. वैसे इमने जानकर भी उनका इस्ते कोडन राय की शा. तेकिन हमारा स्थात है कि इससे कायदा ज्यादान इस्ता. सो क्यों और कैसे ?

अपने देहात की आवादी को इस मोटे तौर पर चार हिस्सों में बांब सकते हैं: (1) वह समीदार या हाथी वाले, (2) सुसी समीदार या भोड़े वाले, (3) रारीव किसान या वैस वाले और (1) बेरीतहर मकदूर या वेसमीन. किसी गांव में सनकी भीसत आवादी यह है:

5:12:43:40

जब हम सब से मूरान आन्दोत्तन क्या हम्मीद करता है. हाथी बाले जमींदार थोड़ी जमीन रसकर क्यादा से क्यादा कमीन दान में हैं, घोड़े बाले माई अपनी कमीन का कम से कम हटा हिस्सा दान में हैं और बैल बाले संकेत सब में बोड़ी सी जमीन हैं. मान बी/जये कि हाथी वाले चौर घोड़े बाले क्यों सुनते. जब वर्ले बैल बाले के पास. इसके हम कहते हैं

- (3) जाप के पास को यांड़ी सी क्यान है उसे हाथी बाकों या जीने बाकों हिक्सा जेना चाहते हैं.
- (2) शादी अगा या नुसरे सर्च के मौक्ने पर आप अवसी क्योंन रेइन रकते और फिर उसे को बैठते हैं.
- (8) जनर गांव में होने नाते कच्चे मात को नाहर बहार के जारकारों में परका किया जाता है जोर जाप प्रक्रा के जात ही बेचे रहे तो परका दीन घेर का हो था के काम के जाती जना कमने काम है

The state of the s

المحال في السكال التي المحال الم موالي كه فيالموالي كه فيال عجل عال عجل فا في على المحال في الم

مگر سے بات یہ ہے کہ بہودان کے کام کا جو تہورا بمت انوبہو ھم نے کیا ہے اس میں ''ھردے پربپررتی''' مطون کے استعمال کی توبت ھی نہیں آئی ۔ ریسے ھم نے جانکر بھی این کا استعمال نہیں کیا ۔ لیکن ھمارا ایمال ہے کہ اس سے فائدہ زیادہ ھی ھوا ۔ سو کہوں اور بسے ؟

ابع دیہات کی آبادی کو هم موتہ طور پر جار حصوں ہیں پائٹ حکم حکم بین پائٹ حکم حکم اور (1) ہوں اور اللہ (3) فریب کسان اللہ (4) مارہ واللہ (5) فریب کسان اللہ واللہ اور (4) کہنتی ہر مودور یا پہزمین ، کسی اور میں انکی اوسط آبادی یہ ہے :

5:12:43:40

أحيد أن سب سے بهودان أندولن كها أميد كرتا ہے . انائهن وألے زمهن او تهوری زمهن وقبكر زيادہ سے زيادہ مهني دأن مهن دين' گهورے وألے بهائي أيلي زمهن كا ام سے كم جهتا حصد دان مهن دين' أور بهلوالے سلكهمت واب مهن تهوري سى زمهن دين ، مان لهنجيئے كه هاتهى والے أور گهورے والے ليهن سلاء، أب جلهن بهلوالے كے ياس، س بير هم كيكے ههن :

- (1) آپ کے ہاس جو تھوڑی سی زمھری ہے آپے ھاتھی۔ آلے یا گھوڑے والے متعیما لیفا جامتے ھیں ،
- (2) شافی بہاہ یا دومرے خربے کے مرقعے ہو آپ اپنی اینے وهی یکھکے اور پھر آپ کور بھٹھٹے میں ۔
- (3) اگر گوں میں موٹے والے کچے مال کو یاھر شہروں گارکھوں میں وکا کیا جاتا ہے اور آپ یاھر کا مال کیکھوں میں کو علمہ کی سیر کا هو یا تبھی چیکانک کا نہ کو گیا چچھے والے ہے ؟

हो तथा, दुसरों को क्या, सभी सोशों को वसे अपनी तरक हीय सेना होगा:

अब हम इदय परिवर्तन के सवाल पर आते हैं. श्रक हि यह बता देना बहतर होगा कि भूदान यह की हरीक एक करिया (साधन) है न कि मक्सस्त, पिछले ीद्ध गया सन्मेक्षन के मौक्रे पर विनोबा की ने इद ही कहा या कि मेरी किन्दगी "भूवान यह मौलक मीर शामोद्योगिक प्रधान चहिंसारमक कान्ति ' के खिबे इमर्पित है. इस कान्ति का मक्रसद इन्सानी या सर्वोदय उमाज या 'समरस' दंड (सजा) से चलग और शासन-इक समाज क्रायम करना है. कीन नहीं जानता कि सर्वोदय देशार धारा का एक अपना दर्शन है, अपना शास्त्र है. यह इसर है, कि वह शास्त्र पण्डिमी मार्क्सवादी, खामा नवादी श कोकशादी या कोकसुखी (Welfare) निकामों के हास्त्र परीरा से मुखतिविक है और अभी इस सम्बन्ध में त्यादा साहित्य या अदम तैयार नहीं है. लेकिन इसरी ्रक. सच यह भी है कि वेदों से लेकर क़रान शरीफ तक. ग्रिस्टरों ने जो कुछ कहा या उनके अलावा सन्तों की ही बानी है वह इन्सानी समाज या सर्वोदय समाज का री साहित्य है.

इसरे यह भी नहीं भूलना चाहिये कि भूवान चान्दोक्षन का मक्रसद वेजमीन आदमी को जमीन देकर पूरा नहीं हो जाता. यह तो उसका एक बहुत छोटा हिस्सा है. आज सारी द्वनिया में जमीन खरीदी बेबी जाती है, यानी विजारत की चीज वन गई है. हिन्दुस्तान में इस मर्ज ने बंघ को के बाने के बाद ही जोर पकड़ा. बंधेकों ने पेसा प्रधान वार्थिक बन्दोबस्त क्रायम करके हम भारत माता की सम्यान को भारत माता का ही ब्योपारी बना दिया! भूदान कान्दोखन इस प्यादती को मिटा कर, घरती माता को 'माता' या पंच महाभूत की गही पर फिर से विठाना चाइता है. कहने की जरूरत नहीं कि जगर धरती का ब्योपार देश में कुछ असें सक आज की तरह और जारी रहा सो देश तबाह हुए बिना नहीं रहेगा. जागे बढ़कर मुदान काल्योत्तन का मक्रसद है कि हर आदमी मेहनत करे और पैदाबार करने का साधन वसे हासित हो, मुश्क का हर गांव अपने पैरों पर खड़ा हो, प्रेम से मुल्क के सब सवाक इस होते हो, क्या भीतरी और क्या बाहरी, इसारे हर सवास प्रेम और त्याग की बिना पर इस किये जायें और सारा ग्रहक हकुमत नाम की चीक से क्यादा से क्यादा मुक्त या बरी होकर इन्सानी राह पर चले.

सूरान इस तरफ नहने का पहला करम है. क्योंकि बाजकस की दुनिया में 'लेना' और 'बाधो' ही क्यादातर बहुता है, मगर सूरान में देना' और 'दी' पर जोर विचा ي کيا " هي هي گاه" " انظال الاولي الوطي لايلي طوليا کيناني المالي الا

اب هم طرفهم وروبران له سوال بر آتے هيں . هروع میں هے بعا فیلنا بہتار هوا که بهردان یکیه کی تصریک ایک فریعة (سادهی) ف نداه مقصد . بحیل بوده کیا سبهلیں کے موقع پر ولوہا جی لے شود ھی کہا تھا که مهری زندگی دههوهای یکهه مولک اور گرام ادیوک پردهای المنسائمك كوالتي الله له المائي سديمت ها أس كوالتي كا مقصد انسائي يا حرود بي سباج يا اسرس ا دند (سوا) بيم الك أور هاسي مكمع سيام قائم كرنا ع . كرن لهين جانكا كه سروفت وجاد عماداً كا أيمًا عرشن هـ الها هامالو هـ و. يه ضرور هـ كه وه شاسار يجومي مارکس وادی اسامولی وادی یا لوک هاهی یا لوک مکهی (Welfare) نظاموں کے فاسعر وفہرہ سے مختلف ھ اور ابهی اس سبهده مهی زیافه ساهکهه یا ادب تهار نبهن هر . لهکن هوسري طرف سے يه بهي هے که ويدون سے لے کر قرآن شریف تک' پیشمبروں نے جو تھے کہا یا آن کے علوہ سلکوں کی جو بالی ہے وہ انسانیسمانے یا سرودے سمایے کا هی ساعاتیہ ہے .

فوسرے یہ یعی لہدن بهولنا جاهیگ که بهودان أندولن كا مقصد بهزمهن أدمى كو زمهن هيكر بيرا نههن هو جانا، ولا تو اس كا ايك بيت جهوتا حصه هر أي ساري نئیا میں زمین غروشی بیٹی جائی ہے ایدلی لجارت كى جيو بن كلى هے ، هلاستان ميں اس مرض لے انگریزوں کے آنے کے بعد هی زور پکوا ، انگریزوں نے پهسته يردهان أرتهك بلنويست قائم كرك هم بهارت ماتا كي سلعان کو بھارت مانا کا هي بھويارتي بنا ديا ! بهودان أتدولي أس الهادتي كو مثالو دهوتي ماتا. كو أماتا أيا يلي مهايهوس كي كدبي ير يهر سريكهانا جامعا هـ. کہتے کی فیرورت تمہوں کہ اگر دھرتی ہمریار دیش میں كتهم عرمي لك أي عي طرح أرز جاري رها تر حديم لهاه هوال بقا نههن رهها . ألم بوه كر بهودان أندولي كا مقصد ہے کہ من أدمى معطمت كرے اور يهداوار كرلے كا سادھي اسے خاصل موا ملک کا هر اوں ابي بهروں پر کهوا هوا پروم سے ملکیا کے سب سوال حل عوثے میں کہا بہیتری اور کیا باهیی؛ همارے هو سوال پریم اور تهاک کی بقا پر حل العالي جاليس أور ساراً ملك حكومت فأم كي جدو م والله مع والمع ماسي يا يزي هوكر السائي رأه ير جلى .

هوروان امن خانب بوجد کا پیدا ادم ہے ، کورنکہ انواز کی دانیا میں انہا کا اور افرا می ریادہ در والد می والد بوجاد میں انہا کا اور ادر ادر ادر ادر ادر

more of the E. with south min and of E. white के क्यांके में इर हिन्दुस्तानी का कर्च का, बादे वह तालीमबापता हो वा अपद, कि सुरुष की बाबादी के लिये उठाये शानेवाले इर सद्य के साथ इमद्यी चाहिर करे और सरकार जो कहा भी चरे उसकी मुखाविकत करे. मगर आंचार होने के बाद यह सरत बदल गई. 14 अगस्त 1947 तक जहां हर सरकारी मुखाजिम तहार या देश ब्रोही समना जाता था 15 अवस्त 1947 से वह देशभक्त श्रीर श्रीमी खिरमतगार समग्रा जाने लगा इस विये भाज-कत हमारे बहुत से तालीमबाफ्ता भाई इसी में संतोश और गर्व गहसूख करते हैं कि वह अपनी ताकृत व खूबियां सरकार की मदद में और मौजूदा निजाम कायम रखने में बार्गि, चनका ऐसा करना राखत भी नहीं है, ईमान के साथ इनका यह स्थाल है कि सरकार के साथ कंधे से कंघा स्ता कर चक्रने पर शुरूक की तरक्रकी होगी. उनका ध्यान इस तरफ नहीं जाता कि मौजूदा सरकार समाजु के उन्हीं हितों के स्वार्थों की खुशनुरी में है जिनमें पिछली सरकार थी. इसलिये कम स्रोग ऐसे बचते हैं जो यह मानते हों कि बगर हिन्दुस्तान में सच्या सुख और शान्ति कायम करमा है तो हमें दूसरे हितों की तरफ मुखातिब होना पहेगा. इसियों कोई ताब्ज्य की बात नहीं कि भूदान जैसी तहरीक की तरक बन तालीसयाफ्या जोगों में से कम का ही ध्यान जाता है. येसी तहरीक जिसका सरकारी स्कीमों से कोई बास्ता नहीं है, जो मीजूदा निजाम का कोई सहारा नहीं लेती और जो उसे बदल कर एक नया समाज बनाने का भी बाबा करती. है. इसलिये किसी भी रौट सरकारी काम में जो नवे तरीकों से हुमारे खियासी, आर्थिक और समाजी मूलका का इस बुंबता हो, सिर्फ वही इसव्वी दिखला सकते हैं जो मौजूरा निजाम को नाफ़ाबिल सुधार मानते हों और जिन पर यह बात अच्छी तरह जाहिर हो गई हो कि यह सरकार आनेवाले जमाने का कामयावी के साथ कामना नहीं कर सकती और उसका इटाया जाना ही निहायत करूरी चीक है. लेकिन इस तरह के यक्तीन बाबों में भी कई स्थास के लोग हो सकते हैं. कुछ का यह स्थाय हो खडता है कि आहिस्ता आहिस्ता बद्बा जाये, कुछ सोचते हों कि जैसे भी हो जस्दी से जस्दी उसे करका जाये और इस का यह इसरार' हो सकता है कि सम्बद्धीयी तो करना है और कौरन करना है मगर कुछ मुलियादी बस्य नहीं भोड़ना हैं. यह एक बजह है कि हमारे पड़े किसे साई यहनों की तत्रकाह भूरान की तरफ कम सहै हैं. सेकिन बारार भूवान बालों का यह दावा है कि अर्थ से प्रमा समाज कायन हीता और नया इन्सान दुनिया के बार्की आपेका एक बाक नहीं हो करा, परे विसे कोगी

عساله مين أل عين مكر اسكى غاس وجه يدري الكريون ك وماله مهن هو هندستالي لا فرق لها چاھ و تعليم بالله عوية أرود كد ملك كي أراضي كي ليالي ألهالي بعالي الله هر قدم كے ساتھ معدردي كاهر كرنے أور سركار جو كنچه جوبي كريے إسكى مخالامت كرے . مكر أزاد هوئے كے يعد يه صورت بدل کئی . 14 اکست 1947 تک جہاں ہو سركاوني مثارم قدار يا ديهي دورهي سنتهما جاتا تها كل السبعة 1947 م ود ديفي يوعمه أور قومي شدمت الو صمحها جالے لکا . اس لیکہ آجکل همارے بہت سے تعلیم يافكه بهائي أمي مين سلتوهن أور كرو محسوس كرتم عَهُن که وا ایلی طاقت و خوبهان سرکار کی مدد مین أرو موجودة نظام قائم وكهام مهي لكائهي . أن كا أيسا كرنا فقط بھی نہوں ہے . ایمان کے ساتھ اُن کا یہ خیال ہے که سرکار کے ساتھ کندھے سے کندھا لیا کر جلنے پر ملک کی فرقي دوكي. أن كا دههان أس طرف تههن جاتا كه موجودة صرکار سمانے کے انہیں عادوں کے سوارتھوں کی خوشاودی مهن هے جن مهن هجهائي سراد تهي ، اس لکه کم لوگ ایسے بچتے میں جو یہ سانتے ہوں که اگر مقدستان میں سجها سكه أور شائلي قائم كونا هـ تو همهن فوصرے هلون کے طرف منظاطب ہوتا ہویکا ، اس لگر کوگی تعصب کی یاس نہیں که بوردان جیسی تصریک کی طرف ان تملهم بالعم لوگوں میں سے کہ کا هی دهیاں جاتا ہے . الیسی تصریک، جس کا سرکاری اسکیموں سے کوئی واسطہ نههن هے جو موجودہ نظام کا کوئی سہارا نہیں لیکی اور جو آبیر بدل کر ایک تھا سماج بدائے کا بھی دعوی کرتی ھے ، اِس لگے کسی یہی فہر سر^ہری کام میں جو نگے طبیقیں سے هماریے سیاسی آرتیک اور سماجی مسللوں كا حول قاولگھا هو' صوف وهي هنجوني داكها سكاتم هول جو موجوده لظام كو تاقابل سدهار ماتكم هيل اور جن ير يه بات الهدر طرح ظاهر هوككي هو كه يه سركار إلى والى وماله كا كامهابي في ساته ساملاً فههن كر سكتي لير الس كا علايا جانا هي نهايت ضروري جهو هي . لهكي اس فارم کے یتھی والی میں بھی لکی خیال کے لوگ هو سكام هين ، كنوه لا يه خيال هوسكتا ه كه أهسته أهساله بدلا جائية كوه سوجاته هن كه جهسم بهي هو جلدی سے جلدی أبے بدلا جائے أور كنچه كا ية إمرار هو سكتا في كم تهديلي تو كرنا هي اور فوراً كرنا هي مكر كجه بلهاسي امرل نهدن جيونا هين . يه أيك وجة هـ كه المالية عوم لكم بهاكي بهدين كي توجه بهردان كي طرف عُمْ عُكِي هـ . ليكن ألو يهودأن والرس كا يد دعوي ي كار أن ني لها سماج قائم هولا أور لها أنسان ملها ع سامنے ال ال ال الي الي ليوں لو كل وور لكي لوكي

हृदय परिवर्तन और भूदान

हसारे मुल्क की तारीखं के विद्वानों के जागे वह एक दिखयस्य सवाल बना रहेगा-अंग्रेजों ने जो अपना राज पहां से हटाया तो "हरय परिवर्तन" की वजह से या सोच समम्बद्ध कायदे की निगाह से या देश काल की हालत से मजबूर होकर १ इसी तरह एक नया सवाल अब और वेश होता जा रहा है कि भूवान बान्वोक्षन में रारीय बौर अमीर लोग जो जमीन दे रहे हैं वह "इत्य परिवर्शन" की वजह से या मजबूरी से वा किसी और वजह से. हाल ही में हमारे देश के तपे हुए नेता और बुजुर्ग, आवार्य नरेन्द्र देव जी ने इस तरह का शक जाहिर किया है, उनका कहना है: क्योंकि अवान तहरीक का आधार "हृदय परिवर्तन" है इसिबयें उसका दायरा बंधा हुआ है और बह कोई नया जीवन दर्शन (फलसफए जिन्दगी) नहीं दे सकता. उनका यह भी मत है कि उसमें जमीन अमीरों के मुक्ताबिले रारीबों ने ज्यादा दी है और अमीरों ने जो दी है सो मौक़ा महल की वजह से और कक नाखशी के साथ दी है. भूदान यज्ञ के इस उसूली या तात्विक पहलू पर रोशनी डालने और चर्चा हेड्ने के लिये हम आचार्य नरेन्द्र देव के बहुत कहसानमन्द्र हैं. हमें बक्रीन है कि इस वर्षा से इमारे मुल्क के दिमाशी काम करने वालों या बुद्धि जीवियों के भी शक कुछ दूर हो जायेंगे और मुल्क के पढ़े लिखे और ऊंचे दर्जे के कोगों का सहयोग भूदान धान्वोत्तन को मिलेगा.

आज भूदान आन्दोलन को तीन साल से ऊपर हो कुके हैं, बसका पैराम मुल्क के पांच लाख में से एक लाख गांव तक पहुंच चुका है, क़रीब तीन लाख लोग दान दे चुके हैं और 34 लाल एकड़ के क़रीब (यानी मुल्क की जोत की कमीन का एक फीसरी) कमीन मिल चुकी है. कहने की अरूरत नहीं कि अगर इस आन्दोलन को आवार्य नरेन्द्र देव जैसे हिम्मती और मुल्क के तालीय-यानता दिमारादार लोगों की मदद मिल गई होती तो उसने कहीं क्यादा तरक्षकी की होती. उनका अलग रहना जहां एक दुख की बात है वहां भूदान बालों के लिये एक सोचने और समक्षन की भी बात है कि ऐसा क्यों हो रहा है ? इसलिये हम करा तकसील के साथ इस सवाल में जाना चाहते हैं.

सब से पहले तो इस यह ऋबूत करते हैं कि अब तक इसमें अंबी तालीम पाय द्वप या जिन्हें इन्टेलेक्चुअल (Intellectual) कहा जाता है पेसे लोग बहुत कम

ھرں سے پر بورتن اور بھوںان

هماری ملک کی تاریخ کے ودوانوں کے آگہ یہ ایک دلتهسم حوال بقا رقع لا . آنگریورس لے جو ایقا راے یہاں س مقایا دو در مردی پربررای " کی وجد سے یا سرے سمجهکر قائدہ کی تالہ سے یا دیش کی حالت سے معهدور هو کو ؟ اسی طرح آیک نها سوال آب آور پههی هوتا چا رها هے که مهردان أندولن مهن فريب اور امهر لوگ جو زموں علے وقد طوں وہ " مردی پررورتی " کی وجه سے یا مجهوري سے يا کسي اور وجه سے ، حال هي ميں هماريے دیس کے تھے ہوئے نیکا اور بورگ' آجاریہ نریقدر دیو جی نے اس طرح کا شک ظاہر کیا ہے . اور کا کیفا ہے . کھونکاء بهودان تعصريک کا آدهار 2° هرديم پر پورتن 6 هے آھي لهائي اس كا دائرة بقدها هوا هے أور وہ كوكي نها جهون دوشن (فلسفة زندكى) نهين دي سكتا ، أن كا يه بهي مت ھے کہ اس میں زمین امہروں کے مقابلہ فریموں لے زیادہ دی ہے اور امہروں نے جو دی ہے سو مرقع معمل کی وجه سے اور کچھ ٹاخوشی کے ساتھ دی ھے ، بھودارے یکھی کے اس أمولي يا تاتوك يهلو يو روشقي ةألقه أور جوجا جهيرته کے لیکے هم أچاریہ تریقدودیو کے بہت احسان مقد عیل . ھموں یتوں ہے کہ اس چرچا ہے همارے ملک کے دماغی کام کرنے والیں یا بدھی جہوبیں کے بھی شک کچھ دور ہو جائینگے اور ماک کے یوھ لکھے اور اولجے درجہ کے لوگوں کا سیورک پهودان آندولي کو مليکا .

آج بھودائ آدولن کو تھی سال سے اوپر ھوچکہ ھھں'
اس کا بھہ'م ملک کے بانچ لاک میں ہے ایک لاک کاور
تک پہلچ چکا ہے' قریب تھی لابھ لوگ دان ہے چکہ
ھیں اور 38 لاکھ ایکو کے قریب (یعلی ملک کی جوت
کی زمین کا ایک فیصدی) زمین مل چکی ہے ۔ کہلہ
کی فرورت نہیں کہ اگر اس آندولن کو آجاریہ نریفدر دیو
جیسے ھمٹی اور ملک کے تعلیم یافتہ دماغ دار لوگرں
کی مدد مل گئی ھوتی تو اس نے کہیں زیادہ ترقی کی
ھوتی ، این کا الگ رھنا جہاں ایک دکھ کی بات ہے رھاں
بھودان والی کے لیک ایک سوچنے اور سمجھنے کی بھی
بات ہے کہ ایسا کھی ھو رھا ہے؟ اس لیکے ھم ڈرا تنسیل بات ہے کہ ایسا کھی ھو رھا ہے؟ اس لیکے ھم ڈرا تنسیل بات ہے کہ ایسا کھی ھو رھا ہے؟ اس لیکے ھم ڈرا تنسیل بات ہے کہ ایسا کھی ھو رھا ہے۔

سب سے پہلے تو هم يه قبول كرتے هيں كه أب تك اس ميں لوتنهى تعليم يائے هوئے يا جنہيں اعتمامه وال (Intollectual) كية جانا هے أيسے لوگ بهمت كم **SPR 17**

जगस्त सन '54

कंबर 2 2

اكست سن 45

17 sta

जात जावमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोक्सी, 'जया हिन्द' पहुंचेगा घर-घर तिये प्रेम की मोती.

भव सुख के जमाने भाते हैं

(बाक्रिक रक्जाक़ी)

इम जीवन जोत जलाते हैं वह अञ्चयारा फैसाते हैं

> इस अस्त के नारे बगाते हैं। वह पेटम वम बरसाते हैं!

इम रूबी सूसी साते हैं बह मक्सन वोस बहाते हैं

> हम ग्रम के मारे रोते हैं वह गीत खाशी के गाते हैं

इस दिन भर मेहनत करते हैं वह बे-सेहनत फल खाते हैं

वह कहते हैं वस काम करी पर काम कहां हम पासे हैं

जो होना है सी हो जाये इस आगे क़र्म बढ़ाते हैं

> इस उन की जना कर छोड़ेंगे दिन राजवात में ओ गुंबाते हैं

तुम बार्के मलकर देव तो को बर शब पे बजाने झाते हैं

> बाकार पै बादस सहरा कर घरती पै ग्रहर बरसाते हैं

ग्रुव जिसते हैं पता सगते हैं पराज्य के मीसमा जाते हैं

> विम दुवा के बाहिक' बीस गये क्षम क्षम के अमाहि काले हैं

اب سکھ کے زمانے آتے ھیں

(والف رزالي)

هم جهون جوس جلاتے هيں۔ يلا الدههارا يهيلاتے هيں۔

ھم أمنى كے نمزے لكاتے ھيں! ود أيلام بم برساتے ھيں!

> ھم روکھی سوکھی کھاتے ھھی وہ مکھی توس آواتے ھیں

ھم فم کے مارے روقے ھیں وہ گیمت خوشی کے گاتے ھیں

هم دربهر معلمت کرتےهیں ولا بےمعلمت بهلکهاتےهیں

وہ کہتے ھیں پس کام کرو پر کام کہاں ھم پاتے ھیں

> جو هونا هے سو هو جائے هم آگے قدم پوهاتے هون

هم أن كو جكا كر چەرزىس لى دىققلىت مىسجو گذراتے ھىس

> ثم آنکههن ملکو دیکه تو لو هر فیے په آجائے جهاتے هیں

آناهی یع یادار لهرا کو دهرتی یه کهر برساتے هیں

ِکُلِ کھاکے میں پہڑ الکائے میں ۔ یعنا جھو کے موسم جاتے میں ۔

هیں دلو کے اُرادے بیمو کلے ۔ اُب سکو کے زمالے آلے حول

ंनवा हिन्द"

हिन्दुस्तानी कलचर सेासाइटी

का

माहवारी परचा

الانها هند²⁴.

ھندستانی کلپچر سوسائٹی ۔

K

ماهواري پرچا

अगस्त 1954

क्या किस से		क्षेत्रक सिन्		الله الله الله الله الله الله الله الله	
1.	अब सुख के जमाने आते हैं (कविता)—वाहि रक्जाक़ी		65	•••	ا اب سکھ کے زمانے آتے عیں (کبیٹا) —(واقف رزانی)
2.	हृदय परिवर्तन भौर भूदान-सुरेशराम भाई			•••)۔ ھوٹ نے یہ پور تری اور چھو داری۔۔۔سویش رام بھائی
3	राजा राम मोहन राय का युग-लेखक-मगन देसाई; अनुवादक-कानू भाई नानालाल				الله والم موهن واله م يك المكهك مكن بهالى الله الله الله الله الله الله الله
4.	सर्वोदय, भूदान चौर इत्य परिवर्तन—कुमारा स	रोज			در سروودے کھودان اور ھردے بربورتی اساری
	अम्बात	• • •	75	•••	سردج اگروال سردج اگروال
5 ,	मास्को से खत—सुन्दरतात	•••	85	• • •	f. ماسكو نے خط—مذور لال
6.	चूना हो गया (कहानी)—मुजीव रिजवी	•••	90	***), چوټا هواها (اياني)—سجه پ واټوي
7.	कुंग-ई-ची — (कहानी)—लंखक — ख्. ह	रुन; 		•••	7. كونگ- إي- چي (كهاني) —لهكهكلو. سي؛ انووادك كامههور اكووال
8.	प्रवासी की डायरीमुजीब रिजवो	•••	102	***	ع. هرواسي کې قائريمجهب رهوي
9	कुड़ कितावें	•••	109		ا. كىچە ئىلىقى
10.	इमारी राय	•••	111		١٠. هماري رائي
	खुत्रा छूत—सुन्दरतातः, श्रसनियत श्र प्रनार—सुरेशराम भाई; वनस्पती श्रीर हम वैज्ञानिक—सुरेशराम भाई; मिस्र क बरतानिया का सममीता—मुशीव रिजा इन्दौर की दुर्घटना - मुजीब रिजावी.	ारे गैर			جهواچهوت سسددولال اسلیمت اور یوچار سسیش وامیهائی کششهای کور هماری وگیانک سسریش وامیهائی مصواور برطانهه کا سمجهونه سمجهیت وضوی اندود کی درگهاندا سمجهیت وضوی ،

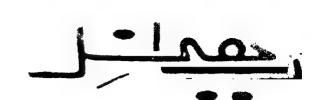
कीमत-हिन्दुस्तान में है रुपया साल, बाहर दस कपया साल, एक परचा-दस काने.

> मैनेजर 'नवा (इन्द्' 145, गुट्ठागंत्र, इलाहावाद-3

ومعاسسهندستان میں چه رویهه سال' باهر دے رویهه سال' ایک پرچه-دس آنے.

مهلهنجر 'نها هند' 145 مقهی کنیخ' المآبادہ

idlic 4



एडिटर --लाराचेदः भगवाननीन हे ए सहमूदः विभागतः साथः सुन्दरसासः । हिन्दीरा कार्यः सुन्दरसासः । १६० कार्यः सुन्दरसासः । १६६५ हिन्दर - ह्यूडी

सायन एडीतर - मुरेश रामभाई मुझीवारियान । १९८० व्यवकार व्यक्त है, व्यवकार द्वारा विकास

इस नम्बर के ख़ाम लेख

- 🗯 बेदन गोर उनक और भार लंग भारतराक लाइ
- χ र वोडम (मृद्यान) धाउँ अन्तर विभागना किस्सा स्थान क्राप्तकृत
 - 🛊 आहर होते हैं। बरार अंग्रह का क
 - ★ 唐秋子作 知知 一页 50世

हमारा सय :---

- 🐞 । सं भागत्ति । सुन्ति । साम्र
 - 🐞 अमिल्यल हीर ५७०५ । मुर्ग रहप्रमाह
 - 🚖 । सस्य और वरणांस्था हा सम्बँग्ल-श्रुमान रिप्सको
 - ★ इन्हीर की दुवरना ---मनाव हर तक

اس ننبر کے خاص لیکھ

- 🦞 العوفين وويوري أبد مورد بي حامدتاني الوجد بي
- 🖈 د دوووند کاروان که که کونه کار کار که کار کونه کاروانی کاروانی در میاوید کاروانی
 - 🍁 جريدانو بي بيدة سيد بالجمر الاي
 - لار فوالاسار التي البيدران از دياس أحساء شوي اللوي والكر السند
 - ا چهوا چهونت ساسد در ۱۶
 - 🌪 العلهما أبو ينجار سنبيعاء اراده أي
 - 🍁 معدد الوراع طالورة الأستقياء علك المعالية وهريي
 - 🥦 الاندور 🖫 ئنوانولالا ساسسدى سيا وصهبى

अगस्त 1954 ===डी

क्षीयन दस थाना

فهماعا دس أفته

गंगा से गोमती तक

.....ं मुजीय की कहानियों की विशेषता उनकी शैली भी है. मामूली पढ़ा लिखा आदमी इन्हें बिना किसी की मदद के समफ सकता है सरलना के माथ भाषा में ठ्यंग और । जनदादिली इस तरह है जिस तरह केंचे पाए के लेखकों में मिलती है.

इन कहानियों में हास्य भी है, करुणा भी है. कहीं धंसत हंसते पेट में बल पड़ेंगे, तो कहीं पढ़ते-पढ़ते श्राप दुःख से स्तंभित रह जाएंगे. मुजीब की कहानियाँ हमारी कामल भावनाएँ जगाती हैं, हमें श्रम्खा इनसान बनाती हैं."

— डाक्टर राम विलास शर्मा

...... 'वह (मुजीव) मार्ग साफ करना चाहते हैं, समाज को सम्भालना चाइने हैं. इसिलये वह कला को कामकाजी चाहते हैं और ऐसी नुकीली कि धार करती चली जाए "यह कहानियाँ जगह जगह हमारा ध्यान समाज में होने वाले अन्यायों और अत्याचारों की तरफ खींचती हैं "संग्रह की कहानियों में एक सीधी अकृत्रिमता है, जो अच्छी लगती है."

- जैनेन्द्र कुमार

कामग हिन्दी के सभी बद्दे लेखकों ने "गंगा से गंमती" को मराहा है.

"गंगा से गामतो तक" में १८० सके हैं, तिरंगा सुन्दर कवर, यदिया जिल्द. दाम केवल दो रूपया जल्दी आर्डर भेजिये

~ मैनेजर नया हिन्द

گنگا سے گومتی تک

''مجهب فی کہانہوں کی وہمشقا آنکی شہلی ہے ۔ معمولی پوھا لکھا آدمی اِنھیں بقا کسی کی کے سنجھ مکتا ہے۔ سرلتا کے ساتھ بھاشا میں ویڈگ زندہدلی اس طرح ہے جس طرح آونتھے ہائے کے بکوں میں ملتی ہے ۔

ان گهانیوں میں هاسها بهی فی کرونا بهی فی کی دن ساتے هاساتے بهت میں بال بریدگی تو کیوں پرهائے مائے مائے دکھ سے اسلامها کی جائیلگے ، متجیب کی ہانیاں مماری کومل بہاؤنائیں جانی هیں شمیں اچہا سان بدائی هیں ، شمیر ا

-قائدر رام بلاس شرسا

... .. در ولا (مجهب) ماوک صاف کونا چاهیجے هیں، ماچ کو سقههاندا چاهیجے هیں. اِسلئے ولا کا کام کاجی عاهیجے هیں. اِسلئے ولا کا کام کاجی عاهیجے هیں. اور ایسی نوکهای که دهار کوتی چارے جائے ... یه کهانهاں جگه جگه همارا دهیان سماج مهرهوئے والے بهایوں اور آتهاچاروں کی طرف کههدچی هیں...سلگرلا عادی کهانهوں میں ایک سیدهی آدری ترمینا هے، جو اچهی لکی هیں،

-جيفقد كمار

لگ بھگ ھقدی کے سبھی ہونے لی*کھکوں نے ¹⁹قلکا ہے* اِمعیٰ ¹¹ کو سراھا ہے ،

''لَلَمُا سے گومعی تک'' میں 180 سنھے میں' ترنکا مذور کور' بومیا جلد' دام کیول دو روبعہ ، جلدی آردّز بہمیا ہے۔

سمهلهم تهاعله

للنے کا بعد۔

مهنهجر 1 نها هند 145 ما منهى كني الدأباد.

मिलने का पता-

मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

هندستانی طبیحر سوسائتی

मकसद

- (1) एक एसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना छोर प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैनाने के लिये कताबों, श्रखबारों, रिसालों वगैरा का छापना.
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभात्रों, कानफरेन्सों, लक्चरों से सब धर्मों, जातों, बिरादरियों और फिर्क़ों में आपस का मेल बढ़ाना

सांसाइटी के प्रेसीडेन्ट—सि० अब्दुल मजीद स्वाजा; बाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास और डा० अब्दुल हक. गवरनिंग बाडी के प्रेसीडेन्ट डा० भगवानदास; संकेटरी—पं० मुन्दरलाल.

गवर्गनंग बाडी के और मेम्बर-

डा० सैयद महमूद, डा० नाराचन्द, मौलवी सैयद सुलेमान नदवी, मि० मंजर अली सोख्ता, श्री बी० जी० वर, पं० विशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द रांका, काजी मोहम्मद अब्दुल राक्कार और श्री श्रांम प्रकाश पालीवाल.

मेम्बरी के कायदों के लिये लिखिये -

सुन्दरलाल सेक्रेटर्रा, हिन्दुस्तानी कलचर मोसाइटी 145, सुद्रीगंज, इलाहाबाद

नाट—सांसाइटी के नए क़ायदे के अनुसार मेम्बरी की कीस मिर्क एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्क छै रुपया चन्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. अलग से मेम्बरी की कीस देने वाल सांसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या ज्यादा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम करा सकेंगे. مقصد:

- (1) ایک ایسی هندستانی کلنچر کا بوهانا پههانا اور پرچار کرنا جس میں سب هندستانی شامل هیں ،
- رسالرس ' ایکٹا پہیلانے کے لئے کتابوں' اخباروں' رسالرس رمیرہ k چہاپنا ۔
- (3) پوهائی گهروں شات گهروں' سیهاؤں' کانفردسوں' لیکنچروں سے سپ دھرموں' جانوں' پرادریوں اور فرقرں میں آپس کا میل ہومادا ۔

---: 6::--

سوسائٹی نے پرییدنٹ۔۔۔سشر میداسیجید حواجہ: وائس پریسیڈٹ۔۔۔داکٹر پھکوان داس اور دائٹر میدالعصی ، کورلنگ ہاتی نے پریسیڈنٹ ۔۔ دائٹر بھکوان داس: سکریٹری ۔۔ پلائٹ سفدرال ،

گورندگ ہاڈی نے اور ممبر —

قائلتر سهد محصودا قائلتر تارا چلدا مولوی سهد سلهمان ندوی مسلم مطر علی سره ۱۹۵ ش. و بی جی کههرا پلافت بشمیهر الها مهاتما بهگوان دین سهله پوئم چلد رانکا قاضی محصد عبدالففار آور شری اوم پرکاهی بالهوال

مبیری کے قاعدوں کے لگے لکھگے ۔

سقدر لاان

سەرىتىرى؛ ھىدستانى كلىچر سوسائتى؛ 145- متىي گىم؛ العآباد .

نوق سوسائٹی نے نئے قاعدے کے انوسار ممبری کی فیس صرف ایک روپیہ کردس گئی ہے ۔ ''نیا ہند'' کے جو گاهک ممبر بننا چاهیں اُن کر صرف چہہ روپیہ چندہ دینے پر هی ممبر بنا لیا جائیٹا ۔ الگ سے ممبری کی فیس دینے والے سوسائٹی کی نکلی ہوئی کوئی کتاب جو ایک روپیہ دام کی ہوئی منت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی کتابیں نہنے پر ایک بار ایک روبیہ کم کوا سکھنگے

	*** 4		9.0	9),u	- 11 -4 13	
	कताचें सिफें हिल्ली में हैं					ليطا استه كتابين مرك
नाम किताब	लेखक	_	41	_	ليمهک ر	لار کتاب
1 शेर को शायरी	भी भयोष्या प्रसा व गोयलीय		0		ھارى أيودھيا غرمان (گوليلى	ب غمر و غامري
² . शेर भो सुखन	. 20	8	0	0	77	الاعمو وسطي
3. गहरे पानी पैठ	J9	2	8	0)·	ار گهرید باشی بهای
4. हमारे चाराध्य	भी बनारसीदास	3	0	0	هر <i>ی</i> بنارسی داس (
	चतुर्वेदी				والرويشي ا	
5. संस्मरप	"		0			ا. سلسمرن
6. दो इजार वर्ष पुरानी	भी जगदीशचन्त्र जैन	3	0	.0	بري جائديس جندر ا), هو هؤار ورهن هرانی ۱
क्ट्रानियां				,		کہاتھاں۔
7. माज गंगा	भी नारायण साद जैन	6	0	0	نبي تاراتن برساد جهن	7. کیان کنتا
8. पश्च चिन्ह	श्री शान्ति प्रिय दिवेदी	2	0	0	غرى غاتكى پريمدريدى (8, 24, 424
9. पंच प्रवीप	शान्ति एम. ए.	2	0	0		
10. बाकाश के तारे घरती			0	0	844	
के फूल	प्रभाकर				هربهاكر	د مرتی کے پھول
11. सुक्ति दूत	भी वीरेन्द्र कुमार जैन एम. ए.	5	0	0	نبری ویریاندر کمآر جهی ا ام ، آمه	11. معي درس
12. मिलन पामिनी	भी बच्चन	4	0	0		
13. रजत रिम	डाक्टर रामकुमार वर्मा	2	8	0	أاكلر رام كمار ورسا	13. رجت رفس
14. मेरे बापू	श्री तन्मय बुक्तारिया	2	8	0	شرى تلل يشاريا	14. مورے باہو
15. विश्व संघ की घोर	पंडित सुन्दरलाल भगवानदास केला	3	0	0	بندّت سندر لال' بهکران داس کها	
16. मारतीय चर्यशास	श्री मगवानदास केला	5	0	0	فری بهکران داس کها	16. بهارتهه ارته شاسعر
17. भारतीय शासन	» , , ,	3	0	0	19	17. بهارتیه شاسی
18. नागरिक ग्रास्त्र	j)	2	4	Ð	29	18. نائرک هاشتر
19. साम्राज्य श्रीर वनका यतन	ย	2	8	0	••	19. سامران اور أن كا
20, भारतीय स्वाधीनता अन्दोलन	n	1	4	0	37	یکی 20. بهارتیم سرادههلکا
21. सदीवय धर्य स्यवस्था		1	8	6		آثدوفي
22. इसारी आदिम जातिय		3		0		21. سرووت ارته ويوسعها
_	भौर भी भसिल विनय		8	U	ھری بھکوان داس کیا۔ اور ھری اکھل رکے	22. هماري آدم جاتياں
23. वर्षशस्त्र शब्दावली	भी दया शंकर दुने,	2	0	0		28. اربه هاستار همدارلی
	एम. ए. एस एस. बी.				ايم اله ايل ايل ، بي .	G) 4,4,7 m m 4) 100
•	गजाबर प्रसाद, व्यन्तिः भगवानदास केला	₹,			لجادهر برسادا أمبضك	
24, नागरिक शिषा	भगवानदास केला भी दवाशंकर दुवे	1	8	0	بهکوان داس کهاا هری پهگوان داس کهاا	ا المجة حجما أ.24
25. राष्ट्र मंडल शासन	भी रयाशंकर दुवे	1	8	O	دیا فانکر دویے	
26. जवानी	महास्मा सगवानवीन		0	Ö,	دیا شاعر دوی	25. رافتر منقل غاسی
27. मारवे की दिन्सत!	В		0	0	مهاتما يهكوان فين	.26 جرائب
28. सबीम सप	81,	0	8	0	>9	27 مارد کی هست
19, मेरे साबी	**	1	0	0))	عادًا مارًا مع
	ने का पता—		•	•	13	29 موريم توي
	मैनेजर '	गपा	R	r,	مبتيس البا هله	
Nic or a	978	KU!		3	Balylal Lak	343
and the second second		₹ ₹	d - 1	1		STREET, CAT YOUR STREET, STREET

्रहेंची भारत है बन है। मिनिस्करों के यह बहने पर कि यह मुद्देश इसकाक से नहीं बस्कि सारीक की पैदाइश हैं.

स्व है कि आजत हैरान है कि आगर क्र्म अपेजों ने असम स्वा बना रक्ता था तो अब भी असम प्रदेश क्यों रहे ? या अगर ग्वासियर और इन्दौर को मध्य भारत में मिसाया था सकता है तो मोपास को क्यों न मिसाया जाये ? या फिर रामधुर को क्यर प्रदेश में मिसाने की वजह असम से (C) प्रदेश क्यों न इरार दिया जाये ? या कई रियासतें मिसा कर जब विषय प्रदेश नया सदा किया गया तो उसे अलमेर वरौरा का दर्जा देने की बजाय सौरास्ट्र और राजक्यान की तरह (B) वर्जे में क्यों न रक्सा गया ? यह ठीक वसी तरह का बेतुका काम नवर आता है जैसा अमेज सोग मजबूरन या मससहतन करते थे. लेकिन आज उनमें कोई बक्तन नहीं मासस होता.

सगर जैसा इसने जपर कहा (C) प्रदेशों के चीफ मिनिस्टरों को इस बचाई देते हैं जो उन्होंने. इस जुबस्रती के साथ अपनी बकाबत की है. उनके क्याब की इस कर्र करते हैं. इस चाहते हैं कि नये सुबे या बड़े सुबे चाहते वाली जो जसाखतें हैं बह इस मेमोरेन्डम से सबक्र हासिल करें कि किस संजीवनी और खुशिमजाजी के साथ कोई बात कही जाती है. इस काम में विमाग के ठंडा रखने की जितनी खरूरत है इतनी और किसी चीज की नहीं. इमें यक्तीन है कि भागाबार कमीशन के सामने सभी मेमोरेन्डम (C) प्रदेश बाखों की तरह से येश हों तो डसका आया बोम इलका हो जाये और मुक्क की शान भी बढ़े. इस उन्मीद करते हैं कि बह कमीशन पूरे हिन्दुस्लान के नक्ष्रों को सामने रखते हुए (C) प्रदेशों के भविष्य के बारे में भी मुनासिब राय क्रायम करेगा.

9, 6, 54

—सुरेशराम भाई

فقسي ألى في في چه متسارس في يه الهالي إلا الهالي المن الهالي إلى فيل حيران في كه أكر كرك الكريوس في سعوبه بنا ركها لها تو اب بهى وه ألك پرديمس كوس با كو كوالهر أور الدور كو مدههه بهارت ميس ماليا المكال في تو بهوبال كو كوس تق ماليا جائي ؟ يا يور كو أتر پرديمس ميس مالي كي وجه ألك بي (C) بيمي كيس نها كور كي وجه ألك بي (C) بيمي كيس نها كورا ديا جائي ؟ يا كئي وياستيس ما كو بي وندهه يوريمي نها كورا كيا كيا كئي وياستيس ما كو بي وندهه يوريمي نها كورا كيا كيا أور واجستهان كي طرح به ديني كي بيجائي سورائي أور واجستهان كي طرح به كا بي تكا كام نظر أنا في جهما أنكريو اوك مجوراً بي نها كور أن مين كولي وزي نهيس مصلحتاً كرتي تهي ، لهكن أي اس مين كولي وزي نهيس بيوم هوتا .

مگر جیسا می نے اوپر کیا (C) پردیشوں کے چیف اسلاموں کو هم بدهائی دیکے هیں جو انہوں نے اس بویسورتی کے سانو ایٹی وکامت کی ہے ، اُن کے خیال کی م قدر کرتے ہیں ، هم جاعتے ہیں کہ نگر صوبے یا بڑے وہے چاہتے والی جو جماعتی ہیں وہ اس مهمورنقی ، شبق عامل کریں کہ کس سلتجهدگی اور خوهی مواجی ، ساتھ کوئی یات کہی جاتی ہے ، اس کم میں دسانے تہنگا وکھی یات کہی جاتی ہے ، اس کم میں اور چیز نے نہیں ، همیں یاتو ہے کہ بیانیا وار کمیشی کے سامنے بی میمورنقم (C) پردیش والی کی طرح سے پیش وں جو اس کا آدما ہوجہ هلکا هو جائے اور سلک کی شان بی بوھے، هم آمید کرتے هیں کہ وہ کمیشی پورے هلاستان ہے بوجہ میں بھی مقاسب وائے قائم کریا ،

سريص ولمههائتي

9. 6, '54



के मैदान में एन अदेशों ने दूसरे बढ़े अदेशों के जुड़ावितें बाद तक कहीं प्यादा तरकड़ी को है हालांकि हिन्दू सरकार से पावते की मन्यूरी वरौरा सिसने में अकसर देर भी सगी.

हम (C) प्रदेशों के चीक मिनिस्टरों को दाद देते े हैं, जिस खुबी के साथ उन्होंने अपना मेमीरेन्डम वैवाद क्या उसके शिवे हमारा दिली सुवारकवाद. सेकिन एक कसर बाक़ी रह गई. वह वह कि जब है (0) प्रदेशों ने इस बहदरीन दंग से काम किया और बहां की हकूमत ने जनता में जोश पैदा कर दिसलावा तो यह चीफ मिस्टर मांग करें कि कोई क्षत्रह नहीं है कि (A) और (B) प्रदेशों में छोटे छोटे हिस्से निकास कर (C) की तादाद बढ़ा दी जाये ताकि सारा मुलक क्यादा कोश से थागे बढ़े ! हम यह भी सिफारिश जासर करते मगर देखते क्या हैं कि देहती प्रदेश में आप दिन मगड़े और त त में में बता रही है, उधर अअमेर में इहीं संगीत हाकत है और पेसेम्बन्नी क्या है वांव पेक की शतरंत्र बन गई है फिर विश्व प्रदेश में भी वैसा ही नक्कारा है. इसके अवावा वहां के गवर्नर साहब को एक नया शीक पैश हका है-पक ठंडी राजधानी खडी करना. इस के लिये क्टोंने समर्कटक का मुक़ाम पसंद किया है. कुद्ध दिन वह और वनके मिनिस्टर वहां जाकर रहे भी. इमें डर है कि जल्दी ही लाखों दपये की स्कीम से वहां इंटों के महत्त चुनना ग्रुक्त हो जायेंगे. कहने का मतलब यह है कि जी बीमारिषां (A) और (B) प्रदेशी के हुक्कामों या पश्चन्यक्षी बाखों को हैं उसके शिकार (C) वाले भी बहुत क्यादा है. शाक्त कैशन में ग्रासार किये जाने की बजह से बड़ां पेसा होता हो. मगर यह साफ है कि (C) प्रदेशों ने कोई ऐसा ठोस क़दम नहीं उठाया जिससे बहां की जनता को कोई कारगर कायदा पहुंचा हो. हमें वह अफसोस के 'साथ कर्ना पद रहा है कि (C) प्रदेश में शामिस होने का नतीला यह हवा की रीवा, कोरका, टीकमयह और देहरी राइवास वरीरा में अब बनस्पति भी कसरत से ्षद्वंचने तमा और क्या तूच, क्या वी, सभी अच्छी चीकों को नापैद कर रहा है. इसी तरह छकों (C) प्रदेशों में वेद्याती इस्तकारियां मिट रही हैं और वेकारी वह रही है.

इसके शकावा वन प्रदेशों के मिनिस्टरों ने वस सादगी का नमूचा भी नहीं पेश किया की वनसे वन्मीद की जा सकती थी. न वहां के दूसरे सरकारी खर्चों में कोई ऐसी कभी विस्ताई पड़ती है जिसकी बखह से यह समम्म जा सके कि किमायत के सिहाफ से कोटे प्रदेश रक्षना बेहतर होगा.

مر (🖰) پردیشرں کے جہاب متمکروں کی داد دیکی عنوں جس شوم کے مالہ أنهوں نے أيفا مهمورنقم لهاو کیا اُس کے لکے مبارا دائی مہارک ہادا ۔ لیکنی ایک کشو باقی وہ ککی ، وہ بیہ که جب جه (🔿) برفیشوں لے آس بہترین قددگ سے کام کیا اور وہاں کی حکومت نے جلگا مهن نجرهی بعدا کر دکهایا تو یه جوف منسکر سانگ کنین که کرکی وجه نهیں هے که (A) اور (B) برديموں مهن سے جهوائے جهوائے حصے تکال کر (C) کی تعداد يودة سي بهائي ناكه سارا ملك زياده جوهي س أك يوهرا هم یه یهی سفارش فرور کرتے مگر دیکھتے کیا هیں که دملی پردیش میں آگ دی جبکرے اور کو لڑ' میں میں چل رهي هـ .. ادهر اجمهر مين کهين ساکين عالت هـ ارو اسميلي کها هر دانو پهي کي شعرتم يي ککي ه. ، پهر وتدهیه پردیش مهن بهر ویسا هی تطاره هد . اس کے عالمه رهاں کے گروزر صاحب کو ایک تھا گوئی پیدا موا ہے۔ لیک کھنگی واجدهائی کھوی کرتا ، اس کے لھائے آنھوں کے امرکالک کا مقام پسفد کیا ہے . کچھ فان وہ أبو أن ك مقسال بمان جا کر رہے ہیں ، همیں اور ہے که جلص هی النام رویدہ کی اسکیم سے رهاں اینالوں کے معمل جانا هروم هو جالهنگی ، کیلی کا مطلب یه هد که جو بهماریان (A) اور (B) بردیش کے حکمیں یا اسمبلی والیں کو مهن اس کے شکار (🛈) والے یعی بہمت زیادہ معن ، هاید فیهی میں عبار کیکے جالے کی وجه سے وهاں ایسا عبدًا عن مكرية صاف هے كه (C) برديشين لے كولى لیسا گهوس قدم تهون آثهایا جس سے وهاں کی جانگا کو كوكن كاركر فائده ههونتها هو . همهن يويد افسوس ك ساتم فيقا يو رما هد كه (🖸) يرديهن مين هامل هولد كا تعميد يه هوا كه ريوا اورجها لهكم كوه اور تورف كودوال رفهره مين آب ولسهاي لهي كثرت سهورنته لا أور كها دورها عها گهن اسمهی آجهی جمورین کو تابعد کر زما هے، اس طرح نهوی (🛈) پردیکس میں دیہالی دستکاریاں سف رھی همي أور يوكاري يوم رهي هي ز

اِس کے طرہ اُس پردیشن کے ماسکروں نے اس جامئی 2 تدیق میں نیمی بھی تھا جو اُس سے اُمود کی جا حکمے میں کے رفان کے فوسرے سولاوں خرجوں میں میں اس کو رفاق ہوئی ہے جس کی وجہ سے یہ میں اس جوزت پردھی

महे सहीते की 11-12 बारीक की इन कका बहेशी के श्रीक मिनिस्टरों की काण्य स शिमले से 12 मीत दर 'सामी' नाम के एक ठंडे मुकाम पर हुई जी हिमांचल प्रदेश में पहता है. इस कान्यों स के सदर अवमेर के बीफ मिनिस्टर भी हरी भाउ उपाध्याय जी थे. उस कान्मी नेस ने पांच सक्षेत्र का सम्बा एक बयान प्रेस की विया जो एक मेमोरेन्डम की शकत में उस कमीशन के सामने पेश किया जायेगा जिसके सिवर्ष क्षिण्डस्तान के नये नक्षों की तैयारी का काम किया गया है.

इस बयान को देखने पर पता बखता है कि इन प्रदेशों के चीक मिनिस्टरों पर नेस्त नाक्ष्य होने का हीचा छाया इचा है और उन्हें काफी बर इस बात का है कि अगर मुक्क के नक्षरों में कुछ भी तबदीशी की गई है तो पहले हम ही शहीद किये जाने वाले हैं. उनका कहना है कि मुल्क की बहतरी के लिहाका से वह सुनाशिव है कि मीजवा सियासी निजाम को नहीं बदला जावे. पर जगर कुछ थोड़ी बहुत रहोबद्द ज़रूरी समकी जावे भी तो कम से कम (C) वर्जे के प्रदेशों को बदस्तूर बने रहने दिवा जाय, इसकी उन्होंने कई वजह गिनाई हैं :--

(1) उनका जन्म किसी इसकाम से नहीं बलिक

वारीकी सिवसिने से है.

(2) यहां के खोग चाहते हैं कि यह बनी रहें. इस्रविषे उनकी राय की ठ्रकराना खोकशाही के खिलाक होगा और विधान के उसकों को नवरअन्दाव करना होगा.

(3) यह रातत संगंध है कि वह प्रदेश मरक्जी सरकार पर बोमा हैं. यह पेतराज असिववत से दूर है भौर सिर्फ बड़ी लोग कर सकते हैं जिन्हें हासत की सरकी

जानकारी नहीं है.

(4) हर प्रदेश की आमदनी व सार्च की स्रत बहुत अच्छी है और अगर केन्द्र से कुछ मदद आती है तो केवस धन योजनाओं बरीरा के लिये जो केन्द्र की सदकार राजवीचा करती है. देसी मन्द तो (A) श्रीर (B) श्रदेशों को भी दी जा रही है.

(5) केन्द्र में आयकारी और आयरनी पर दैक्स से को इतया पहुंचता है इसमें वह (△) और ं (B) प्रदेशों से तो शिर्यत करता है मगर (C) से नहीं. इस चीयां में हमारा भी इस है जिसको कुछ बोग

सहस्रक नहीं करते.

(6) वन प्रदेशों में बीकशाही या प्रजातन्त्र का समृत्य यथा रहा है. इसकी काह से सोगों में एक जीश देश हुआ है. इसका नतीजा है कि वंबसाला बोजना में विकार की नहीं बाको शिरकत कर सकते हैं बस इद तक कार प्रदेश कार्र कार्र कर सकते. वही कारन है कि विकास

ميلي ميهد و 11-12 تاريخ كو أن جاول واللهون ر بهواب ملسگروں کی کاندراس شماع سے 12 میل دور بها گوا نام کے ایک ٹیلگے مقام پر هوکی جو هماچل فایکی میں ہوتا ہے ، اس کاندرنس کے صدر اجمهر کے بياف منسكر هري هري يهار اريادههايه جي تهار اس لقراس نے ہانیے مدسے کا لمبا ایک بیان پریس کو ایا جو ایک میمورنگم کی شکل میں اس کمهشی کے ماملے پیش کیا جائیکا جس کے سہرد ہددستان کے نکے للفع كن تهاري كا كام كها كها هي .

اس بهان کو دیکھلے پر بته جلتا ہے که ان پردیھوں لے جیف مقساروں پر نیست نابود ھونے کا ھوا جھایا هو أهر أنههن كانى در أس بات كا هر كه اكر ملك كر للهم مين كجه بهر تبديلي كي ككي تويبله هرهي المهدد كدكم جالي والي هدن . أن كا كهذا هي كه سلكب كي بہتری کے لعماظ سے یہ مقاسب ہے کہ مہوردہ سواسی علم کو نییں بدلا جائے ، پر اگر کچھ نیروی بیت رق و پذال فیروری سمجھیجائے بھی تو کم سے کم (\mathbf{C}) دیرجت کے پردیشوں کو بدستور بلے رہتے دیا جائے ، اُسکی انہوں نے کئی ہوہ کنائی میں :---

(1. أن كا جلم كسي أنذاي سي نهون بلكه تأريشي

(2) یہاں کے لوگ جامعے میں که یه بلی رهیں. اس فیٹے اذہی والے کو ٹاپھواتا لوک عامی کے خلاف مولا ہر ودھارہ کے اصولوں کو نظو انداز کرنا ھوگا۔

(3) يه فلط خيال هے كه يه يرديش مركزي سرکار پر بوجه ههی ، یه افتراش اصلهت سے دور ہے اور مرف وهي لوگ كرسكال ههن جالهان حالت كي سجي جانگاري نبهي هي .

(4) هُر پرديش کي آمدني و خرچ کي صورت بیست انهای هے اور اثر کهددر سے کچه مدد آتی ہے دو کھول اُن پوچداؤں وقدرہ کے لیکے جو کیدنور کی سرکار تجویز کرنی هے ، ایسی مدد تو (A) اور (B) پردیشوں کو پھی صی جارھی ہے ۔

(5) کیلدر میں آبکاری اور آمدنی پر ٹیکس سے خور روبهة بهونجها هه أس مهن وه (A) اور (B) بردية بس سے کو شرکمت درتا ہے مکر (C) سے نہیں ، اس جمع میں مناؤا ہی حق ہے جس کو کچھ لوگ معسوس ٹیھن

(6) این پردیشن میں لوکشاهی یا پرجائفتر کا غِيْرِيْهُ بِهِلْ رِهَا هِي. أَسَانِي وَجِهُ بِدِ لُولُونِ مَهِن أَيْكَ جَوْمِي يهدا بدوا يدر اسلا لتليمه، ها كه يلي ساله يهجلنا مهن ويهى فرية يهان وألي فركت كرمكته ههن إس عد تك عوسري پردييش والے ليهن كرسكتے ، يهى كرن في قه والس जो प्रोजैक्ट चला रही है उनमें है. महच केंती की पैराकार बहाने से कोई फायदा नहीं होने वाला है जबतक मांच की जहरत की दीगर चीजें भी मांच में नहीं तैयार होती, यानी खेती कीर प्राम द्योग एक ही चीज के दो पहलू हैं. या वों कहें कि गांव की एक आंख खेती है तो दूसरी माम द्योग है. दनमें से एक के भी दिगड़ने पर सारी शक्ख विगड़ जाती है.

्हम चाहते हैं कि क्या सानिंग कमीशन वाले और क्या मरकजी, क्या सुने की सब सरकारें सभी इस पहलू पर जरा तौर करें और सोचें कि नीखोखेड़ी का सारा काम एक फुनमड़ी जैसा हो कर क्यों रह गया हमारा भरोसा है कि भगर नीजोखेड़ी से सरकार ने ठीक सबक सहं। तरीक़े पर सीख जिया और उसके मुताबिक सारी हकीमों और योजनाभों में तबदीली कर दी तो अब तक की गई मेहनत कि खूल न कही जायेगी, क्योंकि मुबह का मूला अगर शाम को घर लीट आये तो मूला नहीं कहा जाता.

9. 6. '54

—सुरेशराम भाई

सी प्रदेशों का भविश्य

भारत के विधान में तीन तरह की स्टेट या प्रदेश मन्जूर किये जये हैं: (A), (B) और (C). दर्जा (A) में ज्यादातर वह बढ़े प्रदेश हैं जो अंग्रेजों के जमाने में गर्थनीं के सुवे कहताते थे जैसे यूपी, बम्बई, मद्रास बरौरा. दर्जा (B) में वह इताक़े हैं जो अंग्रेजों के जमाने में कोटी बड़ी 600 से अपर रियासतें थीं और जिन्हें सरदार पटेल ने मिसा मिला कर एक बड़ी शक्स हो थी, जैसे सौराश्ट्र, मध्य भारत, त्रिकोची वरौरा. दर्जा (C) में बह इलाक़े हैं जो पहले चीक कमिशनर के सुबे कहे जाते थे या रियासतों की शक्त में थे. दर्जा (C) में के प्रदेश हैं: देहली, अनमेर, कुर्ग, भोपाल, हिमाचल कीर विध्य प्रदेश.

जब से यह (C) प्रदेश बने तब से ही यह सवाल अकतर जोगों के सामने पैदा होता है कि आखिर उनकी प्रकरत क्या है ? क्या अजमेर को राजस्थान में या भोपाल को सभ्य आरत में नहीं शामिल किया जा सकता ? फिर यह भी सुनने में आया कि जब पुराने रजवाहों को भिखाबा का रहा था उस बक्षत भी (C) रियासतों को अजग न रखने का सोचा जा रहा था मगर कुछ आता शखसिवतों की निजी पसंदगी और नापसंदगी भी उनके बनने का एक बाइस बन गई. बहरहाता आज, जैसा इमने अपर अपहें क्या, (C) दरजे में के प्रदेश हैं.

جو چورونائیک چا وهی ها این میں ها مصفی کهنائی کی مختل کهنائی کی مختل کو بدنی دی مصفی کهنائی کی افزار دو دو او می دیمی دیمی کون کی شورون کی دیکر جدویں بهی گون میں نبیعت تدار موثقی می بیدی کو موثقی ایک مین دی ایک آنکه کهنائی هی گون کی ایک آنکه کهنائی هی او عوسری گرام ادیری ها این میں سالی که بھی باکونی پر ساری شکل باکو جائی ها

هم چاهایی ههی که کها پلانتگ کمیهی والے آور کها مرکوی کها صوبه کی سب سرکاریں سهیں اس پهلو پر قرآ فور گری اور سوچهی که نیلو کههوی کا سارا کام ایک پهل جموی جهسا هو کر کهری رد کها آل همارا بهروسه هی که آفر تهارکیهتوی سے سرکار لے تههک سبتی صحبه طریقه پر سیکھ تھا آور اس کے مطابق ماری اسکهدوں اور پر سیکھ تھا آور اس کے مطابق ماری اسکهدوں اور پر سیکھ تھا آور اس کے مطابق ماری اسکهدوں اور پر سیکھ تھا آور اس کے مطابق ماری اسکهدوں اور کی کہی مصلت کو ایا تک کی گئی مصلت کو گھر لوگ آگر گھی جاتے گی کر میں کہا جاتا ہ

سسويش راميهالي

9. 6. 4

سی۔پردیشوں کا بھوشین

پہارہ کے ودھاں میں تیں طرح کی اسالیہ یا پردیھی ملطور کیائے گئے عیں : (A) (B) اور (D) درجه پردیھی ملطور کیائے گئے عیں : (A) میں زیادہ تو ہونے کیائے تیے جسے یوپی ایمیکی مطواس وقیرا، فرجه (B) میں وہ عاقے عیں جو انگریؤوں کے مطواس وقیرا، فرجه (B) میں وہ عاقے عیں جو انگریؤوں کے زمانے سی جوہائی بوی 600 سے آویر ریاسائیں تیوی آور جمایت سردار پالیال کے ما مالکر بوی شکل دی تیوی اجیسے سوراشار استعماد کی ما مالکر بوی شکل دی تیوی اجیسے سوراشار استعماد کی ما مالکر بوی شکل دی تیوی اجیسے دیوجہ (C) میں وہ عالے عیں جو پہلے جیف کمشتر کے صوبے کید جاتے تیے یا ریاسائیں کی شکل میں تیے، دوجہ بہریال عیا رواحی عیں : دعلی اجمیر کوگ بہریال اور وادھی بردیشی عیں : دعلی اجمیر کوگ بہریال اور وادھیہ بردیشی عیں : دعلی اجمیر کوگ بہریال اور وادھیہ بردیشی عیں : دعلی اجمیر کوگ بہریال ایکا کی اجمیر کوگ بہریال ایکا کی ایکا دیا

المحدد ا

غرا سوبھلے کی ہات ھے کد آج همارے گاؤں کیوں تباہ هين ، اللي تو وهان هوتا هي ، مكو أناج كي عالمة باللي شههى سامان جهسم كهوا؛ جونا؛ يرتى؛ يان، يهوى؛ تمها دو تَهُلُ وَفَهِرَة سَهِمِي يَاهُرُ مِنْ لَيْهُ هِينَ ، أِسَ كَا مَطَلَبُ فِي فَهُ اتاج توں سور کی جگه توں چوگانگ کا یوی پکٹے لگ جائے مگر اسان کے ہاس ہوست وہ می تھوں بائے گا ، آج خیاں حمارے دیہائی بہائی برباد هو رہے هیں شاذی بھالا اور لائتھا بہانگ شراب کے نشوں سے وهاں بازار ا ساهوگار ملکر ان کا وجود دگا رہے ہورے قصور تھ سرکار کا ہے نه سنهركار كا له بازار والي وياباريون كا يلكه أس نظام كا جو هم او انگریزوں سے وراثت میں ملا ہے ، جو قعاندی انگریزوں فے اپنے مطلب کے لہارقائم کہا تھا وہ بحسارو جالیا جا رما هے جسکی وجه سے دیہائیں کی حالت دی دوئی راس جولتی خراب هو رهی هے ، جب تک دیہاتوں كل الوالت باهر جاتى هے تب تك ديهاؤوں كا بعد لهدى هو مكتا ، دوسري لقطون مهن ديهانون مهن هول والا كيها مال وهون كام مون أنا جاعها، أور وهون المن الانها مال يلم اور وهمي ولا خرج هو اور خري س نجو بھے وہ شہروں میں جائے ، اندھ بہرے کا میل المازم فيهاتون مهن لهدن قهور سكتا . أنكههن أيك کی اور وہاں کای دوسرے کی رکھانے سے کام انہوں جائم الله معيان كا النام وهمن كا كهواء تيل وقهود هو . أنساني جسم في طوح كان كي أولهك بداوت يهي أيك مكمل نهور ۾ جس ميں جور کي گلجايش ٿيون ۾ ۽

کیلے کیمور کی اس معدل شعل میں نیمی کیوا کیا کیا جمعی کا فرورت افراد د میں کس جدای حواد

करा सोचने की बात है कि आज इमारे गाँव क्यों तबाह है. बानाज तो वहां होता है. सगर बानाज के बालावा बाक्री सभी सामान जैसे कपड़ा, जुता, बतंन, पान, बीड़ी, तज्बाक, तेख बरीरा सभी बाहर से आते हैं. इसका मतक्ष है कि धनाज तीन सेर की जगह तीन खटांक का भी विकने जग जाने मगर किसान के पास पैसा रह ही नहीं पायेगा. आज जहां हमारे देहाती आई वर्षाद हैं शायी व्याह और गांजा भांग शराय के नशों से, वहां बाकार साहकार, और सरकार मिलकर उनका बजुर मिटा रहे हैं.. क्रसर ने सरकार का है न साहकार का, न बाबार, बाबे ब्यापारियों का, बल्फ उस नवाम का जो इमको बंगेजों से विरासत में मिला है. जो ढांचा अंगेजों ने अपने मतलब के लिये क्रायम किया या वह वदस्तुर पक्षाया जा रहा है जिसकी बजह से देहातों की हासत दिन दूनी रात बीग्रनी सराब हो रही है. अब तक देहातों की दीवार बाहर जाती है तब तक देहातों का अला नहीं हो सकता. क्यरे सकती में देहातों में होने वासा करना माल बड़ी काम में बाना चाहिये चौर वड़ी इसका पक्का माल की भीर वहीं वह सर्थ है। और सर्च से जो वर्ष वह शहरों में कार्ये. अभे यहरे का मेख हमारे देवातों में नहीं ठेहर सकता आंधि एक की और चवान बान इसरे की रखने से कार कार्रिया नहीं का कमान वहीं का कपड़ा, तेल सीस हो: हुन्सानी जिस्स की ठरह मांच की आर्थिक बह मी एक मक्नमल कीच है जिसमें जीव की गंगारश

्रिक्षिक के वह प्रकास करता ने नहीं बया किंद्र कर किंद्र के प्रकार के कि क्यों स्मार करकार चे पर पर 88 की बारी के गी. पार्ट के बारवारी वाले . अंधि ने 16 में कि पक दम जबाद हो गरे.

यह नतीमा है 1948 से लेक्ट 1958 तक की गई सरकारी कोशियों का. है सात की गांदी कमाई ! नीतो-केडी बिना गये हम अन्याचा सारा सकते हैं कि बडां के कोंगों की क्या दुर्वशा होगी और यह क्या करते होंगे. सरकारी और अखबारी इसकों का बयान यह है कि पंजाब सरकार ने को बाब वहां का काम हाथ में किया है तो पहली चीच वह यह करने आ रही है कि पहले जो मिसी खली या (Collective) मिसकियत पर चोर दिया जाता था उसकी बजाय अब निजी सिलक्रियत पर फोर दिया आयेगा. उनका कहना यह है कि वहां के इर्द गिर्द को आर्थिक हासत है और बड़ां पर बसने वाले क्याबातर लोगों का जो "बहत क्यादा निजी पसन्द की सवियत" है उसकी वजह से यह तबदीली करना जरूरी है. बहां पर जो इन्जीनियरिंग का कारकाना और प्रेस बरीरा चबते हैं बन्हें पंजाब सरकार ने से विचा है, चाहिर बात है कि सरकारी काम की क्वीलत और दसरे सरकारी महक्यों की मांग की वजह से नीक्षेत्रेड़ी के यह कारबाने बीबारा चलने लग जायेंगे. मगर इससे कीन इन्हार करेगा कि नीलोसोबी बसाने का न यह महसद था और न हो सक्ता है.

जैसा हमने इपर कहा हम नीखोखेडी देखने नहीं जा सके. लेकिन वहां से आने वाली रिपोर्टी के भरोसे पर इतना समझ में था जाता है कि सरकार की मनशा यह थी कि नीलोकोडी एक बच्छा खासा शहर बन जाये बहां तरह तरह के कारखाने और मीज्या तर्ज के कारखाने चक्रते हों और सभी क्षोग रोक्षी से क्षेत्रे रहें. हम नहीं कह सकते कि वहां जो कीआप्रेटिव चाल किये गये वह कितवी इद तक सच्चे कोचामेटिव में और फितजी इद तक दनमें सरकारी खोगों या उस बस्ती के ही मालबार और " अध्रहार लोगों का ज्यावा हाथ था, मगर जब वहां के कारकाने सत्म हो गये तो धनसे इतना साफ पता चलता है कि उनमें जो चीचें रीयार होती भी वह पेसी नहीं बी जो वहां के खोगों के लिये बहुत खरूरी हों और न पेसी . भी को देशकी या दसरे बड़े बाजारों में विदेश से जाने बाले या बढ़ी बढ़ी मिलों में बने सामान का ग्राह्माविला कर सकें. इनकी सापत न नीतोसेड़ी में हुई और न बाहर बाखार में. विश्वाचा वह बैठ गई'. इस बजर से नीक्षोसेडी का बारा काम ठंडा पर गया और वेरोकगारी का हो माना तान्त्रम की बात नहीं है.

इमें नहीं मासूम कि नीबोसेड़ी की नाकामधानी पर मानिय बसीधन बाबे या केन्द्री धरबार के रहतमा लोग

ئ للنبية م 1948 م ل د 1953 تك د لدي سرايق فوالمجون الله بها سال كي ارهي كمالي! لهلوكههوي بِمَا كُلُو عِنْمَ النَّالِةِ لَعَا سَكُنْ هُونِ كَهُ وَمَانَ كُ لُولُونِ فَي كَهِا دردها هركي اور وه كها كياي هونكي . سركاوي لور الشهاري حلقوں کا بھاریا ہے کہ یکھاپ سرکار کے جو اپ رفان کا کام جاتم جون کھا کے تو پہلی جور وہ یہ کرلے جا رہی ہے که پیلی بعد شایی بجلی یا (Collective) شلکیمی پر اور دیا جاتا تھا اس کی بحوالہ اب لجی ملکھمی پر زور فیا جالے ال ، إن ال كهانا يه هے كه وهاں كے اود كرد جو آونهك جالمت ها أور وهان هر بسلم وألم زيادة تر لوكون كا جو البهمه ويادة نعض يسلد كي طبيعت الله وجد س یه تبدیلی کرنا ضروری ہے . وهاں پر جو انجیلیرنگ کا كارخانة أور إريس وفهرة جلتم ههن أنههن يكتجاب سركار غُ لُهُ لَهَا هِي طَاعِرِ بالله هِي كه سركاري كام كي بدولت اور دومات مرکاری معکموں کی مالگ کی وجه سر تهلو کھیوں کے یہ کارخالے دوبارہ چلنے لگ جالهدی مکر اس سے کوں انکار کریکا کے تھلو کھھوی بشائے کا تع بع سکمید تھا أور تم هوسكها هي.

جهسا هم نے اوپر کہا هم تهلو کههوی دیکھلے دیھی ہا سكيد لهكين وهال بدأل والي المورثون كي بهروسه مر أندا سمجه میں آ جاتا ہے کہ سرکار کی مذھا ہے کہی کدر تھلو کھوی ایک اچھا شامه ههر بي جائے جهاں طرح علرے کے کارخالے اور مهجوده طرز کے ارتعالے جلتے هوں اور سههی لوک روزی سے لگار رهیں ۽ هم نهيں کو سکتے که ومان جو کوآوريکو. خالو ليكر عُكِ وه فتكن حد لك سعه كوايرتهو تم اور کتھی جد تک اُن میں مولاوی لولوں، یا اُس بستی کے هي مالدار لور اكر دار لولون كا زياده هاله لها . اعر حب وهال کے کارشائے شاتم هوگئے تو ان سے القا مباف یکد جاتا هر که آن مون جو جورین لبار هولی لبدن وه ایسی قبین الهدين جو وهان کے لوکين کے لوگر بهمت ضروری حوں اور له أيسي النهن بود دهلي يا عوسن يوب بازارون مهن وديش ل الله الله الله يول ملين مون بلي معان كا مقابلة کے بنگریں ۔ اُن کی کیپیٹ لہ لیاں کیدوں میں مہلی اُور تھ بلغ يازاً منى ، لهذا ره يهله للين . اس رجه س نهام ل بالدائد الدائد

عالى المرابع المالي الا الماليون الى الأمواس ال و المنظور وال يا الملقور مرازع رهلنا

पर क्षक नहीं की खरत ये जातर की क्यांक काया कि "स्टेट्रक्रीन" देत जंबीकी जाताह है और हो जंबीका है कि क्यांका है कि क्यांका है कि क्यांका है कि क्यांका है कि नी को की है कि नी को केरी की क्यांकिय क्या है, ह्यांकिये हम जयने पुराने क्यांक पर करें रहे कि सामिंग क्यांका का बहा की बाग होर कि की की की की क्यांका की गुंजाइस हो हो नहीं क्यांकी.

केरिक विकार तीन महीनों में नीकीखेरी के बारे में एक के बाद एक सबरें जाना ग्रह हुई जिनसे इस सीचने बने कि पहर कोई न कोई पनराहर की बात है और फिर इमें "स्टेटसमैव" के तमाइन्दे की रिपोर्ट की बाद हो आई. मास्य यह हजा कि पहली कनवरी 1954 की नीबोकेडी का इंग्लेकाम नेजाब सरकार के सिवर्ड कर दिका गया. वहां पर एक के बाद यक दुशवारियां सदी होने क्याँ और सामिन बसीशन का चेन्डल कन्यनिटी प्रोजेक्ट देवसिनि-स्टेशन व्यक्ता साममा न कर सका और व्यक्तिर बडां की धिक्मेदारी तक वह न संमाज सका. यह भी पता चला कि बहां का काम बांबाबील देखकर नहें दिल्ली बरकार ने विस्त्री युनिवर्सिटी के वर्षशाब महत्रने की शास देवशी रक्ष आफ वडोनासिक्स (Delhi Shool of Economics) से दरकवास्त की कि वहां के काम भाम पर एक रिपोर्ट दैयार करे. यह रिपोर्ट तो हमारे देखने में नहीं भाई सगर 27 अमेल 1954 के "स्टेट्समैन" के पड़ीटर के सिके सक्तमून में बक्के अब जुमते किये गये हैं जो हम बहां देते हैं.

रिपोर्ट तैयार करने के किये 1519 में से 150 साम्यानों की हाबत को सीर से बेसा गया. यह 150 सान्वान योंडी बिसा किसी खास जिहान के जुन तिये गये. 1952 तक बसाने का काम तो काकी इद तक हो चुका था फिर भी बहतेरा करने की बाक़ी था. खास बात यह कि जिन सीगों को मकाश्वयंत पर क्षणाया गया बनमें 45 कीसबी तो ग्रीर स्टिक्टिस कास घर वे और 35 कीसदी की अपना काम बहुत ही क्यादा नापसन्द था. मई 1952 में आकर वार्थिक हासर सराम होना शह हो गई. सोचा वह गया या कि सीकोबोडी अनिवासी पकरतों के मानले में स्वायकस्थी होंसी और पहां तक होना सहकारी या को मानेटिय दंग प्रद शबे पदाया जायेगा. लेकिम देहती रक्षत वासों ने अब 1953 से बहां की जांच दोबारा की ती पता बचा कि 41947 और 1951 के द्विधान को बताने का काम किया शक बढ़ कर कर करम व गरंद हो। गया और हालत फिर बहु ही को की 1947 की कागस्त से विसम्बर तक वानी क्षेत्री के हकाता में बाद की. वेरोकावरी 5 कीवरी

و فک نیون استدار او متر دستن شدال آواف استخداسی استدار او دوساها استخداسی استدار او دوساها استخداسی استدار او دوساها در کها در استهار به در کها در استهار او استهار او در کها در که در استهار او استهار او در کها در که در که

الهكن يجهل تهن مهيلين مهن تهاركهدوى كه بادي جهن ایک کے بعد ایک خورین آنا غروم مرتبی جو سے جم سوچان لکے کہ ضرور کیلی الا کیلی گھدراهمی کی یاس ه لور پهر همهن "استوتسمين" کے نماللده کی رپورت کی یاد هو آئی ، معلوم ید هوا که پهلی جدوری 1954 کو: نهلوکهیوی کا انتظام ینجاب سرار کے مهرد کردیا گها . وملی ہو ایک کے ہمد ایک دھواریاں کہوی ھولے لکھی لور يتنك سيهو لا سينتال كبيرنتى يروجهكت أيد مليد الريدي إلى لا ساملا له كرسكا أور أخر وعال كير فعداري تک ولانه سلبهال سکا ، یه به ، یته چلا که وهان کا کام قانوادول دیکھکر نکی دلی سرکار نے دلی ہوتھورسٹی کے الله هاستو مصمع كي هام دهلي اسكول آف الودامكس (Delhi School of Economics) سے درخراست کی که وهاں کے کام شمام ہر ایک روروف کھار کرتے ، یہ ريورت تو هماري ديكها مهن نههن ألى مكر 27 أيريل 1954 کے "اسٹیٹسموں" کے ایڈیٹر کے لکھے مضمون مھی اس کے تعید جملے لیکے اگے ہیں جو ہم یہاں دیاتے هوي ،

ربورت تھار کرنے کے لئے 1719 سمیریے 150 کالدانوں کے حالمت کو فور سے دیکھا کہا ۔ یہ 150 خاندان یونہی ية كسى خاص لعماظ كے جي ليئے كئے، 1952 لك يسالے ا کام کو کافی حد تک هوچکا تها المر المی بهتمرا کرلے کو بالی تها . خاص بات یه که جی لوگون کو مازمت پر لكاياً قها أن مين 45 فيصدى تو غير مستقل كم ير تص لر 35 فرصدي كو ايدًا نام يهمت هي زيادة تايسك لها . مثى 1912 مين أكر أرتيك حالت خراب هرنا شروع عرككي ، سوچا يه گها لها نه نهلونههوي بلهادي ضرورتون کے معاملہ مہں سواوامیں هوای اور جہاں لک هوا سراوی یا کوآپریگو تعلگ پر آیے جانیا جائیا ، لیکن دھلی السعول والوں نے جمیہ 1953 میں وہاں کی جانبے دوبارہ ي بريعه جد ده "1947 اور 1951 كـ درميان جر بسال الم الها ألها أوه سب خدم و نهك مولها أور حالت على بدهر فكن بمو 1947 كى السمع بير دسمور تك يعلى تهاراندون کی فرزداد کے واست تھی۔ بیروزاری کا فیصلای

नीलोखेड़ी की फुलकड़ी

दो बरस पहले की बात है. "नया हिन्यू" के प्रेमी पाठक जानते हैं कि वर्षा के प्रोफेसर ठाड़र दास बंग और कई साथियों के साथ इस इदावा गये ये जहां इमने पक समरीकी माहिर की निगरानी में चलने बाली गांव सुधार योजना को खूब सहत्यात से देखा समम्म बा. इस इस नतीजे पर पहुंचे थे कि इदावा योजना एक घर फूंक तमाशा है जो हमारी देहाती जनता को और भी ज्यादा तबाइ व वर्षाद करेगी. वक्त ने साबित कर दिया है कि हमारा क्याल सही था. वन्हीं दिनों इमारा इरादा था कि सागे बढ़ कर देहली तक जायें और वहां से बोड़े से कासिले पर पंजाब के सूबे की इद में नीजोखेड़ी नाम का जो मुक़ाम है कसे भी देख आयें. मगर बक्त की तंगी की बजह से ऐसा न हो सका और इम अब तक नीजो खेड़ी नहीं जा सके.

नीकोखेड़ी एक शहराती बस्ती (Township) है जिसे सन 1947 के बाद से बसाया गया है. उसके सभी बाशिन्दे शरनार्थी हैं जो पाकिस्तान से आये हैं. सन 1952 तह वहां पर 1519 खान्दान बसाये गये थे. यहां का सारा इन्तजाम मरकजी सरकार की देख रेख में था और सन 1952 के ग्रुक्त में उसकी सारी जिन्मेदारी सानिंग कमीशन की तरक से सेन्द्रल कन्युनिटी प्रोजेक्स पेडमिनिस्ट्रेशन Central Community Projects Administration) ने ले ली. इटावा की तरह की तरह नीजखेड़ी की भी बड़ी चर्चा थी और कहा जाता था कि यहां शहराती व देहाती दोनों तरह की स्कीम या कम्युनिटी प्रोजेक्ट चताया जायेगा और सारे मुल्क के तिये मिसाल पेश करने वाला काम किया जायेगा. इसके साथ साथ यह भी दावे थे कि कारतकारी बढ़ाने, आने जाने के श्वरिये फ़ीलाने, और स्कूल, अस्पताल बरोरा खोलने के अलावा खास जोर "इम्सान बसाने" पर दिया जायेगा. इम उम्मीद करते थे कि चंकि सानिष कमीशन खुद नीखोखेड़ी की कशती की से रहा है इसिवये वाक़ई कोरदार नतीजे निकलेंगे और मुल्क की नई तामीर का नक्तशा हमारे सामने चाचेता.

इमारा स्थाल था कि नी बोखेड़ी में ढंग से काम चल रहा है मगर 1953 के शुरू में दिल्खी के "स्टेट्समैन" अक्षभार के जास नुमाइन्द्रे की एक है रतअंभे ज रिपोर्ट अपी. उसमें जिला था कि को आपनेटिय के सरकारी तरी के पर जो योजना वहां चल रही है वह नाकाम साथित हुई है और बेरोजागारी वरौरा शिद्रत से बढ़ रही है. जिम्मेदार अक्षबार की तरफ से रिपोर्ट होने की चलह से इम उस

نیاو کھیڑی کی پھل جھڑی

دبوسویے برس پہلے کی بات ہے۔ ''نہا ہدہ'' کے پریمی ہاتھک جانگے ہیں کہ وردھا کے پروٹیسر ٹھاکر داس بھگ اور کئی ساتھیں کے ساتھ ہم آثارہ کئے تیے جہاں ہم نے ایک امریکی ماہر کی نگرانی میں جلنے والی آؤں سدھار یوجھا کو گوپ احتماط سے دیکھا سمجھا تیا ، ہم اس تعہجہ پر پہونچے تیے کہ آثارہ یوجھا ایک کیر پہرنک تماهہ ہے جو ہماری دیہائی جنھا کو اور بھی زیادہ تھا تماہ کو پراد کریکی ، وقت نے گابت کردھا ہے کہ ہمارا شھال محصوم تیا ، آنہیں دنوں ہمارا اوادہ تیا کہ آئے ہوھکر دھلی تک جائیں اور وہاں سے تھوڑے سے فاصلہ پر پھجاب دھلی تک جائیں اور وہاں سے تھوڑے سے فاصلہ پر پھجاب کے صوبہ کی جید میں نیلوکھیڑی نام کا جو مقام ہے آسا نہیں دیکھ آئیں مگر وقت کی تفکی کی وجہ سے ایسا نہ ہوسکا اور ہم آب تک فیلوگھیڑی نیمی جاسکے ،

نهلوکهیوی ایک هیرانی بستی (Township) ه جسے 1947 کے بعد سے بسایا گیا ہے ، اس کے سبھی بشندے شرنارتھی میں جو پاکستان سے آئے میں ، سن 1952 لک وهاں پر 1519 خاندان بسائے گئے تھے . یہاں كا سارا العظام مركزي سركار كي ديكه ريكه مهن تها اور سرر 1952 کے فرزم میں اسکی ساری قامعداری ہاننگ کمهشن کی طرف سے سیلگرل کمیونگی پروجهکاس اید منستريدي Central Community Projects (Administration نے لے لی. اقاوہ کی طرح نیلوکھھڑی کی بھی ہوں جرچا تھی اور کہا جاتا تھا کہ یہاں شہراتی و دیهاتی دونین طرح کی اسکهم یا کمهونگی وروجهکت جالیا جائیکا اور سارے ملک کے لگے مثال پیص کرنے والا کام کیا جائیکا ، اس کے سانہ ساتھ یہ بھی دعرے تھے که المكتاري بوهالي أن جان ك فريعه بهمان اور اسكول اسهمّال وفهوه کهوللے کے مالوہ خاص زور '' انسان اسالے'' ير ديا جائيكا . هم أميد كرت ته كه جونكه ياللك كبيمن خود تهلوكهموى كي كهجي كو كم رما هـ أسليك والعى ورودار تعيمها تعليلكم اور ملك كي نكى تعمير كا . لقفه همارے ساملے آلے ا

همارا شهال تها که نهاوکههوی مهری هفک سے کام جال رہا ہے ۔ مکر 1953 کے شروع مهر دلی کے ''اسٹیڈسیوں'' اشہار کے شامی نمائندہ نی آیک عمرت انکوز روروٹ جوہی، اسمهی لکها تها که توآبری آو کے سراری طریقه پر جو پیچھا رہاں جال رهی ہے رہ ناکام کابت هوئی ہے ۔ آبیو بہروزگری وفیرہ شدت ہے ہوہ رهی ہے قامدار گی طرفت سے وہروٹ هوئے کی وجه سے هم اس

A STATE OF THE STATE OF

बोधी में इस बात की समयीक कर बी कि जागर संहगाई की बगह बन्दें जवादा निवाम पादिने तो इस दिसाब से सुरक के दूसरे बोगों की जामदिनमां प्रयादा हो गई है. नहीं, वन्दें नहीं स्थादा धाया. अकसोस इस बात का है कि जब जाजायं सुप्रकानी जैसे उनके नुजुर्ग साथी ने कांग्रेस बाबों को बाद दिलाई तब भी उनके ऊपर बोई असर नहीं हुआ. मसल मशहूर है कि चिक्रने पढ़े पर वानी का कोई असर ही नहीं होता.

शायद बमारे जवाब में कोई कांग्रेसी माई कहेंगे कि इसने रानखदाइ वरौरा सुक्रर्रर की तो कीन नाइन्साफी की. अंग्रेजी पार्तियामेन्ट के मेन्बरों ने तो अपनी तनकशह एक हजार पाँड सालाना से देढ हजार पाँड कर खी. इस वखील पर सिवाय तरस साने के और क्वा किया जा सकता है क्योंकि इंगिक्सतान हिन्दस्तान नहीं है और न हिन्दुस्तान इंगिखस्तान है. लेकिन इंगिलस्तान की पार्तियामेन्द्र बालों की एक समुस्थियत है कि वह एक इर के जन्दर रह कर काम करते हैं और सोक राज का स्थास रखते हैं. यह बात हिन्दस्तान की पार्तिया-मेन्द्र वाशों के बारे में नहीं कही जा सकती है. कैसे दस की की क है कि हमारी पार्वियामेग्ट के बहुत से मेम्बर स्रोगों ने अपने रहने के कमरों को किराये पर उठा रक्सा है और जितना किराया खद नहीं देते उससे ज्यादा अपने किरायेदारों से वसल कर लेते हैं. यानी अपने क्सरों को भी चन्होंने आमरनी का जरिया बना जिया है. बाद यह एक देशी बात है जिसे जान कर हर हिन्दस्तानी की चांखें धर्म से दूब जायंगी. जब मेम्बर लोग इस तरह नाजाइज आमदनी के पीछे पहेंगे तो उनसे मुल्क की बेहतरी की क्या उम्मीद की जा सकती है. उनकी खुक्राओं के पुतले कहा जाये तो नेजा न होगा. एक महती से सारा तासान ही गंदा हो जाता है.

तिस पर भी कीन जाने कि हमारे हुक्काम कीर कांग्रेसी भाई हिन्दुस्तान को इंगलिस्तान बनाने के क्याब देखते हों तो हम बनसे यक्तीन व नम्नता के साथ कहना बाहते हैं कि हिन्दुस्तान हरांग्रज इंगलिस्तान नहीं बनेगा, आज कपनी हकूमत के नहों में चूर हो कर बांग्रेस वाले या दनके इसक्यास जिस तरह चाहें जनता को तक्लीफ दे लें सेकिन कल, कल नहीं तो परसों, इस मुल्क की जनता क्याबे पैरों पर खड़ी हो कर गांव गांव "माम राज" आवस करेगी और मुल्क के अन्दर इन्साफ व ईमान की इकूमत या इन्सानी हकूमत क्राबम करेगी जिसमें मीजुरा पालिसामेक्ट सेसी "बांम्स" और "वैश्या" जमाजतों की कोई जमह मही होगी.

B. 6. '54

—सुरेशराण गाई

شاید همارے جواب میں کوئی کانگریمی بھائی کھیلگے هم نے تقطواہ وقهرہ مقرر کی تو کون نا انصافی کی، فریزی پاولهاملت کے ممبروں نے تو اپذی تفشواد ایک ار بونگ سالانه سے قبوہ هوار بونگ کر لی ، اس دلهل ہر الله ترس کهالے کے اور کیا کہا جا سکتا هے کهونکه عنستان مندستان نهور هے اور نه مندستان انکلستان ر لهكين الكلستان كي بارلهاملت والون كي أيك صیصیت ہے که وہ ایک عد کے اندر رد کر کام کرتے میں ر لوک لیے کا خهال رکھتے ههی . يه بات هلدستان كي رلهاملم والوں کے ہارہے میں نبین کہی جا سکتی ، سے دکھ کی چیز ہے کہ عماری پارلھاملت کے بہت سے بھو لوگوں نے اپنے وہانے کے کدروں کو کرایہ پر اُٹھا وکھا تھے بحكمًا كراية شود نهين ديكم أس س زيادة أبي كرأية روں سے وصول کو لیکے هیں ، یعلی آئے کسروں کو بھی وں لے آدیائی کا فریعہ بقا لھا ھے ۔ آپ یہ ایک ایسی عا ہے جسے جان کر هر هددستانی کی آنکههی شرم سے ب جائين كي، جب معبر لوك أس طرح ناجائز أمدني پہنچو پڑیں کے تو ان سے ملک کی بہتری کی کیا اُمهد ے جا سکتی ہے . اُن کو شود فرضی کے پدلے کہا جائے بهنها له هولا . ایک مجهلی سے سارا تالاب هی گلدا ر جاتا هـ ،

لس پر بھی کری جانے کہ هدارے حکام اور کانگریسی بائی مدستان کو انگلستان بغانے کے خواب دیکھتے وں تو مم آئی سے بلقین و نمرتا کے ساتھ کہنا جامتے مہیں ہدیات کہنا جامتے مہیں ہدیات آئے آپئی حکومت نہمہ مہیں چور هو کر کانگریس والے یا اُن کے هم خیال بیس طرح چاهیں جلگا کو تکلیف دیے لیں لیکن کل بیس طرح چاهیں جلگا کو تکلیف دیے لیں لیکن کل کی نیمی تو پرموں اُس ملک کی جلگا آئے پوروں پر ہوی ہو کر گاؤں گاؤں '' گرام وائے '' قائم کرے گی اُور ملک یہ آئیو آنصاف و آیمان کی حکومت یا انسانی حکومت یا انسانی حکومت یا انسانی حکومت یا انسانی حکومت کا پرانجہ '' اُور '' ویشها '' جد'ملاس کی کوئی جاکہ نہیں اُنے جاملاں کی حکومت کی کوئی جاکہ نہیں اُنے جد'ملاس کی کوئی جاکہ نہیں کی کوئی جاکہ نہیں اُنے جاملاں کی حکومت کی کوئی جاکہ نہیں کی حکومت کی کوئی جاکہ نہیں کی کوئی جاکہ نہیں کی جانے کی کوئی جاکہ نہیں کی جو کوئی جاکہ نہیں کی حکومت کی کوئی جانے کی دیا گوری جانے کی جانے کی کوئی جانے کانگریں گی جانے کی کوئی جانے کی خواب

--سريص راميهالي

8. 6. 54.

(iii) मीजूदा इस्तूर के मुताबिक गहबा बाखीख रुपया रोख भत्ता.

कांपेस की तरफ से जाने वासी नई राजवीय की मुखाबिकत बाबार्व क्रपकानी ने की और इसी तरह कम्युनिस्ट पार्टी के नाइब लीबर श्रोकेसर मुकर्जी ने भी. मगर जहां अकसरयत पर सारे फैसले होते हों वहां कम तावाव वालों की तरफ से जगर कोई जरूबी से जरूबी बात भी पेश की जाये तो वह बेकार सी साबित होती है. ताञ्जूब इस बात का है कि जो नई तजवीज कांग्रेस मेन्बर ने पार्कियामेन्द्र में पेश की वह कांग्रेस की तरक से इस कमेटी में नहीं पेश की गई जिस के हवाले यह काम गया था. हिन्दस्तान की कैसी बदक़िस्मती है कि इसकी सब से आला कही जाने बाली पार्तियामेन्ट नाम की समा के मेम्बर अपने खाने पीने और रहने सहने के सवासों पर एक राय नहीं हो पाते. इसमें हम कांग्रेस पार्टी को सब में द्यादा क्रसरवार ठैडराये विना नहीं रह सकते.

ऐसी डाक्त में जब देश की डाकिम कांग्रेस पार्टी के कोग निजी सवाकों पर मिल जुल कर अमल नहीं कर सकते तो भना गुल्क की जाम जनता से वास्ता रखने बाले और एक से एक पेचीवा सवालों पर किस तर एक राय हो सकते हैं. शायद यह दोश कामें स पार्टी का इतना नहीं जितना पार्खियानेंटी निजाम का है. जिस अंग्रेजी पार्लियामेंट की यह नकता है इस पार्वियामेन्ट के बारे में संजीदा अंग्रे जों ने दुनिया भर की राप का अडा". "बच्चा" और 'कोई सच्चा ईसाई इनका मेन्बर नहीं हो सकता" क्रीरा खक्क इस्तेमाल किये हैं और महात्मा गांधी जी ने पार्कियामेन्ट की मिसाल "एक बांम औरत और बैरया" से दी है. महारमा गांधी ने यह भी कहा था कि पार्कियामेण्ट के मेम्बरों में "न सक्वी ईमानदारी होती है और न जानदार अन्तः करन या अभीर." हिन्दस्तान की पार्खियोमेन्ट ने साबित कर दिखाया कि महात्मा गांधी के दोनों बयान सोखह जाने सही व वाजिब हैं.

इसके अलावा मामली इन्सानी खिडाज से भी देखें ती मानना होगा कि पार्तियामेन्ट बार्लों ने यह दिख पास कर के ज्यादती की है. जिस बन्नत उन्होंने ऊपर वाले बिस को पास किया इस बन्त उन्होंने अपने दिस पर हाथ रस कर देखा होता कि क्या छन्हें अपनी कांस्टी-शुरेनची के उन रारीकों की याद है जिन्होंने पुरत दर पुरत यह भी नहीं जाना कि भर पेट खाना किस चिट्या का नाम है. जिनको अल्क की हर तरक्की तवाही एक से एक गहरे सागर में हवी देती है और जिनकी आंखों के जागे राज भले कोई जा जाने बजाता नजर नहीं चाता. या जाने दें इन रारीयों की. क्या इमारे इक्सरां (114) موجودة الشاكور كے مطابق مصفی جاليس 4204 jas 44433

کاکریس کی طرف ہے آلے والی تکی تجویز کی مطااهمت آجاریه کرهالی لے کی اور لسی طرب کمهونست پارٹی کے قائمی لیڈار پروفیسر مکوجی نے بھی۔ مگر جہاں اکاریمت هر صارب فیصلے هوتے هوں وهاں کم تعداد والوں کی طرف سے اگر کوئی اجمی سے آجمی بات ممی بیش كى جائے لو وہ يهكار سى ثابت عربى هے، تعجب أس بات کا ھے که جو لگی تجویز کانگریس ممهر نے پارلیاملت میں پیش کی وہ کالگریس کی طرف سے اُس کنوٹی مهن نہوں پیش کی گئی جس کے حوالے یہ کام کیا گیا تها . هلدستان كي كيسي بدلسمتي هي كه اسكي سب سے اعلیٰ کھی جالے والی پادلیاملت نام کے سبھا کے مممر آھے کھالے پولے اور رہانے سیانے کے صوالیں ہو ایک والم نهجي هو هاتم ۽ أس مهن هم كانكريس يارتي كو سب مهن زياده قصوروار تُهمِرائه مِنَا نَهمِن وه سَكِيَّهِ .

أيسى حالت مهن جب ديش كي عاكم كانكريس ہارائی کے لوگ نجی سوالیں ہر مل جلکر مثل نہیں كرسكات تو بهلا ملك كي عام جلتا بي واسطه ركهني والي اور آیک سے ایک پہچیدہ سوالوں پر کس طرح ایک راثے هرسکتے هيں. شايد يه درهي کانکريس پارٽي کا اتفا نہيں جتما بارلهاملتري نظام لا هي . جس أنكريزي بارلهاملت کے یہ نقل مے اس بارلہامنت کے ہارے میں سنجهدہ الكريزوں نے "فلها بهر كى هب كا ادا" ويجها اور الأوركي سنها عيسائي أن كا ممير نهيس هوسكتا" وفهرد للظ أستعمال كهاء هيل أور مهاتما لاندهى هي في بارلهاملت کی مثال " ایک بانجه مروت اور ویشها " بے سی ھے . مہاتما گاندھی نے یہ یہی کہا تھا کہ پارلھاملت کے سمہرس مهن " ته سجي أيمانداري هوتي هي اور ته جاندار انته کرن یا ضمهر یا هدستان کی یادلهاملت نے ڈابت ک دانهایا که مهالما لاندهی جی کے دونوں بهان سواء آلے معصهم و واجب هين .

أس كے علوہ معمولي أنسالي لحاظ سے بھی ديكھيں تو مانقا هو که پارلهاملت والوں نے یہ بل پاس کر کے زیادتی کی ہے ، جس وقعت أنهوں نے أوبر والے بل كو ياس کیا اُس رقبعا آنہیں نے آنے دل پر ماتھ رکھکر دیکھا۔ موتا که ایکا آنهای آیلی آیلی کانستی چرینسی کے ان فریبوں کے عاد ہے جنہیں نے بعدت دربعت یہ بھے نبھی جانا که بھر پیس کھانا کس جویا کا نام ہے۔ جس کو ملک کی هر ترقي تهاهي ليك بن ليك كبرير ساكر مين ةبو دياتي في أوو جي كي أنكون كي ألو وأج بهار كولي أجال أجالا نظر نهون أفا ، يا جالے دين ان فريبوں كو . كها هدارے حسكراں



उनके मन की मौज

آنکے من کی موج

नई दिल्ली में को इमारी पार्कियामेंट (या बोक सभा) है उसके मेम्बरों को अब तक कोई तनख्वाह नहीं मिलती थी, जिस दिन वह पार्लियामेंट की बैठक में हाजिर हों इस दिन का वह चालीस रुपया भत्ता लेते हे. मगर पालिया-मेन्ट के पिछले इजलास में 14 मई को एक मया बिल उन्होंने पास किया जिसके मुताबिक्त उन्हें बाइन्दा बह चीचें मिलेंगी:

(i) तनस्वाह बार सौ हपवा माहवार.

(ii) पालियामेन्ट की बैठक में हाफिर होने पर इक्कीस (Rs. 21/-) इववा रोज.

(iii) हिन्दुस्तान भर में कहीं भी रेख से आने

जाने के बिये दूसरे दर्जे के दो मुक्त पास.

(iv) उनको और उनके सान्दान वालों को बीमारी में सुकत दवा वरौरा.

(v) मकान, टेबीफोन व डाक की सहुवियतें.

(vi) किन्हीं सरकारी कमेटियों के अगर वह मेन्यर हों तो सरकारी कायदे के मुताबिक रोज नया

मत्ता, सफर खर्च वरीरा.

पार्तियामेन्ट के मेम्बर खुद ही क्रानून बनाने वाले हैं, जो बाहे वह कर सकते हैं. स्याह या सफ़ेद जो भी करें इनके मन की मौज है. इम जानते हैं कि इस विता के पास होते बक्कत जो बोट लिये गये छस में पंडित नेहरू व दीगर मिनिस्टरों ने हिस्सा नहीं क्षिया मगर विक को यह शकत कांग्रेस पार्टी के एक मेम्बर की तजवीज के मुताबिक ही दासिल हुई. इसलिये यह मानना पहेगा कि हांग्रेसी निमिस्टरों और कांग्रेस पार्टी की पूरी सलाह से मह काम किया गया. वैसे इस बिल का मसीदा बनाने का काम जिस कमेटी के सिपूर्य हुआ या इसने तो सिर्फ यह विकारिश की थी:

ू (🤼) तमस्वाह तीन सी वर्ग्या माहबार.

(ii) पार्श्विमामेंद की बैठक में हापिर होने पर ही स स्पना रोज या दन दोनों की बनाय.

فكى دهاي مهن جو هماري يارليا مقدى (يا لوك سهيا) ہے اسکے مدھروں کو اب تک کوئی تقضواہ ٹھھی ملعی ہی ، جس دن وہ پارلیاملت کے بیٹیک میں عالمر اس دن کا را جالیس رویه بهته لیتے تھے ، مگر ارلیامدے کے بحیلے اجلس میں 14 مگی کو ایک نیا ل انہوں نے پاس کیا جس کے مطابق انہوں آئندہ یہ بهزين ملهلكي :

(i) تلخواه جار سو روبهه ماهوار .

(ii) بارلهاملت کی بهتهک میں حاضر هولے اکهس -/Rs, 21 رویهه روز .

(iii) هذه مان بهر مهن کههن بهی ریل سے لے جانے کے لھکے دوسرے درجہ کے دو مقت یاس

(iv) انکو اور انکه خاندان والی کو بهماری هن مقمص دوا وقهرلا .

(▽) مكان تهلهدون و ذاك كي مهولهتهن .

(Vi) کلھیں سراری کمیٹیوں کے اگر وہ صمیر وں تو سرکاری قامدہ کے صطابتی روز تھا بھتما سدر شربے

ھارليامده كے مسهر خوف مى قانون بدالے وألے هيں؛ بو جاهے وہ کرسکتے هیں ۔ سیاہ یا سفید جو یہی کریں ں کے میں کی موہ <u>ہے</u> ، هم جانگہ هیں که اس بل کے اس هوتے وقع جو ورث لیگے گئے اس موں پفکت نہرو و یکر منسٹروں نے حصہ نہیں لیا مکر بل کو یہ شکل نگریس پارٹی کے ایک ممبر کی تنوریؤ کے مطابق ھی عاصل هوايي. أسهلكم يه مانكا بويكا ته كانكريسي مدسكرون ر کانگریس ہارٹی کی ہوری صلح سے یہ کم کیا گیا ۔ شے اس بل کا مسودہ بنانے کا کام جس کمولی کے سورد ﴿ لَهَا أَسَ لِهِ تُو صُرَفَ بِهُ سَدَارِهُمِنَ كَي تَهِنَ وَ

(i) للحاولة لهي سو رزيهة ماهوار .

(ii) ياولهاملت كى بهلېك مهن هانېر هوله بهس روههد روز یا أن مولوں کی بحالے 4 "बाप बेटे" का हीरी बजारक है. वह एक नीजवान भावमी है और डाक्टरी का विद्यार्थी है, जीवन से निराश है और किसी चीज़ पर विश्वास नहीं करता. इसी नीजवान के बारों तरक पूरा नाविल चूमता है जब यह नाविल पहले पहल निकला था तो नीजवानों ने इस की खूब ले दे मचाई. वह लोग इस को नीजवानों पर इमला सममते थे. लेकिन यह यथार्थवादी नाविल है और उस समय नीजवानों की जो असली हालत थी उस का चित्रन इस में मिनता है.

यह नाविल दुनिया के साहित्य में एक नहें परम्परा की कुनियाद है. जीवन को परसने, सममाने और संवारने का सबक्र इस नाविल से मिलता है.

जामा मिल्लिया उर्दू और हिन्दी को साहित्य के अनमोल रत्न देता रहा है तुरगनेक के "बाप बेटे" को पेश कर के उसने अपनी परम्परा को निभाया है. लेकिन हमें एक शिंकायत है. वह यह है कि अनुवाद का स्तर गिरा दिया गया है, जामा मिल्लिया ने बहुत से अनुवाद आपे हैं और बह पेसे हैं कि पढ़ कर यह कोई नहीं कह सकता कि यह अनुवाद हैं. लेकिन "बाप बेटे" का अनुवाद अनुवाद ही माल्म होता है. छपाई बेहद खराब है. इस से पढ़ने में अयान बट जाता है और लुत्क में कमी जा जाती है, दाम भी क्यादा रक्सा गया है. उम्मीद है कि दूसरे पेडीशन में यह कमियां पूरी कर जी जायेंगी.

--- मुजीब रिखवी

श्कर

दो माही रसाला, पडीटर—पस. प. हुसेनी; मैनेनिंग पडीटर—सर्वर बंडा; मिस्नेन का पता—शऊर पन्लिकेशन्स; 699 इसमान पुरा, हैद्राबाद दकन, साखाना चन्दा—दो दपया, सका 112. 20×30 में यह रिसाला निकालता 16

है. यक कापी का दाम छः आना है. कवर पर खूबसूरत कता चित्र है. इस रिसाले का मक़सद जनवादी और तरक्की पसन्द अदब की सेवा करना है.

इस रिसाले में कई अच्छे चित्र विये गये हैं. उद् के अच्छे लिखाने वालों का इस को सहयोग हासिल है. कहानियां, नर्फो, उयंग और चित्रकता पर जेस, सब अच्छे हैं. उन्मीद है कि दो चार नम्बर निकत कर यह रिसाला बन्द न हो जायेगा.

्र — हुजीव रिजवी

الله المحالية المحمور الموارف في ولا أيف المحمول المح

یہ ناول دنیا کے سامعیہ میں ایک نئی پرمہرا کی لماد ہے ، جیون کو پرکھلے' سنجھلے اور سلوار نے کا سجھ اِس ناول سے ملتا ہے ۔

جامعه ملهه أردو اور هلدی كو ساهتهه كے انمولرتن ايك رها هے. توركنهف كے "باپ بهتے" كو پهم كركے سے الهلی هرمورا كو نههاها هے. لهكن هم ن ايك كالهد هـ ولا يه هـ كه البوراد كا استر كرا ديا كها هـ هامه ملهه نے بهت هـ كه البوراد جهائي ههن اور رلا ايس بهن كه پوهكر يه كوئى نههن كه سكتا كه يه انبواد ههن يكن الهاب بهنائى كه يدد كراب هـ اس سے پوهئے مهن دههان بت هههائى هـ دد كراب هـ اس سے پوهئے مهن دههان بت هاتا هـ اور لطف مهن كمي آ جاتى هـ ، دام بهى زياده كها كها لها هـ . أمهد هـ كه دوس يه ايكنا هـ ، دام بهى زياده لمهان پورى كراى جائهركى،

--مهیب رقوی

شعور

دو ماهی رساله ایتیگرسیس ، اے ، حصفی المیتوبنگ ایتیگرسبرور قندا الملی کا یتهسلمبرور قندا الملی کا یتهسلمبرور قندا حیدرآباد دار الماله جنده دو رویه کا محمد محمد محمد محمد الملاحد دو رویه کا محمد الملاحد کا محمد الملاحد کا محمد کا م

تکالعا ہے ۔ ایک کاپی کا دام چھ آنھ ہے ۔ کور پر خوبصورت کا چھتر ہے ، اِس رسالے کا مقصد جغوادی اور ترقی بسفد ادب کی سھوا کرنا ہے ۔

اس رسالے میں کئی اچھے چھر دئے گئے میں ، أردو کے اچھے لکھلے والیں کا اِس کو سیموگ عاصل ہے ، کہانیاں' تظمین' رینگ اور چھرنظ پر لیکو' سب ایھے میں ، آمید ہے کہ دو چار نمور نکل کر یہ رسالہ بند نم مو جائے گا ،

--بعهب رفرون

Catan sa

में बातुमव **शांक्रिक किया और अब "सेवा** माम" नाम का एक हिन्दी साप्तादिक निकास रहे हैं. इस अखबार का लख है—"ग्राम सेवा ही, देश सेवा है."

इस अखनार में किसानों की मतलब की बातें होती हैं. इन के हित की सूचनायें होती हैं और अपने माग्य को बदलने के लिये उन्हें नई नई बातें बताई जाती हैं. सच मुच इस अखनार से किसानों को बहुत फायदा होगा. गांव वालों के लिये बहुत अखनार निकले हैं लेकिन इस टक्कर का कोई भी मेरी नजर से नहीं गुजरा.

इस अखबार की छपाई बहुत ही सुन्दर होती है और इस की सजाबद मन मोईक होती है, यूपी सरकार ने इस अखबार को मंजूरी दी है. अगर जनता थी सहायता दे तो यह अखबार सरक्की कर सकता है और देश की कुछ न कब सेवा कर सकता है.

—मुजीब रिजवी

मखदूम के सौ शेर

संकलन करने वाले—वामिक जीनपुरी, बकार खतीब, हकीज इक्रवाल; निकालने वाले—बदारा मतनुवात मजजन, 235 मुराजपुरा, हैद्रावाद दकन; लिखावट— हर्द: वाम चार बाना,

मखदूम का परिचय देना बेकार है. उद् के दो चार शायरों का नाम जब भी लिया जाता है मखदूम उस में जरूर चा जाते हैं. उन के बहुत से दीवान हैं. लेकिन इस होटे से पैन्फलेट में संकलन करताओं ने कुल सी शेर छांट कर रक्खे हैं. शुरू में झाजी चन्द्रल राफ्कार ने "मखदूम पर एक नजर" की सुर्खी से दो शब्द लिखे हैं. काजी साहब ने मखदूम की शायरी पर काकी रोशनी डाली है. यह पैन्फलेट मखदूम की शायरी को नमूने के तौर पर पेश करता है और इसे पढ़ कर युक्त सकीन है लोग मखदूम की रचनाओं को द'ड कर पढ़ने की कोशिश करेंगे.

--- मुजीब रिषावी

वाप बेटे

जिलाने वाले—तुरगनेकः, अनुवाद करने वाले— अनवर अजीमः, निकालने वाले—मकतवा जामा लिमिटेड देलीः, विलावट—सर्दुः, सका 399ः, वाम—पांच रूपये.

त्रानेक की गिन्ती हस के महान साहित्यकारों में होती है. यह अपनी रचनाओं में उन्नीसनीं सदी के बीच के युग का चित्रन करते हैं. उस समय की बाहरी घटनाओं और आव्सियों के अन्यूक्ती भानों को वह अच्छी तरह जानते हैं और इस का चित्रन भी इस तरह करते हैं मानो कोटो सामने रख दें. میں انوبیو حامل کیا اور آپ " سیوا کرام " نام کا ایک ملدی حابقاتک نکال رفی میں . اس اخبار کا لکھی ہے۔۔۔۔ کرام سیوا ھی دیھی سیوا ہے ۔''

اس آخیار میں کسانوں کی مطاب کی بالیں عبتی عیل آئی کے هیں اور آئے بیائیں عبتی عیل نظری کی مطاب کی بالیں عبت بیائی بیائی کے فیل آئیوں نگی نگی بالیں بگائی جاتی میں ، سے مے اِس اخیار سے کسانوں کو بیمت فائدہ عبال گاوں والیں کے لیگر بیمت سے اخیار تکلے عیل لیکی اِس تکر کا ٹوئی ہی میری نظر سے نیدی گزرا ،

آس آگهار کی چههائی بهت هی سادر هولی هے لور اسکی سجارت می موهک هوئی هے ، یوبی سرکار لے اس آگهار کو مقطوری دی هے ، اگر حققا بهی سهائقا دے تو یہ آگهار ترقی کرسکتا هے اور دیش کی نجه نه کجه سهرا کرسکتا هے ،

مسجههب رقبوي

مخدوم کے سو شعر

سلكلى كول والى واقى جونهورى؛ وقار خلهل؛ علم عليه المال أنكاله والهادارة مطهومات مكاون؛ 235 ملهورة حمد وآباد دكى؛ لكهاوت أحاردو؛ دام جهار آبه.

معدوم کا پریمچے دیفا بھکار ہے ۔ اُردو کے دو جار شاعروں کا نام جب بھی لیا جاتا ہے متعدوم اُس میں شرور آ جاتے میں ۔ اُن کے بہت سے دیوان ہیں ۔ لیکن اُس جھوڑتے سے بمفلمت میں سقتائن کرتاؤں نے کل سو شعر جھانمت کر رکھ میں ، شروع میں تنفی عبدالنفار نے "مشدوم پر آیک نظر" کی سرخی سے دو شید لیے میں ، قافی صاحب نے مخدوم کی شاعری پر کانی روشائی قافی صاحب نے مخدوم کی شاعری کو نمونے کے طور پر پومی کرتا ہے اور آسے پومیر محبے یقین ہے لوگ محدوم کی رجفاؤں کو ڈھرندھ کر پوملے کی کرشش

سمجيب رفوي

ہاں بیٹے

لكها والىسابرالها أفوراد كونى والىسانور عظهما لكالم والىسانور عظهما لكالم والىساكة دهاى كالماوت أردر؟ مفت 199 دارسياني روبال .

تورنقیف کی گفتی روس کے مہاں ساھتیکاروں میں ہوتی ہے یہ ایقی دچفاؤں میں انقیسویں صدی کے پینے کے یک کا چتری کرتے میں اس سے کی باھری گهتاؤں کے یک کا جوری کے اندورنی بہاؤں کو وہ اچیی طوح جانتے میں آبو اس کا چتری بھی اصطوح کرتے میں مانو قرتو صامتے رکھیں ،

द्वाक्टर जगदीश ने अपनी पुस्तक में विका है कि विद्यावियों की आपसी सहयोग कमेटियां बनी हुई हैं. तेज विद्यार्थी, कमजोर विद्यार्थियों की पूरी सहायता करते ैं. अध्यापक और विद्यार्थी में बहुत सहयोग है.

होडबाजी के समधकों को न जाने यह बात कैसी लगे लेकिन चीन ने जो ढर्रा अपनाया है, वह ही तालाम को बारो बढ़ाने में और बाम करने में मद्द दे सकता है. होइवाकी की जगह पर बापसी सहायता का भाव पैरा

किया जाता है.

जब तक अध्यापक परेशान हाल हैं तब तक कोगों को सच्ची शिक्षा नहीं वी जा सकती है. चीन में अध्यापक की इज्जत बेहद बह गई है. सरकार "अपने अध्यापकों की प्रस सुविधाओं का ध्यान रखती है. उन्हें कम कराये पर मकान मिसले हैं और बीमार हो जाने पर उनकी सुक्त चिक्टला (इलाज) का प्रबन्ध है." महत्ता अध्यापकों को ज्ञा काल की भाठ इन्ते की छटी मिलती है. यह खड़ी तनस्वाह समेत होती है.

इसी पुस्तक में चीनी चाधनिक साहित्य पर भी रोशनी बाली गई है. वहां के बढ़े बढ़े लेखकों की जीवनी भी साक्टर जगदेश ने वी है और साथ में चीनी साहित्य

का मुक्तिसर इतिहास भी दे दिया है.

अभी तक किसी पुस्तक में नये चीन के जेलों का हाज पदने को नहीं मिला था. हाक्टर जगवीश चन्द्र ने उस पर भी रोशनी डाली है.

जगह जगह पर इतिहास का पुट मिलता है जो पुस्तक को दिखबस्य बनाता है. बाखीर में हाक्टर साहब से

कुछ चीनी शब्दों के उच्चारन भी दिये हैं.

इस पुस्तक में चीन के बढ़े बढ़े शहरों का संश्विप्त इतिहास मिलता है, साथ में इन शहरों की मशहर इमारतों का भी इतिहास दिया गया है. यह पुस्तक चीन की सममने में बहुत हद तह सहायता देतो है.

किताब इर एक के पदने की है लेकिन दाम इतना है कि बहुत कम लोग पद पार्चेंगे, अगर प्रकाशक सस्ते

दाम का प्रविदान निकास दें सी अरुद्धा होता.

— मुजीव रिषाची

सेवा ग्रांस

पेडीटर--कानेन्द्र प्रसाद जैनः विसावट - हिन्दीः मिन्नने का पता-दरवार्गज, दह्वी; सावाना चन्दा-पांच इत्या, पक कापी का दाम-दो माना.

की मानेण्य प्रसाद जैन हास में अमरीका से जर्नेतिएम . की शिशा लेकर वापस आए हैं. 🍇 दिन स्कॉने गारत الكر جكديش لے أيلي يسعك مين لكها هے كه نهموں کی آپسی سپھوگ کسٹلیاں یدی هولی هیں . دیارتھی کیورر ودیارتھوں کی ہوری سہالعا کرتے میں . ایک اور ودیارتهی میں بہت مهموک هے.

هرو بازی کے سمرتهکوں تو تھ جانے یہ یاس کیسی لگے ، جدى له جو قعوا ايكايا هـ" وه هى تعليم كو أك لے میں اور عام کرنے میں مدہ دے سکتا ہے ، عرب ر كى جكه ير أيس سيالها كا يهاؤ يهدا نها جانا هي.

جب تک ادهیایک پریشان حال میں تب تک ے کو سچی شکشا نہیں دی جاسکتی ہے . چین میں بایک کی موس پے هد برد کئی هے ، مرکار " ابھ پایکوں کی سکھ سودعاوں کا دعهان رکھتی ہے ، اُنھیں عرائے ہر سکان ملکے عدی أور بهمار هو جانے ہر أن كي سيد ادعيايكس المراد هد المالك المالكين زچه کل کی آلب منتر کی چیلی ملعی ہے ، یہ چتھی امرأة معمم هولي هي .

إس بستك مين جيش أدعونك ساهتهه يريهي نئی قالی کلی ہے ، وعال کے بوے بوے لیکھیس کی بوئی ہوں قانگر جکدیش نے ضیعے اور ساتھ میں چھٹی ملهه كامطالم الهاس بهى دي ديا ه. .

ابھی تک کسی ہستک میں نکے جھیں کے جیلس حال يوهلے كو نهيں ملا تها ، ةانگر چكديمي چندر نے س ہر بھی روشنی ڈالی ہے ،

جکه جکه یر أنهاس کا پدی ملتا هے جو یستک کو لجسب بناتا مي أخير مين ةائثر صاعب لے كجه ہمتی شهدوں کے آجاری بھی دیکے میں .

اِس پستک میں جین کے بچے بوے فہروں کا منجهها انهاس ملتا ها ساته مين أن شهرون كي مهور عمارتين لا يهي الهاس ديا گيا هـ. يه يستک جيني او سمجھلے میں بیت عد لک سیالکا دیکی ہے۔

کتاب مر ایک کے پومدے کی ہے لیکن دام اتدا ہے که بہمت کم لوگ ہوہ ہائیں کے اگر پرکاشک حسکے دام ۱ ایکیشی نکان دین تو اجها هوا .

سمعجهب رقبوي

سيوا كرام

ايديدر--كهانهقدر برسال جهن؛ لكهارت مقدى الملي كا يقد -- 1 دريا كلم: دهلي سالام جدده--ياني رويه ایک کا دامدد انه .

شرى كهانيقدر ورساد جهي حالمه بي امريكة سے جرنهازم کی شکھا لے کو واپس آئے مہی، کچھ دان آنہوں نے بہارت

स्वारे कें4



चीनी जनता के बीच

چینی جنتا کے بیچ

तिसने, वाले—डाक्टर जादीश चन्द्र जैन, निकालने वासे—पीपिल्स पबलिशिंग हाउस तिमिटेड चन्बई 4, तिसाबर—हिन्दी, सफ्हे—256, दाम —चार रुपये.

आरती लेखकों ने मये जीन पर बहुत सी कितानं लिखा हैं. कुछ ने भारत में बैठ कर कितानों की मदद से जीर कुछ ने बहां जा कर जीकों को समम कर. लेकिन हाक्टर जगहेश जन्द्र की कितान का मूल्य अधिक है क्यों कि बह पीकिंग यूनिवर्सिटी में सालों हिन्दी पढ़ाते रहे हैं. तूसरी कितानें अगर देखी, सुनी और पढ़ी पर निर्भर करती है. तो जगदीश जी की पुस्तक अनुभव पर निर्भर करती है. अनुभव ही इस कितान को दित्तचस्य बनाता है जहां कहां उन्होंने अपने अनुभव जिल्ला कितान दिल को खूती है. नया जीन के जिये दिल में प्रेम पैदा होता है और जहां जहां कहां नहींने आंकने गिनाये हैं और एसे विश्वों पर किसा है जिन पर पहले ही बहुत कुछ लिखा जा चुका है वहां वहां पुस्तक नीरस हो गई है.

धगर पुस्तक का नाम ''बीनी विद्याधियों के बीच'' होता तो अच्छा होता. असता में दन्हें विद्याधियों और अध्यापकों के सम्बन्ध में ही तिस्ताना चाहिये था. हो तीन अध्याय दन्होंने इस सम्बन्ध में बिस्ते हैं. उनको पढ़ कर आंख खुख जाती है. बीनी विद्याबियों के बारे में वह जिसते हैं:—

भर्मेन काकी नवदीक से चीन के विद्यार्थियों का बाधन करने का प्रयस्न (कोशिश) किया और उन्हें सरक, सीधा, परिश्रमी (मेहनती) और अतियन्त (महुत) सहीशोन (रवादार) पाया. परिनन्ता और नर्शक (बेकार) बाद विवाद (बहुस) में धपना समय नरट करते हुए उन्हें कभी नहीं देखा. जैशन की ओर उनकी होंच नहीं है. जात्रों की अपेशा (मुकाबिले) जात्राएं कुछ जिलक प्रतिमाशासी जान पढ़ीं. ज्यक्तिवाद के स्वान पर सामुहिकता की स्वस्य भावना विद्यार्थियों में दिन पर दिन वह रही है.

تكهلى والىسةائلو جكديش جلدر جون أكالله والى مسيههلس ببلشلك هاوس الهملك يمولى 14 المهاوك السيهلدي أصلحه 256 دارسجور رويه،

بہارتی لیکھکوں نے نگر چین پر بہت سی کتابھں لکھی ھیں ، کچھ نے بہارت میں بھٹھکر کتابوں کی مدد سے اور کچھ نے وہاں جا کر چھڑوں کو سمجھکر ، لیکن قائدر جگدیھی چھدر کی کتاب کا مولیہ ادھک ھے کھونکہ وہ پہکنگ پونڈورسٹی میں سالیں ھقدی پوھاتے رہے ھیں، فوسری کتابھی اگر دیکھی ستی اور پوھی پر تربھر کرتی ھیں اور چھیں اور چھی پر تربھر کرتی ھیں اور چھیں آبوہو پر تربھر کرتی ھی آئیوں نے آبے آنوبھو چھرت کگے ھیں وہاں وہاں کتاب دل کے بھٹر وہاں وہاں انہوں نے آبید دل میں بریم گیدا ہوتا ہے اور جہاں جہاں آنہوں نے آبکوے گنائے ھیں ایسے وہیوں پر لکھا ہے جن پر پہلے ھی بہت کچھ لکھا ایسے وہیوں پر لکھا ہے جن پر پہلے ھی بہت کچھ لکھا ایسے وہیوں پر لکھا ہے جن پر پہلے ھی بہت کچھ لکھا ایسے وہیوں پر لکھا ہے جن پر پہلے ھی بہت کچھ لکھا ایسے وہیوں پر الکھا ہے جن پر پہلے ھی بہت کچھ لکھا ایسے وہیوں پر الکھا ہے جن پر پہلے ھی بہت کچھ

اگر پستک کا نام '' چیقی ودیارتهوں کے بھچ '' مین تو اچھا مرتا ، اسل میں آنہوں ودیارتهوں اور ادھیاپکوں کے سمیقدھ میں ھی لکیفنا چاھیڈے تھا ۔ دو نموں ادمیائے انہوں نے اِس سمیقدھ میں لکھے ھیں ، اُن او پومکر آنکھ کول جاتی ہے ، چیڈی ودیارتوں کے بارے میں وہ لکھتے میں د۔۔۔

الدومیں کرتے کا پردھی نودیک سے چھوں کے ودیارتھھوں کا اددومیں کرتے کا پردھی (کوشش) کیا اور انہوں سرل سیدھا پریھرمی (محصلتی) اور انہلمت (بہت) سیدھا پریھرمی (روادار) پایا ، پرنفدا اور نردیک (بیکار) واد رواد (بحدث) میں اپنا سیے نشت کرتے ہوئے انہوں کیہی نہیں دیکھا ، فیشن کی اور ان کیرچی انہیں ہے ، چھالروں کی ایبکچھا (مقابلے) جھادائیں کیو ادھک پرتھیھا شائی جان پریس ، ویکتی واد کے کچھ ادھک پرتھیھا شائی جان پریس ، ویکتی واد کے استعان پر ساموھکتا کی سومتھ بھاوا ودھارتھوں

54 A

हासिल करने के किये बहुत अजबूत इगरे और बहुत बड़ी हिन्मत की जरूरत है. अगर सारे पिछ है देश इस बात की समम लेते हैं और एक साथ खड़े हो जाते हैं तो शान्ति बहुत जरूरी क्रायम हो जायेगी. इस काम के लिये इम सक्को एक हो जाना चाहिये और इमें यह अन करना चाहिये कि मरेंगे तो विश्व शान्ति के बिये और जियेंगे तो विश्व शान्ति के लिये!

حاصل کرتے کے لیگر بیمت مقیدط آرآدرے آور بیمت ہونے

امیت کی ضورت ہے ۔ آگ سارے بچہوے دیمی اس

اس کو سمتیہ لیکے میں آرر ایک سالہ کروے موجاتے

میں کو فائلی بیت جانبی ڈائم ہو جائے گی ۔ اُس کام

کے لیکر ہم سب کو ایک ہو جانا جامیگر اور عدی یہ

یس کرنا جامیگر کہ مرینگر کو وقو شاندی کے لیکر اُور
جگہنگر کو وقو شاندی کے لیگر اُ

नन्दा कई दिनों से भूका था—पेट की क्वाला से पीदित और रोग से दुली, उसने देखा—सेठ राम गोपाल मीठे पूरों का थाल मरे, देवी कुंड पर बन्दरों को खिलाने जा रहे हैं. िक्षिका कर नन्दा ने कहा—"रेठ जी! मैं कई दिनों से भूका हूं, जान निकती जा रही है. कुछ पूरे मुके भी दीजिये.

"अने भूका है, तो शहर में जा कर मांग ?"

"शहर जाने की हिम्मत नहीं है सेठ जी ! बीमारी ने मुक्ते चर खिया है भूके की जान बचा ने से तो हनमान जी आप पर प्रसन्न ही होंगे."

"अबद्धा रहने दे, युक्ते तेरे उपदेश की श्रक्रस्त नहीं दे."

बड़े प्रेम से बन्दरों को खिला कर सेठ जी बीटे तो देखा नन्दा रास्ते पर पड़ा है. घुना के स्वर में आप ही आप बोले—"अभी तो बदमाश भूकों मर रहा था, इतने में सो भी गया !"

यह सुन कर भी नन्दा नहीं जगा. जागने की बह सोचा ही नथा! تلدا کئی دنیں سے بھوکا تھا۔۔یہمی کی جوالا سے پہلاسہ اور روگ سے دکھی ، اس لے دیکھا۔۔سیٹھ رأم کوپال سیٹھے پرورں کا تھال بھرے صوبی کلک پر بلدوں کو کیلا نے جا رہے میں ، گوتوا کو تددا نے کیا۔۔ سیٹھ جی ا میں کئی دنوں سے بھوکا موں جان فکلی جا رہے ، کچھ ہورے مجھے بھی دیجگے ، "

د ایے بھوکا ہے؛ تو شہر میں جاکر مانگ؟"

" شہر جائے کی هست نہیں ہے سیکہ جی ! بھناری نے مجے چر لہا ہے. بھوکے کی جان بچائے عہ تو ھدرمان جی آپ پر پرسن ھی ھرنکہ !''

"انهها رهنے دے' مجھے تهریہ آبدیش کي ضرورت نهيں ہے۔''

ہوے ہاہم سے بقدروں کو کہلاکر سہلاہ جی لوآلہ تو دیکھا تندا راسعہ ہو ہوا ہے ۔ گھرتا کے سور مہاں آپ جی آپ ہوگوں سر رہا تھا اُنا اُنا مہاں سر بھی گیا اُنا

یه سیکر بهی نقدا نهیں جاتا ، جاگئے کو رہا سریا هی له تها ! वाजकक वाजीक घटना हो रही है. काइमी विहान की सहायता से ज्यादा से ज्यादा पैदाबार बढ़ाने पर जुटा हुआ है. लेकिन फिर भी इस कोंग्रिश का नतीजा बहुत से देशों की रारीकी नहीं दूर कर पाया. अब भी वहां लोग भूखों अरते हैं और हर तरह से दुखी हैं. इद यह हो गई है कि जिन्दा रहना भी बहुत मुश्किल हो गया है. जिन्दानी की फिक और परेशानी बढ़ती चली जा रही है. आधुनिक हथियार मनुश्य जाति का लात्मा कर सकते हैं. सारे देशों की जनता इन हथियारों की भयानकता से हर रही है.

जुनाई के जाजुनिक तरीक़ों की जितनी भी निन्दा की जाये कम है. सिवाय नैतिकता का ही सवाज नहीं है. समाजी जीर जार्थिक टरिटकोन से भी यह जुनाइयां बहुत ही भयंकर हैं. साम्राजी जो जुनाइयां छेड़ते हैं उसमें च बहुत सी अच्छी चीज़ें तबाह हो जाती है जीर उन थोड़े से जोगों को भी बहुत क्यादा कायदा नहीं होता. आम जनता को बरवादी के सिवा और कुछ नहीं मिलता. यही नहीं कि घरबार तबाह होता है बल्कि इससे कहीं ज्यादा जुरी बात यह होती है कि जादिमयों का आचार गिर जाता है और वह जान से मारे जाते हैं. लड़ाइयों की निन्दा करने के सिये बस इतना ही काफी है.

आर्थिक लक्ष

मैंने जो बातें कपर कहीं हैं उनका मतलब एक है दुनिया की सरकारों को चाहिये कि वह ऐसा रास्ता अखितयार करें कि वह आम जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकें और उन्हें जनता को सुख पहुंचाने और उसकी भवाई करने का हर बन्नत च्यान रहे. दौत्तत किस तरह से इकट्टा की जाये इसकी जिल्ला उन्हें नहीं होनी चाहिये. जब तक हम अपना हरिटकीन नहीं बदलते हैं, नब तक हम जनता की आक्ररतों की पूरा नहीं करते हैं, जब तक इम अपने माली ढांचे को नए सिरं से खड़ा नहीं करते हैं जब तक हम अपनी कोशिशों से जनता की जरूरत का सामान नहीं पैदा करते, जब तक हम अन्तर्राष्ट्री व्यापार से फायदा उठाने का मोह नहीं छोड़ते हैं. तब तक इम दुनिया में शान्ति नहीं क्रायम कर सकते हैं. साम्राजी लरकारों से काराजी सममौते चाहे जितनी अच्छी नीयत से किये जायें वह शान्ति को स्थाई नहीं बना सकते. सच्बी और स्थाई शान्ति केवल उसी वक्त कायम हो सकती है नव हम संगठित हों और उसके लिये अमली कोशिश करं. आज की लड़ाई यक्तीनन आर्थिक गड़बड़ी का नतीजा है. अगर हम अपने आर्थिक ढांचे की बदब दें तो हम इमेशा के शिये शान्तिसय जीवन विता सकते हैं. इसकी

آج کل معهد گهتنا هو رهی هے . آدسی وگهان سهانگا سے زیادہ بهداوار بوهائے یو جگا هوا ، لهکن بهر بهی اِس دوهه کا نتیجه بهت سے دیشوں ، قریمی نهیں درر کر پایا ، آب بهی وهاں لوگ بهوکوں رقے ههی ، اور هر طرح سے دنهی ههی ، هد یه هوئئی ها وزندہ وهنا بهی بهت مشکل هوئیا هے ، زندگی کی فکر و پریشانی بوهنی جلی جا رهی هے ، آدهونک همهار بهریشانی بوهنی کی سازے دیشوں کی مشکل اور هر هی اور هی هانی کا خاتمہ کر سکتے هیں ، سازے دیشوں کی مشکل اور هی هانی دیشوں کی دیشوں کی مشکل اور هی هانی دیشوں کی مشکل اور هی هانی دیشوں کی دیشوں کی مشکل اور هی هانی دیشوں کی دیشوں کی

لوائی کے آدھونک طریقوں کی جھٹی بھی نفدا کی جائے کہ ھے، سوائے نہھی کا کا ھی سوال نہھورھے، سماجی اور آرتھک کو شریقہ کون سے بھی یہ لوائھاں بہمت ھی بھیلکر ھیں، سامراجی جو لوائھاں جھیوی ھیں اُس میں بہت سی جھی جھیوں تھا ھو جاتی ھیں اور اُن ٹھوڑے سے لوگوں نو بھی بہمت زیادہ فائدہ نہیں ھوتا ، عام جٹھا کو بریادی نے سوا اور کچھ نہیں ملکا، یہی نہیں کہ گھر بار تماہ ھوتا ہے بلکہ اِس سے کہیں زیادہ بری بات یہ ھوتی ھے کہ اُدموں کا آجاد کو جاتا ھے اور وہ جان سے مارے جاتے ادموں کا آجاد کو جاتا ھے اور وہ جان سے مارے جاتے بھی, لوائھوں کی نفدا کرنے کے لیئے بس اتفا ھی کافی ھی

آرتهک لکھی

مهن نے جو ہاتھن اوپر کھی ھیں اُن کا مطلب ایک ہے ، دنیها کی سرکاروں کو چاههگے که وہ ایسا راسعه اختمار اریس کا وہ عام جاتا کی بلهادی ضرورتیں کو پروا کر سکھی اور انههن جفعا کو سکھ پہونجائے ارز اس کی بھلائی کرنے كا هر وقت دههان رهے . دولت كس طرح سے أِدْتُها كي جائے اسكي جلتا أنهين نهين هوني چاهيئے. جب تک هم اينا درشتى كون نهيى بدلته هين جبنك هم جدتا كي ضرورتون كو پوراً نهيں كوتے هيں' جب تك هم أبي مالى دهانچے کو نگے سرے سے کہوا نہیں کرتے میں' جب تک مم ایڈی کرشھوں سے جفتا کی ضرورت کے سامان بهدا نبھی کرتے همن حب نک مم انتر راشتری بدوبار سے قائدہ اُتھانے کا موة أنههن جهوري هين عب لك هم دنها مهن شانعي قالم نہیں کو سکتے دیں، سامراجی سرکاروں سے کافذی سمجھوتے چاهیئے جالی اچھی نہت سے کہئے جائیں وہ شانعی کو استهائی نهین بلا سکته . سچی ارز استهائی شانتی تهول أسى وقت قائم هوهكالي عبي بعب هم سلكالهت هون أور اس کے لھٹے عملی کوشش کریں ۔ آج کی لوائی یتھدا آرتھک كوبرى التهجه هـ. اكر هم أيه أرتبك قعاندي كو بدل دين کو هم همیشه کے لکے شانعی مے جیون بعا سکتے هیں ، اسکو

जार्थ चौर ऐसे खोगों को समाज विरोधी समना जाना चाहिये.

बाजार

को बीखें हम बनायें उनके लिये बाजार मौजूद होना बाहिये और यह सारा सामान आस पास की मन्डियों में बिक जाना बाहिये. मन्डियों पर कन्जा करने की वजह से लड़ाइयां होती हैं. बर्जानिया, जमनी और जापान में मन्डियों पर असर जमाने की होड़ लगी थी. इसीि ये पिछली भयानक लड़ाई हुई थी. जो देश विकसित नहीं हैं बह उद्योग में बढ़े देशों को कच्चा माल मोहै ज्या करते हैं और इस कच्चे माल से जो इस्तेमाल का सामान बनता है उसको खरीदते हैं. अगर फ़ान्स, हिन्दचीन में जमा रहना बाहता है तो इसका कारन यही है. हर देश को अपने ढंग पर विकसित होने का मौक़ा मिलना बाहिये. बाहर से कोई दखलअन्दाजी नहीं होनी चाहिये. विदेशी दखलअन्दाजी राश्ट्र की स्वतन्त्रता को खत्म करती है और सहाई मगड़े खड़े हो जाते हैं.

खपत में मिस्रता

अगर हम सब मिल कर विदेशी दललक्षन्दाली की नहीं रोक सकते तो हमें पिछ दे देशों की जनता को सीख देनी चाहिये और उनमें ऐसी आदत पैदा करनी चाहिये. ताकि जरीदते समय वह दूसरे देशों के सामान को अपने देश के सामान के मुकाबिले, में न जरीदें. यह बहुत मुश्किल सवाल है. इस पर अमल बहुत ही कठिन है. सबको जालच होती है कि विदेशी सामान सस्ता मिलेगा और देशी सामान से अच्छा मिलेगा, लेकिन विदेशी माल को न जरीदने की आदत पैदा करना जरूरी है. इसी से शान्ति स्थापित होगी. आर्थिक मैदान में हमें कछुए की नक़ल करनी पढ़ेगी. अपनी रक्षा के लिये कछुआ अपने सारे अंग खोपड़ी में सकेल लेता है. हमको अपने राश्द्र को कछुप की लोपड़ी बना लेना चाहिये और जब कोई दूसरा राश्द्र इमसे नाजायल फायदा उठाना चाहे तो हमें खोपड़ी में धुस जाना चाहिये.

बहुत से लोग "विश्व मन्डी" की चर्चा से मोहित होते हैं. लेकिन इस सवाल पर उन्होंने ग़ौर नहीं किया. आजकत इस तरह की चर्चा पंजीपति करते हैं. इन सब सम्बन्धों में सोवियत यूनियन ने अच्छी मिसाल क़ायम की है. वहां विदेशी ज्योपार की इजारावारी राज्य के हाथ में है. वह लोग बाहरी ज्योपारियों को विदेशी मन्डियों में घुसने नहीं देते और इन्हीं कारनों से रूस में अच्छी मखदूरी मिसती है और काम करने वाले सुसी जीवन बताते हैं. جالیں اور آیسے لوگوں کو صماچ ورودھی سنچھا جاتا چاھیکہ ،

,134

جو چھڑیں ہم بھائیں اُن کے لئے بازار موجود ہونا چاھیئے اور یہ سارا سامان آس پاس کی مقدیوں میں بک جانا چاھیئے ، مقدیوں پر قبضہ کرنے کی وجہ سے لوائیاں ہوتی ہیں ، برطانیہ ' جرمقی اور جاپان میں مندیوں پر ادر جمانے کی ہوو لکی تھی اِسی لیائے پچھلی بیانک لوائی ہوئی تھی، جو دیھی وکسمت نہیں ہیں اور اِس کچے مال سے جو استعمال کا سامان بقتا ہے اس او خریدتے ہیں ، اگر قرانس ہفد جھیں میں جما رہنا ہوا جاھتا ہے تو اس کا کارن یہی ہے ، هر دیھی کو اپنے قملک پر وکست ہونے کا موقع ملقا چاھیئے، باہر سے کوئی دخال اندازی ' واشدر کی سوتقدرتا کو خلام کرتی ہے اور دوائی جھلاے کوئی دخال کی سوتقدرتا کو خلام کرتی ہے اور دوائی جھلاے کوئی دخال کی سوتقدرتا کو خلام کرتی ہے اور دوائی جھلاے کوئی دخال دوائی جھلاے کوئی دوائی جھلاے کوئی دخال دوائی جھلاے کوئی دوائے کی سوتقدرتا کو خلام کرتی ہے اور دوائی جھلاے کوئی دوائے کوئی دوائے کی دوائے کی دوائے کوئی دیگا ہے دوائے کیائے کوئی دوائے کی دوائے کوئی دوائے کیائے کیائی دی دوائی دوائے کیائے کیائے کیائی دوائے کیائے کرنے کوئی دوائے کیائے کیائے کیائے کیائے کیائے کیائے کرنے کیائے کرنے کیائے کیائے

. کیپت میں بہلکا

اگر هم سب مل کو ودیهی دخل اندازی کو نهها بوک سکتے تو همیں پچھڑے دیشوں کی جلاتا کو سهکھ دیگی چاهیئے اور ان میں ایسی عادت پیدا کرنی چاهیئے ناکہ خریدتے سبے وہ دوسرے دیشوں کے سامان کو آئے دیش کے مقابلے میں نہ خریدیں ، یہ بہت مشکل سوال هے ، اس پر عمل بہت هی دلایان هے ، حب کو قلع هوتی هے کہ ودیشی سامان سسکا ملے گا اور دیشی سامان سے اچھا ملے گا لیکن ودیشی مال کو نہ خریدئے کی عادت پیدا کرنا شروری ہے اس سے شاندی استہامت هوگی ، آرتیک میدان میں همیں کچھوے کی نقل کرنی پڑے گی ، آوتیک میدان میں همیں کچھوے کی نقل کرنی پڑے گی ، آوتیک ایکا کے لئے کچھوا آئے سارے انگ کھویڑی میں سکیل لیکا ہے ، هم کو آئے وائٹر کو کچھوے کی کھویڑی میں سکیل چاهیئے اور جب کوئی دوسوا راشاتر هم سے ناجائز قائدہ چاهیئے اور جب کوئی دوسوا راشاتر هم سے ناجائز قائدہ

بہمت سے لوگ '' وشو منتی '' کی جوچا سے موقت موتے میں۔ لیکن اس سوال پر انہوں نے فور نہیں کیا ۔ اچکل اس طرح کی چوچا پونجی پھی کرتے میں ، اِن سب سمبلدھوں میں سوویمت یونین نے اچھی مثال نائم کی ہے ۔ وہاں ودیشی بھوپار کی اجازاداری راجعہ کے ماتے میں ہے وہ لوگ باھری بھوپاریوں کو ودیشی منتیوں میں گیستے نہیں دیتے اور انھیں کارنوں سے دوس میں چھی مؤدوری منتی ہے اور کام کرتے والے سکھی جھوں جھوں

शक्त का कंई कपबोग नहीं होना. अगर होता भी है तो पूरा पूरा नहीं होता. इससे आहिर है कि जहां तक मुर्गाकन हो हमें इस शक्त से काम केना आहिये. ऐसा करने पर कुछ बातों का हमें ज्यान रखना पड़ेगा. पहली बात तो यह है कि जब इन्सानी शक्त का इस्नेमाल करना है तो 'मेहनत बचाव'' तरीक़ों पर ज्यान नहीं देना है. इसके बजाय पैदाबार के ऐसे तरीक़ों अपनाने हैं जिसमें बहुत ज्यादा लोग हाथ बटा सकें. जनता का जो उपेलित भाग है इस तरह हम उसकें सुख दे सकते हैं.

मजदरी मज़र्री का आधार एक है. काम के बहते में मज़र्र को इतनी रक्रम मिख जानी चाहिये कि उसे खरूरत क बतुसार साना मिल सके और खाना ऐसा हो जो उसके जिस्म की मण्युत रस सके. मजदूर की एसी सुविधा होनी चाहिये जिससे वह उचित स्तर का जीवन विता सके. लेकिन आंत्रकल चीजों के दाम मजदूरी तय करते हैं, इस तरह की प्रथा पूंजीवादी देशों में चाल है क्यादातर हाजतां में मकदूरी रवह के समान है. बाजार भाव बढ़ गया है और पशादा मुनाका हुआ ता मजदूरी बढ़ जायगी, और अगर नहीं तो मजदूरी घटेगा खोर इटना हागी. लंकिन ऐसा नहीं होना चाहिये. मजदूरी का एक स्तर मुकरर होना चाहिये जिससे कम मखदूरी नहीं मिलगी. जब फायदा होता है तो मजदूरी बढ़ती है और इसलिये जब घाटा हो तो मखदूरी घटे यह बात अचित नहीं है. मक्दूर की इतना ती मिलना ही चाहिये जिससे वह साज भर तक अपनी कहरतें पूरी कर सके.

हिन्दुस्तान में बहुत से लोग ऐसे हैं जिनके पास खेत नहीं हैं और वह लोग दूसरों के खेतों पर काम कर ते हैं. यह लोग बरसात के दिनों में हो काम कर पाते हैं और तब भो इन्हें पेट भरने के लिये राटो नहीं मिल पाती. उन्हें इतना मिलना चािच्ये कि वह साल भर तक एक उचितत स्तर पर जीवन बिता सकें. इससे खेत की पैदाबार का दाम कौरन बद जायेगा और पूंजो का बटवारा उचित हम से होगा और प्यादा लोगों को सुख मिल सकेगा.

लोगों का दुस्ती होना, तनाव को बढ़ाता है. यह वह बीज है जिसस सड़ाई महाई पैदा हाते हैं.

खेती का स्थान

सेती को उद्योग का दर्जा नहीं मिलना चाहिये. उन सब बुराइयाँ की इस लाग जानत है जिनकी वजह स गेहूं की अच्छी फसल जला दा गई. फसलें इसालये जलाई गई ताक स्टाक कम हा जाये खार गेहूं का दाम इद जाये. इस सरह की हरकतें समाज विराधी समभी هکتی کا کولی آپہوک نہیں ہوتا ، اگر ہوتا ہیں ہے تو پہرا ہورا نہیں ہوتا ، اس سے ظاہر ہے کا جہاں تک میکی ہو همیں اس شکتی سے کام لیلا چامیئے ، ایسا کولے میں فجھ بانوں کا عمیں دھیان ردیا: پربکا ، پہلی باس تو یہ ہے دی جب آنسانی شکتی کا استعمال کرنا ہے تو المصلمی بچہوئ طریقوں پر دھیان بہمی دیا ہے ، اس کے بجوانے پیداوار نے ایسے طریقے ایٹائے میں جس میں بہمی زیادہ لوگ مانے بیا سکیں ، جلتا کا جو ایمکتھیمی بھاگ ہے اس طرح ہم اس در سکو دے ایمکتھیمی ،

مؤدووي

مقدستان مهن بہمت سے لوگ ایسے ههن جن کے پاس دهمت نہیں مهن اور وہ لوگ درسروں کے دُههتوں پر کام فرقے ههن ، یه لوگ برسات نے دنیں میں هی کام فریاتے ههن اور نسب بهی انهیں بهت بهرنے نے لیکر ورڈی نہیں صل ہانی ، ابهین الله مندا چاههائے که وہ سال بهو تک ایک ایک اوسے استر پر جهون بتا سکیں ، اس سے دهمت کی بهداوار کا دام فوراً بڑھ جائے کا اور پوننجی کا پھوارہ کی بهداوار کا دام فوراً بڑھ جائے کا اور پوننجی کا پھوارہ لیکن دو سعم مل سکے گا۔

لوگوں کا داہی هونا۔ تداؤ کو بوهانا هے ، یه رہ بھیم هے جس سے لوائی جهکوے پیدا مونے هوں .

کههتی کا استهان

فههای دو اددیوک کا دوجه نههای ملقا چاههای ، آق سب برانهوی دو هم سب جالتی ههای جن دی وجه سے نهوی کی اجهای فصلهای چاگ دی کائیس ، فصلهای اس لهای چانی کائیس تاده اسالات دم هو جانے اور کهوی کا دام بوه جائے ، اس طرح کی حودتین سماج ورودهی مسجهی

को पूरी करके दूसरों की खरूरत पूरा नहीं करेगा. दूसरो की जनरत को वह पूरा करेगा क्योंकि वह अजबूर है. बिर जाने पर उसे खाना और कपड़ा नहीं मुयस्सर होगा क्योंकि बुनियादी जरूरतों की वह विदेशों से मंगाकर पूरी करता है. लंहा के ब्योपार से जी दौलत मिलती है. बह बाहर माल भेजने वाले और अन्दर माल लाने वाले के हाथों में पहुंचती है. इससे देश में बदश्रमनी फैलती है. चारों तरफ से चिर जाने पर लोग न तो रवड़ खा सकते हैं और न चाय की पत्तियां पहन सकते हैं. इसलिये लंका की सुरचा केवल एक तरीक़े से हो सकती है. उन्हें अपने षार्थिक जीवन को दूसरी तरह दाखना होगा ताकि रास्ट्र की बुनियादी फरूरतें पूरी हो सकें.

घातु रूपी साधन

किसी खुले घर में अगर दौलत रक्खी हो तो राह क्रात बादमी की जालन लगती है. अगर हम नहीं बाहते हैं कि चौर हमारे घर आयें ता हमें अपना घर बन्द रखना चाहिये. हमारे प्राकृतिक साधन हमारी विरामत हैं. मच्रिया कायले से माला माल है. इसी कोयलं ने जापान की मन्ज्रिया पर ऋबजा करने के लिये आविशत किया है. हमें अपने खरानों की जरूरत के अनुसार खुराई करनी चाहिये और अपनी दौलत खांद खाद कर विदेशों को नहीं भेननी चाहिये. जब इसारी चार्मान के नाचे खिरी दीवत खत्म हो जाती है तब आगई शुरू हाते हैं **क्योंकि हम** दूसरे की दौलत पर हाथ मारना चाहते हैं. जहां तक सम्भव हो हमें अपने ही साधनों के जार निभर करना वाहिये और उन साधनों को इस तरह इस्तमाल करना चाह्यं जिससे कि उन साधनां को धगला नस्लें भी इस्तेमाल कर सकें. अमरीका में पेट्राल बेहद खच होता है. उसका इस्तेमाल हर चीज में हान जगा है इसालिय व्यमरीका द्रान्सजारहन, इराक्न और बारनिया क तंत्र के कुओं पर जल्म ज्यादती और चालवाजा हर तरह से क़ब्ता करन। बाहना है. इस कारन हां वह एक लड़ाकू राश्ट्र बन गया है. इस चीज को खत्म करने के विये इमे एक लक्बी यांजना बनानी पदंगी.

पेदाबार के ढग

अभी तक इसने इस आत पर विचार किया है कि इसे अपने प्राकृतिक साधनों को कैसे इस्तेमाल करना चाहिये. अब ६में इस बात पर ध्यान देना चाहिये कि कच्चे माल को अपने जहरी सामान बनाने में हमें कीन सं तरीक़ें अपनाने चाहिये. इस बात पर ज्यान हमें सन देशों में खासकर देना चाहिये जो सभी पांछे हैं. पे श्रवा के क्यादातर देश पूरी तरह विकसित नहीं हैं इन देशों में बेहद आदमी हैं. इन आदमियों की शायकतर

ي پرزي کرکے هوسرون کی قدرورت ہورا تھھی کرنے کا ، دوسرون كى ضرورت كو ولا غاورا كريه كا كهوانكه ولا منجهور هي ، كهر بهانم ور أيم قهاما اور قهرا تهمن سهسر هوم كهونكم پنیادی ضرورتوں کو ولا ودیشوں سے مفارد ہوری کرتا ہے ، للکا نے بھوپار سے جو دولت ملتی ہے وہ باھر مال بهمجينے والے اور اندر مال لانے والے کے عاتمیں میں برنجائي في إس سے ديش ميں بدامتي پيهلاء ہے . جاروں طرف سے گھو جانے ہو لوگ ما تو رہو کھا سکتے عہر ارر نه چانه کی یکیاں یہی سکتے میں ، اسلیکہ للکا کی سرنشا فعول ایک طریقے سے هوسکتی ہے ، اُنہمی ایے أرنهك جهون دو دوساي طبع دمانقا هولا حاده راهتر کی بلیادی ضرورلیس پوری هوسکهن و

دفالو وويي سادعن

دسی دہانے گهر میں اگر۔ درلت ارکونی هو دو والا جاندے أنسى كو الله لكتي في ، اكر هم نهين جاءة، هين له چور همارے گور آلوں تو عمیں اپنا گور بقد رکھٹا چاھوئے همارے برادونک مادعن هماری وراثت هیں مدنوریا كونلے سے مالا مال ہے . إسى دوللے نے جايان كو مدديوريا یر فیصہ فرنے نے لگے آفرهات بھا ۔ همهال آھے فیدائیں بی ضرورت کے انوسار دیدائی کرنی جامیکے اور ایڈی دولت کهود فهود در ودیشون دو نهیان بهینجدی چامیگر . جاپ ھماري زمين کے بہنچے چھھی دولت عدم ھوجانی ہے تب جهكون شورع هوتي ههن الهوسكة هم دوسرت الى دولت يو ماله سارت چهد مهن . جهان الله سنجهو هو همين ایے هی سادمغوں نے اوپر آربھر فوتا جاهیکے اور ان سادھلیں دو اسطرے استعمال دریا چاھوکے جس سے دہ أن سادهدين دو آفلي سبلين يهي استعمال فرسكهن. امريكم مهي يقرول يهدد خري هود هي اس كا استعمال هر چيؤ مين مون لا ۾ اسي آيو، ۽ امريکه ترانس جورتن ا عرق اور ہوردمور کے لهل نے دقوں ہو طلم' زیادتی اور چالیازی هر طرح سے فیضه درتیا جاءتا ہے ، اس ادان هي وه ايت او دو راشدر بن ڏيا هي . اُس جهور دو خدم کرنے کے لگے همیں یک لمبنی یوبیدا بغانی یوبیکی ،

یبدارار کے ڈھٹک

لبوی تف مم نے اِس بات پر وجار کیا ہے که همیں أهي پرادرنف سادمدين دو ديسي استعمال كريا جامهايي. اب همين إس بات ير دعهان دينا جاهيك ده نج مال کو اید ضروری سامان بقایے میں عمیں دون سے طریقہ ايفاي جاعنهن . إس باس يو دهيان همين أن ديهون مهن خاصكر ديقا چاههان جو ايهي پانچه عهان. ايشيا کے زیادہ و دیکی پوری طرح ردست مہدں مدن ، أن ديهون مين پيهد أدمي هين . إن أدمون تي ادعالتر er all er de

तो इस सब को जीविका दे सकते हैं और सब ही सानित से सोग रह सकते हैं. लेकिन शक्तिशाली रास्ट्र इन सामनों को इधियान की कोशिश करते हैं. इससे रास्ट्रों के बीच तनाव बदता है और पड़ोसी तुरमन हो जाते हैं. आर्थिक योजना

कम से कम जो एक रास्ट्र जो कर सकता है वह यह है कि अपनी जनता को वह साना, कपड़ा और मकान मुह्य्या करे. यह उसका तक होना चाहिये. इसके बार अगर कमीन, पानी और घातु जैसे साधन मौजूद हों तो हमें क्योपार की तरक मुक्ता चाहिये और ऐश परस्ती के सामान सप्ताई करने की कोशिश करनी चाहिये और तब ही बाहरी सामानों से अपने सामानों का बदलाव करना चाहिये. जब भी जन्जीर की कोई कड़ी इघर उधर होगी और या रालत निर्देश पर काम होगा तो कीरन मुसीबत साड़ी हो जायेगी.

मिसाल के लिये हिन्दचीन को ले लीजिये. दुनिया में रवड़ की जिलनी खपत है उसका पचासी प्रतिशत रवड़ हिन्द चीन में पैदा होती है. लेकिन हम करूपना भी नहीं कर सकते कि हिन्द्चीन अकेले इतने रषड़ का इस्तेमाल कर सकता है, जो देश दशोग में आगे बढ़े हैं और जिनका विकास बहुत हो चुका है उन्हें करने माल की करूरत पड़ती है. इनकी यह बुनियादी जरूरत कैसे पूरी हो सकती है ? इस पारूरत को पूरा करने का एक ही तरीक़ा है और वह यह है कि पेसे रारद्र कच्चे माल की पैरावार पर कन्द्रोल रक्लें और इसके ब्योपार को अपने हाथ में रक्लें. यही करने के खिये विदेशी दूसरे राष्ट्रों पर क्रव्जा जमाने की कोशिश करते हैं. दुनिया में जो कुक राश्ट्र दूसरे राश्ट्रों के अधीन है और गुलाम मात्र हैं उसका बुनियादी कारन यही है. हिन्द चीन की जनता को इतनी मात्रा में रबढ़ नहीं पैदा करना चाहिये. उसके बजाय ऐसी चीजों की पैशवार पर बन्हें जोर देना चाहिये जिन से उन्हें खाना मिल सके, उन्हें कपड़ा मुहच्या हो सके और उनके मकान की दिक्तकत दर हो सके. उन्हें ऐसे बुनियादी उद्योग घन्धे खड़े करने चाहियें जिससे इस तरह का माली ढांचा दैवार हो सके. बागर अपने आर्थिक जीवन को नह इस रास्ते पर चला सकेंगे तो देशवासियों का जन समृह सुख की सांस ले सचेगा.

इसी तरह लंका में बाय और रवह जूब पैदा होती है. जिस देश की आर्थिक रीढ़ पंसी हो वसका भगयान ही माजिक है. जंका एक दीप है. पेसा रास्ट्र जिसकी समुद्री शक्ति अधिक है वह आसानी से लंका को बेर सकता है और विदेशी बचोग पतियों की जरूरत को पूरा करने पर मजबूर किया जा सकता है. जाहिर है कि लंका अपनी जरूरतों تو هم سب کو جھو∰ دے سکتے میں اُور تب هی شائتی سے لوگ وہ سکتے میں ۔ لیکن شکعیشائی واشتر اِن سادھترں کو متیمائے کی کوشش کرتے میں ۔ اِس سے واشترس کے بیمے تناؤ بومتا هے اُور پورسی دشمن هو مائے میں ۔ اُرتیک ہوجئا ۔ اُرتیک ہوجئا

کم سے کم ایک واشاتر جو کرسکتا ہے وہ یہ ہے کہ اپلی جھاتا کو وہ کہ ایک واقع جھاتا کو اور مکان مہیا گرے ، یہ اُس کا ککھی ہونا جامیاتی اور کی فہالو جہسے سادھن موجود ہوں تو ہمیں بھوپار کی مطابق جیکنا جامیاتی اور میش بوساتی کے سامان مہالاتی کوئے کی کوشفی کرنا چامیاتی اور تب هی باہری سامانوں کا بدالو کرنا جامیاتی ، جب بھی زمجیمر سے اپنے سامانوں کا بدالو کرنا جامیاتی ، جب بھی زمجیمر کی کوئی کوئی اور یا فاط تردیش پر کام مہالاتو فوزا مصیدت کوئی ہو جائےگی ،

مثال کے لئے علی جھن کو لے لہجئے ، دنیا مھی ربو کی جکلی کیہت ہے اُس کا پنچاسی پرتیشت ربو هلد جون مين پيدا هوتي هر. ليکن هم کليدا بهي تهين كوسكته كه هدد جهين انهله إنفي ربوكا استعمال كرسكتا في ، جو ديس أدديوك مين ألى بوي هين اور جلكا وكاس بهمع هورهكا هر أنههل كحير مال كي ضرورها يوتي هه. أن كي يه بلهادي فروونه كيسم يوري هوسكتي هم ؟ إس ضرورت کو پورا کرنے کا ایک هی طریقه هے اور ولا یه هے که ایسے رافقو کچے مال کی پیداوار پر کاترول رکھیں اور اُس کے بھوپار کو ابھ هاڻھ سون رکھوں ، يہی کرتے کے لھٹر ودیھی دوسرے وافادوں پر قبقه جمالے کی کوشش کرتے ههر الها مهرجو کچه رافتر دوسرے رافتروں کے آدههی هين أور قام ماتر هين أس لا يقيادي كارن يبي هـ . هدد جهین کی جنتا کو آتنی ساترا میں رہو تیمی بهدا کرنا جاهیگے : اس کے بجائے ایسی جهزوں کی پهداوار پر أنههن زير ديمًا جاميك جن بي أنهين كهانا مل سكياً انہیں کہوا مہیا ہوسکہ اور اُن کے مکان کی دقیق دور هوسكى أنههن ايس بلهادى أدديوك دعدده كهور کرلے جاملیں جس سے اِس طرح کا مالی ڈھانچہ تیار هرسکے ، اگر آھے آرتیک جهران کو وہ اِس واستے ہر چا سکھر کے تو دیش واسیوں کا جن مدولا سکھ کی سائس لے . 1.60

اسی طرح لفکا میں جائے اور رہو خوب پیدا عوتی ہے۔ جس دیعی کی آرتیک ریوہ ایسی عور اُس کا یہکواں عی مالک ہے ۔ لفکا ایک دیب ہے ایسا راشار جس کی سمندری شکای ادمک ہے وہ آمانی سے لفکا کو گیمو مکتا ہے اور ردیشی آددیوگ یکھوں کی ضرورت کو پورا کرتے پر مجھور کیا جاسکتا ہے ۔ طاعر ہے کہ لفکا ایقی ضورتیں कार्मों से क्रुट्टी पा गया. वसके वाद इसाम साहब से प्रिक्षना बाहा लेकिन बहुत की कभी के कारन न मिल सका सुमको सादे बारह बजे यूनिवर्सिटी पहुंचना बा. इस लोग यूनीवर्सिटी वापस का गये.

दूसरे दिन मैंने चीन के अंग्रेजी असबार 'डेली न्यूज रिखीज' में पदा कि सिर्फ पीकिंग शहर में साठ से ज्यादा मसजिदें हैं जिनमें हजारों मुसलमानों ने देद की नमाज चहा की. امین سے جھاتی یا گھا، اُس کے بعد امام صاحب سے ملکا ہاما لھکری وامت کی کمی کے کاری تد مل مکا ، منجهکو بارہ بازہ بنچے بولھورسٹی پیونچھا تھا ، هم لوگ رتھورسٹی واپس آگئے ،

دوسریے دن میں نے جھن کے آنگریڑی آشیار 'قیلی بوز رلیز' میں پوھا کہ صرف پیکنگ شہر میں سالہ سے بادہ مستجدیں ھیں جس میں ھزاروں مسلمانوں نے بد کی نماز آدا کی .

भन्तर राश्ट्रीय बदभमनी---उसके कारन भौर इलाज

(डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा)

[मई के तीसरे चौथे इक्ते में विरव शान्ती कौंसिस की बैठक बर्तिन में हुई है. पन्डित सुन्दरलात के नेतृत्व में भारत से एक अतिनिधि मंडल बर्तिन गया है. डाक्टर कुमारप्पा भी मन्डल के साथ हैं. यह मन्डल आजकत कस का दौरा कर रहा है. डाक्टर कुमारप्पा ने शान्ती कौंसिस की बैठक में 27 मई को नीचे दिया भाशन दिया है. इम उसे अंग्रेजी से अनुवाद कर के प्रकाशित कर रहे हैं—एडीटर.]

388 **3**98 **3**98

बान यहां इस बात पर विचार करने के लिये इकट्टा हुये हैं कि दुनिया की आजकल जो हालत है उसमें हम कैसे सुरिक्त रह सकें और किस तरह शान्ति रक सकें. किसर भी नजर उठती है हमें बदअमनी दिखाई पड़ती है बाहे समाजिक जीवन हो, बाहे आर्थिक हो, बाहे राजकाजी हो और बाहे निजी मामलें हों, सब जगह गड़बड़ है. इसी वजह से राश्ट्रों के बीच मयंकर खिचाव है. मेरा समय सीमित है इसिंचये में बद्अमनी के आर्थिक कारनों का खाक़ा ही पेश कक्ता और अपनी सुद्धि के सनुसार उनका इसाज बताने की कोशिश कर्तगा.

प्रकृति ने दुनिया के फ्यादातर देशों को सदान और दूसरे साधनों। से मालामाल किया है. जगर हम जकत से काम लें और इन साधनों को लिख हंग से इस्तेमाल करें

انتر راشتریہ بدامنی—اُس کے کارن اور علاج

(ڌائٽر جے . سي . کماريها)

[مثی کے تھسرے بھوتھے هفتے میں وشوشانتی کونسل کی بھٹھک بران میں هوئی ہے ، پلکت سلدوڈل کے نیٹرتو میں بھارت سے ایک پرتی ندھی مفقل پرتی ندھی مفقل کے ساتھ میں ، یہ مفقل آج کل روس کا دورہ کر رہا ہے ، قاکتر کماریہا نے شانتی ٹونسل کی بھٹھک میں 27 مئی کو نیٹھے دیا بھاشن دیا ہے ، هم أسے انگریزی سے انوراد کر پرکاشت کر رہے ہیں۔ ایڈیٹر،]

\$ \$ \$

آج یہاں اس بات پر وجار کرنے کے لھگے اکٹھا ھوئے
یں کہ دنیا کی اجتمل جو حالت ہے اُس میں ھم
یسے سرکچیت وہ سکیں اور کس طرح شانگی رکھ سکیں،
بعمر بھی نظر اُٹھتی ہے ھیس بداستی دکیائی پرتی ہے،
باہے صاحت جیوں ھو' جاہے آرٹیک ھو' جاہے راج کاجی
و اور جاہے نیجی معاملے ھوں' سب جگہ کوبو ہے ، اِسی
جہ سے واشگروں کے بیجے بھیلکر کھلتجاو ہے ، میرا سے
مسعب ہے اسلیکے میں بداستی کے آرتیک کارنوں کا خاکہ
مسعب ہے اسلیکے میں بداستی کے آرتیک کارنوں کا خاکہ
میں بیمی کرونکا اور ایتی بدھی کے الوسار اُن کا عاجے بتانے
س بیمی کرونکا ،

پرکرتی نے دنیا کے زیادہ تر دیشوں کو کہدان اُرر درسرے ادھکیں سے مالا مال کیا ہے ۔ اگر ہم عقل سے کاملیس را اِس سیادھلیں کو آبھت تعلک سے اُستعمال کریں वे जिमसे में सममा कि वह नवसीयी सेश्वर की तरह की कोई चीज है. यसजिव के मेहरावों पर मुनहरे अवरों में कृष्स्र ती के साथ अरबी आवतें किसी थी. दीवारों पर बहुत खुबस्रस पच्चीकारी थी. आज मेरी जिन्दगी में पहला मौका था कि ममजिद में हजारों चीनी कोगों के विमयान अकेसा हिन्दुत्नानी अपने रास्ट्रीय लिखास रोरवानी, पैनामा और टोपी में बैठा हुआ था. सोग मुइ शुद्द कर मुक्त को देस रहे थे और बच्चे खगातार टक्टकी वांचे के सैसे सनीमा दे रहे हों.

असी इसाम साहब का भाशन नहीं हुआ था कि एक सब्की कैमरा लेकर नमाश्रियों के बीच चाई. शायद बह चीनी सब्की नहीं थी. उसने इसाम की चौर नमाखियों की कई तस्बीरें शीं, 'पर उसने मेरी तस्बीर खींची क्योंकि मेरा लिकास उसकी चाजीब कम रहा था.

ठीक साढ़े इस बजे माशन खत्म हुआ और नमाज की वैयारी शक्त हुई. पहले इमाम साहब पांच मौलानाओं के साथ करे हुये. यह लोग करने करने भना की सरह की कोई चीख पडने थे और सिरों पर सफ़ेर पगड़ी बांधे थे. सब नमाची बैठे थे. इसाम ने इन पांच मौलानाओं के साथ पहले अब अरबी की आयर्ते पदी, इसके बाद सब नमाजी यकवारगी खड़े हो गये. मैं भी सब के साथ खड़ा हो गया. फिर दो रकव्यत नमाख बिल्कुल उसी सरीक्ने पर हाई जैसे हिन्द्रस्तान की मस्जिदों में होती है, नमाज के बाद इमाम ने ख़ुतबा पढ़ा और फिर इसके बाद दशा मांगी गई. दुचा के बाद सब लोग एठ खड़े हए चौर बाश बाश एक दूसरे से मुसाफद्दा करने लगे. ईद के नमा ब के बाद हिन्दुस्तान की तरह यहां गले नहीं मिलते. इमाम और पांच मीलाना एक तरफ सबे हो गये और स्रोग साइन क्या कर और बारी बारी आ कर बनसे सुसाफहा कर रहे थे. मैंने भी ऐसाही किया. बहुत से खोग मेरे पास आये. मैंने भी बढ़ कर उनसे मुनाकहा किया.

डसके बाद में सेहन में आया जहां की साहब और राजेश मेरा इन्तजार कर रहे थे. सामगा एक हजार से क्यादा नमाजी इधर उधर खुश खुश टहल रहे थे. मैंने अपने कैमरे से मांस्जद की और नमाजियों की तस्त्रीरें सीची और अपनी तस्त्रीर भी इमाम साहब के साथ सिववाई. दूसरे सोगों के साथ भी मेरी तस्त्रीर खींची गई. इस सबसे करसत पा कर मैंने मंतले से चाकलेट और सेमम्बूष्य निकालें और बच्चों को बांटना शुक्त किया. वह सेकर खुश खुश का रहे वे. उनके साथी बुजुग उनको बता रहे वे कि 'धासिजनी ता इन्दू को को" (बानी यह तुन्हारे मिन्दुस्तानी बढ़े माई हैं) 'रो शे" कहो शे शे को चीनी भाषा में श्राक्रवा को कहते हैं. सादे ग्यारा बजे में इन सब ته هس به میں سمجها که یه تبلیقی الحجود کے طبح کی کرتی جود ہے مسجد کے سحرابی یو سقورے الکھیں سقورے الکھیں الکھی الکھی تبھی، دہواری پر بہت کوبصورت بجهکاری آئی ، آئی بہتی زندگی میں پہلا موادر تبا که مسجد میں مواری جہنے لوگی کے درسیاں البلا عددستانی آئے رائدہیہ تباس شہروانی پائیجامہ اور تربی میں بہتھا ہوا تبال موادر بجے لکانا والے الرک موادر بجے لکانا کہ باندھے تھے جیسے سالما دیکھ وہے تیے اور بجے لکانا کہ باندھے تھے جیسے سالما دیکھ وہے تھے اور بجے لکانا کہ باندھے تھے جیسے سالما دیکھ وہے تھے اور بحے لکانا کہ باندھے تھے جیسے سالما دیکھ وہے تھی۔

آبھی امام صاحب کا بھادی تھیں ہوا تھا کہ آیک لوکی کھیرا لیکر تسازیوں کے بھیج آڈر ۔ گایت وہ جملی لوکی تھیں تھیں تھی ۔ اس نے امام کی اور نمازیوں کی کئی تسویریں لیں' پور اس نے سمدی تسویر کمیڈھی کمونکہ میرا ایماس اس کو مجمد لگ وہا تھا ۔

تهدك سازهے دس بحجے بهاشی خدم هوا اور تماز كى الماري هروم هوالي ، يهال امام صاحب ياني سالا الل ك سالم الهواء هولي ، يه لوك المهد لمهد عها لي طابع كي كولم جود يهلي أور سارن پر ساهد يكور بانده له . صب تمازی بدای تھے ، اسام نے اُن ہانی مولادوں کے ساتھ ہیلے کچھ مربی نی آنعمی پرممی ، اُس نے بعد سب قداؤی یکھارکی فہونے ہولگے ، جھن بھی سب نے ساتھ کهوا هوگها، پهر دو رکعت تماز بالکل اُسی طریقه یو هوگی جهسے مددستان کی مسجدوں مهن هوتی ہے، نماز کے بعد أمام لے خطبه بوماً اور پھر اُس کے بعد عما سانگی گئی ، دما کے بعد سب لوگ اُٹھ کھوے ھرکے اور خوص خوص أیک دوسرے سے مصافحت کرنے لکے ، عید کی نماز کے بعد هددهان کی طرح یہاں گلے نبهیں ملتے ، آمام اور یاسے مولاما ایک طرف کھونے موکئے اور لوگ لائی لگاار اور ہاری ہاری آدر أن سے مصافحت كر رهے تھے . ميں لے بھی ايسا ھے کھا ، بہت ہے لوگ مھرے پاس آئے ، مھں نے بھی يوهكر أن سے مصافحت كها .

اس کے بعد میں صحبی میں آیا جہاں فلک ماحب اور راجیش میرا انتظار کو رہے تھے۔ لگ بیک ایک ہوار میں راجیش میں ایک ہوار میں دیے ، لگ بیک ایک ہوار میں بیادہ نمازی اور ادھر خوص خوص خوص تیل وہ تھے ، میں نے ایک میری میں نے ایک میری تصویریں کی تصویریں کی مام صاحب کے ساتھ کیلجوائی ، دوسرے لوگوں کے ساتھ بیعی میری تصویر کی میدی تحویر کی بیانہ اور اس سب سے فرصت باکر میں نے جیدل سے جدندمی اور اس قرآیس نکانے اور بیچوں دو بانگذا شرع کیا وہ لیکر خوص خوص خوص نیا دیے تی آن کے ساتھی بورک کیا وہ لیکر خوص خوص خوص نیا دیے تی آن کے ساتھی بورک میدیر تی نے اور ایمن اور ایمن اور ایمن ایک میدیر میں اور ایمن میں ایک میدیر بیانہ میں ایک میدیر بیانہ میں ایک میدیر بیانہ میں ایک سب

क्षंग साहब का गये. कौरन कपबे बरस कर और नारमा करके उनके साथ हिपाटेमेंट तक आया. इतने में मेरे साथी राजेश जी भी था गये जो हमारे साथ पण कर देखना चाहते थे कि यहां के मुसलमान ईद कैसे मनाते हैं. भागी भाठ बजने में 10 सिनट बाक्री थे. इस लोग इवर दश्चर की बातें करने लगे. ठीक बाठ बजे कार का गई बीर हम इस पर बैठ कर मसजिद रकाना हो गये. रास्ते में मैंने देखा कि बहत से मुसलमान मर्द औरते, बूदे, बच्चे सिर पर सुकेंद्र टोपी सगाये साफ साफ कपके पहने गसजिदों की तरफ जा रहे थे. नौ बजे के लगभग इम लोग मर्साजद पहुंच गये. यहां काफी भीड थी लोग चन्दर बाहर बा जा रहे थे. फाटक को तरह तरह के रंग के बढ़े बढ़े मल्हों से साब सजाया गया था. लोग हम लोगों को सौर से देख रहे है. हम क्षोग मसजिव के कल्दर का गये. यह हिस्सा भी छोटी छोटी जाल, पीली, हरी, नीली, मन्दियों से साब साजा हुआ था और जिनके फुरहरे हवा में कहरा सहरा कर अपनी बेपनाह खशियों की खाडिर कर रहे थे बौर मौन भाशा में नमाजियों को 'ईद मुबारक' पेश कर रहे थे.

मिस्टर फंग ने बताया कि यह पीकिंग शहर की सब से हडी मसजिद है और इसका नाम Tung Sze Pailou है. उन्होंने यह भी बताया कि यह मसजिद मिंग खान्तान के समय में बनी है. आज भी यह बहुत अच्छी हालत में है. इसकी वजह यह है कि बाजकल की बीनी सरकार इस गामले में बहुत दिलचस्पी लेती है और धार्मिक स्थानों बीर परानी यादगारों को अच्छी हावत में रखने के लिये ाकी सहायता देती है. इतने में मसजिद के इमाम आ गये. रेत साहब ने इस लोगों को उनसे मिलाया. वह बहत खश बे. बन्होंने हम लोगों को एक कमरे में बैठाया. यह कमरा हिंग हम के किस्म का था और मसजिद के एक किनारे र था. इसमें बैठने के लिये बहत सी बेन्चें पड़ी थीं, शोड़ी र के बाद इसाम साहब चले गये. मैं भी कमरे से उठ कर हन में चला आया. वहां मर्द, औरतें, बच्चे, बढे सब जमा , एक सरफ़ भौरतों का कमरा था जिसके अन्दर बहुत ोबढी औरतें सिरों पर सफ़ीर कन्टोप पहले बैठी थीं. र्वसिरों पर सफ़ेद गोल टोपी पहने थे. कड़ कियां भी शवातर मदों की तरह सफ़ेद टोपियां पडने बी. यह बात मुको अजीव क्षगी. हिन्दुस्तान में औरतें महाँ के साथ अधिक में नहीं आतीं. मर्द औरत सब नीले रंग की खन और उसी रंग का कालरदार कोट पहने हुये थे.

साहे नौ बजे बजू करके मैं मसजिद के कन्द्र बरामहे गया, वहां इसाम साहब माइकोफोन पर चीनी आशा तक़रीर कर रहे वे चौर कमी कभी घरबी पहले जाते

بنگ ماهب أكل ، فيزاً كيوه بدل كر اور تلقعه کر کے اُس کے ساتھ ڈیپیارٹ ملت تک آیا ۔ اللہ میں مهري سالهي رلهههي جي يبي آلكم جو هماري ساله جلکر دیکھٹا جامعے لیے کہ بیاں کے مسلمان مید اکیسے مقاتے هيں ، ابهى آته يجلے مهن سن ملت باتى تھے ، هم لوگ ادهر أدهر كي ياتين كرنے لكني تميك آتر بحد کار آ ککی اور هم اس پر بیتیکر مستود روانه هو کئی۔ رأستے مهن مهن نے دیکھا که بہمت سے مسلمان مرد عبرتین بروه بحص سر پر سفید گریی لگائے صاف صاف کہوں پہلے مستعدوں کی طرف جا رہے تھے ، نو بھے کے لگ بهگ هم لوگ مسجد پیونیے کئے ، یہاں کانی بههو تھے ، لوگ اُندر یاھو آ جا رہے تھے ، پھاٹک کو طرح طرم کے ونگ کے ہونے ہونے جھنڈوں سے خوب سجایا کیا تها ، لوگ هم لوگین کو قور سے شیکھ رہے تھے ، هم لوگ مستحد کے اندر آ ککے ، یہ حصہ بھی جدوائی جدوائی ال يهلي هوي الهلي جهدى بي شرب سجا هوا نها. أور جي کے پھرھرے ھوا میں لہوا ابوا کر ایڈی نے بقالا خوشیوں کو ظاہر کر رہے تھے اور موں بھاشا میں تمازیوں کو و عید مهارک پیش کو رہے گیے،

مسلو فلک نے بتایا که یه بهکلگ شهر کی سب سے ہوی مستوی ہے اور اس کا نام Tung Sze Pailou ھے انہوں نے یہ بتایا کہ یہ مسجد مذک خاندان کے سے میں بلی ہے ، آج ہو۔ یہ بہت اچوں حالت موں ھے ، اِس کی وجه یہ ھے که آبے کل کی جهدی صرار اس معاملے مهن بهت دلنچسهی لهتی هے آور داهارسک استهانون اور براني بادارون كو أجهى حالت مين وكهاب کے لیکر مالی سیالعا دیعی ہے ، اللہ میں مسجد کے امام أ كلي ، فلك صاحب لي هم لوكون كو أن سے سلايا ، ولا يهمته خره هوئے، انهوں نے هم لوگوں کو ایک کمرے میں بیکھایا، یہ کمرہ ویٹنگ روم کے قسم کا تھا اور مستجدکے ایک کفارے یر تھا ، اس میں بیٹھلے کے لگہ بہت سی بیٹجھیں ہوں تھیں ، تہرزی دیر کے بعد اسام صاحب جانے گئے ، میں يهم كدريه س ألهكر صصي مهل جلا آيا، وهال مردة عرولهن، ہتھے ، برجھ سب جمع تھے ۔ ایک طرف عورتوں کا کمود ٹھا ہیں کے اندر بہت سی ہوڑھی عورتیں سروں ہو سقید كناتوب بهني بيتهى نهين . مرد سرون ير سنيد كرل تربی بیدے تھے ، لوکیاں بھی زیادہ تر صردوں کی طرح سفيد توبهان پيلے تهيں . يه يات مجهكو مجهب لكى . هندستان میں مورثیں مردوں کے ساتھ مسجد میں نہیں أ تين ، مرد مورس سب لهاء رنگ كى يعلون أور أسى ولك كا كالردار كوت يهام هوال الم .

ساویے لو بھیے رضو کر کے میں مستحث کے اندر پرآمدے میں گیا ۔ رھال امام صابعت سالیکروفوں پر جیلی بیاشا میں کلریز کررھر کیے اور کیمیکیمری(انکماں پڑملے جاتے

LANGE OF LANGE OF THE PARTY OF

पण जीटा सा खाका लिख रहा हूं ताकि मेरे देश वासियों को सच्चाई सममूति में मदद मिले.

हैर के दो दिन पहले मेरे एक चीनी लेक्चगर रोस्त मिस्टर बन पास काये और कहने लगे कि परसों ईद है. दिपाटंगेंट ने नमाज परने के लिये आपको पीकिंग शहर की सब से बड़ी मन जिंद में भेजने का इन्तवाम किया है दस बजे सुबह नमाख होगी, आप आठ बजे तैयार हो जाइयेगा मैंने दनसे फडा- "लेकिन परसों तो मेरा क्लाम है, उसका क्या होगा ?" एन्होंने जबाब विया कि ईव के विन परे चीन में तमाम प्रमत्मानों की छड़ी होती है, आपको फिक करने की खरूरत नहीं है, जो कुछ हो मुम्ह से कहिये. पैंने उनका शक्या भना किया और मैं अपने कमरे में चला आया. दमरे दिन में शाम को टहल कर अपने कमरे में आया तो माख्य हचा कि मेरे इसरे चीनी डोस्त मिस्टर फंग, जो हिन्दी डिपार्टमेन्ट में लेडचरर हैं सुमा से मिलने षाये थे. सुमका न पाकर मेरी स्रोज में गये हैं. यह सुनहर मैं फौरन उनकी तलाश में चल पड़ा. अभी मैं थोडी ही दर चला था कि मिस्टर यन मिल गये सनाम दुवा के बाद **उन्होंने बताया कि हमारे डिगाटमेन्ट में मिस्टर फंग को** मेरा दुंभाशिया चुना है भीर यह कि वह मेरे माव समितिर में जायंगे ताकि वह मुम्म की हर बीज सममाते जायें घौर पासरत के बक्त मेरी मदद करें. मैंने उन से कहा कि मैं मसनिद के इमाम से भी मिलना चाहता है धीर उनसे बाज के बीन में मुसलमानों की हालत. मजहबी बाजादी. सरकार की सहायता. इस्लामा जमायते और उनका काम. धनका खुनाव, धाम मुसलमानों पर उनका धसर, सुपर और शराब के इस्तेमात के बारे में भाग मतबमानों का ख्याबा, मुसलमानो औरतों को हालत इन सब के बारे में पूछना चाहता है, उन्होंने इवाम का नाम मुमको बताया और कहा कि निस्टर कंग आपके साथ रहेंगे आर वह आपकी मश्द करेंगे. इतने में मिस्टर फंग भी था नये जा मुक्त हो बंदते बंदते इधर निकल आये थे. उन्होंने मुक्त से कहा कि कल बाठ बजे सुबह बाप बिल्कु न तैयार रहियेगा, मैं आपके साथ चलंगा. मैंन उनसे पूड़ा कि जिस पस से हम लोग पंकिंग शहर जायेंगें शहर से इमारी यूनिवर्सिटा लगभग इस मीत के फासले पर है) वह कितन बजे खुरता है ? सन्दोंने कहा कि डियार्टमेंट ने यूनिवर्सिट कार का प्रबन्ध किया है, हम श्रांग क्सा से जायेंगे कार भाठ बजे शिपार्टमेन्ट के सामने सबी रहेगी. फिर कुछ इधर उधर को वार्ते करके यह लोग चले गये और मैं वह सोचता हुआ हमरे में लौट शाया कि बागर में अपने घर किसां कि गहां ग्रमको इतना - बाराय है वो क्या लोग यक्रीन कर सक्रो !

े दूसरे दिन नदा भोकर कपने बदल ही रहा था कि

Marie Same

ک جهولاً ما شاکه لکه وها فون داکه مهریردیش ولسهون و سجانی منجهانی مهن مهند مایی

عهد کے در دی بہلے میرے ایک جیلے لکتھرو دیست سقر میں صهری عامل أثر أور دیار لکے که پرسوں عهد هـ. بھارت مدمی نے تماؤ پومٹے نے لیڈے آپ کر پھکلگ شہر ے سب سے ہوی مستهد میں بہیجائے کا اُنکظام کیا ہے ر س يحيد صبيع نماؤ هوكي آب اله يحيد تهاو هو جاليكا . بن له این سے دیاسہ ال لیکن پوسون تو مہرا کاس مے ے کا کہا مولا 🗥 انہوں نے جواب دیا که مهد کے دور ہے جہتے مهن تمام مسلمانوں کی جہتی هولی ہے ' آپ فكر درئ في غرورت بهون في ، جو نجه هو مجه س یئے ، مہی نے اس کا شکریہ ادا کیا اور میں آبے کمرے بي چة أيا ، دوسرے دن مين شام كو ليل كر افي عمرے ی ایا تو ممارم هوا ده مهری دوسوی جهیعی سے مسلم فلک جو هلدی دیهارے ملمی مهن لکنچرو ور مجه بير ملقے اللہ لهے ۽ مجهکو ته يا در مهري دهويو ي كلي هين . يه سي كر مهن فوراً أن كي نقص مهن ل يوا ، ايهي مين تهروي هي دور چلا تها ته مسكر سل کٹے ، سلم دھا کے بعد انہوں نے بعایا دہ همارے بارت سفی نے مسالر فقک دو مهرا دو بهالهه بها هے يه دي وه مهاي ساله مستجد مهن جا هدي لاده ولا بهکو هو چهر سمجه تے جانها اور صرورت نے وقعه مهری ں دریں ، میں نے آن ہے کہا ته میں مستجد کے امام ہمے سلفا جامعا ھوں اور ان سے آپ کے چمن موں المعانين في حالب من مدى أزادي سرار في سهانما سي جماعتهن اور أن كا كام ان كا جلال عام مسلمانون ان کا اگرہ سور اور شراب کے استعمال کے بارے سوں عام لمانون کا خهال مسلمانی عورتوں نی حالت اور سب نے ہے سوں پوچھیا جامعا هوں ، انہوں تے امام ۽ بام مجبه یتایا اور کیا که مساتر فلگ آب نے سانہ رهیوں کے ور أي در مدد كريدكي أناء مهن مستر فلك يور الكر و مجيكم فادو كاتي قمونكائي ادمو مكل أنه تهم الهول له منجه كها كه كل آنه ينهم صيم أب يالعل تهار رهند كا . ميس ر ساله جابل کا مهن نے ن سے پوچھا که جس سے هم اوگ پهکدگ شہر جانوں کے (شہر سے هماری بررستی لک بهگ دس دول کے فاصلے پر ھے) وہ ر بعد جهونته هے ؟ أنهون نے كها كه قيهارك ملت نے ورستی کار کا پربلدہ کھا ہے' مم لوگ اسی سے جاکھی کار اُنو بھے دیوارے ملمی نے ساملے دووی روے کی و المعدم الدهر في باتهن فرنے وہ لوک جلے فتے اور یه سوچکا هوا دمری میں لوگ ایا نه اگر مهی اغے "مهون ده يهان مجهكو أنها أوام هـ تو فها لوگ يقهي عين کر ل

39)

चीनी दोस्त इससे च्यादा इमारा छवाल रखते हैं. सुना करते थे कि हृदय एक होने पर दिशा की बात समझ में भा जाती है. लेकिन यहां तो वह कथन विल्कन सच है. इघर किसी जरूरत का ण्डसास हवा नहीं कि सबर इमारे दोस्तों को पता चल जाता है और बिना कहे, बिना चर्चा किये इमारी करूरतें पूरी हो जाती हैं. इम लोगों की जरूरते पूरी करने के लिये चीनी माई व्याफल रहते हैं. जिस दिन दल्हें हम लोगों की सेवा करने का मीका नहीं मिलता उस दिन वह लोग वेचैन रहते हैं. यहां के लोग और यहां का वातावरन इमें बहुत पसन्द आया. इतना पसन्द आया कि शब्दों में मैं उसे खाहिर नहीं कर सकता. प्रभावित हो कर एक दिन मैंने और राजेश ने वर्मा जी से कहा कि हम छोग यहां कम से कम दस साल के लिये आये हैं. वर्मा भी ने डाक्टर भी से यह बात कह दी, उन्होंने कहा कि हम उन लोगों का पंद्रह बरस के लिये स्थागत करते हैं.

हम लोग जाम जीनियों के लिये एक तमाशा हैं. एक विन हम लोग हाई तीन बाजार गये, हम लोगों को देख कर बच्चों की एक भीड़ इकट्ठा हो गई और हर तरफ बच्चे 'इन्दू रेन, इन्दू रेन" विरुताने लगे. रास्ता जलना ग्रुश्कल हो गया. हम लोग बिल्कुल मदारियों की तरह भालम हो रहे ये जिनके पंछे बच्चे तालियां बजा कर जलते हैं और वह अपना बन्दर लेकर आगे बढ़ जाते हैं. हम लोग अपना मोला लटकाये खुशी से भूमते, अकड़ते चले जा रहे थे. "नी हाऊ नी हाऊ" कहते आगे बढ़ जाते थे. वह लोग दूसरी तरफ से फिर आ कर सामने खड़े हो जाते थे. हम लोग बिल्कुल 'नयं गांव ऊंट आया' कि मिसाल माल्म हो रहे थे.

अब पीकिंग की ईद का हाल सुनिये. पीकिंग आये अभी मुसे दो महीने भी न हुए थे. हिन्दुस्तान के क्यादातर लोगों की तरह चीन की जनता की मजहबी आजारी के बारे में मुसको भी कुछ शक ही सा था, मगर यहां पर जो कुछ मुसको अनुभव हुआ उससे न केवल मेरा शक ही दूर हुआ विक पूरा यक्षान हो गया कि यहां के मुस्तमानों को अपने मजहबी मामले में उतनी ही आजादी है जितनी कि किसी भी देश के मुसलमान अपने लिये भीच सकते हैं. शुरू शुरू में में सोचता था कि इस नये वातावरन में नये लये आदिमियों के दिमयान पता नहीं मेरी ईद कैसे गुजर रे मगर अब गर्व से यह कह सकता हूं कि जितनी सहां अपने के साथ 1000 मुसलमानों के साथ मिल कर पीकिंग शहर की सब से बड़ी मसजिद में मैंने नमाज पढ़ी बहुत से लोग उसकी करपना तक नहीं कर सकते. इसीलिये बहुत से लोग उसकी करपना तक नहीं कर सकते. इसीलिये

جهدی هرصد هم سے زیادہ همارا کیال رکھتے هیں ، سلا کئے تھے که مودے ایک مرتے ہر دال کی بات سمجه سبق آجاتی ہے کہ مودے ایک مرتے ہر دال کی بات سمجه ادھر کسی قدرورت کا احساس هوا نہیں که ادھر همارے موروتیں کو بعد جاتا ہے اور بقا کیے بقا جورہا کیکے هماری فہروتیں ہوری هوجاتی هیں ، هم لوگوں کی فہروتیں ہوری کرتے کے لیئے جہتی بہائی بھاکل وہتے هیں خبروتیں دن آنهیں هم لوگوں کی سموا کرتے کا موقع نہیں ملکا اس دن وہ لوگ بےجہن وہتے هیں ، بیاں کے لوگ اور بہاں کا واتاورن همیں بہت ہستد آیا ، انقا ہسلد آیا کہ شہدوں میں آسے ظاہر نہیں کرسکتا ، پربہاوت ہوکو لیگ دن میں غرب کر ایک دن میں کے اور واجیش نے ورما جی سے نہا کہ هم آن لوگ بہاں کم سے کم دس سال کے لیئے آئے میں ، ورما جی لوگ نے قاداتر جی سے نہا تہ هم آن لوگ بہاں کم سے کم دس سال کے لیئے آئے میں ، ورما جی لوگ نے قاداتر جی سے بہ بات کے دنی ، آموں نے کہا تہ هم آن لوگ بہاں کا بی بید بات کے دنی ، آموں نے کہا تہ هم آن

هم لوگ هام چهدهبان کے لگر ایک تماشه ههان آیک دن هم لوگان کو هیکبکر دن هم لوگان کو هیکبکر بجون کی ایک بهبو ارتفها هولکی اور هو طرف بجید الادو ربین الدو ربین جهانے لگئے ، واسته چلقا مشکل مورکها ، هم لوگ بالکل مداریس کی طبع معلوم هو ربی لیا بدور لهکر آد بوه جاتے مهان اور وا لیکا بدور لهکر آد بوه جاتے مهان هم لوگ ابقا جهولا لیکنا بدور کی جاتے اور اس دولی ابقا جهولا نی هاؤا کہتے آئے ہوم جاتے تھے ، وا لوگ دوسری طرف نے بہور آدو سامار کوور هم جاتے تھے ، وا لوگ دوسری طرف بید بهور آدو سامار کوور هم جاتے تھے ، هم لوگ بالکل سے بہور آدو سامار کوور هم جاتے تھے ، هم لوگ بالکل سے بہور آدو سامار کوور هم جاتے تھے ، هم لوگ بالکل

آپ پیکنگ کی عید کا جال سلیگی ، پیکنگ آئے سجوے آبور دو مہیلہ بھی کہ عوثر تھے ، هلاستان کے ویادہ تر لوگیں کی طرح جموں کی جلانا کی مقصی آزادی کے بارے میں مجبکو بھی کچھ شک ھی سا تھا مگر یہاں پر جو کچھ مجبکو آنوبھو عوا اُس بے نہ کودل میرا فک مورا بلکہ یہرا یقوی عرکما که یہار کے مسلمانیں کو لیے مقصی معاملے میں اُنٹی ھی آزادی ہے جاتھی کہ دسی دیش نے مسلمان آبلی ھی آزادی ہے جاتھی گورج شروع میں میں سوچا تھا نہ اِس نیاز دانورں میں نیار نیار آدمیوں کے درمیان یا کہ نہیں میری عید دیسے گروہ ہے کہ دیس میری عید دیسے میہرلیاری کے ساتھ 1000 مسلمانیں کے ساتھ ملکر پیکلگ میہرلیاری کے ساتھ 1000 مسلمانیں کے ساتھ ملکر پیکلگ میہرلیاری کے ساتھ کانے میں میس بھی مستجد میں میں نے تسان ملکر پیکلگ بھی نوگ آبیں فی کلیفا تک نہیں دیس کے ساتھ ملکر پیکلگ بھی نوگ آبیں فی کلیفا تک نہیں در سکتے ، اسی لگے

पीकिंग में मेरी पहली हैंच !

के इस परित्र को देखते हैं जो रोक्सपियर ने निर्मान

विशों को जन्म देना लेखक का सब से महत्व पूर्न और सब से मुश्कित काम है. इस का तरीका बहुत पेबीदा है, बरित्र निर्मान उस तरह नहीं हो सकता जिस तरह मधीन सोमान पैदा करती है. इसित्ये मधीन की पैदाबार कोर लेखक की पैदाबार का अनुमूलन करते समय दो अलग हरिटकोनों का सहारा लेना पहेगा.

(सिक्षसिले के लिये अगला अंक देखिये)

पीकिंग में मेरी पहली ईद !

(जेलक-मुखतार बहमरः

[श्री मुखतार अहमद अभी हाल में पीर्छित गये हैं. पीर्छित यूनीवसिंटी में वह उर्दू पदाते हैं. पेसे वह 23 अने सन 1951 हैं • को पीर्छित पहुंच गये थे लेकिन चानियों की मेहमान्दारी ने अवकाश नहीं दिया कि इससे पहले वह कोई पत्र खिल सकें. बक्रील उनके चीन का बातावरन इस इतना पसन्द आया कि वह उसी में हूब कर रह गये. पर अब यकवारती चौंके हैं तो खत खिलाने का विचार आया है. आशा है महान चीन का आंखों देखा हाल ''नया हिन्द'' के पाठकों को आते भी पढ़ने को मिलता रहेगा और हिन्दुस्तान से चीन में जा कर हिन्दी, उर्दू पढ़ाने वाले साथा खत के रूप में ही बहां की जनता, उनकी मेहमान्दारी, उनकी चेतना से हमें परिचित कराते रहेंगे—पडीटर.]

इस साम पीकिंग में मैं ने ईव मनाई. उसका बर्नन बाद में कर्रागा. पहले अपने बारे में और अपने बीनी दोस्तों के बारे में कह जूं.

यहां के लोग बहुत ही अच्छे हैं. हम खोगों की जरा सी तकलीफ पर बेचैन हो जाते हैं. हम खोगों को सबसे अच्छा होस्टल दिवा गया है. इसमें केवल हिन्दुस्तानी ही रहते हैं. हम लोगों का रसोई वर बालग है. इसमें गुरू दिन्दुस्तानी साना पकता है. रसोई वर की मालिक प्रभा भाशों है, सब शाकाहारी भोजन करते हैं और मैं भी साग सक्दी का बानन्द लेता है.

بيكنگ مون فيوي بهلي ميد أ

کے اُس چوٹر کو دیکھٹے میں جو شیکسیپر لے تومان کیا ہے .

چرارس کو جائم دیا لیکیک کا سب سے مہاتو ہوران اور سب سے مشکل کام ہے ، اِس کا طریقہ بہت ہجیدہ ہے ، چوار نرمان اس طرح نہیں ہوسکا جس طرح مشیق سامان پیدا کرتی ہے ، اس لیائے مشین کی بیداوار اور لیکیک کی بعداوار کا اندولن کرتے سعے دو الگ دوشائی کونوں کا سازا لیا ہورکا ،

(سلسله کے لگے اللا انک دیکھھٹے)

پیکنگ میں میری پہلی عیدا

(لفكوك سسمطعار احمد الرا

[شری منعدار احمد آبهی جال مهی پهکدگ گئے مهیں۔ پهسد پهکدگ پينهورستی مهی و آردو پوهاتے ههیں۔ لهسے وہ 1952 ايريل سن 1954ع کو پهکنگ پهونچ گئے تها لهکن جهنهوں کی مهمانداری نے آرائش نههی دیا که بهنی کا والاورن نجه اتفا پسلد آیا که و آسی مهی قرب کو روا کئے ، آب پکهارگی جونکے ههی تو خط لکهلے کا وجار آیا هے ، آشا هے مهان جهن کا آنکهوں دیکها کا وجار آیا هے ، آشا هے مهان جهن کا آنکهوں دیکها دیگا اور هلدستان سے جهنی مهی جاکر هلدی اورو هلدستان سے جهنی مهی جاکر هلدی اورو هلدستان سے جهنی مهی جاکر هلدی اورو مهان کی بهمانداری آنکی جهنگذا سے همهی پرچت بهدی ایکی مهمانداری آنکی جهنگذا سے همهی پرچت

\$ 8 P

اِس سال پیکنگ میں میں نے عید مقائی ، اُس کا ورثن بعد میں کروں ، پہلے آنے بارے میں اور آنے چیڈی فوسلاس کے بارے میں کے لیں ،

یہاں کے لوگ بیت می آجم میں ۔ مم لوگوں کی فرآسی تکلیف پر پہون موجاتے میں ، مم لوگوں کو صب سے آجھا موسئل رملے کو دیا کیا ہے ۔ اُرس میں کیول مقدستانی می رمتے میں ، مم لوگوں کا رسوئی گھو اُگ ہے ، اِس میں شدہ مقدستانی کیانا پکتا ہے، رسوئی گھو کی مالک پربہا بہابی میں ، سب شاکاماری بھوجی کرتے میں اُور میں بھی ساگ سبزی کا آئنی لیتا میں ،

पेसे पेसे अनुभवों का सहारा ितया जाता है जो निराधार हैं. हमें वन उपन्यासों में अपने ही जिन्स से काम वजेजना शान्त करने वाले हो व्यक्ति मिलते हैं जी एक दूसरे से जलते हैं, हमें ऐसी दुखी माएँ मिलती हैं जो अपने बच्चों से प्यार नहीं कर सकती, ऐसे आदमी दिखाई पहते हैं जो ' बिना किसी कारन के आस्महत्या करते हैं.

अकस्मात घटना जो आम तरीक्ने से नहीं घटती है लेखक को आकर्शित कर सकती है, लेकिन वह उसकी शीम ही या छुछ दिनों के बाद ज्यों का त्यों लिख नहीं डालंगा. एक आदमी या एक घटना दूसरों की तरह लेखक को भी आश्चर्य में डाल सकती है लेकिन अगर मनुश्य की नैतिक मान्यता उसमें नहीं हैं तो वह आदमी या घटना लेखक को याद नहीं रह सकती. उपन्यास के चरित्र न तो तस्वीरों का देलबम होते हैं और न तो प्रश्नों की ऐसी काइल होते हैं जो उपक्तियों के बारे में जानकारी रखने वाले विभाग रेकार्ड के तीर पर रखते हैं. यह चरित्र काम्रनिक होते हुए भी वास्तिषक होते हैं. लेडक को जीवन का देखने और उसको अथे पहनाने का वरदान होता है. इसी वरदान से बह अपनी रचना के चरित्रों में जान पैदा कर देता है.

अपने पैदा किये हुए अरिजों से लेखक दुनिया की आधाद करता है. मीबोय डोफ़ ने 'विटवक्स आं' लिखा. क्या इस रचना से पहले रूस में कोई चात्सकी जैसा खादमी या ? वेशक ऐसे लोग थे, लेकिन उनको खद पता नहीं था कि वह क्या है और उनके इदे गिर्द के लोग भी अन्ती तरह से नहीं जानते थे कि वह क्या हैं. इस पुस्तक के बाद सीगों के बारे में कहा जाने लगा कि "यह एक चारसकी है." गोगोल ने बहुत से व्यक्तियों को पीदियों तक जिल्हा रक्खा. आज भी जब लाग किसी भूठे या डींगयल को बात सुनते हैं तो उसे जल्सटाकांफ का नाम देत हैं. नीजवान लीग तीसा, आसया और जीमा नामी तक्कियों स ऐसे प्रेम करते हैं जैसे वह सचमुच ही दुनिया में मीजूर है. गोकी की खपन्यास "मां" की नायका हम को शतहासी ज्यांक मालम होती है, हमारे किये वह ऐसा चरित्र नहीं है जिस का गीर्श ने निर्मान किया है बहिक वह जाती जागती भीरत मालूम होती है.

पांचवीं सदी में जतलेन्ड में हैमलेट नामी क्या कोई शह्जादा था रेया डेन्मार्क के इतिहास गदने वालों ने इस नाम के शहजादे का निर्मान किया है रे आज इस इतिहासिक सच्चाई से किसी को कोई मतलाब नहीं है. डेन्मार्क में हैमलेट की क्षत्र दिखाई जाती है. वहां जाने वाले लोग इस कामनिक क्षत्र को गौर से देखते हैं. उन्हें इसमें कोई भी शक नहीं है कि हैमलेट हाड़ मांस का पुतला था और वह फूकर इस दुनिया में मौजूद या क्योंकि वह अपने सामने हैमलेट ایسے آیسے آنوبھوؤں کا سیارا لیا جاتا ہے جو ترادھار ھھی۔ همیں اُن آیلقیادوں میں آیے ھی جانس سے کام العیجاتا شانسا کرنے والے دو ویکنی ملتے میں جو ایک دوسرے سے جلکے ھیں' ھمیں آیسی دکھی ماٹیس ملتی میں جو آئے بچوں سے بھار تہیں کر سکتیں' آیسے آدسی دکھائی ہوتے ھیں جو بنا کسی کارن کے آتم علیا کرتے ھیں ۔

اکسماس گهتگا جو مام طریقہ سے نہیں کهتتی ہے لیکیک کو آکرشت کر سکتی ہے ایکنی وہ اس کو همکیر هی یا کنچه دنوں نے بعد جموں کا تمون لکھ نہیں ڈالے کی ایک آدمی یا ایک گهتگا دوسروں کی طرح لیکھکک کو بھی آشتوریہ میں ڈال سکتی ہے لیکن اکر ملھیہ کی نہتگ مانیمنائیں اس میں نہیں میں تو وہ آدمی یا گهتگا لیکھک کو یاد نہیں وہ سکتی ، ایلقیاس کے جوزر گهتگا لیکھک کو یاد نہیں وہ سکتی ، ایلقیاس کے جوزر ایسی فائل ہوئے میں جو ویکتموں کے بارے میں جانکاری ایسی فائل ہوئے میں جو ویکتموں کے بارے میں جانکاری کی ایکھی دو کہتے میں جانکاری کا لینگ ہوئے میں جانکاری کا لینگ ہوئے ہوئے استوال ہوئے میں جانکاری کا لینگ ہوئے ہوئے استوال ہوئے میں ایکھک کو ویدان ہوئے ہوئے ایسی خورن نو دیکھئے اور اس کو ارتب پہتانے کا وردان ہوئے۔ آسی جوزن نو دیکھئے اور اس کو ارتب پہتانے کا وردان ہوئاہے۔ آسی ودانی ہوئاہے، آسی

اھے پیدا دیکے هوئے چولروں سے لیکھک دیھا کو آباد کوٹا ہے ۔ کرمی ہواکے قوف ہو دو وق وراسی أو ¹⁶ لكھا ۔ کہا اُس رچھا ہے پہلے روس مہن دوئی جانسکی جہسا أدسى لها لا يهشك ايس بوك لف لهكن أن كو خور ياله نہیں تھا دہ وہ دیا میں اور ان کے ارد کرد نے لوگ بھی أجهى طرم سے تهون جانگے تھے تھے وہ گیا مھی اِس السعف کے بعد لوگوں کے باوے میں دیا جانے لکا که " یہ ایک جانسکی هیں .44 گوگول نے بہت سے ویکٹھیں کو پهوههون تک زنده رفها ، أج بهي جب لوگ کسي جهوالم يا ديدعيل كي بات مدعم هين تو أبير جلستانوب كا قام ديكم هين . توجوان لوك لهذا أسها أور جهما تامی لوکیوں سے آیسے ہویم کرنے میں جیسے ولا سے مے ھے دیھا مھن موجود ھھن ۽ گورکی کی ايقلھاس ^{ور}مان^{دا} کی تائیکا هم او الهاسی ویکلای معلوم هولی ہے ۔ همارے لهائم 🙀 ایسا چوتر نههن هے جس کا گورٹی لے فرمان فیا هے بلکه وہ جهتے جائتی عورت مملوم هوتی هے ،

پانچویں صدی یں جمت لیلڈ میں هیملیمت قامی کیا کوئی شہوادہ تھا ؟ یا قنمارک کے اُتھاس کوملے والی لے اُس قام کے شہوادی کا نرمان کیا ہے ؟ آج اُس اُتھاسک سجائی سے کسی کو کوئی مطلب نہیں ہے ، قامارک میں هیملیمت کی قیر دکھائی جاتی ہے ، وہاں جانے والے لوگائی کالینگ قیر کو فور سے دیکھتے ہیں ، اُنھیں اُس میں کوئی بھی ہیک نہیں ہے کہ میملیمت ہاو مانس کا یتڈ تھا اُور وہ تھرور اُس میں موجود کھا کیورد کھائیمت کے اُس میں موجود کھا کیورد کھائیمت کے اُس میں موجود کھا کھورد کو اُس مانس کا یتڈ تھا اُور وہ

Ž.

सिये बनाबार की कपरी दृष्टि की दस बात्रभव से मिलाना पदना है जो दसरों का है और जो बात उन माओं के बारे में दसरों ने कहीं हैं उन्हें भी उसे समकता होता है, तब ही इसके चरित्रों में समाज की मांकी मिलती है और यह चरित्र एक नम्ना होते हैं. नम्ने के बारे में को जाम तरीक़े से समका जाता है वह राखत है, गिन्ती से नमूने का कोई सम्बन्ध नहीं है. बागर हपन्यास के चरित्र की तरह तीस सास बादमी हैं तो यह कहना नामुमकिन है कि एक नमने का चरित्र पेश करने में लेखक सफल रहा है और अगर उस चरित्र से मेल खाने वाले तीन हकार ही आटमी है तो यह कहना भी असम्भव है कि लेखक विकल रहा है. जैसा समाज होता है वैसा ही लेखक का जीवन होता है और जीवन के पर्दे पर जो घटनाएं हो रही हैं उन्हों को लेखक दिखाता है. जीवन के घेरे से बाहर की कोई की ख वह पेश नहीं करता, वह आइसियों और रारट्रों का अमली जीवन चित्रित करता है. जहां तक गिन्ती का सवांस है वहां तक चात्सकी के चरित्र नमने के चरित्र नहीं हैं. लेकिन फिर भी अपने समय के कभी प्रगतिशील दल की ध्रंधली आधा और सुरसे का उन्होंने अपनी रचनाओं में पेश किया है, गांचारोफ ने बाबदोमोफ के चरित्र का निर्मान इसलिये नहीं किया कि उनमें अनीखापन है बहिक इसलिये कि बन जैसे लोगों के लिये समाज ने ऐसी परिस्थात पैश कर बी है जिसमें वह हमेशा दावी रहते हैं. 'अझाकेना' का प्रेम बेभिसाख है, उसमें बहुत गहराई है, लेकिन फिर भी सब कांग उसे समक लेते हैं. हमारे समय के बुजवाई लेखक आज इतने बांम क्यों हैं ? कारन यह है कि वह जीवन से भागते हैं और अपनी रचनाओं में ऐसे लोगों का चित्रन करते हैं जो किसी रूप में भी दूसरे से नहीं मिलते इसमें कोई शक नहीं कि ऐसे लोग मीजद हैं और यह भी हो सकता है कि उन कोगों की तादाद हमारे अनुमान से फ्यादा हो. लेकिन ऐसे लोगों का चित्रन पाठक के हदय को नहीं छता, क्योंकि उपन्यास में वह अपने और अपने युग की मांकी की दंढता है. मैं नहीं मानता हूं कि स्टैन्डहाल के समय में फ्रांस के हर गली कुने में जुलियन सारिल या लाशियन लेबिन मिल सकते थे. मेरा रूयान है ऐसे चरित्र मुश्कित से मिलते हैं, लेकिन यह चरित्र भावों और अकाओं को इस तरह से पेश करते हैं जिस से समय की परिस्थिति का पता चलता है और यही भाव और हमान शास भी मौजूर हैं, केवल उनका रूप बदस गया है. इसी कारन स्टैन्डहास आज तक पढ़े आते हैं और मिवश्य में न्धी बहुत ।दनों तक पढे जाते रहेंगे.

बाञ्जनिक बुजंबाई स्पन्यास के चित्रों में मानसिक साथ नहां हैं वस्कि सनका चाधार अञ्जेपन पर है और

لیکے کلاکار کو آریوں دوھاتے کو اس آنویو، سے سالنا ہوتا ہے جو دوسروں کا ہے۔ اور جو ہاتھی ان بھاؤں کے بارے میں دوسوں نے کہی هیں اُنہیں بھی اُسے سمجھٹا هوتا ہے . تب هے لس کے جوزوں میں سام کی جہانکی ملعی ہے اور یہ جالو ایک نمونہ ہوتے میں . نمونے کے بارے میں جو عام طوركم سے سمجها جاتا ہے وہ فاط ہے ، گلتی سے تمولے لا كولي سمهلده نهين ۾ . اكر ايقلياس كي جاتر كي طبو ليس لاي أدم هين تو يه كهذا تاسكن ه كه ايك نمولے کا جوار پیش کرنے میں لیابک سیبل رہا ہے أوو اكو اس جورتو سے مول كها لے والمكل تهين هوار هے أدستى مهن او يه كينا بهي استجهو هے كه ليكيك ويهل وها هے . جيسا سمايم هوڻا ۾ ويسا هي لهکهک کا جدون هوڻا ه ارو جهون کے بردے پر جو کہالکائیں هو رهی ههی اُنهیں کو اوکیک دکھانا ہے ، جھان کے کھورے سے باہر کرکے جھو وه پيهي تههي كرتا و آدمهي أور راهترون كا عملي جهون جارت اولا هي جيان لک گلاء کا سوال هے ومان لک جالسکنے کے جرار نمولے کے جرار نبھی مھی ، لبھی بہر ہوں ان سے کے روسی پراکٹی شیل دل کی دھقدلی آشا أور قصر كو انهوں لے اپنے رجفاؤں - بن پیش دیا ہے . انجدا ووف نے آباو-وف کے چوالو کا فومان اس لھکے نہمیں کها که آن مهن اتواها در هم باکه اس لمکر دم ان جهسر لوگوں کے لہائے سمایر نے ایسے اوسٹاہکے پہدا کو ضوافے حس مهر ولا هميشه دكوني وهاي وهيل ۽ أنف دييقا أ كا يايم ہے مگال ہے؟ اس مھی بہت گہراگہ ہے؛ لیکن بھو بھ_ا سب لوگ آیے سمجھ لھکے دوری عمارےسے نے ہوڑوائے لھکھگ أب اللي بانجه دهون همن ؟ كارن يه ه كه ود جهرن س بهائته ههى أور ايلى رجلاؤن سهن ايس لوكون کا جاتان کرتے ہیں جو کسی روپ میں یہی دوسرے سے نہوں مانٹے ، اس میں کوئے شک نہیں کہ آیسے لوگ موجود هھی اور یہ بھی هو سکتا هے که اُن لوگوں کی تعداد هماري أنومان سے زیادہ هو . لهکن ایسے اوگوں کا جدرن پائیک کے مردے کو نہیں جہرتا کھرنکہ ایلقیاس موں وہ اپنے اور اپنے یک کی جھانکی فوڈمونڈٹا ہے ، مہن تہوں مانکا ہوں کہ آسکلکھال کے سیے مہی فرانس کے هو كلى كوچے مهل جولهن ساريل يا لوشهن لهون مل سکاتے تھے ، مہرا خیال ہے ایسے چوردر مشکر سے ملکے ههر الهكن يه جرارا بهاؤل أور جهكاؤل كو إسطرت س پیش کرتے میں جس سے سے کی پرستھتی کا پتاہ جلتا ہے اور يهه ، بهاؤ اور رجعتان آم بهي موجود هول کهول أن كا روب بدل گیا ہے . اسی کارن سے استملقال آے نک پوھے جاتے ههر اور بهوههم مهن بهر يهمت دنون تک يوي جاتروهم كي. ۔ اُمعواک برورائی ایدلیھاس کے جونیوں میں مالسک بهاءِ تههي ههي بلكه أن ة أدهار عصرته عن عر هه اور

को लेखक बदत देता है जिन से कि वह क्यकि बना है। उस व्यक्ति की जाने बदने और पीछे हटने की सम्मावना को भी वह बदत देता है.

एक चरित्र में बहुत से व्यक्ति छुपे होते हैं

जब 'गोया" ने लड़ाई के भयानक दृश्यों का विश्वन किया तो इन्सानी जिस्म के बीर फाइ के से निकलने बाले नतीओं की उसने काई परवाद नहीं की, लेकिन डेढ़ सो बरस बाद इसकी रचना ने हमें ताञ्जुब में डाज दिया. जिस तरह का चित्रन उस ने उस समय किया है वह बिलकुल सच है. लड़ाई की जो तस्त्रीर उसने खींची है चह उन चित्रों के मुक़ानिलें में सच्चाई के बहुत नजदःक है जो कि बनावस पर लड़ाई का दृश्य खीचने वालों न हर बेड़ा बीर हर युग में खींचा हैं.

आम तराहों से नावित के परित्र एक व्यक्ति के परित्र की नहल नहीं हाते पहिन्द वह बहुत स व्यक्तियों के पारत्र की नहल नहीं हाते पहिन्द वह बहुत स व्यक्तियों के पारत्र की मिली जुला तस्वार होत है. इन ही बनान में सखक बहुत स व्यक्तियों से मिलता है. अपने निमित परित्र में लेखक अपन जीवन का अनुभव भर दता है. सेखक के उपन्यास और कहानी का पढ़ कर नजरीकी दीस्तों को तावजुब हीता है क्योंकि उन्हें पता चलता है, क्योंक उन्हें पता पहचाना घटनाआ का रूप बदल गया है, क्योंक उन्हें अपने शब्द दूसरे के मुंह से मुनने की मिलते हैं, क्योंकि उन्हें दिखाई पड़ता है कि लेखक ने अन्ने दक पुराने दोस्त का उपरी बांचा पढ़ ऐसे व्यक्ति का वदा दिया है जिसकी जीवन कथा इस दास्त से बिलहल अनग है.

आधुनिक तेसक के दिमारा में तरह तरह के विचार उठते रहते हैं भार वह उन का प्रयोग किया करता है. इन विचारों की जानकारी हासिल करना जरा मुहिक्ल है. हासांकि वह विल्कुल हमारे बराल में रहता है लोकन उसके चरित्र और उसको जीवन कथा से हम पूरी तरह बाक्रिक नहीं होते. लेकिन अगर हम इस भेर का मालूम करना चाहते हैं कि प्रमानित उपन्यासों के चरित्र कैसे पैश हुए हैं तां हमें लेखक के पत्रों का सहारा लेना पड़ेगा, उसका हायरा और नांटयुक को पढ़ना पड़ेगा और उस समय के दूसरे लेखकों के सलमन से मरहर केना पड़ेगा. इस तरह हम देखते हैं कि आम तरीक्रे स उपन्यास के चरित्र का निर्मान उस व्यक्ति पर आधारित नहीं है किस के उप करने ने लेखक को आकशित किया है. लेखक बहुत से लोगां के उपाक्तव पर विचार करता है और तच जाकर अपने उपन्यास का चरित्र निर्मान करता है.

अपरी नजर से देख कर रचना के चरित्र नहीं पैदा किये जा सकते. पक्का वास्तविक चरित्र पैदा करने के

ك چاك مون بيند بريكا، جديد دول هين

جب ''گویہ'' نے لوائر کے پھھانگ دوشیس لا چھوں کھا انسائی جسم کے چھا پھاڑ کے سے تکلئے والے تعمصوں یاس نے کوئر پروالا نہمں کی' لیکنی قابوط سو برس بعد س کی رچھا نے ہمھی تعصب میں قال دیا ، جس ادم کا چھوں اس نے اس سے کھا ہے ولا بازکل سے ہے ۔ اگر کی جو تصویر اس نے کھھتوں ہے ولا ان چالاوں کے اگابلہ میں سچائی نے بہت تودیک ہے جو لہ تھارس پو وائی کا درہیہ نہماتچی میں ،

هام هاریقے نے فاول کے چاکر ایک ویکٹی کے چاکر ای انگل نویس هارتے بلکہ وہ بہت سے ویکٹھوں نے چاکر ای املی جانی تصویر دوئے میں اول کو بقا نے میں لیکھف بہت سے ویکٹھوں نے میکٹھوں سے ملکا ہے ، آپنے ترسات چارلو میں لیکھک آپنے جدون کا آنوبیو بھر دیگا ہے ، لیکھک کے ایفیاس اور دیانی کو پرعکر نودیکی دوسگوں دو تحدید میٹا ہے کہ جانی بہتیائی گیٹھاؤں کا روپ بدل کیا ہے؛ دیونکہ انہوں آپ ھید دوسرے نے ملک کے سفلے دو ملکے میں فیونکہ انہوں آپ ھید دوسرے کے ملکے دوسرے کا انہوں آپ ہید انہوں آپ ہید دوسرے کا دوسرے کا لیکھک نے آپنے ایک برانے دوسرے کا اوربی قمانچہ ایک ایسے ویکٹی دو اوربی دیا ہے جس ای اوربی قمانچہ ایک ایسے ویکٹی دو اوربی دیا ہے جس ای

آھھوںک لیکھک نے دساتے میں طوح طرح کے وجار اُٹھتے وعلیھیں اور وہ اُن کا پربوگ دیا درنا ہے۔ اِن وجاروں کی جانکاری حصل کون ڈرا مھکل ہے، حاقائک وہ بالکل ھمارے باقل میں رہنا ہے لیکن اُس کے چوتو اور اسکی جدون دائیہ میں رہنا ہے لیکن اُس کے چوتو اور اسکی اگو ہم اُس بھید کو معلوم کونا چاہتے میں تو ہمیں لیکھک ایفیہا دوں نے چولو کیسے پیدا ہوا۔ میں تو ہمیں لیکھک کو پومٹا پویکا اور اس سمے نے دوسرے لیمھکیں نے سلسمون سے مدد لیدی ہونے کی ، اِسطرے مم دیکھنے میں قا مام طویقے سے اہمیمال نے ویکھتو نے لیکھٹ کو ادرہت بھا ہے ۔ تیکھی جس نے ویکھتو نے لیکھٹ کو ادرہت بھا ہے ۔ ٹیے جادو اُنے ایفیماس کا چونو نومان کرنا ہے ،

اُروری ٹھر سے دیکھکر رچدا کے چرار نیوں یوڈا کیگر جا سکتی یکا واسٹرٹ چرار یوڈا کرنے کے क्यों चाहिये ? हमारे यहां बहुत से लेखक हैं, अगर एक मेसक किसी चीच का चित्रन नहीं करता तो दूसरा उस कमी को पूरा कर देगा. कुछ लेखक अपनी कहानियों में सकी के सकी शिखा मारते हैं जिनमें हृदय की गरमी नहीं होती है और जो पाठक को अपनी तरक नहीं खींच पाते हैं. यह हरकत समालोचकों के पेतराज से बचने के जिये की जाती है कि "लेकिन देखों इसने कतां चीज का चित्रन नहीं किया." यह परिस्थित बहुत दुखदायक है.

कमी कभी लेखक से यह या पूछा जाता है कि वह अपने हीरो के काल्पिनिक नाम के पोझे किसा व्यक्ति का वित्रन कर रहा है. बहुत से पाठकों का विवार है कि सेखक उन्हीं क्यक्तियों का चित्रन करता है जो बास्तविक रूप में मौजूर हैं और जिन्हें यह जानता पहचान ग है मेरा विचार है कि संखक शायद ही पेसे लोगों की अपने क्यन्यासों में जगह देता है जो बार्स्तांवक क्य में मान्द हों और अगर कभी ऐसे खोगों का चित्रन करता भा है वो उन्हें बद्ब देवा है.

एलेस्सी टालस्टाय ने रूस के महान राजा पेटर पर भाषारित कर के एक नावित तिला है और उससे बहत पहले ''पीटर का समय" नाम की कहानो भी उन्होंने क्षिस्री थी. लेकिन नाविक और कहानी के पीटर में बड़ा धानतर है, चंकि लेखक बदल गया था इसलिये उसके होरो में भी तबदोबी भा गई, "नौजवान गार्ड" नामक उपन्यास का आधार एक सच्ची कहाना है लेकिन उस कहानी में लेखक ने बहत सी तबिदी कियां कर दी हैं.

एक कवाकार प्रकृति की नक्षत नासमभी से नहीं करता. प्रकृति को वह बदलता है और इस बदलाव से ऐसा कर पैदा करता है जो असली बन जाता है. दां श्रेमियों की बात चीत अगर कोई शार्टहैन्ड में लिख खेतो उनका महत्व बहुत नहीं होगा और वह अधिक बनावटी दिलाई परेंगी. इसके मुक्राविले में ऐसी बात बीत का चित्रन जब एक सहान लेखक करता है तो उसका बड़ा महत्व होता है और वह बातें सच्ची मालूम होती हैं. लेखक इस बात चीत की सच्चाई से मिलाता है, कुछ चीकों का छोड देता है और कुछ का स्थान बदल देता है और साथ में बह बातें भी जोड़ देता है जो प्रेमियों ने सोची मवश्य हैं से किन जी उनके मुंह से नहीं निक्जी हैं. रंगीन कोटा प्राक्री (जैसे पेन्टिंग, जो फोटोमाकी की तरह होता है) व्यक्ति को इहर दिसाती है क्योंकि यह उसके अपरी बनाव का विश्वन करती है और वा क्यादा से क्यादा काहिरी मार्वो को दिखा पाती है. असबी कलाकार व्यक्ति के अन्दरूती और बाहरी जीवन के मेल को दिसाता है और अपने हीरों के स्विक्तित को समारता है.

کیں جادیتے؟ هیارے بیان بیت سے لیکھک هیں۔ أكر إيك لهكهك كسى جهور لا جالين الههن قوانا أو فوحواً أس كني كو يووا كرديكا ، كنهم ليكوك أيالي كهاتهون مهر صلعه کے صنعت اکه مارتے هیں جن میں هرف کی گرمی نہیں ہوتی ہے اور جو پاٹیک کو ایلی طرف فهدر کهدهیم یاتے هیں، یہ عارضت سمالہ جاکوں کے اعتراقی س بعدل لل الله في جالو ه كه "الهكان ديكهو إس له فلار جاء کا چکرن نهون کها ،" يم پرستهتي بهمتا دفه دایک هی

کیوں کیوں لیکیک ہے یہ بھی پوچھا جاتا ہے که ولا ام مهاو کے کانهدک نام کے پهندس کس ویکدی کا چلاران کر رہا ہے ، بہمت سے پائیکوں کا وجار ہے کہ لیکھک آبھیں وينتهون كا جندرن فرقا هر جو وأنتوك روب موس موجود همر أور جفهدي ولا جانكا يرجو نكا ين سهداً وجاو ين الله لهكهك شايد مي ايسم لوكون دو الله أيقهاسون سهن مكه ديقا ۾ جو واسفوک روپ مهي موجود هون اور اگر کیوں ایسے لرکوں کا جعرن کرتا ہوں ہے تو اُنہوں بدائے

الكسى قالسقائد في روس كي سهان وأجا يهدر ير أدهارت کرکے ایک تاول لکھا ہے اور اُس سے بہت پہلے 3 ہوگار کا سمر'' نام کی فہائی بھی اُنہوں نے لکھی تھی ، لھکون ناول اور کہائی کے پہار میں ہوا آناد ھے ، جونکہ لیکیک بدل گها تھا اسلیکے اس کے مهرو میں بھی تبدیلی آگئی، "فوجوان الرة" نامك أيلهاس كا أدهار ايك سچى كهاني ھے لیکن اس کہائی میں لیکیک نے بیمت سی تبدیلیاں

ایک کلار پرکرتی کی نقل ناسمجھی سے تبھی کرتا ، پرکرتی کو وہ بدلتا ہے اور اِس بداؤ سے ایسا روپ پیدا کرنا ہے جو اُسلی بی جانا ہے، دو پریمہوں کی بات جیت اگر کوئی شارت هیدگ مهن لکه لے تو اُن کا مهتو بهت نہیں ہوگا اور وہ ادمک بدارتی دکھائی پویس کی اس کے سقابلے میں ایسی بات چیت کا چترن جب ایک مہان ليكهگ كرتا هے تو أس كا ہوا مهتو هوتا هے اور وہ يانيس سچى مملوم هوتي ههي ، لهكيك إس بانها جهمت كو سجائي سے مالنا ہے' کجیم جدورں کو جمور دیتا ہے کجیم کا استمال بدل دیتا ہے اور ساتھ سہر وہ ہاتھی بھی جوز دیتا ہے جو پريدهوں نے سوچی آوشهه ههن لهکي جو اُن نے مقه ہے نہیں نکلی میں، رنکون فران گرافی (جیسے پیٹنگ جو دولتو گرافی دی طرح هونی هے) ویکنتی کو کورپ دنهاتی ہے کھونکہ یہ اس نے اوپری بداؤ کا چھرن کرتے ہے اور يا زياده ليه زياده ظاهري يهاؤن كو داما ياتي هـ . أصلي دقار ویکھی کے اندرونی اور یاھری جموں کے مہل کو عدمان مر اور اهم مهرو کے ریکنتو کو آبهارت هے۔

ā

चेकोफ के युग में रूस में घोर क्रांग्तिकारी मीजूद थे. यह लोग बुद्धिमान थे और इनके इरादे मजबूत थे। लेकन चेकोफ ने उन मर्द और औरतों का विजन किया जो कि जीवन में नाकाम थे, हर वक्त सपनों की दुनिया में रहते थे, बहुत हो नेक आदमी थे लेकिन जिन्दगी के मौंडेपन और नीचता के हाथों परेशान थे. चेकोफ के संस्मान और पत्र जब इम पढ़ते हैं तो इमें चेकोफ का यह रूप दिखाई पड़ता है: बह बहुत ही सडजन पुरुश हैं, दुख में इसे रहते हैं. किसी के जोर से बोलने पर चुप हो जाते हैं, मगड़े मंमट की परिस्थितियों से हर मागते हैं और अपने इर्व गिर्द के जोगों की विफलताओं और कमजोरियों का खिहाज रखते हैं. उनका यही रूप ज्यों का त्यों साहित्य में भी मौजूद है. वह अपने इसी रूप के आधार पर चरित्रों को चुनते थे और उसी से वरित्रों के सन्वन्थ में उनके हख का पता चलता है.

"पुरकोक" दोस्तोस्की ने अपनी जवानी में जिला है. "दी बोदर्स करमायोक" उन्होंने बाद में जिला. लेकन पहली पुस्तक से ले कर अन्त तक उन्होंने बौरतों के अन्दर की दुनिया का गहरा चित्रन कभी नहीं किया. उन्होंने औरतों को केवल माग्य का रूप दिया है और वह रचना में हीरों का भाग्य पलटने के लिये बाती हैं. उनके उपन्यासों में न आपसी प्रेम है और न दोस्ती इस बात का सम्बन्ध खुद उनके चैरित्र से है. यह चीज उनके भाव, उनके बाकेलेपन और उनकी सखत जिन्दगी में छुपी है.

जब कोई लेखक ऐसे लोगों का चित्रन करता है जिन्हें वह नहीं जानता या जिन्हें वह नहीं समकता तो हमेशा उसे नाकामी होती है. लेखक चाहे जिस कारन से ऐसा करे उसे कामगाबी कभी नहीं हो सकती.

युर्जवाई व्यक्तियाद के प्रचारक इल्जाम लगाते हैं कि
व्यक्ति को समाजवाद में सहम कर दिया जाता है. लेकिन
बास्तिविकता इसके खिलाफ है, व्यक्ति के फलने फूलने
में समाजवाद मदद देता है. अमरीका ऐसा देश है जहां
पैदाबार के साधन व्यक्तियों के हाथ में होते हैं, जहां
इस ढंग के आर्थिक ढांचे की पूजा होती है, जहां पूंजीवाद
को धर्म का रूप दे दिया गया है, वहां फरूर सब को एक
तरह के ढांचे में ढाला जा रहा है. उनकी आत्मा को
एक जैसा बनाया जा रहा है और यह काम खूब तेणी
से हो रहा है. दूसरी तरफ हम इस बास्तिविकत्म की क़दर
करते हैं कि रूसी मई और औरत एक आदर्श रखते हुए
भी एक दूसरे से भिन्न हैं. वह एक हैं पर उनकी बनावट
सक्ता खलग है. किसी लेखक से यह मांग कैसे की जा
सकती है कि वह हर चीज व हर मनुस्व का चित्रन करे.
हम ऐसा कैसे कर सकते हैं और हमें ऐसा करना भी

بھیکرف کے یک میں روس میں گہرر کرانسائوں موہود تھے۔ یہ لوگ بدعیماں تھے اور اُس کے اِرادیے مقبوط تھے ۔ لیکن چیکوف نے اُن مود اُور عورتیں کا جہرن کیا جو کہ جہرں میں ناکام تھے' ھر وقت سہلوں کی دائیا میں وھتے تھے' بہت ھی نیک آدمی تھے لیکن زندگی کے بھولگی یہ اُور نہجتا کے ھاتھوں پریشان تھے ۔ جیکوف کے سلسمین اُور بھر جہ سے ھم پوھتے تو ھمیں جیکوف کا یہ ووپ دکیائی پرتا ھے ؛ وہ بہت ھی سعون پرش ھیں' کے میں آور سے بولئے پر جہیا میں آور سے بولئے پر جہیا ہو جاتے ھیں' جہگرے جوبشعیدی کی پرسٹھتیوں سے دور عہر جاتے ھیں' جہگرے جیشتیمی کی پرسٹھتیوں سے دور کیوریوں کا لیماط رکھتے ھیں ، اُن کا یہی روپ جیوں کا یہاں اور اپنے اُرد کرد کے لوگوں کی ویہائٹاؤں اُور کیوں سادتی میںبھی موجود ھے۔ وہ اپنے اُسی روپ کے اُدعار نہیں سادتی میںبھی موجود ھے۔ وہ اپنے اُسی روپ کے اُدعار میں اُن کے رم کا بھی موجود ھے۔ وہ اپنے اُسی روپ کے اُدعار میں اُن کے رم کا بھی موجود ھے۔ وہ اُن اُس سے جوتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی موجود ھے۔ وہ اُن اُس سے جوتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی جہتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی جہتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی جہتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی جہتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی جہتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی جہتروں کے سمجدد میں اُن کے رم کا بھی جہتر تھا گیں۔

"پور فوک" دوستوسکی نے اپنی جوانی میں لکھا ہے۔
"اسی پرودوس کو اورف" انہوں نے بعد میں لکھی، لیکن پہلی ہستک سے لے کر آنت لگ انہوں نے عورتوں کے آندو کی دنیا کا گہرا چاری کبھی نہیں کھا ، آنہوں نے عورتوں کو کیول بھائیہ کا روپ دیا ہے اور ولا رچفا میں ھمرو کا پھائیہ پلکٹم کے لگے آئی ھیں ، اُن کے اپنیاسوں میں نہ آیسی پریم ہے اور نہ دوستی ، اُن کے اپنیاسوں میں نہ آن کے جورتو سے ہے اور نہ دوستی ، اِس بات کا سمیندھ خود اُن کے جورتو سے ہے ، یہ چھڑ اُن کے اکہا۔ پن اور اُن کی سخت وندگی میں جھپی ہے ،

جب کوئی لهکهک آیسے لواوں کا چتروں کرتا ہے جنههوں وہ نههوں جانتا یا جنههوں وہ نههوں سمجهتا تو همهشہ آسے ناکامی هوتی ہے ۔ لهکهک چاہے جس کاروں سے ایسا کرے آسے کامهابی کبھی نههوں هوسکتی ۔

پررژواکی ویکٹی واد کے پرچارک الوام لگاتے هیں که ویکٹی کو سعاچواد میں ختم کردیا جاتا ہے ۔ لیکن واستوکتا اِس کے خالف ہے ۔ ویکٹی کے پہلے پہولئے میں سماچواد مدد دیتا ہے ۔ امریکہ آیسا دیش ہے جہاں پیدآواد کے سادھن ویکٹیوں کے هاته میں هوتے هیں جہاں اِس قملگ کے آرایک قمانیے کی پوجا هوتی ہے خبیاں اِس قملگ کے آرایک قمانیے میں قمالا جا وہا ہے فرور سب کو آیک طرح کے قمانیے میں قمالا جا رہا ہے ایس کی آدا کو آیک جیسا بقایا جا رہا ہے اور یہ کام خبیا تیزی ہے ہو رہا ہے ۔ دوسری طرف هم اِس واستوکتا کی قدر کرتے هیں که روسی مرد اور عورت ایک آدرهی رکھتے قدر کرتے هیں که روسی مرد اور عورت ایک آدرهی رکھتے میئے بھی ایک دوسرے سے بھی هیں ، وہ ایک هیں پر میٹی بھی ایک دوسرے سے بھی هیں ، وہ ایک هیں پر کیسے کی جاسکتی ہے کہ وہ ہر جھیز و هو ملشمہ کا چخوں کیتے ہے ایسا کوسا کوسا کیس کی رسکتے ہیں اور همیں ایسا کوسا کیس کیس اور همیں ایسا کوسا کیس

यही बात लेखक के साथ भी होती है. किसी चीख की झाप उसके दिमारा पर पड़ती है और दूसरी चीज से वह कोई दूसरी दिलचस्पी नहीं जेता. इसका कारन वह नहीं है कि लेखक मूलते बहुत हैं या मुस्त होते हैं बिल इसका कारन यह है कि लेखकों की प्रकृति और जीवन की विशेशता है. हर लेखक किसी समस्या की तह में पहुंच जाता है, किसी के हृदय में उतर जाता है और किसी को विस्कृत नहीं समझ पाता है और अगर समझता भी है तो उसकी जानकारी ऊपरी होती है. दिलों की कुंजी लेखकों के पास होती है. किसी के पास कम दिलों की कुंजी होती है और किसी के पास ज्यादा दिलों की. लेकन आज तक कोई ऐसा लेखक नहीं हुआ जो सारे दिलों की

इस देखते हैं कि लेखक अपनी रचनाओं में घूम फिर कर वही के वही चरित्र निर्मान करते हैं, जब इस प्राने साहित्य की बात करते है तो उसी बाधार पर हम "तुगनेव की सुन्द्रियां" और "नैकोफ के परित्र" की वर्षा करते हैं. इस फ़िस्म के चरित्रों के निर्मान का सम्बन्ध युग से नहीं है, लेखकों की विशेशताओं ने इन्हें खर चना है, क्या तुर्गनेव के युग में मेहनती और शक्ति पोशक कियां नहीं थी ? क्या उस युग में भोग विलास से लोग आनिक्त नहीं होते थे शक्या वह अनुमान नहीं करते थे चौर मिवश्यकानी नहीं किया करते थे ? क्या उस समय कोई प्रेम सम्बन्ध सुखदायक साबित नहीं हुआ ? तुर्गनेव ने मेहनती और शक्ति उपासक सियों का चित्रन किया है, सुख देने बालें प्रेम सम्बन्धों का भी वर्नन उन्होंने किया है. लेकिन उन हीरोइन का जो "तुर्गनेव की सुन्ररियां" कहतात हैं उनका चित्रन उन्होंने खास प्रभाव से किया है और उनको नया अर्थ पहनाया है.

इस बात को तुर्गनेव के साहित्यक और वार्शनिक शीक़ों के आधार पर नहीं बयान किया जा सकता. यह भेद इस बात में भी नहीं है कि तर्गनेव गांपटे या शीलिंग से भेम करते से अस्त में तुर्गनेव को अभागी और पित्रत्र सुन्द्रयों के अस्स की ज़रूरत थी, जिस की मदद से वह 'वेकार बीगों' के समाज का चित्रन कर सकें और कुतीन बोगों के बहते हुए समाज की तस्वीर पेश कर सकें. इस पर भी आप यह सोचने पर मजबूर हैं कि इन चित्रों के निर्मान में तुर्गनेव के अनुभवों का हाव है. तुर्गनेव शायद ही किसी पेसे चित्र से यथार्थ जीवन में मिले हों. लेकिन वन का खुद का चरित्र और जीवन ''तुर्गनेव सुन्द्रयों'' में से किसी एक चरित्र और उसके माग्य सी अकसर याद दिखाला है.

یہی بات لیکیک کے ساتھ بھی ھوتی ھے ، کسی چھوڑ سے
کی جھائی اُس کے دماغ پر پرتی ہے اور دوسری چھوڑ سے
وہ کوئی دلجے بھی نہیں لیکا ۔ اِس کا کاران یہ نہیں ہے
کہ لیکیک بھولتے بہت ھیں یا وا سست ھوتے ھیں بلکہ
اِس کا کاران یہ ہے کہ لیکیکوں کی پرکرتی اُور جھون کی
وہیشکا ہے ، ھر لیکیک کسی سمسیا کی تہ میں پہوئیے
جاتا ہے کسی کے عردے میں اثر جاتا ہے اُور کسی کو
بالکل نہیں سمجھ باتا ہے اور اگر سمجھکا بھی ہے تو اس
کی جانکاری اوپری ھوتی ہے ، دنوں کی کلجی لیکیکوں
کی جانکاری اوپری ھوتی ہے یاس کم دلوں کی کلجی لیکیکوں
کے پاس ھوتی ہے ، کسی کے پاس زیادہ دلوں کی ۔ لیکن آنے تک کوئی
ہے اور کسی کے پاس زیادہ دلوں کی ۔ لیکن آنے تک کوئی

هم دیکهای هدن که لهکهک آپلی رجفای مهن گهوم پھر کر وهي کے وهي جورتر توسان کرتے هھن ، جب هم پرائے سامتھہ کی بات کرتے ہمن تو اسی آدھار پر ہم ور ترکیدو کی سلدریاں ، أور ور چے كوف كے جورتو ١٠ كى جرچا کرتے میں، اِس قسم کے چرالروں کے نومان کا سمهدد یگ سے نہوں ہے المکھکوں کی وشهشتاوں نے اِنہوں خود جلا ہے ، کیا ترکلیو کے یک میں مصلتی اور فعتی يبهك استريال نبهل تههل ؟ كها أس يك مهل جهوك ولاس سے لوگ أفقدت نهين هوتے تھے ؟ كها وہ أنومان نهين کرتے تم اور پووشهه بانی نهین کیا کرتے تم ؟ کیا أس سد كوكي يريم سمهنده سكه دايك ثابت نيهن موا ؟ دوللهو نے محملتی اور شکتی آیاسک استریوں کا جعران کیا ہے سکه دیلے والے پریم سمبدهوں کا بھی ورنين أنهوں نے کہا ہے ، لهكي ان همرولي كا جو " تركلهوں کے سندریاں " کہلائی میں ان کا چعرن انہوں نے خاص بربهاؤ سے کہا ہے اور ان کو نہا ارتب پیدایا ہے .

إس بات كو تركلهو كے ساھتهك أور دارشكك ھوتوں كے أدھار پر نهيں بهان كيا جا سكتا . يہ يهود أس بات مهن بهي نهيں هوتوں مهن بهي نهيں هو كه تركلهو كوئتے يا شهلگك يہ يودم كرتے تھے ، امل مهن تركلهو كو أبهائي أور پرتر سقدريوں كے عكس كى ضرورت نهي جس كى مدد ہے وہ " يهكار لوگوں " كے سماج كا چترن كر سكهن أور كلهن لوگوں كے تهجے هوئے سماج كى تصوير يهي كر سكهن ، أس پر بهي آپ يه سوچتے ير محجور ههن كه أن چوتروں كے ترمان مهن تركلهو كانوبهوري كا هاته هے . تركلهو كانوبهوري كا هاته هے . تركلهو كانوبهوري كا هاته هے . تركلهو هايد هي كسى أيسے چوتر سے يتهارته جهون مهن ملے هوں ، لهكن كي كا خود كا چرتر أور جهون " تركلهو سندريوں " ميں ايك چوتر أور أس كے بهائهة كي الكر ياك دلاتا هي كي كسى ايك چوتر أور أس كے بهائهة كي الكر ياك دلاتا هي كيروں اگر ياك دلاتا هي كيروں ايك جوتر أور أس كے بهائهة كي الكر ياك دلاتا هي كيروں ايك حوتر أور أس كے بهائهة كي الكر ياك دلاتا هي كيروں ايك حوتر أور أس كے بهائهة كي الكر ياك دلاتا هي كيروں ايك حوتر أور أس كے بهائهة كي الكر ياك دلاتا هي كيروں ايك حوتر أور أس كے بهائهة كي الكروں كانوں كيروں كيرو

الا (£41) مواثقي £51) مواثقي £51)

उनकी यूनीबर्सिटियां बन गई'. कोरोलंको को वेश निकासात मिला. यह लोग साहित्य के मैदान में जब उतरे तो इनके पास दरजनों किताबों का मवाद था, इनके आत्म झान का भंडार मरा पढ़ा था.

"हैविड कूपर कील्ड" 'श्रोलीवर ट्रस्ट" और 'क्षिटिल होटें" जिसने से पहले डिकिंस ने भयानक परिस्थितियों का अनुभव किया था. बचपन में ग्रुश्किलों के पहाड़ दूटे थे, उन्हें सिक्तियां में जनी पड़ी थीं, एक जोहार के घर काम करना पड़ा था. बाजजक ने एक दफ्तर में काम किया. कुछ दिनों ब्योपार करते रहे, जिमें कभी सफल न हुए. उन्होंने फ़ांसीसी बुर्जवाई समाज के शम ग़ुस्सों, दुख सुख, जोश निराशा का अनुभव किया और बाद में इन सब का वर्नन अपनी रचनाओं में किया.

पूंजीवादी देशों में खिखकर जीविका कमाना बहुत ही मुश्किल है. पेशेवर लेखक बनने से पहले पच्छमी यूरोप और खास करके अमरीका के बहुत से मगृहूर लेखक या मखदूरी करते थे या डाक बांटते थे या जहाजों पर माख जादते डतारते थे. इनमें से कोई कोई सड़कों के किनारे फोटो खींचते थे. कुछ बाल बनाने का पेशा करते थे और कुछ सोने की कानों की खोज में मारे मारे फिरते थे. इन कार्गों की बहुत से इन्सानों से मुलाकात हुई. इनको बहुत से उथल पुथख से गुजरना पड़ा. इन अनुभवों से दपन्यास खिखने में इन लेखकों को सहायता मिली. उन्होंने पूंजीवादी समाज के कालेपन को खुद अनुभव किया और इस समाज के इस पहलू का अपनी रचनाओं में पूरा वर्नन किया.

अध्यन रचना की सीढी है

रचना करने के लिथे अध्यन जरूरी सीदी है. लेखक जिस कर को काम करता है पाठक बही काम पढ़कर करता है. कहानी में जो तफसील इशारों में दी जाती है उसे पाठक की कल्पना शक्ति पूरी कर लेती है. यह काम वह अपने अनुभव के घेरे के अन्दर ही करता है. अलग अलग पाठक उपन्यास के अलग अलग वित्रों को अपने रंग में रंग लेती है या उसे बेरंग बना देती है, विरन्न को उपर देता है. बहुत सी पाठक कान्फ़ सों में अने इस बात का अनुभव हुआ है. इन कान्फ़ सों में जब मेरे उपन्यासों पर चर्चा बती है तो वे इच्छा ही मेरा ध्यान अपनी बहुत सी साहस्यक राजतियों की तरफ गया है और इस बात का भी अनुभव हुआ है कि मानव प्रकृति एक दूसरे से कितनी भिन्न है. पाठक एक वरित्र के हृदय में उतर जाता है लेकिन इसरे के प्रति वह उदासीन रहता है.

آس کی یونیورستهاں بی گلهں ، کورونلکو کو هیمی لکا مد یه لوگ مدان میں جب الرہ تو لی کے باعی دوجئوں کا مواد تھا' اِن کے آئمک گیاں کا بہنگار بھرا ہوا تھا .

27 قیوة کوپرفیلگ' ''اولهور توست ' اور ''لگل قورت '' لکھا تھیوں کا انوبھو لکھیئے سے پہلے قامس نے بھیانک پرستھتھوں کا انوبھو کھا تھا، بھتھاں جھیلئی ہوی تھیں' ایک لوھار کے کور کام کرنا یوا ایہ' ، بالزک نے ایک دفاتر میں کام نیا، نعیہ دلوں بیوبار گرتے رہ جس میں کیمی سیمل نا ھوگے ، انھوں نے فرانسی برووائی سماج کے فم قصوں' دکھ سکھ' جوش نراشا کا انوبھو کیا اور بعد میں اِن سب کا ورتی ایقی رچھاؤں میں کیا ،

پونجی وادی دیشوں میں لکھکر جمولا کمانا بہت هر مشکل ہے ، پیشہور لیکھک بلقے سے پہلے پچھمی یورپ آور خاص کو کے آمریکھ کے بہت سے مشہور لیکھک یا مزدری کرتے تھے یا ڈاک بانٹٹے تھے یا جہازوں پر مال لانے آکارتے تھے ، اِن میں سے کوئی کوئی سوکوں کے کہارے فرانو کھیشچھتے تھے ، کچھ بال بفائے کا پیشہ کرتے تھے اور کچھ سوئے کی لانوں کی کھچے میں سارے سارے پھرتے تھے ، اِن دوگوں کی بہت سے انسانوں سے مقالت ہوئی ، اِن دوگوں کی بہت سے انسانوں سے مقالت ہوئی ، اِن دوگوں کی بہت سے انسانوں سے مقالت ہوئی ، اِن دوپہوں سے آنہل پھیل سے گزرنا چ آ ، ان انوبہوں سے آبھل پھیل اور سے آبھیں کو سیایتا ملی ۔ اِنہوں نے پرنجی وادی سماج کے کانے بین کو خود انوبھو کیا آور

اددعین رچنا کی سپرھی ہے

ربھنا کرنے کے لئے اددھیں ضروری سھوھی ہے۔ لیکھکا لکھکر جو کام کرتا ہے پائیک وھی کام پوھ کو کرتا ہے ۔ ایکھکا کہائی میں جو تفصیل آشاروں میں دس جاتی ہے آپ ہائیک کی کاپیفا شکتی ہوری کرلیڈی ہے ۔ یہ کام وہ آپ انوبھو کے گھھرے کے آئدر ھی گرتا ہے ، آلگ آلگ میں رنگ لیٹیاس کے آئی آلگ جوٹروں کو آپ رنگ بنا دیتی ہے جوٹر میں رنگ لیتی ہے یہا آپ کی امیمت کو بہت ھی کو اوپر آٹھا دیتی ہے یا آپ کی امیمت کو بہت ھی کو کوریٹی ہے ، بہت سی پاٹھک کانفرنسوں میں مجھے کوریٹی ہے ، ایس کانفرنسوں میں مجھے میں ہاتھ کا انوبھو ھوا ہے ، اِس کانفرنسوں میں جب میں ہورے ایک دھیاں آپنی بہت سی سامہ یک قطاعوں کی طرف کیا دھیاں آپنی بہت سی سامہ یک قطاعوں کی طرف کیا دھیاں آپنی بہت سی سامہ یک قطاعوں کی طرف کیا دھیائی آپنی بہت سی سامہ یک قطاعوں کی طرف کیا دوسرے سے کانفی بہتی ہے ، پاٹھک آپک جوٹر کے ھوٹ میں آپر جانا ہے لیکن دوسرے کے پرتی وہ آداسھی وھائے۔

दसने दूसरों से सन्बन्ध स्थापित किये हों, वनकी सममा हो, दम सन्वन्थों के दुल सुक्ष को ख़ुद भोगा हो.

क्षपर जो बात मैंने कही है उससे मेरा मतस्य यह नहीं है कि लेखक केवस उन्हों जीजों का वर्नन करता है जिनका उसे अनुभव है. यही नहीं कि लेखक अपने खुद के अनुभवों को वदल देता है विकि वह अपने मुशाहरों को भी बदल देता है. लेकिन वह हमेशा उन लोगों का ही वर्नन करता है जिनके विचारों और मार्वों को वह समम सकता है. साहित्य का यह बहुत ही जरूरी तत्व है. जिरत्रों के कारनामों को समम्मने के निष्य लेखक के लिए इतना अनुभव जरूरी है जो इस बात को जाहिर कर सके कि वह परिस्थितियां कीन सी थीं और क्यों थीं जिन में चरित्र मरते जीते और काम करते हैं.

बारम्बार हमें यह दिखाई पड़ता है कि एक नौजवान लेखक उमरता है और पूरी तरह चमकने से पहले ही साहित्य का यह सितारा दृष जाता है. पहली पुस्तक निकलती है. उनमें लेखक की प्रतिभा दिखाई पढ़ती है. क्षोगों का ध्यान वह अपनी तरफ खींचती है. लेकिन दसरी पस्तक के निकलने की नौबत नहीं आती. इस तरह के कुछ पेसे भी लेखक हैं जिन की दसरी पुस्तक भी निक्लती है और उसके बाद तीसरी भी पढ़ने को मिलती है. लेकिन इन किताबों को पढ़कर पाठक का भरम दूर हो जाता है, इस तरह की दखद घटना का सम्बन्ध उन लेखकों की जीवन ह्या से होता है. एक जीजवान जीवन के संघर्ष में अमली . हिस्सा लेता है. वह एक इंजीनियर है, एक भूमि शसी है, पक विद्यार्थी है, एक मजदूर है. उसे अनुभव होता रहता है और जिसने के जिए उसके पास कक्ष जमा होता रहता है. ध्यार उसके पास रचना करने का प्रतिभा है तो वह पुस्तक के रूप में अपने अनुभव लिखता है. यह पुस्तक कामियाब होती है. लेकिन जब यही नौजवान पेरोवर लेखक क्र जाता है तो वह अपने पिछले जीवन से विल्डल अलग हो जाता है. उस समय वह नए नए अनुभव नहीं कर पाता, नई नई समस्याएं वह देख नहीं पाता. उस नौजवान लेखक की दसरी और तीसरी कितावें विफल रहती हैं क्योंकि वह अन्सद के आधार पर नहीं खिली जातीं. ऐसी रचनाओं का आधार अटकब पर होता है. इनको विखने में लेखक साहित्यक स्मृतियों पर निर्भर करता है, इन पुस्तकों का ढांचा पिटा पिटाया होता है.

वाद की जिए कि पुराने लेखकों का जीवन कितना पेचीया और टेढ़ा मेढ़ा था. याद की जिए कि साल्टी को फ स्वादील को बहुत से शहरों में सरकारी नौकरी करनी पढ़ी. वहां वह क्षेत्र को हदे पर रहे. दोस्तोवसकी को गुलामी की सका सिसी. मोकी जगह जगह मारे मारे फिरे. वही जगहें یں نے فوصورں سے سمبلدھ استہابت کیا۔ ھوں اُس اُس مستجہا ھو اُس سمبلدھوں کے دکھ سکھ کو خود بھوا ھو۔

اویر جود یاس میں نے کہی ہے اُس سے مہرا مطاب
ا نہیں ہے کہ لیکھک کیول اُنہیں چھڑوں کا ورنی کرکا
ا اُس انوبیو ہے ، یہی نہیں کہ لیکہک ایے بخود
ا انوبیوں کو بدل دیکا ہے بلکہ ولا آئے مشاهروں کو بھی
انوبیوں کو بدل دیکا ہے بلکہ ولا آئے مشاهروں کو بھی
ادر دیکا ہے ، لیکن ولا ہمیشہ اُن لوگوں کا ھی ورنی کرگا
ایہ جس کے وجاروں اور بہاؤں کو ولا سمنجہ سکتا ہے ،
امتیمہ کا یہ بہت می ضروری تدو ہے ، چوتروں کے کارناموں
او سمنجیمنے کے لیئے لیکھک کے لئے اتفا انوبیو شروری ہے
اور کیوں تیمی جی صورتر سرتے جیکھ اُور کم
انہیں اور کیوں تیمی جی صورتر سرتے جیکھ اُور کم

ہارمہار همیں ید دکہائی ہوتا هے که ایک نوجوان الهکوک أبورلا هے أور يوري طرح چمكلے سے پہلے هي ساعاتها ا بع سعارة قرب جاتا هـ . يهلي يستك نكلتي هـ اسميس بهکهک کی پریکهها دکهائی پرتی هے، لوگوں کا دههان وه ابلي طرف كههلهكي هي، ليكن عوسوي يستك كالكلاري وہمت نہوں آئی ، اِسطرح کے دھی ایسے یہی لهکهک میں جس کی دوسری پستک بھی نکلتی ہے اور اُسکے بعد تهسری یہی پوهنہ دو ملتی ہے ، لیکن اِن کتابوں کو بهمكر بالهك كا بهرم درو هو جالا هـ . إسطوم كي دكهد ليكلنا كا سمهدده أن ليكهكون كي جهون كالها سے هوتا هے . ایک دوجوان جهون کے شاکھورس مهی مملی حصه لهاتا هي وه ايک انجيلير هے؛ ايک يورسي شاستري هے؛ ايک بدیارتھ ہے؛ ایک مزدور ہے ، اے انوبھو هوتا رهتا ہے اور تعملے کے لیٹے اس نے ہاس فجہ جمع هوتا رها ہے ۔ الو أسكم ياس رجمة درنے كى پريتهما هے دو وہ يستك كے روب مهن آھے انوبھو لکھٹا ھے۔ یہ پسٹک کامھاپ عوتی ھے۔ لهكان جب يهى نوجوأن بهشاور لهكهك بن جانا م تو وه الي يحيد جيون سے بالكل الك هو جاتا هے . أس سمے وہ نگے لیے انوبھو توھی کر یاتا تکی تکی سمسھالھی ولا دیکھ نبھی باتا ، اس نوجوان لیکھک کی درسری اور ٹیسرس کتابھی وپہل رہتی میں کیونکہ وہ انوبھو کے أدهار پر تههل لکهی جانین . ایسی وجدون کا أدهار الكل ير هوتا هے ان كو لكها موں ليكهاك ساهتماك أمسر تهون ير نربهر كرنا هي أن يستكون كا قعانجه بتايتايا

یاد فیجگے که پرانے نهکهکوں کا جهون کندا پهچهدی اور گیوها مهوما تها ، یاد کهچکے که سالگی کوف سچدویس کو پهمت سے شهروں مهن سرلاری نوکری درنی پوی ، وهان ود ارتجے عہدے تر رہے ، فوسلاو وسکی کو فلاسی کی سوا ملی ، گررکی جکه جگه سارے ساوے پهوے ، یہی جکههی

सेवा" जैसे शब्दों का उपयोग साहित्य चर्चा के सन्वश्च में खगभग श्रव हमारे यहां नहीं होता. लेकिन सचमुच ही यह शब्दार्थ से खाली नहीं हैं, मज़ाक़ उड़ाने की चीज नहीं हैं. इन शब्दों में लेखक के कर्तव्य की उचित समम हिपी हुई है. लेखक वह आदमी है जो छोटे से जीवन में बहुत से जन्म लेता है, जिसका फर्ज है कि वह जनता के दिल में गरमी पैदा करे, जो जनता में जोश पैदा करने के खिये अपने को साधन के रूप में इस्तेमाल करे, जिसका कर्तव्य है कि वह आदमी के अन्तरात्मा को रौशन करे, जिसे चाहिये कि वह अपने पाठकों के दिमारी जालों और नजर की धुंधलाहट को साफ करे ताकि वह जीवन को श्राधक अच्छी तरह देख सकें और ज्यादा जीवन का आनन्द ले सकें, अधिक शान से जिन्दगी विता सकें.

लेखक में सीखने की शक्ति होती है. वह अपनी जनता से प्रेम करता है और उसकी समस्याओं में दिखबस्यी लेता है. लेकिन यह सोचना महत्व भोतापन है कि लेखक हर तरह के आदिभयों को समभ सकता है. सब लोग एक दूसरे के भावों को समझते हैं. इन "सव" में लेखक भी शामिल हैं. लेकिन माबों को सममने की एक सीमा है अपने अनुभवों के घेरे से बाहर कोई किसी की भावनाओं को नहीं समम सकता. एक ऐसा भाव जिस का धनुभव लेखक को नहीं है, जिसका लेखक के मानसिक ढांचे से कोई सम्बन्ध नहीं है, उस भाव को लेखक नहीं समम सकता. अगर लेखक उस भाव का वर्नन करता है तो उसे उन किताबों का सहारा लेना पड़ेगा जिन में उस स्तास भाव का वर्नन किया गया है. इस भाव का वर्नन तो हो जायेगा लेकिन इस वर्नन में मार्मिकता नहीं होगी, सत्य भी नहीं द्वीगा. जिस तरह तर्क शासी बहस में घटकत लगाया करते हैं उसी तरह लेखक घटकत बगाएगा. जिन किताबों या उपन्यास के पन्नों में इस तरह का वर्नन होता है वह नीरस होते हैं और उनकी कोई आप पाठक के दिल पर नहीं पश्ती.

पिष्डम वालों का विचार है कि जीवन में जो ड्रामें होते हैं उनको लेखक छेवल देखा करता है, उनमें हिस्सा नहीं लेता. यह विचार सचाई के विकद्ध है. लेखक तमाझाई मात्र नहीं है, वह जीवन के मंच पर खेले जाने वाले ड्रामों में माग लेता है. उपन्यास के पहले अध्याय को लिखने से पहले सहीनों या सालों तैयारी होनी चाहिए. बोजना बनाई जाए, नोट तेयार किये जाएं. लेखक सालों जीवन की समस्याओं के बीच रहा हो, उसने जीवन के सुख दुख खुद मेले हों, कभी उसका दिख ज़ोश से भर गया हो, इमेंगे जाग वठी हों और कभी वह निराश हो गया हो.

سیواً" جیس فیدین ایدوگ ساهای چرچا کے سمبانی میں لگ بیگ اب هدارے بیان نہیں ہوتا۔ لیکن سی میں لگ بیگ اب هدارے بیان نہیں ہیں مقاق ارائے سے می یہ شبدارته سے تعالی نہیں ہیں کے گردیت کی جدو نہیں میں لیکیک کے گردیت کی جدو نہیں سبت جین ہیں ہرت سے جام لیکا ہے جس کی اجمع سبت جدارت ہے کہ وہ جدان میں کرسی بیدا کرے جو جدوان میں کرسی بیدا کرے جو جدان میں جرس بیدا کرنے کے دل میں گرسی بیدا کرے جدا اور سامی کے دارت میں اندراتما کو روشن کرے جسے جامیئے کا وہ ایمی کی اندراتما کو روشن کرے جسے جامیئے کا وہ ایمی بیاتیکوں کے دمائی جالوں اور نظر کی دھندالمت کو بیاتیکوں کے دمائی جالوں اور نظر کی دھندالمت کو بیاتیکوں کے دمائی جالوں اور نظر کی دھندالمت کو بیاتیکوں کے دمائی جالوں اور نظر کی دھندالمت کو بیاتیکوں کے دمائی جالوں اور نظر کی دھندالمت کو بیاتیکوں کو ادھک انجہی طرح دیکھ سائی سے سکیں اور زیادہ جدوں کا آنادہ لے سکیں ادھک گائی سے سکیں اور زیادہ جدوں کا آنادہ لے سکیں ادھک گائی سے

لیکوک موں سیکھلے کی شکائی هوٹی ہے ۔ وہ ایلی جلتا ہے پروم کرتا ہے اور اُسکی سنسھاؤں میں دلجسی لهما هے ، لوکن یه سوچدا مصض جولا بن نے که لهمها هر طوم کے آدمهوں کو سنجھ سکتا ہے . سب لوگ ایک دوسرے نے بھاؤں کو سمجھتے ھیں ان ا سب ا موں لیکھک بھی شامل میں۔ وکی بہاؤں کو سمجھلے کے لیک سهما ہے ۔ آبے انوبھوں کے کہھورے سے باہر دیئی نسے کے بھاؤناؤں او تھوں سنجھ سکتا، ایک ایسا بھاؤ جس کا اتوبھو لیکھک کو تبھی ہے جس کا لیکھک کے مانسک تعاندي سِ وَوَلِي سمينده نَهِينِ هِ * أَس بِهِ أَوْ لِيكِهِ كَالِهِينَ سمنجه سكةا. اكر ليكهك أس بهاؤ كا ورنبي دولا هي نو أس أن تعابون كا سهاراً لهذا يويه كا جن مهن أس خاص بهاه كا ووني كها كها هي . إس بهاؤ كا ووني تو هوجائه كا لهكير إس وردن مهن مارمكتا نهين هرئي عليه يهي نهين هولاً . جسطوح ترك شاسعوى بعضت مين العل لهايا درتے میں اُسی طرح لیکھک بھی اٹکل لٹائے کا ، ہوں كتابون يا أينهاس في ينون مهن إسطوم كا وردي هوتا م ید نهرس مونے هیں اور أن كے تولي چهاپ ياتهك كے دل يو نهيں پوتی .

 शहान और राष्ट्री पमन्द की तरक हो बकता है. यह दूसरी बात है कि अपने कुकाब को वह रहेंसाना ठाट बाट का डांचा, धर्म और देश मक्ती का नाम दे दे.

पिछली सदी के महान रूसी लेखक इस बात से नहीं हरते थे जिसे आजकत उत्तेजना कहा जाता है. जब टाल्सटाय सन् 1812 की लड़ाई की चर्चा करते हैं तो क्या यह बात साफ नहीं हो जाती कि उनकी सहानुमृति किसर है ? क्या इस में किसी को शक है कि "स्पोटस मैन्स स्केचेफ" के लेखक को कौन सी बीख प्यारी है और किस चीज से उसे नफरत है. रूसी समाज के ऊंचे तबक़े वाले वेईमानों, वेरहमों और रूसी जनता के बीच होने वाले टकराव का वर्नन करते समय क्या साल्टी कोफ सेचडीन ने तटस्थ होने की कोशिश की है ?

लेखक में किसी के प्रति हमदर्वी होने का मतलब यह नहीं है कि वह मोंडेपन और लाबारी से पश्पात करे. लेखक लालब, जालसाजी और पाखन्ड से नुकरत कर सकता है लेकिन वह एक कन्जूस, जालसाज और पाखन्डी को इन्सानी हमदर्वी से वंबित नहीं कर सकता. दुनिया को काले और सकेद दो ही रंग में न रंगना चाहिये. प्रेम की तरह नकरत का भी सम्बन्ध जीवन और चळते फिरते बादमियों से होता है, नकरत कोई विचार मात्र नहीं है.

शालोकोफ पक्छापाती बे. उनके उपन्यास "सायल ध्रप टर्न्ड" का एक जल है. वह जानते थे कि किसानों की परिस्थित में तबदीली धाने का मतलब है समाज की तरक्की. चूंकि उनकी रचना का लक्ष तय या इसिखये वह कुलकों की आत्मा में ग्रुस सके, बाहर ही नहीं रह गय. इसीलिये उनकी रचना तरह के ऊपर ही ऊपर ऊपर नहीं रह गई, एक इरतहार नहीं बन गई जिस में होने बाली घटनाएं ज्यों की त्यों लिख दी गई हैं. उनकी रचनाओं में मनोवैज्ञानिक सचाई पाई जाती है, समाज की सतह के धान्यर जो कुछ हका है उसका वर्नन मिलता है.

कला बरोर भावना के नहीं होती

मेरा विचार है कि आज तक कोई कता ऐसी नहीं हुई है जिसे गुद्ध कहा जा सके और उसमें किसी तरह का बसाबसा न हो, जोश न हो. मैं यह भी मानता हूं कि बरीर भावकता के मविश्य में भी कोई गुद्ध कता नहीं हो सकती.

रीली के मटकाओं, रचना की कमजोरियों और दूखरी साहित्यक बुटियों से जासानी से खुटकारा हासिल क्या जा सकता है लेकिन जहां ठंडक हो, कोई हमंग न हो, कोई जोश न हो वहां जोश पैदा करना, मानों में जाग सगाना बहुत सुराकिल है. "जात्मा की पुकार, बेरना और

الهان أور واشاری کیملک کی طرف هومکا هے . یہ هوسری یات کے اور جهکاو کو وہ ولیسانہ الباق یات کا دعات عدم اور دیش بهائلی کا نام دے دے .

پچھلی صدی کے مہمان روسی لھکھک اُرس باس سے نہیں قریقے تھے جسے آجکل اُنتھجفا کہا جاتا ہے ۔ جب قانسگائے سی 1812 کی لوائی کی جوجا کرتے میں تو کیا یہ بات صاف نہیں مو جائی کہ اُن کی سہائوبھوتی گدھر ہے؟ گیا اُرس میں کسی کو شک ہے کہ ''اسھورٹس میشس آسکیمچو'' کے ایمکھک کو کون سی چھڑ بھاری ہے اُور کسی جھڑ بھاری ہے اُرنجے اُسی جھڑ ہوائی نہرت ہیں اور روسی جفتا کے نہیے طبقے والے یہامائوں' پردھموں اور روسی جفتا کے نہیے مولے والے تکراؤ کا ووئی کرتے سعے کھا صافی کوف سفت کھا صافی کوف سفتے دراہی کے تھی

لهکهگ موں کسی کے پرتی همدردی هوئے کا مطلب یہ نہوں ہے کہ وہ بھونگے ہیں اور انجاری سے پکشهات کرے ،
لهکهگ اللج محلسازی اور پاکهلگ سے نفرت کرسکتا ہے لهکی وہ ایک کلمیوس' جملساز اور پاکهلگی کو آنسانی همدودی سے وتحیت نہوں کرسکتا ، دنها کو کالے اور سفود دو دی ولگ میں نہ رنگفا چاهیگے ، پریم کی طبح نفرت کا یہی سمهده جهوں اور چلتے بهرتے آدموں سے هوتا ہے' نفرت کہی وچار مالو نہیں ہے ،

شائب کوئ پکس پاتی تھ ، اُن کے اُپٹیاس ''سائل اُپ گونگ'' کا ایک اکس ھے ، وہ جانتے تھے کہ کسائیں کی پرسکتھی شیں تبدیلی آئے کا مطلب ہے سماے کی توقی ، چونکہ اُن کی رچانا کا اکس طے تیا اِس لیکے وہ کلکیں کی آئیا بیس کیس سکے' باہر ھی نہیں وہ گئے ، اسی لیکے اُن کی اوپر ھی اُوپر نہیں وہ گئے ، گئی' ایک اُشکہار نہیں بن گئی جس میں ھرئے والی گئیٹائیں جیوں کی تیوں ایک دس گئی ھیں ، اُن کی کہتائیں جیوں کی تیوں لکھ دس گئی ھیں ، اُن کی دھائی ہائی جانی ھے' سماج کی سطمے کے اُئیر جو تجہ قمی ھے اُس کا ورثی ملتا ھے،

مهرا وجار ہے کہ آج تک کرئی کا ایسی نہیں ہوئی ہے بہت مہیں اور آس میں کسی طرح کا ولائق نا ہو، میں کسی مانتا مرں کہ پہنے بہارکتا کے بهرشیہ میں بھی کوئی شدہ کا تہمں میسکٹی ،

ھیلی کے بہترین رہا کی کروریوں اور دوسری سامتیک فروتیوں سے آسانی سے جہتری احاصل کیا جا سکتا ہے لیکنے جہاں ٹینڈٹ ھو' کرئی املک نہ مون کوئی جرش نہ ھو وہاں جرش پیدا کرنا' بہاوں میں آگ نہانا ہیں عمد مشکل ہے۔ ''آننا کی پکڑ' بریزنا اور

मुखाम बन कर. इस जावू का कोई इलाज नहीं है....." शाबद बद सीचने सगा, कुछ चिन्तित सा हुआ और फिर उसी परेशानी में बोला—"पर एक इलाज है, बड़ा कारगर इखास....."

है बज गए थे, बानिल तिकये में मुंह गड़ाए चारपाई पर पड़े थे. कन्तन, मुराह, नन्क, राम प्रसाद बौर दरजनों मचाहुर कोठे पर बा गए थे. सबके सब बानिल की तरक बढ़े. व्यक्ति जैसे हर कर भाग गया. कल्लन ने कहा—"भैया जी."

भीर यह उठकर बैठ गए. एक वका आस मेखी भीर सब की शक्स देस कर मुसकरा दिए. बोले—"बार, रात भर खुरे बुरे सपने देखते रहे, इसलिए एठने में देर हो गई. मुंद हाथ भोलें, बस जुटते हैं काम में.

अवकाश के अधियारे में भी अनिक मर गए ये संपर्श

के डिजबाबे में वह फिर जी डि.

فلم بلکر ، اِس جادر کا کرگی علاج نہیں ہے.....'' شغید وہ سوچلے لگا' کچھ چلکت سا هوا اور پیر اُسی پریشانی میں پولا۔۔۔''پر ایک علاج ہے' ہوا کارگر علاج...''

جه بیج گئے تھ' اہل تکیہ میں مقد گوائے بھار پائی پر پڑے تھے کلی' مواد' نلکو' رام پرشاد اور درجلیں مودور کوٹھ پر آگئے تھے ۔ سب کے سب انل کی طرف ہوہے ، ریکٹی جیسے قر کر بھاگ گیا ، کلن نے کہاسے''بھھا جی''

اور ولا اتهکو بیته گئی . ایک دفعه آنکه ملی اور سب کی شکل دیکهکر مسکرا دیگی . بولیست^{ان}یارا رات بهر برے برے سیائے دیکھتے رہا اس لیک اتبلے میں دیر هواگی . برے سیائے دیکھتے رہا اس لیک اتبلے میں دیر هواگی . مقد هاتو دهرلیں بس جاتنے هیں کام میں .

اوکافی کے اندھهاوے مهںجو انل سر کئے تھے سفکھوہی کے اجهائے مهن وہ پهر جی اٹھے،

लेखक और उसकी कला

(तेसक-पितया पहरन वर्ग; अनुवादक-मुजीव रिजावी) (गतांक से आगे)

प्रगतिशील सहित्य और उसका मक्सद

वर्षना निचार धारा के अनुयाई सोनियत लेखकों और पश्चिम के प्रगतिशील लेखकों पर इल्जाम लगाते हैं कि इनकी रचनाओं का आधार अपनी खास विचार भारा को फैलाना होता है. यह लोग कहते हैं कि प्रगति शील केलकों की रचनाएं "टेनडेन्शस" होती है. फ्रान्सीसी डिक्शनरी के इस शब्द का मतलब है:-किसी चीज की तरफ मुकाब. यह बिल्कुल कूद्रती बात है कि दूसरे जोतों की तरह जेखक भी किसी चीपा से प्रेम करे और किसी चीज से नफरत. लेखकों और आम सोगों के यावनाओं में अन्तर अरूर है. लेकिन अन्तर इस बात का नहीं है कि जेखक इसरों की तरह नेम और नफ़रत नहीं करता. बल्कि अन्तर इस बात में है कि लेखक की इन्द्रियां आम लोगों की इन्द्रियों से तेज चलती हैं. लेखक जल्द ही इपरी खोक को फाइ कर तह में पहुंच जाता है. एक लेखक का कुकाब न्याय, बद्धि और माई बारे की सरक हो सकता है, दूसरे का अकाव समाजी नावरावरी.

ليكهك أور أس كي كلا

(ليكهك-ايلها أهرن برك؛ انووادك-مجهب رضوي)

(کتانک ہے آئے)

يركتم شهل ساهتهه أور أس كا مقصد

بورثروا وجاردهاوا كے أفريائي سوويت لهكهكوں أور يتجهم کے پرکتی شیل لیکھیرں پر الوام لکاتے میں که اِن کی وجفائ کا آدهار أیقی خاص وجار دهارا کو پههلان هوتا ھے ، یہ لوگ کیجے میں که پرئٹی شیل لیکیکرں کی رجنائين اللينكينهس، هوني مهن، فرأنسيسي تكشنري کے اس قبد کا مطلب ہے :--کسی چیز کی طرف جوکار، یہ بالکل قدرتی بات ہے که درسرے لرگیں کی طرح لهکهک یعی کسی چهن سے بریم کرے اور کسی جهن سے تغرب ، لهکهکوں اور عام لوکوں کے بہاؤناؤں مهی انتو فرور هے ، لهكي ألقر إس بات كا نيهن هے كه لهكيك دوسروں کی طرح پریم اور تقوت نہیں کرتا ۔ بلکه آندر اِس بات مهی هے ته لهکهک کی اندریاں عام لوگوں کی اندريوں سے نيو چلتى هيں . ليكيك جلد هي أوبرى کھول کو بھار کر تھ میں بھونیے جاتا ہے ۔ ایک لهکهک کا جبکاو تهائهٔ بدهی اور بهائی جارے کی طرقت هوسكتا في دوسرے كا جهكاو سعاجي تايولوري

THE THE PARTY OF T

पह्नतार का होत है अब चित्रवा चुक गई खेत... धव मी कह नहीं विगदा, अपने बारे में सोबी, अब भी संमत जाको.....''

व्यनिक में शायद संघर्ष की ताकृत नहीं रह गई थी या इमदर्शी ने उनको मजबूर कर दिया था. वह उस व्यक्ति से क्षिपढ गए और फूट फूट कर रो दिये. उस व्यक्ति ने उन पर जाद करना चारम्भ किया और फिर मेस्मरेजम का उन पर परा असर हो गया. उस व्यक्ति ने कहा अपने बारे में सोचो और अनिक अपने बारे में सोचने करो-

"क्या में नौकरी नहीं कर सकता था ? करूर कर सकता था. मैं वकील हो सकता था, बहुत शब्द्धा वकील. मैं..... में पूर्वीस अफसर ही सकता था. मेरे पास पैसे होते बनिता होती.....पक सुन्दर घर होता.......दी एक बच्चे.....बनिता मेरे पास होती.....लेकिन आज मेरी क्या हास्रत है..... रिवह फटे कुर्ते, यह लू, धूप, माना कि समाज को कुछ मैंने दिया लेकिन ममे क्या मिखा, ममे ड्या मिला ?

अनिल का व्यक्ति समाज की क्रम फाड कर निकल बाया था. उनकी नस नस पर उसने अपना जाल कस निया था. कभी कभी इस सपने से जागने की वह कोशिश करते तो वह उन्हें थपकी देकर फिर सुला देता. वह सोचते रहे. जो जीवन बाज तक उनका बादर्श था. उसी से उन्हें नफरत होने लगी. भाज तक जिस पथ पर वह चले थे वसे वह भटकाऊ समभने लगे. बीब बीच में मजदरों के मुक्तइमे, उनकी क्रुटियां, संघर्श, उनकी दुर्दशा, अपने किए बादे अनिल को मिले लेकिन रास्ते का पत्थर समभ कर वह उन्हें फेंकते गए. अब रास्ता साफ विखाई पड़ने लगा भा. जीवन के बढ़ान से मुंह मोड़ कर वह दलान के पथ पर चल रहे थे और दुलकते जा रहे थे. उसी स्थित में बन्होंने पिता जी से मेंट की-

'पिता जी, में बोट आया."

'मैं जानता या बेटा, कृत को जब तक तुन्हारे घुटनों में बूता है, जब ंडबास खत्म होगा, खुन में ठंडक आएगी, ती आजाकोगे...... अब क्या इरावे हैं.... १'' ''जो आप कई पिता जी......में नौकरी कहांगा, धन

कसार्जगा, जापकी सेवा करूंगा.''

''अच्छा'' पिता जी ने ऐसे कहा जैसे उनकी मांगी

सराव मिल गई हो.

अन्दर बाका इतमीनन से यह सब देखता रहा और कहीं अनिसा की नींद उपट न जाए वह उन्हें अपअपाता रहा. पिता जी की "मडहा" के साथ उसने कहा- "वले थे सम से खबने ! तुम क्या हो ? वहाँ वहाँ से मैंने टक्कर ली 😕 📲 बाद टीना किया है मैंने तुम पर बच्चू ! कि विल्युती भर क्रीं होश में नहीं था सकते.....पने रही मुंही, मेरे

محملات کامیس هے جب جوہان جک کٹین کیمس.... اب بھی کچھ نہیں یکوآ اُنے بارے میں سوجوا آب بھی مليهل جاو

ائل میں شایک سلکیوں کی طاقت نہیں وہ گئی تھے یا همدردی نے اُن کو مجهور کردیا تھا۔ وہ اُس ویکھی یے لیت کئے اور پہرت پہرت کر رو دیگے . اُس ویکھی نے أور يو جاهو كرنا ,آرمهم كها اور يهر مسمويزم كا أن يو هورا اگر موکیا ، اُس ویکھی نے کیا آئے ہارے میں سوجو اور انل آھے ہارہے میں سوچلے لکے۔۔۔

الانها مهن توكري تههن كوسكتا تها؟ ضرور كرسكتا تها. مين ولهل هوسكاما تها يبعد أجها وكهل ، مهن ، مهن بالهس افسر هوسكا الها مهرم باس بهسم هوته ...وناتا هوتي ايک سندر کهر هوتادر ايک بحج ونتا مهرے پاس هوئی ... اهکان آج مهری کها خالت هـ....؟ يم پهڻم کرتے کے لو دهوپ مانا که سماے کو کچھ مهن نے دیا لیکن مجھ کہا ما صحی کیا ما؟

الل كا ويعتى سمام كى قهر يهار كر تكل أيا تها . اُن کی آئس نس ہو اس آئے ایٹا جال کس لیا تھا۔ گھھی کیھے اُس سھٹے سے جاگئے کی وہ کوشش کرتے تو وہ اُنھیں تهیکی دیگر پهر سلا دیکا . وه سوچکی وقد ، جو جهون آیم نک آن کا آدرهی تها' اسی سے انهیں نفرت هوئے لکی ۔ آبے تک جس یا پر وہ چلے تھے اسے وہ بہالکاؤ سمجھنے لکے . بھے بھے مھی مزدوروں کے مقدمے' اُن کی کالماں' سنگھرھی' اُن کی دودھا' اُنے کئے ومدے الل کو سلے لهكان واستم كا يتهو مسجهكر ولا أنههن يههلكتم كثم . أب واستد ساف دکھائی ہونے لکا تھا ، جھون کے جومان سے سقه مورد کر وہ ڈھالوں کے ہتد ہر جال رہے تھے اور ڈھلکھے جا بھے تھے ، اسی استانهی میں انہوں نے پاتا جی سے بهوښت کی—

· أوريعا جي مهن لوك آيا"

المهن جالعا لها بهامًا كود لو جب لك المهادي كهتلاس مهن يونا هـ عب أبال ختم هوكا خون مهن لهندک آليکي تو آجازگي....اب کها اراد م ههر...... ٢١٥ الجو أب كههن هتا جي....مهن توكري كرون) فهن كماوراً أب كي سهوا كروركا ."

"اجها" بتا جي نے ايسے کيا جيسے أن كي مانكي.

مراد مل ککی هو . اندر والا اطمهقان سے یہ سب دیکھٹا رہا اور کہیں ازئ كى نهلد أجت نه جائه ود أنهين الهيتههانا وها . یتا جے کی ''اجہا'' کے ساتھ اس نے کہا۔''جلے تھے مجھ سے لوئے ! تم کیا هو ؟ بورں بورں سے میں لے تکر لی ھے . رة الرفا كها هم مهن له لم يو بحود ! كه زندكي بهر أب هره مهن نههن أسكالو السياويد رهو يون هي مهريد

جولتي 154.

विकता रहता हूं, तुम सावामह मनाती हो, मैं फिसी कुटिया में पड़ा रहता हुं....." कहते कहते उसे गुर्गुरा देते हैं.

विनता इंसती नहीं है, जल मुन कर कहती है—'बह सब वकवास है. असल में तुम किसी और से प्रेम करते हो.''

"हां, जीवन से."

"अपने" वनिता ने कहन भाष से कहा और अनित पर नजर डाली जिस में डजारों अर्थ समोद थे.

"नहीं, "अपना", 'स्वय" का अन्ध है, इसकिये

दोनों कुछ देर मौन रहे. फिर चसने की तैयारी करते हुए अनिल ने कहा—"वनिता, तुम अपनी शादी में बुक्षाना अकर, भूलना मत, जेस के चाहर रहा तो तुम्हें आशीर्वाद देने आर्जगा....."

बनिता रो पड़ी.

अरे यह क्या, इन को क्या हो गया, अभी अच्छे भले थे, इन्होंने टिसवे क्यों बहाने ग्रुक्त कर दिए ? उन्हों ने ही तो बनिता से कहा था कि अपनी शादी पर जरूर बुताना. और खाज जब उसने बुताया है तो –यह क्या ? आंखें खुखी है और इनमें से तरज प्रार्थ इस धार से बंद बंद क्राह्म है जैसे किसी देवता पर यह जल कहा रहे हों!

अन्तर वाला ज्यक्ति बोल वठा — 'श्रव आप हो ठीक

रास्ते पर, भटकना मत."

नहीं कहा जा सकता कि शराबी को नशे का आंभास कब होता है? नशे पीने के बाद या नशा उतरने के बाद! शायद बाज तक अनिल नशे में बदमस्त थे, उन्हें कुछ होश नहीं था. बिनता से उनका कोई सम्बन्ध नहीं है, वह इन चक्करों में नहीं पड़ते. यह सब बातें नशे की थीं. और आज जब नशा उतर चुका है तो उन्हें खग रहा है कि बिना बिनता रूपी शराब मिले उनका सिर दर्द से फट आएगा. खेकिन बेबस हैं. अब तीर हाथ से छूट चुका है, रो रहे हैं. कल तक बिनता के सम्बन्ध में उन्होंने नहीं सोचा था शायद यह समम बैठे थे कि वह अपनी है ही, उस पर किसी दूसरे का अधिकार नहीं. जैसे लोग घर में पड़ी खीख की अपेचा करते हैं, यूं ही कोने कतरे में फेंड देते हैं. अनिस ने बिनता से कोई लगाव आहिर नहीं किया शेकिन वह कोने कतरे में पड़ी रही नहीं तो आज अब वह दूसरे की हो रही है तो उन्हें कसक न होती, उनके आंसू य समसते.

शाबव अन्दर का व्यक्ति बन्दी सूनों के ताक में था जब कमचोरी स्रमित पर झा जाय. सदालुमूति दिसाते हुए, तस्त्रमी देते हुए, जुमकारते हुए स्थाने कहा—"स्रम المُعَيِّدُةُ وَمِعًا هَرِنَ لَم سَالِكُوهُ مَمَالَى هُوا مِينَ عَسَى كَلَيْهَا مِينَّى الْمُعَلِّدُ مِينَ عَس يَوْلُ وَهِنَا هُرِنَ * كَهِيْمَ كَهِنَّمَ أَنْلَ أَسِرُ كَدَّدُا دَيْعَمَ هِينَ .

وُنگا مَلَسَکَی نَہِیں ہے' جل بھی کو کیکی ہے۔۔''یہ سب یکواس ہے، اصل میں تم کسی اور سے یریم کرتے ہو۔'' ''ہاں' جھوں سے''

وداهه عند وتعالم كرنو بهاؤ بين كها أور أثل ور نظر قالي . حس مهي هؤارون أرثه سنوك ته .

ا الهور؛ «الها» «سب» لا المن هـ، اس لهال سب

دواس انجه دیر میں رہے ۔ یہر جللے کی تعاری کرتے ہوئے انل نے کیا۔۔۔''اولتا' تم ایٹی شامی میں بلانا ضرور' یہولنا ممعا' جیل کے باہر رہا تو تنہیں آشھرواد دیلے آوالا ۔'' '

ونعا رو يوس .

ارہ یہ کیا' اِن کو کیا ہوگیا' اُبھی اُچھ بولے تھ' اُنھوں نے ھی اُنھوں نے ھی اُنھوں نے ھی اُنھوں نے ھی تو فدرور بلانا ، اُرر آج تو ونتا سے کہا تھا کہ ایکی شامی پر ضرور بلانا ، اُرر آج جب اُس نے بلایا ہے توسیہ کہا ؟ آٹکھھن کہلی ھیں اُور اُن میں سے ترل پدارتہ اس دھار سے بوند بوند جو اُن میں سے ترل پدارتہ اس دھار سے بوند بوند جو اُن میں اُنے کسی دیونا پر یہ جل جوما رہے ہوں اُ

الدر والا ویکھی ہول اُلھا۔۔ ''اب آئے ہو قبیک راستے پر' بھٹکفا مت ۔''

نہیں کہا جاسکتا کہ شرابی کو نشن کا آبھاس کی موتا ہے ؟ نشہ پہلے کے ہمد یا نشہ آدرتے کے ہمد ! شاید آپے تک آئل نُشے میں ہدمست تھا آئیہیں کچھ ھوش نہیں تھا ، رنتا ہے آن کا کوئی سمبندہ نہیں ہے وہ ان چکوں میں ٹیمن بھی ہوئے . یہ سب بالیں نشر کی تھیں ، آور آپ جس نشہ آئر ۔ یہ سب بالیں نشر کی تھیں ، ورتا ہی شراب ملے آن کا سر دود ہے بیمت جائے گا ، لیکن ویا تک رنتا کے سمبندہ میں آنہوں نے نہیں سوچا تھا ، کل تک رنتا کے سمبندہ میں آنہوں نے نہیں سوچا تھا ، کو سمبت بینت ہیں آئیں نے نہیں سوچا تھا ، کو رک رنتا کے سمبندہ بینت رہیں ، نہیں تو آس بو کسی کی آپھکنچھا کرتے میں ، بیس ھی کوئے کارے میں بوی جھو کی آپھکنچھا کرتے میں ، بیس ھی کوئے کارے میں بین جینا کی آپھکنچھا کرتے میں ، بیس ھی کوئے کارے میں بین جینا کی آپھکنچھا کرتے میں ، بین ھی کوئے کارے میں بین ہین کی آپھکنچھا کرتے میں بوی وھی ، نہیں تو آپ جب وا لیکنی وہ کرنے کارے میں بوی وہی وھی ، نہیں تو آپ جب وا آبھی کے شوری آئی کے آبھی ۔

فائید آندر کا ویکٹی آنہیں جہلیں کے تاک میں تیا میں فلوروں آئل پر جہا جائے ، سہاریورلی دکھاتے میٹر کیٹی میٹر میٹرا جیکرنے مرار اُس نے کیا۔''اپ धानम्य का बासास करता है, यम इनकी जीत होती है तो मुक्तमें धाने बढ़ने का बस्साह पैदा होता है...... तुम क्वा सममो इन सब बातों को......"

"श्रूट, बक्बास, अपने को घोका देते हो....... बनिता की बात करो यार, विल्ला की. आक्रस पर पासे क्यों पड़े हैं ?"

"बिनता !" जानक ने इस तरह कहा जैसे वसे सम्बोधित कर रहे हों. तुरन्त ही उन्होंने कार्ड फिर वठा विया. कार्ड एक जाईना बन गया जिस में केवल बनिता का चेहरा दिखाई पढ़ रहा था और सब कुछ ल्ला हो गया था. जानक ने बनिता को भगाने की कोशिश नहीं की और उस कार्ड पर नजर जमाए रहे. उन्होंने देखा—

वनिता के घर धनिस जाते हैं. यह पाउहर सगा रही है, धनिस ने पानी का गिलास उस पर उडेल दिया है वह दरद है. लेकिन गुस्से में भी मुस्कान ने पीड़ा नहीं कोड़ा......फिर बांनता की मां जा जाती हैं. यह प्यार से धनिस की बसार्य लेती हैं, एक तम्बा चिट्ठा साल कर बैठ जाती हैं खीर बातें करते करते कहती हैं —

"धनित, जब शारी कर बातो, क्या बुद्धं में व्याह रवाजोगेरे"

"दां, बाबन बरस में, तेजस्वी बच्चे होंगे.' स्रतिल जवाब देते हैं.

अन्यर के व्यक्ति ने इसमीनान की जैसे सांस ती और सराइना के स्वर में बोला —"हां, अन ठोक है. सोचो, कुद्द अपने बारे में सोचो....."

अनिस जैसे फिर व्यतीत से दामन खुदा कर मागे और अन्दर वाले व्यक्ति के पीछे दीड़े और जैसे उसे बेतावनी दी—''बच्चू! अगर फिर दिलाई पड़े तो कच्या चवा जाऊंगा.'' अनिस ने कार्ड उठा कर कुरसी पर रस दिया. कुछ देर आंख बन्द किये लेटे रहे. शायद सो जाते लेकिन बनिता डम मानती है ? आभमकी. बोली—''अनिस क्या तुम मुक्तसे व्याह नहीं कर सकते ?''

श्रामित ने कहा—'सकेद हाथी बांघने का सामर्थ नहीं है.......मेरा जीवन तुम्हारा जीवन दो श्रासग राहें हैं जो कभी नहीं भिक्त सकती.''

"में तुम्हारा जीवन अपनार्थनी, मुमासे इतने निराश क्यों हो ?"

'निराध नहीं हूं........ तुम मुमसे कुछ मांगोगी, मैं तुम्हें क्या दूंगा दे सब तो तो मक्षद्रों को दे पुका

'मैं दुम से कुछ नहीं मांग्गी."

्र विश्वह तो द्वास भाग ही मांगली हो. देवा को न, दुस करीया दिवाने को सुवासी हो, में मणदरों की बरवी آنفد کا آبھاس کرتا' ھوں' جیپ اِن کی جھمت ھوٹی ہے۔ تو معجه میں آئے ہونئے کا آتساء بھدا مرتا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔ کھا سمجھو اِن سپ ہاتوں کو۔۔۔۔۔۔''

'' جووت کی بات کو دھوکا دیکے ھو۔۔۔۔ وناکا کی بات کرو ہار' ونکا کی' علال پر ہالے کیوں ہو۔۔ ھیں ؟''

انل' آپ شادی کر ڈالو' کیا ہومائی میں بہاہ جاہ آئے ؟''

" هان' باري برس مهن' تهنجسوي بنهـ هرنگـ'' أنل چراب دينے هيں .

اندر کے ویکھی کے اطبیقان کی جھسے سانس لی اور سرامقا کے سور صدی ہولا^{۔ رو} ھاں' اب ٹیھک ھ' سیجو' نجو آھ بارے میں سرجوں ۔ ۔ '''

آنل جیسے عور ویتوست سے دامن جووا کر بھائے اور آفدر والے نورکتی کے پوجےدوری اور جوسے آئے جوہتارنی دی۔۔۔ البچو ! اگر بور دکھائی پرے تو کچا جما جاوں کا ۔'' آنل البچو ! اگر بور دکھائی پرے تو کچا جما جاوں کا ۔'' آنل رہے دیر آنکو بات کئے لیکے رہے ۔ شاید سو جائے لیکن ونکا کی مانعی ہے کا آدھمکی بولی۔۔۔ الل تم کھا مجو سے بھاہ نہوں کرسکتے آ¹⁹

آئل نے کہا۔'' سفید ماٹوی باندھانے کا سامرتو نہیں ہے۔ ہے۔۔۔۔مرا جموں تبہارا جموں دو آلگ رامیں میں جو کھوں نہیں مل سکامیں ،''

'' میں تمہارا جموں آہلاوں کی' معدد سے اللہ تراس ہوں هو ؟''

'' لراھی نہھی ھوں۔۔۔۔۔تم سجے سے کچھ سانگوگی' بھی تمہمی کھا۔ دونکا ؟ سب تو مزدوروں کو دیے جکا اس ہو۔۔۔''

والمين تم م كجه لهين مانكونكي"

ا کاریا کو تم آیے می صالحاتی مو ، دیکھ لو ندا تم بغیبا دیکھائے کو ہائی ہوا میں صودووں کی عرفی में बनिता जीव गई. कानून की किताब कानित ने सीने पर बबट की और व्यासमान ताकने जगे. अपने ६र्व गिर्द की दुनिया से दूर किसी बाईने में दन्होंने व्यापना व्यतीत देखा---

बनिता फाइल द्याप कुमती आती है. अनिता उसके आगे जा रहे हैं. वह दूर से पुकारती है—"अनिल, अनिल." अनिल केबल सुस्कुरा देते हैं और ठिटक जाते हैं वह क़रीय आती है. साढ़ी का पल्स ठीक करती है और गरदन को एक मटका देती है ताकि बाब ठीक हो जाएं. फिर कहती है—

"चिनित, सुना तुम बीमार हो गए थे, रात तुम्हारी तिबयत खराब हो गई थी, मैं तो चक से रह गई...बह... बह.....व्या नाम है जी उसका.....वह तुम्हारा होस्त कहता था....." जनित चर्च पूर्न हंसी हंसते हैं और सीधे सुमाब जपनी कबाई उसकी यमा देते हैं और कहते हैं—

"देख लो, ठीक हूं."

धानित चेत से गय. चारपाई से उठे. बन्चे के नीचे
मुंद्द घोषा धौर खाकर क़ानून की किताब पढ़ने सगे.
बनिता ने फिर प्रवेश किया लेकिन इस बार धानित सतर्क
बे बीर जैसे उन्होंने गरज कर हुक्म दिया कि धानिता
बनिता कोई इस समय नहीं था सकता, इस बक्त में
मुराद से खकरी बातें कर रहा हूं. बनिता नहीं धाई और
भी मुराद जाजमान रहे. पढ़ते पढ़ते धानित के मानस
पटका पर मुराद का चित्र खिंचा. चुग्गी डाढ़ी का साईन
बोडें लगाय, एक शेरवानी ओढ़ें वह बा धमके. खुड़
देर धयने मुक़दमें की बातें करते रहे. धनित मन ही मन
उनको जवाब देते रहे. दांनों ने प्रन किया कि मालिक
को इरा कर रहेंगे. मखदूर की जीत होगी, इसमें तो
खन्हें कभी शंका ही नहीं है. मुराद कमरे से निकलते
हैं. धनित टाइप करने लगते हैं. मुराद बाहर निकल कर
मखदूरों से कहते हैं—

ें क्या दिमारा पाया है अनिल बाबू ने......सण, आज तक ऐसा क्राविश्व आदमी तो मैंने देखा ही नहीं......बें बड़े देखें हैं.......जेकिन इन जैसा नहीं मिला......बिना लिखे पढ़े मर मर टाइप मशीन पर टाइप कर सेते हैं! दिमारा है कि मशीन.....!" अनिल इंसी नहीं रोड सके और बोले—

"कितने भोसे हैं यह सोग !"

"क्या विकास है तुन्हें नेगारी कर के" जन्दर के उवांक ने फिर क्या किया. उल्लास भरे स्वर में जनिवा ने कहा—"जीवन निकास है, निराशा दूर हो जाती है, मैं इसके बीच जा कर जानन्द विभीर हो जाता हूं, जब हुन के जबस लेकर सहकों पर चसता हूं तो मैं जातिक

مین یکٹ مین کئی ۔ قانون کی کتاب اتل نے مہائے پر آلت لی اور آسمان تائلے لکے ، ایے ارمارہ کی دنیا ہے دور کسی آلیاء میں آنہوں نے اپتا ریعیمت دیکھا۔۔۔۔

"، ديکه لو' ٿهيڪ مون ."

افل جهمت سے گئے ، جاپائی سے آئے ، بسبہ کے نہدی ملک دھویا اور آ کر قانوں کی کتاب پوھٹے لگے ، ونتا نے پہر پرویش کیا لیکن اس بار افل سترک کیے اور جهسہ آلهوں نے گوے کر حکم دیا کہ انتا ونتا کوئی اِس سہ نہیں آ سکتا' اِس وقت مہی مراہ سے فدوری یائیں کر رما ھوں ، ونتا نہمں آئی اور شری مراد براجمان رہے ہوستے پوھتے افل کے مانس پکل پر مراد کا جتر کھلاچا ، پھی قارمی کا سائی بورة لگائے' آیک شہررانی اوری وہ آدھمکے ، کچھ دیر آئے مقدمے کی باتیں کرتے رہے ، افل میں ھی می اُن کو جواب دیتے رہے ، دونوں نے پری کھا آس میں تو آنہیں کہمی شککا ھی نہیں ہے ، مراد درے سے کہ مالک کو ھوا کر رعمی گیا' سودرر کی جمعی ھوگی' اُن میں تو آنہیں کہمی شککا ھی نہیں ہے، مراد درے سے کی دوسرے مؤدوری سے کہتے شہیں۔ مراد درے سے کیلی کو دوسرے مؤدوری سے کہتے شہیں۔

ال کیا فعام پایا ہے اُس پاہو نے.....عیا آ ہے لک ایسا قابل اُدھی تو میں نے دیکھا ھی تہیں۔۔۔۔بوے پرے دیکھے ھیں۔۔۔۔۔بوے دیکھے ھیں۔۔۔۔۔لیکھی اِن جیسا نہیں مقد،۔۔۔ بقا لکیے پوئے جہر جہر قالب مقین پر تائب کر لیکے میں اِ عمام ہے کہ مقین۔۔۔۔۔اُ اُنل هنسی نہیں روک سکے اور بہا۔۔۔۔

" کعنے بھولے میں یہ لوگ !"

لا کیا ملکا ہے تمہوں بیکاری کو کے اندو کے ویکھی نے بھر میلگ کیا ، انہاس بھرے سور میں ان کی کیا ہے۔ انہاں بھرے سور میں ان کی کیا ہے تراشا دور ہوتانی ہے میں انہاں وہور ہو جاتا ہوں جنب ایس کے بھی جا کر آبلد وہور ہو جاتا ہوں انہاں انہاں کے بھی جا کر آبلد وہور ہو جاتا ہوں آسک

कामक ने सारे करों की सीन से बठा कर कुसी पर पेंड़ दियां लेकिन वह कार्ड क्यों का को हाय में किए रहे. बांसी एनकी कार्ड पर नहीं भी लेकिन ऐसा कम रहा था मैसे एसी के सम्बन्ध में यह सोच रहें हैं. धकस्मात घीरे स्वर में उन्होंने कहा—"वनिता!" फिर कार्ड को भी कुर्सी पर रक्ष दिया.

"बनिता भी गई" अन्दर के व्यक्ति ने कहा.

"गई तो स्या हुआ, उतका स्याह हो रहा है, अच्छा है."

''मुन्हें दुख नहीं ?'

"सुने दुस क्यों ? सुने सुनी है "

"भूट मत बोली, दाई से पेट मत खिपाची, सममे. तुम कहते हो कि तुम्हें तुस नहीं है....."

"मुक्ते दुल क्यों हो विद मेरी कीन की मिरा उसका कोई सम्बन्ध नहीं था."

"बह तुम्हारी थी, बुद्ध राम वह तुम्हारी थी."

जैसे इस कथन का सुबूत चाहते हों, जैसे वह चाहते हों कि कोई कहता रहे कि "वह तुन्हारा है, सदा से तुन्हारी है" उनके मन पुलकन हुई. वस इतना कहां जा सकता है कि उन्हें आनन्द आया. लेकिन फिर वह तुम सुम हो गर कुछ देर आसमान पर टकंटकी बांधे देखते रहे, फिर उस काढ़ को उठा क्रिया. वो बार बार पदा और पुककित स्वर में बोले— "वनिता!"

अन्दर के व्यक्ति ने एक जोर का ठहाका लगाया, इंसता ही बसा गया.

जैसे संघ पर चोर पहर जाए, अनिल लास हो गए, कार्ड उठा घर जोर से इरसी पर उन्होंने जेंक दिया. कान्त की किताब उठाली. न्जीरें बूंडने लगे. कल गुराव का मुक्तवमा है, वेचारे की अट्टाइंस सास की नीकरी थी. मालिक ने जवानी मोटिस दे कर निकाल दिया है. वजह मालिक ही जानता है और शायद अब उसका बकील भी जानकारी रसला हो!

अनिस पढ़ते जाते ये लेकिन केवल आंखों से. मन कहीं और या. एक वो साइन पढ़ते पढ़ते किताब सायब हो जाती और वनिता सामने सदी हो जाती. वह मुम्द्रका कर किताब के पण्ने को हाथ से साफ कर देते. जैसे किताब कोई आईना हो और उस पर वनिता की प्रतिविम्य आ रही हो, सेकिन फिर बही बनिता. वनिता हटती है तो सुराव सामने आला है, नवीरें, गुक्रवरें, संबंध कर सामने आते हैं और संस्था मनकते यह सब साबब हो जाते हैं और बनिता सामने मुण्कुराने सगती हैं बनिता और सुराद में यह संबर्ध सकता रहा. अन्त الل کے سارے خطان کو سیقے سے آٹھا۔ کو کسی ہو پیھلک دیا ۔ لیکن وہ کارہ جنین کا تیوں ھاتھ میں لوگے وہے ، آنکیمں اُن کی کرہ پر نہمں تیمں لیکن ایسا لگ وہا تیا جیسے اُسی کے سمجلدہ میں وہ سبے رہے میں ، اکسمان معیرے سور میں اُنہیں نے کہاسے" وبتا اِ '' ہمر کارہ کو بھی کرسی پر ردہ دیا ۔

7 ونقا بھی گئی 4 اندر کے ویکھی نے کہا ۔

" كلى تو كها هوا أس كا يهاه هو رها هـ ؛ أجها هـ "

" ليهن دله نهين ؟''

" معون دله کيون ؟ معون څوهي ه."

ود جھوٹ مت ہولوا دائی ہے ہمک مت جھھاڑا سمجھے, تم کیتے ہو کا تمہیں داہ نہیں۔۔۔۔۔''

الا معید دکه کهرن هو؟ ره مهری فون گهی؟ مهرا اس کا کوکی سمهلده نهین تها .**

¹⁵ ولا تمهاري تهي؛ يذهو رأم ولا تمهاري تهي ،¹⁶

جہدائس کتھن کا ٹہرت وہ جامعہ میں جہدے جامعے ہا جہاری ھوں کہ کرکی کہتا رہے کہ '' وہ تمہاری ھا سنا سے تمہاری ھے اسکتا ہے جہ میں ہلکن موٹی' بس آلفا کہا جا سکتا ہے کہ اُنہ کے میں میں ہلکن موٹی' بس آلفا کہا جا سکتا ہے کہ اُنہیں آنفید آیا، لیکن پھر رہ کم سم موگئے۔ کچھ دیر آسان پر ٹکٹکی باندھ دیکتھ رہے' پھر اُس کارہ کو اُٹھا اُنہا ، دو جار بار پوما اُرر بلکمت سور میں بولے۔۔۔''ونگا اُنہا

اندر کے ریکھی نے آیک زرو کا تیماکا لکایا' علمت عی جھ گیا ۔

جهسے سهنده هر جهور پکوا جائے اتل الل هوگئے' کی کتاب آتھا کی تطهویں قدونگ نےلکے کل مواد کا ساندست کی کتاب آتھا لی تطهویں قدونگ نےلکے کل مواد کا ساندست بھی' بهجوارے کی آتھائیس سال کی توکوی تھی ، صالک نے زبانی توانس دے کو آکال دیا ہے ، وجه مالک هی جانتا ہے اور شاید اب اس کا وکھل بھی جانکاری وکھتا ہو!

انل پوهای جاتی تی لیای کهول آنکهوں ہے ، می گهوں اور تها ، آیک دو الآن پوهای پوهای تقاب فائب هوجالی اور رندا ماملے کهوی هو جاتی ، وه جهلجها کو کاب نے پہر کو هاته ہے صاف کو دیاتے ، جهسے کتاب کوئی آلها هم اور آس پر وندا کی پرائی بسب آ رهی هو ، لهای پهر وهی وندا ، وندا همانی هے تو مراه ساملے آتا ہے ' نظیوریں' مقدمے سلکھوں سب ساملے آتے همی اور آنکه جههکالے یہ سب فائب هوجاتے جهراور وندا ساملے مسکوالے لیکنی ہے وندا ور مراد میں یہ سنگورہی جهاتا وها انت

परे. उसी समय वह ''कोई'' कोर से ईसा. वह कहता जाता या चौर हंसता जाता था—

'बुद्ध हो......में व्यक्ति है. बहुत सकत जान है. मुमे समाज की क्रमस्तान में दफन कर देना चाहते हो! में बासानी से मिटने वाला नहीं है.....में बाखरी दम तक हुमसे लहूगा.....सममे.....में पूछता हूं कि तुम क्या हो ! इस समय भूके हो, किसी ने तुम्हें पूछा ! इस समय अके ते हो, किसा ने तुम्हारा साथ दिया.....! मेरी राय मानो, मुमे फलने पूलने दो..... तुम्हारे पास सब कुछ होगा. माना कि मुमे मिटाना तुम्हारा बादर्श है, लेकिन हर बादर्श के पूरा होने का समय होता है, तुम क्यों कटीले तारों से खेल रहे हो...... तुम्हें विश्वास है कि माली हांचा ठीक हो जाने पर मैं खुद गर जाउंगा. फिर मुमे क्यों इस तरह मार रहे हो......! मैं खुद ही मर जाउंगा......!

श्रानित ने एक मोटी क्रान्नी किताब वठाई, टेबुल-हैन्य लिया और सोने के लिय आंगन की तरफ चल पड़े. जैसे हीं कुड़े, दीवार पर कपड़े का पोस्ट बाक्स दिखाई पड़ा. एक नीले कपड़े का दुकड़ा और उसमें बहुत सी थैलियां. हर यैली पर किसी न किसी कार्यकर्ता का नाम लिखा है. श्रानित ने अपने नाम बाकी थैली में से सारी डाक निकाल की. सारा सामान चारपाई पर रक्खा और दूसरे कमरे से कुसी उठा लाय. टेबुल-लैम्य जला कर कुसी पर रक्खा श्रीर तकिये का सहारा लेकर चारपाई पर चारों साने चित्त लेट गए.

"मेरे प्रश्नों का तुम ने उत्तर नहीं दिया" अन्दर का व्यक्ति फिर बोसा.

श्रानित ने उसकी बात सुनी श्रानसुनी कर दी. एक जमाही ती. जांघ पर हाथ मारा, एक तेज श्र्वान सुनसान कोठे के घेरे को चीरती शायद दूसरे सोने वालों के कानों तक भी पहुंची. उपर वाले कोठे से दूसरे साथी ने कहा— ''क्या नींद नहीं श्रा रही ?''

"नहीं, कल मुक्तदमें हैं, नजीरें देख रहा हुं......" जनिज ने किताब उठा जी थी और उसी पर नजर गहाए यह सब कह गए.

पढ़ते पढ़ते उन्होंने घड़ी देखी, एक बज गए थे. बदन यहान से चूर था लेकिन नींद गायब थी. कानून के हसे विशय से तबीयत उम्ब गई. अपने खतों को उन्होंने खोकना शुरू किया. एक पार्टी सकुलर था, एक मिल की चिट्ठो थी, दो तीन मजदूरों की अवियां थीं और आसरी एक झपा छाड़े था. पता चला कि बनिता का न्याह हा रहा है. उसी काड़े पर लिखा था—'आना जहर, आकर गुफ से मिलना शी, चोरों की तरह बाकर माग मत जाना, सम मे !—वनिता."

عُلِيْهِ بَا أَسَى سِمْرَ وَلا 17 كُولُى 14 زور بير هلسا . وه كهكا الماكا كها لور هفسكا بهانا لها...

المحتفو عود....مهن ويكلى هون يهمه سطمه بهاي هون دويها مهن هود دريها هود....؟ مهن آساني مدهد والا تههن هود....مهن أخرى دريها مهن أخرى دم لك تم يه لوون المدر مستجهر....مهن أخرى دم لك تم يه لوون المدر بستجهر....مهن يه كه ته تم كها هو ؟ إس سد يهوك هو قسى له تمهارا له تمهن يورا هو تم كها ماله عهارا مستجهر يهلك يهولك دو ساله عهارا مستجهر يهلك يهولك دو دري مستجهر الكي مدن مستجهر الكي مدن الكيارا أدرهن يو لهن هو أدرهن كريوا هو تم كا سم هونا تمهارا أدرهن يو لهن تارون به دهمان دو هو المي تمهن دو هوالى يو مهن خود مريان الله مستجد وهواس يو كه مالى قعاديها الميك هو جمالى يو مهن خود مي مورا الله من خود هي مو جمالى الم مستجد المهن دول مال دول هو الله من خود مي مورا الله من خود هي مو جمالى الميك الميك مو جمالى يو دا الله الميك مو جمالى يو دا الله الله الله الله الله الله اللهن ا

الل نے ایک مولی قانونی کتاب آتھائی' ٹیمل لیمپ لیا اور سونے کے لیگے آنکوں کی طرف چل پورے ، جسے ھی مورے دیوار ہو کھورے کا پوسٹ بکس دکھائی ہوا ۔ ایک نیلے کھورے کا ٹکوا اور اس میں بہت سی تبعیلیاں ، ھو تبیلی پر کسی تہ کسی کاریہ کرتا کا نام لکھا ہے ، آئل نے ایم والی تبیلی میں سے ساری ڈاک نکال لیے ، سارا سامان چارہائی پر رکھا اور درسوے گورے سے کوسی آٹھالائے ، ٹیمل لیدپ جلا کو کوسی پر رکھا اور تکھہ کوسی اور حیارہائی پر جواروں خانے جمعا لیدی کئے ،

المرے پرشانوں کا تم نے آتو نہیں دیا" اندر کا ویکھی ہور ہوتا ۔ پھر ہوتا ،

ائل نے آسکی بات سقی ان سقی کر دنی ، آیک عما ھی کی، جانگ پر ھاتہ مارا ایک تیز دعوتی سقسان کوٹھے کے کہیرے کو چھرتی شاید دوسرے سونے والوں کے کائوں تک بھی پہوتھی، ارور والے کوٹھے سے دوسرے ساتھی نے کہا تجذب نہیں آ رھی ؟''

'' نہیں' کل سلامرھیں' نظریندیکیا رفا موںا۔۔۔۔۔''' ائل نے علاب اُٹھالی نمی اور اُس پر نظر کوائے یہ سب نیانگے ۔

پوهی پوهی انهوں نے کهوی دیکھی' ایک ہم گئے دیں۔ فاتوں نے بدن توکان سے جور تھا لھکی نمذد فائب تھی۔ فاتوں نے ووام وقد سے طبعت اوب کئی ، اپنے خطوں کو آنهوں نے دہولت شورع کھا ، ایک ہارگی سرکلر تھا' ایک مرا ، کی بھیلی تھی دو تھی مودوروں کی عرضیاں تعمل اور آخری بھی ایک بھیا تھو وہا ہے، اسی کرتے ہے تکھا تھا سے اور آخر مجود ہی ملتا ہمی' کرتے ہے تکھا تھا ہمی' اور مجود سے ملتا ہمی' کی عرضیا کی میں میں جانا' میجھا۔ سے ملتا ہمی' کی عرضی کی عرضا نے میں میں جانا' میجھا۔ سے متا ہمی' میں میں جانا' میجھا۔ سے متا ہمی' میں میں میانا' میجھا۔ سوتھا ہے' میں میں میانا' میجھا۔ سوتھا۔ "

काकम कीराहे पर का कर बाव हाम सक्क पर प्रका और समिक की चांकों से जोमल हो गया. अनिस ने बीते के दरवाचे के कपरी कोने को दोनों हाब के पंजों से कोर से पहला और ऐसी कोशिश की कि जैसे उसके सहारे बटक रहे हो. एक कोर की बांगवाई ली. अंगवाई के साथ साथ मंद खुका और खुकता ही चका गया, एक हाय क्टबोंने फैबरे होंटों पर रख किया. फिर "हो" का एक स्वर घीरे से गंजा और ऐसी आवाज हा जैसे उपन से यक्षवारगी लेकिने यारे से सी कर के हवा निकल गई हो मनिल याने पढने लगे... यह उनकी हासतं बदस गई थी. बही यकान, वही खुमार, वही बोम्हल गांसें, सब कुछ वहीं था जैसे पहले. फल्जन से सुवाकात के नाद जो स्थिति भी वह जैसे एक लिवास थी. एक विवास वदल कर उन्होंने दूसरा बद्ध लिया था, फेवस कल्सन से मुलाकात करने के लिए. अब फिर वही पहला विवास घारन कर लिया है.

श्रानिख इस बार धीर चीरे नहीं बलिक तेजा से सीह्यां बढ़ने लगे. आखरी जीने पर पहुंच कर उन्होंने घड़ी देखी. आश्रवर्ष के स्वर में बोले—''उक ओह, बारह बज रहे हें!'' समय की गति के आभास ने उनमें भी तेजी पैदा कर दी. यह विचार उन्हें सता नहीं रहा था कि उन्हें सोना है बलिक इस विचार से वह चिन्ता झस्त हुए कि कल सुबह उठना है, बहुत से मजदूरों को उन्होंने बुकाया है, उनके मुक्तदमें के काराब टाइप करने हैं.

जीने से बह दूसरे कमरे में घुसे. यहां पहुंच कर जैसे उन्हें कुछ सुनाई पड़ा. बाहरी कोई नहीं बा. कोई था जो अन्यर से कुछ कह रहा था. इस "कोई" को वह अपनी जानकारी में मुरदा बना चुके थे. लेकिन कहीं सांस बाकी बी, अभी इस में जिन्दा हो जाने की ताक़त थी. वह जाज न जाने क्यों जीवन पाने की कोशिश कर रहा था. उन्होंने सुना—

"क्या हर बात मुह्नद्मे, भवातत, रिक्शे वाले, क्रुजी, प्रेस, मखदूर, यह कमेटी, वह कमेटी.....कुछ तुन्हारा भी है, कोई तुन्हारा भी है......तुन्हारी कोई जिल्लाी है । न बहुत तुन्हारा न बदन तुन्हारा.....सब के लिए सीचा करते हो. कभी अपने जिए भी कभी कुछ सोचा है......! तुम को खाने की दिशकत, यहनने की दिशकत, सोने की दिशकत, आराम मही, चैन नहीं.....!"

व्यक्तित ने हॉट चवाय, जैसे वसका सिर कुवत रहे हों. बह व्यक्ते कमरे में पुसे. स्थिव दवा दी. कुर्सी पर बैठ अप. मेच पर काइलों का कन्यार था. दो एक को वठा कर का बर अरंसरी नचार दौदाई. पित वन्हें वही रस दिया. स्था कीने से तकिया वठाया और वाहर सोने के किए चल کلی جورای پر جا کر باتین هاته سوک پر سوا آبو اللی آنکوس سے آراجہ ل جوائی کے انکوائی کے انکوائی کے خووائی کے آنکوس جانے کر درتیں ماتھ کے متحول سے زور سے پکوا آبو ایسی کوشش کر کہ جمسے آسکے سہارے لگک رہے ھیں ، ایک زور کی انکوائی لی ، انگرائی کے ساتھ ساتھ سفتہ کھا اور کیاتا ھی جا گھا آبکہ ماتھ آنہیں نے پوساتے ہوتائی پو رکھ لیا ، پھر '' ھو '' کا آبک سور دھوں سے گونجا اور سے آباز ھوئی جمیدے تیک بارگی لیکنی دھورے سے سوں کر کے ہوا آنکل کئی ھو ، الل زیاد جوهدے لیا ہی کی ایک تھی ، وھی تھکان' سے سمین کر کے ہوا آنکل کئی ہو ، الل زیاد جوهدے لگر ، ، لی آبی کی حالت بدل گئی تھی ، وھی تھکان' جوسے بیل گئی ہو ، الل زیاد جوسی تھان کو ایک لیاس بدل کر آنھاں نے دوسرا بدل تھا تھا' بھول کئی سے ساتھات کرنے کے لھگ ، قوسوا بدل تھا تھا' بھول کئی سے ساتھات کرنے کے لھگ ،

ائل اُس بار دههرے دههرے نبهن بلکہ توئی سے شهودهان جوهلے لگے ۔ آخری زیتے پر بہوتے کر اُنہوں نے کہونے دیکھی ، آخری زیتے پر بہوتے کر اُنہوں نے کہونے دیکھی ، آشچہ یہ نے سور مهن بول—" آف آرہ بارہ بہے رہے مهن آن باس نے اُن مهن بهی تونی بهدا کر دی ، یہ وجاد اُنهیں سکا نبهن رہا تھا کہ اُنہیں سونا ہے بلکہ اِس وجاد سے وہ جملتا گرست ہوئے کہ کل صوبے اُنہا ہے ' بہت سے جملتا گرست ہوئے کہ کل صوبے اُنہا ہے ' بہت سے کوروروں کو آنہوں نے بالیا ہے' اُن کے مقدمے کے کافل تائیب

" کیا هو رقمت مقدمیا عدالت که والی قلی ایسی مودور یه کمیارا بهی بیسی مودورا یه کمیالی و کمیاری بینی و کمیارا بهی هی است. تمهاری کوئی زندگی هی ؟ ند رقمت تمهارا که بدی تمهارا ،سب کی لیگر سوچا کرتے هو ، کمی ایل لیگر بهی کچه سوچا ه..... ؟ تمکو کهانے کی دقمت کی دقمت آرام نمین کمی تمکو کهانے کی دقمت آرام

آئل نے هونس جوبائی جوسے اس کا سر کچار رہے موں ، وہ اپنے کسے میں گوسے ، سرچ دیا دی ، کرسی بر پیٹلے گئے، میو پر فائلوں کا آمیار کیا ، مو ایک کو ٹیٹا کو آئی پر سرسری نظر دروائی ، پور آبھیں وہیں راہ یا ، ایک گونے سے تکھہ آٹھایا اور بادر سونے کے لیانہ جال

gent '64

4 (485) 19

جوالي 54°

"गरमी, तू में आपको साना भी नहीं मिसा.....!" कक्षम कहता हुआ जीने से उत्तरने लगा, वसके स्कर में खद्यानुभृति वी और साथ में कृतकृता भी.

व्यक्ति फिर खोषने क्षेत्रे. सोषते सोषते नींद का एक मॉक्त भाषा. चारपाई पर लेट रहे. फिर बता नहीं क्या हुआ. बच्च इतना पता है कि किसी ने जगाया और द्वाब में ब्रह्मत का गिलास थमा दिया और वह राट राट पी गए और गिकास वापिस करते समय उन्होंने इस स्वर में कहा जैसे करतन को वह पहली बार देख रहे हैं—"कक्षन !"

भैषा जी, मेरा पातान हो गया है, क्या करूं र पुलिस बाक्षा कहता था कि साइसेन्स न होना बड़ा जुर्म है, बड़ी संचा मिसती है.....'

अनिस ने पहली बार उसे नजर मर कर देखा और फिर चारपाई से उठकर उसके की पर हाथ फेरा और बोसे-"जबराते क्यों हो, हम तो जिल्हा है, पुम सांग बहुत क्यादती करते हो, साइसेन्स क्यों नहीं बनवाते......?"

' इमें करको माखून नहीं रहा"

"तुम को माल्म नहीं था, यह बात श्रक्तसर लोग थोड़े मानेंगे, बन्हें तो जुरमाना करने से मतलब वह तो जुरमाना हाप, वस्तलत बसीट मगीन हैं. बिलहारी है तेरी राम राज्य. जाकी, बबराने की बोई बात नहीं है. सबेरे म्युनिसिपल बोड जाकर साइसेन्स बनवालेना. अपने यूनियन के संकेंद्री से मिस बो, उनको हम बिट्ठी किसे देते हैं, वह साइसेन्स बमवा हैंगे. रिक्छा तो जमा नहीं करवा लिया.....?"

"बड़ी तो भीर विक्रकत है....."

'हां' जानिल ने इस तरह इस वाक्य का उच्चारन किया जैसे मामला बहत गन्भीर है.

"फिर भी षबराने की कोई बात नहीं है. कल ठीक हो जाएगा. रात को जा कर सो रहां, सुबह का जाना, लेकिन साइसेन्स कस बन आए, कोई ढोल ताल नहीं होनी चाहिए."

करकान की घवराइट कम हो गई. वह चलने लगा. धानक उसे जीने तक होदने आए. उसकी पीठ पर हाथ सहसाया और इंसकर बोले—'वच्चू, पूलीस बालों ने मरम्मत तो नहीं को...... ?''

"नहीं...." और वह मुसकरा दिया.

श्रीने से उतर कर करतन ने अनिस की मुद्दकर देखा. इन आंखों में बहुत कुछ था. भक्त थी, अनिस की सराइना थी, पीछे न इडने का प्रन था और यह असे अनिस से बादा पक्का करा रही थीं कि कस कोई अद्यन को नहीं आदगी, मेरा काम हो तो आध्गा, आप सुबह ही मिस साध्गे ने अनिस ने कहा—''आधो आखो, सुबह आजाना, विश्विक्स रहो, गहरी नींद सोना....." ال گومی کو مهی آپ کو کهانا یمی نهیں معاله کلی کهتا هوا زینرید آترے لئا، اس کے سور میں سیانرہوؤئی کھی اور مالی سیں گرتابعا یمی .

ائل پور سوچان لکی ، سوچانے سوچائے ٹیڈٹ کا ایک جورائا آیا۔ جار ہائی پر لیمٹ رہے ، پور بات تبیس کیا ہوا ۔ پس آلگا بات ہے کہ کسی نے جانیا اور ماتھ میں شریت کا کاس تھما دیا اور وہ شک شک ہی کئے اور گلس واپس کرتے سم الورن نے اس سور میں کیا جیسے کان کو پہلی بار دیکھ رہے ہیں۔ اللی ا⁴⁸

'' بھھا جی' میرا جائن ہوکھا ہے' کیا کروں؟ پہلس والا کیکا کیا کہ لاسٹس نہ ہوتا ہوا جرم ہے' ہوی سوا ملک ہے۔۔۔۔۔''

آئل کے پہلیبار آنے نظر بھر کر دیکھا اور بھر جارہائی ہے آٹھکر آسکے دادھے پر ھاتے ہھرا اور مولے—'کھمرائے کھرں ہو' ھم تو زندہ ھیں' کم لوگ بھمت زیادتی کرتے ھو' لاکسٹس کیوں نہیں بلواتے۔۔۔۔۔۔'؟'''

27 همهن جركو معلوم نهين رها.....

21 هاں 14 ابل نے اِسطرے اِس واقعہ کا اُچھھاریں کیا جیسے معاملہ یہمت گمہیور ہے ،

'' پھر بھی گھھڑانے کی کوئی بات نہمں ہے، کل تھیک مو جائے گا ، رات کو جا کر سو رھو' صبعے آجانا' لیکن اگسٹس کل بن جائے' کوئی ڈھیل ڈھال نہیں ھونی چاھیگے ۔''

کلی کی گھبراھت کم ھو گئی ، وہ چاتھ لکا ، انل آپے زیتے تک چھووٹے آئے ، آسکی عدالہ پر سہایا آور علاس کو بولے۔۔۔''بنچو' پولیس والیں نے مرست تو نہیں تی۔۔۔۔۔''یا۔

" نههن.... " اور ره مسكرا ديا .

ويقى بى أدر كو كُلُن نِي اللَّ كومو كو ديكها . إن أنكهون مهن يهمت كنجه لها . يهكلي لهي اللَّ كي واهكا لهي يهنجين نه هلاني كا يون لها أوريم أنكههن أثل بن وهنه يك كوا رهى لهمن له كل كولى أزجون لو نهض أله كي مهزأ كلم لوهو جائي كا أب صبح هي مل جالهن له نه الله الله في الساداجاو جاء عمم أجال نهمجلت وهوا बर्गामा संबोध पैसे बंदबाद करते हैं. इस सुकत में वह सर्वामा दिका सकते हैं जिसमें इतना बानन्य मिसता है कि दो चार इसते सनोरंगन की करूरत नहीं पड़ती......" कोई चुक्क कहे, बानिस का मनोरंगन होता है. उनको पेसी गोश्टी में बानन्य मिसता है.

पेसी ही एक गोरदी में कल्लान के नाम फास निकल कही. इस ने बहुत इसर उसर की हांकी लेकिन एक म बात, वह समस्ता था कि लोग उसकी हंसी उहाएंगे. खेकिन वहां हंसी नहीं उदाई गई. सनिता सुनते रहे सौर उसकी पीठ ठोंकते रहे. हर ठोंक पर कल्लान की अदा बढ़ रही थी, अनिता को वह अपना भाग्य सौंप देने को तैयार हो रहा था गोरदी लम्बी सिष गई, बारह बच गय. सनिता बतो सांगे. कल्लान ने सहा 'बादू जी फिर कब रे' दूसरे रिक्शे बाते ने कान दंठ कर कल्लान को प्यार से एक स्पत्त सारी—''बादू जी नहीं देदा, मैया जी, साथी रे' अनिता ने कहा ''जब मन बाहे''.

कई रोज से अनित प्रेस मजदूरों के मगड़ों में जंसे थे. रिक्शे वालों की तरफ नहीं गए थे. उन्होंने पृक्षा—"कहो कल्लन, धव कुशक मंगल." अब वह विल्कुत बदल से गए थे. जैसे ताजा हम होकर सिपाही भीज में भाता है, अनित को भी भीज आने लगी, कल्लन से बोले—"जरा एक गिलास पानी देना."

पानी पिया नहीं, पूरा मग मुंह पर बिड़क बिया. फिर रिक्शे वालों की एक लम्बी लिस्ट गिमाई. सब का इंग्ल बाल पूड़ा, इंड बतने वाले मुक़दमों के सम्बन्ध में पूछ लाख की. करूलन ने सब का जवाब या 'हां' कह कर दिया और या कह दिया कि मुक्ते पता नहीं मैया जी. चिनल फिर इंड देर कहे, केवल मिन्टों के लिये. रात के समादे को तोड़ते हुए उन्होंने फिर कहा—

"इतनी रात गए कहां मटक रहे हो, कोई खास

"हां भैया जी, हमारा चाळान हो गया है..... मुके कुछ यता नहीं था. प्रतिस वाला चाया......''

'अवसा" अनिका ने इस स्वर में कहा जैसे यह जताया हो कि मैं सब समक गया. फिर दोनों मुट्टी बांध कर उन पर सिर दक्ष दिया. हुआ सोष ते रहे. उनके पैर ताल दे रहे थे. विषारों का कारवां चल पड़ा था. बेंड बज रहा था. सोचते सोषते उन्होंने जेव में हाथ डाला. इस्की और पैसा विषाला. पैसा जेव में वापस डाल दिया. इस्की करलन को दो और कहा—"चरा दो पैसे की चीनी और दो पैसे की वर्ष साना. मेस वार्कों का मुक्त्यम था. दिन भर कहे सहे एकी बात सरेगान हो गई, न जाने किस का मुंह देखा था कि खाने की थी वहीं मिला.... स बहुत चलने सगी है, ولهما مهن لزگ ههند برباد کرتے ههن ، هم صلحت مهن اولا آنگد ملکا هـ اولا سکید هار مهن اللا آنگد ملکا هـ که دو چار هفتی مقورتجن کی قدورت تههن پوتی ،،، " کوئی کچه کپدا آنل کا مقورتجن هوتا هـ" لی کو آیسی گرفتگی مهن آنقد ملکا هـ .

ایسی هی ایک کوشتی مهن کلن کے نام قال نکل بوی اس نے بہت ادھر کی هانکی لهکن ایک نه بوی اس نے بہت ادھر کی هانکی لهکن ایک نه بولی ، ولا سمجهتا تها که لوگ اسکی هلسی اوالیں گئی ، اتل سفتے رہے اور اسکی پیان ملسی نهیں اوالی گئی ، اتل سفتے رہے اور اسکی پیٹھ تھونکتے رہے ، هر تهونک پر کلن کی شردها بوه رهی تهی انل کو ولا ایک بهاگیه سونمی دیلے کو تھار ، هو وها تها ، گرشتی لمهی کهلے گئی ، بارلا بیج گئے ، نل بهلئے لکے ، کلن نے کہا 'دبابو جی پهر کب آگ دوسرے وکشے والے نے کان ایک کر کلن کو پھار سے ایک جهمت ماری شمیر باب ایک جهمت ماری شمیر بابی آگا نے کہا 'در کیا جی' ساتھی آ'' انل نے کہا 'در جب می جانی شمیر بابی آ

کٹی روز سے آئل پریس مؤدوروں کے جھگورں میں پہلسے تھے ، رکھے والوں کی طرف نہیں گئے تھے ، آنہوں نے پوچھاسٹائیو کئی' سب کھل مٹکل ،'' آپ وہ بالکل یدل ہے گئے تھے ، جیسے تازہ دم ہوکو سہاھی موج میں آتا ہے' آئل کو بھی موج آئے لگی ، کلی سے برلے۔۔۔۔''ڈورا ایک گلس بانی دیڈا ،''

پائی بھا آبوں کی ایک ملت پر چھوک لھا ، بھو وکھے والی کی ایک لمبی السبت گفائی ، سب کا حال جائے بہو جہوا دھیم جلتے والے مقدمیں کے سمھدھ میں یہ دو اور یہ دیا الم مجمع یقد آبھی مھیا جی ، آئل بھو دھیم دیر رکے کھول مفاول کے لئے ، وات کے سائے کو تھیم دیر رکے کھول مفاول کے لئے ، وات کے سائے کو تھی دیر الدول نے بھو کیا۔

وہ ناہے وابعہ کانے کہاں پہٹک وہا ہوا کوٹی خاص بانعہ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔

الله مان بهها جيءُ همارا جالان هواها هي....ومعهم اهچه په، فهمن تها ، يوليس والا آيا.....ا

 "देखने को जवान. मूनने को पानी ! एक खुगाई तक तो है नहीं, बातें बनाता है, खुप रह यार, कान न खा."

श्वनिक्ष रिक्शा य नयन में भी काम करते 🕻. सारे रिक्शे वालों से सम्पर्क है. सब उनका आदर करने हैं. वह हैं भी तो आदर के योग्य निक्शे वाले कहते हैं-"कामल ममुख्य नहीं हैं—वह अपने लिये क्या करते हैं ? वह ममुख्य ही क्या जो अपने लिये कुछ न करे ! वह चाहते तो बाट गवरनर हो सकते थे. नहीं तो चार पांच सौ की नौकरी तो कहीं गई ही नहीं की लेकिन नहीं, वह सो इस कोगों के बीहे अपने की वर्षाद किये हैं. मणदर्ग के दिल के बारो उन्हें कोई सुधि ही नहीं है." रिक्शे वाले जानते हैं कि दनके पास खाने को भी पैसे नहीं हैं. इसी कारन जहां किसी के घर के आगे अनिस मिल जाएंगे ही दुन्हें वह खबरहस्ती खाने के लिये पकड ले जापगा. जिसके पास काने की न पैसे हों न बारने समय पर खर का कांककार हो वह फिल्में कैसे देख सकता है, अपना सनोरंजन कैसे कर सकता है ? ब्रेकिन और बस्तकों की तरह मनोरंजन भी जुरूरी है. चनित मनोरंजन भी करते हैं. क्षेकिन इनका मनोर्जन अनोला है-न फिल्म, न डामा, न रेडियो, नसंगीत समा, न नाच, न गाना मजद्री की किसी टोजी में बैठ जाते हैं और किसी को पकड़ कर इसकी जीवन कथा सुनने लगते हैं. वह पहले नहीं बताता. वसे यह धनाते हैं, छेड़ते हैं. सभी इंनते हैं. वह किर नहीं बताता. तब बानिल पीठ ठोंक कर कहते हैं- "बताबी बार, कुछ ताकृत मिले. हंभी की एक खुगक तन्दक्रती बढाती है. तम तो ऐसे कंज्स हो कि मुरदे के मंह में पानी भी न चुवाको.'' अनिल की बात अब नहीं टाली जा सकती. यह व्यक्ति अपनी राम कथा ले कर बैठ जाता है. इस गोस्टी में इसरे पात्रों से सब को हमदरी होती है. लेकिन सब पात्रों में एक अभागा पात्र एसा है जिसकी सब इंसी उड़ाते हैं. वह पत्ती है. तिसके जो मंद में आता है भ्रष्टता है. हर बादमी तक में रहता है कि शब्द चुके भीर वह भावाजें फेंके. काश वेचारी पत्नी यह सब सन सकती! लेकिन कहां गांव में पिया की राह जोखती हुई बह और कहां हजारों लाखों खेतों के पार यह शहर ! यह कडानी कही खत्म नहीं होती है, बदती ही जाती है. इसकी खरम करना पहला है. जब अनिल को नींद आने जगती है या समय क्यादा हो जाता है तो गोरटी खत्म हो जाती है. हो सकता है फिर कभी इस कहानी की बारी न चाए. बह भी हो सकता है कि फिर किमी दिन आरम्भ हो जाए, यह भी कोई मनोरंजन है । न इसका कुछ नियम व इस्त. अजीव लंगदा, लूला मनोरंतन है ! लेकिन सनोरंजन है. फानलं गर्ब से कहते हैं- 'क्या सनीमा أثل واشا يونهن مهل بهي كام كوته هين . ساريم والله والين سي سموك هي سب أن لا أمر ارتي هين . ولا ظهل يمي تو آهر کے يوليد ، ولفے والے کیجے هيں۔۔۔ "أمل منهيم نهين هين . وه أبه لله لها ترته هين ؟ وه ملفید هی کیا جو آی لگر کچه تُد کرنے 🕒 یه جاماتے تو الت گورار هومکان نهرا لهها تو جار پانچ سو کی نوگری لو فيون لكي هي نهين لهي . لهكي نيس ود تو هم لوگیں کے پینچھ آھے کو برہاد کلے مھی ، مودوروں کے همته كم أكم أنهمن كولي سده هي نهمن ألا ونهم وآلم جانته ههن که اُن کے پاس کیائے کو بہی پیسے ٹیهن هیں. اسی کارن جہاں کسی کے گھر کے آگہ انل مل جائیں گ لو أنههن ولا وبردسائي كهاني كي لكم يكو لم جائداً . جس ك ہاس کھاتے کو تھ پیسے ھوں تھا تھے سبے پر خود کا ادھیکار هو ريا فلمهن كهسم ديكم سكتا هي أينا مقورنتون كهسم کرسکتا ہے ؟ لهکئی اور وسٹروں کی طربے مقورتجی بھی فروري هي . الل مقورنجي يهي كرته همن . لهكي إلى كا مقورتجي الولها هيسائد قلم" له دُرأمها نه ريدٌ.وا نه سفكيت سهها تم نایم انه کانا ، مردوروں کی کسی گولی مهن بهله جاتے میں اور کسی کو یکو کر اسکی جورن کتھا سللے لكثر هين ، ولا يبلر أبون بثاثا . أبر ولا بداتر مون چېپولے هيں . سببي هلسان هيں . ولا يور لبين بگانا _، الب اتل پیگه آلونک کر کیایہ میں۔۔۔'ابگاؤ یار' كجه طالب ملي ملسي كي ايك خوراك للدرستي ہومالی ہرا لم لو آیسے المجوس ہو که مردہ کے مله مهن یانی بھے نی جواوی الل کی بات آپ نہیں گالی جاسکتی، ولا يبكتي أيلي وأم كتها لهكر بهته جاتا هي اس كوشكي مهن دوسرے بالروں سے سب کو همدردسی هولی ہے ۔ لهکی سب یاترین میں ایک ابھالا ہاتر ایسا ہے جس کی سب منسی اُرائے میں . وہ پتنی ہے . جس کے جو منه میں أَتَا هِم كَبِيًّا هِم ، هُر أَدْسي تَاكَ مِهِن رَهِمًا هِم كَه عُبد بهرکے اور وہ آوازے پیملکی ، لاهی بهمچاری پشکی یه سب سن سکتی ! لهکین کہاں کاوں میں پہا کی راہ جولیتی ھوٹے وہ اور کیاں ہواری لانہوں کھیٹی کے یار یہ شہر ا يه كهاني كهين څكم نهين هولي هي پوهلي هي جالي هے . إسكو معم كرنا يونا هے . جب انل كو نهدد آن لكتي هر يا سبي زيادة هو جاتا هي تو گرفاتي شام هو جاتي هي . هوسکتا ہے پہر کبھی اِس کہائی کی یاری ند آگے یہ بھی هیسکتا هے که پهر کسی دی آرمیه هو جائے ، یه بهی کوئی مقروا عجني هد؟ نه إس كا كجه نهم نه أمول . معهد للكوا لولا ملورنجي هـ! لهكي ملورنجي هِيْ اللِّي كُبُو ص كِيلِي هِينٍ-- " كِيا صليما

नहीं किया, यह समझने में उसे देर नहीं सगी. वैसे एक विज्ञती कींथी कोर सावन की अंधेरी रात में बास पर वमकता किसी सुन्दर परिवारिन का विक्रिया वसे दिखाई पढ़ गया. वह तुरन्त बाहर का गया. ताला खुल गया वा लेकिन दरवाका उसने नहीं सोका.

"कहो साथी, क्या बात है ?" उसने मुंद पर इंती बोइने की कोशिश की. अपने को इर तर्रद से तैयार होने की बेकार बेरटा की. लेकिन 'जमादी जा ही गई. बांखों में भी कुछ तरक सर जाया. यह जांसु इरग्रिय नहीं थे. मशीन चलते चलते जाम हो रही थी, उसमें तेन दिया गया था. अकृति जपना काम करती ही रहती है. वह कांठे पर पढ़ी चारपाई पर बैठ गया और आगे के दामन से आंख पींड की.

"आपकी तबीयत कुछ खराब दीख पड़ती है, सिर में

दर्व है क्या...?" इसरे व्यक्ति ने कहा.

"नहीं, मैं विश्कृत ठीक हूं.. पेते ही...." अतिक ने पंसे क्षार दिया जैसे कह रहे हों कि कोई बात नहीं है. अता मैं कहीं बीमार पढ़ सकता हूं! कहना ठीक नहीं है कि उत्तर के माब वह में जो शाहतुमा चोर सफ़ाई के समय अभिक्यक करते हैं! लेकिन बास्तविकता पर जो शब्दों का परदा उन्होंने डाला था उसके अन्दर से भाव की फोकस साइट स्थित का पूरा चित्र पेश कर रही थी. उन्होंने ठंडी सांस लेकर फिर कहा—"रात बहुत हो गई है, नींद लग रही है. कहो क्या बात है?"

दूसरा व्यक्ति करतन है. सोलह वा बहारह सांत की उम्र होगी. आदमी गम्भीर है. बोलता कम है और काम प्यादा करता है. पेशा किसानी है और रिक्शा चक्काने का भंभा करता है. पन्दरह बीस दिन हुए गांव से षाया है, कुछ भी नहीं जानता, पुराने बाग रिक्शे वाले गर्ब से कहते हैं-- "बच्चू! रिक्शा चलाना हंसी बट्टा नहीं है. सेत में इंसिया पताना नहीं है, न बैल के दुम के पीछे टिकटिक करना है. अन्मा का द्ध निक्रल पढ़ेगा..... !" वह सनता रहता है, जवाब में केवल मुस्करा हेता है. वह कुछ मी नहीं जानता. उसे केवल इतना मासून है कि रिक्शा कैसे पकाया जाता है, मालिक से दिक्शा किन किन शर्ती पर तिया जाता है, उसकी रिक्शा मिलने का कीन समय है और उसे रिक्शा कर जमा करना है, वह इकाहाबाद के मुद्रुकों, सद्कें और स्थान भी नहीं जानता. किरावे का दर भी उसे नहीं मालून. अभी अभी तो काया है. महीने दो महीने में "हराइवर" बाबा के कथना-सुखार बन्ह हो जायगा. यह अब बात करता है तो पिता ाही कत करता है, माता की बात करता है, घर बाली की --बह तो है ही नहीं. दूसरे रिक्शे वाले तब ही वा बहते हैं

بن کہا یہ سمعیلی میں آپ دیر ٹیدن لگی۔ بسر آیک بعیلی کوندھی اور ساری کی الدعموی وات بن گیاس پر چمکتا کسی سلدر کیسیاری کا بجہیا ، دلیائی ہوگیا ۔ وہ ترقت یامر آگیا ۔ تالا کیل گیا تیا کن دروازہ آس نے نہیں کورلا ۔

دنهو ساتهی کیا بات ہے؟ اس نے حقہ پر هلسی رهنے کی دوهش کی الها ہے۔ الها کو مر طرح سے تبار هونے کی کار جبیشتا کی ، لیکن جماعی آمی گئی ، آنکیوں بن بھی کچھ ڈرل بھر آیا ، یہ آنسو هرگؤ نہیں تھے ، میں جلتے جلتے جام هو رهی تهی اس میں تبل دیا ، تبا ، پرترتی اینا کام کرتی هی رهنی هے ، وہ گرتی پر بہتے گیا آور آئے کے داسی سے آنکو نجہ ابی ،

الله کی طبیعت کچه شراب دیکه پرتی هے، سر می درد هے کها......،..ا⁹⁹ درسر<u>ہے ریکھی تے کیا .</u>

البهن مهن بالكل قهيك هون...أيسي هي...؟ لي إلى المهن مهن بالكل قهيك هون كه كوكي بالك لي إلى المهن أو دبيا جهس كه دوي هون كه كوكي بالك بهن هي بهاؤ وه قص جو شالا نما جهزة صفائي كي من أبهي ويكت كرتے هيں أ لهكي وأستونكا ير جو شبدون يودة أنهن نے قالا لها أس كے اندر سے بهاؤ كي قوئس نمك أستهي كا يورا جهر هيكي هو كي . أنهن نے بالكي سانس لهكر يهر كها الله يوك يهكي هوكئي هيك بلك ركي وهي هي . كيو كيا بات هي ؟؟

دوسراً ويكتى كلن هي ، سوله يا أتهارة سال كي هير وكي ، أدمي كمههم هي ، بولدا كم هي أور كام زيادة كولا هي . بهه كساني هي اور وكشا جلالي كا دهندما كرنا هي يلدره . يس دور مولد كون س آيا هـ ، كجه يمي نيون جانعا . الله كهاك ونهم وألم كرويم فيعم هون-"بجو! ونها جهانا للسي ليكا ليون هي كهيت مين هلسها جاتا تيهن ہ نه بیل کے دم کے پیچھے تک تک کرنا ہے ، امال کا وقد لجهل بوء الينين إن وه سلتا وعنا هي . جواب مهي ول مسكراً ديمًا هي ولا تجه بهي تهمن جانكا . أس يول ألما معلوم هي كه والها كيسم جلايا جاتا هي مالك یہ وکھا کی کی فرطوں پر لیا جاتا ہے؛ اُس کو وکھا ملکے ا كون من هـ أور أبير وكشا كب جمع كرنا هـ . وه العاباد ك معملي سوكهر، أور أستهان يهي تبهن جانعا . كواله كا و يهى أم تهمن معاوم . أيهي أبدي تو أيا هـ ، مهملم يو مهداد موں "ڈرالورز" جانوا کے نکوی افرسار جلت نو جائے گا ۔ وہ جب بات کرتا ہے تو پُکا کی پات کرتا يراً مالنا كي يانك كرنا ها كهر وألى أو -ولا كو ها

وہ جوائل اگا ، کئی کاف تعلیہ واسعے جاتے ہوئ ایدا دکورا اس کے جاتے ہیں ، وہ جیب میں قال بدا استا ہے اور پور اوکافی کے سیے سب کی قائل بدا استا ہے ، محر کی اس کے جیب کو اِسی سے جاتا پورنا وکارة ورم کہتے میں اُ جو جدو اس کو جامیئے وہ نہیں سل رحی ہے ،

الا باہو جی اور کے باس آئے جیں ۔ دو لیلائہ سے والا جوکہ وہے جیں اُس کے کان سیس آواز کئی ، وہ ہوالا تجھہ نہیں ، بوی یوی رحبیلی آنکییں اس کی تن گئی ، اس نے نظر بہرکر اس ویکٹی کی طرف دیکیا ، وہ دروازے کے باہر کہوا تھا اور اس سے کچھ کیفا جدھتا تھا،

ایے جہلتجہالفت ہوئی، کرتے کے دونوں جیب اس نے المت دیئے ، گوچہ جہتیں ڈریں اور این میں پہلسا ہوا کتچہ پیسے سے الکی ، وات نے سفاتے میں اکلی اللی ، وات نے سفاتے میں اکلی اور پیسے نے ملکر شور تیمن کیا کھوں که کاملی اور پیسے نے ملکر شور تیمن کیا کھوں که کام نہ آئے تو دوستی کیا آ پیسوں کو جوت نہ آجائے اس لئے کافل پہلے می فرش پر بجہ کئے ، پیسے اس نے آئیا لیکے دائیں مالہ کی مجھیلی پر وقہ کر آنہیں دیکھا آئیا لیکے دائیں دیکھا کی وہا تھا ، پور آیائی مہونہا پر مسکرایا اور اللی فارد پیسے کو جیب میں ٹوریس لھا ،

النال یاہو آپ سے فرا کام وہا۔۔۔۔ اُ وہی آواز پہر اس کے کان میں گئی۔ اس نے سفا ، شاید اُن دینا جاما، لیکی سفد اُک اِن میں گئی۔ اس نے سفا ، شاید اُن دینا جاما، لیکی سفد اک یات اُن رہ گئی ، اسکی اُنہی گردن پہر جہاز جہاز کر جہاں کئی ، اس نے اُنہی گرد کافٹرں کو جہاز جہاز کر بہر جہاں کہو جہاں کرنے موثی اور لوقے گی ایک جابی فرض پر جسکتی موٹی دکھائی پڑی ، اس نے اسے اُنہا لیا ، اِسکی کہوج میں تو وہ ابھی تھا جہک مار وما تھا ، کہئی جاندار وسع ورد مار بھٹیکا اگر تم مارتا تو ہوتی تو وہ اِس سب شرور مار بھٹیکا اگر تم مارتا تو ہوتی تو ہو بھی بھی بھی کو یہ میں کو جمی میں جو بھیٹیس کے آگر بھی بھی بھیائے ، کافڈرں کو جمی میں تھیئیس کو وہ آئی بچھ بھیا ،

تب پھر آواز آئی۔۔۔۔''انل بابو' آپ سے کام رہا ۔'' تراست اس نے اتو دیا ''لہا ہے ؟'' اسکی آواز تعنی ۔ لیس آواز کا ارتو تیا کہ معید محت جعفور ، معن اِس سم کیا ، آئی والے کدرے میں روفقی جاڈئی آور ابھ کدرے کا کیا ، آئی والے کدرے میں روفقی جاڈئی آور ابھ کدرے کا دروازہ کھیل دیا ، دروازہ فہرلتے فہولتے وہ بدل کیا تیا ، وہ دکھی تھا ، 'لیا ہے؟'' اس نے میں ھی میں دعوایا ، دکی وہی میں ''لیا ہے؟'' اس نے جاملے آیا، اسکی سمجھ میں وہی میں ''لیا ہے؟'ا اس نے جاملے آیا، اسکی سمجھ میں

बह बानने सगा. कई काराज निकले. रास्ते चलते लोग बनना युवादा उसे तिस कर दे जाते हैं. वह जेन में हाल जेता है चौर फिर धवकाश के समय सबकी काइस बना तेता है. मित्र गन इसके जेन को इसी से चलता फिरता रेकार्ड कम कहते हैं! जो चीच उसको चाहिये वह नहीं मिस्र रही है.

"बाबू जी, खापके पास खाए हैं. दो घंटे से राह जोस रहे हैं" इसके कान में खावाज गई. वह बोता कुंद्र नहीं. बड़ी बड़ी रोबीली खांखें उसकी तन गई. इसने नज़र भर कर इस ब्यक्ति की तरफ देखा. वह दरवाजे के बाहर सक्षा था और उससे कुछ कहना चाहता था.

एसे मुंमलाहट हुई. कुरते के दोनों जेब उसने उत्तट दिये. कुछ चिटें गिरी और उनमें फंसा हुआ कुछ पैसा— कुल एक पैसा और एक इक्जी. रात के सकाटे में इक्जी और पैसे ने मिल कर दोर नहीं किया क्योंकि काराजों से इनकी दोस्ती हो गई थी. दोस्त दोस्त के काम न आप तो दोस्ती क्या १ पैनों को चोट न या जाए इसलिये काराज पहले ही कर्दा पर बिछ गए. पैसे उसने उठा लिए. दाएं हाथ की हथेली पर रख कर उन्हें देखा, शायद गिन रहा था. फिर अपनी मुर्खता पर गुसकराया और इक्जी और पैसे को जेव में ठम लिया.

"अनिल वाबू, आप से जरा काम रहा....." वहीं आवाज फिर उसके कान में गई. उसने सुना. शायद उत्तर देना बाहा. लेकिन मुंह तक बात आ कर रह गई. उसकी उठी गरदन फिर फुक गई. उसने नाचे गिरे काराजों को मा माद कर फिर जेव के तहसाने में ठूंसना शुरू कर दिया. इन से एक गूंज हुई और लोहे की एक वाबी कर्श पर वमकती हुई दिखाई पड़ी. उसने उसे उठा जिया. इसकी खोज में ता वह अभी तक करू मार रहा था. कोई जानदार वस्तु होती तो वह इस समय जरूर मार वैठता, अगर न मारता तो विगइता जरूर ही. लेकिन क्या करे वेवझूक तो है नहीं जो मैंस के आगे बीन बनाए. काराजों को जेव में ठंस कर वह आगे वह गया.

तब फिर आवाज आई—"अनिल बाबू, आप से काम रहा." तुरन्त उसमे उत्तर दिया "क्या है ?" उसकी आवाज तेज थी. उस आवाज का अर्थ था कि मुमे मत केड़ो. मैं इस समय कुछ सुनने को तैयार नहीं हूं. "क्या है ?" कह कर वह आगे वह गया. आगे वाले कमरे मे रोशनी जवाई और अपने कमरे का दरवाजा लोख दिया. दरवाजा लोखते सोखते वह बदल गया था. वह दुली था. "क्या है ?" उसने साम ही मन में दुहराया कई रूप में 'क्या है ?" उसके सामने आया. उसकी समक में आ गया कि इन दोशकों से बने बाक्य का उपयोग उसने उचित

(गुजीव रिपावी)

' बाच्छा, सबेरे हैं बजे मिख लेना, वहीं मिलंगा" बहुना हुआ बहु एक जीना चढु गया. एक साथ कई आवार्ष थाई-"नमस्तं", जैसे उत्तर देने की वसे इच्छा न हा या इसने नमस्ते के इस शोर को सना ही न हो, वह दो चार चीने और क्रपर बढ़ गया, तब शायद नीचे खड़े व्य क्यों की बाबाज परदे काइसी हो इस केन्द्र पर पहुंची जहां से बटन दबते ही कान में घंटी बजने सगती है. वह कुन वेता. एक सीढ़ी और चढ़ते चढ़ते मरियस, धीमी बाबाज में बोका-"नमस्ते". फिर पीछे ग्रह कर देखा. लोग जा चुके थे. उसने सन्दी सांस की वार्य हाथ से जीने की बाबार का सहारा विया और वायां हाथ मंह पर फेरा. संग्रती बार्ड जांक पर रक्की और अंगुडा दांड जांक पर बार कपर की पतक की प्रतकी पर व्याने लगा, बगुठा और अंगुली नाक सूपी चीना दीवार के नाचे था कर बढ गई'. इन बिन्द्रकों पर उसने करा शक्त का इस्तेमाल किया. फिर पूरा हाथ मुंह पर मला और पीछे गुरुदो पर मलता हुआ बीने पर हाथ रोफ किया. ऐसा लगा जैसे कुछ पाँछ रहा हो, लेकिन क्या पाँछ रहा है दिन की थकान १-हो सकता है. दिन भर खटता रहा है. नीव १ यह भी सम्भद है. ग्यारह बज रहे हैं, नीए मा ही रही होगी. लेकिन शायद बह कुछ और पीछ रहा है. मंह देखिए, थांक दे किये. बाल देखिये. सब कर्ताई खाल रहे हैं. क्या वह आंस पाँच रहा है ? हो सकता है. लेकिन नहीं. उसकी बांखें भीगी नहीं हैं, बांस् गालों पर नहीं दत्तके हैं वह जीने पर बढ़ता जाता है और ठही सांबें भरता जाता है, जरा पराई देशिये यह स्थिर क्यों हैं ? क्या उनके पीके कोई तकान **क्रि**पा है !

बह जाकरी सोदी पर पहुंच गया वहीं ठिठका.
सारे कोठे पर एक विहंगम हरिट डाली. फिर जालें
मापकाली. कपर वाले वांतों की पंक्ति से नीचे वाले होंट का
वाह्मा कोना दवा विद्या और जीने से मिले हुए दरवाणें
में दाह्मा पैर रक्त दिया. उसी समय किसो को जावाण जाई. "का गय." उसने सुना और वस इतना वोल सका— "हां पार्ट एक क़दम चागे वहा. वार्ट हाण की तरक दिवल थी. रोशनी कर दी. उसी कमरे के वाह एक क़यरा है और उसी कमरे में वसके कमरे का
व्रवादा है, उसने लेक में हाल डाला और कुछ जीक हैवने कुगा. सेकिन शामद नहीं मिली. इस्ते के वृंगों बेक (مجهب رهوي)

الهما" سريري جو بح مل لهذا يهون ماونكا" كيكا هوا به ایک زیده جود کیا . ایک مانه نگر آوازیس آئهں --والدسعين عليه أور ديارك أبر اجها ته هو يا أس في قمستم الس شور كو سقا هي نه هو وه در چار زيلي اور أوير جوه لما لب عايد نوه كور ويكتون لي أواز يردي بهازني هوئي اُس کهندر پر پېونجي جيال سے پٽن ديٽي هي كان مين كهندي يجله لكتي ير . وه كچه جيتا ، ايك سهومي أور جومعي جومتي سريل دهيمي أواز مهن بولا-المسائم ، الله يهو يهنون مو كر ديكها ، لوك جا جك اله . أس نے لیک امین سانس لی ، باٹیس ہانہ سے زیانے کی ديوار كا سهارا لها أور دايان هاله مله ير همهرا ، جهلكلي پائیس آنکه پر رکهی اور انگوتها دانیس آنکه پر اور اوپر دی یلک کو یعلی ہو دہانے لگا ، انکوٹها اور چهدکلی ناک روای چیٹی دیوار کے نہجے آثر رک کئیں ۔ اُن بقدوں پر الش نے قرا همکی کا استعمال کیا ۔ پہر پورا هاته مدد پو ملا ارد یمنهم کدی یو ملکا هوا سهای یو هانه روک لیا . ايسا لكا جهسه كجه ورنجه وها هوا لهكن كيا ورنجه وها هے لا دن کی ٹیکان ؟-عوسکتا ہے، دن بھر ٹیٹٹا رہا ہے ۔ تهدي ؟ يه يهي سمههو هي ، گهاره ينج رهي هدي أنهاد آهي رهی هوگی ، لهکان هاید وه کچه آور پونچه رها هی ، مقه ديكهاي أنه ديكهائ جال ديكهائي سب قلمي كهول رهے هيں . نيا وه أنسو يونجه رها في ؟ هوسكتا في . ليعي تيمن ، أس كي أنكبهن بمبكي تيمن همن أنسو اللين يو نههن قملكم ههن ، وه زيله جوهما جالا هـ أوو الهنقي ساسمون بهرانا جانا هي ، قرأ يلكمن فيكهائي ، يه استهر کیس هیں ؟ کیا أن كے بدجه دولي طوفان جهیا I a

وہ آخری سہوھی یہ بہوتھے گیا ، وھیں ٹھلاکا ، سارے کوٹھے پر ایک وہلام درشلای قالی، بہر آمکہمں جھپکالیں، اوپر والے دائدوں کی ہلالالی سے ابھچے والے ہوئٹ کا داغفا کوٹا دہا لیا اور زبلے سے ملے مول دوازے میں داخفا بہر وکو دیا ، اسی سے کسی کی آواز آئی۔"آلکے ۔" اس نے سفا اور بس انقا یول سکا۔"ها. یں، "پہر والیک قدمالے یوها، بالیس هائو کی طرف سوچ تھی، دوشقی اسی کوٹی، اسی کمرے میں اس نے جھن ایک کمرہ ہے اور اسی کمرے میں اس نے جھن میں مائے قال اور کمچہ جھن قمونی میں میں مائے کی دونوں جھمن قمونی میں مائی، کرتے کے دونوں جھمن قمونی میں میں مائی، کرتے کے دونوں جھمن قمونی میں میں مائی، کرتے کے دونوں جھمن

वैयार हुए और इस तग्ह तीन वा चार पीड़ी के बाद--ग्याग्हवी सदी के खासीर तक--हमारे सोगों को महसूस
हुचा कि सिर्फ स्वराक्य होना ही काफी नहीं है, ऐसा होने
के सिये उसे सुराज भी होना चाहिये और पर राज्य
चला जाना चाहिये, क्योंकि हम भी एक रास्ट्र हैं. इस
मकार की विरोश रास्ट्रीय नावरावरी का उदय पिछकी सदी
का एक महान और नया लचन है.

इस अनुभव से जाना गया कि भारत को स्वतंत्रता भाग करनी चाहिये. राष्ट्र की हैसियत से उसे एक स्वतंत्र राज्य बनना चाहिये; बरना उसका विकास नहीं हो सकता यह राजा राम मोहन राय के युग से अलग होता हुआ युगांतर था.

इस विचार के कारन एक ऐसा समय वाया कि अंगे के भी इच्छा या अन इच्छा से समम गये कि मारत धोड़ने में ही उनका दित खुपा है, बरना भारत तो आयगा ही, लेकिन उसके साथ भारत की दोस्ती से भी हाथ यो वैठेंगे. नतीजा यह कि दोनों देश दोस्ती के साथ अलग हुए और इस तरह एक महान कांति हुर्ति. दिन्द ने रास्ट्र के तौर पर और 'पोलिटिकल स्टेट' की हैसियत से नया जन्म लिया. हिन्द के सांस्कृतिक विकास में योरप की यह मई बात शामिल ही चुकी और हमारी सांस्कृत उसी प्रमान में क्यादा विकसिन हो कर फिर से इस युग में अपनी प्राचीन यात्रा अतो बढ़ाने के लायक हो सकी.

इस नव यात्रा के समय हमारे प्रता की बात्मा की बाते बढ़ने का मत्र गांधी भी ने दिया. टैगोर के कहे बनुशार ऐसा ही मंत्र ग्यारहवीं सदी में राजा राम माहन राय ने इस काल के लिये दिया था जिसे हम उपर देख चुके हैं.

इस यात्रा का इतिहास हमारी स्वतंत्रता का इतिहास है. यह एक सांस्कृतिक चीण है—केवल रात्रकानी नहीं. इस इतिहास की उनके मुख्य मुख्य सुत्रधारों के जरिये देखने का हमने सोच रखा है जिनके द्वारा उनकी चीती हुई पांच पीदियां गिनाई जा सकें. उन पीदियों की सिकसिनेबार उसके बाद तेसेंगे.

(बाक्री फिर)

الهار هوارا اور اس طبح الهن یا جار پهومی کے بعد کمارهیوں ضمی کے آخیو نکی سمارے لوگوں کو معصوس عوا که صرف سوراجیہ هوا که صرف سوراجیہ هوا کی ایک موال جامهایا اور دراجیہ جلا جاتا جامهایا کیونکہ هم یهی ایک واقاد هوں . اس پراار کی وشیعی راشادیہ ابرابوی کا ادے پجہلی صدی کا ایک مہاں اور نما لکھن ہے .

أس أنوبهو بير جانا گها كه بهارت كو سوتلتونا و أيك بهرايت كرني جاهيئي، واهتر كي حدثيت بير أيد أيك سونلتو وأجهة بلغا جاهيئيا ورنه أسكا وكاس نهيس هو سكتا ، به واجا وأم موهن والراخ يك بير الك هوتا هوا بوقائد تها .

اِس وجار کے کارن آیک آیسا سمر آیا کے آنگریتے بھی آچھا یا آن اُجھا یہ سمجھ گئے کہ بھارت چھھوڑنے میں آپھا کا محت جھھا ہے' ورقہ بھارت تو جائیکا ھی' نھکن آس نے ساتھ بھارت کی دوسکی یہ بھی ھانھ دھو بھٹھھس گے۔ نگیمجھ یہ کہ دونوں دیھی دوسکی کے ساتھ الگ عہائے اور آسطرے ایک مہان کوآنکی ھوڈی ۔ ھلٹ نے داشتو کے طوو پر آور ' پوٹیکل اسٹھمٹ ' کی حدقدمت سے نیا جائم لیا ۔ ھلٹ کے سانسکانی اسٹھمٹ وکاس میں یورپ کی یہ گی یات میں شامل ھو جگی آور ھماری سانسکرتی آسی پرمان میں زیادہ ولست ھو کر پھر یہ اِس یک میں ایالی پراچھیں زیادہ ولست ھو کر پھر یہ اِس یک میں ایالی پراچھیں اور عماری ماسکرتی آسی ایالی پراچھیں اور ایس کی ۔ میں ایالی پراچھیں

ائِس نو یالوا کے سے ہمارے ہرجا کی اُننا کو آگے ہوھئے کا مقتو گذاہی جی نے دیا ۔ ٹیکور کے ذہب الوسار ایسا ھی مفتر کیارھویں صدی میں واجا وام موھی وائے نے اُس کال کے لئے دیا تھا جسے ہم اوپر دیکھ چکےھیں ۔

اس باترا کا انہاس هماری سوندعرتا کا انہاس ہے ، وہ ایک ساسکرتک چیز ہے۔۔ اس راجناجی نہیں۔ اس انہاس کو ایک ساسکرتک چیز ہے۔۔ انہاس کو این کی باتی دیکھنے کا هم نے سوچ ونہا ہے جی کے دواوا اُن کی بہتی ہوئی ہانے پیومیاں کائی جا سکیں ہ آئی ہمومیوں کو سلسلہ واو اسکیں دیکھیدگا۔ اسکیں ہ آئی ہمومیوں کو سلسلہ واو

(یالی پهر)

انگریوی میں آگاہورل اسلیت آگیا جائے ۔ جسے آپریکٹن اسلیت آگی انتہاں اسلیت آگیا جائے ۔ ویسا ایک راشار بہار کا شیال حمیں نما تھا ۔ ایہ انگریزا ایک راشار بہار کا شیال کی ایکورٹ ایلیٹ میں اس شیال کا آدے درا تیا اور وہاں کی ورجا ایر لیکر دنیا میں نکل ہری تھی ۔

واجدہ سلستھا کے بارہ میں ایسی بھاؤنا اُس سے

ہمارہ میں ایک نگی جوز تھی ۔ اِس سے انگریؤوں کے

سمھرک میں آئے پر واجا وام مودی وائے نے اُس کا

سائسکرٹک مولیہ آئکا ۔ اُنہوں نے دیکھا کہ اُس نگی پوچا

کے پاس جو نگی ولیا ہے اُسے بھارت کو اُن کی بھاشا

کے ڈویعے پرایت کرنا جاھیٹے ۔ عوبی اور سلسکرت کے اُس مہا بلقت نے ایک نگی بھاشا کے ڈویعے جو نہا

خوانہ پرایت عرسکتا کہا آبےدیکھا اُرو بھارت کی سائسکرٹک شوانہ پرایت عرسانسکرٹک میں اُس اُنہائے کا

ممھتی کے اُرہ پرجاکھہ والس کے بمکس میں اُسے اُنہائے کا

ویکی دیا ، اُس میں آنہوں نے بھارت اُور انگلستان کے

سمان جب کو دیکھا ۔

آپئی ' پوئیٹکل آسٹیمٹ ' کی بہاوتا کے کاری ولیم بہلائکی کا بہت سلکٹیں کا محمد نظر آیا اور واجا رام موھی رائے کو آسمیں آنے لوگیں میں نظر آیا ۔ اس پر او کال میں دکل میں دکل میں دکل میں دکل میں اگریؤی میں دکل می گئی ، پہل سوروپ بہارت میں آسٹیاپلا کے آپائے کیٹر کئے ، واجا رام مومی رائے کو اس میں قلامی کا آبریہو نہیں ہوا ، اسٹیونی واجهہ کی تشکی دائمو وہ نہ دیکھ سکرا آس سے یہ بات سنجھ میں پوگیہ تھی بھی نہیں ، بھارت کے دیشی واجهہ بھی انہیں اسٹیونی میں واجهہ کے بہاؤ کو ماف ماور سے نہیں سمجھ اس وجہ سے وہ آفدر ھی انہور لوتے وہ آبر آبریؤوں کے ساتھ بھی آنہوں نے ایک انہوں نے ایک انہوں نہیں راجھے کی اور آسٹریوں کے ساتھ بھی آنہوں نے ایک انہوں نہیں دیگی دیشی

اُس سے کی دیشی راجیہ ریوستھا کے مقابلے میں اُلیہ پرکار سے بھی انکریؤی راجیہ ریوستھا شارے تجھ لیگوں کو آچھی لگی اُرر فیر مرتے ہوئے می وہ آنیوں اکیائی نہیں ایک کاری یہ بھی صهی کالیکن آنے هم نے علمی نہیں مانا کیونکہ همارا مکھیہ وجار سانسکرنک سوراجیہ کے آورش کا تھا ۔

لهکی دههدے دههرے انوبهو سے وہ وجار پلکھا گھا ، جهسے جهسے انگریؤی راجهہ آئے بوها ویسے ویسے اُس پاس کا شہال همهن آنا گھا ، نگی هرجا کے اُور اُسکی واقعر دوهای کے وجار دیشیئے ' جانٹے اُور پوهلے کو سلے ، اِس بوکار سے هم آئے قیش اور اُس کے همت کے برائی دیشیئے لگے اُور اُس کے مطابق آئے بومانے کے لیگے

संविधी में 'सरसरक स्टेट' कहा नायः जिले 'पोलिटिकब स्टेट' का मेशन स्टेट' कहा नाय वैसा अक्षम गर्द्याव का अवास हमें न या. दय, संग्रेज, प्रेंच इस्वादि प्रणा इस दूसरे प्रकार के कवास की थी. यूर्प में बस लवास का क्षम हुआ या और यहां की प्रणा उसे केकर दुनिया में विकास परी थी.

राज्य संस्था के बारे में ऐसी आवना उस समय आरत में एक नयी चीज थी इससे जंगें के सम्दर्क में जाने पर राजा राम मोहन राय ने उसका सांस्कृतिक मूल्य जांका. उन्होंने देखा कि इस नयी प्रजा के पास जो नयी विचा है, उसे भारत को उनकी भाशा के जारिये प्राप्त करना चाहिये. जरबी, फारसी, और संस्कृत के इम महा पंडित ने एक नयी भाशा के जरिये को नया खाजाना प्राप्त हो सकता था उसे देखा और भारत की सांस्कृतिक संपत्ति के और प्रजाकीय विकास के एक में उसे अपन ने का जादेश दिया. उसमें उन्होंने भारत और इंग्लिस्तान के समान हितको देखा.

अपनी 'पोलिटिकल स्टेट' की भावना के कारन विक्रियम वैन्टिक और मेकाल को उसमें अपने राज्य संगठन का दित नजर आया और राजा राम मोहन राय को उसमें अपने लांगों की संस्कृति का और विद्या का विकास नजर आया. इस प्रकार ताल में ताल मिल गई. फन्नस्वरूप भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना के उपाय किये गये. राजा राम मंहन राय की इसमें रानाभी का अनुभन नहीं हुआ। अपेश्री राज्य की नयी तासीर वह न रेज सके, उस समय यह बात समक में आने थीग्य थी मी नहीं. मारत के देशी राज्य भी 'नेशन स्टेट' रास्ट्रीय राज्य के भाव को साफ तौर से नहीं समके थे. इस वजह से वह अन्दर ही अन्दर लक्ते रहे और अंग्रेजों के साथ भी उन्होंने एक नये देशी राज्य की तरह ही बर्ताव किया.

इस समय की देशी राज्य व्यवस्था के मुकाबते में, अन्य प्रकार से भी अंभे की राज्य व्यवस्था इमारे कुन्न सोगों को अवसी सगी और गैर होते हुए भी यह उन्हें असरी नहीं, एक कारन यह भी सही, लेकिन उसे इसने रासामी नहीं माना क्योंकि इमारा मुक्य विचार सांस्कृतिक स्वराज्य के आवर्श का था.

लेकिन बीरे बीरे चनुभव से वह विकार पलटता गया. बैसे जैसे चंद्रे की राज्य आगे वहा वैसे वैसे उस बात का खवाल हमें आता गया. नवी प्रभा के और उसकी हासू इतिह के विचार देखने, जानने और पढ़ने को मिले. वस प्रकार से हम अपने देश और उसके दित के प्रति देखने समें और उसके मुताबिक आगे बदाने के लिये इस प्रकार के युग परिवर्तन का जन्त सी वसी के बतुहर हुआ. भारत की पसन्दगी से ही स्वतंत्र भारत का अवस गवर्नर जनरख बंधे र बना. इन दो महापुद्धों की दिस्ट में जो विश्व एकता की भावना बीट विश्व विजयों मेम मान था, उसने इस डेड्सी, दो सी साल के मारत के इतिहास को गढ़ने का मुख्य काम दिया है. इस सन्वे सुग का प्रधान सुर यही रहा है, और उसे आगे लेकर विश्व संगीत को जन्म देने का काम दिन्द के इतिहास पर निश्व सम्वे सा पैंडा है.

बंग्रेज राज्यकाल की इस सदी का इतिहास कुछ निलर रहा है, इस समय उसका एक और चति महस्त्र का लक्षन भी देखने सायक है, क्योंकि वह इन दो युग पुरुश के

नवविधान का हुन्हू निर्देशक भी है.

इस संबन का हमने सरत भाशा में ऊपर देखा. राजा रामगोदन राव ने अप्रेड राज्यकाल की स्थापना का मंत्र दिया, गांधो जो इसकी उत्थापना का संत्र दिया, इस बीज की चरा गढराई में जा कर देखते को चलरत है. इन दोनों समय पर भारत और डांग्लस्तान के नेताओं ने एक मत से पर्ताद किया, यह ध्यान रखने योग्य चीच हमने करर देखी. कार से देखने पर यह क्या दिचित्र लगे ऐसा महीं है शबीसवीं संशी में आग्नेज राज्य स्थान के लिये तैयार हो और भारतवासी वससे पहले की सदी में पर राष्य स्वोकार करने के लिये तैगर हो यह घटना समझने यांग्य है. दूमरे डंग से कहें तो राजा राम माहन राय जैसे उदारमतबादा व्यक्ति भारत की गुजामा में सहयाग हैं, यह बाब की दृश्ट से विनित्र नवर बाता है. वैसे हो गांधी जैसे 'बसुधैर कुट्रन्व हम्' के बादर्श में मदा रखने बाले व्यक्ति अमेर्जा को जाने की कहें यह मा उतना ही विवित्र कहा जायगा.

पक हारद से देखें तो यह बिनिज्ञता दूर हो जाती है जीर इस पूरे युग के इतिहास के क्रांमक निकास का एक बागे में पिराया जा सकता है. यह हरिट हमारी प्रना के बिकास की है जिस के द्वारा इस युग में राज्य संस्था के बिश्य में हमारे प्रजा के विचारों में नवपूर्त जीर नवद्यंग हुआ है. यह बढ़ी हरिट है. उसे संदेग में देखें बरना बास्तव में यह घटना ऐसी गम्मीर बात है कि उसका पूरी बिवेदन करने के जिये एक गंब लिखा जा सकता है.

राजा राम मोहन राय और उनके पहले के समय में राज्य संस्था के बारे में हमारे विवार एक पंसे महार के बे जो बस समय के यूरप के विवारों से निज थे. हमारो रिस्ट नीति घम या संस्कृत परायन समाम अवस्था की बी जिसके आधार पर राजा और राज्य इसके प्रमुख औन की हैस्यित से रहते थे. हमारे विवार पेसे थे जिसे أس وركار كے يك وربورتن كا المعا بهى أسى كے البوروپ هوا ، بهارت كى يستدكى بير هى سوتلار بهارت كا وربوم كورتر جفرل أنكريؤ بفا . إن هو مهاورگوں كى هرشكى مهن جو وهو أيكنا كى بهارتا أور وهو وجئى يربم بهاو تها أس نے إس قبود سو دو سال كے بهارت كے الهاس كو كومفر كا مكينه كام كها هے ، إس لمبر يكى كا ورفع الله اور أبر ألم ليكو وهو سفكهت كو جفم ديفر كا نام هفت كے إتهاس پر تهنچ ورب بير كا ورا ه

أنگریز ولجیدکال کی اِس صدی کا اِنہاس کبچه نکمورها هے اِس سے اس کا ایک اور انی میٹو کا لکھی عمی دیکھٹے لائل هے کہونکہ وہ اِن دو یک پرغوں کے نو ودھان کا هوبهو تردیھک بھی هے ۔

إس لكهن كو هم أن سول بهاشا مهن أوير ديكها . راجا رام موهق والد لے انگریو واجهدال کی استهایدا کا مقتر فيا الله على جي في أسكى أتهايقا كا مقتر ديا ، اِس جهو کو ڈرا کھوائی میں جاکر دیکھیلے کی ضرورت ھے ، اِن دونوں سمے پر بھارت اور انگلستان کے نیعاوں نے ایک منت سے برداؤ کیا۔ وہ دھیان رکھلے بولیہ جیڑ ھے لے أوير ديكهي ، أوبر بير ديكهان يو يه نها و هار لكر أيسا نہوں ہے ؟ بیسویں صدی میں.انگریؤ راجیه نیاک کے لیکے تیار ہو اور پہارسواسی اُس سے پہلے کی صدی میں یر واجهه سویکار کرنے کے لهگے تهار هو یه گیگذا سنجهلنے يرايه هي دوسرے قاملک سے کہمن تو راجا رام موهن رائے جیسے أدارسعوادی ویکتی بھارت کی غلامی میں سههوگ ديورا يه آجكي درشكي سر وجدر نظر آنا هي. ویسے کی الدھی جیسے اوسودھیو اللمبکرہ کے آدرکی میں هردها رکھلے والے ویکٹی انگریزوں کو جانے کو کیس یہ يهي أنكا هي وجدر كيا جائها .

ولھا وام موھوں والے اور اس کے پہلے کے سبے میں واجھہ سیستھا کے بارے میں ھمارے وبھار ایک ایسے ہوتار کے تھے جو آس سب کے بورپ کے وجار سے بھی تھے ، ھماری فیرھکی ٹیکی ددور یا سمسکرت پرایس سے ویوستھا کی آنگین جس کے آدھار ہو واجا اور واجھہ اس کے ہوسکھ آسکے کے جینگیمت سے وہتے تھے ، ھدارے وجار آیسے تھے جسے विकास बाजा में कर्म कर्म पर बाबा रूप होने वाली बचावटी की दर किया और बाज के नवयुग के जगत बचायी भानव वेस की इमें शिका दी.

राजा राम मोहन राय ने भारत के चाधुनिक युग की नीय बाली चौर उम समय एक ऐसी राष्ट्रीय इल-चक्क उन्होंने शुक्र की निमके चौर पर उस समय की गिरावट से उन्नित के मार्ग पर भारत चामसर हुचा.

दमी दंग से देखते हुए आरत में जो दूमरा नया युग शुरू हुआ वह संग्रेजों के राक्य के क़रीब 100 साम बाद आरत की जो परिस्थित हवारे सामने जाने लगी दसमें से पैता हुआं. राजा राम मोहन राय के आदेणा-सुमार खलने दुए भारत को जो दूमरा अनुभव दुआ वह आ पर राष्ट्र की गुलामी का, दमके आपमान का. राष्ट्रीय आस्मा के द्वास का, इतक-र्षज्ञती और प्रजा के अपनत्य की अवनित होने के दर का.

बह नया नतीजा भी उतना ही मर्म मेरी कौर बातक बा. उप सपय भी नवपय प्रदर्शक की ज़करत यी क्योंकि पुराने युग की शिका काकी न थी. उसकी शक्ति कम माबित होती थी. उम समय बैनी ही प्रचड़ प्रतिभा बाले भारत के सरान पुक्श गांची जी हमें मिले. टैगीर ने जिन शक्रों का वयबीग राजा के लिये किया था, इम इन नये युग का मार्ग दिखाने बाले के लिये भी उन्हीं शब्रों का उपयोग कर सक्ते हैं.

Ł

इस टरिट से वैकों तो भारत के इन दोनों महापुदशों की प्रतिभा में काजी समानता थी. दोनों धर्म पुरश थे, देश भक्त थे, मानवता के प्रेमी वे और महान हिन्दू थे.

खास विशेशता यह कि दोनों अंग्रेज प्रजा के दोस्त बे और हिल्दी तथा अंग्रेज दोनों के इकट्टे कश्यान में श्रद्धा रखने वाली एक मिली जुली नीति में विश्वास रखते थे. लेडिन समय का लेता ऐसा था कि एक ने भारत में संग्रेषी राज्य की स्थापना में योग दिया, दूसरे ने नसे बलाइने में, दोनों के काम प्रशासों के हित में थे. बाहरी हरिट से देखने पर वह चाहे विचित्र और विरोधी प्रश्रीत होते हों. परम्य ठीक और शीर से देखने पर एक ही मंकार का काम इन दोनों महापुरुशों ने किया है. बोनों के समझाबीन गवर्नर जनरलों को य'द करने स पक सुन्दर उदाहरन देखने को मिलता है दोनों उनके शिज के और आपस में मदद करने के लिये उत्सुह थे. दैन्दिक और राम मोहन शय ने चौर माडन्टवेटन और गोंबी जी ने मित्रों की तरह वर्ताव किया. वोनों ने आपस में सदद भी और दी और इस तरह अपने अपने देशों का काम क्रियां.

وائد ہاتا ہو۔ اندم الذرایہ بادھا روپ مولے والی والی والی کو دور کیا کور آنے کے تریگ کے جگلاویاہی سالو ہوہم کی صوری شکشا دی ،

راجا، وام مرمن والرق بهارت کے آدھانک یک کی آمہ کالی کی آمہ کالی اور آس سے ایک ایسی وائٹریا ملتول آمہاں نے شروع کی جس کے زور پر آس سے کی گراوت سے آملتی کے مارک پر بھارت اگرسر ھوا ۔

یہ نیا تعیجہ یہی آننا هی مرم بهوئی اور گهاتک،
با اس سمیہ یہی نریعہ پردرشک کی ضرورت تہی
برانے پرانے یک کی شکدہ کائی نہ تہی ، اسکی شکتی
گارمت مرتی تہی ، اس سمیہ ریسی هی پرچنگ پرتهجها
یہ بہارت کے مہاں یہ ش الدی می جس همیں ملہ ، تیکور
دی عہدرن کا ایدوک راجا کے لیکہ نیا تیا مم اس
یک کا مارک دنہانے والے کے لیکہ بھی آنھیں شہ-رس
ایدوگ کرسکتہ میں ،

اِس درفاقی ہے دیکھیں تو بھارت کے اُن دوتوں اپرفین کی پرالیبیا میں کائی سنانتا تھی ، دونوں ام پرفی تھا دیھی بھکت تھا مالوتا کے پریمی تھ مہان ملدو تھے ،

خامی وشدها یہ که دونوں انگریز پرجا کے دوست اور مادی تھا انگریؤ دونوں کے آنٹھے کلمان ممیں شودها نے والی ایک ملی جائی نیکی ممیں وشراس وکھتے تھے، بن سمی کا کھمل ایسا تھا کہ ایک نے بمارت ممیں بڑی واجیہ کی استمایلا میں یوگ دیا دوسرے نے اگھاڑنے ممیں دونوں کے کام پرجاؤں کے همت ممیں تھے، دوشتی سے دیکھتے پر وہ جانے وجھر اور ورودھی سے موٹے ہوں پرناتو تممک اور فور سے دیکھتے پر می برفار کا کام اور دونوں مہارشیں نے کما ہے، برخوں کے سمالی کو باد کونے سے ایک ادا بری دیکھتے کو ملتا ہے ، دونوں آنے کے متر تھے ایک ادا بری میں مدی دیکھتے کے اور ماونتیمتی اور کادھی جی نے اور ماونتیمتی اور کادھی جی نے کی طبح کی اور اس طرح آنے ابھ دیموں کا نام فیا ،

راجا رام موهن رائے سے کاندھی جی

لهکهکـــُــمگی بهالی هیسالی آنورآهکـــــکانو بهالی نانا لال هگهل

هلد کی موتلتوتا کا اتہاس

وأجا وام موهن وألم لا يك عيشبىسى 1772 بد 1883 وها هد ، أس وما لمين الكبيون لا واجبه بتكال مين إستهر ها هد كا أو واسكى يوليه استهابنا استهو تعنك بدول كا ياريد مهن الكريون وأبح كونا سبح رهد تعد ، ولا سبد الكريون كا واجبه لا استهابنا يك تها ،

التبھی جی اسے میسوی سن 1869 ہے 1948 کے رہا ۔ اس سے میں انگریؤوں ا راجیہ پوری طرح سے جم کر بعد میں انجوالے لاا ، جس طرح جول پر کی گئی لہائی کی پہوی اکبولے سے پیلے ارتجی نہجی موتی ہے ویسا ھی کچھا اس سے ھوا ، یہ سے انگریؤی راجیه کے اکبولے کے یک انہا ،

أستهایلا یک کے هلد کا نهتارتو رام موهن والے نے کہا . یہ جو میں کہتا میں ولا بھارت ورش کے اُس مہان ہرش کے کسی ہرکار کی تلدا یا ہرائی کے طور ہو تہمیں کہتا ، ہلکت اسمیں میں آن کی ہوری پرشاسا کرتا۔ ھوں ، اس يك مهن بهارس لركته نها هر أنوبهو كها، همههارهوترهولي شكتى هوتر هوثرا طاقت هوتر هوثر أور يوربي سوجه سنجه هوتے هولے يهى سهكورن مهل دورى سے آلے جولے جات انگریزوں کے ساملے بھارت پراست ھو کر ان کے لوبھ اور بهانهار كا كراس هوا اور هند كا كولى راجا أس اس بركار فام هرئے سے بحوا نہیں سکا ، یہ تبیک ہے جیسا که انکریو الباس کار سلن نے کیا ہے کہ انگریوں نے حموں اپنے حی ھالہوں ہے' آتے ھی دھن ہے آور اپنے ھی لھکر سے پراست کها اور اینا کم نکلا ، لیکن ایسا هرنا تو اور وجاتو بادی هے ، اِس وجاری سے هماری پرجا سیم کئی ا پور بھی نکے واجهد كرتاون مين اس في كجه تشجلتا أور جهوالي سجي وپزسالها کی جهلک دیکهی ،

اتہاس یہ ضرور کہتا ہے کہ اُس پراار کے وجاتر پربورائی کے ربع کو پہنچان کو دیمی کو مارک دکھائے کی ہوی قامداری واجا رام موجن رائے نے پوری کی ، کوی ہوی ٹیکیو کے شیشوں میں کہنی تو۔۔۔

آپھی پرتھیما اور افک آتم بل کے کاری آنہوں نے یہ
سمچھ تھا کہ هماری راهاتر آتما کو ابھ وکاس کے لگر
سیمفاتسک چوروشارتم شروع کوئے کی فررا شرورس تھ،
ایس میمی کے وہ مہاں یکو پرتوانگ تھ، آنہوں نے شاری

राजा राम मोहन राय से गांधी जी

तेसक—अगनभाई देसाई बातुदादक—कातुमाई नानासास पटेस दिन्द की स्वतंत्रता का इतिहास

राज राममोइन राय का युग यानी ईसबी सन 1772 से 1.838 तक रहा है. उस जमाने में संबेखों का राज्य बंगाल में स्थित हो चुका था और उसकी योग्य स्थापना स्थिर इंग से स्टी के बारे में संबेख राज्यकर्ता सीच रहे के. वह समय संबेखों के राज्य का स्थापना युग था.

गांधी जी का समय ई० सन 1869 से 1948 तक रहा. इस समय में कंपे कों का राज्य पूरी तरह से जमकर बाह में डक्सके कगा. जिस तरह चूल पर की गई किपाई की पपड़ी डक्सके से पहले ऊंची नीची होती है बैसा ही कुछ इस समय हुआ. यह समय अंग्रेजी राज्य के डक्सके का

27 W.

स्वापना युग के हिन्द का नेतृत्व राम मोहन राय ने किया. यह जी मैं कहता हूं वह भारतवशे के उस महान प्रका की किसी प्रकार की निंदा या बुराई के तौर पर नहीं कहता. बल्कि इसमें में उनकी पूरी प्रशंसा करता है. इस युग में भारत ने कुछ नया ही अनुभव किया. इथियार होते हुए, शक्ति होते हुए, ताक्रत होते हुए और पूरी सुफ समम होते हुए भी सैक्बॉ मील दूरी से आये हुए चंद अंग्रेजों के सामने भारत परास्त होकर उनके लोग और ज्यापार का प्रास द्वमा और हिन्द का कोई राजा उसे इस प्रकार गुलाम होने से बचा नहीं सका. यह ठीक है जैसा कि अंग्रेज इतिहासकार सिली ने कहा है कि अंग्रेजों ने हमें अपने ही हाथों से, अपने ही वन से और अपने ही सहकर से परास्त किया और अपना काम निकाता. लेकिन ऐसा होना तो और विचित्र बात है. इस विचित्रता से हमारी प्रजा सहम गई, फिर भी नये राज्यकर्ताओं में इसने कुछ निरियम्ता और भूठी सच्ची व्यवस्था की मान देखी.

इतिहास यह जरूर कहता है जिस प्रकार के विश्वित्र परिवर्शन के उस को पहचान कर देश को मार्ग दिसाने की बड़ी किन्सेदारी राजा राम मोदन राय ने पूरी की. किस भी टैगोर के शब्दों में कहें तो—

धापनी प्रतिमा और अडिग जारमबढ़ के कारन क्यूंनि बह समस्र किया कि हमारी राष्ट्रशास्मा को अपने विकास के क्रिके खूर्जनारमक पुक्शार्थ हुक करने की कौरन प्रसरत है. इस सदी के वह महान प्रवादक्ष के क्यूंनि इसारी

Walt '54

(424)

"Ed

मुखाद 'छत

बाँद हुएक को खरीक करने कर बाह्यक तरीका काम में केते हैं. इस तरह तीम बरस के मीतर कमीवारों ने विकामी में बांटने के लिये 30 बाख एक से क्यावा कमीन वान में वी है. सन 1957 तक मारत के खारे वेकमीम किसानों में मुक्त बांटने के लिये काफी कमीन मार करने की कौर इस तरह खेती के मैदान में पूर्व किसक तरीकों से कान्ति करने की वाचा रक्की जाती है. अब यह काम हो बायेगा तब बावा है कि क्यावार कोर किसान साम काम करेंगे और वनमें से हर एक अपनी नुद्धि और अधिन का वपयोग सब के मने की जागे बढ़ाने में करेगा.

इससे क्यादा इस संशन्ध में जापसे कहने का मेरे पास समय नहीं है. लेकिन आप देख सकते हैं कि गांधी जी के नेवल्य में भारती शान्ति जोन्दोबन सिर्फ यद और नाइम्साकी की निन्दा करने से खागे बढा है और इसने संपर्श के बारे कारनों का जब से धन्स करते के विवे व्यक्ति और समाज के जीवन में भूतने की कोशिश की है. इस तरह गांधी जी ने शान्ति के लिये भारत की शोध की एक चडम दिशा प्रदान की है. मैं चाशा करता है कि यहां इकट्टे होने वाले हम लोग इस महान आन्दोलन का अध्यन करेंगे जो गांधी जी ने ग्ररू किया है क्योंकि हमें कारता है कि मानव सम्बन्धों में रहे धारे संघर्ष को दर करने के क्षिये ऐसे चौतरका जयब हुए बिना युद्ध की निन्दा करने बाली परिशार्वे भरने से कक नहीं होगा. जब तक व्यक्तिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक जीवन से अहिया कम नहीं, तर तक अन्तर्राष्ट्री शान्ति की षाद्या रक्तना वेदार है. यही गांधी जी की खास देन है और सारत में कहिंसा भीर शान्ति के विये जो कान हो रहा है उसमें से यही सन्देश में आप के पास साया है.

ا إس سے زیادہ اِس سمیدہ میں آپ سے کیلے کا مهرم ياس من نبين ۾ ، لهكن آپ ديكو سكتر هون که الدهی جی کے نیارتو میں بہارتی شاناتی آندولی صيِّف يده اور ناانصافي کي تقدا کرتے سے آگے يوها هے۔ اور أس کے سلکورش کے سارے کارنین کا جو سے انت کرنے کے لهائد ریکھی اور سان کے جمون میں کیسلے کی توقی کی ہے ۔ اِسَ طرح آندھی جی کے شابعی کے لوآنے بہارت كيّ هوده كي ايك اهم دها يردان كي هي . مهن أها كرنا هوں که يهاں اِکله هونے والے هم لوگ اِس مهابي أندولن کا اددههن کریلگے جو گاندهی جی لے غروع کیا ہے ۔ کهزنکه هدون لکتا هے که مانو سیملدون میں رہے سارے سڈ عرش کو دور کرنے کے لیکے ایسے چوطرف پرتھی ہوگی بقا بده کی نادا کرتے والی پریشدیں بھرتے سے کچھ ٹھوں هوا ، جب تک ویکلک ساماچک راجنیتک اور ادمک جهرور سے اعلما کے تم عوا اتب تک انٹر راغٹری غالعی کی آها رکهنا پهکار هے ، يہى کاندهى جي کي خاص دين ھے' اور بھارت میں اھفسا آور شانعی کے لیکے جو کام ھو رها ہے اُسدوں یہ یہی سلدیش میں آپ کے پاس لیا

मुख नद सद जब मुद्ध को काकी गासियां दे पुके तब मुद्ध इंसते हुए बोले—

"मह ! यह तो बताबो, यदि कोई सता दान करे और मिकारी न से तो वह बस्तु किया के पास रहेगी ?"

- "बाता के पास."

"देवी बात है तो जो हुए गावियां सुने हे रहे हो. हैं वहीं केम पाहता." کچھ نیک کھٹ جب بدھ کو کائی گلھاں دے چکے نب بدھ ملسچے موٹے بولے۔۔۔۔

'' بہدر! یہ تو بعاو' یدی کوئی داتا دارہ کرے اور بہکری نہ لے تو رہ رستو کسس کے پاس رہے کی ؟'' '' داتا کے پاس ''

ود ایسی بات ها توجو تم کلیان معهد هدارها هوا مین نیمی لیفا جامعا ۳۰ ज्य रास्ट्र क्यास, रवव, जूट बरीरा श्रेसे कर्क बास, कीवता और पेट्रीस जैसे इंघनों, सेनिज प्राथीं, जुद्ध में काम काने वाले दूसरे प्राथीं और वाजारों के सिने कापस में कीना मपटी मचाते हैं और बहते मगदते हैं. इसी सिने दुनिया में युद्ध होते हैं. इस तरह जिस युद्ध और सामान्यवाद का जन्म होता है, उनका कन्त सिर्फ प्रस्ताव पास करने से नहीं हो सकता.

गांची जी ने चरके के लिये जो चान्दोलन किया वह बनकी इस इच्छा का प्रतीक या कि चार्थिक मैदान से कुद्ध चौर साजाक्यवाद के कारनों का चन्त किया जाये चौर विकेन्द्रित, स्वाचलम्बी ढंग पर गांव का चार्थिक ढांचा सबा किया. जाये, जिसका मक्रसद स्थानी करूर याता से दूर के बाजारों के लिये नहीं, बिक स्थानी जरूरत पूरी करने के लिये उत्पादन करना हो. जब तक शांतिवादी सोग युद्ध चौर साजाव्यवाद के इस बिक्कुल साफ कारन की चयेचा करेंगे और बेजमल बन कर बड़े पैमाने के ख्यादन के सामने मुकते रहेंगे, तब तक मने वह युद्ध चौर कमजोर देशों के दमन चौर शोशन के खिलाफ प्रचार करते रहें उसका काई नतीजा नहीं होगा. बलटे उनका प्रचार इन बुराहवों को बढ़ाने में ही मदद करेगा. इसी लिये गांधी जी ने चरेस धन्यों चौर प्रामोद्योगों का खान्दोसन किया जा.

इतना ही नहीं, उद्योगीकरन का मतलब है सुद्धी भर लोगों के हाथ में सत्ता का केन्द्रीकरन और जनता के बहुत बड़े भाग को लाखार और वेबस बनाना. गांधी जी को इस बात का ढर था, क्योंकि कुछ लोगों के हाथ में सत्ता का पैसा केन्द्रीकरन राजामी, शोशन और लड़ाई मगड़े को ही जन्म दे सकता है. इसिखये उन्होंने मारत से आधह पुर्वक कहा कि सगर वह शान्तिपूर्न और अहिंसक बनना बाहता है तो उसे विकेन्द्रित उंग से गरेत प्रन्थों के बारिये दरपादन करना बाहिये जिसमें व्यक्ति अपने स्थोग धन्ये खुद या पड़ोसियों के सहयोग से बजाना सीखता है.

(ii) खेती

शाम्तिवारी को यह देखना चाहिये कि मजदूर को उसके जीखार जीन कर गुजाम न बनाया आये क्योंकि उसका महीजा देर सबेर शोशन चौर सड़ाई मानके में ही निकलेगा. वहाइरन के लिये जमीन जब जोतने वाले किसान के हाथ में नहीं होती, तब यही होता है. इसलिये गांधी जी के महने के बाद से शाम्ति चान्दोक्षन में आग लेने वाले उनके बेले जमीदारों से जमीन ले कर कारतकारों को देने के काम में लगे हुए हैं. उसका तरीका जबरन चमीन जीव से के का विसक तरीका नहीं है, वह जमीदारों की दुदि

عنى وافقر الهامي ربوا جرها وهوره جهس المهارة المال المؤلفة الرابع المهاري المؤلفة الم

الندهی جی نے چرخیہ کے لیئے جو آندولی کیا وہ انکی اِس اُچھا کا پرتیک تھا کہ آرتیک میدان سے بیٹھ اور ساسواجھٹواد کے کارنیں کا آنت کیا جائے اور وکھٹدرہا سواولمیں۔ قملگ پر گاوں کا آرتیک قمانچے کورا کیا جائے سواولمیں۔ قملگ پر گاوں کا آرتیک قمانچے کورا کیا جائے نہیں کیا سقصد استھائی فتوے سال سے خور کے بازاروں کے لیئے اُتھادی ڈرا ھو، جب تک شانتی وادی لوگ بدہ اور ساسواجھٹواٹ کے اِس بالکل ساف کاری کی ایمکھا کریں اُنے اُور بیصل کے اِس بالکل ساف کاری کی ایمکھا کریں اُنے اور بیصل بیکٹر ہونے پیمانے کے اتھادی کے سامنے جوکھے رھوں اُن کیا تھا اور کمؤرر دیشوں کے خاص اور شوشن کے خات پرجھار کرتے رھوں اُسکا کوئی تعیجہ فیص ہوگا ۔ اُنے اُنکا پرجھار اُن پرانیوں کو بوھائے میں ھی مدد کریکا۔ اِسی نہیئے گاندھی جی نے گھریئو دھادھوں اور گراسودیوگوں اُسکا نوائی کیا آندولی کیا تھا ،

(ii) كېيعى

देश कियों है उसमें उन्होंने बसाबा है कि एक व्यक्तिक आदमी व्यक्तिक सावनों के वारिये राजनीतिक दमन का विरोध कैसे कर सकता है.

क्ष्युंनि विकेल्य्रित राजनीतिक व्यवस्था की मी दियाचत की बी, जिसमें सत्ता मुद्ठी भर सोगों के डाब में नहीं रहती. आज इस कोकशाही या कोगोंके राज की बात तो कहते हैं, लेकिन राज्य में सत्ता का केन्द्रीकरन जितना चाज होता है, उतना पहले कभी नहीं हुआ था. जान राज्य इसारे स्थान पान, मकानों, अवागों, सेती, ब्सापार बानिक्य, यात्रा, पैसे, आने आने के सामनी -सच पूजा जाय तो हमारे रोज के जीवन पर असर डाखने वाली हर बीज पर-कन्ट्रोल रखता है इस स्थिति का सब से बुरा पहल यह है कि जब सत्ता कुछ शक्तिशासी सीगों या शासन करने बाले कमगिनत हाथ में केन्द्रित हो जाती है तब जोगों को शासकों की सत्ता की प्यास पूरी करने के लिए वेजवान जानवरों की तरह युद्ध में डकेला जाता है. लोग अपने लिए खुद सोचने के आदी न होने के कारन राज्य के खिलाफ सबे नहीं हो सकते. इसलिए शासक क्ट बासानी से सेना में भर्ती कर क्षेते हैं और दूसरे राख्ड से बड़ाते हैं.

इसलिये गांची जी मानते ये कि बाज के ऐसे सत्ता-धारी राज्य का अन्त करने का प्रकात इसाज यह है कि सच्ची लोकशाही या लोकराज की स्थापना की जाये, जो अपने कामकाज की खुद ज्यवस्था करने वाले गांवों जैसे क्रोटे समूहों में ही मुमकिन हो सकता है, इन गांव प्रजातंत्रों की बुनियाद पर ही वह राश्ट्र का राजनीतिक जीवन कादा करने की बाशा रखते थे, जिसमें रचा और बिदेशी मामकों जैसे विश्वां की ही केन्द्रित ज्यवस्था होनी चाहिये.

गांधी जी की इस सीख में भी बाज के शांतिवादी के खिये विचार का काफी मसाला है. केवल ऐसी राज-गीतिक व्यवस्था में ही लोग अपना शासन खुद कर सकते हैं और तभी वह इतने मखबूत बनेंगे कि अपनी मरजी के शिकाण युद्ध में पसीटे जाने का इट कर विरोध कर सकें.

आर्थिक जीवन में (i) उद्योग-धार्थे

इसमें कोई सक नहीं कि बाज दुनिया के राष्ट्रों के बीच जो क्यमक्या भीर तनातनी चली बा रही है, उसका काफी बढ़ा कारन करने नात की भीर वाकारों की सोत है. जब क्यावन कोटे पैमाने पर होता है, तो स्थानीय करने बाह्य और बाकारों से काम चल जाता है भीर सहाई अपने और बाका का कारन नहीं रहता. लेकिन जब क्यावन की दैमाने पर होता है, जैसा कि क्योगीकरन में होता है,

فیق تبلی کے آسنوں آئورں نے بتایا ہے کہ ایک افلسک آئمی آغلسک سامعلوں کے قریمے واجلیکک دمنی کا ورودہ کیسے کر منکتا ہے ۔

أنهون ل وكهقدوها واجتهاعك اوستها كي يهي همايت لی تھی؛ جس میں ستتا مٹھی پور لوٹوں کے ھاتھ میں نہوں رمعی ، أي مم لوك هامي يا لواوں كے والے كي بات تو لیاتم هیں' لیکن راے میں ستعا کا کیندریکرن جعنا أي هونا هـ الله بهلم المهى فهمل هوا تها . أي راجهه هماري كهان يان مكانين أدديوكس دمهتي وياهار بالتجيدة بالراء بيسه أل جال ك سادعتور--سم يوجها جائے تو همارے روز کے جدوں پر اثر قالتے والی هر جین پرسکلگرول رکھا ہے . اس استبعی کا سب سے ہوا پہلو يه هـ كه جب ستتا كنهه هكتي قالي لوگين يا هاسي قرل وألى كركلمك هاله مهل كيقدرت هو جالي هـ تب لوگیں کو شاسکوں کی سکتا کی پھاس پوری کرنے کے لیکے به زبان جانورول کی طرح یده میں قعیدا جانا ہے۔ لوگ ابھے لیکے عاود سوچلے کے عادمی ند عولے کے کاری واجعت £ شاعب فهوي نهين هو سكاي ، أس لهائد شاسك أنهين السانی سے سیدا میں بہرتی کو لیکے میں اور دوسرے راهنار سے لواتے میں ۔

اسلیکے کاندھی جی مانتے تھے کہ آپ کے ایسے ستھا فیفاوی واجھہ کا است کرنے کا ایک ماتر علاج یہ ہے کہ ستھی ٹرک گاھی یا لوک رائے کی استھایٹا کی جائے اور اپنے کی خود ویوستھا کرنے والے گاوں جیسے جھوٹے سموھوں میں ھی ممکن ھوسکتا ہے ۔ اِن گاوں پرجائٹھک مرواللگروں کی بلیاد پر ھی وہ راشتر کا راہلیتک جھوں دیوا کرنے کی آغا وکیتے تھے جس میں رکھا اور ویوستھا معاملوں جیسے وہوں کی ھی کیلدرس ویوستھا معاملوں جیسے وہوں کی ھی کیلدرس ویوستھا ھیئے ۔

آئندہی جی کی اِس سیکی میں بھی آج کے شاتعی وآمی کرلیگہ وجارکا کائی مسالہ ہے۔ کیول ایسی واجلیدک ویوسکیا میں ھی لوگ اپنا شاسی خود کرسکتے ھیں اور تبھی وہ اتلے مضبوط بلیکے که اپنی موفی کے خلاف بدء میں کیسیٹے جانے کا قائل ورودھ کرسکیں۔

3—أربوك جوري مون (i) اددورك دعنده

اسمیں کوئی شک نہیں که آج دنیا کے راعدوں کے اسک کالی جو کھمکس اور تلاقی جلی آ رھی ہے' اسک کالی ہوا کروں کے بور کوئی دیا اس کی اور بازاروں کی کہوچ ہے . جب بھائیں جوہرٹے بیمائے پر ھونا ہے' تو استیانیہ دیے مال ہو بازاروں سے کام جانا ہے اور نوائی جمکوے اور بازاروں سے کام جانا ہے اور نوائی جمکوے اور بھائیں ہوتے ہے' بیمان جب اتباض ہوتے ہے' بیمان کہ اددیرکھکروں میں ھوتا ہے'

की स्थापना और प्रचार किया गया. भारत में प्रतिविक के जीवन में कहिंसा का प्रयोग करने और दुख का जातुमव कर सकने वाले प्रानियों को करट न पहुंचाने या उनकी हत्या न करने की सीख देने की दिशा में यह पहला चमली करम था. गांधी जी वेशक शाकाहारी थे और भारत के इस लीगों को यह देखकर थोड़ा ताज्जुव होता है कि यहां इकट्टे होने वाले हम में से बहुत से लोगों ने, जो शांतिवाद में विश्वास रखते हैं, अभी तक भोजन के बारे में अहिंसा का पहला चमली प्रयोग भी शुरू नहीं किया है. हमें कगता है कि जब तक हम रोजाना जिन्दगी में—भोजन में भी— आहिंसा की शुरूआत नहीं करने, तब तक पव्तिक जीवन में उसे दाखिल करना बहुत कठिन है.

(ii) जो श्राहंसा का पालन कर उसमें भारतीय विचार के अनुसार खुद पर मरोसा करने का या आरम त्याग का भी बड़ा शुन होना ही चाहिये. भोगी मनुरय वह है जो अपने ही सुख और आनन्द की चिन्ता करता है, ऐसा मनुरय लाजिमी तौर पर दूसरों के संघर्श में आता है. लेकिन जो मनुरय अपने आप पर संयम रख सकता है, वह दूसरों के साथ होने वाले मनाड़े से अपने को बवा सकता है, उसकी जरूरतें थोड़ी और सादी होती हैं और जब उसे पता चलता है कि उन जरूरतों की पूर्ति में दूसरों से खसका मगड़ा होता है, तब वह उनके लिये कोशिश करना औड़ सकता है. इसलिए ऐसी हर चीज से, जो मनुरय को अपनी इच्छा पर चलने वाला और भोग विलास का दास बनाती है—जैसे शराब या बनावटी साथनों के आरिये बेरोक होक भोग—इन से बचना चाहिये.

भारत में सिद्यों से जो सिखाया गया है और गांधी जी ने जिसे बार बार दोहराया है जातम संयम का यह पाठ जभी हममें से बहुतेरे लोगों को सीखना बाक़ी है 'जो तरह तरह के माज असबाब, यन दोजत बरोरा परिमह से अपने को थिरा रखना चाहते हैं और ज़रुरतें बढ़ाने में विश्वास रखते हैं. परिमह का यह कभी न शान्त होने बाजा जोभ और स्वेच्छाचार संघर्श और हिंसा को जन्म देने के सिंबा और कुछ कर ही नहीं सकते. इसलिए शांति और अहिंसा के प्रेमी के लिए गांधो जी ने अपने बुखुगों की परम्परा के अनुसार अंचे से अंचे कज़के रूप में संचेप में यह बता दिया है कि जीवन के हर मैदान में—खान पान, विश्वय भीग बरौरा हर बात में—अझवर्य या कठोर आहम संयम का पालन किया जाये.

2. राजकाजी जीवन में

सड़ाई मगड़े और युद्ध का एक कारन है लोगों के एक इस के जरिये दूसरे इस को दवाना. जैसा कि आप सब कामर्स हैं, इस सम्बन्ध में हमें गांधी जी की लो बड़ी کی استهایتا اور پرجاز کها گیا۔ بہارت میں پرتی میں کے جھوں میں اعلاما کاربوک کرتے اور دکھت کو کرسکتے والے پرانیس کو کشک نے بہونچائے یا آن کی متها نہ کرتے کی سهکه دیئے کی دھا میں یہ بہلا عملی قدم تها۔ گاندهی جی بے شک شانا ماری تھے اور بہارت کے هم لوگوں کو یہ دیکھکر تھوڑا تعجب ہوتا ہے کہ یہاں اِنٹیے ہوئے والے مم میں سے بہدت سے لوگوں نے جو شانتی واد میں وشواس رکھتے ہیں ایمی تک بہرجس کے بارے میں اعلما کا بہلا عملی پربوگ بھی شروع نیوں کیا ہے ، همیں لگتا ہی کہ جب تک هر روزانہ زندگی میں ۔۔۔بہوجی میں بھی سے اعلما کی شروعات نہیں کرتے کہ تب تک پہلک جھوں میں آسے داخل کرنا بہت نگھی ہے .

(11) جو اهلسا کا پائن کرے اسمیں بھارتھہ وجاد کے انوساد شود پر بھروسہ کرنے کا یا آئم تھاک کابھی ہوا گئی ھونا غلی جامھگہ ، بھوگی سقشہ وہ ہے جو آھے ھی سکھ اور آنفٹ کی جھٹنا کرتا ہے ایسا سقشہ الارسی طور پر دوسروں کے سلکھرش میں آتا ہے ، لھکن جو مقشمہ آئے آپ پر ساتھ مونے والے جھگڑے ساتھ کو بھیا سکتا ہے اسکی ضرورتیں تورسی اور سادی سے آپ کو بھیا سکتا ہے اسکی ضرورتیں تورسی اور سادی کی پورٹی میں دوسروں سے آسکا جھکڑا ھوتا ہے کہ آب وہ کی پورٹی میں دوسروں سے آسکا جھکڑا ھوتا ہے کہ آبسی ھر پورٹی میں دوسروں سے آسکا جھکڑا ھوتا ہے کہ ایسی ھر پورٹی میں دوسروں سے آسکا جھکڑا ھوتا ہے کہ ایسی ھر پورٹی میں دوسروں سے آسکا جھکڑا ھوتا ہے کہ ایسی ھر چھڑ ہے ' جو سقیمہ کو ایلی اِجہا پر جانے والا اور بھوگ والی ایس بھاتی ہے۔ ساتھ سے ساتھ ساتی سے بھوٹی سادھلوں کے قریمے بے روگ ٹوک بھوگ ساتی سے بھوٹا۔

بھارت مھی صدیوں سے جو سکھایا گیا ہے اور الدھی جی نے جسے بار یار دوھرایا ہے آئم سلمم کا یہ پائیہ ابھی عم مھی سے بھتھرے لوگوں کو سھکھا یاتی ہے، جو ہارے طوح نے سال اُسھانیا مھی دولت وفھرہ پریکارہ سے اپنے کو کھرا وفھانے میں وھواس کھرا وفھانے میں وھواس وکھتے ھیں ، پریکرہ کا یہ کمھی نہ شانت عولے والا لوبھ اور سویجھا جار ستکھرھی لور مقسا کو جام دیارے سوا اور کھھا کے بھر می نہیں سکتے ، اُس لیکے شانتی اور اعلسا کے پریمی کے لیملے گاندھی جی نے اپنے بورگوں کی پرمھرا نے پریمی کے لیملے گاندھی جی نے اپنے بورگوں کی پرمھرا نے انسار لونجے سے اونجے فرش کے ورب میں سانچھیں بان انسار لونجے سے اونجے فرش کے ورب میں سانچھیں بان میں سانچھیں بان گھرور آئمسلم میں ہے بتا دیا ہے کہ جھران کھر میدان میں سانچھیں بان کھر کی بھی بھی ہوگ وہری کھر میدان میں سانچھیں بان کھر کھی بھی جانے ،

2-راجاجي جهبن ميں

لوائی جمکون اور بدہ کا ایک کاری ہے لوگوں کے ایک ماری ہے فریعے فوسرے دل کو دہانا، جہانا کا آپ سبجانعے میں گئی سیفندہ میں عدی کا تحقی جی کی جو ہوں

मारत में शान्ति के जिये जान्दोजन

(डाक्टर यारतम कुमारव्या)

[इस साम मजैता महीने में दुनिया भर के पैसिकिस्ट जापान में जमा हुए थे. डाक्टर कुमारपा भारत के जुमाइन्दे के रूप में वहां गए थे. उनके भारान को इस 'हरिजन' से नक्षल करके पाठकों के सामने पेश कर रहे हैं—एडीटर,]

8 98 98

दस में से क्यावातर खोगों को ऐसा लगता है कि शान्ति आन्तों को हाल में ही जन्म हुआ है. लेकिन आरत में शान्ति और अहिंसा का आन्दोजन लगभग दो इक्षार बरस पहले ग्रुरू हुआ था। हमारे देश के अच्छे से अच्छे ऋशि मुनियों, पैग्रन्वरों और साधु संतों की पीढ़ियों ने उसके पीछे अपना गम्भीर विचार और शक्ति लगाई है. इसिलये दस मिनिट के समय में मारत के इस आन्दोलन के बारे में कुछ कहने की कोशिश करना वड़ा कठिन है. गांधी जी ने शान्ति के लिये भारत की इस आंज को और आगे बहाया और उसका विकास किया। यहां मुने शांति के लिये गांधी जी ने जो काम किया उसके इस दुनियादी उस्तों की चर्चा तक ही क्यादातर सीमित रहना पदेगा।

गांधी जी के नेतृत्व में भारत में जो शान्ति धान्होतन हुआ, वह सिर्फ युद्ध का विरोध करने और मार काट के भयंकर हिंग्यारों की निन्दा करने से कहीं आगे बढ़ा हुआ था. लड़ाई से नफरत शान्ति की खोज में केवल पहला क्रम है. इस परिश्रद्द में मैंने जो भाशन सुने हैं, डबसे युक्ते वह सगता रहा है कि गांधी जी ने शांति के मकसद की आगे बढ़ाने में जो भारी मवद पहुंचाई है, उसे हम में के बहत से अभी तक भी शायद नहीं समझ पाये हैं.

भाषी जी जानते थे कि केवता युद्ध की निन्दा करने से ही बुद्ध बन्द नहीं होंगे. हमें युद्ध के कारनों का जब से स्रोत करना चाहिये. यह कारन क्या हैं।

1. व्यक्ति के जीवन में

(1) मानव मावना की कठोरताः—मगवान बुद्ध के समय से बानी 2500 वरस से भी क्यावा करसे से भारत में बूबे कि किसी को करट न पहुंचाया करते. के किस सोगों को रोज रोज के जीवन में कहिंसा का क्यावा करते की कावत होती. इसकिये मारत में शाकहारवार

بھارت میں شانتی کے لیٹے آندولی

(داکار بهارتی کماریها)

[اس سال ایدیل مہیئے میں دنیا بھر کے پیسیفست جایاں میں جمع ھوئے تھے ۔ قائٹر کماریہا بھارت کے نمائندہ کے روپ میں وہاں گئے تھے ۔ اُس کے بماشی کو ہم ' ہربجی ' سے نقل کو کے پاٹھکوں کے سامتے پیش کر رہے ہیں۔۔۔ایدیتر ،]

* * * *

هم مهوں سے زیادہ تو لوگوں کو آیسا لگتا ہے کہ ہاتھی آندولئوں کا حال مهی علی جثم ہوا ہے ۔ لهکی بهارت مهی شاتھی اور اعلسا کا آندولی لگ بهگ دو عوار بوس بہلے شورع ہوا تھا ، همارے دیش کے اچھے سے اچھے رشی مشهور اور سادهوستوں کی بهوههوں نے اس کے بهجھے اپنا لمجههور وچار اور شکتی لگائی ہے ، اس لهگے دیس ملت کے سمی مهیں بهارت کے اس آندولی کے بارے مهیں کتھے کہتے کی کوشش کرنا ہوا نگهی ہے ، گاندھی جی آبو اسکا وکاس کہا ، یہاں مجھے شانتی کے لیگے گاندھی جی جی جی کے جو کو اور آگے بوهایا اور آسکا وکاس کہا ، یہاں مجھے شانتی کے لیگے گاندھی جی جی جی نہادی گرید گاندھی جی جی نہادی گریدی کی جو کا کہا کہا کہا ہیں دیدی قدولوں کی جو جا

اندھی جی کے تیکرتو میں بہارت میں جو شائعی آندولن موا وہ صرف یدھ کا ورودھ کرتے اور مارکات کے بہیشکر معماروں کی فندا کرتے سے کہیں آئے بوما ہوا تھا ، لوالی سے نفرت شانعی کی فورج میں کیول پہلا قدم ہے ، اس پیشد میں میں نے جو بہائی سنے میں ' اُن سے مجھے یہ لکتا رما ہے کہ گاندھی جی لے شانعی کے مقصد کو آئے بومائے میں جو بہاری مدد پہرنجائی ہے ' اُسے هم میں سے بہت سے ابھی تک بھی شاید نہیں سمجھ یائے میں ، گاندھی جی جانعے تھے کہ کیول یدھ کی نفدا کرتے ہی ہی یدھ کی ندا کرتے ہی ہی یدھ کے کارنوں کا جو سے انہی کرتا جامیں ہونے ، ہمیں یدھ کے کارنوں کا جو سے انہیں کرتا جامیئے ، یہ کارن کیا میں آ

ا -رایمدی کے حدوں موں

(1) مانو بھارتا کی کالیورتا :--بھاکوان بدھ کے سے یے بعدی 2500 برس سے بھی زیادہ مرسے سے بھارت میں ہمیں سکھایا گیا ہے کہ کسی کو کشت نہ پہرتھایا جائے ۔ الیکن لوگیں کو روز روز کے جھون میں اعلما کا ویوفار کرتے کی عادت ڈائے بقا آیسی شکھا آبے آپ میں بھار واد بھار فادی میں گاعار واد

रैन सोहानी नील गगन पर तार्री की दीवाकी कितयां चिटकें खुशयू फैले भूले डाली डाली सोना उगले भूला भूले खेतों की हरयाती परचम लोल दे को मुर्क इन्सान, समय पहचान, तराने घोता दे

ත්ත

जैग हुई सो मच जाएगी घर घर हाहाकार दूद दूद कर रह जाएंगे मन बीना के तार शोर में खो कर रह जाएगी पायल की मंकार परचम खोल दे यो मूर्ज इन्सान, समय पहचान, तराने घोल दे

串

नगरी नगरी जूट मचेगी चब होगी बमबारी गसी गली खाजाद पितेगी, मौत, भूक, बेकारी जस जाएंगे चाँद खितारे, खेत, चमन, फुतबारी प्रचम खोल दे खो मूर्ख इन्दान, समय पहचान, तराने बोस दे

8

हो जाएंगे झाशाओं के शीशमहत्त बीरान संगीनों की नोक पै तौले जाएंगे इन्सान दूट गिरेंगे मन्दिर मस्जिद चुप होगा भगवान परचम स्रोत दे भो मूर्ल इन्सान, समय पहचान, तराने घोल दे

\$8

बोल, कि इस संसार में अब जंग न होने देंगे

सोग में मुन्दर कालों के ममता की न रोने देंगे घरती के सीने में जंग के बीज न बोने देंगे परचम स्रोत दें चो मूर्स इन्सान, समय पहचान, तराने बीख दे

وی سیقی نیل گلی پر تارین کی دیران کی دیران کی دیران کی دیران کاری کلیان پر تارین کی دیران کی دیران کی سرنا آگلی جمول جورل کیمکرن کی هریالی پرچم کیول دیم اوران دیم او مروکه انسان سم پرچهای ترال کیول دیم

جھک ھوئی تو میے جائیکی گھر گھر ھاھاکار ٹوٹ ٹرٹ کر رہ جائیں کے میں بھلا کے تار گور میں کور کر رہ جائے کی پایل کی جھلکار پرچم کورل ہے او مورکہ انسانی' سیے بہنچان' ٹرائے گورل دے

نگری نگری لوگ مجھے کی جب ھوگی ہمہاری گلی کلی آزاد ہمرے کی موسا ہمرک نے آری جل جائیں جائے کہ کا جائے ہماری جل جائے کہ مسائے میں پہلواری ہوگاں دے اور مرد کا انسان سے پہنچاں توالے کہول دے اور سورک انسان سے پہنچاں توالے کہول دے

-0-

ھو جائیں کے آغاوں کے شیھی محصل ویران ۔
سلکھلوں کی نوک پر تولے جائیں کے انسان
ٹوٹ گریں کے مقدر مستجد جنب ہوگا بھکوان
پرچم کیول دے
او میرکی انسان اسے پہنچان کرائے گورل دے

88

ہول' که هم حقصار مهراب جنگانه هو لدینکے سیگ میں سفور الیں کے منکا کو نه رولدینکے دھوتی کے دھوتی کے سیلے میں جنگ کے بیجے نه بولددینکی پرچم کہول دے او مووکھ انھاں' سے پہنچاں' ترانے کھول دے او مووکھ انھاں' سے پہنچاں' ترانے کھول دے

Great 17

जुलाई सन '54

नम्बर् 1

نسبر 1

جو**ل**لى سى 54¹

جاد 17

जात जारमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'क्या हिन्दु' पहुंचेगा घर-घर लिये प्रेम की मोली. جان آدمي' پريم دهرم هـ' هندستاني بولی' 'نها هند' پينچ لا نهر نهر ليّه پريم کي جهولي.

परचम लोल दे 🗥

(ख्वैर रिजवी)

34971

پرچم کھول دے

(زيهر رضوي)

परचम खोज दें भो मूर्ख इन्सान, समय पहचान, तराने घोल दे जंग न होने पाए, फिजा में नीजा परचम खोल दे

पूरव की जानिव से बढ़ा है खून का एक व्योपारी जग में बारों ओर है उसके नाम से एक वेजारी

जाग करा हुरयार बगरना घाष पहेंगे कारी परचम स्रोल दे

को मूर्ख इन्सान, समय पहचान, तराने घोत दे

तेरे देस, तेरी घरती पर पैर न रखने पाप बातों, खेतों, खलयानों में घाग न लगने पाप शोलों की आगोश में तेरा नाज न जलने पाप परचम स्रोल दे

ओ मूर्ज इन्सान, समय पहचान, तराने घोल दे

तेरे देस, यों ही सहराएं रंग विरंगे आंचल ग्रागर मर भर लाएं यूं ही यह काले काले बादल विन्द्या चमके तैन कटोरों में मुसकाए काजल

परचम कोल दे को मूर्ज इन्सान, समय पहचान, तराने घोस है ھرچم کھول دے او مورکھ انسان' سنے پہنچان' ترانے گھول دے جلگ نہ ہونے پائے' فضا میںنبلا پرچم کوراردے

پورپ کی جانب سے بوھا ہے خون کا اِک بھویا می جگ میں جاروں اور ہے اسکے نام سے اک بھزاری جاک ذرا ھوشھار وگرت کھاؤ پویں کے کاری پرچم کھول دے

او صورکہ انسان' سمے پہنچان' ترانے گھول دے

تھرے دیس' تھری دعرتی پر پھر نہ رکھتے ہائے ہافوں' کھھٹرں' کھلھائوں میں آگ تع نکتے ہائے شملرں کی آفرش میں تھرا ناج نہ جلتے ہائے

برجام کاول دے او صورکہ افسان' سعے پہنچان' ترانے کوول دے

> تھدے دیس' یونہی لہرائیں رنگ ہرنگے آنچل گگر جھر بھر لائیں یونہی یہ کالے کالے بادل بندیا چمکے نین کٹررزں میں مسکانے کاجل

ہرجم کہول دے او مورکہ انسان میں پہنچان ترائے گہول دے

4

- 4

हिन्दु:स्तानी कलचर सासाइटी

هذرستاني كليجر سوسائتي

451

माहवारी परचा

ماهواری پرچا

जुलाई 1954 ुरी

क्या हिम्स	मका व	Kosku	ها فين سے
1 परचम स्वोल दे (कविता, जुबैर रिजवी	1	****	َ ۔ پرچم کھرل دے (کویٹا)۔۔زیھر رضوی
2 - भारत में शान्ति के निये बान्दोनन - डाक्टर		بارتق	يُستيهاونك مهر شانةي كے لهكے آندولئ،۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔
भारतन कुमारप्पा	3	***	كماريها
3—राजा राम मोहन राय से गांघी जीलेखक मगन			ا۔۔۔راجا رام مومن رائے سے گاندھی جی۔۔۔لیکھک
भाई देसाई: अनुवादक—कानुभाई नानालाल		يائى	مکن بهائی دیسائی؛ انووادک— ایو پ
पटेल	8	144	نادا لال يظيل
4 एक रात । कहानी)मुनीब रिजवी	Γ^{1}		 ایک رات (دیانی) منجهب رغوی
5लंखक और उसकी कलालेखक एलिया एहरन बर्ग;		.گ ؛	 الله که اور أسكم الله المركه کا ايلها العربي بـ
अनुवादकमुजीव रिजवी	26		الهمادفمنجهب وغمومي
6 पीकिंग में मेरी पहली ईद-लेखक मुख्तार ऋहमद;			ا سیهکانگ مون «هوی پهله ههاد اسلمکهک عد
श्रनुवादक−-मुनीव रिजवी	37		_
7-श्रन्तर राष्ट्रीय बदश्रमनी-उसके कारन श्रीर			الجودة الروادك سلمتعهب وهوي
इलाज—डाक्टर जे. सी. कुमारप्या	42	`	ابقر راشقایه بدامنیاس کے کاری اور عام
৪ कुञ्ज कितार्थे	49	•••	جے . سی . تعاو وپھا
9 हमारी राय	53	***	سسكمجه كعابهن
उनके मन की मौत-सुरेशराम भाई;			حاهماوي وأثيب
नीलों स्वेदी की फुलफड़ी — सुरेशराम आई; मी		ئى؛ نھلو	ان ہے من کی موجسریش رامبها
प्रदेशों का भावस्य—सुरंशरा म भाई .			کههوی د _ه پهل جهویسریص وامههائي؟
			يوديشين كا بهوشههسريض راميهائي ،

क्रीमत—हिन्दुस्तान में छै रुपया साल, बाहर दम रूपया साल, एक परचा— दस आने.

> मैनेजर 'नया हिन्द' १45, मुद्रीगंज, इलाहाबाद-3

متـــهندستان میں چه رویهه سال' باهر دے رویهه سال' ایک پرچه-دس آنے

مهلهنجر "نها هلد" 145" متهی کلم: المآباد-3

सुधार

जुलाई के श्रंक में सफटे एक से ग्रुरू होते हैं. लेकिन संबंदी से इस बार सफ़्तें का नम्बर नहीं बदला ना सका. पाठकों से निवेदन है कि 417 सफ़्तें को सफ़ह नम्बर एक सममा जाए. बार फ़रमें के बाद सजती सुधार ली गई है.

इस रालती के लिये हम पाठकों से चमा चाहते हैं.

- मैनंज

3

وروع میں منصل ہے ایک میں منصل ایک سے شاوع ایک میں انہوں بدا منصل ہے اس باد منصل کا نمید نہوں بدا منصل کا نمید نہوں بدا منصل کا نمید نہوں ہے منصل منصل کے منتصل منظم منظم منظم منظم کی گئی ہے۔ اور مرح کے بعد فلطی منظم منظم کی گئی ہے۔ اور مرح کے بعد فلطی منظم منظم کی گئی ہے۔ اور مرح کے بعد فلطی منظم منظم کی ترکیکوں ہے جہدا جامعہ منظم کی ترکیکوں ہے جہدا جامعہ منظم کے ترکیک ہے۔ اور مرح کے بعد فلطی کے ترکیک ہے میں انہوکیوں ہے جہدا جامعہ منظم کے ترکیک ہے۔ اور مرح کے بعد فلطی کے ترکیک ہے میں انہوکیوں ہے جہدا جامعہ منظم کے ترکیک ہیں منظم کے ترکیک ہے میں انہوکیوں ہے جب انہوکی کے ترکیک ہے میں انہوکی ہے کہ ترکیک ہے میں انہوکی ہے کہ ترکیک ہے میں انہوکی ہے کہ ترکیک ہے کہ

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

هذدستاني كليچر سوسائتم

和

माहवारी परचा

ماهواری پرچا

जुलाई 1954 हुए।

क्या किस स	HALL ASSES	الله الله الله الله الله الله الله الله
1 परचम खोल दे (कविता ,जुबैर रिजवी	1	1-يرچم کهول دے (کويدا)-زبهر رضوی
2 - भारत में शान्ति के नियं आन्दोलन - डाक्टर		2-بهارت مهر شائلي كے لهئے آندوان -قائلر بهارتن
भारतन कुमारत्या	3	الماريها
3 राजा राम मोहन राय से गांधी जीलेखक मगन		الإسراجا وام موهن وائم سے گاندھی جی۔۔
भाई देसाई; ऋनुवादककानुभाई नानालाल		أ مكن بهائي ديسائي؛ انبوادك- بابو بهائي
पटेल	8	ناما لال يعمل
4 एक रातः कहानी)मुनीब रिजवी	1 ³	4 – ارک رات (فهانی) منجهب رضوی
2लंखक और उसकी कलालंखक एतिया एहरन वर्ग;		5 ليكهك اور أحكى السليكهك ايلها اهرن برك
त्रनुवादकमुजीब रिजर्वा	26	ادو،ادب—منجهب وغروى
6पीकिंग में मेरी पहली ईद—लेखक मुख्तार ऋहमद;		، سيهكلگ مون مهري بها عهد إسليكيك مختار
श्चनुवादकमुनीव रिजवी	37	الميد؛ الدوادك منجهب رفعوى
ीं —श्रन्तर राष्ट्रोय बदश्चमनी —उसके कारन श्रीर		
इलाज—डाक्टर जे. सो. कुमारप्पा	42 ,33	7ابعر واشقاید بدامقیآس نے درن اور عقےقا
८ कुद्र कितावे	49	چے ، سی ، کمار ریھا
9-इमारी राय	53	8_كچه كتابهن
उनकं मन की मौन-सुरेशराम भाई;		9-هماري والب
नीलोस्टेडी की फुलभड़ी—सुरेशराम भाई; सी	ماو	ت ان نے من کی موجسریش رامههائی؛ نر
प्रदेशों का भविश्य—सुरंशराम भाई.		. ديهوي دي پيل جهووسريس راميهائي؛ سر-
		برديش الا بهرشههسريس رامبهائي .

र्कामत—हिन्दुस्तान में छै रूपया साल, बाहर दम रूपया साल, एक परचा— दस आने.

> मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद-3

ہمت۔۔ھندستان میں چه رویهه سال' باهر دی رویهه سال' ایک پرچه۔۔دس آنے

مهلهنجر "نها هند" 145" متهی کلیج الهآباد-3





व्हटिर-ताराचंद, भगवानदीन, सैयद महमूद, विश्वम्भर नाथ, सुन्दरहाह التيكر--تاراچندا بهكوان دين معمود بهمجهر ناتها سندرلال

نائب اقبدر سريعي رام بهائي' مجهب رضوي अवीव रिज़वी نائب اقبدر سريعي رام بهائي' مجهب رضوي

- परचम स्रोत दे (कविता) जुबैर रिजवी
- एक रात (कहानी)--मुजीब रिजवी
- ा प्रिका में मेरी पहली ईद-लेखक मुख्तार الهكيك مون موري يهلي مهال الهكيك مون موري الهكيك ऋहमद:
 - अन्तर राष्ट्रीय बद्यमनी--उसके कारन और --- کارن اور مایج--इलाज-डाक्टर जे. सी. कुमार्प्पा

हमारी राय

- उनके मन की मौज—सुरेशराम भाई
- नीलोखेड़ी की फुनमड़ी--सुरंशराम माई

- پرچم کھول دے (کوپٹا)۔۔۔زبھر رضوبی
- ایک رات (کهانی)---هجمب رضوی
- مختار أحدث
- قائقر جے ، سی ، کماریها

- ان کے میں کی موہ۔۔۔سریش رامبھائی
- نهاوکههوی کی پهل جهوی --سرياض رأم بهائی